

અધ્યયન બાઈબલ

अवलोकन

यह प्राचीन यूनानी ग्रंथों का एक सावधानीपूर्वक चयन है जिसका उद्देश्य यीशु की शिक्षाओं और उन लेखों को सर्वोत्तम रूप से प्रस्तुत करना है जिन्हें उन्होंने सिखाया, संदर्भित किया और पूर्ण किया। हमारा लक्ष्य आपको मूल यूनानी का यथासंभव सटीक प्रतिनिधित्व आधुनिक, पठनीय प्रारूप में प्रदान करना है।

अस्वीकरण

यह अनुवाद मूल ग्रीक सेप्टुआजेंट और बीजान्टिन ग्रंथों से बड़े भाषा मॉडलों के साथ बनाया गया था। इस कारण से इसमें मूल भाषा की संस्कृति और व्याकरण की कई कलाकृतियाँ हैं, लेकिन इसमें त्रुटियाँ भी हो सकती हैं। यदि कुछ अजीब लगता है, तो कृपया मूल ग्रीक की जाँच करें। यदि आपको कोई त्रुटि मिलती है, तो कृपया इसे jesusislord@joshuabible.com पर ईमेल करें।

लाइसेंसिंग

आपको इस अनुवाद को पूर्ण या आंशिक रूप से पुनरुत्पादित और वितरित करने की अनुमति है। आपको इसे संशोधित या बेचने की अनुमति नहीं है। यदि आपको कोई त्रुटि मिलती है, तो कृपया jesusislord@joshuabible.com पर एक ईमेल भेजें ताकि हम इसे सुधार सकें और आपको एक अद्यतन संस्करण प्रदान कर सकें।

उत्पत्ति

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 |
47 | 48 | 49 | 50

निर्गमन

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40

गिनती

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36

व्यवस्थाविवरण

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34

यहोशू

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24

न्यायियों

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21

रूत

1 | 2 | 3 | 4

1 शमूएल

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31

2 शमूएल

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24

भजन संहिता

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 |
47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 |

69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 |
110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 |
127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 |
144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151

1 राजा

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31

2 राजा

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25

यशायाह

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 |
47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66

होशे

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14

मीका

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7

योना

1 | 2 | 3 | 4

यिर्मयाह

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 |
47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52

दानियेल

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12

एज़्रा

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23

जकर्याह

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14

मलाकी

1 | 2 | 3 | 4

1 मक्काबियों

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16

मत्ती का सुसमाचार

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
25 | 26 | 27 | 28

मरकुस का सुसमाचार

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16

यूहन्ना का सुसमाचार

1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21

यूहन्ना का पत्र

1 | 2 | 3 | 4 | 5

उत्पत्ति

1

आरंभ में ईश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया। पर पृथ्वी अदृश्य और निराकार थी, और गहरे सागर के ऊपर अंधकार था, और परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मंडरा रहा था। और ईश्वर ने कहा, प्रकाश हो जाए, और प्रकाश हो गया। और परमेश्वर ने प्रकाश को देखा कि वह अच्छा है, और परमेश्वर ने प्रकाश और अंधकार के बीच अलग किया। और परमेश्वर ने प्रकाश को दिन बुलाया, और अंधकार को रात बुलाया। और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, दिन एक।

और ईश्वर ने कहा, जल के बीच में आकाश हो, और यह जल और जल के बीच विभाजन करे, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने आकाश को बनाया, और परमेश्वर ने उस जल को जो आकाश के नीचे था और उस जल को जो आकाश के ऊपर था, उनके बीच अलग किया। और परमेश्वर ने आकाशमंडल को स्वर्ग कहा, और परमेश्वर ने देखा कि यह सुंदर है, और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, दूसरा दिन।

और परमेश्वर ने कहा, आकाश के नीचे का जल एक स्थान में एकत्रित किया जाए, और सूखी भूमि दिखाई दे। और ऐसा ही हुआ, और आकाश के नीचे का जल उनके स्थानों में एकत्रित किया

गया, और सूखी भूमि दिखाई दी। और परमेश्वर ने सूखे को भूमि बुलाया, और जलों के संग्रहों को समुद्र बुलाया, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है। और परमेश्वर ने कहा, पृथ्वी वनस्पति उगाए, घास जो जाति के अनुसार और समानता के अनुसार बीज बोए, और फलदायी वृक्ष जो फल उत्पन्न करे, जिसका बीज उसमें हो, जाति के अनुसार पृथ्वी पर। और ऐसा ही हुआ। और भूमि ने घास का पौधा उत्पन्न किया, जो अपनी जाति और समानता के अनुसार बीज बोता है, और फलदायी वृक्ष जो फल उत्पन्न करता है, जिसका बीज उसमें अपनी जाति के अनुसार पृथ्वी पर है, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है। और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, तीसरा दिन।

और परमेश्वर ने कहा, स्वर्ग के आकाश में ज्योतियाँ उत्पन्न हों, जो पृथ्वी पर प्रकाश देने के लिए हों, दिन और रात के बीच अलगाव करने के लिए, और वे संकेतों के लिए, समयों के लिए, दिनों के लिए और वर्षों के लिए हों। और वे आकाश के अंतराल में प्रकाश के लिए हों, ताकि पृथ्वी पर प्रकाश दें, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने दो महान प्रकाशकों को बनाया, बड़े प्रकाशक को दिन के आरंभ के लिए, और छोटे प्रकाशक को रात के आरंभ के लिए, और तारों को। और परमेश्वर ने उनको आकाश के गुंबद में रखा, ताकि वे पृथ्वी पर प्रकाश दें। और दिन और रात पर शासन करना, और प्रकाश और अंधकार के बीच विभाजन करना, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था। और संध्या हुई और प्रातः हुआ, चौथा दिन।

और ईश्वर ने कहा, जल जीवित प्राणियों को रेंगने वाली चीजें उत्पन्न करे, और पक्षी पृथ्वी के ऊपर स्वर्ग के आकाश में उड़ें, और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने महान समुद्री जीव बनाए, और रेंगने वाली चीजों के सब पशुओं के प्राणों को जो जल ने उनके प्रकार के अनुसार निकाले, और सब पंख वाले पक्षियों को जाति के अनुसार, और परमेश्वर ने देखा कि अच्छा था। और परमेश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया और कहा, बढ़ो और गुणा करो, और समुद्रों में जल को भर दो, और पक्षी पृथ्वी पर बहुत हो जाएँ। और संध्या हुई, और प्रातः हुआ, यह पाँचवाँ दिन था।

और परमेश्वर ने कहा, भूमि जीवित आत्मा को जाति के अनुसार उत्पन्न करे—चौपाये, रेंगनेवाले

जीव, और पृथ्वी के जंगली पशु जाति के अनुसार। और ऐसा ही हुआ। और परमेश्वर ने पृथ्वी के जंगली जानवरों को उनकी जाति के अनुसार बनाया, और पशुओं को उनकी जाति के अनुसार, और पृथ्वी के सब रेंगने वाले जीवों को उनकी जाति के अनुसार बनाया, और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा था।

और परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार और अपनी समानता के अनुसार बनाएं, और वे समुद्र की मछलियों पर, और आकाश के पक्षियों पर, और पशुओं पर, और सारी पृथ्वी पर, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जीवों पर शासन करें। और परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया, परमेश्वर की छवि के अनुसार उसको बनाया, नर और मादा उनको बनाया। और ईश्वर ने उन्हें आशीर्वाद दिया, कहते हुए, बढ़ो और गुणा करो, और पृथ्वी को भर दो, और उस पर अधिकार करो, और समुद्र की मछलियों पर, और आकाश के पक्षियों पर, और सभी पशुओं पर, और सारी पृथ्वी पर, और सभी रेंगने वाले जीवों पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, शासन करो। और परमेश्वर ने कहा, देखो, मैंने तुम्हें सारी घास जो बीज बोती है दी है, जो सारी पृथ्वी के ऊपर है, और सभी पेड़ जो अपने में बीज का फल रखते हैं, यह तुम्हारे भोजन के लिए होगा। और पृथ्वी के सब जंगली जानवरों को, और आकाश के सब पक्षियों को, और पृथ्वी पर रेंगने वाली हर चीज़ को, जो अपने में जीवन की आत्मा रखती है, और सब हरी घास को भोजन के लिए, और ऐसा ही हुआ। और ईश्वर ने सब कुछ देखा, जितना उसने बनाया था, और देखो, बहुत अच्छा था, और शाम हुई, और सुबह हुई, छठा दिन।

2

और स्वर्ग और पृथ्वी पूर्ण किए गए, और उनका सम्पूर्ण संसार।

और परमेश्वर ने छठे दिन में अपने कार्यों को पूर्ण किया जो उसने किया, और सातवें दिन उसने

अपने सब कार्यों से विश्राम किया जो उसने किया। और परमेश्वर ने सातवें दिन को आशीर्वाद दिया और उसे पवित्र किया, क्योंकि इस दिन उसने अपने सब कार्यों से विश्राम किया, जिन्हें परमेश्वर ने करना आरंभ किया था।

यह स्वर्ग और पृथ्वी की उत्पत्ति की पुस्तक है, जब यह हुआ, जिस दिन प्रभु परमेश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया। और खेत की हर हरी वनस्पति पृथ्वी पर होने से पहले, और खेत की सब घास उगने से पहले, क्योंकि परमेश्वर ने पृथ्वी पर वर्षा नहीं की थी, और मनुष्य भूमि पर काम करने के लिए नहीं था। लेकिन पृथ्वी से एक स्रोत निकलता था, और वह पृथ्वी की पूरी सतह को सींचता था। और परमेश्वर ने मनुष्य को पृथ्वी की धूल से बनाया, और उसके चेहरे में जीवन की सांस फूँकी, और मनुष्य जीवित आत्मा बन गया।

और परमेश्वर ने पूर्व में एदेन में एक स्वर्ग लगाया, और वहाँ उस मनुष्य को रखा जिसको उसने बनाया था। और परमेश्वर ने धरती से हर पेड़ उगाया जो देखने में सुंदर और खाने में अच्छा था, और जीवन का पेड़ स्वर्ग के बीच में था, और अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ भी। एक नदी एदेन से निकलती है जो स्वर्ग को पानी देती है, और वहाँ से वह चार धाराओं में विभाजित हो जाती है। एक का नाम फीशोन है, यह वह है जो हवीला की सारी भूमि को घेरता है, जहाँ सोना है। उस पृथ्वी का सोना अच्छा है, और वहाँ लाल मणि है, और हरा पत्थर है। और दूसरी नदी का नाम गीहोन है, यह वह है जो इथियोपिया की सारी भूमि को घेरती है। और तीसरी नदी टाइग्रिस है, जो अशूरियों के सामने बहती है, और चौथी नदी यूफ्रेटीस है। और प्रभु ईश्वर ने उस मनुष्य को लिया जिसे उसने बनाया था, और उसे आनंद के स्वर्ग में रखा, उसे काम करने और रक्षा करने के लिए। और प्रभु ईश्वर ने आदम को आज्ञा दी, कहते हुए, स्वर्ग में हर पेड़ से तू खाकर खाएगा। लेकिन अच्छे और बुरे को जानने के पेड़ से, तुम उसमें से नहीं खाओगे, और जिस दिन तुम उसमें से खाओगे, तुम निश्चित रूप से मर जाओगे।

और प्रभु परमेश्वर ने कहा, मनुष्य का अकेला रहना अच्छा नहीं है, हम उसके लिए उसके अनुसार

एक सहायक बनाएं। और परमेश्वर ने पृथ्वी से मैदान के सब जंगली पशुओं को और आकाश के सब पक्षियों को बनाया, और उनको आदम के पास लाया, यह देखने के लिए कि वह उनको क्या बुलाएगा, और जो कुछ भी आदम ने किसी जीवित आत्मा को बुलाया, वही उसका नाम हुआ। और आदम ने सब पशुओं, और आकाश के सब पक्षियों, और खेत के सब जंगली जानवरों को नाम दिए, लेकिन आदम के लिए कोई उसके समान सहायक नहीं पाया गया। और परमेश्वर ने आदम पर गहरी नींद डाली, और वह सो गया, और उसने उसकी एक पसली ली, और उसकी जगह मांस भर दिया। और परमेश्वर ने उस पसली को, जो उसने आदम से ली थी, एक स्त्री बनाया, और उसे आदम के पास लाया। और आदम ने कहा, यह अब मेरी हड्डियों में से हड्डी है, और मेरे मांस में से मांस है। यह स्त्री कहलाएगी, क्योंकि यह पुरुष में से ली गई है। इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़ेगा, और अपनी पत्नी से जुड़ेगा, और वे दोनों एक देह होंगे। और वे दोनों नग्न थे, आदम और उसकी स्त्री, और वे शर्मिदा नहीं थे।

3

लेकिन सर्प पृथ्वी पर के सभी जंगली जानवरों में सबसे बुद्धिमान था, जिन्हें प्रभु परमेश्वर ने बनाया था, और सर्प ने स्त्री से कहा, क्या परमेश्वर ने कहा है कि तुम स्वर्ग के किसी भी वृक्ष से मत खाओ? और स्त्री ने सर्प से कहा, स्वर्ग के वृक्ष के फल से हम खाएंगे, परन्तु उस वृक्ष के फल से, जो स्वर्ग के बीच में है, परमेश्वर ने कहा, तुम उसमें से नहीं खाओगे, और न ही उसे छुओगे, ताकि तुम न मरो। और सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चित रूप से नहीं मरोगे, ईश्वर जानता था कि जिस दिन तुम उसे खाओगे, तुम्हारी आँखें खोली जाएंगी, और तुम देवताओं के समान हो जाओगे, अच्छे और बुरे को जानते हुए। और स्त्री ने देखा कि वह वृक्ष भोजन के लिए अच्छा है, और आँखों को देखने में प्रसन्न करने वाला है, और समझ प्राप्त करने के लिए सुंदर है, और उसने उसके फल में से लेकर खाया, और अपने पति को भी दिया जो उसके साथ था, और उन्होंने खाया। और दोनों की आँखें खुल गईं, और उन्होंने जाना कि वे नंगे थे, और उन्होंने अंजीर के पेड़

के पत्ते सिए, और अपने लिए लंगोटी बनाई। और उन्होंने प्रभु परमेश्वर की आवाज़ सुनी जो शाम को स्वर्ग में चल रहे थे, और आदम और उसकी स्त्री प्रभु परमेश्वर के चेहरे से स्वर्ग के पेड़ों के बीच में छिप गए। और प्रभु परमेश्वर ने आदम को बुलाया, और उससे कहा, आदम तुम कहाँ हो? और उसने उससे कहा, मैंने स्वर्ग में चलते हुए तुम्हारी आवाज़ सुनी, और मैं डर गया क्योंकि मैं नग्न हूँ, और मैं छिप गया। और परमेश्वर ने उससे कहा, किसने तुम्हें बताया कि तुम नंगे हो? क्या तुमने उस वृक्ष से खाया, जिसके विषय में मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी कि केवल इससे मत खाना? और आदम ने कहा, जो स्त्री तूने मेरे साथ दी थी, उसने मुझे वृक्ष से दिया, और मैंने खाया। और प्रभु परमेश्वर ने स्त्री से कहा, यह तूने क्या किया? और स्त्री ने कहा, सर्प ने मुझे धोखा दिया, और मैंने खाया।

और प्रभु ईश्वर ने सर्प से कहा, क्योंकि तुमने यह किया है, तुम सब मवेशियों से और पृथ्वी के सब जंगली पशुओं से शापित हो। तुम अपनी छाती और पेट के बल चलोगे, और अपने जीवन के सब दिनों तक मिट्टी खाओगे। और मैं शत्रुता रखूंगा तेरे बीच और स्त्री के बीच, और तेरे बीज के बीच और उसके बीज के बीच; वह तेरे सिर को कुचलेगा, और तू उसकी एड़ी को कुचलेगा। और स्त्री से कहा, मैं तुम्हारे दुखों को और तुम्हारी कराह को बहुत बढ़ाऊंगा, तुम दुखों में बच्चों को जन्म दोगी, और तुम्हारा झुकाव तुम्हारे पति की ओर होगा, और वह तुम पर शासन करेगा। लेकिन आदम से कहा, कि तूने अपनी स्त्री की आवाज़ सुनी, और उस वृक्ष से खाया, जिसके विषय में मैंने तुझे आज्ञा दी थी कि केवल इससे मत खाना, तूने उससे खाया, तेरे कार्यों के कारण भूमि शापित है, तू दुखों में अपने जीवन के सब दिनों तक उसे खाएगा। कांटे और ऊँटकटारे तुम्हारे लिए उठेंगे, और तुम खेत की घास खाओगे। तेरे चेहरे के पसीने में तू अपनी रोटी खाएगा, जब तक तू उस धरती में नहीं लौट जाता जिससे तू लिया गया था, क्योंकि तू धरती है, और धरती में तू लौट जाएगा। और आदम ने अपनी स्त्री का नाम जीवन रखा, क्योंकि वह सब जीवितों की माता थी। और प्रभु परमेश्वर ने आदम और उसकी स्त्री के लिए चमड़े के वस्त्र बनाए, और उनको पहनाया।

और परमेश्वर ने कहा, देखो, आदम हममें से एक के समान हो गया है, अच्छे और बुरे को जानने में, और अब कहीं ऐसा न हो कि वह अपना हाथ बढ़ाए और जीवन के वृक्ष से ले और खाए, और सदा के लिए जीवित रहे। और प्रभु ईश्वर ने उसको विलास के स्वर्ग से बाहर भेजा, उस भूमि पर काम करने के लिए जिससे वह लिया गया था। और उसने आदम को निकाल दिया, और उसे विलासपूर्ण स्वर्ग के सामने बसाया, और करूबों को नियुक्त किया, और घूमती हुई ज्वलंत तलवार को, जीवन के वृक्ष के मार्ग की रक्षा करने के लिए।

4

आदम ने अपनी पत्नी हव्वा को जाना, और गर्भ धारण करके उसने कैन को जन्म दिया, और कहा, मैंने परमेश्वर के माध्यम से एक मनुष्य को प्राप्त किया। और उसने अपने भाई हाबिल को जन्म दिया, और हाबिल भेड़ों का चरवाहा बना, लेकिन कैन भूमि पर काम करता था। और कुछ दिनों के बाद ऐसा हुआ कि काइन पृथ्वी के फलों से प्रभु के लिए बलिदान लाया। और हाबिल भी अपनी भेड़ों के पहिलौठों में से और उनकी चर्बी में से लाया, और भगवान ने हाबिल और उसकी भेंटों पर कृपादृष्टि की। परन्तु काइन और उसके बलिदानों पर ध्यान नहीं दिया, और काइन अत्यधिक दुःखी हुआ, और उसका चेहरा गिर गया। और प्रभु परमेश्वर ने कैन से कहा, तुम इतने दुःखी क्यों हो गए, और तुम्हारा चेहरा क्यों उतर गया है? क्या यदि तुम सही तरह से अर्पित करो, लेकिन सही तरह से विभाजित न करो, तो तुमने पाप नहीं किया? शांत रहो, उसका रुख तुम्हारी ओर है, और तुम उस पर शासन करोगे।

और कैन ने अपने भाई हाबिल से कहा, चलो हम मैदान में जाएं। और ऐसा हुआ कि जब वे मैदान में थे, तो कैन अपने भाई हाबिल पर झपटा और उसे मार डाला। और प्रभु परमेश्वर ने कैन से कहा, तुम्हारा भाई हाबिल कहाँ है? और उसने कहा, मैं नहीं जानता, क्या मैं अपने भाई का रक्षक हूँ? और प्रभु ने कहा, तूने क्या किया है? तेरे भाई के खून की आवाज़ पृथ्वी से मेरी ओर चिल्ला

रही है। और अब तू उस पृथ्वी से शापित है, जिसने अपना मुख खोला तेरे हाथ से तेरे भाई का रक्त प्राप्त करने के लिए। जब तू भूमि पर काम करेगा, तो वह अपनी शक्ति तुझे देने के लिए नहीं जोड़ेगी, और तू पृथ्वी पर कराहता और कांपता रहेगा। और काइन ने प्रभु परमेश्वर से कहा, मेरा दोष इतना बड़ा है कि मुझे क्षमा नहीं किया जा सकता। यदि तुम मुझे आज पृथ्वी के चेहरे से निकाल दोगे, और मैं तुम्हारे चेहरे से छिप जाऊंगा, और मैं पृथ्वी पर कराहता और कांपता रहूंगा, और हर वह जो मुझे पाएगा, मुझे मार डालेगा। और प्रभु परमेश्वर ने उससे कहा, नहीं, ऐसा नहीं, जो कोई कैन को मारेगा, उससे सात गुना बदला लिया जाएगा। और प्रभु परमेश्वर ने कैन पर एक चिन्ह लगाया, ताकि जो कोई उसे पाए वह उसे न मारे। कैन परमेश्वर के सामने से बाहर चला गया, और अदन के सामने नैद भूमि में बस गया।

और कैन ने अपनी पत्नी को जाना, और उसने गर्भ धारण करके हनोक को जन्म दिया। और वह एक नगर बना रहा था, और उसने उस नगर का नाम अपने पुत्र के नाम पर हनोक रखा। हनोक को गैदाद हुआ, और गैदाद ने महललेल को जन्म दिया, और महललेल ने मतूशेलह को जन्म दिया, और मतूशेलह ने लेमेक को जन्म दिया।

और लेमेक ने अपने लिए दो स्त्रियाँ लीं, एक का नाम अदा था, और दूसरी का नाम सिल्ला था। और अदा ने योबेल को जन्म दिया, यह तंबुओं में रहने वाले पशुपालकों का पिता था। और उसके भाई का नाम जुबल था, यह वह था जिसने सारंगी और वीणा का आविष्कार किया। सेल्ला ने भी तूबल को जन्म दिया, और वह कांस्य और लोहे का हथौड़ा मारने वाला लोहार था। और तूबल की बहन नोएमा थी। लेमेक ने अपनी पत्नियों अदा और सिल्ला से कहा, हे लेमेक की पत्नियों, मेरी आवाज़ सुनो, मेरे शब्दों पर कान लगाओ, क्योंकि मैंने एक पुरुष को मेरे घाव के लिए मारा है, और एक जवान को मेरी चोट के लिए। क्योंकि काइन से सात बार बदला लिया गया है, लेकिन लामेक से सत्तर बार सात।

आदम ने अपनी पत्नी हव्वा को जाना, और गर्भ धारण करके उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और

उसका नाम सेठ रखा, यह कहते हुए, परमेश्वर ने मेरे लिए हाबिल की जगह दूसरी संतान दी है, जिसे काइन ने मार डाला था। और सेठ को एक पुत्र हुआ, और उसने उसका नाम एनोस रखा। इसने प्रभु परमेश्वर के नाम को पुकारने की आशा की।

5

यह मनुष्यों की उत्पत्ति की पुस्तक है, जिस दिन परमेश्वर ने आदम को बनाया, परमेश्वर की छवि के अनुसार उसने उसे बनाया, नर और मादा उसने उनको बनाया, और उसने उनको आशीर्वाद दिया, और उसने उनका नाम आदम रखा, जिस दिन उसने उनको बनाया। आदम दो सौ तीस वर्ष जीया, और उसने अपने रूप के अनुसार और अपनी छवि के अनुसार पुत्र उत्पन्न किया, और उसका नाम सेठ रखा। और आदम के वे दिन हुए, जो उसने सेठ को जन्म देने के बाद जिए, सात सौ वर्ष, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और आदम के सब दिन, जो उसने जीए, नौ सौ तीस वर्ष हुए, और वह मर गया। शेत पाँच सौ वर्ष जीया, और उसने एनोस को जन्म दिया। और शेत एनोस को जन्म देने के बाद सात सौ सात वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और शेत के सब दिन नौ सौ बारह वर्ष हुए, और वह मर गया। और एनोस सौ नब्बे वर्ष जीया, और उसने केनान को जन्म दिया। और एनोस केनान को जन्म देने के बाद सात सौ पंद्रह वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और एनोस के सब दिन पाँच वर्ष और नौ सौ हुए, और वह मर गया। और केनान सत्तर और सौ वर्ष जीया, और उसने महललेल को जन्म दिया। और केनान महललेल को जन्म देने के बाद सात सौ चालीस वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और केनान के सब दिन नौ सौ दस वर्ष हुए, और वह मर गया।

और महललेल एक सौ पैंसठ वर्ष जीया, और उसने यारेद को जन्म दिया। और महललेल या□□□ को जन्म देने के बाद सात सौ तीस वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म

दिया। और महललेल के सब दिन आठ सौ पंचानवे वर्ष हुए, और वह मर गया। और यारेद एक सौ बासठ वर्ष जीया, और उसने हनोक को जन्म दिया। और यारेद हनोक को जन्म देने के बाद आठ सौ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और जारेद के सब दिन दो और साठ और नौ सौ वर्ष हुए, और वह मर गया। और हनोक एक सौ पैंसठ वर्ष जीया, और उसने मतूशेलह को जन्म दिया। हनोक ने मतूशेलह को जन्म देने के बाद दो सौ वर्ष तक परमेश्वर को प्रसन्न किया, और उसने पुत्र और पुत्रियाँ उत्पन्न कीं। और हनोक के सब दिन पाँच और साठ और तीन सौ वर्ष हुए। और हनोक ने परमेश्वर को प्रसन्न किया, और वह नहीं पाया गया, क्योंकि परमेश्वर ने उसको उठा लिया। और मतूशेलह एक सौ सड़सठ वर्ष जीया, और उसने लेमेक को जन्म दिया। और मतूशेलह लेमेक को जन्म देने के बाद आठ सौ दो वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और मतूशेलह के सब दिन जो उसने जीए, नौ सौ उनसठ वर्ष हुए, और वह मर गया। और लेमेक एक सौ अट्ठासी वर्ष जीया, और उसने एक पुत्र को जन्म दिया। और उसने उसका नाम नूह रखा, यह कहते हुए कि यह हमें हमारे कार्यों से, हमारे हाथों की पीड़ाओं से, और उस पृथ्वी से विश्राम देगा जिसे प्रभु परमेश्वर ने शापित किया। और लेमेक नूह को जन्म देने के बाद पाँच सौ पैंसठ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया। और लामेक के सब दिन सात सौ तिरपन वर्ष हुए, और वह मर गया। और नूह पाँच सौ वर्ष का था, और उसने तीन पुत्र उत्पन्न किए: शेम, हाम और याफेत।

6

और ऐसा हुआ जब लोग पृथ्वी पर अनेक होने लगे, और उनके पुत्रियाँ जन्मीं। परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्यों की पुत्रियों को देखा कि वे सुंदर हैं, और उन्होंने अपने लिए स्त्रियाँ ली, उन सब में से जिन्हें उन्होंने चुना। और प्रभु परमेश्वर ने कहा, मेरा आत्मा इन मनुष्यों में सदा के लिए नहीं रहेगा, क्योंकि वे मांस हैं, और उनके दिन सौ बीस वर्ष के होंगे। लेकिन वे दानव उन दिनों में पृथ्वी पर थे, और उसके बाद भी, जब परमेश्वर के पुत्र मनुष्यों की पुत्रियों के पास जाते थे, और उन्होंने

उनके लिए संतान उत्पन्न की, वे ही दानव थे जो प्राचीन काल से थे, वे प्रसिद्ध लोग थे।

परन्तु प्रभु परमेश्वर ने देखा कि पृथ्वी पर मनुष्यों की दुष्टताएँ बढ़ गई थीं, और प्रत्येक व्यक्ति अपने हृदय में सदैव बुराई पर ही ध्यान लगाता है। और परमेश्वर ने विचार किया कि उसने मनुष्य को पृथ्वी पर बनाया, और उसने सोचा। और ईश्वर ने कहा, मैं मनुष्य को, जिसे मैंने बनाया है, पृथ्वी के चेहरे से मिटा दूंगा, मनुष्य से लेकर पशु तक, और रेंगने वाली चीजों से लेकर आकाश के पक्षियों तक, क्योंकि मैं पछताया हूँ कि मैंने उन्हें बनाया।

नूह ने परमेश्वर प्रभु के सामने कृपा पाई। ये नूह की पीढ़ियाँ हैं। नूह एक धर्मी मनुष्य था, अपनी पीढ़ी में सिद्ध था, नूह परमेश्वर को प्रसन्न करता था। नूह ने तीन पुत्र उत्पन्न किए: शेम, हैम और जाफेथ। परमेश्वर के सामने पृथ्वी नष्ट हो गई थी, और पृथ्वी अन्याय से भर गई थी। और प्रभु परमेश्वर ने पृथ्वी को देखा, और वह नष्ट हो गई थी, क्योंकि सब देह ने पृथ्वी पर अपना मार्ग नष्ट कर दिया था। और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, सब मनुष्यों का समय मेरे सामने आ गया है, क्योंकि पृथ्वी उनके अन्याय से भर गई है, और देखो, मैं उनको और पृथ्वी को नष्ट करूंगा।

इसलिए अपने लिए चौकोर लकड़ियों से एक जहाज बनाओ, तुम जहाज में घोंसले बनाओगे, और तुम इसे अंदर और बाहर से राल से ढकोगे। और इस प्रकार तू जहाज़ बनाएगा: जहाज़ की लंबाई तीन सौ हाथ, और चौड़ाई पचास हाथ, और उसकी ऊँचाई तीस हाथ। एकत्रित करते हुए तुम जहाज बनाओगे, और ऊपर से एक हाथ में इसे पूरा करोगे। लेकिन जहाज का दरवाजा तुम बगल में बनाओगे। निचली, दूसरी और तीसरी मंजिल तुम इसे बनाओगे। मैं देखो, पृथ्वी पर जलप्रलय लाता हूँ, पानी लाता हूँ भूमि पर, ताकि सब प्राणियों को नष्ट कर दूँ, जिनमें जीवन की आत्मा है स्वर्ग के नीचे, और जितने भी पृथ्वी पर हैं, वे सब मर जाएँगे।

और मैं तुम्हारे साथ अपनी वाचा स्थापित करूंगा, और तुम जहाज में प्रवेश करोगे, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारी पत्नी, और तुम्हारे पुत्रों की पत्नियाँ तुम्हारे साथ। और सभी पशुओं में

से, और सभी रेंगने वाले जीवों में से, और सभी जंगली जानवरों में से, और सभी प्राणियों में से दो-दो को तू जहाज में लाएगा, ताकि तू उन्हें अपने साथ जीवित रख सके; वे नर और मादा होंगे। सभी उड़ने वाले पक्षियों में से उनकी जाति के अनुसार, और सभी पशुओं में से उनकी जाति के अनुसार, और पृथ्वी पर रेंगने वाली सभी रेंगने वाली चीजों में से उनकी जाति के अनुसार, सब में से दो-दो तुम्हारे पास प्रवेश करेंगे ताकि तुम्हारे साथ पोषित हों, नर और मादा। तू लेकिन अपने लिए सब खाद्य पदार्थों में से जो खाओगे ले लेना, और अपने पास इकट्ठा कर लेना, और वह तुझे और उनको खाने के लिए होगा। और नूह ने वह सब कुछ किया जितना प्रभु परमेश्वर ने उसको आज्ञा दी थी, इस प्रकार उसने किया।

7

और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, तुम और तुम्हारा सारा घराना जहाज में प्रवेश करो, क्योंकि मैंने तुम्हें इस पीढ़ी में अपने सामने धर्मी देखा है। शुद्ध पशुओं में से अपने पास सात-सात नर और मादा लाओ, और अशुद्ध पशुओं में से दो-दो नर और मादा लाओ। और स्वर्ग के शुद्ध पक्षियों में से सात-सात नर और मादा, और सब अशुद्ध पक्षियों में से दो-दो नर और मादा, ताकि समस्त पृथ्वी पर बीज को बनाए रखा जाए। अभी सात दिनों के बाद मैं धरती पर वर्षा लाऊंगा, चालीस दिन और चालीस रातें, और मैं हर जीवित प्राणी को मिटा दूंगा जो मैंने बनाया है, सारी धरती के चेहरे से। और नूह ने सब कुछ किया, जितना प्रभु परमेश्वर ने उसको आज्ञा दी थी। नूह छः सौ वर्ष का था, और पृथ्वी पर जल का प्रलय आया। नूह और उसके पुत्र, और उसकी पत्नी, और उसके पुत्रों की पत्नियाँ उसके साथ जहाज में दाखिल हुए, जलप्रलय के पानी के कारण। और शुद्ध पक्षियों से, और अशुद्ध पक्षियों से, और शुद्ध पशुओं से, और अशुद्ध पशुओं से, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सभी जीवों से, दो-दो करके नूह के पास जहाज में प्रवेश किए, नर और मादा, जैसा परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी थी। और सात दिनों के बाद ऐसा हुआ, और जलप्रलय का जल पृथ्वी पर आ गया। नूह के जीवन के छः सौवें वर्ष में, दूसरे महीने की सत्ताईसवीं तारीख को, उस दिन अथाह

गहराई के सभी झरने फूट पड़े और आकाश के जलद्वार खुल गए। और पृथ्वी पर चालीस दिन और चालीस रात बारिश हुई। इस दिन में नूह, शेम, हाम, याफेत जो नूह के पुत्र थे, और नूह की पत्नी, और उसके पुत्रों की तीन पत्नियाँ उसके साथ जहाज़ में प्रवेश किए। और सभी जंगली जानवर अपनी-अपनी जाति के अनुसार, और सभी पशु अपनी-अपनी जाति के अनुसार, और पृथ्वी पर चलने वाला हर रेंगने वाला प्राणी अपनी-अपनी जाति के अनुसार, और हर पक्षी अपनी-अपनी जाति के अनुसार, वे नूह के पास जहाज में प्रवेश किए, दो-दो नर और मादा, सभी प्राणियों में से, जिनमें जीवन की आत्मा है। और प्रवेश करने वाले नर और मादा सब प्राणियों में से प्रवेश किए, जैसा परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी थी, और प्रभु परमेश्वर ने जहाज़ को बाहर से बंद कर दिया।

और जलप्रलय चालीस दिन और चालीस रात पृथ्वी पर रहा, और जल बढ़ा, और उसने जहाज़ को उठाया, और वह पृथ्वी से ऊपर उठाया गया। और पानी प्रबल हुआ, और पृथ्वी पर बहुत बढ़ता गया, और जहाज पानी के ऊपर तैरता रहा। और जल पृथ्वी पर बहुत अधिक बढ़ गया, और उसने सब ऊँचे पहाड़ों को ढक दिया जो आकाश के नीचे थे। पंद्रह हाथ ऊपर तक पानी ऊंचा हुआ, और उसने सभी ऊँचे पहाड़ों को ढक दिया। और पृथ्वी पर चलने वाला सब प्राणी मर गया - पक्षी, पशु, जंगली जानवर, पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जीव, और सब मनुष्य। और जितनों में जीवन की श्वास थी, और जो कुछ सूखी भूमि पर था, सब मर गया। और हर वह जीवित प्राणी जो पृथ्वी के चेहरे पर था, मनुष्य से लेकर पशु तक, और रेंगने वाली चीजें, और आकाश के पक्षी, सब मिटा दिए गए, और वे पृथ्वी से मिटा दिए गए, और केवल नूह और वे जो उसके साथ जहाज़ में थे, बचे रहे। और पानी पृथ्वी पर एक सौ पचास दिनों तक ऊंचा रहा।

8

और परमेश्वर ने नूह को, और सब जंगली जानवरों को, और सब पशुओं को, और सब पक्षियों

को, और सब रेंगने वाले जीवों को जो रेंगते थे, जितने उसके साथ जहाज़ में थे, स्मरण किया, और परमेश्वर ने पृथ्वी पर हवा चलाई, और पानी रुक गया। और गहरे सागर के स्रोत ढक गए, और आकाश के बाद के द्वार बंद हो गए, और आकाश से वर्षा रुक गई। और पानी पृथ्वी से जाता हुआ घट रहा था, और पानी एक सौ पचास दिनों के बाद घट गया था। और जहाज़ सातवें महीने में, महीने के सत्ताईसवें दिन, अरारात के पहाड़ों पर टिक गया। लेकिन पानी दसवें महीने तक घटता रहा। और दसवें महीने के पहले दिन, पहाड़ों की चोटियाँ दिखाई दीं। और चालीस दिन के बाद ऐसा हुआ कि नूह ने जहाज की खिड़की खोली जो उसने बनाई थी। और उसने कौए को भेजा, और वह बाहर जाकर तब तक नहीं लौटा जब तक पृथ्वी से पानी सूख नहीं गया। और उसने कबूतर को अपने बाद भेजा, यह देखने के लिए कि क्या पृथ्वी से पानी घट गया था। और कबूतर को अपने पैरों के लिए विश्राम न मिलने पर, वह उसके पास जहाज़ में लौट आई, क्योंकि पृथ्वी के सारे धरातल पर पानी था, और उसने हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ लिया, और उसे अपने पास जहाज़ में ले आया। और सात दिन और रुककर, उसने फिर से कबूतर को जहाज से बाहर भेजा। और कबूतर शाम को उसके पास लौटी, और उसकी चोंच में जैतून के पेड़ का एक पत्ता था, और नूह ने जाना कि पृथ्वी से पानी घट गया था। और सात दिन और रुकने के बाद, उसने फिर से कबूतर को भेजा, और वह उसके पास वापस नहीं लौटा। और ऐसा हुआ कि नूह के जीवन के छह सौ एक वर्ष में, पहले महीने के पहले दिन, पृथ्वी से पानी समाप्त हो गया। और नूह ने जहाज की छत खोली, जो उसने बनाई थी, और देखा कि पृथ्वी की सतह से पानी समाप्त हो गया था। और दूसरे महीने में, महीने के सत्ताईसवें दिन, भूमि सूख गई।

और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, तुम जहाज़ से बाहर निकलो, और तुम्हारी पत्नी, और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारे पुत्रों की पत्नियाँ तुम्हारे साथ, और सभी जंगली जानवर जो तुम्हारे साथ हैं, और सभी प्राणी - पक्षियों से लेकर पशुओं तक, और पृथ्वी पर चलने वाली हर रेंगने वाली चीज़ - इन्हें अपने साथ बाहर लाओ। और पृथ्वी पर बढ़ो और गुणा करो। और नूह बाहर गया, और उसकी पत्नी, और उसके पुत्र, और उसके पुत्रों की पत्नियाँ उसके साथ, और सभी जंगली जानवर, और सभी पशु, और हर पक्षी, और पृथ्वी पर चलने वाली हर रेंगने वाली चीज़ अपनी-अपनी जाति के

अनुसार जहाज़ से बाहर निकल गए।

और नूह ने प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और सब शुद्ध पशुओं में से और सब शुद्ध पक्षियों में से लिया, और वेदी पर होमबलि चढ़ाई। और प्रभु परमेश्वर ने सुगंध की सुवास सूंघी। और प्रभु परमेश्वर ने विचार करके कहा, मैं फिर कभी मनुष्यों के कार्यों के कारण भूमि को शाप नहीं दूंगा, क्योंकि मनुष्य का मन उसकी युवावस्था से ही बुराईयों पर सावधानीपूर्वक लगा रहता है। इसलिए मैं फिर कभी सभी जीवित प्राणियों को नहीं मारूंगा, जैसे मैंने किया। पृथ्वी के सभी दिनों में बीज और फसल, सर्दों और गर्मी, ग्रीष्म और वसंत, दिन और रात कभी बंद नहीं होंगे।

9

और परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को आशीर्वाद दिया, और उनसे कहा, बढ़ो और गुणा करो, और पृथ्वी को भरो, और उस पर अधिकार करो। और तुम्हारा कंपन और तुम्हारा भय पृथ्वी के सब जंगली जानवरों पर, आकाश के सब पक्षियों पर, और पृथ्वी पर चलने वाले सब प्राणियों पर, और समुद्र की सब मछलियों पर होगा; मैंने उन्हें तुम्हारे हाथों में दे दिया है। और हर रेंगने वाली जीवित चीज़ तुम्हारे लिए भोजन होगी, जैसे घास की सब्जियाँ, मैंने तुम्हें सब कुछ दिया है। परन्तु तुम प्राण सहित रक्त में मांस नहीं खाओगे। और क्योंकि तुम्हारे आत्माओं का रक्त, सब जंगली जानवरों के हाथ से मैं इसे मांग करूंगा, और मनुष्य भाई के हाथ से मैं मनुष्य की आत्मा को मांग करूंगा। जो मनुष्य का खून बहाता है, उसके खून के बदले में उसका खून बहाया जाएगा, क्योंकि ईश्वर की छवि में मैंने मनुष्य को बनाया। लेकिन तुम बढ़ो, और गुणा करो, और पृथ्वी को भरो, और इस पर अधिकार करो।

और परमेश्वर ने नूह से और उसके पुत्रों से, जो उसके साथ थे, कहा, और देखो, मैं अपनी वाचा तुम्हारे साथ और तुम्हारे बाद तुम्हारे वंश के साथ स्थापित करता हूँ। और सभी जीवित प्राणियों के

साथ जो तुम्हारे साथ हैं, पक्षियों से लेकर पशुओं तक, और पृथ्वी के सभी जंगली जानवरों तक, जितने भी तुम्हारे साथ हैं, उन सभी में से जो जहाज़ से निकले हैं। और मैं अपनी वाचा तुम्हारे साथ स्थापित करूंगा, और जलप्रलय के जल से सब देह फिर कभी नहीं मरेगा, और सारी पृथ्वी को नष्ट करने के लिए जल का जलप्रलय फिर कभी नहीं होगा। और प्रभु परमेश्वर ने नूह से कहा, यह वाचा का चिह्न है, जो मैं अपने और तुम्हारे बीच, और तुम्हारे साथ रहने वाले सब जीवित प्राणियों के बीच, अनन्त पीढ़ियों के लिए देता हूँ। मैं अपना धनुष बादल में रखता हूँ, और यह मेरे और पृथ्वी के बीच वाचा का निशान होगा। और ऐसा होगा कि जब मैं पृथ्वी पर बादलों को इकट्ठा करूंगा, तो बादल में धनुष दिखाई देगा। और मैं अपनी वाचा को याद करूंगा, जो मेरे और तुम्हारे बीच है, और सब जीवित प्राणियों के बीच जो सब देह में हैं, और पानी फिर कभी जलप्रलय नहीं बनेगा, ताकि सब देह को नष्ट कर दे। और मेरा धनुष बादल में होगा, और मैं देखूंगा कि मेरे और पृथ्वी के बीच शाश्वत वाचा को याद करूँ, और सब देह में जीवित प्राण के बीच, जो पृथ्वी पर है। और परमेश्वर ने नूह से कहा, यह उस वाचा का चिह्न है, जो मैंने अपने और पृथ्वी पर के सब प्राणियों के बीच स्थापित की है।

नूह के पुत्र थे जो जहाज़ से बाहर निकले थे - शेम, हाम, याफेत। और हाम कनान का पिता था। ये तीन नूह के पुत्र हैं, इन्हीं से सारी पृथ्वी पर लोग फैल गए। और नूह, जो पृथ्वी का किसान था, ने अंगूर का बगीचा लगाया। और उसने शराब पी, और नशे में हो गया, और अपने घर में नंगा हो गया। और हाम ने, जो कनान का पिता था, अपने पिता की नग्नता देखी, और बाहर निकलकर अपने दोनों भाइयों को बताया। और शेम और याफेत ने वस्त्र लेकर अपने दोनों कंधों पर रखा, और पीछे की ओर चलते हुए अपने पिता की नग्नता को ढक दिया, और उनका चेहरा पीछे की ओर था, और उन्होंने अपने पिता की नग्नता को नहीं देखा। नूह शराब से जागा, और उसे पता चला कि उसके छोटे पुत्र ने उसके साथ क्या किया था। और उसने कहा, शापित हो कनान, वह अपने भाइयों का सेवक होगा। और उसने कहा, धन्य है प्रभु, शेम का परमेश्वर, और कनान उसका दास होगा। परमेश्वर याफेत को विस्तृत करे, और वह शेम के घरों में निवास करे, और कनान उसका सेवक हो।

नूह बाढ़ के बाद तीन सौ पचास वर्ष जीया। और नूह के सब दिन नौ सौ पचास वर्ष हुए, और वह मर गया।

10

ये नूह के पुत्रों शेम, हाम और याफेत की वंशावली है, और जलप्रलय के बाद उनके पुत्र उत्पन्न हुए।

याफेत के पुत्र: गोमेर, मागोग, मादै, यावान, एलीशा, तूबल, मेशेक और तीरस। और गोमेर के पुत्र: अशकनज, रिफत और तोगर्मा। और योवान के पुत्र: एलीशा, तार्शीश, किक्तीम और रोदानीम। इन से राष्ट्रों के द्वीप उनकी भूमि में अलग किए गए, प्रत्येक अपनी भाषा के अनुसार, अपने कुलों में, और अपने राष्ट्रों में।

हाम के पुत्र: कूश, मिस्राइम, फूद और कनान। कूश के पुत्र: शबा, हवीला, सबाता, रेगमा और सबाताका। रेगमा के पुत्र: शबा और ददान। कूश ने निम्रोद को जन्म दिया; वह पृथ्वी पर पहला दानव बना। यह प्रभु परमेश्वर के सामने एक विशाल शिकारी था, इसलिए वे कहेंगे, जैसे निम्रोद, प्रभु के सामने विशाल शिकारी। और उसके राज्य का आरंभ बाबुल, ओरेख, अर्खद और खलन्ने में हुआ, जो शिनार की भूमि में थे। उस पृथ्वी से अशशूर बाहर गया, और उसने निनवे को बनाया, और रहोबोथ नगर को, और कालह को, और दासाह निनवे और कालाह के बीच में है, यह महान शहर है। और मिस्राइम ने लूदीम, नफ्ताली, एनेमेतीम और लाबीम को जन्म दिया। और पन्त्रुसीम, और कसलूहीम, जहाँ से फिलिस्तीम निकले, और कफ्तोरीम। कनान ने सीदोन को, जो उसका पहलौठा था, उत्पन्न किया, और हिक्ती को, और यबूसी, और एमोरी, और गिर्गाशी, और हिक्वी को, और अरूकाई को, और असेन्राई को, और अरादियन, और सामरी, और अमाथी। और इसके बाद कनानियों के कबीले बिखर गए। और कनानियों की सीमाएँ सीदोन से गेरार और गाज़ा में

आने तक, सदोम और गमोरा, अदमा और सबोईम होते हुए लाशा तक थीं। ये हाम के पुत्र हैं, उनकी जनजातियों में, उनकी भाषाओं के अनुसार, उनके प्रदेशों में, और उनके राष्ट्रों में।

और शेम को भी संतान उत्पन्न हुई, जो एबेर की सब संतानों का पिता था, और वह याफेत का भाई था जो बड़ा था। शेम के पुत्र: एलाम, अशूर, अर्फक्षद, लूद, अराम और कैनान। और अराम के पुत्र: ऊज, ऊल, गातेर और मेशेक। और अर्फक्षद ने कैनान को जन्म दिया, और कैनान ने साला को जन्म दिया, और साला ने एबेर को जन्म दिया। और एबेर के दो पुत्र पैदा हुए, एक का नाम फालेग था, क्योंकि उसके दिनों में पृथ्वी विभाजित हुई थी, और उसके भाई का नाम येक्तान था। जोक्तान ने एल्मोदाद, सालेथ, सारमोथ और जेराख को जन्म दिया। और हदोर्ग, और अबीमाएल, और दिकला, और ओबाल, और अबीमाएल और शबा, और ओफीर, और यूइला, और योबाब, ये सब योक्तान के पुत्र थे। और उनका निवास मस्सा से सफेरा तक था, जो पूर्व का पर्वत है। ये शेम के पुत्र हैं, उनकी जनजातियों में, उनकी भाषाओं के अनुसार, उनके प्रदेशों में, और उनके राष्ट्रों में। ये नूह के पुत्रों की जनजातियाँ हैं, उनकी पीढ़ियों के अनुसार, उनके राष्ट्रों के अनुसार। इन्हीं से जलप्रलय के बाद पृथ्वी पर राष्ट्रों के द्वीप बिखर गए।

11

और सारी पृथ्वी की एक ही भाषा थी, और सबकी एक ही बोली थी। और ऐसा हुआ कि जब वे पूर्व से चले, तो उन्होंने शिनार की भूमि में एक मैदान पाया, और वहाँ बस गए। और एक आदमी ने अपने पड़ोसी से कहा, आओ हम ईंटें बनाएं और उन्हें आग में पकाएं, और उनके लिए ईंट पत्थर बन गई, और डामर उनके लिए मिट्टी का काम करता था। और उन्होंने कहा, आओ, हम अपने लिए एक शहर और एक मीनार बनाएं, जिसका शिखर स्वर्ग तक पहुंचे, और हम अपने लिए एक नाम बनाएं, इससे पहले कि हम सारी पृथ्वी के चेहरे पर बिखर जाएं। और प्रभु उस शहर और मीनार को देखने के लिए नीचे गए, जिसे मनुष्यों के पुत्रों ने बनाया था। और प्रभु ने

कहा, देखो, एक ही जाति है और सबकी एक ही भाषा है, और उन्होंने यह करना आरंभ किया है, और अब जो कुछ भी वे करने का प्रयास करेंगे, वह उनसे असफल नहीं होगा। आओ, और नीचे आकर हम वहाँ उनकी भाषा को भ्रमित कर दें, ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपने पड़ोसी की आवाज़ न सुन सके। और प्रभु ने उन्हें वहाँ से समस्त पृथ्वी के चेहरे पर तितर-बितर कर दिया, और उन्होंने नगर और मीनार बनाना बंद कर दिया। इस कारण उसका नाम भ्रम रखा गया, क्योंकि वहाँ प्रभु ने सारी पृथ्वी की भाषाओं को भ्रमित कर दिया, और वहाँ से प्रभु ने उन्हें सारी पृथ्वी के चेहरे पर बिखेर दिया।

और ये शेम की पीढ़ियाँ हैं, और शेम सौ वर्ष का था, जब उसने अर्फक्षद को जन्म दिया, जलप्रलय के दूसरे वर्ष में। और शेम अर्फक्षद को जन्म देने के बाद पाँच सौ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और अर्फक्षद सौ पैंतीस वर्ष जीया, और उसने केनान को जन्म दिया। और अर्फक्साद कैनान को जन्म देने के बाद चार सौ वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और कैनान एक सौ तीस वर्ष जीवित रहा, और उसने साला को जन्म दिया, और कैनान साला को जन्म देने के बाद तीन सौ तीस वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और साला सौ तीस वर्ष जीया, और उसने एबेर को जन्म दिया। और साला एबेर को जन्म देने के बाद तीन सौ तीस वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और एबेर सौ चौँतीस वर्ष जीया, और उसने फेलेग को जन्म दिया। और एबेर फालेग को जन्म देने के बाद दो सौ सत्तर वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और फालेग एक सौ तीस वर्ष जीया, और उसने रगौ को जन्म दिया। और फालेग रागाऊ को जन्म देने के बाद दो सौ नौ वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और रगौ सौ बत्तीस वर्ष जीया, और उसने सरूक को जन्म दिया। और रगऊ सेरूख को जन्म देने के बाद दो सौ सात वर्ष जीया, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और सरूग सौ तीस वर्ष जीया, और उसने नाहोर को जन्म दिया। और सरूग नाहोर को जन्म देने के बाद दो सौ वर्ष जीवित रहा, और उसने पुत्र और पुत्रियाँ उत्पन्न कीं, और वह मर गया। और नाहोर एक सौ उनहत्तर वर्ष जीया,

और उसने तेरह को जन्म दिया। और नाहोर जीया, तेरह को जन्म देने के बाद, एक सौ पच्चीस वर्ष, और उसने पुत्रों और पुत्रियों को जन्म दिया, और मर गया। और थारा सत्तर वर्ष जीया, और उसने अब्राम को, नाहोर को, और हारान को जन्म दिया।

ये तेरह की पीढ़ियाँ हैं: तेरह ने अब्राम, नाहोर और हारान को जन्म दिया, और हारान ने लोत को जन्म दिया। और हारान अपने पिता तेरह के सामने उस भूमि में मर गया जहाँ वह पैदा हुआ था, कसदियों के प्रदेश में। और अब्राम और नाहोर ने अपने लिए पत्नियाँ लीं। अब्राम की पत्नी का नाम सारा था, और नाहोर की पत्नी का नाम मिल्का था, जो हारान की पुत्री थी, और हारान मिल्का का पिता था, और इस्का का पिता था। और साराई बाँझ थी और वह संतान उत्पन्न नहीं करती थी। और तेरह ने अपने पुत्र अब्राम को, और अपने पोते, अरान के पुत्र लोत को, और अपनी बहू साराई को, जो उसके पुत्र अब्राम की पत्नी थी, लिया, और उन्हें कसदियों के देश से निकालकर कनान देश में जाने के लिए ले गया, और वे हारान तक आए और वहाँ बस गए। और तेरह के सब दिन हारान देश में दो सौ पाँच वर्ष हुए, और तेरह हारान में मर गया।

12

और प्रभु ने अब्राम से कहा, अपनी भूमि से, अपने कुटुम्ब से, और अपने पिता के घर से निकल जा, और उस भूमि में आ जो मैं तुझे दिखाऊँगा। और मैं तुझे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा, और तुझे आशीर्वाद दूँगा, और तेरे नाम को बड़ा करूँगा, और तू आशीर्वादित होगा। और मैं उन्हें आशीर्वाद दूँगा जो तुम्हें आशीर्वाद देते हैं, और उन्हें शाप दूँगा जो तुम्हें शाप देते हैं, और तुम में पृथ्वी के सब कुल आशीर्वादित किए जाएंगे। और अब्राम चला गया, जैसा प्रभु ने उससे कहा था, और लोत उसके साथ गया, अब्राम पचहत्तर वर्ष का था, जब वह हारान से निकला। और अब्राम ने अपनी पत्नी सारे को, और अपने भाई के पुत्र लोत को, और उनकी सब संपत्तियाँ जो उन्होंने अर्जित की थीं, और सब प्राणी जो उन्होंने अर्जित किए थे, हारान से लिया, और कनान की भूमि में जाने के

लिए निकले। और अब्राहम ने उस भूमि की लंबाई में यात्रा की, शकेम के स्थान तक, ऊंचे बांज के पेड़ तक, और कनानी उस समय उस भूमि में रहते थे। और प्रभु अब्राहम को प्रकट हुए, और उससे कहा, तेरे वंश को मैं यह भूमि दूंगा, और अब्राहम ने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, जो उसको प्रकट हुए थे। और वह वहाँ से बेथेल के पूर्व में पहाड़ की ओर चला गया, और उसने वहाँ अपना तंबू लगाया, बेथेल पश्चिम में और अंगै पूर्व में, और उसने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और प्रभु के नाम पर पुकारा। और अब्राहम प्रस्थान किया, और जाकर जंगल में डेरा डाला।

और भूमि पर अकाल पड़ा, और अब्राहम मिस्र में निवास करने के लिए वहाँ गया, क्योंकि भूमि पर अकाल बलवान हो गया था। और ऐसा हुआ कि जब अब्राहम मिस्र में प्रवेश करने के निकट आया, तो अब्राहम ने अपनी पत्नी सारै से कहा, मैं जानता हूँ कि तू सुंदर मुख वाली स्त्री है। इसलिए जब मिस्री तुम्हें देखेंगे, तो वे कहेंगे कि यह उसकी स्त्री है, और वे मुझे मार डालेंगे, लेकिन तुम्हें बचाएंगे। मैंने इसलिए कहा कि मैं उसकी बहन हूँ, ताकि तुम्हारे कारण मेरे साथ अच्छा हो, और तुम्हारे कारण मेरी आत्मा जीवित रहे। यह हुआ कि जब अब्राहम मिस्र में प्रवेश किया, मिस्रवासियों ने उसकी पत्नी को देखा कि वह बहुत सुंदर थी। और फ़िरौन के शासकों ने उसे देखा, और उन्होंने फ़िरौन के सामने उसकी प्रशंसा की, और उसे फ़िरौन के घर में ले गए। और अब्राहम के साथ उसके कारण अच्छा व्यवहार किया गया, और उसके पास भेड़, बछड़े, गधे, सेवक, दासियाँ, खच्चर और ऊँट हो गए। और ईश्वर ने फ़िरौन को महान और भयंकर विपत्तियों से पीड़ित किया, और उसके घर को भी, अब्राहम की पत्नी सारै के विषय में। फ़िरौन ने अब्राहम को बुलाकर कहा, तूने मुझे यह क्या किया, कि तूने मुझे नहीं बताया कि वह तेरी पत्नी है? तुमने क्यों कहा कि वह मेरी बहन है? और मैंने उसे अपनी पत्नी बना लिया, और अब देखो, तुम्हारी पत्नी तुम्हारे सामने है, उसे लेकर चले जाओ। और फ़िरौन ने पुरुषों को अब्राहम के विषय में आदेश दिया कि उसे, और उसकी पत्नी को, और जो कुछ उसके पास था सब कुछ, भेज दें।

13

अब्राम मिस्र से ऊपर गया, वह और उसकी पत्नी, और उसका सब कुछ, और लोत उसके साथ, रेगिस्तान में। अब्राम अत्यधिक धनी था - पशुधन, चांदी और सोने में। और वह वहाँ से गया जहाँ से वह आया था, रेगिस्तान में बेटेल तक, उस स्थान तक जहाँ पहले उसका तम्बू था, बेटेल और अंगाई के बीच में, उस वेदी के स्थान में, जहाँ उसने आरंभ में बनाया था, और वहाँ अब्राम ने प्रभु के नाम को पुकारा। और लूत के पास, जो अब्राम के साथ यात्रा कर रहा था, भेड़ें, बैल और तंबू थे। और वह भूमि उनको एक साथ निवास करने के लिए पर्याप्त नहीं थी, क्योंकि उनकी संपत्ति बहुत थी, और वह भूमि उनको एक साथ निवास करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। और अब्राम के पशुओं के चरवाहों और लोत के पशुओं के चरवाहों के बीच लड़ाई हुई, और कनानी और परिज्जी उस समय उस भूमि में रहते थे। अब्राम ने लोत से कहा, मेरे और तुम्हारे बीच लड़ाई न हो, और मेरे चरवाहों और तुम्हारे चरवाहों के बीच भी न हो, क्योंकि हम भाई हैं। क्या सारी भूमि तुम्हारे सामने नहीं है? मुझसे अलग हो जाओ। यदि तुम बाई ओर जाओगे, तो मैं दाई ओर जाऊंगा, और यदि तुम दाई ओर जाओगे, तो मैं बाई ओर जाऊंगा। और लूत ने अपनी आँखें उठाकर यर्दन के सम्पूर्ण क्षेत्र को देखा कि वह सब सींचा हुआ था, इससे पहले कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट किया, जैसे परमेश्वर का स्वर्ग और जैसे मिस्र की भूमि सोर तक। और लूत ने अपने लिए यर्दन का सारा आसपास का क्षेत्र चुना, और लूत पूर्व से चला गया, और वे प्रत्येक अपने भाई से अलग हो गए। अब्राम ने कनान की भूमि में निवास किया, लेकिन लोत ने आसपास के क्षेत्र के नगर में निवास किया, और सदोम में तंबू लगाया। लेकिन वे लोग जो सदोम में थे, परमेश्वर के सामने अत्यधिक दुष्ट और पापी थे। और परमेश्वर ने अब्राम से कहा, लोत के उससे अलग होने के बाद, अपनी आँखें उठाओ और उस स्थान से जहाँ तुम अब हो, उत्तर और दक्षिण और पूर्व और समुद्र की ओर देखो, क्योंकि सारी भूमि जो तू देखता है, वह मैं तुझे दूँगा और तेरे वंश को युगों तक। और मैं तुम्हारे वंश को पृथ्वी की रेत के समान बनाऊँगा, यदि कोई पृथ्वी की रेत को गिन सकता है, तो तुम्हारा वंश भी गिना जाएगा। उठो और इस भूमि को उसकी लंबाई और चौड़ाई में पार करो, क्योंकि मैं इसे तुम्हें और तुम्हारे वंश को सदा के लिए दूँगा। और अपना तंबू हटाकर अब्राम आया और माघ्रे के बलूत के पास बसा, जो हेब्रोन में था, और उसने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई।

यह हुआ कि अमारफाल जो शिनार का राजा था, और अरियोक जो एल्लासार का राजा था, खेदोर्लाओमेर जो एलाम का राजा था, और तिदाल जो राष्ट्रों का राजा था, इनके राज्यकाल में उन्होंने बिल्हा सदोम के राजा के साथ, और बरसा गमोरा के राजा के साथ, और शिनार अदमा के राजा के साथ, और सुमोबोर सबोईम के राजा के साथ, और बालाक राजा के साथ युद्ध किया; यह सोअर है। ये सभी नमकीन घाटी पर सहमत हुए, यह नमक का समुद्र है। बारह वर्ष तक उन्होंने केदोर्लाओमेर की सेवा की, लेकिन तेरहवें वर्ष में उन्होंने विद्रोह कर दिया। चौदहवें वर्ष में खेदोर्लाओमेर और उसके साथ के राजा आए, और उन्होंने अशतारोत में के दानवों को और कर्नाईम को काट डाला, और उनके साथ ही शक्तिशाली जातियों को, और साऊ नगर में के ओम्माई लोगों को। और होराइयों को सेईर के पहाड़ों में, पारान के तेरेबिन्थ तक, जो जंगल में है। और लौटकर वे न्याय के स्रोत पर आए, यह कादेश है, और उन्होंने अमालेक के सब शासकों को और हसासोनथामार में निवास करने वाले अमोरियों को मार डाला और सदोम का राजा, अमोरा का राजा, अदमा का राजा, सबोईम का राजा, और बालाक का राजा, जो सोअर है, बाहर गए, और उन्होंने नमकीन घाटी में उनके विरुद्ध युद्ध के लिए व्यूह रचा। खेदोर्लाओमेर जो एलाम का राजा था, और तिदाल जो राष्ट्रों का राजा था, और अम्राफेल जो शिनार का राजा था, और अर्योक जो एल्लासार का राजा था, ये चार राजा उन पाँच के विरुद्ध थे। वह नमकीन घाटी में डामर के कुएँ थे, लेकिन सदोम का राजा और अमोरा का राजा भागे, और वहाँ गिर गए, और जो बचे हुए थे वे पहाड़ी इलाके में भाग गए। उन्होंने सदोम और गमोरा के सभी घोड़े और उनका सारा भोजन लिया, और चले गए। उन्होंने लूट को भी लिया, जो अब्राम के भाई का पुत्र था, और उसका सामान, और चले गए, क्योंकि वह सदोम में निवास करता था।

बचाए गए लोगों में से कोई व्यक्ति पहुँचा और इब्री अब्राम को सूचना दी। वह अमोरी मग्ने के बलूत के पास रहता था, जो एशकोल का भाई था, और ओनान का भाई था। ये अब्राम के

सहयोगी थे। सुनकर अब्राम ने कि उसका भाई लोत बंदी बनाया गया था, अपने घर में जन्मे तीन सौ अठारह सेवकों को गिना, और उनका पीछा करते हुए दान तक गया। और वह स्वयं और उसके सेवकों ने रात को उन पर आक्रमण किया, और उन्हें मारा, और होबा तक उनका पीछा किया, जो दमिश्क के बाई ओर है। और उसने सदोम के सभी घोड़े वापस लाए, और अपने भतीजे लूत को वापस लाया, और उसकी सभी संपत्ति, और स्त्रियों को, और लोगों को। सदोम का राजा उससे मिलने के लिए बाहर गया, जब वह खदोर्लाओमेर और उसके साथ के राजाओं को मारकर लौटा, सावे की घाटी में, जो राजाओं का मैदान था।

और सालेम का राजा मेल्खिसेदेक रोटियाँ और दाखरस बाहर लाया, और वह सर्वोच्च परमेश्वर का पुजारी था। और उसने अब्राम को आशीर्वाद दिया, और कहा, धन्य है अब्राम सर्वोच्च परमेश्वर के द्वारा, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि की। और धन्य है सर्वोच्च परमेश्वर, जिसने तेरे शत्रुओं को तेरे अधीन कर दिया, और अब्राम ने उसे सब में से दशमांश दिया। सदोम के राजा ने अब्राम से कहा, पुरुषों को मुझे दे दो, और घोड़ा अपने लिए ले लो। अब्राम ने सदोम के राजा से कहा, मैं अपना हाथ प्रभु परमेश्वर सर्वोच्च की ओर फैलाऊंगा, जिन्होंने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया, यदि धागे से लेकर जूते के फीते तक मैं तुम्हारी सभी चीजों में से कुछ भी लूं, तो तुम यह न कह सको कि मैंने अब्राम को धनवान बनाया। सिवाय उसके जो युवा पुरुषों ने खाया, और उन पुरुषों के हिस्से के जो मेरे साथ गए थे - एशकोल, औनान, मामरे, ये अपना हिस्सा लेंगे।

15

इन शब्दों के बाद प्रभु का वचन अब्राम के पास दर्शन में आया, और कहा, हे अब्राम, मत डर, मैं तेरी ढाल हूँ, तेरा प्रतिफल बहुत बड़ा होगा। अब्राम कहता है, हे स्वामी प्रभु, तू मुझे क्या देगा? मैं तो निःसंतान जा रहा हूँ, और मेरे घर का पुत्र, यह दमिश्क का एलीएज़र, मासेक का है। और अब्राम ने कहा, चूंकि तूने मुझे संतान नहीं दी है, इसलिए मेरे घर में जन्मा सेवक मेरा

उत्तराधिकारी होगा। और तुरंत प्रभु की आवाज़ उसके पास आई, जो कह रही थी, यह तुम्हारा उत्तराधिकारी नहीं होगा, बल्कि जो तुमसे निकलेगा, वही तुम्हारा उत्तराधिकारी होगा। उसे बाहर ले गया, और उससे कहा, आकाश की ओर देखो, और तारों को गिनो, यदि तुम उन्हें गिन सकते हो, और कहा, इस प्रकार तुम्हारा वंश होगा। और अब्राम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता में गिना गया। उसने उससे कहा, मैं वह ईश्वर हूँ जो तुझे कसदियों के देश से निकाल लाया, ताकि तुझे यह भूमि विरासत में दूँ। और उसने कहा, स्वामी प्रभु, मैं कैसे जानूँगा कि मैं इसे विरासत में पाऊँगा? उसने उससे कहा, मेरे लिए तीन साल की एक बछिया, तीन साल की एक बकरी, तीन साल का एक मेढ़ा, एक फाख्ता और एक कबूतर ले आओ। उसने ये सब लिया, और उनको बीच में विभाजित किया, और उनको एक दूसरे के सामने रखा, लेकिन पक्षियों को विभाजित नहीं किया। लेकिन पक्षी शरीरों पर, उनके टुकड़ों पर आ गए, और अब्राम उनके साथ बैठ गया। सूर्यास्त के समय अब्राम पर समाधि छा गई, और देखो, एक महान अंधकारमय भय उन पर गिरने लगा। और अब्राम से कहा गया, निश्चित रूप से तुम जानोगे कि तुम्हारा वंश एक ऐसी भूमि में प्रवासी होगा जो उनकी अपनी नहीं है, और वे उन्हें गुलाम बनाएंगे, और उनके साथ दुर्व्यवहार करेंगे, और उन्हें नग्न करेंगे, चार सौ वर्षों तक। परन्तु जिस राष्ट्र की वे सेवा करेंगे, उसका न्याय मैं करूँगा, और इसके बाद वे बहुत सारे सामान के साथ यहाँ से निकलेंगे। लेकिन तू अपने पितरों के पास शांति में जाएगा, अच्छे बुढ़ापे में पाला-पोसा गया। चौथी पीढ़ी में वे यहाँ लौट आएंगे, क्योंकि एमोरियों के पाप अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। चूंकि सूरज पश्चिम की ओर हुआ, लौ प्रकट हुई, और देखो, एक धुआं करती हुई भट्टी और आग की मशालें, जो इन विभाजित टुकड़ों के बीच से गुजरीं। उस दिन प्रभु ने अब्राम के साथ वाचा बाँधी और कहा, मैं तुम्हारे वंश को यह भूमि दूँगा, मिस्र की नदी से लेकर महान नदी फरात तक। केनाइयों, केनिज़ाइयों और कदमोनाइयों को, और हित्तियों, और परिज्जियों, और रपाइयों, और अमोरियों, और कनानियों, और हिब्वियों, और गिर्गाशियों, और यबूसियों को।

16

सराई, जो अब्राम की पत्नी थी, उसे संतान नहीं दे सकी। उसकी एक मिस्री दासी थी जिसका नाम हागार था। और सारै ने अब्राम से कहा, देखो, प्रभु ने मुझे संतान उत्पन्न करने से रोक दिया है। इसलिए तुम मेरी दासी के पास जाओ, ताकि मैं उससे संतान प्राप्त कर सकूँ। और अब्राम ने सारै की बात सुनी। और अब्राम की पत्नी सारा ने अपनी मिस्री दासी हाजिरा को लेकर, अब्राम के कनान देश में निवास करने के दस वर्ष बाद, उसे अपने पति अब्राम को पत्नी के रूप में दे दिया। और वह हाजिरा के पास गया, और उसने गर्भ धारण किया, और उसने देखा कि वह गर्भवती है, और मालकिन उसकी नज़र में अपमानित हुई। सारै ने अब्राम से कहा, मेरे साथ तुम्हारी ओर से अन्याय हुआ है। मैंने अपनी दासी को तुम्हारी गोद में दिया था, लेकिन जब उसने देखा कि वह गर्भवती है, तो मैं उसके सामने अपमानित हुई। परमेश्वर मेरे और तुम्हारे बीच न्याय करे। अब्राम ने सारै से कहा, देखो, तुम्हारी दासी तुम्हारे हाथों में है, उसके साथ वैसा करो जैसा तुम्हें अच्छा लगे। और सारा ने उसे सताया, और वह उसके सामने से भाग गई।

प्रभु के दूत ने उसे जंगल में पानी के झरने पर पाया, शूर के मार्ग में झरने पर। और प्रभु के दूत ने उससे कहा, हागार, सारै की दासी, तू कहाँ से आ रही है और कहाँ जा रही है? और उसने कहा, मैं अपनी स्वामिनी सारै के सामने से भाग रही हूँ। प्रभु के दूत ने उससे कहा, अपनी मालकिन के पास लौट जा, और उसके हाथों के अधीन विनम्र हो जा। और प्रभु के दूत ने उससे कहा, मैं तुम्हारे वंश को बहुत बढ़ाऊँगा, और वह इतना अधिक होगा कि गिना नहीं जा सकेगा। और प्रभु के दूत ने उससे कहा, देखो, तुम गर्भवती हो, और तुम एक पुत्र को जन्म दोगी, और तुम उसका नाम इश्माएल रखोगी, क्योंकि प्रभु ने तुम्हारी दुर्दशा सुनी है। यह एक जंगली आदमी होगा, उसके हाथ सबके ऊपर होंगे, और सबके हाथ उसके ऊपर होंगे, और वह अपने सभी भाइयों के सामने निवास करेगा। और उसने प्रभु का नाम, जो उससे बोल रहा था, पुकारा, तू वह परमेश्वर है जो मुझे देखता है, क्योंकि उसने कहा, क्योंकि मैंने यहाँ उसे देखा है जो मुझे दिखाई दिया था। इसी कारण उसने उस कुएं को यह नाम दिया, वह कुआँ जो सामने देखा गया था, देखो, यह कादेश और बाराद के बीच में है। और हागार ने अब्राम को एक पुत्र जन्म दिया, और अब्राम ने अपने पुत्र का नाम, जो हागार ने उसे जन्म दिया था, इश्माएल रखा। अब्राम छियासी वर्ष का था, जब

हाजिरा ने अब्राम के लिए इश्माएल को जन्म दिया।

17

और अब्राम निन्यानवे वर्ष का हुआ। और प्रभु अब्राम को प्रकट हुए, और उससे कहा, मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मेरे सामने प्रसन्न कर, और निर्दोष बन। और मैं अपनी वाचा मेरे और तेरे बीच स्थापित करूंगा, और तुझे अत्यधिक बढ़ाऊंगा। और अब्राम अपने चेहरे के बल गिर पड़ा। और परमेश्वर ने उससे कहा, और मैं, देखो, मेरी वाचा तुम्हारे साथ है, और तुम अनेक जातियों के पिता होगे। और अब तुम्हारा नाम अब्राम नहीं बुलाया जाएगा, लेकिन तुम्हारा नाम अब्राहम होगा, क्योंकि मैंने तुम्हें बहुत राष्ट्रों का पिता नियुक्त किया है। और मैं तुम्हें अत्यधिक बढ़ाऊंगा, और तुम्हें राष्ट्रों में बनाऊंगा, और राजा तुमसे निकलेंगे। और मैं अपनी वाचा तुम्हारे और तुम्हारे बीज के बीच, तुम्हारे साथ उनकी पीढ़ियों में स्थापित करूंगा, एक शाश्वत वाचा के रूप में, कि मैं तुम्हारा और तुम्हारे साथ तुम्हारे बीज का परमेश्वर होऊँ। और मैं तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को वह भूमि दूँगा जिसमें तू परदेशी होकर रहता है, अर्थात् कनान की सारी भूमि, अनन्त अधिकार के लिए, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। और परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, लेकिन तू मेरी वाचा को बनाए रखेगा, तू और तेरे बाद तेरा वंश उनकी पीढ़ियों तक। और यह वह वाचा है, जो तुम रखोगे मेरे और तुम्हारे बीच, और तुम्हारे बीज के बीच तुम्हारे साथ उनकी पीढ़ियों में, तुम्हारा हर पुरुष खतना किया जाएगा। और तुम अपनी चमड़ी के मांस का खतना करोगे, और यह मेरे और तुम्हारे बीच वाचा का निशान होगा। और आठ दिन के बच्चे का खतना किया जाएगा तुम्हारे बीच, तुम्हारी पीढ़ियों में हर नर का, चाहे वह घर में जन्मा हो या किसी पराए से चांदी से खरीदा गया हो, जो तुम्हारे वंश से नहीं है, तुम्हारे घर में जन्मे और चांदी से खरीदे गए का खतना अवश्य किया जाएगा, और मेरी वाचा तुम्हारे मांस पर शाश्वत वाचा के रूप में होगी। और वह खतनारहित पुरुष, जिसका अग्रचर्म का मांस आठवें दिन खतना नहीं किया जाएगा, वह आत्मा अपनी जाति से नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि उसने मेरी वाचा तोड़ दी है। और परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, साँरे तुम्हारी स्त्री, उसका

नाम सारै नहीं बुलाया जाएगा, सारा होगा उसका नाम। मैं उसे आशीर्वाद दूंगा, और तुम्हें उससे एक बच्चा दूंगा, और मैं उसे आशीर्वाद दूंगा, और वह राष्ट्रों में होगा, और उससे राष्ट्रों के राजा होंगे। और अब्राहम अपने चेहरे के बल गिरा, और हँसा, और उसने अपने मन में कहा, क्या सौ वर्ष के व्यक्ति को पुत्र होगा? और क्या सारा नब्बे वर्ष की उम्र में जन्म देगी? अब्राहम ने परमेश्वर से कहा, यह इश्माएल तुम्हारे सामने जीवित रहे। परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, हाँ, देखो, तुम्हारी पत्नी सारा तुम्हें एक पुत्र जन्म देगी, और तुम उसका नाम इसहाक रखोगे, और मैं उसके साथ अपनी वाचा स्थापित करूँगा, एक शाश्वत वाचा के रूप में, उसके और उसके बाद उसके वंश के लिए परमेश्वर बनने के लिए। इश्माएल के बारे में, देखो, मैंने तुम्हारी सुनी है, और देखो, मैंने उसे आशीर्वाद दिया है, और मैं उसे बढ़ाऊँगा, और मैं उसे बहुत गुणा करूँगा। वह बारह राष्ट्रों को उत्पन्न करेगा, और मैं उसे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। परन्तु मैं अपनी वाचा इसहाक के साथ स्थापित करूँगा, जिसे सारा तुम्हारे लिए इस समय में, अगले वर्ष में जन्म देगी। और जब वह उससे बोल चुके, तो परमेश्वर अब्राहम के पास से ऊपर चले गए।

और अब्राहम ने अपने पुत्र इश्माएल को, और अपने सब घर में जन्मे सेवकों को, और चांदी से खरीदे गए सब लोगों को, और अब्राहम के घर के पुरुषों में से हर एक नर को लिया, और उसी दिन के समय में उनकी खलड़ी का खतना किया, जैसा परमेश्वर ने उससे कहा था। अब्राहम निन्यानवे वर्ष के थे, जब उन्होंने अपनी खलड़ी के मांस का खतना किया। इश्माएल, उसका पुत्र, तेरह वर्ष का था जब उसकी चमड़ी के मांस का खतना किया गया। उस दिन के समय में अब्राहम का खतना किया गया, और उसके पुत्र इश्माएल का भी, और उसके घर के सब पुरुष, और उसके घर में जन्मे लोग, और विदेशी राष्ट्रों से चांदी से खरीदे गए लोग।

18

परमेश्वर उसको ममरे के बांज वृक्ष के पास दिखाई दिए, जब वह दोपहर के समय अपने तम्बू के

द्वार पर बैठा हुआ था। उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर देखा, और देखो, तीन पुरुष उसके सामने खड़े थे, और उन्हें देखकर, वह अपने तम्बू के द्वार से उनसे मिलने के लिए दौड़ा, और भूमि पर प्रणाम किया। और उसने कहा, हे प्रभु, यदि मुझ पर आपकी कृपा हुई है, तो अपने सेवक को छोड़कर मत जाइए। पानी लाया जाए, और वे तुम्हारे पैर धोएं, और तुम पेड़ के नीचे विश्राम करो। और मैं रोटी लाऊंगा, और तुम खाओगे। और इसके बाद तुम अपने रास्ते पर जाओगे, जिसके कारण तुम अपने सेवक की ओर मुड़े। और उसने कहा, ऐसा ही करो, जैसा तुमने कहा है। और अब्राहम तम्बू की ओर सारा के पास जल्दी से गया, और उससे कहा, जल्दी करो, और तीन माप मैदा गूंधो, और रोटियाँ बनाओ। और इब्राहीम बैलों की ओर दौड़े, और एक कोमल और अच्छा बछड़ा लिया, और सेवक को दिया, और उसने इसे तैयार करने में जल्दी की। उसने मक्खन और दूध और वह बछड़ा जो उसने बनाया था लिया, और उनके सामने रखा, और उन्होंने खाया, और वह स्वयं उनके पास पेड़ के नीचे खड़ा रहा।

उसने कहा, तुम्हारी पत्नी सारा कहाँ है? उसने उत्तर देते हुए कहा, देखो, तम्बू में है। उसने कहा, लौटते हुए मैं तुम्हारे पास इस समय के अनुसार, इस मौसम में आऊंगा, और तुम्हारी पत्नी सारा का एक पुत्र होगा। सारा तंबू के दरवाजे पर उसके पीछे खड़ी होकर सुन रही थी। अब्राहम और सारा बुजुर्ग थे, उम्र में बहुत आगे बढ़ चुके थे, और सारा में स्त्रियों वाली बातें होनी बंद हो गई थीं। सारा अपने मन में हँसी और कहा, अभी तक मुझे यह नहीं हुआ है, और मेरे स्वामी भी बूढ़े हैं। और प्रभु ने अब्राहम से कहा, क्या बात है कि सारा अपने मन में हँसी और कहा, क्या वास्तव में मैं जन्म दूँगी? मैं तो बूढ़ी हो गई हूँ। क्या परमेश्वर के लिए कोई वचन असंभव होगा? इस समय पर मैं तुम्हारे पास लौटूँगा, और सारा के पुत्र होगा। सारा ने इनकार करते हुए कहा, मैं नहीं हँसी, क्योंकि वह डर गई थी। और उसने उससे कहा, नहीं, बल्कि तुम हँसी थीं।

वहाँ से उठकर, वे पुरुष सदोम और गमोरा की ओर देखने लगे। अब्राहम उनके साथ चल रहा था और उन्हें विदा कर रहा था। प्रभु ने कहा, मैं अपने सेवक अब्राहम से वह नहीं छिपाऊँगा जो मैं करता हूँ। अब्राहम एक महान और विशाल राष्ट्र बनेगा, और उसके द्वारा पृथ्वी के सभी राष्ट्र

आशीर्वादित होंगे। मैं जानता था कि वह अपने पुत्रों और अपने घर को अपने साथ आदेश देगा, और वे प्रभु के मार्गों को बनाए रखेंगे, धार्मिकता और न्याय करने के लिए, ताकि प्रभु अब्राहम पर वह सब ला सके जो उसने उससे कहा था। प्रभु ने कहा, सदोम और अमोरा की चिल्लाहट मेरे पास बढ़ गई है, और उनके पाप बहुत महान हैं। इसलिए नीचे उतरकर देखूंगा कि क्या उनकी चीख जो मुझ तक आ रही है, उसके अनुसार वे पूरी की जा रही हैं, और यदि नहीं, तो मैं जान सकूँ। और वे पुरुष वहाँ से मुड़कर सदोम को आए, लेकिन अब्राहम अभी भी प्रभु के सामने खड़ा था। और पास आकर अब्राहम ने कहा, धर्मी को अधर्मी के साथ नष्ट मत करो, और धर्मी अधर्मी के समान हो जाएगा। यदि शहर में पचास धर्मी हैं, तो क्या तुम उन्हें नष्ट कर दोगे? क्या तुम उन पचास धर्मी के कारण पूरे स्थान को नहीं छोड़ोगे, यदि वे इसमें हैं? किसी भी तरह से नहीं, तू ऐसा नहीं करेगा जैसे यह बात है, कि धर्मी को दुष्ट के साथ मार डाले, और धर्मी दुष्ट के समान हो जाए। किसी भी तरह से नहीं! क्या सारी पृथ्वी का न्यायकर्ता न्याय नहीं करेगा? प्रभु ने कहा, यदि सदोम शहर में पचास धर्मी हों, तो मैं उनके कारण पूरे शहर को और सारे स्थान को छोड़ दूंगा। और उत्तर देते हुए अब्राहम ने कहा, अब मैंने अपने प्रभु से बोलना शुरू किया है, लेकिन मैं तो मिट्टी और राख हूँ। यदि लेकिन वे पचास धर्मी पैंतालीस में कम हो जाएं, तो क्या तुम पांच के कारण सारे नगर को नष्ट कर दोगे? और उसने कहा, नहीं, मैं नष्ट नहीं करूंगा, यदि मैं वहाँ पैंतालीस पाऊँ। और उसने फिर उससे बोलना जारी रखा, और कहा, यदि वहाँ चालीस पाए जाएं, और उसने कहा, मैं चालीस के कारण नष्ट नहीं करूंगा। और उसने कहा, हे प्रभु, यदि मैं बोलूँ तो क्या बुरा है? यदि वहाँ तीस पाए जाएं? और उसने कहा, मैं तीस के कारण नष्ट नहीं करूंगा। और उसने कहा, चूँकि मुझे प्रभु से बोलना है, यदि वहाँ बीस पाए जाएं? और उसने कहा, मैं नष्ट नहीं करूंगा, यदि मैं वहाँ बीस पाऊँ। और उसने कहा, हे प्रभु, यदि मैं एक बार फिर बोलूँ तो क्या बुरा होगा? यदि वहाँ दस पाए जाएं? और उसने कहा, मैं दस के कारण नष्ट नहीं करूंगा। और प्रभु चले गए जब उन्होंने अब्राहम से बोलना बंद किया, और अब्राहम अपने स्थान को लौट गए।

दो दूत शाम को सदोम में आए। लूत सदोम के द्वार के पास बैठा था। लूत ने देखा, तो वह उनसे मिलने के लिए उठा और भूमि पर मुँह के बल झुका। और उसने कहा, देखो, हे स्वामियों, अपने सेवक के घर में मुड़िए और ठहरिए, और अपने पैर धोइए, और सुबह जल्दी उठकर अपने रास्ते पर चले जाइएगा। और उन्होंने कहा, नहीं, लेकिन हम गली में ठहरेंगे। और उसने उन्हें आग्रह किया, और वे उसकी ओर मुड़ गए, और वे उसके घर में प्रवेश किए, और उसने उनके लिए पेय बनाया, और उसने उनके लिए बिना खमीर की रोटी पकाई, और उन्होंने खाया। सोने से पहले, शहर के पुरुषों ने, सदोमियों ने घर को घेर लिया, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, सभी लोग एक साथ। और उन्होंने लोत को बुलाया, और उससे कहा, कहाँ हैं वे पुरुष जो आज रात तुम्हारे पास आए हैं? उन्हें हमारे पास बाहर लाओ, ताकि हम उनके साथ संबंध बना सकें। लूत बाहर गया उनके पास दहलीज की ओर, और दरवाजा अपने पीछे बंद कर दिया। उन्होंने उससे कहा, भाइयों, किसी भी तरह से बुराई मत करो। मेरे पास दो पुत्रियाँ हैं, जिन्होंने किसी पुरुष को नहीं जाना है, मैं उन्हें तुम्हारे पास बाहर लाऊँगा, और तुम उनका उपयोग करो जैसा तुम्हें प्रसन्न हो, केवल इन पुरुषों के साथ अन्याय मत करो, क्योंकि वे मेरी छत के आश्रय में प्रविष्ट हुए हैं। उन्होंने उससे कहा, वहाँ से हट जा! तू यहाँ रहने के लिए आया था, न कि न्याय करने के लिए। अब इसलिए हम तुझे उनसे भी अधिक बुरा करेंगे। और वे लूत नामक पुरुष पर बहुत जबरदस्ती करने लगे, और दरवाज़ा तोड़ने के लिए पास आए। परन्तु उन पुरुषों ने हाथ फैलाकर लूत को अपनी ओर घर के भीतर खींच लिया, और घर का दरवाज़ा बंद कर दिया। परन्तु घर के दरवाज़े पर खड़े पुरुषों को, छोटे से लेकर बड़े तक, उन्होंने अंधेपन से मारा, और वे दरवाज़ा ढूँढ़ते हुए व्याकुल हो गए। लेकिन उन पुरुषों ने लूत से कहा, क्या तुम्हारे यहाँ दामाद, या पुत्र, या पुत्रियाँ हैं? या क्या तुम्हारा कोई अन्य इस नगर में है? उन्हें इस स्थान से निकालो, क्योंकि हम इस स्थान को नष्ट कर रहे हैं, क्योंकि उनकी चिल्लाहट प्रभु के सामने ऊपर उठाई गई, और प्रभु ने हमें इसे नष्ट करने के लिए भेजा। लूत बाहर गया और अपने दामादों से बोला जिन्होंने उसकी बेटियों को ब्याहा था, और कहा, उठो और इस स्थान से निकल जाओ, क्योंकि प्रभु इस नगर को नष्ट करने वाले हैं। लेकिन उसके दामादों के सामने यह मजाक लगा। जब भोर हुई, तो दूत लूत से कहने लगे, उठो, अपनी पत्नी और अपनी दो बेटियों को, जो तुम्हारे पास हैं, लेकर निकल जाओ, ताकि तुम भी शहर के अधर्मों

के साथ नष्ट न हो जाओ। और वे परेशान हो गए, और दूतों ने उसका हाथ, उसकी पत्नी का हाथ, और उसकी दो बेटियों के हाथ पकड़ लिए, क्योंकि प्रभु ने उस पर दया की।

और ऐसा हुआ जब उनको बाहर ले गए, तो उन्होंने कहा, अपनी आत्मा को बचाते हुए बचाओ, पीछे की ओर मत देखो, और न ही सारे आसपास के क्षेत्र में खड़े होओ, पहाड़ की ओर अपने आप को बचाओ, कहीं ऐसा न हो कि तुम बह जाओ। लूत ने उनसे कहा, मैं विनती करता हूँ प्रभु, चूंकि आपके सेवक ने आपके सामने दया पाई है, और आपने अपनी धार्मिकता को बढ़ा किया है, जो आप मुझ पर करते हैं, मेरी आत्मा को जीवित रखने के लिए, लेकिन मैं पहाड़ पर बचाया जाने में सक्षम नहीं होऊंगा, कहीं ऐसा न हो कि बुराइयां मुझे पकड़ लें, और मैं मर जाऊं। देखो, यह शहर मेरे लिए वहाँ शरण लेने के लिए निकट है, जो छोटा है, और वहाँ मैं बचाया जाऊँगा। क्या यह छोटा नहीं है? और मेरी आत्मा तेरे कारण जीवित रहेगी। और उसने उससे कहा, देखो, मैंने तुम्हारे चेहरे पर आश्चर्य किया है और इस बात पर भी, कि उस शहर को नष्ट न करूँ जिसके बारे में तुमने बोला था। जल्दी करो इसलिए का बचाया जाना वहाँ, नहीं क्योंकि सक्षम होऊँगा करना बात, तक का आना तुम व सूरज भूमि पर निकल आया, और लूत सोअर में प्रवेश कर गया। और प्रभु ने सदोम और अमोरा पर गंधक और अग्नि बरसाई, प्रभु की ओर से स्वर्ग से। और उसने इन शहरों को नष्ट कर दिया, और पूरे आसपास के क्षेत्र को, और शहरों में रहने वाले सभी लोगों को, और धरती से उगने वाली सभी चीजों को। और उसकी पत्नी ने पीछे देखा, और वह नमक का खंभा बन गई। अब्राहम सवेरे उठा और उस स्थान पर गया, जहाँ वह प्रभु के सामने खड़ा था। और उसने सदोम और गमोरा की ओर तथा आसपास के क्षेत्र की ओर देखा, और उसने देखा, और देखो, पृथ्वी से लौ ऊपर उठ रही थी, जैसे भट्टी का धुआँ। और ऐसा हुआ कि जब परमेश्वर ने आसपास के क्षेत्र के सब नगरों को नष्ट किया, तो परमेश्वर ने अब्राहम को याद किया, और लूत को विनाश के बीच से भेज दिया, जब प्रभु ने उन नगरों को नष्ट किया जिनमें लूत रहता था।

लूत सोअर से ऊपर गया, और वह पहाड़ में बैठा, और उसकी दो बेटियाँ उसके साथ थीं, क्योंकि वह सोअर में निवास करने से डरा, और उसने गुफा में निवास किया, वह और उसकी दो बेटियाँ

उसके साथ। बड़ी ने छोटी से कहा, हमारा पिता बूढ़ा है, और पृथ्वी पर कोई नहीं है जो हमारे पास आएगा, जैसा कि सारी भूमि में उचित है। आओ और हम अपने पिता को शराब पिलाएं, और हम उसके साथ लेटें, और हम अपने पिता से संतान उत्पन्न करें। उन्होंने उस रात अपने पिता को शराब पिलाई, और बड़ी बेटी ने प्रवेश करके उस रात अपने पिता के साथ सोई, और उसे सोते समय और उठते समय पता नहीं चला। यह हुआ कि अगले दिन बड़ी ने छोटी से कहा, देखो, मैं कल हमारे पिता के साथ सोई। आज रात भी हम उसे शराब पिलाएं, और तू अंदर जाकर उसके साथ सो, और हम अपने पिता से संतान उत्पन्न करें। उन्होंने उस रात भी अपने पिता को शराब पिलाई, और छोटी बेटी ने प्रवेश करके अपने पिता के साथ सोई, और उसे पता नहीं चला उसके सोने में और उठने में। और लोत की दोनों बेटियाँ अपने पिता से गर्भवती हुई। और बड़ी बेटी ने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम मोआब रखा, यह कहते हुए, मेरे पिता से, यह मोआबियों का पिता है आज के दिन तक। छोटी ने भी एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम अम्मान रखा, यह कहते हुए, मेरी जाति का पुत्र, यह अम्मोनियों का पिता है आज के दिन तक।

20

और अब्राहम वहाँ से दक्षिण की भूमि की ओर चला गया, और काडेश और शूर के बीच निवास किया, और गरार में परदेशी के रूप में रहा। अब्राहम ने अपनी पत्नी सारा के बारे में कहा कि वह मेरी बहन है, क्योंकि वह यह कहने से डरता था कि वह मेरी पत्नी है, कहीं ऐसा न हो कि नगर के पुरुष उसके कारण उसे मार डालें, और गरार के राजा अबीमेलक ने भेजा और सारा को ले लिया। और परमेश्वर रात में नींद में अबीमेलक के पास आए, और कहा, देखो, तुम उस स्त्री के विषय में मरोगे जिसे तुमने लिया है, क्योंकि वह एक पुरुष के साथ रह चुकी है। अबीमेलक ने उसे नहीं छुआ था, और कहा, हे प्रभु, क्या तू अनजान और धर्मी राष्ट्र को नष्ट करेगा? क्या उसने मुझसे नहीं कहा था कि वह मेरी बहन है? और उसने मुझसे कहा था कि वह मेरा भाई है? मैंने यह शुद्ध हृदय से और हाथों की धार्मिकता में किया। ईश्वर ने उससे नींद में कहा, और मैं जानता

था कि तूने यह शुद्ध हृदय से किया, और मैंने तुझे बचाया ताकि तू मेरे विरुद्ध पाप न करे; इसी कारण मैंने तुझे उसे छूने नहीं दिया। अब उस स्त्री को उस मनुष्य को वापस दे दो, क्योंकि वह भविष्यवक्ता है, और वह तुम्हारे लिए प्रार्थना करेगा, और तुम जीवित रहोगे। यदि तुम उसे वापस नहीं करते हो, तो जान लो कि तुम और तुम्हारा सब कुछ मर जाएगा। और अबीमेलेक सुबह सवेरे उठा, और उसने अपने सब सेवकों को बुलाया, और उसने ये सब बातें उनके कानों में कहीं, और सब लोग बहुत डर गए। और अबीमेलेक ने इब्राहीम को बुलाया और उससे कहा, तूने हमारे साथ यह क्या किया है? क्या हमने तेरे विरुद्ध पाप किया है, कि तू मुझ पर और मेरे राज्य पर महान पाप लाया? जो काम कोई नहीं करेगा, वह तूने मुझे किया है। अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा, क्या देखकर तूने यह किया? अब्राहम ने कहा, मैंने कहा था क्योंकि इस स्थान में धर्मपरायणता नहीं है, इसलिए वे मेरी स्त्री के कारण मुझे मार डालेंगे। और सचमुच, वह मेरे पिता से मेरी बहन है, लेकिन माता से नहीं, और वह मेरी पत्नी बनी। ऐसा हुआ कि जब परमेश्वर मुझे मेरे पिता के घर से निकाल लाए, तो मैंने उससे कहा, तुम मेरे प्रति यह न्याय करोगी: हर उस स्थान पर जहाँ हम प्रवेश करें, मेरे बारे में कहना कि वह मेरा भाई है। अबीमेलेक ने हजार दो द्रख्मा, भेड़ें, बछड़े, सेवक और दासियाँ लीं, और अब्राहम को दीं, और उसको उसकी पत्नी सारा लौटा दी। और अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा, देखो, मेरी भूमि तुम्हारे सामने है, जहाँ भी तुम्हें अच्छा लगे वहाँ निवास करो। और सारा से कहा, देखो, मैंने तुम्हारे भाई को हजार दिद्राख्मा दिए हैं, ये तुम्हारे चेहरे के सम्मान के लिए होंगे, और उन सबके लिए जो तुम्हारे साथ हैं, और सब कुछ सच बोलो। अब्राहम ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने अबीमेलेक को, उसकी पत्नी को और उसकी दासियों को चंगा किया, और उन्होंने संतान उत्पन्न की। क्योंकि प्रभु ने अबीमेलेक के घर में सब गर्भों को बाहर से बंद कर दिया था, अब्राहम की पत्नी सारा के कारण।

21

और प्रभु ने सारा से मुलाकात की, जैसा उसने कहा था, और प्रभु ने सारा के लिए वैसा ही किया,

जैसा उसने कहा था। और गर्भधारण करके उसने अब्राहम को बुढ़ापे में एक पुत्र को जन्म दिया, उस समय पर जैसा प्रभु ने उससे कहा था। और अब्राहम ने अपने पुत्र का नाम इसहाक रखा, जो उसको हुआ था, जिसको सारा ने उसके लिए जन्म दिया था। और अब्राहम ने इसहाक का खतना आठवें दिन किया, जैसा परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी थी। और अब्राहम सौ वर्ष का था, जब उसको उसका पुत्र इसहाक हुआ। सारा ने कहा, प्रभु ने मुझे हँसी दी है, क्योंकि जो कोई सुनेगा वह मेरे साथ आनन्दित होगा। और उसने कहा, कौन अब्राहम को घोषणा करेगा कि सारा बच्चे को स्तनपान कराती है? क्योंकि मैंने अपने बुढ़ापे में पुत्र को जन्म दिया। और वह बच्चा बढ़ा और दूध छुड़ाया गया, और अब्राहम ने बड़ी दावत की जिस दिन इसहाक, उसका पुत्र, दूध छुड़ाया गया। लेकिन सारा ने मिस्री हाजिरा के पुत्र को देखा, जो अब्राहम से हुआ था, उसके पुत्र इसहाक के साथ खेलता हुआ, और उसने अब्राहम से कहा, इस दासी को और इसके पुत्र को निकाल दो, क्योंकि इस दासी का पुत्र मेरे पुत्र इसहाक के साथ विरासत नहीं पाएगा। यह वचन अब्राहम के सामने उसके पुत्र के विषय में अत्यधिक कठोर प्रतीत हुआ। परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, बच्चे के बारे में और दासी के बारे में तुम्हारे सामने कठोर न हो। जो कुछ भी सारा तुमसे कहे, उसकी आवाज़ सुनो, क्योंकि इसहाक में तुम्हारा वंश कहलाएगा। और इस दासी के पुत्र को भी मैं एक महान राष्ट्र बनाऊँगा, क्योंकि वह तुम्हारा वंश है। अब्राहम सुबह उठा, और रोटियाँ तथा पानी की मशक ली, और हागार को दी, और बच्चे को उसके कंधे पर रखा, और उसे भेज दिया। प्रस्थान करके वह शपथ के कुएँ की ओर जंगल में भटकती रही। चमड़े की थैली से जल समाप्त हो गया, और उसने बच्चे को एक देवदार के पेड़ के नीचे रख दिया, जाकर वह उससे दूर, धनुष के तीर जितनी दूरी पर बैठ गई, क्योंकि उसने कहा, मैं अपने बच्चे की मृत्यु नहीं देखूँगी। और वह उसके सामने बैठ गई, और बच्चा चिल्लाकर रोया। परन्तु परमेश्वर ने उस बालक की आवाज़ सुनी जहाँ वह था, और परमेश्वर के दूत ने स्वर्ग से हाजिरा को पुकारा, और उससे कहा, हाजिरा, क्या हुआ? मत डरो, क्योंकि परमेश्वर ने उस बालक की आवाज़ सुनी है जहाँ वह है। उठो और बच्चे को लो, और अपने हाथ से इसे पकड़ो, क्योंकि मैं इसे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। और परमेश्वर ने उसकी आँखें खोलीं, और उसने जीवित पानी का कुआँ देखा, और वह गई, और उसने मशक को पानी से भरा, और बच्चे को पिलाया। और परमेश्वर बच्चे के साथ था, और वह बढ़ा, और जंगल में निवास

किया, और वह धनुर्धर बन गया। और वह जंगल में रहा, और उसकी माता ने उसके लिए मिस्र के फारान से एक पत्नी ली।

उस समय ऐसा हुआ कि अबीमेलेक, उसका सलाहकार ओखोज़ाथ, और उसकी सेना का सेनापति फ़ीकोल, अब्राहम के पास आए और कहा, परमेश्वर तुम्हारे साथ है उन सब कामों में जो तुम करते हो। अब इसलिए मुझे ईश्वर की शपथ लो कि तुम मुझे गलत नहीं करोगे, न मेरे बीज को, न मेरे नाम को, लेकिन जो न्याय मैंने तुम्हारे साथ किया, वैसा ही तुम मेरे साथ करोगे, और इस भूमि के साथ जिसमें तुम रहे हो। और अब्राहम ने कहा, मैं शपथ लूँगा। और अब्राहम ने अबीमेलेक को पानी के कुओं के बारे में फटकारा, जिन्हें अबीमेलेक के सेवकों ने छीन लिया था। और अबीमेलेक ने उससे कहा, मैं नहीं जानता कि किसने तुम्हारे साथ यह बात की, न तुमने मुझे बताया, न मैंने सुना, बल्कि केवल आज। और अब्राहम ने भेड़ें और बछड़े लिए, और अबीमेलेक को दिए, और दोनों ने वाचा स्थापित की। और अब्राहम ने सात भेड़ों के मेमने अलग रखे। और अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा, ये सात मेमने क्या हैं इन भेड़ों में से, जिन्हें तूने अलग रखा है? और अब्राहम ने कहा कि ये सात मादा मेमने तुम मुझसे लोगे, ताकि ये मेरे लिए गवाही हों कि मैंने यह कुआँ खोदा है। इस कारण उसने उस स्थान का नाम शपथ का कुआँ रखा, क्योंकि वहाँ दोनों ने शपथ ली थी। और उन्होंने शपथ के कुएं में वाचा बाँधी, और अबीमेलेक, उसका सलाहकार ओखोज़ाथ, और उसकी सेना का सेनापति फ़ीकोल उठे, और वे फिलिस्तीनों के देश को लौट गए। और अब्राहम ने शपथ के कुएँ पर एक खेत रोपा, और वहाँ उसने प्रभु, शाश्वत परमेश्वर के नाम को पुकारा। अब्राहम फिलिस्तीनियों की भूमि में बहुत दिनों तक निवास करता रहा।

22

और इन शब्दों के बाद परमेश्वर ने अब्राहम की परीक्षा ली, और उससे कहा, अब्राहम, अब्राहम, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, अपने पुत्र को, अपने प्रिय पुत्र को, जिसे तूने

प्रेम किया, इसहाक को ले, और उस ऊँची भूमि में जा, और उसे वहाँ होमबलि के रूप में उन पहाड़ों में से एक पर चढ़ा, जो मैं तुझे बताऊँगा। अब्राहम सुबह उठा और उसने अपने गधे पर काठी कसी, और अपने साथ दो सेवकों को और अपने पुत्र इसहाक को ले लिया, और होमबलि के लिए लकड़ियाँ फाड़कर उठा और चल पड़ा, और तीसरे दिन उस स्थान पर आया जो परमेश्वर ने उसे बताया था। और अब्राहम ने अपनी आँखें ऊपर उठाकर देखा, और उस स्थान को दूर से देखा। और अब्राहम ने अपने सेवकों से कहा, तुम यहाँ गधे के साथ बैठो, मैं और यह लड़का यहाँ तक जाएंगे, और आराधना करके हम तुम्हारे पास लौटेंगे। अब्राहम ने होम बलि की लकड़ियाँ लीं और अपने पुत्र इसहाक पर रखीं, और अपने हाथों में आग और तलवार ली, और दोनों साथ-साथ चले। इसहाक ने अपने पिता अब्राहम से कहा, पिता जी। उन्होंने कहा, क्या है, बेटा? उसने कहा, देखो, आग और लकड़ियाँ तो हैं, परन्तु होमबलि के लिए भेड़ कहाँ है? अब्राहम ने कहा, हे पुत्र, परमेश्वर होमबलि के लिए अपने लिए भेड़ देख लेंगे। और दोनों साथ-साथ चले गए। वे उस स्थान पर आए जो परमेश्वर ने उसे बताया था, और इब्राहीम ने वहाँ वेदी बनाई, और लकड़ियाँ रखीं, और अपने पुत्र इसहाक को बाँधकर उसे वेदी पर लकड़ियों के ऊपर रखा। और इब्राहीम ने अपना हाथ बढ़ाया तलवार लेने के लिए, अपने बेटे का वध करने के लिए। और प्रभु के दूत ने उसे स्वर्ग से बुलाया, और कहा, अब्राहम, अब्राहम, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, अपना हाथ उस लड़के पर मत डालो, और न उसके साथ कुछ करो, क्योंकि अब मैं जान गया हूँ कि तुम परमेश्वर से डरते हो, और तुमने अपने प्रिय पुत्र को मेरे लिए नहीं बचाया। और अब्राहम ने अपनी आँखें ऊपर उठाकर देखा, और देखो, एक मेढ़ा झाड़ी में अपने सींगों से फँसा हुआ था। और अब्राहम गया, और उसने मेढ़े को लिया, और उसे अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर होमबलि के रूप में चढ़ाया।

और अब्राहम ने उस स्थान का नाम रखा, प्रभु ने देखा, ताकि आज कहा जाए, पहाड़ पर प्रभु दिखाई दिए। और प्रभु के दूत ने अब्राहम को स्वर्ग से दूसरी बार बुलाया, कहते हुए, मैंने अपने स्वयं की शपथ ली है, प्रभु कहते हैं, क्योंकि तूने यह वचन किया है, और तूने अपने प्रिय पुत्र को मेरे लिए नहीं बख्शा, मैं तुम्हें अवश्य आशीर्वाद दूँगा और तुम्हारे वंश को स्वर्ग के तारों के समान

और समुद्र के किनारे की रेत के समान बढ़ाऊंगा, और तुम्हारा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी होगा। और तुम्हारे वंश में पृथ्वी की सभी जातियाँ आशीर्वादित होंगी, क्योंकि तुमने मेरी आवाज़ का पालन किया। अब्राहम अपने सेवकों की ओर मुड़े, और उठकर वे साथ में शपथ के कुएं पर गए। और अब्राहम शपथ के कुएं पर निवास करने लगे।

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि अब्राहम को यह सूचना दी गई, देखो, मिल्का ने भी तुम्हारे भाई नाहोर के लिए पुत्रों को जन्म दिया है। ऊज़ जो पहलौठा था, और बूज़ जो उसका भाई था, और कमूल जो सीरियाईयों का पिता था, और हज़ाद, और अज़ाउ, और फाल्देस, और जेल्दाफ, और बथुएल। बेथुएल ने रेबेका को जन्म दिया। ये आठ पुत्र थे, जिन्हें मिल्का ने अब्राहम के भाई नाहोर से उत्पन्न किए। और उसकी रखैल, जिसका नाम रेउमा था, उसने भी ताबेक, ताआम, तोखोस और मोखा को जन्म दिया।

23

सारा का जीवन सौ सत्ताईस वर्ष का हुआ। और सारा अबॉक नगर में मरी, जो घाटी में है, यह हेब्रोन है कनान की भूमि में। और अब्राहम सारा के लिए शोक करने और विलाप करने आया। और अब्राहम अपने मृतक से उठा, और अब्राहम ने हेत के पुत्रों से कहा, मैं तुम्हारे साथ एक प्रवासी और परदेशी हूँ, इसलिए मुझे तुम्हारे साथ कब्र का अधिकार दो, और मैं अपने मृतक को अपने सामने से दफनाऊंगा। खेत के पुत्रों ने अब्राहम को उत्तर दिया, कहते हुए, नहीं, स्वामी। हमारी सुनो, तुम हमारे बीच परमेश्वर की ओर से राजा हो। हमारी चुनी हुई कब्रों में अपने मृतक को दफनाओ, क्योंकि हममें से कोई भी अपनी कब्र को तुमसे नहीं रोकेगा, ताकि तुम अपने मृतक को वहाँ दफना सको। उठकर अब्राहम ने पृथ्वी के लोगों को, हेत के पुत्रों को झुककर प्रणाम किया। और अब्राहम ने उनसे कहा, यदि तुम्हारी आत्मा में है कि मेरे मृतक को मेरे सामने से दफनाओ, तो मेरी सुनो और मेरे बारे में सोहर के पुत्र एप्रोन से बात करो। और वह मुझे वह

दोहरी गुफा दे दे, जो उसके पास है, जो उसके खेत के एक हिस्से में है। उचित मूल्य की चांदी देकर तुम लोगों के बीच मुझे यह कब्र के स्वामित्व के लिए दे दो। एफ्रोन हेत के पुत्रों के बीच में बैठा था, लेकिन हित्ती एफ्रोन ने अब्राहम को उत्तर देते हुए कहा, हेत के पुत्रों के सुनते हुए, और नगर में प्रवेश करने वाले सभी के सुनते हुए, कहते हुए, मेरे पास आओ, स्वामी, और मेरी सुनो। खेत और गुफा जो उसमें है, तुझे देता हूँ। अपने सभी नागरिकों के सामने तुझे दिया है। अपने मृतक को दफना दो। और अब्राहम ने पृथ्वी के लोगों के सामने प्रणाम किया। और उसने एफ्रोन से उस भूमि के लोगों के सामने कहा, चूंकि तुम मेरे पास हो, मेरी सुनो, खेत की चांदी मुझसे ले लो, और मैं अपने मृतक को वहां दफनाऊंगा। एफ्रोन ने अब्राहम को उत्तर देते हुए कहा नहीं, स्वामी, मैंने सुना है, चार सौ दिद्राखों चाँदी की भूमि, लेकिन यह मेरे और तुम्हारे बीच में क्या होगा? तुम अपने मृतक को दफना दो। और अब्राहम ने एफ्रोन की बात सुनी, और अब्राहम ने एफ्रोन को वह चाँदी दी, जो उसने हेत के पुत्रों के कानों में कही थी, चार सौ दिद्राख्मा शुद्ध चाँदी जो व्यापारियों में स्वीकृत थी। और एफ्रोन का खेत खड़ा हुआ, जो दोहरी गुफा में था, जो ममरे के सामने है, वह खेत और वह गुफा, जो उसमें थी, और हर पेड़, जो खेत में था, और हर वह जो उसकी सीमाओं में चारों ओर है, अब्राहम को, हेत के पुत्रों के सामने और उन सभी के सामने जो नगर में प्रवेश करते हैं, अधिकार में दिया गया। इन बातों के बाद अब्राहम ने अपनी पत्नी सारा को उस दोहरे खेत की गुफा में दफनाया, जो ममरे के सामने है; यह हेब्रोन है, जो कनान की भूमि में है। और खेत तथा गुफा जो उसमें थी, अब्राहम को कब्र की संपत्ति के रूप में हेत के पुत्रों से पुष्टि की गई।

24

और अब्राहम बूढ़ा हो गया था, उसकी आयु बहुत बढ़ गई थी, और प्रभु ने अब्राहम को सब प्रकार से आशीर्वाद दिया था।

और अब्राहम ने अपने घर के सबसे बड़े सेवक से, जो उसकी सारी संपत्ति का अधिकारी था, कहा, अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रख। और मैं तुम्हें स्वर्ग के परमेश्वर प्रभु की और पृथ्वी के परमेश्वर की शपथ दिलाता हूँ, कि तुम मेरे पुत्र इसहाक के लिए कनानियों की पुत्रियों में से पत्नी नहीं लोगे, जिनके साथ मैं रहता हूँ। परन्तु तू मेरी भूमि में जाएगा, जहाँ मैं जन्मा था, और मेरे कबीले में, और वहाँ से मेरे पुत्र इसहाक के लिए एक स्त्री लेगा। सेवक ने उससे कहा, यदि वह स्त्री मेरे साथ इस भूमि में आने को तैयार न हो, तो क्या मैं तुम्हारे पुत्र को उस भूमि में वापस ले जाऊँ जहाँ से तुम आए थे? अब्राहम ने उससे कहा, अपने लिए सावधान रहो, मेरे पुत्र को वहाँ मत ले जाओ। प्रभु, स्वर्ग के परमेश्वर और पृथ्वी के परमेश्वर, जिन्होंने मुझे मेरे पिता के घर से और उस भूमि से जहाँ मैं जन्मा था, लिया, जिन्होंने मुझसे बात की, और जिन्होंने मुझसे शपथ ली, यह कहते हुए, मैं यह भूमि तुझे और तेरे वंश को दूँगा, वे स्वयं अपने दूत को तेरे आगे भेजेंगे, और तू वहाँ से मेरे पुत्र के लिए पत्नी लेगा। यदि वह स्त्री तुम्हारे साथ इस भूमि में जाना नहीं चाहती है, तो तुम मेरी शपथ से मुक्त हो जाओगे, केवल मेरे पुत्र को वहाँ मत लौटाना। और सेवक ने अपना हाथ अपने स्वामी अब्राहम की जांघ के नीचे रखा, और उसने उससे इस बात के विषय में शपथ ली। और सेवक ने अपने स्वामी के ऊंटों में से दस ऊंट लिए, और अपने स्वामी की सब अच्छी चीजें अपने साथ लीं, और उठकर मेसोपोटामिया के नाहोर शहर को गया। और उसने ऊंटों को शहर के बाहर पानी के कुएं के पास शाम के समय लिटाया, जब पानी भरने वाली स्त्रियाँ बाहर आती हैं।

और उसने कहा, हे प्रभु, मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर, आज मुझे सफलता प्रदान करो और मेरे स्वामी अब्राहम पर दया करो। देखो, मैं पानी के झरने के पास खड़ा हूँ, और शहर में रहने वालों की बेटियाँ पानी भरने के लिए बाहर आती हैं। और वह कुंवारी होगी जिससे मैं कहूँगा, अपना पानी का घड़ा झुकाओ, ताकि मैं पी सकूँ, और वह मुझसे कहेगी, तुम पीओ, और मैं तुम्हारे ऊंटों को भी पिलाऊँगी, जब तक वे पीना बंद न कर दें, उसे तुमने अपने सेवक इसहाक के लिए तैयार किया है, और इससे मैं जान जाऊँगा कि तुमने मेरे स्वामी इब्राहीम के साथ दया की है।

और ऐसा हुआ कि उसके अपने मन में बोलना समाप्त करने से पहले ही, देखो, रिबका बाहर आ रही थी, जो बतूएल से जन्मी थी—बतूएल जो मिल्का का बेटा था, जो नाहोर की पत्नी थी, और नाहोर अब्राहम का भाई था—और वह अपने कंधों पर घड़ा रखे हुए थी। वह कुंवारी दिखने में बहुत सुंदर थी, वह कुंवारी थी, किसी पुरुष ने उसे नहीं जाना था। वह झरने पर उतरी, उसने अपना घड़ा भरा, और ऊपर चढ़ी। लेकिन वह सेवक उससे मिलने के लिए दौड़ा, और बोला, मुझे अपने घड़े से थोड़ा पानी पिलाओ। उसने कहा, पीजिए, स्वामी, और जल्दी से अपनी बांह पर पानी का घड़ा उतारा, और उसे पिलाया, जब तक वह पीना बंद नहीं कर दिया। और उसने कहा, और मैं तेरे ऊँटों को भी पानी दूँगा, जब तक सब पी न लें। और उसने जल्दी की और अपना जल घड़ा हाँज में खाली किया, और फिर खींचने के लिए कुएँ पर दौड़ी, और सब ऊँटों के लिए पानी खींचा। वह पुरुष उसे ध्यान से देख रहा था, और चुप रहा यह जानने के लिए कि क्या प्रभु ने उसके मार्ग को सफल बनाया था, या नहीं। ऐसा हुआ कि जब सब ऊँट पानी पी चुके, तो उस आदमी ने एक द्रव्या वजन के सोने के कर्णफूल और उसके हाथों पर दस द्रव्या सोने के वजन के दो कंगन लिए। और उसने उसे पूछा और कहा, तुम किसकी बेटी हो? मुझे बताओ, क्या तुम्हारे पिता के पास हमारे ठहरने के लिए जगह है? उसने उससे कहा, मैं बतूएल की बेटी हूँ, जो मिल्काह से है, जिसने नाहोर को जन्म दिया। और उसने उससे कहा, हमारे पास बहुत भूसा और चारा है, और ठहरने की जगह भी है। और प्रसन्न होकर वह आदमी प्रभु के सामने झुका। और उसने कहा, धन्य हैं प्रभु, मेरे स्वामी अब्राहम के देवता, जिन्होंने अपनी धार्मिकता और सत्य को मेरे स्वामी से नहीं छोड़ा, और प्रभु ने मुझे मेरे स्वामी के भाई के घर में समृद्ध किया। और दौड़ती हुई सेविका ने अपनी माता के घर में इन शब्दों के अनुसार सूचना दी। रेबेका का एक भाई था, जिसका नाम लाबान था, और लाबान बाहर झरने की ओर उस आदमी के पास दौड़ा। और ऐसा हुआ कि जब उसने कान की बालियाँ और अपनी बहन के हाथों में कंगन देखे, और जब उसने अपनी बहन रिबका के शब्द सुने जो कह रही थी, उस आदमी ने मुझसे इस प्रकार बात की है, तो वह उस आदमी के पास आया जो झरने के पास ऊँटों के साथ खड़ा हुआ था। और उसने उससे कहा, यहाँ आओ, प्रवेश करो, प्रभु के धन्य। तुम बाहर क्यों खड़े हो? मैंने घर तैयार किया है, और ऊँटों के लिए स्थान भी। वह आदमी घर में प्रवेश किया, और उसने ऊँटों को उतारा, और ऊँटों को

भूसा और चारा दिया, और अपने पैर धोने के लिए पानी दिया, और उन पुरुषों के पैरों के लिए जो उसके साथ थे। और उसने उनके सामने रोटियाँ खाने के लिए रखीं, और कहा, मैं नहीं खाऊँगा जब तक मैं अपनी बात न कह लूँ। और उसने कहा, बोलो।

और उसने कहा, मैं अब्राहम का सेवक हूँ। प्रभु ने मेरे स्वामी को बहुत आशीर्वाद दिया, और वह ऊँचे उठाए गए, और उन्होंने उसे भेड़ें, बछड़े, चांदी, सोना, सेवक, दासियाँ, ऊंट और गधे दिए। और मेरे स्वामी की पत्नी सारा ने मेरे स्वामी के लिए एक पुत्र को जन्म दिया उनके बूढ़े होने के बाद, और उन्होंने उसे वह सब कुछ दिया जो उनके पास था। और मेरे स्वामी ने मुझे शपथ दिलाई, यह कहते हुए कि तू मेरे पुत्र के लिए कनानियों की पुत्रियों में से पत्नी नहीं लेगा, जिनकी भूमि में मैं निवास करता हूँ। लेकिन तुम मेरे पिता के घर जाओगे, और मेरे कबीले में, और वहाँ से मेरे बेटे के लिए पत्नी लाओगे। मैंने अपने स्वामी से कहा, कहीं ऐसा न हो कि वह स्त्री मेरे साथ न जाए। और उसने मुझसे कहा, प्रभु परमेश्वर, जिसके सामने मैं प्रसन्न हुआ, वह स्वयं अपना दूत तुम्हारे साथ भेजेगा, और तुम्हारे मार्ग को समृद्ध करेगा, और तुम मेरे पुत्र के लिए मेरे कबीले से और मेरे पिता के घर से एक पत्नी लोगे। तब तू मेरे शाप से निर्दोष होगा, क्योंकि जब तू मेरे कबीले में आएगा और वे तुझे न दें, तो तू मेरी शपथ से निर्दोष होगा। और आज स्रोत पर आकर मैंने कहा, हे प्रभु, मेरे स्वामी अब्राहम के परमेश्वर, यदि तू मेरे मार्ग को समृद्ध करता है, जिस पर अब मैं जा रहा हूँ, देखो, मैं पानी के झरने पर खड़ा हूँ, और शहर के लोगों की बेटियाँ पानी खींचने निकलती हैं, और वह कुंवारी होगी जिससे मैं कहूँ, अपने घड़े से मुझे थोड़ा पानी पिलाओ, और वह मुझसे कहे, तुम भी पीओ, और मैं तुम्हारे ऊंटों को भी पानी पिलाऊँगी, तो यही वह स्त्री होगी जिसे प्रभु ने अपने सेवक इसहाक के लिए तैयार किया है, और इससे मैं जान जाऊँगा कि तुमने मेरे स्वामी अब्राहम पर दया की है। और ऐसा हुआ कि मेरे मन में बोलना समाप्त करने से पहले, तुरंत रिबका निकली, अपने कंधों पर पानी का घड़ा रखे हुए, और झरने पर उतरी, और पानी भरा, और मैंने उससे कहा, मुझे पिलाओ। और जल्दी करते हुए उसने अपनी भुजा पर से जल घड़ा नीचे उतारा और बोली, तुम पीओ, और मैं तुम्हारे ऊंटों को पिलाऊँगी। और उन्होंने पिया, और उसने ऊंटों को पिलाया। और मैंने उससे पूछा, और मैंने कहा, तुम किसकी बेटी हो, मुझे बताओ, और

उसने कहा, मैं बतूएल की बेटी हूँ, जो नाहोर का बेटा है, जिसे मिल्का ने जन्म दिया, और मैंने उसे कुंडल पहनाए, और उसके हाथों में कंगन पहनाए। और प्रसन्न होकर मैंने प्रभु को दंडवत किया, और मैंने अपने प्रभु अब्राहम के परमेश्वर प्रभु को धन्य कहा, जिन्होंने मुझे सत्य के मार्ग में समृद्ध किया कि मैं अपने प्रभु के भाई की पुत्री को उनके पुत्र के लिए ले सकूँ। यदि तुम मेरे स्वामी के प्रति दया और न्याय करते हो, तो ठीक है; परन्तु यदि नहीं, तो मुझे बताओ, ताकि मैं दाहिने या बाएं मुड़ जाऊँ।

लाबान और बतूएल ने उत्तर देते हुए कहा, यह बात प्रभु की ओर से निकली है, हम तुम्हारे विरोध में बुरा या अच्छा कुछ नहीं कह सकते। देखो, रिबका तुम्हारे सामने है, उसे लेकर चले जाओ, और वह तुम्हारे स्वामी के पुत्र की पत्नी बने, जैसा प्रभु ने कहा है। यह हुआ कि जब अब्राहम के सेवक ने उनके शब्द सुने, तो उसने भूमि पर प्रभु को प्रणाम किया। और सेवक ने चाँदी और सोने के बर्तन और वस्त्र बाहर लाकर रिबका को दिए, और उसके भाई और उसकी माता को उपहार दिए। और उन्होंने खाया और पिया, और वह स्वयं और वे पुरुष जो उसके साथ थे, और वे सोए। और सुबह उठकर उसने कहा, मुझे भेज दो, ताकि मैं अपने स्वामी के पास जा सकूँ। लेकिन उसके भाइयों और माता ने कहा, वह कुंवारी हमारे साथ लगभग दस दिन रहे, और इसके बाद चली जाएगी। लेकिन उसने उनसे कहा, मुझे मत रोको, और प्रभु ने मेरे मार्ग को मेरे लिए समृद्ध किया है, मुझे भेज दो, ताकि मैं अपने स्वामी के पास जा सकूँ। उन्होंने कहा, हम उस सेविका को बुलाएं और उससे पूछें। और उन्होंने रेबेका को बुलाया, और उससे कहा, क्या तुम इस आदमी के साथ जाओगी? लेकिन उसने कहा, मैं जाऊंगी। और उन्होंने अपनी बहन रिबेका को, उसकी संपत्तियाँ, अब्राहम के सेवक को, और उसके साथ वालों को भेजा। और उन्होंने रिबका को आशीर्वाद दिया और उससे कहा, हमारी बहन, तू हजारों-हजार हो जा, और तेरा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी हो। उठकर रिबका और उसकी दासियाँ ऊँटों पर चढ़ीं, और उस आदमी के साथ गईं, और सेवक रिबका को लेकर चला गया।

इसहाक जंगल के माध्यम से दृष्टि के कुएं के अनुसार यात्रा कर रहा था, और वह दक्षिण की ओर

की भूमि में निवास करता था। और इसहाक शाम के समय मैदान में बातचीत करने के लिए बाहर गया, और उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर ऊँटों को आते हुए देखा। और रिबका ने आँखें उठाकर इसहाक को देखा, और ऊँट से कूद गई। और उसने नौकर से कहा, वह आदमी कौन है जो मैदान में हमसे मिलने आ रहा है? और नौकर ने कहा, यह मेरा स्वामी है। और उसने चादर लेकर ओढ़ लिया। और सेवक ने इसहाक को सब बातें बताई, जो उसने की थीं। इसहाक अपनी माता के घर में प्रवेश किया, और रिबका को लिया, और वह उसकी पत्नी बनी, और उसने उसे प्रेम किया, और इसहाक को अपनी माता सारा के विषय में सांत्वना मिली।

25

और अब्राहम ने एक पत्नी ली, जिसका नाम केतूरा था। उसने उसे ज़ोम्बान, इएज़ान, मदाल, मदियाम, इएस्बोक और सोइए को जन्म दिया। इएज़ान ने शेबा और देदान को जन्म दिया, और देदान के पुत्र अश्शूरीम, लतूशीम और लऊम्मीम थे। मिद्यान के पुत्र गेफर, अफेर, हनोक, अबीदा और एल्दागा थे। ये सब केतूरा के पुत्र थे। अब्राहम ने अपनी सारी संपत्ति अपने पुत्र इसहाक को दे दी। और अब्राहम ने अपनी रखैलों के पुत्रों को उपहार दिए, और उन्हें अपने पुत्र इसहाक से, अपने जीवित रहते हुए, पूर्व की ओर पूर्व की भूमि में भेज दिया। ये अब्राहम के जीवन के दिनों के वर्ष हैं जितने वह जिया, सौ पचहत्तर वर्ष। और अब्राहम अच्छे बुढ़ापे में, बूढ़ा आदमी होकर, दिनों से भरा हुआ, प्राण त्यागकर मर गया, और अपने लोगों में जा मिला। और इसहाक और इश्माएल, उसके पुत्रों ने, उसे दोहरी गुफा में दफनाया, जो सोहर हित्ती के पुत्र एप्रोन के खेत में है, जो ममरे के सामने है। वह खेत और वह गुफा, जो अब्राहम ने हेत के पुत्रों से अधिग्रहण की थी, वहाँ उन्होंने अब्राहम और उसकी पत्नी सारा को दफनाया। यह हुआ कि अब्राहम के मरने के बाद, परमेश्वर ने उसके पुत्र इसहाक को आशीर्वाद दिया, और इसहाक दर्शन के कुएँ के पास निवास करने लगा। ये अब्राहम के पुत्र इश्माएल की वंशावली है, जिसे सारा की मिस्री दासी हाजिरा ने अब्राहम के लिए जन्म दिया था। और ये इश्माएल के पुत्रों के नाम हैं, उनकी पीढ़ियों के

नामों के अनुसार: इश्माएल का पहलौठा नबायोत, और केदार, और नब्देएल, और मस्साम, और मसमा, और दूमा, और मस्सा, और खोद्दान, और तैमान, और येतूर, और नाफेस, और केदमा। ये इश्माएल के पुत्र हैं, और ये उनके नाम हैं उनके तंबुओं में और उनके शिविरों में—बारह शासक, उनकी जातियों के अनुसार। और ये इश्माएल के जीवन के वर्ष थे, एक सौ सैंतीस वर्ष, और वह क्षीण होकर मर गया, और अपनी जाति में मिला दिया गया। वह हवीला से लेकर शूर तक बसा, जो मिस्र के सामने है अशशूर जाते समय तक; वह अपने सभी भाइयों के सामने बसा।

और ये इसहाक की पीढ़ियाँ हैं, जो अब्राहम का पुत्र था; अब्राहम ने इसहाक को जन्म दिया। इसहाक चालीस वर्ष का था जब उसने रिबका को, जो बतूएल सीरियाई की पुत्री थी, जो मेसोपोटामिया सीरिया से थी, और लाबान सीरियाई की बहन थी, अपनी पत्नी के रूप में लिया। इसहाक अपनी पत्नी रिबका के विषय में प्रभु से प्रार्थना कर रहा था, क्योंकि वह बाँझ थी, और परमेश्वर ने उसकी सुनी, और उसकी पत्नी रिबका गर्भवती हुई। लेकिन बच्चे इसमें कूद रहे थे, और उसने कहा, यदि मेरे साथ ऐसा होने वाला है, तो मुझे यह क्यों? और वह प्रभु से पूछने गई। और प्रभु ने उससे कहा, तुम्हारे गर्भ में दो राष्ट्र हैं, और तुम्हारी कोख से दो लोग अलग होंगे, और एक लोग दूसरे लोग से बलवान होगा, और बड़ा छोटे की सेवा करेगा। और उसके प्रसव के दिन पूरे हो गए थे, और उसके गर्भ में जुड़वाँ बच्चे थे। पहलौठा बाहर आया और वह लाल था, पूरा रोएंदार खाल जैसा, और उसका नाम एसाव रखा गया। और इसके बाद उसका भाई बाहर आया, और उसका हाथ एसाव की एड़ी को पकड़े हुए था, और उसने उसका नाम याकूब रखा। इसहाक साठ वर्ष का था, जब रिबका ने उनको जन्म दिया। युवा पुरुष बड़े, और एसाव शिकार करना जानने वाला देहाती मनुष्य था, लेकिन याकूब घर में रहने वाला सादा मनुष्य था। इसहाक एसाव से प्रेम करता था, क्योंकि उसका शिकार उसके लिए भोजन था, परन्तु रेबेका याकूब से प्रेम करती थी।

याकूब ने दलिया पकाया, और एसाव मैदान से थका हुआ आया। और एसाव ने याकूब से कहा, मुझे इस लाल उबले भोजन में से खिलाओ, क्योंकि मैं बेहोश हूँ। इस कारण उसका नाम एदोम

बुलाया गया। याकूब ने एसाव से कहा, आज अपना पहलौठे का अधिकार मुझे बेच दो। और एसाव ने कहा, देखो, मैं मरने जा रहा हूँ, तो मुझे इस पहलौठे के अधिकार से क्या लाभ? और याकूब ने उससे कहा, आज मुझसे शपथ खा, और उसने उससे शपथ खाई, और एसाव ने अपना जन्मसिद्ध अधिकार याकूब को बेच दिया। याकूब ने एसाव को रोटी और मसूर का स्टू दिया, और उसने खाया और पिया, और उठकर चला गया, और एसाव ने जन्मसिद्ध अधिकार को तुच्छ जाना।

26

पृथ्वी पर अकाल पड़ा, जो पहले अकाल से अलग था, जो अब्राहम के समय में हुआ था, और इसहाक अबीमेलेक के पास गया जो पलिश्तियों का राजा था, गरार में। और प्रभु उसको दिखाई दिए, और कहा, मिस्र में मत जाओ, उस भूमि में निवास करो जो मैं तुमसे कहूँगा। और इस भूमि में निवास करो, और मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, और तुम्हें आशीर्वाद दूँगा, क्योंकि तुम्हें और तुम्हारे वंश को मैं यह सारी भूमि दूँगा, और मैं अपनी शपथ को स्थापित करूँगा, जो मैंने तुम्हारे पिता अब्राहम से ली थी। और मैं तुम्हारे वंश को स्वर्ग के तारों के समान बढ़ाऊँगा, और मैं तुम्हारे वंश को यह सारी भूमि दूँगा, और तुम्हारे वंश में पृथ्वी की सभी जातियाँ धन्य होंगी। इसके बदले मैं कि तुम्हारे पिता अब्राहम ने मेरी आवाज़ की आज्ञा मानी, और मेरे आदेशों को रखा, और मेरी आज्ञाओं को, और मेरी विधियों को, और मेरे नियमों को। इसहाक गरार में बस गया। उस स्थान के पुरुषों ने उसकी पत्नी रिबेका के बारे में पूछा, और उसने कहा, वह मेरी बहन है, क्योंकि वह यह कहने से डरा कि वह मेरी पत्नी है, कहीं ऐसा न हो कि उस स्थान के पुरुष रिबेका के कारण उसे मार डालें, क्योंकि वह रूप में सुंदर थी। और ऐसा हुआ कि वह वहाँ लंबे समय तक रहा, और गरार के राजा अबीमेलेक ने खिड़की से झुककर देखा, तो उसने इसहाक को उसकी पत्नी रिबेका के साथ खेलते हुए देखा। अबीमेलेक ने इसहाक को बुलाया और उससे कहा, तो निश्चित रूप से यह तुम्हारी पत्नी है? तुमने क्यों कहा कि यह मेरी बहन है? इसहाक ने उससे कहा, मैंने ऐसा इसलिए

कहा था कि कहीं मैं उसके कारण मारा न जाऊँ। अबीमेलेक ने उससे कहा, तूने हमारे साथ यह क्या किया? मेरी जाति में से कोई तेरी पत्नी के साथ सो सकता था, और तू हम पर अज्ञानता लाया होता। अबीमेलेक ने अपने सब लोगों को आज्ञा दी, कहते हुए, जो कोई इस आदमी और उसकी स्त्री को छुएगा, वह मृत्यु का दोषी होगा। इसहाक ने उस भूमि में बोया, और उस वर्ष उसे सौ गुना जौ मिला, और प्रभु ने उसे आशीर्वाद दिया। और वह आदमी ऊँचा उठाया गया, और आगे बढ़ते हुए अधिक बड़ा होता गया, जब तक कि वह अत्यधिक महान नहीं हो गया। और उसके पास भेड़ों के पशु, और बैलों के पशु, और बहुत खेती हो गई। और फिलिस्तीनियों ने उससे ईर्ष्या की। और सब कुएँ जो उसके पिता के सेवकों ने उसके पिता के समय में खोदे थे, उन्हें फिलिस्तीनियों ने बंद कर दिया, और उन्हें मिट्टी से भर दिया। अबीमेलेक ने इसहाक से कहा, हमारे पास से चले जाओ, क्योंकि तुम हमसे बहुत अधिक शक्तिशाली हो गए हो। और इसहाक वहाँ से चला गया, और गरार की घाटी में ठहरा, और वहाँ बस गया।

और फिर इसहाक ने उन पानी के कुओं को खोदा, जो उसके पिता इब्राहीम के सेवकों ने खोदे थे, और फिलिस्तीनियों ने उसके पिता इब्राहीम के मरने के बाद उनको बंद कर दिया था, और उसने उनको उन्हीं नामों के अनुसार नाम दिए, जो उसके पिता ने दिए थे। और इसहाक के सेवकों ने गरार की घाटी में खोदा, और उन्होंने वहाँ जीवित जल का कुआँ पाया और गेरार के चरवाहों ने इसहाक के चरवाहों के साथ लड़ाई की, यह कहते हुए कि पानी उनका है, और उन्होंने उस कुएं का नाम अन्याय रखा, क्योंकि उन्होंने उसके साथ अन्याय किया था। वहाँ से प्रस्थान करके उसने एक दूसरा कुआँ खोदा, लेकिन उसके बारे में भी वे झगड़े, और उसने उसका नाम शत्रुता रखा। वहाँ से प्रस्थान करके उसने एक दूसरा कुआँ खोदा, और उसके विषय में नहीं लड़े, और उसने उसका नाम विस्तृत स्थान रखा, यह कहते हुए कि अब प्रभु ने हमें विस्तृत किया है, और हमें पृथ्वी पर बढ़ाया है।

और वहाँ से वह शपथ के कुएँ पर गया। और उस रात प्रभु उसको प्रकट हुए, और कहा, मैं तुम्हारे पिता अब्राहम का परमेश्वर हूँ, मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, और मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा,

और तुम्हारे पिता अब्राहम के द्वारा तुम्हारे वंश को बढ़ाऊंगा। और उसने वहाँ एक वेदी बनाई, और प्रभु के नाम को पुकारा, और वहाँ अपना तंबू गाड़ा, और इसहाक के सेवकों ने वहाँ गरार की घाटी में एक कुआँ खोदा। और अबीमेलक गेरार से उसके पास गया, और उसका सलाहकार ओखोजाथ, और उसकी सेना का प्रधान सेनापति फीकोल। और इसहाक ने उनसे कहा, तुम मेरे पास क्यों आए? तुमने तो मुझसे नफरत की और मुझे अपने पास से भेज दिया। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि प्रभु तुम्हारे साथ था, इसलिए हमने कहा कि हमारे और तुम्हारे बीच एक वाचा हो, और हम तुम्हारे साथ वाचा बनाएंगे। हमारे साथ बुरा मत करना, क्योंकि हमने तुम्हारे साथ घृणा नहीं की, और जिस तरह से हमने तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार किया, और हमने तुम्हें शांति के साथ भेजा, और अब तुम प्रभु द्वारा धन्य हो। और उसने उनके लिए भोज बनाया, और उन्होंने खाया और पिया। और सुबह उठकर, प्रत्येक ने अपने पड़ोसी से शपथ खाई, और इसहाक ने उन्हें विदा किया, और वे उसके पास से कुशलता के साथ चले गए। उस दिन ऐसा हुआ, और इसहाक के सेवक आकर उसको उस कुएँ के बारे में सूचना दी जो उन्होंने खोदा था, और उन्होंने कहा, हमें पानी नहीं मिला। और उसने इसे शपथ कहा, इसलिए उसने उस नगर का नाम शपथ का कुआँ रखा, आज के दिन तक।

एसाव चालीस वर्ष का था, और उसने हित्ती बेरी की पुत्री यहूदित को पत्नी बनाया, और हित्ती एलोन की पुत्री बासमत को भी। और वे इसहाक और रिबका से झगड़ रही थीं।

27

ऐसा हुआ कि इसहाक के बूढ़े होने के बाद, उसकी आँखें देखने के लिए धुंधली हो गई, और उसने अपने बड़े पुत्र एसाव को बुलाया, और उससे कहा, मेरे पुत्र, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, देखो, मैं बूढ़ा हो गया हूँ और मैं अपनी मृत्यु का दिन नहीं जानता। अब इसलिए अपना सामान ले लो, तरकश और धनुष, और मैदान में जाओ, और मेरे लिए शिकार करो। और

मेरे लिए व्यंजन बना, जैसा मैं पसंद करता हूँ, और मेरे पास ला, ताकि मैं खाऊँ, ताकि मेरी आत्मा तुझे आशीर्वाद दे, इससे पहले कि मैं मर जाऊँ। रेबेका ने इसहाक को अपने पुत्र एसाव से बोलते हुए सुना, और एसाव अपने पिता के लिए शिकार करने मैदान में गया। रिबेका ने अपने छोटे बेटे याकूब से कहा, देखो, मैंने तुम्हारे पिता को तुम्हारे भाई एसाव से बात करते हुए सुना, जो कह रहे थे, मेरे लिए शिकार लाओ और मेरे लिए व्यंजन बनाओ, ताकि खाने के बाद मैं प्रभु के सामने मरने से पहले तुम्हें आशीर्वाद दे सकूँ। अब इसलिए, मेरे पुत्र, मेरी सुनो, जैसा मैं तुम्हें आदेश देता हूँ। और भेड़ों के पास जाकर, वहाँ से मेरे लिए दो कोमल और अच्छे बकरी के बच्चे ले आ, और मैं उनको तेरे पिता के लिए व्यंजन बनाऊँगा, जैसा उनको प्रिय है। और तू अपने पिता के पास लाएगा, और वह खाएगा, ताकि तेरा पिता तुझे आशीर्वाद दे अपने मरने से पहले। याकूब ने अपनी माता रिबेका से कहा, एसाव मेरा भाई रोमयुक्त आदमी है, और मैं चिकना आदमी हूँ। कहीं पिता मुझे छू न लें, और मैं उनके सामने तिरस्कार करने वाले के समान हो जाऊँ, और अपने ऊपर शाप ले आऊँ, आशीर्वाद नहीं। माता ने उससे कहा, तुम्हारा शाप मुझपर पड़े, बच्चा, केवल मेरी आवाज़ सुनो, और जाकर मेरे लिए लाओ। जाकर उसने लिया और अपनी माता के पास लाया, और उसकी माता ने व्यंजन बनाए, जैसा उसके पिता को प्रिय था।

और रिबेका ने अपने बड़े पुत्र एसाव का सुंदर वस्त्र लिया, जो उसके पास घर में था, और उसे अपने छोटे पुत्र याकूब को पहनाया। और उसने बकरियों की खालें उसकी बांहों पर और उसकी गर्दन के गंगे हिस्सों पर लपेट दीं। और उसने व्यंजन और रोटियाँ जो उसने बनाई थीं, अपने पुत्र याकूब के हाथों में दे दीं। और उसने अपने पिता के पास लाया और कहा, पिता। और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। तुम कौन हो, मेरे बच्चे? और याकूब ने पिता से कहा, मैं एसाव तेरा पहलौठा हूँ। मैंने वैसा ही किया है जैसा तूने मुझसे कहा था। उठकर बैठ जा, और मेरे शिकार में से खा, ताकि तेरी आत्मा मुझे आशीर्वाद दे। इसहाक ने अपने पुत्र से कहा, हे पुत्र, यह क्या है जो तुमने इतनी जल्दी पा लिया? उसने कहा, जो तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने मेरे सामने रखा। इसहाक ने याकूब से कहा, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें छूँगा, बच्चे, कि क्या तुम मेरे पुत्र एसाव हो, या नहीं। याकूब अपने पिता इसहाक के पास आया, और उसने उसे छुआ, और कहा, यह तो याकूब की आवाज़

है, लेकिन ये एसाव के हाथ हैं। और उसने उसे नहीं पहचाना, क्योंकि उसके हाथ उसके भाई एसाव के हाथों जैसे बालों वाले थे, और उसने उसे आशीर्वाद दिया। और उसने कहा, क्या तू मेरा पुत्र एसाव है? और उसने कहा, मैं हूँ। और उसने कहा, मेरे पास लाओ, और मैं तुम्हारे शिकार से खाऊंगा, मेरे बच्चे, ताकि मेरी आत्मा तुम्हें आशीर्वाद दे। और उसने उसके पास लाया, और उसने खाया, और उसने उसके पास दाखरस लाया, और उसने पिया। और इसहाक ने, जो उसका पिता था, उससे कहा, मेरे पास आओ और मुझे चूमो, मेरे पुत्र। और पास आकर उसने उसे चूमा, और उसने उसके वस्त्रों की गंध सूंधी, और उसे आशीर्वाद दिया, और कहा, देखो, मेरे पुत्र की गंध भरे हुए खेत की गंध के समान है, जिसे प्रभु ने आशीर्वाद दिया। और परमेश्वर तुझे आकाश की ओस से, और पृथ्वी की समृद्धि से, और अनाज और दाखरस की बहुतायत दे। और राष्ट्र तेरी सेवा करें, और शासक तुझे झुकें, और तू अपने भाई का स्वामी बन, और तेरे पिता के पुत्र तुझे झुकें, जो तुझे शाप दे वह शापित हो, और जो तुझे आशीर्वाद दे वह धन्य हो।

और ऐसा हुआ कि इसहाक द्वारा अपने पुत्र याकूब को आशीर्वाद देना बंद करने के बाद, और ऐसा हुआ कि जैसे ही याकूब अपने पिता इसहाक के सामने से बाहर गया, उसका भाई एसाव शिकार से आया। और उसने भी व्यंजन बनाए, और अपने पिता के पास लाया, और अपने पिता से कहा, मेरे पिता उठें, और अपने पुत्र के शिकार में से खाएं, ताकि आपकी आत्मा मुझे आशीर्वाद दे। और इसहाक, उसके पिता ने उससे कहा, तुम कौन हो? और उसने कहा, मैं तुम्हारा पुत्र, तुम्हारा पहलौठा एसाव हूँ। इसहाक अत्यधिक चकित हो गया और बोला, तो फिर वह कौन था जिसने मेरे लिए शिकार किया और मुझे लाकर दिया, और मैंने तुम्हारे आने से पहले सब कुछ खा लिया? मैंने उसे आशीर्वाद दे दिया है, और वह आशीर्वादित रहेगा। जब एसाव ने अपने पिता इसहाक के शब्द सुने, तो वह बहुत बड़ी और कड़वी आवाज़ से चिल्लाया, और बोला, हे पिता, मुझे भी आशीर्वाद दीजिए। उसने उससे कहा, तेरा भाई छल के साथ आया और तेरा आशीर्वाद ले गया। और उसने कहा, उसका नाम याकूब न्यायपूर्वक रखा गया था, क्योंकि उसने मुझे धोखा दिया है, देखो, यह दूसरी बार है। उसने मेरा पहलौठा का अधिकार लिया है, और अब उसने मेरा आशीर्वाद ले लिया है। और एसाव ने अपने पिता से कहा, हे पिता, क्या आपने मेरे लिए कोई

आशीर्वाद नहीं छोड़ा? उत्तर देते हुए इसहाक ने एसाव से कहा, यदि मैंने उसे तुम्हारा स्वामी बनाया है, और उसके सभी भाइयों को उसके सेवक बनाया है, और अनाज तथा दाखरस से उसे सहारा दिया है, तो हे पुत्र, तुम्हारे लिए मैं क्या करूँ? एसाव ने अपने पिता से कहा, क्या तुम्हारे पास केवल एक ही आशीर्वाद है, पिता? मुझे भी आशीर्वाद दो, पिता। इसहाक गहराई से द्रवित हुए, और एसाव ज़ोर से चिल्लाया और रोया। उत्तर देते हुए इसहाक, उसके पिता ने उससे कहा, देखो, पृथ्वी की प्रचुरता से तेरा निवास होगा और ऊपर से आकाश की ओस से। और तुम अपनी तलवार पर जीओगे और अपने भाई की सेवा करोगे, लेकिन जब तुम उसके जुए को अपनी गर्दन से तोड़ोगे और हटाओगे, तब ऐसा होगा।

और एसाव याकूब से उस आशीर्वाद के बारे में द्वेष रखता था, जो उसके पिता ने उसे दिया था, और एसाव ने अपने मन में कहा, मेरे पिता के शोक के दिन पास आने दो, ताकि मैं अपने भाई याकूब को मार डालूँ। रिबका को उसके बड़े बेटे एसाव की बातें बता दी गई, और उसने अपने छोटे बेटे याकूब को बुलवाया, और उससे कहा, देख, तेरा भाई एसाव तुझे मार डालने की धमकी दे रहा है। अब इसलिए, हे बच्चे, मेरी आवाज़ सुनो, और उठकर मेसोपोटामिया में मेरे भाई लाबान के पास हारान भाग जाओ। और उसके साथ कुछ दिनों तक निवास कर, जब तक क्रोध शांत न हो जाए। और तुम्हारे भाई का क्रोध तुम से दूर हो जाए, और वह भूल जाए जो तुमने उसके साथ किया है, और मैं भेजकर तुम्हें वहाँ से बुलाऊँगी, कहीं ऐसा न हो कि मैं तुम दोनों से एक ही दिन में संतानहीन हो जाऊँ। रिबका ने इसहाक से कहा, मैं हेत के पुत्रों की बेटियों के कारण अपने जीवन से थक गई हूँ। यदि याकूब इस भूमि की बेटियों में से पत्नी ले लेगा, तो मेरे लिए जीने का क्या अर्थ है?

28

इसहाक ने याकूब को बुलाया और उसे आशीर्वाद दिया, और उसे आदेश देते हुए कहा, तू

कनानियों की पुत्रियों में से पत्नी नहीं लेगा। उठकर मेसोपोटामिया में भाग जा, अपनी माता के पिता बतूएल के घर में, और वहाँ से अपने लिए एक पत्नी ले लो अपनी माता के भाई लाबान की पुत्रियों में से। और मेरा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद दे, और तुम्हें बढ़ाए, और तुम्हें गुणा करे, और तुम राष्ट्रों की सभाओं में हो जाओगे। और वह तुझे मेरे पिता अब्राहम का आशीर्वाद दे, तुझे और तेरे बाद तेरे वंश को, कि तू अपने प्रवास की भूमि का उत्तराधिकारी हो, जो परमेश्वर ने अब्राहम को दी थी। और इसहाक ने याकूब को भेजा, और वह मेसोपोटामिया में सीरियाई बतूएल के पुत्र लाबान के पास गया, जो याकूब और एसाव की माता रिबका का भाई था।

देखो, एसाव ने देखा कि इसहाक ने याकूब को आशीर्वाद दिया, और उसे सीरिया के मेसोपोटामिया में भेजा, ताकि वहाँ से अपने लिए पत्नी ले, और उसे आशीर्वाद देते हुए, उसे आदेश दिया, कहते हुए, तू कनानियों की बेटियों में से पत्नी नहीं लेगा। और याकूब ने अपने पिता और माता की बात सुनी, और वह सीरिया के मेसोपोटामिया को गया। और एसाव ने देखा कि कनान की बेटियाँ उसके पिता इसहाक के सामने बुरी हैं, एसाव इश्माएल के पास गया, और उसने माएलेथ को, जो इश्माएल की बेटी थी, जो अब्राहम का पुत्र था, नबायोत की बहन को, अपनी पत्नियों के अलावा पत्नी के रूप में लिया।

और याकूब शपथ के कुँए से बाहर निकला, और हारान को गया। और वह एक स्थान पर पहुँचा, और वहाँ सोया, क्योंकि सूरज डूब गया था, और उसने उस स्थान के पत्थरों में से लिया, और अपने सिर के पास रखा, और उस स्थान में सोया। और उसने एक सपना देखा, और देखो, एक सीढ़ी भूमि पर स्थापित थी, जिसका सिर स्वर्ग तक पहुँचता था, और ईश्वर के दूत उस पर चढ़ रहे थे और उतर रहे थे। लेकिन प्रभु उस पर खड़े थे, और उन्होंने कहा, मैं तुम्हारे पिता अब्राहम का परमेश्वर हूँ, और इसहाक का परमेश्वर हूँ। मत डरो, जिस भूमि पर तुम सो रहे हो, वह मैं तुम्हें और तुम्हारे वंश को दूंगा। और तुम्हारा वंश पृथ्वी की रेत के समान होगा, और वह समुद्र, दक्षिण, उत्तर और पूर्व की ओर फैलेगा, और तुम्हारे द्वारा और तुम्हारे वंश के द्वारा पृथ्वी के सभी कुल आशीर्वादित होंगे। और देखो, मैं तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हारी रक्षा करते हुए हर रास्ते में जहाँ कहीं भी

तुम जाओ, और मैं तुम्हें इस भूमि में वापस लाऊंगा, क्योंकि मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा जब तक मैं वह सब कुछ पूरा न कर लूँ जो मैंने तुमसे कहा है। और याकूब अपनी नींद से जागा, और उसने कहा, निश्चय ही प्रभु इस स्थान में हैं, और मैं नहीं जानता था। और वह डर गया, और बोला, यह स्थान कितना भयानक है! यह परमेश्वर का घर ही है, और यह स्वर्ग का द्वार है। और याकूब सुबह उठा, और उसने वह पत्थर लिया जो उसने वहाँ अपने सिर के नीचे रखा था, और उसे एक स्तंभ के रूप में खड़ा किया, और उसके शीर्ष पर तेल डाला। और उसने उस स्थान का नाम परमेश्वर का घर रखा, और उस नगर का नाम पहले लूज था। और याकूब ने मन्त्रत मानी, यह कहते हुए, यदि प्रभु देवता मेरे साथ रहें, और इस मार्ग में मेरी रक्षा करें जिस पर मैं जा रहा हूँ, और मुझे खाने के लिए रोटी और पहनने के लिए वस्त्र दें, और वह मुझे उद्धार के साथ मेरे पिता के घर लौटाए, और प्रभु मेरे लिए परमेश्वर होंगे। और यह पत्थर, जिसे मैंने स्तंभ के रूप में स्थापित किया है, मेरे लिए परमेश्वर का घर होगा, और जो कुछ भी तू मुझे देगा, उसका दसवां भाग मैं तुझे दूंगा।

29

और याकूब ने अपने पैर उठाकर पूर्व की भूमि में गया, सीरियाई बतूएल के पुत्र लाबान के पास, जो रिबका का भाई था, याकूब और एसाव की माता। और वह देखता है, और देखो, मैदान में एक कुआँ था, और वहाँ भेड़ों के तीन झुंड उसके पास आराम कर रहे थे, क्योंकि उस कुएँ से वे झुंडों को पानी पिलाते थे, और कुएँ के मुँह पर एक बड़ा पत्थर था। और वहाँ सभी झुंड एकत्र किए जाते थे, और वे कुएँ के मुँह से पत्थर को लुढ़काते थे, और भेड़ों को पानी पिलाते थे, और पत्थर को कुएँ के मुँह पर उसके स्थान में वापस रख देते थे। याकूब ने उनसे कहा, भाइयों, आप कहाँ से हैं? उन्होंने कहा, हम हारान से हैं। उसने उनसे कहा, क्या तुम नाहोर के पुत्र लाबान को जानते हो? उन्होंने कहा, हाँ, हम जानते हैं। उसने उनसे कहा, क्या वह स्वस्थ है? उन्होंने कहा, वह स्वस्थ है, और देखो, उसकी बेटी राहेल भेड़ों के साथ आ रही है। और याकूब ने कहा, अभी दिन बहुत बाकी है, अभी पशुओं को इकट्ठा करने का समय नहीं है। भेड़ों को पानी पिलाकर,

जाओ और उन्हें चराओ। लेकिन उन्होंने कहा, हम सक्षम नहीं होंगे, जब तक सभी चरवाहे एकत्र नहीं हो जाते, और वे कुएँ के मुँह से पत्थर को लुढ़का देंगे, और हम भेड़ों को पानी पिलाएंगे। जब वह अभी उनसे बोल रहा था, तो देखो, राहेल जो लाबान की बेटी थी, अपने पिता की भेड़ों के साथ आ रही थी, क्योंकि वह अपने पिता की भेड़ों को चराती थी। और ऐसा हुआ कि जब याकूब ने राहेल को देखा, जो लाबान की पुत्री थी, जो उसकी माता का भाई था, और लाबान की भेड़ों को देखा, जो उसकी माता का भाई था, तो याकूब पास आया और उसने कुएँ के मुख से पत्थर को हटाया, और लाबान की भेड़ों को पानी पिलाया, जो उसकी माता का भाई था। और याकूब ने राहेल को चूमा, और ऊँची आवाज़ से चिल्लाकर रोया। और उसने राहेल को सूचना दी कि वह उसके पिता का भाई है और कि वह रिबका का पुत्र है, और दौड़कर उसने अपने पिता को इन शब्दों के अनुसार सूचना दी। और ऐसा हुआ कि जब लाबान ने अपनी बहन के पुत्र याकूब का नाम सुना, तो वह उससे मिलने के लिए दौड़ा, और उसे गले लगाया और चूमा, और उसे अपने घर में लाया, और उसने लाबान को ये सभी बातें सुनाई। और लाबान ने उससे कहा, तुम मेरी हड्डियों से और मेरे मांस से हो, और वह उसके साथ एक महीने के दिनों तक रहा।

लाबान ने याकूब से कहा, क्योंकि तू मेरा भाई है, इसलिए तू मुझे मुफ्त में सेवा नहीं करेगा। मुझे बता, तेरा पारिश्रमिक क्या है? लेकिन लाबान की दो पुत्रियाँ थीं, बड़ी का नाम लिआ था, और छोटी का नाम राहेल था। लेकिन लिआ की आँखें कमजोर थीं, परन्तु राहेल रूप में सुंदर थी और दिखावट में अत्यंत सुंदर थी। याकूब ने राहेल से प्रेम किया, और कहा, मैं तुम्हारी छोटी बेटी राहेल के लिए तुम्हारी सात वर्ष सेवा करूंगा। लाबान ने उससे कहा, उसे तुम्हें देना मेरे लिए बेहतर है, बजाय उसे किसी दूसरे आदमी को देने के। मेरे साथ रहो। और याकूब ने राहेल के लिए सात वर्ष सेवा की, और वे उसके सामने कुछ दिनों के समान थे, क्योंकि वह उससे प्रेम करता था। याकूब ने लाबान से कहा, मुझे मेरी पत्नी दो, क्योंकि दिन पूरे हो गए हैं ताकि मैं उसके पास जाऊँ। लाबान ने उस स्थान के सब पुरुषों को एकत्र किया, और विवाह किया। और शाम हुई, और उसने अपनी पुत्री लिआ को लेकर याकूब के पास लाया, और याकूब उसके पास गया। और लाबान ने अपनी पुत्री लेआ को अपनी दासी जेल्फा दी, उसको दासी के रूप में दी। सुबह हुई, और देखो,

वह लेआ थी। याकूब ने लाबान से कहा, तूने मेरे साथ यह क्या किया? क्या मैंने तेरे पास राहेल के लिए सेवा नहीं की? तूने मुझे क्यों धोखा दिया? लेकिन लाबान ने उत्तर दिया, हमारे स्थान में ऐसा नहीं है कि बड़ी से पहले छोटी को दिया जाए। इसलिए इसका सप्ताह पूरा करो, और मैं तुझे यह भी दे दूंगा उस काम के बदले में जो तू मेरे पास सात अन्य वर्ष और काम करेगा। याकूब ने ऐसा किया, और उसने इसके सात दिन पूरे किए, और लाबान ने उसको अपनी बेटी राहेल को पत्नी के रूप में दिया। लाबान ने अपनी बेटी को अपनी दासी बिल्हा दी, उसे दासी के रूप में। और वह राहेल के पास गया, और उसने राहेल से लिआ की अपेक्षा अधिक प्रेम किया, और उसने उसकी सात वर्ष और सेवा की।

परन्तु प्रभु परमेश्वर ने देखा कि लिआ से घृणा की जाती थी, तो उसने उसकी कोख खोल दी, परन्तु राहेल बांझ थी। और लेआ गर्भवती हुई, और उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया, और उसने उसका नाम रूबेन रखा, यह कहते हुए, क्योंकि प्रभु ने मेरा अपमान देखा, और मुझे एक पुत्र दिया, अब इसलिए मेरा पति मुझसे प्रेम करेगा। और वह फिर गर्भवती हुई, और याकूब के लिए दूसरा पुत्र जन्म दिया, और उसने कहा, क्योंकि प्रभु ने सुना कि मैं नफरत की जाती हूँ, और उसने मुझे यह भी दिया, और उसने उसका नाम शिमोन रखा। और वह फिर गर्भवती हुई, और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और कहा, अब इस समय मेरा पति मेरे साथ होगा, क्योंकि मैंने उसके लिए तीन पुत्र जन्म दिए हैं। इसलिए उसने उसका नाम लेवी रखा। और गर्भधारण करके उसने फिर एक पुत्र को जन्म दिया, और कहा, अब फिर मैं इसके लिए प्रभु को धन्यवाद दूँगी। इसलिए उसने उसका नाम यहूदा रखा, और वह संतान उत्पन्न करने से रुक गई।

30

राहेल ने देखा कि उसने याकूब को संतान नहीं दी थी, और राहेल को अपनी बहन से ईर्ष्या हुई, और उसने याकूब से कहा, मुझे बच्चे दो, नहीं तो मैं मर जाऊँगी। क्रोधित होकर याकूब ने राहेल

से कहा, क्या मैं परमेश्वर के स्थान पर हूँ, जिसने तुम्हें गर्भ का फल नहीं दिया? राहेल ने याकूब से कहा, देखो, मेरी दासी बिल्हा है, उसके पास जाओ, और वह मेरे घुटनों पर जन्म देगी, और मैं भी उससे संतान प्राप्त करूंगी। और उसने बिल्हा को, जो उसकी दासी थी, उसे पत्नी के रूप में दे दिया, और याकूब उसके पास गया। और राहेल की दासी बिल्हा गर्भवती हुई, और उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया। और राहेल ने कहा, परमेश्वर ने मेरा न्याय किया, और मेरी आवाज़ सुनी, और मुझे एक पुत्र दिया, इसलिए उसने उसका नाम दान रखा। और राहेल की दासी बिल्हा फिर गर्भवती हुई, और उसने याकूब के लिए दूसरा पुत्र जन्म दिया। और राहेल ने कहा, परमेश्वर ने मेरा संघर्ष किया है, और मैंने अपनी बहन से कुश्ती लड़ी, और मैं विजयी हुई, और उसने उसका नाम नप्ताली रखा। लेआ ने देखा कि उसका बच्चे जनना रुक गया था, और उसने अपनी दासी ज़िल्पा को लिया, और उसे याकूब को पत्नी के रूप में दे दिया, और वह उसके पास गया। और लिआ की दासी ज़िल्पा गर्भवती हुई और उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया। और लेआ ने कहा, भाग्य में, और उसने उसका नाम गाद रखा। और लिआ की दासी ज़िल्पा फिर गर्भवती हुई, और याकूब के लिए दूसरा पुत्र जन्म दिया। और लेआ ने कहा, धन्य हूँ मैं, क्योंकि स्त्रियाँ मुझे धन्य कहेंगी, और उसने उसका नाम आशेर रखा। रूबेन गेहूँ की कटाई के दिनों में गया, और खेत में मंदरागोरों के सेब पाए, और उनको अपनी माता लिआ के पास लाया। राहेल ने अपनी बहन लिआ से कहा, अपने पुत्र के मंदरागोरे मुझे दे दो। लेआ ने कहा, क्या यह तुझे पर्याप्त नहीं कि तूने मेरा पति ले लिया? क्या तू मेरे पुत्र के मन्द्राके भी लेगी? राहेल ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं, वह आज रात तेरे साथ सोए, तेरे पुत्र के मन्द्राकों के बदले में। याकूब शाम को खेत से आया, और लेआ उससे मिलने के लिए बाहर गई, और बोली, आज तू मेरे पास आएगा, क्योंकि मैंने तुझे अपने पुत्र के मंदरागोरों के बदले किराये पर लिया है, और वह उस रात उसके साथ सोया। और परमेश्वर ने लिआ की सुनी, और गर्भवती होकर उसने याकूब के लिए पाँचवाँ पुत्र जना। और लेआ बोली, परमेश्वर ने मुझे मेरा प्रतिफल दिया है, क्योंकि मैंने अपनी दासी अपने पति को दी थी, और उसने उसका नाम इस्साकार रखा, जिसका अर्थ है प्रतिफल। और लेआ ने फिर गर्भ धारण किया, और याकूब के लिए छठा पुत्र जन्म दिया। और लेआ ने कहा, परमेश्वर ने मुझे इस समय एक अच्छा उपहार दिया है, अब मेरा पति मुझे चुनेगा, क्योंकि मैंने उसे

छह पुत्र जन्म दिए हैं, और उसने उसका नाम जबूलून रखा। और इसके बाद उसने एक पुत्री को जन्म दिया, और उसने उसका नाम दीना रखा। परमेश्वर ने राहेल को याद किया, और परमेश्वर ने उसकी सुनी, और उसकी कोख खोली। और गर्भधारण करके उसने याकूब के लिए एक पुत्र को जन्म दिया, और राहेल ने कहा, मेरे परमेश्वर ने मेरी निंदा को दूर कर दिया है। और उसने उसका नाम यूसुफ रखा, यह कहते हुए, परमेश्वर मुझे एक और पुत्र दे।

ऐसा हुआ कि जब राहेल ने योसेफ को जन्म दिया, तो याकूब ने लाबान से कहा, मुझे भेज दो, ताकि मैं अपने स्थान और अपनी भूमि को जा सकूँ। मेरी पत्नियों और मेरे बच्चों को वापस कर दो, जिनके लिए मैंने तुम्हारी सेवा की है, ताकि मैं जा सकूँ, क्योंकि तुम उस सेवा को जानते हो जो मैंने तुम्हारे लिए की है। लाबान ने उससे कहा, यदि मैंने तेरी दृष्टि में कृपा पाई है, तो मैं भविष्यवाणी करता, क्योंकि परमेश्वर ने तेरे आने पर मुझे आशीर्वाद दिया है। अपनी मजदूरी मुझे बताओ, और मैं दूंगा। याकूब ने कहा, तू जानता है कि मैंने तेरी कितनी सेवा की है, और तेरे पशु मेरे साथ कैसे रहे हैं। जो कुछ तुम्हारे पास मेरे आने से पहले था वह थोड़ा था, और वह बढ़कर बहुत हो गया, और प्रभु परमेश्वर ने मेरे आने पर तुम्हें आशीर्वाद दिया, अब इसलिए मैं कब अपने लिए घर बनाऊँगा? और लाबान ने उससे कहा, मैं तुम्हें क्या दूंगा? याकूब ने उससे कहा, तुम मुझे कुछ नहीं दोगे, अगर तुम मेरे लिए यह बात करोगे, तो मैं फिर से तुम्हारी भेड़ें चराऊँगा और रखूँगा। आज तुम्हारी सभी भेड़ों को गुजर जाने दो, और वहाँ से मेमनों में से हर काली भेड़ को, और बकरियों में से हर धारीदार और चित्तीदार को अलग कर दो, यह मेरा पारिश्रमिक होगा। और मेरी धार्मिकता अगले दिन मुझे सुनेगी, क्योंकि तेरे सामने मेरा पारिश्रमिक है, सब जो बकरियों में चित्तीदार और धारीदार नहीं हो, और मेमनों में भूरा नहीं हो, वह मेरे पास चुराया हुआ होगा। लाबान ने उससे कहा, तुम्हारे शब्द के अनुसार हो। और उसने उस दिन चितकबरे और धब्बेदार नर बकरों को, और सब चितकबरी और धब्बेदार बकरियों को, और हर वह जो मेमनों में भूरा था, और हर वह जो उनमें सफेद था, अलग किया, और अपने पुत्रों के हाथ में दे दिया। और उसने तीन दिनों का रास्ता हटाया, और उनके बीच और याकूब के बीच, और याकूब लाबान की बची हुई भेड़ों को चराता था। याकूब ने अपने लिए स्टोरेक्स की ताज़ी छड़ी, अखरोट की और चिनार

की ली, और याकूब ने उनके सफेद छिलके छीले, और हरे भाग को खुरचते हुए, छड़ियों पर वह सफेद भाग दिखाई दिया जो उसने छीला था, जो विविध था। और उसने उन छड़ियों को, जिन्हें उसने छीला था, पानी पिलाने के कुंडों की नालियों में रख दिया, ताकि जब भेड़ें पीने आएँ, तो उन छड़ियों के सामने, जब वे पीने आएँ, तो भेड़ें उन छड़ियों की ओर देखते हुए गर्भधारण करें। और भेड़ें छड़ियों के सामने गर्भधारण कर रही थीं, और भेड़ों ने शुद्ध सफेद और चितकबरे और धूसर धब्बेदार बच्चे जन्म दिए। याकूब ने मेमनों को अलग किया और भेड़ों के सामने धारीदार मेढ़ा और मेमनों में हर विविध रंग का पशु रखा, और अपने लिए अलग झुंड बनाए, और उनको लाबान की भेड़ों में नहीं मिलाया। और ऐसा हुआ कि जिस समय भेड़ें गर्भधारण कर रही थीं, याकूब ने छड़ियाँ भेड़ों के सामने हौदों में रख दीं, ताकि वे छड़ियों के अनुसार गर्भधारण करें। जब भेड़ों ने जन्म दिया, तो उसने नहीं रखा, लेकिन बिना निशान वाली भेड़ें लाबान की हुई और निशान वाली भेड़ें याकूब की हुई। और वह आदमी बहुत ही अमीर हो गया, और उसके पास बहुत मवेशी, और बैल, और नौकर, और दासियाँ, और ऊँट, और गधे हो गए।

31

याकूब ने लाबान के पुत्रों के शब्द सुने, जो कह रहे थे, याकूब ने हमारे पिता का सब कुछ ले लिया है, और हमारे पिता के धन से उसने यह सारी महिमा प्राप्त की है। और याकूब ने लाबान का चेहरा देखा, और देखो, वह उसके प्रति वैसा नहीं था जैसे कल और परसों। प्रभु ने याकूब से कहा, अपने पिता की भूमि में और अपने कुटुम्ब में लौट जा, और मैं तेरे साथ रहूँगा। भेजकर याकूब ने लिआ और राहेल को उस मैदान में बुलाया, जहाँ झुंड था। और उसने उनसे कहा, मैं तुम्हारे पिता का चेहरा देखता हूँ, कि वह मेरे प्रति वैसा नहीं है, जैसा कल और परसों था, लेकिन मेरे पिता का परमेश्वर मेरे साथ था। और तुम यह जानते हो कि मैंने अपनी पूरी शक्ति से तुम्हारे पिता की सेवा की है। तुम्हारे पिता ने मुझे धोखा दिया, और मेरी मजदूरी दस बार बदली, और परमेश्वर ने उसे मुझे हानि पहुँचाने नहीं दिया। यदि वह इस प्रकार कहे, चितकबरे तुम्हारा पारिश्रमिक होंगे, तो सब

भेड़ें चितकबरे जन्म देंगी। यदि वह कहे, सफेद तुम्हारा पारिश्रमिक होंगे, तो सब भेड़ें सफेद जन्म देंगी। और भगवान ने तुम्हारे पिता के सभी पशु छीन लिए और उन्हें मुझे दे दिए। और ऐसा हुआ कि जब भेड़ें गर्भधारण कर रही थीं, तो मैंने अपनी नींद में अपनी आँखों से देखा, और देखो, बकरे और मेढ़े जो भेड़ों और बकरियों पर चढ़ रहे थे, वे सफेद और चितकबरे और राख के रंग के छींटेदार थे। और परमेश्वर के दूत ने मुझे स्वप्न में कहा, याकूब, और मैंने कहा, क्या है? और उसने कहा, अपनी आँखें उठाकर देखो, और उन बकरों और मेढ़ों को देखो जो भेड़ों और बकरियों पर चढ़ रहे हैं, जो धारीदार, चितकबरे और राख रंग के चित्तीदार हैं। मैंने देखा है कि लाबान तुम्हारे साथ क्या कर रहा है। मैं वह परमेश्वर हूँ जो तुम्हें परमेश्वर के स्थान में प्रकट हुआ था, जहाँ तुमने मेरे लिए वहाँ स्तंभ का अभिषेक किया था, और तुमने मुझसे वहाँ मन्त्र मानी थी, अब इसलिए उठो, और इस भूमि से निकलो, और अपने जन्म की भूमि में जाओ, और मैं तुम्हारे साथ रहूँगा। और राहेल और लिआ ने उत्तर देते हुए उससे कहा, क्या हमारे पिता के घर में हमारे लिए अब कोई भाग या विरासत नहीं है? क्या हम उसके लिए विदेशियों की तरह नहीं गिने गए हैं? क्योंकि उसने हमें बेचा है, और हमारी चांदी को खा गया है। सब धन और महिमा, जो हमारे पिता से परमेश्वर ने छीन ली, हमारी होगी और हमारे बच्चों की। अब इसलिए जो कुछ परमेश्वर ने तुमसे कहा है, वह करो। उठकर याकूब ने अपनी स्त्रियों और अपने बच्चों को ऊँटों पर बिठाया, और वह अपनी सारी संपत्ति, और अपना सारा सामान जो उसने मेसोपोटामिया में प्राप्त किया था, और अपना सब कुछ लेकर, अपने पिता इसहाक के पास कनान देश में जाने के लिए चल पड़ा। लाबान अपनी भेड़ें कतरने गया, लेकिन राहेल ने अपने पिता की मूर्तियाँ चुरा लीं। याकूब ने सीरियाई लाबान से छिपाया, ताकि उसे यह घोषित न करे कि वह भाग रहा है। और वह स्वयं भाग गया, और उसका सब कुछ, और उसने नदी पार की, और गिलाद के पहाड़ की ओर निकल पड़ा। तीसरे दिन सीरियाई लाबान को यह सूचना दी गई कि याकूब भाग गया। और अपने भाइयों को अपने साथ लेकर, उसने सात दिन के मार्ग तक उसका पीछा किया, और उसे गिलाद के पहाड़ में पकड़ लिया। परमेश्वर रात को स्वप्न में सीरियाई लाबान के पास आया, और उससे कहा, अपनी रखवाली करो कि तू कभी याकूब से बुरा न बोले। और लाबान ने याकूब को पकड़ लिया, याकूब ने अपना तंबू पहाड़ पर लगाया था, लाबान ने अपने भाइयों को गिलाद के पहाड़ पर खड़ा

किया। लाबान ने याकूब से कहा, तूने यह क्या किया? तू गुप्त रूप से क्यों भागा, और तूने मुझे धोखा दिया, और मेरी पुत्रियों को तलवार से पकड़ी गई बंदियों की तरह ले गया? और अगर तुमने मुझे बताया होता, तो मैं तुम्हें खुशी के साथ, संगीतकारों के साथ, ढोलकों के साथ और वीणा के साथ विदा करता। और मुझे अपने बच्चों और अपनी बेटियों को चूमने का अवसर नहीं दिया गया, और अब तुमने मूर्खतापूर्वक कार्य किया है। और अब मेरा हाथ तुम्हें हानि पहुँचाने में सक्षम है, परन्तु तुम्हारे पिता के परमेश्वर ने कल मुझसे कहा, सावधान रहो कि तुम याकूब से कभी बुरा न बोलो। अब तुम चले गए हो, क्योंकि तुमने अपने पिता के घर जाने की बहुत इच्छा की थी, परन्तु तुमने मेरे देवताओं को क्यों चुराया? याकूब ने उत्तर देते हुए लाबान से कहा, मैं डर गया था, क्योंकि मैंने सोचा कि कहीं तुम अपनी बेटियों को मुझसे छीन न लो, और मेरा सब कुछ भी। और याकूब ने कहा, जिसके पास तुम अपने देवताओं को पाओगे, वह हमारे भाइयों के सामने जीवित नहीं रहेगा। पहचानो कि मेरे पास तुम्हारी कौन सी चीज़ है, और उसे ले लो। और उसने उसके पास कुछ नहीं पहचाना। लेकिन याकूब नहीं जानता था कि उसकी पत्नी राहेल ने उन्हें चुराया था। लाबान ने प्रवेश करके लिया के घर में खोजा, और नहीं पाया, और लिया के घर से बाहर निकला, और याकूब के घर में खोजा, और दो दासियों के घर में भी खोजा, और नहीं पाया, फिर वह राहेल के घर में भी प्रवेश किया। राहेल ने मूर्तियाँ लीं, और उन्हें ऊँट के सैडलबैग में डाला, और उन पर बैठ गई। और उसने अपने पिता से कहा, हे स्वामी, बुरा मत मानिए, मैं आपके सामने खड़ी नहीं हो सकती, क्योंकि मुझे स्त्रियों की रीति के अनुसार है। लाबान ने पूरे घर में खोजा, और मूर्तियाँ नहीं पाई। याकूब क्रोधित हुआ और लाबान से लड़ा। उत्तर देते हुए याकूब ने लाबान से कहा, मेरा अन्याय क्या है? और मेरा पाप क्या है, कि तुमने मेरा पीछा किया? और क्योंकि तुमने मेरे घर के सभी बर्तनों को खोजा; तुम्हें अपने घर के सभी बर्तनों में से क्या मिला? उसे यहाँ अपने भाइयों और मेरे भाइयों के सामने रखो, और वे हम दोनों के बीच न्याय करें। ये बीस वर्ष मैं तुम्हारे साथ रहा हूँ, तुम्हारी भेड़ें और तुम्हारी बकरियाँ बांझ नहीं हुईं, तुम्हारी भेड़ों के मेढ़ों को मैंने नहीं खाया। जंगली जानवरों द्वारा फाड़े गए को मैं तुम्हारे पास नहीं लाया था, मैं अपनी ओर से दिन की चोरियों और रात की चोरियों का भुगतान कर रहा था। मैं दिन में गर्मी से जलता रहा, और रात में ठंड से, और मेरी नींद मेरी आँखों से दूर हो गई। ये बीस

वर्ष मैं तुम्हारे घर में रहा हूँ, मैंने तुम्हारी दो बेटियों के बदले चौदह वर्ष तुम्हारी सेवा की, और छह वर्ष तुम्हारी भेड़ों में काम किया, और तुमने मेरी मजदूरी को दस बार बदल दिया। यदि मेरे पिता अब्राहम का परमेश्वर और इसहाक का भय मुझे नहीं मिला होता, तो अब तुमने मुझे खाली हाथ भेज दिया होता। मेरा अपमान और मेरे हाथों का परिश्रम परमेश्वर ने देखा, और कल तुम्हें डाँटा।

उत्तर देते हुए लाबान ने याकूब से कहा, ये बेटियाँ मेरी बेटियाँ हैं, और बेटे मेरे बेटे हैं, और पशु मेरे पशु हैं, और जितना कुछ तुम देखते हो, वह सब मेरा है, और मेरी बेटियों के विषय में, मैं आज इनके साथ क्या करूँगा या उनके बच्चों के साथ, जिन्हें उन्होंने जन्म दिया? अब इसलिए आओ, मैं और तुम वाचा बनाएँ, और यह मेरे और तुम्हारे बीच गवाही होगी, उसने उससे कहा, देखो हमारे साथ कोई नहीं है, देखो ईश्वर मेरे और तुम्हारे बीच गवाह है। लेकिन याकूब ने एक पत्थर लिया और उसे स्तंभ के रूप में स्थापित किया। याकूब ने अपने भाइयों से कहा, पत्थर इकट्ठा करो, और उन्होंने पत्थर इकट्ठा किए, और एक ढेर बनाया, और वहाँ उस ढेर पर खाया, और लाबान ने उससे कहा, यह ढेर आज मेरे और तुम्हारे बीच गवाही देता है। और लाबान ने उसे गवाही का ढेर बुलाया, और याकूब ने उसे गवाह ढेर बुलाया। और लाबान ने याकूब से कहा, देखो यह ढेर और यह स्तंभ, जो मैंने मेरे और तुम्हारे बीच स्थापित किया था, यह ढेर गवाही देता है, और यह स्तंभ गवाही देता है, इसलिए इसका नाम रखा गया, ढेर गवाही देता है। और वह दृष्टि, जो कही गई थी, ईश्वर मेरे और तुम्हारे बीच देखे, क्योंकि हम एक दूसरे से अलग होंगे। यदि तुम मेरी पुत्रियों को अपमानित करोगे, यदि तुम मेरी पुत्रियों के साथ अन्य स्त्रियाँ लोगे, देखो, हमारे साथ कोई देखने वाला नहीं है, ईश्वर मेरे और तुम्हारे बीच साक्षी है। यदि मैं तुम्हारी ओर पार न करूँ, और न ही तुम बुराई के लिए इस पहाड़ी और इस स्तंभ को पार करके मेरी ओर आओ। अब्राहम का परमेश्वर और नाहोर का परमेश्वर हमारे बीच न्याय करे, और याकूब ने अपने पिता इसहाक के भय की शपथ ली। और उसने पहाड़ पर बलिदान चढ़ाया, और उसने अपने भाइयों को बुलाया, और उन्होंने खाया और पिया, और वे पहाड़ पर सोए।

सुबह उठकर लाबान ने अपने पुत्रों और बेटियों को चूमा और उन्हें आशीर्वाद दिया, और मुड़कर लाबान अपने स्थान को चला गया।

और याकूब अपने रास्ते पर चला गया, और ऊपर देखकर उसने परमेश्वर का शिविर डेरा डाले हुए देखा, और परमेश्वर के दूत उससे मिले। याकूब ने कहा, जब उसने उन्हें देखा, यह परमेश्वर का शिविर है, और उसने उस स्थान का नाम परेम्बोलाई रखा।

और याकूब ने अपने आगे दूतों को अपने भाई एसाव के पास सेईर की भूमि में, एदोम के प्रदेश में भेजा। और उसने उन्हें आज्ञा दी, कहते हुए, इस प्रकार तुम मेरे स्वामी एसाव से कहोगे, तुम्हारा सेवक याकूब इस प्रकार कहता है, मैं लाबान के साथ रहा, और अब तक विलम्ब किया। और मेरे पास बैल, गधे, भेड़ें, सेवक और दासियाँ हो गई, और मैंने अपने स्वामी एसाव को बताने के लिए भेजा, ताकि आपका सेवक आपके सामने कृपा पाए। और दूत याकूब के पास लौटे और कहने लगे, हम आपके भाई एसाव के पास गए थे, और देखिए, वह आपसे मिलने आ रहा है, और उसके साथ चार सौ पुरुष हैं। याकूब बहुत डर गया और व्याकुल हो गया, और उसने अपने साथ के लोगों को, बैलों को, ऊँटों को और भेड़ों को दो शिविरों में विभाजित कर दिया। और याकूब ने कहा, अगर एसाव एक शिविर में आता है और उसे मारता है, तो दूसरा शिविर बचाया जाएगा। याकूब ने कहा, हे मेरे पिता इब्राहीम के देवता, और हे मेरे पिता इसहाक के देवता, हे प्रभु, तूने ही मुझसे कहा था, अपने जन्म की भूमि में लौट जा, और मैं तेरा भला करूँगा, 'यह मुझे पर्याप्त हो सब न्याय से, और सब सत्य से, जो तूने अपने सेवक के साथ किया। क्योंकि मैं इस छड़ी के साथ इस यर्दन को पार किया था, अब मैं दो शिविरों में हो गया हूँ। मुझे मेरे भाई के हाथ से, एसाव के हाथ से छुड़ाओ, क्योंकि मैं उससे डरता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि वह आकर मुझे और बच्चों के साथ माता को मार डाले। लेकिन तूने कहा था, मैं तुझे भला करूँगा, और तेरे वंश को

समुद्र की रेत के समान कर दूँगा, जो बहुतायत के कारण गिना नहीं जा सकेगा। और वह उस रात वहाँ सोया, और जो उपहार वह लाया था उन्हें लिया, और अपने भाई एसाव को भेजा, दो सौ बकरियाँ, बीस नर बकरे, दो सौ भेड़ें, बीस मेढ़े, दूध पिलाती हुई ऊँट और उनके बच्चे तीस, बैल चालीस, साँड़ दस, गधे बीस, और बछेड़े दस। और उसने अपने सेवकों को अलग-अलग झुंड दिए, और अपने सेवकों से कहा, मेरे आगे चलो, और झुंड और झुंड के बीच अंतराल रखो। और उसने पहले को आज्ञा दी, कहते हुए, यदि तुम्हें मेरा भाई एसाव मिले, और वह तुमसे पूछे, कहते हुए, तुम किसके हो? और कहाँ जा रहे हो? और ये जो तुम्हारे आगे जा रहे हैं, किसके हैं? तुम कहोगे, तुम्हारे सेवक याकूब ने मेरे स्वामी एसाव को उपहार भेजे हैं, और देखो, वह स्वयं हमारे पीछे आ रहा है। और उसने पहले, दूसरे, तीसरे और इन झुंडों के आगे जाने वाले सभी को आज्ञा दी, कहते हुए, इस वचन के अनुसार एसाव से बोलना जब तुम उसे पाओ, और तुम कहोगे, देखो, आपका सेवक याकूब हमारे पीछे आ रहा है। उसने कहा था, क्योंकि मैं उन उपहारों से उसे प्रसन्न करूँगा जो उसके आगे जा रहे हैं, और इसके बाद मैं उसका चेहरा देखूँगा। शायद वह मेरा चेहरा स्वीकार करेगा। और उपहार उसके आगे चले गए, लेकिन वह उस रात शिविर में सोया। उस रात उठकर, उसने अपनी दो पत्नियों, दो दासियों और अपने ग्यारह बच्चों को लिया, और यब्बोक नदी को पार किया। और उसने उनको लिया, और धारा को पार किया, और अपनी सब चीज़ों को पार कराया।

लेकिन याकूब अकेला रह गया, और एक मनुष्य उसके साथ सुबह तक कुशती लड़ता रहा। उसने देखा कि वह उसके विरुद्ध सक्षम नहीं है, और उसने उसकी जांघ की हड्डी को छुआ, और याकूब की जांघ की हड्डी उसके साथ कुशती करते समय सुन्न हो गई। और उसने उससे कहा, मुझे भेज दो, क्योंकि भोर हो गई है। लेकिन उसने कहा, मैं तुम्हें नहीं भेजूँगा, अगर तुम मुझे आशीर्वाद नहीं दोगे। उसने उससे कहा, तुम्हारा नाम क्या है? और उसने कहा, याकूब। और उसने उससे कहा, अब तुम्हारा नाम याकूब नहीं बुलाया जाएगा, लेकिन तुम्हारा नाम इस्राएल होगा, क्योंकि तुम परमेश्वर के साथ प्रबल हुए, और मनुष्यों के साथ सामर्थी होगे। याकूब ने पूछा और कहा, मुझे अपना नाम बताओ। और उसने कहा, तुम मेरा नाम क्यों पूछते हो? और उसने उसे वहाँ

आशीर्वाद दिया। और याकूब ने उस जगह का नाम रखा, परमेश्वर का रूप, क्योंकि मैंने परमेश्वर को आमने-सामने देखा, और मेरी आत्मा बच गई। उसके लिए सूरज उगा, जब भगवान का रूप गुजर गया, लेकिन वह अपनी जांघ से लंगड़ा रहा था। इस कारण इस्राएल के पुत्र उस नस को नहीं खाते, जो सुन्न हो गई थी, जो जांघ की चौड़ाई पर है, आज के दिन तक, क्योंकि उसने याकूब की जांघ की चौड़ाई की उस नस को छुआ था, जो सुन्न हो गई थी।

33

याकूब ने अपनी आँखों से ऊपर देखा और देखा, और देखो, उसका भाई एसाव आ रहा था, और उसके साथ चार सौ पुरुष थे, और याकूब ने बच्चों को लिया, राहेल और दो दासियों के बीच बाँट दिया। और उसने दो दासियों और उनके पुत्रों को पहले रखा, और लिया और उसके बच्चों को पीछे, और राहेल और यूसुफ को सबसे अंत में। लेकिन वह स्वयं उनके आगे बढ़ा, और भूमि पर सात बार दण्डवत किया, जब तक कि वह अपने भाई के निकट नहीं आ गया। और एसाव उससे मिलने के लिए दौड़ा, और उसे गले लगाकर उसकी गर्दन पर गिर पड़ा, और उसे चूमा, और दोनों रो पड़े। और ऊपर देखकर एसाव ने स्त्रियों और बच्चों को देखा, और कहा, ये तुम्हारे लिए क्या हैं? और उसने कहा, ये बच्चे हैं, जिन पर परमेश्वर ने तुम्हारे सेवक पर कृपा की है। और युवा स्त्रियाँ और उनके बच्चे पास आए, और उन्होंने प्रणाम किया। और लेआ और उसके बच्चे पास आए, और उन्होंने प्रणाम किया, और इसके बाद राहेल और यूसुफ पास आए, और उन्होंने प्रणाम किया। और उसने कहा, ये सब शिविर जो मुझे मिले हैं, तुम्हारे लिए क्या हैं? उसने कहा, ताकि आपका सेवक आपके सामने कृपा पाए, स्वामी। एसाव ने कहा, मेरे पास बहुत है, भाई, जो तुम्हारा है वह तुम्हारे पास रहने दो। याकूब ने कहा, यदि मुझे आपके सामने कृपा मिली है, तो मेरे हाथों से ये उपहार स्वीकार कीजिए, क्योंकि मैंने आपका चेहरा देखा है, जैसे कोई परमेश्वर का चेहरा देखता है, और आप मुझ पर प्रसन्न होंगे। मेरा आशीर्वाद स्वीकार करो जो मैं तुम्हारे लिए लाया हूँ, क्योंकि भगवान ने मुझ पर दया की है और मेरे पास सब कुछ है, और उसने उसे आग्रह

किया और उसने स्वीकार कर लिया। और उसने कहा, प्रस्थान करके हम सीधे चलें। उसने उससे कहा, मेरे स्वामी जानते हैं कि बच्चे कोमल हैं, और भेड़ें और गायें मेरे पास दूध पिला रही हैं। यदि मैं इन्हें एक दिन जोर से हांकूंगा, तो सब पशु मर जाएंगे। मेरे स्वामी अपने सेवक के आगे चलें, और मैं मार्ग में अपने सामने की यात्रा के आराम के अनुसार और युवा पुरुषों के पैर के अनुसार आगे बढ़ूंगा, जब तक मैं सेईर में अपने स्वामी के पास न पहुँच जाऊँ। एसाव ने कहा, मैं अपने साथ के लोगों में से कुछ को तुम्हारे साथ छोड़ दूंगा। लेकिन उसने कहा, यह क्यों? यह पर्याप्त है कि मुझे आपके सामने कृपा मिली, स्वामी। लेकिन एसाव उस दिन अपने रास्ते सेईर को मुड़ गया। और याकूब तंबुओं की ओर प्रस्थान करता है, और उसने अपने लिए वहाँ घर बनाया, और अपने पशुओं के लिए तंबू बनाए, इस कारण उसने उस स्थान का नाम तंबू रखा।

और याकूब सालेम में आया, जो शकीम का नगर है और कनान की भूमि में है, जब वह सीरिया के मेसोपोटामिया से लौटा, और उसने नगर के सामने डेरा डाला। और उसने खेत का वह भाग अधिग्रहण किया जहाँ उसने अपना तंबू स्थापित किया था, शेकेम के पिता हमोर से सौ चाँदी के सिक्कों में। और उसने वहाँ एक वेदी स्थापित की, और इस्राएल के परमेश्वर को पुकारा।

34

दीना, जो लिआ की बेटी थी और जिसे उसने याकूब के लिए जन्म दिया था, स्थानीय लोगों की बेटियों से मिलने के लिए बाहर गई। और शेकेम ने, जो हमोर हिक्वी का पुत्र और उस भूमि का शासक था, उसे देखा, और उसे लेकर उसके साथ सोया, और उसे अपमानित किया। और उसने याकूब की बेटी दीना की आत्मा पर ध्यान दिया, और उसने उस कुंवारी से प्रेम किया, और उसने उस कुंवारी के मन के अनुसार उससे बात की। शिखेम ने अपने पिता एम्मोर से कहा, मेरे लिए इस लड़की को पत्नी के रूप में ले लो। याकूब ने सुना कि हमोर के पुत्र ने उसकी पुत्री दीना को अपवित्र किया था, और उसके पुत्र मैदान में उसके पशुओं के साथ थे, इसलिए याकूब उनके आने

तक चुप रहा। और शेकेम का पिता एम्मोर याकूब से बात करने के लिए बाहर गया। याकूब के पुत्र मैदान से आए, और जब उन्होंने सुना, तो वे पुरुष बहुत दुखी हुए और उन्हें बहुत कष्ट हुआ, क्योंकि उसने इस्राएल में शर्मनाक काम किया था, याकूब की पुत्री के साथ सोया था, और ऐसा नहीं होना चाहिए। और एम्मोर ने उनसे कहा, मेरे पुत्र शेकेम ने अपनी आत्मा से तुम्हारी पुत्री को चुना है, इसलिए उसे उसकी पत्नी के रूप में दे दो। और हमसे विवाह संबंध बनाओ, अपनी बेटियाँ हमें दो, और हमारी बेटियाँ अपने बेटों के लिए ले लो। और हमारे बीच निवास करो, और देखो, यह भूमि तुम्हारे सामने विस्तृत है, निवास करो, और इस पर व्यापार करो, और इसमें संपत्ति प्राप्त करो। शेकेम ने उसके पिता और उसके भाइयों से कहा, मैं तुम्हारे सामने कृपा पा सकूँ, और जो कुछ तुम कहो, हम देंगे। दहेज को बहुत बढ़ा दो, और मैं दूंगा जैसा तुम मुझसे कहोगे, और तुम मुझे इस लड़की को पत्नी के रूप में दे दो।

याकूब के पुत्रों ने शेकेम और उसके पिता एम्मोर को छल के साथ उत्तर दिया और उनसे बोले, क्योंकि उन्होंने उनकी बहन दीना को अपवित्र किया था। और शिमोन और लेवी, दीना के भाई, ने उनसे कहा, हम यह बात नहीं कर सकेंगे, अपनी बहन को ऐसे आदमी को देना जो खतनारहित है, क्योंकि यह हमारे लिए निंदा है। केवल इसी में हम तुम्हारे समान बनाए जाएंगे, और हम तुम्हारे बीच निवास करेंगे, यदि तुम हमारे जैसे हो जाओ, और तुम्हारे सभी पुरुषों का खतना किया जाए। और हम अपनी पुत्रियाँ तुम्हें देंगे, और तुम्हारी पुत्रियों में से हम अपने लिए स्त्रियाँ लेंगे, और हम तुम्हारे पास निवास करेंगे, और हम एक जाति के समान होंगे। लेकिन यदि तुम हमारी बात नहीं सुनोगे और खतना नहीं कराओगे, तो हम अपनी बेटी को लेकर चले जाएंगे। और ये शब्द एम्मोर के सामने और एम्मोर के पुत्र शेकेम के सामने आए। और उस युवा पुरुष ने इस वचन को पूरा करने में देरी नहीं की, क्योंकि वह याकूब की पुत्री के प्रति उत्सुक था, और वह अपने पिता के घर में सबसे प्रतिष्ठित था। एम्मोर और उसका पुत्र शेकेम अपने नगर के फाटक पर आए, और अपने नगर के पुरुषों से बोले, कहते हुए, ये लोग शांतिपूर्ण हैं, उन्हें हमारे साथ इस पृथ्वी पर निवास करने दो, और उन्हें इसमें व्यापार करने दो, और देखो यह पृथ्वी उनके सामने चौड़ी है, हम उनकी बेटियों को अपनी पत्नियाँ बनाएंगे, और अपनी बेटियाँ उन्हें देंगे। केवल इसी में वे लोग हमारे

समान होंगे जो हमारे साथ निवास करें, ताकि एक लोग बनें, हमारे हर पुरुष का खतना होने में, जैसे वे स्वयं खतना किए गए हैं। और उनके पशु, चार पैर वाले जानवर और उनकी संपत्ति क्या हमारी नहीं होगी? केवल इसमें हम उनके समान बन जाएं, और वे हमारे साथ निवास करेंगे। और एम्मोर और उसके पुत्र शेकेम की बात उनके नगर के द्वार पर व्यापार करने वाले सभी लोगों ने सुनी, और सभी पुरुषों ने अपने अग्रचर्म के मांस का खतना किया।

तीसरे दिन ऐसा हुआ, जब वे पीड़ा में थे, याकूब के दो पुत्रों शिमोन और लेवी ने, जो दीना के भाई थे, प्रत्येक ने अपनी तलवार ली, और सुरक्षित रूप से नगर में प्रवेश किया, और हर पुरुष को मार डाला। एम्मोर को और उसके पुत्र शेकेम को तलवार से मार डाला, और दीना को शेकेम के घर से ले लिया, और निकल गए। और याकूब के पुत्रों ने घायलों पर धावा बोला, और उस शहर को लूटा, जिसमें उनकी बहन दीना को अपवित्र किया गया था। और उन्होंने उनकी भेड़ें, और उनके बैल, और उनके गधे, और जितने भी शहर में थे, और जितने भी मैदान में थे, ले लिए। और उन्होंने उनके सभी शरीर, और उनका सारा सामान, और उनकी स्त्रियों को बंदी बना लिया, और जो कुछ भी शहर में था और जो कुछ भी घरों में था, सब लूट लिया। याकूब ने शिमोन और लेवी से कहा, तुमने मुझे घृणित बना दिया है, ताकि मैं इस भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों के लिए, कनानियों और परिज्जियों के लिए दुष्ट हो जाऊं। मैं संख्या में थोड़ा हूँ, और वे मेरे विरुद्ध इकट्ठा होकर मुझे मार डालेंगे, और मैं नष्ट हो जाऊंगा, मैं और मेरा घर। लेकिन उन्होंने कहा, क्या वे हमारी बहन के साथ वेश्या जैसा व्यवहार करेंगे?

35

परमेश्वर ने याकूब से कहा, उठकर बेतेल स्थान को जाओ और वहाँ निवास करो, और वहाँ उस परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाओ जो तुम्हें तब दिखाई दिया था जब तुम अपने भाई एसाव के चेहरे से भाग रहे थे। याकूब ने अपने घर और अपने साथ रहने वाले सभी लोगों से कहा, अपने

बीच से अपने साथ के विदेशी देवताओं को उठाओ, और शुद्ध हो जाओ, और अपने वस्त्र बदलो। और उठकर हम बेथेल को ऊपर जाएं, और वहां उस परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाएं जिसने मेरी विपत्ति के दिन में मेरी सुनी, जो मेरे साथ था, और जिस मार्ग पर मैं चला उसमें मुझे बचाया। और उन्होंने याकूब को वे विदेशी देवता दिए जो उनके हाथों में थे, और वे कान के छल्ले जो उनके कानों में थे, और याकूब ने उनको शेकेम में बांज वृक्ष के नीचे छिपा दिया, और उनको आज के दिन तक नष्ट कर दिया। और इस्राएल शेकेम से निकल गया, और उनके चारों ओर के शहरों पर परमेश्वर का भय छा गया, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों का पीछा नहीं किया। याकूब लूज़ा में आया जो कनान की भूमि में है, जो बेथेल है, वह और सब लोग जो उसके साथ थे। और उसने वहाँ एक वेदी बनाई, और उस स्थान का नाम बेथेल रखा, क्योंकि वहाँ परमेश्वर उसको प्रकट हुए थे, जब वह अपने भाई एसाव के सामने से भाग रहा था।

देबोरा, जो रेबेका की दाई थी, मर गई और बेथेल के नीचे बलूत के पेड़ के पास दफनाई गई, और याकूब ने उसका नाम शोक का बलूत का पेड़ रखा। परमेश्वर याकूब को लूज में फिर दिखाई दिए, जब वह सीरिया के मेसोपोटामिया से आया था, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। और परमेश्वर ने उससे कहा, तुम्हारा नाम अब याकूब नहीं बुलाया जाएगा, लेकिन तुम्हारा नाम इस्राएल होगा, और उसने उसका नाम इस्राएल रखा। परमेश्वर ने उससे कहा, मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ, बढ़ो और बहुगुणित हो, राष्ट्र और राष्ट्रों की सभाएँ तुमसे होंगी, और राजा तुम्हारी कमर से निकलेंगे। और वह भूमि जो मैंने अब्राहम और इसहाक को दी थी, वह मैंने तुझे दी है, वह तेरी होगी, और तेरे बाद तेरे वंश को मैं यह भूमि दूंगा। परमेश्वर उस स्थान से ऊपर चला गया, जहाँ उसने उससे बात की थी। और याकूब ने उस स्थान पर एक स्तंभ स्थापित किया, जहाँ परमेश्वर ने उससे बात की थी, एक पत्थर का स्तंभ, और उसने उस पर पेय-भेंट उंडेली, और उस पर तेल उंडेला। और याकूब ने उस जगह का नाम बैतेल रखा, जहाँ परमेश्वर ने उससे बात की थी। बेथेल से प्रस्थान करके याकूब ने अपना तंबू गादेर की मीनार के परे खड़ा किया, और जब वह एफ्राथा आने के लिए खबराथा पहुंचा, तो राहेल ने जन्म दिया और प्रसव में उसे कठिन प्रसव हुआ। यह हुआ कि जब वह कठिनाई से प्रसव कर रही थी, तो दाई ने उससे कहा, साहस रखो, क्योंकि यह

भी तुम्हारा पुत्र है। और ऐसा हुआ कि जब उसकी आत्मा निकल रही थी, क्योंकि वह मर रही थी, तो उसने उसका नाम पुत्र मेरी पीड़ा का रखा, परन्तु पिता ने उसका नाम बिन्यामीन रखा। राहेल मर गई, और एफ्राथा के हिप्पोज़ोड्रोम के रास्ते में दफनाई गई, यह बेथलेहेम है। और याकूब ने उसकी कब्र पर एक स्तंभ स्थापित किया, यह वही स्तंभ है जो राहेल की कब्र पर आज के दिन तक है। ऐसा हुआ कि जब इस्राएल उस भूमि में बसा, तो रूबेन गया और अपने पिता याकूब की दासी बिल्हा के साथ सोया, और इस्राएल ने सुना, और यह उसके सामने बुरा प्रकट हुआ। याकूब के पुत्र बारह थे।

लिया के पुत्र: याकूब का पहलौठा रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकार, जबूलून। राहेल के पुत्र यूसुफ और बिन्यामीन थे। राहेल की दासी बिल्हा के बेटे दान और नप्ताली थे। लेकिन लिआ की दासी ज़िल्पा के बेटे गाद और आशेर थे, ये याकूब के बेटे हैं, जो उसको मेसोपोटामिया सीरिया में हुए। याकूब अपने पिता इसहाक के पास ममरे में आया, जो मैदान का शहर है, यह हेब्रोन है कनान की भूमि में, जहाँ अब्राहम और इसहाक रहे थे। और इसहाक के दिन जो उसने जीए, सौ अस्सी वर्ष हुए। और इसहाक दुर्बल होकर मर गया, और वह अपनी जाति में मिला दिया गया, वृद्ध और दीर्घायु होकर, और उसके पुत्रों एसाव और याकूब ने उसे दफनाया।

36

ये एसाव की वंशावली हैं, वह एदोम है। एसाव ने कनानियों की पुत्रियों में से अपने लिए पत्नियाँ लीं: हित्ती ऐलोम की पुत्री अदा, और हिक्वी सेबेगोन के पुत्र अना की पुत्री ओलिबेमा। और बासमत को, जो इश्माएल की बेटा और नबायोत की बहन थी। अदा ने उसे एलीपज को जन्म दिया, और बासमत ने रगूएल को जन्म दिया। और ओलिबेमा ने येऊस, येग्लोम और कोरे को जन्म दिया, ये एसाव के पुत्र हैं जो उसे कनान की भूमि में हुए। एसाव ने अपनी पत्नियों, अपने पुत्रों, अपनी पुत्रियों, अपने घर के सब लोगों, अपनी सब संपत्ति, सब पशुओं, और जितना कुछ

उसने कनान की भूमि में अर्जित किया था, सब कुछ लिया, और एसाव अपने भाई याकूब के सामने से कनान की भूमि से चला गया। क्योंकि उनकी संपत्तियाँ इतनी अधिक थीं कि वे साथ नहीं रह सकते थे, और उनके प्रवास की भूमि उनकी संपत्तियों की बहुतायत के कारण उन्हें सँभालने में असमर्थ थी। एसाव सेईर पहाड़ में बस गया, यह एसाव ही एदोम है। ये एसाव की पीढ़ियाँ हैं, जो एदोम का पिता था, सेईर पहाड़ में। और ये एसाव के पुत्रों के नाम हैं: एलीपज, जो एसाव की पत्नी अदा का पुत्र था, और रागुएल, जो एसाव की पत्नी बासमत का पुत्र था। एलिफास के पुत्र थाइमान, ओमार, सोफार, गोथोम और केनेज हुए। तिम्ना एसाव के पुत्र एलीपज़ की उपपत्नी थी, और उसने एलीपज़ के लिए अमालेक को जन्म दिया; ये एसाव की पत्नी अदा के पुत्र थे। ये रगूएल के पुत्र थे: नहोथ, जारे, सोमे और मोजे। ये एसाव की पत्नी बासेमथ के पुत्र थे। ये ओलिबेमास के पुत्र थे, जो अना की पुत्री थी, जो सेबेगोन का पुत्र था, और एसाव की पत्नी थी। उसने एसाव के लिए येउस, येग्लोम और कोरे को जन्म दिया। ये एसाव के पुत्रों के नेता हैं, एसाव के प्रथमजात एलिफज के पुत्र: नेता तेमान, नेता ओमार, नेता सोफर, नेता केनज, नेता कोरह, नेता गोथोम, नेता अमालेक, ये एलीपज़ के नेता इदुमिया की भूमि में थे, ये अदा के पुत्र थे। और ये रगूएल के पुत्र थे, जो एसाव का पुत्र था: नेता नाहोथ, नेता जारे, नेता सोमे, नेता मोजे। ये एदोम की भूमि में रगूएल के नेता थे। ये एसाव की पत्नी बासेमथ के पुत्र थे। ये एसाव की पत्नी ओलिबेमास के पुत्र थे: नेता इयूस, नेता इयेग्लोम, नेता कोरे। ये एसाव की पत्नी, अना की पुत्री ओलिबेमास के नेता थे। ये एसाव के पुत्र हैं, और ये उनके नेता हैं; ये एदोम के पुत्र हैं। ये होरी सेईर के पुत्र हैं, जो उस भूमि में निवास करते थे: लोतान, शोबाल, सिबोन, अना, और दिशोन, और असार, और रिसोन - ये होरी के नेता थे, जो सेईर के पुत्र थे, एदोम की भूमि में। लोतान के पुत्र खोरी और हेमान बने, और लोतान की बहन थम्ना थी। ये शोबाल के पुत्र हैं: गोलांम, मानाहत, गाइबेल, सोफार और ओमार। और ये सिबोन के पुत्र हैं: अय्याह और अना। यह वही अना है जिसने मरुभूमि में यामीन को पाया, जब वह अपने पिता सिबोन के पशुओं को चरा रहा था। ये अना के पुत्र थे: दिशोन, और ओहोलीबामाह जो अना की पुत्री थी। ये दिशोन के पुत्र थे: अमादा, असबान, इथरान और हारान। ये असार के पुत्र हैं: बालाम, जूकाम और इयूकाम। ये रिसोन के पुत्र थे: अस और अरान। ये होरी के नेता हैं: नेता लोतान, नेता शोबाल, नेता सिबोन,

नेता आना, नेता दिशोन, नेता असार, नेता रिसोन, ये खोरी के नेता थे जो एदोम की भूमि में अपने नेतृत्व में थे।

और ये वे राजा हैं जिन्होंने एदोम में शासन किया, इससे पहले कि इस्राएल में कोई राजा शासन करे। और एदोम में बालाक, जो बोर का पुत्र था, ने राज्य किया, और उसके नगर का नाम देन्नाबा था। बालाक मर गया, और उसके बदले में बोसोर्रा से जेरह का पुत्र योबाब ने राज्य किया। योबाब मर गया, और उसके स्थान पर तैमानों की भूमि से असोम ने राज्य किया। असोम मर गया, और उसके स्थान पर बराद का पुत्र अदद राजा बना, जिसने मोआब के मैदान में मिद्यान को मार डाला, और उसके शहर का नाम गेथाइम था। अदद मर गया, और उसके बजाय मस्सेक्कास से समदा ने राज्य किया। समदा मर गया, और उसके बदले नदी के पास के रोबोथ से शाऊल ने राज किया। शाऊल मर गया, और उसके बदले अखोबोर का पुत्र बल्लेनोन ने राज्य किया। बल्लेनोन, जो अखोबोर का पुत्र था, मर गया, और उसके स्थान पर अराद, जो बाराद का पुत्र था, राजा बना। उसके नगर का नाम फोगोर था, और उसकी पत्नी का नाम मेटेबेएल था, जो मात्राइथ की पुत्री थी, जो माइज़ूब का पुत्र था। ये एसाव के नेताओं के नाम हैं, उनके कबीलों में, उनके स्थान के अनुसार, उनके प्रदेशों में, और उनकी जातियों में: नेता थम्ना, नेता गोला, नेता येथेर, नेता ओहोलिबामाह, नेता हेलास, नेता फिनोन। नेता केनेज़, नेता थाइमान, नेता माज़ार, नेता मार्गेदिएल, नेता ज़ाफोइन, ये एदोम के नेता थे, उनके अधिकार की भूमि में निर्मित स्थानों में, यह एसाव एदोम का पिता था।

37

याकूब उस भूमि में निवास करता था जहाँ उसके पिता ने कनान की भूमि में प्रवास किया था, और ये याकूब की पीढ़ियाँ हैं। यूसुफ सत्रह वर्ष का था और अपने भाइयों के साथ अपने पिता की भेड़ें चरा रहा था। वह युवा था और अपने पिता की पत्नियों बिल्हा और जिल्पा के पुत्रों के साथ

था। यूसुफ उनके विषय में बुरी निंदा अपने पिता इस्राएल के पास लाया। याकूब यूसुफ से अपने सब पुत्रों से अधिक प्रेम करता था, क्योंकि वह उसके बुढ़ापे का पुत्र था, और उसने उसके लिए एक रंगीन अंगरखा बनाया। उसके भाइयों ने यह देखकर कि पिता उसके सभी पुत्रों में से उससे प्रेम करता है, उससे घृणा की, और वे उससे कुछ भी शांतिपूर्ण बोलने में सक्षम नहीं थे। यूसुफ ने एक स्वप्न देखा और उसने इसे अपने भाइयों को बताया। और उसने उनसे कहा, इस स्वप्न को सुनो जो मैंने देखा है। मैंने सोचा कि तुम मैदान के बीच में पूलों को बांध रहे हो, और मेरा पूला उठा, और सीधा खड़ा हो गया, लेकिन तुम्हारे पूले घूमकर मेरे पूले को प्रणाम करने लगे। उसके भाइयों ने उससे कहा, क्या तू सचमुच हम पर राज्य करेगा, या तू सचमुच हम पर शासन करेगा? और उन्होंने उसके स्वप्नों के कारण और उसके शब्दों के कारण उससे और भी अधिक घृणा की। उसने एक और स्वप्न देखा, और उसने इसे अपने पिता और अपने भाइयों को सुनाया, और कहा, देखो, मैंने एक और स्वप्न देखा है, जिसमें सूरज, चाँद और ग्यारह तारे मुझे झुक रहे थे। और उसके पिता ने उसे डांटा, और उसे कहा, यह क्या सपना है जो तूने देखा? क्या सचमुच मैं और तेरी माता और तेरे भाई आकर तुझे भूमि पर दंडवत करेंगे? उसके भाइयों ने उससे ईर्ष्या की, लेकिन उसके पिता ने उस बात को याद रखा। उसके भाई अपने पिता की भेड़ें चराने शक़ेम गए। और इस्राएल ने यूसुफ से कहा, क्या तेरे भाई शक़ेम में चरा नहीं रहे हैं? आ, मैं तुझे उनके पास भेजूंगा। और उसने उससे कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। इस्राएल ने उससे कहा, जाकर देखो कि तुम्हारे भाई और भेड़ें स्वस्थ हैं या नहीं, और मुझे बताओ। और उसने उसको हेब्रोन की घाटी से भेजा, और वह शक़ेम में आया। और एक आदमी ने उसे मैदान में भटकते हुए पाया, और उस आदमी ने उससे पूछा, तू क्या खोज रहा है? मगर उसने कहा, मैं अपने भाइयों को ढूँढ रहा हूँ, मुझे बताओ वे कहाँ चरा रहे हैं। उस आदमी ने उससे कहा, वे यहाँ से चले गए हैं, क्योंकि मैंने उन्हें यह कहते हुए सुना था, चलो दोथाईम चलें। और यूसुफ अपने भाइयों के पीछे गया, और उसने उन्हें दोथाईम में पाया।

उन्होंने उसे दूर से पहले ही देख लिया, इससे पहले कि वह उनके पास आता, और उसे मारने की बुरी साजिश रची। और प्रत्येक ने अपने भाई से कहा, देखो, वह स्वप्नद्रष्टा आता है। अब इसलिए

आओ, हम उसको मार डालें और उसको गड्ढों में से एक में फेंक दें, और हम कहेंगे कि किसी बुरे जानवर ने उसको खा लिया, और हम देखेंगे कि उसके सपनों का क्या होगा। रूबेन ने सुनकर उसे उनके हाथों से बचाया, और कहा, हम उसे आत्मा तक न मारें। रूबेन ने उनसे कहा, खून मत बहाओ, उसे इन गड्ढों में से एक में फेंक दो जो रेगिस्तान में हैं, और उस पर हाथ मत उठाओ, ताकि वह उसे उनके हाथों से बचा सके, और उसे उसके पिता को लौटा दे। और ऐसा हुआ कि जब यूसुफ अपने भाइयों के पास आया, तो उन्होंने यूसुफ का रंगीन अंगरखा जो उस पर था उतार दिया। और उसे लेकर, उन्होंने गड्ढे में फेंक दिया, और वह गड्ढा खाली था, उसमें पानी नहीं था। वे रोटी खाने के लिए बैठे, और अपनी आँखें उठाकर देखा, तो देखो, इश्माएली यात्री गिलाद से आ रहे थे, और उनके ऊँट धूप, राल और गंधरस से लदे हुए थे। वे मिस्र जाने के लिए जा रहे थे।

यहूदा ने अपने भाइयों से कहा, क्या फायदा है, यदि हम अपने भाई को मार डालें और उसका खून छिपाएं? आओ, हम उसे इन इश्माएलियों को बेच दें, और हमारे हाथ उस पर न हों, क्योंकि वह हमारा भाई और हमारा मांस है। और उसके भाइयों ने सुना। और मिद्यानी व्यापारी लोग गुजर रहे थे, और उन्होंने यूसुफ को गड्ढे से खींचा और ऊपर लाए, और यूसुफ को इश्माएलियों को बीस सोने के सिक्कों में बेच दिया। और यूसुफ को मिस्र में ले गए। रूबेन गड्ढे पर लौटा, और उसने यूसुफ को गड्ढे में नहीं देखा, और उसने अपने वस्त्र फाड़ लिए। और वह अपने भाइयों के पास लौटा, और बोला, वह लड़का नहीं है, और मैं अब कहाँ जाऊँ? लेकिन यूसुफ का अंगरखा लेकर, उन्होंने बकरियों के एक बच्चे का वध किया, और उस अंगरखे को खून से दागदार कर दिया। और उन्होंने वह रंगीन वस्त्र भेजा, और अपने पिता के पास लाए, और कहा, हमने यह पाया है, पहचानो कि यह तुम्हारे पुत्र का वस्त्र है, या नहीं। और उसने उसे पहचाना, और कहा, यह मेरे पुत्र का अंगरखा है, किसी दुष्ट जंगली जानवर ने उसे खा लिया है, किसी जंगली जानवर ने यूसुफ को छीन लिया है। लेकिन याकूब ने अपने वस्त्र फाड़े, और अपनी कमर पर टाट लगाया, और अपने पुत्र के लिए बहुत दिनों तक शोक किया। उसके सभी पुत्र और बेटियाँ एकत्रित हुए, और उसे सांत्वना देने आए, परन्तु उसने सांत्वना पाना नहीं चाहा, यह कहते हुए कि मैं अपने पुत्र के पास शोक करते हुए अधोलोक में उतरूँगा, और उसके पिता ने उसके लिए रोया। मिद्यानियों ने यूसुफ

को मिस्र में फिरौन के खोजे पोतीफर को बेच दिया, जो मुख्य रसोइया था।

38

उस समय ऐसा हुआ कि यहूदा अपने भाइयों से अलग होकर नीचे गया, और एक अदुल्लामी व्यक्ति के पास पहुंचा, जिसका नाम हीरा था। और यहूदा ने वहाँ एक कनानी आदमी की पुत्री देखी, जिसका नाम शूआ था, और उसे लिया, और उसके पास गया। और गर्भधारण करके उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम एर रखा। और गर्भधारण करके उसने फिर एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम ओनान रखा। और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम शीलोम रखा, वह खासबी में थी, जब उसने उनको जन्म दिया। और यहूदा ने अपने पहलौठे एर के लिए एक पत्नी ली, जिसका नाम तामार था। यहूदा का प्रथमजात पुत्र एर प्रभु की दृष्टि में दुष्ट था, और परमेश्वर ने उसे मार डाला। यहूदा ने ओनान से कहा, अपने भाई की पत्नी के पास जाओ, और उससे विवाह करो, और अपने भाई के लिए संतान उत्पन्न करो। लेकिन ओनान ने जानकर कि वह बीज उसका नहीं होगा, जब भी वह अपने भाई की पत्नी के पास जाता था, तो भूमि पर बहा देता था, ताकि अपने भाई को बीज न दे। यह बात परमेश्वर के सामने बुरी लगी, क्योंकि उसने यह किया, और उसने इसको भी मार डाला।

यहूदा ने अपनी बहू तामार से कहा, अपने पिता के घर में विधवा के रूप में रहो, जब तक मेरा पुत्र शीलोह बड़ा न हो जाए, क्योंकि उसने सोचा, कहीं यह भी अपने भाइयों की तरह मर न जाए। तब तामार चली गई और अपने पिता के घर में रहने लगी। दिन बीत गए, और यहूदा की पत्नी शूआ मर गई। सांत्वना पाकर यहूदा अपनी भेड़ों के ऊन काटने वालों के पास गया, वह और उसका अदुल्लामी चरवाहा हीरा, तिम्ना को। और तामार को, जो उसकी बहू थी, यह सूचना दी गई, देखो, तुम्हारा ससुर तिम्ना जा रहा है अपनी भेड़ों की कतरनी करने के लिए। और उसने अपने विधवापन के वस्त्र उतारकर, ग्रीष्म वस्त्र पहना, और स्वयं को सजाया, और ऐनान के द्वारों

की ओर बैठी, जो थम्ना के रास्ते में है, क्योंकि उसने देखा कि शीलोम बड़ा हो गया था, लेकिन उसने उसे उसकी पत्नी नहीं दिया। और जब यहूदा ने उसे देखा, तो उसे लगा कि वह वेश्या है, क्योंकि उसने अपना चेहरा ढक रखा था और उसने उसे पहचाना नहीं। वह रास्ते से उसकी ओर मुड़ गया, और उससे कहा, मुझे तुम्हारे पास आने दो, क्योंकि वह नहीं जानता था कि वह उसकी बहू है। लेकिन उसने कहा, अगर तुम मेरे पास आओगे तो मुझे क्या दोगे? उसने कहा, मैं तुम्हें अपनी भेड़ों में से एक बकरी का बच्चा भेजूंगा। उसने कहा, अगर तुम मुझे गिरवी दो, जब तक तुम भेजो। उसने कहा, मैं तुम्हें क्या गिरवी दूंगा? उसने कहा, तुम्हारी अंगूठी, और हार, और तुम्हारे हाथ में छड़ी। और उसने उसे दिया, और उसके पास गया, और उसने उससे गर्भ धारण किया। और वह उठकर चली गई, और उसने अपना गर्मी का वस्त्र उतारा, और अपने विधवापन के वस्त्र पहने। यहूदा ने अपने अदुल्लामी चरवाहे के हाथ से बकरियों का बच्चा भेजा, ताकि उस स्त्री से गिरवी वापस ले सके, परन्तु उसने उसे नहीं पाया। उसने उस स्थान के पुरुषों से पूछा, वह वेश्या कहाँ है जो ऐनान में मार्ग पर थी? और उन्होंने कहा, यहाँ कोई वेश्या नहीं थी। और वह यहूदा की ओर मुड़ा, और बोला, मैंने नहीं पाया, और उस स्थान के लोग कहते हैं कि यहाँ कोई वेश्या नहीं है। यहूदा ने कहा, उसे वे रखने दो, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि हम पर हंसा जाए। मैंने तो यह बकरे का बच्चा भेज दिया था, लेकिन तुमने उसे नहीं पाया। तीन महीने बाद यहूदा को यह सूचना दी गई कि तुम्हारी बहू तामार ने व्यभिचार किया है, और देखो, वह व्यभिचार से गर्भवती है। यहूदा ने कहा, उसे बाहर लाओ और उसे जला दिया जाए। यह ले जाई जा रही थी, लेकिन उसने अपने सास के पास भेजा, कहते हुए, जिस आदमी की ये चीजें हैं, मैं उससे गर्भवती हूँ, और कहा, पहचानो कि यह अंगूठी, यह हार और यह छड़ी किसकी है। यहूदा ने पहचाना, और कहा, तामार मुझसे अधिक धर्मी है, क्योंकि मैंने उसे अपने पुत्र शीलोम को नहीं दिया। और उसने फिर कभी उसे नहीं जाना। ऐसा हुआ कि जब वह जन्म दे रही थी, तो उसके गर्भ में जुड़वाँ बच्चे थे। ऐसा हुआ कि जब वह जन्म दे रही थी, तो एक ने अपना हाथ आगे निकाला, और दाईं ने उसका हाथ पकड़कर उस पर लाल धागा बाँधा और कहा, यह पहले बाहर आएगा। जैसे ही उसने हाथ वापस खींचा, तुरंत उसका भाई बाहर आ गया, और उसने कहा, तुम्हारे कारण क्या बाड़ फट गई? और उसने उसका नाम फारेस रखा। और इसके बाद उसका भाई बाहर आया, जिसके

हाथ पर लाल धागा था, और उसका नाम जेरह रखा गया।

39

यूसुफ को मिस्र में लाया गया, और पतिफर ने, जो फिरौन का खोजा और मुख्य रसोइया था, एक मिस्री पुरुष, उसे उन इश्माएलियों के हाथों से खरीदा, जिन्होंने उसे वहाँ लाया था। और प्रभु यूसुफ के साथ था, और वह एक सफल पुरुष था, और वह अपने मिस्री स्वामी के घर में था। उसका स्वामी जानता था कि प्रभु उसके साथ था, और जो कुछ भी वह करता है, प्रभु उसके हाथों में सफल करता है। और यूसुफ ने अपने स्वामी के सामने कृपा पाई, और उसे प्रसन्न किया। और उसने उसको अपने घर के ऊपर नियुक्त किया, और जितना कुछ उसके पास था, सब यूसुफ के हाथ में दे दिया। यह हुआ कि उसके घर पर और उसकी सब संपत्ति पर स्थापित होने के बाद, प्रभु ने यूसुफ के कारण मिस्री के घर को आशीर्वाद दिया, और प्रभु का आशीर्वाद उसके घर में और उसके खेत में उसकी सारी संपत्ति में हुआ। और उसने यूसुफ के हाथों में वह सब कुछ सौंप दिया जो उसके पास था, और उसे अपने विषय में कुछ भी पता नहीं था, सिवाय उस रोटी के जो वह स्वयं खाता था। और यूसुफ रूप में सुंदर था और दिखावट में अत्यंत सुंदर था। और इन बातों के बाद ऐसा हुआ, और उसके स्वामी की स्त्री ने अपनी आँखें यूसुफ पर डालीं, और कहा, मेरे साथ लेट जाओ। लेकिन वह इच्छुक नहीं था, और उसने अपने स्वामी की स्त्री से कहा, यदि मेरा स्वामी मेरे द्वारा अपने घर में कुछ भी नहीं जानता, और जो कुछ उसका है सब उसने मेरे हाथों में दिया है, और इस घर में मुझसे अधिक कुछ भी नहीं है, और मुझसे कुछ भी नहीं रोका गया है, सिवाय तुम्हारे, क्योंकि तुम उसकी पत्नी हो, और मैं यह बुरा काम कैसे करूंगा, और परमेश्वर के सामने पाप करूंगा? जब वह यूसुफ से दिन-प्रतिदिन बात कर रही थी, और वह उसकी बात नहीं मान रहा था कि उसके साथ सोए, उसके साथ संबंध बनाने के लिए। ऐसा एक दिन हुआ, और यूसुफ घर में अपने कार्य करने के लिए प्रवेश किया, और घर के अंदर कोई नहीं था। और उसने उसे वस्त्रों से पकड़ा, कहती हुई, मेरे साथ लेट जाओ, और उसने अपने वस्त्र

उसके हाथों में छोड़कर भागा, और बाहर निकल गया। और ऐसा हुआ कि जब उसने देखा कि वह अपने वस्त्र उसके हाथों में छोड़कर भाग गया और बाहर निकल गया, और उसने उन लोगों को बुलाया जो घर में थे, और उनसे कहा, देखो, वह हमारे लिए एक इब्री सेवक लाया है, हमारा मजाक उड़ाने के लिए। वह मेरे पास आया और कहने लगा, मेरे साथ सो जा, और मैं ज़ोर से चिल्लाई। लेकिन जब उसने सुना कि मैंने अपनी आवाज़ ऊंची की और चिल्लाई, तो वह अपने कपड़े मेरे पास छोड़कर भाग गया, और बाहर निकल गया। और उसने वस्त्र अपने पास रख लिए, जब तक उसका स्वामी अपने घर में आया। और उसने उससे इन शब्दों के अनुसार कहा, वह इब्री सेवक जिसे तुम हमारे पास लाए थे, मेरे पास आया मुझसे ठट्ठा करने के लिए, और उसने मुझसे कहा, मैं तुम्हारे साथ लेटूंगा। लेकिन जब उसने सुना कि मैंने अपनी आवाज़ ऊंची की और चिल्लाई, तो अपने वस्त्र मेरे पास छोड़कर वह भाग गया और बाहर निकल गया। और ऐसा हुआ कि जब स्वामी ने अपनी स्त्री के शब्द सुने, जो उसने उससे कहे थे, यह कहती हुई कि, तुम्हारे सेवक ने मेरे साथ ऐसा किया, तो वह क्रोध से क्रोधित हुआ।

और प्रभु ने यूसुफ को लेकर उसे दुर्ग में डाल दिया, उस स्थान में जहाँ राजा के बंदी रखे जाते हैं, वहाँ दुर्ग में। और प्रभु यूसुफ के साथ था, और उस पर दया उंडेली, और उसे मुख्य कारागार अधिकारी के सामने कृपा दी। और मुख्य कारागार-रक्षक ने कारागार यूसुफ के हाथ में सौंप दिया, और सब कैदियों को जो कारागार में थे, और जो कुछ वहाँ किया जाता था, वह स्वयं करता था। कारागार का मुख्य रक्षक उसके द्वारा कुछ नहीं जानता था, क्योंकि सब कुछ यूसुफ के हाथ द्वारा था, इसलिए कि प्रभु उसके साथ था, और जितना कुछ वह करता था, प्रभु उसके हाथों में समृद्ध करता था।

40

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि मिस्र के राजा के मुख्य पिलानेवाले और मुख्य रोटी बनानेवाले ने

अपने स्वामी मिस्र के राजा के विरुद्ध पाप किया। और फिरौन अपने दो खोजों पर क्रोधित हुआ, मुख्य साक्री पर और मुख्य रसोइये पर। और उसने उन्हें पहरे में रखा, उस कारागार में, उसी स्थान पर जहाँ यूसुफ बंद था। और मुख्य कारागार अधिकारी ने योसेफ को उनके पास नियुक्त किया, और वह उनकी सेवा करता रहा, और वे कई दिन कारागार में रहे। और दोनों ने एक ही रात में स्वप्न देखा, और मिस्र के राजा के मुख्य पिलानेवाले और मुख्य रोटी बनानेवाले का, जो कारागार में थे, स्वप्न की दृष्टि यह थी। यूसुफ सुबह उनके पास गया, और उसने उनको देखा, और वे व्याकुल थे। और उसने फिरौन के खोजों से पूछा, जो उसके स्वामी के यहाँ कारागार में उसके साथ थे, कहते हुए, क्या बात है कि तुम्हारे चेहरे आज उदास हैं? उन्होंने उससे कहा, हमने एक सपना देखा है, और इसकी व्याख्या करने वाला कोई नहीं है। यूसुफ ने उनसे कहा, क्या परमेश्वर के माध्यम से उनकी व्याख्या नहीं होती? इसलिए मुझे बताओ। और मुख्य पियाऊ ने अपना सपना यूसुफ को बताया, और कहा, मेरी नींद में मेरे सामने एक अंगूर की बेल थी। अंगूर की बेल में तीन शाखाएँ थीं, और यह फलती-फूलती थी, कोंपलें निकाली हुई थीं, अंगूर के गुच्छे पके हुए थे। और फिरौन का प्याला मेरे हाथ में था, और मैंने अंगूर लिए, और उन्हें प्याले में निचोड़ा, और प्याला फिरौन के हाथ में दे दिया। और यूसुफ ने उससे कहा, इसकी व्याख्या यह है: वे तीन शाखाएँ तीन दिन हैं। अभी तीन दिन में फिरौन तुम्हारे पद को याद करेगा, और तुम्हें तुम्हारे मुख्य पियाला-वाहक के पद पर बहाल करेगा, और तुम फिरौन का प्याला उसके हाथ में दोगे, तुम्हारे पहले पद के अनुसार, जैसे तुम पियाला-वाहक थे। लेकिन जब तुम्हारा भला हो जाए, तो मुझे अपने माध्यम से याद रखना, और तुम मुझ पर दया करना, और तुम फिरौन के सामने मेरे विषय में याद करना, और तुम मुझे इस कारागार से बाहर निकालना। क्योंकि मैं इब्रियों की भूमि से चोरी करके चुराया गया था, और यहाँ मैंने कुछ भी नहीं किया, लेकिन उन्होंने मुझे इस गढ़ में फेंक दिया। और मुख्य रोटी बनाने वाले ने देखा कि उसने सही ढंग से व्याख्या की थी, और योसेफ से कहा, मैंने भी एक स्वप्न देखा था, और मैंने सोचा कि मैं अपने सिर पर बढ़िया रोटी की तीन टोकरियाँ उठा रहा हूँ। और सबसे ऊपर की टोकरी में सभी प्रकार की चीज़ें थीं जो फिरौन खाता है, रोटी बनाने वाले का काम, और आकाश के पक्षी उन्हें मेरे सिर के ऊपर की टोकरी से खा रहे थे। उत्तर देते हुए यूसुफ ने उसको कहा, यह उसकी व्याख्या है: वह तीन टोकरियाँ तीन

दिन हैं। तीन दिन में, फ़िरौन तुम्हारा सिर तुमसे हटा देगा, और तुम्हें पेड़ पर लटका देगा, और आकाश के पक्षी तुम्हारा मांस खा जाएंगे। और ऐसा हुआ कि तीसरे दिन, जो फ़िरौन का जन्मदिन था, उसने अपने सब सेवकों के लिए भोजन बनाया, और उसने अपने सेवकों के बीच साकी के पद और रोटी बनाने वाले के पद को याद किया। और उसने मुख्य पिलाने वाले को उसके पद पर बहाल किया, और फ़िरौन के हाथ में प्याला दिया। परन्तु मुख्य रोटी बनाने वाले को उसने फाँसी दी, जैसा यूसुफ ने उनके लिए व्याख्या की थी। और मुख्य पियाऊ ने यूसुफ को याद नहीं किया, बल्कि उसे भूल गया।

41

दो वर्ष के दिनों के बाद ऐसा हुआ कि फ़िरौन ने एक स्वप्न देखा, उसने सोचा कि वह नदी के किनारे खड़ा है। और देखो, जैसे नदी से सात गायें निकल रही थीं, जो रूप में सुंदर थीं और मांस में उत्तम थीं, और वे आखेई में चर रही थीं। अन्य सात गायें इनके बाद नदी से ऊपर आ रही थीं, रूप में बदसूरत और मांस में पतली, और वे नदी के किनारे पर गायों के पास चर रही थीं। और सात कुरूप और दुबली गायों ने सात सुंदर और हृष्ट-पुष्ट गायों को निगल लिया, और फ़िरौन जाग उठा। और उसने दूसरा सपना देखा, और देखो, सात बालें एक डंठल में ऊपर आ रही थीं, जो चुनी हुई और अच्छी थीं। और देखो, सात पतली और हवा से झुलसी हुई बालें उनके साथ उग रही थीं। और सात पतली और हवा से नष्ट बालों ने सात चुनी हुई और भरी हुई बालों को निगल लिया, लेकिन फ़िरौन उठा, और यह एक स्वप्न था। सुबह हुई, और उसकी आत्मा परेशान हो गई, और उसने भेजकर मिस्र के सभी व्याख्याकारों और उसके सभी बुद्धिमानों को बुलाया, और फ़िरौन ने उनको अपना स्वप्न सुनाया, और फ़िरौन को इसका अर्थ बताने वाला कोई नहीं था। और मुख्य पिलानेवाला फ़िरौन से बोला, आज मैं अपने पाप को याद करता हूँ। फ़िरौन अपने सेवकों पर क्रोधित हुआ, और उसने हमें मुख्य रसोइये के घर में कारागार में रखा, मुझे और मुख्य रोटी बनाने वाले को। और हम दोनों ने एक ही रात में सपना देखा, मैं और वह, प्रत्येक ने अपना-

अपना सपना देखा। वहाँ हमारे साथ मुख्य रसोइये का एक इब्री युवा सेवक था, और हमने उसे बताया, और उसने हमारे लिए व्याख्या की। यह हुआ कि जैसा उसने हमें व्याख्या की थी, वैसा ही हुआ - मुझे मेरे पद पर बहाल किया गया, और उसको फाँसी दी गई। भेजकर फ़िरौन ने यूसुफ को बुलाया, और उन्होंने उसको कारागार से निकाल लाए, और उन्होंने उसको मुंडाया, और उसके वस्त्र बदले, और वह फ़िरौन के पास आया। फ़िरौन ने यूसुफ से कहा, मैंने एक स्वप्न देखा है, और कोई नहीं है जो इसकी व्याख्या कर सके। मैंने तुम्हारे बारे में सुना है कि तुम स्वप्नों को सुनकर उनकी व्याख्या कर सकते हो। लेकिन यूसुफ ने फ़िरौन को उत्तर देते हुए कहा, परमेश्वर के बिना फ़िरौन के कल्याण का उत्तर नहीं दिया जाएगा। फ़िरौन ने यूसुफ से कहा, मेरी नींद में मैंने सोचा कि मैं नदी के किनारे खड़ा हूँ। और जैसे नदी से सात गायें बाहर आ रही थीं जो रूप में सुंदर और मांस में चुनी हुई थीं, और वे अचेई में चर रही थीं। और देखो, सात अन्य गायें उनके पीछे नदी से निकलकर आ रही थीं, जो रूप में बुरी और कुरूप थीं, और मांस में पतली थीं, जैसी मैंने मिस्र की सारी भूमि में ऐसी अधिक कुरूप नहीं देखी थीं। और सात बदसूरत और पतली गायों ने सात पहली सुंदर और चुनी हुई गायों को निगल लिया। और वे उनके पेट में प्रवेश कर गए, परन्तु यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वे उनके पेट में प्रवेश कर गए थे, और उनका रूप कुरूप था, जैसा कि आरंभ में था, और जागने के बाद मैं फिर सो गया। और मैंने फिर अपनी नींद में देखा, और जैसे सात बालें एक डंठल में उग रही थीं, भरी हुई और अच्छी लेकिन सात पतली और हवा से झुलसी हुई बालें उनके बगल में उग रही थीं। और सात पतली और हवा से नष्ट बालों ने सात अच्छी और भरी बालों को निगल लिया। इसलिए मैंने व्याख्याकारों से कहा, परन्तु कोई नहीं था जो मुझे इसका अर्थ बता सके।

और यूसुफ ने फ़िरौन से कहा, फ़िरौन का स्वप्न एक ही है; जो कुछ ईश्वर करने वाला है, उसे उसने फ़िरौन को दिखाया है। वे सात सुंदर गायें सात वर्ष हैं, और वे सात सुंदर बालें सात वर्ष हैं, फ़िरौन का स्वप्न एक ही है। और वे सात पतली गायें जो उनके पीछे चढ़ रही थीं, वे सात वर्ष हैं, और वे सात पतली और हवा से नष्ट बालें, वे सात वर्ष हैं, सात वर्ष अकाल के होंगे। परन्तु जो वचन मैंने फ़िरौन से कहा है, परमेश्वर जो कुछ करता है, उसने फ़िरौन को दिखाया। देखो, मिस्र

की सारी भूमि में बहुत समृद्धि के सात वर्ष आ रहे हैं। इसके बाद सात वर्ष का अकाल आएगा, और वे उस समृद्धि को भूल जाएंगे जो संपूर्ण मिश्र में होने वाली थी, और अकाल भूमि को नष्ट कर देगा। और पृथ्वी पर वह समृद्धि नहीं जानी जाएगी उस अकाल के कारण जो इसके बाद आने वाला है, क्योंकि वह बहुत भयंकर होगा। लेकिन फ़िरौन के सपने को दो बार दोहराने के बारे में, क्योंकि परमेश्वर का वचन सच होगा, और परमेश्वर इसे करने में शीघ्रता करेगा। अब इसलिए एक बुद्धिमान और समझदार मनुष्य को खोजो, और उसे मिश्र की भूमि पर नियुक्त करो। और फ़िरौन ऐसा करे और भूमि पर राज्यपाल नियुक्त करे, और वे समृद्धि के सात वर्षों में मिश्र की भूमि की सब उपज एकत्र करें। और वे इन आने वाले सात अच्छे वर्षों का सारा भोजन इकट्ठा करें, और अनाज फ़िरौन के अधिकार में इकट्ठा किया जाए, नगरों में भोजन संग्रहित किया जाए। और जो भोजन भूमि के लिए संग्रहित किया जाएगा, वह सात वर्ष के अकाल के लिए होगा, जो मिश्र की भूमि में होगा, और भूमि अकाल में नष्ट नहीं होगी। यह बात फ़िरौन को और उसके सभी सेवकों को पसंद आई।

और फ़िरौन ने अपने सब सेवकों से कहा, क्या हम ऐसा आदमी पाएंगे, जो अपने में परमेश्वर का आत्मा रखता है? फ़िरौन ने यूसुफ़ से कहा, चूँकि परमेश्वर ने तुम्हें यह सब दिखाया है, इसलिए तुमसे अधिक बुद्धिमान और समझदार कोई आदमी नहीं है। तू मेरे घर के ऊपर होगा, और तेरे मुँह पर मेरे सब लोग आज्ञा मानेंगे; केवल सिंहासन में मैं तुझसे बड़ा रहूँगा। फ़िरौन ने यूसुफ़ से कहा, देखो, मैं आज तुम्हें समस्त मिश्र की भूमि पर नियुक्त करता हूँ। और फ़िरौन ने अपने हाथ से अंगूठी उतारकर यूसुफ़ के हाथ पर पहनाई, और उसे मलमल का वस्त्र पहनाया, और उसके गले में सोने का कंठा पहनाया। और उसने उसको अपने दूसरे रथ पर बिठाया, और उसके आगे घोषक ने घोषणा की, और उसने उसको सम्पूर्ण मिश्र की भूमि पर नियुक्त किया। फ़िरौन ने यूसुफ़ से कहा, मैं फ़िरौन हूँ, तुम्हारे बिना कोई भी मिश्र की सारी भूमि पर अपना हाथ नहीं उठाएगा। और फ़िरौन ने यूसुफ़ का नाम सोन्थोम्फ़ानेख रखा, और उसे हेलिओपोलिस के पुजारी पतिफेरा की बेटी असनत को पत्नी के रूप में दिया। यूसुफ़ तीस वर्ष का था, जब वह मिश्र के राजा फ़िरौन के सामने खड़ा हुआ, और यूसुफ़ फ़िरौन के सामने से निकला, और मिश्र की सारी भूमि में गया।

और भूमि ने समृद्धि के सात वर्षों में पूलियाँ उत्पन्न कीं। और उसने उन सात वर्षों का सारा भोजन इकट्ठा किया, जिनमें मिस्र की भूमि में समृद्धि थी, और उसने भोजन नगरों में रखा; प्रत्येक नगर के चारों ओर के मैदानों का भोजन उसने उसी नगर में रखा। और यूसुफ ने समुद्र की रेत के समान बहुत अधिक अनाज इकट्ठा किया, यहाँ तक कि वह गिना नहीं जा सकता था, क्योंकि उसकी कोई गिनती नहीं थी।

युसुफ को दो पुत्र हुए, अकाल के सात वर्ष आने से पहले, जिनको आसनत ने जन्म दिया, जो हेलियोपोलिस के याजक पोतीपेरा की पुत्री थी। युसुफ ने अपने पहलौठे का नाम मनश्शे रखा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे मेरे सब कष्टों और मेरे पिता के घर की सब बातों को भुला दिया। और दूसरे का नाम उसने एफ्राईम रखा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे मेरे दुःख की भूमि में बढ़ाया। समृद्धि के वे सात वर्ष बीत गए, जो मिस्र की भूमि में हुए थे। और अकाल के सात वर्ष आने शुरू हुए, जैसा यूसुफ ने कहा था, और सब भूमि में अकाल हुआ, लेकिन मिस्र की सब भूमि में रोटियाँ थीं। और पूरी मिस्र की भूमि भूखी हो गई, और लोग फ़िरौन के पास रोटी के लिए चिल्लाए। फ़िरौन ने सब मिस्रियों से कहा, यूसुफ़ के पास जाओ, और जो कुछ वह तुम से कहे, वह करो। और अकाल सारी पृथ्वी के चेहरे पर था, और यूसुफ़ ने सब अन्न भंडार खोले, और सब मिस्रियों को बेचा। और सब प्रदेश मिस्र आए यूसुफ़ से खरीदने के लिए, क्योंकि सारी भूमि में अकाल पड़ा था

42

लेकिन याकूब ने देखकर कि मिस्र में बिक्री है, अपने पुत्रों से कहा, तुम क्यों आलस्य कर रहे हो? देखो, मैंने सुना है कि मिस्र में अनाज है, वहाँ जाओ और हमारे लिए थोड़ा भोजन खरीदो, ताकि हम जीवित रहें और मर न जाएँ।

यूसुफ़ के दस भाई मिस्र से अनाज खरीदने गए। लेकिन बिन्यामीन को, जो यूसुफ़ का भाई था,

उसने अपने भाइयों के साथ नहीं भेजा, क्योंकि उसने कहा, कहीं उसे कोई कमजोरी न हो जाए। इस्राएल के पुत्र खरीदने आए थे उन लोगों के साथ जो आ रहे थे, क्योंकि कनान की भूमि में अकाल था। यूसुफ पृथ्वी का शासक था, वह पृथ्वी के सब लोगों को अनाज बेच रहा था, और यूसुफ के भाई आकर उसे भूमि पर मुँह के बल प्रणाम किया। यूसुफ ने अपने भाइयों को देखकर पहचान लिया, और उनसे अजनबी बन गया, और उनसे कठोरता से बोला, और उनसे कहा, तुम कहाँ से आए हो? उन्होंने कहा, कनान की भूमि से, भोजन खरीदने। यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचाना, लेकिन उन्होंने उसे नहीं पहचाना। और यूसुफ को अपने सपने याद आए जो उसने देखे थे, और उसने उनसे कहा, तुम जासूस हो, तुम इस देश के भेद जानने आए हो। उन्होंने कहा, नहीं, स्वामी, आपके सेवक भोजन खरीदने आए हैं। हम सब एक मनुष्य के पुत्र हैं, हम शांतिपूर्ण हैं, तेरे सेवक जासूस नहीं हैं। उन्होंने उनसे कहा, नहीं, बल्कि तुम पृथ्वी के निशान देखने आए हो। परन्तु उन्होंने कहा, हम बारह भाई हैं, कनान देश में आपके सेवक, और देखो, सबसे छोटा आज हमारे पिता के साथ है, परन्तु दूसरा अब नहीं है। यूसुफ ने उनसे कहा, यह वही है जो मैंने तुमसे कहा था, कि तुम जासूस हो। इसमें तुम सिद्ध किए जाओगे। फिरौन के स्वास्थ्य की शपथ, तुम यहाँ से नहीं निकलोगे, यदि तुम्हारा छोटा भाई यहाँ नहीं आता। तुममें से एक को भेजो, और अपने भाई को ले आओ, तुम तब तक बंदी रहोगे जब तक तुम्हारे शब्द स्पष्ट न हो जाएं, कि तुम सच बोलते हो या नहीं, यदि नहीं, तो फिरौन के स्वास्थ्य की सौगंध, तुम निश्चित रूप से जासूस हो। और उसने उनको तीन दिन के लिए कारागार में रखा। उसने तीसरे दिन उनसे कहा, यह करो, और तुम जीवित रहोगे, क्योंकि मैं परमेश्वर से डरता हूँ। यदि आप शांतिपूर्ण हैं, तो आपका एक भाई कारागार में रोका जाए, लेकिन आप लोग जाओ और अपनी अनाज आपूर्ति की खरीद ले आओ। और अपने छोटे भाई को मेरे पास लाओ, और तुम्हारे शब्दों पर विश्वास किया जाएगा, लेकिन यदि नहीं, तो तुम मरोगे। और उन्होंने ऐसा ही किया। और प्रत्येक ने अपने भाई से कहा, हाँ, हम अपने भाई के विषय में पापों में हैं, क्योंकि हमने उसकी आत्मा के क्लेश को अनदेखा किया, जब वह हमसे विनती कर रहा था, और हमने उसकी नहीं सुनी, और इसी कारण यह क्लेश हम पर आया है। उत्तर देते हुए रूबेन ने उनसे कहा, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि उस बालक को हानि मत पहुँचाओ, और तुमने मेरी नहीं सुनी? और देखो, उसका खून मांगा जा रहा

है। वे स्वयं नहीं जानते थे कि यूसुफ सुन रहा है, क्योंकि उनके बीच में एक दुभाषिया था। लेकिन यूसुफ उनसे मुड़कर रोया, और फिर उनके पास आया, और उनसे बोला, और उनमें से शिमोन को लिया, और उसे उनके सामने बाँधा।

यूसुफ ने आज्ञा दी कि उनके पात्रों को अनाज से भरा जाए, और उनकी चांदी प्रत्येक के बोरे में लौटा दी जाए, और उनको मार्ग के लिए रसद दी जाए, और उनके साथ ऐसा ही हुआ। और उन्होंने अपने गधों पर अनाज लादकर, वहाँ से चले गए। एक ने अपना थैला खोला ताकि जहाँ वे ठहरे थे वहाँ अपने गधों को चारा दे सके, और उसने अपनी चांदी की थैली देखी, और वह थैले के मुंह पर रखी थी। और उसने अपने भाइयों से कहा, मेरी चांदी लौटा दी गई है, और देखो, यह मेरी थैली में है। और उनका हृदय चकित हुआ, और वे एक दूसरे से व्याकुल होकर कहने लगे, परमेश्वर ने हमारे साथ यह क्या किया है? वे अपने पिता याकूब के पास कनान देश में आए, और उन्होंने उसे अपने साथ घटी सभी घटनाओं की सूचना दी, कहते हुए, उस भूमि के स्वामी ने हमसे कठोरता से बात की है और हमें कारागार में रखा है, जैसे कि हम उस भूमि की जासूसी कर रहे हों। हमने उससे कहा, हम शांतिप्रिय हैं, हम जासूस नहीं हैं। हम बारह भाई हैं, हमारे पिता के पुत्र, एक नहीं है, और सबसे छोटा आज हमारे पिता के साथ कनान की भूमि में है। उस पृथ्वी के स्वामी ने हमसे कहा, इससे मैं जानूंगा कि तुम शांतिपूर्ण हो, एक भाई को यहाँ मेरे साथ छोड़ दो, और अपने घर के लिए अनाज की खरीद लेकर चले जाओ। और अपने छोटे भाई को मेरे पास लाओ, और मैं जान लूंगा कि तुम जासूस नहीं हो, बल्कि शांतिपूर्ण हो, और मैं तुम्हारे भाई को तुम्हें लौटा दूंगा, और तुम इस भूमि में व्यापार करोगे। और ऐसा हुआ कि जब वे अपने बोरे खाली कर रहे थे, तो प्रत्येक के बोरे में उसकी चांदी की थैली थी, और जब उन्होंने और उनके पिता ने अपनी चांदी की थैलियां देखीं, तो वे डर गए। उनके पिता याकूब ने उनसे कहा, तुमने मुझे निःसंतान कर दिया, यूसुफ नहीं है, शिमोन नहीं है, और बिन्यामीन को तुम ले जाओगे; ये सब मुझ पर आ पड़ा है। रूबेन ने अपने पिता से कहा, मेरे दोनों पुत्रों को मार डालना, यदि मैं उसे तुम्हारे पास वापस न लाऊँ। उसे मेरे हाथ में सौंप दो, और मैं उसे तुम्हारे पास वापस ले आऊंगा। लेकिन उसने कहा, मेरा पुत्र तुम्हारे साथ नीचे नहीं जाएगा, क्योंकि उसका भाई मर गया है, और

वह अकेला ही बचा है, और यदि तुम जिस रास्ते पर जाओगे उसमें उसे कुछ हो गया, तो तुम मेरे बुढ़ापे को दुःख के साथ अधोलोक में पहुँचा दोगे।

43

लेकिन अकाल पृथ्वी पर प्रबल हो गया। ऐसा हुआ कि जब वे मिस्र से लाए गए अनाज को खा चुके, तो उनके पिता ने उनसे कहा, फिर जाकर हमारे लिए थोड़ा भोजन खरीद लाओ। यहूदा ने उससे कहा, उस पृथ्वी के स्वामी ने हमें गंभीर चेतावनी देते हुए कहा था, तुम मेरा चेहरा नहीं देख पाओगे, यदि तुम्हारा छोटा भाई तुम्हारे साथ न हो। यदि तुम वास्तव में हमारे भाई को हमारे साथ भेजते हो, तो हम नीचे जाएंगे और तुम्हारे लिए भोजन खरीदेंगे। यदि तुम हमारे भाई को हमारे साथ नहीं भेजते हो, तो हम नहीं जाएंगे, क्योंकि उस आदमी ने हमसे कहा था, तुम मेरा चेहरा नहीं देखोगे, यदि तुम्हारा छोटा भाई तुम्हारे साथ नहीं है। इस्राएल ने कहा, तुमने उस आदमी को यह बताकर कि तुम्हारा एक भाई है, मुझे क्यों कष्ट दिया? उन्होंने कहा, वह आदमी हमसे और हमारी पीढ़ी के बारे में बार-बार पूछता रहा, यह कहते हुए, क्या तुम्हारा पिता अभी भी जीवित है, और क्या तुम्हारा कोई भाई है? और हमने उसे इस पूछताछ के अनुसार सूचित किया। हम कैसे जानते कि वह हमसे कहेगा, अपने भाई को लाओ? यहूदा ने अपने पिता इस्राएल से कहा, उस लड़के को मेरे साथ भेजो, और हम उठकर चलेंगे, ताकि हम जीवित रहें और मरें नहीं—हम भी, तुम भी, और हमारा सामान भी। मैं उसकी प्रतीक्षा करता हूँ, मेरे हाथ से उसे माँगो, यदि मैं उसे तुम्हारे पास नहीं लाऊँगा, और उसे तुम्हारे सामने स्थापित नहीं करूँगा, तो मैं तुम्हारे विरुद्ध सभी दिनों तक पापी रहूँगा। यदि हम विलंब न करते, तो हम पहले ही दो बार लौट चुके होते। उनके पिता इस्राएल ने उनसे कहा, यदि ऐसा है, तो यह करो: भूमि के फलों में से अपने बर्तनों में लो, और उस पुरुष के लिए उपहार ले जाओ - राल, शहद, धूप, गंधरस, तारपीन और मेवे। और अपने हाथों में दोगुनी चांदी लो, जो चांदी तुम्हारे बोरों में लौटाई गई थी उसे अपने साथ वापस ले जाओ, कहीं ऐसा न हो कि यह कोई भूल हो। और अपने भाई को लो, और उठकर उस मनुष्य के पास

जाओ। मेरा परमेश्वर तुम्हें उस व्यक्ति के सामने अनुग्रह दे और तुम्हारे एक भाई को और बिन्यामीन को भेज दे, क्योंकि मैं तो जैसे संतानहीन हूँ, संतानहीन हूँ।

उन पुरुषों ने वे उपहार और दोगुनी चांदी अपने हाथों में ली, और बिन्यामीन को भी साथ लिया, और उठकर मिस्र गए, और यूसुफ के सामने खड़े हुए। यूसुफ ने उन्हें देखा, और बिन्यामीन को, जो उसका सहोदर भाई था, और अपने घर के अधिकारी से कहा, इन लोगों को घर में ले आओ, और बलि का वध करो और तैयारी करो, क्योंकि ये लोग दोपहर को मेरे साथ भोजन करेंगे। उस आदमी ने वैसा ही किया जैसा यूसुफ ने कहा था, और वह उन लोगों को यूसुफ के घर में ले गया। लेकिन जब उन पुरुषों ने देखा कि वे यूसुफ के घर में ले जाए गए थे, तो उन्होंने कहा, उस चांदी के कारण जो पहले हमारी बोरियों में लौटाई गई थी, हमें लाया जा रहा है, ताकि हम पर झूठा आरोप लगाया जाए और हम पर हमला किया जाए, और हमें दास बनाया जाए, और हमारे गधों को ले लिया जाए। लेकिन यूसुफ के घर के उस आदमी के पास आकर, उन्होंने घर के द्वार पर उससे बात की। कहते हुए, हे स्वामी, हमें आरंभ में भोजन खरीदने के लिए नीचे आना पड़ा। ऐसा हुआ कि जब हम ठहरने के लिए आए और हमने अपने बोरे खोले, तो प्रत्येक की चांदी उसके बोरे में थी, हमारी चांदी पूरे तौल में थी, जिसे हमने अब अपने हाथों में लौटाया है। और हम अपने साथ दूसरी चांदी भी लाए हैं भोजन खरीदने के लिए, हम नहीं जानते कि किसने हमारे बोरों में चांदी डाली। उसने उनसे कहा, तुम पर कृपा हो, मत डरो। तुम्हारे देवता और तुम्हारे पिताओं के देवता ने तुम्हारे थैलों में तुम्हें खजाने दिए हैं, और तुम्हारी चांदी जो प्रतिष्ठित थी, मैंने प्राप्त कर ली है। और उसने शिमोन को उनके पास बाहर लाया। और वह उनके पैर धोने के लिए पानी लाया, और उनके गधों को चारा दिया। उन्होंने उपहारों को तैयार किया जब तक यूसुफ दोपहर को आए, क्योंकि उन्होंने सुना था कि वह वहाँ भोजन करने वाले हैं। और यूसुफ घर में प्रवेश किया, और उन्होंने उसके पास वे उपहार लाए जो उनके हाथों में थे, और उन्होंने भूमि पर मुँह के बल उसे प्रणाम किया। उसने उनसे पूछा, आप कैसे हैं? और उनसे कहा, क्या आपके पिता, वह बूढ़े व्यक्ति जिसके बारे में आपने बताया था, स्वस्थ हैं? क्या वे अभी भी जीवित हैं? उन्होंने कहा, हमारे पिता, आपके सेवक, स्वस्थ हैं और अभी जीवित हैं। और उसने कहा, वह मनुष्य परमेश्वर

द्वारा धन्य है, और झुककर उन्होंने उसे प्रणाम किया। अपनी आँखों से ऊपर देखकर यूसुफ ने बिन्यामीन को, अपने सहोदर भाई को देखा, और कहा, क्या यह तुम्हारा छोटा भाई है, जिसे तुमने मेरे पास लाने को कहा था? और उसने कहा, परमेश्वर तुम पर दया करे, पुत्र। यूसुफ व्याकुल हो गया, क्योंकि उसका हृदय अपने भाई के लिए भर आया था, और वह रोना चाहता था। इसलिए वह कक्ष में जाकर वहाँ रोया।

और चेहरा धोकर, बाहर जाकर उसने स्वयं को नियंत्रित किया, और कहा, रोटियाँ परोसो। और उन्होंने उसके लिए अकेले भोजन परोसा, और उनके लिए अलग, और मिस्रियों के लिए जो उसके साथ भोजन कर रहे थे अलग, क्योंकि मिस्री इब्रियों के साथ रोटी नहीं खा सकते थे, क्योंकि यह मिस्रियों के लिए घृणित है। वे उसके सामने बैठे, पहलौठा अपने विशेषाधिकार के अनुसार, और छोटा अपनी युवावस्था के अनुसार, और लोग अपने-अपने भाई की ओर देखकर चकित हुए। उन्होंने उसके पास से अपने लिए भाग उठाए, लेकिन बिन्यामीन का भाग सबके भागों से पाँच गुना बड़ा था। उन्होंने पिया और उसके साथ मस्त हुए।

44

और यूसुफ ने अपने घर के अधिकारी को आदेश देते हुए कहा, इन लोगों के बोरों को भोजन से भर दो, जितना वे उठा सकें, और हर एक की चांदी उसके बोरे के मुंह पर रख दो। और मेरा चांदी का कप छोटे के थैले में डाल दो, और उसके अनाज की कीमत भी। यह यूसुफ के वचन के अनुसार हुआ, जैसा उसने कहा था।

सुबह का उजाला हुआ, और वे लोग भेजे गए, वे स्वयं और उनके गधे। जब वे शहर से बाहर निकल गए थे, वे दूर नहीं गए थे, और यूसुफ ने अपने घर के प्रबंधक से कहा, उठो और उन लोगों का पीछा करो, और जब तुम उन्हें पकड़ लो, तो उनसे कहना, क्यों तुमने अच्छाई के बदले बुराई

की है? तुमने मेरा चाँदी का प्याला क्यों चुराया? क्या यह वही नहीं है जिसमें मेरे स्वामी पीते हैं? और वह उसी से भविष्यवाणी करते हैं। जो तुमने किया है वह बुरा कर्म है। उनको पाकर, उसने उनसे ये शब्द कहे। उन्होंने उससे कहा, स्वामी इन शब्दों के अनुसार क्यों बोलता है? आपके सेवकों को इस शब्द के अनुसार करना न हो। यदि हमने वह चाँदी जो हमें अपने थैलों में मिली थी, कनान की भूमि से तुम्हारे पास लौटा दी, तो हम तुम्हारे स्वामी के घर से चाँदी या सोना कैसे चुरा सकते हैं? जिसके पास तुम वह प्याला पाओ अपने सेवकों में से, वह मर जाए, और हम भी अपने स्वामी के दास बन जाएंगे। और उसने कहा, और अब, जैसे तुम कहते हो, वैसे ही होगा। जिसके पास वह प्याला पाया जाएगा, वह मेरा दास होगा, लेकिन तुम शुद्ध रहोगे। और उन्होंने जल्दी की, और प्रत्येक ने अपना थैला भूमि पर उतारा, और प्रत्येक ने अपना थैला खोला। उसने बड़े से शुरू करके खोजा, जब तक छोटे तक नहीं पहुँचा। और उसने प्याला बिन्यामीन के थैले में पाया। और उन्होंने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और प्रत्येक ने अपना बोरा अपने गधे पर रखा, और वे शहर को लौट गए।

यहूदा और उसके भाई यूसुफ के पास गए, जो अभी भी वहाँ था, और वे उसके सामने भूमि पर गिर पड़े। यूसुफ ने उनसे कहा, यह क्या काम तुमने किया है? क्या तुम नहीं जानते कि जैसा मैं हूँ, वैसा आदमी भविष्यवाणी से भविष्यवाणी कर लेता है? यहूदा ने कहा, हम स्वामी को उत्तर में क्या कहेंगे, या हम क्या बोलेंगे, या हम कैसे न्यायसंगत ठहराए जाएंगे? परमेश्वर ने तुम्हारे सेवकों का अन्याय पा लिया है। देखो, हम हमारे स्वामी के सेवक हैं, हम भी और वह भी जिसके पास प्याला पाया गया। यूसुफ ने कहा, मुझसे यह बात करना न हो। जिस मनुष्य के पास यह प्याला पाया गया, वह मेरा सेवक होगा। तुम सलामती के साथ अपने पिता के पास जाओ। पास आकर यहूदा ने उससे कहा, मैं विनती करता हूँ, स्वामी, आपका सेवक आपके सामने एक शब्द बोले, और अपने सेवक पर क्रोधित न हों, क्योंकि आप फ़िरौन के समान हैं। प्रभु, आपने अपने सेवकों से पूछा था, यह कहते हुए, क्या तुम लोगों के पिता या भाई हैं? और हमने स्वामी से कहा, हमारे पास एक बूढ़ा पिता है, और उसके बुढ़ापे में एक छोटा बच्चा है, और उसका भाई मर गया, लेकिन वह अपनी माता के लिए अकेला बच गया, और पिता उससे प्रेम करता है। तुमने

अपने सेवकों से कहा था, उसे मेरे पास नीचे लाओ, और मैं उसकी देखभाल करूँगा। और हमने स्वामी से कहा, वह बालक अपने पिता को छोड़ने में सक्षम नहीं होगा, यदि वह पिता को छोड़ता है, तो वह मर जाएगा। लेकिन आपने अपने सेवकों से कहा था, यदि आपका छोटा भाई आपके साथ नीचे नहीं आता है, तो आप मेरा चेहरा देखना जारी नहीं रखेंगे। यह हुआ कि जब हम तुम्हारे सेवक, हमारे पिता के पास गए, तो हमने उन्हें हमारे स्वामी के शब्द बताए। हमारे पिता ने कहा, फिर से जाओ और हमारे लिए थोड़ा भोजन खरीदो। हमने कहा, हम नीचे जाने में सक्षम नहीं होंगे, लेकिन यदि हमारा छोटा भाई हमारे साथ नीचे जाता है, तो हम नीचे जाएंगे, क्योंकि हम उस आदमी का चेहरा नहीं देख सकेंगे, जब हमारा छोटा भाई हमारे साथ नहीं होगा। आपके सेवक ने कहा कि हमारे पिता ने हमसे कहा, तुम जानते हो कि उस स्त्री ने मुझे दो जन्म दिए, और एक मुझसे बाहर चला गया, और तुमने कहा कि वह जंगली जानवर द्वारा खा लिया गया है, और मैंने उसे अब तक नहीं देखा। यदि इसलिए तुम इसको मेरे चेहरे से ले जाओ, और रास्ते में उसे कोई कमजोरी हो जाए, तो तुम मेरे बुढ़ापे को दुःख के साथ अधोलोक में पहुँचा दोगे। अब इसलिए यदि मैं अपने पिता, आपके सेवक के पास जाऊँ, और बच्चा हमारे साथ न हो, जबकि उनका प्राण इस बच्चे के प्राण से बंधा हुआ है, और ऐसा होगा कि जब वह देखेगा कि बच्चा हमारे साथ नहीं है, तो वह मर जाएगा, और आपके सेवक आपके सेवक के बुढ़ापे को, जो हमारे पिता हैं, दुःख के साथ अधोलोक में ले जाएंगे। क्योंकि आपके सेवक ने पिता से बच्चे को प्राप्त किया है, यह कहते हुए, यदि मैं उसे आपके पास नहीं लाऊँ, और उसे आपके सामने खड़ा नहीं करूँ, तो मैं पिता के विरुद्ध सभी दिनों तक पापी रहूँगा। अब इसलिए मैं तुम्हारे पास बच्चे के स्थान पर सेवक बनकर रहूँगा, स्वामी का घरेलू सेवक, लेकिन बच्चे को अपने भाइयों के साथ ऊपर जाने दो। मैं अपने पिता के पास कैसे जाऊँगा, जब बच्चा हमारे साथ नहीं है? ताकि मैं उन बुराइयों को न देखूँ, जो मेरे पिता को मिलेंगी।

45

और यूसुफ अपने पास खड़े सभी लोगों को सहन करने में सक्षम नहीं था, लेकिन उसने कहा, सभी को मुझसे दूर भेज दो, और जब यूसुफ ने अपने भाइयों के सामने अपनी पहचान प्रकट की तब उसके पास कोई नहीं खड़ा था। और उसने रोते हुए आवाज़ छोड़ी, और सभी मिस्रवासियों ने सुना, और यह फ़िरौन के घर में सुनाई दिया। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मैं यूसुफ हूँ, क्या मेरा पिता अभी जीवित है? और भाई उसको उत्तर देने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि वे व्याकुल हो गए थे। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मेरे पास आओ, और वे पास आए, और उसने कहा, मैं यूसुफ हूँ, तुम्हारा भाई, जिसे तुमने मिस्र में बेचा था। अब इसलिए शोक मत करो, और न ही यह तुम्हें कठोर प्रतीत हो कि तुमने मुझे यहाँ बेचा, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे जीवन के लिए भेजा है। यह पृथ्वी पर अकाल का दूसरा वर्ष है, और अभी पाँच वर्ष शेष हैं, जिनमें न जुताई होगी, न कटाई। क्योंकि परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे भेजा, ताकि तुम्हारा अवशेष पृथ्वी पर छोड़ा जाए, और तुम्हारे महान वंश का पालन-पोषण किया जाए। अब इसलिए तुमने मुझे यहाँ नहीं भेजा है, बल्कि ईश्वर ने भेजा है, और उसने मुझे फ़िरौन का पिता के समान, और उसके सारे घर का स्वामी, और सारी मिस्र भूमि का शासक बनाया है। इसलिए जल्दी करके मेरे पिता के पास ऊपर जाओ और उनसे कहो, तुम्हारा बेटा यूसुफ ये बातें कहता है: ईश्वर ने मुझे सारे मिस्र का स्वामी बनाया है, इसलिए मेरे पास नीचे आओ और मत रुको। और तुम अरब के गेसेम प्रदेश में निवास करोगे, और तुम मेरे निकट होगे, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारे पुत्रों के पुत्र, तुम्हारी भेड़ें, और तुम्हारे बैल, और जो कुछ तुम्हारा है। और मैं तुम्हें वहाँ पोषण करूँगा, क्योंकि अभी भी पाँच वर्ष अकाल है, ताकि तुम नष्ट न हो, और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारी सब संपत्ति। देखो, तुम्हारी आँखें देख रही हैं, और मेरे भाई बिन्यामीन की आँखें भी, कि मेरा मुँह ही तुमसे बोल रहा है। इसलिए मेरे पिता को मेरी सारी महिमा जो मिस्र में है, और जो कुछ तुमने देखा है, वह बताओ, और जल्दी करके मेरे पिता को यहाँ ले आओ। और वह अपने भाई बिन्यामीन के गर्दन पर गिरकर उसके लिए रोया, और बिन्यामीन उसके गर्दन पर रोया। और अपने सभी भाइयों को चूमकर, वह उन पर रोया, और इसके बाद उसके भाई उससे बोले।

और यह आवाज़ फ़िरौन के घर में व्यापक रूप से सुनी गई, कहते हुए, यूसुफ के भाई आए हैं।

फिरौन और उसके सेवक प्रसन्न हुए। फिरौन ने यूसुफ़ से कहा, अपने भाइयों से कहो, यह करो: अपने बोरे भरो, और कनान की भूमि में जाओ। और अपने पिता को और अपनी संपत्ति को लेकर मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें मिस्र की सभी अच्छी चीजें दूंगा, और तुम पृथ्वी का मज्जा खाओगे। तुम लेकिन यह आदेश दो कि वे मिस्र की भूमि से अपने बच्चों और अपनी पत्नियों के लिए गाड़ियाँ लें और अपने पिता को उठाकर आओ। और अपने सामान के प्रति मोह मत रखो, क्योंकि मिस्र की सब अच्छी वस्तुएँ तुम्हारी होंगी। इस्राएल के पुत्रों ने ऐसा ही किया, और यूसुफ़ ने उन्हें राजा फिरौन द्वारा कहे गए अनुसार गाड़ियाँ दीं, और उन्हें मार्ग के लिए भोजन-सामग्री दी। और उसने सब को दोहरे वस्त्र दिए, लेकिन बिन्यामीन को तीन सौ सोने के सिक्के और पाँच जोड़ी बदलने वाले वस्त्र दिए। और उसने अपने पिता के लिए उसी प्रकार भेजा, और दस गधे जो मिस्र की सब अच्छी चीजें उठाए हुए थे, और दस खच्चर जो उसके पिता के लिए रास्ते में रोटियाँ उठाए हुए थीं। उसने अपने भाइयों को भेजा, और वे चले गए, और उसने उनसे कहा, रास्ते में क्रोधित मत होना। और वे मिस्र से ऊपर गए, और कनान देश में अपने पिता याकूब के पास आए। और उन्होंने उसे यह कहते हुए सूचना दी कि तुम्हारा पुत्र यूसुफ़ जीवित है, और वह मिस्र की सारी भूमि पर शासन करता है, और याकूब का मन चकित हो गया, क्योंकि उसने उन पर विश्वास नहीं किया। उन्होंने उसे वे सब बातें बताई जो यूसुफ़ ने कही थीं, जितनी उसने उनसे कहीं। और जब उसने उन गाड़ियों को देखा जो यूसुफ़ ने उसे ले जाने के लिए भेजी थीं, तो उनके पिता याकूब की आत्मा जी उठी। इस्राएल ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, यदि मेरा पुत्र यूसुफ़ अभी भी जीवित है। मैं जाकर उसे अपनी मृत्यु से पहले देखूंगा।

46

इस्राएल प्रस्थान करके, वह और उसका सब कुछ लेकर, शपथ के कुएं पर आया, और उसने अपने पिता इसहाक के परमेश्वर को बलिदान चढ़ाया। परमेश्वर ने इस्राएल से रात के दर्शन में कहा, याकूब, याकूब, और उसने कहा, क्या है? वह उससे कहता है, मैं तुम्हारे पिताओं का ईश्वर

हूँ, मिस्र जाने से मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हें वहाँ एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। और मैं तुम्हारे साथ मिस्र में जाऊँगा, और मैं तुम्हें अंत में वापस लाऊँगा, और यूसुफ तुम्हारी आँखों पर अपने हाथ रखेगा। याकूब शपथ के कुँए से उठा, और इस्राएल के पुत्रों ने अपने पिता को, और सामान को, और अपनी स्त्रियों को उन गाड़ियों पर चढ़ाया, जो यूसुफ ने उसे ले जाने के लिए भेजी थीं। और उन्होंने अपनी संपत्तियाँ उठाई और वह सब अधिग्रहण जो उन्होंने कनान की भूमि से प्राप्त किया था, याकूब और उसका सारा वंश उसके साथ मिस्र में प्रवेश किया। बेटे, और उसके बेटों के बेटे उसके साथ, बेटियाँ, और उसकी बेटियों की बेटियाँ, और उसका सारा वंश वह मिस्र ले गया, ये इस्राएल के पुत्रों के नाम हैं जो अपने पिता याकूब के साथ मिस्र में प्रवेश किए। याकूब और उसके पुत्र: याकूब का पहलौठा, रूबेन। रूबेन के पुत्र: हनोक, फल्लू, हेस्रोन और कर्मी। शिमोन के बेटे: यमूएल, और यामीन, और एहूद, और याकीन, और सोहर, और शाऊल जो कनानी स्त्री का बेटा था। लेवी के पुत्र: गेशोन, काथ और मेरारी। यहूदा के पुत्र एर, ओनान, शीलोह, फारेस और जेरह थे, लेकिन एर और ओनान कनान की भूमि में मर गए। फारेस के पुत्र हेस्रोन और हमूल हुए। इस्साकार के पुत्र: तोला, फूआ, हाशूम और शिम्रोन। जबूलून के पुत्र: सेरेद, अन्य और अखोएल। ये लिआ के पुत्र हैं, जिन्हें उसने याकूब के लिए सीरिया के मेसोपोटामिया में जन्म दिया, और उसकी पुत्री दीना; सब मिलाकर पुत्र और पुत्रियाँ तैंतीस थे। गाद के पुत्र: सफोन, अंगिस, सन्निस, थासोबान, आपेदेइस, अरोएदेइस और अरेएलेइस। आशेर के पुत्र: इएम्ना, इएस्सौआ, इएऊल, बारिआ, और उनकी बहन सारा। बारिआ के पुत्र: खोबोर और मेल्खिईल। ये ज़िल्पा के पुत्र हैं, जिसे लाबान ने अपनी पुत्री लेआ को दिया था, जिसने याकूब के लिए इन सोलह प्राणों को जन्म दिया। राहेल जो याकूब की पत्नी थी, के पुत्र यूसुफ और बिन्यामीन थे। यूसुफ के पुत्र मिस्र की भूमि में उत्पन्न हुए, जिनको आसनत ने जन्म दिया, जो हेलियोपोलिस के पुजारी पोतीपेरा की पुत्री थी - मनश्शे और एप्रैम। मनश्शे के पुत्र हुए, जिनको सीरियाई रखैल ने जन्म दिया - माखीर। माखीर ने गिलाद को जन्म दिया। मनश्शे के भाई एप्रैम के पुत्र थे - सूतेलह और ताहन। सूतेलह के पुत्र थे - एदोम। बिन्यामीन के बेटे बाला, बेखोर और अशबेल थे। बाला के बेटे गेरा, नोएमान, अहिजाह, रोश और मुप्पीम हुए, और गेरा ने अराद को जन्म दिया। ये राहेल के पुत्र हैं, जिन्हें उसने याकूब के लिए जन्म दिया, सभी आत्माएँ अठारह। दान के पुत्र असोम थे।

और नप्ताली के पुत्र: असीएल, गूनी, इस्साहार और सोल्लेम। ये बिल्हा के पुत्र हैं, जिसे लाबान ने अपनी पुत्री राहेल को दिया था, जिसने इनको याकूब के लिए जन्म दिया, सब मिलाकर सात प्राण। सभी आत्माएँ जो याकूब के साथ मिस्र में प्रवेश कीं, जो उसकी जाँघों से निकले थे, याकूब के पुत्रों की स्त्रियों को छोड़कर, सभी आत्माएँ छियासठ थीं। यूसुफ के बेटे जो उसको मिस्र की भूमि में हुए, नौ आत्माएं थीं। याकूब के घर की सब आत्माएं, जो याकूब के साथ मिस्र में प्रवेश कीं, पचहत्तर आत्माएं थीं।

उसने यहूदा को अपने आगे यूसुफ के पास भेजा, ताकि वह उससे वीरों के नगर में मिले, रामेसेस की भूमि में। यूसुफ ने अपने रथ जोते और अपने पिता इस्राएल से मिलने के लिए वीरों के शहर की ओर गया, और उसे देखकर उसकी गर्दन पर गिर पड़ा और फूट-फूटकर रोया। और इस्राएल ने यूसुफ से कहा, अब मैं मर जाऊंगा, चूंकि मैंने तुम्हारा चेहरा देख लिया है, क्योंकि तुम अभी भी जीवित हो। यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मैं ऊपर जाकर फिरौन को सूचित करूंगा, और उससे कहूंगा, मेरे भाई और मेरे पिता का घराना, जो कनान देश में थे, मेरे पास आए हैं। वे पुरुष चरवाहे हैं, क्योंकि वे पशुपालक थे, और उन्होंने पशु, बैल और अपना सब कुछ लाया है। यदि इसलिए फिरौन तुम्हें बुलाए, और तुमसे कहे, तुम्हारा काम क्या है? तुम कहोगे, हम पुरुष पशुपालक हैं, तुम्हारे सेवक बचपन से लेकर अब तक, हम और हमारे पिता, ताकि तुम अरब के गोशेन प्रदेश में निवास करो, क्योंकि मिस्रियों के लिए भेड़ों का हर चरवाहा घृणित है।

47

यूसुफ आकर फिरौन को सूचना देते हुए बोले, मेरे पिता और मेरे भाई और पशु और उनके बैल और उनका सब कुछ कनान की भूमि से आए हैं, और देखिए, वे गोशेन की भूमि में हैं। और अपने भाइयों में से उसने पाँच पुरुषों को लिया, और उनको फिरौन के सामने खड़ा किया। और फिरौन ने यूसुफ के भाइयों से कहा, तुम्हारा काम क्या है? और उन्होंने फिरौन से कहा, आपके सेवक

भेड़ों के चरवाहे हैं, हम भी और हमारे पिता भी। उन्होंने फिरौन से कहा, हम इस भूमि में निवास करने आए हैं, क्योंकि आपके सेवकों के पशुओं के लिए चारागाह नहीं है, क्योंकि कनान की भूमि में अकाल प्रबल हुआ है, इसलिए अब हम गोशेन की भूमि में निवास करेंगे। फिरौन ने यूसुफ से कहा, वे गोशेन की भूमि में निवास करें, और यदि तू जानता है कि उनमें सामर्थी पुरुष हैं, तो उनको मेरे पशुओं का शासक नियुक्त कर। याकूब और उसके पुत्र यूसुफ के पास मिस्र में आए, और मिस्र के राजा फिरौन ने सुना। और फिरौन ने यूसुफ से कहा, तुम्हारा पिता और तुम्हारे भाई तुम्हारे पास आए हैं। देखो, मिस्र की भूमि तुम्हारे सामने है। सबसे अच्छी भूमि में अपने पिता और अपने भाइयों को बसाओ। और यूसुफ अपने पिता याकूब को लाया, और उसे फिरौन के सामने खड़ा किया, और याकूब ने फिरौन को आशीर्वाद दिया। फिरौन ने याकूब से कहा, तुम्हारे जीवन के दिनों के कितने वर्ष हुए हैं? और याकूब ने फिरौन से कहा, मेरे जीवन के वर्षों के दिन, जिनमें मैं परदेशी रहा हूँ, एक सौ तीस वर्ष हैं। मेरे जीवन के वर्षों के दिन थोड़े और कष्टमय रहे हैं। वे मेरे पिताओं के जीवन के वर्षों के दिनों तक नहीं पहुँचे, जिन दिनों में वे परदेशी रहे थे। और याकूब ने फिरौन को आशीर्वाद देकर, उसके पास से चला गया।

और यूसुफ ने अपने पिता को और अपने भाइयों को बसाया, और उनको मिस्र की भूमि में, सर्वोत्तम भूमि में, रामसेस की भूमि में अधिकार दिया, जैसा फिरौन ने आज्ञा दी थी। और यूसुफ अपने पिता को, और भाइयों को, और अपने पिता के सब घर को, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार अनाज नापता था।

अनाज सब भूमि में नहीं था, क्योंकि अकाल बहुत प्रबल हो गया था, और मिस्र की भूमि और कनान की भूमि अकाल से समाप्त हो गई थी। और यूसुफ ने वह सब चाँदी एकत्र की जो मिस्र की भूमि में और कनान की भूमि में मिली, उस अनाज के बदले जो वे खरीद रहे थे, और उन्हें अनाज नाप कर देता रहा, और यूसुफ ने वह सब चाँदी फिरौन के घर में ला दी। और मिस्र की भूमि और कनान की भूमि से सारी चाँदी समाप्त हो गई, और सब मिस्रवासी यूसुफ के पास आए और कहने लगे, हमें रोटियां दो, और हम तुम्हारे सामने क्यों मरें? क्योंकि हमारी चाँदी समाप्त हो

गई है। यूसुफ ने उनसे कहा, अपने मवेशी लाओ, और मैं तुम्हें रोटियां दूंगा तुम्हारे मवेशियों के बदले, अगर तुम्हारी चांदी समाप्त हो गई है। वे अपने पशुओं को यूसुफ के पास लाए, और यूसुफ ने उन्हें घोड़ों के बदले में, और भेड़ों के बदले में, और बैलों के बदले में, और गधों के बदले में रोटियाँ दीं, और उसने उस वर्ष में उनके सभी पशुओं के बदले में रोटियों से उनका पालन-पोषण किया। वह वर्ष बीत गया, और दूसरे वर्ष में वे उसके पास आए और उससे कहा, कहीं हम अपने प्रभु के सामने से नष्ट न हो जाएं; क्योंकि हमारी चांदी समाप्त हो गई है, और हमारी संपत्तियां और पशु आपके, हमारे प्रभु के पास चले गए हैं, और हमारे प्रभु के सामने हमारे पास कुछ नहीं बचा है, सिवाय हमारे अपने शरीर और हमारी भूमि के। ताकि हम आपके सामने न मरें और भूमि उजाड़ न हो जाए, हमें और हमारी भूमि को रोटी के बदले अधिग्रहण कर लीजिए, और हम और हमारी भूमि फिरौन के सेवक होंगे, बीज दीजिए, ताकि हम बोएं, और जीवित रहें और न मरें, और भूमि उजाड़ नहीं होगी। और यूसुफ ने मिस्रियों की सारी भूमि फिरौन के लिए अधिग्रहण कर ली, क्योंकि मिस्रियों ने अपनी भूमि फिरौन को बेच दी, क्योंकि उन पर अकाल प्रबल हो गया था, और भूमि फिरौन की हो गई। और उसने लोगों को सेवकों में गुलाम बना दिया, मिस्र की एक छोर की सीमाओं से दूसरे छोर तक। केवल पुजारियों की भूमि को छोड़कर, यूसुफ ने इसे अधिग्रहण नहीं किया, क्योंकि फिरौन ने पुजारियों को उपहार दिया था, और वे उस उपहार को खाते थे जो फिरौन ने उन्हें दिया था, इसलिए उन्होंने अपनी भूमि नहीं बेची। यूसुफ ने सब मिस्रियों से कहा, देखो, मैंने आज तुमको और तुम्हारी भूमि को फिरौन के लिए अधिग्रहण कर लिया है। अपने लिए बीज लो और भूमि में बोओ। और उसकी उपज होगी, और तुम पाँचवाँ भाग फिरौन को दोगे, और चार भाग तुम्हारे लिए होंगे - भूमि के लिए बीज में, और तुम्हारे लिए भोजन में, और तुम्हारे घरों में सब के लिए। और उन्होंने कहा, आपने हमें बचाया है, हमने अपने स्वामी के सामने कृपा पाई है, और हम फिरौन के सेवक होंगे। और यूसुफ ने उनके लिए इस दिन तक मिस्र की भूमि पर फिरौन को भेजने का आदेश रखा, केवल पुजारियों की भूमि को छोड़कर, जो फिरौन की नहीं थी।

इसराएल मिस्र देश में गोशेन की भूमि पर बस गया, और उन्होंने उस पर अधिकार कर लिया, और वे बढ़े और अत्यधिक गुणा हुए। और याकूब मिस्र की भूमि में सत्रह वर्ष जीवित रहा, और

याकूब के जीवन के दिन सौ सैंतालीस वर्ष हुए। इस्राएल के मरने के दिन निकट आए, और उसने अपने पुत्र यूसुफ को बुलाया, और उससे कहा, यदि मुझ पर तुम्हारी कृपा हो, तो अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रखो, और मुझ पर दया और सच्चाई से व्यवहार करो, कि मुझे मिस्र में न दफनाना। लेकिन मैं अपने पिताओं के साथ सोऊंगा, और तुम मुझे मिस्र से उठाओगे, और तुम मुझे उनकी कब्र में दफनाओगे। उसने कहा, मैं तुम्हारे वचन के अनुसार करूंगा। उसने कहा, मुझे शपथ दो, और उसने उसे शपथ दी, और इस्राएल ने अपनी छड़ी की नोक पर झुककर प्रणाम किया।

48

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि यूसुफ को सूचना दी गई कि तुम्हारा पिता बीमार है, और वह अपने दोनों पुत्रों मनश्शे और एफ्राईम को लेकर याकूब के पास आया। याकूब को यह सूचना दी गई, देखो, तुम्हारा पुत्र यूसुफ तुम्हारे पास आ रहा है, और इस्राएल ने शक्ति प्राप्त करके बिस्तर पर बैठ गया। और याकूब ने योसेफ से कहा, मेरा परमेश्वर मुझे कनान देश के लूज़ में प्रकट हुआ, और उसने मुझे आशीर्वाद दिया, और उसने मुझसे कहा, देखो, मैं तुम्हें बढ़ाऊंगा और तुम्हें गुणा करूंगा, और तुम्हें राष्ट्रों की सभाओं में बनाऊंगा, और तुम्हें यह भूमि दूंगा, और तुम्हारे बाद तुम्हारे बीज को, शाश्वत अधिकार में। अब इसलिए तुम्हारे दो पुत्र, जो मिस्र देश में मेरे तुम्हारे पास मिस्र आने से पहले तुम्हें उत्पन्न हुए, मेरे हैं, एफ्राईम और मनश्शे, जैसे रूबेन और शिमोन मेरे होंगे। लेकिन वह संतान जो तू इसके बाद जन्म देगा, वे अपने भाइयों के नाम पर होंगे और उनकी विरासतों में बुलाए जाएंगे। लेकिन मैं जब मेसोपोटामिया के सीरिया से आ रहा था, तुम्हारी माता राहेल कनान की भूमि में मर गई, जब मैं खबराथा के हिप्पोड्रोम के पास, एफ्राथा आने के लिए भूमि में निकट आ रहा था, और मैंने उसे हिप्पोड्रोम के मार्ग में दफनाया, यह बेथलेहेम है।

इसराएल ने यूसुफ के पुत्रों को देखकर कहा, ये तुम्हारे कौन हैं? यूसुफ ने अपने पिता से कहा, ये मेरे पुत्र हैं, जिन्हें ईश्वर ने मुझे यहाँ दिया है। और याकूब ने कहा, उन्हें मेरे पास लाओ, ताकि मैं

उन्हें आशीर्वाद दूँ। इस्राएल की आँखें बुढ़ापे के कारण धुंधली हो गई थीं, और वह देखने में सक्षम नहीं था, और उसने उनको अपने पास लाया, और उनको चूमा, और उनको गले लगाया। और इस्राएल ने यूसुफ से कहा, देखो, मैं तुम्हारे चेहरे से वंचित नहीं रहा, और देखो, परमेश्वर ने मुझे तुम्हारा वंश भी दिखाया। और यूसुफ ने उन्हें अपने घुटनों से बाहर निकाला, और उन्होंने भूमि पर मुँह के बल उसे प्रणाम किया। यूसुफ ने अपने दोनों पुत्रों को लिया, एफ्राइम को अपने दाहिने हाथ में, इस्राएल के बाईं ओर से, और मनश्शे को अपने बाएं हाथ में, इस्राएल के दाहिनी ओर से, और उनको उसके पास लाया। और इस्राएल ने अपना दाहिना हाथ फैलाकर एफ्राइम के सिर पर रखा—यह छोटा था—और बायाँ हाथ मनश्शे के सिर पर, हाथों को आड़ा करके।

और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया, और कहा, वह परमेश्वर जिससे मेरे पिता प्रसन्न हुए, उसके सामने अब्राहम और इसहाक, वह परमेश्वर जो मेरा पालन-पोषण करता रहा है मेरी जवानी से लेकर आज के दिन तक, वह दूत जो मुझे सब बुराइयों से छुड़ाता है, इन बच्चों को आशीर्वाद दे, और उनमें मेरा नाम और मेरे पिताओं अब्राहम और इसहाक का नाम पुकारा जाए, और वे पृथ्वी पर बहुत बड़ी भीड़ में बढें। जब यूसुफ ने देखा कि उसके पिता ने अपना दाहिना हाथ एफ्राइम के सिर पर रखा है, तो यह उसे भारी लगा, और यूसुफ ने अपने पिता का हाथ पकड़ा, उसे एफ्राइम के सिर से हटाकर मनश्शे के सिर पर रखने के लिए। यूसुफ ने अपने पिता से कहा, ऐसा नहीं, पिता, क्योंकि यह पहलौठा है, अपना दाहिना हाथ उसके सिर पर रखो। और वह नहीं चाहता था, लेकिन उसने कहा, मैं जानता हूँ, बच्चे, मैं जानता हूँ, और यह एक लोग बनेगा, और यह ऊँचा किया जाएगा, लेकिन उसका छोटा भाई उससे बड़ा होगा, और उसका वंश जातियों की भीड़ बनेगा। और उसने उस दिन उनको आशीर्वाद दिया, कहते हुए, तुम्हारे द्वारा इस्राएल आशीर्वाद दिया जाएगा, कहते हुए, परमेश्वर तुमको एफ्राइम और मनश्शे के समान बनाए, और उसने एफ्राइम को मनश्शे के आगे रखा। इस्राएल ने यूसुफ से कहा, देखो, मैं मर रहा हूँ, और परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा, और वह तुम्हें तुम्हारे पिताओं की भूमि में लौटाएगा। मैं तुझे शेकेम देता हूँ, जो तेरे भाइयों से विशेष है, जिसे मैंने अमोरियों के हाथ से अपनी तलवार और धनुष से लिया था।

याकूब ने अपने पुत्रों को बुलाया, और उनसे कहा, इकट्ठे हो जाओ, ताकि मैं तुम्हें बता सकूँ कि अंतिम दिनों में तुम्हारे साथ क्या होगा। एकत्रित हो जाओ और मेरी सुनो, हे याकूब के पुत्रों, हे इस्राएल सुनो, अपने पिता की सुनो। रूबेन मेरा पहलौठा, तुम मेरी शक्ति हो और मेरे बच्चों का आरंभ, सहन करने में कठिन और कठोर हठी। तूने पानी की तरह अहंकार से काम किया, मत उबल। क्योंकि तू अपने पिता के बिस्तर पर चढ़ा, तब तूने उस बिस्तर को अपवित्र किया जहाँ तू चढ़ा था। शिमोन और लेवी भाइयों ने अपनी पसंद का अन्याय पूरा किया। उनकी परिषद में मेरी आत्मा न आए, और उनकी रचना पर मेरा कलेजा झगड़ा न करे, क्योंकि उन्होंने अपने क्रोध में लोगों को मार डाला, और अपनी इच्छा में बैल की कंडरा काट दी। शापित है उनका क्रोध, क्योंकि वह हठी है, और उनका कोप, क्योंकि वह कठोर हो गया। मैं उन्हें याकूब में विभाजित करूँगा, और उन्हें इस्राएल में तितर-बितर करूँगा। यहूदा, तुम्हारे भाइयों ने तुम्हारी प्रशंसा की। तुम्हारे हाथ तुम्हारे शत्रुओं की पीठ पर हैं। तुम्हारे पिता के पुत्र तुम्हें प्रणाम करेंगे। शेर का शावक यहूदा, अंकुर से, मेरे पुत्र, तू ऊपर गया, लेट गया और सो गया जैसे शेर और जैसे शावक, कौन उसे उठाएगा? यहूदा से शासक समाप्त नहीं होगा, और उसकी जांघों से नेता, जब तक वह न आए जो उसके लिए सुरक्षित रखा गया है, और वह राष्ट्रों की प्रत्याशा है। वह अपने बछड़े को अंगूर की बेल से बाँधेगा, और अपनी गधी के बछड़े को लता से बाँधेगा, वह अपने वस्त्र को दाखरस में धोएगा, और अपने आवरण को अंगूर के लहू में धोएगा। उसकी आँखें शराब से अधिक चमकीली हैं, और उसके दाँत दूध से अधिक सफेद हैं। जेबुलून समुद्र तट पर निवास करेगा और वह जहाजों के बंदरगाह के पास होगा, और सीदोन तक विस्तृत होगा। इस्राकार ने अच्छे की इच्छा की, भागों के बीच में विश्राम करते हुए। और विश्राम को अच्छा देखकर, और भूमि को उपजाऊ देखकर, उसने अपना कंधा परिश्रम करने में लगा दिया, और वह किसान बन गया। दान अपने लोगों का न्याय करेगा, जैसे इस्राएल में एक कुल। और दान सर्प हो मार्ग पर, पथ पर बैठा हुआ, घोड़े की एड़ी को काटता हुआ, और घुड़सवार पीछे की ओर गिरेगा। प्रभु के मोक्ष की प्रतीक्षा करते हुए। गाद,

छापामार दल उस पर छापा मारेगा, लेकिन वह स्वयं उसके पैरों के अनुसार उस पर छापा मारेगा। आशेर, उसकी रोटी पुष्ट है, और वह शासकों को विलासिता प्रदान करेगा। नफताली फैला हुआ तना है, जो संतान में सुंदरता प्रदान करता है। बढ़ा हुआ बेटा यूसुफ, मेरा बढ़ा हुआ प्रिय बेटा, मेरा सबसे छोटा बेटा, मेरी ओर लौट आओ। जिसके विषय में विचार-विमर्श करते हुए उन्होंने निंदा की, और तीरों के स्वामियों ने उसके प्रति द्वेष रखा। और उनके धनुष शक्ति के साथ टूट गए, और उनके हाथों की भुजाओं की नसें थक गईं, याकूब के शासक के हाथ द्वारा, जो वहाँ से इस्राएल का शक्तिशाली है, तुम्हारे पिता के परमेश्वर से। और मेरे ईश्वर ने तुम्हारी सहायता की, और तुम्हें ऊपर से स्वर्ग का आशीर्वाद दिया, और पृथ्वी का आशीर्वाद जो सब कुछ रखती है, स्तनों और गर्भ के आशीर्वाद के कारण, तुम्हारे पिता और तुम्हारी माता के आशीर्वाद स्थायी पर्वतों के आशीर्वादों से अधिक प्रबल हुए, और शाश्वत टीलों के आशीर्वादों से भी। वे यूसुफ के सिर पर होंगे, और उसके शिखर पर जिसे भाइयों में श्रेष्ठ माना गया। बिन्यामीन लुटेरा भेड़िया है, सुबह को खाएगा, और शाम को भोजन देता है। ये सब याकूब के बारह पुत्र थे, और ये बातें उनके पिता ने उनसे कहीं, और उन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया, प्रत्येक को उसके आशीर्वाद के अनुसार आशीर्वाद दिया। और उसने उनसे कहा, मैं अपने लोगों में जोड़ा जा रहा हूँ, मुझे मेरे पिताओं के साथ उस गुफा में दफनाना, जो हिती एफ्रोन के खेत में है, दोहरी गुफा में, जो माग्रे के सामने है, कनान की भूमि में, जो गुफा अब्राहम ने एफ्रोन हिती से कब्र के अधिग्रहण में प्राप्त की थी। वहाँ उन्होंने अब्राहम और उसकी पत्नी सारा को दफनाया, वहाँ उन्होंने इसहाक और उसकी पत्नी रिबका को दफनाया, वहाँ उन्होंने लिया को दफनाया, खेत के अधिग्रहण में और उस गुफा के जो उसमें है, हेत के पुत्रों से। और याकूब ने अपने पुत्रों को आज्ञा देना बंद किया, और अपने पैरों को बिस्तर पर रखकर, वह प्राण त्याग दिया, और अपने लोगों में मिल गया।

50

और यूसुफ अपने पिता के चेहरे पर गिरकर उसके लिए रोया और उसे चूमा। और यूसुफ ने अपने

सेवकों को, जो दफनाने वाले थे, आदेश दिया कि अपने पिता को दफनाएं, और दफनाने वालों ने इस्राएल को दफनाया। और उन्होंने उसके चालीस दिन पूरे किए, क्योंकि इस प्रकार दफन के दिन गिने जाते हैं, और मिस्र ने उसके लिए सत्तर दिन शोक किया। चूंकि शोक के दिन गुजर गए, यूसुफ ने फिरौन के शासकों से कहा, यदि मुझे तुम्हारे सामने कृपा मिली है, तो फिरौन के कानों में मेरे बारे में कहो, मेरे पिता ने मुझे शपथ दिलाई, कहते हुए, उस कब्र में, जो मैंने अपने लिए कनान की भूमि में खोदी है, वहाँ तुम मुझे दफनाना, अब इसलिए ऊपर जाकर, मैं अपने पिता को दफनाऊँगा, और मैं लौट आऊँगा। और फिरौन ने यूसुफ से कहा, जाओ, अपने पिता को दफनाओ, जैसे उन्होंने तुम्हें शपथ दिलाई थी। और यूसुफ अपने पिता को दफनाने के लिए गया, और उसके साथ फिरौन के सब सेवक, और उसके घर के बुजुर्ग, और मिस्र की भूमि के सब बुजुर्ग गए। और यूसुफ का पूरा परिवार, और उसके भाई, और उसका पूरा पैतृक घराना, और उसके रिश्तेदार, और भेड़ें, और बैल गोशेन की भूमि में छोड़ दिए गए। और उसके साथ रथ और घुड़सवार भी गए, और शिविर अत्यधिक बड़ा हुआ। और वे अताद के खलिहान में आए, जो यर्दन के पार है, और उन्होंने उसके लिए महान और अत्यंत प्रबल विलाप किया, और उसने अपने पिता के लिए सात दिन शोक मनाया। और कनान देश के निवासियों ने अताद के खलिहान पर शोक देखा, और कहा, यह मिस्रियों के लिए बड़ा शोक है। इसलिए उसका नाम शोक मिस्र का रखा गया, जो यर्दन के पार है। और उसके पुत्रों ने उसके साथ ऐसा ही किया। और उसके पुत्रों ने उसे कनान की भूमि में ले गए, और उन्होंने उसे उस दोहरी गुफा में दफनाया, जो अब्राहम ने एप्रोन हित्ति से कब्र के अधिग्रहण में प्राप्त की थी, ममरे के सामने। और यूसुफ मिस्र लौटा, वह और उसके भाई, और वे जो उसके पिता को दफनाने के लिए साथ गए थे।

यूसुफ के भाइयों ने देखा कि उनका पिता मर गया है, और कहा, कहीं ऐसा न हो कि यूसुफ हमसे बदला ले, और वह सब बुराइयों का प्रतिशोध हमें दे जो हमने उसके साथ की थीं। और यूसुफ के पास पहुँचकर उन्होंने कहा, तुम्हारे पिता ने अपनी मृत्यु से पहले शपथ दिलाई थी, यह कहते हुए, इस प्रकार यूसुफ से कहो, उनके अन्याय और उनके पाप को क्षमा कर दो, क्योंकि उन्होंने तुम्हारे साथ बुराई की थी, और अब तुम्हारे पिता के परमेश्वर के सेवकों के अन्याय को स्वीकार करो,

और जब वे उससे बोल रहे थे तब यूसुफ रो पड़ा। और उसके पास आकर उन्होंने कहा, हम तुम्हारे सेवक हैं। और यूसुफ ने उनसे कहा, मत डरो, क्योंकि मैं भगवान का हूँ। तुमने मेरे विरुद्ध बुराई की योजना बनाई, लेकिन ईश्वर ने मेरे लिए भलाई की योजना बनाई, ताकि आज की तरह यह हो सके, और बहुत से लोग पोषित हों। और उसने उनसे कहा, मत डरो, मैं तुम्हारा और तुम्हारे घरों का पालन-पोषण करूंगा, और उसने उन्हें सात्वना दी, और उनके दिल से बात की। और यूसुफ मिस्र में निवास किया, वह और उसके भाई, और उसके पिता का सारा घराना, और यूसुफ सौ दस वर्ष जीवित रहा। और यूसुफ ने एफ्राईम के बच्चों को तीसरी पीढ़ी तक देखा, और मनश्शे के पुत्र माकीर के पुत्र यूसुफ की गोद में पैदा हुए। और यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मैं मर रहा हूँ, परन्तु परमेश्वर निश्चय ही तुम्हारी सुधि लेगा, और तुम्हें इस भूमि से उस भूमि में ले जाएगा, जिसकी शपथ परमेश्वर ने हमारे पिताओं इब्राहीम, इसहाक और याकूब से खाई थी। और यूसुफ ने इस्राएल के पुत्रों को शपथ दिलाई, कहते हुए, जब परमेश्वर तुम्हारा निरीक्षण करेगा, तो तुम मेरी हड्डियों को यहाँ से अपने साथ ले जाओगे। और यूसुफ सौ दस वर्ष की आयु में मरा, और उन्होंने उसे दफनाया, और उसे मिस्र में ताबूत में रखा।

निर्गमन

1

ये इस्राएल के पुत्रों के नाम हैं जो मिस्र में अपने पिता याकूब के साथ प्रवेश किए थे, प्रत्येक अपने सम्पूर्ण घराने के साथ प्रवेश किया। रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाखार, ज़ेबुलून, बिन्यामीन, दान और नेफ्थली, गाद और आशेर। यूसुफ मिस्र में था, और याकूब के सभी प्राणी पचहत्तर थे। यूसुफ की मृत्यु हो गई, और उसके सब भाई, और वह सारी पीढ़ी। परन्तु इस्राएल के पुत्र बढ़े और गुणा हुए और असंख्य हो गए और अत्यधिक प्रबल हो गए, और भूमि ने उन्हें बढ़ाया। मिस्र पर एक दूसरा राजा उठा, जो यूसुफ को नहीं जानता था। उसने अपने राष्ट्र से कहा, देखो, इस्राएल के पुत्रों की जाति एक महान भीड़ है, और हमसे अधिक शक्तिशाली है। आओ, इसलिए हम उनके साथ चालाकी से व्यवहार करें, कहीं ऐसा न हो कि वे बढ़ जाएं, और जब कभी हमें युद्ध का सामना करना पड़े, तो ये भी शत्रुओं के साथ मिल जाएं, और हमारे विरुद्ध युद्ध करके इस भूमि से निकल जाएं। और उसने उन पर कार्यों के निरीक्षक नियुक्त किए, ताकि वे उन्हें कार्यों में कष्ट दें। और उन्होंने फिरौन के लिए किलेबंद नगर बनाए—पीथो, रामेसेस और ओन, जो सूर्य का नगर है। जैसे-जैसे वे उन्हें अपमानित करते थे, वे उतने ही अधिक होते गए और अत्यधिक सशक्त हो गए, और मिस्रवासी इस्राएल के पुत्रों से घृणा करने लगे। और मिस्रवासियों ने इस्राएल के पुत्रों पर बलपूर्वक अत्याचार किया। और उन्होंने कठोर कामों में उनके जीवन को पीड़ित किया - मिट्टी

और ईंट बनाने में, और मैदानों में सभी कामों में - उन सभी कामों के अनुसार जिनके द्वारा वे उन्हें बलपूर्वक गुलाम बनाते थे।

और मिस्रियों के राजा ने इब्रियों की दाइयों से कहा, जिनमें से एक का नाम शिप्रा था, और दूसरी का नाम पूआ था, और उसने कहा, जब तुम हिब्रू स्त्रियों की दाई का काम करो, और वे प्रसव के समय हों, यदि नर हो, तो उसे मार डालो, परन्तु यदि मादा हो, तो उसे जीवित रखो। लेकिन दाइयाँ भगवान से डरीं, और उन्होंने वैसा नहीं किया जैसा मिस्र के राजा ने उनको आदेश दिया था, और उन्होंने नर बच्चों को जीवित रखा। मिस्र के राजा ने दाइयों को बुलाया, और उनसे कहा, तुमने यह क्या किया कि तुमने नर बच्चों को जीवित रखा? दाइयों ने फिरौन से कहा, इब्री स्त्रियाँ मिस्र की स्त्रियों जैसी नहीं हैं, क्योंकि वे जन्म देती हैं इससे पहले कि दाइयाँ उनके पास पहुँचें, और उन्होंने जन्म दिया। भगवान ने दाइयों के साथ अच्छा किया, और लोग बढ़ते गए, और अत्यधिक मजबूत हुए। चूंकि दाइयाँ भगवान से डरती थीं, उन्होंने अपने लिए घर बनाए। फिरौन ने अपने सभी लोगों को आदेश दिया, कहते हुए, हर नर जो इब्रानियों में जन्म ले, उसे नदी में फेंक दो, और हर मादा को जीवित रखो।

2

लेवी के जनजाति से कोई था, जिसने लेवी की पुत्रियों में से एक को लिया। और उसने गर्भ में लिया, और एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन उसे सुंदर देखकर, उन्होंने उसे तीन महीने तक छिपाया। चूंकि वे इसे अब और छिपाने में सक्षम नहीं थे, उसकी माता ने उसके लिए एक टोकरी ली, और उसे डामर राल से लेप किया, और बच्चे को उसमें डाला, और उसे नदी के पास दलदल में रखा। और उसकी बहन दूर से देख रही थी, यह जानने के लिए कि उसके साथ क्या होने वाला है।

फिरौन की बेटी नदी पर नहाने के लिए गई, और उसकी दासियाँ नदी के किनारे गुज़र रही थीं, और दलदल में टोकरी को देखकर, दासी को भेजकर, उसने उसे उठा लिया। खोलकर वह एक बच्चे को टोकरी में रोते हुए देखती है, और फिरौन की बेटी ने उसे बख्शा, और बोली, यह इब्रियों के बच्चों में से है। और उसकी बहन ने फिरौन की बेटी से कहा, क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारे लिए इब्रानियों में से एक दूध पिलाने वाली स्त्री को बुलाऊँ, और वह तुम्हारे लिए इस बच्चे को दूध पिलाएगी? फिरौन की बेटी ने कहा, जाओ। और युवा स्त्री ने आकर बच्चे की माँ को बुलाया। फिरौन की बेटी ने उससे कहा, मेरे लिए इस बच्चे को रखो, और मेरे लिए इसे दूध पिलाओ, मैं तुम्हें मज़दूरी दूँगा। और उस औरत ने बच्चे को लिया, और उसे दूध पिलाया। बच्चे के बड़े हो जाने पर, वह उसे फिरौन की बेटी के पास लाई, और वह उसका बेटा बन गया। उसने उसका नाम मूसा रखा, यह कहते हुए कि मैंने उसे पानी से निकाला था।

उन बहुत दिनों में ऐसा हुआ कि मूसा बड़ा हो गया, और वह अपने भाइयों, इस्राएल के पुत्रों के पास गया। उनके कष्ट को देखकर, वह एक मिस्री मनुष्य को एक इब्री को मारते हुए देखता है, जो उसके अपने भाइयों में से, इस्राएल के पुत्रों में से था। चारों ओर देखने के बाद, यहाँ और वहाँ किसी को नहीं देखा, और मिस्री को मारकर, उसे रेत में छिपा दिया। दूसरे दिन बाहर जाकर, वह दो इब्रानी पुरुषों को लड़ते हुए देखता है, और अन्याय करने वाले से कहता है, तू अपने पड़ोसी को क्यों मारता है? लेकिन उसने कहा, किसने तुम्हें हमारे ऊपर शासक और न्यायाधीश नियुक्त किया? क्या तुम मुझे भी मारना चाहते हो, जिस तरह से तुमने कल उस मिस्री को मारा था? लेकिन मूसा डर गया, और उसने कहा, यदि यह बात इस प्रकार प्रकट हो गई है। फिरौन ने यह बात सुनी, और उसने मूसा को मारने की कोशिश की। मूसा फिरौन के सामने से हट गया, और मिद्यान की भूमि में बस गया। मिद्यान की भूमि में आकर, वह कुएँ पर बैठ गया। मिद्यान के पुजारी की सात बेटियाँ थीं, जो अपने पिता यित्रो की भेड़ें चराती थीं। वे आई और उन्होंने पानी खींचा, यहाँ तक कि हौज़ों को भर दिया, ताकि अपने पिता यित्रो की भेड़ों को पानी पिला सकें। चरवाहे आए और उन्हें भगा रहे थे, लेकिन मूसा उठा और उसने उन्हें बचाया, और उनके लिए पानी खींचा, और उनकी भेड़ों को पिलाया। वे अपने पिता रागुएल के पास आई, और उसने उनसे

कहा, तुम आज इतनी जल्दी क्यों आ गई? उन्होंने कहा, एक मिस्री आदमी ने हमें चरवाहों से बचाया, और हमारे लिए पानी खींचा, और हमारी भेड़ों को पिलाया। उसने अपनी बेटियों से कहा, और वह कहाँ है? तुमने उस आदमी को क्यों छोड़ दिया? उसे बुलाओ, ताकि वह रोटी खाए। मूसा उस आदमी के पास बस गए, और उसने अपनी बेटी सिप्पोरा का विवाह मूसा से कर दिया। गर्भ में लेकर वह स्त्री ने एक पुत्र को जन्म दिया, और मूसा ने उसका नाम गेशोम रखा, यह कहते हुए कि मैं एक विदेशी भूमि में प्रवासी हूँ। उन बहुत दिनों के बाद मिस्र का राजा मर गया, और इस्राएल के पुत्रों ने कठिन परिश्रम से कराहते हुए चिल्लाया, और उनकी पुकार परमेश्वर तक पहुँची। और परमेश्वर ने उनकी कराह सुनी, और परमेश्वर ने अपनी वाचा को याद किया जो अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ थी। और परमेश्वर ने इस्राएल के पुत्रों को देखा, और वह उन पर प्रकट हुआ।

3

और मूसा अपने ससुर यित्रो की भेड़ें चरा रहा था, जो मिद्यान का पुजारी था, और वह भेड़ों को रेगिस्तान की ओर ले गया, और होरेब पर्वत पर आया। उसे प्रभु का दूत झाड़ी में से आग की लौ में दिखाई दिया, और वह देखता है कि झाड़ी आग में जल रही है, परन्तु झाड़ी भस्म नहीं हो रही थी। और मूसा ने कहा, आगे बढ़कर मैं इस महान दर्शन को देखूंगा, क्योंकि यह झाड़ी जल नहीं रही है। जब प्रभु ने देखा कि वह देखने के लिए पास आ रहा है, तो प्रभु ने झाड़ी में से उसे बुलाया और कहा, मूसा, मूसा, और उसने कहा, क्या है? उसने कहा, यहाँ पास मत आओ, अपने पैरों से जूते उतारो, क्योंकि जिस स्थान पर तुम खड़े हो, वह पवित्र भूमि है। और उसने कहा, मैं तुम्हारे पिता का परमेश्वर हूँ, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर। और मूसा ने अपना चेहरा फेर लिया, क्योंकि वह परमेश्वर के सामने देखने से डरता था। प्रभु ने मूसा से कहा, मैंने अपने लोगों की पीड़ा देखी है जो मिस्र में हैं, और मैंने उनकी चिल्लाहट सुनी है जो काम के निरीक्षकों के कारण है, क्योंकि मैं उनका दर्द जानता हूँ। और मैं उन्हें मिस्रियों के हाथ से

छुड़ाने के लिए नीचे गया, और उन्हें उस पृथ्वी से निकालने के लिए, और उन्हें एक अच्छी और विशाल भूमि में लाने के लिए, एक ऐसी भूमि में जो दूध और शहद से बहती है, कनानियों, हित्तियों, एमोरियों, परिज्जियों, गिर्गाशियों, हिब्वियों, और यबूसियों के स्थान में। और अब देखो, इस्राएल के पुत्रों की पुकार मेरे पास आई है, और मैंने वह उत्पीड़न भी देखा है जो मिस्री उन पर करते हैं। और अब आओ, मैं तुम्हें मिस्र के राजा फ़िरौन के पास भेजूँगा, और तुम मेरे लोगों, इस्राएल के पुत्रों को, मिस्र की भूमि से निकालोगे।

और मूसा ने भगवान से कहा, मैं कौन हूँ कि मैं मिस्र के राजा फ़िरौन के पास जाऊँ, और इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से बाहर लाऊँ? परमेश्वर ने मूसा से कहा, मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, और यह तुम्हारे लिए चिन्ह होगा कि मैंने तुम्हें भेजा है: जब तुम मेरे लोगों को मिस्र से निकाल लाओगे, तब तुम इस पर्वत पर परमेश्वर की सेवा करोगे। और मूसा ने परमेश्वर से कहा, देखो, मैं इस्राएल के पुत्रों के पास जाऊँगा, और उनसे कहूँगा, हमारे पिताओं के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, वे मुझसे पूछेंगे, उसका नाम क्या है? तो मैं उन्हें क्या कहूँगा? और ईश्वर ने मूसा से कहा, मैं वह हूँ जो है, और कहा, इस प्रकार तुम इस्राएल के पुत्रों से कहोगे, जो है ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। और परमेश्वर ने मूसा से फिर कहा, इस्राएल के पुत्रों से इस प्रकार कहना, प्रभु, हमारे पिताओं का परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर, ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। यह मेरा अनन्त नाम है, और पीढ़ी दर पीढ़ी मेरा स्मारक है। आकर इसलिए इस्राएल के पुत्रों की बुजुर्गों की परिषद को इकट्ठा करो, और उनसे कहोगे, प्रभु, हमारे पितरों का देवता, मुझे प्रकट हुआ है, अब्राहम का देवता, और इसहाक का देवता, और याकूब का देवता, यह कहते हुए, मैंने तुम्हारा निरीक्षण किया है, और जो कुछ मिस्र में तुम पर घटित हुआ है। और उसने कहा, मैं तुम्हें मिस्रियों के कष्ट से निकालकर कनानियों, हित्तियों, एमोरियों, परिज्जियों, गिर्गाशियों, हिब्वियों और यबूसियों की भूमि में ले जाऊँगा, उस भूमि में जहाँ दूध और शहद बहता है। और वे तुम्हारी आवाज़ सुनेंगे, और तुम और इस्राएल की परिषद फ़िरौन मिस्र के राजा के पास जाओगे, और तुम उससे कहोगे कि इब्रानियों के भगवान ने हमें बुलाया है, इसलिए हम तीन दिन का रास्ता रेगिस्तान में जाएंगे, ताकि हम अपने भगवान को बलिदान चढ़ाएं। लेकिन

मैं जानता हूँ कि मिस्र का राजा फ़िरौन तुम्हें जाने नहीं देगा, यदि शक्तिशाली हाथ के साथ न हो। और हाथ फैलाकर, मैं मिस्रियों को अपने सभी अद्भुत कामों से मारूँगा, जो मैं उनमें करूँगा, और इसके बाद वह तुम्हें भेजेगा। और मैं इन लोगों को मिस्रियों के सामने कृपा दूँगा, जब तुम प्रस्थान करोगे, तो तुम खाली हाथ नहीं जाओगे। लेकिन हर स्त्री अपनी पड़ोसी और अपनी सहवासी से चांदी के बर्तन, सोने के बर्तन और वस्त्र मांगेगी, और तुम उन्हें अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों पर रखोगे, और तुम मिस्रियों को लूटोगे।

4

और मूसा ने उत्तर दिया और कहा, यदि वे तुझ पर विश्वास नहीं करें, और न ही मेरी आवाज़ सुनें, क्योंकि वे कहेंगे कि परमेश्वर तुम्हें प्रकट नहीं हुए, तो मैं उनसे क्या कहूँगा? प्रभु ने उससे कहा, यह क्या है जो तुम्हारे हाथ में है? उसने कहा, छड़ी। और उसने कहा, इसे भूमि पर फेंक दो, और उसने इसे भूमि पर फेंक दिया, और यह सर्प बन गया, और मूसा इससे भाग गया। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ फैलाओ और पूँछ को पकड़ो। इसलिए उसने अपना हाथ फैलाकर पूँछ को पकड़ा, और वह उसके हाथ में छड़ी बन गई। ताकि वे तुम पर विश्वास करें कि तुम पर उनके पितरों का परमेश्वर प्रकट हुआ है—अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर। प्रभु ने उससे फिर कहा, अपना हाथ अपनी छाती में डालो, और उसने अपना हाथ अपनी छाती में डाला, और अपना हाथ अपनी छाती से निकाला, और उसका हाथ बर्फ़ जैसा हो गया। और उसने फिर कहा, अपना हाथ अपनी छाती में डालो, और उसने अपना हाथ अपनी छाती में डाला, और उसे अपनी छाती से निकाला, और वह फिर अपने मांस के रंग में लौट आया। यदि वे तुझ पर विश्वास न करें, और न ही पहले चिह्न के स्वर को सुनें, तो वे दूसरे चिह्न के स्वर पर तुझ पर विश्वास करेंगे। और ऐसा होगा कि यदि वे तुझ पर इन दोनों चिह्नों के द्वारा विश्वास न करें, और न ही तेरी आवाज़ सुनें, तो तू नदी के पानी से लेगा, और सूखी भूमि पर डालेगा, और जो पानी तू नदी से लेगा, वह सूखी भूमि पर खून हो जाएगा। मूसा ने प्रभु से कहा, हे प्रभु, मैं

विनती करता हूँ, मैं न तो कल से पहले सक्षम था, न ही तीसरे दिन से पहले, और न ही तब से जब आपने अपने सेवक से बोलना आरंभ किया। मैं कमजोर आवाज वाला और धीमी जीभ वाला हूँ। प्रभु ने मूसा से कहा, किसने मनुष्य को मुँह दिया? और किसने बहरा और गूंगा, देखने वाला और अंधा बनाया? क्या मैं परमेश्वर नहीं हूँ? और अब जाओ, और मैं तुम्हारा मुँह खोलूंगा, और तुम्हें सिखाऊंगा जो तुम्हें बोलना है। और मूसा ने कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, किसी दूसरे सक्षम व्यक्ति को नियुक्त करो, जिसे आप भेजेंगे। और प्रभु मूसा पर क्रोध में क्रोधित हुए, और कहा, क्या हारून तुम्हारा भाई लेवी नहीं है? मैं जानता हूँ कि वह तुम से बोलेंगा, और देखो, वह तुम से मिलने निकलेगा, और तुम को देखकर अपने मन में प्रसन्न होगा। और तू उससे कहेगा, और तू मेरे शब्द उसके मुँह में डालेगा, और मैं तेरा मुँह और उसका मुँह खोलूंगा, और तुम्हें सिखाऊँगा कि तुम क्या करोगे। और वह लोगों से तुम्हारी ओर से बोलेंगा, और वह तुम्हारा मुख होगा, परन्तु तुम उसके लिए परमेश्वर के समक्ष होगे। और इस छड़ी को, जो सर्प में बदल गई थी, तुम अपने हाथ में लोге, जिससे तुम इन चिन्हों को करोगे।

मूसा गया और अपने ससुर यित्रो के पास लौटा, और कहता है, मैं जाऊँगा और मिस्र में अपने भाइयों के पास लौटूँगा, और देखूँगा कि वे अभी जीवित हैं या नहीं। और यित्रो ने मूसा से कहा, कुशलता से जाओ। और उन बहुत दिनों के बाद मिस्र का राजा मर गया। और प्रभु ने मिद्यान में मूसा से कहा, जाओ, मिस्र को प्रस्थान करो, क्योंकि वे सब मर गए हैं जो तुम्हारी आत्मा की खोज कर रहे थे। मूसा ने अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर उनको पशुओं पर चढ़ाया, और मिस्र लौटा। मूसा ने परमेश्वर की छड़ी अपने हाथ में ली। प्रभु ने मूसा से कहा, जब तुम मिस्र लौट रहे हो, तो देखो कि वे सब चमत्कार जो मैंने तुम्हारे हाथों में दिए हैं, उन्हें फिरौन के सामने करना। मैं उसके हृदय को कठोर करूँगा, और वह लोगों को नहीं भेजेगा। तू फिरौन से कहेगा, प्रभु यह कहते हैं: इस्राएल मेरा पहलौठा पुत्र है। मैंने तुझसे कहा था, मेरे लोगों को भेज दे, ताकि वे मेरी सेवा करें। यदि तू वास्तव में उन्हें भेजना नहीं चाहता, तो देख, मैं तेरे पहलौठे पुत्र को मार डालूँगा। ऐसा हुआ कि रास्ते में सराय में प्रभु के दूत ने उससे भेंट की और वह उसे मार डालना चाहता था। और सिप्पोरा ने एक पत्थर लेकर अपने बेटे की चमड़ी का खतना किया, और उसके

पैरों पर गिरी, और कहा, मेरे बच्चे के खतने का खून ठहर गया। और वह उससे चली गई, क्योंकि उसने कहा, मेरे बच्चे के खतने का खून रुक गया है। और प्रभु ने हारून से कहा, मूसा से मिलने के लिए रेगिस्तान में जाओ, और वह गया, और उससे परमेश्वर के पहाड़ पर मिला, और उन्होंने एक दूसरे को चूमा। और मूसा ने हारून को प्रभु के सब वचन बताए, जो उसने भेजे थे, और सब बातें, जो उसने उसे आज्ञा दी थीं। मूसा और हारून गए, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों की बुजुर्गों की परिषद को इकट्ठा किया। और हारून ने वे सब शब्द बोले जो परमेश्वर ने मूसा से कहे थे, और उसने लोगों के सामने चिन्ह दिखाए। और लोगों ने विश्वास किया और आनंदित हुए, क्योंकि परमेश्वर ने इस्राएल के पुत्रों की मुलाकात की, और क्योंकि उसने उनका क्लेश देखा, और लोगों ने झुककर दंडवत किया।

5

और इसके बाद मूसा और हारून फिरौन के पास गए, और उन्होंने उससे कहा, इस्राएल के परमेश्वर प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दे, ताकि वे जंगल में मेरे लिए उत्सव मना सकें। और फिरौन ने कहा, कौन है जिसकी आवाज़ मैं सुनूँ, ताकि इस्राएल के पुत्रों को भेज दूँ? मैं प्रभु को नहीं जानता, और मैं इस्राएल को नहीं भेजता हूँ। और वे उससे कहते हैं, इब्रियों के देवता ने हमें बुलाया है, इसलिए हम तीन दिन के मार्ग पर रेगिस्तान में जाएंगे, ताकि हम अपने प्रभु देवता को बलिदान करें, कहीं ऐसा न हो कि हमें मृत्यु या हत्या मिले। और मिस्र के राजा ने उनसे कहा, क्यों मूसा और हारून, तुम लोगों को उनके कामों से भटका रहे हो? तुममें से प्रत्येक अपने काम की ओर जाओ। और फिरौन ने कहा, देखो, अब लोग बहुत बढ़ गए हैं, इसलिए हम उन्हें उनके कामों से न रोके। फिरौन ने लोगों के परिश्रम करवाने वालों और लिपिकों को आज्ञा दी, यह कहते हुए अब से तुम लोगों को ईंट बनाने के लिए भूसा नहीं दोगे, जैसे कल और परसों देते थे, बल्कि वे स्वयं जाएं और अपने लिए भूसा इकट्ठा करें। और ईंट बनाने की व्यवस्था जो वे प्रत्येक दिन करते हैं, तुम उन पर डालोगे, तुम कुछ भी नहीं हटाओगे, क्योंकि वे निठल्ले हैं, इसी कारण वे

चिल्लाए हैं, कहते हुए, हम उठें, और हम अपने परमेश्वर को बलिदान करें। इन मनुष्यों के काम भारी हों, और वे इन्हीं की चिंता करें, और खाली शब्दों में चिंता न करें।

निरीक्षक और लेखक उन्हें प्रेरित कर रहे थे, और लोगों से कह रहे थे, फ़िरौन यह कहता है: मैं अब तुम्हें भूसा नहीं दूँगा। तुम स्वयं जाकर अपने लिए भूसा इकट्ठा करो, जहाँ से भी तुम पा सको, क्योंकि तुम्हारी निर्धारित मात्रा से कुछ भी नहीं घटाया जाएगा। और लोग पूरे मिस्र देश में बिखर गए थे ताकि पुआल इकट्ठा करके भूसा बनाएं। लेकिन कार्य-निरीक्षक उनसे आग्रह कर रहे थे, कहते हुए, प्रतिदिन के नियत कार्य पूरे करो, जैसे तब भी जब तुम्हें भूसा दिया जाता था। और इस्राएल के पुत्रों की जाति के लिपिक, जो उन पर फ़िरौन के निरीक्षकों द्वारा नियुक्त किए गए थे, कोड़े मारे गए, और उनसे कहा गया, तुमने अपनी ईंट बनाने की निर्धारित मात्रा कल और परसों की तरह और आज क्यों पूरी नहीं की? लेकिन इस्राएल के पुत्रों के लेखक प्रवेश करके फ़िरौन की ओर चिल्लाए, कहते हुए, तुम अपने सेवकों के साथ इस प्रकार क्यों करते हो? तुम्हारे सेवकों को भूसा नहीं दिया जाता है, और हमें ईंट बनाने को कहते हैं, और देखो, तुम्हारे सेवक कोड़े मारे गए हैं, इसलिए तुम अपने लोगों के साथ अन्याय करोगे। और उसने उनसे कहा, तुम आलसी हो, तुम आलसी लोग हो, इसलिए तुम कहते हो, हम जाएं और हमारे परमेश्वर को बलिदान चढ़ाएं। अब इसलिए जाकर काम करो, क्योंकि भूसा तुम्हें नहीं दिया जाएगा, और ईंट बनाने की निर्धारित संख्या तुम्हें पूरी करनी होगी। इसराइल के पुत्रों के लेखकों ने स्वयं को विपत्तियों में देखा, यह कहते हुए, तुम ईंट बनाने की दैनिक निर्धारित मात्रा को नहीं छोड़ोगे। मूसा और हारून उनसे मिलने आ रहे थे, जब वे फ़िरौन के पास से निकल रहे थे, तब वे मिले। और उन्होंने उनसे कहा, परमेश्वर तुम्हें देखे और न्याय करे, क्योंकि तुमने हमारी गंध को फ़िरौन के सामने और उसके सेवकों के सामने घृणित कर दिया है, उसके हाथों में तलवार देकर हमें मारने के लिए। मूसा प्रभु के पास लौटा और बोला, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, तूने इन लोगों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार क्यों किया? और तूने मुझे क्यों भेजा? और जब से मैं फ़िरौन के पास तेरे नाम पर बोलने गया हूँ, उसने इन लोगों को सताया है, और तूने अपने लोगों को नहीं बचाया।

6

और प्रभु ने मूसा से कहा, अब तू देखेगा कि मैं फिरौन के साथ क्या करूंगा, क्योंकि शक्तिशाली हाथ से वह उनको भेज देगा, और ऊंची भुजा से वह उनको अपनी भूमि से निकाल देगा। परमेश्वर ने मूसा से बात की, और उससे कहा, मैं प्रभु हूँ। और मैं अब्राहम, इसहाक और याकूब के सामने उनके परमेश्वर के रूप में प्रकट हुआ, और मैंने अपना नाम प्रभु उन्हें प्रकट नहीं किया। और मैंने उनके साथ अपनी वाचा स्थापित की, ताकि उन्हें कनानियों की भूमि दूँ, वह भूमि जिसमें वे परदेशी होकर रहे थे, जिस पर वे बसे थे। और मैंने इस्राएल के पुत्रों का विलाप सुना है, जिन्हें मिस्रवासी गुलाम बनाते हैं, और मैंने तुम्हारी वाचा को याद किया है। जाओ, मैंने इस्राएल के पुत्रों से कहा, यह कहते हुए, मैं प्रभु हूँ, और मैं तुम्हें मिस्रियों की शक्ति से बाहर लाऊंगा, और मैं तुम्हें दासता से छुड़ाऊंगा, और मैं तुम्हें ऊंची भुजा और महान न्याय से मुक्त करूंगा। और मैं तुम्हें अपने लिए अपनी प्रजा बनाऊँगा, और मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊँगा, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ, जिसने तुम्हें मिस्रियों के उत्पीड़न से निकाला। और मैं तुम्हें उस भूमि में लाऊँगा, जिसके लिए मैंने अपना हाथ फैलाया था, उसे अब्राहम, इसहाक और याकूब को देने के लिए, और मैं उसे विरासत में तुम्हें दूँगा, मैं प्रभु। मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से इस प्रकार बात की, परन्तु उन्होंने मूसा की बात नहीं सुनी, निराशा के कारण और कठोर कार्यों के कारण। और प्रभु ने मूसा से कहा, प्रवेश करो और फिरौन से, जो मिस्र का राजा है, बात करो, ताकि वह इस्राएल के पुत्रों को अपनी भूमि से भेज दे। मूसा ने प्रभु के सामने कहा, देखो, इस्राएल के पुत्रों ने मेरी नहीं सुनी, तो फिरौन मेरी कैसे सुनेगा? और मैं तो अस्पष्ट वाणी वाला हूँ। प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, और उन्हें मिस्र के राजा फिरौन के पास आदेश दिया, ताकि इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से भेज दें।

और ये उनके पैतृक घरानों के नेता थे, रूबेन के पुत्र, जो इस्राएल का पहलौठा था, हनोक, और पल्लू, हेस्रोन, और कर्मी, यह रूबेन का वंश है। और शिमोन के पुत्र: यमूएल, और यामीन, और

एहूद, और याकीन, और सोहर, और शाऊल जो कनानी स्त्री से था, ये शिमोन के पुत्रों के परिवार हैं। और ये लेवी के पुत्रों के नाम हैं उनके वंश के अनुसार: गेशॉन, कहात, और मरारी, और लेवी के जीवन के वर्ष एक सौ सैंतीस थे। और ये गेदसोन के पुत्र हैं: लोबेनेई और सेमेई, उनके परिवारों के अनुसार। और कहात के पुत्र अग्राम, इस्साकार, हेब्रोन और उज्जीएल थे, और कहात के जीवन के वर्ष एक सौ तैंतीस वर्ष थे। और मरारी के पुत्र महली और मूशी थे। ये लेवी के पैतृक घराने उनके कुल के अनुसार थे। और अग्राम ने अपने पिता के भाई की पुत्री योकाबेद को अपनी पत्नी के रूप में लिया, और उसने उसके लिए हारून और मूसा को जन्म दिया, और मरियम उनकी बहन थी। अग्राम के जीवन के वर्ष एक सौ बत्तीस वर्ष थे। और इस्साकार के पुत्र: कोरह, नाफेक और जेख्वी। और उज्जीएल के पुत्र: मीशाएल, एलीसाफान और सेग्रेई। हारून ने अमीनादाब की बेटी एलिज़ाबेथ को, जो नहशोन की बहन थी, अपनी पत्नी के रूप में लिया, और उसने उसके लिए नादाब, अबीहू, एलाज़ार और ईथामार को जन्म दिया। कोरह के पुत्र: असीर, एल्काना और अबियासार; ये कोरह की पीढ़ियाँ हैं। और हारून के पुत्र एलियाज़र ने फूतिएल की पुत्रियों में से एक को अपनी पत्नी बनाया, और उसने उसके लिए फीनहास को जन्म दिया। ये लेवियों के परिवारों के प्रमुख हैं, उनकी पीढ़ियों के अनुसार। यह हारून और मूसा हैं, जिनसे परमेश्वर ने कहा कि इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से उनकी शक्ति के साथ निकाल लाओ। ये वे हैं जो मिस्र के राजा फ़िरौन से बातचीत कर रहे थे, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से बाहर निकाला, स्वयं हारून और मूसा। जिस दिन प्रभु ने मिस्र की भूमि में मूसा से बात की। और प्रभु ने मूसा से कहा, मैं प्रभु हूँ, फ़िरौन जो मिस्र का राजा है उससे वह सब कह जो मैं तुमसे कहता हूँ। और मूसा ने प्रभु के सामने कहा, देखो, मैं कमजोर आवाज का हूँ, और फ़िरौन मेरी कैसे सुनेगा?

7

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैंने तुम्हें फ़िरौन के लिए देवता बना दिया है, और तुम्हारा भाई

हारून तुम्हारा भविष्यवक्ता होगा। तू उसको वह सब कुछ बोलेंगा जो मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, और तेरा भाई हारून फिरौन से बोलेंगा, ताकि वह इस्राएल के पुत्रों को अपनी भूमि से भेज दे। लेकिन मैं फिरौन के हृदय को कठोर करूँगा, और मिस्र की भूमि में अपने चिह्नों और चमत्कारों को बढ़ाऊँगा। और फिरौन तुम्हारी नहीं सुनेगा, और मैं अपना हाथ मिस्र पर डालूँगा, और मैं अपनी शक्ति के साथ अपने लोगों को, इस्राएल के पुत्रों को, मिस्र की भूमि से महान प्रतिशोध के साथ निकालूँगा। और सभी मिस्री जान जाएंगे कि मैं प्रभु हूँ, जब मैं मिस्र पर अपना हाथ फैलाऊँगा, और इस्राएल के पुत्रों को उनके बीच से निकालूँगा। मूसा और आरौन ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने उनको आज्ञा दी थी। मूसा अस्सी वर्ष का था, और हारून उसका भाई तिरासी वर्ष का था, जब उसने फिरौन से बात की। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, और यदि फिरौन तुमसे कहे, हमें कोई चिन्ह या आश्चर्य दिखाओ, तो तुम अपने भाई हारून से कहना, लाठी लो और फिरौन के सामने और उसके सेवकों के सामने भूमि पर फेंक दो, और वह सर्प बन जाएगी। मूसा और हारून फिरौन और उसके सेवकों के सामने प्रविष्ट हुए, और उन्होंने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उनको आज्ञा दी थी, और हारून ने छड़ी को फिरौन के सामने और उसके सेवकों के सामने फेंका, और वह सर्प हो गई। लेकिन फिरौन ने मिस्र के विद्वानों और जादूगरों को बुलाया, और मिस्रियों के मंत्रवादियों ने भी अपनी जादूगरी से उसी प्रकार किया। और प्रत्येक ने अपनी छड़ी फेंकी, और वे सर्प बन गई, और हारून की छड़ी ने उनकी छड़ियों को निगल लिया। और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसा प्रभु ने उनको आदेश दिया था।

और प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन का हृदय कठोर हो गया है, वह लोगों को नहीं भेजेगा। सुबह फिरौन के पास जाओ, देखो वह पानी पर जाता है, और तुम नदी के किनारे पर उससे मिलोगे, और वह छड़ी जो साँप में बदल गई थी, तुम अपने हाथ में लो। और तुम उससे कहोगे, हिब्रूओं के प्रभु परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, यह कहते हुए, मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे जंगल में मेरी सेवा करें, और देखो, तुमने अब तक नहीं सुना है। ये बातें प्रभु कहते हैं, इससे तुम जानोगे कि मैं प्रभु हूँ, देखो मैं अपने हाथ में जो छड़ी है उससे नदी के पानी पर मारता हूँ, और वह खून में बदल जाएगा। और नदी में जो मछलियाँ हैं वे मरेगी, और नदी सड़ेगी, और मिस्रवासी नदी से

पानी पीने में सक्षम नहीं होंगे। प्रभु ने मूसा से कहा, अपने भाई हारून से कहो कि अपनी छड़ी अपने हाथ में लो, और अपना हाथ मिस्र के जल पर, उनकी नदियों पर, उनकी नहरों पर, उनके दलदलों पर, और उनके सब एकत्रित जल पर फैलाओ, और वह रक्त हो जाएगा, और सारी मिस्र की भूमि में, लकड़ियों में और पत्थरों में रक्त हो गया। और मूसा और हारून ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने उन्हें आज्ञा दी थी, और उसने अपनी छड़ी उठाकर नदी के जल को फिरौन और उसके सेवकों के सामने मारा, और नदी का सारा जल खून में बदल गया। और नदी की मछलियाँ मर गई, और नदी सड़ गई, और मिस्रवासी नदी से पानी पीने में सक्षम नहीं थे, और मिस्र की सारी भूमि में खून था। मिस्र के जादूगरों ने भी अपने जादू-टोने से वैसा ही किया, और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसा प्रभु ने कहा था। मुड़ने के बाद फिरौन अपने घर में प्रवेश किया, और उसने इस पर भी अपना ध्यान नहीं दिया। और सभी मिस्रियों ने नदी के चारों ओर खोदा, ताकि पानी पी सकें, और वे नदी से पानी पीने में सक्षम नहीं थे। और सात दिन पूर्ण हुए, प्रभु द्वारा नदी को मारने के बाद।

प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन के पास जाओ और उससे कहो, प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे मेरी सेवा करें। यदि तू उन्हें भेजना नहीं चाहता, तो देखो, मैं तेरी सभी सीमाओं को मेंढकों से मारूँगा। और नदी मेंढकों को उगलेगी, और वे ऊपर जाकर तुम्हारे घरों में, तुम्हारे शयनकक्षों के भंडारघरों में, तुम्हारे बिस्तरों पर, तुम्हारे सेवकों के घरों पर, तुम्हारे लोगों के घरों पर, तुम्हारे आटा गूंधने के बर्तनों में, और तुम्हारे तंदूरों में प्रवेश करेंगे। और तुम पर, और तुम्हारे सेवकों पर, और तुम्हारे लोगों पर, मेंढक चढ़ेंगे।

8

प्रभु ने मूसा से कहा, हारून से, जो तेरा भाई है, कह कि अपने हाथ से अपनी छड़ी नदियों पर, नहरों पर, और दलदलों पर फैलाए, और मेंढकों को ऊपर ले आए। और हारून ने मिस्र के पानी

पर अपना हाथ बढ़ाया, और मेंढकों को ऊपर लाया, और मेंढक ऊपर आया, और मिस्र की भूमि को ढक लिया। मिस्र के जादूगरों ने भी अपने जादू-टोने से ऐसा ही किया, और मेंढकों को मिस्र की भूमि पर ले आए। और फिरौन ने मूसा और हारून को बुलाया, और कहा, मेरे लिए प्रभु से प्रार्थना करो, और वह मेंढकों को मुझसे और मेरे लोगों से हटा दे, और मैं उन्हें भेज दूंगा, और वे प्रभु को बलिदान करें। मूसा ने फिरौन से कहा, मुझे बताओ कि मैं कब तुम्हारे लिए, तुम्हारे सेवकों के लिए, और तुम्हारे लोगों के लिए प्रार्थना करूँ, ताकि मेंढकों को तुमसे, तुम्हारे लोगों से, और तुम्हारे घरों से नष्ट किया जा सके, सिवाय नदी में जो रह जाएंगे। उसने कहा, कल। तब उसने कहा, जैसा तुमने कहा है, ताकि तुम जान सको कि प्रभु के सिवाय कोई दूसरा नहीं है। और मेंढक तुमसे हटाए जाएंगे, और तुम्हारे घरों से, और आंगनों से, और तुम्हारे सेवकों से, और तुम्हारे लोगों से, केवल नदी में रह जाएंगे। मूसा और हारून फिरौन के पास से बाहर गए, और मूसा ने प्रभु से मेंढकों के विषय में पुकारा, जैसा फिरौन ने निर्धारित किया था। प्रभु ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने कहा था, और मेंढक घरों से, आंगनों से और खेतों से मर गए। और उन्होंने उन्हें ढेरों में इकट्ठा किया, और भूमि से दुर्गन्ध आने लगी। देखकर फिरौन ने कि राहत मिल गई है, उसका हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसे प्रभु ने कहा था। और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून से कहो, अपना हाथ बढ़ाओ और अपनी छड़ी से पृथ्वी की धूल को मारो, और मिस्र की सारी भूमि में लोगों में और चौपायों में डांस हो जाएंगे। इसलिए हारून ने अपने हाथ में छड़ी फैलाई और पृथ्वी की धूल को मारा, और मनुष्यों में, चौपायों में और पृथ्वी की सारी धूल में डांस हो गए। जादूगरों ने भी अपने जादू-टोने से वैसा ही किया, डांसों को बाहर निकालने के लिए, परन्तु वे सक्षम नहीं थे, और डांस मनुष्यों में और चौपायों में हो गए। इसलिए जादूगरों ने फिरौन से कहा, यह परमेश्वर की उंगली है, और फिरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसे प्रभु ने कहा था। प्रभु ने मूसा से कहा, सुबह जल्दी उठो और फिरौन के सामने खड़े हो जाओ, और देखो वह पानी पर निकलेगा, और तुम उससे कहोगे, प्रभु यह कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे जंगल में मेरी सेवा करें। यदि तुम मेरे लोगों को भेजना नहीं चाहते, तो देखो, मैं तुम पर, तुम्हारे सेवकों पर, तुम्हारे लोगों पर, और तुम्हारे घरों पर मक्खियों का झुंड भेजता हूँ, और मिस्रियों के घर मक्खियों के झुंड से भर जाएंगे, और उस भूमि में भी जिस पर वे हैं। और मैं

उस दिन गेसेम की भूमि को महिमा दूँगा, जिस पर मेरे लोग रहते हैं, जहाँ कुत्ता मक्खी नहीं होगी, ताकि तुम जानो कि मैं सारी पृथ्वी का प्रभु परमेश्वर हूँ। और मैं अपने लोगों और तेरे लोगों के बीच भेद करूँगा, लेकिन कल यह पृथ्वी पर होगा। प्रभु ने ऐसा ही किया, और कुत्ता मक्खियों की भीड़ फिरौन के घरों में, और उसके सेवकों के घरों में, और मिस्र की सारी भूमि में आई, और भूमि कुत्ता मक्खियों से नष्ट हो गई।

फिरौन ने मूसा और आरोन को बुलाया और कहा, आकर अपने प्रभु परमेश्वर को इस भूमि में बलिदान चढ़ाओ। और मूसा ने कहा, इस प्रकार होना संभव नहीं है, क्योंकि हम मिस्रियों की घृणित वस्तुओं का बलिदान प्रभु हमारे परमेश्वर को करेंगे। यदि हम मिस्रियों की घृणित वस्तुओं का बलिदान उनके सामने करें, तो हम पत्थरों से मारे जाएंगे। हम तीन दिन का रास्ता तय करके रेगिस्तान में जाएंगे, और हम अपने परमेश्वर के लिए बलिदान करेंगे, जैसा कि प्रभु ने हमसे कहा है। और फिरौन ने कहा, मैं तुम्हें भेजता हूँ, और तुम जंगल में अपने परमेश्वर को बलिदान चढ़ाओ, लेकिन बहुत दूर मत जाना, इसलिए मेरे लिए प्रभु से प्रार्थना करो। मूसा ने कहा, मैं तुम्हारे पास से बाहर जाऊँगा और परमेश्वर से प्रार्थना करूँगा, और कुत्ता मक्खी तुम्हारे सेवकों और तुम्हारे लोगों से कल चली जाएगी। हे फिरौन, फिर से धोखा मत देना और लोगों को प्रभु के लिए बलिदान करने हेतु भेजने से मत रोको। और मूसा फिरौन के पास से बाहर गया, और उसने परमेश्वर से प्रार्थना की। प्रभु ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने कहा था, और उसने मक्खी के झुंड को फिरौन से, उसके सेवकों से और उसके लोगों से हटा दिया, और एक भी नहीं बची। और फिरौन ने इस समय भी अपना हृदय कठोर कर लिया, और वह लोगों को भेजने के लिए तैयार नहीं हुआ।

9

और प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन के पास जाओ और उससे कहो, इब्रानियों के परमेश्वर प्रभु यह

कहते हैं: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे मेरी सेवा करें। यदि तुम वास्तव में मेरे लोगों को भेजना नहीं चाहते, बल्कि अभी भी उन पर नियंत्रण रखते हो, देखो, प्रभु का हाथ तुम्हारे पशुओं पर होगा जो मैदानों में हैं, घोड़ों पर, और जुए वाले पशुओं पर, और ऊंटों पर, और बैलों पर, और भेड़ों पर, अत्यधिक महान मृत्यु। और मैं उस समय मिस्रियों के पशुओं और इस्राएल के पुत्रों के पशुओं के बीच चमत्कार करूंगा, इस्राएल के पुत्रों में से किसी भी कहे गए पशु की मृत्यु नहीं होगी। और परमेश्वर ने सीमा दी, कहते हुए, कल प्रभु यह वचन पृथ्वी पर पूरा करेगा। और प्रभु ने अगले दिन यह वचन पूरा किया, और मिस्रियों के सभी पशु मर गए, लेकिन इस्राएल के पुत्रों के पशुओं में से एक भी नहीं मरा। परन्तु जब फ़िरौन ने देखा कि इस्राएल के पुत्रों के सभी पशुओं में से एक भी नहीं मरा, तो फ़िरौन का हृदय कठोर हो गया, और उसने लोगों को नहीं भेजा। और प्रभु ने मूसा और आरोन से कहा, तुम अपने हाथों में भट्टी की कालिख भर लो, और मूसा उसे फ़िरौन और उसके सेवकों के सामने आकाश में छिड़के। और समस्त मिस्र की भूमि पर धूल हो जाए, और वह लोगों पर और चौपायों पर फोड़े और फफोले बन जाएंगे जो लोगों में और चौपायों में फूटेंगे, समस्त मिस्र की भूमि में। और मूसा ने फ़िरौन के सामने भट्टी की कालिख ली, और उसे आकाश में बिखेर दिया, और लोगों और चौपायों में उबलते हुए छालों के फोड़े हो गए। और जादूगर मूसा के सामने खड़े होने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि फोड़े हो गए थे; फोड़े जादूगरों पर हुए थे और मिस्र की सारी भूमि पर। लेकिन प्रभु ने फ़िरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने उनकी नहीं सुनी, जैसा प्रभु ने आदेश दिया था। प्रभु ने मूसा से कहा, सुबह जल्दी उठो और फ़िरौन के सामने खड़े हो जाओ, और उससे कहो, इब्रियों का परमेश्वर प्रभु यह कहता है: मेरे लोगों को भेज दो, ताकि वे मेरी सेवा करें। इस समय के लिए अब मैं अपनी सभी विपत्तियाँ तुम्हारे हृदय में, तुम्हारे सेवकों में, और तुम्हारे लोगों में भेज रहा हूँ, ताकि तुम जान सको कि समस्त भूमि में मेरे जैसा कोई दूसरा नहीं है। अब मैं अपना हाथ बढ़ाकर तुम्हें और तुम्हारे लोगों को मार डालूंगा, और तुम पृथ्वी से नष्ट कर दिए जाओगे। और इस कारण तू संरक्षित किया गया था, ताकि मैं तुझमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करूँ, और ताकि मेरा नाम सारी पृथ्वी पर घोषित किया जाए। क्या तुम अभी भी मेरे लोगों को जाने नहीं देने का कारण बन रहे हो? देखो, मैं कल इस समय अत्यधिक भारी ओले बरसाऊँगा, जैसे मिस्र में उस दिन से लेकर आज तक कभी नहीं हुए हैं, जब से वह बनाया गया

है। अब इसलिए जल्दी करो और अपने पशुओं को इकट्ठा करो, और जितने भी तुम्हारे मैदान में हैं, क्योंकि सब लोग और पशु जो मैदानों में पाए जाएं और घर में प्रवेश न करें, उन पर ओले गिरेंगे और वे मर जाएंगे। फिरौन के सेवकों में से जो प्रभु के वचन से डरता था, उसने अपने पशुओं को घरों में इकट्ठा किया। जो लेकिन प्रभु के वचन पर मन नहीं लगाया, उसने पशुओं को मैदानों में छोड़ दिया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ आकाश की ओर फैलाओ, और मिस्र की सारी भूमि पर ओले पड़ेंगे, लोगों पर, पशुओं पर, और भूमि पर की सारी वनस्पति पर। और मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर फैलाया, और प्रभु ने गर्जन और ओले दिए, और आग पृथ्वी पर दौड़ी, और प्रभु ने समस्त मिस्र देश पर ओले बरसाए। ओले पड़ रहे थे और ओलों में आग धधक रही थी, और ओले बहुत भयंकर थे, जैसे मिस्र में कभी नहीं हुए थे, उस दिन से जब वहाँ राष्ट्र बना था। ओले ने मिस्र की सारी भूमि में मारा, मनुष्य से लेकर पशु तक, और मैदान में जो सब घास थी उसे ओले ने मारा, और मैदानों में जो सब पेड़ थे उन्हें ओले ने चकनाचूर कर दिया। केवल गेसेम भूमि में, जहाँ इस्राएल के पुत्र थे, ओला नहीं पड़ा। फिरौन ने बुलावा भेजकर मूसा और आरोन को बुलाया, और उनसे कहा, मैंने अब पाप किया है, प्रभु धर्मी हैं, और मैं तथा मेरी प्रजा दुष्ट हैं। इसलिए मेरे विषय में प्रभु से प्रार्थना करो, और परमेश्वर की आवाजें, ओले और आग बंद हो जाएं, और मैं तुम्हें भेज दूंगा, और तुम अब और रहने के लिए नहीं रोके जाओगे। मूसा ने उससे कहा, जैसे ही मैं शहर से बाहर जाऊंगा, मैं प्रभु की ओर अपने हाथ फैलाऊंगा, और आवाजें रुक जाएंगी, और ओले और बारिश नहीं होगी, ताकि तू जान ले कि पृथ्वी प्रभु की है। और मैं जानता हूँ कि तुम और तुम्हारे सेवकों ने अभी तक प्रभु से भय नहीं खाया है। परन्तु सन और जौ नष्ट हो गए, क्योंकि जौ बाली में था और सन फूल में था। परन्तु गेहूँ और जौ नष्ट नहीं हुए, क्योंकि वे देर से पकने वाले थे। मूसा फिरौन के पास से शहर के बाहर गया, और उसने प्रभु की ओर अपने हाथ फैलाए, और आवाजें रुक गईं, और ओले और बारिश भूमि पर अब नहीं गिरे। लेकिन फिरौन ने देखा कि वर्षा और ओले और आवाजें रुक गई हैं, तो उसने फिर से पाप करना जारी रखा, और उसने अपना हृदय कठोर कर लिया, और अपने सेवकों का भी। और फिरौन का हृदय कठोर हो

गया, और उसने इस्राएल के पुत्रों को नहीं भेजा, जैसा प्रभु ने मूसा से कहा था।

10

और प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन के पास जाओ, क्योंकि मैंने उसके और उसके सेवकों के हृदय को कठोर कर दिया है, ताकि ये चिह्न उन पर आएँ। ताकि तुम अपने बच्चों के कानों में सुनाओ, और अपने बच्चों के बच्चों को, कि मैंने मिस्रियों का कितना उपहास किया, और मेरी निशानियाँ जो मैंने उनमें की, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु हूँ। मूसा और आरोन फिरौन के सामने गए और उससे कहा, इब्रियों के परमेश्वर प्रभु यह कहते हैं: तुम कब तक मेरे सामने नम्र होने से इनकार करोगे? मेरी प्रजा को जाने दो, ताकि वे मेरी आराधना करें। यदि तू मेरे लोगों को भेजने की इच्छा नहीं करता, तो देख, मैं कल इसी समय तेरी सारी सीमाओं पर बहुत सारी टिड्डियाँ लाऊँगा। और यह पृथ्वी की दृष्टि को ढक देगा, और तुम पृथ्वी को देखने में सक्षम नहीं होगे, और यह पृथ्वी का सब अतिरिक्त शेष भाग खा जाएगा, जो ओले ने तुम्हारे लिए छोड़ा था, और यह पृथ्वी पर तुम्हारे लिए उगने वाले सब वृक्ष खा जाएगा। और तुम्हारे घर भरे जाएंगे, और तुम्हारे सेवकों के घर, और मिस्रियों की सारी भूमि में सब घर, जो तुम्हारे पिताओं ने कभी नहीं देखा है, न उनके परदादाओं ने, उस दिन से जब वे पृथ्वी पर हुए, इस दिन तक, और मूसा मुड़कर फिरौन के पास से निकल गया। और फिरौन के सेवक उससे कहते हैं, कब तक यह हमारे लिए फंदा बना रहेगा? इन लोगों को भेज दो, ताकि वे अपने परमेश्वर की सेवा करें, या क्या तुम जानना चाहते हो कि मिस्र नष्ट हो गया है? और मूसा और हारून को फिरौन की ओर लौटाया गया, और उसने उनसे कहा, जाओ और अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करो, लेकिन कौन-कौन हैं जो जाने वाले हैं? और मूसा कहता है, हम युवा पुरुषों और बुजुर्गों के साथ जाएंगे, अपने पुत्रों और पुत्रियों के साथ, और अपनी भेड़ों और मवेशियों के साथ, क्योंकि यह प्रभु का पर्व है। और उसने उनसे कहा, प्रभु तुम्हारे साथ इस प्रकार रहे, जैसे मैं तुम्हें भेजता हूँ, क्या तुम्हारा सामान भी नहीं? देखो कि तुम्हें दुष्टता जोड़ी गई है। नहीं, ऐसा नहीं। पुरुष जाएँ और परमेश्वर की सेवा करें, क्योंकि तुम स्वयं यही खोजते हो।

लेकिन उन्होंने उनको फिरौन के सामने से निकाल दिया। और प्रभु ने मूसा से कहा, मिस्र की भूमि पर अपना हाथ फैलाओ, और टिट्टियाँ भूमि पर चढ़ आएँ, और वे भूमि की सारी घास और पेड़ों के सारे फल को खा जाएँ, जो ओलों से बच गए थे। और मूसा ने छड़ी को आकाश की ओर उठाया, और प्रभु ने पूरे उस दिन और पूरी उस रात भूमि पर दक्षिण हवा चलाई। सुबह हुई, और दक्षिण हवा ने टिट्टियों को उठा लिया। और वह इसे मिस्र की सारी भूमि पर ले आया, और मिस्र की सभी सीमाओं पर बहुत अधिक मात्रा में रुक गया, इससे पहले ऐसी टिट्टी कभी नहीं हुई थी, और इसके बाद ऐसी कभी नहीं होगी। और इसने पृथ्वी की दृष्टि को ढक दिया, और पृथ्वी नष्ट हो गई, और इसने पृथ्वी की सब वनस्पति को निगल लिया, और वृक्षों के सब फल को जो ओलों से बचे थे। वृक्षों में और मैदान की सब वनस्पति में कुछ भी हरा नहीं बचा, मिस्र की सारी भूमि में।

फिरौन ने जल्दी से मूसा और हारून को बुलाया, और कहा, मैंने तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के सामने और तुम्हारे विरुद्ध पाप किया है। इसलिए अब भी मेरे पाप को स्वीकार करो, और अपने प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना करो, और वह मुझसे इस मृत्यु को हटा दे। मूसा फिरौन के पास से बाहर गए, और परमेश्वर से प्रार्थना की। और प्रभु ने समुद्र से तीव्र हवा बदली, और टिट्टी को उठाया, और उसे लाल समुद्र में फेंक दिया, और मिस्र की सारी भूमि में एक भी टिट्टी नहीं बची। और प्रभु ने फिरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने इस्राएल के पुत्रों को नहीं भेजा। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ आकाश की ओर फैलाओ, और मिस्र की पृथ्वी पर अंधकार हो जाए, ऐसा अंधकार जो स्पर्शनीय हो। मूसा ने अपना हाथ आकाश की ओर फैलाया, और मिस्र की सारी भूमि पर तीन दिन तक अंधकार, घोर अंधकार और तूफान छा गया। और तीन दिनों तक किसी ने अपने भाई को नहीं देखा, और तीन दिनों तक कोई भी अपने बिस्तर से नहीं उठा, लेकिन इस्राएल के सभी पुत्रों के लिए उन सभी स्थानों में प्रकाश था जहाँ वे निवास करते थे। और फिरौन ने मूसा और हारून को बुलाया और कहा, जाओ, अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करो, लेकिन भेड़ों और बैलों को छोड़ दो, और तुम्हारा सामान तुम्हारे साथ जाने दो। और मूसा ने कहा, लेकिन तू ही हमें होमबलि और बलिदान देगा, जो हम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए करेंगे। और हमारे पशु हमारे साथ जाएंगे, और हम एक खुर भी नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि हम उनमें से लेंगे अपने

प्रभु परमेश्वर की सेवा करने के लिए, लेकिन हम नहीं जानते कि हम अपने प्रभु परमेश्वर की क्या सेवा करेंगे, जब तक हम वहाँ नहीं पहुँच जाते। लेकिन प्रभु ने फिरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने उन्हें भेजना नहीं चाहा। और फिरौन कहता है, मेरे पास से चले जाओ, अपना ध्यान रखो कि फिर कभी मेरा चेहरा देखने की कोशिश मत करना, जिस दिन तुम मुझे दिखाई दोगे, तुम मर जाओगे। मूसा कहता है, तूने कहा है, मैं तुझे फिर कभी चेहरे पर दिखाई नहीं दूंगा।

11

और प्रभु ने मूसा से कहा, मैं अभी एक और प्रहार फिरौन और मिस्र पर लाऊंगा, और इन बातों के बाद वह तुम्हें यहाँ से भेज देगा। जब वह तुम्हें सब के साथ भेजेगा, तो वह तुम्हें पूरी तरह से निकाल देगा। इसलिए लोगों के कानों में गुप्त रूप से बोलो, और प्रत्येक व्यक्ति अपने पड़ोसी से चांदी और सोने के बर्तन तथा वस्त्र मांगे। प्रभु ने अपने लोगों को मिस्रियों के सामने कृपा दी, और उन्होंने उनको उधार दिया, और वह मनुष्य मूसा मिस्रियों के सामने, और फिरौन के सामने, और उसके सेवकों के सामने अत्यधिक महान हुआ। और मूसा ने कहा, प्रभु यह कहते हैं कि आधी रात के समय मैं मिस्र के बीच में जाऊंगा। और मिस्र की भूमि में हर पहलौठा मरेगा, फिरौन के पहलौठे से, जो सिंहासन पर बैठता है, और चक्की के पास की दासी के पहलौठे तक, और सब पशुओं के पहलौठे तक। और मिस्र की सारी भूमि में एक महान चीख होगी, जैसी कभी नहीं हुई है, और जैसी फिर कभी नहीं होगी। और इस्राएल के सभी पुत्रों में कोई कुत्ता अपनी जीभ से नहीं गुर्राएगा, मनुष्य से लेकर पशु तक, ताकि तुम जान सको कि प्रभु मिस्रियों और इस्राएल के बीच कितना भेद करेगा। और तेरे ये सब सेवक मेरे पास आएंगे, और मुझे दंडवत करेंगे, कहते हुए, निकल जाओ तुम, और तुम्हारे सब लोग जिनका तुम नेतृत्व करते हो, और इसके बाद मैं निकलूंगा। और मूसा फिरौन के पास से क्रोध के साथ निकला। प्रभु ने मूसा से कहा, फिरौन तुम्हारी नहीं सुनेगा, ताकि मैं मिस्र की भूमि में अपने चिह्नों और चमत्कारों को बढ़ाता रहूँ। मूसा और हारून ने मिस्र की भूमि में फिरौन के सामने ये सब चिन्ह और आश्चर्य किए, परन्तु प्रभु ने

फ़िरौन के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से भेजने के लिए नहीं सुना।

12

और प्रभु ने मिस्र की भूमि में मूसा और हारून से कहा, यह महीना तुम्हारे लिए महीनों की शुरुआत है, यह तुम्हारे लिए वर्ष के महीनों में पहला है। इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहो, इस महीने की दसवीं तारीख को प्रत्येक व्यक्ति अपने पितरों के घरानों के अनुसार एक भेड़ ले, प्रत्येक घर के लिए एक भेड़। यदि घर में कम लोग हों, ताकि भेड़ के लिए पर्याप्त न हों, तो वह अपने पड़ोसी को अपने साथ ले लेगा, आत्माओं की संख्या के अनुसार, प्रत्येक को उसके लिए पर्याप्त भेड़ में गिना जाएगा। भेड़ पूर्ण, नर, एक वर्ष की तुम्हारे लिए होगी; मेमनों और बकरियों में से लोगे। और यह तुम्हारे पास इस महीने की चौदहवीं तारीख तक रखा जाएगा, और इस्राएल के पुत्रों की सभा का सारा समूह शाम को इसका वध करेगा। और वे रक्त में से लेंगे, और दो चौखटों पर और चौखट पर रखेंगे, उन घरों में जिनमें वे उन्हें खाएंगे। और वे इस रात को आग में भुना हुआ मांस खाएंगे, और कड़वी जड़ी-बूटियों के साथ बिना खमीर की रोटी खाएंगे। तुम उनमें से कच्चा नहीं खाओगे, न ही पानी में उबला हुआ, बल्कि आग में भुना हुआ, सिर के साथ पैर और आंते। सुबह तक उसमें से कुछ नहीं छोड़ा जाएगा, और तुम उसकी हड्डी नहीं तोड़ोगे, लेकिन जो कुछ सुबह तक उसमें से बचा रहे उसे आग में जला देना। इस प्रकार तुम इसे खाओगे: तुम्हारी कमर कसी हुई हो, तुम्हारे पैरों में जूते हों, और तुम्हारे हाथों में लाठियाँ हों, और तुम इसे जल्दी से खाओगे; यह प्रभु का फसल है। और मैं इस रात में मिस्र की भूमि में से गुजरूँगा, और मैं मिस्र की भूमि में मनुष्य से लेकर पशु तक हर पहलौटे को मारूँगा, और मिस्रियों के सब देवताओं पर मैं प्रतिशोध करूँगा, मैं प्रभु। और वह खून तुम्हारे लिए उन घरों पर एक निशान होगा, जिनमें तुम वहाँ हो, और मैं वह खून देखूँगा, और तुम्हें ढकूँगा, और तुममें कोई विपत्ति नहीं होगी जो नष्ट करे, जब मैं मिस्र की भूमि में मारूँगा।

और यह दिन तुम्हारे लिए एक स्मारक होगा, और तुम इसे प्रभु के लिए एक पर्व के रूप में अपनी सभी पीढ़ियों में मनाओगे, शाश्वत विधि के अनुसार तुम इसे मनाओगे। सात दिन तक तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, और पहले दिन से तुम अपने घरों से खमीर हटा दोगे। जो कोई भी खमीर खाए, वह प्राण इस्राएल से नष्ट कर दिया जाएगा, पहले दिन से लेकर सातवें दिन तक। और पहला दिन पवित्र कहलाएगा, और सातवाँ दिन तुम्हारे लिए पवित्र कहलाएगा, तुम उनमें कोई दासता का काम नहीं करोगे, सिवाय उसके जो हर प्राण के लिए किया जाएगा, केवल यह तुम्हारे लिए किया जाएगा। और तुम इस आज्ञा को रखोगे, क्योंकि इस दिन मैं तुम्हारी शक्ति को मिस्र की भूमि से बाहर लाऊंगा, और तुम इस दिन को अपनी पीढ़ियों में शाश्वत विधि बनाओगे। पहले महीने के चौदहवें दिन से शुरू करते हुए, शाम से तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, महीने के इक्कीसवें दिन तक, शाम तक। सात दिन तक तुम्हारे घरों में खमीर नहीं पाया जाएगा, जो कोई खमीरी रोटी खाएगा, वह प्राणी इस्राएल की सभा से नष्ट कर दिया जाएगा, चाहे वह परदेशी हो या भूमि का देशी। तुम कोई भी खमीरी रोटी नहीं खाओगे, परन्तु अपने हर निवास स्थान में तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे।

मूसा ने इस्राएल के पुत्रों की सब बुजुर्गों की परिषद को बुलाया, और उनसे कहा, जाकर अपने-अपने कुटुम्बों के अनुसार भेड़ लो, और फसह का बलिदान करो। तुम लोग जूफा का एक गुच्छा लो, और उसे दरवाजे के पास के खून में डुबोकर, चौखट पर और दोनों चौखटों पर लगाओगे, उस खून से जो दरवाजे के पास है, और तुम लोग सुबह तक अपने-अपने घर के दरवाजे से बाहर नहीं निकलोगे। और प्रभु मिस्रियों को मारने के लिए पास से जाएगा, और चौखट पर और दोनों चौखटों पर रक्त को देखेगा, और प्रभु द्वार से पास से जाएगा, और विनाशक को तुम्हारे घरों में मारने के लिए प्रवेश करने नहीं देगा। और इस विधि के वचन की रक्षा करो, अपने लिए और अपने पुत्रों के लिए, युगों तक। जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो, जो प्रभु तुम्हें देगा, जैसा उसने कहा था, तो इस सेवा की रक्षा करना। और ऐसा होगा यदि तुम्हारे पुत्र तुमसे कहें, यह सेवा क्या है? और तुम उनसे कहोगे, यह फसह का बलिदान प्रभु के लिए है, क्योंकि उसने इस्राएल के पुत्रों के घरों को मिस्र में ढका था, जब उसने मिस्रियों को मारा था, लेकिन हमारे घरों को बचाया था।

और लोग झुककर दंडवत किए। और इस्राएल के पुत्रों ने जाकर वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा और हारून को आज्ञा दी थी, उन्होंने वैसा ही किया।

और यह हुआ कि आधी रात को प्रभु ने मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, सिंहासन पर बैठे फिरौन के पहलौठे से लेकर गड्ढे में पड़ी बंदी स्त्री के पहलौठे तक, और सभी पशुओं के पहलौठे तक। और फिरौन रात को उठा, और उसके सेवक, और सब मिस्री, और सारे मिस्र देश में बड़ी चिल्लाहट हुई, क्योंकि कोई ऐसा घर नहीं था जिसमें कोई मरा हुआ न हो। और फिरौन ने मूसा और हारून को रात में बुलाया, और उनसे कहा, उठो, और मेरे लोगों में से निकल जाओ, तुम और इस्राएल के पुत्र, जाओ और अपने परमेश्वर प्रभु की सेवा करो, जैसा तुम कहते हो। और अपनी भेड़ें और बैल लेकर जाओ, और मुझे भी आशीर्वाद दो। और मिस्रवासी लोगों पर दबाव डाल रहे थे कि उत्साह से उनको भूमि से बाहर निकाल दें, क्योंकि उन्होंने कहा, हम सब मर रहे हैं। लोगों ने अपना आटा खमीर होने से पहले ही उठा लिया, उनका गूंधा हुआ आटा उनके कपड़ों में बंधा हुआ था, उनके कंधों पर। इस्राएल के पुत्रों ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने उन्हें आदेश दिया था, और उन्होंने मिस्रियों से चांदी के बर्तन, सोने के बर्तन और वस्त्र मांगे। और प्रभु ने अपने लोगों को मिस्रियों के सामने कृपा दी, और उन्होंने उनको उधार दिया, और उन्होंने मिस्रियों को लूटा।

इस्राएल के पुत्रों ने रामेसेस से प्रस्थान करके सुक्कोत की ओर कूच किया, छह लाख पैदल पुरुष, सामान के अतिरिक्त। और एक बड़ी मिश्रित भीड़ उनके साथ ऊपर गई, और भेड़ें, और बैल, और बहुत अधिक पशु। और उन्होंने उस आटे को पकाया जो वे मिस्र से निकाल लाए थे, बिना खमीर की राख में पकी रोटी, क्योंकि वह खमीर नहीं हुआ था, क्योंकि मिस्रवासियों ने उनको निकाल दिया था और वे रुक नहीं सके, और न ही उन्होंने अपने लिए रास्ते के लिए रसद बनाई। इस्राएल के पुत्रों का निवास, जो उन्होंने मिस्र और कनान की भूमि में किया, चार सौ तीस वर्ष था। और ऐसा हुआ कि चार सौ तीस वर्षों के बाद, प्रभु की सारी शक्ति मिस्र की भूमि से रात में बाहर निकल गई। यह प्रभु के लिए सुरक्षा की रात है, ताकि उन्हें मिस्र की भूमि से बाहर

निकाला जा सके। वह रात यह है, प्रभु के लिए सुरक्षा, ताकि इस्राएल के सभी पुत्रों के लिए उनकी पीढ़ियों तक बनी रहे। प्रभु ने मूसा और आरोन से कहा, यह पास्का का कानून है, कोई भी विदेशी इसमें से नहीं खाएगा, और सब घरेलू सेवक या चाँदी से खरीदे हुए का तुम खतना करोगे, और तब वह उसमें से खाएगा। प्रवासी या मजदूर उसमें से नहीं खाएगा। एक घर में खाया जाएगा, और तुम घर से मांस को बाहर नहीं ले जाओगे, और तुम उसकी हड्डी नहीं तोड़ोगे। इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा इसे करेगी। यदि कोई परदेशी तुम्हारे पास आए और प्रभु के लिए फसह मनाना चाहे, तो उसके सभी पुरुषों का खतना करो, और तब वह इसे मनाने आएगा, और वह भूमि के देशी के समान होगा; कोई भी खतनारहित इसमें से नहीं खाएगा। कानून एक ही होगा देशी के लिए, और तुम्हारे बीच आने वाले परदेसी के लिए। और इस्राएल के पुत्रों ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा और हारून को उनके लिए आज्ञा दी थी, उन्होंने वैसा ही किया। और उस दिन ऐसा हुआ कि प्रभु इस्राएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से उनकी शक्ति के साथ बाहर लाए।

13

और प्रभु ने मूसा से कहा, मेरे लिए इस्राएल के पुत्रों में मनुष्य से लेकर पशु तक, हर पहलौठे को, जो सब गर्भ को खोलता है, पवित्र करो; वह मेरा है। मूसा ने लोगों से कहा, इस दिन को याद रखो, जिसमें तुम मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से निकले, क्योंकि प्रभु ने अपने शक्तिशाली हाथ से तुम्हें यहाँ से निकाला, और खमीर नहीं खाया जाएगा। क्योंकि आज तुम नये (अनाज के) महीने में बाहर जा रहे हो। और ऐसा होगा कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे कनानियों, हित्तियों, एमोरियों, हिबियों, यबूसियों, गिर्गाशियों और परिज्जियों की भूमि में ले आए—वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है, जिसे देने की शपथ उसने तेरे पूर्वजों से खाई थी—तो तू इस महीने में यह आराधना करेगा। छः दिन तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, लेकिन सातवें दिन प्रभु का पर्व होगा। बिना खमीर की रोटी तुम सात दिन खाओगे, तुम्हें खमीरी रोटी दिखाई नहीं देगी, न ही तुम्हारी सभी सीमाओं में तुम्हारे पास खमीर होगा। और तुम अपने पुत्र को उस दिन घोषणा

करोगे, कहते हुए, इसके कारण प्रभु देवता ने मेरे लिए यह किया, जब मैं मिस्र से बाहर जा रहा था। और यह तेरे हाथ पर चिह्न होगा, और तेरी आँखों के सामने स्मारक होगा, ताकि प्रभु की व्यवस्था तेरे मुख में रहे, क्योंकि प्रभु परमेश्वर तुझे बलवान हाथ से मिस्र से निकाल लाया। और इस कानून की रक्षा करो निर्धारित समय के अनुसार, दिन से दिन।

और ऐसा होगा कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे कनानियों की भूमि में लाए, जैसा उसने तेरे पूर्वजों से शपथ खाई थी, तो वह उसे तुझे देगा। और तू प्रभु के लिए हर गर्भ खोलने वाले नर को अलग करेगा, हर गर्भ खोलने वाले को झुंडों से या तेरे पशुओं में, जितने भी तुझे होंगे, उन नरों को तू प्रभु के लिए पवित्र करेगा। गधे के हर पहलौठे को तू भेड़ से बदलेगा, यदि तू न बदले, तो तू इसे छुड़ाएगा। अपने पुत्रों में से मनुष्य के हर पहलौठे को तू छुड़ाएगा। यदि इन बातों के बाद तुम्हारा पुत्र तुमसे पूछे, यह क्या है? तो तुम उससे कहोगे, प्रभु ने शक्तिशाली हाथ से हमें मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से निकाला। जब फिरौन ने हमें भेजने से इनकार किया और कठोर हो गया, तो उसने मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को मार डाला, मनुष्यों के पहलौठों से लेकर पशुओं के पहलौठों तक। इसी कारण मैं हर गर्भ खोलने वाले नर को प्रभु के लिए बलिदान करता हूँ, और अपने पुत्रों में से हर पहलौठे को छुड़ाऊँगा। और यह तुम्हारे हाथ पर एक निशान होगा, और तुम्हारी आँखों के सामने अटल होगा, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें शक्तिशाली हाथ से मिस्र से निकाला।

जब फिरौन ने लोगों को भेजा, तो परमेश्वर ने उन्हें फिलिस्तीम की भूमि के रास्ते से नहीं ले गया, क्योंकि वह निकट था, क्योंकि परमेश्वर ने कहा, कहीं ऐसा न हो कि लोग युद्ध देखकर पछताएं, और मिस्र को लौट जाएं। और परमेश्वर ने लोगों को मरुभूमि के रास्ते से लाल समुद्र की ओर घेरा, और पाँचवीं पीढ़ी में इस्राएल के पुत्र मिस्र की भूमि से निकल गए। और मूसा ने यूसुफ की हड्डियाँ अपने साथ लीं, क्योंकि उसने इस्राएल के पुत्रों को शपथ दिलाई थी, यह कहते हुए, प्रभु निश्चित रूप से तुम्हारी सुधि लेगा, और तुम मेरी हड्डियाँ यहाँ से अपने साथ ले जाओगे।

और इस्राएल के पुत्रों ने सुक्कोत से कूच करके, एताम में रेगिस्तान के पास डेरा डाला। ईश्वर

उनका मार्गदर्शन करते थे, दिन में बादल के स्तंभ में, उन्हें रास्ता दिखाने के लिए, और रात में आग के स्तंभ में। बादल का स्तंभ दिन में और आग का स्तंभ रात में सभी लोगों के सामने से समाप्त नहीं हुआ।

14

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, और वे मुड़कर बस्ती के सामने, मिगदोल और समुद्र के बीच में, बाल-सपोन के सामने डेरा डालें; उनके सामने तुम समुद्र के किनारे डेरा डालोगे। और फिरौन अपने लोगों से कहेगा, इस्राएल के ये पुत्र भूमि में भटक रहे हैं, क्योंकि मरुभूमि ने उन्हें बंद कर दिया है। मैं फिरौन के हृदय को कठोर करूँगा, और वह उनका पीछा करेगा, और मैं फिरौन में और उसकी सारी सेना में महिमावान किया जाऊँगा, और सब मिस्रवासी जानेंगे कि मैं प्रभु हूँ, और उन्होंने ऐसा ही किया। और मिस्रियों के राजा को यह सूचना दी गई कि लोग भाग गए हैं, और फिरौन तथा उसके सेवकों का हृदय लोगों के प्रति बदल गया, और उन्होंने कहा, हमने यह क्या किया है कि इस्राएल के पुत्रों को भेज दिया, ताकि वे हमारी सेवा न करें? इसलिए फिरौन ने अपने रथों को जोता और अपने सब लोगों को अपने साथ ले गया। और उसने छह सौ चुने हुए रथ लिए, और मिस्रियों के सभी घोड़े, और सब पर अधिकारी। और प्रभु ने मिस्र के राजा फिरौन और उसके सेवकों के हृदय को कठोर कर दिया, और उसने इस्राएल के पुत्रों का पीछा किया, परन्तु इस्राएल के पुत्र ऊँचे हाथ से निकल रहे थे। और मिस्रियों ने उनका पीछा किया, और उन्हें समुद्र के पास डेरा डाले हुए पाया, और फिरौन के सब घोड़े और रथ, और घुड़सवार, और उसकी सेना बस्ती के सामने, बाल-सपोन के सामने थी। और फिरौन निकट आ रहा था, और इस्राएल के पुत्रों ने ऊपर देखकर अपनी आँखों से देखा कि मिस्रियों ने उनके पीछे डेरा डाला था, और वे बहुत डर गए, और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु की ओर पुकारा। और उन्होंने मूसा से कहा, क्या मिस्र की भूमि में कब्रें नहीं थीं, कि तुम हमें जंगल में मारने के लिए बाहर ले आए? यह क्या किया तुमने हमारे साथ, हमें मिस्र से बाहर लाकर? क्या यह वही बात नहीं थी

जो हमने तुमसे मिस्र में कही थी, हमें छोड़ दो, ताकि हम मिस्रियों की सेवा करें? क्योंकि हमारे लिए मिस्रियों की सेवा करना इस जंगल में मरने से बेहतर है।

और मूसा ने लोगों से कहा, साहस रखो, खड़े रहो और उस उद्धार को देखो जो प्रभु की ओर से है, जो वह आज हमारे लिए करेगा, क्योंकि जिस तरीके से तुमने मिस्रियों को आज देखा है, तुम उन्हें युगों तक फिर कभी नहीं देखोगे। प्रभु तुम्हारे लिए लड़ेगा, और तुम चुप रहोगे। प्रभु ने मूसा से कहा, तुम मुझसे क्यों पुकार रहे हो? इस्राएल के पुत्रों से कहो कि वे कूच करें। और तू अपनी छड़ी उठा, और अपना हाथ समुद्र पर फैला, और उसे विभाजित कर, और इस्राएल के पुत्र समुद्र के बीच में सूखी भूमि पर चले जाएँ। और देखो, मैं फिरौन और सभी मिस्रियों के हृदय को कठोर करूँगा, और वे उनके पीछे प्रवेश करेंगे, और मैं फिरौन में और उसकी सारी सेना में और रथों में और उसके घोड़ों में महिमावान किया जाऊँगा। और सभी मिस्री जानेंगे कि मैं प्रभु हूँ, जब मेरी महिमा फिरौन में, और रथों में, और उसके घोड़ों में की जाएगी। और परमेश्वर के दूत ने, जो इस्राएल के पुत्रों के शिविर के आगे जा रहा था, हटकर पीछे चला गया, और बादल का स्तंभ भी उनके सामने से हटकर उनके पीछे जाकर खड़ा हो गया। और वह मिस्रियों के शिविर के बीच में, और मिस्रियों के शिविर के बीच में, और इस्राएल के शिविर के बीच में प्रवेश किया, और खड़ा हो गया, और अंधकार और घोर अंधकार छा गया, और रात बीत गई, और वे पूरी रात एक दूसरे से नहीं मिले। मूसा ने समुद्र पर अपना हाथ फैलाया, और प्रभु ने पूरी रात प्रचंड दक्षिणी हवा से समुद्र को हटाया, और समुद्र को सूखा कर दिया, और पानी विभाजित हो गया। और इस्राएल के पुत्र समुद्र के मध्य में सूखी भूमि पर प्रवेश किए, और उसका जल दाहिनी ओर से दीवार था, और बायीं ओर से दीवार था।

और मिस्रियों ने पीछा किया, और उनके पीछे प्रवेश किया और फिरौन का सब घोड़ा, और रथ, और सवार, समुद्र के बीच में। और ऐसा हुआ कि सुबह के पहर में प्रभु ने आग और बादल के स्तंभ में मिस्रियों के शिविर पर दृष्टि डाली, और मिस्रियों के शिविर को उलझन में डाल दिया। और उसने उनके रथों की धुरियों को बांध दिया, और उन्हें बलपूर्वक ले गया, और मिस्रियों ने

कहा, हम इस्राएल के सामने से भाग चलें, क्योंकि प्रभु उनके लिए मिस्रियों से लड़ता है। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ समुद्र पर फैलाओ, और पानी लौट आए, और मिस्रियों को, रथों को और सवारों को ढक दे। मूसा ने अपना हाथ समुद्र पर फैलाया, और पानी दिन में भूमि पर लौट आया। मिस्रवासी पानी के नीचे भागे, और प्रभु ने मिस्रवासियों को समुद्र के बीच में झटक दिया। और वापस मुड़े हुए पानी ने रथों और सवारों को ढक दिया, और फिरौन की सम्पूर्ण सेना को जो उनके पीछे समुद्र में प्रवेश कर चुकी थी, और उनमें से एक भी नहीं बचा। लेकिन इस्राएल के पुत्र समुद्र के बीच सूखी भूमि से होकर गए, और पानी उनके लिए दाहिनी ओर से दीवार था, और बायीं ओर से दीवार। और प्रभु ने उस दिन इस्राएल को मिस्रियों के हाथ से छुड़ाया, और इस्राएल ने मिस्रियों को समुद्र के किनारे पर मरे हुए देखा। इस्राएल ने उस महान हाथ को देखा जो प्रभु ने मिस्रियों के साथ किया, और लोग प्रभु से डरे, और उन्होंने परमेश्वर पर और उसके सेवक मूसा पर विश्वास किया।

15

तब मूसा और इस्राएल के पुत्रों ने परमेश्वर के लिए यह गीत गाया, और कहा, आओ हम प्रभु का गुणगान करें, क्योंकि वह महिमावान हुआ है; उसने घोड़े और सवार को समुद्र में फेंक दिया। सहायक और रक्षक मेरे उद्धार के लिए हुआ, यह मेरा परमेश्वर है, और मैं उसकी महिमा करूंगा, मेरे पिता का परमेश्वर, और मैं उसे ऊंचा करूंगा। प्रभु युद्धों को कुचलने वाला है, प्रभु उसका नाम है। फिरौन के रथ और उसकी शक्ति को समुद्र में फेंक दिया, चुने हुए सवार और तीसरे दर्जे के अधिकारियों को लाल समुद्र में निगल लिया गया। समुद्र ने उन्हें ढक लिया, वे गहराई में पत्थर की तरह डूब गए। हे प्रभु, तेरा दाहिना हाथ शक्ति में महिमामंडित किया गया है; हे प्रभु, तेरे दाहिने हाथ ने शत्रुओं को चकनाचूर कर दिया। और अपनी महिमा की बहुतायत से तुमने शत्रुओं को कुचल दिया, तुमने अपना क्रोध भेजा जिसने उन्हें भूसे की तरह निगल लिया। और तेरे क्रोध की आत्मा के कारण पानी विभाजित हुआ, पानी दीवार के समान जमा हुआ, समुद्र के बीच में लहरें

जमा हुई। शत्रु ने कहा, पीछा करके पकड़ लूंगा, लूट की चीजें बांट दूंगा, अपनी आत्मा को भर दूंगा, अपनी तलवार से मार डालूंगा, मेरा हाथ शासन करेगा। तूने अपनी आत्मा भेजी, समुद्र ने उन्हें ढक लिया, वे प्रचंड जल में सीसे की तरह डूब गए। हे प्रभु, देवताओं में तुझ जैसा कौन है? तुझ जैसा कौन है? पवित्रों में सम्मानित, महिमाओं में अद्भुत, चमत्कार करने वाला। तूने अपना दाहिना हाथ फैलाया, भूमि ने उन्हें निगल लिया। तूने अपनी धार्मिकता से इन लोगों का मार्गदर्शन किया जिन्हें तूने छुड़ाया था, तूने अपनी शक्ति से उन्हें अपने पवित्र निवास तक पहुँचाया। राष्ट्रों ने सुना और वे क्रोधित हुए, पलिशतियों के निवासियों को पीड़ाएँ ने जकड़ लिया। तब एदोम के नेताओं ने जल्दी की, और मोआबियों के शासकों को कंपन ने पकड़ लिया, कनान में रहने वाले सभी लोग पिघल गए। उन पर कंपन और भय गिर पड़े, तेरी भुजा की महानता से वे पत्थर हो जाएं, जब तक तेरे लोग गुजर न जाएं, हे प्रभु, जब तक तेरे यह लोग गुजर न जाएं, जिन्हें तूने प्राप्त किया। उन्हें अपनी विरासत के पहाड़ में ले जाकर रोप दो, अपने तैयार किए हुए निवास-स्थान में, जो तूने तैयार किया, हे प्रभु, पवित्र-स्थान में, हे प्रभु, जो तेरे हाथों ने तैयार किया। प्रभु युग और युगों तक राज्य करते हैं, और सदा के लिए। क्योंकि फिरौन का घोड़ा रथों और सवारों के साथ समुद्र में प्रवेश किया, और प्रभु ने उन पर समुद्र का पानी ले आया, परन्तु इस्राएल के पुत्र समुद्र के बीच सूखी भूमि से होकर गए।

और मरियम भविष्यवक्ता ने, जो हारून की बहन थी, अपने हाथ में ढोल लिया, और सब स्त्रियाँ ढोलों और नृत्यों के साथ उसके पीछे निकल गईं। मरियम ने उनका नेतृत्व करते हुए कहा, आओ हम प्रभु का गान करें, क्योंकि वह महिमा से महिमान्वित हुए हैं; घोड़े और सवार को उन्होंने समुद्र में फेंक दिया। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को लाल समुद्र से निकाला, और उनको शूर के मरुस्थल में ले गया, और वे मरुस्थल में तीन दिन चले, और उन्हें पीने के लिए पानी नहीं मिला। वे मारा में आए, और मारा से पी नहीं सके, क्योंकि वह कड़वा था, इसलिए उसने उस स्थान का नाम कड़वाहट रखा। और लोग मूसा के विरुद्ध बड़बड़ाए, कहते हुए, हम क्या पीएंगे? मूसा ने प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने उसे एक लकड़ी दिखाई, और उसने इसे पानी में डाला, और पानी मीठा हो गया। वहाँ उसने उसके लिए विधियाँ और न्याय निर्धारित किए, और वहाँ उसने उसकी

परीक्षा ली। और उसने कहा, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर का वचन ध्यान से सुनोगे, और जो उसकी दृष्टि में उचित है वह करोगे, और उसकी आज्ञाओं पर कान दोगे, और उसकी सब विधियों का पालन करोगे, तो जो रोग मैंने मिस्रियों पर भेजा था, वह तुम पर नहीं भेजूंगा, क्योंकि मैं प्रभु हूँ, तुम्हारा परमेश्वर, जो तुम्हें चंगा करता है। और वे एलीम में आए, और वहाँ पानी के बारह झरने थे, और खजूर के पेड़ों के सत्तर तने थे, और उन्होंने वहाँ पानी के पास डेरा डाला।

16

वे एलीम से प्रस्थान किए, और इस्राएल के पुत्रों की सब सभा सीन के जंगल में आई, जो एलीम और सीन के बीच है। दूसरे महीने के पंद्रहवें दिन, उनके मिस्र की भूमि से निकलने के बाद, इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा मूसा और हारून के विरुद्ध बड़बड़ाई। और इस्राएल के पुत्रों ने उनसे कहा, काश हम मिस्र की भूमि में प्रभु द्वारा मारे जाकर मर गए होते, जब हम मांस के बर्तनों पर बैठते थे और पेट भरकर रोटियाँ खाते थे, क्योंकि तुम हमें इस जंगल में लाए हो, ताकि इस सारी सभा को अकाल से मार डालो। और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो मैं तुम्हारे लिए आकाश से रोटियाँ बरसाता हूँ, और लोग निकलेंगे, और प्रतिदिन का भाग प्रतिदिन इकट्ठा करेंगे, ताकि मैं उनको परखूँ कि वे मेरे नियम पर चलेंगे, या नहीं। और छठे दिन में ऐसा होगा, और जो वे लाएंगे उसे तैयार करेंगे, और जो वे प्रतिदिन इकट्ठा करते हैं उसका दोगुना होगा। और मूसा और हारून ने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहा, शाम को तुम जानोगे कि प्रभु ने तुमको मिस्र की भूमि से निकाला, और सुबह तुम प्रभु की महिमा देखोगे, जब वह तुम्हारी बड़बड़ाहट परमेश्वर के विरुद्ध सुनेंगे, हम तो क्या हैं, कि तुम हमारे विरुद्ध बड़बड़ाते हो? और मूसा ने कहा, प्रभु तुम्हें शाम को मांस खाने के लिए और सुबह को रोटियाँ पेट भर खाने के लिए देंगे, क्योंकि प्रभु ने तुम्हारी बड़बड़ाहट सुनी है, जो तुम हमारे विरुद्ध बड़बड़ाते हो। हम क्या हैं? तुम्हारी बड़बड़ाहट हमारे विरुद्ध नहीं है, बल्कि परमेश्वर के विरुद्ध है।

मूसा ने हारून से कहा, मैंने इस्राएल के पुत्रों की सभी सभा से कहा, परमेश्वर के सामने आओ, क्योंकि उसने तुम्हारी बड़बड़ाहट सुनी है। जब हारून इस्राएल के पुत्रों की सारी मण्डली से बोल रहा था, और वे निर्जन स्थान की ओर मुड़े, तो प्रभु की महिमा बादल में प्रकट हुई। और प्रभु ने मूसा से कहा, मैंने इस्राएल के पुत्रों की बड़बड़ाहट सुनी है। उनसे यह कहते हुए बोलो: शाम को तुम मांस खाओगे, और सुबह को तुम रोटियों से भर जाओगे, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ। शाम हुई, और बटेर ऊपर आई, और उसने शिविर को ढक दिया, सुबह हुई जब ओस शिविर के चारों ओर रुक गई। और देखो, जंगल की सतह पर कुछ पतला था, धनिया के बीज जैसा सफेद, धरती पर पाले जैसा। इसे देखकर इस्राएल के पुत्रों ने एक दूसरे से कहा, यह क्या है? क्योंकि वे नहीं जानते थे कि यह क्या था। और मूसा ने उनसे कहा, यह वह रोटी है, जो प्रभु ने तुम्हें खाने के लिए दी है। यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी: प्रत्येक व्यक्ति अपनी आवश्यकता के अनुसार एक होमेर एकत्र करे, प्रति व्यक्ति, तुम्हारे प्राणों की संख्या के अनुसार; प्रत्येक अपने तंबू-साथियों के साथ एकत्र करे। इस्राएल के पुत्रों ने ऐसा ही किया, और जिसने अधिक इकट्ठा किया और जिसने कम। और जब होमेर से मापा, तो जिसने अधिक एकत्र किया था उसके पास अधिक नहीं था, और जिसने कम एकत्र किया था उसके पास कम नहीं था; प्रत्येक ने अपनी आवश्यकता के अनुसार एकत्र किया था। मूसा ने उनसे कहा, कोई भी इसमें से सुबह तक कुछ न छोड़े।

और उन्होंने मूसा की नहीं सुनी, लेकिन कुछ लोगों ने उसमें से सुबह तक छोड़ दिया, और उसमें कीड़े पड़ गए, और वह सड़ गया, और मूसा उन पर क्रोधित हो गए। और उन्होंने इसे सुबह-सुबह इकट्ठा किया, प्रत्येक ने अपने लिए निर्धारित मात्रा में, और जब सूरज गर्म होता था, तो यह पिघल जाता था। छठे दिन ऐसा हुआ कि उन्होंने आवश्यक चीजें दोगुनी एकत्र कीं, प्रत्येक के लिए दो होमेर, और मण्डली के सभी अधिकारी आए और उन्होंने मूसा को सूचना दी। मूसा ने उनसे कहा, क्या यह वही वचन नहीं है जो प्रभु ने बोला था? कल प्रभु के लिए पवित्र विश्राम का सब्त है, जितना तुम पकाना चाहो पका लो, और जितना तुम उबालना चाहो उबाल लो, और जो कुछ बच जाए उसे सुबह के लिए भंडार में रख दो। और उन्होंने उसे सुबह तक रख छोड़ा, जैसा मूसा ने

उन्हें आदेश दिया था, और वह नहीं सड़ा, न ही उसमें कीड़ा पड़ा। मूसा ने कहा, आज खाओ, क्योंकि आज प्रभु का सब्बाथ है, यह मैदान में नहीं पाया जाएगा। छह दिन तुम इकट्ठा करोगे, लेकिन सातवें दिन सब्बत है, क्योंकि उस में यह नहीं होगा। ऐसा हुआ कि सातवें दिन लोगों में से कुछ ने इकट्ठा करने का प्रयास किया, परन्तु उन्हें कुछ नहीं मिला। प्रभु ने मूसा से कहा, कब तक तुम मेरी आज्ञाओं और मेरे नियम को सुनना नहीं चाहोगे? देखो, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें यह सब्बाथ का दिन दिया है, इसलिए उसने तुम्हें छठे दिन दो दिनों की रोटियाँ दी हैं। तुममें से प्रत्येक अपने घर में रहे, कोई भी सातवें दिन अपने स्थान से बाहर न निकले। और लोगों ने सातवें दिन विश्राम किया। और इस्राएल के पुत्रों ने इसका नाम मन्ना रखा। यह सफेद धनिये के बीज जैसा था, और इसका स्वाद शहद में बने केक जैसा था। मूसा ने कहा, यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी: मन्ना का एक होमेर भरकर अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए भंडार में रखो, ताकि वे उस रोटि को देखें जो तुमने जंगल में खाई, जब प्रभु तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाए। और मूसा ने हारून से कहा, एक सुनहरा मटका लो, और उसमें एक होमेर भर मन्ना डालो, और उसे परमेश्वर के सामने रखो, तुम्हारी पीढ़ियों के लिए संरक्षण में। जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया, और हारून ने साक्ष्य के सामने संरक्षण के लिए रखा। इस्राएल के पुत्रों ने चालीस वर्ष तक मन्ना खाया, जब तक वे बसे हुए संसार में नहीं आए; उन्होंने मन्ना खाया जब तक वे फोनीशिया के प्रदेश में नहीं पहुंचे। गोमोर तीन मापों का दसवां भाग था।

17

और इस्राएल के पुत्रों की सारी मण्डली सीन के जंगल से प्रभु के वचन के अनुसार अपनी छावनियों के साथ प्रस्थान की और रपीदीम में डेरा डाला, परन्तु लोगों के लिए पीने को जल नहीं था। और लोग मूसा से झगड़ा करते हुए कहने लगे, हमें पानी दो, ताकि हम पी सकें, और मूसा ने उनसे कहा, तुम मुझसे क्यों झगड़ा करते हो, और प्रभु की परीक्षा क्यों लेते हो? लेकिन वहाँ लोग पानी के लिए प्यासे हुए, और वहाँ लोगों ने मूसा के विरुद्ध बड़बड़ाया, कहते हुए, यह क्यों

किया? तुम हमें मिस्र से बाहर लाए हमें और हमारे बच्चों और हमारे मवेशियों को प्यास से मारने के लिए? मूसा ने प्रभु की ओर पुकारा और कहा, मैं इन लोगों के साथ क्या करूँ? थोड़ी देर में ये मुझे पत्थर मार देंगे। और प्रभु ने मूसा से कहा, इन लोगों के आगे जाओ, और अपने लिए लोगों के बुजुर्गों में से कुछ को ले लो, और वह लाठी जिससे तुमने नदी को मारा था, उसे अपने हाथ में ले लो, और जाओ। देखो, मैं तुमसे पहले वहाँ होरेब की चट्टान पर खड़ा हूँ, और तुम चट्टान पर प्रहार करोगे, और उसमें से पानी निकलेगा, और लोग पिएँगे। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के सामने ऐसा ही किया। और उसने उस स्थान का नाम परीक्षा और निंदा रखा, इस्राएल के पुत्रों के निंदा के कारण, और प्रभु की परीक्षा करने के कारण, यह कहते हुए, क्या प्रभु हमारे बीच में है, या नहीं?

अमालेक आया और रपीदीम में इस्राएल से लड़ा। मूसा ने यहोशू से कहा, अपने लिए शक्तिशाली पुरुषों को चुनो, और निकलकर कल अमालेक से युद्ध करो, और देखो, मैं पहाड़ी के शिखर पर खड़ा रहूँगा, और परमेश्वर की छड़ी मेरे हाथ में होगी। और यहोशू ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने उसको कहा था, और निकलकर अमालेक के विरुद्ध युद्ध के लिए खड़ा हुआ, और मूसा और हारून और होर पहाड़ी की चोटी पर चढ़े। और ऐसा हुआ कि जब मूसा ने हाथ उठाए, तो इस्राएल प्रबल होता था, और जब उसने हाथ नीचे किए, तो अमालेक प्रबल होता था। और मूसा के हाथ भारी थे, और उन्होंने एक पत्थर लिया और उसे उसके नीचे रखा, और वह उस पर बैठ गया, और हारून और हूर ने उसके हाथों को सहारा दिया, एक इधर से और एक उधर से, और मूसा के हाथ सूर्यास्त तक दृढ़ रहे। और यहोशू ने अमालेक को और उसके सब लोगों को तलवार की धार से भगाया। प्रभु ने मूसा से कहा, इसे स्मारक के रूप में पुस्तक में लिख डालो, और यहोशू के कानों में डालो, कि मैं अमालेक के स्मारक को आकाश के नीचे से पूरी तरह मिटा दूँगा। और मूसा ने प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और उसका नाम रखा, प्रभु मेरा शरण। क्योंकि प्रभु गुप्त हाथ से अमालेक के विरुद्ध पीढ़ी दर पीढ़ी युद्ध करते हैं।

इथोर, जो मिद्यान का पुजारी और मूसा का ससुर था, उसने सुना कि प्रभु ने इस्राएल के लिए, अपने लोगों के लिए, सब कुछ किया था, क्योंकि प्रभु इस्राएल को मिस्र से निकाल लाया था। यित्री, जो मूसा के ससुर थे, ने मूसा की पत्नी सिप्पोरा को उसकी विदाई के बाद लिया। और उसके दो पुत्र, उनमें से एक का नाम गेशोम था, यह कहते हुए कि मैं एक विदेशी भूमि में प्रवासी था, और दूसरे का नाम एलीएज़र था, यह कहते हुए, क्योंकि मेरे पिता का परमेश्वर मेरा सहायक था, और उसने मुझे फ़िरौन के हाथ से बचाया। और यित्री, मूसा का ससुर, और उसके पुत्र और उसकी पत्नी मूसा के पास रेगिस्तान में गए, जहाँ उसने परमेश्वर के पहाड़ पर डेरा डाला था। और मूसा को यह सूचना दी गई, देखो, तुम्हारे ससुर यित्री तुम्हारे पास आ रहे हैं, और तुम्हारी पत्नी और तुम्हारे दो पुत्र उनके साथ हैं। मूसा अपने ससुर से मिलने के लिए बाहर गया, और उसे झुककर प्रणाम किया, और उसे चूमा, और उन्होंने एक दूसरे का अभिवादन किया, और वह उन्हें तम्बू में ले गया। और मूसा ने अपने ससुर को सब कुछ सुनाया जो प्रभु ने फ़िरौन और सब मिस्रियों के साथ इस्राएल के कारण किया था, और वह सब कष्ट जो उन्हें मार्ग में हुआ था, और यह कि प्रभु ने उन्हें फ़िरौन के हाथ से और मिस्रियों के हाथ से छुड़ाया था। यित्री उन सब अच्छी बातों पर आश्चर्यचकित हुआ जो प्रभु ने उनके लिए की थीं, क्योंकि उसने उन्हें मिस्रियों के हाथ से और फ़िरौन के हाथ से छुड़ाया था। और यित्री ने कहा, धन्य है प्रभु, क्योंकि उसने उनको मिस्रियों के हाथ से और फ़िरौन के हाथ से छुड़ाया। अब मैंने जाना कि प्रभु सब देवताओं से महान हैं, इस कारण से कि उन्होंने उन पर हमला किया। और मूसा के ससुर यित्री ने परमेश्वर के लिए होमबलि और बलिदान चढ़ाए, और हारून और इस्राएल के सब प्राचीन मूसा के ससुर के साथ परमेश्वर के सामने रोटी खाने आए।

और ऐसा हुआ कि अगले दिन के बाद मूसा लोगों का न्याय करने बैठा, और सब लोग मूसा के पास सुबह से शाम तक खड़े रहे। और यित्री ने देखा कि वह लोगों के लिए जो कुछ करता है,

उसने कहा, यह क्या है जो तू लोगों के लिए करता है? तू अकेला क्यों बैठा है, और सब लोग सुबह से शाम तक तेरे पास खड़े हैं? और मूसा अपने साले से कहता है, लोग मेरे पास परमेश्वर से न्याय प्राप्त करने आते हैं। जब भी उनके बीच विवाद होता है और वे मेरे पास आते हैं, तो मैं प्रत्येक का न्याय करता हूँ और उन्हें ईश्वर के आदेश और उसकी व्यवस्था से अवगत कराता हूँ। मूसा के साले ने उससे कहा, तू यह काम सही नहीं कर रहा है। अधीरता से तुम विनाश को प्राप्त होगे, और तुम भी, और यह सब लोग जो तुम्हारे साथ हैं। यह बात तुम्हारे लिए भारी है, तुम अकेले यह करने में सक्षम नहीं होगे। अब इसलिए मेरी सुनो, और मैं तुम्हें सलाह दूंगा, और परमेश्वर तुम्हारे साथ होगा। तुम लोगों के लिए परमेश्वर की ओर बनो, और तुम उनके शब्दों को परमेश्वर की ओर चढ़ाओगे। और तू उनको परमेश्वर की आज्ञाएँ और उसके नियम की गवाही देगा, और तू उनको वे मार्ग दिखाएगा जिनमें वे चलेंगे, और वे कार्य जो वे करेंगे। और तुम अपने लिए सब लोगों में से शक्तिशाली पुरुषों को चुनो, जो ईश्वर से डरने वाले हों, धर्मी पुरुष हों, अहंकार से घृणा करने वाले हों, और तुम उन पर हजार के सेनापति, सौ के सेनापति, पचास के सेनापति और दस के सेनापति नियुक्त करोगे। और वे लोगों का हर समय न्याय करेंगे, लेकिन कठिन मामलों को वे तुम्हारे पास लाएंगे, परन्तु छोटे निर्णयों का वे स्वयं न्याय करेंगे, और वे तुम्हारा भार हल्का करेंगे, और वे तुम्हारी सहायता करेंगे। यदि तू यह काम करे, तो परमेश्वर तुझे सामर्थ्य देगा, और तू खड़ा रह सकेगा, और ये सब लोग शांति के साथ अपने-अपने स्थान को जाएंगे। मूसा ने अपने ससुर की बात सुनी, और जो कुछ उसने उससे कहा था वह सब किया। और मूसा ने समस्त इस्राएल में से शक्तिशाली पुरुषों को चुना, और उनको उनके ऊपर हजार के सेनापति, सौ के सेनापति, पचास के सेनापति और दस के सेनापति बनाया। और उन्होंने हर समय लोगों का न्याय किया, लेकिन हर भारी मामला वे मूसा के पास लाए, लेकिन हर हल्का मामला उन्होंने स्वयं न्याय किया। मूसा ने अपने ससुर को विदा किया, और वह अपने देश चला गया।

19

तीसरे महीने के इस दिन, इस्राएल के पुत्रों के मिस्र की भूमि से प्रस्थान के बाद, वे सीनै के रेगिस्तान में आए। और वे राफिदेइन से प्रस्थान किए, और सीनै के निर्जन स्थान में आए, और इस्राएल ने वहाँ पर्वत के सामने डेरा डाला। और मूसा परमेश्वर के पहाड़ पर चढ़ गया, और परमेश्वर ने उसे पहाड़ से बुलाया, कहते हुए, ये बातें तू याकूब के घराने से कहेगा, और इस्राएल के पुत्रों को घोषणा करेगा। तुम लोगों ने स्वयं देखा है कि मैंने मिस्रियों के साथ क्या किया है, और मैंने तुम्हें चीलों के पंखों पर उठाया, और तुम्हें अपने पास लाया। और अब यदि तुम मेरी आवाज़ सुनो, और मेरी वाचा को रखो, तो तुम मेरे लिए सब राष्ट्रों में से विशेष लोग होगे, क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है। तुम मेरे लिए एक राजसी याजकपद और एक पवित्र जाति होगे, और ये वचन तुम इस्राएल के पुत्रों से कहोगे। और मूसा आया, और उसने लोगों के बुजुर्गों को बुलाया, और उनके सामने वे सब शब्द रखे, जो परमेश्वर ने उनको आदेश दिए थे। तब सब लोगों ने एक मत से उत्तर दिया और कहा, जो कुछ परमेश्वर ने कहा है, वह सब हम करेंगे और सुनेंगे। और मूसा ने ये शब्द परमेश्वर के पास पहुँचाए। प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैं बादल के स्तंभ में तुम्हारे पास आ रहा हूँ, ताकि लोग मुझे तुमसे बात करते हुए सुनें, और सदा के लिए तुम पर विश्वास करें। और मूसा ने लोगों के शब्द प्रभु को बताए। और प्रभु ने मूसा से कहा, नीचे जाकर लोगों को चेतावनी दो, और उन्हें आज और कल शुद्ध करो, और वे अपने वस्त्र धोएं। और वे तीसरे दिन के लिए तैयार रहें, क्योंकि तीसरे दिन प्रभु सीनै पर्वत पर सब लोगों के सामने उतरेंगे। और तुम लोगों को चारों ओर से अलग करोगे, यह कहते हुए, अपने आप को सावधान रखो कि पहाड़ पर न चढ़ो और उसे छुओ मत, जो कोई भी पहाड़ को छुएगा, वह मृत्यु से मर जाएगा। उसे हाथ नहीं लगाया जाएगा, क्योंकि उसे पत्थरों से मारा जाएगा, या तीर से मारा जाएगा, चाहे पशु हो या मनुष्य, वह जीवित नहीं रहेगा। जब आवाजें और तुरहियां और बादल पहाड़ से चला जाए, तब वे पहाड़ पर चढ़ेंगे।

और मूसा पहाड़ से उतरकर लोगों के पास आया, और उसने उन्हें पवित्र किया, और उन्होंने अपने वस्त्र धोए। और उसने लोगों से कहा, तैयार रहो, तीन दिन तक स्त्री के पास मत जाना। तीसरे दिन भोर होने पर ऐसा हुआ कि आवाजें, बिजलियाँ और एक अंधकारमय बादल सीनै पर्वत पर

प्रकट हुए, तुरही की आवाज जोर से गूँजी, और शिविर में सभी लोग भयभीत हो गए। और मूसा लोगों को परमेश्वर से मिलने के लिए शिविर से बाहर ले गया, और वे पहाड़ के पास खड़े हुए। सीनै पर्वत पूरा धुआं कर रहा था, क्योंकि परमेश्वर आग में उस पर उतर चुके थे, और धुआं चढ़ रहा था, जैसे भट्ठी का धुआं, और सब लोग बहुत चकित हुए। तुरही की आवाज़ें बढ़ती हुई बहुत मज़बूत होती गईं। मूसा बोला, और परमेश्वर ने उसे आवाज़ में उत्तर दिया। प्रभु सीनै पर्वत के शिखर पर उतरे, और प्रभु ने मूसा को पर्वत के शिखर पर बुलाया, और मूसा ऊपर चढ़ गए। और परमेश्वर ने मूसा से कहा, नीचे जाकर लोगों को चेतावनी दो कि वे कभी भी परमेश्वर के निकट समझने के लिए न आएँ, और उनमें से बहुत से लोग गिर जाएँ। और जो पुजारी प्रभु परमेश्वर के पास आते हैं, वे अपने आप को पवित्र करें, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु उन्हें नष्ट कर दे।

और मूसा ने परमेश्वर से कहा, लोग सीनै पर्वत पर चढ़ने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि तूने हमें गवाही दी है, यह कहते हुए, पर्वत को अलग करो और इसे पवित्र करो। प्रभु ने उससे कहा, जाओ, नीचे जाओ, और तुम और तुम्हारे साथ आरोन ऊपर आओ, लेकिन याजक और लोग परमेश्वर की ओर ऊपर जाने के लिए बलपूर्वक प्रवेश न करें, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु उनमें से किसी को नष्ट कर दे। मूसा लोगों के पास नीचे गया, और उसने उनसे कहा।

20

और प्रभु ने ये सब शब्द कहे, यह कहते हुए, मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से बाहर लाया। मेरे सिवाय तुम्हारे लिए अन्य देवता नहीं होंगे। तुम अपने लिए कोई मूर्ति नहीं बनाओगे, और न ही किसी चीज़ की समानता बनाओगे, जो ऊपर आकाश में हैं, और जो नीचे पृथ्वी पर हैं, और जो पृथ्वी के नीचे जल में हैं। तुम उनकी पूजा नहीं करोगे, और न ही तुम उनकी सेवा करोगे, क्योंकि मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, एक ईर्ष्यालु ईश्वर, जो पिताओं के पापों का दण्ड बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक देता है, उन्हें जो मुझसे घृणा करते हैं, और हजारों

पर दया करता हूँ जो मुझसे प्रेम करते हैं, और जो मेरी आज्ञाओं को मानते हैं। तू अपने प्रभु परमेश्वर का नाम व्यर्थ नहीं लेगा, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर उसको निर्दोष नहीं ठहराएगा जो उसका नाम व्यर्थ लेता है। सब्बाथ के दिन को पवित्र रखने के लिए याद रखो। छह दिन काम करो, और तुम अपने सभी काम करोगे। परन्तु सातवें दिन, तुम्हारे प्रभु परमेश्वर का विश्राम है, तुम इसमें कोई काम नहीं करोगे, न तुम, न तुम्हारा पुत्र, न तुम्हारी पुत्री, न तुम्हारा सेवक, न तुम्हारी दासी, न तुम्हारा बैल, न तुम्हारा पशु, न तुम्हारा कोई पशु, और न वह परदेशी जो तुम्हारे बीच निवास करता है। क्योंकि छह दिनों में प्रभु ने आकाश और पृथ्वी और समुद्र और उनमें की सब चीज़ें बनाई, और सातवें दिन विश्राम किया, इस कारण प्रभु ने सातवें दिन को आशीर्वाद दिया, और इसे पवित्र किया। अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करो, ताकि तुम्हारा भला हो, और ताकि तुम उस अच्छी पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा प्रभु ईश्वर तुम्हें देता है। तुम व्यभिचार नहीं करोगे। तुम चोरी नहीं करोगे। तू हत्या नहीं करेगा। तुम अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही नहीं दोगे। तुम अपने पड़ोसी की पत्नी की इच्छा नहीं करोगे, तुम अपने पड़ोसी के घर की इच्छा नहीं करोगे, न उसके खेत की, न उसके सेवक की, न उसकी दासी की, न उसके बैल की, न उसके जुए वाले पशु की, न उसके किसी पशु की, न उन सब चीज़ों की जो तुम्हारे पड़ोसी की हैं।

और सब लोगों ने आवाज़ को देखा, और मशालों को, और तुरही की आवाज़ को, और धुआं उठते हुए पहाड़ को। लेकिन डरकर सब लोग दूर से खड़े हो गए। और उन्होंने मूसा से कहा, तुम हमसे बोलो, और परमेश्वर हमसे न बोलें, कहीं ऐसा न हो कि हम मर जाएं। और मूसा उनसे कहता है, साहस रखो, क्योंकि परमेश्वर तुम्हारी परीक्षा करने के लिए तुम्हारे पास आया है, ताकि उसका भय तुममें हो जाए, ताकि तुम पाप न करो। लोग दूर से खड़े थे, लेकिन मूसा उस अंधकार में प्रवेश किया जहाँ परमेश्वर थे। और प्रभु ने मूसा से कहा, ये बातें तुम याकूब के घराने से कहोगे, और इस्राएल के पुत्रों को घोषणा करोगे: तुमने देखा है कि मैंने स्वर्ग से तुमसे बात की है। तुम अपने लिए चाँदी के देवता नहीं बनाओगे, और सोने के देवता भी अपने लिए नहीं बनाओगे। तुम मेरे लिए पृथ्वी से वेदी बनाओगे, और उस पर तुम अपने होमबलि, और अपनी मुक्ति, और भेड़ें,

और अपने बछड़े बलिदान करोगे हर उस स्थान में जहाँ मैं अपना नाम रखवाऊंगा, और मैं तुम्हारे पास आऊंगा, और तुम्हें आशीर्वाद दूंगा। यदि तुम मेरे लिए पत्थरों से वेदी बनाओ, तो तुम उन्हें तराशे हुए पत्थरों से नहीं बनाओगे, क्योंकि तुमने उन पर अपनी तलवार चलाई है, और वे अपवित्र हो गए हैं। तुम मेरी वेदी पर सीढ़ियों से नहीं चढ़ोगे, ताकि तुम उस पर अपनी नग्नता को उघाड़ न दो।

21

और ये वे विधियाँ हैं, जो तू उनके सामने रखेगा। यदि तुम इब्रानी सेवक खरीदो, तो वह छः वर्ष तुम्हारी सेवा करेगा, लेकिन सातवें वर्ष में वह बिना मूल्य स्वतंत्र हो जाएगा। यदि वह स्वयं अकेला प्रवेश करे, तो अकेला ही बाहर जाएगा, और यदि कोई स्त्री उसके साथ प्रवेश करे, तो उसकी स्त्री भी बाहर जाएगी। और यदि स्वामी उसे एक स्त्री दे, और वह उसके लिए पुत्र या पुत्रियाँ जन्म दे, तो वह स्त्री और वे बच्चे उसके स्वामी के होंगे, परन्तु वह अकेला ही बाहर जाएगा। यदि सेवक उत्तर देते हुए कहे, मैंने अपने स्वामी से, और पत्नी से, और बच्चों से प्रेम किया है, मैं स्वतंत्र होकर नहीं जाऊंगा, उसका स्वामी उसे परमेश्वर की कसौटी के पास लाएगा, और तब उसे द्वार पर, चौखट पर लाएगा, और उसका स्वामी सूप से उसका कान छेदेगा, और वह सदा के लिए उसकी सेवा करेगा।

यदि कोई अपनी बेटी को दासी के रूप में बेच दे, तो वह उस तरह नहीं जाएगी जैसे दासियाँ चली जाती हैं। यदि वह अपने स्वामी को प्रसन्न न करे, जिससे वह सहमत हुआ था, तो वह उसे छुड़ाएगा, लेकिन विदेशी जाति को उसे बेचने का वह स्वामी नहीं है, क्योंकि उसने इसमें विश्वासघात किया। यदि वह अपने पुत्र से उसकी सगाई करता है, तो पुत्रियों के अधिकार के अनुसार उसके साथ व्यवहार करेगा। यदि वह अपने लिए दूसरी को ले, तो आवश्यक चीजें, वस्त्र और उसकी संगति से उसे वंचित नहीं करेगा। यदि वह उसके लिए ये तीन काम नहीं करता, तो

वह बिना चाँदी के मुफ्त में चली जाएगी। यदि कोई किसी को मारता है और वह मर जाता है, तो उसे मृत्युदंड दिया जाए। लेकिन वह इच्छा से नहीं, बल्कि ईश्वर ने उसके हाथों में सौंपा, तो मैं तुझे एक स्थान दूंगा जहाँ वह हत्यारा भाग सकेगा। यदि कोई अपने पड़ोसी पर छल से हमला करके उसे मारने का प्रयास करे और शरण ले, तो मेरी वेदी से भी उसे ले जाकर मृत्युदंड दो। जो अपने पिता या अपनी माता को मारता है, उसे मृत्युदंड दिया जाए। जो अपने पिता या अपनी माता की निंदा करता है, वह मृत्यु से मरेगा। जो कोई इस्राएल के पुत्रों में से किसी को चुराए, और उसे दबाकर बेच दे, और यह उसमें पाया जाए, तो वह मृत्युदंड से मारा जाए। यदि दो पुरुष अपमान करें और पड़ोसी को पत्थर या मुट्ठी से मारें, और वह न मरे, लेकिन बिस्तर पर लेटा रहे, यदि उठकर वह आदमी छड़ी के सहारे बाहर चले, तो मारनेवाला निर्दोष होगा, केवल वह उसकी निष्क्रियता का और चिकित्सा खर्च का भुगतान करेगा। यदि कोई अपने दास को या अपनी दासी को छड़ी से मारे और वह उसके हाथों से मर जाए, तो न्याय से बदला लिया जाएगा। यदि वह एक या दो दिन जीवित रहे, तो उसे दंडित न किया जाए, क्योंकि वह उसकी संपत्ति है। यदि दो पुरुष लड़ें और गर्भवती स्त्री को मारें, और उसका बच्चा बिना पूर्ण आकार के निकल जाए, तो हानि के लिए दंडित किया जाएगा, जैसा कि स्त्री का पति लगाए, वह मूल्यांकन के साथ देगा। यदि लेकिन वह आकार दिया गया हो, तो वह आत्मा के बदले आत्मा देगा। आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत, हाथ के बदले हाथ, पैर के बदले पैर। जलन के बदले जलन, घाव के बदले घाव, चोट के बदले चोट। यदि कोई अपने सेवक की आँख या अपनी दासी की आँख पर मारता है और उसे अंधा कर देता है, तो वह उनकी आँख के बदले उन्हें स्वतंत्र करके भेज देगा। यदि वह अपने नौकर का दाँत, या अपनी सेविका का दाँत तोड़ दे, तो वह उनको उनके दाँत के बदले में स्वतंत्र करके भेज देगा। यदि कोई बैल किसी आदमी या स्त्री को सींग मारे और वह मर जाए, तो पत्थरों से वह बैल को पत्थर मारा जाएगा, और उसका मांस नहीं खाया जाएगा, लेकिन बैल का मालिक निर्दोष होगा। यदि वह बैल कल से पहले और तीसरे दिन से पहले सींग मारने वाला हो, और उसके स्वामी को गवाही दी गई हो, और उसने उसे नहीं हटाया हो, लेकिन वह किसी पुरुष या स्त्री को मार डाले, तो वह बैल पत्थर मारा जाएगा, और उसका स्वामी भी मार डाला जाएगा। यदि उस पर फिरौती लगाई जाए, तो वह अपनी जान की फिरौती देगा, जितनी उस पर लगाई

जाए। यदि वह किसी पुत्र या पुत्री को सींग मारे, तो इस विधान के अनुसार उसके साथ करें। यदि बैल किसी सेवक या दासी को सींग मार दे, तो चांदी के तीस दो द्रुष्मा उनके स्वामी को देगा, और वह बैल पत्थर मारा जाएगा। यदि कोई गड्ढा खोले या गड्ढा खोदे, और उसे न ढके, और वहाँ बछड़ा या गधा गिर जाए, गड्ढे का मालिक भुगतान करेगा, वह उनके मालिक को चांदी देगा, लेकिन मरा हुआ जानवर उसका होगा। यदि किसी का साँड़ पड़ोसी के साँड़ को सींग मारे, और वह मर जाए, तो वे जीवित साँड़ को बेच देंगे, और उसकी चाँदी बाँट लेंगे, और मरे हुए साँड़ को भी बाँट लेंगे। यदि यह ज्ञात हो कि वह बैल कल से पहले और परसों से पहले सींग मारने वाला है, और उसके स्वामी को गवाही दी गई हो, और वह उसे न हटाए, तो वह बैल के बदले बैल का भुगतान करेगा, लेकिन मरा हुआ बैल उसका होगा।

यदि कोई बछड़ा या भेड़ चुराए, और उसे वध करे या बेचे, तो वह बछड़े के बदले पाँच बछड़े भुगतान करेगा, और भेड़ के बदले चार भेड़ भुगतान करेगा।

22

यदि चोर सेंध लगाते हुए पाया जाए और मारा जाकर मर जाए, तो यह हत्या नहीं है। यदि उस पर सूर्य उदय हो जाए, तो वह दोषी है और मार डाला जाएगा, लेकिन यदि उसके पास कुछ न हो, तो उसे चोरी के बदले बेच दिया जाए। यदि चोरी की वस्तु उसके हाथ में गधे से लेकर भेड़ तक जीवित पाई जाए, तो वह उनका दुगुना भुगतान करेगा। यदि कोई किसी खेत या अंगूर के बगीचे को चराता है, और अपने पशु को दूसरे के खेत में चराने के लिए छोड़ देता है, तो वह अपने खेत की उपज के अनुसार भुगतान करेगा, और यदि वह पूरे खेत को चरा देता है, तो वह अपने खेत की सबसे अच्छी चीजें और अपने अंगूर के बगीचे की सबसे अच्छी चीजें भुगतान करेगा। यदि आग बाहर जाकर काँटों को पाए, और खलिहानों या अनाज की बालों या मैदान को जला दे, तो जिसने आग जलाई है वह भुगतान करेगा।

यदि कोई अपने पड़ोसी को चांदी या बर्तन रखवाली के लिए दे, और वह उस आदमी के घर से चुरा लिया जाए, यदि चोर पाया जाए, तो वह दुगुना भुगतान करेगा। यदि चोर नहीं पाया गया, तो घर का स्वामी परमेश्वर के सामने आएगा और शपथ लेगा कि उसने पड़ोसी की पूरी धरोहर के विषय में दुष्टता नहीं की। हर कहे गए अन्याय के अनुसार—बछड़े के विषय में, जुए वाले पशु के, भेड़ के, वस्त्र के, और सब दावा किए गए नुकसान के विषय में—जो कुछ भी हो, दोनों का न्याय परमेश्वर के सामने आएगा, और जो परमेश्वर के द्वारा दोषी ठहराया जाए, वह अपने पड़ोसी को दोगुना चुकाएगा। यदि कोई अपने पड़ोसी को कोई जानवर या बछड़ा या भेड़ या कोई पशु रखवाली के लिए दे, और वह टूट जाए या मर जाए या बंदी बना लिया जाए, और कोई न जानता हो, परमेश्वर की शपथ दोनों के बीच में होगी, कि वास्तव में उसने पड़ोसी की जमानत के विषय में किसी भी प्रकार से दुष्टता से काम नहीं किया है, और इस प्रकार उसका स्वामी इसे स्वीकार करेगा, और वह भुगतान नहीं करेगा। यदि उसके पास से चोरी हो जाए, तो वह स्वामी को भुगतान करेगा। यदि वह जंगली जानवरों द्वारा फाड़ा जाए, तो वह उसे शिकार के स्थान पर ले जाएगा, और भुगतान नहीं करेगा। यदि कोई अपने पड़ोसी से माँगे, और वह टूट जाए या मर जाए या बंदी बन जाए, और मालिक उसके साथ न हो, तो वह भुगतान करेगा। यदि स्वामी उसके साथ हो, तो वह भुगतान नहीं करेगा, लेकिन यदि वह मजदूर हो, तो यह उसकी मजदूरी के बदले में होगा।

यदि कोई अविवाहित कुंवारी को धोखा दे और उसके साथ सो जाए, तो वह दहेज देकर उसे अपनी पत्नी बनाएगा। यदि वह इनकार करते हुए इनकार करे, और उसका पिता उसे उसको पत्नी देना न चाहे, तो वह पिता को उतनी चांदी भुगतान करेगा जितना कुंवारियों का दहेज होता है। जादूगरों को जीवित नहीं रखना। जो कोई भी पशु के साथ सोता है, उन्हें मृत्युदंड से मार डालो। जो देवताओं को बलिदान करता है, वह मृत्यु से नष्ट कर दिया जाएगा, केवल प्रभु को छोड़कर।

और तुम परदेशी को नहीं सताओगे, और न ही उसे दबाओगे, क्योंकि तुम मिस्र देश में परदेशी थे।

तुम किसी भी विधवा और अनाथ को नहीं सताओगे। यदि तुम दुष्टता से उनको सताओ, और वे चिल्लाकर मेरी ओर पुकारें, तो मैं उनकी पुकार अवश्य सुनूंगा। और मैं क्रोध में क्रोधित होऊंगा, और मैं तुम्हें तलवार से मार डालूंगा, और तुम्हारी स्त्रियां विधवाएं होंगी, और तुम्हारे बच्चे अनाथ होंगे। यदि तुम अपने पास के किसी गरीब भाई को चाँदी उधार दो, तो तुम उसे दबाव में नहीं डालोगे और उस पर ब्याज नहीं लगाओगे। यदि तुम अपने पड़ोसी का वस्त्र गिरवी रखो, तो सूर्यास्त से पहले उसे उसको लौटा दोगे। क्योंकि यह उसका आवरण है, केवल यह ही उसकी नग्नता का वस्त्र है, वह किसमें सोएगा? इसलिए यदि वह मेरी ओर पुकारेगा, तो मैं उसकी सुनूंगा, क्योंकि मैं दयालु हूँ। देवताओं की निंदा मत करो, और अपने लोगों के शासक के विषय में बुरा मत कहो। तू अपने खलिहान और दाखरस कुंड के पहले फलों में देर नहीं करेगा, अपने पुत्रों के पहलौठों को मुझे देगा। इस प्रकार तुम अपने बछड़े, अपनी भेड़ और अपने जुए वाले पशु के साथ करोगे। सात दिन तक वह अपनी माता के पास रहेगा, लेकिन आठवें दिन तुम उसे मुझे लौटाओगे। और तुम मेरे लिए पवित्र पुरुष होगे, और जंगली जानवरों द्वारा मारे गए मांस को नहीं खाओगे, इसे कुत्ते को फेंक दो।

23

तुम व्यर्थ बात को स्वीकार नहीं करोगे, तुम अन्यायी के साथ अन्यायी गवाह बनने के लिए सहमत नहीं होगे। तुम बुराई में अधिक लोगों के साथ नहीं होगे, तुम भीड़ के साथ नहीं जुड़ोगे कि अधिक लोगों के साथ भटको, ताकि न्याय को बिगाड़ा जाए। और तुम न्याय में गरीब पर दया नहीं करोगे। यदि तू अपने शत्रु के बैल या उसके पशु को भटकते हुए मिले, तो उसे लौटाकर उसको वापस कर देगा। यदि तुम अपने शत्रु के पशु को उसके भार के नीचे गिरा हुआ देखो, तो तुम उसे छोड़कर नहीं गुजरोगे, परन्तु तुम उसके साथ उसे उठाने में सहायता करोगे।

तुम उसके न्याय में गरीब के निर्णय को विकृत नहीं करोगे। हर अन्यायपूर्ण शब्द से तू दूर रहेगा,

निर्दोष और न्यायी को तू नहीं मारेगा, और उपहारों के कारण दुष्ट को न्यायसंगत नहीं ठहराएगा। और तुम उपहार नहीं लोगे, क्योंकि उपहार देखने वालों की आँखें अंधी कर देते हैं, और न्यायपूर्ण शब्दों को नष्ट कर देते हैं। और तुम परदेशी को नहीं सताओगे, क्योंकि तुम परदेशी की आत्मा को जानते हो, तुम स्वयं मिस्र की भूमि में परदेशी थे। छह वर्ष तुम अपनी भूमि बोओगे, और तुम उसकी उपज इकट्ठा करोगे। सातवें वर्ष में तू छुटकारा करेगा और इसे छोड़ देगा, और तेरे राष्ट्र के गरीब खाएंगे, और जो बचा रहेगा उसे जंगली जानवर खाएंगे। इसी प्रकार तू अपने अंगूर के बाग और अपने जैतून के बाग के साथ करेगा। छह दिन तू अपने काम करेगा, लेकिन सातवें दिन विश्राम होगा, ताकि तेरा बैल और तेरा जानवर विश्राम करें, और ताकि तेरी दासी का पुत्र और परदेसी ताज़ा हों। जितना कुछ मैंने तुमसे कहा है, उसे सुरक्षित रखो, और दूसरे देवताओं के नाम का स्मरण मत करो, न ही वे तुम्हारे मुख से सुने जाएं।

वर्ष में तीन बार मेरे लिए उत्सव मनाओ। बिना खमीर की रोटी के पर्व को मनाना, सात दिन तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी नए महीने के समय के अनुसार, क्योंकि उसी में तुम मिस्र से निकले थे, तुम मेरे सामने खाली हाथ दिखाई नहीं दोगे। और तू अपने कामों के पहले फलों की कटनी का पर्व मनाएगा, जो तू अपने खेत में बोएगा, और वर्ष के अंत में अपने खेत से अपने कामों की सभा में समाप्ति का पर्व मनाएगा। वर्ष में तीन बार तुम्हारा हर पुरुष प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के सामने दिखाई देगा। जब मैं तुम्हारे सामने से राष्ट्रों को निकाल दूंगा और तुम्हारी सीमाओं को विस्तृत करूंगा, तो तुम मेरे धूप के खून को खमीर पर बलिदान नहीं करोगे, और न ही मेरे पर्व की चर्बी सुबह तक पड़ी रहेगी। तुम अपनी भूमि की प्रथम उपज के प्रथम फल अपने परमेश्वर प्रभु के घर में लाओगे, तुम मेमने को उसकी माता के दूध में नहीं उबालोगे। और देखो, मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजता हूँ, ताकि वह मार्ग में तुम्हारी रक्षा करे, ताकि वह तुम्हें उस भूमि में ले जाए, जो मैंने तुम्हारे लिए तैयार की है। अपने लिए ध्यान दो, और उसकी सुनो, और उसकी अवज्ञा मत करो, क्योंकि वह तुम्हें नहीं रोकेगा, क्योंकि मेरा नाम उस पर है। यदि तुम मेरी आवाज़ सुनो, और जो कुछ भी मैं तुझे आज्ञा करूँ वह सब तू करे, और तुम मेरी वाचा को रखो, तो तुम सब राष्ट्रों में से मेरे लिए विशेष लोग होगे, क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है,

और तुम मेरे लिए एक राजकीय याजकपद और पवित्र राष्ट्र होगे, ये शब्द तू इस्राएल के पुत्रों से कहेगा, यदि तुम मेरी आवाज़ सुनो, और जो कुछ भी मैं तुझे कहूँ वह सब तुम करो, तो मैं तेरे शत्रुओं का शत्रु बन्नूँगा, और तेरे विरोधियों का विरोध करूँगा। क्योंकि मेरा दूत तेरा अगुवा होकर जाएगा, और तुझे एमोरी, हित्ती, परिज्जी, कनानी, गिर्गाशी, हिब्वी और यबूसी के पास ले जाएगा, और मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा। तुम उनके देवताओं की पूजा नहीं करोगे, न ही उनकी सेवा करोगे, न ही उनके कार्यों के अनुसार करोगे, बल्कि तुम उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दोगे, और उनके स्तंभों को चकनाचूर कर दोगे। और तुम अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करोगे, और मैं तुम्हारी रोटी, तुम्हारे दाखरस और तुम्हारे जल को आशीर्वाद दूँगा, और मैं तुम्हारे बीच से बीमारी को दूर करूँगा। तुम्हारी भूमि पर न कोई बांझ पुरुष होगा, न कोई बांझ स्त्री होगी। तुम्हारे दिनों की संख्या को मैं पूरा करूँगा। और मैं तुम्हारे आगे भय भेजूँगा, और उन सब राष्ट्रों को चकित करूँगा जिनमें तुम प्रवेश करते हो, और तुम्हारे सब शत्रुओं को निर्वासित कर दूँगा। और मैं तुम्हारे आगे बरों को भेजूँगा, और तुम अमोरियों को, हिब्वियों को, कनानियों को और हित्तियों को अपने सामने से निकाल दोगे। मैं उनको एक वर्ष में नहीं निकालूँगा, ताकि भूमि उजाड़ न हो जाए और तुम पर भूमि के जंगली पशु अधिक न हो जाएं। मैं उन्हें तुम्हारे पास से थोड़ा-थोड़ा करके निकालूँगा, जब तक तुम बढ़ो और उस भूमि को विरासत में पाओ। और मैं तुम्हारी सीमाएं लाल समुद्र से लेकर फिलिस्तीनियों के समुद्र तक, और रेगिस्तान से लेकर महान नदी यूफ्रेट्स तक रखूँगा, और मैं उस भूमि में रहने वाले निवासियों को तुम्हारे हाथों में सौंप दूँगा, और मैं उन्हें तुम्हारे सामने से निकाल दूँगा। तुम उनसे और उनके देवताओं से वाचा नहीं करोगे। और वे तुम्हारी भूमि में नहीं बसेंगे, ताकि वे तुम्हें मेरे विरुद्ध पाप करने पर विवश न करें, क्योंकि यदि तुम उनके देवताओं की सेवा करो, तो ये तुम्हारे लिए ठोकर का पत्थर होंगे।

24

और मूसा से कहा गया, तुम और हारून, और नादाब, और अबीहू, और इस्राएल के सत्तर बुजुर्ग

प्रभु के पास ऊपर जाओ, और वे दूर से प्रभु को प्रणाम करेंगे। और मूसा अकेला ईश्वर के निकट आएगा, लेकिन वे निकट नहीं आएंगे, और लोग उनके साथ ऊपर नहीं जाएंगे। और मूसा ने प्रवेश किया, और लोगों को परमेश्वर के सब वचन और विधियाँ सुनाई, और सब लोगों ने एक स्वर से उत्तर दिया, कहते हुए, सब वचन जो प्रभु ने बोले, हम करेंगे और सुनेंगे। और मूसा ने प्रभु के सब वचन लिखे, और मूसा सुबह जल्दी उठकर पहाड़ के नीचे एक वेदी बनाई, और इस्राएल के बारह कबीलों के लिए बारह पत्थर रखे। और उसने इस्राएल के पुत्रों के युवा पुरुषों को भेजा, और उन्होंने होमबलि चढ़ाई, और परमेश्वर को उद्धार का बलिदान बछड़े चढ़ाए। लेकिन मूसा ने खून का आधा भाग लिया और कटोरों में डाला, और खून का आधा भाग वेदी की ओर डाला। और वाचा की पुस्तक लेकर, उसने लोगों के कानों में पढ़ा, और उन्होंने कहा, जो कुछ प्रभु ने कहा है, वह सब हम करेंगे और सुनेंगे। मूसा ने रक्त लेकर लोगों पर छिड़का, और कहा, देखो, यह उस वाचा का रक्त है, जो प्रभु ने तुम्हारे साथ इन सब वचनों के विषय में बाँधी है।

और मूसा और आरोन और नादाब और अबीहू और इस्राएल की परिषद के सत्तर लोग ऊपर गए। और उन्होंने उस स्थान को देखा जहाँ इस्राएल के परमेश्वर खड़े थे, और उनके पैरों के नीचे नीलम की ईंट के काम जैसा था, और स्वच्छता में आकाश के आकाश-मंडल के समान था। और इस्राएल के चुने हुए लोगों में से एक भी नष्ट नहीं हुआ, और वे परमेश्वर के स्थान पर दिखाई दिए, और उन्होंने खाया और पिया। और प्रभु ने मूसा से कहा, पहाड़ पर मेरे पास आओ और वहाँ रहो, और मैं तुम्हें पत्थर की पट्टियाँ दूँगा, व्यवस्था और आज्ञाएँ जो मैंने उन्हें विधान देने के लिए लिखी हैं। और मूसा उठा और यहोशू जो उसके पास खड़ा था, वे परमेश्वर के पहाड़ पर चढ़े। और उन्होंने बुजुर्गों से कहा, यहाँ चुप रहो, जब तक हम तुम्हारे पास लौटें, और देखो हारून और हूर तुम्हारे साथ हैं, अगर किसी को न्याय की जरूरत हो, तो वे उनके पास जाएँ। और मूसा और यहोशू पहाड़ पर गए, और बादल ने पहाड़ को ढक लिया। और परमेश्वर की महिमा सीनै पर्वत पर उतरी, और बादल ने उसे छः दिन तक ढका रखा, और प्रभु ने सातवें दिन बादल के बीच से मूसा को बुलाया। प्रभु की महिमा का रूप पर्वत की चोटी पर जलती हुई आग के समान था, इस्राएल की संतानों के सामने। और मूसा बादल के मध्य में प्रवेश किया, और पहाड़ पर चढ़ गया, और वहाँ

पहाड़ पर चालीस दिन और चालीस रात रहा।

25

और प्रभु ने मूसा से कहा, मैंने इसराएल के पुत्रों से कहा, और सब से प्रथम फल लो, जिनके हृदय को भी उचित लगे, और तुम मेरे प्रथम फल लोगे। और यह वह प्रथम फल है जो तुम उनसे लोगे: सोना, चांदी और कांसा। और हायसिंथ, और बैंगनी, और दोगुना लाल, और कती हुई महीन मलमल, और बकरियों के बाल, और मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालें, और नीली खालें, और अविनाशी लकड़ी, और सार्डियस के पत्थर, और कंधे के टुकड़े में खुदाई के लिए पत्थर, और लंबा वस्त्र। और तुम मेरे लिए एक पवित्रस्थान बनाओगे, और मैं तुम्हारे बीच प्रकट होऊंगा। और तू मेरे लिए वह सब कुछ उसी के अनुसार बनाएगा जितना मैं तुझे पहाड़ पर दिखाता हूँ, तम्बू का नमूना और उसके सब बर्तनों का नमूना, इसी प्रकार तू बनाएगा। और तुम अविनाशी लकड़ी से गवाही का संदूक बनाओगे, जिसकी लंबाई ढाई हाथ, चौड़ाई डेढ़ हाथ, और ऊंचाई डेढ़ हाथ होगी। और तू इसे शुद्ध सोने से ढकना, भीतर और बाहर तू इसे ढकना, और तू इसके लिए चारों ओर मुड़ी हुई सुनहरी मोल्डिंग्स बनाना। और तू इसके लिए चार सोने के छल्ले बनाएगा, और उन्हें चारों पक्षों पर रखेगा, दो छल्ले एक पक्ष पर, और दो छल्ले दूसरे पक्ष पर। तू अविनाशी लकड़ी के डंडे बनाएगा, और उनको सोने से मढ़ेगा। और तुम डंडों को उन छल्लों में डालोगे जो संदूक के किनारों में हैं, ताकि उनके द्वारा संदूक को उठाया जा सके। सन्दूक के छल्लों में डंडे अचल रहेंगे। और तुम उस सन्दूक में वे साक्ष्य डालोगे जो मैं तुम्हें दूँगा। और तू शुद्ध सोने का दया आसन ढकना बनाएगा, जिसकी लंबाई ढाई हाथ और चौड़ाई डेढ़ हाथ होगी। और तू दो करूब पीटे हुए सोने के बनाएगा, और तू उनको दया आसन के दोनों पक्षों पर रखेगा। एक करूब इस पक्ष से बनाया जाएगा, और एक करूब प्रायश्चित-स्थान के दूसरे पक्ष से बनाया जाएगा, और तुम दोनों करूबों को दोनों पक्षों पर बनाओगे। करूब अपने पंखों को ऊपर की ओर फैलाए हुए होंगे, अपने पंखों से दया आसन पर छाया करते हुए, और उनके चेहरे एक दूसरे की ओर होंगे; करूबों के चेहरे दया

आसन की ओर होंगे। और तुम प्रायश्चित के ढकने को सन्दूक के ऊपर रखोगे, और सन्दूक में तुम उन साक्ष्यों को डालोगे जो मैं तुम्हें दूँगा। और मैं वहाँ से तुझे अपने आप को प्रकट करूँगा, और प्रायश्चित के ढकने के ऊपर से, दोनों करूबों के बीच में से, जो साक्ष्य के सन्दूक पर हैं, तुझ से बातें करूँगा; और जितनी आज्ञाएँ मैं इस्राएल की सन्तान के लिये तुझे दूँगा, वे सब तुझे बताऊँगा। और तू शुद्ध सोने की एक सुनहरी मेज़ बनाएगा, जिसकी लंबाई दो हाथ, चौड़ाई एक हाथ, और ऊँचाई डेढ़ हाथ होगी। और तू इसके चारों ओर सुनहरी घुमावदार मोल्डिंग्स बनाएगा, और तू इसके चारों ओर एक हथेली की चौड़ाई का मुकुट बनाएगा,

और तुम मुकुट के चारों ओर मुड़ा हुआ साँचा बनाओगे। और तू चार सोने के छल्ले बनाएगा, और तू उन चार छल्लों को उसके पैरों के चार भागों पर मुकुट के नीचे रखेगा। और अंगूठियाँ डंडों के लिए खानों में होंगी, ताकि उनमें मेज को उठाया जा सके। और तुम अविनाशी लकड़ी से डंडे बनाओगे, और तुम उन्हें शुद्ध सोने से मढ़ोगे, और उन्हीं में मेज़ उठाई जाएगी। और तू उसके कटोरे, धूपदान, अर्घपात्र और प्याले बनाएगा, जिनमें तू अर्घ डालेगा; तू उन्हें शुद्ध सोने से बनाएगा। और तुम मेज के ऊपर उपस्थिति की रोटियाँ मेरे सामने निरंतर रखोगे।

और तुम शुद्ध सोने से एक दीपदान बनाओगे, पीटे हुए काम से तुम दीपदान बनाओगे, उसका डंठल, और शाखाएँ, और कटोरे, और गांठें, और कलियाँ उसी से होंगी। छः शाखाएँ पक्षों से निकलती हुई, तीन शाखाएँ दीपदान की एक तरफ से, और तीन शाखाएँ दीपदान की दूसरी तरफ से। और तीन कटोरे बादाम के आकार के उत्कीर्ण थे, एक शाखा में गांठ और लिली के साथ, इसी प्रकार छः शाखाओं में जो दीवट से निकलती थीं। और दीवट में बादाम के आकार के चार उत्कीर्ण कटोरे थे, एक शाखा में गांठें और उसकी लिली। वह गोलक उन दो नलियों के नीचे उसमें से था, और गोलक उन चार नलियों के नीचे उसमें से था, इस प्रकार उन छः नलियों के लिए जो दीवट से निकलती थीं, और दीवट में चार कटोरे थे जो बादाम के आकार में उत्कीर्ण थे। गांठें और शाखाएँ उसी में से हों, पूरा उत्कीर्ण एक शुद्ध सोने से बना हो। और तू उसके सात दीपक बनाएगा, और तू दीपकों को रखेगा, और वे एक ओर से चमकेंगे। और उसके धूपदान और उसके

आधार को शुद्ध सोने से तू बनाएगा। ये सभी बर्तन शुद्ध सोने के एक तालान्त के थे। देखो, तुम उस प्रतिरूप के अनुसार बनाओगे जो तुम्हें पर्वत पर दिखाया गया था।

26

और तुम तंबू को दस पर्दों से बनाओगे जो बटी हुई बारीक सनी के कपड़े, और नीले, और बैंगनी, और लाल रंग के धागों से बने होंगे; करूबों के साथ बुनकर तुम उन्हें बनाओगे। एक पर्दे की लंबाई अट्ठाईस हाथ और चौड़ाई चार हाथ होगी, सभी पर्दों का माप एक जैसा होगा। पाँच पर्दे एक दूसरे से सटे हुए होंगे, एक दूसरे से जुड़े हुए, और पाँच पर्दे एक दूसरे से जुड़े हुए होंगे। और तू उनके लिए नीले फंदे बनाएगा, एक पर्दे के किनारे पर, एक भाग से जोड़ के लिए, और इसी प्रकार तू बाहरी पर्दे के किनारे पर बनाएगा, दूसरे जोड़ के लिए। तू एक पर्दे पर पचास अंकुश बनाएगा, और दूसरे पर्दे के जोड़ के भाग पर पचास अंकुश बनाएगा, जो एक दूसरे के सामने आकर प्रत्येक में मिलते हैं। और तू पचास सुनहरे छल्ले बनाएगा, और तू पर्दों को छल्लों से एक दूसरे से जोड़ेगा, और तंबू एक होगा। और तुम तम्बू के ऊपर आवरण के लिए रोमदार खालें बनाओगे, ग्यारह खालें तुम उनको बनाओगे। एक चमड़े की लंबाई तीस हाथ और एक चमड़े की चौड़ाई चार हाथ, यही माप ग्यारह चमड़ों का होगा। और तू पाँच खालों को एक साथ जोड़ेगा, और छः खालों को एक साथ जोड़ेगा, और तू छठी खाल को तम्बू के सामने दोगुना करेगा। और तुम एक पर्दे के किनारे पर, जो बीच में जोड़ के अनुसार है, पचास फंदे बनाओगे, और दूसरे जोड़नेवाली पर्दे के किनारे पर पचास फंदे बनाओगे।

और तू पचास कांसे के छल्ले बनाएगा, और तू छल्लों को फंदों से जोड़ेगा, और तू खालों को जोड़ेगा, और वह एक होगा। और तुम तम्बू के पर्दों में जो अधिक है उसे नीचे रखोगे, पर्दे का आधा भाग जो बचा हुआ है उसे तम्बू के पर्दों के अधिक भाग में ढकोगे, तम्बू के पीछे ढकोगे। एक हाथ इस ओर से और एक हाथ उस ओर से, पर्दों की अधिक लंबाई में से, तंबू के पर्दों की

लंबाई में से, तंबू की दोनों बगलों पर ढकने वाला होगा, इधर और उधर, ताकि वह ढक सके। और तू तम्बू के लिए मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालों का आवरण बनाएगा, और ऊपर से नीली खालों का आवरण बनाएगा।

और तू तंबू के खंभे अविनाशी लकड़ी से बनाएगा। दस हाथ का एक स्तंभ बनाओगे, और एक स्तंभ की चौड़ाई डेढ़ हाथ की होगी। एक स्तंभ में दो तेनोन्स होंगे, जो एक दूसरे के संगत होंगे; इस प्रकार तुम तंबू के सभी स्तंभों को बनाओगे। और तू तम्बू के लिए बीस खम्भे बनाएगा, जो उत्तर की ओर की भुजा में होंगे। और तुम बीस स्तंभों के लिए चालीस चाँदी के आधार बनाओगे, एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में, और एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में। और दक्षिण की ओर का दूसरा पक्ष, बीस स्तंभ, और उनके चालीस चाँदी के आधार, एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में, और एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में। और तम्बू के पिछले भाग में समुद्र की ओर तू छः स्तंभ बनाएगा। और तू तंबू के पिछले भाग के कोनों पर दो स्तंभ बनाएगा। और यह नीचे से बराबर होगा, उसी के अनुसार वे सिरों से एक मिलन में बराबर होंगे, इस प्रकार तुम दोनों कोनों को बनाओगे, वे बराबर हों। और आठ स्तंभ होंगे, और उनके आधार चाँदी के सोलह होंगे, एक स्तंभ के लिए दो आधार उसके दोनों भागों में, और एक स्तंभ के लिए दो आधार। और तुम अविनाशी लकड़ी की छड़ें बनाओगे, तम्बू के एक भाग की एक तरफ के लिए पाँच, और तम्बू की दूसरी भुजा के खंभे के लिए पाँच छड़ें, और तम्बू की पिछली भुजा के खंभे के लिए, जो समुद्र की ओर है, पाँच छड़ें। और बीच की छड़ खंभों के बीच में एक तरफ से दूसरी तरफ तक फैली रहे। और तुम स्तंभों को सोने से मढ़ोगे, और छल्लों को सुनहरा बनाओगे, जिनमें तुम छड़ों को डालोगे, और तुम छड़ों को सोने से मढ़ोगे। और तू तंबू को उस रूप के अनुसार खड़ा करेगा जो तुझे पहाड़ पर दिखाया गया था।

और तुम एक पर्दा बनाओगे नीले, बैंगनी, और कते हुए लाल, और बुने हुए महीन मलमल से, बुने हुए काम से तुम इसे करूबों के साथ बनाओगे। और तुम इसे चार अविनाशी स्तंभों पर रखोगे जो सोने से मढ़े हुए हैं, और उनके शीर्ष सुनहरे होंगे, और उनके चार आधार चाँदी के होंगे। और तू पर्दे

को खंभों पर रखेगा, और तू वहाँ पर्दे के भीतर साक्षी के संदूक को लाएगा, और पर्दा तुम्हारे लिए पवित्र और महापवित्र के बीच अलग करेगा। और तुम पर्दे से गवाही के संदूक को परम पवित्र स्थान में ढकोगे। और तू मेज़ को पर्दे के बाहर रखेगा, और दीवट को मेज़ के सामने तम्बू के दक्षिण की ओर के भाग पर रखेगा, और मेज़ को तम्बू के उत्तर की ओर के भाग पर रखेगा। और तू तम्बू के द्वार के लिए नीले, बैंगनी और लाल कते हुए धागे और कती हुई मलमल से कढ़ाई का काम किया हुआ आवरण बनाएगा। और तुम पर्दे के लिए पाँच स्तंभ बनाओगे, और तुम उनको सोने से मढ़ोगे, और उनके शीर्ष सोने के होंगे, और तुम उनके लिए काँसे के पाँच आधार ढालोगे।

27

और तू अविनाशी लकड़ी से एक वेदी बनाएगा, जिसकी लंबाई पाँच हाथ और चौड़ाई पाँच हाथ होगी। वह वेदी चौकोर होगी और उसकी ऊँचाई तीन हाथ होगी। और तू चार कोनों पर सींग बनाएगा, उसी से सींग होंगे, और तू उनको कांसे से ढकेगा। और तू वेदी के लिए एक मुकुट बनाएगा, और उसका ढकना, और उसके कटोरे, और उसके मांस के कांटे, और उसकी अंगीठी, और उसके सब बर्तन तू कांसे के बनाएगा। और तुम उसके लिए जाली के काम की कांसे की जाली बनाओगे, और तुम उस जाली के लिए चार कांसे के छल्ले चारों पक्षों के नीचे बनाओगे। और तुम उनको वेदी की जाली के नीचे रखोगे, और जाली वेदी के आधे भाग तक होगी। और तू वेदी के लिए अविनाशी लकड़ी से डंडे बनाएगा, और उनको कांसे से मढ़ेगा। और तुम डंडों को छल्लों में डालोगे, और वे डंडे वेदी के पक्षों में रहें जब इसे उठाया जाए। खोखला और सीमलेस बनाओगे इसे, जैसा तुम्हें पहाड़ पर दिखाया गया था, उसी प्रकार बनाओगे इसे। और तुम तम्बू के लिए एक आँगन बनाओगे, दक्षिण की ओर वाले पक्ष में आँगन के पर्दे बटी हुई महीन मलमल के होंगे, एक पक्ष की लम्बाई सौ हाथ होगी। और उनके बीस स्तंभ, और उनके बीस कांस्य के आधार, और उनके छल्ले और चांदी के धारक। इस प्रकार पूर्व दिशा की ओर के पक्ष में सौ हाथ लंबाई के पर्दे थे, और उनके बीस स्तंभ, और उनके बीस कांस्य के आधार, और स्तंभों के छल्ले

और धारक, और उनके आधार चांदी से मढ़े हुए थे। आंगन की चौड़ाई समुद्र की ओर पचास हाथ के पर्दे, उनके दस खंभे, और उनकी दस कुर्सियाँ। और दक्षिण की ओर के प्रांगण की चौड़ाई पचास हाथ के पर्दे, उनके दस स्तंभ, और उनके दस आधार। और एक पक्ष के पर्दों की ऊँचाई पंद्रह हाथ की थी, उनके तीन स्तंभ, और उनके तीन आधार। और दूसरे पक्ष के पर्दों की ऊँचाई पंद्रह हाथ थी, उनके स्तंभ तीन थे, और उनके आधार तीन थे। और प्रांगण के द्वार के लिए आवरण, बीस हाथ ऊँचाई का, नीले, बैंगनी, और लाल रंग के कते हुए धागे से, और बारीक कते हुए मलमल से, कढ़ाई करने वाले की विविधता के साथ, उनके चार स्तंभ, और उनके चार आधार। आंगन के सब स्तंभ चारों ओर चांदी से मढ़े हुए, और उनके शीर्ष चांदी के, और उनके आधार कांसे के। प्रांगण की लंबाई सौ हाथ, और चौड़ाई पचास हाथ, और ऊँचाई पांच हाथ बटी हुई मलमल से बनी हो, और उनके आधार कांसे के हों। और सभी निर्माण और सभी औजार और आंगन के खूँटे कांसे के थे।

और तू इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दे, और वे तेरे लिए जैतून से बिना निचोड़ा हुआ शुद्ध कूटा हुआ तेल लें, प्रकाश के लिए जलाने को, ताकि दीपक निरंतर जलता रहे। गवाही के तम्बू में, वाचा के ऊपर के पर्दे के बाहर, हारून और उसके पुत्र इसे शाम से सुबह तक प्रभु के सामने जलाएंगे, यह तुम्हारी पीढ़ियों के लिए इस्राएल के पुत्रों से एक शाश्वत विधि है।

28

और तू अपने पास लाना अपने भाई हारून को और उसके पुत्रों को इस्राएल के पुत्रों में से, मेरे लिए पुरोहित सेवा करने के लिए - हारून, नादाब, अबीहू, एलाजार और ईतामार, हारून के पुत्र। और तू अपने भाई हारून के लिए सम्मान और महिमा के लिए पवित्र वस्त्र बनाएगा। और तू सब बुद्धिमान मन वालों से बोलना, जिनको मैंने बुद्धि और समझ की आत्मा से भरा है, और वे हारून के लिए पवित्र वस्त्र बनाएंगे, जिसमें वह मेरे लिए याजक की सेवा करेगा। और ये वे वस्त्र हैं जो

वे बनाएंगे: सीनाबंद, कंधे का टुकड़ा, लंबा चोगा, बुना हुआ अंगरखा, पगड़ी और कमरबंद। वे हारून और उसके पुत्रों के लिए पवित्र वस्त्र बनाएंगे ताकि वे मेरे लिए याजक के रूप में सेवा करें। और वे सोना, नीलम, बैंगनी, लाल और महीन मलमल लेंगे। और वे मुड़े हुए महीन मलमल से कंधे का टुकड़ा बनाएंगे, जो बुनकर का बुना हुआ काम होगा। दो कंधे के टुकड़े एक दूसरे को जोड़ते हुए उसके लिए होंगे, दोनों भागों पर फिट किए हुए। और कंधे के टुकड़ों का कपड़ा जो उस पर है, उसकी बनावट के अनुसार उसी से होगा - शुद्ध सोने से, और नीले से, और बैंगनी से, और कते हुए लाल से, और बटे हुए महीन मलमल से। और तू दो पत्रे के पत्थर लेगा, और तू उनमें इस्राएल के पुत्रों के नाम उकेरेगा। छह नाम एक पत्थर पर, और शेष छह नाम दूसरे पत्थर पर उनकी पीढ़ियों के अनुसार। पत्थर की कला के काम से, मुहर की खुदाई की तरह, तू दो पत्थरों को इस्राएल के बेटों के नामों पर खोदेगा। और तू दो पत्थरों को एपोद के कंधों पर रखेगा, ये पत्थर इस्राएल के पुत्रों के लिए स्मारक के पत्थर हैं, और हारून इस्राएल के पुत्रों के नामों को प्रभु के सामने अपने दोनों कंधों पर उठाएगा, उनके विषय में स्मारक के रूप में। और तू शुद्ध सोने से कंधे के टुकड़े बनाएगा। और तुम शुद्ध सोने की दो झालरदार जंजीरें बनाओगे, जो फूलों में आपस में गुंथी हुई हों, बुनाई का काम, और तुम उन गुंथी हुई झालरदार जंजीरों को कंधे के टुकड़ों पर रखोगे, उनके कंधे के टुकड़ों के अनुसार, सामने की ओर से।

और तू न्यायों का सीनाबंद बनाएगा, जो बुनकर का काम होगा, एपोद की लय के अनुसार तू इसे सोने से, और नीले, और बैंगनी, और कते हुए लाल, और कती हुई मलमल से बनाएगा। तुम इसे चौकोर बनाओगे, यह दोगुना होगा, इसकी लंबाई एक बित्ते की, और चौड़ाई एक बित्ते की। और तुम उसमें पत्थरों से जड़ा हुआ चार पंक्तियों वाला कपड़ा बुनोगे, पत्थरों की पंक्ति होगी, लाल मणि, पुखराज, और पन्ना, यह पहली पंक्ति। और दूसरी पंक्ति में कोयला, नीलम और यशब थे। और तीसरी पंक्ति में लिगुरियम, अगेत और अमेथिस्ट थे। और चौथी पंक्ति में पुखराज, लहसुनिया और सुलेमानी हों, जो सोने में जड़े हुए और सोने में बंधे हुए हों, वे अपनी पंक्ति के अनुसार हों। और वे पत्थर इस्राएल के पुत्रों के बारह नामों से हों, उनके नामों के अनुसार मुहरों की उत्कीर्णन के साथ, प्रत्येक अपने नाम के अनुसार बारह कुलों के लिए हों। और तुम दैववाणी-

पुत्र के ऊपर गुंथी हुई झालरें बनाओगे, जंजीर जैसा काम शुद्ध सोने से। और हारून इस्राएल के पुत्रों के नाम न्याय के सीनाबंद पर अपनी छाती पर लेगा, जब वह पवित्र स्थान में प्रवेश करे, परमेश्वर के सामने स्मारक के रूप में। और तुम न्याय के सीनाबंद पर प्रकटीकरण और सत्य रखोगे, और यह हारून की छाती पर होगा, जब वह प्रभु के सामने पवित्र स्थान में प्रवेश करता है, और हारून इस्राएल के पुत्रों के न्यायों को प्रभु के सामने अपनी छाती पर निरंतर लाएगा। और तू एक संपूर्ण नीला, लंबा अधोवस्त्र बनाएगा। और उसके बीच में खुलना होगा, जिसके चारों ओर किनारा होगा, बुने हुए काम का, वह जोड़ उसके साथ बुना हुआ होगा, ताकि वह न फटे। और तुम अंगरखे की पट्टी के नीचे, नीचे की ओर से, खिलते हुए अनार की तरह छोटे अनार बनाओगे - नीले, बैंगनी और लाल बुने हुए धागे से, और बटे हुए महीन मलमल से - अंगरखे की पट्टी के नीचे चारों ओर। उसी रूप में सोने के छोटे अनार और घंटियाँ इनके बीच में चारों ओर। सुनहरे अनार के पास डोडोना और अंगरखे की झालर पर चारों ओर फूलदार। और हारून की आवाज़ सेवा करते समय सुनाई देगी, जब वह प्रभु के सामने पवित्र स्थान में प्रवेश करेगा और जब वह बाहर निकलेगा, ताकि वह न मरे। और तू शुद्ध सुनहरी पट्टिका बनाएगा, और तू उसमें मुहर की उत्कीर्णन करेगा, प्रभु की पवित्रता। और तुम इसको बटी हुई नीली डोरी पर रखोगे, और यह पगड़ी पर होगा, पगड़ी के सामने की ओर होगा। और यह हारून के माथे पर होगा, और हारून पवित्र वस्तुओं के पापों को उठाएगा, जितनी भी पवित्र वस्तुएँ इस्राएल के पुत्र पवित्र करेंगे, उनकी सभी भेंटों की पवित्र वस्तुओं के, और यह हारून के माथे पर निरंतर रहेगा ताकि वे प्रभु के सामने स्वीकार्य हों।

और अंगरखों की सजावट महीन मलमल से होगी, और तू महीन मलमल की पगड़ी बनाएगा, और कमरबंद बनाएगा जो कढ़ाई का काम होगा। और हारून के पुत्रों के लिए तू अंगरखे और कमरबंद बनाएगा, और उनके लिए पगड़ियाँ बनाएगा सम्मान और महिमा के लिए। और तू अपने भाई हारून को और उसके साथ उसके पुत्रों को उन्हें पहनाएगा, और तू उनका अभिषेक करेगा, और तू उनके हाथों को भरेगा, और तू उन्हें पवित्र करेगा, ताकि वे मेरे लिए याजक का काम करें। और तुम उनके लिए सनी के पैर-ढकने बनाओगे, जो उनके शरीर की नग्नता को ढकने के लिए कमर

से जांघों तक होंगे। और हारून और उसके पुत्र उनको धारण करेंगे, जब वे साक्ष्य के तंबू में प्रवेश करें, या जब वे पवित्र वेदी की सेवा करने के लिए पास आएँ, और वे अपने ऊपर पाप नहीं लाएँगे, ताकि वे न मरें। यह उसके लिए और उसके साथ उसके वंश के लिए शाश्वत विधि है।

29

और ये वे बातें हैं जो तुम उनके लिए करोगे, तुम उन्हें पवित्र करोगे, ताकि वे मेरे लिए पुजारी के रूप में सेवा करें। तुम बैलों में से एक बछड़ा लोगे, और दो निर्दोष मेढ़े लोगे। और बिना खमीर की रोटियाँ जो तेल में गूंधी गई हों, और बिना खमीर की पतली रोटियाँ जो तेल से लगाई गई हों, गेहूँ के मैदे से तू उनको बनाएगा। और तुम उन्हें एक टोकरी पर रखोगे, और तुम उन्हें टोकरी पर लाओगे, और बछड़े को, और दो मेढ़ों को। और हारून और उसके पुत्रों को साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर लाएगा, और उन्हें जल में धोएगा। और वस्त्रों को लेकर, तुम अपने भाई हारून को लंबा चोगा, कंधे का टुकड़ा, और सीनाबंद पहनाओगे, और तुम उसके लिए सीनाबंद को कंधे के टुकड़े से जोड़ोगे। और तू उसके सिर पर पगड़ी रखेगा, और पगड़ी पर पवित्र पट्टिका रखेगा। और तू अभिषेक का तेल लेगा, और इसे उसके सिर पर डालेगा, और तू उसका अभिषेक करेगा। और तुम उसके पुत्रों को लाओगे, और तुम उन्हें अंगरखे पहनाओगे। और तुम उनको पेटियों से बाँधोगे, और उनको पगड़ियाँ पहनाओगे, और उनको मेरे लिए सदा तक पुरोहिताई होगी, और तुम हारून के हाथों को और उसके पुत्रों के हाथों को पवित्र करोगे। और तू बछड़े को साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर लाएगा, और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ बछड़े के सिर पर रखेंगे, प्रभु के सामने, साक्ष्य के तम्बू के द्वार के पास। और तू बछड़े को प्रभु के सामने, साक्षी के तम्बू के द्वारों के पास वध करेगा। और तू बछड़े के रक्त में से लेगा, और अपनी अंगुली से वेदी के सींगों पर रखेगा, लेकिन शेष सब रक्त वेदी के आधार पर उंडेलेगा। और तुम पेट पर की सारी चर्बी, जिगर की झिल्ली, दोनों गुर्दे और उन पर की चर्बी लेकर वेदी पर रखोगे। बछड़े का मांस, चमड़ा और गोबर को तुम शिविर के बाहर आग में जला दोगे, क्योंकि यह पाप है।

और तुम एक मेढ़ा लोगे, और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ उस मेढ़े के सिर पर रखेंगे। और तुम उसका वध करोगे, और रक्त लेकर तुम वेदी के चारों ओर डालोगे। और तुम मेढ़े को अंग-अंग करके दो भागों में काटोगे, और आंतरिक भागों को और पैरों को पानी से धोओगे, और उन्हें सिर के साथ टुकड़ों पर रखोगे। और तुम संपूर्ण मेढ़े को वेदी पर चढ़ाओगे, यह प्रभु के लिए होमबलि है, सुगन्ध की सुगन्ध के लिए, यह प्रभु के लिए धूप है। और तुम दूसरे मेढ़े को लोगे, और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ उस मेढ़े के सिर पर रखेंगे। और तुम उसका वध करोगे, और तुम उसके रक्त को लोगे, और तुम हारून के दाहिने कान के लोब पर रखोगे, और दाहिने हाथ के सिरे पर, और दाहिने पैर के सिरे पर, और उसके पुत्रों के दाहिने कानों के लोब पर, और उनके दाहिने हाथों के सिरो पर, और उनके दाहिने पैरों के सिरो पर। और तू वेदी से रक्त लेगा और अभिषेक का तेल लेगा, और हारून पर तथा उसके वस्त्र पर छिड़केगा, और उसके पुत्रों पर तथा उसके पुत्रों के वस्त्रों पर उसके साथ छिड़केगा, और वह पवित्र किया जाएगा तथा उसका वस्त्र, और उसके पुत्र तथा उसके पुत्रों के वस्त्र उसके साथ। लेकिन मेढ़े के रक्त को तू वेदी के चारों ओर डालेगा। और तू मेढ़े से उसकी चर्बी, और वह चर्बी जो पेट को ढकती है, और जिगर का पिंड, और दोनों गुर्दे, और उन पर की चर्बी, और दाहिनी भुजा लेना, क्योंकि यह पूर्णता है। और तेल से बनी एक रोटी, और बिना खमीर की टोकरी से एक मैदे का केक जो प्रभु के सामने रखा गया था। और तू सब को हारून के हाथों पर और उसके पुत्रों के हाथों पर रखेगा, और तू उनको प्रभु के सामने भेंट के रूप में अलग करेगा। और तुम उन्हें उनके हाथों से लोगे, और तुम होम बलि की वेदी पर प्रभु के सामने सुगंधित सुगंध के लिए चढ़ाओगे, यह प्रभु को भेंट है। और तू पवित्रीकरण के मेढ़े से छाती को लेगा, जो हारून का है, और तू इसे प्रभु के सामने भेंट के रूप में अलग करेगा, और यह तेरे हिस्से में होगा। और तुम उस स्तन-भेंट को पवित्र करोगे, और उस उठाई हुई भेंट की भुजा को, जो अलग की गई है, और जो पूर्णता के मेढ़े में से हारून और उसके पुत्रों के लिए हटाई गई है। और यह हारून और उसके पुत्रों के लिए इस्राएल के पुत्रों से शाश्वत विधि होगा, क्योंकि यह भेंट है, और यह इस्राएल के पुत्रों से, इस्राएल के पुत्रों के उद्धार के बलिदानों से, प्रभु को भेंट होगा।

और वह पवित्र वस्त्र जो हारून का है, उसके बाद उसके पुत्रों का होगा, ताकि उनमें उनका अभिषेक किया जाए और उनके हाथों को पवित्र किया जाए। सात दिन तक उसके पुत्रों में से वह याजक जो उसके स्थान पर होगा, उन्हें पहनेगा, जो साक्षी के तंबू में पवित्र स्थानों में सेवा करने के लिए प्रवेश करेगा। और तू पूर्णता के मेढ़े को लेगा और उसके मांस को पवित्र स्थान में उबालेगा। और हारून और उसके पुत्र मेढ़े का मांस और टोकरी में रखी रोटियाँ गवाही के तंबू के द्वार के पास खाएंगे। वे उन्हें खाएंगे जिनमें वे पवित्र किए गए थे, उनमें उनके हाथों को पूर्ण करने के लिए, उन्हें पवित्र करने के लिए, और विदेशी उनसे नहीं खाएगा, क्योंकि वे पवित्र हैं। यदि पूर्णता के बलिदान के मांस और रोटियों में से कुछ सुबह तक बच जाए, तो तू बचे हुए को आग में जला देगा, वह खाया नहीं जाएगा, क्योंकि वह पवित्र है।

और तुम हारून और उसके पुत्रों के लिए इस प्रकार करोगे, उन सब के अनुसार जो मैंने तुझे आज्ञा दी है; सात दिनों तक तुम उनके हाथों को पवित्र करोगे। और तू पाप के बछड़े को शुद्धिकरण के दिन चढ़ाएगा, और तू वेदी को शुद्ध करेगा जब तू उस पर इसे पवित्र करे, और तू इसका अभिषेक करेगा ताकि इसे पवित्र किया जाए। सात दिन तक तुम वेदी को शुद्ध करोगे और इसे पवित्र करोगे, और वेदी परम पवित्र होगी; जो कोई वेदी को छुएगा, वह पवित्र किया जाएगा। और ये वे चीज़ें हैं जो तू वेदी पर करेगा: एक वर्ष के निर्दोष मेमने, दो प्रतिदिन, वेदी पर निरंतर, निरंतर भेंट।

एक मेमने को तुम सुबह चढ़ाओगे, और दूसरे मेमने को तुम शाम को चढ़ाओगे। और एक मेमने के लिए दसवां भाग महीन आटा तेल के चौथे भाग हीन में मिलाया हुआ, और दाखरस के चौथे भाग हीन का पेय-बलिदान। और दूसरे मेमने को तुम शाम के समय करोगे, सुबह के बलिदान के अनुसार, और उसकी पेय-भेंट के अनुसार, तुम सुगंधित सुगंध की भेंट प्रभु के लिए करोगे। तुम्हारी पीढ़ियों में निरंतर बलिदान, साक्षी के तंबू के द्वार पर प्रभु के सामने, जहां मैं तुम पर अपने आप को प्रकट करूंगा, ताकि तुमसे बात करूं। और मैं वहाँ इस्राएल के पुत्रों को नियुक्त करूंगा, और अपनी महिमा में पवित्र किया जाऊंगा। और मैं गवाही के तंबू को पवित्र करूंगा, और वेदी

को, और हारून और उसके पुत्रों को मैं पवित्र करूंगा, मेरे लिए याजक के रूप में सेवा करने के लिए। और मैं इस्राएल के पुत्रों में बुलाया जाऊंगा, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा। और वे जानेंगे कि मैं प्रभु हूँ, उनका देवता, जो उनको मिस्र की भूमि से निकाल लाया, उनके बीच बुलाया जाने के लिए, और उनका देवता होने के लिए।

30

और तू अविनाशी लकड़ियों से धूप की वेदी बनाएगा। और तू इसे एक हाथ लंबा और एक हाथ चौड़ा बनाएगा, यह चौकोर होगा, और दो हाथ ऊंचा होगा, इसके सींग इसी से निकले होंगे। और तुम शुद्ध सोने से उसकी जाली को, उसकी दीवारों को चारों ओर, और उसके सींगों को मढ़ोगे, और तुम उसके लिए चारों ओर सोने का बटा हुआ मुकुट बनाओगे। और तू उसके घुमावदार मुकुट के नीचे शुद्ध सोने की दो अंगूठियाँ बनाएगा, दोनों भुजाओं के दोनों पक्षों में तू उन्हें बनाएगा, और वे डंडों के लिए धारक होंगे, ताकि उनमें इसे उठाया जा सके। और तू अविनाशी लकड़ी से डंडे बनाएगा, और तू उनको सोने से मढ़ेगा। और तू इसको उस पर्दे के सामने रखेगा, जो साक्ष्यों के सन्दूक पर है, जिनमें मैं तुझे वहाँ से प्रकट होऊंगा। और हारून उस पर बारीक मिश्रित धूप जलाएगा प्रतिदिन सुबह, जब वह दीपकों की देखभाल करता है, तब वह उस पर धूप जलाएगा। और जब अहरोन देर से दीपकों को जलाएगा, तो वह उस पर धूप जलाएगा। यह प्रभु के सामने निरंतर धूप है, उनकी पीढ़ियों के लिए सदा। और वह उस पर दूसरा धूप, भेंट, बलिदान नहीं चढ़ाएगा, और तुम उस पर पेय-भेंट नहीं डालोगे। और हारून वर्ष में एक बार उसके सींगों पर शुद्धिकरण के रक्त से प्रायश्चित्त करेगा, वह उनकी पीढ़ियों में इसे शुद्ध करेगा; यह प्रभु के लिए परम पवित्र है।

और प्रभु ने मूसा से कहा, यदि तुम इस्राएल के पुत्रों की गणना उनके निरीक्षण में लोगे, तो प्रत्येक अपनी आत्मा की मुक्ति प्रभु को देगा, और उनके निरीक्षण में उन्हें पतन नहीं होगा। और

यह वह है जो वे देंगे, जितने भी निरीक्षण से पार जाएंगे - दिद्राख्मा का आधा, जो पवित्र दिद्राख्मा के अनुसार है; दिद्राख्मा बीस ओबोल का होता है, और दिद्राख्मा का आधा प्रभु को चढ़ावा है। सभी जो बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के निरीक्षण में सम्मिलित होते हैं, वे प्रभु को योगदान देंगे। धनवान अधिक नहीं देगा, और निर्धन कम नहीं देगा आधे दिद्राख्मा से, प्रभु को योगदान देने में, तुम्हारी आत्माओं के लिए प्रायश्चित्त करने हेतु। और तू इस्राएल के पुत्रों से योगदान की चांदी लेगा, और तू इसे साक्ष्य के तम्बू की सेवा में देगा, और यह इस्राएल के पुत्रों के लिए प्रभु के सामने स्मारक होगा, तुम्हारी आत्माओं के विषय में प्रायश्चित्त करने के लिए। और प्रभु ने मूसा से कहा, एक कांस्य का बेसिन बनाओ, और उसके लिए कांस्य का आधार, ताकि धोया जा सके, और तुम उसको साक्षी के तम्बू के बीच और वेदी के बीच रखोगे, और तुम उसमें पानी डालोगे। और हारून और उसके पुत्र उससे अपने हाथ और पैर जल से धोएंगे। जब वे साक्ष्य के तंबू में प्रवेश करें, तो वे जल से धोएंगे और नहीं मरेंगे, जब वे वेदी के पास सेवा करने और प्रभु को होमबलि चढ़ाने आएंगे। वे अपने हाथ और पैर पानी से धोएंगे, जब भी वे गवाही के तंबू में प्रवेश करें, वे पानी से धोएंगे, ताकि वे न मरें, और यह उनके लिए शाश्वत विधि होगी, उसके लिए और उसकी पीढ़ियों के लिए उसके साथ। और प्रभु ने मूसा से कहा, और तुम मसाले लो: चुना हुआ गंधरस का फूल पाँच सौ शेकेल, और सुगंधित दालचीनी इसका आधा अर्थात् दो सौ पचास, और सुगंधित सरकंडा दो सौ पचास, और पवित्र आइरिस के पाँच सौ शेकेल, और जैतून का तेल एक हीन। और तुम इसे पवित्र अभिषेक का तेल बनाओगे, इत्र बनाने वाले की कला से बना हुआ सुगंधित इत्र, यह पवित्र अभिषेक का तेल होगा। और तू उससे साक्ष्य के तंबू का अभिषेक करेगा, और साक्ष्य के तंबू के संदूक का, और उसके सब बर्तनों का, और दीवट और उसके सब बर्तन, और धूप की वेदी और होमबलि की वेदी और उसके सब बर्तन, और मेज और उसके सब बर्तन, और हौद। और तुम उन्हें पवित्र करोगे, और वे परम पवित्र होंगे; जो कोई उन्हें छुएगा, वह पवित्र किया जाएगा। और तू हारून और उसके पुत्रों का अभिषेक करेगा, और उन्हें पवित्र करेगा ताकि वे मेरे लिए याजक के रूप में सेवा करें। और तुम इस्राएल के पुत्रों से कहोगे, अभिषेक का पवित्र तेल यह तुम्हारी पीढ़ियों के लिए होगा। मनुष्य के शरीर पर यह नहीं लगाया जाएगा, और इस मिश्रण के अनुसार तुम अपने लिए वैसा ही नहीं बनाओगे, यह पवित्र है, और तुम्हारे लिए

पवित्रता होगी। जो कोई वैसे ही करेगा, और जो कोई उसमें से किसी विदेशी को देगा, वह अपने लोगों में से नष्ट कर दिया जाएगा।

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए मसाले ले: गंधरस, नखी, गंधबिरोजा जो सुगंधित है और पारदर्शी लोबान, सभी बराबर मात्रा में होंगे। और वे उसमें धूप बनाएंगे, जो इत्र-निर्माता का काम होगा, मिश्रित, शुद्ध और पवित्र काम। और तुम इनमें से कुछ को बारीक पीसोगे, और तुम इसे साक्ष्य के तम्बू में साक्ष्यों के सामने रखोगे, जहाँ से मैं तुम्हें वहाँ से अपने को प्रकट करूँगा; यह धूप तुम्हारे लिए परम पवित्र होगा। इस रचना के अनुसार तुम अपने लिए नहीं बनाओगे, यह तुम्हारे लिए प्रभु के लिए पवित्र होगी। जो कोई इसे वैसे ही बनाएगा ताकि उसे सूँघे, वह अपने लोगों में से नष्ट हो जाएगा।

31

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैंने नाम से बसलेल को बुलाया है, जो उरी का पुत्र और होर का पौत्र है, यहूदा के गोत्र से। और मैंने उसे दिव्य आत्मा से भर दिया - बुद्धि की, समझ की और ज्ञान की, हर काम में सोचने के लिए। और डिज़ाइन करना, सोने का काम करना, और चांदी, और कांस्य, और नीलकंठ, और बैंगनी, और बटा हुआ लाल, और पत्थर का काम, और लकड़ी की बढ़ईगिरी के कामों में, सभी कामों के अनुसार काम करना। और मैंने उसे और एलियाब को, जो अहीसामाक का पुत्र दान के गोत्र से है, दिया है, और हर समझदार हृदय को मैंने समझ दी है। और वे सब कुछ बनाएंगे जितना मैंने तुझे आज्ञा दी है: गवाही का तंबू, और वाचा का संदूक, और उस पर का प्रायश्चित का ढकना, और तंबू का साज-सामान, और वेदियों को, और मेज़ को और उसके सब बर्तनों को, और शुद्ध दीवट को और उसके सब बर्तनों को और बेसिन और उसका आधार, और हारून के सेवा के वस्त्र, और उसके पुत्रों के वस्त्र मुझे याजक के रूप में सेवा करने के लिए, और अभिषेक का तेल, और पवित्र संयोजन की धूप, सब के अनुसार जितना मैंने तुझे

आदेश दिया, वे बनाएंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, और तू इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दे, यह कहते हुए, देखो, और तुम मेरे सब्बों को मानना, यह मेरे और तुम्हारे बीच तुम्हारी पीढ़ियों में एक चिह्न है, ताकि तुम जान लो कि मैं यहोवा हूँ जो तुम्हें पवित्र करता हूँ। और तुम सब्बाथों को रखोगे, क्योंकि यह तुम्हारे लिए प्रभु के लिए पवित्र है; जो इसे अपवित्र करेगा, वह मृत्यु से मार डाला जाएगा; हर कोई जो इसमें काम करेगा, वह आत्मा अपने लोगों के बीच से नष्ट कर दी जाएगी। छः दिन तू कार्य करेगा, लेकिन सातवें दिन सब्बाथ है, प्रभु के लिए पवित्र विश्राम। जो कोई सातवें दिन कार्य करेगा, उसे मृत्युदंड दिया जाएगा। और इस्राएल के पुत्र सब्बाथों को मानेंगे, उनको अपनी पीढ़ियों में पालन करने के लिए। यह मेरे और इस्राएल के पुत्रों के बीच एक शाश्वत वाचा है, यह मेरे लिए एक शाश्वत चिह्न है, क्योंकि छह दिनों में प्रभु ने आकाश और पृथ्वी को बनाया, और सातवें दिन विश्राम किया और रुक गए। और जब परमेश्वर ने सीनै पर्वत पर मूसा से बात करना बंद किया, तो उसने मूसा को गवाही की दो पत्थर की पट्टियाँ दीं, जो परमेश्वर की उंगली से लिखी गई थीं।

32

और जब लोगों ने देखा कि मूसा पहाड़ से उतरने में देर कर रहा है, तो लोग हारून के पास इकट्ठा हुए, और उससे कहने लगे, उठो, और हमारे लिए देवता बनाओ, जो हमारे आगे चलेंगे, क्योंकि यह मूसा, वह आदमी जो हमें मिस्र की भूमि से निकाल लाया, हम नहीं जानते कि उसे क्या हुआ है। और हारून उनसे कहता है, अपनी स्त्रियों और पुत्रियों के कानों में जो सुनहरे कुंडल हैं, उन्हें निकालो और मेरे पास लाओ। और सभी लोगों ने अपने कानों में पहनी हुई सोने की बालियाँ उतार लीं, और उन्हें हारून के पास ले आए। और उसने उनके हाथों से वह प्राप्त किया, और उपकरण से उसे रूप दिया, और उससे ढला हुआ बछड़ा बनाया और कहा, हे इस्राएल, ये तुम्हारे देवता हैं, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाए। और आरोन ने देखकर उसके सामने एक वेदी

बनाई, और आरोन ने घोषणा करते हुए कहा, कल प्रभु का पर्व है। और अगले दिन सुबह जल्दी उठकर उसने होमबलि चढ़ाई और मेलबलि का बलिदान लाया, और लोग खाने-पीने बैठे, और वे खेलने के लिए उठे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, जा, शीघ्रता से यहाँ से नीचे उतर, क्योंकि तेरे लोगों ने पाप किया है जिन्हें तू मिस्र की भूमि से निकाल लाया था। उन्होंने उस मार्ग से जल्दी उल्लंघन किया, जिसका मैंने उन्हें आदेश दिया था, उन्होंने अपने लिए एक बछड़ा बनाया, और उसकी पूजा की, और उसके लिए बलिदान किया, और कहा, हे इस्राएल, ये तुम्हारे देवता हैं, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाए। और अब मुझे अनुमति दो, और उन पर क्रोधित होकर, मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा, और तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। और मूसा ने प्रभु परमेश्वर के सामने विनती की और कहा, हे प्रभु, क्यों अपने लोगों पर क्रोध करते हो, जिनको तुमने मिस्र की भूमि से महान शक्ति में और अपनी ऊँची भुजा से निकाला? कहीं ऐसा न हो कि मिस्रवासी यह कहें कि उसने उन्हें दुष्टता के साथ निकाला ताकि पहाड़ों में उन्हें मार डाले और पृथ्वी से नष्ट कर दे। अपने कोप के क्रोध को रोको, और अपने लोगों की दुष्टता पर कृपालु हो जाओ। अब्राहम, इसहाक और याकूब, अपने सेवकों को याद करते हुए, जिनसे तुमने अपनी शपथ के अनुसार प्रतिज्ञा की थी, और उनसे कहा था, मैं तुम्हारे वंश को आकाश के तारों की भीड़ के समान बढ़ाऊँगा, और यह सारी भूमि जो मैंने उन्हें देने को कहा था, वे इसे सदा के लिए धारण करेंगे। और प्रभु अपने लोगों को संरक्षित करने के लिए प्रसन्न हुआ।

और मूसा मुड़ा और पर्वत से नीचे आया, और साक्षी की दो पट्टियाँ उसके हाथों में थीं, पत्थर की पट्टियाँ जो दोनों ओर से खुदी हुई थीं, इधर से और उधर से लिखी हुई थीं। और वे पट्टियाँ परमेश्वर का काम थीं, और वह लेख परमेश्वर का लेख था जो पट्टियों पर खुदा हुआ था। और यहोशू ने चिल्लाते हुए लोगों का स्वर सुनकर मूसा से कहा, शिविर में युद्ध का स्वर है। और वह कहता है, यह शक्ति के साथ नेतृत्व करने वालों की आवाज़ नहीं है, न ही पराजय में नेतृत्व करने वालों की आवाज़ है, लेकिन शराब में नेतृत्व करने वालों की आवाज़ मैं सुनता हूँ।

और जब वह शिविर के पास पहुंचा, तो उसने बछड़े और नृत्यों को देखा, और मूसा क्रोध से भर गया और उसने अपने हाथों से दो पट्टियाँ फेंक दीं, और उन्हें पहाड़ के नीचे तोड़ दिया। और उसने उस बछड़े को लिया जो उन्होंने बनाया था, उसे आग में जलाया, और उसे बारीक पीसा, और उसे पानी में बिखेरा, और इसे इस्राएल के पुत्रों को पिलाया। और मूसा ने हारून से कहा, इन लोगों ने तुम्हारे साथ क्या किया है कि तुम उन पर इतना बड़ा पाप ले आए? और हारून ने मूसा से कहा, हे स्वामी, क्रोधित मत हो, क्योंकि तुम इन लोगों के आवेग को जानते हो। वे मुझसे कहते हैं, हमारे लिए देवता बनाओ, जो हमारे आगे चलेंगे, क्योंकि यह मूसा, यह आदमी जो हमें मिस्र से निकाल लाया, हम नहीं जानते कि उसे क्या हो गया है। और मैंने उनसे कहा, यदि किसी के पास सोने के आभूषण हैं, तो उन्हें उतार दो, और उन्होंने मुझे दिया, और मैंने आग में फेंक दिया, और यह बछड़ा निकला। और जब मूसा ने देखा कि लोग तितर-बितर हो गए हैं, क्योंकि हारून ने उन्हें तितर-बितर कर दिया था, जिससे वे अपने शत्रुओं के लिए हँसी का पात्र बन गए थे मूसा शिविर के द्वार पर खड़ा हुआ और कहा, कौन प्रभु की ओर है? वह मेरे पास आए। इसलिए लेवी के सब पुत्र उसके पास इकट्ठे हुए। और वह उनसे कहता है, प्रभु, इस्राएल का देवता, ये बातें कहता है: प्रत्येक व्यक्ति अपनी तलवार अपनी जांघ पर रखे, और शिविर के एक द्वार से दूसरे द्वार तक गुजरो और लौटो, और प्रत्येक व्यक्ति अपने भाई को, और प्रत्येक व्यक्ति अपने पड़ोसी को, और प्रत्येक व्यक्ति अपने निकटतम को मारे। और लेवी के पुत्रों ने वैसा ही किया जैसा मूसा ने उनसे कहा था, और उस दिन लोगों में से तीन हजार पुरुष गिरे। और मूसा ने उनसे कहा, तुमने आज अपने हाथ प्रभु को भर दिए हैं, प्रत्येक ने अपने पुत्र में या अपने भाई में, ताकि तुम पर आशीर्वाद दिया जाए।

और अगले दिन के बाद ऐसा हुआ कि मूसा ने लोगों से कहा, तुमने महान पाप किया है, और अब मैं परमेश्वर के पास ऊपर जाऊंगा, ताकि मैं तुम्हारे पाप के विषय में प्रायश्चित्त करूं। मूसा प्रभु के पास लौटा, और कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, इन लोगों ने महान पाप किया है, और अपने लिए सोने के देवता बनाए हैं। और अब यदि तू वास्तव में उनका पाप क्षमा करे, तो क्षमा कर; परन्तु यदि नहीं, तो मुझे अपनी उस पुस्तक से मिटा दे जो तूने लिखी है। और प्रभु ने मूसा से

कहा, यदि किसी ने मेरे सामने पाप किया है, तो मैं उन्हें अपनी पुस्तक से मिटा दूंगा। अब जाओ, नीचे उतरो, और इन लोगों को उस स्थान की ओर ले चलो जो मैंने तुमसे कहा था। देखो, मेरा दूत तुम्हारे आगे चलेगा। परन्तु जिस दिन मैं दण्ड दूंगा, उस दिन मैं उन पर उनका पाप लाऊंगा। और प्रभु ने लोगों को उस बछड़े के बनाने के विषय में मारा, जो हारून ने बनाया था।

33

और प्रभु ने मूसा से कहा, आगे जाओ, यहाँ से ऊपर जाओ, तुम और तुम्हारे लोग, जिन्हें तुम मिस्र की भूमि से बाहर लाए, उस भूमि में जाओ, जिसके बारे में मैंने अब्राहम, इसहाक और याकूब से शपथ लेते हुए कहा था, तुम्हारे वंश को मैं यह दूंगा। और मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजूंगा, और वह एमोरी, हिती, परिज्जी, गिर्गाशी, हिब्वी, यबूसी और कनानी को निकाल देगा। और मैं तुम्हें उस भूमि में ले जाऊंगा जो दूध और शहद से बहती है, परन्तु मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगा, क्योंकि तुम हठीले लोग हो, कहीं ऐसा न हो कि मैं मार्ग में तुम्हें नष्ट कर दूँ। और यह बुरा शब्द सुनकर लोगों ने शोक में विलाप किया। और प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, तुम कठोर गर्दन वाले लोग हो, देखो, कहीं मैं तुम पर दूसरा प्रहार न लाऊँ और तुम्हें नष्ट कर दूँ। अब इसलिए अपने गौरव के वस्त्र और आभूषण उतार दो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि मैं तुम्हारे साथ क्या करूँगा। और इस्राएल के पुत्रों ने होरेब पर्वत से अपने आभूषण और वस्त्र उतारे। और मूसा ने अपना तम्बू लेकर उसे शिविर के बाहर, शिविर से दूर खड़ा किया, और वह साक्ष्य का तम्बू कहलाया, और ऐसा हुआ कि जो कोई प्रभु को खोजता था वह शिविर के बाहर के तम्बू में जाता था। जब मूसा शिविर के बाहर तंबू में प्रवेश कर रहे थे, तब सभी लोग अपने-अपने तंबू के द्वारों पर खड़े होकर देख रहे थे, और मूसा के तंबू में प्रवेश करने तक उन्हें जाते हुए देखते रहते थे। जैसे ही मूसा तंबू में प्रवेश करते, बादल का स्तंभ नीचे उतरता था, और तंबू के द्वार पर खड़ा होता था, और मूसा से बात करता था, और वह मूसा से बोल रहा था। और सब लोगों ने बादल के स्तंभ को तंबू के द्वार पर खड़ा हुआ देखा, और सब लोग खड़े हुए, और प्रत्येक ने अपने तंबू के द्वार से

प्रणाम किया। और प्रभु ने मूसा से आमने-सामने बात की, जैसे कोई अपने मित्र से बात करता है, और वह शिविर में लौट गया, लेकिन सेवक यहोशू, जो नून का पुत्र और जवान था, तम्बू से बाहर नहीं निकलता था।

और मूसा ने प्रभु से कहा, देखो, तू मुझसे कहता है, इन लोगों को ऊपर ले जाओ, लेकिन तूने मुझे नहीं बताया कि तू किसको मेरे साथ भेजेगा। लेकिन तूने मुझसे कहा था, मैं तुझे सबसे अधिक जानता हूँ, और तेरे पास मेरी कृपा है। यदि इसलिए मैंने तुम्हारे सामने कृपा पाई है, तो मुझे अपने आप को प्रकट करो, ताकि मैं तुम्हें स्पष्ट रूप से देख सकूँ, जिससे मैं तुम्हारे सामने कृपा पाया हुआ होऊँ, और ताकि मैं जान सकूँ कि यह महान राष्ट्र तुम्हारे लोग हैं। और वह कहता है, मैं स्वयं तुम्हारे आगे चलूँगा, और तुम्हें विश्राम दूँगा। और वह उससे कहता है, यदि तू स्वयं साथ नहीं चलता है, तो मुझे यहाँ से ऊपर मत ले जाना। और यह कैसे सचमुच ज्ञात होगा कि मैंने और तुम्हारे लोगों ने तुमसे कृपा पाई है, सिवाय तुम्हारे हमारे साथ यात्रा करने के? और मैं और तुम्हारे लोग उन सब राष्ट्रों से महिमामंडित होंगे, जो पृथ्वी पर हैं। और प्रभु ने मूसा से कहा, यह वचन जो तुमने कहा है, मैं करूँगा, क्योंकि तुमने मेरे सामने कृपा पाई है, और मैं तुम्हें सबसे अधिक जानता हूँ। और वह कहता है, मुझे अपने आप को प्रकट करो। और उसने कहा, मैं अपनी महिमा के साथ तुम्हारे सामने से पहले होकर निकलूँगा, और अपने नाम से, प्रभु, तुम्हारे सामने पुकारूँगा, और जिस पर मैं दया करूँ उस पर दया करूँगा, और जिस पर मैं करुणा करूँ उस पर करुणा करूँगा। और उसने कहा, तुम मेरा चेहरा नहीं देख सकोगे, क्योंकि कोई भी मनुष्य मेरा चेहरा देखकर जीवित नहीं रह सकता। और प्रभु ने कहा, देखो, मेरे पास एक स्थान है, तुम चट्टान पर खड़े होगे, जब मेरी महिमा गुजर जाए, तो मैं तुम्हें चट्टान की दरार में रखूँगा, और अपने हाथ से तुम्हें ढकूँगा, जब तक मैं गुजर न जाऊँ। और मैं अपना हाथ हटाऊँगा, और तब तुम मेरी पीठ देखोगे, लेकिन मेरा चेहरा तुम्हें नहीं दिखाई देगा।

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए दो पत्थर की पट्टिकाएँ तराश, जैसी पहली थीं, और पहाड़ पर मेरे पास चढ़ आ, और मैं उन पट्टिकाओं पर वे शब्द लिखूँगा जो पहली पट्टिकाओं में थे, जिन्हें तूने तोड़ दिया था। और सुबह के लिए तैयार हो जाओ, और तुम सीनै पर्वत पर चढ़ोगे, और तुम वहाँ पर्वत की चोटी पर मेरे लिए खड़े होगे। और कोई भी तुम्हारे साथ न चढ़े, न ही पूरे पहाड़ पर दिखाई दे, और भेड़ें और बैल उस पहाड़ के पास न चरें। और उसने दो पत्थर की पट्टियाँ तराशीं, जैसे पहली थीं, और मूसा सुबह उठकर सीनै पर्वत पर चढ़ा, जैसे प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, और मूसा ने दो पत्थर की पट्टियाँ लीं। और प्रभु बादल में नीचे उतरे, और वहाँ उसके पास खड़े हुए, और प्रभु के नाम से पुकारा। और प्रभु उसके चेहरे के सामने से गुजरे, और प्रभु परमेश्वर ने पुकारा, दयालु और कृपालु, धीरजवंत और दया में प्रचुर और सत्य, और धार्मिकता को बनाए रखते हुए और हजारों पर दया करते हुए, अधर्म और अन्याय और पापों को दूर करते हुए, और दोषी को शुद्ध नहीं करेगा, पिताओं के अधर्मों को बच्चों पर और बच्चों के बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक लाते हुए। और जल्दी करके मूसा भूमि पर झुककर नमस्कार किया। और उसने कहा, अगर मैंने आपके सामने कृपा पाई है, तो मेरे प्रभु हमारे साथ चलें, क्योंकि ये लोग हठीले हैं, और आप हमारे पापों और हमारे अधर्मों को दूर करेंगे, और हम आपके होंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, मैं तुम्हारे सभी लोगों के सामने तुम्हारे साथ एक वाचा स्थापित करता हूँ। मैं ऐसे महिमामय कार्य करूँगा जो सारी पृथ्वी पर और किसी भी राष्ट्र में कभी नहीं हुए हैं। और सभी लोग, जिनके बीच तुम हो, प्रभु के कार्यों को देखेंगे, क्योंकि जो मैं तुम्हारे लिए करूँगा वह अद्भुत है। ध्यान दो, जितना भी मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, देखो मैं तुम्हारे सामने से अमोरी, कनानी, परिज्जी, हिती, हिव्वी, गिराशी और यबूसी को निकालता हूँ। अपने लिए सावधान रहो, कि तुम कभी भी उस भूमि के निवासियों के साथ वाचा न बांधो, जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो, कहीं ऐसा न हो कि यह तुम्हारे बीच ठोकर का कारण बन जाए। तुम उनकी वेदियों को गिरा दोगे, और उनके स्तंभों को तोड़ दोगे, और उनके उपवनों को काट दोगे, और उनके देवताओं की खुदी हुई मूर्तियों को आग में जला दोगे। तुम अन्य देवताओं की पूजा मत करो, क्योंकि प्रभु परमेश्वर, जिसका नाम ईर्ष्यालु है, एक ईर्ष्यालु परमेश्वर है। कभी भी उन निवासियों के साथ वाचा मत

बांधना जो उस भूमि पर रहते हैं, और वे अपने देवताओं के पीछे व्यभिचार करें, और अपने देवताओं को बलिदान चढ़ाएं, और तुम्हें बुलाएं, और तुम उनका खाओ, और तू उनकी बेटियों को अपने बेटों के लिए ले, और अपनी बेटियों को उनके बेटों को दे, और तेरी बेटियां उनके देवताओं के पीछे व्यभिचार करें, और तेरे बेटे उनके देवताओं के पीछे व्यभिचार करें। और तू अपने लिए ढाले हुए देवता नहीं बनाएगा। और तुम बिना खमीर की रोटी का पर्व मनाओगे, सात दिन तक तुम बिना खमीर की रोटी खाओगे, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, नए महीने के समय में, क्योंकि नए महीने में तुम मिस्र से निकले थे। हर वह जो गर्भ खोलता है मेरा है - सभी नर, हर बछड़े का पहलौठा और भेड़ का पहलौठा। और जुए-वाले पशु के पहलौठे को तू भेड़ से छुड़ाएगा, परन्तु यदि तू इसको नहीं छुड़ाएगा, तो मूल्य देगा। तेरे पुत्रों के हर पहलौठे को छुड़ाएगा, तू मेरे सामने खाली हाथ नहीं दिखाई देगा।

छह दिन काम करो, लेकिन सातवें दिन विश्राम करना, बुवाई में और कटाई में विश्राम होगा। और तू मेरे लिए सप्ताहों का पर्व मनाएगा, जो गेहूं की कटाई का आरंभ है, और वर्ष के मध्य में सभा का पर्व मनाएगा। वर्ष में तीन बार तुम्हारा हर पुरुष प्रभु परमेश्वर इस्राएल के सामने उपस्थित होगा। जब मैं तुम्हारे सामने से राष्ट्रों को निकाल दूंगा और तुम्हारी सीमाओं को बढ़ाऊंगा, तब कोई भी तुम्हारी भूमि की इच्छा नहीं करेगा, जब तुम वर्ष में तीन बार अपने परमेश्वर प्रभु के सामने दिखाई देने के लिए जाओगे। तुम मेरी बलि के रक्त को खमीर के साथ वध नहीं करोगे, और फसह के पर्व की बलि सुबह तक नहीं रहेगी। अपनी भूमि के पहले फलों को तुम अपने परमेश्वर यहोवा के घर में रखोगे। तुम मेमने को उसकी माता के दूध में नहीं पकाओगे। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए ये शब्द लिख लो, क्योंकि इन्हीं शब्दों के आधार पर मैंने तुम्हारे साथ और इस्राएल के साथ वाचा बाँधी है। और मूसा वहाँ प्रभु के सामने चालीस दिन और चालीस रातें रहा, उसने रोटी नहीं खाई और पानी नहीं पिया, और उसने पट्टियों पर वाचा के ये शब्द, दस आज्ञाएँ लिखीं।

जब मूसा पर्वत से उतर रहा था, और दो पट्टियाँ मूसा के हाथों पर थीं, जब वह पर्वत से उतर रहा

था, तो मूसा नहीं जानता था कि उसके चेहरे के रंग की दृष्टि महिमामंडित हो गई थी जब वह उससे बोल रहा था। और हारून और इस्राएल के सभी बुजुर्गों ने मूसा को देखा, और उसके चेहरे के रंग की दृष्टि महिमामय थी। और वे उसके निकट आने से डरे। और मूसा ने उनको बुलाया, और हारून और सभा के सब शासक उसकी ओर लौटे, और मूसा ने उनसे बात की।

और इन बातों के बाद इस्राएल के सभी पुत्र उसके पास आए। और उसने उन्हें वह सब आज्ञा दी, जो प्रभु ने सीनै पर्वत पर उसे आज्ञा दी थी। और जब वह उनसे बोलना बंद कर चुका, तो उसने अपने चेहरे पर एक आवरण रख दिया। जब मूसा प्रभु के सामने उनसे बात करने के लिए प्रवेश करता था, तो वह आवरण को बाहर जाने तक हटा देता था, और बाहर जाकर इस्राएल के सभी पुत्रों को वह सब कुछ बताता था जो प्रभु ने उसे आदेश दिया था। और इस्राएल के पुत्रों ने मूसा का चेहरा देखा, कि वह महिमामय हो गया है, और मूसा ने अपने चेहरे पर ढकना रख दिया, जब तक वह उससे बोलने के लिए प्रवेश करे।

35

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा को एकत्र किया, और कहा, ये वे वचन हैं जिन्हें प्रभु ने करने के लिए कहा है। छह दिन तुम काम करोगे, लेकिन सातवें दिन विश्राम है, पवित्र सप्ताह, प्रभु के लिए विश्राम। जो कोई इस दिन काम करे, वह मार डाला जाए। तुम अपने सभी निवासों में सप्ताह के दिन आग नहीं जलाओगे, मैं प्रभु हूँ। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहा, यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी है। तुम उनमें से प्रभु के लिए भेंट लो, हर वह जो हृदय से स्वीकार करता है, वे प्रभु के लिए पहले फल लाएंगे: सोना, चांदी, कांसा। हाइसिंथ, बैंगनी, दोहरा बटा हुआ लाल रंग, और कती हुई बारीक मलमल, और बकरी के बाल, और मेढ़ों की खालें जो लाल रंगी हुई हों, और नीली खालें, और अविनाशी लकड़ी, और सुलैमानी के पत्थर, और खुदाई के लिए पत्थर, एपोद के लिए और लंबे वस्त्र के लिए। और जो तुम में हृदय से बुद्धिमान हैं,

वे सब आकर उन सब चीज़ों को बनाएँ जिनकी आज्ञा प्रभु ने दी है। तंबू, और आवरण, और पर्दे, और पट्टियाँ, और छड़े, और खंभे, और गवाही का संदूक, और उसके डंडे, और उसका प्रायश्चित का ढकना, और पर्दा, और मेज़ और उसके सभी बर्तन, और प्रकाश का दीपदान और उसके सब बर्तन, और वेदी और उसके सब बर्तन, और पवित्र वस्त्र हासून याजक के, और वे वस्त्र जिनमें वे सेवा करेंगे, और हासून के पुत्रों के अंगरखे याजकपद के लिए, और अभिषेक का तेल, और सुगंधित धूप।

और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा मूसा के पास से बाहर चली गई। और प्रत्येक व्यक्ति वह लाया जो उनका हृदय लाया, और जितनों की आत्मा को उचित लगा, वे भेंट लाए, और उन्होंने प्रभु को साक्षी के तम्बू के सब कार्यों के लिए, और उसकी सब सेवाओं के लिए, और पवित्र के सब वस्त्रों के लिए भेंट चढ़ाई। और पुरुषों ने स्त्रियों से लाया, हर वह व्यक्ति जिसे अपने मन में उचित लगा, वे मुहरें, और कान की बालियाँ, और अंगूठियाँ, और गूथे हुए आभूषण, और कंगन लाए, हर सोने का पात्र। और सब जितने प्रभु को सोने का योगदान लाए, और जिनके पास महीन मलमल, नीली खालें और मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालें मिलीं, वे लाए। और जो कोई भेंट लेता था, वे प्रभु को चांदी और कांसे की भेंटें लाए, और जिनके पास अविनाशी लकड़ियाँ मिलीं, वे तैयारी के सब कामों के लिए लाए। और हर बुद्धिमान स्त्री ने अपने मन और हाथों से कातकर, कती हुई चीजें लाई - नीला, बैंगनी, लाल और मलमल। और सब स्त्रियाँ, जिन्हें अपने मन में ज्ञान लगा, उन्होंने बकरी के बाल काते। और शासकों ने पत्थर के पत्थर और भरने के पत्थर कंधे के टुकड़े के लिए और सीने के पट्टे के लिए लाए। और रचनाएँ, और अभिषेक के तेल में, और धूप की रचना। और हर पुरुष और स्त्री, जिनका मन उन्हें सब कार्य करने के लिए प्रवेश करने को लाया, जितने कार्य प्रभु ने मूसा के द्वारा करने की आज्ञा दी थी, इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु को भेंट लाई। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, देखो, परमेश्वर ने नाम से बसलेल को, जो ऊरी का पुत्र, होर का पुत्र है, यहूदा के गोत्र से बुलाया है, और उसने उसे दिव्य आत्मा से भरा—ज्ञान की, समझ की, और सब चीज़ों के ज्ञान की। वास्तुकला के सभी कार्यों के अनुसार वास्तुकार होना, सोना और चांदी और कांस्य बनाना, और पत्थर का काम करना, और लकड़ी का काम करना,

और बुद्धि के हर काम को करना। और उसने वास्तव में उसके मन में और एलियाब को, जो अहीसामाक का पुत्र था, दान की जनजाति से, सिखाने की क्षमता दी। और उसने उन्हें बुद्धि, समझ और मन से भर दिया, ताकि वे पवित्र कार्यों को समझ सकें और कर सकें, और बुने हुए तथा कढ़ाई किए हुए वस्त्रों को लाल रंग और महीन मलमल से बुन सकें, और वास्तुकला तथा कढ़ाई का हर काम कर सकें।

36

और बसलेल और एलियाब ने, और हर उस बुद्धिमान व्यक्ति ने जिसे बुद्धि और ज्ञान दिया गया था, पवित्र कर्तव्यों के अनुसार सभी कार्यों को करने के लिए समझा, उन सब के अनुसार जो प्रभु ने आदेश दिया था। और मूसा ने बसलेल और एलियाब को बुलाया, और उन सबको जिनके पास ज्ञान था, जिनको परमेश्वर ने हृदय में विद्या दी थी, और उन सबको जो स्वेच्छा से कार्यों की ओर आने की इच्छा रखते थे, ताकि उन्हें पूरा किया जाए। और उन्होंने मूसा से सब योगदान लिए जो इस्राएल के पुत्रों ने पवित्र के सब कार्यों को करने के लिए लाए थे, और वे अभी भी सुबह लाने वालों से लाई जा रही भेंटों को स्वीकार कर रहे थे। और सभी बुद्धिमान लोग आए जो पवित्र के कार्य कर रहे थे, प्रत्येक अपने कार्य के अनुसार, जो वे कर रहे थे। और उसने मूसा से कहा कि लोग उन सभी कार्यों के अनुसार बहुतायत ला रहे हैं जिन्हें करने का प्रभु ने आदेश दिया था। और मूसा ने आदेश दिया, और शिविर में घोषणा की, कहते हुए, पुरुष और स्त्री अब पवित्र स्थान के प्रथम फलों के लिए काम न करें, और लोगों को अब और चढ़ावा चढ़ाने से रोका गया। और वे कार्य उनके लिए निर्माण करने को पर्याप्त थे, और उन्होंने अधिक छोड़ दिया। और सभी बुद्धिमान कारीगरों ने पवित्र वस्त्र बनाए, जो याजक हारून के लिए थे, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उसने कंधे का टुकड़ा सोने से, और नीले से, और बैंगनी से, और कते हुए लाल से, और बटे हुए महीन मलमल से बनाया, और सोने की पत्तियों को बाल की तरह काटा गया, ताकि उन्हें नीले, बैंगनी, कते हुए लाल और बटी हुई मलमल के साथ बुना जा सके। उन्होंने इसे बुने हुए काम

के रूप में बनाया। कंधे के दोनों भागों को पकड़ने वाले टुकड़े, बुना हुआ काम जो आपस में एक दूसरे के साथ स्वयं के अनुसार गुंथा हुआ। उन्होंने इसे उसी की शैली के अनुसार सोने, नीले, बैंगनी और लाल बुने हुए धागे तथा बटी हुई महीन मलमल से बनाया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने दोनों पन्ने के पत्थरों को बनाया, जो सोने से बांधे और घिरे हुए थे, और इस्राएल के पुत्रों के नामों की मुहर की तरह उकेरे और खोदे हुए थे, और उसने उन्हें एपोद के कंधों पर रखा, इस्राएल के पुत्रों के स्मारक पत्थर, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और उन्होंने सीनाबंद बनाया, जो बुना हुआ काम था, विविधता के साथ, एपोद के काम के अनुसार, सोने से, और नीले से, और बैंगनी से, और कटे हुए लाल से, और बटे हुए मलमल से। उन्होंने वक्षपत्र को चौकोर और दोहरा बनाया, एक बित्ते की लंबाई और एक बित्ते की चौड़ाई, दोहरा। और उसमें पत्थरों से जड़ा हुआ कपड़ा चार पंक्तियों में बुना गया था, पत्थरों की पंक्ति: लाल मणि और पुखराज और पन्ना, यह पहली पंक्ति थी, और दूसरी पंक्ति, लाल मणि और नीलम और यशब, और तीसरी पंक्ति, लिगुरियम और अगेत और अमेथिस्ट। और चौथी पंक्ति में पुखराज, पेरोज और सुलेमानी थे, जो सोने से घिरे हुए और सोने से बंधे हुए थे। और पत्थर इस्राएल के पुत्रों के नामों से बारह थे, उनके नामों से मुहरों में खुदे हुए थे, प्रत्येक अपने नाम से बारह कुलों के लिए। और उन्होंने न्यायपेटिका पर गुंथी हुई झालरें बनाई, जो गूंथने का काम था, शुद्ध सोने से। और उन्होंने दो सुनहरे कंधे के टुकड़े बनाए, और दो सुनहरे छल्ले बनाए, और उन्होंने दोनों सुनहरे छल्लों को सीनाबंद की दोनों शुरुआतों पर रखा। और उन्होंने सोने की गूंथी हुई जंजीरें सीनाबंद के दोनों भागों के छल्लों पर रखीं। और दोनों जोड़ों में दो बुनी हुई जंजीरें लगाई। और उन्होंने उन्हें दोनों कंधे के पट्टों पर रखा, और उन्हें एपोद के कंधों पर सामने की ओर लगाया। और उन्होंने दो सुनहरे छल्ले बनाए, और उन्होंने उन्हें सीनाबंद के शीर्ष पर दोनों पंखों पर रखा, और एपोद के पिछले भाग के शीर्ष पर भीतर से। और उन्होंने दो सुनहरे छल्ले बनाए, और उन्हें एपोद के दोनों कंधों पर, उसके नीचे की ओर, सामने की तरफ, एपोद के बुने हुए काम के जोड़ के ऊपर रखा। और उसने सीनाबंद को उसके छल्लों से एपोद के छल्लों में बांधा, जो नीले धागे से जुड़े हुए थे और एपोद के कपड़े में गूंथे हुए थे, ताकि सीनाबंद एपोद से ढीला न हो, जैसा

प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने कंधे के टुकड़े के नीचे अधोवस्त्र बनाया, जो बुना हुआ काम था, संपूर्ण नीला। लेकिन अधोवस्त्र का मुखद्वार मध्य में बुना हुआ और आपस में गुंथा हुआ था, जिसके चारों ओर अविनाशी किनारा था। और उन्होंने अंगरखे के किनारे पर नीचे की ओर खिलते हुए अनार के समान छोटे अनार बनाए, जो नीले, बैंगनी और लाल रंग के कते हुए धागे और बटी हुई मलमल से बने थे। और उन्होंने सुनहरी घंटियाँ बनाई, और उन्होंने घंटियों को अंगरखे की पट्टी पर चारों ओर अनारों के बीच में रखा, सोने की घंटी और अनार, वस्त्र के किनारे पर चारों ओर, सेवा करने के लिए, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने महीन मलमल के बुने हुए अंगरखे बनाए, हारून और उसके पुत्रों के लिए। और पगड़ियाँ महीन मलमल से, और पगड़ी महीन मलमल से, और पायजामे बटे हुए महीन मलमल से, और उनके कमरबंद महीन मलमल, नीले, बैंगनी और लाल रंग के कते हुए धागे से बने थे, कढ़ाई का काम, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उन्होंने शुद्ध सोने की पवित्र भेंट, सुनहरी पट्टिका बनाई, और उस पर मुहर की तरह उत्कीर्ण अक्षरों में लिखा, प्रभु के लिए पवित्रता, और उन्होंने नीले हाशिये पर रखा, ताकि वह पगड़ी पर ऊपर से रखा जाए, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

37

और उन्होंने तंबू के लिए दस पर्दे बनाए। एक पर्दे की लंबाई अट्ठाईस हाथ थी, यह सब के लिए समान थी, और एक पर्दे की चौड़ाई चार हाथ थी। और उन्होंने नीले, बैंगनी और लाल कते हुए धागे तथा बटी हुई महीन मलमल से पर्दा बनाया, जो करूबों के बुने हुए काम का था। और उन्होंने इसे चार अविनाशी स्तम्भों पर रखा जो सोने से मढ़े हुए थे, और उनके शीर्ष सोने के थे, और उनके चार आधार चाँदी के थे। और उन्होंने साक्षी के तम्बू के दरवाजे का पर्दा नीले, बैंगनी और लाल कते हुए धागे और बटी हुई मलमल से बनाया, जो करूबों के बुने हुए काम का था। और उनके पाँच स्तंभ, और छल्ले, और उनके शीर्ष, और उनके अंकुड़ों को उन्होंने सोने से मढ़ा, और उनकी पाँच कुर्सियाँ काँसे की थीं।

और उन्होंने दक्षिण की ओर का आंगन बनाया, आंगन के पर्दे बटे हुए बारीक मलमल के सौ हाथ के थे। और उनके स्तंभ बीस थे, और उनके आधार बीस थे। और उत्तर की ओर का पक्ष सौ पर सौ, और दक्षिण की ओर का पक्ष सौ पर सौ, और उनके स्तंभ बीस, और उनके आधार बीस। और समुद्र की ओर का पक्ष पचास हाथ के पर्दे, उनके दस स्तंभ, और उनके दस आधार, और पूर्व दिशा की ओर का पक्ष पचास हाथ के पर्दों वाला, पीछे की ओर पंद्रह हाथ का, और उनके स्तंभ तीन, और उनके आधार तीन, और दूसरी ओर की पीठ पर, आँगन के द्वार के इधर-उधर, पंद्रह हाथ के पर्दे थे, उनके तीन स्तंभ और उनके तीन आधार थे। तम्बू के सब पर्दे बटी हुई बारीक मलमल के थे। और उनके स्तंभों के आधार कांस्य के थे, और उनके अंकुश चांदी के थे, और उनके शीर्ष चांदी से मढ़े हुए थे, और स्तंभ चांदी से मढ़े हुए थे, आंगन के सब स्तंभ। और प्रांगण के द्वार का पर्दा कढ़ाई करने वाले का काम था, जो नीले, बैंगनी और लाल कते हुए सूत और बटी हुई मलमल से बना था। इसकी लंबाई बीस हाथ थी, और ऊंचाई और चौड़ाई पांच हाथ थी, जो प्रांगण के पर्दों से मेल खाती थी। और उनके स्तंभ चार थे, और उनके आधार चार कांस्य के थे, और उनके अंकुड़े चांदी के थे, और उनके शीर्ष चांदी से मढ़े हुए थे। और आँगन के चारों ओर के सब खूँटे काँसे के थे, और वे चाँदी से मढ़े हुए थे। और यह साक्ष्य के तम्बू की व्यवस्था है, जैसा मूसा को आज्ञा दी गई थी, कि सेवा लेवियों की हो हारून याजक के पुत्र ईतामार के द्वारा।

और बसलेल जो उरी का था, यहूदा के कबीले से, उसने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और एलियाब, जो अहीसामाक का पुत्र था और दान गोत्र से था, वह बुने हुए वस्त्रों, कढ़ाई किए हुए वस्त्रों और कलात्मक कार्यों का मुख्य शिल्पकार था, जो लाल रंग और महीन मलमल से बुनाई करता था।

38

और बसलेल ने सन्दूक बनाया, और उसने इसे शुद्ध सोने से भीतर और बाहर से मढ़ा, और उसने

इसके लिए सोने के चार छल्ले ढाले, दो एक पक्ष पर, और दो दूसरे पक्ष पर। डंडों के लिए चौड़ा, ताकि उसे उनके द्वारा उठाया जा सके। और उसने शुद्ध सोने से दया-आसन बनाया, जो सन्दूक के ऊपर था। और दो सुनहरे करूब, एक करूब प्रायश्चित्त आसन के एक सिरे पर, और एक करूब प्रायश्चित्त आसन के दूसरे सिरे पर, अपने पंखों से दया आसन पर छाया करते हुए। और उसने शुद्ध सोने से वह मेज़ बनाई जो सामने रखी जानी थी। और उसने इसके लिए चार छल्ले ढाले, दो एक पक्ष पर, और दो दूसरे पक्ष पर, चौड़े, ताकि उनमें डंडों से उठाया जा सके। और उसने संदूक के डंडे और मेज़ के डंडे बनाए, और उन्हें सोने से मढ़ा। और उसने मेज़ के बर्तन बनाए, कटोरे, धूपदान, प्याले, और अर्घपात्र, जिनमें वह अर्घ डालेगा, सोने के। और उसने सुनहरा दीपदान बनाया जो प्रकाशित करता है। ठोस तना, और छोटी नलियाँ इसके दोनों भागों से, उसकी डंडियों से अंकुर निकलते हुए, तीन इस ओर से और तीन उस ओर से, एक दूसरे के बराबर। और उनके दीपक, जो सिरों पर हैं, उनमें से अखरोट के आकार के हैं, और उनमें से कुर्सियाँ हैं, ताकि दीये उन पर हों, और सातवीं कुर्सी, जो दीपदान के सिरे पर है, ऊपर से शिखर पर, पूरी तरह ठोस सोने की है। और उस पर सात सोने के दीपक, और उसके सोने के चिमटे, और उनके सोने के पात्र। इसने खम्भों को चाँदी से मढ़ा, और खम्भे के लिए सुनहरे छल्ले ढाले, और छड़ों को सोने से मढ़ा, और पर्दे के खम्भों को सोने से मढ़ा, और सुनहरी कुंडियाँ बनाई। इसने तम्बू के सुनहरे छल्ले, और आँगन के छल्ले, और ऊपर से आवरण को फैलाने के लिए काँसे के छल्ले बनाए। इसने तम्बू के चाँदी के शीर्षों को ढाला, और तम्बू के द्वार के काँसे के शीर्षों को, और आँगन के द्वार को, और खम्भों के लिए चाँदी के अंकुड़े बनाए, खम्भों पर इसने उनको चाँदी से मढ़ा, इसने तम्बू की खूंटियाँ और आँगन की कांस्य खूंटियाँ बनाई। इसने कांस्य वेदी को उन कांस्य अंगारदानियों से बनाया जो उन पुरुषों की थीं जिन्होंने कोरह की मण्डली के साथ विद्रोह किया था इसने वेदी के सभी बर्तन बनाए, और उसका धूपदान, और आधार, और कटोरे, और कांस्य के मांस के कांटे। उसने वेदी के लिए एक ढकना बनाया, जो जाली का काम था, जो अंगीठी के नीचे से उसके आधे भाग तक था, और उसने उस पर चार कांसे की कड़ियाँ लगाई, जो वेदी के ढकने के चारों कोनों पर थीं, जो डंडों के लिए चौड़ी थीं, ताकि उनके द्वारा वेदी को उठाया जा सके। इसने पवित्र अभिषेक का तेल बनाया, और धूप की शुद्ध रचना, जो इत्र बनाने वाले का काम था।

इसने कांस्य का हौज़ और उसका कांस्य का आधार उन उपवास करने वाली स्त्रियों के दर्पणों से बनाया, जिन्होंने साक्षी के तम्बू के द्वारों के पास उपवास किया था, उस दिन जब उसने उसे स्थापित किया।

और उसने वह हौज़ बनाया, ताकि मूसा और हारून और उसके पुत्र अपने हाथ और पैर उसमें धोएं, जब वे गवाही के तम्बू में प्रवेश करें, या जब वे सेवा करने के लिए वेदी के पास आएँ, वे उसमें धोते थे, जैसे प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

39

सभी सोना, जो पवित्र वस्तुओं के सभी कार्यों के लिए तैयार किया गया था, पहले फलों के सोने का था, उनतीस तोड़े और सात सौ बीस शेकेल, पवित्र शेकेल के अनुसार। और मण्डली के निरीक्षण किए गए पुरुषों से चांदी की भेंट सौ तालन्त और एक हजार सात सौ पचहत्तर शेकेल थी, प्रति व्यक्ति एक द्राख्मा, पवित्र शेकेल के अनुसार शेकेल का आधा। बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी गिनती में आने वाले लोग छह लाख तीन हजार पांच सौ पचास थे। और सौ तालन्त चाँदी का उपयोग तम्बू के सौ शीर्षों की ढलाई में और पर्दे के शीर्षों में हुआ, सौ शीर्षक सौ तालन्त के लिए, एक तालन्त प्रति शीर्षक, और एक हजार सात सौ पचहत्तर शेकेल से उसने स्तंभों के लिए अंकुड़े बनाए, और उनके शीर्षों को सोने से मढ़ा, और उन्हें सजाया।

और उठाने की भेंट का कांस्य सत्तर तालन्त और एक हजार पाँच सौ शेकेल था। और उन्होंने उससे साक्षी के तम्बू के द्वार के आधार बनाए, और आंगन के चारों ओर के आधारों को, और आंगन के द्वार के आधारों को, और तम्बू के खूंटियों को, और आंगन के चारों ओर के खूंटियों को, और वेदी का कांस्य का जाली, और वेदी के सब बर्तन, और साक्ष्य के तम्बू के सब औजार, और इस्राएल के पुत्रों ने किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, उन्होंने वैसा ही किया। और शेष

सोना जो भेंट से बचा था, उससे उन्होंने बर्तन बनाए ताकि उनसे प्रभु के सामने सेवा की जाए। और जो नीला, बैंगनी और लाल रंग का कपड़ा बचा था, उससे उन्होंने हारून के लिए सेवा के वस्त्र बनाए, ताकि वह उनमें पवित्र स्थान में सेवा करे। और उन्होंने वस्त्र, तंबू और उसके बर्तन, आधार और उसकी छड़ें, और स्तंभ मूसा के पास लाए, और वेदी, और उसके सब बर्तन।

और अभिषेक का तेल, और सुगंधित धूप, और शुद्ध दीवट, और उसके दीपक, जलने के दीपक, और प्रकाश का तेल, और भेंट की मेज, और उसके सब बर्तन, और रखी हुई रोटियाँ, और पवित्र के वस्त्र, जो हारून के हैं, और उसके पुत्रों के वस्त्र, पुरोहिती के लिए, और आँगन के पर्दे, और स्तंभ, और तम्बू के द्वार का पर्दा, और आँगन के फाटक का पर्दा, और तम्बू के सब बर्तन, और उसके सब औज़ार, और मेढ़ों की लाल रंगी हुई खालें, और नीले आवरण, और शेष आवरण, और खूँटे, और साक्ष्य के तम्बू के कार्यों के लिए सब औज़ार। जितने आदेश प्रभु ने मूसा को दिए, उसी प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने सब सामान बनाया। और मूसा ने सब काम देखे, और उन्होंने उनको उसी तरीके से बनाया था जैसे प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी; इस प्रकार उन्होंने उनको किया, और मूसा ने उनको आशीर्वाद दिया।

40

और प्रभु ने मूसा से कहा, पहले महीने के पहले दिन, नए चाँद पर, तुम गवाही के तंबू को स्थापित करोगे। और तुम गवाही के संदूक को रखोगे, और तुम संदूक को पर्दे से ढकोगे। और तू मेज़ को अंदर लाएगा, और उस पर भेंट की रोटी रखेगा, और दीवट को अंदर लाएगा, और उसके दीपक जलाएगा। और तू सुनहरी वेदी को धूप जलाने के लिए सन्दूक के सामने रखेगा, और तू साक्षी के तम्बू के द्वार पर पर्दे का आवरण रखेगा। और भेंटों की वेदी को तुम साक्ष्य के तम्बू के द्वारों के पास रखोगे, और तुम तंबू को चारों ओर रखोगे, और उसकी सब वस्तुओं को चारों ओर पवित्र करोगे। और तू अभिषेक का तेल लेगा, और तंबू का अभिषेक करेगा, और जो कुछ इसमें है उस

सबका, और तू इसे पवित्र करेगा, और इसके सब बर्तनों को, और यह पवित्र होगा। और तू भेंटों की वेदी का अभिषेक करेगा, और उसके सब बर्तनों का, और तू वेदी को पवित्र करेगा, और वेदी परम पवित्र होगी। और तू हारून और उसके पुत्रों को साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर लाएगा, और उनको जल से धोएगा। और तुम हारून को पवित्र वस्त्र पहनाओगे, और तुम उसका अभिषेक करोगे, और तुम उसे पवित्र करोगे, और वह मेरे लिए याजक का काम करेगा। और तुम उसके पुत्रों को लाओगे, और तुम उन्हें अंगरखे पहनाओगे। और तू उनका अभिषेक करेगा जिस तरीके से तूने उनके पिता का अभिषेक किया था, और वे मेरे लिए याजक की सेवा करेंगे, और यह होगा ताकि उनके लिए याजकपद का अभिषेक युगानुयुग तक, उनकी पीढ़ियों तक बना रहे। और मूसा ने वह सब किया जो प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, उसने वैसा ही किया।

और ऐसा हुआ कि पहले महीने में, दूसरे वर्ष में, उनके मिस्र से निकलने के समय, नए चाँद पर तम्बू खड़ा किया गया। और मूसा ने तंबू को खड़ा किया, और राजधानियों को रखा, और छड़ों को डाला, और स्तंभों को खड़ा किया। और उसने तम्बू पर पर्दों को फैलाया, और तम्बू के आवरण को उस पर ऊपर से रखा, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और गवाहियाँ लेकर संदूक में डाला, और डंडों को संदूक के नीचे रखा। और उसने सन्दूक को तम्बू में लाया, और पर्दे का आवरण रखा, और साक्षी के सन्दूक को ढाँका, जिस रीति से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, और उसने साक्ष्य के तम्बू में मेज़ को उत्तर की ओर, तम्बू के पर्दे के बाहर रखा। और उसने उस पर भेंट की रोटियाँ प्रभु के सामने रखीं, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था। और उसने दीवट को गवाही के तम्बू में, तम्बू की दक्षिण दिशा की ओर रखा। और उसने उसके दीपक प्रभु के सामने रखे, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उसने सुनहरी वेदी को गवाही के तम्बू में पर्दे के सामने रखा, और उसने उस पर संयोजन की धूप जलाई, जैसे प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और उसने भेंट की वेदी को तम्बू के द्वार के पास रखा। और मूसा ने तम्बू और वेदी के चारों ओर आँगन स्थापित किया, और सब कार्य पूर्ण किए।

और बादल ने गवाही के तंबू को ढक लिया, और प्रभु की महिमा से तंबू भर गया। और मूसा

गवाही के तंबू में प्रवेश करने में सक्षम नहीं था, क्योंकि बादल उस पर छाया कर रहा था, और तंबू प्रभु की महिमा से भर गया था। जब बादल तम्बू से ऊपर उठता था, तब इस्राएल के पुत्र अपने सामान के साथ कूच करते थे। यदि बादल ऊपर नहीं गया, तो वे उस दिन तक प्रस्थान नहीं करते थे जिस दिन बादल ऊपर गया। क्योंकि दिन में तम्बू के ऊपर बादल था, और रात को उसके ऊपर आग थी, सारे इस्राएल के सामने, उनके सभी प्रस्थानों में।

गिनती

1

और प्रभु ने मूसा से सीनै के जंगल में, गवाही के तंबू में, दूसरे महीने की पहली तारीख को, दूसरे वर्ष में, उनके मिस्र की भूमि से निकलने के बाद, कहा, इस्राएल की सारी सभा की गणना आरंभ करो, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिरों के अनुसार, बीस वर्ष और उससे अधिक आयु का प्रत्येक पुरुष, जो इस्राएल की सेना में जाने योग्य है, उनको उनकी सेनाओं के अनुसार गिनो; तुम और हारून उनको गिनो। और आपके साथ प्रत्येक कबीले के अनुसार शासक होंगे, वे पैतृक घरानों के अनुसार होंगे।

और ये उन पुरुषों के नाम हैं जो तुम्हारे साथ खड़े होंगे: रूबेन के लिए, एलिसूर जो शदेऊर का पुत्र है, शिमोन के, शलूमीएल पुत्र सूरीशदै का। यहूदा में, नाहशोन अम्मीनादाब का पुत्र था। इस्राकार में से, नथानेल जो सोगार का पुत्र था, ज़बूलून के, एलियाब जो हेलोन का पुत्र है, यूसुफ़ के पुत्रों में से एफ़्राईम के, एलीशामा जो अम्मीहूद का पुत्र है, मनश्शे के, गमलीएल जो फदासूर का पुत्र है। बिन्यामीन का अबीदान, गिदोनी का पुत्र। दान के, अहीएज़र अम्मीशदै का पुत्र। आशेर में से, फगाईएल, जो एक्रान का पुत्र है। गाद के, एलीसाफ़ रागुएल का पुत्र। नफ़ताली का अहीरे, जो ऐनान का पुत्र था। ये मण्डली के नामित शासक थे, जो अपने परिवारों के अनुसार जनजातियों के

थे और इस्राएल के सहस्रपति थे।

और मूसा और हारून ने इन पुरुषों को लिया जो नाम से बुलाए गए थे। और उन्होंने दूसरे वर्ष के दूसरे महीने की पहली तारीख को सारी मण्डली को इकट्ठा किया, और उनकी पीढ़ियों के अनुसार, उनके परिवारों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी पुरुषों को एक-एक करके गिना गया। जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, और वे सीनै के जंगल में गिने गए।

और रूबेन के पुत्र, जो इस्राएल का प्रथमजात था, उनके कुटुम्ब के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिरों के अनुसार गिने गए, सब पुरुष बीस वर्ष के और उससे ऊपर के, सब जो सेना में जाने योग्य थे। रूबेन के कबीले की उनकी जनगणना, छियालीस हजार पाँच सौ। शिमोन के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, हर एक जो सेना में जाने योग्य था। शिमोन के गोत्र से उनकी गिनती उनचास हजार तीन सौ थी।

यहूदा के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, व्यक्तिगत रूप से, सभी पुरुष बीस वर्ष की आयु से और उससे अधिक, सभी जो सेना में जाने योग्य थे। यहूदा के गोत्र से उनकी गणना चौहत्तर हजार छः सौ थी।

इस्साकार के पुत्रों में से, उनके परिवारों के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, सभी जो सेना में जाने योग्य थे। इस्साकार के कबीले की

उनकी गणना, चौवन हजार चार सौ। ज़बूलून के पुत्रों को, उनकी रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पूर्वजों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष के और उससे ऊपर के, सब जो सेना में निकलते थे। ज़बूलून के कबीले से उनकी गणना, सात और पचास हजार और चार सौ।

यूसुफ के पुत्रों में से एफ्राइम के पुत्रों को, उनके कुल के अनुसार, उनके वंशों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, एक-एक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, सभी जो सेना में जाने योग्य थे एफ्राइम के कबीले से उनकी गणना, चालीस हजार और पाँच सौ। मनश्शे के पुत्रों में से, उनके कुल के अनुसार, उनके वंशों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, एक-एक व्यक्ति की गिनती करके, सभी पुरुष, बीस वर्ष की आयु से लेकर उससे अधिक, सभी जो सेना में जाने योग्य थे। मनश्शे के कबीले से उनकी गणना, बत्तीस हजार दो सौ। बिन्यामीन के पुत्रों को उनकी रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, हर वह जो सेना में निकलने वाला था। बिन्यामीन के कबीले की उनकी गणना पैंतीस हजार चार सौ थी। गाद के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, हर एक जो सेना में जाने योग्य था, उनकी गणना, गाद के जनजाति से, पैंतालीस हजार छः सौ पचास।

दान के पुत्रों में से, उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की गिनती के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति के अनुसार, सभी पुरुष बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के, हर एक जो सेना में जाने योग्य था। दान कबीले की उनकी गणना, बासठ हजार सात सौ। आशेर के पुत्रों को उनके रिश्तेदारी के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, उनके सिर के अनुसार, सभी

पुरुष बीस वर्ष की आयु से और ऊपर, हर वह जो सेना में बाहर जाता था। आशेर जनजाति की उनकी गणना इकतालीस हजार पाँच सौ थी।

नफताली के पुत्रों में से, उनके संबंधों के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, उनके नामों की संख्या के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति की गिनती करते हुए, सभी पुरुष जो बीस वर्ष के और उससे अधिक आयु के थे, सभी जो सेना में जाने योग्य थे, नफताली के गोत्र से उनकी जनगणना तिरपन हजार चार सौ थी।

यह वह गणना थी, जिसका निरीक्षण मूसा और हारून और इस्राएल के शासकों ने किया—बारह पुरुष, प्रत्येक कुल से एक पुरुष, पितरों के घरानों के कुल के अनुसार थे। और इस्राएल के पुत्रों की सारी गणना उनकी सेना के साथ बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी लोगों की हुई, जो इस्राएल में युद्ध के लिए निकलने वाले थे। छह सौ हजार और तीन हजार पाँच सौ पचास।

लेकिन लेवी अपने परिवार के गोत्र में से इस्राएल की संतानों में नहीं गिने गए। और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, लेवी के गोत्र की तुम गणना नहीं करोगे, और इस्राएल के पुत्रों के बीच में उनकी संख्या तुम नहीं लोगे। और तुम लेवियों को गवाही के तंबू पर, और उसके सब बर्तनों पर, और जो कुछ उसमें है उस सब पर नियुक्त करो। वे तंबू को और उसके सब बर्तनों को उठाएंगे, और वे उसमें सेवा करेंगे, और तंबू के चारों ओर डेरा डालेंगे। और जब तंबू को हटाना हो, तो लेवी इसे नीचे उतारेंगे, और जब तंबू को स्थापित करना हो, तो वे इसे खड़ा करेंगे, और जो विदेशी पास आए वह मार डाला जाए। और इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे, प्रत्येक पुरुष अपने क्रम में, और प्रत्येक पुरुष अपने नेतृत्व के अनुसार, उनकी शक्ति के साथ। परन्तु लेवी लोग साक्ष्य के तम्बू के चारों ओर सामने डेरा डालें, और इस्राएल के पुत्रों में पाप नहीं होगा। और लेवी लोग स्वयं साक्ष्य के तम्बू की रक्षा करेंगे। और इस्राएल के पुत्रों ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा और हारून को आज्ञा दी थी, उन्होंने वैसा ही किया।

2

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, प्रत्येक व्यक्ति अपने क्रम के अनुसार, अपने झंडे के अनुसार, अपने पितरों के घरों के अनुसार स्थित रहे; इस्राएल के पुत्र सामने डेरा डालें; गवाही के तम्बू के चारों ओर इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे। और जो पूर्व दिशा में पहले डेरा डालते हैं, यहूदा के शिविर की व्यवस्था अपनी शक्ति के साथ, और यहूदा के पुत्रों का शासक, नहशोन जो अमीनादाब का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षित लोग, चौहत्तर हजार छह सौ थे। और इस्राकार गोत्र के पास डेरा डालने वाले, और इस्राकार के पुत्रों का शासक, नथनेल सोगार का पुत्र। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, चार और पचास हजार और चार सौ थे। और ज़बूलून जनजाति के बगल में डेरा डालने वाले, और ज़बूलून के पुत्रों का शासक एलियाब, जो हेलेन का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, सत्तावन हजार चार सौ थे। यहूदा के शिविर से निरीक्षण किए गए सभी लोग, एक लाख अस्सी हजार छह सौ चार, अपनी शक्ति के साथ पहले निकलेंगे। रूबेन के शिविर के सेनादल दक्षिण की ओर उनकी शक्ति के साथ, और रूबेन के पुत्रों का शासक एलीसूर, जो शदेऊर का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षित लोग, छियालीस हजार पाँच सौ थे। और उसके कुल शिमोन के बगल में डेरा डालने वाले, और शिमोन के पुत्रों का शासक, शलूमीएल जो सूरीशदै का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, उनतालीस हजार तीन सौ थे। और उसके बगल में डेरा डालने वाले गाद का गोत्र, और गाद के पुत्रों का प्रधान, एलीसाफ जो रगूएल का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, पैंतालीस हजार छह सौ पचास थे। रूबेन के शिविर के सब निरीक्षण किए गए, एक लाख पचास हजार चार सौ पचास, अपनी सेना के साथ दूसरे स्थान पर प्रस्थान करेंगे।

और साक्ष्य का तंबू उठाया जाएगा, और लेवियों का शिविर शिविरों के बीच में होगा। जैसे वे डेरा डालेंगे, वैसे ही वे निकलेंगे, प्रत्येक अपने नेतृत्व के अनुसार अपने स्थान पर रहते हुए। एफ्राइम के शिविर का दल समुद्र के पास अपनी सेना के साथ, और एफ्राइम के पुत्रों का प्रधान एलीशामा,

जो एम्मीहूद का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग चालीस हजार पाँच सौ थे।

और मनश्शे कबीले के बगल में डेरा डालने वाले, और मनश्शे के पुत्रों का शासक, गमलीएल जो फदासूर का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, बत्तीस हजार दो सौ थे। और बिन्यामीन जनजाति के बगल में डेरा डालने वाले, और बिन्यामीन के पुत्रों का शासक, अबीदान, गिदोनी का पुत्र। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, पैंतीस हजार चार सौ थे। एफ्राइम के शिविर के सब निरीक्षण किए गए, एक लाख आठ हजार एक सौ, अपनी सेना के साथ तीसरे स्थान पर प्रस्थान करेंगे।

दान के शिविर का आदेश उत्तर की ओर अपनी सेना के साथ, और दान के पुत्रों का शासक, अहीएजेर जो अम्मीशद्वै का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षित, बासठ हजार सात सौ। और उसके बगल में डेरा डालने वाले आशेर का गोत्र, और आशेर के पुत्रों का शासक, फगीएल जो एक्रान का पुत्र था। उसकी शक्ति के निरीक्षित लोग, एकतालीस हजार पाँच सौ थे। और नप्ताली गोत्र के पास डेरा डालने वाले, और नप्ताली के पुत्रों का शासक, अहीरे, जो ऐनान का पुत्र है। उसकी शक्ति के निरीक्षण किए गए लोग, तिरपन हजार चार सौ थे। दान के शिविर के सब निरीक्षण किए गए लोग, एक लाख सत्तावन हजार छह सौ, अपने क्रम के अनुसार अंतिम में प्रस्थान करेंगे।

यह इसराएल के पुत्रों की उनके पितरों के घरों के अनुसार गणना है, शिविरों की उनकी सेनाओं के साथ सब गणना, छह सौ हजार और तीन हजार पाँच सौ पचास। लेकिन लेवी उनमें साथ नहीं गिने गए, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और इस्राएल के पुत्रों ने वह सब किया जितना प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, इस प्रकार उन्होंने अपनी व्यवस्था के अनुसार डेरा डाला, और इस प्रकार प्रत्येक अपने कुल के अनुसार, अपने पितरों के घरानों के अनुसार साथ लगे हुए कूच किया।

3

और ये हारून और मूसा की पीढ़ियाँ हैं, उस दिन में जब प्रभु ने सीनै पर्वत पर मूसा से बात की। और ये हारून के पुत्रों के नाम हैं: पहलौठा नादाब, और अबीहू, एलाजार, और ईतामार। ये हारून के पुत्रों के नाम हैं, वे याजक जो अभिषिक्त किए गए थे, जिनके हाथों को याजक सेवा करने के लिए पूर्ण किया गया था। और नदाब और अबीहू प्रभु के सामने मर गए, जब वे प्रभु के सामने विदेशी आग चढ़ा रहे थे, सीनै के जंगल में, और उनके कोई बच्चे नहीं थे, और एलाजार और ईतामार ने अपने पिता हारून के साथ याजक का काम किया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, लेवी के गोत्र को लो, और उन्हें हारून याजक के सामने खड़ा करो, और वे उसकी सेवा करेंगे, और वे उसकी रखवाली करेंगे, और इस्राएल के पुत्रों की रखवाली साक्ष्य के तम्बू के सामने करेंगे, तम्बू के कार्यों को करने के लिए। और वे गवाही के तम्बू के सब बर्तनों की रक्षा करेंगे, और इस्राएल की सन्तानों की रक्षा करेंगे तम्बू के सब कामों के अनुसार। और तू लेवियों को हारून और उसके पुत्रों को, जो याजक हैं, साँपेगा; ये इस्राएल के पुत्रों में से मुझे उपहार के रूप में दिए गए हैं। और तुम हारून और उसके पुत्रों को साक्ष्य के तम्बू पर नियुक्त करोगे, और वे अपने पुरोहित पद की रक्षा करेंगे, और वेदी से संबंधित सब कुछ, और पर्दे के भीतर की सब बातें; और जो विदेशी छुएगा वह मर जाएगा। और प्रभु ने मूसा से कहा, और देखो, मैंने इस्राएल के पुत्रों के बीच से लेवियों को लिया है, उन सब पहलौठों के बदले में जो गर्भ को खोलते हैं, इस्राएल के पुत्रों में से; वे उनका छुटकारा होंगे, और लेवी मेरे होंगे। मेरे लिए हर पहलौठा है, क्योंकि जिस दिन मैंने मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, मैंने इस्राएल में हर पहलौठे को अपने लिए पवित्र किया, मनुष्य से लेकर पशु तक वे मेरे होंगे, मैं प्रभु हूँ।

और प्रभु ने मूसा से सीनै के जंगल में कहा, लेवी के पुत्रों की गणना उनके पितरों के घरानों के अनुसार और उनके कुलों के अनुसार करो, एक महीने और उससे अधिक आयु के हर पुरुष की

गिनती करो। और मूसा और हारून ने प्रभु की आवाज के माध्यम से उनका निरीक्षण किया, जिस तरीके से प्रभु ने उनको आदेश दिया था।

और ये लेवी के पुत्र थे उनके नामों से: गेदसोन, काअथ और मेरारी। और ये गेदसोन के पुत्रों के नाम उनके कुलों के अनुसार हैं: लोबेनी और सेमेई। और कहात के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: अम्राम और इस्साकार, हेब्रोन और उज्जीएल। और मेरारी के पुत्र उनके कुलों के अनुसार, मूली और मूशी, ये लेवियों के कुल हैं उनके पितरों के घरानों के अनुसार। गेदसोन को लोबेनी के लोग, और सेमेई के लोग, ये गेदसोन के लोग हैं। उनकी गणना प्रत्येक पुरुष की संख्या के अनुसार एक महीने की आयु और उससे अधिक, उनकी गणना सात हजार पांच सौ थी। और गेशोन के पुत्र तम्बू के पीछे समुद्र की ओर डेरा डालेंगे। और गेदसोन के लोगों के परिवारों के घर का शासक एलिसाफ था, जो दाएल का पुत्र था। और गेदसोन के पुत्रों का पहरा गवाही के तंबू में था, तंबू और आवरण, और गवाही के तंबू के द्वार का आवरण, और आँगन के पर्दे, और आँगन के द्वार का पर्दा जो तम्बू पर था, और उसके सब कार्यों के बचे हुए भाग।

कोहाथ के: अम्राम का कुल एक, और इस्साकार का कुल एक, और हेब्रोन का कुल एक, और उज्जीएल का कुल एक। ये कोहाथ के कुल हैं, संख्या के अनुसार। एक महीने और उससे अधिक आयु का हर पुरुष, आठ हजार छह सौ, जो पवित्र स्थानों की रक्षा करते थे। कहात के पुत्रों के कुल तम्बू की दक्षिण दिशा में डेरा डालेंगे। और कोहाथ के कुलों के पितरों के घराने का प्रधान एलीसाफान था, जो उज्जीएल का पुत्र था।

और उनका पहरा सन्दूक, मेज, दीवट, वेदियाँ, और पवित्र स्थान के बर्तन जिनसे वे सेवा करते हैं, और आवरण, और उनके सब काम हैं। और लेवियों के शासकों पर शासक, एलाज़ार जो हारून याजक का पुत्र था, पवित्र वस्तुओं के पहरेदारों की रक्षा करने के लिए नियुक्त किया गया था। मेरारी के मूली कुल और मूसी कुल, ये मेरारी के कुल हैं। उनकी गणना संख्या के अनुसार, एक महीने और उससे अधिक आयु के सभी पुरुष, छह हजार पचास थे। और मेरारी के लोगों के

पितरों के घराने का शासक, अबीहैल का पुत्र सूरीएल, तम्बू की बगल में उत्तर की ओर डेरा डालेगा। मेरारी के पुत्रों की रखवाली की जिम्मेदारी की गणना: तम्बू के शीर्ष, उसके बेंड़े, उसके खम्भे, उसके आधार, उनके सब बर्तन और उनके सब काम। और आंगन के स्तंभों को चारों ओर, और उनके आधारों को, और खूंटों को, और उनकी रस्सियों को।

वे जो साक्षी के तम्बू के सामने पूर्व दिशा से डेरा डालते हैं, मूसा और हारून और उसके पुत्र, इस्राएल के पुत्रों की रक्षा के लिए पवित्र स्थान की रक्षा करते हुए, और परदेशी जो छूएगा, वह मर जाएगा। लेवियों की सम्पूर्ण गणना, जिन्हें मूसा और हारून ने प्रभु की आज्ञा से उनके कुलों के अनुसार गिना, एक महीने और उससे ऊपर के सभी पुरुष, बाईस हज़ार।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों में से एक महीने और उससे अधिक आयु के सभी पहलौठे पुरुषों की जांच करो, और उनकी संख्या नाम से लो। और तू लेवियों को मेरे लिए लेगा, मैं प्रभु हूँ, इस्राएल के पुत्रों के सब पहलौठों के स्थान पर, और लेवियों के मवेशी इस्राएल के पुत्रों के मवेशियों के सब पहलौठों के स्थान पर। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों में हर पहलौठे का दौरा किया, जिस तरीके से प्रभु ने आदेश दिया था। और सभी पहलौठे नर, जो एक महीने और उससे अधिक आयु के थे, नाम के अनुसार गिनती में, उनकी जनगणना के अनुसार बाईस हजार दो सौ तिहत्तर हुए। और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के सब पहलौठे पुत्रों के बदले में लेवियों को ले लो, और उनके पशुओं के बदले में लेवियों के पशु, और लेवी मेरे होंगे, मैं प्रभु हूँ। और तीन सौ तिहत्तर की छुड़ौती, जो लेवियों से अधिक थे, इस्राएल के पुत्रों के पहलौठों में से, और तुम प्रति सिर पाँच शेकेल लोगे, पवित्र दिद्राख्या के अनुसार, शेकेल के बीस ओबोल। और तुम चाँदी हारून और उसके पुत्रों को दोगे, उनमें से अधिक होने वालों की छुड़ौती। और मूसा ने उन अधिक लोगों की फिरौती की चाँदी ली, जो लेवियों के छुटकारे में थे। इस्राएल के पुत्रों के प्रथमजातों में से उसने चाँदी ली, एक हजार तीन सौ पैंसठ शेकेल, पवित्र शेकेल के अनुसार। और मूसा ने उन अधिक लोगों की छुड़ौती हारून और उसके पुत्रों को दी, प्रभु की आज्ञा के द्वारा, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

4

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, काअथ के पुत्रों की गिनती लो, लेवी के पुत्रों में से, उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, पच्चीस वर्ष से लेकर पचास वर्ष तक, हर वह जो साक्षी के तम्बू में सब कार्य करने के लिए सेवा करने हेतु प्रवेश करता है।

और ये कहात के पुत्रों के काम साक्ष्य के तंबू में हैं, परम पवित्र। और हारून और उसके पुत्र प्रवेश करेंगे जब शिविर हटाया जाएगा, और वे ढकने वाले पर्दे को उतारेंगे, और उससे साक्षी के संदूक को ढकेंगे, और वे इस पर नीले चमड़े का आवरण रखेंगे, और वे इस पर ऊपर से संपूर्ण नीला वस्त्र फैलाएंगे, और वे डंडों को डालेंगे।

और उस मेज़ पर जो सामने रखी हुई है, वे उस पर पूर्णतः बैंगनी वस्त्र बिछाएँगे, और कटोरे, और धूपदान, और प्याले, और अर्घपात्र जिनमें वह अर्घ डालता है, और वह रोटियाँ जो निरंतर उस पर रहेंगी। और वे उस पर लाल वस्त्र बिछाएँगे, और उसे नीले चमड़े के आवरण से ढकेंगे, और उसमें डंडे डालेंगे। और वे नीला वस्त्र लेंगे और प्रकाश देनेवाले दीवट को और उसके दीपकों को और उसके चिमटों को और उसके डालने के पात्रों को और तेल के सब पात्रों को, जिनसे वे उनमें सेवा करते हैं, ढकेंगे। और वे उसे और उसके सब बर्तनों को नीले चमड़े के आवरण में डालेंगे, और उसे डंडों पर रखेंगे। और वे सुनहरी वेदी पर नीला वस्त्र ढकेंगे, और उसे नीले चमड़े के आवरण से ढकेंगे, और उसके डंडों को लगाएंगे।

और वे उन सब बर्तनों को लेंगे जो पवित्र स्थान में सेवा के लिए उपयोग किए जाते हैं, और उन्हें नीले वस्त्र में डालेंगे, और उन्हें नीले चमड़े के आवरण से ढकेंगे, और उन्हें डंडों पर रखेंगे। और वह आवरण को वेदी पर रखेगा, और वे उसे पूर्णतः बैंगनी वस्त्र से ढकेंगे। और वे उस पर सभी बर्तन रखेंगे जिनसे वे उस पर सेवा करते हैं, और अंगीठियाँ, और माँस के काँटे, और कटोरे, और ढकने

वाला, और वेदी के सभी बर्तन, और वे उस पर नीले चमड़े का ढकना डालेंगे, और वे उसके डंडे डालेंगे, और वे बैंगनी वस्त्र लेंगे, और वे हौद और उसके आधार को ढकेंगे, और वे उसे नीले चमड़े के ढकने में डालेंगे, और वे डंडों पर रखेंगे। और हारून और उसके पुत्र पवित्र वस्तुओं को और सभी पवित्र बर्तनों को ढकने का कार्य पूर्ण करेंगे जब शिविर को उठाया जाएगा, और इसके बाद कहात के पुत्र उन्हें उठाने के लिए प्रवेश करेंगे, और वे पवित्र वस्तुओं को नहीं छुएंगे ताकि वे मर न जाएं; ये वस्तुएं कहात के पुत्र साक्षी के तंबू में उठाएंगे।

निरीक्षक एलाज़ार, जो पुजारी आरोन का पुत्र है, प्रकाश का तेल, और संयोजन की धूप, और दैनिक बलिदान, और अभिषेक का तेल, संपूर्ण तंबू का निरीक्षण, और जितना कुछ इसमें है पवित्र स्थान में, सभी कार्यों में।

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, कहात कबीले के लोगों को लेवियों के बीच से नष्ट मत करो। यह उनके लिए करो, और वे जीवित रहेंगे और नहीं मरेंगे, जब वे परम पवित्र वस्तुओं के पास आएँ, तो हारून और उसके पुत्र पास आएँ, और वे उनमें से प्रत्येक को उसके कार्य के अनुसार नियुक्त करेंगे। और वे अचानक पवित्र वस्तुओं को देखने के लिए प्रवेश न करें, अन्यथा वे मर जाएंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, गेशॉन के पुत्रों की गणना का आरंभ करो, और इनको उनके पितरों के घरानों के अनुसार, उनके कुलों के अनुसार गिनो, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक उनकी जाँच करो, हर वह जो प्रवेश करता है सेवा करने के लिए, साक्ष्य के तम्बू में अपना काम करने के लिए। यह गेशॉन के लोगों की सेवकाई है, सेवा करना और ले जाना। और वह तम्बू की खालें उठाएगा, और साक्ष्य के तम्बू को, और उसके आवरण को, और नीले रंग के आवरण को जो उसके ऊपर है, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार के आवरण को, और आँगन के पर्दे, जो साक्ष्य के तम्बू पर हैं, और शेष वस्तुएँ, और सेवा के सभी बर्तन जिनसे वे सेवा करते हैं, उन्हें बनाएँगे। हारून और उसके पुत्रों के आदेश के अनुसार गेशॉन के पुत्रों की सेवकाई होगी, उनकी

समस्त सेवकाई के अनुसार और उनके समस्त कार्यों के अनुसार, और तुम उन्हें नाम से निरीक्षण करोगे, वह सब जो उनके द्वारा वहन किया जाता है। यह गेदसोन के पुत्रों की सेवकाई साक्ष्य के तम्बू में है, और उनकी रक्षा अहरोन याजक के पुत्र ईथामार के हाथ में है।

मेरारी के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार गिनो। पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक उनकी गणना करो, वे सभी जो साक्षी के तम्बू के कार्यों की सेवा करने के लिए प्रवेश करते हैं। और ये उन लोगों की रक्षा-व्यवस्थाएँ हैं जो साक्षी के तम्बू में अपने सभी कार्यों के अनुसार इन्हें उठाते हैं: तम्बू के शीर्ष, छड़ें, उसके स्तम्भ, उसके आधार, आवरण, उनके आधार, उनके स्तम्भ, और तम्बू के द्वार का आवरण। और आंगन के चारों ओर के स्तंभों को, और उनके आधारों को, और आंगन के द्वार के पर्दे के स्तंभों को, और उनके आधारों को, और उनकी खूंटियों को, और उनकी रस्सियों को, और उनके सब बर्तनों को, और उनकी सेवा की सब वस्तुओं को, नामों से गिनो उनको, और उनके द्वारा उठाए जाने वाले पहरे के सब बर्तनों को। यह मरारी के पुत्रों के लोगों की सेवा है, उनके सब कार्यों में, साक्षी के तम्बू में, हारून याजक के पुत्र ईतामार के हाथ में।

और मूसा, हारून और इस्राएल के शासकों ने कहात के पुत्रों का निरीक्षण किया, उनके कुलों के अनुसार और उनके पितरों के घरानों के अनुसार। पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, हर वह व्यक्ति जो साक्ष्य के तम्बू में सेवा करने और कार्य करने के लिए प्रवेश करता है। और उनकी गणना उनके कुलों के अनुसार हुई, दो हजार सात सौ पचास। यह काहाथ के लोगों की गणना है, सभी जो साक्ष्य के तम्बू में सेवा करते हैं, जैसा कि मूसा और हारून ने प्रभु की आज्ञा से, मूसा के द्वारा गिना।

और गेशोन के पुत्रों की गिनती उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार की गई, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, हर वह व्यक्ति जो साक्ष्य के तम्बू में सेवा करने और कार्य करने के लिए प्रवेश करता है। और उनकी गणना उनके कुलों के अनुसार,

उनके पितरों के घरों के अनुसार, दो हजार छह सौ तीस हुई। यह गेदसोन के पुत्रों के लोगों की गणना है, सभी जो साक्षी के तम्बू में सेवा करते हैं, जिनको मूसा और हारून ने प्रभु की आवाज़ द्वारा मूसा के हाथ में गिना।

मरारी के पुत्रों के लोग भी उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार गिने गए, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, प्रत्येक व्यक्ति जो साक्ष्य के तम्बू के कार्यों में सेवा करने के लिए प्रवेश करता है। और उनकी गणना उनके कुलों के अनुसार, उनके पितरों के घरों के अनुसार, तीन हजार दो सौ हुई। यह मरारी के पुत्रों की गणना है, जिन्हें मूसा और हारून ने प्रभु की आज्ञा से, मूसा के द्वारा गिना। सभी निरीक्षण किए गए, जिनका निरीक्षण मूसा और हारून और इस्राएल के शासकों ने लेवियों का किया, उनके कुलों और उनके पितरों के घरानों के अनुसार, पच्चीस वर्ष की आयु से लेकर पचास वर्ष की आयु तक, हर वह जो कार्यों के काम में प्रवेश करता है, और वे कार्य जो गवाही के तम्बू में उठाए जाते हैं। और गिने गए लोग आठ हजार पांच सौ अस्सी हुए। प्रभु की आवाज के माध्यम से मूसा के हाथ में उनकी देखभाल की गई, प्रत्येक पुरुष को उनके कार्यों के अनुसार, और उन चीज़ों के अनुसार जो वे उठाते हैं, और वे गिने गए, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था।

5

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो कि वे शिविर से सब कोढ़ियों को, सब स्राव वालों को, और सब अशुद्ध लोगों को बाहर भेज दें। पुरुष से लेकर स्त्री तक, उन्हें शिविर के बाहर भेज दो, और वे अपने शिविरों को अपवित्र नहीं करेंगे, जिनमें मैं उनके बीच निवास करता हूँ। और इस्राएल के पुत्रों ने इस प्रकार किया, और उन्होंने उनको शिविर के बाहर भेजा, जैसा प्रभु ने मूसा से कहा था, इस प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने किया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, कहते हुए: पुरुष या स्त्री, जो कोई भी सभी मानवीय पापों में से कोई पाप करे, और जानबूझकर अनदेखा करे और अपराध करे, तो वह आत्मा दोषी है। वह उस पाप को स्वीकार करेगा जो उसने किया था, और अपराध का मूलधन वापस देगा, और उसका पांचवां भाग उसमें जोड़ेगा, और जिसके विरुद्ध उसने अपराध किया था उसे वापस देगा। यदि उस आदमी का कोई बदला लेने वाला न हो, ताकि उसे वह अपराध लौटाया जाए, तो वह अपराध जो लौटाया जाता है, प्रभु को दिया जाएगा और याजक का होगा, प्रायश्चित के मेढ़े के अतिरिक्त, जिसके द्वारा उसके लिए प्रायश्चित किया जाएगा।

और इस्राएल के पुत्रों में सब पवित्र चीजों के अनुसार सभी प्रथम फल, जितने वे प्रभु को लाएं, याजक के लिए होंगे। और प्रत्येक की पवित्र की गई वस्तुएँ उसकी होंगी, और जो पुरुष पुजारी को देगा, वह उसका होगा।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोल, और तू उनसे कहेगा, यदि किसी पुरुष की स्त्री भटक जाए, और तिरस्कार करके उसे अनदेखा करे, और यदि कोई उसके साथ बीज के बिस्तर पर सोए, और यह उसके पति की आँखों से छिपा रहे, और उसने छिपाया, और वह अपवित्र हो गई हो, और उसके साथ कोई गवाह नहीं था, और वह पकड़ी नहीं गई हो, और उस पर ईर्ष्या की आत्मा आए, और वह अपनी पत्नी से ईर्ष्या करे, और वह अपवित्र हो गई हो, या उस पर ईर्ष्या की आत्मा आए, और वह अपनी पत्नी से ईर्ष्या करे, और वह अपवित्र न हुई हो, और वह पुरुष अपनी स्त्री को पुजारी के पास ले जाएगा, और उसके विषय में भेंट लाएगा, एपा का दसवां भाग जौ का आटा, वह उस पर तेल नहीं डालेगा, और न उस पर लोबान रखेगा, क्योंकि यह ईर्ष्या का बलिदान है, स्मरण का बलिदान, जो पाप को याद दिलाता है।

और पुजारी उसे लाएगा, और उसे प्रभु के सामने खड़ा करेगा। और याजक शुद्ध जीवित जल को मिट्टी के पात्र में लेगा, और साक्षी के तम्बू की फर्श पर की भूमि को लेकर याजक उस जल में डालेगा। और पुजारी उस स्त्री को प्रभु के सामने खड़ा करेगा, और उस स्त्री के सिर को खोलेगा,

और उसके हाथों पर स्मरण का बलिदान, ईर्ष्या का बलिदान देगा, लेकिन पुजारी के हाथ में इस शापित फटकार का पानी होगा। और पुजारी उसे शपथ दिलाएगा, और स्त्री से कहेगा, यदि कोई तेरे साथ नहीं सोया है, यदि तूने अपने पति के अधीन अशुद्ध होकर अपराध नहीं किया है, तो तू इस शापित परीक्षा के जल से निर्दोष है। यदि किन्तु तू विवाहित होते हुए उल्लंघन किया है, या अपवित्र की गई है, और तेरे पति के अतिरिक्त किसी अन्य ने तुझे अपनी शय्या दी है, और याजक इस शाप की शपथों में स्त्री को शपथ दिलाएगा, और याजक स्त्री से कहेगा, प्रभु तुझे तेरे लोगों के बीच में शाप और शपथ में डाले, जब प्रभु तेरी जांघ को गिरा दे और तेरे पेट को सुजा दे। और यह शापित पानी तेरे पेट में प्रवेश करेगा, पेट को फुलाने के लिए और तेरी जांघ को गिराने के लिए, और स्त्री कहेगी, हो जाए, हो जाए।

और पुजारी इन शापों को पुस्तक में लिखेगा, और शाप के कड़वे जल में मिटा देगा। और वह स्त्री को फटकार का शापित जल पिलाएगा, और फटकार का शापित जल उसमें प्रवेश करेगा।

और पुजारी स्त्री के हाथ से ईर्ष्या का बलिदान लेगा, और उस बलिदान को प्रभु के सामने रखेगा, और उसे वेदी की ओर लाएगा। और पुजारी बलिदान में से उसका स्मारक भाग लेगा, और उसे वेदी पर चढ़ाएगा, और इसके बाद वह स्त्री को जल पिलाएगा। और ऐसा होगा कि यदि वह अपवित्र है और यह बात उसके पति से छिपी रह जाए, और शापित फटकार का जल उसमें प्रवेश करेगा, तो उसका पेट फूल जाएगा और उसकी जांघ गिर जाएगी, और वह स्त्री अपने लोगों के बीच शाप बन जाएगी। यदि वह स्त्री अशुद्ध नहीं हुई हो, और शुद्ध हो, तो वह निर्दोष होगी और संतान उत्पन्न करेगी। यह ईर्ष्या का कानून है, जब कोई विवाहित स्त्री भटक जाए और अपवित्र हो जाए। या वह पुरुष जिस पर यदि ईर्ष्या की भावना आ जाए और वह अपनी पत्नी से ईर्ष्या करे, और अपनी पत्नी को प्रभु के सामने खड़ा करे, तो पुजारी उसके लिए यह सम्पूर्ण विधि पूरी करेगा। और वह पुरुष पाप से निर्दोष होगा, और वह स्त्री अपना पाप लेगी।

6

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, और तुम उनसे कहोगे, कोई पुरुष या स्त्री, जो प्रभु के लिए पवित्रता की प्रतिज्ञा करने हेतु बहुत बड़ी प्रतिज्ञा करे, वह शराब और मादक पेय से शुद्ध रहेगा, और शराब का सिरका और मादक पेय का सिरका नहीं पिएगा, और जो कुछ अंगूर से उत्पन्न होता है नहीं पिएगा, और ताजा अंगूर और किशमिश नहीं खाएगा, अपनी मन्नत के सब दिनों में। अंगूर की बेल से जितनी भी चीजें बनती हैं, दाखरस से लेकर अंगूर की खाल और अंगूर के बीज तक, शुद्धिकरण के सभी दिनों में वह नहीं खाएगा। उस्तरा उसके सिर पर नहीं आएगा, जब तक वे दिन पूरे न हों जितने उसने प्रभु से मन्नत मानी थी। वह पवित्र होगा, अपने सिर के सभी बालों को बढ़ाते हुए प्रभु की मन्नत के सभी दिनों में। किसी भी मृत व्यक्ति के पास वह प्रवेश नहीं करेगा, न पिता के पास और न माता के पास। और भाई और बहन के लिए, वह उनके मरने पर उनके द्वारा अशुद्ध नहीं होगा, क्योंकि परमेश्वर की उसकी प्रतिज्ञा उसके सिर पर है।

उसकी प्रार्थना के सब दिनों में वह प्रभु के लिए पवित्र होगा। यदि कोई उसके पास अचानक मर जाए, तो तुरंत उसकी मन्नत का सिर अशुद्ध हो जाएगा, और जिस दिन वह शुद्ध किया जाए, उस सातवें दिन वह अपना सिर मुंडवाएगा। और आठवें दिन वह दो कबूतर या कबूतरों के दो बच्चे गवाही के तंबू के द्वार पर पुजारी के पास लाएगा।

और पुजारी पाप के लिए एक और होमबलि के लिए एक चढ़ाएगा, और पुजारी उसके लिए प्रायश्चित्त करेगा जो उसने आत्मा के विषय में पाप किया, और उस दिन उसके सिर को पवित्र करेगा, जो प्रभु के लिए पवित्र किया गया था, मन्नत के दिनों को और वह एक वर्ष का मेमना अपराध बलि के लिए लाएगा, और वे पूर्व के दिन निरर्थक हो जाएंगे, क्योंकि उसकी मन्नत का सिर अशुद्ध हो गया था।

और यह उस व्यक्ति का नियम है जिसने मन्नत मानी है: जिस दिन वह अपनी मन्नत के दिन पूरे करे, वह स्वयं साक्षी के तम्बू के द्वार पर लाएगा। और वह अपना उपहार प्रभु को लाएगा: होम बलि के लिए एक वर्ष का एक निर्दोष मेमना, और पाप के लिए एक वर्ष की एक निर्दोष मेमना, और उद्धार के लिए एक निर्दोष मेढ़ा। और बिना खमीर की टोकरी, महीन आटे की रोटियाँ जो तेल में मिलाई गई हों, और बिना खमीर की पतली रोटियाँ जो तेल से लगाई गई हों, और उनका बलिदान, और उनकी पेय-बलि। और याजक प्रभु के सामने लाएगा, और उसके पाप के विषय में करेगा, और उसका होम बलि चढ़ाएगा। और वह मेढ़े को प्रभु के लिए मुक्ति का बलिदान चढ़ाएगा, बिना खमीर की रोटियों की टोकरी के साथ, और याजक उसका अन्नबलि और उसका पेय-अर्पण चढ़ाएगा। और जिसने मन्नत मानी है वह गवाही के तम्बू के द्वारों के पास अपनी मन्नत के सिर को मुंडवाएगा, और उन बालों को उस आग पर रखेगा जो उद्धार के बलिदान के नीचे है।

और याजक मेढ़े से उबली हुई भुजा, टोकरी से एक बिना खमीर की रोटी, और एक बिना खमीर का चपटा रोटी लेगा, और मन्नत करने वाले के हाथों पर रखेगा, उसके अपनी मन्नत के अनुसार मुंडवाने के बाद। और पुजारी उनको प्रभु के सामने आच्छादन के रूप में लाएगा, यह पुजारी के लिए पवित्र होगा, छाती की भेंट और भुजा की उठाने की भेंट के साथ, और इसके बाद मन्नत करने वाला दाखरस पीएगा। यह उस व्यक्ति का कानून है जिसने प्रार्थना की है, जो प्रभु को अपना उपहार प्रतिज्ञा के विषय में प्रभु को देने की प्रतिज्ञा करे, उसके अतिरिक्त जो उसका हाथ पा सके, उसकी प्रतिज्ञा की शक्ति के अनुसार, जो उसने शुद्धता के कानून के अनुसार प्रतिज्ञा की हो।

और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून और उसके पुत्रों से बोलो, कहते हुए, इस प्रकार तुम इस्राएल के पुत्रों को आशीर्वाद दोगे, उनसे कहते हुए, प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें। प्रभु अपना चेहरा तुम पर चमकाए, और तुम पर दया करे। प्रभु अपना चेहरा तुम पर उठाए, और तुम्हें शांति दे। और वे मेरा नाम इस्राएल के पुत्रों पर रखेंगे, और मैं प्रभु उन्हें आशीर्वाद दूंगा।

और ऐसा हुआ कि जिस दिन मूसा ने तंबू को खड़ा करने का काम पूरा किया, उसने उसका अभिषेक किया और उसे पवित्र किया, और उसके सब बर्तनों को और वेदी को और उसके सब बर्तनों को भी अभिषेक किया और उन्हें पवित्र किया। और इस्राएल के शासकों ने भेंट चढ़ाई, उनके पैतृक घरों के बारह शासक, ये कबीलों के शासक, ये निरीक्षण के लिए नियुक्त थे। और उन्होंने अपना उपहार प्रभु के सामने लाया, छः ढकी हुई गाड़ियाँ और बारह बैल, दो प्रधानों से एक गाड़ी, और प्रत्येक से एक बछड़ा, और उन्होंने तम्बू के सामने लाया। और प्रभु ने मूसा से कहा, उनसे ले लो, और वे साक्षी के तम्बू की सेवकाई के कार्यों के लिए होंगे, और तुम उन्हें लेवियों को दोगे, प्रत्येक को उसकी सेवकाई के अनुसार। और मूसा ने गाड़ियाँ और बैल लेकर उन्हें लेवियों को दिया। और दो गाड़ियाँ और चार बैल गेशोन के पुत्रों को उनकी सेवाओं के अनुसार दिए। और चार गाड़ियाँ और आठ बैल मरारी के पुत्रों को उनकी सेवाओं के अनुसार दिए, अहरोन याजक के पुत्र ईतामार के द्वारा। और काथ के पुत्रों को नहीं दिया, क्योंकि उनके पास पवित्र स्थान की सेवा की वस्तुएं हैं, जिन्हें वे कंधों पर उठाएंगे।

और शासकों ने वेदी के समर्पण के लिए भेंट चढ़ाई, उस दिन जब उसका अभिषेक किया गया था, और शासकों ने अपने उपहार वेदी के सामने चढ़ाए। और प्रभु ने मूसा से कहा, एक शासक प्रतिदिन, एक शासक प्रतिदिन वेदी के समर्पण के लिए अपने उपहार लाएंगे।

और जो पहले दिन में अपना उपहार चढ़ा रहा था, वह नहशोन था, अमीनादाब का पुत्र, यहूदा के गोत्र का प्रधान। और उसने अपना उपहार लाया: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का प्याला, सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए, बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से

एक बकरा पाप के विषय में। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ। यह अमीनादाब के पुत्र नहसोन का उपहार था।

दूसरे दिन, नथनेल, जो सोगार का पुत्र और इस्साकार जनजाति का शासक था, लाया। और उसने अपना उपहार लाया: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। बैलों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मोक्ष के बलिदान के लिए दो बछिया, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमने। यह सोगार के पुत्र नथनेल का उपहार था।

तीसरे दिन ज़बूलून के पुत्रों का शासक एलियाब, हेलोन का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए थे बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मोक्ष के बलिदान में दो बछिया, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच वर्षीय मेमनियाँ, यह एलियाब पुत्र हेलोन का उपहार।

चौथे दिन रुबेन के पुत्रों का शासक, एलीसूर जो शदेऊर का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए, एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछिया, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमने। यह एलिसूर पुत्र शदियूर का उपहार था।

पाँचवें दिन शिमोन के पुत्रों का शासक, सूरीशदै का पुत्र शलूमीएल। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिश्रित मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस शेकेल का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए। और मोक्ष के बलिदान के लिए दो गायें, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह सौरिसदै के पुत्र सलामिएल का उपहार था।

छठे दिन गाद के पुत्रों का शासक, रागुएल का पुत्र एलियासाफ। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए थे बलिदान के लिए। धूपदान एक, दस सोने का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ। यह रगूएल के पुत्र एलीसाफ की भेंट थी।

सातवें दिन एफ्राइम के पुत्रों का शासक, एलीशामा अम्मीहूद का पुत्र। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और उद्धार बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह अम्मीहूद के पुत्र एलीशामा का उपहार था।

आठवें दिन मनश्शे के पुत्रों का शासक गमलीएल, फदस्सूर का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र

शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए, और मेल बलि के लिए दो बछिया, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमने। यह गमलीएल का भेंट था, जो फदासूर का पुत्र था।

नवें दिन बिन्यामीन के पुत्रों का शासक अबीदान, जो गिदोनी का पुत्र था। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का, पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए, बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मोक्ष के बलिदान में दो गायें, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह गिदोनी के पुत्र अबीदान का उपहार था।

दसवें दिन दान के पुत्रों का शासक, अम्मीशदै का पुत्र अहीएजेर। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिले हुए मैदे से भरे हुए थे बलिदान के लिए। एक सोने का धूपदान दस (शेकेल) का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का एक मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में। और मोक्ष के बलिदान के लिए दो बछिया, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमने, यह अहीएजेर पुत्र अम्मीशदै का उपहार था।

ग्यारहवें दिन आशेर के पुत्रों का शासक, एक्रान का पुत्र फागेएल। उसका उपहार: एक चाँदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चाँदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। धूपदान एक, दस सोने का,

धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में। और मेल बलि के लिए दो बछड़ियाँ, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमनियाँ, यह फगेएल का उपहार था जो एख्रान का पुत्र था।

बारहवें दिन नप्ताली के पुत्रों का शासक, ऐनान का पुत्र अहीरि। उसका उपहार: एक चांदी का कटोरा, जिसका वजन एक सौ तीस था, एक चांदी का कटोरा सत्तर शेकेल का पवित्र शेकेल के अनुसार, दोनों तेल में मिलाए हुए मैदे से भरे हुए बलिदान के लिए। धूपदान एक, दस सोने का, धूप से भरा हुआ। मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष का मेमना होमबलि के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए। और मोक्ष के बलिदान के लिए दो बछिया, पाँच मेढ़े, पाँच बकरे, पाँच एक वर्ष की मेमने, यह ऐनान के पुत्र अखीरे का उपहार था।

यह वेदी का समर्पण उस दिन जब इसका अभिषेक किया गया, इस्राएल के पुत्रों के शासकों की ओर से: चाँदी के बारह कटोरे, चाँदी के बारह प्याले, सोने के बारह धूपदान। एक कटोरा एक सौ तीस शेकेल का, और एक कटोरा सत्तर शेकेल का, बर्तनों की सारी चांदी दो हजार चार सौ शेकेल थी, पवित्र शेकेल के अनुसार। बारह सुनहरे धूपदान धूप से भरे हुए थे, धूपदानों का सारा सोना एक सौ बीस शेकेल था। होम बलि के लिए सब गायें, बारह बछड़े, बारह मेढ़े, बारह एक वर्ष के मेमने, और उनके अन्नबलि, और उनके अर्घ, और पाप बलि के लिए बकरियों में से बारह बकरे। सभी गायें मोक्ष के बलिदान में, चौबीस बछिया, साठ मेढ़े, साठ एक वर्ष के बकरे, साठ एक वर्ष के निर्दोष मेमने, यह वेदी का समर्पण था, उसके हाथों को भरने के बाद, और उसका अभिषेक करने के बाद।

जब मूसा गवाही के तम्बू में उससे बात करने के लिए प्रवेश कर रहा था, तो उसने प्रभु की आवाज़ सुनी जो उससे दया आसन के ऊपर से बोल रही थी, जो गवाही के सन्दूक पर है, दो करूबों के बीच, और वह उससे बोल रहा था।

और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून से कहो, और तुम उससे कहोगे, जब भी तुम दीपकों को स्थापित करो, दीपदान के सामने की ओर से सातों दीपक प्रकाश देंगे। और अहरोन ने ऐसा ही किया, दीवट के सामने की ओर से उसके दीपकों को लटकाया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और यह दीपस्तंभ का निर्माण था, ठोस, सुनहरा, उसका डंठल, और उसकी कुमुदिनी, संपूर्ण ठोस, उस रूप के अनुसार जो प्रभु ने मूसा को दिखाया था, इस प्रकार उसने दीपस्तंभ बनाया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, लेवियों को इस्राएल के पुत्रों के बीच से लो, और उन्हें शुद्ध करो। और इस प्रकार तू उनका शुद्धिकरण करेगा, तू उन पर शुद्धिकरण का जल छिड़केगा, और उनके सारे शरीर पर उस्तरा फिरेगा, और वे अपने वस्त्र धोएंगे, और वे शुद्ध होंगे।

और वे मवेशियों में से एक बछड़ा लेंगे, और इसके साथ बलिदान के लिए तेल में मिलाया हुआ मैदा, और मवेशियों में से एक वर्ष का बछड़ा तू पाप बलि के लिए लेगा। और तू लेवियों को साक्ष्य के तम्बू के सामने लाएगा, और तू इस्राएल के पुत्रों की सारी मण्डली को इकट्ठा करेगा, और तुम लेवियों को प्रभु के सामने लाओगे, और इस्राएल के पुत्र अपने हाथ लेवियों पर रखेंगे, और हारून लेवियों को इस्राएल के पुत्रों में से प्रभु के सामने भेंट के रूप में अलग करेगा, और वे प्रभु के कामों को करने के लिए होंगे। और लेवी लोग बछड़ों के सिरों पर अपने हाथ रखेंगे, और तू एक को पापबलि के लिए और एक को प्रभु के लिए होमबलि में चढ़ाएगा, उनके लिए प्रायश्चित्त करने के लिए।

और तू लेवियों को प्रभु के सामने, और हारून के सामने, और उसके पुत्रों के सामने खड़ा करेगा, और तू उनको प्रभु के सामने भेंट के रूप में अर्पित करेगा। और तू लेवियों को इस्राएल के पुत्रों के बीच से पृथक करेगा, और वे मेरे होंगे। और इन बातों के बाद लेवी गवाही के तंबू के कामों को

करने के लिए प्रवेश करेंगे, और तुम उन्हें शुद्ध करोगे, और तुम उन्हें प्रभु के सामने अर्पित करोगे। क्योंकि ये भेंट के रूप में मुझे दिए गए हैं इस्राएल के पुत्रों के बीच से, सब गर्भ खोलने वाले पहलौठों के बदले, इस्राएल के सब पुत्रों में से मैंने उन्हें अपने लिए लिया है। क्योंकि इस्राएल के पुत्रों में हर पहलौठा, मनुष्यों से लेकर पशुओं तक, मेरा है, जिस दिन मैंने मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, मैंने उन्हें अपने लिए पवित्र किया। और मैंने इस्राएल के पुत्रों के सभी पहलौठों के बदले में लेवियों को ले लिया। और मैंने लेवियों को हारून और उसके पुत्रों को भेंट के रूप में दिया, इस्राएल के पुत्रों के बीच से, ताकि वे इस्राएल के पुत्रों के कामों को गवाही के तम्बू में करें, और इस्राएल के पुत्रों के लिए प्रायश्चित्त करें, और इस्राएल के पुत्रों में कोई पवित्र वस्तुओं के निकट आने वाला न हो।

और मूसा और हारून और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा ने लेवियों के साथ वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा को लेवियों के विषय में आज्ञा दी थी, इस प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने उनके साथ किया। और लेवियों ने स्वयं को शुद्ध किया, और उन्होंने अपने वस्त्र धोए, और हारून ने उन्हें प्रभु के सामने भेंट के रूप में चढ़ाया, और हारून ने उन्हें शुद्ध करने के लिए उनके विषय में प्रायश्चित्त किया। और इन बातों के बाद लेवी प्रवेश किए अपनी सेवा करने के लिए गवाही के तंबू में हारून के सामने, और उसके पुत्रों के सामने, जैसा प्रभु ने मूसा को लेवियों के विषय में आज्ञा दी थी, वैसा ही उन्होंने उनके साथ किया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, यह लेवियों के विषय में है, पच्चीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, वे साक्ष्य के तम्बू में कार्य करने के लिए प्रवेश करेंगे। और पचास वर्ष की आयु से वह सेवकाई से अलग हो जाएगा, और वह अब काम नहीं करेगा। और उसका भाई गवाही के तंबू में सेवा करेगा, पहरे की रखवाली करने के लिए, परन्तु काम नहीं करेगा; इस प्रकार तुम लेवियों के साथ उनके पहरे में करोगे।

और प्रभु ने मूसा से सीनै के जंगल में दूसरे वर्ष में, उनके मिस्र की भूमि से निकलने के बाद, पहले महीने में कहा, मैंने कहा, और इस्राएल के पुत्र पास्का को उसके निर्धारित समय के अनुसार मनाएं। पहले महीने के चौदहवें दिन शाम की ओर, तुम इसे समयों के अनुसार, उसके नियम के अनुसार, और उसकी व्याख्या के अनुसार करोगे। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से कहा कि महीने के चौदहवें दिन के आरंभ में सीनै के जंगल में फसह मनाएं। जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, वैसा ही इस्राएल के पुत्रों ने किया।

और वे पुरुष आए जो मनुष्य की आत्मा के कारण अशुद्ध थे, और वे उस दिन फसह करने में सक्षम नहीं थे, और वे उसी दिन मूसा और हारून के सामने आए, और उन पुरुषों ने उससे कहा, हम मनुष्य के प्राण के कारण अशुद्ध हैं, तो क्या इसलिए हम इस्राएल के पुत्रों के बीच में प्रभु को उसके समय के अनुसार भेंट चढ़ाने से चूक जाएं? और मूसा ने उनसे कहा, यहाँ खड़े रहो, और मैं सुनूँगा कि प्रभु तुम्हारे विषय में क्या आदेश देगा। और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, कहते हुए: कोई भी मनुष्य जो मनुष्य की आत्मा पर अशुद्ध हो जाए, या तुमसे दूर मार्ग में हो, या तुम्हारी पीढ़ियों में हो, वह प्रभु के लिए फसह को दूसरे महीने के चौदहवें दिन में करेगा। वे इसे शाम की ओर करेंगे, बेखमीरी रोटी और कड़वी जड़ी-बूटियों के साथ वे इसे खाएंगे। वे उसमें से सुबह तक कुछ नहीं छोड़ेंगे, और उसकी कोई हड्डी नहीं तोड़ेंगे; फसह के नियम के अनुसार वे इसे करेंगे। और जो आदमी शुद्ध है और दूर के रास्ते में नहीं है, और फसह करने में विफल रहता है, तो वह आत्मा अपने लोगों में से नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि उसने प्रभु को भेंट उसके निर्धारित समय के अनुसार नहीं चढ़ाई; वह आदमी अपना पाप भोगेगा। यदि तुम्हारी भूमि में कोई परदेशी तुम्हारे पास आए, और प्रभु के लिए फसह करे, फसह के नियम के अनुसार और उसकी व्यवस्था के अनुसार इसे करेगा, तो एक ही नियम तुम्हारे लिए और परदेशी के लिए और भूमि के देशी के लिए होगा।

और जिस दिन तंबू खड़ा किया गया, बादल ने तंबू को, गवाही के घर को ढक लिया, और शाम को तंबू के ऊपर आग का रूप सुबह तक रहा। इस प्रकार निरंतर हो रहा था: वह बादल दिन में उसे ढकता था, और रात में आग का रूप दिखाई देता था। और जब वह बादल तंबू से ऊपर गया, और इसके बाद इस्राएल के पुत्रों ने प्रस्थान किया, और जिस स्थान पर वह बादल खड़ा हुआ, वहाँ इस्राएल के पुत्रों ने डेरा डाला। प्रभु के आदेश के माध्यम से इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे, और प्रभु के आदेश के माध्यम से वे प्रस्थान करेंगे। सभी दिनों में जिनमें बादल तंबू पर छाया करता है, इस्राएल के पुत्र डेरा डालेंगे। और जब बादल तंबू के ऊपर अधिक दिनों तक ठहरा रहता है, तो इस्राएल के पुत्र परमेश्वर की रखवाली करेंगे, और वे प्रस्थान नहीं करेंगे। और ऐसा होगा कि जब बादल कई दिनों तक तंबू को ढके रहेगा, तो प्रभु की आवाज के कारण वे डेरा डालेंगे, और प्रभु के आदेश के कारण वे प्रस्थान करेंगे। और ऐसा होगा कि जब बादल शाम से सुबह तक रहेगा, और सुबह में बादल ऊपर उठेगा, तो वे दिन हो या रात प्रस्थान करेंगे। महीने के दिनों में बादल के बढ़ते रहने पर, जो उस पर छाया करता था, इस्राएल के पुत्र डेरा डाले रहेंगे और प्रस्थान नहीं करेंगे। क्योंकि प्रभु की आज्ञा के कारण वे प्रस्थान करेंगे, उन्होंने प्रभु की रक्षा को मूसा के हाथ में प्रभु की आज्ञा के द्वारा रखा।

10

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए चाँदी की दो तुरहियाँ बना, पीटे हुए तुम उनको बनाओगे, और वे तुम्हारे लिए सभा को बुलाने और शिविरों को उठाने के लिए होंगे। और तुम उनमें बजाओगे, और सारी मण्डली साक्षी के तंबू के द्वार पर इकट्ठी की जाएगी। यदि केवल एक तुरही बजाई जाए, तो इस्राएल के सब शासक नेता तुम्हारे पास आएंगे। और तुम संकेत की तुरही बजाओगे, और वे निकल जाएंगे जो पूर्व में डेरा डाले हुए हैं। और तुम दूसरा संकेत बजाओगे, और दक्षिण में डेरा डाले हुए शिविर प्रस्थान करेंगे, और तुम तीसरा संकेत बजाओगे, और समुद्र के पास डेरा डाले हुए शिविर प्रस्थान करेंगे, और तुम चौथा संकेत बजाओगे, और उत्तर की ओर डेरा

डाले हुए शिविर प्रस्थान करेंगे। वे अपने प्रस्थान के समय संकेत से तुरही बजाएंगे। और जब तुम मण्डली को इकट्ठा करो, तो तुम तुरही बजाओगे, परन्तु विशेष संकेत के साथ नहीं। और हारून के पुत्र जो पुजारी हैं, तुरहियाँ बजाएंगे, और यह तुम्हारे लिए तुम्हारी पीढ़ियों तक शाश्वत विधि होगी। यदि तुम अपनी भूमि में युद्ध के लिए अपने विरोधियों के विरुद्ध जो तुम्हारा सामना कर रहे हैं बाहर जाओ, और तुम तुरहियाँ बजाओ, तो तुम प्रभु के सामने स्मरण किए जाओगे, और तुम अपने शत्रुओं से बचाए जाओगे। और तुम्हारे आनंद के दिनों में, और तुम्हारे त्योहारों में, और तुम्हारे नए चाँदों में, तुम होमबलियों पर तुरहियाँ बजाओगे, और तुम्हारे उद्धार के बलिदानों पर, और यह तुम्हारे परमेश्वर के सामने तुम्हारे लिए स्मरण होगा, मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ।

और ऐसा हुआ कि दूसरे वर्ष के दूसरे महीने की बीसवीं तारीख को, बादल साक्ष्य के तंबू से ऊपर उठ गया। और इस्राएल के पुत्र अपने प्रावधानों के साथ सीनै के रेगिस्तान में निकले, और बादल पारान के रेगिस्तान में ठहर गया। और उन्होंने प्रभु की आवाज़ के कारण मूसा के हाथ में पहले प्रस्थान किया।

और यहूदा के पुत्रों के शिविर की व्यवस्था अपनी सेना के साथ पहले उठी, और उनकी सेना के ऊपर अम्मीनादाब का पुत्र नहशोन था। और इसाकार के पुत्रों की जनजाति की सेना पर, सोगार का पुत्र नथनेल। और जबूलून के पुत्रों के कबीले की सेना पर एलियाब, जो हेलोन का पुत्र था। और वे तम्बू को गिराएंगे, और गेशॉन के पुत्र और मरारी के पुत्र निकलेंगे, जो तम्बू को उठाते हैं।

और रूबेन के शिविर की व्यवस्था अपनी सेना के साथ कूच कर गई, और उनकी सेना के ऊपर शदेऊर का पुत्र एलिसूर था। और शिमोन के पुत्रों के गोत्र की सेना के ऊपर, सूरीसदाई का पुत्र सलामिएल। और गाद के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर रगूल का पुत्र एलीसाफ़ था। और काहात के पुत्र पवित्र वस्तुओं को उठाकर निकलेंगे, और जब तक वे पहुँच न जाएँ, तब तक वे तंबू को खड़ा करेंगे। और एफ़्रैम के शिविर की व्यवस्था अपनी सेना के साथ निकलेगी, और उनकी सेना पर एलीशामा, जो अम्मीहूद का पुत्र है।

और मनश्शे के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर, फदस्सूर का पुत्र गमलीएल। और बिन्यामीन के पुत्रों के गोत्र की सेना पर अबीदान, जो गिदोनी का पुत्र था। और दान के पुत्रों के शिविर का क्रम निकलेगा, सब शिविरों में अंतिम, अपनी शक्ति के साथ, और उनकी शक्ति के ऊपर अहीएजेर होगा जो अम्मीशद्वै का पुत्र है। और आशेर के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर, एक्रान का पुत्र फगेएल। और नप्ताली के पुत्रों की जनजाति की सेना के ऊपर ऐनान का पुत्र अहीरा। ये इस्राएल के पुत्रों की सेनाएँ हैं, और वे अपनी शक्ति के साथ निकल पड़े।

और मूसा ने होबाब से, जो रागुएल मिद्यानी का पुत्र और मूसा का ससुर था, कहा, हम उस स्थान की ओर प्रस्थान कर रहे हैं जिसके विषय में प्रभु ने कहा, यह मैं तुम्हें दूंगा। हमारे साथ चलो, और हम तुम्हारे साथ भलाई करेंगे, क्योंकि प्रभु ने इस्राएल के विषय में अच्छी बातें कही हैं। और उसने उससे कहा, नहीं, मैं नहीं जाऊंगा, बल्कि मैं अपनी भूमि में और अपनी पीढ़ी में जाऊंगा। और उसने कहा, हमें मत छोड़ो, क्योंकि तुम हमारे साथ रेगिस्तान में थे, और तुम हममें एक बुजुर्ग होगे। और यदि तुम हमारे साथ चलोगे, तो जितनी भी अच्छी चीजें प्रभु हमें देंगे, वे सब तुम्हें भी मिलेंगी, और हम तुम्हारे साथ अच्छा करेंगे।

और वे प्रभु के पहाड़ से तीन दिन के मार्ग पर निकले, और प्रभु की वाचा का संदूक उनसे पहले तीन दिन के मार्ग पर आगे गया ताकि उनके लिए विश्राम स्थल खोज सके। और ऐसा हुआ कि जब संदूक को हटाया जाता था, तो मूसा ने कहा, हे प्रभु, जागो, और तुम्हारे शत्रु तितर-बितर हों, तुमसे घृणा करने वाले सब भाग जाएं। और विश्राम के समय उसने कहा, हे प्रभु, लौट आओ इस्राएल के हजारों और लाखों के पास। और बादल दिन में उन पर छाया करता रहा, जब वे शिविर से निकल रहे थे।

11

और लोग प्रभु के सामने बुरी तरह बुड़बुड़ा रहे थे, और प्रभु ने सुना, और क्रोध से क्रोधित हुए, और उनमें प्रभु की ओर से आग प्रज्वलित हुई, और उसने शिविर के कुछ भाग को निगल लिया। और लोग मूसा की ओर चिल्लाए, और मूसा ने प्रभु से प्रार्थना की, और आग बंद हो गई। और उस स्थान का नाम दहन रखा गया, क्योंकि प्रभु की ओर से उनमें आग प्रज्वलित हुई थी। और मिश्रित भीड़ जो उनके बीच थी, उसने तीव्र इच्छा की, और बैठकर रोए इस्राएल के पुत्र भी, और उन्होंने कहा, कौन हमें मांस खिलाएगा? हमने उन मछलियों को याद किया, जिन्हें हमने मिस्र में मुफ्त में खाया था। और खीरे, और खरबूजे, और हरी प्याज, और प्याज, और लहसुन। अब तो हमारी आत्मा सूख गई है, हमारी आँखों में मन्ना के सिवाय कुछ नहीं है। लेकिन मन्ना धनिये के बीज जैसा है, और उसका रूप बर्फ के समान है। और लोग यात्रा कर रहे थे, और उन्होंने एकत्र किया, और उसे चक्की में पीसा, और ओखली में रगड़ा, और उसे बर्तन में उबाला, और उससे रोटियाँ बनाई, और उसका स्वाद तेल के केक जैसा था। और जब रात को शिविर पर ओस गिरती थी, तो उस पर मन्ना उतरता था।

और मूसा ने उन्हें उनके कुलों के अनुसार रोते हुए सुना, प्रत्येक अपने द्वार पर, और प्रभु अत्यधिक क्रोध में क्रोधित हुए, और मूसा के सामने यह बुरा था। और मूसा ने प्रभु से कहा, तूने अपने सेवक के साथ दुर्व्यवहार क्यों किया, और मैंने तेरे सामने कृपा क्यों नहीं पाई, कि तूने इन लोगों का भार मुझ पर रख दिया? क्या मैंने इन सब लोगों को गर्भ में धारण किया, या मैंने उन्हें जन्म दिया? फिर तू मुझसे क्यों कहते हो, इसे अपनी गोद में ले लो, जैसे धाय दूध पीते बच्चे को उठाती है, उस भूमि तक जिसकी शपथ तूने उनके पिताओं से खाई थी? मुझे इन सब लोगों को देने के लिए मांस कहाँ से मिले? क्योंकि वे मेरे सामने रोते हैं और कहते हैं, हमें मांस दो ताकि हम खाएं। मैं अकेला इन लोगों को सहन नहीं कर सकूंगा, क्योंकि यह वचन मुझे भारी है। यदि तू मुझसे ऐसा व्यवहार करता है, तो मुझे मार डाल, यदि मुझ पर तेरी कृपा है, ताकि मैं अपना कष्ट न देखूँ।

और प्रभु ने मूसा से कहा, मेरे लिए इस्राएल के बुजुर्गों में से सत्तर पुरुषों को इकट्ठा करो, जिनको तू स्वयं जानते हो कि ये लोगों के बुजुर्ग और लेखक हैं, और तू उनको साक्ष्य के तंबू की ओर

लाओगे, और वे वहाँ तुम्हारे साथ खड़े होंगे। और मैं नीचे आऊंगा और वहाँ तुम्हारे साथ बोलूंगा, और मैं तुम पर जो आत्मा है उसमें से हटाऊंगा और उन पर रखूंगा, और वे तुम्हारे साथ लोगों के भार में सहायता करेंगे, और तुम अकेले स्वयं नहीं सहोगे। और तुम लोगों से कहोगे, कल के लिए अपने आप को पवित्र करो, और तुम मांस खाओगे, क्योंकि तुमने प्रभु के सामने रोते हुए कहा था, कौन हमें मांस खिलाएगा? क्योंकि मिस्र में हमारे लिए अच्छा था, और प्रभु तुम्हें मांस खाने के लिए देंगे, और तुम मांस खाओगे। तुम एक दिन नहीं खाओगे, न दो, न पाँच दिन, न दस दिन, न बीस दिन, तुम एक महीने के दिनों तक खाओगे, जब तक कि वह तुम्हारी नासिकाओं से बाहर न निकल जाए, और यह तुम्हारे लिए घृणा का कारण होगा, क्योंकि तुमने प्रभु की अवज्ञा की, जो तुम्हारे बीच में है, और तुमने उसके सामने रोते हुए कहा, हम मिस्र से क्यों निकले? और मूसा ने कहा, छह सौ हजार पैदल सैनिक हैं वे लोग जिनके बीच मैं हूँ, और तूने कहा कि मैं उन्हें खाने के लिए मांस दूंगा और वे एक महीने तक खाएंगे। क्या भेड़ें और गायें उनके लिए वध की जाएंगी, और यह उनके लिए पर्याप्त होगा? या समुद्र की सारी मछलियाँ उनके लिए इकट्ठा की जाएंगी, और यह उनके लिए पर्याप्त होगा? और प्रभु ने मूसा से कहा, क्या प्रभु का हाथ पर्याप्त नहीं होगा? अब तुम जान जाओगे कि मेरा वचन तुम्हें पकड़ लेगा या नहीं।

और मूसा बाहर गया, और उसने लोगों से प्रभु के वचन कहे, और उसने लोगों के बुजुर्गों में से सत्तर पुरुषों को इकट्ठा किया, और उसने उन्हें तम्बू के चारों ओर खड़ा किया। और प्रभु बादल में नीचे आए, और उनसे बोले, और उन पर जो आत्मा था उसमें से ले लिया, और उसे सत्तर प्राचीन पुरुषों पर रखा। और जब आत्मा उन पर विश्राम किया, तो उन्होंने भविष्यवाणी की, और फिर ऐसा नहीं किया। और दो पुरुष शिविर में रह गए, एक का नाम एल्दाद था और दूसरे का नाम मोदाद था, और आत्मा उन पर उतरी, और ये पंजीकृत लोगों में से थे, और वे तंबू की ओर नहीं आए थे, और उन्होंने शिविर में भविष्यवाणी की। और वह युवा पुरुष दौड़कर आया, और मूसा को सूचना दी, और कहा, एल्दाद और मेदाद शिविर में भविष्यवाणी कर रहे हैं। और नून के पुत्र यहोशू ने, जो मूसा के पास खड़ा था और चुना हुआ था, उत्तर देते हुए कहा, हे स्वामी मूसा, उन्हें रोकिए। और मूसा ने उससे कहा, क्या तुम मेरे लिए ईर्ष्या करते हो? और कौन दे कि प्रभु के सब

लोग भविष्यवक्ता हों, जब प्रभु अपना आत्मा उन पर दे! और मूसा शिविर में गया, वह और इस्राएल के बुजुर्ग।

और प्रभु से एक आत्मा निकली, और समुद्र से बटेरों को पार लाई, और शिविर पर डाल दिया, यहाँ से एक दिन की दूरी तक, और यहाँ से एक दिन की दूरी तक, शिविर के चारों ओर, पृथ्वी से लगभग दो हाथ ऊँचाई तक। और लोग उठकर पूरे दिन, और पूरी रात, और अगले पूरे दिन बटेरों इकट्ठा करते रहे, जिसने सबसे कम इकट्ठा किया उसने दस माप इकट्ठा किए, और उन्होंने अपने लिए शिविर के चारों ओर उन्हें सुखाया। मांस अभी उनके दांतों में ही था, इससे पहले कि वह समाप्त हो, और प्रभु लोगों पर क्रोधित हुए, और प्रभु ने लोगों को अत्यधिक महान प्रहार से मारा। और उस स्थान का नाम इच्छा की कब्रें रखा गया, क्योंकि वहाँ उन लोगों को दफनाया गया जो इच्छा करते थे। इच्छाओं की कब्रों से लोगों ने असेरोथ की ओर प्रस्थान किया, और लोग असेरोथ में रहे।

12

और मरियम और हारून ने मूसा के विरुद्ध बात की, उस इथियोपियाई स्त्री के कारण जिसे मूसा ने लिया था, क्योंकि उसने एक इथियोपियाई स्त्री को लिया था। और उन्होंने कहा, क्या प्रभु ने केवल मूसा से ही बात की है? क्या उसने हमसे भी बात नहीं की? और प्रभु ने सुना। और मूसा नामक व्यक्ति पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों की तुलना में अत्यंत विनम्र था। और प्रभु ने तुरंत मूसा, हारून और मरियम से कहा, तुम तीनों साक्ष्य के तंबू में आओ। और वे तीनों साक्ष्य के तम्बू में गए, और प्रभु बादल के स्तंभ में नीचे आए, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर खड़े हुए, और हारून और मरियम बुलाए गए, और दोनों बाहर गए। और उसने उनसे कहा, मेरे शब्द सुनो, यदि तुम्हारा कोई भविष्यवक्ता प्रभु के लिए होता है, तो मैं दर्शन में उसे जाना जाऊंगा, और नींद में मैं उससे बोलूंगा। मेरा सेवक मूसा ऐसा नहीं है, वह मेरे सम्पूर्ण घर में विश्वासयोग्य है। मुख से मुख

मैं उससे बोलूंगा, प्रत्यक्ष रूप में, और पहेलियों द्वारा नहीं, और उसने प्रभु की महिमा देखी है, तो फिर तुम मेरे सेवक मूसा के विरुद्ध बोलने से क्यों नहीं डरे? और प्रभु का क्रोध उन पर भड़का, और वह चला गया। और वह बादल तम्बू से हट गया, और देखो, मरियम बर्फ के समान कोढ़ से ग्रस्त थी, और हारून ने मरियम की ओर देखा, और देखो, वह कोढ़ से ग्रस्त थी। और आरोन ने मूसा से कहा, मैं विनती करता हूँ प्रभु, हम पर पाप न लगाएं, क्योंकि हमने अज्ञानता में किया है, जिसके अनुसार हमने पाप किया है। ऐसा न हो कि वह मृत्यु के समान बन जाए, जैसे माता के गर्भ से निकलता हुआ गर्भपात, और उसके मांस का आधा भाग खा जाता है। और मूसा ने प्रभु की ओर चिल्लाकर कहा, हे परमेश्वर, मैं आपसे विनती करता हूँ, उसे चंगा कर दीजिए। और प्रभु ने मूसा से कहा, यदि उसके पिता ने उसके चेहरे पर थूका होता तो क्या वह सात दिन तक शर्मिंदा नहीं रहती? उसे सात दिन तक शिविर के बाहर रखा जाए, और उसके बाद वह प्रवेश करेगी।

और मरियम सात दिनों तक शिविर के बाहर अलग रखी गई, और लोग तब तक आगे नहीं बढ़े जब तक मरियम शुद्ध नहीं हो गई।

और इन बातों के बाद लोग अशेरोथ से निकले, और पारान के जंगल में डेरा डाला।

13

और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए पुरुषों को भेज, और वे कनानियों की उस भूमि की जासूसी करें, जो मैं इस्राएल के पुत्रों को अधिकार में देता हूँ। तुम उनमें से प्रत्येक गोत्र से एक-एक पुरुष, उनके पितरों के कुलों के अनुसार, भेजोगे—उनमें से सभी नेता।

और मूसा ने उनको पारान के जंगल से प्रभु की आवाज़ के द्वारा भेजा, ये सब इस्राएल के पुत्रों के नेता पुरुष थे। और ये रूबेन जनजाति के उनके नाम हैं, शमूएल जो जक्कूर का पुत्र था। शिमोन

के कबीले का, शाफात जो सूरी का पुत्र था। यहूदा के गोत्र का कालेब, यपुन्ने का पुत्र। इस्साकार के कबीले से, इगाल जो यूसुफ का पुत्र था। एफ्राइम की जनजाति से, होशे जो नून का पुत्र था। बिन्यामीन के जनजाति से, पलती जो राफू का पुत्र था। जबूलून के कबीले से, गुदीएल जो सूदी का पुत्र था। यूसुफ के कबीले से, मनश्शे के पुत्रों में से, गद्दी जो सूसी का पुत्र था। दान के कबीले का, अम्मीएल गमल्ली का पुत्र। आशेर की जनजाति से, सथौर जो मीकाएल का पुत्र है। नफ्ताली के कबीले से, नाबी जो शब्बै का पुत्र था। गाद के कबीले का, गुदीएल, माकी का पुत्र। ये उन पुरुषों के नाम हैं जिनको मूसा ने भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा था, और मूसा ने नून के पुत्र होशे का नाम यहोशू रखा।

और मूसा ने उन्हें कनान की भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा, और उनसे कहा, इस रेगिस्तान से होकर चढ़ो, और तुम पहाड़ पर चढ़ोगे, और तुम देखोगे कि भूमि कैसी है, और वे लोग जो इस पर बसे हुए हैं, क्या वे मजबूत हैं या कमजोर, या क्या वे थोड़े हैं या अनेक। और वह भूमि कैसी है जिस पर ये लोग बसे हुए हैं, अच्छी है या बुरी, और वे नगर कैसे हैं जिनमें ये लोग निवास करते हैं, क्या वे दीवारों वाले हैं या बिना दीवारों वाले। और यह भूमि कैसी है, उपजाऊ या बंजर, यदि इसमें वृक्ष हैं, या नहीं, और धैर्य रखते हुए तुम भूमि के फलों को प्राप्त करोगे। और वे दिन, वसंत के दिन, अंगूर के अग्रदूत थे।

और ऊपर जाकर उन्होंने सीन के रेगिस्तान से लेकर रहोब तक, हमात में प्रवेश करते हुए, भूमि की जासूसी की। और वे रेगिस्तान के अनुसार ऊपर गए, और वे हेब्रोन तक चले गए, और वहाँ अहीमान, और शैशै, और तल्मै, अनाक की पीढ़ियाँ थीं, और हेब्रोन मिस्र के तानीस से सात वर्ष पहले बनाया गया था। और वे अंगूरों के गुच्छे की घाटी तक आए, और उन्होंने उसकी जासूसी की, और उन्होंने वहाँ से एक डाली काटी जिस पर अंगूर का एक गुच्छा था, और उन्होंने उसे डंडों पर उठाया, और अनार तथा अंजीर भी लिए। और उन्होंने उस स्थान का नाम अंगूर के गुच्छे की घाटी रखा, क्योंकि इज़राइल के पुत्रों ने वहाँ से अंगूर का गुच्छा काटा था। और वे चालीस दिनों के बाद उस भूमि की खोज करके वहाँ से लौट गए।

और वे जाकर मूसा और हारून के पास तथा इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण सभा के पास पारान के निर्जन स्थान में कादेश आए, और उन्होंने उनको और सम्पूर्ण सभा को उत्तर दिया, और उन्होंने उस भूमि का फल दिखाया। और उन्होंने उसको बताया, और कहा, हम उस भूमि में आए जहाँ तूने हमको भेजा था, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है, और यह उसका फल है। लेकिन वह राष्ट्र जो वहाँ निवास करता है साहसी है, और नगर अत्यधिक बड़े, दुर्गयुक्त और दीवारों वाले हैं, और हमने वहाँ अनाक की पीढ़ी को देखा है। और अमालेक दक्षिण की भूमि में निवास करता है, और हित्ती, और हिब्बी, और यबूसी, और एमोरी पहाड़ी प्रदेश में निवास करते हैं, और कनानी समुद्र के पास, और यर्दन नदी के पास निवास करते हैं। और कालेब ने मूसा के सामने लोगों को शांत किया, और उससे कहा, नहीं, बल्कि हम ऊपर जाकर चढ़ाई करेंगे, और हम उस पर अधिकार कर लेंगे, क्योंकि हम उनके विरुद्ध सक्षम होंगे। और वे लोग जो उसके साथ ऊपर गए थे, उन्होंने कहा, हम ऊपर नहीं जाएंगे, क्योंकि हम उस राष्ट्र के विरुद्ध जाने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि वह हमसे अधिक मजबूत है। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों के पास उस पृथ्वी के बारे में आश्चर्यजनक बात लाई जिसकी उन्होंने जासूसी की थी, कहते हुए, जिस भूमि में से हम जासूसी करने के लिए गुजरे, वह भूमि अपने निवासियों को निगल जाने वाली है, और सब लोग जिन्हें हमने उसमें देखा, वे बहुत बड़े आकार के पुरुष हैं। और वहाँ हमने दानवों को देखा था, और हम उनके सामने टिड्डियों जैसे थे, लेकिन हम वास्तव में उनके सामने ऐसे ही थे।

14

और पूरी सभा ने आवाज़ उठाई, और लोग उस पूरी रात रोते रहे। और इस्राएल के सब पुत्र मूसा और हारून पर बड़बड़ाते थे, और सारी मण्डली ने उनसे कहा, काश हम मिस्र की भूमि में मर गए होते, या इस जंगल में मर गए होते, और प्रभु हमें इस भूमि में क्यों ले जा रहे हैं युद्ध में गिरने के लिए? हमारी स्त्रियाँ और बच्चे लूट में चले जाएंगे, इसलिए अब मिस्र लौट जाना बेहतर है। और उन्होंने एक दूसरे से कहा, हम एक नेता चुनें और मिस्र लौट चलें। और मूसा और हारून इस्राएल

के पुत्रों की सारी सभा के सामने मुँह के बल गिर पड़े।

यहोशू जो नून का था, और कालेब जो यपुन्ने का था, जिन्होंने उस भूमि का भेद लिया था, उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा से कहा, वह भूमि जिसे हमने खोजा है, बहुत ही अच्छी है। यदि प्रभु हमें चुनता है, तो वह हमें इस भूमि में लाएगा और इसे हमें देगा, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है। लेकिन प्रभु से विद्रोही मत बनो, और तुम पृथ्वी के लोगों से मत डरो, क्योंकि वे तुम्हारे लिए भोजन हैं, उनका समय उनसे दूर हो गया है, और प्रभु हममें है, उनसे मत डरो।

और सारी मण्डली ने कहा कि उन्हें पत्थरों से पत्थरवाह किया जाए, और प्रभु की महिमा गवाही के तम्बू पर बादल में इस्राएल के सब पुत्रों को दिखाई दी। और प्रभु ने मूसा से कहा, कब तक ये लोग मुझे उकसाते रहेंगे; और कब तक वे मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे उन सब चिन्हों के बावजूद, जो मैंने उनके बीच किए हैं? मैं उन्हें मृत्यु से मारूंगा, और उन्हें नष्ट कर दूंगा, और तुम्हें और तुम्हारे पिता के घर को एक महान राष्ट्र बनाऊंगा, और इससे कहीं अधिक। और मूसा ने प्रभु से कहा, और मिस्र सुनेगा कि तूने अपनी शक्ति से इन लोगों को उनके बीच से निकाल लाया। लेकिन इस पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी लोगों ने सुना है कि तुम इन लोगों में प्रभु हो, जो आँखों से आँखें मिलाकर दिखाई देते हो प्रभु, और तुम्हारा बादल उनके ऊपर खड़ा है, और तुम बादल के स्तंभ में दिन के समय उनसे पहले चलते हो, और आग के स्तंभ में रात के समय। और तुम इस लोगों को एक आदमी की तरह नष्ट कर दोगे, और जितने राष्ट्रों ने तुम्हारा नाम सुना है वे कहेंगे, इसलिए कि प्रभु सक्षम नहीं था इस लोगों को उस भूमि में लाने के लिए जिसकी उसने उनसे शपथ खाई थी, उसने उन्हें जंगल में नष्ट कर दिया। और अब हे प्रभु, तेरी शक्ति ऊंची की जाए, जिस प्रकार तूने कहा था, यह कहते हुए, प्रभु धैर्यवान है, दया में प्रचुर है, और सत्य है, जो अधर्म और अन्याय और पाप को दूर करता है, और शुद्धिकरण से दोषी को शुद्ध नहीं करेगा, पिताओं के पापों को बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक लौटाता है। इस लोगों के पाप को अपनी महान दया के अनुसार क्षमा करो, जैसे कि तुम मिस्र से लेकर अब तक उन पर कृपालु रहे हो।

और प्रभु ने मूसा से कहा, मैं तुम्हारे वचन के अनुसार उनके प्रति कृपालु हूँ। लेकिन मैं जीवित हूँ और मेरा नाम जीवित है, और प्रभु की महिमा सारी पृथ्वी को भर देगी। क्योंकि सभी पुरुष जो मेरी महिमा को देख रहे थे, और वे चिह्न जो मैंने मिस्र में और जंगल में किए, और उन्होंने मुझे यह दसवीं बार परखा, और उन्होंने मेरी आवाज़ नहीं सुनी, वास्तव में वे उस भूमि को नहीं देखेंगे, जिसके लिए मैंने उनके पिताओं से शपथ खाई थी, लेकिन उनके बच्चे जो यहाँ मेरे साथ हैं, जितने अच्छे और बुरे को नहीं जानते, सभी छोटे और अनुभवहीन, इनको मैं वह भूमि दूँगा। लेकिन वे सब जिन्होंने मुझे क्रोधित किया है, वे इसे नहीं देखेंगे। परन्तु मेरा सेवक कालेब, क्योंकि उसमें दूसरी आत्मा है और उसने मेरा अनुसरण किया, मैं उसको उस भूमि में लाऊँगा जिसमें वह प्रवेश किया था, और उसका वंश उसको विरासत में पाएगा। अमालेक और कनानी घाटी में निवास करते हैं, कल तुम पीछे मुड़ो और प्रस्थान करो जंगल की ओर, लाल सागर के मार्ग से।

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, कब तक इस दुष्ट मण्डली को सहूँ? जो वे मेरे सामने बड़बड़ाते हैं, इस्राएल के पुत्रों की यह बड़बड़ाहट, जो उन्होंने तुम्हारे विषय में की, मैंने सुन ली है। मैंने उनसे कहा, जीवित हूँ मैं, प्रभु कहते हैं, निश्चय ही जिस रीति से तुमने मेरे कानों में बोला है, उसी प्रकार मैं तुम्हारे साथ करूँगा। इस जंगल में तुम्हारे शरीर गिरेंगे, और तुम्हारी सारी गिनती, और तुममें से जो बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के गिने गए थे, जितनों ने मेरे विरुद्ध बड़बड़ाया। यदि तुम उस भूमि में प्रवेश करोगे जिस पर मैंने तुम्हें बसाने के लिए अपना हाथ फैलाया था, तो केवल यपुत्रे का पुत्र कालेब और नून का पुत्र यहोशू ही प्रवेश करेंगे। और वे बच्चे, जिनके बारे में तुमने कहा था कि वे लूट में होंगे, मैं उन्हें उस भूमि में लाऊँगा, और वे उस भूमि को विरासत में पाएंगे, जिससे तुम दूर हो गए थे। और तुम्हारे अंग इस जंगल में गिरेंगे। लेकिन तुम्हारे पुत्र चालीस वर्ष तक मरुभूमि में भटकते रहेंगे, और तुम्हारे व्यभिचार का भार उठाएंगे, जब तक कि तुम्हारे शरीर मरुभूमि में नष्ट नहीं हो जाते। दिनों की संख्या के अनुसार जितने तुमने भूमि की जासूसी की, चालीस दिन, एक दिन प्रति वर्ष, तुम अपने पापों को चालीस वर्ष तक भोगोगे, और तुम मेरे कोप के क्रोध को जानोगे। मैं प्रभु ने कहा है, निश्चय ही मैं इस दुष्ट मण्डली के साथ, जो मेरे विरुद्ध एकत्रित हुई है, ऐसा ही करूँगा; इस जंगल में वे नष्ट हो जाएंगे और वहीं मर जाएंगे।

और वे लोग जिनको मूसा ने उस भूमि की जासूसी करने के लिए भेजा था, आकर उन्होंने सभा के सामने उस भूमि के विषय में बुरी बातें कहने के लिए उसके विरुद्ध बड़बड़ाए, और वे लोग जिन्होंने पृथ्वी के विषय में बुरा बोला था, प्रभु के सामने महामारी में मर गए। और यहोशू जो नून का पुत्र था और कालेब जो यपुत्रे का पुत्र था, वे उन मनुष्यों में से जीवित रहे जो उस भूमि की जासूसी करने गए थे। और मूसा ने ये शब्द इस्राएल के सब पुत्रों से कहे, और लोगों ने बहुत शोक किया।

और सुबह जल्दी उठकर वे पहाड़ की चोटी पर चढ़ गए, यह कहते हुए, देखो, हम उस स्थान पर चढ़ेंगे जो प्रभु ने कहा था, क्योंकि हमने पाप किया है। और मूसा ने कहा, तुम प्रभु के वचन का उल्लंघन क्यों करते हो? यह तुम्हारे लिए समृद्ध नहीं होगा। ऊपर मत जाओ, क्योंकि प्रभु तुम्हारे साथ नहीं है, और तुम अपने शत्रुओं के सामने गिरोगे। क्योंकि अमालेकी और कनानी वहाँ तुम्हारे सामने हैं, और तुम तलवार से गिरोगे, इसलिए कि तुम प्रभु की अवज्ञा करते हुए मुड़ गए, और प्रभु तुम्हारे साथ नहीं होंगे। और जबरदस्ती करके वे पर्वत के शिखर पर चढ़ गए, लेकिन प्रभु की वाचा का सन्दूक और मूसा शिविर से नहीं हिले। और अमालेक और कनानी जो उस पहाड़ में रहता था, नीचे आया, और उन्होंने उनको मोड़ा, और उनको होर्मा तक काट डाला, और शिविर में लौट गए।

15

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो जो तुम्हारे निवास की है, जिसे मैं तुम्हें देता हूँ, और तुम प्रभु के लिए होम करोगे, संपूर्ण होम या बलिदान, मन्त्रत को पूर्ण करने के लिए, या स्वैच्छिक बलि के रूप में, या अपने त्योहारों में प्रभु के लिए सुगंधित सुवास उत्पन्न करने के लिए, चाहे वह बैलों से हो या भेड़ों से। और जो अपना उपहार प्रभु को लाता है, वह मैदे का बलिदान लाएगा, एपा का दसवां भाग तेल में

मिलाया हुआ, हिन के चौथाई भाग में। और दाखरस का चौथा हिन पेय-बलि के लिए तुम होम-बलि पर या बलिदान पर करोगे, एक मेमने के लिए तुम इतना करोगे, यह भेंट प्रभु के लिए सुगन्धित सुगंध होगी। और मेढ़े के लिए, जब भी तुम उसे होमबलि में या बलिदान में करो, तुम मैदे का बलिदान करोगे - दो दशमांश तेल में मिला हुआ, एक हीन का तीसरा भाग, और तुम दाखरस का तीसरा हीन पेय-बलि के रूप में प्रभु को सुगन्धित सुगंध के लिए चढ़ाओगे।

यदि तुम बैलों में से प्रभु के लिए होमबलि या बलिदान चढ़ाओ, मन्त्रत को पूरा करने के लिए, या मेल-बलि के लिए, और वह बछड़े के लिए महीन आटे का बलिदान लाएगा, तीन दशांश जो तेल में मिला हुआ हो, आधा हीन। और शराब को पेय-बलि में, आधा हीन का, बलि के रूप में सुगन्धित गंध प्रभु के लिए।

इस प्रकार तुम एक बछड़े के लिए, या एक मेढ़े के लिए, या भेड़ों में से एक मेमने के लिए, या बकरियों में से एक के लिए करोगे। जिस संख्या के अनुसार यदि तुम करोगे, उसी प्रकार तुम प्रत्येक के साथ करोगे, उनकी संख्या के अनुसार।

हर देशी-जन्मा व्यक्ति इस प्रकार ऐसी भेंटें चढ़ाएगा जो प्रभु के लिए सुगंध की खुशबू हों। यदि कोई परदेशी तुम्हारी भूमि में तुम्हारे बीच आकर रहे, या जो तुम्हारी पीढ़ियों में तुम्हारे बीच हो, और प्रभु को सुगंध की भेंट चढ़ाए, तो जिस रीति से तुम करते हो, उसी प्रकार सभा भी प्रभु को करेगी।

एक ही कानून तुम्हारे लिए और उन प्रवासियों के लिए होगा जो तुम्हारे बीच निवास करते हैं, यह तुम्हारी पीढ़ियों के लिए शाश्वत कानून है, जैसे तुम हो, वैसे ही वह प्रवासी भी प्रभु के सामने होगा। एक कानून होगा और एक अधिकार होगा तुम्हारे लिए और उस परदेशी के लिए जो तुम्हारे बीच निवास कर रहा है।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहना, जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो जिसमें मैं तुम्हें ला रहा हूँ, और ऐसा होगा कि जब तुम पृथ्वी की रोटियों में से खाओगे, तो तुम प्रभु के लिए एक भेंट, एक योगदान अलग करोगे, अपने आटे का पहला फल। रोटी को तुम भेंट के रूप में अलग करोगे, जैसे खलिहान से भेंट अलग की जाती है, इसी प्रकार तुम इसे अलग करोगे। तुम्हारे आटे के पहले फल की भेंट तुम प्रभु को अपनी पीढ़ियों में दोगे।

जब भी तुम अपराध करो और इन सब आदेशों का पालन न करो, जो प्रभु ने मूसा से कहे थे, जैसा प्रभु ने तुम्हें मूसा के हाथ में आदेश दिया, उस दिन से जब प्रभु ने तुम्हें आदेश दिया और उससे आगे तुम्हारी पीढ़ियों में, और यदि यह मण्डली की आँखों से अनजाने में हो जाए, तो सारी मण्डली बैलों में से एक निर्दोष बछड़ा प्रभु को सुगन्ध की सुगन्ध के लिए होमबलि में चढ़ाएगी, और इसका अन्नबलि और इसका अर्घ्य व्यवस्था के अनुसार, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में चढ़ाएगी। और पुजारी इस्राएल के पुत्रों की सारी मण्डली के विषय में प्रायश्चित्त करेगा, और उनको क्षमा किया जाएगा, क्योंकि यह अनजाने में हुआ है, और उन्होंने अपने पाप के विषय में प्रभु के सामने प्रभु को अपनी भेंट चढ़ाई है, अपनी अनजाने की भूलों के विषय में। और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा को क्षमा किया जाएगा, और उस परदेशी को जो तुम्हारे बीच निवास करता है, क्योंकि सब लोगों से यह अनजाने में हुआ।

यदि कोई एक व्यक्ति अनजाने में पाप करे, तो वह पाप के लिए एक वर्ष की बकरी लाएगा। और याजक उस आत्मा के विषय में प्रायश्चित्त करेगा जिसने अनजाने में पाप किया है, और जो प्रभु के सामने अनजाने में पाप किया है, उसके विषय में प्रायश्चित्त करने के लिए। देशी को और परदेशी को जो इस्राएल के पुत्रों में निवास करता है, उनके लिए एक ही विधि होगी, जो यदि अनजाने में कोई काम करे।

और जो आत्मा अहंकार के हाथ में करता है, चाहे मूल निवासियों में से हो या परदेशियों में से, यह परमेश्वर को क्रोधित करता है, वह आत्मा अपने लोगों में से नष्ट की जाएगी। क्योंकि उसने प्रभु के

वचन को तुच्छ जाना और उसकी आज्ञाओं को तोड़ डाला, वह प्राण पूर्णतः नष्ट किया जाएगा, उसका पाप उसमें रहेगा।

और इस्राएल के पुत्र जंगल में थे, और उन्होंने सब्त के दिन लकड़ी एकत्र करते हुए एक पुरुष को पाया। और जिन्होंने उसे सब्त के दिन लकड़ी एकत्र करते हुए पाया था, वे उसे मूसा और हारून के पास, और इस्राएल के पुत्रों की सारी सभा के पास लाए। और उन्होंने उसको कारागार में रखा, क्योंकि उन्होंने निर्णय नहीं किया था कि उसके साथ क्या करें। और प्रभु ने मूसा से कहा, वह पुरुष मृत्यु से मार डाला जाए, सारी सभा उसे पत्थरों से पत्थर मारे। और सारी मण्डली उसे शिविर के बाहर ले गई, और सारी मण्डली ने उसे शिविर के बाहर पत्थरों से पत्थरवाह किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, और वे अपने लिए अपने वस्त्रों के कोनों पर झालर बनाएं अपनी पीढ़ियों में, और तुम झालर के कोनों पर नीला धागा रखोगे। और यह तुम्हारी झालरों में होगा, और तुम उन्हें देखोगे, और तुम प्रभु की सब आज्ञाओं को याद करोगे, और तुम उन्हें करोगे, और तुम अपने विचारों के पीछे और अपनी आँखों के पीछे नहीं भटकोगे जिनके पीछे तुम व्यभिचार करते हो, ताकि तुम याद करो और मेरी सब आज्ञाओं को करो। और तुम अपने परमेश्वर के लिए पवित्र होगे। मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से बाहर लाया, तुम्हारा ईश्वर होने के लिए, मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ।

16

और कोरह ने बोला, जो इज़हार का पुत्र था, जो काहात का पुत्र था, जो लेवी का पुत्र था, और दातान और अबीराम, जो एलीआब के पुत्र थे, और ओन, जो फेलेत का पुत्र था, जो रूबेन का पुत्र था, और वे मूसा के सामने उठ खड़े हुए, और इस्राएल के पुत्रों में से पचास और दो सौ पुरुष,

जो सभा के नेता थे, परिषद में बुलाए गए थे, और प्रसिद्ध पुरुष थे। वे मूसा और हारून के विरुद्ध एकत्रित हुए, और उन्होंने कहा, यह तुम्हारे लिए पर्याप्त है कि सारी सभा, सब के सब पवित्र हैं, और उनमें प्रभु है, तो फिर तुम क्यों प्रभु की सभा के ऊपर अपने आप को ऊँचा करते हो? और मूसा ने सुनकर मुँह के बल गिर पड़ा। और उसने कोरह और उसकी सारी सभा से कहा, परमेश्वर ने देखा है और जान लिया है कि कौन उसके हैं और कौन पवित्र हैं, और उन्हें अपने पास लाया, और जिनको उसने अपने लिए चुना, उन्हें अपने पास लाया। यह करो, तुम अपने लिए धूपदान ले लो कोरह, और उसकी सारी सभा, और उन पर आग रखो, और कल प्रभु के सामने उन पर धूप रखो, और वह पुरुष जिसे प्रभु ने चुना है, यह पवित्र होगा। हे लेवी के पुत्रों, यह तुम्हारे लिए पर्याप्त हो। और मूसा ने कोरह से कहा, हे लेवी के पुत्रों, मेरी सुनो। क्या यह तुम्हारे लिए छोटी बात है कि इस्राएल के परमेश्वर ने तुम्हें इस्राएल की सभा से अलग किया और तुम्हें अपने पास लाया ताकि प्रभु के तम्बू की सेवाओं की सेवा करो और तम्बू के सामने उपस्थित होकर उनकी सेवा करो? और उसने तुम्हें और तुम्हारे सभी भाइयों को, लेवी के पुत्रों को, अपने साथ जीत लिया, और तुम याजक के रूप में सेवा करने की भी खोज करते हो? इस प्रकार तुम और तुम्हारी सारी सभा जो परमेश्वर की ओर एकत्रित हुई है, और हारून कौन है कि तुम उसके विरुद्ध बड़बड़ाते हो?

और मूसा ने दाथान और अबीराम को, जो एलियाब के पुत्र थे, बुलाने के लिए भेजा, और उन्होंने कहा, हम नहीं जाएंगे। क्या यह छोटी बात है कि तुम हमें दूध और शहद बहती भूमि में लाए, हमें रेगिस्तान में मारने के लिए, कि तुम हम पर शासन करते हो? क्या तुम शासक हो? और क्या तुम हमें उस भूमि में लाए जहाँ दूध और शहद बहता है, और क्या तुमने हमें खेत और अंगूर के बाग विरासत में दिए? क्या तुम उन लोगों की आँखें निकाल लोगे? हम ऊपर नहीं जाएंगे। और मूसा बहुत दुःखी हुआ, और प्रभु से कहा, उनके बलिदान पर ध्यान मत दो, मैंने उनमें से किसी की कोई वांछनीय वस्तु नहीं ली है, और न ही मैंने उनमें से किसी के साथ अन्याय किया है। और मूसा ने कोरह से कहा, अपनी मण्डली को पवित्र करो, और तुम और हारून और वे कल प्रभु के सामने तैयार रहो। और प्रत्येक व्यक्ति अपना धूपदान ले, और उन पर धूप रखे, और प्रभु के

सामने प्रत्येक अपना धूपदान लाए—ढाई सौ धूपदान—और तुम और हारून भी प्रत्येक अपना धूपदान लाओ।

और प्रत्येक ने अपना धूपदान लिया, और उन्होंने उन पर आग रखी, और उन पर धूप डाला, और मूसा और हारून साक्ष्य के तम्बू के द्वारों के पास खड़े हुए। और कोरह ने अपनी सारी सभा को साक्षी के तम्बू के दरवाजे पर उनके विरुद्ध इकट्ठा किया, और प्रभु की महिमा सारी सभा को दिखाई दी। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, इस सभा के बीच से अलग हो जाओ, और मैं उन्हें एक ही बार में नष्ट कर दूंगा। और वे अपने मुख के बल गिरे और कहा, हे परमेश्वर, आत्माओं और सब मांस के परमेश्वर, यदि एक मनुष्य ने पाप किया है, तो क्या सारी सभा पर प्रभु का क्रोध होगा? और प्रभु ने मूसा से कहा, सभा से कहो, कोरह की सभा के चारों ओर से हट जाओ।

और मूसा उठा, और दातान और अबीराम की ओर गया, और इस्राएल के सब बुजुर्ग उसके साथ गए। और उसने मण्डली से कहा, इन कठोर मनुष्यों के तम्बुओं से अलग हो जाओ, और जो कुछ उनका है उसे मत छूओ, कहीं ऐसा न हो कि तुम उनके सब पापों में उनके साथ नष्ट हो जाओ। और वे कोरह के तम्बू के चारों ओर से हट गए, और दातान और अबीराम निकले, और अपने तम्बुओं के द्वारों पर खड़े थे, और उनकी स्त्रियाँ, और उनके बच्चे, और उनका सामान।

और मूसा ने कहा, इससे तुम जानोगे कि प्रभु ने मुझे ये सब काम करने के लिए भेजा है, कि ये मेरी ओर से नहीं है। यदि ये सब मनुष्यों की मृत्यु के अनुसार मरेंगे, यदि सब मनुष्यों के निरीक्षण के अनुसार उनका निरीक्षण होगा, तो प्रभु ने मुझे नहीं भेजा है। लेकिन प्रभु दर्शन में दिखाएगा, और पृथ्वी अपना मुँह खोलकर उनको निगल लेगी, और उनके घरों को, और उनके तम्बुओं को, और जो कुछ उनके पास है सब कुछ, और वे जीवित अधोलोक में उतर जाएँगे, और तुम जानोगे कि इन लोगों ने प्रभु को क्रोधित किया।

जैसे ही वह ये सब शब्द बोलना बंद हुआ, उनके नीचे की भूमि फट गई। और धरती खुल गई,

और उसने उन्हें निगल लिया, और उनके घरों को, और सब लोगों को जो कोरह के साथ थे, और उनके पशुओं को। और वे नीचे चले गए, और जितने उनके जीवित थे अधोलोक में, और पृथ्वी ने उनको ढक दिया, और वे सभा के बीच से नष्ट हो गए। और सब इस्राएली जो उनके चारों ओर थे, उनकी आवाज़ से भाग गए, यह कहते हुए कि कहीं भूमि हमें भी निगल न ले। और आग प्रभु से निकली, और उसने उन पचास और दो सौ पुरुषों को निगल लिया जो धूप अर्पित कर रहे थे।

17

और प्रभु ने मूसा से कहा, और हारून याजक के पुत्र एलाज़ार से कहो, जले हुआओं के बीच से कांस्य के धूपदान उठा लो, और इस पराई आग को वहाँ बिखेर दो, क्योंकि इन पापियों ने अपने प्राणों की कीमत पर इन धूपदानों को पवित्र किया था। और उन्हें पीटी हुई चादरें बनाओ, वेदी के लिए आवरण, क्योंकि वे प्रभु के सामने चढ़ाए गए और पवित्र किए गए, और वे इस्राएल के पुत्रों के लिए एक निशान बन गए। और एलाज़ार ने, जो हारून पुजारी का पुत्र था, उन कांस्य की अंगीठियों को लिया जो जले हुए लोगों ने चढ़ाई थीं, और उन्हें वेदी के आवरण के रूप में लगाया। इस्राएल के पुत्रों के लिए स्मारक, ताकि कोई विदेशी, जो हारून के वंश से नहीं है, प्रभु के सामने धूप चढ़ाने न आए, और वह कोरह और उसकी सभा के समान न हो, जैसा प्रभु ने मूसा के द्वारा उससे कहा था।

और इस्राएल के पुत्रों ने अगले दिन मूसा और हारून के विरुद्ध बड़बड़ाते हुए कहा, तुमने प्रभु के लोगों को मार डाला है। और ऐसा हुआ कि जब मण्डली मूसा और हारून के विरुद्ध एकत्र हो रही थी, तो वे साक्षी के तम्बू की ओर दौड़े, और बादल ने उसे ढक लिया, और प्रभु की महिमा प्रकट हुई। और मूसा और हारून गवाही के तंबू के सामने प्रवेश किए। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, इस सभा के बीच से प्रस्थान करो, और मैं उन्हें एकबार में नष्ट कर दूंगा, और वे अपने मुख के बल गिरे। और मूसा ने हारून से कहा, धूपदान लो, और उस पर वेदी से आग रखो, और उस

पर धूप डालो, और शीघ्रता से शिविर में ले जाओ, और उनके लिए प्रायश्चित्त करो, क्योंकि प्रभु के मुख से क्रोध निकला है, लोगों को नष्ट करना आरंभ हो गया है। और हारून ने वैसा ही लिया जैसा मूसा ने उसको कहा था, और वह सभा में दौड़ा, और पहले से ही लोगों में विनाश शुरू हो चुका था, और उसने धूप डाला और लोगों के लिए प्रायश्चित्त किया। और वह मृतकों और जीवितों के बीच में खड़ा हुआ, और महामारी रुक गई। और विपत्ति में मरने वाले चौदह हजार सात सौ हो गए, कोरह के कारण मरने वालों के अलावा। और हारून मूसा के पास साक्षी के तम्बू के द्वार पर लौटा, और विपत्ति रुक गई।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो और उनमें से छड़ी लो—पितरों के घरानों के अनुसार उनके सभी शासकों में से एक छड़ी, उनके पितरों के घरानों के अनुसार बारह छड़ियाँ—और प्रत्येक का नाम उसकी छड़ी पर लिखो। और हारून का नाम लेवी की छड़ी पर लिखो, क्योंकि एक छड़ी है, उनके पूर्वजों के घर के गोत्र के अनुसार वे देंगे। और तू उन्हें साक्ष्य के तम्बू में, साक्ष्य के सामने रखेगा, जहाँ मैं तुझ पर अपने आप को प्रकट करूँगा। और वह मनुष्य होगा जिसको मैं चुनूँगा, उसकी छड़ी अंकुरित होगी, और मैं इस्राएल के पुत्रों की वह बड़बड़ाहट को अपने से हटा दूँगा, जो वे तुम पर बड़बड़ाते हैं।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से बात की, और उनके सभी शासकों ने उसे छड़ी दी, प्रत्येक शासक को एक छड़ी, शासक के अनुसार, उनके पितरों के घरानों के अनुसार, बारह छड़ियाँ, और हारून की छड़ी उनकी छड़ियों के बीच में थी। और मूसा ने छड़ियों को प्रभु के सामने साक्षी के तम्बू में रखा। और अगले दिन ऐसा हुआ कि मूसा और हारून गवाही के तम्बू में प्रवेश किए, और देखो, हारून की छड़ी लेवी के घराने के लिए अंकुरित हुई थी, और उसने अंकुर निकाला, और फूल खिले, और बादाम उत्पन्न हुए। और मूसा प्रभु के सामने से सब छड़ियाँ इस्राएल के सब लोगों के पास ले आया, और उन्होंने देखा, और हर एक ने अपनी छड़ी ले ली।

और प्रभु ने मूसा से कहा, हारून की छड़ी को गवाहियों के सामने संरक्षण में रख दे, अवज्ञाकारी

पुत्रों के लिए निशानी, और उनकी बड़बड़ाहट मुझसे बंद हो जाए, और वे न मरें। और मूसा और हारून ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था। और इस्राएल के पुत्रों ने मूसा से कहा, देखो, हम नष्ट हो गए हैं, हम नाश हो गए हैं, हम विनष्ट हो गए हैं। हर वह जो प्रभु के तम्बू को छूता है, मरता है, क्या अंत तक हम मरते रहेंगे?

18

और प्रभु ने हारून से कहा, तुम और तुम्हारे पुत्र और तुम्हारे पिता का घर पवित्र चीजों के पापों को उठाओगे, और तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे याजकपद के पापों को उठाओगे। और अपने भाइयों को, लेवी जनजाति को, अपने पिता के लोगों को, अपने पास लाओ, और वे तुमसे जुड़ें, और वे तुम्हारी सेवा करें, और तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे साथ गवाही के तम्बू के सामने रहें। और वे तुम्हारी रक्षा करेंगे, और तम्बू की रक्षा करेंगे। परन्तु पवित्र बर्तनों और वेदी के पास नहीं आएंगे, और न ये मरेंगे और न तुम। और वे तुम्हारे साथ जोड़े जाएंगे, और वे गवाही के तंबू की रक्षा करेंगे, तंबू की सभी सेवाओं के अनुसार, और कोई विदेशी तुम्हारे पास नहीं आएगा। और तुम पवित्र वस्तुओं के पहरेदारों को और वेदी के पहरेदारों को रखोगे, और इस्राएल के पुत्रों में क्रोध नहीं होगा। और मैंने तुम्हारे भाइयों, लेवियों को इस्राएल के पुत्रों के बीच से लिया है, जो प्रभु को दिया गया उपहार है, साक्षी के तम्बू की सेवा करने के लिए। और तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे साथ अपने पुरोहिती की रक्षा करोगे, वेदी की सब रीतियों के अनुसार और पर्दे के भीतर, और तुम्हारे पुरोहिती की सेवाओं के उपहार की सेवा करोगे, और जो विदेशी पास आएगा वह मर जाएगा।

और प्रभु ने हारून से कहा, और देखो, मैंने तुम्हें इस्राएल के पुत्रों द्वारा मेरे लिए पवित्र किए गए सब चीजों के प्रथम फलों का संरक्षण दिया है, मैंने उन्हें तुम्हें सम्मान के रूप में दिया है, और तुम्हारे पुत्रों को तुम्हारे साथ, शाश्वत विधि के रूप में। और यह तुम्हें पवित्र किए गए पवित्र भेंटों में से मिलेगा, उनके सब दानों से, और उनके सब बलिदानों से, और उनके सब अपराध-बलियों से,

और उनके सब पापों से, जितने वे मुझे सब पवित्र वस्तुओं में से लौटाते हैं, यह तुझे और तेरे पुत्रों को मिलेगा। पवित्र स्थान में तुम उन्हें खाओगे, हर पुरुष उन्हें खाएगा, तुम और तुम्हारे पुत्र, वे तुम्हारे लिए पवित्र होंगे।

और यह तुम्हें इस्राएल के पुत्रों के सब चढ़ावों में से उनके उपहारों का प्रथम फल होगा, मैंने उन्हें तुझे और तेरे साथ तेरे पुत्रों और तेरी पुत्रियों को दिया है, यह शाश्वत विधि है, तेरे घर में हर शुद्ध व्यक्ति उन्हें खाएगा।

तेल के सब प्रथम फल, और दाखरस के सब प्रथम फल, अनाज के उनके प्रथम फल, जितने भी वे प्रभु को दें, वे सब मैंने तुझे दिए हैं। पहले फल, जो उनकी भूमि में हैं, जितने वे प्रभु के पास लाएं, वे तेरे होंगे। तेरे घर में हर शुद्ध व्यक्ति उन्हें खाएगा।

इस्राएल के पुत्रों में हर समर्पित वस्तु तुम्हारी होगी। और हर गर्भ खोलने वाला सब मांस में से, जितने वे प्रभु को अर्पित करते हैं, मनुष्य से लेकर पशु तक, तेरा होगा, लेकिन मनुष्यों के पहलौठे फिरौती से छुड़ाए जाएंगे, और अशुद्ध पशुओं के पहलौठे तू छुड़ाएगा। और उसका छुटकारा, एक महीने की उम्र से, मूल्यांकन पाँच शेकेल है, पवित्र शेकेल के अनुसार जो बीस ओबोल है। सिवाय बछड़ों, भेड़ों और बकरियों के पहलौठों को तू नहीं छुड़ाएगा, वे पवित्र हैं, और उनका खून तू वेदी पर डालेगा, और चर्बी को तू सुगंधित भेंट के रूप में प्रभु को चढ़ाएगा।

और मांस तुम्हारा होगा, जैसे लहराने की भेंट की छाती और दाहिनी भुजा तुम्हारी होगी। पवित्र चीजों की हर भेंट, जितनी भी इस्राएल के पुत्र प्रभु को अलग करें, मैंने तुझे और तेरे पुत्रों और तेरी पुत्रियों को तेरे साथ दी है, यह शाश्वत विधि है। यह प्रभु के सामने शाश्वत नमक की वाचा है, तुझे और तेरे साथ तेरे वंश को।

और प्रभु ने हारून से कहा, तुम उनकी भूमि में विरासत नहीं पाओगे, और तुम्हें उनमें कोई हिस्सा

नहीं होगा, क्योंकि मैं तुम्हारा हिस्सा हूँ और इस्राएल के पुत्रों के बीच तुम्हारी विरासत हूँ।

और लेवी के पुत्रों को देखो, मैंने इस्राएल में हर दसवां भाग उत्तराधिकार में दिया है, उनकी सेवाओं के बदले में, जितनी वे साक्षी के तम्बू में सेवा करते हैं। और इस्राएल के पुत्र अब साक्ष्य के तंबू में नहीं आएंगे, ताकि प्राणघातक पाप न ले लें। और लेवी स्वयं साक्षी के तम्बू की सेवा करेगा, और वे अपने पापों को लेंगे, यह उनकी पीढ़ियों के लिए शाश्वत विधि है, और इस्राएल के पुत्रों के बीच वे विरासत नहीं पाएंगे। क्योंकि इस्राएल के पुत्रों के दशमांश, जितने भी वे प्रभु के लिए अलग करें, वह भेंट मैंने लेवियों को विरासत में दी है, इसलिए मैंने उनसे कहा है कि इस्राएल के पुत्रों के बीच वे विरासत नहीं पाएंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, और तुम लेवियों से बोलोगे और उनसे कहोगे, यदि तुम इस्राएल के पुत्रों से दशमांश लो, जो मैंने तुम्हें उनसे भाग्य में दिया है, तो तुम उसमें से प्रभु के लिए भेंट अलग करोगे, दशमांश का दशमांश। और तुम्हारा योगदान तुम्हें अनाज के समान गिना जाएगा जो खलिहान से आता है, और योगदान के समान जो दाखरस कुंड से आता है। इस प्रकार तुम उन्हें अलग करोगे, और तुम भी प्रभु की सब भेंटों में से, अपने सब दशमांशों में से, जितने तुम इस्राएल के पुत्रों से प्राप्त करो, उनमें से प्रभु के लिए एक भेंट हारून याजक को दोगे। अपने सब उपहारों में से तुम प्रभु के लिए भेंट अलग करोगे, या सब पहले फलों में से उसकी पवित्र की हुई वस्तु अलग करोगे। और तुम उनसे कहोगे, जब भी तुम उसमें से पहला फल हटाओ, तो यह लेवियों के लिए खलिहान की उपज के समान और दाखरस कुंड की उपज के समान गिना जाएगा। और तुम इसे हर जगह खाओगे, तुम और तुम्हारे घर के लोग, क्योंकि यह तुम्हारा पुरस्कार है तुम्हारी उन सेवाओं के बदले जो साक्षी के तम्बू में हैं। और तुम लोग इसके माध्यम से पाप नहीं लोगे, क्योंकि तुम लोग उसके प्रथम फल को ले लो, और इस्राएल के पुत्रों की पवित्र चीजों को अपवित्र नहीं करोगे, ताकि तुम लोग न मरो।

और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा, यह कानून का विधान है, जितने आदेश प्रभु ने दिए, कहते हुए, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और वे तुम्हारे पास एक लाल निर्दोष बछिया लाएं, जिसमें कोई दोष न हो, और जिस पर कभी जुआ न रखा गया हो। और तुम उसे पुजारी एलाज़ार को दोगे, और वे उसे शिविर के बाहर एक शुद्ध स्थान में ले जाएंगे, और वे उसके सामने उसका वध करेंगे। और एलाज़ार उसके रक्त में से लेगा, और गवाही के तम्बू के सामने उसके रक्त में से सात बार छिड़केगा। और वे इसे उसके सामने जलाएंगे, और इसकी त्वचा और इसका मांस और इसका रक्त इसके गोबर के साथ जलाया जाएगा। और पुजारी देवदार की लकड़ी, जूफा और लाल रंग लेगा, और वे इन्हें बछिया की जलती हुई आग के बीच में डालेंगे।

और पुजारी अपने वस्त्र धोएगा, और अपने शरीर को जल से नहाएगा, और इन बातों के बाद शिविर में प्रवेश करेगा, और पुजारी संध्या तक अशुद्ध रहेगा। और जो उसे जलाए वह अपने वस्त्र धोएगा, और अपना शरीर स्नान करेगा, और सांझ तक अशुद्ध रहेगा। और एक शुद्ध पुरुष बछिया की राख इकट्ठा करेगा, और उसे शिविर के बाहर एक शुद्ध स्थान में रखेगा, और यह इस्राएल के पुत्रों की सभा के लिए संरक्षित रहेगा। छिड़काव का जल शुद्धिकरण है। और जो बछिया की राख एकत्र करेगा, वह अपने वस्त्र धोएगा और संध्या तक अशुद्ध रहेगा, और यह इस्राएल के पुत्रों के लिए और उनके बीच निवास करने वाले परदेशियों के लिए शाश्वत विधि होगी।

जो कोई किसी मृत मनुष्य की आत्मा को छूएगा, वह सात दिन तक अशुद्ध रहेगा। यह तीसरे दिन और सातवें दिन शुद्ध किया जाएगा, और शुद्ध होगा, लेकिन यदि तीसरे दिन और सातवें दिन शुद्ध नहीं किया जाए, तो शुद्ध नहीं होगा। जो कोई भी मनुष्य की मृत आत्मा को छूता है, यदि वह मर जाता है और शुद्ध नहीं किया जाता है, तो उसने प्रभु के तंबू को अशुद्ध किया है। वह आत्मा इस्राएल से नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि शुद्धिकरण का जल उस पर छिड़का नहीं गया था। वह

अशुद्ध है; उसकी अशुद्धता अभी भी उसमें है। और यह कानून है, यदि कोई आदमी घर में मरता है, तो हर वह जो घर में प्रवेश करता है, और जितने घर में हैं, सात दिन तक अशुद्ध होंगे। और हर खुला हुआ बर्तन जिस पर कोई बंधन नहीं बांधा गया है, वह अशुद्ध है। और जो कोई मैदान में किसी घायल व्यक्ति को या मृत को या मानव हड्डी को या कब्र को छूएगा, वह सात दिन तक अशुद्ध रहेगा।

और वे अशुद्ध व्यक्ति के लिए शुद्धिकरण की जली हुई राख में से लेंगे, और उस पर जीवित जल एक पात्र में डालेंगे। और एक शुद्ध पुरुष जूफा लेगा और उसे पानी में डुबोएगा, और घर पर, बर्तनों पर, और जितनी आत्माएं वहां होंगी उन पर, और जो मनुष्य की हड्डी को छू गया हो उस पर, या घायल पर, या मृत पर, या कब्र पर छिड़केगा। और शुद्ध व्यक्ति अशुद्ध व्यक्ति पर तीसरे दिन और सातवें दिन छिड़केगा, और वह सातवें दिन शुद्ध किया जाएगा, और वह अपने वस्त्र धोएगा, और जल से नहाएगा, और संध्या तक अशुद्ध रहेगा। और जो मनुष्य अपवित्र हो जाए, और शुद्ध न किया जाए, वह प्राण सभा के मध्य से नष्ट किया जाएगा, क्योंकि उसने प्रभु की पवित्र वस्तुओं को अपवित्र किया, क्योंकि छिड़काव का जल उस पर नहीं छिड़का गया, वह अशुद्ध है। और यह तुम्हारे लिए शाश्वत विधि होगी, और जो शुद्धिकरण का जल छिड़कता है, वह अपने वस्त्र धोएगा, और जो शुद्धिकरण के जल को छूता है, वह संध्या तक अशुद्ध रहेगा। और जो कुछ भी अशुद्ध व्यक्ति छूएगा, वह अशुद्ध होगा, और जो प्राणी उसे छूएगा, वह शाम तक अशुद्ध रहेगा।

20

और इस्राएल के पुत्र, सारी मण्डली, पहले महीने में सीन के जंगल में आए, और लोग कादेश में रहे, और वहाँ मरियम मरी, और वहाँ दफनाई गई। और मण्डली के पास पानी नहीं था, और वे मूसा और हारून के विरुद्ध एकत्रित हुए। और लोगों ने मूसा से झगड़ा किया, कहते हुए, काश हम

अपने भाइयों के विनाश में प्रभु के सामने मर गए होते। और आपने प्रभु की सभा को इस रेगिस्तान में क्यों लाया है हमें और हमारे पशुओं को मारने के लिए? और यह क्यों? आपने हमें मिस्र से निकालकर इस बुरे स्थान पर लाए, यह स्थान जहाँ न बोया जाता है, न अंजीर के पेड़ हैं, न अंगूर की बेलें हैं, न अनार हैं, न पीने को पानी है।

और मूसा और हारून सभा के सामने से साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर आए, और वे मुँह के बल गिरे, और प्रभु की महिमा उन्हें दिखाई दी। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपनी छड़ी लो, और तुम तथा तुम्हारा भाई हारून मण्डली को इकट्ठा करो, और उनके सामने चट्टान से बोलो, और वह अपना जल देगी, और तुम उनके लिए चट्टान से जल निकालोगे, और मण्डली को और उनके पशुओं को पिलाओगे। और मूसा ने वह छड़ी ली जो प्रभु के सामने थी, जैसा प्रभु ने आज्ञा दी थी। और मूसा और हारून ने सभा को चट्टान के सामने एकत्रित किया, और उनसे कहा, हे अवज्ञाकारी लोगों, मेरी सुनो, क्या हम इस चट्टान से तुम्हारे लिए पानी नहीं निकालेंगे? और मूसा ने अपना हाथ उठाकर चट्टान को छड़ी से दो बार मारा, और बहुत पानी निकला, और मण्डली ने पिया, और उनके पशुओं ने भी। और प्रभु ने मूसा और हारून से कहा कि तुमने इस्राएल के पुत्रों के सामने मुझे पवित्र करने में विश्वास नहीं किया, इस कारण तुम इस सभा को उस भूमि में नहीं ले जाओगे जो मैंने उन्हें दी है। यह विवाद का जल है, क्योंकि इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने निन्दा की, और वह उनमें पवित्र किया गया।

और मूसा ने कादेश से एदोम के राजा के पास दूत भेजे, यह कहते हुए, तुम्हारा भाई इस्राएल यह कहता है, तुम उस सब कष्ट को जानते हो जो हमें मिला। और हमारे पिता मिस्र गए, और हम मिस्र में अधिक दिनों तक रहे, और मिस्रियों ने हमारे साथ और हमारे पिताओं के साथ दुर्व्यवहार किया। और हमने प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने हमारी आवाज़ सुनी, और एक दूत भेजकर, उसने हमें मिस्र से निकाला, और अब हम कादेश नगर में हैं, जो तुम्हारी सीमाओं के एक भाग में है। हम तुम्हारी भूमि से होकर गुजरेंगे, हम खेतों से नहीं गुजरेंगे, न ही अंगूर के बागों से, न ही हम तुम्हारे गधे से पानी पीएंगे, हम शाही मार्ग पर चलेंगे, हम न दाएं मुड़ेंगे न बाएं, जब तक हम

तुम्हारी सीमाओं को पार न कर लें। और एदोम ने उससे कहा, तू मेरे द्वारा नहीं गुजरेगा, यदि ऐसा नहीं है, तो मैं युद्ध में तुझसे मिलने निकलूंगा। और इस्राएल के पुत्र उससे कहते हैं, हम पहाड़ के पास से गुजरेंगे, और यदि मैं और मेरे पशु तेरा पानी पीएं, तो मैं तुझे मूल्य दूंगा, लेकिन यह कोई बड़ी बात नहीं है, हम पहाड़ के पास से गुजरेंगे। लेकिन उसने कहा, तुम मेरे माध्यम से पार नहीं करोगे, और एदोम भारी भीड़ में और मजबूत हाथ में उससे मिलने के लिए निकला। और एदोम ने इस्राएल को अपनी सीमाओं से होकर जाने की अनुमति देना नहीं चाहा, और इस्राएल उससे मुड़ गया। और वे कादेश से प्रस्थान किए, और इस्राएल के पुत्र, सारी मण्डली, होर पर्वत पर आए।

और प्रभु ने मूसा और हारून से होर पर्वत पर एदोम की भूमि की सीमाओं पर कहा, हारून को उसके लोगों में मिला दिया जाए, क्योंकि तुम उस भूमि में प्रवेश नहीं करोगे जो मैंने इस्राएल के पुत्रों को दी है, क्योंकि तुमने मुझे अपमान के जल पर क्रोधित किया। हारून को लो, और एलाज़ार उसके पुत्र को, और उनको होर पर्वत पर ले जाओ, सारी सभा के सामने। और हारून का वस्त्र उतारो, और उसके पुत्र एलाज़ार को पहनाओ, और हारून वहाँ मर जाए। और मूसा ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, और उसे होर पहाड़ पर ले गया, सारी मण्डली के सामने। और उसने हारून के वस्त्र उतारे, और उन्हें उसके पुत्र एलाज़ार को पहनाया, और हारून पहाड़ की चोटी पर मर गया, और मूसा और एलाज़ार पहाड़ से नीचे आए। और सारी मण्डली ने देखा कि हारून मर गया, और सारे इस्राएल के घराने ने हारून के लिए तीस दिन रोए।

21

और कनानी राजा अराद ने, जो मरुभूमि में निवास करता था, सुना कि इस्राएल अथारेडन के मार्ग से आया, और उसने इस्राएल से युद्ध किया, और उनमें से कुछ को बंदी बनाकर लूट लिया। और इस्राएल ने प्रभु से प्रतिज्ञा की और कहा, यदि तुम इन लोगों को मेरे नियंत्रण में सौंप दो, तो मैं उन्हें और उनके शहरों को पूर्णतः नष्ट कर दूंगा। और प्रभु ने इस्राएल की आवाज सुनी, और

कनानी को उसके अधीन कर दिया, और उसे तथा उसके नगरों को समर्पित किया, और उन्होंने उस स्थान का नाम शापित रखा।

और होर पहाड़ से प्रस्थान करके लाल समुद्र के मार्ग पर उन्होंने एदोम की भूमि को घेरा, और लोग मार्ग में निराश हो गए। और लोगों ने भगवान के विरुद्ध और मूसा के विरुद्ध बोला, कहते हुए, तुमने हमें मिस्र से क्यों निकाला? क्या हमें जंगल में मारने के लिए? क्योंकि यहाँ न रोटी है, न पानी, और हमारी आत्मा इस बेकार रोटी से घृणा करती है। और प्रभु ने लोगों में विषैले सांप भेजे, और उन्होंने लोगों को काटा, और इस्राएल के पुत्रों में से बहुत से लोग मर गए। और लोग मूसा के पास आए और कहने लगे, हमने पाप किया है, क्योंकि हमने प्रभु के विरुद्ध और तुम्हारे विरुद्ध बोला है। इसलिए प्रभु से प्रार्थना करो, और वह हम से इस सर्प को दूर कर दें। और मूसा ने लोगों के बारे में प्रभु से प्रार्थना की, और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने लिए एक सर्प बना, और उसे एक निशान पर रख, और ऐसा होगा कि यदि सर्प किसी मनुष्य को काटे, तो हर वह जो काटा गया है, उसे देखकर जीवित रहेगा। और मूसा ने एक कांस्य साँप बनाया, और उसे एक चिह्न पर स्थापित किया, और ऐसा हुआ कि जब कोई साँप किसी मनुष्य को काटता था, और वह कांस्य साँप को देखता था, तो वह जीवित रह जाता था।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रस्थान किया, और ओबोत में डेरा डाला। और ओबोथ से प्रस्थान करके, उन्होंने अखलगै में डेरा डाला, जो पार के जंगल में है, जो मोआब के सामने है, सूर्य की पूर्व दिशा में। और वहाँ से वे प्रस्थान किए, और उन्होंने ज़ारेद घाटी में डेरा डाला। और वहाँ से प्रस्थान करके उन्होंने अनोन के पार जंगल में डेरा डाला, जो एमोरियों की सीमाओं से फैला हुआ है, क्योंकि अनोन मोआब की सीमा है, मोआब और एमोरी के बीच। इसलिए पुस्तक में कहा गया है, प्रभु के युद्ध ने ज़ाहाब को आग लगा दी और अनोन की धाराओं को। और उसने नालों को एर को बसाने के लिए नियुक्त किया, और यह मोआब की सीमाओं से लगा हुआ है।

और वहाँ से वह कुआँ, यह वह कुआँ है जिसके बारे में प्रभु ने मूसा से कहा, लोगों को इकट्ठा

करो, और मैं उन्हें पीने के लिए पानी दूँगा। तब इसराएल ने कुएं पर यह गीत गाया, उसके लिए कुआं आरंभ करो, शासकों ने इसे खोदा, राष्ट्रों के राजाओं ने इसे उनके राज्य में काटा, उनके शासन करने के समय। और कुएं से मन्थनार्इन में, और मन्थनार्इन से नालिएल में, और नालिएल से बामोथ में, और बामोथ से यानिन में, जो मोआब के मैदान में है, खोदे हुए शिखर से, जो जंगल की ओर देखता है।

और मूसा ने एमोरियों के राजा सीहोन के पास बुजुर्गों को शांतिपूर्ण शब्दों के साथ भेजा, यह कहते हुए, हम तुम्हारी भूमि से होकर गुजरेंगे, हम रास्ते पर चलेंगे, हम न खेत की ओर मुड़ेंगे, न अंगूर के बाग की ओर, हम तुम्हारे कुएं से पानी नहीं पीएंगे, हम शाही रास्ते से जाएंगे, जब तक हम तुम्हारी सीमाओं को पार न कर लें। और सीहोन ने इस्राएल को अपनी सीमाओं से होकर गुजरने की अनुमति नहीं दी, और सीहोन ने अपने सभी लोगों को इकट्ठा किया, और इस्राएल से युद्ध करने के लिए रेगिस्तान में निकला, और याहस में आया, और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए व्यवस्थित हुआ। और इस्राएल ने उसे तलवार से मार डाला, और उसकी भूमि पर अर्नोन से याब्बोक तक, अम्मोनियों की सीमा तक कब्जा कर लिया, क्योंकि याजेर अम्मोनियों की सीमा थी। और इसराएल ने इन सब शहरों को ले लिया, और इसराएल एमोरियों के सब शहरों में, हेशबोन में, और इसके सब सीमावर्ती शहरों में बस गया। हेशबोन अमोरियों के राजा सीहोन का नगर है, और उसने पहले मोआब के राजा से युद्ध किया, और उन्होंने अरोएर से अर्नोन तक उसकी सारी भूमि ले ली। इस कारण पहेली बोलने वाले कहेंगे, हेशबोन में आओ, ताकि सीहोन का नगर बनाया जाए और तैयार किया जाए। क्योंकि हेशबोन से आग निकली, सीहोन के नगर से लौ निकली, और मोआब तक सब कुछ निगल लिया, और अर्नोन के स्तंभों को निगल लिया। हे मोआब, तुझ पर शोक! कमोश के लोग नष्ट हो गए। उनके पुत्रों को बचाए जाने के लिए सौंप दिया गया, और उनकी पुत्रियाँ अमोरियों के राजा सीहोन की बंदी बना दी गईं। और उनका बीज नष्ट हो जाएगा, हेशबोन से दैबोन तक, और स्त्रियों ने मोआब पर आग और भी भड़का दी।

और इस्राएल एमोरियों के सभी शहरों में बस गया। और मूसा ने याज़ेर की जासूसी करने के लिए

भेजा, और उन्होंने उसे और उसके गाँवों को पकड़ लिया, और वहाँ निवास करने वाले अमोरी को निकाल दिया। और लौटकर, वे बाशान के रास्ते पर चढ़ गए, और बाशान का राजा ओग उनसे मिलने के लिए निकला, और उसके सब लोग युद्ध के लिए एद्रेई में आए। और प्रभु ने मूसा से कहा, उससे मत डरो, क्योंकि मैंने उसे तेरे हाथों में दे दिया है, और उसके सब लोगों को, और उसकी सारी भूमि को, और तू उसके साथ वैसा ही करेगा जैसा तूने एमोरियों के राजा सीहोन के साथ किया था, जो हेशबोन में रहता था। और उसे और उसके पुत्रों को और उसके सब लोगों को मारा, यहाँ तक कि उसका कोई जीवित नहीं छोड़ा, और उन्होंने उसकी भूमि को विरासत में लिया।

22

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रस्थान करके मोआब के पश्चिम में, यर्दन के पास, यरीहो के सामने डेरा डाला। और बालाक, जो सिप्पोर का पुत्र था, ने देखा कि इस्राएल ने अमोरी के साथ जो कुछ किया था। और मोआब लोगों से बहुत डर गया क्योंकि वे बहुत थे, और मोआब इस्राएल के पुत्रों के सामने से घृणा करने लगा। और मोआब ने मिद्यान की परिषद से कहा, अब यह मण्डली हमारे चारों ओर की सब चीजों को चाट लेगी, जैसे बछड़ा मैदान से हरी चीजों को चाट लेता है, और बालाक जो सिप्पोर का पुत्र था, उस समय मोआब का राजा था। और उसने राजदूतों को बलाम के पास भेजा, जो बओर का पुत्र था और पतोर में रहता था, जो उसके लोगों की भूमि की नदी पर स्थित है, उसे बुलाने के लिए, यह कहते हुए, देखो, एक जाति मिस्र से निकल आई है, और देखो, उन्होंने धरती की सतह को ढक लिया है, और वे मेरे निकट बसे हुए हैं। और अब यहाँ आओ और मेरे लिए इन लोगों को शाप दो, क्योंकि यह हम से अधिक मजबूत है, यदि हम उन्हें मार सकें, तो मैं उन्हें इस भूमि से निकाल दूँगा, क्योंकि मैं जानता हूँ कि जिन्हें तुम आशीर्वाद देते हो, वे आशीर्वादित होते हैं, और जिन्हें तुम शाप देते हो, वे शापित होते हैं। और मोआब की परिषद गई, और मिद्यान की परिषद गई, और उनके हाथों में भविष्यवाणियाँ थीं, और वे बिलाम के पास

आए, और उन्होंने उसे बालाक के वचन कहे। और उसने उनसे कहा, आज रात यहाँ ठहरो, और मैं तुम्हें वे बातें बताऊँगा जो प्रभु मुझसे कहेंगे, और मोआब के शासक बिलाम के पास रहे।

और परमेश्वर बिलाम के पास आया और उससे कहा, ये लोग तेरे पास क्यों आए हैं? और बिलाम ने परमेश्वर से कहा, बालाक, जो सिप्पोर का पुत्र और मोआब का राजा है, उसने उन्हें मेरे पास यह कहते हुए भेजा है, देखो, एक लोग मिस्र से निकल आए हैं, और उन्होंने पृथ्वी की दृष्टि को ढक दिया है, और यह मेरे पास बैठे हुए हैं, और अब आओ, मेरे लिए उन्हें शाप दो, यदि ऐसा हो तो मैं उन्हें मारने में सक्षम होऊँगा, और मैं उन्हें पृथ्वी से निकाल दूँगा। और भगवान ने बिलाम से कहा, तुम उनके साथ नहीं जाओगे, और न ही उन लोगों को शाप दोगे, क्योंकि वे धन्य हैं। और सुबह उठकर बिलाम ने बालाक के शासकों से कहा, अपने स्वामी के पास लौट जाओ, परमेश्वर मुझे तुम्हारे साथ जाने नहीं दे रहा है। और मोआब के शासक उठकर बालाक के पास आए, और उन्होंने कहा, बिलाम हमारे साथ जाना नहीं चाहता।

और बालाक ने फिर से और अधिक शासकों को भेजा, जो इनसे अधिक सम्मानित थे। और वे बिलाम के पास आए, और उससे कहा, सिप्पोर का पुत्र बालाक यह कहता है, मैं तुमसे विनती करता हूँ कि मेरे पास आने में संकोच मत करो। मैं तुम्हें सम्मानपूर्वक सम्मान दूँगा, और जो कुछ भी तुम कहोगे वह मैं तुम्हारे लिए करूँगा, और यहाँ आओ और मेरे लिए इन लोगों को शाप दो। और बिलाम ने उत्तर दिया और बालाक के शासकों से कहा, यदि बालाक मुझे अपना घर चांदी और सोने से भरा हुआ भी दे दे, तो भी मैं प्रभु परमेश्वर के वचन का उल्लंघन करके अपने मन से छोटा या बड़ा कुछ भी नहीं कर सकूँगा। और अब तुम भी इस रात यहाँ ठहरो, और मैं जानूँगा कि प्रभु मुझसे और क्या कहेंगे। और परमेश्वर रात में बिलाम के पास आया, और उससे कहा, यदि ये लोग तुझे बुलाने के लिए उपस्थित हैं, तो उठकर उनके साथ जा, लेकिन जो वचन मैं तुझसे कहूँगा, वही तू करना।

और बिलाम सुबह उठकर, उसने अपनी गधी पर काठी लगाई, और मोआब के शासकों के साथ

गया। और ईश्वर क्रोध में क्रोधित हुआ क्योंकि वह स्वयं गया, और ईश्वर का दूत उसका विरोध करने के लिए उठा, और वह स्वयं अपनी गधी पर सवार हो गया था, और उसके दो सेवक उसके साथ थे। और गधी ने परमेश्वर के दूत को रास्ते में खड़ा देखा, जिसके हाथ में खींची हुई तलवार थी, और गधी रास्ते से मुड़कर मैदान में चली गई, और उसने अपनी छड़ी से गधी को मारा ताकि उसे रास्ते पर वापस ले जाए।

और ईश्वर का दूत अंगूर के बाग की नालियों में खड़ा हुआ, एक ओर बाढ़ और दूसरी ओर बाढ़, और जब गधी ने परमेश्वर के दूत को देखा, तो उसने स्वयं को दीवार से दबा लिया, और बिलाम के पैर को दीवार से कुचल दिया, और उसने फिर उसे मारा।

और परमेश्वर के दूत ने फिर आगे बढ़कर एक संकरे स्थान में खड़ा हो गया, जहाँ दाहिनी या बाईं ओर मुड़ना संभव नहीं था। और गधी ने परमेश्वर के दूत को देखकर बिलाम के नीचे बैठ गई, और बिलाम क्रोधित हुआ, और उसने गधी को छड़ी से मारा। और परमेश्वर ने गधी का मुख खोला, और वह बिलाम से कहती है, मैंने तुझसे क्या किया है, कि तूने मुझे यह तीसरी बार मारा है? और बिलाम ने गधी से कहा, तूने मेरा उपहास किया है, और यदि मेरे हाथ में तलवार होती तो मैं अभी तक तुझे छेद देता। और गधी ने बिलाम से कहा, क्या मैं तुम्हारी वह गधी नहीं हूँ जिस पर तुम अपनी जवानी से लेकर आज तक सवार होते रहे हो? क्या मैंने कभी तुम्हारे साथ ऐसा व्यवहार किया है? और उसने कहा, नहीं। और परमेश्वर ने बिलाम की आँखें खोल दीं, और वह प्रभु के दूत को मार्ग में विरोध में खड़े हुए देखता है, और उसके हाथ में खींची हुई तलवार को, और झुककर उसने उसके चेहरे पर प्रणाम किया। और परमेश्वर के दूत ने उससे कहा, तूने अपनी गधी को यह तीसरी बार क्यों मारा? और देखो, मैं तेरे विरोध में निकला, क्योंकि तेरा मार्ग मेरे सामने उचित नहीं था, और गधी ने मुझे देखकर तीसरी बार मुझसे मुड़ गई। और अगर वह नहीं मुड़ी होती, तो अब मैं तुम्हें तो मार डालता, लेकिन उसे बचा लेता। और बिलाम ने प्रभु के दूत से कहा, मैंने पाप किया है, क्योंकि मैं नहीं जानता था कि तू मुझसे मिलने के लिए रास्ते में विरोध कर रहा था, और अब यदि तुझे यह पर्याप्त नहीं है, तो मैं लौट जाऊंगा। और परमेश्वर के दूत ने बिलाम से कहा, इन

मनुष्यों के साथ जाओ, परन्तु जो वचन मैं तुमसे कहूँ, उसी को बोलना। और बिलाम बालाक के शासकों के साथ गया।

और बालाक ने सुनकर कि बिलाम आया है, वह उससे मिलने के लिए मोआब के नगर को निकला, जो अर्नोन की सीमाओं पर है, जो सीमाओं के छोर पर है। और बालाक ने बालाम से कहा, क्या मैंने तुम्हें बुलाने के लिए तुम्हारे पास नहीं भेजा था? तुम मेरे पास क्यों नहीं आए? क्या सचमुच मैं तुम्हें सम्मानित नहीं कर सकूंगा? और बिलाम ने बालाक से कहा, देखो, मैं अब तुम्हारे पास आया हूँ, क्या मैं कुछ बोलने में सक्षम होऊंगा? जो शब्द परमेश्वर मेरे मुँह में डालेगा, वही मैं बोलूंगा। और बालाम बालाक के साथ गया, और वे बाहरी क्षेत्रों के नगरों में आए। और बालाक ने भेड़ें और बछड़े बलि किए, और बिलाम को और उसके साथ के शासकों को भेजा। और सुबह हुई, और बालाक बिलाम को लेकर उसे बाल के स्तंभ पर ले गया, और वहाँ से उसे लोगों का कुछ भाग दिखाया।

23

और बिलाम ने बालाक से कहा, मेरे लिए यहाँ सात वेदियाँ बनाओ, और मेरे लिए यहाँ सात बछड़े और सात मेढ़े तैयार करो। और बालाक ने वैसा ही किया जैसा बिलाम ने उसको कहा था, और उसने वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया। और बिलाम ने बालाक से कहा, अपने बलिदान के पास खड़ा रह, और मैं जाऊंगा कि देखूँ यदि परमेश्वर मुझसे मिलने आएगा, और जो वचन वह मुझे दिखाएगा, वह मैं तुझे बताऊंगा। और बालाक अपने बलिदान के पास खड़ा रहा। और बालाम परमेश्वर से पूछने गया, और सीधा गया, और परमेश्वर बालाम को प्रकट हुआ, और उससे कहा, बालाम, मैंने सात वेदियाँ तैयार की हैं, और वेदी पर बछड़ा और मेढ़ा चढ़ाया है। और परमेश्वर ने बिलाम के मुख में शब्द डाला, और बालाक की ओर मुड़कर कहा, इस प्रकार तुम बोलोगे। और वह उसकी ओर मुड़ा, और वह अपने होमबलियों के पास खड़ा था, और मोआब के

सब शासक उसके साथ थे, और परमेश्वर का आत्मा उस पर आया। और उसने अपना दृष्टान्त लेकर कहा, मेसोपोटामिया से मोआब के राजा बालाक ने मुझे पूर्व के पहाड़ों से बुलाया, यह कहते हुए, आओ, मेरे लिए याकूब को शाप दो, और आओ, मेरे लिए इस्राएल को शाप दो। मैं उसे कैसे शाप दूँ जिसे प्रभु शाप नहीं देता? या मैं उसे कैसे शाप दूँ जिसे परमेश्वर शाप नहीं देता? क्योंकि मैं पहाड़ों के शिखर से उसे देखूँगा, और पहाड़ियों से उसका निरीक्षण करूँगा। देखो, ये लोग अकेले निवास करेंगे, और राष्ट्रों में इन्हें नहीं गिना जाएगा। किसने याकूब के वंश को पूर्ण किया है, और कौन इस्राएल के कुलों को गिनेगा? मेरी आत्मा धर्मियों की आत्माओं में मरे, और मेरा वंश इनके वंश के समान हो।

और बालाक ने बिलाम से कहा, तूने मेरे साथ क्या किया है? मैंने तुझे अपने शत्रुओं को शाप देने के लिए बुलाया था, और देखो, तूने आशीर्वाद दिया है। और बिलाम ने बालाक से कहा, क्या जो कुछ भी परमेश्वर मेरे मुँह में डालेगा, उसी को मैं बोलने के लिए नहीं रखूँगा? और बालाक ने उससे कहा, अभी मेरे साथ एक दूसरे स्थान पर आओ जहाँ से तुम उसे नहीं देखोगे, लेकिन उसका कुछ भाग देखोगे, सबको नहीं देखोगे, और वहाँ से मेरे लिए उसे शाप दो।

और उसने उसको तराशे हुए पहाड़ के शिखर पर स्थित खेत की प्रहरी मीनार में ले गया, और वहाँ सात वेदियाँ बनाई, और वेदी पर एक बछड़ा और एक मढ़ा चढ़ाया। और बिलाम ने बालाक से कहा, अपने बलिदानों के पास खड़ा रह, मैं परमेश्वर से पूछने जाऊँगा। और परमेश्वर बिलाम से मिले, और उन्होंने उसके मुँह में वचन डाला, और कहा, बालाक के पास लौट जा, और ये बातें बोलना। और वह उसकी ओर मुड़ा, और वह अपने होमबलि पर खड़ा था, और मोआब के सब शासक उसके साथ थे, और बालाक ने उससे कहा, प्रभु ने क्या कहा? और उसने अपना दृष्टान्त लेकर कहा, उठ बालाक, और सुन, कान लगा, हे सिप्पोर के पुत्र। परमेश्वर मनुष्य के समान नहीं है कि झूठ बोले, न मनुष्य के पुत्र के समान कि धमकाया जाए। क्या उसने कहा और नहीं करेगा? क्या वह बोलेगा और उसे पूरा नहीं करेगा? देखो, मैंने आशीर्वाद देने का कार्य उठाया है, मैं आशीर्वाद दूँगा, और मैं पीछे नहीं हटूँगा। याकूब में परिश्रम नहीं होगा, न इस्राएल में कष्ट देखा

जाएगा। प्रभु उसका ईश्वर उसके साथ है, शासकों की महिमा उसमें है। परमेश्वर ने उसे मिस्र से बाहर निकाला; उसके लिए यह एक सींग वाले पशु की महिमा के समान है। क्योंकि याकूब में भविष्यवाणी नहीं है, न इस्राएल में भविष्यवाणी है। समय के अनुसार याकूब को और इस्राएल को कहा जाएगा कि परमेश्वर क्या पूरा करेगा। देखो, ये लोग शावक की तरह उठेंगे, और सिंह की तरह गर्व करेंगे। वे तब तक नहीं सोएंगे जब तक शिकार नहीं खा लें, और घायलों का रक्त नहीं पी लें।

और बालाक ने बालाम से कहा, न तो शाप देकर उसे मेरे लिए शाप दो, और न ही आशीर्वाद देते हुए उसे आशीर्वाद दो। और बिलाम ने उत्तर देते हुए बालाक से कहा, क्या मैंने तुमसे यह कहते हुए नहीं बोला था कि जो वचन परमेश्वर बोले, वही मैं करूँगा? और बालाक ने बिलाम से कहा, यहाँ आ, मैं तुझे दूसरे स्थान पर ले जाऊँ, यदि यह परमेश्वर को प्रसन्न हो, और वहाँ से मेरे लिए उसे शाप दे। और बालाक बालाम को फोगोर के शिखर पर ले गया, जो रेगिस्तान की ओर फैला हुआ है। और बलाम ने बालाक से कहा, मेरे लिए यहाँ सात वेदियाँ बनाओ, और मेरे लिए यहाँ सात बछड़े और सात मेढ़े तैयार करो। और बालाक ने वैसा ही किया जैसा बिलाम ने उसको कहा था, और वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया।

24

और जब बालाम ने देखा कि प्रभु के सामने इस्राएल को आशीर्वाद देना अच्छा है, तो वह अपनी आदत के अनुसार शकुनों से मिलने नहीं गया, और उसने अपना चेहरा जंगल की ओर फेर दिया। और बिलाम ने अपनी आँखें उठाकर इस्राएल को कुलों के अनुसार डेरा डाले हुए देखा, और परमेश्वर का आत्मा उस पर आया। और उसने अपना दृष्टान्त लेकर कहा, बलाम, बओर का पुत्र कहता है, वह मनुष्य जो सचमुच देखता है कहता है वह कहता है कि शक्तिशाली के शब्द सुनता हुआ, जिसने ईश्वर का दर्शन नींद में देखा, उसके नेत्र खोले गए थे। हे याकूब, तेरे घर कितने सुंदर

हैं, हे इस्राएल, तेरे तंबू कितने सुंदर हैं! जैसे छाया करती हुई घाटियाँ, और जैसे नदी के किनारे बगीचे, और जैसे तम्बू जो प्रभु ने खड़े किए, और जैसे जल के पास देवदार। एक आदमी उसके बीज से निकलेगा, और अनेक राष्ट्रों पर शासन करेगा, और गोग का राज्य ऊंचा किया जाएगा, और उसका राज्य बढ़ेगा। भगवान उसे मिस्र से बाहर ले गए, जैसे एक सींग वाले की महिमा उसके साथ है। वह अपने शत्रु राष्ट्रों को खाएगा, और उनके मोटे भागों का मज्जा चूसेगा, और अपने तीरों से शत्रु को मार गिराएगा। लेटकर उसने शेर की तरह विश्राम किया, और शावक की तरह; कौन उसे उठाएगा? जो तुझे आशीर्वाद देते हैं, वे आशीर्वादित हैं, और जो तुझे शाप देते हैं, वे शापित हैं।

और बालाक बिलाम पर क्रोधित हुआ, और उसने अपने हाथों से ताली बजाई, और बालाक ने बिलाम से कहा, मैंने तुम्हें अपने शत्रु को शाप देने के लिए बुलाया था, और देखो, तुमने तीसरी बार आशीर्वाद दिया है। अब इसलिए अपने स्थान को भाग जा, मैंने कहा था कि मैं तुझे सम्मान दूंगा, और अब प्रभु ने तुझे महिमा से वंचित कर दिया है। और बालाम ने बालाक से कहा, क्या मैंने तुम्हारे दूतों से भी नहीं कहा था, जिन्हें तुमने मेरे पास भेजा था, यदि बालाक मुझे अपना घर चाँदी और सोने से भरा हुआ दे, तो भी मैं प्रभु के वचन का उल्लंघन करके अपनी ओर से कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं कर सकूँगा; जो कुछ परमेश्वर कहेगा, वही मैं कहूँगा। और अब देखो, मैं अपने स्थान को लौट रहा हूँ, आओ, मैं तुम्हें सलाह दूँगा कि ये लोग अंतिम दिनों में तुम्हारे लोगों के साथ क्या करेंगे।

और उसने अपना दृष्टान्त प्रस्तुत करते हुए कहा,

बिलाम, बओर का पुत्र, कहता है; वह मनुष्य जो सचमुच देखता है, कहता है; जो परमेश्वर के वचन सुनता है, जो परमप्रधान से ज्ञान जानता है, और जिसने नींद में परमेश्वर का दर्शन देखा है, उसकी आँखें खोली गई हैं। मैं उसे दिखाऊँगा, और अभी नहीं, मैं आशीर्वाद दूँगा, और पास नहीं आता है, याकूब से एक तारा उदय होगा, इस्राएल से एक मनुष्य उठेगा, और वह मोआब के

नेताओं को चकनाचूर करेगा, और वह सेठ के सब पुत्रों को लूटेगा। और एदोम विरासत होगा, और एसाव का शत्रु उसकी विरासत होगा, और इस्राएल ने शक्ति में कार्य किया। और याकूब से कोई उठेगा, और नगर से बचे हुए को नष्ट कर देगा। और अमालेक को देखकर, और अपना दृष्टान्त उठाकर, उसने कहा, अमालेक जातियों का आरम्भ है, और उनका वंश नष्ट हो जाएगा। और केनी को देखकर और अपना दृष्टान्त लेकर, उसने कहा, तुम्हारा निवास मजबूत है, और यदि तुम चट्टान में अपना घोंसला बनाओ, और यदि बेओर को चालाकी का घोंसला मिल जाए, तो अशशूरी तुझे बंदी बना लेंगे। और ओग को देखकर, और अपना दृष्टान्त प्रस्तुत करके, उसने कहा, हाय हाय, कौन जीवित रहेगा, जब परमेश्वर ये बातें करेगा? और कित्तियों के हाथ से निकलेगा, और वे अशशूर को सताएंगे, और वे इब्रियों को सताएंगे, और वे सब एकमत से नष्ट हो जाएंगे। और उठकर बिलाम अपने स्थान को लौट गया, और बालाक भी अपने स्थान को चला गया।

25

और इस्राएल सत्तेईन में ठहरा, और लोग मोआब की बेटियों के साथ व्यभिचार करके अपवित्र हो गए। और उन्होंने उनको उनकी मूर्तियों के बलिदानों में बुलाया, और लोगों ने उनके बलिदानों को खाया, और उन्होंने उनकी मूर्तियों को प्रणाम किया। और इस्राएल ने बाल पोर की सेवा की, और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुए। और प्रभु ने मूसा से कहा, लोगों के सभी नेताओं को ले लो, और उन्हें सूरज के सामने प्रभु के लिए उदाहरण बनाओ, और प्रभु का क्रोध इस्राएल से हट जाएगा। और मूसा ने इस्राएल की जनजातियों से कहा, प्रत्येक व्यक्ति अपने संबंधी को मार डाले जो बाल पोर के लिए दीक्षित हुआ था। और देखो, इस्राएल के पुत्रों में से एक आदमी आया और अपने भाई को मिद्यानी स्त्री के पास मूसा के सामने और इस्राएल के पुत्रों की सारी मण्डली के सामने ले आया, और वे साक्षी के तम्बू के द्वार पर रो रहे थे। और जब फीनहास ने, जो एलाजार का पुत्र था और हारून पुजारी का पोता था, यह देखा, तो वह सभा के बीच से उठा और उसने अपने हाथ में भाला लिया, वह इस्राएली पुरुष के पीछे तम्बू में दाखिल हुआ और दोनों को बेध

दिया, इस्राएली पुरुष को और स्त्री को उसके गर्भाशय के द्वारा, और इस्राएल की सन्तानों से महामारी रुक गई। और महामारी में मरने वाले चौबीस हजार हुए।

और प्रभु ने मूसा से कहा, फीनहास, जो एलाज़ार का पुत्र था, जो हारून याजक का पुत्र था, उसने इस्राएल के पुत्रों से मेरा क्रोध शांत किया, क्योंकि उसने उनके बीच मेरे उत्साह का उत्साह दिखाया, और मैंने अपने उत्साह में इस्राएल के पुत्रों को नष्ट नहीं किया। इस प्रकार मैंने कहा, देखो, मैं उसको शांति की वाचा देता हूँ। और यह उसके लिए और उसके बाद उसके वंश के लिए शाश्वत पुरोहिती की वाचा होगी, क्योंकि वह अपने परमेश्वर के लिए उत्साही था, और उसने इस्राएल के पुत्रों के लिए प्रायश्चित किया। और उस इस्राएली आदमी का नाम, जो मिद्यानी स्त्री के साथ मारा गया था, ज़िम्मी था, जो सालमोन का पुत्र और शिमोन के परिवार के घराने का शासक था। और मारी गई मिद्यानी स्त्री का नाम खासबी था, जो सूर की पुत्री थी, जो ओम्मोथ राष्ट्र का शासक था, और मिद्यान के परिवार के घराने से था।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से कहो, मिद्यानियों के प्रति शत्रुतापूर्ण बनो और उन्हें मारो, क्योंकि वे तुम्हारे प्रति छल से शत्रुता रखते हैं, जितना वे तुम्हें फोगोर के कारण धोखा देते हैं, और मिद्यान के शासक की पुत्री खासबी के कारण, जो उनकी बहन थी, जो फोगोर के कारण आघात के दिन मारी गई थी।

26

और प्रहार के बाद ऐसा हुआ कि प्रभु ने मूसा और पुजारी एलाज़ार से कहा, इस्राएल के पुत्रों की सम्पूर्ण मण्डली की गणना बीस वर्ष और उससे ऊपर की आयु से, उनके पितरों के घरानों के अनुसार करो, अर्थात् इस्राएल में युद्ध के लिए निकलने वाला प्रत्येक पुरुष।

और मूसा और पुजारी एलाज़ार ने मोआब के अराबोथ में यर्दन के पास यरीहो के सामने कहा बीस वर्ष की आयु से और उससे ऊपर, जिस प्रकार प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, और इस्राएल के पुत्र जो मिस्र से निकले थे रूबेन इस्राएल का पहलौठा था, और रूबेन के पुत्र हनोक थे, और हनोक के लोग, फल्लू के लोग। हेज़रोन को असरोनेई के लोग, खर्मी को खर्मी के लोग। ये रूबेन के लोग थे, और उनकी गिनती तैंतालीस हजार सात सौ तीस हुई।

और फल्लू का पुत्र एलियाब था। और एलियाब के पुत्र नमूएल, दातान और अबीरोन थे। ये मण्डली के बुलाए गए लोग थे, ये वे हैं जो कोरह की मण्डली में मूसा और हारून के विरुद्ध प्रभु के विद्रोह में उठे थे। और भूमि ने अपना मुँह खोलकर उनको और कोरह को निगल लिया, उसकी मण्डली की मृत्यु में, जब आग ने पचास और दो सौ को भस्म किया, और वे चिन्ह में हुए। लेकिन कोरह के पुत्र नहीं मरे।

और शिमोन के पुत्र, शिमोन के पुत्रों का कुल: नमूएल से नमूएली कुल, यामीन से यामीनी कुल, याकीन से याकीनी कुल, ज़ेरह के लिए लोग, ज़ेरही; शाऊल के लिए लोग, शाऊली। ये शिमोन के कुल थे उनकी जनगणना से, बाईस हजार दो सौ।

यहूदा के बेटे एर और ओनान थे, और एर और ओनान कनान की भूमि में मर गए। और यहूदा के पुत्र उनके कुलों के अनुसार बने: शीलोह के लिए, शेलोनी लोग; फारेस के लिए, फारेसी लोग; जेरह के लिए, जेरही लोग। और फारेस के पुत्र बने: हेस्रोन के लिए असरोनी लोग, यामून के लिए यामूनी लोग। ये यहूदा के लोग हैं उनकी गणना के अनुसार, छिहत्तर हजार पाँच सौ।

और इस्साकार के पुत्र उनके कुलों के अनुसार, तोला को, तोलाई का कुल, फुआ को, फुआई का कुल, यासूब को यासूबी लोग, सामराम को सामरामी लोग। ये इस्साकार के कुल थे, उनकी गणना के अनुसार चौंसठ हजार चार सौ।

जेबूलून के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: सेरेद को, सेरेदी लोग; अल्लोन को, अल्लोनी लोग; अल्लेल को, अल्लेली लोग। ये जबूलून के लोग उनकी गणना से साठ हजार पाँच सौ थे।

गाद के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: सापोन को, सापोनी लोग; अग्गी को, अग्गी लोग; सूनी को, सूनी लोग; अज़ेने को, अज़ेने के लोग, अदि को, अदि के लोग, अरोद को, अरोआदी लोग; अरीएल को, अरीएली लोग। ये गाद के पुत्रों के कुल थे, उनकी जनगणना के अनुसार चौवालीस हजार पाँच सौ।

आशेर के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: यामीन से यामीनी कुल, येसू से येसूई कुल, बरिया से बरियाई कुल। कोबर को कोबेरी के लोग, मेल्खिएल को मेल्खिएली के लोग। और आशेर की पुत्री का नाम सारै था। ये आशेर के लोग उनकी गणना से तैंतालीस हजार चार सौ थे।

यूसुफ के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: मनश्शे और एप्रैम।

मनश्शे के पुत्र: माखीर को माखीरी लोग, और माखीर ने गिलाद को जन्म दिया; गिलाद को गिलादी लोग। और ये गिलाद के पुत्र थे: अहीएजेर से अहीएजेरी लोग, खेलेग से खेलेगी लोग। एसिएल को, एसिएली लोग, शेकेम को, सुखेमी लोग, सिमाएर को, सिमाएरी के लोग, और ओफेर को, ओफेरी के लोग। और सलपाद को, जो ओफेर का पुत्र था, उसके कोई पुत्र नहीं हुए, बल्कि केवल पुत्रियाँ थीं, और सलपाद की पुत्रियों के नाम ये हैं: माला, नोआ, एगला, मेलखा और थेरसा। ये मनश्शे के लोग थे उनकी गणना से, बावन हजार सात सौ।

और ये एफ्राइम के पुत्र हैं: सुथाला के, सुथालान लोग; तानाख के, तानाखी लोग। ये शूतेलह के पुत्र हैं: एदेन को, एदेन के लोग। ये एफ्राइम के लोग उनकी गणना से, बत्तीस हजार पाँच सौ, ये यूसुफ के पुत्रों के लोग उनके कुलों के अनुसार।

बिन्यामीन के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: बेला से बेलाई कुल, अशबेल से अशबेली कुल, अहीराम से अहीरामी कुल।

सोफान को, सोफानेस के लोग। और बाले के पुत्र अदार और नोएमान हुए, अदार के लिए अदारी का कुल, और नोएमान के लिए नोएमानी का कुल। ये बिन्यामीन के पुत्र थे उनके कुलों के अनुसार, उनकी गणना से पैंतीस हजार पाँच सौ।

और दान के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: शूहाम को, शूहामियों का कुल; ये दान के कुल उनके कुलों के अनुसार हैं। शुहामियों के सभी लोग उनकी गणना के अनुसार चौंसठ हजार चार सौ थे।

नफताली के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: असीएल से असीएली कुल, गौनी से गौनी कुल। येसेर को येसेरी लोग, शेल्लेम को शेल्लेमी लोग। ये नफताली के लोग उनकी गणना से, चालीस हजार तीन सौ।

यह इस्राएल के पुत्रों की गणना है: छः लाख एक हजार सात सौ तीस।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इनको भूमि विभाजित की जाएगी, नामों की संख्या के अनुसार विरासत में लेने के लिए। अधिक लोगों को तुम विरासत बढ़ाओगे, और कम लोगों को तुम उनकी विरासत घटाओगे। प्रत्येक को, जैसे वे गिने गए थे, उनकी विरासत दी जाएगी। चिट्ठियों के माध्यम से वह भूमि नामों के अनुसार विभाजित की जाएगी, अपने पैतृक कुलों के अनुसार वे विरासत में पाएंगे। चिट्ठी से तुम उनकी विरासत को अनेक और थोड़ों के बीच विभाजित करोगे।

और लेवी के पुत्र उनके कुलों के अनुसार: गेशोर्न को, गेशोर्नी लोग; कहात को, कहाती लोग; मरारी को, मरारी लोग। ये लेवी के पुत्रों के कुल हैं: लोबेनी का कुल, हेब्रोन का कुल, कोरे का कुल, और मूसी का कुल, और काहत ने अम्राम को जन्म दिया। और उसकी पत्नी का नाम

योकाबेद था, जो लेवी की पुत्री थी, जिसने इनको लेवी से मिस्र में जन्म दिया, और उसने अम्राम से हारून और मूसा को जन्म दिया, और मरियम को जो उनकी बहन थी। और अहरोन के नादाब, अबीहू, एलाजार और ईतामार हुए। और नदाब और अबीहू मर गए जब उन्होंने प्रभु के सामने पराई आग चढ़ाई सीनै के निर्जन स्थान में। और उनकी गणना से तेईस हजार हुए, हर एक पुरुष जो एक महीने का और उससे ऊपर था, क्योंकि वे इस्राएल के पुत्रों के बीच नहीं गिने गए थे, इसलिए कि उनको इस्राएल के पुत्रों के बीच कोई भाग नहीं दिया गया था।

और यह मूसा और पुजारी एलाजार की गणना थी, जिन्होंने इस्राएल के पुत्रों की जांच की अराबोथ मोआब में, यर्दन के पास यरीहो के अनुसार। और इनमें उन लोगों में से कोई आदमी नहीं था जिनका निरीक्षण मूसा और हारून द्वारा किया गया था, जब उन्होंने इस्राएल के पुत्रों का सीनै के रेगिस्तान में निरीक्षण किया था। क्योंकि प्रभु ने उनसे कहा था कि वे रेगिस्तान में मृत्यु से मरेंगे, और उनमें से एक भी नहीं बचा, सिवाय कालेब जो यपुन्ने का पुत्र था, और यहोशू जो नून का पुत्र था।

27

और सलपाद की बेटियाँ, जो ओफेर का पुत्र था, जो गलाद का पुत्र था, जो माखीर का पुत्र था, मनश्शे के लोगों में से, यूसुफ के पुत्रों में से, पास आई, और उनके नाम ये थे: माला, नोआ, एगला, मेलखा और थेरसा। और मूसा के सामने, और पुजारी एलाज़ार के सामने, और शासकों के सामने, और सारी सभा के सामने गवाही के तम्बू के दरवाज़े पर खड़े होकर, वे कहते हैं, हमारा पिता रेगिस्तान में मरा, और वह उस सभा के बीच नहीं था जो प्रभु के सामने कोरह की सभा में इकट्ठा हुई थी, क्योंकि वह अपने पाप के कारण मरा, और उसके कोई पुत्र नहीं हुए। हमारे पिता का नाम उसके लोगों के बीच से मिटाया न जाए, क्योंकि उसका कोई पुत्र नहीं है। हमें हमारे पिता के भाइयों के बीच संपत्ति दो। और मूसा ने उनका न्याय प्रभु के सामने लाया।

और प्रभु ने मूसा से बात की, कहो, सलपाद की बेटियों ने सही कहा है। तुम उन्हें उनके पिता के भाइयों के बीच विरासत का अधिकार दोगे, और तुम उनके पिता का हिस्सा उन्हें दोगे। और तू इस्राएल के पुत्रों से बोलेगा, कहते हुए, यदि कोई आदमी मर जाता है और उसका कोई पुत्र नहीं है, तो तुम उसकी विरासत उसकी बेटी को स्थानांतरित करोगे। यदि उसकी पुत्री न हो, तो आप विरासत उसके भाई को देंगे। यदि उसके भाई न हों, तो तुम वह विरासत उसके पिता के भाई को दोगे। यदि उसके पिता के भाई न हों, तो आप उसकी विरासत उसके कबीले के निकटतम संबंधी को देंगे, ताकि वह उसकी वस्तुओं का उत्तराधिकारी बने, और यह इस्राएल के पुत्रों के लिए न्याय का विधान होगा, जैसा प्रभु ने मूसा को आदेश दिया।

और प्रभु ने मूसा से कहा, यरदन के पार के इस नबो पहाड़ पर चढ़ जाओ, और कनान की भूमि को देखो, जो मैं इस्राएल के पुत्रों को अधिकार में देता हूँ। और तुम इसे देखोगे, और तुम भी अपने लोगों में जोड़े जाओगे, जैसा तुम्हारा भाई हारून होर पर्वत में जोड़ा गया था। क्योंकि तुमने मरुभूमि सीन में मेरे वचन का उल्लंघन किया, जब मण्डली ने विरोध किया तब मुझे पवित्र करने के लिए, तुमने उनके सामने जल पर मुझे पवित्र नहीं किया, यह विवाद का जल है जो कादेश में मरुभूमि सीन में है। और मूसा ने प्रभु से कहा, प्रभु, जो आत्माओं और सब मांस का परमेश्वर है, इस सभा पर एक मनुष्य को नियुक्त करे जो कोई उनके आगे बाहर जाएगा, और जो कोई उनके आगे अंदर आएगा, और जो कोई उनको बाहर ले जाएगा, और जो कोई उनको अंदर ले आएगा, और प्रभु की मंडली उन भेड़ों के समान नहीं होगी जिनका कोई चरवाहा नहीं है। और प्रभु ने मूसा से कहा, अपने पास यहोशू को ले, जो नून का पुत्र है, एक ऐसा मनुष्य जिसमें आत्मा है, और तू अपने हाथ उस पर रखना। और तू उसे याजक एलाज़ार के सामने खड़ा करना, और सारी मण्डली के सामने उसे आज्ञा देना, और उनके सामने उसके विषय में आज्ञा देना। और तुम अपनी महिमा उसे दोगे, ताकि इस्राएल के पुत्र उसकी सुनें। और एलाज़ार पुजारी के सामने वह खड़ा होगा, और वे उससे प्रभु के सामने उरीम का निर्णय पूछेंगे, उसके मुँह पर वे निकलेंगे, और उसके मुँह पर वे प्रवेश करेंगे, वह और इस्राएल के पुत्र एक मन से, और सारी सभा।

और मूसा ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसको आज्ञा दी थी, और यहोशू को लेकर उसे एलाजार याजक के सामने और सारी मण्डली के सामने खड़ा किया, और उसने अपने हाथ उस पर रखे, और उसे स्थापित किया जैसा कि प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

28

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो, और तुम उनसे कहोगे, मेरे उपहार, मेरे दान, मेरी भेंटें जो सुगंध की महक के लिए हैं, तुम मेरे पर्वों में मुझे चढ़ाने के लिए सुरक्षित रखोगे। और तुम उनसे कहोगे, ये वे भेंटें हैं जितनी तुम प्रभु को लाओगे: एक वर्ष के निर्दोष मेमने, दो प्रतिदिन, होमबलि के लिए निरंतर। तू एक मेमने को सुबह में करेगा, और दूसरे मेमने को शाम की ओर करेगा।

और तुम एफा के दसवें भाग का महीन आटा हिन के चौथे भाग के तेल में मिश्रित करके बलिदान बनाओगे। निरंतर होमबलि, जो सीनै पर्वत पर चढ़ाया गया, प्रभु के लिए सुगंध की सुवास के रूप में। और एक मेमने के लिए उसका पेय-बलिदान एक हिन का चौथा भाग होगा, पवित्र स्थान में तू प्रभु को मादक पेय का पेय-बलिदान डालेगा, और दूसरे मेमने को तुम शाम के समय चढ़ाओगे, उसके अन्नबलि और उसके पेय-बलि के अनुसार तुम करोगे, प्रभु के लिए सुगंधित सुवास के रूप में। और सब्बाथ के दिन तुम दो एक वर्ष के निर्दोष मेमने, और तेल में मिश्रित मैदे के दो दशांश बलिदान के लिए और पेय-बलि चढ़ाना। सब्बातों का होमबलि सब्बातों में निरंतर होमबलि के साथ, और उसका पेय-बलि।

और नए चाँद के दिनों में तुम प्रभु को होमबलि चढ़ाओगे: मवेशियों में से दो बछड़े, और एक मेढ़ा, एक वर्ष के सात निर्दोष मेमने। तीन दशमांश मैदा जो तेल में मिलाया गया हो एक बछड़े के लिए, और दो दशमांश मैदा जो तेल में मिलाया गया हो एक मेढ़े के लिए, दसवां भाग मैदा तेल में

मिलाया हुआ एक मेमने के लिए, बलिदान, सुगंध की भेंट प्रभु को। उनका पेय-बलि एक बछड़े के लिए आधा हीन होगा, और एक मेढ़े के लिए तीसरा हीन होगा। और एक मेमने के लिए चौथा हीन दाखरस होगा, यह होम-बलि वर्ष के महीनों में महीने-दर-महीने चढ़ाया जाएगा।

और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में प्रभु को, निरन्तर होमबलि के साथ चढ़ाया जाएगा, और उसका पेय-बलि भी।

और पहले महीने के चौदहवें दिन को प्रभु का पास्का। और इस महीने के पंद्रहवें दिन त्योहार है, सात दिन तक बिना खमीर की रोटी खाना। और पहला दिन तुम्हारे लिए पवित्र सभा का दिन कहलाएगा, तुम कोई दासता का काम नहीं करोगे। और तुम प्रभु को होमबलि के रूप में चढ़ावा लाओगे: मवेशियों में से दो बछड़े, एक मेढ़ा, एक वर्ष के सात मेमने; ये तुम्हारे लिए निर्दोष होंगे। और उनका अन्नबलि तेल में मिलाया हुआ मैदा हो, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश। दशमांश-दशमांश तू एक-एक मेमने के लिए करेगा, सातों मेमनों के लिए। और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में, तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए, सुबह की निरंतर होम बलि को छोड़कर, जो नियमित होम बलि है। ये चीजें इन के अनुसार तुम सात दिनों तक प्रतिदिन करोगे, यह उपहार और भेंट प्रभु के लिए सुगंधित खुशबू है, निरंतर होमबलि के साथ तुम उसका पेय-बलि चढ़ाओगे। और सातवाँ दिन तुम्हारे लिए पवित्र कहलाएगा, तुम इसमें कोई दासता का काम नहीं करोगे।

और नए फलों के दिन, जब आप सप्ताहों के प्रभु को नया बलिदान चढ़ाएं, तो वह आपके लिए पवित्र सभा होगी, आप कोई दासता का काम नहीं करेंगे। और तुम प्रभु को सुगंध की खुशबू के लिए होमबलि चढ़ाओगे: मवेशियों में से दो बछड़े, एक मेढ़ा, और एक वर्ष के सात निर्दोष मेमने। उनका बलिदान तेल में मिला हुआ मैदा हो, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश। दसवां-दसवां एक-एक मेमने के लिए, सातों मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए, तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए, निरंतर होमबलि के अलावा, और तुम

उनका बलिदान मुझे चढ़ाओगे, वे तुम्हारे लिए निर्दोष होंगे, और उनके अर्घ भी।

29

और सातवें महीने में, महीने के पहले दिन, तुम्हारे लिए पवित्र सभा होगी, तुम कोई दासता का काम नहीं करोगे, यह तुम्हारे लिए तुरही फूंकने का दिन होगा। और तुम प्रभु को सुगंधित सुगंध के लिए होम-बलि चढ़ाओगे: मवेशियों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और एक वर्ष के सात निर्दोष मेमने। उनका बलिदान तेल में मिला हुआ महीन आटा हो, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश, दसवां भाग प्रत्येक मेमने के लिए, सातों मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के विषय में, तुम्हारे लिए प्रायश्चित करने के लिए, नए चाँद की होम बलियों के सिवाय, और उनके बलिदान, और उनकी पेय बलियाँ, और निरंतर होम बलि, और उनके बलिदान और उनकी पेय बलियाँ उनकी व्याख्या के अनुसार, प्रभु के लिए सुवास की सुगंध में।

और इस महीने की दसवीं तारीख को तुम्हारे लिए पवित्र सभा बुलाई जाएगी, और तुम अपनी आत्माओं को कष्ट दोगे, और कोई भी काम नहीं करोगे। और तुम प्रभु के लिए सुगंधित होम बलि लाओगे, प्रभु के लिए भेंट - बैलों में से एक बछड़ा, एक मेढ़ा, एक वर्ष के सात मेमने, जो तुम्हारे लिए निर्दोष होंगे। उनका बलिदान तेल में मिलाया हुआ मैदा होगा - एक बछड़े के लिए तीन दशांश, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश, दशमांश-दशमांश प्रत्येक एक मेमने के लिए, सातों मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप के लिए, तुम्हारे लिए प्रायश्चित करने हेतु, प्रायश्चित के पाप बलि के अतिरिक्त, और नित्य होमबलि, उसका अन्नबलि, और उसका अर्घ विधि के अनुसार, सुगंधित सुवास के लिए, प्रभु को भेंट।

और इस सातवें महीने के पंद्रहवें दिन तुम्हारे लिए पवित्र सभा होगी, तुम कोई दासता का काम

नहीं करोगे, और तुम प्रभु के लिए सात दिन तक इस पर्व को मनाओगे। और तुम पहले दिन प्रभु को सुगंध की भेंट के रूप में होमबलि चढ़ाओगे: बैलों में से तेरह बछड़े, दो मेढ़े, एक वर्ष के चौदह मेमने, ये सब निर्दोष होंगे। उनके बलिदान तेल में मिलाया हुआ महीन आटा, एक बछड़े के लिए तीन दशांश, तेरह बछड़ों के लिए, और एक मेढ़े के लिए दो दशांश, दो मेढ़ों के लिए, एक-एक मेमने के लिए दसवां भाग, चौदह मेमनों के लिए, और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

और दूसरे दिन बारह बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्ष के निर्दोष मेमने। उनका बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

तीसरे दिन ग्यारह बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्षीय निर्दोष मेमने। उनका बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

चौथे दिन दस बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्षीय निर्दोष मेमने। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों के लिए और मेढ़ों के लिए और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

पाँचवें दिन नौ बछड़े, दो मेढ़े, चौदह एक वर्ष के निर्दोष मेमने। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, उस निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान

और उनके अर्घ।

छठे दिन आठ बछड़े, दो मेढ़े, एक वर्ष के चौदह निर्दोष मेमने। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

सातवें दिन सात बछड़े, दो मेढ़े, एक वर्ष के चौदह निर्दोष मेमने। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़ों, मेढ़ों और मेमनों के लिए उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्याख्या के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ। और आठवें दिन तुम्हारे लिए समापन सभा होगी, तुम इसमें कोई दासता का काम नहीं करोगे। और तुम प्रभु के लिए सुगंध की भेंट के रूप में होमबलि चढ़ाओगे: एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और सात एक वर्ष के निर्दोष मेमने। उनके बलिदान और उनकी पेय-भेंट बछड़े को और मेढ़े को और मेमनों को उनकी संख्या के अनुसार, उनकी व्यवस्था के अनुसार। और बकरियों में से एक बकरा पाप बलि के लिए, निरंतर होमबलि के अतिरिक्त, उनके बलिदान और उनके अर्घ।

ये चीजें तुम प्रभु के लिए अपने त्योहारों में करोगे, तुम्हारी प्रार्थनाओं, तुम्हारे स्वैच्छिक चढ़ावों, तुम्हारे होमबलि, तुम्हारे बलिदानों, तुम्हारे अर्घ और तुम्हारे मंगल बलिदानों के अतिरिक्त।

30

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से वह सब कुछ कहा जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के कुलों के शासकों से कहा, यह वह वचन है जो प्रभु ने आज्ञा दी। जो आदमी प्रभु को मन्नत माने, या शपथ खाए, या अपनी आत्मा के विषय में कोई संकल्प करे, वह अपने

वचन को भ्रष्ट नहीं करेगा; जो कुछ उसके मुँह से निकले, वह सब करेगा। यदि कोई स्त्री अपने पिता के घर में अपनी युवावस्था में प्रभु को मन्त्रत माने, या कोई समझौता बाँधे, और उसका पिता उसकी प्रार्थनाएँ सुनेगा, और उसकी बाध्यताएँ जो उसने अपनी आत्मा के अनुसार निर्धारित की हैं, और उसका पिता उसके बारे में चुप रहेगा, और उसकी सभी प्रार्थनाएँ खड़ी रहेंगी, और सभी बाध्यताएँ जो उसने अपनी आत्मा के अनुसार निर्धारित की हैं, उसके लिए बनी रहेंगी। यदि उसका पिता इनकार करते हुए इनकार करे, जिस भी दिन वह उसकी सब प्रार्थनाएँ और वह बाध्यताएँ सुने, जो उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित की थीं, वे खड़ी नहीं होंगी, और प्रभु उसे शुद्ध करेगा, क्योंकि उसके पिता ने इनकार किया।

यदि वह किसी पुरुष की हो जाती है, और उसकी प्रार्थनाएँ उस पर हों, उसके होंठों के भेद के अनुसार, जिन्हें उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित किया हो, और उसका पति सुने, और जिस दिन सुने उस दिन उसके प्रति चुप रहे, तो इस प्रकार उसकी सब प्रार्थनाएँ खड़ी रहेंगी, और उसके संकल्प जो उसने अपनी आत्मा के अनुसार निर्धारित किए हैं, वे खड़े रहेंगे। यदि उसका पति जिस दिन सुने उसी दिन इनकार करते हुए इनकार कर दे, तो उसकी सब प्रार्थनाएँ और वे दायित्व जो उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित किए थे, बने नहीं रहेंगे, क्योंकि उसके पति ने उससे इनकार किया, और प्रभु उसे शुद्ध करेगा।

और विधवा तथा निकाली गई स्त्री की प्रार्थना, जितनी भी वह अपनी आत्मा के अनुसार मानेगी, वे उसके लिए बनी रहेंगी। यदि उसके पति के घर में उसकी मन्त्रत हो, या उसकी आत्मा के विरुद्ध शपथ के साथ संकल्प हो, और उसका पति सुनेगा, और इस पर चुप रहेगा, और इसे मना नहीं करेगा, तो उसकी सभी प्रार्थनाएँ और उसके सभी दायित्व जो उसने अपनी आत्मा के विरुद्ध निर्धारित किए हैं, उसके विरुद्ध खड़े रहेंगे। यदि उसका पति जिस दिन सुनता है उसी दिन उसे रद्द कर देता है, तो जो कुछ भी उसके होंठों से निकला है उसकी प्रार्थनाओं के अनुसार, और उसकी आत्मा पर बाध्यताओं के अनुसार, वह उसके लिए स्थिर नहीं रहेगा, उसके पति ने उसे रद्द कर दिया है, और प्रभु उसे शुद्ध करेगा। हर प्रार्थना और हर शपथ का बंधन जो आत्मा को हानि

पहुँचाए, उसका पुरुष उसे स्थापित करेगा, और उसका पुरुष उसे हटाएगा। यदि वह चुप रहते हुए दिन-प्रतिदिन चुप रहेगा, तो वह उसकी सभी प्रार्थनाओं को और उस पर की गई बाध्यताओं को स्थापित करेगा, क्योंकि जिस दिन उसने सुना उस दिन वह चुप रहा। यदि उसका पति उसे सुनने के दिन के बाद उसे रद्द कर देता है, तो वह अपना पाप स्वयं लेगा। ये वे विधियाँ हैं जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी, पुरुष और उसकी स्त्री के बीच, और पिता और पुत्री के बीच जब वह युवावस्था में पिता के घर में हो।

31

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों का प्रतिशोध मिद्यानियों से लो, और अंत में तुम अपने लोगों के साथ जोड़ दिए जाओगे। और मूसा ने लोगों से कहा, अपने में से पुरुषों को हथियारबंद करो, और प्रभु के सामने मिद्यान पर युद्ध-पंक्ति में खड़े हो जाओ, ताकि प्रभु की ओर से मिद्यान को बदला दिया जाए। हर कबीले से हजार, हर कबीले से हजार, इस्राएल के पुत्रों के सभी कबीलों में से, युद्ध के लिए भेजो। और इस्राएल के हजारों में से प्रत्येक कुल से एक हजार गिने गए, बारह हजार युद्ध के लिए हथियारबंद। और मूसा ने उन्हें भेजा, प्रत्येक कबीले से एक हजार, प्रत्येक कबीले से एक हजार, उनकी सेना के साथ, और फीनहास को, जो एलाजार का पुत्र था, जो हारून याजक का पुत्र था, और पवित्र बर्तन, और संकेतों की तुरहियाँ उनके हाथों में थीं।

और वे मिद्यान के विरुद्ध युद्ध में खड़े हुए, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, और उन्होंने सभी पुरुषों को मार डाला। और उन्होंने मिद्यान के राजाओं को उनके घायलों के साथ मारा, और एवी को, और रेकेम को, और सूर को, और हूर को, और रेबा को—मिद्यान के पाँच राजाओं को, और बओर के पुत्र बिलाम को भी तलवार से उनके घायलों के साथ मारा। और उन्होंने मिद्यान की स्त्रियों को, उनके सामान को, उनके पशुओं को, उनकी सब संपत्ति को, और उनकी शक्ति को लूटा। और उन्होंने उनकी बस्तियों में स्थित उनके सभी शहरों को और उनके खेतों को आग में

जला दिया। और उन्होंने उनकी सारी लूट ली, और उनका सारा लूट का माल मनुष्य से लेकर पशु तक लिया। और वे मूसा के पास और एलाज़ार याजक के पास, और इस्राएल के सब पुत्रों के पास, बंदियों को, लूट को, और लूट के माल को शिविर में अराबोथ मोआब में लाए, जो यर्डन के किनारे यरीहो के सामने है। और मूसा और एलाज़ार पुजारी और मण्डली के सब शासक उनसे मिलने के लिए छावनी के बाहर गए। और मूसा उन सेना के निरीक्षकों पर क्रोधित हुआ, सहस्रपतियों और शतपतियों पर जो युद्ध की रणपंक्ति से आ रहे थे। और मूसा ने उनसे कहा, तुमने हर मादा को क्यों बचाया? ये इस्राएल के पुत्रों के लिए बलाम के वचन के अनुसार थीं, ताकि वे प्रभु के वचन से हट जाएं और उसकी अनदेखी करें, फोगोर के कारण, और प्रभु की मण्डली में महामारी आई। और अब सब लूट में से हर पुरुष को मार डालो, और हर उस स्त्री को जो पुरुष के बिस्तर को जानती है, मार डालो। और उन सब स्त्रियों को, जो पुरुष के साथ सहवास नहीं जानतीं, जीवित रखो। और तुम सात दिन तक शिविर के बाहर डेरा डालो, हर वह जिसने किसी को मार डाला और जो मारे गए को छूता है, वह तीसरे दिन और सातवें दिन शुद्ध किया जाएगा, तुम और तुम्हारे बंदी। और हर आवरण, हर चमड़े का बर्तन, बकरी की खाल से बना हर सामान और हर लकड़ी का बर्तन तुम शुद्ध करोगे।

और एलाज़ार याजक ने युद्ध की पंक्ति से लौटने वाले सेना के पुरुषों से कहा, यह व्यवस्था का विधान है जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। सिवाय सोने के और चांदी के और कांसे और लोहे और सीसे और टिन के, हर वह चीज़ जो आग में से गुज़रेगी, वह शुद्ध की जाएगी, लेकिन शुद्धिकरण के पानी से शुद्ध की जाएगी, और जितनी भी चीज़ें आग में से न गुज़रें, वे पानी में से गुज़रेंगी। और सातवें दिन वस्त्र धोना, और तुम शुद्ध किए जाओगे, और इसके बाद तुम शिविर में प्रवेश करोगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, तुम, एलाज़ार याजक और मण्डली के पितरों के प्रधान, मनुष्य से लेकर पशु तक बंदी की लूट का कुल लो। और तुम लूट के माल को योद्धाओं के बीच, जो युद्ध में गए थे, और सारी मण्डली के बीच विभाजित करोगे। और तुम प्रभु के लिए उन योद्धाओं से जो

युद्ध पंक्ति में गए थे, पाँच सौ में से एक आत्मा अलग करोगे - मनुष्यों से, पशुओं से, बैलों से, भेड़ों से और गधों से। और तुम उनके आधे हिस्से से लोगे। और तुम एलाजार याजक को प्रभु के पहले फल दोगे। और इस्राएल के पुत्रों के आधे हिस्से में से तुम पचास में से एक को लोगे - मनुष्यों में से, बैलों में से, भेड़ों में से, गधों में से, और सभी पशुओं में से, और उन्हें उन लेवियों को दोगे जो प्रभु के तम्बू में पहरे की रक्षा करते हैं।

और मूसा और एलाज़ार पुजारी ने वैसा ही किया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी। और लूट के माल का अधिशेष जो योद्धा पुरुषों ने लूटा था, भेड़ों में से छह सौ पचहत्तर हजार था। और बहत्तर हजार गायें, और गधे, इकसठ हजार, और स्त्रियों में से जो पुरुष के बिस्तर को नहीं जानती थीं, उनकी आत्माएं, सब आत्माएं, बत्तीस हजार थीं। और आधा भाग उनका जो युद्ध में गए थे, भेड़ों की संख्या से तीन सौ तीस हजार और सात हजार पाँच सौ हुआ। और प्रभु को भेड़ों में से छह सौ पचहत्तर मिले। और बैल, छत्तीस हजार, और प्रभु का अंश, बहत्तर। और गधे तीस हजार पाँच सौ थे, और प्रभु का भाग एकसठ था। और मनुष्यों की आत्माएं सोलह हजार थीं, और उनमें से प्रभु के लिए बत्तीस आत्माएं थीं।

और मूसा ने परमेश्वर की भेंट का अंत प्रभु को एलाज़ार याजक को दिया, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, इस्राएल के पुत्रों के आधे भाग से, जिसे मूसा ने योद्धाओं से अलग किया था। और मण्डली की भेड़ों में से आधा हिस्सा तीन लाख सैंतीस हजार पाँच सौ हुआ। और गायें, छत्तीस हजार, गधे, तीस हजार पाँच सौ, और मनुष्यों की आत्माएं, सोलह हजार। और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के आधे भाग में से पचास में से एक, मनुष्यों में से और पशुओं में से लिया, और उन्हें लेवियों को दिया जो प्रभु के तम्बू का पहरा रखते थे, जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और मूसा के पास सेना के हजारों के विभागों में नियुक्त सभी लोग आए—हजारों के सेनापति और सैकड़ों के सेनापति। और उन्होंने मूसा से कहा, आपके सेवकों ने हमारे साथ के योद्धाओं की

गिनती ली है, और उनमें से एक भी गायब नहीं हुआ है। और हमने प्रभु को भेंट चढ़ाई है, प्रत्येक पुरुष ने जो सोने का बर्तन पाया - कंगन और पायल और अंगूठी और बाजूबंद और हार - प्रभु के सामने हमारे लिए प्रायश्चित्त करने के लिए। और मूसा और पुजारी एलाज़ार ने उनसे सारा सोना लिया, हर बना हुआ बर्तन। और सब सोना जो भेंट के रूप में प्रभु को चढ़ाया गया, वह सोलह हजार सात सौ पचास शेकेल था, जो हजार के सेनापतियों और सौ के सेनापतियों से लिया गया था। और योद्धाओं में से प्रत्येक ने अपने लिए लूटपाट की। और मूसा और याजक एलाज़ार ने हज़ारों के सेनापतियों और सैकड़ों के सेनापतियों से सोना लिया, और उसे गवाही के तम्बू में लाए, इस्राएल के पुत्रों का स्मारक प्रभु के सामने।

32

और रूबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों के पास पशुओं की बहुतायत थी, अत्यधिक बहुतायत, और उन्होंने याज़ेर की भूमि और गिलाद की भूमि को देखा, और वह स्थान पशुओं के लिए उपयुक्त स्थान था। और रूबेन के पुत्र और गाद के पुत्र पास आए, और मूसा से और याजक एलाज़ार से और मण्डली के प्रधानों से कहा, अतारोथ, और दैबोन, और याज़ेर, और निमरा, और हेशबोन, और एलाले, और सेबामा, और नबो, और बैयान। वह भूमि जो प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने सौंप दी है, पशुपालन की भूमि है, और तुम्हारे सेवकों के पास पशु हैं। और उन्होंने कहा, अगर हमने आपके सामने कृपा पाई है, तो यह भूमि आपके सेवकों को अधिकार में दी जाए, और हमें यर्दन पार मत कराइए।

और मूसा ने गाद के पुत्रों और रूबेन के पुत्रों से कहा, तुम्हारे भाई युद्ध में जा रहे हैं, और तुम यहाँ बैठोगे? और तुम इस्राएल के पुत्रों के मन को क्यों विकृत करते हो कि वे उस भूमि में पार न करें जो प्रभु उन्हें देता है? क्या तुम्हारे पिताओं ने ऐसा नहीं किया था, जब मैंने उन्हें कादेश बर्ने से भूमि को समझने के लिए भेजा था? और वे अंगूरों के गुच्छे की घाटी में गए, और उन्होंने भूमि को

देखा, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों के हृदय को फेर दिया, ताकि वे उस भूमि में प्रवेश न करें, जो प्रभु ने उन्हें दी थी। और प्रभु उस दिन क्रोध में क्रोधित हुए, और शपथ ली, कहते हुए, यदि ये लोग जो मिस्र से ऊपर आए हैं, बीस वर्ष की आयु से और उससे अधिक, जो अच्छे और बुरे को जानते हैं, उस भूमि को देखेंगे जिसकी मैंने अब्राहम और इसहाक और याकूब से शपथ ली थी, तो नहीं, क्योंकि उन्होंने मेरा अनुसरण नहीं किया,

सिवाय कालेब के, जो यिफुन्ने का पुत्र था और अलग किया गया था, और नून के पुत्र यहोशू के, क्योंकि उन्होंने प्रभु का अनुसरण किया। और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुआ, और उसने उनको जंगल में चालीस वर्ष तक बिखेर दिया, जब तक कि वह सारी पीढ़ी नष्ट नहीं हो गई, जो प्रभु के सामने बुराई करती थी। देखो, तुम अपने पिताओं की जगह पर उठ खड़े हुए हो, पापी मनुष्यों का विनाश, इस्राएल पर प्रभु के कोप के क्रोध को अभी भी और बढ़ाने के लिए। क्योंकि तुम उससे मुड़ जाओगे और उसे फिर से जंगल में छोड़ दोगे, और तुम इस संपूर्ण सभा के विरुद्ध अधर्म करोगे।

और वे उसके पास आए और कहने लगे, हम यहाँ अपने मवेशियों के लिए भेड़शालाएं बनाएंगे और अपने सामान के लिए शहर बनाएंगे। और हम स्वयं को शस्त्र से सुसज्जित करके इस्राएल के पुत्रों से पहले अग्रिम पहरें में रहेंगे, जब तक कि हम उन्हें उनके अपने स्थान पर न पहुंचा दें, और हमारा सामान दीवारों वाले नगरों में रहेगा, क्योंकि भूमि में निवास करने वालों के कारण। हम अपने घरों को तब तक नहीं लौटेंगे जब तक इस्राएल के पुत्र, प्रत्येक अपनी विरासत में, विभाजित नहीं हो जाते। और हम अब उनमें यर्दन के पार और उससे आगे विरासत नहीं पाएंगे, क्योंकि हमने यर्दन के पार पूर्व में अपनी विरासत प्राप्त कर ली है।

और मूसा ने उनसे कहा, यदि तुम इस वचन के अनुसार करो, यदि तुम प्रभु के सामने युद्ध के लिए हथियारबंद हो जाओ, और तुम्हारा हर सशस्त्र व्यक्ति प्रभु के सामने यर्दन को पार करेगा, जब तक कि उसका शत्रु उसके सामने से नष्ट न हो जाए। और वह भूमि प्रभु के सामने अधीन कर

ली जाए, और इसके बाद तुम लौटोगे, और तुम प्रभु के सामने और इस्राएल के सामने निर्दोष होगे, और यह भूमि प्रभु के सामने तुम्हारे अधिकार में होगी। यदि तुम ऐसा नहीं करोगे, तो तुम प्रभु के सामने पाप करोगे, और तुम अपना पाप जानोगे जब बुराइयाँ तुम्हें पकड़ लेंगी। और तुम अपने लिए अपने सामान के लिए शहर बनाओगे, और अपने मवेशियों के लिए खेत बनाओगे, और जो तुम्हारे मुंह से निकलता है वह करोगे।

और रूबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों ने मूसा से कहा, आपके सेवक वैसा ही करेंगे जैसा हमारा प्रभु आदेश देता है। हमारा सामान, हमारी स्त्रियाँ और हमारे सभी पशु गिलाद के शहरों में होंगे। लेकिन तुम्हारे सेवक सब सशस्त्र और व्यवस्थित होकर प्रभु के सामने युद्ध में पार करेंगे, जिस तरीके से स्वामी कहता है।

और मूसा ने उनके लिए एलाज़ार पुजारी को, और नून के पुत्र यहोशू को, और इस्राएल के कुलों के पितरों के शासकों को नियुक्त किया। और मूसा ने उनसे कहा, यदि रूबेन के पुत्र और गाद के पुत्र तुम्हारे साथ यर्दन पार करें, सब प्रभु के सामने युद्ध के लिए हथियारबंद होकर, और तुम अपने सामने की भूमि को अधीन कर लो, तो तुम उन्हें गिलाद की भूमि अधिकार में दोगे। यदि वे तुम्हारे साथ सशस्त्र होकर प्रभु के सामने युद्ध में पार नहीं करें, तो तुम उनका सामान, उनकी स्त्रियों, और उनके पशुओं को तुमसे पहले कनान की भूमि में पार कराओगे, और वे तुम्हारे बीच कनान की भूमि में साथ उत्तराधिकार प्राप्त करेंगे। और रूबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों ने उत्तर देते हुए कहा, जितना प्रभु सेवकों से कहता है, हम वैसा ही करेंगे। हम प्रभु के सामने सशस्त्र होकर कनान की भूमि में पार करेंगे, और तुम हमें यर्दन के पार कब्ज़ा दोगे।

और मूसा ने गाद के पुत्रों को, और रूबेन के पुत्रों को, और यूसुफ के पुत्रों के मनश्शे के आधे गोत्र को, एमोरियों के राजा सीहोन का राज्य, और बाशान के राजा ओग का राज्य, भूमि और उसकी सीमाओं के साथ नगरों को, चारों ओर की भूमि के नगरों को दिया। और गाद के पुत्रों ने दाइबोन, अतारोथ और अरोएर का निर्माण किया। और सोफार, और याज़ेर, और उन्होंने उन्हें ऊँचा किया,

और नामराम, और बैथारान, किलेबंद शहर, और भेड़ों के खेत। और रूबेन के पुत्रों ने हेशबोन, एलाले और किर्यातैम को बनाया। और बेएलमेओन को, जो घिरे हुए थे, और सेबामा को, और उन्होंने उन शहरों के नाम रखे उनके अपने नामों के अनुसार, जिन्हें उन्होंने बनाया था। और माखीर का पुत्र, जो मनश्शे का पुत्र था, गिलाद को गया और उसे ले लिया, और उसमें रहनेवाले अमोरी को नष्ट कर दिया। और मूसा ने गिलाद को मनश्शे के पुत्र माखीर को दिया, और वह वहाँ बस गया। और मनश्शे का याईर गया और उसने उनकी बस्तियाँ ले लीं और उसने उनका नाम याईर की बस्तियाँ रखा। और नबाऊ गया, और उसने काअथ और उसके गाँवों को लिया, और उसने उनका नाम अपने नाम से नाबोथ रखा।

33

और ये इस्राएल के पुत्रों के पड़ाव हैं, जैसे वे मिस्र की भूमि से अपनी शक्ति के साथ मूसा और हारून के हाथ में निकले। और मूसा ने प्रभु के वचन के द्वारा उनके प्रस्थान और उनके पड़ाव लिखे, और ये उनकी यात्रा के पड़ाव हैं। वे रामेसे से पहले महीने के पंद्रहवें दिन को प्रस्थान किए, फसह के अगले दिन इस्राएल के पुत्र ऊंचे हाथ से सब मिस्रियों के सामने निकले। और मिस्रवासी अपने सभी मृतकों को दफना रहे थे जिनको प्रभु ने मारा था, मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को, और प्रभु ने उनके देवताओं में प्रतिशोध किया। और इस्राएल के पुत्रों ने रामसेस से प्रस्थान करके सुक्कोत में डेरा डाला। और सुक्कोत से प्रस्थान करके, उन्होंने बूथान में डेरा डाला, जो निर्जन प्रदेश का एक भाग है। और उन्होंने बूथान से प्रस्थान किया, और एइरोथ के मुख पर डेरा डाला, जो बेएलसेप्फोन के सामने है, और मग्दोलू के सामने डेरा डाला। और वे ऐरोथ के सामने से प्रस्थान किए, और समुद्र के मध्य को पार करके जंगल में गए, और वे जंगल के माध्यम से तीन दिन का मार्ग गए, और उन्होंने पिक्क्रियाड्स में डेरा डाला। और वे कड़वे पानी से प्रस्थान करके एलिम आए, और एलिम में पानी के बारह झरने और खजूर के पेड़ों के सत्तर तने थे, और उन्होंने वहाँ पानी के पास डेरा डाला। और वे एलीम से प्रस्थान किए, और उन्होंने लाल समुद्र के पास

डेरा डाला। और वे लाल समुद्र से प्रस्थान किए, और सीन के मरुस्थल में डेरा डाला।

और वे सीन के जंगल से निकल गए, और रफाका में डेरा डाला। और वे रेफाका से प्रस्थान करके ऐलूस में डेरा डाले। और वे ऐलूस से प्रस्थान किए और राफिदीन में डेरा डाले, और वहाँ लोगों के पीने के लिए पानी नहीं था। और वे राफिदीन से प्रस्थान किए, और उन्होंने सीन के जंगल में डेरा डाला। और वे सीन के जंगल से प्रस्थान किए, और इच्छा की कब्रों में डेरा डाला। और वे इच्छा के स्मारकों से प्रस्थान कर गए, और उन्होंने असेरोथ में डेरा डाला। और वे असेरोथ से प्रस्थान किए, और रथामा में डेरा डाला।

और वे रथामा से प्रस्थान किए, और रेम्मोन फारेस में डेरा डाला। और वे रिम्मोन फारेस से प्रस्थान किए, और लबोना में डेरा डाला। और वे लेबोना से प्रस्थान किए, और रेस्सान में डेरा डाला। और वे रेस्सान से प्रस्थान करके माकेल्लाथ में डेरा डाले। और वे माकेल्लाथ से प्रस्थान किए, और साफार में डेरा डाले। और वे शाफर से प्रस्थान किए, और खरादाथ में डेरा डाला। और वे खरदाथ से प्रस्थान करके मकेलोथ में डेरा डाले। और वे मकेलोथ से प्रस्थान किए, और कताअथ में डेरा डाले। और वे कताअथ से प्रस्थान करके तारथ में डेरा डाले। और वे तारथ से प्रस्थान किए, और मथेक्का में डेरा डाला। और वे माथेक्का से प्रस्थान करके सेल्मोना में डेरा डाले। और वे सेल्मोना से प्रस्थान किए, और मासूरूथ में डेरा डाला। और वे मासूरूथ से प्रस्थान किए, और बनायाह में डेरा डाला। और वे बनाया से प्रस्थान किए और गदगाद पर्वत में डेरा डाला।

और वे गदगद के पहाड़ से प्रस्थान करके एतेबाथा में डेरा डाले। और वे एतेबाथा से प्रस्थान किए, और एब्रोना में डेरा डाला। और वे एब्रोना से प्रस्थान किए, और एसियोन गाबर में डेरा डाले। और वे एज़ियोन गेबर से प्रस्थान किए, और सीन के मरुस्थल में डेरा डाला, और सीन के मरुस्थल से प्रस्थान किए, और पारान के मरुस्थल में डेरा डाला, यह कादेश है। और वे कादेश से प्रस्थान किए, और होर पर्वत में डेरा डाले जो एदोम की भूमि के पास था।

और अहरोन याजक प्रभु की आज्ञा से ऊपर गया, और वहाँ इस्राएल के पुत्रों के मिस्र की भूमि से प्रस्थान के चालीसवें वर्ष में, पाँचवें महीने के पहले दिन, मर गया। और आरोन एक सौ तेईस वर्ष का था, जब वह होर पहाड़ पर मर रहा था। और कनानी राजा अराद ने सुना, और यह कनान की भूमि में रहता था, जब इस्राएल के पुत्र प्रवेश कर रहे थे, और वे होर पहाड़ से प्रस्थान करके सेलमोना में डेरा डाले। और वे सेल्मोना से प्रस्थान करके फिनो में डेरा डाले। और वे फिनोन से प्रस्थान किए, और ओबोथ में डेरा डाला।

और वे ओबोथ से प्रस्थान करके आई में, मोआब की सीमा के पार, डेरा डाले। और वे ऐ से चले गए, और उन्होंने दीबोन गाद में डेरा डाला। और वे दैबोन गाद से प्रस्थान करके गेलमोन देब्लाथैम में डेरा डाले। और वे गेलमोन देबलाथाइम से प्रस्थान किए, और उन्होंने अबारीम के पहाड़ों पर, नाबाऊ के सामने, डेरा डाला। और वे अबारीम के पहाड़ों से प्रस्थान किए, और मोआब के पश्चिम में, यर्दन पर यरीहो के सामने डेरा डाला। और उन्होंने यर्दन के पास ऐसीमोथ से लेकर बेलसा तक, जो मोआब के पश्चिम में है, डेरा डाला।

और प्रभु ने मोआब के मैदानों में यर्दन के किनारे यरीहो के सामने मूसा से कहा इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, तुम यरदन को पार करके कनान की भूमि में जा रहे हो। और तुम उन सभी निवासियों को नष्ट कर दोगे जो तुम्हारे सामने उस भूमि में रहते हैं, और तुम उनके निगरानी स्थलों को हटा दोगे, और उनकी सभी ढली हुई मूर्तियों को तुम नष्ट कर दोगे, और उनके सभी स्तंभों को तुम हटा दोगे। और तुम उस भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों को नष्ट कर दोगे, और तुम उसमें बस जाओगे, क्योंकि मैंने वह भूमि तुम्हें चिट्ठी डालकर दी है। और तुम उनकी भूमि को चिट्ठी द्वारा अपने कुलों के अनुसार विरासत में प्राप्त करोगे। जिनकी संख्या अधिक है, उनके लिए तुम अधिकार बढ़ाओगे, और जिनकी संख्या कम है, उनके लिए तुम अधिकार घटाओगे। जिसका नाम जहाँ निकलेगा, वहाँ उसका भाग होगा। अपने पितरों के कुलों के अनुसार तुम विरासत में प्राप्त करोगे। यदि तुम उन निवासियों को नष्ट नहीं करोगे जो पृथ्वी पर तुम्हारे सामने हैं, तो जिनको तुम उनमें से छोड़ोगे, वे तुम्हारी आँखों में कांटे और तुम्हारी बाजुओं में तीर

होंगे, और वे तुम्हारे शत्रु होंगे उस पृथ्वी पर जहाँ तुम निवास करोगे। और जैसे मैंने उनके साथ करने का निर्णय किया था, वैसे ही मैं तुम्हारे साथ करूंगा।

34

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो, और उनसे कहो, तुम कनान की भूमि में प्रवेश कर रहे हो, यह तुम्हारे लिए विरासत होगी, कनान की भूमि उसकी सीमाओं के साथ। और तुम्हारा दक्षिण की ओर का पक्ष सीन के रेगिस्तान से एदोम से लगा हुआ तक होगा, और तुम्हारी दक्षिण की सीमाएँ खारे समुद्र के पूर्वी भाग से होंगी। और सीमाएं तुम्हें दक्षिण से अक्रब्बीम की चढ़ाई की ओर घेरेंगी, और एन्नाक से होकर गुजरेंगी, और उसका निकास दक्षिण कादेश बर्ने की ओर होगा, और अराद की बस्ती में निकलेगी, और असेमोना से होकर गुजरेगी। और यह असेमोना से मिस्र की धारा तक सीमाओं को घेरगा, और निकास समुद्र होगा। और समुद्र की सीमाएँ तुम्हारे लिए होंगी, महान समुद्र सीमा निर्धारित करेगा, यह तुम्हारे लिए समुद्र की सीमाएँ होंगी।

और यह तुम्हारी उत्तर दिशा की सीमाएं होंगी: महान समुद्र से तुम अपने लिए पर्वत तक माप लोगे। और पहाड़ से पहाड़ तक तुम उनके लिए मापोगे, जो हमत में प्रवेश करते हैं, और उसका निकास सारादाक की सीमाएं होंगी। और सीमाएं देफ्रोना से बाहर जाएंगी, और उसका निकास अर्सेनाइन होगा, यह तुम्हारे लिए उत्तर से सीमाएं होंगी। और सीमा सेफेफामार से बेला तक पूर्व की ओर झरनों पर नीचे जाएगी, और सीमा बेला से किन्नैरेत सागर की पीठ पर पूर्व की ओर नीचे जाएगी। और सीमा सेफामार से बेला तक पूर्व की ओर झरनों तक नीचे जाएगी, और सीमा बेला से खिन्नैरेत सागर की पीठ पर पूर्व की ओर नीचे जाएगी। और सीमाएं यर्दन तक नीचे आएंगी, और निकास नमकीन समुद्र होगा, यह तुम्हारे लिए भूमि होगी और इसकी सीमाएं चारों ओर होंगी।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दी, कहते हुए, यह वह भूमि है जिसे तुम चिट्ठी द्वारा विरासत में प्राप्त करोगे, जिस रीति से प्रभु ने आज्ञा दी है कि उसे नौ गोत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र को दिया जाए। क्योंकि रूबेन के पुत्रों के गोत्र ने, और गाद के पुत्रों के गोत्र ने अपने पितरों के घरानों के अनुसार, और मनश्शे के आधे गोत्र ने अपनी चिट्ठियाँ प्राप्त कर लीं। दो जनजातियों और आधी जनजाति ने यरदन के पार, यरीहो के पास, दक्षिण से पूर्व की ओर अपने भाग प्राप्त किए।

और प्रभु ने मूसा से कहा, ये पुरुषों के नाम हैं, जो तुम्हें भूमि विरासत में देंगे: एलीआज़ार याजक और नून का पुत्र यहोशू। और तुम प्रत्येक कबीले से एक शासक लोगे, जो तुम्हें भूमि विरासत में दिलाएगा।

और ये यहूदा जनजाति के पुरुषों के नाम हैं, कालेब जो यपुन्ने का पुत्र है। शिमोन की जनजाति के, शलूमीएल जो सेमियूद का पुत्र है। बिन्यामीन की जनजाति से, एलदाद जो कसलोन का पुत्र है, दान के कबीले का शासक बकखीर, एग्ली का पुत्र। युसुफ के पुत्रों में से, मनश्शे के पुत्रों के गोत्र का शासक अनीएल, जो सौफी का पुत्र था। एफ्राइम के पुत्रों की जनजाति का शासक कमूएल, सबाथान का पुत्र। ज़बूलून की जनजाति का शासक एलीसाफान, फ़ारनाख़ का पुत्र। इस्साकार के पुत्रों के कबीले का शासक फाल्तिएल, ओज़ा का पुत्र। आशेर के पुत्रों की जनजाति का शासक अखिओर, सलेमी का पुत्र। नेफ्थाली कबीले का शासक फदाएल, जो इयामिऊद का पुत्र था।

प्रभु ने इन्हें आदेश दिया कि इस्राएल के पुत्रों को कनान की भूमि में विभाजित करें।

35

और प्रभु ने मोआब के पश्चिम में, यर्डन के पास, यरीहो के सामने मूसा से कहा इस्राएल के पुत्रों को आज्ञा दो, और वे अपने कब्जे के भागों में से लेवियों को निवास करने के लिए नगर देंगे, और नगरों के चारों ओर के उपनगर भी लेवियों को देंगे। और उनके लिए वे शहर निवास करने के लिए होंगे, और उनके घेरे उनके मवेशियों के लिए और उनके सब चौपायों के लिए होंगे। और जो नगर तुम लेवियों को दोगे, उनके आस-पास की भूमि नगर की दीवार से बाहर चारों ओर दो हजार हाथ होगी। और तुम नगर के बाहर पूर्व की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ मापोगे, और दक्षिण की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ, और समुद्र की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ, और उत्तर की ओर के पक्ष को दो हजार हाथ, और नगर इसके मध्य में तुम्हारे लिए होगा, और नगरों की सीमाएँ। और तुम लेवियों को शहर दोगे, छह शरण-स्थानों के शहर जो तुम हत्यारे को वहाँ भागने के लिए दोगे, और इनके अलावा बयालीस शहर। तुम सभी शहर लेवियों को दोगे, इड़तालीस शहर, ये और उनके उपनगर। और जो शहर तुम इज़राइल के पुत्रों के कब्जे से दोगे, जिनके पास बहुत है उनसे बहुत, और जिनके पास कम है उनसे कम, प्रत्येक अपनी विरासत के अनुसार जो वे विरासत में लेंगे, वे अपने शहरों में से लेवियों को देंगे।

और प्रभु ने मूसा से कहा, इस्राएल के पुत्रों से बोलो, और तुम उनसे कहोगे, तुम यर्डन को पार करके कनान की भूमि में जा रहे हो। और तुम अपने लिए शहरों को अलग करोगे, जो तुम्हारे लिए शरण स्थान होंगे, वहाँ हत्यारे के भागने के लिए, हर वह जिसने किसी आत्मा को अनजाने में मारा हो। और वे शहर तुम्हारे लिए खून के बदला लेने वाले से शरणस्थान होंगे, और हत्यारा तब तक नहीं मरेगा जब तक वह न्याय के लिए सभा के सामने खड़ा नहीं हो जाता। और जो शहर आप देंगे, वे छह शहर आपके लिए शरण स्थान होंगे। तीन शहर यरदन के पार दोगे, और तीन शहर कनान की भूमि में दोगे।

यह शरण इस्राएल के पुत्रों के लिए, और अजनबी के लिए, और तुम्हारे बीच रहने वाले प्रवासी के लिए होगी, ये नगर शरण के लिए होंगे, वहाँ भागने के लिए हर उस व्यक्ति के लिए जो अनजाने में किसी आत्मा को मार डाले।

यदि कोई लोहे के हथियार से उसे मारे और वह मर जाए, तो वह हत्यारा है; उस हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए। यदि कोई हाथ में पत्थर लेकर, जिससे मृत्यु हो सकती है, किसी को मारे और वह मर जाए, तो वह हत्यारा है; उस हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए। यदि कोई लकड़ी के पात्र से, जो हाथ में है और जिससे कोई मर सकता है, किसी को मारे और वह मर जाए, तो वह हत्यारा है; उस हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए।

रक्त का बदला लेने वाला, यह हत्यारे को मार डालेगा, जब यह उससे मिलेगा, यह उसे मार डालेगा। यदि कोई शत्रुता के कारण उसे धक्का दे, और घात लगाकर उस पर कोई वस्तु फेंके, और वह मर जाए, या यदि क्रोध के कारण उसने उसे हाथ से मारा, और वह मर जाए, तो मारने वाले को मृत्युदंड दिया जाए, वह हत्यारा है। हत्यारे को मृत्युदंड दिया जाए। रक्त का बदला लेने वाला हत्यारे को उससे मिलने पर मार डालेगा।

यदि अचानक, बिना शत्रुता के उसे धक्का दे, या उस पर कोई वस्तु फेंके, बिना घात के, या किसी भी पत्थर से, जिससे वह मर सकता है, बिना जाने हुए, और वह उस पर गिर जाए, और वह मर जाए, लेकिन वह उसका शत्रु नहीं था, और न ही उसे हानि पहुँचाने की कोशिश कर रहा था, और मण्डली मारने वाले तथा रक्त के बदला लेने वाले के बीच इन विधियों के अनुसार न्याय करेगी। और मण्डली उस हत्यारे को रक्त का बदला लेनेवाले से छुड़ाएगी, और मण्डली उसको उसके शरण के नगर में लौटाएगी जहाँ वह भागा था, और वह वहाँ तब तक निवास करेगा जब तक वह महान याजक मर जाए, जिसका पवित्र तेल से अभिषेक किया गया था।

यदि हत्यारा उस नगर की सीमाओं से निकल जाए जहाँ वह भाग गया था और यदि खून का बदला लेने वाला उसे उसके शरण नगर की सीमाओं के बाहर पाए, और खून का बदला लेने वाला उस हत्यारे को मार डाले, तो वह दोषी नहीं है। क्योंकि शरण के शहर में वह तब तक निवास करे जब तक महान पुजारी मर न जाए, और महान पुजारी के मरने के बाद, हत्यारा अपने कब्जे की भूमि में लौटेगा।

और यह तुम्हारे लिए तुम्हारी सभी बस्तियों में तुम्हारी पीढ़ियों तक न्याय का विधान होगा। जो कोई किसी आत्मा को मारे, गवाहों के आधार पर तुम उस हत्यारे को मार डालोगे, और एक गवाह किसी आत्मा को मृत्यु के लिए गवाही नहीं देगा। और तुम हत्यारे से जीवन की फिरौती नहीं लोगे जो मृत्युदंड का दोषी है, क्योंकि उसे मृत्यु से मार डाला जाएगा। तुम लोग शरण-नगरों में भागने के लिए फिरौती नहीं लोगे, ताकि भूमि पर फिर से बसा जा सके, जब तक कि महायाजक की मृत्यु न हो जाए। और तुम उस भूमि की हत्या मत करना जिसमें तुम निवास करते हो, क्योंकि यह रक्त भूमि की हत्या करता है, और भूमि का प्रायश्चित्त उस रक्त से नहीं किया जाएगा जो उस पर बहाया गया था, बल्कि बहाने वाले के रक्त से। और तुम उस भूमि को अपवित्र नहीं करोगे जिस पर तुम निवास करते हो, जिस पर मैं तुम में निवास करता हूँ, क्योंकि मैं प्रभु हूँ जो इस्राएल के पुत्रों के बीच निवास करता हूँ।

36

और गिलाद के पुत्रों के कबीले के शासक, जो माकीर का पुत्र और मनश्शे का पुत्र था, यूसुफ के पुत्रों के कबीले से आए, और उन्होंने मूसा के सामने, और एलाजार याजक के सामने, और इस्राएल के पुत्रों के पितरों के घरों के शासकों के सामने बात की। और उन्होंने कहा, प्रभु ने हमारे स्वामी को आज्ञा दी कि चिट्ठी द्वारा इस्राएल के पुत्रों को विरासत की भूमि दें, और प्रभु ने स्वामी को आज्ञा दी कि हमारे भाई सलपाद की विरासत उसकी पुत्रियों को दें। और वे इस्राएल के पुत्रों के किसी एक गोत्र की स्त्रियाँ होंगी, और उनकी चिट्ठी हमारे पिताओं के अधिकार से हटा ली जाएगी, और उस गोत्र की विरासत में जोड़ दी जाएगी जिसकी वे स्त्रियाँ होंगी, और हमारी विरासत की चिट्ठी से हटा ली जाएगी। यदि इस्राएल के पुत्रों की मुक्ति हो जाए, तो उनका उत्तराधिकार उस गोत्र के उत्तराधिकार में जोड़ा जाएगा जिसमें वे पत्नियाँ बनेंगी, और हमारे परिवार के गोत्र के उत्तराधिकार से उनका उत्तराधिकार हटाया जाएगा।

और मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को प्रभु के आदेश के माध्यम से आदेश दिया, कहते हुए, इस प्रकार यूसुफ के पुत्रों का गोत्र कहता है। यह वह वचन है जो प्रभु ने सलपाद की पुत्रियों को आज्ञा दी, कहते हुए, जहाँ उनके सामने यह प्रसन्न करे, वे स्त्रियाँ हों, परन्तु उनके पिता के लोगों में से ही वे स्त्रियाँ हों। और इस्राएल के पुत्रों की विरासत एक गोत्र से दूसरे गोत्र में स्थानांतरित नहीं की जाएगी, क्योंकि इस्राएल के पुत्र अपने परिवार के गोत्र की विरासत को दृढ़ता से पकड़े रहेंगे। और इस्राएल के पुत्रों के गोत्रों में से विरासत प्राप्त करने वाली प्रत्येक पुत्री, अपने पिता के लोगों में से किसी एक की पत्नी होगी, ताकि इस्राएल के पुत्र प्रत्येक अपनी पैतृक विरासत को प्राप्त करें। और भाग्य एक जनजाति से दूसरी जनजाति को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा, लेकिन इस्राएल के पुत्र प्रत्येक अपनी विरासत में बने रहेंगे।

जिस प्रकार प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, उसी प्रकार सलपाद की पुत्रियों ने किया। और तिस्रा और होग्ला और मिल्का और नोआ और माला, सलपाद की पुत्रियाँ, अपने चचेरे भाइयों को बनीं। मनश्शे के लोगों में से, जो यूसुफ के पुत्र थे, वे स्त्रियाँ बनीं, और उनकी विरासत उनके पिता के कुल पर आई। ये वे आज्ञाएँ, विधियाँ और न्याय हैं, जो प्रभु ने मूसा के हाथ में मोआब के पश्चिम में यरदन के पास यरीहो के सामने आज्ञा दी थी।

व्यवस्थाविवरण

1

ये वे शब्द हैं जो मूसा ने यर्डन के पार जंगल में, पश्चिम की ओर, लाल सागर के पास, पारान, तोफेल, लोबोन, औलोन और काताख्रूसेआ के बीच सभी इस्राएल से कहे थे। होरेब से सेईर पर्वत होते हुए कादेश बर्ने तक ग्यारह दिन का मार्ग है। और ऐसा हुआ कि चालीसवें वर्ष के ग्यारहवें महीने के पहले दिन, मूसा ने इस्राएल के सब पुत्रों से बात की, उन सब बातों के अनुसार जो प्रभु ने उसे उनके लिए आज्ञा दी थी, मारने के बाद सीहोन एमोरियों का राजा जो हेशबोन में रहा, और ओग बाशान का राजा जो अशतारोत और एद्रेई में रहा, यर्डन के पार मोआब की भूमि में, मूसा ने इस व्यवस्था को समझाना आरम्भ किया, कहते हुए, प्रभु हमारे ईश्वर ने होरेब में हमसे कहा, इस पर्वत पर निवास करना तुम्हारे लिए पर्याप्त हो। मुड़ो और प्रस्थान करो तुम, और एमोरियों के पर्वत में प्रवेश करो, और अराबा के सब पड़ोसियों की ओर, पर्वत में और मैदान में, और दक्षिण की ओर, और कनानियों की भूमि के तट पर, और अन्ति-लिबानोन से लेकर महान नदी तक, यूफ्रेटीस नदी तक। देखो, उसने तुम्हारे सामने यह भूमि सौंप दी है, प्रवेश करके इस भूमि पर अधिकार करो, जिसे देने की मैंने तुम्हारे पिताओं अब्राहम, इसहाक और याकूब से शपथ खाई थी, उनको और उनके साथ उनके वंश को।

और मैंने उस समय तुमसे कहा था, मैं अकेला तुम्हें सहन नहीं कर सकूंगा। प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने तुम्हें बढ़ाया, और देखो आज तुम स्वर्ग के तारों के समान बहुतायत में हो। प्रभु, आपके पिताओं का ईश्वर, आपको हजार गुना बढ़ाए जैसे आप हैं, और आपको आशीर्वाद दे जैसा उसने आपसे कहा था। मैं अकेले तुम्हारे परिश्रम और तुम्हारी नींव और तुम्हारे विवादों को कैसे सहन कर सकूंगा? अपने लिए बुद्धिमान, जानकार और समझदार पुरुषों को अपनी जनजातियों में से चुनो, और मैं उन्हें तुम्हारे ऊपर तुम्हारे नेता नियुक्त करूंगा। और तुमने मुझे उत्तर दिया और कहा, जो वचन तूने बोला है उसे करना अच्छा है। और मैंने तुम में से बुद्धिमान और जानकार और समझदार पुरुषों को लिया, और मैंने उनको तुम पर हजारों के सेनापति, और सैकड़ों के सेनापति, और पचासों के सेनापति, और दसों के सेनापति, और तुम्हारे न्यायाधीशों के लिए अधिकारी नियुक्त किया। और मैंने उस समय तुम्हारे न्यायाधीशों को आज्ञा दी, तुम्हारे भाइयों के बीच सुनो, और मनुष्य और भाई और उसके परदेशी के बीच न्यायपूर्वक न्याय करो। तुम न्याय में किसी का पक्षपात नहीं करोगे, छोटे और बड़े दोनों का समान रूप से न्याय करोगे, तुम किसी मनुष्य का पक्षपात नहीं दिखाओगे, क्योंकि न्याय परमेश्वर का है, और जो मामला तुम्हारे लिए कठिन हो, उसे तुम मेरे पास लाओगे, और मैं उसे सुनूंगा। और मैंने उस समय तुम्हें वे सब वचन बताए जिन्हें तुम्हें करना है।

और होरेब से प्रस्थान करके हम उस सब महान और भयानक रेगिस्तान से होकर गए, जो तुमने देखा था, एमोरियों के पर्वत के मार्ग से, जैसा हमारे परमेश्वर प्रभु ने हमें आज्ञा दी थी, और हम कादेश बर्ने तक आए। और मैंने तुमसे कहा, तुम अमोरियों के पहाड़ तक आ गए हो, जो हमारा प्रभु देवता तुम्हें देता है। देखो, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हारे सामने यह भूमि तुम्हें सौंप दी है, ऊपर जाकर उस पर अधिकार करो जिस रीति से प्रभु तुम्हारे पितरों के परमेश्वर ने तुमसे कहा है, मत डरो और न निराश हो। और तुम सब मेरे पास आए, और तुमने कहा, हम अपने पुरुषों को पहले भेजें, और वे हमारे लिए उस भूमि की जासूसी करें, और वे हमें उत्तर दें कि किस मार्ग से हम ऊपर जाएंगे, और किन नगरों में हम प्रवेश करेंगे। और यह वचन मेरे सामने अच्छा लगा, और मैंने तुम में से बारह पुरुष लिए, प्रत्येक गोत्र से एक पुरुष। और मुड़कर वे पहाड़ पर चढ़ गए, और

अंगूर के गुच्छे की घाटी तक आए, और उन्होंने उसकी जासूसी की। और उन्होंने अपने हाथों में पृथ्वी के फल से लिया, और तुम्हारे पास लाए, और कहा, अच्छी है वह भूमि जो प्रभु हमारा देवता हमें देता है।

और तुम ऊपर जाना नहीं चाहते थे, लेकिन तुमने हमारे परमेश्वर प्रभु के वचन की अवज्ञा की। और तुम अपने तंबुओं में बड़बड़ाए, और तुमने कहा, प्रभु हमसे नफरत करता है, इसलिए वह हमें मिस्र की भूमि से निकाल लाया, ताकि हमें एमोरियों के हाथों में सौंप दे और हमें नष्ट कर दे। हम कहाँ जा रहे हैं? लेकिन तुम्हारे भाइयों ने तुम्हारा हृदय फेर दिया, यह कहते हुए, एक महान और विशाल राष्ट्र जो हमसे अधिक शक्तिशाली है, और महान तथा किलेबंद नगर जो स्वर्ग तक पहुँचते हैं, और हमने वहाँ दानवों के पुत्रों को भी देखा है। और मैंने तुमसे कहा, भयभीत मत होओ, न ही उनसे डरो। प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, जो तुम्हारे आगे-आगे चल रहा है, वह स्वयं तुम्हारे साथ मिलकर उनसे युद्ध करेगा, ठीक उसी प्रकार जैसा उसने तुम्हारे लिए मिस्र देश में किया था, और इस जंगल में भी जिसे तुमने देखा है, एमोरियों के पर्वत के मार्ग में, जैसे प्रभु ने तुम्हें सँभाला है। तुम्हारा ईश्वर, जैसे कोई मनुष्य अपने पुत्र को पोषण करता है, उसी प्रकार सब मार्गों में जो तुम चले, जब तक तुम इस स्थान में नहीं आए।

और इस शब्द में आपने हमारे प्रभु परमेश्वर पर विश्वास नहीं किया, जो तुम्हारे आगे रास्ते में जाता है तुम्हारे लिए स्थान चुनने को, रात में आग में तुम्हारा मार्गदर्शन करते हुए, तुम्हें वह रास्ता दिखाते हुए जिस पर तुम चलते हो, और दिन में बादल में।

और प्रभु ने तुम्हारे शब्दों की आवाज़ सुनी, और क्रोधित होकर शपथ ली, कहते हुए, यदि इन पुरुषों में से कोई इस अच्छी भूमि को देखेगा, जिसकी मैंने उनके पिताओं से शपथ ली थी, सिवाय कालेब, यपुन्ने का पुत्र, यह उसे देखेगा, और इसे मैं वह भूमि दूंगा जिस पर वह चढ़ा, और उसके पुत्रों को भी, क्योंकि वह प्रभु के प्रति समर्पित रहा। और प्रभु मुझ पर तुम्हारे कारण क्रोधित हुआ, कहते हुए, तुम भी वहाँ प्रवेश नहीं करोगे। यहोशू, नून का पुत्र, जो तुम्हारे पास

खड़ा है, वह वहाँ प्रवेश करेगा। उसे मजबूत करो, क्योंकि वही इस्राएल को उसे विरासत में देगा। और हर युवा बच्चा जो आज अच्छे या बुरे को नहीं जानता, वे वहाँ प्रवेश करेंगे, और मैं उन्हें यह दूँगा, और वे इसे विरासत में पाएँगे। और तुमने मुड़कर रेगिस्तान में डेरा डाला, लाल समुद्र के रास्ते पर।

और तुमने उत्तर दिया और कहा, हमने अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पाप किया है। हम ऊपर जाकर युद्ध करेंगे, उन सब के अनुसार जो हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमें आज्ञा दी है। और प्रत्येक ने अपने सैनिक उपकरण उठाए, और इकट्ठे होकर तुम पहाड़ पर चढ़ने लगे। और प्रभु ने मुझसे कहा, मैंने उनसे कहा, तुम ऊपर नहीं जाओगे और न ही तुम युद्ध करोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ नहीं हूँ, और तुम अपने शत्रुओं के सामने कुचले जाओगे। और मैंने तुमसे कहा, और तुमने मेरी नहीं सुनी, और तुमने प्रभु के वचन का उल्लंघन किया, और उल्लंघन करके तुम पर्वत पर चढ़ गए। और वह अमोरी जो उस पहाड़ में रहता था, तुमसे मिलने के लिए निकला, और उसने तुम्हारा पीछा किया जैसे मधुमक्खियाँ करती हैं, और उसने तुम्हें सेईर से होर्मा तक घायल किया। और तुम हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने बैठकर रोए, और प्रभु ने तुम्हारी आवाज़ नहीं सुनी, न ही तुम पर ध्यान दिया।

और तुम कादेश में बहुत दिनों तक बैठे रहे, जितने दिन तुम कभी बैठे थे।

2

और मुड़कर हम रेगिस्तान में प्रस्थान किए, लाल समुद्र का रास्ता, जिस तरीके से प्रभु ने मुझसे बात की थी, और हमने सेईर पहाड़ को बहुत दिनों तक घेरा। और प्रभु ने मुझसे कहा, तुम्हें इस पर्वत की परिक्रमा करना पर्याप्त हो चुका है, इसलिए अब उत्तर की ओर मुड़ो। और लोगों को आज्ञा दे, तुम अपने भाइयों एसाव के पुत्रों की सीमाओं से होकर पार करो, जो सेईर में निवास

करते हैं, और वे तुमसे डरेंगे, और वे तुमसे अत्यधिक सावधान रहेंगे। उनसे युद्ध मत करो, क्योंकि मैं तुम्हें उनकी भूमि से एक पैर रखने की जगह भी नहीं दूंगा, क्योंकि मैंने एसाव के पुत्रों को विरासत में सेईर का पहाड़ दिया है। चाँदी से भोजन उनसे खरीदो और खाओ, और पानी भी माप से उनसे चाँदी देकर लो और पीओ। क्योंकि प्रभु हमारे परमेश्वर ने तुम्हारे हाथों के हर काम में तुम्हें आशीर्वाद दिया, जानो कि तुम उस महान और भयानक रेगिस्तान से कैसे गुजरे, देखो चालीस वर्ष तक प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ रहा, तुम्हें किसी चीज़ की कमी नहीं हुई।

और हम अपने भाइयों, एसाव के पुत्रों के पास से गुज़रे, जो सेईर में रहते थे, अराबा के मार्ग के पास से, ऐलोन से और गेसिओन गाबर से, और लौटकर हम मोआब के निर्जन मार्ग से गुज़रे। और प्रभु ने मुझसे कहा, मोआबियों के प्रति शत्रुतापूर्ण मत होना, और उनके साथ युद्ध में मत जुड़ना, क्योंकि मैं उनकी भूमि से तुम्हें विरासत में कुछ नहीं दूँगा, क्योंकि मैंने लोत के पुत्रों को अरोएर विरासत में दिया है। ओम्मिन लोग पहले उस पर बसे हुए थे, एक महान और विशाल और शक्तिशाली राष्ट्र, जैसे अनाकीम लोग। रपाईम माने जाएंगे और ये भी, जैसे अनाकीम, और मोआबी उन्हें एमीम बुलाते हैं। और सेईर में होरी लोग पहले रहते थे, और एसाव के पुत्रों ने उनको नष्ट किया, और उनको अपने सामने से नष्ट कर दिया। और उनके स्थान पर बस गए, जिस तरीके से इस्राएल ने अपनी विरासत की भूमि के साथ किया, जो प्रभु ने उनको दी है। अब इसलिए उठो और तुम प्रस्थान करो, और ज़ारेत घाटी को पार करो।

और वे दिन जो हमने कादेश बर्ने से यात्रा की जब तक हम जारेत घाटी को पार नहीं कर गए, अड़तीस वर्ष थे, जब तक कि योद्धा पुरुषों की सारी पीढ़ी शिविर से मरते हुए नष्ट नहीं हो गई, जैसा कि प्रभु ने शपथ ली थी परमेश्वर उन्हें। और परमेश्वर का हाथ उन पर था कि उन्हें शिविर के बीच से नष्ट कर दे, जब तक वे नष्ट नहीं हो गए।

और ऐसा हुआ कि जब सब योद्धा पुरुष लोगों के बीच से मरते हुए गिर गए, तो बोला प्रभु ने मुझसे कहा, तुम आज सीमाओं को पार करोगे। मोआब द अरोएर, और तुम अम्मोन के पुत्रों के

निकट आओगे, उनके प्रति शत्रुतापूर्ण मत होना, और न ही उनके साथ युद्ध में संलग्न होना, क्योंकि मैं अम्मोन के पुत्रों की भूमि से तुम्हें विरासत में नहीं दूंगा, क्योंकि मैंने इसे लूट के पुत्रों को विरासत में दिया है। यह भूमि रेफाईम की गिनी जाएगी, क्योंकि उस पर पहले रेफाईम निवास करते थे और अम्मोनी उन्हें जोखोम्मीन बुलाते हैं। एक महान और विशाल राष्ट्र जो तुमसे अधिक शक्तिशाली था, जैसे एनाकीम भी थे, और प्रभु ने उनको उनके सामने नष्ट कर दिया, और उन्होंने विरासत में प्राप्त किया और उनकी जगह बस गए, आज के दिन तक। जैसा उन्होंने एसाव के पुत्रों के साथ किया जो सेईर में निवास करते थे, जिस तरीके से उन्होंने होरियों को उनके सामने से नष्ट किया, और उन्हें विरासत में प्राप्त किया, और उनके स्थान पर बस गए इस दिन तक। और एउआइओइ जो असेदोथ में गाज़ा तक निवास करते थे, और कप्पादोकियाई जो कप्पादोकिया से निकले थे, उन्होंने उनको नष्ट किया, और उनके स्थान पर बस गए।

अब इसलिए उठो और प्रस्थान करो, और तुम अनॉन घाटी को पार करो। देखो, मैंने तुम्हारे हाथों में हेशबोन के राजा सीहोन अमोरी को और उसकी भूमि को दे दिया है। विरासत में लेना आरंभ करो, इस दिन उससे युद्ध करो। आरंभ करो कि सभी राष्ट्रों के चेहरों पर, जो आकाश के नीचे हैं, तुम्हारा कंपन और तुम्हारा भय डालो, जो तुम्हारा नाम सुनकर व्याकुल हो जाएंगे और तुम्हारे चेहरे से पीड़ाएं भोगेंगे।

और मैंने केदेमोथ के निर्जन स्थान से हेशबोन के राजा सीहोन के पास शांतिपूर्ण शब्दों के साथ दूत भेजे, यह कहते हुए मैं तुम्हारी भूमि से होकर गुजरूंगा, रास्ते में चलूंगा, न दाएं मुड़ूंगा न बाएं। भोजन चाँदी के बदले तुम मुझे दोगे और मैं खाऊँगा, और पानी चाँदी के बदले तुम मुझे दोगे और मैं पीऊँगा, केवल इसलिए कि मैं पैदल से गुजर जाऊँगा। जैसा एसाव के पुत्रों ने, जो सेईर में निवास करते हैं, और मोआबियों ने, जो अरोएर में निवास करते हैं, मेरे साथ किया, जब तक मैं यर्दन को पार करके उस भूमि में प्रवेश न कर लूं, जो हमारा प्रभु परमेश्वर हमें देता है। और हेशबोन का राजा सीहोन हमें अपने देश से होकर जाने देने के लिए तैयार नहीं हुआ, क्योंकि हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसकी आत्मा को कठोर कर दिया और उसके हृदय को मजबूत कर दिया, ताकि

वह तुम्हारे हाथों में सौंप दिया जाए, जैसा कि आज के दिन है।

और प्रभु ने मुझसे कहा, देखो, मैंने तुम्हारे सामने सीहोन को, हेशबोन के राजा को, अमोरी को, और उसकी भूमि को सौंपना शुरू कर दिया है, और उसकी भूमि को विरासत में लेना शुरू करो। और हेशबोन का राजा सीहोन हमसे मिलने के लिए निकला, वह और उसके सब लोग, याहस में युद्ध के लिए। और हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसको हमारे सामने सौंप दिया, और हमने उसको और उसके पुत्रों को और उसके सब लोगों को मारा। और हमने उस समय उसके सभी शहरों पर कब्जा किया, और हमने हर शहर को पूरी तरह नष्ट कर दिया, और उनकी स्त्रियों और उनके बच्चों को भी, हमने किसी को जीवित नहीं छोड़ा। सिवाय पशुओं के, जिन्हें हमने लूटा, और शहरों की लूट हमने ली। अरोएर से, जो अर्नोन की धारा के किनारे पर है, और उस नगर से जो घाटी में स्थित था, और गिलाद के पहाड़ तक, कोई नगर नहीं था जो हमसे बच गया। प्रभु हमारे परमेश्वर ने सब को हमारे हाथों में सौंप दिया। सिवाय अम्मोन के पुत्रों के निकट, हम नहीं पहुंचे - न याब्बोक धारा से सटे सभी स्थानों पर, और न पहाड़ी प्रदेश के शहरों में, जैसा हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमें आज्ञा दी थी।

3

और मुड़कर, हम बाशान के रास्ते पर चढ़ गए, और बाशान का राजा ओग हमसे मिलने निकला, वह और उसके सब लोग युद्ध के लिए एट्रैम में। और प्रभु ने मुझसे कहा, उससे मत डर, क्योंकि मैंने उसे तेरे हाथों में दे दिया है, और उसके सब लोगों को, और उसकी सारी भूमि को, और तू उसके साथ वैसा ही करेगा, जैसा तूने एमोरियों के राजा सीहोन के साथ किया था, जो हेशबोन में रहता था। और हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसे हमारे हाथों में सौंप दिया, और ओग को जो बाशान का राजा था, और उसके सब लोगों को, और हमने उसे मारा, यहाँ तक कि उसका कोई वंशज नहीं छोड़ा।

और हमने उस समय उसके सभी शहरों को अधिकार में कर लिया। कोई भी शहर नहीं था जो हमने उनसे नहीं लिया—साठ शहर, बाशान में राजा ओग के अर्गोब के सभी क्षेत्र। सभी नगर दुर्गयुक्त थे, दीवारें ऊँची थीं, द्वार और छड़ें थीं, सिवाय फरिज्जियों के उन नगरों के जो अत्यधिक अनेक थे। हमने नष्ट कर दिया, जैसे हमने हेशबोन के राजा सीहोन के साथ किया था, और हमने सभी नगरों को एक के बाद एक नष्ट कर दिया, और स्त्रियों को और बच्चों को। और हमने सभी पशुओं और शहरों की लूट को अपने लिए ले लिया।

और हमने उस समय में दो एमोरी राजाओं के हाथों से वह भूमि ली, जो यर्डन के पार अर्नोन की धारा से लेकर हेमोन तक थे। फ़ोनीशियाई लोग हेमोन को सानिओर कहते हैं, और अमोरी ने इसे सानीर नाम दिया। मिसोर के सब शहर, और सारा गिलाद, और सारा बाशान एलखा और एद्राइम तक, ओग के राज्य के शहर जो बाशान में थे। क्योंकि बाशान का राजा ओग रपाइम में से बचा हुआ था। देखो, उसका बिस्तर लोहे का था। देखो, यह अम्मोन के पुत्रों के क्षेत्र में है। इसकी लंबाई नौ हाथ और चौड़ाई चार हाथ है, एक आदमी के हाथ के अनुसार। और हमने उस भूमि को उस समय में विरासत में पाया, अरोएर से, जो अर्नोन नाले के किनारे पर है, और गिलाद पहाड़ का आधा भाग, और उसके शहर मैंने रूबेन और गाद को दिए। और गिलाद का शेष भाग, और ओग का सम्पूर्ण बाशान राज्य मैंने मनश्शे के आधे गोत्र को दिया, और अर्गोब का सम्पूर्ण आसपास का क्षेत्र, वह सम्पूर्ण बाशान रपाइम की भूमि गिना जाएगा। और यार्डर, जो मनश्शे का पुत्र था, ने अर्गोब का सम्पूर्ण क्षेत्र गर्गसी और माखाथी की सीमाओं तक ले लिया, और उसने उन्हें अपने नाम पर बाशान थाउओथ याएर्डर नाम दिया, जो आज के दिन तक है। और मैंने माखीर को गिलाद दिया। और रूबेन को और गाद को मैंने गिलाद से लेकर अर्नोन नाले तक दिया है, नाले के बीच को सीमा बनाकर, और याब्बोक तक, जो नाला अम्मोन के पुत्रों की सीमा है। और अरबा और यर्डन महानारेथ की सीमा, और अरबा के समुद्र तक, नमक के समुद्र के द्वारा असेदोथ के नीचे फासगा पूर्व में।

और मैंने उस समय तुम्हें आज्ञा दी, कहते हुए, प्रभु तुम्हारे देवता ने तुम्हें यह भूमि विरासत में दी

है, हथियारबंद होकर अपने भाइयों, इस्राएल के पुत्रों के सामने आगे जाओ, हर सक्षम व्यक्ति। सिवाय तुम्हारी महिलाओं और तुम्हारे बच्चों और तुम्हारे पशुओं के, मैं जानता हूँ कि तुम्हारे पास बहुत पशु हैं, वे तुम्हारे उन नगरों में निवास करें जो मैंने तुम्हें दिए हैं, जब तक प्रभु विश्राम न दे दें। तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे भाइयों को भी, जैसे तुमको, विश्राम दे और ये लोग भी उस भूमि को विरासत में पाएं जो प्रभु हमारा ईश्वर उनको यर्दन के पार देता है, और तुम प्रत्येक अपनी विरासत में लौटोगे जो मैंने तुमको दी है।

और उस समय में मैंने यहोशू को आज्ञा दी, कहते हुए, तुम्हारी आँखों ने सब कुछ देखा है जो हमारे प्रभु परमेश्वर ने इन दो राजाओं के साथ किया, इसी प्रकार हमारा प्रभु परमेश्वर उन सब राज्यों के साथ करेगा जिनमें तुम वहाँ पार कर रहे हो। तुम उनसे नहीं डरोगे, क्योंकि प्रभु हमारा परमेश्वर स्वयं तुम्हारे लिए लड़ेगा।

और मैंने उस समय प्रभु से विनती की, कहते हुए, प्रभु परमेश्वर, आपने अपने सेवक को अपनी शक्ति, और अपना सामर्थ्य, और अपना पराक्रमी हाथ, और अपनी ऊँची भुजा दिखाना आरम्भ किया है, क्योंकि स्वर्ग में या पृथ्वी पर ऐसा कौन परमेश्वर है, जो वैसे काम करेगा जैसे आपने किए हैं, और आपकी शक्ति के अनुसार? पार करके इसलिए मैं उस अच्छी भूमि को देखूंगा जो यर्दन के पार है, इस अच्छे पर्वत को और एंटी-लेबनान को।

और प्रभु ने तुम्हारे कारण मुझे अनदेखा किया, और मेरी नहीं सुनी, और प्रभु ने मुझसे कहा, तुझे यह पर्याप्त हो, इस बात को फिर मत कहना। तराशे गए शिखर पर ऊपर जाओ, और अपनी आँखों से समुद्र और उत्तर और दक्षिण और पूर्व की ओर देखो, और अपनी आँखों से देखो, क्योंकि तुम इस यर्दन को पार नहीं करोगे। और यहोशू को आज्ञा दो और उसे मजबूत करो और उसे प्रोत्साहित करो, क्योंकि यह इन लोगों के सामने पार करेगा, और यह उन्हें वह सारी भूमि विरासत में देगा जो तुमने देखी है। और हम पोगोर के घर के निकट घाटी में बैठ गए।

4

और अब हे इस्राएल, उन विधियों और न्यायों को सुनो जो मैं आज तुम्हें करने के लिए सिखाता हूँ, ताकि तुम जीवित रहो और बहुगुणित हो जाओ, और प्रवेश करके उस भूमि को विरासत में पाओ जो प्रभु, तुम्हारे पिताओं का परमेश्वर, तुम्हें देता है। तुम उस वचन में नहीं जोड़ोगे जो मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, और न उसमें से कुछ हटाओगे। हमारे प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को मानो, जितनी मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ। तुम्हारी आँखों ने वह सब देखा है जो प्रभु हमारे परमेश्वर ने बाल पेओर को किया, क्योंकि हर एक मनुष्य जो बाल पेओर के पीछे गया, उसको प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हारे बीच से नष्ट कर दिया। लेकिन तुम जो अपने प्रभु परमेश्वर से चिपके हुए हो, आज सब जीवित हो।

देखो, मैंने तुम्हें विधियाँ और न्याय दिखाए हैं जैसा प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी, कि इस प्रकार करना उस भूमि में जिसमें तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो उसे उत्तराधिकार में लेने के लिए। और तुम इन्हें रखोगे और करोगे, क्योंकि यह तुम्हारा ज्ञान और तुम्हारी समझ सब राष्ट्रों के सामने है, जो भी इन सब विधियों को सुनेंगे, और वे कहेंगे, देखो, यह महान राष्ट्र बुद्धिमान और ज्ञानी लोग हैं। क्योंकि कौन सी महान राष्ट्र है, जिसके पास उसका देवता उनके निकट आता है, जैसे हमारा प्रभु देवता हमारे पास है, सब में जब भी हम उसे पुकारते हैं? और कौन सा राष्ट्र महान है, जिसके पास ऐसी विधियाँ और न्यायपूर्ण निर्णय हैं, जो इस संपूर्ण व्यवस्था के अनुसार हैं, जिसे मैं आज तुम्हारे सामने दे रहा हूँ?

अपने लिए सावधान रहो, और अपनी आत्मा की अत्यधिक रक्षा करो, उन सब बातों को मत भूलो जिन्हें तुम्हारी आँखों ने देखा है, और वे तुम्हारे जीवन भर तुम्हारे हृदय से दूर न हों, और तुम अपने पुत्रों और अपने पौत्रों को उस दिन के विषय में सिखाना जब तुम होरेब में सभा के दिन हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने खड़े थे, जब उन्होंने कहा प्रभु ने मुझसे कहा, मेरे पास लोगों को

इकट्ठा करो, और वे मेरे वचन सुनें, ताकि वे मुझसे डरना सीखें उन सब दिनों में जो वे पृथ्वी पर जीवित रहें, और वे अपने पुत्रों को सिखाएं। और तुम पास आए और पहाड़ के पास खड़े हुए, और पहाड़ स्वर्ग तक आग से जल रहा था, अंधकार, घोर अंधकार, तूफान। और प्रभु ने तुमसे आग के बीच से शब्दों की आवाज़ में बात की, जिसे तुमने सुना, और तुमने कोई रूप नहीं देखा, केवल आवाज़ सुनी। और उसने तुम्हें अपनी वाचा की घोषणा की, जो उसने तुम्हें मानने की आज्ञा दी थी, अर्थात् दस वचन, और उसने उन्हें दो पत्थर की पट्टियाओं पर लिख दिया।

और उस समय प्रभु ने मुझे आज्ञा दी कि मैं तुम्हें विधियाँ और न्याय सिखाऊँ, ताकि तुम उन्हें उस भूमि पर करो, जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो और जिसे तुम वहाँ उत्तराधिकार में लोगे। और तुम अपनी आत्माओं को अत्यधिक सुरक्षित रखोगे, क्योंकि तुमने उस दिन कोई समानता नहीं देखी जब प्रभु ने होरेब में पर्वत पर आग के बीच से तुमसे बात की थी। तुम अधर्म मत करो और अपने लिए कोई खुदी हुई मूर्ति, कोई समानता, पुरुष या स्त्री की कोई प्रतिमा मत बनाओ। पृथ्वी पर रहने वाले सभी पशुओं की समानता, आकाश के नीचे उड़ने वाले सभी पंखों वाले पक्षियों की समानता, हर रंगने वाले जीव की सादृश्य जो पृथ्वी पर रंगता है, हर मछली की सादृश्य जो पृथ्वी के नीचे जल में हैं। और ऐसा न हो कि तुम स्वर्ग की ओर देखकर, और सूर्य और चंद्रमा और तारों को, और स्वर्ग की सारी सृष्टि को देखकर, भटककर उनकी पूजा करो और उनकी सेवा करो, जिन्हें प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने स्वर्ग के नीचे की सब जातियों को सौंपा है। लेकिन परमेश्वर ने तुम्हें लिया, और तुम्हें मिस्र की भूमि से, लोहे की भट्टी से, मिस्र से निकाला, ताकि तुम उसके लिए निज भाग के लोग हो, जैसा कि आज के दिन में है।

और प्रभु परमेश्वर तुम्हारे कहे गए शब्दों के कारण मुझ पर क्रोधित हुए, और उन्होंने शपथ ली कि मैं इस जॉर्डन को पार नहीं करूंगा, और उस भूमि में प्रवेश नहीं करूंगा, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है। मैं इस भूमि में मर रहा हूँ, और मैं इस यर्डन को पार नहीं कर रहा हूँ, लेकिन तुम पार कर रहे हो, और तुम इस अच्छी भूमि को विरासत में पाओगे। अपने प्रति सावधान रहो, कि तुम प्रभु हमारे परमेश्वर की वाचा को न भूलो, जो उसने तुम्हारे साथ बाँधी थी,

और अधर्म करके अपने लिए किसी खुदी हुई मूर्ति की प्रतिमा न बनाओ, जिसकी आज्ञा प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें दी है। क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर भस्म करने वाली आग है, एक ईर्ष्यालु ईश्वर।

यदि तुम पुत्रों को जन्म दो और तुम्हारे पुत्रों के पुत्रों को, और तुम पृथ्वी पर देर तक रहो, और तुम अधर्म करो, और तुम किसी भी चीज़ की खुदी हुई प्रतिमा बनाओ, और तुम प्रभु के सामने बुराई करो तुम्हारे ईश्वर को क्रोधित करने पर, मैं आज तुम्हें स्वर्ग और पृथ्वी की गवाही देता हूँ कि तुम उस पृथ्वी से विनाश में नष्ट हो जाओगे, जिसमें तुम यर्दन पार करके वहाँ विरासत में लेने जा रहे हो। तुम उस पर लम्बे समय तक नहीं रहोगे, बल्कि पूर्णतः नष्ट हो जाओगे। और प्रभु तुम्हें सब राष्ट्रों में बिखेर देगा, और तुम सब राष्ट्रों में संख्या में थोड़े रह जाओगे, जिनमें प्रभु तुम्हें वहाँ ले जाएगा। और तुम वहाँ अन्य देवताओं की सेवा करोगे, जो मनुष्यों के हाथों के कर्म हैं, लकड़ी और पत्थर, जो न देखते हैं, न सुनते हैं, न खाते हैं, और न सूँघते हैं। और तुम वहाँ अपने प्रभु परमेश्वर को खोजोगे, और तुम उसे पाओगे जब तुम उसे अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से अपने कष्ट में खोजोगे। और अंतिम दिनों में ये सब शब्द तुझे पाएंगे, और तू अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौटेगा, और तू उसकी आवाज़ सुनेगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर दयालु है, वह तुम्हें नहीं त्यागेगा, और न तुम्हें नष्ट करेगा, वह तुम्हारे पितरों की वाचा को नहीं भूलेगा, जिसकी शपथ प्रभु ने उनको दी थी।

पूर्व के दिनों के बारे में पूछो, जो तुमसे पहले हुए थे, उस दिन से जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर मनुष्य को सृजा, और आकाश के एक छोर से आकाश के दूसरे छोर तक, क्या इस महान वचन के अनुसार कुछ हुआ है, क्या ऐसा कुछ सुना गया है, क्या किसी राष्ट्र ने आवाज़ सुनी है जीवित परमेश्वर के आग के बीच से बोलने को, जिस प्रकार तूने सुना है और जीवित रहा, क्या कभी परमेश्वर ने परीक्षा की कि वे प्रवेश करके अपने लिए एक राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र के बीच से निकालें - परीक्षाओं द्वारा, चिह्नों द्वारा, आश्चर्यों द्वारा, युद्ध द्वारा, शक्तिशाली हाथ द्वारा, ऊँची भुजा द्वारा, और महान दर्शनों द्वारा - उन सब के अनुसार जो हमारे प्रभु परमेश्वर ने मिस्र में तुम्हारे सामने,

तुम्हारे देखते हुए किया? ताकि तुम जान सको कि प्रभु तुम्हारा ईश्वर, यही ईश्वर है, और उसके सिवाय कोई और नहीं है। स्वर्ग से उसकी आवाज़ सुनाई दी तुमको अनुशासित करने के लिए, और पृथ्वी पर उसने तुमको अपनी महान आग दिखाई, और तुमने उसके वचन आग के बीच से सुने।

क्योंकि उसने तुम्हारे पूर्वजों से प्रेम किया, इसलिए उसने उनके बाद उनके वंश को अर्थात् तुम्हें चुना, और वह स्वयं अपनी महान शक्ति से तुम्हें मिस्र से निकाल लाया, बड़े और तुमसे अधिक शक्तिशाली राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से नष्ट करना, तुम्हें उनकी भूमि में लाना और तुम्हें वह विरासत में देना, जैसे आज तुम्हारे पास है।

और आज तुम जानोगे, और मन फिराओगे, कि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, यह परमेश्वर ऊपर स्वर्ग में और नीचे पृथ्वी पर है, और उसके सिवाय अब कोई नहीं है। और उसकी आज्ञाओं और उसकी विधियों को मानो, जितनी मैं आज तुम्हें देता हूँ, ताकि तुम्हारा और तुम्हारे बाद तुम्हारे पुत्रों का भला हो, और ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा परमेश्वर प्रभु तुम्हें सदा के लिए देता है। तब मूसा ने यर्डन के पार पूर्व दिशा में तीन नगर अलग किए, वहाँ वह हत्यारा भाग सकता है जो अपने पड़ोसी की हत्या कर दे बिना जाने, और यह वह है जो उससे कल से पहले और परसों से घृणा नहीं करता था, और वह इन नगरों में से किसी एक में शरण लेगा, और जीवित रहेगा। बोसोर को जंगल में, मैदानी भूमि में, रूबेन को; और रामोथ को गिलाद में, गाद को; और गौलोन को बाशान में, मनश्शे को।

यह वह विधान है, जो मूसा ने इस्राएल के पुत्रों के सामने रखा था। ये वे गवाहियाँ, और वे विधियाँ, और वे न्याय हैं, जितने मूसा ने इस्राएल के पुत्रों से बोले, जब वे मिस्र की भूमि से निकले थे। यर्डन के पार, घाटी में, फोगोर के घर के निकट, अमोरियों के राजा सीहोन की भूमि में, जो हेशबोन में निवास करता था, जिसे मूसा और इस्राएल के पुत्रों ने मारा, जब वे मिस्र की भूमि से निकले थे। और उन्होंने उसकी भूमि विरासत में ली, और ओग राजा की भूमि बाशान की,

अमोरियों के दो राजाओं की, जो यर्दन के पार सूर्य की पूर्व दिशा में थे, अरोएर से, जो अर्नोन धारा के किनारे पर है, और सीहोन के पहाड़ पर, जो हेर्मोन है, समस्त अराबा यर्दन के पार सूर्योदय की ओर असेदोथ तक जो तराशा हुआ था।

5

और मूसा ने सब इस्राएल को बुलाया और उनसे कहा, हे इस्राएल, सुनो उन विधियों और निर्णयों को जितने मैं आज तुम्हारे कानों में बोलता हूँ, और तुम उन्हें सीखोगे और उनका पालन करोगे। प्रभु, तुम्हारे परमेश्वर ने होरेब में तुम्हारे साथ वाचा बाँधी। प्रभु ने यह वाचा तुम्हारे पिताओं के साथ नहीं बनाई, बल्कि तुम्हारे साथ, तुम सभी जो आज यहाँ जीवित हो। प्रभु ने पहाड़ पर आग के बीच से तुमसे आमने-सामने बात की। और मैं उस समय प्रभु और तुम्हारे बीच में खड़ा था, ताकि तुम्हें प्रभु के वचन घोषित करूँ, क्योंकि तुम आग के चेहरे से डर गए थे, और तुम पर्वत पर नहीं चढ़े, कहते हुए मैं प्रभु हूँ, तुम्हारा ईश्वर, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से बाहर लाया।

मेरे सामने तुम्हारे लिए अन्य देवता नहीं होंगे।

तुम अपने लिए कोई मूर्ति नहीं बनाओगे, और न ही किसी चीज़ की समानता बनाओगे, जो ऊपर आकाश में हैं, और जो नीचे पृथ्वी पर हैं, और जो पृथ्वी के नीचे जल में हैं। तुम उनकी पूजा नहीं करोगे, और न ही उनकी सेवा करोगे, क्योंकि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ, एक ईर्ष्यालु परमेश्वर, जो पिताओं के पापों का दण्ड बच्चों पर तीसरी और चौथी पीढ़ी तक उन पर देता है जो मुझसे घृणा करते हैं। और हजारों पर दया करता हुआ जो मुझसे प्रेम करते हैं, और जो मेरी आज्ञाओं को मानते हैं। तू अपने परमेश्वर प्रभु का नाम व्यर्थ में नहीं लेगा, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर उसको निर्दोष नहीं ठहराएगा जो उसका नाम व्यर्थ में लेता है।

सब्त के दिन की रक्षा करो और इसे पवित्र रखो, जिस प्रकार तुम्हारे परमेश्वर प्रभु ने तुम्हें आज्ञा दी है। छह दिनों तक काम करो और तुम अपने सभी काम पूरे करोगे। परन्तु सातवें दिन तुम्हारे प्रभु परमेश्वर का सब्त है, उसमें तुम कोई काम नहीं करोगे—न तुम, न तुम्हारा पुत्र, न तुम्हारी पुत्री, न तुम्हारा दास, न तुम्हारी दासी, न तुम्हारा बैल, न तुम्हारा जुआ का पशु, न तुम्हारा कोई पशु, और न वह परदेशी जो तुम्हारे बीच में रहता है, ताकि तुम्हारा दास, तुम्हारी दासी और तुम्हारा जुआ का पशु विश्राम करें, जैसे तुम करते हो। और तुम याद करोगे कि तुम मिस्र की भूमि में सेवक थे, और प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें वहाँ से शक्तिशाली हाथ और ऊँची भुजा से बाहर निकाला, इस कारण प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें आदेश दिया कि सब्त के दिन को मानो और उसे पवित्र करो। अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करो, जिस प्रकार तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें आदेश दिया है, ताकि तुम्हारा भला हो, और ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें देता है। तू हत्या नहीं करेगा। तुम व्यभिचार नहीं करोगे। तुम चोरी नहीं करोगे। तुम अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी गवाही नहीं दोगे। तुम अपने पड़ोसी की पत्नी की इच्छा नहीं करोगे, तुम अपने पड़ोसी के घर की इच्छा नहीं करोगे, न उसके खेत की, न उसके सेवक की, न उसकी दासी की, न उसके बैल की, न उसके जुए वाले पशु की, न उसके किसी पशु की, न उन सब चीज़ों की जो तुम्हारे पड़ोसी की हैं।

ये वचन प्रभु ने तुम्हारी सारी सभा से पहाड़ पर आग के बीच से, अंधकार, घोर अंधकार, तूफान और महान आवाज में बोले, और उसने और कुछ नहीं जोड़ा, और उन्हें दो पत्थर की पट्टियों पर लिखा, और मुझे दिया। और ऐसा हुआ कि जब तुमने आग के बीच से आवाज़ सुनी, और पहाड़ आग से जल रहा था, तो तुम सब अपने कबीलों के अगुवे और अपनी बुजुर्गों की सभा मेरे पास आए, और तुम कह रहे थे, देखो, प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमें अपनी महिमा दिखाई, और हमने आग के बीच से उनकी आवाज़ सुनी। इस दिन हमने देखा कि परमेश्वर मनुष्य से बोलेगा, और वह जीवित रहेगा। और अब हम न मरें, क्योंकि यह महान आग हमें नष्ट कर देगी, यदि हम अपने परमेश्वर प्रभु का स्वर फिर सुनें, तो हम मर जाएंगे। कौन सा प्राणी है जिसने जीवित परमेश्वर की आवाज़ सुनी हो, जो आग के बीच से बोल रहा था, जैसे हमने सुनी, और जीवित रहा हो? तुम

पास आओ, और सुनो वह सब जो प्रभु हमारा परमेश्वर कहे, और तुम हमें वह सब बताओगे जो प्रभु हमारा परमेश्वर तुमसे कहेगा, और हम सुनेंगे और करेंगे।

और प्रभु ने तुम्हारे शब्दों की आवाज़ सुनी जो तुम मुझसे बोल रहे थे, और प्रभु ने मुझसे कहा, मैंने इन लोगों के शब्दों की आवाज़ सुनी जो कुछ उन्होंने तुझसे कहा, सही ढंग से सब कुछ जो उन्होंने कहा। कौन देगा कि उनका हृदय उनमें इस प्रकार हो, ताकि वे मुझसे डरें और मेरी सभी आज्ञाओं को सब दिन मानें, ताकि उनका और उनके पुत्रों का युगों तक भला हो? जाओ, मैंने उनसे कहा, तुम अपने घरों को लौट जाओ। लेकिन तू उसके साथ मेरे पास खड़ा रह, और मैं तुझसे वे आज्ञाएँ और विधियाँ और न्याय कहूँगा जो तू उन्हें सिखाएगा, और वे उस भूमि में इस प्रकार करें जो मैं उन्हें उत्तराधिकार में देता हूँ। और तुम उसी तरीके से करने का पालन करोगे जैसा तुम्हें प्रभु तुम्हारे देवता ने आज्ञा दी है, तुम न दाहिनी ओर मुड़ोगे और न बाई ओर, उस सब मार्ग के अनुसार जिसकी आज्ञा तुम्हें प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने चलने के लिए दी है, ताकि वह तुम्हें विश्राम दे, और तुम्हारा भला हो, और तुम उस भूमि पर दीर्घायु हो जिसे तुम उत्तराधिकार में पाओगे।

6

और ये वे आज्ञाएँ और विधियाँ और न्याय हैं जो प्रभु हमारे परमेश्वर ने तुम्हें सिखाने की आज्ञा दी कि तुम उस भूमि में इस प्रकार करो, जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो, वहाँ उसे उत्तराधिकार में लेने के लिए। ताकि तुम अपने प्रभु परमेश्वर से डरो, उसकी सब विधियों और आज्ञाओं को मानो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारे पुत्रों के पुत्र, अपने जीवन के सब दिनों में, ताकि तुम दीर्घायु हो।

और सुनो इसराएल, और पालन करो ताकि तुम्हारा भला हो, और ताकि तुम बहुत अधिक बढ़ो,

जैसा कि प्रभु, तुम्हारे पिताओं के देवता ने कहा था कि तुम्हें वह भूमि देंगे जिसमें दूध और शहद बहता है। और ये विधियाँ और निर्णय हैं, जितने प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों को जंगल में आदेश दिया, जब वे मिस्र की भूमि से निकल गए थे। सुनो इस्राएल, प्रभु हमारा परमेश्वर, प्रभु एक है। और तुम अपने प्रभु परमेश्वर से अपने संपूर्ण मन से, और अपने संपूर्ण प्राण से, और अपनी संपूर्ण शक्ति से प्रेम करोगे। और ये शब्द जो मैं तुम्हें आज आज्ञा करता हूँ, तुम्हारे हृदय में और तुम्हारी आत्मा में होंगे। और तू अपने पुत्रों को इन्हें सिखाएगा, और तू इनके विषय में बात करेगा घर में बैठते समय, रास्ते में चलते समय, लेटते समय और उठते समय। और तू उनको अपने हाथ पर निशान के रूप में बांधेगा, और वह तेरी आंखों के सामने अटल रहेगा। और तुम उन्हें अपने घरों के चौखटों पर और अपने द्वारों पर लिखोगे।

और ऐसा होगा जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उस भूमि में लाए जिसकी उसने तेरे पितरों अब्राहम, इसहाक और याकूब को शपथ खाई थी, कि तुझे बड़े और अच्छे नगर दे जो तूने नहीं बनाए थे। घर जो सब अच्छी चीजों से भरे हुए हैं जिन्हें तुमने नहीं भरा, कुंड जो खोदे गए हैं जिन्हें तुमने नहीं खोदा, अंगूर के बाग और जैतून के बाग जिन्हें तुमने नहीं लगाया, और खाकर और तृप्त होकर, अपने लिए सावधान रहो कि तुम मत भूलो प्रभु तेरे परमेश्वर का, जो तुझे मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से बाहर लाया। प्रभु अपने परमेश्वर से तुम डरोगे, और केवल उसी की सेवा करोगे, और उससे चिपके रहोगे, और उसके नाम पर शपथ खाओगे।

तुम अपने चारों ओर के राष्ट्रों के देवताओं में से अन्य देवताओं के पीछे मत जाओ, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, जो तुम्हारे बीच में है, ईर्ष्यालु परमेश्वर है, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम पर क्रोध में क्रोधित होकर तुम्हें पृथ्वी के चेहरे से नष्ट कर दे।

तुम अपने प्रभु परमेश्वर की परीक्षा नहीं लोगे, जिस प्रकार तुमने परीक्षा में परीक्षा ली थी। रक्षा करते हुए तू अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को, साक्ष्यों को और विधियों को रखेगा, जितनी उसने तुझे आज्ञा दी है। और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने प्रसन्न और अच्छा करोगे, ताकि

तुम्हारा भला हो, और तुम प्रवेश करो और उस अच्छी भूमि का उत्तराधिकार पाओ, जिसकी शपथ प्रभु ने तुम्हारे पिताओं से खाई थी। तुम्हारे सभी शत्रुओं को तुम्हारे सामने से बाहर निकालना, जैसा प्रभु ने कहा था।

और ऐसा होगा जब तेरा पुत्र कल तुझसे पूछे, यह कहते हुए, वे साक्ष्य, विधियाँ और न्याय क्या हैं, जो प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमें आज्ञा दी हैं? और तुम अपने पुत्र से कहोगे, हम फिरौन के सेवक थे मिस्र की भूमि में, और प्रभु ने हमें वहाँ से शक्तिशाली हाथ से और ऊँची भुजा से निकाला। और प्रभु ने मिस्र में फिरौन के सामने और उसके घर में हमारे सामने महान और भयानक चिन्ह और चमत्कार दिखाए, और उसने हमें वहाँ से निकाल लाया ताकि हमें यह भूमि दे, जिसे देने की उसने हमारे पिताओं से शपथ खाई थी। और प्रभु ने हमें आज्ञा दी कि हम इन सब विधियों को मानें, और अपने परमेश्वर प्रभु से डरें, ताकि हमारा सब दिन भला हो, और हम जीवित रहें जैसे आज भी हैं। और हमें दया मिलेगी, यदि हम इन सब आज्ञाओं को अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पालन करें, जैसा उसने हमें आज्ञा दी है।

7

यदि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उस भूमि में लाता है, जिसमें तुम वहाँ प्रवेश करके उसे अधिकार करने जा रहे हो, और तुम्हारे सामने से महान राष्ट्रों को—हिती, गिराशी, एमोरी, कनानी, परिज्जी, हिवी और यबूसी—सात राष्ट्रों को, जो अनेक और तुमसे अधिक शक्तिशाली हैं, निकाल देता है, और तुम्हारा प्रभु परमेश्वर उनको तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उनको मारोगे, तुम उनको पूर्ण विनाश से नष्ट करोगे, तुम उनके साथ वाचा नहीं बनाओगे, और न तुम उन पर दया करोगे। न ही तुम उनसे विवाह संबंध बनाओगे, न तुम अपनी बेटी उसके बेटे को दोगे, और न उसकी बेटी को अपने बेटे के लिए लोगे। क्योंकि वह तुम्हारे पुत्र को मुझसे भटका देगा, और वह अन्य देवताओं की सेवा करेगा, और प्रभु तुम पर क्रोध में क्रोधित होगा, और तुम्हें शीघ्र

नष्ट कर देगा। लेकिन तुम उनके साथ इस प्रकार करोगे: तुम उनकी वेदियों को गिराओगे, और उनके स्तंभों को तोड़ोगे, और उनके पवित्र वृक्षों को काटोगे, और उनके देवताओं की खुदी हुई मूर्तियों को आग से जलाओगे। क्योंकि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए पवित्र लोग हो, और प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें चुना है कि तुम उसके लिए एक विशेष लोग बनो, उन सब राष्ट्रों में से जो पृथ्वी के चेहरे पर हैं।

यह नहीं कि तुम सब राष्ट्रों से संख्या में अधिक हो, इसलिए प्रभु ने तुम्हें चुना, और प्रभु ने तुम्हें चुना; क्योंकि तुम सब राष्ट्रों से थोड़े हो। लेकिन प्रभु के तुम्हें प्रेम करने के कारण और तुम्हारे पिताओं से की गई शपथ को निभाते हुए, प्रभु ने तुम्हें शक्तिशाली हाथ से बाहर निकाला और प्रभु ने तुम्हें गुलामी के घर से, मिस्र के राजा फ़िरौन के हाथ से छुड़ाया। और तू जानेगा कि प्रभु तेरा परमेश्वर, यह परमेश्वर है, विश्वासयोग्य परमेश्वर है, जो अपनी वाचा और दया की रक्षा करता है उनके लिए जो उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं की रक्षा करते हैं, हजार पीढ़ियों तक। और वह घृणा करने वालों को उनके चेहरे के अनुसार नष्ट करने के लिए बदला देता है, और वह घृणा करने वालों के प्रति विलंब नहीं करेगा, वह उनके चेहरे के अनुसार उन्हें बदला देगा।

और तू इन आज्ञाओं, विधियों और न्यायों को रखेगा, जितने मैं आज तुझे करने की आज्ञा देता हूँ। और ऐसा होगा कि जब तुम इन विधियों को सुनोगे, और इनका पालन करोगे और इन्हें करोगे, तो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे लिए उस वाचा और दया की रक्षा करेगा, जिसकी उसने तुम्हारे पितरों से शपथ खाई थी। और वह तुमसे प्रेम करेगा, और तुम्हें आशीर्वाद देगा, और तुम्हें बढ़ाएगा, और तुम्हारे गर्भ की संतान को आशीर्वाद देगा, और तुम्हारी पृथ्वी के फल को, तुम्हारे अनाज को, और तुम्हारे दाखरस को, और तुम्हारे तेल को, तुम्हारे मवेशियों के झुंड को, और तुम्हारी भेड़ों के रेवड़ को उस पृथ्वी पर, जिसके विषय में प्रभु ने तुम्हारे पितरों से शपथ खाई थी कि तुम्हें देगा। तू सब राष्ट्रों से धन्य होगा, तुम में कोई बांझ नहीं होगा, न ही बांझ, और न ही तेरे पशुओं में। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुमसे सब बीमारी हटाएगा, और मिस्र के सब बुरे रोग जो तुमने देखे और जितने तुमने जाने, वह तुम पर नहीं रखेगा, और उन्हें उन सब पर रखेगा जो तुमसे घृणा करते हैं।

और तू उन सब राष्ट्रों की लूट खाएगा जो प्रभु तेरा देवता तुझे देता है, तेरी आँख उन पर दया नहीं करेगी और तू उनके देवताओं की सेवा नहीं करेगा क्योंकि यह तेरे लिए ठोकर है

यदि तुम अपने मन में कहो कि यह राष्ट्र मुझसे बहुत बड़ा है, तो मैं उन्हें कैसे नष्ट कर सकूंगा? तुम उनसे नहीं डरोगे, तुम स्मरण करोगे कि तुम्हारे प्रभु देव ने फिरौन और सभी मिस्रियों के साथ क्या किया था। वे महान परीक्षाएँ जिन्हें तुम्हारी आँखों ने देखा, वे चिन्ह और वे महान चमत्कार, वह शक्तिशाली हाथ और वह ऊँची भुजा, जैसे प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें निकाला, वैसे ही प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उन सब जातियों के साथ करेगा जिनसे तुम उनके सामने डरते हो। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उनमें बरों को भेजेगा, जब तक कि तुमसे बचे हुए और छिपे हुए लोग नष्ट न हो जाएँ। तुम उनके सामने घायल नहीं होओगे, क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे साथ है, जो महान और शक्तिशाली ईश्वर है। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर इन राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से थोड़ा-थोड़ा करके नष्ट करेगा, तुम उन्हें शीघ्रता से नष्ट नहीं कर सकोगे, ताकि भूमि निर्जन न हो जाए, और जंगली पशु तुम पर बढ़ न जाएँ। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उनको तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उनको महान विनाश से नष्ट करोगे, जब तक तुम उनको पूर्णतः नष्ट न कर दो, और वह उनके राजाओं को तुम्हारे हाथों में सौंप देगा, और तुम उस स्थान से उनका नाम मिटा दोगे, तुम्हारे सामने कोई खड़ा नहीं होगा, जब तक तुम उन्हें पूरी तरह नष्ट नहीं कर दो।

उनके देवताओं की खुदी हुई मूर्तियों को तुम आग से जला दोगे, चाँदी की इच्छा मत करना, और न ही उनसे सोना अपने लिए लेना, ताकि तुम इसके द्वारा ठोकर न खाओ, क्योंकि यह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित वस्तु है। और तुम अपने घर में कोई घृणित वस्तु नहीं लाओगे, और तुम इसके समान शापित हो जाओगे। तुम इससे अत्यधिक घृणा करोगे, और इस घृणित वस्तु से घृणा करोगे, क्योंकि यह शापित है।

8

सभी आज़ाएँ जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, उन्हें तुम पालन करोगे, ताकि तुम जीवित रहो और बढ़ो, और उस भूमि में प्रवेश करो और उसे उत्तराधिकार में पाओ, जिसकी शपथ प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हारे पितरों से ली थी। और तुम याद करोगे पूरा वह रास्ता, जिससे प्रभु तुम्हारे देवता ने तुम्हें रेगिस्तान में ले जाया, ताकि वह तुम्हें नम्र करे और तुम्हारी परीक्षा ले, और यह जाना जाए कि तुम्हारे हृदय में क्या है, कि तुम उसकी आज्ञाओं का पालन करोगे या नहीं। और उसने तुम्हें कष्ट दिया, और तुम्हें भूखा रखा, और तुम्हें मन्ना खिलाया, जिसे तुम्हारे पिता नहीं जानते थे, ताकि वह तुम्हें घोषित करे कि मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीएगा, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर वचन से मनुष्य जीएगा। तुम्हारे वस्त्र तुमसे पुराने नहीं हुए, तुम्हारे जूते तुमसे घिसे नहीं, तुम्हारे पैर कठोर नहीं हुए, देखो चालीस वर्ष।

और तुम अपने हृदय से जानोगे कि जैसे कोई मनुष्य अपने पुत्र को अनुशासित करता है, वैसे ही प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें अनुशासित करेगा। और तू अपने परमेश्वर प्रभु की आज्ञाओं को मानना, उसके मार्गों पर चलना, और उससे डरना।

क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें एक अच्छी और विशाल भूमि में ले जाएगा, जहाँ जल की धाराएँ हैं, और गहराइयों से निकलते हुए झरने मैदानों और पहाड़ों से होकर बहते हैं। भूमि गेहूँ और जौ की, अंगूर की बेलें, अंजीर के पेड़, अनार, जैतून के तेल और शहद की भूमि, वह भूमि जिस पर तुम अपनी रोटी गरीबी के साथ नहीं खाओगे, और उस पर तुम्हें किसी चीज की कमी नहीं होगी, वह भूमि जिसके पत्थर लोहे के हैं, और जिसके पहाड़ों से तुम कांस्य का खनन करोगे।

और तुम खाओगे और तृप्त होगे, और तुम प्रभु अपने परमेश्वर को उस अच्छी भूमि के लिए आशीर्वाद दोगे जो उसने तुम्हें दी है। अपने लिए सावधान रहो कि तुम प्रभु अपने परमेश्वर को न भूलो, उसकी आज्ञाओं, न्यायों और विधियों का पालन न करने के द्वारा, जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ। खाकर और तृप्त होकर, और अच्छे घर बनाकर और उनमें बसकर, और तुम्हारे बैल और तुम्हारी भेड़ें तुम्हारे लिए बढ़ाई जाएं, चांदी और सोना तुम्हारे लिए बढ़ाया जाए, और जितना कुछ

तुम्हारे पास होगा वह सब तुम्हारे लिए बढ़ाया जाए, तू हृदय में घमंड करे, और प्रभु अपने परमेश्वर को भूल जाए, जो तुझे मिस्र की भूमि से, गुलामी के घर से निकाल लाया, उसका जो तुम्हें उस महान और भयानक जंगल से ले गया, जहाँ काटने वाले सर्प थे, और बिच्छू थे, और प्यास थी, जहाँ पानी नहीं था, उसका जो तुम्हारे लिए तीखी चट्टान से पानी का झरना निकाला। उसके जो तुझे जंगल में मन्ना खिलाया, जिसे न तू जानता था और न तेरे पुरखा जानते थे, ताकि वह तुझे दीन करे और तुझे परखे और तेरे अंतिम दिनों में तेरा भला करे। अपने हृदय में यह मत कहो कि मेरी शक्ति और मेरे हाथ के सामर्थ्य ने मुझे यह महान बल दिया है। और तुम अपने परमेश्वर प्रभु को याद करोगे, क्योंकि वह तुम्हें सामर्थ्य प्राप्त करने की शक्ति देता है, और ताकि वह अपनी वाचा को स्थापित करे जो प्रभु ने तुम्हारे पितरों से शपथ ली थी, जैसे आज है।

और ऐसा होगा यदि तुम विस्मृति में पड़कर अपने प्रभु परमेश्वर को भूल जाओ, और अन्य देवताओं के पीछे चलो, और उनकी सेवा करो, और उन्हें प्रणाम करो, तो मैं आज तुम्हें स्वर्ग और पृथ्वी को साक्षी मानकर गवाही देता हूँ, कि तुम निश्चित रूप से नष्ट हो जाओगे। जैसे प्रभु परमेश्वर तुम्हारे सामने अन्य शेष राष्ट्रों को नष्ट करता है, वैसे ही तुम भी नष्ट हो जाओगे, क्योंकि तुमने प्रभु अपने परमेश्वर की आवाज़ नहीं सुनी।

9

सुनो इसराएल, तुम आज यर्दन को पार कर रहे हो, उन महान राष्ट्रों में प्रवेश करने और उन्हें विरासत में लेने के लिए जो तुमसे अधिक मजबूत हैं, और उन महान तथा किलेबंद शहरों को जो स्वर्ग तक पहुँचते हैं। एक महान, विशाल और लंबे लोग, अनाक के पुत्र, जिन्हें तुम जानते हो, और तुमने सुना है, अनाक के पुत्रों के सामने कौन खड़ा हो सकेगा? और आज तुम जानोगे कि प्रभु तुम्हारा देवता यह तुम्हारे आगे जाएगा, वह भस्म करने वाली आग है, यह उन्हें नष्ट करेगा, और यह उन्हें तुम्हारे सामने से हटा देगा, और उन्हें शीघ्रता से नष्ट करेगा, जैसे प्रभु ने तुमसे कहा

था। अपने हृदय में यह मत कहना कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर इन जातियों को तेरे सामने से नष्ट कर दे, तब यह कहते हुए कि मेरी धार्मिकता के कारण प्रभु ने मुझे इस अच्छी भूमि का उत्तराधिकारी बनाने के लिए लाया है। तुम्हारी धार्मिकता के कारण नहीं, और न ही तुम्हारे हृदय की पवित्रता के कारण तुम उनकी भूमि को विरासत में लेने के लिए प्रवेश कर रहे हो, बल्कि इन राष्ट्रों की दुष्टता के कारण प्रभु उन्हें तुम्हारे सामने से नष्ट कर देंगे, और इसलिए कि वह उस वाचा को स्थापित करें, जिसकी शपथ प्रभु ने हमारे पितरों अब्राहम, इसहाक और याकूब से ली थी।

और आज तुम जानोगे कि तुम्हारे प्रभु देवता तुम्हें यह अच्छी भूमि विरासत में लेने के लिए तुम्हारी धार्मिकताओं के कारण नहीं दे रहे हैं, क्योंकि तुम हठीले लोग हो। याद रखो, मत भूलो कि तुमने जंगल में अपने प्रभु परमेश्वर को कितना क्रोधित किया, उस दिन से जब तुम मिस्र से निकले और इस स्थान पर आए, तुम प्रभु की अवज्ञा करते रहे।

और होरेब में आपने प्रभु को उकसाया, और प्रभु आप पर क्रोधित हुए आपको नष्ट करने के लिए। जब मैं पर्वत पर पत्थर की पट्टियाँ लेने के लिए चढ़ रहा था, वाचा की पट्टियाँ जो प्रभु ने तुम्हारे साथ बनाई थीं, तो मैं पर्वत पर चालीस दिन और चालीस रातें रहा, मैंने रोटी नहीं खाई और पानी नहीं पिया। और प्रभु ने मुझे दो पत्थर की पट्टियाँ दीं जो परमेश्वर की उंगली से लिखी हुई थीं, और उन पर वे सब शब्द लिखे हुए थे जो प्रभु ने पहाड़ पर सभा के दिन तुमसे बोले थे। और चालीस दिन और चालीस रात के बाद प्रभु ने मुझे पत्थर की दो पट्टियाँ दीं, वाचा की पट्टियाँ। और प्रभु ने मुझसे कहा, उठो, यहाँ से शीघ्रता से नीचे जाओ, क्योंकि तुम्हारे लोगों ने, जिन्हें तुम मिस्र की भूमि से निकाल लाए, अधर्म किया है। उन्होंने उस मार्ग से शीघ्रता से उल्लंघन किया जिसकी मैंने उन्हें आज्ञा दी थी, और उन्होंने अपने लिए एक ढली हुई मूर्ति बनाई।

और प्रभु ने मुझसे कहा, मैंने तुमसे एक बार और दो बार कहा है, मैंने इन लोगों को देखा है, और देखो, ये हठीले लोग हैं। और अब मुझे उन्हें नष्ट करने की अनुमति दो, और मैं उनका नाम आकाश के नीचे से मिटा दूंगा, और तुझे एक बड़ा और मजबूत राष्ट्र बनाऊंगा, जो इससे बहुत

अधिक होगा। और लौटकर, मैं पहाड़ से उतरा, और पहाड़ आग से स्वर्ग तक जल रहा था, और साक्ष्यों की दो पट्टियाँ मेरे दोनों हाथों पर थीं। और यह देखकर कि तुमने अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पाप किया, और तुमने अपने लिए ढली हुई मूर्ति बनाई, और उस मार्ग से हट गए जिसे प्रभु ने तुम्हें चलने की आज्ञा दी थी, और दोनों पट्टियों को पकड़कर, मैंने उन्हें अपने दोनों हाथों से फेंका, और तुम्हारे सामने तोड़ दिया। और मैंने प्रभु के सामने दूसरी बार प्रार्थना की, जैसे पहले भी की थी, चालीस दिन और चालीस रातें, न रोटी खाई और न पानी पिया, तुम्हारे उन सब पापों के विषय में जो तुमने किए थे, प्रभु परमेश्वर के सामने बुराई करके उसे क्रोधित करने के लिए। और मैं क्रोध और कोप के कारण भयभीत हूँ, क्योंकि प्रभु तुम पर भड़काया गया था तुम्हें नष्ट करने के लिए, और प्रभु ने मेरी सुनी इस समय में भी। और आरोन पर क्रोध किया गया था उसे नष्ट करने के लिए, और मैंने आरोन के विषय में भी उस समय प्रार्थना की। और तुम्हारे पाप को, जो तुमने किया था, वह बछड़ा, मैंने उसे लिया और उसे आग में जलाया, और मैंने उसे बहुत अधिक कुचलते हुए पीसा जब तक वह बारीक न हो गया, और वह धूल के समान हो गया, और मैंने उस धूल को उस धारा में फेंक दिया जो पहाड़ से नीचे उतर रही थी।

और जलाने में, और परीक्षा में, और इच्छा की कब्रों में तुमने प्रभु को उकसाया था। और जब प्रभु ने तुम्हें कादेश बर्ने से बाहर भेजा, यह कहते हुए, ऊपर जाओ और उस भूमि पर अधिकार करो जो मैं तुम्हें देता हूँ, तो तुमने अपने परमेश्वर प्रभु के वचन की अवज्ञा की, और तुमने उस पर विश्वास नहीं किया, और तुमने उसकी आवाज़ नहीं सुनी। तुम प्रभु की अवज्ञा करते रहे उस दिन से जब वह तुम्हें ज्ञात हुआ। और मैंने प्रभु के सामने चालीस दिन और चालीस रातें प्रार्थना की, जितनी मैंने प्रार्थना की, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें नष्ट करने के लिए कहा था। और मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की, और मैंने कहा, हे प्रभु, देवताओं के राजा, अपने लोगों को और अपने भाग को पूर्णतः नष्ट मत करो, जिन्हें तुमने छुड़ाया, जिन्हें तुमने मिस्र की भूमि से अपनी महान शक्ति में, और अपने बलवान हाथ में, और अपनी ऊँची भुजा में निकाला। इब्राहीम, इसहाक और याकूब को याद करो, जो तुम्हारे सेवक थे, जिनसे तुमने अपनी शपथ ली थी। इन लोगों की कठोरता, अधर्म के कामों और उनके पापों पर ध्यान मत दो। कहीं ऐसा न हो कि उस भूमि के निवासी जहाँ से

तुमने हमें बाहर निकाला था, यह कहें कि प्रभु उन्हें उस भूमि में लाने में सक्षम नहीं थे जिसका उन्होंने उनसे वादा किया था, और उनसे घृणा करने के कारण उन्हें जंगल में मारने के लिए बाहर निकाल लाए। और ये तुम्हारे लोग और तुम्हारा भाग हैं, जिन्हें तुमने मिस्र की भूमि से अपनी महान शक्ति में, और अपने बलवान हाथ में, और अपनी ऊँची भुजा में निकाला।

10

उस समय में प्रभु ने मुझसे कहा, अपने लिए दो पत्थर की पट्टिकाएँ तराश, जैसे पहली थीं, और पहाड़ पर मेरे पास चढ़ आ, और अपने लिए लकड़ी का एक सन्दूक बना। और तुम उन शब्दों को पट्टियों पर लिखोगे जो पहली पट्टियों में थे जिन्हें तुमने तोड़ा था, और तुम उन्हें सन्दूक में रखोगे। और मैंने अविनाशी लकड़ी से एक संदूक बनाया, और मैंने पत्थर की पट्टियों को पहली जैसी तराशा, और मैं पहाड़ पर चढ़ा और दो पट्टियाँ मेरे हाथों में थीं। और उसने पट्टिकाओं पर पहले लेखन के अनुसार वे दस वचन लिखे, जो प्रभु ने पहाड़ पर आग के बीच से तुमसे कहे थे, और प्रभु ने उन्हें मुझे दिया। और लौटकर मैं पर्वत से नीचे गया, और मैंने पट्टिकाओं को उस सन्दूक में डाला जो मैंने बनाया था, और वे वहाँ थीं, जैसा प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी। और इस्राएल के पुत्रों ने याकीम के पुत्रों के बेरोत से मिसादै की ओर प्रस्थान किया, वहाँ हारून मरा, और वहाँ दफनाया गया, और उसके पुत्र एलाजार ने उसके स्थान पर पुरोहित का कार्य किया। वहाँ से वे गदगाद को प्रस्थान किए, और गदगाद से एतेबाथा को, जो जल की धाराओं की भूमि थी।

उस समय में प्रभु ने लेवी कुल को अलग किया, प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाने के लिए, प्रभु के सामने खड़े होने के लिए, सेवा करने और उसके नाम पर प्रार्थना करने के लिए, इस दिन तक। इसके कारण लेवियों को उनके भाइयों में भाग और हिस्सा नहीं है, प्रभु स्वयं उनका हिस्सा है, जैसा उसने उनसे कहा था। और मैं चालीस दिन और चालीस रात पहाड़ पर खड़ा रहा। और प्रभु ने मेरी सुनी और इस समय में, और प्रभु ने तुम्हें नष्ट करना नहीं चाहा। और प्रभु ने मुझसे कहा,

जाओ, इन लोगों के आगे निकलो, और वे उस भूमि में प्रवेश करें और उस पर अधिकार करें, जिसे देने की मैंने उनके पितरों से शपथ खाई थी।

और अब, हे इस्राएल, प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुमसे क्या माँगता है, सिवाय इसके कि तुम प्रभु अपने परमेश्वर से डरो, और उसके सब मार्गों में चलो, और उससे प्रेम करो, और प्रभु अपने परमेश्वर की सेवा अपने संपूर्ण हृदय से और अपने संपूर्ण प्राण से करो? प्रभु अपने परमेश्वर की आज्ञाओं को और उसकी विधियों को, जितनी मैं आज तुझे आज्ञा देता हूँ, मानना, ताकि तेरा भला हो, देखो, तुम्हारे प्रभु परमेश्वर का स्वर्ग और स्वर्गों का स्वर्ग, पृथ्वी और जो कुछ भी इसमें है, सब कुछ। परन्तु तुम्हारे पितरों को प्रभु ने प्रेम करने के लिए चुना, और उनके साथ उनके वंश को, अर्थात् तुमको, सब राष्ट्रों में से चुना, जैसा आज के दिन है। और तुम अपने हृदय की कठोरता का खतना करोगे, और अपनी गर्दन को कठोर नहीं करोगे। क्योंकि तुम्हारा प्रभु परमेश्वर, यह देवताओं का परमेश्वर है, और प्रभुओं का प्रभु है, वह महान, शक्तिशाली और भयानक परमेश्वर है, जो किसी का पक्षपात नहीं करता, और न ही कोई उपहार लेता है। परदेशी, अनाथ और विधवा के लिए न्याय करता है, और परदेशी से प्रेम करता है, उसे रोटी और वस्त्र देता है। और तुम परदेशी से प्रेम करोगे, क्योंकि तुम मिस्र की भूमि में परदेशी थे।

तुम प्रभु अपने ईश्वर से डरोगे, और उसकी सेवा करोगे, और उससे चिपके रहोगे, और उसके नाम पर शपथ लोगे। यह तुम्हारा घमंड है, और यह तुम्हारा परमेश्वर है, जिसने तुम में ये महान और महिमामय काम किए, जो तुम्हारी आँखों ने देखे। सत्तर आत्माओं के साथ तुम्हारे पिता मिस्र गए थे, लेकिन अब प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें आकाश के तारों के समान अनगिनत बना दिया है।

11

और तू अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करेगा, और उसकी रक्षाओं को, उसकी विधियों को, उसकी

आज्ञाओं को और उसके न्यायों को सब दिन मानेगा। और तुम आज जान लोगे कि तुम्हारे वे बच्चे नहीं, जो न जानते हैं और न ही जिन्होंने तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की शिक्षा और उसके महान कार्यों को देखा है, और न शक्तिशाली हाथ और ऊँची भुजा को, और उसके चिह्न, और उसके आश्चर्य, जितने उसने मिस्र के बीच में फिरौन मिस्र के राजा के सामने किए, और उसकी सारी भूमि में, और उसने मिस्रियों की शक्ति के साथ, उनके रथों के साथ, उनके घोड़ों के साथ, और उनकी सेना के साथ क्या किया, जब लाल समुद्र का पानी उनके चेहरों पर बह गया जब वे तुम्हारा पीछा कर रहे थे, और प्रभु ने उन्हें आज के दिन तक नष्ट कर दिया। और जितना कुछ उसने हमारे लिए जंगल में किया जब तक तुम इस स्थान में नहीं आए, और जो कुछ उसने दाथान और अबीरोन के साथ किया, जो एलियाब के पुत्र थे, जो रूबेन का पुत्र था, जिनको भूमि ने अपना मुँह खोलकर निगल लिया, और उनके घरों को, और उनके तम्बुओं को, और उनकी सारी संपत्ति को जो उनके साथ थी, सारे इस्राएल के बीच में। क्योंकि तुम्हारी आँखों ने प्रभु के सभी महान कार्यों को देखा है, जो उसने आज तुम्हारे बीच किए हैं।

और तुम उसकी सब आज्ञाओं को मानोगे जितनी मैं आज तुम्हें देता हूँ, ताकि तुम जीवित रहो, और बढ़ो, और प्रवेश करके उस भूमि को विरासत में पाओ जिसमें तुम यर्दन को पार करके वहाँ उसे विरासत में पाने जा रहे हो। ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जिसे देने की प्रभु ने तुम्हारे पितरों और उनके साथ उनके वंश को शपथ ली थी, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है। क्योंकि वह भूमि जिसमें तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो उसे विरासत में लेने के लिए, वह मिस्र की भूमि जैसी नहीं है, जहाँ से तुम वहाँ से निकल आए हो, जहाँ जब वे बीज बोते हैं, और अपने पैरों से सींचते हैं, जैसे सब्जियों का बगीचा। वह भूमि जिसमें तुम वहाँ प्रवेश करते हो उसे विरासत में लेने के लिए, पहाड़ी और मैदानी भूमि है, जो स्वर्ग की वर्षा से पानी पीती है। भूमि, जिसे प्रभु तुम्हारा ईश्वर निरंतर देखरेख करता है, प्रभु तुम्हारे ईश्वर की आँखें इस पर वर्ष के आरंभ से लेकर वर्ष के समापन तक रहती हैं।

यदि तुम सचमुच उन सब आज्ञाओं को सुनो जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, कि तुम अपने प्रभु परमेश्वर

से प्रेम करो और अपने संपूर्ण हृदय और संपूर्ण आत्मा से उसकी सेवा करो, और वह तुम्हारी भूमि को मौसम के अनुसार प्रारंभिक और देर से वर्षा देगा, और तुम अपना अनाज, अपना दाखरस, और अपना तेल एकत्र करोगे। और वह तुम्हारे खेतों में तुम्हारे पशुओं के लिए चारा देगा, और तुम खाकर तृप्त हो जाओगे। अपने लिए सावधान रहो कि तुम्हारा हृदय मोटा न हो जाए, और तुम भटक जाओ, और अन्य देवताओं की सेवा करो, और उनकी पूजा करो और प्रभु तुम पर क्रोधित होकर क्रोध में आकाश को बंद कर देगा, और वर्षा नहीं होगी, और भूमि अपना फल नहीं देगी, और तुम उस अच्छी भूमि से शीघ्र नष्ट हो जाओगे जो प्रभु ने तुम्हें दी है।

और तुम इन शब्दों को अपने हृदय में और अपनी आत्मा में डालोगे, और तुम उन्हें अपने हाथ पर चिह्न के रूप में बांधोगे, और यह तुम्हारी आँखों के सामने अटल रहेगा। और तुम अपने बच्चों को उन्हें बोलना सिखाओगे, जब तुम घर में बैठे हो, और जब तुम रास्ते में जा रहे हो, और जब तुम सो रहे हो, और जब तुम उठ रहे हो। और तुम उन्हें अपने घरों के द्वारचौखटों पर और अपने द्वारों पर लिखोगे। ताकि तुम दीर्घायु हो, और तुम्हारे पुत्रों के दिन उस पृथ्वी पर हों, जिसे देने की शपथ प्रभु ने तुम्हारे पितरों से उन्हें खाई थी, जैसे स्वर्ग के दिन पृथ्वी पर। और ऐसा होगा यदि तुम सुनकर इन सब आज्ञाओं को सुनो जो मैं आज तुम्हें करने की आज्ञा देता हूँ, प्रभु हमारे परमेश्वर से प्रेम करने को, और उसके सब मार्गों में चलने को, और उससे चिपके रहने को, और प्रभु इन सब राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से निकाल देंगे, और तुम बड़े और मजबूत राष्ट्रों को, जो तुमसे अधिक हैं, विरासत में पाओगे। हर वह स्थान जहाँ तुम्हारे पैर का निशान पड़ेगा, वह तुम्हारा होगा, रेगिस्तान से और अन्तिलिबानुस से, और मेलास नदी से, यूफ्रेट्स नदी से, और पश्चिम के समुद्र तक तुम्हारी सीमाएँ होंगी। तुम्हारे सामने कोई भी खड़ा नहीं होगा, और तुम्हारे प्रभु परमेश्वर तुम्हारा भय और तुम्हारा आतंक उस सारी पृथ्वी पर डालेंगे जिस पर तुम पैर रखोगे, जैसा उन्होंने तुमसे कहा था।

देखो, मैं आज तुम्हारे सामने आशीर्वाद और श्राप देता हूँ। आशीर्वाद, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को सुनो, जितनी मैं आज तुम्हें देता हूँ, और श्राप, यदि तुम अपने ईश्वर प्रभु की आज्ञाओं को नहीं सुनोगे, जितनी मैं तुम्हें आज आज्ञा देता हूँ, और उस मार्ग से भटक जाओगे जो

मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी, और जाकर अन्य देवताओं की सेवा करोगे, जिन्हें तुम नहीं जानते। और ऐसा होगा कि जब प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उस भूमि में ले जाएगा जिसमें तू वहाँ अधिकार करने के लिए पार कर रहा है, तो तू गरिज़ीम पर्वत पर आशीर्वाद देगा और एबाल पर्वत पर शाप देगा। क्या ये यरदन के पार नहीं हैं, सूर्य के पश्चिम की ओर के मार्ग के पीछे, कनान की भूमि में, जो पश्चिम में निवास करता है, गोलगोल के निकट, ऊँचे बांज के पास? तुम यरदन को पार कर रहे हो, प्रवेश करके उस भूमि को विरासत में लेने के लिए, जो प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में सब दिनों के लिए देता है, और तुम इसमें निवास करोगे।

और तुम उसकी सब आज्ञाओं को मानने के लिए सावधान रहोगे, और इन न्यायों को, जितने मैं आज तुम्हारे सामने देता हूँ।

12

और ये आदेश और निर्णय हैं, जिन्हें तुम उस भूमि में पालन करोगे, जो प्रभु, तुम्हारे पिताओं का परमेश्वर, तुम्हें विरासत में देता है, उन सब दिनों में जो तुम भूमि पर जीते हो। विनाश के साथ तुम उन सभी स्थानों को नष्ट कर दोगे जिनमें उन्होंने वहाँ अपने देवताओं की सेवा की, जिन्हें तुम विरासत में पाओगे - ऊँचे पहाड़ों पर, टीलों पर, और घने वृक्षों के नीचे। और तुम उनकी वेदियों को नष्ट करोगे, और उनके स्तंभों को तोड़ोगे, और उनके वृक्षों को काटोगे, और उनके देवताओं की मूर्तियों को आग में जलाओगे, और उनका नाम उस स्थान से नष्ट करोगे। तुम अपने परमेश्वर प्रभु के साथ इस प्रकार नहीं करोगे। लेकिन उस स्थान में जिसे प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे नगरों में से किसी एक में चुनेगा, वहाँ अपना नाम रखने और बुलाए जाने के लिए, तुम खोजोगे और वहाँ आओगे। और तुम वहाँ अपने होमबलि, और अपने बलिदान, और अपने पहले फल, और अपनी प्रार्थनाएँ, और अपने स्वैच्छिक भेंट, और अपने समझौते, अपने बैलों के पहलौठे, और अपनी भेड़ों के पहलौठे लाओगे। और तुम वहाँ अपने प्रभु परमेश्वर के सामने खाओगे, और तुम उन सब

पर आनंदित होओगे जिन पर तुमने हाथ रखा है, तुम और तुम्हारे घराने, जैसे तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें आशीर्वाद दिया है।

तुम वह सब नहीं करोगे जो हम यहाँ आज करते हैं, प्रत्येक अपनी दृष्टि में जो उचित है। क्योंकि तुम अब तक उस विश्राम में और उस विरासत में नहीं आए हो, जो प्रभु हमारा देवता तुम्हें देता है। और तुम यर्दन को पार करोगे और उस भूमि पर निवास करोगे जो प्रभु हमारा देवता तुम्हें विरासत के रूप में दे रहा है, और वह तुम्हें तुम्हारे चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम देगा, और तुम सुरक्षा के साथ निवास करोगे। और वह स्थान होगा जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम बुलाने के लिए चुनेगा, वहाँ तुम वह सब कुछ लाओगे जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ: तुम्हारी होमबलि, तुम्हारे बलिदान, तुम्हारे दशमांश, तुम्हारे हाथों के प्रथम फल, और तुम्हारी सब चुनी हुई भेंटें जो तुम प्रभु अपने परमेश्वर को मन्नत करोगे। और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने आनन्दित होओगे, तुम और तुम्हारे पुत्र, और तुम्हारी पुत्रियाँ, और तुम्हारे सेवक, और तुम्हारी दासियाँ, और वह लेवी जो तुम्हारे फाटकों पर है, क्योंकि उसका तुम्हारे साथ न कोई भाग है और न कोई हिस्सा। अपने लिए ध्यान दो, कि तुम अपनी होम बलि हर उस स्थान पर मत चढ़ाओ जहाँ तुम देखो। लेकिन उस स्थान में जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे कबीलों में से एक में चुनेगा, वहाँ तुम अपने होमबलि लाओगे, और वहाँ तुम वह सब करोगे जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ। लेकिन तुम अपनी सब इच्छा के अनुसार बलि करोगे, और अपने परमेश्वर प्रभु के आशीर्वाद के अनुसार मांस खाओगे जो उसने तुम्हें सब नगरों में दिया था, अशुद्ध और शुद्ध दोनों एक साथ इसे खाएंगे, जैसे हिरन या मृग। केवल रक्त मत खाना, उसे भूमि पर जल के समान बहा देना।

तुम अपने शहरों में अपने अनाज का दसवां भाग, और अपनी शराब, और अपना तेल, अपने बैलों के पहलौठे, और अपनी भेड़ों के पहलौठे, और सब प्रार्थनाएं जितनी तुम मन्नत करो, और अपने वचन, और अपने हाथों के पहले फल नहीं खा सकोगे। लेकिन तू इसे अपने परमेश्वर प्रभु के सामने उस स्थान में खाएगा, जिसे प्रभु तेरा परमेश्वर चुनेगा, तू और तेरा पुत्र और तेरी पुत्री, तेरा सेवक और तेरी दासी, और वह परदेशी जो तुम्हारे नगरों में है, और तू अपने परमेश्वर प्रभु के

सामने आनन्दित होगा उन सब बातों में जिन पर तू अपना हाथ लगाएगा।

अपने लिए ध्यान रखो कि तुम लेवी को न त्यागो, उस सारे समय में जितना तुम पृथ्वी पर जीवित रहो।

यदि प्रभु तेरा ईश्वर तेरी सीमाओं को विस्तृत करे, जैसे उसने तुझसे कहा था, और तू कहे, मैं माँस खाऊँगा, यदि तेरी आत्मा माँस खाने की इच्छा करे, तो तू अपनी आत्मा की सम्पूर्ण इच्छा से माँस खा सकता है। यदि वह स्थान जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम बुलाने के लिए चुने, तुमसे दूर हो, तो तुम अपने बैलों और भेड़ों में से, जो परमेश्वर तुम्हें दे, उस रीति से बलिदान करोगे जैसी मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, और अपने नगरों में अपने प्राण की इच्छा के अनुसार खाओगे। जैसे हिरण और मृग खाया जाता है, वैसे ही तुम इसे खाओगे, तुममें अशुद्ध और शुद्ध दोनों समान रूप से खाएंगे। दृढ़ता से ध्यान दो कि रक्त न खाओ, क्योंकि रक्त उसका प्राण है, प्राण मांस के साथ नहीं खाया जाएगा। तुम इसे नहीं खाओगे, इसे भूमि पर जल की तरह बहाओगे। तुम इसे नहीं खाओगे, ताकि तुम्हारा और तुम्हारे बाद तुम्हारे पुत्रों का भला हो, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने अच्छा और प्रसन्न करने वाला काम करोगे। सिवाय तुम्हारी पवित्र चीज़ों के, यदि वे तुम्हें प्राप्त हों, और तुम्हारी प्रार्थनाओं को लेकर तुम उस स्थान पर आओगे जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर चुनेगा ताकि वहाँ उसके नाम की आराधना हो। और तू अपने होमबलि चढ़ाएगा, मांस को अपने प्रभु परमेश्वर की वेदी पर चढ़ाएगा, लेकिन अपने बलिदानों का रक्त अपने प्रभु परमेश्वर की वेदी के आधार पर उंडेलेगा, और मांस को खाएगा। रक्षा करो और सुनो, और तुम उन सब शब्दों को मानोगे जो मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ, ताकि तुम्हारा और तुम्हारे पुत्रों का युगों तक भला हो, यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने वह करो जो प्रसन्न करने वाला और अच्छा है।

यदि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उन राष्ट्रों को नष्ट कर दे जिनकी भूमि का उत्तराधिकार लेने के लिए तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो, और वह उन्हें तुम्हारे सामने से नष्ट कर दे, और तुम उस भूमि पर अधिकार कर लो और उनकी भूमि में निवास करो, अपने लिए सावधान रहो कि तुम उनका अनुसरण करने

की खोज न करो, उनके तुम्हारे सामने से पूरी तरह नष्ट हो जाने के बाद, यह कहते हुए, ये राष्ट्र अपने देवताओं की सेवा कैसे करते हैं? मैं भी वैसा ही करूंगा। तुम अपने परमेश्वर के साथ इस प्रकार नहीं करोगे, क्योंकि प्रभु की घृणित बातें जिनसे उसने घृणा की, उन्होंने अपने देवताओं के लिए कीं, क्योंकि वे अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों को अपने देवताओं के लिए आग में जलाते हैं।

13

हर शब्द जो मैं आज तुम्हें आदेश देता हूँ, इसे तुम पालन करोगे, तुम इसमें कुछ नहीं जोड़ोगे, और न ही इससे कुछ हटाओगे।

यदि तुझमें कोई भविष्यवक्ता या स्वप्न देखने वाला उठे, और तुझे कोई चिन्ह या चमत्कार दे, और वह निशानी या चमत्कार जो उसने तुमसे कहा था घटित हो जाए, और वह कहे, आओ हम जाएं और दूसरे देवताओं की सेवा करें जिन्हें तुम नहीं जानते। तुम उस भविष्यवक्ता के शब्दों को या उस स्वप्न देखने वाले के स्वप्न को नहीं सुनोगे, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारी परीक्षा ले रहा है, यह जानने के लिए कि क्या तुम अपने परमेश्वर से अपने संपूर्ण हृदय और अपनी संपूर्ण आत्मा से प्रेम करते हो। अपने परमेश्वर प्रभु के पीछे चलो, और उसका भय मानो, और उसकी वाणी सुनो, और उससे जुड़े रहो। और वह भविष्यवक्ता या वह स्वप्न देखने वाला मार डाला जाएगा, क्योंकि उसने तुम्हें प्रभु तुम्हारे परमेश्वर से भटकाने के लिए बोला, जो तुम्हें मिस्र देश से बाहर लाया, जिसने तुम्हें दासता से छुड़ाया, तुम्हें उस मार्ग से हटाने के लिए जिस पर चलने की आज्ञा प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें दी थी, और तुम अपने बीच से दुष्ट को नष्ट कर दोगे।

यदि तुम्हारा भाई जो तुम्हारे पिता से है या तुम्हारी माता से है, या तुम्हारा पुत्र, या तुम्हारी पुत्री, या तुम्हारी स्त्री जो तुम्हारी गोद में है, या तुम्हारी आत्मा के बराबर मित्र तुम्हें गुप्त रूप से उकसाए, यह कहते हुए, चलो और अन्य देवताओं की सेवा करें, जिन्हें न तुम जानते थे और न तुम्हारे पिता,

उन राष्ट्रों के देवताओं से जो तुम्हारे चारों ओर हैं, जो तुझसे निकट हैं या तुझसे दूर हैं, पृथ्वी के एक छोर से पृथ्वी के दूसरे छोर तक, तू उससे सहमत नहीं होगा, और उसकी नहीं सुनेगा, और तेरी आँख उस पर दया नहीं करेगी, तू उस पर इच्छा नहीं करेगा, और न ही तू उसे ढकेगा। घोषणा करते हुए तू उसके बारे में घोषणा करेगा, और तेरे हाथ पहले उसको मारने के लिए उस पर होंगे, और सब लोगों के हाथ अंत में। और वे उसे पत्थरों से मारेंगे, और वह मर जाएगा, क्योंकि उसने तुझे प्रभु तेरे परमेश्वर से, जो तुझे मिस्र देश से, गुलामी के घर से निकाल लाया, हटाने की कोशिश की। और समस्त इस्राएल सुनकर डरेगा, और तुम्हारे बीच इस बुरे वचन के अनुसार फिर नहीं करेगा।

यदि तुम अपने उन नगरों में से किसी एक में सुनो, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें वहाँ निवास करने के लिए देता है, यह कहते हुए तुम्हारे बीच से अधर्मी पुरुष बाहर गए, और उन्होंने अपनी भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों को भटका दिया, यह कहते हुए, चलो और अन्य देवताओं की सेवा करें, जिन्हें तुम नहीं जानते थे। और तनाव और प्रश्न, और तुम अत्यधिक खोजोगे, और देखो, वह वचन स्पष्ट रूप से सत्य है, यह घृणित कार्य तुम्हारे बीच हो गया है, नष्ट करते हुए तुम उस भूमि में निवास करने वाले सभी लोगों को तलवार से हत्या करके नष्ट करोगे, तुम उसे और उसमें की सभी चीजों को शाप से शापित करोगे। और तू उसकी सब लूट को उसकी गलियों में इकट्ठा करेगा, और उस शहर को आग में जलाएगा, और उसकी सब लूट को सब लोगों के साथ अपने परमेश्वर प्रभु के सामने जलाएगा, और वह सदा के लिए निर्जन रहेगा, वह फिर कभी नहीं बनाया जाएगा। और तुम्हारे हाथ में समर्पित वस्तु से कुछ भी नहीं जोड़ा जाएगा, ताकि प्रभु अपने क्रोध के कोप से मुड़ जाएं, और तुम्हें दया दें, और तुम पर दया करें, और तुम्हें बढ़ाएं, जिस रीति से उन्होंने तुम्हारे पितरों से शपथ खाई थी, यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु की आज्ञा सुनो, उसके आदेशों की रक्षा करो, जितने मैं आज तुम्हें आदेश देता हूँ, अपने परमेश्वर प्रभु के सामने अच्छा और प्रसन्न करने वाला करो।

तुम अपने प्रभु परमेश्वर के पुत्र हो, तुम किसी मृतक के लिए अपनी आँखों के बीच गंजापन नहीं रखोगे। क्योंकि तुम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए पवित्र लोग हो, और तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें चुना है कि तुम पृथ्वी के समस्त राष्ट्रों में से उसकी बहुमूल्य निधि बनो। तुम किसी भी घृणित वस्तु को नहीं खाओगे। ये वे पशु हैं जो तुम खाओगे: बैलों में से बछड़ा, और भेड़ों में से मेमना, और बकरियों में से बकरी का बच्चा। हिरण, गज़ेल, पाइगार्ग, ओरिक्स और जिराफ़। हर वह पशु जो खुर को विभाजित करता है, और दो खुरों के पंजे रखता है, और पशुओं में जुगाली करता है, इन्हें तुम खाओगे। और तुम इन्हें नहीं खाओगे जो जुगाली करते हैं और जिनके खुर विभाजित होते हैं और जिनके पंजे होते हैं - ऊंट, खरगोश और चट्टानी बिज्जू, क्योंकि ये जुगाली तो करते हैं परन्तु खुर विभाजित नहीं करते, ये तुम्हारे लिए अशुद्ध हैं। और सूअर, क्योंकि यह खुर को विभाजित करता है और खुर के पंजों को विभाजित करता है, और यह जुगाली नहीं करता है, यह तुम्हारे लिए अशुद्ध है। उनके मांस से तुम नहीं खाओगे, उनके शवों को नहीं छुओगे।

और तुम पानी में रहने वाले सभी जीवों में से उन्हें खाओगे जिनके पंख और शल्क हैं। और जितनों के पंख और शल्क नहीं हैं, उन सबको तुम नहीं खाओगे; वे तुम्हारे लिए अशुद्ध हैं। हर शुद्ध पक्षी को तुम खाओगे। और तुम इन्हें उनमें से नहीं खाओगे: उकाब को, और गिद्ध को, और मछलीमार को, और गिद्ध, और चील, और उसके समान, और गौरैया, और उल्लू, और सीगल, और बगुला, और हंस, और आइबिस, और जलकाग, और बाज, और उसके समान पक्षी, और हुदहुद, और रात्रि कौआ, और पेलिकन, और प्लोवर, और उसके समान, और बैंगनी जल मुर्गी, और चमगादड़। सब पक्षियों की रेंगने वाली चीज़ें तुम्हारे लिए अशुद्ध हैं, तुम उनमें से नहीं खाओगे। हर शुद्ध पक्षी तुम खा सकते हो। हर मृत शरीर मत खाओ, वह तुम्हारे शहरों में रहने वाले परदेशी को दिया जाएगा और वह खाएगा, या तुम उसे किसी विदेशी को दे दोगे, क्योंकि तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए पवित्र लोग हो। मेमने को उसकी माता के दूध में मत उबालो।

तुम अपने बीज की सारी उपज का दशमांश दोगे, अपने खेत की उपज का वर्ष दर वर्ष। और तू इसे उस स्थान में खाएगा, जहाँ प्रभु तेरा परमेश्वर अपना नाम बुलाए जाने के लिए चुनेगा, वहाँ तू अपने अनाज का, अपने दाखरस का, और अपने तेल का दशमांश, अपने बैलों के और अपनी भेड़ों के पहलौठे लाएगा, ताकि तू सब दिन प्रभु अपने परमेश्वर से डरना सीखे। यदि वह मार्ग तुम्हारे से दूर हो जाए, और तुम उन्हें चढ़ाने में सक्षम न हो, क्योंकि वह स्थान तुम्हारे से दूर है जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर अपना नाम वहाँ पुकारे जाने के लिए चुनेगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद देगा, और तू उन्हें चाँदी के बदले बेचेगा, और तू चाँदी को अपने हाथों में लेगा, और तू उस स्थान पर जाएगा जिसे प्रभु तेरा परमेश्वर चुनेगा। और तुम चाँदी दोगे उस सब पर जो कुछ तुम्हारी आत्मा इच्छा करे, बैल पर या भेड़ पर, या दाखरस पर या मादक पेय पर, या मादक पेय पर, या उस सब पर जो कुछ तुम्हारी आत्मा इच्छा करे, और तुम वहाँ अपने परमेश्वर प्रभु के सामने खाओगे, और तुम और तुम्हारा घराना आनन्दित होगा। और तुम्हारे नगरों में रहने वाला लेवी, क्योंकि उसको तुम्हारे साथ कोई हिस्सा और न कोई भाग्य है।

तीन वर्षों के बाद तुम अपनी उपज का सम्पूर्ण दशमांश बाहर लाओगे, उस वर्ष में तुम इसे अपने शहरों में रखोगे। और लेवी आएगा, क्योंकि उसके पास तेरे साथ न हिस्सा है न भाग्य, और परदेशी और अनाथ और विधवा जो तेरे शहरों में हैं, और वे खाएंगे और तृप्त होंगे, ताकि प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उन सब कामों में आशीर्वाद दे जो तू करे।

15

सात वर्षों में तू मुक्ति प्रदान करेगा। और इस प्रकार मुक्ति का आदेश है, तुम अपना हर ऋण छोड़ दोगे जो तुम्हारा पड़ोसी तुम पर बकाया रखता है, और तुम अपने भाई से मांग नहीं करोगे, क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की मुक्ति घोषित की गई है। विदेशी से तुम उतना मांगोगे जितना तुम्हारा उसके पास हो, लेकिन अपने भाई के ऋण को तुम माफ करोगे। क्योंकि तुझमें कोई कमी

वाला नहीं होगा, क्योंकि प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे उस भूमि में आशीष देगा, जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे भाग्य से उत्तराधिकार में लेने के लिए देता है।

यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को ध्यान से सुनो और इन सब आदेशों का पालन करो तथा उन्हें पूरा करो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर ने तुम्हें आशीर्वाद दिया है, जैसा उसने तुमसे कहा था, और तुम बहुत राष्ट्रों को उधार दोगे, लेकिन तुम उधार नहीं लोगे, और तुम बहुत राष्ट्रों पर शासन करोगे, लेकिन वे तुम पर शासन नहीं करेंगे।

यदि तेरे नगरों में से किसी एक नगर में, उस भूमि में जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे देता है, तेरे भाइयों में से कोई अभावग्रस्त हो जाए, तो तू अपने हृदय को कठोर नहीं करेगा, और न ही अपने जरूरतमंद भाई से अपना हाथ बंद करेगा। तू अपने हाथ उसके लिए अवश्य खोलेगा, और उसे ऋण देगा जितना उसे आवश्यकता है, क्योंकि वह आवश्यकता में है। अपने लिए सावधान रहो कि तुम्हारे हृदय में कोई छिपा हुआ अधर्म का विचार न आए, यह कहते हुए कि सातवाँ वर्ष, मुक्ति का वर्ष निकट आ रहा है, और तुम्हारी दृष्टि अपने जरूरतमंद भाई के प्रति बुरी हो जाए, और तुम उसे कुछ न दो, और वह तुम्हारे विरुद्ध प्रभु से पुकारे, और तुममें बड़ा पाप हो। तुम उसे अवश्य दोगे, और उसे उधार दोगे जितना उसे आवश्यकता है, क्योंकि वह जरूरतमंद है, और तुम अपने हृदय में दुखी नहीं होगे जब तुम उसे दोगे, क्योंकि इस वचन के कारण प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें तुम्हारे सब कामों में और सब में जहाँ तुम अपना हाथ लगाओगे, आशीर्वाद देगा। क्योंकि तुम्हारी भूमि से जरूरतमंद कभी समाप्त नहीं होंगे, इसलिए मैं तुम्हें यह आज्ञा देता हूँ: तुम अपने हाथ अपने गरीब भाई और अपनी भूमि पर रहने वाले जरूरतमंद के लिए अवश्य खोलोगे।

यदि तुम्हारा इब्री भाई या इब्री बहन तुम्हें बेचा जाए, तो वह छः वर्ष तुम्हारी सेवा करेगा, और सातवें वर्ष तुम उसे अपने पास से स्वतंत्र करके भेज दोगे। जब तुम उसे अपने पास से स्वतंत्र करके भेजो, तो उसे खाली हाथ नहीं भेजोगे। तू उसे अपनी भेड़ों में से, अपने अनाज में से, और अपने दाखरस में से प्रावधान देगा, जैसे प्रभु तेरे परमेश्वर ने तुझे आशीष दी है, वैसे ही तू उसे

देगा।

और तुम याद करोगे कि तुम मिस्र की भूमि में सेवक थे, और प्रभु तुम्हारे देवता ने तुम्हें वहाँ से छुड़ाया, इसी कारण मैं तुम्हें इस वचन को करने की आज्ञा देता हूँ। यदि वह तुमसे कहे, मैं तुम्हारे पास से नहीं जाऊंगा, क्योंकि उसने तुम्हें और तुम्हारे घर से प्रेम किया है, क्योंकि तुम्हारे पास उसके लिए अच्छा है। और तू सुई लेगा, और तू उसके कान को दरवाज़े की ओर छेदेगा, और वह तेरे लिए सदा का सेवक होगा, और तेरी दासी के साथ भी तू ऐसा ही करेगा। तुम्हारे सामने कठोर नहीं होगा जब उन्हें तुम्हारे पास से स्वतंत्र भेजा जाए, क्योंकि उसने छह वर्ष तक किराए के मजदूर की वार्षिक मजदूरी के बराबर तुम्हारी सेवा की है, और प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें उन सब कामों में आशीर्वाद देगा जो तुम करोगे।

हर पहलौठा जो तुम्हारे बैलों में और तुम्हारी भेड़ों में जन्म ले, उन नरों को तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए पवित्र करोगे। तुम अपने पहलौठे बछड़े से काम नहीं करोगे, और तुम अपनी भेड़ों के पहलौठों को नहीं कतारोगे। प्रभु के सामने तू इसे वर्ष दर वर्ष उस स्थान में खाएगा, जो प्रभु तेरा देवता चुनेगा, तू और तेरा घर। यदि उसमें कोई दोष हो, लंगड़ा या अंधा, कोई बुरा दोष, तो तुम इसे अपने प्रभु परमेश्वर को बलिदान नहीं करोगे।

तुम अपने शहरों में इसे खाओगे, तुम में जो अशुद्ध है और जो शुद्ध है वह भी उसी प्रकार खाएगा जैसे हिरण या मृग। सिवाय रक्त के, तुम नहीं खाओगे; तुम इसे भूमि पर पानी की तरह डालोगे।

16

नए अन्न के महीने की रक्षा करना, और तुम अपने परमेश्वर यहोवा के लिए फसह मनाओगे, क्योंकि नए अन्न के महीने में तुम रात को मिस्र से निकले थे। और तू अपने परमेश्वर प्रभु के लिए

फसह का बलिदान भेड़ों और बैलों से उस स्थान पर करेगा, जिसे तेरा परमेश्वर प्रभु चुनेगा, ताकि वहाँ उसका नाम पुकारा जाए। तुम उस पर खमीर नहीं खाओगे, सात दिन तुम उस पर बिना खमीर की रोटी, कष्ट की रोटी खाओगे, क्योंकि तुम जल्दी में मिस्र से निकले थे, ताकि तुम अपने जीवन के सभी दिनों में मिस्र की भूमि से अपने प्रस्थान के दिन को याद रखो। तुम्हारी सभी सीमाओं में सात दिनों तक तुम्हें खमीर नहीं दिखाई देगा, और जो मांस तुम पहले दिन की शाम को बलिदान करो, वह सुबह तक नहीं रहेगा। तुम अपने किसी भी शहर में, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है, पासओवर का बलिदान नहीं कर सकोगे। लेकिन उस जगह में जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर चुनेगा, अपना नाम वहाँ बुलाए जाने के लिए, वहाँ तुम फसह का बलिदान शाम को सूर्यास्त के समय करोगे, उस समय में जब तुम मिस्र से निकले थे। और तू उबालेगा और भूनेगा और उस स्थान में खाएगा, जो प्रभु तेरा परमेश्वर चुनेगा, और तू सुबह में लौटेगा और अपने घर आएगा। छह दिन तक तू बिना खमीर की रोटी खाएगा, और सातवें दिन प्रभु तेरे परमेश्वर के लिए समापन पर्व होगा। तू उस दिन कोई काम नहीं करेगा, सिवाय उसके जो प्राण के लिए किया जाना आवश्यक है।

तुम अपने लिए सात सप्ताह गिनोगे, जब तुम फसल पर दरांती लगाना शुरू करो, तब तुम सात सप्ताह गिनना शुरू करोगे। और तू अपने परमेश्वर प्रभु के लिए सप्ताहों का पर्व मनाएगा, जैसे तेरा हाथ सामर्थ्य रखता है, जितना तेरा परमेश्वर प्रभु देता है।

और तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने आनन्दित होगे, तुम और तुम्हारा पुत्र, और तुम्हारी पुत्री, तुम्हारा दास, और तुम्हारी दासी, और लेवी, और परदेशी, और अनाथ, और विधवा जो तुम में है, उस स्थान में जिसे तुम्हारा प्रभु परमेश्वर चुनेगा कि वहाँ उसका नाम पुकारा जाए।

और तू स्मरण करेगा कि तू मिस्र देश में दास था, और तू इन आज्ञाओं की रक्षा करेगा और इनका पालन करेगा। तम्बुओं का पर्व तू अपने लिए सात दिन मनाएगा, जब तू अपने खलिहान से और अपने दाखरस कुण्ड से इकट्ठा करे। और तुम अपने त्योहार में आनंदित होगे, तुम और तुम्हारा

पुत्र, और तुम्हारी पुत्री, तुम्हारा सेवक, और तुम्हारी दासी, और लेवी, और परदेशी, और अनाथ, और विधवा जो तुम्हारे नगरों में हैं। सात दिन तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए उस स्थान में पर्व मनाओगे, जिसे तुम्हारा परमेश्वर प्रभु चुने। यदि तुम्हारा परमेश्वर प्रभु तुम्हारी सब उपज में और तुम्हारे हाथों के हर काम में तुम्हें आशीर्वाद दे, तो तुम आनंदित होगे।

वर्ष में तीन बार तुम्हारा हर पुरुष तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के सामने उस स्थान पर दिखाई देगा, जिसे प्रभु चुनेगा - बिना खमीर की रोटी के पर्व में, सप्ताहों के पर्व में, और तम्बुओं के पर्व में। तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने खाली हाथ दिखाई नहीं दोगे। प्रत्येक व्यक्ति अपने हाथों की शक्ति के अनुसार, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के आशीर्वाद के अनुसार जो उसने तुम्हें दिया है।

न्यायाधीश और अधिकारी तुम अपने लिए अपने शहरों में नियुक्त करोगे, जो प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें तुम्हारे कुलों के अनुसार देता है, और वे लोगों का न्यायपूर्ण न्याय करेंगे। वे न्याय से नहीं मुड़ते, न ही उपहार लेंगे, क्योंकि उपहार बुद्धिमानों की आँखें अंधी कर देता है, और न्यायियों के शब्दों को हटा देता है। न्यायपूर्वक न्यायपूर्ण का अनुसरण करो, ताकि तुम जीवित रहो, और प्रवेश करके उस भूमि के उत्तराधिकारी बनो जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है।

तू अपने लिए अपने परमेश्वर की वेदी के पास कोई पवित्र वन या पेड़ नहीं रोपेगा, और न ही अपने लिए कुछ बनाएगा। तू अपने लिए स्तंभ स्थापित नहीं करेगा, जिससे तेरे प्रभु ईश्वर ने घृणा की।

17

तू अपने प्रभु परमेश्वर के लिए ऐसे बछड़े या भेड़ का बलिदान नहीं करेगा, जिसमें कोई दोष हो, कोई बुरी बात हो, क्योंकि यह तेरे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित है।

यदि तुम्हारे किसी एक शहर में, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है, कोई पुरुष या स्त्री पाया गया जो प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के सामने बुराई करेगा, उसकी वाचा को तोड़ने के लिए, और आकर वे अन्य देवताओं की सेवा करें, और उनको प्रणाम करें, सूर्य को, या चंद्रमा को, या आकाश के संसार की सभी चीजों को, जिनका तुमको आदेश नहीं दिया गया, और तुम्हें सूचित किया जाए और तुम बहुत सावधानी से खोज करो, और देखो, सचमुच यह बात हुई है, यह घृणित कार्य इस्राएल में हुआ है, और तुम उस आदमी को या उस स्त्री को बाहर लाओगे, और तुम उन्हें पत्थरों से पत्थरवाह करोगे, और वे मर जाएंगे। दो या तीन गवाहों पर वह मरेगा, मरने वाला एक गवाह पर नहीं मरेगा। और गवाहों का हाथ सबसे पहले उसे मार डालने के लिए उस पर होगा, और लोगों का हाथ अंत में, और तुम बुराई को अपने बीच से निकाल दोगे।

यदि तुम्हारे लिए न्याय में कोई शब्द असंभव हो जाए—रक्त और रक्त के बीच, और न्याय और न्याय के बीच, और स्पर्श और स्पर्श के बीच, और विवाद और विवाद के बीच—तुम्हारे नगरों में न्याय के शब्द, तो उठकर तुम उस स्थान पर चढ़ोगे जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर वहाँ चुने। और तुम लेवी पुजारियों के पास जाओगे, और उस न्यायाधीश के पास जो उन दिनों में होगा, और खोज करके वे तुम्हें निर्णय सुनाएंगे। और तुम उस बात के अनुसार करोगे जो वे तुम्हें उस स्थान से बताएं, जिसे प्रभु तुम्हारा परमेश्वर चुने, और तुम सब कुछ करने का ध्यान रखोगे जो तुम्हें विधि द्वारा निर्धारित किया जाए। कानून के अनुसार और निर्णय के अनुसार जो वे तुमसे कहें, तुम वैसा ही करोगे, तुम उस वचन से दाहिने या बाएँ नहीं मुड़ोगे जो वे तुम्हें बताएँ।

और वह आदमी जो अहंकार में ऐसा करे कि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के नाम पर सेवा करने के लिए खड़े याजक की, या उन दिनों में जो न्यायाधीश हो उसकी आज्ञा न माने, तो वह आदमी मार डाला जाएगा, और तुम इस्राएल में से बुराई को दूर करोगे। और सब लोग सुनकर डरेंगे, और फिर अधर्म नहीं करेंगे।

यदि तू उस भूमि में प्रवेश करे जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे देता है, और तू उसे विरासत में पाए, और

उस पर निवास करे, और तू कहे, मैं अपने ऊपर एक शासक नियुक्त करूंगा, जैसा कि मेरे चारों ओर के अन्य राष्ट्रों में है, नियुक्त करते हुए तुम अपने ऊपर एक शासक नियुक्त करोगे, जिसे प्रभु देवता चुनेगा, अपने भाइयों में से तुम अपने ऊपर शासक नियुक्त करोगे। तुम अपने ऊपर किसी विदेशी मनुष्य को नियुक्त करने में सक्षम नहीं होगे, क्योंकि वह तुम्हारा भाई नहीं है। क्योंकि वह अपने लिए घोड़े नहीं बढ़ाएगा, और न ही वह लोगों को मिस्र में लौटाएगा, ताकि वह अपने लिए घोड़े न बढ़ाए, और प्रभु ने कहा, तुम इस रास्ते पर फिर नहीं लौटोगे। और वह अपने लिए अनेक स्त्रियाँ नहीं रखेगा, ताकि उसका हृदय भटक न जाए, और वह अपने लिए चाँदी और सोना अत्यधिक नहीं बढ़ाएगा।

और जब वह अपने शासन पर बैठे, तो वह अपने लिए इस व्यवस्थाविवरण को एक पुस्तक में लेवीय याजकों से लिखवाएगा। और यह उसके साथ रहेगा, और वह अपने जीवन के सभी दिनों में इसे पढ़ेगा, ताकि वह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर से डरना सीखे, और इन सभी आज्ञाओं को मानना और इन विधियों का पालन करना सीखे। ताकि उसका हृदय उसके भाइयों से ऊपर न उठे, ताकि वह आज्ञाओं से दाएं या बाएं न भटके, ताकि वह अपने शासन में लंबे दिन रहे, वह और उसके पुत्र इस्राएल के पुत्रों में।

18

पुजारियों और लेवियों को, अर्थात् लेवी के पूरे कबीले को, इस्राएल के साथ कोई हिस्सा या भाग्य नहीं मिलेगा। प्रभु की बलि उनका भाग्य है, वे उसे खाएंगे। भाग उनको उनके भाइयों में नहीं होगा, प्रभु स्वयं उसका भाग है, जैसा उसने उसको कहा था। और यह पुजारियों का निर्णय है, जो लोगों से, बलिदान करने वालों से, बलिदान के संबंध में है - चाहे बछड़ा हो, चाहे भेड़ - और तुम पुजारी को भुजा दोगे, और गाल, और आमाशय। और तुम अपने अनाज के पहले फल, और अपनी शराब, और अपने तेल, और अपनी भेड़ों की ऊन की कतरन के पहले फल उसे दोगे।

क्योंकि प्रभु ने उसको तुम्हारे सब कबीलों में से चुना है, कि वह प्रभु परमेश्वर के सामने खड़ा हो, सेवा करे और उसके नाम पर आशीर्वाद दे, वह और उसके पुत्र इसाएल के पुत्रों में।

यदि लेवी इसाएल के सभी पुत्रों के नगरों में से किसी एक नगर से आता है, जहाँ वह स्वयं निवास करता है, जैसा कि उसकी आत्मा इच्छा करती है, उस स्थान में जो वह चुनेगा, वह अपने परमेश्वर प्रभु के नाम में सेवा करेगा, जैसे उसके सब भाई लेवी जो वहाँ तेरे परमेश्वर प्रभु के सामने खड़े हैं। विभाजित भाग खाएगा, परिवार के अनुसार बिक्री को छोड़कर। यदि तुम उस भूमि में प्रवेश करो जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है, तो तुम उन जातियों के घृणित कार्यों के अनुसार करना नहीं सीखोगे।

तुम्हारे बीच ऐसा कोई नहीं पाया जाएगा जो अपने पुत्र या पुत्री को अग्नि में शुद्ध करे, जो भविष्यवाणी करे, जो शकुन की व्याख्या करे, जो पक्षियों से शकुन देखे, या जो जादू-टोना करे। मंत्र गाते हुए, माध्यम, और शकुन का दिव्यदर्शी, मृतकों से परामर्श करते हुए। क्योंकि जो कोई ये काम करता है वह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित है, इन्हीं घृणित कर्मों के कारण प्रभु उन्हें तुम्हारे सामने से नष्ट कर देगा। तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने पूर्ण होगे। क्योंकि ये जातियाँ, जिन्हें तुम बेदखल करते हो, शकुन और भविष्यवाणियों को सुनती हैं, परन्तु तुम्हारे परमेश्वर प्रभु ने तुम्हें ऐसा नहीं दिया है।

प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे भाइयों में से एक नबी को, मेरे जैसा, तुम्हारे लिए उठाएगा, उसकी तुम सुनोगे। उन सब के अनुसार जो तुमने होरेब में सभा के दिन अपने प्रभु परमेश्वर से माँगा था, यह कहते हुए, हम अपने प्रभु परमेश्वर की आवाज़ फिर नहीं सुनेंगे, और न ही इस महान आग को फिर देखेंगे, ताकि हम मर न जाएँ। और प्रभु ने मुझसे कहा, जो कुछ उन्होंने तुमसे कहा है, वह सब सही है। मैं उनके भाइयों में से उनके लिए एक नबी खड़ा करूँगा, जैसे तुम, और मैं उसके मुँह में अपने वचन डालूँगा, और वह उनसे वह सब कुछ कहेगा जो मैं उसे आज्ञा दूँगा। और जो आदमी उस भविष्यवक्ता की नहीं सुनेगा जो कुछ भी वह मेरे नाम पर बोलेगा, मैं उससे बदला लूँगा।

सिवाय उस भविष्यवक्ता के जो मेरे नाम पर अधर्मपूर्वक वह शब्द बोले जिसे बोलने की मैंने आज्ञा नहीं दी, और जो अन्य देवताओं के नाम में बोले, वह भविष्यवक्ता मर जाएगा। यदि तू अपने हृदय में कहे, हम कैसे जानेंगे वह वचन जो प्रभु ने नहीं बोला? जो कुछ भी वह भविष्यवक्ता प्रभु के नाम से बोले, और वह न हो, और न घटित हो, तो यह वह वचन है जो प्रभु ने नहीं बोला; उस भविष्यवक्ता ने अधर्म से बोला है, तुम उससे नहीं डरोगे।

19

यदि प्रभु तुम्हारा ईश्वर उन राष्ट्रों को नष्ट कर दे, जिनकी भूमि वह ईश्वर तुम्हें देता है, और तुम उन पर अधिकार कर लो, और तुम उनके नगरों में और उनके घरों में निवास करो, तीन शहर तुम अपने लिए अलग करोगे अपनी भूमि के बीच में, जो प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हें देता है। अपने लिए मार्ग पर विचार करो, और अपनी भूमि की सीमाओं को तीन भागों में विभाजित करो, जो तुम्हारा प्रभु देवता तुम्हें वितरित करता है, और यह प्रत्येक हत्यारे के लिए शरणस्थान होगा। यह हत्यारे के लिए आदेश होगा, जो वहाँ निर्वासन में जाएगा और जीवित रहेगा, जो अपने पड़ोसी को अनजाने में मारता है, और जो उससे पहले से घृणा नहीं करता था। और यदि कोई अपने पड़ोसी के साथ जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने जाए, और लकड़ी काटते समय कुल्हाड़ी से उसका हाथ फिसल जाए, और लोहा पेड़ से गिरकर पड़ोसी को लग जाए, और वह मर जाए, तो यह व्यक्ति इन नगरों में से किसी एक में शरण लेगा, और जीवित रहेगा। ताकि रक्त का बदला लेने वाला हत्यारे का पीछा न करे, क्योंकि उसका हृदय गर्म हो गया है, और यदि रास्ता लंबा हो तो वह उसे पकड़ ले और उसकी आत्मा को मार डाले, और इसके लिए मृत्यु का निर्णय नहीं है, क्योंकि वह उससे न तो कल से पहले घृणा करता था और न ही परसों से पहले। इसलिए मैं तुम्हें यह आज्ञा देता हूँ कि तीन नगर अपने लिए अलग करो।

यदि प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारी सीमाओं को बढ़ाए, जिस रीति से उसने तुम्हारे पिताओं से शपथ

खाई थी, और प्रभु तुम्हें वह सारी भूमि दे जो उसने तुम्हारे पिताओं को देने के लिए कहा था यदि तुम इन सब आज्ञाओं को मानो जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, प्रभु अपने परमेश्वर से प्रेम करो, उसके सब मार्गों पर सदा चलो, तो तुम अपने लिए इन तीन नगरों के अतिरिक्त तीन और नगर जोड़ोगे। और निर्दोष का रक्त उस भूमि में नहीं बहाया जाएगा, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है, और तुम रक्त के दोषी नहीं होगे।

यदि तुझमें कोई मनुष्य हो जो अपने पड़ोसी से घृणा करता हो, और उसकी घात लगाए, और उस पर चढ़ाई करे, और उसकी आत्मा को मारे, और वह मर जाए, और वह इन नगरों में से किसी एक में भाग जाए, और उसके शहर की बुजुर्गों की परिषद भेजेगी, और वे उसे वहाँ से लेंगे, और उसे खून के बदला लेने वालों के हाथों में सौंपेंगे, और वह मरेगा। तुम्हारी आँख उस पर दया नहीं करेगी, और तुम निर्दोष के रक्त को इजराइल से शुद्ध करोगे, और तुम्हारे लिए अच्छा होगा।

तुम अपने पड़ोसी की सीमाओं को नहीं हटाओगे, जो तुम्हारे पिताओं ने उस विरासत में खड़ी की थीं, जो तुमने उस भूमि में विरासत में पाई है, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें चिट्ठी द्वारा देता है। एक साक्षी किसी मनुष्य के विरुद्ध किसी भी अन्याय, किसी भी पाप के लिए गवाही देने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। दो या तीन साक्षियों की गवाही पर ही हर बात स्थापित होगी। यदि कोई अन्यायी साक्षी किसी मनुष्य के विरुद्ध खड़ा हो, उस पर अधर्म का आरोप लगाते हुए, और वे दो लोग खड़े होंगे जिनके बीच विवाद है, प्रभु के सामने, और याजकों के सामने, और न्यायाधीशों के सामने, जो उन दिनों में होंगे। और न्यायाधीशों को सटीक रूप से जांच करनी चाहिए, और देखो, अन्यायी गवाह ने अन्यायी गवाही दी, वह अपने भाई के विरुद्ध खड़ा हुआ। और तुम उसके साथ वैसा ही करोगे जैसा उसने अपने भाई के विरुद्ध दुष्टता से करने की योजना बनाई थी, और तुम अपने बीच से बुराई को निकाल दोगे। और शेष लोग सुनकर डरेंगे, और वे फिर कभी यह बुरा काम तुम्हारे बीच नहीं करेंगे। तेरी आँख उस पर दया नहीं करेगी, आत्मा के बदले आत्मा, आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत, हाथ के बदले हाथ, पैर के बदले पैर।

यदि तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध में जाओ, और घोड़े, सवार और तुमसे अधिक लोग देखो, तो उनसे भय मत करना, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ है, जो तुम्हें मित्र की भूमि से निकाल लाया। और ऐसा होगा कि जब तुम युद्ध के निकट पहुंचो, तो पुजारी पास आकर लोगों से बोलेगा। और वह उनसे कहेगा, सुनो इस्राएल, तुम आज अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध में जा रहे हो। तुम्हारा हृदय कमजोर न होने पाए, मत डरो, न टूटो, और न उनके सामने से मुड़ो। क्योंकि प्रभु तुम्हारा ईश्वर जो तुम्हारे आगे जा रहा है, तुम्हारे साथ है, तुम्हारे शत्रुओं से तुम्हारे साथ लड़ने के लिए और तुम्हें बचाने के लिए।

और लेखक लोगों से कहेंगे, कौन है वह आदमी जिसने नया घर बनाया है और उसे समर्पित नहीं किया है? वह जाए और अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मर जाए और कोई दूसरा आदमी उसे समर्पित करे। और कौन है वह आदमी जिसने अंगूर का बगीचा लगाया, और उससे आनंदित नहीं हुआ? वह जाए और अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मर जाए, और कोई दूसरा आदमी उससे आनंदित होगा। और कौन है वह आदमी जिसने किसी स्त्री से सगाई की है, और उसे नहीं लिया है? वह जाए और अपने घर लौट जाए, कहीं ऐसा न हो कि वह युद्ध में मर जाए, और कोई दूसरा आदमी उसे ले ले। और लेखक लोगों से बोलना जारी रखेंगे, और वे कहेंगे, कौन है वह मनुष्य जो हृदय से डरता और कायर है? वह जाए और अपने घर लौट जाए, ताकि वह अपने भाई के हृदय को कायर न बनाए, जैसे उसका अपना है। और ऐसा होगा जब लेखक लोगों से बोलना बंद करेंगे, और वे सेना के शासकों को नियुक्त करेंगे जो लोगों का नेतृत्व करेंगे।

यदि तुम किसी नगर के पास उनसे युद्ध करने जाओ, तो उनको शांति के साथ बुलाओ। यदि वे तुम्हें शांतिपूर्ण उत्तर देंगे और तुम्हारे लिए खोलेंगे, तो सब लोग जो इसमें पाए गए हैं, तुम्हें कर देने

वाले और तुम्हारे अधीन होंगे। परन्तु यदि वे तुम्हारी आज्ञा न मानें, और तुम्हारे विरुद्ध युद्ध करें, तो तुम उसे घेरा डालोगे, जब तक प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उसे तुम्हारे हाथों में न सौंप दे, और तुम उसके हर पुरुष को तलवार से मार डालोगे। सिवाय स्त्रियों और सामान के, और सभी पशु, और जो कुछ भी शहर में हो, और सारी लूट तुम अपने लिए लूटोगे, और अपने शत्रुओं की सारी लूट खाओगे, जो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें देता है। इस प्रकार तुम सब दूर के शहरों के साथ करोगे जो तुमसे बहुत दूर हैं, इन जातियों के शहरों में से नहीं, जिनकी भूमि प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे विरासत में देता है। तुम किसी भी सांस लेने वाले को जीवित नहीं रखोगे, लेकिन तुम उन्हें श्राप के लिए समर्पित करोगे, हित्ती को, और एमोरी को, और कनानी को, और परिज्जी को, और हिब्वी को, और यबूसी को, और गिर्गाशी को, जिस तरीके से तुम्हारे प्रभु देवता ने तुम्हें आज्ञा दी है। ताकि वे तुम्हें अपने सब घृणित कार्य करना न सिखाएं, जो उन्होंने अपने देवताओं के लिए किए, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने पाप करो।

यदि तुम किसी एक नगर को अनेक दिनों तक घेरा डालकर उसके विरुद्ध युद्ध करो ताकि उसे अधिकार में ले सको, तो तुम उसके वृक्षों को नष्ट नहीं करोगे, उन पर कुल्हाड़ी नहीं चलाओगे, बल्कि उनसे फल खाओगे, परन्तु उन्हें काटोगे नहीं, क्योंकि क्या खेत का वृक्ष मनुष्य है कि तुम्हारे सामने से घेराबंदी में प्रवेश करे? लेकिन जिस पेड़ के बारे में तुम जानते हो कि वह फलदार नहीं है, उसे तुम नष्ट करोगे और काट डालोगे, और उस शहर के विरुद्ध घेराबंदी के काम बनाओगे जो तुमसे युद्ध करता है, जब तक वह आत्मसमर्पण न कर दे।

21

यदि उस भूमि में कोई घायल व्यक्ति पाया जाए, जो प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें विरासत में देता है, मैदान में गिरा हुआ, और वे उस मारने वाले को नहीं जानते हों तुम्हारी बुजुर्गों की परिषद और तुम्हारे न्यायाधीश बाहर जाएंगे, और वे उस घायल व्यक्ति के चारों ओर के नगरों को मापेंगे। और

वह शहर जो घायल व्यक्ति के पास होगा, और उस शहर की बुजुर्गों की परिषद मवेशियों में से एक बछिया लेगी, जिससे काम नहीं कराया गया है, और जिसने जुआ नहीं खींचा है, और उस शहर की बुजुर्गों की परिषद उस बछिया को एक कठोर घाटी में ले जाएगी, जिसमें न तो खेती की गई है और न ही बोया गया है, और वे उस बछिया की गर्दन घाटी में तोड़ देंगे। और लेवी पुजारी पास आएंगे, क्योंकि प्रभु परमेश्वर ने उन्हें अपने सामने खड़े होने और अपने नाम पर आशीर्वाद देने के लिए चुना है, और उनके निर्णय पर हर विवाद और हर मामला निर्भर करेगा। और उस शहर की सारी परिषद जो घायल के पास आ रहे हैं, वे उस बछिया के सिर पर अपने हाथ धोएंगे जिसकी गर्दन घाटी में तोड़ी गई थी, और उत्तर देते हुए वे कहेंगे, हमारे हाथों ने यह रक्त नहीं बहाया, और हमारी आँखों ने नहीं देखा है। हे प्रभु, अपने लोग इस्राएल के प्रति कृपालु हो जाओ, जिन्हें तुमने छुड़ाया है, ताकि तुम्हारे लोग इस्राएल में निर्दोष का रक्त न हो, और उनके लिए रक्त का प्रायश्चित्त किया जाएगा। तू निर्दोष रक्त को अपने में से निकालोगे, यदि तू वह करेगा जो तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के सामने अच्छा और प्रसन्न करने वाला है।

यदि तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध के लिए निकलो, और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर उन्हें तुम्हारे हाथों में सौंप दे, और तुम उनकी लूट को लूटो और यदि तुम लूट में एक सुंदर रूप वाली स्त्री को देखो, और तुम उसकी इच्छा करो, और तुम उसे अपने लिए पत्नी के रूप में ले लो, और तू उसे अपने घर के भीतर लाएगा, और तू उसके सिर को मुंडाएगा, और तू उसके नाखून काटेगा, और तुम उससे बंदी के वस्त्र हटाओगे, और वह तुम्हारे घर में बैठेगी, और वह एक महीने तक अपने पिता और माता के लिए रोएगी, और इसके बाद तुम उसके पास जाओगे और उसके साथ रहोगे, और वह तुम्हारी पत्नी होगी।

और ऐसा होगा कि अगर तू उसे नहीं चाहता, तो तू उसे स्वतंत्र भेज देगा, और वह चांदी के लिए बिक्री में नहीं बेची जाएगी, तू उसे तुच्छ नहीं समझेगा, क्योंकि तूने उसे नम्र किया है।

यदि किसी आदमी की दो पत्नियां हों, एक प्रिय और एक घृणित, और प्रिय तथा घृणित दोनों

उसके लिए संतान उत्पन्न करें, और घृणित की संतान पहलौठा पुत्र हो, और जिस दिन वह अपने पुत्रों को अपनी संपत्ति विरासत में बाँटेगा, वह प्रिय पत्नी के पुत्र को पहलौठा बनाने में सक्षम नहीं होगा, घृणित पत्नी के पहलौठे पुत्र की अनदेखी करके। लेकिन वह घृणा की गई स्त्री के पहलौठे पुत्र को स्वीकार करेगा और उसे उन सब वस्तुओं में से दोगुना हिस्सा देगा जो उसके पास पाई जाएं, क्योंकि यह उसकी संतानों का आरंभ है, और इसी को पहलौठे का अधिकार प्राप्त है। यदि किसी का पुत्र अवज्ञाकारी और उदंड हो, जो अपने पिता की आवाज और अपनी माता की आवाज नहीं मानता, और वे उसे अनुशासित करें, और वह उनकी न सुने, और उसके पिता और उसकी माता उसे पकड़कर, उसे उसके शहर के बुजुर्गों की परिषद के पास और उस स्थान के द्वार पर ले जाएंगे, और वे अपने शहर के पुरुषों से कहेंगे, हमारा यह बेटा अवज्ञा करता है और भड़काता है, हमारी आवाज़ नहीं सुनता है, सिक्का काटने वाला है और शराब अत्यधिक पीता है। और उसके शहर के पुरुष उसे पथरों से मारेंगे, और वह मरेगा, और तुम अपने में से बुराई को निकाल दोगे, और शेष लोग सुनकर डरेंगे।

यदि किसी में कोई पाप हो जाए, जिसका निर्णय मृत्यु हो, और वह मर जाए, और तुम उसे पेड़ पर लटकाओ, उसका शरीर पेड़ पर नहीं सोएगा, लेकिन उसी दिन तुम उसे दफन करोगे, क्योंकि पेड़ पर लटकने वाला हर व्यक्ति परमेश्वर द्वारा शापित है, और तुम उस भूमि को अपवित्र नहीं करोगे, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है।

22

अपने भाई के बछड़े या उसकी भेड़ को रास्ते में भटकते हुए देखकर उनकी अनदेखी मत करो, तुम उन्हें अपने भाई के पास लौटाओगे और उसे वापस दोगे। यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे पास न आए और तुम उसे न जानते हो, तो तुम उसे अपने घर के अंदर इकट्ठा करोगे, और वह तुम्हारे साथ तब तक रहेगा जब तक तुम्हारा भाई उन्हें खोजे, और तुम उसे लौटा दोगे। इस प्रकार तुम

उसके गधे के साथ करोगे, और इस प्रकार तुम उसके वस्त्र के साथ करोगे, और इस प्रकार तुम अपने भाई की सभी खोई हुई वस्तुओं के साथ करोगे, जो उससे नष्ट हो जाएं और तुम्हें मिल जाएं; तुम उन्हें अनदेखा नहीं कर सकोगे। तुम अपने भाई के गधे या उसके बछड़े को रास्ते में गिरा हुआ देखकर उनकी अनदेखी मत करो, तुम उसके साथ मिलकर उन्हें अवश्य उठाओगे।

स्त्री पुरुष के वस्त्र न पहने, और न ही पुरुष स्त्री के वस्त्र पहने, क्योंकि जो कोई ऐसा करता है वह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के लिए घृणित है। यदि तुम रास्ते में या किसी पेड़ पर या भूमि पर अपने सामने पक्षियों के घोंसले में बच्चों या अंडों को पाओ, और माता बच्चों पर या अंडों पर बैठी हो, तो तुम माता को बच्चों के साथ नहीं लोगे। तुम माँ को भेज दोगे, लेकिन बच्चों को अपने लिए ले लोगे, ताकि तुम्हारा भला हो और तुम दीर्घायु हो जाओ।

यदि तुम नया घर बनाओगे, तो तुम अपनी छत पर मुंडेर बनाओगे, और तुम अपने घर में हत्या नहीं करोगे, यदि कोई उससे गिर जाए। तुम अपने अंगूर के बाग में भिन्न बीज नहीं बोओगे, ताकि उपज और वह बीज जो तुम बोओ, अपने अंगूर के बाग की उपज के साथ पवित्र न हो जाए। तुम बछड़े और गधे को एक साथ जोतकर हल नहीं चलाओगे। तुम नकली वस्त्र नहीं पहनोगे, ऊन और सन एक साथ। तुम अपने वस्त्रों के चार किनारों पर अपने लिए मुड़े हुए बनाओगे, जिन्हें यदि तुम ओढ़ो।

यदि कोई पत्नी ले और उसके साथ रहे, और उससे घृणा करे, और वह इस पर बहाने के शब्द रख दे, और उसका नाम बदनाम करे, और कहे, मैंने इस स्त्री को लिया, और जब मैं उसके पास गया, तो मैंने उसका कौमार्य नहीं पाया, और बच्ची के पिता और माता बच्ची के कुंवारीपन को बुजुर्गों की परिषद के पास फाटक पर ले जाएंगे। और पिता बुजुर्गों की परिषद से कहेगा, मैंने अपनी इस बेटी को इस आदमी को पत्नी के रूप में दिया है, और उसने उससे घृणा की। अब यह उस पर बहाने के शब्द लगाता है, कहता हुआ, मैंने तेरी बेटी में कुंवारीपन नहीं पाया, और ये मेरी बेटी के कुंवारीपन के चिह्न हैं। और वे शहर की बुजुर्गों की सभा के सामने कपड़ा फैलाएंगे। और उस शहर

की बुजुर्गों की परिषद उस आदमी को लेगी, और वे उसे सिखाएंगे। और वे उसे सौ शेकेल जुर्माना करेंगे, और युवा स्त्री के पिता को देंगे, क्योंकि उसने इस्राएली कुंवारी पर बुरा नाम लगाया, और वह उसकी पत्नी होगी, वह उसे जीवन भर त्यागने में सक्षम नहीं होगा।

यदि किन्तु यह बात सत्य हो जाए, और युवती में कौमार्य न पाया जाए, और वे उस युवा स्त्री को उसके पिता के घर के दरवाजों पर बाहर लाएंगे, और वे उसे पथरों से पथराव करेंगे, और वह मर जाएगी, क्योंकि उसने इस्राएल के पुत्रों में मूर्खता की है, अपने पिता के घर में व्यभिचार करके, और तुम अपने बीच से बुराई को दूर करोगे।

यदि कोई आदमी किसी विवाहित स्त्री के साथ सोता हुआ पाया जाए, तो तुम दोनों को मार डालना, उस आदमी को जो स्त्री के साथ सोया था, और उस स्त्री को भी, और तुम इस्राएल से बुराई को निकाल दोगे। यदि कोई कुंवारी सेवक लड़की किसी पुरुष से सगाई की हुई हो, और कोई आदमी उसे नगर में पाकर उसके साथ सोए तुम दोनों को उनके शहर के द्वार पर बाहर लाओगे, और उन्हें पथरों से पथराव किया जाएगा, और वे मरेंगे, युवा स्त्री को, क्योंकि उसने शहर में नहीं चिल्लाया, और आदमी को, क्योंकि उसने पड़ोसी की स्त्री को अपमानित किया, और तुम अपने बीच से बुराई को हटा दोगे। यदि कोई आदमी मैदान में सगाई की हुई दासी को पाता है, और बलात्कार करके उसके साथ सोता है, तो तुम उसके साथ सोने वाले को केवल मारोगे। और युवा स्त्री को मृत्यु का पाप नहीं है, जैसे यदि कोई मनुष्य अपने पड़ोसी पर उठे और उसकी आत्मा को मार डाले, इस प्रकार यह मामला है। क्योंकि खेत में उसने उसे पाया, मंगेतर युवा स्त्री चिल्लाई, और उसकी मदद करने वाला कोई नहीं था।

यदि कोई उस कुंवारी दासी को पाए, जिसकी सगाई नहीं हुई है, और बलात्कार करके उसके साथ सोए, और पकड़ा जाए, वह पुरुष जो उसके साथ सोया है, युवा स्त्री के पिता को पचास चांदी के दो द्राख्मा देगा, और वह उसकी पत्नी होगी। जिसके बदले में उसने उसे अपमानित किया, वह उसे सारे समय तक भेजने में सक्षम नहीं होगा।

कोई आदमी अपने पिता की पत्नी को नहीं लेगा, और अपने पिता का आवरण प्रकट नहीं करेगा।

कुचले हुए अंडकोष वाला या काटा हुआ व्यक्ति प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा। वेश्या से कोई प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा।

अम्मोनी और मोआबी प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा, और दसवीं पीढ़ी तक प्रभु की सभा में प्रवेश नहीं करेगा, और युग तक, इसलिए कि उन्होंने तुम्हें रोटी और पानी के साथ रास्ते में नहीं मिले, जब तुम मिस्र से निकल रहे थे, और इसलिए कि उन्होंने तुम्हें शाप देने के लिए मेसोपोटामिया से बओर के पुत्र बिलाम को किराये पर लिया। और प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने बिलाम को सुनना नहीं चाहा, और प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने शापों को आशीर्वाद में बदल दिया, क्योंकि प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने तुमसे प्रेम किया। तुम उनको शांतिपूर्ण और लाभदायक बातें अपने सभी दिनों में युग तक संबोधित नहीं करोगे। तू इद्रूमी से घृणा मत करना, क्योंकि वह तेरा भाई है; तू मिस्री से घृणा मत करना, क्योंकि तू उसकी भूमि में परदेशी बना था। पुत्र, यदि उनको जन्म लें, तीसरी पीढ़ी में प्रभु की सभा में प्रवेश करेंगे।

यदि तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध डेरा डालने के लिए बाहर जाओ, तो तुम हर बुरे वचन से बचे रहोगे। यदि तुम में कोई आदमी हो जो अपने रात के साव से शुद्ध नहीं होगा, तो वह शिविर के बाहर निकलेगा, और शिविर में प्रवेश नहीं करेगा। और शाम की ओर वह अपने शरीर को पानी से नहलाएगा, और सूरज के अस्त हो जाने पर वह शिविर में प्रवेश करेगा। और शिविर के बाहर तुम्हारे लिए एक स्थान होगा, और तुम वहाँ बाहर जाओगे। और एक खूँटी तेरी पट्टी पर होगी, और जब तू बाहर बैठे, तो तू उससे खोदेगा, और लाकर तू अपनी गंदगी को ढकेगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे शिविर में चलता है ताकि तुम्हें छुड़ाए और तुम्हारे शत्रु को तुम्हारे सामने

सौंप दे, इसलिए तुम्हारा शिविर पवित्र होगा, और तुम में किसी बात की अश्लीलता नहीं देखी जाएगी, नहीं तो वह तुम से फिर जाएगा।

तुम उस सेवक को उसके स्वामी को नहीं सौंपोगे, जो उसके स्वामी से तुम्हें सौंपा गया है। वह तुम्हारे साथ निवास करेगा, वह तुम में निवास करेगा जहाँ उसे अच्छा लगे, तुम उसे कष्ट नहीं दोगे। इस्राएल की पुत्रियों में से कोई वेश्या नहीं होगी, और इस्राएल के पुत्रों में से कोई वेश्यावृत्ति करने वाला नहीं होगा, इस्राएल की पुत्रियों में से कोई दीक्षा देने वाली नहीं होगी, और इस्राएल के पुत्रों में से कोई दीक्षा लेने वाला नहीं होगा। तुम वेश्या की मजदूरी, और न कुत्ते का बदला अपने परमेश्वर प्रभु के घर में किसी मन्त्रत के लिए लाओगे, क्योंकि ये दोनों तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के लिए घृणित हैं।

तुम अपने भाई को चाँदी का ब्याज, भोजन का ब्याज, और किसी भी वस्तु का ब्याज नहीं लोगे, जो तुम उधार दो। विदेशी को तू ब्याज पर उधार देगा, लेकिन अपने भाई को तू ब्याज पर उधार नहीं देगा, ताकि प्रभु तेरा देवता तुझे आशीर्वाद दे तेरे सब कामों में उस पृथ्वी पर, जिसमें तू वहाँ प्रवेश कर रहा है उसे विरासत में लेने के लिए।

यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर से कोई मन्त्रत मानो, तो उसे पूरा करने में विलम्ब मत करना, क्योंकि तुम्हारा प्रभु परमेश्वर निश्चय ही तुमसे इसकी खोज करेगा, और यह तुममें पाप होगा। यदि तुम प्रार्थना करना नहीं चाहते, तो तुममें पाप नहीं है। जो बातें तुम्हारे होठों से निकलें, उन्हें तुम पूरा करना, और जैसी मन्त्रत तुमने प्रभु परमेश्वर को मानी है, वैसी ही भेंट देना, जो तुमने अपने मुँह से कही है।

यदि तुम अपने पड़ोसी की फसल में प्रवेश करो, और तुम अपने हाथों में बालें इकट्ठा करो, तो तुम अपने पड़ोसी की फसल पर हंसिया नहीं रखोगे। यदि तुम अपने पड़ोसी के अंगूर के बाग में प्रवेश करो, तो अंगूर खाओ जितना तुम्हारी आत्मा भर जाए, लेकिन बर्तन में मत डालो।

यदि कोई पत्नी लेता है और उसके साथ रहता है, और ऐसा होगा कि यदि वह उसके सामने कृपा नहीं पाती, क्योंकि उसने उसमें कोई शर्मनाक बात पाई, और वह उसे तलाक की पुस्तक लिखेगा, और उसके हाथों में देगा, और उसे अपने घर से भेजेगा, और चली जाकर दूसरे पुरुष की हो जाती है और वह अंतिम आदमी उससे नफरत करेगा, और उसे तलाक की पुस्तक लिखेगा, और उसके हाथों में देगा, और उसे अपने घर से भेज देगा, और वह अंतिम आदमी मरेगा, जिसने उसे अपनी पत्नी के रूप में लिया था, वह पहला पुरुष जिसने उसे भेजा था, लौटकर उसे अपनी पत्नी के रूप में लेने में सक्षम नहीं होगा, उसके अशुद्ध होने के बाद, क्योंकि यह तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के सामने घृणित है, और तुम उस भूमि को अशुद्ध नहीं करोगे, जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है।

यदि कोई हाल ही में पत्नी ले, तो वह युद्ध में नहीं जाएगा, और उस पर कोई भी काम नहीं लगाया जाएगा। वह अपने घर में निर्दोष होगा, एक वर्ष तक अपनी पत्नी को खुश करेगा जिसे उसने लिया था।

तुम चक्की गिरवी नहीं रखोगे, और न ऊपरी चक्की, क्योंकि यह आत्मा को गिरवी रखता है। यदि कोई मनुष्य इस्राएल के पुत्रों में से अपने भाइयों में से किसी की आत्मा को चुराते हुए पकड़ा जाए, और उसे दबाकर बेच दे, तो वह चोर मर जाएगा, और तुम बुरे को अपने में से निकाल दोगे। अपने लिए कुष्ठ के संक्रमण में सावधान रहो, अत्यधिक सावधानी से उस सम्पूर्ण नियम के अनुसार करना जो लेवी पुजारी तुम्हें बताएं, जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, वैसा ही करने में सावधान रहो। याद करो कि तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने मरियम के साथ रास्ते में क्या किया, जब तुम लोग मिस्र से निकल रहे थे।

यदि तुम्हारे पड़ोसी पर कोई ऋण हो, कुछ भी ऋण हो, तो तुम उसकी गिरवी लेने के लिए उसके घर में प्रवेश नहीं करोगे। तू बाहर खड़ा होगा, और वह आदमी जिसके पास तेरा ऋण है, वह तेरे लिए गिरवी बाहर लाएगा। यदि वह आदमी गरीब हो जाए, तो तुम उसकी गिरवी में नहीं लेटोगे। तू सूर्यास्त से पहले उसकी गिरवी लौटा देगा, और वह अपने वस्त्र में सोएगा, और वह तुझे आशीर्वाद देगा, और यह तेरे परमेश्वर प्रभु के सामने तेरे लिए दया होगी। तुम गरीब और जरूरतमंद की मजदूरी में गलत नहीं करोगे, चाहे वे तुम्हारे भाइयों में से हों या तुम्हारे नगरों में रहने वाले परदेशियों में से हों। उसी दिन तुम उसका वेतन लौटाओगे, सूरज उस पर अस्त नहीं होगा, क्योंकि वह गरीब है, और उसमें आशा रखता है, और वह तुम्हारे विरुद्ध प्रभु की ओर चिल्लाएगा, और तुममें पाप होगा। पिता बच्चों के लिए नहीं मरेंगे, और पुत्र पिताओं के लिए नहीं मरेंगे; प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वयं के पाप में मरेगा। तू परदेशी, अनाथ और विधवा के न्याय को नहीं बिगाड़ेगा तू विधवा के वस्त्र को गिरवी के रूप में नहीं लेगा, और तू याद रखेगा कि तू मिस्र की भूमि में सेवक था, और प्रभु तेरे देवता ने तुझे वहाँ से छुड़ाया, इस कारण मैं तुझे इस वचन को पूरा करने की आज्ञा देता हूँ।

यदि तुम अपने खेत में फसल काटो और अपने खेत में एक पूला भूल जाओ, तो तुम इसे लेने के लिए वापस नहीं लौटोगे। यह परदेसी, अनाथ और विधवा के लिए होगा, ताकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे हाथों के सब कामों में तुम्हें आशीर्वाद दे। यदि तुम जैतून चुनो, तो तुम अपने पीछे बचे हुए को इकट्ठा करने के लिए वापस नहीं लौटोगे, वह परदेशी, अनाथ और विधवा के लिए होगा, और तुम याद करोगे कि तुम मिस्र की भूमि में दास थे, इसी कारण मैं तुम्हें यह वचन पूरा करने की आज्ञा देता हूँ। यदि तुम अपने अंगूर के बाग को काटो, तो तुम उसे फिर से नहीं बीनोगे; जो तुम्हारे पीछे रह जाए, वह परदेसी, अनाथ और विधवा के लिए होगा। और तुम याद करोगे कि तुम मिस्र की भूमि में सेवक थे, इसलिए मैं तुम्हें यह वचन पूरा करने की आज्ञा देता हूँ।

यदि मनुष्यों के बीच विवाद हो जाए, और वे न्याय के लिए आएँ, और न्याय करें, और न्यायी को निर्दोष ठहराएँ, और अधर्मी को दोषी ठहराएँ, और ऐसा होगा, यदि वह दुष्ट प्रहारों के योग्य हो, तो तुम उसे न्यायाधीशों के सामने भेजोगे, और वे उसके अधर्म के अनुसार उसे उनके सामने कोड़े मारेंगे। और वे उसे चालीस कोड़े मारेंगे, इससे अधिक नहीं मारेंगे; यदि तू इन प्रहारों से अधिक कोड़े मारे, तो तेरा भाई तेरे सामने अपमानित होगा। दाने कूटते हुए बैल को मुखबंद नहीं करोगे।

यदि भाई एक साथ रहते हैं और उनमें से एक मर जाता है, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी, तो मृतक की पत्नी बाहर किसी अन्य पुरुष से विवाह नहीं करेगी। उसके पति का भाई उसके पास आएगा और उसे अपनी पत्नी के रूप में लेगा और उसके साथ रहेगा। और जो बच्चा वह जन्म देगी, वह मृत व्यक्ति के नाम से स्थापित किया जाएगा, और उसका नाम इस्राएल से नहीं मिटाया जाएगा।

यदि वह पुरुष अपने भाई की स्त्री को लेना नहीं चाहता है, तो वह स्त्री द्वार पर बुजुर्गों की सभा के पास जाएगी, और कहेगी, मेरे पति का भाई इस्राएल में अपने भाई का नाम खड़ा करना नहीं चाहता है, मेरे पति के भाई ने इच्छा नहीं की। और उसके शहर की बुजुर्गों की परिषद उसको बुलाएगी, और उससे कहेंगे, और खड़ा होकर वह कहे, मैं उसे लेना नहीं चाहता हूँ, और उसके भाई की स्त्री बुजुर्गों की सभा के सामने आकर, उसके पैर से एक जूता निकालेगी, और उसके चेहरे पर थूकेगी, और उत्तर देकर कहेगी, इस प्रकार उस आदमी के साथ किया जाएगा, जो इस्राएल में अपने भाई का घर नहीं बनाएगा। और इस्राएल में उसका नाम यह रखा जाएगा: उस व्यक्ति का घर जिसने जूता खोला।

यदि लोग आपस में लड़ें, एक आदमी अपने भाई के साथ, और उनमें से एक की स्त्री अपने पति को मारने वाले के हाथ से छुड़ाने के लिए आए, और हाथ फैलाकर उसके अंडकोष पकड़ ले, तू हाथ काटेगा, तेरी आँख इस पर दया नहीं करेगी।

तेरी थैली में दो तरह के बाट नहीं होने चाहिए, बड़ा या छोटा। तुम्हारे घर में दो माप नहीं होंगे, बड़ा या छोटा। तुम्हारे पास सच्चा और न्यायपूर्ण वजन होगा, और तुम्हारे पास सच्चा और न्यायपूर्ण माप होगा, ताकि तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु हो, जो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें विरासत में देता है। क्योंकि तेरे परमेश्वर प्रभु के लिए घृणित है हर वह जो इन को करता है, हर वह जो अन्याय करता है।

याद करो कि अमालेक ने तुम्हारे साथ रास्ते में कितना कुछ किया, जब तुम मिस्र की धरती से निकल रहे थे। कैसे उसने तुम्हारा रास्ते में विरोध किया, और तुम्हारे पिछले भाग को काट दिया, उन थके हुए लोगों को जो तुम्हारे पीछे थे, जबकि तुम भूखे और थके हुए थे, और उसने भगवान से नहीं डरा। और ऐसा होगा कि जब प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उस भूमि में तुम्हारे चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दे, जो भूमि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें उत्तराधिकार में लेने के लिए देता है, तब तुम अमालेक का नाम आकाश के नीचे से मिटा दोगे, और इसे मत भूलना।

26

और ऐसा होगा कि यदि तू उस भूमि में प्रवेश करे, जो प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे विरासत में देता है, और तू उस पर अधिकार कर ले और उसमें निवास करने लगे और तू अपनी पृथ्वी के फलों का पहला फल लेगा, जो प्रभु तेरा देवता तुझे देता है, और तू टोकरी में डालेगा, और तू उस स्थान में जाएगा, जो प्रभु तेरा देवता अपना नाम वहाँ बुलाए जाने के लिए चुनेगा। और तुम उस पुजारी के पास आओगे जो उन दिनों में होगा, और तुम उससे कहोगे, मैं आज प्रभु मेरे परमेश्वर के सामने घोषणा करता हूँ, कि मैं उस भूमि में प्रवेश कर चुका हूँ, जिसे देने की प्रभु ने हमारे पिताओं से शपथ ली थी। और याजक तुम्हारे हाथों से टोकरी लेगा, और उसे तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की वेदी के सामने रखेगा। और उत्तर देते हुए वह तेरे प्रभु परमेश्वर के सामने कहेगा, मेरे पिता ने सीरिया को त्याग दिया, और मिस्र में गया, और वहाँ थोड़ी संख्या में रहा, और वहाँ एक बड़ी जाति और बहुत

भीड़ बन गया। और मिस्रवासियों ने हमारे साथ दुर्व्यवहार किया, और हमें अपमानित किया, और हम पर कठोर काम लाद दिए। और हमने अपने प्रभु परमेश्वर की ओर पुकारा, और प्रभु ने हमारी आवाज़ सुनी, और उन्होंने हमारा अपमान देखा, और हमारा परिश्रम देखा, और हमारा उत्पीड़न देखा। और प्रभु हमें मिस्र से बाहर ले गए, स्वयं अपनी महान शक्ति में, और शक्तिशाली हाथ में, और ऊँची भुजा में, और महान दर्शनों में, और चिन्हों में, और चमत्कारों में। और वह हमें इस स्थान में लाया, और हमें यह भूमि दी, यह भूमि जो दूध और शहद से बहती है। और अब देखो, मैं उस पृथ्वी की उपज का पहला फल लाया हूँ, जो तूने मुझे दी है, हे प्रभु, वह भूमि जिसमें दूध और शहद बहता है, और तुम इसे अपने परमेश्वर प्रभु के सामने रखोगे, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के सामने दंडवत करोगे। और तू उन सब अच्छी चीज़ों में आनंदित होगा जो प्रभु तेरे परमेश्वर ने तुझे दी हैं, और तेरा घर, और लेवी, और वह परदेशी जो तेरे बीच में है।

यदि तुम तीसरे वर्ष में अपनी उपज का हर दशमांश देना पूरा कर लो, तो वह दूसरा दशमांश तुम लेवी को और परदेशी को और अनाथ को और विधवा को दोगे, और वे तुम्हारे नगरों में खाएंगे, और वे आनंदित होंगे।

और तुम अपने प्रभु परमेश्वर के सामने कहोगे, मैंने अपने घर से पवित्र चीज़ें हटा दी हैं, और मैंने उन्हें लेवी को और परदेशी को और अनाथ को और विधवा को दे दिया है, उन सब आज्ञाओं के अनुसार जो तुमने मुझे दी थीं। मैंने तुम्हारी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया, और न ही मैं भूला हूँ। और मैंने अपने दर्द में उनसे नहीं खाया, मैंने उनसे अशुद्ध के लिए फल नहीं लिया, मैंने उनसे मृतक को नहीं दिया, मैंने प्रभु हमारे परमेश्वर की आवाज़ की आज्ञा मानी, मैंने वैसा ही किया जैसा आपने मुझे आज्ञा दी। अपने पवित्र घर से, स्वर्ग से नीचे देखो, और अपने लोगों इस्राएल को आशीर्वाद दो, और उस भूमि को भी जो तुमने उन्हें दी है, जैसा तुमने हमारे पिताओं से शपथ ली थी, कि हमें वह भूमि दोगे जिसमें दूध और शहद बहता है।

इस दिन प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें सब विधियों और न्यायों को करने की आज्ञा दी, और तुम

उन्हें अपने संपूर्ण हृदय से और अपने संपूर्ण आत्मा से रखोगे और करोगे। तुमने आज परमेश्वर को अपना परमेश्वर होने के लिए चुना है, और उसके सभी मार्गों पर चलने के लिए, और विधियों और न्यायों को मानने के लिए, और उसकी वाणी का पालन करने के लिए। और प्रभु ने आज तुम्हें चुना है कि तुम उसके लिए विशेष लोग बनो, जैसा उसने कहा था, उसकी आज्ञाओं की रक्षा करने के लिए। और तुम सब राष्ट्रों से ऊपर होगे, जैसा उसने तुम्हें प्रसिद्ध और गौरव और महिमामय बनाया, तुम अपने परमेश्वर प्रभु के लिए पवित्र लोग होगे, जैसा उसने कहा था।

27

और मूसा और इस्राएल की बुजुर्गों की परिषद ने आदेश दिया, कहते हुए, इन सब आदेशों को मानो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ। और जिस दिन तुम यरदन को पार करके उस भूमि में जाओगे, जो प्रभु तुम्हारा देवता तुम्हें देता है, तुम अपने लिए बड़े पत्थर खड़े करोगे, और तुम उन्हें पलस्तर से पलस्तर करोगे। और तुम इन पत्थरों पर इस नियम के सब शब्दों को लिखोगे, जब तुम यरदन को पार करो, जब तुम उस भूमि में प्रवेश करो, जो प्रभु तुम्हारे पिताओं का देवता तुम्हें देता है, वह भूमि जो दूध और शहद से बहती है, जिस तरीके से प्रभु तुम्हारे पिताओं के देवता ने तुमसे कहा था। और जब तुम यरदन नदी को पार कर लो, तो इन पत्थरों को, जिनके विषय में मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ, एबाल पर्वत पर खड़ा करना, और उन्हें चूने से पलस्तर करना। और तू वहाँ अपने परमेश्वर प्रभु के लिए एक वेदी बनाएगा, पत्थरों की वेदी, तू उस पर लोहा नहीं लगाएगा, पूर्ण पत्थरों से तुम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए वेदी बनाओगे, और उस पर अपने प्रभु परमेश्वर के लिए होमबलि चढ़ाओगे। और तू वहाँ मुक्ति का बलिदान चढ़ाएगा, और खाएगा, और तृप्त होगा, और अपने परमेश्वर प्रभु के सामने आनंदित होगा। और तुम इन पत्थरों पर इस सारे कानून को बहुत स्पष्ट रूप से लिखोगे।

और मूसा और लेवी पुजारियों ने सब इस्राएल से कहा, चुप रहो और सुनो, हे इस्राएल, इस दिन

तुम प्रभु अपने परमेश्वर के लोग बन गए हो, और तुम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को सुनोगे, और उसके सब आदेशों को मानोगे, और उसकी विधियों को, जितनी मैं आज तुम्हें आदेश देता हूँ।

और मूसा ने उस दिन लोगों को आज्ञा दी, कहते हुए ये खड़े होंगे लोगों को आशीर्वाद देने के लिए गरिज्जीम पहाड़ पर यर्दन को पार करके: शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकाकार, यूसुफ, और बिन्यामीन। और ये एबाल पर्वत पर शाप के लिए खड़े होंगे: रूबेन, गाद, आशेर, जबूलून, दान और नप्ताली।

और लेवी सारे इस्राएल को ऊँची आवाज़ में उत्तर देते हुए कहेंगे शापित है वह मनुष्य जो खुदी हुई और ढली हुई मूर्ति बनाएगा, जो प्रभु के लिए घृणित है, कारीगरों के हाथों का काम, और उसे गुप्त स्थान में रखेगा, और सब लोग उत्तर देते हुए कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पिता या अपनी माता का अपमान करता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पड़ोसी की सीमाओं को बदलता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अंधे को रास्ते में भटकाता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो परदेशी, अनाथ और विधवा का न्याय मोड़ देगा, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पिता की स्त्री के साथ सोता है, क्योंकि उसने अपने पिता का आवरण उघाड़ा है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो किसी पशु के साथ सोता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पिता या माता की बहन के साथ सोता है। और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपनी बहू के साथ सोता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपनी पत्नी की बहन के साथ सोता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो अपने पड़ोसी को छल से मारता है, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह जो निर्दोष रक्त की आत्मा को मारने के लिए उपहार लेगा, और सब लोग कहेंगे, ऐसा ही हो। शापित है वह हर मनुष्य जो इस व्यवस्था के सब वचनों पर बना नहीं रहता उन्हें पूरा करने के लिए, और सब लोग कहेंगे, आमीन।

और ऐसा होगा कि यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर की आवाज़ को ध्यान से सुनो, और इन सब आज्ञाओं को मानो और पूरा करो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, तो तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम्हें पृथ्वी की सब जातियों से ऊपर रखेगा, और ये सब आशीर्वाद तुझ पर आएंगे और तुझे पाएंगे, यदि तू अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को सुने। धन्य हो तुम नगर में, और धन्य हो तुम खेत में। धन्य है तुम्हारे गर्भ की संतान, और तुम्हारी पृथ्वी की उपज, और तुम्हारे बैलों के झुंड, और तुम्हारी भेड़ों के रेवड़। धन्य हैं तेरे भंडार और तेरे बचे हुए भाग। धन्य हो तुम अपने आने में, और धन्य हो तुम अपने जाने में।

प्रभु तुम्हारा ईश्वर तुम्हारे शत्रुओं को जो तुम्हारा विरोध करते हैं, तुम्हारे सामने दूटे हुए सौंप दे। वे एक मार्ग से तुम्हारी ओर निकलेंगे, और सात मार्गों से तुम्हारे सामने से भागेंगे। प्रभु तुम पर आशीर्वाद भेजे, तुम्हारे भण्डार घरों में और उस सब पर जिस पर तुम अपना हाथ रखो, उस पृथ्वी पर जो प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें देता है। प्रभु तुम्हें अपने लिए एक पवित्र लोग के रूप में उठाएगा, जैसा कि उसने तुम्हारे पिताओं से शपथ खाई थी, यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु की आवाज़ सुनो, और उसके सभी मार्गों में चलो, और पृथ्वी के सब राष्ट्र तुझे देखेंगे, कि प्रभु का नाम तुझ पर पुकारा गया है, और वे तुझसे डरेंगे। और प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे अच्छी चीजों में बढ़ाएगा - तेरे गर्भ के वंशजों में, और तेरे पशुओं के वंशजों में, और तेरी भूमि की उपज में, उस भूमि पर जिसे देने की शपथ प्रभु ने तेरे पितरों से तेरे लिए खाई थी।

प्रभु तुझे अपना अच्छा खजाना, स्वर्ग को खोलेगा, तेरी भूमि पर समय पर वर्षा देने के लिए, तेरे हाथों के सब कार्यों को आशीर्वाद देने के लिए, और तू बहुत राष्ट्रों को उधार देगा, परन्तु तू उधार नहीं लेगा। और तू बहुत राष्ट्रों पर शासन करेगा, परन्तु वे तुझ पर शासन नहीं करेंगे। प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें सिर बनाएगा, पूँछ नहीं, और तुम ऊपर रहोगे, नीचे नहीं, यदि तुम प्रभु अपने

परमेश्वर की आवाज़ सुनोगे और जो आज्ञाएँ मैं आज तुम्हें देता हूँ उनका पालन करोगे। तुम उन सब आदेशों से, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, न तो दाएं और न बाएं मुड़कर, अन्य देवताओं के पीछे जाकर उनकी सेवा करने के लिए उल्लंघन नहीं करोगे।

और ऐसा होगा यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को नहीं सुनो, उसके सब आदेशों को रखने के लिए जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, तो ये सब शाप तुम पर आएंगे और तुम्हें पकड़ लेंगे। शापित हो तुम शहर में, और शापित हो तुम खेत में। शापित हैं तुम्हारे भंडार, और तुम्हारे अवशेष। शापित हैं तुम्हारे गर्भ की संतान, और तुम्हारी पृथ्वी की उपज, तुम्हारे मवेशियों के झुंड, और तुम्हारी भेड़ों के रेवड़। शापित हो तुम अपने प्रवेश करने में, और शापित हो तुम अपने बाहर जाने में।

प्रभु तुम पर कमी और क्षय और नाश भेजेगा, उन सब पर जिन पर तुम अपना हाथ लगाओगे, जब तक वह तुम्हें नष्ट न कर दे, और जब तक वह तुम्हें शीघ्रता से नष्ट न कर दे, तुम्हारे बुरे कर्मों के कारण, क्योंकि तुमने मुझे छोड़ दिया। प्रभु तुममें मृत्यु को चिपका देगा, जब तक वह तुम्हें उस पृथ्वी से पूरी तरह नष्ट न कर दे, जिसमें तुम वहाँ प्रवेश कर रहे हो उसे विरासत में लेने के लिए। प्रभु तुम्हें असमंजस, बुखार, कंपकंपी, सूजन, फफूंदी और पीलेपन से पीड़ित करेंगे, और वे तुम्हारा पीछा करेंगे जब तक तुम्हें नष्ट न कर दें। और तुम्हारे सिर के ऊपर का आकाश कांस्य होगा, और तुम्हारे नीचे की भूमि लोहा होगी। प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारी भूमि की वर्षा को धूल बना दे, और स्वर्ग से धूल नीचे आएगी, जब तक वह तुम्हें मिटा न दे, और जब तक वह तुम्हें शीघ्रता से नष्ट न कर दे। प्रभु तुझे तेरे शत्रुओं के सामने पराजित करे, तू एक मार्ग से उनकी ओर निकलेगा, और सात मार्गों से उनके मुख से भागेगा, और तू पृथ्वी के सब राज्यों में बिखराव होगा। और तुम्हारे मृत पक्षियों आकाश के और पशुओं पृथ्वी के भोजन होंगे, और कोई डराने वाला नहीं होगा। प्रभु तुम्हें मिस्री फोड़े से मारेगा, गुदा में, और जंगली खुजली से, और खारिश से, ताकि तुम ठीक न हो सको। प्रभु तुम्हें पागलपन से, अंधेपन से और मन के उन्माद से मारेंगे। और तू दोपहर में टटोलता रहेगा, जैसे कोई अंधा अंधकार में टटोलता है, और तेरे मार्ग समृद्ध नहीं होंगे, और तू तब अन्याय सहता रहेगा, और सब दिन लूटा जाता रहेगा, और कोई सहायता करने

वाला नहीं होगा।

तुम पत्नी लोगे, और दूसरा पुरुष उसे रखेगा; तुम घर बनाओगे, और उसमें निवास नहीं करोगे; तुम अंगूर का बाग लगाओगे, और उसे काटोगे नहीं। तुम्हारा बछड़ा तुम्हारे सामने वध किया गया, और तुम उसे नहीं खाओगे, तुम्हारा गधा तुमसे छीन लिया गया, और वह तुम्हें लौटाया नहीं जाएगा, तुम्हारी भेड़ें तुम्हारे शत्रुओं को दे दी गई हैं, और तुम्हें कोई मदद करने वाला नहीं होगा। तुम्हारे पुत्र और तुम्हारी पुत्रियाँ दूसरे राष्ट्र को दे दी गई हैं, और तुम्हारी आँखें उनकी ओर असफल होती हुई देखेंगी, तुम्हारा हाथ प्रबल नहीं होगा। तुम्हारी भूमि की उपज और तुम्हारे सारे परिश्रम को वह राष्ट्र खा जाएगा जिसे तुम नहीं जानते, और तुम सब दिनों तक अन्याय सहते हुए और कुचले हुए रहोगे। और तू अपने नेत्रों के दर्शनों के कारण पागल हो जाएगा, जो तू देखेगा।

प्रभु तुम्हें दुष्ट फोड़े से मारेगा, घुटनों पर और पिंडलियों पर, ताकि तुम तलवे से लेकर सिर के शिखर तक चंगे न हो सको।

प्रभु तुम्हें और तुम्हारे शासकों को, जिन्हें तुम अपने ऊपर नियुक्त करोगे, उस राष्ट्र में ले जाए जिसे न तुम जानते हो और न तुम्हारे पिता जानते थे, और वहाँ तुम लकड़ी और पत्थर के अन्य देवताओं की सेवा करोगे। और तुम वहाँ पहली, दृष्टान्त और कथा में होगे उन सब राष्ट्रों में, जहाँ प्रभु तुम्हें ले जाएगा।

तुम मैदान में बहुत बीज ले जाओगे, और थोड़ा अंदर लाओगे, क्योंकि टिट्टी उसे खा जाएगी। अंगूर का बाग तुम लगाओगे और उसमें काम करोगे, परन्तु दाखरस नहीं पीओगे और न ही उससे आनंदित होओगे, क्योंकि कीड़ा उन्हें खा जाएगा। जैतून के पेड़ तुम्हारी सभी सीमाओं में होंगे, और तेल से तुम अभिषेक नहीं करोगे, क्योंकि तुम्हारा जैतून का पेड़ झड़ जाएगा। बेटे और बेटियाँ तुम जन्म दोगे, और वे नहीं रहेंगे, क्योंकि वे कैद में चले जाएंगे। तुम्हारी सभी लकड़ी की चीजें और तुम्हारी भूमि की उपज को झुलसा रोग नष्ट कर देगा। वह परदेशी जो तुझमें है, ऊपर से ऊपर

चढ़ेगा, लेकिन तू नीचे से नीचे उतरेगा। यह तुझे उधार देगा, लेकिन तू इसे उधार नहीं देगा, यह सिर होगा, लेकिन तू पूँछ होगा।

और ये सब शाप तुझ पर आएंगे, और तेरा पीछा करेंगे, और तुझे पकड़ेंगे, जब तक वह तुझे नष्ट न कर दे, और जब तक वह तुझे नष्ट न कर दे, क्योंकि तूने प्रभु अपने परमेश्वर की वाणी नहीं सुनी, और उसके आदेशों और विधियों को नहीं माना जो उसने तुझे दिए थे। और तुझमें संकेत होंगे, और तेरे वंश में आश्चर्य युग के अंत तक होंगे। इसके बदले में कि तूने अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा आनन्द और भले मन से सब वस्तुओं की बहुतायत के कारण नहीं की।

और तू अपने शत्रुओं की सेवा करेगा, जिन्हें प्रभु तुझ पर भेजेगा, भूख में, और प्यास में, और नग्नता में, और सब चीज़ों की कमी में, और वह तेरी गर्दन पर लोहे का जुआ रखेगा, जब तक वह तुझे नष्ट न कर दे। प्रभु तुम पर एक राष्ट्र को दूर से, पृथ्वी के अंत से लाएगा, बाज़ के हमले की तरह, एक ऐसा राष्ट्र जिसकी आवाज़ तुम नहीं सुनोगे। निर्लज्ज राष्ट्र, जो बूढ़े के चेहरे का सम्मान नहीं करेगा और युवा पर दया नहीं करेगा। और वह तुम्हारे पशुओं की संतान और तुम्हारी भूमि की उपज को खा जाएगा, ताकि तुम्हें अनाज, दाखरस, तेल, तुम्हारे बैलों के झुंड और तुम्हारी भेड़ों के झुंड न छोड़े, जब तक वह तुम्हें नष्ट न कर दे। और वह तुम्हें तुम्हारे शहरों में नष्ट कर देगा, जब तक कि वे ऊंची और मजबूत दीवारें नष्ट न हो जाएं, जिन पर तुम भरोसा करते हो, तुम्हारी सारी भूमि में, और वह तुम्हें तुम्हारे उन शहरों में कष्ट देगा, जो तुम्हें दिए गए थे। और तू अपने गर्भ की संतान को खाएगा, अपने पुत्रों और पुत्रियों का मांस, जितने तुझे दिए गए, अपने संकट में और अपने क्लेश में, जो तेरा शत्रु तुझे देगा।

तुममें जो कोमल और अत्यधिक नाजुक व्यक्ति है, वह अपने भाई को, अपनी गोद में रहने वाली पत्नी को, और अपने बचे हुए बच्चों को, जो बचे रहेंगे, ईर्ष्या की दृष्टि से देखेगा। उसे, ताकि वह अपने बच्चों के मांस में से किसी को भी एक टुकड़ा न दे, जिन्हें वह खाएगा, क्योंकि तुम्हारे संकट और तुम्हारे क्लेश में उसके पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा, जो तुम्हारे शत्रु तुम्हारे सभी नगरों में

तुम्हें देंगे।

और वह कोमल और सुकुमार स्त्री जो तुम्हारे बीच में है, जिसके पैर ने कभी पृथ्वी पर चलने का अनुभव नहीं लिया सुकुमारता और कोमलता के कारण, वह अपनी आँखों से ईर्ष्या करेगी अपने पति से जो उसकी गोद में है, और अपने पुत्र और अपनी पुत्री से, और उसकी जेब जो उसकी जाँघों के बीच से निकली है, और उसका बच्चा जिसे वह जन्म देगी, वह उन्हें खा जाएगी क्योंकि सब चीजों की कमी के कारण गुप्त रूप से तेरी संकटता में, और तेरे क्लेश में, जो तेरा शत्रु तुझे तेरे नगरों में देगा। यदि तुम इस कानून के सब शब्दों को, जो इस पुस्तक में लिखे हुए हैं, मानने के लिए नहीं सुनोगे, और इस सम्मानित और अद्भुत नाम से, अर्थात् प्रभु तुम्हारे परमेश्वर से, नहीं डरोगे। और प्रभु तुम्हारे प्रहारों को और तुम्हारे वंश के प्रहारों को विलक्षण बनाएगा, महान और अद्भुत प्रहार, और दुष्ट तथा स्थायी रोग। और वह मिस्र की वह सारी बुरी पीड़ा लौटाएगा, जिससे तुम उनके सामने से बचे थे, और वे तुमसे चिपक जाएंगे। और प्रभु तुम पर हर बीमारी और हर मार को जो नहीं लिखी हुई है, और हर उसे जो इस व्यवस्था की पुस्तक में लिखा हुआ है, लाएगा, जब तक कि वह तुम्हें नष्ट न कर दे। और तुम थोड़ी संख्या में छोड़ दिए जाओगे, जबकि तुम आकाश के तारों की तरह असंख्य थे, क्योंकि तुमने अपने प्रभु परमेश्वर की वाणी नहीं सुनी।

और जैसे प्रभु तुम पर प्रसन्न हुआ तुम्हारा भला करने और तुम्हें बढ़ाने में, उसी प्रकार प्रभु तुम पर प्रसन्न होगा तुम्हें नष्ट करने में, और तुम शीघ्रता से उस पृथ्वी से उखाड़ दिए जाओगे जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो उसे उत्तराधिकार में लेने के लिए। और प्रभु तेरा ईश्वर तुझे पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक सब राष्ट्रों में बिखेर देगा, और तू वहाँ अन्य देवताओं की, लकड़ी और पत्थर की, सेवा करेगा, जिन पर न तूने और न तेरे पिताओं ने विश्वास किया था। लेकिन उन राष्ट्रों में भी तुम्हें विश्राम नहीं मिलेगा, न तुम्हारे पैर के तलवे को ठहराव होगा, और प्रभु तुम्हें वहाँ एक अवज्ञाकारी हृदय देगा, और असफल होते नेत्र, और क्षीण होती आत्मा। और तुम्हारा जीवन तुम्हारी आँखों के सामने लटकता रहेगा, और तुम दिन और रात डरोगे, और तुम अपने जीवन पर विश्वास नहीं करोगे। सुबह तुम कहोगे, कैसे शाम हो जाए, और शाम को तुम कहोगे, कैसे सुबह हो जाए,

तुम्हारे हृदय के डर से जिससे तुम डरोगे, और तुम्हारी आँखों के दर्शनों से जो तुम देखोगे। और प्रभु तुम्हें मिस्र में जहाजों में लौटाएगा, उस रास्ते पर जिसके बारे में मैंने कहा था, तुम इसे फिर नहीं देखोगे, और तुम वहाँ अपने दुश्मनों को दासों और दासियों के रूप में बेचे जाओगे, और कोई खरीदने वाला नहीं होगा।

ये वाचा के शब्द हैं, जिन्हें प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी कि इस्राएल के पुत्रों के लिए मोआब की भूमि में स्थापित करे, उस वाचा के अतिरिक्त जो उसने उनके साथ होरेब में बनाई थी।

29

और मूसा ने इस्राएल के सब पुत्रों को बुलाया, और उनसे कहा, तुमने सब कुछ देखा है जो प्रभु ने मिस्र की भूमि में तुम्हारे सामने फिरौन और उसके सेवकों और उसकी सारी भूमि के साथ किया, वे महान परीक्षाएँ जिन्हें तुम्हारी आँखों ने देखा है, वे चिन्ह और वे महान आश्चर्य। और प्रभु ईश्वर ने तुम्हें आज के दिन तक जानने के लिए हृदय, देखने के लिए आँखें, और सुनने के लिए कान नहीं दिए। और उसने तुम्हें चालीस वर्ष तक रेगिस्तान में ले जाया, तुम्हारे कपड़े पुराने नहीं हुए, और तुम्हारे जूते तुम्हारे पैरों से नहीं घिसे। रोटी तुमने नहीं खाई, दाखरस और मादक पेय तुमने नहीं पिया, ताकि तुम जान सको कि मैं तुम्हारा प्रभु परमेश्वर हूँ। और तुम इस स्थान तक आए, और हेशबोन का राजा सीहोन और बाशान का राजा ओग युद्ध में हमसे मिलने निकले। और हमने उनको मारा, और हमने उनकी भूमि ली, और मैंने उसे विरासत में रूबेन को, और गाद को, और मनश्शे के आधे कबीले को दिया। और तुम इस वाचा के सब शब्दों को मानने के लिए रखोगे, ताकि तुम सब कुछ समझो जो तुम करोगे।

आप सब आज अपने प्रभु परमेश्वर के सामने खड़े हैं, आपके जनजातियों के मुख्य लोग, और आपकी बुजुर्गों की परिषद, और आपके न्यायाधीश, और आपके अधिकारी, इस्राएल का हर

पुरुष, तुम्हारी स्त्रियाँ, और तुम्हारी संतान और वह परदेशी जो तुम्हारे शिविर के बीच में है, तुम्हारे लकड़हारे से लेकर तुम्हारे पानी भरने वाले तक, तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की वाचा में और उसके शापों में सम्मिलित होना, जो तेरा परमेश्वर यहोवा आज तेरे साथ स्थापित करता है। ताकि वह तुझे अपने लिए एक लोग के रूप में स्थापित करे, और वह तेरा परमेश्वर होगा, जिस रीति से उसने तुझसे कहा, और जिस रीति से उसने तेरे पितरों इब्राहीम और इसहाक और याकूब से शपथ खाई। और मैं यह वाचा और यह शाप केवल तुम्हारे लिए ही स्थापित नहीं करता हूँ, लेकिन उनके साथ भी जो आज यहाँ तुम्हारे साथ प्रभु तुम्हारे परमेश्वर के सामने हैं, और उनके साथ भी जो आज यहाँ तुम्हारे साथ नहीं हैं।

क्योंकि तुम जानते हो कि हम मिस्र की भूमि में कैसे बसे, और जैसे हम उन राष्ट्रों के बीच से गुजरे जिनसे तुम गुजरे। और उनकी घृणित वस्तुओं और उनकी मूर्तियों को देखो - लकड़ी और पत्थर, चाँदी और सोना, जो उनके पास हैं। कहीं तुम में कोई पुरुष, या स्त्री, या कुल, या जनजाति न हो, जिसका मन तुम्हारे प्रभु परमेश्वर से मुड़कर उन राष्ट्रों के देवताओं की सेवा करने को गया हो, कहीं तुम में कोई ऐसी जड़ न हो जो पित्त और कड़वाहट में ऊपर उगती हो, और ऐसा होगा कि अगर वह इस शाप के शब्दों को सुनेगा, और अपने हृदय में अपने आप से कहेगा, मेरे लिए पवित्रता हो, क्योंकि मैं अपने हृदय के भटकाव में चलूंगा, ताकि पापी निष्पाप को नष्ट न करे। परमेश्वर उसके प्रति कृपालु होने की इच्छा नहीं करेगा, बल्कि तब प्रभु का क्रोध और उसका जोश उस मनुष्य में प्रज्वलित होगा, और इस वाचा के सब शाप, जो इस पुस्तक में लिखे गए हैं, उसमें चिपकेंगे, और प्रभु उसका नाम आकाश के नीचे से मिटा देगा। और प्रभु उसे इस्राएल के सभी पुत्रों में से बुराई के लिए अलग करेगा, इस नियम की पुस्तक में लिखे हुए वाचा के सभी शापों के अनुसार।

और दूसरी पीढ़ी, तुम्हारे पुत्र जो तुम्हारे बाद उठेंगे, और वह विदेशी जो दूर देश से आएगा, वे उस पृथ्वी के प्रहार और उसके रोग देखेंगे जो प्रभु ने उस पर भेजे। दिव्य गंधक और नमक से जली हुई, उसकी सारी भूमि न बोई जाएगी, न उगेगी, और न ही उस पर कोई हरियाली उठेगी। जैसे

सदोम और अमोरा, अदमा और सबोईम उलट दिए गए थे, जिन्हें प्रभु ने क्रोध और कोप में उलट दिया था, और सब राष्ट्र कहेंगे, प्रभु ने इस भूमि के साथ ऐसा क्यों किया? यह महान क्रोध का कोप क्या है? और वे कहेंगे कि उन्होंने अपने पितरों के परमेश्वर प्रभु की वाचा को छोड़ दिया, जो उसने उनके पितरों के साथ बनाई थी, जब वह उन्हें मिस्र की भूमि से निकाल लाया था। और जाकर उन्होंने अन्य देवताओं की सेवा की, जिन्हें वे नहीं जानते थे, और न ही उसने उन्हें बांटा था। और प्रभु उस भूमि पर क्रोध में क्रोधित हुआ, ताकि उस पर वे सब शाप लाए जाएं जो इस व्यवस्था की पुस्तक में लिखे हुए हैं। और प्रभु ने उनको उनकी भूमि से क्रोध और कोप और अत्यधिक महान प्रकोप में हटाया, और उनको दूसरी भूमि में निकाला जैसे अब।

छिपी हुई बातें हमारे प्रभु परमेश्वर की हैं, लेकिन प्रकट बातें हमारे और हमारे बच्चों के लिए सदा तक हैं, ताकि इस व्यवस्था के सभी वचनों का पालन किया जाए। छिपी हुई बातें हमारे प्रभु परमेश्वर की हैं, लेकिन प्रकट बातें हमारे और हमारे बच्चों के लिए सदा के लिए हैं, ताकि इस व्यवस्था के सब वचनों को पूरा करें।

30

और ऐसा होगा कि जब तुम पर ये सब शब्द आएँ, वह आशीर्वाद और वह शाप, जो मैंने तुम्हारे सामने दिया था; और तुम अपने हृदय में ग्रहण करोगे उन सब जातियों में, जहाँ प्रभु तुम्हें तितर-बितर करे, और तुम अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौटोगे, और उसकी आवाज़ सुनोगे, उन सब बातों के अनुसार जो मैं आज तुम्हें आज्ञा देता हूँ, अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से। और प्रभु तुम्हारे पापों को चंगा करेगा, और तुम पर दया करेगा, और फिर तुम्हें सब राष्ट्रों से इकट्ठा करेगा, जिनमें प्रभु ने तुम्हें वहाँ तितर-बितर किया था। यदि तुम्हारा बिखराव स्वर्ग के एक छोर से दूसरे छोर तक हो, तो वहाँ से प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें इकट्ठा करेगा, और वहाँ से प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें ले लेगा। और तेरा परमेश्वर तुझे वहाँ से उस भूमि में लाएगा जो तेरे पितरों ने

विरासत में पाई थी, और तू उसे विरासत में पाएगा, और वह तेरा भला करेगा, और वह तुझे तेरे पितरों से अधिक संख्या में करेगा। और प्रभु तुम्हारे हृदय को और तुम्हारे वंश के हृदय को पूरी तरह से शुद्ध करेगा, ताकि तुम प्रभु अपने परमेश्वर से अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से प्रेम करो, ताकि तुम जीवित रहो।

और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर ये शाप तुम्हारे शत्रुओं पर देगा, और उन पर जो तुमसे घृणा करते हैं, जिन्होंने तुम्हें सताया। और तू लौटेगा और अपने परमेश्वर प्रभु की वाणी सुनेगा, और उसकी आज्ञाओं को मानेगा, जितनी मैं आज तुझे आज्ञा देता हूँ। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद देगा तुम्हारे हाथों के हर काम में, तुम्हारी गर्भ के वंशजों में, तुम्हारे पशुओं के वंशजों में, और तुम्हारी भूमि की उपज में, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम पर अच्छी बातों के लिए आनन्दित होने को लौटेगा, जैसे वह तुम्हारे पितरों पर आनन्दित हुआ था। यदि तुम अपने परमेश्वर प्रभु की वाणी सुनो, उसकी आज्ञाओं को मानो, और उसकी विधियों को, और उसके न्यायों को जो इस व्यवस्था की पुस्तक में लिखे हैं, यदि तुम अपने संपूर्ण हृदय से और अपने संपूर्ण प्राण से अपने परमेश्वर प्रभु की ओर लौटो। क्योंकि यह आज्ञा जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, न तो बहुत कठिन है और न ही तुमसे दूर है। यह स्वर्ग में ऊपर नहीं है, यह कहते हुए कि कौन हमारे लिए स्वर्ग में चढ़ेगा, और हमारे लिए इसे लेगा, और इसे सुनकर हम इसे करेंगे? न ही यह समुद्र के पार है, यह कहते हुए कि कौन हमारे लिए समुद्र के पार जाएगा, और हमारे लिए इसे लाएगा, और हमारे लिए इसे सुनने योग्य बनाएगा, और हम इसे करेंगे? वह वचन तुम्हारे अत्यंत निकट है—तुम्हारे मुख में, तुम्हारे हृदय में, और तुम्हारे हाथों में इसे करने के लिए।

देखो, मैंने आज तुम्हारे सामने जीवन और मृत्यु, अच्छाई और बुराई रखी है। यदि तुम अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को सुनो, जो मैं आज तुम्हें देता हूँ, कि अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करो, उसके सब मार्गों पर चलो, और उसकी विधियों और उसके न्यायों को मानो, तो तुम जीवित रहोगे, और बहुत हो जाओगे, और तुम्हारा प्रभु परमेश्वर उस सारी भूमि में तुम्हें आशीष देगा, जिसमें तुम अधिकार करने के लिए प्रवेश कर रहे हो। और अगर तुम्हारा हृदय हट जाए, और तुम

न सुनो, और भटककर तुम अन्य देवताओं की पूजा करो और उनकी सेवा करो, मैं आज तुम्हें घोषणा करता हूँ कि तुम विनाश में नष्ट हो जाओगे, और उस पृथ्वी पर दीर्घायु नहीं होंगे, जिसे विरासत में लेने के लिए तुम यर्दन को पार करके वहाँ जा रहे हो।

मैं आज तुम्हें स्वर्ग और पृथ्वी को साक्षी मानकर गवाही देता हूँ, मैंने तुम्हारे सामने जीवन और मृत्यु, आशीर्वाद और शाप रखा है, तुम जीवन को चुनो, ताकि तुम और तुम्हारा वंश जीवित रहे। अपने प्रभु परमेश्वर से प्रेम करना, उसकी आवाज़ सुनना, और उससे चिपके रहना, क्योंकि यही तुम्हारा जीवन है और तुम्हारे दिनों की लंबाई है, उस पृथ्वी पर निवास करना जिसे प्रभु ने तुम्हारे पितरों अब्राहम, इसहाक और याकूब को देने की शपथ ली थी।

31

और मूसा ने इस्राएल के सब पुत्रों से ये सब वचन कहना समाप्त किया। और उसने उनसे कहा, मैं आज सौ बीस वर्ष का हूँ, मैं अब प्रवेश करने और बाहर जाने में सक्षम नहीं रहूँगा, और प्रभु ने मुझसे कहा, तुम इस यर्दन को पार नहीं करोगे। प्रभु तुम्हारा परमेश्वर जो तुम्हारे आगे जा रहा है, वही इन जातियों को तुम्हारे सामने से नष्ट कर देगा, और तुम उन पर अधिकार कर लोगे, और यहोशू तुम्हारे आगे जाएगा, जैसा प्रभु ने कहा है। और प्रभु तुम्हारा ईश्वर उनके साथ वैसे ही करेगा जैसे उसने सीहोन और ओग, अमोरियों के दो राजाओं के साथ किया, जो यर्दन के पार थे, और उनकी भूमि के साथ, जैसे उसने उन्हें नष्ट कर दिया था। और प्रभु ने उन्हें तुम्हें सौंप दिया, और तुम उनके साथ वैसा ही करोगे जैसा मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी। साहसी और मजबूत बनो, मत डरो, न निराश हो, और न ही उनके सामने भयभीत हो, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर जो तुम्हारे साथ तुममें आगे जा रहा है, वह न तो तुम्हें छोड़ेगा और न ही तुम्हें त्यागेगा। और मूसा ने यहोशू को बुलाया और सब इस्राएल के सामने उससे कहा, साहसी और मजबूत हो, क्योंकि तू इस लोगों के सामने उस भूमि में प्रवेश करेगा जो प्रभु ने तुम्हारे पिताओं को देने की शपथ खाई थी, और तू

उनको वह विरासत में देगा। और प्रभु जो तुम्हारे साथ यात्रा करता है, वह तुम्हें नहीं छोड़ेगा, और न ही तुम्हें त्यागेगा, मत डरो, और न कायर बनो।

और मूसा ने इस कानून के शब्दों को पुस्तक में लिखा, और उसे लेवी के पुत्रों अर्थात् उन पुजारियों को दिया जो प्रभु की वाचा के संदूक को उठाते हैं, और इस्राएल के पुत्रों के बुजुर्गों को दिया।

और मूसा ने उस दिन उनको आज्ञा दी, कहते हुए, सात वर्ष के बाद, मुक्ति के वर्ष के समय में, तम्बुओं के पर्व में जब सब इस्राएल तुम्हारे परमेश्वर प्रभु के सामने दिखाई देने के लिए साथ यात्रा करे, उस स्थान में जो प्रभु चुनेगा, तुम इस व्यवस्था को सब इस्राएल के सामने उनके कानों में पढ़ोगे। लोगों को, पुरुषों को, स्त्रियों को, संतानों को और तुम्हारे नगरों में रहने वाले परदेशी को एकत्रित करके, ताकि वे सुनें और ताकि वे तुम्हारे प्रभु परमेश्वर का भय करना सीखें, और वे इस व्यवस्था के सब वचनों को करना सुनेंगे। और उनके पुत्र जो नहीं जानते, वे सुनेंगे और सीखेंगे कि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु से कैसे डरना है, उन सभी दिनों में जितने वे उस पृथ्वी पर जीते हैं, जिसे विरासत में लेने के लिए तुम यर्दन को वहाँ पार कर रहे हो।

और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, तुम्हारी मृत्यु के दिन पास आ गए हैं, यहोशू को बुलाओ, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर खड़े हो जाओ, और मैं उसे आज्ञा दूंगा। और मूसा और यहोशू साक्ष्य के तम्बू में गए, और साक्ष्य के तम्बू के द्वार पर खड़े हुए। और प्रभु बादल में नीचे आए, और साक्षी के तम्बू के द्वार के पास खड़े हुए, और बादल का स्तंभ साक्षी के तम्बू के द्वार के पास खड़ा हुआ। और प्रभु ने मूसा से कहा, देखो, तुम अपने पिताओं के साथ सो जाओगे, और उठकर यह लोग उस भूमि के पराए देवताओं के पीछे व्यभिचार करेंगे, जिसमें यह प्रवेश कर रहे हैं, और वे मुझे छोड़ देंगे, और मेरी वाचा को तोड़ देंगे, जो मैंने उनके साथ स्थापित की है। और मैं उस दिन उन पर क्रोध में क्रोधित होऊंगा, और मैं उन्हें छोड़ दूंगा, और मैं अपना मुख उनसे फेर लूंगा, और वह भक्षण का ग्रास हो जाएगा, और अनेक बुराइयां और क्लेश उसे प्राप्त होंगे, और वह उस दिन

कहेगा, क्योंकि प्रभु मेरा परमेश्वर मुझ में नहीं है, इसलिए ये बुराइयां मुझे प्राप्त हुईं। मैं उस दिन उनसे अपना मुख मोड़ लूंगा, उन सब बुराइयों के कारण जो उन्होंने कीं, क्योंकि वे पराए देवताओं की ओर मुड़ गए।

और अब इस गीत के शब्दों को लिखो, और इसे इस्राएल के पुत्रों को सिखाओ, और इसे उनके मुँह में डालो, ताकि यह गीत मेरे सामने इस्राएल के पुत्रों में गवाही देता हुआ हो जाए। क्योंकि मैं उनको उस अच्छी भूमि में लाऊंगा जिसके बारे में मैंने उनके पिताओं से शपथ खाई थी कि उनको वह भूमि दूंगा जो दूध और शहद से बहती है, और वे खाएंगे, और भर जाने पर वे तृप्त होंगे, और वे विदेशी देवताओं की ओर मुड़ेंगे, और उनकी सेवा करेंगे, और वे मुझे क्रोधित करेंगे, और वे मेरी वाचा को तोड़ेंगे। और यह गीत उनके सामने साक्षी देते हुए प्रतिस्थापित किया जाएगा, क्योंकि यह उनके मुख से और उनके वंश के मुख से नहीं भुलाया जाएगा, क्योंकि मैं उनकी दुष्टता को जानता हूँ, जो वे आज यहाँ करते हैं, इससे पहले कि मैं उनको उस अच्छी भूमि में लाऊँ, जिसकी शपथ मैंने उनके पितरों को खाई थी।

और मूसा ने उस दिन यह गीत लिखा, और इस्राएल के पुत्रों को इसे सिखाया। और यहोशू को आज्ञा दी, और कहा, साहसी और बलवान हो, क्योंकि तू इस्राएल के पुत्रों को उस भूमि में ले जाएगा, जिसकी शपथ प्रभु ने उनसे खाई थी, और वह तेरे साथ होगा।

जब मूसा ने इस कानून के सभी शब्दों को पुस्तक में अंत तक लिखना पूरा किया, और उसने लेवियों को, जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाते हैं, आज्ञा दी, कहते हुए, इस कानून की पुस्तक को लेकर, इसे अपने परमेश्वर प्रभु की वाचा के सन्दूक की बगल में रखोगे, और वह वहाँ तुम्हारे लिए गवाही के रूप में होगी। क्योंकि मैं तुम्हारा उकसावा जानता हूँ, और तुम्हारी कठोर गर्दन को भी, क्योंकि अभी भी जब मैं आज तुम्हारे साथ जीवित हूँ, तुम परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करते रहे हो, तो मेरी मृत्यु के बाद कैसे नहीं करोगे? अपने कबीला प्रमुखों, अपने बुजुर्गों, अपने न्यायाधीशों और अपने अधिकारियों को मेरे पास एकत्र करो, ताकि मैं उनके कानों में ये सब शब्द

बोलूँ, और मैं उन्हें स्वर्ग और पृथ्वी की गवाही दूँ। मैं जानता हूँ कि मेरी मृत्यु के बाद तुम अधर्म से अधर्म करोगे, और उस मार्ग से मुड़ जाओगे जिसकी मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी, और अंतिम दिनों में तुम्हें बुराइयाँ मिलेंगी, क्योंकि तुम प्रभु के सामने बुरा करोगे और अपने हाथों के कामों से उसे क्रोधित करोगे।

और मूसा ने सारी सभा के कानों में इस गीत के शब्द अंत तक बोले।

32

हे स्वर्ग, ध्यान दो और मैं बोलूँगा, और पृथ्वी मेरे मुख के शब्द सुने। मेरा कथन वर्षा के समान प्रतीक्षित हो, और मेरे शब्द ओस के समान अवतरित हों, जैसे घास पर वर्षा, और जैसे घास पर हिमपात। क्योंकि मैंने प्रभु के नाम को पुकारा, हमारे परमेश्वर को महानता दो। परमेश्वर, उसके कार्य सत्य हैं, और उसके सब मार्ग न्याय हैं, परमेश्वर विश्वासयोग्य है, और कोई अन्याय नहीं है, प्रभु धर्मी और पवित्र है। उन्होंने पाप किया, वे उसके बच्चे नहीं हैं, निंदनीय हैं, टेढ़ी और भ्रष्ट पीढ़ी। क्या ये चीज़ें तुम प्रभु को चुकाते हो? क्या इस प्रकार के लोग मूर्ख हैं और बुद्धिमान नहीं? क्या वह तुम्हारा पिता नहीं है जिसने तुम्हें अर्जित किया और तुम्हें बनाया और तुम्हें रचा? प्राचीन युग के दिनों को याद करो, पीढ़ी-दर-पीढ़ी के वर्षों को समझो। अपने पिता से पूछो और वह तुम्हें बताएगा, अपने बुजुर्गों से पूछो और वे तुम्हें बताएंगे।

जब परम उच्च ने राष्ट्रों को विभाजित किया, जैसे आदम के पुत्रों को बिखेरा, तो उसने राष्ट्रों की सीमाएं परमेश्वर के दूतों की संख्या के अनुसार स्थापित कीं। और प्रभु का भाग उसके लोग याकूब हुए, उसकी विरासत का नापा हुआ हिस्सा इस्राएल है। उसने उसे जंगल में बनाए रखा, जलती गर्मी की प्यास में, जलहीन भूमि में, उसने उसे घेरा और उसे अनुशासित किया, और उसे संरक्षित किया, जैसे आँख की पुतली को। जैसे चील अपने घोंसले को ढकती है, और अपने

बच्चों के ऊपर लालायित होती है, अपने पंख फैलाकर उसने उनको स्वीकार किया, और उनको अपनी पीठ पर उठाया। प्रभु अकेले उन्हें ले जा रहे थे, उनके साथ कोई विदेशी देवता नहीं था। उसने उन्हें पृथ्वी की शक्ति पर चढ़ाया, उसने उन्हें खेतों की उपज खिलाई, उन्होंने चट्टान से शहद चूसा, और ठोस चट्टान से तेल। बैलों का मक्खन, और भेड़ों का दूध, मेमनों और मेढ़ों की चर्बी के साथ, सांडों के पुत्रों और बकरों के साथ, गेहूं के गुदों की चर्बी के साथ, और अंगूर का खून - उसने दाखरस पिया। और याकूब ने खाया और भर गया, और प्रिय ने लात मारी, वह मोटा हुआ, मोटा हुआ, चौड़ा हुआ, और उसने परमेश्वर को त्याग दिया जिसने उसे बनाया, और वह अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर से दूर हो गया।

उन्होंने मुझे विदेशी देवताओं से उकसाया, उनके घृणित कर्मों से उन्होंने मुझे क्रोधित किया। उन्होंने दुष्टात्माओं को बलिदान किया, और परमेश्वर को नहीं, उन देवताओं को जिनको वे नहीं जानते थे, जो नए और हाल के आए हैं, जिनको उनके पिता नहीं जानते थे। परमेश्वर को, जिसने तुम्हें उत्पन्न किया, तुमने त्याग दिया, और तुमने उस परमेश्वर को भुला दिया जो तुम्हारा पालन-पोषण करता है।

और प्रभु ने देखा, और ईर्ष्या की, और अपने पुत्रों और पुत्रियों के क्रोध के कारण क्रोधित हुआ। और उसने कहा, मैं अपना चेहरा उनसे फेर लूंगा, और दिखाऊंगा कि अंतिम दिनों में उनका क्या होगा, क्योंकि यह एक विकृत पीढ़ी है, ऐसे पुत्र जिनमें विश्वास नहीं है।

उन्होंने मुझे ऐसे पर ईर्ष्या के लिए उकसाया जो ईश्वर नहीं है, उन्होंने मुझे अपनी मूर्तियों से क्रोधित किया, और मैं उन्हें ऐसे पर ईर्ष्या के लिए उकसाऊंगा जो राष्ट्र नहीं है, एक मूर्ख राष्ट्र पर मैं उन्हें क्रोधित करूंगा। क्योंकि मेरे क्रोध से आग प्रज्वलित हो गई है, यह नीचे अधोलोक तक जलेगी, यह भूमि और उसकी उपज को भक्षण करेगी, यह पहाड़ों की नींव को प्रज्वलित करेगी। मैं उन पर बुराईयाँ इकट्ठा करूंगा, और अपने तीर उन पर लड़ने में खर्च करूंगा। अकाल से नष्ट होते हुए और पक्षियों द्वारा खाए जाने से, और असाध्य पीठ खिंचाव से, मैं उनके विरुद्ध जंगली

जानवरों के दांत भेजूंगा, क्रोध के साथ भूमि पर घसीटने वालों के। बाहर से तलवार उन्हें निःसंतान कर देगी, और भंडारघरों से भय, युवा पुरुष कुंवारी के साथ, दूध पीता बच्चा बूढ़े के साथ। मैंने कहा, मैं उन्हें तितर-बितर कर दूंगा, और मनुष्यों में से उनका स्मारक मिटा दूंगा। यदि शत्रुओं के क्रोध के कारण नहीं होता, ताकि वे लम्बा न करें, ताकि विरोधी मिलकर आक्रमण न करें, और वे यह न कहें कि हमारा हाथ ऊँचा है, और प्रभु ने नहीं, बल्कि हमने यह सब किया।

राष्ट्र ने परामर्श खो दिया है, और उनमें ज्ञान नहीं है। उन्होंने समझने का प्रयास नहीं किया, आने वाले समय में इन बातों को स्वीकार करें। कैसे एक हजार का पीछा करेगा, और दो दस हजार को हटाएंगे, यदि परमेश्वर ने उनको नहीं बेचा, और प्रभु ने उनको नहीं सौंपा? क्योंकि उनके देवता हमारे ईश्वर जैसे नहीं हैं, लेकिन हमारे शत्रु मूर्ख हैं। क्योंकि उनकी अंगूर की बेल सदोम की अंगूर की बेल से है, और उनकी शाखा गमोरा से है, उनका अंगूर पित्त का अंगूर है, कड़वाहट का गुच्छा उनके लिए है। उनकी दाखरस अजगरों का क्रोध है, और नागों का असाध्य क्रोध। क्या ये चीजें मेरे पास एकत्रित नहीं की गई हैं, और मेरे खजानों में मुहरबंद नहीं की गई हैं? प्रतिशोध के दिन मैं चुकाऊंगा, जब उनका पैर लड़खड़ाएगा, क्योंकि विनाश का दिन उनके निकट है, और जो तैयार है वह तुम्हारे लिए उपस्थित है। क्योंकि प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा, और अपने दासों पर दया करेगा, क्योंकि उसने उनको कमजोर देखा, और वे थके हुए और निढाल हो गए थे। और प्रभु ने कहा, कहाँ हैं उनके देवता, जिन पर उन्होंने विश्वास किया था? जिनके बलिदानों की चर्बी तुम खाते थे, और जिनके अर्घों का दाखरस तुम पीते थे; वे उठें और तुम्हारी सहायता करें और तुम्हारे रक्षक बनें। देखो देखो कि मैं हूँ, और मेरे सिवाय कोई देवता नहीं है, मैं मार डालता हूँ और जिलाता हूँ, मैं घायल करता हूँ और मैं चंगा करता हूँ, और कोई नहीं है जो मेरे हाथों से छुड़ाए। क्योंकि मैं अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाऊंगा, और अपने दाहिने हाथ की शपथ लूंगा, और कहूँगा, मैं सदा के लिए जीवित हूँ, क्योंकि मैं अपनी तलवार को बिजली की तरह तेज करूँगा, और मेरा हाथ न्याय को पकड़ेगा, और मैं शत्रुओं को दंड लौटाऊँगा, और जो मुझसे घृणा करते हैं उन्हें मैं बदला दूँगा। मैं अपने तीरों को खून से मतवाला करूँगा, और मेरी तलवार घायलों के खून से तथा शत्रु शासकों के सिर की बंदी से मांस खाएगी।

स्वर्ग, उसके साथ आनंदित हो, और परमेश्वर के सभी दूत उसे दंडवत करें। राष्ट्रों, उसके लोगों के साथ आनंदित हो, और परमेश्वर के सभी पुत्र उसके लिए बलवान हों, क्योंकि उसके पुत्रों के रक्त का बदला लिया जाता है। और वह बदला लेगा और शत्रुओं को दंड देगा, और घृणा करने वालों को प्रतिफल देगा, और प्रभु अपने लोगों की भूमि को शुद्ध करेगा।

और मूसा ने उस दिन यह गीत लिखा और इसे इस्राएल के पुत्रों को सिखाया, और मूसा ने प्रवेश किया और इस व्यवस्था के सब वचन लोगों के कानों में सुनाए, वह स्वयं और नून का पुत्र यहोशू। और मूसा ने सब इस्राएल से बोलना पूर्ण किया। और उन्होंने उनसे कहा, इन सब शब्दों पर हृदय से ध्यान दो, जिनकी मैं आज तुम्हें गवाही देता हूँ, जिनकी आज्ञा तुम अपने पुत्रों को दोगे, कि इस व्यवस्था के सब शब्दों की रक्षा करें और उनका पालन करें। क्योंकि यह वचन तुम्हारे लिए खाली नहीं है, क्योंकि यह तुम्हारा जीवन है, और इस वचन के कारण तुम उस पृथ्वी पर दीर्घायु होगे, जिसमें तुम यर्डन पार करके वहाँ विरासत में लेने जा रहे हो। और प्रभु ने इस दिन मूसा से कहा, अबारीम पहाड़ पर चढ़ जाओ, यह नाबाऊ पहाड़ है जो मोआब की भूमि में यरीहो के सामने है, और कनान की भूमि को देखो, जो मैं इस्राएल के पुत्रों को देता हूँ। और उस पहाड़ पर मरो जिस पर तुम वहाँ चढ़ते हो, और अपने लोगों से जुड़ जाओ, जिस तरह से तुम्हारा भाई हारून होर पहाड़ पर मरा, और अपने लोगों से जुड़ गया। क्योंकि तुमने इस्राएल के पुत्रों के बीच कादेश में, सीन के जंगल में, विवाद के जल पर मेरे वचन की अवज्ञा की, इसलिए कि तुमने इस्राएल के पुत्रों के बीच मुझे पवित्र नहीं किया। तुम सामने उस भूमि को देखोगे, और वहाँ प्रवेश नहीं करोगे।

33

और यह वह आशीर्वाद था जो मूसा, परमेश्वर के मनुष्य ने, इस्राएल के पुत्रों को अपनी मृत्यु से पहले दिया। और उसने कहा, प्रभु सीनै से आया है, और सेईर से हमारे लिए प्रकट हुआ, और

फारान पर्वत से शीघ्रता से आया, कादेश की असंख्य सेनाओं के साथ, उसके दाहिने ओर से उसके दूत उसके साथ हैं। और उसने अपने लोगों को बख्शा, और सभी जो तुम्हारे हाथों द्वारा पवित्र किए गए हैं, और ये तुम्हारे अधीन हैं, और उसने उसके शब्दों को स्वीकार किया वह कानून जो मूसा ने हमें आदेश दिया, याकूब की सभाओं के लिए विरासत है। और प्रिय में शासक होगा, जब लोगों के शासक इस्राएल के कुलों के साथ एकत्रित किए जाएंगे। रूबेन जीवित रहे और न मरे, और संख्या में बहुत हो।

और यह यहूदा है, हे प्रभु, यहूदा की आवाज़ सुनो, और तुम उसके लोगों में आओ। उसके हाथ उसके लिए न्याय करेंगे, और तुम शत्रुओं से सहायक होगे।

और लेवी से कहा, लेवी को उसके स्पष्ट चिन्ह दो, और उसका सत्य उस पवित्र पुरुष को दो, जिसको उन्होंने परीक्षा में परखा, जिसकी उन्होंने विवाद के जल पर निन्दा की। जो अपने पिता और माता से कहता है, मैंने तुझे नहीं देखा, और जिसने अपने भाइयों को नहीं पहचाना, और अपने पुत्रों को त्याग दिया, उसने तेरे वचनों को रखा, और तेरी वाचा का पालन किया। वे याकूब को तुम्हारे विधियों की घोषणा करेंगे और इस्राएल को तुम्हारा कानून सिखाएंगे, वे तुम्हारे क्रोध में निरंतर तुम्हारी वेदी पर धूप चढ़ाएंगे। हे प्रभु, उसकी शक्ति को आशीर्वाद दो और उसके हाथों के कार्यों को स्वीकार करो। उन शत्रुओं की कमर को चकनाचूर कर दो जो उसके विरुद्ध उठ खड़े हुए हैं, और जो उससे घृणा करते हैं वे न उठें। और बेंजामिन को कहा गया, प्रभु का प्रिय विश्वास करते हुए निवास करेगा, और परमेश्वर सब दिन उस पर छाया करता है, और उसके कंधों के बीच उसने विश्राम दिया।

और यूसुफ को उसने कहा, प्रभु के आशीर्वाद से उसकी भूमि हो, स्वर्ग की ऋतुओं से और ओस से, और नीचे से गहराइयों के झरनों से, और उपज के समय के अनुसार, सूर्य के मार्गों के अनुसार, और महीनों के संयोजनों से, पहाड़ों के शिखर से आरंभ, और सदा बहने वाली पहाड़ियों के शिखर से, और पृथ्वी की परिपूर्णता की घड़ी के अनुसार, और जो झाड़ी में दिखाई दिए,

उनको स्वीकार्य आशीर्वाद यूसुफ के सिर पर आएँ, और उनके भाइयों के बीच महिमामंडित किए गए के शिखर पर। पहलौठे बैल की सुंदरता उसकी है, एक सींग वाले के सींग उसके सींग हैं, उनसे वह राष्ट्रों को एक साथ भेदेगा, पृथ्वी के छोर तक, ये एप्रेम के दस हजार हैं, और ये मनश्शे के हजार हैं। और ज़बूलून से कहा, हे ज़बूलून, तुम अपने प्रस्थान में आनंदित हो, और इस्साकार अपने तंबुओं में। राष्ट्र नष्ट कर देंगे, और तुम वहाँ पुकारोगे, और तुम वहाँ न्याय का बलिदान चढ़ाओगे, क्योंकि समुद्र का धन तुम्हें पोषण देगा, और तटवर्ती निवासियों का व्यापार भी।

और गाद से कहा, धन्य है वह जो गाद को विस्तृत करता है; वह सिंह के समान विश्राम करता है, भुजा और शासक को कुचलकर। और उसने अपना पहला फल देखा, क्योंकि वहाँ शासकों की भूमि विभाजित की गई थी, जो लोगों के नेताओं के साथ एकत्रित हुए थे। प्रभु ने धार्मिकता को पूरा किया, और इस्राएल के साथ अपना न्याय किया।

और दान से कहा, दान सिंह का शावक है, और बाशान से कूदेगा। और नफताली से कहा, नफताली स्वीकार्य चीजों की परिपूर्णता है, और प्रभु से आशीर्वाद से भरा जाए, समुद्र और दक्षिण को विरासत में पाएगा। और आशेर को कहा गया, आशेर बच्चों से धन्य है, और वह अपने भाइयों को स्वीकार्य होगा, वह अपने पैर को तेल में डुबोएगा। लोहा और कांसा उसका जूता होगा, जैसे तुम्हारे दिन, वैसी तुम्हारी ताकत।

प्रिय के देवता के समान कोई नहीं है, जो स्वर्ग पर पदार्पण करते हुए तुम्हारा सहायक है, और आकाश का भव्य है। और परमेश्वर का आरंभ तुझे ढकेगा, और शाश्वत भुजाओं की शक्ति द्वारा, और वह तेरे चेहरे से शत्रु को निकालेगा, कहता हुआ, नष्ट हो जाओ। और इस्राएल विश्वास करते हुए निवास करेगा, याकूब की पृथ्वी पर अकेला, अनाज और दाखरस पर, और स्वर्ग तुम्हें ओस से बादलयुक्त होगा। धन्य है तू इस्राएल, कौन है तेरे समान, ऐसे लोग जो प्रभु द्वारा बचाए जाते हैं? तेरा सहायक तेरी रक्षा करेगा, और तलवार तेरा घमंड है, और तेरे शत्रु तुझसे झूठ बोलेंगे, और तू उनकी गर्दन पर चढ़ेगा।

और मूसा अराबोथ मोआब से नाबाऊ पहाड़ पर, फासगा की चोटी पर गया, जो यरीहो के सामने है, और प्रभु ने उसको गिलाद से दान तक सारी भूमि दिखाई। और नप्ताली की सारी भूमि, और एप्राईम की सारी भूमि, और मनश्शे, और यहूदा की सारी भूमि अंतिम समुद्र तक, और रेगिस्तान, और यरीहो के आसपास के क्षेत्र, खजूर के पेड़ों का शहर, सोअर तक। और प्रभु ने मूसा से कहा, यह वह भूमि है जिसकी मैंने अब्राहम और इसहाक और याकूब से शपथ खाई थी, यह कहते हुए कि मैं इसे तुम्हारे वंश को दूंगा, और मैंने इसे तुम्हारी आँखों को दिखाया है, परन्तु तुम वहाँ प्रवेश नहीं करोगे।

और मूसा, जो प्रभु के सेवक थे, मोआब की भूमि में प्रभु के वचन के द्वारा मृत्यु को प्राप्त हुए। और उन्होंने उसे गै में, फोगोर के घर के निकट दफनाया, और आज के दिन तक किसी ने भी उसका दफन नहीं देखा। मूसा की मृत्यु के समय सौ बीस वर्ष के थे, उनकी आँखें धुंधली नहीं हुई थीं, और न ही उनकी शक्ति क्षीण हुई थी।

और इस्राएल के पुत्रों ने मोआब के अराबोथ में, यर्दन के पास, यरीहो के सामने, मूसा के लिए तीस दिन रोए, और मूसा के शोक और विलाप के दिन पूर्ण हुए। और यहोशू, जो नून का पुत्र था, समझ की आत्मा से भर गया था, क्योंकि मूसा ने अपने हाथ उस पर रखे थे, और इस्राएल के पुत्रों ने उसकी सुनी, और उन्होंने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी।

और इस्राएल में फिर कभी मूसा जैसा भविष्यवक्ता नहीं उठा, जिसे प्रभु ने आमने-सामने जाना। सब चिह्नों और आश्चर्यों में, जिन्हें प्रभु ने उसे मिस्र की भूमि में फिरौन के पास, और उसके सेवकों के पास, और उसकी सारी भूमि में करने के लिए भेजा था, वे महान चमत्कार और वह शक्तिशाली हाथ, जो मूसा ने समस्त इस्राएल के सामने किया।

यहोशू

1

और ऐसा हुआ कि मूसा की मृत्यु के बाद, प्रभु ने मूसा के सहायक, नून के पुत्र यहोशू से कहा, मूसा मेरा सहायक मर गया है। अब इसलिए उठकर, तुम और ये सब लोग जॉर्डन को पार करो उस भूमि में, जो मैं उनको देता हूँ। हर वह स्थान जिस पर तुम अपने पैरों के तलवे से पैर रखोगे, मैं तुम्हें दूंगा, जिस तरह मैंने मूसा से कहा था। वह रेगिस्तान और एंटी लेबनान, महान नदी यूफ्रेट्स तक, और सूर्यास्त की ओर सबसे दूर के समुद्र तक, तुम्हारी सीमाएं होंगी। तुम्हारे जीवन के सभी दिनों में कोई मनुष्य तुम्हारे सामने नहीं खड़ा होगा, और जैसे मैं मूसा के साथ था, वैसे ही मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, और मैं तुम्हें न त्यागूंगा और न तुम्हें छोड़ूंगा। मजबूत और साहसी बनो, क्योंकि तुम इन लोगों को वह भूमि बाँटोगे, जिसे मैंने तुम्हारे पूर्वजों को देने की शपथ खाई थी। इसलिए मजबूत और साहसी बनो, रखने और करने के लिए जैसा मेरे सेवक मूसा ने तुम्हें आदेश दिया था, और तुम उनसे न दाहिनी ओर मुड़ोगे और न बाईं ओर, ताकि तुम सब में समृद्ध हो जाओ। और यह व्यवस्था की पुस्तक तुम्हारे मुख से अलग नहीं होगी, और तुम इसमें दिन और रात ध्यान करोगे, ताकि तुम सब लिखी हुई बातों को करना जान सको, तब तुम समृद्ध होगे, और अपने मार्गों को समृद्ध करोगे, और तब तुम समझोगे। देखो, मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, मजबूत और साहसी बनो, भयभीत मत हो और न डरो, क्योंकि तुम्हारे प्रभु परमेश्वर तुम्हारे साथ हैं, जहाँ कहीं

भी तुम जाओ। और यहोशू ने लोगों के लिपिकों को आज्ञा दी, कहते हुए, शिविर के मध्य में लोगों के बीच प्रवेश करो, और लोगों को आदेश दो, यह कहते हुए, रसद तैयार करो, क्योंकि अभी तीन दिन हैं और तुम इस यर्दन को पार करोगे, प्रवेश करके उस भूमि को अधिकार में लेने के लिए, जो प्रभु, तुम्हारे पिताओं का परमेश्वर, तुम्हें देता है।

और यहोशू ने रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्र से कहा, याद करो वह वचन जो मूसा प्रभु के सेवक ने तुम्हें आज्ञा दी थी, कहते हुए, प्रभु तुम्हारा परमेश्वर ने तुम्हें विश्राम दिया, और तुम्हें यह भूमि दी। तुम्हारी स्त्रियाँ और तुम्हारे बच्चे और तुम्हारे पशु उस भूमि में निवास करें जो तुम्हें दी गई, लेकिन तुम सुसज्जित होकर अपने भाइयों से पहले पार करोगे, सब बलवान, और तुम उनकी सहायता करोगे। जब तक प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हारे भाइयों को विश्राम न दे दे, जैसे तुम्हें भी दिया है, और वे भी उस भूमि का अधिकार प्राप्त कर लें, जो प्रभु हमारा परमेश्वर उन्हें देता है, तब तुम में से प्रत्येक अपनी उस विरासत की ओर लौट जाएगा, जो मूसा ने तुम्हें यर्दन के पार पूर्व दिशा में दी थी। और यहोशू को उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, जितना भी तू हमें आज्ञा देगा, हम सब करेंगे, और जिस किसी स्थान पर तू हमें भेजेगा, हम जाएंगे। जितना सब हमने मूसा का सुना है, उसके अनुसार हम तुम्हारा भी सुनेंगे, बशर्ते कि प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हारे साथ हो, जैसे वह मूसा के साथ था। वह आदमी जो तुम्हारी अवज्ञा करे, और जो कोई तुम्हारे शब्दों को न सुने जैसे कि यदि तुम उसे आदेश दो, वह मरे, लेकिन तुम मजबूत और साहसी बनो।

2

और यहोशू, जो नून का पुत्र था, ने शित्तीम से दो युवा पुरुषों को जासूसी करने के लिए भेजा और कहा, जाओ और भूमि तथा यरीहो को देखो। और वे दो युवा पुरुष जाकर यरीहो में प्रवेश किए और एक वेश्या स्त्री के घर में गए, जिसका नाम राहाब था, और वहाँ ठहरे।

और यरीहो के राजा को यह रिपोर्ट किया गया, कहते हुए कि इस्राएल के पुत्रों में से पुरुष भूमि की जासूसी करने के लिए यहाँ प्रवेश किए हैं। और यरीहो के राजा ने भेजा और राहाब से कहा, उन पुरुषों को बाहर निकाल जो तेरे घर में रात को प्रवेश किए हैं, क्योंकि वे भूमि की जासूसी करने आए हैं। और महिला ने दो पुरुषों को लेकर उनको छिपाया, और उनसे कहा, पुरुष मेरे पास आए हैं, जैसे ही द्वार अंधेरे में बंद हो रहा था और वे पुरुष बाहर चले गए, मैं नहीं जानता कि वे कहाँ गए हैं। उनका पीछा करो, शायद तुम उन्हें पकड़ लो। लेकिन यह उनको छत पर ले गई, और उनको सन के भूसे में छिपाया जो छत पर ढेर लगाया गया था। और पुरुषों ने यर्दन के घाटों की ओर जाने वाले मार्ग पर उनका पीछा किया, और फाटक बंद कर दिया गया।

और ऐसा हुआ कि जब पीछा करने वाले उनके पीछे निकल गए, और इससे पहले कि वे सो जाते, वह उनके पास छत पर चढ़ गई। और उसने उनसे कहा, मैं जानता हूँ कि प्रभु ने तुम्हें यह भूमि दी है, क्योंकि तुम्हारा भय हम पर गिर गया है। हमने सुना है कि प्रभु देव ने तुम्हारे सामने से लाल समुद्र को सुखा दिया था, जब तुम मिस्र की भूमि से निकले थे, और उन्होंने एमोरियों के दो राजाओं सीहोन और ओग के साथ क्या किया, जो यर्दन के पार थे, जिनको तुमने नष्ट कर दिया था। और यह सुनकर हमारे हृदय चकित हो गए, और तुम्हारे मुख के कारण हममें से किसी में भी अब आत्मा नहीं रही, क्योंकि प्रभु तुम्हारे देवता, ऊपर स्वर्ग में और नीचे पृथ्वी पर देवता हैं। और अब मुझे प्रभु परमेश्वर की शपथ दो, कि जैसे मैं तुम पर दया करता हूँ, वैसे ही तुम भी मेरे पिता के घर पर दया करो, और मेरे पिता के घर को जीवित बचाओ, मेरी माता को, और मेरे भाइयों को, और मेरे पूरे घर को, और जो कुछ भी उनके पास है, और मेरी आत्मा को मृत्यु से छुड़ाओगे।

और उन पुरुषों ने उससे कहा, हमारा प्राण तुम्हारे बदले मृत्यु में जाए, और उसने कहा, जब प्रभु तुम्हें वह नगर सौंप दे, तो तुम मुझ पर दया और सत्य दिखाना। और उसने उन्हें खिड़की के माध्यम से नीचे उतारा। और उसने उनसे कहा, पहाड़ी इलाके में चले जाओ, ताकि पीछा करने वाले तुमसे न मिलें, और वहाँ तीन दिन तक छिपे रहो जब तक पीछा करने वाले तुम्हारे पीछे से लौट न जाएँ, और इसके बाद तुम अपने रास्ते पर चले जाना।

और उन पुरुषों ने उससे कहा, हम तुम्हारी इस शपथ से निर्दोष हैं। देखो, हम नगर के एक भाग में प्रवेश कर रहे हैं, और तू यह चिह्न रखेगी, इस लाल रस्सी को तू उस खिड़की में लटकाएगी जिससे तूने हमें उतारा था, और अपने पिता, अपनी माता, अपने भाइयों और अपने पिता के सारे घर को तू अपने घर में अपने पास इकट्ठा करेगी। और ऐसा होगा कि जो कोई भी तुम्हारे घर के द्वार से बाहर निकलेगा, वह स्वयं दोषी होगा, लेकिन हम तुम्हारी इस शपथ से निर्दोष होंगे, और जितने भी तुम्हारे साथ तुम्हारे घर में होंगे, हम दोषी होंगे। यदि कोई हमें गलत करेगा या हमारे इन शब्दों को प्रकट करेगा, तो हम तुम्हारी इस शपथ से निर्दोष होंगे। और उसने उनसे कहा, तुम्हारे शब्द के अनुसार ऐसा ही हो, और उसने उन्हें विदा किया, और वे चले गए। और वे पहाड़ी देश में आए, और वहाँ तीन दिन रहे, और पीछा करने वालों ने सब रास्ते खोजे, परन्तु उन्हें नहीं पाया।

और वे दो युवा पुरुष लौटे, और पहाड़ से नीचे आए, और यहोशू, नून के पुत्र के पास गए, और उन्होंने उसे वे सब घटनाएँ सुनाई जो उनके साथ घटी थीं। और उन्होंने यहोशू से कहा कि प्रभु ने सारी भूमि हमारे हाथ में सौंप दी है, और उस भूमि में निवास करने वाले सब लोग हमसे भयभीत हो गए हैं।

3

और यहोशू सुबह सवेरे उठा, और शित्तीम से प्रस्थान किया, और वे यर्दन तक आए, और पार करने से पहले वहाँ ठहरे। और ऐसा हुआ कि तीन दिन के बाद शास्त्री शिविर के बीच से होकर गए और उन्होंने लोगों को आज्ञा दी, यह कहते हुए, जब तुम हमारे प्रभु परमेश्वर की वाचा के सन्दूक को और हमारे याजकों और लेवियों को उसे उठाते हुए देखो, तो तुम अपने स्थानों से प्रस्थान करो और उसके पीछे चलो। लेकिन तुम्हारे और उसके बीच दूरी होनी चाहिए, जितनी दो हजार हाथ, तुम खड़े रहोगे, इसके पास मत आना, ताकि तुम उस रास्ते को जान सको जिस पर तुम चलोगे, क्योंकि तुमने यह रास्ता कल और परसों से नहीं लिया है।

और यहोशू ने लोगों से कहा, कल के लिए स्वयं को शुद्ध करो, क्योंकि कल प्रभु तुम्हारे बीच अद्भुत कार्य करेंगे। और यहोशू ने याजकों से कहा, प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाओ, और लोगों के आगे चलो। और याजकों ने प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाया, और लोगों के आगे चले। और प्रभु ने यहोशू से कहा, इस दिन मैं तुम्हें सब इस्राएल के पुत्रों के सामने ऊँचा करना आरंभ करता हूँ, ताकि वे जानें कि जैसे मैं मूसा के साथ था, वैसे ही मैं तुम्हारे साथ भी रहूँगा। और अब उन पुजारियों को आज्ञा दो जो वाचा के सन्दूक को उठाते हैं, यह कहते हुए कि जैसे ही तुम यर्डन के जल के किनारे पर प्रवेश करो, तो यर्डन में खड़े हो जाओ।

और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, यहाँ आओ और हमारे परमेश्वर प्रभु का वचन सुनो। इससे तुम जानोगे कि परमेश्वर तुम्हारे बीच जीवित है, और वह हमारे सामने से कनानी, हिती, परिज्जी, हिवी, एमोरी, गिराशी और यबूसी को नष्ट कर देगा। देखो, सारी पृथ्वी के प्रभु की वाचा का सन्दूक यर्डन को पार कर रहा है। तुम अपने लिए बारह पुरुष चुनो इस्राएल के पुत्रों में से, प्रत्येक कबीले से एक। और ऐसा होगा कि जब उन पुजारियों के पैर, जो सारी पृथ्वी के प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाए हुए हैं, यर्डन के जल में विश्राम करेंगे, तो यर्डन का जल रुक जाएगा, और वह जल जो ऊपर से नीचे आ रहा है, ठहर जाएगा।

और लोग अपने तंबुओं से यर्डन पार करने के लिए प्रस्थान किए, और पुजारियों ने प्रभु की वाचा के सन्दूक को लोगों के आगे उठाया। जैसे ही पुजारी जो वाचा के सन्दूक को उठाए हुए थे यर्डन में प्रवेश कर रहे थे, और जब प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाने वाले पुजारियों के पैर यर्डन के पानी के एक भाग में डुबोए गए, तब यर्डन अपने पूरे किनारे तक भरा हुआ था, जैसे गेहूँ की कटाई के दिनों में होता है, और ऊपर से उतरता हुआ पानी खड़ा हो गया, एक जमा हुआ ढेर बन गया जो करियथियारीम के भाग तक बहुत दूर खड़ा रहा, लेकिन नीचे उतरने वाला पानी अराबा के समुद्र में, नमक के समुद्र में उतर गया, अंत तक समाप्त हो गया, और लोग यरीहो के सामने खड़े थे। और वे याजक जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाए हुए थे, यर्डन के बीच में सूखी भूमि पर खड़े रहे, और इस्राएल के सब लोग सूखी भूमि पर से होकर पार उतरते रहे, जब तक सब लोग यर्डन

को पार न कर चुके।

4

और जब सब लोग यर्दन को पार कर चुके, तब प्रभु ने यहोशू से कहा, लोगों में से पुरुषों को लिया, प्रत्येक कुल से एक, उन्हें आदेश दो, और यरदन के बीच से बारह तैयार पत्थर उठा लो, और इन्हें अपने साथ ले जाते हुए, इन्हें अपने शिविर में रखो, जहाँ तुम वहाँ रात को डेरा डालो।

और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों में से बारह प्रतिष्ठित पुरुषों को बुलाया, प्रत्येक गोत्र से एक, उसने उनसे कहा, मेरे सामने प्रभु के मुख के आगे यरदन के बीच में आओ, और वहाँ से प्रत्येक व्यक्ति एक पत्थर उठाकर अपने कंधों पर रखे, इस्राएल के बारह गोत्रों की संख्या के अनुसार। ताकि ये तुम्हारे लिए सदा के लिए एक निशानी के रूप में पड़े रहें, ताकि जब कल तुम्हारा पुत्र तुमसे पूछे, ये पत्थर हमारे लिए क्या हैं? और तुम अपने पुत्र को बताओगे, यह कहते हुए कि यरदन नदी सारी पृथ्वी के प्रभु की वाचा के सन्दूक के सामने से रुक गई, जब वह उसे पार कर रहा था, और ये पत्थर तुम्हारे लिए इस्राएल के पुत्रों के लिए युगों तक स्मारक होंगे।

और इस्राएल के पुत्रों ने इस प्रकार किया, जैसा प्रभु ने यहोशू को आज्ञा दी थी, और यर्दन के बीच से बारह पत्थर उठाकर, जैसा प्रभु ने यहोशू को इस्राएल के पुत्रों के पार करने की समाप्ति पर आदेश दिया था, और इन्हें अपने साथ शिविर में ले गए, और वहाँ रखा। यहोशू ने यर्दन में बारह अन्य पत्थर भी स्थापित किए, उस स्थान पर जो उन पुजारियों के पैरों के नीचे था जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठा रहे थे, और वे आज के दिन तक वहाँ हैं।

पुजारी जो वाचा के सन्दूक को उठा रहे थे, यर्दन में तब तक खड़े रहे जब तक यहोशू ने वह सब पूरा नहीं कर लिया जो प्रभु ने लोगों को घोषित करने की आज्ञा दी थी, और लोगों ने जल्दी की

और पार कर गए। और ऐसा हुआ कि जब सब लोग पार कर चुके, तो प्रभु की वाचा का सन्दूक और पत्थर उनके सामने पार हुए। और रूबेन के पुत्रों ने, और गाद के पुत्रों ने, और मनश्शे के आधे गोत्र ने इस्राएल के पुत्रों के सामने तैयार होकर पार किया, जैसे मूसा ने उनको आदेश दिया था। चालीस हजार युद्ध के लिए तैयार सैनिकों ने प्रभु के सामने यरीहो नगर के विरुद्ध युद्ध के लिए पार किया। उस दिन प्रभु ने यहोशू को सम्पूर्ण इस्राएल जाति के सामने बढ़ाया, और वे उससे डरते थे, जैसे मूसा से, जितने समय तक वह जीवित रहा।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उन पुजारियों को आज्ञा दो जो प्रभु की साक्षी की वाचा के सन्दूक को उठाते हैं, कि वे यर्दन से बाहर निकलें। और यहोशू ने पुजारियों को आदेश दिया, कहते हुए, यर्दन से निकल आओ। और ऐसा हुआ कि जब पुजारी जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को उठाए हुए थे, यर्दन से निकले और उन्होंने अपने पैर धरती पर रखे, तो यर्दन का पानी अपनी जगह पर लौट आया और वह वैसे ही बहने लगा जैसे कल और परसों पूरे किनारे में बहता था।

और वे लोग पहले महीने की दसवीं तारीख को यर्दन से ऊपर गए, और इस्राएल के पुत्रों ने गिलगाल में यरीहो के पूर्व की ओर डेरा डाला। और इन बारह पत्थरों को, जो यर्दन से लिए गए थे, यहोशू ने गिलगाल में स्थापित किया। कहते हुए, जब तुम्हारे पुत्र तुमसे पूछें, ये पत्थर क्या हैं? अपने पुत्रों को घोरणा करो कि इस्राएल ने इस यर्दन को सूखी भूमि पर पार किया। जब हमारे प्रभु परमेश्वर ने यर्दन के जल को उनके सामने से सूखा दिया, जब तक वे पार न कर गए, ठीक वैसे ही जैसे हमारे प्रभु परमेश्वर ने लाल समुद्र को किया था, जिसे हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे सामने सूखा दिया था, जब तक हम पार न कर गए, ताकि पृथ्वी के सब राष्ट्र जानें कि प्रभु की शक्ति मजबूत है, और ताकि तुम हमारे प्रभु परमेश्वर की हर काम में पूजा करो।

5

और ऐसा हुआ कि जब एमोरियों के राजाओं ने, जो यर्डन के पार थे, और फोनीशिया के राजाओं ने, जो समुद्र के पास थे, सुना कि प्रभु परमेश्वर ने यर्डन नदी को इस्राएल के पुत्रों के सामने से सुखा दिया था जब वे पार कर रहे थे, तो उनके मन पिघल गए, और वे भयभीत हो गए, और इस्राएल के पुत्रों के सामने उनमें कोई विवेक नहीं रहा।

और इस समय प्रभु ने यहोशू से कहा, अपने लिए तीक्ष्ण धार की चट्टान से पत्थर की तलवारें बनाओ, और बैठकर इस्राएल के पुत्रों का दूसरी बार खतना करो। और यहोशू ने पत्थर की तेज तलवारें बनाई, और उसने इस्राएल के पुत्रों का खतना उस स्थान पर किया जो खलड़ियों का टीला कहलाता था। जिस तरीके से यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों को शुद्ध किया, जितने कभी रास्ते में हुए थे, और जितने कभी खतनारहित थे जो मिस्र से निकल गए थे, यहोशू ने इन सभी का खतना किया, क्योंकि इस्राएल चालीस और दो वर्ष मबदारितिदूत के जंगल में भटकता रहा। इसलिए मिस्र की भूमि से निकले हुए योद्धाओं में से अधिकांश खतनारहित थे, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा की थी, जिनके लिए उसने ठहराया था कि वे उस भूमि को न देखें, जिसे देने की शपथ प्रभु ने उनके पितरों से खाई थी—वह भूमि जो दूध और मधु से बहती है। इसके बजाय उसने उनके पुत्रों को प्रतिस्थापित किया, जिनका यहोशू ने खतना किया, क्योंकि वे रास्ते में खतनारहित पैदा हुए थे। खतना किए जाने के बाद, वे वहाँ शिविर में बैठे हुए शांत रहे जब तक कि वे स्वस्थ नहीं हो गए। और प्रभु ने यहोशू, नून के पुत्र से कहा, आज के दिन मैंने मिस्र की निंदा तुमसे हटा दी, और उसने उस स्थान का नाम गिलगाल रखा।

और इस्राएल के पुत्रों ने महीने के चौदहवें दिन को संध्या से यरीहो के पश्चिम में, यर्डन के पार, मैदान में फसल मनाया। और उन्होंने पृथ्वी के अनाज से बिना खमीर की रोटी और नया अनाज खाया। इस दिन मन्ना समाप्त हो गया जब उन्होंने पृथ्वी के अनाज में से खाया, और इस्राएल के पुत्रों के लिए अब मन्ना नहीं रहा, लेकिन उन्होंने उस वर्ष खजूर के पेड़ों की भूमि की फसल काटी।

और ऐसा हुआ जब यहोशू यरीहो में था, तो उसने अपनी आँखें ऊपर उठाकर एक आदमी को

अपने सामने खड़ा देखा, और उसके हाथ में तलवार खींची हुई थी। यहोशू पास आया और उससे पूछा, क्या तू हमारा है, या शत्रुओं का? उसने उससे कहा, मैं प्रभु की सेना का सेनापति हूँ, अब मैं आया हूँ। और यहोशू भूमि पर मुँह के बल गिरा, और उसने उससे कहा, हे स्वामी, आप अपने सेवक को क्या आदेश देते हैं? और प्रभु का सेनापति यहोशू से कहता है, अपने पैरों से जूता उतार दो, क्योंकि जिस स्थान पर तुम अभी खड़े हो, वह पवित्र है।

6

और यरीहो बंद और दृढ़ किया हुआ था, और कोई भी उसमें से बाहर नहीं जा रहा था, और न ही कोई प्रवेश कर रहा था। और प्रभु ने यहोशू से कहा, देखो, मैं यरीहो को तुम्हारे नियंत्रण में सौंपता हूँ, और उसके राजा को जो इसमें है, जो बल में शक्तिशाली हैं। लेकिन तू उन योद्धाओं को इसके चारों ओर खड़ा कर दे। और ऐसा होगा कि जब तुम तुरही बजाओगे, तो सब लोग एक साथ चिल्लाएँ, और जब वे चिल्लाएंगे तो शहर की दीवारें अपने आप गिर जाएंगी, और सब लोग दौड़ते हुए प्रत्येक सामने से शहर में प्रवेश करेंगे।

और यहोशू, जो नून का पुत्र था, पुजारियों के पास गया। और उसने उनसे कहते हुए कहा, लोगों को आज्ञा दो कि वे घूमें और शहर को घेरें, और योद्धा हथियारबंद होकर प्रभु के सामने चलें। और सात पुजारी जो सात पवित्र तुरहियाँ रखते हैं, वे इसी प्रकार प्रभु के सामने से होकर जाएँ, और जोर से बजाएँ, और प्रभु की वाचा का सन्दूक पीछे-पीछे आए। लेकिन योद्धा आगे चलें, और याजक प्रभु की वाचा के सन्दूक के पीछे तुरही बजाते हुए चलें। लेकिन यहोशू ने लोगों को आदेश दिया, कहते हुए, मत चिल्लाओ, और न कोई तुम्हारी आवाज़ सुने, जब तक वह स्वयं चिल्लाने के लिए दिन की घोषणा न करे, और तब तुम चिल्लाओगे। और परमेश्वर की वाचा का सन्दूक चारों ओर घूमकर तुरंत शिविर में चला गया, और वहाँ सोया।

और दूसरे दिन यहोशू सुबह उठा, और याजकों ने प्रभु की वाचा का सन्दूक उठाया। और सात याजक सात तुरहियाँ लेकर प्रभु के सामने आगे जा रहे थे, और इनके बाद योद्धा प्रवेश कर रहे थे, और शेष भीड़ प्रभु की वाचा के सन्दूक के पीछे थी। और पुजारियों ने तुरहियाँ बजाई, और शेष सारी भीड़ ने शहर को छह बार निकट से घेरा, और फिर से शिविर में चली गई, इस प्रकार छह दिनों तक किया।

और सातवें दिन वे भोर में उठे, और उस दिन शहर के चारों ओर सात बार घूमे। और सातवें चक्कर में ऐसा हुआ कि पुजारियों ने नरसिंगा बजाया, और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, चिल्लाओ, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें वह नगर सौंप दिया है। और यह शहर शापित होगा, यह और सब कुछ जो इसमें है, प्रभु सबाओत के लिए, सिवाय राहाब वेश्या के - उसे बचाओ, और सब कुछ जो उसके घर में है। लेकिन तुम समर्पित वस्तु से बहुत सावधान रहना, कहीं ऐसा न हो कि विचार करके तुम स्वयं समर्पित वस्तु में से ले लो, और इस्राएल के पुत्रों के शिविर को शापित बना दो, और हमें नष्ट कर दो। और हर चांदी या सोना, या कांसा या लोहा, प्रभु के लिए पवित्र होगा, और प्रभु के खजाने में लाया जाएगा।

और पुजारियों ने तुरहियाँ बजाई, और जब लोगों ने तुरहियों की आवाज़ सुनी, तो सभी लोगों ने एक साथ एक महान और शक्तिशाली युद्ध घोष के साथ चिल्लाया, और चारों ओर की सारी दीवार गिर गई, और सभी लोग शहर में चढ़ गए। और यहोशू ने उसे समर्पित किया, और जितने शहर में थे, पुरुष से लेकर स्त्री तक, युवा पुरुष से लेकर वृद्ध पुरुष तक, और बछड़े और जूआ वाले पशु तक, तलवार की धार से।

और यहोशू ने उन दो युवा पुरुषों से जिन्होंने जासूसी की थी कहा, उस स्त्री के घर में प्रवेश करो, और उसे वहाँ से बाहर लाओ, और जो कुछ उसके पास है। और वे दो युवा पुरुष जिन्होंने शहर की जासूसी की थी, उस स्त्री के घर में गए और राहाब वेश्या को, उसके पिता को, उसकी माता को, उसके भाइयों को, उसके रिश्तेदारों को और जो कुछ भी उसका था सब कुछ बाहर लाए, और

उन्हें इस्राएल के शिविर के बाहर ठहराया। और शहर को आग में जला दिया गया, उसमें की सभी चीजों के साथ, सिवाय चांदी, सोना, कांसा और लोहे के, जिन्हें प्रभु के खजाने में लाया जाना था।

और यहोशू ने राहाब वेश्या को और उसके सब पैतृक घर को जीवित बचाया, और उसे इस्राएल में बसाया आज के दिन तक, क्योंकि उसने उन जासूसों को छिपाया था, जिनको यहोशू ने यरीहो की जासूसी करने के लिए भेजा था। और यहोशू ने उस दिन प्रभु के सामने शपथ दिलाई, शापित है वह मनुष्य जो उस नगर को फिर से बनाएगा; वह अपने पहलौठे की कीमत पर उसकी नींव रखेगा, और अपने सबसे छोटे की कीमत पर उसके द्वार लगाएगा। और बेतेल के ऊज्जान ने ऐसा ही किया; अपने पहलौठे अबीरोन की कीमत पर उसने नींव रखी, और अपने सबसे छोटे बचे पुत्र की कीमत पर उसके द्वार लगाए।

और प्रभु यहोशू के साथ था, और उसका नाम सारी भूमि में फैल गया।

7

और इस्राएल के पुत्रों ने महान अपराध किया, और उन्होंने समर्पित वस्तु में से चोरी की, और आखार ने, जो खर्मी का पुत्र था, जो जम्ब्री का पुत्र था, जो जारा का पुत्र था, यहूदा के गोत्र से, समर्पित वस्तु में से लिया, और प्रभु इस्राएल के पुत्रों पर क्रोध से क्रोधित हुए।

यहोशू ने कुछ पुरुषों को ऐ भेजा, जो बेतेल के पास है, और कहा, जाकर ऐ की जासूसी करो और वे पुरुष ऊपर गए और उन्होंने ऐ की जासूसी की। और वे यहोशू के पास लौटे, और उन्होंने उससे कहा, सब लोग ऊपर न जाएं, लेकिन लगभग दो हजार या तीन हजार पुरुष ऊपर जाएं और शहर को घेर लें। सब लोगों को वहां मत ले जाओ, क्योंकि वे थोड़े हैं। और लगभग तीन

हजार पुरुष ऊपर गए, और वे ऐ के पुरुषों के सामने से भाग गए। और आई के पुरुषों ने उनमें से छत्तीस पुरुषों को मार डाला, और उन्होंने द्वार से उनका पीछा किया, और ढलान पर उन्हें कुचल दिया, और लोगों का हृदय भयभीत हो गया, और वह पानी के समान हो गया।

और यहोशू ने अपने वस्त्र फाड़े, और यहोशू भूमि पर मुँह के बल प्रभु के सामने संध्या तक गिरा रहा, वह और इस्राएल के प्राचीन, और उन्होंने अपने सिरों पर धूल डाली। और यहोशू ने कहा, हे प्रभु, मैं विनती करता हूँ, आपके सेवक ने इन लोगों को यर्दन के पार क्यों लाया, ताकि उन्हें अमोरियों के हाथ में सौंप दिया जाए और हमें नष्ट किया जाए? यदि हम यर्दन के पास ही रहे होते और बसे होते! और मैं क्या कहूँगा, चूंकि इस्राएल ने अपने शत्रु के सामने गर्दन फेर ली है? और जब कनानी और उस भूमि में निवास करने वाले सब लोग यह सुनेंगे, तो वे हमें घेर लेंगे और हमें भूमि से नष्ट कर देंगे, और तब तू अपने महान नाम का क्या करेगा?

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उठो, तुम यह क्यों अपने मुँह के बल गिरे हो? लोगों ने पाप किया है और उस वाचा का उल्लंघन किया है जो मैंने उनके साथ स्थापित की थी, उन्होंने समर्पित वस्तुओं में से चुराकर अपने बर्तनों में डाल दिया। और इस्राएल के पुत्र अपने शत्रुओं के सामने खड़े नहीं हो सकेंगे, वे अपने शत्रुओं के सामने अपनी गर्दन मोड़ेंगे, क्योंकि वे श्रापित हो गए हैं, मैं फिर तुम्हारे साथ नहीं रहूँगा, यदि तुम अपने बीच से उस श्रापित वस्तु को नहीं हटाओगे। उठकर लोगों को पवित्र करो, और कहो कि कल पवित्र किया जाए, ये बातें प्रभु इस्राएल का परमेश्वर कहता है, शापित वस्तु तुम में है, तुम अपने शत्रुओं के सामने खड़े नहीं हो सकोगे, जब तक तुम शापित वस्तु को अपने में से हटा नहीं दोगे। और तुम सब सुबह में अपने कुलों के अनुसार एकत्रित किए जाओगे, और जो कुल प्रभु दिखाए, उसे तुम वंशों के अनुसार लाओगे, और जो वंश प्रभु दिखाए, उसे तुम घर के अनुसार लाओगे, और जो घर प्रभु ग्रहण करे, उसे तुम पुरुष के अनुसार लाओगे। और जो दिखाया जाएगा, वह आग में जलाया जाएगा, और सब कुछ जो उसका है, क्योंकि उसने प्रभु की वाचा का उल्लंघन किया, और इस्राएल में अधर्म किया।

और यहोशू सवेरे उठा, और लोगों को कुलों के अनुसार लाया, और यहूदा का कुल दिखाया गया। और वह कुलों के अनुसार लाया गया, और ज़राई कुल दिखाया गया। और वह पुरुष के अनुसार लाया गया, और आखार, जो ज़म्बी का पुत्र था और ज़ारा का पौत्र था, पकड़ा गया।

और यहोशू ने आखार से कहा, आज प्रभु इस्राएल के परमेश्वर को महिमा दो, और अंगीकार करो, और मुझे बताओ कि तुमने क्या किया है, और मुझसे मत छिपाओ। और आखार ने यहोशू को उत्तर दिया, और कहा, सचमुच मैंने इस्राएल के परमेश्वर प्रभु के सामने पाप किया है, और मैंने यह किया है। मैंने लूट में एक सुंदर कढ़ाईदार वस्त्र, चाँदी के दो सौ दिद्रख, और सोने की एक पट्टी जो पचास दिद्रख की थी, देखी, और उन्हें पाकर मैंने ले लिया, और देखो वे मेरे तम्बू में छिपाए गए हैं, और चाँदी उनके नीचे छिपाई गई है। और यहोशू ने दूतों को भेजा, और वे शिविर में तम्बू की ओर दौड़े, और ये चीज़ें उसके तम्बू में छिपी हुई थीं, और चाँदी उनके नीचे थी। और उन्होंने उनको तंबू से बाहर लाया, और यहोशू और इस्राएल के बुजुर्गों के पास लाया, और उनको प्रभु के सामने रखा।

और यहोशू ने आखार को, जो जेरह का पुत्र था, लिया और उसे आखोर की घाटी में ले गया, और उसके पुत्रों को, और उसकी पुत्रियों को, और उसके बछड़ों को, और उसके पशुओं को, और उसकी सब भेड़ों को, और उसके तंबू को, और उसकी सब संपत्ति को; और सब लोग उसके साथ थे, और उन्हें एमेकाखोर में ले गया। और यहोशू ने आखार से कहा, तूने हमें क्यों नष्ट किया? प्रभु आज तुझे नष्ट करे। और सब इस्राएल ने उसे पत्थरों से पत्थर मारा, और उसके ऊपर पत्थरों का एक बड़ा ढेर खड़ा किया, और प्रभु का क्रोध और कोप बंद हो गया। इस कारण उसने उस स्थान का नाम एमेकाखोर रखा जो आज के दिन तक है।

8

और प्रभु ने यहोशू से कहा, मत डरो, और न निराश हो, अपने साथ सब योद्धाओं को ले लो, और उठकर अय को चढ़ो, देखो, मैंने अय के राजा को और उसकी भूमि को तुम्हारे हाथों में दे दिया है। और तुम ऐ के साथ वैसा ही करोगे जैसा तुमने यरीहो के साथ किया था, और उसके राजा के साथ, और पशुओं की लूट अपने लिए लूटोगे, और नगर के पीछे अपने लिए घात लगाओ।

और यहोशू और सब योद्धा लोग उठे ताकि अय को चढ़ें। यहोशू ने तीस हजार शक्तिशाली और बलवान पुरुषों को चुना और उन्हें रात में भेजा। और उसने उनको आदेश दिया, कहते हुए, तुम शहर के पीछे घात लगाओ, शहर से दूर मत रहो, और तुम सब तैयार रहोगे। और मैं और वे सब जो मेरे साथ हैं, हम शहर के पास आएं, और जब अय के रहने वाले हमसे मिलने के लिए निकलेंगे, जैसे हाल ही में हुआ था, तो हम उनके सामने से भागेंगे। और जब वे हमारे पीछे बाहर आएं, तो हम उन्हें शहर से दूर खींच लेंगे, और वे कहेंगे, ये हमारे सामने से भाग रहे हैं, जिस तरह पहले भी भागे थे। लेकिन तुम घात से उठोगे और शहर में जाओगे। इस शब्द के अनुसार तुम करोगे, देखो मैंने तुम्हें आदेश दिया है। और यहोशू ने उन्हें भेजा, और वे घात में गए, और वे बेतल और गाई के बीच में, गाई के पश्चिम की ओर बैठे।

और यहोशू सवेरे तड़के उठा, उसने लोगों का निरीक्षण किया, और वह और बुजुर्ग लोगों के आगे ऐ की ओर चढ़ गए। और सभी योद्धा उसके साथ ऊपर गए, और चलते हुए वे शहर के सामने पूर्व दिशा से आए। और शहर की घात समुद्र से थी। और ऐसा हुआ कि जब ऐ के राजा ने देखा, तो उसने जल्दी की और सीधे युद्ध के लिए उनसे मिलने निकला, वह स्वयं और उसके साथ के सब लोग, और वह नहीं जानता था कि शहर के पीछे उसके लिए घात लगाई गई है। और उसने देखा, और यहोशू और इस्राएल उनके सामने से पीछे हट गए। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों का पीछा किया, और वे शहर से हट गए। ऐ में कोई भी नहीं बचा जिसने इस्राएल का पीछा नहीं किया था, और उन्होंने नगर को खुला छोड़ दिया और इस्राएल का पीछा किया।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, अपने हाथ में जो भाला है उसे नगर की ओर फैलाओ, क्योंकि मैंने

उसे तुम्हारे हाथों में सौंप दिया है, और घात लगाए हुए लोग शीघ्रता से अपने स्थान से उठ खड़े होंगे। और यहोशू ने अपने हाथ में भाला लेकर नगर की ओर फैलाया, और घात लगाने वाले अपनी जगह से तेजी से खड़े हुए, और जब उसने हाथ फैलाया तो बाहर निकले, और शहर में प्रवेश किए, और उसे कब्जा कर लिया, और जल्दी करके शहर को आग में जला दिया। और ऐ के निवासियों ने अपने पीछे मुड़कर देखा, और उन्होंने शहर से आकाश की ओर उठता हुआ धुआं देखा, और अब उनके पास इधर या उधर भागने के लिए कोई जगह नहीं थी। और यहोशू और सम्पूर्ण इस्राएल ने देखा कि घात लगाने वालों ने नगर को ले लिया था, और यह कि नगर का धुआँ आकाश में चढ़ रहा था, और मुड़कर उन्होंने ऐ के पुरुषों को मारा। और ये शहर से मिलने के लिए निकल गए, और वे शिविर के बीच में खाली हो गए, ये यहाँ से और ये यहाँ से, और उन्होंने उन्हें तब तक मारा जब तक उनमें से कोई बचा हुआ और भागा हुआ नहीं रह गया। और उन्होंने ऐ के राजा को जीवित पकड़ा, और उसे यहोशू के पास लाए।

और जब इस्राएल के पुत्रों ने उन सभी को मारना बंद कर दिया जो गै में थे, और जो मैदानों में थे, और उतराई के पहाड़ पर थे, जहाँ उन्होंने उनका अंत तक पीछा किया था, तब यहोशू गै को लौटा, और उसे तलवार की धार से मारा। और उस दिन में गिरे हुए लोग पुरुष से लेकर स्त्री तक बारह हजार थे, जो सभी आई के निवासी थे। शहर में पड़ी लूट की चीज़ों को छोड़कर, इस्राएल के पुत्रों ने जो कुछ भी लूटा वह अपने लिए रख लिया, प्रभु के आदेश के अनुसार, जिस प्रकार प्रभु ने यहोशू को आदेश दिया था।

और यहोशू ने शहर को आग में जलाया, उसे हमेशा के लिए एक निर्जन ढेर बना दिया, आज के दिन तक। और उसने ऐ के राजा को एक दोमुँहे पेड़ पर लटकाया, और वह शाम तक पेड़ पर रहा, और सूरज ढलते समय यहोशू ने आदेश दिया, और उन्होंने उसके शरीर को पेड़ से उतारा, और उसे गड्ढे में फेंक दिया, और उसके ऊपर पत्थरों का ढेर खड़ा कर दिया, जो आज के दिन तक है।

9

और जब एमोरियों के राजाओं ने सुना, जो यर्डन के पार थे, जो पहाड़ी प्रदेश में थे, और जो मैदानी प्रदेश में थे, और जो महान समुद्र के सभी तटीय क्षेत्रों में थे, और जो अन्ति-लिबानोन की ओर थे, और हित्ती, और कनानी, और परिज्जी, और हिक्वी, और एमोरी, और गिराशी, और यबूसी,

वे सब एक साथ यहोशू और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध करने के लिए इकट्ठे हुए।

और गिबोन में रहने वालों ने वह सब सुना जो प्रभु ने यरीहो और अय के साथ किया था। और उन्होंने वास्तव में स्वयं चालाकी के साथ ऐसा किया, और आकर उन्होंने भोजन एकत्र किया और तैयारी की, और अपने कंधों पर पुराने बोरे लेकर, और शराब की पुरानी और फटी हुई बंधी हुई मशकें लेकर, और उनके जूतों के खोखले भाग, और उनकी चप्पलें पुरानी और उनके पैरों में पैबंद लगी हुई थीं, और उनके कपड़े उन पर घिसे हुए थे, और उनकी रसद की रोटी सूखी और फफूंदी लगी और टूटी हुई थी।

और वे यहोशू के पास इस्राएल के शिविर में गिलगाल आए, और उन्होंने यहोशू और इस्राएल से कहा, हम दूर देश से आए हैं, और अब हमारे साथ वाचा बाँधि। और इस्राएल के पुत्रों ने हिक्वी से कहा, देखो, कहीं तुम हमारे बीच में तो नहीं रहते हो, और हम तुम्हारे साथ वाचा कैसे बनाएं? और उन्होंने यहोशू से कहा, हम आपके सेवक हैं। और यहोशू ने उनसे कहा, तुम कहाँ से हो, और कहाँ से आए हो? और उन्होंने कहा, आपके सेवक आपके परमेश्वर प्रभु के नाम में बहुत दूर की पृथ्वी से आए हैं, क्योंकि हमने उसके नाम के बारे में सुना है, और जो कुछ उसने मिस्र में किया। और जितना उसने एमोरियों के राजाओं के साथ किया, जो यर्डन के पार थे, एमोरियों के राजा सीहोन के साथ, और बाशान के राजा ओग के साथ, जो अश्तारोत में और एद्रेई में रहता था। और

सुनकर हमारे बुजुर्गों ने और हमारी भूमि में रहने वाले सभी लोगों ने हमसे कहा, अपने मार्ग के लिए रसद लो, और उनसे मिलने जाओ, और उनसे कहो, हम तुम्हारे सेवक हैं, और अब हमारे साथ वाचा बाँधो। ये रोटियाँ - हमने इन्हें गर्म अवस्था में उस दिन प्रदान किया था जब हम तुम्हारे पास आने के लिए निकले थे, लेकिन अब ये सूख गई हैं और खराब हो गई हैं। और ये दाखरस की मशकें जिन्हें हमने नई भरी थीं, और ये फट गई हैं, और हमारे वस्त्र और हमारे जूते बहुत लंबे मार्ग से अत्यधिक घिस गए हैं।

और शासकों ने उनके प्रावधान को ले लिया, और प्रभु से नहीं पूछा। और यहोशू ने उनके साथ शांति बनाई, और उनके साथ उनको बचाने की वाचा स्थापित की, और मण्डली के शासकों ने उनसे शपथ खाई।

और ऐसा हुआ कि तीन दिन बाद उनके साथ वाचा बाँधने के बाद, उन्होंने सुना कि वे उनके पास के हैं, और कि वे उनके बीच में निवास करते हैं। और इस्राएल के पुत्र प्रस्थान कर गए, और वे उनके नगरों में आए; और उनके नगर गिबोन और कपीरा और बेरोत और यारीम के नगर थे। और इस्राएल के पुत्रों ने उनसे युद्ध नहीं किया, क्योंकि सब शासकों ने इस्राएल के परमेश्वर प्रभु की शपथ खाकर उनसे प्रतिज्ञा की थी, और सारी मण्डली शासकों के विरुद्ध बड़बड़ाई।

और शासकों ने सारी मण्डली से कहा, हमने उनसे इस्राएल के परमेश्वर प्रभु की शपथ खाई है, और अब हम उन्हें छू नहीं सकेंगे। यह हम करेंगे, हम उन्हें जीवित पकड़ेंगे और उन्हें संरक्षित करेंगे, और उस शपथ के कारण जो हमने उनसे ली है, हमारे विरुद्ध कोई क्रोध नहीं होगा। वे जीवित रहेंगे, और सारी मण्डली के लिए लकड़हारे और पानी भरने वाले होंगे, जैसा कि शासकों ने उनसे कहा था।

और यहोशू ने उन्हें एक साथ बुलाया, और उनसे कहा, तुमने मुझे क्यों धोखा दिया, यह कहते हुए कि हम तुमसे बहुत दूर हैं, जबकि तुम हमारे बीच रहने वालों के पड़ोसी हो? और अब तुम शापित

हो, तुम्हारे बीच से दास, लकड़हारा और पानी ढोने वाला कभी समाप्त नहीं होगा, मेरे और मेरे भगवान के लिए। और उन्होंने यहोशू को उत्तर दिया, कहते हुए, हमें घोषित किया गया कि प्रभु तुम्हारे देवता ने अपने सेवक मूसा को आदेश दिया था कि तुम्हें यह भूमि दे और हमें तथा इसके सभी निवासियों को तुम्हारे सामने से नष्ट कर दे, और हम तुम्हारे सामने अपने प्राणों के लिए अत्यधिक डर गए, और हमने यह काम किया। और अब देखो, हम तुम्हारे अधीन हैं, जैसा तुम्हें प्रसन्न करता है और जैसा तुम्हें उचित लगता है, हमारे साथ करो।

और उन्होंने उनके साथ ऐसा ही किया, और यहोशू ने उस दिन उनको इस्राएल के पुत्रों के हाथों से छोड़ाया, और उन्होंने उनको नहीं मारा। और यहोशू ने उस दिन उनको सब मण्डली के लिए और परमेश्वर की वेदी के लिए लकड़हारे और पानी ढोने वाले नियुक्त किया, इस कारण गिबोन में निवास करने वाले आज के दिन तक परमेश्वर की वेदी के लकड़हारे और पानी ढोने वाले हुए, और उस स्थान में जो प्रभु चुने।

10

जब यरूशलेम के राजा अदोनिबेजेक ने सुना कि यहोशू ने ऐ को ले लिया और उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिस तरीके से उन्होंने यरीहो और उसके राजा के साथ किया था, उसी प्रकार उन्होंने ऐ और उसके राजा के साथ भी किया, और यह कि गिबोन के रहने वाले यहोशू और इस्राएल की ओर भाग गए थे और वे उनसे बहुत डर गए, क्योंकि वह जानता था कि गिबोन एक बड़ा शहर था, राजधानी शहरों में से एक के समान, और उसके सभी पुरुष शक्तिशाली थे। और यरूशलेम के राजा अदोनीबेजेक ने हेब्रोन के राजा एलाम की ओर, और यारमूत के राजा फिदोन की ओर, और लाकीश के राजा यिफ्ताह की ओर, और ओदोल्लाम के राजा दाबेईन की ओर भेजा, यह कहते हुए, आओ, मेरे पास ऊपर आओ और मेरी सहायता करो, और हम गिबोन से युद्ध करें, क्योंकि उन्होंने यहोशू और इस्राएल के पुत्रों के साथ संधि कर ली है। और यबूसियों के पाँच राजा

ऊपर गए - यरूशलेम का राजा, हेब्रोन का राजा, यिमोत का राजा, लाकीश का राजा और ओदोल्लाम का राजा, वे और उनके सब लोग। और उन्होंने गिबोन को घेर लिया और उस पर घेराबंदी की।

और गिबोन में रहने वालों ने यहोशू के पास गिलगाल में इस्राएल की छावनी में भेजा, यह कहते हुए, अपने सेवकों से अपने हाथ ढीले मत करो, शीघ्र हमारे पास चढ़ आओ, और हमारी सहायता करो, और हमें छुड़ाओ, क्योंकि एमोरियों के सब राजा जो पहाड़ी देश में रहते हैं, हमारे विरुद्ध इकट्ठे हुए हैं। और यहोशू गिलगाल से ऊपर गया, वह और उसके साथ सभी योद्धा लोग, सभी शक्ति में सक्षम।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उनसे मत डरो, क्योंकि मैंने उन्हें तुम्हारे हाथों में सौंप दिया है, उनमें से कोई भी तुम्हारे सामने नहीं बचेगा।

और चूंकि यहोशू अचानक उन पर आ गया, उसने पूरी रात गिलगाल से यात्रा की। और प्रभु ने उन्हें इस्राएल के पुत्रों के सामने से भ्रमित किया, और प्रभु ने उन्हें गिबोन में महान कुचलने से कुचला, और उन्होंने बेथ होरोन की चढ़ाई के रास्ते पर उनका पीछा किया, और उन्हें अजेका तक और मक्केदा तक काटते रहे। और जब वे इस्राएल के पुत्रों के सामने से होरोनीम की उतराई पर भाग रहे थे, तब प्रभु ने आकाश से अजेका तक उन पर ओले के पत्थर बरसाए, और जो ओले के पत्थरों से मरे वे उनसे अधिक थे जिनको इस्राएल के पुत्रों ने युद्ध में तलवार से मारा था।

तब यहोशू ने प्रभु से बात की, उस दिन जब परमेश्वर ने एमोरी को इस्राएल के अधीन कर दिया, जब उसने उन्हें गिबोन में कुचल दिया, और वे इस्राएल के पुत्रों के सामने से कुचल दिए गए, और यहोशू ने कहा, सूरज गिबोन के ऊपर ठहर जाए, और चंद्रमा ऐयालोन की घाटी के ऊपर। और सूरज और चाँद खड़े हो गए, जब तक भगवान ने उनके दुश्मनों से बचाव किया, और सूरज आकाश के बीच में खड़ा रहा, वह पश्चिम की ओर नहीं बढ़ा एक दिन के अंत तक। और ऐसा दिन

न पहले हुआ था और न बाद में, जब परमेश्वर ने मनुष्य की सुनी हो, क्योंकि प्रभु ने इस्राएल के साथ मिलकर युद्ध किया।

और ये पाँच राजा भागे, और वे मक्केदा की गुफा में छिप गए। और यहोशू को यह रिपोर्ट किया गया, कहते हुए, वे पाँच राजा मक्केदा की गुफा में छिपे हुए पाए गए हैं। और यहोशू ने कहा, गुफा के मुँह पर पत्थर लुढ़काओ, और उन पर पहरा देने के लिए पुरुषों को नियुक्त करो। लेकिन आप मत रुकिए, अपने शत्रुओं का पीछा करते हुए उनके पिछले भाग को पकड़ लीजिए, और उन्हें अपने नगरों में प्रवेश करने की अनुमति मत दीजिए, क्योंकि हमारे प्रभु परमेश्वर ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया है। और ऐसा हुआ कि जब यहोशू और इस्राएल के सब पुत्रों ने उनको बहुत बड़ा संहार करते हुए अंत तक मारा, तब जो बचे हुए थे वे दृढ़ नगरों में बच गए।

और सब लोग सुरक्षित यहोशू के पास मक्केदा में लौट गए, और इस्राएल के पुत्रों में से किसी ने भी अपनी जीभ से गुराहट नहीं की।

और यहोशू ने कहा, गुफा को खोलो और इन पाँच राजाओं को गुफा से बाहर लाओ। और उन्होंने पाँच राजाओं को गुफा से बाहर निकाला - यरूशलेम के राजा को, हेब्रोन के राजा को, यरीमोट के राजा को, लाकीश के राजा को, और ओदोल्लाम के राजा को। और जब उन्होंने उनको यहोशू के पास बाहर लाया, तो यहोशू ने सब इस्राएल को और युद्ध के आरंभ करने वालों को जो उसके साथ जा रहे थे, बुलाया, और उनसे कहा, आगे जाओ और अपने पैर उनकी गर्दनों पर रखो, और पास आकर उन्होंने अपने पैर उनकी गर्दनों पर रखे। और यहोशू ने उनसे कहा, उनसे मत डरो, न ही निराश हो, साहसी और मजबूत बनो, क्योंकि प्रभु तुम्हारे सभी शत्रुओं के साथ ऐसा ही करेगा, जिनके विरुद्ध तुम लड़ते हो। और यहोशू ने उनको मारा और उनको पाँच लकड़ियों पर लटकाया, और वे लकड़ियों पर शाम तक लटकते रहे। और सूर्यास्त के समय ऐसा हुआ कि यहोशू ने आज्ञा दी, और उन्होंने उन्हें लकड़ियों से उतारा, और उन्हें उस गुफा में फेंक दिया जिसमें वे भागे थे, और उन्होंने गुफा पर पत्थर लुढ़का दिए जो आज के दिन तक हैं।

और उस दिन उन्होंने मक्केदा को ले लिया, और तलवार की धार से उसे मार डाला, और हर साँस लेने वाली चीज़ को जो उसमें थी पूरी तरह नष्ट कर दिया, और उसमें कोई भी बचा हुआ या भागा हुआ नहीं छोड़ा गया, और उन्होंने मक्केदा के राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उन्होंने यरीहो के राजा के साथ किया था।

और यहोशू और सब इस्राएल उसके साथ मक्केदा से लिब्ना को गए, और लिब्ना को घेरा किया। और प्रभु ने इसे इस्राएल के हाथों में सौंप दिया, और उन्होंने इसे और इसके राजा को ले लिया, और उन्होंने इसे तलवार की धार से मार डाला, और इसमें हर साँस लेने वाले को, और इसमें कोई बचा हुआ या भागा हुआ नहीं छोड़ा गया, और उन्होंने इसके राजा के साथ वैसा ही किया जैसा उन्होंने यरीहो के राजा के साथ किया था।

और यहोशू और सब इस्राएल उसके साथ लिब्ना से लाकीश को गए, और उसे घेरा, और उसे घेरा किया। और प्रभु ने लाकीश को इस्राएल के हाथों में सौंप दिया। और दूसरे दिन उसे ले लिया, और तलवार की धार से उसका संहार किया, और उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिस तरह लिब्ना के साथ किया था। तब गेजेर का राजा एलाम लाकीश की मदद करने के लिए ऊपर गया, और यहोशू ने उसको तलवार की धार से मारा, और उसके लोगों को भी, यहाँ तक कि उनमें से कोई बचा हुआ या भागा हुआ नहीं छोड़ा गया।

और यहोशू और समस्त इस्राएल उसके साथ लाकीश से ओदोल्लाम को चला गया, और उसे घेर लिया और उस पर आक्रमण किया। और प्रभु ने उसे इस्राएल के हाथ में सौंप दिया, और उन्होंने उसे उसी दिन ले लिया, और उसे तलवार की धार से मार डाला, और हर साँस लेने वाले प्राणी को विनाश में मार डाला, जिस तरीके से उन्होंने लाकीश के साथ किया था।

और यहोशू और सब इस्राएल उसके साथ हेब्रोन में गया, और उसे घेर लिया। और उन्होंने उसे तलवार की धार से मारा, और हर साँस लेने वाला प्राणी जो उसमें था, कोई नहीं बचा, जिस तरह

उन्होंने ओदोल्लाम के साथ किया था, उन्होंने उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, और जो कुछ उसमें था।

और यहोशू और सब इस्राएल दबीर को लौटे, और उसे घेरकर बैठे। उन्होंने उसे, उसके राजा को और उसके गाँवों को ले लिया, और उसे तलवार की धार से मारा, और उन्होंने उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया, और इसमें हर साँस लेने वाले को, और उन्होंने इसमें किसी को भी जीवित नहीं छोड़ा; जिस तरीके से उन्होंने हेब्रोन और उसके राजा के साथ किया था, उसी प्रकार उन्होंने दबीर और उसके राजा के साथ किया।

और यहोशू ने पहाड़ी भूमि की, और नेगेव की, और मैदान की, और असेदोथ की, और उसके राजाओं को मारा, उन्होंने उनमें से कोई बचा हुआ नहीं छोड़ा, और जीवन की साँस लेने वाले सब को नष्ट कर दिया, जिस तरीके से प्रभु, इस्राएल के देवता ने आज्ञा दी थी। कादेश बर्ने से गाज़ा तक, सम्पूर्ण गोशेन से गिबोन तक। और यहोशू ने उनके सब राजाओं को और उनकी भूमि को एक ही बार में मारा, क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा इस्राएल के लिए लड़ा।

11

जैसे ही असोर के राजा याबीस ने सुना, उसने मारोन के राजा योबाब के पास, और सुमोओन के राजा के पास, और अज़ीफ के राजा के पास भेजा। और महान सीदोन के राजाओं की ओर, पहाड़ी प्रदेश में और केनेरोथ के सामने अराबा में, और मैदान में, और फेनाएदोर में, और पूर्व से तटीय कनानियों में, और तटीय एमोरियों में, और हित्तियों, और पेरिज्जियों, और यबूसियों को जो पर्वत में थे, और हिब्वियों को, और उनको जो हेर्मोन के नीचे मस्सूमा की भूमि में थे। और वे और उनके राजा उनके साथ निकले, संख्या में समुद्र की रेत के समान, और बहुत अधिक घोड़े और रथ। और सब राजा स्वयं एकत्र हुए और एक साथ आए, और मारोन के जल के पास डेरा डाला

इस्राएल से युद्ध करने के लिए।

और प्रभु ने यहोशू से कहा, उनके चेहरे से मत डरो, क्योंकि कल इसी समय मैं उन्हें इस्राएल के सामने पराजित करके सौंप दूँगा। तुम उनके घोड़ों की कंडरा काटोगे और उनके रथों को आग में जला दोगे। और यहोशू आया और सब योद्धा लोग उन पर मारोन के जल पर अचानक आ गए, और वे पहाड़ी प्रदेश में उन पर टूट पड़े। और प्रभु ने उनको इस्राएल के अधीन सौंप दिया, और उनको काटते हुए महान सीदोन तक, और मासेरोन तक, और पूर्व की ओर मास्सोख के मैदानों तक पीछा किया, और उनको तब तक काट डाला जब तक उनमें से कोई बचा हुआ नहीं छोड़ा गया। और यहोशू ने उनके साथ वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी, उनके घोड़ों की नसें काटीं और उनके रथों को आग से जला दिया।

और यहोशू उस समय लौटा, और हासोर को पकड़ लिया, और उसके राजा को भी, और हासोर पहले इन सब राज्यों पर शासन करता था। और उन्होंने इसमें हर साँस लेने वाले को तलवार से मार डाला, और सबको पूरी तरह नष्ट कर दिया, और इसमें कोई साँस लेने वाला नहीं छोड़ा गया, और हासोर को आग में जला दिया। और यहोशू ने राज्यों के सब शहरों और उनके राजाओं को ले लिया, और उनको तलवार की धार से मारा, और उनको पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिस तरह से प्रभु के सेवक मूसा ने आज्ञा दी थी। लेकिन इसराइल ने सभी किलेबंद शहरों को नहीं जलाया, सिवाय हासोर के, केवल उसे ही इसराइल ने जलाया। और इस्राएल के पुत्रों ने उसकी सारी लूट अपने लिए ले ली, लेकिन उन सभी को तलवार की धार से नष्ट कर दिया, जब तक उन्होंने उनको नष्ट नहीं कर दिया। उन्होंने उनमें से कोई भी साँस लेने वाला प्राणी नहीं छोड़ा। जिस तरीके से प्रभु ने अपने सेवक मूसा को आदेश दिया, और मूसा ने वैसे ही यहोशू को आदेश दिया, और इस प्रकार यहोशू ने किया; उसने उन सब में से कुछ भी उल्लंघन नहीं किया जो मूसा ने उसको आदेश दिया था।

और यहोशू ने सारी पहाड़ी भूमि, और सारी नेगेव की भूमि, और सारी गोशेन की भूमि, और

मैदानी भूमि, और पश्चिम की ओर की भूमि, और इस्राएल का पर्वत, और नीची भूमि ली। पहाड़ की ओर चेलखा पहाड़ से, और जो सेईर की ओर चढ़ता है, और बालगाद तक, और हेमोन पहाड़ के नीचे लबानोन के मैदान, और उनके सभी राजाओं को पकड़ा, और नष्ट किया, और मार डाला। और यहोशू ने इन राजाओं के विरुद्ध अधिक दिनों तक युद्ध किया।

और ऐसा कोई शहर नहीं था, जो इस्राएल ने नहीं लिया, सब कुछ उन्होंने युद्ध में लिया। क्योंकि प्रभु के कारण ही ऐसा हुआ कि उनका हृदय मजबूत हो गया ताकि वे इस्राएल के विरुद्ध युद्ध में आएँ, ताकि वे नष्ट किए जाएँ, ताकि उन पर दया न की जाए, बल्कि ताकि वे नष्ट किए जाएँ, जिस प्रकार प्रभु ने मूसा से कहा था।

और यहोशू उस समय आया, और उसने पहाड़ी प्रदेश से अनाकियों को नष्ट किया, हेब्रोन से, और दबीर से, और अनाबोथ से, और सारे यहूदा से उनके नगरों के साथ, और यहोशू ने उनको नष्ट कर दिया। इस्राएल के पुत्रों में से अनाकियों में से कोई नहीं छोड़ा गया था, लेकिन केवल गाज़ा में, गत में और अशदोद में छोड़ा गया था।

और यहोशू ने सारी भूमि ले ली, जैसा प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, और यहोशू ने उसे इस्राएल को विरासत में दिया, उनके गोत्रों के अनुसार विभाजन में, और भूमि को युद्ध से विश्राम मिला।

12

और ये पृथ्वी के राजा थे, जिन्हें इस्राएल के पुत्रों ने मारा, और उनकी भूमि को विरासत में लिया, यर्दन के पार, सूर्योदय की ओर से, अनोन की घाटी से लेकर हेमोन पर्वत तक, और पूर्व से सम्पूर्ण अराबा की भूमि। सीहोन, जो अमोरियों का राजा था और हेशबोन में रहता था, अनोन से शासन करता था, जो घाटी में है, घाटी के एक भाग के अनुसार, और गिलाद का आधा भाग याब्बोक

तक, जो अम्मोन के पुत्रों की सीमाएं हैं। और अराबा से किन्नरेत सागर तक पूर्व की ओर, और अराबा सागर तक, अर्थात् लवण सागर, पूर्व से बेत-यशीमोट के मार्ग के अनुसार, तेमान से असेदोत पिसगा के नीचे तक। और बाशान का राजा ओग दानवों में से बचा हुआ था, जो अशतारोट और एद्रेई में रहता था, हेमोन पहाड़ से और सेक्काई से शासक, और सभी बाशान गेरगसी की सीमाओं तक, और माखी, और आधा गिलाद सीहोन राजा हेशबोन की सीमाओं तक। मूसा प्रभु का सेवक और इस्राएल के पुत्रों ने उनको मारा, और मूसा ने उसे रूबेन, गाद, और मनश्शे के आधे गोत्र को विरासत में दिया।

और ये एमोरियों के वे राजा हैं जिन्हें यहोशू और इस्राएल के पुत्रों ने यर्डन के पार, बालगाद समुद्र के पास लबानोन के मैदान में, और खेलखा पहाड़ तक जो सेईर की ओर चढ़ता है, मारा, और यहोशू ने उसे इस्राएल के गोत्रों को उनकी चिट्ठी के अनुसार विरासत में लेने के लिए दिया। पहाड़ में, और मैदान में, और अराबा में, और असेदोथ में, और जंगल में, और नेगेव में, हित्ती, और एमोरी, और कनानी, और परिज्जी, और हिक्वी, और यबूसी।

यरीहो का राजा, और गै का राजा जो बेतेल के पास है, यरूशलेम का राजा, हेब्रोन का राजा, यरीमूत का राजा, लाकीश का राजा, एलाम का राजा, गेजेर का राजा, दबीर का राजा, गादेर का राजा, राजा हेर्माथ, राजा अदेर, लिब्ना का राजा, ओदोल्लाम का राजा, राजा गया। राजा तफौत, राजा ओफेर, अरोक का राजा ओफेक, राजा असोम, राजा सिमोन, राजा मामब्रोथ, राजा अज़िफ, कादेश का राजा, ज़ह्हाक का राजा, मारेदोथ का राजा, कार्मेल का राजा इएकोम, ओदोल्लाम का राजा फेन्नेआदोर का, गेइ का राजा गलीलिया का। तिसर्सा का राजा, ये सब राजा उनतीस हैं।

13

और यहोशू बुजुर्ग था, दिनों में आगे बढ़ा हुआ, और प्रभु ने यहोशू से कहा, तू दिनों में आगे बढ़ गया है, और बहुत सी भूमि विरासत के लिए बची हुई है। और यह भूमि छोड़ी गई थी - फिलिस्तीम की सीमाएं, गश्शूरी और कनानी। निर्जन भूमि से जो मिस्र के सामने है, एक्रोन की सीमाओं तक, कनानियों के बाईं ओर से, यह फिलिस्तियों के पाँच प्रांतों में गिना जाता है: गाज़ा वाले को, और अशदोद वाले को, और अशकलोन वाले को, और गत वाले को, और एक्रोन वाले को, और एवाई वाले को। तेमान से और कनान की सारी भूमि गाज़ा के सामने, और सीदोनी अफेक तक, अमोरियों की सीमाओं तक, और गालियथ फिलिस्तीम की सारी भूमि, और सारा लबानोन सूर्योदय से, गिलगाल से हेर्मोन पर्वत के नीचे से हमत के प्रवेश द्वार तक, सभी जो पहाड़ी प्रदेश में निवास करते हैं, लेबानोन से लेकर मासेरेथ मेम्फोमाइम तक। सभी सीदोनियों को, मैं उन्हें इस्राएल के सामने से नष्ट कर दूँगा, लेकिन तुम उसे इस्राएल को चिट्ठी द्वारा विरासत में बाँट दो, जिस प्रकार मैंने तुम्हें आज्ञा दी थी।

और अब इस भूमि को नौ जनजातियों और मनश्शे की आधी जनजाति को विरासत में विभाजित करो। यरदन से महान समुद्र तक सूर्यास्त की ओर तुम इसे दोगे, महान समुद्र सीमा बनाएगा। दो जनजातियों को, और मनश्शे की आधी जनजाति को, रूबेन को, और गाद को मूसा ने यरदन के पार, सूर्य के पूर्व की ओर दिया; मूसा, प्रभु के सेवक ने उसे दिया है। अरोएर से, जो अर्नोन की धारा के किनारे पर है, और उस शहर को जो घाटी के बीच में है, और सारे मिसोर को मेदबा से, सीहोन राजा के सब शहर, जो अमोरियों का राजा था और हेशबोन में शासन करता था, अम्मोन के पुत्रों की सीमाओं तक, और गलादीतिस, और गेसिरी की सीमाएं, और माखाती, सम्पूर्ण हेर्मोन पर्वत, और सम्पूर्ण बासानीतिन अखा तक, बाशान में ओग का सम्पूर्ण राज्य, जो अश्तारोत और एद्रेई में राज्य करता था, यह दानवों में से बचा हुआ था, और मूसा ने उसको मारा, और नष्ट कर दिया। और इस्राएल के पुत्रों ने गश्शूरी को, माकाती को, और कनानी को पूरी तरह से नष्ट नहीं किया, और गश्शूरी का राजा और माकाती इस्राएल के पुत्रों के बीच आज के दिन तक निवास करते रहे।

लेवी के जनजाति को छोड़कर किसी को विरासत नहीं दी गई, यहोवा इस्राएल का परमेश्वर, यही उनकी विरासत है, जैसा यहोवा ने उनसे कहा था, और यह वह विभाजन है, जो मूसा ने इस्राएल के पुत्रों को अराबोथ मोआब में यर्दन के पार यरीहो के अनुसार विभाजित किया।

और मूसा ने रूबेन जनजाति को उनके कुलों के अनुसार दिया। और उनकी सीमाएं अरोएर से हुईं, जो अर्नोन की घाटी के सामने है, और वह शहर जो अर्नोन की घाटी में है, और सारा मीसोर, हेशबोन तक, और सब शहर जो मिसोर में हैं, और दैबोन, और बामोथ बाल, और मेएलबोथ का घर, और बाशान, और बामोथ, और मेफाअत, और किरियथैम, और सेबामा, और सेरादा, और सियोन एनाब के पहाड़ में, और बेथ पेओर, और असेदोथ फासगा, और बैत्थासेनोथ, और मिसोर के सभी शहर, और अमोरियों के राजा सीहोन का सम्पूर्ण राज्य, जिसे मूसा ने मारा था—उसे और मिदियान के नेताओं को, और एवी को, और रेकेम को, और सूर को, और हूर को, और रेबा को जो सिय्योन का शासक और मारा गया था, और सिय्योन के निवासियों को।

और उन्होंने बेओर के पुत्र बालाम भविष्यवक्ता को युद्ध में मार डाला।

और रूबेन की सीमाएं यर्दन की सीमा तक हुईं, यह रूबेन के पुत्रों का विरासत उनके कुलों के अनुसार था, उनके नगर और उनके खेत।

और मूसा ने गाद के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार दिया। और उनकी सीमाएँ याज़ेर, गिलाद के सब नगर, और अम्मोन के पुत्रों की आधी भूमि अराबा तक हुईं, जो अराद के सामने है। और हेशबोन से अराबोथ तक, मिसपा के अनुसार, और बोतानीम, और माअन से दीबोन की सीमाओं तक, और एनादोम, ओथारगाई, बाइन्थानाब्रा, सोक्खोथा, साफान और हेशबोन के राजा सीहोन का शेष राज्य, और यॉर्डन पूर्व से यॉर्डन के पार खिन्नेरेथ सागर के भाग तक सीमा बनाएगा। यह गाद के पुत्रों की विरासत उनके कुलों के अनुसार और उनके नगरों के अनुसार है। उनके कुलों के अनुसार वे अपने शत्रुओं के सामने गर्दन लौटाएंगे, क्योंकि उनके कुलों के अनुसार उनके नगर हुए

और उनके खेत।

और मूसा ने मनश्शे के आधे कबीले को उनके कुलों के अनुसार दिया। और उनकी सीमाएँ माआन से हुई, और बाशान का सारा राज्य, और बाशान के राजा ओग का सारा राज्य, और याईर के सब गाँव जो बाशान में हैं, साठ नगर। और गिलाद का आधा भाग, और अशतारोत में, और एद्रेई में ओग के राज्य के नगर जो बाशान में थे, माकीर के पुत्रों को जो मनश्शे के पुत्र थे, और माकीर के आधे पुत्रों को जो मनश्शे के पुत्र थे, उनके कुलों के अनुसार दिए गए। ये वे हैं जिनको मूसा ने यरदन के पार अराबोथ मोआब में, यरदन के पार यरीहो के पूर्व में विरासत में दिया।

14

और ये वे हैं जिन्होंने इस्राएल के पुत्रों को कनान की भूमि में विरासत बांटी, जिनको एलाजार याजक, और नून के पुत्र यहोशू, और इस्राएल के पुत्रों के गोत्रों के पितरों के शासकों ने विरासत बांटी। चिट्ठियों के अनुसार उन्होंने विरासत में पाया, जिस तरीके से प्रभु ने यहोशू के हाथ में आज्ञा दी थी नौ कबीलों को, और आधे कबीले को। यरदन के पार से। और लेवियों को उनमें कोई हिस्सा नहीं दिया, क्योंकि यूसुफ के पुत्र दो कबीले थे, मनश्शे और एप्रैम, और लेवियों को भूमि में कोई हिस्सा नहीं दिया गया, बल्कि केवल निवास करने के लिए नगर, और उनके पशुओं के लिए अलग किए गए स्थान, और उनके पशु। जिस तरीके से प्रभु ने मूसा को आदेश दिया था, उसी प्रकार इस्राएल के पुत्रों ने किया, और भूमि को विभाजित किया।

और यहूदा के पुत्र गिलगाल में यहोशू के पास आए, और ययुन्ने के पुत्र कालेब कनिज्जी ने उससे कहा, तू उस वचन को जानता है जो प्रभु ने परमेश्वर के जन मूसा से कादेश बर्ने में मेरे और तेरे विषय में कहा था। चालीस वर्ष का था मैं जब मूसा, ईश्वर के सेवक ने मुझे कादेश बर्ने से भूमि की जासूसी करने भेजा, और मैंने उसे उसके मन के अनुसार उत्तर दिया। मेरे भाई जो मेरे साथ ऊपर

गाए थे, उन्होंने लोगों का हृदय बदल दिया, लेकिन मैं अपने प्रभु परमेश्वर का अनुसरण करने के लिए पूरी तरह दृढ़ था। और मूसा ने उस दिन शपथ ली, कहते हुए, जिस भूमि पर तुमने कदम रखा, वह तुम्हें और तुम्हारे बच्चों को सदा के लिए विरासत में मिलेगी, क्योंकि तुम हमारे प्रभु परमेश्वर का अनुसरण करने के लिए समर्पित हुए। और अब प्रभु ने मुझे उसी तरीके से पोषित किया जैसा उसने कहा था, यह पैंतालीसवाँ वर्ष है जब से प्रभु ने यह वचन मूसा से कहा था, और इस्राएल जंगल में गया, और अब देखो मैं आज पचासी वर्ष का हूँ। मैं आज भी उतना ही मजबूत हूँ, जैसे तब था जब मूसा ने मुझे भेजा था, वैसे ही मैं अब भी युद्ध में जाने और लौटने के लिए मजबूत हूँ। और अब मैं तुमसे यह पहाड़ मांगता हूँ, जैसा कि प्रभु ने उस दिन कहा था, क्योंकि तुमने उस दिन यह वचन सुना था। अब वहाँ अनाकी हैं, दृढ़ और बड़े नगर हैं, यदि प्रभु मेरे साथ है, तो मैं उन्हें नष्ट कर दूंगा, जिस तरह से प्रभु ने मुझसे कहा था।

और यहोशू ने उसे आशीर्वाद दिया, और हेब्रोन को कालेब को, जो यपुन्ने का पुत्र और कनज का पुत्र था, विरासत में दिया। इस कारण हेब्रोन यपुन्ने के पुत्र कालेब कनिज्जी को विरासत में मिला आज के दिन तक, क्योंकि उसने प्रभु इस्राएल के परमेश्वर की आज्ञा का अनुसरण किया। हेब्रोन का नाम पहले अर्गोब नगर था, यह अनाकियों की राजधानी था, और भूमि युद्ध से विश्राम पा गई।

15

और यहूदा जनजाति की सीमाएँ उनके कुलों के अनुसार इद्रूमिया की सीमाओं से, सीन के जंगल से कादेश तक दक्षिण की ओर हुई।

और उनकी सीमाएं दक्षिण से नमक के समुद्र के उस भाग तक हुई, उस पहाड़ी से जो दक्षिण की ओर जाती है। और यह अक्रब्बीम की चढ़ाई के सामने से गुजरती है, और सेना के चारों ओर घूमती है, और दक्षिण से कादेश बर्ने की ओर चढ़ती है, और हेस्रोन से होकर निकलती है, और

अद्दर की ओर चढ़ती है, और कादेश के पश्चिम की ओर निकलती है। और सेल्मोना पर निकलता है, और मिस्र की घाटी तक बहता है, और सीमाओं का निकास समुद्र पर होगा, यह दक्षिण से उनकी सीमाएं हैं।

और पूर्व की ओर से सीमाएँ यर्दन तक सम्पूर्ण नमकीन समुद्र हैं। और उनकी सीमाएँ उत्तर की ओर से, और समुद्र की पर्वत-श्रेणी से और यर्दन के भाग से हैं। सीमा बेथग्लाम तक चढ़ती है, और उत्तर से बेथाराबा तक गुजरती है, और सीमा रूबेन के पुत्र बाइओन के पत्थर तक चढ़ती है। और सीमा आखोर की घाटी के चौथे भाग तक चढ़ती है, और गिलगाल की ओर उतरती है, जो अदुम्मीम की चढ़ाई के सामने है, जो घाटी के दक्षिण में है, और सूर्य के झरने के पानी तक जाती है, और उसका निकास रोगेल का झरना होगा। और सीमा हिन्नोम की घाटी की ओर ऊपर जाती है, यबूसी की पीठ पर दक्षिण से, यह यरूशलेम है, और सीमा पहाड़ के शिखर पर से होकर निकलती है, जो हिन्नोम की घाटी के सामने समुद्र की ओर है, जो उत्तर में रपाईम की भूमि के भाग से है। और सीमा पहाड़ के शिखर से नफ्तो के जल स्रोत तक निकलती है, और एफ्रोन पहाड़ में निकलती है, और सीमा बाल तक ले जाएगी, यह यारीम नगर है। और सीमा बाल से समुद्र की ओर घूमेगी, और अस्सार पहाड़ में उत्तर से याहरीन शहर की पीठ पर से गुजरेगी, यह खसलोन है, और सूर्य के शहर की ओर नीचे उतरेगी, और दक्षिण की ओर गुजरेगी। और सीमा एक्रोन की पीठ के अनुसार उत्तर की ओर बहती है, और सीमाएं सुक्कोथ में निकलेंगी, और सीमाएं दक्षिण की ओर गुजरेंगी, और लिब्ना की ओर निकलेगी, और सीमाओं का निकास समुद्र पर होगा। और उनकी सीमाएँ समुद्र से, वह महान समुद्र सीमा निर्धारित करेगा। ये यहूदा के पुत्रों की सीमाएँ हैं, उनके कुलों के अनुसार चारों ओर।

और परमेश्वर की आज्ञा के द्वारा यिफुन्ने के पुत्र कालेब को यहूदा के पुत्रों के बीच में एक भाग दिया गया, और यहोशू ने उसको अनाक की राजधानी अबोक् नगर दिया, यह हेब्रोन है। और कालेब, यपुन्ने के पुत्र ने, वहाँ से अनाक के तीन पुत्रों को नष्ट किया: शशै और तल्मै और अहीमन को। और कालेब वहाँ से दबीर के निवासियों पर चढ़ गया, परन्तु दबीर का नाम पहले किर्यत-

सेपेर था।

और कालेब ने कहा, जो लेखों के शहर को ले लेगा और उसे नष्ट कर देगा और उस पर अधिकार कर लेगा, मैं उसे अपनी बेटी अकसा को पत्नी के रूप में दूंगा। और गोथोनिएल ने, जो केनेज का पुत्र और कालेब का भाई था, उसे ले लिया, और उसने उसे अपनी पुत्री अकसा को पत्नी के रूप में दिया। और ऐसा हुआ कि जब वह बाहर जा रही थी, तो उसने उसे सलाह दी, कहते हुए, मैं अपने पिता से खेत मांगूंगी, और वह गधे से चिल्लाई, और कालेब ने उससे कहा, तुम्हें क्या है? और उसने उससे कहा, मुझे आशीर्वाद दो, क्योंकि तुमने मुझे नेगेव की भूमि दी है, मुझे बोथानिस दो। और उसने उसे ऊपरी गोनाथला और निचला गोनाथला दिया।

यह यहूदा के पुत्रों के कबीले की विरासत है। उनके नगर यहूदा के पुत्रों के गोत्र की ओर, एदोम की सीमाओं पर, जंगल में थे, और बैसीलील, और आरा, और हसोर। और इकाम, और रेगमा, और अरौएल। और कादेश, और असोरिओनाइन, और माइनाम, और बलमाना, और उनके गाँव, और अशेरोन के शहर, यह हासोर है, और सीन, और सलमा, और मोलादा। और सेरी, और बाफलथ, और खोलासेओला, और बेरशेबा, और उनके गाँव, और उनके खेत, बाला, और बाकोक, और असोम, और एल्बौदाद, और बेथेल, और होर्मा। और ज़िक्लग, और माखारिम, और सेथेन्नक, और लाबोस, और साले, और एरोमोथ, उन्तीस शहर, और उनके गाँव।

मैदान में अश्ताओल, और सोरा, और एश्ताओल। और सिला, और खींचा, और इलुथोथ, और दाई, और यिर्मूथ, और ओदोल्लाम, और मेम्ब्रा, और साओखो, और इयाज़ेका। और सकारिम, और गादेरा, और उसकी बस्तियाँ, चौदह नगर, और उनके गाँव। सेनेह, अदासान और मगदलगद, और दलद, और मसफा, और इयाखरेएल। और बासेदोथ, और इदेआदालेआ, और चबरा, और माखेस, और माआखोस, और गेद्दोर, और बगदिएल, और नोमान, और माखेदान, सोलह शहर, और उनके गाँव, लिब्नाह, इथाक और एनोक, और इयाना, और नासिब। और केइलाम, और अकिएज़ी, और केज़िब, और बाथेसार, और ऐलोम, दस शहर, और उनके गाँव, एक्रोन, और

उसके गाँव, और उनके खेत, एक्रोन से गेम्मा तक, और सब जो असेदोथ के पड़ोस में हैं, और उनके गाँव, असिएदोथ और उसके गाँव और उसके खेत, गाज़ा और उसके गाँव और उसके खेत मिस्र की नदी तक, और महान समुद्र इसे विभाजित करता है।

और पहाड़ी देश में शमीर, और येतेर, और सोको, और बहता हुआ, और लेखों का शहर, यह दबीर है, और अनोन, और एस, और मान, और ऐसम, और गोसेम, और हालू, और हन्ना, और गीलोम, ग्यारह शहर, और उनके गाँव, ऐरेम, और रेम्मा, और सोमा, और जेमैन, और बैथाखू, और फाकूआ, और एउमा, और अर्बोक शहर, यह हेब्रोन है, और सोराइथ - नौ शहर, और उनके खेत। माओन, और कार्मेल, और जीफ, और युत्ता, और जारिएल, और अरिकाम, और जकनाइम, और गिबा, और तिम्ना, नौ नगर, और उनके गाँव, एलुआ, और बेथ सूर, और गेद्दोन, और मगारोथ, और बेथानाम, और थेकूम, छह शहर, और उनके गाँव, किरियथ बाल, यह यारीम नगर, और सोथेबा, दो नगर, और उनके खेत। और बद्गर्गेइस, और थराबाम, और ऐनोन। और आइओखिओज़ा, और नाफ़्लाज़ोन, और सादोन के शहर, और आकदिस, सात शहर, और उनके गाँव।

और यबूसी यरूशलेम में निवास करता था, और यहूदा के पुत्र उन्हें नष्ट करने में सक्षम नहीं थे, और यबूसी यरूशलेम में आज के दिन तक निवास करते रहे।

16

और यूसुफ के पुत्रों की सीमाएँ यर्डन से, जो यरीहो के पास है, पूर्व की ओर से हुई, और यरीहो से पहाड़ी प्रदेश में, जंगल में होते हुए, बेतेल लूज़ा तक जाएगी। और बेथेल में निकलेगा, और अहातरथी की सीमाओं पर से गुजरेगा। और यह समुद्र के पास से होकर अत्तालीम की सीमाओं तक, निचले बेथ होरोन की सीमाओं तक गुजरेगा, और उनका निकास समुद्र पर होगा। और

यूसुफ के पुत्रों, एप्रैम और मनश्शे ने विरासत में पाया।

और एफ्राईम के पुत्रों की सीमाएँ उनके कुलों के अनुसार हुई, और उनकी विरासत की सीमाएँ पूर्व से अतारोत और एरोक से लेकर ऊपरी बेथोरोन तक, और गजारा तक हुई। और सीमाएं समुद्र पर इकास्मोन में आएंगी, उत्तर से गर्म, पूर्व की ओर थेनासा में घूमेगी, और सेल्लेस, और पूर्व से इयानोका में गुजरेगी। और माखो में, और अतारोथ, और उनके गाँव, और यरीहो पर आएगा, और यर्दन पर निकलेगा। और कन्न से सीमाएं समुद्र की ओर खेलकाना तक जाएंगी, और उनका निकास समुद्र पर होगा, यह एफ्राईम कबीले की विरासत उनके कुलों के अनुसार है।

और वे शहर जो एफ्राइम के पुत्रों के लिए मनश्शे के पुत्रों की विरासत के बीच अलग किए गए थे, सब शहर और उनके गाँव। और एफ्राईम ने गाज़ेर में निवास करने वाले कनानी को नष्ट नहीं किया, और कनानी एफ्राईम में इस दिन तक निवास करता रहा, जब तक मिस्र का राजा फिरौन ऊपर नहीं गया, और उसने उसे ले लिया, और उसे आग में जला दिया, और कनानियों को, और फरिज्जियों को, और गाज़ेर में निवास करने वालों को मार डाला, और फिरौन ने उसे अपनी बेटी को दहेज़ में दिया।

17

और मनश्शे के पुत्रों की जनजाति की सीमाएं हुई, क्योंकि यह यूसुफ का पहलौठा था, माखीर मनश्शे का पहलौठा, गिलाद का पिता, क्योंकि वह योद्धा पुरुष था, गिलाद में और बाशान में। और मनश्शे के शेष पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार मिला - इएज़ी के पुत्रों को, और केलेज़ के पुत्रों को, और इएज़िएल के पुत्रों को, और सुखेम के पुत्रों को, और सुमारिम के पुत्रों को, और ओफेर के पुत्रों को; ये पुरुष उनके कुलों के अनुसार थे।

और सलपाद को, जो हेफेर का पुत्र था, उसके कोई पुत्र नहीं थे, लेकिन पुत्रियाँ थीं, और सलपाद की पुत्रियों के नाम ये हैं: माला, नोआ, एगला, मिल्का और तिसा। और वे एलीआज़र पुजारी के सामने, यहोशू के सामने, और शासकों के सामने खड़ी हुई, और कहा, परमेश्वर ने मूसा के द्वारा आज्ञा दी थी कि हमें हमारे भाइयों के बीच विरासत दी जाए, और प्रभु की आज्ञा से उन्हें उनके पिता के भाइयों में हिस्सा दिया गया। और उनकी रस्सी अनास्सा से गिर गई, और लाबेक का मैदान गिलाद की भूमि से, जो यर्डन के पार है, क्योंकि मनस्से के बेटों की बेटियों ने अपने भाइयों के बीच में हिस्सा विरासत में पाया, और गिलाद की भूमि शेष मनस्से के बेटों को मिली।

और मनश्शे के पुत्रों की सीमाएँ देलहनत तक हुई, जो अनत के पुत्रों के सामने है, और यह यामीन और यस्सीब की सीमाओं पर होते हुए तप्थोथ के स्रोत तक जाती है। मनश्शे का होगा, और तफेत मनश्शे की सीमाओं पर एप्रैम के पुत्रों का होगा। और सीमाएं चारान की घाटी पर दक्षिण की ओर नीचे आएंगी, जारिएल की घाटी के अनुसार, एफ्राइम का बांज वृक्ष मनश्शे के शहर के बीच में, और मनश्शे की सीमाएं उत्तर में नाले की ओर, और उसका निकास समुद्र होगा। दक्षिण से एफ्राइम को, और उत्तर में मनश्शे को, और समुद्र उनकी सीमा होगी, और वे उत्तर में आशेर से मिलेंगे, और पूर्व से इस्साकार से। और मनश्शे को इस्साकार में और आशेर में बैतान और उनके गाँव होंगे, और दोर के निवासी और उसके गाँव, और मगिदो के निवासी और उसके गाँव, और माफेता का तीसरा भाग और उसके गाँव।

और मनश्शे के पुत्र इन नगरों को नष्ट करने में सक्षम नहीं थे, और कनानी इस भूमि में निवास करने लगा। और ऐसा हुआ कि जब इस्राएल के पुत्र प्रबल हो गए, तो उन्होंने कनानियों को अधीन बना लिया, लेकिन उन्हें पूरी तरह से नष्ट नहीं किया।

यूसुफ के पुत्रों ने यहोशू को उत्तर दिया और कहा, तुमने हमें एक ही भाग और एक ही नापी हुई जमीन क्यों दी? मैं तो बहुत बड़ी जनसंख्या वाला हूँ, और परमेश्वर ने मुझे आशीर्वाद दिया है। और यहोशू ने उनसे कहा, यदि तुम बहुत लोग हो, तो वन में जाओ और अपने लिए साफ करो,

यदि एप्रैम का पहाड़ तुम्हें तंग करता है। और उन्होंने कहा, एफ्राईम का पहाड़ हमें प्रसन्न नहीं करता है, और चुने हुए घोड़े और लोहा उस कनानी के पास है जो उसमें बेथशान में और उसके गांवों में, यिज़ेल की घाटी में निवास करता है। और यहोशू ने यूसुफ के पुत्रों से कहा, यदि तुम बहुत लोग हो और तुम्हारे पास महान शक्ति है, तो तुम्हें एक भाग्य नहीं मिलेगा, वह घना जंगल तुम्हारा होगा, क्योंकि वह घना जंगल है और तुम उसे साफ करोगे, और वह तुम्हारा होगा। और जब तुम कनानी को पूरी तरह नष्ट कर दोगे, यद्यपि उसके पास चुने हुए घोड़े हैं, तुम उस पर प्रबल होते हो।

18

और इस्राएल के पुत्रों की सारी मण्डली शीलो में एकत्रित हुई, और उन्होंने वहाँ साक्ष्य का तम्बू लगाया, और वह भूमि उनके द्वारा अधीन कर ली गई।

और इस्राएल के पुत्र जो छोड़ दिए गए थे, जिन्होंने विरासत में नहीं पाया था, सात कबीले थे। और यहोशू ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, कब तक तुम उस भूमि को विरासत में लेने से थकते रहोगे, जो हमारे देवता प्रभु ने दी है? अपने में से प्रत्येक जनजाति से तीन पुरुष दो, और वे उठकर भूमि में होकर जाएं, और मेरे सामने इसका वर्णन करें, जैसा कि इसे बांटना आवश्यक होगा। और वे उसके पास गए, और उसने उनके लिए सात भाग बाँटे, यहूदा दक्षिण से उनकी सीमा पर खड़ा होगा, और यूसुफ के पुत्र उत्तर से उनकी सीमा पर खड़े होंगे। तुम भूमि को सात भागों में विभाजित करो, और यहाँ मेरे पास लाओ, और मैं तुम्हारे लिए हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने चिट्ठी निकालूंगा। नहीं, क्योंकि लेवी के पुत्रों का तुममें कोई हिस्सा नहीं है, क्योंकि प्रभु का याजकपद उनका हिस्सा है, और गाद और रूबेन और मनश्शे के आधे गोत्र ने अपनी विरासत यर्दन के पार पूर्व में ले ली थी, जो उनको प्रभु के सेवक मूसा ने दी थी।

और पुरुष उठकर चले गए, और यहोशू ने उन पुरुषों को जो भूमि का सर्वेक्षण करने जा रहे थे, आज्ञा दी और कहा, जाओ और भूमि का सर्वेक्षण करो, और मेरे पास आओ, और यहाँ मैं तुम्हारे लिए शीलो में प्रभु के सामने चिट्ठी निकालूंगा। और वे गए और उन्होंने भूमि को पार किया, और उन्होंने उसे देखा, और उन्होंने नगरों के अनुसार सात भागों में उसे पुस्तक में लिखा, और वे यहोशू के पास लाए। और यहोशू ने शीलो में प्रभु के सामने उनके लिए चिट्ठी डाली।

और बिन्यामीन जनजाति की चिट्ठी उनके कुलों के अनुसार पहले निकली, और उनकी चिट्ठी की सीमाएं यहूदा के पुत्रों और यूसुफ के पुत्रों के बीच निकलीं।

और उनकी सीमाएं उत्तर से थीं, यरदन से सीमा यरीहो की पीठ के अनुसार उत्तर से ऊपर जाएगी, और पहाड़ पर समुद्र की ओर चढ़ेगी, और उसका निकास मबदारीतिस बेथोन होगा। और सीमा वहाँ से लूज़ा की पीठ पर से होकर, उसके दक्षिण से, अर्थात् बेथेल से होकर जाएगी, और सीमा माअतारोब ओरेख से उस पहाड़ी देश पर उतरेगी जो निचले बेथोरोन के दक्षिण की ओर है।

और सीमा गुजरेगी और उस भाग से होकर जाएगी जो समुद्र की ओर देखता है, दक्षिण से, पहाड़ से जो बेथ होरोन के सामने है दक्षिण में, और उसका निकास किरयत बाल में होगा, यह किरयत यारीम है, यहूदा के पुत्रों का नगर, यह समुद्र की ओर का भाग है।

और दक्षिण की ओर का भाग किरयत बाल के भाग से है, और सीमा गासिन में से होकर नफ्तो के जल स्रोत तक जाएगी। और सीमाएं एक भाग पर उतरेगी, यह सोन्नाम घाटी के सामने है, जो उत्तर से रफाइन के एमेक भाग से है, और गाइएन्ना दक्षिण से येबूसै की पीठ पर उतरेगी, रोगेल के स्रोत पर उतरेगी, और यह बैथशेमेश के स्रोत पर से होकर जाएगी, और गलीलोथ पर से होकर निकलेगी, जो ऐथामीन की चढ़ाई के सामने है, और यह रूबेन के पुत्रों के बायोन के पत्थर पर उतरेगी। और यह उत्तर से बेथाराबा की पीठ के साथ गुजरेगा, और उत्तर से समुद्र की पीठ पर सीमाओं तक उतरेगा। और सीमाओं का निकास नमक के समुद्र की पहाड़ी पर उत्तर में यर्दन के

भाग की ओर दक्षिण से होगा, ये सीमाएँ दक्षिण से हैं।

और यरदन पूर्व की ओर से सीमा बनाएगा, यह बिन्यामीन के पुत्रों की विरासत है, उसकी सीमाएं चारों ओर कुलों के अनुसार।

और बिन्यामीन के पुत्रों के शहर उनके कुलों के अनुसार थे: यरीहो, और बेथेगै, और अमेकासिस, और बैथाबारा, और साराई, और बेसाना। और आइएन, और फारा, और एफ्राथा, और कारफा, और केफीरा, और मोनी, और गिबा, बारह शहर, और उनके गाँव, गिबियों, रामाह और बेरोत, और मास्सेमा, और मिरोन, और अमोके, और फिरा, और कफान, और नाकान, और ज़ेलेकान, और थारीला। और यबूस, जो यरूशलेम है, और गबाओथ, यारीम - तेरह नगर और उनके गाँव। यह बिन्यामीन के पुत्रों का विरासत उनके कुलों के अनुसार है।

19

और शिमोन के पुत्रों की दूसरी चिट्ठी निकली, और उनकी विरासत यहूदा के पुत्रों की चिट्ठियों के बीच में हुई। और उनकी चिट्ठी बेरशेबा, समाआ और कलादाम हुई। और असोला, और बोला, और जेसन, और एर्थोला, और योजनाएं, और होर्मा, और सिकेलाक, और बैथमाखेरेब, और सारसुसिन, और बथारोथ, और उनके खेत, तेरह शहर, और उनके गाँव। एरेम्मोन, और थालखा, और येथेर, और असान, चार नगर और उनके गाँव, उनके शहरों के चारों ओर बालेक तक जाते हुए, बामेथ, दक्षिण की ओर, यह शिमोन के पुत्रों के कबीले की विरासत है, उनके कुलों के अनुसार। यहूदा की चिट्ठी में से शिमोन के पुत्रों के गोत्र की विरासत थी, क्योंकि यहूदा के पुत्रों का हिस्सा उनके हिस्से से बढ़ा हो गया था, और शिमोन के पुत्रों ने उनकी चिट्ठी के बीच में विरासत पाई।

और तीसरी चिट्ठी जबूलून के लिए उनके कुलों के अनुसार निकली, उनकी विरासत की सीमाएं एसेदेकगोला होंगी, उनकी सीमाएं, समुद्र और मागेल्दा, और बेथाराबा पर घाटी में मिलेगा, जो येकमान के सामने है। और सेदूक से पूर्व की विपरीत दिशा से बेथशेमेश से खासेलोथैथ की सीमाओं पर लौटा, और दाबीरोथ से होकर गुजरेगा, और फंगै पर चढ़ेगा। और वहाँ से विपरीत दिशा से पूर्व की ओर घूमकर गेबेरे पर, कतासेम शहर पर जाएगा, और रिम्मोना माथाराओज़ा से होकर गुजरेगा। और सीमाएँ उत्तर की ओर हमत तक घूमेंगी, और उनका निकास ज़िफ़ोन पर होगा, और कतानाथ, और नबाअल, और सुमोओन, और यरीहो, और बैथमान। यह जबूलून के पुत्रों की जनजाति की विरासत है उनके कुलों के अनुसार, नगर और उनके गाँव।

और इस्साकार के लिए चौथी चिट्ठी निकली। और उनकी सीमाएँ इयाज़ेल, खासालोथ और सूनाम हुई, और अगिन, और सियोना, और रीरोथ, और अनाखेरेथ। और दबीरोन, और किशोन, और रेबेस। और रेम्मास, और इएओन, और तोम्मान, और ऐमारेक, और बेरसाफेस। और सीमाएं गैथबोर पर मिलेंगी, और सालिम पर समुद्र की ओर, और बेथशेमेश, और उसकी सीमाओं का अंतिम छोर यर्दन होगा। यह इस्साकार के पुत्रों के गोत्र की विरासत उनके कुलों के अनुसार है, उनके नगर और उनके गाँव।

और पाँचवीं चिट्ठी आशेर के लिए उनके कुलों के अनुसार निकली। और उनकी सीमाएँ एक्सेलेकेथ, अलेफ, बैथोक और केआफ हुई। और एलिमेलेक, और अम्मीएल, और माअसा, और यह समुद्र के पास कार्मेल से मिलेगा, और सिय्योन से, और लाबनात से। और वह सूर्य के पूर्व से और बैथगेनेथ से लौटेगा, और जबूलून और एकगै से मिलेगा, और उत्तर की ओर फ़थाएल, और साफ़्रथैबैथमे की सीमाओं में प्रवेश करेगा, और इनाएल, और खोबामासोमेल में से गुज़रेगा। और एल्बोन, और राहाब, और एमेमाओन, और कान्थान महान सीदोन तक। और सीमा रामाह को लौटेगी, और मासफ़स्सात के झरने तक, और तूरियों की, और सीमा यासिफ़ पर लौटेगी, और उसका निकास समुद्र होगा, और अपोलेब, और एखोज़ोब, और आख़ोब, और अफ़ेक, और रहाऊ। यह आशेर के पुत्रों के गोत्र की विरासत उनके कुलों के अनुसार है, नगर और उनके गाँव।

और नेफ्थाली को छठी चिट्ठी निकली। और उनकी सीमाएँ मूलाम, और मोला, और बेसेमीन, और अर्मे, और नाबोक, और इएफ्थामाई, दोदाम तक हुई, और उसके निकास यर्दन हुए। और सीमा अथ्थाबोर में समुद्र की ओर लौटेगी, और वहाँ से याकाना को पार करेगी, और दक्षिण से जबूलून से मिलेगी, और आशेर समुद्र की ओर मिलेगा, और यर्दन सूर्योदय की ओर से।

और टायरियों के किलेबंद शहर, टायर, और ओमाथादाकेथ, और केनेरेथ, और अरमैथ, और अराएल, और हासोर, और कादेस, और असारी, और असोर का स्रोत, और केरोए, और मेगालाअरिम, और बैथ्थामे, और थेस्सामुस। यह नप्ताली के पुत्रों के गोत्र की विरासत है।

और दान को सातवीं चिट्ठी मिली, और उनकी सीमाएँ सारथ, और असा, और सम्मौस के नगर हुए। और सलामिस, और अम्मोन, और सिलाथा, और उसने तिम्ना और एक्रोन लिया, और अल्काथा, और बेगेथोन, और गेबीलान। और अज़ोर, और बनाइबकात, और गेश्रेम्मोन। और समुद्र से हिएराकोन की सीमा, जोप्पा के पड़ोस में। यह दान के पुत्रों के कबीले की विरासत है उनके कुलों के अनुसार, उनके नगर और उनके गाँव।

और दान के पुत्र गए और उन्होंने लाकीश से युद्ध किया, और उसे पकड़ लिया, और उसे तलवार की धार से मारा, और उसमें बस गए और उन्होंने उसका नाम लसेनदान रखा।

और वे अपनी सीमा के अनुसार भूमि पर अधिकार करने गए, और इस्राएल के पुत्रों ने नून के पुत्र यहोशू को उनमें विरासत दी। भगवान के आदेश के माध्यम से, उन्होंने उसको वह शहर दिया जो उसने मांगा था, थम्नासाराख, जो एफ्राइम के पहाड़ में है, और उसने शहर को बनाया और उसमें रहा।

ये वे विभाजन हैं जो एलाज़ार याजक, नून के पुत्र यहोशू, और इस्राएल के गोत्रों में परिवारों के शासकों ने शीलो में प्रभु के सामने, गवाही के तम्बू के दरवाज़ों के पास, चिट्ठियों के अनुसार

विरासत में दिए, और वे भूमि में प्रवेश करने गए।

20

और प्रभु ने यहोशू से कहा, इसराएल के पुत्रों से कहो, शरण के नगर दो, जिनके बारे में मैंने तुमसे मूसा के द्वारा कहा था। शरण हत्यारे के लिए जिसने आत्मा को अनजाने में मारा, और तुम्हारे लिए ये शहर शरण होंगे, और वह हत्यारा खून के बदला लेनेवाले द्वारा नहीं मरेगा, जब तक वह सभा के सामने न्याय के लिए खड़ा न हो।

और उसने कादेश को गलील में नप्ताली के पहाड़ में, और शेकेम को एप्रैम के पहाड़ में, और अब्बोक शहर को, जो हेब्रोन है, यहूदा के पहाड़ में अलग किया।

और यर्दन के पार उसने रूबेन के गोत्र से मैदान में जंगल में बोसोर दिया, और गाद के गोत्र से गिलाद में अरेमोथ, और मनश्शे के गोत्र से बाशान में गौलोन।

ये वे शहर हैं जो इस्राएल के पुत्रों और उनके बीच रहने वाले परदेशी के लिए नामित किए गए, ताकि वहाँ हर वह व्यक्ति शरण ले सके जो अनजाने में किसी की आत्मा को मारे, ताकि वह खून का बदला लेने वाले के हाथ से न मरे, जब तक वह सभा के सामने न्याय के लिए खड़ा न हो।

21

और लेवी के पुत्रों के मुख्य पिता एलाज़ार याजक के पास आए, और नून के पुत्र यहोशू के पास, और इस्राएल की जनजातियों के परिवारों के मुख्य नेताओं के पास। और उन्होंने शिलोह में, कनान की भूमि में, उनसे कहा, प्रभु ने मूसा के द्वारा आज्ञा दी थी कि हमें रहने के लिए नगर और

हमारे पशुओं के लिए चरागाह दिए जाएं। और इस्राएल के पुत्रों ने लेवियों को प्रभु की आज्ञा के द्वारा विरासत में बाँटने में शहर और उनकी चरागाहें दीं।

और कहात के लोगों के लिए चिट्ठी निकली, और हारून के पुत्रों के लिए जो याजक और लेवी थे, यहूदा के गोत्र से और शिमोन के गोत्र से और बिन्यामीन के गोत्र से चिट्ठी द्वारा तेरह नगर मिले।

और कहात के शेष पुत्रों को एप्रैम की जनजाति से और दान की जनजाति से और मनश्शे की आधी जनजाति से चिट्ठी द्वारा दस नगर दिए गए।

और गेदसोन के पुत्रों को इस्साकार के गोत्र से, आशेर के गोत्र से, नप्ताली के गोत्र से और मनश्शे के आधे गोत्र से बाशान में तेरह नगर दिए गए।

और मरारी के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार रूबेन के गोत्र से और गाद के गोत्र से और जबूलून के गोत्र से चिट्ठी द्वारा बारह नगर दिए गए।

और इस्राएल के पुत्रों ने लेवियों को नगर और उनकी चरागाहें दीं, जिस प्रकार प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, चिट्ठी डालकर।

और यहूदा के पुत्रों के गोत्र ने और शिमोन के पुत्रों के गोत्र ने और बिन्यामीन के पुत्रों के गोत्र से ये नगर दिए, और उन्हें पुकारा गया। हारून के पुत्रों को, जो लेवी के पुत्रों में से कहात के लोगों से थे, क्योंकि इनको चिट्ठी मिली। और उन्हें किरयथअर्बा दिया, जो अनाकियों की राजधानी है, यह हेब्रोन है यहूदा के पहाड़ में, और उसके चारों ओर की चरागाहें, और शहर के खेतों और उसके गाँवों को यहोशू ने यपुन्ने के पुत्र कालेब के पुत्रों को अधिकार में दिया।

और हारून के पुत्रों को दिया हत्यारे के लिए शरण का शहर, हेब्रोन, और इसके साथ अलग किए

गए भाग, और लेमना, और इसके पास अलग किए गए भाग, और ऐलोम, और इसके लिए अलग किए गए स्थान, और तेमा, और इसके लिए अलग किए गए स्थान, और हँसी, और इसके अलग किए हुए भाग, और दबीर, और इसके अलग किए हुए भाग, और आसा और इसके अलग किए गए भाग, और तानू और इसके अलग किए गए भाग, और बेथ शेमेश और इसके अलग किए गए भाग, नौ नगर इन दो कबीलों से। और बिन्यामीन के जनजाति से, गिबोन को, और इसके अलग किए गए भागों को, और गत को, और इसके अलग किए गए भागों को, और अनाथोथ और इसके लिए अलग किए गए क्षेत्र, और गामाला और इसके लिए अलग किए गए क्षेत्र, चार शहर। आरोन के पुजारी बेटों के सब शहर तेरह थे।

और काहाथ के पुत्रों के लोगों को, लेवियों को, जो काहाथ के पुत्रों में से शेष रह गए थे, उनके पुजारियों का शहर एप्रैम के कुल से मिला, और उन्होंने उनको शरण का शहर दिया, हत्यारे का शहर, अर्थात् शकेम और इसके अलग किए गए भाग, और गाज़ारा और इसके आस-पास के भाग, और इसके अलग किए गए भाग। और बेथ होरोन, और जो इसके लिए अलग किए गए नगर थे, चार नगर। और दान की जनजाति से, एल्कोथाइम और इसके अलग किए हुए भाग, और गेथेदान और इसके अलग किए हुए भाग, और ऐयालोन और इसके अलग किए गए क्षेत्र, और गेथेरेम्मोन और इसके अलग किए गए क्षेत्र, चार नगर। और मनश्शे के आधे कुल से तानाक और इसकी चराइयाँ, और इबाथा और इसकी चराइयाँ, दो नगर। सभी शहर दस थे, और इनके साथ अलग की गई भूमि, कहात के बेटों के बचे हुए लोगों के लिए।

और गेदसोन के पुत्रों को, जो लेवी थे, मनश्शे के आधे गोत्र से हत्यारों के लिए अलग किए गए नगर दिए गए: बासान में गौलोन और इसके अलग किए गए क्षेत्र, और बोसोरान और इसके अलग किए गए क्षेत्र, कुल दो नगर। और इस्साकार के जनजाति से, किशोन और इसके अलग किए हुए भाग, और देब्बा और इसके अलग किए हुए भाग, और रेम्मथ, और इसके अलग किए गए, और लेखों का स्रोत, और इसके अलग किए गए, चार नगर। और आशेर के गोत्र से बसेल्लाथ और इसके अलग किए गए भाग, और दब्बोन और इसके अलग किए गए भाग, और

खेलकत और इसके अलग किए हुए क्षेत्र, और राहब और इसके अलग किए हुए क्षेत्र, चार शहर। और नप्ताली की जनजाति से, हत्यारे के लिए अलग किया हुआ शहर, गलील में कादेश और इसके अलग किए हुए स्थान, और हम्मोथ और इसके अलग किए हुए स्थान, और कर्तान और इसके अलग किए हुए स्थान - तीन शहर। गेदसोन के सभी शहर उनके कुलों के अनुसार, तेरह शहर।

और मरारी के पुत्रों के लोगों को, शेष लेवियों को, जबूलून के गोत्र से, माआन और उसकी चरागाहें, और कादेश और उसकी चरागाहें, और ज़िल्लाह, और उसकी चारागाह भूमि, तीन नगर। और यर्दन के परे, यरीहो के अनुसार, रूबेन के जनजाति से, हत्यारे के शरण का शहर, जंगल में बोसोर, मिसो, और उसकी चरागाहें, और याज़ेर, और उसकी चरागाहें। और डेकमोन और उसकी चरागाह भूमि और माफा और उसकी चरागाह भूमि, चार शहर। और गाद की जनजाति से, हत्यारे के लिए शरण का नगर, और गिलाद में रामोत और उसकी चारागाह भूमि, कामिन और उसकी चारागाह भूमि, और हेशबोन और उसकी चरागाह भूमि, और याज़ेर और उसकी चरागाह भूमि, सब मिलाकर चार नगर। मरारी के पुत्रों को उनके कुलों के अनुसार, जो लेवी के गोत्र से शेष रह गए थे, सब नगर दिए गए, और सीमाएं बारह नगर हुईं।

लेवियों के सब नगर इस्राएल के पुत्रों के अधिकार के बीच में, अड़तालीस नगर, और उनकी चरागाहें। इन नगरों के चारों ओर, नगर और नगर के चारों ओर की चरागाह भूमि इन सभी नगरों को,

और प्रभु ने इस्राएल को वह सारी भूमि दी, जिसे देने की उसने उनके पिताओं से शपथ खाई थी, और उन्होंने उसे विरासत में पाया, और वे उसमें बस गए। और प्रभु ने उन्हें चारों ओर से विश्राम दिया, जैसा उसने उनके पिताओं से शपथ खाई थी। उनके सभी शत्रुओं में से कोई भी उनके सामने नहीं टिक सका। प्रभु ने उनके सभी शत्रुओं को उनके हाथों में सौंप दिया। प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों से जो सभी अच्छे वचन बोले थे, उन सभी में से एक भी असफल नहीं हुआ, सभी पूरे

22

तब यहोशू ने रूबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे कबीले को बुलाया। और उसने उनसे कहा, तुमने सब कुछ सुना है जितना मूसा ने, जो प्रभु का सेवक है, तुम्हें आदेश दिया था, और तुमने मेरी आवाज़ की आज्ञा मानी है उन सब के अनुसार जितना उसने तुम्हें आदेश दिया था। तुमने अपने भाइयों को इन अधिक दिनों तक आज के दिन तक नहीं छोड़ा है, तुमने अपने परमेश्वर प्रभु की आज्ञा का पालन किया है। अब प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमारे भाइयों को विश्राम दिया है, जैसा उसने उनसे कहा था, इसलिए अब मुड़कर अपने घरों में और अपनी अधिकार की भूमि में जाओ, जो मूसा ने तुम्हें यर्दन के पार दी थी। लेकिन बहुत सावधानी से आज्ञाओं और व्यवस्था को मानो, जो मूसा प्रभु के सेवक ने हमें मानने की आज्ञा दी थी, कि प्रभु हमारे परमेश्वर से प्रेम करो, उसके सब मार्गों पर चलो, उसकी आज्ञाओं को मानो, और उससे लगे रहो, और अपने संपूर्ण मन और अपनी संपूर्ण आत्मा से उसकी सेवा करो। और यहोशू ने उन्हें आशीर्वाद दिया, और उन्हें भेजा, और वे अपने घरों को चले गए।

और मनश्शे के आधे गोत्र को मूसा ने बाशान में दिया, और आधे को यहोशू ने उसके भाइयों के साथ यर्दन के पार समुद्र की ओर दिया, और जब यहोशू ने उन्हें उनके घरों को भेजा और उन्हें आशीर्वाद दिया। और वे बहुत धन के साथ अपने घरों को चले गए, और बहुत अधिक पशु, और चांदी, और सोना, और लोहा, और बहुत वस्त्र, उन्होंने अपने भाइयों के साथ शत्रुओं की लूट बांटी।

और रूबेन के पुत्र, और गाद के पुत्र, और मनश्शे के आधे गोत्र, इस्राएल के पुत्रों से कनान देश के शीलो में से गिलाद देश को गए, जो उनके अधिकार की भूमि थी, जिसे उन्होंने मूसा के हाथ द्वारा

प्रभु की आज्ञा से विरासत में पाया था।

और वे यरदन के गिलाद में आए, जो कनान की भूमि में है, और रूबेन के पुत्रों ने, और गाद के पुत्रों ने, और मनश्शे के आधे गोत्र ने वहाँ यरदन पर एक वेदी बनाई, देखने के लिए एक बड़ी वेदी।

और इस्राएल के पुत्रों ने सुना कि कहा जा रहा है, देखो, रूबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र ने कनान की भूमि की सीमाओं पर, गिलाद में, यरदन के पार, इस्राएल के पुत्रों की ओर एक वेदी बनाई है। और इस्राएल के सब पुत्र शीलो में एकत्र हुए, ताकि ऊपर जाकर उनके विरुद्ध युद्ध करें।

और इस्राएल के पुत्रों ने रूबेन के पुत्रों की ओर और गाद के पुत्रों की ओर और मनश्शे के आधे गोत्र के पुत्रों की ओर गिलाद की भूमि में भेजा, फीनहास को जो एलाजार का पुत्र था, जो अहरोन महायाजक का पुत्र था। और उसके साथ दस शासक थे, इस्राएल के सभी गोत्रों में से प्रत्येक पैतृक घराने से एक-एक शासक; ये पैतृक घरानों के शासक इस्राएल के सहस्रपति हैं। और वे रूबेन के पुत्रों के पास, और गाद के पुत्रों के पास, और मनश्शे के आधे गोत्र के पास गिलाद की भूमि में आए, और उनसे बोले, कहते हुए, प्रभु की सारी मण्डली यह कहती है: यह कौन सा अपराध है जो तुमने इस्राएल के परमेश्वर के सामने किया है, कि आज प्रभु से मुड़ गए, अपने लिए वेदी बनाई, और प्रभु से धर्मत्यागी बन गए? क्या पोगोर का पाप हमारे लिए छोटा था, जिससे हम आज के दिन तक शुद्ध नहीं हुए? और प्रभु की मण्डली में महामारी आई। और तुम आज प्रभु से मुड़ गए हो, और यदि तुम आज प्रभु से दूर हो जाओ, तो कल सब इस्राएल पर क्रोध होगा। और अब यदि तुम्हारे अधिकार की भूमि छोटी है, तो प्रभु के अधिकार की भूमि में पार करो, जहाँ प्रभु का तम्बू निवास करता है, और हमारे बीच उत्तराधिकार प्राप्त करो, और परमेश्वर से विद्रोही मत बनो, और तुम प्रभु से मत भटको, क्योंकि तुमने हमारे परमेश्वर प्रभु की वेदी के बाहर एक वेदी बनाई है। क्या आखार, जो ज़ारा का पुत्र था, ने समर्पित वस्तु से अपराध नहीं

किया, और सारी इस्राएल की सभा पर क्रोध आया? और वह अकेला अपने ही पाप में नहीं मरा।

और रूबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र ने उत्तर दिया और इस्राएल के सहस्रपतियों से कहते हुए बोले, वह परमेश्वर, परमेश्वर प्रभु है, और वह परमेश्वर, परमेश्वर स्वयं जानता है, और इस्राएल स्वयं जानेगा, यदि हमने विद्रोह में प्रभु के सामने अपराध किया है, तो वह हमें इस दिन न बचाए। और यदि हमने अपने लिए वेदी बनाई हो, ताकि प्रभु हमारे परमेश्वर से दूर हो जाएं, ताकि उस पर होमबलि का बलिदान चढ़ाएं, ताकि उस पर मुक्ति का बलिदान करें, तो प्रभु खोज करेगा।

लेकिन हमने यह सावधानी के शब्द के कारण किया, यह कहते हुए कि कहीं कल तुम्हारे बच्चे हमारे बच्चों से न कहें, तुम्हें इस्राएल के परमेश्वर प्रभु से क्या लेना? और प्रभु ने हमारे और तुम्हारे बीच यर्दन को सीमा बनाया, और तुम्हें प्रभु में कोई भाग नहीं है, और तुम्हारे पुत्र हमारे पुत्रों को अलग कर देंगे, ताकि वे प्रभु की पूजा न करें। और हमने कहा कि इस प्रकार करना है, इस वेदी का निर्माण करना भेंटों के कारण नहीं और न ही बलिदानों के कारण, लेकिन यह इसलिए हो ताकि यह हमारे और तुम्हारे बीच गवाही हो, और हमारे बाद हमारी पीढ़ियों के बीच, प्रभु की सेवा करने के लिए उसके सामने, हमारी भेंटों में और हमारे बलिदानों में और हमारे उद्धार के बलिदानों में, और तुम्हारे बच्चे कल हमारे बच्चों से न कहें, तुम्हें प्रभु में कोई हिस्सा नहीं है। और हमने कहा, यदि कभी ऐसा हो कि वे हमसे या हमारी आने वाली पीढ़ियों से कल बोलें, और वे कहें, देखो प्रभु की वेदी की समानता, जो हमारे पिताओं ने बनाई थी—न भेंटों के लिए और न बलिदानों के लिए, बल्कि यह तुम्हारे और हमारे बीच, और हमारे पुत्रों के बीच गवाही है। इसलिए ऐसा न हो कि आज के दिन हम प्रभु से मुड़ें, प्रभु से हट जाएं, ताकि हम फल चढ़ावों, बलिदानों, सलामिस और मुक्ति के बलिदान के लिए वेदी बनाएं, सिवाय प्रभु की उस वेदी के जो उसके तम्बू के सामने है।

और फीनहास याजक और इस्राएल की मण्डली के सब शासकों ने, जो उसके साथ थे, वे शब्द सुने जो रूबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र ने बोले थे, और वे प्रसन्न हुए। और

फीनहास पुजारी ने रूबेन के पुत्रों और गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र से कहा, आज हमने जान लिया है कि प्रभु हमारे साथ हैं, क्योंकि तुमने प्रभु के सामने कोई अपराध नहीं किया है, और तुमने इस्राएल के पुत्रों को प्रभु के हाथ से छुड़ाया है। और फीनहास पुजारी और शासक रूबेन के पुत्रों से और गाद के पुत्रों से और मनश्शे के आधे गोत्र से गिलाद से कनान भूमि में इस्राएल के पुत्रों के पास लौटे, और उन्होंने उनको उत्तर दिया। और इस्राएल के पुत्रों को यह बात अच्छी लगी, और इस्राएल के पुत्रों ने बातचीत की, और इस्राएल के पुत्रों के परमेश्वर को धन्यवाद दिया, और कहा कि अब उनके विरुद्ध युद्ध करने के लिए नहीं जाएंगे ताकि रूबेन के पुत्रों, गाद के पुत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र की भूमि को नष्ट करें, और वे उस पर बसे रहे।

और यहोशू ने रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्र की वेदी का नाम रखा, और कहा कि यह उनके बीच गवाही है कि प्रभु उनका परमेश्वर है।

23

और ऐसा हुआ कि बहुत दिनों के बाद, जब प्रभु ने इस्राएल को उसके चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दिया, और यहोशू बूढ़ा हो गया और उसकी आयु बढ़ गई। और यहोशू ने इस्राएल के सब पुत्रों को और उनके बुजुर्गों की परिषद को और उनके शासकों को और उनके न्यायाधीशों को और उनके लेखकों को एक साथ बुलाया, और उनसे कहा, मैं बूढ़ा हो गया हूँ और दिनों में आगे बढ़ गया हूँ, तुमने देखा है कि हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे सामने से इन सब राष्ट्रों के साथ क्या किया, क्योंकि तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हारे लिए युद्ध किया। देखो कि मैंने तुम्हें ये बचे हुए राष्ट्रों को तुम्हारे कुलों की विरासत में डाल दिया है, यर्दन से लेकर सभी राष्ट्रों को, जिन्हें मैंने नष्ट कर दिया, और महान समुद्र से सूर्यास्त की ओर सीमा होगी।

लेकिन प्रभु हमारा परमेश्वर यह उनको हमारे सामने से नष्ट कर देगा, जब तक वे नष्ट न हो जाएं,

और वह उनके पास जंगली पशुओं को भेजेगा, जब तक वह उनको और उनके राजाओं को तुम्हारे सामने से नष्ट न कर दे, और तुम उनकी भूमि पर अधिकार कर लोगे, जैसा प्रभु हमारे परमेश्वर ने तुमसे कहा था। इसलिए बहुत दृढ़ रहो कि मूसा की व्यवस्था की पुस्तक में लिखी हुई सब बातों का पालन करो और उन पर चलो, ताकि तुम दाहिने या बाएं न मुड़ो, ताकि तुम इन शेष छोड़े गए राष्ट्रों में प्रवेश न करो, और उनके देवताओं के नाम तुम्हारे बीच न लिए जाएं, न तुम उनकी सेवा करो, और न तुम उनकी पूजा करो, लेकिन तुम प्रभु हमारे परमेश्वर से चिपके रहोगे, जैसे तुमने इस दिन तक किया है। और प्रभु तुम्हारे सामने से बड़े और मजबूत राष्ट्रों को नष्ट करेगा, और आज के दिन तक हमारे सामने कोई नहीं खड़ा हुआ। तुममें से एक ने हजार को खदेड़ा, क्योंकि प्रभु हमारा परमेश्वर तुम्हारे लिए लड़ा, जैसे उसने हमसे कहा था।

और अत्यधिक सावधानी से हमारे प्रभु परमेश्वर से प्रेम करने की रक्षा करो। यदि तुम मुड़ जाओ और इन बचे हुए जातियों से जो तुम्हारे साथ हैं जुड़ो, और उनसे विवाह करो, और उनके साथ मिल जाओ और वे तुम्हारे साथ, तुम जानते हो कि प्रभु इन राष्ट्रों को तुम्हारे सामने से नष्ट करने में और नहीं जोड़ेंगे, और वे तुम्हारे लिए फंदे बन जाएंगे, और ठोकर के पत्थर बन जाएंगे, और तुम्हारी एड़ियों में कीलें बन जाएंगे, और तुम्हारी आँखों में तीर बन जाएंगे, जब तक तुम इस अच्छी भूमि से नष्ट नहीं हो जाओ जो तुम्हारे प्रभु परमेश्वर ने तुम्हें दी है।

मैं लेकिन उस रास्ते को जाऊंगा, जैसा कि पृथ्वी पर सब जाते हैं, और तुम अपने हृदय और अपनी आत्मा से जानोगे, क्योंकि उन सब वचनों में से एक भी वचन नहीं गिरा, जो प्रभु हमारे देवता ने हमसे संबंधित सब बातों के विषय में कहा था, उनमें से एक भी असफल नहीं हुआ। और जिस प्रकार प्रभु ने तुम्हारे लिए जो सब अच्छे वचन बोले थे, वे सब हमारे पास पूरे हुए हैं, उसी प्रकार प्रभु परमेश्वर तुम पर सब बुरे वचन भी लाएगा, जब तक कि वह तुम्हें इस अच्छी भूमि से नष्ट न कर दे, जो प्रभु ने तुम्हें दी है। जब तुम हमारे परमेश्वर प्रभु की वाचा का उल्लंघन करो, जो उसने हमें आज्ञा दी थी, और जाकर अन्य देवताओं की सेवा करो और उन्हें प्रणाम करो।

और यहोशू ने इस्राएल के सब गोत्रों को शीलो में इकट्ठा किया, और उनके बुजुर्गों और उनके लिपिकों और उनके न्यायाधीशों को बुलाया, और उनको परमेश्वर के सामने खड़ा किया।

और यहोशू ने सब लोगों से कहा, प्रभु इस्राएल का परमेश्वर ये बातें कहता है: नदी के पार तुम्हारे पिता आरंभ से बसे थे, तेरह जो अब्राहम का पिता था और नाहोर का पिता था, और उन्होंने दूसरे देवताओं की सेवा की। और मैंने तुम्हारे पिता अब्राहम को नदी के पार से लिया, और मैंने उसे सारी भूमि में ले जाया, और मैंने उसके वंश को बढ़ाया, और मैंने उसे इसहाक दिया। और इसहाक को याकूब और एसाव दिए, और मैंने एसाव को सेईर पहाड़ विरासत में लेने के लिए दिया, और याकूब और उसके पुत्र मिस्र में गए, और वहाँ एक बड़ा और बहुत और शक्तिशाली राष्ट्र बन गए, और मिस्रियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। और मैंने मिस्र को उन निशानियों से मारा जो मैंने उनमें किया। और इन चीजों के बाद उसने हमारे पिताओं को मिस्र से बाहर निकाला, और आप लाल समुद्र में प्रवेश किए, और मिस्रवासियों ने हमारे पिताओं का रथों और घोड़ों के साथ लाल समुद्र में पीछा किया। और हमने प्रभु की ओर पुकारा, और उसने हमारे और मिस्रियों के बीच बादल और अंधकार दिया, और उन पर समुद्र लाया, और उन्हें ढक दिया, और तुम्हारी आँखों ने देखा जितना प्रभु ने मिस्र की भूमि में किया, और तुम जंगल में अधिक दिन थे।

और उसने हमें यर्दन के पार रहने वाले अमोरियों की भूमि में लाया, और प्रभु ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया, और तुमने उनकी भूमि को विरासत में लिया, और तुमने उन्हें अपने सामने से नष्ट कर दिया।

और बालाक, जो जिप्पोर का पुत्र और मोआब का राजा था, उठा और उसने इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध किया, और दूत भेजकर उसने बिलाम को हमें श्राप देने के लिए बुलाया।

और प्रभु तुम्हारे परमेश्वर ने तुम्हें नष्ट करना नहीं चाहा, और उसने हमें आशीर्वादों से आशीर्वाद दिया, और हमें उनके हाथों से छुड़ाया, और उन्हें सौंप दिया। और तुमने यर्दन को पार किया और तुम यरीहो में आए और हमारे विरुद्ध लड़े यरीहो में निवास करने वाले अमोरी और कनानी और परिज्जी और हिक्वी और यबूसी और हित्ती और गिर्गाशी और प्रभु ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया। और मैंने तुम्हारे आगे बर्बा भेजा, और उसने हमारे सामने से अमोरियों के बारह राजाओं को भगा दिया, न तुम्हारी तलवार से और न तुम्हारे धनुष से।

और उसने तुम्हें वह भूमि दी जिस पर तुमने परिश्रम नहीं किया, और वे नगर जो तुमने नहीं बनाए, और तुम उनमें बस गए, और अंगूर के बाग और जैतून के बाग जो तुमने नहीं लगाए, तुम खाते हो।

और अब प्रभु से डरो, और सीधार्ई तथा धार्मिकता में उसकी सेवा करो, और उन विदेशी देवताओं को हटा दो, जिनकी सेवा हमारे पिताओं ने नदी के पार और मिस्र में की थी, और प्रभु की सेवा करो। यदि तुम्हें प्रभु की सेवा करना प्रसन्न नहीं करता, तो आज अपने लिए चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे, चाहे तुम्हारे पिताओं के देवताओं की, जो नदी के पार में हैं, चाहे अमोरियों के देवताओं की, जिनकी पृथ्वी पर तुम निवास करते हो, लेकिन मैं और मेरा घर प्रभु की सेवा करेंगे, क्योंकि वह पवित्र है।

और लोगों ने उत्तर देते हुए कहा, हमसे ऐसा न हो कि हम प्रभु को छोड़कर अन्य देवताओं की सेवा करें। प्रभु हमारा परमेश्वर, वही परमेश्वर है, उसी ने हमें और हमारे पिताओं को मिस्र से निकाला, और उसी ने हमें उस सारे मार्ग में जिस पर हम चले, और उन सब जातियों में जिनके बीच से हम निकले, हमारी रक्षा की। और प्रभु ने एमोरी को और उन सब राष्ट्रों को जो भूमि में निवास करते थे, हमारे सामने से निकाल दिया, लेकिन हम भी प्रभु की सेवा करेंगे, क्योंकि यह हमारा परमेश्वर है।

और यहोशू ने लोगों से कहा, तुम प्रभु की सेवा करने में सक्षम नहीं हो, क्योंकि परमेश्वर पवित्र है, और यह ईर्ष्यालु है, यह तुम्हारे पापों और तुम्हारे अधर्म के कार्यों को नहीं छोड़ेगा। जब तुम प्रभु को त्याग दोगे और अन्य देवताओं की सेवा करोगे, तो वह आकर तुम्हें हानि पहुँचाएगा और तुम्हें नष्ट कर देगा, उसके बदले में जो उसने तुम्हारे साथ अच्छा किया। और लोगों ने यहोशू से कहा, नहीं, लेकिन हम प्रभु की सेवा करेंगे।

और यहोशू ने लोगों से कहा, तुम अपने विरुद्ध गवाह हो, कि तुमने प्रभु को चुना है उसकी सेवा करने के लिए। और अब उन विदेशी देवताओं को हटाओ जो तुममें हैं, और अपने हृदय को इस्राएल के प्रभु परमेश्वर की ओर सीधा करो। और लोगों ने यहोशू से कहा, हम प्रभु की सेवा करेंगे और उनकी आवाज़ सुनेंगे।

और यहोशू ने उस दिन लोगों के साथ वाचा बाँधी, और उसने उनको शीलो में इस्राएल के परमेश्वर के तम्बू के सामने व्यवस्था और न्याय दिया। और उसने ये शब्द परमेश्वर के कानूनों की पुस्तक में लिखे, और एक बड़ा पत्थर लिया, और यहोशू ने उसे प्रभु के सामने बांज वृक्ष के नीचे स्थापित किया। और यहोशू ने लोगों से कहा, देखो, यह पत्थर तुम्हारे बीच गवाही के लिए होगा, क्योंकि इसने प्रभु द्वारा इससे कही गई सब बातें सुनी हैं, जो उसने आज तुमसे कहीं, और यह तुम्हारे बीच अंतिम दिनों में गवाही के लिए होगा, जब तुम मेरे प्रभु परमेश्वर के साथ झूठा व्यवहार करोगे। और यहोशू ने लोगों को भेजा, और प्रत्येक अपने स्थान पर चला गया। और इस्राएल ने प्रभु की सेवा की यहोशू के सब दिनों में, और बुजुर्गों के सब दिनों में जिन्होंने यहोशू के बाद समय को लम्बा किया, और जिन्होंने प्रभु के सब कामों को देखा जो उसने इस्राएल के लिए किए।

और उन बातों के बाद ऐसा हुआ कि यहोशू, जो नून का पुत्र और प्रभु का दास था, सौ दस वर्ष की आयु में मर गया। और उन्होंने उसको उसके हिस्से की सीमाओं में दफनाया, थम्नासाराख में, एप्रैम के पहाड़ में, गिलाद के पहाड़ के उत्तर से।

और यूसुफ की हड्डियाँ इस्राएल के पुत्रों ने मिस्र से लाई, और उन्हें शकेम में दफनाया, उस खेत के भाग में जो याकूब ने शकेम में निवास करने वाले अमोरियों से सौ भेड़ के बच्चों के बदले अधिग्रहण किया था, और उसे यूसुफ को भाग में दिया था।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि हारून का पुत्र एलियाज़र जो महायाजक था, मर गया, और उसे गिबा में दफनाया गया जो उसके पुत्र फीनहास को एप्रैम के पहाड़ी क्षेत्र में दिया गया था।

न्यायियों

1

और यहोशू की मृत्यु के बाद ऐसा हुआ कि इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु से पूछा, हमारे लिए कनानियों के विरुद्ध युद्ध करने के लिए अगुवा बनकर कौन जाएगा? और प्रभु ने कहा, यहूदा ऊपर जाएगा; देखो, मैंने वह भूमि उसके हाथ में दे दी है। और यहूदा ने अपने भाई शिमोन से कहा, मेरे हिस्से में मेरे साथ चलो, और हम कनानियों से लड़ें, और मैं भी तुम्हारे हिस्से में तुम्हारे साथ चलूंगा, और शिमोन उसके साथ गया। और यहूदा ऊपर गया, और प्रभु ने कनानी और फ़िरिज़्ज़ी को उनके हाथों में सौंप दिया, और उन्होंने बेज़ेक में उनमें से दस हजार पुरुषों को मार डाला। और उन्होंने अदोनीबेजेक को बेजेक में पकड़ा, और उसके विरुद्ध युद्ध के लिए खड़े हुए, और कनानियों और फ़रिज्जियों को मार डाला। और अदोनीबेजेक भाग गया, और उन्होंने उसका पीछा किया, और उन्होंने उसे पकड़ लिया, और उन्होंने उसके हाथों के सिरे और उसके पैरों के सिरे काट दिए। और अदोनीबेजेक ने कहा, सत्तर राजा, जिनके हाथों और पैरों के छोर काटे गए थे, मेरी मेज के नीचे टुकड़े इकट्ठा करते थे। जैसे मैंने किया, वैसे ही परमेश्वर ने मुझे बदला दिया। और वे उसे यरूशलेम ले गए, और वह वहाँ मर गया।

और यहूदा के पुत्रों ने यरूशलेम से युद्ध किया, और उसे पकड़ लिया, और उसे तलवार की धार से

मारा, और नगर को आग में जला दिया। और इन बातों के बाद यहूदा के पुत्र कनानी से युद्ध करने के लिए नीचे गए, जो पहाड़ी देश, दक्षिण और मैदान में रहता था। और यहूदा उस कनानी के पास गया जो हेब्रोन में रहता था, और हेब्रोन सामने से निकला, और हेब्रोन का नाम पहले किरियथअर्बोकसेफेर था, और उन्होंने शैश और अहीमान और थोल्मी को मारा जो अनाक की संतान थे। और वे वहाँ से दबीर के निवासियों की ओर गए, लेकिन दबीर का नाम पहले करियथसेफेर था, जो लेखों का नगर था।

और कालेब ने कहा, जो लेखों के शहर को मारेगा और उस पर कब्जा करेगा, उसको मैं अपनी बेटी अकसा को पत्नी के रूप में दूंगा। और गोथोनिएल ने, जो केनेज का पुत्र और कालेब के छोटे भाई था, इसे पहले से जब्त कर लिया, और कालेब ने उसे अपनी पुत्री असखा को पत्नी के रूप में दिया। और ऐसा हुआ कि जब वह आ रही थी, तो गोथोनिएल ने उसे अपने पिता से खेत मांगने के लिए उकसाया, और वह जानवर पर से बड़बड़ाई और चिल्लाई, दक्षिण की भूमि में तूने मुझे दे दिया है, और कालेब ने उससे कहा, तुझे क्या चाहिए? और अकसा ने उससे कहा, मुझे वास्तव में आशीर्वाद दो, क्योंकि तुमने मुझे दक्षिण की भूमि दी है, और तुम मुझे पानी का छुटकारा दोगे। और कालेब ने उसे उसके हृदय के अनुसार ऊंचे स्थानों का छुटकारा और नीचे स्थानों का छुटकारा दिया।

और यित्री केनी के पुत्र, जो मूसा के ससुर थे, खजूर के पेड़ों के नगर से यहूदा के पुत्रों के साथ यहूदा के दक्षिण में स्थित उस जंगल को गए, जो अराद की उतराई पर है, और वे लोगों के साथ बस गए।

और यहूदा अपने भाई शिमोन के साथ गया, और उसने सप्त में रहने वाले कनानी को मारा, और उन्होंने उनको पूरी तरह नष्ट कर दिया, और उसने उस शहर का नाम शापित रखा। और यहूदा ने गाज़ा और उसकी सीमाओं को विरासत में नहीं पाया, न अश्कलोन और उसकी सीमाओं को, न एक्रोन और उसकी सीमाओं को, न अज़ोटुस और उसकी चारागाह भूमियों को। और प्रभु यहूदा

के साथ था, और उसने पहाड़ को विरासत में पाया, क्योंकि वे घाटी के निवासियों को नष्ट करने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि रेकाब ने उनको आदेश दिया था। और उन्होंने कालेब को हेब्रोन दिया, जैसा मूसा ने कहा था, और उसने वहाँ से अनाक के पुत्रों के तीन शहर विरासत में पाए।

और यरूशलेम में निवास करने वाले यबूसी को बिन्यामीन के पुत्रों ने विरासत में नहीं लिया, और यबूसी बिन्यामीन के पुत्रों के साथ यरूशलेम में आज के दिन तक निवास करता रहा।

और यूसुफ के पुत्र भी स्वयं बेतेल को गए, और प्रभु उनके साथ था। और उन्होंने डेरा डाला, और उन्होंने बेथेल का भेद लिया, और उस शहर का नाम पहले लूज़ा था।

और पहरेदारों ने देखा, और देखो, एक आदमी शहर से निकल रहा था, और उन्होंने उसे पकड़ा, और उससे कहा, हमें शहर का प्रवेश द्वार दिखाओ, और हम तुम्हारे साथ दया करेंगे। और उसने उन्हें शहर का प्रवेश द्वार दिखाया, और उन्होंने शहर को तलवार की धार से मारा, लेकिन उस आदमी और उसके परिवार को उन्होंने जाने दिया। और वह पुरुष हेत की भूमि में गया, और वहाँ एक नगर बनाया, और उसका नाम लूज़ा रखा, यह उसका नाम आज के दिन तक है।

और मनश्शे ने बेथशान को नहीं निकाला, जो स्कूथियों की नगरी है, और न उसकी पुत्रियों को और न उसके आसपास के जिलों को, और न तानाक को और न उसकी पुत्रियों को, और न दोर के निवासियों को और न उसकी पुत्रियों को, और न बालाक के निवासी को और न उसके आसपास के जिलों को और न उसकी पुत्रियों को, और न मगेदो के निवासियों को और न उसके आसपास के जिलों को और उसकी पुत्रियों को, और न इबलाम के निवासियों को और न उसके आसपास के जिलों को, और न उसकी पुत्रियों को, और न कनानी इस भूमि में निवास करने लगा। और ऐसा हुआ कि जब इस्राएल मजबूत हुआ, तो उसने कनानी को कर देने वाला बनाया, और हटाते हुए भी उसे नहीं हटाया। और एफ्राइम ने गेजेर में निवास करने वाले कनानी को नहीं निकाला, और कनानी उसके बीच में गेजेर में निवास करता रहा, और वह कर देने वाला बन गया।

और ज़बूलून ने किद्रोन के निवासियों को नहीं निकाला, न ही दोमाना के निवासियों को, और कनानी उनके बीच में निवास करता रहा, और वह उसके लिए कर देने वाला बन गया। और आशेर ने दोमाना के निवासियों को नहीं निकाला, और कनानी उनके बीच में निवास करता रहा, और वह उसके लिए कर देने वाला बन गया। और आशेर ने अक्को के निवासियों को नहीं निकाला, और वे उसके लिए कर देने वाले बन गए, और दोर के निवासियों को, और सीदोन के निवासियों को, और दलफ के निवासियों को, अकजीब को, और हेलबा को, और नई को, और एरेओ को। और आशेर उस कनानी के बीच में बस गया जो उस भूमि में निवास कर रहा था, क्योंकि वह उसे नष्ट करने में सक्षम नहीं था। और नफताली ने बेथ शेमेश के निवासियों को और बेथ अनाक के निवासियों को नहीं निकाला, और नफताली उस भूमि में निवास करने वाले कनानी के बीच में बस गया, लेकिन बेथ शेमेश और बेथ एनेथ के निवासी उनके लिए कर देने वाले हो गए।

और अमोरी ने दान के पुत्रों को पहाड़ में खदेड़ दिया, क्योंकि उन्होंने उसे घाटी में उतरने नहीं दिया। और एमोराई ने मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों के पहाड़ में निवास करना शुरू किया, जहाँ भालू थे और जहाँ लोमड़ियाँ थीं, मिसिनोन में और थालाबिन में, और यूसुफ के घराने का हाथ एमोराई पर भारी पड़ा, और वे उनके लिए कर देने वाले बन गए। और एमोरियों की सीमा अक्रब्बीम की चढ़ाई से, चट्टान से और उससे ऊपर थी।

2

और प्रभु का दूत गिलगाल से रोन के स्थान और बेथेल और इस्राएल के घराने की ओर गया, और उनसे कहा, प्रभु यह कहता है: मैं तुम्हें मिस्र से ऊपर लाया, और तुम्हें उस भूमि में लाया जिसकी शपथ मैंने तुम्हारे पुरखाओं से खाई थी, और मैंने कहा था, मैं अपनी वाचा को जो तुम्हारे साथ है सदा के लिए नहीं तोड़ूंगा। और तुम इस भूमि के निवासियों के साथ वाचा नहीं बनाओगे, न ही

उनके देवताओं की पूजा करोगे, बल्कि तुम उनकी मूर्तियों को तोड़ोगे, उनकी वेदियों को गिराओगे, और तुमने मेरी आवाज़ नहीं सुनी, क्योंकि तुमने ये काम किए। और मैंने कहा, मैं उनको तुम्हारे सामने से नहीं हटाऊंगा, और वे तुम्हारे लिए संकट बनेंगे, और उनके देवता तुम्हारे लिए ठोकर का पत्थर बनेंगे। और ऐसा हुआ कि जब प्रभु के दूत ने ये शब्द इस्राएल के सब पुत्रों से कहे, तो लोगों ने अपनी आवाज़ उठाई और रोए। और उन्होंने उस जगह का नाम विलाप रखा, और उन्होंने वहाँ प्रभु को बलिदान चढ़ाया।

और यहोशू ने लोगों को भेजा, और हर पुरुष अपनी विरासत में भूमि का अधिकार लेने के लिए आया। और लोगों ने प्रभु की सेवा की यहोशू के सब दिनों में और बुजुर्गों के सब दिनों में, जो यहोशू के बाद जीवित रहे, जिन्होंने प्रभु के उस महान कार्य को जाना था जो उसने इस्राएल में किया था।

और यहोशू, जो नून का पुत्र और प्रभु का दास था, सौ दस वर्ष की आयु में मर गया। और उन्होंने उसे उसकी विरासत की सीमा में दफनाया, तिम्नत सेरह में, एप्रैम के पहाड़ में, गाश के पहाड़ के उत्तर से। और वह सारी पीढ़ी अपने पितरों के साथ जा मिली, और उनके बाद दूसरी पीढ़ी उठी, जो प्रभु को नहीं जानती थी, और न ही उस कार्य को जो उसने इस्राएल में किया था। और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने बुरा किया, और बाल देवताओं की सेवा की। और उन्होंने अपने पिताओं के प्रभु परमेश्वर को त्याग दिया, जो उनको मिस्र की भूमि से निकाल लाए थे, और वे अपने चारों ओर की जातियों के दूसरे देवताओं के पीछे चले गए, और उन्होंने उनको प्रणाम किया, और उन्होंने प्रभु को क्रोधित किया। और उन्होंने उसे त्याग दिया, और बाल और अश्वारोत की सेवा की।

और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुए, और उन्होंने उनको लुटेरों के हाथों में सौंप दिया, और उन्होंने उनको लूटा, और उन्होंने उनको चारों ओर के उनके शत्रुओं के हाथों में बेच दिया, और वे अब अपने शत्रुओं के सामने खड़े होने में सक्षम नहीं थे, उन सब स्थानों में जहाँ वे जाते थे। और

प्रभु का हाथ उन पर बुराइयों के लिए था, जैसा प्रभु ने कहा था और जैसा प्रभु ने उनसे शपथ ली थी, और उसने उन्हें अत्यधिक पीड़ित किया।

और प्रभु ने न्यायाधीशों को उठाया, और प्रभु ने उनको उन लूटने वालों के हाथ से बचाया, और फिर भी उन्होंने न्यायाधीशों की आज्ञा नहीं मानी, क्योंकि उन्होंने दूसरे देवताओं के पीछे जाकर व्यभिचार किया और उनकी पूजा की, और उस मार्ग से शीघ्र ही मुड़ गए जिस पर उनके पूर्वज प्रभु के वचनों को सुनने के लिए चले थे; उन्होंने वैसा नहीं किया। और जब प्रभु ने उनके लिए न्यायाधीश खड़े किए, तो प्रभु न्यायाधीश के साथ था, और उसने उन्हें उनके शत्रुओं के हाथ से न्यायाधीश के सभी दिनों में बचाया, क्योंकि प्रभु उनकी कराहना से द्रवित हुआ जो उन्हें घेरने वालों और दबाने वालों के कारण थी। और ऐसा हुआ कि जब न्यायाधीश मर रहा था, तो वे लौटे और फिर अपने पिताओं से भी अधिक भ्रष्ट हो गए, दूसरे देवताओं के पीछे चलने के लिए, उनकी सेवा करने के लिए और उनकी पूजा करने के लिए। उन्होंने अपनी प्रथाओं को नहीं त्यागा, और न ही अपने कठोर मार्गों को।

और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुआ, और कहा, इसके बदले कि इस राष्ट्र ने मेरी वाचा को त्याग दिया जो मैंने उनके पिताओं को आज्ञा दी थी, और मेरी आवाज़ नहीं सुनी, और मैं उनके सामने से उन राष्ट्रों में से किसी भी व्यक्ति को नष्ट करना जारी नहीं रखूँगा, जिन्हें यहोशू, नून का पुत्र, भूमि में छोड़ गया था। उनके द्वारा इस्राएल को परखने के लिए, कि क्या वे यहोवा के मार्ग पर चलते हैं, जिस प्रकार उनके पूर्वजों ने उसका पालन किया था, या नहीं। और प्रभु इन राष्ट्रों को शीघ्रता से नष्ट न करने के लिए छोड़ देंगे, और उन्हें यहोशू के हाथ में नहीं सौंपा।

3

और ये वे राष्ट्र हैं जिनको प्रभु ने छोड़ा ताकि उनके द्वारा इस्राएल को परखे, उन सबको जिन्होंने

कनान के युद्धों को नहीं जाना था। केवल इस्राएल के पुत्रों की पीढ़ियों को युद्ध सिखाने के लिए, केवल वे जो उनसे पहले थे उन्होंने इन बातों को नहीं जाना था। विदेशियों के पाँच प्रांत, और सभी कनानी, और सिदोनी, और हिब्वी जो लबानोन में निवास करते हैं हेमोन पर्वत से लाबोएमाथ तक। और ऐसा हुआ कि उनमें इस्राएल की परीक्षा ली जाए, यह जानने के लिए कि क्या वे प्रभु की आज्ञाओं को सुनेंगे, जो उसने उनके पिताओं को मूसा के हाथ से दी थीं।

और इस्राएल के पुत्र कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी, हिब्वी और यबूसी के बीच में बसे। और उन्होंने उनकी बेटियों को अपने लिए पत्नियाँ बनाया, और अपनी बेटियों को उनके बेटों को दिया, और उनके देवताओं की सेवा की। और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने बुराई की, और अपने परमेश्वर प्रभु को भूल गए, और बाल देवताओं और पवित्र वृक्षों की सेवा की। और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुआ, और उसने उन्हें नदियों के सीरिया के राजा कूशन-रिशातैम के हाथ में बेच दिया, और इस्राएल के पुत्रों ने कूशन-रिशातैम की आठ वर्ष सेवा की।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने इस्राएल के लिए एक उद्धारकर्ता खड़ा किया, और उसने उन्हें बचाया, अर्थात् गोथोनिएल को, जो केनेज का पुत्र था, कालेब का छोटा भाई। और प्रभु का आत्मा उस पर आया, और उसने इस्राएल का न्याय किया, और वह कूशन-रिशातैम के विरुद्ध युद्ध में निकला, और प्रभु ने नदियों के सीरिया के राजा कूशन-रिशातैम को उसके हाथ में सौंप दिया, और उसका हाथ कूशन-रिशातैम पर मजबूत हुआ। और भूमि चालीस वर्ष तक शांत रही, और केनेज का पुत्र ओथनीएल मर गया।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने बुराई करना जारी रखा, और प्रभु ने मोआब के राजा एग्लोम को इस्राएल पर मजबूत किया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के सामने बुराई की थी। और उसने अम्मोन और अमालेक के सब पुत्रों को अपने पास इकट्ठा किया, और गया और इस्राएल को मारा, और खजूर के पेड़ों के नगर को अधिकार में ले लिया। और इस्राएल के पुत्रों ने मोआब के राजा एग्लोम की अठारह वर्ष सेवा की।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु की ओर पुकारा, और उसने उनके लिए एक उद्धारकर्ता खड़ा किया, एहूद को, जो गेरा का पुत्र था, यमीनी का पुत्र, एक दोनों हाथों से काम करने वाला पुरुष, और इस्राएल के पुत्रों ने उसके हाथ में मोआब के राजा एग्लोम को उपहार भेजे। और एहूद ने अपने लिए एक दोधारी तलवार बनाई, जिसकी लंबाई एक बित्ता थी, और उसे अपने चोगे के नीचे अपनी दाहिनी जांघ पर बांधा। और वह गया, और उसने एग्लोम को उपहार लाए जो मोआब का राजा था, और एग्लोम एक अत्यंत परिष्कृत पुरुष था।

और ऐसा हुआ कि जब एहूद उपहार भेंट कर चुका, तो उसने उपहार ले जाने वालों को विदा कर दिया। और वह स्वयं गिलगाल के पास की उकेरी हुई मूर्तियों से लौटा, और एहूद ने कहा, हे राजा, मेरे पास आपके लिए एक गुप्त संदेश है, और एग्लोम ने उससे कहा, चुप रहो, और उसने अपने पास खड़े हुए सभी लोगों को भेज दिया, और एहूद उसके पास गया, और वह अपने ग्रीष्मकालीन ऊपरी कक्ष में अकेला बैठा था, और एहूद ने कहा, हे राजा, मेरे पास आपके लिए परमेश्वर का वचन है, और एग्लोम अपने सिंहासन से उठकर उसके निकट आया। और जैसे ही वह उठा, एहूद ने अपना बायां हाथ फैलाया, और अपनी दाहिनी जांघ के ऊपर से तलवार ली, और उसे उसके पेट में घुसेड़ दिया, और उसने मुट्ठे को भी लौ के पीछे ले जाया, और चर्बी ने लौ को बंद कर दिया, क्योंकि उसने तलवार को उसके पेट से नहीं निकाला।

और एहूद बरामदे से बाहर गया, और पहरेदारों के पास से निकल गया, और उसने ऊपरी कमरे के दरवाजे बंद किए और ताला लगा दिया। और वह स्वयं बाहर गया, और उसके सेवक आए और उन्होंने देखा, और देखो, ऊपरी कमरे के दरवाजे बंद थे, और उन्होंने कहा, कहीं वह गर्मी के भीतरी कमरे में अपने पैरों को राहत दे रहा है? और उन्होंने तब तक प्रतीक्षा की जब तक वे शर्मिदा हो गए, और देखो, कोई नहीं था जो ऊपरी कमरे के दरवाजे खोल रहा हो, और उन्होंने चाबी ली, और उन्होंने खोला, और देखो, उनका स्वामी भूमि पर गिरा हुआ मरा पड़ा था।

और एहूद तब तक बच गया जब तक वे भ्रमित थे, और कोई नहीं था जो उस पर ध्यान दे रहा था,

और वह खुदी हुई मूर्तियों के पास से गुजर गया, और सेतेइरोथा में बच गया।

और ऐसा हुआ कि जब एहूद इस्राएल की भूमि में आया, तो उसने एप्रैम के पहाड़ पर तुरही बजाई, और इस्राएल के पुत्र उसके साथ पहाड़ से उतरे, और वह उनके आगे था। और उसने उनसे कहा, मेरे पीछे नीचे आओ, क्योंकि प्रभु परमेश्वर ने हमारे शत्रुओं मोआब को हमारे हाथ में सौंप दिया है, और वे उसके पीछे नीचे गए, और उन्होंने मोआब की यर्दन की पार करने की जगहों को पहले से कब्जा कर लिया, और किसी आदमी को पार करने नहीं दिया। और उन्होंने उस दिन मोआब को मारा, लगभग दस हजार पुरुषों को, हर दृष्ट-पुष्ट और हर शक्तिशाली पुरुष को, और कोई भी पुरुष नहीं बचा। और उस दिन मोआब इस्राएल के हाथों शर्मिदा हुआ, और भूमि अस्सी वर्ष तक शांत रही, और एहूद ने उनका न्याय किया जब तक वह मरा नहीं।

और उसके बाद शमगर, जो अनात का पुत्र था, उठा और उसने बैलों के हल की छड़ी से छह सौ विदेशी पुरुषों को मारा, और उसने भी इस्राएल को बचाया।

4

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने बुराई करना जारी रखा, और एहूद मर गया। और प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों को कनान के राजा याबीन के हाथ में बेच दिया, जो हासोर में राज्य करता था, और उसकी सेना का सरदार सीसरा था, और वह जातियों के हरोशेत में रहता था। और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु की ओर पुकारा, क्योंकि उसके पास नौ सौ लोहे के रथ थे, और उसने बीस वर्ष तक इस्राएल को बलपूर्वक दबाया।

और देब्बोरा, जो एक भविष्यवक्ता स्त्री थी, लप्पीदोत की पत्नी, उसने उस समय इस्राएल का न्याय किया।

और दबोरा रामा और बेतेल के बीच एप्रेम के पहाड़ में खजूर के पेड़ के नीचे बैठी थी, और इस्राएल के पुत्र न्याय के लिए उसके पास आते थे।

और देब्बोरा ने भेजा और बाराक पुत्र अबिनोएम को कादेश नप्ताली से बुलाया, और उससे कहा, क्या प्रभु इस्राएल के देवता ने तुझे आज्ञा नहीं दी? और तू ताबोर पहाड़ में जाएगा, और अपने साथ नप्ताली के पुत्रों में से और जबूलून के पुत्रों में से दस हजार पुरुष लेगा।

और मैं तुम्हारे पास किशोन धारा में सिसरा को लाऊंगा, जो याबीन की सेना का शासक है, और उसके रथों को और उसकी भीड़ को, और मैं उसे तुम्हारे हाथों में सौंप दूंगा।

और बाराक ने उससे कहा, यदि तुम मेरे साथ चलोगी, तो मैं चलूंगा, और यदि तुम नहीं चलोगी, तो मैं नहीं चलूंगा, क्योंकि मैं उस दिन को नहीं जानता जिसमें प्रभु दूत को मेरे साथ सफल बनाता है। और उसने कहा, मैं तुम्हारे साथ जाऊंगी, परन्तु जान लो कि जिस मार्ग पर तुम जा रहे हो उस पर तुम्हारी महिमा नहीं होगी, क्योंकि प्रभु सीसरा को एक स्त्री के हाथ में सौंप देंगे। और दबोरा उठी, और बाराक के साथ कादेश से गई। और बाराक ने जबूलून और नप्ताली को कादेश से पुकारा, और उसके पीछे दस हजार पुरुष गए, और दबोरा उसके साथ गई।

और हेबर केनी, जो मूसा के ससुर योबाब के पुत्रों में से काइना से अलग हो गया था, उसने अपना तंबू लालचियों के बांज के पेड़ तक गाड़ा, जो केदेश के निकट है।

और सिसरा को सूचना दी गई कि अबिनोएम का पुत्र बाराक ताबोर पर्वत पर गया। और सीसरा ने अपने सभी रथों को बुलाया, नौ सौ लोहे के रथ, और अपने साथ के सभी लोगों को राष्ट्रों के अरीसोथ से किशोन की धारा में बुलाया।

और देब्बोरा ने बाराक से कहा, उठो, क्योंकि यह वह दिन है जिसमें प्रभु ने सीसरा को तुम्हारे हाथ

में सौंप दिया है, क्योंकि प्रभु तुम्हारे आगे जाएगा। और बाराक ताबोर पहाड़ से नीचे गया, और दस हजार पुरुष उसके पीछे थे। और प्रभु ने सीसरा को और उसके सब रथों को और उसके सम्पूर्ण शिविर को बाराक के सामने तलवार की धार से भ्रमित कर दिया, और सीसरा अपने रथ से नीचे उतरा, और पैदल भाग गया। और बाराक रथों के पीछे और शिविर के पीछे राष्ट्रों के हरोशेत तक पीछा करता रहा, और सीसरा का सारा शिविर तलवार की धार से गिर गया, एक भी नहीं बचा। और सीसरा अपने पैरों पर भागकर याएल के तंबू में गया, जो खाबेर केनी की पत्नी थी, क्योंकि हासोर के राजा याबीन और खाबेर केनी के घराने के बीच शांति थी। और याएल सीसरा से मिलने के लिए बाहर गई, और उससे कहा, मुड़िए, मेरे स्वामी, मेरी ओर मुड़िए, मत डरिए, और वह उसके तंबू में उसकी ओर मुड़ा, और उसने उसे कंबल से ढका।

और सीसरा ने उससे कहा, मुझे थोड़ा पानी पिलाओ, क्योंकि मैं प्यासा हूँ, और उसने दूध की चमड़े की थैली खोली, और उसे पिलाया, और उसे ढक दिया। और सीसरा ने उससे कहा, तम्बू के द्वार पर खड़ी हो जा, और यदि कोई पुरुष तेरे पास आए, और तुझसे पूछे, और कहे, क्या यहाँ कोई पुरुष है? तो तू कहना, नहीं है। और याएल, खाबेर की स्त्री ने तम्बू की खूँटी ली, और अपने हाथ में हथौड़ा रखा, और गुप्त रूप से उसके पास गई, और उसकी कनपटी में खूँटी गाड़ दी, और वह भूमि में धंस गई, और वह स्तब्ध होकर मारा गया, और मर गया। और देखो, बाराक सीसरा का पीछा कर रहा था, और याएल उससे मिलने के लिए बाहर गई और उससे कहा, यहाँ आओ और मैं तुम्हें वह आदमी दिखाऊंगी जिसे तुम खोज रहे हो, और वह उसके पास गया, और देखो, सीसरा मरा हुआ पड़ा था, और खूँटी उसकी कनपटी में थी। और उस दिन परमेश्वर ने कनान के राजा याबीन को इस्राएल के पुत्रों के सामने पराजित किया।

और इस्राएल के पुत्रों का हाथ याबीन कनान के राजा पर बढ़ता गया और कठोर होता गया, जब तक उन्होंने याबीन कनान के राजा को पूरी तरह नष्ट नहीं कर दिया।

5

और देबोरा और अबीनोएम का पुत्र बाराक उस दिन कह रहे थे,

इस्राएल में प्रकाशन प्रकट हुआ जब लोगों ने स्वेच्छा से स्वयं को अर्पित किया, प्रभु को आशीर्वाद दो। हे राजाओं, सुनो, और हे क्षत्रपों, कान लगाओ; मैं प्रभु के लिए गाऊंगा, मैं इस्राएल के परमेश्वर प्रभु का भजन गाऊंगा। हे प्रभु, तुम्हारे सेईर में प्रस्थान में, जब तुम एदोम के मैदान से प्रस्थान कर रहे थे, पृथ्वी कांप उठी, और आकाश ओस टपकाने लगा, और बादल जल टपकाने लगे। पहाड़ प्रभु एलोई के सामने से हिलाए गए, यह सीनै प्रभु इस्राएल के परमेश्वर के सामने से। शमगर पुत्र अनात के दिनों में, याएल के दिनों में, मार्ग विफल हो गए, और वे पगडंडियों पर चले, वे टेढ़े-मेढ़े मार्गों पर चले। इस्राएल में शक्तिशाली लोग विफल हो गए, वे तब तक विफल रहे जब तक देबोरा नहीं उठी, जब तक इस्राएल में माता नहीं उठी। उन्होंने नए देवताओं को चुना, तब शासकों के नगरों से लड़े, यदि ढाल और भाला चालीस हजार में इस्राएल में देखा जाए।

मेरा हृदय इसराएल के लिए व्यवस्थित किए गए कार्यों में है, लोगों में स्वेच्छा से अर्पण करने वाले प्रभु को आशीर्वाद दो। दोपहर में मादा गधे पर सवार, न्यायाधिकरण पर बैठे, और मार्ग पर परिषद के सदस्यों के मार्गों पर चलते हुए, तुम वर्णन करो, पीछे मारी गई आवाज़ से, पानी भरने वालों के बीच, वहाँ वे धार्मिकताएँ देंगे, हे प्रभु, इस्राएल में धार्मिकताएँ बढ़ाओ, तब प्रभु के लोग शहरों में नीचे गए। जागो, जागो, दबोरा, जागो, जागो, गीत गाओ; उठो बाराक, और अपने बंदियों को बंदी बनाओ, हे अबीनोएम के पुत्र। तब अवशेष बलवानों के पास नीचे गया, प्रभु के लोग मेरे में से पराक्रमियों के साथ उसके पास नीचे गए।

एफ्राइम ने अमालेक में उनको उखाड़ दिया, तेरे पीछे बिन्यामीन तेरे लोगों में था, मुझ में से माखीर खोजते हुए नीचे आए, और जबूलून से लेखक की कथा की छड़ी लेकर खींचते हुए आए।

और इस्साकार के नेता दबोरा और बाराक के साथ थे, इस प्रकार बाराक ने घाटियों में अपने पैरों से भेजा, रूबेन के विभागों में, महान जो हृदय तक पहुँचते हैं। किस लिए वे दोहरे मोड़ के बीच में बैठे रहे, झुंडों की बांसुरी सुनने के लिए, रूबेन के विभाजनों में? हृदय की महान खोजें हुई। गिलाद यर्दन के पार बसा रहा, और दान क्यों जहाजों में रहता है? आशेर समुद्रों के तट पर बैठा रहा, और अपने बंदरगाहों पर वह बसेगा। जबूलून के लोगों ने अपनी आत्मा की निन्दा करके मृत्यु में डाल दिया, और नप्ताली ने मैदान की ऊँचाइयों पर।

वे उनके पास आए। राजाओं ने युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध हुए, तब कनान के राजाओं ने तानाक में मगिदो के जल पर युद्ध किया, चांदी का उपहार उन्होंने नहीं लिया। स्वर्ग से तारे युद्ध के लिए खड़े हुए, अपने पथों से वे सीसरा के साथ युद्ध के लिए खड़े हुए। किशोन की पहाड़ी नदी ने उन्हें बहा दिया, प्राचीनों की पहाड़ी नदी, किशोन की पहाड़ी नदी। मेरी सामर्थ्यवान आत्मा उसे रौंद देगी। जब घोड़े की एड़ियाँ उलझ गई, तो उसके शक्तिशाली योद्धा उत्साह से शीघ्रता से दौड़े। मेरोज़ को शाप दो, प्रभु के दूत ने कहा, शाप दो, शापित है हर वह जो उसमें निवास करता है, क्योंकि वे प्रभु की सहायता के लिए नहीं आए, शक्तिशाली पुरुषों के बीच सहायता के लिए नहीं आए।

स्त्रियों में धन्य हो याएल, हाबेर केनी की स्त्री; तम्बुओं में रहने वाली स्त्रियों में धन्य हो। उसने पानी माँगा, उसने कटोरे में दूध दिया, उत्कृष्ट लोगों के लिए मक्खन लाया। उसने अपना बायाँ हाथ खूँटी की ओर फैलाया, और अपना दाहिना हाथ मजदूरों के हथौड़े की ओर, और उसने सीसरा को हथौड़े से मारा, उसके सिर को छेदा और मारा, उसकी कनपटी को छेदा। उसके पैरों के बीच वह लुढ़क गया, गिर गया और सो गया। उसके पैरों के बीच लेटकर गिर गया, जैसे वह वहाँ लेटा गया था, वैसे ही नष्ट होकर गिर गया।

खिड़की से सिसरा की माता ने जाली के बाहर झाँककर देखा, क्योंकि उसका रथ लज्जित हुआ था; क्योंकि उसके रथों के पहिये विलम्ब से आए थे। उसकी बुद्धिमान शासक स्त्रियों ने उसे उत्तर दिया, और उसने अपने शब्द स्वयं से दोहराए। क्या वे उसे लूट बाँटते हुए नहीं पाएंगे? दयालु

पुरुष के सिर पर दया करेगा, सिसरा को रंगे कपड़ों की लूट, कढ़ाई किए रंगे कपड़ों की लूट, कढ़ाई किए रंगे कपड़े उसकी गर्दन के लिए लूट। इस प्रकार तेरे सब शत्रु नष्ट हों, हे प्रभु, और जो उससे प्रेम करते हैं, वे अपनी शक्ति में सूर्य के उदय के समान हों। और भूमि चालीस वर्ष तक शांत रही।

6

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने बुराई की, और प्रभु ने उन्हें सात वर्षों के लिए मिद्यान के हाथ में दे दिया। और मिद्यान का हाथ इस्राएल पर प्रबल हुआ, और इस्राएल के पुत्रों ने मिद्यान के सामने से अपने लिए पहाड़ों में छेद, और गुफाएँ, और गढ़ बनाए। और ऐसा होता था कि जब इस्राएल के पुत्रों ने बोया, तो मिद्यान और अमालेक, और पूर्व के पुत्र उनके विरुद्ध आते थे, और उन पर डेरा डालते थे। और वे उनके फलों को गाज़ा तक आने तक नष्ट करते थे, और इज़राइल की भूमि में जीवन का कोई आधार नहीं छोड़ते थे, न ही झुंडों में कोई बैल और गधा। क्योंकि वे और उनकी संपत्तियाँ ऊपर आ रही थीं, और उनके तंबू आ रहे थे, जैसे टिड्डियाँ बहुतायत में होती हैं, और उनकी और उनके ऊँटों की कोई गिनती नहीं थी, और वे इस्राएल की भूमि में आ रहे थे और उसे नष्ट कर रहे थे। और इस्राएल मिद्यान के कारण बहुत दरिद्र हो गया। और इस्राएल के पुत्रों ने मिद्यान के कारण प्रभु की ओर पुकारा।

और प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के पास एक भविष्यवक्ता पुरुष को भेजा, और उसने उनसे कहा, प्रभु इस्राएल का परमेश्वर ये बातें कहता है, मैं वह हूँ जो तुमको मिस्र की भूमि से ऊपर लाया, और तुमको तुम्हारी दासता के घर से निकाला, और मैंने तुमको मिस्र के हाथ से और तुम पर अत्याचार करने वाले सभी लोगों के हाथ से बचाया, और मैंने उनको तुम्हारे सामने से निकाल दिया, और मैंने तुमको उनकी भूमि दी। और मैंने तुमसे कहा, मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ, तुम अमोरियों के देवताओं से भय नहीं करोगे, जिनकी भूमि में तुम बैठते हो, और तुमने मेरी आवाज़

नहीं सुनी।

और प्रभु का दूत आया और एफ्राथा में स्थित उस बांज वृक्ष के नीचे बैठा, जो एस्त्री के पिता योआस की भूमि में था, और उसका पुत्र गिदोन मिद्यान के सामने से बचने के लिए दाखरस कुंड में अनाज कूट रहा था। और प्रभु का दूत उसे प्रकट हुआ और उससे बोला, प्रभु तेरे साथ है, हे शक्तिशाली योद्धा। और गिदोन ने उससे कहा, हे मेरे प्रभु, यदि प्रभु हमारे साथ है, तो ये सब बुराइयाँ हम पर क्यों आई? और उसके वे सब चमत्कार कहाँ हैं, जो हमारे पिताओं ने हमें सुनाए, यह कहते हुए, क्या प्रभु हमें मिस्र से बाहर नहीं लाया? और अब उसने हमें त्याग दिया है और हमें मिद्यान के हाथ में सौंप दिया है। और प्रभु का दूत उसकी ओर लौटा और बोला, इस अपनी शक्ति में जाओ, और तुम इस्राएल को मिद्यान के हाथ से बचाओगे; देखो, मैंने तुम्हें भेजा है। और गिदोन ने उससे कहा, हे मेरे प्रभु, मैं इस्राएल को किस प्रकार बचाऊँगा? देखो, मेरा कुल मनश्शे में सबसे कमजोर है, और मैं अपने पिता के घर में सबसे छोटा हूँ। और प्रभु के दूत ने उससे कहा, प्रभु तेरे साथ रहेगा, और तू मिद्यान को एक ही पुरुष के समान मार डालेगा। और गिदोन ने उससे कहा, यदि वास्तव में मैंने तेरी दृष्टि में कृपा पाई है, और तू आज मेरे लिए वह सब करेगा जो तूने मुझसे कहा है, यहाँ से मत जाओ जब तक मैं तुम्हारे पास न आ जाऊँ, और मैं बलिदान लाऊँगा और तुम्हारे सामने बलिदान चढ़ाऊँगा, और उसने कहा, मैं बैठूँगा जब तक तुम लौट न आओ।

और गिदोन अंदर गया और उसने बकरियों का एक बच्चा और एक एफा आटे की बिना खमीर की रोटी बनाई, और मांस को टोकरी में रखा, और शोरबे को बर्तन में डाला, और उन्हें बांज के पेड़ के पास उसके पास लाया और पेश किया। और परमेश्वर के दूत ने उससे कहा, मांस और बिना खमीर की रोटी लो, और उस चट्टान पर रखो, और शोरबा पास में डालो, और उसने ऐसा ही किया। और प्रभु के दूत ने अपने हाथ में छड़ी की नोक बढ़ाई और मांस और बिना खमीर की रोटी को छुआ, और चट्टान से आग निकली और मांस और बिना खमीर की रोटी को निगल गई, और प्रभु का दूत उसकी आँखों से ओझल हो गया।

और गिदोन ने देखा कि यह प्रभु का दूत है, और गिदोन ने कहा, हाय हाय, मेरे प्रभु, हे प्रभु, क्योंकि मैंने प्रभु के दूत को आमने-सामने देखा है। और प्रभु ने उससे कहा, तुझे शांति हो, मत डर, तू नहीं मरेगा।

और गिदोन ने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और उसे प्रभु की शांति कहा, आज के दिन तक, जब वह अभी भी एस्त्री के पिता के एप्राथा में था। और उस रात में ऐसा हुआ कि प्रभु ने उससे कहा, वह सांड का बछड़ा ले जो तेरे पिता का है, और दूसरा बछड़ा जो सात वर्ष का है, और तू बाल की वेदी को गिरा देगा जो तेरे पिता की है, और उस पर के झुरमुट को नष्ट कर देगा। और तू अपने प्रभु परमेश्वर के लिए इस माओज़ की चोटी पर युद्ध पंक्ति में एक वेदी बनाएगा, और तू दूसरे बछड़े को लेगा, और उस झुरमुट की लकड़ियों से होमबलि चढ़ाएगा जिसे तू नष्ट करेगा। और गिदोन ने अपने दासों में से दस पुरुषों को लिया, और जिस तरीके से प्रभु ने उससे बोला था वैसा किया, और ऐसा हुआ कि जब वह अपने पिता के घर से और नगर के पुरुषों से डरा कि दिन में करे, तो उसने रात में किया।

और सुबह शहर के लोग जल्दी उठे, और देखो, बाल की वेदी गिरा दी गई थी, और उस पर का झुरमुट नष्ट कर दिया गया था, और उन्होंने दूसरे बछड़े को देखा जिसे बनाई गई वेदी पर चढ़ाया गया था। और एक आदमी ने अपने पड़ोसी से कहा, किसने यह काम किया? और उन्होंने पूछताछ की और खोजबीन की, और जान गए कि योआश के पुत्र गिदोन ने यह काम किया। और शहर के पुरुषों ने योआश से कहा, अपने पुत्र को बाहर लाओ, और वह मरे, क्योंकि उसने बाल की वेदी को गिराया, और क्योंकि उसने उस पर के झुरमुट को नष्ट किया। और गिदोन, योआश के पुत्र ने उन सब पुरुषों से कहा जो उसके विरुद्ध उठे थे, क्या तुम अब बाल के लिए न्याय करोगे? या क्या तुम उसे बचाओगे? जो कोई उसके लिए न्याय करेगा, वह सुबह तक मार डाला जाए। यदि वह देवता है, तो वह स्वयं अपने लिए न्याय करे, क्योंकि उसने उसकी वेदी को गिरा दिया है। और उसने उस दिन उसे यरुब्बाल बुलाया, यह कहते हुए, बाल उससे मुकदमा करे, क्योंकि उसकी वेदी गिरा दी गई।

और सम्पूर्ण मिद्यान, और अमालेक, और पूर्व के लोग एक साथ एकत्रित हुए, और उन्होंने यिजेरल की घाटी में डेरा डाला। और प्रभु की आत्मा ने गिदोन को पहनाया, और उसने तुरही बजाई, और अबीएजेर उसके पीछे पुकारा गया। और उसने दूतों को सम्पूर्ण मनश्शे में, और आशेर में, और जबूलून में, और नप्ताली में भेजा, और वे उनसे मिलने के लिए गए।

और गिदोन ने परमेश्वर से कहा, यदि तू मेरे हाथ से इस्राएल को बचाता है, जैसा तूने कहा था, देखो, मैं ऊन की रोएँ को खलिहान में रख रहा हूँ। यदि केवल ऊन की रोएँ पर ही ओस पड़े और सारी भूमि सूखी रहे, तो मैं जान जाऊँगा कि तुम मेरे हाथ से इस्राएल को बचाओगे, जैसा तुमने कहा था। और ऐसा ही हुआ, और वह अगले दिन सवेरे उठा, और उसने ऊन को निचोड़ा, और ऊन से ओस टपकी और कटोरा पानी से भर गया। और गिदोन ने परमेश्वर से कहा, आपका क्रोध मुझ पर न भड़के, और मैं फिर एक बार बोलूँगा, मैं वास्तव में फिर एक बार ऊन से परखूँगा, और ऊन पर केवल सूखापन हो, और सारी भूमि पर ओस हो। और परमेश्वर ने उस रात में ऐसा ही किया, और ऊन पर केवल सूखापन रहा, और सारी भूमि पर ओस पड़ी।

7

और यिरुब्बाल, जो गिदोन है, सवेरे उठा, और उसके साथ सब लोग, और उन्होंने अराद के स्रोत पर डेरा डाला, और मिद्यान का शिविर उसके उत्तर में गबाअतमोरे से घाटी में था।

और प्रभु ने गिदोन से कहा, तुम्हारे साथ बहुत अधिक लोग हैं, इसलिए मैं मिद्यान को उनके हाथ में नहीं सौंपूँगा, कहीं ऐसा न हो कि इस्राएल मुझ पर घमंड करे और कहे, मेरे हाथ ने मुझे बचाया। और अब लोगों के कानों में वास्तव में बोलो, यह कहते हुए, कौन है वह जो डरता है और कायर है? वह गिलाद पहाड़ से लौट जाए और चला जाए, और लोगों में से बाईस हजार लौट गए, और दस हजार पीछे रह गए। और प्रभु ने गिदोन से कहा, अभी भी लोग बहुत अधिक हैं,

उनको पानी के पास ले आओ, और मैं तुम्हारे लिए उनको वहाँ शुद्ध करूँगा, और ऐसा होगा कि जिसके बारे में मैं तुमसे कहूँगा, यह तुम्हारे साथ जाएगा, वह तुम्हारे साथ जाएगा, और जिस किसी के बारे में मैं तुमसे कहूँगा, यह तुम्हारे साथ नहीं जाएगा, वह तुम्हारे साथ नहीं जाएगा। और उसने लोगों को पानी की ओर लाया, और प्रभु ने गिदोन से कहा, हर एक जो अपनी जीभ से पानी चाटेगा जैसे कुत्ता चाटता है, तू उसे अलग खड़ा करेगा, और हर एक जो पीने के लिए अपने घुटनों पर झुकेगा। और जो लोगों ने अपने हाथ से अपने मुँह की ओर पानी चाटा, उनकी संख्या तीन सौ पुरुष हुई, और शेष सब लोग पानी पीने के लिए अपने घुटनों के बल झुके। और प्रभु ने गिदोन से कहा, उन तीन सौ पुरुषों के द्वारा जिन्होंने चाटा, मैं तुम्हें बचाऊँगा और मिद्यान को तुम्हारे हाथ में दूँगा, और सब लोग अपने-अपने स्थान को चले जाएंगे। और उन्होंने लोगों के प्रावधान अपने हाथ में लिए, और अपने सींग, और इस्राएल के सब पुरुषों को उसने अपने-अपने तंबू में भेज दिया, और तीन सौ पुरुषों को रख लिया, और मिद्यान का शिविर उसके नीचे घाटी में था।

और उस रात में ऐसा हुआ कि प्रभु ने उससे कहा, उठ, शिविर में नीचे जा, क्योंकि मैंने उसे तेरे हाथ में सौंप दिया है। और यदि तू उतरने से डरता है, तो तू और तेरा सेवक फारा शिविर में उतर। और तू सुनेगा कि वे क्या बोलेंगे, और इसके बाद तेरे हाथ मजबूत होंगे और तू शिविर में नीचे जाएगा, और वह और उसका सेवक फारा उन पचास के आरंभ की ओर नीचे गए, जो शिविर में थे। और मिद्यान और अमालेक और पूर्व के सब पुत्र घाटी में डाले गए थे, जैसे टिट्टियाँ बहुतायत में, और उनके ऊंटों की कोई संख्या नहीं थी, बल्कि वे समुद्र के किनारे की रेत के समान बहुतायत में थे।

और गिदोन आया, और देखो, एक आदमी अपने पड़ोसी को एक स्वप्न की व्याख्या कर रहा था, और उसने कहा, देखो, मैंने एक स्वप्न देखा, और देखो, जौ की रोटी का एक टुकड़ा मिद्यान के शिविर में घूम रहा था, और वह तंबू तक आया, और उसने उसे मारा, और वह गिर गया, और उसने उसे उलट दिया ऊपर की ओर, और तंबू गिर गया। और उसके पड़ोसी ने उत्तर दिया और

कहा, यह गिदोन की तलवार के अलावा कुछ नहीं है, जो योआश का पुत्र और इस्राएल का पुरुष है। परमेश्वर ने उसके हाथ में मिद्यान और सारी छावनी को सौंप दिया है।

और ऐसा हुआ कि जब गिदोन ने स्वप्न की व्याख्या और उसका अर्थ सुना, तो वह प्रभु को झुका, और इस्राएल की छावनी में लौटा, और बोला, उठो, क्योंकि प्रभु ने मिद्यान की छावनी को हमारे हाथ में सौंप दिया है। और उसने उन तीन सौ पुरुषों को तीन दलों में विभाजित किया, और सबके हाथ में तुरहियाँ दीं, और खाली घड़े, और घड़ों में मशालें। और उसने उनसे कहा, मुझे देखोगे, और वैसे ही करोगे, और देखो मैं शिविर के आरंभ में प्रवेश कर रहा हूँ, और जैसे मैं करूँगा, वैसे ही तुम करोगे। और मैं नरसिंगा बजाऊँगा, और मेरे साथ सब लोग नरसिंगे बजाओगे पूरे शिविर के चारों ओर, और तुम कहोगे, प्रभु के लिए और गिदोन के लिए।

और गिदोन और वे सौ पुरुष जो उसके साथ थे, मध्य पहर के आरंभ में शिविर में प्रवेश किए, और पहरेदारों को जगाते हुए उन्होंने जगाया, और तुरहियाँ बजाई, और अपने हाथों में घड़ों को तोड़ डाला। और तीनों दलों ने तुरहियाँ बजाई, और घड़ों को तोड़ा, और अपने बाएं हाथों में मशालें पकड़ीं, और अपने दाएं हाथों में तुरहियाँ बजाने के लिए पकड़ीं, और चिल्लाए, तलवार प्रभु की और गिदोन की। और हर पुरुष ने अपने लिए शिविर के चारों ओर स्थापित किया, और सारा शिविर दौड़ा, और उन्होंने संकेत दिया, और वे भाग गए। और उन्होंने तीन सौ तुरहियाँ बजाई, और प्रभु ने पूरे शिविर में हर आदमी की तलवार उसके पड़ोसी के विरुद्ध कर दी। और शिविर बेथ शित्ताह, ज़ेरेराथ, आबेल महोलाह होते हुए तब्बाथ तक भाग गया, और इस्राएल के पुरुष नप्ताली से और आशेर से, और सारे मनश्शे से चिल्लाए, और उन्होंने मिद्यान का पीछा किया।

और गिदोन ने एप्रैम के समस्त पहाड़ी क्षेत्र में दूत भेजे, यह कहते हुए, मिद्यानियों का सामना करने के लिए नीचे आओ, और बेथेरा तक के जल स्रोतों और यर्दन नदी को अपने अधिकार में कर लो, और एप्रैम का हर पुरुष चिल्लाया, और उन्होंने बेथेरा तक के जल स्रोतों और यर्दन नदी

को पहले से ही अधिकार में कर लिया। और उन्होंने मिद्यान के शासकों ओरेब और जेब को पकड़ लिया, और उन्होंने ओरेब को शूर ओरेब में मार डाला, और जेब को उन्होंने याकेफजेफ में मार डाला, और उन्होंने मिद्यान का पीछा किया, और ओरेब और जेब के सिर उन्होंने यर्दन के पार से गिदोन के पास लाए।

8

और एप्रैम के लोगों ने गिदोन से कहा, यह क्या किया तुमने हमारे साथ, कि हमें नहीं बुलाया जब तुम मिद्यान से युद्ध करने गए? और उन्होंने उससे दृढ़ता से झगड़ा किया। और उसने उनसे कहा, मैंने अब वैसा क्या किया जैसा तुमने? क्या एफ्राइम का बीनना अबीएजेर की फसल से बेहतर नहीं है? प्रभु ने मिद्यान के शासकों ओरेब और जेब को तुम्हारे हाथ में सौंपा, और मैं तुम्हारे जैसा क्या कर सका? तब जब उसने यह वचन बोला तो उनकी आत्मा उसके प्रति शांत हुई।

और गिदोन यर्दन पर आया, और उसने और उसके साथ के तीन सौ भूखे पुरुषों ने नदी पार की और पीछा करते रहे। और उसने सुक्कोत के पुरुषों से कहा, मेरे साथ चल रहे इन लोगों को भोजन के लिए रोटियाँ दो, क्योंकि वे थके हुए हैं, और देखो मैं मिद्यान के राजाओं जेबह और सलमुन्ना का पीछा कर रहा हूँ। और सुक्कोत के शासकों ने कहा, क्या जेबह और सलमुन्ना का हाथ अब तुम्हारे हाथ में है, कि हम तुम्हारी सेना को रोटियाँ दें? और गिदोन ने कहा, इस कारण जब प्रभु जेबह और सलमुन्ना को मेरे हाथ में सौंप देंगे, तब मैं तुम्हारे मांस को जंगल के कांटों और बरकेनीम से कूटूंगा। और वह वहाँ से फनूएल गया, और उसने उनसे वैसे ही बात की, और फनूएल के पुरुषों ने उसे उसी तरह उत्तर दिया जिस तरह सुक्कोत के पुरुषों ने उत्तर दिया था। और गिदोन ने फनूएल के पुरुषों से कहा, जब मैं शांति से लौटूंगा, तो मैं इस मीनार को ध्वस्त कर दूंगा।

और ज़ेबह और सलमना करकर में थे, और उनका शिविर उनके साथ लगभग पंद्रह हज़ार था, वे सब जो विदेशियों के सम्पूर्ण शिविर से शेष बचे थे, और जो गिर चुके थे, वे एक सौ बीस हज़ार पुरुष थे जो तलवार खींचते थे। और गिदोन नोबह और योगबहा के पूर्व में तंबुओं में रहने वालों के रास्ते से ऊपर गया, और उसने शिविर पर हमला किया, और वह शिविर निश्चित था। और ज़ेबह और सलमुन्ना भाग गए, और उसने उनका पीछा किया, और उसने मिद्यान के दोनों राजाओं ज़ेबह और सलमुन्ना को पकड़ लिया, और पूरे शिविर को भ्रमित कर दिया।

और गिदोन, जो योआश का पुत्र था, युद्ध-पंक्ति से, आरेस की युद्ध-पंक्ति के ऊपर से लौटा। और उसने सुक्कोत के पुरुषों में से एक लड़के को पकड़ा, और उससे पूछा, और उसने उसके लिए सुक्कोत के शासकों और उनके बुजुर्गों के नाम लिखे, सत्तर और सात पुरुष। और गिदोन सुक्कोत के शासकों के पास आया और कहा, देखो, जेबह और सलमुन्ना, जिनके विषय में तुमने मुझे निंदा करते हुए कहा था, क्या जेबह और सलमुन्ना अब तुम्हारे हाथ में हैं, कि हम तुम्हारे थके हुए पुरुषों को रोटियाँ दें? और उसने शहर के बुजुर्गों को जंगल के कांटों और बरकेनिम से पकड़ा, और उनसे शहर के लोगों को कुचला। और उसने पनूएल के मीनार को ढा दिया और नगर के पुरुषों को मार डाला।

और उसने ज़ेबह और सलमुन्ना से कहा, वे पुरुष कहाँ हैं जिन्हें तुमने ताबोर में मारा था? और उन्होंने कहा, जैसे तुम हो, वैसे वे थे, राजा के पुत्र के समान। और गिदोन ने कहा, वे मेरे भाई और मेरी माता के पुत्र थे। प्रभु के जीवन की शपथ, यदि तुमने उन्हें जीवित रखा होता, तो मैं तुम्हें नहीं मारता। और येथेर ने अपने पहलौठे से कहा, उठकर उनको मार डालो, और उस लड़के ने अपनी तलवार नहीं खींची, क्योंकि वह डरा, क्योंकि वह अभी छोटा था। और ज़ेबह और सलमुन्ना ने कहा, तू उठ और हमसे मिल, क्योंकि जैसी पुरुष की शक्ति वैसी तेरी शक्ति है। और गिदोन उठा, और उसने ज़ेबह और सलमुन्ना को मार डाला, और उनके ऊँटों की गर्दनों में की चन्द्रमाएँ ले लीं।

और इस्राएल के पुरुषों ने गिदोन से कहा, हे स्वामी, हम पर शासन करो, तुम और तुम्हारा पुत्र और तुम्हारे पुत्र का पुत्र, क्योंकि तुमने हमें मिद्यान के हाथ से बचाया है। और गिदोन ने उनसे कहा, मैं शासन नहीं करूंगा, और मेरा पुत्र तुम पर शासन नहीं करेगा; प्रभु तुम पर शासन करेगा। और गिदोन ने उनसे कहा, मैं तुमसे एक निवेदन मांगूंगा, और हर पुरुष मुझे अपने लूट के माल में से कान की बाली दे, क्योंकि उनके पास सोने की कान की बालियां थीं, क्योंकि वे इश्माएली थे। और उन्होंने कहा, हम अवश्य देंगे, और उसने अपना वस्त्र फैलाया, और हर पुरुष ने वहाँ अपनी लूट का कुंडल फेंका। और जो सोने की बालियाँ उसने माँगी थीं, उनका वजन एक हजार सात सौ सोने के सिक्के हुआ, इसके अलावा चाँद के आभूषण और लटकन और कपड़े और बैंगनी वस्त्र जो मिद्यान के राजाओं पर थे, और उन आभूषणों के अलावा जो उनके ऊँटों की गर्दनो में थे। और गिदोन ने इसे एफोद में बनाया, और इसे अपने नगर एप्राता में स्थापित किया और सारा इस्राएल वहाँ उसके पीछे व्यभिचार में पड़ गया, और यह गिदोन और उसके घर के लिए ठोकर का पत्थर बन गया।

और मिद्यान इस्राएल के पुत्रों के सामने दबाया गया, और उन्होंने अपना सिर उठाने में फिर नहीं जोड़ा, और गिदोन के दिनों में भूमि चालीस वर्ष शांत रही। और यरुब्बाल, जो योआश का पुत्र था, गया और अपने घर में बैठ गया। और गिदोन के सत्तर पुत्र थे जो उसकी जांघों से निकले थे, क्योंकि उसकी बहुत स्त्रियाँ थीं। और उसकी रखैल शकेम में थी, और उसने भी उसके लिए एक पुत्र को जन्म दिया, और उसने नाम अबीमेलेक रखा। और गिदोन, जो योआश का पुत्र था, अपने नगर में मरा, और उसे उसके पिता योआश की कब्र में दफनाया गया, जो एफ्राथा अबी एस्ट्री में थी।

और ऐसा हुआ कि जब गिदोन मर गया, तो इस्राएल के पुत्र लौट गए और बाल देवताओं के पीछे व्यभिचार किया, और उन्होंने अपने लिए बाल के साथ वाचा बाँधी कि वह उनका देवता हो। और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु परमेश्वर को याद नहीं किया, जिसने उनको चारों ओर से सब सताने वालों के हाथ से छुड़ाया था। और उन्होंने यरुब्बाल के घर के साथ दया नहीं की, वह गिदोन है,

उन सब अच्छे कामों के अनुसार जो उसने इस्राएल के साथ किए थे।

9

और अबीमेलेक, यरुब्बाल का पुत्र, शकेम में अपनी माता के भाइयों के पास गया, और उनसे और अपनी माता के पिता के घर के सब कुटुम्ब से बोला, कहता हुआ, शकेम के सब पुरुषों के कानों में वास्तव में बोलो, तुम्हारे लिए क्या अच्छा है, यरुब्बाल के सत्तर पुत्रों का तुम पर शासन करना, या एक पुरुष का तुम पर शासन करना? और याद रखो कि मैं तुम्हारी हड्डी और तुम्हारा मांस हूँ। और उसकी माता के भाइयों ने शकेम के सब पुरुषों के कानों में उसके विषय में ये सब वचन बोले, और उनका हृदय अबीमेलेक की ओर झुक गया, क्योंकि उन्होंने कहा, वह हमारा भाई है। और उन्होंने उसको बाल बरीत के घर से सत्तर चांदी दी, और अबीमेलेक ने अपने लिए खाली और कायर पुरुषों को किराये पर लिया, और वे उसके पीछे गए। और वह अपने पिता के घर में एफ्राथा में गया, और उसने अपने भाइयों को, यरुब्बाल के पुत्रों को, सत्तर पुरुषों को एक पत्थर पर मार डाला, और यरुब्बाल का छोटा पुत्र योताम बच गया, क्योंकि वह छिपा हुआ था।

और शकेम के सब पुरुष और बेथ मिल्लो का सारा घराना एकत्रित हुए, और वे गए, और उन्होंने अबीमेलेक को उस बांज वृक्ष के पास राजा बनाया जो शकेम में स्तंभ के स्थान पर था।

और योताम को यह सूचना दी गई, और वह गया, और गरिज़िम पहाड़ की चोटी पर खड़ा हुआ, और उसने अपनी आवाज़ उठाई, और रोया, और उनसे कहा, हे शकेम के पुरुषों, मेरी सुनो, और परमेश्वर तुम्हारी सुनेगा।

लकड़ियाँ अपने ऊपर एक राजा का अभिषेक करने गई, और उन्होंने जैतून के पेड़ से कहा, हम पर राज्य करो। और जैतून के पेड़ ने उनसे कहा, क्या मैं अपनी समृद्धि को छोड़कर, जिसमें

मनुष्य परमेश्वर की महिमा करते हैं, पेड़ों पर हिलने के लिए जाऊँ? और लकड़ियों ने अंजीर के पेड़ से कहा, आओ, हम पर राज करो। और अंजीर के पेड़ ने उनसे कहा, क्या मैं अपनी मिठास और अपने अच्छे उत्पादन को छोड़कर लकड़ियों पर हिलने के लिए जाऊँ? और लकड़ियों ने बेल से कहा, आओ, हम पर राज करो। और अंगूर की बेल ने उनसे कहा, क्या मैं अपना दाखरस छोड़कर, जो परमेश्वर और मनुष्यों को प्रसन्न करता है, पेड़ों पर हिलने के लिए जाऊँ? और सभी पेड़ों ने कांटेदार झाड़ी से कहा, आओ तुम, हम पर राज करो। और काँटेदार झाड़ी ने लकड़ियों से कहा, यदि तुम सच्चाई में मुझे अपने ऊपर राज करने के लिए अभिषेक करते हो, तो आओ, मेरी छाया में शरण लो, और यदि नहीं, तो मुझसे आग निकले और लबानोन के देवदारों को भस्म कर दे।

और अब यदि तुमने सत्य और पूर्णता में यह किया, और तुमने अबीमेलक को राजा बनाया, और यदि तुमने यरुबाल के साथ और उसके घराने के साथ भलाई की, और यदि तुमने उसके हाथ के प्रतिफल के अनुसार उसके साथ किया, जैसे मेरे पिता ने तुम्हारे लिए युद्ध में खड़े होकर अपनी आत्मा को सामने फेंक दिया, और तुम्हें मिद्यान के हाथ से बचाया, और आप आज मेरे पिता के घर के विरुद्ध उठे, और उसके सत्तर पुत्रों को एक पत्थर पर मार डाला, और उसकी दासी के पुत्र अबीमेलक को शकेम के पुरुषों पर राजा बनाया, क्योंकि वह आपका भाई है, और यदि आपने सत्य और पूर्णता में यरुबाल के साथ और उसके घर के साथ इस दिन किया है, तो अबीमेलक में आनन्दित हों, और वास्तव में वह स्वयं भी आप पर आनन्दित हो, यदि नहीं, तो अबीमेलक से आग निकले और शकेम के पुरुषों और बेथमिल्लो के घर को खा जाए, और शकेम के पुरुषों से और बेथमिल्लो के घर से आग निकले और अबीमेलक को खा जाए।

और योताम भागा और भाग गया, और बेर तक गया, और वहाँ अपने भाई अबीमेलक से बचने के लिए बसा।

और अबीमेलक ने इस्राएल पर तीन वर्ष शासन किया। और परमेश्वर ने अबीमेलक और शकेम के

पुरुषों के बीच एक दुष्ट आत्मा भेजी, और शकेम के पुरुषों ने अबीमेलेक के घर में विश्वासघात किया, यिरुब्बाल के सत्तर पुत्रों के साथ हुए अन्याय को लाने के लिए, और उनके रक्त का दोष अबीमेलेक उनके भाई पर रखने के लिए, जिसने उन्हें मारा था, और शकेम के पुरुषों पर भी, क्योंकि उन्होंने उसके भाइयों को मारने के लिए उसके हाथों को मजबूत किया था। और शकेम के पुरुषों ने उसके लिए पहाड़ों की चोटियों पर घात लगाने वाले रखे, और वे उन सभी को लूटते थे जो उस मार्ग से उनके पास से गुजरते थे, और यह राजा अबीमेलेक को सूचित किया गया।

और गाअल, योबेल का पुत्र, और उसके भाई आए, और वे शकेम में गए, और शकेम के पुरुषों ने उस पर भरोसा किया। और वे खेत में गए, और उन्होंने अपने अंगूर के बागों को काटा, और उन्होंने रौंदा, और उन्होंने एल्लौलीम किया, और वे अपने देवता के घर में लाए, और उन्होंने खाया और पिया, और उन्होंने अबीमेलेक को शाप दिया। और गाअल, योबेल का पुत्र, ने कहा, अबीमेलेक कौन है, और शकेम का पुत्र कौन है, कि हम उसकी सेवा करें? क्या वह यरुब्बाल का पुत्र नहीं है, और जबूल उसका निरीक्षक, उसका दास, शकेम के पिता हम्मोर के पुरुषों के साथ? और क्या है कि हम उसकी सेवा करें? और कौन इन लोगों को मेरे हाथ में सौंपेगा! और मैं अबीमेलेक को हटा दूंगा, और मैं उससे कहूंगा, अपनी शक्ति बढ़ा और निकल आ।

और शहर के शासक ज़ेबुल ने योबेल के पुत्र गाअल के शब्द सुने, और वह बहुत क्रोधित हुआ। और उसने गुप्त रूप से अबीमेलेक के पास दूत भेजे, यह कहते हुए, देखो, योबेल का पुत्र गाल और उसके भाई शकेम में आ रहे हैं, और देखो, वे नगर को तुम्हारे विरुद्ध घेरे हुए हैं। और अब रात को उठो, और वे लोग जो तुम्हारे साथ हैं, और खेत में घात लगाओ। और सुबह सूरज उगने के साथ ही, तुम जल्दी उठकर शहर पर धावा बोल देना, और देखो वह और उसके साथ के लोग तुम्हारी ओर निकलेंगे, और तुम उसके साथ वह करना जो तुम्हारा हाथ कर सके।

और अबीमेलेक और उसके साथ के सब लोग रात को उठे, और शकेम पर चार दलों में घात लगाया। और गाल, योबेल का पुत्र, बाहर गया और नगर के फाटक के द्वार पर खड़ा हुआ, और

अबीमेलेक और उसके साथ के लोग घात से उठे। और गाअल, योबेल का पुत्र, ने लोगों को देखा, और जेबुल से कहा, देखो, लोग पहाड़ों की चोटियों से नीचे आ रहे हैं। और जेबुल ने उससे कहा, तू पहाड़ों की छाया को पुरुषों के समान देख रहा है। और गाअल ने फिर बोलना जारी रखा, और कहा, देखो, लोग समुद्र की ओर से पृथ्वी की नाभि के निकट से उतर रहे हैं, और दूसरा दल नेल्स माओनेनीम के मार्ग से आ रहा है। और जेबुल ने उससे कहा, और कहाँ है तुम्हारा वह मुँह जैसा तुमने बोला था, अबीमेलेक कौन है कि हम उसकी सेवा करें? क्या यह वही लोग नहीं हैं जिन्हें तुमने तुच्छ जाना था? अब वास्तव में निकल जाओ और उससे युद्ध करो। और गाअल शेकेम के पुरुषों के सामने बाहर गया, और अबीमेलेक की ओर युद्ध की पंक्ति में खड़ा हुआ। और अबीमेलेक ने उसका पीछा किया, और वह उसके चेहरे से भागा, और बहुत से घायल फाटक के दरवाजे तक गिरे।

और अबीमेलेक अरीमा में प्रवेश किया, और जेबुल ने गाल और उसके भाइयों को शेकेम में निवास न करने के लिए निकाल दिया।

और ऐसा हुआ कि अगले दिन लोग खेत में गए, और अबीमेलेक को इसकी सूचना दी गई। और उसने लोगों को लिया और उन्हें तीन टुकड़ियों में विभाजित किया और खेत में घात लगाई और देखा, और देखो, लोग शहर से निकले, और वह उन पर टूट पड़ा और उसने उन्हें मारा। और अबीमेलेक और उसके साथ के नेता आगे बढ़े, और शहर के फाटक के द्वार के पास खड़े हो गए, और दो दल खेत में सब लोगों पर टूट पड़े, और उन्हें मार डाला। और अबीमेलेक उस पूरे दिन नगर में तैनात रहा, और उसने नगर पर अधिकार कर लिया, और उसमें रहने वाले लोगों को मार डाला, और नगर को ध्वस्त कर दिया, और उस पर नमक बो दिया।

और शेकेम की मीनार के सभी पुरुषों ने सुना, और वे बेथेलबेरीथ की सभा में आए। और अबीमेलेक को सूचना दी गई कि शेकेम के मीनार के सब पुरुष एकत्र हुए थे। और अबीमेलेक अपने सब लोगों के साथ सेलमोन पहाड़ पर गया, और अबीमेलेक ने अपने हाथ में कुल्हाड़ियाँ लीं

और पेड़ की एक शाखा काटी, और उसे उठाया और अपने कंधों पर रखा, और अपने साथ के लोगों से कहा, जो तुमने मुझे करते हुए देखा है, वह जल्दी से करो जैसे मैं ने किया। और हर पुरुष ने एक शाखा काटी, और वे अबीमेलेक के पीछे गए, और उन्होंने सभा के ऊपर रखा, और उन्होंने उन पर सभा को आग में जलाया, और शकेम की मीनार के सब पुरुष भी मर गए, लगभग हजार पुरुष और स्त्रियाँ।

और अबीमेलेक बेथेल बेरीथ से गया, और थेबेज में डेरा डाला, और उसे ले लिया। और शहर के बीच में एक मजबूत मीनार था, और शहर के सब पुरुष और स्त्रियाँ वहाँ भाग गए, और उन्होंने बाहर से बंद कर लिया, और मीनार की छत पर चढ़ गए। और अबीमेलेक मीनार तक आया, और उन्होंने उसके विरुद्ध युद्ध की पंक्ति बनाई, और अबीमेलेक मीनार के दरवाजे तक पास आया ताकि उसे आग में जला दे। और एक स्त्री ने चक्की के ऊपरी पत्थर का एक टुकड़ा अबीमेलेक के सिर पर फेंका, और उसकी खोपड़ी तोड़ दी। और उसने जल्दी से उस लड़के को पुकारा जो उसके हथियार उठा रहा था, और उससे बोला, मेरी तलवार खींचो और मुझे मार डालो, कहीं ऐसा न कहें कि एक औरत ने उसे मार डाला, और उसके लड़के ने उसे भोंक दिया, और वह मर गया। और इस्राएल के लोगों ने देखा कि अबीमेलेक मर गया, और वे अपने-अपने स्थान को चले गए।

और परमेश्वर ने अबीमेलेक की दुष्टता को उस पर लौटाया, जो उसने अपने पिता के विरुद्ध की थी, अपने सत्तर भाइयों को मारकर। और परमेश्वर ने शकेम के पुरुषों की सब दुष्टता उनके सिर पर लौटाई, और यरुबाल के पुत्र योताम का शाप उन पर आया।

10

और अबीमेलेक के बाद इस्राएल को बचाने के लिए तोला उठा, जो फुआ का पुत्र था और उसके चचेरे भाई का पुत्र था, एक इस्राएल का पुरुष, और वह एप्रैम के पहाड़ में शामीर में रहता था।

और उसने इस्राएल का न्याय तेईस वर्ष तक किया, और वह मर गया, और शामीर में दफनाया गया।

और उसके बाद गिलाद का याईर उठा, और उसने बाईस वर्ष तक इस्राएल का न्याय किया। और उसके बत्तीस पुत्र थे जो बत्तीस गधे के बच्चों पर सवारी करते थे, और उनके बत्तीस नगर थे, और वे उनको याईर की बस्तियाँ बुलाते थे आज के दिन तक गिलाद की भूमि में। और याईर मर गया, और रामनोन में दफनाया गया।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु के सामने बुराई करना जारी रखा, और उन्होंने बाल की, और अशतारोत की, और अराम के देवताओं की, और सीदोन के देवताओं की, और मोआब के देवताओं की, और अम्मोन के पुत्रों के देवताओं की, और पलिशतियों के देवताओं की सेवा की, और उन्होंने प्रभु को त्याग दिया, और उसकी सेवा नहीं की। और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुआ, और उसने उनको पलिशतियों के हाथ में और अम्मोन के पुत्रों के हाथ में बेच दिया। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों को उस समय अठारह वर्षों तक उत्पीड़ित किया और कुचला, इस्राएल के सभी पुत्रों को जो यर्डन के पार अमोरी की भूमि में, गिलाद में थे। और अम्मोन के पुत्रों ने यर्डन को पार किया ताकि यहूदा, और बिन्यामीन, और एफ्रैम से युद्ध करें, और इस्राएल के पुत्र बहुत संकट में पड़ गए।

और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु की ओर चिल्लाकर कहा, हमने तुम्हारे विरुद्ध पाप किया है, क्योंकि हमने परमेश्वर को त्याग दिया है, और हमने बाल देवताओं की सेवा की है। और प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों से कहा, क्या मिस्र से नहीं, और अमोरियों से, और अम्मोन के पुत्रों से, और पलिशतियों से, और सीदोनियों, और अमालेक, और मिद्यान ने, जिन्होंने तुम्हें दबाया; और तुमने मेरी ओर पुकारा, और मैंने तुम्हें उनके हाथ से बचाया? और तुमने मुझे छोड़ दिया और अन्य देवताओं की सेवा की, इसलिए मैं अब तुम्हें नहीं बचाऊंगा। जाओ और उन देवताओं की ओर पुकारो जिन्हें तुमने अपने लिए चुना है, और वे ही तुम्हें तुम्हारे कष्ट के समय में बचाएं। और इस्राएल के पुत्रों ने

प्रभु से कहा, हम ने पाप किया है, तुम हमारे साथ वह सब करो जो तुम्हारी दृष्टि में अच्छा है, परन्तु आज के दिन हमें छुड़ा लो। और उन्होंने विदेशी देवताओं को अपने बीच से हटा दिया, और केवल प्रभु की सेवा की, और इस्राएल के कष्ट से उसकी आत्मा व्याकुल हो गई।

और अम्मोन के पुत्र ऊपर गए और उन्होंने गिलाद में डेरा डाला, और इस्राएल के पुत्र एकत्र किए गए और उन्होंने प्रहरी मीनार में डेरा डाला। और गिलाद के लोगों और शासकों ने एक दूसरे से कहा, कौन सा पुरुष है जो अम्मोन के पुत्रों के विरुद्ध युद्ध करना आरंभ करेगा, और वह गिलाद में निवास करने वाले सभी लोगों का शासक होगा?

11

और यिप्तह गिलादी शक्ति में उन्नत था, और वह स्वयं एक वेश्या की संतान था, जिसने गिलाद के लिए यिप्तह को जन्म दिया था। और गिलाद की स्त्री ने उसके लिए पुत्रों को जन्म दिया, और उस स्त्री के पुत्र बड़े हुए, और उन्होंने येप्थाह को निकाल दिया, और उससे कहा, तुम हमारे पिता के घर में विरासत नहीं पाओगे, क्योंकि तुम एक वेश्या स्त्री के पुत्र हो।

और यिप्तह अपने भाइयों के सामने से भागा, और तोब देश में रहा, और निकम्मे लोग यिप्तह के पास इकट्ठे हुए, और वे उसके साथ निकले।

और ऐसा हुआ कि जब अम्मोन के पुत्रों ने इस्राएल के साथ युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध हुए, और गिलाद के बुजुर्ग यिप्तह को तोब की भूमि से लेने गए, और उन्होंने यिप्तह से कहा, यहाँ आओ और तुम हमारे नेता बनोगे, और हम अम्मोन के पुत्रों से लड़ेंगे। और यिप्तह ने गिलाद के बुजुर्गों से कहा, क्या तुमने मुझसे घृणा नहीं की, और मुझे मेरे पिता के घर से निकाल नहीं दिया, और मुझे अपने पास से भेज नहीं दिया? और अब जब तुम्हें जरूरत है तो तुम मेरे पास क्यों आए हो?

और गिलाद के बुजुर्गों ने यिप्तह से कहा, इसी कारण अब हम तुम्हारे पास लौटे हैं, और तुम हमारे साथ जाओगे, और तुम अम्मोन के पुत्रों से लड़ोगे, और तुम हमारे लिए गिलाद में रहने वाले सभी लोगों के शासक होगे। और यिप्तह ने गिलाद के बुजुर्गों से कहा, यदि तुम मुझे अम्मोन के पुत्रों से लड़ने के लिए लौटाते हो, और प्रभु उनको मेरे सामने सौंप दे, तो मैं तुम्हारा शासक बनूंगा। और गिलाद के बुजुर्गों ने यिप्तह से कहा, प्रभु हमारे बीच सुनने वाला हो, यदि हम तुम्हारे वचन के अनुसार ऐसा नहीं करेंगे।

और यिप्तह गिलाद के बुजुर्गों के साथ गया, और लोगों ने उसे अपने ऊपर मुखिया और अगुवा बनाया, और यिप्तह ने अपने सब वचन मिस्या में प्रभु के सामने कहे।

और यिप्तह ने अम्मोन के पुत्रों के राजा के पास दूत भेजे, यह कहते हुए, मुझे और तुझे क्या, कि तू मेरी भूमि में युद्ध करने के लिए मेरे पास आया है? और अम्मोन के पुत्रों के राजा ने यिप्तह के दूतों से कहा कि इस्राएल ने मेरी भूमि ले ली जब वह मिस्र से ऊपर आया, अनोन से याब्बोक तक और यर्दन तक, और अब उन्हें शांति से लौटा दो, और मैं चला जाऊंगा।

और यिप्तह ने फिर जोड़ा, और अम्मोन के पुत्रों के राजा की ओर दूतों को भेजा। और उसने उससे कहा, यिप्तह इस प्रकार कहता है, इस्राएल ने मोआब की भूमि नहीं ली, और न ही अम्मोन के पुत्रों की भूमि, क्योंकि जब वे मिस्र से ऊपर जा रहे थे, इस्राएल जंगल में सीफ समुद्र तक गया, और कादेश में आया। और इस्राएल ने एदोम के राजा के पास दूत भेजे और कहा, मैं आपकी भूमि से होकर निकल जाऊंगा। परन्तु एदोम के राजा ने नहीं सुना। इस्राएल ने मोआब के राजा के पास भी दूत भेजे, परन्तु वह भी राज़ी नहीं हुआ। इसलिए इस्राएल कादेश में ठहरा रहा। और वह जंगल में गया, और उसने एदोम की भूमि और मोआब की भूमि को घेरा, और सूरज की पूर्व दिशा से मोआब की भूमि में आया, और अनोन के पार डेरा डाला, और मोआब की सीमाओं में प्रवेश नहीं किया, क्योंकि अनोन मोआब की सीमा है। और इस्राएल ने अमोरियों के राजा सीहोन के पास, जो हेशबोन का राजा था, दूत भेजे, और इस्राएल ने उससे कहा, हमें अपनी

भूमि से होकर हमारे स्थान तक जाने दो। और सीहोन ने इस्राएल को अपनी सीमा से गुजरने पर विश्वास नहीं किया, और सीहोन ने अपने सब लोगों को इकट्ठा किया, और उन्होंने याहस में डेरा डाला, और वह इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए तैयार हुआ। और प्रभु, इस्राएल के ईश्वर ने सीहोन और उसके सब लोगों को इस्राएल के हाथ में सौंप दिया, और उसे मारा, और इस्राएल ने उस भूमि में निवास करनेवाले एमोरी की सारी भूमि विरासत में पाई। अनोन से याबोक तक, और मरुभूमि से यर्दन तक। और अब प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर ने अमोरी को अपने लोग इस्राएल के सामने से निकाला, और तू उसे विरासत में लेगा? क्या जो कुछ तेरा देवता कमोश तुझे विरासत में देगा, उसे तू विरासत में नहीं पाएगा, और जिन सबको हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे सामने से निकाला है, उन्हें हम विरासत में नहीं पाएंगे? और अब क्या तू बालाक से, जो सिप्पोर का पुत्र और मोआब का राजा था, अच्छाई में अच्छा है? क्या उसने इस्राएल से लड़ते हुए लड़ाई की, या क्या उसने उनसे युद्ध किया? जब हेशबोन में और उसकी सीमाओं में, और अरोएर की भूमि में और उसकी सीमाओं में, और यर्दन के पास के सब नगरों में निवास करते हुए तीन सौ वर्ष हो गए, तो क्यों तुमने उस समय में उनको नहीं बचाया? और अब मैंने तुम्हारे विरुद्ध कोई पाप नहीं किया है, फिर भी तुम मेरे साथ दुष्टता करते हो और मुझसे युद्ध करने आते हो। प्रभु जो न्यायकर्ता है, वह आज इस्राएल के पुत्रों और अम्मोन के पुत्रों के बीच न्याय करे।

और अम्मोन के पुत्रों के राजा ने यिप्तह के उन शब्दों को नहीं सुना, जो उसने उसके पास भेजे थे। और यिप्तह पर प्रभु का आत्मा उतरा, और वह गिलाद और मनश्शे से होकर गया, और गिलाद की पहरे की मीनार से होकर अम्मोन के पुत्रों की ओर पार गया।

और यिप्तह ने प्रभु से प्रतिज्ञा की और कहा, यदि आप अम्मोन के पुत्रों को मेरे हाथ में दे देंगे, और जो कोई मेरे घर के दरवाजे से बाहर निकलकर मुझसे मिलने आएगा, जब मैं अम्मोन के पुत्रों से शांति में लौटूंगा, वह प्रभु का होगा, और मैं उसे होमबलि के रूप में चढ़ाऊंगा।

और यिप्तह अम्मोन के पुत्रों की ओर युद्ध करने के लिए आगे बढ़ा, और प्रभु ने उन्हें उसके हाथ में

सौंप दिया। और उसने उनको अरोएर से लेकर अनौन तक, संख्या में बीस नगर, और एबेलखरमीम तक अत्यधिक महान प्रहार से मारा, और अम्मोन के पुत्र इस्राएल के पुत्रों के सामने दबा दिए गए।

और यिप्तह अपने घर मिस्या आया, और देखो, उसकी पुत्री खंजरियों और नृत्यों के साथ उससे मिलने निकल रही थी, और वह उसकी एकलौती संतान थी, उसके कोई दूसरा पुत्र या पुत्री नहीं था। और ऐसा हुआ कि जब उसने उसे देखा, तो उसने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और कहा, हाय हाय, मेरी पुत्री, तूने मुझे बड़ी उथल-पुथल में डाल दिया है, और तू मेरी उथल-पुथल में है, और मैंने प्रभु की ओर अपना मुख तेरे विषय में खोल दिया है, और मैं पीछे नहीं हट सकूँगा। परन्तु उसने उससे कहा, पिता, क्या आपने प्रभु के सामने अपना मुँह खोला है? जो वचन आपके मुँह से निकला है, वैसा ही मुझसे करें, क्योंकि प्रभु ने आपके शत्रुओं से, अम्मोन के पुत्रों से, आपका बदला लिया है। और उसने अपने पिता से कहा, मेरे पिता इस बात को वास्तव में करने दें, मुझे दो महीने की अनुमति दें, और मैं जाऊँगी और पहाड़ों पर उतरूँगी, और मैं अपने कुंवारीपन पर रोऊँगी, मैं और मेरी सहेलियाँ। और उसने कहा, जाओ, और उसने उसे दो महीने के लिए भेजा, और वह और उसकी सहेलियाँ गईं, और वह पहाड़ों पर अपने कुंवारीपन पर रोईं।

और दो महीनों के अंत में ऐसा हुआ कि वह अपने पिता के पास लौटी, और उसने उसके साथ अपनी प्रतिज्ञा पूरी की जो उसने की थी, और उसने किसी पुरुष को नहीं जाना, और यह इस्राएल में एक आज्ञा बन गई। समय-समय पर इस्राएल की बेटियाँ गिलादी यिप्तह की बेटि का विलाप करने जाती थीं, वर्ष में चार दिनों के लिए।

12

और एफ्राइम के पुरुष चिल्लाए, और वे उत्तर की ओर गए, और उन्होंने यिप्तह से कहा, तू

अम्मोन के पुत्रों से युद्ध करने क्यों गया, और तूने हमें अपने साथ जाने के लिए नहीं बुलाया? हम तेरे घर को तुझ पर आग में जला देंगे। और यिप्तह ने उनसे कहा, मैं और मेरे लोग योद्धा पुरुष थे, और अम्मोन के पुत्र अत्यधिक थे, और मैंने तुम्हें पुकारा, और तुमने मुझे उनके हाथ से नहीं बचाया। और मैंने देखा कि तुम उद्धारकर्ता नहीं हो, और मैंने अपनी आत्मा को अपने हाथ में रखा, और मैं अम्मोन के पुत्रों की ओर गया, और प्रभु ने उन्हें मेरे हाथ में दे दिया, और आज के दिन तुम मुझसे युद्ध करने के लिए मेरे विरुद्ध क्यों चढ़ आए?

और यिप्तह ने गिलाद के सब पुरुषों को इकट्ठा किया, और एप्रैम के विरुद्ध युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध हुआ, और गिलाद के पुरुषों ने एप्रैम को मारा, क्योंकि एप्रैम के बचे हुए लोगों ने कहा था, तुम गिलाद एप्रैम के बीच में और मनश्शे के बीच में हो। और गिलाद ने एप्रैम के यरदन के घाटों को पहले से पकड़ लिया, और एप्रैम के बचे हुए लोगों ने उनसे कहा, हमें पार जाने दो, और गिलाद के पुरुषों ने उनसे कहा, क्या तुम एप्रैमी हो? और उसने कहा, नहीं। और उन्होंने उससे कहा, कहो अनाज की बाली, और वह इस प्रकार बोलने में सफल नहीं हुआ, और उन्होंने उसे पकड़ लिया, और उन्होंने उसे यरदन के घाटों पर बलिदान कर दिया, और उस समय एफ्राइम से बयालीस हजार गिरे।

और यिप्तह ने छह वर्ष तक इस्राएल का न्याय किया, और यिप्तह गिलादी मर गया, और वह अपने नगर गिलाद में दफनाया गया।

और अबैस्सान ने, जो बेथलेहेम से था, उसके बाद इस्राएल का न्याय किया। और उसके तीस पुत्र थे, और तीस पुत्रियाँ थीं जिनको उसने बाहर भेजा, और तीस पुत्रियाँ अपने पुत्रों के लिए बाहर से लाया, और उसने इस्राएल का न्याय सात वर्ष तक किया। और अबैस्सान मर गया, और बेथलेहेम में दफनाया गया।

और ऐलोम जबूलोनी ने उसके बाद इस्राएल का न्याय दस वर्ष तक किया। और ऐलोम जबूलोनी

मरा, और वह ऐलोम में ज़बूलून की भूमि में दफनाया गया।

और उसके बाद इस्राएल का न्याय अब्दोन ने किया, जो हिल्लेल पिरातोनी का पुत्र था। और उसके चालीस पुत्र थे, और तीस पुत्रों के पुत्र जो सत्तर बछड़ों पर सवारी करते थे, और उसने इस्राएल का न्याय आठ वर्ष तक किया। और अब्दोन, जो हिल्लेल पिराथोनी का पुत्र था, मर गया, और वह पिराथोन में दफनाया गया, जो एप्रेम की भूमि में अमालेक के पहाड़ पर है।

13

और इस्राएल के पुत्रों ने फिर भी प्रभु के सामने बुराई करना जारी रखा, और प्रभु ने उनको पलिश्तियों के हाथ में चालीस वर्ष के लिए सौंप दिया।

और सारा से दान के कुटुम्ब के लोगों में से एक पुरुष था, और उसका नाम मानोह था, और उसकी स्त्री बाँझ थी और उसने जन्म नहीं दिया था। और प्रभु का दूत उस स्त्री को प्रकट हुआ, और उससे बोला, देखो, तुम बाँझ हो और तुमने संतान नहीं जन्मी है, और तुम एक पुत्र को गर्भ में धारण करोगी। और अब वास्तव में सावधान रहना, और दाखरस तथा नशीला पेय मत पीना, और कोई भी अशुद्ध वस्तु मत खाना। क्योंकि देखो, तुम गर्भवती हो और एक पुत्र को जन्म दोगी, और उसके सिर पर लोहा नहीं चढ़ेगा, क्योंकि वह बालक गर्भ से परमेश्वर का नाज़ीर होगा, और वह इस्राएल को फ़िलिस्तीयों के हाथ से बचाना आरंभ करेगा।

और वह स्त्री अंदर आई, और अपने पति से कहा, परमेश्वर का एक जन मेरे पास आया, और उसका रूप परमेश्वर के दूत के रूप के समान था, अत्यंत भयानक, और मैंने उससे नहीं पूछा कि वह कहाँ से है, और उसने मुझे अपना नाम नहीं बताया। और उसने मुझसे कहा, देखो तुम गर्भवती हो और एक पुत्र को जन्म दोगी, और अब शराब और नशीला पेय मत पीना, और कोई

भी अशुद्ध वस्तु मत खाना, क्योंकि वह बालक गर्भ से लेकर उसकी मृत्यु के दिन तक परमेश्वर के लिए पवित्र होगा।

और मनोह ने प्रभु से प्रार्थना की, और कहा, हे प्रभु, हे स्वामी, परमेश्वर का वह मनुष्य जिसे तूने भेजा था, वास्तव में फिर हमारे पास आए, और हमें सिखाए कि हम उस बच्चे के लिए क्या करें जो जन्म लेने वाला है।

और परमेश्वर ने मानोह की आवाज़ सुनी, और परमेश्वर का दूत फिर उस स्त्री के पास आया, और वह खेत में बैठी थी, और मानोह उसका पति उसके साथ नहीं था। और स्त्री ने जल्दी की और दौड़ी और अपने पति को बताया, और उससे कहा, देखो, वह पुरुष मेरे पास प्रकट हुआ है जो उस दिन मेरे पास आया था।

और मनोह उठा और अपनी पत्नी के पीछे गया, और उस पुरुष के पास आया, और उससे बोला, क्या तू वह पुरुष है जो इस स्त्री से बोला था? और दूत ने कहा, मैं हूँ। और मनोआ ने कहा, अब तेरा वचन पूरा होगा, बच्चे का नियम क्या होगा और उसके कार्य क्या होंगे? और प्रभु के दूत ने मनोह से कहा, जो कुछ मैंने उसकी पत्नी से कहा है, उस सब का वह पालन करे। अंगूर की बेल से निकलने वाली शराब से संबंधित किसी भी चीज़ को वह न खाए, और शराब और नशीला पेय न पीए, और कोई भी अशुद्ध वस्तु न खाए, जो कुछ मैंने उसे आज्ञा दी है, उसका पालन करेगी।

और मनोआ ने प्रभु के दूत से कहा, हम तुम्हें यहाँ रोकें, और हम तुम्हारे सामने बकरियों का एक मेमना तैयार करें। और प्रभु के दूत ने मानोह से कहा, यदि तू मुझे रोकेगा, तो मैं तेरी रोटियाँ नहीं खाऊंगा, और यदि तू होमबलि करेगा, तो उसे प्रभु को चढ़ाना, क्योंकि मानोह नहीं जानता था कि वह प्रभु का दूत था। और मनोह ने प्रभु के दूत से कहा, तुम्हारा नाम क्या है, ताकि जब तुम्हारा वचन पूरा हो, तो हम तुम्हारा सम्मान करें? और प्रभु के दूत ने उससे कहा, तू मेरा नाम क्यों पूछता है? वह तो अद्भुत है। और मनोह ने बकरी का बच्चा और बलिदान लिया, और चट्टान पर

प्रभु को चढ़ाया, और अलग किया, और मनोह और उसकी स्त्री देख रहे थे। और ऐसा हुआ कि जब लौ वेदी के ऊपर से स्वर्ग तक ऊपर उठी, तो प्रभु का दूत उस लौ में ऊपर चढ़ गया। और मनोह और उसकी पत्नी यह देख रहे थे, और वे अपने मुँह के बल भूमि पर गिर पड़े। और प्रभु के दूत ने मानोह और उसकी पत्नी को फिर दर्शन नहीं दिया, तब मानोह ने जाना कि यह प्रभु का दूत था। और मनोह ने अपनी पत्नी से कहा, हम मृत्यु से मरेंगे क्योंकि हमने परमेश्वर को देखा है। और उसकी पत्नी ने उससे कहा, यदि प्रभु हमें मार डालना चाहते, तो वे हमारे हाथ से होमबलि और बलिदान स्वीकार नहीं करते, और न ही हमें ये सब बातें दिखाते, और न ही इस समय हमें ये बातें सुनाते।

और उस स्त्री ने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसने उसका नाम सैमसन रखा, और वह बालक बड़ा हुआ, और प्रभु ने उसे आशीर्वाद दिया। और प्रभु का आत्मा उसके साथ जाना शुरू हुआ दान के शिविर में, और सारा और एश्ताओल के बीच में।

14

और शिमशोन तिम्ना गया, और तिम्ना में विदेशियों की पुत्रियों में से एक स्त्री को देखा। और वह ऊपर गया और अपने पिता और अपनी माता को सूचना दी, और कहा, मैंने तिम्ना में फिलिस्तीनियों की पुत्रियों में से एक स्त्री देखी है, और अब उसे मेरे लिए पत्नी बना लो। और उसके पिता और उसकी माता ने उससे कहा, क्या तेरे भाइयों की बेटियाँ नहीं हैं, और मेरे सब लोगों में से कोई स्त्री नहीं है, कि तू खतनारहित विदेशियों में से पत्नी लेने जा रहा है? और शिमशोन ने अपने पिता से कहा, इसको मेरे लिए ले, क्योंकि यह मेरी आँखों में सीधी है।

और उसके पिता और उसकी माता नहीं जानते थे कि यह प्रभु की ओर से है, क्योंकि वह विदेशियों से बदला लेना चाहता है, और उस समय विदेशी इस्राएल पर शासन कर रहे थे। और

शिमशोन और उसका पिता और उसकी माता तिम्ना गए, और वे तिम्ना के अंगूर के बाग तक आए, और देखो, एक शेर का शावक गरजता हुआ उससे मिलने आया। और प्रभु का आत्मा उस पर कूदा, और उसने उसे ऐसे कुचला जैसे बकरियों के बच्चे को कुचलेगा, और उसके हाथों में कुछ नहीं था, और उसने अपने पिता और अपनी माता को नहीं बताया जो उसने किया। और वे नीचे गए और उन्होंने उस स्त्री से बात की, और वह शिमशोन की दृष्टि में भली लगी।

और कुछ दिनों बाद वह उसे लेने लौटा, और शेर की लाश देखने के लिए मुड़ा, और देखो, शेर के मुँह में मधुमक्खियों का समूह और शहद था। और उसने इसे अपने हाथों में निकाला, और वह चलता हुआ और खाता हुआ जा रहा था, और वह अपने पिता के पास और अपनी माता के पास गया, और उसने उन्हें दिया और उन्होंने खाया, और उसने उन्हें नहीं बताया कि उसने शेर के मुँह से शहद निकाला था।

और उसका पिता उस स्त्री के पास गया, और शिमशोन ने वहाँ सात दिनों तक भोज किया, क्योंकि युवा पुरुष इस प्रकार करते हैं। और ऐसा हुआ कि जब उन्होंने उसे देखा, तो वे तीस साथी ले आए, और वे उसके साथ थे।

और सैमसन ने उनसे कहा, मैं तुम्हें एक पहेली प्रस्तावित करता हूँ, यदि तुम इसे उन सात दिनों की दावत में बताते हुए बता दोगे और पा लोगे, तो मैं तुम्हें तीस सनी के वस्त्र और तीस वस्त्र दूँगा। और यदि तुम मुझे बताने में सक्षम नहीं हो, तो तुम मुझे तीस लिनन के कपड़े और तीस बदलने वाले वस्त्र दोगे, और उन्होंने उससे कहा, अपनी पहेली प्रस्तुत करो, और हम इसे सुनेंगे। और उसने उनसे कहा, खाने वाले से क्या खाने योग्य निकला, और मजबूत से मीठा, और वे तीन दिन तक पहेली बताने में सक्षम नहीं थे।

और चौथे दिन ऐसा हुआ कि उन्होंने शिमशोन की स्त्री से कहा, अपने पति को धोखा देकर उससे पहेली बताने को कहो, नहीं तो हम तुम्हें और तुम्हारे पिता के घर को आग में जला देंगे, या क्या

तुमने हमें लूटने के लिए बुलाया है? और सैमसन की स्त्री उसके सामने रोई और बोली, तुमने तो मुझसे केवल घृणा की है और मुझसे प्रेम नहीं किया, क्योंकि जो पहेली तुमने मेरे लोगों के पुत्रों को सुनाई, वह तुमने मुझे नहीं बताई। और सैमसन ने उससे कहा, यदि मैंने अपने पिता और अपनी माता को नहीं बताया, तो क्या मैं तुझे बताऊं? और वह सात दिनों तक उसके सामने रोती रही, जब तक उनका भोज चला, और सातवें दिन ऐसा हुआ कि उसने उसे बता दिया, क्योंकि उसने उसे परेशान किया था, और उसने अपने लोगों के पुत्रों को बता दिया। और शहर के पुरुषों ने उससे सातवें दिन सूरज उगने से पहले कहा, शहद से मीठा क्या है, और शेर से मजबूत क्या है? और सैमसन ने उनसे कहा, अगर तुमने मेरी बछिया में हल नहीं जोता होता, तो तुम मेरी पहेली नहीं जान पाते। और प्रभु की आत्मा उस पर कूद पड़ी, और वह अशकलोन गया, और उसने उनमें से तीस पुरुषों को मारा, और उनके वस्त्र लिए, और पहेली बताने वालों को वस्त्र दिए। और शिमशोन क्रोध से भड़क उठा, और वह अपने पिता के घर चला गया। और सैमसन की स्त्री उसके एक मित्र को दे दी गई, जिसे उसने मित्र बनाया था।

15

और ऐसा हुआ कि कुछ दिनों बाद गेहूं की कटाई के दिनों में, शिमशोन अपनी पत्नी से मिलने एक बकरी लेकर गया, और बोला, मैं अपनी पत्नी के पास कक्ष में प्रवेश करूंगा, और उसके पिता ने उसे प्रवेश करने नहीं दिया। और उसके पिता ने कहा, मैंने सोचा कि तुम उससे घृणा करते हो, इसलिए मैंने उसे तुम्हारे एक मित्र को दे दिया। क्या उसकी छोटी बहन उससे बेहतर नहीं है? वह वास्तव में उसके बदले तुम्हारी हो।

और सैमसन ने उनसे कहा, मैं निर्दोष हूँ, और यह एक बार विदेशियों से, क्योंकि मैं उनके साथ दुष्टता करता हूँ। और शिमशोन गया, और उसने तीन सौ लोमड़ियाँ पकड़ीं, और मशालें लीं, और पूँछ से पूँछ जोड़ी, और दो पूँछों के बीच एक मशाल रखी और बाँधा। और उसने मशालों में आग

जलाई, और विदेशियों की अनाज की बालों में भेजा, और खलिहान से लेकर खड़ी अनाज की बालों तक, और अंगूर के बाग और जैतून तक जलाए गए। और विदेशियों ने कहा, किसने ये काम किया? और उन्होंने कहा, थम्नी के दूल्हे शिमशोन ने, क्योंकि उसने अपनी पत्नी को लिया और उसे अपने मित्रों में से एक को दे दिया। और विदेशी चढ़ आए, और उन्होंने उसे और उसके पिता के घर को आग में जला दिया।

और सैमसन ने उनसे कहा, यदि तुम ऐसा करोगे, तो निश्चय ही मैं तुमसे बदला लूंगा, और अंत में रुकूंगा। और उसने उन्हें पिंडली से जांघ तक महान प्रहार से मारा, और नीचे गया और एताम की चट्टान के छेद में बैठ गया।

और विदेशी ऊपर गए और यहूदा में डेरा डाला और लेही में फैल गए। और यहूदा के पुरुषों ने कहा, तुम हम पर क्यों चढ़ आए? और विदेशियों ने कहा, हम सैमसन को बांधने चढ़ आए हैं, और उसके साथ वैसा ही करने के लिए जैसा उसने हमारे साथ किया। और यहूदा से तीन हजार पुरुष एताम की चट्टान की दरार में नीचे गए, और शिमशोन से बोले, क्या तू नहीं जानता कि विदेशी हम पर शासन करते हैं? और तूने हमारे साथ यह क्या किया? और शिमशोन ने उनसे कहा, जिस तरीके से उन्होंने मेरे साथ किया, उसी प्रकार मैंने उनके साथ किया। और उन्होंने उससे कहा, हम तुम्हें बांधने और विदेशियों के हाथ में सौंपने के लिए नीचे आए हैं, और शिमशोन ने उनसे कहा, मुझसे शपथ लो कि तुम कभी मुझ पर हमला नहीं करोगे। और उन्होंने उससे कहा, नहीं, हम केवल तुम्हें बंधन से बांधेंगे और तुम्हें उनके हाथ में सौंप देंगे, लेकिन हम तुम्हें मृत्यु से नहीं मारेंगे। और उन्होंने उसे दो नई रस्सियों से बांधा और उसे उस चट्टान से ले गए।

और वे जबड़े तक आए, और विदेशी चिल्लाए, और वे उससे मिलने के लिए दौड़े, और प्रभु की आत्मा उस पर कूदी, और उसकी बांहों पर की रस्सियाँ उस सन की तरह हो गईं जो आग में जलाया गया था, और उसके बंधन उसके हाथों से पिघल गए। और उसने गधे का एक फेंका हुआ जबड़ा पाया, और अपना हाथ बढ़ाया और उसे उठा लिया, और उससे हजार पुरुषों को मारा।

और सैमसन ने कहा, गधे के जबड़े से मिटाते हुए मैंने उनको मिटाया, क्योंकि गधे के जबड़े से मैंने हजार आदमियों को मारा। और ऐसा हुआ कि जब वह बोलना बंद हुआ, तो उसने अपने हाथ से जबड़े को फेंक दिया और उस स्थान को जबड़े का विनाश पुकारा।

और वह बहुत प्यासा हुआ, और प्रभु की ओर रोया, और बोला, तू अपने दास के हाथ में इस महान उद्धार से प्रसन्न हुआ, और अब मैं प्यास से मरूंगा, और खतनारहितों के हाथ में गिरूंगा? और परमेश्वर ने जबड़े में गठ्ठे को तोड़ा, और उसमें से पानी निकला, और उसने पिया, और उसकी आत्मा लौट आई और वह जीवित हो गया। इस कारण उसका नाम पुकारने वाले का स्रोत बुलाया गया, जो जबड़े में है, आज के दिन तक।

और उसने इस्राएल का न्याय विदेशियों के दिनों में बीस वर्ष तक किया।

16

और शिमशोन गाज़ा गया, और वहाँ एक वेश्या स्त्री को देखा, और उसके पास गया। और यह गाज़ा के लोगों को बताया गया, कहते हुए, सैमसन यहाँ आया है। और उन्होंने घेरा और पूरी रात शहर के द्वार पर उसकी घात लगाई, और पूरी रात चुप रहे, कहते हुए, जब तक भोर न हो, और हम उसे मार डालें। और सैमसन आधी रात तक सोया, और आधी रात में उठा, और शहर के फाटक के दरवाजों को दोनों चौखटों के साथ पकड़ा, और उनको बेंड़े के साथ उठाया, और अपने कंधों पर रखा, और हेब्रोन के सामने के पहाड़ की चोटी पर चढ़ा, और उनको वहाँ रखा।

और ऐसा हुआ कि इसके बाद, उसने सोरेक में एक स्त्री से प्रेम किया, और उसका नाम दलीला था। और विदेशियों के शासक उसके पास गए, और उन्होंने उससे कहा, उसे धोखा दो, और देखो कि उसकी महान शक्ति किसमें है, और किसमें हम उसे बांध सकेंगे उसे नीचा दिखाने के लिए,

और हम तुम्हें प्रत्येक व्यक्ति एक हजार एक सौ चांदी के सिक्के देंगे।

और दलीला ने शिमशोन से कहा, मुझे बता दो कि तेरी महान शक्ति किसमें है, और तू किससे बांधा जाएगा कि तुझे नम्र किया जा सके। और सैमसन ने उससे कहा, यदि वे मुझे सात ताज़ी रस्सियों से बाँधें जो सूखी न हों, तो मैं कमज़ोर हो जाऊँगा और अन्य मनुष्यों के समान हो जाऊँगा। और विदेशियों के शासकों ने इसके लिए सात गीली, न सूखी रस्सियाँ लाई, और उसने उसे उनमें बाँधा। और घात कक्ष में बैठा था, और उसने उससे कहा, विदेशी तुम पर आ रहे हैं, सैमसन, और उसने डोरियों को ऐसे फाड़ डाला जैसे कोई सन के धागे को आग की गंध आने पर फाड़ दे, और उसकी शक्ति का पता नहीं चला।

और दलीला ने शिमशोन से कहा, देखो, तुमने मुझे धोखा दिया है और मुझसे झूठ बोला है। अब इसलिए मुझे बताओ कि तुम किसमें बांधे जाओगे। और उसने उससे कहा, यदि वे मुझे नई रस्सियों से बाँधें जिनमें कभी कोई काम नहीं हुआ है, तो मैं कमजोर हो जाऊँगा और अन्य मनुष्यों के समान हो जाऊँगा। और दलीदा ने नई रस्सियाँ लीं और उसे उनमें बाँधा, और घात कोठरी से निकला, और कहा, हे शिमशोन, विदेशी तुझ पर आए हैं, और उसने उन्हें अपनी बांहों से ऐसे फाड़ डाला जैसे डोरी।

और दलीदा ने सैमसन से कहा, देखो, तुमने मुझे धोखा दिया है और मुझसे झूठ बोला है। अब वास्तव में मुझे बताओ कि तुम किसमें बांधे जाओगे। और उसने उससे कहा, यदि तुम मेरे सिर की सात लटों को जाल के साथ बुनोगी और खूँटी से दीवार में ठोकोगी, तो मैं मनुष्यों में से एक के समान कमजोर हो जाऊँगा। और ऐसा हुआ कि जब वह सो रहा था, तो दलीला ने उसके सिर की सात लटों को लिया और जाल में बुना, और खूँटी को दीवार में गाड़ दिया, और कहा, हे शिमशोन, विदेशी तुम पर आ रहे हैं, और वह अपनी नींद से जाग उठा, और उसने बुनाई की खूँटी को दीवार से निकाल लिया।

और दलीला ने शिमशोन से कहा, तू कैसे कहता है कि मैंने तुझसे प्रेम किया है, जबकि तेरा हृदय मेरे साथ नहीं है? यह तीसरी बार है कि तूने मुझे धोखा दिया है और मुझे नहीं बताया कि तेरी महान शक्ति किसमें है। और ऐसा हुआ कि जब उसने अपने शब्दों से उसे सब दिन दबाया, और उसे तंग किया, तो वह मरने तक हतोत्साहित हो गया। और उसने उसे अपना सारा हृदय बता दिया, और उससे कहा, लोहा मेरे सिर पर कभी नहीं चढ़ा, क्योंकि मैं अपनी माता के गर्भ से परमेश्वर का पवित्र जन हूँ। यदि मैं मुंडाया जाऊँ, तो मेरी शक्ति मुझसे हट जाएगी और मैं कमजोर हो जाऊँगा, और सब लोगों के समान हो जाऊँगा।

और डेलीला ने देखा कि उसने उसको अपना सारा दिल बता दिया था, और उसने विदेशियों के शासकों को भेजकर बुलाया, यह कहते हुए, एक बार फिर ऊपर आओ, क्योंकि उसने मुझे अपना सारा दिल बता दिया है, और विदेशियों के शासक उसके पास ऊपर आए, और वे अपने हाथों में चांदी लेकर आए। और डेलीला ने सैमसन को अपने घुटनों पर सुला दिया, और एक आदमी को बुलाया, और उसके सिर की सात लटों को मुंडवा दिया, और उसे अपमानित करना शुरू किया, और उसकी ताकत उससे चली गई। और दलीला बोली, सैमसन, विदेशी लोग तुझ पर आ रहे हैं। और वह अपनी नींद से जागा, और बोला, मैं पहले की तरह निकलूँगा और अपने आप को झटक दूँगा। और उसे पता नहीं था कि प्रभु उसके ऊपर से हट गए थे। और विदेशियों ने उसे पकड़ लिया, और उसकी आँखें निकाल दीं, और उसे गाज़ा ले आए, और उसे कांस्य की बेड़ियों में जकड़ दिया, और वह कारागार के घर में पीसता रहा। और उसके सिर के बाल उगने लगे जैसे मुंडाए गए थे।

और विदेशियों के शासक एकत्रित हुए अपने देवता दागोन को एक महान बलिदान चढ़ाने और आनंद मनाने के लिए, और उन्होंने कहा, देवता ने हमारे हाथ में हमारे शत्रु सैमसन को दे दिया है। और लोगों ने उसे देखा, और उन्होंने अपने देवता की स्तुति की, क्योंकि हमारे देवता ने हमारे शत्रु को हमारे हाथ में सौंप दिया, जो हमारी भूमि को उजाड़ रहा था, और जिसने हमारे घायलों को बढ़ाया था। और जब उनका हृदय प्रसन्न हुआ, तो उन्होंने कहा, सैमसन को कारागार से बुलाओ,

और वह हमारे सामने खेले। और उन्होंने सैमसन को बंदीगृह से बुलाया, और वह उनके सामने खेला, और उन्होंने उसे मारा, और उसे स्तंभों के बीच में खड़ा किया। और सैमसन ने उस युवा पुरुष से जो उसका हाथ पकड़े हुए था कहा, मुझे छोड़ दो, और मैं उन स्तंभों को छूऊंगा जिन पर घर टिका हुआ है, और मैं उन पर टिकूंगा। और घर पुरुषों और स्त्रियों से भरा हुआ था, और वहाँ विदेशियों के सभी शासक थे, और छत पर लगभग तीन हजार पुरुष और स्त्रियाँ सैमसन के खेल देख रहे थे।

और सैमसन ने प्रभु की ओर रोया, और कहा, हे अदोनाई प्रभु, वास्तव में मुझे याद करो, और हे परमेश्वर, मुझे एक बार फिर मजबूत करो, और मैं अपनी दोनों आंखों के लिए विदेशियों से एक प्रतिशोध लूंगा। और शिमशोन ने घर के दो स्तंभों को गले लगाया जिन पर घर खड़ा था, और उन पर सहारा लिया, और एक को अपने दाहिने हाथ से पकड़ा, और एक को अपने बाएं हाथ से। और सैमसन ने कहा, मेरी आत्मा विदेशियों के साथ मरे, और उसने शक्ति से पकड़ा, और घर शासकों पर गिरा, और उसमें मौजूद सभी लोगों पर, और जो मृत थे जिन्हें सैमसन ने अपनी मृत्यु में मार डाला, वे उनसे अधिक थे जिन्हें उसने अपने जीवन में मार डाला था।

और उसके भाई और उसके पिता का घर नीचे गए, और उन्होंने उसे लिया, और ऊपर गए और उसे सोरा और एशताओल के बीच उसके पिता मानोह की कब्र में दफनाया, और उसने इस्राएल का बीस वर्ष तक न्याय किया।

17

और एफ्राइम के पहाड़ से एक पुरुष हुआ, और उसका नाम मीकायाह था। और उसने अपनी माता से कहा, वे ग्यारह सौ चांदी के सिक्के जो तुमने अपने लिए लिए थे, और जिनके लिए तुमने मुझे शाप दिया था, और मेरे कानों में कहा था, देखो वह चांदी मेरे पास है, मैंने उसे लिया था।

और उसकी माता ने कहा, मेरा पुत्र प्रभु द्वारा धन्य हो। और उसने अपनी माता को ग्यारह सौ चांदी के सिक्के वापस दिए, और उसकी माता ने कहा, मैंने इस चांदी को प्रभु के लिए अपने हाथ से अपने पुत्र को पवित्र किया है, ताकि खुदी हुई और ढली हुई मूर्ति बनाई जाए, और अब मैं इसे तुझे वापस दूंगी। और उसने अपनी माता को चाँदी वापस दे दी, और उसकी माता ने दो सौ चाँदी के सिक्के लिए, और उसे एक चाँदी के कारीगर को दे दिया, और उसने इसे एक खुदी हुई और ढली हुई मूर्ति बनाया, और यह मीकाह के घर में रखी गई। और मीकाह का घर उसके लिए परमेश्वर का घर था, और उसने एपोद और तेराफीम बनाए, और उसने अपने पुत्रों में से एक का हाथ भरा, और वह उसके लिए पुजारी बन गया।

उन दिनों में इस्राएल में कोई राजा नहीं था, और हर आदमी वही करता था जो उसकी आँखों में उचित था।

और ऐसा हुआ कि बेथलेहेम से एक युवा पुरुष यहूदा के लोगों में से था, और वह एक लेवी था, और यह वहाँ निवास कर रहा था। और वह पुरुष यहूदा के बेतलेहेम नगर से निवास करने के लिए गया, जहाँ कहीं भी उसे स्थान मिले, और वह एप्रेम के पहाड़ तक आया, और मीकाह के घर तक, अपना मार्ग बनाने के लिए। और मीकायाह ने उससे कहा, तुम कहाँ से आते हो? और उसने उससे कहा, मैं यहूदा के बेतलेहेम से एक लेवी हूँ, और मैं जा रहा हूँ कि जहाँ कहीं मुझे स्थान मिले वहाँ निवास करूँ। और मीकायाह ने उससे कहा, मेरे साथ रहो, और मेरे लिए पिता और पुजारी बनो, और मैं तुम्हें प्रतिदिन दस चांदी के सिक्के दूंगा, और वस्त्र और कपड़े, और तुम्हारे जीवन के लिए जो आवश्यक है। और वह लेवी गया, और उस आदमी के पास रहने लगा, और वह युवा पुरुष उसके लिए उसके पुत्रों में से एक के समान हो गया। और मीकाह ने लेवी को नियुक्त किया, और वह उसके लिए पुजारी बन गया, और वह मीकाह के घर में रहने लगा। और मीकाह ने कहा, अब मैं जान गया हूँ कि प्रभु मेरा भला करेंगे, क्योंकि वह लेवी मेरा पुजारी बन गया है।

उन दिनों में इस्राएल में कोई राजा नहीं था, और उन दिनों में दान का गोत्र अपने लिए बसने के लिए विरासत खोज रहा था, क्योंकि उस दिन तक इस्राएल के पुत्रों के गोत्रों के बीच में उसे विरासत नहीं मिली थी। और दान के पुत्रों ने अपने लोगों में से पाँच शक्तिशाली पुरुषों को सारा और एश्ताओल से भूमि की जासूसी करने और उसकी खोज करने के लिए भेजा, और उन्होंने उनसे कहा, जाओ और भूमि की खोज करो, और वे एफ्राइम के पहाड़ी क्षेत्र में मीका के घर तक आए, और वे वहाँ ठहरे। मीकाह के घर में, उन्होंने लेवी युवक की आवाज़ पहचानी और वहाँ मुड़े, और उससे कहा, तुझे यहाँ कौन लाया? और तू इस स्थान में क्या करता है? और यहाँ तेरे पास क्या है? और उसने उनसे कहा, मीकाह ने मेरे साथ इस प्रकार और इस प्रकार किया, और उसने मुझे किराए पर लिया, और मैं उसके लिए पुजारी बन गया। और उन्होंने उससे कहा, परमेश्वर से पूछो, और हम जानेंगे कि क्या हमारा रास्ता सफल होगा, जिस पर हम जा रहे हैं। और पुजारी ने उनसे कहा, शांति से जाओ, प्रभु के सामने है वह मार्ग जिस पर तुम जा रहे हो।

और वे पाँच पुरुष गए और लैश में आए, और उन्होंने उन लोगों को देखा जो वहाँ आशा में बैठे हुए थे, सीदोनियों के न्याय की तरह शांत। उस भूमि में कोई परेशान करने वाला या शर्मिंदा करने वाला नहीं था, कोई उत्तराधिकारी जो खजानों को दबाता हो। वे सीदोनियों से दूर थे, और उनका किसी मनुष्य से कोई संबंध नहीं था। और वे पाँच पुरुष अपने भाइयों के पास सारा और एश्ताओल में आए, और उन्होंने अपने भाइयों से कहा, तुम क्यों बैठे हो? और उन्होंने कहा, उठो, और हम उन पर चढ़ाई करें, क्योंकि हमने वह भूमि देखी है, और देखो, वह अत्यंत अच्छी है, और तुम चुप हो। जाने में मत हिचकिचाओ, और उस भूमि में प्रवेश करके उसे उत्तराधिकार में लेने में मत हिचकिचाओ। और जब तुम आओगे, तो तुम आशा पर लोगों के पास प्रवेश करोगे, और वह भूमि विस्तृत है, क्योंकि परमेश्वर ने उसे तुम्हारे हाथ में दिया है, वह स्थान जहाँ उस भूमि में की सब बातों की कोई कमी नहीं है।

और दान के लोगों में से छह सौ पुरुष युद्ध के हथियारों से सुसज्जित होकर वहाँ से सोरा और एश्ताओल से प्रस्थान किया। और वे किरियत्यारीम में यहूदा में गए और डेरा डाला। इस कारण उस स्थान को दान का शिविर बुलाया गया, आज के दिन तक, देखो किरियत्यारीम के पीछे।

और वे वहाँ से एफ्राइम के पहाड़ से होकर गुज़रे, और मीकाह के घर तक आए। और उन पाँच पुरुषों ने जो लैश की भूमि की जासूसी करने जा रहे थे, उत्तर दिया और अपने भाइयों से कहा, क्या तुम जानते हो कि इस घर में एफोद और तेराफीम और खुदी हुई मूर्ति और ढली हुई मूर्ति है? और अब जानो कि तुम क्या करोगे। और वे वहाँ मुड़ गए और लेवी युवक के घर में, मीकाह के घर में प्रवेश किए, और उन्होंने उसका कुशल-क्षेम पूछा। और छह सौ पुरुष जो अपने युद्ध के हथियार कसे हुए थे, फाटक के द्वार के पास खड़े थे, जो दान की संतान में से थे। और वे पाँच पुरुष जो भूमि की जासूसी करने गए थे, ऊपर गए। और वे वहाँ मीकाह के घर में प्रवेश किए, और पुजारी खड़ा था। और उन्होंने खुदी हुई मूर्ति और एफोद और तेराफीम और ढली हुई मूर्ति ली, और पुजारी ने उनसे कहा, तुम क्या कर रहे हो? और उन्होंने उससे कहा, चुप रहो, अपना हाथ अपने मुँह पर रखो, और हमारे साथ आओ, और हमारे लिए पिता और पुजारी बनो। क्या यह अच्छा नहीं है कि तुम एक आदमी के घर के पुजारी हो, या तुम इस्राएल के लोगों में एक गोत्र और घर के पुजारी बनो? और पुजारी का हृदय प्रसन्न हुआ, और उसने एफोद और तेराफीम और खुदी हुई मूर्ति और ढली हुई मूर्ति को लिया, और लोगों के बीच में आया।

और वे लौटे और चले गए, और उन्होंने बच्चों को, संपत्ति को और भार को अपने सामने रखा।

वे मीकाह के घर से दूर चले गए थे, और देखो, मीकाह और वे पुरुष जो मीकाह के घर के साथ वाले घरों में थे, चिल्लाए और उन्होंने दान के पुत्रों को पकड़ लिया। और दान के पुत्रों ने अपना चेहरा लौटाया और मीका से कहा, तुझे क्या हुआ कि तूने चिल्लाया? और मीकाह ने कहा, मेरी खुदी हुई मूर्ति जो मैंने बनाई थी, तुमने ले ली, और पुजारी को भी, और तुम चले गए। अब मेरे पास क्या बचा है? और यह तुम मुझसे क्या कह रहे हो, तू क्यों चिल्लाता है? और दान के पुत्रों

ने उससे कहा, हमारे साथ तुम्हारी आवाज़ सुनाई न दे, कहीं ऐसा न हो कि कड़वी आत्मा वाले पुरुष तुमसे मिलें, और वे तुम्हारी आत्मा और तुम्हारे घर की आत्मा को ले लें। और दान के पुत्र अपने मार्ग पर चले गए, और मीकायाह ने देखा कि वे उससे अधिक शक्तिशाली हैं, और वह अपने घर लौट गया।

और दान के पुत्रों ने वह ले लिया जो मीकाह ने बनाया था, और उस पुजारी को भी जो उसके पास था, और वे लैश पर आए, उन लोगों के पास जो शांत थे और आशा में भरोसा करते थे, और उन्होंने उन्हें तलवार की धार से मारा, और शहर को आग में जला दिया। और कोई छुड़ने वाला नहीं था, क्योंकि वह सीदोनियों से दूर था, और उनका किसी आदमी के साथ कोई संबंध नहीं था, और यह राहाब के घर की घाटी में था, और उन्होंने शहर को बनाया, और उसमें बस गए। और उन्होंने शहर का नाम दान रखा, अपने पिता दान के नाम पर, जो इस्राएल से जन्मा था, और पहले शहर का नाम लैश था।

और दान के पुत्रों ने अपने लिए खुदी हुई मूर्ति खड़ी की, और योनातान जो गेशोन का पुत्र था, जो मनश्शे का पुत्र था, वह और उसके पुत्र दान के कुल के पुजारी थे, पृथ्वी के निर्वासन के दिन तक। और उन्होंने अपने लिए वह खुदी हुई मूर्ति रखी जो मीकाह ने बनाई थी, उन सब दिनों में जब परमेश्वर का घर शीलोह में था, और उन दिनों में इस्राएल में कोई राजा नहीं था।

19

और ऐसा हुआ कि एक लेवी पुरुष एफ्रैम के पहाड़ी भाग में रहता था, और उसने अपने लिए यहूदा के बेथलेहेम से एक रखैल ली। और उसकी रखैल उसके पास से चली गई, और उसके पास से अपने पिता के घर बेथलेहेम यहूदा में चली गई, और वहाँ चार महीने रही।

और उसका पति उठा, और उसके पीछे गया ताकि उसके हृदय से बात करे और उसे वापस ले आए, और उसका सेवक उसके साथ था, और गधों की एक जोड़ी भी, लेकिन वह उसे अपने पिता के घर में ले गई, और जब युवा स्त्री के पिता ने उसे देखा, तो वह उससे मिलकर प्रसन्न हुआ। और उसके ससुर ने, जो उस युवा स्त्री का पिता था, उसको रोका, और वह उसके साथ तीन दिन तक रहा, और उन्होंने खाया और पिया, और वहाँ ठहरे। और चौथे दिन ऐसा हुआ कि वे सुबह-सुबह उठे और वह जाने के लिए उठा, और युवती के पिता ने अपने दामाद से कहा, रोटी के टुकड़े से अपना हृदय मजबूत करो, और इसके बाद तुम चलोगे। और वे दोनों साथ बैठे और खाया और पिया, और युवा स्त्री के पिता ने उस आदमी से कहा, आओ वास्तव में रात बिताओ, और तुम्हारा हृदय प्रसन्न होगा। और वह आदमी जाने के लिए उठा, और उसके ससुर ने उसे जोर दिया, और वह बैठा और वहाँ ठहरा।

और वह पाँचवें दिन सुबह जल्दी उठा कि जाने के लिए, और युवा स्त्री के पिता ने कहा, अपने हृदय को मजबूत करो, और दिन के ढलने तक अपने आप को ताज़ा करो, और दोनों ने खाया। और वह पुरुष जाने के लिए उठा, वह स्वयं, और उसकी रखैल, और उसका सेवक, और उसके ससुर ने, जो उस युवती के पिता थे, उससे कहा, देखो, दिन ढल कर शाम हो गई है, यहाँ रात बिताओ, और तुम्हारा हृदय प्रसन्न होगा, और तुम कल सवेरे अपने रास्ते के लिए उठोगे, और तुम अपने निवास को जाओगे। और वह पुरुष ठहरने को प्रसन्न नहीं हुआ, और उठा और चला गया, और येबूस के सामने तक आया, यह यरूशलेम है, और उसके साथ लदे हुए गधों का एक जोड़ा था, और उसकी उपपत्नी उसके साथ थी।

और वे यबूस तक आए, और दिन बहुत बढ़ चुका था, और युवा पुरुष ने अपने स्वामी से कहा, आइए, हम इस यबूसियों के नगर में मुड़ें और इसमें ठहरें। और उसके स्वामी ने उससे कहा, हम पराए नगर में नहीं मुड़ेंगे, जिसमें इस्राएल के पुत्रों में से कोई यहाँ नहीं है, और हम गिबा तक निकल जाएंगे। और उसने अपने युवा सेवक से कहा, आओ और हम किसी एक स्थान के पास चलें, और हम गिबा में या रामा में रात बिताएंगे। और वे आगे बढ़ गए और चले गए, और सूरज

उनके लिए गिबा के निकट डूब गया, जो बिन्यामीन में है। और वे वहाँ गिबा में प्रवेश करने और ठहरने के लिए मुड़ गए, और वे प्रवेश किए, और वे नगर के चौक में बैठे, और कोई पुरुष नहीं था जो उन्हें घर में ठहरने के लिए ले जाता।

और देखो, एक बूढ़ा आदमी शाम को अपने काम से खेत से आ रहा था, और वह आदमी एग्रैम के पहाड़ से था, और वह गिबा में निवास कर रहा था, और उस स्थान के लोग बिन्यामीन के पुत्र थे। और उसने अपनी आँखें उठाई, और शहर के चौक में यात्री आदमी को देखा, और बूढ़े आदमी ने कहा, तुम कहाँ जा रहे हो, और कहाँ से आ रहे हो? और उसने उससे कहा, हम बेथलेहेम यहूदा से एग्रैम पहाड़ की तलहटी तक यात्रा कर रहे हैं। मैं वहाँ से हूँ, और मैं बेथलेहेम यहूदा तक गया था, और अब मैं अपने घर जा रहा हूँ, और कोई आदमी नहीं है जो मुझे घर में ले जाए। और वास्तव में हमारे गधों के लिए भूसा और चारा है, और मेरे लिए, दासी के लिए और तुम्हारे सेवकों के साथ जवान के लिए रोटी और दाखरस है, किसी भी बात की कमी नहीं है। और बूढ़े आदमी ने कहा, तुम्हें शांति मिले। तुम्हारी हर कमी मुझ पर है, परन्तु चौक में तुम कदापि नहीं ठहरोगे। और वह उसे अपने घर में लाया, और गधों के लिए जगह बनाई, और उन्होंने अपने पैर धोए, और खाया और पिया।

वे स्वयं अपना हृदय प्रसन्न कर रहे थे, और देखो, शहर के पुरुष, अधर्मियों के पुत्र, घर को घेर लिया, दरवाजे पर दस्तक देते हुए, और उन्होंने घर के स्वामी, बूढ़े पुरुष से कहा, उस पुरुष को बाहर निकालो जो तुम्हारे घर में प्रवेश किया, ताकि हम उसे जानें। और घर का स्वामी उनके पास बाहर गया, और बोला, नहीं भाइयों, बुराई मत करो, वास्तव में इस पुरुष के मेरे घर में प्रवेश करने के बाद, यह मूर्खता मत करो। देखो, मेरी कुंवारी बेटी और उसकी रखैल को मैं बाहर लाऊंगा, और उनको नीचा करूँ, और उनके साथ वह करूँ जो तुम्हारी आंखों में अच्छा लगे, और इस आदमी के साथ यह मूर्खता का काम मत करो। और वे पुरुष उसकी बात सुनने को तैयार नहीं हुए, और उस पुरुष ने अपनी रखैल को पकड़ लिया और उसे उनके पास बाहर ले गया, और उन्होंने उसे जाना और पूरी रात सुबह तक उसके साथ दुर्व्यवहार किया, और जब सुबह हुई तो

उन्होंने उसे भेज दिया।

और वह स्त्री भोर के समय आई और उस घर के द्वार के पास गिर पड़ी जहाँ उसका पुरुष था, जब तक दिन नहीं निकला। और उसका पुरुष सुबह उठा, और उसने घर के दरवाजे खोले, और अपना रास्ता जाने के लिए निकला, और देखो, उसकी स्त्री, वह रखैल, घर के दरवाजों के पास गिरी हुई थी, और उसके हाथ दहलीज पर थे। और उसने उससे कहा, उठो और हम चलें, और उसने उत्तर नहीं दिया, क्योंकि वह मृत थी, और उसने उसे गधे पर रखा, और वह अपने स्थान को गया।

और उसने तलवार ली, और अपनी रखैल को पकड़ा, और उसे बारह टुकड़ों में काटा, और उन्हें इस्राएल की हर सीमा में भेजा। और ऐसा हुआ कि हर देखने वाला कह रहा था, ऐसा न हुआ और न ही देखा गया है उस दिन से जब इस्राएल के पुत्र मिस्र की भूमि से चढ़े आज के दिन तक जैसा यह; तुम अपने लिए इस पर सलाह करो, और बोलो।

20

और इस्राएल के सब पुत्र निकले, और सभा एक पुरुष के समान दान से लेकर बेशेबा तक, और गिलाद की भूमि से, प्रभु की ओर मिस्र में इकट्ठी हुई। और इस्राएल की सब जनजातियाँ परमेश्वर के लोगों की सभा में प्रभु के सामने खड़ी हुई, चार लाख पैदल सैनिक जो तलवार धारण करते थे। और बिन्यामीन के पुत्रों ने सुना कि इस्राएल के पुत्र मिस्र को गए। और इस्राएल के पुत्रों ने आकर कहा, बोलो, यह दुष्टता कहाँ हुई? और उस लेवी पुरुष ने, जो उस हत्या की गई स्त्री का पति था, उत्तर दिया और कहा, मैं और मेरी उपपत्नी बिन्यामीन के गिबा में ठहरने के लिए आए थे। और गिबा के पुरुष मुझ पर उठे, और रात को घर पर मुझे घेर लिया, मुझे हत्या करना चाहते थे, और मेरी रखैल को अपमानित किया, और वह मर गई। और मैंने अपनी दासी

को पकड़ा, और उसे काट दिया, और इस्राएल के पुत्रों की विरासत की हर सीमा में भेज दिया, क्योंकि उन्होंने इस्राएल में व्यभिचार और अपराध किया। देखो, तुम सब इस्राएल के पुत्रो, वहाँ अपने लिए वचन और सलाह दो।

और सभी लोग एक आदमी की तरह उठे, कहते हुए, हम में से कोई भी अपने तंबू को नहीं जाएगा, और हम में से कोई भी अपने घर को नहीं लौटेगा। और अब यह वचन जो गिबा के साथ किया जाएगा, हम चिट्ठी द्वारा उस पर चढ़ाई करेंगे। सिवाय इसके, हम इस्राएल के सभी कबीलों में से प्रति सौ पुरुषों में से दस पुरुष, प्रति हजार में से सौ, और प्रति दस हजार में से हजार लेंगे, ताकि रसद लाई जा सके और वे बिन्यामीन के गिबा में आकर उसके साथ उस सारे अपराध के अनुसार करें जो उसने इस्राएल में किया। और इस्राएल का हर आदमी शहर में एक आदमी के समान इकट्ठा हुआ।

और इस्राएल के गोत्रों ने बिन्यामीन के सब गोत्र में पुरुषों को भेजा, यह कहते हुए, यह दुष्टता क्या है जो तुम में हुई है? और अब गिबा में रहने वाले उन अधर्मी पुरुषों के पुत्रों को सौंप दो, और हम उनको मार डालेंगे, और इस्राएल से दुष्टता को दूर कर देंगे, परन्तु बिन्यामीन के पुत्र अपने भाइयों, इस्राएल के पुत्रों की बात सुनने को तैयार नहीं हुए। और बिन्यामीन के पुत्र अपने नगरों से गिबा में एकत्र हुए, इस्राएल के पुत्रों के विरुद्ध युद्ध के लिए निकलने को। और उस दिन बिन्यामीन के पुत्रों की गिनती नगरों से तेईस हजार तलवार चलाने वाले पुरुष थे, गिबा के निवासियों के अलावा, जिनकी गिनती सात सौ पुरुष थी। सभी लोगों में से चुने गए दोनों हाथ से काम करने वाले, ये सब पत्थरों से गोफन चलाने वाले बाल तक निशाना लगाते थे, और चूकते नहीं थे। और इस्राएल के पुरुष बिन्यामीन के बाहर गिने गए - चार सौ हजार पुरुष जो तलवार खींचते थे, ये सब युद्ध के पुरुष थे।

और वे उठे और बेतेल को गए, और उन्होंने परमेश्वर से पूछा, और इस्राएल के पुत्रों ने कहा, हमारे लिए पहले कौन बिन्यामीन के पुत्रों के विरुद्ध युद्ध में जाएगा? और प्रभु ने कहा, यहूदा पहले

अगुवा होकर जाएगा। और इस्राएल के पुत्र सुबह उठे, और उन्होंने गिबा पर डेरा डाला।

और इस्राएल के सब पुरुष बिन्यामीन के विरुद्ध युद्ध-पंक्ति में निकले, और उन्होंने गिबा पर उनसे युद्ध किया। और बिन्यामीन के पुत्र गिबा से बाहर गए, और उस दिन इस्राएल में बाईस हजार पुरुषों को भूमि पर नष्ट कर दिया।

और इस्राएल के लोगों ने मजबूती दिखाई, और उन्होंने उसी जगह पर फिर से युद्ध पंक्ति बनाई जहाँ उन्होंने पहले दिन युद्ध किया था। और इस्राएल के पुत्र ऊपर गए, और प्रभु के सामने शाम तक रोए, और प्रभु से पूछा, क्या हम फिर से अपने भाइयों बिन्यामीन के पुत्रों के विरुद्ध युद्ध में जाएं? और प्रभु ने कहा, उनके विरुद्ध जाओ। और इस्राएल के पुत्र दूसरे दिन बिन्यामीन के पुत्रों के पास आए। और बिन्यामीन के पुत्र दूसरे दिन गिबा से उनसे मिलने के लिए बाहर गए, और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों में से अठारह हजार पुरुषों को भूमि पर नष्ट कर दिया, ये सब तलवार चलाने वाले थे।

और इस्राएल के सब पुत्र और सब लोग ऊपर गए, और बेथेल में आए, और रोए, और वहाँ प्रभु के सामने बैठे, और उस दिन शाम तक उपवास किया, और प्रभु के सामने होमबलि और पूर्ण बलि चढ़ाए। क्योंकि वहाँ प्रभु परमेश्वर की वाचा का सन्दूक उन दिनों में था, और फिनेहास, जो एलाज़ार का पुत्र और हारून का पौत्र था, उन दिनों में उसके सामने खड़ा था, और इस्राएल के पुत्रों ने प्रभु से पूछा, कहते हुए, क्या हम फिर से अपने भाइयों बिन्यामीन के पुत्रों के विरुद्ध युद्ध के लिए निकलें? और प्रभु ने कहा, जाओ, कल मैं उन्हें तुम्हारे हाथों में सौंप दूंगा। और इस्राएल के पुत्रों ने गिबा के चारों ओर घात लगाई।

और इस्राएल के पुत्र तीसरे दिन बिन्यामीन के पुत्रों की ओर गए, और गिबा की ओर पहले की तरह जुड़े। और बिन्यामीन के पुत्र लोगों से मिलने के लिए निकले, और वे शहर से खींच लिए गए, और उन्होंने लोगों को मारना शुरू किया और घायल किया, जैसे पहले भी, रास्तों में—जिनमें

से एक बेथेल को चढ़ती है और एक गिबा को खेत में जाती है—लगभग तीस आदमी इस्राएल में मारे गए। और बिन्यामीन के पुत्रों ने कहा, वे हमारे सामने पहले की तरह गिर रहे हैं। और इस्राएल के पुत्रों ने कहा, हम भागें, और उन्हें नगर से मार्गों की ओर खींच लें, और उन्होंने ऐसा किया।

और सब लोग अपने स्थान से उठे, और बाल-तामार में एकत्र हुए, और इस्राएल की घात मारागाबे से अपने स्थान से निकलकर आई। और गिबा के सामने इस्राएल में से दस हजार चुने हुए पुरुष आए, और युद्ध भयंकर था, और उन्होंने नहीं जाना कि उन पर विपत्ति आ रही है। और प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने बिन्यामीन को मारा, और इस्राएल के पुत्रों ने उस दिन बिन्यामीन में से पच्चीस हजार सौ पुरुषों को नष्ट किया, ये सब तलवार चलाते थे। और बिन्यामीन के पुत्रों ने देखा कि वे मारे गए थे, और इस्राएल के पुरुषों ने बिन्यामीन को स्थान दिया, क्योंकि उन्होंने उस घात पर भरोसा किया था जो उन्होंने गिबा पर रखा था।

और जब वे पीछे हट रहे थे, तो घात में बैठे लोग चल पड़े और उन्होंने गिबा पर धावा बोला, और घात में बैठे लोग फैल गए और उन्होंने नगर को तलवार की धार से मार डाला।

और इस्राएल के पुत्रों के साथ युद्ध की घात का यह चिन्ह था कि वे नगर से धुएँ का संकेत ऊपर उठाएँ। और इस्राएल के पुत्रों ने देखा कि घात ने गिबा को पहले से पकड़ लिया था, और वे युद्ध पंक्ति में खड़े हुए, और बिन्यामीन ने इस्राएल के पुरुषों में से लगभग तीस पुरुषों को घायल करके मारना शुरू किया, क्योंकि उन्होंने कहा था, वे फिर से हमारे सामने गिर रहे हैं जैसे पहली लड़ाई में।

और संकेत शहर के ऊपर धुएँ के स्तंभ की तरह और अधिक ऊपर गया, और बिन्यामीन ने अपने पीछे देखा, और देखो, शहर की समाप्ति स्वर्ग तक ऊपर गई।

और इस्राएल का पुरुष लौटा, और बिन्यामीन के पुरुषों ने शीघ्रता की, क्योंकि उन्होंने देखा कि

उन पर विपत्ति आ पड़ी है। और उन्होंने इस्राएल के पुत्रों के सामने रेगिस्तान के रास्ते की ओर देखा, और वे भागे, और युद्ध पंक्ति उन पर आ पहुंची, और जो नगरों से थे उन्होंने उनको उनके बीच में नष्ट कर दिया।

और उन्होंने बिन्यामीन को मारा और नोआ से उसका पीछा करते हुए उसके पैरों पर गिबा के सामने तक सूरज के पूर्व की ओर खदेड़ा। और बिन्यामीन से अठारह हजार पुरुष गिरे, ये सब शक्तिशाली पुरुष थे।

और शेष लोगों ने देखा, और वे रेगिस्तान में रेम्मोन की चट्टान की ओर भागे, और इस्राएल के पुत्रों ने उनमें से पांच हजार पुरुषों को काट डाला, और इस्राएल के पुत्र उनके पीछे गेदान तक गए, और उनमें से दो हजार पुरुषों को मारा। और बिन्यामीन से गिरे हुए सब लोग पच्चीस हजार तलवार चलाने वाले पुरुष थे उस दिन, ये सब शक्तिशाली पुरुष थे। और शेष लोगों ने देखा, और छह सौ पुरुष रेगिस्तान में रिम्मोन की चट्टान की ओर भागे, और रिम्मोन की चट्टान में चार महीने तक बैठे रहे।

और इस्राएल के पुत्र बिन्यामीन के पुत्रों की ओर लौटे, और उन्होंने उन्हें तलवार की धार से मारा, मेथला नगर से लेकर पशु तक, और जो कुछ सब नगरों में पाया गया, और जो नगर पाए गए उन्हें आग में जला दिया।

21

और इस्राएल के पुत्रों ने मिस्या में शपथ खाई, हम में से कोई भी अपनी पुत्री बिन्यामीन को पत्नी के रूप में नहीं देगा। और लोग बेथेल में आए, और वहाँ शाम तक परमेश्वर के सामने बैठे रहे, और उन्होंने अपनी आवाज़ उठाई, और फूट-फूटकर रोए। और उन्होंने कहा, हे प्रभु, इस्राएल के

परमेश्वर, यह क्या हुआ कि आज इस्राएल से एक गोत्र गायब हो गया? और अगले दिन ऐसा हुआ कि लोग सुबह उठे, और उन्होंने वहाँ एक वेदी बनाई, और होमबलि तथा पूर्ण बलि चढ़ाई।

और इस्राएल के पुत्रों ने कहा, इस्राएल की सब जनजातियों में से कौन प्रभु के पास सभा में नहीं गया? क्योंकि जो लोग मिस्रा में प्रभु के पास नहीं गए थे, उनके लिए एक महान शपथ थी, जो कहती थी, वह निश्चय ही मृत्यु के घाट उतारा जाएगा।

और इस्राएल के पुत्रों ने अपने भाई बिन्यामीन की ओर सात्वना दी, और कहा, आज इस्राएल से एक जनजाति काट दी गई है। हम उन अधिक बचे हुए लोगों के लिए पत्नियों के विषय में क्या करें? और हमने प्रभु में शपथ खाई है कि हम उनको अपनी बेटियों में से पत्नियों के लिए नहीं देंगे। और उन्होंने कहा, इस्राएल के गोत्रों में से कौन एक है जो मस्सेफत में प्रभु के पास नहीं गया? और देखो, याबेश गिलाद से कोई पुरुष सभा में शिविर में नहीं आया था। और लोगों की रक्षा की गई, और वहाँ याबेश गिलाद के निवासियों में से कोई पुरुष नहीं था।

और मण्डली ने वहाँ शक्ति के पुत्रों में से बारह हजार पुरुषों को भेजा, और उनको आज्ञा देते हुए कहा, जाओ और याबेश गिलाद में निवास करने वालों को तलवार के मुख से मारो। और यह तुम करोगे: हर पुरुष और हर उस स्त्री को जो पुरुष के बिस्तर को जानती है, समर्पित करोगे, लेकिन कुंवारियों को संरक्षित करोगे, और उन्होंने इस प्रकार किया।

और याबेश गिलाद के निवासियों में से चार सौ युवा कुंवारी स्त्रियाँ पाई, जिन्होंने किसी पुरुष के साथ बिस्तर नहीं जाना था, और उन्हें कनान की भूमि में शिलोह के शिविर में लाए।

और सारी मण्डली ने भेजा और बिन्यामीन के पुत्रों से रिम्मोन की चट्टान में बात की, और उन्हें शान्ति के लिए बुलाया। और बिन्यामीन उस समय इस्राएल के पुत्रों के पास लौटा, और इस्राएल के पुत्रों ने उनको वे स्त्रियाँ दीं जिनको उन्होंने याबेश गिलाद की पुत्रियों में से जीवित रखा था,

और यह उनको प्रसन्न हुआ।

और लोग बिन्यामीन के लिए दुखी थे, क्योंकि प्रभु ने इस्राएल के गोत्रों में विभाजन किया था।

और मण्डली के बुजुर्गों ने कहा, हम शेष लोगों के लिए स्त्रियों का क्या करें? क्योंकि बिन्यामीन से स्त्री नष्ट हो गई है। और उन्होंने कहा, बिन्यामीन के बचे हुए लोगों की विरासत संरक्षित की जानी चाहिए, और इस्राएल से एक गोत्र मिटाया नहीं जाएगा। क्योंकि हम उनको अपनी बेटियों में से स्त्रियाँ नहीं दे सकेंगे, क्योंकि हमने इस्राएल के पुत्रों में शपथ ली है, यह कहते हुए कि शापित है वह जो बिन्यामीन को स्त्री देता है।

और उन्होंने कहा, देखो, शीलोह में प्रभु का पर्व है जो दिनों से दिनों तक मनाया जाता है, जो बेथेल के उत्तर में है, सूर्य की पूर्व दिशा में उस मार्ग पर जो बेथेल से शेकेम को चढ़ता है, और लबोना के दक्षिण में है। और उन्होंने बिन्यामीन के पुत्रों को आज्ञा दी, कहते हुए, जाओ और दाख की बारियों में घात लगाओ। और तुम देखोगे, और देखो, अगर शीलो के निवासियों की बेटियाँ नृत्यों में नाचने निकलें, तो तुम अंगूर के बागों से निकलोगे, और हर पुरुष अपने लिए शीलो की बेटियों में से एक पत्नी पकड़ ले, और बिन्यामीन की भूमि में जाओ। और ऐसा होगा कि जब उनके पिता या उनके भाई हमारे पास न्याय के लिए आएंगे, तो हम उनसे कहेंगे, हम पर दया करो उनके विषय में, क्योंकि हमने युद्ध में प्रत्येक पुरुष के लिए उसकी पत्नी नहीं ली, और क्योंकि तुमने उन्हें नहीं दिया, इसलिए तुमने चिट्ठी के समान अपराध नहीं किया।

और बिन्यामीन के पुत्रों ने इस प्रकार किया, और उन्होंने अपनी संख्या के अनुसार नाचने वालियों में से स्त्रियाँ लीं जिन्हें उन्होंने छीना था, और वे गए, और अपनी विरासत में लौटे, और नगरों को बनाया, और उनमें बस गए। और इस्राएल के पुत्र उस समय वहाँ से चले गए, प्रत्येक पुरुष अपने कबीले और अपने परिवार को, और वहाँ से निकल गए, प्रत्येक पुरुष अपनी विरासत को। उन दिनों में इस्राएल में कोई राजा नहीं था, और हर आदमी वही करता था जो उसकी नज़र में सही

था।

रूत

1

और ऐसा हुआ कि जब न्यायाधीश न्याय करते थे, तब भूमि में अकाल पड़ा, और एक पुरुष यहूदा के बेथलेहेम से मोआब के खेत में निवास करने के लिए गया, वह और उसकी स्त्री, और उसके दो पुत्र। और उस पुरुष का नाम एलिमेलेक था, और उसकी पत्नी का नाम नाओमी था, और उसके दो पुत्रों के नाम महलोन और किल्योन थे, जो यहूदा के बेतलेहेम से एप्राती थे, और वे मोआब के खेत में आए, और वहाँ रहे।

और एलीमेलेक, जो नाओमी का पति था, मर गया, और वह और उसके दो पुत्र रह गए। और उन्होंने अपने लिए मोआबी स्त्रियाँ ब्याह लीं, एक का नाम ओर्पा था, और दूसरी का नाम रूत था, और वे वहाँ लगभग दस वर्ष रहे। और महलोन और खिलयोन दोनों भी मर गए, और वह स्त्री अपने पति से और अपने दोनों पुत्रों से वंचित रह गई।

और वह उठी और उसकी दो बहुएँ, और वे मोआब के खेत से लौटीं, क्योंकि उसने मोआब के खेत में सुना था कि प्रभु ने अपने लोगों की सुधि ली है, उन्हें रोटियाँ देने के लिए। और वह उस जगह से बाहर गई जहाँ वह थी, और उसकी दो बहुएँ उसके साथ थीं, और वे यहूदा की भूमि को

लौटने के लिए मार्ग पर चलीं।

और नाओमी ने अपनी दोनों बहुओं से कहा, जाओ, वास्तव में लौट जाओ, प्रत्येक अपनी माता के घर को। प्रभु तुम्हारे साथ दया करे, जैसे तुमने मृतकों के साथ और मेरे साथ किया। प्रभु तुम्हें दे और तुम विश्राम पाओ, प्रत्येक अपने पति के घर में, और उसने उन्हें चूमा, और उन्होंने अपनी आवाज़ उठाई और रोए। और उन्होंने उससे कहा, हम तुम्हारे साथ तुम्हारे लोगों के पास लौटेंगे।

और नाओमी ने कहा, मेरी बेटियो, वास्तव में लौट जाओ, और तुम मेरे साथ क्यों जा रही हो? क्या अभी भी मेरे पेट में मेरे बेटे हैं, और वे तुम्हारे लिए पुरुष होंगे? लौट जाओ मेरी बेटियो, क्योंकि मैं बूढ़ी हो गई हूँ और किसी पुरुष की नहीं हो सकती, यद्यपि मैंने कहा था कि मुझे किसी पुरुष की होने की संभावना है, और मैं पुत्रों को जन्म दूँगी, क्या तुम उनके लिए तब तक प्रतीक्षा करोगी जब तक वे परिपक्व नहीं हो जाते? या उनके लिए तुम रुकी रहोगी कि किसी पुरुष की न हो सको? नहीं, मेरी बेटियों, क्योंकि मुझे तुम्हारे लिए बहुत कड़वाहट हुई है, क्योंकि प्रभु का हाथ मेरे विरुद्ध उठा है।

और उन्होंने अपनी आवाज़ उठाई, और फिर रोए, और ओर्पा ने अपनी सास को चूमा, और अपने लोगों के पास लौट गई, लेकिन रूत उसके साथ रही।

और नाओमी ने रूथ से कहा, देखो, तुम्हारी साली अपने लोगों की ओर और अपने देवताओं की ओर लौट गई है, तुम भी वास्तव में अपनी साली के पीछे लौट जाओ। रूथ ने कहा, मुझसे यह मत कहो कि मैं तुम्हें छोड़ दूँ या तुम्हारे पीछे से लौट जाऊँ, क्योंकि जहाँ तुम जाओगी, मैं जाऊँगी, और जहाँ तुम ठहरोगी, मैं ठहरूँगी। तुम्हारे लोग मेरे लोग होंगे, और तुम्हारा ईश्वर मेरा ईश्वर होगा। और जहाँ तुम मरोगे, मैं मरूँगी, और वहाँ मैं दफनाई जाऊँगी। प्रभु मुझे ये करे और इससे भी अधिक करे, क्योंकि मृत्यु ही मेरे और तुम्हारे बीच अलग करेगी। लेकिन यह देखकर कि नाओमी उसके साथ जाने के लिए दृढ़ है, उसने उससे और बात करना बंद कर दिया।

वे दोनों तब तक चलती रहीं जब तक वे बेतलेहेम नहीं पहुंच गई, और ऐसा हुआ कि जब वे बेतलेहेम पहुंचीं, तो सारा नगर उनके कारण गूंज उठा, और लोगों ने कहा, क्या यह नाओमी है? और उसने उनसे कहा, मुझे नाओमी मत बुलाओ, मुझे कड़वी बुलाओ, क्योंकि सर्वशक्तिमान ने मेरे साथ अत्यधिक कड़वाई से व्यवहार किया है। मैं भरी हुई गई थी, और प्रभु ने मुझे खाली लौटाया है, तो फिर तुम मुझे नाओमी क्यों बुलाते हो, जबकि प्रभु ने मुझे नम्र किया है, और सर्वशक्तिमान ने मुझे कष्ट दिया है?

और नाओमी लौटी और रूथ मोआबी, उसकी बहू, मोआब के खेत से लौटती हुई, और वे बेतलेहेम में जौ की फसल की शुरुआत में आईं।

2

और नाओमी के पति का एक परिचित था, वह पुरुष शक्तिशाली था और एलीमेलेक के कुल से था, और उसका नाम बोअज़ था। और मोआबी स्त्री रूथ ने नाओमी से कहा, मैं खेत में जाऊं और अनाज की बालों में उसके पीछे बीनूं जिसकी दृष्टि में मुझे कृपा मिले। और उसने उससे कहा, जाओ, बेटी। और वह गई, और आकर उसने खेत में काटने वालों के पीछे इकट्ठा किया, और संयोग से वह बोअज़ के खेत के हिस्से पर पहुँची, जो एलीमेलेक की रिश्तेदारी से था।

और देखो, बोअज़ बेथलेहेम से आया, और उसने काटने वालों से कहा, प्रभु तुम्हारे साथ हो, और उन्होंने उससे कहा, प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दे। और बोअज़ ने अपने नौकर से, जो काटने वालों के ऊपर खड़ा था, कहा, यह जवान स्त्री किसकी है? और उस बालक ने जो काटने वालों के ऊपर खड़ा था, उत्तर दिया और कहा, वह मोआबी सेविका है जो नाओमी के साथ मोआब के खेत से लौटी है। और उसने कहा, मैं वास्तव में काटने वालों के पीछे पूलों में इकट्ठा करूंगी, और वह सुबह से आई और खड़ी रही और शाम तक खेत में थोड़ा भी आराम नहीं किया।

और बोअज़ ने रूथ से कहा, क्या तूने नहीं सुना, पुत्री? किसी दूसरे के खेत में बालें बीनने मत जाना, और तू यहाँ से मत जाना, यहीं मेरी लड़कियों के साथ लगी रहना। तुम्हारी आँखें उस खेत पर रहें जहाँ वे काटते हैं, और तुम उनके पीछे जाना। देखो, मैंने युवा पुरुषों को आदेश दिया है कि तुम्हें न छुएँ, और जब तुम प्यासे हो और तुम बर्तनों के पास जाओ, और तुम वहाँ से पीना जहाँ से युवा पुरुष पानी भरते हैं। और वह अपने चेहरे के बल गिरी, और भूमि पर झुकी, और उससे बोली, क्या कारण है कि मैंने तुम्हारी दृष्टि में कृपा पाई कि तुमने मुझे पहचाना, और मैं तो विदेशी हूँ?

और बोअज़ ने उत्तर दिया, और उससे कहा, मुझे रिपोर्ट की गई है कि तूने अपनी सास के साथ अपने पति की मृत्यु के बाद कितना किया है, और कैसे तूने अपने पिता और अपनी माता को, और अपनी जन्मभूमि को छोड़ दिया, और उन लोगों के पास गई जिन्हें तू कल और परसों नहीं जानती थी। प्रभु आपके काम का बदला दें, आपका इनाम इस्राएल के प्रभु परमेश्वर से पूरा हो, जिनके पास आप उनके पंखों के नीचे विश्वास करने आई हैं। उसने कहा, मैं आपकी दृष्टि में कृपा पाऊँ, मेरे स्वामी, क्योंकि आपने मुझे सांत्वना दी है, और क्योंकि आपने अपनी दासी के हृदय पर बात की है, और देखिए, मैं आपकी दासियों में से एक के समान होऊँगी।

और बोअज़ ने उससे कहा, पहले से ही खाने का समय हो गया है, यहाँ आओ और रोटियाँ खाओ, और अपना टुकड़ा सिरके में डुबाओ। और रूथ काटनेवालों के बगल में बैठ गई, और बोअज़ ने उसे भुना हुआ जौ दिया, और उसने खाया और तृप्त हो गई और कुछ बचा दिया।

और वह इकट्ठा करने के लिए उठी, और बोअज़ ने अपने युवा पुरुषों को आदेश दिया, कहते हुए, और वह पूलों के बीच में भी इकट्ठा करे, और उसे शर्मिंदा मत करो, और जो ले जा रहे हैं वे इसके लिए ले जाएँ, और वास्तव में बालें निकालते हुए तुम इसके लिए ढेर किए हुए में से गिराओगे, और वह खाएगी, और वह इकट्ठा करेगी, और तुम इसे नहीं डाँटोगे। और उसने खेत में शाम तक एकत्र किया, और जो उसने एकत्र किया था उसे पीटा, और वह लगभग एक एफा जौ हुआ।

और वह उठी और शहर में प्रवेश की, और उसकी सास ने देखा जो उसने इकट्ठा किया था, और रूथ ने बाहर निकालकर उसे वह दिया जो उसने उससे छोड़ा था जिससे वह भरी गई थी। और उसकी सास ने उससे कहा, आज तूने कहाँ बीना और कहाँ काम किया? धन्य हो वह जिसने तुझे पहचाना। और रूथ ने अपनी सास को बताया कि उसने कहाँ काम किया, और कहा, उस आदमी का नाम जिसके साथ मैंने आज काम किया, बोअज़ है। नाओमी ने अपनी बहू से कहा, वह प्रभु के लिए धन्य है, क्योंकि उसने अपनी दया को जीवितों के साथ और मृतकों के साथ नहीं छोड़ा। और नाओमी ने उससे कहा, वह पुरुष हमारे निकट है, वह हमारे रिश्तेदारों में से है। और रूथ ने अपनी सास से कहा, और वास्तव में उसने मुझसे कहा, मेरी युवा स्त्रियों के साथ चिपकी रहना, जब तक वे संपूर्ण कटाई समाप्त न कर लें जो मेरी है।

और नाओमी ने अपनी बहू रूथ से कहा, यह अच्छा है बेटी, कि तू उसकी लड़कियों के साथ निकली, ताकि वे तुझे किसी दूसरे खेत में न मिलें। और रूथ बोअज़ की युवा स्त्रियों से चिपकी रही इकट्ठा करने के लिए, जौ और गेहूं की कटाई पूरी होने तक।

3

और वह अपनी सास के साथ बैठी, और उसकी सास नाओमी ने उससे कहा, बेटी, क्या मैं तेरे लिए विश्राम न खोजूँ, ताकि तेरा भला हो? और अब क्या बोअज़ हमारा परिचित नहीं है, जिसकी युवतियों के साथ तू थी? देखो, वह आज रात जौ का खलिहान ओसा रहा है।

तू धोएगी, अभिषेक करेगी, और अपना वस्त्र पहनेगी, और खलिहान जाएगी, लेकिन उस पुरुष को तब तक पहचानी न जाए जब तक वह खाना-पीना समाप्त न कर ले। और ऐसा होगा कि जब वह सो जाएगा, तो तुम उस स्थान को जान लोगे जहाँ वह सोता है, और तुम वहाँ जाओगे और उसके पैरों की ओर का कपड़ा हटाओगे, और लेट जाओगे, और वह तुम्हें बताएगा कि तुम्हें क्या

करना है। रूथ ने उससे कहा, जो कुछ भी आप कहेंगी, मैं करूँगी।

और वह खलिहान में गई, और उसने वह सब कुछ किया जो उसकी सास ने उसे आज्ञा दी थी। और बोअज़ ने खाया और पिया, और उसका हृदय प्रसन्न हुआ, और वह ढेर के एक भाग में सोने आया। लेकिन वह गुप्त रूप से आई, और उसने उसके पैरों की ओर उधाड़ा। आधी रात को ऐसा हुआ कि वह पुरुष चकित हुआ और व्याकुल हुआ, और देखो, एक स्त्री उसके पैरों के पास सोती थी। उसने कहा, तुम कौन हो? उसने कहा, मैं रूथ तुम्हारी दासी हूँ, और तुम अपना आँचल अपनी दासी पर फैलाओगे, क्योंकि तुम छुड़ानेवाले नातेदार हो। और बोअज़ ने कहा, हे पुत्री, तू प्रभु परमेश्वर से धन्य है, क्योंकि तूने अपनी अंतिम दया प्रथम से बढ़कर दिखाई है, कि तू युवकों के पीछे नहीं गई, चाहे वे निर्धन हों या धनी। और अब बेटी, मत डरो, जो कुछ भी तुम कहोगी मैं तुम्हारे लिए करूँगा, क्योंकि मेरे लोगों का सारा कबीला जानता है कि तुम शक्तिशाली स्त्री हो। और अब मैं सचमुच कुटुम्ब-छुड़ानेवाला हूँ, और वास्तव में एक कुटुम्ब-छुड़ानेवाला है जो मुझसे अधिक निकट है। रात बिताओ, और सुबह होगा। अगर वह तुम्हें छुड़ाए, अच्छा, उसे छुड़ाने दो। अगर वह तुम्हें छुड़ाना नहीं चाहता, तो मैं तुम्हें छुड़ाऊँगा। प्रभु जीवित है, सुबह तक सो जाओ।

और वह उसके पैरों के पास सुबह तक सोई रही, लेकिन वह उठ गई इससे पहले कि कोई आदमी अपने पड़ोसी को पहचान सके, और बोअज़ ने कहा, यह जाना न जाए कि एक स्त्री खलिहान में आई थी।

और उसने उससे कहा, अपना ऊपर का कमरबंद लाओ, और उसने उसे पकड़ा, और छः जौ मापा, और उस पर रखा, और वह नगर में गया।

और रूथ अपनी सास के पास गई, और उसने उससे कहा, बेटी, और उसने उसे वह सब बताया जो उस पुरुष ने उसके लिए किया था। और उसने इससे कहा, ये छः जौ उसने मुझे दिए, क्योंकि उसने मुझसे कहा, अपनी सास के पास खाली हाथ मत जाओ। उसने कहा, बैठो बेटी, जब तक

तुम यह न जान लो कि यह बात कैसे होगी, क्योंकि वह पुरुष शांत नहीं बैठेगा जब तक कि आज यह बात पूरी न हो जाए।

4

और बोअज़ द्वार पर गया और वहाँ बैठा, और देखो, वह छुड़ानेवाला गुज़र रहा था जिसके बारे में बोअज़ ने बात की थी, और बोअज़ ने उससे कहा, मित्र, यहाँ मुड़कर बैठो, और वह मुड़ा और बैठ गया। और बोअज़ ने शहर के बुजुर्गों में से दस पुरुषों को लिया, और कहा, यहाँ बैठो, और वे बैठ गए।

और बोअज़ ने रिश्तेदार से कहा, खेत का वह हिस्सा जो हमारे भाई एलीमेलक का था, जो नाओमी को दिया गया है जो मोआब देश से लौट आई है, और मैंने कहा, मैं तुम्हें बताता हूँ, बैठे हुए लोगों के सामने और मेरे लोगों के बुजुर्गों के सामने अधिग्रहण करो। यदि तुम छुड़ाते हो, तो छुड़ाओ, लेकिन यदि तुम नहीं छुड़ाते हो, तो मुझे बताओ, और मैं जान जाऊंगा कि तुम्हारे सिवाय छुड़ाने वाला कोई नहीं है, और तुम्हारे बाद मैं हूँ। उसने कहा, मैं छुड़ाऊंगा, और मैं हूँ, मैं छुड़ाऊंगा। और बोअज़ ने कहा, जिस दिन तुम नाओमी के हाथ से खेत प्राप्त करो और मोआबी स्त्री रूत से, जो मेरे हुए की पत्नी है, उसे भी प्राप्त करना तुम्हारे लिए आवश्यक है, ताकि मेरे हुए का नाम उसकी विरासत पर स्थापित किया जा सके। और निकट संबंधी ने कहा, मैं अपने लिए निकट संबंधी के रूप में कार्य नहीं कर सकूंगा, कहीं ऐसा न हो कि मैं अपनी विरासत को भ्रष्ट कर दूँ। तुम अपने लिए मेरे छुड़ाने के अधिकार का उपयोग करो, क्योंकि मैं निकट संबंधी के रूप में कार्य नहीं कर सकूंगा।

और यह विधान पहले इस्राएल में छुटकारे के अधिकार पर था, और विनिमय पर सब वचन स्थापित करने के लिए, और पुरुष अपना जूता उतारता था, और अपने पड़ोसी को जो छुड़ाने

वाला था उसके छुटकारे के अधिकार को देता था, और यह इस्राएल में गवाही थी। और निकट संबंधी ने बोअज़ से कहा, मेरे छुड़ाने के अधिकार को अपने लिए प्राप्त करो, और उसने अपना जूता हटाया और उसे दिया।

और बोअज़ ने बुजुर्गों और सभी लोगों से कहा, तुम आज गवाह हो कि मैंने नाओमी के हाथ से एलीमेलेक का सब कुछ, और किल्योन और महलोन का जितना कुछ है, वह सब अधिग्रहण किया है। और वास्तव में मैंने मोआबी रूथ को, जो महलोन की पत्नी थी, अपने लिए पत्नी के रूप में अधिग्रहण किया है, ताकि मृतक का नाम उसकी विरासत पर स्थापित किया जा सके, और मृतक का नाम उसके भाइयों में से और उसके लोगों के गोत्र में से नष्ट नहीं किया जाएगा। तुम आज इसके गवाह हो।

और द्वार में उपस्थित सभी लोगों और बुजुर्गों ने कहा, हम गवाह हैं। प्रभु तुम्हारी पत्नी को, जो तुम्हारे घर में प्रवेश कर रही है, राहेल और लिया के समान बनाए, जिन दोनों ने इस्राएल के घराने को बनाया, और एप्रातह में सामर्थ्य दिखाया, और बेतलेहेम में नाम हो। और तेरा घर फारेस के घर के समान हो, जिसे तामार ने यहूदा के लिए जन्म दिया था, उस संतान से जो प्रभु तुझे इस दासी से देगा।

और बोअज़ ने रूथ को लिया, और वह उसकी पत्नी बन गई, और वह उसके पास गया। और प्रभु ने उसे गर्भधारण दिया, और उसने एक पुत्र को जन्म दिया। और महिलाओं ने नाओमी से कहा, धन्य है प्रभु, जिसने आज तुम्हें छुड़ानेवाले से वंचित नहीं किया, और तुम्हारा नाम इस्राएल में पुकारा जाए। और यह तुम्हारी आत्मा को लौटाने वाला होगा, और तुम्हारे सफेद बालों का पोषण करने वाला होगा, क्योंकि तुम्हारी बहू जिसने तुमसे प्रेम किया, उसे जन्म दिया है, जो तुम्हारे लिए सात पुत्रों से भी अधिक अच्छी है। और नाओमी ने बच्चे को लिया, और उसे अपनी गोद में रखा, और वह उसकी धाय बन गई।

और पड़ोसियों ने उसका नाम रखा, कहती हुई, नाओमी के लिए एक पुत्र जन्मा है। और उन्होंने उसका नाम ओबेद रखा; यह यिशै का पिता था, जो दाऊद का पिता था। और ये फारेस की पीढ़ियाँ हैं। फारेस ने हेस्रोन को जन्म दिया, हेज़रोन ने अराम को जन्म दिया, और अराम ने अमीनादाब को जन्म दिया। और अमीनादाब ने नहशोन को जन्म दिया, और नहशोन ने सलमोन को जन्म दिया। और सालमोन ने बोअज़ को जन्म दिया, और बोअज़ ने ओबेद को जन्म दिया, और ओबेद ने यिशै को जन्म दिया, और यिशै ने दाऊद को जन्म दिया।

1 शमूएल

1

एक आदमी था जो अरमथैम सिफा से था, एफ्राइम के पहाड़ से, और उसका नाम एल्काना था, जो यिरमेएल का पुत्र था, जो हेलिउ का पुत्र था, जो थोके का पुत्र था। नसीब एफ्रैम का था। और इसकी दो पत्नियाँ थीं, एक का नाम अन्ना था, और दूसरी का नाम फेन्नाना था। और फेन्नाना के बच्चे थे, और अन्ना के कोई बच्चा नहीं था।

और वह आदमी अपने शहर अरमथैम से दिनों-दिन शीलोह में प्रभु परमेश्वर सबाओत की पूजा करने और बलिदान चढ़ाने जाता था, और वहाँ एली और उसके दो पुत्र होप्री और पीनहास प्रभु के पुजारी थे।

और एक दिन ऐसा हुआ कि एल्काना ने बलिदान किया, और उसने अपनी पत्नी पन्निना को और उसके पुत्रों को हिस्से दिए। और एल्काना ने अन्ना को एक भाग दिया, क्योंकि उसके पास बच्चा नहीं था, सिवाय इसके कि एल्काना अन्ना से इससे अधिक प्रेम करता था, और प्रभु ने उसकी गर्भ को बंद कर दिया था। क्योंकि प्रभु ने उसे उसके कष्ट के अनुसार बच्चा नहीं दिया था, और उसके कष्ट की निराशा के अनुसार, और वह इस कारण निराश थी क्योंकि प्रभु ने उसके गर्भाशय को

बंद कर दिया था ताकि उसे बच्चा न दे सकें। इस प्रकार वह प्रतिवर्ष करती थी, जब वह प्रभु के घर जाती थी, और वह निराश होती थी, और रोती थी, और नहीं खाती थी।

और एल्काना ने, जो उसका पति था, अन्ना से कहा, और उसने उससे कहा, देखो मैं यहाँ हूँ, स्वामी, और उसने उससे कहा, तुम्हें क्या हुआ है कि तुम रोती हो? और तुम क्यों नहीं खाती हो? और तुम्हारा हृदय तुम्हें क्यों दुखाता है? क्या मैं तुम्हारे लिए दस बच्चों से बेहतर नहीं हूँ?

और अन्ना उनके शीलोह में खाने के बाद उठी, और वह प्रभु के सामने खड़ी हुई, और एली पुजारी प्रभु के मंदिर की चौखटों पर आसन पर बैठा था।

और वह आत्मा में दुःखी थी, और उसने प्रभु से प्रार्थना की, और रोती हुई फूट-फूट कर रोई। और उसने प्रभु से प्रतिज्ञा की, यह कहते हुए, हे अदोनाई, हे प्रभु एलोए सबाओथ, यदि तू अपनी दासी की दीनता पर दृष्टि करेगा और मुझे याद रखेगा, और अपनी दासी को पुत्र देगा, तो मैं उसे तेरे सामने समर्पित करूँगी उसकी मृत्यु के दिन तक, और वह न दाखरस पिएगा न मादक पेय, और उसके सिर पर लोहा नहीं चढ़ेगा।

और ऐसा हुआ कि जब वह प्रभु के सामने बहुत प्रार्थना करती रही, तो एली पुजारी उसके मुँह को देखता रहा। और वह अपने हृदय में बोल रही थी, और उसके होंठ हिल रहे थे, और उसकी आवाज़ सुनी नहीं गई, और एली ने उसे नशे में धुत्त स्त्री समझा। और एली ने उससे कहा, कब तक तुम नशे में रहोगी? अपनी शराब हटाओ, और प्रभु के सामने से जाओ। और अन्ना ने उत्तर दिया और कहा, नहीं स्वामी, मैं कठोर दिन की स्त्री हूँ, और मैंने दाखरस और नशीला पेय नहीं पिया है, और मैं अपनी आत्मा प्रभु के सामने उंडेलूँगी। अपनी दासी को हानिकारक बेटी में मत बदलो, क्योंकि मैंने अपनी व्यर्थ बातों की बहुतायत से अब तक विस्तार किया है। और एली ने उत्तर दिया, और उससे कहा, शांति से जाओ, इस्राएल का परमेश्वर तुम्हें तुम्हारी हर विनती दे, जो तुमने उससे मांगी। और उसने कहा, आपकी दासी को आपकी दृष्टि में कृपा मिली। और वह स्त्री

अपने मार्ग पर चली गई, और अपने निवास में प्रवेश की, और अपने पति के साथ खाया और पिया, और उसका चेहरा फिर उदास नहीं रहा।

और वे सुबह जल्दी उठते हैं और प्रभु को प्रणाम करते हैं, और वे अपने रास्ते जाते हैं, और एल्काना अपने घर अरमथैम में प्रवेश करता है, और उसने अपनी पत्नी अन्ना को जाना, और प्रभु ने उसे याद किया, और वह गर्भवती हुई। और दिनों के समय में ऐसा हुआ कि उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम शमूएल रखा, और कहा, क्योंकि मैंने उसे सेनाओं के प्रभु परमेश्वर से माँगा था।

और एल्काना नामक व्यक्ति और उसका सारा घराना शीलो में दिनों का बलिदान चढ़ाने, और अपनी प्रार्थनाएं चढ़ाने, और अपनी भूमि के सब दशमांश चढ़ाने गया। और अन्ना उसके साथ ऊपर नहीं गई, क्योंकि उसने अपने पति से कहा, बालक के ऊपर जाने तक, यदि मैं इसे दूध छुड़ा दूँ, और प्रभु के मुख को देखा जाएगा, और वह वहाँ युग तक बैठेगा। और एल्काना, उसके पति ने उससे कहा, जो तुम्हारी दृष्टि में अच्छा है वह करो, तब तक ठहरो जब तक तुम उसे दूध छुड़ा न दो, केवल प्रभु तुम्हारे मुँह से निकली बात को स्थापित करे। और वह स्त्री ठहरी रही और अपने पुत्र को दूध पिलाती रही, जब तक उसने उसे दूध नहीं छुड़ा दिया।

और वह उसके साथ शीलोह गई तीन वर्ष के बछड़े में, और रोटियों में, और एपा महीन आटे में, और दाखरस के चमड़े में, और प्रभु के घर में शीलोह में प्रवेश की, और वह बालक उनके साथ। और उन्होंने प्रभु के सामने लाया, और उसके पिता ने बलिदान वध किया जो वह दिनों से दिनों तक प्रभु को बनाता था, और बालक को लाया, और बछड़े को वध किया, और बालक की माता अन्ना एली के पास लाई। और उसने कहा, हे स्वामी, आपकी आत्मा की शपथ, मैं वही स्त्री हूँ जो यहाँ आपके सामने आपके साथ प्रभु से प्रार्थना करने के लिए खड़ी थी। इस बच्चे के लिए मैंने प्रार्थना की, और प्रभु ने मुझे मेरी विनती दी जो मैंने उससे माँगी थी। और मैं उसे प्रभु को समर्पित करूँगा सभी दिनों के लिए जो वह जीवित रहेगा, प्रभु की सेवा के लिए, और उसने कहा,

2

मेरा हृदय प्रभु में दृढ़ हुआ, मेरा सींग मेरे परमेश्वर में ऊंचा उठाया गया, मेरे शत्रुओं के विरुद्ध मेरा मुख खुला, और मैं तेरे उद्धार में आनन्दित हुआ। क्योंकि प्रभु के समान कोई पवित्र नहीं है, और हमारे परमेश्वर के समान कोई धर्मी नहीं है, तुम्हारे सिवाय कोई पवित्र नहीं है। घमंड मत करो, और ऊँची बातें मत बोलो, तुम्हारे मुँह से घमंडी बातें न निकलें, क्योंकि परमेश्वर ज्ञान का प्रभु है, और परमेश्वर अपने कार्यों को तैयार करता है। शक्तिशालियों का धनुष कमजोर हो गया, और कमजोर लोगों ने शक्ति से अपनी कमर बांधी। रोटियों से भरे हुए लोग कम हो गए, और भूखे लोगों ने भूमि छोड़ दी, क्योंकि बांझ ने सात को जन्म दिया, और जो बच्चों में समृद्ध थी वह कमजोर हो गई। प्रभु मृत्यु देते हैं और जीवन देते हैं, अधोलोक में ले जाते हैं और ऊपर ले आते हैं। प्रभु गरीब बनाता है और धनी बनाता है, नीचा करता है और ऊंचा उठाता है। पृथ्वी से गरीब आदमी को उठाता है, और गोबर से गरीब को उठाता है, लोगों के शासकों के साथ बैठाने के लिए, और उन्हें महिमा का सिंहासन विरासत में देते हुए, प्रार्थना करने वाले को मन्नत देता हुआ, और न्यायी के वर्षों को आशीर्वाद दिया, क्योंकि पुरुष शक्ति में संक्षम नहीं है। प्रभु अपने शत्रु को दुर्बल करेगा, प्रभु पवित्र है। बुद्धिमान अपनी बुद्धि पर घमंड न करे, और सामर्थ्यवान अपने सामर्थ्य पर घमंड न करे, और धनी अपने धन पर घमंड न करे, लेकिन घमंड करने वाला इस पर घमंड करे: प्रभु को समझना और जानना, और पृथ्वी के बीच न्याय और धार्मिकता करना। प्रभु स्वर्गों में चढ़ा, और गरजा, वह पृथ्वी के छोरों का न्याय करेगा, और हमारे राजाओं को शक्ति देता है, और अपने मसीह के सींग को ऊंचा करेगा।

और उसने उसको वहाँ प्रभु के सामने छोड़ दिया, और अरमथैम को चला गया, और वह बालक एली पुजारी के सामने प्रभु के चेहरे की सेवा करता हुआ था। और एली पुजारी के पुत्र विपत्तियाँ थे, जो प्रभु को नहीं जानते थे। और पुजारी का अधिकार सब बलिदान करने वाले लोगों से था, और पुजारी का सेवक आता था जब मांस पकाया जाता था, और उसके हाथ में तीन नोकों वाला

मांस का कांटा होता था और उसने उसे बड़ी हांडी में या कांसे के बर्तन में या हांडी में मारा, और जो कुछ भी मांस के कांटे में ऊपर आया, पुजारी ने अपने लिए ले लिया। इन बातों के अनुसार वे सब इस्राएल के उन लोगों के साथ करते थे जो शीलो में प्रभु को बलिदान करने आते थे। और इससे पहले कि चर्बी धूप के रूप में जलाई जाती, पुजारी का बालक आता था, और बलिदान करने वाले आदमी से कहता था, पुजारी के लिए भूनने के लिए मांस दो, और मैं तुमसे हांडी से उबला हुआ मांस नहीं लूंगा। और बलिदान करने वाला पुरुष कह रहा था, पहले चर्बी को धूप के रूप में जलाया जाए जैसा उचित है, और फिर अपने लिए वह सब ले लो जो तुम्हारी आत्मा चाहती है, और उसने कहा, नहीं, क्योंकि तुम अभी दोगे, और यदि नहीं, तो मैं बलपूर्वक ले लूंगा। और युवा पुरुषों का पाप प्रभु के सामने अत्यधिक महान था, क्योंकि वे प्रभु के बलिदान को अस्वीकार करते थे।

और शमूएल प्रभु के सामने सेवा करता हुआ था, एक बालक जो मलमल का एपोद कमर में बांधे हुए था, और उसकी माता ने उसके लिए एक छोटा चोगा बनाया, और प्रतिवर्ष उसे यह लाकर देती थी जब वह अपने पति के साथ वार्षिक बलिदान चढ़ाने जाती थी। और एली ने एल्काना और उसकी पत्नी को आशीर्वाद दिया, कहते हुए, प्रभु तुझे इस स्त्री से संतान दे, उस ऋण के बदले जो तूने प्रभु को दिया। और वह पुरुष अपने स्थान को चला गया।

और प्रभु ने हन्ना का दौरा किया, और उसने तीन पुत्रों और दो पुत्रियों को जन्म दिया, और बालक शमूएल प्रभु के सामने महान किया गया।

और एली बहुत बूढ़ा था, और उसने सुना जो उसके पुत्र इस्राएल के पुत्रों के साथ करते थे। और उन्होंने उनसे कहा, तुम यह बात क्यों करते हो जो मैं प्रभु के सभी लोगों के मुख से सुनता हूँ? हे बच्चों, ऐसा मत करो, क्योंकि जो बात मैं सुनता हूँ वह अच्छी नहीं है, क्योंकि जो खबरें मैं सुनता हूँ वे अच्छी नहीं हैं कि लोग परमेश्वर की सेवा नहीं कर रहे हैं। यदि कोई पुरुष दूसरे पुरुष के विरुद्ध पाप करे, तो वे उसके लिए प्रभु से प्रार्थना करेंगे, परन्तु यदि वह प्रभु के विरुद्ध पाप करे,

तो उसके लिए कौन प्रार्थना करेगा? और उन्होंने अपने पिता की आवाज़ नहीं सुनी, क्योंकि प्रभु उन्हें नष्ट करना चाहते थे। और बालक शमूएल बढ़ता जा रहा था, और प्रभु और मनुष्यों के साथ अच्छा था।

और परमेश्वर का आदमी एली के पास आया, और कहा, प्रभु यह कहता है: मैं तुम्हारे पिता के घराने पर प्रकट हुआ था, जब वे मिस्र देश में फिरौन के घर के दास थे। और मैंने तुम्हारे पिता के घर को इस्राएल के सब कबीलों में से चुना कि मेरे लिए याजक की सेवा करें, मेरी वेदी पर चढ़ें, धूप जलाएं, और एपोद धारण करें, और मैंने तुम्हारे पिता के घर को इस्राएल के पुत्रों की आग की सब भेंटें भोजन के लिए दीं। और तुमने मेरे धूप और मेरे बलिदान को निर्लज्ज आँख से क्यों देखा? और तुमने अपने पुत्रों को मुझसे अधिक महिमा दी कि इस्राएल के सब बलिदानों के प्रथम फलों से मेरे सामने आशीर्वादित हों? इस कारण प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, ये बातें कहता है: मैंने कहा था कि तेरा घर और तेरे पिता का घर मेरे सामने सदा तक सेवा करता रहेगा, परन्तु अब प्रभु कहता है, ऐसा कदापि नहीं होगा, क्योंकि जो मेरी महिमा करते हैं उन्हें मैं महिमा दूंगा, और जो मुझे तुच्छ जानता है वह अपमानित किया जाएगा।

देखो, वे दिन आ रहे हैं, और मैं तेरे वंश को और तेरे पिता के घर के वंश को नष्ट कर दूँगा। और मेरे घर में तुझे कभी बूढ़ा आदमी नहीं होगा। और मैं तुम्हारे लिए मेरी वेदी से एक पुरुष को नष्ट नहीं करूँगा, ताकि उसकी आंखें विफल हों और उसकी आत्मा बह जाए, और तुम्हारे घर के सब बच्चे हुए लोग पुरुषों की तलवार से गिरेंगे। और यह तेरे लिए वह चिन्ह होगा जो तेरे दो पुत्रों, होफनी और फीनहास पर आएगा, एक ही दिन में दोनों मर जाएंगे। और मैं अपने लिए एक विश्वासयोग्य पुजारी खड़ा करूँगा, जो वह सब करेगा जो मेरे हृदय में और मेरी आत्मा में है, और मैं उसके लिए एक विश्वासयोग्य घर बनाऊँगा, और वह मेरे मसीह के सामने सब दिन चलेगा। और जो तेरे घर में बचा रहेगा, वह चांदी के एक ओबोल के लिए उसे प्रणाम करने आएगा, यह कहते हुए, मुझे तेरे किसी एक पुरोहित पद पर रख दे ताकि मैं रोटी खा सकूँ।

3

और बालक शमूएल प्रभु की सेवा याजक एली के सामने करता था, और उन दिनों में प्रभु का वचन बहुमूल्य था, कोई दर्शन प्रकट नहीं होता था।

और उस दिन ऐसा हुआ कि एली अपने स्थान में सो रहा था, और उसकी आँखें भारी होने लगी थीं, और वे देख नहीं सकती थीं। और परमेश्वर का दीपक तैयार किए जाने से पहले, और शमूएल मंदिर में सो रहा था, जहाँ परमेश्वर का सन्दूक था। और प्रभु ने बुलाया, शमूएल, शमूएल, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और वह एली की ओर दौड़ा, और कहा, देखिए मैं यहाँ हूँ, क्योंकि आपने मुझे बुलाया है। और उसने कहा, मैंने तुम्हें नहीं बुलाया, लौट जाओ, सो जाओ। और वह लौटा और सो गया। और प्रभु ने फिर बुलाया, शमूएल, शमूएल, और वह दूसरी बार एली के पास गया, और कहा, देखो मैं यहाँ हूँ, क्योंकि आपने मुझे बुलाया है, और उसने कहा, मैंने तुझे नहीं बुलाया, लौट जा, सो जा। और शमूएल ने परमेश्वर को जानने से पहले, और प्रभु का वचन उस पर प्रकट होने से पहले। और प्रभु ने तीसरी बार शमूएल को बुलाया, और वह उठा और एली के पास गया, और कहा, देखो मैं यहाँ हूँ, क्योंकि आपने मुझे बुलाया है, और एली समझ गया कि प्रभु ने लड़के को बुलाया है। और उसने कहा, लौट जा, सो जा बच्चे, और ऐसा होगा कि अगर वह तुझे बुलाए, तो तू कहना, बोलिए, क्योंकि आपका दास सुनता है। और शमूएल गया, और अपने स्थान पर सो गया। और प्रभु आए और खड़े हुए, और उन्होंने उसे पहले की तरह एक बार और एक बार बुलाया, और शमूएल ने कहा, बोलिए, क्योंकि आपका दास सुन रहा है।

और प्रभु ने शमूएल से कहा, देखो, मैं इस्राएल में अपने वचन पूरे करूँगा, जिन्हें सुनकर सुनने वाले के दोनों कान गूँज उठेंगे। उस दिन मैं एली पर वह सब कुछ लागू करूँगा जो मैंने उसके घर के विषय में कहा था; मैं आरंभ करूँगा और पूर्ण करूँगा। और मैंने उसे घोषणा की है कि मैं उसके घर को युगों तक दंड दूँगा उसके पुत्रों के अन्यायों के कारण, क्योंकि उसके पुत्र परमेश्वर की निंदा

करते थे, और उसने उन्हें चेतावनी नहीं दी। और मैंने एली के घर को यह शपथ दिलाई है कि एली के घर का अन्याय धूप और बलिदानों से युगों तक प्रायश्चित नहीं किया जाएगा।

और शमूएल सुबह तक सोता रहा, और सुबह में जल्दी उठा और प्रभु के घर के द्वार खोले, और शमूएल दर्शन बताने से डरा। और एली ने सैमुअल से कहा, सैमुअल बेटा, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ। और उसने कहा, वह क्या शब्द है जो तुमसे कहा गया? मुझसे मत छिपाओ, ईश्वर तुम्हारे साथ ऐसा करे और इससे भी अधिक जोड़े, यदि तुम मुझसे उन सब शब्दों में से कोई शब्द छिपाओ जो तुम्हारे कानों में कहे गए। और शमूएल ने सब शब्द बताए और उसने उससे कुछ नहीं छिपाया, और एली ने कहा, वह प्रभु है; जो उसकी दृष्टि में अच्छा है वह करेगा।

और शमूएल महान हुआ, और प्रभु उसके साथ था, और उसके सब वचनों में से एक भी भूमि पर नहीं गिरा। और दान से लेकर बेशेबा तक सारे इस्राएल ने जान लिया कि शमूएल प्रभु के लिए एक विश्वासयोग्य भविष्यवक्ता है। और प्रभु ने शीलोह में प्रकट होना जारी रखा, क्योंकि प्रभु शमूएल के सामने प्रकट हुए, और शमूएल पर विश्वास किया गया कि वे प्रभु के भविष्यवक्ता बनें, पूरे इस्राएल में पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक, और एली अत्यधिक बूढ़े थे, और उनके पुत्र चलते रहे, और उनका मार्ग प्रभु के सामने बुरा था।

4

और उन दिनों में ऐसा हुआ कि विदेशी इस्राएल पर युद्ध के लिए इकट्ठा हुए, और इस्राएल उनसे मिलने के लिए युद्ध में निकला, और वे एबेनेजेर पर डेरा डाले, और विदेशी अपेक में डेरा डाले। और विदेशी इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध हुए, और युद्ध पलट गया, और इस्राएल का पुरुष विदेशियों के सामने लड़खड़ाया, और मैदान में युद्ध पंक्ति में चार हजार पुरुष मारे गए।

और लोग शिविर में आए, और इस्राएल के बुजुर्गों ने कहा, प्रभु ने आज विदेशियों के सामने हमें क्यों ठोकर खिलाई? आओ, हम अपने परमेश्वर के सन्दूक को शीलो से ले आएँ, और वह हमारे बीच से निकले, और हमें हमारे शत्रुओं के हाथ से बचाए।

और लोगों ने शीलो में भेजा, और वहाँ से प्रभु के सन्दूक को उठाया जो करूबों पर विराजमान है, और एली के दोनों पुत्र, होप्पी और पीनहास, सन्दूक के साथ थे। और ऐसा हुआ कि जब प्रभु का सन्दूक शिविर में आया, तो सारा इस्राएल बड़ी आवाज़ से चिल्लाया, और भूमि गूँज उठी। और विदेशियों ने चिल्लाहट सुनी, और विदेशियों ने कहा, यह महान चिल्लाहट इब्रानियों के शिविर में क्या है? और उन्होंने जाना कि प्रभु का सन्दूक शिविर में आया है। और विदेशी डर गए और बोले, ये देवता उनके शिविर में आ गए हैं। हाय हमें! हे प्रभु, आज हमें छुड़ा, क्योंकि ऐसा कल और परसों नहीं हुआ था। हाय हमें! कौन हमें इन शक्तिशाली देवताओं के हाथ से छुड़ाएगा? ये वही देवता हैं जिन्होंने मिस्र को हर विपत्ति से और रेगिस्तान में मारा। मजबूत बनो और पुरुष बनो, हे विदेशियों, ताकि तुम इब्रानियों की सेवा न करो, जैसे उन्होंने हमारी सेवा की, और पुरुष बनो, और उनसे लड़ो।

और उन्होंने उनसे युद्ध किया, और इस्राएल का पुरुष पराजित हुआ, और प्रत्येक अपने तंबू को भाग गया, और बहुत बड़ी मार हुई, और इस्राएल की सेना के तीस हजार सैनिक गिरे। और परमेश्वर का सन्दूक ले लिया गया, और एली के दोनों पुत्र, होप्पी और पीनहास, मर गए।

और एक बिन्यामीनी पुरुष युद्ध पंक्ति से दौड़ा, और उस दिन शीलो में आया, और उसके वस्त्र फटे हुए थे, और उसके सिर पर मिट्टी थी। और वह आया, और देखो एली द्वार के बगल में सीट पर बैठा रास्ते को देख रहा था, क्योंकि उसका हृदय परमेश्वर के सन्दूक के बारे में चिंतित था, और वह आदमी शहर में सूचना देने के लिए प्रवेश किया, और शहर चिल्ला उठा। और एली ने चिल्लाहट की आवाज़ सुनी, और बोला, यह किसकी चिल्लाहट की आवाज़ है? और वह आदमी जल्दी करते हुए अंदर आया, और एली को बताया। और एली नब्बे वर्ष का था, और उसकी आँखें

धुंधली हो गई थीं, और वह देख नहीं सकता था। और एली ने अपने चारों ओर खड़े पुरुषों से कहा, यह किस ध्वनि की आवाज़ है? और वह आदमी जल्दी करते हुए एली के पास आया, और उसने उससे कहा, मैं वह हूँ जो शिविर से आया है, और मैं आज युद्ध-पंक्ति से भाग आया हूँ। और एली ने कहा, क्या हुआ है, बच्चे? और बालक ने उत्तर दिया और कहा, इस्राएल का पुरुष विदेशियों के चेहरे से भाग गया था, और लोगों में बड़ी मार हुई, और तेरे दोनों पुत्र मर गए हैं, और परमेश्वर का सन्दूक लिया गया। और ऐसा हुआ कि जब उसने परमेश्वर के सन्दूक को याद किया, तो वह सीट से पीछे की ओर गिर गया जबकि द्वार को पकड़े हुए था, और उसकी पीठ टूट गई, और वह मर गया, क्योंकि वह आदमी बूढ़ा और भारी था, और उसने इस्राएल का न्याय बीस वर्ष तक किया था।

और फीनहास की पत्नी, जो गर्भवती थी और जन्म देने वाली थी, उसने यह संदेश सुना कि परमेश्वर का सन्दूक ले लिया गया है, और यह कि उसके ससुर और उसके पति की मृत्यु हो गई है, और वह रो पड़ी और उसने जन्म दिया, क्योंकि उस पर प्रसव पीड़ाएँ आ गई थीं। और उसके समय में वह मरती है, और उसके पास खड़ी हुई स्त्रियों ने उससे कहा, मत डरो, क्योंकि तुमने पुत्र को जन्म दिया है, और उसने उत्तर नहीं दिया, और उसके हृदय ने नहीं समझा। और उसने बालक को ऊआइबारखाबोथ बुलाया परमेश्वर के सन्दूक के लिए, और उसके ससुर के लिए, और उसके पति के लिए। और उन्होंने कहा, इस्राएल की महिमा निर्वासित हो गई है क्योंकि प्रभु का सन्दूक ले लिया गया है।

5

और विदेशियों ने परमेश्वर के सन्दूक को लिया, और उसे एबेनेजेर से अजोतुस में लाए। और विदेशियों ने प्रभु के सन्दूक को लिया, और उसे दागोन के घर में लाए, और उसे दागोन के पास खड़ा किया। और अजोतवासियों ने सवेरे उठकर दागोन के मन्दिर में प्रवेश किया, और देखा, और

देखो, दागोन परमेश्वर के सन्दूक के सामने अपने मुँह के बल गिरा पड़ा था। उन्होंने दागोन को उठाया और उसे उसके स्थान पर स्थापित किया। और प्रभु का हाथ अजोतवासियों पर भारी पड़ा, और उसने उन्हें पीड़ित किया, और उन्हें उनके गुप्तांगों में मारा, अजोतुस को और उसकी सीमाओं को। और ऐसा हुआ कि जब वे सुबह में जल्दी उठे, तो देखो, दागोन प्रभु की वाचा के सन्दूक के सामने अपने मुँह के बल गिरा हुआ था, और दागोन का सिर और उसके दोनों हाथ देहली पर कटे हुए थे, और उसके दोनों हाथ देहली पर गिरे हुए थे, केवल दागोन की धड़ ही बची रही। इस कारण दागोन के पुजारी और दागोन के घर में प्रवेश करने वाला हर व्यक्ति, अजोतुस में दागोन के घर की देहलीज पर आज के दिन तक पैर नहीं रखते हैं, क्योंकि वे उसे लांघते हुए लांघते हैं।

और प्रभु का हाथ अजोतुस पर भारी पड़ा, और उसने उन पर विपत्ति लाई, और उनके जहाजों में रोग फैला, और उनकी भूमि के बीच में चूहे उग आए, और नगर में मृत्यु का महान भ्रम हुआ। और अजोतुस के लोगों ने देखा कि ऐसा हुआ, और वे कहते हैं, इस्राएल के परमेश्वर का सन्दूक हमारे साथ नहीं रहेगा, क्योंकि उसका हाथ हम पर और हमारे देवता दागोन पर कठोर है। और वे भेजते हैं और विदेशियों के सातरापों को अपने पास इकट्ठा करते हैं, और वे कहते हैं, हम इस्राएल के परमेश्वर के सन्दूक का क्या करें? और गतवासी कहते हैं, परमेश्वर का सन्दूक हमारे पास आए, और इस्राएल के परमेश्वर का सन्दूक गत में आया।

और ऐसा हुआ कि उसके जाने के बाद, प्रभु का हाथ शहर पर पड़ा, बहुत बड़ी गड़बड़ी हुई, और उसने शहर के आदमियों को छोटे से लेकर बड़े तक मारा, और उन्हें उनकी सीटों पर मारा, और गितियों ने अपने लिए सीटें बनाईं।

और उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को अशकलोन में भेजा, और ऐसा हुआ कि जब परमेश्वर का सन्दूक अशकलोन में प्रवेश किया, तो अशकलोनवासी चिल्लाए और कहने लगे, क्या आप लोगों ने इस्राएल के परमेश्वर के सन्दूक को हमारी ओर वापस मोड़ दिया है कि हमें और हमारे लोगों को मार डाले? और उन्होंने विदेशियों के सातरापों को बुलाया और इकट्ठा किया, और कहा, इस्राएल

के परमेश्वर के सन्दूक को भेज दो और इसे अपने स्थान पर रखने दो, और यह हमें और हमारे लोगों को न मारे, क्योंकि सम्पूर्ण नगर में बहुत भारी भ्रम हुआ, जब इस्राएल के परमेश्वर का सन्दूक वहाँ आया। और जो जीवित थे और नहीं मरे थे, वे अपनी सीटों पर मारे गए, और शहर की चीख स्वर्ग तक पहुँची।

6

और वह सन्दूक विदेशियों के खेत में सात महीने रहा, और उनकी भूमि चूहों से भर गई। और विदेशी लोग अपने पुजारियों, भविष्यवक्ताओं और जादूगरों को बुलाते हैं, यह कहते हुए, हम प्रभु के सन्दूक के साथ क्या करें? हमें बताओ कि हम इसे इसके स्थान पर कैसे भेजें। और उन्होंने कहा, यदि तुम प्रभु परमेश्वर इस्राएल की वाचा के सन्दूक को भेज रहे हो, तो इसे खाली मत भेजो, बल्कि इसके साथ दोष बलि अवश्य लौटाओ, और तब तुम चंगे हो जाओगे, और तुम्हारे लिए प्रायश्चित्त किया जाएगा। क्या उसका हाथ तुम से नहीं हटेगा? और वे कहते हैं, यह पीड़ा का प्रायश्चित्त हम इसे क्या वापस देंगे? और उन्होंने कहा, विदेशी राज्यपालों की संख्या के अनुसार पाँच सोने की सीटें, क्योंकि अपराध तुममें और तुम्हारे शासकों में और लोगों में है। और तुम्हारे चूहों की समानता में सुनहरे चूहे बनाओ जो भूमि को नष्ट कर रहे हैं, और प्रभु को महिमा दो, ताकि वह अपना हाथ तुम से, तुम्हारे देवताओं से, और तुम्हारी भूमि से हल्का करे। और तुम अपने हृदयों को क्यों कठोर करते हो, जैसे मिस्र और फिरोन ने अपने हृदय को कठोर किया था? क्या जब उसने उनका उपहास किया, तब उन्होंने उनको भेज नहीं दिया और वे चले नहीं गए?

और अब एक नई गाड़ी लो और बनाओ, और दो बैल जो पहली बार बच्चे दे चुकी हों, बिना उनके बच्चों के, और उन बैलों को गाड़ी में जोतो, और उनके बच्चों को उनके पीछे से घर ले जाओ। और तुम सन्दूक को लोगे और उसे गाड़ी पर रखोगे, और सोने के बर्तनों को प्रायश्चित्त के रूप में उसे वापस दोगे, और उसके एक भाग से बेरसेख्यान नामक स्थान में रखोगे, और उसे भेज दोगे, और

उसे हाँक कर दूर करोगे, और तुम चले जाओगे। और तुम देखोगे, अगर वह बेथशेमेश की सीमाओं के रास्ते पर जाएगी, तो उसने ही हमें यह महान बुराई की है, और अगर नहीं, तो हम जानेंगे कि उसके हाथ ने हमें नहीं छुआ है, बल्कि यह हमारे लिए एक संयोग हुआ है।

और विदेशियों ने ऐसा ही किया, और उन्होंने दो पहली बार बच्चा देने वाली गायें लीं, और उनको गाड़ी में जोता, और उनके बच्चों को घर में रोक दिया। और उन्होंने प्रभु के सन्दूक को गाड़ी पर रखा, और पेटी और सोने के चूहों को। और गायों ने बेथ शेमेश के रास्ते में एक पथ पर सीधे चलकर पार किया, वे चलती रहीं और परिश्रम करती रहीं, और न दाएं मुड़ीं न बाएं, और विदेशियों के सातराप उनके पीछे बेथ शेमेश की सीमाओं तक गए। और जो बेथशेमेश में थे, वे घाटी में गेहूं की फसल काट रहे थे, और उन्होंने अपनी आँखें उठाई, और प्रभु के सन्दूक को देखा, और उससे मिलने के लिए आनन्दित हुए। और वह गाड़ी होशे के खेत में प्रवेश की, जो बेथ शेमेश में था, और वे वहाँ एक बड़े पत्थर के पास खड़े हुए, और उन्होंने गाड़ी की लकड़ियाँ फाड़ीं, और बैलों को प्रभु के लिए होमबलि के रूप में चढ़ाया। और लेवियों ने प्रभु के सन्दूक को चढ़ाया, और उसके साथ थेमा एर्गाब को, और उस पर के सोने के बर्तनों को, और उन्हें उस बड़े पत्थर पर रखा, और बेथशेमेश के पुरुषों ने उस दिन प्रभु को होमबलि और बलिदान चढ़ाए। और विदेशियों के पाँच सातराप ने देखा, और उसी दिन अशकलोन लौट गए।

और ये सुनहरी सीटें हैं जो विदेशियों ने पीड़ा के प्रसाद के रूप में प्रभु को लौटाई: अजोतुस की एक, गाजा की एक, अशकलोन की एक, गत की एक, एक्रोन की एक। और सुनहरे चूहे पलिश्तियों के पाँचों सरदारों के सभी नगरों की संख्या के अनुसार थे, दृढ़ नगर से लेकर फरिज्जी के गाँव तक, और उस बड़े पत्थर तक जिस पर उन्होंने प्रभु की वाचा का सन्दूक रखा था, जो बेथ-शेमेश के होशे के खेत में था।

और यिकुन्याह के पुत्र बेथ शेमेश के पुरुषों में प्रसन्न नहीं हुए, क्योंकि उन्होंने प्रभु के सन्दूक को देखा था, और उसने उनमें से सत्तर पुरुषों को और पचास हजार पुरुषों को मारा, और लोग शोक

करने लगे, क्योंकि प्रभु ने लोगों को अत्यधिक बड़ा प्रहार किया था। और बेथशेमेश के पुरुषों ने कहा, कौन इस पवित्र परमेश्वर प्रभु के सामने जाने के योग्य होगा? और प्रभु का सन्दूक हमारे यहाँ से किसके पास जाएगा?

और उन्होंने किरियत-यारीम के निवासियों के पास दूत भेजे, यह कहते हुए कि विदेशियों ने प्रभु के सन्दूक को लौटा दिया है, आओ और उसे अपने पास ले जाओ।

7

और किरियत यारीम के पुरुष आए, और प्रभु की वाचा के सन्दूक को ऊपर लाए, और उसे पहाड़ी पर अमीनादाब के घर में ले आए, और उन्होंने उसके पुत्र एलाजार को प्रभु की वाचा के सन्दूक की रक्षा करने के लिए पवित्र किया।

और ऐसा हुआ कि जिस दिन से वह सन्दूक किरियत-यारीम में था, दिन बहुत हो गए, और बीस वर्ष हो गए, और इस्राएल का सारा घराना प्रभु की ओर फिरा। और शमूएल ने इस्राएल के सब घराने से कहा, यदि तुम अपने संपूर्ण हृदय से प्रभु की ओर लौटते हो, तो विदेशी देवताओं को अपने बीच से हटाओ, और उपवनों को भी, और अपने हृदयों को प्रभु की ओर तैयार करो, और केवल उसी की सेवा करो, और वह तुम्हें विदेशियों के हाथ से छुड़ाएगा। और इस्राएल के पुत्रों ने बाल और अशतारोत के वनों को हटाया, और केवल प्रभु की सेवा की।

और शमूएल ने कहा, सब इस्राएलियों को मिस्र में इकट्ठा करो, और मैं तुम्हारे लिए प्रभु से प्रार्थना करूंगा। और वे मिस्र में एकत्रित हुए, और उन्होंने पानी खींचा, और उसे प्रभु के सामने भूमि पर उंडेला, और उस दिन उन्होंने उपवास किया, और उन्होंने कहा, हमने प्रभु के सामने पाप किया है, और शमूएल ने मिस्र में इस्राएल के पुत्रों का न्याय किया।

और विदेशियों ने सुना कि इस्राएल के सब पुत्र मिस्र में एकत्र हुए थे, और विदेशियों के सूबेदार इस्राएल पर चढ़े, और इस्राएल के पुत्रों ने सुना, और वे विदेशियों के चेहरे से डर गए। और इस्राएल के पुत्रों ने शमूएल से कहा, हमारे लिए अपने प्रभु परमेश्वर को पुकारने से चुप मत रहना, और वह हमें विदेशियों के हाथ से बचाएगा। और शमूएल ने एक दूध पीता मेमना लिया, और उसे सब लोगों के साथ प्रभु को होमबलि के रूप में चढ़ाया, और शमूएल ने इस्राएल के विषय में प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने उसकी सुनी। और शमूएल होम बलि चढ़ा रहा था, और विदेशी लोग इस्राएल पर युद्ध करने के लिए पास आ रहे थे, और प्रभु ने उस दिन विदेशी लोगों पर बड़ी आवाज़ में गरज की, और वे घबरा गए और इस्राएल के सामने हार गए। और इस्राएल के पुरुष मिस्र से निकले, और उन्होंने विदेशियों का पीछा किया, और उन्हें बेथ-कार के नीचे तक मारा।

और शमूएल ने एक पत्थर लिया, और उसे मिस्र और पुराने के बीच स्थापित किया, और उसका नाम एबेनेज़र रखा, अर्थात् सहायक का पत्थर, और कहा, यहाँ तक प्रभु ने हमारी सहायता की।

और प्रभु ने विदेशियों को विनम्र किया, और उन्होंने फिर इस्राएल की सीमा में पहुंचने का प्रयास नहीं किया, और प्रभु का हाथ शमूएल के सब दिनों में विदेशियों पर रहा। और वे शहर जो विदेशियों ने इस्राएल के पुत्रों से लिए थे, वे लौटा दिए गए, और उन्होंने उनको इस्राएल को अश्वकलोन से अज़ोब तक लौटा दिया, और इस्राएल ने अपनी सीमा विदेशियों के हाथ से छीन ली, और इस्राएल और अमोरी के बीच शांति थी।

और शमूएल ने अपने जीवन के सभी दिनों तक इस्राएल का न्याय किया। और वह प्रति वर्ष जाता था, और बेथेल और गिलगाल और मिस्र के चारों ओर घूमता था, और इन सब पवित्र स्थानों में इस्राएल का न्याय करता था। और वह अरमथैम को लौटता था, क्योंकि वहाँ उसका घर था, और वहाँ वह इस्राएल का न्याय करता था, और उसने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई।

और ऐसा हुआ कि जब शमूएल बूढ़ा हुआ, तो उसने अपने पुत्रों को इस्राएल के लिए न्यायाधीश नियुक्त किया। और ये उसके पुत्रों के नाम थे, पहलौठा योएल, और दूसरे का नाम अबिय्याह, जो बेशेबा में न्यायाधीश थे। और उसके पुत्र उसके मार्ग पर नहीं चले, और वे पूर्णता से पीछे हट गए, और उपहार लेते थे, और न्याय को विकृत करते थे।

और इस्राएल के पुरुष इकट्ठा होते हैं, और अरमथैम में शमूएल के पास आते हैं। और उन्होंने उससे कहा, देखो, तुम बूढ़े हो गए हो, और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे मार्ग पर नहीं चलते, और अब हमारे ऊपर एक राजा नियुक्त करो जो हमारा न्याय करे, जैसे अन्य राष्ट्रों में है।

और यह वचन शमूएल की दृष्टि में बुरा था, जब उन्होंने कहा, हमें एक राजा दे जो हमारा न्याय करे, और शमूएल ने प्रभु से प्रार्थना की। और प्रभु ने शमूएल से कहा, लोगों की आवाज़ सुनो, जैसा वे तुमसे बोलते हैं, क्योंकि उन्होंने तुम्हें नहीं, बल्कि मुझे अस्वीकार किया है कि मैं उन पर राज्य न करूँ। सभी कार्यों के अनुसार जो उन्होंने मुझसे किए, उस दिन से जब मैंने उन्हें मिस्र से निकाला आज के दिन तक, और उन्होंने मुझे त्याग दिया और अन्य देवताओं की सेवा की, इसी प्रकार वे तुम्हारे साथ भी कर रहे हैं। और अब उनकी आवाज़ सुनो, सिवाय इसके कि तुम उन्हें गंभीरता से चेतावनी दोगे, और तुम उन्हें उस राजा के अधिकार की घोषणा करोगे जो उन पर शासन करेगा।

और शमूएल ने प्रभु के हर वचन को उन लोगों से कहा जो उससे राजा मांग रहे थे। और उसने कहा, यह उस राजा का अधिकार होगा जो तुम पर शासन करेगा: वह तुम्हारे पुत्रों को लेगा, और उनको अपने रथों में रखेगा, और अपने घुड़सवारों में, और वे उसके रथों के आगे दौड़ेंगे। और वह उन्हें अपने लिए सैकड़ों के सेनापति और हजारों के सेनापति नियुक्त करेगा, और अपनी फसल

काटने के लिए, और अपनी अंगूर की फसल इकट्ठा करने के लिए, और अपने युद्ध के हथियार बनाने के लिए, और अपने रथों के उपकरण बनाने के लिए। और वह तुम्हारी बेटियों को इत्र बनाने वालियों, रसोइयों और रोटी पकाने वालियों के रूप में ले लेगा। और वह तुम्हारे खेत, और तुम्हारे अंगूर के बाग, और तुम्हारे अच्छे जैतून के बाग लेगा, और अपने दासों को देगा। और वह तुम्हारे बीजों और तुम्हारे अंगूर के बागों का दशमांश लेगा, और अपने खोजों और अपने दासों को देगा। और वह तुम्हारे दासों को, और तुम्हारी दासियों को, और तुम्हारे अच्छे झुंडों को, और तुम्हारे गधों को ले लेगा, और अपने कामों के लिए दशमांश लेगा। और वह तुम्हारे झुंडों का दशमांश लेगा, और तुम उसके दास होगे। और उस दिन तुम अपने राजा के सामने चिल्लाओगे जिसे तुमने अपने लिए चुना है, और उन दिनों में तुम्हारा प्रभु नहीं सुनेगा, क्योंकि तुमने अपने लिए राजा चुना है।

और लोगों ने शमूएल की बात सुनना नहीं चाहा, और उन्होंने उससे कहा, नहीं, बल्कि हम पर एक राजा होगा। और हम भी सब राष्ट्रों के समान होंगे, और हमारा राजा हमें न्याय देगा, और हमारे आगे निकलेगा, और हमारा युद्ध लड़ेगा। और शमूएल ने लोगों की सब बातें सुनीं, और उन्हें प्रभु के कानों में कहा। और प्रभु ने शमूएल से कहा, उनकी आवाज़ सुनो और उनके लिए एक राजा नियुक्त करो। और शमूएल ने इस्राएल के पुरुषों से कहा, प्रत्येक व्यक्ति अपने शहर को चला जाए।

9

और बिन्यामीन के पुत्रों में से एक पुरुष था, और उसका नाम कीश था, जो अबीएल का पुत्र था, यारेद का पुत्र, बाकीर का पुत्र, अफेक का पुत्र, यमीनी पुरुष का पुत्र, एक सक्षम पुरुष। और इसका एक पुत्र था, और उसका नाम शाऊल था, वह बहुत लंबा और अच्छा पुरुष था, और इस्राएल के पुत्रों में उससे अच्छा कोई नहीं था, वह कंधों से ऊपर सब लोगों से ऊंचा था।

और शाऊल के पिता कीश की गधियाँ खो गई थीं, और कीश ने अपने पुत्र शाऊल से कहा, अपने साथ एक सेवक को ले लो, और उठो और जाओ और गधियों को खोजो।

और वे एफ्राइम के पहाड़ से होकर गए, और सेलखा की भूमि से होकर गए, परन्तु नहीं पाया। और वे सेगालिम की भूमि से होकर गए, परन्तु वहाँ नहीं था। और वे यामिन की भूमि से होकर गए, परन्तु नहीं पाया। जब वे सीफ में आए, तो साऊल ने अपने साथ वाले अपने नौकर से कहा, आओ और हम लौट चलें, कहीं ऐसा न हो कि मेरे पिता गधों को छोड़कर हमारे बारे में चिंता करने लगे। और सेवक ने उससे कहा, देखो, इस नगर में परमेश्वर का एक आदमी है, और वह आदमी प्रतापी है। जो कुछ भी वह बोले वह होता है। और अब हम चलें, ताकि वह हमें हमारा मार्ग बताए जिस पर हम गए थे। और शाऊल ने अपने साथ वाले युवा सेवक से कहा, देखो, हम जाएंगे, परन्तु हम परमेश्वर के जन के पास क्या लेकर जाएंगे? क्योंकि हमारे बर्तनों से रोटियाँ समाप्त हो गई हैं, और हमारे पास परमेश्वर के जन के लिए लाने को कुछ भी अधिक नहीं है। और बालक ने शाऊल को उत्तर देते हुए कहा, देखो, मेरे हाथ में चांदी का चौथा शेकेल पाया गया है, और आप परमेश्वर के आदमी को देंगे, और वह हमें हमारा रास्ता बताएगा। और पहले इस्राएल में प्रत्येक व्यक्ति परमेश्वर से पूछने जाते समय ये बातें कहता था, आओ और हम देखने वाले के पास चलें, क्योंकि जिसे लोग पहले देखने वाला बुलाते थे, वह भविष्यवक्ता था। और शाऊल ने अपने सेवक से कहा, अच्छा वचन है, आओ और हम चलें, और वे उस नगर में गए जहाँ परमेश्वर का मनुष्य था।

जब वे शहर की चढ़ाई चढ़ रहे थे, तो उन्होंने युवा स्त्रियों को पाया जो पानी भरने के लिए निकली थीं, और उन्होंने उनसे पूछा, क्या यहाँ द्रष्टा है? और युवतियों ने उन्हें उत्तर दिया, और उनसे कहा, हाँ है, देखो वह तुम्हारे सामने है, अभी आज ही वह नगर में आया है, क्योंकि आज ऊँचे स्थान पर लोगों के लिए बलिदान है। जैसे ही तुम शहर में प्रवेश करोगे, उसी प्रकार तुम उसे शहर में पाओगे, इससे पहले कि वह ऊँचे स्थान पर खाने के लिए चढ़े, क्योंकि लोग तब तक नहीं खाएंगे जब तक वह प्रवेश न करे, क्योंकि यह बलिदान को आशीर्वाद देता है, और इसके बाद अतिथि

खाते हैं, और अब चढ़ो, क्योंकि आज के दिन तुम उसे पाओगे। और वे शहर में ऊपर जा रहे थे, जब वे शहर के बीच में प्रवेश कर रहे थे, और देखो, शमूएल उनसे मिलने के लिए बाहर निकला, ताकि बामाह में ऊपर जाए।

और प्रभु ने शमूएल के कान को एक दिन पहले खोल दिया था, शाऊल के उसके पास आने से पहले, यह कहते हुए, कल इस समय तक, मैं तुम्हारे पास बिन्यामीन की भूमि से एक आदमी भेजूंगा, और तुम उसे मेरे लोग इस्राएल पर शासक के रूप में अभिषेक करोगे, और वह मेरे लोगों को विदेशियों के हाथ से बचाएगा, क्योंकि मैंने अपने लोगों के अपमान को देखा है, क्योंकि उनकी पुकार मुझ तक पहुंची है। और शमूएल ने शाऊल को देखा, और प्रभु ने उसे उत्तर दिया, देखो, वह मनुष्य जिसके बारे में मैंने तुमसे कहा था, यह मेरे लोगों पर शासन करेगा।

और शाऊल को शमूएल के पास नगर के बीच में लाया, और कहा, बताओ, द्रष्टा का घर कौन सा है। और शमूएल ने शाऊल को उत्तर दिया और कहा, मैं वही हूँ। मेरे आगे ऊँचे स्थान पर जाओ और आज मेरे साथ खाओ, और सुबह मैं तुम्हें विदा करूँगा, और जो कुछ तुम्हारे हृदय में है वह सब मैं तुम्हें बताऊँगा। और तुम्हारे गधों के बारे में जो तीन दिन पहले खो गए थे, उन पर अपना हृदय मत लगाओ, क्योंकि वे मिल गए हैं, और इस्राएल की सुंदर वस्तुएँ किसके लिए हैं? क्या तुम्हारे लिए और तुम्हारे पिता के घर के लिए नहीं? और शाऊल ने उत्तर दिया और कहा, क्या मैं यमीनी का पुत्र नहीं हूँ, इस्राएल के सबसे छोटे कुल का? और बिन्यामीन के संपूर्ण कुल में से सबसे छोटे गोत्र का? फिर तुमने मुझसे ऐसी बात क्यों कही?

और शमूएल ने शाऊल और उसके सेवक को लिया, और उनको ठहरने के स्थान में लाया, और उनको वहाँ बुलाए गए लगभग सत्तर पुरुषों में पहला स्थान दिया। और शमूएल ने रसोइये से कहा, मुझे वह हिस्सा दे दो जो मैंने तुम्हें दिया था, जिसे मैंने तुम्हें अपने पास रखने को कहा था। और रसोइये ने जाँघ को उबाला, और उसे शाऊल के सामने रखा, और शमूएल ने शाऊल से कहा, देखो, यह बचा हुआ है, इसे अपने सामने रखो और खाओ, क्योंकि यह गवाही के लिए

तुम्हारे लिए दूसरों से अलग रखा गया है, लो, और शाऊल ने उस दिन शमूएल के साथ खाया।

और वह बामा से नीचे शहर में गया, और उन्होंने शाऊल के लिए छत पर बिछाया, और वह सो गया।

और ऐसा हुआ कि जब भोर हो रही थी, तो शमूएल ने शाऊल को छत पर बुलाया और कहा, उठो, और मैं तुम्हें विदा करूंगा, और शाऊल उठा, और वह और शमूएल बाहर निकले। जब वे शहर के एक हिस्से में नीचे जा रहे थे, तो शमूएल ने शाऊल से कहा, मैंने उस युवा से कहा है कि वह हमारे आगे चला जाए, और तू आज की तरह खड़ा रह, और परमेश्वर का वचन सुन।

10

और शमूएल ने तेल की कुप्पी ली, और उसके सिर पर डाला, और उसे चूमा, और उससे कहा, क्या प्रभु ने तुम्हें अपने लोगों पर, इस्राएल पर, शासक के रूप में अभिषेक नहीं किया है? और तुम प्रभु के लोगों पर शासन करोगे, और तुम उसे उसके शत्रुओं के हाथ से बचाओगे, और यह तुम्हारे लिए निशानी है, कि प्रभु ने तुम्हें अपनी विरासत पर शासक के रूप में अभिषेक किया है। जब तुम आज मुझसे चले जाओगे, तो तुम्हें दो पुरुष मिलेंगे जो बिन्यामीन के पहाड़ में राहेल की कब्रों के पास बहुत उछल रहे होंगे, और वे तुमसे कहेंगे, वे गधे मिल गए हैं जिन्हें तुम ढूँढ़ने गए थे, और देखो, तुम्हारे पिता ने गधों की बात को त्याग दिया है और तुम्हारे लिए चिंतित हैं, यह कहते हुए, मैं अपने पुत्र के लिए क्या करूँ? और तुम वहाँ से जाओगे और आगे ताबोर के बांज वृक्ष तक आओगे, और वहाँ तुम तीन पुरुषों को पाओगे जो बेतेल में परमेश्वर की ओर चढ़ रहे हैं, एक तीन बकरी के बच्चे उठाए हुए, और एक तीन रोटियों के बर्तन उठाए हुए, और एक दाखरस की मशक उठाए हुए, और वे तुम्हारा कुशल-क्षेम पूछेंगे, और तुम्हें रोटी के दो पहले फल देंगे, और तुम उनके हाथ से ले लोगे। और इन चीजों के बाद तुम परमेश्वर की पहाड़ी में प्रवेश करोगे, जहाँ विदेशियों

का अस्तित्व है, वहाँ नासिब विदेशी है, और ऐसा होगा कि जब तुम वहाँ शहर में प्रवेश करो, तो तुम भविष्यवक्ताओं के समूह से मिलोगे जो ऊँचे स्थान से उतर रहे होंगे, और उनके सामने वीणा, ढोल, बांसुरी और सारंगी होगी, और वे भविष्यवाणी कर रहे होंगे। और प्रभु का आत्मा तुम पर कूदेगा, और तुम उनके साथ भविष्यवाणी करोगे, और तुम एक दूसरे पुरुष में बदल जाओगे। और ऐसा होगा कि जब ये निशानियाँ तुम पर आएँ, तो जो कुछ भी तुम्हारा हाथ पाए वह सब करो, क्योंकि भगवान तुम्हारे साथ हैं। और तुम गिलगाल के सामने नीचे जाओगे, और देखो, मैं तुम्हारे पास होमबलि और मेल बलिदान चढ़ाने के लिए नीचे आता हूँ। सात दिन तक तुम प्रतीक्षा करोगे जब तक मैं तुम्हारे पास न आऊँ, और मैं तुम्हें बताऊँगा कि तुम्हें क्या करना है।

और ऐसा हुआ कि जब वह अपना कंधा मोड़कर शमूएल से जाने लगा, तो परमेश्वर ने उसका हृदय बदलकर दूसरा कर दिया, और उस दिन सब चिन्ह प्रकट हुए। और वह वहाँ से पहाड़ी पर आता है, और देखो, भविष्यवक्ताओं का एक समूह उसके सामने था, और परमेश्वर का आत्मा उस पर उतरा, और उसने उनके बीच में भविष्यवाणी की। और सब लोग जो उसे कल और परसों से जानते थे, उन्होंने देखा, और देखो, वह भविष्यवक्ताओं के बीच में था, और लोगों में से प्रत्येक ने अपने पड़ोसी से कहा, कीश के बेटे को यह क्या हो गया? क्या शाऊल भी भविष्यवक्ताओं में है? और उनमें से किसी ने उत्तर दिया और कहा, और उसका पिता कौन है? और इस कारण यह एक कहावत बन गई, या क्या शाऊल भी नबियों में है? और उसने भविष्यवाणी करना पूरा किया, और वह पहाड़ी पर आता है।

और उसके रिश्तेदार ने उससे और उसके लड़के से कहा, तुम कहाँ गए? और उन्होंने कहा, गधियों को ढूँढ़ने, और हमने देखा कि वे नहीं हैं, और हम शमूएल के पास गए। और निकट-संबंधी ने शाऊल से कहा, वास्तव में मुझे बताओ, शमूएल ने तुमसे क्या कहा? और शाऊल ने अपने संबंधी से कहा, उसने मुझे बताया कि गधियाँ मिल गई हैं, लेकिन राज्य की बात उसने उसे नहीं बताई।

और शमूएल ने सब लोगों को आदेश दिया कि मिस्र में प्रभु की ओर आए। और उसने इस्राएल के पुत्रों से कहा, ये बातें प्रभु इस्राएल के परमेश्वर ने कहीं: मैंने इस्राएल के पुत्रों को मिस्र से निकाल लाया, और तुमको मिस्र के राजा फिरोन के हाथ से छुड़ाया, और उन सब राज्यों से जो तुमको सता रहे थे। और तुमने आज उस परमेश्वर को अस्वीकार कर दिया है, जो स्वयं तुम्हारा उद्धारकर्ता है तुम्हारी सब बुराइयों और क्लेशों से, और तुमने कहा, नहीं, बल्कि तुम हम पर एक राजा स्थापित करो, और अब प्रभु के सामने अपने राजदंडों के अनुसार और अपने गोत्रों के अनुसार खड़े हो जाओ।

और शमूएल इस्राएल के सभी राजदंडों को लाया, और बिन्यामीन का राजदंड चिट्ठी द्वारा नियुक्त किया गया। और उसने बिन्यामीन के गोत्र को कुलों के अनुसार आगे लाया, और मत्तरी का कुल चिट्ठी द्वारा चुना गया, और उन्होंने मत्तरी के कुल को पुरुषों के अनुसार आगे लाया, और कीश का पुत्र शाऊल चिट्ठी द्वारा चुना गया, और उन्होंने उसे खोजा, परन्तु वह नहीं मिला।

और शमूएल ने फिर प्रभु से पूछा, क्या वह पुरुष यहाँ आएगा? और प्रभु ने कहा, देखो, वह बर्तनों में छिपा हुआ है। और वह दौड़ा और उसे वहाँ से ले आया, और उसे लोगों के बीच में खड़ा किया, और वह सब लोगों से कंधे और उससे ऊपर तक ऊँचा उठाया गया।

और शमूएल ने सब लोगों से कहा, क्या तुमने देखा है जिसे प्रभु ने अपने लिए चुना है, कि तुम सब में उसके समान कोई नहीं है? और सब लोगों ने जान लिया, और कहा, राजा जीवित रहें। और शमूएल ने लोगों से राजा के अधिकार के बारे में कहा, और पुस्तक में लिखा, और प्रभु के सामने रखा, और शमूएल ने सब लोगों को भेज दिया, और प्रत्येक अपने स्थान को चला गया।

और शाऊल अपने घर गिबा में चला गया, और शक्तिशाली पुत्र भी गए जिनके हृदय को प्रभु ने छुआ था, शाऊल के साथ। और दुष्ट पुत्रों ने कहा, यह हमें कैसे बचाएगा? और उन्होंने उसका अपमान किया, और उसके लिए उपहार नहीं लाए।

11

और ऐसा हुआ कि एक महीने के बाद, नाहाश अम्मोनी ऊपर गया, और याबेश गिलाद पर डेरा डाला, और याबेश के सब पुरुषों ने नाहाश अम्मोनी से कहा, हमारे साथ वाचा बाँध, और हम तेरी सेवा करेंगे। और नाहाश अम्मोनी ने उनसे कहा, मैं तुम्हारे साथ इस शर्त पर वाचा बांधूंगा कि तुम सबकी दाहिनी आंख निकाल दूँ, और इस्राएल पर निंदा लाऊँ। और याबेश के पुरुष उससे कहते हैं, हमें सात दिन का समय दो और हम इस्राएल की हर सीमा में दूत भेजेंगे, यदि हमें बचाने वाला कोई नहीं हो, तो हम तुम्हारे पास आ जाएंगे।

और दूत गिबा में शाऊल के पास आए, और उन्होंने वे शब्द लोगों के कानों में बोले, और सब लोगों ने अपनी आवाज़ उठाई, और रोए। और देखो, शाऊल सुबह खेत से आ रहा था, और शाऊल ने कहा, क्या हुआ कि लोग रो रहे हैं? और उन्होंने उसे याबेश के लोगों की बातें सुनाई। और प्रभु का आत्मा शाऊल पर उतरा जब उसने ये शब्द सुने, और वह उन पर अपने क्रोध से अत्यंत क्रोधित हुआ। और उसने दो बैल लिए और उन्हें काट डाला और दूतों के हाथ से इस्राएल की हर सीमा में भेजा, यह कहते हुए, जो शाऊल और शमूएल के पीछे नहीं निकलेगा, उसके बैलों के साथ ऐसा ही किया जाएगा। और प्रभु का भय इस्राएल के लोगों पर आया, और वे एक पुरुष की तरह चिल्लाए। और उसने बेज़ेक में, बामाह में, उनका निरीक्षण किया - इस्राएल के सभी पुरुष छह सौ हज़ार, और यहूदा के पुरुष सत्तर हज़ार।

और उसने आने वाले दूतों से कहा, याबीश के पुरुषों से ये बातें कहना: कल सूर्य के गर्म होने पर तुम्हें उद्धार मिलेगा। और दूत नगर में आए, और याबीश के पुरुषों को घोषणा की, और वे आनंदित हुए। और याबेश के पुरुषों ने अम्मोनी नाहाश से कहा, कल हम तुम्हारे पास निकलेंगे, और तुम हमारे साथ वह करोगे जो तुम्हारी दृष्टि में अच्छा है।

और अगले दिन के बाद ऐसा हुआ कि शाऊल ने लोगों को तीन टुकड़ियों में बाँटा, और वे सुबह के पहर में शिविर के बीच में घुस गए, और उन्होंने अम्मोनियों के पुत्रों को तब तक मारा जब तक दिन गर्म नहीं हो गया, और ऐसा हुआ कि बचे हुए लोग तितर-बितर हो गए, और उनमें से दो भी एक साथ नहीं बचे।

और लोगों ने शमूएल से कहा, कौन है जिसने कहा कि शाऊल हम पर शासन नहीं करेगा? उन आदमियों को सौंप दो, और हम उन्हें मार डालेंगे। और शाऊल ने कहा, इस दिन कोई नहीं मरेगा, क्योंकि आज प्रभु ने इस्राएल में मुक्ति की है।

और शमूएल ने लोगों से कहा, आओ, हम गिलगाल चलें और वहाँ राज्य का नवीनीकरण करें। और सब लोग गिलगाल गए, और शमूएल ने वहाँ शाऊल का प्रभु के सामने गिलगाल में राजा के रूप में अभिषेक किया, और उसने वहाँ प्रभु के सामने बलिदान और मेल बलिदान चढ़ाए, और शमूएल और सब इस्राएल अत्यधिक आनंदित हुए।

12

और शमूएल ने सब इस्राएल से कहा, देखो, मैंने तुम्हारी आवाज़ सुनी है उन सब बातों में जो तुमने मुझसे कहीं, और मैंने तुम पर एक राजा को राजा बनाया है। और अब देखो, राजा तुम्हारे सामने से गुजरता है, और मैं बूढ़ा हो गया हूँ और बैठूँगा, और मेरे पुत्र देखो तुम्हारे बीच में हैं, और मैं देखो तुम्हारे सामने अपनी जवानी से लेकर आज के दिन तक चला हूँ। देखो, मेरे विरुद्ध प्रभु के सामने और उसके मसीह के सामने उत्तर दो - मैंने किसका बछड़ा लिया है, या मैंने किसका गधा लिया है, या मैंने तुममें से किस पर अत्याचार किया है, या मैंने किसे धोखा दिया है, या मैंने किसके हाथ से प्रायश्चित और जूता लिया है? मेरे विरुद्ध उत्तर दो, और मैं तुम्हें लौटा दूँगा। और उन्होंने शमूएल से कहा, आपने हमारे साथ अन्याय नहीं किया, और आपने हम पर अत्याचार नहीं

किया, और आपने हमें कुचला नहीं, और आपने किसी के हाथ से कुछ नहीं लिया।

और शमूएल ने लोगों से कहा, प्रभु तुम में साक्षी है, और उसका मसीह आज इस दिन साक्षी है, कि तुमने मेरे हाथ में कुछ नहीं पाया है, और उन्होंने कहा, साक्षी।

और शमूएल ने लोगों से कहा, प्रभु गवाह है जिसने मूसा और हारून को बनाया, जो हमारे पिताओं को मिस्र से लाया। और अब खड़े हो जाओ, और मैं प्रभु के सामने तुम्हारा न्याय करूंगा, और मैं तुम्हें प्रभु की सारी धार्मिकता की घोषणा करूंगा, जो उसने तुम में और तुम्हारे पिताओं में की है, जैसे याकूब और उसके पुत्र मिस्र में प्रवेश किए, और मिस्र ने उनको नीचा किया, और हमारे पिताओं ने प्रभु की ओर पुकारा, और प्रभु ने मूसा और हारून को भेजा, और उन्होंने हमारे पिताओं को मिस्र से निकाला, और उनको इस स्थान में बसाया। और वे अपने प्रभु परमेश्वर को भूल गए, और उसने उन्हें हासोर के राजा याबीश के सेनापति सीसरा के हाथों में, और विदेशियों के हाथों में, और मोआब के राजा के हाथों में बेच दिया, और उसने उनसे युद्ध किया। और उन्होंने प्रभु की ओर पुकारा, और कहा, हमने पाप किया है, क्योंकि हमने प्रभु को त्याग दिया है, और हमने बाल देवताओं और पवित्र वृक्ष स्थानों की सेवा की है, और अब हमें हमारे शत्रुओं के हाथ से छुड़ा, और हम तुम्हारी सेवा करेंगे। और उसने यरुब्बाल, बाराक, यिप्तह और शमूएल को भेजा, और उसने हमें हमारे चारों ओर के शत्रुओं के हाथ से छुड़ाया, और तुम विश्वास करते हुए निवास करते रहे। और देखो कि अम्मोन के पुत्रों का राजा नाहाश तुम पर आया, और तुमने कहा, नहीं, बल्कि एक राजा हम पर राज्य करेगा, जबकि प्रभु हमारा परमेश्वर हमारा राजा है।

और अब देखो, वह राजा जिसे तुमने चुना है, और देखो, प्रभु ने तुम पर एक राजा दिया है। यदि तुम प्रभु से डरो, और उसकी सेवा करो, और उसकी आवाज़ सुनो, और प्रभु के मुख का विरोध न करो, और तुम तथा वह राजा जो तुम पर शासन करता है, प्रभु के पीछे चलते रहो, यदि तुम प्रभु की वाणी नहीं सुनोगे और प्रभु के मुख से विद्रोह करोगे, तो प्रभु का हाथ तुम पर और तुम्हारे राजा पर होगा।

और अब खड़े हो जाओ, और इस महान वचन को देखो जो प्रभु तुम्हारी आँखों के सामने करेगा। क्या आज गेहूँ की कटाई नहीं है? मैं प्रभु को पुकारूँगा, और वह गर्जन और वर्षा देगा, और तुम जानो और देखो कि तुम्हारी दुष्टता कितनी बड़ी थी, जो तुमने प्रभु के सामने की, जब तुमने अपने लिए राजा मांगा।

और शमूएल ने प्रभु को पुकारा, और प्रभु ने उस दिन आवाजें और वर्षा दी, और सब लोग प्रभु से और शमूएल से बहुत डरे। और सब लोगों ने शमूएल से कहा, अपने दासों के लिए अपने प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना करो, ताकि हम न मरें, क्योंकि हमने अपने सब पापों में यह दुष्टता और जोड़ दी है कि हमने अपने लिए राजा मांगा है।

और शमूएल ने लोगों से कहा, मत डरो, तुमने यह सब दुष्टता की है, परन्तु प्रभु के पीछे से मत मुड़ो, और अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रभु की सेवा करो, और उन व्यर्थ वस्तुओं के पीछे मत भटको, जो कुछ भी पूरा नहीं करेंगी और जो छुड़ा नहीं सकेंगी, क्योंकि वे कुछ भी नहीं हैं। क्योंकि प्रभु अपने लोगों को अपने महान नाम के कारण अस्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि प्रभु ने उचित रूप से तुम्हें अपने लिए एक लोग के रूप में ग्रहण किया है। और मेरे लिए प्रभु के विरुद्ध पाप करना असंभव है कि मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना करना छोड़ दूँ, और मैं प्रभु की सेवा करूँगा, और तुम्हें अच्छा और सीधा मार्ग दिखाऊँगा। केवल प्रभु से डरो और सच्चाई में तथा अपने पूरे हृदय से उसकी सेवा करो, क्योंकि देखो कि उसने तुम्हारे साथ कितने बड़े काम किए हैं और यदि तुम दुष्टता से बुरा करोगे, तो तुम और तुम्हारा राजा दोनों नष्ट कर दिए जाओगे।

13

और शाऊल ने इस्राएल के पुरुषों में से अपने लिए तीन हजार पुरुष चुने, और शाऊल के साथ दो हजार थे जो मिकमाश में और बेतेल के पहाड़ में थे, और हजार योनातान के साथ बिन्यामीन के गिबा में थे, और लोगों के शेष को उसने प्रत्येक को उसके तम्बू में भेजा।

और योनातान ने उस विदेशी नासिब को पहाड़ी में मारा, और विदेशियों ने सुना, और शाऊल ने सारी भूमि में तुरही बजाई, यह कहते हुए कि दासों ने अस्वीकार कर दिया है। और समस्त इस्राएल ने यह कहते हुए सुना कि शाऊल ने विदेशी नासिब को मारा है, और इस्राएल विदेशियों के सामने शर्मिंदा हुए, और इस्राएल के पुत्र गिलगाल में शाऊल के पीछे गए। और विदेशी इज़राइल के विरुद्ध युद्ध के लिए इकट्ठा होते हैं, और वे इज़राइल पर तीस हजार रथों, छह हजार घुड़सवारों, और समुद्र के किनारे की रेत के समान असंख्य लोगों के साथ चढ़ाई करते हैं, और वे चढ़ते हैं और मिकमाश में बेथ होरोन के सामने दक्षिण की ओर डेरा डालते हैं।

और इस्राएल के पुरुष ने देखा कि उसके लिए संकट था, उसे न लाने के लिए, और लोग गुफाओं में, बाड़ों में, चट्टानों में, गड्ढों में, और कुंडों में छिप गए। और पार करने वाले यरदन को पार करके गाद और गिलाद की भूमि में गए, और शाऊल अभी गिलगाल में था, और सब लोग उसके पीछे चकित थे। और उसने सात दिन नियत समय तक प्रतीक्षा की, जैसा शमूएल ने कहा था, और शमूएल गिलगाल में नहीं आया, और उसके लोग उससे तितर-बितर हो गए। और शाऊल ने कहा, पास लाओ ताकि मैं होमबलि और मेल बलि चढ़ाऊँ, और उसने होमबलि चढ़ाई।

और ऐसा हुआ कि जब वह होम बलि चढ़ा चुका, तो शमूएल आया, और शाऊल उससे मिलने और उसे आशीर्वाद देने के लिए निकला। और शमूएल ने कहा, तूने क्या किया है? और शाऊल ने कहा, क्योंकि मैंने देखा कि लोग मुझसे तितर-बितर हो रहे थे, और तू नियुक्त दिनों में उपस्थित नहीं हुआ, और पलिशती मिकमास में इकट्ठे हो गए थे। और मैंने कहा, अब विदेशी गिलगाल में मेरे पास आएंगे, और मैंने प्रभु के सामने प्रार्थना नहीं की, इसलिए मैंने स्वयं को मजबूर किया और होमबलि चढ़ाई। और शमूएल ने शाऊल से कहा, तुमने मूर्खतापूर्वक किया है, क्योंकि तुमने मेरी

आज्ञा को नहीं रखा, जो प्रभु ने तुम्हें आदेश दिया था। अब प्रभु ने तुम्हारे राज्य को इस्राएल पर युग तक के लिए तैयार किया होता। और अब तेरा राज्य स्थिर नहीं रहेगा, और प्रभु अपने लिए एक ऐसा मनुष्य खोजेगा जो उसके हृदय के अनुसार हो, और प्रभु उसे अपनी प्रजा पर शासक नियुक्त करेगा, क्योंकि तूने उन सब बातों का पालन नहीं किया जो प्रभु ने तुझे आज्ञा दी थी।

और शमूएल उठा, और गिलगाल से चला गया, और लोगों का शेष भाग शाऊल के पीछे योद्धाओं के लोगों से मिलने के लिए ऊपर गया, जब वे गिलगाल से बिन्यामीन के गिबा को पहुंचे। और शाऊल ने उन लोगों को गिना जो उसके साथ पाए गए, लगभग छह सौ पुरुष। और शाऊल और उसका पुत्र योनातान और वे लोग जो उनके साथ पाए गए, बिन्यामीन के गिबा में बैठे और रोए, और विदेशियों ने मिकमाश में डेरा डाला था। और विदेशियों के खेत से तीन दलों में नाश करता हुआ निकला, एक दल गोफेरा के मार्ग की ओर शूआल की भूमि पर देखता हुआ, और एक दल बेथ होरोन के रास्ते की ओर देखते हुए, और एक दल गेबा के रास्ते की ओर देखते हुए जो सबोर्डिम की घाटी की ओर झुकता है।

और इस्राएल की सारी भूमि में लोहे का कोई कारीगर नहीं पाया जाता था, क्योंकि विदेशियों ने कहा था कि इब्रानी तलवार और भाला न बनाएं। और समस्त इस्राएल विदेशियों की भूमि में जा रहे थे, प्रत्येक अपना हंसिया और अपना बर्तन तेज करवाने के लिए, और प्रत्येक अपनी कुल्हाड़ी और अपना हंसिया तेज करवाने के लिए। और फसल काटने के लिए तैयार थी, और औजारों का मूल्य दांत के लिए तीन शेकेल था, और कुल्हाड़ी और हंसिया की नींव भी यही थी। और ऐसा हुआ कि मिकमाश के युद्ध के दिनों में, शाऊल और योनातान के साथ के सब लोगों के हाथ में तलवार और भाला नहीं पाया गया, और केवल शाऊल और उसके पुत्र योनातान के पास पाया गया।

और विदेशियों की चौकी से बाहर निकला जो मिकमाश के पार थी।

और वह दिन आया, और शाऊल के पुत्र योनातान ने अपने हथियार ढोने वाले युवा सेवक से कहा, आओ, हम उस पार पलिश्तियों के मेस्साब को पार करें, और उसने अपने पिता को सूचना नहीं दी। और साऊल पहाड़ी के शीर्ष पर अनार के पेड़ के पास बैठा था जो मिग्रोन में था, और उसके साथ लगभग छह सौ पुरुष थे। और अहिय्याह, जो अहितूब का पुत्र था, इओखाबेल के भाई का, जो फीनहास का पुत्र था, जो एली का पुत्र था, शीलोह में परमेश्वर का याजक, एपोद धारण किए हुए था, और लोगों को पता नहीं था कि योनातान चला गया था। और उस पार करने के बीच में जहाँ योनातान विदेशियों की छावनी में पार करने की कोशिश कर रहा था, इस ओर से चट्टान के रास्ते थे और उस ओर से चट्टान के रास्ते थे, एक का नाम बोसेस था और दूसरे का नाम सेन्ना था। एक रास्ता उत्तर से आते हुए मिक्माश की ओर था, और दूसरा रास्ता दक्षिण से आते हुए गेबा की ओर था।

और योनातान ने उस लड़के से कहा जो उसके बर्तन उठा रहा था, यहाँ आओ, हम इन खतनारहितों के मेस्साब की ओर पार करें, यदि प्रभु हमारे लिए कुछ करे, क्योंकि प्रभु के लिए बहुतों में या थोड़ों में बचाना बाधित नहीं है। और उसके हथियार उठानेवाले ने उससे कहा, वह सब करो जो तुम्हारा हृदय चाहे; देखो, मैं तुम्हारे साथ हूँ, जैसा तुम्हारा हृदय वैसा मेरा हृदय। और जोनाथन ने कहा, देखो, हम उन पुरुषों की ओर पार कर रहे हैं, और हम स्वयं को उनके सामने प्रकट करेंगे। यदि वे हमसे ये बातें कहें, वहाँ ठहरो जब तक हम तुम्हें सूचना न दें, तो हम अपनी जगह पर खड़े रहेंगे और उन पर नहीं चढ़ेंगे। यदि वे हमसे ये बातें कहें, हमारे पास चढ़कर आओ, तो हम चढ़ेंगे, क्योंकि प्रभु ने उन्हें हमारे हाथों में सौंप दिया है, यह हमारे लिए चिन्ह होगा।

और दोनों विदेशियों के मेस्साब में प्रवेश किए, और विदेशी कहते हैं, देखो, इब्रानी अपनी गुफाओं से निकल रहे हैं जहाँ वे छिपे हुए थे। और मेस्साब के पुरुषों ने योनातान और उसके हथियार

उठाने वाले को उत्तर दिया, और कहा, हमारे पास चढ़कर आओ, और हम तुम्हें एक बात बताएंगे। और योनातान ने अपने हथियार उठाने वाले से कहा, मेरे पीछे चढ़ो, क्योंकि प्रभु ने उन्हें इस्राएल के हाथों में सौंप दिया है। और योनातान अपने हाथों और अपने पैरों के बल पर चढ़ा, और उसका हथियार उठानेवाला उसके साथ था, और उन्होंने योनातान की ओर देखा, और उसने उन्हें मारा, और उसका हथियार उठानेवाला उसके पीछे मारता रहा। और पहली मार हुई जो जोनाथन और उसके हथियार उठाने वाले ने मारी, लगभग बीस पुरुष गोफन से, पत्थर फेंकने वालों से और मैदान के कंकड़ों से।

और शिविर में घबराहट हुई, और खेत में, और सब लोग जो मेस्साब में थे, और विनाशक चकित हुए, और वे कुछ करना नहीं चाहते थे, और भूमि कांप उठी, और प्रभु की ओर से घबराहट हुई।

और शाऊल के पहरेदारों ने बिन्यामीन के गिबा में देखा, और देखो, शिविर इधर-उधर अस्त-व्यस्त था। और शाऊल ने अपने साथ के लोगों से कहा, वास्तव में जांच करो, और देखो कि तुममें से कौन गया है, और उन्होंने जांच की, और देखो, योनातान और उसके हथियार उठाने वाला नहीं पाया गया। और शाऊल ने अहिय्याह से कहा, एपोद को लाओ, क्योंकि उसने उस दिन इस्राएल के सामने एपोद को उठाया था। और ऐसा हुआ कि जब शाऊल पुजारी से बोल रहा था, तो विदेशियों के शिविर में ध्वनि बढ़ती जा रही थी, और शाऊल ने पुजारी से कहा, अपने हाथ रोक ले।

और शाऊल और उसके साथ के सब लोग ऊपर गए, और वे युद्ध के स्थान तक आए, और देखो, हर आदमी की तलवार उसके पड़ोसी पर थी, और वहाँ अत्यधिक बड़ा भ्रम था। और वे दास जो कल और परसों विदेशियों के साथ थे और जो शिविर में गए थे, वे लौट आए और वे स्वयं इस्राएल के साथ हो गए जो शाऊल और योनातान के साथ थे। और सब इस्राएली जो एफ्राइम के पहाड़ में छिपे हुए थे, उन्होंने सुना कि विदेशी भाग गए हैं, और वे भी युद्ध के लिए उनका पीछा करने लगे। और प्रभु ने उस दिन इस्राएल को बचाया, और युद्ध बामोथ से होकर गुजरा, और सब

लोग शाऊल के साथ थे, लगभग दस हज़ार पुरुष। और युद्ध एप्रैम के पर्वत में संपूर्ण नगर में बिखरा हुआ था।

और शाऊल ने उस दिन महान अज्ञानता की, और उसने लोगों को शाप देते हुए कहा, शापित है वह मनुष्य जो शाम तक रोटी खाएगा, और मैं अपने शत्रु से बदला लूंगा, और सब लोगों ने रोटी नहीं चखी। और सारी भूमि नाशता कर रही थी। और इआल में मधुमक्खियों का जंगल खेत के सामने था। और लोग छत्ते में प्रवेश किए, और देखो वह बोलता हुआ जा रहा था, और देखो वह अपना हाथ अपने मुँह की ओर नहीं मोड़ रहा था, क्योंकि लोग प्रभु की शपथ से डरे थे। और योनातान ने नहीं सुना था जब उसके पिता ने लोगों को शपथ दिलाई थी, और उसने अपने हाथ में की छड़ी का सिरा फैलाया, और उसे शहद के छत्ते में डुबोया, और अपना हाथ अपने मुँह की ओर लौटाया, और उसकी आँखें चमक उठीं। और लोगों में से एक ने उत्तर दिया और कहा, तुम्हारे पिता ने लोगों को शपथ दिलाई, यह कहते हुए कि शापित है वह आदमी जो आज रोटी खाएगा, और लोग थक गए। और योनातान ने जाना, और कहा, मेरे पिता ने देश को परेशान किया है। देखो, क्योंकि मेरी आँखों ने देखा कि मैंने इस शहद में से थोड़ा सा चखा था। लेकिन यदि आज लोगों ने अपने शत्रुओं की लूट में से जो उन्हें मिली थी उसे खाया होता, तो अब विदेशियों पर मार अधिक होती।

और उस दिन मिकमाश में विदेशियों को मारा, और लोग बहुत थक गए। और लोग लूट की ओर झुक गए, और लोगों ने भेड़-बकरियाँ, गाय-बैल के झुंड और बैलों के बच्चे लिए, और भूमि पर वध किया, और लोग रक्त के साथ खाते रहे। और शाऊल को यह रिपोर्ट की गई, लोगों ने प्रभु के विरुद्ध पाप किया है, उन्होंने रक्त के साथ खाया है। और शाऊल ने कहा, गेथ्थाईम से मेरे लिए यहाँ एक बड़ा पत्थर लुढ़काओ। और शाऊल ने कहा, लोगों में बिखर जाओ, और उनसे कहो कि प्रत्येक अपना बछड़ा यहाँ लाए, और प्रत्येक अपनी भेड़ यहाँ लाए, और इस पर वध करे, और प्रभु के विरुद्ध खून के साथ खाकर पाप मत करो, और लोगों में से प्रत्येक ने अपने हाथ में जो था उसे निकट लाया, और उन्होंने वहाँ वध किया। और शाऊल ने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई,

यह शाऊल द्वारा प्रभु के लिए वेदी बनाने का आरंभ था।

और शाऊल ने कहा, आओ रात में विदेशियों के पीछे जाएं, और दिन निकलने तक उन्हें लूटें, और उनमें से एक आदमी भी न छोड़ें। और उन्होंने कहा, जो कुछ आपकी दृष्टि में अच्छा है, वह करें। और पुजारी ने कहा, आओ यहां परमेश्वर के पास पहुंचें।

और शाऊल ने भगवान से पूछा, क्या मैं विदेशियों के पीछे जाऊं, क्या तू उनको इस्राएल के हाथों में सौंपेगा? और उस दिन उसने उसको उत्तर नहीं दिया।

और शाऊल ने कहा, इस्राएल के सभी कोनों को यहाँ लाओ, और जानो और देखो कि आज यह पाप किसमें हुआ है। जीवित प्रभु की शपथ जिसने इस्राएल को बचाया, यदि यह मेरे पुत्र योनातान के विरुद्ध हो, तो वह निश्चय मरेगा, और सब लोगों में से कोई भी उत्तर नहीं देता था। और उसने इस्राएल के हर आदमी से कहा, तुम गुलामी में होगे, और मैं और मेरा पुत्र योनातान गुलामी में होंगे, और लोगों ने शाऊल से कहा, जो तुम्हारे सामने अच्छा है वह करो। और शाऊल ने कहा, हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, क्यों तूने आज अपने दास को उत्तर नहीं दिया? यदि अन्याय मुझमें है या मेरे पुत्र योनातान में है, तो हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, स्पष्ट संकेत दे, और यदि ये बातें कहे, तो अपने लोगों इस्राएल को पवित्रता दे। और चिट्ठी से योनातान और शाऊल चुने गए, और लोग बच गए।

और शाऊल ने कहा, मेरे और मेरे पुत्र योनातान के बीच चिट्ठी डालो, जिसे प्रभु चिट्ठी द्वारा नियुक्त करे, वह मर जाए। और लोगों ने शाऊल से कहा, यह वचन उचित नहीं है। और शाऊल लोगों पर प्रबल हुआ, और उन्होंने उसके और उसके पुत्र योनातान के बीच चिट्ठी डाली, और योनातान चिट्ठी द्वारा नियुक्त हुआ। और शाऊल ने योनातान से कहा, मुझे बता कि तूने क्या किया है, और योनातान ने उसे बताया और कहा, मैंने अपने हाथ में राजदंड की नोक से थोड़ा शहद चखा था, और देखो, मैं मर रहा हूँ। और शाऊल ने उससे कहा, परमेश्वर मुझसे ऐसा करे और इससे भी

अधिक करे, क्योंकि आज तू निश्चय मृत्यु से मरेगा। और लोगों ने शाऊल से कहा, क्या आज उसे मार डाला जाएगा जिसने इस्राएल में यह महान उद्धार किया है? प्रभु जीवित है, उसके सिर का एक बाल भी भूमि पर नहीं गिरेगा, क्योंकि परमेश्वर के लोगों ने आज यह किया है। और लोगों ने उस दिन योनातान के विषय में प्रार्थना की, और वह नहीं मरा। और साऊल विदेशियों का पीछा छोड़कर लौट गया, और विदेशी अपने स्थान को चले गए।

और शाऊल को शासन करने का अधिकार मिला, इस्राएल पर कार्य सौंपा गया, और उसने अपने चारों ओर के सभी शत्रुओं से युद्ध किया - मोआब के विरुद्ध, अम्मोन के पुत्रों के विरुद्ध, एदोम के पुत्रों के विरुद्ध, बेथ होरोन के विरुद्ध, सोबा के राजा के विरुद्ध, और विदेशियों के विरुद्ध; जहाँ कहीं भी वह मुड़ा, वह विजयी हुआ। और उसने शक्ति दिखाई, और अमालेक को मारा, और इस्राएल को उन लोगों के हाथ से छुड़ाया जो उसे रौंद रहे थे।

और शाऊल के पुत्र योनातान, यिश्बी और मल्कीशुआ थे, और उसकी दो पुत्रियों के नाम थे, पहलौठी का नाम मेरब और दूसरी का नाम मीकल। और उसकी पत्नी का नाम अहीनोअम था, जो अहीमास की पुत्री थी, और उसके सेनापति का नाम अबनेर था, जो नेर का पुत्र था, जो शाऊल के कुल का था। और किश शाऊल का पिता था, और नेर अब्नेर का पिता था, जो यामीन का पुत्र था, जो अबीएल का पुत्र था।

और शाऊल के सभी दिनों में विदेशियों के विरुद्ध युद्ध शक्तिशाली था, और शाऊल ने सभी सक्षम पुरुषों को, और शक्ति के सभी पुत्रों को देखकर, उनको अपने पास एकत्र किया।

15

और शमूएल ने शाऊल से कहा, प्रभु ने मुझे तुम्हें इस्राएल पर राजा अभिषेक करने के लिए भेजा,

और अब प्रभु की आवाज़ सुनो। ये बातें सेनाओं के प्रभु ने कहीं, अब मैं उसका बदला लूंगा जो अमालेक ने इस्राएल के साथ किया था, जैसे उसने उसे रास्ते में मिस्र से चढ़ते समय रोका था। और अब जाओ, और तुम अमालेक और येरीम और उसके सब को मारोगे, और तुम उसमें से कुछ नहीं बचाओगे, और तुम उसको नष्ट करोगे, और तुम उसको और उसके सब को शाप दोगे, और तुम उसमें से कुछ नहीं बख्शोगे, और तुम पुरुष से लेकर स्त्री तक, और शिशु से लेकर दूध पीते बच्चे तक, और बछड़े से लेकर भेड़ तक, और ऊँट से लेकर गधे तक मारोगे।

और शाऊल ने लोगों को आज्ञा दी, और गिलगाल में उसने उनका निरीक्षण किया - चार लाख सैनिक, और यहूदा के तीस हजार सैनिक। और शाऊल अमालेक के नगरों तक आया, और नाले में घात लगाई। और शाऊल ने केनी से कहा, जाओ और अमालेकी के बीच से निकल जाओ, ऐसा न हो कि मैं तुम्हें उसके साथ नष्ट कर दूँ, क्योंकि तुमने इस्राएल के पुत्रों के साथ दया की थी, जब वे मिस्र से ऊपर आ रहे थे। और केनी अमालेक के बीच से निकल गया। और शाऊल ने अमालेक को हवीला से लेकर सूर तक मारा जो मिस्र के सामने है। और उसने अमालेक के राजा अगाग को जीवित पकड़ा, और सब लोगों और येरीम को तलवार की धार से मार डाला। और शाऊल और सब लोगों ने अगाग को जीवित बचाया, और भेड़ों की, झुंडों की, भोजन की और अंगूर के बागों की अच्छी चीजें, और सब अच्छी चीजें, और उन्हें नष्ट करना नहीं चाहा, और हर तुच्छ और निकम्मे काम को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

और प्रभु का वचन शमूएल के पास आया, जो कहता था मुझे बुलाया गया है क्योंकि मैंने शाऊल को राजा बनाया, क्योंकि वह मेरे पीछे से लौट गया, और उसने मेरे वचनों को नहीं रखा, और शमूएल क्रोधित हुआ, और उसने पूरी रात प्रभु की ओर पुकारा। और शमूएल सुबह जल्दी उठा, और इस्राएल से मिलने सुबह गया, और शाऊल को सूचना दी गई, यह कहते हुए कि शमूएल कर्मेल आया है, और उसने अपने लिए एक स्मारक खड़ा किया है, और रथ मोड़कर गिलगाल की ओर शाऊल के पास नीचे गया, और देखो वह प्रभु को होमबलि चढ़ा रहा था, जो पहली लूट की चीजें अमालेक से लाया था।

और शमूएल शाऊल के पास आया, और शाऊल ने उससे कहा, तू प्रभु का धन्य है, मैंने वह सब स्थापित किया है जो प्रभु ने कहा था। और शमूएल ने कहा, तो यह भेड़ों के झुंड की आवाज़ जो मेरे कानों में पड़ रही है, और बैलों की आवाज़ जो मैं सुन रहा हूँ, यह क्या है? और शाऊल ने कहा, मैं उन्हें अमालेक से लाया हूँ, जो लोगों ने प्राप्त किया, भेड़-बकरियों और बैलों में से सर्वोत्तम, ताकि तुम्हारे परमेश्वर प्रभु को बलि दिया जाए, और शेष को मैंने पूर्णतः नष्ट कर दिया। और शमूएल ने शाऊल से कहा, रुक जा, और मैं तुझे बताऊंगा जो प्रभु ने मुझसे रात को कहा, और उसने उससे कहा, बोल।

और शमूएल ने शाऊल से कहा, क्या तू उसके सामने छोटा नहीं है, इस्राएल के गोत्र का अगुवा होते हुए? और प्रभु ने तुझे इस्राएल पर राजा बनाने के लिए अभिषेक किया। और प्रभु ने तुम्हें मार्ग में भेजा, और तुमसे कहा, जाओ, और पूर्णतः नष्ट करो, उन पाप करने वालों को जो मेरे विरुद्ध पाप करते हैं, अमालेक को, और उनके विरुद्ध युद्ध करो जब तक तुम उन्हें समाप्त न कर दो। और तुमने प्रभु की आवाज़ क्यों नहीं सुनी, बल्कि लूट के माल पर झपटे, और प्रभु के सामने बुराई की? और शाऊल ने शमूएल से कहा, लोगों की आवाज़ सुनने के कारण, मैं उस रास्ते पर गया जिस पर प्रभु ने मुझे भेजा था, और मैं अमालेक के राजा अगाग को लाया, और मैंने अमालेक को नष्ट कर दिया। और लोगों ने लूट के माल में से भेड़-बकरियों के झुंड और मवेशियों के झुंड, जो विनाश के पहले थे, लिए, ताकि हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने गिलगाल में बलिदान करें। और शमूएल ने कहा, क्या प्रभु को होमबलि और बलिदान उतने वांछित हैं जितना प्रभु की आवाज़ सुनना? देखो, सुनना अच्छे बलिदान से बढ़कर है, और आज्ञाकारिता मेढ़ों की चर्बी से बढ़कर है। क्योंकि पाप शकुन है, और तेराफीम दर्द और परिश्रम लाते हैं, इसलिए कि तूने प्रभु के वचन को तुच्छ जाना है, प्रभु भी तुझे तुच्छ जानेगा ताकि तू इस्राएल पर राजा न रहे।

और शाऊल ने शमूएल से कहा, मैंने पाप किया है, क्योंकि मैंने प्रभु के वचन और तुम्हारे वचन का उल्लंघन किया, क्योंकि मैं लोगों से डर गया था, और मैंने उनकी आवाज़ सुनी। और अब वास्तव में मेरा पाप उठा लो, और मेरे साथ लौटो, और मैं तुम्हारे प्रभु परमेश्वर की पूजा करूंगा।

और शमूएल ने शाऊल से कहा, मैं तुम्हारे साथ नहीं लौटूंगा; क्योंकि तुमने प्रभु के वचन को तुच्छ जाना है, और प्रभु तुम्हें तुच्छ जानेगा कि तुम इस्राएल पर राजा न रहो।

और शमूएल जाने के लिए अपना चेहरा लौटाया, और शाऊल ने उसके चोगे का कोना पकड़ लिया, और उसे फाड़ दिया। और शमूएल ने उससे कहा, प्रभु ने आज तेरा राज्य इस्राएल से तेरे हाथ से फाड़ दिया है, और उसे तेरे पड़ोसी को जो तुझसे अच्छा है, देगा। और इस्राएल दो में विभाजित होगा, और वह न मुड़ेगा और न पश्चाताप करेगा, क्योंकि वह मनुष्य के समान नहीं है कि पश्चाताप करे। और शाऊल ने कहा, मैंने पाप किया है, लेकिन इस्राएल के बुजुर्गों के सामने और मेरे लोगों के सामने वास्तव में मेरी महिमा करो, और मेरे साथ लौटो, और मैं तुम्हारे परमेश्वर प्रभु की आराधना करूंगा। और शमूएल शाऊल के पीछे लौटा, और प्रभु को दण्डवत किया।

और शमूएल ने कहा, अमालेक के राजा अगाग को मेरे पास लाओ, और अगाग कांपता हुआ उसके पास आया, और अगाग ने कहा, क्या इस प्रकार कड़वी है मृत्यु। और शमूएल ने अगाग से कहा, जैसे तुम्हारी तलवार ने स्त्रियों को निःसंतान किया है, वैसे ही स्त्रियों में से तुम्हारी माता निःसंतान की जाएगी। और शमूएल ने गिलगाल में प्रभु के सामने अगाग का वध किया।

और शमूएल अरमथैम चला गया, और शाऊल अपने घर गिबा चला गया। और शमूएल ने अपनी मृत्यु के दिन तक फिर शाऊल को नहीं देखा, क्योंकि शमूएल शाऊल के लिए शोक करता रहा, और प्रभु को पछतावा हुआ कि उसने शाऊल को इस्राएल पर राजा बनाया था।

16

और प्रभु ने शमूएल से कहा, तू कब तक शाऊल के लिए शोक करता रहेगा? मैंने उसे अस्वीकार कर दिया है कि वह इस्राएल पर शासन न करे। अपने सींग को तेल से भर, और आ, मैं तुझे यिशै

के पास बेतलेहेम तक भेजूंगा, क्योंकि मैंने उसके पुत्रों में अपने लिए एक राजा देखा है। और शमूएल ने कहा, मैं कैसे जाऊँ? शाऊल सुनेगा और मुझे मार डालेगा। और प्रभु ने कहा, अपने हाथ में मवेशियों की एक बछिया ले, और तू कहेगा, मैं प्रभु को बलिदान करने आया हूँ। और तू यिशै को बलिदान में बुलाएगा, और मैं तुझे बताऊंगा कि तुझे क्या करना है, और तू उसका अभिषेक करेगा जिसे मैं तुझसे कहूँगा।

और शमूएल ने वह सब किया जो प्रभु ने उससे कहा था, और वह बैतलहम में आया, और नगर के बुजुर्ग उससे मिलने पर चकित हुए, और उन्होंने कहा, क्या तेरा आना शांतिपूर्ण है, हे द्रष्टा? और उसने कहा, शांति हो। मैं प्रभु को बलिदान करने आया हूँ। पवित्र हो जाओ और आज मेरे साथ आनंदित हो जाओ। और उसने यिशै और उसके पुत्रों को पवित्र किया, और उनको बलिदान में बुलाया। और ऐसा हुआ कि जब वे प्रवेश कर रहे थे, तो उसने एलियाब को देखा और कहा, निश्चय ही प्रभु के सामने उसका अभिषिक्त है। और प्रभु ने शमूएल से कहा, उसके दिखावट को मत देखो, न ही उसकी महानता की स्थिति को, क्योंकि मैंने उसे अस्वीकार कर दिया है, क्योंकि जैसे मनुष्य देखता है, वैसे परमेश्वर नहीं देखता, क्योंकि मनुष्य चेहरे को देखता है, लेकिन परमेश्वर हृदय को देखता है। और यिशै ने अमीनादाब को बुलाया, और वह शमूएल के सामने से गुजरा। और उसने कहा कि इसको भी परमेश्वर ने नहीं चुना। और यिशै शम्मा को लाया, और कहा, और इसको भी प्रभु ने नहीं चुना। और यिशै अपने सात पुत्रों को शमूएल के सामने लाया, और शमूएल ने कहा, प्रभु ने इनमें से किसी को नहीं चुना।

और शमूएल ने यिशै से कहा, क्या युवा लड़के समाप्त हो गए हैं? और उसने कहा, अभी सबसे छोटा देखो झुंड में चराता है, और शमूएल ने यिशै से कहा, भेजो और उसे लाओ, क्योंकि हम तब तक नहीं बैठेंगे जब तक वह आ न जाए। और उसने भेजा और उसे अंदर लाया, और वह सुंदर आँखों वाला लाल रंग का था, और प्रभु को दिखने में अच्छा था, और प्रभु ने शमूएल से कहा, उठो और दाऊद का अभिषेक करो, क्योंकि यही वह है। और शमूएल ने तेल का सींग लिया और उसके भाइयों के बीच में उसका अभिषेक किया, और उस दिन से और उसके बाद प्रभु का आत्मा

दाऊद पर उतरा, और शमूएल उठा और अरमथैम को चला गया।

और प्रभु की आत्मा शाऊल से हट गई, और प्रभु की ओर से एक दुष्ट आत्मा ने उसे सताया। और शाऊल के सेवकों ने उससे कहा, देखो, प्रभु की बुरी आत्मा तुझे घुटन कर रही है, आपके दास आपके सामने कहें, और हमारे स्वामी के लिए वीणा बजाना जानने वाला पुरुष खोजें, और जब बुरी आत्मा आप पर हो, तो वह अपनी वीणा बजाए, और आपको अच्छा लगेगा और आपको विश्राम मिलेगा। और शाऊल ने अपने सेवकों से कहा, मेरे लिए एक पुरुष को देखो जो सही रूप से गाता है, और उसे मेरे पास लाओ। और उसके एक सेवक ने उत्तर दिया और कहा, देखो, मैंने यिशै के पुत्र को देखा है जो बेतलहमी है, और वह भजन जानता है, और वह पुरुष बुद्धिमान है, और योद्धा है, और वचन में बुद्धिमान है, और वह पुरुष रूप में अच्छा है, और प्रभु उसके साथ है। और शाऊल ने यिशै के पास दूत भेजे और कहा, अपने पुत्र दाऊद को, जो तेरे झुंड में है, मेरे पास भेज। और यिशै ने रोटियों का एक होमेर, और दाखरस की एक मशक, और बकरियों का एक बकरा लिया, और अपने पुत्र दाऊद के हाथ द्वारा शाऊल के पास भेजा।

और दाऊद शाऊल के पास गया, और उसके सामने खड़ा रहा, और उसने उससे बहुत प्रेम किया, और वह उसका हथियार ढोने वाला बन गया। और शाऊल ने यिशै के पास भेजा, यह कहते हुए, दाऊद को वास्तव में मेरे सामने खड़ा रहने दो, क्योंकि उसने मेरी दृष्टि में कृपा पाई है। और ऐसा हुआ कि जब दुष्ट आत्मा शाऊल पर आती थी, तब दाऊद वीणा लेता था और अपने हाथ से बजाता था, और शाऊल को ताज़गी मिलती थी और उसे अच्छा लगता था, और दुष्ट आत्मा उससे हट जाती थी।

17

और विदेशी अपने शिविरों को युद्ध के लिए इकट्ठा करते हैं, और यहूदिया के सोक्खोथ में एकत्र

होते हैं, और सोक्खोथ तथा अजेका एफेरमेन के बीच डेरा डालते हैं। और शाऊल और इस्राएल के पुरुष इकट्ठे होते हैं, और वे घाटी में डेरा डालते हैं, और विदेशियों के सामने युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध होते हैं। और विदेशी यहाँ पर्वत के ऊपर खड़े होते हैं, और इस्राएल यहाँ पर्वत के ऊपर खड़ा होता है, और घाटी उनके बीच में है।

और विदेशियों की युद्ध पंक्ति से एक सक्षम पुरुष बाहर गया, गोलियत नाम था उसका, गत से, उसकी ऊंचाई चार हाथ और एक बिन्ता थी। और उसके सिर पर शिरस्त्राण था, और उसने शृंखला जैसा कवच पहना हुआ था, और उसके कवच का वजन पांच हजार शेकेल कांसे और लोहे का था। और उसके पैरों पर कांस्य की पिंडलियों के कवच थे, और उसके कंधों के बीच कांस्य की ढाल थी। और उसके भाले का डंडा जुलाहों के करघे के बीम जैसा था, और उसके भाले का फल छह सौ शेकेल लोहे का था, और उसके हथियार उठाने वाला उसके आगे चलता था। और वह खड़ा हुआ और इस्राएल की युद्ध पंक्ति की ओर चिल्लाया, और उनसे कहा, तुम हमारे सामने युद्ध करने के लिए क्यों निकलते हो? क्या मैं विदेशी नहीं हूँ, और तुम सौल के इब्री नहीं हो? अपने लिए एक पुरुष चुनो, और वह मेरी ओर नीचे आए। और यदि वह मुझसे लड़ने में सक्षम हो, और यदि वह मुझे मार दे, तो हम तुम्हारे दास होंगे, लेकिन यदि मैं सक्षम हो और मैं उसे मार दूँ, तो तुम हमारे दास होगे, और तुम हमारी सेवा करोगे। और उस विदेशी ने कहा, देखो, मैंने आज के इस दिन इस्राएल की युद्ध पंक्ति की निन्दा की है, मुझे एक आदमी दो, और हम दोनों द्वंद्वयुद्ध करेंगे।

और शाऊल और सब इस्राएल ने उस विदेशी के ये शब्द सुने, और वे चकित हुए और बहुत डर गए।

और दाऊद ने शाऊल से कहा, मेरे स्वामी का हृदय उसके कारण निराश न हो; आपका दास जाएगा और इस विदेशी से लड़ेगा। और शाऊल ने दाऊद से कहा, तुम विदेशी के साथ युद्ध करने नहीं जा सकोगे, क्योंकि तुम बालक हो और वह अपनी युवावस्था से योद्धा पुरुष है।

और दाविद ने साऊल से कहा, आपका दास अपने पिता के झुंड को चरा रहा था, और जब शेर आता था, और भालू आता था, और झुंड में से भेड़ ले जाता था, और मैं उसके पीछे गया और मैंने उसे मारा, और उसके मुँह से खींच लिया, और अगर वह मुझ पर उठा, तो मैंने उसका गला पकड़ा, और मैंने मारा, और उसे मार डाला। और आपके दास ने शेर और भालू को मारा था, और यह खतनारहित विदेशी भी इनमें से एक जैसा होगा। क्या मैं नहीं जाऊंगा और उसे मारूंगा, और आज इस्राएल से निंदा को दूर करूंगा? क्योंकि यह खतनारहित कौन है, जिसने जीवित परमेश्वर की सेना की निंदा की? प्रभु, जिन्होंने मुझे शेर के हाथ से और भालू के हाथ से छुड़ाया, वे ही मुझे इस खतनारहित विदेशी के हाथ से छुड़ाएंगे। और शाऊल ने दाऊद से कहा, जाओ, और प्रभु तुम्हारे साथ हों।

और शाऊल ने दाऊद को चोगा पहनाया, और उसके सिर पर कांस्य का टोप पहनाया। और उसने दाऊद को उसकी तलवार उसके चोगे के ऊपर बांधी, और एक-दो बार चलने का प्रयास करके वह थक गया, और दाऊद ने शाऊल से कहा, मैं इनमें नहीं जा सकता, क्योंकि मैंने आजमाया नहीं है, और उन्होंने उन्हें उससे हटा दिया। और उसने अपनी लाठी अपने हाथ में ली, और अपने लिए नाले से पाँच चिकने पत्थर चुने, और उन्हें अपने चरवाहे के थैले में रखा जो उसके पास थैली के रूप में था, और अपनी गोफन अपने हाथ में ली, और उस विदेशी पुरुष के पास गया।

और गोलियथ ने दाऊद को देखा, और उसे तुच्छ जाना, क्योंकि वह एक लड़का था, और वह लाल था सुंदर आँखों के साथ। और विदेशी ने दाऊद से कहा, क्या मैं कुत्ता हूँ, कि तुम मेरे पास छड़ी और पत्थरों के साथ आ रहे हो? और दाऊद ने कहा, नहीं, बल्कि कुत्ते से भी बदतर। और विदेशी ने अपने देवताओं के नाम पर दाऊद को शाप दिया। और उस विदेशी ने दाऊद से कहा, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हारा मांस आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं को दे दूंगा।

और दाऊद ने विदेशी से कहा, तू मेरे पास तलवार और भाले और ढाल के साथ आ रहा है, और मैं तेरे पास प्रभु परमेश्वर सबाओत के नाम में आता हूँ, इस्राएल की सेना के परमेश्वर के नाम में,

जिसकी तूने आज निन्दा की है। और प्रभु आज तुझे मेरे हाथ में सौंप देंगे, और मैं तुझे मार डालूंगा, और तुम्हारा सिर तुमसे अलग कर दूंगा, और मैं तुम्हारे अंग और विदेशियों के शिविर के अंग इसी दिन आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं को दे दूंगा, और सारी पृथ्वी जान जाएगी कि इस्राएल में परमेश्वर है। और यह सारी सभा जान जाएगी कि प्रभु तलवार और भाले से नहीं बचाता, क्योंकि युद्ध प्रभु का है, और प्रभु तुम्हें हमारे हाथों में सौंप देगा।

और वह विदेशी उठा और दाऊद से मिलने के लिए गया। और दाऊद ने अपना हाथ थैली में डाला, और वहाँ से एक पत्थर लिया, और गोफन से फेंका, और विदेशी के माथे पर मारा, और पत्थर टोप के आर-पार उसके माथे में घुस गया, और वह अपने मुँह के बल भूमि पर गिर गया। और दाऊद दौड़ा और उसके पास आया, और उसकी तलवार ली, और उसे मार डाला, और उसका सिर काट लिया। और विदेशियों ने देखा कि उनका शक्तिशाली योद्धा मर गया है, और वे भाग गए।

और इस्राएल और यहूदा के पुरुष खड़े हुए, और चिल्लाए, और उनका पीछा करते हुए गत के प्रवेश तक गए, और अशकलोन के द्वार तक, और विदेशियों के घायल द्वारों के मार्ग में गिरे और गत तक, और एक्रोन तक। और इस्राएल के पुरुष विदेशियों के पीछे मुड़कर लौटे, और उन्होंने उनके शिविरों को रौंद डाला। और दाऊद ने विदेशी का सिर लिया, और उसे यरूशलेम लाया, और उसके हथियार अपने तम्बू में रखे।

18

और नाचती हुई स्त्रियाँ दाऊद से मिलने के लिए इस्राएल के सब नगरों से ढपलियों, आनंद और

झांझों के साथ निकलीं। और स्त्रियों ने गाना आरंभ किया और कह रही थीं, शाऊल ने अपने हजारों को मारा, और दाऊद ने अपने दस हजारों को। और यह बात शाऊल की दृष्टि में बुरी लगी, और उसने कहा, दाऊद को उन्होंने दस हजार दिए, और मुझे हजार दिए।

और शाऊल दाऊद के चेहरे से डर गया। और उसने उसे उसके पद से हटाया, और उसे अपने लिए सेनापति नियुक्त किया, और वह लोगों के सामने आता-जाता था। और दाऊद अपने सब मार्गों में समझदार था, और प्रभु उसके साथ था। और शाऊल ने देखा कि वह बहुत समझदार है, और वह उसके चेहरे से डरा। और समस्त इस्राएल और यहूदा दाऊद से प्रेम करते थे, क्योंकि वह लोगों के सामने आता-जाता था।

और शाऊल की पुत्री मीकल ने दाऊद से प्रेम किया, और यह बात शाऊल को बताई गई, और यह उसकी दृष्टि में भला लगा। और शाऊल ने कहा, मैं उसे उसको दूँगा, और वह उसके लिए ठोकर का कारण होगा, और विदेशियों का हाथ शाऊल पर था। और शाऊल ने अपने सेवकों को आज्ञा दी कहते हुए, तुम दाऊद से गुप्त रूप से बोलो कहते हुए, देखो राजा तुझमें रुचि रखता है और उसके सब सेवक तुझसे प्रेम करते हैं, और तू राजा का दामाद बन जा। और शाऊल के सेवकों ने दाऊद के कानों में ये शब्द बोले, और दाऊद ने कहा, क्या तुम्हारी आँखों में राजा से विवाह करना हल्का है? और मैं दीन पुरुष हूँ, और प्रतापी नहीं। और शाऊल के सेवकों ने उसको इन शब्दों के अनुसार रिपोर्ट किया जो दाऊद ने बोला। शाऊल ने कहा, दाऊद से ये बातें कहना: राजा दहेज में कुछ नहीं चाहता, बल्कि विदेशियों की सौ खतनाएँ चाहता है ताकि राजा के शत्रुओं से बदला लिया जा सके। और शाऊल ने सोचा कि उसे विदेशियों के हाथों में डाल दे। और शाऊल के सेवकों ने दाऊद को ये शब्द बताए, और राजा से विवाह करने की बात दाऊद की दृष्टि में प्रसन्न थी।

और दाऊद उठा, और वह और उसके लोग गए, और उसने परदेशियों में से सौ पुरुषों को मारा, और उनकी खलड़ियाँ लाया, और राजा से विवाह-संबंध बनाया, और राजा ने अपनी पुत्री मीकल

को उसे पत्नी के रूप में दिया। और शाऊल ने देखा कि प्रभु दाऊद के साथ है, और सारा इस्राएल उससे प्रेम करता था। और वह दाऊद से और भी अधिक सावधान रहने लगा।

19

और शाऊल ने योनातान अपने पुत्र से और अपने सब सेवकों से दाऊद को मार डालने के लिए कहा और शाऊल का पुत्र योनातान दाऊद को बहुत प्रेम करता था, और योनातान ने दाऊद को सूचना दी, कहते हुए, शाऊल तुम्हें मार डालने की खोज में है, इसलिए कल सुबह सावधान रहना, और छिप जाना और गुप्त रूप से बैठना। और मैं बाहर जाऊंगा और अपने पिता के पास खड़ा होऊंगा उस खेत में जहां तुम होगे, और मैं अपने पिता से तुम्हारे बारे में बात करूंगा, और जो कुछ भी होगा मैं देखूंगा, और तुम्हें बताऊंगा।

और योनातान ने दाऊद के विषय में अच्छी बातें अपने पिता शाऊल से कहीं, और उससे कहा, राजा अपने दास दाऊद के विरुद्ध पाप न करे, क्योंकि उसने तेरे विरुद्ध पाप नहीं किया है, और उसके कर्म बहुत अच्छे हैं, और उसने अपनी आत्मा को अपने हाथ में रखा, और उसने विदेशी को मारा, और प्रभु ने महान उद्धार किया, और सारे इस्राएल ने देखा और आनंदित हुए। और तुम क्यों निर्दोष रक्त बहाने का पाप करते हो कि दाऊद को बिना कारण मार डालो? और शाऊल ने योनातान का स्वर सुना, और शाऊल ने शपथ खाई, कहते हुए, जीवित है प्रभु, वह नहीं मरेगा। और योनातान ने दाऊद को बुलाया, और उसे ये सब बातें बताई, और योनातान दाऊद को शाऊल के पास ले गया, और वह उसके सामने था, जैसे कल और परसों।

और शाऊल के विरुद्ध युद्ध फिर से हुआ, और दाऊद मजबूत हुआ, और उसने विदेशियों से युद्ध किया, और उसने उन्हें बहुत बड़ा प्रहार किया, और वे उसके सामने से भाग गए।

और ऐसा हुआ कि परमेश्वर की दुष्ट आत्मा शाऊल पर आई, और वह घर में सोता हुआ था, और भाला उसके हाथ में था, और दाऊद अपने हाथों से बजा रहा था। और शाऊल ने दाऊद को भाले से मारने की कोशिश की, और दाऊद शाऊल के सामने से हट गया, और भाला दीवार में जा लगा, और दाऊद पीछे हट गया और बच गया। और उस रात में ऐसा हुआ कि शाऊल ने दाऊद के घर में दूतों को भेजा ताकि वे उसकी पहरेदारी करें और सुबह उसे मार डालें, और दाऊद की पत्नी मीकल ने उसे बताया, कहते हुए, यदि तू इस रात अपनी आत्मा को नहीं बचाएगा, तो कल तू मार डाला जाएगा। और मीकल ने दाऊद को खिड़की से नीचे उतारा, और वह चला गया और भाग गया और बच गया। और मीकल ने खाली कब्रें लीं, और बिस्तर पर रखा, और बकरियों का जिगर उसके सिर की ओर रखा, और उन्हें कपड़े से ढका।

और शाऊल ने दाऊद को लेने के लिए दूत भेजे, और वे कहते हैं कि वह परेशान है। और वह दाऊद के पास भेजता है, यह कहते हुए, उसे बिस्तर पर मेरे पास लाओ ताकि मैं उसे मार डालूं। और दूत आते हैं, और देखो, खाली कब्रें बिस्तर पर हैं, और बकरियों का जिगर उसके सिर की ओर है। और शाऊल ने मीकल से कहा, तूने मुझे इस प्रकार क्यों धोखा दिया, और मेरे शत्रु को भेज दिया, और वह बच गया? और मीकल ने शाऊल से कहा, उसने कहा, मुझे भेज दो, नहीं तो मैं तुझे मार डालूंगा।

और दाऊद भागा और बच गया, और शमूएल के पास अरमथैम में आया, और उसने शमूएल को सब कुछ बताया जो शाऊल ने उसके साथ किया था, और शमूएल और दाऊद गए, और रामा में नायोत में बैठे।

और शाऊल को यह सूचना दी गई, देखो, दाऊद नायोत में है जो रामा में है। और शाऊल ने दाऊद को पकड़ने के लिए दूत भेजे, और उन्होंने भविष्यवक्ताओं की सभा देखी, और शमूएल उनके ऊपर खड़ा था, और शाऊल के दूतों पर परमेश्वर का आत्मा आया, और वे भविष्यवाणी करने लगे। और यह शाऊल को बताया गया, और उसने अन्य दूत भेजे, और उन्होंने भी भविष्यवाणी

की, और शाऊल ने तीसरी बार दूत भेजे, और उन्होंने भी भविष्यवाणी की। और शाऊल क्रोध में क्रोधित हुआ, और वह स्वयं अरमथैम को गया, और सेफ में खलिहान के कुएं तक आता है, और पूछा और कहा, शमूएल और दाऊद कहाँ हैं? और उन्होंने कहा, देखो, रामा में नायोत में। और वह वहाँ से रामा में नायोत को गया, और उस पर परमेश्वर का आत्मा आया, और वह भविष्यवाणी करता हुआ जाता रहा जब तक वह रामा में नायोत में नहीं पहुँच गया। और उसने अपने वस्त्र उतारे, और उनके सामने भविष्यवाणी की, और वह पूरे दिन और पूरी रात नग्न गिरा रहा, इसलिए वे कहते थे, क्या शाऊल भी भविष्यवक्ताओं में है?

20

और दाऊद नायोत से रामा में भागा, और योनातान के सामने आया, और बोला, मैंने क्या किया है, और मेरा अन्याय क्या है, और मैंने तेरे पिता के सामने क्या पाप किया है, कि वह मेरी आत्मा को खोजता है? और योनातान ने उससे कहा, किसी भी तरह से नहीं, तुम नहीं मरोगे। देखो, मेरे पिता कोई भी बात, बड़ी या छोटी, नहीं करेंगे और मेरे कान को प्रकट नहीं करेंगे। और क्यों मेरे पिता मुझसे यह बात छिपाएंगे? ऐसा नहीं है। और दाऊद ने योनातान को उत्तर दिया और कहा, तेरा पिता भली-भाँति जानता है कि मुझे तेरी दृष्टि में कृपा मिली है, और उसने कहा, योनातान को यह न जानने दो, कहीं वह दुःखी न हो। लेकिन जीवित प्रभु की शपथ और तेरी आत्मा की शपथ, जैसा मैंने कहा, मेरे और मृत्यु के बीच केवल एक कदम की दूरी है। और जोनाथन ने डेविड से कहा, तुम्हारी आत्मा क्या इच्छा करती है, और मैं तुम्हारे लिए क्या करूँगा?

और दाऊद ने योनातान से कहा, देखो, कल नया चाँद है, और मैं बैठकर खाने नहीं बैठूँगा, और तू मुझे भेज देगा, और मैं शाम तक मैदान में छिपा रहूँगा। और यदि तुम्हारा पिता मेरी देखभाल करने आए, तो तुम कहना, दाऊद ने मुझसे बैतलहम, अपने शहर तक दौड़कर जाने की विनती की, क्योंकि वहाँ पूरे कबीले के लिए दिनों का बलिदान है। यदि वह ये बातें अच्छी तरह से कहे, तो तेरे

दास को शांति मिले, और यदि वह तुझे कठोरता से उत्तर दे, तो जान ले कि उसकी दुष्टता पूर्ण हो गई है। और तुम अपने दास पर दया करोगे, क्योंकि तुमने अपने दास को अपने साथ प्रभु की वाचा में लाया है, और यदि तुम्हारे दास में कोई अन्याय है, तो तुम स्वयं मुझे मार डालो, और तुम्हारे पिता के पास तक मुझे इस प्रकार क्यों ले जाते हो?

और योनातान ने कहा, तुम्हें किसी भी तरह से नहीं, क्योंकि यदि मैं जानते हुए जान जाऊं कि मेरे पिता की ओर से बुराई तुम पर आने के लिए पूरी हो गई है, और यदि यह तुम्हारे शहरों में नहीं हो, तो मैं तुम्हें बताऊंगा। और दाविद ने योनातान से कहा, कौन मुझे बताएगा, यदि तुम्हारा पिता कठोरता से उत्तर देता है? और जोनाथन ने डेविड से कहा, जाओ और खेत में रहो, और दोनों खेत में निकल गए।

और योनातान ने दाऊद से कहा, इस्राएल का परमेश्वर प्रभु जानता है कि मैं अपने पिता की जांच करूंगा जब समय होगा, तीन बार, और देखो यदि दाऊद के विषय में अच्छा हो, और मैं तुम्हारे पास खेत में नहीं भेजूंगा, परमेश्वर योनातान के साथ ये करे और इससे भी अधिक करे, क्योंकि मैं तुम पर आने वाली बुराइयों को तुम्हारे कान में प्रकट करूंगा, और मैं तुम्हें विदा करूंगा और तुम शांति से जाओगे, और प्रभु तुम्हारे साथ होंगे जैसे वे मेरे पिता के साथ थे। और यदि मैं अभी जीवित रहूँ, तो तू मुझ पर दया करना, और यदि मैं मृत्यु से मर जाऊँ, तुम अपनी दया मेरे घर से युगों तक नहीं हटाओगे, और यदि ऐसा न हो, तो प्रभु दाऊद के प्रत्येक शत्रु को पृथ्वी के मुख से हटा देंगे। योनातान का नाम दाऊद के घर से पाया जाए, और प्रभु दाऊद के शत्रुओं को खोजें। और योनातान ने दाऊद को फिर शपथ दिलाई, क्योंकि उसने उसकी आत्मा से प्रेम किया जो उससे प्रेम करता था।

और जोनाथन ने कहा, कल अमावस्या है, और तुम्हारी कमी महसूस की जाएगी, क्योंकि तुम्हारा स्थान खाली रहेगा। और तुम तीन गुना होगे और निरीक्षण करोगे और अपने उस स्थान में आओगे जहाँ तुम काम के दिन में छिपते हो, और उस ढेर के पास बैठोगे। और मैं तीन बार तीर फेंकूंगा,

उन्हें अमत्तारी की ओर भेजते हुए। और देखो, मैं लड़के को भेजता हूँ, यह कहते हुए, यहाँ आओ, मेरे लिए तीर ढूँढो। यदि मैं लड़के से कहूँ, देखो, तीर तुम्हारी ओर से यहाँ है, इसे ले लो, तो आ जाओ, क्योंकि तुम्हारे लिए शांति है, और कोई बात नहीं है, जीवित प्रभु की शपथ। यदि मैं युवा पुरुष से ये बातें कहूँ, तीर तुमसे परे है, तो चले जाओ, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें भेजा है। और जो शब्द हम बोले, मैं और तुम, देखो प्रभु साक्षी है मेरे और तुम्हारे बीच युगों तक।

और दाऊद खेत में छिपा हुआ है, और वह समय आता है, और राजा मेज़ पर खाने के लिए आता है। और वह अपनी सीट पर बैठा जैसे एक बार और एक बार, दीवार के पास की सीट पर, और जोनाथन से पहले आया, और अबनेर शाऊल की बगल में बैठा, और दाऊद का स्थान खाली था। और शाऊल ने उस दिन कुछ नहीं कहा, क्योंकि उसने सोचा था कि यह संयोग प्रतीत होता है, वह शुद्ध नहीं है, क्योंकि वह शुद्ध नहीं किया गया है।

और ऐसा हुआ कि महीने के दूसरे दिन, दाऊद का स्थान खाली था, और शाऊल ने अपने पुत्र योनातान से कहा, क्या बात है कि यिशै का पुत्र कल और आज मेज़ पर नहीं आया है? और योनातान ने शाऊल को उत्तर दिया और उससे कहा, दाऊद ने मुझसे अपने नगर बैतलहम जाने की अनुमति मांगी है। और उसने कहा, मुझे वास्तव में भेज दो, क्योंकि शहर में हमारे जनजाति का बलिदान है, और मेरे भाइयों ने मुझे आदेश दिया है, और अब यदि मैंने तुम्हारी दृष्टि में कृपा पाई है, तो मैं वास्तव में जाऊँगा और अपने भाइयों को देखूँगा, इसी कारण वह राजा की मेज़ पर नहीं आया है।

और शाऊल योनातान पर बहुत क्रोधित हुआ, और उसने उससे कहा, भगोड़ी लड़कियों के पुत्र, क्या मैं नहीं जानता कि तू यिशै के पुत्र का साथी है, अपनी शर्म के लिए और अपनी माता की नग्नता की शर्म के लिए? जब तक यिशै का पुत्र पृथ्वी पर जीवित है, तब तक तेरा राज्य स्थापित नहीं होगा, इसलिए अब भेजकर उस युवा को ले आ, क्योंकि यह मृत्यु का पुत्र है। और योनातान ने शाऊल को उत्तर दिया, वह क्यों मरे? उसने क्या किया है? और शाऊल ने योनातान पर भाला

उठाया उसे मार डालने के लिए, और योनातान जान गया कि यह दुष्टता उसके पिता से पूरी हो चुकी है दाऊद को मार डालने के लिए। और योनातान क्रोध में मेज़ से उछल पड़ा, और उसने महीने के दूसरे दिन रोटी नहीं खाई, क्योंकि वह दाऊद के लिए दुःखी हुआ, क्योंकि उसके पिता ने उसे अपमानित किया।

और सुबह हुआ, और योनातान खेत को गया, जैसा उसने दाऊद की गवाही के लिए नियुक्त किया था, और एक छोटा लड़का उसके साथ था। और उसने उस युवा सेवक से कहा, दौड़ो, मुझे वे तीर ढूँढो जिन्हें मैं फेंकता हूँ। और वह युवा सेवक दौड़ा, और उसने स्वयं तीर फेंका, और उसे लाया। और वह लड़का उस स्थान तक आया जहाँ योनातान तीर फेंक रहा था, और योनातान ने युवक के पीछे से चिल्लाकर कहा, वहाँ तुम्हारे से आगे तीर है। और योनातान अपने बालक के पीछे चिल्लाया, कहते हुए, जल्दी करो, शीघ्रता करो, और मत खड़े रहो। और बालक ने योनातान के तीरों को इकट्ठा किया और तीरों को अपने स्वामी के पास लाया। और वह लड़का कुछ नहीं जानता था, सिवाय योनातान और दाऊद के। और योनातान ने अपने बर्तन अपने लड़के को दिए, और अपने लड़के से कहा, जाओ, नगर में प्रवेश करो।

और जैसे बालक प्रवेश किया, दाऊद पलंग से उठा, और अपने चेहरे पर गिरा, और उसको तीन बार प्रणाम किया, और प्रत्येक ने अपने पड़ोसी को चूमा, और प्रत्येक अपने पड़ोसी के लिए रोया, महान समाप्ति तक। और योनातान ने दाऊद से कहा, शांति से जाओ, और जैसा हम दोनों ने प्रभु के नाम में शपथ खाई है, यह कहते हुए कि प्रभु मेरे और तुम्हारे बीच, और मेरे वंश और तुम्हारे वंश के बीच युगों तक साक्षी रहेगा।

21

और दाऊद उठा और चला गया, और योनातान शहर में प्रवेश किया।

और दाऊद नोब में याजक अबीमेलक के पास आता है, और अबीमेलक उससे मिलने पर चकित हुआ, और उसने उससे कहा, क्या बात है कि तू अकेला है, और तेरे साथ कोई नहीं है? और दाविद ने पुजारी से कहा, राजा ने आज मुझे एक आदेश दिया है, और मुझसे कहा है, जिस काम के लिए मैं तुम्हें भेज रहा हूँ, और जो आदेश मैंने तुम्हें दिया है, उसके बारे में कोई न जाने, और मैंने युवा पुरुषों को उस स्थान पर कड़े आदेश दिए हैं जो परमेश्वर का विश्वास फेल्लानि माएमोनी कहलाता है। और अब यदि तुम्हारे हाथ के अधीन पाँच रोटियाँ हैं, तो जो पाया गया है उसे मेरे हाथ में दो। और पुजारी ने दाऊद को उत्तर दिया और कहा, मेरे हाथ में सामान्य रोटियाँ नहीं हैं, क्योंकि केवल पवित्र रोटियाँ हैं। यदि जवान लड़के स्त्री से अलग रखे गए हैं, तो वह खाएगा। और दाऊद ने पुजारी को उत्तर दिया और उससे कहा, लेकिन हम स्त्री से कल और परसों से दूर रहे हैं। जब मैं यात्रा पर निकला, सब जवान शुद्ध थे, और यद्यपि यह यात्रा सामान्य है, फिर भी आज यह मेरे बर्तनों के कारण पवित्र की जाएगी।

और अबीमेलक पुजारी ने उसको प्रस्तुति की रोटियाँ दीं, क्योंकि वहाँ रोटियाँ नहीं थीं, लेकिन केवल चेहरे की रोटियाँ थीं जो प्रभु के चेहरे से हटाई गई थीं, ताकि गरम रोटी रखी जाए जिस दिन उसने उनको लिया।

और उस दिन शाऊल के सेवकों में से एक वहाँ था जो प्रभु के सामने व्याकुल था, और उसका नाम दोएग सीरियाई था, जो शाऊल के खच्चरों को चराता था।

और दाऊद ने अबीमेलक से कहा, देखो, क्या यहाँ तुम्हारे पास कोई भाला या तलवार है? क्योंकि मैं अपनी तलवार और हथियार अपने साथ नहीं लाया, क्योंकि राजा का काम बहुत जरूरी था। और पुजारी ने कहा, देखो, विदेशी गोलियत की तलवार, जिसे तुमने एला की घाटी में मारा था, और यह वस्त्र में लपेटी हुई थी। यदि तुम इसे अपने लिए लोगे, तो लो, क्योंकि यहाँ इसके अलावा कोई दूसरी नहीं है। और दाऊद ने कहा, देखो, इसके जैसी कोई नहीं है, मुझे यह दो।

और उसने उसे उसको दे दिया, और दाऊद उठा, और उस दिन शाऊल के सामने से भाग गया, और दाऊद गत के राजा अकीश के पास आया। और अकीश के सेवकों ने उससे कहा, क्या यह भूमि का राजा दाऊद नहीं है? क्या इसके लिए नाचने वाली स्त्रियों ने यह कहते हुए गाना नहीं शुरू किया था, शाऊल ने अपने हजारों मारे, और दाऊद ने अपने दस हजारों? और दाऊद ने उन शब्दों को अपने हृदय में रखा, और वह गत के राजा आकीश के चेहरे से बहुत डरा। और उसने अपना चेहरा उसके सामने बदला, और उस दिन दिखावा किया, और शहर के दरवाज़ों पर ढोल बजाया, और अपने हाथों में ले जाया गया, और फाटक के दरवाज़े पर गिरा, और उसकी लार उसकी दाढ़ी पर बह रही थी। और अकीश ने अपने सेवकों से कहा, देखो, देखो आदमी दोषी, क्यों तुम उसे मेरे पास लाए? क्या मैं पागलों से कम हूँ, कि तुम उसे मेरे सामने पागलपन करने के लिए लाए हो? यह व्यक्ति मेरे घर में प्रवेश नहीं करेगा।

22

और दाऊद वहाँ से चला गया और बच गया, और अदुल्लाम की गुफा में आया, और उसके भाइयों ने सुना और उसके पिता के घर ने, और वहाँ उसके पास आए। और उसके पास हर वह व्यक्ति एकत्रित हो रहा था जो आवश्यकता में था, और हर वह जो ऋणी था, और हर वह जिसकी आत्मा कड़वी थी, और वह उनका नेता था, और उसके साथ लगभग चार सौ पुरुष थे।

और दाऊद वहाँ से मोआब के मिस्या में गया, और मोआब के राजा से कहा, मेरे पिता और मेरी माता को आपके पास रहने दें, जब तक मैं न जान लूँ कि परमेश्वर मेरे साथ क्या करेगा। और उसने मोआब के राजा का चेहरा प्रोत्साहित किया, और वे उसके साथ सब दिन रहे, जब दाऊद किले में था। और भविष्यवक्ता गाद ने दाऊद से कहा, गढ़ में मत बैठो, जाओ, और तुम यहूदा की भूमि में आओगे। और दाऊद गया, और आया और सारीक नगर में बैठा।

और शाऊल ने सुना कि दाऊद और वे पुरुष जो उसके साथ थे जाने गए हैं, और शाऊल पहाड़ी पर रामाह के खेत के पास बैठा था, और भाला उसके हाथ में था, और उसके सब सेवक उसके पास खड़े थे। और शाऊल ने अपने सेवकों से जो उसके पास खड़े थे कहा, हे बिन्यामीन के पुत्रों, सुनो, क्या सचमुच यिशै का पुत्र तुम सबको खेत और अंगूर के बाग देगा, और तुम सबको सैकड़ों के सेनापति और हजारों के सेनापति नियुक्त करेगा, क्या तुम सब मेरे विरुद्ध एकत्रित हो, और कोई नहीं है जो मेरे कान को प्रकट करे, जब मेरा पुत्र यिशै के पुत्र के साथ वाचा बाँधता है, और तुम में से कोई नहीं है जो मेरे विषय में चिंतित हो, और मेरे कान को प्रकट करे कि मेरे पुत्र ने मेरे दास को मेरे विरुद्ध शत्रु के रूप में उभारा है, जैसा कि आज का दिन है?

और सीरियाई दोएक ने, जो शाऊल के खच्चरों पर नियुक्त था, उत्तर दिया और कहा, मैंने यिशै के पुत्र को नोब में अहीतूब के पुत्र अबीमेलेक याजक के पास आते हुए देखा है। और उसने परमेश्वर के द्वारा उससे पूछा, और उसे रसद दिया, और उसे परदेशी गोलियत की तलवार दी।

और राजा ने अबीमेलेक को, जो अहीतूब का पुत्र था, और उसके पिता के सब पुत्रों को, जो नोब में याजक थे, बुलाने के लिए भेजा, और वे सब राजा के पास आए। और शाऊल ने कहा, हे अहीतूब के पुत्र, सुनो, और उसने कहा, देखो, मैं यहाँ हूँ, स्वामी बोलिए। और शाऊल ने उससे कहा, तुमने और यिशै के पुत्र ने मेरे विरुद्ध क्यों षड्यंत्र किया, उसे रोटी और तलवार देने के लिए, और परमेश्वर से उसके लिए पूछने के लिए, ताकि उसे मेरे विरुद्ध शत्रु बनाया जाए, जैसा कि आज का दिन है? और उसने राजा को उत्तर दिया और कहा, और आपके सब दासों में दाऊद के समान कौन विश्वासी है, जो राजा का दामाद है, और आपके सब आदेशों का शासक है, और आपके घर में महिमामय है? क्या आज मैंने परमेश्वर के माध्यम से उससे पूछना शुरू किया? किसी भी तरह से नहीं, राजा अपने दास के विरुद्ध और मेरे पिता के सम्पूर्ण घर के विरुद्ध आरोप न लगाए, क्योंकि तेरे दास को इन सब बातों में से किसी छोटी या बड़ी बात का ज्ञान नहीं था।

और राजा शाऊल ने कहा, अबीमेलेक, तू मृत्यु से मरेगा, और तेरे पिता का सारा घर भी। और

राजा ने उसके पास दौड़ते हुए और खड़े हुए लोगों से कहा, लाओ और प्रभु के पुजारियों को मार डालो, क्योंकि उनका हाथ दाऊद के साथ है, और क्योंकि वे जानते थे कि वह भाग रहा है, और उन्होंने मेरे कान में प्रकट नहीं किया, और राजा के सेवकों ने प्रभु के पुजारियों से मिलने के लिए अपने हाथ लाना नहीं चाहा। और राजा ने दोएक से कहा, तू लौट और पुजारियों पर हमला कर, और दोएक सीरियाई लौटा, और उसने उस दिन प्रभु के तीन सौ पाँच पुजारियों को मार डाला, जो सभी एपोद पहने हुए थे। और उसने नोब को, पुजारियों के शहर को, तलवार से मारा - पुरुष से लेकर स्त्री तक, शिशु से लेकर दूध पीते बच्चे तक, और बछड़े, गधे और भेड़ को भी।

और अबीमेलेक का एक पुत्र, जो अहीतूब का पुत्र था, बच गया, और उसका नाम अबियाथार था, और वह दाऊद के पीछे भाग गया। और अबियाथार ने दाऊद को सूचना दी कि शाऊल ने प्रभु के सब याजकों को मार डाला। और दाऊद ने अबियाथार से कहा, मैं जानता था कि उस दिन, दोएक सीरियाई शाऊल को सूचना देगा, मैं तुम्हारे पिता के घर के प्राणों के लिए जिम्मेदार हूँ। मेरे साथ बैठो, मत डरो, क्योंकि जहाँ मैं अपने प्राण के लिए स्थान खोजूँगा, वहाँ तेरे प्राण के लिए भी खोजूँगा, क्योंकि तू मेरे पास सुरक्षित है।

23

और दाऊद को यह सूचना दी गई, देखो, विदेशी केइला में लड़ रहे हैं, और वे खलिहानों को लूट रहे हैं और रौंद रहे हैं। और दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मैं जाऊँ और इन विदेशियों को मारूँ? और प्रभु ने कहा, जाओ, और तुम इन विदेशियों को मारोगे, और कैलाह को बचाओगे। और दाऊद के पुरुषों ने उससे कहा, देखो, हम यहाँ यहूदिया में ही डरते हैं, और यदि हम कीला जाएं तो क्या होगा? क्या हम विदेशियों की लूट पर आक्रमण करेंगे? और दाऊद ने प्रभु के माध्यम से फिर पूछा, और प्रभु ने उसको उत्तर दिया, और उसको कहा, उठ और कीला में जा, क्योंकि मैं विदेशियों को तुम्हारे हाथों में सौंपता हूँ। और दाऊद और उसके साथ के पुरुष कईला में गए, और

उसने विदेशियों से लड़ाई की, और वे उसके सामने से भाग गए, और उनके पशुओं को ले गया, और उन पर बड़ा प्रहार किया, और दाऊद ने कईला के निवासियों को बचाया। और ऐसा हुआ कि जब अबियाथार, जो अहीमेलक का पुत्र था, दाऊद के पास भागा, तो वह दाऊद के साथ कईला गया और अपने हाथ में एपोद लिए हुए नीचे आया।

और शाऊल को सूचित किया गया कि दाऊद कीला में आया है, और शाऊल ने कहा, परमेश्वर ने उसे मेरे हाथों में बेच दिया है, क्योंकि वह दरवाजों और छड़ों वाले नगर में प्रवेश करके स्वयं को बंद कर लिया है। और शाऊल ने सब लोगों को आदेश दिया कि कईला में युद्ध के लिए उतरे, दाऊद और उसके पुरुषों को रोकने के लिए। और दाऊद जान गया कि शाऊल उसके विरुद्ध दुष्टता के बारे में चुप नहीं रहता, और दाऊद ने अबियातार याजक से कहा, प्रभु का एपोद लाओ। और दाऊद ने कहा, हे प्रभु इस्राएल के परमेश्वर, तेरे दास ने सुना है कि शाऊल कीला पर आकर मेरे कारण नगर को नष्ट करना चाहता है। क्या वह बंद कर दिया जाएगा? और अब क्या शाऊल नीचे आएगा, जैसा आपके दास ने सुना है? हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, अपने दास को बताइए। और प्रभु ने कहा, वह बंद कर दिया जाएगा।

और दाऊद उठा और उसके साथ के पुरुष, लगभग चार सौ, और वे कईला से निकल गए, और वे जहाँ कहीं जाते थे वहाँ गए। और शाऊल को सूचना दी गई कि दाऊद कईला से बच निकला है, और उसने आने का इरादा छोड़ दिया। और वह मासेरेम में जंगल के संकरे स्थानों में बैठा, और वह ज़िफ़्र पहाड़ पर जंगल में, सूखी भूमि में बैठा रहा, और शाऊल सब दिन उसको खोजता रहा, और प्रभु ने उसको उसके हाथों में नहीं सौंपा। और दाविद ने देखा कि शाऊल दाविद को खोजने के लिए निकल रहा है, और दाविद नए जीप में सूखे पहाड़ पर था।

और शाऊल का पुत्र योनातान उठा और नए में दाऊद के पास गया, और उसने प्रभु में उसके हाथों को मजबूत किया। और उसने उससे कहा, मत डरो, क्योंकि मेरे पिता शाऊल का हाथ तुम्हें नहीं पाएगा, और तुम इस्राएल पर राज करोगे, और मैं तुम्हारे लिए दूसरा होऊंगा, और मेरा पिता

शाऊल यह जानता है। और दोनों ने प्रभु के सामने वाचा बाँधी, और दाऊद कैना में रहा, और योनातान अपने घर चला गया।

और जिफाई सूखी भूमि से शाऊल के पास पहाड़ी पर गए, कहते हुए, क्या दाऊद हमारे पास मेस्सारा में, संकरे स्थानों में, नए में, हखीला की पहाड़ी में, जो यशीमोन के दाहिने ओर है, छिपा हुआ नहीं है? और अब राजा के मन की हर इच्छा के अनुसार उतरने के लिए, वह हमारे पास आए, उन्होंने उसे राजा के हाथों में सौंप दिया है। और शाऊल ने उनसे कहा, प्रभु द्वारा धन्य हो तुम, क्योंकि तुमने मेरे विषय में परिश्रम किया। जाओ और अभी तैयारी करो, और उस स्थान को जान लो जहाँ उसका पैर शीघ्रता से होगा, जैसा तुमने कहा था, कहीं ऐसा न हो कि वह चालाकी से काम करे। और देखो और जानो, और मैं तुम्हारे साथ जाऊंगा, और यदि वह पृथ्वी पर है, तो मैं उसे यहूदा के सभी हजारों में खोजूंगा।

और जिफाई उठे और वे शाऊल के आगे गए, और दाऊद और उसके लोग माओन के निर्जन स्थान में थे, संध्या के समय येशीमोन के दाहिनी ओर।

और शाऊल और उसके पुरुष उसे ढूंढने गए, और उन्होंने दाऊद को सूचना दी, और वह माओन के जंगल में चट्टान पर उतरा, और शाऊल ने सुना, और उसने माओन के जंगल में दाऊद का पीछा किया। और शाऊल और उसके लोग पहाड़ के इस तरफ से जाते हैं, और दाऊद और उसके लोग पहाड़ के उस तरफ थे, और दाऊद शाऊल के सामने से जाने के लिए आश्रय ले रहा था, और शाऊल और उसके लोगों ने दाऊद और उसके लोगों को पकड़ने के लिए उन पर डेरा डाला।

और शाऊल के पास एक दूत आया, जो कह रहा था, जल्दी करो और यहाँ आओ, क्योंकि विदेशियों ने भूमि पर हमला किया है। और शाऊल दाऊद का पीछा करने से लौट गया, और विदेशियों से मुलाकात के लिए गया, इस कारण उस स्थान को विभाजित चट्टान कहा गया।

और दाऊद वहाँ से उठा, और एनगद्दी के संकरे स्थानों में बैठ गया। और ऐसा हुआ कि जब शाऊल विदेशियों का पीछा करके लौटा, तो उसे सूचना दी गई कि दाऊद एनगद्दी के जंगल में है। और उसने अपने साथ तीन हजार चुने हुए पुरुषों को सारे इस्राएल में से लिया, और दाऊद और उसके पुरुषों को सद्दाइएम के सामने ढूंढने गया। और वह रास्ते पर रेवड़ों के झुंडों के पास आया, और वहाँ एक गुफा थी, और शाऊल तैयारी करने के लिए प्रवेश किया, और दाऊद और उसके लोग गुफा के भीतरी भाग में बैठे थे। और दाऊद के पुरुषों ने उससे कहा, देखो, यह वह दिन है जिसके बारे में प्रभु ने तुमसे कहा था कि तुम्हारे शत्रु को तुम्हारे हाथों में सौंप दूँगा, और तुम उसके साथ वैसा करोगे जैसा तुम्हारी दृष्टि में अच्छा हो। और दाऊद उठा, और उसने शाऊल के वस्त्र का कोना चुपके से काट लिया।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि दाऊद का हृदय ने उसे मारा, क्योंकि उसने उसके वस्त्र का किनारा हटाया था। और दाऊद ने अपने लोगों से कहा, प्रभु की दृष्टि में मुझसे ऐसा कदापि न हो कि मैं अपने स्वामी के विरुद्ध, जो प्रभु के अभिषिक्त हैं, यह काम करूँ और उन पर अपना हाथ उठाऊँ, क्योंकि वे प्रभु के अभिषिक्त हैं। और दाऊद ने अपने पुरुषों को शब्दों से मना लिया, और उन्हें उठकर शाऊल का बलिदान करने नहीं दिया, और शाऊल उठा और रास्ते पर चला गया।

और दाऊद उसके पीछे गुफा से उठा, और दाऊद ने शाऊल के पीछे पुकारा, कहते हुए, स्वामी राजा, और शाऊल ने अपने पीछे देखा, और दाऊद ने अपना चेहरा भूमि पर झुकाया, और उसको प्रणाम किया।

और दाविद ने शाऊल से कहा, तुम लोगों के शब्द क्यों सुनते हो जो कहते हैं, देखो, दाविद तुम्हारी आत्मा खोजता है? देखो, इस दिन तुम्हारी आँखों ने देखा है कि कैसे प्रभु ने आज तुमको गुफा में

मेरे हाथों में सौंपा, और मैंने तुमको मारना नहीं चाहा, और मैंने तुमको बख्शा, और मैंने कहा, मैं अपना हाथ अपने स्वामी पर नहीं उठाऊंगा, क्योंकि यह प्रभु के अभिषिक्त हैं। और देखो, तुम्हारे वस्त्र का कोना मेरे हाथ में है, मैंने कोना काट लिया, और मैंने तुम्हें नहीं मारा, और आज जानो और देखो, कि मेरे हाथ में न दुष्टता है, न अधर्म और न उल्लंघन, और मैंने तुम्हारे विरुद्ध पाप नहीं किया, और तुम मेरी आत्मा को लेने के लिए उसे बांधते हो। प्रभु मेरे और तुम्हारे बीच न्याय करे, और प्रभु तुम्हारी ओर से तुम्हें बदला दे, और मेरा हाथ तुम पर नहीं होगा। जैसा प्राचीन दृष्टांत कहा जाता है, अधर्मियों से अपराध निकलेगा, और मेरा हाथ तुम पर नहीं होगा। और अब किसके पीछे तुम जा रहे हो, हे इस्राएल के राजा? किसका पीछा कर रहे हो तुम? एक मरे हुए कुत्ते के पीछे, और एक पिस्सू के पीछे? प्रभु मेरे और तेरे बीच न्यायाधीश और निर्णायक बन जाएं, प्रभु देखें और मेरा न्याय करें, और तेरे हाथ से मुझे न्याय दिलाएं।

और ऐसा हुआ कि जब दाऊद ने शाऊल से ये बातें कहना समाप्त किया, तो शाऊल ने कहा, क्या यह तुम्हारी आवाज़ है, मेरे बच्चे दाऊद? और शाऊल ने अपनी आवाज़ ऊँची की और रोया। और शाऊल ने दाऊद से कहा, तू मुझसे अधिक धर्मी है, क्योंकि तूने मुझे अच्छाई से बदला दिया, लेकिन मैंने तुझे बुराई से बदला दिया। और तुमने मुझे आज बताया कि तुमने मेरे साथ अच्छा किया, जब प्रभु ने मुझे आज तुम्हारे हाथों में सौंप दिया, और तुमने मुझे नहीं मारा। और यदि कोई अपने शत्रु को संकट में पाए और उसे अच्छे मार्ग पर भेज दे, तो प्रभु उसे अच्छी चीजें प्रदान करेगा, जैसा तूने आज किया है। और अब देखो, मैं जानता हूँ कि तुम निश्चित रूप से राज्य करोगे, और इस्राएल का राज्य तुम्हारे हाथ में स्थापित होगा। और अब प्रभु की शपथ मुझे दो, कि तुम मेरे बाद मेरे वंश को नष्ट नहीं करोगे, और मेरे पिता के घर से मेरा नाम मिटाओगे नहीं। और दाऊद ने शाऊल को शपथ खाई, और शाऊल अपने स्थान को चला गया, और दाऊद और उसके लोग संकीर्ण मेस्सेरा को चढ़ गए।

और शमूएल मर गया, और सब इस्राएल इकट्ठा हुए, और उन्होंने उसके लिए विलाप किया, और उन्होंने उसे उसके घर में अरमथैम में दफनाया, और दाऊद उठा, और वह माओन के जंगल में चला गया।

और माओन में एक आदमी था, और उसके झुंड कर्मेल में थे, और वह आदमी अत्यंत महान था, और उसके पास तीन हजार भेड़ें थीं, और एक हजार बकरियाँ थीं, और ऐसा हुआ कि जब वह कर्मेल में अपने झुंड की ऊन कतर रहा था। और उस आदमी का नाम नाबाल था, और उसकी पत्नी का नाम अबीगैल था, और उसकी पत्नी समझ में अच्छी और रूप में बहुत सुंदर थी, और वह आदमी व्यवहार में कठोर और दुष्ट था, और वह आदमी निर्दयी था। और दाऊद ने जंगल में सुना कि नाबाल कर्मेली अपने झुंड को कतर रहा है। और दाऊद ने दस युवा पुरुषों को भेजा, और उन युवा पुरुषों से कहा, कर्मेल को जाओ और नाबाल के पास जाओ, और मेरे नाम पर उसे शांति से पूछो। और तुम कहोगे ये बातें: समय के अनुसार तू स्वस्थ रहे, और तेरा घर स्वस्थ रहे, और तेरी सब चीजें स्वस्थ रहें।

और अब देखो, मैंने सुना है कि तुम्हारे चरवाहे अब ऊन कतर रहे हैं, जो हमारे साथ जंगल में थे, और हमने उन्हें नहीं रोका, और हमने उन्हें कुछ भी आदेश नहीं दिया, उन सब दिनों में जब वे कर्मेल में थे। अपने युवा पुरुषों से पूछो, और वे तुम्हें बताएंगे, और तुम्हारे युवा पुरुष तुम्हारी दृष्टि में कृपा पाएं, क्योंकि हम अच्छे दिन पर आए हैं, वास्तव में जो कुछ तुम्हारा हाथ पाए वह अपने पुत्र दाऊद को दो।

और युवा पुरुष आते हैं, और ये शब्द नाबाल से दाऊद के नाम में इन सब शब्दों के अनुसार बोलते हैं, और वह कूद गया। और नाबाल ने दाऊद के सेवकों को उत्तर दिया और कहा, कौन है दाऊद, और कौन है यिशै का पुत्र? आज दास बढ़ गए हैं जो अपने-अपने स्वामी के सामने से लौट रहे हैं। और मैं अपनी रोटियाँ और अपनी शराब और अपने बलिदान जो मैंने अपनी भेड़ों के कतरनेवालों के लिए चढ़ाए हैं, लूँगा और उन्हें उन पुरुषों को दे दूँगा जिन्हें मैं नहीं जानता कि वे कहाँ से हैं?

और दाऊद के युवा पुरुष अपने रास्ते पर मुड़ गए, और लौटे और आए, और दाऊद को इन शब्दों के अनुसार सूचना दी। और दाविद ने अपने पुरुषों से कहा, प्रत्येक अपनी तलवार बाँधो, और वे दाविद के पीछे गए, लगभग चार सौ पुरुष, और दो सौ सामान के साथ बैठे रहे।

और नाबाल की पत्नी अबीगैल को एक नौकर ने बताया, देखो, दाऊद ने जंगल से दूतों को हमारे स्वामी को आशीर्वाद देने के लिए भेजा था, और वह उनसे दूर हो गया। और वे पुरुष हमारे प्रति बहुत अच्छे थे, उन्होंने हमें नहीं रोका, और न ही उन्होंने हमें कुछ भी आदेश दिया उन सब दिनों में जब हम उनके पास थे। और जब हम खेत में थे, वे हमारे चारों ओर दीवार की तरह थे, रात और दिन, उन सभी दिनों में जब हम उनके बीच झुंड चरा रहे थे। और अब जानो और देखो कि तुम क्या करोगे, क्योंकि हमारे स्वामी के विरुद्ध और उसके घर के विरुद्ध दुष्टता पूरी हो गई है, और यह पुत्र विपत्ति है, और उससे बात करना संभव नहीं है।

और अबीगैल ने जल्दी की और दो सौ रोटियाँ, और दाखरस के दो बर्तन, और पाँच तैयार की गईं भेड़ें, और पाँच एपा जौ का आटा, और एक होमेर किशमिश, और दो सौ अंजीर की टिकियाँ लीं, और उन्हें गधों पर रखा। और उसने अपने युवा सेवकों से कहा, मेरे आगे चलो, और देखो, मैं तुम्हारे पीछे आ रही हूँ, और उसने अपने पति को नहीं बताया। और ऐसा हुआ कि जब वह गधे पर चढ़ी हुई थी और पहाड़ के आश्रय में उतर रही थी, तो देखो, दाऊद और उसके पुरुष उससे मिलने के लिए उतर रहे थे, और वह उनसे मिली। और दाविद ने कहा, शायद मैंने व्यर्थ में जंगल में उसकी सारी संपत्ति की रक्षा की, और हमने उसकी किसी भी चीज़ को लेने का आदेश नहीं दिया, और उसने मुझे अच्छाई के बदले बुराई लौटाई। परमेश्वर दाऊद के साथ ये करे और इससे भी अधिक करे, यदि मैं नाबाल के सब में से सुबह तक दीवार की ओर पेशाब करनेवाले को भी छोड़ दूँ।

और अबीगैल ने दाऊद को देखा, और जल्दी की और गधे से नीचे कूद गई, और दाऊद के सामने अपने चेहरे के बल गिर गई, और भूमि पर उसे प्रणाम किया। उसके पैरों पर गिरकर उसने कहा,

मेरे स्वामी, यह अन्याय मुझ पर है। आपकी दासी को आपके कानों में बोलने दीजिए, और अपनी दासी के शब्द सुनिए। मेरे स्वामी अपना हृदय इस महामारी पुरुष पर न रखें, क्योंकि उसके नाम के अनुसार यह है, उसका नाम नाबाल है, और मूर्खता उसके साथ है, और मैं तुम्हारी दासी ने मेरे स्वामी के युवा पुरुषों को नहीं देखा जो तुमने भेजे थे।

और अब मेरे स्वामी, जीवित है प्रभु और जीवित है आपकी आत्मा, जैसा कि प्रभु ने आपको निर्दोष रक्त में आने से रोका, और आपके हाथ को आपके लिए बचाया, और अब आपके शत्रु और मेरे स्वामी के लिए बुराइयां खोजने वाले नाबाल के समान हो जाएं। और अब यह आशीर्वाद ले लीजिए जो आपकी दासी आपके स्वामी के लिए लाई है, और इसे उन युवा पुरुषों को दे दीजिए जो मेरे स्वामी के पास खड़े हैं। अपनी दासी के अपराध को वास्तव में उठा लो, क्योंकि प्रभु मेरे स्वामी के लिए विश्वासयोग्य घर बनाएंगे, क्योंकि प्रभु मेरे स्वामी का युद्ध लड़ते हैं, और दुष्टता तुममें कभी नहीं पाई जाएगी। और एक आदमी उठेगा जो तेरा पीछा करेगा और तेरी आत्मा को खोजेगा, परन्तु मेरे स्वामी की आत्मा प्रभु परमेश्वर के पास जीवन के बंधन में बंधी रहेगी, और तू अपने शत्रुओं की आत्मा को गोफन के बीच में फेंकेगा। और ऐसा होगा जब प्रभु मेरे प्रभु के लिए वे सब अच्छी बातें करेगा जो उसने तुम्हारे विषय में कही हैं, और वह तुम्हें इस्राएल पर अगुवा नियुक्त करेगा और यह तुम्हारे लिए घृणित और मेरे स्वामी के लिए ठोकर नहीं होगा, कि निर्दोष का रक्त बिना कारण बहाया गया, और मेरे स्वामी ने अपने हाथ से उसे बचाया, और प्रभु मेरे स्वामी के साथ भलाई करे, और तुम अपनी दासी को याद करोगे और उसके साथ भलाई करोगे।

और दाविद ने अबीगैल से कहा, धन्य है प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, जिसने तुम्हें आज इस दिन मुझसे मिलने के लिए भेजा, और धन्य है तेरा तरीका, और धन्य है तू जिसने आज मुझे इससे रोका कि मैं खून में न आऊँ, और मेरे हाथ को मुझसे बचाया। सिवाय इसके कि जीवित है प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, जिसने तुझे आज हानि करने से रोका, क्योंकि यदि तू जल्दी न करती और मुझसे मिलने न आती, तो मैंने कहा था कि नाबाल के लिए सुबह के उजाले तक दीवार पर पेशाब करने वाला भी नहीं बचता। और दाऊद ने उसके हाथ से वह सब ले लिया जो वह उसके लिए

लाई थी, और उससे कहा, शांति से अपने घर जाओ, देखो, मैंने तुम्हारी बात सुन ली है, और तुम्हारा आदर स्वीकार किया है।

और अबीगैल नाबाल के पास आई, और देखो, उसके घर में एक दावत थी, जैसे राजा की दावत, और नाबाल का हृदय प्रसन्न था, और वह बहुत नशे में था, और उसने उसे कोई बात, छोटी या बड़ी, सुबह के प्रकाश तक नहीं बताई। और सुबह हुआ, जब नाबाल शराब से जागा, तो उसकी पत्नी ने उसे ये बातें बताई, और उसका हृदय उसके भीतर मर गया, और वह पत्थर के समान हो गया।

और ऐसा हुआ कि लगभग दस दिन बाद, प्रभु ने नाबाल को मारा, और वह मर गया। और दाऊद ने सुना और कहा, धन्य है प्रभु, जिसने मेरी निन्दा का न्याय नाबाल के हाथ से किया, और अपने दास को बुराइयों के हाथ से बचाया, और नाबाल की दुष्टता को प्रभु ने उसके सिर पर लौटाया। और दाऊद ने भेजा और अबीगैल के विषय में बात की, उसे अपनी पत्नी बनाने के लिए।

और दाऊद के सेवक अबीगैल के पास कर्मेल में आए, और उससे बोले, कहते हुए, दाऊद ने हमें तुम्हारे पास भेजा है तुम्हें उसके लिए पत्नी के रूप में लेने के लिए। और वह उठी और भूमि पर मुख के बल प्रणाम किया, और कहा, देखो, तेरी दासी तेरे सेवकों के पैर धोने के लिए सेविका है। और अबीगैल उठी, और गधे पर चढ़ी, और पाँच लड़कियाँ उसके पीछे चलीं, और वह दाऊद के सेवकों के पीछे गई, और उसकी पत्नी बन गई। और दाऊद ने यिज़्रेल से अहीनोअम को लिया, और दोनों उसकी पत्नियाँ थीं। और शाऊल ने मिकाल को, जो उसकी बेटी और दाऊद की पत्नी थी, फाल्ती को दिया, जो अमीस का पुत्र था, जो रोम्मा से था।

और ज़िफ़ाई सूखी भूमि से शाऊल के पास पहाड़ी पर आते हैं, कहते हुए, देखो दाऊद हमारे साथ हकीला की पहाड़ी में छिपा है, यशीमोन के सामने। और शाऊल उठा, और जीफ के जंगल में गया, और उसके साथ इस्राएल से चुने हुए तीन हजार पुरुष थे, जीफ के जंगल में दाऊद को ढूँढने के लिए। और शाऊल ने हखीला की पहाड़ी पर, जो यशीमोन के सामने रास्ते पर है, डेरा डाला, और दाऊद जंगल में बैठा था, और दाऊद ने देखा कि शाऊल उसके पीछे जंगल में आया है। और दाऊद ने जासूसों को भेजा, और जान गया कि शाऊल कईला से तैयार होकर आया है।

और दाऊद गुप्त रूप से उठा, और उस स्थान में प्रवेश करता है जहाँ शाऊल सो रहा था, और वहाँ अब्नेर, जो नेर का पुत्र और उसका सेनापति था, और शाऊल शिविर में सो रहा था, और लोग उसके चारों ओर डेरा डाले हुए थे। और दाऊद ने उत्तर दिया और अबीमेलेक हित्ती से और सरूयाह के पुत्र अबीशै से, जो योआब का भाई था, कहा, कौन मेरे साथ शाऊल के शिविर में प्रवेश करेगा? और अबीशै ने कहा, मैं तेरे साथ प्रवेश करूंगा।

और दाऊद और अबीशै रात में लोगों के बीच प्रवेश करते हैं, और देखो, शाऊल शिविर में नींद में सोया हुआ था, और उसका भाला उसके सिर की ओर भूमि में गड़ा हुआ था, और अब्नेर और उसके लोग उसके चारों ओर सोए हुए थे। और अबीशै ने दाऊद से कहा, प्रभु ने आज तेरे शत्रु को तेरे हाथों में बंद कर दिया है, और अब मैं उसको भाले से भूमि में एक ही बार में मार दूंगा, और दोबारा नहीं करूंगा। और दाऊद ने अबीशै से कहा, उसे अपमानित मत करो, क्योंकि कौन अपना हाथ प्रभु के अभिषिक्त पर उठाएगा और निर्दोष रहेगा? और दाविद ने कहा, प्रभु के जीवन की शपथ, यदि प्रभु उसे न मारे, या उसका दिन आए और वह मरे, या वह युद्ध में जाए और मारा जाए। किसी भी तरह से मुझे प्रभु के अभिषिक्त पर अपना हाथ उठाना प्रभु की ओर से उचित नहीं है, और अब वास्तव में उसके सिरहाने से भाला लो, और पानी का पात्र लो, और हम स्वयं चले जाएं। और दाऊद ने भाला और उसके सिरहाने से पानी का मटका लिया, और वे अपने आप चले गए, और कोई देखने वाला नहीं था, और कोई जानने वाला नहीं था, और कोई जागने वाला नहीं था, सब सोते हुए थे, क्योंकि प्रभु का विस्मय उन पर गिरा था।

और दाऊद ने उस पार पार किया, और दूर से पहाड़ के शिखर पर खड़ा हुआ, और उनके बीच बहुत दूरी थी। और दाऊद ने लोगों को बुलाया, और अबनेर से बोला, क्या तू उत्तर नहीं देगा, अबनेर? और अबनेर ने उत्तर दिया और कहा, तू कौन है जो बुला रहा है? और दाविद ने अबनेर से कहा, क्या तू पुरुष नहीं है? और इस्राएल में तेरे जैसा कौन है? और तू अपने स्वामी राजा की रक्षा क्यों नहीं करता? क्योंकि लोगों में से एक तेरे स्वामी राजा को नष्ट करने के लिए प्रवेश कर गया। और यह शब्द जो तुमने किया है अच्छा नहीं है, प्रभु के जीवन की शपथ, कि तुम मृत्यु के पुत्र हो, जो तुम्हारे प्रभु राजा की, प्रभु के अभिषिक्त की रक्षा करते हो, और अब देखो, राजा का भाला और पानी की कुप्पी कहाँ है जो उसके सिर के पास थे?

और शाऊल ने दाऊद की आवाज़ पहचानी, और कहा, क्या यह तुम्हारी आवाज़ है, मेरे बच्चे दाऊद? और दाऊद ने कहा, मैं आपका दास हूँ, मेरे स्वामी राजा। और उसने कहा, क्यों मेरा स्वामी अपने दास का पीछा कर रहा है? क्योंकि मैंने क्या पाप किया है? और मुझमें क्या अन्याय पाया गया है? और अब मेरा स्वामी राजा अपने दास का शब्द सुने, यदि परमेश्वर तुझे मेरे विरुद्ध उकसाता है, तो वह तेरे बलिदान को सूंघे, और यदि मनुष्यों के पुत्र हैं, तो ये प्रभु के सामने शापित हैं, क्योंकि उन्होंने मुझे आज निकाल दिया है कि मैं प्रभु की विरासत में स्थापित न हो सकूँ, यह कहते हुए, जा, दूसरे देवताओं की सेवा कर। और अब मेरा रक्त प्रभु के चेहरे के सामने भूमि पर न गिरे, क्योंकि इस्राएल का राजा मेरी आत्मा को ढूँढने निकला है, जैसे रात का उल्लू पहाड़ों में पीछा करता है।

और शाऊल ने कहा, मैंने पाप किया है, लौट आ, पुत्र दाऊद, क्योंकि मैं तुझे बुराई नहीं करूँगा, क्योंकि मेरा प्राण तेरी आंखों में सम्मानित है, और आज मैंने मूर्खता की है और मैं बहुत अत्यधिक अज्ञानी रहा हूँ। और दाऊद ने उत्तर दिया और कहा, देखो, राजा का भाला यहाँ है, एक सेवक आए और इसे ले जाए। और प्रभु प्रत्येक को उसकी धार्मिकता और उसके विश्वास के अनुसार प्रतिफल देगा, जैसे प्रभु ने आज तुम्हें मेरे हाथों में सौंपा था, और मैंने प्रभु के अभिषिक्त पर अपना हाथ उठाना नहीं चाहा। और देखो, जैसे आज मेरी आँखों में तुम्हारा प्राण बड़ा किया गया था, वैसे

ही प्रभु के सामने मेरा प्राण बढ़ा किया जाए, और वह मुझे ढके, और मुझे सब क्लेश से छुड़ाएगा। और शाऊल ने दाऊद से कहा, धन्य हो तुम, मेरे बच्चे, और तुम निश्चय ही करोगे, और तुम निश्चय ही सक्षम होगे, और दाऊद अपने रास्ते चला गया, और शाऊल अपने स्थान को लौट गया।

27

और दाविद ने अपने हृदय में कहा, अब मैं किसी एक दिन शाऊल के हाथों में जोड़ा जाऊंगा, और मेरे लिए कुछ भी अच्छा नहीं है यदि मैं विदेशियों की भूमि में न बचाया जाऊं, और शाऊल मुझे इस्राएल की हर सीमा में ढूंढने से छोड़ दे, और मैं उसके हाथ से बचाया जाऊंगा। और दाऊद और छः सौ पुरुष जो उसके साथ थे उठे, और गत के राजा अम्माक के पुत्र आकीश के पास गए। और दाऊद अखूस के साथ बैठा, वह और उसके प्रत्येक पुरुष और उसका घर, और दाऊद और उसकी दोनों पत्नियाँ, यिज़्जेली अहीनोअम और कार्मेली नाबाल की पत्नी अबीगैल। और शाऊल को यह सूचना मिली कि दाऊद गत को भाग गया था, और उसने फिर उसे ढूंढना जारी नहीं रखा।

और दाऊद ने अखीश से कहा, यदि वास्तव में आपके दास ने आपकी दृष्टि में कृपा पाई है, तो मुझे खेत के नगरों में से एक में स्थान दें, और मैं वहाँ बसूँगा, और क्यों आपका दास आपके साथ शासित नगर में बैठे? और उसने उस दिन उसको सिकलग दिया, इस कारण सिकलग यहूदिया के राजा का हुआ इस दिन तक। और ऐसा हुआ कि दाऊद विदेशियों के खेत में जितने दिन रहा, उनकी संख्या चार महीने थी।

और दाऊद और उसके पुरुष ऊपर जा रहे थे, और वे सब गेसिरी और अमालेकी पर हमला कर रहे थे, और देखो, वह भूमि बसी हुई थी जो गेलाम्पसूर के दीवारों वाले नगरों से लेकर मिस्र की भूमि तक थी। और उसने भूमि पर आक्रमण किया, और किसी पुरुष या स्त्री को जीवित नहीं

छोड़ा, और भेड़-बकरियाँ और गाय-बैल और गधे और ऊँट और वस्त्र ले लिए, और लौटकर अकीश के पास आए। और अखूस ने दाऊद से कहा, आज तुमने किस पर आक्रमण किया? और दाऊद ने अखूस से कहा, यहूदिया के दक्षिण में और येसमेगा के दक्षिण में और केनेज़ी के दक्षिण में। और मैंने किसी पुरुष और स्त्री को जीवित नहीं रखा ताकि उन्हें गत में लाया जा सके, यह कहते हुए कि कहीं वे गत में हमारे विरुद्ध सूचना न दें, यह कहते हुए कि दाऊद यह करता है, और यह उसका नियम था उन सब दिनों में जब दाऊद विदेशियों के क्षेत्र में रहता था। और दाऊद पर अकीश ने बहुत विश्वास किया, यह कहते हुए कि वह अपने लोगों में इस्राएल में शर्मित हो गया है, और वह मेरा दास सदा के लिए होगा।

28

और उन दिनों में ऐसा हुआ कि विदेशी अपने शिविरों में इस्राएल के साथ लड़ने के लिए निकलने को इकट्ठा हुए, और अकीश ने दाऊद से कहा, यह जानते हुए जानो कि तुम और तुम्हारे पुरुष मेरे साथ युद्ध में निकलोगे। और दाऊद ने अखूस से कहा, इस प्रकार अब तुम जानोगे कि तुम्हारा दास क्या करेगा, और अखूस ने दाऊद से कहा, इस प्रकार मैं तुम्हें सब दिनों के लिए मुख्य अंगरक्षक बनाऊंगा।

और शमूएल मर गया, और सारे इस्राएल ने उसके लिए विलाप किया, और उन्होंने उसे अरमथैम में, उसके अपने शहर में दफनाया। और शाऊल ने ओझाओं और भूत-सिद्धि करने वालों को देश से निकाल दिया। और विदेशी एकत्र होते हैं, और वे आते हैं और शूनेम में डेरा डालते हैं, और शाऊल इस्राएल के सब पुरुषों को एकत्र करता है, और वे गिलबोआ में डेरा डालते हैं। और शाऊल ने विदेशियों के शिविर को देखा, और वह डर गया, और उसका हृदय अत्यधिक चकित हो गया। और शाऊल ने प्रभु से पूछा, और प्रभु ने उसे स्वप्नों में, ऊरीम में और भविष्यवक्ताओं में उत्तर नहीं दिया।

और शाऊल ने अपने सेवकों से कहा, मेरे लिए एक माध्यम स्त्री खोजो, और मैं उसके पास जाऊंगा, और मैं उसमें खोजूंगा, और उसके सेवकों ने उससे कहा, देखो, एनदोर में एक माध्यम स्त्री है।

और शाऊल ने अपना भेष बदला, और दूसरे वस्त्र पहने, और वह और दो पुरुष उसके साथ गए, और वे रात को उस स्त्री के पास आए, और उसने उससे कहा, मेरे लिए भूत-सिद्धि से भविष्यवाणी करो, और मेरे लिए उसे बुलाओ जिसे मैं तुम्हें बताऊं। और उस स्त्री ने उससे कहा, देखो, तुम तो जानते हो कि शाऊल ने क्या किया है, कैसे उसने ओझाओं और भविष्यवक्ताओं को पृथ्वी से नष्ट कर दिया है, और तुम क्यों मेरी आत्मा को फंसाकर उसे मार डालना चाहते हो? और शाऊल ने उसे शपथ खाकर कहा, जीवित प्रभु की शपथ, इस बात में तुम्हें कोई अन्याय नहीं होगा। और उस स्त्री ने कहा, मैं तुम्हारे लिए किसे बुलाऊं? और उसने कहा, मेरे लिए शमूएल को बुलाओ।

और जब स्त्री ने शमूएल को देखा, तो वह ज़ोर से चिल्लाई, और स्त्री ने शाऊल से कहा, तूने मुझे क्यों धोखा दिया? तू तो शाऊल है। और राजा ने उससे कहा, मत डरो, बताओ तुमने किसे देखा है, और स्त्री ने उससे कहा, मैंने देवताओं को पृथ्वी से ऊपर चढ़ते हुए देखा है। और उसने इससे कहा, तुमने क्या जाना? और उसने उससे कहा, एक सीधा आदमी पृथ्वी से ऊपर आता हुआ, और यह चोगा पहने हुए। और शाऊल ने जाना कि यह शमूएल है, और वह भूमि पर अपने चेहरे के बल झुका, और उसने उसको प्रणाम किया।

और शमूएल ने कहा, तुमने मुझे क्यों परेशान किया कि मैं ऊपर आऊँ? और शाऊल ने कहा, मैं बहुत पीड़ित हूँ, और विदेशी मुझसे युद्ध कर रहे हैं, और परमेश्वर मुझसे हट गया है, और उसने मुझे अब तक नहीं सुना है, न भविष्यवक्ताओं के द्वारा और न स्वप्नों में, और अब मैंने तुम्हें बुलाया है कि तुम मुझे बताओ कि मैं क्या करूँ। और शमूएल ने कहा, तू मुझसे क्यों पूछता है, जबकि प्रभु तुझसे दूर हो गया है और तेरे पड़ोसी के साथ हो गया है? और प्रभु ने तुम्हारे लिए वैसा ही

किया है जैसा प्रभु ने मेरे हाथ में बोला था, और प्रभु तुम्हारे राज्य को तुम्हारे हाथ से फाड़ देगा, और उसे तुम्हारे पड़ोसी दाऊद को दे देगा। क्योंकि तूने प्रभु की आवाज़ नहीं सुनी, और अमालेक में उसके क्रोध का कोप नहीं किया, इसलिए प्रभु ने आज के दिन तुझ पर यह वचन किया। और प्रभु इस्राएल को तुम्हारे साथ विदेशियों के हाथों में सौंप देगा, और कल तुम और तुम्हारे पुत्र तुम्हारे साथ गिरेंगे, और प्रभु इस्राएल के शिविर को विदेशियों के हाथों में दे देगा।

और शाऊल ने जल्दी की और भूमि पर खड़े होकर गिर पड़ा, और शमूएल के शब्दों से बहुत डर गया, और उसमें अब शक्ति नहीं थी, क्योंकि उसने पूरे दिन और पूरी रात रोटी नहीं खाई थी। और वह स्त्री शाऊल के पास आई, और उसने देखा कि वह बहुत घबराया हुआ है, और उसने उससे कहा, देखो, आपकी दासी ने आपकी आवाज़ सुनी है, और मैंने अपनी आत्मा को अपने हाथ में रखा है, और मैंने वे शब्द सुने हैं जो आपने मुझसे कहे हैं। और अब अपनी दासी की आवाज़ सुनो, और मैं तुम्हारे सामने रोटी का टुकड़ा रखूंगी, और खाओ, और तुम्हें शक्ति मिलेगी, क्योंकि तुम रास्ते में जा रहे हो। और उसने खाना नहीं चाहा, और उसके सेवक और स्त्री उस पर दबाव डाल रहे थे, और उसने उनकी आवाज़ सुनी, और वह धरती से उठा, और कुर्सी पर बैठा। और स्त्री के पास घर में चरागाह में एक बछिया थी, और उसने जल्दी की और उसे बलिदान किया, और आटा लिया और गूंधा, और बिना खमीर की रोटी पकाई। और उसने शाऊल के सामने और उसके सेवकों के सामने लाया, और उन्होंने खाया, और वे उठे और उस रात चले गए।

29

और विदेशियों ने अपने सभी शिविरों को अफेक में इकट्ठा किया, और इस्राएल ने यिज़्रेल में स्थित अएदोर में डेरा डाला। और विदेशियों के सरदार सैकड़ों और हजारों में कूच कर रहे थे, और दाऊद और उसके लोग अकीश के साथ सबसे पीछे चल रहे थे। और विदेशियों के सातरापों ने कहा, ये गुजरते हुए कौन हैं? और अखूस ने विदेशियों के सेनापतियों से कहा, क्या यह इस्राएल के राजा

शाऊल का दास दाऊद नहीं है? यह दूसरे वर्ष से हमारे साथ रहा है, और जिस दिन से वह मेरे पास आया है और आज के दिन तक मैंने उसमें कुछ भी गलत नहीं पाया है। और विदेशियों के सेनापति उस पर दुखी हुए, और उससे कहते हैं, उस आदमी को लौटा दो, और वह अपने उस स्थान को लौट जाए जहाँ तुमने उसे नियुक्त किया था, और वह हमारे साथ युद्ध में न आए, और शिविर का षड्यंत्रकारी न बने। और यह अपने स्वामी से किसमें मेल करेगा? क्या उन आदमियों के सिरो से नहीं? क्या यह वही दाऊद नहीं है, जिसके लिए वे नृत्यों में गाते थे, कहते हुए, शाऊल ने अपने हजारों को मारा, और दाऊद ने अपने दस हजारों को?

और अखीश ने दाऊद को बुलाया, और उससे कहा, प्रभु जीवित है, कि तू सीधा और मेरी आँखों में अच्छा है, और तेरा निकलना और तेरा प्रवेश मेरे साथ शिविर में है, और कि मैंने तेरे विरुद्ध कोई बुराई नहीं पाई जिस दिन से तू मेरे पास आया है आज के दिन तक, और सरदारों की आँखों में तू अच्छा नहीं है। और अब लौट जाओ और शांति से चले जाओ, और विदेशी राज्यपालों की नज़रों में बुराई मत करो।

और दाऊद ने अकीश से कहा, मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है और तुमने अपने दास में क्या पाया है, उस दिन से जब मैं तुम्हारे सामने था और आज के दिन तक, कि मैं अपने स्वामी राजा के शत्रुओं से युद्ध करने न आऊँ?

और अकीश ने दाऊद को उत्तर दिया, मैं जानता हूँ कि तू मेरी दृष्टि में अच्छा है, लेकिन पलिश्तियों के सरदार कहते हैं कि वह हमारे साथ युद्ध में नहीं आएगा। और अब सुबह जल्दी उठो, तुम और तुम्हारे प्रभु के सेवक जो तुम्हारे साथ आए हैं, और उस स्थान को जाओ जहाँ मैंने तुम्हें नियुक्त किया है, और महामारी का शब्द अपने हृदय में मत रखो, क्योंकि तुम मेरे सामने अच्छे हो, और मार्ग में जल्दी उठो और तुम्हें प्रकाश मिले, और जाओ।

और दाऊद और उसके लोग विदेशियों की भूमि की रक्षा करने के लिए जाने को सवेरे उठे, और

विदेशी यिज़ेल पर युद्ध करने के लिए चढ़ गए।

30

और ऐसा हुआ कि जब दाऊद और उसके पुरुष तीसरे दिन सिकलग में प्रवेश कर रहे थे, तो अमालेक ने दक्षिण पर और सिकलग पर हमला किया था, और सिकलग को मारा था और उसे आग में जला दिया था। और उन्होंने स्त्रियों को और उसमें के सब लोगों को, छोटे से लेकर बड़े तक, किसी पुरुष या स्त्री को नहीं मारा, बल्कि उन्हें बंदी बना लिया और अपने रास्ते चले गए।

और दाऊद और उसके पुरुष नगर में आए, और देखो, वह आग में जलाया गया था, और उनकी स्त्रियाँ और उनके पुत्र और उनकी पुत्रियाँ बंदी बनाई गई थीं। और दाऊद और उसके पुरुषों ने अपनी आवाज़ उठाई, और वे रोए जब तक कि उनमें अब और रोने की शक्ति नहीं रही। और दाऊद की दोनों पत्नियाँ बंदी बना ली गई थीं, यिज़ेली अहीनोअम, और कर्मेली नाबाल की पत्नी अबीगैल। और दाऊद बहुत दुखी हुआ, क्योंकि लोगों ने उसे पत्थर मारने की बात कही, क्योंकि सब लोगों की आत्मा कड़वी थी, प्रत्येक अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों के कारण, और दाऊद अपने प्रभु परमेश्वर में मजबूत हुआ।

और दाऊद ने अबियातार पुजारी से, जो अहीमेलिक का पुत्र था, कहा, एपोद को लाओ। और दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मैं इस लुटेरे दल का पीछा करूँ? क्या मैं उन्हें पकड़ पाऊंगा? और उसने उससे कहा, पीछा करो, क्योंकि तुम निश्चित रूप से उन्हें पकड़ लोगे और छुड़ा लोगे। और दाऊद स्वयं गया और छः सौ पुरुष उसके साथ थे, और वे बोसोर के नाले तक आए, और बहुत से लोग खड़े हुए। और उसने चार सौ पुरुषों के साथ पीछा किया, लेकिन दो सौ पुरुष ठहरे जो बोसोर की धारा के पार बैठे।

और उन्होंने एक मिस्री पुरुष को खेत में पाया, और उन्होंने उसे पकड़ा, और उसे दाऊद के पास ले गए, और उन्होंने उसे रोटी दी और उसने खाया, और उन्होंने उसे पानी पिलाया, और उन्होंने उसे सूखे अंजीर की टिकिया का एक टुकड़ा दिया और उसने खाया, और उसकी आत्मा उसमें लौट आई, क्योंकि उसने तीन दिन और तीन रात न रोटी खाई थी और न पानी पिया था। और दाऊद ने उससे कहा, तू किसका है, और कहाँ से है; और उस मिस्री लड़के ने कहा, मैं एक अमालेकी आदमी का दास हूँ, और मेरे स्वामी ने मुझे छोड़ दिया, क्योंकि मैं आज तीन दिन पहले बीमार पड़ गया था। और हमने केरेथियों के दक्षिण पर आक्रमण किया, और यहूदिया के भागों पर, और कालेब के दक्षिण पर, और सिकलग को हमने आग में जला दिया। और दाऊद ने उससे कहा, यदि तू मुझे इस गेदूर पर ले जाएगा? और उसने कहा, परमेश्वर की शपथ ले कि तू मुझे नहीं मारेगा और मुझे मेरे स्वामी के हाथों में नहीं सौंपेगा, और मैं तुझे इस गेदूर पर ले जाऊंगा।

और उसे वहाँ नीचे लाया, और देखो, ये सब पृथ्वी के चेहरे पर बिखरे हुए थे, खाते, पीते और उत्सव मनाते हुए उस सब बड़ी लूट में जो उन्होंने विदेशियों की पृथ्वी से और यहूदा की पृथ्वी से ली थी। और दाऊद उन पर आया, और उसने उन्हें भोर से संध्या तक और अगले दिन तक मारा, और उनमें से कोई पुरुष नहीं बचा, लेकिन चार सौ युवा पुरुष जो ऊँटों पर सवार थे और भाग गए। और दाऊद ने वह सब छीन लिया जो अमालेकियों ने लिया था, और अपनी दोनों पत्नियों को छुड़ाया। और छोटे से लेकर बड़े तक, लूट की वस्तुओं से लेकर पुत्रों और पुत्रियों तक, और जो कुछ भी उन्होंने उनसे लिया था उस सबमें से कुछ भी नष्ट नहीं हुआ, और दाऊद ने सब कुछ लौटा दिया। और उसने सब भेड़-बकरियाँ और गाय-बैल लिए, और उन्हें लूट के माल के आगे ले गया, और उस लूट के माल के विषय में कहा गया, यह दाऊद का लूट का माल है।

और दाविद उन दो सौ पुरुषों के पास आया जो दाविद के पीछे चलने से पीछे छूट गए थे, और उसने उन्हें बोसोर की नदी पर बैठाया था, और वे दाविद से मिलने और उसके साथ के लोगों से मिलने निकले, और दाविद लोगों के पास आया, और उन्होंने उससे कुशल-क्षेम पूछा।

और दाऊद के साथ गए हुए योद्धाओं में से हर दुष्ट और नीच आदमी ने उत्तर दिया और कहा, क्योंकि वे हमारे साथ पीछा करने नहीं गए, इसलिए हम उन्हें उस लूट में से कुछ नहीं देंगे जो हमने ली है, परन्तु हर एक अपनी स्त्री और अपने बच्चों को ले जाए और लौट जाए। और दाऊद ने कहा, तुम ऐसा नहीं करोगे, क्योंकि प्रभु ने हमें सौंपा और हमारी रक्षा की, और प्रभु ने उस गेदूर को जो हम पर आ रहा था, हमारे हाथों में सौंप दिया। और इन शब्दों को तुम्हारी कौन सुनेगा? क्योंकि वे हमसे कम नहीं हैं, इसलिए जैसा युद्ध में उतरने वाले का हिस्सा होगा, वैसा ही सामान के पास बैठने वाले का हिस्सा होगा, वे समान रूप से बाँटेंगे। और उस दिन से और उसके बाद, यह इस्राएल के लिए एक आदेश और एक विधि बन गया आज तक।

और दाऊद सिकलम में आया, और उसने यहूदा के बुजुर्गों को और अपने पड़ोसियों को लूट का माल भेजा, यह कहते हुए, देखो, यह प्रभु के शत्रुओं की लूट से है, बेथ सूर में रहने वालों को, दक्षिणी रामाह में रहने वालों को, और गेथोर में रहने वालों को, और अरोएर में रहने वालों को, और अम्मादी में रहने वालों को, और साफ में रहने वालों को, और एश्थे में रहने वालों को, और कारमेल में रहने वालों को, और येरेमेएल के नगरों में रहने वालों को, और केनेज़ी के नगरों में रहने वालों को, और जो हिएरिमौथ में थे, और जो बेएरशेबेई में थे, और जो नोम्बे में थे, और हेब्रोन में रहने वालों को, और उन सब स्थानों को जहाँ दाऊद वहाँ गया था, वह और उसके पुरुष।

31

और विदेशी लोग इस्राएल पर युद्ध कर रहे थे, और इस्राएल के पुरुष विदेशी लोगों के सामने से भागे, और वे गिलबो पहाड़ पर घायल होकर गिरे। और विदेशी शाऊल और उसके पुत्रों से युद्ध करते हैं, और विदेशी योनातान को, और अमीनादाब को, और शाऊल के पुत्र मेल्किशुआ को मारते हैं। और शाऊल पर युद्ध भारी पड़ता है, और धनुर्धारी पुरुष उसे पा लेते हैं, और वह पेट में घायल हुआ। और शाऊल ने अपने हथियार उठाने वाले से कहा, अपनी तलवार खींचो और मुझे

इससे भेद दो, कहीं ऐसा न हो कि ये खतनारहित आएँ और मुझे भेदें और मेरा ठट्ठा करें। परन्तु उसके हथियार उठाने वाले ने इच्छा नहीं की, क्योंकि वह बहुत डर गया था। तब शाऊल ने तलवार ली और उस पर गिर पड़ा। और जब उसके हथियार उठाने वाले ने देखा कि शाऊल मर गया है, तो वह भी अपनी तलवार पर गिर पड़ा और उसके साथ मर गया। और शाऊल मर गया, और उसके तीन पुत्र, और उसका हथियार ढोनेवाला, उसी दिन एक साथ।

और इस्राएल के पुरुषों ने जो घाटी के पार थे और जो यर्डन के पार थे, देखा कि इस्राएल के पुरुष भाग गए हैं, और यह कि शाऊल और उसके पुत्र मर गए हैं, और वे अपने शहरों को छोड़कर भाग गए, और विदेशी आए और उनमें रहने लगे।

और अगले दिन ऐसा हुआ कि विदेशी लोग मृतकों को लूटने आए, और उन्होंने शाऊल और उसके तीन पुत्रों को गिलबोआ के पहाड़ों पर गिरा हुआ पाया।

और उन्होंने उसे घुमाया, और उसके कवच उतारे, और उन्हें पलिशतियों की भूमि में चारों ओर भेजा, अपनी मूर्तियों और लोगों को यह शुभ समाचार सुनाने के लिए। और उन्होंने उसके हथियारों को अस्तारतेइओन में रख दिया, और उसके शरीर को बेथ-शाम की दीवार पर लटका दिया।

और याबेश गिलाद के निवासियों ने सुना जो विदेशियों ने शाऊल के साथ किया था। और सभी शक्तिशाली पुरुष उठे, और वे पूरी रात गए, और उन्होंने शाऊल का शरीर और उसके पुत्र योनातान का शरीर बेथशाम की दीवार से लिया, और उन्हें याबेश में लाए, और उन्हें वहाँ जलाया। और वे उनकी हड्डियाँ लेते हैं, और उन्हें याबेश के खेत में दफनाते हैं, और सात दिन उपवास करते हैं।

2 शमूएल

1

और ऐसा हुआ कि शाऊल के मरने के बाद, दाऊद अमालेक को मारकर लौटा, और दाऊद सिकलग में दो दिन रहा। और तीसरे दिन ऐसा हुआ कि देखो, एक पुरुष शाऊल के लोगों के शिविर से आया, और उसके वस्त्र फटे हुए थे, और उसके सिर पर मिट्टी थी, और जब वह दाऊद के पास आया, तो वह भूमि पर गिरा और उसे दण्डवत किया।

और दाऊद ने उससे कहा, तू कहाँ से आता है? और उसने उससे कहा, मैं इस्राएल के शिविर से बच निकला हूँ। और दाऊद ने उससे कहा, यह क्या बात है? मुझे बताओ। और उसने कहा, कि लोग युद्ध से भाग गए हैं, और लोगों में से बहुत से गिर गए हैं और मर गए हैं, और शाऊल और उसका पुत्र योनातान भी मर गया है।

और दाऊद ने उस युवा पुरुष से जो उसे समाचार दे रहा था कहा, तुम कैसे जानते हो कि शाऊल और उसका पुत्र योनातान मर गए हैं? और उस लड़के ने, जो उसे रिपोर्ट कर रहा था, कहा, संयोग से मैं गिलबोआ पहाड़ पर गिर पड़ा, और देखो, शाऊल अपने भाले पर टिका हुआ था, और देखो, रथ और घुड़सवार उससे जुड़ गए। और उसने अपने पीछे देखा, और मुझे देखा, और

मुझे बुलाया, और मैंने कहा, देखो मैं यहाँ हूँ। और उसने मुझसे कहा, तुम कौन हो? और मैंने कहा, मैं अमालेकी हूँ। और उसने मुझसे कहा, वास्तव में मेरे ऊपर खड़े होकर मुझे मार डालो, क्योंकि भयानक अंधकार ने मुझे जकड़ लिया है, क्योंकि मेरी सारी आत्मा अभी भी मुझमें है। और मैंने उसके ऊपर खड़े होकर उसे मार डाला, क्योंकि मैं जानता था कि वह गिरने के बाद जीवित नहीं रहेगा, और मैंने उसके सिर पर का राजमुकुट और उसकी बांह पर का कंगन लिया, और मैं उन्हें यहाँ अपने स्वामी के पास लाया हूँ।

और दाऊद ने अपने वस्त्र पकड़े और उनको फाड़ा, और सब पुरुष जो उसके साथ थे उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े। और उन्होंने विलाप किया और रोए और शाम तक उपवास किया शाऊल पर और उसके पुत्र योनातान पर और यहूदा के लोगों पर और इस्राएल के घराने पर, क्योंकि वे तलवार से मारे गए थे।

और दाऊद ने उस जवान को जो उसे सूचना दे रहा था कहा, तुम कहाँ से हो? और उसने कहा, मैं एक परदेशी अमालेकी का पुत्र हूँ।

और दाऊद ने उससे कहा, तू कैसे नहीं डरा अपना हाथ बढ़ाने से प्रभु के अभिषिक्त को नष्ट करने के लिए? और दाऊद ने अपने एक सेवक को बुलाया, और कहा, पास जाकर उससे मिलो, और उसने उसको मारा, और वह मर गया। और दाऊद ने उससे कहा, तुम्हारा रक्त तुम्हारे सिर पर हो, क्योंकि तुम्हारे मुँह ने तुम्हारे विरुद्ध उत्तर दिया, यह कहते हुए कि मैंने प्रभु के अभिषिक्त को मार डाला।

और दाऊद ने यह विलाप शाऊल पर और उसके पुत्र योनातान पर किया। और उसने यहूदा के पुत्रों को सिखाने के लिए कहा, देखो यह सीधे की पुस्तक पर लिखा है।

हे इस्राएल, अपनी ऊंचाइयों पर मृतकों के लिए, घायलों के लिए स्मारक स्थापित करो,

शक्तिशाली कैसे गिर गए? गत में घोषणा मत करो, और अशकलोन के निकास स्थानों में शुभ समाचार मत सुनाओ, कहीं ऐसा न हो कि विदेशियों की बेटियाँ प्रसन्न हों, कहीं ऐसा न हो कि खतनारहितों की बेटियाँ आनंदित हों। हे गिलबोआ के पहाड़ों, तुम पर ओस न पड़े और न बारिश हो, और न पहले फलों के खेत हों, क्योंकि वहाँ शक्तिशाली लोगों की ढाल फेंक दी गई थी, शाऊल की ढाल जिसका तेल से अभिषेक नहीं किया गया था। घायलों के रक्त से और शक्तिशालियों की चर्बी से योनातान का धनुष कभी खाली पीछे नहीं मुड़ा, और शाऊल की तलवार कभी खाली नहीं लौटी। शाऊल और योनातान, जो प्रिय और सुंदर थे, अलग नहीं किए गए। वे अपने जीवन में सुंदर थे, और अपनी मृत्यु में भी अलग नहीं किए गए। वे चीलों से अधिक तेज थे, और सिंहों से अधिक मजबूत थे। हे इस्राएल की बेटियो, शाऊल पर रोओ, जो तुम्हें लाल वस्त्र तुम्हारे आभूषणों के साथ पहनाता था, जो तुम्हारे वस्त्रों पर सुनहरे आभूषण लगाता था। कैसे गिर गए शक्तिशाली युद्ध के बीच में, योनातान तुम्हारी ऊंचाइयों पर घायल हुआ? मैं तुम पर शोक करता हूँ, मेरे भाई योनातान, तुम मुझे अत्यंत प्रिय थे, तुम्हारा प्रेम मेरे लिए स्त्रियों के प्रेम से भी बढ़कर आश्चर्यजनक था। कैसे गिर गए शक्तिशाली, और नष्ट हो गए युद्ध के हथियार!

2

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मैं यहूदा के किसी एक नगर में जाऊँ? और प्रभु ने उससे कहा, जाओ। और दाऊद ने कहा, मैं कहाँ जाऊँ? और उसने कहा, हेब्रोन में। और दाऊद अपनी दोनों पत्नियों के साथ वहाँ हेब्रोन गया, यिजेरलवासी अहीनोअम और कर्मेलवासी नाबाल की पत्नी अबीगैल। और वे पुरुष जो उसके साथ थे, प्रत्येक अपने घर के साथ, वे हेब्रोन के नगरों में रहे।

और यहूदिया के पुरुष आते हैं, और वहाँ दाऊद का अभिषेक करते हैं ताकि वह यहूदा के घराने पर राज्य करे। और दाऊद को सूचना दी गई, यह कहते हुए कि गिलाद के याबेश के पुरुषों ने

शाऊल को दफनाया। और दाऊद ने गिलाद के याबेश के नेताओं के पास दूत भेजे, और दाऊद ने उनसे कहा, तुम प्रभु के द्वारा धन्य हो, क्योंकि तुमने अपने स्वामी पर, प्रभु के अभिषिक्त शाऊल पर, यह दया की, और तुमने उसे और उसके पुत्र योनातान को दफनाया। और अब प्रभु तुम्हारे साथ दया और सत्य करे, और मैं भी तुम्हारे साथ यह भलाई करूंगा, क्योंकि तुमने यह वचन किया। और अब तुम्हारे हाथ मजबूत हों, और तुम शक्तिशाली पुत्र बनो, क्योंकि तुम्हारा प्रभु शाऊल मर गया है, और वास्तव में यहूदा के घराने ने मुझे अपने ऊपर राजा के रूप में अभिषेक किया है।

और अबनेर, जो नेर का पुत्र और शाऊल का सेनापति था, ने इशबोशेत को, जो शाऊल का पुत्र था, लिया और उसे छावनी से महनैम में ले गया। और उसे गिलाद पर, और थासिर पर, और यिज्जेल पर, और एप्रैम पर, और बिन्यामीन पर, और सम्पूर्ण इस्राएल पर राजा बनाया। चालीस वर्ष का था इशबोशेत, शाऊल का पुत्र, जब उसने इस्राएल पर राज्य किया, और दो वर्ष उसने राज्य किया, सिवाय यहूदा के घराने के, जो दाऊद के पीछे थे।

और वे दिन जो दाऊद ने हेब्रोन में यहूदा के घराने पर राज्य किया, सात वर्ष और छह महीने थे।

और अबनेर, जो नेर का पुत्र था, और इशबोशेत के सेवक, जो शाऊल का पुत्र था, महनैम से गिबोन को गए। और योआब सरूयाह का पुत्र, और दाऊद के सेवक हेब्रोन से बाहर गए, और वे उनसे गिबोन के झरने पर मिले, और ये झरने के एक ओर बैठे, और वे झरने के दूसरी ओर बैठे। और अबनेर ने योआब से कहा, वास्तव में युवा पुरुष उठें और तुम्हारे सामने खेलें, और योआब ने कहा, उठें। और वे उठे और संख्या में गए - बिन्यामीन के बारह सेवक जो इशबोशेत के थे शाऊल के पुत्र, और दाऊद के बारह सेवक। और प्रत्येक ने अपने हाथ से अपने पड़ोसी का सिर पकड़ा, और उसकी तलवार अपने पड़ोसी की बाजू में घुसी, और वे एक साथ गिर पड़े, और उस स्थान का नाम षड्यंत्रकारियों का हिस्सा रखा गया, जो गिबोन में है। और उस दिन युद्ध बहुत कठोर हुआ, और अबनेर और इस्राएल के पुरुष दाऊद के सेवकों के सामने ठोकर खाए। और वहाँ

सरूयाह के तीन पुत्र थे - योआब, अबिशै और असाहेल, और असाहेल अपने पैरों में इतना तेज़ था जैसे मैदान में कोई हिरन।

और असाहेल ने अब्नेर का पीछा किया, और वह अब्नेर के पीछे न तो दाहिनी ओर मुड़ा और न बाईं ओर। और अब्नेर ने अपने पीछे देखा, और कहा, क्या तू स्वयं असाहेल है? और उसने कहा, मैं हूँ। और अब्नेर ने उससे कहा, तू दाहिनी ओर या बाईं ओर मुड़ जा, और अपने लिए किसी एक युवा पुरुष को पकड़ और उसका कवच अपने लिए ले ले, परन्तु असाहेल उसके पीछे से मुड़ना नहीं चाहता था। और अब्नेर ने असाहेल से फिर कहा, मुझसे हट जा, ताकि मैं तुझे भूमि पर न मार दूँ, और मैं योआब की ओर अपना मुंह कैसे उठाऊँ? और ये चीज़ें कहाँ हैं? अपने भाई योआब के पास लौट जा। और वह हटना नहीं चाहता था, और अब्नेर ने भाले के पिछले हिस्से से उसकी कमर पर वार किया, और भाला उसके पीछे से निकल गया, और वह वहीं गिर गया और उसके नीचे मर गया, और ऐसा हुआ कि हर कोई जो उस जगह तक आया जहाँ असाहेल गिरा था और मरा था, वह खड़ा हो गया। और योआब और अबीशै ने अब्नेर का पीछा किया, और सूरज डूब रहा था, और वे अम्मान की पहाड़ी तक पहुँचे, जो गार्ड के सामने है, गिबोन के जंगल के रास्ते पर।

और बिन्यामीन के पुत्र अब्नेर के पीछे इकट्ठा हुए, और वे एक समूह बन गए, और एक पहाड़ी की चोटी पर खड़े हुए। और अब्नेर ने योआब को बुलाया और कहा, क्या तलवार सदा निगलती रहेगी? क्या तुम नहीं जानते कि अंत में यह कड़वा होगा? और कब तक तुम लोगों को अपने भाइयों का पीछा करने से लौटने के लिए नहीं कहोगे? और योआब ने कहा, जीवित प्रभु की शपथ, यदि तुम नहीं बोले होते, तो निश्चय ही सुबह से ही प्रत्येक व्यक्ति अपने भाई के पीछे चला गया होता। और योआब ने तुरही बजाई, और सब लोग हट गए, और उन्होंने इस्राएल का पीछा नहीं किया, और उन्होंने फिर युद्ध नहीं किया।

और अब्नेर और उसके पुरुष उस पूरी रात पश्चिम की ओर चले गए, और यर्दन को पार किया,

और पूरी घाटी से होकर गए, और शिविर में आए। और योआब अबनेर के पीछे से लौटा, और उसने सब लोगों को इकट्ठा किया, और दाऊद के सेवकों में से उन्नीस पुरुष गिने गए, और असाहेल। और दाऊद के सेवकों ने बिन्यामीन के पुत्रों में से अबनेर के तीन सौ साठ पुरुषों को मारा।

और वे असाहेल को उठाते हैं और उसे उसके पिता की कब्र में बेथलेहेम में दफनाते हैं, और योआब और उसके साथ के पुरुष पूरी रात चले, और हेब्रोन में उन्हें भोर हुई।

3

और शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच बहुत समय तक युद्ध होता रहा, और दाऊद का घराना बढ़ता और मजबूत होता गया, और शाऊल का घराना घटता और कमजोर होता गया। और दाऊद के पुत्र हेब्रोन में जन्मे थे, और उसका पहलौठा अम्मोन था जो यिज्जेली अहीनोअम से था। और उसका दूसरा पुत्र दालौइया था, जो कार्मेलियास की अबीगाइया से था, और तीसरा अबेस्सालोम था, जो गेस्सीर के राजा थोल्मी की पुत्री माआखा का पुत्र था। और चौथा ओर्निया, हग्गीत का पुत्र, और पांचवां शपत्याह, अबीताल की, और छठा इएथेराम था, जो दाविद की पत्नी ऐगल से उत्पन्न हुआ। ये सब दाविद से हेब्रोन में जन्मे थे।

और ऐसा हुआ कि शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के बीच युद्ध होने के दौरान, अबनेर शाऊल के घराने को सँभाले हुए था। और साऊल की रखैल रिस्पा थी, जो इओल की पुत्री थी, और इशबोशेत, जो साऊल का पुत्र था, ने अबनेर से कहा, क्या तू मेरे पिता की रखैल के पास गया है? और अबनेर इस वचन के बारे में ईशबोशेत पर अत्यधिक क्रोधित हुआ। और अबनेर ने उससे कहा, क्या मैं कुत्ते का सिर हूँ? मैंने आज तुम्हारे पिता शाऊल के घर के साथ और भाइयों और परिचितों के बारे में दया की है, और मैं दाऊद के घर में नहीं भागा, और तुम आज एक स्त्री

के अन्याय के लिए मुझ पर दोष लगाते हो? परमेश्वर अबनेर के साथ ऐसा करे और इससे भी अधिक करे, क्योंकि जैसे प्रभु ने दाऊद से शपथ खाई है, वैसे ही मैं आज उसके साथ करूंगा। शाऊल के घर से राज्य को हटाना, और दाऊद के सिंहासन को इस्राएल पर और यहूदा पर दान से बेशेबा तक स्थापित करना। और इशबोशेत अबनेर को उत्तर देने में सक्षम नहीं रहा, क्योंकि वह उससे डरता था।

और अबनेर ने दाऊद के पास थाएलाम में, जहाँ वह था, तुरंत दूत भेजे और कहलवाया, मेरे साथ अपनी वाचा बाँधो, और देखो, मेरा हाथ तुम्हारे साथ है कि इस्राएल के सारे घराने को तुम्हारी ओर लौटा दूँ। और दाऊद ने कहा, अच्छा, मैं तुम्हारे साथ वाचा बाँधूँगा, सिवाय एक बात के जो मैं तुमसे माँगता हूँ, यह कहते हुए कि तुम मेरा मुख नहीं देखोगे, यदि तुम शाऊल की पुत्री मीकल को नहीं लाओगे जब तुम मेरा मुख देखने आओगे। और दाऊद ने शाऊल के पुत्र ईश-बोशेत के पास दूत भेजे और कहलाया, मेरी पत्नी मीकल को मुझे लौटा दो, जिसे मैंने सौ पलिशितियों की खतनाओं के बदले में प्राप्त किया था। और इशबोशेत ने भेजा और उसे उसके पति के पास से, फाल्तिगेल पुत्र सेल्लेस के पास से ले लिया। और उसका पति उसके साथ रोता हुआ उसके पीछे बाराकीम तक गया, और अबनेर ने उससे कहा, जाओ, लौट जाओ, और वह लौट गया।

और अबनेर ने इस्राएल के बुजुर्गों से कहा, कल और परसों तुम दाऊद को अपने ऊपर राज्य करने के लिए खोज रहे थे। और अब करो, क्योंकि प्रभु ने दाऊद के विषय में कहा था, मैं अपने दास दाऊद के हाथ से इस्राएल को विदेशियों के हाथ से और उनके सब शत्रुओं के हाथ से बचाऊंगा। और अबनेर ने बिन्यामीन के कानों में बोला, और अबनेर दाऊद के कानों में हेब्रोन में बोलने गया, सब कुछ जितना इस्राएल की आँखों में और बिन्यामीन के घराने की आँखों में भाया। और अबनेर दाऊद के पास हेब्रोन में आया, और उसके साथ बीस पुरुष थे, और दाऊद ने अबनेर और उसके साथ के पुरुषों के लिए भोज किया। और अबनेर ने दाऊद से कहा, मैं वास्तव में उठूँगा और जाऊँगा और अपने स्वामी राजा के पास सब इस्राएल को इकट्ठा करूँगा, और मैं उसके साथ वाचा बाँधूँगा, और तू उन सब पर राज्य करेगा जिनकी तेरा मन इच्छा करता है। और दाऊद ने अबनेर

को विदा किया, और वह शांति से चला गया।

और देखो, दाऊद के सेवक और योआब अभियान से आए, और अपने साथ बहुत लूट लाए, और अबनेर दाऊद के साथ हेब्रोन में नहीं था, क्योंकि उसने उसे भेजा था, और वह शांति से चला गया था। और योआब और उसकी सारी सेना आए, और योआब को सूचित किया गया, कहते हुए, नेर का पुत्र अबनेर दाऊद के पास आया है, और उसने उसे भेज दिया है, और वह शांति से चला गया है। और योआब राजा के पास गया और बोला, यह तुमने क्या किया? देखो, अबनेर तुम्हारे पास आया था, और तुमने उसे क्यों भेज दिया, और वह शांति से चला गया? क्या तुम नेर के पुत्र अबनेर की दुष्टता नहीं जानते, कि वह तुम्हें धोखा देने आया था, और तुम्हारे आने-जाने को जानने के लिए, और यह जानने के लिए कि तुम क्या-क्या करते हो?

और योआब दाऊद से लौटा, और उसने अबनेर के पीछे दूत भेजे, और वे उसे सीरा के कुएं से वापस ले आए, और दाऊद को इसका पता नहीं था। और अबनेर हेब्रोन लौट आया, और योआब ने उसे द्वार के किनारे से अलग ले जाकर उससे बात करने के बहाने घात लगाई, और वहाँ उसकी कमर में वार किया, और वह योआब के भाई असाहेल के रक्त में मर गया।

और दाऊद ने इन बातों के बाद सुना, और कहा, मैं और मेरा राज्य प्रभु की ओर से अबनेर पुत्र नेर के खून से युगानुयुग तक निर्दोष हैं। ये योआब के सिर पर और उसके पिता के सारे घर पर आ पड़ें, और योआब के घर से स्राव वाला, कोढ़ी, लाठी पकड़ने वाला, तलवार से गिरने वाला, और रोटी की कमी झेलने वाला कभी न समाप्त हो। योआब और उसका भाई अबिशै अबनेर पर नज़र रख रहे थे, क्योंकि उसने गिबोन के युद्ध में उनके भाई असाहेल को मार डाला था।

और दाऊद ने योआब से और उन सब लोगों से जो उसके साथ थे कहा, अपने वस्त्र फाड़ो, और टाट कमर में बाँधो, और अबनेर के सामने विलाप करो, और राजा दाऊद खाट के पीछे जा रहा था। और उन्होंने अबनेर को हेब्रोन में दफनाया, और राजा ने अपनी आवाज़ उठाई और उसकी

कब्र पर रोया, और सब लोग अबनेर के लिए रोए।

और राजा ने अबनेर के लिए विलाप किया, और कहा, क्या अबनेर नाबाल की मृत्यु के समान मरेगा? तेरे हाथ नहीं बांधे गए थे, तेरे पैर बेड़ियों में नहीं थे, तू नाबाल की तरह नहीं लाया गया, अन्याय के पुत्रों के सामने तू गिरा, और सब लोग उसके लिए रोने को इकट्ठा हुए। और सब लोग दाऊद को रोटियाँ खिलाने आए जब अभी दिन था, और दाऊद ने शपथ ली कहते हुए, परमेश्वर मुझे ऐसा करे और ऐसा जोड़े, कि यदि सूरज नहीं डूबा तो मैं रोटी या किसी भी चीज़ को नहीं चखूंगा। और सभी लोगों ने जान लिया, और वह सब कुछ जो राजा ने लोगों के सामने किया था, उन्हें प्रसन्न करने वाला था। और सभी लोगों ने और सारे इस्राएल ने उस दिन जान लिया कि राजा की ओर से अबनेर, नेर के पुत्र को मार डालना नहीं हुआ था।

और राजा ने अपने सेवकों से कहा, क्या तुम नहीं जानते कि एक महान नेता आज इस्राएल में गिर गया है? और क्या मैं आज नातेदार हूँ, और राजा द्वारा नियुक्त हूँ? परन्तु ये पुरुष, सरूयाह के पुत्र, मुझसे अधिक कठोर हैं। प्रभु बुराई करने वाले को उसकी दुष्टता के अनुसार बदला दे।

4

और इशबोशेत, जो शाऊल का पुत्र था, ने सुना कि अबनेर, जो नेर का पुत्र था, हेब्रोन में मर गया, और उसके हाथ कमजोर हो गए, और इस्राएल के सब पुरुष निराश हो गए। और साऊल के पुत्र इश बोशेत के दिलों के दो अगुवे थे, एक का नाम बाना और दूसरे का नाम रेखाब था, जो बिन्यामीन के वंशजों में से बेरोथी रेम्मोन के पुत्र थे, क्योंकि बेरोथ बिन्यामीन के वंशजों में गिना जाता था। और बेरोथी लोग गितैम को भाग गए थे, और वे वहाँ इस दिन तक परदेशी के रूप में रहते थे।

और शाऊल के पुत्र जोनाथन का एक पुत्र था जिसके पैर घायल थे। वह पाँच वर्ष का था। जब यिज़्रेल से शाऊल और उसके पुत्र जोनाथन का समाचार आया, तो उसकी धाय ने उसे उठाया और भाग गई। जल्दी करने और पीछे हटने में ऐसा हुआ कि वह गिर गया और लंगड़ा हो गया। उसका नाम मपीबोशेत था।

और बेरोथी रेम्मोन के पुत्र रेकाब और बाना गए, और दिन की गर्मी में इशबोशेत के घर में प्रवेश किया, और वह दोपहर के समय बिस्तर में सो रहा था। और देखो, घर का द्वारपाल गेहूं साफ कर रहा था, और झपकी ली और सो गया, और रेखाब और बाना भाई चुपके से अंदर घुस गए। और वे घर में प्रवेश किए, और ईश बोशेत अपने शयनकक्ष में अपने बिस्तर पर सो रहा था, और उन्होंने उसे मारा, और उसे मार डाला, और उसका सिर काट लिया, और उसका सिर लेकर, पूरी रात पश्चिम की ओर के रास्ते से चले गए।

और वे ईश-बोशेत का सिर दाऊद के पास हेब्रोन में लाए, और राजा से कहा, देखो, ईश-बोशेत का सिर, शाऊल का पुत्र, तुम्हारा शत्रु, जो तुम्हारी आत्मा को खोजता था, और प्रभु ने प्रभु राजा को उसके शत्रुओं से बदला दिया, जैसे आज का दिन है, शाऊल से, तुम्हारे शत्रु से, और उसके बीज से।

और दाऊद ने रेकाब और उसके भाई बाना को, जो बेरोथी रिम्मोन के पुत्र थे, उत्तर दिया और उनसे कहा, प्रभु जीवित है, जिसने मेरी आत्मा को सब क्लेश से छुड़ाया है, क्योंकि जिसने मुझे सूचना दी कि शाऊल मर गया है, और वह मेरे सामने अच्छी खबर लाने वाले की तरह था, और मैंने उसे पकड़ा और उसे सिकलंग में मार डाला, जबकि मुझे उसे अच्छी खबर का इनाम देना चाहिए था। और अब दुष्ट पुरुषों ने एक न्यायी पुरुष को उसके घर में उसके बिस्तर पर मार डाला है, और अब मैं तुम्हारे हाथ से उसके खून का बदला लूंगा, और मैं तुम्हें पृथ्वी से नष्ट कर दूंगा। और दाऊद ने अपने युवा पुरुषों को आज्ञा दी, और उन्होंने उनको मार डाला, और उनके हाथों और उनके पैरों को काट डाला, और उनको हेब्रोन में झरने के पास लटका दिया, और ईशबोशेत

के सिर को नेर के पुत्र अब्नेर की कब्र में दफनाया।

5

और इस्राएल की सब जनजातियाँ हेब्रोन में दाऊद के पास आई, और उन्होंने उससे कहा, देखो, हम तुम्हारी हड्डियाँ और तुम्हारा मांस हैं। और कल और परसों जब शाऊल हम पर राजा था, तू ही वह था जो इस्राएल को बाहर लाता और अंदर लाता था, और प्रभु ने तुझ से कहा, तू मेरे लोगों इस्राएल को चराएगा, और तू मेरे लोगों इस्राएल पर अगुवा होगा। और इस्राएल के सब बुजुर्ग हेब्रोन में राजा के पास आते हैं, और राजा दाऊद ने हेब्रोन में प्रभु के सामने उनके साथ वाचा बाँधी, और उन्होंने दाऊद का सम्पूर्ण इस्राएल पर राजा के रूप में अभिषेक किया। दाऊद तीस वर्ष का था जब उसने राज्य करना आरम्भ किया, और उसने चालीस वर्ष तक राज्य किया। उसने हेब्रोन में यहूदा पर सात वर्ष और छह महीने शासन किया, और यरूशलेम में समस्त इस्राएल और यहूदा पर तैंतीस वर्ष शासन किया।

और दाऊद और उसके पुरुष यरूशलेम में उस यबूसी के पास गए जो उस भूमि में रहता था, और दाऊद से कहा गया, तू यहाँ प्रवेश नहीं करेगा, क्योंकि अंधों और लंगड़ों ने विरोध किया, यह कहते हुए कि दाऊद यहाँ प्रवेश नहीं करेगा। और दाऊद ने सिय्योन के क्षेत्र को पहले से पकड़ लिया, यह दाऊद का शहर है। और दाऊद ने उस दिन कहा, जो कोई यबूसी को मारे, वह खंजर से लंगड़ों और अंधों और दाऊद की आत्मा से घृणा करने वालों को मारे। इसी कारण वे कहेंगे, अंधे और लंगड़े प्रभु के घर में प्रवेश नहीं करेंगे। और दाऊद गढ़ में बैठा, और यह नगर दाऊद कहलाया, और उसने इस नगर को किले से लेकर चारों ओर बनाया, और अपना घर भी बनाया। और दाऊद चलता गया और महान होता गया, और सर्वशक्तिमान प्रभु उसके साथ था।

और सोर के राजा हीराम ने दाऊद के पास दूत भेजे, और देवदार की लकड़ी, और लकड़ी के

कारीगर, और पत्थर के कारीगर भेजे, और उन्होंने दाऊद के लिए घर बनाया। और दाऊद जान गया कि प्रभु ने उसको इस्राएल पर राजा बनाने के लिए तैयार किया था, और कि उसका राज्य उसके लोगों इस्राएल के कारण ऊँचा उठाया गया था।

और दाऊद ने हेब्रोन से आने के बाद यरूशलेम से फिर स्त्रियाँ और रखलें लीं, और दाऊद के फिर पुत्र और पुत्रियाँ हुईं। और ये उनके नाम हैं जो उसके यरूशलेम में जन्मे: शम्मूअ, और शोबाब, और नातान, और सुलैमान, और एबेअर, और एलिसोउए, और नाफेक, और इएफिएस, और एलीशामा, और एलीदए, और एलीफलत।

और विदेशियों ने सुना कि दाऊद को इस्राएल पर राजा अभिषेक किया गया है, और सब विदेशी दाऊद को खोजने चढ़ आए, और दाऊद ने सुना, और वह उस क्षेत्र में उतर गया। और विदेशी आते हैं, और वे टाइटन्स की घाटी में युद्ध करते हैं।

और दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मैं उन विदेशियों के विरुद्ध जाऊँ, और क्या तुम उन्हें मेरे हाथों में सौंप दोगे? और प्रभु ने दाऊद से कहा, जाओ, क्योंकि मैं निश्चित रूप से उन विदेशियों को तुम्हारे हाथों में सौंप दूंगा। और दाऊद ऊपरी भंगों से आया, और उसने वहाँ विदेशियों को मारा, और दाऊद ने कहा, प्रभु ने विदेशी शत्रुओं को मेरे सामने काट डाला, जैसे पानी काटा जाता है। इस कारण उस स्थान का नाम ऊपरी भंग बुलाया गया। और उन्होंने अपने देवताओं को वहाँ छोड़ दिया, और दाऊद और उसके साथ के पुरुषों ने उनको ले लिया।

और विदेशियों ने फिर चढ़ाई करने का प्रयास किया, और वे दैत्यों की घाटी में युद्ध में उलझ गए। और दाऊद ने प्रभु से पूछा, और प्रभु ने कहा, तुम उनसे मिलने के लिए ऊपर मत जाओ, उनसे मुड़ जाओ, और तुम रोने के स्थान के पास उनके पास आओगे। और ऐसा होगा कि जब तू रोने के उपवन से बंद होने की आवाज़ सुनेगा, तब तू उनकी ओर उतरेगा, क्योंकि तब प्रभु तेरे आगे विदेशियों के युद्ध में मारने के लिए निकलेगा। और दाऊद ने वैसा ही किया जैसा प्रभु ने उसको

आज्ञा दी थी, और उसने विदेशियों को गिबोन से लेकर गज़ेरा की भूमि तक मारा।

6

और दाऊद ने फिर इस्राएल से सभी युवा पुरुषों को एकत्र किया, लगभग सत्तर हजार। और दाऊद और उसके साथ के सब लोग और यहूदा के शासकों में से उठे और गए, वहाँ से परमेश्वर के सन्दूक को ऊपर लाने के लिए चढ़ाई करते हुए, जिस पर सेनाओं के प्रभु का नाम पुकारा गया था, जो करूबों पर विराजमान है जो उस पर हैं।

और प्रभु के सन्दूक को नई गाड़ी पर रखा गया, और उसे पहाड़ी पर स्थित अमीनादाब के घर से उठाया, और उज्जा और उसके भाई, जो अमीनादाब के पुत्र थे, सन्दूक के साथ गाड़ी को ले जा रहे थे। और उसके भाई सन्दूक के आगे चल रहे थे। और दाऊद और इस्राएल के पुत्र प्रभु के सामने स्वरबद्ध वाद्ययंत्रों से शक्ति के साथ बजाते हुए, और गीतों के साथ, और वीणाओं के साथ, और सारंगियों के साथ, और खंजरियों के साथ, और झांझों के साथ, और बांसुरियों के साथ।

और वे नाहोर के खलिहान तक आए, और उज्जा ने परमेश्वर के सन्दूक को पकड़ने के लिए उस पर अपना हाथ फैलाया, और उसने इसे पकड़ लिया, क्योंकि बछड़े ने इसे हिलाया था। और प्रभु उज्जा पर क्रोध से क्रोधित हुए, और परमेश्वर ने उसे वहाँ मारा, और वह वहाँ प्रभु के सन्दूक के पास परमेश्वर के सामने मर गया। और दाऊद व्यथित हुआ इसलिए कि प्रभु ने उज्जा में भंजन किया था, और वह स्थान उज्जा का भंजन कहलाया, आज के दिन तक। और दाऊद उस दिन प्रभु से डर गया, यह कहते हुए, प्रभु का सन्दूक मेरे पास कैसे आएगा? और दाऊद नहीं चाहता था कि प्रभु की वाचा के सन्दूक को अपनी ओर, दाऊद के नगर में, मोड़े, और दाऊद ने उसे गित्ती अबेदरा के घर में मोड़ दिया। और प्रभु का सन्दूक गित्ती अबेददारा के घर में तीन महीने रहा, और

प्रभु ने अबेददारा के पूरे घर को और उसकी सब वस्तुओं को आशीर्वाद दिया।

और राजा दाऊद को यह सूचना दी गई, कहते हुए कि प्रभु ने अबेददारा के घर को और उसकी सब वस्तुओं को परमेश्वर के संदूक के कारण आशीर्वाद दिया है, और दाऊद गया और प्रभु के संदूक को अबेददारा के घर से दाऊद के नगर में आनंद के साथ ले आया। और उसके साथ सन्दूक को उठाने वाले थे, सात गायक मंडलियाँ, और बलिदान में बछड़ा और मेमने थे। और दाविद प्रभु के सामने सुरीले वाद्ययंत्रों पर बजा रहा था, और दाविद विशेष वस्त्र पहने हुए था। और दाऊद और इस्राएल का सारा घराना प्रभु के संदूक को चिल्लाहट के साथ और तुरही की आवाज के साथ ऊपर लाए।

और ऐसा हुआ कि जब संदूक दाऊद के नगर तक आ रहा था, तब शाऊल की पुत्री मीकल ने खिड़की से बाहर देखा, और राजा दाऊद को प्रभु के सामने नाचते और बजाते हुए देखा, और उसने अपने हृदय में उसे तुच्छ जाना।

और वे प्रभु के संदूक को ले जाते हैं, और उसे उसके स्थान में, उस तम्बू के मध्य में समर्पित किया, जिसे दाऊद ने इसके लिए खड़ा किया था, और दाऊद ने प्रभु के सामने होमबलि और मेल बलि चढ़ाई। और दाऊद ने होमबलि और मेलबलि चढ़ाना पूर्ण किया, और सेनाओं के प्रभु के नाम में लोगों को आशीर्वाद दिया। और उसने इस्राएल की सारी शक्ति को, दान से बेशर्बा तक सभी लोगों में, पुरुष से लेकर स्त्री तक, प्रत्येक को रोटी का पूड़ा, भुने हुए मांस का भाग, और तवे से बना चपटा पूड़ा बाँटा, और सब लोग प्रत्येक अपने घर चले गए।

और दाऊद अपने घर को आशीर्वाद देने लौटा, और शाऊल की पुत्री मीकल दाऊद से मिलने निकली, और उसने उसे आशीर्वाद दिया, और कहा, आज इस्राएल के राजा ने कैसी महिमा पाई, जो आज अपने दासों की दासियों की आँखों में प्रकट हुआ, जैसे नर्तकों में से कोई एक प्रकट होता है। और दाऊद ने मीकल से कहा, प्रभु के सामने मैं नाचूंगा। धन्य है प्रभु जिसने मुझे तेरे

पिता और उसके सारे घराने के बदले चुना, ताकि मुझे उसके लोगों पर, इस्राएल पर, अगुवा ठहराए। और मैं प्रभु के सामने खेलूंगा और नाचूंगा, और मैं फिर इस प्रकार उधाड़ा जाऊंगा, और मैं तेरी आंखों में बेकार होऊंगा, और उन दासियों के साथ जिनके विषय में तूने कहा था कि मुझे महिमामंडित नहीं होना चाहिए। और शाऊल की बेटी मीकल को मरने के दिन तक कोई संतान नहीं हुई।

7

और ऐसा हुआ जब राजा अपने घर में बैठा, और प्रभु ने उसे चारों ओर के सब शत्रुओं से विश्राम दिया, और राजा ने नाथान भविष्यवक्ता से कहा, देखो, मैं तो देवदार के घर में निवास करता हूँ, परन्तु परमेश्वर का सन्दूक तम्बू के बीच में रखा है। और नाथान ने राजा से कहा, जो कुछ भी तुम्हारे हृदय में है, वह सब जाओ और करो, क्योंकि प्रभु तुम्हारे साथ है।

और उस रात को ऐसा हुआ कि प्रभु का वचन नाथान के पास आया, जो कहता था, जा, और मैंने अपने दास दाऊद से कहा, प्रभु ये बातें कहता है, तू मेरे निवास करने के लिए मेरे लिए घर नहीं बनाएगा। क्योंकि मैं घर में नहीं रहा हूँ उस दिन से जब मैं इस्राएल के पुत्रों को मिस्र से ऊपर लाया, इस दिन तक, और मैं पड़ाव स्थान में और तम्बू में घूमता रहा हूँ। उन सब स्थानों में जहाँ मैं इस्राएल में गया, क्या मैंने कभी इस्राएल के किसी एक कबीले से, जिसे मैंने अपनी प्रजा इस्राएल की चरवाही करने की आज्ञा दी थी, यह कहते हुए बात की, तुमने मेरे लिए देवदार का घर क्यों नहीं बनाया?

और अब तुम मेरे दास दाऊद से ये बातें कहोगे, सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है: मैंने तुम्हें भेड़ों की भेड़शाला से लिया, ताकि तुम मेरे लोगों इस्राएल पर नेता बनो। और मैं तेरे साथ उन सब में था जहाँ तू गया, और मैंने तेरे सब शत्रुओं को तेरे सामने से नष्ट कर दिया, और मैंने तुझे पृथ्वी पर

के महान लोगों के नाम के अनुसार प्रसिद्ध बनाया। और मैं अपने लोगों इस्राएल के लिए एक स्थान बनाऊंगा, और मैं उसे रोपूंगा, और वह स्वयं के अनुसार निवास करेगा, और वह अब और चिंतित नहीं होगा, और अन्याय का पुत्र उसे नीचा करने के लिए अब और नहीं जोड़ेगा, जैसे आरंभ से। उन दिनों से जब मैंने अपने लोग इस्राएल पर न्यायाधीशों को नियुक्त किया था, और मैं तुझे तेरे सब शत्रुओं से विश्राम दूंगा, और प्रभु तुझसे कहेगा कि तू उसके लिए घर बनाएगा। और ऐसा होगा कि जब तुम्हारे दिन पूरे हो जाएंगे, और तुम अपने पिताओं के साथ सो जाओगे, तो मैं तुम्हारे बाद तुम्हारे वंश को उठाऊंगा, जो तुम्हारी कोख से होगा, और मैं उसके राज्य को स्थापित करूंगा। वह स्वयं मेरे नाम के लिए मेरे लिए एक घर बनाएगा, और मैं उसके सिंहासन को सदा के लिए स्थापित करूंगा। मैं उसके लिए पिता बनूंगा, और वह मेरे लिए पुत्र बनेगा, और यदि उसका अन्याय आएगा, तो मैं उसे पुरुषों की छड़ी से और मनुष्यों के पुत्रों के प्रहारों से फटकाऊंगा। परन्तु मैं अपनी दया उससे नहीं हटाऊंगा, जैसे मैंने उनसे हटाई थी जिन्हें मैंने अपने सामने से हटा दिया था। और उसका घर स्थापित किया जाएगा, और उसका राज्य मेरे सामने युग तक रहेगा, और उसका सिंहासन युग तक स्थापित रहेगा।

इन सब शब्दों के अनुसार और इस सारे दर्शन के अनुसार, नातान ने दाऊद से इस प्रकार बात की।

और राजा दाऊद प्रवेश किया और प्रभु के सामने बैठा, और कहा, मेरे प्रभु, हे प्रभु, मैं कौन हूँ और मेरा घर क्या है कि आपने मुझसे इतना प्रेम किया? और मैं तेरे सामने छोटा कर दिया गया, हे मेरे प्रभु परमेश्वर, और तूने अपने दास के घराने के विषय में दूर के भविष्य तक बात की, यह तो मनुष्य का नियम है, हे मेरे प्रभु परमेश्वर? और दाऊद अब आपसे बोलने के लिए क्या जोड़ेगा? और अब आप अपने दास को जानते हैं, हे मेरे प्रभु, हे प्रभु, और तूने अपने दास के कारण यह किया है, और अपने हृदय के अनुसार तूने यह सारी महानता अपने दास को ज्ञात कराने के लिए की है, ताकि तुझे महान बनाया जाए। मेरे प्रभु, तुम्हारे जैसा कोई नहीं है, और तुम्हारे सिवाय कोई देवता नहीं है, उन सब में जो हमने अपने कानों से सुना है। और कौन है तेरे लोग इस्राएल के

समान, जो पृथ्वी पर दूसरा राष्ट्र है? जैसे परमेश्वर ने उसे अपने लिए एक लोग को छुड़ाने, अपना नाम स्थापित करने, महानता और प्रकटीकरण करने, और अपने लोगों के सामने से उन राष्ट्रों और तम्बुओं को निकालने के लिए ले गया, जिन्हें तूने अपने लिए मिस्र से छुड़ाया था? और तूने अपने लिए अपनी प्रजा इस्राएल को सदा के लिए प्रजा बनाया, और तू हे प्रभु उनका परमेश्वर बना। और अब, हे मेरे प्रभु, जो वचन तूने अपने दास और उसके घर के विषय में बोला है, उसे सदा के लिए स्थापित कर, हे प्रभु सर्वशक्तिमान, इस्राएल के परमेश्वर, और अब जैसा तूने कहा है, आपका नाम युगों तक महिमामंडित हो। हे प्रभु सर्वशक्तिमान, इस्राएल के परमेश्वर, आपने अपने दास के कान पर प्रकट किया, कहते हुए, मैं आपके लिए घर बनाऊंगा, इसी कारण आपके दास ने अपने हृदय में आपसे यह प्रार्थना करने का साहस पाया। और अब, हे मेरे प्रभु, हे प्रभु, तू ही परमेश्वर है, और तेरे वचन सत्य होंगे, और तूने अपने दास के लिए ये अच्छी बातें कही हैं। और अब आरंभ कर और अपने दास के घर को आशीर्वाद दे, जो तेरे सामने सदा बना रहे, क्योंकि हे मेरे प्रभु, हे प्रभु, तूने कहा है, और तेरे आशीर्वाद से तेरे दास का घर सदा के लिए आशीर्वादित होगा।

8

इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि दाऊद ने विदेशियों को मारा और उन्हें पराजित किया, और दाऊद ने विदेशियों के हाथ से अलग की हुई वस्तु को ले लिया।

और दाऊद ने मोआब को पराजित किया, और उन्हें भूमि पर लिटाकर रस्सियों से नापा, और दो नापी हुई रस्सियाँ मार डालने के लिए थीं, और दो नापी हुई रस्सियों को उसने बचाया, और मोआब दाऊद के लिए उपहार लाने वाले दास बन गए।

और दाऊद ने हददेजर को मारा, जो रहब का पुत्र और सोबा का राजा था, जब वह फरात नदी पर

अपना अधिकार स्थापित करने जा रहा था। और दाऊद ने उसके एक हजार रथ, सात हजार घुड़सवार, और बीस हजार पैदल सैनिक पहले से पकड़ लिए, और दाऊद ने सभी रथों को अक्षम कर दिया, और अपने लिए सौ रथ बचा रखे। और दमिश्क का सीरिया राजा हददेजेर सोबा की सहायता करने आया, और दाऊद ने सीरियाई के बाईस हजार पुरुषों को मारा। और दाऊद ने दमिश्क के पास सीरिया में चौकी रखी, और सीरियाई दाऊद के दास बन गए जो उपहार लाते थे, और प्रभु ने दाऊद को सब जगह बचाया जहाँ वह गया। और दाऊद ने सोने के बाजूबंद लिए जो सोबा के राजा हददेजेर के सेवकों पर थे, और उनको यरूशलेम लाया, और शीशक मिस्र के राजा ने उनको ले लिया जब वह यरूशलेम गया सुलैमान के पुत्र रहबाम के दिनों में। और मेतेबाक से तथा हददेजेर के चुने हुए नगरों से राजा दाऊद ने बहुत अधिक कांसा लिया, जिससे सुलैमान ने कांसे का समुद्र, स्तंभ, हौद और सब बर्तन बनाए।

और हमाथ के राजा थोऊ ने सुना कि दाऊद ने हददेजेर की सारी सेना को मार दिया। और थोऊ ने अपने पुत्र इएद्दौराम को राजा दाविद के पास भेजा ताकि उनसे कुशलक्षेम पूछे, और उन्हें आशीर्वाद दे इसलिए कि उन्होंने हदादेज़र से युद्ध किया और उसे पराजित किया, क्योंकि वह हदादेज़र का विरोधी था, और उसके हाथों में चांदी के बर्तन, और सोने के बर्तन, और कांसे के बर्तन थे। और इन चीजों को राजा दाविद ने प्रभु के लिए पवित्र किया, उस चाँदी और सोने के साथ जो उसने उन सब नगरों से पवित्र किया था जिन्हें उसने अधीन किया था, इदूमिया से, और मोआब से, और अम्मोन के पुत्रों से, और विदेशियों से, और अमालेक से, और सोबा के राजा हददेजेर, जो रहाब का पुत्र था, की लूट की सामग्री से।

और दाऊद ने नाम बनाया, और लौटते समय उसने इदूमिया को गेबेलेम में मारा, अठारह हजार को। और उसने इदूमिया में चौकी रखी, पूरे इदूमिया में, और सब इदुमी राजा के दास बन गए, और प्रभु ने दाऊद को उन सब स्थानों में बचाया जहाँ वह गया।

और दाऊद ने सब इस्राएल पर राज्य किया, और दाऊद अपने सब लोगों पर न्याय और धार्मिकता

करता था। और योआब, सरूयाह का पुत्र, सेना के ऊपर था, और यहोशापात, अहीलूद का पुत्र, स्मरण-पत्रों के ऊपर था। और सदोक, अखितोब का पुत्र, और अखीमेलेक, अबियाथार का पुत्र, पुजारी थे, और शसा लेखक था। और बनायाह, जो यहोयादा का पुत्र था, सलाहकार था, और केरेती और पेलेती, और दाऊद के पुत्र मुख्य अधिकारी थे।

9

और दाऊद ने कहा, क्या शाऊल के घर में अभी भी कोई बचा हुआ है, और मैं उसके साथ योनातान के कारण दया करूँगा? और साऊल के घर से एक सेवक था, और उसका नाम सीबा था, और उन्होंने उसको दाऊद के पास बुलाया, और राजा ने उससे कहा, तू सीबा है? और उसने कहा, मैं तेरा दास हूँ। और राजा ने कहा, क्या शाऊल के घर से अभी भी कोई पुरुष बचा है, ताकि मैं उसके साथ परमेश्वर की दया करूँ? और सीबा ने राजा से कहा, अभी भी योनातान का एक पुत्र है जो पैरों से लंगड़ा है। और राजा ने कहा, यह कहाँ है? और सीबा ने राजा से कहा, देखो, लोदबार से अम्मीएल के पुत्र माखीर के घर में है। और राजा दाऊद ने भेजा और उसे माकीर के घर से, जो अम्मीएल का पुत्र था, लोदबार से ले लिया।

और मेफीबोशेत, जो योनातान का पुत्र और शाऊल का पौत्र था, राजा दाऊद के पास आया, और अपने मुँह के बल गिरा, और उसे प्रणाम किया, और दाऊद ने उससे कहा, मेफीबोशेत? और उसने कहा, देखो, आपका दास। और दाऊद ने उससे कहा, मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हारे पिता योनातान के कारण तुम्हारे साथ दया अवश्य करूँगा, और तुम्हारे पिता के पिता शाऊल का सारा खेत तुम्हें लौटाऊँगा, और तुम मेरी मेज़ पर सदा रोटी खाओगे। और मेम्फिबोशेत ने झुककर कहा, मैं कौन हूँ, आपका दास, कि आपने मुझ जैसे मरे हुए कुत्ते पर दृष्टि डाली?

और राजा ने शाऊल के सेवक सीबा को बुलाया, और उससे कहा, जो कुछ शाऊल का था और

उसके पूरे घर का था, वह सब मैंने तुम्हारे स्वामी के बेटे को दे दिया है। और तू, तेरे पुत्र, और तेरे दास उसके लिए भूमि पर काम करेंगे, और तू तेरे स्वामी के पुत्र के लिए रोटियाँ लाएगा, और वह रोटियाँ खाएगा, और मपीबोशेत तेरे स्वामी का पुत्र मेरी मेज़ पर निरंतर रोटी खाएगा, और सीबा के पंद्रह पुत्र थे, और बीस दास। और सीबा ने राजा से कहा, जो कुछ मेरे स्वामी राजा ने अपने दास को आज्ञा दी है, उसके अनुसार तुम्हारा दास वैसा ही करेगा। और मेफिबोशेत दाऊद की मेज पर ऐसे खाता था जैसे राजा के पुत्रों में से एक। और मेफिबोशेत का एक छोटा पुत्र था, और उसका नाम मीका था, और सीबा के घर के सभी निवासी मेफिबोशेत के दास थे। और मेफिबोशेत यरूशलेम में रहता था, क्योंकि वह राजा की मेज़ पर निरंतर भोजन करता था, और वह अपने दोनों पैरों से लंगड़ा था।

10

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि अम्मोनियों के पुत्रों का राजा मर गया, और उसका पुत्र हानून उसके स्थान पर राजा बना। और दाऊद ने कहा, मैं हानून पुत्र नाहाश के साथ दया करूँगा, जिस तरीके से उसके पिता ने मेरे साथ दया की। और दाऊद ने अपने दासों के हाथ में उसको उसके पिता के बारे में सांत्वना देने भेजा, और दाऊद के सेवक अम्मोन के पुत्रों की भूमि में आए। और अम्मोन के पुत्रों के शासकों ने अपने प्रभु हानून से कहा, क्या दाऊद ने तुम्हारे सामने तुम्हारे पिता की महिमा करने के लिए तुम्हें सांत्वना देने वाले भेजे हैं? लेकिन क्या इसलिए नहीं कि वे शहर की खोज करें और उसकी जासूसी करें, दाऊद ने अपने सेवकों को तुम्हारे पास भेजा है? और हनून ने दाऊद के सेवकों को पकड़ा, और उनकी दाढ़ियाँ मुंडवाई, और उनके वस्त्रों को आधे तक उनके कूल्हों तक काटा, और उनको भेज दिया।

और दाऊद को पुरुषों के बारे में सूचना दी गई, और उसने उनसे मिलने के लिए भेजा, क्योंकि वे पुरुष बहुत अपमानित थे, और राजा ने कहा, यरीहो में तब तक बैठो जब तक तुम्हारी दाढ़ियाँ उग

न जाएँ, और तुम लौट आओगे।

और अम्मोन के पुत्रों ने देखा कि दाऊद के लोग शर्मिदा हुए थे, इसलिए अम्मोन के पुत्रों ने भेजकर बेथरहोब के सीरिया को, सोबा के सीरिया को, और रहोब को किराए पर लिया—बीस हजार पैदल सैनिक, और अमालेक के राजा के एक हजार पुरुष, और इश्तोब के बारह हजार पुरुष।

और दाऊद ने सुना, और योआब को तथा सारी सेना के शक्तिशाली लोगों को भेजा। और अम्मोन के पुत्र बाहर गए और फाटक के द्वार के पास युद्ध के लिए पंक्तिबद्ध हुए, सीरिया सोबा और रहोब और इश्तोब और अमालेक अकेले मैदान में थे। और योआब ने देखा कि युद्ध का मोर्चा उसके सामने से और पीछे से दोनों ओर से हो गया था, और उसने इस्राएल के सभी युवाओं में से चुना, और उन्होंने सीरिया के विपरीत युद्ध की व्यवस्था की। और लोगों के शेष भाग को उसने अपने भाई अबेस्सा के हाथ में दिया, और उन्होंने अम्मोन के पुत्रों के सामने व्यूह रचा। और उसने कहा, यदि सीरिया मुझ पर प्रबल हो जाए, तो तुम मेरे उद्धार के लिए आना, और यदि अम्मोन के पुत्र तुझ पर प्रबल हो जाएं, तो हम तुझे बचाने आएंगे। साहसी बनो और हम अपने लोगों के लिए और अपने परमेश्वर के नगरों के विषय में मजबूत बनें, और प्रभु अपनी दृष्टि में जो अच्छा है वह करेगा।

और योआब और उसके लोग उसके साथ सीरिया के विरुद्ध युद्ध में पहुंचे, और वे उसके सामने से भाग गए। और अम्मोन के पुत्रों ने देखा कि सीरिया भाग गया, और वे अबीशै के सामने से भाग गए, और शहर में प्रवेश कर गए, और योआब अम्मोन के पुत्रों से लौट आया, और यरूशलेम में आया।

और सीरिया ने देखा कि वह इस्राएल के सामने ठोकर खा गया था, और वे एक साथ एकत्रित हुए। और हददेजेर ने दूत भेजे, और सीरिया को जो नदी के परे से था हेलाम में इकट्ठा किया, और

वे एलाम आए, और शोबक जो हददेजेर की सेना का सेनापति था उनके आगे था।

और दाऊद को सूचना दी गई, और उसने सारे इस्राएल को इकट्ठा किया, और यर्दन को पार किया, और एलाम में आया, और सीरिया ने दाऊद के सामने युद्ध के लिए व्यूह रचा, और उसके साथ युद्ध किया। और सीरिया इस्राएल के सामने से भाग गया, और दाऊद ने सीरिया के सात सौ रथ और चालीस हजार घुड़सवार नष्ट किए, और उसकी सेना के शासक शोबक को मारा, और वह वहीं मर गया। और हददेजेर के सभी दास राजाओं ने देखा कि वे इसराएल के सामने हार गए थे, और वे इसराएल के साथ मिल गए, और उन्होंने उनकी सेवा की, और सीरिया अम्मोन के पुत्रों को अब बचाने से डर गया।

11

और ऐसा हुआ कि जब वर्ष लौटा, राजाओं के युद्ध के समय पर, तब दाऊद ने योआब को और उसके साथ अपने सेवकों को और सारे इस्राएल को भेजा, और उन्होंने अम्मोन के पुत्रों को नष्ट किया, और रब्बा को घेर लिया, और दाऊद यरूशलेम में रहा।

और शाम के समय ऐसा हुआ कि दाऊद अपने बिस्तर से उठा, और राजा के घर की छत पर टहल रहा था, और उसने छत से एक स्त्री को नहाते हुए देखा, और वह स्त्री रूप में बहुत सुंदर थी। और दाऊद ने भेजा और उस स्त्री के बारे में पूछताछ की, और कहा, क्या यह एलियाब की पुत्री बर्शबा नहीं है, जो हित्ती ऊरिय्याह की पत्नी है?

और दाऊद ने दूत भेजे, और उसे ले लिया, और उसके पास गया, और उसके साथ सोया, और वह अपनी अशुद्धता से शुद्ध हो रही थी, और वह अपने घर लौट गई। और वह स्त्री गर्भवती हुई, और उसने दाऊद के पास संदेश भेजकर बताया, और कहा, मैं गर्भवती हूँ। और दाऊद ने योआब

के पास संदेश भेजा, मेरे पास ऊरिय्याह हिती को भेज दो, और योआब ने ऊरिय्याह को दाऊद के पास भेज दिया।

और ऊरिय्याह आया और उसके पास प्रवेश किया, और दाऊद ने योआब की कुशलता के विषय में, और लोगों की कुशलता के विषय में, और युद्ध की कुशलता के विषय में पूछा। और दाऊद ने उरिय्याह से कहा, अपने घर जाओ और अपने पैर धोओ, और उरिय्याह राजा के घर से निकला, और उसके पीछे राजा का उपहार निकला। और ऊरिय्याह राजा के द्वार के पास अपने प्रभु के दासों के साथ सोया, और वह अपने घर नहीं गया। और उन्होंने दाऊद को सूचना दी, यह कहते हुए कि ऊरिय्याह अपने घर नहीं गया, और दाऊद ने ऊरिय्याह से कहा, क्या तुम यात्रा से नहीं आए हो? तुम अपने घर क्यों नहीं गए? और ऊरिय्याह ने दाऊद से कहा, संदूक, इस्राएल और यहूदा तंबुओं में रह रहे हैं, और मेरे स्वामी योआब और मेरे स्वामी के सेवक मैदान में डेरा डाले हुए हैं, तो क्या मैं अपने घर जाकर खाऊं-पीऊं और अपनी पत्नी के साथ सोऊं? आपकी आत्मा की शपथ, मैं यह काम कदापि नहीं करूंगा। और दाऊद ने ऊरिय्याह से कहा, यहाँ आज और कल तक बैठो, और कल मैं तुम्हें भेज दूँगा, और ऊरिय्याह उस दिन और अगले दिन यरूशलेम में बैठा रहा।

और दाऊद ने उसे बुलाया और उसने उसके सामने खाया और पिया, और उसने उसे नशे में किया, और वह शाम को अपने स्वामी के दासों के साथ अपने बिस्तर पर सोने के लिए निकला, और अपने घर नहीं गया।

और सुबह हुआ, और दाऊद ने योआब के लिए एक पत्र लिखा, और उसे ऊरिय्याह के हाथ भेजा। और उसने पुस्तक में लिखा, यह कहते हुए, ऊरिय्याह को प्रबल युद्ध के सामने ले जाओ, और तुम उसके पीछे से लौट जाना, और वह मारा जाएगा और मर जाएगा।

और ऐसा हुआ कि जब योआब शहर की रखवाली कर रहा था, तो उसने ऊरिय्याह को उस स्थान

पर रखा जहाँ वह जानता था कि शक्तिशाली पुरुष वहाँ हैं। और नगर के पुरुष बाहर गए, और योआब के साथ युद्ध किया, और दाऊद के दासों में से लोग गिरे, और ऊरिय्याह हिती भी मर गया।

और योआब ने भेजा, और दाऊद को युद्ध के सब शब्दों की सूचना राजा से बोलने के लिए दी। और उसने दूत को आदेश दिया, कहते हुए, युद्ध की सभी बातें समाप्त करने पर राजा से बोलना, और यह होगा अगर राजा का क्रोध भड़क उठे, और वह तुमसे कहे, क्या तुम शहर के पास लड़ने के लिए गए? क्या तुम नहीं जानते थे कि वे दीवार के ऊपर से तीर चलाएंगे? किसने अबीमेलक, यरुब्बाल के पुत्र, नेर के पुत्र को मारा? क्या किसी स्त्री ने दीवार के ऊपर से उस पर चक्की का टुकड़ा नहीं फेंका, और वह थामासी में मर गया? तुम दीवार के पास क्यों गए? और तुम कहोगे, और वास्तव में तुम्हारा दास ऊरिय्याह हिती भी मर गया।

और योआब का दूत राजा के पास यरूशलेम गया, और आकर उसने दाऊद को वह सब कुछ बताया जो योआब ने उसे बताया था, युद्ध की सारी बातें। और दाऊद योआब पर क्रोधित हुआ, और उसने दूत से कहा, तुम लोग युद्ध करने के लिए नगर के पास क्यों गए? क्या तुम नहीं जानते थे कि तुम दीवार से मारे जाओगे? यरुब्बाल के पुत्र अबीमेलक को किसने मारा? क्या एक स्त्री ने दीवार से उस पर चक्की का पाट नहीं फेंका था, और वह थेबेस में मर गया था? तुम दीवार के पास क्यों गए? और दूत ने दाऊद से कहा कि वे पुरुष हम पर प्रबल हुए, और वे खेत में हम पर चढ़ आए, और हम फाटक के द्वार तक उन पर चढ़ गए। और तीरंदाजों ने दीवार के ऊपर से आपके सेवकों की ओर तीर चलाए, और राजा के सेवकों में से कुछ मर गए, और आपका दास उरिय्याह हिती भी मर गया। और दाविद ने दूत से कहा, ये बातें तुम योआब से कहोगे: तुम्हारी दृष्टि में यह बात बुरी न हो, क्योंकि तलवार कभी इस प्रकार और कभी उस प्रकार खाती है। नगर के विरुद्ध अपने युद्ध को और मजबूत करो, और उसे ढहा दो, और उसे दृढ़ करो।

और ऊरिय्याह की स्त्री ने सुना कि उसका पति ऊरिय्याह मर गया, और उसने अपने पति के लिए

शोक किया। और शोक बीत गया, और दाऊद ने भेजकर उसे अपने घर में इकट्ठा किया, और वह उसकी पत्नी बन गई, और उसने उसके लिए एक पुत्र को जन्म दिया, और जो काम दाऊद ने किया था वह प्रभु की दृष्टि में बुरा प्रकट हुआ।

12

और प्रभु ने नाथान भविष्यवक्ता को दाऊद के पास भेजा, और वह उसके पास आया, और उसने उससे कहा, एक नगर में दो पुरुष थे, एक धनी और एक निर्धन। और धनी व्यक्ति के पास भेड़ों के झुंड और गायों के झुंड बहुत अधिक थे। और उस गरीब आदमी के पास कुछ नहीं था सिवाय एक छोटी भेड़ के बच्चे के, जिसे उसने प्राप्त किया था और पाला था, और वह उसके साथ और उसके पुत्रों के साथ बड़ी हुई थी, वह उसकी रोटी में से खाती थी और उसके प्याले में से पीती थी और उसकी गोद में सोती थी, और वह उसके लिए बेटी के समान थी। और धनी आदमी के पास एक यात्री आया, और उसने अपने भेड़ों के झुंड से और अपने गायों के झुंड से लेने से परहेज किया, उस अजनबी यात्री के लिए भोजन बनाने के लिए जो उसके पास आया था, और उसने गरीब की भेड़ की बच्ची ली और उसे उस आदमी के लिए पकाया जो उसके पास आया था। और दाऊद उस पुरुष पर बहुत क्रोधित हुआ, और दाऊद ने नाथान से कहा, प्रभु के जीवन की शपथ, वह पुरुष जिसने यह किया है मृत्यु का पुत्र है। और वह भेड़ के बच्चे का सात गुना भुगतान करेगा, क्योंकि उसने यह काम किया, और जिस पर उसने दया नहीं की।

और नाथान ने दाऊद से कहा, तू वह पुरुष है जिसने यह किया है। प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, ये बातें कहता है: मैंने तुझे इस्राएल पर राजा होने के लिए अभिषेक किया, और मैंने तुझे शाऊल के हाथ से बचाया। और मैंने तुझे तेरे प्रभु का घर दिया, और तेरे प्रभु की स्त्रियों को तेरी गोद में दिया, और मैंने तुझे इस्राएल और यहूदा का घर दिया, और यदि यह छोटा है, तो मैं तुझे इसके अनुसार और जोड़ूंगा। क्या इसलिए तूने प्रभु के वचन को तुच्छ जाना, उसकी दृष्टि में बुराई करने

के लिए? तूने हित्ती उरिय्याह को तलवार से मारा, और उसकी पत्नी को अपने लिए पत्नी बनाने के लिए ले लिया, और उसको अम्मोनियों की तलवार से मार डाला। और अब तलवार तुम्हारे घर से युगों तक नहीं हटेगी, क्योंकि तुमने मुझे तुच्छ जाना और हित्ती उरिय्याह की स्त्री को लिया कि वह तुम्हारी स्त्री हो। ये बातें प्रभु कहता है, देखो मैं तुम पर तुम्हारे घर से बुराइयाँ उठाऊंगा, और तुम्हारी आँखों के सामने तुम्हारी स्त्रियों को ले लूँगा, और तुम्हारे पड़ोसी को दूँगा, और वह इस सूरज के सामने तुम्हारी स्त्रियों के साथ सोएगा। क्योंकि तूने यह गुप्त रूप से किया, और मैं यह बात सारे इस्राएल के सामने और इस सूरज के सामने करूँगा।

और दानिद ने नाथान से कहा, मैंने प्रभु के विरुद्ध पाप किया है, और नाथान ने दाविद से कहा, और प्रभु ने तुम्हारा पाप दूर कर दिया है, तुम नहीं मरोगे। सिवाय इसके कि तुमने प्रभु के शत्रुओं को इस वचन से क्रोधित किया है, तुम्हारा जो पुत्र तुम्हें जन्मा है वह निश्चित रूप से मर जाएगा।

और नाथान अपने घर चला गया, और प्रभु ने उस बच्चे को मारा जो उरिय्याह हित्ती की स्त्री ने दाऊद के लिए जन्म दिया था, और वह बीमार हो गया। और दाऊद ने बच्चे के विषय में परमेश्वर से प्रार्थना की, और दाऊद ने उपवास किया, और भीतर गया और भूमि पर पड़ा रहा। और उसके घर के बुजुर्ग उसे धरती से उठाने के लिए उसके पास उठे, और उसने नहीं चाहा, और उसने उनके साथ रोटी नहीं खाई।

और ऐसा हुआ कि सातवें दिन वह बालक मर गया, और दाऊद के दास उसे यह बताने से डर गए कि बालक मर गया है, क्योंकि उन्होंने कहा, देखो, जब बालक अभी जीवित था तब हमने उससे बात की, और उसने हमारी आवाज़ नहीं सुनी, तो अब हम उसे कैसे कहें कि बालक मर गया है, और वह बुराइयाँ करेगा? और दाऊद समझ गया कि उसके सेवक फुसफुसा रहे हैं, और दाऊद समझ गया कि बच्चा मर गया है, और दाऊद ने अपने सेवकों से कहा, क्या बच्चा मर गया है; और उन्होंने कहा, मर गया है। और दाऊद पृथ्वी से उठा, और उसने स्नान किया, और अभिषेक किया, और अपने वस्त्र बदले, और परमेश्वर के घर में प्रवेश किया, और उसे प्रणाम किया, और

अपने घर में प्रवेश किया, और रोटी खाने के लिए मांगी, और उन्होंने उसके सामने रोटी रखी, और उसने खाया। और उसके सेवकों ने उससे कहा, यह क्या बात है जो तूने बच्चे के लिए की? जब वह अभी जीवित था, तू उपवास करता था और रोता था और जागता रहता था, और जब बच्चा मर गया, तू उठा और तूने रोटी खाई और पिया? और दाऊद ने कहा, जब बच्चा अभी जीवित था, मैंने उपवास किया और रोया, क्योंकि मैंने कहा, कौन जानता है कि क्या प्रभु मुझ पर दया करेंगे, और बच्चा जीवित रहेगा? और अब वह मर गया है, तो मैं क्यों उपवास करूँ? क्या मैं उसे फिर से लौटा सकूँगा? मैं उसके पास जाऊँगा, और वह मेरे पास नहीं लौटेगा।

और दाऊद ने अपनी पत्नी बतशेबा को सांत्वना दी, और उसके पास गया, और उसके साथ सोया, और वह गर्भवती हुई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसने उसका नाम सुलैमान रखा, और यहोवा ने उससे प्रेम किया। और उसने नाथान भविष्यवक्ता के हाथ भेजा, और उसने उसका नाम यदीदयाह रखा, प्रभु के कारण।

और योआब ने अम्मोन के पुत्रों के रब्बाह में युद्ध किया, और राज्य के शहर पर अधिकार कर लिया। और योआब ने दाऊद के पास दूत भेजे और कहा, मैंने रब्बाह में युद्ध किया और जल के नगर को ले लिया। और अब लोगों के शेष को इकट्ठा करो, और शहर पर चढ़ाई करो, और उसे कब्जा कर लो, ताकि मैं शहर को कब्जा न कर लूँ, और उस पर मेरा नाम न रखा जाए।

और दाऊद ने सब लोगों को इकट्ठा किया, और रब्बाह को गया, और इसमें लड़ा, और इसे कब्जा कर लिया। और उसने उनके राजा मिल्कोम का मुकुट उसके सिर से लिया, और उसका वजन एक तालन्त सोने का था, और बहुमूल्य पत्थर था, और वह दाऊद के सिर पर रखा गया, और उसने नगर की बहुत अधिक लूट बाहर निकाली। और उसने उन लोगों को जो इस नगर में थे, बाहर निकाला और उन्हें आरी में, लोहे की दाँवनी पटियों में, और लोहे के काटने वाले औज़ारों में रखा, और उन्हें ईंट के भट्टे से होकर ले गया, और इस प्रकार उसने अम्मोन के पुत्रों के सब नगरों के साथ किया, और दाऊद और सब लोग यरूशलेम को लौट गए।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि दाऊद के पुत्र अबेस्सालोम की एक बहन थी जो रूप में बहुत सुंदर थी, और उसका नाम तामार था, और दाऊद के पुत्र अम्नोन ने उससे प्रेम किया। और अम्नोन अपनी बहन तामार के कारण इतना व्याकुल था कि बीमार हो गया, क्योंकि वह कुंवारी थी, और अम्नोन की दृष्टि में उसके साथ कुछ करना कठिन था। और अम्नोन का एक साथी था, और उसका नाम योनादाब था, जो दाऊद के भाई शम्मा का पुत्र था, और योनादाब अत्यंत बुद्धिमान पुरुष था। और उसने उससे कहा, हे राजपुत्र, तुम्हें क्या हुआ कि तुम इस प्रकार प्रतिदिन सुबह कमजोर दिखते हो? क्या तुम मुझे नहीं बताओगे? और अम्नोन ने उससे कहा, मैं अपने भाई अबशालोम की बहन तामार से प्रेम करता हूँ। और योनादाब ने उससे कहा, अपने बिस्तर पर लेट जा और बीमार होने का नाटक कर, और तुम्हारा पिता तुम्हें देखने आएगा, और तू उससे कहना, मेरी बहन तामार आए, और मुझे खिलाए, और मेरी आँखों के सामने भोजन बनाए, ताकि मैं देखूँ और उसके हाथों से खाऊँ। और अम्नोन सोया और बीमार हो गया, और राजा उसे देखने आया, और अम्नोन ने राजा से कहा, मेरी बहन तामार मेरे पास आए, और मेरी आँखों के सामने दो पूड़ियाँ बनाए, और मैं उसके हाथ से खाऊँगा।

और दाऊद ने तामार को घर में भेजा, यह कहते हुए, अपने भाई के घर जाओ, और उसके लिए भोजन बनाओ। और तामार अपने भाई अम्नोन के घर गई, और वह सोया हुआ था, और उसने आटा लिया और गूंधा, और उसकी आँखों के सामने केक बनाए, और केक पकाए। और उसने तवा लिया और उसके सामने खाली किया, और वह खाना नहीं चाहता था, और अम्नोन ने कहा, सब आदमियों को मेरे पास से निकालो, और उन्होंने सब आदमियों को उसके पास से निकाला। और अम्नोन ने तामार से कहा, भोजन को भीतरी कमरे में ले आओ, और मैं तुम्हारे हाथ से खाऊँगा, और तामार ने वे पकौड़े जो उसने बनाए थे लिए, और अपने भाई अम्नोन के पास शयनकक्ष में ले आई। और वह उसके पास खाना लाई, और उसने उसे पकड़ लिया, और उससे

बोला, आओ, मेरे साथ लेट जाओ, मेरी बहन। और उसने उससे कहा, नहीं मेरे भाई, मुझे अपमानित मत करो, क्योंकि इस्राएल में ऐसा नहीं किया जाता, यह मूर्खता मत करो। और मैं अपने अपमान को कहाँ ले जाऊँगी; और तुम इस्राएल में मूर्खों में से एक के समान होगे, और अब वास्तव में राजा से बोलो, क्योंकि वह मुझे तुमसे नहीं रोकेगा। और अम्मोन ने उसकी आवाज़ सुनना नहीं चाहा, और वह उससे अधिक प्रबल हुआ, और उसने उसे अपमानित किया, और वह उसके साथ सोया।

और अम्मोन ने उससे अत्यधिक महान घृणा की, क्योंकि जो घृणा उसने उससे की वह उस प्रेम से परे थी जो उसने उससे किया था, क्योंकि अंतिम दुष्टता प्रथम से अधिक थी, और अम्मोन ने उससे कहा, उठ, और जा। और तामार ने उससे कहा, इस महान दुष्टता के बारे में जो दूसरी से बढ़कर है, जो तूने मेरे साथ की है, मुझे दूर भेजने के विषय में, और अम्मोन ने उसकी आवाज़ सुनना नहीं चाहा। और उसने अपने बालक को बुलाया जो घर का प्रभारी था, और उससे कहा, वास्तव में इसको मुझसे बाहर भेज दो, और उसके पीछे द्वार बंद कर दो। और उस पर एक लंबी आस्तीन वाला अंगरखा था, क्योंकि राजा की कुँवारी बेटियाँ इस प्रकार के वस्त्र पहनती थीं, और उसके सेवक ने उसे बाहर ले जाकर उसके पीछे दरवाज़ा बंद कर दिया।

और तामार ने राख ली और उसे अपने सिर पर रखा, और रंगीन अंगरखा जो उस पर था उसे फाड़ा, और अपने हाथ अपने सिर पर रखे, और जाते हुए चिल्लाती रही। और उसके भाई अबेस्सालोम ने उससे कहा, क्या तुम्हारा भाई अम्मोन तुम्हारे साथ था? और अब मेरी बहन, चुप रहो, क्योंकि वह तुम्हारा भाई है, इस बात को कहने के लिए अपने हृदय को व्यथित मत करो। और तामार अपने भाई अबेस्सालोम के घर में उजाड़ होकर रहने लगी।

और राजा दाऊद ने ये सब शब्द सुने, और वह बहुत क्रोधित हुआ, और उसने अपने पुत्र अम्मोन की आत्मा को दुःखी नहीं किया, क्योंकि वह उससे प्रेम करता था, क्योंकि वह उसका पहलौठा था। और अबशालोम ने अम्मोन से बुरे से लेकर अच्छे तक नहीं बोला, क्योंकि अबशालोम

अम्नोन से घृणा करता था उस कारण से कि उसने उसकी बहन तामार को अपमानित किया था। और ऐसा हुआ कि दो वर्षों की अवधि के बाद, अबशालोम के लिए बाल हासोर में, जो एग्रैम के पास था, भेड़ों की कतरनी हो रही थी, और अबशालोम ने राजा के सभी पुत्रों को बुलाया। और अबेसलोम राजा के पास आया, और कहा, देखो, वास्तव में वे आपके दास के लिए कतरते हैं, वास्तव में राजा और उसके सेवक आपके दास के साथ जाएं। और राजा ने अबशालोम से कहा, नहीं, मेरे पुत्र, हम सब न जाएं, ताकि तुम पर बोझ न पड़े। और उसने उसे आग्रह किया, परन्तु वह जाने को तैयार नहीं हुआ, और उसने उसे आशीर्वाद दिया। और अबेसालोम ने उससे कहा, और यदि नहीं, तो वास्तव में मेरा भाई अम्नोन हमारे साथ जाने दो, और राजा ने उससे कहा, वह तेरे साथ क्यों जाए? और अबशालोम ने उसे बाध्य किया, और उसने अपने साथ अम्नोन को और राजा के सभी पुत्रों को भेजा, और अबशालोम ने राजा के पेय के अनुसार पेय बनाया।

और अबशालोम ने अपने युवा पुरुषों को आज्ञा दी, कहते हुए, देखो, जब अम्नोन का हृदय दाखरस में प्रसन्न हो जाए, और मैं तुमसे कहूँ, तो अम्नोन को मारो और उसे मार डालो। मत डरो, क्योंकि क्या मैं ही तुम्हें आज्ञा देने वाला नहीं हूँ? साहसी बनो और शक्ति के पुत्र बनो। और अबशालोम के युवा पुरुषों ने अम्नोन को वैसा किया जैसा अबशालोम ने उनको आज्ञा दी थी, और राजा के सब पुत्र उठे, और हर पुरुष अपने खच्चर पर बैठा, और वे भागे।

और ऐसा हुआ कि जब वे रास्ते में थे, तो दाऊद के पास यह खबर आई कि अबशालोम ने राजा के सभी पुत्रों को मार डाला है, और उनमें से एक भी नहीं बचा। और राजा उठा और उसने अपने वस्त्र फाड़े और वह भूमि पर सोया, और उसके सब सेवक जो उसके पास खड़े हुए थे उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े। और योनादाब ने, जो शम्मा का पुत्र और दाऊद का भाई था, उत्तर दिया और कहा, मेरा प्रभु राजा यह न कहे कि राजा के सब युवा पुत्रों को मार डाला गया है, क्योंकि केवल अम्नोन ही मरा है, क्योंकि यह अबशालोम के मुख पर उस दिन से पड़ा हुआ था जिस दिन उसने उसकी बहन तामार को अपमानित किया था। और अब मेरा स्वामी राजा अपने हृदय पर यह वचन न रखे कि सब राजा के पुत्र मर गए, क्योंकि केवल अम्नोन अकेला मर गया है। और अबशालोम

भाग गया। और पहरेदार लड़के ने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, बहुत से लोग उसके पीछे रास्ते में पहाड़ की तरफ से उतराई में जा रहे थे, और पहरेदार आया और राजा को बताया और कहा, मैंने होरोनैम के रास्ते से पहाड़ के हिस्से से आदमियों को देखा है।

और योनादाब ने राजा से कहा, देखो, राजा के पुत्र उपस्थित हैं, आपके दास के शब्द के अनुसार, ऐसा ही हुआ। और ऐसा हुआ कि जब उसने बोलना समाप्त किया, तो देखो, राजा के पुत्र आए, और उन्होंने अपना स्वर उठाया और रोए, और राजा भी और उसके सब सेवक रोए, बहुत महान रोना।

और अबशालोम भाग गया, और वह थोल्मी के पास गया, जो एमिउद का पुत्र था, गेशूर का राजा, खामाखाद की भूमि में, और राजा दाऊद ने अपने पुत्र के लिए सब दिनों तक शोक किया। और अबशालोम भाग गया और गेशूर चला गया, और वहाँ तीन वर्ष रहा। और राजा दाविद ने अबशालोम की ओर जाना बंद कर दिया, क्योंकि उसे अम्नोन के विषय में सांत्वना मिल गई थी, क्योंकि वह मर गया था।

14

और योआब, जो सरूयाह का पुत्र था, जान गया कि राजा का हृदय अबशालोम पर था। और योआब ने तकोआ में भेजा, और वहाँ से एक बुद्धिमान स्त्री को लाया, और उससे कहा, वास्तव में शोक कर, और शोक के वस्त्र पहन, और तेल मत लगा, और तू ऐसी स्त्री के समान हो जो मृतक पर बहुत दिनों से शोक कर रही है, और तुम राजा के पास जाओगे, और तुम उससे इस वचन के अनुसार बोलोगे, और योआब ने उसके मुँह में ये शब्द डाल दिए।

और तकोई की वह स्त्री राजा के पास गई, और अपना चेहरा भूमि पर गिराया, और उसे प्रणाम

किया, और बोली, बचाओ राजा, बचाओ। और राजा ने उससे कहा, तुम्हें क्या हुआ है?

उसने कहा, मैं एक विधवा स्त्री हूँ, और मेरा पति मर गया है। और आपकी दासी के दो पुत्र थे, और दोनों खेत में लड़े, और उनके बीच कोई बचानेवाला नहीं था, और एक ने अपने भाई को मारा, और उसे मार डाला। और देखो, पूरा कुल मेरी दासी के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ, और उन्होंने कहा, उसे दे दो जिसने अपने भाई को मारा, और हम उसे उसके भाई के प्राण के बदले में मार डालेंगे जिसे उसने मार डाला, और हम तुम्हारे उत्तराधिकारी को भी नष्ट कर देंगे, और वे मेरे अंगारे को बुझा देंगे जो छोड़ा गया था, ताकि मेरे पुरुष के लिए पृथ्वी के मुख पर कोई अवशेष और नाम न रहे।

और राजा ने स्त्री से कहा, स्वस्थ रहो, अपने घर जाओ, और मैं तुम्हारे विषय में आदेश दूंगा। और तकोई की स्त्री ने राजा से कहा, हे मेरे स्वामी राजा, यह अधर्म मुझ पर और मेरे पिता के घर पर हो, और राजा और उसका सिंहासन निर्दोष रहे। और राजा ने कहा, कौन है वह जो तुमसे बात कर रहा है? तुम उसे मेरे पास लाओ, और वह फिर उसे छूने का प्रयास नहीं करेगा। और उसने कहा, राजा अपने प्रभु परमेश्वर को स्मरण करे कि रक्त का प्रतिशोधक नष्ट करने के लिए न बढ़े, और वे मेरे पुत्र को न हटाएं। और उसने कहा, प्रभु के जीवन की शपथ, तेरे पुत्र का एक बाल भी भूमि पर नहीं गिरेगा।

और स्त्री ने कहा, आपकी दासी को मेरे स्वामी राजा से एक बात कहने दीजिए, और उसने कहा, बोलो। और स्त्री ने कहा, आपने परमेश्वर के लोगों के विषय में ऐसा क्यों विचार किया? या राजा के मुख से यह वचन अपराध के समान है, कि राजा अपने निर्वासित को नहीं लौटाता? क्योंकि हम मृत्यु से अवश्य मरेंगे, और जैसे पृथ्वी पर बहाया गया जल जो इकट्ठा नहीं किया जा सकता, वैसे ही परमेश्वर आत्मा को ग्रहण करेगा, और अपने पास से निकाले गए को बाहर निकालने का विचार करते हुए। और अब जो मैं यह बात राजा से, अपने प्रभु से कहने आया हूँ, क्योंकि लोग मुझे देखेंगे, और तुम्हारी दासी कहेगी, वास्तव में मेरे प्रभु राजा से बोलूँ, शायद राजा अपनी दासी

की बात पूरी करेगा। कि राजा सुनेगा, वह अपनी दासी को उस पुरुष के हाथ से छुड़ाए जो मुझे और मेरे पुत्र को परमेश्वर की विरासत से नष्ट करने की खोज में है। और स्त्री ने कहा, क्या मेरे स्वामी राजा का वचन बलिदानों के लिए पहले से ही है? क्योंकि जैसे परमेश्वर का दूत होता है, वैसे ही मेरा स्वामी राजा भले और बुरे को सुनने में है, और प्रभु आपका परमेश्वर आपके साथ रहेगा।

और राजा ने उत्तर दिया, और स्त्री से कहा, जो बात मैं तुमसे पूछता हूँ, उसे मुझसे मत छिपाओ। और स्त्री ने कहा, मेरे स्वामी राजा बोलें। और राजा ने कहा, क्या इस सब में योआब का हाथ तुम्हारे साथ नहीं है? और स्त्री ने राजा से कहा, मेरे स्वामी राजा, आपकी आत्मा जीवित है, जो कुछ मेरे स्वामी राजा ने कहा है उससे दाहिने या बाएं कुछ भी नहीं है, क्योंकि आपके दास योआब ने ही मुझे आज्ञा दी, और उसी ने आपकी दासी के मुख में ये सब शब्द रखे। इस बात का रूप बदलने के लिए आपके दास योआब ने ऐसा किया, और मेरे स्वामी परमेश्वर के दूत की बुद्धि के समान बुद्धिमान हैं, जिससे पृथ्वी पर की सब बातें जान सकें।

और राजा ने योआब से कहा, देखो, वास्तव में मैंने तुम्हारे इस शब्द के अनुसार किया है, जाओ, अबशालोम को लौटाओ। और योआब अपने चेहरे के बल भूमि पर गिरा, और झुका, और राजा को आशीर्वाद दिया, और योआब बोला, आज आपके दास ने जान लिया कि मुझे आपकी दृष्टि में कृपा मिली है, मेरे स्वामी राजा, क्योंकि मेरे स्वामी राजा ने अपने दास के वचन को पूरा किया। और योआब उठा और वह गेशूर गया, और अबशालोम को यरूशलेम ले आया। और राजा ने कहा, वह अपने घर लौट जाए, और मेरा चेहरा न देखे, और अबशालोम अपने घर लौट गया, और उसने राजा का चेहरा नहीं देखा।

और अबेसलोम जैसा पुरुष समस्त इस्राएल में अत्यधिक प्रशंसित नहीं था, उसके पैर के तलवे से लेकर उसके शिखर तक उसमें कोई दोष नहीं था। और जब उसका सिर मुंडवाया जाता था, और ऐसा दिनों के आरंभ से दिनों तक होता था जब वह मुंडवाया जाता था, क्योंकि यह उस पर भारी

हो जाता था, और उसे मुंडवाते हुए उसने अपने सिर के बाल तौले - दो सौ शेकेल शाही शेकेल में। और अबेसालोम के तीन पुत्र और एक पुत्री जन्मी थी, और उसका नाम थामार था। यह अत्यंत सुंदर स्त्री थी, और वह रहबाम की पत्नी बनी जो सुलैमान का पुत्र था, और उसने उसके लिए अबिय्याह को जन्म दिया।

और अबशालोम यरूशलेम में दो वर्ष रहा, और उसने राजा का चेहरा नहीं देखा। और अबसालोम ने योआब के पास भेजा कि उसे राजा के पास भेजे, और वह उसके पास आना नहीं चाहा, और उसने दूसरी बार उसके पास भेजा, और वह आना नहीं चाहा। और अबेस्सालोम ने अपने सेवकों से कहा, देखो, योआब का हिस्सा खेत में मेरे पास सटा हुआ है, और उसके वहाँ जौ हैं। जाओ और उसको आग लगाओ। और अबेस्सालोम के सेवकों ने हिस्से को जला दिया। और योआब के दास फटे हुए कपड़ों के साथ उसके पास आए और कहा, अबेस्सालोम के दासों ने हिस्से को आग लगा दी। और योआब उठा और अबशालोम के घर आया, और उससे बोला, तुम्हारे नौकरों ने मेरे हिस्से को आग में क्यों जलाया? और अबशालोम ने योआब से कहा, देखो, मैंने तुम्हारे पास यह कहते हुए भेजा था कि यहाँ आओ, और मैं तुम्हें राजा के पास यह कहते हुए भेजूंगा कि मैं गशूर से क्यों आया? मेरे लिए वहाँ रहना अच्छा था, और अब देखो, मैंने राजा का चेहरा नहीं देखा। यदि मुझमें कोई अन्याय है, तो मुझे मार डालो।

और योआब राजा के पास गया और उसे सूचना दी, और उसने अबशालोम को बुलाया, और वह राजा के पास गया, और उसने उसे प्रणाम किया, और वह अपने चेहरे के बल भूमि पर गिरा, और राजा के सामने, और राजा ने अबशालोम को चूमा।

15

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि अबशालोम ने अपने लिए रथ, घोड़े और पचास पुरुष बनाए

जो उसके आगे दौड़ें। और अबशालोम सवेरे उठा, और फाटक के रास्ते के किनारे खड़ा हुआ, और ऐसा हुआ कि हर आदमी जिसके पास न्याय का मामला था, राजा के पास न्याय के लिए आया, और अबशालोम ने उसको पुकारा, और उससे कहा, तू किस शहर से है; और उसने कहा, तेरा दास इस्राएल के एक कुल से है। और अबशालोम ने उससे कहा, देखो, तुम्हारे शब्द अच्छे और सही हैं, और राजा की ओर से तुम्हारी सुनने वाला कोई नहीं है। और अबशालोम ने कहा, कौन मुझे देश में न्यायाधीश नियुक्त करेगा, और मेरे पास हर वह आदमी आएगा जिसका कोई विवाद और न्याय का मामला हो, और मैं उसे न्यायसंगत ठहराऊंगा? और ऐसा हुआ कि जब कोई पुरुष उसे प्रणाम करने के लिए निकट आता, तो वह अपना हाथ फैलाता, और उसे पकड़ लेता, और उसे चूमता। और अबशालोम ने यह बात सब इस्राएलियों के साथ की जो राजा के पास न्याय के लिए आते थे, और अबशालोम इस्राएल के पुरुषों का हृदय जीत रहा था।

और चालीस वर्षों के अंत में ऐसा हुआ, और अबशालोम ने अपने पिता से कहा, मैं वास्तव में जाऊंगा और अपनी प्रार्थनाओं को पूरा करूंगा जो मैंने प्रभु से हेब्रोन में की थीं। क्योंकि आपके दास ने प्रतिज्ञा की थी जब मैं गश्ूर में सीरिया में रह रहा था, यह कहते हुए कि यदि प्रभु मुझे यरूशलेम वापस लौटाएंगे, तो मैं प्रभु की सेवा करूंगा। और राजा ने उससे कहा, शांति से जाओ, और वह उठकर हेब्रोन को चला गया।

और अबशालोम ने इस्राएल के सभी कुलों में जासूस भेजे, यह कहते हुए, जब तुम तुरही की आवाज़ सुनो, तो कहना, अबशालोम हेब्रोन में राजा बन गया है। और अबीशालोम के साथ यरूशलेम से दो सौ पुरुष गए जो आमंत्रित किए गए थे, और वे अपनी सरलता से जा रहे थे, और उन्हें किसी बात का ज्ञान नहीं था। और अबशालोम ने अहीतोपेल तकोई को, जो दाऊद का सलाहकार था, उसके शहर से गीलोह में बुलवाया, जब वह बलिदान कर रहा था, और एक भयंकर विनाश हुआ, और बहुत से लोग अबशालोम के साथ जा रहे थे।

और एक संदेशवाहक दाऊद के पास आया और कहा, इस्राएल के पुरुषों का हृदय अबशालोम के

पीछे हो गया है। और दाऊद ने अपने सब सेवकों से जो उसके साथ यरूशलेम में थे, कहा, उठो और हम भागें, क्योंकि अबशालोम के चेहरे से हमको बचाव नहीं है। जाने की जल्दी करो, ताकि वह जल्दी करके हमको न पकड़े, और हम पर दुष्टता न फेंके, और नगर को तलवार के मुंह से न मारे। और राजा के सेवकों ने राजा से कहा, हमारे स्वामी राजा जो कुछ भी चुनते हैं उसके अनुसार, देखो आपके सेवक हैं।

और राजा बाहर गया और उसका सारा घराना अपने पैरों पर, और राजा ने अपनी दस रखैलों को घर की रखवाली करने के लिए छोड़ दिया। और राजा बाहर गया और उसके सब सेवक पैदल, और वे दूर के घर में खड़े हुए। और उसके सब सेवक उसके पास से गुजर रहे थे, और सब करेती और सब पलेती, और जंगल में जैतून के पेड़ पर खड़े हुए, और सब लोग उसे पकड़ते हुए गुजर रहे थे, और सब जो उसके बारे में थे, और सब मजबूत, और सब योद्धा छह सौ पुरुष, और उसके पास उपस्थित थे, और सब करेती, और सब पलेती, और सब गित्ती छह सौ पुरुष जो अपने पैरों से गत से आए हुए थे, और राजा के सामने जा रहे थे।

और राजा ने एथी गेथाई से कहा, तुम क्यों हमारे साथ जा रहे हो? लौट जाओ और राजा के साथ रहो, क्योंकि तुम परदेशी हो, और क्योंकि तुम अपने स्थान से चले गए हो। यदि तुम कल ही आए हो, तो क्या आज मैं तुम्हें अपने साथ ले जाऊं? और क्या तुम अपना स्थान छोड़ दोगे? कल ही तुम्हारा प्रस्थान हुआ था, और आज मैं तुम्हें अपने साथ चलने के लिए कहूँ? मैं तो जहां भी जाऊंगा वहीं जाऊंगा। तुम लौट जाओ और अपने भाइयों को अपने साथ वापस ले जाओ, और प्रभु तुम्हारे साथ दया और सत्य दिखाएंगे। और एथी ने राजा को उत्तर दिया और कहा, प्रभु जीवित है और मेरा स्वामी राजा जीवित है, कि जिस स्थान में मेरा स्वामी हो, चाहे मृत्यु में हो या जीवन में, वहाँ आपका दास होगा। और राजा ने एथी से कहा, यहाँ आओ, और मेरे साथ पार करो, और एथी गित्ती और राजा आगे आए, और उसके सब सेवक और वह सब भीड़ जो उसके साथ थी।

और सारी भूमि ऊँची आवाज़ से रो रही थी, और सब लोग किद्रोन के नाले में से गुज़र रहे थे, और राजा ने किद्रोन का नाला पार किया, और सब लोग और राजा जंगल के मार्ग की ओर बढ़ रहे थे।

और देखो, सादोक और सभी लेवी उसके साथ थे, जो प्रभु की वाचा के सन्दूक को बैथार से उठाए हुए थे, और उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को खड़ा किया, और अबियाथार चढ़ा जब तक सभी लोग शहर से गुजर नहीं गए। और राजा ने सादोक से कहा, परमेश्वर के सन्दूक को नगर में लौटा दो। यदि मैं प्रभु की दृष्टि में कृपा पाऊँ, तो वह मुझे लौटाएगा और मुझे उसे और उसकी शोभा दिखाएगा। और यदि वह इस प्रकार कहे, मैं तुझमें प्रसन्न नहीं हुआ, तो देखो, मैं यहाँ हूँ, वह मुझे अपनी दृष्टि में जो अच्छा लगे वैसा करे।

और राजा ने पुजारी सादोक से कहा, देखो, तुम शांति से नगर लौटो, और अहीमास तुम्हारा पुत्र, और अबियाथार का पुत्र योनातान, तुम दोनों के ये दो पुत्र तुम्हारे साथ हों। देखो, मैं अराबोथ के जंगल में डेरा डाल रहा हूँ, जब तक तुम्हारी ओर से मुझे सूचना देने के लिए शब्द न आ जाए। और सादोक और अबियाथार परमेश्वर के सन्दूक को यरूशलेम में वापस ले गए, और वहाँ बैठे।

और दाऊद जैतून की चढ़ाई पर ऊपर जा रहा था, जाते हुए और रोते हुए, और उसका सिर ढका हुआ था, और वह नंगे पैर जा रहा था, और सब लोग जो उसके साथ थे, हर आदमी ने अपना सिर ढका, और वे ऊपर जा रहे थे, जाते हुए और रोते हुए। और दाऊद को सूचित किया गया, यह कहते हुए कि अहीतोपेल भी अबशालोम के साथ षड्यंत्रकारियों में है, और दाऊद ने कहा, हे प्रभु मेरे परमेश्वर, अहीतोपेल की सलाह को तितर-बितर कर दो।

और दाऊद रोश तक आ रहा था, जहाँ उसने परमेश्वर की उपासना की, और देखो, उससे मिलने के लिए दाऊद का मुख्य साथी हूशै आया, जिसने अपना वस्त्र फाड़ रखा था और अपने सिर पर मिट्टी डाली हुई थी। और दाऊद ने उससे कहा, यदि तुम वास्तव में मेरे साथ पार करोगे, तो तुम मुझ पर बोझ होंगे। और यदि तुम शहर लौटोगे, और तुम अबशालोम से कहोगे, तुम्हारे भाई गुजर

गए हैं, और राजा मेरे पीछे गुजर गया है, तुम्हारा पिता, और अब मैं तुम्हारा सेवक हूँ, राजा, मुझे जीने दो, मैं तुम्हारे पिता का सेवक था तब और अभी अभी, और अब मैं तुम्हारा दास हूँ, और तुम मेरे लिए अहीतोपेल की सलाह को विफल करोगे। और देखो, वहाँ तुम्हारे साथ सादोक और अबियातार याजक हैं, और हर शब्द जो तुम राजा के घर से सुनो, तुम सादोक और अबियातार याजकों को बताओगे। देखो, वहाँ उनके साथ उनके दो पुत्र हैं—सादोक का पुत्र अहीमास और अबियातार का पुत्र योनातान—और तुम उनके हाथों से मेरे पास हर वह बात भेजना जो तुम सुनो। और हूशै, दाऊद का साथी, नगर में प्रवेश किया, और अबशालोम अभी यरूशलेम में प्रवेश कर रहा था।

16

और दाविद रोश से थोड़ा आगे गुजरा, और देखो मेफीबोशेत का सेवक सीबा उससे मिलने आया, और लदे हुए गधों की एक जोड़ी थी, और उन पर दो सौ रोटियाँ, और सौ किशमिश, और सौ खजूर, और दाखरस की एक मशक थी। और राजा ने सीबा से कहा, ये तुम्हारे पास क्या हैं? और सीबा ने कहा, जुए वाले पशु राजा के घराने की सवारी के लिए हैं, और रोटियाँ और खजूर युवा पुरुषों के भोजन के लिए हैं, और दाखरस जंगल में थके हुए लोगों के पीने के लिए है। और राजा ने कहा, और तुम्हारे स्वामी का पुत्र कहाँ है? और सीबा ने राजा से कहा, देखो, वह यरूशलेम में बैठा है, क्योंकि उसने कहा, आज इस्राएल का घराना मुझे मेरे पिता का राज्य लौटाएगा। और राजा ने ज़ीबा से कहा, देखो, जो कुछ मेफीबोशेत का है वह सब तुम्हारा है। और ज़ीबा ने झुककर कहा, मेरे स्वामी राजा, मैं आपकी दृष्टि में कृपा पाऊँ।

और राजा दाऊद बहरीम तक आया, और देखो, वहाँ से एक पुरुष शाऊल के घर की रिश्तेदारी से निकल रहा था, और उसका नाम शिमी था, गेरा का पुत्र, वह निकलता हुआ और शाप देता हुआ आया, और पत्थरों से दाऊद को और राजा दाऊद के सब सेवकों को पत्थर मार रहा था, और सब

लोग थे और सब शक्तिशाली राजा के दाहिने और बाएं। और इस प्रकार शिमी उसे शाप देते हुए कह रहा था, निकल जा, निकल जा, हे रक्त के पुरुष और हे अधर्मी पुरुष। प्रभु ने शाऊल के घर के सब खून का बदला तुम पर लौटाया है, क्योंकि तुमने उसके स्थान पर राज किया, और प्रभु ने राज्य तुम्हारे पुत्र अबशालोम के हाथ में दे दिया है, और देखो तुम अपनी बुराई में हो, क्योंकि तुम खून के आदमी हो।

और अबीशै, जो सरूयाह का पुत्र था, ने राजा से कहा, यह मरा हुआ कुत्ता मेरे स्वामी राजा को क्यों शाप देता है? मैं निश्चय ही जाऊंगा और उसका सिर काट दूंगा। और राजा ने कहा, मुझे और तुम्हें क्या, हे सरूयाह के पुत्रो? उसे छोड़ दो, और इस प्रकार वह शाप दे, क्योंकि प्रभु ने उसे दाऊद को शाप देने के लिए कहा, और कौन कहेगा, तूने ऐसा क्यों किया? और दाऊद ने अबीशै से और अपने सब सेवकों से कहा, देखो, मेरा पुत्र जो मेरे गर्भ से निकला है मेरी आत्मा को खोजता है, और इसके अलावा अब बिन्यामीनी का पुत्र, उसको शाप देने दो, क्योंकि प्रभु ने उससे कहा। शायद प्रभु मेरे अपमान को देखें, और आज के दिन उसके श्राप के बदले में मुझे अच्छी चीजें लौटाएंगे।

और दाऊद और उसके सब पुरुष मार्ग में गए, और शिमी पहाड़ की बगल से उसके साथ-साथ चलता हुआ जा रहा था और शाप देता हुआ और पत्थरों से पत्थर मारता हुआ और धूल छिड़कता हुआ। और राजा आया और उसके साथ सभी लोग थके हुए थे, और उन्होंने वहाँ विश्राम किया।

और अबशालोम और इस्राएल के सब पुरुष यरूशलेम में प्रवेश किए, और अहीतोपेल उसके साथ था। और ऐसा हुआ कि जब दाऊद का मुख्य साथी हुशै अबशालोम के पास आया, तो हुशै ने अबशालोम से कहा, राजा जीवित रहे। और अबशालोम ने हुशै से कहा, क्या यह तेरी दया है अपने साथी के साथ? तू अपने साथी के साथ क्यों नहीं गया? और हुशै ने अबशालोम से कहा, नहीं, लेकिन जिसे प्रभु और ये लोग और इस्राएल के सब पुरुष चुनें, मैं उसी का होऊंगा, और उसी के साथ रहूंगा। और दूसरी बात, मैं किसकी सेवा करूंगा? क्या उसके पुत्र के सामने नहीं?

जैसे मैंने तुम्हारे पिता के सामने सेवा की, वैसे ही मैं तुम्हारे सामने रहूंगा।

और अबशालोम ने अहीतोपेल से कहा, अपने लिए सलाह लाओ कि हम क्या करें। और अहीतोपेल ने अबशालोम से कहा, अपने पिता की रखैलों के पास जाओ, जिन्हें उसने अपने घर की रखवाली के लिए छोड़ दिया था, और सारा इस्राएल सुनेगा कि तुमने अपने पिता का अपमान किया है, और तुम्हारे साथ के सभी लोगों के हाथ मजबूत होंगे। और उन्होंने अबशालोम के लिए छत पर तंबू खड़ा किया, और अबशालोम अपने पिता की रखैलों के पास सारे इस्राएल की आँखों के सामने गया। और अहीतोपेल का परामर्श, जो उसने पहले दिनों में योजना बनाई थी, उस तरीके के समान था जिस तरीके से कोई परमेश्वर के वचन में पूछता है, इस प्रकार अहीतोपेल का सब परामर्श दाऊद के लिए और अबशालोम के लिए भी था।

17

और अहीतोपेल ने अबशालोम से कहा, मैं वास्तव में अपने लिए बारह हजार पुरुषों को चुनूंगा, और उठूंगा और रात को दाऊद का पीछा करूंगा। और मैं उस पर आक्रमण करूंगा, और वह स्वयं थका हुआ और निराश हाथों से होगा, और मैं उसे घबराहट से भर दूंगा, और उसके साथ के सभी लोग भाग जाएंगे, और मैं राजा को अकेले मार दूंगा, और मैं सभी लोगों को तुम्हारी ओर लौटाऊंगा, जिस तरह से दुल्हन अपने पति की ओर लौटती है, सिवाय एक आदमी की आत्मा के जिसे तुम खोजते हो, और सभी लोगों को शांति होगी। और यह वचन तुरंत अबशालोम की दृष्टि में और इस्राएल के सब बुजुर्गों की दृष्टि में अच्छा लगा।

और अबशालोम ने कहा, हूशै अर्की को भी बुलाओ, और सुनें कि उसके मुख में क्या है। और हूशै अबशालोम के पास आया, और अबशालोम ने उससे कहा, अहीतोपेल ने यह बात कही है, क्या हम उसके शब्द के अनुसार करें? यदि नहीं, तो तू बोल।

और हुशै ने अबशालोम से कहा, यह परामर्श जो अहीतोपेल ने इस बार योजना बनाई है, अच्छा नहीं है। और हुशै ने कहा, तू अपने पिता और उसके पुरुषों को जानता है, कि वे अत्यंत शक्तिशाली हैं और उनकी आत्मा कड़वी है, जैसे खेत में संतानहीन भालू, और जैसे मैदान में उग्र सूअर, तेरा पिता योद्धा पुरुष है, और वह लोगों के साथ नहीं ठहरेगा। देखो, क्योंकि वह स्वयं अब पहाड़ियों में से किसी एक में या स्थानों में से किसी एक में छिपा हुआ है, और जब शुरुआत में उन पर आक्रमण होगा, तो सुनने वाला सुनेगा और कहेगा कि अबशालोम के पीछे चलने वाले लोगों में विनाश हुआ है। और वास्तव में वह स्वयं शक्ति का पुत्र है, जिसका हृदय सिंह के हृदय के समान है, वह पिघलता हुआ पिघल जाएगा, क्योंकि समस्त इस्राएल जानता है कि तेरा पिता सामर्थ्यवान है, और जो उसके साथ हैं वे शक्ति के पुत्र हैं। क्योंकि इस प्रकार सलाह देते हुए मैंने सलाह दी है, और सारा इस्राएल दान से लेकर बर्सेबा तक तुम्हारे पास इकट्ठा किया जाएगा, समुद्र की रेत के समान बहुतायत में, और तुम्हारा चेहरा उनके बीच में जाते हुए। और हम उसके पास आएंगे उन स्थानों में से किसी एक में जहाँ हम उसे पाएं, और हम उस पर डेरा डालेंगे, जैसे ओस भूमि पर गिरती है, और हम उसमें और उसके साथ के उसके पुरुषों में एक को भी नहीं छोड़ेंगे। और यदि वह शहर में इकट्ठा हो जाए, तो सारा इस्राएल उस शहर की ओर रस्सियाँ लेगा, और हम उसे नाले तक घसीटेंगे, ताकि वहाँ एक पत्थर भी न छूटे।

और अबशालोम और इस्राएल के सब पुरुषों ने कहा, हुशै अराकी का परामर्श अहीतोपेल के परामर्श से अच्छा है, और प्रभु ने अहीतोपेल के अच्छे परामर्श को नष्ट करने की आज्ञा दी, ताकि प्रभु अबशालोम पर सब बुराइयाँ लाए।

और अर्काइट हुशै ने पुजारियों सादोक और अबियाथार से कहा, अहीतोपेल ने अबशालोम और इस्राएल के बुजुर्गों को इस प्रकार सलाह दी, और मैंने इस प्रकार सलाह दी। और अब शीघ्र भेजो और दाऊद को यह कहते हुए घोषणा करो कि जंगल के अराबोथ में रात मत ठहरो, और निश्चय ही पार करते हुए जल्दी करो, कहीं ऐसा न हो कि राजा और उसके साथ के सब लोग नष्ट हो जाएं।

और योनातान और अहीमास रोगेल के स्रोत पर खड़े थे, और एक दासी गई और उन्हें सूचना दी, और वे जाकर राजा दाऊद को सूचना देते हैं, क्योंकि वे शहर में प्रवेश करते हुए दिखाई देने में सक्षम नहीं थे। और एक लड़के ने उनको देखा, और अबीशालोम को सूचना दी, और वे दोनों जल्दी से गए, और बहरीम में एक आदमी के घर में प्रवेश किया, और उसके आंगन में एक गड्ढा था, और वे वहाँ उतरे। और उस स्त्री ने आवरण लिया और उसे गड्ढे के मुँह पर फैलाया, और उस पर कुटा हुआ अनाज छिड़का, और बात जानी नहीं गई। और अबशालोम के सेवक स्त्री के पास घर में आए, और बोले, कहाँ हैं अहीमास और जोनाथन? और स्त्री ने उन्हें बोला, वे पानी की ओर थोड़ा आगे गुज़र गए। और उन्होंने ढूँढ़ा, और नहीं पाया, और यरूशलेम लौट गए। यह हुआ कि उनके जाने के बाद, वे गड्ढे से बाहर निकले और चले गए, और उन्होंने राजा दाऊद को सूचना दी, और उन्होंने दाऊद से कहा, उठो और जल्दी से पानी पार करो, क्योंकि अहीतोपेल ने तुम्हारे विषय में इस प्रकार योजना बनाई है।

और दाऊद उठा और सब लोग जो उसके साथ थे, और उन्होंने यर्दन को पार किया सुबह के प्रकाश तक, एक भी ऐसा नहीं था जो यर्दन को पार न किया हो।

और अहीतोपेल ने देखा कि उसकी सलाह नहीं मानी गई, और उसने अपना गधा लादा, और उठा और अपने घर को अपने शहर में चला गया, और अपने घर को आदेश दिया, और खुद को फांसी लगाई और मर गया और अपने पिता की कब्र में दफनाया गया।

और दाऊद महनैम में गया और अबशालोम ने यर्दन को पार किया, वह और इस्राएल के सब पुरुष उसके साथ। और अबशालोम ने अमासा को योआब के स्थान पर सेना का प्रधान नियुक्त किया। अमासा एक व्यक्ति का पुत्र था जिसका नाम येतेर इज़ेली था। यह अबीगैल के पास गया जो नाहाश की पुत्री और सरूयाह की बहन थी, जो योआब की माता थी। और समस्त इस्राएल और अबशालोम ने गिलाद की भूमि में डेरा डाला।

और ऐसा हुआ कि जब दाऊद महनैम में आया, तो शोबी जो नाहाश का पुत्र था अम्मोनियों के रब्बा से, और माकीर जो अम्मीएल का पुत्र था लो-देबार से, और बर्जिल्लै गिलादी रोगेलीम से, उन्होंने दस दो पैर वाले बिस्तर, दस कड़ाहियाँ, मिट्टी के बर्तन, गेहूँ, जौ, आटा, भुना हुआ जौ, सेम और मसूर लाए। और शहद, और मक्खन और भेड़ें और बैलों की बहुतायत, और वे दाऊद के पास लाए, और उसके साथ के लोगों के पास खाने के लिए, क्योंकि उसने कहा था कि लोग जंगल में भूखे और थके हुए और प्यासे हैं।

18

और दाऊद ने अपने साथ के लोगों का निरीक्षण किया, और उन पर हजार के सेनापति और सौ के सेनापति नियुक्त किए। और दाऊद ने लोगों को भेजा - तीसरा भाग योआब के हाथ में, और तीसरा भाग अबीशै के हाथ में जो सरूयाह का पुत्र और योआब का भाई था, और तीसरा भाग एथी गित्ती के हाथ में। और दाऊद ने लोगों से कहा, निकलकर मैं भी तुम्हारे साथ निकलूंगा। और उन्होंने कहा, तुम बाहर नहीं जाओगे, क्योंकि अगर हम भाग जाएं, तो वे हम पर ध्यान नहीं देंगे, और अगर हमारा आधा भाग मर जाए, तो भी वे हम पर ध्यान नहीं देंगे, क्योंकि तुम हम दस हजार के समान हो, और अब यह अच्छा है कि तुम शहर में रहकर हमारी सहायता करो। और राजा ने उनसे कहा, जो तुम्हारी दृष्टि में उचित लगे, वह मैं करूँगा। और राजा द्वार के पास खड़ा हो गया, और सभी लोग सैकड़ों और हजारों में निकल रहे थे।

और राजा ने योआब और अबिशै और एथी को आदेश दिया, कहते हुए, मेरे बच्चे अबशालोम को बख्शो, और सब लोगों ने सुना जब राजा सब शासकों को अबशालोम के लिए आदेश दे रहा था।

और सब लोग इस्राएल के सामने जंगल में गए, और एप्रैम के जंगल में युद्ध हुआ। और इस्राएल के लोग वहाँ दाऊद के सेवकों के सामने लड़खड़ाए, और उस दिन महान विनाश हुआ, बीस हजार

पुरुषों का। और वहाँ युद्ध पूरी पृथ्वी के चेहरे पर बिखरा हुआ था, और जंगल ने लोगों को निगलने में वृद्धि की, उनसे अधिक जिनको उस दिन तलवार ने लोगों में निगला। और अबशालोम दाऊद के सेवकों के सामने मिला, और अबशालोम अपने खच्चर पर सवार था, और खच्चर महान बांज की झाड़ी में प्रवेश किया, और उसका सिर बांज में फंस गया, और वह आकाश और पृथ्वी के बीच लटक गया, और उसके नीचे खच्चर निकल गया।

और एक आदमी ने देखा, और योआब को सूचना दी, और कहा, देखो, मैंने अबशालोम को बांज के पेड़ में लटकता हुआ देखा है। और योआब ने उस पुरुष से जो उसे रिपोर्ट कर रहा था कहा, और देखो, तूने देखा था, तो क्यों नहीं मारा तूने उसको वहाँ भूमि पर? और मैं तुझे दस चाँदी के सिक्के और एक पेटी दिया होता। उस आदमी ने योआब से कहा, यदि मैं अपने हाथों पर हजार शेकेल चाँदी खड़ा करूँ, तो भी मैं राजा के बेटे पर अपना हाथ नहीं डालूँगा, क्योंकि हमारे कानों में राजा ने तुम्हें और अबीशै और एथी को आदेश दिया था, कहते हुए, मेरे लिए लड़के अबशालोम की रक्षा करो। अपनी आत्मा में अन्याय मत करो, और कोई भी बात राजा से नहीं छिपेगी, और तुम सामने खड़े होगे। और योआब ने कहा, यह मैं शुरू करूँगा, मैं तुम्हारे सामने इस प्रकार प्रतीक्षा नहीं करूँगा, और योआब ने अपने हाथ में तीन तीर लिए, और उन्हें अबशालोम के हृदय में घुसेड़ दिया, जबकि वह अभी बांज वृक्ष के बीच में जीवित लटका हुआ था। और दस युवा पुरुषों ने योआब के हथियार उठाने वाले को घेर लिया, और अबशालोम को मारा, और उसे मार डाला।

और योआब ने तुरही बजाई, और लोग इस्राएल का पीछा करने से लौट आए, क्योंकि योआब ने लोगों को बचाया। और उसने अबशालोम को लिया और उसे जंगल में एक बड़ी खाई में, एक बड़े गड्ढे में फेंक दिया, और उस पर पत्थरों का बहुत बड़ा ढेर खड़ा कर दिया, और सारा इस्राएल भाग गया, हर आदमी अपने तंबू में। और अबशालोम जब अभी जीवित था, तब उसने अपने लिए वह स्तंभ लिया और स्थापित किया, जिसमें उसे लिया गया था, और उसने उसे खड़ा किया, राजा के स्तंभ को लेने के लिए, क्योंकि उसने कहा कि उसके पास पुत्र नहीं है, इसलिए अपने नाम को याद रखने के लिए, और उसने उस स्तंभ को अबशालोम का हाथ बुलाया, आज के दिन तक।

और सादोक का पुत्र अहीमास बोला, मैं वास्तव में दौड़ूंगा और राजा को शुभ समाचार दूंगा कि प्रभु ने उसके शत्रुओं के हाथ से न्याय किया है। और योआब ने उससे कहा, तू इस दिन शुभ समाचार का पुरुष नहीं है, और तू दूसरे दिन शुभ समाचार लाना, लेकिन इस दिन तू शुभ समाचार नहीं लाएगा, क्योंकि राजा का पुत्र मर गया है। और योआब ने हुशै से कहा, जाकर राजा को बता दो जो कुछ तुमने देखा है। और हुशै ने योआब को प्रणाम किया और चला गया। और अहीमास, सादोक का पुत्र, ने फिर योआब से कहा, होने दो, मैं भी हुशै के पीछे दौड़ूंगा। और योआब ने कहा, हे मेरे पुत्र, तू यह क्यों दौड़ रहा है? यहाँ आ, जाने में तुझे शुभ समाचार का कोई लाभ नहीं है। और उसने कहा, यदि मैं दौड़ूँ तो क्या होगा? और योआब ने उससे कहा, दौड़ो। और अहीमास मैदान के रास्ते से दौड़ा, और हुशै से आगे निकल गया।

और दाविद दो फाटकों के बीच बैठा था, और पहरेदार फाटक की छत पर दीवार की ओर गया, और उसने अपनी आँखें उठाई, और देखा। और देखो, एक आदमी अकेला उसके सामने दौड़ता हुआ था। और पहरेदार ने चिल्लाकर राजा को सूचना दी, और राजा ने कहा, यदि वह अकेला है, तो उसके मुँह में शुभ समाचार है, और वह चलता हुआ निकट आता रहा। और पहरेदार ने एक दूसरे आदमी को दौड़ते हुए देखा, और पहरेदार ने द्वार की ओर चिल्लाया, और कहा, और देखो एक दूसरा आदमी अकेला दौड़ता हुआ आ रहा है, और राजा ने कहा, और वास्तव में यह भी शुभ समाचार लाता हुआ है। और पहरेदार ने कहा, मैं पहले व्यक्ति की दौड़ को सादोक के पुत्र अहीमास की दौड़ के समान देखता हूँ। और राजा ने कहा, यह अच्छा आदमी है, और वास्तव में अच्छे शुभ समाचार के साथ आएगा।

और अहीमास चिल्लाया और राजा से कहा, शांति हो, और राजा के सामने अपना चेहरा भूमि पर झुकाया, और कहा, धन्य है प्रभु तेरा परमेश्वर, जिसने उन पुरुषों को बंद कर दिया जिन्होंने मेरे प्रभु राजा के विरुद्ध अपना हाथ उठाया था। और राजा ने कहा, क्या युवा अबशालोम कुशल से है? और अहीमास ने कहा, जब राजा के दास योआब ने और आपके दास को भेजा, तब मैंने एक बड़ी भीड़ देखी, और मैं नहीं जानता कि वहाँ क्या था। और राजा ने कहा, लौटो, यहाँ खड़े हो

जाओ, और वह लौटा और खड़ा हो गया।

और देखो, हुशै आया और राजा से कहा, मेरे प्रभु राजा को शुभ समाचार मिले, क्योंकि प्रभु ने आज तुम्हारे लिए उन सब के हाथ से न्याय किया जो तुम्हारे विरुद्ध उठे थे। और राजा ने हुशै से कहा, क्या युवा पुरुष अबशालोम को शांति है? और हुशै ने कहा, मेरे स्वामी राजा के शत्रु और सभी जो उसके विरुद्ध बुराइयों के लिए उठे, वे युवा पुरुष जैसे हो जाएं।

19

और राजा व्याकुल हुआ, और द्वार के ऊपरी कमरे में गया, और रोया, और जाते हुए इस प्रकार बोला, मेरे पुत्र अबशालोम, मेरे पुत्र, मेरे पुत्र अबशालोम, कौन मुझे तुम्हारे स्थान पर मृत्यु दे? मैं तुम्हारे स्थान पर, अबशालोम, मेरे पुत्र, मेरे पुत्र।

और योआब को यह सूचना दी गई, देखो, राजा अबशालोम के लिए रो रहा है और शोक कर रहा है। और उस दिन मुक्ति सब लोगों के लिए शोक में बदल गई, क्योंकि लोगों ने उस दिन यह कहते हुए सुना कि राजा अपने पुत्र के लिए दुःखी है। और उस दिन लोग शहर में प्रवेश करने के लिए चुपके से निकल गए थे, जैसे वे लोग चुपके से निकलते हैं जो युद्ध में भागने पर शर्मिंदा होते हैं। और राजा ने अपना चेहरा छिपाया, और राजा ने बड़ी आवाज़ से चिल्लाकर कहा, मेरे बेटे अबशालोम, अबशालोम मेरे बेटे।

और योआब राजा के घर में गया और बोला, आपने आज अपने सभी दासों के चेहरे शर्मिंदा किए हैं जो आज आपको छुड़ा रहे हैं, और आपके पुत्रों की आत्मा को, और आपकी पुत्रियों की, और आपकी स्त्रियों की आत्मा को, और आपकी रखैलों की, उनसे प्रेम करना जो तुमसे घृणा करते हैं, और उनसे घृणा करना जो तुमसे प्रेम करते हैं, और तुमने आज घोषणा की, कि तुम्हारे शासक

नहीं हैं, न सेवक, कि मैंने आज जाना, कि यदि अबशालोम जीता होता, हम सब आज मृत होते, कि तब वह तुम्हारी आँखों में सही था। और अब उठकर बाहर जाओ और अपने दासों के हृदय से बात करो, क्योंकि मैंने प्रभु की शपथ खाई है कि यदि तुम आज बाहर नहीं जाओगे, तो आज रात कोई भी पुरुष तुम्हारे साथ नहीं ठहरेगा, और यह अपने लिए जान लो, और यह बुराई तुम्हारे लिए उस सब बुराई से अधिक होगी जो तुम्हारी युवावस्था से लेकर अब तक तुम पर आई है। और राजा उठा और द्वार पर बैठ गया, और सब लोगों को बताया गया, देखो, राजा द्वार पर बैठा है, और सब लोग राजा के सामने द्वार पर आए, और इस्राएल का हर आदमी अपने तंबू को भाग गया।

और इस्राएल के सब कबीलों में सब लोग आपस में विचार कर रहे थे, कहते हुए, राजा दाऊद ने हमें हमारे सब शत्रुओं से बचाया, और उसने हमें विदेशियों के हाथ से छुड़ाया, और अब वह देश से, और अपने राज्य से, और अबशालोम से भाग गया है। और अबीशालोम, जिसे हमने अपने ऊपर अभिषेक किया था, युद्ध में मर गया, और अब तुम राजा को वापस लाने के लिए क्यों चुप हो? और समस्त इस्राएल का वचन राजा के पास आया।

और राजा दाऊद ने सादोक और अबियातार पुजारियों के पास भेजा, यह कहते हुए, यहूदा के बुजुर्गों से कहो, तुम राजा को उसके घर लौटाने में सबसे अंतिम क्यों हो? और सारे इस्राएल का वचन राजा के पास उसके घर आया। मेरे भाई, तुम मेरी हड्डियाँ और मेरा मांस हो, तुम राजा को उसके घर लौटाने में अंतिम क्यों हो? और अमेसा से कहना, क्या तुम मेरी हड्डी और मेरा मांस नहीं हो? और अब परमेश्वर मुझसे ऐसा करे और इससे भी अधिक करे, यदि तुम योआब के स्थान पर मेरे सामने सदा के लिए सेना के प्रधान नहीं होगे। और उसने समस्त यहूदा के पुरुषों का हृदय एक पुरुष के समान झुका दिया, और उन्होंने राजा के पास भेजा, यह कहते हुए, आप और आपके सब दास लौट आएं। और राजा लौटा और यर्दन तक आया, और यहूदा के पुरुष गिलगाल में आए ताकि राजा से मिलने जाएं और राजा को यर्दन पार करा सकें।

और शिमी, जो गेरा का बेटा था, जो बिन्यामीनी का बेटा था, बहूरीम से जल्दी आया, और यहूदा के लोगों के साथ राजा दाऊद से मिलने के लिए नीचे गया। और बिन्यामीन से उसके साथ हजार पुरुष, और शाऊल के घर का सेवक सीबा, और उसके साथ उसके पन्द्रह पुत्र, और उसके साथ उसके बीस दास, और उन्होंने राजा के सामने यर्दन को पार किया। और उन्होंने राजा को पार ले जाने की सेवा की, और राजा के घराने को उठाने और उसकी दृष्टि में जो सही है उसे करने के लिए पार करना हुआ। और गेरा का पुत्र शिमी राजा के सामने अपने मुँह के बल गिरा, जब वह यर्दन पार कर रहा था। और उसने राजा से कहा, मेरा स्वामी अधर्म को विचार न करे, और याद न करे कि जितना तुम्हारे सेवक ने गलत किया उस दिन जब मेरा स्वामी यरूशलेम से निकला, राजा इसे अपने हृदय में न रखे। क्योंकि आपके दास ने जान लिया है कि मैंने पाप किया है, और देखिए, मैं आज सम्पूर्ण इस्राएल और यूसुफ के घराने से पहले आया हूँ, ताकि मैं अपने प्रभु राजा से मिलने के लिए उतर सकूँ।

और सरूयाह के पुत्र अबीशै ने उत्तर दिया और कहा, क्या इसके बदले में शिमी को मार नहीं डाला जाएगा, क्योंकि उसने प्रभु के अभिषिक्त को शाप दिया? और दाऊद ने कहा, हे सरूयाह के पुत्रों, मुझे और तुम्हें क्या, कि तुम आज मेरे लिए विश्वासघाती बन रहे हो? आज इस्राएल से कोई भी पुरुष मारा नहीं जाएगा, क्योंकि मैं नहीं जानता कि क्या आज मैं इस्राएल पर राज्य करता हूँ। और राजा ने शिमी से कहा, तू नहीं मरेगा, और राजा ने उससे शपथ खाई।

और मेमफिबोसथे, जो साऊल के पुत्र का पुत्र था, राजा से मिलने के लिए नीचे गया, और उसने अपने पैरों की देखभाल नहीं की, न अपने नाखून काटे, न अपनी मूँछ बनाई, और अपने वस्त्र नहीं धोए, उस दिन से जिस दिन राजा गया था, उस दिन तक जिस दिन वह शांति से आया।

और ऐसा हुआ कि जब वह यरूशलेम में राजा से मिलने आया, तो राजा ने उससे कहा, हे मेमफिबोशेत, क्या कारण है कि तुम मेरे साथ नहीं गए? और मेमफिबोशेत ने उससे कहा, हे मेरे स्वामी राजा, मेरे दास ने मुझे धोखा दिया, क्योंकि तुम्हारे सेवक ने उससे कहा था, मेरे लिए गधे

पर काठी बाँध, और मैं उस पर सवार होऊँगा, और राजा के साथ जाऊँगा, क्योंकि तुम्हारा दास लंगड़ा है। और उसने आपके दास में मेरे स्वामी राजा के विरुद्ध षड्यंत्र रचा, और मेरा स्वामी राजा ईश्वर के दूत के समान है, और जो आपकी दृष्टि में उचित हो वह कीजिए। क्योंकि मेरे पिता का सारा घर मृत्यु के पुरुषों के सिवा कुछ नहीं था मेरे स्वामी राजा के लिए, और आपने अपने दास को अपनी मेज़ पर खाने वालों में रखा, और अब मेरे पास क्या अधिकार है, और राजा के सामने अभी चिल्लाने का?

और राजा ने उससे कहा, तुम अपनी बातें अभी भी क्यों बोल रहे हो? मैंने कहा था, तुम और सीबा खेत को बाँट लो। और मेम्फिबोशेत ने राजा से कहा, वह सब कुछ ले ले, क्योंकि मेरा स्वामी राजा शांति से अपने घर आ गया है।

और बरजिल्लै गिलादी रोगेलिम से नीचे आया, और राजा के साथ यर्दन पार किया ताकि उसे यर्दन के पार भेज सके। और बरजिल्लै बहुत बूढ़ा पुरुष था, अस्सी वर्ष का पुत्र, और उसने राजा का पोषण किया था जब वह महनैम में निवास कर रहा था, क्योंकि वह बहुत महान पुरुष था। और राजा ने बरजिल्लै से कहा, तू मेरे साथ पार करेगा, और मैं यरूशलेम में तेरे बुढ़ापे का पालन-पोषण करूँगा। और बरजिल्लै ने राजा से कहा, मेरे जीवन के वर्षों के कितने दिन हैं, कि मैं राजा के साथ यरूशलेम जाऊँ? मैं आज अस्सी वर्ष का हूँ, क्या मैं वास्तव में अच्छे और बुरे के बीच जान सकूँगा? क्या तुम्हारा दास अभी भी वह चख सकेगा जो मैं खाऊँगा या पीऊँगा? या क्या मैं अभी भी गाने वालों और गाने वालियों की आवाज़ सुन सकूँगा? और क्यों तुम्हारा दास अभी भी मेरे स्वामी राजा पर बोझ बनेगा? आपका दास राजा के साथ यर्दन को थोड़ा ही पार करेगा, और राजा मुझे यह प्रतिदान क्यों देता है? आपका दास वास्तव में बैठने दो, और मैं अपने शहर में अपने पिता और अपनी माता की कब्र के पास मरूँगा, और देखो आपका दास किमहाम मेरे स्वामी राजा के साथ पार करेगा, और जो आपकी आँखों में अच्छा हो वह उसके लिए करो। और राजा ने कहा, खिमहाम मेरे साथ पार करे, और मैं उसके लिए वह करूँगा जो मेरी दृष्टि में अच्छा है, और जितना भी तुम मुझसे चुनोगे, वह सब मैं तुम्हारे लिए करूँगा।

और सभी लोगों ने यर्दन को पार किया, और राजा ने पार किया, और राजा ने बर्जिल्लै को चूमा, और उसे आशीर्वाद दिया, और वह अपने स्थान को लौट गया। और राजा ने गिलगाल में प्रवेश किया, और किमहाम उसके साथ पार हुआ, और यहूदा के सभी लोग राजा के साथ पार कर रहे थे, और इस्राएल के लोगों का आधा भाग भी।

और देखो, इस्राएल का हर आदमी राजा के पास आया, और राजा से कहा, क्या बात है कि हमारे भाई यहूदा के लोगों ने आपको चुरा लिया, और राजा और उसके घराने को यर्दन पार ले गए, और दाऊद के सब लोग उसके साथ? और यहूदा के हर आदमी ने इस्राएल के आदमी को उत्तर दिया और कहा, क्योंकि राजा मेरे पास आता है, और तुम इस बात के विषय में इस प्रकार क्यों क्रोधित हुए? क्या हमने राजा के भोजन से खाया, या उसने हमें उपहार दिया, या हमसे बोझ उठाया? और इस्राएल के पुरुष ने यहूदा के पुरुष को उत्तर दिया और कहा, राजा में मेरे दस हाथ हैं, और मैं पहलौठा हूँ या तू, और वास्तव में दाऊद में मैं तुझसे बढ़कर हूँ, और क्यों तूने मुझे यह अपमान किया, और क्या मेरा वचन पहले नहीं गिना गया मुझे यहूदा से राजा को लौटाने के लिए? और यहूदा के पुरुष का वचन इस्राएल के पुरुष के वचन से अधिक कठोर हुआ।

20

और वहाँ एक अधर्मी पुत्र था, जिसका नाम शेबा था, जो बिक्री का पुत्र और बिन्यामीनी पुरुष था, और उसने तुरही बजाई और कहा, हमारा दाऊद में कोई हिस्सा नहीं है, न यिशै के पुत्र में हमारी कोई विरासत है, हे इस्राएल, हर पुरुष अपने तम्बू को जाए। और इस्राएल का हर आदमी दाऊद के पीछे से हटकर बिक्री के पुत्र शेबा के पीछे चला गया, और यहूदा के लोग अपने राजा से चिपके रहे, यर्दन से यरूशलेम तक।

और दाऊद अपने घर में यरूशलेम में प्रवेश किया, और राजा ने अपनी दस रखैलों को लिया,

जिनको उसने घर की रखवाली के लिए छोड़ा था, और उनको पहरे के घर में रखा, और उनका पोषण किया, और उनके पास नहीं गया, और वे अपनी मृत्यु के दिन तक जीवित विधवाओं के रूप में बंद रहीं।

और राजा ने अमासा से कहा, मेरे लिए यहूदा के पुरुषों को तीन दिन में बुलाओ, और तुम यहाँ खड़े रहो। और अमासा यहूदा को बुलाने गया, और उसने उस समय से विलम्ब किया जो दाऊद ने उसके लिए नियुक्त किया था। और दाऊद ने अमासा से कहा, अब शेबा बिक्री का पुत्र हमें अबशालोम से अधिक हानि पहुँचाएगा, और अब तू अपने स्वामी के सेवकों को अपने साथ ले, और उसका पीछा कर, कहीं ऐसा न हो कि वह अपने लिए गढ़वाले नगर पा ले, और हमारी आँखों से बच निकले। और अबीशै और योआब के पुरुष, और करेती, और पलेती, और सब शक्तिशाली पुरुष उसके पीछे यरूशलेम से निकले, बिक्री के पुत्र शेबा का पीछा करने के लिए।

और वे गिबोन में उस बड़े पत्थर के पास थे, और अमासा उनके सामने आया, और योआब ने अपने वस्त्र के ऊपर लबादा पहना हुआ था, और उसके ऊपर उसकी कमर पर म्यान में बंधी हुई तलवार कमरबंद से बंधी थी, और तलवार निकल गई, और वह निकल गई और गिर गई।

और योआब ने अमासा से कहा, क्या तुम स्वस्थ हो, भाई? और योआब के दाहिने हाथ ने अमासा की दाढ़ी पकड़ी उसे चूमने के लिए। और अमासा ने योआब के हाथ में तलवार से अपनी रक्षा नहीं की, और योआब ने उसे उसी से कमर में मारा, और उसका पेट भूमि पर गिर गया, और उसने उसे दोबारा नहीं मारा, और वह मर गया, और योआब और उसका भाई अबीशै ने बिक्री के पुत्र शेबा का पीछा किया। और योआब के युवा सेवकों में से एक पुरुष उस पर खड़ा हुआ और बोला, कौन योआब को चाहता है और कौन दाऊद का है, योआब के पीछे आओ? और अमासा लहू में सना हुआ रास्ते के बीच में था, और एक पुरुष ने देखा कि सब लोग खड़े थे, और उसने अमासा को रास्ते से हटाकर खेत में डाल दिया, और उस पर वस्त्र डाल दिया, क्योंकि उसने देखा कि सब आने वाले उसके पास खड़े हो रहे थे। जब वह रास्ते से पहुँचा, तो इस्राएल का हर आदमी

योआब के पीछे बिक्री के पुत्र शेबा का पीछा करने के लिए गुजरा।

और वह इस्राएल के सभी कबीलों में से होकर अबेल और बेथ माका को गया, और दीवार में सभी लोग एकत्र हुए, और वे उसके पीछे आए। और वे आए और उन्होंने अबेल और बेथमाखा में उसे घेर लिया, और उन्होंने शहर की ओर घेरे का टीला बनाया, और वह किलेबंदी में खड़ा हुआ, और सभी लोग जो योआब के साथ थे दीवार को गिराने की योजना बना रहे थे। और एक बुद्धिमान स्त्री दीवार से चिल्लाई, और कहा, सुनो, सुनो, योआब से कहो कि यहाँ तक निकट आए, और मैं उससे बात करूँगी।

और वह उसके पास आया, और स्त्री बोली, क्या तुम योआब हो? उसने कहा, मैं हूँ। तब उसने उससे कहा, अपनी दासी के शब्द सुनो। और योआब ने कहा, मैं सुन रहा हूँ। और उसने कहा, पहले यह कहा जाता था कि अबेल और दान में यह पूछा जाता था कि क्या इस्राएल के विश्वासियों द्वारा स्थापित बातें समाप्त हो गई हैं। वे अबेल में पूछेंगे, और इस प्रकार कि क्या वे समाप्त हो गई। मैं इस्राएल के आधारों में से शांतिपूर्ण हूँ, लेकिन तुम इस्राएल में एक नगर और मातृ नगर को नष्ट करना चाहते हो। तुम प्रभु की विरासत को क्यों नष्ट कर रहे हो? और योआब ने उत्तर दिया और कहा, मुझ पर कृपा हो, मुझ पर कृपा हो, यदि मैं डूबूँ और यदि मैं नष्ट करूँ। बात ऐसी नहीं है, बल्कि एफ्राइम के पहाड़ से एक पुरुष, शेबा पुत्र बिक्री, उसका नाम है, और उसने राजा दाऊद के विरुद्ध अपना हाथ उठाया है। केवल उसे मुझे सौंप दो, और मैं शहर के ऊपर से चला जाऊँगा। और स्त्री ने योआब से कहा, देखो, उसका सिर दीवार के द्वारा तुम्हारे पास फेंक दिया जाएगा।

और वह स्त्री सब लोगों के पास गई, और उसने अपनी बुद्धि से पूरे नगर से बात की, और उन्होंने बिक्री के पुत्र शेबा का सिर काट दिया, और उसे योआब के पास फेंक दिया, और उसने तुरही बजाई, और लोग नगर से तितर-बितर होकर अपने-अपने तम्बुओं में चले गए, और योआब यरूशलेम में राजा के पास लौट गया।

और योआब इस्राएल की सम्पूर्ण सेना के ऊपर था, और बनायाह यहोयादा का पुत्र करेतियों के ऊपर और पलेतियों के ऊपर था। और अदोनीराम कर के अधिकारी थे, और यहोशाफात, जो अखीलूत का पुत्र था, लेखक था। और शवशा लेखक था, और सादोक और अबियाथार पुजारी थे। और वास्तव में इरास जारिनी दाऊद का पुजारी था।

21

और दाऊद के दिनों में तीन वर्ष तक अकाल पड़ा, एक वर्ष के बाद दूसरा वर्ष, और दाऊद ने प्रभु का मुख खोजा, और प्रभु ने कहा, शाऊल पर और उसके घराने पर अन्याय है, रक्तपात की मृत्यु में, क्योंकि उसने गिबोनियों को मार डाला। और राजा दाऊद ने गिबोनियों को बुलाया, और उनसे कहा, और गिबोनी इस्राएल के पुत्र नहीं हैं, क्योंकि वे एमोरियों के अवशेष में से हैं, और इस्राएल के पुत्रों ने उन्हें शपथ दिलाई थी, और शाऊल ने इस्राएल और यहूदा के पुत्रों के लिए उत्साही होकर उन्हें मारने की कोशिश की।

और दाऊद ने गिबोनियों से कहा, मैं तुम्हारे लिए क्या करूँ, और किस प्रकार मैं प्रायश्चित करूँ, और तुम प्रभु की विरासत को आशीर्वाद दोगे? और गिबोनियों ने उससे कहा, हमें शाऊल और उसके घराने के साथ चांदी या सोना नहीं चाहिए, और हमें इस्राएल में किसी आदमी को मार डालने का अधिकार नहीं है। और उसने कहा, तुम क्या कहते हो, और मैं तुम्हारे लिए क्या करूंगा? और उन्होंने राजा से कहा, वह आदमी जिसने हमारे विरुद्ध षड्यंत्र रचा और हमारा पीछा किया, जिसने हमें नष्ट करने की योजना बनाई, हम उसे नष्ट कर दें, ताकि वह इस्राएल की किसी भी सीमा में खड़ा न रह सके। वह हमें उसके पुत्रों में से सात पुरुष दे, और हम उन्हें प्रभु के लिए गिबोन में लटकाएं, शाऊल प्रभु के चुने हुए, और राजा ने कहा, मैं दूंगा।

और राजा ने मेफ्फिबोशेथ को बख्शा, जो योनातान का पुत्र था और शाऊल का पोता था, प्रभु की

उस शपथ के कारण जो उनके बीच थी, दाऊद और योनातान के बीच, जो शाऊल का पुत्र था।

और राजा ने अय्याह की पुत्री रिस्पा के दो पुत्रों को लिया, जिन्हें उसने शाऊल के लिए जन्म दिया था, अमोनी और मपीबोशेत को, और शाऊल की पुत्री मीकल के पाँच पुत्रों को, जिन्हें उसने मेहोलाती बर्जिल्लै के पुत्र एस्ट्रिएल के लिए जन्म दिया था, और उसने उन्हें गिबोनियों के हाथ में दे दिया, और उन्होंने उन्हें प्रभु के सामने पहाड़ पर लटका दिया, और वे सातों एक साथ गिर गए, और वे फसल के दिनों में, जौ की फसल के आरंभ में मार डाले गए। और अय्याह की पुत्री रिस्पा ने टाट लिया, और उसे चट्टान के पास गाड़ दिया, जौ की कटाई के आरंभ में, जब तक आकाश से उन पर पानी नहीं टपका, और उसने आकाश के पक्षियों को दिन में उन पर बैठने नहीं दिया, और मैदान के जंगली पशुओं को रात में।

और दाऊद को सूचित किया गया कि शाऊल की उपपत्नी अय्याह की पुत्री रिस्पा ने जो कुछ किया, और वे कमजोर कर दिए गए थे, और दानवों के वंशजों में से योआ के पुत्र दान ने उन्हें पकड़ लिया। और दाऊद गया और उसने शाऊल की हड्डियाँ और उसके पुत्र योनातान की हड्डियाँ याबेश गिलाद के पुत्रों के पुरुषों से ली, जिन्होंने उन्हें बेथ-शान के चौक से चुराया था, क्योंकि विदेशियों ने उन्हें वहाँ उस दिन खड़ा किया था जब विदेशियों ने गिलबो में शाऊल को मारा था। और उसने वहाँ से शाऊल की हड्डियाँ और उसके पुत्र योनातान की हड्डियाँ लाई, और निर्वासितों की हड्डियाँ इकट्ठी कीं। और उन्होंने शाऊल की हड्डियाँ और उसके पुत्र योनातान की हड्डियाँ और फाँसी पर लटकाए गए लोगों की हड्डियाँ बिन्यामीन की भूमि में उसके पिता कीश की कब्र के किनारे में दफनाया, और उन्होंने वह सब किया जितना राजा ने आज्ञा दी थी, और इन बातों के बाद परमेश्वर ने भूमि की सुनी।

और फिर विदेशियों के साथ इस्राएल का युद्ध हुआ, और दाऊद और उसके सेवक उसके साथ नीचे गए, और विदेशियों के साथ लड़े, और दाऊद गया। और इशबी, जो राफा के वंशजों में था, और उसके भाले का भार तीन सौ शेकेल कांसे का था, और वह स्वयं गदा से कमरबद्ध था, और

उसने दाऊद को मारने का इरादा किया। और सरूयाह के पुत्र अबीशै ने उसकी सहायता की, और उस विदेशी को मारा और उसे मार डाला। तब दाऊद के पुरुषों ने शपथ खाई और कहा, तुम अब हमारे साथ युद्ध में नहीं जाओगे, और इस्राएल के दीपक को नहीं बुझाओगे।

और इन बातों के बाद गत में विदेशियों के साथ फिर युद्ध हुआ, तब हुशाती सिब्बकै ने राफा के वंशजों में से साफ को मारा।

और रोम में विदेशियों के साथ युद्ध हुआ, और बेथलेहेमवासी अरिओर्गिम के पुत्र एलेअनान ने गेथवासी गोलियथ को मारा, और उसके भाले की लकड़ी बुनकरों की धुरी के समान थी। और गत में फिर युद्ध हुआ, और एक विशाल कद का पुरुष था, और उसके हाथों की उंगलियाँ और उसके पैरों की उंगलियाँ छः और छः, संख्या में चौबीस थीं, और वास्तव में वह रापा से जन्मा था। और उसने इसराइल की निंदा की, और दाऊद के भाई शिमी के पुत्र योनातान ने उसे मारा।

ये चार गत में रफा के घराने के दानवों के वंशज थे, और वे दाऊद के हाथ में और उसके दासों के हाथ में गिरे।

22

और दाऊद ने प्रभु से इस गीत के शब्द कहे, उस दिन जब प्रभु ने उसे उसके सब शत्रुओं के हाथ से और शाऊल के हाथ से छुड़ाया। और उसने गीत गाया, हे प्रभु, मेरी चट्टान और मेरा किला, और मेरा छुड़ाने वाला,

मेरा परमेश्वर मेरा रक्षक होगा, मैं उस पर विश्वास करूंगा, वह मेरा रक्षक है और मेरे उद्धार का सींग, मेरा सहायक और मेरे उद्धार का शरणस्थान, तू मुझे अन्यायी से बचाएगा।

प्रशंसनीय प्रभु को पुकारूंगा, और अपने शत्रुओं से बचाया जाऊंगा। क्योंकि मृत्यु की टूटन ने मुझे घेर लिया, अधर्म की धाराओं ने मुझे भयभीत कर दिया। मृत्यु की पीड़ाओं ने मुझे घेर लिया, मृत्यु की कठिनाइयों ने मुझ पर आ पड़ीं। मेरे पीड़ित होने पर मैं प्रभु को पुकारूंगा, और अपने ईश्वर की ओर चिल्लाऊंगा, और वह अपने मंदिर से मेरी आवाज़ सुनेगा, और मेरी चीख उसके कानों में पहुंचेगी।

और धरती व्याकुल हुई और हिल गई, और स्वर्ग की नींव एक साथ कांप उठी और ऐंठ गई, क्योंकि प्रभु उन पर क्रोधित हुए। उसके क्रोध में धुआँ उठा, और उसके मुँह से आग निगल जाएगी, उससे कोयले जलाए गए। और उसने आकाशों को झुकाया और नीचे आया, और उसके पैरों के नीचे अंधकार था। और वह करुब पर बैठा और उड़ा, और हवा के पंखों पर दिखाई दिया। और उसने अंधकार को अपना छिपने का स्थान बनाया, उसके चारों ओर उसका तंबू था - जल का अंधकार, जिसे उसने हवा के बादलों में गाढ़ा किया। उसके प्रकाश से उसके सामने आग के कोयले प्रज्वलित हुए। प्रभु स्वर्ग से गरजे, और परम उच्च ने अपनी आवाज़ दी। और उसने तीर भेजे और उन्हें तितर-बितर कर दिया, और बिजली चमकाई और उन्हें व्याकुल कर दिया। और समुद्र के झरने दिखाई दिए, और संसार की नींव प्रकट हुई प्रभु की फटकार से, उसके क्रोध की आत्मा के श्वास से। उसने ऊँचाई से भेजा और मुझे लिया, उसने मुझे अनेक जलों से खींचा। उसने मुझे मेरे शक्तिशाली शत्रुओं से बचाया, मुझसे घृणा करने वालों से, क्योंकि वे मुझसे अधिक मजबूत थे।

मेरे कष्ट के दिन मुझ पर आ पड़े, और प्रभु मेरा सहारा बन गए। और उसने मुझे बाहर निकालकर चौड़े स्थान में ले गया, और उसने मुझे छुड़ाया, क्योंकि वह मुझसे प्रसन्न हुआ। और प्रभु ने मुझे मेरी धार्मिकता के अनुसार प्रतिफल दिया, और मेरे हाथों की शुद्धता के अनुसार मुझे प्रतिफल दिया। क्योंकि मैंने प्रभु के मार्गों को रखा, और मैंने अपने परमेश्वर से दुष्टता नहीं की। क्योंकि उसके सभी निर्णय मेरे सामने हैं और उसकी विधियों से मैं नहीं हटा। और मैं उसके लिए निर्दोष रहूंगा, और अपने अधर्म से अपने आप को बचाए रखूंगा। और प्रभु मुझे मेरी धार्मिकता के

अनुसार प्रतिफल देगा, और मेरे हाथों की स्वच्छता के अनुसार उसकी आँखों के सामने।

पवित्र के साथ तू पवित्र बनाया जाएगा, और सिद्ध पुरुष के साथ तू सिद्ध बनाया जाएगा। और चुने हुए के साथ तू चुना हुआ होगा, और टेढ़े के साथ तू टेढ़ा हो जाएगा। और तुम गरीब लोगों को बचाओगे, और घमंडियों की आंखों को नीचा करोगे। क्योंकि तुम मेरे दीपक हो हे प्रभु, और प्रभु मेरे अंधकार को प्रकाशित करेगा। क्योंकि तुझ में मैं निहत्था दौड़ूंगा, और अपने परमेश्वर में मैं दीवार को लांघूंगा।

वह शक्तिशाली निर्दोष है, उसका मार्ग भी। प्रभु का वचन शक्तिशाली और परिष्कृत है। वह उन सबका रक्षक है जो उस पर भरोसा करते हैं। प्रभु के सिवाय कौन मजबूत है? और हमारे परमेश्वर के सिवाय कौन सृष्टिकर्ता होगा? वह शक्तिशाली जो मुझे शक्ति से सशक्त करता है, और उसने मेरे मार्ग को निर्दोष बना दिया। वह मेरे पैरों को हिरणों के समान बनाता है, और मुझे ऊँचाइयों पर खड़ा करता है। वह मेरे हाथों को युद्ध के लिए प्रशिक्षित करता है, और मेरी भुजाओं से कांस्य धनुष को तोड़ता है। और तूने मुझे मेरे उद्धार की ढाल दी, और तेरी आज्ञाकारिता ने मुझे बढ़ाया, मेरे कदमों के नीचे विस्तार दिया। और मेरे पैर नहीं हिलाए गए।

मैं अपने शत्रुओं का पीछा करूंगा और उन्हें नष्ट करूंगा, और तब तक नहीं लौटूंगा जब तक उन्हें पूरी तरह समाप्त नहीं कर दूंगा। और मैं उन्हें कुचल दूंगा और वे नहीं उठेंगे, और वे मेरे पैरों तले गिरेंगे। और तू मुझे युद्ध के लिए शक्ति से मजबूत करेगा, तू मेरे विरुद्ध उठने वालों को मेरे अधीन झुका देगा। और तुमने मेरे शत्रुओं को मुझसे पीठ दिखाई, जो मुझसे घृणा करते थे, और तुमने उन्हें मार डाला। वे पुकारेंगे, परन्तु कोई सहायक नहीं है, प्रभु की ओर, परन्तु उसने उनकी नहीं सुनी। और मैंने उन्हें पृथ्वी की धूल के समान कुचला, गलियों के कीचड़ के समान मैंने उन्हें पीस डाला। और तू मुझे लोगों के युद्ध से छुड़ाएगा, तू मुझे राष्ट्रों का सिर बनाए रखेगा, जिन लोगों को मैंने नहीं जाना उन्होंने मेरी सेवा की। पराए पुत्रों ने मुझसे झूठ बोला; कान से सुनते ही उन्होंने मेरी बात सुन ली। पराए पुत्र फेंक दिए जाएंगे, और वे अपनी कैद से लड़खड़ाते हुए बाहर आएंगे।

प्रभु जीवित हैं, और मेरे रक्षक धन्य हैं, और मेरे परमेश्वर जो मेरे उद्धार के रक्षक हैं, ऊंचे किए जाएंगे। शक्तिशाली है प्रभु जो मुझे प्रतिशोध देता है, और मेरे अधीन लोगों को अनुशासित करता है, और मुझे मेरे शत्रुओं से बाहर लाते हुए, और मेरे विरुद्ध उठने वालों से तुम मुझे ऊंचा करोगे, अन्याय के मनुष्य से तुम मुझे छुड़ाओगे। इसलिए मैं राष्ट्रों में तुम्हारा धन्यवाद करूंगा, हे प्रभु, और तुम्हारे नाम में भजन गाऊंगा। अपने राजा के उद्धार को बड़ा करता हुआ, और अपने अभिषिक्त दाऊद पर दया करता हुआ, और उसके वंश पर युगों तक। और ये दाऊद के अंतिम शब्द हैं,

23

विश्वासी दाऊद, यिश्ई का पुत्र, और विश्वासी पुरुष जिसे प्रभु ने याकूब के परमेश्वर के मसीह पर स्थापित किया, और इस्राएल के सुंदर गीत।

प्रभु का आत्मा मुझमें बोला, और उसका वचन मेरी जीभ पर है। इस्राएल के भगवान कहते हैं, इस्राएल के रक्षक ने मुझसे दृष्टांत में बोला, मैंने मनुष्य में कहा, तुम मसीह के भय को कैसे मजबूत करोगे? और परमेश्वर के प्रकाश में सुबह, सूरज सुबह में उगता है, प्रभु प्रकाश से आगे नहीं आया, और जैसे वर्षा से पृथ्वी से हरियाली उगती है। क्योंकि मेरा घर शक्तिशाली के साथ इस प्रकार नहीं है, क्योंकि उसने मेरे लिए शाश्वत वाचा रखी है जो हर समय तैयार और रक्षित है, क्योंकि मेरा सम्पूर्ण उद्धार और सम्पूर्ण इच्छा है, क्योंकि अधर्मी कदापि अंकुरित नहीं होगा। जैसे काँटा बाहर निकाला गया है, ये सब हैं, क्योंकि हाथ से नहीं लिए जाएँगे। और आदमी उनमें नहीं थकेगा, और लोहे से पूर्ण, और भाले की लकड़ी, और आग में जलाएगा, और उनकी शर्म जलाई जाएगी।

ये दाऊद के शक्तिशाली योद्धाओं के नाम हैं, ईश-बोशेत कनानी तीसरे का शासक है, अदीनोन असोनेयुस, इसने अपनी तलवार आठ सौ सैनिकों पर एक साथ खींची। और उसके साथ

एलेअनान था, जो उसके चचेरे भाई का पुत्र था, दूदी का पुत्र, जो दाऊद के साथ तीन शक्तिशाली योद्धाओं में से था। और जब विदेशियों ने उसे निंदा की, तो वे वहाँ युद्ध के लिए एकत्रित हुए, और इस्राएल का पुरुष ऊपर चढ़ गया। वह स्वयं उठा और विदेशियों को तब तक मारता रहा जब तक उसका हाथ थक नहीं गया, और उसका हाथ तलवार से चिपक गया, और प्रभु ने उस दिन महान उद्धार किया, और लोग उसके पीछे केवल लूटने के लिए बैठे थे।

और उसके साथ शमायाह था, जो आसा का पुत्र और अरोखाई था। विदेशी जंगली जानवरों में इकट्ठे हुए, और वहाँ खेत का एक हिस्सा था जो मसूर से भरा हुआ था, और लोग विदेशियों के सामने से भागे। और वह उस भाग के बीच में खड़ा हुआ, और उसने उसे छुड़ाया, और विदेशियों को मारा, और प्रभु ने महान उद्धार किया।

और तीस में से तीन नीचे गए, और वे कासोन में दाऊद के पास गुफा ओदोल्लाम में गए, और विदेशियों की सेना ने रफाईन की घाटी में डेरा डाला। और दाऊद तब गढ़ में था, और विदेशियों की चौकी तब बेथलेहेम में थी। और दाऊद ने इच्छा की और कहा, कौन मुझे बैतलहम के द्वार में स्थित कुंड से पानी पिलाएगा? और विदेशियों की छावनी उस समय बैतलहम में थी। और तीन शक्तिशाली योद्धाओं ने विदेशियों के शिविर में घुसकर बेथलेहेम के फाटक में स्थित गढ़ से पानी खींचा, और उसे लेकर दाऊद के पास आए, परन्तु उसने उसे पीना नहीं चाहा, और उसे प्रभु के लिए उंडेल दिया। और उसने कहा, हे प्रभु, मुझ पर कृपा करो, मैं यह कैसे कर सकता हूँ? क्या मैं उन पुरुषों का रक्त पीऊँ जो अपने प्राणों को जोखिम में डालकर गए थे? और उसने इसे पीना नहीं चाहा। ये कार्य तीनों शक्तिशाली पुरुषों ने किए।

और अबिशै, जो योआब का भाई था, सरूयाह का पुत्र, वह तीनों में शासक था, और उसने अपना भाला तीन सौ घायलों पर उठाया, और उसका नाम तीनों में था। उन तीन में से महिमामय था, और वह उनके लिए शासक बना, और तीन तक नहीं पहुँचा।

और बनायाह, जो यहोयादा का पुत्र था, एक पुरुष था जो महान कर्मों वाला था, कबसेएल से, और उसने मोआब के अरीएल के दो पुत्रों को मारा, और वह नीचे गया और बर्फ के दिन में गड्ढे के बीच में शेर को मारा। उसने स्वयं उस मिस्री पुरुष को मारा, जो एक दृश्यमान पुरुष था, और उस मिस्री के हाथ में एक भाला था जो जुलाहे की धरन की लकड़ी के समान था, और वह एक छड़ी लेकर उसकी ओर गया, और उसने उस मिस्री के हाथ से भाला छीन लिया, और उसे उसी के भाले से मार डाला। ये कार्य बनायाह ने किए, जो यहोयादा का पुत्र था, और उसका नाम तीन शक्तिशाली पुरुषों में था, तीन में से महिमामय था, और तीनों तक नहीं पहुँचा, और दाऊद ने उसे अपने कानों के पास नियुक्त किया। और ये राजा दाऊद के शक्तिशाली योद्धाओं के नाम हैं।

असाहेल योआब का भाई, यह तीस में था, एलानान दूदी का पुत्र जो उसका चचेरा भाई था बेथलेहेम में। सैमा द रूडाएन, शेलेश जो जल्दी में था, ईरास का पुत्र इस्का जो थेकोइट्स का निवासी था, अबीएज़र अनाथोथाइट, अनाथोथाइट के पुत्रों में से, एलोन अवोइते, नोएरे नेतोफथिते, एशाई, जो रिबा का पुत्र था, गबाएथ से, जो बिन्यामीन का पुत्र था, एफ्राथाई का; अस्मोथ, जो बर्दिअमीत था, एमासू सलाबोनी, असान के पुत्र, जोनाथन, समनान हरोदीते, अम्नान जो अराई सरौरीते का पुत्र था। अलिफलेथ अस्बितु का पुत्र, मखाखखी का पुत्र, एलियाब अखितोफेल गेलोनितु का पुत्र, असराई कार्मेलाइट, उराइओएर्ची का गाल, नाथान का पुत्र, शक्तिशाली का पुत्र, गिलाद का, एली अम्मोनी, ईरास द ईथिरेअल, गेराब द एथेनियन, उरिया हित्ती, सब मिलाकर सैंतीस।

24

और प्रभु का क्रोध इस्राएल में फिर भड़क उठा, और उसने दाऊद को उनके विरुद्ध उकसाया, कहते हुए, जा, इस्राएल और यहूदा की गिनती कर। और राजा ने योआब से कहा, जो उसके साथ सेना का शासक था, इस्राएल और यहूदा के सभी कुलों में से होकर जाओ, दान से लेकर बेशेबा

तक, और लोगों की गणना करो, ताकि मैं लोगों की संख्या जान सकूँ। और योआब ने राजा से कहा, प्रभु परमेश्वर लोगों को उनके जैसे सौ गुना बढ़ाए, और मेरे प्रभु राजा की आँखें यह देखें, परन्तु मेरा प्रभु राजा इस बात में क्यों रुचि रखता है? और राजा का वचन योआब और सेना के शासकों के प्रति प्रबल हुआ, और योआब और सामर्थ्य के शासक राजा के सामने इस्राएल के लोगों की जांच करने निकले।

और उन्होंने यरदन को पार किया, और अरोएर में डेरा डाला, जो शहर के दाहिनी ओर था, जो गाद की घाटी के बीच में था, और एलीएजेर में। और वे गिलाद में आए और थाबासोन की भूमि में, जो अदासै है, और वे दानिदान और ऊदान में पहुंचे, और उन्होंने सीदोन को घेर लिया। और वे सोर के माफसार में आए, और हिब्वी और कनानी के सभी शहरों में, और वे यहूदा के दक्षिण में बेशेबा तक आए। और वे सारी भूमि में चारों ओर गए, और नौ महीने और बीस दिन के अंत में यरूशलेम आए। और योआब ने लोगों की गणना की संख्या राजा को दी, और इस्राएल में आठ सौ हजार शक्तिशाली पुरुष थे जो तलवार खींचते थे, और यहूदा में पाँच सौ हजार योद्धा पुरुष थे।

और दाऊद का हृदय उसे तब पीड़ित करने लगा जब उसने लोगों की गिनती कर ली थी, और दाऊद ने प्रभु से कहा, मैंने बहुत बड़ा पाप किया है जो मैंने अब किया है। हे प्रभु, अपने दास के अधर्म को दूर कर दो, क्योंकि मैंने बहुत बड़ी मूर्खता की है।

और दाऊद सुबह उठा, और प्रभु का वचन गाद भविष्यवक्ता के पास आया, जो दर्शी था, यह कहते हुए, जाओ और दाऊद से कहो, प्रभु यह कहते हैं: मैं तुम पर तीन विपत्तियाँ लाता हूँ, और तुम अपने लिए उनमें से एक चुनो, और मैं तुम्हारे साथ वैसा करूँगा। और गाद दाऊद के पास आया, और उसने सूचना दी, और उससे कहा, अपने लिए चुन लो: यदि तुम्हारी भूमि में तीन वर्ष का अकाल आए, या तीन महीने तक तुम अपने शत्रुओं के सामने भागो और वे तुम्हारा पीछा करें, या तुम्हारी भूमि में तीन दिन की मृत्यु हो। अब इसलिए जान लो और देखो कि मैं मुझे भेजने वाले को क्या उत्तर दूँ। और दाऊद ने गाद से कहा, मुझे सब ओर से अत्यधिक संकट है। मैं वास्तव में

प्रभु के हाथों में गिरंगा, क्योंकि उसकी दयाएं अत्यधिक हैं, लेकिन मनुष्य के हाथों में मैं कदापि नहीं गिरंगा।

और दाऊद ने अपने लिए मृत्यु को चुना, और गेहूं की कटाई के दिन थे, और प्रभु ने इस्राएल में सुबह से लेकर दोपहर के समय तक मृत्यु दी, और लोगों में विनाश आरंभ हुआ, और दान से लेकर बर्शेबा तक लोगों में से सत्तर हजार पुरुष मरे। और परमेश्वर के दूत ने यरूशलेम को नष्ट करने के लिए उस पर अपना हाथ बढ़ाया, और प्रभु को इस विपत्ति पर दया आई, और उसने लोगों को नष्ट कर रहे दूत से कहा, बहुत हो गया, अब अपना हाथ रोक लो, और प्रभु का दूत यबूसी ओर्ना के खलिहान के पास था। और दाविद ने प्रभु से कहा जब उसने उस दूत को लोगों को मारते हुए देखा, और कहा, देखो, मैंने गलत किया है, और ये भेड़ें—इन्होंने क्या किया है? तुम्हारा हाथ मुझ पर और मेरे पिता के घर पर हो।

और गाद उस दिन दाऊद के पास आया, और उसने उससे कहा, ऊपर जा, और प्रभु के लिए यबूसी ओर्ना के खलिहान में एक वेदी स्थापित कर। और दाऊद गाद के शब्द के अनुसार ऊपर गया, जिस तरीके से प्रभु ने उसे आज्ञा दी थी। और ओर्ना ने झाँका, और राजा को और उसके सेवकों को ऊपर से गुजरते हुए देखा, और ओर्ना निकला, और राजा के सामने अपना चेहरा भूमि पर रखकर झुका। और ओर्ना ने कहा, क्या बात है कि मेरे स्वामी राजा अपने दास के पास आए हैं? और दाऊद ने कहा, तुमसे यह खलिहान खरीदने के लिए ताकि प्रभु के लिए एक वेदी बनाऊं, और लोगों पर से यह विपत्ति रोकी जाए। और ओर्ना ने दाऊद से कहा, मेरा स्वामी राजा ले और यहोवा को वह चढ़ाए जो उसकी दृष्टि में अच्छा हो। देखो, बैल होमबलि के लिए हैं, और पहिये और बैलों के बर्तन लकड़ी के लिए हैं। सब कुछ ओर्ना ने राजा को दिया, और ओर्ना ने राजा से कहा, यहोवा तुम्हारा परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद दे। और राजा ने ओर्ना से कहा, नहीं, बल्कि मैं तुमसे मूल्य देकर अवश्य प्राप्त करूंगा, और मैं अपने प्रभु परमेश्वर को बिना मूल्य का होमबलि नहीं चढ़ाऊंगा। और दाऊद ने खलिहान और बैलों को पचास शेकेल चांदी में प्राप्त किया। और दाऊद ने वहाँ प्रभु के लिए एक वेदी बनाई, और होमबलि तथा मेलबलि चढ़ाए, और सुलैमान ने उस वेदी

पर बाद में और जोड़ा, क्योंकि वह पहले छोटी थी, और प्रभु ने भूमि की सुनी, और इस्राएल के ऊपर से विपत्ति रोक दी गई।

भजन संहिता

1

धन्य है वह पुरुष, जो दुष्टों की सलाह में नहीं चला, और पापियों के मार्ग में नहीं खड़ा हुआ, और निन्दकों के आसन पर नहीं बैठा। लेकिन प्रभु के नियम में उसकी इच्छा है, और उसके नियम में वह दिन और रात ध्यान करेगा। और वह उस वृक्ष के समान होगा जो जल के मार्गों के पास लगाया गया है, जो अपना फल अपने समय में देगा, और उसका पत्ता नहीं मुरझाएगा, और जो कुछ भी वह करेगा वह समृद्ध होगा।

दुष्ट लोग ऐसे नहीं हैं, ऐसे नहीं हैं, बल्कि उस भूसे के समान हैं जिसे हवा पृथ्वी के मुख से उड़ा देती है। इस कारण अधर्मी न्याय में नहीं उठेंगे, न पापी धर्मियों की सभा में। क्योंकि प्रभु धर्मियों का मार्ग जानते हैं, और दुष्टों का मार्ग नष्ट हो जाएगा।

2

क्यों राष्ट्र क्रोधित हुए, और लोगों ने व्यर्थ बातों का अभ्यास किया? पृथ्वी के राजा खड़े हुए, और

शासक प्रभु के और उसके मसीह के विरुद्ध एकत्रित हुए। आओ हम उनके बंधनों को तोड़ दें, और उनके जुए को अपने ऊपर से फेंक दें।

वह जो स्वर्ग में निवास करता है उन पर हँसेगा, और प्रभु उनका उपहास करेगा। तब वह उनसे अपने क्रोध में बोलेगा, और अपने कोप में उन्हें विचलित करेगा। परन्तु मैं उसके द्वारा उसके पवित्र पर्वत सिय्योन पर राजा नियुक्त किया गया प्रभु के आदेश की घोषणा करते हुए, प्रभु ने मुझसे कहा, तुम मेरे पुत्र हो, मैंने आज तुम्हें जन्म दिया है। मुझसे मांगो, और मैं तुम्हें राष्ट्रों को तुम्हारी विरासत के रूप में दूंगा, और पृथ्वी की सीमाओं को तुम्हारा अधिकार बनाऊंगा। तू उन्हें लोहे की छड़ी से चराएगा, कुम्हार के बर्तन की तरह तू उन्हें चकनाचूर कर देगा।

और अब हे राजाओं, समझो; हे पृथ्वी के सब न्यायियों, शिक्षा ग्रहण करो। प्रभु की सेवा भय के साथ करो, और कांपते हुए आनंदित हो। शिक्षा को पकड़ो, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु क्रोधित हो जाएं, और तुम न्यायपूर्ण मार्ग से नष्ट हो जाओ, जब उसका क्रोध शीघ्रता से भड़क उठे। धन्य हैं वे सब जो उसपर भरोसा करते हैं।

3

भजन दाऊद का, जब वह अपने पुत्र अबशालोम के चेहरे से भाग रहा था।

हे प्रभु, मेरे सताने वाले कितने बढ़ गए हैं! बहुत से मेरे विरुद्ध उठ खड़े होते हैं। बहुत लोग मेरी आत्मा से कहते हैं, उसके लिए उसके ईश्वर में मुक्ति नहीं है। सेला।

लेकिन तू, हे प्रभु, मेरा सहायक है, मेरी महिमा है, और मेरा सिर उठानेवाला है। मैंने अपनी आवाज़ से प्रभु की ओर पुकारा, और उसने अपने पवित्र पहाड़ से मेरी सुनी, सेला। मैं सोया और

गहरी नींद में सोया, मैं जाग उठा, क्योंकि प्रभु मेरी सहायता करेंगे। मैं उन हजारों लोगों से नहीं डरूंगा, जो चारों ओर से मुझ पर हमला कर रहे हैं। उठो प्रभु, मुझे बचाओ हे मेरे भगवान, क्योंकि तुमने उन सबको मारा जो मुझसे व्यर्थ में शत्रुता करते थे, तुमने पापियों के दांत कुचल दिए। प्रभु का उद्धार है, और तेरे लोगों पर तेरा आशीर्वाद है।

4

अंत के लिए, भजनों में दाऊद का गीत।

जब मैंने पुकारा, तो मेरे न्याय के ईश्वर ने मेरी सुनी, संकट में आपने मुझे विस्तार दिया, मुझ पर दया करो, और मेरी प्रार्थना सुनो।

हे मनुष्यों के पुत्रों, कब तक भारी हृदय वाले रहोगे? क्यों प्रेम करते हो व्यर्थता से, और क्यों खोजते हो झूठ को? सेला। और जानो कि प्रभु ने अपने पवित्र जन को अलग किया है, प्रभु मेरी सुनेगा जब मैं उसकी ओर पुकारूँगा। क्रोधित हो, परंतु पाप मत करो; जो कुछ तुम अपने हृदयों में कहते हो, अपने बिस्तरों पर पश्चाताप करो। सेला। न्याय का बलिदान चढ़ाओ, और प्रभु पर आशा रखो।

बहुत लोग कहते हैं, कौन हमें अच्छी चीजें दिखाएगा? हे प्रभु, तेरे चेहरे का प्रकाश हम पर चिह्नित किया गया है। तूने मेरे हृदय में आनंद दिया, उस समय से जब उनका अनाज, दाखरस और तेल बहुत बढ़ गए। शांति में मैं चैन से लेटूंगा और सोऊंगा, क्योंकि हे प्रभु, तूने अकेले आशा में मुझे बसाया है।

5

अंत के लिए, उत्तराधिकारिणी के विषय में, दाऊद का भजन।

हे प्रभु, मेरे शब्दों को सुनो, मेरी पुकार को समझो। मेरी विनती की आवाज़ पर ध्यान दो, हे मेरे राजा और मेरे परमेश्वर, क्योंकि मैं तुम्हारी ओर प्रार्थना करूंगा, हे प्रभु। सुबह को तुम मेरी आवाज़ सुनोगे, सुबह को मैं तुम्हारे सामने खड़ा होऊंगा, और देखूंगा। क्योंकि तू ऐसा परमेश्वर नहीं है जो अधर्म चाहता हो, और न ही दुष्टता करने वाला तेरे पास निवास करेगा। न ही अधर्मी तेरी आँखों के सामने रहेंगे, हे प्रभु, तूने अधर्म करने वालों सभी से घृणा की है। तुम उन सभी को नष्ट करोगे जो झूठ बोलते हैं; खूनी और धोखेबाज़ से प्रभु घृणा करता है। लेकिन मैं तुम्हारी दया की बहुतायत में तुम्हारे घर में प्रवेश करूंगा, तुम्हारे पवित्र मंदिर की ओर तुम्हारे भय में पूजा करूंगा।

हे प्रभु, मेरे शत्रुओं के कारण मुझे अपने न्याय में मार्गदर्शन करो, अपने सामने मेरे मार्ग को सीधा करो। क्योंकि उनके मुख में सत्य नहीं है, उनका हृदय व्यर्थ है, उनका कंठ खुली कब्र है, उन्होंने अपनी जीभों से धोखा दिया। हे परमेश्वर, उनका न्याय करो, वे अपने परामर्शों से गिर जाएं, उनकी दुष्टताओं की बहुतायत के अनुसार उनको निकाल दो, क्योंकि उन्होंने तुमको क्रोधित किया है, हे प्रभु।

और तुझ पर आशा रखने वाले सब लोग प्रसन्न हों, वे सदा के लिए आनन्दित होंगे, और तू उनमें निवास करेगा, और तेरे नाम से प्रेम करने वाले सब लोग तुझ पर घमण्ड करेंगे। क्योंकि हे प्रभु, तू धर्मी को आशीर्वाद देगा, जैसे ढाल से तूने अपनी कृपा का मुकुट हमें पहनाया है।

6

अंत के लिए, भजनों में आठवें के विषय में, दाऊद का भजन।

हे प्रभु, मुझे अपने क्रोध में मत फटकार, और न ही अपने कोप में मुझे ताड़ना दे। हे प्रभु, मुझ पर दया करो, क्योंकि मैं कमजोर हूँ। हे प्रभु, मुझे चंगा करो, क्योंकि मेरी हड्डियाँ व्याकुल हो गई हैं। और मेरी आत्मा बहुत व्याकुल हुई, और हे प्रभु, कब तक? लौट आओ प्रभु, मेरी आत्मा को छुड़ाओ, मुझे अपनी दया के कारण बचाओ। क्योंकि मृत्यु में वह नहीं है जो तुम्हें याद करता है, लेकिन परलोक में कौन तुम्हारी स्तुति करेगा? मैं अपने विलाप में थक गया हूँ, मैं प्रत्येक रात अपना बिस्तर धोऊँगा, अपने आँसुओं से अपनी शय्या को भिगोऊँगा। मेरी आँख क्रोध से परेशान हो गई, मैं अपने सभी शत्रुओं के बीच बूढ़ा हो गया।

दूर हो जाओ मुझसे, सब अधर्म करने वाले, क्योंकि प्रभु ने मेरे रोने की आवाज़ सुनी है। प्रभु ने मेरी विनती सुनी, प्रभु ने मेरी प्रार्थना स्वीकार की। मेरे सब शत्रु अत्यधिक लज्जित और व्याकुल हों, वे शीघ्रता से लौटें और अत्यधिक लज्जित हों।

7

दाऊद का भजन, जो उसने प्रभु के लिए हूशै के शब्दों के विषय में गाया, जो इमेनेई का पुत्र था।

हे प्रभु, मेरे ईश्वर, मैंने तुझ पर आशा रखी, मुझे मेरे सब सताने वालों से बचा, और मुझे छुड़ा, कहीं ऐसा न हो कि वह शेर की तरह मेरी आत्मा को छीन ले, जबकि कोई छुड़ाने वाला न हो, और न कोई बचाने वाला हो।

हे प्रभु, मेरे ईश्वर, यदि मैंने यह किया है, यदि मेरे हाथों में अन्याय है, यदि मैंने उनको प्रतिदान दिया है जो मुझे बुराईयाँ लौटाते हैं, तो मैं अपने शत्रुओं से खाली हाथ गिर जाऊँ। शत्रु मेरी आत्मा

का पीछा करे और उसे पकड़ ले, और मेरे जीवन को भूमि में रौंद डाले, और मेरे गौरव को धूल में बसा दे, सेला।

उठो हे प्रभु अपने क्रोध में, मेरे शत्रुओं की सीमाओं में ऊंचे हो जाओ, जागो हे प्रभु मेरे परमेश्वर, उस आदेश में जो तुमने दिया। और लोगों की सभा तुझे घेरेंगी, और इसके लिए ऊंचाई पर लौट। प्रभु लोगों का न्याय करेंगे; हे प्रभु, मेरे न्याय के अनुसार और मुझ पर मेरी निर्दोषता के अनुसार मेरा न्याय करो। पापियों की दुष्टता वास्तव में पूर्ण हो जाए, और आप न्यायी को निर्देशित करेंगे, हे परमेश्वर, जो हृदयों और गुदों की परीक्षा करते हैं।

मेरी सहायता परमेश्वर से न्यायपूर्ण है, जो सीधे हृदय वालों को बचाता है। वह परमेश्वर धर्मी न्यायाधीश है, और बलवान, और धीरजवान, जो प्रत्येक दिन क्रोध नहीं लाता। यदि तुम नहीं लौटोगे, तो वह अपनी तलवार चमकाएगा, उसने अपना धनुष खींचा है, और उसे तैयार किया है। और उसमें उसने मृत्यु के हथियार तैयार किए, उसने अपने तीरों को जलते हुए बनाया।

देखो, उसने अन्याय में प्रसव-पीड़ा सही, कष्ट को गर्भ में धारण किया, और अधर्म को जन्म दिया। उसने एक गड्ढा खोदा और उसे खोद डाला, और वह उस गड्ढे में गिरेगा जो उसने बनाया। उसका परिश्रम उसके सिर पर लौटेगा, और उसका अन्याय उसके शिखर पर उतरेगा। मैं प्रभु को उसकी धार्मिकता के अनुसार धन्यवाद दूंगा, मैं सर्वोच्च प्रभु के नाम का भजन गाऊंगा।

8

अंत के लिए, दाखरस कुंडों के विषय में, दाऊद का भजन।

हे प्रभु, हमारे प्रभु, कितना अद्भुत है तुम्हारा नाम सारी पृथ्वी पर; क्योंकि तुम्हारी महिमा आकाशों

से भी ऊपर उठाई गई है। शिशुओं और दूध पीते बच्चों के मुख से मैंने स्तुति तैयार की है, तेरे शत्रुओं के कारण, शत्रु और बदला लेने वाले को नष्ट करने के लिए।

क्योंकि मैं तेरी उंगलियों के कार्य, आकाशों को देखूंगा, चाँद और तारे जो तूने स्थापित किए। मनुष्य क्या है कि तू उसे याद रखता है? या मनुष्य का पुत्र क्या है कि तू उसकी सुधि लेता है? तूने उसे दूतों से थोड़ा नीचा बनाया, महिमा और सम्मान से तूने उसे मुकुट पहनाया। और तुमने उसे अपने हाथों के कार्यों पर नियुक्त किया, सब कुछ उसके पैरों के नीचे अधीन कर दिया, भेड़ें और सभी बैल, और मैदान के पशु भी, आकाश के पक्षी, और समुद्र की मछलियाँ, जो समुद्रों के मार्गों पर यात्रा करती हैं। हे प्रभु, हमारे प्रभु, आपका नाम सारी पृथ्वी में कितना अद्भुत है!

9

अंत के लिए, पुत्र की गुप्त बातों के विषय में, दाऊद का भजन।

मैं अपने संपूर्ण हृदय से तुझे धन्यवाद दूंगा, हे प्रभु, मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों को बताऊंगा। मैं प्रसन्न होऊंगा और तुममें आनंदित होऊंगा, हे सर्वोच्च, मैं तुम्हारे नाम का भजन गाऊंगा।

जब मेरा शत्रु पीछे मुड़ेगा, तो वे कमजोर हो जाएंगे और तेरे मुख से नष्ट हो जाएंगे। क्योंकि तुमने मेरा न्याय और मेरा दंड दिया, तुम सिंहासन पर बैठे हो, धार्मिकता का न्याय करने वाले। तूने राष्ट्रों को फटकारा, और वह अधर्मी नष्ट हुआ, उनका नाम तूने सदा के लिए मिटा दिया, और युगानुयुग के लिए। शत्रु की तलवारें अंत में विफल हो गई, और तुमने शहरों को नीचे गिरा दिया, उनका स्मारक ध्वनि के साथ नष्ट हो गया। और प्रभु युगों तक बने रहते हैं, उन्होंने न्याय में अपना सिंहासन तैयार किया है, और वह स्वयं संसार का न्याय धार्मिकता से करेगा, लोगों का न्याय सीधाई से करेगा। और प्रभु गरीब के लिए शरणस्थान बन गया, कठिन समय में सहायक, संकट

में। और जो तुम्हारे नाम को जानते हैं, वे तुम पर आशा रखें, क्योंकि हे प्रभु, तुमने अपने खोजने वालों को नहीं त्यागा।

सिख्योन में निवास करने वाले प्रभु का भजन गाओ, राष्ट्रों में उसके कार्यों की घोषणा करो। क्योंकि उनके रक्त की खोज करते हुए उसने स्मरण किया, उसने गरीबों की प्रार्थना को नहीं भुलाया।

हे प्रभु, मुझ पर दया करो, मेरे शत्रुओं से हुए मेरे अपमान को देखो, जो मुझे मृत्यु के द्वारों से उठाते हो, ताकि मैं सिख्योन की पुत्री के फाटकों में तुम्हारी सब प्रशंसाएं घोषित करूं, मैं तुम्हारे उद्धार पर आनंदित होऊंगा।

राष्ट्र उस विनाश में फंस गए जो उन्होंने किया, उस फंदे में जो उन्होंने छिपाया था, उनका पैर पकड़ा गया। प्रभु न्याय करते हुए जाने जाते हैं, उनके हाथों के कार्यों में पापी पकड़ा गया, भजन का गीत। पापी अधोलोक में मुड़ जाएं, सब राष्ट्र जो परमेश्वर को भूल रहे हैं। क्योंकि गरीब अंत तक नहीं भुलाया जाएगा, गरीबों का धैर्य युगों तक नष्ट नहीं होगा। उठो प्रभु, मनुष्य को मजबूत न होने दो, राष्ट्रों का न्याय तुम्हारे सामने किया जाए। हे प्रभु, उन पर एक विधायक नियुक्त करो, ताकि राष्ट्र जान लें कि वे मनुष्य हैं, सेला।

हे प्रभु, आप क्यों दूर खड़े हैं, आप संकट के अवसरों में क्यों अनदेखा करते हैं? जब दुष्ट अहंकार करता है, तो गरीब सताया जाता है; वे उन्हीं योजनाओं में फंस जाते हैं जो वे स्वयं रचते हैं। क्योंकि पापी अपनी आत्मा की इच्छाओं में प्रशंसा किया जाता है, और अन्यायी आशीर्वादित किया जाता है। पापी ने प्रभु को क्रोधित किया; अपने क्रोध की अधिकता के कारण वह खोज नहीं करेगा। उसके सामने परमेश्वर नहीं है। उसके मार्ग हर समय अपवित्र किए जाते हैं, तेरे निर्णय उसके सामने से हटा दिए जाते हैं, वह अपने सब शत्रुओं पर शासन करेगा। उसने अपने हृदय में कहा, मैं पीढ़ी से पीढ़ी तक बिना किसी बुराई के कभी नहीं हिलाया जाऊंगा। उसका मुँह

शापों, कड़वाहट और छल से भरा है, उसकी जीभ के नीचे परिश्रम और कष्ट है। वह धनवानों के साथ छिपे हुए स्थानों में घात लगाकर बैठता है, निर्दोष को मारने के लिए, उसकी आँखें गरीब की ओर देखती हैं। वह गुप्त स्थान में घात लगाता है, जैसे शेर अपनी मांद में। वह गरीब को पकड़ने के लिए घात लगाता है, गरीब को पकड़ता है जब वह उसे अपने फंदे में खींचता है। वह उसे अपमानित करेगा, वह झुकेगा और गिर जाएगा जब वह गरीबों पर हावी हो जाएगा। उसने अपने हृदय में कहा, परमेश्वर भूल गया है, उसने अपना मुख फेर लिया है ताकि अंत तक न देखे।

उठो हे प्रभु परमेश्वर, तुम्हारा हाथ ऊंचा हो, गरीबों को मत भूलो। किस कारण से दुष्ट ने परमेश्वर को भड़काया? क्योंकि उसने अपने हृदय में कहा, वह नहीं खोजेगा। तू देखता है कि तू कष्ट और क्रोध को समझता है, उन्हें अपने हाथों में सौंपने के लिए। तुझे निर्धन सौंपा गया है, अनाथ का तू सहायक था। पापी और दुष्ट की बांह तोड़ दो, उसका पाप खोजा जाएगा और नहीं पाया जाएगा।

प्रभु युगों-युगों तक शासन करेगा, और राष्ट्र उसकी पृथ्वी से नष्ट हो जाएंगे। प्रभु ने गरीबों की इच्छा सुनी है, तुम्हारे कान ने उनके हृदय की तैयारी पर ध्यान दिया है। अनाथ और विनम्र का न्याय करो, ताकि मनुष्य पृथ्वी पर फिर घमंड न करे।

10

अंत में, दाऊद का भजन। मैंने प्रभु पर भरोसा किया है, तो तुम मेरी आत्मा से कैसे कहोगे, गौरैया की तरह पहाड़ों पर भाग जाओ?

क्योंकि देखो, पापियों ने धनुष खींचा है, तरकश में तीर तैयार किए हैं, ताकि अंधेरे में सीधे हृदय वाले लोगों को तीरों से मार सकें। क्योंकि जो तूने तैयार किया था उसे उन्होंने ढा दिया, लेकिन धर्मी ने क्या किया?

प्रभु अपने पवित्र मंदिर में हैं, प्रभु, स्वर्ग में उनका सिंहासन है, उनकी आँखें गरीब की ओर देखती हैं, उनकी पलकें मनुष्यों के पुत्रों को जांचती हैं। प्रभु धर्मी और अधर्मी की जांच करता है, और जो अन्याय से प्रेम करता है वह अपनी आत्मा से घृणा करता है। वह पापियों पर जाल, आग और गंधक और तूफान की आत्मा बरसाएगा; यह उनके प्याले का हिस्सा है। क्योंकि प्रभु धर्मी है और उसने धार्मिकता से प्रेम किया है, उसके मुख ने सत्यता को देखा है।

11

अंत के लिए, आठवीं के विषय में, दाऊद का भजन।

हे प्रभु, मुझे बचाओ, क्योंकि पवित्र जन समाप्त हो गए हैं, क्योंकि मनुष्यों के पुत्रों में सत्य कम हो गए हैं। व्यर्थ बोला प्रत्येक अपने पड़ोसी से, कपटपूर्ण होंठों से, हृदय में और हृदय में बोले। प्रभु सभी छली होंठों और घमंडी जीभ को नष्ट करे। वे जो कहते हैं, हम अपनी जीभ को बड़ा करते हैं, हमारे होंठ हमारे अपने हैं, हमारा प्रभु कौन है?

गरीबों की दुर्दशा से और गरीबों की कराह से, अब मैं उठूंगा, प्रभु कहते हैं, मैं उद्धार में रखूंगा, मैं उसमें साहस से बोलूंगा। प्रभु के वचन शुद्ध वचन हैं, चाँदी के समान जो परिष्कृत की गई है, पृथ्वी पर परखी गई है, सात गुना शुद्ध की गई है। हे प्रभु, आप हमारी रक्षा करेंगे और हमें इस पीढ़ी से सदा के लिए संरक्षित रखेंगे। चारों ओर दुष्ट घूमते हैं; तेरी ऊँचाई के अनुसार तूने मनुष्यों के पुत्रों को अत्यधिक सम्मान दिया है।

12

अंत के लिए, दाऊद का भजन। कब तक हे प्रभु, तुम मुझे भूलोगे, सदा के लिए? कब तक तुम अपना मुख मुझसे फेरे रखोगे?

कब तक मैं अपनी आत्मा में योजनाएं बनाता रहूंगा, अपने हृदय में दिन भर पीड़ाएं सहता रहूंगा? कब तक मेरा शत्रु मुझ पर ऊंचा उठाया जाएगा? देखो, मेरी सुनो, हे प्रभु मेरे ईश्वर, मेरी आँखों को प्रकाशित करो, कहीं ऐसा न हो कि मैं मृत्यु की नींद सो जाऊँ, कहीं ऐसा न हो कि मेरा शत्रु कहे, मैं उस पर प्रबल हो गया, मेरे सताने वाले आनन्दित होंगे यदि मैं डगमगा जाऊँ।

लेकिन मैंने तुम्हारी दया पर आशा रखी, मेरा हृदय तुम्हारे उद्धार में आनंदित होगा। मैं उस प्रभु का गान करूंगा जिसने मुझ पर उपकार किया है, और परम उच्च प्रभु के नाम का भजन गाऊंगा।

13

अंत के लिए, दाऊद का भजन। मूर्ख ने अपने हृदय में कहा, परमेश्वर नहीं है, वे नष्ट हो गए और आचरणों में घृणित हो गए, भलाई करने वाला कोई नहीं है, एक तक भी नहीं है।

प्रभु ने स्वर्ग से मनुष्यों के पुत्रों पर झाँका, यह देखने के लिए कि क्या कोई समझने वाला है या परमेश्वर को खोजने वाला है। सब भटक गए, सब एक साथ बेकार हो गए, कोई भलाई करने वाला नहीं है, एक भी नहीं है। उनका गला खुली हुई कब्र है, उन्होंने अपनी जीभों से धोखा दिया। उनके होंठों के नीचे सांपों का जहर है। उनका मुँह शाप और कड़वाहट से भरा है। उनके पैर खून बहाने के लिए तेज हैं। उनके रास्तों में विनाश और दुख है। और उन्होंने शांति का रास्ता नहीं जाना। उनकी आंखों के सामने परमेश्वर का भय नहीं है।

क्या नहीं जानेंगे वे सब जो अधर्म करते हैं, जो मेरे लोगों को रोटी की तरह खा जाते हैं? उन्होंने

प्रभु को नहीं पुकारा। वहाँ वे भय से डर गए, जहाँ भय नहीं था, क्योंकि परमेश्वर धर्मी पीढ़ी में है। तुमने गरीब की सलाह को शर्मसार किया, क्योंकि प्रभु उसकी आशा है। कौन देगा सिय्योन से इस्राएल का उद्धार? जब प्रभु अपने लोगों की बंधुआई लौटाएंगे, तब याकूब आनंदित हो, और इस्राएल प्रसन्न हो।

14

दाऊद का भजन। हे प्रभु, कौन तेरे तम्बू में निवास करेगा? और कौन तेरे पवित्र पर्वत पर निवास करेगा?

निर्दोष चलने वाला और धार्मिकता का काम करने वाला, अपने हृदय में सत्य बोलने वाला, जो अपनी जीभ से धोखा नहीं देता, अपने पड़ोसी के साथ बुराई नहीं करता, और अपने निकटतम लोगों पर निंदा नहीं लेता, उसकी दृष्टि में दुष्ट तुच्छ है, लेकिन वह प्रभु से डरने वालों का आदर करता है। जो अपने पड़ोसी से शपथ खाता है और उसे नहीं बदलता। उसने अपनी चाँदी ब्याज पर नहीं दी, और निर्दोषों के विरुद्ध उपहार नहीं लिया; जो ये काम करता है, वह युगों तक नहीं हिलाया जाएगा।

15

दाऊद का शिलालेख। हे प्रभु, मेरी रक्षा करो, क्योंकि मैंने तुझ पर आशा रखी है।

मैंने प्रभु से कहा, तुम मेरे प्रभु हो, क्योंकि तुम्हें मेरी अच्छी चीजों की जरूरत नहीं है। पवित्र लोगों के लिए जो उसकी भूमि में हैं, उसने अपनी सभी इच्छाएँ उनमें अद्भुत बनाई हैं। उनकी

कमजोरियाँ बढ़ गई, इसके बाद उन्होंने जल्दी की, मैं उनकी सभाओं को खून से इकट्ठा नहीं करूंगा, और न ही मैं अपने होंठों से उनके नामों को याद करूंगा। प्रभु मेरी विरासत का भाग और मेरे प्याले का भाग हैं, तू वह है जो मेरी विरासत को मुझे पुनर्स्थापित करता है। रस्सियाँ मुझ पर सबसे अच्छी जगहों में गिरीं, और वास्तव में मेरी विरासत मेरे लिए सबसे उत्तम है।

मैं उस प्रभु को आशीर्वाद दूंगा जिसने मुझे समझ दी, और रात तक मेरे अंतःकरण ने मुझे शिक्षा दी। मैंने प्रभु को अपने सामने निरंतर देखा, क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ पर है ताकि मैं डगमगाऊं नहीं। इस कारण मेरा हृदय प्रसन्न हुआ, और मेरी जीभ आनंदित हुई, और मेरा शरीर भी आशा में निवास करेगा। क्योंकि तू मेरी आत्मा को हेडीस में नहीं छोड़ेगा, और न ही तू अपने पवित्र को भ्रष्टा देखने देगा। तूने मुझे जीवन के मार्ग बताए हैं, तू मुझे अपने चेहरे के साथ आनंद से भर देगा, तेरे दाहिने हाथ में अंत तक सुख हैं।

16

दाऊद की प्रार्थना। हे प्रभु, मेरे न्याय को सुनो, मेरी विनती पर ध्यान दो, मेरी प्रार्थना पर कान लगाओ जो कपटपूर्ण होंठों से नहीं है।

आपके मुख से मेरा न्याय निकले, मेरी आँखें सीधे देखें। तूने मेरे हृदय की परीक्षा ली, रात में तूने विचार किया, तूने मुझे शुद्ध किया, और मुझमें कोई अन्याय नहीं पाया गया। ताकि मेरा मुख न बोले। मनुष्यों के कार्य, तेरे होठों के शब्दों के द्वारा मैंने कठोर मार्गों को रखा। मेरे कदमों को अपने मार्गों में स्थापित करो, ताकि मेरे कदम न हिलें।

मैं चिल्लाया क्योंकि हे भगवान, तुमने मेरी सुनी। अपना कान मेरी ओर झुकाओ और मेरे शब्द सुनो। अपनी दयाओं को आश्चर्यजनक बनाओ, हे तुम पर आशा रखने वालों को बचाने वाले,

उनसे जो तुम्हारे दाहिने हाथ का विरोध करते हैं। मेरी रक्षा करो जैसे आँख की पुतली की, अपने पंखों की छाया में तुम मुझे आश्रय दोगे दुष्टों के चेहरे से, जिन्होंने मुझे सताया, मेरे शत्रुओं ने मेरी आत्मा को घेर लिया। उनकी चर्बी उन्होंने बंद कर दी, उनका मुंह अहंकार बोला। मुझे निकालकर अब उन्होंने मुझे घेर लिया है, उन्होंने अपनी दृष्टि भूमि पर गिराने के लिए लगाई है। उन्होंने मुझे ऐसे माना जैसे कोई शेर शिकार के लिए तैयार हो, और जैसे कोई शावक छिपे हुए स्थानों में रहता हो। हे प्रभु, उठो, उन्हें रोको और उन्हें ठोकर खिलाओ, मेरी आत्मा को अधर्मी से छुड़ाओ, अपनी तलवार से। हे प्रभु, अपने शत्रुओं के हाथ से मुक्त करते हुए, पृथ्वी से उनको उनके जीवन में विभाजित करो, और तेरे छिपे हुए से उनका पेट भरा गया, वे पुत्रों से संतुष्ट हुए, और उन्होंने शेष अपने शिशुओं को छोड़ दिया।

मैं धार्मिकता में तुम्हारे मुख को देखूंगा, तुम्हारी महिमा के दर्शन से तृप्त होऊंगा।

17

अंत तक प्रभु के सेवक दाऊद को, जो शब्द उसने प्रभु से इस गीत के बोले, उस दिन में जब प्रभु ने उसको उसके सब शत्रुओं के हाथ से और शाऊल के हाथ से बचाया, और उसने कहा,

मैं तुझसे प्रेम करूंगा, हे प्रभु, मेरी शक्ति। प्रभु मेरी दृढ़ता, और मेरी शरण, और मेरा छुड़ानेवाला है, परमेश्वर मेरा सहायक है, मैं उस पर आशा करूंगा, मेरा रक्षक, और मेरे उद्धार का सींग, और मेरा सहायक। प्रशंसा करते हुए मैं प्रभु को पुकारूंगा, और अपने शत्रुओं से बचाया जाऊंगा। मृत्यु की पीड़ाओं ने मुझे घेर लिया, और अधर्म की धाराओं ने मुझे व्याकुल कर दिया। अधोलोक की पीड़ाओं ने मुझे घेर लिया, मृत्यु के जाल मुझ पर आ पड़े।

और जब मैं पीड़ित था, मैंने प्रभु को पुकारा, और अपने ईश्वर की ओर मैंने चिल्लाया। उसने अपने

पवित्र मंदिर से मेरी आवाज़ सुनी। और मेरी पुकार उसके सामने उसके कानों में प्रवेश करेगी।

और धरती हिल गई और कांपने लगी, और पहाड़ों की नींव व्याकुल हो गई और हिल गई, क्योंकि परमेश्वर उन पर क्रोधित हुए। उसके क्रोध में धुआँ ऊपर उठा, और उसके चेहरे से आग धधक उठी, कोयले उससे प्रज्वलित हुए। और उसने स्वर्ग को झुकाया और नीचे आया, और उसके पैरों के नीचे अंधकार था। और वह करूबों पर चढ़ा और उड़ा, वह हवाओं के पंखों पर उड़ा। और उसने अंधकार को अपना छिपने का स्थान बनाया, उसके चारों ओर उसका तंबू था, बादलों में अंधकारमय जल हवाओं का। उसके सामने की चमक से बादल गुजर गए, ओले और आग के अंगारे। और प्रभु स्वर्ग से गरजे, और परमप्रधान ने अपनी आवाज़ दी। और उसने तीर भेजे और उनको तितर-बितर किया, और बिजलियाँ बढ़ाई और उनको व्याकुल किया। और जल के स्रोत दिखाई दिए, और बसे हुए संसार की नींव उघाड़ी गई, हे प्रभु, आपकी फटकार से, आपके क्रोध की आत्मा के झोंके से।

उसने ऊँचाई से भेजा और मुझे ले लिया, उसने मुझे बहुत जल से निकाला। वह मुझे मेरे शक्तिशाली शत्रुओं से छुड़ाएगा, और मुझसे घृणा करने वालों से, क्योंकि वे मुझसे अधिक मजबूत थे। उन्होंने मेरी पीड़ा के दिन में मुझे आगे निकल लिया, और प्रभु मेरा सहारा बन गए। और उसने मुझे एक विशाल स्थान में ले गया, वह मुझे छुड़ाएगा, क्योंकि उसने मुझे चाहा। और प्रभु मुझे मेरी धार्मिकता के अनुसार प्रतिफल देगा, और मेरे हाथों की शुद्धता के अनुसार मुझे प्रतिफल देगा। क्योंकि मैंने प्रभु के मार्गों को बनाए रखा, और मैंने अपने परमेश्वर से दुष्टता नहीं की। क्योंकि उसके सब निर्णय मेरे सामने हैं, और उसकी विधियाँ मुझसे दूर नहीं हटीं। और मैं उसके साथ निर्दोष रहूँगा, और अपने अधर्म से अपनी रक्षा करूँगा। और प्रभु मुझे मेरे न्याय के अनुसार प्रतिफल देगा, और मेरे हाथों की शुद्धता के अनुसार उसकी आँखों के सामने।

पवित्र के साथ तू पवित्र बनाया जाएगा, और निर्दोष पुरुष के साथ तू निर्दोष होगा। और चुने हुए के साथ तू चुना हुआ होगा, और टेढ़े के साथ तू विकृत हो जाएगा। क्योंकि तुम विनम्र लोगों को

बचाओगे, और अहंकारियों की आँखों को नीचा करोगे। क्योंकि हे प्रभु, तू मेरे दीपक को प्रकाशित करेगा, मेरा परमेश्वर मेरे अंधकार को प्रकाशित करेगा। क्योंकि तुझ में मैं परीक्षा से छुड़ाया जाऊंगा, और मेरे परमेश्वर में मैं दीवार को लांघूंगा। मेरा ईश्वर निर्दोष है, उसका मार्ग निर्दोष है, प्रभु के वचन शुद्ध हैं, वह उन सभी का रक्षक है जो उस पर आशा रखते हैं। क्योंकि प्रभु के सिवाय कौन देवता है? और हमारे देवता के सिवाय कौन देवता है?

वह परमेश्वर जो मुझे शक्ति से कमरबंद करता है, और उसने मेरे मार्ग को निर्दोष बनाया, वह जो मेरे पैरों को हिरण के समान बनाता है, और मुझे ऊँचे स्थानों पर खड़ा करता है, मेरे हाथों को युद्ध के लिए सिखाते हुए, और तुमने मेरी भुजाओं पर कांस्य का धनुष रखा। और तुमने मुझे मेरे उद्धार की ढाल दी, और तुम्हारे दाहिने हाथ ने मुझे थाम लिया, और तुम्हारी शिक्षा ने मुझे अंत तक सीधा किया, और तुम्हारी यह शिक्षा मुझे सिखाएगी। तूने मेरे कदम मेरे नीचे चौड़े किए, और मेरे पदचिह्न कमजोर नहीं हुए। मैं अपने शत्रुओं का पीछा करूंगा, और उन्हें पकड़ लूंगा, और पीछे नहीं हटूंगा, जब तक वे नष्ट न हो जाएं। मैं उन्हें कुचल दूंगा, और वे खड़े होने में सक्षम नहीं होंगे, वे मेरे पैरों के नीचे गिरेंगे। और तूने मुझे युद्ध के लिए शक्ति से कमर बाँधी, तूने उन सबको जो मेरे विरुद्ध उठे थे मेरे अधीन कर दिया। और तूने मेरे शत्रुओं को मेरे सामने पीठ दिखाई, और जो मुझसे घृणा करते थे उन्हें तूने पूर्णतः नष्ट कर दिया। वे चिल्लाए, और कोई बचाने वाला नहीं था, प्रभु की ओर भी, और उसने उनकी नहीं सुनी। और मैं उन्हें हवा के सामने की धूल की तरह बारीक बनाऊंगा, गलियों की मिट्टी की तरह मैं उन्हें पीस दूंगा। मुझे लोगों के विवादों से छुड़ा, तू मुझे जातियों का सिर नियुक्त करेगा, जिन लोगों को मैंने नहीं जाना, उन्होंने मेरी सेवा की। कान से सुनते ही मेरी बात मानी गई, परदेशी पुत्रों ने मुझसे झूठ बोला। पराए पुत्र पुराने हो गए, और अपने मार्गों से लंगड़ाते हुए चले।

प्रभु जीवित है, और मेरा परमेश्वर धन्य है, और मेरे उद्धार का परमेश्वर ऊँचा किया जाए। वह ईश्वर जो मुझे बदला देता है, और लोगों को मेरे अधीन करता है, मेरा छुड़ानेवाला क्रोधी शत्रुओं से, मेरे विरुद्ध उठनेवालों से तू मुझे ऊँचा करेगा, अन्यायी मनुष्य से तू मुझे छुड़ाएगा। इस कारण मैं राष्ट्रों

में तुम्हारा धन्यवाद करूंगा, हे प्रभु, और तुम्हारे नाम का भजन गाऊंगा। अपने राजा के उद्धार को बड़ा करते हुए, और अपने अभिषिक्त डेविड पर और उसके वंश पर युगों तक दया करते हुए।

18

अंत के लिए, दाऊद का भजन।

आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन करते हैं, और आकाशमंडल उसके हाथों की कृति की घोषणा करता है। दिन से दिन वचन प्रकट करता है, और रात से रात ज्ञान की घोषणा करती है। ऐसे कोई भाषण नहीं हैं और न ही ऐसे शब्द हैं, जिनके स्वर सुने न जाते हों। समस्त भूमि में उनकी ध्वनि गई, और बसे हुए संसार की सीमाओं तक उनके शब्द पहुंचे। सूर्य में उसने अपना तंबू स्थापित किया, और वह अपने कक्ष से निकलते हुए दूल्हे के समान है, वह अपना मार्ग दौड़ने के लिए दानव के समान आनंदित होगा। आकाश के एक छोर से उसका निकास होता है, और उसका आगमन आकाश के दूसरे छोर तक होता है, और कोई नहीं है जो उसकी गर्मी से छिपा रहेगा।

प्रभु का नियम निर्दोष है, जो आत्माओं को लौटाता है; प्रभु की गवाही विश्वासयोग्य है, जो अबोधों को बुद्धिमान बनाती है। प्रभु के विधान सीधे हैं जो हृदय को आनंदित करते हैं, प्रभु की आज्ञा उज्ज्वल है जो नेत्रों को प्रकाशित करती है। प्रभु का भय शुद्ध है और युगानुयुग बना रहता है, प्रभु के निर्णय सत्य हैं और पूर्णतः न्यायसंगत हैं। सोने और बहुमूल्य पत्थरों से अधिक वांछनीय, और शहद तथा मधुमक्खी के छत्ते से अधिक मीठे। और क्योंकि तेरा दास उनकी रक्षा करता है, उनकी रक्षा करने में बहुत बड़ा प्रतिफल है।

अपराधों को कौन समझेगा? मेरी गुप्त बातों से मुझे शुद्ध करो। और दूसरों के पापों से अपने दास

को बचाओ, यदि वे मुझ पर हावी न हों, तब मैं निर्दोष रहूंगा, और महान पाप से शुद्ध हो जाऊंगा। और मेरे मुख के शब्द और मेरे हृदय का ध्यान तेरे सामने सदा अनुग्रह में होंगे, हे प्रभु, मेरे सहायक और मेरे उद्धारक।

19

अंत के लिए, दाऊद का भजन।

प्रभु तुम्हारी सुने कष्ट के दिन में, याकूब के परमेश्वर का नाम तुम्हारी रक्षा करे। वह तुझे पवित्र स्थान से सहायता भेजे, और सिय्योन से तेरा सहारा बने। आपके सभी बलिदानों को याद किया जाए, और आपकी होमबलि स्वीकार की जाए, सेला। वह तुम्हें तुम्हारे हृदय के अनुसार दे, और तुम्हारी सारी योजना को पूर्ण करे। हम तुम्हारे उद्धार में आनन्दित होंगे, और हमारे परमेश्वर के नाम में हम महान किए जाएंगे, प्रभु तुम्हारी सब विनितियाँ पूरी करे।

अब मैं जान गया कि प्रभु ने अपने मसीह को बचाया है, वह उसे अपने पवित्र स्वर्ग से सुनेगा, उसके दाहिने हाथ की शक्तियों में मुक्ति है। ये रथों पर और ये घोड़ों पर, लेकिन हम प्रभु हमारे परमेश्वर के नाम में महान किए जाएंगे। वे स्वयं बेड़ियों में जकड़कर गिर गए, लेकिन हम उठ खड़े हुए और सीधे खड़े हो गए। हे प्रभु, राजा को बचाओ और हमारी सुनो, जिस दिन हम तुम्हें पुकारें।

20

अंत के लिए, दाऊद का भजन।

प्रभु, तेरी शक्ति में राजा प्रसन्न होगा, और तेरे उद्धार पर वह अत्यधिक आनन्दित होगा। उसकी

आत्मा की इच्छा तुमने उसे दी, और उसके होंठों की प्रार्थना से तुमने उसे वंचित नहीं किया, सेला। क्योंकि तुमने उसे भलाई के आशीर्वादों में पहले जाकर प्राप्त किया, तुमने उसके सिर पर कीमती पत्थर का मुकुट रखा। जीवन उसने तुझसे माँगा, और तूने उसे दिनों की दीर्घायु युगानुयुग के लिए प्रदान की। महान है उसकी महिमा तुम्हारे उद्धार में, महिमा और भव्यता तुम उस पर रखोगे। क्योंकि तू उसे युगों-युग का आशीर्वाद देगा, तू उसे अपने चेहरे के साथ आनंद में प्रसन्न करेगा। क्योंकि राजा प्रभु पर आशा रखता है, और सर्वोच्च की दया में वह कभी नहीं डगमगाएगा।

तुम्हारा हाथ तुम्हारे सभी शत्रुओं को मिल जाए, तुम्हारा दाहिना हाथ उन सभी को पा ले जो तुमसे घृणा करते हैं। तू रखेगा उनको जैसे भट्ठा आग का मैं समय का चेहरे तेरे, प्रभु में क्रोध उसके व तू उनके फल को पृथ्वी से नष्ट कर देगा, और उनके वंश को मनुष्यों के पुत्रों में से मिटा देगा। क्योंकि उन्होंने तुम्हारे विरुद्ध बुराइयाँ की, उन्होंने एक षड्यंत्र रचा, जिसे वे स्थापित नहीं कर सकेंगे। क्योंकि तू उन्हें अपने बचे हुआओं में पीठ दिखाने पर मजबूर करेगा, तू उनका सामना तैयार करेगा। हे प्रभु, अपनी शक्ति में ऊँचे किए जाओ, हम तुम्हारे सामर्थ्य का गान करेंगे और स्तुति करेंगे।

21

अंत के लिए, प्रातःकालीन सहायता के विषय में, दाऊद का भजन।

हे ईश्वर, हे मेरे ईश्वर, मुझ पर ध्यान दो, तुमने मुझे क्यों त्याग दिया? मेरे उद्धार से दूर हैं मेरे अपराधों के शब्द। हे मेरे परमेश्वर, मैं दिन में तुम्हारी ओर पुकारूंगा और तुम नहीं सुनोगे, और रात में भी, और यह मेरे लिए मूर्खता नहीं है।

तू पवित्र में निवास करता है, इस्राएल की स्तुति। तुझ पर हमारे पिताओं ने भरोसा किया, उन्होंने भरोसा किया और तूने उन्हें बचाया। तुम्हारी ओर उन्होंने पुकारा और बचाए गए, तुम पर उन्होंने आशा रखी और लज्जित नहीं हुए। मैं तो कीड़ा हूँ और मनुष्य नहीं, मनुष्यों की निंदा और लोगों की तुच्छ वस्तु हूँ। सभी जो मुझे देख रहे थे उन्होंने मेरा मजाक उड़ाया, होंठों से बोले और सिर हिलाया। उसने प्रभु पर आशा की, वह उसे छुड़ाए, वह उसे बचाए, क्योंकि वह उसे चाहता है। क्योंकि तू ही है जिसने मुझे गर्भ से बाहर निकाला, तू मेरी आशा है मेरी माता के स्तनों से। तुम पर मैं गर्भ से डाला गया था, मेरी माता के पेट से तुम मेरे परमेश्वर हो।

मुझसे दूर मत हटो, क्योंकि संकट निकट है, क्योंकि कोई सहायता करने वाला नहीं है। बहुत से बछड़ों ने मुझे चारों ओर से घेर लिया, मोटे साँड़ों ने मुझे घेर लिया। उन्होंने मुझ पर अपना मुँह खोला, जैसे सिंह जो शिकार पकड़ता और गरजता है। जैसे जल मैं बहा दिया गया, और मेरी सभी हड्डियाँ बिखर गईं, मेरा हृदय मेरे पेट के बीच में पिघलते मोम जैसा हो गया। मेरी शक्ति मिट्टी के बर्तन के टुकड़े की तरह सूख गई है, और मेरी जीभ मेरे गले से चिपक गई है, और तूने मुझे मृत्यु की धूल में उतार दिया है। क्योंकि बहुत कुत्तों ने मुझे घेर लिया, दुष्टता करने वालों की सभा ने मुझे घेर लिया, उन्होंने मेरे हाथों और पैरों को खोदा। उन्होंने मेरी सभी हड्डियाँ गिनीं, और उन्होंने मुझे ध्यान से देखा। उन्होंने मेरे वस्त्र आपस में बाँट लिए, और मेरे वस्त्र पर उन्होंने चिट्ठी डाली।

परन्तु हे प्रभु, मेरी सहायता को दूर मत करना, मेरी रक्षा की ओर ध्यान देना। मेरी आत्मा को तलवार से मुक्त करो, और मेरी एकलौती को कुत्ते के हाथ से बचाओ। मुझे शेर के मुँह से बचाओ, और एकसींगों के सींगों से मेरी दीनता को बचाओ।

मैं तुम्हारा नाम अपने भाइयों को बताऊंगा, सभा के बीच में मैं तुम्हारी स्तुति करूंगा। जो प्रभु से डरते हैं, उसकी स्तुति करो, याकूब के सब वंशज उसकी महिमा करो, इस्राएल के सब वंशज उससे डरो। क्योंकि उसने गरीब की विनती को तुच्छ नहीं जाना, न उससे घृणा की, न उसने

अपना मुख मुझसे फेर लिया, और जब मैंने उसकी ओर पुकारा तो उसने मेरी सुनी। तुम्हारे से मेरी स्तुति महान सभा में है, मैं अपनी प्रार्थनाएँ उनके सामने चुकाऊँगा जो उससे डरते हैं।

गरीब खाएंगे और तृप्त होंगे, और जो उसे खोजते हैं वे प्रभु की स्तुति करेंगे, उनके हृदय युगानुयुग जीवित रहेंगे। पृथ्वी की सब सीमाएं याद करेंगी और प्रभु की ओर मुड़ेंगी, और राष्ट्रों के सब परिवार उसके सामने पूजा करेंगे। क्योंकि राज्य प्रभु का है, और वह राष्ट्रों पर शासन करता है। पृथ्वी के सब धनवानों ने खाया और प्रणाम किया, उसके सामने वे सब गिर जाएंगे जो मृत्यु में उतर रहे हैं, और मेरी आत्मा उसके लिए जीवित है। और मेरा वंश उसकी सेवा करेगा, आने वाली पीढ़ी को प्रभु के बारे में घोषित किया जाएगा, और वे उसकी धार्मिकता की घोषणा उन लोगों को करेंगे जो जन्म लेंगे, जिसे प्रभु ने किया है।

22

भजन डेविड का। प्रभु मेरा चरवाहा है, और मुझे किसी चीज़ की कमी नहीं होगी।

घास के स्थान में वहाँ उसने मुझे बसाया, विश्राम के जल के पास उसने मुझे पोषण दिया। उसने मेरी आत्मा को लौटाया, उसने मुझे धार्मिकता के मार्गों पर ले गया, अपने नाम के कारण। यदि मैं मृत्यु की छाया के मध्य में भी चलूँ, तो मैं बुराइयों से नहीं डरूँगा, क्योंकि तू मेरे साथ है, तेरी छड़ी और तेरी लाठी, इन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया। तूने मेरे सामने मेज़ तैयार की, मुझे दबाने वालों के सामने, तूने मेरे सिर का तेल से अभिषेक किया, और तेरा प्याला सबसे उत्तम की तरह नशा करने वाला है। और आपकी दया मेरे जीवन के सभी दिनों में मेरा पीछा करेगी, और मैं प्रभु के घर में दीर्घ काल तक निवास करूँगा।

23

दाऊद का भजन, सप्ताह के पहले दिन का। पृथ्वी और उसकी परिपूर्णता प्रभु की है, बसा हुआ संसार और वे सब जो इसमें निवास करते हैं।

उसने स्वयं इसे समुद्रों पर स्थापित किया, और नदियों पर इसे तैयार किया।

कौन चढ़ेगा प्रभु के पहाड़ पर, और कौन खड़ा होगा उसके पवित्र स्थान में? निर्दोष हाथों वाला और शुद्ध हृदय वाला, जिसने व्यर्थ के लिए अपनी आत्मा को नहीं लिया, और जिसने छल से अपने पड़ोसी के प्रति शपथ नहीं ली। यह प्रभु से आशीर्वाद लेगा, और अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर से दया। यह पीढ़ी है जो उसे खोजती है, जो याकूब के परमेश्वर का मुख खोजती है। सेला।

उठाओ द्वार, हे तुम्हारे शासकों, और उठाए जाओ, हे शाश्वत द्वारों, और महिमा का राजा प्रवेश करेगा। कौन है यह महिमा का राजा? प्रभु शक्तिशाली और सामर्थ्यवान, प्रभु जो युद्ध में सामर्थ्यवान है। हे तुम्हारे शासकों, द्वारों को उठाओ, और हे शाश्वत द्वारों, ऊपर उठाए जाओ, और महिमा का राजा प्रवेश करेगा। कौन है यह महिमा का राजा? सेनाओं का प्रभु, वही है महिमा का राजा।

24

भजन दाऊद का। हे प्रभु, तुम्हारी ओर मैंने अपनी आत्मा उठाई।

हे मेरे परमेश्वर, मैंने तुझ पर भरोसा किया है; मुझे लज्जित न होना पड़े, और न मेरे शत्रु मेरा उपहास करें। और क्योंकि सब जो तेरी प्रतीक्षा करते हैं, वे कभी शर्मिंदा नहीं किए जाएंगे; शर्मिंदा

हों वे जो व्यर्थ में अधर्म करते हैं। हे प्रभु, अपने मार्ग मुझे बताओ, और अपने पथ मुझे सिखाओ। मुझे अपने सत्य की ओर ले चलो और मुझे सिखाओ, क्योंकि तुम मेरे परमेश्वर और उद्धारकर्ता हो, और मैंने पूरे दिन तुम्हारी प्रतीक्षा की है। हे प्रभु, अपनी करुणाओं को याद करो और अपनी दयाओं को, क्योंकि वे सनातन काल से हैं। मेरी युवावस्था के पाप और मेरी अज्ञानता को याद मत करना, अपनी दया के अनुसार मुझे याद करना, अपनी भलाई के कारण, हे प्रभु।

प्रभु अच्छा और सीधा है, इसलिए वह मार्ग में पाप करने वालों को विधान देगा। वह नम्र लोगों को न्याय में मार्गदर्शन करेगा, वह नम्र लोगों को अपने मार्ग सिखाएगा। प्रभु के सब मार्ग दया और सत्य हैं उनके लिए जो उसकी वाचा और उसकी साक्ष्य को खोजते हैं। हे प्रभु, अपने नाम के लिए, मेरे पाप को क्षमा कर, क्योंकि वह बहुत बड़ा है। कौन है वह मनुष्य जो प्रभु से डरता है? वह उसे उस मार्ग में व्यवस्था देगा जो उसने चुना। उसका आत्मा अच्छी चीजों में निवास करेगा, और उसका वंश भूमि को विरासत में पाएगा। प्रभु उनकी शक्ति हैं जो उनसे डरते हैं, और उनकी वाचा उन पर प्रकट करने के लिए है।

मेरी आँखें निरंतर प्रभु की ओर लगी रहती हैं, क्योंकि वह मेरे पैरों को फंदे से निकालेंगे। मेरी ओर देखो और मुझ पर दया करो, क्योंकि मैं एकलौता और गरीब हूँ। मेरे हृदय के क्लेश बढ़ गए हैं, मेरे संकटों से मुझे बाहर निकालो। मेरा अपमान और मेरा कष्ट देखो, और मेरे सभी पापों को क्षमा करो। देखो मेरे शत्रुओं को, क्योंकि वे बढ़ गए हैं, और उन्होंने अन्यायपूर्ण घृणा से मुझसे घृणा की है। मेरी आत्मा की रक्षा करो और मुझे छुड़ाओ, मैं शर्मिदा न हो जाऊँ, क्योंकि मैंने तुम पर आशा रखी है। निर्दोष और सीधे लोग मुझसे चिपके रहे, क्योंकि मैंने तुम्हारी प्रतीक्षा की, हे प्रभु। हे ईश्वर, इस्राएल को उसके सब कष्टों से छुड़ा।

दाऊद का। हे प्रभु, मेरा न्याय करो, क्योंकि मैं अपनी निर्दोषता में चला, और प्रभु पर आशा रखते हुए मैं कभी नहीं डगमगाऊंगा।

हे प्रभु, मेरी परीक्षा लो और मुझे जाँचो, मेरे गुदों और मेरे हृदय को शुद्ध करो।

क्योंकि तुम्हारी दया मेरी आँखों के सामने है, और मैंने तुम्हारे सत्य में प्रसन्नता पाई है। मैं व्यर्थता की परिषद् के साथ नहीं बैठा, और अधर्मियों के साथ मैं कदापि प्रवेश नहीं करूँगा। मैंने दुष्टता करने वालों की सभा से घृणा की, और अधर्मियों के साथ नहीं बैठूँगा। मैं अपने हाथों को निर्दोषता में धोऊँगा, और हे प्रभु, तेरी वेदी के चारों ओर घूमूँगा। स्तुति की आवाज़ सुनने के लिए, और तेरे सब चमत्कारों को सुनाने के लिए। प्रभु, मैंने तेरे घर की सुंदरता से प्रेम किया, और तेरी महिमा के निवास के स्थान से। दुष्टों के साथ मेरी आत्मा को नष्ट मत करो, और रक्तपात करने वाले पुरुषों के साथ मेरा जीवन मत नष्ट करो। जिनके हाथों में अधर्म है, उनका दाहिना हाथ उपहारों से भरा हुआ है। लेकिन मैं अपनी निर्दोषता में चला, मुझे छुड़ाओ और मुझ पर दया करो। मेरा पैर सीधाई में स्थिर है, सभाओं में मैं तुम्हें आशीर्वाद दूँगा, हे प्रभु।

26

दाऊद का, अभिषेक होने से पहले। प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धारकर्ता है, मैं किससे डरूँगा? प्रभु मेरे जीवन का रक्षक है, मैं किससे भयभीत होऊँगा?

जब बुराई करने वाले मेरे मांस को खाने के लिए मेरे निकट आए, तो मुझे सताने वाले और मेरे शत्रु, वे स्वयं कमजोर हो गए और गिर पड़े। यदि मेरे विरुद्ध शिविर खड़ा हो जाए, तो मेरा हृदय नहीं डरेगा; यदि मेरे विरुद्ध युद्ध छिड़ जाए, तो इसमें भी मैं आशा रखता हूँ। एक चीज़ मैंने प्रभु से माँगी, उसी को मैं खोजूँगा, कि मैं प्रभु के घर में अपने जीवन के सब दिन निवास करूँ, प्रभु के

सौंदर्य को देखूँ, और उसके मंदिर में आराधना करूँ। क्योंकि उसने मुझे अपने तंबू में मेरी बुराइयों के दिन में छिपाया, उसने मुझे अपने तंबू के गुप्त स्थान में ढांपा, चट्टान पर उसने मुझे ऊंचा किया। और अब देखो, उसने मेरा सिर मेरे शत्रुओं के ऊपर ऊँचा उठाया, मैंने घेरा और मैंने उसके तंबू में जयघोष का बलिदान किया, मैं गाऊंगा और प्रभु के लिए भजन गाऊंगा,

हे प्रभु, मेरी आवाज़ सुनो जिससे मैंने पुकारा, मुझ पर दया करो, और मेरी सुनो। तुम्हें मेरे हृदय ने कहा, मैंने तुम्हारे मुख को खोजा, हे प्रभु, तुम्हारे मुख को मैं खोजूंगा। अपना चेहरा मुझसे मत मोड़ो, क्रोध में अपने दास से मत हटो, मेरे सहायक बनो, मुझे मत त्यागो, और मुझे उपेक्षा मत करो, हे परमेश्वर, हे मेरे उद्धारकर्ता। क्योंकि मेरे पिता और मेरी माता ने मुझे त्याग दिया, लेकिन प्रभु ने मुझे स्वीकार किया। हे प्रभु, मुझे अपने मार्ग में स्थापित करो, और मेरे शत्रुओं के कारण मुझे सीधे पथ पर चलाओ। मुझे उन लोगों की आत्माओं में मत सौंपो जो मुझे उत्पीड़ित करते हैं, क्योंकि अन्यायी साक्षी मेरे विरुद्ध उठ खड़े हुए हैं, और अन्याय ने स्वयं से झूठ बोला है।

मैं विश्वास करता हूँ कि मैं प्रभु की अच्छी चीजें जीवितों की भूमि में देखूँगा। प्रभु की प्रतीक्षा करो, साहसी बनो, और तुम्हारा हृदय मजबूत हो, और प्रभु की प्रतीक्षा करो।

27

दाऊद का। हे प्रभु, मैंने तुम्हें पुकारा, हे मेरे देवता, मुझ पर चुप मत रहो, कहीं ऐसा न हो कि तुम मुझ पर चुप रहो, और मैं उनके समान हो जाऊँ जो गड्ढे में उतर रहे हैं।

मेरी प्रार्थना की आवाज़ सुनो, जब मैं तुम्हारी ओर प्रार्थना करता हूँ, जब मैं अपने हाथ तुम्हारे पवित्र मंदिर की ओर उठाता हूँ। मेरी आत्मा को पापियों के साथ मत खींचो, और अन्याय करने वालों के साथ मुझे नष्ट मत करो, जो अपने पड़ोसियों के साथ शांति की बातें करते हैं, लेकिन

उनके हृदयों में बुराइयाँ हैं। उनको उनके कर्मों के अनुसार दो, और उनके आचरणों की दुष्टता के अनुसार, उनके हाथों के कर्मों के अनुसार उनको दो, उनका प्रतिफल उनको लौटा दो। क्योंकि वे प्रभु के कार्यों को और उसके हाथों के कार्यों को नहीं समझे, तू उनको ढा देगा और उनको फिर से नहीं बनाएगा।

धन्य हैं प्रभु, क्योंकि उन्होंने मेरी प्रार्थना की आवाज़ सुनी। प्रभु मेरे सहायक और मेरे रक्षक हैं, उन पर मेरे हृदय ने आशा की, और मुझे सहायता मिली, और मेरा शरीर पुनर्जीवित हुआ, और मैं अपनी इच्छा से उन्हें धन्यवाद दूंगा। प्रभु अपने लोगों की शक्ति है, और अपने मसीह के उद्धार का रक्षक है।

अपने लोगों को बचाओ, और अपनी विरासत को आशीर्वाद दो, और उनकी चरवाही करो, और उन्हें युगों तक उठाए रखो।

28

दाऊद का भजन, तम्बू के प्रस्थान का। हे परमेश्वर के पुत्रों, प्रभु के लिए लाओ; मेढ़ों के पुत्रों को मेढ़े के लिए लाओ; प्रभु के लिए महिमा और सम्मान लाओ।

प्रभु के नाम की महिमा लाओ, उसके पवित्र आंगन में प्रभु को दंडवत करो।

प्रभु की आवाज़ जलों के ऊपर है, महिमा का परमेश्वर गरजा, प्रभु अनेक जलों के ऊपर है। प्रभु की आवाज़ शक्ति में है, प्रभु की आवाज़ महिमा में है। प्रभु की आवाज़ देवदार के पेड़ों को तोड़ती है, प्रभु लबानोन के देवदार के पेड़ों को तोड़ेगा। और वह उन्हें लबानोन के बछड़े की तरह कुचल देगा, और प्रिय एक सींग वालों के पुत्र की तरह है। प्रभु की वाणी आग की लौ को काटती है।

प्रभु की आवाज़ जंगल को हिलाती है, प्रभु कादेश के जंगल को हिलाएगा। प्रभु की आवाज़ हिरणों को तैयार करती है, और जंगलों को प्रकट करती है, और उसके मंदिर में हर कोई महिमा का उच्चारण करता है। प्रभु जलप्रलय में निवास करते हैं, और प्रभु राजा के रूप में सदा के लिए विराजमान होंगे। प्रभु अपने लोगों को शक्ति देगा, प्रभु अपने लोगों को शांति में आशीर्वाद देगा।

29

अंत के लिए, दाऊद के घर के समर्पण का गीत भजन।

मैं तुझे ऊँचा करूँगा, हे प्रभु, क्योंकि तूने मुझे सम्भाला, और मेरे शत्रुओं को मुझ पर प्रसन्न नहीं होने दिया। हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, मैंने तुम्हारी ओर पुकारा, और तुमने मुझे चंगा किया। प्रभु, तुमने मेरी आत्मा को नरक से ऊपर लाया, तुमने मुझे गड्ढे में उतरने वालों से बचाया।

हे प्रभु के पवित्र जनों, उसके लिए भजन गाओ, और उसकी पवित्रता की स्मृति का धन्यवाद करो। क्योंकि उसके क्रोध में कोप है, और उसकी इच्छा में जीवन है, शाम को रोना ठहरेगा, और सुबह को आनंद होगा।

मैंने अपनी समृद्धि में कहा था, मैं सदा के लिए कभी नहीं डिगूँगा। प्रभु, अपनी इच्छा में तुमने मेरी सुंदरता को शक्ति प्रदान की, लेकिन तुमने अपना मुख फेर लिया, और मैं व्याकुल हो गया। हे प्रभु, आपकी ओर मैं पुकारूँगा और अपने परमेश्वर से विनती करूँगा। मेरे खून में क्या लाभ है, मेरे विनाश में उतरने में? क्या धूल तुम्हें स्वीकार करेगी? या क्या वह तुम्हारे सत्य की घोषणा करेगी? प्रभु ने सुना और मुझ पर दया की, प्रभु मेरा सहायक बन गया। तूने मेरे विलाप को आनंद में बदल दिया, तूने मेरा टाट फाड़ दिया, और तूने मुझे प्रसन्नता से सुसज्जित किया। ताकि मेरी महिमा तुझे गाए, और मैं शोकाकुल न होऊँ। हे प्रभु मेरे परमेश्वर, मैं सदा तेरा धन्यवाद करूँगा।

अंत में, दाऊद का भजन, विस्मय का।

हे प्रभु, मैंने तुझ पर आशा रखी, मैं सदा के लिए लज्जित न होऊँ, अपनी धार्मिकता में मुझे बचा और मुझे छुड़ा। अपना कान मेरी ओर झुकाओ, मुझे छुड़ाने के लिए जल्दी करो, मेरे लिए रक्षक परमेश्वर बनो और मुझे बचाने के लिए शरण का घर बनो। क्योंकि तुम मेरी शक्ति और मेरी शरण हो, और तुम्हारे नाम के कारण तुम मेरा मार्गदर्शन करोगे और मेरा पोषण करोगे। तू मुझे इस फंदे से निकालेगा जो उन्होंने मेरे लिए छिपाया है, क्योंकि तू मेरा रक्षक है, हे प्रभु। तेरे हाथों में मैं अपनी आत्मा सौंपूँगा; हे प्रभु, सत्य के परमेश्वर, तूने मुझे छुड़ाया है। तूने उनसे घृणा की जो व्यर्थ बातों की व्यर्थ में रक्षा करते हैं, लेकिन मैंने प्रभु पर आशा रखी। मैं आनंदित होऊँगा और प्रसन्न होऊँगा तुम्हारी दया पर, क्योंकि तुमने मेरे अपमान को देखा, तुमने मेरी आत्मा को संकटों से बचाया। और तूने मुझे शत्रु के हाथों में बंद नहीं किया, तूने मेरे पैरों को विशाल स्थान में स्थापित किया।

मुझ पर दया करो, हे प्रभु, क्योंकि मैं पीड़ित हूँ। क्रोध में मेरी आँख, मेरी आत्मा और मेरा पेट व्याकुल हो गए हैं। क्योंकि मेरा जीवन दर्द में समाप्त हुआ, और मेरे वर्ष कराहों में बीते, मेरी शक्ति गरीबी में कमजोर हुई, और मेरी हड्डियाँ व्याकुल हुई। सभी शत्रुओं से मैं निन्दा बन गया, और अपने पड़ोसियों के लिए अत्यधिक निन्दा, और अपने परिचितों के लिए भय; जो मुझे बाहर देखते थे, वे मुझसे भाग गए। मैं हृदय से भुला दिया गया, जैसे कोई मृत व्यक्ति; मैं एक खोए हुए बर्तन के समान हो गया। क्योंकि मैंने चारों ओर रहने वाले बहुतों की निन्दा सुनी, जब वे एक साथ मेरे विरुद्ध इकट्ठा हुए, उन्होंने मेरी आत्मा लेने की योजना बनाई।

लेकिन मैंने तुम पर आशा की, हे प्रभु; मैंने कहा, तुम मेरे परमेश्वर हो। तेरे हाथों में मेरे भाग्य हैं,

मुझे मेरे शत्रुओं के हाथ से छुड़ा, और मेरे सताने वालों से। अपना चेहरा अपने दास पर चमकाओ, अपनी दया से मुझे बचाओ। हे प्रभु, मैं लज्जित न हो जाऊँ, क्योंकि मैंने तुम्हें पुकारा है; दुष्ट लज्जित हों और वे अधोलोक में डाल दिए जाएं। धोखेबाज़ होंठ गूंगे हो जाएं, जो धर्मी के विरुद्ध अधर्म बोलते हैं अहंकार और तिरस्कार में।

हे प्रभु, तेरी दयालुता की बहुतायत कितनी महान है, जो तूने उनके लिए छिपाई है जो तुझसे डरते हैं; तूने उनके लिए बनाई है जो तुझ पर आशा रखते हैं, मनुष्यों के पुत्रों के सामने। तुम उन्हें अपने चेहरे के गुप्त स्थान में मनुष्यों के उपद्रव से छिपाओगे, तुम उन्हें तम्बू में जीभों के विवाद से आश्रय दोगे। धन्य है प्रभु, क्योंकि उसने घेराबंदी के नगर में अपनी दया को अद्भुत बनाया है। मैंने अपने उन्माद में कहा था कि मैं तुम्हारी दृष्टि से दूर फेंक दिया गया हूँ, इसीलिए हे प्रभु, तुमने मेरी विनती की आवाज़ सुनी जब मैं तुम्हारी ओर पुकार रहा था।

प्रेम करो प्रभु को, हे सब पवित्र लोगो, क्योंकि प्रभु सत्य को खोजता है, और जो अत्यधिक अहंकार करते हैं उन्हें प्रतिफल देता है। साहसी बनो, और तुम सबका हृदय मजबूत हो, जो प्रभु पर आशा रखते हो।

31

दाऊद की समझ के लिए। धन्य हैं वे जिनके अधर्म के कार्य क्षमा किए गए, और जिनके पाप ढके गए।

धन्य पुरुष जिसको नहीं नहीं गिने प्रभु पाप, और न

क्योंकि मैं चुप रहा, मेरी हड्डियाँ घिस गईं मेरे पूरे दिन चिल्लाते रहने से। क्योंकि दिन और रात

तुम्हारा हाथ मुझ पर भारी था, मैं दुख में बदल गया जब काँटा गड़ा, सेला। मेरा पाप मैंने प्रकट किया, और मैंने अपना अधर्म नहीं छिपाया, मैंने कहा, मैं अपने विरुद्ध अपना अधर्म प्रभु के सामने स्वीकार करूँगा, और तूने मेरे हृदय की दुष्टता को क्षमा कर दिया, सेला। इसके लिए हर पवित्र जन उपयुक्त समय में तुम्हारी ओर प्रार्थना करेगा, परन्तु बहुत जल की बाढ़ में वे उसके पास नहीं पहुँचेंगे। तू मेरी शरण है उस क्लेश से जो मुझे घेरे हुए है, मेरा आनंद, मुझे उनसे छुड़ा जो मुझे घेरे हुए हैं, विराम।

मैं तुझे निर्देश दूँगा और मैं तुझे इस मार्ग में मार्गदर्शन करूँगा जिसमें तू जाएगा, मैं अपने नेत्र तुझ पर स्थिर करूँगा। घोड़े और खच्चर की तरह मत बनो, जिनमें समझ नहीं है, जिनके जबड़ों को लगाम और मुखबंध से कसना पड़ता है ताकि वे तुम्हारे पास न आएं। पापी के बहुत से कोड़े हैं, लेकिन जो प्रभु पर आशा रखता है उसे दया घेर लेगी। हे धर्मियों, प्रभु में आनंदित हो और हर्षित हो, और तुम सब जो हृदय के सीधे हो, घमंड करो।

32

दाविद को। हे धर्मियो, प्रभु में आनन्दित हो; सीधे लोगों को स्तुति शोभा देती है।

प्रभु को वीणा पर धन्यवाद दो, दस तार वाली सारंगी पर उनके लिए भजन गाओ। उसके लिए नया गीत गाओ, जयघोष के साथ अच्छी तरह से भजन गाओ।

क्योंकि प्रभु का वचन सीधा है, और उसके सब कार्य विश्वास में हैं। प्रभु धार्मिकता और न्याय से प्रेम करता है, पृथ्वी उसकी दया से भरी हुई है। प्रभु के वचन से आकाश स्थापित हुए, और उसके मुख की आत्मा से उनकी सम्पूर्ण शक्ति। समुद्र के जल को मशक की तरह एकत्र करते हुए, गहराइयों को खजानों में रखते हुए। सारी पृथ्वी प्रभु से डरे, और उससे बसे हुए संसार में रहने

वाले सब लोग कांप उठें। क्योंकि उसने कहा और वे अस्तित्व में आ गए, उसने आज्ञा दी और वे रचे गए। प्रभु राष्ट्रों की योजनाओं को तितर-बितर करता है, लोगों के विचारों को अस्वीकार करता है, और शासकों की योजनाओं को अस्वीकार करता है। परन्तु प्रभु की योजना युगानुयुग बनी रहती है, उसके हृदय के विचार पीढ़ी दर पीढ़ी बने रहते हैं। धन्य है वह राष्ट्र जिसका प्रभु उसका परमेश्वर है, वह लोग जिसे उसने अपने लिए विरासत के रूप में चुना है। स्वर्ग से प्रभु ने देखा, उसने मनुष्यों के सभी पुत्रों को देखा। अपने तैयार निवास स्थान से उसने पृथ्वी के सभी निवासियों पर दृष्टि डाली। वह जिसने केवल उनके हृदयों को रचा है, वह उनके सभी कार्यों को समझता है। राजा बहुत शक्ति के कारण नहीं बचाया जाता है, और दानव अपनी ताकत की बहुतायत में नहीं बचाया जाएगा। घोड़ा उद्धार के लिए झूठा है, और अपनी महान शक्ति में भी वह नहीं बचाया जाएगा।

देखो, प्रभु की आँखें उन पर हैं जो उससे डरते हैं, जो उसकी दया पर आशा रखते हैं। मृत्यु से उनकी आत्माओं को बचाना, और अकाल में उनका पोषण करना। हमारी आत्मा प्रभु में धैर्य रखती है, क्योंकि वह हमारा सहायक और रक्षक है। क्योंकि उसमें हमारा हृदय प्रसन्न होगा, और उसके पवित्र नाम में हमने आशा की है। हे प्रभु, आपकी दया हम पर हो, जैसे हमने आप पर आशा की है।

33

दाऊद के लिए, जब उसने अबीमेलेक के सामने अपना चेहरा बदला, और उसने उसे छोड़ दिया, और वह चला गया।

मैं प्रभु को हर समय आशीर्वाद दूंगा, उसकी स्तुति निरंतर मेरे मुख में रहेगी। प्रभु में मेरी आत्मा की प्रशंसा की जाएगी, नम्र लोग सुनें और आनंदित हों। प्रभु को मेरे साथ महिमामंडित करो, और

उसके नाम को साथ मिलकर ऊँचा करें।

मैंने प्रभु को खोजा और उसने मेरी सुनी, और मेरी सभी विपत्तियों से उसने मुझे बचाया। उसके पास आओ और प्रकाशित हो जाओ, और तुम्हारे चेहरे कभी शर्मिदा नहीं होंगे। यह गरीब चिल्लाया, और प्रभु ने उसकी सुनी, और उसके सब कष्टों से उसे बचाया। प्रभु का दूत उनके चारों ओर डेरा डालेगा जो उससे डरते हैं, और उन्हें छुड़ाएगा। चखो और देखो कि प्रभु अच्छा है, धन्य है वह पुरुष जो उस पर आशा रखता है। प्रभु से डरो, उसके सब पवित्र लोगो, क्योंकि उससे डरने वालों को कोई कमी नहीं है। धनवान निर्धन हो गए और भूखे रहे, परन्तु जो प्रभु को खोजते हैं उन्हें किसी अच्छी वस्तु की कमी नहीं होगी। सेला।

आओ बच्चों, मेरी सुनो, मैं तुम्हें प्रभु का भय सिखाऊंगा। कौन है वह मनुष्य जो जीवन चाहता है, जो अच्छे दिन देखने से प्रेम करता है? अपनी जीभ को बुराई से रोको, और अपने होंठों को छल बोलने से बचाओ। बुराई से दूर हटो, और अच्छाई करो, शांति को खोजो, और इसका अनुसरण करो।

प्रभु की आँखें धर्मियों पर हैं, और उसके कान उनकी प्रार्थना की ओर हैं। लेकिन प्रभु का चेहरा बुराई करने वालों पर है, ताकि पृथ्वी से उनका स्मारक नष्ट कर दे। धर्मी लोगों ने पुकारा, और प्रभु ने उनकी सुनी, और उन्होंने उन्हें उनके सब क्लेशों से छुड़ाया। प्रभु टूटे हुए हृदय वालों के निकट है, और विनम्र आत्मा वालों को बचाएगा। धर्मियों की विपत्तियाँ बहुत सी हैं, और उन सब से वह उनको छुड़ाएगा। प्रभु उनकी सभी हड्डियों की रक्षा करता है, उनमें से एक भी नहीं तोड़ी जाएगी। पापियों की मृत्यु दुष्ट है, और जो न्यायी से घृणा करते हैं वे अपराध करेंगे। प्रभु अपने दासों की आत्माओं को छुड़ाएगा, और वे सब जो उस पर आशा रखते हैं अपराध नहीं करेंगे।

दाऊद को। हे प्रभु, मेरे साथ गलत करने वालों का न्याय करो, मेरे साथ युद्ध करने वालों से युद्ध करो।

हथियार और ढाल पकड़ लो, और मेरी सहायता के लिए उठो। तलवार निकालो, और मेरा पीछा करने वालों के सामने बंद कर दो, मेरी आत्मा से कहो, मैं तुम्हारा उद्धार हूँ। वे लज्जित हों और भ्रमित हों जो मेरी आत्मा को खोज रहे हैं, वे पीछे मुड़ जाएँ, और वे अपमानित हों जो मेरे विरुद्ध बुराईयों का विचार कर रहे हैं। वे हवा के सामने धूल के समान हो जाएँ, और प्रभु का दूत उन्हें कुचले। उनका मार्ग अंधकार और फिसलन भरा हो जाए, और प्रभु का दूत उनका पीछा करे। क्योंकि उन्होंने बिना कारण मेरे लिए अपने फंदे का विनाश छिपाया, व्यर्थ ही मेरी आत्मा की निंदा की।

उन पर वह फंदा आए जिसे वे नहीं जानते, और जो शिकार उन्होंने छिपाया था, वह उन्हें पकड़े, और वे उसी फंदे में गिरें। परन्तु मेरा आत्मा प्रभु में आनन्दित होगा, वह उसके उद्धार में प्रसन्न होगा। मेरी सभी हड्डियाँ कहेंगी, हे प्रभु, कौन तुम्हारे समान है? जो गरीब को उससे अधिक शक्तिशाली के हाथ से छुड़ाता है, और गरीब तथा दीन को उन लुटेरों से बचाता है जो उसे लूटते हैं।

उठकर अन्यायी गवाहों ने, जो मैं नहीं जानता था, मुझसे पूछताछ की। उन्होंने मुझे अच्छाई के बदले बुराई दी, और मेरी आत्मा को बांझपन दिया। लेकिन मैं, जब वे मुझे परेशान करते थे, टाट पहनता था, और उपवास में अपनी आत्मा को दीन करता था, और मेरी प्रार्थना मेरी गोद में लौट आएगी। जैसे पड़ोसी के साथ, जैसे अपने भाई के साथ, इस प्रकार मैं प्रसन्न करता था; जैसे शोक करता हुआ और उदास होता हुआ, इस प्रकार मैं विनीत हुआ। और वे मेरे विरुद्ध आनंदित हुए, और एकत्रित हुए, मुझ पर कोड़े एकत्रित हुए और मैंने नहीं जाना, वे फाड़े गए और वे व्याकुल नहीं हुए। उन्होंने मेरी परीक्षा ली, उन्होंने मेरा उपहास किया, उन्होंने मुझ पर अपने दांत पीसे।

प्रभु, कब तक देखोगे? मेरी आत्मा को उनकी दुष्टता से पुनर्स्थापित करो, सिंहीं से मेरी एकलौती को बचाओ। मैं तुम्हें धन्यवाद दूंगा और बड़ी सभा में, भारी लोगों में मैं तुम्हारी प्रशंसा करूंगा। मेरे शत्रु मुझ पर व्यर्थ में आनन्दित न हों, जो मुझसे बिना कारण घृणा करते हैं और आँखों से संकेत करते हैं। क्योंकि वे मुझसे तो शांतिपूर्ण बातें कर रहे थे, और क्रोध में छल की योजना बना रहे थे। और उन्होंने मुझ पर अपना मुँह खोला, उन्होंने कहा, शाबाश, शाबाश, हमारी आँखों ने देख लिया।

हे प्रभु, आपने देखा है, मौन मत रहो; हे प्रभु, मुझसे दूर मत हटो। जागो प्रभु, और मेरे निर्णय पर ध्यान दो, हे मेरे परमेश्वर और मेरे प्रभु, मेरे न्याय के लिए। हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, अपनी धार्मिकता के अनुसार मेरा न्याय करो, और उन्हें मुझ पर आनंदित न होने दो। वे अपने हृदयों में न कहें, अच्छा, अच्छा हमारी आत्मा के लिए, और न ही वे कहें, हमने उसे निगल लिया। वे शर्मिदा हों और लज्जित हों साथ में जो मेरी बुराइयों पर आनंदित होते हैं, वे शर्म और अपमान पहनें जो मुझ पर घमंड से बोलते हैं। वे आनन्दित हों और प्रसन्न हों जो मेरी धार्मिकता चाहते हैं, और वे निरन्तर कहें, प्रभु की महिमा हो, जो उसके दास की शान्ति चाहते हैं। और मेरी जीभ तेरे धार्मिकता का ध्यान करेगी, सारे दिन तेरी स्तुति करेगी।

35

अंत के लिए, प्रभु के दास दाऊद को।

अधर्मी अपने मन में पाप करने के विषय में कहता है, उसके नेत्रों के सामने ईश्वर का भय नहीं है। क्योंकि उसने उसके सामने धोखा दिया, उसके अधर्म को खोजने और उससे घृणा करने के लिए। उसके मुख के शब्द अधर्म और छल हैं; उसने अच्छा करने को समझने की इच्छा नहीं की। अधर्म का उसने अपने बिस्तर पर विचार किया, वह हर बुरे मार्ग पर खड़ा हुआ, लेकिन बुराई से उसे घृणा नहीं हुई।

हे प्रभु, आपकी दया स्वर्ग में है, और आपकी सत्यता बादलों तक पहुँचती है। हे प्रभु, तेरी धार्मिकता परमेश्वर के पर्वतों के समान है, तेरे न्याय महान गहरे रसातल के समान हैं, तू मनुष्यों और पशुओं को बचाएगा। जैसे तुमने अपनी दया को बहुगुणित किया है हे परमेश्वर, वैसे ही मनुष्यों के पुत्र तेरे पंखों के आश्रय में आशा करेंगे। वे तेरे घर की समृद्धि से नशे में हो जाएंगे, और तू उन्हें अपने विलास की धारा पिलाएगा। क्योंकि तुम्हारे पास जीवन का स्रोत है; तुम्हारे प्रकाश में हम प्रकाश देखेंगे।

अपनी दया उन पर बढ़ाओ जो तुझे जानते हैं, और अपनी धार्मिकता उन पर जो हृदय से सच्चे हैं। अहंकार का पैर मुझ तक न आने दो, और पापियों का हाथ मुझे न हिलाए।

वहाँ सब अधर्म करने वाले गिर गए, वे निकाल दिए गए और खड़े होने में सक्षम नहीं हैं।

36

दाऊद का। दुष्ट बनने वालों से ईर्ष्या मत करो, और न ही अधर्म करने वालों से ईर्ष्या करो।

क्योंकि वे घास के समान शीघ्र सूख जाएंगे, और हरी घास की सब्जियों के समान शीघ्र गिर जाएंगे। प्रभु पर आशा रखो और भलाई करो, भूमि में निवास करो और तुम उसकी समृद्धि से पाले जाओगे। प्रभु में आनंद लो, और वह तुम्हें तुम्हारे हृदय की इच्छाएँ देगा। अपना मार्ग प्रभु के सामने प्रकट करो, और उस पर आशा रखो, और वह करेगा। और वह तुम्हारी धार्मिकता को प्रकाश के समान बाहर लाएगा, और तुम्हारे न्याय को दोपहर के समान।

प्रभु के अधीन रहो और उससे विनती करो, उस व्यक्ति से ईर्ष्या मत करो जो अपने मार्ग में समृद्ध हो रहा है, उस मनुष्य से जो अधर्म करता है। क्रोध से रुको और कोप को त्याग दो, ईर्ष्या मत करो

ताकि बुराई न करो। क्योंकि बुराई करने वाले नष्ट किए जाएंगे, परन्तु जो प्रभु की प्रतीक्षा करते हैं, वे पृथ्वी के उत्तराधिकारी होंगे। और थोड़ी देर में पापी नहीं रहेगा, और तू उसका स्थान खोजेगा, और तू नहीं पाएगा। लेकिन नम्र लोग भूमि को विरासत में पाएंगे, और शांति की बहुतायत पर आनंद लेंगे।

पापी न्यायी को देखेगा, और उस पर अपने दांत पीसेगा। परन्तु प्रभु उस पर हँसेगा, क्योंकि वह पूर्वदिखता है कि उसका दिन आएगा। पापियों ने तलवार खींची और अपना धनुष तना, ताकि गरीब और दीन को गिरा दें, और हृदय से सीधे लोगों का वध करें। उनकी तलवार उनके हृदय में प्रवेश करे, और उनके धनुष चकनाचूर हो जाएं।

न्यायी के लिए थोड़ा, पापियों के बहुत धन से बेहतर है। क्योंकि पापियों की भुजाएँ चकनाचूर की जाएँगी, लेकिन प्रभु धर्मियों को सहारा देता है।

प्रभु निर्दोष लोगों के मार्गों को जानता है, और उनका उत्तराधिकार युगों तक बना रहेगा। वे बुरे समय में शर्मिदा नहीं किए जाएंगे, और अकाल के दिनों में संतुष्ट किए जाएंगे। क्योंकि पापी नष्ट होंगे, लेकिन प्रभु के शत्रु, उनके महिमामंडित होने और ऊपर उठाए जाने के साथ ही, धुएँ की तरह विफल होते हुए विफल हो गए। पापी उधार लेता है और नहीं चुकाता, लेकिन धर्मी दया करता है और देता है। क्योंकि जो उसे आशीर्वाद देते हैं वे भूमि के वारिस होंगे, लेकिन जो उसे शाप देते हैं वे नष्ट कर दिए जाएंगे।

प्रभु द्वारा मनुष्य के कदम निर्देशित किए जाते हैं, और वह उसके मार्ग की इच्छा करेगा। जब वह गिरता है तो कुचला नहीं जाएगा, क्योंकि प्रभु उसके हाथ को सहारा देते हैं। मैं युवा था, और अब बूढ़ा हो गया हूँ, परन्तु मैंने कभी धर्मी को त्यागा हुआ नहीं देखा, और न ही उसकी संतान को रोटी माँगते हुए देखा। पूरा दिन वह दया करता और उधार देता है, और उसका वंश आशीर्वाद का पात्र होगा।

बुराई से दूर हटो, और भलाई करो, और युगानुयुग निवास करो। क्योंकि प्रभु न्याय से प्रेम करता है, और वह अपने पवित्र लोगों को कभी नहीं त्यागेगा; वे सदा के लिए संरक्षित रहेंगे, निर्दोष लोगों का बदला लिया जाएगा, और दुष्टों का वंश नष्ट कर दिया जाएगा। धर्मी लोग भूमि को विरासत में प्राप्त करेंगे, और उस पर युगानुयुग निवास करेंगे।

न्यायी का मुख बुद्धि का ध्यान करेगा, और उसकी जीभ न्याय बोलेगी। उसके परमेश्वर का नियम उसके हृदय में है, और उसके कदम नहीं डगमगाएंगे। पापी धर्मी को देखता है और उसे मार डालने का प्रयास करता है परन्तु प्रभु उसे उसके हाथों में नहीं त्यागेगा, और न ही उसे दोषी ठहराएगा, जब उसका न्याय किया जाए। प्रभु की प्रतीक्षा करो और उसके मार्ग की रक्षा करो, और वह तुम्हें ऊंचा करेगा ताकि तुम भूमि को विरासत में प्राप्त करो; जब पापी नष्ट हो रहे होंगे, तब तुम देखोगे।

मैंने अधर्मी को अत्यधिक ऊँचा उठते हुए देखा, और लेबनान के देवदार के वृक्षों की तरह ऊपर उठते हुए। और मैं आगे बढ़ गया, और देखो वह नहीं था, और मैंने उसे खोजा, और उसका स्थान नहीं पाया गया। निर्दोषता की रक्षा करो और सीधेई को देखो, क्योंकि शांतिपूर्ण मनुष्य के लिए अवशेष है। परन्तु अधर्मी एक साथ नष्ट किए जाएंगे, अधर्मियों के अवशेष नष्ट किए जाएंगे। धर्मियों का मोक्ष प्रभु से है, और वह उनका रक्षक है क्लेश के समय में। और प्रभु उनकी सहायता करेगा, और उनको छुड़ाएगा, और उनको पापियों से निकालेगा, और उनको बचाएगा; क्योंकि उन्होंने उस पर आशा रखी।

37

दाऊद का भजन सब्त के विषय में स्मरण के लिए।

प्रभु, अपने क्रोध में मुझे मत फटकार, और न अपने क्रोध में मुझे अनुशासित कर। क्योंकि तुम्हारे तीर मुझमें धंस गए हैं, और तुमने मुझ पर अपना हाथ रख दिया है।

मेरे मांस में तेरे क्रोध के कारण कोई उपचार नहीं है, मेरी हड्डियों में मेरे पापों के कारण कोई शांति नहीं है। क्योंकि मेरे अधर्म के कार्य मेरे सिर से ऊपर उठ गए हैं, जैसे भारी बोझ वे मुझ पर भारी हो गए थे। मेरे घाव सड़ गए और गल गए, मेरी मूर्खता के कारण। मैंने कष्ट सहा और अंत तक थकता रहा, पूरे दिन उदास होकर चलता रहा। क्योंकि मेरी आत्मा उपहासों से भर गई थी, और मेरे मांस में कोई उपचार नहीं है। मैं बहुत पीड़ित हुआ और अत्यधिक नम्र किया गया, मैं अपने हृदय की कराह से गरजा।

और तुम्हारे सामने मेरी सारी इच्छा है, और मेरा कराहना तुमसे छिपा नहीं है। मेरा हृदय व्याकुल हो गया है, मेरी शक्ति ने मुझे त्याग दिया है, और मेरी आँखों का प्रकाश मेरे साथ नहीं है। मेरे मित्र और मेरे पड़ोसी मेरे सामने आकर खड़े हो गए, और मेरे सबसे निकट के लोग दूर से खड़े रहे। और वे मेरी आत्मा को खोजने वाले दबाव डालते थे, और वे जो मुझे बुराईयाँ खोजते थे उन्होंने व्यर्थताएँ बोलीं, और सारा दिन छल का अभ्यास किया। लेकिन मैं बहरे की तरह नहीं सुना, और गूंगे की तरह अपना मुँह नहीं खोला और मैं उस मनुष्य के समान बन गया जो नहीं सुनता, और जिसके मुख में कोई फटकार नहीं है।

क्योंकि मैंने तुझ पर आशा की है, हे प्रभु, तू सुनेगा, हे प्रभु, मेरे परमेश्वर। क्योंकि मैंने कहा, कहीं मेरे शत्रु मुझ पर आनंदित न हों, और जब मेरे पैर डगमगाए, तो उन्होंने मुझ पर बड़ा घमंड किया। क्योंकि मैं कोड़ों के लिए तैयार हूँ, और मेरा दर्द मेरे सामने निरंतर है। क्योंकि मैं अपने अधर्म को घोषित करूँगा, और अपने पाप के लिए चिंतित रहूँगा। परन्तु मेरे शत्रु जीवित हैं, और मुझसे अधिक मजबूत हो गए हैं, और जो मुझसे अन्यायपूर्वक घृणा करते हैं वे बढ़ गए हैं। जो लोग अच्छाईयों के बदले बुराईयाँ लौटा रहे थे, वे मेरी निंदा कर रहे थे, क्योंकि मैं धार्मिकता का पीछा कर रहा था। हे प्रभु, मेरे ईश्वर, मुझे मत त्यागो, मुझसे दूर मत हटो। मेरी सहायता पर ध्यान

दीजिए, हे मेरे उद्धार के प्रभु।

38

अंत के लिए, इदिथून को, दाविद का गीत।

मैंने कहा, मैं अपने मार्गों की रक्षा करूंगा, ताकि अपनी जीभ से पाप न करूं, मैंने अपने मुंह पर पहरा बिठाया, जब पापी मेरे सामने खड़ा हुआ। मैं मूक हो गया और नम्र किया गया और अच्छी बातों से मौन हो गया, और मेरा दर्द फिर से ताज़ा हो गया। मेरा हृदय मेरे भीतर गर्म हुआ, और मेरे ध्यान में आग प्रज्वलित होगी; मैंने अपनी जीभ से बोला

हे प्रभु, मुझे मेरा अंत ज्ञात करो, और मेरे दिनों की संख्या क्या है, ताकि मैं जान सकूँ कि मुझमें क्या कमी है। देखो, तुमने मेरे दिनों को प्राचीन बना दिया, और मेरा अस्तित्व तुम्हारे सामने कुछ भी नहीं के समान है, सिवाय इसके कि सब कुछ व्यर्थता है, हर जीवित मनुष्य, सेला। फिर भी मनुष्य एक छवि में गुजरता है, सिवाय इसके कि वह व्यर्थ में परेशान होता है, खजाना इकट्ठा करता है, और नहीं जानता कि किसके लिए उन्हें इकट्ठा करेगा।

और अब मेरा धैर्य कौन है? क्या प्रभु नहीं? और मेरा अस्तित्व तुम्हारे पास है, सेला। मेरे सब अधर्मों से मुझे छुड़ा; तूने मुझे मूर्ख के लिए निंदा बना दिया। मैं गूंगा हो गया और मैंने अपना मुँह नहीं खोला, क्योंकि तू ही है जिसने मुझे बनाया। अपने कोड़े मुझसे हटाओ, अपने हाथ की शक्ति से मैं असफल हो गया हूँ। फटकारों में अधर्म के लिए तूने मनुष्य को अनुशासित किया, और तूने उसकी आत्मा को मकड़ी के जाले की तरह पिघला दिया, फिर भी व्यर्थ में हर मनुष्य परेशान होता है, सेला।

हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनो और मेरी विनती पर कान दो, मेरे आँसुओं को अनसुना मत करो, क्योंकि मैं इस भूमि में परदेशी और अजनबी हूँ, जैसे मेरे सभी पितर थे। मुझे छोड़ दो ताकि मैं जाने से पहले ताज़ा हो जाऊँ, और फिर मैं अब और नहीं रहूँगा।

39

अंत के लिए, दाऊद का भजन।

सहन करते हुए मैंने प्रभु की प्रतीक्षा की, और उन्होंने मुझ पर ध्यान दिया, और मेरी प्रार्थना सुनी। और उसने मुझे दुख के गड्ढे से बाहर लाया, और कीचड़ दलदल से, और मेरे पैरों को चट्टान पर स्थापित किया, और मेरे कदमों को निर्देशित किया। और उसने मेरे मुख में एक नया गीत डाला, हमारे परमेश्वर की स्तुति, बहुत लोग देखेंगे और डरेंगे, और प्रभु पर आशा करेंगे। धन्य है वह पुरुष, जिसकी आशा प्रभु का नाम है, और जिसने व्यर्थताओं और झूठे पागलपन की ओर नहीं देखा।

हे प्रभु मेरे परमेश्वर, तुमने अनेक आश्चर्यकर्म किए हैं, और तुम्हारे विचारों में कोई तुम्हारे समान नहीं है। मैंने इन्हें घोषित किया और कहा, ये संख्या से परे हैं। बलिदान और भेंट तूने नहीं चाही, लेकिन मेरे लिए शरीर तैयार किया, होमबलि और पाप के विषय में तूने नहीं माँगा। तब मैंने कहा, देखो, मैं आ गया हूँ; पुस्तक के शीर्षक में मेरे विषय में लिखा है। हे मेरे परमेश्वर, मैंने तेरी इच्छा को पूरा करने की कामना की, और तेरा नियम मेरे हृदय के बीच में है। मैंने महान सभा में धार्मिकता का सुसमाचार प्रचार किया, देखो मैं अपने होंठों को नहीं रोकूँगा। हे प्रभु, तू जानता है। मैंने अपनी धार्मिकता को नहीं छिपाया, मैंने अपने हृदय में तेरे सत्य को नहीं छिपाया, और तेरे उद्धार को कहा, मैंने तेरी दया और तेरे सत्य को बड़ी सभा से नहीं छिपाया।

हे प्रभु, लेकिन तुम अपनी दयाओं को मुझसे दूर मत करो; तुम्हारी कृपा और तुम्हारी सच्चाई ने निरंतर मेरा सहारा दिया है। क्योंकि मुझे ऐसी बुराइयों ने घेर लिया है जिनकी कोई संख्या नहीं है, मेरे अधर्मों ने मुझे पकड़ लिया है, और मैं देखने में सक्षम नहीं था, वे मेरे सिर के बालों से भी अधिक बढ़ गए हैं, और मेरे हृदय ने मुझे त्याग दिया है। प्रभु, मुझे बचाने में प्रसन्न हों; प्रभु, मेरी सहायता करने के लिए ध्यान दें। वे जो मेरी आत्मा को नष्ट करने के लिए खोज रहे हैं, वे एक साथ लज्जित और भ्रमित हों, वे पीछे मुड़ जाएँ, और वे जो मेरे लिए बुराइयाँ चाहते हैं, वे भ्रमित हों। वे तुरंत अपनी शर्म प्राप्त करें, जो मुझसे कहते हैं, अरे वाह, अरे वाह। हे प्रभु, वे सब जो तुम्हें खोजते हैं, तुम पर आनंदित और प्रसन्न हों, और जो तुम्हारे उद्धार से प्रेम करते हैं, वे निरंतर कहें, प्रभु की महिमा हो। मैं गरीब और दीन हूँ, लेकिन प्रभु मेरी देखभाल करेगा। तू मेरा सहायक और मेरा रक्षक है, हे मेरे परमेश्वर, विलम्ब मत करना।

40

अंत में, दाऊद का भजन।

धन्य है वह जो गरीब और दीन पर ध्यान देता है, बुरे दिन में प्रभु उसे बचाएगा। प्रभु उसकी रक्षा करे और उसे जीवित रखे, और उसे भूमि में धन्य करे, और उसे उसके शत्रु के हाथों में न सौंपे। प्रभु उसकी पीड़ा की शय्या पर उसकी सहायता करे, उसकी बीमारी में तूने उसकी संपूर्ण शय्या को पलट दिया है।

मैंने कहा, हे प्रभु, मुझ पर दया करो, मेरी आत्मा को चंगा करो, क्योंकि मैंने तुम्हारे विरुद्ध पाप किया है। मेरे शत्रुओं ने मुझसे बुरी बातें कहीं, कब वह मरेगा और उसका नाम नष्ट होगा? और यदि वह देखने के लिए प्रवेश करता था, तो उसका हृदय व्यर्थ बोलता था, उसने अपने लिए अधर्म एकत्र किया, बाहर निकलता था, और बोलता था। एक साथ। मेरे सब शत्रु मेरे विरुद्ध

फुसफुसाए, मेरे विरुद्ध वे मेरे लिए बुराइयाँ सोचते थे। उन्होंने मेरे विरुद्ध अवैध बात रखी है, क्या जो सो रहा है वह फिर से नहीं उठेगा? और क्योंकि मेरी शांति का वह आदमी जिस पर मैंने आशा की थी, जो मेरी रोटियाँ खाता था, उसने मेरे विरुद्ध एड़ी का प्रहार बढ़ाया।

लेकिन तू, हे प्रभु, मुझ पर दया कर और मुझे उठा, और मैं उन्हें बदला दूंगा। इससे मैंने जाना कि तूने मुझे चाहा है, क्योंकि मेरा शत्रु मुझ पर प्रसन्न नहीं होगा। लेकिन मेरी निर्दोषता के कारण तुमने मुझे सहारा दिया, और तुमने मुझे अपने सामने सदा के लिए स्थापित किया। धन्य हैं प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, अनादि काल से अनन्त काल तक। आमीन, आमीन।

41

अंत के लिए, कोरह के पुत्रों की समझ के लिए।

जिस प्रकार हिरण जल के स्रोतों के लिए लालायित होता है, उसी प्रकार मेरी आत्मा तुम्हारी ओर लालायित होती है, हे परमेश्वर। मेरी आत्मा जीवित परमेश्वर के लिए प्यासी हुई, मैं कब आऊंगा और परमेश्वर के मुख के सामने प्रकट होऊंगा? मेरे आँसू मेरे लिए दिन और रात की रोटी हो गए, जब मुझसे प्रत्येक दिन कहा जाता है, कहाँ है तुम्हारा ईश्वर? ये बातें मैंने याद कीं, और मैंने अपनी आत्मा को अपने ऊपर उंडेल दिया, क्योंकि मैं अद्भुत तम्बू के स्थान में से होकर परमेश्वर के घर तक जाऊंगा, आनन्द की आवाज़ और धन्यवाद की ध्वनि के साथ, उत्सव मनाने वालों की।

मेरी आत्मा, तुम क्यों बहुत दुःखी हो, और तुम मुझे क्यों परेशान करती हो? ईश्वर पर आशा रखो, क्योंकि मैं उन्हें धन्यवाद दूंगा, जो मेरे चेहरे का उद्धार हैं।

हे मेरे परमेश्वर, मेरी आत्मा मेरे भीतर व्याकुल है, इसलिए मैं तुम्हें यर्दन की भूमि से, हेमोनिम से

और छोटे पहाड़ से याद करूंगा। गहराई गहराई को पुकारती है तुम्हारे जलप्रपातों की आवाज़ में, तुम्हारी सब लहरें और तुम्हारी तरंगें मुझ पर से गुज़र गईं। दिन में प्रभु अपनी दया की आज्ञा देगा, और रात में प्रकट होगी; मेरे पास मेरे जीवन के परमेश्वर के लिए प्रार्थना है। मैं परमेश्वर से कहूंगा, तुम मेरे सहायक हो, तुमने मुझे क्यों भुला दिया? मैं क्यों उदास होकर जाता हूँ जब मेरा शत्रु मुझे सताता है? मेरी हड्डियों के कुचले जाने में, मेरे सताने वालों ने मुझे निंदा की, जब वे मुझसे प्रत्येक दिन कहते हैं, कहाँ है तेरा परमेश्वर?

हे मेरी आत्मा, तुम क्यों बहुत दुःखी हो, और तुम मुझे क्यों परेशान करते हो? ईश्वर पर आशा रखो, क्योंकि मैं उन्हें धन्यवाद दूंगा, वे मेरे चेहरे का उद्धार हैं, और मेरे ईश्वर हैं।

42

दाऊद का भजन। हे परमेश्वर, मेरा न्याय करो, और मेरे न्याय का निर्णय करो, अपवित्र राष्ट्र से, अन्यायी और कपटी मनुष्य से मुझे छुड़ाओ।

क्योंकि तू मेरा शक्ति का ईश्वर है, तो तूने मुझे क्यों अस्वीकार किया? और मेरे शत्रु के सताने में मैं उदास होकर क्यों चलता हूँ? अपना प्रकाश और अपना सत्य भेज दो, उन्होंने मुझे मार्गदर्शन दिया और मुझे तुम्हारे पवित्र पर्वत और तुम्हारे निवासों में ले गए। और मैं परमेश्वर की वेदी की ओर प्रवेश करूंगा, उस परमेश्वर की ओर जो मेरी युवावस्था को आनंदित करता है; मैं वीणा पर तुम्हें धन्यवाद दूंगा, हे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर।

हे मेरी आत्मा, तुम क्यों बहुत दुःखी हो, और तुम मुझे क्यों व्याकुल करती हो? ईश्वर पर आशा रखो, क्योंकि मैं उनकी स्तुति करूंगा; वे मेरे मुख का उद्धार हैं, मेरे ईश्वर हैं।

अंत के लिए, कोरह के पुत्रों के लिए समझ का भजन।

हे परमेश्वर, हमने अपने कानों से सुना है, हमारे पिताओं ने हमें बताया है, वह काम जो तूने उनके दिनों में किया, प्राचीन दिनों में। तेरे हाथ ने राष्ट्रों को नष्ट किया और तूने उन्हें रोपा; तूने लोगों को दुःख दिया और उन्हें निकाल दिया। क्योंकि उन्होंने अपनी तलवार से भूमि को विरासत में नहीं पाया, और उनकी भुजा ने उन्हें नहीं बचाया, बल्कि तेरे दाहिने हाथ ने और तेरी भुजा ने, और तेरे मुख के प्रकाश ने, क्योंकि तू उनसे प्रसन्न था।

तू ही मेरा राजा है और मेरा परमेश्वर है, जो याकूब के उद्धार की आज्ञा देता है। तुझ में हम अपने शत्रुओं को सींग मारेंगे, और तेरे नाम से हम अपने विरोधियों को तुच्छ जानेंगे। क्योंकि मैं अपने धनुष पर आशा नहीं करूँगा, और मेरी तलवार मुझे नहीं बचाएगी। तूने हमें हमारे उत्पीड़कों से बचाया, और हमसे घृणा करने वालों को लज्जित किया। परमेश्वर में हम पूरे दिन प्रशंसा पाएंगे, और तेरे नाम में हम सदा स्तुति करेंगे। सेला।

अब लेकिन आपने हमें अस्वीकार किया और शर्मिंदा किया है, और आप हमारी सेनाओं के साथ बाहर नहीं जाएंगे। तूने हमें हमारे शत्रुओं के सामने पीछे मोड़ दिया, और हमसे घृणा करने वालों ने हमें अपने लिए लूट लिया। तूने हमें खाने की भेड़ों के समान दे दिया, और राष्ट्रों में हमें बिखेर दिया, आपने अपने लोगों को बिना सम्मान के बेच दिया, और उनके बदले में कोई बड़ी संख्या नहीं थी। तूने हमें हमारे पड़ोसियों के लिए निंदा का पात्र बना दिया, हमारे चारों ओर के लोगों के लिए उपहास और हँसी का पात्र। तूने हमें राष्ट्रों में एक दृष्टांत बना दिया, लोगों में सिर हिलाने का कारण। पूरे दिन मेरी शर्म मेरे सामने बनी रहती है, और मेरे चेहरे की लज्जा ने मुझे ढक लिया है। निंदा करने वाले और बदनाम करने वाले की आवाज से, शत्रु और सताने वाले के चेहरे से।

ये सब कुछ हम पर आया, और हमने तुम्हें नहीं भूले, और हमने तुम्हारी वाचा में गलत नहीं किया। और हमारा हृदय पीछे की ओर नहीं मुड़ा, और तूने हमारे पथों को अपने मार्ग से मोड़ दिया। क्योंकि तूने हमें कष्ट के स्थान में नम्र किया, और मृत्यु की छाया ने हमें ढक लिया। यदि हम अपने परमेश्वर के नाम को भूल गए, और यदि हमने अपने हाथ किसी पराये देवता की ओर फैलाए, क्या परमेश्वर इन बातों की खोज नहीं करेगा? क्योंकि वह स्वयं हृदय की गुप्त बातों को जानता है। क्योंकि तुम्हारे लिए हम पूरे दिन मारे जाते हैं, हम वध की भेड़ों के समान गिने गए।

जागो, हे प्रभु, तुम क्यों सोते हो? उठो, और हमें सदा के लिए अस्वीकार मत करो। क्यों तुम अपना चेहरा मोड़ लेते हो? क्या तुम हमारी गरीबी और हमारी पीड़ा को भूल जाते हो? क्योंकि हमारी आत्मा धूल में नीचे कर दी गई, हमारा पेट भूमि से चिपक गया। उठो प्रभु, हमारी सहायता करो, और हमें अपने नाम के कारण छुड़ाओ।

44

अंत के लिए, उनके लिए जो बदले जाएंगे, कोरह के पुत्रों के लिए, समझ में, प्रिय के लिए गीत।

मेरे हृदय ने एक अच्छा शब्द उगल दिया, मैं अपने कार्य राजा से कहता हूँ, मेरी जीभ तेजी से लिखने वाले लेखक की कलम है। तुम मनुष्यों के पुत्रों से सौंदर्य में सुंदर हो, तेरे हीठों पर अनुग्रह उंडेला गया है, इसलिए परमेश्वर ने तुझे सदा के लिए आशीर्वाद दिया है।

हे शक्तिशाली, अपनी तलवार अपनी जांघ पर बांधो, अपनी शोभा और अपनी सुंदरता के साथ। और खींचो, और समृद्ध हो, और राज्य करो, सत्य के कारण और नम्रता और न्याय के कारण, और तुम्हारा दाहिना हाथ तुम्हें आश्चर्यजनक रूप से मार्गदर्शन करेगा। हे शक्तिशाली, तेरे तीर तेज़ किए गए हैं, लोग तेरे नीचे गिरेंगे, राजा के शत्रुओं के हृदय में।

हे परमेश्वर, तेरा सिंहासन युगानुयुग स्थिर है, तेरे राज्य का राजदंड न्यायपरायणता का राजदंड है। तूने धार्मिकता से प्रेम किया और अधर्म से घृणा की, इसलिए तेरे परमेश्वर ने तुझे तेरे सहभागियों से अधिक हर्षोल्लास के तेल से अभिषेक किया।

गंधरस, सुगंधित द्रव्य और दालचीनी तेरे वस्त्रों से, हाथीदांत के महलों से निकलती है, जिनसे उन्होंने तुझे प्रसन्न किया। राजाओं की बेटियाँ तुम्हारे सम्मान में हैं, रानी तुम्हारे दाहिने खड़ी है, सुनहरे वस्त्र पहने हुए, सुशोभित। सुनो बेटी, और देखो, और अपना कान झुकाओ, और अपने लोगों को भूल जाओ, और अपने पिता के घर को। क्योंकि राजा ने तेरी सुंदरता की इच्छा की, क्योंकि वह तेरा प्रभु है। और टायर की बेटियाँ उपहारों के साथ उसकी पूजा करेंगी, पृथ्वी के लोगों के धनवान तुम्हारे मुख की विनती करेंगे।

राजा की बेटी हेशबोन की सारी महिमा, सुनहरे झालरों में लिपटी हुई, कढ़ाई की हुई है। वे राजा के पास लाई जाएंगी, कुंवारियाँ उसके बाद, उसकी सहेलियाँ तुम्हारे पास लाई जाएंगी। वे आनंद और उल्लास में लाए जाएंगे, वे राजा के मंदिर में ले जाए जाएंगे। तेरे पिताओं के स्थान पर तुझे पुत्र हुए, तू उनको सारी पृथ्वी पर शासक नियुक्त करेगा। वे तेरे नाम को सब पीढ़ियों में याद करेंगे, इसलिए लोग सदा तेरा धन्यवाद करेंगे, और युगानुयुग तक।

45

समाप्ति के लिए, कोरह के पुत्रों के लिए, छिपी हुई बातों के लिए भजन।

हमारा परमेश्वर हमारा शरण और शक्ति है, कष्टों में जो हमें अत्यधिक घेरते हैं, वह सहायक है। इसलिए हम नहीं डरेंगे जब पृथ्वी उथल-पुथल हो, और पहाड़ समुद्रों के हृदयों में स्थानांतरित हो जाएं। उनके जल गूंजे और विचलित हो गए, उसकी शक्ति से पर्वत विचलित हो गए। सेला। नदी

की धाराएँ परमेश्वर के नगर को आनंदित करती हैं, परम प्रधान ने अपने निवास को पवित्र किया है। ईश्वर उसके बीच में है, वह नहीं हिलाई जाएगी; ईश्वर उसकी सहायता करेगा भोर के समय। राष्ट्र परेशान हुए, राज्य झुक गए, उसने अपनी आवाज़ दी, पृथ्वी हिल गई। सेनाओं के प्रभु हमारे साथ हैं, याकूब के परमेश्वर हमारे सहायक हैं। सेला।

आओ और प्रभु के कार्यों को देखो, जो आश्चर्यकर्म उसने पृथ्वी पर रखे हैं, वह पृथ्वी के छोरों तक युद्धों को नष्ट करता है, धनुष को कुचल देगा, हथियार को तोड़ देगा, और ढालों को आग में जला देगा। शांत रहो और जानो कि मैं परमेश्वर हूँ, मैं राष्ट्रों में ऊँचा किया जाऊँगा, मैं पृथ्वी में ऊँचा किया जाऊँगा। शक्तियों के प्रभु हमारे साथ हैं, हमारे सहायक याकूब के परमेश्वर हैं।

46

अंत में, कोरह के पुत्रों के लिए भजन।

सभी राष्ट्र ताली बजाओ, परमेश्वर के लिए आनंद के स्वर में जयकारा करो। क्योंकि प्रभु सर्वोच्च हैं, भयानक हैं, सम्पूर्ण पृथ्वी पर महान राजा हैं। उसने लोगों को हमारे अधीन किया, और राष्ट्रों को हमारे पैरों के नीचे किया। उसने हमारे लिए अपनी विरासत चुनी, याकूब की सुंदरता, जिसे उसने प्रेम किया, सेला।

परमेश्वर युद्ध घोष के साथ ऊपर गए, प्रभु तुरही की आवाज़ के साथ। हमारे परमेश्वर के लिए गाओ, गाओ, हमारे राजा के लिए गाओ, गाओ। क्योंकि समस्त पृथ्वी का राजा ईश्वर है, बुद्धिमानी से भजन गाओ। परमेश्वर ने राष्ट्रों पर राज्य किया, परमेश्वर अपने पवित्र सिंहासन पर बैठता है। लोगों के शासक अब्राहम के परमेश्वर के साथ एकत्रित हुए, क्योंकि परमेश्वर की पृथ्वी की शक्तिशाली शक्तियाँ अत्यधिक ऊँची उठाई गईं।

भजन गीत का, कोरह के पुत्रों के लिए, दूसरे सब्ब के दिन का।

महान है प्रभु, और अत्यधिक प्रशंसनीय है हमारे परमेश्वर के नगर में, उसके पवित्र पर्वत में।
अच्छी तरह से जड़ित, समस्त पृथ्वी का आनंद, सिय्योन के पर्वत उत्तर की ओर, महान राजा का
नगर। परमेश्वर उसके भारों में जाना जाता है, जब वह उसकी सहायता करता है।

क्योंकि देखो, पृथ्वी के राजा एकत्र हुए, वे एक साथ आए। वे स्वयं यह देखकर अत्यंत
आश्चर्यचकित हुए, व्याकुल हो गए और कांप उठे। कंपन ने उन्हें पकड़ लिया, वहाँ पीड़ाएँ थीं जैसे
प्रसव करती हुई स्त्री की। हिंसक आत्मा में तुम तर्शीश के जहाजों को चकनाचूर कर दोगे। जैसा
हमने सुना था, वैसा ही हमने देखा भी, प्रभु की शक्तियों के नगर में, हमारे परमेश्वर के नगर में;
परमेश्वर ने उसे सदा के लिए स्थापित किया है। सेला।

हे भगवान, हमने आपकी दया को आपके लोगों के बीच में स्वीकार किया। हे ईश्वर, तुम्हारे नाम
के अनुसार, तुम्हारी स्तुति भी पृथ्वी की सीमाओं तक है, तुम्हारा दाहिना हाथ न्याय से पूर्ण है।
सिय्योन पर्वत प्रसन्न हो, यहूदिया की पुत्रियाँ तुम्हारे निर्णयों के कारण आनन्दित हों, हे प्रभु।

सिय्योन को घेरो, और उसे चारों ओर से घेरो, उसकी मीनारों के विषय में बताओ। अपने हृदय
उसकी शक्ति में लगाओ और उसके भारी भागों को विभाजित करो, ताकि तुम दूसरी पीढ़ी को
बता सको। क्योंकि यह हमारा परमेश्वर है युग तक और युगों के युग तक, वह स्वयं हमें युगों तक
चरवाही करेगा।

अंत के लिए, कोरह के पुत्रों का भजन।

हे सब राष्ट्रों, यह सुनो; हे संसार के सब निवासियों, कान लगाओ। वे पृथ्वी से जन्मे और मनुष्यों के पुत्र, धनी और निर्धन साथ में। मेरा मुख ज्ञान बोलेगा, और मेरे हृदय का चिंतन समझ देगा। मैं अपना कान दृष्टांत की ओर झुकाऊंगा, मैं वीणा पर अपनी पहली खोलूंगा।

क्यों मैं बुरे दिन में डरता हूँ? मेरी एड़ी का अधर्म मुझे घेरेगा। वे जो अपनी शक्ति पर विश्वास करते हैं, और अपने धन की बहुतायत पर घमंड करते हैं। भाई नहीं छुड़ाता, क्या मनुष्य छुड़ाएगा? वह परमेश्वर को अपना प्रायश्चित नहीं देगा, और उसकी आत्मा की मुक्ति का मूल्य, और उसने सदा के लिए परिश्रम किया, और अंत तक जीएगा, क्योंकि वह विनाश नहीं देखेगा,

जब वह बुद्धिमानों को मरते हुए देखे, तो साथ ही मूर्ख और मूढ़ भी नष्ट होंगे, और वे अपना धन पराये लोगों के लिए छोड़ जाएंगे। और उनकी कब्रें युग तक उनके घर हैं, उनके तंबू पीढ़ी दर पीढ़ी हैं, उन्होंने अपने नाम अपनी भूमियों पर रखे। और मनुष्य सम्मान में होते हुए भी नहीं समझा, मूर्ख पशुओं से उसकी तुलना की गई, और वह उन्हीं के समान बना दिया गया। यह उनका रास्ता उनके लिए ठोकर है, और इसके बाद वे अपने मुँह से आशीर्वाद देंगे, सेला। जैसे भेड़ों को अधोलोक में रखा गया है, मृत्यु उनकी चरवाही करेगी, और सीधे लोग सुबह में उनपर शासन करेंगे, और उनकी सहायता अधोलोक में उनकी महिमा से पुरानी हो जाएगी। परन्तु परमेश्वर मेरी आत्मा को अधोलोक के हाथ से छुड़ाएगा, जब वह मुझे ले लेगा। सेला।

मत डरो जब कोई आदमी धनी हो जाए, और जब उसके घर की महिमा बढ़ जाए। क्योंकि उसके मरने में वह सब कुछ नहीं ले जाएगा, और न ही उसकी महिमा उसके साथ नीचे जाएगी। क्योंकि

उसकी आत्मा उसके जीवन में धन्य की जाएगी, वह तुम्हारा धन्यवाद करेगा जब तुम उसके साथ भलाई करो। वह अपने पिताओं की पीढ़ियों तक प्रवेश करेगा, युगों तक प्रकाश नहीं देखेगा। मनुष्य सम्मान में होते हुए भी नहीं समझा, मूर्ख पशुओं से तुलना किया गया, और उन्हीं के समान बनाया गया।

49

भजन आसाफ को। देवताओं का देवता प्रभु बोले, और उन्होंने पृथ्वी को सूर्य के उदय से लेकर अस्त तक बुलाया।

सिय्योन से उसकी सुन्दरता की शोभा। परमेश्वर खुलकर आएंगे, हमारे परमेश्वर, और वे चुप नहीं रहेंगे। उनके सामने आग जलेगी, और उनके चारों ओर अत्यंत तूफान होगा। वह ऊपर स्वर्ग को बुलाएगा, और पृथ्वी को अपने लोगों का न्याय करने के लिए। उसके पवित्र लोगों को उसके पास एकत्र करो, जो बलिदानों पर उसकी वाचा बनाते हैं। और आकाश उसके न्याय की घोषणा करेंगे, क्योंकि परमेश्वर न्यायाधीश है। सेला।

सुनो मेरे लोगो, और मैं तुमसे बोलूंगा, हे इस्राएल, और मैं तुम्हें गवाही देता हूँ, मैं परमेश्वर, तुम्हारा परमेश्वर हूँ। मैं तेरे बलिदानों के लिए तुझे नहीं फटकारूंगा, लेकिन तेरी होमबलियाँ मेरे सामने निरंतर हैं। मैं तुम्हारे घर से बछड़े स्वीकार नहीं करूंगा, और न ही तुम्हारे झुंडों से बकरियाँ, क्योंकि जंगल के सभी जंगली जानवर मेरे हैं, पहाड़ों में पशु और गायें। मैं स्वर्ग के सभी पक्षियों को जानता हूँ, और खेत की सुंदरता मेरे साथ है। यदि मैं भूखा हूँ तो तुमसे नहीं कहूँगा, क्योंकि बसा हुआ संसार और उसकी परिपूर्णता मेरी है। क्या मैं बैलों का मांस नहीं खाऊँगा, या बकरों का रक्त पीऊँगा? परमेश्वर को स्तुति का बलिदान चढ़ाओ, और परम उच्च को अपनी प्रार्थनाएँ अर्पित करो। और संकट के दिन में मुझे पुकारो, और मैं तुझे निकालूँगा, और तू मेरी महिमा

करेगा। सेला।

परन्तु पापी से परमेश्वर ने कहा, तू क्यों मेरी विधियों का वर्णन करता है और मेरी वाचा को अपने मुँह पर लेता है? तूने शिक्षा से घृणा की, और मेरे शब्दों को पीछे फेंक दिया। यदि तू चोर को देखता था, तो तू उसके साथ दौड़ता था, और व्यभिचारियों के साथ अपना हिस्सा रखता था। तेरे मुख में दुष्टता की अधिकता थी, और तेरी जीभ ने छल बुना। बैठकर तूने अपने भाई के विरुद्ध निंदा की, और अपनी माता के पुत्र के लिए बाधा उत्पन्न की।

ये काम तुमने किए, और मैं चुप रहा, तुमने अधर्म समझा कि मैं तुम्हारे समान होऊंगा, मैं तुम्हें फटकारूंगा, और तुम्हारे चेहरे के सामने प्रस्तुत करूंगा। हे परमेश्वर को भूलने वालो, इन बातों को समझ लो, कहीं ऐसा न हो कि वह छीन ले और कोई छुड़ाने वाला न हो।

स्तुति का बलिदान मुझे महिमा देगा, और वहाँ वह मार्ग है जिससे मैं उसे परमेश्वर का उद्धार दिखाऊँगा।

50

अंत में, डेविड का भजन, जब नाथान भविष्यवक्ता उसके पास आए, उस समय जब वह बतशेबा के पास गया था।

हे परमेश्वर, अपनी महान दया के अनुसार मुझ पर दया करो, और अपनी करुणा की बहुतायत के अनुसार मेरे अधर्म को मिटा दो। मुझे मेरे अधर्म से अधिक धो, और मेरे पाप से मुझे शुद्ध करो।

क्योंकि मैं अपना अधर्म जानता हूँ, और मेरा पाप निरंतर मेरे सामने है। मैंने केवल तेरे विरुद्ध पाप

किया है, और तेरे सामने बुराई की है, ताकि तू अपने वचनों में धर्मी ठहरे, और अपने न्याय में विजयी हो। देखो, क्योंकि मैं अधर्म में गर्भ में आया था, और पापों में मेरी माता ने मुझे गर्भ में धारण किया।

देखो, क्योंकि तुमने सत्य से प्रेम किया है, और तुमने अपनी बुद्धि की गुप्त और छिपी हुई बातें मुझे प्रकट की हैं। तुम मुझे जूफा से छिड़कोगे और मैं शुद्ध हो जाऊंगा, तुम मुझे धोओगे और मैं बर्फ से भी अधिक सफेद हो जाऊंगा। तू मुझे आनंद और प्रसन्नता सुनाएगा, नम्र की गई हड्डियाँ प्रसन्न होंगी। अपना चेहरा मेरे पापों से मोड़ लो, और मेरे सभी अधर्मों को मिटा दो। हे ईश्वर, मुझमें एक शुद्ध हृदय की सृष्टि करो, और मेरे आंतरिक भागों में एक सही आत्मा का नवीनीकरण करो। मुझे अपने चेहरे से मत फेंक दो, और अपनी पवित्र आत्मा को मुझसे मत ले लो। मुझे अपनी मुक्ति का आनंद वापस दो, अपनी शासक आत्मा से मुझे मजबूत करो।

मैं अधर्मियों को तुम्हारे मार्ग सिखाऊंगा, और अधर्मी तुम्हारी ओर लौटेंगे। हे परमेश्वर, हे मेरे उद्धार के परमेश्वर, मुझे खून से छुड़ा लो, मेरी जीभ तेरी धार्मिकता का आनन्द मनाएगी। हे प्रभु, तुम मेरे होंठ खोलोगे, और मेरा मुख तुम्हारी स्तुति की घोषणा करेगा। क्योंकि यदि तू बलिदान चाहता, तो मैं दे देता; होमबलि से तू प्रसन्न नहीं होगा। परमेश्वर के लिए बलिदान कुचली हुई आत्मा है; टूटे और दीन हृदय को परमेश्वर तुच्छ नहीं जानेगा।

हे प्रभु, अपने अनुग्रह से सिय्योन का भला करो, और यरूशलेम की दीवारें बनाई जाएँ। तब तुम न्याय के बलिदान, चढ़ावे और होम बलि से प्रसन्न होगे, तब वे तुम्हारी वेदी पर बछड़े चढ़ाएंगे।

51

समझ के अंत में दाऊद के लिए जब दोएग इदुमियन आया, और साऊल को सूचना दी, और

उससे कहा, दाविद अबीमेलिक के घर आया है।

बुराई में क्या घमंड करता है वह सक्षम व्यक्ति, अधर्म में? पूरे दिन। तुम्हारी जीभ ने अन्याय का विचार किया, तेज उस्तरे की तरह तुमने छल किया। तूने अच्छाई से अधिक दुष्टता को प्रेम किया, न्याय बोलने से अधिक अन्याय को, सेला। तूने विनाश के सभी शब्दों से प्रेम किया, हे कपटी जीभ।

इस कारण परमेश्वर तुझे सदा के लिए नष्ट करे, तुझे उखाड़े और तुझे निवास से हटाए, और तेरी जड़ को जीवितों की पृथ्वी से निकाले, सेला। और धर्मी लोग देखेंगे और डरेंगे, और उस पर हँसेंगे, और कहेंगे देखो, वह मनुष्य जिसने परमेश्वर को अपना सहायक नहीं बनाया, बल्कि अपने धन की बहुतायत पर भरोसा किया, और अपनी व्यर्थता पर मजबूत हुआ।

लेकिन मैं परमेश्वर के घर में फलदार जैतून के पेड़ के समान हूँ, मैंने परमेश्वर की दया पर युगानुयुग और युगों के युग तक आशा रखी। मैं तुझे सदा धन्यवाद दूंगा, क्योंकि तूने यह किया है, और मैं तेरे नाम की प्रतीक्षा करूंगा, क्योंकि वह तेरे पवित्र जनों के सामने भला है।

52

अंत के लिए, माएलेथ के विषय में, दाविद की समझ के लिए।

मूर्ख ने अपने हृदय में कहा, ईश्वर नहीं है। वे नष्ट हो गए और अधर्म में घृणित हो गए; भलाई करने वाला कोई नहीं है। परमेश्वर ने स्वर्ग से मनुष्यों के पुत्रों पर झाँका, यह देखने के लिए कि क्या कोई समझने वाला है, या परमेश्वर को खोजने वाला है। सब भटक गए, एक साथ निकम्मे हो गए, कोई नहीं है जो भलाई करता हो, एक भी नहीं है।

क्या नहीं जानेंगे वे सब जो अधर्म करते हैं, जो मेरे लोगों को रोटी की तरह निगल जाते हैं? उन्होंने परमेश्वर को नहीं पुकारा। वहाँ वे भयभीत हुए जहाँ कोई भय नहीं था, क्योंकि परमेश्वर ने लोगों को खुश करने वालों की हड्डियाँ बिखेर दीं, वे लज्जित हुए, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें तुच्छ जाना। कौन देगा सिय्योन से इस्राएल का उद्धार? जब प्रभु अपने लोगों की बंधुआई को फेरेंगे, तब याकूब आनंदित होगा, और इस्राएल प्रसन्न होगा।

53

अंत के लिए, समझ के भजनों में, दाऊद के लिए जब ज़ीफ्राई लोग आए और साऊल से कहा, क्या दाऊद हमारे पास छिपा हुआ नहीं है?

हे परमेश्वर, अपने नाम से मुझे बचाओ, और अपनी शक्ति से मेरा न्याय करो। हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुनो, मेरे मुख के शब्दों पर कान धरो। क्योंकि अजनबी मेरे विरुद्ध उठ खड़े हुए, और शक्तिशाली लोगों ने मेरी आत्मा की खोज की, उन्होंने परमेश्वर को अपने सामने नहीं रखा, सेला।

देखो, क्योंकि परमेश्वर मेरी सहायता करते हैं, और प्रभु मेरी आत्मा के सहायक हैं। वह मेरे शत्रुओं की बुराइयों को लौटा देगा, अपनी सच्चाई में उन्हें नष्ट कर दे। स्वेच्छा से मैं तुम्हें बलिदान चढ़ाऊंगा, मैं तुम्हारे नाम का धन्यवाद करूंगा, हे प्रभु, क्योंकि वह उत्तम है। क्योंकि तुमने मुझे सब कष्टों से बचाया, और मेरी आँख ने मेरे शत्रुओं को देखा।

54

अंत के लिए, समझ के भजनों में, दाऊद के लिए।

हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना पर कान दो, और मेरी विनती को अनदेखा मत करो। मुझे ध्यान दो और मेरी सुनो, मैं अपने विचारों में दुखी हुआ और व्याकुल हुआ शत्रु के स्वर से और पापी के क्लेश से बचा, क्योंकि उन्होंने मुझ पर अधर्म किया और क्रोध में मुझसे द्वेष रखा।

मेरा हृदय मुझमें व्याकुल हुआ, और मृत्यु की कायरता मुझ पर छा गई। भय और कांपना मुझ पर आया और अंधकार ने मुझे ढक लिया। और मैंने कहा, कौन मुझे कबूतर के समान पंख देगा? और मैं उड़ जाऊंगा और विश्राम पाऊंगा। देखो, मैं निर्वासित होकर दूर चला गया, और मैंने जंगल में रात बिताई। (सेला) मैं उसकी प्रतीक्षा कर रहा था जो मुझे निराशा और तूफान से बचाता है।

हे प्रभु, डुबो दो और विभाजित करो उनकी जीभें, क्योंकि मैंने नगर में अधर्म और विरोध देखा। दिन और रात वह उसकी दीवारों पर उसे घेरे रहेगा, अधर्म और कष्ट उसके बीच में हैं और अन्याय, और उसकी सड़कों से ब्याज और छल समाप्त नहीं हुआ।

क्योंकि यदि शत्रु ने मुझे निंदा की होती, तो मैं सहन कर लेता, और यदि मुझसे घृणा करने वाले ने मेरे विरुद्ध घमंड किया होता, तो मैं उससे छिप गया होता। परन्तु तू समान विचारों वाला मनुष्य था, मेरा नेता और मेरा साथी, जिसने साथ में व्यंजनों को मीठा किया, हम भगवान के घर में सद्भाव से गए। मृत्यु उन पर आए, और वे जीवित ही पाताल में उतर जाएं, क्योंकि उनके निवासों में, उनके बीच में दुष्टता है।

मैंने ईश्वर की ओर पुकारा, और प्रभु ने मेरी सुनी। शाम और सुबह और दोपहर मैं बताऊंगा, और मैं घोषणा करूंगा, और वह मेरी आवाज़ सुनेगा। वह मेरी आत्मा को शांति में छुड़ाएगा उनसे जो मेरे पास आ रहे थे, क्योंकि बहुत से मेरे साथ थे। परमेश्वर सुनेगा और उन्हें अपमानित करेगा, वह जो युगों से पहले से है, सेला।

क्योंकि उनके लिए कोई बदला नहीं है, और उन्होंने परमेश्वर से नहीं डरे। उसने लौटाने में अपना

हाथ फैलाया, उन्होंने उसकी वाचा को अपवित्र किया। उसके चेहरे के क्रोध से विभाजित किए गए, और उसका हृदय पास आया, उसके शब्द तेल से अधिक चिकने किए गए, और वे तीर हैं।

अपनी चिंता प्रभु पर डाल दो, और वह तुम्हें संभालेगा; वह धर्मी को कभी डगमगाने नहीं देगा। लेकिन हे परमेश्वर, तू उनको विनाश के कुएं में गिरा देगा, रक्तपात और छल के पुरुष अपने दिनों का आधा भी पूरा नहीं करेंगे, लेकिन मैं हे प्रभु, तुझ पर आशा रखूंगा।

55

अंत के लिए, उन लोगों की ओर से जो पवित्र स्थानों से दूर कर दिए गए थे, दाऊद के लिए एक शिलालेख, जब विदेशियों ने उसे गत में पकड़ लिया था।

हे ईश्वर, मुझ पर दया करो, क्योंकि मनुष्य ने मुझे रौंदा है, पूरे दिन युद्ध करता हुआ उसने मुझे सताया है। मेरे शत्रुओं ने पूरे दिन मुझे रौंदा है, क्योंकि बहुत से लोग हैं जो मुझसे लड़ते हैं।

वे डरेंगे, लेकिन मैं तुम पर आशा रखूंगा। परमेश्वर में मैं अपने वचनों की स्तुति करूंगा, पूरे दिन परमेश्वर में मैंने आशा रखी है, मैं नहीं डरूंगा कि नश्वर मनुष्य मुझे क्या करेगा।

पूरे दिन उन्होंने मेरे शब्दों से घृणा की, मेरे विरुद्ध उनके सभी विचार बुराई के लिए थे। वे पास निवास करेंगे और वे छिपाएंगे, वे मेरी एड़ी की रक्षा करेंगे, जैसे मैंने अपनी आत्मा के लिए प्रतीक्षा की। तू उन्हें किसी भी चीज़ के लिए नहीं बचाएगा; हे परमेश्वर, क्रोध में लोगों को नीचे लाएगा। मैंने अपना जीवन तुम्हें घोषित किया, तुमने मेरे आँसू अपने सामने रखे, जैसे तुम्हारे वादे में भी।

मेरे शत्रु पीछे लौटेंगे, जिस दिन मैं तुम्हें पुकारूं, देखो मैंने जान लिया कि तुम मेरे परमेश्वर हो।

परमेश्वर में मैं वचन की प्रशंसा करूंगा, प्रभु में मैं वचन की प्रशंसा करूंगा। परमेश्वर पर मैंने आशा की है, मैं नहीं डरूंगा कि मनुष्य मुझे क्या करेगा। हे भगवान, मुझ में वे प्रार्थनाएँ हैं जो मैं तेरी स्तुति के रूप में चुकाऊँगा। क्योंकि तुमने मेरी आत्मा को मृत्यु से बचाया, और मेरे पैरों को फिसलने से बचाया, ताकि मैं परमेश्वर के सामने जीवितों के प्रकाश में प्रसन्न कर सकूँ।

56

अंत के लिए, नष्ट मत करो, दाऊद के लिए शिलालेख, जब वह शाऊल के सामने से गुफा में भाग गया।

हे परमेश्वर, मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो, क्योंकि मेरी आत्मा ने तुझ पर भरोसा किया है, और मैं तुम्हारे पंखों की छाया में आशा करूंगा, जब तक अधर्म बीत न जाए। मैं सर्वोच्च परमेश्वर की ओर पुकारूंगा, उस परमेश्वर की ओर जिसने मुझ पर उपकार किया है। सेला। उसने स्वर्ग से भेजा और मुझे बचाया, मुझे रौंदने वालों को निन्दा में डाल दिया, परमेश्वर ने अपनी दया और अपना सत्य भेजा और उसने मेरी आत्मा को सिंह के शावकों के बीच से बचाया, मैं व्याकुल होकर सोया, मनुष्यों के पुत्र, जिनके दांत हथियार और तीर हैं, और जिनकी जीभ तीक्ष्ण तलवार है।

हे परमेश्वर, स्वर्गों के ऊपर ऊँचे किए जाओ, और समस्त पृथ्वी पर तुम्हारी महिमा हो। उन्होंने मेरे पैरों के लिए फंदे तैयार किए, और उन्होंने मेरी आत्मा को झुकाया, उन्होंने मेरे चेहरे के सामने गड्ढा खोदा, और वे उसमें गिर गए, सेला। हे परमेश्वर, मेरा हृदय तैयार है, मेरा हृदय तैयार है, मैं गाऊंगा और भजन गाऊंगा। जागो मेरी महिमा, जागो सारंगी और वीणा, मैं भोर में जागूंगा। हे प्रभु, मैं लोगों में तुम्हें धन्यवाद दूंगा, मैं राष्ट्रों में तुम्हारा भजन गाऊंगा। क्योंकि तेरी दया आकाशों तक बढ़ाई गई, और तेरा सत्य बादलों तक। हे परमेश्वर, स्वर्गों के ऊपर ऊँचे किए जाओ, और समस्त पृथ्वी पर तुम्हारी महिमा हो।

57

अंत के लिए, नष्ट मत करो, दाऊद के लिए शिलालेख हेतु।

यदि सत्य में न्याय की बात करते हो, तो हे मनुष्यों के पुत्रों, सीधा न्याय करो। और तुम हृदय में अधर्म का काम करते हो, भूमि में तुम्हारे हाथ अन्याय को गूंथते हैं। पापी गर्भ से ही अलग कर दिए गए थे, वे पेट से ही भटकाए गए थे, उन्होंने झूठ बोला। उनका क्रोध साँप की समानता के अनुसार है, जैसे बहरे नाग का, जो अपने कान बंद करता है, जो मंत्रवादियों की आवाज़ नहीं सुनेगा, और न ही बुद्धिमान द्वारा किए गए जादू को।

ईश्वर ने उनके दाँत उनके मुँह में कुचल दिए, शेरों के जबड़े के दाँत प्रभु ने तोड़ डाले। वे तिरस्कृत किए जाएंगे जैसे बहता हुआ जल, वह अपना धनुष तब तक खींचेगा जब तक वे कमजोर नहीं हो जाएंगे। जैसे पिघलता हुआ मोम वे नष्ट हो जाएंगे, आग गिरी, और उन्होंने सूरज नहीं देखा। इससे पहले कि तुम्हारे काँटे झाड़ी को समझें, जीवितों की तरह क्रोध में वह तुम्हें निगल लेगा।

धर्मी आनंदित होगा जब वह अधर्मियों का प्रतिशोध देखेगा, और वह अपने हाथ पापी के रक्त में धोएगा। और मनुष्य कहेगा, यदि न्यायी को फल है, तो परमेश्वर है जो पृथ्वी पर उनका न्याय करता है।

58

अंत के लिए, नष्ट मत करो, दाऊद के लिए शिलालेख में, जब शाऊल ने भेजा, और उसके घर की रखवाली की उसे मार डालने के लिए।

हे परमेश्वर, मुझे मेरे शत्रुओं से छुड़ाओ, और मेरे विरुद्ध उठने वालों से मुझे छुटकारा दो। मुझे उन लोगों से छुड़ाओ जो अधर्म का काम करते हैं, और खूनी पुरुषों से मुझे बचाओ।

क्योंकि देखो, उन्होंने मेरी आत्मा का शिकार किया, शक्तिशाली लोगों ने मुझ पर हमला किया, न तो मेरा अधर्म, न ही मेरा पाप, हे प्रभु, बिना अधर्म के मैं दौड़ा और निर्देशित किया, मेरे मिलने के लिए जागो और देखो। और हे प्रभु, शक्तियों के परमेश्वर, इस्राएल के परमेश्वर, सब राष्ट्रों की जांच करने के लिए ध्यान दीजिए, उन सब पर दया मत कीजिए जो अधर्म का काम करते हैं, सेला। वे शाम को लौटेंगे, और कुत्ते की तरह भूखे होंगे, और शहर को घेरेंगे।

देखो, वे अपने मुँह से बोलेंगे, और उनके होंठों में तलवार है, क्योंकि किसने सुना? और हे प्रभु, तुम उन पर हँसोगे, तुम सब राष्ट्रों को तुच्छ समझोगे। मेरी शक्ति को मैं तुम्हारी ओर रखूंगा, क्योंकि तुम परमेश्वर मेरे सहायक हो। मेरा ईश्वर, उसकी दया मुझसे पहले आएगी; मेरा ईश्वर मेरे शत्रुओं के विषय में मुझे दिखाएगा।

उन्हें मत मारो, कहीं वे तुम्हारे नियम को भूल न जाएं, अपनी शक्ति से उन्हें तितर-बितर करो, और हे प्रभु, मेरे रक्षक, उन्हें नीचे गिराओ। उनके मुँह का पाप, उनके होंठों का शब्द, और वे अपने अहंकार में पकड़े जाएं, और शाप और झूठ से वे घोषित किए जाएंगे समाप्तियाँ, क्रोध में समाप्ति की, और वे नहीं होंगे, और वे जानेंगे कि याकूब का परमेश्वर पृथ्वी के सिरों पर शासन करता है, सेला। वे शाम को लौटेंगे, और कुत्ते की तरह भूखे होंगे, और शहर को घेरेंगे। वे खाने के लिए बिखेर दिए जाएंगे, यदि वे संतुष्ट नहीं होंगे, तो वे बड़बड़ाएंगे।

मैं तेरी शक्ति का गान करूंगा, और सुबह तेरी दया में आनंदित होऊंगा, क्योंकि तू मेरा सहायक और मेरे कष्ट के दिन में मेरी शरण बना। हे मेरे सहायक, मैं तुझे भजन गाऊंगा। हे मेरे परमेश्वर, तू मेरा सहायक है। हे मेरे परमेश्वर, मेरी दया।

अंत के लिए, जो अभी भी बदले जाने वाले हैं उनके लिए, दाऊद के शिलालेख के लिए, शिक्षा के लिए। जब उसने सीरिया के मेसोपोटामिया को और सोबाल के सीरिया को आग लगाई, और योआब लौटा, और नमक की घाटी में बारह हजार को मारा।

हे परमेश्वर, तूने हमें अस्वीकार किया और हमें ढहा दिया, तू क्रोधित हुआ और तूने हम पर दया की। तुमने भूमि को हिलाया और तुमने इसे व्याकुल किया, इसके घावों को चंगा करो, क्योंकि यह हिल गई थी। तूने अपने लोगों को कठोर बातें दिखाई, तूने हमें मूर्छा की दाखमधु पिलाई। तूने अपने से डरने वालों को धनुष के सामने से भागने के लिए एक निशान दिया, सेला। ताकि तेरे प्रिय छुड़ाए जाएं, अपने दाहिने हाथ से बचा और मेरी सुन।

परमेश्वर अपने पवित्रस्थान में बोले, मैं आनंदित होऊंगा और शकेम को विभाजित करूंगा, और तंबुओं की घाटी को नापूंगा। गिलाद मेरा है, और मनश्शे मेरा है, और एफ्राइम मेरे सिर की शक्ति है, यहूदा मेरा राजा है। मोआब मेरी आशा का हांडी है, इद्रूमिया पर मैं अपना जूता फैलाऊंगा, विदेशी मेरे अधीन हो गए।

कौन मुझे घेराबंदी के नगर में ले जाएगा? कौन मुझे इद्रूमिया तक मार्गदर्शन करेगा? क्या तू वह देवता नहीं है, जिसने हमें अस्वीकार किया है? और क्या तू, हे देवता, हमारी सेनाओं के साथ बाहर नहीं जाएगा? हमें क्लेश से सहायता दो, और मनुष्य की मुक्ति व्यर्थ है।

परमेश्वर में हम शक्ति प्राप्त करेंगे, और वह हमें सताने वालों को तुच्छ करेगा।

60

अंत के लिए, दाऊद के भजनों में।

हे परमेश्वर, मेरी विनती सुनो, मेरी प्रार्थना पर ध्यान दो। पृथ्वी के छोर से मैंने तुम्हें पुकारा, जब मेरा हृदय मूर्छित हो रहा था। चट्टान पर तुमने मुझे ऊंचा किया, तुमने मेरा मार्गदर्शन किया। क्योंकि तुम मेरी आशा बने, शत्रु के सामने शक्ति का मीनार। मैं तेरे तंबू में युगों तक निवास करूंगा, मैं तेरे पंखों के आश्रय में शरण पाऊंगा, सेला।

क्योंकि हे परमेश्वर, तूने मेरी प्रार्थनाएँ सुनीं, तूने अपने नाम का भय मानने वालों को विरासत दी। राजा के दिनों पर दिन तुम जोड़ोगे, उसके वर्ष पीढ़ी-दर-पीढ़ी के दिनों तक। वह ईश्वर के सामने युगों तक बना रहता है, उसकी दया और सत्य को कौन खोज पाएगा? इस प्रकार मैं तेरे नाम का गुणगान युगों-युगों तक करूंगा, ताकि मैं अपनी प्रार्थनाएं दिन-प्रतिदिन अर्पित कर सकूँ।

61

अंत के लिए, यदूतून के लिए, दाऊद का भजन।

क्या मेरी आत्मा परमेश्वर के अधीन नहीं होगी? क्योंकि मेरा उद्धार उसी से है। और क्योंकि वह स्वयं मेरा परमेश्वर और मेरा उद्धारकर्ता है, मेरा सहायक है, मैं अब और अधिक नहीं हिलाया जाऊंगा। कब तक तुम एक आदमी पर हमला करते रहोगे? तुम सब उसकी हत्या करते हो जैसे वह एक झुकी हुई दीवार और धकेली हुई बाड़ हो। केवल मेरे सम्मान को उन्होंने धकेलने की योजना बनाई, वे घ्यास में दौड़े, अपने मुख से आशीर्वाद देते थे, और अपने हृदय से शाप देते थे।

सेला।

परमेश्वर के अधीन हो जा, हे मेरी आत्मा, क्योंकि मेरा धैर्य उसी से है। क्योंकि वह स्वयं मेरा परमेश्वर और मेरा उद्धारकर्ता है, मेरा सहायक है, मैं कभी नहीं हिलाया जाऊंगा। परमेश्वर पर मेरा उद्धार है और मेरी महिमा है; मेरी सहायता का परमेश्वर है और मेरी आशा परमेश्वर पर है। हे लोगों की सारी सभा, उस पर आशा रखो, उसके सामने अपने हृदय उंडेल दो, क्योंकि परमेश्वर हमारा सहायक है। सेला।

केवल मनुष्यों के पुत्र व्यर्थ हैं, मनुष्यों के पुत्र झूठे हैं; तराजू में अन्याय करने के लिए, वे व्यर्थता से एक साथ हैं। अन्याय पर आशा मत करो, और लूट की लालसा मत करो, यदि धन बहता है तो उस पर हृदय मत लगाओ। एक बार भगवान ने बोला, ये दो बातें मैंने सुनीं, कि शक्ति भगवान की है, और हे प्रभु, दया आपकी है, क्योंकि आप प्रत्येक को उसके कर्मों के अनुसार प्रतिफल देंगे।

62

दाऊद का भजन, जब वह इद्रूमिया के निर्जन स्थान में था।

हे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, मैं भोर को तेरी ओर उठता हूँ। मेरी आत्मा ने तेरे लिए प्यास लगाई है, मेरा शरीर तेरे लिए कितना तरसता है उस उजाड़, दुर्गम और जलहीन भूमि में। इस प्रकार मैं पवित्र स्थान में तुम्हें प्रकट हुआ, ताकि तुम्हारी शक्ति और तुम्हारा महिमा देख सकूँ। क्योंकि आपकी दया जीवन से बेहतर है, मेरे होंठ आपकी प्रशंसा करेंगे। इस प्रकार मैं अपने जीवन में तुम्हें आशीर्वाद दूंगा, तुम्हारे नाम में अपने हाथ उठाऊंगा। जैसे चर्बी और समृद्धि से भरा जाए मेरा आत्मा, और आनंद के होंठ स्तुति करेंगे तेरे नाम की।

यदि मैं अपने बिस्तर पर तुम्हारा स्मरण करता था, तो प्रारंभिक घंटों में मैं तुम पर ध्यान करता था। क्योंकि तुम मेरे सहायक बने, और तुम्हारे पंखों के आश्रय में मैं आनंदित होऊंगा। मेरा प्राण तुझसे लग गया है, तेरे दाहिने हाथ ने मुझे सम्भाल लिया है। परन्तु उन्होंने व्यर्थ में मेरी आत्मा को खोजा, वे पृथ्वी के सबसे निचले भागों में प्रवेश करेंगे। वे तलवार के हाथों में सौंपे जाएंगे, लोमड़ियों के भाग होंगे। परन्तु राजा परमेश्वर पर आनन्दित होगा, उसकी शपथ खाने वाला प्रत्येक व्यक्ति प्रशंसित होगा, क्योंकि अन्याय बोलने वालों का मुँह बन्द कर दिया गया है।

63

अंत में, दाऊद का भजन।

हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुनो जब मैं तुमसे प्रार्थना करता हूँ, शत्रु के भय से मेरी आत्मा को छुड़ाओ। तूने मुझे दुष्टता करने वालों के षड्यंत्र से और अन्याय करने वालों की भीड़ से बचाया। जिन्होंने अपनी जीभों को तलवार की तरह तेज किया, कड़वी बात का धनुष खींचा छिपे हुए स्थानों में निर्दोष को तीर से मार गिराने के लिए, अचानक वे उसे तीर से मार गिराएंगे, और नहीं डरेंगे। उन्होंने अपने लिए दुष्ट योजना को मजबूत किया, उन्होंने जाल छिपाने की बात की, उन्होंने कहा, कौन उन्हें देखेगा? उन्होंने अधर्म की खोज की, खोजते-खोजते असफल हो गए। मनुष्य पास आएगा, और हृदय गहरा है। और परमेश्वर को ऊंचा किया जाएगा, शिशुओं के तीर उनके प्रहार बन गए। और उनकी जीभों ने उसे तिरस्कार किया, सब देखने वाले व्याकुल हो गए। और हर आदमी डर गया, और उन्होंने परमेश्वर के कार्यों की घोषणा की, और उसकी रचनाओं को समझा। धर्मी प्रभु में आनंदित होगा, और उस पर आशा करेगा, और सब सीधे हृदय वाले प्रशंसा किए जाएंगे।

अंत के लिए, दाऊद का भजन, एक गीत।

हे परमेश्वर, सिंघोन में तुझे स्तुति योग्य है, और तुझे प्रार्थना अर्पित की जाएगी। मेरी प्रार्थना सुनो, तुम्हारी ओर समस्त प्राणी आएँगे। अधर्मियों के शब्दों ने हमें परास्त कर दिया, और हमारे अधर्मों को तू क्षमा करेगा। धन्य है वह जिसे तुमने चुना और ग्रहण किया, वह तुम्हारे आँगनों में निवास करेगा, हम तुम्हारे घर की अच्छी चीजों से भरे जाएंगे, तुम्हारा मंदिर पवित्र है। न्याय में अद्भुत। हमारी सुनो, हे परमेश्वर, हे हमारे उद्धारकर्ता, पृथ्वी के सब छोरों की आशा, और समुद्र में दूर के लोगों की, तू जो अपनी शक्ति से पहाड़ों को तैयार करता है, जो सामर्थ्य से कमर बाँधे हुए है, वह जो समुद्र की गहराई को हिलाता है, उसकी लहरों की आवाज़ों को। राष्ट्र परेशान किए जाएंगे, और वे जो सीमाओं पर रहते हैं तुम्हारे चिह्नों से डरेंगे, तुम सुबह और शाम के निकास को आनंदित करते हो।

आपने भूमि की देखभाल की और इसे सिंचित किया, आपने इसे समृद्ध करने के लिए बहुतायत दी, भगवान की नदी जल से भर गई, आपने उनका भोजन तैयार किया, क्योंकि यही तैयारी है। इसकी रेखाओं को भिगो दो, इसकी उपज को बढ़ाओ; इसकी बूंदों में अंकुरित होती हुई वह आनंदित होगी। तुम अपनी दयालुता के वर्ष के मुकुट को आशीर्वाद दोगे, और तुम्हारे मैदान समृद्धि से भर जाएंगे। जंगल के पहाड़ मोटे हो जाएंगे, और पहाड़ियाँ आनंद से सुसज्जित होंगी। भेड़ों के मेढ़ों ने वस्त्र पहने, और घाटियाँ अनाज से भर जाएंगी, वे चिल्लाएंगे, और वे स्तुति गाएंगे।

समाप्ति में, पुनरुत्थान के स्तोत्र का गीत। हे समस्त पृथ्वी, परमेश्वर के लिए जयघोष करो,

उसके नाम का भजन गाओ, उसकी स्तुति को महिमा दो। परमेश्वर से कहो कि तुम्हारे काम कितने भयानक हैं; तुम्हारी शक्ति की बहुतायत में तुम्हारे शत्रु तुम्हारे सामने झूठ बोलेंगे। सारी पृथ्वी आपको प्रणाम करे, और आपके लिए गाए, आपके नाम के लिए गाए, सेला।

आओ और देखो ईश्वर के कार्य, जो मनुष्यों के पुत्रों के प्रति अपनी योजनाओं में भयानक है। वह जो समुद्र को सूखी भूमि में बदलता है, नदी में वे पैदल पार करेंगे, वहाँ हम उस पर प्रसन्न होंगे। उसको जो अपने सामर्थ्य में युग पर शासन करता है, उसकी आँखें जातियों पर देखती हैं, विद्रोह करने वाले अपने आप में ऊँचे न किए जाएँ, सेला।

हे राष्ट्रों, हमारे परमेश्वर को आशीर्वाद दो, और उसकी स्तुति का स्वर सुनाओ, उसका जिसने मेरी आत्मा को जीवन में रखा, और मेरे पैरों को हिलाव में नहीं दिया। क्योंकि हे परमेश्वर, तूने हमें परखा है, तूने हमें शुद्ध किया है जैसे चांदी को शुद्ध किया जाता है। तूने हमें फंदे में डाला, तूने हमारी पीठ पर क्लेश रख दिए। तूने लोगों को हमारे सिरों पर बिठाया, हम आग और पानी के बीच से गुज़रे, और तूने हमें राहत की ओर निकाला।

मैं तेरे घर में होमबलि के साथ प्रवेश करूँगा, मैं तुझे अपनी प्रार्थनाएं चुकाऊँगा, जिन्हें मेरे होंठों ने अलग किया था, और जो मेरा मुँह मेरे संकट में बोला था। मज्जा से भरी होम बलि मैं तुझे धूप के साथ चढ़ाऊँगा और मेढ़ों की, मैं तुझे बैल बकरों के साथ चढ़ाऊँगा, सेला।

आओ सुनो, और मैं बताऊँगा, सभी जो परमेश्वर से डरते हैं, उन्हें जितना उसने मेरी आत्मा के लिए किया। उसकी ओर मैंने अपने मुख से पुकारा, और अपनी जीभ से उसकी स्तुति की। यदि मैं अपने हृदय में अन्याय देख रहा था, तो प्रभु न सुनें। इस कारण भगवान ने मेरी सुनी, मेरी प्रार्थना की आवाज़ पर ध्यान दिया। धन्य हैं परमेश्वर, जिन्होंने मेरी प्रार्थना को और अपनी दया को

मुझसे दूर नहीं किया।

66

अंत के लिए, स्तुतियों में, दाऊद का भजन।

परमेश्वर हम पर दया करे, और हम पर आशीर्वाद दे, अपना मुख हम पर प्रकाशित करे, सेला।
धरती पर तुम्हारा मार्ग जानने के लिए, सब राष्ट्रों में तुम्हारा उद्धार। हे भगवान, लोग तुम्हें स्वीकार करें, सब लोग तुम्हें स्वीकार करें। राष्ट्र प्रसन्न हों और आनंदित हों, क्योंकि तू लोगों का न्यायपरायणता से न्याय करेगा, और पृथ्वी पर राष्ट्रों का मार्गदर्शन करेगा। सेला। हे ईश्वर, लोग तुम्हें स्वीकार करें, सब लोग तुम्हें स्वीकार करें। भूमि ने अपना फल दिया, हमें आशीर्वाद दे ईश्वर, हमारा ईश्वर। ईश्वर हमें आशीर्वाद दें, और पृथ्वी की सब सीमाएं उससे डरें।

67

अंत के लिए, दाविद का गीत भजन।

परमेश्वर उठें, और उनके शत्रु तितर-बितर हो जाएं, और उनसे घृणा करने वाले उनके मुख से भाग जाएं। जैसे धुआँ लुप्त हो जाता है, वैसे ही वे लुप्त हो जाएँ, जैसे मोम आग के सामने पिघल जाता है, वैसे ही पापी परमेश्वर के सामने से नष्ट हो जाएँ। और धर्मी लोग प्रसन्न हों, परमेश्वर के सामने आनन्दित हों, आनन्द में मगन हों।

परमेश्वर का गुणगान करो, उसके नाम का भजन गाओ, पश्चिम पर सवार होने वाले के लिए मार्ग तैयार करो, प्रभु उसका नाम है, और उसके सामने आनन्दित हो। वे उसके चेहरे से परेशान होंगे,

अनार्थों के पिता और विधवाओं के न्यायाधीश, परमेश्वर अपने पवित्र स्थान में। परमेश्वर एकाकी लोगों को घर में बसाता है, बंधे हुए लोगों को साहस के साथ बाहर लाता है, और उसी प्रकार उन लोगों को भी जो क्रोधित करते हैं और कब्रों में रहते हैं।

हे परमेश्वर, जब तुम अपने लोगों के सामने बाहर गए, जब तुमने रेगिस्तान को पार किया, सेला। भूमि हिलाई गई, और आकाश भी टपके परमेश्वर के सम्मुख से, सीनै के परमेश्वर के सम्मुख से, इस्राएल के परमेश्वर के सम्मुख से। हे ईश्वर, तूने अपनी विरासत के लिए स्वैच्छिक वर्षा को पृथक किया, और वह कमजोर हो गई थी, परन्तु तूने इसे स्थापित किया।

तुम्हारे पशु इसमें निवास करते हैं, तुमने अपनी दयालुता से गरीब के लिए तैयार किया। वह परमेश्वर प्रभु उनको जो सुसमाचार सुनाते हैं, बहुत शक्ति के साथ वचन देगा। शक्तियों का राजा, जो प्रिय का प्रिय है, घर की सुंदरता में लूट को बाँटता है। यदि तुम भागों के बीच में सो जाओ, तो कबूतर के पंख चांदी से मढ़े हुए होंगे, और उसकी पीठ सोने की हरियाली में होगी। जब स्वर्गीय राजाओं को उसके ऊपर अलग किया जाएगा, तो वे सलमोन में बर्फ से ढक जाएंगे। परमेश्वर का पहाड़ एक उपजाऊ पहाड़ है, एक बहु-शिखर पहाड़, एक उपजाऊ पहाड़। क्यों मानते हो तुम कि पहाड़ दही जमाए हुए हैं? वह पहाड़ जिसमें ईश्वर निवास करने से प्रसन्न हुआ, और प्रभु उसमें सदा के लिए निवास करेगा।

परमेश्वर के रथ दस हजार गुना हैं, समृद्ध लोगों के हजारों; प्रभु उनमें हैं सीनै में, पवित्र स्थान में। ऊँचाई पर चढ़कर, तुमने बंदियों को बंदी बना लिया, तुमने मनुष्यों में उपहार प्राप्त किए, यहाँ तक कि अवज्ञा करने वालों को भी, ताकि निवास किया जा सके।

प्रभु परमेश्वर धन्य है, धन्य है प्रभु प्रतिदिन, और हमें समृद्ध करेगा हमारे उद्धार का परमेश्वर, सेला। हमारा परमेश्वर, बचाने वाला परमेश्वर, और प्रभु के पास मृत्यु से निकलने के मार्ग हैं। परन्तु परमेश्वर अपने शत्रुओं के सिरों को कुचलेगा, उनके बालों के शिखर को जो अपने अपराधों में

चलते हैं। प्रभु ने कहा, मैं बाशान से लौटूंगा, मैं समुद्र की गहराइयों में लौटूंगा। ताकि तुम्हारा पैर खून में डुबोया जाए, तुम्हारे कुत्तों की जीभ शत्रुओं से उसके पास से हो।

हे परमेश्वर, तुम्हारे जुलूस देखे गए, मेरे परमेश्वर के जुलूस, राजा के जुलूस जो पवित्र स्थान में थे। शासक पहले पहुँचे, वीणा बजाने वालों के साथ, युवा स्त्रियों के बीच जो डफ बजा रही थीं। सभाओं में परमेश्वर को आशीर्वाद दो, प्रभु को जो इस्राएल के झरनों से है। वहाँ बिन्यामीन छोटा उन्माद में है, यहूदा के शासक उनके नेता हैं, जबूलून के शासक, नप्ताली के शासक।

हे परमेश्वर, अपनी शक्ति को आज्ञा दे, हे परमेश्वर, इसे सशक्त कर, जो तूने हम में स्थापित किया है। तेरे मंदिर से यरूशलेम के ऊपर, राजा तुझे उपहार लाएंगे। नरकट के जंगली जानवरों को डांटो, सांडों की मण्डली को जो लोगों की बछड़ियों में है, ताकि चांदी से स्वीकृत लोग बाहर न निकाले जाएं, उन राष्ट्रों को तितर-बितर करो जो युद्ध चाहते हैं। मिस्र से राजदूत आएं, इथियोपिया अपना हाथ भगवान की ओर बढ़ाएगा।

पृथ्वी के राज्यों, परमेश्वर के लिए गाओ, प्रभु के लिए भजन गाओ। सेला। उस परमेश्वर का भजन गाओ जो पूर्व दिशा में आकाशों के आकाश पर सवार है, देखो, वह अपनी आवाज़ में शक्ति की आवाज़ देगा। परमेश्वर को महिमा दो, इस्राएल पर उसका वैभव है, और बादलों में उसकी शक्ति है। अद्भुत है परमेश्वर अपने पवित्र लोगों में, इस्राएल का परमेश्वर, वह अपने लोगों को शक्ति और बल देगा, धन्य है परमेश्वर।

68

अंत के लिए, उनके लिए जो बदले जाएंगे, दाऊद के लिए।

हे ईश्वर, मुझे बचाओ, क्योंकि पानी मेरी आत्मा तक प्रवेश कर गया है। मैं गहराई के कीचड़ में धंस गया था और कोई आधार नहीं था, मैं समुद्र की गहराइयों में आ गया और तूफान ने मुझे डुबो दिया। मैं चिल्लाते-चिल्लाते थक गया, मेरा गला कर्कश हो गया, मेरे परमेश्वर पर आशा रखते-रखते मेरी आँखें असफल हो गईं। मेरे सिर के बालों से अधिक बढ़ गए वे जो मुझसे बिना कारण नफरत करते हैं, मजबूत हो गए मेरे दुश्मन जो मुझे अन्यायपूर्वक सताते हैं; जो मैंने नहीं छीना, उसे तब मैं लौटा रहा था।

हे परमेश्वर, तुमने मेरी मूर्खता को जाना, और मेरे अपराध तुमसे छिपे नहीं रहे। हे शक्तियों के प्रभु, जो तुम्हारी प्रतीक्षा करते हैं वे मेरे कारण शर्मिंदा न हों; हे इस्राएल के परमेश्वर, जो तुम्हें खोजते हैं वे मेरे कारण लज्जित न हों। क्योंकि तेरे लिए मैंने निन्दा सही, शर्म ने मेरा चेहरा ढक लिया। मैं अपने भाइयों से अलग हो गया, और अपनी माता के पुत्रों के लिए अजनबी बन गया। क्योंकि तेरे घर के लिए उत्साह ने मुझे खा लिया, और जो तुझे निन्दा करते हैं उनकी निन्दाएँ मुझ पर पड़ीं। और मैंने उपवास में अपनी आत्मा को झुकाया, और यह मेरे लिए निन्दाओं में बदल गया। और मैंने अपना वस्त्र टाट रखा, और मैं उनके लिए एक दृष्टान्त बन गया। मेरे विषय में द्वार पर बैठे हुए लोग बातचीत करते थे, और शराब पीने वाले मेरे विषय में गाते थे।

लेकिन मैं अपनी प्रार्थना में तेरी ओर हूँ, हे प्रभु; यह अनुग्रह का समय है, हे परमेश्वर; अपनी दया की बहुतायत में मुझे सुन, अपनी मुक्ति के सत्य में। मुझे कीचड़ से बचाओ, ताकि मैं फंसू नहीं, मुझसे नफरत करने वालों से और पानी की गहराई से मुझे छुड़ाया जाए। जल का तूफान मुझे न डुबाए, न गहराई मुझे निगले, न कुआं अपना मुंह मुझ पर बंद करे। हे प्रभु, मेरी सुनो, क्योंकि तेरी दया अच्छी है, अपनी करुणाओं की बहुतायत के अनुसार मुझ पर दृष्टि कर। और अपना चेहरा अपने सेवक से मत मोड़ो, क्योंकि मैं पीड़ित हूँ, जल्दी मेरी सुनो। मेरी आत्मा पर ध्यान दो और उसे छुड़ाओ, मेरे शत्रुओं के कारण मुझे बचाओ।

तू मेरी निन्दा को जानता है, और मेरी लज्जा को, और मेरे अपमान को; मेरे सब सताने वाले तेरे

सामने हैं। मेरी आत्मा ने निन्दा और दुख की अपेक्षा की, और मैंने शोक करने वाले की प्रतीक्षा की, परन्तु कोई नहीं था, और सात्वता देने वाले को ढूँढा, परन्तु नहीं पाया। और उन्होंने मेरे भोजन में पित्त दिया, और मेरी प्यास में उन्होंने मुझे सिरका पिलाया। उनकी मेज उनके सामने फंदा बन जाए, और प्रतिशोध बने, और ठोकर का पत्थर बने। उनकी आँखें अंधेरी कर दी जाएं ताकि वे न देख सकें, और उनकी पीठ को लगातार झुका दो। अपना क्रोध उन पर उंडेल दो, और तुम्हारे क्रोध का प्रकोप उन्हें जकड़ ले। उनका निवास उजाड़ हो जाए, और उनके तम्बुओं में कोई रहने वाला न हो। क्योंकि जिसे तूने मारा, उसका उन्होंने पीछा किया, और मेरे घावों के दर्द को उन्होंने और बढ़ाया। उनके अधर्म पर अधर्म जोड़ो, और वे तुम्हारी धार्मिकता में प्रवेश न करें। उन्हें जीवितों की पुस्तक से मिटा दिया जाए, और धर्मियों के साथ उन्हें न लिखा जाए।

मैं गरीब और दुःखी हूँ, और तुम्हारे मुख की मुक्ति ने मुझे थाम लिया। मैं अपने परमेश्वर के नाम की गीत के साथ प्रशंसा करूँगा, मैं स्तुति में उसे महिमामंडित करूँगा और यह परमेश्वर को उस युवा बछड़े से अधिक प्रसन्न करेगा जो सींग और खुर धारण करता है। गरीब देखें और प्रसन्न हों, परमेश्वर को खोजो, और तुम जीवित रहोगे। क्योंकि प्रभु ने गरीबों की सुनी है, और उसने अपने बंदियों को तुच्छ नहीं समझा। आकाश और पृथ्वी उसकी स्तुति करें, समुद्र और उसमें रेंगने वाले सब जीव। क्योंकि परमेश्वर सिय्योन को बचाएगा, और यहूदिया के नगर बनाए जाएंगे, और वे वहाँ निवास करेंगे, और उसे उत्तराधिकार में पाएंगे। और उसके दासों का बीज इसे धारण करेगा, और उसके नाम से प्रेम करने वाले इसमें निवास करेंगे।

69

अंत के लिए, दाऊद के लिए स्मरण हेतु, प्रभु द्वारा मुझे बचाने के लिए।

हे भगवान, मेरी सहायता में ध्यान दीजिए। लज्जित और भ्रमित हों वे जो मेरी आत्मा को खोज

रहे हैं, पीछे की ओर मुड़ जाएं, और लज्जित हों वे जो मेरे विरुद्ध इच्छा करते हैं। वे तुरंत शर्मिंदा होकर लौट जाएं जो मुझसे कहते हैं, शाबाश, शाबाश। वे सब जो तुम्हें खोजते हैं, तुम पर आनंदित और प्रसन्न हों, और जो तुम्हारे उद्धार से प्रेम करते हैं, वे निरंतर कहें, परमेश्वर की महिमा हो। मैं गरीब और दीन हूँ, हे परमेश्वर, मेरी सहायता करो। तुम मेरे सहायक और मेरे छुड़ानेवाले हो, हे प्रभु, देरी मत करो।

70

दाविद का, योनादाब के पुत्रों का, और प्रथम बंदियों का। हे प्रभु, तुझ पर मैंने आशा रखी है, मैं सदा के लिए लज्जित न होऊँ।

अपनी धार्मिकता में मुझे छुड़ा और मुझे निकाल, मेरी ओर अपना कान झुका और मुझे बचा। मेरे लिए रक्षक देवता बनो, और मुझे बचाने के लिए मजबूत स्थान बनो, क्योंकि तुम मेरी दृढ़ता और मेरी शरण हो। हे मेरे ईश्वर, मुझे पापी के हाथ से, अधर्मी और अन्यायी के हाथ से छुड़ाओ। क्योंकि तू मेरा धैर्य है, हे प्रभु, हे प्रभु, तू मेरी आशा है मेरी युवावस्था से। तुम पर मैं गर्भ से समर्थित रहा हूँ, मेरी माता की कोख से तुम मेरे रक्षक हो। तुम में मेरी स्तुति सदा बनी रहती है।

मैं बहुतों के लिए एक आश्चर्य के समान बन गया, और तू शक्तिशाली सहायक है। मेरा मुख स्तुति से भर जाए, ताकि मैं तेरी महिमा का गुणगान करूँ, पूरे दिन तेरी भव्यता का। मुझे बुढ़ापे के समय में मत फेंक दो, जब मेरी शक्ति विफल हो रही हो तब मुझे मत त्याग दो। क्योंकि मेरे शत्रुओं ने मुझसे कहा, और जो मेरी आत्मा की रक्षा कर रहे थे उन्होंने साथ मिलकर योजना बनाई, कहते हुए, परमेश्वर ने उसको त्याग दिया है, उसका पीछा करो और उसे पकड़ लो, क्योंकि कोई छुड़ाने वाला नहीं है। हे भगवान, मुझसे दूर मत हो, हे मेरे परमेश्वर, मेरी सहायता की ओर ध्यान दो। शर्मिंदा हों और नष्ट हों वे जो मेरी आत्मा की निंदा करते हैं, शर्म और अपमान से ढके

जाएं वे जो मेरे लिए बुराइयां खोजते हैं।

परन्तु मैं निरंतर आशा करूंगा, और तेरी सम्पूर्ण स्तुति में और अधिक जोड़ूंगा। मेरा मुख पूरे दिन तेरी धार्मिकता और तेरे उद्धार की घोषणा करेगा, क्योंकि मैं सांसारिक व्यवहार को नहीं जानता। मैं प्रभु की शक्ति में प्रवेश करूंगा, हे प्रभु, मैं केवल तेरे न्याय को याद करूंगा। हे ईश्वर, तूने मुझे मेरी युवावस्था से सिखाया, और अब तक मैं तेरे चमत्कारों की घोषणा करूंगा, और बुढ़ापे तक और बूढ़े बालों तक, हे परमेश्वर, मुझे मत त्याग, जब तक मैं तेरी बाहु को सब आनेवाली पीढ़ी के लिए घोषित करूं, तेरे सामर्थ्य को। और हे परमेश्वर, आपकी धार्मिकता सर्वोच्च तक है, आपने जो महान कार्य किए हैं, हे परमेश्वर, कौन आपके समान है?

जितने क्लेश तुमने मुझे दिखाए, बहुत और बुरे; और लौटकर तुमने मुझे जीवित किया, और पृथ्वी की गहराइयों से फिर तुमने मुझे ऊपर लाए। तूने अपना न्याय बढ़ाया, और लौटकर तूने मुझे सांत्वना दी, और पृथ्वी की गहराइयों से तूने मुझे फिर ऊपर लाया। और मैं भजन के वाद्य यंत्र पर तेरी सच्चाई के लिए तुझे धन्यवाद दूंगा, हे परमेश्वर; मैं वीणा पर तुझे गाऊंगा, हे इस्राएल के पवित्र। मेरे होंठ आनंदित होंगे जब मैं तुम्हारे लिए भजन गाऊंगा, और मेरी आत्मा जिसे तुमने छुड़ाया है। अभी भी मेरी जीभ पूरे दिन तेरी धार्मिकता पर ध्यान करेगी, जब वे शर्मिदा और लज्जित होंगे जो मेरे लिए बुराइयाँ खोजते हैं।

71

सुलैमान के लिए। हे ईश्वर, अपना निर्णय राजा को दो, और अपना न्याय राजा के पुत्र को दो।

अपने लोगों का न्यायीपन से न्याय करना, और अपने गरीबों का न्याय से निर्णय करना।

पहाड़ तुम्हारे लोगों के लिए शांति लाएं, और पहाड़ियां भी, धार्मिकता में वह लोगों के गरीबों का न्याय करेगा, और गरीबों के पुत्रों को बचाएगा, और निंदक को अपमानित करेगा, और वह सूर्य के साथ बना रहेगा, और चंद्रमा से पहले पीढ़ी दर पीढ़ी। वह ऊन पर वर्षा के समान नीचे आएगा, और भूमि पर टपकती बूंदों के समान। उसके दिनों में धार्मिकता उगेगी, और शांति की बहुतायत होगी जब तक चंद्रमा हटाया न जाए। और वह समुद्र से समुद्र तक शासन करेगा, और नदी से लेकर बसे हुए संसार की सीमाओं तक। उसके सामने इथियोपियाई गिर जाएंगे, और उसके शत्रु धूल चार्टेंगे। तर्शीश के राजा और द्वीप उपहार लाएंगे, अरब के राजा और शेबा उपहार लाएंगे। और सभी राजा उसको प्रणाम करेंगे, सभी राष्ट्र उसकी सेवा करेंगे। क्योंकि उसने गरीब को शासक से बचाया, और उस दीन को भी जिसका कोई सहायक नहीं था। वह गरीब और दीन पर दया करेगा, और गरीबों की आत्माओं को बचाएगा। ब्याज और अन्याय से वह उनकी आत्माओं को छुड़ाएगा, और उनका नाम उसके सामने सम्मानित होगा। और वह जीवित रहेगा, और उसे अरब का सोना दिया जाएगा, और वे उसके लिए निरंतर प्रार्थना करेंगे, पूरे दिन वे उसे आशीर्वाद देंगे। पहाड़ों की चोटियों पर भूमि में सहारा होगा, उसका फल लबानोन से ऊपर उठाया जाएगा, और वे नगर से पृथ्वी की घास की तरह खिलेंगे।

उसका नाम युगों तक धन्य हो, सूरज से पहले उसका नाम बना रहेगा, और पृथ्वी के सब कुल उसमें धन्य किए जाएंगे, सब जातियां उसे धन्य कहेंगी।

धन्य हैं प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, जो अकेले आश्चर्यकर्म करते हैं, और धन्य है उसकी महिमा का नाम युगों-युगों तक, और उसकी महिमा से सारी पृथ्वी भर जाएगी। आमीन, आमीन। दाऊद के, जो यिश्ई के पुत्र थे, भजन समाप्त हो गए।

भजन आसाफ का। कितना अच्छा है परमेश्वर इस्राएल के लिए, सीधे हृदय वालों के लिए।

लेकिन मेरे पैर थोड़े से हिल गए, मेरे कदम लगभग फिसल गए। क्योंकि मैं अधर्मियों पर ईर्ष्या करता था, पापियों की शांति को देखते हुए।

क्योंकि उनकी मृत्यु में कोई राहत नहीं है, और उनके कोड़े में दृढ़ता है। मनुष्यों के परिश्रमों में वे नहीं हैं, और मनुष्यों के साथ उन्हें कोड़े नहीं मारे जाएंगे। इस कारण अहंकार ने उन्हें पकड़ लिया, उन्होंने अपने अन्याय और अधर्म को ओढ़ लिया। उनका अन्याय चर्बी से निकलेगा, वे हृदय के स्वभाव में चले गए। उन्होंने विचार किया और दुष्टता में बोले, उन्होंने ऊंचाई की ओर अन्याय की बात की। उन्होंने अपना मुँह स्वर्ग में रखा, और उनकी जीभ पृथ्वी पर फैल गई। इस कारण मेरे लोग यहाँ लौटेंगे, और उनमें पूर्ण दिन पाए जाएंगे। और उन्होंने कहा, परमेश्वर को कैसे पता चला, और क्या सर्वोच्च में ज्ञान है? देखो, ये पापी सदा समृद्ध होते हुए धन को धारण किए रहते हैं।

और मैंने कहा, तब व्यर्थ में मैंने अपने हृदय को न्यायी ठहराया, और निर्दोषता में अपने हाथ धोए। और मैं पूरे दिन कोड़े खाता रहा, और मेरी ताड़ना सुबह-सुबह होती रही। यदि मैं कहता, मैं इस प्रकार बताऊंगा, तो देखो, मैंने तेरे पुत्रों की पीढ़ी से विश्वासघात किया होता। और मैंने माना कि यह जानना परिश्रम है मेरे सामने। जब तक मैं परमेश्वर के पवित्रस्थान में प्रवेश न करूं, तब तक मैं अंतिम बातों को नहीं समझूंगा।

उनकी धोखेबाजियों के कारण ही तूने उन्हें वहाँ रखा, तूने उन्हें गिरा दिया जब वे घमंड में उठे। कैसे वे उजाड़ में बदल गए! अचानक वे नष्ट हो गए, वे अपने अधर्म के कारण समाप्त हो गए। जैसे जागते समय का स्वप्न, हे प्रभु, अपने नगर में तू उनकी प्रतिमा को तुच्छ करेगा।

क्योंकि मेरा हृदय प्रसन्न हुआ, और मेरे गुर्दे बदल गए। और मैं तिरस्कृत था, और मैंने नहीं जाना, मैं तेरे सामने पशुवत हो गया था। और मैं निरंतर तुम्हारे साथ हूँ, तुमने मेरे दाहिने हाथ को पकड़

लिया है तुमने अपने परामर्श में मुझे मार्गदर्शन दिया, और महिमा के साथ तुमने मुझे ग्रहण किया। स्वर्ग में मेरे लिए क्या है, और पृथ्वी पर तुम्हारे सिवा मैंने क्या चाहा? मेरा हृदय और मेरा शरीर क्षीण हो गए हैं, परन्तु परमेश्वर मेरे हृदय का बल है और सदा के लिए मेरा भाग है।

क्योंकि देखो, जो अपने आप को तुमसे दूर करते हैं, वे नष्ट हो जाएंगे; तुमने उन सभी को पूरी तरह नष्ट कर दिया है जो तुमसे व्यभिचार करते हैं। मेरे लिए परमेश्वर से चिपके रहना अच्छा है, प्रभु में मेरी आशा रखना, ताकि सिय्योन की पुत्री के द्वारों में तेरी सब स्तुतियों की घोषणा करूँ।

73

समझ का भजन आसाफ के लिए। हे परमेश्वर, तूने हमें सदा के लिए क्यों त्याग दिया है? तेरा क्रोध तेरी चरागाह की भेड़ों पर क्यों भड़का है?

अपनी मण्डली को याद करो जिसे तुमने आरम्भ से अधिग्रहण किया, तुमने अपनी विरासत की छड़ी को छुड़ाया, यह सिय्योन पर्वत जिसमें तुमने निवास किया। अपने हाथ उठाओ उनके अहंकार पर अंत तक, जितनी दुष्टता शत्रु ने तुम्हारे पवित्र स्थानों में की है।

और जो आपसे घृणा करते हैं उन्होंने आपके त्योहार के बीच में घमंड किया उन्होंने अपने चिन्ह रखे, चिन्ह, और नहीं जाना, जैसे प्रवेश द्वार के ऊपर, जैसे लकड़ियों के जंगल में कुल्हाड़ियों से काट दिया। उसके दरवाजों को एक साथ कुल्हाड़ी और छेनी से तोड़ डाला। उन्होंने तुम्हारे पवित्रस्थान को आग में जलाकर भूमि तक गिरा दिया, उन्होंने तुम्हारे नाम के निवास को अपवित्र कर दिया। उन्होंने अपने हृदय में कहा, उनके रिश्तेदार एक साथ हैं, आओ, हम प्रभु के पर्वों को पृथ्वी से समाप्त कर दें। हमारे चिन्ह हमने नहीं देखे, अब कोई नबी नहीं है, और अब हमें कोई नहीं जानेगा।

हे परमेश्वर, कब तक शत्रु निन्दा करता रहेगा? क्या विरोधी सदा तेरे नाम का अपमान करता रहेगा? तुम अपना हाथ क्यों हटाते हो, और अपने दाहिने हाथ को अपनी छाती से अंत तक क्यों दूर रखते हो? परन्तु ईश्वर, जो हमारा राजा है युग से पहले, उसने पृथ्वी के बीच में मुक्ति की रचना की। तूने अपनी शक्ति से समुद्र को मजबूत किया, तूने जल के ऊपर अजगरों के सिरों को कुचल दिया। तूने अजगर के सिरों को कुचल दिया, तूने उसे इथियोपियाई लोगों को भोजन दिया। तूने झरनों और पहाड़ी नालों को फाड़ दिया, तूने एथाम की नदियों को सुखा दिया। दिन तेरा है, और रात तेरी है, तूने सूरज और चाँद को स्थापित किया। तूने पृथ्वी की सभी सीमाएँ बनाई, गर्मी और वसंत तूने बनाए।

अपनी इस सृष्टि को याद करो, शत्रु ने प्रभु की निन्दा की है, और मूर्ख लोगों ने तुम्हारे नाम का अपमान किया है। जंगली जानवरों को उस आत्मा को मत सौंप जो तुझे स्वीकार करती है, अपने गरीबों की आत्माओं को अंत तक मत भूल। अपनी वाचा पर दृष्टि डालो, क्योंकि पृथ्वी के अंधकारमय स्थान अधर्म के घरों से भर गए थे। दीन और लज्जित को वापस न लौटाओ; गरीब और दरिद्र तेरे नाम की स्तुति करेंगे। हे परमेश्वर, उठो और अपने न्याय का फैसला करो, उन अपमानों को याद करो जो मूर्ख द्वारा पूरे दिन किए गए हैं। अपने याचकों की आवाज़ को मत भूल, तुझसे घृणा करने वालों का अहंकार निरंतर तेरी ओर बढ़ता रहता है।

74

अंत के लिए, नष्ट मत करो; आसाफ का गीत-भजन।

हे भगवान, हम तुम्हें स्वीकार करेंगे, हम स्वीकार करेंगे, और हम तुम्हारे नाम को पुकारेंगे, मैं तुम्हारे सभी चमत्कारों को बताऊंगा। जब मुझे समय मिलेगा, मैं न्यायपूर्वक न्याय करूँगा। भूमि पिघल गई थी और उसमें निवास करने वाले सब लोग भी, मैंने उसके स्तंभों को स्थापित किया,

सेला।

मैंने अधर्मियों से कहा, अधर्म मत करो, और पापियों से कहा, सींग ऊँचा मत करो। अपना सींग ऊँचा मत उठाओ, ईश्वर के विरुद्ध अन्याय की बात मत करो। क्योंकि न निकास से, न पश्चिम से, न निर्जन पहाड़ों से, क्योंकि परमेश्वर न्यायाधीश है, वह इसे नम्र करता है और इसे ऊँचा करता है। क्योंकि प्रभु के हाथ में एक प्याला है, जो बिना मिलावट की दाखरस से भरा हुआ है, और उसने इसे इधर से उधर झुकाया, परन्तु उसकी तलछट नहीं उंडेली गई; पृथ्वी के सब पापी इसे पिएंगे।

मैं लेकिन सदा के लिए आनंदित होऊंगा, याकूब के परमेश्वर का भजन गाऊंगा। और मैं पापियों के सब सींगों को तोड़ूंगा, और धर्मी के सींग ऊँचे किए जाएंगे।

75

अंत के लिए स्तुतियों में, आसाफ का भजन, अशशूरी के विरुद्ध गीत।

यहूदिया में परमेश्वर ज्ञात हैं, इज़राइल में उनका नाम महान है। और उसका स्थान शांति में हुआ, और उसका निवास-स्थान सिय्योन में हुआ। वहाँ उसने धनुषों की शक्तियों को, हथियार को, तलवार को और युद्ध को कुचल दिया, सेला।

तुम आश्चर्यजनक रूप से शाश्वत पहाड़ों से प्रकाशित करते हो। सभी मूर्ख हृदय वाले व्याकुल हुए, वे अपनी नींद सोए, और धन के सभी पुरुषों ने अपने हाथों में कुछ नहीं पाया। तेरी फटकार से, हे याकूब के परमेश्वर, घोड़ों पर सवार लोग ऊँघने लगे। तू भयानक है, और कौन तेरे क्रोध के सामने खड़ा होगा? स्वर्ग से तुमने न्याय की घोषणा की, पृथ्वी भयभीत हुई और शांत हो गई, जब परमेश्वर न्याय के लिए उठे, हृदय के सब नम्र लोगों को बचाने के लिए। सेला।

क्योंकि मनुष्य का स्मृति-चिन्ह तुझे धन्यवाद देगा, और स्मृति-चिन्ह का शेष भाग तुझे उत्सव मनाएगा। प्रार्थना करो और हमारे प्रभु परमेश्वर को अर्पित करो, उसके चारों ओर के सब लोग उपहार लाएंगे। उस भयानक को जो शासकों की आत्माओं को छीन लेता है, जो पृथ्वी के राजाओं के बीच भयानक है।

76

अंत के लिए, यदूतन के लिए, आसाप का भजन।

मैंने अपनी आवाज से प्रभु को पुकारा, और मेरी आवाज परमेश्वर की ओर गई, और उन्होंने मुझ पर ध्यान दिया। मेरे क्लेश के दिन में मैंने परमेश्वर को खोजा, रात में मेरे हाथ उसके सामने थे, और मैं धोखा नहीं खाया, मेरी आत्मा ने सात्वना पाने से इनकार कर दिया। मैंने परमेश्वर को याद किया, और मैं आनंदित हुआ, मैंने ध्यान किया, और मेरी आत्मा निराश हुई, सेला। मेरे सभी शत्रुओं ने पहले से पहले जल कर लिए, मैं व्याकुल हो गया और मैं नहीं बोला।

मैंने प्राचीन दिनों पर विचार किया, और शाश्वत वर्षों पर मैंने स्मरण किया, और मैंने मनन किया, रात में अपने हृदय के साथ मैंने मनन किया, और मैंने अपनी आत्मा की खोज की। क्या प्रभु युगों तक अस्वीकार करेगा, और क्या वह फिर कभी प्रसन्न नहीं होगा? क्या अंत में दया को पीढ़ी दर पीढ़ी से काट देगा? क्या भगवान दया करना भूल जाएगा, या अपने क्रोध में अपनी दयाओं को रोक लेगा? सेला।

और मैंने कहा, अब मैंने शुरू किया है, यह परम प्रधान के दाहिने हाथ का परिवर्तन है। मैंने प्रभु के कार्यों को याद किया, क्योंकि मैं आरंभ से तुम्हारे आश्चर्यकर्मों को याद करूंगा। और मैं तुम्हारे सब कार्यों पर ध्यान करूंगा, और तुम्हारे अभ्यासों पर मैं मनन करूंगा।

हे परमेश्वर, पवित्रता में तुम्हारा मार्ग है, कौन देवता महान है जैसा हमारा परमेश्वर? तू वह देवता है जो चमत्कार करता है; तूने लोगों में अपनी शक्ति को ज्ञात कराया। तूने अपनी बाँह से अपने लोगों को छुड़ाया, याकूब और यूसुफ के पुत्रों को, सेला। हे भगवान, जल ने तुझे देखा, जल ने तुझे देखा और डर गए, और गहराइयाँ व्याकुल हो गईं। जल-राशियों की ध्वनि की बहुतायत, बादलों ने आवाज़ दी, और तुम्हारे तीर भी गुज़रते हैं। तुम्हारी गड़गड़ाहट की आवाज़ पहिले में थी, तुम्हारी बिजलियाँ बसी हुई दुनिया को रोशन करती थीं, धरती हिल गई और काँपने लगी। समुद्र में तेरा मार्ग है, और तेरे पथ अथाह जल में हैं, और तेरे पदचिह्न जाने नहीं जाएंगे। तूने अपने लोगों को भेड़ों के समान मूसा और हारून के हाथ में मार्गदर्शन किया।

77

आसाफ की समझ। हे मेरे लोगो, मेरी व्यवस्था पर ध्यान दो, अपने कान मेरे मुँह के वचनों की ओर लगाओ।

मैं दृष्टान्तों में अपना मुँह खोलूंगा, मैं आरंभ से पहेलियाँ उच्चारण करूंगा। जितने हमने सुने और जाने, और हमारे पिताओं ने हमें सुनाए। यह उनके बच्चों से दूसरी पीढ़ी में नहीं छिपाया गया, जब वे प्रभु की स्तुतियाँ और उसकी शक्तियाँ, और उसके आश्चर्यकर्म जो उसने किए, घोषणा कर रहे थे।

और उसने याकूब में गवाही स्थापित की, और इस्राएल में व्यवस्था रखी, जिसकी आज्ञा उसने हमारे पितरों को दी, कि उसे उनके पुत्रों को बताएं, ताकि दूसरी पीढ़ी जान सके, वे पुत्र जो जन्म लेने वाले हैं, और वे उठेंगे और उन्हें अपने पुत्रों को बताएंगे। ताकि वे परमेश्वर पर अपनी आशा रखें, और परमेश्वर के कार्यों को न भूलें, और उसकी आज्ञाओं को परिश्रम से खोजें। ताकि वे अपने पिताओं के समान न बनें, एक टेढ़ी और विद्रोही पीढ़ी, ऐसी पीढ़ी जिसने अपने हृदय में

निर्देशन नहीं किया, और जिसकी आत्मा परमेश्वर के साथ विश्वासयोग्य नहीं थी।

एफ्राइम के पुत्र धनुष खींचते और चलाते हुए, युद्ध के दिन मुड़ गए। उन्होंने परमेश्वर की वाचा को नहीं रखा, और उसकी व्यवस्था में चलना नहीं चाहते थे। और वे उसके उपकारों को और उसके आश्चर्यकर्मों को भूल गए, जो उसने उन्हें दिखाए थे। उनके पिताओं के सामने जो चमत्कार उसने किए, मिस्र की भूमि में, तानेस के मैदान में। उसने समुद्र को फाड़ा और उन्हें पार कराया, उसने जल को मशक के समान खड़ा कर दिया। और उसने दिन में उन्हें बादल में ले जाया, और पूरी रात आग की रोशनी में। उसने जंगल में चट्टान को फाड़ा, और उन्हें ऐसे पिलाया जैसे बहुत गहराई में। और उसने चट्टान से पानी निकाला, और नदियों की तरह पानी बहाया।

और उन्होंने फिर भी उसके विरुद्ध पाप करना जारी रखा, उन्होंने सर्वोच्च को जलहीन भूमि में क्रोधित किया। और उन्होंने अपने हृदयों में परमेश्वर की परीक्षा ली, अपनी आत्माओं के लिए भोजन मांगने के लिए। और उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध बोला, और कहा, क्या परमेश्वर जंगल में मेज तैयार कर सकेगा? चूंकि उसने चट्टान को मारा, और पानी बह निकला, और नाले बाढ़ से भर गए, तो क्या वह रोटी भी देने में सक्षम होगा? या अपने लोगों के लिए मेज़ तैयार करेगा?

इस कारण प्रभु ने सुना और विलंब किया, और याकूब में आग प्रज्वलित हुई, और इस्राएल पर क्रोध भड़का। क्योंकि उन्होंने परमेश्वर में विश्वास नहीं किया, और न ही उसके उद्धार पर आशा रखी। और उसने ऊपर के बादलों को आज्ञा दी, और स्वर्ग के द्वार खोले, और उसने उन पर मन्ना बरसाया खाने के लिए, और स्वर्ग की रोटी उन्हें दी। दूतों की रोटी मनुष्य ने खाई, उसने उन्हें तृप्ति के लिए भोजन भेजा।

उसने दक्षिण को स्वर्ग से हटाया, और अपनी शक्ति में लाया उसके दक्षिण में। और उसने उन पर मांस धूल के समान बरसाया, और समुद्रों की रेत के समान पंखवाले पक्षी। और वे उनके शिविर के बीच में गिरे, उनके तंबुओं के चारों ओर। और उन्होंने खाया और वे बहुत तृप्त हुए, और उनकी

इच्छा उनके लिए पूरी की गई।

वे अपनी इच्छा से वंचित नहीं किए गए थे, जबकि भोजन अभी उनके मुँह में था। उनका भोजन उनके मुँह में ही था, और परमेश्वर का क्रोध उन पर भड़क उठा, और उसने उनके हृष्ट-पुष्टों को मार डाला, और इस्राएल के चुने हुएों को गिरा दिया।

इन सब में उन्होंने अभी भी पाप किया, और विश्वास नहीं किया। उसके आश्चर्यकर्मों में। और उनके दिन व्यर्थता में समाप्त हो गए, और उनके वर्ष शीघ्रता के साथ।

जब उसने उन्हें मारा, तो वे उसे खोजते थे, और लौटते थे और वे परमेश्वर की ओर सवेरे उठ रहे थे। और उन्होंने याद किया कि परमेश्वर उनका सहायक है, और सर्वोच्च परमेश्वर उनका छुड़ानेवाला है। और उन्होंने अपने मुख से उससे प्रेम किया और अपनी जीभ से। उन्होंने उससे झूठ बोला, लेकिन उनका हृदय उसके साथ सीधा नहीं था, और न ही वे उसकी वाचा में विश्वासयोग्य रहे।

वह स्वयं दयालु है, और उनके पापों पर दया करेगा, और नष्ट नहीं करेगा, और अपना क्रोध हटाने को बढ़ाएगा, और अपना सारा क्रोध प्रज्वलित नहीं करेगा। और उसने स्मरण किया कि वे मांस हैं, एक आत्मा जो जाती है और लौटती नहीं।

कितनी बार उन्होंने उसे जंगल में कड़वाहट दी, उन्होंने उसे क्रोधित किया उसे जलहीन भूमि में; और वे लौटे और उन्होंने परमेश्वर को परखा, और इस्राएल के पवित्र को उकसाया। उन्होंने उसके हाथ को याद नहीं किया, उस दिन को जिसमें उसने उन्हें सताने वाले के हाथ से छुड़ाया था। जैसा उसने मिस्र में अपने चिह्न रखे, और उसके चमत्कार तानिस के मैदान में, और उसने उनकी नदियों को खून में बदल दिया, और उनकी धाराओं को ताकि वे न पीएँ, उसने उन पर मक्खियों का झुंड भेजा और उन्हें निगल लिया, और मेंढक भेजे, और उन्हें नष्ट कर दिया और उसने उनके फल

फफूंदी को दे दिए, और उनके परिश्रम टिड्डी को। उसने ओलों से उनकी अंगूर की बेल को मारा, और उनके गूलर के पेड़ों को पाले को। और उसने उनके पशुओं को ओलों में सौंप दिया, और उनकी संपत्ति को आग में। उसने उन पर अपने क्रोध का प्रकोप भेजा, क्रोध और कोप और क्लेश, दूतों के द्वारा दुष्ट दूतों का। उसने अपने क्रोध के लिए मार्ग बनाया, उसने उनकी आत्माओं को मृत्यु से नहीं बख्शा, और उनके पशुओं को भी नहीं। मृत्यु में बंद कर दिया। और मिस्र की भूमि में हर पहलौठे को मारा, जो हाम के तंबुओं में उनके परिश्रम का पहला फल था। और उसने अपने लोगों को भेड़ों के समान प्रस्थान कराया, उन्हें झुंड के समान ले गया जंगल में झुंड। और उसने उन्हें आशा में ले जाया, और वे नहीं डरे, और उनके दुश्मनों को समुद्र ने ढक दिया। और वह उन्हें अपने पवित्रस्थान के पहाड़ में लाया, यह पहाड़ जो उसके दाहिने हाथ ने अधिग्रहण किया। और उसने राष्ट्रों को उनके सामने से निकाल दिया, और विरासत की माप की रस्सी से उन्हें विभाजित किया, और इस्राएल के कुलों को उनके तम्बुओं में बसाया।

और उन्होंने सर्वोच्च परमेश्वर की परीक्षा ली और उसे क्रोधित किया, और उसकी गवाहियों को नहीं रखा। और वे मुड़ गए और उन्होंने विश्वासघात किया, जैसे उनके पिताओं ने किया था; वे एक टेढ़े धनुष की तरह बदल गए। और उन्होंने उसे अपनी पहाड़ियों पर क्रोधित किया, और अपनी खुदी हुई मूर्तियों से उन्होंने उसे ईर्ष्यालु बनाया।

परमेश्वर ने सुना और अनदेखा किया, और को अत्यधिक तुच्छ समझा इस्राएल। और उसने शीलो के तंबू को, अपने निवास को अस्वीकार कर दिया। जहाँ उसने मनुष्यों में निवास नहीं किया। और उसने उनकी शक्ति को बंधुआई में सौंप दिया, और उनकी सुंदरता को हाथ में सौंप दिया। शत्रु का। और उसने अपने लोगों को तलवार के हवाले कर दिया, और अपनी विरासत की उपेक्षा की। उनके युवा पुरुषों को आग ने निगल लिया, और उनकी कुँवारियों का शोक नहीं किया गया। उनके पुजारी तलवार से गिरे, और उनकी विधवाओं का विलाप नहीं किया जाएगा।

और प्रभु जागे जैसे कोई सोता हुआ हो, जैसे कोई शक्तिशाली व्यक्ति जो नशे में चूर हुआ हो।

शराब से। और उसने अपने शत्रुओं को पीछे मारा, उन्हें शाश्वत निन्दा दी।

और यूसुफ के तंबू को अस्वीकार किया, और एफ्राईम के कबीले को नहीं चुना। और उसने यहूदा का गोत्र चुना, वह पहाड़ सिख्योन, जिसे उसने प्रेम किया। और उसने अपने पवित्रस्थान को एककृंगों के समान बनाया, पृथ्वी पर उसने उसकी नींव सदा के लिए रखी। और उसने अपने दास दाऊद को चुना, और उसे वहाँ से उठाया भेड़ों के झुंडों के पीछे से, जन्म देने वाली भेड़ों के पीछे से उसे लिया, याकूब अपने दास को चराने के लिए, और इस्राएल को। उसका उत्तराधिकार। और उसने उनको अपने हृदय की निर्दोषता में चराया, और अपने हाथों की समझ में, उसने उनकी अगुवाई की।

78

भजन आसाफ का। हे परमेश्वर, राष्ट्र तेरी विरासत में आ गए, उन्होंने तेरे पवित्र मंदिर को अपवित्र कर दिया, उन्होंने यरूशलेम को फल भंडार बना दिया।

उन्होंने तुम्हारे दासों के मृत शरीरों को आकाश के पक्षियों का भोजन बना दिया, तुम्हारे पवित्र लोगों के मांस को पृथ्वी के जंगली पशुओं के लिए। उन्होंने उनका रक्त जल की तरह बहाया, यरूशलेम के चारों ओर, और कोई दफनाने वाला नहीं था। हम अपने पड़ोसियों के लिए निंदा बन गए, अपने चारों ओर के लोगों के लिए उपहास और तिरस्कार।

कब तक, हे प्रभु, तुम अंत तक क्रोधित रहोगे? क्या तुम्हारा जोश आग की तरह प्रज्वलित होता रहेगा? अपना क्रोध उन राष्ट्रों पर उंडेल दो जिन्होंने तुम्हें नहीं जाना है, और उन राज्यों पर जिन्होंने तुम्हारे नाम को नहीं पुकारा। क्योंकि उन्होंने याकूब को भक्षण किया, और उसके स्थान को उजाड़ कर दिया।

हमारे प्राचीन अधर्मों को याद मत करो, तुम्हारी दयाएं शीघ्र हमें प्राप्त हों, क्योंकि हम अत्यधिक दीन हो गए हैं। हे परमेश्वर, हमारे उद्धारकर्ता, अपने नाम की महिमा के लिए हमारी सहायता करो। हे प्रभु, हमें छुड़ाओ और अपने नाम के लिए हमारे पापों पर दयालु हो। कहीं राष्ट्रों में यह न कहें कि उनका परमेश्वर कहाँ है; और हमारी आँखों के सामने राष्ट्रों में तेरे दासों के बहाए गए रक्त का प्रतिशोध जाना जाए।

बंधे हुए लोगों की कराहना आपके सामने आने दो, अपनी बाहु की महानता के अनुसार मृत्यु दिए गए लोगों के पुत्रों को सुरक्षित रखो। हमारे पड़ोसियों की निंदा, जिससे उन्होंने तुम्हारी निंदा की है, हे प्रभु, उनकी गोद में सात गुना वापस कर दो। हम तुम्हारे लोग हैं और तुम्हारे चरागाह की भेड़ें हैं, हम तुम्हें सदा धन्यवाद देंगे, पीढ़ी दर पीढ़ी हम तुम्हारी स्तुति की घोषणा करेंगे।

79

अंत के लिए, उनके लिए जो बदले जाएंगे, आसाफ की गवाही, अशशूरी के लिए भजन।

हे इज़राइल के चरवाहे, ध्यान दो, हे यूसुफ को भेड़ों की तरह मार्गदर्शन करने वाले, हे करूबों पर विराजमान, प्रकट हो। एफ्राइम, बिन्यामीन और मनश्शे के सामने, अपनी शक्ति को जगाओ और हमें बचाने के लिए आओ। हे परमेश्वर, हमें लौटा लीजिए, और अपना मुख प्रकाशित कीजिए, और हम बचाए जाएँगे।

हे प्रभु, शक्तियों के ईश्वर, कब तक आप अपने दास की प्रार्थना पर क्रोधित रहेंगे? तू हमें आँसुओं की रोटी खिलाएगा, और हमें आँसू माप-माप कर पिलाएगा। तूने हमें हमारे पड़ोसियों के विरोध में रख दिया, और हमारे शत्रुओं ने हमारा उपहास किया। हे प्रभु, शक्तियों के ईश्वर, हमें लौटाइए, और अपना मुख प्रकाशित कीजिए, और हम बचाए जाएँगे। सेला।

अंगूर की बेल को तुमने मिस्र से निकाला, जातियों को बाहर निकाल दिया और इसे रोप दिया। तूने उसके सामने मार्ग तैयार किया, और तूने उसकी जड़ें रोपीं, और भूमि भर गई। उसकी छाया ने पहाड़ों को ढका, और उसकी बेलों ने परमेश्वर के देवदार के वृक्षों को ढका। उसने अपनी शाखाएँ समुद्र तक फैलाई, और अपनी कोंपलें नदी तक। क्यों तुमने उसकी बाड़ को गिरा दिया, और सब राह से गुजरने वाले उसे तोड़ते हैं? जंगल से सूअर ने उसे नष्ट किया, और जंगली प्राणी ने उसे चर लिया।

हे शक्तियों के परमेश्वर, लौट आओ, स्वर्ग से देखो और निहारो, और इस अंगूर की बेल की सुधि लो, और इसको दृढ़ करो, जिसे तुम्हारे दाहिने हाथ ने लगाया था, और मनुष्य के पुत्र को जिसे तुमने अपने लिए मजबूत किया। आग से भस्म किया गया और खोदा गया, तेरे मुख की फटकार से वे नष्ट हो जाएंगे। तेरा हाथ तेरे दाहिने हाथ के पुरुष पर रहे, और मनुष्य के पुत्र पर, जिसे तूने अपने लिए मजबूत किया है।

और हम तुमसे कभी नहीं हटेंगे, तुम हमें पुनर्जीवित करोगे, और हम तुम्हारे नाम को पुकारेंगे। हे प्रभु, शक्तियों के परमेश्वर, हमें लौटाओ, और अपना मुख प्रकाशित करो, और हम बचाए जाएंगे।

80

अंत के लिए, दाखरस कुंडों के विषय में आसाफ का भजन।

हमारे सहायक परमेश्वर में आनंदित हो, याकूब के परमेश्वर का जयकार करो। भजन लो और ढोल बजाओ, वीणा के साथ सुखद सारंगी। नवचंद्र पर तुरही बजाओ, अपने पर्व के विशिष्ट दिन पर तुरही बजाओ।

क्योंकि यह इस्राएल के लिए आज्ञा है, और याकूब के परमेश्वर के लिए न्याय है। योसेफ में गवाही उसने उसे रखी, जब वह मिस्र की भूमि से निकला, एक ऐसी भाषा जो उसने नहीं जानी थी, उसने सुनी।

उसने उसकी पीठ को उठाने के काम से हटाया, उसके हाथों ने टोकरी में सेवा की। संकट में तुमने मुझे पुकारा और मैंने तुम्हें बचाया, मैंने तूफान के गुप्त स्थान में तुम्हारी सुनी, मैंने तुम्हें विवाद के जल पर परखा, सेला। सुनो मेरे लोगों, और मैं तुमसे बोलूँगा, हे इस्राएल, और मैं तुम्हें गवाही दूँगा, यदि तुम मेरी सुनोगे, तुझमें कोई नया देवता नहीं होगा, और न ही तू किसी विदेशी देवता की पूजा करेगा। मैं ही प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से बाहर लाया, अपना मुख खोलो और मैं इसे भर दूँगा। और मेरे लोगों ने मेरी आवाज़ नहीं सुनी, और इस्राएल ने मुझ पर ध्यान नहीं दिया। और मैंने उन्हें उनके हृदयों की प्रथाओं के अनुसार भेज दिया, वे अपनी प्रथाओं में चलेंगे।

यदि मेरे लोग मेरी सुनते, यदि इस्राएल मेरे मार्गों पर चलता, मैंने उनके शत्रुओं को नीचा किया होता, और उन्हें सताने वालों पर अपना हाथ डाला होता। प्रभु के शत्रुओं ने उसे धोखा दिया, और उनका समय सदा के लिए होगा। और उसने उन्हें गेहूँ की चर्बी से खिलाया, और चट्टान से शहद निकालकर उन्हें तृप्त किया।

81

भजन आसाफ को। परमेश्वर देवताओं की सभा में खड़ा हुआ, और बीच में देवताओं को पहचानेगा।

कब तक अन्याय का न्याय करते रहोगे और पापियों का पक्ष लेते रहोगे? सेला। अनाथ और गरीब

का न्याय करो, दीन और निर्धन को न्यायसंगत ठहराओ। गरीब को निकालो, और दरिद्र को पापी के हाथ से बचाओ।

उन्होंने नहीं जाना और न समझा, वे अंधकार में घूमते हैं, पृथ्वी की सब नींवें हिलाई जाएंगी। मैंने कहा, तुम देवता हो, और सब सर्वोच्च के पुत्र हो। तुम लेकिन लोगों की तरह मरते हो, और शासकों में से एक की तरह गिरते हो।

उठो हे परमेश्वर, पृथ्वी का न्याय करो, क्योंकि तुम सब राष्ट्रों में विरासत पाओगे।

82

आसाफ का स्तोत्र गीत।

हे परमेश्वर, कौन तेरे समान होगा? चुप मत रह, और शांत मत रह हे परमेश्वर।

क्योंकि देखो, तुम्हारे शत्रुओं ने शोर मचाया है, और जो तुमसे घृणा करते हैं उन्होंने सिर उठाया है। तेरे लोगों के विरुद्ध उन्होंने चालाकी से षड्यंत्र रचा, और तेरे पवित्र जनों के विरुद्ध योजना बनाई। उन्होंने कहा, आओ और हम उन्हें राष्ट्र से नष्ट कर दें, और इस्राएल का नाम फिर कभी याद न किया जाए। क्योंकि उन्होंने सामंजस्य में साथ मिलकर योजना बनाई, उन्होंने तुम्हारे विरुद्ध वाचा स्थापित की। इदोमियों के तंबू और इश्माएली, मोआब और हागरी, गेबाल और अम्मोन और अमालेक, और विदेशी सोर के निवासियों के साथ। और क्योंकि अशशूर भी उनके साथ आया था, वे लूत के पुत्रों की सहायता बन गए थे, सेला।

उनके साथ वैसा करो जैसा मिद्यान के साथ और सीसरा के साथ किया था, जैसा याबीन के साथ

कीशोन के नाले में किया था। वे एनदोर में पूरी तरह नष्ट किए गए, वे भूमि के लिए मल के समान बन गए। उनके शासकों को ओरेब के समान और जेब और जेबह और सलमना रखो, उनके सब शासकों को, जिन्होंने कहा, आओ हम अपने लिए परमेश्वर की वेदी पर अधिकार कर लें। हे मेरे परमेश्वर, उन्हें पहिये के समान बना दो, हवा के सामने भूसे के समान। जैसे आग जंगल को भस्म करेगी, जैसे लपट पहाड़ों को जला देगी, इस प्रकार तू अपने तूफान में उनका पीछा करेगा, और अपने क्रोध में तू उन्हें व्याकुल करेगा। उनके चेहरों को अपमान से भर दो, और वे तुम्हारे नाम को खोजेंगे, हे प्रभु। वे सदा-सर्वदा के लिए शर्मिदा और व्याकुल हों, और वे लज्जित होकर नष्ट हो जाएँ। और वे जान लें कि तुम्हारा नाम प्रभु है, तुम अकेले सर्वोच्च हो समस्त पृथ्वी पर।

83

अंत के लिए, दाखरस कुंडों के विषय में, कोरह के पुत्रों का भजन।

कैसे प्रिय हैं तेरे तम्बू, हे शक्तियों के प्रभु। मेरी आत्मा प्रभु के प्रांगणों के लिए लालायित होती है और मूर्छित होती है, मेरा हृदय और मेरा शरीर जीवित परमेश्वर पर आनंदित हुए। और क्योंकि गौरैया ने अपने लिए घर पाया, और फाख्ता ने अपने लिए घोंसला पाया, जहाँ वह अपने बच्चों को रखेगी, हे सेनाओं के प्रभु, तेरी वेदियाँ, मेरे राजा और मेरे परमेश्वर।

धन्य हैं वे जो तुम्हारे घर में निवास करते हैं, युगानुयुग वे तुम्हारी प्रशंसा करेंगे, सेला। धन्य है वह पुरुष जिसकी सहायता तुमसे है, हे प्रभु, जिसने अपने हृदय में आरोहण बनाए हैं। रोने की घाटी में, उस स्थान में जो उसने रखा था, क्योंकि विधि देने वाला आशीर्वाद देगा। वे शक्ति से शक्ति की ओर जाएंगे, देवताओं का परमेश्वर सिय्योन में देखा जाएगा।

हे प्रभु, शक्तियों के परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुनो, हे याकूब के परमेश्वर, कान लगाओ। सेला। हे

ईश्वर, हमारे रक्षक को देखो, और अपने मसीह के चेहरे पर दृष्टि डालो। क्योंकि तुम्हारे दरबारों में एक दिन हजारों से बेहतर है; मैंने परमेश्वर के घर में तुच्छ समझा जाना चुना, पापियों के तंबुओं में निवास करने की अपेक्षा। क्योंकि प्रभु दया और सत्य से प्रेम करता है, देवता अनुग्रह और महिमा देगा, प्रभु निर्दोषता में चलने वालों को अच्छी चीजों की कमी नहीं होने देगा। हे शक्तियों के प्रभु, धन्य है वह मनुष्य जो आप पर आशा रखता है।

84

अंत के लिए, कोरह के पुत्रों का भजन।

हे प्रभु, आप अपनी भूमि से प्रसन्न हुए, आपने याकूब की बंधुआई को फेर दिया। तूने अपने लोगों के अधर्म को क्षमा कर दिया, तूने उनके सभी पापों को ढक दिया, सेला। तूने अपना सारा क्रोध रोक दिया, तूने अपने प्रचंड क्रोध से मुख फेर लिया।

हे हमारे उद्धार के परमेश्वर, हमें लौटा ले, और अपना क्रोध हमसे हटा ले। क्या तुम हम पर सदा के लिए क्रोधित रहोगे? या क्या तुम अपना क्रोध पीढ़ी से पीढ़ी तक बनाए रखोगे? हे परमेश्वर, आप लौटकर हमें जीवित करेंगे, और आपके लोग आप पर आनन्दित होंगे। हे प्रभु, हमें अपनी दया दिखाओ, और हमें अपना उद्धार प्रदान करो।

मैं सुनूंगा कि प्रभु परमेश्वर मुझमें क्या बोलेंगा, क्योंकि वह अपने लोगों पर, अपने पवित्र जनों पर, और उनके हृदय से उसकी ओर लौटने वालों पर शांति की बात करेगा। निश्चय ही उसका उद्धार उनके निकट है जो उससे डरते हैं, ताकि हमारी भूमि में महिमा निवास करे। दया और सत्य मिले, धार्मिकता और शांति ने एक-दूसरे का चुंबन किया। सत्य धरती से उगा, और धार्मिकता स्वर्ग से झाँकी। और प्रभु भलाई देगा, और हमारी भूमि अपना फल देगी। धार्मिकता उसके सामने आगे

जाएगी, और वह उसके कदमों को मार्ग में रखेगा।

85

दाविद की प्रार्थना। हे प्रभु, अपना कान झुकाओ और मेरी सुनो, क्योंकि मैं गरीब और दीन हूँ।

मेरी आत्मा की रक्षा करो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ; हे परमेश्वर, अपने दास को बचाओ, जो तुझ पर आशा रखता है। हे प्रभु, मुझ पर दया करो, क्योंकि मैं पूरे दिन तुम्हारी ओर पुकारूंगा। अपने दास की आत्मा को प्रसन्न करो, क्योंकि हे प्रभु, मैंने अपनी आत्मा आपकी ओर उठाई है। क्योंकि तुम, हे प्रभु, अच्छे और उचित हो, और उन सबके प्रति बहुत दयालु हो जो तुम्हें पुकारते हैं। हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनिए और मेरी विनती की आवाज़ पर ध्यान दीजिए। मेरे कष्ट के दिन मैं मैंने तेरी ओर पुकारा, क्योंकि तूने मेरी सुनी।

हे प्रभु, देवताओं में कोई तेरे समान नहीं है, और तेरे कार्यों के अनुसार कुछ भी नहीं है। सब राष्ट्र जितने तूने बनाए वे आएंगे, और तेरे सामने प्रभु वे आराधना करेंगे, और तेरे नाम की महिमा करेंगे, क्योंकि तुम महान हो, और आश्चर्यकर्म करते हो, तुम ही वह ईश्वर हो जो अकेला महान है। हे प्रभु, मुझे अपने मार्ग में मार्गदर्शन करो, और मैं तुम्हारे सत्य में चलूंगा। मेरा हृदय आनंदित हो, तुम्हारे नाम का भय रखने के लिए। मैं तुझे धन्यवाद दूंगा, हे प्रभु मेरे परमेश्वर, अपने सम्पूर्ण हृदय से, और मैं तेरे नाम की महिमा सदा के लिए करूंगा। क्योंकि तुम्हारी दया मुझ पर महान है, और तुमने मेरी आत्मा को सबसे निचले हेडीस से बचाया।

हे परमेश्वर, अधर्मी मुझ पर उठ खड़े हुए, और बलवानों की सभा ने मेरे प्राण को खोजा, और उन्होंने तुम्हें अपने सामने नहीं रखा। और तू हे प्रभु, वह परमेश्वर जो करुणामय और दयालु है, धीरजवंत और दया में प्रचुर और सत्य है। मेरी ओर देखो, और मुझ पर दया करो, अपनी शक्ति

अपने सेवक को दो, और अपनी दासी के पुत्र को बचाओ। मेरे साथ भलाई का चिह्न दिखाओ, और जो मुझसे घृणा करते हैं वे देखें और शर्मिंदा हों, क्योंकि हे प्रभु, तूने मेरी सहायता की और मुझे सांत्वना दी।

86

कोरह के पुत्रों को भजन, गीत का। उसकी नींव पवित्र पहाड़ों में है।

प्रभु सिय्योन के फाटकों से प्रेम करता है, याकूब के सब तंबुओं से अधिक। हे परमेश्वर के नगर, तुम्हारे विषय में महिमामय बातें कही गई हैं, सेला।

मैं राहाब और बाबुल को याद करूंगा, उन्हें जो मुझे जानते हैं, और देखो विदेशी और सोर और इथियोपियाई लोग, ये वहाँ पैदा हुए थे। माता सिय्योन कहेगी, मनुष्य और मनुष्य इसमें उत्पन्न हुआ, और उसे स्वयं सर्वोच्च ने स्थापित किया। प्रभु लोगों के लेखन में वर्णन करेंगे, और उन शासकों का जो इसमें हुए हैं। विराम। जैसे सभी आनंदित होने वाले लोगों का निवास तुझ में है।

87

कोरह के पुत्रों का भजन गीत, प्रधान बजानेवाले के लिए, माएलेथ पर, उत्तर देने के लिए, हेमान इस्राएली की बुद्धि का मशकील।

हे प्रभु, मेरे उद्धार के ईश्वर, दिन में मैंने पुकारा और रात में तुम्हारे सामने पुकारा। मेरी प्रार्थना आपके सामने प्रवेश करे, मेरी विनती की ओर अपना कान झुकाएँ, हे प्रभु।

क्योंकि मेरा आत्मा बुराइयों से भर गया है, और मेरा जीवन नरक के पास आ गया है। मैं उनके साथ गिना गया जो गड्ढे में उतर रहे थे, मैं एक असहाय मनुष्य के समान हो गया था। मृतकों में स्वतंत्र, जैसे घायल जो कब्र में फेंके गए और सो रहे हैं, जिन्हें तूने अब तक याद नहीं किया, और वे तेरे हाथ से धकेल दिए गए हैं। उन्होंने मुझे सबसे निचले गड्ढे में रखा, अंधेरे में और मृत्यु की छाया में। मुझ पर तुम्हारा क्रोध टिका दिया गया था, और तुमने अपनी सारी उथल-पुथल मुझ पर ला दी, सेला। तूने मेरे परिचितों को मुझसे दूर कर दिया, उन्होंने मुझे अपने लिए घृणास्पद बना दिया, मैं सौंप दिया गया और मैं बाहर नहीं जा सका। मेरी आँखें गरीबी से कमजोर हो गई, और हे प्रभु, मैंने पूरे दिन तुम्हारी ओर पुकारा, मैंने अपने हाथ तुम्हारी ओर फैलाए।

क्या तुम मृतकों के लिए आश्चर्यकर्म करोगे, या क्या चिकित्सक उन्हें उठाएंगे और तुम्हारी स्तुति करेंगे? क्या कोई कब्र में तुम्हारी दया का वर्णन करेगा, और विनाश में तुम्हारी सत्यता का? क्या अंधकार में तेरे चमत्कार जाने जाएंगे, और भुलाई गई भूमि में तेरा न्याय? और मैंने तुम्हारी ओर पुकारा है, हे प्रभु, और प्रातःकाल मेरी प्रार्थना तुम्हारे सामने पहुँचेगी।

क्यों प्रभु, तुम मेरी प्रार्थना को अस्वीकार करते हो, तुम अपना मुख मुझसे फेर लेते हो? मैं गरीब हूँ और अपनी युवावस्था से परिश्रम में हूँ, ऊँचा उठाया गया लेकिन फिर नीचा किया गया और निराश हुआ। तुम्हारे क्रोध मुझ पर से गुजर गए, और तुम्हारे आतंक ने मुझे विचलित कर दिया। उन्होंने मुझे पानी की तरह घेर लिया, पूरे दिन उन्होंने मुझे एक साथ घेरे रखा। तूने मुझसे मित्र को दूर किया, और मेरे परिचितों को दुख से दूर किया।

88

एथान इस्त्राएली की समझ का।

हे प्रभु, मैं युगों तक आपकी दयाओं का गान करूँगा, पीढ़ी दर पीढ़ी मैं अपने मुख से आपकी सच्चाई की घोषणा करूँगा। क्योंकि तुमने कहा, सदा के लिए दया निर्मित की जाएगी, स्वर्गों में तुम्हारा सत्य स्थापित किया जाएगा। मैंने अपने चुने हुए लोगों के साथ वाचा बाँधी, मैंने अपने दास दाऊद से शपथ ली। युग के अंत तक मैं तुम्हारे वंश को स्थापित करूँगा, और पीढ़ी दर पीढ़ी तुम्हारे सिंहासन का निर्माण करूँगा, सेला।

आकाश आपके आश्चर्यों को स्वीकार करेंगे, हे प्रभु, और आपकी सत्यता को पवित्र सभा में। क्योंकि बादलों में कौन प्रभु के बराबर होगा? और परमेश्वर के पुत्रों में कौन प्रभु के समान होगा? वह परमेश्वर पवित्र जनों की सभा में महिमामंडित है, और उन सब पर महान और भयानक है जो उसके चारों ओर हैं। हे प्रभु, शक्तियों के परमेश्वर, कौन तुम्हारे समान है? हे प्रभु, तुम सामर्थ्यवान हो, और तुम्हारी सच्चाई तुम्हें चारों ओर से घेरे हुए है। तुम समुद्र की शक्ति पर शासन करते हो, और उसकी लहरों के उछाल को तुम शांत करते हो। तूने अहंकारी को घायल के समान नीचा किया, और अपनी शक्ति की भुजा से तूने अपने शत्रुओं को बिखेर दिया। तुम्हारे हैं आकाश, और तुम्हारी है पृथ्वी; बसे हुए संसार को और उसकी समस्त परिपूर्णता को तुमने स्थापित किया है। उत्तर और समुद्रों को तुमने बनाया, ताबोर और हेमोन तेरे नाम में आनन्दित होंगे। आपकी भुजा शक्ति के साथ है, आपका हाथ मजबूत हो, आपका दाहिना हाथ ऊंचा उठाया जाए। धार्मिकता और न्याय तेरे सिंहासन की नींव हैं, दया और सत्य तेरे मुख के आगे चलेंगे।

धन्य हैं वे लोग जो आनंद का जयघोष जानते हैं, हे प्रभु, वे तेरे मुख के प्रकाश में चलेंगे। और वे तेरे नाम में सारा दिन आनन्दित होंगे, और तेरी धार्मिकता में वे ऊँचे किए जाएँगे। क्योंकि उनकी शक्ति का घमंड आप हैं, और आपकी कृपा में हमारा सींग ऊंचा किया जाएगा। क्योंकि प्रभु की सहायता है, और पवित्र इस्राएल हमारा राजा है।

तब तुमने अपने पुत्रों को दर्शन में बोला, और तुमने कहा, मैंने सहायता शक्तिशाली पर रखी, मैंने अपने लोगों में से चुने हुए को ऊंचा किया। मैंने अपने दास दाऊद को पाया, पवित्र दया में मैंने

उसका अभिषेक किया। क्योंकि मेरा हाथ उसकी सहायता करेगा, और मेरी भुजा उसे प्रबल करेगी। शत्रु उसे लाभ नहीं पहुँचाएगा, और अधर्म का पुत्र उसे हानि पहुँचाने में वृद्धि नहीं करेगा। और मैं उसके चेहरे से उसके शत्रुओं को काट डालूंगा, और उससे घृणा करने वालों को मैं भगा दूंगा। और मेरा सत्य और मेरी दया उसके साथ है, और मेरे नाम से उसका सींग ऊँचा किया जाएगा। और मैं उसका हाथ समुद्र में रखूंगा, और उसका दाहिना हाथ नदियों में रखूंगा। वह मुझे पुकारेगा, तुम मेरे पिता हो, मेरे देवता और मेरे उद्धार के सहायक हो। और मैं उसे पहलौठा बनाऊंगा, पृथ्वी के राजाओं से ऊँचा। मैं युग तक उसके लिए अपनी दया रखूंगा, और मेरी वाचा उसके लिए विश्वासयोग्य रहेगी। और मैं उसके वंश को युगों-युग तक स्थापित करूंगा, और उसके सिंहासन को स्वर्ग के दिनों के समान बनाऊंगा।

यदि उसके पुत्र मेरे नियम को छोड़ देंगे, और मेरे निर्णयों पर नहीं चलेंगे, यदि वे मेरे विधियों को अपवित्र करें और मेरी आज्ञाओं का पालन न करें, मैं छड़ी से उनके अधर्म का निरीक्षण करूंगा और कोड़ों से उनके पापों का। परन्तु मेरी दया को मैं उससे दूर नहीं करूँगा, और न ही मैं अपने सत्य में अन्याय करूँगा। न ही मैं अपनी वाचा को अपवित्र करूँगा, और जो मेरे होठों से निकलता है उसे मैं नहीं तोड़ूँगा। एक बार मैंने अपने पवित्र स्वभाव की शपथ ली, क्या मैं दाऊद से झूठ बोलूँगा? उसका बीज युग में बना रहेगा, और उसका सिंहासन मेरे सामने सूरज के समान रहेगा। और जैसे चंद्रमा युग के लिए स्थापित है, और स्वर्ग में साक्षी विश्वासयोग्य है, सेला।

लेकिन तूने अस्वीकार किया है और तिरस्कृत किया है, तूने अपने मसीह को अस्वीकार किया है। तूने अपने दास की वाचा को नष्ट कर दिया, तूने उसके पवित्रस्थान को भूमि पर अपवित्र कर दिया। तूने उसकी सभी बाड़ों को गिरा दिया, तूने उसके किलों को कायरता में बदल दिया। सभी राह से गुजरने वालों ने उसे लूटा, वह अपने पड़ोसियों के लिए निंदा का पात्र बन गया। आपने उसके शत्रुओं का दायाँ हाथ ऊँचा किया, आपने उसके सब शत्रुओं को प्रसन्न किया। आपने उसकी तलवार की मदद को मोड़ दिया था, और युद्ध में आपने उसका सहारा नहीं दिया। तुमने उसे शुद्धि से नष्ट किया, उसके सिंहासन को भूमि में चकनाचूर कर दिया, तूने उसके सिंहासन के

दिनों को छोटा कर दिया, तूने उस पर लज्जा डाल दी, सेला।

कब तक हे प्रभु, तू अंत तक मुख फेरेगा? क्या तेरा क्रोध आग के समान भड़कता रहेगा? याद रखो कि मेरा अस्तित्व क्या है, क्योंकि क्या तूने व्यर्थ में मनुष्यों के सभी पुत्रों को बनाया है? कौन है वह मनुष्य जो जीएगा और मृत्यु को नहीं देखेगा? क्या वह अपनी आत्मा को अधोलोक के हाथ से छुड़ाएगा? सेला। हे प्रभु, कहाँ हैं वे तुम्हारी प्राचीन दयाएँ, जिनकी तुमने दाऊद से अपनी सच्चाई में शपथ ली थी? हे प्रभु, अपने दासों की निन्दा को याद करो जो मैंने अपने हृदय में बहुत सी जातियों की सहन की है हे प्रभु, तुम्हारे शत्रुओं ने निन्दा की, उन्होंने तुम्हारे मसीह के विनिमय की निन्दा की। धन्य हैं प्रभु सदा के लिए, ऐसा हो, ऐसा हो।

89

परमेश्वर के मनुष्य मूसा की प्रार्थना। हे प्रभु, आप पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे शरणस्थान बन गए हैं।

पहाड़ों के बनने से पहले और पृथ्वी तथा संसार के रचे जाने से पहले, युग से युग तक तुम हो। क्या तुम मनुष्य को अपमान में नहीं डालते, और फिर कहते हो, हे मनुष्यों के पुत्रों, लौट आओ? क्योंकि हजार वर्ष तुम्हारी दृष्टि में ऐसे हैं जैसे बीता हुआ कल का दिन, और रात की एक पहर। उनकी तुच्छताएँ वर्षों की तरह होंगी, सुबह में जैसे घास बीत जाती है। सुबह खिलता है और बीत जाता है, शाम को गिर जाता है, कठोर हो जाता है और सूख जाता है। क्योंकि हम तेरे क्रोध में नष्ट हो गए, और तेरे कोप में हम व्याकुल हो गए। तूने हमारे अधर्मों को अपने सामने रखा है, हमारा युग तेरे चेहरे के प्रकाश में है। क्योंकि हमारे सब दिन समाप्त हो गए, और तेरे क्रोध में हम नष्ट हो गए, हमारे वर्ष मकड़ी के जाले के समान बीत गए। हमारे वर्षों के दिन उनमें सत्तर वर्ष हैं, यदि शक्तियों में हों, तो अस्सी वर्ष, और उनमें से अधिकांश परिश्रम और पीड़ा है, क्योंकि नम्रता हम पर आई है, और हम शिक्षित होंगे। कौन जानता है तेरे क्रोध की शक्ति को, और तेरे क्रोध के

भय से कैसे गिना जाए? अपना दाहिना हाथ इस प्रकार ज्ञात करवाओ, और उन्हें जो हृदय में बुद्धि से शिक्षित हैं।

लौट आओ, प्रभु, कब तक; और अपने दासों पर दया करो। हम तुम्हारी दया से सुबह में भर गए, और हम आनंदित हुए और प्रसन्न हुए, हमारे सभी दिनों में हम प्रसन्न हो सकें उन दिनों के बदले में जिनमें तूने हमें नीचा किया, उन वर्षों के बदले में जिनमें हमने बुराईयाँ देखीं। और अपने दासों पर दृष्टि करो और अपने कार्यों पर, और उनके पुत्रों का मार्गदर्शन करो। और हमारे परमेश्वर प्रभु की चमक हम पर हो, और हमारे हाथों के कार्यों को हम पर निर्देशित करो।

90

दाऊद के गीत की प्रशंसा। जो परम उच्च की सहायता में निवास करता है, वह स्वर्ग के परमेश्वर के आश्रय में निवास करेगा।

वह प्रभु से कहेगा, तुम मेरे सहायक और मेरी शरण हो, मेरे परमेश्वर, मैं तुम पर आशा रखूंगा। क्योंकि वह स्वयं तुझे शिकारियों के फंदे से और उपद्रवी वचन से बचाएगा। उसकी कमर में वह तुझे छाया देगा, और उसके पंखों के नीचे तू आशा रखेगा, उसका सत्य ढाल से तुझे घरेगा। तुम रात्रि के डर से नहीं डरोगे, न दिन में उड़ते तीर से, उस चीज़ से जो अंधेरे में गुज़रती है, संयोग से और दोपहर की दैवीय शक्ति से। तुम्हारे पक्ष से हजार गिरेंगे, और तुम्हारे दाहिनी ओर से अनगिनत, लेकिन वह तुम्हारे पास नहीं आएगा। केवल अपने नेत्रों से तुम समझोगे, और पापियों का प्रतिफल तुम देखोगे।

क्योंकि हे प्रभु, तू मेरी आशा है; तूने परमप्रधान को अपना शरणस्थान बनाया है। बुराईयाँ तुम्हारे पास नहीं पहुँचेंगी, और कोड़ा तुम्हारे तम्बू के निकट नहीं आएगा। क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे

विषय में आज्ञा देगा, कि वे तेरे सब मार्गों में तेरी रक्षा करें। हाथों पर वे तुम्हें उठाएंगे, ताकि तुम कभी पत्थर से अपना पैर ठोकर न खाओ। तुम ढाल और नागराज पर चलोगे, और सिंह तथा अजगर को रौंदोगे।

क्योंकि उसने मुझ पर आशा रखी है, इसलिए मैं उसे छुड़ाऊंगा; मैं उसकी रक्षा करूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जाना है। वह मुझे पुकारेगा और मैं उसकी सुनूंगा, मैं संकट में उसके साथ हूँ, मैं उसे छुड़ाऊंगा और उसे महिमा दूंगा। मैं उसे दीर्घायु प्रदान करूंगा और उसे अपना उद्धार दिखाऊंगा।

91

सब्त के दिन का गीत भजन।

प्रभु को स्वीकार करना और हे सर्वोच्च, तेरे नाम का गुणगान करना अच्छा है। सुबह में तेरी दया की घोषणा करने के लिए, और रात में तेरी सच्चाई की। दस तार वाले सारंगी पर, गीत के साथ वीणा पर। क्योंकि हे प्रभु, तुमने मुझे अपने काम से प्रसन्न किया है, और मैं तुम्हारे हाथों के कामों में आनंदित होऊंगा।

हे प्रभु, आपके कार्य कितने महान हैं; आपके विचार अत्यंत गहरे हैं। मूर्ख पुरुष नहीं जानेगा, और समझ-रहित व्यक्ति इन बातों को नहीं समझेगा। जब पापी घास की तरह उगते हैं, और सभी अधर्म करने वाले अंकुरित होते हैं, ताकि वे युगानुयुग के लिए पूरी तरह नष्ट किए जाएं। परन्तु तू सर्वोच्च हो सदा के लिए, हे प्रभु।

क्योंकि देखो, तुम्हारे शत्रु नष्ट होंगे, और अधर्म करने वाले सब तितर-बितर हो जाएंगे। और मेरा

सींग एक सींग वाले पशु के सींग की तरह ऊँचा किया जाएगा, और मेरा बुढ़ापा समृद्ध दया में होगा। और मेरी आँख ने मेरे शत्रुओं को देखा, और मेरा कान उन दुष्टता करने वालों को सुनेगा जो मेरे विरुद्ध उठते हैं।

धर्मी खजूर के समान फूलेगा, जैसे लेबनान में देवदार बढ़ेगा। प्रभु के घर में रोपे गए, हमारे परमेश्वर के आँगनों में वे फूलेंगे। तब वे समृद्ध बुढ़ापे में बढ़ेंगे, और विलासिता में रहेंगे। घोषणा करने के लिए कि प्रभु मेरे ईश्वर सीधे हैं, और उनमें कोई अन्याय नहीं है।

92

तैयारी के दिन में, जब भूमि स्थापित की गई थी, दाऊद का स्तुति गीत। प्रभु ने राज्य किया, सुंदरता पहनी, प्रभु ने शक्ति पहनी और कमर बाँधी, और क्योंकि उसने बसे हुए संसार को स्थापित किया, जो हिलाया नहीं जाएगा।

तुम्हारा सिंहासन तब से तैयार है, तुम युगों से हो। हे प्रभु, नदियों ने उठाया है, नदियों ने अपनी आवाजें उठाई हैं, बहुत पानियों की आवाजों से, समुद्र की लहरें अद्भुत हैं, ऊँचे स्थानों में प्रभु अद्भुत हैं। तेरी गवाहियाँ अत्यधिक विश्वसनीय हैं, तेरे घर को पवित्रता शोभा देती है, हे प्रभु, युगों तक।

93

दाऊद का भजन, सब के चौथे दिन के लिए। प्रतिशोध का परमेश्वर प्रभु है, प्रतिशोध का परमेश्वर प्रकट हुआ है।

ऊँचे उठो, हे पृथ्वी के न्यायकर्ता, अहंकारियों को उनका प्रतिफल दो।

कब तक पापी, हे प्रभु, कब तक पापी घमंड करेंगे? वे चिल्लाएंगे और अन्याय की बात करेंगे, वे सब बोलेंगे जो अधर्म का काम करते हैं। हे प्रभु, उन्होंने तेरे लोगों को नीचा किया और तेरी विरासत के साथ बुरा व्यवहार किया। विधवा और अनाथ को उन्होंने मार डाला, और परदेशी की हत्या कर दी। और उन्होंने कहा, प्रभु नहीं देखेगा, न ही याकूब का परमेश्वर समझेगा।

समझो, हे लोगों में मूर्खों, और हे मूढ़ों, कभी तो बुद्धिमान बनो। जिसने कान लगाया, क्या वह नहीं सुनता? या जिसने आँख बनाई, क्या वह नहीं देखता? जो राष्ट्रों को अनुशासित करता है, क्या वह नहीं फटकारेगा? जो मनुष्य को ज्ञान सिखाता है? प्रभु मनुष्यों के विचार जानता है कि वे व्यर्थ हैं।

धन्य है वह मनुष्य जिसे तू अनुशासित करे, हे प्रभु, और अपनी व्यवस्था से उसे शिक्षा दे उसे दुष्ट दिनों से शांत करने के लिए, जब तक पापी के लिए गद्दा नहीं खोदा जाता। क्योंकि प्रभु अपने लोगों को अस्वीकार नहीं करेगा, और अपनी विरासत को त्याग नहीं देगा। जब तक धार्मिकता न्याय में नहीं लौट आती, और हृदय के सब सीधे लोग उसे पकड़े रहते हैं, सेला।

कौन मेरे लिए बुराई करने वालों के विरुद्ध उठेगा, या कौन मेरे साथ अधर्म करने वालों के विरुद्ध खड़ा होगा? यदि प्रभु ने मुझे सहायता न की होती, तो मेरी आत्मा लगभग नरक में निवास कर चुकी होती। यदि मैं कह रहा था कि मेरा पैर डगमगा गया है, तो हे प्रभु, तेरी दया मेरी सहायता कर रही थी। प्रभु, मेरे हृदय में मेरे दर्दों की बहुतायत के अनुसार, तुम्हारी सांत्वनाओं ने मेरी आत्मा से प्रेम किया।

अधर्म का सिंहासन तुम्हारे साथ नहीं जुड़ेगा, जो आदेश पर कष्ट रचता है। वे न्यायी की आत्मा का शिकार करेंगे, और निर्दोष के रक्त की निंदा करेंगे। और प्रभु मेरे लिए शरणस्थान बन गए, और

मेरा परमेश्वर मेरी आशा का सहायक बन गया। और वह उनको उनके अधर्म का बदला देगा, और हमारा प्रभु परमेश्वर उनकी दुष्टता के लिए उनको नष्ट करेगा।

94

दाऊद का स्तुति गीत। आओ, हम प्रभु में आनन्दित हों, हम अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर का जयघोष करें।

आओ हम धन्यवाद में उसके मुख के सामने जाएं, और भजनों में उसके लिए आनंद-ध्वनि करें। क्योंकि प्रभु महान देवता हैं, और सब देवताओं के ऊपर महान राजा हैं। क्योंकि प्रभु अपने लोगों को अस्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि उसके हाथ में पृथ्वी की सीमाएं हैं, और पहाड़ों की ऊंचाइयां उसकी हैं। क्योंकि समुद्र उसका है और उसने स्वयं इसे बनाया, और सूखी भूमि को उसके हाथों ने रूप दिया।

आओ, हम पूजा करें और उसके सामने गिर जाएं, और उस प्रभु के सामने रोएं जिसने हमें बनाया। क्योंकि वह हमारा परमेश्वर है, और हम उसकी चरागाह के लोग हैं, और उसके हाथ की भेड़ें हैं। आज यदि तुम उसकी आवाज़ सुनो, तो अपने हृदय कठोर मत करो, जैसे विद्रोह में, परीक्षा के दिन के अनुसार जंगल में जहाँ तुम्हारे पूर्वजों ने मेरी परीक्षा ली, मुझे परखा, और मेरे कार्यों को देखा। चालीस वर्षों तक मैं उस पीढ़ी से क्रोधित रहा, और मैंने कहा, वे सदा हृदय से भटकते रहते हैं, और उन्होंने मेरे मार्गों को नहीं जाना। जैसा मैंने अपने क्रोध में शपथ खाई, कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश नहीं करेंगे।

95

जब घर बंधुआई के बाद बनाया गया था, दाऊद का गीत। प्रभु को नया गीत गाओ, हे सारी पृथ्वी, प्रभु को गाओ।

प्रभु का गुणगान करो, उसके नाम को आशीर्वाद दो, दिन-प्रतिदिन उसके उद्धार का शुभ समाचार सुनाओ। राष्ट्रों में उसकी महिमा की घोषणा करो, सब लोगों में उसके आश्चर्यकर्मों की घोषणा करो।

क्योंकि प्रभु महान और अत्यधिक प्रशंसनीय हैं, वे सब देवताओं से ऊपर भयानक हैं। क्योंकि सब राष्ट्रों के देवता दुष्टात्माएँ हैं, परन्तु प्रभु ने आकाशों को बनाया। स्वीकारोक्ति और सुंदरता उसके सामने है, पवित्रता और महिमा उसके पवित्रस्थान में है।

हे राष्ट्रों के परिवारों, प्रभु के लिए लाओ, प्रभु के लिए महिमा और सम्मान लाओ। प्रभु के नाम की महिमा उसके पास लाओ, बलिदान उठाओ और उसके आँगनों में प्रवेश करो। प्रभु की आराधना करो उसके पवित्र आँगन में, उसके सामने सारी पृथ्वी कांप उठे। राष्ट्रों में कहो, प्रभु ने राज्य किया है, और उसने संसार को स्थापित किया है जो हिलाया नहीं जाएगा; वह लोगों का न्याय सीधार्ई से करेगा। आकाश आनंदित हों और पृथ्वी प्रसन्न हो, समुद्र और उसकी पूर्णता कांप उठे। मैदान प्रसन्न होंगे, और सब जो उनमें हैं, तब वन के सब वृक्ष आनन्दित होंगे। प्रभु के सामने, क्योंकि वह आ रहा है, क्योंकि वह पृथ्वी का न्याय करने आ रहा है, वह संसार का न्याय धार्मिकता से करेगा, और लोगों का न्याय अपनी सच्चाई से करेगा।

96

दाऊद के लिए, जब उसकी भूमि स्थापित होती है। प्रभु ने राज्य किया, पृथ्वी आनंदित हो, अनेक द्वीप प्रसन्न हों।

बादल और अंधकार उसके चारों ओर हैं, धार्मिकता और न्याय उसके सिंहासन की नींव हैं। आग उसके सामने आगे जाएगी, और उसके शत्रुओं को चारों ओर से जलाएगी। उसकी बिजलियाँ बसे हुए संसार में चमकीं, पृथ्वी ने देखा और काँप उठी। वे पहाड़ मोम की तरह प्रभु के सामने पिघल गए, समस्त पृथ्वी के प्रभु के सामने। आकाशों ने उसकी धार्मिकता की घोषणा की, और सभी लोगों ने उसकी महिमा देखी।

शर्मिदा हों वे सब जो नक्काशीदार मूर्तियों की पूजा करते हैं, जो अपनी मूर्तियों पर घमंड करते हैं; हे उसके सब दूतों, उसकी आराधना करो।

सिंघों ने सुना और आनंदित हुआ, और यहूदिया की बेटियाँ हर्षित हुईं, हे प्रभु, तेरे निर्णयों के कारण। क्योंकि तू प्रभु है, जो सम्पूर्ण पृथ्वी पर सर्वोच्च है, तू सब देवताओं से अत्यधिक उन्नत किया गया है।

जो प्रभु से प्रेम करते हैं, बुराई से घृणा करो, प्रभु अपने पवित्र लोगों की आत्माओं की रक्षा करता है, पापियों के हाथ से उनको छुड़ाएगा। प्रकाश न्यायी के लिए उदय हुआ, और हृदय के सीधे लोगों के लिए आनंद। हे धार्मिक लोगो, प्रभु में आनंदित हो और उसकी पवित्रता की स्मृति को धन्यवाद दो।

97

भजन दाऊद का। प्रभु के लिए नया गीत गाओ, क्योंकि प्रभु ने अद्भुत कार्य किए हैं, उसके दाहिने हाथ ने और उसकी पवित्र भुजा ने उसे बचाया है।

प्रभु ने अपना उद्धार ज्ञात कराया, राष्ट्रों के सामने उन्होंने अपनी धार्मिकता प्रकट की। उसने याकूब

के प्रति अपनी दया को याद किया, और इस्राएल के घराने के प्रति अपनी सच्चाई को, पृथ्वी की सब सीमाओं ने हमारे परमेश्वर की मुक्ति को देखा।

हे समस्त पृथ्वी, भगवान के लिए जयघोष करो, गाओ और आनंदित हो और भजन गाओ। प्रभु के लिए वीणा पर गाओ, वीणा पर और भजन के स्वर में। पीटी हुई धातु की तुरहियों में, और सींग की तुरही की आवाज़ में, राजा प्रभु के सामने जयजयकार करो। समुद्र और उसकी परिपूर्णता हिलाई जाए, बसा हुआ संसार और उसमें निवास करने वाले। नदियाँ साथ में ताली बजाएंगी, पहाड़ आनंदित होंगे। क्योंकि वह पृथ्वी का न्याय करने आया है, वह संसार का न्याय धार्मिकता से करेगा, और लोगों का न्याय सत्यता से करेगा।

98

दाऊद का भजन। प्रभु ने राज्य किया है, लोग क्रोधित हों; जो करूबों पर विराजमान है, पृथ्वी कांप उठे।

प्रभु सिंघोन में महान हैं और सब लोगों के ऊपर उच्च हैं। वे आपके महान नाम की स्तुति करें, क्योंकि वह भयानक और पवित्र है। और राजा का सम्मान न्याय से प्रेम करता है, तूने सीधाई तैयार की है, न्याय और धार्मिकता याकूब में तूने स्थापित की है। हमारे प्रभु परमेश्वर को ऊँचा करो, और उसके पैरों की पाद-पीठ को दण्डवत करो, क्योंकि वह पवित्र है।

मूसा और आरोन उसके पुजारियों में थे, और शमूएल उसका नाम पुकारने वालों में था, उन्होंने प्रभु को पुकारा, और उसने सुना। बादल के स्तंभ में वह उनसे बोलता था, वे उसकी गवाहियों को रखते थे, और उसके आदेशों को जो उसने उन्हें दिए थे। हे प्रभु, हमारे ईश्वर, तुम उनकी सुनते थे, हे ईश्वर, तुम उनके प्रति क्षमाशील बनते थे, और उनके सभी आचरणों पर बदला लेते थे। हमारे

प्रभु परमेश्वर को ऊँचा करो, और उसके पवित्र पर्वत पर दंडवत करो, क्योंकि हमारा प्रभु परमेश्वर पवित्र है।

99

स्वीकारोक्ति का भजन। हे समस्त पृथ्वी, प्रभु के लिए जयघोष करो,

प्रभु की सेवा आनंद में करो, उसके सामने हर्षोल्लास में प्रवेश करो। जानो कि प्रभु ही परमेश्वर हैं, उन्होंने हमें बनाया, और हम नहीं, हम उनके लोग हैं और उनकी चरागाह की भेड़ें हैं। उसके द्वारों में धन्यवाद के साथ प्रवेश करो, उसके आँगनों में भजनों के साथ, उसको धन्यवाद दो, उसके नाम की स्तुति करो। क्योंकि प्रभु अच्छा है, उसकी दया युगों तक रहती है, और उसका सत्य पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहता है।

100

भजन दाऊद का। दया और न्याय गाऊंगा मैं तेरे लिए, हे प्रभु,

मैं भजन गाऊंगा और निर्दोष मार्ग में समझूंगा, तुम मेरे पास कब आओगे? मैं अपने हृदय की निर्दोषता में चल रहा था, अपने घर के बीच में। मैंने अपनी आँखों के सामने कोई अवैध विषय नहीं रखा, अपराध करने वालों से मैंने घृणा की, मेरे हृदय से कोई टेढ़ापन नहीं चिपका। मुझसे दूर होते हुए बुराई को मैं नहीं जानता था। जो अपने पड़ोसी की गुप्त रूप से निंदा करता था, उसे मैंने खदेड़ा; घमंडी आंख और अतृप्त हृदय वाले के साथ मैंने भोजन नहीं किया। मेरी आँखें पृथ्वी के विश्वासयोग्य लोगों पर हैं, ताकि वे मेरे साथ बैठें; जो निर्दोष मार्ग में चलता है, वही मेरी सेवा

करता है। मेरे घर के बीच में अहंकार करने वाला निवास नहीं करता था, अन्यायी बातें बोलने वाला मेरी आँखों के सामने सीधा नहीं रहा। सुबह में मैंने पृथ्वी के सभी पापियों को मारा, ताकि प्रभु के शहर से अन्याय करने वाले सभी लोगों को नष्ट कर सकूँ।

101

गरीब की प्रार्थना, जब वह निराश हो जाता है, और प्रभु के सामने अपनी विनती डालता है।

हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनो, और मेरी पुकार तुम तक पहुँचने दो। अपना चेहरा मुझसे मत मोड़ो, जिस दिन मैं पीड़ित हूँ, अपना कान मेरी ओर झुकाओ, जिस दिन मैं तुम्हें पुकारूँ, शीघ्र मेरी सुनो।

क्योंकि मेरे दिन धुएँ की तरह विफल हो गए, और मेरी हड्डियाँ अंगारे की तरह झुलस गईं। मैं घास की तरह मारा गया और मेरा हृदय सूख गया, क्योंकि मैं अपनी रोटी खाना भूल गया। मेरे कराहने के स्वर से मेरी हड्डी मेरे मांस से चिपक गई। मैं उजाड़ स्थान में पेलिकन के समान हो गया, मैं खंडहर में रात के उल्लू जैसा बन गया। मैं जागता रहा, और मैं छत पर अकेली बैठी चिड़िया के समान हो गया। पूरे दिन मेरे शत्रु मुझे निंदा करते थे, और मेरी प्रशंसा करने वाले मेरे विरुद्ध शपथ लेते थे। क्योंकि मैंने राख को रोटी के समान खाया, और अपने पेय को रोने के साथ मिलाया, तेरे क्रोध और तेरे कोप के सामने से, क्योंकि तूने मुझे उठाकर पटक दिया।

मेरे दिन छाया की तरह ढल गए हैं, और मैं घास की तरह सूख गया हूँ। लेकिन तू, हे प्रभु, युगों तक रहेगा, और तेरा स्मारक पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहेगा। तू उठकर सिय्योन पर दया करेगा, क्योंकि उस पर दया करने का समय आ गया है। क्योंकि तेरे दास उसके पत्थरों से प्रसन्न हुए थे, और वे उसकी धूल पर दया करेंगे। और राष्ट्र तेरे नाम से डरेंगे, हे प्रभु, और सब राजा तेरी महिमा से।

क्योंकि प्रभु सिय्योन का निर्माण करेगा, और वह अपनी महिमा में देखा जाएगा। उसने विनम्रों की प्रार्थना पर ध्यान दिया, और उनकी विनती को तुच्छ नहीं समझा। यह दूसरी पीढ़ी में लिखा जाए, और जो लोग सृजित किए जा रहे हैं वे प्रभु की प्रशंसा करेंगे। क्योंकि उसने अपनी पवित्र ऊंचाई से देखा, प्रभु ने स्वर्ग से पृथ्वी पर दृष्टि डाली। बंधे हुए लोगों की कराहट सुनने के लिए, मृत्यु दिए गए लोगों के पुत्रों को मुक्त करने के लिए, सियोन में प्रभु के नाम की घोषणा करने के लिए, और यरूशलेम में उसकी स्तुति करने के लिए। जब लोग और राजा प्रभु की सेवा करने के लिए एक साथ इकट्ठा होंगे।

उसने उसे उसकी शक्ति के मार्ग में उत्तर दिया, मेरे दिनों की अल्पता मुझे बता दो। मुझे मेरे दिनों के आधे में ऊपर मत ले जाओ, पीढ़ी दर पीढ़ी तुम्हारे वर्ष हैं। आरंभ में तूने, हे प्रभु, पृथ्वी की नींव रखी, और आकाश तेरे हाथों के कार्य हैं। वे नष्ट हो जाएंगे, लेकिन तुम बने रहोगे, और सब वस्त्र की तरह पुराने हो जाएंगे, और तुम उन्हें आवरण की तरह लपेटोगे, और वे बदल जाएंगे। तू वही है, और तेरे वर्ष समाप्त नहीं होंगे, तेरे दासों के पुत्र बसेंगे, और उनका वंश सदा के लिए स्थापित रहेगा।

102

दाविद का। मेरी आत्मा प्रभु को आशीर्वाद दे, और मेरे भीतर जो कुछ है वह उसके पवित्र नाम को आशीर्वाद दे।

हे मेरी आत्मा, प्रभु को आशीर्वाद दो, और उसकी सब स्तुतियाँ मत भूलो, वह जो तुम्हारे सब अधर्मों का प्रायश्चित्त करता है, वह जो तुम्हारे सब रोगों को चंगा करता है, वह जो तेरे जीवन को विनाश से छुड़ाता है, वह जो तुझे दया और करुणा से मुकुट पहनाता है, वह जो तेरी इच्छा को अच्छी चीजों से भरता है, तेरी युवावस्था बाज़ की तरह नवीनीकृत की जाएगी।

प्रभु दान करता है और सब अन्याय सहने वालों को न्याय देता है। उसने मूसा को अपने रास्ते बताए, इस्राएल के पुत्रों को अपनी इच्छाएँ बताई। दयालु और कृपालु है प्रभु, धैर्यवान और दया से परिपूर्ण। वह अंत तक क्रोधित नहीं होगा, न ही युगों तक क्रोधित रहेगा। उसने हमारे पापों के अनुसार हमारे साथ व्यवहार नहीं किया, और न ही हमारे अधर्मों के अनुसार हमें प्रतिफल दिया। क्योंकि जैसे स्वर्ग की ऊँचाई पृथ्वी से है, वैसे ही प्रभु ने अपनी दया उन पर दृढ़ की जो उससे डरते हैं। जितना पूर्व पश्चिम से दूर हैं, उतना उसने हमारे अधर्मों को हमसे दूर किया। जैसे पिता पुत्रों पर दया करता है, वैसे प्रभु ने उनसे दया की है जो उससे डरते हैं। क्योंकि वह स्वयं हमारी रचना को जानता था, याद रखो कि हम धूल हैं।

मनुष्य के दिन घास के समान हैं; वह खेत के फूल की तरह खिलता है। क्योंकि आत्मा उसमें से गुजर गई, और वह अस्तित्व में नहीं रहेगा, और वह अपने स्थान को फिर नहीं पहचानेगा। लेकिन प्रभु की दया युग से युग तक उन पर है जो उससे डरते हैं, और उसकी धार्मिकता पुत्रों के पुत्रों पर है। उनके लिए जो उसकी वाचा को रखते हैं, और उसकी आज्ञाओं को याद रखते हैं ताकि उन्हें पूरा करें।

प्रभु ने स्वर्ग में अपना सिंहासन तैयार किया है, और उसका राज्य सब पर शासन करता है। प्रभु को आशीर्वाद दो, उसके सभी दूतों, जो शक्ति में बलवान हैं और उसके वचन को पूरा करते हैं, उसके वचनों की आवाज़ सुनने के लिए। प्रभु को आशीर्वाद दो, हे उसकी सब शक्तियों, हे उसके सेवकों, जो उसकी इच्छाओं को पूरा करते हैं। हे प्रभु के सब कार्यों, उसकी शक्ति के हर स्थान में प्रभु को आशीर्वाद दो। हे मेरी आत्मा, प्रभु को आशीर्वाद दे।

103

दाऊद को। हे मेरी आत्मा, प्रभु को आशीर्वाद दे। हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, तू अत्यधिक महान हुआ है,

तूने स्वीकारोक्ति और सुंदरता को धारण किया है,

प्रकाश को वस्त्र के रूप में धारण करते हुए, स्वर्ग को चमड़े के आवरण के समान फैलाते हुए, वह जो अपने ऊपरी कक्षों को जल में छत से ढकता है, जो बादलों को अपना पैर रखने का स्थान बनाता है, जो हवाओं के पंखों पर चलता है। वह जो अपने दूतों को आत्माएँ बनाता है, और अपने सेवकों को जलती हुई आग बनाता है,

जो भूमि को उसकी सुरक्षा पर नींव डालता है, वह युगों-युगों तक नहीं हिलाई जाएगी। अगाध एक वस्त्र के समान उसका आवरण है, पर्वतों के ऊपर जल खड़े होंगे। तेरी फटकार से वे भाग जाएंगे, तेरी गर्जन की आवाज़ से वे भयभीत हो जाएंगे। वे पहाड़ों पर चढ़ते हैं और मैदानों में उतरते हैं, उस स्थान की ओर जो तूने उनके लिए स्थापित किया है। तुमने एक सीमा निर्धारित की जिसे वे पार नहीं करेंगे, और न ही वे पृथ्वी को ढकने के लिए लौटेंगे।

वह जो घाटियों में झरने भेजता है, पहाड़ों के बीच से पानी बहेगा। वे खेत के सभी जंगली जानवरों को पानी पिलाते हैं, जंगली गधे अपनी प्यास बुझाने के लिए उसे स्वीकार करेंगे। उन पर आकाश के पक्षी बसेरा करेंगे, चट्टानों के बीच से वे आवाज़ देंगे। वह अपने ऊपरी कक्षों से पहाड़ों को सींचता है, तेरे कामों के फल से पृथ्वी तृप्त होती है।

वह जो पशुओं के लिए घास उगाता है, और मनुष्यों की सेवा के लिए हरियाली उगाता है, ताकि पृथ्वी से रोटी निकाली जाए, और शराब मनुष्य के हृदय को प्रसन्न करती है, तेल से चेहरे को प्रसन्न करने के लिए, और रोटी मनुष्य के हृदय को मजबूत करती है। मैदान के वृक्ष तृप्त होंगे, लबानोन के देवदार जो उसने लगाए। वहाँ गौरैया घोंसला बनाएंगी, बगुले का घर उनका अगुआ है। ऊँचे पहाड़ हिरणों के लिए हैं, चट्टान नेवलों के लिए शरणस्थान है।

उसने चाँद को समयों के लिए बनाया, सूरज ने अपना अस्त जान लिया। तूने अंधकार रखा और

रात हुई, इसमें जंगल के सभी पशु गुजरेंगे। शावक गर्जना करते हुए शिकार पकड़ते हैं, और परमेश्वर से अपने लिए भोजन खोजते हैं। सूरज उगा और वे इकट्ठे होंगे, और अपने बाड़ों में लेट जाएंगे। मनुष्य अपने काम पर जाएगा, और अपने काम पर शाम तक रहेगा।

हे प्रभु, तुम्हारे कार्य कितने महिमामंडित हैं! तुमने सब कुछ बुद्धि से किया है, पृथ्वी तुम्हारी सृष्टि से भरी हुई है। यह विशाल और विस्तृत समुद्र है, वहाँ असंख्य रेंगने वाले जीव हैं, छोटे और बड़े जानवर। वहाँ जहाज़ आते-जाते हैं, यह अजगर जिसे तूने बनाया है उसमें खेलने के लिए। सब तुम्हारी ओर अपेक्षा करते हैं कि तुम उनको उचित समय पर पोषण दो। तुम्हारे देने पर वे इकट्ठा करेंगे, और तुम्हारे हाथ खोलने पर सब अच्छाई से भर जाएंगे। परन्तु जब तुम अपना मुख फेर लोगे, तो वे व्याकुल हो जाएंगे; जब तुम उनकी आत्मा ले लोगे, तो वे नष्ट हो जाएंगे, और अपनी धूल में लौट जाएंगे। तू अपनी आत्मा भेजेगा और वे सृजित किए जाएंगे, और तू पृथ्वी के मुख को नवीनीकृत करेगा।

प्रभु की महिमा सदा बनी रहे, प्रभु अपने कार्यों पर आनंदित होंगे। वह जो भूमि को देखता है और उसे कांपने लगाता है, वह जो पर्वतों को छूता है और वे धुआं छोड़ने लगते हैं। मैं अपने जीवन में प्रभु का गान करूंगा, जब तक मैं हूं तब तक अपने परमेश्वर का भजन गाऊंगा। मेरा चिंतन उसे मीठा लगे, और मैं प्रभु में प्रसन्न होऊंगा। पापी पृथ्वी से नष्ट हो जाएं, और अधर्मी भी, ताकि वे अस्तित्व में न रहें। हे मेरी आत्मा, प्रभु को आशीर्वाद दे।

104

हल्लेलूयाह। प्रभु को धन्यवाद दो, और उसके नाम को पुकारो, राष्ट्रों में उसके कार्यों की घोषणा करो।

उसके लिए गाओ और उसके लिए भजन गाओ। उसके सभी आश्चर्यकर्मों का वर्णन करो। उसके पवित्र नाम में प्रशंसा की जाओ, प्रभु को खोजने वालों का हृदय आनंदित हो। प्रभु को खोजो और बलवान बनो, उसके मुख को निरंतर खोजो। उसके आश्चर्यकर्मों को याद करो जो उसने किए, उसके चमत्कारों को, और उसके मुख के न्यायों को। अब्राहम का वंश, उसके दास, याकूब के पुत्र, उसके चुने हुए लोग।

स्वयं प्रभु हमारा देवता है, सारी पृथ्वी में उसके निर्णय हैं। उसने अपनी वाचा को सदा के लिए याद रखा, जो वचन उसने हजार पीढ़ियों के लिए आज्ञा दी जो उसने अब्राहम के साथ बनाई, और उसकी शपथ की इसहाक के साथ, और उसने इसे याकूब के लिए आदेश के रूप में स्थापित किया, और इस्राएल के लिए शाश्वत वाचा के रूप में कहते हुए, मैं तुझे कनान की भूमि दूंगा, तुम्हारी विरासत का नापा हुआ भाग। जब वे संख्या में थोड़े, अल्प और इसमें प्रवासी थे, और वे एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र में गए, और एक राज्य से दूसरे लोगों के पास गए, उसने किसी आदमी को उन्हें हानि पहुँचाने नहीं दिया, और उनके लिए राजाओं को फटकारा। मेरे अभिषिक्तों को मत छुओ, और मेरे भविष्यवक्ताओं के साथ दुष्टता मत करो। और उसने उस भूमि पर अकाल बुलाया, रोटी का हर सहारा उसने कुचल दिया।

उसने उनके आगे एक आदमी भेजा, यूसुफ दास के रूप में बेचा गया। उन्होंने उसके पैरों को बेड़ियों में जकड़कर अपमानित किया, लोहा उसकी आत्मा में से गुजरा। जब तक उसका वचन पूरा नहीं हुआ, प्रभु की दैवोक्ति ने उसे परखा। राजा ने भेजा और उसे मुक्त किया, लोगों के शासक ने उसे छोड़ दिया। उसने उसे अपने घर का स्वामी और अपनी सम्पूर्ण संपत्ति का शासक नियुक्त किया। उसके शासकों को अपने जैसे शिक्षित करने के लिए, और उसके बुजुर्गों को बुद्धिमान बनाने के लिए।

और इस्राएल मिस्र में प्रवेश किया, और याकूब हाम की भूमि में प्रवास किया। और उसने अपने लोगों को बहुत बढ़ाया, और उसको उसके शत्रुओं से अधिक मजबूत किया। और उसने उनके

हृदय को बदल दिया ताकि वे उसके लोगों से घृणा करें और उसके दासों के साथ छल करें। उसने अपने दास मूसा को भेजा, हारून को जिसे उसने चुना।

उसने उनमें अपने चिन्हों के वचन रखे, और आश्चर्यकर्मों के वचन हाम की भूमि में। उसने अंधकार भेजा और अंधेरा कर दिया, और उन्होंने उसके वचनों को कड़वा कर दिया। उसने उनके पानी को खून में बदल दिया, और उनकी मछलियों को मार डाला। उनकी भूमि ने मेंढक उत्पन्न किए, जो उनके राजाओं के भंडार गृहों में थे। उसने कहा और कुत्ता मक्खी आई, और डंक मारने वाले कीड़े उनकी सभी सीमाओं में आए। उसने उनकी वर्षा को ओले बना दिया, उनकी भूमि में जलती हुई आग। और उसने उनकी अंगूर की बेलों को मारा और उनके अंजीर के पेड़ों को, और उनकी सीमा के हर पेड़ को तोड़ डाला। उसने कहा और टिट्टी आई, और टिट्टियाँ आई जिनकी कोई संख्या नहीं थी, और उसने उनकी भूमि की सारी घास निगल ली, और उसने उनकी पृथ्वी का फल निगल लिया। और उसने उनकी भूमि के हर पहलौठे को मारा, उनके हर परिश्रम का पहला फल। और उसने उन्हें चांदी और सोने के साथ बाहर निकाला, और उनके कबीलों में कोई कमजोर नहीं था। मिस्र उनके प्रस्थान में प्रसन्न हुआ, क्योंकि उनका भय उन पर पड़ गया था। उसने उनके लिए आश्रय के रूप में बादल फैलाया, और रात को प्रकाशित करने के लिए आग दी। उन्होंने माँगा, और बटेर आई, और उसने उन्हें स्वर्ग की रोटी से भर दिया। उसने चट्टान को फाड़ा, और जल बह निकले, जलहीन स्थानों में नदियाँ बह गईं।

क्योंकि उसने अपने पवित्र वचन को स्मरण किया, जो अपने दास अब्राहम से किया था। और उसने अपने लोगों को आनंद के साथ बाहर निकाला, और अपने चुने हुएों को खुशी के साथ। और उसने उनको जातियों की भूमि दी, और उन्होंने लोगों के परिश्रम को विरासत में पाया। ताकि वे उसके विधियों को मानें और उसकी व्यवस्था का परिश्रम से पालन करें।

हल्लेलुयाह। प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह भला है, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

कौन प्रभु की शक्तियों को बोलेगा, कौन उसकी सभी स्तुतियों को सुनाएगा? धन्य हैं वे जो न्याय की रक्षा करते हैं और हर समय धार्मिकता का पालन करते हैं।

हे प्रभु, अपने लोगों पर प्रसन्नता में हमें स्मरण करो, अपने उद्धार में हमारी सुधि लो। तेरे चुने हुएों की भलाई को देखने के लिए, तेरे राष्ट्र की खुशी में आनंदित होने के लिए, तेरी विरासत के साथ स्तुति पाने के लिए।

हमने अपने पिताओं के साथ पाप किया है, हमने अधर्म किया है, हमने अन्याय किया है। हमारे पिताओं ने मिस्र में तुम्हारे चमत्कारों को नहीं समझा, और तुम्हारी दया की बहुतायत को याद नहीं किया, और लाल समुद्र की ओर जाते हुए विद्रोह किया। और उसने उन्हें अपने नाम के कारण बचाया, ताकि अपनी शक्ति को प्रकट करे। और उसने लाल समुद्र को डांटा, और वह सूख गया, और उसने उनको गहराई में ऐसे ले गया जैसे जंगल में। और उसने उन्हें नफरत करने वालों के हाथ से बचाया, और उसने उन्हें शत्रु के हाथ से छुड़ाया। पानी ने उन्हें सताने वालों को ढक दिया, उनमें से एक भी नहीं बचा। और उन्होंने उसके शब्दों पर विश्वास किया, और उन्होंने उसकी स्तुति की। उन्होंने जल्दबाजी की, वे उसके कामों को भूल गए, उन्होंने उसके परामर्श को सहन नहीं किया। और उन्होंने जंगल में इच्छा की, और उन्होंने जलरहित स्थान में परमेश्वर की परीक्षा ली। और उसने उनको उनका निवेदन दिया, और उनकी आत्मा में तृप्ति भेजी।

और उन्होंने शिविर में मूसा को क्रोधित किया, और हारून को जो प्रभु का पवित्र था। भूमि खुल गई और दाथान को निगल लिया, और अबीराम की मण्डली को ढक दिया। और उनकी मण्डली में आग प्रज्वलित हुई, और लौ ने पापियों को जला दिया।

और उन्होंने होरेब में एक बछड़ा बनाया, और खुदी हुई मूर्ति की पूजा की। और उन्होंने अपनी

महिमा को घास खाने वाले बछड़े की समानता में बदल दिया। वे उस परमेश्वर को भूल गए जो उन्हें बचाता था, जिसने मिस्र में महान कार्य किए थे। हाम की भूमि में अद्भुत चीजें, और लाल समुद्र पर भयानक चीजें। और उसने उन्हें नष्ट करने की बात कही, यदि उसका चुना हुआ मूसा उसके सामने दरार में खड़ा न होता, उसके क्रोध और कोप को फेरने के लिए, ताकि नष्ट न करे।

और उन्होंने वांछनीय भूमि को तुच्छ जाना, और उसके वचन पर विश्वास नहीं किया। और वे अपने तंबुओं में बड़बड़ाए, उन्होंने प्रभु की आवाज़ नहीं सुनी। और उसने अपना हाथ उन पर उठाया, उन्हें जंगल में गिराने के लिए। और उनके बीज को राष्ट्रों में गिराने के लिए, और उनको देशों में बिखेरने के लिए।

और वे बाल पेओर को समर्पित हो गए, और उन्होंने मृतकों के बलिदान खाए। और उन्होंने अपनी प्रथाओं से उसे क्रोधित किया, और उनमें पतन बढ़ गया। और फीनहास खड़ा हुआ और उसने प्रायश्चित्त किया, और विपत्ति बंद हो गई। और यह उसके लिए धार्मिकता में गिना गया, पीढ़ी दर पीढ़ी सदा तक।

और उन्होंने उसे विवाद के जल पर क्रोधित किया, और मूसा को उनके कारण हानि पहुँची। क्योंकि उन्होंने उसकी आत्मा को कड़वा कर दिया, और उसने अपने होंठों से उतावलेपन से बोला।

उन्होंने उन राष्ट्रों को पूर्णतः नष्ट नहीं किया, जिनके विषय में प्रभु ने उनसे कहा था। और वे राष्ट्रों में मिल गए, और उन्होंने उनके कार्यों को सीखा। और उन्होंने अपनी नक्काशीदार मूर्तियों की सेवा की, और यह उनके लिए ठोकर का पत्थर बन गया। और उन्होंने अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों को राक्षसों के लिए बलिदान किया, और उन्होंने निर्दोष खून बहाया, अपने पुत्रों और पुत्रियों का खून, जिनको उन्होंने कनान की खुदी हुई मूर्तियों के लिए बलिदान किया, और भूमि खून से हत्या द्वारा प्रदूषित हो गई। और वे अपने कर्मों से दूषित हुए, और अपनी प्रथाओं में व्यभिचार किया।

और प्रभु अपने लोगों पर क्रोध में क्रोधित हुआ, और उसने अपनी विरासत से घृणा की। और उसने उन्हें शत्रुओं के हाथों में सौंप दिया, और उनसे घृणा करने वालों ने उन पर अधिकार कर लिया। और उनके शत्रुओं ने उन्हें दबाया, और वे उनके हाथों से नम्र किए गए। बहुत बार उसने उनको बचाया, लेकिन वे अपनी योजना में उसे क्रोधित करते रहे, और वे अपने अधर्मों में दीन हो गए। और प्रभु ने देखा जब वे पीड़ित थे, जब उसने उनकी प्रार्थना सुनी। और उसने अपनी वाचा को याद किया, और अपनी दया की बहुतायत के अनुसार पछताया। और उसने उन्हें उन सभी के सामने दया दिलाई जिन्होंने उन्हें बंदी बनाया था।

हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें बचाओ, और हमें राष्ट्रों में से इकट्ठा करो, ताकि हम तुम्हारे पवित्र नाम को स्वीकार करें, और तुम्हारी स्तुति में घमंड करें। धन्य है प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, युग से युग तक, और सब लोग कहेंगे, आमीन, आमीन।

106

हल्लेलुयाह। प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह अच्छा है, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

प्रभु द्वारा छुड़ाए गए लोग कहने दें, जिन्हें उसने शत्रु के हाथ से छुड़ाया। और उसने उनको क्षेत्रों से एकत्र किया, पूर्व से, और पश्चिम से, और उत्तर से, और समुद्र से।

वे जंगल में भटक गए, जलहीन मार्ग पर; निवास के शहर का रास्ता उन्हें नहीं मिला। भूखे और प्यासे, उनकी आत्मा उनमें क्षीण हो गई। और उन्होंने प्रभु की ओर पुकारा जब वे पीड़ित थे, और उसने उनके संकटों से उन्हें बचाया, और उसने उन्हें सीधे मार्ग पर ले गया, ताकि वे निवास के नगर में जा सकें।

वे प्रभु की दयाओं को स्वीकार करें और मनुष्यों के पुत्रों के लिए उसके चमत्कारों को। क्योंकि उसने खाली आत्मा को तृप्त किया, और भूखे को अच्छी चीजों से भर दिया। अंधकार और मृत्यु की छाया में बैठे हुए, गरीबी और लोहे की जंजीरों में जकड़े हुए, क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के वचनों को कड़वा कर दिया, और सर्वोच्च की सम्मति को क्रोधित कर दिया। और उनका हृदय परिश्रमों में नम्र किया गया, वे कमजोर हुए और कोई सहायता करने वाला नहीं था। और उन्होंने प्रभु की ओर पुकारा जब वे पीड़ित थे, और उसने उनके संकटों से उन्हें बचाया। और उसने उन्हें अंधकार और मृत्यु की छाया से बाहर निकाला, और उनके बंधनों को तोड़ दिया।

वे प्रभु की दयाओं को स्वीकार करें और मनुष्यों की संतानों के लिए उसके चमत्कारों को। क्योंकि उसने कांस्य के द्वारों को कुचल दिया, और लोहे की छड़ों को तोड़ डाला।

उसने उन्हें उनके अधर्म के रास्ते से पकड़ लिया, क्योंकि उनके अधर्मों के कारण वे नम्र किए गए। उनकी आत्मा ने हर भोजन से घृणा की, और वे मृत्यु के द्वार तक पहुंच गए। और उन्होंने प्रभु की ओर पुकारा जब वे पीड़ित थे, और उसने उनके संकटों से उन्हें बचाया। उसने अपना वचन भेजा और उन्हें चंगा किया, और उन्हें उनके विनाश से बचाया।

वे प्रभु की दयाओं को स्वीकार करें, और मनुष्यों के पुत्रों के लिए उसके चमत्कारों को। और वे उसके लिए स्तुति का बलिदान चढ़ाएं, और आनंद में उसके कार्यों की घोषणा करें।

वे जो जहाजों में समुद्र में उतरते हैं, बहुत से जलों में काम करते हुए, उन्होंने प्रभु के कार्य देखे, और गहराई में उसके चमत्कार देखे। उसने कहा, और तूफान की आत्मा खड़ी हो गई, और उसकी लहरें ऊंची उठ गईं। वे स्वर्ग तक ऊपर जाते हैं और गहराइयों तक नीचे जाते हैं, उनकी आत्मा बुराइयों में पिघल रही थी। वे परेशान हो गए, नशे में धुत्त व्यक्ति की तरह डगमगाने लगे, और उनकी सारी बुद्धि निगल ली गई। और उन्होंने प्रभु की ओर पुकारा जब वे पीड़ित थे, और उसने उनको उनके संकटों से निकाल लिया। और उसने तूफान को आज्ञा दी, और वह हवा में बदल

गया, और उसकी लहरें शांत हो गई। और वे प्रसन्न हुए, क्योंकि वे शांत हो गए, और उसने उन्हें उनकी इच्छा के बंदरगाह पर पहुँचाया।

वे प्रभु की दयाओं को स्वीकार करें और मनुष्यों के पुत्रों के लिए उसके चमत्कारों को। वे उसे लोगों की सभा में उत्कर्ष करें, और बुजुर्गों के आसन में उसकी प्रशंसा करें।

उसने नदियों को जंगल में बदल दिया, और पानी के स्रोतों को प्यास में बदल दिया। फलदायी भूमि को नमकीन बना दिया, उन लोगों की दुष्टता के कारण जो इसमें निवास करते थे। उसने जंगल को पानी की झीलों में बदल दिया, और सूखी भूमि को पानी के स्रोतों में बदल दिया। और उसने वहाँ भूखों को बसाया, और उन्होंने बस्तियों के लिए शहर स्थापित किए। और उन्होंने खेत बोए, और अंगूर के बाग लगाए, और उपज का फल पैदा किया। और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया, और वे बहुत बढ़ गए, और उनके पशुओं को उसने कम नहीं किया। और वे कम हो गए और क्लेश, बुराईयों और पीड़ा से पीड़ित हुए। तिरस्कार उनके शासकों पर डाला गया, और उसने उनको दुर्गम स्थान में भटकाया जहाँ कोई मार्ग नहीं था। और उसने गरीब की गरीबी से सहायता की, और परिवारों को भेड़ों के समान बनाया। सीधे लोग देखेंगे और आनंदित होंगे, और सारा अधर्म अपना मुँह बंद कर लेगा। कौन बुद्धिमान है और इन बातों को सुरक्षित रखेगा, और प्रभु की दयाओं को समझेगा?

107

दाऊद का स्तोत्र गीत।

तैयार है मेरा हृदय, हे परमेश्वर, तैयार है मेरा हृदय; मैं गाऊंगा और भजन गाऊंगा अपनी महिमा में। जागो सारंगी और वीणा, मैं भोर में जागूंगा। हे प्रभु, मैं लोगों में तुम्हें धन्यवाद दूंगा, मैं राष्ट्रों में

तुम्हारा भजन गाऊंगा। क्योंकि तुम्हारी दया स्वर्गों से ऊपर महान है, और तुम्हारा सत्य बादलों तक है। हे परमेश्वर, स्वर्गों के ऊपर ऊँचे किए जाओ, और सारी पृथ्वी पर तुम्हारी महिमा हो। ताकि तेरे प्रिय छुड़ाए जाएं, अपने दाहिने हाथ से बचा, और मेरी सुन। परमेश्वर अपने पवित्रस्थान में बोले, मैं ऊँचा किया जाऊंगा और शकेम को विभाजित करूंगा, और तंबुओं की घाटी को नाप लूंगा। गिलाद मेरा है, और मनश्शे मेरा है, और एफ्राइम मेरे सिर की शक्ति है, यहूदा मेरा राजा है। मोआब मेरी आशा की हांडी है, इदुमैया पर मैं अपना जूता डालूंगा, मुझे विदेशी अधीन हो गए।

कौन मुझे घेराबंदी के शहर में ले जाएगा? या कौन मुझे इदुमिया तक मार्गदर्शन करेगा? क्या तुम वह ईश्वर नहीं हो जिसने हमें अस्वीकार किया? और क्या ईश्वर हमारी सेनाओं के साथ बाहर नहीं जाएगा? हमें क्लेश से सहायता दो, और मनुष्य की मुक्ति व्यर्थ है। परमेश्वर में हम शक्ति प्राप्त करेंगे, और वह हमारे शत्रुओं को नष्ट कर देगा।

108

अंत के लिए, दाऊद का भजन। हे परमेश्वर, मेरी स्तुति के विषय में चुप मत रहो।

क्योंकि पापी का मुख और कपटी का मुख मुझ पर खोला गया, उन्होंने मेरे विरुद्ध कपटी जीभ से बात की। और घृणा के शब्दों से उन्होंने मुझे घेर लिया, और बिना कारण मुझसे लड़े। मेरे को प्रेम करने के स्थान पर वे मेरी निंदा कर रहे थे, लेकिन मैं प्रार्थना कर रहा था। और उन्होंने मेरे विरुद्ध अच्छाइयों के बदले बुराइयाँ रखीं, और मेरे प्रेम के बदले घृणा।

उसके ऊपर एक पापी को नियुक्त करो, और शैतान उसके दाहिने खड़ा रहे। जब उसका न्याय किया जाए, तो वह दोषी ठहराया जाकर निकले, और उसकी प्रार्थना पाप बन जाए। उसके दिन थोड़े हों, और उसका पद दूसरा ले ले। उसके पुत्र अनाथ हो जाएं, और उसकी पत्नी विधवा हो

जाए। हिलते हुए उसके पुत्र विस्थापित हो जाएँ, और भीख माँगें, वे अपने घरों के स्थानों से निकाल दिए जाएँ। साहूकार उसके पास जो कुछ भी है, सब खोज निकाले, और अजनबी उसकी मेहनत को लूट लें। उसके लिए कोई सहायक न हो, और न ही उसके अनाथों पर कोई दयालु हो। उसके बच्चे विनाश में चले जाएं, एक ही पीढ़ी में उसका नाम मिटा दिया जाए। उसके पिताओं का अधर्म प्रभु के सामने याद किया जाए, और उसकी माता का पाप न मिटाया जाए। वे प्रभु के सामने निरंतर बने रहें, और उनका स्मारक पृथ्वी से पूर्णतः नष्ट हो जाए।

इसके बदले कि उसने दया करना याद नहीं किया, और उसने गरीब और निर्धन आदमी का पीछा किया, और टूटे हुए हृदय वाले को मारने के लिए। और उसने शाप से प्रेम किया, और वह उसके पास आएगा, और उसने आशीर्वाद नहीं चाहा, और वह उससे दूर हो जाएगा। और उसने शाप को वस्त्र की तरह पहना, और वह उसके आंतरिक अंगों में जल की तरह प्रवेश कर गया, और उसकी हड्डियों में तेल की तरह। यह उसके लिए उस वस्त्र के समान हो जो वह पहनता है, और उस पेट की समान जो वह निरंतर बाँधता है। यह उनका काम है जो प्रभु के पास मेरी निंदा करते हैं, और जो मेरी आत्मा के विरुद्ध बुरा बोलते हैं।

और हे प्रभु, हे प्रभु, मेरे साथ अपने नाम के कारण कुछ करो, क्योंकि तेरी दया अच्छी है। मुझे छुड़ा, क्योंकि मैं गरीब और दीन हूँ, और मेरा हृदय मेरे भीतर व्याकुल है। जैसे छाया जब झुकती है तो मैं उठा लिया गया, मैं झाड़ दिया गया जैसे टिड्डियाँ झाड़ी जाती हैं। मेरे घुटने उपवास से कमजोर हो गए, और मेरा शरीर तेल के अभाव से बदल गया। और मैं उनके लिए निन्दा का पात्र बन गया; उन्होंने मुझे देखा और अपने सिर हिलाए।

हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, मेरी सहायता करो, और अपनी दया के अनुसार मुझे बचाओ। और वे जानें कि यह तुम्हारा हाथ है, और हे प्रभु, तुमने इसे किया है। वे शाप देंगे, और तुम आशीर्वाद दोगे; जो मेरे विरुद्ध उठ रहे हैं वे लज्जित हों, लेकिन तुम्हारा दास आनन्दित होगा। जो मुझे बदनाम करते हैं, वे अपमान पहनें और अपनी लज्जा को चादर के समान ओढ़ें। मैं प्रभु को अपने मुख से बहुत

धन्यवाद दूंगा, और बहुतों के बीच में उसकी प्रशंसा करूंगा। क्योंकि वह गरीब के दाहिने खड़ा हुआ, मेरी आत्मा को सताने वालों से बचाने के लिए।

109

दाऊद का भजन। प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठो, जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पैरों की पाद-पीठ न बना दूँ।

शक्ति की छड़ी प्रभु तुझे सिय्योन से भेजेगा, तेरे शत्रुओं के बीच शासन कर। तुम्हारे साथ आरंभ है शक्ति के दिन में, तुम्हारे पवित्र जनों की चमक में; गर्भ से, भोर तारे से पहले, मैंने तुम्हें जन्म दिया। प्रभु ने शपथ ली है और वह पछताएगा नहीं, तू सदा के लिए याजक है मलिकिसिदक के क्रम के अनुसार। प्रभु ने तुम्हारे दाहिने से राजाओं को अपने क्रोध के दिन में चकनाचूर कर दिया। वह राष्ट्रों में न्याय करेगा, शवों से भरेगा, बहुतों के सिरों को भूमि पर कुचलेगा। धारा से रास्ते में पीएगा, इसलिए वह सिर ऊँचा करेगा।

110

हलैलुयाह। मैं तुम्हें धन्यवाद दूंगा, हे प्रभु, अपने संपूर्ण हृदय से, सीधे लोगों की सभा और मण्डली में।

महान हैं प्रभु के कार्य, जो उसकी सभी इच्छाओं में खोजे गए हैं। स्वीकारोक्ति और महिमा उसका काम है, और उसकी धार्मिकता युगानुयुग बनी रहती है। उसने अपने अद्भुत कार्यों का स्मरण कराया, दयालु और करुणामय है प्रभु। उसने अपने से डरने वालों को पोषण दिया, वह

अपनी वाचा को युगों तक याद रखेगा। उसने अपने कर्मों की शक्ति अपने लोगों को बताई, ताकि उन्हें राष्ट्रों का उत्तराधिकार दे सके। उसके हाथों के काम, सत्य और न्याय हैं, उसकी सब आज्ञाएँ विश्वसनीय हैं, युग के युग में दृढ़ता से स्थापित, सत्य और न्यायपरायणता में बनाए गए। उसने अपने लोगों को छुटकारा भेजा, उसने अपनी वाचा सदा के लिए आज्ञा दी, उसका नाम पवित्र और भयानक है। बुद्धि का प्रारंभ प्रभु का भय है, और अच्छी समझ उन सबको है जो इसे करते हैं, उसकी स्तुति युगानुयुग बनी रहती है।

111

हल्लेलुजाह। धन्य है वह पुरुष जो प्रभु से डरता है, वह उसकी आज्ञाओं में अत्यधिक प्रसन्नता पाएगा।

उसका वंश भूमि में शक्तिशाली होगा, सीधे लोगों की पीढ़ी आशीर्वादित होगी। महिमा और धन उसके घर में हैं, और उसकी धार्मिकता युगों-युगों तक बनी रहती है। अंधकार में सीधे लोगों के लिए प्रकाश उगाया गया, जो दयालु, करुणामय और धर्मी है। अच्छा पुरुष वह है जो दयालु है और उधार देता है, वह अपने शब्दों का प्रबंधन न्याय में करेगा। क्योंकि वह युग में कभी नहीं हिलाया जाएगा, धर्मी शाश्वत स्मृति में बना रहेगा। बुरी खबर से वह नहीं डरेगा, उसका हृदय प्रभु पर आशा रखने के लिए तैयार है। उसका हृदय स्थिर है, वह नहीं डरेगा, जब तक वह अपने शत्रुओं को नहीं देख लेता। उसने बिखेरा, उसने गरीबों को दिया, उसकी धार्मिकता युगानुयुग बनी रहती है, उसका सींग महिमा में ऊंचा किया जाएगा। पापी देखेगा और क्रोधित होगा, अपने दांत पीसेगा और गल जाएगा, पापी की इच्छा नष्ट हो जाएगी।

112

हल्लेलुयाह। हे प्रभु के सेवकों, प्रभु की स्तुति करो, प्रभु के नाम की स्तुति करो।

प्रभु का नाम अब से और युग तक धन्य हो। सूर्योदय से सूर्यास्त तक, प्रभु का नाम प्रशंसनीय है। प्रभु सब राष्ट्रों के ऊपर ऊँचा है, उसकी महिमा आकाशों के ऊपर है।

कौन है हमारे प्रभु परमेश्वर के समान? जो ऊँचे स्थानों में निवास करता है, और स्वर्ग में और पृथ्वी पर विनम्र को देखने वाला, वह जो धरती से गरीब को उठाता है, और गोबर से दीन को उंचा करता है, उसे शासकों के साथ बैठाने के लिए, उसके लोगों के शासकों के साथ, वह बाँझ को घर में बसाता है और उसे बच्चों वाली आनन्दित माता बनाता है।

113

हल्लेलुजाह। जब इस्राएल मिस्र से निकला, याकूब का घराना बर्बर लोगों से,

यहूदिया उसका पवित्रस्थान बना, इस्राएल उसका अधिकार बना। समुद्र ने देखा और भाग गया, जॉर्डन पीछे की ओर मुड़ गया। पहाड़ मेढ़ों की तरह कूदे, और पहाड़ियाँ भेड़ों के मेमनों की तरह।

क्या हुआ तुझे, हे समुद्र, कि तू भाग गया? और तू, हे यर्डन, कि तू पीछे मुड़ गया? हे पर्वतों, तुम मेढ़ों की तरह क्यों उछले? और हे पहाड़ियों, तुम भेड़ों के मेमनों की तरह क्यों उछली? प्रभु के सामने से पृथ्वी कांप उठी, याकूब के परमेश्वर के सामने से, उसके लिए जिसने चट्टान को जल की झीलों में बदल दिया, और कठोर शिला को जल के झरनों में बदल दिया। हमें नहीं प्रभु, हमें नहीं, बल्कि अपने नाम को महिमा दो, अपनी दया और अपनी सच्चाई के कारण। कहीं ऐसा न हो कि राष्ट्र कहें, कहाँ है उनका ईश्वर? लेकिन हमारा परमेश्वर स्वर्ग में और पृथ्वी पर है; जितना उसने चाहा, सब उसने किया।

राष्ट्रों की मूर्तियाँ चाँदी और सोना हैं, मनुष्यों के हाथों की कृतियाँ हैं। उनके पास मुख है और वे नहीं बोलेंगे, उनके पास आँखें हैं और वे नहीं देखेंगे, उनके पास कान हैं और वे नहीं सुनेंगे, उनके पास नाक है और वे नहीं सूँघेंगे हाथ होते हुए भी वे स्पर्श नहीं करेंगे, पैर होते हुए भी वे चलेंगे नहीं, अपने गले से वे बोलेंगे नहीं। उनके समान हो जाएं वे जो उन्हें बनाते हैं, और सब जो उन पर विश्वास करते हैं।

इस्राएल के घराने ने प्रभु पर आशा रखी; वह उनका सहायक और रक्षक है। आरोन के घराने ने प्रभु पर आशा रखी, वह उनका सहायक और रक्षक है। जो प्रभु से भय करते हैं, उन्होंने प्रभु पर भरोसा रखा; वह उनका सहायक और रक्षक है।

प्रभु ने हमें स्मरण करते हुए हमें आशीर्वाद दिया, इस्राएल के घराने को आशीर्वाद दिया, हारून के घराने को आशीर्वाद दिया, प्रभु का भय मानने वालों को आशीर्वाद दिया, छोटों को बड़ों के साथ। प्रभु तुम पर और तुम्हारे पुत्रों पर बढ़ोतरी करे। धन्य हो तुम प्रभु के द्वारा, जिसने आकाश और पृथ्वी की रचना की।

स्वर्ग का स्वर्ग प्रभु का है, परन्तु पृथ्वी उसने मनुष्यों की सन्तानों को दी है। हे प्रभु, मृतक आपकी स्तुति नहीं करेंगे, न ही वे सब जो अधोलोक में उतर रहे हैं। लेकिन हम जीवित लोग प्रभु को आशीर्वाद देंगे, अब से लेकर युग तक।

114

हल्लेलुयाह। मैंने प्रेम किया, क्योंकि प्रभु मेरी प्रार्थना के स्वर को सुनेंगे।

क्योंकि उसने अपना कान मुझ पर झुकाया, और मैं अपने दिनों में पुकारूँगा। मृत्यु की पीड़ाओं ने

मुझे घेर लिया, नरक के खतरों ने मुझे पा लिया, मैंने क्लेश और पीड़ा पाई। और मैंने प्रभु के नाम को पुकारा, हे प्रभु, मेरी आत्मा को छुड़ाओ।

दयालु है प्रभु और धर्मी, और हमारा परमेश्वर दया करता है। प्रभु शिशुओं की रक्षा करता है, मैं नम्र हुआ और उसने मुझे बचाया।

लौट आ मेरी आत्मा, अपने विश्राम में, क्योंकि प्रभु ने तुझ पर उपकार किया है। क्योंकि उसने मेरी आत्मा को मृत्यु से छुड़ाया, मेरी आँखों को आँसुओं से, और मेरे पैरों को फिसलने से। मैं प्रभु के सामने जीवितों की भूमि में प्रसन्न करूँगा।

115

हल्लेलूयाह। मैंने विश्वास किया, इसलिए मैंने बोला, परन्तु मैं अत्यंत दीन हुआ।

मैंने अपने परमानंद में कहा, हर मनुष्य झूठा है।

मैं प्रभु को क्या चुकाऊँगा उन सब के बदले जो उसने मुझे दिया है? मैं मोक्ष का प्याला लूँगा और प्रभु का नाम पुकारूँगा।

प्रभु के सामने उसके पवित्र लोगों की मृत्यु बहुमूल्य है। हे प्रभु, मैं तेरा दास हूँ, मैं तेरा दास हूँ और तेरी दासी का पुत्र हूँ; तूने मेरे बंधनों को तोड़ दिया है। तुझे मैं स्तुति का बलिदान चढ़ाऊँगा, और प्रभु के नाम से पुकारूँगा। मैं अपनी प्रार्थनाएँ प्रभु को चुकाऊँगा, उनके सब लोगों के सामने। प्रभु के घर के प्रांगणों में, तेरे बीच में हे यरूशलेम।

116

हल्लेलुजाह। हे सब राष्ट्रों, प्रभु की स्तुति करो, हे सब लोगों, उसकी स्तुति करो।

क्योंकि उसकी दया हम पर मजबूत हुई, और प्रभु का सत्य युगों तक बना रहता है।

117

हल्लेलुजाह। प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह भला है, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

इसराएल का घर कहे कि वह अच्छा है, कि उसकी दया युगों तक है। हारून का घर वास्तव में कहे, कि वह अच्छा है, कि उसकी दया युगों तक है। वे सब कहें जो प्रभु से डरते हैं कि वह अच्छा है, कि उसकी दया सदा तक बनी रहती है।

कष्ट में से मैंने प्रभु को पुकारा, और उसने मुझे सुनकर विशाल स्थान में पहुँचाया। प्रभु मेरे सहायक हैं, और मैं नहीं डरूंगा कि मनुष्य मुझे क्या करेगा। प्रभु मेरे सहायक हैं, और मैं अपने शत्रुओं को देखूंगा। प्रभु पर विश्वास करना अच्छा है, मनुष्य पर विश्वास करने से। प्रभु पर आशा करना अच्छा है, शासकों पर आशा करने से।

सभी राष्ट्रों ने मुझे घेर लिया, और प्रभु के नाम से मैंने उनका प्रतिरोध किया। घेरा डालकर उन्होंने मुझे घेर लिया, और प्रभु के नाम से मैंने उनका प्रतिरोध किया। उन्होंने मुझे घेर लिया जैसे मधुमक्खियाँ छते को घेरती हैं, और वे जल उठे जैसे काँटों में आग जलती है, और प्रभु के नाम से मैंने उनका प्रतिरोध किया। मुझे धकेला गया और मैं गिरने के लिए उलट दिया गया, और प्रभु ने मुझे सँभाल लिया।

मेरी शक्ति और मेरा स्तवन प्रभु है, और वह मेरे लिए उद्धार बन गया। धर्मियों के तम्बुओं में हर्षोल्लास और उद्धार की आवाज़ है, प्रभु के दाहिने हाथ ने सामर्थ्य दिखाया है। प्रभु के दाहिने हाथ ने मुझे ऊपर उठाया, प्रभु के दाहिने हाथ ने सामर्थ्य दिखाया। मैं नहीं मरूंगा, बल्कि जीवित रहूंगा, और प्रभु के कार्यों का वर्णन करूंगा। प्रभु ने मुझे अनुशासित करते हुए अनुशासित किया, और मुझे मृत्यु को नहीं सौंपा।

मेरे लिए न्याय के द्वार खोलो, उनमें प्रवेश करके मैं प्रभु को धन्यवाद दूंगा। यह प्रभु का द्वार है, धर्मी इसमें प्रवेश करेंगे। मैं तुम्हें धन्यवाद दूंगा, क्योंकि तुमने मेरी सुनी, और तुम मेरे उद्धार बन गए। जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार किया था, वह कोने का सिरा बन गया। प्रभु से यह हुआ, और यह हमारी आँखों में अद्भुत है। यह वह दिन है जो प्रभु ने बनाया, आओ हम आनंदित हों और इसमें प्रसन्न हों। हे प्रभु, वास्तव में बचाओ; हे प्रभु, वास्तव में समृद्धि प्रदान करो। धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आ रहा है, हमने तुम्हें प्रभु के घर से आशीर्वाद दिया है।

भगवान प्रभु हैं, और वे हमें प्रकट हुए हैं, घनी शाखाओं में पर्व तैयार करो, वेदी के सींगों तक। ईश्वर मेरे हो तुम, और मैं तुम्हें धन्यवाद दूंगा, ईश्वर मेरे हो तुम, और मैं तुम्हें ऊंचा करूंगा, मैं तुम्हें धन्यवाद दूंगा, क्योंकि तुमने मेरी सुनी, और तुम मेरे लिए उद्धार बने। प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह अच्छा है, क्योंकि उसकी दया युगों तक है।

118

हल्लेलूयाह। धन्य हैं वे जो निर्दोष हैं मार्ग में, जो प्रभु की व्यवस्था में चलते हैं।

धन्य हैं वे जो उसकी गवाहियों को खोजते हैं, वे पूरे हृदय से उसे खोजेंगे। क्योंकि जो अधर्म करते थे, वे उसके मार्गों पर नहीं चले। तूने अपनी आज्ञाएँ दीं, कि उनकी अत्यधिक रक्षा की जाए। काश

मेरे मार्ग निर्देशित हो जाएं, तुम्हारी विधियों की रक्षा करने के लिए। तब मैं लज्जित नहीं होऊंगा, जब मैं तुम्हारी सभी आज्ञाओं पर दृष्टि रखूंगा। मैं तुझे हृदय की सच्चाई से धन्यवाद दूंगा, जब मैं तेरी धार्मिकता के न्याय सीख लूंगा। मैं तेरे विधियों को मानूंगा, मुझे बिल्कुल मत त्याग।

एक युवा अपना रास्ता किसमें सफल होगा? तुम्हारे वचनों को मानने में। मैंने अपने संपूर्ण हृदय से तुम्हें खोजा है, मुझे अपनी आज्ञाओं से अस्वीकार मत करो। मैंने तेरे वचनों को अपने हृदय में छिपा रखा है, ताकि मैं तेरे विरुद्ध पाप न करूं। धन्य हो तुम प्रभु, मुझे अपनी विधियाँ सिखाओ। मेरे होंठों से मैंने तेरे मुख के सभी न्यायों को घोषित किया। तेरे साक्ष्यों के मार्ग में मैं आनंदित हुआ, जैसे कि सब धन पर। मैं तुम्हारी आज्ञाओं पर ध्यान करूंगा, और तुम्हारे मार्गों पर विचार करूंगा। तेरे विधियों में मैं ध्यान करूंगा, मैं तेरे शब्दों को नहीं भूलूंगा।

अपने दास को प्रतिफल दो, तो मैं जीवित रहूंगा और तुम्हारे वचनों का पालन करूंगा। मेरी आँखें खोलो, और मैं तुम्हारी व्यवस्था के आश्चर्यों पर विचार करूंगा। परदेशी मैं इस भूमि में हूँ, मुझसे अपनी आज्ञाएँ मत छिपाओ। मेरी आत्मा हर समय तेरे न्यायों की इच्छा करने के लिए लालायित रही। तूने अहंकारियों को डाँटा, शापित हैं वे जो तेरे आदेशों से भटकते हैं। मुझसे निंदा और तिरस्कार हटा दो, क्योंकि मैंने तेरी साक्ष्य को खोजा है। और शासक बैठे और मेरे विरुद्ध बोले, लेकिन तेरा दास तेरी विधियों में ध्यान करता रहा। और क्योंकि तेरी गवाहियाँ मेरा ध्यान हैं, और तेरे विधान मेरी सलाह हैं।

मेरी आत्मा जमीन से चिपक गई है, अपने वचन के अनुसार मुझे जीवित कर। मैंने तेरे मार्गों को घोषित किया और तूने मेरी सुनी; मुझे अपनी विधियाँ सिखा। अपने विधियों का मार्ग मुझे सिखाओ, और मैं तेरे अद्भुत कार्यों में मनन करूंगा। मेरी आत्मा उदासीनता से झपकी ले रही है, अपने शब्दों में मुझे पुष्ट करो। अन्याय का रास्ता मुझसे हटाओ, और अपने नियम से मुझ पर दया करो। सत्य का मार्ग मैंने चुना है, और तुम्हारे निर्णयों को मैं नहीं भूला। मैं तेरी गवाहियों से चिपक गया हूँ, हे प्रभु, मुझे शर्मिदा मत करना। तुम्हारी आज्ञाओं के मार्ग पर मैं दौड़ा, जब तुमने मेरे हृदय

को विस्तृत किया।

हे प्रभु, मुझे अपनी विधियों का मार्ग सिखाओ, और मैं उसे निरंतर खोजूंगा। मुझे सिखाओ और मैं तुम्हारी व्यवस्था की खोज करूंगा, और मैं उसे अपने पूरे हृदय से पालन करूंगा। मुझे अपनी आज्ञाओं के मार्ग में मार्गदर्शन करो, क्योंकि मैंने उसे चाहा है। मेरे हृदय को अपनी गवाहियों की ओर झुकाओ, और लालच की ओर नहीं। मेरी आँखों को मोड़ दो ताकि व्यर्थता न देखूँ, अपने मार्ग में मुझे जीवित करो। अपने दास के लिए अपना वचन स्थापित करो, जो तेरे भय के लिए है। मेरी निंदा को हटा दो जिसका मुझे संदेह था, क्योंकि तुम्हारे निर्णय अच्छे हैं। देखो, मैंने आपकी आज्ञाओं की इच्छा की है, अपनी धार्मिकता में मुझे जीवित करो।

और हे प्रभु, आपकी दया मुझ पर आए, आपका उद्धार आपके वचन के अनुसार। और मैं उन्हें उत्तर दूंगा जो मुझे निंदा करते हैं, क्योंकि मैंने तुम्हारे वचनों पर आशा रखी है। और मेरे मुँह से सत्य का शब्द बिल्कुल मत निकालिए, क्योंकि मैंने आपके न्याय पर आशा रखी है। और मैं तुम्हारे विधान का पालन सदा करूंगा, युगानुयुग और युगों के युग तक। और मैं चौड़े स्थान में चला, क्योंकि मैंने तेरी आज्ञाओं को खोजा था। और मैं तुम्हारी गवाहियों के बारे में राजाओं के सामने बोलता था, और मैं शर्मिंदा नहीं होता था। और मैं तुम्हारी आज्ञाओं में ध्यान करता था, जिनसे मैंने अत्यधिक प्रेम किया। और मैंने अपने हाथ तेरी आज्ञाओं की ओर उठाए जिनसे मैंने प्रेम किया, और तेरी विधियों पर ध्यान किया।

अपने दास को अपने उन शब्दों की याद दिला जिनसे तूने मुझे आशा दी थी। इसने मेरे अपमान में मुझे सांत्वना दी, क्योंकि तेरे वचन ने मुझे जीवित किया। अभिमानी लोगों ने अत्यधिक अवैध रूप से कार्य किया, लेकिन मैं तुम्हारे नियम से नहीं भटका। मैंने तुम्हारे प्राचीन निर्णयों को याद किया, हे प्रभु, और मुझे सांत्वना मिली। निराशा ने मुझे उन पापियों के कारण जकड़ लिया है जो तेरे नियम को त्याग देते हैं। तुम्हारी विधियाँ मेरे लिए गीत थीं, मेरे प्रवास के स्थान में। मैंने रात में तेरे नाम को याद किया, हे प्रभु, और मैंने तेरी व्यवस्था का पालन किया। यह मुझे हुआ, क्योंकि मैंने

तुम्हारे विधियों को खोजा।

हे प्रभु, तुम मेरा भाग हो, मैंने कहा कि मैं तुम्हारी व्यवस्था का पालन करूँगा। मैंने संपूर्ण हृदय से तुम्हारे सम्मुख विनती की, अपने वचन के अनुसार मुझ पर दया करो। मैंने आपके मार्गों पर विचार किया, और मैंने अपने पैरों को आपकी साक्ष्यों की ओर मोड़ दिया। मैं तैयार हो गया था और व्याकुल नहीं हुआ, तेरी आज्ञाओं को मानने के लिए। पापियों की रस्सियाँ मुझे उलझा गईं, परन्तु मैं तेरी व्यवस्था को नहीं भूला। आधी रात को मैं जागा, तुम्हारे न्याय के निर्णयों के लिए तुम्हें धन्यवाद देने हेतु। मैं उन सबका साझीदार हूँ जो तुझसे डरते हैं, और जो तेरे आदेशों को मानते हैं। हे प्रभु, पृथ्वी आपकी दया से पूर्ण है, आप अपने विधान मुझे सिखाइए।

हे प्रभु, तूने अपने दास के साथ भलाई की अपने वचन के अनुसार। भलाई, शिक्षा और ज्ञान मुझे सिखाओ, क्योंकि मैंने तेरे आदेशों पर विश्वास किया है। मेरे विनम्र होने से पहले मैंने पाप किया था, इसलिए मैंने तेरे वचन को सुरक्षित रखा। हे प्रभु, तुम अच्छे हो, और अपनी अच्छाई में मुझे अपनी विधियाँ सिखाओ। अहंकारियों का अन्याय मुझ पर बढ़ाया गया है, लेकिन मैं अपने संपूर्ण हृदय से तुम्हारी आज्ञाओं को खोजूँगा। जमा हुआ दूध के समान उनका हृदय, परन्तु मैंने तुम्हारी व्यवस्था पर मनन किया। यह मेरे लिए अच्छा है कि तूने मुझे नम्र किया, ताकि मैं तेरी विधियाँ सीखूँ। तेरे मुख का नियम मेरे लिए अच्छा है, हजारों सोने और चांदी से बढ़कर।

तेरे हाथों ने मुझे बनाया और मुझे रूप दिया, मुझे समझ दे और मैं तेरी आज्ञाओं को सीखूँगा। वे जो तुमसे डरते हैं, मुझे देखेंगे और आनंदित होंगे, क्योंकि मैंने तुम्हारे वचनों पर आशा रखी है। मैंने जान लिया है प्रभु कि तुम्हारे निर्णय न्यायपूर्ण हैं, और सत्य में तुमने मुझे नम्र किया है। हे प्रभु, आपकी दया मुझे सात्वना देने के लिए हो, आपके वचन के अनुसार आपके दास को। आपकी दयाएँ मुझ पर आने दें, और मैं जीऊँगा, क्योंकि आपका नियम मेरा अभ्यास है। अहंकारी लोग शर्मिदा हों, क्योंकि उन्होंने मेरे विरुद्ध अन्यायपूर्वक अधर्म किया, लेकिन मैं तुम्हारे आदेशों पर ध्यान करूँगा। वे जो आपसे डरते हैं मेरी ओर मुड़ें, और वे जो आपकी गवाहियों को जानते हैं।

मेरा हृदय तेरे विधियों में निर्दोष हो जाए, ताकि मैं लज्जित न होऊं।

मेरी आत्मा तेरे उद्धार के लिए व्याकुल है; तेरे वचनों पर मैंने आशा रखी है। मेरे नेत्र तेरे वचन की प्रतीक्षा में असफल हो गए हैं, यह कहते हुए, तू मुझे कब सांत्वना देगा? क्योंकि मैं पाले में रखी मशक के समान हो गया हूँ, फिर भी मैं तुम्हारी विधियों को नहीं भूला। आपके दास के दिन कितने हैं; मेरे सताने वालों का न्याय आप मेरे लिए कब करेंगे? अधर्मियों ने मुझे व्यर्थ बातें सुनाई, लेकिन वे तुम्हारे कानून जैसी नहीं थीं, हे प्रभु। तुम्हारे सब आदेश सत्य हैं, उन्होंने मुझे अन्यायपूर्वक सताया, मेरी सहायता करो। भूमि में उन्होंने मुझे लगभग समाप्त कर दिया, लेकिन मैंने तेरी आज्ञाओं को नहीं त्यागा। अपनी दया के अनुसार मुझे जीवित करो, और मैं तुम्हारे मुँह की गवाहियों को रखूंगा।

हे प्रभु, युगों तक तुम्हारा वचन स्वर्ग में बना रहता है। पीढ़ी दर पीढ़ी तेरी सच्चाई है, तूने पृथ्वी को स्थापित किया और वह बनी रहती है। तेरी व्यवस्था के अनुसार दिन बना रहता है, क्योंकि सब कुछ तेरे दास हैं। यदि तेरा विधान मेरा अभ्यास न होता, तो मैं अपने दुःख में नष्ट हो गया होता। मैं युगों तक कभी नहीं भूलूंगा तेरी विधियों को, क्योंकि उन्हीं में तूने मुझे जीवन दिया। मैं तुम्हारा हूँ, मुझे बचाओ, क्योंकि मैंने तुम्हारे विधानों को खोजा है। पापियों ने मुझे नष्ट करने की प्रतीक्षा की, मैंने तेरी गवाहियों को समझा। मैंने हर पूर्णता का अंत देखा है, तेरी आज्ञा अत्यंत विस्तृत है।

हे प्रभु, मैंने तेरी व्यवस्था से कितना प्रेम किया है! पूरे दिन यह मेरा ध्यान बना रहता है। आपकी आज्ञा के द्वारा आपने मुझे मेरे शत्रुओं से अधिक बुद्धिमान बनाया है, क्योंकि यह सदा के लिए मेरी है। सब शिक्षकों से अधिक मैं समझदार हूँ, क्योंकि तेरी गवाहियाँ मेरा ध्यान हैं। मैंने बुजुर्गों से अधिक समझा, क्योंकि मैंने आपके आदेशों को खोजा है। मैंने अपने पैरों को हर बुरे रास्ते से रोका, ताकि मैं तेरे वचनों की रक्षा करूँ। तेरे निर्णयों से मैं नहीं मुड़ा, क्योंकि तूने मुझे सिखाया।

तेरे शब्द मेरे गले को कितने मीठे लगते हैं, मेरे मुँह को शहद से भी अधिक मीठे। आपकी

आज्ञाओं से मैं समझा, इसलिए मैंने अन्याय के सभी मार्गों से घृणा की।

तुम्हारा कानून मेरे पैरों के लिए दीपक है, और मेरे पथों के लिए प्रकाश है। मैंने शपथ ली और तुम्हारे न्याय के निर्णयों की रक्षा करने का संकल्प लिया। हे प्रभु, मैं अत्यधिक नम्र किया गया था, अपने वचन के अनुसार मुझे जीवित करो। हे प्रभु, मेरे मुख की स्वैच्छिक बातों से प्रसन्न हो, और मुझे अपने न्याय सिखा। मेरा प्राण सदा तेरे हाथों में है, और मैं तेरी व्यवस्था को नहीं भूला। पापियों ने मेरे लिए जाल बिछाया, और मैं तेरी आज्ञाओं से नहीं भटका। मैंने तेरी गवाहियों को सदा के लिए विरासत में पाया है, क्योंकि वे मेरे हृदय का आनंद हैं। मैंने अपने हृदय को तेरी विधियों का पालन करने के लिए सदा के लिए प्रतिफल के कारण झुकाया।

अवैध लोगों से मैंने घृणा की, लेकिन तुम्हारे विधान से मैंने प्रेम किया। तुम मेरे सहायक और मेरे रक्षक हो, मैंने तुम्हारे वचनों में आशा रखी है। मुझसे दूर हो जाओ, हे बुराई करने वाले, और मैं अपने परमेश्वर की आज्ञाओं की खोज करूंगा। मेरा सहारा बनो अपने वचन के अनुसार, और मुझे जीवित करो, और मुझे मेरी अपेक्षा से शर्मिंदा मत करो। मेरी मदद करो, और मैं बचाया जाऊंगा, और मैं तुम्हारी विधियों पर निरंतर ध्यान करूंगा। तूने उन सबको तुच्छ जाना जो तेरी विधियों से दूर हो जाते हैं, क्योंकि उनका विचार अन्यायी है। पृथ्वी के सभी पापियों को अतिक्रमण करने वाला मानकर, इसलिए मैंने तुम्हारी साक्ष्यों से प्रेम किया। अपने भय से मेरे शरीर को जड़ दो, क्योंकि मैं तेरे न्यायों से भयभीत हो गया था।

मैंने न्याय और धार्मिकता का पालन किया है, मुझे उन लोगों के हाथों में मत सौंप जो मेरे साथ अन्याय करते हैं। अपने दास को भलाई के लिए स्वीकार करो, अहंकारी लोग मुझ पर झूठा आरोप न लगाएं। मेरी आँखें तेरे उद्धार की प्रतीक्षा में थक गईं, और तेरे न्याय के वचन की प्रतीक्षा में। अपने दास के साथ अपनी दया के अनुसार व्यवहार करो, और अपनी विधियाँ मुझे सिखाओ। मैं तेरा दास हूँ, मुझे शिक्षा दे और मैं तेरी गवाहियों को जान लूँगा। प्रभु के लिए कार्य करने का समय है, उन्होंने तेरे नियम को तोड़ दिया है। इसलिए मैंने आपके आदेशों को सोने और पुखराज

से अधिक प्रेम किया। इसलिए मैंने तेरी सब आज्ञाओं को माना है, मैंने हर अन्यायी मार्ग से घृणा की है।

आपकी साक्ष्य अद्भुत हैं, इसलिए मेरी आत्मा ने उन्हें खोजा है। तेरे वचनों का प्रकाश ज्योति देता है और सीधे-सादे लोगों को समझ प्रदान करता है। मैंने अपना मुँह खोला और आत्मा खींची, क्योंकि मैं तेरे आदेशों के लिए लालायित था। मुझ पर दृष्टि डालो और मुझ पर दया करो, उन लोगों के निर्णय के अनुसार जो तुम्हारे नाम से प्रेम करते हैं। मेरे कदमों को अपने वचन के अनुसार निर्देशित करो, और कोई भी अधर्म मुझ पर शासन न करे। मुझे मनुष्यों के झूठे आरोपों से मुक्त करो, और मैं तुम्हारी आज्ञाओं का पालन करूँगा। अपना चेहरा अपने दास पर चमकाओ, और मुझे अपनी विधियाँ सिखाओ। मेरी आँखों से पानी की धाराएँ बह निकलीं, क्योंकि मैंने तेरी व्यवस्था का पालन नहीं किया।

हे प्रभु, तुम धर्मी हो, और तुम्हारे निर्णय सीधे हैं। आपने अपनी गवाहियों में धार्मिकता और महान सत्य की आज्ञा दी है। आपके उत्साह ने मुझे नष्ट कर दिया, क्योंकि मेरे शत्रु आपके शब्दों को भूल गए। आपका वचन अत्यधिक शुद्ध है, और आपके दास ने इससे प्रेम किया। मैं युवा हूँ और तुच्छ समझा गया हूँ, परन्तु तेरे विधियों को मैं नहीं भूला। तेरी धार्मिकता युगों तक धार्मिकता है, और तेरा नियम सत्य है। क्लेश और आवश्यकताएँ ने मुझे पा लिया, तेरी आज्ञाएँ मेरा अभ्यास हैं। आपकी गवाहियाँ सदा के लिए धार्मिकता हैं, मुझे सिखाइए, और मैं जीवित रहूँगा।

मैंने अपने संपूर्ण हृदय से पुकारा, हे प्रभु, मुझे सुनो; मैं तेरे नियमों को खोजूँगा। मैंने तुझे पुकारा, मुझे बचाओ, और मैं तेरी साक्षियों का पालन करूँगा। मैंने भोर में जल्दी की और पुकारा, मैंने तेरे शब्दों में आशा की। मेरी आँखें भोर से पहले पहुँच गईं, तेरे वचनों का मनन करने के लिए। हे प्रभु, मेरी आवाज़ सुनो, अपनी दया के अनुसार, अपने न्याय के अनुसार मुझे जीवित करो। मेरे पीछा करने वाले अधर्म में निकट आए, लेकिन वे तेरे कानून से दूर हो गए। निकट हो प्रभु, और तुम्हारे सभी मार्ग सत्य हैं। शुरुआत से मैं तुम्हारी गवाहियों से जान गया कि तुमने उन्हें सदा के लिए

स्थापित किया।

मेरा अपमान देखो और मुझे छुड़ाओ, क्योंकि मैं तेरे नियम को नहीं भूला। मेरा न्याय करो और मुझे छुड़ाओ, अपने वचन के द्वारा मुझे जीवित करो। पापियों से मोक्ष दूर है, क्योंकि उन्होंने तुम्हारे विधानों को नहीं खोजा। हे प्रभु, आपकी दयाएँ बहुत हैं, अपने न्याय के अनुसार मुझे जीवित करें। बहुत से हैं जो मुझे सताते हैं और मुझे दुःख देते हैं, परन्तु मैं तेरी गवाहियों से नहीं मुड़ा। मैंने मूर्खों को देखा और पिघल गया, क्योंकि उन्होंने तेरे वचनों को नहीं रखा। देखो कि मैंने तुम्हारे आदेशों से प्रेम किया है, हे प्रभु, अपनी दया से मुझे जीवित करो। आपके शब्दों का आरंभ सत्य है, और आपके न्याय के सब निर्णय युगों तक हैं।

शासकों ने मुझे बिना कारण पीछा किया, और तुम्हारे शब्दों से मेरा हृदय भयभीत हुआ। मैं तेरे वचनों पर ऐसे आनंदित होऊंगा, जैसे कोई बहुत सी लूट पाने वाला होता है। अन्याय से मैंने घृणा की और उससे घृणा की, लेकिन तुम्हारी व्यवस्था से मैंने प्रेम किया। दिन में सात बार मैंने तुम्हारी प्रशंसा की तुम्हारे न्याय के निर्णयों पर। बहुत शांति उनको मिलती है जो तुम्हारी व्यवस्था से प्रेम करते हैं, और उनके लिए कोई ठोकर नहीं है। मैं आपके उद्धार की प्रतीक्षा कर रहा था हे प्रभु, और मैंने आपकी आज्ञाओं से प्रेम किया। मेरी आत्मा ने तेरी गवाहियों की रक्षा की, और उनसे अत्यधिक प्रेम किया। मैंने आपकी आज्ञाएँ और आपकी गवाहियाँ रखीं, क्योंकि मेरे सब मार्ग आपके सामने हैं, हे प्रभु।

मेरी प्रार्थना आपके सामने आए, हे प्रभु, अपने वचन के अनुसार मुझे शिक्षा दीजिए। मेरी गरिमा तेरे सामने प्रवेश करे, हे प्रभु, अपने वचन के अनुसार मुझे छुड़ा। मेरे होंठ स्तुति का उच्चारण करें, जब तू मुझे अपनी विधियाँ सिखाए। मेरी जीभ तेरे वचन बोले, क्योंकि तेरे सब आदेश धार्मिकता हैं। तुम्हारा हाथ मुझे बचाने के लिए हो, क्योंकि मैंने तुम्हारी आज्ञाओं को चुना है। मैंने तुम्हारे उद्धार की लालसा की है, हे प्रभु, और तुम्हारा नियम मेरा अभ्यास है। मेरा आत्मा जीवित रहेगा और तुम्हारी स्तुति करेगा, और तुम्हारे न्याय मेरी सहायता करेंगे। मैं भटक गया जैसे खोई हुई

भेड़, अपने दास को खोजो, क्योंकि मैं तुम्हारी आज्ञाओं को नहीं भूला।

119

चढ़ाइयों का गीत। अपनी पीड़ा में मैंने प्रभु को पुकारा, और उसने मेरी सुनी।

प्रभु, मेरी आत्मा को अन्यायी होंठों से और कपटी जीभ से छुड़ा।

तुझे क्या दिया जाए, और तुझे कपटपूर्ण जीभ के विरुद्ध क्या जोड़ा जाए? शक्तिशाली के तेज किए गए तीर, उजाड़ के कोयलों के साथ।

हाय, कि मेरा प्रवास लंबा हो गया, मैं केदार के तंबुओं के साथ रहा। मेरी आत्मा ने बहुत समय तक उनके साथ निवास किया है जो शांति से घृणा करते हैं। मैं शांतिपूर्ण था, जब मैं उनसे बात कर रहा था, वे बिना कारण मुझसे लड़ रहे थे।

120

सीढ़ियों का गीत। मैंने अपनी आँखें पहाड़ों की ओर उठाई, जहाँ से मेरी सहायता आएगी।

मेरी सहायता उस प्रभु से है जिसने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया। अपने पैर को उछाल में मत डालो, और न ही तुम्हारा रक्षक झपकी ले। देखो, इस्राएल की रक्षा करने वाला न ऊँचेगा और न सोएगा। प्रभु तुम्हारी रक्षा करेगा, प्रभु तुम्हारे दाहिने हाथ पर तुम्हारा आश्रय है। दिन में सूरज तुझे नहीं झूलसाएगा, और न ही रात में चाँद। प्रभु तुम्हें सब बुराई से बचाए, प्रभु तुम्हारी आत्मा की रक्षा करेगा। प्रभु तेरे आने-जाने की रक्षा करेगा, अब से और सदा तक।

121

चढ़ाइयों का गीत। मैं उन पर प्रसन्न हुआ जिन्होंने मुझसे कहा था, हम प्रभु के घर जाएंगे।

हमारे पैर तेरे प्रांगणों में खड़े थे, हे यरूशलेम। यरूशलेम एक शहर के रूप में बनाया जा रहा है, जिसकी सहभागिता एक साथ है। वहाँ प्रभु की जनजातियाँ ऊपर गईं, इस्राएल के लिए गवाही, प्रभु के नाम का अंगीकार करने के लिए। क्योंकि वहाँ न्याय के लिए सिंहासन बैठाए गए, दाऊद के घराने पर सिंहासन।

यरूशलेम की शांति के लिए पूछो, और समृद्धि हो उन्हें जो तुमसे प्रेम करते हैं। तुम्हारी शक्ति में शांति हो, और तुम्हारी मीनारों में समृद्धि हो। मेरे भाइयों और मेरे पड़ोसियों के लिए, मैं वास्तव में तेरे बारे में शांति की बात कर रहा था। हमारे परमेश्वर प्रभु के घर के लिए मैंने तुम्हारे लिए अच्छी चीजें खोजीं।

122

सीढ़ियों का गीत। तुम्हारी ओर मैंने अपनी आँखें उठाई, जो स्वर्ग में निवास करते हो।

देखो, जैसे दासों की आँखें उनके स्वामियों के हाथों की ओर लगी रहती हैं, जैसे दासी की आँखें उसकी स्वामिनी के हाथों की ओर लगी रहती हैं, वैसे ही हमारी आँखें प्रभु हमारे परमेश्वर की ओर लगी रहती हैं, जब तक कि वह हम पर दया न करे। हे प्रभु, हम पर दया करो, हम पर दया करो, क्योंकि हम तिरस्कार से बहुत भर गए हैं। हमारी आत्मा अत्यधिक भर गई है समृद्ध लोगों की निंदा से और अहंकारियों के तिरस्कार से।

123

चढ़ाइयों का गीत। यदि प्रभु हमारे साथ नहीं होते, तो इस्राएल अवश्य कहे,

यदि प्रभु हमारे साथ न होते, जब लोग हमारे विरुद्ध उठ खड़े हुए, तब उन्होंने हमें जीवित निगल लिया होता, जब उनका क्रोध हम पर भड़का था। तब जल हमें निगल गया होता, हमारी आत्मा से होकर प्रवाह गुजर गया। तब हमारी आत्मा उस अप्रतिरोध्य जल से होकर गुजर गई।

धन्य है प्रभु, जिसने हमें उनके दाँतों का शिकार नहीं बनाया। हमारी आत्मा गौरैया के समान शिकारियों के फंदे से छुड़ाई गई, फंदा टूट गया, और हम छुड़ाए गए। हमारी सहायता प्रभु के नाम में है, जिन्होंने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया।

124

आरोहणों का गीत। जो प्रभु पर विश्वास करते हैं, वे सिय्योन पर्वत के समान हैं, वह जो यरूशलेम में निवास करता है युगों तक नहीं हिलाया जाएगा,

पहाड़ उसके चारों ओर हैं, और प्रभु अपने लोगों के चारों ओर हैं, अब से और सदा तक। क्योंकि प्रभु पापियों की छड़ी को धर्मियों की विरासत पर नहीं रहने देगा, ताकि धर्मी लोग अधर्म में अपने हाथ न फैलाएं।

भलाई करो, प्रभु, अच्छे लोगों को और सीधे हृदय वालों को। परन्तु जो टेढ़े मार्गों की ओर मुड़ते हैं, उन्हें प्रभु अधर्म करने वालों के साथ ले जाएंगे। इस्राएल पर शांति हो।

125

चढ़ाइयों का गीत। जब प्रभु ने सिय्योन की बंधुआई लौटाई, तब हम सांत्वना पाए हुआँ के समान हो गए।

तब हमारा मुख आनंद से भर गया, और हमारी जीभ उल्लास से भर गई, तब राष्ट्रीं में कहेंगे, प्रभु ने उनके साथ बड़े काम किए। प्रभु ने हमारे साथ महान कार्य किया, हम आनंदित हो गए।

हे प्रभु, हमारी बंदिशों को लौटा दो, जैसे दक्षिण में तेज़ बहते नाले। जो आँसुओं में बोते हैं, वे आनंद में काटेंगे। चलते हुए वे गए और अपने बीज बोते हुए रोते थे, लेकिन आते हुए वे आनंद में अपनी पूलियाँ उठाते हुए आएँगे।

126

चढ़ाइयों का गीत। यदि प्रभु घर नहीं बनाएगा, तो निर्माणकर्ताओं ने व्यर्थ परिश्रम किया; यदि प्रभु शहर की रक्षा नहीं करेगा, तो रक्षक व्यर्थ जागता रहा।

तुम्हारे लिए व्यर्थ है सवेरे उठना, बैठने के बाद उठना, वे जो दुःख की रोटी खाते हैं, जब वह अपने प्रियजनों को नींद देता है।

देखो, प्रभु की विरासत पुत्र हैं, गर्भ के फल का प्रतिफल। जैसे किसी शक्तिशाली के हाथ में तीर होते हैं, वैसे ही बिखरे हुए लोगों के पुत्र होते हैं। धन्य है वह जो उनसे अपनी इच्छा पूरी करेगा, वे शर्मिदा नहीं होंगे, जब वे फाटकों में अपने शत्रुओं से बात करेंगे।

127

चढ़ाइयों का गीत। धन्य हैं वे सब जो प्रभु से डरते हैं, जो उसके मार्गों पर चलते हैं।

तू अपने परिश्रम के फलों को खाएगा, धन्य है तू और तेरा भला होगा। तेरी स्त्री तेरे घर के भीतरी भागों में फलती-फूलती अंगूर की बेल के समान है, तेरे पुत्र तेरी मेज़ के चारों ओर जैतून के नए पौधों के समान हैं।

देखो, इस प्रकार वह मनुष्य आशीर्वादित होगा जो प्रभु से डरता है। प्रभु तुझे सिय्योन से आशीर्वाद दे, और तू यरूशलेम की भलाई अपने जीवन के सभी दिनों में देखे, और तुम अपने पुत्रों के पुत्रों को देख सको, इस्राएल पर शांति हो।

128

चढ़ाइयों का गीत। बहुत बार उन्होंने मेरी जवानी से मुझसे युद्ध किया, इस्राएल यह कहे,

अक्सर उन्होंने मेरी युवावस्था से मुझसे लड़ाई की, और वे मुझे हरा नहीं सके। मेरी पीठ पर पापियों ने षड्यंत्र रचा, उन्होंने अपना अधर्म बढ़ाया। प्रभु न्यायी है; उसने पापियों की गर्दन काट दीं।

शर्मिदा हों और पीछे मुड़ जाएं वे सब जो सिय्योन से घृणा करते हैं। वे छतों की घास के समान हो जाएं, जो उखाड़े जाने से पहले ही सूख गईं। जिससे काटने वाले ने अपना हाथ नहीं भरा, और पूलियों को इकट्ठा करने वाले ने अपनी छाती नहीं भरी। और राहगीरों ने नहीं कहा, प्रभु का आशीर्वाद तुम पर हो, हमने तुम्हें प्रभु के नाम में आशीर्वाद दिया है।

129

चढ़ाइयों का गीत। गहराइयों से मैंने तुम्हें पुकारा, हे प्रभु।

हे प्रभु, मेरी आवाज़ सुनो, तुम्हारे कान मेरी विनती की आवाज़ पर ध्यान दें। यदि तू अधर्म को देखे, हे प्रभु, हे प्रभु, तो कौन खड़ा रह सकेगा? क्योंकि प्रायश्चित्त तुझ में है, तेरे नाम के कारण। मैंने तुम्हारी प्रतीक्षा की, हे प्रभु, मेरी आत्मा ने तुम्हारे वचन में प्रतीक्षा की। मेरी आत्मा ने प्रभु पर आशा की, सुबह के पहर से रात तक।

इसाएल को प्रभु पर आशा रखनी चाहिए, क्योंकि प्रभु के पास दया है, और उसके पास बहुत छुटकारा है। और वह इसाएल को उसके सभी अधर्म के कामों से छुड़ाएगा।

130

चढ़ाइयों का गीत। हे प्रभु, मेरा हृदय घमंड से नहीं भरा, न ही मेरी आँखें अभिमान से ऊपर उठीं, न ही मैं महान बातों में गया, न ही उन अद्भुत बातों में जो मेरी समझ से परे हैं।

यदि मैं विनम्र मन का नहीं था, लेकिन मैंने अपनी आत्मा को ऊंचा किया, जैसे दूध छुड़ाया हुआ बच्चा अपनी माता पर होता है, वैसे तुम मेरी आत्मा पर प्रतिफल दोगे। इसाएल प्रभु पर अब से और युग तक आशा करे।

131

चढ़ाइयों का गीत। हे प्रभु, दाऊद को और उसकी सारी नम्रता को याद करो।

जैसे उसने प्रभु को शपथ खाई, याकूब के परमेश्वर से मन्नत मानी, यदि मैं अपने घर के तंबू में प्रवेश करूंगा, यदि मैं अपने बिस्तर पर चढ़ूंगा, यदि मैं अपनी आँखों को नींद दूँ, और अपनी पलकों को तंद्रा, और अपनी कनपटियों को विश्राम दूँ, जब तक मैं प्रभु के लिए स्थान न पा लूँ, याकूब के परमेश्वर के लिए निवास न पा लूँ। देखो, हमने इसे एफ्राथा में सुना, हमने इसे वन के मैदानों में पाया। आओ हम उसके तम्बुओं में प्रवेश करें, आओ हम उस स्थान पर उपासना करें जहाँ उसके पैर खड़े हुए थे।

उठो प्रभु, अपने विश्राम-स्थान में जाओ, तुम और तुम्हारे पवित्रस्थान का सन्दूक। तुम्हारे पुजारी धार्मिकता धारण करेंगे, और तुम्हारे पवित्र लोग आनंदित होंगे। अपने दास दाऊद के कारण, अपने अभिषिक्त का मुख मत फेर।

प्रभु ने दाऊद से सत्य की शपथ खाई, और वह उसे अस्वीकार नहीं करेगा, तुम्हारे गर्भ के फल से मैं तुम्हारे सिंहासन पर रखूंगा। यदि तेरे पुत्र मेरी वाचा और मेरी ये साक्ष्य, जो मैं उनको सिखाऊंगा, रखेंगे, तो उनके पुत्र युग तक तेरे सिंहासन पर बैठेंगे। क्योंकि प्रभु ने सिय्योन को चुना, उसने उसे अपने निवास के लिए चुना। यह युगानुयुग मेरा विश्राम है, यहाँ मैं निवास करूँगा क्योंकि मैंने इसे चुना है। उसके शिकार को आशीर्वाद देते हुए मैं आशीर्वाद दूँगा, उसके गरीबों को मैं रोटियों से तृप्त करूँगा। उसके पुजारियों को मैं मुक्ति का वस्त्र पहनाऊँगा, और उसके पवित्र लोग अत्यधिक आनंदित होंगे। वहाँ मैं दाऊद के लिए सींग उगाऊँगा, मैंने तेरे अभिषिक्त के लिए दीपक तैयार किया है। उसके शत्रुओं को मैं लज्जा से ढक दूँगा, परन्तु उस पर मेरा पवित्रस्थान खिलेगा।

चढ़ाइयों का गीत। देखो, क्या अच्छा या क्या सुखद है, यदि भाइयों का एक साथ निवास करना नहीं?

जैसे सिर पर इत्र जो दाढ़ी पर उतरता है, हारून की दाढ़ी पर, जो उसके वस्त्र के किनारे तक उतरता है। जैसे हेमोन की ओस सिय्योन के पर्वतों पर उतरती है, क्योंकि वहाँ प्रभु ने आशीर्वाद की आज्ञा दी, जो युग तक का जीवन है।

133

चढ़ाइयों का गीत। देखो, प्रभु के सब दास जो हमारे परमेश्वर के घर के आँगनों में, प्रभु के घर में खड़े हैं, प्रभु को आशीर्वाद दो।

रातों में अपने हाथों को पवित्र स्थान की ओर उठाओ, और प्रभु को आशीर्वाद दो। प्रभु तुझे सिय्योन से आशीर्वाद दे, जिसने आकाश और पृथ्वी को बनाया।

134

हल्लेलुयाह। प्रभु के नाम की स्तुति करो, हे दासों, प्रभु की स्तुति करो,

वे जो प्रभु के घर में खड़े हैं, हमारे परमेश्वर के घर के आँगनों में। प्रभु की प्रशंसा करो, क्योंकि प्रभु अच्छे हैं, उनके नाम का भजन गाओ, क्योंकि वह सुंदर है।

क्योंकि प्रभु ने याकूब को अपने लिए चुना, इस्राएल को अपनी निज संपत्ति के लिए। क्योंकि मैं जानता हूँ कि प्रभु महान् हैं, और हमारे प्रभु सब देवताओं से बढ़कर हैं। जो कुछ प्रभु ने चाहा, वह

सब उसने स्वर्ग में और पृथ्वी पर, समुद्रों में और सब गहराइयों में किया। पृथ्वी के अंतिम छोर से बादलों को ऊपर ले जाते हुए, उसने बिजलियों को वर्षा के लिए बनाया, वह जो अपने खजानों से हवाओं को बाहर लाता है। जिसने मिस्र के पहलौठों को मारा, मनुष्य से लेकर पशु तक। उसने तेरे बीच में निशानियाँ और अचरज भेजे, हे मिस्र, फ़िरौन पर और उसके सब दासों पर। जिसने बहुत से राष्ट्रों को मारा, और शक्तिशाली राजाओं को मार डाला, सीहोन को अमोरियों का राजा, और ओग को बाशान का राजा, और कनान के सभी राज्यों को, और उसने उनकी भूमि को विरासत के रूप में दिया, अपने लोग इस्राएल की विरासत के रूप में।

हे प्रभु, आपका नाम युगों तक है, और आपका स्मारक पीढ़ी दर पीढ़ी है। क्योंकि प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा, और अपने दासों पर दया करेगा। राष्ट्रों की मूर्तियाँ चाँदी और सोना हैं, मनुष्यों के हाथों के काम हैं। उनके पास मुख है और वे नहीं बोलेंगे, उनके पास आँखें हैं और वे नहीं देखेंगे, उनके पास कान हैं और वे नहीं सुनेंगे, न ही उनके मुख में आत्मा है। उनके समान हो जाएं वे जो उनको बनाते हैं, और सब जो उन पर विश्वास करते हैं।

हे इस्राएल के घराने, प्रभु को आशीर्वाद दो, हे आरोन के घराने, प्रभु को आशीर्वाद दो, लेवी का घर, प्रभु को आशीर्वाद दो, प्रभु से डरने वाले, प्रभु को आशीर्वाद दो। धन्य है प्रभु सिय्योन से, जो यरूशलेम में निवास करता है।

135

हल्लेलुजाह। प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह भला है, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

देवताओं के देवता को धन्यवाद दो, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। प्रभुओं के प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

उसको जिसने अकेले महान आश्चर्य किए, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। उसे जिसने आकाशों को समझ से बनाया, क्योंकि उसकी दया युगों तक है। उसे जिसने पृथ्वी को जलों के ऊपर स्थापित किया, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। उसको जिसने अकेले महान प्रकाश बनाए, क्योंकि सदा के लिए उसकी दया है। सूर्य को दिन के अधिकार में रखा, क्योंकि उसकी दया युग तक है। चंद्रमा और तारों को रात के अधिकार में रखा, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

उसको जिसने मिस्र को उनके पहलौठों के साथ मारा, क्योंकि उसकी दया सदा तक है। और जिसने इस्राएल को उनके बीच से बाहर निकाला, क्योंकि उसकी दया युगों तक है, शक्तिशाली हाथ से और ऊँची भुजा से, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। उसे जिसने लाल समुद्र को विभाजनों में विभाजित किया, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। और जिसने इस्राएल को उसके बीच से ले जाया, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है, और जिसने फिरौन और उसकी सेना को लाल समुद्र में झटक दिया, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। उसको जो अपने लोगों को जंगल में ले गया, क्योंकि उसकी दया सदा तक है।

उसको जिसने महान राजाओं को मारा, क्योंकि युगों तक उसकी दया है। और शक्तिशाली राजाओं को मार डाला, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। सीहोन को, अमोरियों के राजा को, क्योंकि उसकी दया सदा तक है। और बाशान के राजा ओग को, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। और जिसने उनकी भूमि विरासत में दी, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। इस्राएल को, जो उसका दास है, विरासत के रूप में दिया, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है।

क्योंकि हमारे अपमान में प्रभु ने हमें याद किया, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। और उसने हमें हमारे शत्रुओं से छुड़ाया, क्योंकि उसकी दया युगों तक है। वह जो सब प्राणियों को पोषण देता है, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। स्वर्ग के परमेश्वर को धन्यवाद दो, क्योंकि उसकी दया युगानुयुग बनी रहती है।

136

दाऊद को, यिर्मयाह का। बाबुल की नदियों के तट पर वहाँ हम बैठे, और हम रोए जब हमने सिय्योन को याद किया।

उसके बीच में विलो वृक्षों पर हमने अपने वाद्ययंत्र लटकाए। क्योंकि वहाँ जिन्होंने हमें बंदी बनाया था उन्होंने हमसे गीतों के शब्द माँगे, और जिन्होंने हमें ले गए थे उन्होंने कहा, हमारे लिए सिय्योन के गीतों में से एक भजन गाओ।

हम प्रभु का गीत विदेशी धरती पर कैसे गाएं? यदि मैं तुम्हारा जेरूसलम भूल जाऊँ, तो मेरा दाहिना हाथ भूल जाए। मेरी जीभ मेरे गले से चिपक जाए, यदि मैं तुम्हें याद न करूँ, यदि मैं यरूशलेम को अपने आनंद की शुरुआत में न रखूँ।

हे प्रभु, एदोम के पुत्रों को याद करो, यरूशलेम के उस दिन को, जो कह रहे थे, इसे ढहा दो, इसे ढहा दो, इसकी नींव तक। बाबुल की दुखी बेटी, धन्य है वह जो तुझे वैसा ही प्रतिफल देगा जैसा तूने हमें दिया। धन्य है वह जो प्रबल होगा और तेरे शिशुओं को चट्टान पर पटकेगा।

137

दाऊद का भजन, हग्गै और जकर्याह का। हे प्रभु, मैं अपने संपूर्ण हृदय से तेरा धन्यवाद करूंगा, और दूतों के सामने तेरा भजन गाऊंगा, क्योंकि तूने मेरे मुख के सब वचन सुने हैं।

मैं तेरे पवित्र मंदिर की ओर पूजा करूंगा, और तेरे नाम को धन्यवाद दूंगा, तेरी दया और तेरे सत्य पर, क्योंकि तूने अपने पवित्र नाम को सब पर बढ़ाया है। जिस दिन मैं तुम्हें पुकारूँ, शीघ्र मेरी

सुनो, तुम मेरी आत्मा में अपनी शक्ति से मेरी देखभाल करोगे। हे प्रभु, पृथ्वी के सभी राजा आपको स्वीकार करें, क्योंकि उन्होंने आपके मुख के सभी शब्द सुने हैं। और वे प्रभु के मार्गों में गाएं, क्योंकि प्रभु की महिमा महान है।

क्योंकि प्रभु उच्च हैं, और वे नम्र लोगों की देखभाल करते हैं, और घमंडियों को दूर से जानते हैं। यदि मैं पीड़ा के बीच में चलूं, तो तू मुझे जीवित रखेगा; मेरे शत्रुओं के क्रोध पर तूने अपना हाथ बढ़ाया, और तेरे दाहिने हाथ ने मुझे बचाया। प्रभु, तुम मेरे लिए बदला चुकाओगे, प्रभु, तुम्हारी दया युगों तक रहेगी, अपने हाथों के कार्यों की उपेक्षा मत करो।

138

अंत के लिए, दाऊद का भजन। हे प्रभु, आपने मेरी परीक्षा ली है, और आपने मुझे जान लिया है।

तूने मेरा आसन जाना और मेरा उठना जाना, तूने मेरे विचारों को दूर से समझा। मेरे पथ को और मेरी रस्सी को तूने जांचा है, और मेरे सब मार्गों को तूने पहले से देख लिया है। कि मेरी जीभ में कोई अन्यायी शब्द नहीं है, देखो प्रभु, तुमने सब जान लिया है। अंतिम और प्राचीन चीजों को तूने रचा है मुझे, और तूने अपना हाथ मुझ पर रखा है।

तुम्हारा ज्ञान मुझसे परे अद्भुत हो गया है, यह मजबूत हो गया है, मैं इस तक नहीं पहुंच सकता। मैं तुम्हारी आत्मा से कहाँ जाऊँ, और तुम्हारे मुख से कहाँ भागूँ? यदि मैं स्वर्ग में चढ़ूँ, तो तुम वहाँ हो; यदि मैं अधोलोक में उतरूँ, तो तुम उपस्थित हो। यदि मैं अपने पंख ऊपर उठाऊँ सही दिशा में, और समुद्र के अंतिम छोर में निवास करूँ, और क्योंकि वहाँ भी तुम्हारा हाथ मेरा मार्गदर्शन करेगा, और तुम्हारा दाहिना हाथ मुझे थामे रखेगा। और मैंने कहा, तब अंधकार मुझे कुचलेगा, और रात मेरे विलास में प्रकाश बनेगी। क्योंकि तुम्हारे लिए अंधकार अंधकारमय नहीं होगा, और

रात दिन के समान प्रकाशित होगी, जैसे उसका अंधकार है, वैसे ही उसका प्रकाश भी है। क्योंकि हे प्रभु, तूने मेरे गुर्दे बनाए, तूने मेरी माता के गर्भ से मुझे संभाला। मैं तुम्हें धन्यवाद दूंगा, क्योंकि तुम भयानक रूप से अद्भुत बनाए गए हो, तुम्हारे काम अद्भुत हैं, और मेरी आत्मा यह बहुत अच्छी तरह जानती है। मेरी हड्डी तुमसे छिपी नहीं थी, जिसे तुमने गुप्त रूप से बनाया, और पृथ्वी के सबसे निचले भागों में मेरा अस्तित्व। मेरे अनगढ़ रूप को तुम्हारी आँखों ने देखा, और तुम्हारी पुस्तक में सब लिखे जाएंगे, दिन रूप दिए जाएंगे और उनमें कोई नहीं।

हे भगवान, मेरे लिए तो तुम्हारे मित्र बहुत सम्मानित हुए, उनके आरंभ बहुत मजबूत हुए। मैं उन्हें गिनूंगा और वे रेत से भी अधिक होंगे, मैं जागा, और अभी भी मैं तुम्हारे साथ हूँ।

हे ईश्वर, यदि तुम पापियों को मार डालो, तो हे रक्त के पुरुषों, मुझसे दूर हट जाओ। क्योंकि तू विचार में कहेगा, वे तेरे नगरों को व्यर्थता में ले लेंगे। क्या मैंने उनसे घृणा नहीं की जो आपसे घृणा करते हैं, हे प्रभु, और क्या मैं आपके शत्रुओं के कारण क्षीण नहीं हो गया? पूर्ण घृणा से मैं उनसे घृणा करता था, वे मेरे शत्रु बन गए। हे परमेश्वर, मेरी परीक्षा करो और मेरे हृदय को जानो, मुझे परखो और मेरे मार्गों को जानो। और देखो यदि मुझ में अधर्म का मार्ग है, और मुझे अनन्त मार्ग में मार्गदर्शन करो।

139

अंत के लिए, दाऊद का भजन।

हे प्रभु, मुझे दुष्ट मनुष्य से छुड़ाओ, अन्यायी पुरुष से मुझे छुड़ाओ। जिन्होंने हृदय में अन्याय की योजना बनाई, सारा दिन वे युद्धों की तैयारी करते रहे। उन्होंने अपनी जीभ को साँप की तरह तेज किया, नागों का विष उनके होंठों के नीचे है, सेला। हे प्रभु, मुझे पापी के हाथ से बचाओ, अन्यायी

मनुष्यों से मुझे छुड़ाओ, जिन्होंने मेरे कदमों को ठोकर खिलाने का विचार किया। अहंकारियों ने मेरे लिए फंदा छिपाया, और रस्सियाँ फैलाकर मेरे पैरों के लिए फंदे बिछाए, रास्ते के किनारे मेरे लिए ठोकर रखी, सेला।

मैंने प्रभु से कहा, आप मेरे परमेश्वर हैं, हे प्रभु, मेरी विनती की आवाज़ पर कान दीजिए। हे प्रभु, हे प्रभु, मेरे उद्धार की शक्ति, तूने युद्ध के दिन मेरे सिर पर छाया की। हे प्रभु, मुझे मेरी पापी इच्छा के वश में मत सौंप दो, उन्होंने मेरे विरुद्ध षड्यंत्र रचा है, मुझे मत त्याग दो, कहीं वे कभी ऊंचे न हो जाएं। सेला।

उनके घेरे का सिर और उनके होंठों का परिश्रम उन्हें ढक लेगा। उन पर आग के अंगारे पृथ्वी पर गिरेंगे, और तू उन्हें विपत्तियों में गिरा देगा, वे नहीं टिकेंगे। बातूनी व्यक्ति पृथ्वी पर सफल नहीं होगा, अन्यायी व्यक्ति को बुराइयाँ विनाश की ओर ले जाएँगी। मैं जानता था कि प्रभु गरीब का न्याय करेगा, और गरीबों का न्याय करेगा। केवल धर्मी लोग तेरे नाम की स्तुति करेंगे, सीधे लोग तेरे सामने निवास करेंगे।

140

दाऊद का भजन। हे प्रभु, मैंने तुम्हारी ओर पुकारा है, मेरी सुनो, मेरी प्रार्थना की आवाज़ पर ध्यान दो, जब मैं तुम्हारी ओर पुकारता हूँ।

मेरी प्रार्थना तेरे सामने धूप के समान निर्देशित हो, मेरे हाथों का उठाना संध्याकालीन बलिदान हो। हे प्रभु, मेरे मुख पर पहरा रखो, और मेरे होंठों के चारों ओर घेराबंदी का द्वार लगाओ। मेरे हृदय को दुष्टता के शब्दों की ओर मत मोड़ो, पापों में बहाने बनाने के लिए, उन मनुष्यों के साथ जो अधर्म करते हैं, और मैं उनके चुने हुएों के साथ विभाजित नहीं होऊंगा। धर्मी व्यक्ति मुझे दया से

अनुशासित करेगा और मुझे डांटेगा, लेकिन पापी का तेल मेरे सिर का अभिषेक न करे, क्योंकि अभी भी मेरी प्रार्थना उनकी भलाइयों में है।

चट्टान के पास उनके पराक्रमी लोग निगल लिए गए, वे मेरे शब्द सुनेंगे, क्योंकि वे मधुर किए गए थे। जैसे पृथ्वी की मोटाई पृथ्वी पर टूट गई है, वैसे ही हमारी हड्डियाँ पाताल के पास बिखर गई हैं। क्योंकि हे प्रभु, हे प्रभु, मेरी आँखें तुम्हारी ओर हैं, मैंने तुम पर आशा रखी है, मेरी आत्मा को मत ले जाओ। मुझे उस फंदे से बचाओ जो उन्होंने मेरे लिए बिछाया है, और अधर्म करने वालों के ठोकर के पत्थरों से। पापी उसके जाल में गिरेंगे, मैं अकेला हूँ जब तक मैं गुजर न जाऊँ।

141

दाऊद की समझ की प्रार्थना, जब वह गुफा में था।

मैंने अपनी आवाज से प्रभु की ओर पुकारा, मैंने अपनी आवाज से प्रभु से विनती की। मैं उसके सामने अपनी विनती उंडेलूंगा, अपना क्लेश उसके सामने घोषित करूंगा। जब मुझसे मेरी आत्मा असफल हो रही थी, तब तूने मेरे मार्गों को जाना। इस मार्ग में जिसमें मैं चल रहा था, उन्होंने मेरे लिए फंदा छिपाया। मैं दाहिनी ओर देख रहा था और निगरानी कर रहा था, क्योंकि कोई नहीं था जो मुझे पहचानता हो, पलायन मुझसे नष्ट हो गया, और कोई नहीं है जो मेरी आत्मा को खोजता हो। हे प्रभु, मैंने तुम्हारी ओर पुकारा और कहा, तुम मेरी आशा हो, जीवितों की भूमि में मेरा भाग हो। मेरी प्रार्थना पर ध्यान दो, क्योंकि मैं बहुत नम्र हो गया हूँ, मुझे मेरे सताने वालों से छुड़ा लो, क्योंकि वे मुझसे अधिक मजबूत हो गए हैं। हे प्रभु, मेरी आत्मा को कारागार से बाहर लाओ, ताकि मैं तुम्हारे नाम की स्तुति कर सकूँ। धर्मी लोग मेरी प्रतीक्षा करेंगे, जब तक तुम मुझे प्रतिफल नहीं दोगे।

दाऊद का भजन, जब उसके पुत्र ने उसका पीछा किया। हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनो, अपने सत्य में मेरी विनती पर कान दो, अपनी धार्मिकता में मुझे सुनो।

और अपने दास के साथ न्याय में प्रवेश मत कर, क्योंकि तेरे सामने कोई भी जीवित धर्मी नहीं ठहराया जाएगा।

क्योंकि शत्रु ने मेरी आत्मा का पीछा किया, उसने मेरे जीवन को भूमि में नीचा किया, उसने मुझे अंधेरे में बैठाया जैसे युग के मृतक। और मेरी आत्मा मुझ पर निराश हो गई, मेरे भीतर मेरा हृदय व्याकुल हो गया। मैंने प्राचीन दिनों को याद किया, और मैंने तुम्हारे सभी कामों पर ध्यान किया, तुम्हारे हाथों की रचनाओं पर मैं ध्यान कर रहा था। मैंने अपने हाथ तुम्हारी ओर फैलाए, मेरी आत्मा तुम्हारे लिए जलहीन भूमि के समान है, सेला।

हे प्रभु, शीघ्र मेरी सुनो, मेरी आत्मा समाप्त हो गई है, अपना मुख मुझसे मत फेरो, नहीं तो मैं उनके समान हो जाऊंगा जो गड्ढे में उतरते हैं। सुबह मुझे अपनी दया सुनाई दे, क्योंकि मैंने तुम पर आशा की है, हे प्रभु, मुझे वह रास्ता बताओ जिसमें मैं चलूंगा, क्योंकि मैंने अपनी आत्मा तुम्हारी ओर उठाई है। हे प्रभु, मुझे मेरे शत्रुओं से छुड़ा, क्योंकि मैं तेरी शरण में आया हूँ। मुझे अपनी इच्छा पूरी करना सिखाओ, क्योंकि तुम मेरे परमेश्वर हो, तुम्हारा अच्छा आत्मा मुझे सीधे मार्ग में मार्गदर्शन करेगा। हे प्रभु, तेरे नाम के लिए तू मुझे जीवित करेगा, अपनी धार्मिकता में तू मेरी आत्मा को क्लेश से निकालेगा। और अपनी दया में तुम मेरे शत्रुओं को नष्ट करोगे, और मेरी आत्मा को सताने वालों सभी को नष्ट करोगे, क्योंकि मैं तुम्हारा दास हूँ।

दाऊद द्वारा गोलियथ के विरुद्ध। धन्य है प्रभु मेरा परमेश्वर, जो मेरे हाथों को युद्ध के लिए और मेरी उंगलियों को लड़ाई के लिए सिखाता है।

मेरी दया और मेरी शरण, मेरा सहायक और मेरा छुड़ानेवाला, मेरा रक्षक, और उस पर मैंने आशा रखी, जो मेरे लोगों को मेरे अधीन करता है।

प्रभु, मनुष्य क्या है कि तू उसे जानता है? या मनुष्य का पुत्र क्या है कि तू उस पर विचार करता है? मनुष्य व्यर्थता के समान हो गया है, उसके दिन छाया की तरह बीत जाते हैं।

प्रभु, अपने आकाशों को झुकाओ और उतर आओ, पहाड़ों को छुओ और वे धुआं छोड़ेंगे। बिजली चमकाओ और उन्हें तितर-बितर कर दोगे, अपने तीर छोड़ो और उन्हें भ्रमित कर दोगे। अपना हाथ ऊंचाई से भेजो, मुझे छुड़ाओ और मुझे अनेक जल से छुड़ाओ, परदेशी पुत्रों के हाथ से। जिनका मुख व्यर्थ बातें बोलता है, और उनका दाहिना हाथ अन्याय का दाहिना हाथ है।

हे परमेश्वर, मैं तुम्हारे लिए नया गीत गाऊंगा, दस तार वाली सारंगी पर तुम्हारे लिए भजन गाऊंगा, वह जो राजाओं को उद्धार देता है, जो अपने दास दाऊद को बुरी तलवार से छुड़ाता है। मुझे छुड़ाओ और मुझे विदेशी पुत्रों के हाथ से बचाओ, जिनका मुख व्यर्थता बोलता है, और उनका दाहिना हाथ अन्याय का दाहिना हाथ है। जिनके पुत्र उनकी युवावस्था में नव-रोपित पौधों के समान स्थापित हैं, और उनकी पुत्रियाँ मंदिर की भाँति सुसज्जित और सजाई गई हैं। उनके भंडार भरे हुए हैं, एक से दूसरे में उफनते हुए; उनकी भेड़ें बहुत संतान देने वाली हैं, उनके चरागाहों में बढ़ती हुई। उनके बैल मोटे हैं, बाड़ की कोई टूटन नहीं है, न कोई निकास है, न उनके आंगनों में कोई चिल्लाहट है। उन्होंने उन लोगों को धन्य घोषित किया जिनके पास ये चीजें हैं,

धन्य हैं वे लोग जिनका परमेश्वर प्रभु है।

144

दाऊद की स्तुति। मैं तुम्हें ऊँचा करूँगा, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे राजा, और मैं तुम्हारे नाम को युगानुयुग आशीर्वाद दूँगा।

प्रत्येक दिन मैं तुम्हें आशीर्वाद दूँगा, और तुम्हारे नाम की स्तुति करूँगा युगानुयुग और युगों के युग तक। महान है प्रभु और अत्यधिक प्रशंसनीय, और उसकी महानता का कोई अंत नहीं है। पीढ़ी दर पीढ़ी तुम्हारे कार्यों की प्रशंसा करेगी, और वे तुम्हारी शक्ति की घोषणा करेंगे। और वे आपकी पवित्रता की महिमा की भव्यता के बारे में बोलेंगे, और आपके चमत्कारों का वर्णन करेंगे। और वे तेरी भयानक चीजों की शक्ति के बारे में कहेंगे, और तेरी महानता की घोषणा करेंगे। वे तुम्हारी अच्छाई की बहुतायत की स्मृति को उड़ेल देंगे, और तुम्हारी धार्मिकता में आनंदित होंगे।

दयालु और कृपालु है प्रभु, धैर्यवान और दया से परिपूर्ण। प्रभु उनके लिए अच्छा है जो प्रतीक्षा करते हैं, और उसकी दयाएँ उसके सभी कार्यों पर हैं। हे प्रभु, आपके सब कार्य आपको धन्यवाद दें, और आपके पवित्र लोग आपको आशीर्वाद दें। तेरे राज्य की महिमा वे कहेंगे, और तेरी शक्ति की वे बात करेंगे। मनुष्यों के पुत्रों को तुम्हारी शक्ति और तुम्हारे राज्य की महानता की महिमा को ज्ञात कराने के लिए। तेरा राज्य सब युगों का राज्य है, और तेरा प्रभुत्व सब पीढ़ी दर पीढ़ी में है।

प्रभु सब गिरते हुआँ को सहारा देता है और सब टूटे हुआँ को उठाता है। सभी की आँखें तुममें आशा रखती हैं, और तुम उन्हें उचित समय पर उनका भोजन देते हो। तुम अपने हाथ खोलते हो, और तुम हर पशु को कृपा से भर देते हो। प्रभु अपने सब मार्गों में धार्मिक है, और अपने सब कार्यों में पवित्र है।

प्रभु उन सबके निकट है जो उसे पुकारते हैं, उन सबके जो उसे सत्य में पुकारते हैं। उन लोगों की इच्छा जो उससे डरते हैं वह पूरी करेगा, और उनकी प्रार्थना सुनेगा, और उन्हें बचाएगा। प्रभु उन सब की रक्षा करता है जो उससे प्रेम करते हैं, और सब पापियों को नष्ट कर देगा। प्रभु की प्रशंसा मेरा मुख बोलेगा, और सब देह उसके पवित्र नाम को आशीर्वाद दे, युगानुयुग और युगों के युग तक।

145

हल्लेलुयाह, हाग्वै और जकर्याह का। मेरी आत्मा प्रभु की स्तुति करती है।

मैं अपने जीवन में प्रभु की प्रशंसा करूंगा, मैं अपने परमेश्वर का गुणगान करूंगा जब तक मैं विद्यमान हूं। शासकों पर विश्वास मत करो, और मनुष्यों के पुत्रों पर, जिनमें मुक्ति नहीं है। उसका आत्मा बाहर निकलेगा और वह अपनी भूमि में लौटेगा, उस दिन उनके सब विचार नष्ट हो जाएंगे।

धन्य है वह जिसका सहायक याकूब का परमेश्वर है, जिसकी आशा अपने प्रभु परमेश्वर पर है। जिसने स्वर्ग और पृथ्वी, समुद्र और उनमें जो कुछ है सब को बनाया, जो सदा के लिए सत्य की रक्षा करता है, जो अन्याय सहने वालों को न्याय देता है, जो भूखों को भोजन देता है। प्रभु बंधे हुए लोगों को मुक्त करता है, प्रभु अंधों को बुद्धिमान बनाता है, प्रभु टूटे हुए लोगों को उठाता है, प्रभु धर्मियों से प्रेम करता है।

प्रभु परदेशियों की रक्षा करता है, अनाथ और विधवा को सहारा देगा, और पापियों के मार्ग को नष्ट कर देगा। प्रभु सदा शासन करेगा, हे सिय्योन, तुम्हारा परमेश्वर पीढ़ी दर पीढ़ी।

146

हल्लेलुयाह, हाग्वै और जकर्याह। प्रभु की स्तुति करो, क्योंकि भजन अच्छा है; हमारे परमेश्वर के लिए स्तुति मधुर हो।

प्रभु यरूशलेम का निर्माण करता है, और इस्राएल के बिखरे हुए लोगों को एकत्र करेगा। वह टूटे हुए हृदय को चंगा करने वाला और उनके घावों पर पट्टी बांधने वाला, वह तारों की बहुतायत को गिनता है, और उन सबको नाम से पुकारता है। महान है हमारा प्रभु, और महान है उसकी शक्ति, और उसकी समझ की कोई सीमा नहीं है। प्रभु नम्र लोगों को उठाते हैं, लेकिन पापियों को पृथ्वी तक नीचा करते हैं।

प्रभु को धन्यवाद के साथ आरंभ करो, हमारे परमेश्वर को वीणा के साथ भजन गाओ। जो आकाश को बादलों से ढकता है, जो पृथ्वी के लिए वर्षा तैयार करता है, जो पहाड़ों पर घास उगाता है, और मनुष्यों की सेवा के लिए हरियाली देता है। और जो पशुओं को उनका पोषण देता है, और कौवों के बच्चों को जो उसे पुकारते हैं। वह घोड़े की शक्ति में प्रसन्न नहीं होता, न ही मनुष्य के पैरों में प्रसन्न होता है। प्रभु उन लोगों से प्रसन्न होता है जो उससे डरते हैं, और उन सब लोगों से जो उसकी दया पर आशा रखते हैं।

147

हल्लेलुजाह, हाग्वै और जकर्याह का। हे यरूशलेम, प्रभु की स्तुति कर, हे सिय्योन, अपने परमेश्वर की स्तुति कर।

क्योंकि उसने तेरे फाटकों के बेंड़ों को मजबूत किया, उसने तेरे पुत्रों को तुझ में आशीष दी। वह जो तेरी सीमाओं को शांति प्रदान करता है, और तुझे गेहूं की उत्तम चर्बी से भरता है। वह अपना वचन पृथ्वी पर भेजता है, उसका वचन तेज़ गति से दौड़ता है। उसका जो बर्फ को ऊन की तरह देता है, कोहरे को राख की तरह बिखेरता है, वह अपने बर्फ के टुकड़ों को जैसे रोटी के टुकड़े फेंकता है, उसकी ठंड के सामने कौन टिक सकेगा? वह अपना शब्द भेजेगा और उन्हें पिघलाएगा, वह अपनी आत्मा फूँकेगा और जल बहेगा। वह अपना वचन याकूब को बताता है, अपनी विधियाँ और अपने न्याय इस्त्राएल को। उसने ऐसा प्रत्येक राष्ट्र के साथ नहीं किया, और उसने अपने निर्णय उन पर प्रकट नहीं किए।

148

हल्लेलुजाह, हम्गै और जकर्याह। स्वर्गों से प्रभु की स्तुति करो, उच्चतम स्थानों में उसकी स्तुति करो।

उसके सब दूत उसकी प्रशंसा करो, उसकी सब शक्तियाँ उसकी प्रशंसा करो। हे सूर्य और चंद्रमा, उसकी प्रशंसा करो; हे सब तारों और प्रकाश, उसकी प्रशंसा करो। हे स्वर्गों के स्वर्गों, उसकी स्तुति करो, और वह जल भी जो स्वर्गों के ऊपर है। वे प्रभु के नाम की प्रशंसा करें, क्योंकि उसने कहा और वे अस्तित्व में आए, उसने आदेश दिया और वे सृजे गए। उसने उन्हें युग के लिए स्थापित किया, और युगों के युग के लिए; आदेश रखा, और वह नहीं बीतेगा।

पृथ्वी से प्रभु की प्रशंसा करो, हे सर्पों और सब गहराइयों, आग, ओले, बर्फ, क्रिस्टल, तूफान की आत्मा, जो उसके वचन को पूरा करते हैं, पहाड़ और सब पहाड़ियाँ, फल धारण करने वाले वृक्ष और सब देवदार, जंगली जानवर और सभी पशु, रेंगने वाले जीव और पंख वाले पक्षी, पृथ्वी के राजा और सब लोग, शासक और पृथ्वी के सब न्यायाधीश, युवा पुरुष और कुंवारी लड़कियाँ, बूढ़े

लोग छोटों के साथ वे प्रभु के नाम की प्रशंसा करें, क्योंकि केवल उसका नाम ऊंचा किया गया है, उसकी स्तुति पृथ्वी और स्वर्ग पर है। और वह अपने लोगों का सींग ऊँचा करेगा, अपने सभी पवित्र लोगों की स्तुति, इस्राएल के पुत्रों की, उसके निकट आने वाले लोगों की।

149

हल्लेलूयाह। प्रभु के लिए नया गीत गाओ, पवित्र लोगों की सभा में उसकी स्तुति हो।

इस्राएल अपने बनाने वाले पर प्रसन्न हो, और सिय्योन के पुत्र अपने राजा पर आनन्दित हों। वे उसके नाम की समूह-नृत्य में प्रशंसा करें, ढोलक और वीणा से उसका गुणगान करें। क्योंकि प्रभु अपने लोगों में प्रसन्न होता है, और वह नम्र लोगों को उद्धार में ऊँचा करेगा।

पवित्र लोग महिमा में घमंड करेंगे, और वे अपने बिस्तरों पर आनन्दित होंगे। परमेश्वर की स्तुतियाँ उनके कंठ में, और दोधारी तलवारें उनके हाथों में। राष्ट्रों में प्रतिशोध करने के लिए, लोगों में फटकार के लिए, उनके राजाओं को बेड़ियों में बाँधने के लिए, और उनके प्रतिष्ठित लोगों को लोहे की हथकड़ियों में बाँधने के लिए, उनमें लिखित न्याय करना, यह महिमा उसके सब पवित्र लोगों के लिए है।

150

हल्लेलूयाह। उसके पवित्र स्थानों में परमेश्वर की स्तुति करो, उसके सामर्थ्य के आकाश में उसकी स्तुति करो।

उसकी शक्तियों के लिए उसकी प्रशंसा करो, उसकी महानता की बहुतायत के अनुसार उसकी

प्रशंसा करो। तुरही की ध्वनि में उसकी प्रशंसा करो, सितार और वीणा में उसकी प्रशंसा करो। ढोलक और गायक मंडली से उसकी प्रशंसा करो, तारों और वाद्य यंत्रों से उसकी प्रशंसा करो। गूंजती झांझों में उसकी प्रशंसा करो, ध्वनित झांझों में उसकी प्रशंसा करो। सभी प्राणी प्रभु की स्तुति करें।

151

यह भजन दाऊद का व्यक्तिगत है और संख्या के बाहर है, जब उसने गोलियत से एकल युद्ध किया। मैं अपने भाइयों में सबसे छोटा था, और अपने पिता के घर में सबसे कनिष्ठ था, मैं अपने पिता की भेड़ें चराता था।

मेरे हाथों ने वाद्ययंत्र बनाया, और मेरी उंगलियों ने सारंगी को सुर में मिलाया। और कौन मेरे प्रभु को घोषणा करेगा? वह स्वयं प्रभु है, वह स्वयं सुनता है। उसने स्वयं अपना दूत भेजा, और मुझे मेरे पिता की भेड़ों में से उठाया, और मुझे अपने अभिषेक के तेल से अभिषेक किया। मेरे भाई अच्छे और महान हैं, और प्रभु उनसे प्रसन्न नहीं हुए। वे विदेशी से मिलने गए, और उसने अपनी मूर्तियों के नाम पर मुझे शाप दिया। मैंने उसकी तलवार खींचकर उसका सिर काट दिया और इस्राएल के पुत्रों से निंदा हटा दी।

1 राजा

1

और राजा दाऊद बूढ़ा हो गया था, उम्र में बढ़ा हुआ था, और वे उसे वस्त्रों से ढक रहे थे, परन्तु वह गर्म नहीं हो रहा था। और उसके सेवकों ने कहा, राजा के लिए एक कुंवारी युवती खोजें, और वह राजा के पास उपस्थित होगी, और वह उसको गर्म करने वाली होगी, और वह उसके साथ सोएगी, और मेरा स्वामी राजा गर्म होगा। और उन्होंने इस्राएल की सब सीमा से एक सुंदर युवा स्त्री को खोजा, और उन्होंने अबीशग शूनेमी को पाया, और उन्होंने उसे राजा के पास लाया। और वह युवा स्त्री अत्यधिक सुंदर थी, और वह राजा को गर्म करती थी, और उसकी सेवा करती थी, परन्तु राजा ने उसे नहीं जाना।

और हग्गीत के पुत्र अदोनिय्याह ने स्वयं को ऊंचा किया, यह कहते हुए, मैं राज्य करूंगा, और उसने अपने लिए रथ और घुड़सवार बनाए, और पचास पुरुष जो उसके आगे दौड़ें। और उसके पिता ने उसे कभी नहीं रोका, यह कहते हुए, तूने ऐसा क्यों किया? और वास्तव में वह दिखने में बहुत सुंदर था, और उसे अबशालोम के बाद जन्म दिया गया था। और उसने योआब के साथ, जो सरूयाह का पुत्र था, और पुरोहित अबियाथार के साथ बातचीत की, और वे अदोनिय्याह का समर्थन कर रहे थे। और सादोक पुजारी, और बनायाह जो यहोयादा का पुत्र था, और नातान

पैगंबर, और शिमी, और रेई, और दाऊद के शक्तिशाली पुत्र, अदोनियाह के पीछे नहीं थे। और अदोनियाह ने भेड़ें और बछड़े और मेमने जोहेलेथ के ऐथे के साथ बलिदान किया, जो रोगेल के निकट था, और उसने अपने सब भाइयों को, और यहूदा के सब शक्तिशाली राजा के सेवकों को बुलाया। और उसने नाथान भविष्यवक्ता को, और बनायाह को, और शक्तिशाली लोगों को, और अपने भाई सुलैमान को नहीं बुलाया।

और नाथान ने बेरशबा से, जो सुलैमान की माता थी, कहा, क्या तूने नहीं सुना कि हग्गीत के पुत्र अदोनियाह ने राज्य किया है, और हमारे प्रभु दाऊद को इसका पता नहीं है? और अब यहाँ आओ, मैं तुम्हें वास्तव में सलाह दूँगा, और अपनी आत्मा को बचाओ और अपने पुत्र सुलैमान की आत्मा को। यहाँ आओ, राजा दाऊद के पास जाओ, और उनसे कहना, हे मेरे स्वामी राजा, क्या आपने अपनी दासी से शपथ नहीं खाई थी कि आपका पुत्र सुलैमान मेरे बाद राज्य करेगा, और वह मेरे सिंहासन पर बैठेगा? फिर अदोनियाह राजा कैसे बन गया? और देखो, जब तुम वहाँ राजा के साथ बात कर रही होगी, तब मैं तुम्हारे पीछे आऊँगा और तुम्हारी बातों को पूरा करूँगा।

और बतशेबा राजा के पास कक्ष में गई, और राजा बहुत बूढ़ा था, और अबीशग शूनेमी राजा की सेवा कर रही थी। और बेरशेबा झुकी, और राजा को प्रणाम किया, और राजा ने कहा, तुम्हें क्या चाहिए? उसने कहा, हे स्वामी, आपने अपने परमेश्वर प्रभु की शपथ खाकर अपनी दासी से कहा था कि आपका पुत्र सुलैमान मेरे बाद राज्य करेगा और मेरे सिंहासन पर बैठेगा। और अब देखो, अदोनियाह ने राज्य कर लिया है, और हे मेरे स्वामी राजा, आप नहीं जानते। और उसने बहुत सारे बछड़े, मेमने और भेड़ें बलिदान कीं, और उसने राजा के सब पुत्रों को, और पुजारी अबियातार को, और सेना के सेनापति योआब को बुलाया, परन्तु आपके दास सुलैमान को नहीं बुलाया। और हे मेरे प्रभु, मेरे राजा, समस्त इस्राएल की आँखें आप पर हैं, कि आप उन्हें बताएँ कि मेरे प्रभु राजा के सिंहासन पर आपके बाद कौन बैठेगा। और ऐसा होगा कि जब मेरा प्रभु राजा अपने पितरों के साथ सो जाएगा, तो मैं और मेरा पुत्र सुलैमान पापी ठहराए जाएंगे।

और देखो, वह अभी राजा के साथ बोल ही रही थी, कि नातान भविष्यवक्ता आया। और राजा को यह सूचित किया गया, देखो, नाथान भविष्यवक्ता आया है, और वह राजा के सामने आया, और उसने राजा के सामने भूमि पर झुककर प्रणाम किया। और नाथान ने कहा, हे मेरे स्वामी राजा, क्या आपने कहा था कि अदोनियाह मेरे बाद राज्य करेगा और वह मेरे सिंहासन पर बैठेगा? क्योंकि वह आज नीचे गया, और उसने बहुतायत में बछड़ों, मेमनों और भेड़ों की बलि चढ़ाई, और उसने राजा के सभी पुत्रों को, सेना के शासकों को, और याजक अबियातार को बुलाया, और देखो, वे उसके सामने खा-पी रहे हैं, और उन्होंने कहा, राजा अदोनियाह जीवित रहें। और उसने मुझे, आपके दास को, और पुजारी सादोक को, और यहोयादा के पुत्र बनायाह को, और आपके दास सुलैमान को नहीं बुलाया। यदि मेरे प्रभु राजा के द्वारा यह बात हुई है, और आपने अपने दास को नहीं बताया कि मेरे प्रभु राजा के बाद सिंहासन पर कौन बैठेगा?

और राजा दाऊद ने उत्तर दिया और कहा, मेरे लिए बतशेबा को बुलाओ, और वह राजा के सामने आई, और उसके सामने खड़ी हुई। और राजा ने शपथ खाई और कहा, प्रभु जीवित है जिसने मेरी आत्मा को सब क्लेश से छुड़ाया, कि जैसा मैंने प्रभु इस्राएल के परमेश्वर में तुमको शपथ खाई थी, यह कहते हुए कि तुम्हारा पुत्र सुलैमान मेरे साथ राज्य करेगा, और वह मेरे स्थान पर मेरे सिंहासन पर बैठेगा, वैसा ही मैं आज के दिन करूंगा। और बेरशेबा ने भूमि पर अपना चेहरा झुकाया, और राजा को प्रणाम किया, और बोली, मेरे स्वामी राजा दाऊद सदा जीवित रहें।

और राजा दाऊद ने कहा, मेरे पास सादोक याजक, और नातान भविष्यवक्ता, और यहोयादा के पुत्र बनायाह को बुलाओ, और वे राजा के सामने आए। और राजा ने उनसे कहा, अपने स्वामी के दासों को अपने साथ लो, और मेरे पुत्र सुलैमान को मेरे खच्चर पर बैठाओ, और उसे गीहोन ले जाओ। और वहाँ सादोक याजक और नातान नबी उसे इस्राएल पर राजा के रूप में अभिषेक करें, और नरसिंगा फूँकें, और कहें, राजा सुलैमान जीवित रहें। और वह मेरे सिंहासन पर बैठेगा और मेरे स्थान पर राज्य करेगा, और मैंने आदेश दिया था कि वह इस्राएल और यहूदा पर शासक हो। और बनायाह, जो यहोयादा का पुत्र था, ने राजा को उत्तर दिया और कहा, ऐसा ही हो, प्रभु

परमेश्वर मेरे स्वामी राजा की पुष्टि करे, जैसा प्रभु मेरे प्रभु राजा के साथ था, वैसा ही सुलैमान के साथ हो, और उसके सिंहासन को मेरे प्रभु राजा दाऊद के सिंहासन से भी बड़ा करे।

और सादोक पुजारी, और नाथान भविष्यवक्ता, और यहोयादा का पुत्र बनायाह, और केरेती, और पेलेती नीचे गए, और उन्होंने सुलैमान को राजा दाऊद के खच्चर पर बैठाया, और उसे गीहोन ले गए। और पुजारी सादोक ने तम्बू से तेल का सींग लिया, और सुलैमान का अभिषेक किया, और तुरही फूँकी, और सब लोग बोले, राजा सुलैमान जीवित रहें। और सब लोग उसके पीछे ऊपर गए, और नृत्यों में नाचते हुए और महान आनंद से आनंदित होते हुए, और उनकी आवाज़ से भूमि फट गई।

और अदोनियाह और उसके सब बुलाए गए लोगों ने सुना, और वे खाना समाप्त कर चुके थे, और योआब ने तुरही की आवाज़ सुनी, और उसने कहा, गूँजते हुए शहर की यह आवाज़ क्या है? अभी वह बोल ही रहा था, और देखो, योनातान जो अबियातार पुजारी का पुत्र था, प्रवेश किया, और अदोनियाह ने कहा, प्रवेश करो, क्योंकि तुम शक्तिशाली पुरुष हो, और अच्छे समाचार लाते हो। और योनातान ने उत्तर दिया और कहा, हमारे प्रभु राजा दाऊद ने सुलैमान को राजा बनाया है। और राजा ने उसके साथ सादोक पुजारी, और नाथान भविष्यवक्ता, और यहोयादा के पुत्र बनायाह, और करेतियों, और पलेतियों को भेजा, और उन्होंने उसे राजा के खच्चर पर बैठाया। और सादोक याजक और नातान भविष्यवक्ता ने गीहोन में उसका अभिषेक किया, और वहाँ से आनंदित होते हुए ऊपर गए, और शहर गूँज उठा, यह वह आवाज़ है जो तुमने सुनी। और सुलैमान राज्य के सिंहासन पर बैठा। और राजा के दास हमारे प्रभु राजा दाऊद को आशीर्वाद देने के लिए प्रवेश किए, यह कहते हुए, परमेश्वर सुलैमान का नाम आपके नाम से अधिक अच्छा करे, और उसके सिंहासन को आपके सिंहासन से अधिक बड़ा करे, और राजा ने बिस्तर पर प्रणाम किया। और राजा ने वास्तव में इस प्रकार कहा, धन्य है प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, जिसने आज मेरे वंश से मेरे सिंहासन पर बैठने वाले को दिया है, और मेरी आँखें यह देख रही हैं।

और अदोनियाह के सब बुलाए हुए लोग चकित हो गए, और हर एक अपने-अपने मार्ग पर चला गया। और अदोनियाह सुलैमान के चेहरे से डर गया, और उठा और चला गया और वेदी के सींगों को पकड़ लिया। और यह सुलैमान को सूचित किया गया, यह कहते हुए कि देखो, अदोनियाह राजा सुलैमान से डर गया है और वेदी के सींगों को पकड़े हुए है, यह कहते हुए कि सुलैमान आज मुझसे शपथ ले कि वह अपने दास को तलवार से नहीं मारेगा। और सुलैमान ने कहा, यदि वह शक्ति का पुत्र बन जाए, तो उसके बालों में से एक भी भूमि पर नहीं गिरेगा, और यदि उसमें दुष्टता पाई जाए, तो वह मार डाला जाएगा। और राजा सुलैमान ने भेजा, और वे उसे वेदी के ऊपर से नीचे लाए, और वह प्रवेश किया, और राजा सुलैमान को प्रणाम किया, और सुलैमान ने उससे कहा, अपने घर जाओ।

2

और दाऊद के मरने के दिन पास आए, और उसने अपने पुत्र सुलैमान को उत्तर दिया, कहते हुए, मैं सारी पृथ्वी के रास्ते में जा रहा हूँ, और तुम मजबूत होगे, और तुम एक पुरुष बनोगे। और तू अपने प्रभु परमेश्वर की रखवाली करेगा, उसके मार्गों में चलने के लिए, उसकी आज्ञाओं और विधियों और न्यायों को मानने के लिए जो मूसा की व्यवस्था में लिखे हुए हैं, ताकि तू समझे कि तुझे क्या करना है, उन सब बातों के अनुसार जो मैं तुझे आज्ञा दूँ। ताकि प्रभु अपना वचन स्थापित करे जो उसने बोला था, यह कहते हुए कि यदि तुम्हारे पुत्र अपने मार्ग की रक्षा करें और मेरे सामने सच्चाई में, अपने पूरे हृदय से चलें, तो तुम्हारे लिए इस्राएल के सिंहासन पर से कोई पुरुष नष्ट नहीं किया जाएगा। और वास्तव में तुम जानते थे कि योआब, सरूयाह के पुत्र ने मुझे क्या किया, उसने इस्राएल की सेनाओं के दो शासकों के साथ क्या किया—नेर के पुत्र अबनेर के साथ और येतेर के पुत्र अमासा के साथ—और उसने उन्हें मार डाला, और युद्ध का रक्त शांति में बहाया, और निर्दोष रक्त अपनी कमर की पेटी पर और अपने पैर के जूते पर लगाया। और तू अपनी बुद्धि के अनुसार करना, और तू उसके सफेद बालों को शांति से अधोलोक में ले जाना।

और गिलादी बरजिल्लै के पुत्रों पर तुम दया करोगे, और वे तुम्हारी मेज पर खाने वालों में होंगे, क्योंकि इस प्रकार वे मुझे पास आए थे जब मैं तुम्हारे भाई अबशालोम के चेहरे से भाग रहा था। और देखो, तुम्हारे साथ शिमी है, जो गेरा का पुत्र है, बिन्यामीन का पुत्र, बहूरीम से, और उसने मुझे दुखदायी शाप दिया उस दिन जब मैं शिविरों को जा रहा था, और वह यर्दन में मुझसे मिलने नीचे आया, और मैंने प्रभु की शपथ खाकर उससे कहा, मैं तुम्हें तलवार से नहीं मारूँगा। और तुम उसे निर्दोष नहीं ठहराओगे, क्योंकि तुम बुद्धिमान पुरुष हो, और तुम जानोगे कि तुम उसके साथ क्या करोगे, और तुम उसके सफेद बालों को रक्त में अधोलोक में ले जाओगे।

और दाऊद अपने पिताओं के साथ सो गया, और दाऊद के नगर में दफनाया गया। और वे दिन जो दाऊद ने इस्राएल पर राज किया, चालीस वर्ष थे। हेब्रोन में उसने सात वर्ष राज किया, और यरूशलेम में तैंतीस वर्ष।

और सुलैमान अपने पिता दाऊद के सिंहासन पर बैठा, और उसका राज्य बहुत सुदृढ़ हुआ। और हग्गीत का पुत्र अदोनियाह, सुलैमान की माता बतशेबा के पास आया, और उसे प्रणाम किया। वह बोली, क्या तुम्हारा आना शांतिपूर्ण है? और उसने कहा, शांतिपूर्ण है। मेरे पास तुम्हारे लिए एक बात है। और उसने उससे कहा, बोलो। और उसने यह कहा, तुम जानती हो कि राज्य मेरा था, और सारे इस्राएल ने अपना चेहरा मुझ पर राजा के रूप में रखा था, और राज्य मुड़ गया, और मेरे भाई का हो गया, क्योंकि प्रभु से यह उसे मिला। और अब मैं तुमसे एक निवेदन मांगता हूँ, अपना चेहरा मत फेरो, और बतशेबा ने उससे कहा, बोलो। और उसने उससे कहा, वास्तव में राजा सुलैमान से कहो कि वह तुम्हारा मुंह नहीं फेरेगा, और मुझे अबीशग शूनेमी को पत्नी के रूप में देगा। और बेरशेबा ने कहा, अच्छा, मैं राजा से तुम्हारे विषय में बात करूँगी।

और बतशेबा राजा सुलैमान के पास अदोनियाह के विषय में बात करने आई, और राजा उससे मिलने के लिए उठा, और उसे चूमा, और अपने सिंहासन पर बैठा, और राजा की माता के लिए सिंहासन रखा गया, और वह उसके दाहिनी ओर बैठी। और उसने उससे कहा, मैं तुमसे एक छोटा

सा निवेदन मांगता हूं, मेरा मुंह मत फेरो। और राजा ने उससे कहा, मांगो, मेरी माता, और मैं तुम्हें नहीं फेरूंगा। और उसने कहा, अबीशग शूनेमी को तुम्हारे भाई अदोनियाह को पत्नी के रूप में दे दिया जाए। राजा सुलैमान ने उत्तर दिया और अपनी माता से कहा, तुमने अदोनियाह के लिए अबीशग क्यों मांगी? उसके लिए राज्य भी मांग लो, क्योंकि वह मेरा बड़ा भाई है, और उसके साथ अब्यातार याजक है, और उसके साथ सरूयाह का पुत्र योआब सेनापति साथी है। और राजा सुलैमान ने प्रभु की शपथ खाई, कहते हुए, परमेश्वर मुझे यह करे और यह भी जोड़े, क्योंकि अदोनियाह ने यह बात अपनी जान के विरुद्ध कही है। और अब प्रभु जीवित है जिसने मुझे तैयार किया और मुझे मेरे पिता दाऊद के सिंहासन पर बैठाया, और उसने मेरे लिए घर बनाया जैसा प्रभु ने कहा था, कि आज अदोनियाह को मार डाला जाएगा। और राजा सुलैमान ने बनायाह को, जो यहोयादा का पुत्र था, भेजा, और उसने उसे मार डाला, और अदोनियाह उसी दिन मर गया।

और राजा ने याजक अबियाथार से कहा, तू अनाथोथ में अपने खेत को भाग जा, क्योंकि तू इस दिन मृत्यु के योग्य आदमी है, और मैं तुझे मार नहीं डालूंगा, क्योंकि तूने मेरे पिता के सामने प्रभु की वाचा का सन्दूक उठाया था, और क्योंकि तूने उन सब में कष्ट सहा जिनमें मेरे पिता ने कष्ट सहा। और सुलैमान ने अबियातार को निकाल दिया ताकि वह प्रभु का याजक न रहे, जिससे प्रभु का वह वचन पूरा हो जो उसने एली के घराने के विषय में शीलोह में बोला था।

और यह समाचार योआब पुत्र सरूयाह तक पहुँचा कि योआब ने अदोनियाह का अनुसरण किया था, और सुलैमान का अनुसरण नहीं किया था, और योआब प्रभु के तम्बू में भाग गया, और वेदी के सींगों को पकड़ लिया। और सुलैमान को यह सूचना दी गई कि योआब प्रभु के तंबू में भाग गया है, और देखो, वह वेदी के सींगों को पकड़े हुए है। राजा सुलैमान ने योआब के पास संदेश भेजा, तुझे क्या हुआ है कि तू वेदी में भाग गया है? योआब ने कहा, मैं तेरे मुख से डर गया था, और प्रभु की ओर भाग गया। तब सुलैमान ने यहोयादा के पुत्र बनायाह को भेजा और कहा, जा और उसे मार डाल, और उसे दफना दे।

और बनायाह, जो यहोयादा का पुत्र था, प्रभु के तम्बू में योआब के पास आया, और उससे कहा, राजा यह कहता है: बाहर निकल जा। और योआब ने कहा, नहीं, मैं बाहर नहीं जाऊंगा, क्योंकि मैं यहीं मरूंगा। और बनायाह, जो यहोयादा का पुत्र था, लौटा और राजा से कहा, योआब ने यह कहा है, और उसने मुझे यह उत्तर दिया है। और राजा ने उससे कहा, जाओ, और उसके साथ वैसा ही करो जैसा उसने कहा है, और उसे मार डालो, और उसे दफनाओगे, और आज उस खून को हटाओगे जो उसने व्यर्थ में बहाया, मुझसे और मेरे पिता के घर से। और प्रभु ने उसके अन्याय का रक्त उसके सिर पर लौटाया, जैसा उसने दो मनुष्यों से मुलाकात की जो न्यायी और उससे अच्छे थे, और उन्हें तलवार से मार डाला, और मेरे पिता दाऊद उनके रक्त को नहीं जानते थे, अबनेर को जो नेर का पुत्र और इस्राएल का सेनापति था, और अमासा को जो येतेर का पुत्र और यहूदा का सेनापति था। और उनका खून उसके सिर पर लौटा दिया गया और उसके वंश के सिर पर युग तक, और दाऊद को और उसके वंश को और उसके घर को और उसके सिंहासन को प्रभु से युग तक शांति हो। और बनायाह, जो यहोयादा का पुत्र था, ऊपर गया और उससे मिला, और उसे मार डाला, और उसे उसके घर में जंगल में दफनाया।

और राजा ने बनायाह को, जो यहोयादा का पुत्र था, उसके स्थान पर सेनापति पद पर नियुक्त किया, और राज्य यरूशलेम में स्थापित हुआ, और राजा ने सादोक याजक को अबियातार के स्थान पर प्रथम याजक पद पर नियुक्त किया। और सुलैमान, जो दाऊद का पुत्र था, ने यरूशलेम में इस्राएल और यहूदा पर राज्य किया,

और राजा ने शिमी को बुलाया और उससे कहा, अपने लिए यरूशलेम में एक घर बनाओ और वहाँ रहो, और वहाँ से कहीं भी बाहर मत जाना। और ऐसा होगा कि जिस दिन तुम प्रस्थान करोगे और किद्रोन नाला पार करोगे, यह जानते हुए जान लो कि तुम निश्चित रूप से मर जाओगे, तुम्हारा रक्त तुम्हारे ही सिर पर होगा, और राजा ने उस दिन उसे शपथ दिलाई। और शिमी ने राजा से कहा, अच्छा है वह वचन जो आपने बोला, मेरे स्वामी राजा, इस प्रकार आपका दास करेगा, और शिमी यरूशलेम में तीन वर्ष रहा।

और तीन वर्ष के बाद ऐसा हुआ कि शिमी के दो दास गत के राजा माका के पुत्र अकीश के पास भाग गए, और शिमी को यह कहते हुए सूचित किया गया, देखो, तुम्हारे दास गत में हैं। और शिमी उठा और उसने अपने गधे पर काठी कसी, और वह अपने दासों को खोजने के लिए गत में आकीश के पास गया, और शिमी गया और अपने दासों को गत से ले आया। और सुलैमान को यह सूचना दी गई कि शिमी यरूशलेम से गत गया था और अपने दासों को वापस ले आया था। और राजा ने भेजा और शिमी को बुलाया, और उससे कहा, क्या मैंने तुम्हें प्रभु के नाम पर शपथ नहीं दिलाई थी, और तुम्हें गवाही देते हुए कहा था, जिस दिन भी तुम यरूशलेम से निकलकर दाएं या बाएं जाओगे, तो निश्चित रूप से जान लोगे कि तुम मृत्यु से मरोगे? और क्यों तूने प्रभु की शपथ और वह आज्ञा जो मैंने तुझे दी थी, नहीं रखी?

और राजा ने शिमी से कहा, तू अपनी सारी दुष्टता को जानता है जिसे तेरा हृदय जानता है, जो तूने मेरे पिता दाऊद के साथ किया, और प्रभु ने तेरी दुष्टता का प्रतिफल तेरे सिर पर दिया है। और राजा सुलैमान धन्य है, और दाऊद का सिंहासन प्रभु के सामने सदा के लिए तैयार रहेगा।

और राजा सुलैमान ने यहोयादा के पुत्र बनायाह को आज्ञा दी, और वह बाहर गया और उसने उसे मार डाला।

3

सिवाय इसके कि लोग ऊँचे स्थानों पर धूप जला रहे थे, क्योंकि प्रभु के लिए भवन अब तक नहीं बनाया गया था। और सुलैमान ने प्रभु से प्रेम किया और अपने पिता दाऊद की आज्ञाओं में चला, सिवाय इसके कि उसने ऊँचे स्थानों पर बलिदान किया और धूप जलाया। और वह उठा और

गिबोन में बलिदान करने गया, क्योंकि यह सर्वोच्च और महान था। सुलैमान ने गिबोन में वेदी पर एक हजार होमबलि चढ़ाई।

और प्रभु सुलैमान को रात में नींद में प्रकट हुए, और प्रभु ने सुलैमान से कहा, अपने लिए कुछ मांग लो। और सुलैमान ने कहा, तूने अपने दास दाऊद, जो मेरे पिता थे, के साथ महान दया की, जैसे वह तेरे सामने सच्चाई में और धार्मिकता में, और तेरे साथ हृदय की सीधार्ई में चला, और तूने उसके लिए यह महान दया रखी, कि उसके पुत्र को उसके सिंहासन पर बैठाया, जैसा आज का दिन है। और अब, हे प्रभु मेरे परमेश्वर, तूने अपने दास को मेरे पिता दाऊद की जगह दिया है, और मैं एक छोटा बालक हूँ, और मैं अपना निकास और अपना प्रवेश नहीं जानता। और आपका दास आपके उन लोगों के बीच में है, जिन्हें आपने चुना है, जो बहुत अधिक हैं और जिन्हें गिना नहीं जा सकता। और आप अपने दास को सुनने का हृदय देंगे और अपने लोगों का धार्मिकता से न्याय करने के लिए, और अच्छे और बुरे के बीच समझने के लिए, क्योंकि आपके इस भारी लोगों का न्याय कौन कर सकेगा?

और यह प्रभु के सामने प्रसन्न हुआ, क्योंकि सुलैमान ने यह वचन माँगा। और प्रभु ने उससे कहा, इसके बदले कि तूने मुझसे यह वचन माँगा, और तूने अपने लिए बहुत दिन नहीं माँगे, और तूने धन नहीं माँगा, न ही तूने अपने शत्रुओं के प्राण माँगे, लेकिन तूने अपने लिए न्याय सुनने की समझ माँगी, देखो, मैंने तेरे वचन के अनुसार किया है। देखो, मैंने तुझे विवेकी और बुद्धिमान हृदय दिया है, जैसा तेरे पहले नहीं हुआ है, और तेरे बाद भी तेरे समान कोई नहीं उठेगा। और जो तुमने नहीं माँगा, वह भी मैंने तुम्हें दिया है, और धन और महिमा भी, जैसा कि राजाओं में तुम्हारे समान कोई पुरुष नहीं हुआ है। और यदि तू मेरे मार्ग में चलेगा, मेरी आज्ञाओं और मेरे आदेशों को मानते हुए, जैसे तेरा पिता दाऊद चला, तो मैं तेरे दिनों को बढ़ाऊँगा। और सुलैमान जागा, और देखो, एक स्वप्न था, और वह उठा और यरूशलेम आया, और वह सिय्योन में प्रभु की वाचा के सन्दूक के सामने वेदी के सामने खड़ा हुआ, और उसने होमबलि चढ़ाए, और शांति बलि किए, और अपने लिए और अपने सब सेवकों के लिए एक महान भोज किया।

तब दो वेश्याएँ राजा को दिखाई दीं, और वे उसके सामने खड़ी हुईं। और एक स्त्री ने कहा, मेरे स्वामी, मैं और यह स्त्री एक घर में रहती थीं, और हमने उस घर में बच्चों को जन्म दिया। और ऐसा हुआ कि मेरे प्रसव के तीसरे दिन, इस स्त्री ने भी प्रसव किया, और हम साथ थे, और घर में हम दोनों के सिवाय हमारे साथ कोई नहीं था। और इस स्त्री का पुत्र उस रात मर गया, जब वह उस पर सोई। और वह आधी रात को उठी, और मेरे पुत्र को मेरी बाहों से लिया, और उसे अपनी गोद में लिटाया, और अपने मरे हुए पुत्र को मेरी गोद में लिटाया। और मैं सुबह अपने पुत्र को दूध पिलाने के लिए उठी, और वह मरा हुआ था, और देखो, मैंने सुबह उसे ध्यान से देखा, और देखो, वह मेरा पुत्र नहीं था जिसे मैंने जन्म दिया था। और दूसरी स्त्री ने कहा, नहीं, लेकिन जीवित पुत्र मेरा है, और मृत पुत्र तेरा है, और वे राजा के सामने बोलीं।

और राजा ने उनसे कहा, तू कहती है, यह मेरा पुत्र जीवित है, और इसका पुत्र मृत है, और तू कहती है, नहीं, बल्कि मेरा पुत्र जीवित है, और तेरा पुत्र मृत है। और राजा ने कहा, तलवार लाओ, और वे तलवार राजा के सामने लाए। और राजा ने कहा, जीवित दूध पीते बच्चे को दो भागों में विभाजित करो, और इसका आधा इसे दो, और इसका आधा इसे दो। और उस स्त्री ने उत्तर दिया जिसका पुत्र जीवित था, और राजा से कहा कि उसका हृदय अपने पुत्र के लिए व्याकुल हो गया, और उसने कहा, हे स्वामी, इसे वह बच्चा दे दें, और इसे मृत्यु से मत मारें, और दूसरी ने कहा, न मुझे मिले, न इसे मिले, बाँट दो। और राजा ने उत्तर दिया और कहा, बच्चे को उस स्त्री को दे दो जिसने कहा था, उसे यह दे दो, और इसे मृत्यु से मत मारो, यह इसकी माता है। और समस्त इस्राएल ने यह न्याय सुना जो राजा ने किया था, और वे राजा के सामने से डर गए, क्योंकि उन्होंने देखा कि परमेश्वर की बुद्धि उसमें थी कि वह न्याय करे।

4

और राजा सुलैमान इज़राइल पर राज्य कर रहा था। और ये शासक थे जो उसके पास थे,

अजरियाह जो सादोक का पुत्र था, एलियाब और अहिया, जो शेबा के पुत्र थे, लेखक थे, और यहोशाफात, जो अहिलूद का पुत्र था, अभिलेख रखनेवाला था। और बनायाह, यहोयादा का पुत्र, सेना के ऊपर था, और सादोक और अबियातार पुजारी थे, और ओर्निया, नाथान का पुत्र, नियुक्त लोगों के ऊपर था, और ज़बूथ, नाथान का पुत्र, राजा का साथी था। और अखीसार भंडारी था, और एलियाक भंडारी था, और एलियाब जो साफ का पुत्र था परिवारों के ऊपर था, और अदोनीराम जो औदोन का पुत्र था करों के ऊपर था।

और सुलैमान के लिए बारह अधिकारी सब इस्राएल पर नियुक्त किए गए थे, राजा और उसके घराने को प्रदान करने के लिए। वर्ष में एक महीना प्रत्येक एक पर प्रदान करने का दायित्व था। और ये उनके नाम हैं। बीन, होर का पुत्र, एफ्राइम के पहाड़ में एक। दकार का पुत्र माकेस में, और सालाबिन में, और बेथशेमेश, और बेथानान तक लिया हुआ एक। पुत्र अरबोथ में था, उसका सोको और ओफेर की सारी भूमि। अमीनादाब के पुत्र की सब नेफ्थादोर, सुलैमान की पुत्री तेफथ उसकी पत्नी थी, एक। बाना, अखिलूथ का पुत्र, इथानख और मगिदो का, और सान का सारा घर जो सेसाथान के पास एसाए के नीचे है, और बेथसान से साबेलमाउला तक, माएबेर लूकाम तक। नाबेर का पुत्र रब्बोथ गिलाद में था, इसके पास बाशान में एर्गाब की नापी हुई भूमि थी, साठ बड़े दीवारों वाले नगर और कांसे की छड़ें। अखिनदाब, सद्दो का पुत्र, माहनाइम। अहीमाज़ नफ़्ताली में था, और उसने सुलैमान की बेटी बासमत को पत्नी के रूप में लिया, एक। बाना, खुशै का पुत्र, आशेर में और बालोत में, एक। शिमेई, एलाह का पुत्र, बिन्यामीन में। गेबेर, अदाई का पुत्र, गाद की भूमि में, हेशबोन के राजा सीहोन और बाशान के राजा ओग की भूमि में, और नासेफ एक यहूदा की भूमि में था। यहोशाफात, फौआसूद का पुत्र, इस्साकार में था।

5

और नियुक्त अधिकारी इस प्रकार राजा सुलैमान को प्रदान करते थे, और राजा की मेज़ के लिए

सभी प्रावधान, प्रत्येक अपने महीने में, वे शब्द से विचलित नहीं होते थे। और घोड़ों और रथों के लिए जौ और भूसा उस स्थान पर ले जाते थे जहाँ राजा होता था, प्रत्येक अपनी व्यवस्था के अनुसार।

और ये चीजें सुलैमान के लिए एक दिन में आवश्यक थीं: तीस कोर मैदा, और साठ कोर पिसा हुआ आटा, और दस चुने हुए बछड़े, और बीस चरागाह में पाली गई गायें, और सौ भेड़ें, इनके अलावा हिरण और चुने हुए मोटे किए हुए गज़ेल। क्योंकि वह नदी के पार शासक था, और उसे चारों ओर सभी भागों से शांति थी।

और प्रभु ने सुलैमान को बुद्धि और अत्यधिक ज्ञान दिया, और हृदय की विशालता दी, जैसे समुद्र के किनारे की रेत। और सुलैमान की बुद्धि सभी प्राचीन मनुष्यों की बुद्धि से बहुत अधिक बढ़ गई, और मिस्र के सभी बुद्धिमानों से भी अधिक। और वह सब लोगों से अधिक बुद्धिमान था, और वह गैथान जारीत से, ऐनान से, खलकाद से और दारला से, जो माल के पुत्र थे, अधिक बुद्धिमान था। और सुलैमान ने तीन हजार दृष्टांत बोले, और उसके गीत पाँच हजार थे। और उसने लबानोन के देवदार से लेकर दीवार में उगने वाले जूफा तक के पेड़ों के विषय में बोला, और उसने पशुओं के विषय में, पक्षियों के विषय में, रेंगने वाले जीवों के विषय में और मछलियों के विषय में बोला।

और सब लोग सुलैमान का ज्ञान सुनने आते थे, और पृथ्वी के सब राजाओं में से भी, जितने उसके ज्ञान के बारे में सुनते थे।

और सूर के राजा हीराम ने अपने सेवकों को भेजा सुलैमान का अभिषेक करने के लिए उसके पिता दाऊद के स्थान पर, क्योंकि हीराम सब दिनों दाऊद से प्रेम करता था। और सुलैमान ने हीराम के पास भेजा और कहा, तुम मेरे पिता दाऊद को जानते हो कि वह मेरे प्रभु परमेश्वर के नाम के लिए भवन बनाने में सक्षम नहीं था, उन युद्धों के कारण जो उसे चारों ओर से घेरे हुए थे, जब तक प्रभु ने उन्हें उसके पैरों तले नहीं कर दिया। और अब प्रभु मेरे परमेश्वर ने मुझे चारों ओर

से विश्राम दिया है, कोई षड्यंत्रकारी नहीं है और कोई बुरा पाप नहीं है। और देखो, मैं अपने प्रभु परमेश्वर के नाम के लिए एक घर बनाने की बात कहता हूँ, जैसा कि प्रभु परमेश्वर ने मेरे पिता दाऊद से कहा था, तुम्हारा पुत्र जिसे मैं तुम्हारे स्थान पर तुम्हारे सिंहासन पर बैठाऊँगा, वही मेरे नाम के लिए घर बनाएगा। और अब आदेश दो, और वे मेरे लिए लेबनान से लकड़ी काटें, और देखो, मेरे दास तुम्हारे दासों के साथ होंगे, और तुम्हारे दासों की मजदूरी मैं तुम्हें उस सब के अनुसार दूँगा जो तुम कहोगे, क्योंकि तुम जानते हो कि हममें से कोई भी सीदोनियों की तरह लकड़ी काटना नहीं जानता।

और ऐसा हुआ कि जब हीराम ने सुलैमान के वचन सुने, तो वह अत्यधिक प्रसन्न हुआ, और उसने कहा, आज परमेश्वर धन्य है, जिसने दाऊद को एक बुद्धिमान पुत्र दिया है इस विशाल प्रजा पर। और उसने सुलैमान के पास संदेश भेजा, मैंने वह सब सुना है जो तुमने मुझे भेजा है। मैं तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूँगा - देवदार और चीड़ की लकड़ी। मेरे दास उन्हें लेबनान से समुद्र में ले आएंगे, मैं उन्हें बेड़े बना दूँगा उस स्थान तक जहाँ तुम मुझे संदेश भेजोगे, और मैं उन्हें वहाँ उतार दूँगा, और तुम उन्हें उठाओगे, और तुम मेरी इच्छा पूरी करोगे, मेरे घराने को रोटियाँ देने के लिए।

और हीराम सुलैमान को देवदार और चीड़ के पेड़ तथा उसकी सब इच्छा के अनुसार देता था। और सुलैमान ने हीराम को बीस हजार कोर गेहूँ और उसके घर के लिए भोजन, और बीस हजार बैथ दबाया हुआ तेल दिया; इस प्रकार सुलैमान हीराम को प्रति वर्ष देता था। और प्रभु ने सुलैमान को बुद्धि दी जैसा उसने उससे कहा था, और हीराम और सुलैमान के बीच शांति थी, और उन्होंने आपस में वाचा बाँधी।

और राजा ने समस्त इस्राएल से कर चढ़ाया, और वह कर तीस हजार पुरुषों का था। और उसने उन्हें लबानोन को भेजा, दस हजार प्रति महीने बारी-बारी से; एक महीना वे लबानोन में रहते थे, और दो महीने अपने घर में, और अदोनीराम कर का अधिकारी था। सुलैमान के पास सत्तर हजार बोझा ढोने वाले और अस्सी हजार पहाड़ में पत्थर काटने वाले थे। सुलैमान के कार्यों पर नियुक्त

अधिकारियों के अतिरिक्त, तीन हजार छह सौ निरीक्षक थे जो कार्य करवाते थे। और उन्होंने तीन वर्ष तक पत्थरों और लकड़ी को तैयार किया।

6

और यह हुआ कि इस्राएल के पुत्रों के मिस्र से प्रस्थान के चार सौ चालीसवें वर्ष में, राजा सुलैमान के इस्राएल पर राज्य करने के चौथे वर्ष के दूसरे महीने में, और वह घर जो राजा ने प्रभु के लिए बनाया था, उसकी लंबाई चालीस हाथ थी, और उसकी चौड़ाई बीस हाथ थी, और उसकी ऊँचाई पच्चीस हाथ थी। और वह बरामदा मंदिर के सामने था, बीस हाथ लंबाई में घर की चौड़ाई के अनुसार, घर के सामने, और उसने घर को बनाया और उसे पूरा किया। और उसने घर के लिए झाँकती हुई छिपी खिड़कियाँ बनाई।

और उसने घर की दीवार पर चारों ओर मंदिर और दबीर के लिए शहतीर दिए। नीचे की तरफ की चौड़ाई पांच हाथ थी, और बीच वाली की छह हाथ, और तीसरी की चौड़ाई सात हाथ थी, क्योंकि उसने घर के चारों ओर बाहर से अंतराल दिया था, ताकि वे घर की दीवारों को न छुएं। और जब घर का निर्माण हो रहा था, तो वह तराशे हुए किन्तु अधूरे पत्थरों से बनाया गया, और हथौड़ा और कुल्हाड़ी और लोहे का कोई भी औज़ार घर में निर्माण के दौरान सुनाई नहीं दिया। और निचली मंजिल का द्वार घर के दाहिने कंधे के नीचे था, और घुमावदार सीढ़ी मध्य मंजिल में जाती थी, और मध्य मंजिल से तीसरी मंजिल पर। और उसने घर बनाया और उसे पूरा किया, और घर को देवदार की लकड़ी से सजाया। और उसने पूरे घर में बंधनों को बनाया, जिनकी ऊँचाई पाँच हाथ थी, और देवदार की लकड़ियों से बंधन को जोड़ा।

और उसने घर की दीवारों को अंदर से देवदार की लकड़ियों से बनाया, घर की जमीन से लेकर दीवारों तक और शहतीरों तक, उसने जुड़ी हुई लकड़ियों से अंदर से पैनल लगाए, और घर के

अंदरूनी भाग को चीड़ की लकड़ी के तख्तों से ढका। और उसने दीवार के एक किनारे के शीर्ष से बीस हाथ भूमि से शहतीरों तक बनाया, और उसने दबीर से परम पवित्र स्थान बनाया। और मंदिर चालीस हाथ का था, जो घर के भीतर दबीर के सामने था। प्रभु की वाचा के सन्दूक को वहाँ रखने के लिए। बीस हाथ लंबाई, और बीस हाथ चौड़ाई, और बीस हाथ ऊंचाई उसकी। और उसे शुद्ध सोने से मढ़ा, और वेदी बनाई। दबीर के सामने, और इसे सोने से मढ़ा। और उसने पूरे घर को सोने से ढक दिया, जब तक कि पूरा घर पूर्ण नहीं हो गया।

और उसने उस दबीर में दो करूब बनाए जो दस हाथ के मापे हुए आकार के थे, और एक करूब के पंख की लंबाई पाँच हाथ थी, और उसके दूसरे पंख की लंबाई पाँच हाथ थी, उसके एक पंख के सिरे से दूसरे पंख के सिरे तक दस हाथ था। इस प्रकार दूसरे करूब के लिए भी एक ही माप और एक ही समाप्ति दोनों के लिए थी। और एक करूब की ऊंचाई दस हाथ थी, और दूसरे करूब की भी ऐसी ही थी। और दोनों करूब अंतरतम घर के मध्य में थे, और उसने उनके पंख फैलाए, और एक पंख दीवार को छूता था, और दूसरे करूब का पंख दूसरी दीवार को छूता था, और उनके पंख घर के मध्य में एक दूसरे के पंख को छूते थे। और करूबों को सोने से मढ़ा गया।

घर की सभी दीवारों पर चारों ओर सिंदूर से करूबों और खजूर के पेड़ों की उकेरी हुई आकृतियाँ बनाई गईं, भीतरी और बाहरी दोनों पर। और घर की भूमि को भीतरी और बाहरी भाग में सोने से मढ़ा गया था।

और दबीर के द्वार के लिए उसने देवदार की लकड़ी के दरवाजे बनाए, चौगुने स्तंभों के साथ। दोनों दरवाजों में देवदार की लकड़ी थी, एक दरवाजे में दो पल्ले थे और उनके कब्जे थे, और दूसरे दरवाजे में भी दो पल्ले थे जो घूमते थे, और करूब खुदे हुए थे। और खजूर के पेड़, और फैली हुई पत्तियाँ, और सोने से ढकी हुई जो उभार पर चढ़ाया गया था। और उसने सबसे भीतरी आंगन बनाया, तीन पंक्तियाँ बिना तराशे पत्थरों की, और एक पंक्ति काम किए हुए देवदार की चारों ओर।

और राजा सुलैमान ने भेजवाया, और हीराम को सोर से बुलवाया। एक विधवा स्त्री का पुत्र, और यह नप्ताली की जनजाति से था, और उसका पिता एक सूरी पुरुष था, कांसे का कारीगर, और कला, समझ और ज्ञान से भरा हुआ था ताकि कांसे में हर काम कर सके, और राजा सुलैमान के पास लाया गया, और उसने सब काम किए।

और उसने घर के पोर्च के लिए दो स्तंभ ढाले, स्तंभ की ऊंचाई अठारह हाथ थी, और उसकी परिधि चौदह हाथ थी, स्तंभ की मोटाई चार उंगलियों की थी, खोखलापन था, और इस प्रकार दूसरा स्तंभ भी था। और उसने दो शीर्षक बनाए जो स्तंभों के सिरो पर लगाने के लिए ढाले गए थे, एक शीर्षक की ऊँचाई पाँच हाथ थी, और दूसरे शीर्षक की ऊँचाई पाँच हाथ थी और उसने स्तंभों के आवरण को ढकने के लिए दो जाल बनाए, और एक आवरण के लिए जाल, और दूसरे आवरण के लिए जाल। और लटकता हुआ काम था, कांस्य के अनारों की दो पंक्तियाँ, जालीदार, लटकता हुआ काम, पंक्ति के ऊपर पंक्ति, और इस प्रकार उसने दूसरे शिरोभाग के लिए बनाया। और उसने मंदिर के द्वार के स्तंभों को स्थापित किया, और उसने एक स्तंभ को स्थापित किया, और उसका नाम याखूम रखा, और उसने दूसरे स्तंभ को स्थापित किया, और उसका नाम बोलोज़ रखा। और स्तंभों के सिरो पर बरामदे के अनुसार चार हाथ की कुमुदिनी का काम था, और छत का शहतीर दोनों स्तंभों के ऊपर था, और पक्षों के ऊपर छत के शहतीर का आवरण मोटाई के अनुसार था।

और उसने समुद्र बनाया, जो उसके एक किनारे से दूसरे किनारे तक दस हाथ था, चारों ओर से गोल था, उसकी ऊँचाई पाँच हाथ थी, और उसकी परिधि तैंतीस हाथ थी। और उसके किनारे के नीचे से चारों ओर सहारे थे जो उसे घेरे हुए थे, एक हाथ में दस, चारों ओर। और इसका किनारा प्याले के किनारे के काम जैसा था, कुमुदिनी का अंकुर, और इसकी मोटाई एक बालिशत थी।

और समुद्र के नीचे बारह बैल थे, तीन उत्तर की ओर मुख किए हुए, और तीन समुद्र की ओर मुख किए हुए, और तीन दक्षिण की ओर मुख किए हुए, और तीन पूर्व की ओर मुख किए हुए, और सभी पिछले भाग घर की ओर थे, और समुद्र उनके ऊपर था।

और उसने दस कांस्य आधार बनाए, एक आधार की लंबाई पाँच हाथ, और उसकी चौड़ाई चार हाथ, और उसकी ऊँचाई छह हाथ। और यह आधारों का काम था जो उनमें बंद था, और उभरे हुए भागों के बीच में बंद था। और उनके बाड़ों पर, उभरे हुए भागों के बीच, शेर और बैल और करूब थे, और उभरे हुए भागों पर भी इसी प्रकार ऊपर से, और शेरों तथा बैलों के नीचे भूमियाँ थीं, जो उतरने का काम थीं। और एक आधार में चार कांस्य के पहिये थे, और कांस्य के सहायक भाग थे, और उनके चार भाग थे, और बेसिनों के नीचे कंधे थे। और पहियों में आधारों के भीतर हाथ थे। और एक पहिये की ऊँचाई डेढ़ हाथ थी। और पहियों का काम रथ के पहियों का काम था, उनके हाथ और उनकी पीठें और उनका काम सब ढाले हुए थे। एक आधार के चार कोनों पर चार कंधे थे, आधार से ही उसके कंधे थे। और आधार के सिर पर आधा हाथ का आकार था, जो गोल था, आधार के सिर पर चारों ओर, और उसके हाथों का आरंभ और उसके पैल, और वे उसके हाथों के आरंभों पर खोले गए थे। और उसके पैलों पर करूब, शेर और खजूर के पेड़ खड़े थे, प्रत्येक अपने सामने के अनुसार अंदर और चारों ओर। इसके अनुसार उसने सभी दस आधारों को बनाया, एक ही क्रम और एक ही माप सभी में। और उसने काँसे की दस हौदियाँ बनाई, एक हौदी चालीस बत धारण करती थी और चार हाथ की माप की थी, एक हौदी एक आधार पर दस आधारों में से थी। और उसने घर के दाहिने कंधे से पाँच आधार रखे, और घर के बाएँ कंधे से पाँच, और समुद्र घर के दाहिने कंधे से पूर्व की ओर दक्षिण के पक्ष से रखा।

और हीराम ने हंडे और भट्टियाँ और कटोरे बनाए, और हीराम ने वे सब कार्य पूरे किए जो उसने राजा सुलैमान के लिए प्रभु के भवन में किए। दो स्तंभ, और स्तंभों के सिरों पर के दो घुमावदार भाग, और दोनों घुमावदार नक्काशियों को ढकने के लिए दो जाल जो स्तंभों पर थे। चार सौ अनार दोनों जालों के लिए थे, एक जाल के लिए अनारों की दो पंक्तियाँ थीं, ताकि दोनों स्तंभों

पर आधारों के मुड़े हुए भागों को ढका जा सके। और दस आधार, और दस हौद आधारों पर, और एक समुद्र, और बारह बैल समुद्र के नीचे, और कढ़ाइयाँ और भट्टियाँ और कटोरे और सब बर्तन, जो हीराम ने राजा सुलैमान के लिए प्रभु के घर के लिए बनाए, और राजा के घर के और प्रभु के घर के अड़तालीस स्तंभ, राजा के सब काम जो हीराम ने बनाए, पूर्णतः कांसे के थे। कांसे का वजन नहीं था जिससे ये सब काम बनाए गए थे, क्योंकि बहुत अधिक मात्रा थी; कांसे के वजन का कोई अंत नहीं था। यरदन के आस-पास के क्षेत्र में उसने उन्हें पृथ्वी की मोटी मिट्टी में ढाला, सुक्कोत और सेरेदा के बीच।

और राजा सुलैमान ने वे बर्तन लिए जो उसने प्रभु के घर में बनाए थे, सुनहरी वेदी, और वह सुनहरी मेज़ जिस पर भेंट की रोटियाँ रखी जाती थीं। और पाँच दीवत बाई ओर और पाँच दाई ओर, दबीर के सामने, सोने के, बंद किए गए, और दीपक, और बत्तियाँ, और सोने के गुलतराश। और प्रवेश द्वार, और कीलें, और कटोरे, और परात, और सुनहरे धूपदान बंद किए गए, और भवन के सबसे भीतरी पवित्र स्थान अर्थात् महापवित्र के द्वारों की चौखटें, और मंदिर के सुनहरे द्वार।

और प्रभु के भवन का वह कार्य पूर्ण हुआ जो सुलैमान ने किया था, और सुलैमान अपने पिता दाऊद की पवित्र वस्तुएं लाया, और सुलैमान की सभी पवित्र वस्तुएं—चांदी, सोना और बर्तन—प्रभु के भवन के खजाने में रख दिए।

और सुलैमान ने अपने लिए घर तेरह वर्षों में बनाया। और उसने लेबनान के वन का घर बनाया, जिसकी लंबाई सौ हाथ थी, और चौड़ाई पचास हाथ थी, और ऊंचाई तीस हाथ थी, और देवदार के स्तंभों की तीन पंक्तियाँ थीं, और स्तंभों पर देवदार की शहतीरें थीं। और उसने घर को ऊपर से स्तंभों के किनारों पर छत दी, और स्तंभों की संख्या पंक्ति में पैंतालीस थी। और तीन शहतीर, और भूमि के ऊपर भूमि तीन गुना। और सभी द्वार-चौखटें और भूमियाँ चौकोर शहतीरों वाली थीं, और द्वार-चौखट से द्वार तक तीन-गुना। और स्तंभों का बरामदा पचास हाथ लंबा और पचास हाथ चौड़ा था, उनके सामने पैनल किया हुआ बरामदा था, और उसके सामने स्तंभ और मोटाई हॉलों

की ओर थी। और सिंहासनों का पोर्च जहाँ वह वहाँ न्याय करेगा, न्यायाधिकरण का पोर्च।

और उनका घर जिसमें वह वहाँ बैठेगा, एक आँगन इनके साथ इस काम के अनुसार विस्तारित था, और फिरौन की बेटी के लिए घर जिसे सुलैमान ने लिया था, इस बरामदे के अनुसार था।

ये सब कीमती पत्थरों से बने थे जो माप के अनुसार चिपकाए गए थे, अंदर से और नींव से लेकर कंगनी तक, और बाहर से महान आँगन तक, वह जो कीमती पत्थरों में स्थापित किया गया था, बड़े पत्थरों में, दस हाथ के पत्थरों और आठ हाथ के पत्थरों में, और ऊपर माप के अनुसार कीमती अनगढ़े पत्थर थे, और देवदार की लकड़ी थी। महान आँगन के चारों ओर बिना तराशे हुए पत्थरों की तीन पंक्तियाँ और तराशे हुए देवदार की एक पंक्ति थी। और सुलैमान ने अपना संपूर्ण घर समाप्त किया।

8

और ऐसा हुआ कि जब सुलैमान ने प्रभु के घर और अपने घर का निर्माण बीस वर्षों में पूरा किया, तब राजा सुलैमान ने इस्राएल के सभी बुजुर्गों को सिय्योन में एकत्रित किया, ताकि प्रभु की वाचा के संदूक को दाऊद के नगर से लाया जाए, जो सिय्योन है। अथानीन महीने में।

और पुजारियों ने सन्दूक को उठाया और गवाही का तंबू और पवित्र बर्तन जो गवाही के तंबू में हैं। और राजा और सब इस्राएल सन्दूक के सामने अनगिनत भेड़ों और बैलों का बलिदान कर रहे थे। और पुजारी सन्दूक को उसके स्थान में, घर के भीतरी गर्भगृह में, परम पवित्र स्थान में, करूबों के पंखों के नीचे लाते हैं। क्योंकि करूब अपने पंख फैलाए हुए सन्दूक के स्थान पर थे, और करूबों ने सन्दूक को और उसकी पवित्र वस्तुओं को ऊपर से ढका हुआ था। और पवित्र वस्तुएँ उभरी हुई थीं, और पवित्र वस्तुओं के सिर पवित्र स्थान से दबीर के सामने दिखाई देते थे, और बाहर दिखाई

नहीं देते थे। संदूक में वाचा की दो पत्थर की पट्टियों के सिवाय कुछ नहीं था, जिन्हें मूसा ने होरेब में रखा था, जिन्हें प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के साथ उस समय बनाया था जब वे मिस्र की भूमि से निकल रहे थे।

और ऐसा हुआ कि जब पुजारी पवित्र स्थान से बाहर गए, तो बादल ने घर को भर दिया। और पुजारी बादल के सामने खड़े होकर सेवा करने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि प्रभु की महिमा ने घर को भर दिया था।

और राजा ने अपना चेहरा लौटाया, और राजा ने सब इस्राएल को आशीर्वाद दिया, और इस्राएल की सारी सभा खड़ी थी। और उसने कहा, धन्य है प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, जिसने आज अपने मुख से मेरे पिता दाऊद के विषय में जो कहा था, उसे अपने हाथों से पूरा किया, कहते हुए, जिस दिन से मैंने अपने लोग इस्राएल को मिस्र से बाहर निकाला, मैंने इस्राएल के किसी एक गोत्र के किसी शहर को नहीं चुना कि वहाँ घर बनाया जाए जहाँ मेरा नाम हो, और मैंने यरूशलेम को चुना कि वहाँ मेरा नाम हो, और मैंने दाऊद को चुना कि वह मेरे लोग इस्राएल पर हो। और यह मेरे पिता के हृदय पर हुआ कि प्रभु इस्राएल के परमेश्वर के नाम के लिए एक घर बनाएं। और प्रभु ने मेरे पिता दाऊद से कहा, जो तुम्हारे हृदय में आया कि मेरे नाम के लिए एक घर बनाओ, तुमने अच्छा किया क्योंकि यह तुम्हारे हृदय में आया। सिवाय तुम घर का निर्माण नहीं करोगे, लेकिन तुम्हारा पुत्र जो तुम्हारे पक्षों से निकला है, वह मेरे नाम के लिए घर का निर्माण करेगा। और प्रभु ने अपना वचन स्थापित किया जो उसने बोला था, और मैं अपने पिता दाऊद के स्थान पर उठा, और इस्राएल के सिंहासन पर बैठा, जैसा प्रभु ने कहा था, और मैंने प्रभु परमेश्वर इस्राएल के नाम के लिए घर बनाया। और मैंने वहाँ संदूक के लिए एक स्थान बनाया, जिसमें प्रभु की वह वाचा है जो प्रभु ने हमारे पितरों के साथ बाँधी थी जब उसने उनको मिस्र की भूमि से निकाला।

और सुलैमान प्रभु की वेदी के सामने इस्राएल की सारी सभा के सामने उठा, और उसने अपने हाथ आकाश की ओर फैलाए, और उसने कहा, हे प्रभु इस्राएल के परमेश्वर, ऊपर स्वर्ग में और

नीचे पृथ्वी पर तेरे समान कोई परमेश्वर नहीं है, जो अपने दास के लिए वाचा और दया को बनाए रखता है जो सम्पूर्ण हृदय से तेरे सामने चलता है। जो वचन तूने अपने दास दाऊद, मेरे पिता को दिया था, तूने अपने मुँह से बोला और अपने हाथों से पूरा किया, जैसा आज का दिन है। और अब हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, अपने दास दाऊद को, जो मेरे पिता हैं, वह वचन पूरा करो जो तूने उनसे कहा था, तेरा वंशज मेरे सामने से नहीं हटाया जाएगा जो इस्राएल के सिंहासन पर बैठा है, बशर्ते कि तेरी संतान अपने मार्गों की रक्षा करे और मेरे सामने चले, जैसे तू मेरे सामने चला है। और अब, हे प्रभु इसराएल के परमेश्वर, आपका वचन मेरे पिता दाऊद के लिए सचमुच पुष्ट हो जाए।

क्योंकि क्या सचमुच परमेश्वर मनुष्यों के साथ पृथ्वी पर निवास करेगा? यदि स्वर्ग और स्वर्गों का स्वर्ग भी तुझे पर्याप्त नहीं होंगे, तो यह घर जो मैंने तेरे नाम के लिए बनाया है कैसे पर्याप्त होगा? और हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, आप मेरी विनती पर दृष्टि करें, उस प्रार्थना को सुनें जो आपका सेवक आज आपके सामने आपसे प्रार्थना करता है, तुम्हारी आँखें इस घर की ओर दिन और रात खुली रहें, इस स्थान की ओर जिसके बारे में तुमने कहा था, मेरा नाम वहाँ होगा, ताकि उस प्रार्थना को सुना जाए जो तुम्हारा दास इस स्थान की ओर दिन और रात करता है। और तुम अपने दास की और अपनी प्रजा इस्राएल की प्रार्थना सुनोगे जो वे इस स्थान में करेंगे, और तुम अपने निवास स्थान में स्वर्ग में सुनोगे, और करोगे और कृपालु होगे।

जितने भी पाप प्रत्येक अपने पड़ोसी के विरुद्ध करेगा, और यदि उस पर शाप लेगा उसे शाप देने के लिए, और आएगा और तेरी वेदी के सामने इस घर में स्वीकार करेगा, और तू स्वर्ग से सुनेगा और करेगा, और अपने लोग इस्राएल का न्याय करेगा, दोषी को दोषी ठहराकर उसके मार्ग का फल उसके सिर पर देना, और न्यायी को न्यायी ठहराकर उसे उसके न्याय के अनुसार देना।

जब तुम्हारे लोग इस्राएल शत्रुओं के सामने लड़खड़ाएं, क्योंकि उन्होंने तुम्हारे विरुद्ध पाप किया होगा, और वे लौटें और तुम्हारे नाम को स्वीकार करें, और इस घर में प्रार्थना करें और विनती करें,

और तू स्वर्ग से सुनेगा, और तू अपने लोगों इस्राएल के पापों के प्रति कृपालु होगा, और तू उनको उस भूमि में लौटाएगा जो तूने उनके पिताओं को दी थी।

जब स्वर्ग बंद हो जाए और वर्षा न हो, क्योंकि वे तेरे विरुद्ध पाप करेंगे, और वे इस स्थान में प्रार्थना करेंगे, और तेरे नाम को अंगीकार करेंगे, और अपने पापों से लौटेंगे जब तू उन्हें नम्र करेगा, और तुम स्वर्ग से सुनोगे, और अपने दास के पापों और अपनी प्रजा इस्राएल के पापों के प्रति कृपालु होगे, क्योंकि तुम उन्हें अच्छा मार्ग दिखाओगे जिसमें चलना है, और उस भूमि पर वर्षा दोगे जो तुमने अपनी प्रजा को विरासत में दी थी।

अकाल यदि हो जाए, मृत्यु यदि हो जाए, कि दाह होगा, टिंडी, फफूंदी यदि हो जाए, और यदि उसका शत्रु उसको उसके नगरों में से किसी एक में सताए, हर घटना, हर कष्ट, हर प्रार्थना, हर विनती जो किसी भी मनुष्य द्वारा की जाए, जब प्रत्येक अपने हृदय की पीड़ा को जाने, और इस घर की ओर अपने हाथ फैलाए, और तू अपने तैयार निवास स्थान स्वर्ग से सुनेगा, और कृपालु होगा, और करेगा और प्रत्येक मनुष्य को उसके मार्गों के अनुसार देगा, जैसे तू उसके हृदय को जानता है, क्योंकि केवल तू ही सब मनुष्यों के पुत्रों के हृदय को जानता है, ताकि वे तुझसे डरें उन सब दिनों में जितने वे उस भूमि पर जीवित रहें, जो तूने हमारे पिताओं को दी थी।

और उस विदेशी को जो तुम्हारे लोगों में से नहीं है, और वे आएंगे और इस स्थान में प्रार्थना करेंगे। और तू अपने तैयार निवास स्थान से स्वर्ग से सुनेगा, और तू वह सब कुछ करेगा जो विदेशी तुझसे पुकारेगा, ताकि सब लोग तेरे नाम को जानें, और तुझसे डरें, जैसे तेरे लोग इस्राएल डरते हैं, और जानें कि इस घर पर जो मैंने बनाया है, तेरा नाम पुकारा गया है।

क्योंकि तुम्हारे लोग अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध में जाएंगे उस रास्ते पर जिस पर तुम उन्हें लौटाओगे, और वे प्रभु के नाम में प्रार्थना करेंगे उस शहर के रास्ते की ओर जिसे तुमने चुना है, और उस घर की ओर जो मैंने तुम्हारे नाम के लिए बनाया है, और तू स्वर्ग से उनकी प्रार्थना और

उनकी विनती सुनेगा, और उनके लिए न्याय करेगा।

क्योंकि वे तुम्हारे विरुद्ध पाप करेंगे, क्योंकि कोई मनुष्य नहीं है जो पाप नहीं करेगा, और तुम उन्हें लाओगे और उन्हें शत्रुओं के सामने सौंपोगे, और बंदी बनाने वाले उन्हें दूर या निकट की भूमि में बंदी बना लेंगे, और वे उस भूमि में अपने हृदय लौटाएंगे जहाँ वे बंदी बनाकर ले जाए गए थे, और वे अपने निर्वासन की भूमि में लौटें, और वे तुमसे प्रार्थना करें, कहते हुए, हमने पाप किया, हमने अन्याय किया, हमने अधर्म किया, और वे अपने संपूर्ण हृदय और अपने संपूर्ण प्राण से तुम्हारी ओर लौटें, अपने शत्रुओं की भूमि में जहाँ तुमने उन्हें ले जाया है, और वे तुम्हारी ओर प्रार्थना करें अपनी भूमि के मार्ग की ओर जो तुमने उनके पितरों को दी थी, और उस नगर की ओर जिसे तुमने चुना था, और उस घर की ओर जिसे मैंने तुम्हारे नाम के लिए बनाया है, और तू स्वर्ग से, अपने तैयार निवास स्थान से सुनेगा और तू उनके अन्याय के प्रति कृपालु होगा, जिससे उन्होंने तेरे विरुद्ध पाप किया, और उनके सभी विश्वासघात के कार्यों के अनुसार जो उन्होंने तेरे विरुद्ध किए, और तू उन्हें उनके बंदी बनाने वालों के सामने दया के पात्र बनाएगा, और वे उन पर दया करेंगे। क्योंकि वे तुम्हारे लोग और तुम्हारी विरासत हैं, जिन्हें तुमने मिस्र की भूमि से, लोहे की भट्टी के बीच से, बाहर निकाला। और आपकी आँखें और आपके कान आपके दास की प्रार्थना की ओर और आपके लोगों इस्राएल की प्रार्थना की ओर खुले रहें, उन सब बातों में उनको सुनने के लिए जिनमें वे आपको पुकारें।

क्योंकि तूने उन्हें अपने लिए पृथ्वी के सभी लोगों में से विरासत के रूप में अलग किया, जैसा तूने अपने दास मूसा के हाथ से बोला था, जब तू हमारे पिताओं को मिस्र की भूमि से बाहर ले आया, हे प्रभु, हे प्रभु।

और ऐसा हुआ कि जब सुलैमान प्रभु के सामने संपूर्ण प्रार्थना और यह विनती समाप्त कर चुके, तो वे प्रभु की वेदी के सामने से उठे, जहाँ वे अपने घुटनों पर झुके हुए थे और उनके हाथ स्वर्ग की ओर फैले हुए थे।

और वह खड़ा हुआ, और उसने इस्राएल की सारी सभा को ऊँचे स्वर में आशीर्वाद दिया, कहते हुए, धन्य है प्रभु आज, जिसने अपने लोग इस्राएल को विश्राम दिया, उस सब के अनुसार जो उसने कहा था। उसके सब भले वचनों में से जो उसने अपने दास मूसा के द्वारा कहे थे, एक भी वचन असफल नहीं हुआ। प्रभु हमारा ईश्वर हमारे साथ हो, जैसे वह हमारे पिताओं के साथ था, न वह हमें त्याग दे और न हमसे मुख फेर ले, हमारा प्रभु परमेश्वर हमारे साथ हो, जैसे वह हमारे पिताओं के साथ था, न वह हमें त्यागे और न हमसे मुँह फेरे, ताकि हमारे हृदयों को उसकी ओर झुकाए कि हम उसके सब मार्गों पर चलें, और उसकी सब आज्ञाओं और उसके आदेशों को मानें, जो उसने हमारे पिताओं को दिए थे। और ये शब्द प्रभु हमारे परमेश्वर के सामने ऐसे रहें जैसा मैंने प्रार्थना की है, दिन और रात हमारे प्रभु परमेश्वर के पास आते हुए, ताकि तेरे दास के अधिकार को और इस्राएल के लोगों के अधिकार को पूरा किया जाए, प्रतिदिन पूरे वर्ष। ताकि पृथ्वी के सब लोग जान सकें कि प्रभु ही परमेश्वर है, वही परमेश्वर है, और कोई दूसरा नहीं है। और हमारे हृदय हमारे प्रभु परमेश्वर की ओर पूर्ण हों, और धार्मिकता से उसकी आज्ञाओं में चलें, और उसके आदेशों को रखें, जैसे आज का यह दिन।

और राजा और इस्राएल के सब पुत्रों ने प्रभु के सामने बलिदान चढ़ाया। और राजा सुलैमान ने प्रभु को शांति बलिदान चढ़ाए, जो उन्होंने बलिदान किए: बाईस हजार बैल, एक लाख बीस हजार भेड़ें। और राजा और इस्राएल के सभी पुत्रों ने प्रभु के भवन को समर्पित किया। उस दिन राजा ने प्रभु के भवन के सामने आँगन के मध्य भाग को पवित्र किया, क्योंकि उसने वहाँ होमबलि, बलिदान और मेल बलिदानों की चर्बी चढ़ाई थी, क्योंकि प्रभु के सामने की काँसे की वेदी इतनी छोटी थी कि होमबलि, बलिदान और मेल बलिदानों को धारण नहीं कर सकती थी।

और सुलैमान ने उस दिन त्योहार मनाया, और सारा इस्राएल उसके साथ था, एक बड़ी सभा हमात के प्रवेश द्वार से लेकर मिस्र की नदी तक, हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने उस घर में जो उसने बनाया था, खाते-पीते और हमारे प्रभु परमेश्वर के सामने आनंद मनाते हुए सात दिन तक। और आठवें दिन उसने लोगों को विदा किया, और उन्होंने राजा को आशीर्वाद दिया, और प्रत्येक

व्यक्ति आनंदित होते हुए अपने तंबू को चला गया, और उन अच्छी चीजों के लिए जो प्रभु ने अपने दास दाऊद और अपनी प्रजा इस्राएल के लिए की थीं, उनका हृदय प्रसन्न था।

9

और ऐसा हुआ कि जब सुलैमान ने प्रभु के घर का, और राजा के घर का निर्माण समाप्त किया, और सुलैमान का सब काम जो उसने करना चाहा था, और प्रभु सुलैमान को दूसरी बार प्रकट हुए, जैसे वे गिबोन में प्रकट हुए थे।

और प्रभु ने उससे कहा, मैंने तुम्हारी प्रार्थना की आवाज़ सुनी है और तुम्हारी विनती जो तुमने मेरे सामने की है। मैंने तुम्हारी सब प्रार्थना के अनुसार तुम्हें दिया है। मैंने इस घर को जो तुमने बनाया है पवित्र किया है ताकि मेरा नाम वहाँ सदा के लिए रखूँ, और मेरी आँखें वहाँ होंगी और मेरा हृदय सब दिनों में। और यदि तू मेरे सामने वैसे चलेगा जैसे तेरा पिता दाऊद चला, हृदय की पवित्रता और सीधार्ई में, और वह सब करेगा जो मैंने उसे आज्ञा दी, और मेरे आदेशों और मेरी आज्ञाओं को मानेगा, और मैं तुम्हारे राज्य के सिंहासन को इस्राएल में सदा के लिए स्थापित करूँगा, जैसा मैंने तुम्हारे पिता दाऊद से कहा था, तुम्हारे लिए इस्राएल में शासन करने वाला पुरुष कभी नहीं मिटाया जाएगा। यदि तुम और तुम्हारे बच्चे मुझसे मुड़ जाओ, और मेरी आज्ञाओं और मेरे आदेशों को न मानो जो मूसा ने तुम्हारे सामने दिए थे, और जाकर दूसरे देवताओं की सेवा करो और उनकी आराधना करो, और मैं इस्राएल को उस पृथ्वी से हटा दूँगा जो मैंने उन्हें दी थी, और इस घर को जिसे मैंने अपने नाम के लिए पवित्र किया था, अपने सामने से फेंक दूँगा, और इस्राएल सब लोगों के बीच विनाश और उपहास का विषय बन जाएगा। और यह घर ऊँचा होगा, सब जो इसके पास से गुजरेंगे चकित होंगे और सीटी बजाएंगे, और कहेंगे, किस कारण से प्रभु ने इस भूमि और इस घर के साथ ऐसा किया?

और वे कहेंगे, इसलिए कि उन्होंने अपने प्रभु परमेश्वर को त्याग दिया, जो उनके पिताओं को मिस्र से, गुलामी के घर से निकाल लाया था, और उन्होंने पराए देवताओं को पकड़ लिया और उनकी पूजा की और उनकी सेवा की, इसी कारण प्रभु ने उन पर यह दुष्टता लाई।

बीस वर्षों में सुलैमान ने दो घर बनाए, प्रभु का घर और राजा का घर, सोर का राजा हीराम ने सुलैमान की सहायता की देवदार की लकड़ियों से, और चीड़ की लकड़ियों से, और सोने से, और सोने से, और उसकी सब इच्छा के अनुसार, तब राजा ने हीराम को गलील की भूमि में बीस शहर दिए। और हीराम सूर से बाहर गया, और गलील में उन शहरों को देखने गया जो सुलैमान ने उसे दिए थे, और वे उसे पसंद नहीं आए। और उसने कहा, ये कौन से शहर हैं जो तुमने मुझे दिए हैं, भाई? और उसने उन्हें सीमा कहा आज के दिन तक। और हीराम सुलैमान के लिए सौ बीस तालान्त सोना लाया। और उस जहाज के लिए जो राजा सुलैमान ने गासियों गेबेर में बनाया था, जो ऐलाथ के निकट, एदोम की भूमि में दूरस्थ समुद्र के तट पर स्थित था। और हीराम ने अपने सेवकों के जहाज में नाविक पुरुषों को भेजा जो समुद्र चलाना जानते थे, सुलैमान के सेवकों के साथ। और वे सोफिरा आए और वहाँ से सौ बीस तालान्त सोना लेकर राजा सुलैमान के पास लाए।

10

और शेबा की रानी ने सुलैमान का नाम और प्रभु का नाम सुना, और वह उसे पहेलियों से परखने आई। और वह अत्यधिक भारी शक्ति के साथ यरूशलेम आई, और ऊँट मसाले और बहुत अधिक सोना और कीमती पत्थर ले जा रहे थे, और उसने सुलैमान के पास प्रवेश किया, और उससे वह सब कुछ कहा जो उसके हृदय में था। और सुलैमान ने उसके सभी प्रश्नों का उत्तर दिया; कोई भी बात राजा से छिपी नहीं रही जो उसने उसे नहीं बताई। और शीबा की रानी ने सुलैमान की सारी बुद्धि देखी, और वह घर जो उसने बनाया था, और सुलैमान का भोजन, और उसके

सेवकों की बैठक, और उसके सेवा करने वालों की स्थिति, और उसके वस्त्र, और उसके पिलाने वाले, और उसका होमबलि जो उसने प्रभु के घर में चढ़ाया, और वह स्वयं से अभिभूत हुई, और उसने राजा सुलैमान से कहा, जो वचन मैंने अपनी भूमि में तेरे वचन और तेरी बुद्धि के बारे में सुना था, वह सच्चा है। और मैंने उन लोगों की बात पर विश्वास नहीं किया जो मुझसे बोल रहे थे, जब तक मैं स्वयं नहीं आया और मेरी आँखों ने नहीं देखा, और देखो, वे आधे भी नहीं हैं जैसा उन्होंने मुझे बताया था, तुमने उन पर अच्छी चीजें जोड़ दी हैं, उस सब सुनी हुई बात से बढ़कर जो मैंने अपनी भूमि में सुनी थी। धन्य हैं तुम्हारी स्त्रियाँ, धन्य हैं तुम्हारे ये सेवक जो तुम्हारे सामने सदा खड़े रहते हैं, जो तुम्हारी सारी बुद्धि सुनते हैं। धन्य हो तेरा प्रभु परमेश्वर, जिसने तुझ में प्रसन्न होकर तुझे इस्राएल के सिंहासन पर बैठाया, क्योंकि प्रभु इस्राएल से सदा के लिए प्रेम करता है और उसे स्थापित करता है, और उसने तुझे उनके ऊपर राजा ठहराया, ताकि तू धार्मिकता और न्याय से उनका न्याय करे।

और उसने सुलैमान को सौ बीस तालन्त सोना, और बहुत अधिक सुगन्ध-द्रव्य, और बहुमूल्य पत्थर दिया; उन सुगन्ध-द्रव्यों के अनुसार जो शीबा की रानी ने राजा सुलैमान को दिए थे, ऐसी बहुतायत में फिर कभी नहीं आए।

और हीराम का जहाज जो सोफीर से सोना लाता था, अत्यधिक बहुत सारी तराशी हुई लकड़ियाँ और कीमती पत्थर भी लाया। और राजा ने तराशी हुई लकड़ी से प्रभु के घर और राजा के घर के लिए सहारे बनाए, और गायकों के लिए वीणाएं और सारंगियां बनाई। ऐसी बिना तराशी हुई लकड़ियां पृथ्वी पर कभी नहीं आई थीं, और न ही इस दिन तक कहीं दिखाई दी थीं। और राजा सुलैमान ने रानी शीबा को वह सब कुछ दिया जितना उसने चाहा, जितना उसने माँगा, उन सबके अलावा जो राजा सुलैमान के हाथ द्वारा उसे दिया गया था। और वह मुड़ी और अपनी भूमि में आई, वह और उसके सब सेवक।

और सोने का वजन जो सुलैमान के पास एक साल में आया था, छह सौ छियासठ तालान्त सोना

था। अधीन किए गए लोगों के करों के अलावा, व्यापारियों के, पार के सभी राजाओं के और भूमि के क्षेत्रों के।

और सुलैमान ने तीन सौ सुनहरे पीटे हुए भाले बनाए, तीन सौ सुनहरे एक भाले पर लगाए गए। और तीन सौ सुनहरे पीटे हुए हथियार, और एक हथियार में तीन मीना सोना था, और राजा ने उनको लेबनान के जंगल के घर में दिया।

और राजा ने हाथीदांत का एक बड़ा सिंहासन बनाया, और उसे शुद्ध सोने से मढ़ा। सिंहासन के लिए छह सीढ़ियाँ थीं, और सिंहासन के पीछे की ओर से बछड़ों के प्रोटोम थे, और आसन के स्थान पर इधर और उधर हाथ थे, और हाथों के पास दो शेर खड़े हुए थे, और बारह शेर वहाँ छः सीढ़ियों पर इधर-उधर खड़े हुए थे, ऐसा किसी भी राज्य में नहीं हुआ था। और सुलैमान द्वारा बनाए गए सभी बर्तन सोने के थे, और कुंड सोने के थे, और लबानोन के वन-भवन के सभी बर्तन सोने से मढ़े गए थे। चांदी नहीं थी, क्योंकि सुलैमान के दिनों में इसे कुछ नहीं गिना जाता था।

क्योंकि तर्शीश के जहाज राजा सुलैमान के समुद्र में हीराम के जहाजों के साथ थे, तीन वर्षों में एक बार राजा के पास तर्शीश से जहाज आता था जो सोना और चांदी और उकेरे हुए पत्थर और तराशे हुए पत्थर लाता था।

और सुलैमान पृथ्वी के सब राजाओं से धन-संपत्ति और बुद्धि में महान था। और पृथ्वी के सब राजा सुलैमान का चेहरा खोज रहे थे, उसकी बुद्धि को सुनने के लिए जो प्रभु ने उसके हृदय को दी थी। और वे स्वयं प्रत्येक वर्ष उपहार लाते थे - सोने के बर्तन, वस्त्र, गंधरस, मसाले, घोड़े और खच्चर। और सुलैमान के पास चार हजार मादा घोड़े रथों के लिए थे, और बारह हजार घुड़सवार थे, और उसने उनको रथों के शहरों में और राजा के साथ यरूशलेम में रखा।

और राजा ने यरूशलेम में सोना और चांदी को पत्थरों के समान कर दिया, और देवदार के पेड़ों को

मैदान में उगने वाले गूलर के पेड़ों के समान बहुतायत में कर दिया। और सुलैमान के घुड़सवारों का निर्गमन मिस्र से था, और राजा के व्यापारी तकोआ से मूल्य देकर ले रहे थे। और मिस्र से रथ सौ चांदी के सिक्कों के बदले और घोड़ा पचास चांदी के सिक्कों के बदले निर्यात किया जाता था, और इसी प्रकार हितियों के सभी राजाओं और सीरिया के राजाओं के लिए समुद्र के मार्ग से निकाले जाते थे।

11

और राजा सुलैमान स्त्रियों का प्रेमी था। और उसकी सात सौ शासक स्त्रियाँ थीं, और तीन सौ रखैलें थीं। और उसने विदेशी स्त्रियाँ लीं, और फिरोन की पुत्री, मोआबी, अम्मोनी, सीरियाई, और इदूमिया की, हित्ती, और एमोरी। उन राष्ट्रों से जिन्हें प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों को मना किया था, तुम उनमें प्रवेश नहीं करोगे, और वे तुममें प्रवेश नहीं करेंगे, ऐसा न हो कि वे तुम्हारे हृदय को अपनी मूर्तियों की ओर मोड़ दें, उन्हीं से सुलैमान प्रेम करने के लिए चिपक गया। और ऐसा हुआ कि सुलैमान के बुढ़ापे के समय में, उसका हृदय अपने प्रभु परमेश्वर के साथ पूर्ण नहीं था, जैसे उसके पिता दाऊद का हृदय था। और विदेशी स्त्रियों ने उसके हृदय को उनके देवताओं की ओर फेर दिया। तब सुलैमान ने मोआब की मूर्ति खमोश के लिए एक ऊँचा स्थान बनाया, और अम्मोन के पुत्रों के राजा की मूर्ति के लिए, और अस्तारते के लिए, जो सीदोनियों की घृणित वस्तु है। और इस प्रकार उसने अपनी सभी विदेशी पत्नियों के लिए किया, जो धूप जलाती थीं और अपनी मूर्तियों को बलिदान चढ़ाती थीं, और सुलैमान ने प्रभु के सामने बुराई की, वह प्रभु के पीछे नहीं चला, जैसे उसके पिता दाऊद चले थे।

और प्रभु सुलैमान पर क्रोधित हुआ, क्योंकि उसने अपना हृदय प्रभु इस्राएल के परमेश्वर से फेर लिया था, जो उसको दो बार प्रकट हुए थे, और उसे इस बात की आज्ञा दी गई थी कि बिल्कुल दूसरे देवताओं के पीछे न जाए, और जो प्रभु परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी थी उसका पालन करे, फिर

भी उसका हृदय प्रभु के साथ सिद्ध नहीं था, उसके पिता दाऊद के हृदय के अनुसार। और प्रभु ने सुलैमान से कहा, इसलिए कि ये बातें तुम्हारे साथ हुई, और तुमने मेरी आज्ञाओं और मेरे नियमों को नहीं माना जो मैंने तुम्हें दिए थे, मैं तुम्हारे राज्य को तुम्हारे हाथ से फाड़कर अलग कर दूंगा, और उसे तुम्हारे दास को दे दूंगा। परन्तु तुम्हारे दिनों में मैं यह तुम्हारे पिता दाऊद के कारण नहीं करूँगा; मैं इसे तुम्हारे पुत्र के हाथ से लूँगा। सिवाय इसके, संपूर्ण राज्य मैं नहीं लूँगा, एक राजदंड तुम्हारे पुत्र को दूंगा, दाऊद मेरे दास के कारण, और यरूशलेम के कारण, वह नगर जो मैंने चुना।

और प्रभु ने सुलैमान के विरुद्ध शत्रु खड़ा किया - इदूमी अदेर को, और एलियादे के पुत्र एसोम को जो रामा में अददेजेर सोबा के राजा, उसके स्वामी के पास था, और उसके पास पुरुष इकट्ठे हुए, और वह दल का शासक था, और उसने दमिश्क पर कब्जा कर लिया, और वे सुलैमान के सभी दिनों में इस्राएल के शत्रु थे, और अदेर इदूमी जो इदूमिया में राज्य के वंश से था। और ऐसा हुआ कि जब दाऊद ने एदोम को नष्ट किया, जब योआब सेना का शासक घायलों को दफनाने गया, तो उन्होंने इदूमिया में सभी पुरुषों को मार डाला, क्योंकि योआब और सब इस्राएल छः महीने तक वहाँ इदूमिया में रहे, जब तक उसने इदूमिया में सब पुरुषों को नष्ट नहीं कर दिया। और आदेर भाग गया, वह और उसके पिता के सेवकों के सब इदूमी पुरुष उसके साथ, और वे मिस्र में प्रवेश किए, और आदेर एक छोटा बालक था। और मिद्यान शहर से पुरुष खड़े होते हैं, और पारान में जाते हैं, और अपने साथ पुरुषों को लेते हैं, और मिस्र के राजा फिरौन के पास आते हैं, और आदेर फिरौन के पास गया, और उसने उसको घर दिया, और उसके लिए रोटियों की व्यवस्था की। और आदेर को फिरौन के सामने बहुत कृपा मिली, और उसने उसको अपनी पत्नी की बहन, थेकेमीनास की बड़ी बहन, पत्नी के रूप में दी। और थेकेमीनास की बहन ने आदेर के लिए उसके पुत्र गनेबाथ को जन्म दिया। और थेकेमीना ने उसको फिरौन के पुत्रों के बीच पाला, और गनेबाथ फिरौन के पुत्रों के बीच था।

और आदेर ने मिस्र में सुना कि दाऊद अपने पिताओं के साथ सो गया है, और कि सेना का शासक योआब मर गया है, और आदेर ने फिरौन से कहा, मुझे भेज दे, और मैं अपनी भूमि को

लौटूंगा। और फ़िरौन ने आदेर से कहा, किस बात की कमी है तुम्हें मेरे साथ? और देखो, तुम अपनी भूमि में जाना चाहते हो? और आदेर ने उससे कहा, निश्चय ही तुम मुझे भेजोगे। और आदेर अपनी भूमि को लौट गया। यह वह दुष्टता थी जो हदद ने की, और उसने इस्राएल को दुःखी किया, और वह एदोम में राज्य करता था।

और यिरोबाम, जो नाबात का पुत्र था, एफ़्राथी, सरीरा से, एक विधवा का पुत्र, सुलैमान का दास था। और यह वह मामला था जब उसने राजा सुलैमान के विरुद्ध हाथ उठाया, और राजा सुलैमान ने गढ़ बनाया था, उसने अपने पिता दाऊद के नगर की दीवार को बंद किया था। और वह आदमी यारोबाम शक्ति में मजबूत था, और सुलैमान ने लड़के को देखा कि वह कामों का आदमी है, और उसने उसे यूसुफ के घर के बोझों पर नियुक्त किया।

और उस समय ऐसा हुआ कि यरोबाम यरूशलेम से बाहर गया, और शीलोनी नबी अहिय्याह ने उसे रास्ते में पाया, और उसे रास्ते से हटाया, और अहिय्याह नया वस्त्र पहने हुए था, और दोनों मैदान में अकेले थे। और अखिया ने अपने नए वस्त्र को जो उस पर था पकड़ा, और उसे बारह टुकड़ों में फाड़ दिया, और उसने यरोबाम से कहा, अपने लिए दस टुकड़े ले लो, क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर प्रभु यह कहता है: देखो, मैं सुलैमान के हाथ से राज्य को फाड़ रहा हूँ, और तुझे दस राजदंड दूँगा। और दो राजदंड उसके पास होंगे मेरे दास दाऊद के कारण, और यरूशलेम के कारण, वह नगर जिसे मैंने इस्राएल के सभी कुलों में से चुना था। क्योंकि उसने मुझे त्याग दिया, और सीदोनियों की घृणित देवी अस्तारते की, और कमोश की, और मोआब की मूर्तियों की, और अम्मोन के पुत्रों की घृणित वस्तु उनके राजा की उपासना की, और मेरे मार्गों में नहीं चला कि मेरे सामने वह सीधा काम करे, जैसे उसके पिता दाऊद ने किया था। और मैं उसके हाथ से पूरा राज्य नहीं लूँगा, क्योंकि मैं उसके जीवन के सभी दिनों में उसका विरोध करता रहूँगा, मेरे दास दाऊद के कारण जिसे मैंने चुना था। और मैं उसके पुत्र के हाथ से राज्य ले लूँगा, और तुझे दस राजदंड दूँगा। लेकिन उसके पुत्र को मैं दो राजदंड दूँगा, ताकि मेरे सेवक दाऊद के लिए सब दिनों में मेरे सामने यरूशलेम नगर में दीपक बना रहे, जिस नगर को मैंने अपने लिए चुना था कि वहाँ अपना

नाम स्थापित करूँ। और मैं तुझे ले लूँगा, और तू उन पर राज्य करेगा जिनकी तेरा मन इच्छा करता है, और तू इस्राएल पर राजा होगा। और ऐसा होगा कि यदि तुम उन सब बातों को मानोगे जो मैं तुम्हें आज्ञा दूँगा, और मेरे मार्गों पर चलोगे, और वह करोगे जो मेरी दृष्टि में सही है, मेरे आदेशों और मेरी आज्ञाओं की रक्षा करते हुए, जैसे मेरे दास दाऊद ने किया था, तो मैं तुम्हारे साथ रहूँगा और तुम्हारे लिए एक विश्वासयोग्य घराना बनाऊँगा, जैसे मैंने दाऊद के लिए बनाया था।

और सुलैमान ने यारोबाम को मार डालने की कोशिश की, और वह उठा और मिस्र भाग गया मिस्र के राजा शीशक के पास, और वह मिस्र में तब तक रहा जब तक सुलैमान की मृत्यु नहीं हो गई।

और सुलैमान के शेष वचन, और जो कुछ उसने किया, और उसकी सारी बुद्धि, क्या ये सब सुलैमान के वचनों की पुस्तक में नहीं लिखे हैं? और वे दिन जो सुलैमान ने यरूशलेम में सम्पूर्ण इस्राएल पर शासन किया, चालीस वर्ष थे। और सुलैमान अपने पूर्वजों के साथ सो गया, और उन्होंने उसे उसके पिता दाऊद के नगर में दफनाया। और ऐसा हुआ कि जब यारोबाम बिन नबात ने यह सुना, और वह उस समय मिस्र में था क्योंकि वह सुलैमान से भागकर मिस्र में रह रहा था, तो वह चल पड़ा और अपने नगर में आया, सरीरा की भूमि में जो एप्रैम के पहाड़ी क्षेत्र में है। और राजा सुलैमान अपने पूर्वजों के साथ सो गया, और उसका पुत्र रहबाम उसके स्थान पर राजा बना।

12

और राजा रहबाम शकेम जाता है, क्योंकि सब इस्राएल उसे राजा बनाने के लिए शकेम आ रहे थे। और लोग राजा रहबाम से बोले, कहते हुए, तुम्हारे पिता ने हमारे जुए को भारी कर दिया था, और अब तुम अपने पिता की कठोर गुलामी से और उसके भारी जुए से, जो उसने हम पर डाला

था, हमें हल्का करो, और हम तुम्हारी सेवा करेंगे। और उसने उनसे कहा, तीन दिन के लिए जाओ और मेरे पास लौट आओ, और वे चले गए।

और राजा ने उन बुजुर्गों को बताया, जो उसके पिता सुलैमान के सामने खड़े थे जब वह अभी भी जीवित था, कहते हुए, आप क्या सलाह देते हैं कि मैं इन लोगों को क्या उत्तर दूं? और उन्होंने उससे कहा, यदि आप आज इन लोगों के दास बनेंगे और उनकी सेवा करेंगे, और उनसे अच्छे शब्द बोलेंगे, तो वे सब दिनों तक आपके दास होंगे।

और उसने बुजुर्गों के परामर्श को त्याग दिया जो उन्होंने उसे दिया था, और उन युवा पुरुषों के साथ परामर्श लिया जो उसके साथ पाले गए थे और जो उसके सामने खड़े थे। और उसने उनसे कहा, तुम क्या सलाह देते हो? और मैं इन लोगों को क्या उत्तर दूँ जो मुझसे कह रहे हैं, कहते हुए, उस जुए को हल्का करो जो तुम्हारे पिता ने हम पर रखा है?

और उन युवा पुरुषों ने जो उसके साथ पले बढ़े थे और उसके सामने खड़े थे, उससे कहा, इन लोगों से जिन्होंने तुमसे कहा है, तुम्हारे पिता ने हमारी जंजीर भारी कर दी थी, और तुम अब इसे हमसे हल्का करो, तुम ये बातें कहोगे: मेरा छोटापन मेरे पिता की कमर से मोटा है। और अब मेरे पिता ने तुम पर भारी जुआ लादा था, और मैं तुम्हारे जुए पर और बोझ डालूंगा, मेरे पिता ने तुम्हें कोड़ों से ताड़ना दी, परन्तु मैं तुम्हें बिच्छुओं से ताड़ना दूंगा।

और सब इस्राएल तीसरे दिन राजा रहबाम के पास आए, जैसा कि राजा ने उनसे कहा था, तीसरे दिन मेरे पास लौट आना। और राजा ने लोगों को कठोर उत्तर दिया, और रहबाम ने बुजुर्गों की सलाह को त्याग दिया जो उन्होंने उसे दी थी। और उसने युवा पुरुषों के परामर्श के अनुसार उनसे कहा, मेरे पिता ने तुम्हारा जुआ भारी किया, और मैं तुम्हारे जुए पर और जोड़ूंगा। मेरे पिता ने तुम्हें कोड़ों से अनुशासित किया, और मैं तुम्हें बिच्छुओं से अनुशासित करूंगा।

और राजा ने लोगों की नहीं सुनी, क्योंकि यह परिवर्तन प्रभु की ओर से था, ताकि वह अपना वचन स्थापित करे जो उसने शीलोनी अहिय्याह के द्वारा नबात के पुत्र यारोबाम के विषय में बोला था। और सारे इस्राएल ने देखा कि राजा ने उनकी नहीं सुनी, और लोगों ने राजा को उत्तर दिया, दाऊद में हमारा क्या हिस्सा? और यिशै के पुत्र में हमारी कोई विरासत नहीं है। हे इस्राएल, अपने तम्बुओं को लौट जाओ। अब अपने घर की देखभाल करो, हे दाऊद। और इस्राएल अपने तम्बुओं को चला गया।

और राजा ने अदोनीराम को भेजा जो कर के ऊपर था, और उन्होंने उसे पत्थरों से मारा और वह मर गया, और राजा रहबाम यरूशलेम भागने के लिए पहुंचा।

और इस्राएल ने दाऊद के घराने के विरुद्ध विद्रोह किया इस दिन तक। और ऐसा हुआ कि जब सब इसराएल ने सुना कि यारोबाम मिस्र से लौटा है, तो उन्होंने भेजकर उसे सभा में बुलाया, और उसे इसराएल पर राजा बनाया, और दाऊद के घर के पीछे कोई नहीं था सिवाय यहूदा और बिन्यामीन के गोत्र के अकेले।

और रहबाम यरूशलेम में प्रवेश किया, और उसने यहूदा की सभा और बिन्यामीन के राजदंड को एकत्र किया, एक लाख बीस हजार युवा पुरुष जो युद्ध करते थे, इस्राएल के घराने के विरुद्ध लड़ने के लिए, ताकि राज्य को सुलैमान के पुत्र रहबाम को लौटाया जाए। और प्रभु का वचन शमायाह के पास आया, जो परमेश्वर का जन था, यह कहते हुए, मैंने रहोबोअम से, जो सुलैमान का पुत्र और यहूदा का राजा था, और यहूदा और बिन्यामीन के सम्पूर्ण घराने से, और शेष लोगों से कहा,

प्रभु यह कहता है: तुम ऊपर नहीं जाओगे और न ही अपने भाइयों, इस्राएल के पुत्रों, के साथ युद्ध करोगे। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर लौट जाए, क्योंकि यह वचन मेरी ओर से हुआ है। और उन्होंने प्रभु के वचन को सुना और प्रभु के वचन के अनुसार जाना बंद कर दिया।

और यारोबाम ने एफ्राइम के पहाड़ में शकेम को बनाया, और उसमें रहा, और वहाँ से निकला और फनूएल को बनाया। और यारोबाम ने अपने हृदय में कहा, देखो, अब राज्य दाऊद के घराने को लौट जाएगा, यदि यह लोग यरूशलेम में प्रभु के घर में बलिदान चढ़ाने ऊपर जाएंगे, तो लोगों का हृदय प्रभु और उनके स्वामी, यहूदा के राजा रहबाम की ओर फिरेगा, और वे मुझे मार डालेंगे। और राजा ने योजना बनाई, और गया, और दो सुनहरी बछियाँ बनवाई, और लोगों से कहा, तुम्हारे लिए यरूशलेम जाना पर्याप्त है। देखो, हे इसराएल, ये तुम्हारे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाए। और उसने एक को बेथेल में रखा, और एक को दान में दिया। और यह वचन पाप बन गया, और लोग एक के सामने दान तक गए, और उन्होंने प्रभु के घर को छोड़ दिया और उसने ऊँचे स्थानों पर घर बनाए, और उसने लोगों में से कुछ भाग से पुजारी बनाए, जो लेवी के पुत्रों में से नहीं थे।

और यारोबाम ने आठवें महीने के पंद्रहवें दिन एक पर्व बनाया, उस पर्व के अनुसार जो यहूदा की भूमि में था, और वह उस वेदी पर चढ़ा जो उसने बेतेल में बनाई थी, उन बछड़ों को बलिदान करने के लिए जो उसने बनाए थे, और उसने बेतेल में उन ऊँचे स्थानों के याजकों को प्रस्तुत किया जो उसने बनाए थे। और वह उस वेदी पर चढ़ा जो उसने बनाई थी, आठवें महीने के पंद्रहवें दिन उस पर्व में जो उसने अपने हृदय से रचा था, और उसने इस्राएल के पुत्रों के लिए पर्व बनाया, और वह बलि चढ़ाने के लिए वेदी पर चढ़ा।

13

और देखो, परमेश्वर का एक मनुष्य यहूदा से प्रभु के वचन में बेतेल आया, और यारोबाम वेदी पर बलिदान चढ़ाने के लिए खड़ा था। और उसने प्रभु के वचन में वेदी की ओर पुकारा, और कहा, वेदी, वेदी, प्रभु ये बातें कहता है: देखो, दाऊद के घराने में एक पुत्र जन्म लेगा, जिसका नाम योशियाह होगा, और वह तुझ पर ऊँचे स्थानों के पुजारियों को, जो तुझ पर बलिदान करते हैं,

बलिदान करेगा, और मनुष्यों की हड्डियाँ तुझ पर जलाएगा। और उस दिन मैं वह चिन्ह देगा, कहते हुए, यह वह वचन है जो प्रभु ने बोला, कहते हुए, देखो वह वेदी फट रही है, और वह चर्बी जो उस पर है बहाई जाएगी।

और ऐसा हुआ कि जब राजा यारोबाम ने परमेश्वर के उस मनुष्य के शब्द सुने जिसने बेतेल में वेदी के विरुद्ध पुकारा था, तो राजा ने वेदी से अपना हाथ फैलाते हुए कहा, उसे पकड़ लो, और देखो, उसका हाथ जो उसने उसकी ओर फैलाया था, सूख गया, और वह उसे अपनी ओर वापस नहीं ला सका। और वेदी टूट गई, और वेदी से चर्बी बहा दी गई, उस चिह्न के अनुसार जो परमेश्वर के मनुष्य ने प्रभु के वचन में दिया था। और राजा यारोबाम ने परमेश्वर के आदमी से कहा, अपने परमेश्वर प्रभु के सामने प्रार्थना करो, और मेरा हाथ मेरी ओर लौट आए। और परमेश्वर के आदमी ने प्रभु के सामने प्रार्थना की, और राजा का हाथ उसकी ओर लौट आया, और वह पहले जैसा हो गया।

और राजा ने परमेश्वर के आदमी से कहा, मेरे साथ घर में आओ और भोजन करो, और मैं तुम्हें उपहार दूँगा। और भगवान के आदमी ने राजा से कहा, यदि आप मुझे अपने घर का आधा भी दें, तो मैं आपके साथ प्रवेश नहीं करूँगा, और न मैं रोटी खाऊँगा, और न मैं इस स्थान पर पानी पीऊँगा। क्योंकि प्रभु ने मुझे वचन में इस प्रकार आज्ञा दी, कहते हुए, रोटी मत खाना और पानी मत पीना, और जिस मार्ग से तू गया उसी मार्ग से मत लौटना। और वह दूसरे रास्ते से चला गया, और उस रास्ते से नहीं लौटा जिससे वह बेथेल में आया था।

और एक बूढ़ा भविष्यवक्ता बेतेल में रहता था, और उसके पुत्र आए और उन्होंने उसे वे सब कार्य सुनाए जो परमेश्वर के उस आदमी ने उस दिन बेतेल में किए थे, और वे शब्द जो उसने राजा से कहे थे, और उन्होंने अपने पिता की ओर मुख किया। और उनके पिता ने उनसे कहा, वह किस रास्ते गया है? और उसके पुत्रों ने उसे वह रास्ता दिखाया जिसमें परमेश्वर का वह आदमी गया था जो यहूदा से आया था। और उसने अपने पुत्रों से कहा, मेरे लिए गधे पर काठी बाँधो, और उन्होंने

उसके लिए गधे पर काठी बाँधी, और वह उस पर सवार हुआ, और वह परमेश्वर के आदमी के पीछे गया, और उसे बांज वृक्ष के नीचे बैठा हुआ पाया, और उससे कहा, क्या तू वह परमेश्वर का आदमी है जो यहूदा से आया है? और उसने उससे कहा, मैं हूँ। और उसने उससे कहा, मेरे साथ आओ, और रोटी खाओ। और उसने कहा, मैं तुम्हारे साथ लौटने में सक्षम नहीं हूँ, न मैं रोटी खाऊंगा, न मैं इस स्थान में पानी पीऊंगा, क्योंकि प्रभु ने मुझे वचन में इस प्रकार आदेश दिया है, कहते हुए, वहाँ रोटी मत खाना और पानी मत पीना, और उस मार्ग से मत लौटना जिससे तू गया था।

और उसने उससे कहा, मैं भी तुम्हारी तरह एक भविष्यवक्ता हूँ, और एक दूत ने प्रभु के वचन में मुझसे कहा है, उसे अपने घर वापस ले जाओ, और वह रोटी खाए और पानी पिए। और उसने उससे झूठ बोला। और उसे लौटाया, और उसके घर में रोटी खाई और पानी पिया।

और ऐसा हुआ कि जब वे मेज़ पर बैठे हुए थे, तो प्रभु का वचन उस भविष्यवक्ता के पास आया जो उसे वापस लाया था, और उसने परमेश्वर के उस जन से कहा जो यहूदा से आया था, प्रभु यह कहता है: चूँकि तूने प्रभु के वचन के विरुद्ध किया और उस आज्ञा का पालन नहीं किया जो प्रभु तेरे परमेश्वर ने तुझे दी थी, और तुम लौटे और तुमने रोटी खाई और पानी पिया उस स्थान में जिसके बारे में तुमसे कहा गया था, रोटी मत खाओ और पानी मत पियो, तुम्हारा शरीर तुम्हारे पिताओं की कब्र में प्रवेश नहीं करेगा।

और ऐसा हुआ कि उसके रोटी खाने और पानी पीने के बाद, उसने उसके लिए गधे पर जीन कसा, और वह लौटा और चला गया। और एक शेर ने उसे रास्ते में पाया, और उसे मार डाला, और उसका शरीर रास्ते में पड़ा हुआ था, और गधा उसके पास खड़ा था, और शेर शरीर के पास खड़ा था। और देखो, कुछ पुरुष वहाँ से गुजर रहे थे और उन्होंने उस शव को रास्ते में पड़ा हुआ देखा, और शेर उस शव के पास खड़ा था, और वे उस शहर में गए और बोले जहाँ वह बूढ़ा भविष्यवक्ता रहता था। और जिसने उसे रास्ते से लौटाया था उसने यह सुना, और कहा, यह

परमेश्वर का जन है जिसने प्रभु के वचन के विरुद्ध किया। और वह गया और उसने अपना शरीर रास्ते में पड़ा हुआ पाया, और गधा और शेर शरीर के पास खड़े थे, और शेर ने परमेश्वर के आदमी का शरीर नहीं खाया, और गधे को नहीं कुचला।

और भविष्यवक्ता ने परमेश्वर के मनुष्य के शरीर को उठाया, और उसे गधे पर रखा, और उसे नगर में लौटाया। वह नबी ने उसे अपने कब्र में दफनाया, और उन्होंने उसके लिए विलाप किया, हाय भाई। और ऐसा हुआ कि उसके शोक करने के बाद, उसने अपने पुत्रों से कहा, यदि मैं मरूं, तो मुझे उस कब्र में दफनाओ जहाँ परमेश्वर का भक्त दफनाया गया है। मुझे उसकी हड्डियों के पास रखो, ताकि मेरी हड्डियाँ उसकी हड्डियों के साथ सुरक्षित रहें। क्योंकि वह वचन जो प्रभु के वचन में बेथेल की वेदी पर और सामरिया के ऊंचे घरों पर बोला गया था, वह अवश्य पूरा होगा।

और इस वचन के बाद यारोबाम अपनी बुराई से नहीं लौटा, और उसने फिर लोगों में से ऊंचे स्थानों के पुजारी बनाए, जो कोई इच्छा करता था वह अपना हाथ भरता था, और ऊंचे स्थानों का पुजारी बन जाता था। और यह वचन यारोबाम के घराने के लिए पाप बन गया, और विनाश के लिए, और पृथ्वी के चेहरे से नाश के लिए।

14

और रहबाम, सुलैमान का पुत्र, यहूदा पर राज्य करने लगा। रहबाम इकतालीस वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने सत्रह वर्ष यरूशलेम नगर में राज्य किया, जिसे प्रभु ने इस्राएल के सब गोत्रों में से अपना नाम वहाँ रखने के लिए चुना था। उसकी माता का नाम नामा था, जो अम्मोनी थी। और रहबाम ने प्रभु के सामने बुराई की, और उसने उसे उन सब कामों से क्रोधित

किया जो उनके पूर्वजों ने अपने पापों में किए थे। और उन्होंने अपने लिए ऊँचे स्थान, स्तंभ और उपवन बनाए, हर ऊँची पहाड़ी पर और हर छायादार वृक्ष के नीचे। और भूमि में विश्वासघात हुआ, और उन्होंने उन सभी घृणित कर्मों को किया जो उन जातियों के थे जिन्हें प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से निकाल दिया था।

और ऐसा हुआ कि रहबाम के राज्य के पाँचवें वर्ष में, मिस्र का राजा शीशक यरूशलेम पर चढ़ाई करने आया, और उसने प्रभु के घर के सब खजाने और राजा के घर के खजाने लिए, और सोने के भाले जो दाऊद ने सोबा के राजा हददेजेर के सेवकों के हाथ से लिए थे, और उनको यरूशलेम में लाया था, वे सब जो उसने लिए, सोने के हथियार जितने सुलैमान ने बनाए थे, और उनको मिस्र को ले गया। और राजा रहबाम ने उनके बदले कांसे के हथियार बनवाए, और दौड़ने वालों के अगुवों ने, जो राजमहल के द्वार की रक्षा करते थे, उन पर आक्रमण किया। और ऐसा हुआ कि जब राजा प्रभु के घर में प्रवेश कर रहा था, तो दौड़ने वाले उनको उठाते थे और उनको दौड़ने वालों के कक्ष में लौटा देते थे।

और रहबाम के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये सब यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और रहबाम और यारोबाम के बीच सभी दिनों युद्ध होता रहा। और रहोबाम अपने पितरों के साथ सो गया, और अपने पितरों के साथ दाऊद के नगर में दफनाया गया, और उसका पुत्र अबिय्याह उसके स्थान पर राजा बना।

15

और यारोबाम के पुत्र नाबात के राज्य के अठारहवें वर्ष में, रहबाम का पुत्र अबिय्याह यहूदा पर राज्य करने लगा। और उसने यरूशलेम पर तीन वर्ष राज्य किया, और उसकी माता का नाम माका था, जो अबशालोम की पुत्री थी। और वह अपने पिता के उन पापों में चला जो उसने उसके

सामने किए थे, और उसका हृदय अपने परमेश्वर प्रभु के साथ पूर्ण नहीं था, जैसे उसके पिता का हृदय था। क्योंकि दाऊद के कारण प्रभु ने उसे अवशेष दिया, ताकि वह उसके बाद उसके बच्चों को स्थापित करे और यरूशलेम को स्थापित करे। जैसा दाऊद ने प्रभु के सामने सही किया, वह उन सभी से नहीं मुड़ा जो उसे अपने जीवन के सभी दिनों में आज्ञा दी गई थी।

और अबिय्याह के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के दिनों के वचनों की पुस्तक पर लिखे हुए नहीं हैं? और अबिय्याह और यारोबाम के बीच युद्ध था। और अबिय्याह अपने पिताओं के साथ सो गया यारोबाम के चौबीसवें वर्ष में, और वह अपने पिताओं के साथ दाऊद के नगर में दफनाया गया, और उसका पुत्र आसा उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

इस्त्राएल के राजा यारोबाम के चौबीसवें वर्ष में, आसा यहूदा पर राज करता है। और उसने यरूशलेम में इकतालीस वर्ष राज्य किया, और उसकी माता का नाम अना था, जो अबशालोम की पुत्री थी। और आसा ने प्रभु के सामने सही किया, जैसे उसके पिता दाऊद ने किया था। और उसने भूमि से संस्कारों को हटा दिया, और उन सब प्रथाओं को दूर कर दिया जो उसके पिताओं ने की थीं। और उसने अपनी माता अना को अगुवा के पद से हटा दिया, क्योंकि उसने अपने पवित्र वृक्ष में सभा की थी, और आसा ने उसकी मूर्तियों को काट डाला और उन्हें किद्रोन के नाले में आग से जला दिया। लेकिन उसने ऊँचे स्थानों को नहीं हटाया, परन्तु आसा का हृदय प्रभु के साथ उसके सब दिनों में पूर्ण था। और उसने अपने पिता के स्तंभों को और अपने स्तंभों को प्रभु के घर में लाया - चाँदी के, सोने के और बर्तन।

और आसा तथा इस्त्राएल के राजा बाशा के बीच उनके सभी दिनों में युद्ध था। और इस्त्राएल का राजा बाशा यहूदा के विरुद्ध चढ़ाई करने गया, और उसने रामाह को बनाया, ताकि यहूदा के राजा आसा के लिए बाहर जाना और अंदर आना न हो।

और आसा ने संपूर्ण चांदी और सोना लिया जो प्रभु के घर के खजानों में और राजा के घर के खजानों में पाया गया था, और उन्हें अपने सेवकों के हाथों में दिया, और राजा आसा ने उन्हें आदेर के पुत्र, ताबेरेमा के पुत्र, अजिन के पुत्र, सीरिया के राजा के पास भेजा जो दमिश्क में निवास करता था, यह कहते हुए, मेरे और तुम्हारे बीच, और मेरे पिता और तुम्हारे पिता के बीच वाचा बनाओ। देखो, मैंने तुम्हें चांदी और सोने के उपहार भेजे हैं। आओ, इस्राएल के राजा बाशा के साथ अपनी वाचा तोड़ दो, और वह मुझसे दूर चला जाएगा। और आदेर के पुत्र ने राजा आसा की बात सुनी, और उसने अपनी सेनाओं के सरदारों को इस्राएल के नगरों में भेजा, और उन्होंने ऐन को, दान को, और माका के घराने के आबेल को, और सारे किन्नेरेत को, नप्ताली की सारी भूमि तक मारा। और ऐसा हुआ कि जब बाशा ने सुना, तो उसने रामा का निर्माण करना बंद कर दिया और तिसर्ता को लौट गया।

और राजा आसा ने सभी यहूदा को अनाकीम में आदेश दिया, और वे रामा के पथरों को और उसकी लकड़ियों को उठाते हैं जो बाशा ने बनाया था, और राजा आसा ने उनसे बिन्यामीन की सभी पहाड़ी और प्रहरी मीनार को बनाया।

और आसा के शेष वचन, और उसकी सारी शक्ति जो उसने की, और वे शहर जो उसने बनाए, क्या ये यहूदा के राजाओं के दिनों के वचनों की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? सिवाय इसके कि अपने बुढ़ापे के समय में उसके पैरों में कष्ट हुआ। और आसा अपने पुरखों के साथ सो गया, और अपने पुरखों के साथ अपने पिता दाऊद के नगर में दफनाया गया, और उसका पुत्र यहोशापात उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

और नबात का पुत्र यारोबाम, यहूदा के राजा आसा के दूसरे वर्ष में इस्राएल पर राज्य करता है, और उसने इस्राएल में दो वर्ष राज्य किया। और उसने प्रभु के सामने बुराई की, और वह अपने पिता के मार्ग में चला और उसके पापों में जिनसे उसने इस्राएल को पाप करवाया।

और बाशा, जो अहिय्याह का पुत्र था, ने बेलान के घराने को, जो अहिय्याह का पुत्र था, घेर लिया, और उसने उस पर गिब्तोन में आक्रमण किया जो विदेशियों का था, और नबात और सारा इस्राएल गिब्तोन को घेरे हुए था। और बाशा ने उसे यहूदा के राजा आसा के तीसरे वर्ष में मार डाला, और राज्य किया। और ऐसा हुआ कि जब उसने राज्य किया, तो उसने यारोबाम के पूरे घराने को मार डाला, और यारोबाम का कोई भी सांस लेने वाला नहीं बचा, जब तक उसे नष्ट नहीं कर दिया, प्रभु के उस वचन के अनुसार जो उसने अपने दास अहिय्याह शीलोनी के द्वारा बोला था। यारोबाम के पापों के बारे में, जिसने इस्राएल से पाप करवाया, और अपने उकसावे से जिससे उसने इस्राएल के प्रभु परमेश्वर को क्रोधित किया। और नबात के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

और यहूदा के राजा आसा के तीसरे वर्ष में, अहिय्याह का पुत्र बाशा इस्राएल पर तिस्रा में चौबीस वर्ष राज्य करता है। और उसने प्रभु के सामने बुराई की, और यारोबाम पुत्र नबात के मार्ग में चला और उसके पापों में, जैसे उसने इस्राएल से पाप करवाया।

16

और प्रभु का वचन हनानी के पुत्र येहू के हाथ में बाशा की ओर आया। इसके बदले में कि मैंने तुझे पृथ्वी से ऊँचा किया, और तुझे मेरे लोग इस्राएल पर अगुवा बनाया, और तू यारोबाम के मार्ग में चला, और तूने मेरे लोग इस्राएल से पाप करवाया, ताकि मुझे उनकी व्यर्थ चीज़ों से क्रोधित करे, देखो, मैं बाशा के बाद और उसके घर के पीछे उठाऊंगा, और तेरे घर को नबात के पुत्र यारोबाम के घर के समान कर दूंगा। बाशा के मरे हुए को शहर में कुत्ते खाएंगे, और उसके मरे हुए को मैदान में आकाश के पक्षी खाएंगे।

और बाशा के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, और उसके पराक्रम के कार्य, क्या ये

इस्त्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और बाशा अपने पिताओं के साथ सो गया, और तिस्रा में दफनाया गया, और उसका पुत्र एला उसके स्थान पर राज करने लगा।

और प्रभु ने हनानी के पुत्र येहू के हाथ से बाशा और उसके घराने के विरुद्ध बोला, उस सब दुष्टता के कारण जो उसने प्रभु के सामने की थी, अपने हाथों के कार्यों से उसे क्रोधित करने के लिए, यारोबाम के घराने के समान होने के कारण, और उसे मारने के कारण।

और एला, जो बाशा का पुत्र था, इस्त्राएल पर दो वर्ष तक तिस्रा में राज्य किया। और ज़म्ब्री, जो आधी घुड़सवार सेना का शासक था, ने उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचा, और वह तिर्ज़ा में ओसा भंडारी के घर में शराब पीकर नशे में था। और ज़िम्ब्री ने प्रवेश किया और उसे मारा और उसे मार डाला, और उसके स्थान पर राज्य किया। और ऐसा हुआ कि जब वह राज्य करने लगा, जब वह अपने सिंहासन पर बैठा, तो उसने बाशा के पूरे घराने को मार डाला, उस वचन के अनुसार जो प्रभु ने बाशा के घराने के विषय में बोला था, और येहू भविष्यवक्ता के द्वारा बाशा और उसके पुत्र एला के सब पापों के बारे में, जैसे उन्होंने इस्त्राएल से पाप करवाया, प्रभु इस्त्राएल के परमेश्वर को उनकी व्यर्थ वस्तुओं से क्रोधित करने के लिए। और एला के शेष कार्यों के विषय में जो उसने किए, क्या ये इस्त्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

और ज़म्ब्री ने थेर्सा में सात दिन राज्य किया, और इस्त्राएल का शिविर विदेशियों के गब्बाथोन पर था। और शिविर में लोगों ने यह कहते हुए सुना कि ज़िम्ब्री ने षड्यंत्र किया और राजा को मारा, और उन्होंने उस दिन शिविर में इस्त्राएल की सेना के नेता ओम्री को इस्त्राएल पर राजा बनाया। और अम्ब्रि और सब इस्त्राएल उसके साथ गब्बाथोन से ऊपर गए, और तिस्रा पर घेरा डाला। और ऐसा हुआ कि जब ज़ाम्ब्री ने देखा कि उसका शहर पकड़ लिया गया था, तो वह राजा के घर की गुफा में गया, और उसने अपने ऊपर राजा के घर को जला दिया, और मर गया। उसके पापों के कारण जो उसने किए, प्रभु के सामने बुराई करने के लिए, नाबात के पुत्र यारोबाम के मार्ग पर

चलने के लिए, और उसके पापों में जैसे उसने इस्राएल से पाप करवाया। और ज़िम्मी के शेष वचन और उसके षड्यंत्र जो उसने रचे, क्या ये इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

तब इस्राएल के लोग विभाजित हो गए, आधे लोग थम्नी के पीछे हो गए जो गोनाथ का पुत्र था ताकि वह राज्य करे, और आधे लोग अम्मी के पीछे हो गए। वे लोग जो अम्मी के पीछे थे, उन्होंने उन लोगों पर विजय प्राप्त की जो थाम्नी पुत्र गोनाथ के पीछे थे, और थाम्नी मर गया और उसका भाई योराम उस समय में मर गया, और अम्मी ने थाम्नी के बाद राज्य किया।

राजा आसा के इकतीसवें वर्ष में अम्मी इस्राएल पर बारह वर्ष राज्य करता है, थेर्सा में छह वर्ष राज्य करता है। और अम्मी ने सेमेरोन पहाड़ को सेमेर से, जो पहाड़ का स्वामी था, दो तालन्त चाँदी में अधिग्रहण किया, और पहाड़ का निर्माण किया, और उन्होंने उस पहाड़ का नाम जो उन्होंने निर्माण किया, पहाड़ के स्वामी सेमेर के नाम पर सेमेरोन रखा। और अम्मी ने प्रभु के सामने बुराई की, और उन सबसे अधिक दुष्टता की जो उससे पहले हुए थे। और वह यारोबाम पुत्र नाबात के सब मार्गों में चला, और उसके पापों में जिनसे उसने इस्राएल से पाप कराया, ताकि प्रभु इस्राएल के परमेश्वर को उनकी व्यर्थ वस्तुओं से क्रोधित करे। और अम्मी के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, और उसकी सारी शक्ति, क्या ये इस्राएल के राजाओं के दिनों के वचनों की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

और अम्मी अपने पुरखों के साथ सो गया, और सामरिया में दफनाया गया, और उसका पुत्र अहाब उसके स्थान पर राज करने लगा।

यहूदा के राजा यहोशापात के दूसरे वर्ष में, ओमी का पुत्र अहाब इस्राएल पर सामरिया में बाईस वर्ष राज्य किया। और अहाब ने प्रभु के सामने बुरा किया, और उसने अपने से पहले के सभी लोगों से अधिक दुष्टता की। और उसके लिए यारोबाम पुत्र नाबात के पापों में चलना पर्याप्त नहीं

था, और उसने सीदोनियों के राजा एतबाल की पुत्री ईज़ेबेल को पत्नी बनाया, और गया और बाल की सेवा की, और उसे प्रणाम किया। और उसने बाल के लिए एक वेदी स्थापित की अपने घृणित कार्यों के घर में, जिसे उसने सामरिया में बनाया था। और अहाब ने वृक्षकुंज बनाया, और अहाब ने इस्राएल के प्रभु परमेश्वर को क्रोध दिलाने के लिए क्रोधकारक कार्य करने जोड़े, और उसकी आत्मा को पूर्णतः नष्ट किया जाना था; उसने उन सब इस्राएल के राजाओं से अधिक बुरा किया जो उससे पहले हुए थे।

और उसके दिनों में बेथेलवासी अखिएल ने यरीहो को बनाया। उसने अपने पहलौटे अबीरोन में उसकी नींव रखी, और अपने छोटे पुत्र सगूब में उसके दरवाजे स्थापित किए, प्रभु के उस वचन के अनुसार जो उसने नून के पुत्र यहोशू के हाथ में बोला था।

17

और एलिय्याह तिश्बी भविष्यवक्ता ने, जो गिलाद के तिश्बे से था, अहाब से कहा, जीवित प्रभु की शपथ, सेनाओं का परमेश्वर, इस्राएल का परमेश्वर, जिसके सामने मैं खड़ा हूँ, इन वर्षों में न ओस होगी और न वर्षा, सिवाय मेरे वचन के द्वारा।

और प्रभु का वचन एलिय्याह के पास आया। यहाँ से पूर्व की ओर जाओ, और करीत के नाले में छिप जाओ जो यर्दन के सामने है। और तुम नाले से पानी पीओगे, और मैं कौवों को आज्ञा दूंगा कि वे वहाँ तुम्हारा पालन-पोषण करें। और एलियाह ने प्रभु के वचन के अनुसार किया, और वह यर्दन के सामने खोराथ नाले में जा बैठा। और कौवे उसके लिए सुबह में रोटियाँ लाते थे, और शाम में मांस, और वह धारा से पानी पीता था। और कुछ दिनों के बाद ऐसा हुआ कि वह नाला सूख गया, क्योंकि पृथ्वी पर वर्षा नहीं हुई थी।

और प्रभु का वचन एलियाह के पास आया। उठो और सीदोन के सारपत में जाओ, देखो मैंने वहाँ एक विधवा स्त्री को तुम्हारा पालन-पोषण करने की आज्ञा दी है। और वह उठा और सारपत को गया, और नगर के द्वार पर आया, और देखो, वहाँ एक विधवा स्त्री लकड़ियाँ इकट्ठा कर रही थी, और एलियाह ने उसके पीछे से पुकारा और उससे कहा, मुझे एक पात्र में थोड़ा पानी ले आओ, मैं पीऊँगा। और वह लेने गई, और एलियाह ने उसके पीछे से पुकारा और कहा, वास्तव में मुझे अपने हाथ में की रोटी का टुकड़ा दे देना। और उस स्त्री ने कहा, तुम्हारे प्रभु परमेश्वर के जीवन की शपथ, मेरे पास कोई छिपी रोटी नहीं है, केवल घड़े में मुट्ठी भर आटा और कुप्पी में थोड़ा सा तेल है, और देखो, मैं दो लकड़ियाँ इकट्ठा कर रही हूँ, और जाकर इसे अपने और अपने बच्चों के लिए बनाऊँगी, और हम खाएँगे और मर जाएँगे।

और एलियाह ने उससे कहा, साहस रखो, प्रवेश करो और अपने वचन के अनुसार करो, लेकिन पहले वहाँ से मेरे लिए एक छोटी राख में पकी रोटी बनाओ और मुझे लाओ, और अपने लिए तथा अपने बच्चों के लिए अंत में बनाना। क्योंकि प्रभु यह कहते हैं: आटे का घड़ा खाली नहीं होगा, और तेल की कुप्पी कम नहीं होगी, उस दिन तक जब प्रभु पृथ्वी पर बारिश देंगे। और वह स्त्री गई, और उसने किया, और वह खाई, और वह भी, और उसके बच्चे भी। और आटे का घड़ा समाप्त नहीं हुआ, और तेल का कुप्पा घटा नहीं, प्रभु के उस वचन के अनुसार जो उसने एलियाह के हाथ से बोला था।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि घर की मालकिन के पुत्र बीमार हो गया, और उसकी बीमारी इतनी प्रबल थी कि उसमें प्राण नहीं रहा। और उसने एलियाह से कहा, हे परमेश्वर के जन, मुझे और तुम्हें क्या? क्या तुम मेरे पास मेरे अन्याय की याद दिलाने और मेरे पुत्र को मार डालने आए हो?

और एलियाह ने स्त्री से कहा, अपना पुत्र मुझे दे दो, और उसने उसे उसकी गोद से लिया, और उसे ऊपरी कमरे में ले गया जहाँ वह बैठा था, और उसे बिस्तर पर लिटा दिया। और एलियाह

चिल्लाया और कहा, हे प्रभु! हाय मुझ पर! उस विधवा का साक्षी जिसके साथ मैं निवास करता हूँ, तूने बुरा किया है उसके पुत्र को मार डालने के द्वारा। और उसने उस बालक में तीन बार सांस फूँकी, और प्रभु को पुकारा, और कहा, हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, इस बालक की आत्मा उसमें लौट आए। और ऐसा हुआ, और वह बालक चिल्लाया। और उसने इसे ऊपरी कमरे से घर में नीचे लाया, और उसने इसे उसकी माता को दिया, और एलियाह ने कहा, देखो, तुम्हारा पुत्र जीवित है। और उस स्त्री ने एलियाह से कहा, देखो, मैं जानती हूँ कि तू परमेश्वर का मनुष्य है, और तेरे मुख में प्रभु का वचन सत्य है।

18

और बहुत दिनों के बाद, प्रभु का वचन तीसरे वर्ष में एलियाह के पास आया, कहते हुए, जाओ, और अहाब को अपने आप को दिखाओ, और मैं पृथ्वी के मुख पर वर्षा दूँगा। और एलियाह अहाब को दिखाई देने गया, और सामरिया में अकाल प्रबल था।

और अहाब ने भण्डारी ओबद्याह को बुलाया, और ओबद्याह प्रभु से अत्यधिक डरता था। और ऐसा हुआ कि जब ईज़ेबेल प्रभु के भविष्यवक्ताओं को मार रही थी, तब ओबद्याह ने सौ भविष्यवक्ताओं को लिया और उन्हें पचास-पचास करके गुफा में छिपाया, और उन्हें रोटी और पानी से पाला। और अहाब ने ओबद्याह से कहा, आओ, हम भूमि पर, पानी के झरनों पर और नालों पर जाएं, शायद हमें घास मिल जाए और हम घोड़ों और खच्चरों को बचा सकें, और वे तंबुओं से नष्ट न हों। और उन्होंने अपने लिए रास्ता विभाजित किया ताकि इसे पार कर सकें। अहाब एक रास्ते से गया, और ओबद्याह दूसरे रास्ते से अकेला गया। और ओबद्याह अकेला रास्ते में था, और एलियाह अकेला उससे मिलने आया, और ओबद्याह ने जल्दी की और अपने चेहरे के बल गिरा, और कहा, क्या आप वही हैं, मेरे स्वामी एलियाह? और सूर्य ने उससे कहा, जाओ, अपने स्वामी से कहो, देखो, सूर्य यहाँ है। और ओबद्याह ने कहा, मैंने क्या पाप किया है, कि तू

अपने दास को अहाब के हाथ में सौंप रहा है कि वह मुझे मार डाले? जीवित है प्रभु, तुम्हारा ईश्वर, यदि कोई राष्ट्र या राज्य है जहाँ मेरे स्वामी ने तुम्हें खोजने के लिए नहीं भेजा, और यदि उन्होंने कहा कि वह नहीं है, तो उसने उस राज्य और उसकी भूमि को जला दिया, क्योंकि उसने तुम्हें नहीं पाया। और अब तुम कहते हो, जाओ, अपने स्वामी को घोषणा करो—देखो, सूर्य / एलिय्याह। और ऐसा होगा कि यदि मैं तुमसे दूर चला जाऊँ, और प्रभु का आत्मा तुम्हें उस भूमि में उठा ले जाए जिसे मैं नहीं जानता, और मैं अहाब को सूचित करने जाऊँ, और वह तुम्हें न पाए, तो वह मुझे मार डालेगा, और तुम्हारा दास अपनी युवावस्था से प्रभु से डरता रहा है। क्या मेरे स्वामी को यह नहीं बताया गया कि मैंने क्या किया था जब ईज़ेबेल प्रभु के भविष्यवक्ताओं को मार रही थी, और मैंने प्रभु के भविष्यवक्ताओं में से सौ पुरुषों को, पचास-पचास करके गुफा में छुपाया, और उन्हें रोटी और पानी से पोषण दिया? और अब तुम मुझसे कहते हो, जाओ, अपने स्वामी से कहो, देखो एलिय्याह, और वह मुझे मार डालेगा। और एलियाह ने कहा, शक्तियों के प्रभु जीवित हैं जिनके सामने मैं खड़ा हूँ, कि आज मैं उसे दिखाई दूंगा।

और अब्दियाह अहाब से मिलने गया, और उसने उसको सूचना दी, और अहाब दौड़ा, और एलियाह से मिलने गया। और ऐसा हुआ कि जब अहाब ने एलिय्याह को देखा, तो अहाब ने एलिय्याह से कहा, क्या तू वही है जो इस्राएल को भ्रष्ट कर रहा है? और एलिय्याह ने कहा, मैं इस्राएल को परेशान नहीं करता हूँ, बल्कि तुम और तुम्हारे पिता का घर करते हो, क्योंकि तुम लोगों ने तुम्हारे प्रभु परमेश्वर को छोड़ दिया है, और तुम बाल देवताओं के पीछे चले गए हो। और अब भेजो, मेरे पास सारे इस्राएल को कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा करो, और शर्म के चार सौ पचास भविष्यवक्ताओं को, और उपवनों के चार सौ भविष्यवक्ताओं को जो ईज़ेबेल की मेज़ पर खाते हैं।

और अहाब ने सारे इस्राएल में भेजा, और सभी भविष्यवक्ताओं को कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा किया।

और एलियाह सब लोगों को पास लाया, और एलियाह ने उनसे कहा, कब तक तुम दोनों टांगों पर लंगड़ाते रहोगे? यदि प्रभु ही परमेश्वर है, तो उसके पीछे चलो, और यदि बाल है, तो उसके पीछे चलो। और लोगों ने एक शब्द भी उत्तर नहीं दिया। और एलियाह ने लोगों से कहा, मैं प्रभु का भविष्यवक्ता अकेला ही बचा हूँ, और बाल के भविष्यवक्ता चार सौ पचास पुरुष हैं, और वन के भविष्यवक्ता चार सौ हैं। वे हमें दो बैल दें, और वे अपने लिए एक को चुनें, और उसे टुकड़ों में काटें, और लकड़ियों पर रखें, और आग न रखें, और मैं दूसरे बैल को तैयार करूंगा, और आग नहीं रखूंगा। और तुम अपने देवताओं के नाम से पुकारो, और मैं अपने प्रभु परमेश्वर के नाम से पुकारूंगा, और जो देवता आग में सुनेगा, वही परमेश्वर है, और सब लोगों ने उत्तर दिया और कहा, जो वचन तूने बोला वह अच्छा है।

और एलियाह ने शर्म के भविष्यवक्ताओं से कहा, अपने लिए एक बछड़ा चुनो और पहले तुम करो, क्योंकि तुम संख्या में अधिक हो, और अपने देवता के नाम से पुकारो, परन्तु आग मत लगाओ। और उन्होंने बछड़े को लिया और तैयार किया, और सुबह से दोपहर तक बाल के नाम में पुकारते रहे, और कहा, हे बाल, हमारी सुनो, हमारी सुनो, और कोई आवाज़ नहीं थी, और कोई सुनने वाला नहीं था, और वे उस वेदी पर इधर-उधर दौड़ते रहे जो उन्होंने बनाई थी। और दोपहर हुई, और तिशबी एलियाह ने उनका उपहास किया और कहा, बड़ी आवाज़ में पुकारो, क्योंकि वह देवता है, क्योंकि उसको बकवास है, और साथ ही शायद वह व्यस्त है, या शायद वह सो रहा है, और वह उठेगा। और वे बड़ी आवाज़ में पुकारते थे, और अपनी प्रथा के अनुसार तलवारों और भालों से स्वयं को काटते थे जब तक कि उन पर रक्त बहने लगा, और वे भविष्यवाणी करते रहे जब तक शाम नहीं बीत गई, और जब बलिदान चढ़ाने का समय हुआ, तब तिशबी एलियाह ने घृणित कर्मों के भविष्यवक्ताओं से कहा, अब यहाँ से हट जाओ, और मैं अपना होम बलि चढ़ाऊंगा, और वे हट गए, और वे चले गए।

और एलियाह ने लोगों से कहा, मेरे पास आओ, और सभी लोग उसके पास आए। और एलियाह ने इस्राएल के कुलों की संख्या के अनुसार बारह पत्थर लिए, जैसा प्रभु ने उससे कहा था, तुम्हारा

नाम इस्राएल होगा। और उसने प्रभु के नाम में पत्थरों का निर्माण किया, और टूटी हुई वेदी को चंगा किया, और वेदी के चारों ओर दो माप बीज धारण करने वाला एक कुंड बनाया। और उसने लकड़ी के टुकड़ों को उस वेदी पर ढेर किया जो उसने बनाई थी, और होमबलि को शहद से सींचा और लकड़ी के टुकड़ों पर रखा, और वेदी पर ढेर किया, और उसने कहा, मेरे लिए चार घड़े पानी लाओ, और होमबलि पर और लकड़ी के टुकड़ों पर डालो, और उन्होंने ऐसा किया। और उसने कहा, दूसरी बार करो, और उन्होंने दूसरी बार किया। और उसने कहा, तीसरी बार करो, और उन्होंने तीसरी बार किया। और जल वेदी के चारों ओर बह रहा था, और उन्होंने समुद्र को पानी से भर दिया।

और एलियाह ने स्वर्ग की ओर पुकारा, और कहा, हे प्रभु, अब्राहम और इसहाक और इस्राएल के परमेश्वर, मेरी सुनो प्रभु, आज आग में मेरी सुनो, और सब लोग जान लें, कि तू ही इस्राएल का परमेश्वर प्रभु है, और मैं तेरा दास हूँ, और तेरे कारण मैंने ये कार्य किए हैं। हे प्रभु, मेरी सुनो, मेरी सुनो, और यह लोग जान लें कि तुम ही प्रभु परमेश्वर हो, और तुमने इस लोग के हृदय को पीछे फेर दिया है। और प्रभु की ओर से आकाश से आग गिरी, और उसने होमबलि और लकड़ी के टुकड़ों और समुद्र में के पानी को निगल लिया, और पत्थरों और धूल को आग ने चाट लिया।

और सब लोग अपने चेहरे के बल गिर पड़े, और उन्होंने कहा, सचमुच प्रभु ही परमेश्वर है, वही परमेश्वर है। और एलियाह ने लोगों से कहा, बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से कोई भी न बचे, और उन्होंने उन्हें पकड़ लिया, और एलियाह उन्हें किशोन नाले में ले गया, और उन्हें वहाँ मार डाला।

और एलियाह ने अहाब से कहा, ऊपर जाओ, और खाओ और पियो, क्योंकि बारिश के पैरों की आवाज़ आ रही है। और अहाब खाने और पीने के लिए ऊपर गया, और एलियाह कार्मेल पर ऊपर गया और भूमि पर झुका, और उसने अपना चेहरा अपने घुटनों के बीच रखा, और उसने अपने युवा सेवक से कहा, ऊपर जाओ और समुद्र की ओर देखो। और युवा सेवक ने देखा और

कहा, कुछ नहीं है। और एलियाह ने कहा, तुम सात बार लौटो। और वह सेवक सात बार लौटा, और सातवें बार में ऐसा हुआ, और देखो, एक छोटा बादल एक आदमी के निशान जैसा पानी ऊपर ला रहा था, और उसने कहा, ऊपर जाओ, और अहाब से कहा, अपना रथ जोतो और नीचे जाओ, कहीं बारिश तुम्हें न पकड़ ले। और ऐसा हुआ कि इधर-उधर होते-होते आकाश बादलों और हवा से अंधेरा हो गया, और भारी वर्षा हुई, और अहाब रोता हुआ यिज़ेल तक गया। और प्रभु का हाथ एलियाह पर था, और उसने अपनी कमर कसी, और वह अहाब के आगे इज़ेल की ओर दौड़ा।

19

और अहाब ने अपनी पत्नी इजेबेल को वह सब कुछ बताया जो एलियाह ने किया था, और यह भी कि उसने भविष्यवक्ताओं को तलवार से कैसे मार डाला था। और ईजेबेल ने एलियाह की ओर भेजा, और कहा, यदि तू एलियाह है और मैं ईजेबेल हूँ, तो देवता मुझे ये करे और ये भी जोड़े, कि इसी घड़ी कल मैं तेरी आत्मा को वैसे ही रख दूंगी जैसे उनमें से एक की आत्मा। और एलियाह डर गया, और उठा और अपनी आत्मा के अनुसार चला गया, और बेशेबा में आता है जो यहूदा की भूमि है, और उसने अपने बालक को वहाँ छोड़ दिया।

और वह स्वयं जंगल में एक दिन का रास्ता गया, और आया और एक झाड़ी के नीचे बैठा, और उसने अपनी आत्मा को मरने के लिए मांगा, और बोला, अब बस करो, हे प्रभु, वास्तव में मेरी आत्मा को मुझसे ले लो, क्योंकि मैं अपने पिताओं से बेहतर नहीं हूँ। और वह सोया और वहाँ एक पौधे के नीचे सो गया, और देखो, किसी ने उसे छुआ और उससे कहा, उठो और खाओ। और एलियाह ने देखा, और देखो उसके सिर के पास जौ की राख में पकी रोटी और पानी का घड़ा था, और वह उठा और उसने खाया और पिया, और लौटकर सो गया। और प्रभु का दूत दूसरी बार लौटा, और उसे छुआ, और उसे कहा, उठो, खाओ, क्योंकि तुम्हारे लिए रास्ता बहुत लंबा है। और

वह उठा, और उसने खाया, और उसने पिया, और वह उस पोषण की शक्ति में चालीस दिन और चालीस रातें होरेब पर्वत तक गया।

और वह वहाँ गुफा में प्रवेश किया, और वहाँ ठहरा, और देखो, प्रभु का वचन उसके पास आया, और उसने कहा, तू यहाँ क्या कर रहा है, एलियाह? और एलियाह ने कहा, मैं सर्वशक्तिमान प्रभु के लिए बहुत उत्साही रहा हूँ, क्योंकि इस्राएल के पुत्रों ने तुमको छोड़ दिया है, तुम्हारी वेदियों को ढहा दिया है, और तुम्हारे भविष्यवक्ताओं को तलवार से मार डाला है, और मैं अकेला बचा हूँ, और वे मेरी आत्मा को लेने की खोज में हैं। और उसने कहा, तू कल बाहर जाएगा, और प्रभु के सामने पहाड़ पर खड़ा होगा, देखो प्रभु गुजरेंगे। और देखो एक महान शक्तिशाली आत्मा पहाड़ों को तोड़ती हुई और प्रभु के सामने चट्टानों को चकनाचूर करती हुई, परन्तु प्रभु आत्मा में नहीं थे, और आत्मा के बाद भूकंप आया, परन्तु प्रभु भूकंप में नहीं थे, और भूकंप के बाद आग आई, प्रभु आग में नहीं थे, और आग के बाद मंद समीर की आवाज़ आई।

और जब एलियाह ने सुना, तो उसने अपने चेहरे को अपनी चादर से ढका, और बाहर निकला और गुफा के पास खड़ा हुआ, और देखो, उसकी ओर एक आवाज आई, और बोली, तू यहाँ क्या कर रहा है, एलियाह? और एलियाह ने कहा, मैं प्रभु सर्वशक्तिमान के लिए बहुत उत्साही रहा हूँ, क्योंकि इस्राएल के पुत्रों ने तुम्हारी वाचा को त्याग दिया, और तुम्हारी वेदियों को गिरा दिया, और तुम्हारे भविष्यवक्ताओं को तलवार से मार डाला, और मैं अकेला ही बचा छोड़ा गया हूँ, और वे मेरी आत्मा को लेने के लिए खोज रहे हैं। और प्रभु ने उससे कहा, जाओ, अपने मार्ग पर लौटो, और तुम दमिश्क के जंगल के मार्ग में आओगे, और तुम आओगे और हजाएल का सीरिया के राजा के रूप में अभिषेक करोगे। और तुम येहू को, जो निमशी का पुत्र है, इस्राएल पर राजा के रूप में अभिषेक करोगे, और एलीशा को, जो शापात का पुत्र है, अपने स्थान पर भविष्यवक्ता के रूप में अभिषेक करोगे। और जो हजाएल की तलवार से बचेगा, उसे येहू मार डालेगा, और जो येहू की तलवार से बचेगा, उसे एलीशा मार डालेगा। और तू इस्राएल में सात हजार पुरुषों को छोड़ेगा, वे सब घुटने जिन्होंने बाल के आगे घुटना नहीं टेका, और हर वह मुँह जिसने उसकी पूजा

नहीं की।

और वह वहाँ से चला गया और एलीशा को पाता है जो शाफात का पुत्र था, और वह बैलों से जोत रहा था, बारह जोड़े उसके सामने थे, और वह बारहवें में था, और वह उसके पास गया, और अपनी चादर उस पर फेंक दी। और एलीशा ने बैलों को छोड़ दिया, और एलिय्याह के पीछे दौड़ा, और बोला, मैं अपने पिता को चूमूंगा, और तुम्हारे पीछे अनुसरण करूंगा, और एलिय्याह ने कहा, लौट जा, क्योंकि मैंने तुम्हारे लिए यह किया है। और वह उसके पीछे से लौटा, और बैलों के जोड़े लिए, और उन्हें बलिदान किया और बैलों के उपकरणों में उबाला, और लोगों को दिया, और उन्होंने खाया, और उठा और एलियाह के पीछे चला गया, और उसकी सेवा की।

20

और यिज़्रेली नाबोत के पास सामरिया के राजा अहाब के खलिहान के पास एक अंगूर का बाग था। और अहाब ने नाबोत से कहा, मुझे अपना अंगूर का बगीचा दे दे, और यह मेरे लिए सब्जियों का बगीचा होगा, क्योंकि यह मेरे घर के पास है, और मैं तुझे उसके बदले एक दूसरा अच्छा अंगूर का बगीचा दूंगा, अगर यह तुझे पसंद हो, तो मैं तुझे तेरे इस अंगूर के बगीचे के बदले चांदी दूंगा, और यह मेरे लिए सब्जियों का बगीचा होगा। और नाबोत ने अहाब से कहा, मेरे भगवान की ओर से मुझे ऐसा न हो कि मैं अपने पिताओं की विरासत तुम्हें दे दूं।

और ऐसा हुआ कि अहाब की आत्मा व्याकुल हो गई, और वह अपने बिस्तर पर सो गया, और उसने अपना चेहरा ढक लिया, और उसने रोटी नहीं खाई। और ईजेबेल, उसकी पत्नी, उसके पास आई और उससे बोली, तुम्हारी आत्मा क्यों व्याकुल है, और तुम रोटी क्यों नहीं खा रहे हो? और उसने उससे कहा कि मैंने यिज़्रेली नाबोथ से कहा था, मुझे अपना अंगूर का बगीचा चांदी के बदले दे दो, और अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें उसके बदले दूसरा अंगूर का बगीचा दूंगा, और उसने कहा,

मैं तुम्हें अपने पिताओं की विरासत नहीं दूंगा। और उसकी पत्नी ईजेबेल ने उससे कहा, क्या तू अब इस प्रकार इस्राएल पर राजा बनता है? उठ और रोटी खा और अपने आप को संभाल। मैं तुझे यिज़्जेली नाबोत का अंगूर का बाग दूंगी।

और अहाब के नाम पर एक पुस्तक लिखी, और उसे अपनी मुहर से मुहरबंद किया, और वह पुस्तक उन बुजुर्गों और स्वतंत्र लोगों को भेजी जो नाबोत के साथ निवास करते थे। और पुस्तकों में लिखा गया था, उपवास रखो, और नाबोत को लोगों के आरंभ में बैठाओ, और दो अधर्मी पुत्रों को उसके सामने बैठाओ, और वे उसके विरुद्ध गवाही दें, यह कहते हुए कि उसने परमेश्वर और राजा को धन्य कहा, और उसे बाहर ले जाएं, और उसे पत्थर मारें, और वह मर जाए।

और उसके शहर के पुरुषों ने, बुजुर्गों ने और स्वतंत्र लोगों ने जो उसके शहर में निवास करते थे, वैसा ही किया जैसा ईजेबेल ने उनके पास भेजा था, और जैसा उन पुस्तकों में लिखा गया था जो उसने उनके पास भेजी थीं। और उन्होंने उपवास की घोषणा की और नाबोत को लोगों के बीच सबसे आगे बैठाया। और दो पुरुष जो अधर्मियों के पुत्र थे, प्रवेश किए और उसके सामने बैठे, और उसके विरुद्ध गवाही देते हुए कहा, तूने परमेश्वर और राजा को आशीर्वाद दिया, और उसे नगर के बाहर निकाल लाए, और उसे पत्थरों से पत्थरवाह किया, और वह मर गया। और उन्होंने ईजेबेल के पास भेजा, यह कहते हुए कि नाबोत को पत्थर मार दिया गया है और वह मर गया है।

और ऐसा हुआ जब ईजेबेल ने सुना, तो उसने अहाब से कहा, उठो, नाबोत इज़्जेली के अंगूर के बगीचे को विरासत में लो, जिसने तुम्हें चांदी के बदले नहीं दिया था, क्योंकि नाबोत जीवित नहीं है, क्योंकि वह मर गया है। और ऐसा हुआ कि जब अहाब ने सुना कि नाबोत यिज़्जेली मर गया है, तो उसने अपने कपड़े फाड़े और टाट पहना, और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि अहाब उठा और नाबोत यिज़्जेली के अंगूर के बाग में उसे विरासत में लेने के लिए गया।

और प्रभु ने तिश्बी एलियाह से कहा उठो और सामरिया में रहने वाले इस्राएल के राजा अहाब से

मिलने के लिए नीचे जाओ, क्योंकि वह नाबोत के अंगूर के बाग में है, क्योंकि वह उसे विरासत में लेने के लिए वहाँ गया है। और तुम उससे कहोगे, प्रभु यह कहते हैं: जैसे तुमने हत्या की और कब्जा लिया, इसके कारण प्रभु यह कहते हैं: हर उस जगह जहाँ सूअरों और कुत्तों ने नाबोत का खून चाटा, वहाँ कुत्ते तुम्हारा खून चाटेंगे, और वेश्याएं तुम्हारे खून में नहाएंगी। और अहाब ने एलिय्याह से कहा, क्या तुमने मुझे पा लिया है, हे मेरे शत्रु? और उसने कहा, मैंने पा लिया है, क्योंकि तुमने व्यर्थ में अपने आप को बेच दिया है कि प्रभु के सामने बुराई करो, उसे क्रोधित करो। देखो, मैं तुम पर विपत्तियाँ लाता हूँ, और तुम्हारे पीछे आग लगाऊंगा, और अहाब के घराने में दीवार के सामने पेशाब करने वाले हर पुरुष को नष्ट कर दूंगा, चाहे वह बंधा हुआ हो या स्वतंत्र, इस्राएल में। और मैं तुम्हारे घर को यारोबाम पुत्र नाबात के घर के समान कर दूँगा, और बाशा पुत्र अहिय्याह के घर के समान, उन उकसावों के कारण जिनसे तुमने उकसाया और इस्राएल से पाप करवाया। और प्रभु ने ईज़ेबेल से कहा, कुत्ते उसे ईज़्रील की प्राचीर में खा जाएंगे। अहाब के मरे हुए को नगर में कुत्ते खाएंगे, और उसके मरे हुए को मैदान में आकाश के पक्षी खाएंगे।

सिवाय व्यर्थ में अहाब, जो प्रभु के सामने बुराई करने के लिए बेचा गया था, जैसे उसकी पत्नी इजेबेल ने उसको उकसाया। और वह अत्यधिक घृणित हो गया था उन घृणित कर्मों के पीछे चलने में, उन सब के अनुसार जो अमोरी ने किए थे, जिसको प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से नष्ट कर दिया था।

और जब अहाब ने प्रभु के सामने से वचन सुना, तो वह रोता हुआ चला गया, और उसने अपना कूर्ता फाड़ा, और अपने शरीर पर टाट कसा, और उपवास किया, और उस दिन टाट पहना जिस दिन उसने यिज़ेली नाबोत को मारा था, और वह चला गया। और प्रभु का वचन उसके दास एलिय्याह के हाथ में अहाब के विषय में आया, और प्रभु ने कहा, क्या तूने देखा है कि कैसे अहाब मेरे सामने दीन हुआ? मैं उसके दिनों में विपत्ति नहीं लाऊंगा, लेकिन उसके पुत्र के दिनों में मैं विपत्ति लाऊंगा।

और आदेर के बेटे ने अपनी सारी शक्ति इकट्ठा की, और ऊपर गया और सामरिया को घेर लिया, और बत्तीस राजा उसके साथ थे, और सब घोड़े और रथ, और वे ऊपर गए और सामरिया को घेर लिया, और उस पर आक्रमण किया। और उसने इस्राएल के राजा अहाब के पास शहर में भेजा, और उससे कहा, ये बातें आदेर का पुत्र कहता है, तुम्हारा चाँदी और तुम्हारा सोना मेरा है, और तुम्हारी स्त्रियाँ और तुम्हारे बच्चे मेरे हैं। और इस्राएल के राजा ने उत्तर दिया और कहा, जैसा आपने कहा, मेरे स्वामी राजा, मैं आपका हूँ और मेरा सब कुछ भी।

और दूत लौटे और बोले, आदेर का पुत्र यह कहता है: मैंने तुम्हारे पास यह कहते हुए भेजा था कि तुम अपनी चाँदी और अपना सोना और अपनी स्त्रियाँ और अपने बच्चे मुझे दोगे। कि इस घड़ी कल मैं अपने सेवकों को तुम्हारे पास भेजूंगा, और वे तुम्हारे घर और तुम्हारे सेवकों के घरों को खोजेंगे, और उनकी आंखों की सब इच्छाएं जिन पर वे अपने हाथ डालेंगे, वे ले लेंगे। और इस्राएल के राजा ने पृथ्वी के सब बुजुर्गों को बुलाया, और कहा, वास्तव में जानो और देखो कि यह दुष्टता खोजता है, क्योंकि उसने मेरे पास मेरी स्त्रियों के बारे में, और मेरे पुत्रों के बारे में, और मेरी पुत्रियों के बारे में भेजा है; मैंने अपनी चाँदी और अपना सोना उससे नहीं रोका। और बुजुर्गों ने और सब लोगों ने उससे कहा, मत सुनो, और मत चाहो। और उसने आदेर के पुत्र के दूतों से कहा, अपने स्वामी से कहो, जो कुछ तुमने पहले अपने दास के पास भेजा था, वह सब मैं करूंगा, लेकिन यह बात मैं नहीं कर सकूंगा। और वे पुरुष चले गए, और उसके पास उत्तर लेकर लौटे।

और आदेर के पुत्र ने उसके पास भेजा, यह कहते हुए, परमेश्वर मेरे साथ ऐसा करे और इससे भी अधिक करे, यदि सामरिया की धूल मेरे सभी पैदल सैनिकों के लिए पर्याप्त होगी। और इस्राएल के राजा ने उत्तर दिया और कहा, यह पर्याप्त हो, कुबड़ा वैसे घमंड न करे जैसे सीधा करता है। और ऐसा हुआ जब उसे यह उत्तर दिया गया, वह स्वयं और सब राजा जो उसके साथ तंबुओं में

थे, पी रहे थे, और उसने अपने सेवकों से कहा, बाड़ बनाओ, और उन्होंने शहर के ऊपर बाड़ लगाई।

और देखो, एक भविष्यवक्ता इस्राएल के राजा अहाब के पास आया, और कहा, प्रभु यह कहते हैं: क्या तूने इस बड़ी भीड़ को देखा है? देखो, मैं आज इसे तेरे हाथों में सौंपता हूँ, और तू जानेगा कि मैं प्रभु हूँ। और अहाब ने कहा, किसके द्वारा? और उसने कहा, प्रभु यह कहते हैं: प्रदेशों के शासकों के युवा पुरुषों के द्वारा। और अहाब ने कहा, युद्ध कौन आरम्भ करेगा? और उसने कहा, तुम।

और अहाब ने क्षेत्रों के शासकों के युवा पुरुषों को देखा, और वे दो सौ तीस हुए, और इसके बाद उसने शक्ति के सभी लोगों को देखा, सात हजार को। और वह दोपहर को बाहर गया, और आदेर का पुत्र सुक्कोत में नशे में पीता हुआ था, वह और वे राजा, बत्तीस राजा जो उसके सहायक थे। और क्षेत्रों के युवा पुरुषों के शासक पहले निकले, और उन्होंने सीरिया के राजा को भेजा और घोषणा की, कहते हुए, पुरुष सामरिया से निकल गए हैं। और उसने उनसे कहा, यदि वे शांति के लिए निकलते हैं, तो उन्हें जीवित पकड़ना, और यदि युद्ध के लिए, तो उन्हें जीवित पकड़ना। और शासक क्षेत्रों के युवा लड़कों को शहर से बाहर न जाने दें। और उनकी शक्ति उनके पीछे। प्रत्येक ने अपने पास वाले को मारा, और प्रत्येक ने अपने पास वाले को दूसरी बार मारा, और सीरिया भाग गया, और इस्राएल ने उनका पीछा किया, और सीरिया का राजा आदेर का पुत्र घुड़सवार के घोड़े पर बच गया। और इस्राएल का राजा बाहर गया, और उसने सब घोड़े और रथ ले लिए, और सीरिया में भारी प्रहार किया। और भविष्यवक्ता इस्राएल के राजा के पास आया, और बोला, मजबूत बनो और जानो और देखो कि तुम क्या करोगे, क्योंकि वर्ष के लौटने पर आदेर का पुत्र, सीरिया का राजा, तुम पर चढ़ाई करने आता है।

और सीरिया के राजा के सेवकों ने कहा, इस्राएल का परमेश्वर पहाड़ों का देवता है और घाटियों का देवता नहीं है, इस कारण उसने हमारे विरुद्ध शक्ति दिखाई, लेकिन अगर हम उनसे मैदान में

लड़ें, तो निश्चय ही हम उन पर प्रबल होंगे। और यह काम करो, राजाओं में से प्रत्येक को उनके स्थान से हटाओ, और उनके बदले क्षेत्रपों को नियुक्त करो। और हम तुम्हें उस गिरी हुई शक्ति के अनुसार शक्ति बदलेंगे, और घोड़े के अनुसार घोड़ा, और रथों के अनुसार रथ, और हम उनके विरुद्ध सीधे युद्ध करेंगे, और हम उनके लिए मजबूत होंगे, और उसने उसकी आवाज़ सुनी, और उसने इस प्रकार किया।

और ऐसा हुआ कि वर्ष के लौटने पर, आदेर के पुत्र ने सीरिया की देखभाल की, और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध के लिए अफेक को चढ़ गया। और इस्राएल के पुत्रों की गिनती की गई, और वे उनसे मिलने आए, और इस्राएल ने उनके सामने डेरा डाला जैसे बकरियों के दो झुंड, और सीरिया ने भूमि को भर दिया।

और परमेश्वर का आदमी पास आया, और इस्राएल के राजा से कहा, प्रभु ये बातें कहता है: इसलिए कि सीरिया ने कहा, प्रभु इस्राएल का परमेश्वर पहाड़ों का देवता है और घाटियों का देवता नहीं है, मैं इस महान शक्ति को तेरे हाथ में दूंगा, और तू जानेगा कि मैं प्रभु हूँ। और ये सात दिन तक उनके सामने डेरा डाले रहे, और सातवें दिन युद्ध हुआ, और इस्राएल ने सीरिया के एक लाख पैदल सैनिकों को एक ही दिन में मार डाला। और शेष लोग अफेक शहर में भाग गए, और दीवार सत्ताईस हजार शेष पुरुषों पर गिर गई, और अदेर का पुत्र भाग गया और शयनकक्ष के घर में, भीतरी कमरे में प्रवेश किया।

और उसने अपने सेवकों से कहा, मैं जानता हूँ कि इस्राएल के राजा दयालु राजा हैं, हम अपनी कमर पर टाट लगाएं, और अपने सिर पर रस्सियाँ, और इस्राएल के राजा के पास निकलें, शायद वह हमारी जान बचाएगा। और उन्होंने अपनी कमर पर टाट कसा, और अपने सिर पर रस्सियाँ रखीं, और इस्राएल के राजा से कहा, तेरा दास, आदेर का पुत्र कहता है, हमारी जान बख्श दो। और उसने कहा, यदि वह अभी जीवित है, तो वह मेरा भाई है। और उन पुरुषों ने इसे शकुन के रूप में लिया और जल्दी की और उसके मुंह से शब्द को पकड़ लिया, और कहा, तुम्हारा भाई

आदेर का पुत्र, और उसने कहा, प्रवेश करो और उसे ले लो, और आदेर का पुत्र उसके पास बाहर गया, और वे उसे उसके पास रथ पर ले आए। और उसने उससे कहा, वे शहर जो मेरे पिता ने तुम्हारे पिता से लिए थे, मैं तुम्हें वापस कर दूंगा, और तुम अपने लिए दमिश्क में बाज़ार स्थापित करोगे, जैसे मेरे पिता ने सामरिया में स्थापित किए थे, और मैं वाचा के द्वारा तुम्हें भेज दूंगा। और उसने उसके साथ वाचा बाँधी, और उसे भेज दिया।

और भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक मनुष्य ने प्रभु के वचन में अपने पड़ोसी से कहा, मुझे वास्तव में मारो, और उस मनुष्य ने उसे मारना नहीं चाहा। और उसने उससे कहा, इसलिए कि तूने प्रभु की आवाज़ नहीं सुनी, और देखो तू मुझसे भाग रहा है, शेर तुझे मारेगा। और वह उससे चला गया, और शेर ने उसे पाया, और उसे मारा। और उसने एक दूसरे आदमी को पाया, और बोला, मुझे वास्तव में मारो, और उस आदमी ने उसे मारा, मारकर कुचल दिया।

और वह भविष्यवक्ता गया और इस्राएल के राजा के सामने मार्ग पर खड़ा हुआ, और उसने पट्टी से अपनी आँखें बाँधीं। और ऐसा हुआ कि जब राजा गुजर रहा था, तो यह व्यक्ति राजा की ओर चिल्लाया और बोला, तेरा दास युद्ध की सेना में गया था, और देखो, एक पुरुष मेरे पास एक पुरुष को ले आया, और मुझसे कहा, इस पुरुष की रखवाली कर, यदि वह भागते हुए भाग जाए, तो तेरा प्राण उसके प्राण के बदले होगा, या तू एक तोड़ा चांदी देगा। और ऐसा हुआ कि तुम्हारे दास ने इधर-उधर देखा, और वह नहीं था, और इस्राएल के राजा ने उससे कहा, देखो, तुमने मेरे पास घात लगाने वालों को मार डाला। और उसने जल्दी की और अपनी आँखों से पट्टी हटा दी, और इस्राएल के राजा ने उसे पहचान लिया कि यह भविष्यवक्ताओं में से है। और उसने उससे कहा, ये बातें प्रभु कहता है, क्योंकि तूने विनाशकारी आदमी को अपने हाथ से बाहर जाने दिया, और तेरी आत्मा उसकी आत्मा के बदले होगी, और तेरे लोग उसके लोगों के बदले होंगे। और इस्राएल का राजा भ्रमित और निराश होकर चला गया, और सामरिया में आया।

और तीन वर्ष बीत गए, और सीरिया और इस्राएल के बीच कोई युद्ध नहीं हुआ। और तीसरे वर्ष में ऐसा हुआ कि यहूदा का राजा यहोशापात इस्राएल के राजा के पास आया। और इस्राएल के राजा ने अपने सेवकों से कहा, यदि तुम जानते हो कि रामोथ गिलाद हमारा है, और हम सीरिया के राजा के हाथ से उसे लेने में चुप हैं? और इस्राएल के राजा ने यहोशापात से कहा, क्या तुम हमारे साथ रामोथ गिलाद में युद्ध के लिए जाओगे? और यहोशापात ने कहा, जैसे मैं हूँ, वैसे तुम हो, जैसे मेरे लोग हैं, वैसे तुम्हारे लोग हैं, जैसे मेरे घोड़े हैं, वैसे तुम्हारे घोड़े हैं। और यहूदा के राजा यहोशापात ने इस्राएल के राजा से कहा, आज प्रभु से पूछो।

और इस्राएल के राजा ने सभी भविष्यवक्ताओं को, लगभग चार सौ पुरुषों को इकट्ठा किया, और राजा ने उनसे कहा, क्या मैं रामोथ गिलाद में युद्ध के लिए जाऊँ या रुक जाऊँ? और उन्होंने कहा, जाओ, और प्रभु राजा के हाथों में देगा।

और यहोशापात ने इस्राएल के राजा से कहा, क्या यहाँ प्रभु का कोई भविष्यवक्ता नहीं है, और हम उसके माध्यम से प्रभु से पूछें? और इस्राएल के राजा ने यहोशापात से कहा, एक पुरुष है जिसके द्वारा प्रभु से पूछा जा सकता है, और मैंने उससे घृणा की है, क्योंकि वह मेरे विषय में अच्छा नहीं बोलता, लेकिन बुराइयाँ बोलता है, वह मीकायाह है जो इम्ला का पुत्र है, और यहूदा के राजा यहोशापात ने कहा, राजा ऐसा न कहे।

और इस्राएल के राजा ने एक खोजे को बुलाया, और कहा, जल्दी से मीकायाह को, जो इम्लाह का पुत्र है, लाओ। और इस्राएल का राजा और यहूदा का राजा यहोशापात, प्रत्येक पुरुष अपने सिंहासन पर, कवच पहने हुए, शोमरोन के द्वारों में बैठे थे, और सब भविष्यवक्ता उनके सामने भविष्यवाणी कर रहे थे। और कनान के पुत्र सिदकिय्याह ने अपने लिए लोहे के सींग बनाए, और

कहा, प्रभु यह कहता है: इन से तुम सीरिया को तब तक मारोगे जब तक वह नष्ट न हो जाए। और सभी भविष्यवक्ता इस प्रकार भविष्यवाणी कर रहे थे, कहते हुए, रामोत गिलाद को जाओ, और तुम समृद्ध होगे, और प्रभु सीरिया के राजा को तुम्हारे हाथों में सौंप देंगे।

और वह दूत जो मीकायाह को बुलाने गया था, उससे बोला, देखो, सभी भविष्यवक्ता एक मुँह से राजा के बारे में अच्छी बातें बोल रहे हैं। तुम भी अपने शब्दों में इनमें से किसी एक के शब्दों के अनुसार बनो, और अच्छी बातें बोलो। और मीकायाह ने कहा, जीवित प्रभु की शपथ, जो कुछ प्रभु मुझसे कहेगा, वही मैं बोलूंगा।

और वह राजा के पास आया, और राजा ने उससे कहा, मीकायाह, क्या मैं रामोत गिलाद में युद्ध के लिए जाऊँ, या रुक जाऊँ? और उसने कहा, जाओ, और प्रभु राजा के हाथ में विजय देंगे। और राजा ने उससे कहा, कितनी बार मैं तुम्हें शपथ दिलाऊँ, ताकि तुम मुझसे प्रभु के नाम में सत्य बोलो? और उसने कहा, नहीं, ऐसा नहीं, मैंने सारे इस्राएल को पहाड़ों पर बिखरा हुआ देखा है, जैसे वह झुंड जिसका कोई चरवाहा नहीं है, और प्रभु ने कहा, क्या इनका कोई स्वामी परमेश्वर नहीं है? प्रत्येक अपने घर शांति से लौट जाए।

और इस्राएल के राजा ने यहूदा के राजा यहोशापात से कहा, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि यह मेरे लिए अच्छी भविष्यवाणी नहीं करता, क्योंकि केवल बुराइयाँ करता है? और मीकायाह ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं, मैं नहीं, प्रभु का वचन सुनो, ऐसा नहीं। मैंने इस्राएल के परमेश्वर को उनके सिंहासन पर बैठे हुए देखा, और आकाश की सारी सेना उनके दाहिने और बाएं, उनके चारों ओर खड़ी थी। और प्रभु ने कहा, कौन अहाब राजा इस्राएल को धोखा देगा, और वह ऊपर जाएगा, और रामोत गिलाद में गिरेगा? और किसी ने इस प्रकार कहा, और किसी ने उस प्रकार कहा। और एक आत्मा बाहर गई और प्रभु के सामने खड़ी हुई, और बोली, मैं उसे धोखा दूंगा। और प्रभु ने उससे कहा, किस प्रकार से? और उसने कहा, मैं बाहर जाऊंगा और उसके सभी भविष्यवक्ताओं के मुँह में झूठी आत्मा बन जाऊंगा। और प्रभु ने कहा, तू धोखा दे सकेगा और

सफल भी होगा। जा और ऐसा ही कर। और अब देखो, प्रभु ने तेरे इन सब भविष्यवक्ताओं के मुँह में झूठी आत्मा डाल दी है, और प्रभु ने तेरे विषय में बुराइयाँ कही हैं।

और सिदकिय्याह, कनान का पुत्र, आया और उसने मीकायाह के गाल पर मारा, और कहा, प्रभु की कौन सी आत्मा तुझ में बोली? और मीकायाह ने कहा, देखो, तुम उस दिन देखोगे जब तुम वहाँ छिपने के लिए भीतरी कक्ष में प्रवेश करोगे। और इस्राएल के राजा ने कहा, मीकायाह को पकड़ो और उसे नगर के अधिकारी सेमेर और राजा के पुत्र योआश के पास वापस ले जाओ। मैंने कहा कि इसको कारागार में रखो, और उसे क्लेश की रोटी और क्लेश का पानी खिलाओ, जब तक मैं शांति से वापस न लौट आऊँ। और मीकायाह ने कहा, यदि तू शांति से लौट आए, तो प्रभु ने मुझसे नहीं बोला है।

और इस्राएल का राजा और यहूदा का राजा यहोशापात उसके साथ रामोत गिलाद को गए। और इस्राएल के राजा ने यहूदा के राजा यहोशापात से कहा, मैं भेष बदलूँगा और युद्ध में प्रवेश करूँगा, और तुम मेरे वस्त्र पहन लो। और इस्राएल के राजा ने भेष बदला और युद्ध में प्रवेश किया। और सीरिया के राजा ने अपने बत्तीस रथों के शासकों को आदेश दिया, छोटे और बड़े से युद्ध मत करो, लेकिन केवल इस्राएल के राजा से अकेले। और ऐसा हुआ कि जब रथों के सेनापतियों ने यहूदा के राजा यहोशापात को देखा, तो उन्होंने कहा, यह इस्राएल का राजा प्रतीत होता है, और उन्होंने उसे युद्ध करने के लिए घेर लिया, और यहोशापात चिल्लाया। और ऐसा हुआ कि जब रथों के सेनापतियों ने देखा कि यह इस्राएल का राजा नहीं है, तो वे उससे लौट गए।

और एक ने धनुष को सटीकता से तान कर इसराएल के राजा को फेफड़े और कवच के बीच मारा, और उसने अपने सारथी से कहा, अपने हाथ मोड़ो और मुझे युद्ध से निकालो, क्योंकि मैं घायल हूँ। और उस दिन युद्ध का पलड़ा पलट गया, और राजा सुबह से शाम तक सीरिया के सामने रथ पर खड़ा रहा, और घाव से रक्त रथ की गोद में बहता रहा, और शाम को वह मर गया, और पराजय का रक्त रथ की गोद तक बहता रहा। और सूरज डूबते समय सेनापति का दूत खड़ा

हुआ और कहने लगा, प्रत्येक व्यक्ति अपने शहर में और अपनी भूमि में जाए। कि राजा मर गया है, और वे सामरिया में आए, और उन्होंने राजा को सामरिया में दफनाया। और उन्होंने रथ को सामरिया के झरने पर धोया, और सूअरों और कुत्तों ने खून को चाटा, और वेश्याओं ने खून में स्नान किया, प्रभु के उस वचन के अनुसार जो उसने बोला था।

और अहाब के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, और हाथी दांत का घर जो उसने बनाया, और सब नगर जो उसने बनाए, क्या ये इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे नहीं हैं? और अहाब अपने पिताओं के साथ सो गया, और उसका पुत्र अहज्याह उसके स्थान पर राजा बना।

और यहोशापात, जो आसा का पुत्र था, यहूदा पर राज्य करने लगा। इस्राएल के राजा अहाब के चौथे वर्ष में उसने राज्य किया। यहोशापात पैंतीस वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने यरूशलेम में पच्चीस वर्ष राज्य किया, और उसकी माता का नाम अजूबा था जो शिल्ही की पुत्री थी। और वह अपने पिता आसा के सब मार्गों में चला, उससे नहीं मुड़ा, प्रभु की दृष्टि में जो सही था वह करने के लिए। सिवाय ऊँचे स्थानों के, उसने उन्हें नहीं हटाया; अभी भी लोग ऊँचे स्थानों पर बलिदान करते थे और धूप जलाते थे। और यहोशापात ने इस्राएल के राजा के साथ शांति स्थापित की।

और यहोशापात के शेष वचन, और उसके पराक्रम के कार्य जो उसने किए, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और यहोशापात अपने पुरखाओं के साथ सो गया, और अपने पुरखाओं के बीच अपने पिता दाऊद के नगर में दफनाया गया, और उसका पुत्र योराम उसके स्थान पर राजा बना।

और अहाब का पुत्र अखज्याह ने सामरिया में इस्राएल पर राज्य किया, यहूदा के राजा यहोशापात के सत्रहवें वर्ष में, अहाब का पुत्र अखज्याह ने सामरिया में इस्राएल पर दो वर्ष राज्य किया। और

उसने प्रभु के सामने बुराई की, और वह अपने पिता अहाब के मार्ग में चला और अपनी माता ईजेबेल के मार्ग में, और नाबात के पुत्र यारोबाम के घर के पापों में, जिसने इस्राएल से पाप करवाया। और उसने बाल देवताओं की सेवा की और उन्हें दंडवत किया, और इस्राएल के प्रभु परमेश्वर को क्रोधित किया, ठीक उसी प्रकार जो उसके पहले हुआ था।

23

24

25

26

27

28

29

30

31

2 राजा

1

और मोआब ने इस्राएल के विरुद्ध विद्रोह किया अहाब के मरने के बाद।

और अहज्याह अपने ऊपरी कमरे की जाली से गिरा, जो शोमरोन में था, और वह बीमार हो गया, और उसने दूतों को भेजा, और उनसे कहा, आओ और एक्रोन के देवता बाल-जबूब से पूछताछ करो कि क्या मैं इस बीमारी से जीवित रहूंगा, और वे उसके माध्यम से पूछताछ करने गए। और प्रभु के दूत ने तिशबी एलियाह को बुलाया और कहा, उठो और सामरिया के राजा अहज्याह के दूतों से मिलने जाओ, और उनसे कहो, क्या इस्राएल में परमेश्वर नहीं है कि तुम एक्रोन के देवता बाल-जबूब से पूछताछ करने जा रहे हो? और ऐसा नहीं। क्योंकि प्रभु यह कहते हैं: जिस बिस्तर पर तुम वहाँ चढ़े हो, उससे तुम नहीं उतरोगे, क्योंकि तुम मृत्यु से मरोगे। और एलियाह गया, और उसने उनसे कहा।

और दूत उसकी ओर लौट आए, और उसने उनसे कहा, क्यों तुम लौट आए? और उन्होंने उससे कहा, एक आदमी हमसे मिलने आया, और उसने हमसे कहा, आओ, उस राजा के पास लौट जाओ जिसने तुम्हें भेजा है, और उससे कहो, प्रभु यह कहते हैं: क्या इस्राएल में परमेश्वर नहीं है

कि तू एक्रोन के देवता बाल-जबूब से पूछने जा रहा है? इसलिए, जिस बिस्तर पर तू चढ़ा है, उससे तू नहीं उतरेगा, बल्कि निश्चय ही मर जाएगा। और वे लौटकर राजा को बताया जैसा एलिय्याह ने कहा था। और उसने उनसे कहा, उस आदमी के बारे में तुम्हारा निर्णय क्या है जो तुमसे मिलने के लिए आया और तुमसे ये शब्द बोला? और उन्होंने उससे कहा, एक रोमिल पुरुष, जिसकी कमर पर चमड़े की पेटी बँधी हुई थी। और उसने कहा, यह तिश्बी एलियाह है।

और उसने उसके पास पचास का सेनापति और उसके पचास सैनिकों को भेजा, और वह उसके पास चढ़ा, और देखो एलियाह पहाड़ की चोटी पर बैठा था, और पचास का सेनापति ने उससे बात की, और कहा, हे परमेश्वर के जन, राजा ने तुम्हें बुलाया है, नीचे आओ। और एलियाह ने उत्तर दिया और पचास के सेनापति से कहा, यदि मैं परमेश्वर का मनुष्य हूँ, तो स्वर्ग से आग नीचे आएगी और तुझे और तेरे पचासों को भस्म कर देगी। और स्वर्ग से आग नीचे आई और उसे और उसके पचासों को भस्म कर दिया। और राजा ने फिर उसके पास एक दूसरा पचास का सरदार और उसके पचास सैनिकों को भेजा, और पचास का सरदार ने उससे कहा, हे परमेश्वर के जन, राजा यह कहता है: शीघ्र नीचे उतर आओ। और एलियाह ने उत्तर दिया और उससे बोला, और कहा, यदि मैं परमेश्वर का मनुष्य हूँ, तो आकाश से आग नीचे आएगी और तुझे और तेरे पचास को भस्म कर देगी। और आकाश से आग नीचे आई और उसे और उसके पचास को भस्म कर दिया। और राजा ने फिर एक नेता और उसके पचास लोगों को भेजा, और तीसरा कप्तान आया, और एलिय्याह के सामने अपने घुटनों पर झुका, और उससे विनती की, और उससे बोला, और कहा, हे परमेश्वर के मनुष्य, मेरा प्राण और तेरे इन पचास दासों का प्राण तेरी दृष्टि में सम्मानित हो। देखिए, स्वर्ग से आग उतरी और उसने पहले दो पचासों के सेनापतियों को भस्म कर दिया, और अब मेरा प्राण आपकी दृष्टि में सम्मानित हो। और प्रभु के दूत ने एलियाह से बात की और कहा, उसके साथ नीचे जाओ, उनके चेहरे से मत डरो, और एलियाह उठा और उसके साथ राजा के पास गया। और उसने उससे बात की और कहा, एलियाह, प्रभु यह कहते हैं: क्या इसलिए तूने दूतों को अक्करोन के देवता बाल-जबूब से पूछने के लिए भेजा? ऐसा नहीं होगा, जिस बिस्तर पर तू वहाँ चढ़ा है, उससे तू नहीं उतरेगा, क्योंकि तू निश्चित रूप से मरेगा।

और वह प्रभु के उस वचन के अनुसार मरा जो एलिय्याह ने बोला था। और अहज्याह के शेष वचन जो उसने किए, क्या ये इस्राएल के राजाओं के दिनों के वचनों की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

2

और ऐसा हुआ कि जब प्रभु एलिय्याह को बवंडर में स्वर्ग की ओर ले जा रहे थे, तब एलिय्याह और एलीशा गिलगाल से चले। और एलिय्याह ने एलीशा से कहा, यहाँ बैठो, क्योंकि परमेश्वर ने मुझे बेथेल तक भेजा है, और एलीशा ने कहा, जीवित प्रभु की शपथ और तुम्हारी आत्मा की शपथ, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा, और वे बेथेल आए। और बेथेल में रहने वाले भविष्यवक्ताओं के पुत्र एलीशा के पास आए, और उन्होंने उससे कहा, क्या तुम जानते हो कि प्रभु आज तुम्हारे स्वामी को तुम्हारे सिर के ऊपर से ले जाएंगे? और उसने कहा, हाँ, मैं जानता हूँ, चुप रहो। और एलिय्याह ने एलीशा से कहा, यहाँ बैठो, क्योंकि प्रभु ने मुझे यरीहो भेजा है। और उसने कहा, जीवित प्रभु की शपथ और तुम्हारी आत्मा की शपथ, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा। और वे यरीहो आए।

और यरीहो में भविष्यवक्ताओं के पुत्र एलीशा के पास आए, और उससे कहा, क्या तू जानता है कि आज प्रभु तेरे स्वामी को तेरे सिर के ऊपर से ले जाएगा? और उसने कहा, हाँ, मैं भी जानता हूँ, चुप रहो। और एलियाह ने उससे कहा, यहाँ बैठो, क्योंकि प्रभु ने मुझे यर्दन तक भेजा है। और एलीशा ने कहा, जीवित प्रभु की शपथ और तुम्हारी आत्मा की शपथ, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा। और दोनों चले गए। और भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से पचास पुरुष दूर से सामने खड़े हुए, और दोनों यर्दन पर खड़े हुए। और एलियाह ने अपनी चादर ली और उसे लपेटा और पानी पर मारा, और पानी इधर-उधर विभाजित हो गया, और दोनों ने जंगल में पार किया।

और ऐसा हुआ कि जब वे पार कर रहे थे, तब एलियाह ने एलीशा से कहा, मांग कि मैं तुम्हारे

लिए क्या करूं, इससे पहले कि मैं तुमसे उठा लिया जाऊं। और एलीशा ने कहा, वास्तव में तुम्हारी आत्मा का दोगुना भाग मुझ पर हो जाए। और एलियाह ने कहा, तुमने कठिन मांग की है, यदि तुम मुझे अपने से ऊपर उठाए जाते हुए देखो, तो तुम्हें यह मिलेगा, और यदि नहीं, तो यह नहीं होगा।

और ऐसा हुआ कि जब वे जा रहे थे, वे चल रहे थे और बात कर रहे थे, और देखो, आग का एक रथ और आग के घोड़े प्रकट हुए, और उन्होंने दोनों को अलग कर दिया, और एलियाह को बवंडर में स्वर्ग की ओर उठा लिया गया। और एलीशा ने देखा, और चिल्लाया, पिता, पिता, इस्राएल का रथ और उसके सवार! और उसने उसे फिर नहीं देखा, और उसने अपने वस्त्रों को पकड़ा, और उन्हें दो टुकड़ों में फाड़ दिया। और एलीशा ने एलियाह की चादर उठाई, जो ऊपर से उस पर गिरी थी, और एलीशा लौटा, और यर्दन के किनारे पर खड़ा हुआ। और उसने एलियाह की चादर ली, जो उसके ऊपर से गिरी थी, और उसने पानी पर मारा, और कहा, एलियाह का परमेश्वर अब कहाँ है? और उसने पानी पर मारा, और वे इधर-उधर फट गए, और एलीशा ने पार किया।

और यरीहो में रहने वाले भविष्यवक्ताओं के पुत्रों ने सामने से उसे देखा, और कहा, एलियाह की आत्मा एलीशा पर ठहर गई है, और वे उससे मिलने आए, और भूमि पर झुककर उसे प्रणाम किया। और उन्होंने उससे कहा, देखो, तुम्हारे सेवकों के साथ पचास पुरुष हैं जो शक्तिशाली पुत्र हैं, वे जाकर तुम्हारे स्वामी को खोजें, कहीं ऐसा न हो कि प्रभु की आत्मा ने उसे उठा लिया हो और उसे यर्दन में या पहाड़ों में से किसी एक पर या पहाड़ियों में से किसी एक पर फेंक दिया हो, और एलीशा ने कहा, मत भेजो। और उन्होंने उसे तब तक आग्रह किया जब तक वह शर्मिंदा नहीं हो गया, और उसने कहा, भेजो, और उन्होंने पचास पुरुषों को भेजा, और उन्होंने तीन दिन खोजा, और उसे नहीं पाया। और वे उसके पास लौटे, और वह यरीहो में बैठा था, और एलीशा ने कहा, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि मत जाओ?

और नगर के पुरुषों ने एलीशा से कहा, देखिए, नगर का निवास अच्छा है, जैसा प्रभु देखता है,

परन्तु जल बुरा है, और भूमि बांझ है। और एलीशा ने कहा, मेरे लिए एक नया घड़ा लो, और उसमें नमक रखो, और उन्होंने लिया, और उसके पास लाए। और एलीशा पानी के स्रोत पर गया, और वहाँ नमक फेंका, और कहा, प्रभु यह कहता है: मैं इन जलों को शुद्ध करता हूँ; अब वहाँ से मृत्यु और बाँझपन नहीं होगा। और पानी इस दिन तक चंगे हो गए, एलीशा के उस वचन के अनुसार जो उसने बोला था।

और वह वहाँ से बेथेल को गया, और जब वह रास्ते में चढ़ रहा था तो छोटे लड़के शहर से निकले और उसका मज़ाक उड़ाया, और उससे कहा, चढ़ जा गंजे, चढ़ जा। और वह उनके पीछे मुड़ गया, और उसने उनको देखा, और उसने प्रभु के नाम में उनको शाप दिया, और देखो दो भालू वन से निकल आए, और उन्होंने उनमें से बयालीस सेवकों/बच्चों को फाड़ डाला। और वह वहाँ से कर्मेल् पहाड़ पर गया, और वहाँ से सामरिया लौट आया।

3

और योराम, अहाब का पुत्र, इस्राएल में यहूदा के राजा यहोशापात के अठारहवें वर्ष में राज्य करने लगा, और उसने बारह वर्ष तक राज्य किया। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, सिवाय इसके कि उसके पिता के समान नहीं, और न ही उसकी माता के समान, और उसने बाल के स्तंभों को हटा दिया, जो उसके पिता ने बनाए थे। सिवाय यारोबाम पुत्र नाबात के पाप के, जिसने इस्राएल से पाप करवाया था, वह उससे चिपका रहा और उससे नहीं हटा।

और मोआब का राजा नोखेद था, और वह इस्राएल के राजा को विद्रोह में सौ हजार मेमने और सौ हजार मेढ़े ऊन सहित लौटाता था। और ऐसा हुआ कि अहाब के मरने के बाद, मोआब के राजा ने इस्राएल के राजा के विरुद्ध विद्रोह किया।

और राजा योराम उस दिन सामरिया से बाहर गया, और उसने इस्राएल का निरीक्षण किया। और वह गया और यहूदा के राजा यहोशापात की ओर भेजा, यह कहते हुए, मोआब के राजा ने मेरे विरुद्ध विद्रोह किया है, क्या तुम मेरे साथ मोआब के विरुद्ध युद्ध में जाओगे? और उसने कहा, मैं जाऊंगा, जो मेरे समान है, वह तुम्हारे समान है, जैसे मेरे लोग, वैसे तुम्हारे लोग, जैसे मेरे घोड़े, वैसे तुम्हारे घोड़े। और उसने कहा, मैं किस रास्ते से ऊपर जाऊं? और उसने कहा, एदोम के जंगल का रास्ता। और इस्राएल का राजा और यहूदा का राजा और एदोम का राजा गए, और उन्होंने सात दिनों का रास्ता घेरा, और शिविर के लिए और उनके साथ चलने वाले पशुओं के लिए पानी नहीं था।

और इस्राएल के राजा ने कहा, हाय, क्योंकि प्रभु ने तीनों राजाओं को बुलाया है जो गुजर रहे हैं, उन्हें मोआब के हाथ में सौंपने के लिए। और यहोशापात ने कहा, क्या यहाँ प्रभु का कोई भविष्यवक्ता नहीं है, और हम उससे प्रभु से पूछें? और इस्राएल के राजा के सेवकों में से एक ने उत्तर दिया और कहा, यहाँ एलीशा है, शापात का पुत्र, जिसने एलिय्याह के हाथों पर जल डाला। और यहोशापात ने कहा, उसके पास प्रभु का वचन है, और इस्राएल का राजा, और यहूदा का राजा यहोशापात, और एदोम का राजा उसके पास गए।

और एलीशा ने इस्राएल के राजा से कहा, मुझे तुझसे क्या लेना-देना? अपने पिता के भविष्यवक्ताओं और अपनी माता के भविष्यवक्ताओं के पास जा। और इस्राएल के राजा ने उससे कहा, नहीं, क्योंकि प्रभु ने तीन राजाओं को बुलाया है ताकि उन्हें मोआब के हाथों में सौंप दे। और एलीशा ने कहा, जीवित है सेनाओं का प्रभु जिसके सामने मैं खड़ा हूँ, कि यदि यहूदा के राजा यहोशापात का आदर न होता, तो मैं तेरी ओर देखता भी नहीं और न तुझे देखता। और अब मेरे लिए एक भजन गाने वाला लाओ, और जब भजन गाने वाला गा रहा था, तब प्रभु का हाथ उस पर आया, और उसने कहा, प्रभु यह कहते हैं: इस नाले में गड्ढे खोदो। क्योंकि प्रभु यह कहते हैं: तुम न हवा देखोगे और न बारिश देखोगे, फिर भी यह नाला पानी से भर जाएगा, और तुम पीओगे, तुम्हारी संपत्तियाँ और तुम्हारे पशु भी। और यह प्रभु की दृष्टि में हल्का है, और मैं मोआब

को तुम्हारे हाथ में सौंप दूंगा। और तुम सब दृढ़ नगरों को मारोगे, और सब अच्छे वृक्षों को काट डालोगे, और जल के सब स्रोतों को बंद करोगे, और सब अच्छे भागों को पत्थरों से बरबाद करोगे।

और सुबह बलिदान चढ़ाते समय ऐसा हुआ, और देखो, एदोम के रास्ते से पानी आ रहा था, और भूमि पानी से भर गई।

और समस्त मोआब ने सुना कि तीन राजा उनसे लड़ने के लिए आए हैं, और सभी कमरबंद बांधे हुए लोगों ने चिल्लाकर कहा, ओ, और वे सीमा पर खड़े हो गए। और वे सुबह में जल्दी उठे, और सूरज पानी पर उगा, और मोआब ने सामने के पानी को रक्त के समान लाल देखा, और उन्होंने कहा, यह तलवार का रक्त है, और राजा लड़े, और हर पुरुष ने अपने पड़ोसी को मारा, और अब मोआब की लूट पर चलो। और वे इस्राएल के शिविर में घुस गए, और इस्राएली उठे और उन्होंने मोआबियों को मारा, और वे उनके सामने से भाग गए, और वे आगे बढ़ते हुए मोआब में प्रवेश करते गए और उन्हें मारते रहे। और उन्होंने शहरों को नष्ट कर दिया, और हर अच्छे हिस्से में हर आदमी ने पत्थर फेंका और उसे भर दिया, और हर झरने को बंद कर दिया, और हर अच्छे पेड़ को गिरा दिया, यहाँ तक कि दीवार के पत्थरों को ध्वस्त छोड़ दिया, और गुलेलबाजों ने घेर लिया और उसे मारा। और मोआब के राजा ने देखा कि युद्ध उसके विरुद्ध प्रबल हो गया है, और उसने अपने साथ सात सौ तलवार खींचे हुए पुरुषों को लिया ताकि एदोम के राजा की ओर तोड़कर निकल सकें, परन्तु वे सफल नहीं हुए। और उसने अपने पहलौठे पुत्र को लिया जो उसके बदले राज्य करता था, और उसे दीवार पर होमबलि के रूप में चढ़ाया, और इस्राएल पर बड़ा पछतावा हुआ, और वे उससे प्रस्थान कर गए, और अपनी भूमि को लौट गए।

4

और भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक स्त्री एलीशा की ओर चिल्लाई, कहती हुई, तेरा दास, मेरा

पति, मर गया, और तू जानता था कि तेरा दास प्रभु से डरता था, और साहूकार मेरे दोनों पुत्रों को अपने लिए दास बनाने आया है। और एलीशा ने कहा, मैं तुम्हारे लिए क्या करूँ? मुझे बताओ, तुम्हारे घर में क्या है? और उसने कहा, तुम्हारी दासी के पास घर में कुछ भी नहीं है, केवल थोड़ा सा तेल है। और उसने उससे कहा, जाओ, बाहर से सभी पड़ोसियों से अपने लिए खाली बर्तन मांगो, कम मत मांगो। और तुम अंदर जाओगे और अपने तथा अपने पुत्रों के पीछे द्वार बंद कर लोगे, और इन बर्तनों में डालोगे, और जो भर जाए उसे अलग रख लोगे। और वह उससे चला गया, और उसने अपने और अपने बेटों के लिए दरवाज़ा बंद कर लिया, वे उसके पास बर्तन लाते रहे, और वह तब तक डालती रही जब तक बर्तन भर नहीं गए। और उसने अपने पुत्रों से कहा, मेरे पास एक और बर्तन लाओ, और उन्होंने उससे कहा, कोई और बर्तन नहीं है, और तेल रुक गया। और वह आया और परमेश्वर के जन को सूचना दी, और एलीशा ने कहा, जाओ और तेल बेचो, और तुम अपना ब्याज चुकाओगे, और तुम और तुम्हारे पुत्र बचे हुए तेल से जीवित रहोगे।

और एक दिन ऐसा हुआ कि एलीशा शूनेम को पार करके गया, और वहाँ एक प्रतिष्ठित स्त्री थी, और उसने उसे रोटी खाने के लिए पकड़ लिया, और ऐसा हुआ कि जब भी वह प्रवेश करता था, तो वह वहाँ खाने के लिए मुड़ जाता था। और उस स्त्री ने अपने पति से कहा, देखो, अब मैं जान गई हूँ कि यह परमेश्वर का पवित्र पुरुष है जो हमारे पास निरंतर आता-जाता रहता है। आओ हम वास्तव में उसके लिए एक छोटा ऊपरी कमरा बनाएं, और उसके लिए वहाँ एक बिस्तर, एक मेज, एक कुर्सी और एक दीवट रखें, और जब वह हमारे पास आएगा तो वह वहाँ ठहरेगा।

और एक दिन ऐसा हुआ कि वह वहाँ गया और ऊपरी कमरे में चला गया और वहाँ सो गया। और उसने अपने सेवक गेहजी से कहा, इस शूनेमी को मेरे लिए बुलाओ, और उसने उसे बुलाया, और वह उसके सामने खड़ी हुई। और उसने उससे कहा, मैंने वास्तव में उससे कहा, देखो, तुमने हमें यह सब विस्मय दिया है, तुम्हारे लिए क्या करना चाहिए? यदि तुम्हारी राजा से कोई बात है, या सेना के शासक से? लेकिन उसने कहा, मैं अपने लोगों के बीच रहती हूँ। और उसने गेहजी से कहा, इसके लिए क्या करना आवश्यक है? और गेहजी, उसके सेवक ने कहा, बहुत, इसके पुत्र

नहीं है, और उसका पति बूढ़ा आदमी है।

और उसने उसे बुलाया, और वह दरवाजे के पास खड़ा हुआ। और एलीशा ने उससे कहा, इस समय में, जैसे यह घड़ी, तू जीवित रहते हुए, एक पुत्र को गले लगाए हुए होगी। लेकिन उसने कहा, नहीं स्वामी, अपनी दासी को धोखा मत दो। और उस स्त्री ने गर्भ धारण किया, और उस समय एक पुत्र को जन्म दिया, उसी घड़ी में, जीवित रहते हुए, जैसे एलीशा ने उससे कहा था।

और वह बालक बड़ा हुआ, और ऐसा हुआ कि जब वह अपने पिता के पास काटनेवालों के पास निकला, और उसने अपने पिता से कहा, मेरा सिर, मेरा सिर, और उसने सेवक से कहा, इसे उठाकर इसकी माता के पास ले जाओ। और उसे उसकी माता के पास ले गया, और वह उसके घुटनों पर दोपहर तक सोया रहा, और मर गया। और उसने उसे ऊपर लाया, और उसे परमेश्वर के जन के बिस्तर पर लिटाया, और द्वार बंद किया, और बाहर चला गया। और उसने अपने पति को बुलाया, और कहा, मुझे वास्तव में एक सेवक और एक गधा भेज दो, और मैं परमेश्वर के जन के पास दौड़ी जाऊंगी, और लौट आऊंगी। और उसने कहा, क्या बात है कि तू आज उसके पास जा रही है? न तो नया चाँद है, न सब्त है। लेकिन उसने कहा, शांति।

और उसने गधे को तैयार किया, और अपने सेवक से कहा, ले चलो, जाओ, मुझे चढ़ने से मत रोको, क्योंकि अगर मैं तुमसे कहूँ, यहाँ आओ, तो तुम जाओगे, और तुम परमेश्वर के जन के पास कर्मेल पर्वत पर आओगे। और वह गया और परमेश्वर के आदमी के पास पहाड़ पर आया, और जब एलीशा ने उसे आते देखा, तो उसने अपने सेवक गेहजी से कहा, देखो, वह शूनेमी स्त्री आ रही है। अब उससे मिलने के लिए दौड़, और तू कहेगा, क्या तुझे शांति है? क्या तेरे पति को शांति है? क्या सेवक को शांति है? और उसने कहा, शांति है। और वह पहाड़ पर एलीशा के पास आई, और उसने उसके पैर पकड़े, और गेहजी उसे धकेलने के लिए पास आया। और एलीशा ने कहा, उसे छोड़ दो, क्योंकि उसकी आत्मा कड़वाहट में है, और प्रभु ने इसे मुझसे और तुमसे छिपाया है और मुझे नहीं बताया। उसने कहा, क्या मैंने अपने प्रभु से पुत्र माँगा था? क्या मैंने नहीं

कहा था कि तुम मुझे धोखा मत देना?

और एलीशा ने गेहजी से कहा, अपनी कमर कसो, और मेरी छड़ी अपने हाथ में लो, और आओ, क्योंकि यदि तुम किसी आदमी को पाओ तो उसे आशीर्वाद मत देना, और यदि कोई आदमी तुम्हें आशीर्वाद दे तो उसे उत्तर मत देना, और मेरी छड़ी को बच्चे के चेहरे पर रखना। और बच्चे की माता ने कहा, प्रभु जीवित है और तुम्हारी आत्मा जीवित है, यदि मैं तुम्हें छोड़ूंगा, और एलीशा उठा और उसके पीछे गया। और गेहजी उससे आगे गया, और लाठी को बच्चे के चेहरे पर रखा, और कोई आवाज नहीं थी और कोई सुनाई नहीं दिया, और वह उससे मिलने को लौटा, और उसने उसे बताया, कहते हुए, बच्चा नहीं उठा।

और एलीशा घर में प्रवेश किया, और देखो बालक मृत था उसके बिस्तर पर लेटा हुआ था, और एलीशा घर में प्रवेश किया, और उन दोनों के लिए दरवाजा बंद किया, और प्रभु से प्रार्थना की। और वह ऊपर गया और बालक पर सोया, और उसने अपना मुँह उसके मुँह पर रखा, और अपनी आँखें उसकी आँखों पर, और अपने हाथ उसके हाथों पर, और उस पर झुका, और बालक का मांस गर्म हुआ। और वह लौटा, और घर में इधर-उधर गया, और चढ़ा और बच्चे पर सात बार तक झुका, और बच्चे ने अपनी आँखें खोलीं। और एलीशा ने गेहजी को पुकारा, और कहा, इस शूनेमी को बुलाओ, और उसने बुलाया, और वह उसके पास आई, और एलीशा ने कहा, अपने पुत्र को ले लो। और वह स्त्री प्रवेश की, और उसके पैरों पर गिरी, और भूमि पर प्रणाम किया, और अपने पुत्र को लिया, और बाहर चली गई।

और एलीशा गिलगाल लौटा, और भूमि में अकाल था, और भविष्यवक्ताओं के पुत्र उसके सामने बैठे थे, और एलीशा ने अपने युवा सेवक से कहा, बड़ा बर्तन रखो, और भविष्यवक्ताओं के पुत्रों के लिए शोरबा उबालो। और वह जड़ी-बूटियाँ इकट्ठा करने के लिए खेत में गया, और उसने खेत में एक बेल पाई, और उससे जंगली फल इकट्ठा किए जिससे उसका कपड़ा भर गया, और उसने उन्हें स्टू की हांडी में डाल दिया, क्योंकि वे नहीं जानते थे, और उसने पुरुषों को खाने के लिए

परोसा। और ऐसा हुआ कि जब वे स्टू खा रहे थे, तो देखो, वे चिल्लाए और बोले, हे परमेश्वर के जन, बर्तन में मृत्यु है, और वे खा नहीं सके। और उसने कहा, आटा लो और हांडी में डालो, और एलीशा ने अपने सेवक गेहजी से कहा, लोगों को परोसो और उन्हें खाने दो, और हांडी में कोई बुरी बात नहीं रही।

और एक पुरुष बाल-शालीशा से आया, और परमेश्वर के पुरुष के पास प्रथम फलों की बीस जौ की रोटियाँ और अंजीर की टिकियाँ लाया, और कहा, लोगों को दो और उन्हें खाने दो। और उसके सेवक ने कहा, यह सौ पुरुषों के सामने क्या दूँ? और उसने कहा, लोगों को दे और उन्हें खाने दो, क्योंकि प्रभु यह कहता है, वे खाएंगे और बचा छोड़ेंगे। और उन्होंने खाया और छोड़ दिया, प्रभु के वचन के अनुसार।

5

और नामान, जो सीरिया की सेना का सेनापति था, अपने स्वामी के सामने एक महान पुरुष था, और प्रतिष्ठित था, क्योंकि उसके द्वारा प्रभु ने सीरिया को विजय दी थी, और वह पुरुष शक्तिशाली योद्धा था, परन्तु कोढ़ी था। और सीरिया से हल्के सशस्त्र दल निकले, और उन्होंने इस्राएल की भूमि से एक छोटी युवा लड़की को बंदी बना लिया, और वह नामान की पत्नी की सेवा में थी। उसने अपनी स्वामिनी से कहा, काश मेरा स्वामी उस भविष्यवक्ता के सामने होता जो सामरिया में परमेश्वर का है, तब वह उसे उसके कोढ़ से ठीक कर देता। और उसने प्रवेश किया और अपने स्वामी को सूचना दी, और कहा, इस प्रकार और इस प्रकार इस्राएल की भूमि से वह युवती बोली।

और सीरिया के राजा ने नामान से कहा, यहाँ आओ, प्रवेश करो और मैं इस्राएल के राजा के पास एक पत्र भेजूंगा, और वह गया, और उसने अपने हाथ में दस तालान्त चांदी, छह हजार सोने के

सिक्के, और दस जोड़े वस्त्र लिए। और वह पुस्तक को इस्राएल के राजा के पास लाया, यह कहते हुए, और अब जब यह पुस्तक तुम्हारे पास आए, देखो, मैंने अपने दास नामान को तुम्हारे पास भेजा है, और तुम उसे उसके कोढ़ से ठीक करोगे। और ऐसा हुआ कि जब इस्राएल के राजा ने पुस्तक पढ़ी, तो उसने अपने वस्त्र फाड़ दिए और कहा, क्या मैं परमेश्वर हूँ जो मार सकता है और जीवित कर सकता है, कि यह मेरे पास किसी पुरुष को उसके कोढ़ से मुक्त करने के लिए भेजता है? निश्चय ही जान लो और देखो कि यह मेरे विरुद्ध बहाना बना रहा है।

और ऐसा हुआ कि जब एलीशा ने सुना कि इस्राएल के राजा ने अपने वस्त्र फाड़े, तो उसने इस्राएल के राजा के पास संदेश भेजा और कहा, तूने अपने वस्त्र क्यों फाड़े? नामान को मेरे पास आने दो, और वह जान ले कि इस्राएल में एक नबी है।

और नामान घोड़े और रथ में आया, और एलीशा के घर के दरवाजे पर खड़ा हुआ। और एलीशा ने उसके पास एक दूत भेजा और कहलवाया, जाकर यरदन नदी में सात बार स्नान करो, और तुम्हारा शरीर ठीक हो जाएगा और तुम शुद्ध हो जाओगे। और नामान क्रोधित हुआ और चला गया, और बोला, देखो, मैंने सोचा था कि वह निश्चित रूप से बाहर आएगा और खड़ा होगा, और अपने परमेश्वर के नाम से पुकारेगा, और अपना हाथ उस स्थान पर रखेगा, और कोढ़ को दूर करेगा। क्या अबाना और फारफार, दमिश्क की नदियाँ, इस्राएल के सभी जलों से अच्छी नहीं हैं? क्या मैं उनमें जाकर नहा नहीं सकता और शुद्ध नहीं हो सकता? और वह मुड़ा और क्रोध में चला गया। और उसके सेवक पास आए, और उससे बोले, भविष्यवक्ता ने तुझसे महान वचन बोला, क्या तू नहीं करेगा? और क्योंकि उसने तुझसे कहा, धो और शुद्ध हो जा। और नामान नीचे गया और यरदन में एलीशा के शब्द के अनुसार सात बार स्वयं को डुबोया, और उसका मांस छोटे बच्चे के मांस जैसा लौट आया, और वह शुद्ध हो गया।

और वह अपने सारे शिविर के साथ एलीशा के पास लौटा, और आया और उसके सामने खड़ा हुआ, और बोला, देखो, मैंने जान लिया है कि सारी पृथ्वी में परमेश्वर नहीं है, परन्तु केवल

इसाएल में है, और अब अपने दास से आशीर्वाद ले लो। और एलीशा ने कहा, प्रभु जीवित है जिसके सामने मैं खड़ा हूँ, यदि मैं लूँगा, और उसने उसे लेने के लिए बाध्य किया, और उसने इनकार कर दिया, और नामान ने कहा, यदि नहीं, तो आपके दास को खच्चरों की एक जोड़ी का भार लाल मिट्टी दी जाए, और आप मुझे उस लाल पृथ्वी में से देंगे, क्योंकि आपका दास अब अन्य देवताओं को होमबलि और बलिदान नहीं चढ़ाएगा, बल्कि केवल प्रभु को ही, इस वचन के अनुसार। और प्रभु अपने दास पर दयालु होंगे जब मेरा स्वामी रिम्मोन के घर में प्रणाम करने जाएगा, और वह मेरे हाथ पर टिकेगा, और मैं रिम्मोन के घर में प्रणाम करूँगा जब वह रिम्मोन के घर में प्रणाम करेगा, और प्रभु वास्तव में अपने दास पर इस बात में दयालु होंगे। और एलीशा ने नामान से कहा, शांति से जाओ, और वह उससे दूर देब्राथा की भूमि में चला गया।

और गेहजी, जो एलीशा का सेवक था, ने कहा, देखो, मेरे स्वामी ने इस सीरियाई नामान को बख्शा और उसके हाथ से वह नहीं लिया जो वह लाया था। जीवित प्रभु की शपथ, मैं उसके पीछे अवश्य दौड़ूंगा और उससे कुछ लूँगा। और गेहजी ने नामान का पीछा किया, और नामान ने उसे अपने पीछे दौड़ते हुए देखा, और वह रथ से उससे मिलने के लिए लौटा। और उसने कहा, शांति, मेरे स्वामी ने मुझे भेजा है, यह कहते हुए, देखो, अब मेरे पास दो युवा पुरुष एप्रैम के पहाड़ से आए हैं, भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से; वास्तव में उनको एक तोड़ा चांदी और दो बदलते वस्त्र दो। और उसने कहा, दो तालान्त चांदी लो, और उसने दो तालान्त चांदी दो थैलों में लिया, और दो बदलने वाले वस्त्र, और उसने अपने दो युवा लड़कों को दिया, और उन्होंने उसके सामने उठाया। और वह अंधेरे में आया, और उसने उनके हाथों से लिया, और घर में रखा, और उन आदमियों को भेज दिया।

और वह स्वयं अंदर गया, और अपने स्वामी के पास खड़ा हुआ, और एलीशा ने उससे कहा, कहाँ से आ रहे हो गेहजी? और गेहजी ने कहा, तुम्हारा दास कहीं नहीं गया था। और एलीशा ने उससे कहा, क्या मेरा हृदय तुम्हारे साथ नहीं गया जब वह पुरुष तुमसे मिलने के लिए रथ से लौटा? और अब तुमने चांदी ली, और अब तुमने वस्त्र लिए, और जैतून के बाग और अंगूर के बाग और

भेड़ें और बैल और सेवक और दासियां। और नामान का कुष्ठरोग तुझ में और तेरे बीज में सदा के लिए चिपका रहेगा, और वह उसके सामने से कोढ़ी होकर निकला, बर्फ के समान।

6

और भविष्यवक्ताओं के पुत्रों ने एलीशा से कहा, देखो, यह स्थान जहाँ हम तुम्हारे सामने रहते हैं, हमारे लिए संकीर्ण है। हमें वास्तव में यर्दन तक जाना चाहिए, और वहाँ से हर पुरुष एक-एक शहतीर लेना चाहिए, और अपने लिए वहाँ निवास करने के लिए बनाना चाहिए, और उसने कहा, आओ। और एक ने उचित रूप से कहा, अपने दासों के साथ आओ, और उसने कहा, मैं जाऊंगा। और वह उनके साथ गया, और वे यरदन नदी पर आए, और वे लकड़ी काटने लगे। और देखो, एक व्यक्ति शहतीर काट रहा था, और लोहा पानी में गिर गया, और वह चिल्लाया, हे स्वामी, वह छिपा हुआ है। और भगवान के आदमी ने कहा, कहाँ गिरा? और उसने उसको जगह दिखाई, और लकड़ी काटी और वहाँ फेंकी, और लोहा तैर गया। और उसने कहा, इसे अपने लिए उठाओ, और उसने हाथ बढ़ाया और इसे ले लिया।

और सीरिया का राजा इज़राइल में युद्ध कर रहा था, और उसने अपने सेवकों से योजना बनाई, कहते हुए, इस स्थान में कुछ एल्मोनी मैं तैनात करूंगा। और एलीशा ने इस्राएल के राजा के पास संदेश भेजा, सावधान रहना, इस स्थान से मत गुजरना, क्योंकि वहाँ सीरिया छिपा हुआ है। और इस्राएल के राजा ने उस स्थान पर भेजा जो एलीशा ने उसे बताया था, और वहाँ से अपनी रक्षा की, न केवल एक बार और न ही दो बार।

और सीरिया के राजा का आत्मा इस शब्द के बारे में व्याकुल हुआ, और उसने अपने सेवकों को बुलाया, और उनसे कहा, क्या तुम मुझे नहीं बताओगे कि कौन मुझे इस्राएल के राजा को धोखा देता है? और उसके सेवकों में से एक ने कहा, नहीं मेरे स्वामी राजा, क्योंकि एलीशा

भविष्यवक्ता जो इस्राएल में है, इस्राएल के राजा को सब शब्द घोषित करता है, जो तुम अपने शयनकक्ष के कक्ष में बोलते हो। और उसने कहा, आओ देखो यह कहाँ है, और भेजकर मैं उसे पकड़ लूँगा। और उन्होंने उसे बताया, कहते हुए, देखो, वह दोथाईम में है।

और उसने वहाँ घोड़े, रथ और भारी सेना भेजी, और वे रात को आए और शहर को घेर लिया। और एलीशा का सेवक सवेरे उठा, और बाहर गया, और देखो, शक्ति शहर को घेरे हुए थी, और घोड़ा और रथ थे, और सेवक ने उससे कहा, हे स्वामी, हम कैसे करेंगे? और एलीशा ने कहा, मत डरो, क्योंकि जो हमारे साथ हैं वे उनसे अधिक हैं जो उनके साथ हैं। और एलीशा ने प्रार्थना की और कहा, हे प्रभु, इस बच्चे की आँखें खोल दो ताकि यह देख सके। और प्रभु ने उसकी आँखें खोल दीं और उसने देखा, और देखो, पहाड़ घोड़ों से भरा हुआ था और आग का रथ एलीशा के चारों ओर था। और वे उसके पास गए, और उसने प्रभु से प्रार्थना की और कहा, इस राष्ट्र को अंधेपन से मार दे, और उसने उन्हें अंधेपन से मारा, एलीशा के वचन के अनुसार। और एलीशा ने उनसे कहा, यह शहर नहीं है और यह रास्ता नहीं है, मेरे पीछे आओ, और मैं तुम्हें उस आदमी के पास ले जाऊँगा जिसे तुम ढूँढ रहे हो, और वह उन्हें सामरिया की ओर ले गया। और ऐसा हुआ कि जब वे सामरिया में प्रवेश कर गए, तो एलीशा ने कहा, हे प्रभु, वास्तव में इनकी आँखें खोल दो और ये देख सकें। और प्रभु ने उनकी आँखें खोल दीं, और उन्होंने देखा, और देखो, वे सामरिया के बीच में थे।

और इस्राएल के राजा ने एलीशा से कहा, जब उसने उन्हें देखा, क्या मैं मारकर मारूँ, पिता? और उसने कहा, तू उन्हें नहीं मारेगा। क्या तू उन्हें मारता है जिन्हें तूने अपनी तलवार और अपने धनुष से बंदी बनाया है? उनके सामने रोटी और पानी रख, और वे खाएँ और पिएँ, और अपने स्वामी के पास चले जाएँ। और उसने उनके सामने एक महान भोज रखा, और उन्होंने खाया और पिया, और उसने उन्हें भेज दिया, और वे अपने प्रभु के पास चले गए, और सीरिया के लुटेरे दलों ने फिर इस्राएल की भूमि में आना बंद कर दिया।

और इन बातों के बाद ऐसा हुआ कि सीरिया के राजा हदद के पुत्र ने अपनी सारी सेना इकट्ठी की, और चढ़ाई की, और सामरिया को घेर लिया। और सामरिया में एक भयंकर अकाल पड़ा, और देखो, उन्होंने उसे घेर रखा था, यहाँ तक कि एक गधे का सिर पचास चांदी के सिक्कों में बिकने लगा, और एक काब का चौथाई भाग कबूतर की बीट पांच चांदी के सिक्कों में बिकने लगी।

और इस्राएल का राजा दीवार पर से गुजर रहा था, और एक स्त्री ने उसकी ओर चिल्लाकर कहा, हे स्वामी राजा, बचाओ। और उसने उसे कहा, क्या प्रभु तुम्हें नहीं बचाएगा? मैं तुम्हें कहाँ से बचाऊँगा? क्या खलिहान से या दाखरस कुंड से? और राजा ने उससे कहा, तुम्हें क्या है? और उस स्त्री ने कहा, इसने मुझसे कहा, अपना पुत्र दो और हम उसे आज खाएंगे, और मेरे पुत्र को हम कल खाएंगे। और हमने मेरे पुत्र को उबाला और हमने उसे खाया, और मैंने उससे दूसरे दिन कहा, अपने पुत्र को दे और हम उसे खाएं, और उसने अपने पुत्र को छिपा लिया। और ऐसा हुआ कि जब इस्राएल के राजा ने उस स्त्री के शब्द सुने, तो उसने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और वह दीवार पर से होकर जा रहा था, और लोगों ने देखा कि भीतर से उसके शरीर पर टाट था। और उसने कहा, परमेश्वर मुझे यह करे और इससे भी अधिक करे, यदि आज एलीशा का सिर उस पर बना रहे।

और एलीशा अपने घर में बैठा था, और बुजुर्ग उसके साथ बैठे थे, और उसने अपने सामने एक आदमी भेजा, इससे पहले कि दूत उसके पास आए, और उसने बुजुर्गों से कहा, क्या तुमने देखा कि इस हत्यारे के बेटे ने मेरा सिर काटने के लिए भेजा है? देखो, जैसे ही दूत आए, दरवाजा बंद कर दो, और उसे दरवाजे में दबा दो। क्या उसके स्वामी के पैरों की आवाज उसके पीछे नहीं है? जब वह अभी उनके साथ बात कर ही रहा था, तो देखो, एक दूत उसके पास आया और बोला, देखो, यह विपत्ति प्रभु की ओर से है, अब मैं प्रभु की और प्रतीक्षा क्यों करूँ?

और एलीशा ने कहा, प्रभु का वचन सुनो, प्रभु यह कहता है: कल इसी समय, सामरिया के फाटकों में एक शेकेल में एक माप मैदा और एक शेकेल में दो माप जौ मिलेगा। और उस अधिकारी ने उत्तर दिया जिस पर राजा अपने हाथ के सहारे झुका था, एलीशा को, और कहा, देखो, यदि प्रभु स्वर्ग में जलद्वार बनाएगा, तो क्या यह वचन होगा? और एलीशा ने कहा, देखो, तू अपनी आँखों से देखेगा, परन्तु वहाँ से नहीं खाएगा।

और चार कोढ़ी पुरुष शहर के द्वार के पास थे, और एक पुरुष ने अपने पड़ोसी से कहा, हम यहाँ क्यों बैठे हैं जब तक हम मर जाएँ? यदि हम कहें कि हम शहर में प्रवेश करें, और शहर में अकाल है, तो हम वहाँ मरेंगे, और यदि हम यहाँ बैठें, तो भी हम मरेंगे, और अब आओ, और हम सीरिया के शिविर में गिरें, यदि वे हमें जीवित रखें, तो हम जीएंगे, और यदि वे हमें मार डालें, तो हम मरेंगे। और वे अंधेरे में उठे ताकि सीरिया के शिविर में प्रवेश करें, और वे सीरिया के शिविर के एक भाग में आए, और देखो वहाँ कोई आदमी नहीं था। और प्रभु ने सीरिया के शिविर को रथ की आवाज़ और घोड़े की आवाज़, महान शक्ति की आवाज़ सुनाई। और एक पुरुष ने अपने भाई से कहा, अब इस्राएल के राजा ने हितियों के राजाओं और मिस्र के राजाओं को हम पर आने के लिए किराए पर लिया है। और वे उठे और अंधेरे में भाग गए, और उन्होंने अपने तंबू, और अपने घोड़े, और अपने गधे शिविर में जैसे थे छोड़ दिए, और वे अपनी आत्मा की ओर भागे।

और ये कोढ़ी शिविर के एक भाग तक गए, और एक तंबू में प्रवेश किया, और खाया, और पिया, और वहाँ से चांदी, और सोना, और वस्त्र उठाया, और गए, और वहाँ से लौटे, और दूसरे तंबू में प्रवेश किया, और वहाँ से लिया और गए, और छिपाया। और एक पुरुष ने अपने पड़ोसी से कहा, हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। यह दिन अच्छी खबर का दिन है, और हम चुप हैं, और यदि हम सुबह के प्रकाश तक रहते हैं, तो हम दोषी पाए जाएंगे। इसलिए अब आओ, हम प्रवेश करें और राजा के घर में सूचना दें।

और वे अंदर गए और नगर के फाटक की ओर पुकारे, और उन्होंने उनको बताया, कहते हुए, हम

सीरिया की छावनी में गए थे, और देखो वहाँ कोई मनुष्य नहीं है और न मनुष्य की आवाज़, केवल बंधे हुए घोड़े और गधे, और उनके तम्बू जैसे के तैसे हैं। और द्वारपालों ने चिल्लाया, और राजा के घर के अंदर सूचना दी।

और राजा रात में उठा, और अपने सेवकों से कहा, मैं वास्तव में तुम्हें बताऊंगा कि सीरिया ने हमारे साथ क्या किया है। उन्होंने जान लिया कि हम भूखे हैं, और वे शिविर से निकले और खेत में छिप गए, यह कहते हुए कि वे नगर से निकलेंगे, और हम उन्हें जीवित पकड़ेंगे, और नगर में प्रवेश करेंगे। और उसके सेवकों में से एक ने उत्तर दिया और कहा, वास्तव में बचे हुए घोड़ों में से पाँच को लें जो यहाँ छोड़े गए हैं, देखो वे इस्राएल की सारी भीड़ के समान हैं जो नष्ट हो रही है, और हम उन्हें वहाँ भेजेंगे और देखेंगे। और उन्होंने घोड़ों के दो सवार लिए, और इस्राएल के राजा ने सीरिया के राजा के पीछे भेजा, यह कहते हुए, आओ और देखो। और वे यर्दन तक उनके पीछे गए। और देखो, सारा मार्ग वस्त्रों और बर्तनों से भरा था जो सीरिया ने चकित होकर फेंक दिए थे, और संदेशवाहक लौटे और राजा को सूचना दी।

और लोग बाहर गए और सीरिया के शिविर को लूटा, और मैदा का एक माप एक शेकेल में मिला, प्रभु के वचन के अनुसार, और जौ के दो माप एक शेकेल में मिले। और राजा ने उस अधिकारी को फाटक पर नियुक्त किया जिसके हाथ पर राजा टेक लगाता था, और लोगों ने उसे फाटक में रौंद डाला, और वह मर गया जैसा परमेश्वर के जन ने कहा था, जिन्होंने दूत के उनके पास उतरने के समय कहा था। और वैसा ही हुआ जैसा एलीशा ने राजा से कहा था, दो नाप जौ एक शेकेल में और एक नाप मैदा एक शेकेल में, और यह कल इसी घड़ी सामरिया के फाटक पर होगा। और अधिकारी ने एलीशा को उत्तर दिया, और कहा, देखो, यदि प्रभु स्वर्ग में जलद्वार बनाए, तो क्या यह वचन होगा? और एलीशा ने कहा, देखो, तुम अपनी आँखों से देखोगे, परन्तु वहाँ से नहीं खाओगे। और ऐसा ही हुआ, और लोगों ने उसे फाटक में रौंद डाला, और वह मर गया।

और एलीशा उस स्त्री से बोला जिसके पुत्र को उसने जिलाया था, कहते हुए, उठ और आ, तू और तेरा घर, और जहाँ कहीं तू निवास कर सके वहाँ निवास कर, क्योंकि प्रभु ने भूमि पर अकाल बुलाया है, और वास्तव में वह भूमि पर सात वर्ष तक आया है। और वह स्त्री उठी, और उसने एलीशा के वचन के अनुसार किया, वह और उसका घर, और वह विदेशियों की भूमि में सात वर्ष रही।

और ऐसा हुआ कि सात वर्षों के अंत के बाद, वह स्त्री विदेशियों की भूमि से नगर में लौटी, और वह राजा के पास अपने घर और अपने खेतों के विषय में पुकारने आई। और राजा गेहजी से बोल रहा था, जो परमेश्वर के मनुष्य एलीशा का बालक था, कहते हुए, मुझे वे सब महान कार्य सुनाओ जो एलीशा ने किये। और ऐसा हुआ कि जब वह राजा को बता रहा था कि कैसे उसने मरे हुए पुत्र को पुनर्जीवित किया, तो देखो, वही स्त्री जिसके पुत्र को एलीशा ने पुनर्जीवित किया था, अपने घर और अपने खेतों के विषय में राजा से पुकार रही थी, और गेहजी ने कहा, हे स्वामी राजा, यह वही स्त्री है, और यह उसका वही पुत्र है, जिसे एलीशा ने पुनर्जीवित किया था। और राजा ने उस स्त्री से पूछा, और उसने उसे सुनाया, और राजा ने उसे एक खोजा दिया, यह कहते हुए, उसकी सब चीज़ें लौटा दो, और खेत की सारी उपज उस दिन से जब उसने भूमि छोड़ी थी अब तक।

और एलीशा दमिश्क में आया, और सीरिया का राजा आदेर का पुत्र बीमार हुआ, और उसको सूचना दी गई, यह कहते हुए कि परमेश्वर का मनुष्य यहाँ तक आया है। और राजा ने हजाएल से कहा, अपने हाथ में मन्ना लो, और परमेश्वर के आदमी से मिलने जाओ, और उससे प्रभु से पूछो, यह कहते हुए, क्या मैं इस बीमारी से जीवित रहूंगा? और हजाएल उससे मिलने गया, और उसने अपने हाथ में मन्ना लिया, और दमिश्क की सब अच्छी चीज़ें, चालीस ऊंटों का भार, और आया और उसके सामने खड़ा हुआ, और एलीशा से कहा, तुम्हारा पुत्र, सीरिया का राजा आदेर ने मुझे

तुमसे यह पूछने के लिए भेजा है, क्या मैं इस बीमारी से जीवित रहूंगा? और एलीशा ने कहा, यहाँ आओ, मैंने कहा था, तुम जीवित रहोगे, और प्रभु ने मुझे दिखाया कि वह मृत्यु से मरेगा। और वह उसके चेहरे के सामने खड़ा रहा, और उसने शर्म की हद तक रखा, और परमेश्वर का जन रोया। और हजाएल ने कहा, क्या हुआ कि मेरा स्वामी रोता है? और उसने कहा, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तू इस्राएल के पुत्रों के साथ कितनी बुराईयाँ करेगा। तू उनके किलों को आग में भस्म करेगा, और उनके चुने हुए लोगों को तलवार से मारेगा, और उनके शिशुओं को पटक देगा, और उनकी गर्भवती स्त्रियों को चीर डालेगा। और हजाएल ने कहा, आपका दास कौन है, यह मरा हुआ कुत्ता, कि यह वचन करेगा? और एलीशा ने कहा, प्रभु ने मुझे सीरिया पर राज्य करते हुए दिखाया। और वह एलीशा से चला गया, और अपने स्वामी के पास आया, और उसने उससे कहा, एलीशा ने तुमसे क्या कहा; और उसने कहा, उसने मुझसे कहा, तुम जीवित रहोगे। और अगले दिन ऐसा हुआ कि उसने मोटा कपड़ा लिया और उसे पानी में डुबोया, और उसे उसके चेहरे पर डाल दिया, और वह मर गया, और हजाएल ने उसकी जगह राज किया।

योराम पुत्र अहाब जो इस्राएल का राजा था, उसके पाँचवें वर्ष में, और यहोशापात के यहूदा का राजा होते हुए, योराम पुत्र यहोशापात ने यहूदा के राजा के रूप में राज किया। पुत्र बत्तीस वर्ष का था जब उसने शासन करना आरंभ किया, और आठ वर्ष उसने यरूशलेम में शासन किया। और वह इस्राएल के राजाओं के मार्ग में चला, जैसा अहाब के घराने ने किया था, क्योंकि अहाब की पुत्री उसकी पत्नी थी, और उसने प्रभु के सामने बुराई की। और प्रभु ने अपने दास दाऊद के कारण यहूदा को नष्ट करना नहीं चाहा, जैसा उसने कहा था कि उसे और उसके पुत्रों को सदैव दीपक देगा।

उसके दिनों में एदोम ने यहूदा के अधीन से विद्रोह किया, और उन्होंने अपने लिए राजा बनाया। और योराम अपने सभी रथों के साथ सियोर गया, और ऐसा हुआ कि उसके उठने पर, उसने एदोम को जिसने उसे घेरा था और रथों के शासकों को मारा, और लोग अपने तंबुओं में भाग गए। और एदोम ने यहूदा के हाथ के नीचे से इस दिन तक विद्रोह किया, तब लिब्ना ने उस समय में

विद्रोह किया।

और योराम के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये सब यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखा नहीं है? और योराम अपने पितरों के साथ सो गया, और अपने पितरों के साथ अपने पिता दाऊद के नगर में दफनाया गया, और उसका पुत्र अहज्याह उसके स्थान पर राजा बना।

इस्त्राएल के राजा अहाब के पुत्र योराम के बारहवें वर्ष में, योराम का पुत्र अहज्याह राजा बना। अहज्याह बाईस वर्ष का था जब वह राजा बना, और उसने यरूशलेम में एक वर्ष शासन किया, और उसकी माता का नाम अतल्याह था जो इस्त्राएल के राजा ओम्री की पुत्री थी। और वह अहाब के घर के मार्ग में चला, और उसने प्रभु के सामने बुराई की, जैसा अहाब के घर ने किया था। और वह योराम के साथ गया, जो अहाब का पुत्र था, रम्मोत गिलाद में हजाएल के विरुद्ध युद्ध करने, जो विदेशियों का राजा था, और सीरियाईयों ने योराम को मारा। और राजा योराम यिज़्रेल में उन घावों से ठीक होने के लिए लौटा जो उसे रामोत में मारे गए थे, जब वह सीरिया के राजा हजाएल के साथ युद्ध कर रहा था, और योराम का पुत्र अहज्याह योराम को, जो अहाब का पुत्र था, यिज़्रेल में देखने के लिए उतरा, क्योंकि वह बीमार था।

9

और भविष्यवक्ता एलीशा ने भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक को बुलाया, और उससे कहा, अपनी कमर बाँधो, और इस तेल की कुप्पी को अपने हाथ में लो, और रामोत गिलाद को आओ। और तुम वहाँ प्रवेश करोगे, और तुम वहाँ येहू को देखोगे, जो यहोशापात का पुत्र और निमशी का पौत्र है, और तुम प्रवेश करके उसे उसके भाइयों के बीच से खड़ा करोगे, और उसे भीतरी कक्ष में ले जाओगे। और तू तेल की कुप्पी लेगा और उसके सिर पर डालेगा, और कहना, ये बातें प्रभु

कहता है: मैंने तुझे इस्राएल पर राजा के रूप में अभिषेक किया है, और तू द्वार खोलेगा और भागेगा और नहीं ठहरेगा। और वह युवा भविष्यवक्ता रामोथ गिलाद को गया।

और वह प्रवेश किया, और देखो, शक्ति के शासक बैठे थे, और उसने कहा, मेरे लिए तुम्हारे लिए एक वचन है, हे शासक, और येहू ने कहा, हम सब में से किसके लिए? और उसने कहा, तुम्हारे लिए, हे शासक। और वह उठा और घर में प्रवेश किया, और उसके सिर पर तेल डाला, और उससे कहा, ये बातें प्रभु इस्राएल का देवता कहता है, मैंने तुम्हें प्रभु के लोगों पर, इस्राएल पर राजा के रूप में अभिषेक किया है। और तू अपने स्वामी अहाब के घर को अपने सामने से नष्ट करेगा, और तू मेरे दासों भविष्यवक्ताओं के रक्त का, और प्रभु के सब दासों के रक्त का इजेबेल के हाथ से बदला लेगा। और अहाब के पूरे घर के हाथ से, और तुम अहाब के घर में दीवार की ओर पेशाब करने वाले को, और इस्राएल में पीड़ित और त्यागे हुए को नष्ट करोगे। और मैं अहाब के घर को यारोबाम पुत्र नबात के घर के समान और बाशा पुत्र अहिय्याह के घर के समान कर दूंगा। और कुत्ते ईजेबेल को यिज़्रेल के भाग में खाएंगे, और कोई दफ़नाने वाला नहीं है, और उसने दरवाज़ा खोला और भाग गया।

और येहू अपने स्वामी के सेवकों के पास बाहर गया, और उन्होंने उससे कहा, शांति? क्या यह निंदनीय व्यक्ति तुम्हारे पास आया? और उसने उनसे कहा, तुम उस पुरुष को और उसकी बकवास को जानते हो। और उन्होंने कहा, यह अन्याय है, वास्तव में हमें बताओ। और येहू ने उनसे कहा, उसने मुझसे इस प्रकार और इस प्रकार बोला, कहते हुए, और कहा, ये बातें प्रभु कहता है: मैंने तुम्हें इस्राएल पर राजा के रूप में अभिषेक किया है। और सुनकर उन्होंने जल्दी की, और प्रत्येक ने अपना वस्त्र लिया और उसके नीचे सीढ़ियों के गारेम पर रखा, और तुरही बजाई और कहा, येहू ने राज्य किया।

और येहू, जो यहोशापात का पुत्र और निमशी का पौत्र था, ने योराम के विरुद्ध षड्यंत्र रचा। योराम स्वयं रामोथ गिलाद में रक्षा कर रहा था, और समस्त इस्राएल सीरिया के राजा हजाएल के

सामने था। और राजा योराम यिज़ेल में चंगा होने के लिए लौटा, उन घावों से जो सीरियाइयों ने उसे मारे थे, जब वह सीरिया के राजा हजाएल के साथ लड़ रहा था। और येहू ने कहा, अगर तुम्हारी आत्मा मेरे साथ है, तो कोई भागकर शहर से बाहर न निकले, जाकर यिज़ेल में बताने के लिए।

और येहू सवार हुआ और गया, और यिज़ेल में आया, क्योंकि इस्राएल का राजा योराम यिज़ेल में उन तीरों से इलाज करा रहा था, जो अरामियों ने उसे रामोत में सीरिया के राजा हजाएल के साथ युद्ध में मारे थे, क्योंकि वह सक्षम और शक्तिशाली पुरुष था, और यहूदा का राजा अहज्याह योराम को देखने आया। और पहरेदार यिज़ेल की मीनार पर चढ़ गया, और येहू के आने पर धूल देखी, और बोला, मैं धूल देखता हूँ, और योराम बोला, एक सवार लो, और उनके सामने भेजो, और वह पूछे कि क्या शांति है। और घोड़े का सवार उनसे मिलने गया, और बोला, राजा यह कहता है: क्या शांति है? और येहू ने कहा, तुझे शांति से क्या लेना-देना? मेरे पीछे हो जा। और पहरेदार ने सूचना दी, दूत उनके पास गया, परन्तु वापस नहीं लौटा। और उसने दूसरा घुड़सवार भेजा, और वह उसके पास आया और बोला, राजा यह कहता है: क्या शांति है? और येहू ने कहा, तुझे शांति से क्या लेना? मेरे पीछे हो जा। और पहरेदार ने रिपोर्ट किया, वह उनके पास तक आया और नहीं लौटा, और जो अगुवाई कर रहा था वह निमशी के बेटे येहू को ले गया, क्योंकि यह उन्मत्त ड्राइविंग में हुआ। और योराम ने कहा, रथ जोतो, और रथ जोता गया, और इस्राएल का राजा योराम और यहूदा का राजा अहज्याह निकले, प्रत्येक अपने रथ में, और वे येहू से मिलने निकले, और उन्होंने उसे यिज़ेली नाबोत के भाग में पाया।

और ऐसा हुआ कि जब योराम ने येहू को देखा, तो उसने कहा, क्या शांति है, येहू? और येहू ने कहा, क्या शांति? जब तक तेरी माता ईज़ेबेल के व्यभिचार और उसके बहुत से जादू-टोने हैं। और योराम ने अपने हाथ लौटाए और भाग गया, और अहज्याह से बोला, धोखा है, अहज्याह। और येहू ने अपना हाथ धनुष में भरा, और योराम को उसकी भुजाओं के बीच मारा, और उसका तीर उसके हृदय के द्वारा निकला, और वह अपने घुटनों पर झुका। और उसने अपने अधिकारी

बदेकार से कहा, उसे यिज़ेली नाबोत के खेत के हिस्से में फेंक दो, क्योंकि मुझे याद है कि मैं और तुम उसके पिता अहाब के पीछे रथों पर सवार हुए थे, और प्रभु ने उस पर यह दैववाणी दी थी। यदि मैंने कल नाबोथ का रक्त और उसके पुत्रों का रक्त नहीं देखा, प्रभु कहते हैं, और मैं उसे इसी भाग में प्रतिफल दूंगा, प्रभु कहते हैं, और अब वास्तव में उसे उठाकर इस भाग में प्रभु के वचन के अनुसार फेंक दो।

और यहूदा के राजा अहज्याह ने देखा और बेथ हग्गान के रास्ते से भाग गया, और येहू ने उसका पीछा किया, और कहा, उसे भी मारो, और उन्होंने उसे रथ में ऐ की चढ़ाई पर मारा, जो इब्लाम है, और वह मगिदो को भाग गया, और वहाँ मर गया। और उसके सेवकों ने उसको रथ पर चढ़ाया, और उसको यरूशलेम ले गए, और उसको उसकी कब्र में दाऊद के शहर में दफनाया।

और इस्राएल के राजा योराम के ग्यारहवें वर्ष में अहज्याह ने यहूदा पर राज्य किया।

और येहू यिज़ेल पर आया, और इजेबेल ने सुना, और उसने अपनी आँखें रंगीं, और अपना सिर सजाया, और खिड़की से झाँका। और येहू नगर में प्रवेश कर रहा था, और उसने कहा, क्या शांति है ज़िम्री, अपने स्वामी का हत्यारा? और उसने अपना चेहरा खिड़की की ओर उठाया, और उसे देखा, और कहा, तुम कौन हो? मेरे साथ नीचे आओ, और दो खोजे उसकी ओर झुके। और उसने कहा, उसे लुढ़का दो, और उन्होंने उसे लुढ़का दिया, और उसका खून दीवार की ओर और घोड़ों की ओर छिटक गया, और उन्होंने उसे रौंद दिया। और उसने प्रवेश किया और खाया और पिया, और कहा, इस शापित स्त्री को जांचो और उसे दफनाओ, क्योंकि वह राजा की बेटी है। और वे उसे दफनाने गए, और उन्होंने उसमें खोपड़ी और पैरों और हाथों के निशानों के अलावा कुछ और नहीं पाया। और वे लौटे और उन्होंने उसको सूचना दी, और उसने कहा, यह प्रभु का वचन है जो उसने तिशाबी एलिय्याह के द्वारा बोला था, कहते हुए, यिज़ेल के भाग में कुत्ते इजेबेल का मांस खाएंगे। और इजेबेल का शव यिज़ेल के हिस्से में खेत के ऊपर गोबर जैसा होगा, ताकि वे यह न कह सकें, यह इजेबेल है।

और अहाब के सत्तर पुत्र सामरिया में थे, और येहू ने एक पत्र लिखा, और सामरिया में सामरिया के शासकों को, और वृद्धों को, और अहाब के संरक्षकों को भेजा, यह कहते हुए, और अब जैसे ही यह पुस्तक तुम्हारे पास आएगी, और तुम्हारे साथ तुम्हारे प्रभु के पुत्र हैं, और तुम्हारे साथ रथ और घोड़े और दुर्गयुक्त नगर और हथियार हैं, और तुम अपने स्वामी के पुत्रों में से अच्छे और सीधे को देखोगे, और तुम उसे उसके पिता के सिंहासन पर स्थापित करोगे, और अपने स्वामी के घर के लिए लड़ो। और वे बहुत डर गए, और बोले, देखो, दो राजा उसके सामने नहीं टिक सके, तो हम कैसे टिकेंगे? और घर के अधिकारियों ने और नगर के अधिकारियों ने और बुजुर्गों ने और पालने वालों ने येहू की ओर भेजा, कहते हुए, हम तेरे सेवक हैं, और जो कुछ भी तू हमसे कहेगा हम करेंगे। हम किसी पुरुष को राजा नहीं बनाएंगे। जो तेरी आँखों में अच्छा है वह हम करेंगे।

और येहू ने उन्हें दूसरा पत्र लिखा, जिसमें कहा गया, यदि तुम मेरे हो, और मेरी आवाज़ सुनते हो, तो अपने स्वामी के पुत्रों के सिर लो, और कल इस समय तक यिज़्रल में मेरे पास लाओ। और राजा के पुत्र सत्तर पुरुष थे, जिन्हें नगर के प्रमुख लोग पाल रहे थे। और ऐसा हुआ कि जब पुस्तक उनके पास आई, तो उन्होंने राजा के पुत्रों को लिया और सत्तर पुरुषों का वध किया, और उनके सिरों को टोकरियों में रखा, और उनको यिज़्रल में उसके पास भेजा। और दूत आया और उसने सूचना दी, वे राजा के पुत्रों के सिर लाए हैं, और उसने कहा, उन्हें दो ढेर बनाकर फाटक के द्वार के पास सुबह तक रखो। और सुबह हुआ और वह बाहर गया और खड़ा हुआ, और उसने सब लोगों से कहा, तुम धर्मी हो, देखो मैंने अपने स्वामी के विरुद्ध षड्यंत्र किया, और मैंने उसे मारा, और इन सबको किसने मारा? देखो अब, कि प्रभु के वचन में से कुछ भी भूमि पर नहीं गिरेगा जो प्रभु ने अहाब के घर के विषय में बोला था, और प्रभु ने वह सब किया जो उसने अपने दास एलिय्याह के हाथ से बोला था। और येहू ने यिज़्रल में अहाब के घर में छोड़े गए सभी लोगों को मारा, और उसके सभी शक्तिशाली लोगों को, और उसके परिचितों को, और उसके याजकों को,

ताकि उसका कोई अवशेष न छोड़ा जाए।

और वह उठा और सामरिया को गया, वह चरवाहों के बेथ अकाथ में रास्ते में था। और येहू ने यहूदा के राजा अहज्याह के भाइयों को पाया, और कहा, तुम कौन हो? और उन्होंने कहा, हम अहज्याह के भाई हैं, और हम राजा के पुत्रों और रानी माता के पुत्रों की शांति के लिए आए हैं। और उसने कहा, उन्हें जीवित पकड़ लो, और उन्होंने बेथ अकथ में बयालीस पुरुषों का वध किया; उसने उनमें से एक भी पुरुष को नहीं छोड़ा।

और वह वहाँ से गया और योनादाब पुत्र रेकाब को उससे मिलने आते हुए पाया, और उसे आशीर्वाद दिया, और येहू ने उससे कहा, क्या तुम्हारा हृदय मेरे हृदय के साथ सीधा है जैसे मेरा हृदय तुम्हारे हृदय के साथ है? और योनादाब ने कहा, है। और येहू ने कहा, और यदि है, तो अपना हाथ दो, और उसने अपना हाथ दिया, और उसने उसे अपने पास रथ पर चढ़ाया। और उसने उससे कहा, मेरे साथ आओ, और देखो कि मैं प्रभु के प्रति कितना उत्साही हूँ, और उसने उसे अपने रथ में बैठाया।

और वह सामरिया में प्रवेश किया, और उसने सामरिया में अहाब के सब बचे हुए लोगों को मारा, यहाँ तक कि उसे नष्ट कर दिया, प्रभु के उस वचन के अनुसार जो उसने एलिय्याह से कहा था। और येहू ने सब लोगों को इकट्ठा किया और उनसे कहा, अहाब ने बाल की थोड़ी सेवा की, येहू उसकी बहुत सेवा करेगा। और अब बाल के सभी भविष्यवक्ताओं को, उसके सभी दासों को और उसके पुजारियों को मेरे पास बुलाओ, कोई भी आदमी गायब न हो, क्योंकि बाल के लिए मेरा एक बड़ा बलिदान है, जो कोई भी गायब होगा, वह जीवित नहीं रहेगा, और येहू ने चालाकी से यह किया, ताकि बाल के दासों को नष्ट कर सके।

और येहू ने कहा, बाल के लिए पुजारिन को पवित्र करो, और उन्होंने घोषणा की। और येहू ने सारे इस्राएल में संदेश भेजा, कहते हुए, और अब सब दास, और उसके सब पुजारी, और उसके सब

भविष्यवक्ता, कोई भी पीछे न छूटे, क्योंकि मैं एक बड़ा बलिदान करता हूँ। जो कोई पीछे छूट जाए, वह जीवित नहीं रहेगा। और बाल के सब दास, और उसके सब पुजारी, और उसके सब भविष्यवक्ता आए। कोई भी पुरुष नहीं छूटा जो नहीं आया। और वे बाल के घर में प्रवेश किए, और बाल का घर मुँह से मुँह तक भर गया। और उसने मेशाल के घर के अधिकारी से कहा, बाल के सब दासों के लिए वस्त्र निकालो, और वस्त्र-रक्षक ने उनके लिए वस्त्र निकाले। और येहू और रेकाब का पुत्र योनादाब बाल के घर में प्रवेश किए, और बाल के दासों से कहा, खोजो और देखो, यदि तुम्हारे साथ प्रभु के दासों में से कोई है, क्योंकि केवल बाल के दास ही अकेले होने चाहिए। और वह बलिदान और होम बलिदान चढ़ाने के लिए अंदर गया, और येहू ने अपने लिए बाहर अस्सी पुरुषों को नियुक्त किया, और कहा, जो पुरुष उन पुरुषों में से जिन्हें मैं तुम्हारे हाथों में सौंपता हूँ, बच निकले, तो उसका प्राण उसके प्राण के बदले होगा।

और ऐसा हुआ कि जब उसने होम बलि चढ़ाना समाप्त किया, तो येहू ने धावकों और योद्धाओं से कहा, अंदर जाकर उन्हें मारो, उनमें से एक भी पुरुष बाहर न निकलने पाए। और उन्होंने उन्हें तलवार की धार से मारा, और धावकों और योद्धाओं ने उन्हें फेंक दिया, और वे बाल के मंदिर के नगर तक गए। और उन्होंने बाल का स्तंभ बाहर निकाला, और उसे जला दिया। और उन्होंने बाल के स्तंभों को गिरा दिया, और उसे कारागारों में धकेल दिया इस दिन तक। और येहू ने बाल को इस्राएल से नष्ट कर दिया।

सिवाय नबात के पुत्र जेरोबोअम के पापों के, जिसने इस्राएल से पाप करवाया, येहू उनके पीछे से नहीं हटा - बेथेल में और दान में सुनहरी बछड़ियाँ।

और प्रभु ने येहू से कहा, तुमने जो दयालुता दिखाई है और मेरी दृष्टि में जो सही है वह किया है, मेरे हृदय में जो कुछ था उसके अनुसार तुमने अहाब के घराने के साथ किया है, इसके बदले में तुम्हारी चौथी पीढ़ी तक के पुत्र इस्राएल के सिंहासन पर बैठेंगे। और येहू ने इस्राएल के परमेश्वर प्रभु की व्यवस्था में अपने सम्पूर्ण हृदय से चलने की रक्षा नहीं की, वह यारोबाम के पापों से नहीं

फिरा जिसने इस्राएल से पाप करवाया। उन दिनों में प्रभु ने इस्राएल को काटना शुरू किया, और हजाएल ने उन्हें इस्राएल की सभी सीमाओं में मारा। यर्दन से सूर्य के पूर्व की ओर, गाद, रूबेन और मनश्शे का सारा गिलाद, अरोएर से जो अर्नोन धारा के किनारे पर है, और गिलाद और बाशान।

और येहू के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, और उसकी सारी शक्ति, और वे युद्ध जो उसने लड़े, क्या ये बातें इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखी नहीं हैं? और येहू अपने पिताओं के साथ सो गया, और उन्होंने उसे सामरिया में दफनाया, और उसका पुत्र यहोआहाज उसके स्थान पर राजा बना। और वे दिन जो येहू ने इस्राएल पर शासन किया, सामरिया में अट्ठाईस वर्ष थे।

11

और अतल्याह, जो अहज्याह की माता थी, ने देखा कि उसका पुत्र मर गया है, और उसने राज्य के सब वंश को नष्ट कर दिया। और यहोशेबा ने, जो राजा योराम की पुत्री और अहज्याह की बहन थी, अपने भाई के पुत्र योआश को लिया, और उसको राजा के पुत्रों के बीच से जो मारे जा रहे थे चुरा लिया, उसको और उसकी दाई को पलंगों के कक्ष में छिपा दिया, और उसको अतल्याह के चेहरे से छिपाया, और वह मारा नहीं गया। और वह छः वर्ष तक प्रभु के घर में उसके साथ छिपा रहा, और अतल्याह देश पर राज्य कर रही थी।

और सातवें वर्ष में यहोयादा ने भेजा, और खोर्री और रासीम के शतपतियों को लिया, और उनको अपने पास प्रभु के घर में ले गया, और उनके साथ प्रभु की वाचा बाँधी, और शपथ दिलाई, और यहोयादा ने उनको राजा का पुत्र दिखाया। और उसने उनको आदेश दिया, कहते हुए, यह वह वचन है जो तुम करोगे: तुममें से तीसरा भाग सब्त के दिन प्रवेश करे। और राजा के घर की रक्षा

द्वार पर करो, और तीसरा भाग मार्गों के द्वार पर, और तीसरा भाग दौड़ने वालों के पीछे के द्वार पर, और घर की रक्षा करो। और तुम में दो दल होंगे, सब जो सब्त को बाहर जाते हैं, और वे राजा के लिए प्रभु के घर का पहरा रखेंगे। और राजा को चारों ओर से घेर लो, हर पुरुष अपने हाथ में अपना हथियार लिए हुए, और जो पंक्तियों में प्रवेश करे, वह मारा जाएगा, और वे राजा के साथ रहें जब वह बाहर जाए और जब वह भीतर आए।

और शतपतियों ने वह सब कुछ किया जो बुद्धिमान यहोयादा ने आज्ञा दी थी, और हर एक पुरुष ने अपने आदमियों को लिया और सब्त के दिन आने वालों को उन लोगों के साथ जो सब्त के दिन जा रहे थे, और वे यहोयादा याजक के पास आए। और पुजारी ने सैकड़ों के सेनापतियों को राजा दाऊद के भाले और ढालें दीं, जो प्रभु के भवन में थीं। और रक्षक खड़े हो गए, हर एक अपने हाथ में अपना हथियार लिए हुए, घर की दाहिनी ओर से लेकर घर की बायीं ओर तक, वेदी और घर के पास, राजा के चारों ओर। और राजा के पुत्र को बाहर भेजा, और उस पर मुकुट और गवाही रखी, और उसे राजा बनाया और उसका अभिषेक किया, और हाथों से ताली बजाई, और कहा, राजा जीवित रहें।

और अतल्याह ने दौड़ते हुए लोगों की आवाज़ सुनी, और वह लोगों के पास प्रभु के भवन में गई। और उसने देखा, और देखो, राजा स्तंभ पर निर्णय के अनुसार खड़ा था, और गायक और तुरहियाँ राजा की ओर थीं, और पृथ्वी के सब लोग आनंदित हो रहे थे और तुरहियों में तुरही बजा रहे थे, और अतल्याह ने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और चिल्लाई, विश्वासघात, विश्वासघात! और यहोयादा याजक ने सेना के सैकड़ों के सेनापतियों और निरीक्षकों को आज्ञा दी, और उनसे कहा, उसे पंक्तियों के भीतर से बाहर ले जाओ। जो कोई उसके पीछे आए, उसे तलवार से मार डाला जाए, क्योंकि याजक ने कहा था कि वह प्रभु के भवन में न मारी जाए। और उन्होंने उस पर हाथ रखे, और वे घोड़ों के प्रवेश के रास्ते से राजा के घर में गए, और वह वहाँ मर गई।

और यहोयादा ने प्रभु के बीच और राजा के बीच और लोगों के बीच वाचा बाँधी, कि वे प्रभु के

लोग हों, और राजा के बीच और लोगों के बीच। और पृथ्वी के सब लोग बाल के घर में प्रवेश किए, और उन्होंने उसे गिरा दिया, और उसकी वेदियों और उसकी मूर्तियों को अच्छी तरह से तोड़ दिया, और बाल के पुजारी मत्तान को वेदियों के सामने मार डाला, और पुजारी ने प्रभु के घर में निरीक्षक नियुक्त किए। और उसने सैकड़ों के सेनापतियों, खोरेई, रासिम और पृथ्वी के सभी लोगों को साथ लिया, और वे राजा को प्रभु के भवन से नीचे लाए, और वे राजा के भवन के पहरदारों के द्वार के मार्ग से प्रवेश किए, और उन्होंने उसे राजाओं के सिंहासन पर बैठाया। और पृथ्वी के सब लोग प्रसन्न हुए, और नगर शांत हुआ, और अतल्याह को राजा के घर में तलवार से मार डाला।

12

योआश सात वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा।

येहू के सातवें वर्ष में योआश ने राज्य किया, और उसने यरूशलेम में चालीस वर्ष तक राज्य किया, और उसकी माता का नाम सिब्याह था जो बेशेबा से थी। और योआश ने प्रभु के सामने सही किया उन सभी दिनों में जब यहोयादा याजक ने उसे शिक्षा दी। सिवाय उच्च स्थानों के जो हटाए नहीं गए, और वहाँ अभी भी लोग बलिदान कर रहे थे और उच्च स्थानों पर धूप जला रहे थे।

और योआश ने पुजारियों से कहा, पवित्र वस्तुओं की सारी चांदी जो प्रभु के घर में लाई जाती है, मूल्यांकन की चांदी, वह चांदी जो किसी व्यक्ति ने मूल्यांकन के रूप में ली है, और वह सारी चांदी जो किसी व्यक्ति के हृदय में प्रभु के घर में लाने के लिए उठे, पुजारी अपने लिए ले लें, प्रत्येक पुरुष अपनी बिक्री से, और वे घर की मरम्मत को संभालेंगे जहाँ कहीं भी वहाँ मरम्मत पाई जाए।

और ऐसा हुआ कि राजा योआश के तेईसवें वर्ष में याजकों ने घर की मरम्मत को मजबूत नहीं

किया। और राजा योआश ने पुजारी यहोयादा और पुजारियों को बुलाया, और उनसे कहा, क्या बात है कि तुम घर की मरम्मत को मजबूत नहीं करते? और अब अपनी बिक्री से चांदी मत लो, क्योंकि तुम इसे घर की मरम्मत में दोगे। और पुजारी सहमत हुए कि लोगों से चांदी नहीं लेंगे, और घर की मरम्मत नहीं करेंगे। और पुजारी यहोयादा ने एक सन्दूक लिया, और उसके ढक्कन में एक छेद किया, और उसे प्रभु के घर की देहली पर अम्मजेबी के पास रखा, और पुजारियों ने जो देहली की रखवाली करते थे, प्रभु के घर में पाई गई सब चांदी उसमें डाली।

और ऐसा हुआ कि जब उन्होंने देखा कि संदूक में बहुत चांदी है, तो राजा का लेखक और महायाजक ऊपर गए, और उन्होंने प्रभु के घर में पाई गई चांदी को बांधा और गिना। और उन्होंने तैयार की गई चांदी उन लोगों के हाथों में दी जो प्रभु के घर के निरीक्षकों के कार्य करते थे, और उन्होंने वह लकड़ी के बढईयों और राजमिस्त्रियों को सौंप दी जो प्रभु के घर में काम करते थे। और दीवार बनाने वालों को, और पत्थर काटने वालों को, लकड़ी और खुदे हुए पत्थर खरीदने के लिए, प्रभु के घर की दरारों की मरम्मत करने के लिए, और उन सब चीजों के लिए जो घर को मजबूत करने पर खर्च की गई। परन्तु प्रभु के भवन के लिए चांदी के दरवाजे, कीलें, कटोरे और तुरहियां, कोई भी सोने का बर्तन और चांदी का बर्तन, उस चांदी से नहीं बनाए जाएंगे जो प्रभु के भवन में लाई गई थी। क्योंकि जो काम करते हैं उन्हें वे यह देंगे, और उन्होंने उसमें प्रभु के घर को मजबूत किया। और उन्होंने उन पुरुषों का हिसाब नहीं लिया जिनके हाथों में वे चांदी दे रहे थे ताकि वे काम करने वालों को दें, क्योंकि वे अपने विश्वास में काम करते थे। पाप बलि की चाँदी और दोष बलि की चाँदी, जो प्रभु के भवन में लाई गई थी, वह पुजारियों को मिली।

तब सीरिया का राजा हजाएल ऊपर गया, और गत पर लड़ा, और उसको पकड़ लिया, और हजाएल ने यरूशलेम पर चढ़ाई करने का इरादा किया। और यहूदा के राजा योआश ने सब पवित्र वस्तुएँ ली जो यहोशापात और यहोराम और अहज्याह, उसके पिताओं और यहूदा के राजाओं ने पवित्र की थीं, और अपनी पवित्र वस्तुएँ, और सब सोना जो प्रभु के घर के खजाने में और राजा के घर में पाया गया, और सीरिया के राजा हजाएल को भेजा, और वह यरूशलेम से चला गया।

और योआश के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और उसके दास उठे और उन्होंने सारा षड्यंत्र रचा, और उन्होंने योआश को मिल्लो के घर में मारा जो सेला में था। और येज़िरखार जो येमोआथ का पुत्र था, और येज़ेबूथ जो शोमेर का पुत्र था, उसके दासों ने उसे मारा और वह मर गया, और उन्होंने उसे उसके पितरों के साथ दाऊद के नगर में दफनाया, और उसका पुत्र अमेस्सेयास उसके स्थान पर राजा बना।

13

योआस के, जो अहज्याह का पुत्र था, यहूदा के राजा होने के तेईसवें वर्ष में, येहू के पुत्र यहोआहाज ने सामरिया में सत्रह वर्ष राज्य किया। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, और यारोबाम पुत्र नबात के पापों के पीछे चला, जिसने इस्राएल से पाप करवाया था; वह उससे नहीं हटा।

और प्रभु इस्राएल पर क्रोध में क्रोधित हुए, और उन्होंने उनको सीरिया के राजा हजाएल के हाथ में, और हजाएल के पुत्र आदेर के हाथ में सब दिनों तक सौंप दिया। और यहोआहाज ने प्रभु के सम्मुख विनती की, और प्रभु ने उसकी सुनी, क्योंकि उसने इस्राएल का क्लेश देखा था, क्योंकि सीरिया के राजा ने उन्हें सताया था। और प्रभु ने इस्राएल को मुक्ति दी, और वे सीरिया के हाथ के नीचे से निकले, और इस्राएल के पुत्र अपने तंबुओं में बैठे जैसे कल और परसों। परन्तु वे यारोबाम के घराने के पापों से नहीं हटे, जिसने इस्राएल से पाप करवाया था; वे उसी में चलते रहे, और वह अशेरा भी सामरिया में खड़ा रहा। क्योंकि योआखाज़ के पास लोग नहीं बचे थे, केवल पचास घुड़सवार और दस रथ और दस हज़ार पैदल सैनिक, क्योंकि सीरिया के राजा ने उन्हें नष्ट कर दिया था, और उन्हें रौंदने के लिए धूल के समान बना दिया था।

और यहोआहाज के शेष वचन और जो कुछ उसने किया और उसके पराक्रम के कार्य, क्या ये इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और यहोआहाज अपने पितरों के साथ सो गया, और उन्होंने उसे सामरिया में दफनाया, और उसका पुत्र योआश उसके स्थान पर राजा बना।

यहूदा के राजा योआस के सैंतीसवें वर्ष में, यहोआहाज का पुत्र योआस इस्राएल पर सामरिया में सोलह वर्ष तक राज्य करता रहा। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, वह यरोबाम पुत्र नबात के उन सब पापों से नहीं हटा, जिनसे उसने इस्राएल को पाप करवाया था, वह उसी में चलता रहा। और योआश के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, और उसके पराक्रम के कार्य जो उसने यहूदा के राजा अमस्सियाह के साथ किए, क्या ये इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं? और योआश अपने पिताओं के साथ सो गया, और यरोबाम उसके सिंहासन पर बैठा, और वह सामरिया में इस्राएल के राजाओं के साथ दफनाया गया।

और एलीशा उस बीमारी से बीमार पड़ा जिससे वह मरा, और इस्राएल का राजा योआश उसके पास आया, और उसके चेहरे पर रोया, और बोला, पिता, पिता, इस्राएल का रथ और उसका सवार। और एलीशा ने उससे कहा, धनुष और तीर लो, और उसने अपने लिए धनुष और तीर लिए। और उसने राजा से कहा, अपना हाथ धनुष पर रखो, और योआश ने अपना हाथ रखा, और एलीशा ने अपने हाथ राजा के हाथों पर रखे, और उसने कहा, पूर्व दिशा की खिड़की खोलो, और उसने खोली। और एलीशा ने कहा, तीर चलाओ, और उसने तीर चलाया। और उसने कहा, यह प्रभु के उद्धार का तीर है, और सीरिया में उद्धार का तीर है, और तुम सीरिया को अपेक में पूर्ण विनाश तक मारोगे। और एलीशा ने उससे कहा, धनुष लो, और उसने लिया, और उसने इस्राएल के राजा से कहा, भूमि पर मारो, और राजा ने तीन बार मारा, और खड़ा हो गया। और परमेश्वर का मनुष्य उस पर दुखी हुआ, और कहा, यदि तू पाँच बार या छः बार मारता, तो तू सीरिया को पूर्णता तक मारता, और अब तू सीरिया को तीन बार मारेगा।

और एलीशा मर गया, और उन्होंने उसे दफनाया, और मोआब के लुटेरे दल वर्ष के आने पर उस भूमि में आए। और ऐसा हुआ कि जब वे उस आदमी को दफना रहे थे, तो उन्होंने डाकुओं के दल को देखा, और उन्होंने उस आदमी को एलीशा की कब्र में फेंक दिया, और वह एलीशा की हड्डियों को छू गया, और वह जीवित हो गया और अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

और हजाएल ने यहोआहाज के सभी दिनों में इस्राएल को दबाया। और प्रभु ने उन पर दया की और उन पर करुणा की, और अपनी उस वाचा के कारण जो अब्राहम और इसहाक और याकूब के साथ थी, उन पर दृष्टि की, और प्रभु ने उन्हें नष्ट करना नहीं चाहा, और उन्हें अपने मुख से नहीं फेंका। और हजाएल सीरिया का राजा मरा, और उसके बदले उसका पुत्र आदेर राज्य करने लगा। और योआश, जो यहोआहाज का पुत्र था, लौटा और उसने उन नगरों को आदेर के पुत्र के हाथ से, जो हजाएल का पुत्र था, ले लिया, जिन्हें उसने उसके पिता यहोआहाज के हाथ से युद्ध में लिया था। योआश ने उसे तीन बार मारा और इस्राएल के नगरों को लौटाया।

14

योआश के दूसरे वर्ष में, जो यहोआहाज का पुत्र और इस्राएल का राजा था, अमेस्सियास ने राज्य किया, जो योआश का पुत्र और यहूदा का राजा था। पुत्र पच्चीस वर्ष का था जब वह शासन करने लगा, और उन्तीस वर्ष उसने यरूशलेम में शासन किया, और उसकी माता का नाम योआदिम था जो यरूशलेम से थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में जो सही था वह किया, सिवाय इसके कि वह अपने पिता दाऊद के समान नहीं था, उसने वह सब किया जो उसके पिता योआश ने किया था। सिवाय ऊँचे स्थानों को उसने नहीं हटाया, अभी भी लोग ऊँचे स्थानों पर बलिदान करते थे और धूप जलाते थे। और ऐसा हुआ कि जब राज्य उसके हाथ में मजबूत हो गया, तो उसने अपने उन दासों को मारा जिन्होंने उसके पिता को मारा था। और उसने मारने वालों के पुत्रों को मार नहीं डाला, जैसा कि मूसा के नियमों की पुस्तक में लिखा है, जैसा कि प्रभु ने आज्ञा दी थी, कहते हुए,

पिता पुत्रों के लिए नहीं मरेंगे, और पुत्र पिताओं के लिए नहीं मरेंगे, क्योंकि प्रत्येक अपने पापों में मरेगा। उसने गेमेलेद में एदोम के दस हजार को मारा, और युद्ध में चट्टान को पकड़ लिया, और उसका नाम यथोएल रखा जो इस दिन तक है।

तब अमेस्सियास ने इस्राएल के राजा येहू के पुत्र यहोआहाज़ के पुत्र योआस के पास दूत भेजे और कहा, आओ, हम आमने-सामने मिलें। और इस्राएल के राजा योआश ने यहूदा के राजा अमस्सियाह के पास यह कहते हुए भेजा, लबानोन में एक कंटीली झाड़ी ने लबानोन के देवदार के पास यह कहते हुए भेजा, अपनी बेटी मेरे बेटे को पत्नी के लिए दे दो, और लबानोन के खेत के जंगली जानवर वहाँ से गुज़रे और उस कंटीली झाड़ी को रौंद दिया। इद्रूमिया को मारकर तुमने जीत हासिल की है, और तुम्हारे हृदय ने तुम्हें घमंड से भर दिया है। अपने घर में बैठकर अपनी महिमा मनाओ, और अपनी दुष्टता में क्यों झगड़ा मोल लेते हो? नहीं तो तुम और यहूदा दोनों गिर जाओगे।

और अमस्याह ने नहीं सुना, और इस्राएल का राजा योआश ऊपर गया, और वह और यहूदा का राजा अमस्याह यहूदा के बेथशेमेश में आमने-सामने दिखाई दिए। और यहूदा इस्राएल के सामने लड़खड़ा गया, और हर पुरुष अपने तम्बू को भाग गया। और इस्राएल के राजा योआश ने अहज्याह के पुत्र योआश के पुत्र अमस्याह को बेथशेमेश में पकड़ लिया, और यरूशलेम आया, और यरूशलेम की दीवार को एप्रैम के फाटक से कोने के फाटक तक चार सौ हाथ गिरा दिया। और उसने सोना, चांदी, और सभी बर्तन जो प्रभु के घर में मिले थे, और राजा के घर के खजानों में, और मिश्रित विवाहों के पुत्रों को लिया, और सामरिया को लौट गया।

और योआस के शेष वचन, जितने उसने अपनी शक्ति में किए, जो उसने यहूदा के राजा अमस्सियाह के साथ युद्ध किया, क्या ये इस्राएल के राजाओं के दिनों की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और योआश अपने पुरखाओं के साथ सो गया, और शोमरोन में इस्राएल के राजाओं के साथ दफनाया गया, और उसका पुत्र यारोबाम उसकी जगह राजा बना।

और यहूदा के राजा योआश के पुत्र अमस्सियाह, इस्राएल के राजा यहोआहाज के पुत्र योआश के मरने के बाद, पंद्रह वर्ष जीवित रहा। और अमेस्सियु के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के दिनों के वचनों की पुस्तक पर लिखे हुए नहीं हैं? और यरूशलेम में उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचा गया, और वह लाकीश को भाग गया, और उन्होंने उसके पीछे लाकीश में भेजा, और उसे वहाँ मार डाला। और उन्होंने उसे घोड़ों पर उठाया, और वह यरूशलेम में अपने पिताओं के साथ दाऊद के शहर में दफनाया गया।

और यहूदा के सब लोगों ने अजर्याह को लिया, और वह सोलह वर्ष का पुत्र था, और उन्होंने उसे उसके पिता अमस्सियाह के बदले राजा बनाया। उसने स्वयं एलोथ को बनाया और उसे यहूदा को लौटाया, इसके बाद कि राजा अपने पितरों के साथ सो गया।

यहूदा के राजा योआश के पुत्र अमस्याह के पंद्रहवें वर्ष में, योआश के पुत्र यारोबाम ने सामरिया में इस्राएल पर इकतालीस वर्ष राज्य किया। और उसने प्रभु के सामने बुराई की, वह यारोबाम पुत्र नाबात के सब पापों से नहीं हटा, जिसने इस्राएल से पाप करवाया। उसने स्वयं इस्राएल की सीमा को हमात के प्रवेश से अराबा के समुद्र तक हटाया, प्रभु परमेश्वर इस्राएल के उस वचन के अनुसार जो उसने अपने दास योना के द्वारा बोला था, जो अमितै का पुत्र था, वह भविष्यवक्ता जो गत-हेपेर से था। क्योंकि प्रभु ने इस्राएल का अपमान देखा जो बहुत कड़वा था, और वे थोड़े थे, पीड़ित थे, कमी में थे, और त्यागे हुए थे, और इस्राएल की मदद करने वाला कोई नहीं था। और प्रभु ने इस्राएल के बीज को आकाश के नीचे से मिटाने की बात नहीं की, और उसने उन्हें योआश के पुत्र यारोबाम के हाथ के द्वारा बचाया।

और यारोबाम के शेष वचन और सब कुछ जो उसने किया, और उसके पराक्रम के कार्य, जितना उसने युद्ध किया, और जितना उसने दमिश्क और हमात को इस्राएल में यहूदा के लिए लौटाया, क्या ये सब इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और यारोबाम अपने पिताओं के साथ सो गया, इस्राएल के राजाओं के साथ, और उसके स्थान पर उसका पुत्र

जकर्याह राजा बना।

15

यिरोबाम राजा इस्राएल के सत्ताईसवें वर्ष में, अजर्याह, जो यहूदा के राजा अमस्याह का पुत्र था, राजा बना। वह सोलह वर्ष का था जब उसने राज्य करना आरम्भ किया, और उसने बावन वर्ष तक यरूशलेम में राज्य किया, और उसकी माता का नाम यिखेलिया था जो यरूशलेम से थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में वह सब सीधा किया, जैसा उसके पिता अमस्सियाह ने किया था। सिवाय ऊँचे स्थानों के, उसने उन्हें नहीं हटाया; अभी भी लोग ऊँचे स्थानों पर बलिदान कर रहे थे और धूप जला रहे थे।

और प्रभु ने राजा को छुआ, और वह अपनी मृत्यु के दिन तक कोढ़ी रहा, और उसने अप्फूसोथ के घर में राज्य किया, और राजा का पुत्र योताम घर के ऊपर था और भूमि के लोगों का न्याय करता था।

और अजरयाह के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और अजर्याह अपने पितरों के साथ सो गया, और उन्होंने उसे उसके पितरों के साथ दाऊद के नगर में दफनाया, और उसका पुत्र योताम उसके स्थान पर राजा बना।

अजरायाह के राज्य के अड़तीसवें वर्ष में, यहूदा के राजा, यारोबाम के पुत्र जकर्याह ने इस्राएल पर सामरिया में छह महीने राज्य किया। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, जैसा उसके पिताओं ने किया था। वह यारोबाम पुत्र नाबात के उन सब पापों से नहीं हटा, जिनसे उसने इस्राएल को पाप करवाया था। और शल्लूम, जो याबेश का पुत्र था, ने उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचा, और केबलाम में उसे मारा और उसे मार डाला, और उसके स्थान पर राज्य किया। और ज़करयाह

के शेष वचन, देखो, इस्राएल के राजाओं के दिनों के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए हैं। वह वचन जो प्रभु ने येहू से कहा था, तेरे चौथे पुत्र इस्राएल के सिंहासन पर बैठेंगे, और ऐसा ही हुआ।

और शल्लूम, याबेश का पुत्र, राज्य करता था, और यहूदा के राजा अजर्याह के उनतीसवें वर्ष में शल्लूम ने सामरिया में एक महीने तक राज्य किया। और मनाहेम, जो गद्दी का पुत्र था, तिस्रा से ऊपर गया और सामरिया में आया, और उसने शल्लूम को, जो याबेश का पुत्र था, सामरिया में मारा और उसे मार डाला। और शल्लूम के शेष वचन, और उसका षड्यंत्र जो उसने किया, देखो, वे इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए हैं।

तब मनाहेम ने थेरसा और उसमें सब कुछ, और थेरसा से उसकी सीमाओं को मारा, क्योंकि उन्होंने उसके लिए नहीं खोला, और उसने उसको मारा, और गर्भवती स्त्रियों को फाड़ दिया।

यहूदा के राजा अजर्याह के उनतीसवें वर्ष में, गद्दी का पुत्र मनहेम ने सामरिया में इस्राएल पर दस वर्ष राज्य किया। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, वह यारोबाम पुत्र नबात के उन सब पापों से नहीं हटा जिनसे उसने इस्राएल को पाप कराया था। उसके दिनों में अशूरियों का राजा फोना भूमि पर चढ़ाई करने आया, और मनाहेम ने फौआ को एक हजार तालन्त चांदी दी ताकि उसका हाथ उसके साथ हो। और मनहेम ने इस्राएल पर चांदी निकाली, हर शक्तिशाली व्यक्ति पर, असीरियों के राजा को देने के लिए, प्रत्येक आदमी को पचास शेकेल, और असीरियों का राजा लौट गया, और वहां उस भूमि में नहीं ठहरा। और मनहेम के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और मनाहेम अपने पितरों के साथ सो गया, और उसका पुत्र फकेसियास उसके स्थान पर राजा बना।

यहूदा के राजा अजर्याह के पचासवें वर्ष में मनहेम का पुत्र पकह्याह इस्राएल पर शोमरोन में दो वर्ष राज्य करता रहा। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, वह यारोबाम पुत्र नबात के पापों से नहीं हटा, जिसने इस्राएल से पाप करवाया। और रमल्याह के पुत्र फकेह ने, जो उसका अधिकारी

था, उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचा, और उसे शोमरोन में राजा के घर के सामने अर्गोब और अरिया के साथ मारा, और उसके साथ चार सौ में से पचास पुरुष थे, और उसने उसे मार डाला, और उसके स्थान पर राज्य किया। और फकेसियु के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, देखो, वे इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए हैं।

अजरयाह राजा यहूदा के बावनवें वर्ष में, रमल्याह का पुत्र पेकह ने इस्राएल पर सामरिया में बीस वर्ष राज्य किया। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, वह यारोबाम पुत्र नबात के उन सब पापों से नहीं हटा जिनसे उसने इस्राएल को पाप कराया था। इस्राएल के राजा फकेह के दिनों में, अशशूरियों का राजा थलगथफेल्लासर आया, और उसने ऐन और अबेल और थमाअखा और अनिओख और केनेज़ और असोर और गलान और गलीलैअन को ले लिया, नेफ्थली की सारी भूमि, और उन्हें अशशूर में निर्वासित कर दिया। और होशे, जो एला का पुत्र था, ने पेकह के विरुद्ध, जो रमल्याह का पुत्र था, षड्यंत्र रचा, और उसे मारा, और उसे मार डाला, और उसके स्थान पर राज्य किया, योताम के, जो अजरयाह का पुत्र था, बीसवें वर्ष में। और पेकह के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, देखो, ये सब इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए हैं।

इस्राएल के राजा रमल्याह के पुत्र पेकह के दूसरे वर्ष में, यहूदा के राजा अजरयाह का पुत्र योताम राजा बना। पुत्र पच्चीस वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने सोलह वर्ष यरूशलेम में राज्य किया, और उसकी माता का नाम यरूशा था जो सादोक की पुत्री थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में वह सब सीधा किया, जितना उसके पिता अजरयाह ने किया था। सिवाय इसके कि उसने ऊँचे स्थानों को नहीं हटाया, लोग अभी भी ऊँचे स्थानों पर बलिदान करते थे और धूप जलाते थे। उसने स्वयं प्रभु के घर का ऊपरी द्वार बनाया। और योताम के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

उन दिनों में प्रभु ने यहूदा में सीरिया के राजा रसीन और रमल्याह के पुत्र पेकह को भेजना आरम्भ

किया। और योताम अपने पुरखाओं के साथ सो गया, और अपने पुरखाओं के साथ अपने पिता दाऊद के नगर में दफनाया गया, और उसका बेटा आहाज उसके स्थान पर राजा बना।

16

रमल्याह के पुत्र पेकह के सत्रहवें वर्ष में, यहूदा के राजा योताम का पुत्र आहाज राजा बना। आहाज बीस वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने यरूशलेम में सोलह वर्ष राज्य किया, और उसने अपने परमेश्वर प्रभु की दृष्टि में वह सही नहीं किया विश्वासपूर्वक, जैसा उसके पिता दाऊद ने किया था। और वह इस्राएल के राजाओं के मार्ग पर चला, और वास्तव में उसने अपने पुत्र को आग में बिताया, उन जातियों के घृणित कार्यों के अनुसार जिन्हें प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से निकाला था। और वह ऊँचे स्थानों में, पहाड़ियों पर, और हर पत्तेदार पेड़ के नीचे बलिदान करता था और धूप जलाता था।

तब सीरिया का राजा रासोन और रमल्याह का पुत्र फकेह जो इस्राएल का राजा था, यरूशलेम पर युद्ध करने गए, और उन्होंने आहाज को घेरा, परन्तु वे युद्ध करने में सक्षम नहीं थे। उस समय सीरिया के राजा रासोन ने ऐलत को सीरिया के अधीन कर लिया, और यहूदियों को ऐलत से निकाल दिया, और इटूमी ऐलत में आए, और वहाँ इस दिन तक बसे रहे। और आहाज ने अश्शूरियों के राजा तिग्लत-पिलेसेर के पास दूत भेजे और कहलवाया, मैं तुम्हारा दास और तुम्हारा पुत्र हूँ, आओ और मुझे सीरिया के राजा के हाथ से और इस्राएल के राजा के हाथ से बचाओ, जो मेरे विरुद्ध उठे हैं। और आहाज ने चांदी और सोना लिया जो प्रभु के घर और राजा के घर के खजानों में मिला था, और राजा को उपहार भेजे। और अश्शूरियों के राजा ने उसकी सुनी, और अश्शूरियों का राजा दमिश्क में गया, और उसने उसे पकड़ लिया, और उसे निर्वासित कर दिया, और रासोन राजा को मार डाला।

और राजा आहाज़ दमिश्क में अशशूरियों के राजा तिग्लत-पिलेसेर से मिलने गया, और उसने दमिश्क में वेदी देखी, और राजा आहाज़ ने याजक ऊरिय्याह के पास वेदी की आकृति और उसका नमूना और उसकी सम्पूर्ण बनावट भेजी। और ऊरियाह पुजारी ने वेदी का निर्माण किया, उस सब के अनुसार जो राजा आहाज ने दमिश्क से भेजा था।

और राजा ने वेदी को देखा, और उस पर चढ़ा। और उसने अपना होमबलि, अपना बलिदान, और अपना पेय बलिदान धूप में जलाया, और अपनी मेल बलियों का रक्त कांस्य वेदी पर डाला। प्रभु के सामने से, और प्रभु के घर के मुख को वेदी के बीच से और प्रभु के घर के बीच से लाया, और इसे वेदी की जांघ पर उत्तर की ओर रखा। और राजा आहाज़ ने याजक उरिय्याह को आज्ञा दी, महान वेदी पर सुबह का होमबलि और शाम का बलिदान चढ़ाओ, और राजा का होमबलि और उसका बलिदान, और सब लोगों का होमबलि, और उनका बलिदान और उनका अर्घ, और होमबलि का सब लहू, और बलिदान का सब लहू उस पर डालना, और कांसे की वेदी मेरे लिए सुबह में होगी। और पुजारी उरिय्याह ने वह सब कुछ बनाया जो राजा आहाज ने उसे आज्ञा दी थी। और राजा आहाज़ ने आधारों के पैनलों को तोड़ डाला, और उनसे हौज को हटाया, और समुद्र को कांस्य के बैलों से जो उसके नीचे थे गिराया, और उसे पत्थर के आधार पर रखा। और उसने प्रभु के घर में सीट की नींव बनाई, और अशशूरियों के राजा के कारण राजा के बाहरी प्रवेश द्वार को प्रभु के घर में बदल दिया।

और आहाज के शेष वचन जो उसने किए, क्या ये यहूदा के राजाओं के दिनों की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और आहाज़ अपने पितरों के साथ सो गया, और दाऊद के शहर में दफनाया गया, और उसका बेटा हिज़किय्याह उसकी जगह राज करने लगा।

यहूदा के राजा आहाज के बारहवें वर्ष में, एला के पुत्र होशे ने सामरिया में इस्राएल पर नौ वर्ष राज्य किया। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, सिवाय इसके कि वह इस्राएल के उन राजाओं के समान नहीं था जो उससे पहले थे।

उस पर शालमनेसर, अश्शूरियों का राजा, चढ़ाई करने गया, और होशे उसका दास बन गया, और उसने उसको कर दिया। और अश्शूरियों के राजा ने होशे में अन्याय पाया, क्योंकि उसने मिस्र के राजा सहोर के पास दूत भेजे थे, और उस वर्ष अश्शूरियों के राजा को कर नहीं दिया था, और अश्शूरियों के राजा ने उसे घेर लिया, और उसे कारागार में बंदी बना दिया। और अश्शूरियों का राजा सारी भूमि में गया, और सामरिया में गया, और उसे तीन वर्ष तक घेरे रखा।

होशे के नौवें वर्ष में अश्शूरियों के राजा ने सामरिया को पकड़ लिया, और इस्राएल को अश्शूर में निर्वासित कर दिया, और उनको हलह में और हबोर की नदियों में गोज़ान में, और मादियों के पहाड़ों में बसाया। और ऐसा हुआ कि इस्राएल के पुत्रों ने अपने प्रभु परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया, जो उन्हें मिस्र देश से, मिस्र के राजा फिरौन के हाथ के नीचे से ऊपर लाया था, और वे दूसरे देवताओं से डरे, और वे उन राष्ट्रों की विधियों पर चले जिनको प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से निकाला था, और इस्राएल के राजाओं ने जितना किया, और जितने इस्राएल के पुत्रों ने शब्दों को धारण किया, वे अपने प्रभु परमेश्वर के अनुसार नहीं थे, और उन्होंने अपने सभी नगरों में पहेरेदारों के मीनार से लेकर किलेबंद नगर तक अपने लिए ऊँचे स्थान बनाए। और उन्होंने अपने लिए स्तंभ और पवित्र वृक्षस्थल खड़े किए, हर ऊँची पहाड़ी पर और हर घने पत्तों वाले पेड़ के नीचे। और उन्होंने वहाँ सब ऊँचे स्थानों पर धूप जलाई, जैसे वे जातियाँ जिन्हें प्रभु ने उनके सामने से निकाल दिया था, और उन्होंने साझीदार बनाए, और प्रभु को क्रोधित करने के लिए खुदाई की। और उन्होंने उन मूर्तियों की सेवा की जिनके विषय में प्रभु ने उनसे कहा था, तुम यह काम नहीं करोगे।

और प्रभु ने इस्राएल में और यहूदा में अपने सभी भविष्यवक्ताओं के द्वारा, हर दर्शी के द्वारा

गवाही दी, यह कहते हुए, अपने दुष्ट मार्गों से लौट जाओ, और मेरी आज्ञाओं को, और मेरी विधियों को, और उस सम्पूर्ण व्यवस्था को मानो जो मैंने तुम्हारे पितरों को दी थी, जितनी मैंने अपने दासों, भविष्यवक्ताओं के द्वारा उनको भेजी थी। और उन्होंने नहीं सुना, और उन्होंने अपनी पीठ को अपने पिताओं की पीठ से अधिक कठोर कर लिया। और उसकी गवाहियाँ जितनी उसने उनको दी थीं, उन्होंने नहीं रखीं, और वे व्यर्थ चीजों के पीछे चले गए और व्यर्थ हो गए, और अपने चारों ओर की जातियों के पीछे चले गए, जिनके विषय में प्रभु ने उनको आज्ञा दी थी कि इन बातों के अनुसार न करें। उन्होंने अपने प्रभु परमेश्वर की आज्ञाओं को त्याग दिया, और अपने लिए दो बछियों की ढली हुई मूर्ति बनाई, और पवित्र वृक्ष बनाए, और आकाश की सब शक्ति की पूजा की, और बाल की सेवा की। और उन्होंने अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों को आग में होम किया, और भविष्यवाणी की, और शकुन देखा, और प्रभु की दृष्टि में बुराई करने के लिए बिक गए ताकि उसे क्रोधित करें।

और प्रभु इस्राएल पर अत्यधिक क्रोधित हुआ, और उसने उनको अपने चेहरे से हटा दिया, और यहूदा गोत्र के सिवाय कोई नहीं बचा। और यहूदा ने भी अपने परमेश्वर प्रभु की आज्ञाओं का पालन नहीं किया, और वे इस्राएल की उन विधियों पर चले जो उन्होंने बनाई थीं, और उन्होंने प्रभु को अस्वीकार कर दिया।

और प्रभु इस्राएल के समस्त वंश पर क्रोधित हुआ, और उसने उन्हें हिलाया, और उन्हें लुटेरों के हाथ में सौंप दिया, जब तक उसने उन्हें अपने सामने से दूर नहीं फेंक दिया। क्योंकि इस्राएल दाऊद के घर से अलग हो गया, और उन्होंने नबात के पुत्र यारोबाम को राजा बनाया, और यारोबाम ने इस्राएल को प्रभु से दूर कर दिया, और उनसे महान पाप करवाया। और इस्राएल के पुत्र यारोबाम के सब पाप में चलते रहे जो उसने किया था, वे उससे नहीं हटे। जब तक प्रभु ने इस्राएल को अपने सामने से नहीं हटाया, जैसा प्रभु ने अपने सब दासों, भविष्यवक्ताओं के द्वारा कहा था, और इस्राएल अपनी भूमि से अशशूर में निर्वासित किया गया, आज के दिन तक।

और अशूरियों के राजा ने बाबुल से, कूता से, अय्या से, हमात से और सपर्वेम से लोगों को ले जाकर सामरिया के नगरों में इस्राएल के पुत्रों के बदले बसाया, और उन्होंने सामरिया को विरासत में लिया, और उसके नगरों में बस गए। और ऐसा हुआ कि उनके बसने के आरंभ में उन्होंने प्रभु से नहीं डरे, और प्रभु ने उनके बीच शेर भेजे, और वे उनमें मारते रहे। और उन्होंने अशूरियों के राजा से कहा, जिन जातियों को तूने निर्वासित किया और सामरिया के नगरों में बसाया, वे उस भूमि के परमेश्वर के न्याय को नहीं जानतीं, और उसने उनके विरुद्ध सिंहों को भेजा, और देखो, वे उन्हें मार रहे हैं, क्योंकि वे उस भूमि के परमेश्वर के न्याय को नहीं जानते। और असीरियों के राजा ने आज्ञा दी, कहते हुए, वहाँ से ले जाओ, और उन्हें जाने दो, और उन्हें वहाँ बसने दो, और वे उनको पृथ्वी के परमेश्वर का निर्णय सिखाएँगे। और उन्होंने उन पुजारियों में से एक को लाया जिन्हें उन्होंने सामरिया से निर्वासित किया था, और वह बेतेल में बैठा, और वह उन्हें सिखा रहा था कि वे प्रभु का भय कैसे करें।

और प्रत्येक राष्ट्र अपने देवताओं को बना रहा था, और उन्होंने उन्हें ऊँचे स्थानों के घरों में रखा जो सामरियों ने बनाए थे, प्रत्येक राष्ट्र अपने नगरों में जिनमें वे निवास करते थे। और बाबुल के पुरुषों ने सुक्कोथ बेनोथ को बनाया, और कूथ के पुरुषों ने नेर्गल को बनाया, और हमात के पुरुषों ने अशीमा को बनाया, और हिवाइट्स ने एब्लाज़ेर और थार्थाक को बनाया, और सेफ़र्वाइम के लोगों ने अपने पुत्रों को आग में जलाया अद्रामेलेक और अनेम्मेलेक के लिए, जो सेफ़र्वाइम के देवता थे। और वे प्रभु से डरते थे, और उन्होंने अपनी घृणित वस्तुओं को ऊँचे स्थानों के घरों में बसाया जो उन्होंने सामरिया में बनाए थे, हर जाति उस नगर में जिसमें वे रहते थे, और वे प्रभु से डरते थे, और उन्होंने अपने लिए ऊँचे स्थानों के पुजारी बनाए, और उन्होंने अपने लिए ऊँचे स्थानों के घर में बनाया। और वे प्रभु से डरते थे, और अपने देवताओं की सेवा करते थे, उन राष्ट्रों के रीति के अनुसार जहाँ से उन्हें वहाँ से निर्वासित किया गया था।

इस दिन तक वे अपने न्याय के अनुसार करते थे, वे डरते हैं, और वे अपने विधियों के अनुसार करते हैं, और अपने न्याय के अनुसार, और व्यवस्था के अनुसार, और उस आज्ञा के अनुसार जो

प्रभु ने याकूब के पुत्रों को दी थी, जिसका नाम उसने इस्राएल रखा था। और प्रभु ने उनके साथ वाचा बाँधी, और उन्हें आज्ञा दी, कहते हुए, तुम अन्य देवताओं से भय नहीं करोगे, और तुम उनकी पूजा नहीं करोगे, और तुम उनकी सेवा नहीं करोगे, और तुम उनके लिए बलिदान नहीं करोगे, क्योंकि केवल प्रभु को, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से महान शक्ति और ऊँची भुजा के साथ ऊपर लाया, उसी से तुम भय करोगे, और उसी को दंडवत करोगे, उसी के लिए बलिदान करोगे। वे विधियाँ और वे न्याय और वह व्यवस्था और वे आज्ञाएँ, जो उसने तुम्हारे लिए करने को लिखीं, उन्हें सब दिनों तक मानते रहना, और तुम दूसरे देवताओं से भय नहीं करोगे। और जो वाचा तुम्हारे साथ बनाई गई थी उसे तुम नहीं भूलोगे, और तुम दूसरे देवताओं से नहीं डरोगे, परन्तु तुम अपने प्रभु परमेश्वर से भय रखोगे, और वह तुम्हें तुम्हारे सब शत्रुओं से छुड़ाएगा।

और तुम उनके निर्णय को अभी भी नहीं सुनोगे, जो वे करते हैं। और ये राष्ट्र प्रभु से डरते थे, और अपनी खुदी हुई मूर्तियों की सेवा करते थे, और उनके पुत्र और पुत्रों के पुत्र भी, जैसा उनके पिताओं ने किया, आज के दिन तक करते हैं।

18

और ऐसा हुआ कि होशे के तीसरे वर्ष में, जो एला का पुत्र और इस्राएल का राजा था, हिजकिय्याह ने राज्य किया, जो आहाज का पुत्र और यहूदा का राजा था। वह पच्चीस वर्ष का था जब उसने शासन करना आरंभ किया, और उसने यरूशलेम में उनतीस वर्ष शासन किया, और उसकी माता का नाम अबू था, जो जकर्याह की पुत्री थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में वह सब कुछ सही किया जो उसके पिता दाऊद ने किया था। उसने स्वयं उच्च स्थानों को हटाया, और स्तंभों को कुचला, और उपवनों को नष्ट किया, और उस कांस्य सर्प को भी जिसे मूसा ने बनाया था, क्योंकि उन दिनों तक इस्राएल के पुत्र उसके लिए धूप जलाते थे, और उसने उसे नहुशतान कहा। प्रभु इस्राएल के परमेश्वर में उसने आशा रखी, और उसके बाद यहूदा के राजाओं में उसके समान

कोई नहीं हुआ, और न ही उससे पहले हुए राजाओं में। और वह प्रभु से चिपका रहा, उसके पीछे से नहीं हटा, और उसने उसकी आज्ञाओं को पाला जितनी मूसा को आदेश दी गई थीं।

और प्रभु उसके साथ था, और जो कुछ उसने किया उसमें वह समझदार रहा, और उसने अशशूर के राजा के विरुद्ध विद्रोह किया और उसकी सेवा नहीं की। उसने स्वयं विदेशियों को गाज़ा तक मारा, और उसकी सीमा तक, पहरेदारों की मीनार से लेकर दृढ़ नगर तक।

और ऐसा हुआ कि राजा हिजकिय्याह के चौथे वर्ष में, जो एला के पुत्र होशे के, इस्राएल के राजा के, सातवें वर्ष के समान था, अशशूरियों का राजा शल्मनेसर सामरिया पर चढ़ाई करने गया, और उसे घेर लिया। और तीन वर्षों के अंत में उसे पकड़ लिया गया, हिजकिय्याह के छठे वर्ष में, जो इस्राएल के राजा होशे का नौवां वर्ष था, और सामरिया पर अधिकार कर लिया गया। और अशशूरियों के राजा ने सामरिया को निर्वासित करके अशशूरियों में ले गया, और उनको हलह में और हबोर नदी गोज़ान में और मादियों के पहाड़ों में रखा, इसके बदले में कि उन्होंने अपने प्रभु परमेश्वर की आवाज़ नहीं सुनी, और उन्होंने उसकी वाचा का उल्लंघन किया, वह सब जो प्रभु के दास मूसा ने आज्ञा दी थी, और उन्होंने न सुना और न किया।

और हिजकिय्याह राजा के चौदहवें वर्ष में, अशशूरियों का राजा सन्हेरीब यहूदा के किलेबंद नगरों पर चढ़ाई करने गया, और उनको पकड़ लिया। और यहूदा के राजा हिजकिय्याह ने अशशूरियों के राजा के पास लाकीश में दूत भेजे, यह कहते हुए, मैंने पाप किया है, मुझसे लौट जाओ। जो कुछ भी तुम मुझ पर लगाओगे, मैं सहूंगा। और अशशूरियों के राजा ने यहूदा के राजा हिजकिय्याह पर तीन सौ तालन्त चांदी और तीस तालन्त सोना रखा। और हिजकिय्याह ने वह सब चांदी दे दी जो प्रभु के घर में और राजा के घर के खजानों में पाई गई थी। उस समय हिजकिय्याह ने मंदिर के दरवाजे काट डाले और वे जकड़ी हुई चीजें जो यहूदा के राजा हिजकिय्याह ने सोने से मढ़ी थीं, उन्हें अशशूर के राजा को दे दिया।

और अशशूर के राजा ने थानथान, राफिस और राप्साकेन को लाकीश से राजा हिजकिय्याह के पास यरूशलेम में भारी सेना के साथ भेजा, और वे चढ़कर यरूशलेम आए, और ऊपर वाले तालाब के जलसेतु के पास खड़े हुए, जो धोबी के खेत के मार्ग पर है। और उन्होंने हिजकिय्याह की ओर पुकारा, और उनके पास आए एल्याकीम जो हिल्किय्याह का पुत्र था और भण्डारी था, और शेबना जो लेखक था, और योआश जो शाफात का पुत्र था और लेखापाल था।

और रबशाकेह ने उनसे कहा, हिजकिय्याह से कहो, महान राजा, अशशूरियों का राजा यह कहता है: यह क्या विश्वास है जिस पर तूने भरोसा किया है? तुमने कहा, केवल होंठों के शब्द हैं, युद्ध के लिए परामर्श और शक्ति, अब इसलिए किस पर भरोसा करते हुए तुमने मुझे अस्वीकार किया है? अब देखो, तुम अपने आप को इस टूटे हुए नरकट की छड़ी पर, मिस्र पर विश्वास करते हो; जो पुरुष इस पर टिकेगा, वह उसके हाथ में घुस जाएगी और उसे छेद देगी, इसी प्रकार मिस्र का राजा फिर उन सब के लिए है जो उस पर विश्वास करते हैं। और क्योंकि तुमने मुझसे कहा कि हमने प्रभु परमेश्वर पर भरोसा किया है, क्या स्वयं इसी हिजकिय्याह ने उसके ऊंचे स्थानों और उसकी वेदियों को नहीं हटाया, और यहूदा और यरूशलेम से कहा, तुम यरूशलेम में इस वेदी के सामने पूजा करोगे? और अब मेरे स्वामी अशशूरियों के राजा के साथ सौदा करो, और मैं तुम्हें दो हजार घोड़े दूंगा, यदि तुम उन पर सवार बैठाने में सक्षम हो सको। और तुम मेरे स्वामी के सबसे छोटे दासों में से एक टोपार्क का सामना कैसे करोगे? और तुमने रथों और घुड़सवारों के लिए मिस्र पर भरोसा किया। और अब क्या हम प्रभु के बिना इस स्थान पर नष्ट करने के लिए गए? प्रभु ने मुझसे कहा, इस भूमि पर जाओ और इसे नष्ट करो।

और एलियाकिम, जो खिलकियाह का पुत्र था, और शेबना और योआश ने रबशाके से कहा, वास्तव में अपने सेवकों से अरामी में बोलो, क्योंकि हम सुनते हैं, और तुम हमारे साथ इब्रानी में मत बोलो, और तुम दीवार पर के लोगों के कानों में क्यों बोलते हो? और रबशाकेह ने उनसे कहा, क्या मेरे स्वामी ने मुझे तुम्हारे स्वामी और तुमसे ये शब्द बोलने के लिए भेजा है? क्या दीवार पर बैठे हुए पुरुषों के लिए नहीं, जो तुम्हारे साथ अपना मल खाएंगे और अपना मूत्र पिएंगे?

और रबशाके खड़ा हुआ और यहूदी भाषा में बड़ी आवाज़ से चिल्लाया, और बोला और कहा, अशशूरियों के महान राजा के शब्द सुनो। ये बातें राजा कहता है, हिजकिय्याह तुम्हें शब्दों से उत्साहित न करे, क्योंकि वह तुम्हें अपने हाथ से छुड़ाने में सक्षम नहीं है। और हिजकिय्याह तुम्हें प्रभु पर आशा न दिलाए, यह कहते हुए कि प्रभु निश्चय ही छुड़ाएगा, यह नगर अशशूरियों के राजा के हाथ में नहीं सौंपा जाएगा। हिजकिय्याह की मत सुनो, क्योंकि अशशूरियों का राजा यह कहता है: मेरे साथ संधि करो और मेरे पास निकल आओ, और हर आदमी अपनी अंगूर की बेल का फल पिएगा और हर आदमी अपने अंजीर के पेड़ का फल खाएगा, और अपने कुएं का पानी पिएगा। जब तक मैं आकर तुम्हें तुम्हारी भूमि जैसी एक भूमि में न ले जाऊं, अनाज और दाखरस और रोटी और अंगूर के बागों की भूमि, जैतून के तेल और शहद की भूमि, और तुम जीवित रहोगे और कदापि नहीं मरोगे, और हिजकिय्याह की मत सुनो, क्योंकि वह तुम्हें धोखा देता है, यह कहते हुए कि प्रभु तुम्हें छुड़ाएगा। क्या राष्ट्रों के देवताओं ने अपनी-अपनी भूमि को अशशूर के राजा के हाथ से नहीं बचाया? कहाँ है हैमथ का देवता, और अर्पद का? कहाँ है सपर्वेम, अना और अबा का देवता, कि उन्होंने सामरिया को मेरे हाथ से छुड़ाया? सभी भूमियों के देवताओं में से कौन है, जिसने अपनी भूमि को मेरे हाथ से छुड़ाया, कि प्रभु यरूशलेम को मेरे हाथ से छुड़ाएगा?

और वे चुप रहे और उन्होंने उसे कोई उत्तर नहीं दिया, क्योंकि राजा की आज्ञा थी, जो कहती थी, तुम उसे उत्तर नहीं दोगे। और हिलकिय्याह का पुत्र एलियाकिम जो भंडारी था, और सोमनास जो लेखक था, और साफात का पुत्र योआस जो अभिलेखपाल था, अपने वस्त्र फाड़कर हिजकिय्याह के पास आए और उन्होंने उसे रबशाके के शब्द सुनाए।

19

और ऐसा हुआ कि जब राजा हिजकिय्याह ने सुना, तो उसने अपने वस्त्र फाड़े और टाट पहना

और प्रभु के घर में प्रवेश किया। और उसने एलियाकिम भंडारी को, और शेबना लेखक को, और याजकों के बुजुर्गों को, जो टाट पहने हुए थे, यशायाह नबी के पास भेजा, जो आमोस का पुत्र था। और मैंने उससे कहा, हिजकिय्याह यह कहता है: यह दिन कष्ट, फटकार और उकसावे का दिन है, क्योंकि पुत्र प्रसव पीड़ा तक आ गए हैं, और जन्म देने वाली में शक्ति नहीं है। यदि किसी प्रकार प्रभु तुम्हारा ईश्वर रब्बाके के सब शब्दों को सुनेगा, जिसे अशूरियों के राजा ने, उसके स्वामी ने, जीवित ईश्वर की निन्दा करने के लिए भेजा था, और उन शब्दों में निन्दा करने के लिए जिन्हें प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने सुना है, और तुम उस अवशेष के विषय में जो पाया जाता है, प्रार्थना करोगे।

और राजा हिजकिय्याह के सेवक यशायाह के पास आए। और यशायाह ने उनसे कहा, ये बातें तुम अपने स्वामी से कहोगे, प्रभु यह कहते हैं, उन शब्दों से मत डरो जो तुमने सुने, जिनसे अशूर के राजा के युवा पुरुषों ने निन्दा की। देखो, मैं उसमें एक आत्मा डालता हूँ, और वह एक संदेश सुनेगा, और वह अपनी भूमि को लौटेगा, और मैं उसे तलवार से उसकी भूमि में गिरा दूँगा।

और रब्बाके लौटा, और उसने अशूरियों के राजा को लिब्ना पर युद्ध करते हुए पाया, क्योंकि उसने सुना था कि वह लाकीश से प्रस्थान कर चुका था। और उसने इथियोपियाई लोगों के राजा तिरहाका के बारे में सुना, जो कह रहा था, देखो, वह तुम्हारे साथ युद्ध करने के लिए निकला है, और वह लौटा, और उसने हिजकिय्याह के पास दूत भेजे, यह कहते हुए, तेरा ईश्वर तुझे उस पर घमंड न करने दे जिस पर तूने भरोसा किया है, यह कहते हुए कि यरूशलेम अशूरियों के राजा के हाथों में नहीं सौंपा जाएगा। देखो, तुमने सब कुछ सुना है जो अशूर के राजाओं ने सभी देशों को नष्ट करने के लिए किया, और क्या तुम बचाए जाओगे? क्या राष्ट्रों के देवताओं ने उन्हें छुड़ाया, जिन्हें मेरे पिताओं ने नष्ट किया था - गोज़ान को, और हारान को, और राफ़िस को, और एदेम के पुत्रों को जो थाएस्थेन में थे? कहाँ है हमारा राजा और अर्पद का राजा? और कहाँ है सपर्वेम, अना और अवा शहर का राजा?

और हिजकिय्याह ने दूतों के हाथ से पुस्तकें लीं, और उनको पढ़ा, और प्रभु के घर में गया, और हिजकिय्याह ने उनको प्रभु के सामने फैलाया। और उसने कहा, हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, करूबों पर विराजमान, पृथ्वी के सब राज्यों में तू ही अकेला परमेश्वर है, तूने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया है। हे प्रभु, अपना कान झुकाओ और सुनो, हे प्रभु, अपनी आँखें खोलो और देखो, और सन्हेरीब के शब्दों को सुनो जो उसने जीवित परमेश्वर की निन्दा करने के लिए भेजे हैं। क्योंकि हे प्रभु, सत्य में अशूरियों के राजाओं ने राष्ट्रों को उजाड़ दिया है। और उन्होंने अपने देवताओं को आग में डाल दिया, क्योंकि वे देवता नहीं हैं, बल्कि मनुष्यों के हाथों की कृतियाँ हैं, लकड़ी और पत्थर, और उन्होंने उन्हें नष्ट कर दिया। और अब, हे प्रभु हमारे परमेश्वर, हमें उसके हाथ से बचाओ, और पृथ्वी के सब राज्य जानेंगे कि तू ही प्रभु परमेश्वर अकेला है।

और यशायाह, जो आमोस का पुत्र था, ने हिजकिय्याह के पास भेजा और कहा, प्रभु, शक्तियों का देवता, इस्राएल का देवता, यह कहता है: जो तूने सन्हेरीब अशूरियों के राजा के विषय में मुझसे प्रार्थना की, वह मैंने सुन ली है। यह वह वचन है जो प्रभु ने उसके विषय में बोला: सिय्योन की कुंवारी पुत्री ने तुझे तुच्छ जाना और तेरा उपहास किया; यरूशलेम की पुत्री ने तुझ पर अपना सिर हिलाया। किसकी निन्दा की तुमने, और किसकी ईशनिन्दा की? किस पर ऊँची की तुमने आवाज, और ऊँचाई की ओर उठाई अपनी आँखें? इस्राएल के पवित्र की ओर?

अपने दूतों के हाथों से तूने प्रभु की निन्दा की और कहा, अपने रथों की भीड़ के साथ मैं पहाड़ों की ऊँचाइयों पर, लबानोन की चोटियों तक चढ़ूँगा, और मैंने उसके देवदार के विशाल वृक्षों को, उसके उत्तम सनोवर के वृक्षों को काट डाला, और मैं जंगल के बीच में और कर्मेल तक आया। मैंने ठंडा किया और विदेशी पानी पिया, और मैंने अपने पैर के तलवे से क्षेत्र की सभी नदियों को सूखा दिया। मैंने इसे रूप दिया, उन्होंने इसे एकत्र किया, और यह योद्धाओं के उपनिवेशों की उन्नतियों में दृढ़ नगर बन गया। और जो उनमें निवास करते थे, वे शक्तिहीन हो गए, भयभीत हुए और लज्जित हुए, वे खेत की घास बन गए, या हरा पौधा, छतों की घास, और खड़े हुए के सामने रौंदे जाने वाले बन गए। और मैं तुम्हारे आसन को और तुम्हारे प्रस्थान को जानता था, और मुझ

पर तुम्हारे क्रोध को। क्योंकि तुम मुझ पर क्रोधित हुए, और तुम्हारा उग्र क्रोध मेरे कानों में चढ़ गया है, इसलिए मैं अपने अंकुश तुम्हारी नासिका में रखूंगा और लगाम तुम्हारे होंठों में, और मैं तुम्हें उसी मार्ग से लौटाऊंगा जिससे तुम आए थे।

और यह तुम्हारे लिए चिह्न होगा: इस वर्ष स्वतः उगी हुई फसल खाओ, और दूसरे वर्ष में जो अपने आप उगे, और तीसरे वर्ष में बोना और काटना और अंगूर के बाग लगाना, और तुम उनका फल खाओगे। और यहूदा के घर का बचा हुआ भाग नीचे जड़ पकड़ेगा, और ऊपर फल देगा। क्योंकि यरूशलेम से बचा हुआ भाग बाहर जाएगा, और सिय्योन पहाड़ से बचाया हुआ, सेनाओं के प्रभु का उत्साह यह करेगा। ऐसा नहीं; प्रभु अशूरियों के राजा से ये बातें कहता है, वह इस शहर में प्रवेश नहीं करेगा, और वहाँ तीर नहीं चलाएगा, और ढाल लेकर इस पर आगे नहीं बढ़ेगा, और इसके विरुद्ध घेराबंदी का टीला नहीं डालेगा।

जिस रास्ते से वह आया, उसी रास्ते से वह लौट जाएगा, और इस शहर में प्रवेश नहीं करेगा, प्रभु कहते हैं। और मैं इस शहर की रक्षा करूंगा अपने लिए और अपने दास दाऊद के लिए।

और रात को ऐसा हुआ कि प्रभु का दूत बाहर गया और असीरियों के शिविर में एक लाख पचासी हजार को मार डाला, और जब वे सुबह उठे, तो देखो, सब मृत शरीर थे। और अशूरियों का राजा सन्हेरीब हट गया और चला गया और लौट गया, और नीनवे में निवास किया। और ऐसा हुआ कि जब वह अपने देवता मेसेराख के घर में पूजा कर रहा था, तो उसके पुत्र अद्रामेलेख और सारासार ने उसे तलवार से मारा, और वे अरारात की भूमि में बच निकले, और उसके स्थान पर उसका पुत्र असोर्दान राजा बना।

20

उन दिनों में हिजकिय्याह मृत्यु तक बीमार पड़ गया, और आमोस का पुत्र यशायाह भविष्यवक्ता उसके पास आया, और उससे कहा, प्रभु यह कहते हैं: अपने घर को आज़ा दे, क्योंकि तू मरेगा और जीवित नहीं रहेगा। और हिजकिय्याह दीवार की ओर मुड़ा और प्रभु से प्रार्थना करते हुए कहा प्रभु, वास्तव में स्मरण करो कि मैं तुम्हारे सामने सत्य और पूर्ण हृदय से चला, और तुम्हारी दृष्टि में जो अच्छा था वह मैंने किया, और हिजकिय्याह फूट-फूट कर रोया।

और यशायाह बीच के दरबार में था, और प्रभु का वचन उसके पास आया, कहते हुए, वापस लौटो, और हिजकिय्याह से, जो मेरी प्रजा का नेता है, कहना, प्रभु, तुम्हारे पिता दाऊद का परमेश्वर, यह कहता है: मैंने तुम्हारी प्रार्थना सुनी है, मैंने तुम्हारे आँसू देखे हैं, देखो, मैं तुम्हें चंगा करूँगा, तीसरे दिन तुम प्रभु के भवन में जाओगे। और मैं तुम्हारे जीवन में पंद्रह वर्ष जोड़ूँगा, और अशूरियों के राजा के हाथ से तुम्हें और इस नगर को बचाऊँगा, और मैं इस नगर की रक्षा करूँगा अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त। और उसने कहा, वे अंजीर की टिकिया लें और उसे घाव पर रखें, और वह स्वस्थ हो जाएगा। और हिजकिय्याह ने यशायाह से कहा, क्या चिन्ह है कि प्रभु मुझे चंगा करेगा, और मैं तीसरे दिन प्रभु के घर में जाऊँगा? और यशायाह ने कहा, यह प्रभु की ओर से चिन्ह है कि प्रभु उस वचन को पूरा करेगा जो उसने बोला था: छाया दस सीढ़ियाँ आगे जाएगी, या दस सीढ़ियाँ पीछे लौटेगी। और हिजकिय्याह ने कहा, छाया का दस कदम झुकना हल्का है, नहीं, बल्कि छाया कदमों पर दस कदम पीछे की ओर लौट जाए। और यशायाह भविष्यवक्ता ने प्रभु की ओर पुकारा, और छाया सीढ़ियों पर दस सीढ़ियाँ पीछे लौट गई।

उस समय में बाबुल के राजा बलदन के पुत्र मरोदक बलदन ने हिजकिय्याह के पास पुस्तकें और मन्त्रा भेजा, क्योंकि उसने सुना था कि हिजकिय्याह बीमार हुआ था। और हिजकिय्याह उन पर प्रसन्न हुआ, और उसने उन्हें खजाने का संपूर्ण भवन दिखाया, चांदी और सोना, सुगंध द्रव्य और उत्तम तेल, और बर्तनों का भवन, और जो कुछ उसके खजानों में पाया गया। ऐसी कोई वस्तु नहीं थी जो हिजकिय्याह ने उन्हें अपने भवन में और अपने सम्पूर्ण अधिकार में न दिखाई हो।

और भविष्यवक्ता यशायाह राजा हिजकिय्याह के पास गए, और उनसे कहा, इन पुरुषों ने क्या कहा, और वे कहाँ से आपके पास आए हैं? और हिजकिय्याह ने कहा, वे दूर की पृथ्वी से मेरे पास आए हैं, बाबुल से। और उसने कहा, तुमने मेरे घर में क्या देखा? और उसने कहा, जो कुछ भी मेरे घर में था, सब देखा। मेरे घर में ऐसा कुछ नहीं था जो मैंने उन्हें नहीं दिखाया, बल्कि मेरे खजानों में जो था वह भी। और यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा, प्रभु का वचन सुनो देखो, वे दिन आ रहे हैं, और तुम्हारे घर में जो कुछ भी है वह सब ले लिया जाएगा, और जितना तुम्हारे पिताओं ने इस दिन तक संचित किया है, वह बाबुल को ले जाया जाएगा, और प्रभु ने जो वचन कहा वह नहीं छोड़ा जाएगा। और तेरे पुत्र जो तुझ से निकलेंगे, जिन्हें तू जन्म देगा, उन्हें वह ले लेगा, और वे बाबुल के राजा के घर में खोजे होंगे। और हिजकिय्याह ने यशायाह से कहा, प्रभु का वचन जो उसने बोला अच्छा है, मेरे दिनों में शांति हो।

और हिजकिय्याह के शेष वचन और उसकी सारी शक्ति और जितना उसने किया, झरना और जल-वाहक, और जल को नगर में लाया, क्या ये यहूदा के राजाओं के दिनों की पुस्तक में लिखे नहीं हैं? और हिजकिय्याह अपने पितरों के साथ सो गया, और उसका पुत्र मनश्शे उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

21

मनश्शे बारह वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने यरूशलेम में पचपन वर्ष राज्य किया, और उसकी माता का नाम हप्सीबा था। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, उन जातियों के घृणित कर्मों के अनुसार जिनको प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से निकाला था। और वह लौटा और उसने उन ऊँचे स्थानों को बनाया जिनको उसके पिता हिजकिय्याह ने ढहाया था, और उसने बाल के लिए वेदी स्थापित की, और उसने पवित्र वन बनाए जैसे इस्राएल के राजा अहाब ने बनाए थे, और उसने आकाश की सारी शक्तियों को दंडवत किया, और उनकी सेवा की। और

उसने प्रभु के घर में एक वेदी बनाई, जैसा उसने कहा था, मैं यरूशलेम में अपना नाम रखूंगा। और उसने स्वर्ग की सारी शक्ति के लिए प्रभु के घर के दोनों आँगनों में वेदी बनाई। और उसने अपने पुत्रों को आग में से होकर गुज़ारा, और भविष्यवाणी की और शकुन देखे, और पवित्र स्थान बनाए, और जादूगरों को बढ़ाया ताकि प्रभु की दृष्टि में बुराई करे और उसे क्रोधित करे। और उसने उपवन की खुदी हुई मूर्ति उस घर में रखी जिसके विषय में प्रभु ने दाऊद और उसके पुत्र सुलैमान से कहा था, इस घर में और यरूशलेम में, जिसे मैंने इस्राएल के सब कुलों में से चुना है, मैं अपना नाम सदा के लिए रखूंगा। और मैं इस्राएल के पैर को उस भूमि से नहीं हिलाऊंगा जो मैंने उनके पिताओं को दी थी, यदि वे उन सब बातों का पालन करें जो मैंने आज्ञा दी है, उस सम्पूर्ण आज्ञा के अनुसार जो मेरे दास मूसा ने उन्हें दी थी। और उन्होंने नहीं सुना, और मनश्शे ने उन्हें भटकाया कि वे प्रभु की दृष्टि में बुराई करें, उन राष्ट्रों से भी बढ़कर जिन्हें प्रभु ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से नष्ट किया था।

और प्रभु ने अपने दासों, भविष्यवक्ताओं के द्वारा कहा उसके बदले में जो कुछ मनश्शे यहूदा के राजा ने किया, ये सब घृणित और बुरे कार्य, उन सब से अधिक जो अमोरी ने पहले किए थे, और उसने यहूदा से भी उनकी मूर्तियों के द्वारा पाप करवाया, नहीं इस प्रकार, ये बातें प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर कहते हैं: देखो, मैं यरूशलेम और यहूदा पर बुराइयाँ लाता हूँ, ताकि जो कोई भी सुने उसके दोनों कान गूँज उठेंगे। और मैं यरूशलेम पर सामरिया की माप और अहाब के घर का वजन फैलाऊंगा, और मैं यरूशलेम को मिटा दूंगा, जैसे अलबास्टर पात्र को मिटाया जाता है और उसके मुँह के बल उलटा दिया जाता है। और मैं अपनी विरासत के शेष को त्याग दूंगा, और मैं उनको उनके शत्रुओं के हाथों में सौंप दूंगा, और वे उनके सब शत्रुओं के लिए लूट बन जाएंगे। उसके बदले जितनी बुराई उन्होंने मेरी आँखों में की, और उस दिन से जब मैंने उनके पिताओं को मिस्र से निकाला और इस दिन तक वे मुझे क्रोधित करते रहे। और मनश्शे ने वास्तव में बहुत अधिक निर्दोष रक्त बहाया, यहाँ तक कि उसने यरूशलेम को मुँह से मुँह तक भर दिया, उन पापों के अलावा जिनसे उसने यहूदा को पाप करवाया कि वे प्रभु की दृष्टि में बुराई करें।

और मनस्से के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, और उसका पाप जो उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे नहीं हैं? और मनश्शे अपने पितरों के साथ सो गया, और वह अपने घर के बगीचे में, उज्जा के बगीचे में दफनाया गया, और उसका पुत्र आमोस उसके स्थान पर राजा बना।

आमोस बाईस वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने यरूशलेम में दो वर्ष राज्य किया, और उसकी माता का नाम मसोल्लाम था, जो योतेबा के अरोउस की पुत्री थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुरा किया जैसा उसके पिता मनश्शे ने किया था। और वह उसी मार्ग पर चला जिस पर उसका पिता चला था, और उन मूर्तियों की सेवा की जिनकी उसके पिता ने सेवा की थी, और उन्हें प्रणाम किया। और उसने अपने पितरों के प्रभु परमेश्वर को त्याग दिया, और वह प्रभु के मार्ग में नहीं चला। और आमोस के सेवकों ने उसके विरुद्ध षड्यंत्र किया, और राजा को उसके घर में मार डाला। और पृथ्वी के लोगों ने उन सभी षड्यंत्रकारियों को मारा जो राजा आमोस के विरुद्ध थे, और पृथ्वी के लोगों ने उसके पुत्र योशिय्याह को उसके स्थान पर राजा बनाया।

और आमोस के शेष वचन जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के दिनों की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं? और उन्होंने उसको उसकी कब्र में, उज्जा के बगीचे में दफनाया, और उसके पुत्र योशिय्याह ने उसके स्थान पर राज्य किया।

22

योशिय्याह आठ वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने यरूशलेम में इकतीस वर्ष राज्य किया, और उसकी माता का नाम यदीदा था, जो बसूरोत की एदेया की पुत्री थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में जो सही था वह किया, और वह अपने पिता दाऊद के सब मार्गों पर चला, न दाएँ मुड़ा न बाएँ।

और ऐसा हुआ कि राजा योशियाह के अठारहवें वर्ष में, आठवें महीने में, राजा ने शाफान को, जो अजल्याह का पुत्र और मशुल्लाम का पौत्र था, प्रभु के भवन का लेखक, भेजा, यह कहते हुए, हिल्कियाह महायाजक के पास जाओ, और उस चाँदी पर मुहर लगाओ जो प्रभु के घर में लाई गई थी, जिसे द्वारपालों ने लोगों से एकत्र किया था। और वे इसे प्रभु के घर में नियुक्त कार्य करने वालों के हाथ में दें, और उसने इसे प्रभु के घर में कार्य करने वालों को दिया ताकि घर की मरम्मत को मजबूत किया जाए, बढ़ईयों को, राजमिस्त्रियों को और दीवार बनाने वालों को, और लकड़ी तथा खुदे हुए पत्थर प्राप्त करने के लिए, घर की मरम्मत को मजबूत करने के लिए। परन्तु वे उन्हें दी जा रही चाँदी का हिसाब नहीं लगाते थे, क्योंकि वे विश्वास में यह करते थे।

और महायाजक खिलकियाह ने शाफान लेखक से कहा, मैंने प्रभु के घर में व्यवस्था की पुस्तक पाई है, और खिलकियाह ने वह पुस्तक शाफान को दी, और उसने उसे पढ़ा। और वह प्रभु के घर में राजा के पास गया, और राजा को उत्तर दिया, और कहा, तुम्हारे दासों ने प्रभु के घर में पाई गई चाँदी को गलाया, और उसे प्रभु के घर में नियुक्त किए गए कार्य करने वालों के हाथ में दे दिया। और शापान लेखक ने राजा से कहा, खिलकियाह पुजारी ने मुझे एक पुस्तक दी, और शापान ने उसे राजा के सामने पढ़ा। और ऐसा हुआ कि जब राजा ने व्यवस्था की पुस्तक के शब्द सुने, तो उसने अपने वस्त्र फाड़ दिए। और राजा ने हिल्कियाह याजक को, और शापान के पुत्र अहीकाम को, और मीकायाह के पुत्र अकबोर को, और शापान लेखक को, और राजा के दास असायाह को आज्ञा दी, यह कहते हुए, आओ, प्रभु को मेरे बारे में, और सब लोगों के बारे में, और सारे यहूदा के बारे में, और इस पाई गई पुस्तक के शब्दों के बारे में तलाश करो, क्योंकि प्रभु का महान क्रोध हम पर जलाया गया है, इसलिए कि हमारे पिताओं ने इस पुस्तक के शब्दों को नहीं सुना, ताकि हमारे विरुद्ध लिखी गई सब बातों के अनुसार करें।

और खिलकियाह पुजारी, अहीकाम, अकबोर, शाफान और असायाह भविष्यवक्तीन ओल्दान के पास गए, जो शल्लूम की माता थी, शल्लूम तिकवाह का पुत्र था, तिकवाह अरास का पुत्र था जो वस्त्र-रक्षक था, और वह यरूशलेम में मिशनेह में रहती थी, और उन्होंने उससे बात की।

और उन्होंने उनसे कहा, ये बातें इस्राएल का प्रभु देवता कहता है, उस आदमी से कहो जिसने तुम्हें मेरे पास भेजा है, ये बातें प्रभु कहता है: देखो, मैं इस स्थान पर और इसके सभी निवासियों पर बुराईयाँ लाता हूँ—पुस्तक के सभी शब्द जिन्हें यहूदा के राजा ने पढ़ा। जिसके बदले में उन्होंने मुझे त्याग दिया, और दूसरे देवताओं को धूप जलाई, ताकि वे अपने हाथों के कामों से मुझे क्रोधित करें, और मेरा क्रोध इस स्थान में प्रज्वलित होगा और नहीं बुझाया जाएगा। और यहूदा के राजा की ओर, जिसने तुम्हें प्रभु से पूछताछ करने के लिए भेजा, तुम उससे ये बातें कहोगे: प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, ये बातें कहता है: वे शब्द जो तूने सुने, इसके बदले में कि तुम्हारा हृदय नरम हो गया और तुम विनम्र हो गए, जब तुमने सुना कि मैंने इस स्थान और इसके निवासियों के विषय में क्या कहा था कि वे विनाश और शाप के पात्र बनें, और तुमने अपने वस्त्र फाड़े और मेरे सामने रोए, इसलिए मैंने भी सुना है, प्रभु कहता है। ऐसा नहीं, देखो मैं तुम्हें तुम्हारे पुरखाओं के पास मिलाता हूँ, और तुम शांति से अपनी कब्र में दफनाए जाओगे, और उन सब विपत्तियों को जो मैं इस स्थान पर लाने वाला हूँ, तुम अपनी आँखों से नहीं देखोगे।

23

और उन्होंने राजा को संदेश दिया, और राजा ने भेजा, और अपने पास यहूदा और यरूशलेम के सभी बुजुर्गों को इकट्ठा किया। और राजा प्रभु के घर में गया, और यहूदा का हर आदमी और यरूशलेम में रहने वाले सब लोग उसके साथ थे, और याजक, और भविष्यवक्ता, और छोटे से लेकर बड़े तक सब लोग, और उसने प्रभु के घर में पाई गई वाचा की पुस्तक के सब शब्द उनके कानों में पढ़े। और राजा स्तंभ के पास खड़ा हुआ, और उसने प्रभु के सामने वाचा बाँधी कि वह प्रभु के पीछे चले, और उसकी आज्ञाओं को, और उसकी साक्ष्यों को, और उसकी विधियों को सारे हृदय और सारे प्राण से पालन करे, ताकि इस वाचा के वचनों को स्थापित करे जो इस पुस्तक में लिखे हुए हैं, और सब लोग इस वाचा में खड़े हुए।

और राजा ने महायाजक हिल्किय्याह को और दूसरे पद के याजकों को और देहली की रक्षा करने वालों को आज्ञा दी कि प्रभु के मन्दिर से सब बर्तनों को जो बाल और अशेरा और आकाश की सारी शक्ति के लिए बनाए गए थे, बाहर निकालें, और उसने उन्हें यरूशलेम के बाहर किद्रोन के मैदानों में जलाया, और उनकी राख को बेतेल ले गया। और उसने उन खोमारिम को जलाया जिन्हें यहूदा के राजाओं ने नियुक्त किया था और जो ऊँचे स्थानों में और यहूदा के नगरों में और यरूशलेम के चारों ओर धूप जलाते थे, और उन्हें भी जो बाल को और सूर्य को और चाँद को और मज्जारोत को और आकाश की सारी शक्ति को धूप जलाते थे।

और उसने प्रभु के घर से उपवन को यरूशलेम के बाहर किद्रोन नाले में लाया, और उसे किद्रोन नाले में जलाया, और धूल में पीसा, और उसकी धूल को लोगों के पुत्रों की कब्र में फेंका। और उसने कादिशिम के घर को नष्ट कर दिया जो प्रभु के घर में था, जहाँ स्त्रियाँ अशेरा के लिए किट्टिम बुनती थीं। और उसने यहूदा के सभी शहरों से सभी पुजारियों को ऊपर लाया, और उन ऊँचे स्थानों को अपवित्र किया जहाँ पुजारियों ने एबाल से लेकर बर्शेबा तक धूप जलाई थी, और उसने फाटक के घर को गिरा दिया जो शहर के शासक यहोशू के फाटक के दरवाजे के पास था, जो शहर के फाटक में किसी आदमी की बाई ओर था। सिवाय इसके कि ऊँचे स्थानों के पुजारी यरूशलेम में प्रभु की वेदी पर नहीं गए, क्योंकि उन्होंने अपने भाइयों के बीच बिना खमीर की रोटी खाई। और उसने तोपेत को अपवित्र किया जो हिन्नोम के पुत्र की घाटी में था, ताकि कोई पुरुष अपने पुत्र को और कोई पुरुष अपनी पुत्री को मोलेक के लिए आग में से न गुजारे।

और उसने उन घोड़ों को जला दिया जिन्हें यहूदा के राजाओं ने सूर्य को दिया था, प्रभु के घर के प्रवेश द्वार में, खोजे नाथान राजा के खजाने में, फारुरीम में, और सूर्य के रथ को आग से जला दिया। और आहाज की छत के ऊपरी कमरे पर बनी वेदियाँ, जो यहूदा के राजाओं ने बनाई थीं, और वे वेदियाँ जो मनश्शे ने प्रभु के घर के दोनों आँगनों में बनाई थीं, उन्हें राजा ने गिरा दिया और वहाँ से ध्वस्त कर दिया, और उनकी धूल को किद्रोन नाले में फेंक दिया। और राजा ने उस घर को अपवित्र किया जो यरूशलेम के सामने, मोसथाथ पहाड़ के दाहिनी ओर था, जिसे राजा सुलैमान

ने इस्राएल के सीदोनियों की घृणित वस्तु अशतोरेत के लिए, और मोआब की घृणित वस्तु कमोश के लिए, और अम्मोन के पुत्रों की घृणित वस्तु मोलेक के लिए बनाया था। और उसने स्तंभों को कुचल दिया, और पवित्र वृक्षों को नष्ट कर दिया, और उनके स्थानों को मनुष्यों की हड्डियों से भर दिया।

और वास्तव में वह वेदी जो बेथेल में थी, वह ऊँचा स्थान जो यारोबाम पुत्र नबात ने बनाया था, जिसने इस्राएल से पाप करवाया, और वास्तव में उस वेदी को, उस ऊँचे स्थान को उसने गिरा दिया, और उसके पत्थरों को तोड़ दिया और धूल में पीस दिया, और उस झुरमुट को जला दिया। और योशियाह हट गया और उसने उन कब्रों को देखा जो वहाँ उस नगर में थीं, और उसने भेजा और उन कब्रों से हड्डियाँ निकलवाई और उन्हें वेदी पर जलाया और उसे अशुद्ध किया, प्रभु के उस वचन के अनुसार जो परमेश्वर के उस मनुष्य ने बोला था जब यारोबाम पर्व के समय वेदी पर खड़ा था, और लौटकर उसने अपनी आँखें परमेश्वर के उस मनुष्य की कब्र की ओर उठाई जिसने ये वचन बोले थे। और उसने कहा, वह चट्टान क्या है जो मैं देख रहा हूँ? और शहर के पुरुषों ने उससे कहा, वह परमेश्वर का आदमी है जो यहूदा से निकला था, और उसने वे शब्द पुकारे थे जो उसने बेथेल की वेदी पर पुकारे थे। और उसने कहा, उसे छोड़ दो, कोई भी उसकी हड्डियों को न हिलाए, और उसकी हड्डियाँ उस भविष्यवक्ता की हड्डियों के साथ बचाई गई जो सामरिया से आया था।

और योशियाह ने सामरिया के शहरों में ऊँचे स्थानों के उन सब घरों को भी हटा दिया, जिन्हें इस्राएल के राजाओं ने प्रभु को क्रोधित करने के लिए बनाया था, और उनमें वे सब काम किए जो उसने बेतेल में किए थे। और उसने उन सब पुजारियों का बलिदान किया जो ऊँचे स्थानों के थे और वहाँ वेदियों पर थे, और उसने मनुष्यों की हड्डियाँ उन पर जलाई, और यरूशलेम लौट गया।

और राजा ने सभी लोगों को आज्ञा दी, कहते हुए, हमारे प्रभु परमेश्वर के लिए फसह मनाओ, जैसा इस वाचा की पुस्तक में लिखा है। क्योंकि यह फसह न्यायाधीशों के दिनों से, जिन्होंने इस्राएल का न्याय किया था, और इस्राएल के राजाओं और यहूदा के राजाओं के सभी दिनों में

नहीं मनाया गया था। क्योंकि राजा योशियाह के अठारहवें वर्ष में प्रभु के लिए यरूशलेम में फसह मनाया गया।

और वास्तव में योशियाह ने जादूगरों को, भविष्यवक्ताओं को, तेराफीम को, मूर्तियों को, और यहूदा की भूमि में और यरूशलेम में हुए सभी घृणित कार्यों को हटाया, ताकि व्यवस्था के वचनों को स्थापित करे जो उस पुस्तक पर लिखे हुए थे, जिसे याजक खिलकिय्याह ने प्रभु के घर में पाया था। उसके समान उससे पहले कोई राजा नहीं हुआ, जो प्रभु की ओर अपने पूरे हृदय से, और अपने पूरे प्राण से, और अपनी पूरी शक्ति से मूसा के सम्पूर्ण नियम के अनुसार लौटा, और उसके बाद भी उसके समान कोई नहीं उठा। फिर भी प्रभु अपने महान क्रोध के कोप से नहीं मुड़े, जिससे वे यहूदा पर उन उकसावों के कारण क्रोधित हुए थे, जिनसे मनश्शे ने उन्हें उकसाया था। और प्रभु ने कहा, और वास्तव में मैं यहूदा को अपने सामने से हटा दूंगा, जैसे मैंने इस्राएल को हटाया था, और मैं इस शहर को अस्वीकार कर दूंगा जिसे मैंने चुना था, यरूशलेम को, और उस घर को जहाँ मैंने कहा था कि मेरा नाम वहाँ होगा। और योशियाह के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

उसके दिनों में मिस्र का राजा फ़िरौन नेको अशूरियों के राजा के विरुद्ध यूफ्रेट्स नदी पर गया, और योशियाह उससे मिलने गया, और नेको ने उसे मगिद्दो में मार डाला जब उसने उसे देखा। और उसके सेवकों ने उसे मृत मगिद्दो से लाए, और उसे यरूशलेम ले गए, और उसे उसकी कब्र में दफनाया, और भूमि के लोगों ने योशियाह के पुत्र यहोआहाज़ को लिया, और उसका अभिषेक किया, और उसे उसके पिता के बदले राजा बनाया।

यहोआहाज़ तेईस वर्ष का था जब वह राज्य करने लगा, और उसने यरूशलेम में तीन महीने राज्य किया, और उसकी माता का नाम हमूतल था, जो लिब्ना के यिर्मयाह की पुत्री थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, ठीक उसी प्रकार जैसा उसके पूर्वजों ने किया था। और फ़िरौन नेको ने उसे रिबला में, जो हमात की भूमि में है, हटा दिया ताकि वह यरूशलेम में शासन न करे, और

उसने भूमि पर सौ तोड़े चाँदी और सौ तोड़े सोने का दंड लगाया। और फिरौन नेको ने एलियाकीम को, जो यहूदा के राजा योशियाह का पुत्र था, उसके पिता योशियाह के स्थान पर उन पर राजा बनाया, और उसका नाम बदलकर यहोयाकीम रख दिया, और योआहाज़ को लेकर मिस्र में ले गया, और वह वहाँ मर गया। और यहोयाकीम ने फिरौन को चाँदी और सोना दिया, लेकिन उसने फिरौन के आदेश पर चाँदी देने के लिए भूमि का मूल्यांकन किया; प्रत्येक व्यक्ति ने अपने मूल्यांकन के अनुसार भूमि के लोगों के साथ चाँदी और सोना दिया, ताकि फिरौन नको को दिया जा सके।

योआकीम पच्चीस वर्ष का था जब उसने शासन करना आरम्भ किया, और उसने यरूशलेम में ग्यारह वर्ष शासन किया, और उसकी माता का नाम येल्दाफ था जो रूमा से फदाईल की पुत्री थी। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, ठीक उसी प्रकार जैसा उसके पूर्वजों ने किया था।

24

उसके दिनों में बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर ऊपर आया, और यहोयाकीम तीन वर्ष तक उसका दास बना रहा, और फिर उसने लौटकर उसके विरुद्ध विद्रोह कर दिया। और प्रभु ने उसके विरुद्ध कसदियों के आक्रमणकारियों को, और सीरिया के आक्रमणकारियों को, और मोआब के आक्रमणकारियों को, और अम्मोन के पुत्रों के आक्रमणकारियों को भेजा, और उनको यहूदा की भूमि में भेज दिया ताकि प्रभु के उस वचन के अनुसार नाश करें, जो उसने अपने दासों भविष्यवक्ताओं के द्वारा बोला था। सिवाय इसके, प्रभु का क्रोध यहूदा पर था, उसको अपने चेहरे से हटाने के लिए, मनश्शे के पापों के अनुसार, जितने उसने किए थे। और वास्तव में निर्दोष खून बहाया गया, और यरूशलेम निर्दोष खून से भर गया, और प्रभु क्षमा करना नहीं चाहते थे। और यहोयाकीम के शेष वचन और जो कुछ उसने किया, क्या ये यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हुए नहीं हैं?

और यहोयाकीम अपने पितरों के साथ सो गया, और उसका पुत्र यहोयाकीम उसके स्थान पर राजा बना। और मिस्र का राजा अपनी भूमि से बाहर जाने के लिए फिर नहीं निकला, क्योंकि बाबुल के राजा ने मिस्र के नाले से लेकर फरात नदी तक सब कुछ ले लिया था जो मिस्र के राजा का था।

पुत्र अठारह वर्ष का था यहोयाकीम जब वह शासन करने लगा, और तीन महीने उसने यरूशलेम में राज्य किया, और उसकी माता का नाम नहुशता था, जो एलनातान की पुत्री थी, यरूशलेम से। और उसने प्रभु की दृष्टि में बुराई की, ठीक उसी प्रकार जैसा उसके पिता ने किया था।

उस समय नबूकदनेस्सर बाबुल का राजा यरूशलेम गया, और नगर घेराबंदी में आ गया। और नबूकदनेस्सर बाबुल का राजा शहर में दाखिल हुआ, और उसके सेवकों ने उसे घेरा डाला। और यहूदा का राजा यहोयाकीम बाबुल के राजा के पास बाहर गया, वह और उसके सेवक, और उसकी माता, और उसके शासक, और उसके खोजे, और बाबुल के राजा ने उसको अपने राज्य के आठवें वर्ष में लिया। और उसने वहाँ से प्रभु के घर के सब खजाने और राजा के घर के खजाने बाहर निकाले, और सब सोने के बर्तनों को नष्ट कर दिया जो इस्राएल के राजा सुलैमान ने प्रभु के मंदिर में बनाए थे, प्रभु के वचन के अनुसार। और उसने यरूशलेम को निर्वासित किया और सभी शासकों और शक्तिशाली लोगों को दस हजार बंदी बनाकर बंधुआई में ले गया, और हर बड़ई और लोहार को, और भूमि के गरीबों को छोड़कर कोई नहीं बचा। और उसने यहोयाकीम को बाबुल में निर्वासित किया, और राजा की माता को, और राजा की स्त्रियों को, और उसके खोजों को, और भूमि के शक्तिशाली लोगों को यरूशलेम से बाबुल में बंधुआई में ले गया। और शक्ति के सभी सात हजार पुरुष, और बड़ई और लोहार हजार, सब शक्तिशाली योद्धा, और बेबीलोन के राजा ने उनको बेबीलोन में निर्वासित करके ले गया। और बाबुल के राजा ने उसके पुत्र मत्तन्याह को उसके बदले राजा बनाया, और उसका नाम सिदकिय्याह रखा।

सिदकिय्याह इक्कीस वर्ष का था जब वह राजा बना, और उसने यरूशलेम में ग्यारह वर्ष राज्य

किया, और उसकी माता का नाम हमूतल था, जो यिर्मयाह की पुत्री थी। और उसने प्रभु के सामने बुराई की, उन सब के अनुसार जो यहोयाकीम ने किया था। क्योंकि प्रभु का क्रोध यरूशलेम और यहूदा पर था, यहाँ तक कि उसने उनको अपने चेहरे से फेंक दिया, और सिदकिय्याह ने बाबुल के राजा के विरुद्ध विद्रोह किया।

25

और ऐसा हुआ कि उसके राज्य के नौवें वर्ष में, दसवें महीने में, बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर और उसकी सारी सेना यरूशलेम पर आई, और उसने उसके विरुद्ध डेरा डाला, और उसके चारों ओर घेराबंदी की दीवार बनाई। और नगर घेराबंदी में रहा राजा सिदकिय्याह के ग्यारहवें वर्ष के नौवें महीने तक। और शहर में अकाल मजबूत हुआ, और पृथ्वी के लोगों के पास रोटियाँ नहीं थीं। और शहर टूट गया था, और युद्ध के सब पुरुष रात को दीवारों के बीच के फाटक के रास्ते से निकल गए, यह राजा के बगीचे का है, और कसदी शहर के चारों ओर थे, और वह अराबा के रास्ते गया। और कसदियों की सेना ने राजा का पीछा किया, और उन्होंने उसे यरीहो के अराबोत में पकड़ लिया, और उसकी सारी सेना उससे तितर-बितर हो गई। और उन्होंने राजा को पकड़ लिया, और उसे बाबुल के राजा के पास रिबला में ले गए, और उसने उसके साथ न्याय किया। और उसने सिदकिय्याह के पुत्रों को उसकी आँखों के सामने वध किया, और सिदकिय्याह की आँखों को अंधा कर दिया, और उसे बेड़ियों में जकड़ दिया, और उसे बाबुल को ले गया।

और पाँचवें महीने की सातवीं तारीख को, जो नबूकदनेस्सर बाबुल के राजा के उन्नीसवें वर्ष था, नबूजरदान मुख्य रसोइया, जो बाबुल के राजा के सामने खड़ा रहता था, यरूशलेम में आया। और उसने प्रभु के घर को जलाया, और राजा के घर को, और यरूशलेम के सब घरों को जलाया, और मुख्य रसोइये ने हर घर को जला दिया। और कसदियों की शक्ति ने यरूशलेम की दीवार को चारों ओर से ढहा दिया। और शहर में बचे हुए लोगों को, और उन लोगों को जो बाबुल के राजा के पास

गिर गए थे, और शेष भीड़ को प्रधान रसोइया नबूज़रदान ले गया। और मुख्य रसोइये ने पृथ्वी के गरीबों में से कुछ को अंगूर के बाग के मालियों के रूप में और माली के रूप में छोड़ दिया।

और प्रभु के घर में जो कांस्य के स्तंभ थे, और आधार, और प्रभु के घर में जो कांस्य का समुद्र था, उन्हें कसदियों ने तोड़ डाला, और उनके कांस्य को बाबुल में ले गए। और कड़ाहियों, और जामिन, और कटोरों, और धूपदानों, और सब कांस्य के बर्तनों को जिनमें वे सेवा करते थे, उसने ले लिया। और धूपदानों को, और सुनहरे कटोरों को और चाँदी के कटोरों को मुख्य रसोइये ने ले लिया। दो स्तंभ, और एक समुद्र, और वे आधार जो सुलैमान ने प्रभु के भवन के लिए बनाए थे—इन सब बर्तनों के कांसे का कोई वजन नहीं था। एक स्तंभ की ऊँचाई अठारह हाथ थी, और उस पर कांस्य का बेसिन था, और बेसिन की ऊँचाई तीन हाथ थी, आधार और बेसिन पर चारों ओर अनार थे, सब कांस्य के, और इसी प्रकार दूसरे स्तंभ के आधार पर भी।

और मुख्य रसोइये ने प्रथम याजक सरायाह को, और द्वितीय क्रम के पुत्र सोफोनियाह को, और देहली की रक्षा करने वाले तीनों को लिया। और शहर से एक खोजा लिया गया, जो योद्धाओं का निगरान था, और राजा का दर्शन करने वाले पाँच पुरुष जो शहर में पाए गए, और सेना के अधिकारी का लेखक जो देश के लोगों को सूचीबद्ध करता था, और देश के लोगों के साथ पुरुष जो शहर में पाए गए। और नबूज़रदान मुख्य रसोइये ने उनको लिया, और उनको बाबुल के राजा के पास रिबला में ले गया। और बाबुल के राजा ने उन्हें मारा, और हमात की भूमि में रिबला में उन्हें मार डाला, और यहूदा अपनी भूमि से निर्वासित कर दिया गया।

और वे लोग जो यहूदा की भूमि में पीछे छोड़ दिए गए थे, जिनको बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने छोड़ा था, और उसने उनके ऊपर गदल्याह को नियुक्त किया, जो अहीकाम का पुत्र और शाफान का पुत्र था। और सभी सेनापतियों और उनके लोगों ने सुना कि बाबुल के राजा ने गदल्याह को नियुक्त किया है, और वे गदल्याह के पास मिस्र आए, और इश्माएल जो नतन्याह का पुत्र था, और योना जो कारेह का पुत्र था, और सरायाह जो तन्हूमेत का पुत्र नतोपाई था, और यजन्याह

जो माकाती का पुत्र था, वे और उनके लोग। और गदल्याह ने उनको और उनके पुरुषों को शपथ खाई, और उनसे कहा, कसदियों की उपस्थिति से मत डरो, भूमि में बैठो, और बाबुल के राजा की सेवा करो, और तुम्हारे लिए अच्छा होगा।

और ऐसा हुआ कि सातवें महीने में इश्माएल आया, जो नतन्याह का पुत्र और एलीशामा का पोता था, राजाओं के वंश से, और उसके साथ दस पुरुष थे, और उसने गदल्याह को मारा और वह मर गया, और यहूदियों को और कसदियों को भी मारा, जो उसके साथ मिस्र में थे। और सभी लोग छोटे से लेकर बड़े तक उठे और सेनाओं के शासक, और वे मिस्र में प्रवेश कर गए, क्योंकि वे कसदियों से डरे थे।

और यह हुआ कि यहूदा के राजा यहोयाकीम के निर्वासन के सैंतीसवें वर्ष में, बारहवें महीने के सत्ताईसवें दिन, बाबुल के राजा एविल-मरोदक ने अपने राज्य के वर्ष में यहूदा के राजा यहोयाकीम का सिर ऊंचा किया, और उसे उसके कारागार से बाहर निकाल लाया। और उसने उससे अच्छी बातें कीं, और उसका सिंहासन उन राजाओं के सिंहासनों से ऊपर रखा जो उसके साथ बाबुल में थे। और उसने अपने कारागार के वस्त्र बदले, और वह अपने जीवन के सभी दिनों तक निरंतर उसके सामने रोटी खाता रहा। और उसका प्रावधान, निरंतर प्रावधान, उसे राजा के घर से दिया गया, प्रतिदिन उसके दिन में, उसके जीवन के सभी दिनों तक।

यशायाह

1

वह दर्शन जो यशायाह ने देखा, जो आमोस का पुत्र था, जो उसने यहूदिया और यरूशलेम के विषय में देखा, उज्जियाह, योताम, आहाज और हिजकिय्याह के राज्य में, जिन्होंने यहूदिया पर राज्य किया।

हे स्वर्ग, सुनो और हे पृथ्वी, कान लगाओ, क्योंकि प्रभु ने कहा है: मैंने पुत्रों को जन्म दिया और उन्हें ऊँचा उठाया, परन्तु उन्होंने मुझे अस्वीकार कर दिया। बैल ने अपने स्वामी को पहचाना, और गधे ने अपने मालिक की चरनी को पहचाना, लेकिन इस्राएल ने मुझे नहीं पहचाना, और लोगों ने मुझे नहीं समझा।

धिक्कार है पापी राष्ट्र को, पापों से भरे लोगों को, दुष्ट बीज को, अधर्मी पुत्रों को, तुमने प्रभु को त्याग दिया है, और इस्राएल के पवित्र को क्रोधित किया है। क्या तुम अभी भी मारे जाते हो जबकि अधर्म जोड़ते रहते हो? हर सिर परिश्रम में है, और हर हृदय दुःख में है। पैरों से लेकर सिर तक उसमें कोई पूर्णता नहीं है—न घाव, न चोट, न सूजा हुआ प्रहार। न लगाने के लिए कोई मरहम है, न तेल, न पट्टियाँ। तुम्हारी भूमि उजाड़ है, तुम्हारे नगर आग से जले हुए हैं, तुम्हारी भूमि

को तुम्हारे सामने अजनबी खा जाते हैं, और वह विदेशी लोगों द्वारा उलट दी गई और उजाड़ कर दी गई है। सिय्योन की बेटी त्याग दी जाएगी, जैसे अंगूर के बाग में तंबू, और जैसे खीरे के खेत में फल के पहरेदार की झोंपड़ी, जैसे घेरा किया हुआ शहर। और यदि सेनाओं के प्रभु ने हमें बीज नहीं छोड़ा होता, तो हम सदोम के समान हो गए होते, और हम अमोरा के समान बना दिए गए होते।

सदोम के शासकों, प्रभु का वचन सुनो; अमोरा के लोगों, परमेश्वर की व्यवस्था पर ध्यान दो। तुम्हारे बलिदानों की बहुतायत से मुझे क्या? प्रभु कहता है, मैं मेढ़ों की होमबलियों से पूर्ण हूँ, और मेमनों की चर्बी और साँढ़ों और बकरों का रक्त मैं नहीं चाहता। न ही तुम मुझे दिखाई देने आओगे, किसने खोजा है ये चीज़ें तुम्हारे हाथों से? मेरे आंगन को रौंदना तुम फिर नहीं करोगे। यदि तुम मैदा लाओ, व्यर्थ धूप है, यह मुझे घृणित है। तुम्हारे नए चाँद, और सब्ज, और महान दिन - मैं सहन नहीं करता, उपवास और आलस्य को। और तुम्हारे नए चाँद और तुम्हारे त्योहारों से मेरी आत्मा घृणा करती है, तुम मेरे लिए बोझ बन गए हो, अब मैं तुम्हारे पापों को नहीं छोड़ूँगा। जब तुम अपने हाथ फैलाओगे, मैं अपनी आँखें तुमसे फेर लूँगा, और यदि तुम प्रार्थना बढ़ाओगे, मैं तुम्हारी नहीं सुनूँगा, क्योंकि तुम्हारे हाथ खून से भरे हैं।

धोओ, शुद्ध बनो, अपनी आत्माओं से दुष्टता को हटाओ मेरी आँखों के सामने, अपनी दुष्टताओं से रुको। अच्छा करना सीखो, न्याय की खोज करो, पीड़ित को बचाओ, अनाथ का न्याय करो, और विधवा को न्याय दिलाओ।

और आओ, हम तर्क करें, प्रभु कहते हैं, और यदि तुम्हारे पाप लाल जैसे हों, तो मैं उन्हें बर्फ जैसा सफेद कर दूँगा, और यदि वे लाल जैसे हों, तो मैं उन्हें ऊन जैसा सफेद कर दूँगा। और यदि तुम चाहो, और मेरी सुनो, तो तुम पृथ्वी की अच्छी चीज़ें खाओगे। यदि तुम नहीं चाहते और न ही मेरी सुनते हो, तो तलवार तुम्हें खा जाएगी, क्योंकि प्रभु के मुख ने ये बातें कही हैं।

कैसे हो गई वेश्या वह विश्वासयोग्य नगरी सिय्योन जो न्याय से भरी थी; जिसमें धार्मिकता सोती थी, अब उसमें हत्यारे हैं। तुम्हारी चाँदी अस्वीकृत है, तुम्हारे फेरीवाले शराब में पानी मिलाते हैं। तुम्हारे शासक अवज्ञाकारी हैं, चोरों के साथी हैं, उपहारों से प्रेम करते हैं, प्रतिफल का पीछा करते हैं, अनाथों का न्याय नहीं करते, और विधवाओं के न्याय पर ध्यान नहीं देते।

इसलिए प्रभु, सेनाओं का स्वामी, ये बातें कहता है: हाय इस्राएल के शक्तिशाली लोगों पर! क्योंकि मेरा क्रोध विरोधियों पर नहीं रुकेगा, और मैं अपने शत्रुओं से न्याय करूँगा। और मैं अपना हाथ तुम पर लाऊँगा, और तुम्हें आग से शुद्ध करूँगा, लेकिन अवज्ञाकारियों को नष्ट करूँगा, और सब अधर्मियों को तुमसे हटा दूँगा। और मैं तुम्हारे न्यायाधीशों को पहले की तरह स्थापित करूँगा, और तुम्हारे सलाहकारों को शुरुआत की तरह, और इसके बाद तुम न्याय की नगरी कहलाओगी, विश्वासयोग्य महानगर सिय्योन। क्योंकि न्याय के साथ उसकी बंधुआई बचाई जाएगी, और दया के साथ। और अधर्मी और पापी एक साथ चूर्ण किए जाएंगे, और जिन्होंने प्रभु को त्याग दिया है वे नष्ट किए जाएंगे। क्योंकि वे अपनी मूर्तियों से शर्मिंदा होंगे जिन्हें वे स्वयं चाहते थे, और वे उन बगीचों पर शर्मिंदा हुए जिन्हें उन्होंने चाहा था। वे ऐसे होंगे जैसे तुर्पेन्टाइन का वृक्ष जिसने अपने पत्ते गिरा दिए हों, और जैसे स्वर्ग जिसमें जल न हो। और उनकी शक्ति भूसे के समान होगी, और उनके कार्य चिंगारियों के समान होंगे, और अधर्मी और पापी एक साथ जलाए जाएंगे, और कोई बुझाने वाला नहीं होगा।

2

वह वचन जो यशायाह के पास आया, जो आमोस का पुत्र था, यहूदिया के विषय में और यरूशलेम के विषय में।

क्योंकि अंतिम दिनों में प्रभु का पर्वत प्रकट होगा, और परमेश्वर का घर पर्वतों के शिखर पर होगा,

और वह पहाड़ियों से ऊंचा किया जाएगा, और सब राष्ट्र उसके पास आएंगे। और बहुत से राष्ट्र जाएंगे, और कहेंगे, आओ और हम प्रभु के पर्वत पर चढ़ें, और याकूब के परमेश्वर के घर में जाएं, और वह हमें अपना मार्ग घोषित करेगा, और हम इस में चलेंगे, क्योंकि सिय्योन से व्यवस्था निकलेगी, और प्रभु का वचन यरूशलेम से निकलेगा। और वह राष्ट्रों के बीच न्याय करेगा, और बहुत से लोगों को फटकारेगा, और वे अपनी तलवारों को हल के फाल में बदल देंगे, और अपने भालों को हँसियों में बदल देंगे, और राष्ट्र राष्ट्र के विरुद्ध तलवार नहीं उठाएगा, और वे फिर कभी युद्ध करना नहीं सीखेंगे।

और अब हे याकूब के घर, आओ हम प्रभु के प्रकाश में चलें। यह उपयुक्त था क्योंकि उसने अपने लोगों को, इज़राइल के घराने को त्याग दिया, क्योंकि उनकी भूमि शुरुआत से ही शोर-शराबे से भर गई थी, जैसे विदेशियों की भूमि, और उनके बहुत से विदेशी बच्चे हो गए थे। उनकी भूमि चांदी और सोने से भर गई, और उनके खजानों की कोई संख्या नहीं थी, और भूमि घोड़ों से भर गई, और उनके रथों की कोई संख्या नहीं थी। और उनकी भूमि उनके हाथों के कार्यों की घृणित वस्तुओं से भर गई थी, और उन्होंने उन चीज़ों की पूजा की जो उनकी उंगलियों ने बनाई थीं। और मनुष्य झुक गया, और पुरुष नीचा किया गया, और मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा।

और अब चट्टानों में प्रवेश करो, और भूमि में छिप जाओ प्रभु के भय के चेहरे से, और उसकी शक्ति की महिमा से, जब वह भूमि को चकनाचूर करने के लिए उठे। क्योंकि प्रभु की आँखें ऊँची हैं, लेकिन मनुष्य विनम्र है, और मनुष्यों की ऊँचाई विनम्र की जाएगी, और उस दिन प्रभु अकेले ऊँचे किए जाएँगे।

क्योंकि सेनाओं के प्रभु का दिन सब उदंड और अहंकारी पर, और सब ऊँचे और ऊपर उठे हुए पर आएगा, और वे नीचा किए जाएंगे। और लबानोन के सब ऊँचे और उठे हुए देवदारों पर, और बाशान के सब बलूत वृक्षों पर, और हर ऊँचे पहाड़ पर, और हर ऊँची पहाड़ी पर, और हर ऊँची मीनार पर, और हर ऊँची दीवार पर, और समुद्र के हर जहाज पर, और जहाजों की सुंदरता के

सब दृश्य पर। और हर मनुष्य विनम्र किया जाएगा, और मनुष्यों का अहंकार गिरेगा, और उस दिन केवल प्रभु ही ऊँचा किया जाएगा। और वे सभी हस्तनिर्मित वस्तुएँ छिपा देंगे। गुफाओं में ले जाकर, और चट्टानों की दरारों में, और पृथ्वी के छेदों में, प्रभु के भय से, और उसकी शक्ति की महिमा से, जब वह पृथ्वी को चकनाचूर करने के लिए उठे। क्योंकि उस दिन मनुष्य अपनी चाँदी और सोने की घृणित वस्तुओं को बाहर फेंक देगा, जो उन्होंने व्यर्थ वस्तुओं और चमगादड़ों की पूजा करने के लिए बनाई थीं। ठोस चट्टान के छेदों में और चट्टानों की दरारों में प्रवेश करने के लिए, प्रभु के भय के चेहरे से, और उसकी शक्ति की महिमा से, जब वह पृथ्वी को चकनाचूर करने के लिए उठे।

3

देखो, स्वामी प्रभु सबाओत यरूशलेम से और यहूदिया से बलवान पुरुष और बलवान स्त्री को, रोटी की शक्ति और पानी की शक्ति को हटा देगा। विशालकाय और बलवान को, योद्धा को, न्यायाधीश को, भविष्यवक्ता को, विचारक को, और बुजुर्ग को, और पचास का सेनापति, और अद्भुत सलाहकार, और बुद्धिमान वास्तुकार, और समझदार श्रोता। और मैं युवा पुरुषों को उनके शासक नियुक्त करूँगा, और उपहासक उन पर शासन करेंगे। और लोग गिर जाएंगे, आदमी आदमी पर, और आदमी अपने पड़ोसी पर, बच्चा बूढ़े पर ठोकर खाएगा, बेइज्जत इज्जतदार पर। क्योंकि आदमी अपने भाई को, या अपने पिता के संबंधी को पकड़ेगा, कहते हुए, तुम्हारे पास वस्त्र है, हमारा नेता बनो, और मेरा भोजन तुम्हारे अधीन रहे। और उत्तर देते हुए उस दिन वह कहेगा, मैं तुम्हारा अगुवा नहीं होऊँगा, क्योंकि मेरे घर में न रोटी है, न वस्त्र, मैं इन लोगों का अगुवा नहीं होऊँगा। क्योंकि यरूशलेम छोड़ दिया गया है, और यहूदिया गिर गया है, और उनकी जीभें अधर्म के साथ हैं, प्रभु की ओर अवज्ञा करते हुए। क्योंकि अब उनकी महिमा नीची कर दी गई है। और उनके चेहरे की शर्म ने उनका विरोध किया, लेकिन उन्होंने अपने पाप को सदोम के समान घोषित किया और प्रकट किया। हाय उनकी आत्मा पर, क्योंकि उन्होंने अपने विरुद्ध दुष्ट

योजना बनाई है। कहकर, आओ हम न्यायी को बांधें, क्योंकि वह हमारे लिए असुविधाजनक है, इसलिए वे अपने कर्मों का फल भोगेंगे। धिक्कार है अधर्मी को, उसके हाथों के कामों के अनुसार बुराई उस पर आएगी। मेरे लोगो, तुम्हारे एजेंट तुम पर घमंड करते हैं, और मांग करने वाले तुम पर शासन करते हैं, मेरे लोगो, तुम्हें आशीर्वाद देने वाले तुम्हें भटकाते हैं, और तुम्हारे पैरों के रास्ते को परेशान करते हैं।

लेकिन अब प्रभु न्याय के लिए खड़े होंगे, और वे अपने लोगों का न्याय करेंगे। स्वयं प्रभु लोगों के बुजुर्गों के साथ और उनके शासकों के साथ न्याय में आएंगे, लेकिन तुमने मेरे अंगूर के बाग को क्यों जलाया, और गरीबों की लूट तुम्हारे घरों में है? तुम मेरे लोगों के साथ अन्याय क्यों करते हो, और गरीबों का चेहरा शर्मिंदा करते हो?

प्रभु यह कहते हैं: चूंकि सियोन की बेटियां घमंड में चूर हो गई और ऊंची गर्दन करके चलीं, आंखों के इशारों से, और पैरों की चाल में अपने अंगरखों को घसीटते हुए, और पैरों से साथ-साथ इठलाते हुए, और भगवान सियोन की शासन करने वाली बेटियों को अपमानित करेगा, और प्रभु उनके रूप को उजागर करेगा। उस दिन में, प्रभु उनके वस्त्रों की महिमा को हटा देगा, गूंथी हुई जंजीरों को, और माथापट्टियों को, और चंद्रहारों को। और हार, और उनके चेहरे का श्रृंगार, और महिमा के संसार की रचना, और आभूषण, और कंगन, और हार, और अंगूठियाँ, और बाजूबंद, और कुंडल। और वे बैंगनी किनारे वाली चीजें, और वे बीच में बैंगनी वाली चीजें, और घर में प्रयोग होने वाले आवरण, और वे पारदर्शी लैकोनियार्ड वस्तुएँ, और महीन मलमल, और नीले रंग के, और लाल रंग के, और महीन मलमल को, सोने और नीले रंग के साथ बुने हुए, और गर्मी के वस्त्र और बिछौने। और सुखद सुगंध के स्थान पर धूल होगी, और कमरबंद के स्थान पर रस्सी से कमर बांधेगी, और सोने के सिर के आभूषण के स्थान पर तुम्हारे कर्मों के कारण गंजापन होगा, और बैंगनी कढ़ाई वाले वस्त्र के स्थान पर टाट ओढ़ेगी। और तुम्हारा सबसे अच्छा पुत्र जिसे तुम प्रेम करते हो, तलवार से गिरेगा, और तुम्हारे शक्तिशाली लोग तलवार से गिरेंगे, और नीचा किए जाएंगे। और तुम्हारे संसार की कब्रें शोक करेंगी, और तुम अकेली छोड़ दी जाओगी, और भूमि पर

ध्वस्त कर दी जाओगी।

4

और सात स्त्रियाँ एक आदमी को पकड़ेंगी, यह कहते हुए, हम अपनी रोटी खाएँगे और अपने वस्त्र पहनेंगे, केवल तेरा नाम हम पर पुकारा जाए, हमारी निंदा हटा दे।

उस दिन परमेश्वर पृथ्वी पर महिमा के साथ परामर्श में चमकेगा, इस्राएल के बचे हुएों को उंचा करने और महिमा देने के लिए। और जो सिय्योन में बचा रहेगा, और जो यरूशलेम में शेष रहेगा, वे पवित्र कहलाएंगे—वे सब जो यरूशलेम में जीवन के लिए लिखे गए हैं। क्योंकि प्रभु सिय्योन के पुत्रों और पुत्रियों के मैल को धोएगा, और उनके बीच से रक्त को शुद्ध करेगा, न्याय की आत्मा और जलन की आत्मा में। और वह आएगा, और सिय्योन पर्वत का हर स्थान और उसके चारों ओर की सभी जगहें होंगी; दिन में बादल छाया करेगा, और रात में जलती हुई आग के धुएं और प्रकाश के समान, और सारी महिमा से ढका जाएगा। और यह जलती गर्मी से छाया में होगा, और आश्रय में तथा छिपे स्थान में कठोरता और वर्षा से सुरक्षा होगी।

5

मैं वास्तव में अपने प्रिय के लिए गीत गाऊंगा, मेरे प्रिय के अंगूर के बाग का गीत। प्रिय के लिए एक अंगूर का बाग था, पहाड़ी पर, उपजाऊ स्थान में।

और मैंने चारों ओर बाड़ लगाई, और खाई खोदी, और सोरेक अंगूर की बेल लगाई, और उसके बीच में मीनार बनाई, और उसमें दाखरस का कुंड खोदा, और मैं अंगूर उत्पन्न होने की प्रतीक्षा

करता रहा, और उसने कांटे उत्पन्न किए। और अब जो यरूशलेम में निवास करते हैं, और यहूदा के लोग, मेरे और मेरे अंगूर के बाग के बीच न्याय करो। मैं अपने अंगूर के बाग के लिए अभी और क्या करूंगा, जो मैंने उसके लिए नहीं किया? क्योंकि मैंने प्रतीक्षा की कि वह अंगूर उत्पन्न करे, लेकिन उसने कांटे उत्पन्न किए। अब मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं अपने अंगूर के बगीचे के साथ क्या करूंगा। मैं उसकी बाड़ हटा दूंगा, और वह लूट के लिए होगा, और मैं उसकी दीवार गिरा दूंगा, और वह रौंदि जाने के लिए होगा। और मैं अपने अंगूर के बाग को छोड़ दूंगा, और वह न काटा जाएगा, न ही खोदा जाएगा, और उसमें कांटे उगेंगे जैसे बंजर भूमि में, और मैं बादलों को आदेश दूंगा कि उस पर बारिश न बरसाएं। क्योंकि प्रभु साबाओथ का दाख की बारी इस्राएल का घर है, और यहूदा का मनुष्य प्रिय नया पौधा है। मैं न्याय करने की प्रतीक्षा करता रहा, परन्तु उसने अधर्म किया, और धार्मिकता नहीं, बल्कि चीख-पुकार।

धिक्कार है उन्हें जो घर से घर जोड़ते हैं, और खेत से खेत मिलाते हैं, ताकि पड़ोसी से कुछ छीन लें, क्या तुम अकेले पृथ्वी पर निवास नहीं करोगे? क्योंकि ये बातें सेनाओं के प्रभु के कानों में सुनी गई, यदि बहुत से घर हो जाएं, तो बड़े और अच्छे घर उजाड़ हो जाएंगे, और उनमें निवास करने वाले नहीं होंगे। जहाँ दस जोड़े बैल काम करेंगे, वहाँ एक घड़ा बनेगा, और जो छः अर्ताबा बोएगा, वह तीन माप बनाएगा।

धिक्कार है उन्हें जो सुबह जागते ही मादक पेय की खोज में लग जाते हैं, जो देर रात तक रहते हैं, क्योंकि शराब उन्हें भस्म कर देगी। क्योंकि वे वीणा और सारंगी और ढोल और बांसुरी के साथ शराब पीते हैं, लेकिन प्रभु के कार्यों को नहीं देखते हैं, और उसके हाथों के कार्यों को नहीं समझते हैं।

इसलिए मेरे लोग बंदी हो गए, क्योंकि उन्होंने प्रभु को नहीं जाना, और मृतकों की भीड़ हो गई, अकाल और पानी की प्यास के कारण। और अधोलोक ने अपनी आत्मा को विस्तृत किया और अपना मुख खोला ताकि न रुके, और प्रतिष्ठित और महान और धनी और उसकी विपत्तियाँ नीचे

आएंगी। और मनुष्य नीचा किया जाएगा, और पुरुष अपमानित किया जाएगा, और ऊँची आँखें नीची की जाएँगी। और सेनाओं का प्रभु न्याय में ऊँचा किया जाएगा, और वह पवित्र परमेश्वर धार्मिकता में महिमावान किया जाएगा। और लूटे गए लोग बैलों की तरह चराए जाएंगे, और मेमने ले जाए गए लोगों के उजाड़ स्थानों को खाएंगे।

धिक्कार है उन्हें जो पापों को लंबी रस्सी से खींचते हैं, और बछिया के जुए की पट्टी की तरह अधर्म को खींचते हैं, वे कहते हुए, वह शीघ्रता से निकट आए जो वह करेगा, ताकि हम देखें, और पवित्र इस्राएल का परामर्श आए, ताकि हम जानें।

धिक्कार है उन्हें जो बुराई को अच्छा कहते हैं और अच्छे को बुरा, जो अंधकार को प्रकाश बताते हैं और प्रकाश को अंधकार, जो कड़वे को मीठा बताते हैं और मीठे को कड़वा। धिक्कार है उन्हें जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान हैं, और अपने सामने ज्ञानी हैं। धिक्कार है तुम्हारे बलवानों पर, जो दाखमधु पीते हैं, और शासकों पर जो मादक पेय मिलाते हैं, वे जो अधर्मी को उपहारों के कारण न्यायसंगत ठहराते हैं, और धर्मी के न्याय को छीन लेते हैं।

इसलिए जिस तरीके से भूसा आग के कोयले द्वारा जलाया जाएगा, और ढीली लौ द्वारा साथ में जलाया जाएगा, उनकी जड़ भूसे जैसी होगी, और उनका फूल धूल जैसा ऊपर उठेगा, क्योंकि उन्होंने सेनाओं के प्रभु की व्यवस्था नहीं चाही, बल्कि इस्राएल के पवित्र के वचन को क्रोधित किया। और सबाओत प्रभु अपने लोगों पर क्रोध से क्रोधित हुआ, और उसने उन पर अपना हाथ डाला, और उन्हें मारा, और पहाड़ उत्तेजित हुए, और उनके शव रास्ते के बीच में गोबर के समान हो गए, और इन सब में उसका क्रोध नहीं मुड़ा, लेकिन अभी भी हाथ ऊँचा है।

इसलिए वह दूर के राष्ट्रों में संकेत उठाएगा, और पृथ्वी के छोर से उनको सीटी बजाएगा, और देखो, वे शीघ्र और तेज़ी से आते हैं। वे न भूखे होंगे, न थकेंगे, न ऊँघेंगे, न सोएंगे, न अपनी कमर से अपनी पेटियाँ खोलेंगे, और न उनके जूतों के तस्मे फटेंगे। जिनके तीर तेज हैं और उनके धनुष

कसे हुए हैं, उनके घोड़ों के पैर ठोस चट्टान के समान गिने गए, उनके रथों के पहिये तूफान के समान हैं। वे शेरों की तरह क्रोधित होते हैं, और शेर के शावकों की तरह खड़े हैं, और वह पकड़ेगा, और जंगली पशु की तरह चिल्लाएगा, और निकाल देगा, और उनको छुड़ाने वाला कोई नहीं होगा। और उस दिन वह उनके माध्यम से चिल्लाएगा, जैसे उफनते हुए समुद्र की आवाज, और वे भूमि की ओर देखेंगे, और देखो, उनकी कठिनाई में कठोर अंधकार।

6

और उस वर्ष में जब राजा उज्जियाह की मृत्यु हुई, मैंने प्रभु को एक ऊँचे और उन्नत सिंहासन पर विराजमान देखा, और भवन उनकी महिमा से परिपूर्ण था। और सेराफिम उसके चारों ओर खड़े थे, एक के छः पंख, और एक के छः पंख, और दो से उन्होंने चेहरा ढका, और दो से उन्होंने पैर ढके, और दो से वे उड़े। और एक दूसरे की ओर पुकार रहा था, और वे कह रहे थे, पवित्र, पवित्र, पवित्र है सेनाओं का प्रभु, सारी पृथ्वी उसकी महिमा से भरी हुई है।

और चौखट उस आवाज़ से उठ गई जो वे चिल्लाए थे, और घर धुएँ से भर गया। और मैंने कहा, हे दुखी मैं, क्योंकि मैं नष्ट हो गया हूँ, क्योंकि मनुष्य होते हुए और अशुद्ध होंठ रखते हुए, मैं उन लोगों के बीच निवास करता हूँ जो अशुद्ध होंठ रखते हैं, और मैंने राजा, सेनाओं के प्रभु को अपनी आँखों से देखा। और सराफीम में से एक मेरी ओर भेजा गया, और उसके हाथ में एक कोयला था, जिसे उसने चिमटे से वेदी से लिया था, और उसने मेरे मुँह को छुआ, और कहा, देखो, इसने तेरे होंठों को छुआ है, और तेरे अधर्मों को दूर कर देगा, और तेरे पापों को पूरी तरह से शुद्ध कर देगा।

और मैंने प्रभु की आवाज़ सुनी जो कह रहे थे, किसे मैं भेजूँ, और कौन इन लोगों के पास जाएगा? और मैंने कहा, देखिए, मैं हूँ, मुझे भेजिए। और उसने कहा, जाओ और इन लोगों से

कहो, तुम सुनते रहोगे, लेकिन नहीं समझोगे, और देखते रहोगे, लेकिन नहीं देखोगे। मोटा हो गया है क्योंकि इस लोगों का हृदय, और उन्होंने अपने कानों से भारी सुना, और आँखें बंद कीं, कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें, और कानों से सुनें, और हृदय से समझें और लौट आएँ, और मैं उन्हें चंगा करूँगा। और मैंने कहा, कब तक हे प्रभु? और उसने कहा, जब तक नगर उजड़ जाएँ क्योंकि वे बसाए न जाएँ, और घर खाली हों क्योंकि उनमें मनुष्य न हों, और भूमि उजाड़ छोड़ दी जाएगी। और इन बातों के बाद परमेश्वर लोगों को दूर करेगा, और पृथ्वी पर छोड़े गए लोग बढ़ाए जाएंगे। और अभी भी उस पर दसवां भाग है, और फिर वह लूट में होगा जैसे तेरेबिन्थ, और जैसे बलूत जब अपनी फली से गिर जाए।

7

और ऐसा हुआ कि आहाज़ के दिनों में, जो योताम का पुत्र था, जो उज्जियाह का पुत्र था, यहूदा का राजा, अराम का राजा रसीन और रमल्याह का पुत्र पेकह, जो इस्राएल का राजा था, यरूशलेम पर युद्ध करने के लिए चढ़ाई किए, परन्तु वे उसे घेरने में सक्षम नहीं हुए। और दाऊद के घर में यह समाचार दिया गया, कहते हुए, अराम ने एफ्राइम से गठबंधन कर लिया है, और उसकी आत्मा चकित हो गई, और उसके लोगों की आत्मा भी, जिस तरह से जंगल में पेड़ हवा से हिलाया जाता है। और प्रभु ने यशायाह से कहा, तुम और तुम्हारा पुत्र यासूब जो बचा रह गया है, आहाज से मिलने के लिए धोबी के खेत के ऊपरी मार्ग के तालाब की ओर जाओ। और तुम उससे कहोगे, शांत रहने की रक्षा करो, और मत डरो, न ही तुम्हारी आत्मा इन दो धुआं करती हुई मशालों की लकड़ियों से कमजोर हो, क्योंकि जब मेरे क्रोध का प्रकोप हो जाएगा, तब फिर मैं चंगा करूँगा। और अराम का पुत्र, और रमल्याह का पुत्र, क्योंकि उन्होंने दुष्ट परामर्श की योजना बनाई, हम यहूदिया में जाएंगे, और उनसे बात करके, हम उन्हें अपनी ओर मोड़ेंगे, और हम उसके पुत्र ताबील को राजा बनाएंगे। ये बातें सेनाओं का प्रभु कहता है, यह परामर्श नहीं रहेगा, और न होगा। लेकिन अराम का सिर दमिश्क है, और दमिश्क का सिर रसीम है, लेकिन अभी पैंसठ वर्षों

में एफ्राइम का राज्य लोगों से समाप्त हो जाएगा। और एफ्राइम का सिर सामरिया है, और सामरिया का सिर रमल्याह का पुत्र है, और यदि तुम विश्वास नहीं करोगे, तो तुम समझोगे भी नहीं।

और प्रभु ने आहाज से बोलना जारी रखा, कहते हुए अपने प्रभु परमेश्वर से अपने लिए एक निशान मांगो, चाहे गहराई में हो या ऊंचाई में। और आहाज ने कहा, मैं नहीं मांगूंगा, और न ही मैं प्रभु की परीक्षा लूंगा। और उसने कहा, हे दाऊद के घराने, सुनो! क्या तुम्हारे लिए मनुष्यों को थकाना छोटी बात है, कि तुम प्रभु को भी थकाते हो? इसलिए प्रभु स्वयं तुम्हें एक चिन्ह देगा, देखो, वह कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और तुम उसका नाम इम्मानुएल रखोगे। वह मक्खन और शहद खाएगा, इससे पहले कि वह जान सके या बुराई को चुन सके, अच्छाई को चुनने से पहले। क्योंकि इससे पहले कि बच्चा अच्छे या बुरे को जाने, वह दुष्टता की अवज्ञा करके अच्छे को चुनता है, और वह भूमि छोड़ दी जाएगी जिससे तुम डरते हो, दोनों राजाओं के सामने से।

लेकिन परमेश्वर तुम पर और तुम्हारे लोगों पर और तुम्हारे पिता के घर पर ऐसे दिन लाएगा, जो उस दिन से अभी तक नहीं आए हैं जब एफ्राइम यहूदा से अलग हुआ, अर्थात् असीरियों के राजा को। और उस दिन ऐसा होगा कि प्रभु मिस्र की नदी के भाग पर शासन करने वाली मक्खियों के लिए और अशूरियों की भूमि में रहने वाली मधुमक्खी के लिए सीटी बजाएगा। और वे सब भूमि की घाटियों में आएंगे, और चट्टानों के छिद्रों में, और गुफाओं में, और सभी दरारों में। उस दिन में प्रभु उस उस्तरे से जो नदी के पार अशूरियों के राजा से किराए पर लिया गया है, सिर को मुंडाएगा, और पैरों के बाल को, और दाढ़ी को हटाएगा। और उस दिन ऐसा होगा कि आदमी मवेशियों की एक बछिया और दो भेड़ें पालेगा, और ऐसा होगा कि दूध की अधिकता से, मक्खन और शहद खाएगा हर वह जो पृथ्वी पर बचा रहेगा।

और उस दिन ऐसा होगा कि हर वह जगह जहाँ हजार शेकेल के हजार अंगूर की बेलें हैं, बंजर

भूमि हो जाएगी और काँटों से भर जाएगी। तीर और धनुष के साथ वे वहाँ प्रवेश करेंगे, क्योंकि सारी पृथ्वी बंजर भूमि और काँटों से भरी होगी। और हर पहाड़ जो जोता गया है, जोता जाएगा, वहाँ भय नहीं आएगा, क्योंकि सूखी भूमि और काँटों से भेड़ों का चरागाह और बैलों का रौंदने का स्थान होगा।

8

और प्रभु ने मुझसे कहा, अपने लिए एक नया बड़ा पत्र लो, और उस पर मनुष्य की लेखनी से लिखो: लूट को शीघ्रता से लूटने के लिए। उपस्थित है क्योंकि, और मेरे लिए विश्वासयोग्य लोगों को साक्षी बनाओ, उरिय्याह और जकर्याह को जो बेरेक्याह का पुत्र है। और मैं भविष्यवक्तिन के पास गया, और उसने गर्भ धारण किया, और एक पुत्र को जन्म दिया, और प्रभु ने मुझसे कहा, उसका नाम रखो, शीघ्रता से लूटो, तेजी से लूटो। क्योंकि इससे पहले कि बच्चा पिता या माता को पुकारना जाने, वह दमिश्क की शक्ति और सामरिया की लूट की संपत्ति को अशशूरियों के राजा के सामने ले लेगा।

और प्रभु ने मुझसे फिर बात करना जारी रखा। क्योंकि यह लोग सिलोअम का पानी जो शांति से बहता है उसे नहीं चाहते, लेकिन रस्सिन और रमल्याह के पुत्र को अपने ऊपर राजा रखना चाहते हैं, इसलिए देखो, प्रभु तुम पर नदी का पानी लाता है, जो प्रबल और प्रचुर है, अशशूरियों का राजा और उसकी महिमा, और वह तुम्हारी सब घाटियों पर चढ़ेगा और तुम्हारी हर दीवार पर चलेगा। और वह यहूदिया से उस मनुष्य को हटा देगा जो सिर उठाने में सक्षम होगा, या कुछ पूरा करना संभव होगा, और उसका शिविर ऐसा होगा कि तुम्हारी भूमि की चौड़ाई को भर दे, हमारे साथ ईश्वर है।

हे राष्ट्रों, जान लो और पराजित हो जाओ, पृथ्वी के अंतिम छोर तक सुनो, शक्तिशाली होकर भी

पराजित हो जाओ, क्योंकि यदि तुम फिर से शक्तिशाली बनो, तो फिर से पराजित किए जाओगे। और जो भी परामर्श तुम योजना बनाओगे, प्रभु उसे बिखेर देगा, और जो वचन तुम बोलोगे, वह तुममें नहीं रहेगा, क्योंकि परमेश्वर हमारे साथ है। इस प्रकार प्रभु कहता है, शक्तिशाली हाथ से वे इस जाति के मार्ग की यात्रा की अवज्ञा करते हैं, यह कहते हुए, कहीं ऐसा न हो कि वे कहें, कठोर, क्योंकि हर वह बात जो ये लोग कहें, कठोर है, लेकिन उसके डर से मत डरो और न व्याकुल हो। प्रभु को पवित्र करो, और वही तुम्हारा भय होगा। यदि तुम उस पर विश्वास करते हो, तो वह तुम्हारे लिए पवित्रस्थान होगा, और तुम पत्थर की ठोकर की तरह नहीं मिलोगे, न ही चट्टान के गिरने की तरह, परन्तु याकूब के घराने फंदे में हैं, और यरूशलेम में गड्ढे में बैठे हुए हैं। इसलिए उनमें बहुत से लोग कमजोर होंगे, और गिरेंगे और चकनाचूर होंगे, और पास आएंगे, और सुरक्षा में रहने वाले लोग पकड़े जाएंगे। तब वे प्रकट होंगे जो सीखने के नियम को मुहरबंद कर रहे हैं।

और वह कहेगा, मैं उस परमेश्वर की प्रतीक्षा करूंगा जिसने याकूब के घर से अपना मुख फेर लिया है, और मैं उस पर भरोसा करते हुए रहूंगा। देखो, मैं और वह बच्चे जो मुझे परमेश्वर ने दिए हैं, और ये इस्राएल के घराने में प्रभु सेनाओं के यहोवा की ओर से चिन्ह और अद्भुत काम होंगे, जो सिय्योन पर्वत पर निवास करता है।

और यदि वे तुमसे कहें, माध्यमों को खोजो, और पृथ्वी से बोलने वालों को, खाली बातें बोलने वालों को, जो पेट से बोलते हैं, तो क्या कोई राष्ट्र अपने परमेश्वर की खोज नहीं करेगा? जीवितों के विषय में मृतकों से क्यों पूछते हैं? कानून सहायता के लिए दिया गया, ताकि वे इस शब्द के जैसा न कहें, जिसके बारे में उपहार देना संभव नहीं है।

और तुम पर कठोर अकाल आएगा, और जब तुम भूखे होगे तो दुखी होगे। और तुम शासक और पैतृक रीतियों को बुरा कहोगे, और वे ऊपर स्वर्ग की ओर देखेंगे। और वे नीचे पृथ्वी की ओर देखेंगे, और देखो, संकीर्ण कठिनाई, और अंधकार, क्लेश, और संकट, और अंधकार ताकि देख

न सकें, और जो संकट में है वह समय तक व्याकुल नहीं होगा।

यह पहले पीओ, शीघ्र करता है - जबूलून की भूमि, नप्ताली की भूमि, और शेष लोग जो तट पर हैं, और यर्दन के पार गलील जो राष्ट्रों का है।

9

वे लोग जो अंधकार में चल रहे हैं, महान प्रकाश देखो, जो मृत्यु की छाया की भूमि में निवास कर रहे हैं, प्रकाश तुम पर चमकेगा। लोगों का सबसे बड़ा भाग, जिसे तू अपने आनंद में नीचे लाया है, और वे तेरे सामने आनंदित होंगे, जैसे वे फसल के समय आनंदित होते हैं, और जिस तरह से वे लूट को बाँटते हैं। क्योंकि उनके ऊपर पड़ा हुआ जुआ हटा दिया गया है, और उनकी गर्दन पर की छड़ी भी, क्योंकि वसूली करने वालों की छड़ी को उसने तितर-बितर कर दिया, जैसे मिद्यान के दिन में। क्योंकि सभी वस्त्र जो छल से इकट्ठे किए गए हैं, और कपड़े जो परिवर्तन के साथ हैं, उनका मूल्य चुकाएंगे, और वे चाहेंगे कि काश वे आग से जला दिए गए होते।

क्योंकि हमारे लिए एक बच्चा जन्मा है, हमें एक पुत्र दिया गया है, जिसका शासन उसके कंधे पर है, और उसका नाम महान परामर्श का दूत कहलाता है, क्योंकि मैं शासकों पर शांति और उसे स्वास्थ्य लाऊंगा। महान है उसका आरंभ, और उसकी शांति की कोई सीमा नहीं है, दाऊद के सिंहासन पर, और उसके राज्य पर, उसे स्थापित करने के लिए, और न्याय में और धार्मिकता में उसे संभालने के लिए, अब से और युगानुयुग तक, सेनाओं के प्रभु का उत्साह यह करेगा।

प्रभु ने याकूब पर मृत्यु भेजी, और वह इस्राएल पर आई। और एफ्राइम के सब लोग जानेंगे, और वे जो सामरिया में बैठे हैं, अहंकार और घमंडी हृदय से कहते हुए, ईंटें गिर गई हैं, लेकिन आओ हम पत्थर तराशें, और गूलर तथा देवदार के पेड़ काटें, और अपने लिए एक मीनार बनाएँ। और

ईश्वर सिंघ्योन पर्वत पर उसके विरुद्ध उठने वालों को चूर-चूर करेगा, और शत्रुओं को तितर-बितर करेगा। सीरिया को पूर्व से और यूनानियों को पश्चिम से, जो इस्राएल को पूरे मुँह से निगल रहे हैं, इन सब के बावजूद क्रोध नहीं मुड़ा, बल्कि अभी भी हाथ ऊँचा है।

और लोग नहीं मुड़े जब तक वे मारे गए, और उन्होंने प्रभु को नहीं खोजा। और प्रभु ने इस्राएल से सिर और पूँछ, बड़े और छोटे को एक ही दिन में हटा दिया, बूढ़े को और उन्हें जो चेहरों की प्रशंसा करते हैं, यह आरंभ है। और जो नबी अधर्मी बातें सिखाता है, यह पूँछ है। और जो इन लोगों को आशीर्वाद देते हैं वे भटकाने वाले होंगे, और वे भटकाते हैं ताकि उन्हें निगल लें। इसलिए प्रभु उनके युवा पुरुषों पर प्रसन्न नहीं होगा, और उनके अनाथों और उनकी विधवाओं पर दया नहीं करेगा, क्योंकि सब अधर्मी और दुष्ट हैं, और हर मुख अन्यायी बातें बोलता है, इन सब पर क्रोध नहीं मुड़ा, लेकिन हाथ अभी भी ऊँचा है।

और अधर्म आग की तरह जलाया जाएगा, और सूखी घास की तरह आग द्वारा खाया जाएगा, और जंगल की झाड़ियों में जलाया जाएगा, और पहाड़ियों के चारों ओर का सब कुछ साथ में भस्म हो जाएगा। प्रभु के क्रोध के कारण सारी भूमि जला दी गई है, और लोग आग से जले हुए के समान होंगे, आदमी अपने भाई पर दया नहीं करेगा। लेकिन वह दाहिनी ओर मुड़ेगा, क्योंकि वह भूखा होगा, और वह बाईं ओर से खाएगा, और आदमी अपनी बांह का मांस खाता हुआ भी तृप्त नहीं होगा। क्योंकि मनश्शे एफ्राईम को खाएगा, और एफ्राईम मनश्शे को, क्योंकि वे साथ मिलकर यहूदा को घेरेंगे। इन सब के बावजूद क्रोध नहीं मुड़ा, बल्कि हाथ अभी भी ऊँचा है।

10

धिक्कार है उन्हें जो दुष्टता लिखते हैं, क्योंकि लिखते हुए, वे दुष्टता लिखते हैं। गरीबों के न्याय को मोड़ते हुए, मेरे लोगों के दीनों के न्याय को छीनते हुए, ताकि विधवा उनके लिए लूट में हो, और

अनाथ लूट में हो। और वे निरीक्षण के दिन में क्या करेंगे? क्योंकि क्लेश तुम्हारे पास दूर से आएगा, और तुम मदद पाने के लिए किसके पास भागोगे? और तुम अपनी महिमा कहाँ छोड़ोगे, ताकि बंधुआई में न गिरो?

इन सब के बावजूद क्रोध दूर नहीं हुआ, बल्कि हाथ अभी भी ऊँचा है।

धिक्कार है अशूरियों को, जो मेरे क्रोध की छड़ी हैं, और कोप उनके हाथों में है। मैं अपना क्रोध अधर्मी राष्ट्र पर भेजूंगा, और अपने लोगों को आदेश दूंगा कि लूट और लूटपाट करें, और शहरों को रौंदें, और उन्हें धूल में मिला दें। परन्तु उसने स्वयं इस प्रकार विचार नहीं किया, और न ही उसकी आत्मा में इस प्रकार तर्क हुआ है, बल्कि उसका मन छुटकारा देगा, और अनेक राष्ट्रों को नष्ट करने के लिए। और यदि वे उससे कहें, तू अकेला शासक है, और वह कहेगा, क्या उन्होंने बाबुल और कलने के ऊपर की भूमि को नहीं लिया, जहाँ मीनार बनाई गई थी, और अरब, दमिश्क और सामरिया को लिया? जिस तरीके से इन्हें लिया गया, उसी तरह मैं सभी आरंभों को लूंगा, यरूशलेम और सामरिया में मूर्तियों के लिए विलाप करो। जिस तरह मैंने सामरिया और उसकी हाथ से बनाई गई चीजों के साथ किया, उसी तरह मैं यरूशलेम और उसकी मूर्तियों के साथ करूंगा। और ऐसा होगा कि जब प्रभु सिय्योन पर्वत और यरूशलेम में सब कुछ करते हुए पूरा करेगा, तो मैं असीरियों के शासक के महान मन पर, और उसकी आंखों की महिमा की ऊंचाई पर ध्यान दूंगा। उसने कहा, क्योंकि मैं शक्ति से करूंगा, और समझ की बुद्धि से मैं राष्ट्रों की सीमाएँ हटाऊँगा, और उनकी शक्ति को लूटूँगा। और मैं बसे हुए शहरों को हिलाऊँगा, और पूरे संसार को अपने हाथ से घोंसले की तरह पकड़ूँगा, और छोड़े गए अंडों की तरह उठाऊँगा, और कोई नहीं है जो मुझसे बचेगा, या मुझे उत्तर देगा। क्या कुल्हाड़ी उसके बिना महिमामंडित होगी जो इससे काटता है? या क्या आरी उसके बिना ऊंची होगी जो इसे खींचता है? जैसे कि कोई छड़ी या लकड़ी उठाए, और ऐसा नहीं, लेकिन सेनाओं का प्रभु तेरे सम्मान में अपमान भेजेगा, और तेरी महिमा में जलती हुई आग जलाई जाएगी। और इसराइल का प्रकाश आग बन जाएगा, और वह उसे जलती हुई आग में पवित्र करेगा, और वह घास की तरह सामग्री को खा जाएगा। उस दिन

पहाड़, पहाड़ियाँ और जंगल बुझा दिए जाएँगे, और आत्मा से लेकर मांस तक निगल लिया जाएगा, और भागने वाला ऐसा होगा जैसे जलती हुई लौ से भागने वाला। और जो उनमें से बचे रहेंगे, वे संख्या में इतने कम होंगे कि एक बालक उन्हें लिख सकेगा।

और उस दिन में ऐसा होगा कि इस्राएल का बचा हुआ भाग अब और नहीं जोड़ा जाएगा, और याकूब के बचाए गए लोग अब और उन पर भरोसा नहीं करेंगे जिन्होंने उनके साथ गलत किया, लेकिन वे इस्राएल के पवित्र परमेश्वर पर सच्चाई से भरोसा करेंगे। और याकूब का बचा हुआ भाग सामर्थी परमेश्वर पर होगा। और यदि इस्राएल के लोग समुद्र की रेत के समान हो जाएं, तो उनका बचा हुआ भाग बचाया जाएगा। शब्द को पूरा करते हुए और धार्मिकता में संक्षिप्त करते हुए, क्योंकि प्रभु संक्षिप्त किए हुए शब्द को पूरे बसे हुए संसार में करेगा।

इसलिए सेनाओं का प्रभु यह कहता है: हे मेरे लोगो जो सिव्योन में रहते हो, अश्वरियों से मत डरो, क्योंकि वह छड़ी से तुम्हें मारेगा; क्योंकि मैं तुम पर प्रहार लाता हूँ ताकि तुम मिस्र का मार्ग देख सको। अभी थोड़ा समय है, और क्रोध रुक जाएगा, लेकिन मेरा क्रोध उनकी योजना पर है। और परमेश्वर उन पर उठेगा, मिद्यान की मार के अनुसार क्लेश के स्थान में, और उसका क्रोध समुद्र के मार्ग में होगा, मिस्र के मार्ग की ओर। और उस दिन ऐसा होगा कि उसका जुआ तुम्हारे कंधे से हटाया जाएगा, और उसका भय तुमसे दूर होगा, और जुआ तुम्हारे कंधों से नष्ट कर दिया जाएगा।

वह ऐंगाई शहर में आएगा, और मगेदो में से गुजरेगा, और मखमास में अपने बर्तन रखेगा। और वह घाटी से गुजरेगा, और अंगाई में आएगा। रामाह को भय पकड़ेगा, शाऊल के नगर को। वह भागेगा। गल्लीम की बेटी, लैश सुनेगा, अनाथोथ में सुनेगा। और मादेबेना चकित हुआ, और गिब्बेडर में रहने वाले भी।

आज ठहरने के मार्ग में सांत्वना दो, हाथ से सांत्वना दो पर्वत को, सिव्योन की पुत्री को, और

यरूशलेम की पहाड़ियों को।

देखो, सेनाओं का स्वामी प्रभु महिमावान को शक्ति के साथ हिलाएगा, और अहंकारी ऊंचे लोग चूर किए जाएंगे, और ऊंचे लोग नीचा किए जाएंगे। और ऊँचे लोग तलवार से गिरेंगे, और लेबनान ऊँचे स्थानों के साथ गिरिगा।

11

और यिशै की जड़ से एक छड़ी निकलेगी, और जड़ से एक फूल ऊपर उठेगा, और उस पर परमेश्वर का आत्मा विश्राम करेगा, बुद्धि और समझ का आत्मा, परामर्श और शक्ति का आत्मा, ज्ञान और भक्ति का आत्मा। परमेश्वर के भय की आत्मा उसे भर देगी, वह महिमा के अनुसार न्याय नहीं करेगा, और न ही वाणी के अनुसार फटकारेगा। लेकिन वह विनम्र के लिए न्याय करेगा, और पृथ्वी के विनम्रों को फटकारेगा, और अपने मुख के वचन से पृथ्वी को मारेगा, और अपने होठों की आत्मा से दुष्ट को नष्ट करेगा। और वह धार्मिकता से अपनी कमर बाँधे हुए होगा, और सत्य से अपने पार्श्व लपेटे हुए होगा।

और भेड़िया मेमने के साथ चरेगा, और चीता बकरी के बच्चे के साथ लेटेगा, और बछड़ा और बैल और शेर एक साथ चराए जाएंगे, और एक छोटा बच्चा उनको ले जाएगा। और बैल तथा भालू एक साथ चरेंगे, और उनके बच्चे एक साथ रहेंगे, और शेर बैल के समान भूसा खाएगा। और शिशु बच्चा साँपों के बिलों पर और साँपों की संतान के बिस्तर पर अपना हाथ रखेगा। और वे न तो हानि करेंगे, और न ही वे मेरे पवित्र पहाड़ पर किसी को नष्ट करने में सक्षम होंगे, क्योंकि संपूर्ण पृथ्वी प्रभु को जानने के ज्ञान से भर गई है, जैसे बहुत सा पानी समुद्रों को ढक लेता है। और उस दिन यिशै की जड़ होगी, और वह जो राष्ट्रों पर शासन करने के लिए उठेगा, उस पर राष्ट्र आशा रखेंगे, और उसका विश्राम सम्मान होगा। और उस दिन ऐसा होगा कि प्रभु अपना हाथ दिखाने के

लिए फिर से बढ़ाएगा, ताकि अपने लोगों के बचे हुए शेष के प्रति उत्साही हो, जो अशशूरियों द्वारा, और मिस्र से, और बाबुल से, और इथियोपिया से, और एलामियों से, और सूर्योदय से, और अरब से बचा रह जाएगा। और वह राष्ट्रों के लिए एक निशान उठाएगा, और इस्राएल के नष्ट हुआओं को इकट्ठा करेगा, और यहूदा के बिखरे हुएओं को पृथ्वी के चारों कोनों से इकट्ठा करेगा। और एफ्राइम का जोश हटा दिया जाएगा, और यहूदा के शत्रु नष्ट हो जाएंगे। एफ्राइम यहूदा से ईर्ष्या नहीं करेगा, और यहूदा एफ्राइम को क्लेश नहीं देगा। और वे विदेशियों के जहाजों में उड़ेंगे, एक साथ समुद्र को लूटेंगे, और पूर्व से सूरज के लोगों को, और इद्रूमिया को, और मोआब पर पहले हाथ रखेंगे, लेकिन अम्मोन के पुत्र पहले आज्ञा मानेंगे।

और प्रभु मिस्र के समुद्र को उजाड़ कर देगा, और अपना हाथ नदी पर हिंसक आत्मा से रखेगा, और सात घाटियों को मारेगा, ताकि उसे जूतों में पार किया जा सके। और मेरे शेष लोगों के लिए जो मिस्र में हैं, एक मार्ग होगा, और इस्राएल के लिए वैसा ही होगा जैसा वह दिन था जब वह मिस्र की भूमि से निकला था।

12

और तुम उस दिन कहोगे, मैं तुम्हें आशीर्वाद देता हूँ, प्रभु, क्योंकि तुम मुझ पर क्रोधित हुए, और तुमने अपना क्रोध दूर किया, और तुमने मुझ पर दया की। देखो, वह परमेश्वर मेरा उद्धारकर्ता है, मैं उस पर भरोसा करते हुए रहूंगा, और मैं नहीं डरूंगा, क्योंकि मेरी महिमा और मेरी स्तुति प्रभु है, और वह मेरे लिए उद्धार बन गया। और उद्धार के झरनों से आनंद के साथ जल खींचो। और तुम उस दिन कहोगे, प्रभु की स्तुति करो, उसके नाम को पुकारो, राष्ट्रों में उसकी महिमामय बातों की घोषणा करो, याद रखो कि उसका नाम ऊंचा किया गया है। प्रभु के नाम की स्तुति गाओ, क्योंकि उन्होंने उच्च कार्य किए हैं; इन बातों को सारी पृथ्वी पर घोषित करो। आनंदित हो और प्रसन्न हो, हे सिय्योन में रहने वाली, क्योंकि इस्राएल का पवित्र उसके बीच में महिमान्वित हुआ

13

वह दृष्टि जो यशायाह ने देखी, जो आमोस का पुत्र था, बाबुल के विषय में।

समतल पहाड़ पर एक चिह्न उठाओ, उनके लिए अपनी आवाज़ ऊँची करो, हाथ से उन्हें बुलाओ, हे शासकों, खोलो। मैं आज्ञा देता हूँ, और मैं उन्हें दानव भेजता हूँ जो मेरे क्रोध को पूरा करने आते हैं, साथ ही आनन्दित होते हुए और अपमान करते हुए। बहुत से राष्ट्रों की आवाज़ पहाड़ों पर, बहुत से राष्ट्रों के समान, राजाओं और एकत्रित राष्ट्रों की आवाज़, सेनाओं के प्रभु ने युद्धप्रिय राष्ट्र को आज्ञा दी है दूर से, पृथ्वी से, स्वर्ग की नींव के अंत से आना, प्रभु और उसके योद्धा, सारी बसी हुई दुनिया को नष्ट करने के लिए।

विलाप करो, क्योंकि प्रभु का दिन निकट है, और परमेश्वर से विनाश आएगा। इसलिए सब हाथ कमजोर हो जाएंगे, और मनुष्य की सब आत्मा डर जाएगी। राजदूत व्याकुल होंगे, और उन्हें ऐसी पीड़ाएँ होंगी जैसे प्रसव करती हुई स्त्री को होती हैं, और वे एक दूसरे के साथ कष्ट सहेंगे, और विस्मित होंगे, और उनके चेहरे लौ की तरह बदल जाएँगे। देखो, क्योंकि प्रभु का दिन आ रहा है, असाध्य, क्रोध और कोप का, संसार को निर्जन बनाने के लिए, और पापियों को उसमें से नष्ट करने के लिए। आकाश के तारे और ओरायन और आकाश का सारा संसार प्रकाश नहीं देंगे, और सूरज के उदय होते हुए अंधेरा हो जाएगा, और चाँद अपना प्रकाश नहीं देगा। और मैं सम्पूर्ण बसे हुए संसार को बुराइयों की आज्ञा दूँगा, और दुष्टों को उनके पापों की, और मैं अधर्मियों के अहंकार को नष्ट करूँगा, और घमंडियों के अहंकार को नीचा करूँगा। और जो बचे रहेंगे वे अशुद्ध सोने से अधिक सम्मानित होंगे, और मनुष्य सोफ़ीर के पत्थर से अधिक सम्मानित होगा। क्योंकि स्वर्ग क्रोधित होगा, और पृथ्वी अपनी नींवों से हिलाई जाएगी, प्रभु सबाओत के क्रोध के कोप के

कारण, उस दिन जब उसका क्रोध आए। और बचे हुए लोग भागते हुए हिरण के समान होंगे, और भटकी हुई भेड़ के समान होंगे, और कोई इकट्ठा करने वाला नहीं होगा, इसलिए हर आदमी अपने लोगों की ओर लौटेगा, और हर आदमी अपनी भूमि की ओर भागेगा। जो खलिहान में पकड़ा जाएगा, वह पराजित होगा, और जो एकत्रित हैं, वे तलवार से गिरेंगे। और उनके बच्चों को वे उनके सामने पटकेंगे, और उनके घरों को लूटेंगे, और उनकी स्त्रियों को रखेंगे।

देखो, मैं तुम्हारे विरुद्ध मादियों को उठाता हूँ, जो चाँदी की परवाह नहीं करते, और न ही सोने की आवश्यकता रखते हैं। युवा पुरुषों के तीर कुचलेंगे, और वे तुम्हारे बच्चों पर दया नहीं करेंगे, न ही उनकी आँखें तुम्हारे बच्चों को बख्शेंगी। और बेबीलोन, जो कसदियों के राजा द्वारा गौरवशाली कहलाता है, वैसा ही होगा जैसे परमेश्वर ने सदोम और गमोरा को नष्ट किया था। यह युग-युग तक बसाया नहीं जाएगा, न अनेक पीढ़ियों तक इसमें प्रवेश करेंगे, न अरब इसमें से गुजरेंगे, न चरवाहे इसमें विश्राम करेंगे। और वहाँ जंगली पशु विश्राम करेंगे, और घर ध्वनि से भर जाएंगे, और वहाँ सायरन विश्राम करेंगे, और दानव वहाँ नृत्य करेंगे। और ओनोकेँटॉर वहाँ निवास करेंगे, और साही उनके घरों में घोंसला बनाएंगे। वह शीघ्र आता है और विलंब नहीं करेगा।

14

और प्रभु याकूब पर दया करेंगे, और फिर इस्राएल को चुनेंगे, और वे अपनी भूमि पर विश्राम करेंगे, और पड़ोसी उनके साथ जोड़े जाएँगे, और याकूब के घर के साथ जोड़े जाएँगे। और राष्ट्र उन्हें ले लेंगे और उन्हें उनके स्थान में लाएँगे, और वे अधिकार कर लेंगे, और पृथ्वी पर दास और दासियों के रूप में बढ़ाए जाएँगे, और जिन्होंने उन्हें बंदी बनाया था वे बंदी होंगे, और जिन्होंने उन पर शासन किया था वे शासित किए जाएँगे।

और उस दिन ऐसा होगा कि प्रभु तुम्हें तुम्हारी पीड़ा से और तुम्हारे क्रोध से, और तुम्हारी कठोर

दासता से विश्राम देगा, जिसमें तुमने उनकी सेवा की। और तू बाबुल के राजा पर यह विलाप करेगा, कैसे रुक गया है वह माँगने वाला, और कैसे रुक गया है वह अत्याचारी!

प्रभु ने पापियों के जुए को तोड़ दिया, शासकों के जुए को। क्रोध में राष्ट्र पर असाध्य प्रहार करके, क्रोध का वह प्रहार जिसने नहीं बख्शा, राष्ट्र को मारते हुए, विश्वास करते हुए विश्राम किया। समस्त पृथ्वी आनंद के साथ जयघोष करती है। और लेबनान की लकड़ियाँ तुम पर खुश हुईं, और लेबनान का देवदार भी; जब से तुम सो गए हो, हमें काटने वाला ऊपर नहीं आया। नीचे से हादेस तुझसे मिलते हुए कड़वा हो गया, तुझे देखकर सब दानव जो पृथ्वी पर शासन करते थे, साथ उठ खड़े हुए, जिन्होंने अपने सिंहासनों से राष्ट्रों के सब राजाओं को उठाया। सभी उत्तर देंगे और वे तुमसे कहेंगे, तुम भी पकड़े गए, जैसे हम, और तुम हममें गिने गए। तुम्हारी महिमा और तुम्हारा महान आनंद अधोलोक में उतर गया, तुम्हारे नीचे सड़न बिछाई जाएगी, और तुम्हारा आवरण कीड़े होंगे। कैसे स्वर्ग से भोर का तारा गिर गया, जो सुबह उदय होता था? वह जो सब राष्ट्रों की ओर भेजा जाता था, पृथ्वी पर चकनाचूर हो गया। लेकिन तूने अपने मन में कहा, मैं स्वर्ग में जाऊंगा, स्वर्ग के तारों के ऊपर मैं अपना सिंहासन रखूंगा, मैं ऊँचे पहाड़ पर बैठूंगा, उत्तर की ओर के ऊँचे पहाड़ों पर। मैं बादलों के ऊपर चढ़ूंगा, मैं परमोच्च के समान होऊंगा। अब लेकिन तू अधोलोक में नीचे जाएगा, और पृथ्वी की नींव में। जो तुम्हें देखेंगे वे तुम पर आश्चर्य करेंगे, और कहेंगे, यह वह आदमी है जो पृथ्वी को उकसाता था, जो राजाओं को कंपाता था, जिसने पूरे संसार को निर्जन बना दिया, और उसके शहरों को ध्वस्त कर दिया, जो बंदी थे उन्हें मुक्त नहीं किया। सब राष्ट्रों के राजा सम्मान में सोए, प्रत्येक मनुष्य अपने घर में। लेकिन तू पहाड़ों में फेंका जाएगा, एक घृणित मृतक की तरह, उन बहुत से मृतकों के साथ जो तलवारों से भेदे गए हैं और जो अधोलोक में उतर रहे हैं। जिस प्रकार रक्त से दागा हुआ वस्त्र शुद्ध नहीं होगा, उसी प्रकार न तो तू शुद्ध होगा, क्योंकि तूने मेरी भूमि को नष्ट किया, और मेरे लोगों को मार डाला, तू युगों तक नहीं रहेगा, हे दुष्ट बीज। अपने बच्चों को उनके पिता के पापों के लिए वध किए जाने के लिए तैयार करो, ताकि वे न उठें और भूमि के उत्तराधिकारी न बनें, और भूमि को युद्धों से न भर दें। और मैं उनके विरुद्ध उठूंगा, सेनाओं का प्रभु कहता है, और मैं उनका नाम, अवशेष और वंश नष्ट

कर दूंगा, यह प्रभु कहता है। और मैं बाबुल को जंगल बना दूंगा, ताकि साही वहाँ निवास करें, और वह कुछ नहीं हो जाएगा, और मैं उसे कीचड़ का गड्ढा बनाकर विनाश में डाल दूंगा।

ये बातें सेनाओं का प्रभु कहता है: जिस प्रकार मैंने कहा है, वैसा ही होगा, और जिस प्रकार मैंने योजना बनाई है, वैसा ही बना रहेगा। मेरी पृथ्वी पर और मेरे पहाड़ों पर असीरियों को नष्ट करने के लिए, और वे रौंदे जाएंगे, और उनका जुआ उनसे हटाया जाएगा, और उनकी महिमा उनके कंधों से हटाई जाएगी। यह वह परामर्श है जो प्रभु ने संपूर्ण संसार के विषय में किया है, और यह वह ऊँचा हाथ है जो सभी राष्ट्रों पर है। जो पवित्र परमेश्वर ने योजना बनाई है, उसे कौन तितर-बितर करेगा? और उसके ऊँचे हाथ को कौन मोड़ेगा?

उस वर्ष में जिसमें राजा आहाज मरा, यह वचन आया।

हे सभी विदेशियों, आनंदित मत हो, क्योंकि तुम्हें मारने वाले का जुआ टूट गया है, क्योंकि साँप के बीज से नागों की संतान निकलेगी, और उनकी संतान उड़ते हुए साँप निकलेंगे। और गरीब उसके माध्यम से चराए जाएंगे, और गरीब लोग शांति में विश्राम करेंगे, परन्तु वह अकाल में तुम्हारे बीज को नष्ट करेगा, और तुम्हारे अवशेष को नष्ट करेगा। नगरों के द्वारों, विलाप करो! व्याकुल नगर चिल्लाएँ! सभी विदेशी भी, क्योंकि उत्तर से धुआँ आ रहा है, और वहाँ कोई अस्तित्व नहीं है। और राष्ट्रों के राजा क्या उत्तर देंगे? कि प्रभु ने सिख्योन को स्थापित किया है, और उसके द्वारा लोगों के विनम्र बचाए जाएंगे। मोआबी के विरुद्ध का वचन।

15

रात में मोआबी स्त्री नष्ट हो जाएगी, क्योंकि रात में मोआब की दीवार नष्ट हो जाएगी। अपने ऊपर शोक करो, क्योंकि दीबोन भी नष्ट हो जाएगा, जहाँ तुम्हारी वेदी है, वहाँ तुम रोने के लिए चढ़ोगे,

मोआबी नबो पर विलाप करो, हर सिर पर गंजापन है, सभी भुजाएँ काटी हुई हैं। उसकी सड़कों में टाट ओढ़ लो, और उसकी छतों पर विलाप करो, और उसकी गलियों में, सब रोते हुए विलाप करो। क्योंकि हेशबोन और एलाले चिल्लाए हैं, यासा तक उनका स्वर सुना गया था, इसलिए मोआबी की कमर चिल्लाती है, उसकी आत्मा जानेगी। मोआबी स्त्री का हृदय सोअर तक चिल्लाता है, क्योंकि वह तीन वर्ष की बछिया है, और लूहीत की चढ़ाई पर, रोते हुए वे होरोनैम के मार्ग से तुम्हारी ओर चढ़ेंगे, विनाश और भूकंप की चिल्लाहट होती है। नेमेरीम का पानी सूख जाएगा, और उसकी घास नष्ट हो जाएगी, क्योंकि हरी घास नहीं रहेगी। क्या इस प्रकार भी यह बचाया जाने वाला है? क्योंकि मैं घाटी पर अरबों को लाऊंगा, और वे उसे ले लेंगे। चिल्लाहट मोआबी की सीमा से एगलेम तक जुड़ गई, और उसका विलाप एलीम के कुएँ तक पहुँच गया। परन्तु दीमोन का जल रक्त से भर जाएगा, क्योंकि मैं दीमोन पर अरबियों को लाऊंगा, और मोआब के वंश को, अरीएल को, और अदमा के शेष को उठा लूंगा।

16

मैं भूमि पर रेंगने वाली चीजों की तरह भेजूंगा, क्या सिय्योन की बेटी का पहाड़ निर्जन चट्टान नहीं है? तू ऐसी होगी जैसे उड़ते हुए पक्षी से छीना गया चूड़ा, हे मोआब की बेटी, और उसके बाद अर्नोन में अधिक होगा विचार-विमर्श करो, और शोक का यह आश्रय निरंतर बनाओ। दोपहर के अंधकार में वे भागते हैं, वे चकित हुए। दुःखी मत हो। मोआब के निर्वासित तुम्हारे पास निवास करेंगे, वे तुम्हारे लिए पीछा करने वाले के मुख से आश्रय होंगे, क्योंकि तुम्हारा गठबंधन उठाया गया, और पृथ्वी से रौंदने वाला शासक नष्ट हो गया। और दया के साथ सिंहासन स्थापित किया जाएगा, और वह सत्य के साथ दाऊद के तंबू में उस पर बैठेगा, न्याय करते हुए, न्याय की खोज करते हुए और धार्मिकता में शीघ्रता करते हुए।

हमने मोआब का अहंकार सुना है, वह अत्यधिक अहंकारी है। मैंने उसका घमंड नष्ट कर दिया है।

तुम्हारी भविष्यवाणी ऐसी नहीं है, ऐसी नहीं है।

मोआब विलाप करेगा, क्योंकि मोआबीतिस में सब लोग विलाप करेंगे। लेकिन सेथ में रहने वालों के लिए तुम ध्यान करोगे, और शर्मिदा नहीं होगे। हेशबोन के मैदान शोक करेंगे, सिबमा की दाखलता, जातियों को निगलने वाले, उसकी दाखलताओं को रौंदो, याज़ेर तक, मत जुड़ो, जंगल में भटको, भेजे गए लोग छोड़ दिए गए थे, क्योंकि वे समुद्र की ओर पार हो गए। इसलिए मैं याज़ेर के रोने की तरह रोऊंगा, हे सिबमा की बेल, हेशबोन और एलाले ने तेरे पेड़ों को गिरा दिया है, क्योंकि तेरी फसल पर और तेरी दाख की बारी पर मैं रौंदूंगा, और सब गिर जाएंगे। और अंगूर के बागों से आनंद और हर्षोल्लास उठा लिया जाएगा, और तुम्हारे अंगूर के बागों में वे आनंदित नहीं होंगे, और वे दाखरस को कुंडों में नहीं रौंदेंगे, क्योंकि यह बंद हो गया है। इसलिए मोआब के लिए मेरा हृदय वीणा की तरह गूजेगा, और मेरा भीतरी भाग तूने दीवार की तरह नया कर दिया है। और ऐसा होगा कि तुम शर्मिदा होगे, क्योंकि मोआब ने वेदियों पर परिश्रम किया, और वह अपनी हाथ से बनी चीजों में प्रवेश करेगा ताकि प्रार्थना करे, और वह उसे छुड़ाने में सक्षम नहीं होगा।

यह वह वचन है जो प्रभु ने मोआब के विषय में बोला था, जब उसने बोला था। और अब मैं कहता हूँ, तीन वर्षों में, किराए के मजदूर के वर्षों के अनुसार, मोआब की महिमा का अपमान किया जाएगा, उसकी सारी बड़ी संपत्ति के साथ, और थोड़ा सा ही बचेगा, और वह सम्मानित नहीं होगा। दमिश्क के विषय में वचन।

17

देखो, दमिश्क शहरों में से हटा लिया जाएगा और वह खंडहर हो जाएगा। युग के लिए त्यागी हुई, झुंडों के बिस्तर और विश्राम के लिए, और कोई पीछा करने वाला नहीं होगा। और एफ्राइम के

लिए शरण लेने का कोई मजबूत स्थान नहीं रहेगा, और दमिश्क में कोई राज्य नहीं रहेगा, और सीरियाइयों का शेष भाग भी नहीं रहेगा, क्योंकि तुम इस्राएल के पुत्रों से, उनकी महिमा से बेहतर नहीं हो, ये बातें सबाओत प्रभु कहता है। उस दिन याकूब की महिमा का ग्रहण होगा, और उसकी महिमा की समृद्धि हिलाई जाएगी। और यह उस तरीके के समान होगा जैसे कोई खड़ी फसल को इकट्ठा करे, और अनाज की बालियों के बीज को काटे, और यह उस तरीके के समान होगा जैसे कोई मजबूत घाटी में अनाज की बाली को इकट्ठा करे। और इसमें भूसा छोड़ा जाएगा, या जैसे जैतून के पेड़ पर दो या तीन जैतून ऊंची चोटी पर, या चार या पांच उनकी शाखाओं पर छोड़े जाएंगे, ये बातें प्रभु परमेश्वर, इस्राएल का परमेश्वर कहता है।

उस दिन वह मनुष्य अपने बनाने वाले पर विश्वास करेगा, और उसकी आँखें इस्राएल के पवित्र की ओर देखेंगी। और वे वेदियों पर भरोसा नहीं करेंगे, न अपने हाथों के कामों पर जो उनकी उंगलियों ने किए, और वे पेड़ों को नहीं देखेंगे, न अपनी घृणित वस्तुओं को।

उस दिन तेरे नगर छोड़े हुए होंगे, जिस प्रकार अमोरियों और हिबियों ने इस्राएल के पुत्रों के सामने से छोड़ दिया था, और वे उजाड़ हो जाएंगे। क्योंकि तूने अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर को छोड़ दिया, और अपने सहायक प्रभु को स्मरण नहीं किया, इसलिए तू अविश्वसनीय रोपण रोपेगा, और अविश्वसनीय बीज। जिस दिन तुम रोपोगे, तुम भटकोगे, लेकिन सुबह यदि तुम बोओगे, तो यह फसल के लिए खिलेगा जिस दिन तुम चिट्ठी से बाँटोगे, और जैसे मनुष्य का पिता तुम्हारे पुत्रों को चिट्ठी से बाँटेगा।

धिक्कार है अनेक राष्ट्रों की बहुतायत को, जैसे समुद्र लहराता है, इसी प्रकार तुम परेशान किए जाओगे, और अनेक राष्ट्रों की पीठ, जैसे पानी गूँजेगा। जैसे बहुत से राष्ट्र बहुत पानी हैं, जैसे बहुत पानी बल से बहाया जाता है, और वह उसे दूर भगा देगा, और उसे दूर तक खदेड़ेगा, जैसे हवा के सामने पुआल छानने वालों का भूसा, और जैसे तूफान पहिये की धूल को उड़ा ले जाता है।

शाम की ओर शोक होगा, सुबह से पहले, और नहीं होगा। यह उनका हिस्सा है जिन्होंने तुम्हें लूटा, और उनकी विरासत है जिन्होंने तुम्हें विरासत में लिया।

18

धक्कार है उस पृथ्वी को जहाजों के पंखों वाली, जो इथियोपिया की नदियों के परे है, वह जो समुद्र में बंधकों को भेजता है, और जल के ऊपर पपाइरस के पत्र भेजता है, क्योंकि तेज़ दूत उस ऊंचे राष्ट्र की ओर जाएंगे, और उन विदेशी लोगों की ओर जो कठिन हैं। उसके परे कौन है? वह राष्ट्र जो अप्रत्याशित और रौंदा हुआ है, अब पृथ्वी की नदियाँ। सभी लोग, जैसे बसी हुई भूमि बसाई जाएगी, उनकी भूमि मानो पहाड़ से कोई निशान उठाया जाए, और जैसे तुरही की आवाज़ सुनाई देगी। क्योंकि प्रभु ने मुझसे इस प्रकार कहा, मेरे शहर में सुरक्षा होगी, जैसे दोपहर की जलती गर्मी का प्रकाश, और जैसे कटाई के दिन की ओस का बादल होगा फसल काटने से पहले, जब फूल पूरा हो जाए और कच्चा अंगूर खिलकर फूल धारण करे, तब वह छोटे गुच्छों को हंसियों से हटा देगा और बेलों की शाखाओं को हटाकर काट देगा। और वह आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के जंगली जानवरों के साथ एक साथ छोड़ा जाएगा, और आकाश के पक्षी उन पर इकट्ठा होंगे, और पृथ्वी के सभी जंगली जानवर उस पर आएँगे। उस समय में प्रभु सबाओत के लिए उपहार लाए जाएंगे, पीड़ित और दुःखी लोगों से, और महान लोगों से, अब से और युगों तक, एक राष्ट्र जो आशा करता है और रौंदा गया है, जो अपनी भूमि की नदी के भाग में है, उस स्थान पर जहाँ प्रभु सबाओत का नाम है, सिय्योन पर्वत। मिस्र का दर्शन।

19

देखो, प्रभु हल्के बादल पर बैठे हैं, और मिस्र में आएँगे, और मिस्र की हाथ से बनी चीजें उनके

चेहरे से हिलाई जाएँगी, और उनका हृदय उनमें हार जाएगा। और मिस्रवासी मिस्रवासियों के विरुद्ध उठ खड़े होंगे, और आदमी अपने भाई से लड़ेगा, और आदमी अपने पड़ोसी से, शहर शहर के विरुद्ध, और कानून कानून के विरुद्ध। और मिस्रियों की आत्मा उनके भीतर व्याकुल हो जाएगी, और मैं उनकी योजना को तितर-बितर कर दूंगा, और वे अपने देवताओं से, और अपनी मूर्तियों से, और पृथ्वी से बोलने वालों से, और ओझाओं से पूछेंगे। और मैं मिस्र को मनुष्यों के हाथों में, कठोर स्वामियों के हाथों में सौंप दूंगा, और कठोर राजा उनपर शासन करेंगे। यह सेनाओं का प्रभु कहता है। और मिस्रवासी समुद्र का पानी पीएंगे, लेकिन नदी विफल हो जाएगी और सूख जाएगी। और नदियाँ नष्ट हो जाएँगी, और नदी की नहरें, और जल का सम्पूर्ण संग्रह सूख जाएगा, और प्रत्येक दलदल में सरकंडे और पपाइरस के। और नदी के चारों ओर का हरा किनारा, और नदी के कारण बोया गया सब कुछ सूख जाएगा और हवा से नष्ट हो जाएगा। और मछुआरे कराहेंगे, और सब जो नदी में कांटा फेंकते हैं वे कराहेंगे, और जो जाल फेंकते हैं, और जो जाल डालते हैं वे शोक करेंगे, और शर्म उन लोगों को पकड़ेगी जो विभाजित सन का काम करते हैं, और उन लोगों को जो महीन मलमल का काम करते हैं। और जो उन्हें बनाते हैं वे दर्द में होंगे, और सभी जो बीयर बनाते हैं वे दुखी होंगे, और आत्माएं कष्ट उठाएँगी। और तानेस के शासक मूर्ख होंगे, राजा के बुद्धिमान सलाहकार, उनका परामर्श मूर्ख हो जाएगा, तुम राजा से कैसे कहोगे, हम बुद्धिमानों के पुत्र हैं, आरंभ से राजाओं के पुत्र हैं? कहाँ हैं अब तेरे बुद्धिमान? वे तुझे घोषित करें और कहें कि सेनाओं के प्रभु ने मिस्र के विषय में क्या योजना बनाई है। तानेस के शासक असफल हुए, और मेम्फिस के शासक ऊंचे किए गए, और वे मिस्र को कबीलों के अनुसार भटकाएंगे। प्रभु ने उनके लिए भटकने की आत्मा मिश्रित की, और उन्होंने मिस्र को उसके सभी कामों में भटकाया, जैसे नशे में धुत्त व्यक्ति भटकता है, और साथ ही उल्टी करता है, और मिस्रियों के लिए कोई ऐसा काम नहीं होगा जो सिर और पूंछ, और आरंभ और अंत बनाए।

उस दिन मिस्री स्त्रियों के समान होंगे, भय और कंपन में सेनाओं के प्रभु के हाथ के सामने, जिसे वह उन पर रखेगा। और यहूदियों की भूमि मिस्रियों के लिए आतंक होगी, हर कोई जो उसका नाम उनके सामने लेगा, वे डरेंगे उस योजना के कारण जो सेनाओं के प्रभु ने उसके विरुद्ध बनाई

है। उस दिन मिस्र में पाँच शहर होंगे जो कनानी भाषा बोलेंगे, और प्रभु सबाओत के नाम की शपथ लेंगे, एक शहर विनाश का शहर कहलाएगा। उस दिन मिस्रियों की भूमि में प्रभु के लिए एक वेदी होगी, और उसकी सीमा पर प्रभु के लिए एक स्तंभ होगा। और यह मिस्र की भूमि में प्रभु के लिए सदा के युग तक एक निशानी होगी, क्योंकि वे अपने सताने वालों के कारण प्रभु की ओर चिल्लाएंगे, और वह उनके पास एक मनुष्य भेजेगा जो उन्हें बचाएगा, न्याय करते हुए वह उन्हें बचाएगा। और प्रभु मिस्रियों को ज्ञात होंगे, और मिस्री उस दिन प्रभु को जानेंगे, और बलिदान करेंगे, और प्रभु से प्रार्थनाएँ करेंगे, और अर्पित करेंगे। और प्रभु मिस्रियों को मार से मारेगा, और उनको चंगाई से चंगा करेगा, और वे प्रभु की ओर लौटेंगे, और वह उनकी सुनेगा, और उनको चंगाई से चंगा करेगा। उस दिन मिस्र से अशशूर की ओर एक रास्ता होगा, और अशशूरी मिस्र में प्रवेश करेंगे, और मिस्री अशशूर की ओर जाएंगे, और मिस्री अशशूरियों की सेवा करेंगे। उस दिन इस्राएल मिस्रियों और अशशूरियों के साथ तीसरा होगा, भूमि में आशीषित। जिसे प्रभु साबाओत ने आशीर्वाद दिया, कहते हुए, धन्य हैं मेरे लोग जो मिस्र में हैं, और जो अशशूरियों में हैं, और मेरा उत्तराधिकार इस्राएल।

20

उस वर्ष में जब तनाथान अज़ोतुस में प्रवेश किया, जब वह अशशूरियों के राजा अर्ना द्वारा भेजा गया था, और उसने अज़ोतुस से युद्ध किया, और उसे ले लिया, तब प्रभु ने आमोस के पुत्र यशायाह से कहा, जाओ और अपनी कमर से टाट हटाओ, और अपने पैरों से अपने जूते उतारो, और इस प्रकार करो, नंगे और नंगे पैर चलते हुए। और प्रभु ने कहा, जिस तरीके से मेरा सेवक यशायाह नंगा और नंगे पैर तीन वर्ष चला है, तीन वर्ष मिस्रियों और इथियोपियाइयों के लिए चिन्ह और आश्चर्य होगा। क्योंकि इस प्रकार अशशूरियों का राजा मिस्र और इथियोपिया की बंधुआई को ले जाएगा, युवा पुरुषों और बूढ़ों को, नंगे और बिना जूते के, मिस्र की शर्म को खुला करके। और वे शर्मिंदा होंगे, इथियोपियाई लोगों पर हार कर, जिन पर मिस्री लोग भरोसा करते थे, क्योंकि वे

उनके लिए गौरव थे। और उस दिन इस द्वीप में निवास करने वाले कहेंगे, देखो, हम उन पर विश्वास करते थे कि सहायता के लिए उनके पास भागें, जो अशूरियों के राजा से बचाए नहीं जा सके, तो हम कैसे बचाए जाएंगे? मरुभूमि का दर्शन।

21

जैसे तूफान निर्जन प्रदेश से होकर गुजरे, वैसे ही वह निर्जन स्थान से आता है, पृथ्वी से भयानक। वह दर्शन कठोर था जो मुझे बताया गया, जो अस्वीकार करता है वह अस्वीकार करता है, जो अधर्मी है वह अधर्म करता है, मेरे विरुद्ध एलामी और फारसियों के राजदूत मेरे विरुद्ध आ रहे हैं, अब मैं कराहूंगा और स्वयं को सांत्वना दूंगा। इसलिए मेरी कमर कमजोरी से भर गई, और पीड़ाओं ने मुझे जकड़ लिया जैसे प्रसव करती हुई स्त्री को, मैंने सुनने से इनकार किया, मैंने देखने से परहेज किया। मेरा हृदय भटकता है, और अधर्म मुझे डुबोता है; मेरी आत्मा भय में स्थित है। मेज तैयार करो, खाओ, पियो, हे शासकों, उठकर ढालें तैयार करो क्योंकि प्रभु ने मुझसे इस प्रकार कहा, जाकर अपने लिए एक पहरेदार नियुक्त करो, और जो कुछ तू देखे वह बता। और मैंने दो घुड़सवारों को देखा, और एक गधे के सवार को, और एक ऊंट के सवार को, बहुत ध्यान से सुनते हुए। और उरिय्याह को पहरेदारी की मीनार में बुलाओ, प्रभु ने कहा, मैं दिन भर निरंतर खड़ा रहा, और मैं पूरी रात शिविर के ऊपर खड़ा रहा। और देखो, वह आता है, जोड़ी का सवार, और उत्तर देते हुए उसने कहा, गिर गया है, गिर गया है बाबुल, और उसकी सब मूर्तियाँ और उसकी हाथ से बनी चीजें भूमि में चकनाचूर हो गई। सुनो, जो बचे हुए हो, और जो दुःख में हो, सुनो जो मैंने प्रभु सबाओत से सुना है; इस्राएल के परमेश्वर ने हमें घोषणा की है। इदूमिया का दर्शन।

मेरी ओर सेईर से बुलाता है, कंगूरों की रक्षा करो। मैं सुबह और रात की रक्षा करता हूँ, यदि तुम खोजते हो तो खोजो, और मेरे पास निवास करो। जंगल में शाम को सोओ, या दैदान के रास्ते में।

हे तेमान की भूमि में रहने वाले लोगों, प्यासे के लिए पानी लेकर आओ, भागने वालों से रोटियों के साथ मिलो। मारे गए लोगों की बहुतायत के कारण, और भटकते हुए लोगों की बहुतायत के कारण, और तलवार की बहुतायत के कारण, और तने हुए तीरों की बहुतायत के कारण, और युद्ध में गिरे हुए लोगों की बहुतायत के कारण। क्योंकि प्रभु ने मुझसे इस प्रकार कहा, अभी एक वर्ष मजदूर के वर्ष के समान, केदार के पुत्रों की महिमा असफल हो जाएगी। और केदार के शक्तिशाली पुत्रों के तीरों का शेष थोड़ा होगा, क्योंकि प्रभु, इस्राएल के देवता ने कहा है। सिय्योन की घाटी का वचन।

22

तुझे क्या हो गया है कि अब तुम सब व्यर्थ घरों में चढ़ गए हो? शहर चिल्लाने वालों से भर गया था, तुम्हारे घायल तलवारों से घायल नहीं हुए, और न ही तुम्हारे मृत युद्धों में मृत हुए। तुम्हारे सभी शासक भाग गए हैं, और जो पकड़े गए वे कठोरता से बंधे हुए हैं, और जो तुममें शक्तिशाली थे वे दूर भाग गए हैं। इसलिए मैंने कहा, मुझे छोड़ दो, मैं फूट-फूटकर रोऊंगा, मेरी जाति की बेटी के विनाश पर मुझे सांत्वना देने का प्रयास मत करो। क्योंकि यह उपद्रव, विनाश और रौंदने का दिन है, और प्रभु सबाओत की ओर से भटकाव है। सिय्योन की घाटी में वे भटकते हैं, छोटे से लेकर बड़े तक, पहाड़ों पर भटकते हैं। एलामियों ने तरकश लिए, और घोड़ों पर सवार लोग थे, और युद्ध पंक्ति का समूह था। और तुम्हारी चुनी हुई घाटियाँ रथों से भर जाएंगी, और घुड़सवार तुम्हारे द्वारों को रोक देंगे। और वे यहूदा के द्वारों को खोलेंगे, और उस दिन वे शहर के चुने हुए घरों की ओर देखेंगे। और वे दाऊद के किले के घरों की छुपी हुई चीजों को उजागर करेंगे, और उन्होंने देखा कि वे अधिक हैं, और यह कि उसने प्राचीन तालाब के पानी को शहर में मोड़ दिया, और यह कि उन्होंने यरूशलेम के घरों को शहर की दीवार की किलेबंदी के लिए तोड़ दिया। और तुमने अपने लिए दो दीवारों के बीच, प्राचीन तालाब के भीतरी भाग में, पानी बनाया, और तुमने उसकी ओर नहीं देखा जिसने आरंभ से उसे बनाया, और उसको तुमने नहीं देखा जिसने उसे सृजन किया।

और प्रभु सबाओथ ने उस दिन रोने, विलाप करने, मुंडन करने और टाट पहनने के लिए बुलाया उन्होंने आनंद और उल्लास मनाया, बछड़ों का वध करते हुए और भेड़ों की बलि चढ़ाते हुए, ताकि मांस खाएं और दाखमधु पीएं, यह कहते हुए, आओ खाएं और पीएं, क्योंकि कल हम मर जाएंगे। और ये बातें प्रभु सेनाओं के कानों में प्रकट की गई हैं, कि यह पाप तुम्हें क्षमा नहीं किया जाएगा, जब तक तुम मर नहीं जाते।

ये बातें प्रभु साबाओथ कहता है: खजाना कक्ष में जा, सोमनान खजांची के पास, और उससे कह, तू यहाँ क्या कर रहा है और यहाँ तेरा क्या है? क्योंकि तूने अपने लिए यहाँ कब्र खोदी है, और तूने अपने लिए ऊँचे स्थान पर कब्र बनाई है, और तूने अपने लिए चट्टान में तम्बू खोदा है? देखो, वास्तव में सेनाओं का प्रभु पुरुष को फेंकता है और नष्ट करेगा, और तुम्हारा वस्त्र और तुम्हारा गौरवशाली मुकुट हटा लेगा। और वह तुम्हें एक महान और अपरिमित भूमि में फेंक देगा, और वहाँ तुम मरोगे, और वह तुम्हारे सुंदर रथ को अपमान में डाल देगा, और तुम्हारे शासक के घर को रौंदने के लिए छोड़ देगा। और तू अपने घर के प्रबंधन से और अपनी स्थिति से वंचित किया जाएगा। और उस दिन मैं ऐसा होगा, और मैं अपने सेवक एलियाकीम को, जो हिल्किय्याह का है, बुलाऊंगा। और मैं उसे तुम्हारा वस्त्र पहनाऊंगा, और तुम्हारा मुकुट शक्ति के अनुसार उसे दूंगा, और तुम्हारा प्रबंधन उसके हाथों में दूंगा, और वह यरूशलेम में निवास करने वालों के लिए और यहूदा में निवास करने वालों के लिए पिता के समान होगा। और मैं उसे दाऊद की महिमा दूंगा, और वह शासन करेगा, और कोई विरोध करने वाला नहीं होगा, और मैं उसे दाऊद के घर की चाबी उसके कंधे पर दूंगा, और वह खोलेगा, और कोई बंद करने वाला नहीं होगा, और वह बंद करेगा, और कोई खोलने वाला नहीं होगा। और मैं उसे एक विश्वासयोग्य स्थान में शासक के रूप में स्थापित करूंगा, और वह उसके पिता के घर की महिमा के सिंहासन पर होगा। और उसके पिता के घर में छोटे से लेकर बड़े तक हर महिमामय व्यक्ति उस पर विश्वास करता हुआ होगा, और वे उस पर लटके हुए होंगे। उस दिन, प्रभु सबाओथ यह कहता है: जो मनुष्य विश्वासयोग्य स्थान में स्थापित किया गया है, वह हिलाया जाएगा, और हटाया जाएगा, और गिरेगा, और जो महिमा उस पर है वह नष्ट की जाएगी, क्योंकि प्रभु ने यह बोला है। सोर का वचन।

विलाप करो, कार्थेज के जहाज़ों, क्योंकि वह नष्ट हो गया है, और अब वे किट्टीम की भूमि से नहीं आते हैं; उसे बंदी बनाकर लाया गया है। द्वीप में निवास करने वाले किसके समान हो गए हैं? फोनीशिया से आए प्रवासी, जो समुद्र पार करके आए थे। बहुत जल में, परिवर्तनों का बीज; जैसे फसल लाई जाती है, वैसे राष्ट्रों के प्रवासी। सीदोन, शर्मिदा हो, समुद्र ने कहा, और समुद्र की शक्ति ने कहा, मैं न तो प्रसव पीड़ा में थी, न मैंने जन्म दिया, न मैंने युवा पुरुषों को पाला, और न ही मैंने कुंवारियों को ऊंचा किया। जब मिस्र को यह सुनाई देगा, तो सोर के विषय में उन्हें पीड़ा होगी। कार्थेज को जाओ, विलाप करो तुम जो इस द्वीप में रहते हो। क्या यह तुम्हारा अहंकार आरंभ से नहीं था, इससे पहले कि उसे सौंपा जाता? किसने टायर के विरुद्ध यह योजना बनाई? क्या वह कमजोर है, या शक्तिशाली नहीं है? उसके व्यापारी पृथ्वी के प्रतिष्ठित शासक हैं।

प्रभु सबाओत ने प्रतिष्ठित लोगों के सब घमंड को नष्ट करने और पृथ्वी पर हर गौरवशाली को अपमानित करने की योजना बनाई। अपनी भूमि पर काम करो, क्योंकि कार्थेज से अब जहाज नहीं आते हैं। तेरा हाथ अब समुद्र पर मजबूत नहीं रहा, जो राजाओं को उकसाती थी। सेनाओं के यहोवा ने कनान के विषय में आज्ञा दी है कि उसकी शक्ति को नष्ट कर दिया जाए। और वे कहेंगे, अब तुम सीदोन की बेटी का अपमान करने और उस पर अन्याय करने के लिए फिर नहीं जोड़े जाओगे, और यदि तुम कितियुम को चले जाओ, तो वहाँ भी तुम्हें आराम नहीं मिलेगा। और कल्दियों की भूमि में, और यह असीरियों से उजाड़ कर दिया गया है, क्योंकि उसकी दीवार गिर गई है। हे कार्थेज के जहाज़ों, विलाप करो, क्योंकि तुम्हारा किला नष्ट हो गया है।

और उस दिन में ऐसा होगा कि सोर सत्तर वर्षों के लिए छोड़ दिया जाएगा, जैसे एक राजा का समय, जैसे एक मनुष्य का समय, और सत्तर वर्षों के बाद ऐसा होगा कि सोर एक वेश्या के गीत के समान होगा। वीणा लो, नगर में भटको हे भुला दी गई वेश्या, अच्छी तरह से वीणा बजाओ,

बहुत गीत गाओ, ताकि तुम्हारा स्मरण हो जाए। और सत्तर वर्षों के बाद, परमेश्वर सोर की देखरेख करेगा, और वह फिर से अपनी प्राचीन स्थिति में बहाल किया जाएगा, और वह पृथ्वी के चेहरे पर बसे हुए संसार के सभी राज्यों के लिए व्यापार केंद्र होगा। और उसका व्यापार और उसका इनाम प्रभु के लिए पवित्र होगा, वह उनके लिए इकट्ठा नहीं किया जाएगा, बल्कि उनके लिए जो प्रभु के सामने रहते हैं, उसका सारा व्यापार खाने और पीने और तृप्त होने के लिए, और प्रभु के सामने स्मारक के रूप में संयोजन के लिए।

24

देखो, प्रभु संसार को नष्ट करता है और उसे उजाड़ करेगा, और उसका चेहरा खोलेगा, और इसमें रहने वालों को बिखरेगा। और लोग पुजारी जैसे होंगे, और सेवक स्वामी जैसा होगा, और दासी स्वामिनी जैसी होगी, खरीदनेवाला बेचनेवाले जैसा होगा, उधार देनेवाला उधार लेनेवाले जैसा होगा, और ऋणी उसके जैसा होगा जिसका वह ऋणी है।

विनाश से पृथ्वी नष्ट की जाएगी, और लूट से पृथ्वी लूटी जाएगी, क्योंकि प्रभु के मुख ने ये बातें बोली हैं। भूमि ने शोक किया, और बसा हुआ संसार नष्ट हो गया, पृथ्वी के उच्च लोगों ने शोक किया। वह पाप से भ्रष्ट हो गई उसके निवासियों के कारण, क्योंकि उन्होंने कानून का उल्लंघन किया, और आदेशों को बदल दिया तथा शाश्वत वाचा को तोड़ दिया। इसलिए भूमि खाई जाएगी, क्योंकि उसमें निवास करने वालों ने पाप किया है। इसलिए भूमि में रहने वाले गरीब हो जाएंगे, और थोड़े से लोग ही बचे रहेंगे। शराब शोक करेगी, अंगूर की बेल शोक करेगी, आत्मा को आनंदित करने वाले सभी लोग कराहेंगे। ढोलों का आनंद समाप्त हो गया है, वीणा का स्वर समाप्त हो गया है। वे शर्मिदा हुए, उन्होंने शराब नहीं पी, मादक पेय पीने वालों के लिए कड़वा हो गया। प्रत्येक नगर उजाड़ हो गया है, वह घर को बंद कर देगा ताकि कोई प्रवेश न करे। हर जगह शराब के बारे में विलाप किया जाता है, पृथ्वी का सारा आनंद समाप्त हो गया है, पृथ्वी का सारा

आनंद चला गया है। और शहर निर्जन छोड़ दिए जाएंगे, और त्यागे हुए घर नष्ट हो जाएंगे।

ये सब चीजें भूमि में राष्ट्रों के बीच होंगी, जिस तरीके से यदि कोई जैतून का पेड़ बीनता है, उसी प्रकार वे उन्हें बीनेंगे, और यदि फसल बंद हो जाए, ये चिल्लाकर पुकारेंगे। और जो पृथ्वी पर छोड़े गए हैं वे प्रभु की महिमा के साथ आनंदित होंगे, समुद्र का जल विचलित हो जाएगा। इसलिए प्रभु की महिमा समुद्र के द्वीपों में होगी, प्रभु का नाम महिमामय होगा।

हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, पृथ्वी के छोर से हमने आश्चर्यकर्म सुने हैं, धर्मनिष्ठ के लिए आशा है, और वे कहेंगे, धिक्कार है उन्हें जो अस्वीकार करते हैं, जो व्यवस्था को अस्वीकार करते हैं। भय और गह्वा और फंदा तुम पर है, जो पृथ्वी पर निवास करते हो। और जो डर से भाग रहा होगा वह गह्वे में गिरेगा, और जो गह्वे से निकल रहा होगा वह फंदे में पकड़ा जाएगा, क्योंकि स्वर्ग की खिड़कियां खोल दी गई हैं, और पृथ्वी की नींव हिलाई जाएगी। भूमि में बड़ी उथल-पुथल होगी, और भूमि बड़ी कठिनाई में पड़ेगी। वह नशे में और उत्सव मनाते हुए व्यक्ति की तरह झुका हुआ है, और भूमि फल पहरेदार की झोपड़ी की तरह हिलाई जाएगी, क्योंकि उस पर अधर्म प्रबल हो गया है, और वह गिरेगी, और उठने में सक्षम नहीं होगी।

और ईश्वर स्वर्ग के संसार पर और पृथ्वी के राजाओं पर हाथ लाएगा। और वे उसकी सभा को कारागार में इकट्ठा करेंगे, और दुर्ग में बंद करेंगे, बहुत पीढ़ियों के बाद उनका निरीक्षण होगा। और ईंट गल जाएगी, और दीवार गिर जाएगी, क्योंकि प्रभु सिय्योन से राज्य करेगा, और यरूशलेम से, और बुजुर्गों के सामने महिमा किया जाएगा।

25

हे प्रभु परमेश्वर, मैं तुम्हारी महिमा करूंगा, मैं तुम्हारे नाम की स्तुति करूंगा, क्योंकि तुमने

आश्चर्यजनक बातें कीं, प्राचीन परामर्श सत्य है, ऐसा हो। क्योंकि तुमने शहरों को मिट्टी के ढेर में बदल दिया, मजबूत शहरों की नींवें गिर गईं, दुष्टों का शहर सदा के लिए नहीं बनाया जाएगा। इसलिए गरीब लोग तुझे आशीर्वाद देंगे, और अन्याय सहने वाले मनुष्यों के नगर तुझे आशीर्वाद देंगे। तू सब दीन नगरों के लिए सहायक बना, और जो अभाव के कारण निराश हो गए थे उनके लिए आश्रय बना, तू उनको दुष्ट मनुष्यों से छुड़ाएगा, प्यासों के लिए आश्रय, और अन्याय सहने वाले मनुष्यों के लिए प्राण।

जैसे सियोन में प्यासे और हतोत्साहित लोग, दुष्ट लोगों से, जिनको तूने हमें सौंप दिया। और प्रभु साबाओत सब राष्ट्रों के लिए इस पर्वत पर करेगा, वे आनंद पिएंगे, वे दाखरस पिएंगे। वे इस पर्वत पर इत्र से अभिषेक करेंगे, इन सब चीज़ों को राष्ट्रों को सौंप दो, क्योंकि यह परामर्श सब राष्ट्रों पर है। मृत्यु ने प्रबल होकर निगल लिया, और फिर प्रभु परमेश्वर ने हर चेहरे से हर आँसू हटा दिया, लोगों की निंदा सारी पृथ्वी से हटा दी, क्योंकि प्रभु का मुख बोला। और वे उस दिन कहेंगे, देखो, हमारा परमेश्वर जिस पर हम आशा रखते थे, और वह हमें बचाएगा, यह प्रभु है, हम उसकी प्रतीक्षा करते रहे, और हम आनंदित हुए और हम अपने उद्धार पर प्रसन्न होंगे।

परमेश्वर इस पर्वत पर विश्राम देगा, और मोआबी स्त्री रौंदी जाएगी, जिस प्रकार गाड़ियों से खलिहान को रौंदा जाता है। और वह अपने हाथ छोड़ेगा, जिस तरीके से उसने स्वयं नष्ट करने के लिए नीचा किया था, और वह उसके अहंकार को नीचा करेगा, जिस पर उसने हाथ डाले थे। और दीवार के शरणस्थल की ऊँचाई को अपमानित किया जाएगा, और वह ज़मीन तक नीचे आ जाएगी।

26

उस दिन वे यहूदिया की भूमि पर यह गीत गाएंगे, देखो मजबूत नगर, और उद्धार दीवार और घेरा

दीवार रखेगा। द्वार खोलो, उन लोगों को प्रवेश करने दो जो धार्मिकता की रक्षा करते हैं और सत्य की रक्षा करते हैं। सत्य को धारण करते हुए और शांति की रक्षा करते हुए, क्योंकि तुम पर आशा है। हे प्रभु, उन्होंने युग तक आशा की, वह ईश्वर जो महान है, जो शाश्वत है। जो ऊँचे स्थानों में रहने वालों को नीचा करके तुमने नीचे लाया, किलेबंद शहरों को तुम गिरा दोगे और जमीन तक नीचे ले आओगे। और नम्रों और दीनों के पैर उनको रौंदेंगे।

धर्मनिष्ठों का रास्ता सीधा हुआ, धर्मनिष्ठों का रास्ता तैयार भी किया हुआ है। क्योंकि प्रभु का मार्ग न्याय है, हमने तुम्हारे नाम पर और स्मरण पर आशा की है जिसकी इच्छा हमारी आत्मा करती है, रात से मेरी आत्मा सुबह उठकर तुम्हारी ओर जाती है हे परमेश्वर, क्योंकि तुम्हारी आज्ञाएँ पृथ्वी पर प्रकाश हैं, हे पृथ्वी पर निवास करने वालो, धार्मिकता सीखो। समाप्त हो गया है वह अधर्मी, क्योंकि हर वह जो पृथ्वी पर धार्मिकता नहीं सीखेगा, सत्य का आचरण नहीं करेगा। उस अधर्मी को उठा लिया जाए, ताकि वह प्रभु की महिमा न देखे। हे प्रभु, तुम्हारी भुजा ऊँची है, और वे नहीं जानते थे, लेकिन जानकर वे लज्जित होंगे, जोश अशिक्षित लोगों को पकड़ लेगा, और अब आग शत्रुओं को खा जाएगी। हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें शांति दो, क्योंकि तुमने हमें सब कुछ दिया है। हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें प्राप्त करो। हे प्रभु, तुम्हारे अतिरिक्त किसी दूसरे को हम नहीं जानते, हम तुम्हारे नाम को पुकारते हैं।

वे मृत जीवन नहीं देखेंगे, न ही चिकित्सक उन्हें उठाएंगे, इसलिए तुमने यह लाया, और तुमने नष्ट किया, और तुमने उनके सभी पुरुषों को उठा लिया। जोड़ो उनको बुराइयाँ हे प्रभु, जोड़ो ब

प्रभु, क्लेश में मैंने तुझे स्मरण किया; छोटे क्लेश में तेरी शिक्षा हमें मिली। और जैसे प्रसव पीड़ा में स्त्री जन्म देने के निकट आती है और अपनी प्रसव पीड़ा में चिल्लाती है, वैसे ही हम तेरे प्रिय के सामने हुए। हे प्रभु, तेरे भय के कारण हमने गर्भ में लिया, और हमने प्रसव पीड़ा सही, और हमने तेरे उद्धार की आत्मा को जन्म दिया, जो हमने पृथ्वी पर किया; हम नहीं गिरेंगे, लेकिन पृथ्वी पर निवास करने वाले सब गिरेंगे। मृत उठेंगे, और जो कब्रों में हैं वे उठाए जाएंगे, और जो भूमि में हैं

वे आनंदित होंगे, क्योंकि तुम्हारी ओस उनके लिए उपचार है, परन्तु दुष्टों की भूमि गिरेगी। जाओ मेरे लोगों, अपने कोष्ठागारों में प्रवेश करो, अपना द्वार बंद करो, थोड़ी देर के लिए स्वयं को छिपाओ, जब तक प्रभु का क्रोध बीत न जाए। देखो, क्योंकि प्रभु पवित्र स्थान से पृथ्वी पर निवास करने वालों पर क्रोध लाता है, और पृथ्वी अपना रक्त उछाड़ेगी, और मारे गए लोगों को नहीं ढकेगी।

27

उस दिन परमेश्वर पवित्र, महान और शक्तिशाली तलवार को भागते हुए अजगर सर्प पर और टेढ़े अजगर सर्प पर लाएगा, और अजगर को मार डालेगा। उस दिन सुंदर अंगूर का बाग, उसके विषय में गाने की इच्छा। मैं एक मजबूत शहर हूँ, एक घेराबंदी किया गया शहर, व्यर्थ में मैं इसे पानी पिलाऊंगा, क्योंकि यह रात में पकड़ा जाएगा, और दिन में दीवार गिरेगी। नहीं है, जिसने उसे नहीं पकड़ा, कौन मुझे खेत में पराली की रखवाली करने के लिए रखेगा? इस शत्रु के कारण मैंने उसे अस्वीकार किया, इसलिए प्रभु ने वह सब किया जो उन्होंने आदेश दिया, मैं जलाया गया हूँ। वे जो इसमें निवास करते हैं चिल्लाएं, आओ हम उससे शांति करें, आओ हम शांति करें। याकूब की आने वाली संतान अंकुरित होगी और इस्राएल फूलेगा, और बसा हुआ संसार उसके फल से भर जाएगा।

क्या जैसा उसने मारा, वैसा ही वह मारा जाएगा? और जैसा उसने मार डाला, वैसा ही वह नष्ट किया जाएगा? लड़ते हुए और निंदा करते हुए वह उन्हें भेज देगा, क्या तुम कठोर आत्मा से अभ्यास करते हुए, क्रोध की आत्मा से उन्हें मार डालने के लिए नहीं थे? इसलिए याकूब का अधर्म हटाया जाएगा, और यह उसका आशीर्वाद है, जब मैं उसका पाप हटाऊँ, जब वे वेदियों के सभी पत्थरों को बारीक चूने की तरह काटकर रख दें, और उनके पेड़ नहीं रहेंगे, और उनकी मूर्तियाँ दूर की झाड़ी की तरह काटी हुई होंगी। वह बसा हुआ झुंड फैला हुआ होगा, जैसे कोई

त्यागा हुआ झुंड, और बहुत समय तक चरागाह बना रहेगा, और वहाँ झुंड विश्राम करेंगे। और समय के बाद इसमें कुछ भी हरा नहीं होगा क्योंकि सब सूख जाएगा, दृष्टि से आती हुई स्त्रियाँ आओ, क्योंकि ये ऐसे लोग हैं जिनके पास समझ नहीं है, इसलिए जिसने उन्हें बनाया उन पर दया नहीं करेगा, और न ही जिसने उन्हें रचा वह उन पर कृपा करेगा।

और उस दिन ऐसा होगा कि परमेश्वर नदी की नहर से रिनोकोरूरा तक बाड़ लगाएगा, और तुम इस्राएल के पुत्रों को एक-एक करके इकट्ठा करो। और उस दिन ऐसा होगा कि वे महान तुरही बजाएंगे, और जो अशशूरियों की भूमि में नष्ट हो रहे थे और जो मिस्र में नष्ट हो रहे थे, वे आएंगे और यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर प्रभु को दंडवत करेंगे।

28

धिक्कार है अहंकार के मुकुट को, एफ्राइम के भाड़े के सैनिकों को, वह फूल जो महिमा से गिर गया है मोटी पहाड़ की चोटी पर, जो बिना शराब के नशे में हैं। देखो, प्रभु का क्रोध मजबूत और कठोर है, जैसे ओले जो बिना आश्रय के गिराए जा रहे हैं, बल से गिराए जा रहे हैं, जैसे पानी का विशाल समूह जो भूमि को घसीटता है, वह धरती को हाथों से विश्राम देगा। और एफ्राइम के भाड़े के सैनिकों के अहंकार का मुकुट पैरों तले रौंदा जाएगा। और महिमा की आशा का गिरा हुआ फूल ऊँचे पहाड़ की चोटी पर ऐसा होगा, जैसे अंजीर का पहला फल, जिसे देखकर कोई उसे अपने हाथ में लेने से पहले ही निगलना चाहेगा।

उस दिन सेनाओं का प्रभु आशा का मुकुट होगा, महिमा की बुनी हुई माला होगा, लोगों के बचे हुए लोगों के लिए। न्याय की आत्मा पर न्याय के लिए छोड़ दिए जाएंगे, और मारने से रोकने वाली शक्ति। ये क्योंकि शराब से भरे हुए हैं, मादक पेय के कारण भटक गए थे, पुजारी और भविष्यवक्ता मादक पेय के कारण चकित हो गए, शराब के कारण निगल लिए गए, नशे से

हिलाए गए, भटक गए थे, अर्थात् प्रेत। तब वह इस परामर्श को खाएगा, क्योंकि यह परामर्श लालच के लिए है। किसको हमने बुराइयों की घोषणा की, और किसको हमने संदेश सुनाया? वे जो दूध से दूध छुड़ाए गए हैं, वे जो स्तन से अलग किए गए हैं। क्लेश पर क्लेश स्वीकार करो, आशा पर आशा, अभी थोड़ा, अभी थोड़ा, होठों की अवमानना के द्वारा, दूसरी जीभ के द्वारा, वे इस लोगों से बोलेंगे। उनसे कहते हुए, यह विश्राम भूखे के लिए है, और यह विनाश है, और उन्होंने सुनना नहीं चाहा।

और उनके लिए परमेश्वर का वचन होगा, क्लेश पर क्लेश, आशा पर आशा, फिर थोड़ा, फिर थोड़ा, ताकि वे जाएं और पीछे गिरें, और वे चकनाचूर हो जाएंगे, और वे खतरे में पड़ेंगे, और वे पकड़े जाएंगे।

इसलिए हे पीड़ित पुरुषों और इस लोगों के शासकों जो यरूशलेम में हैं, प्रभु का वचन सुनो। क्योंकि तुमने कहा, हमने अधोलोक के साथ वाचा की है, और मृत्यु के साथ समझौते किए हैं, यदि तूफान गुजर जाए तो वह हम पर नहीं आएगा, हमने झूठ को अपनी आशा बनाया है, और झूठ से हम ढके जाएंगे। इसलिए प्रभु परमेश्वर इस प्रकार कहते हैं, देखो, मैं सिय्योन की नींव में एक बहुमूल्य पत्थर, चुना हुआ, कोने का पत्थर, सम्मानित पत्थर डालता हूँ, उसकी नींव में, और जो विश्वास करता है वह कदापि लज्जित नहीं किया जाएगा।

और मैं न्याय को आशा में बदल दूंगा, और मेरी दया को माप में बदल दूंगा, और जो व्यर्थ झूठ पर भरोसा करते हैं, क्योंकि तूफान तुम्हें नहीं छोड़ेगा। कहीं तुम्हारी मृत्यु की वाचा भी छीन ली जाए, और तुम्हारी आशा जो अधोलोक की ओर है वह बनी नहीं रहेगी, जब तूफान आ पड़ेगा, तो तुम उसके लिए रौंदे जाने योग्य हो जाओगे। जब भी यह गुजर जाएगा, तुम्हें ले लेगा, सुबह-सुबह दिन का गुजर जाएगा, और रात में बुरी आशा होगी।

व्यथित होते हुए सुनना सीखो, हम लड़ने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन हम तुम्हें एकत्रित करने में

कमजोर हैं। जैसे दुष्टों के पहाड़ पर प्रभु उठेगा, और गिबोन की घाटी में होगा, क्रोध के साथ वह अपने कार्य करेगा, कड़वाहट का कार्य; परन्तु उसका क्रोध अजीब रीति से प्रयोग किया जाएगा, और उसकी सड़न विदेशी होगी। और तुम आनंदित मत हो, न ही तुम्हारे बंधन बलवान हों, क्योंकि पूर्ण किए गए और संक्षिप्त किए गए मामलों को मैंने प्रभु सबाओत से सुना है, जो वह समस्त भूमि पर करेगा।

ध्यान दो और मेरी आवाज़ सुनो, ध्यान दो और मेरे शब्द सुनो। क्या जोतने वाला पूरा दिन जोतता रहेगा? या क्या वह भूमि पर काम करने से पहले बीज तैयार करेगा? क्या जब वह उसकी सतह को चिकना कर लेता है, तब वह थोड़ा काला जीरा या जीरा नहीं बोता, और फिर गेहूं, और जौ, और बाजरा और जई को तुम्हारी सीमाओं में नहीं बोता? और तू अपने परमेश्वर के न्याय से शिक्षित किया जाएगा, और तू आनंदित होगा। क्योंकि काला जीरा कठोरता के साथ साफ नहीं किया जाता है, न ही गाड़ी का पहिया जीरे पर घूमेगा, लेकिन काला जीरा छड़ी से पीटा जाता है, और जीरा रोटी के साथ खाया जाएगा, क्योंकि मैं युग तक तुम पर क्रोधित नहीं होऊंगा, और न ही मेरी कड़वाहट की आवाज़ तुम्हें कुचलेगी। और ये चमत्कार प्रभु साबाओथ की ओर से निकले, विचार-विमर्श करो, व्यर्थ सात्वना को ऊपर उठाओ।

29

धिक्कार है अरीएल शहर को, जिससे दाऊद ने युद्ध किया, साल दर साल उपज इकट्ठा करो, तुम खाओगे, क्योंकि तुम मोआब के साथ खाओगे। मैं अरीएल को कुचल दूंगा, और उसकी शक्ति और धन मेरे हो जाएंगे। और मैं तुम्हें दाऊद की तरह घेरूंगा, और मैं तुम्हारे चारों ओर घेराबंदी डालूंगा, और मैं तुम्हारे विरुद्ध मीनारें खड़ी करूंगा और तुम्हारे शब्द भूमि में नीचे किए जाएंगे, और तुम्हारे शब्द भूमि में धकेले जाएंगे, और तुम्हारी आवाज़ भूमि से बोलने वालों की तरह होगी, और तुम्हारी आवाज़ ज़मीन की ओर कमजोर होगी। और दुष्टों का धन पहिये की धूल के समान होगा,

और तुम पर अत्याचार करने वालों की भीड़ उड़ते हुए भूसे के समान होगी, और यह तुरंत एक क्षण में होगा प्रभु साबाओत की ओर से निरीक्षण होगा, क्योंकि यह गर्जन के साथ, भूकंप के साथ और महान आवाज़ के साथ होगा, तूफान आएगा, और आग की भस्म करने वाली लौ होगी। और यह ऐसा होगा जैसे रात की नींद में सपना देखना, उन सब राष्ट्रों का धन जिन्होंने अरीएल पर युद्ध किया, और वे सब सैनिक जो यरूशलेम पर चढ़ाई कर रहे हैं, और वे सब जो उसके विरुद्ध एकत्रित हुए हैं, और वे जो उसे सता रहे हैं। और जैसे वे नींद में पीते और खाते हैं, और जब वे उठते हैं तो स्वप्न व्यर्थ होता है, और जिस प्रकार एक प्यासा व्यक्ति सपना देखता है कि वह पी रहा है, और उठने पर अभी भी प्यासा है, और उसकी आत्मा ने व्यर्थ में आशा की, उसी प्रकार उन सभी राष्ट्रों की धन-संपत्ति होगी जिन्होंने सिय्योन पर्वत पर युद्ध किया।

ढीले हो जाओ और चकित हो जाओ, और मतवाले हो जाओ, लेकिन मादक पेय से नहीं और न ही दाखरस से। क्योंकि प्रभु ने तुम्हें मूर्छा की आत्मा दी है, और वह उनकी आँखें बंद करेगा, और उनके भविष्यवक्ताओं की, और उनके शासकों की, जो छिपी बातें देखते हैं। और तुम्हारे लिए ये सब शब्द ऐसे होंगे, जैसे इस मुहरबंद पुस्तक के शब्द, जिसे यदि किसी अक्षर जानने वाले मनुष्य को देंगे, यह कहते हुए, इसे पढ़ो, तो वह कहेगा, मैं इसे नहीं पढ़ सकता, क्योंकि यह मुहरबंद है। और यह पुस्तक उस आदमी के हाथों में दी जाएगी जो अक्षर नहीं जानता, और कोई उससे कहेगा, इसे पढ़ो, और वह कहेगा, मैं अक्षर नहीं जानता।

और प्रभु ने कहा, यह लोग अपने मुँह से मेरे पास आते हैं, और अपने होंठों से मेरा सम्मान करते हैं, परंतु उनका हृदय मुझसे दूर है, और वे व्यर्थ में मेरी पूजा करते हैं, मनुष्यों की आज्ञाएँ और शिक्षाएँ सिखाते हुए। इसलिए देखो, मैं इस लोगों को बदलने में और जोड़ूंगा, और मैं उनको बदलूंगा, और बुद्धिमानों के ज्ञान को नष्ट करूंगा, और समझदारों की समझ को छिपाऊंगा। धिक्कार है उन्हें जो गहराई से परामर्श करते हैं, और कुरुश के द्वारा नहीं। धिक्कार है उन्हें जो गुप्त में परामर्श करते हैं, और अंधकार में उनके कार्य होंगे, और वे कहेंगे, किसने हमें देखा है? और कौन हमें जानेगा, या जो हम करते हैं? क्या तुम कुम्हार की मिट्टी के समान माने जाओगे?

क्या रचना अपने रचयिता से कहेगी, तूने मुझे नहीं रचा? या क्या कृति अपने कर्ता से कहेगी, तूने मुझे समझदारी से नहीं बनाया? क्या अब थोड़े ही समय में लेबनान कार्मेल पर्वत के समान परिवर्तित नहीं हो जाएगा, और कार्मेल वन के रूप में नहीं गिना जाएगा? और उस दिन बहरे पुस्तक के शब्द सुनेंगे, और जो अंधकार में हैं और जो कोहरे में हैं, अंधों की आँखें देखेंगी। और गरीब प्रभु के कारण आनन्द में आनन्दित होंगे, और मनुष्यों में निराश लोग आनन्द से भर जाएंगे। अधर्मी समाप्त हो गया, और अहंकारी नष्ट हो गया, और दुष्टता में अधर्म करने वाले पूर्णतः विनष्ट कर दिए गए। और जो लोगों को शब्द से पाप करवाते हैं, और जो सब द्वारों में फटकारते हैं उनके लिए बाधा रखेंगे, क्योंकि उन्होंने धर्मी को अन्यायियों के पक्ष में मोड़ दिया।

इसलिए प्रभु याकूब के घराने के विषय में, जिसे उसने अब्राहम से अलग किया था, ये बातें कहता है: अब याकूब शर्मिंदा नहीं होगा, और न ही अब उसका चेहरा बदलेगा। लेकिन जब उनके बच्चे मेरे कामों को देखेंगे, तो वे मेरे द्वारा मेरे नाम को पवित्र करेंगे, और वे पवित्र याकूब को पवित्र करेंगे, और इस्राएल के परमेश्वर से डरेंगे। और जो आत्मा में भटकते हैं वे समझ प्राप्त करेंगे, और जो बड़बड़ाते हैं वे आज्ञा मानना सीखेंगे, और जो जीभें हकलाती हैं वे शांति बोलना सीखेंगी।

30

धिक्कार है विद्रोही बच्चों को, प्रभु कहते हैं, तुमने परामर्श किया जो मेरे माध्यम से नहीं था, और समझौते किए जो मेरी आत्मा के माध्यम से नहीं थे, ताकि पाप पर पाप जोड़ सको, वे जो मिस्र जाने के लिए उतर रहे हैं, उन्होंने मुझसे परामर्श नहीं किया कि फिरौन द्वारा सहायता प्राप्त करें और मिस्रवासियों द्वारा सुरक्षित रहें। क्योंकि फिरौन का आश्रय तुम्हारे लिए शर्म होगा, और मिस्र पर विश्वास करने वालों के लिए निंदा होगी। क्योंकि तानाइस में दुष्ट दूत नेता हैं। व्यर्थ मैं वे उन लोगों की ओर परिश्रम करेंगे, जो उन्हें सहायता में लाभ नहीं देगा, बल्कि लज्जा और निंदा में। जंगल में चौपायों का दर्शन।

क्लेश और संकट में, शेर और शेर का शावक, वहाँ से सर्प और उड़ते हुए सर्पों की संतान, जो गर्धों और ऊँटों पर अपना धन उस राष्ट्र की ओर ले जा रहे थे, जो उनको लाभ नहीं देगा।
मिस्रवासी तुम्हें व्यर्थ और खाली लाभ पहुँचाएँगे, उन्हें बताओ कि यह तुम्हारी सांत्वना व्यर्थ है।

अब इसलिए बैठकर इन्हें पट्टिका पर और पुस्तक में लिख दो, क्योंकि ये बातें आने वाले समय में होंगी और सदा तक बनी रहेंगी। क्योंकि ये लोग अवज्ञाकारी हैं, झूठे पुत्र हैं, जो परमेश्वर की व्यवस्था सुनना नहीं चाहते थे, वे जो भविष्यवक्ताओं से कहते हैं, हमें घोषणा मत करो, और जो दर्शन देखते हैं उनसे, हमसे मत बोलो, बल्कि हमसे बोलो और हमें एक अन्य भ्रम की घोषणा करो, और हमें इस रास्ते से लौटाओ, इस पथ को हमसे हटाओ, और इस्राएल की दैववाणी को हमसे हटाओ।

इसलिए इज़राइल का पवित्र ये बातें कहता है, कि तुमने इन शब्दों की अवज्ञा की, और तुमने झूठ पर आशा की, और कि तुमने बड़बड़ाया, और इस शब्द पर भरोसा करते हुए तुम बने, इसलिए तुम्हारे लिए यह पाप ऐसा होगा, जैसे किसी किलेबंद शहर की दीवार जो तुरंत गिर रही है और जो ले लिया गया है, जिसका पतन तुरंत उपस्थित है। और उसका पतन मिट्टी के बर्तन के विनाश के समान होगा, मटके से निकले पतले टुकड़ों जैसा, ताकि उनमें एक ठीकरा भी न मिले, जिससे आग उठाई जा सके, और जिससे थोड़ा पानी निकाला जा सके।

इस प्रकार प्रभु कहते हैं, प्रभु जो इस्राएल के पवित्र हैं, जब तुम लौटकर कराहोगे, तब तुम बचाए जाओगे, और तुम जानोगे कि तुम कहाँ थे, जब तुम व्यर्थ की वस्तुओं पर विश्वास करते थे, तुम्हारी शक्ति व्यर्थ हो गई, और तुम सुनने के इच्छुक नहीं थे। लेकिन तुमने कहा, घोटों पर हम भागेंगे, इसलिए तुम भागोगे, और तेज़ सवारों पर हम होंगे, इसलिए तेज़ होंगे वे जो तुम्हारा पीछा करेंगे। एक की आवाज के कारण हजार भागेंगे, और पाँच की आवाज के कारण बहुत से भागेंगे, जब तक तुम पहाड़ पर मस्तूल के समान और पहाड़ी पर संकेत लिए हुए के समान छोड़ दिए जाओगे।

और फिर परमेश्वर तुम पर तरस खाने के लिए ठहरेगा, और इसलिए तुम पर दया करने के लिए ऊंचा किया जाएगा, क्योंकि प्रभु तुम्हारा परमेश्वर न्यायाधीश है, धन्य हैं वे जो उस पर बने रहते हैं।

क्योंकि पवित्र लोग सिय्योन में निवास करेंगे, और यरूशलेम रोते हुए रोया, मुझ पर दया करो। वह तुम पर दया करेगा। जब उसने तुम्हारी पुकार की आवाज़ देखी, तो उसने तुम्हारी सुनी। और प्रभु तुम्हें क्लेश की रोटी और दुःख का पानी देगा, और वे जो तुम्हें भटकाते हैं फिर तुम्हारे पास नहीं आएंगे, क्योंकि तुम्हारी आंखें उन्हें देखेंगी जो तुम्हें भटकाते हैं। और तुम्हारे कान उनके शब्दों को सुनेंगे जो तुम्हारे पीछे से भटकाते हुए कहते हैं, यह मार्ग है, इसमें चलें, चाहे दाएं हो या बाएं। और तुम चांदी से मढ़ी हुई मूर्तियों को अपवित्र करोगे, और सोने से मढ़ी हुई को पतले टुकड़े कर दोगे, और उन्हें ऐसे बिखेरोगे जैसे ऋतुमती स्त्री का पानी, और उन्हें गोबर की तरह फेंक दोगे। तब तुम्हारी पृथ्वी के बीज को वर्षा होगी, और तुम्हारी पृथ्वी की उपज की रोटी परिपूर्ण और चिकनी होगी, और उस दिन तुम्हारे पशु उपजाऊ और विशाल स्थान में चरेंगे। तुम्हारे बैल और वे गायें जो भूमि पर काम करती हैं, वे भूसा खाएंगी जो फटके हुए जौ से बनाया गया है। और हर ऊँचे पहाड़ पर, और हर ऊँची पहाड़ी पर बहता हुआ पानी होगा उस दिन में, जब बहुत से लोग नष्ट होंगे, और जब मीनारें गिरेंगी। और चंद्रमा का प्रकाश सूर्य के प्रकाश के समान होगा, और सूर्य का प्रकाश सात गुना होगा उस दिन, जब प्रभु अपने लोगों के विनाश को चंगा करेगा, और तुम्हारे घाव की पीड़ा को चंगा करेगा।

देखो, प्रभु का नाम समय के माध्यम से आता है, जलता हुआ क्रोध, उसके होंठों का वचन महिमा के साथ, क्रोध से भरा हुआ वचन, और कोप का क्रोध आग की तरह खा जाएगा। और उसका आत्मा घाटी में सीरियाई पानी की तरह गर्दन तक आएगा, और विभाजित होगा, ताकि राष्ट्रों को व्यर्थ भटकने पर परेशान करे, और भटकना उनका पीछा करेगा, और उनके चेहरे के अनुसार उन्हें पकड़ लेगा। क्या तुम्हें निरंतर आनंदित होना और मेरे पवित्र स्थान में निरंतर प्रवेश करना आवश्यक है, जैसे उत्सव मनाते हुए, और जैसे आनंदित होते हुए बांसुरी के साथ प्रभु के पर्वत में

इस्त्राएल के परमेश्वर की ओर प्रवेश करना? और प्रभु अपनी आवाज़ की महिमा को श्रव्य करेगा, और अपनी भुजा के क्रोध को दिखाएगा क्रोध और कोप के साथ, और भस्म करती हुई ज्वाला के साथ, वह हिंसक रूप से गरजेगा, और जल तथा ओले की तरह जो बल से एक साथ गिराए जाते हैं। क्योंकि प्रभु की आवाज़ के माध्यम से अशशूरी पराजित होंगे, उस प्रहार से जो वह उन्हें मारेगा। और यह उसके चारों ओर होगा, जहाँ से उनकी सहायता की आशा थी, जिस पर उसने स्वयं विश्वास किया था, वे ढोल और वीणा के साथ परिवर्तन से उसके विरुद्ध युद्ध करेंगे। तुझसे दिनों पहले ही मांग की जाएगी, क्या तेरे लिए भी शासन करने की तैयारी नहीं की गई? गहरी घाटी, पड़ी हुई लकड़ियाँ, आग और बहुत सारी लकड़ियाँ, प्रभु का क्रोध उस घाटी के समान है जो गंधक से जल रही है।

31

धिक्कार है उन्हें जो सहायता के लिए मिस्र जा रहे हैं, जो घोड़ों पर भरोसा करते हैं और रथों पर, क्योंकि वे बहुत हैं, और घोड़ों की भीड़ अत्यधिक है, और वे इज़राइल के पवित्र पर भरोसा नहीं करते थे, और उन्होंने प्रभु को नहीं खोजा। और उसने स्वयं बुद्धिमानी से उन पर बुराईयाँ लाई, और उसका वचन कदापि रद्द नहीं किया जाएगा, और वह दुष्ट मनुष्यों के घरों के विरुद्ध उठेगा, और उनकी व्यर्थ आशा के विरुद्ध। मिस्री तो मनुष्य है, ईश्वर नहीं, और उनके घोड़े मांस हैं, आत्मा नहीं। प्रभु अपना हाथ उन पर चलाएगा, और सहायता करने वाले थक जाएंगे, और सब एक साथ नष्ट हो जाएंगे। क्योंकि प्रभु ने मुझसे इस प्रकार कहा, जिस तरीके से सिंह या शावक अपने शिकार पर चिल्लाता है जिसे उसने पकड़ा है, और उस पर दहाड़ता है, जब तक कि पहाड़ उसकी आवाज़ से भर न जाएं, और वे पराजित हुए, और क्रोध की भीड़ भयभीत हुई, उसी प्रकार सबाओत प्रभु सिय्योन पर्वत पर, उसके पहाड़ों पर युद्ध करने उतरेगा। जैसे पक्षी उड़ते हुए रक्षा करते हैं, वैसे ही सेनाओं का प्रभु यरूशलेम की रक्षा करेगा, और उसे छुड़ाएगा, और उसे सुरक्षित रखेगा, और उसे बचाएगा। हे इस्त्राएल के पुत्रो, लौट आओ, तुम जो गहरी और अधर्मी सलाह पर

विचार कर रहे हो। क्योंकि उस दिन लोग अपनी हाथ से बनाई हुई चांदी की मूर्तियों को और अपनी हाथ से बनाई हुई सोने की मूर्तियों को त्याग देंगे, जिन्हें उनके हाथों ने बनाया था। और अशूर गिरेगा, किसी पुरुष की तलवार से नहीं, न ही किसी मनुष्य की तलवार उसे निगल जाएगी, और वह तलवार के सामने से नहीं भागेगा, परन्तु युवा पुरुष पराजय में होंगे। क्योंकि वे चट्टान से घेरे जाएंगे जैसे बाढ़ से, और वे पराजित होंगे, लेकिन भागने वाला पकड़ा जाएगा। ये बातें प्रभु कहता है: धन्य है वह जिसके पास सिय्योन में बीज है, और यरूशलेम में रिश्तेदार हैं।

32

देखो, क्योंकि एक धर्मी राजा राज्य करेगा, और शासक न्याय के साथ शासन करेंगे। और वह आदमी अपने शब्दों को छिपाएगा, और वह छिपाया जाएगा, जैसे बहते हुए पानी से, और वह सिय्योन में प्रकट होगा जैसे एक महिमामय नदी प्यासी भूमि में बहती हुई। और वे अब मनुष्यों पर विश्वास नहीं करेंगे, बल्कि सुनने के लिए कान देंगे। और बीमारों का हृदय सुनने पर ध्यान देगा, और हकलाने वाली जीभें शीघ्र शांति बोलना सीखेंगी। और अब वे मूर्ख को शासन करने के लिए नहीं कहेंगे, और अब तुम्हारे सहायक चुप रहो नहीं कहेंगे। क्योंकि मूर्ख मूर्खता की बातें बोलेगा, और उसका हृदय व्यर्थ बातें सोचेगा, ताकि अधर्म के कार्य पूरे करे, और प्रभु के विरुद्ध भ्रामक बातें बोले, ताकि भूखी आत्माओं को तितर-बितर करे, और प्यासी आत्माओं को खाली कर दे। क्योंकि दुष्टों का परामर्श अधर्मी बातों की योजना बनाएगा, विनम्रों को अन्यायी शब्दों में नष्ट करने के लिए, और न्याय में विनम्रों के शब्दों को तितर-बितर करने के लिए। धर्मनिष्ठ लोगों ने बुद्धिमानी से योजना बनाई, और यह परामर्श बना रहेगा।

धनवान स्त्रियो, उठो और मेरी आवाज़ सुनो, आशा में रहने वाली पुत्रियो, मेरे शब्दों पर ध्यान दो। वर्ष के दिनों का स्मरण करो पीड़ा में आशा के साथ, फसल व्यय हो गई है, समाप्त हो गई है, अब वह नहीं आएगी। चकित हो जाओ, शोक करो हे विश्वास रखने वालियो, वस्त्र उतार दो, नंगी

हो जाओ, अपनी कमर बाँध लो। और स्तनों पर विलाप करो, वांछनीय खेत के लिए और अंगूर की बेल की उपज के लिए। मेरे लोगों की भूमि पर कांटे और घास उगेंगे, और सभी घरों से आनंद छीन लिया जाएगा। अमीर शहर और छोड़े गए घर, शहर की दौलत को छोड़ देंगे, इच्छा के घरों को, और गाँव युग के अंत तक गुफाएँ बन जाएंगे, जंगली गधों की खुशी और चरवाहों के चरागाह बन जाएंगे। जब तक तुम पर ऊँचे से आत्मा नहीं आएगी, तब तक कर्मेल उजाड़ होगा, और कर्मेल जंगल में गिना जाएगा। और जंगल में न्याय विश्राम करेगा, और धार्मिकता कर्मेल में निवास करेगी। और न्याय के कार्य शांति होंगे, और न्याय विश्राम पर विजयी होगा, और युग तक विश्वास रखते हुए। और उसके लोग शांति के नगर में निवास करेंगे, और विश्वास के साथ बसेंगे, और धन के साथ विश्राम करेंगे। लेकिन ओले यदि गिरें, तो तुम पर नहीं आएंगे, और जंगलों में रहने वाले विश्वास करते हुए होंगे, जैसे मैदान में रहने वाले। धन्य हैं वे जो हर पानी के पास बोते हैं, जहाँ बैल और गधा नहीं रौंदता।

33

धिक्कार है उन्हें जो तुम्हें कष्ट देते हैं, लेकिन तुम्हें कोई कष्टग्रस्त नहीं बनाता, और जो तुम्हें अस्वीकार करता है वह अस्वीकार नहीं करता, जो अस्वीकार करते हैं वे पकड़े जाएंगे, और सौंपे जाएंगे, और जैसे वस्त्र पर कीड़ा लगता है, वैसे ही वे पराजित होंगे।

प्रभु, हम पर दया करो, क्योंकि हमने तुम पर भरोसा किया है। अवज्ञा करने वालों का बीज विनाश में चला गया, लेकिन हमारा उद्धार क्लेश के समय में है। भय के स्वर के कारण लोग तेरे भय से चकित हो गए, और राष्ट्र बिखर गए।

अब तुम्हारी लूट का माल, छोटे और बड़े, इकट्ठा किया जाएगा, जिस तरह से कोई टिड्डियाँ इकट्ठा करता है, उसी प्रकार वे तुम्हारा उपहास करेंगे। पवित्र ईश्वर जो ऊँचे में निवास करता है, सिय्योन

न्याय और धार्मिकता से भर दिया गया। कानून में सौंपे जाएंगे, खजानों में हमारा उद्धार है, वहाँ ज्ञान और विद्या और प्रभु के प्रति भक्ति है, ये न्याय के खजाने हैं।

देखो, वास्तव में तुम्हारे भय में ये लोग डरेंगे, जिनसे तुम डरते थे। वे तुमसे पुकारेंगे, दूत भेजे जाएंगे, कड़वाई से रोते हुए, शांति की विनती करते हुए। उजाड़ किए जाएंगे क्योंकि इनके मार्ग, जातियों का भय बंद हो गया है, और इनके प्रति वाचा उठा ली जाती है, और तुम उन्हें मनुष्य नहीं गिनाओगे। भूमि ने शोक किया, लबानोन लज्जित हुआ, शारोन दलदल बन गया, गलील प्रकट होगी, और कार्मेल भी।

अब मैं उठूंगा, प्रभु कहते हैं, अब मेरी महिमा होगी, अब मैं ऊंचा उठाया जाऊंगा। अब तुम देखोगे, अब तुम अनुभव करोगे, तुम्हारी आत्मा की शक्ति व्यर्थ होगी, आग तुम्हें निगल जाएगी। और राष्ट्र जले हुए होंगे, जैसे खेत में फेंका हुआ और जला हुआ कांटा।

वे जो दूर हैं सुनेंगे जो मैंने किया, और वे जो निकट आ रहे हैं मेरी शक्ति को जानेंगे। सिय्योन में रहने वाले अधर्मी लोग हट गए हैं, दुष्टों को कंपकंपी पकड़ लेगी। कौन तुम्हें बताएगा कि आग जल रही है? कौन तुम्हें उस अनन्त स्थान के बारे में बताएगा?

धार्मिकता में चलता हुआ, सीधा मार्ग बोलता हुआ, अधर्म और अन्याय से घृणा करता हुआ, और उपहारों से हाथ झाड़ता हुआ, कानों को भारी करता हुआ ताकि रक्त के न्याय को न सुने, आँखों को बंद करता हुआ ताकि अन्याय को न देखे, यह एक ऊँची गुफा में निवास करेगा जो मजबूत चट्टान की है, उसको रोटी दी जाएगी, और उसका पानी विश्वसनीय होगा। तुम राजा को महिमा के साथ देखोगे, तुम्हारी आँखें दूर से भूमि को देखेंगी। हमारी आत्मा भय पर ध्यान करेगी, कहाँ हैं व्याकरणविद? कहाँ हैं सलाह देने वाले? कहाँ है पोषित किए जाने वालों को गिनने वाला? छोटे और बड़े लोग; जिसे उसने परामर्श नहीं दिया, न ही उसने गहरी आवाज वाले को जाना, ताकि तुच्छ किए गए लोग न सुनें, और सुनने वाले को समझ नहीं है।

देखो, सियोन वह नगर है, हमारा उद्धार है। तुम्हारी आँखें यरूशलेम को देखेंगी, एक समृद्ध नगर, ऐसे तम्बू जो कभी नहीं हिलाए जाएंगे, और न ही उसके तम्बू की खूँटियाँ युगों-युगों तक हटाई जाएंगी, और न ही उसकी रस्सियाँ कभी तोड़ी जाएंगी। क्योंकि प्रभु का नाम तुम्हारे लिए महान है, वह स्थान तुम्हारे लिए होगा जहाँ नदियाँ और नहरें चौड़ी और विस्तृत हैं, तुम इस मार्ग से नहीं जाओगे, न ही चप्पू चलाती हुई नाव वहाँ जाएगी। क्योंकि मेरा परमेश्वर महान है, प्रभु मुझे नहीं छोड़ेंगे। प्रभु हमारे न्यायाधीश हैं, प्रभु हमारे शासक हैं, प्रभु हमारे राजा हैं। यह प्रभु हमें बचाएंगे।

तेरी रस्सियाँ टूट गई, क्योंकि उन्होंने मजबूत नहीं किया, तेरा मस्तूल गिर गया, वह पालों को नहीं उतारेगा, वह निशान को नहीं उठाएगा, जब तक कि यह लूट के लिए सौंपा न जाए, इसलिए बहुत से लंगड़े लूट करेंगे। और वे नहीं कहेंगे, मैं थक गया हूँ, वे लोग जो उनमें निवास करते हैं, क्योंकि उनका पाप क्षमा कर दिया जाएगा।

34

राष्ट्रों को लाओ, और हे शासकों सुनो, पृथ्वी सुने, और जो इसमें हैं, बसा हुआ संसार, और वे लोग जो इसमें हैं। क्योंकि प्रभु का क्रोध सब राष्ट्रों पर है और उनकी संख्या पर कोप है, उनको नष्ट करने के लिए और उनको वध में सौंपने के लिए। उनके घायल फेंक दिए जाएंगे, और मृतक, और उनकी दुर्गंध ऊपर उठेगी, और पहाड़ उनके रक्त से भिगो दिए जाएंगे। और आकाशों की सभी शक्तियाँ पिघल जाएँगी, और आकाश एक पुस्तक की तरह लपेट दिया जाएगा, और सभी तारे अंगूर की बेल से पत्तों की तरह गिर जाएँगे, और जैसे अंजीर के पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

मेरी तलवार स्वर्ग में मद्यपान की गई है, देखो, वह इद्रूमिया पर उतरेगी, और विनाश के लोगों पर न्याय के साथ। प्रभु की तलवार रक्त से भर गई थी, चर्बी से मोटी हो गई थी, बकरों और मेमनों के रक्त से, और बकरों और मेढ़ों की चर्बी से, क्योंकि बोसोर में प्रभु के लिए बलिदान है, और

इदूमिया में महान वध है। और शक्तिशाली लोग उनके साथ गिरेंगे, और मेढ़े और सांड भी, और भूमि रक्त से नशे में हो जाएगी, और उनकी चर्बी से भर दी जाएगी। क्योंकि यह प्रभु के न्याय का दिन है, और सिय्योन के न्याय के प्रतिफल का वर्ष है। और उसकी घाटियाँ राल में बदल जाएँगी, और उसकी भूमि गंधक में, और उसकी भूमि जलती हुई राल के समान होगी। रात और दिन, और यह युगों तक नहीं बुझाया जाएगा, और उसका धुआँ ऊपर उठेगा, उसकी पीढ़ियों तक वह उजाड़ किया जाएगा, और बहुत समय तक। पक्षी और साही, और आइबिस और कौवे इसमें निवास करेंगे, और इस पर जंगल की ज्यामिति की रस्सी डाली जाएगी, और ओनोकेंटॉर इसमें निवास करेंगे। उसके शासक नहीं होंगे, क्योंकि राजा और उसके रईस विनाश को प्राप्त होंगे। और उनके शहरों में कांटेदार लकड़ी उगेगी, और उसके किलों में, और यह सायरनों के खेत होंगे, और शतुरमुर्गों का आंगन होगा। और राक्षस ओनोकेंटॉर्स से मिलेंगे, और एक दूसरे की ओर चिल्लाएंगे, वहाँ ओनोकेंटॉर्स विश्राम करेंगे, उन्होंने अपने लिए विश्राम पाया होगा। वहाँ साही ने घोंसला बनाया, और धरती ने अपने बच्चों को सुरक्षा के साथ बचाया, वहाँ हिरण मिले और उन्होंने एक दूसरे के चेहरे देखे। संख्या में वे गुजर गए, और उनमें से एक भी नष्ट नहीं हुआ, एक ने दूसरे को नहीं खोजा, क्योंकि प्रभु ने उन्हें आज्ञा दी थी, और उसकी आत्मा ने उन्हें एकत्र किया। और वह स्वयं उनके लिए चिट्ठियाँ डालेगा, और उसके हाथ ने चराए जाने के लिए बाँटा, युग के समय तक तुम विरासत में पाओगे, पीढ़ी दर पीढ़ी उस पर विश्राम करेंगी।

35

प्रसन्न हो निर्जन प्यासी, निर्जन आनंदित हो, और कुमुदिनी के समान खिले। और यर्दन के निर्जन स्थान खिलेंगे और आनंदित होंगे, लेबनान की महिमा इसे दी गई, और कर्मेल का सम्मान, और मेरे लोग प्रभु की महिमा देखेंगे, और परमेश्वर की ऊंचाई।

ढीले हाथों को मजबूत बनाओ, और लकवाग्रस्त घुटनों को। हे कमजोर हृदय वाले लोगों, मन में

प्रोत्साहित हो, बलवान बनो, मत डरो। देखो, हमारा परमेश्वर न्याय का प्रतिफल देता है और देगा। वह स्वयं आएगा और हमें बचाएगा। तब अंधों की आँखें खुलेंगी, और बहरों के कान सुनेंगे। तब लंगड़ा हिरण की तरह कूदेगा, और गूंगों की जीभ स्पष्ट होगी, क्योंकि जंगल में पानी फूट निकला और प्यासी भूमि में घाटी बनी। और जलहीन स्थान दलदल बन जाएगा, और प्यासी भूमि में जल का स्रोत होगा, वहाँ पक्षियों का आनंद होगा, नरकट के खेत और दलदल होंगे। वहाँ एक शुद्ध मार्ग होगा, और वह पवित्र मार्ग कहलाएगा, और कोई अशुद्ध वहाँ से नहीं गुजरेगा, न वहाँ कोई अशुद्ध मार्ग होगा, लेकिन बिखरे हुए लोग उस पर चलेंगे, और वे भटकेंगे नहीं। और वहाँ शेर नहीं होगा, और न ही दुष्ट जंगली जानवर उस पर चढ़ेंगे, और न ही वहाँ पाए जाएंगे, लेकिन छुड़ाए गए लोग उसमें चलेंगे। और जो प्रभु के द्वारा एकत्रित हुए हैं, वे लौट जाएंगे और आनंद के साथ सिय्योन में आएंगे, और शाश्वत आनंद उनके सिर के ऊपर होगा, क्योंकि उनके सिर के ऊपर स्तुति और उल्लास होगा, और आनंद उन्हें पकड़ लेगा, पीड़ा और दुःख और कराह भाग गई है।

36

और ऐसा हुआ कि हिजकिय्याह के राज्य के चौदहवें वर्ष में, अशूरियों का राजा सन्हेरीब यहूदिया के किलेबंद नगरों पर चढ़ाई करने गया, और उनको ले लिया। और अशूरियों के राजा ने रबशाके को लाकीश से यरूशलेम में राजा हिजकिय्याह के पास बड़ी सेना के साथ भेजा, और वह धोबी के खेत के मार्ग में ऊपर के तालाब के जलसेतु पर खड़ा हुआ। और एलियाकीम जो हिल्किय्याह का पुत्र था और भण्डारी था, और सोम्नास जो लेखक था, और योआख जो आसाप का पुत्र था और अभिलेखक था, उसकी ओर बाहर गए।

और रबशाके ने उनसे कहा, हिजकिय्याह से कहो, महान राजा, अशूरियों का राजा, यह कहता है: तुम किस पर भरोसा करते हो? क्या परामर्श और होंठों के शब्दों में युद्ध होता है? और अब तुमने किस पर भरोसा किया है कि तुम मेरी अवज्ञा करते हो? देखो, तू इस टूटी हुई नरकट की

छड़ी पर, अर्थात् मिस्र पर, विश्वास करता है। जब कोई पुरुष उस पर टेक लगाएगा, तो वह उसके हाथ में घुस जाएगी और उसे छेद देगी। मिस्र का राजा फिरौन और उस पर विश्वास करने वाले सभी लोग ऐसे ही हैं। यदि तुम यह कहते हो कि हमने अपने प्रभु परमेश्वर पर भरोसा किया है अब मेरे स्वामी असीरियों के राजा से सौदा करो, और मैं तुम्हें दो हजार घोड़े दूंगा, यदि तुम उन पर सवार बैठाने में सक्षम हो। और तुम कैसे राज्यपालों के चेहरे को मोड़ सकते हो, जो सेवक हैं और जो मिस्रियों पर, घोड़े और सवार पर विश्वास करते हैं। और अब क्या हम प्रभु के बिना इस भूमि पर युद्ध करने के लिए नहीं गए? प्रभु ने मुझसे कहा, इस भूमि पर जाओ और इसे नष्ट करो।

और एलियाकीम, सोमनास और योआख ने उससे कहा, अपने सेवकों से अरामी में बोलो, क्योंकि हम सुनते हैं, और हमसे यहूदी में मत बोलो, और दीवार पर के मनुष्यों के कानों में क्यों बोलते हो? और रबशाके ने उनसे कहा, क्या मेरे स्वामी ने मुझे तुम्हारे स्वामी की ओर या तुम्हारी ओर ये शब्द बोलने के लिए भेजा है? क्या उन लोगों की ओर नहीं जो दीवार पर बैठे हैं, ताकि वे तुम्हारे साथ ही गोबर खाएं और मूत्र पिएं?

और रबशाके खड़ा हुआ, और यहूदी भाषा में ऊँची आवाज से चिल्लाया, और कहा, महान राजा के, अशशूरियों के राजा के वचन सुनो। राजा यह कहता है, हिजकिय्याह तुम्हें शब्दों से धोखा न दे, वह तुम्हें बचाने में सक्षम नहीं है। और हिजकिय्याह तुमसे न कहे कि परमेश्वर तुम्हें छुड़ाएगा, और यह शहर अशशूर के राजा के हाथ में नहीं सौंपा जाएगा। हिजकिय्याह की मत सुनो, अशशूर का राजा यह कहता है, यदि तुम आशीर्वादित होना चाहते हो, तो मेरे पास निकल आओ, और तुममें से प्रत्येक अपनी अंगूर की बेल और अंजीर के पेड़ खाएगा, और तुम अपने गट्टे से पानी पीओगे, जब तक मैं आऊँ और तुम्हें एक भूमि में ले जाऊँ, जैसी तुम्हारी भूमि है, अनाज और दाखरस और रोटियों और दाखबारियों की भूमि। हिजकिय्याह तुम्हें धोखा न दे, यह कहते हुए कि परमेश्वर तुम्हें बचाएगा। क्या राष्ट्रों के देवताओं ने अपने-अपने देश को अशशूर के राजा के हाथ से बचाया? कहाँ है हमात और अर्पद का देवता? और कहाँ है सपर्वेम नगर का देवता? क्या वे सामरिया को मेरे हाथ से बचाने में सक्षम थे? इन सब राष्ट्रों के देवताओं में से कौन है, जिसने अपनी भूमि को मेरे

हाथ से बचाया, कि देवता यरूशलेम को मेरे हाथ से बचाएगा? और वे चुप रहे, और किसी ने भी उसे कोई उत्तर नहीं दिया, क्योंकि राजा ने आदेश दिया था कि कोई भी उत्तर न दे।

और हिल्कियाह का पुत्र एलियाकीम भंडारी, और सोमनास जो सेना का लेखक था, और असाफ का पुत्र योआख जो अभिलेखक था, अपने वस्त्र फाड़कर हिजकिय्याह के पास आए और उन्होंने उसे रबशाके के शब्द सुनाए।

37

और ऐसा हुआ कि जब राजा हिजकिय्याह ने सुना, तो उसने अपने वस्त्र फाड़े, और टाट पहना, और प्रभु के घर में चढ़ गया।

और उसने एलियाकीम भंडारी को, और सोमनान लेखक को, और याजकों के बुजुर्गों को, जो टाट पहने हुए थे, यशायाह भविष्यवक्ता के पास भेजा, जो आमोस का पुत्र था। और उन्होंने उससे कहा, हिजकिय्याह यह कहता है: आज का दिन क्लेश, निन्दा, फटकार और क्रोध का दिन है, क्योंकि प्रसव पीड़ा जन्म देने वाली को आ गई है, लेकिन उसमें जन्म देने की शक्ति नहीं है। प्रभु तुम्हारा ईश्वर रबशाके के शब्दों को सुने, जिसे अशशूर के राजा ने जीवित ईश्वर की निंदा करने के लिए भेजा था, और उन शब्दों की निंदा करे जिन्हें प्रभु तुम्हारे ईश्वर ने सुना है, और तुम अपने प्रभु से इन बचे हुएों के विषय में प्रार्थना करोगे।

और राजा हिजकिय्याह के सेवक यशायाह के पास आए। और यशायाह ने उनसे कहा, इस प्रकार तुम अपने स्वामी से कहोगे, प्रभु यह कहता है: उन शब्दों से मत डरो जो तुमने सुने, जिनसे अशशूर के राजा के राजदूतों ने मेरी निन्दा की। देखो, मैं उसमें एक आत्मा डालता हूँ, और एक संदेश सुनकर, वह अपनी भूमि को लौटेगा, और अपनी भूमि में तलवार से गिरेगा।

और रबशाके लौट गया, और उसने अशशूरियों के राजा को लिब्ना को घेरे हुए पाया, और उसने सुना कि वह लाकीश से चला गया था। और इथियोपिया का राजा तिर्हाका उसे घेरने के लिए निकला, और यह सुनकर वह लौट गया, और उसने हिजकिय्याह के पास दूत भेजे, यह कहते हुए, इस प्रकार तुम हिजकिय्याह राजा से, जो यहूदिया का है, कहोगे: तुम्हारा देवता, जिस पर तुमने भरोसा किया है, तुम्हें यह कहकर धोखा न दे कि यरूशलेम अशशूरियों के राजा के हाथ में नहीं सौंपा जाएगा।

क्या तूने नहीं सुना कि अशशूर के राजाओं ने क्या किया, कैसे उन्होंने सारी भूमि को नष्ट कर दिया? और क्या तू बचाया जाएगा? क्या राष्ट्रों के देवताओं ने उनको नहीं बचाया, जिनको मेरे पिताओं ने नष्ट किया था, गोज़ान और हारान और रेज़ेफ को, जो थीमथ की भूमि में हैं? हमारा राजा कहाँ हैं? और अर्पद कहाँ है? और सपर्वेम, अनगोन्नाउआ नगर कहाँ है?

और हिजकिय्याह ने दूतों से पुस्तक ली, और उसे पढ़ा, और प्रभु के घर में गया, और उसे प्रभु के सामने खोला। और हिजकिय्याह ने प्रभु से प्रार्थना की, कहते हुए,

हे सेनाओं के प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, जो करूबों पर विराजमान हैं, केवल आप ही समस्त संसार के सभी राज्यों के परमेश्वर हैं, आपने स्वर्ग और पृथ्वी को बनाया है, हे प्रभु, अपना कान झुकाओ, हे प्रभु, सुनो, हे प्रभु, अपनी आँखें खोलो, हे प्रभु, देखो, और सन्हेरीब के शब्दों को देखो, जो उसने जीवित परमेश्वर की निन्दा करने के लिए भेजे हैं। हे प्रभु, सचमुच असीरियों के राजाओं ने सम्पूर्ण बसे हुए संसार को और उनकी भूमि को उजाड़ दिया है। और उन्होंने अपनी मूर्तियों को आग में फेंक दिया, क्योंकि वे देवता नहीं थे, बल्कि मनुष्यों के हाथों की कृतियाँ थीं, लकड़ी और पत्थर, और उन्होंने उनको अस्वीकार कर दिया। अब हे प्रभु, हमारे परमेश्वर, हमें उसके हाथ से बचाओ, ताकि पृथ्वी के सब राज्य जान लें कि केवल तुम ही परमेश्वर हो।

और यशायाह, जो आमोस का पुत्र था, हिजकिय्याह के पास भेजा गया, और उसने उससे कहा,

प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, यह कहता है: मैंने सुना है जो तूने अशशूरियों के राजा सन्हेरीब के विषय में मुझसे प्रार्थना की। यह वह वचन है जो परमेश्वर ने उसके विषय में बोला: सिय्योन की कुंवारी पुत्री ने तुझे तिरस्कृत किया और तेरा उपहास किया है; यरूशलेम की पुत्री ने तुझ पर सिर हिलाया है। किसको तुमने निंदा की और क्रोधित किया? या किसके प्रति तुमने अपनी आवाज़ ऊंची की? और क्या तुमने अपनी आंखें ऊंचाई में इस्राएल के पवित्र की ओर नहीं उठाई? क्योंकि तूने दूतों के माध्यम से प्रभु की निन्दा की, तूने कहा, रथों की बहुतायत से मैं पहाड़ों की ऊंचाई पर चढ़ा, और लबानोन के सुदूर भागों तक, और मैंने उसके देवदार की ऊंचाई को काट डाला, और सनोबर की सुंदरता को, और मैं जंगल के भाग की ऊंचाई में प्रवेश कर गया, और मैंने पुल रखा, और मैंने जल को उजाड़ दिया और जल की समस्त सभा को।

क्या तुमने यह नहीं सुना जो मैंने बहुत पहले किया था? प्राचीन दिनों से मैंने आज्ञा दी थी, लेकिन अब मैंने दिखाया कि राष्ट्रों को दुर्गों में और दुर्गिकृत नगरों में निवास करने वालों को उजाड़ना है। मैंने हाथ उठाए, और वे सूख गए, और छतों पर सूखी घास की तरह हो गए, और घास की तरह। अब मैं तुम्हारा विश्राम, तुम्हारा प्रस्थान और तुम्हारा प्रवेश जानता हूँ। तुम्हारा क्रोध जिससे तुम क्रोधित हुए, और तुम्हारी कड़वाहट जो मेरी ओर चढ़ी, मैं तुम्हारी नाक में लगाम डालूंगा, और तुम्हारे होंठों में बाग, और तुम्हें उसी रास्ते से लौटाऊंगा जिससे तुम आए थे।

यह तुम्हारे लिए चिह्न है: इस वर्ष वह खाओ जो तुमने बोया है, दूसरे वर्ष में बचा हुआ खाओ, और तीसरे वर्ष में बोकर काटो, अंगूर के बाग लगाओ और उनका फल खाओगे। और जो यहूदिया में छोड़े गए हैं, वे नीचे जड़ उगाएंगे और ऊपर बीज उत्पन्न करेंगे। क्योंकि यरूशलेम से बचे हुए लोग होंगे, और सिय्योन पर्वत से बचाए गए लोग होंगे; सेनाओं के प्रभु का उत्साह यह करेगा। इसलिए प्रभु अशशूरियों के राजा के विषय में इस प्रकार कहता है: वह इस नगर में प्रवेश नहीं करेगा, न इस पर तीर चलाएगा, न इस पर ढाल लगाएगा, और न इसके चारों ओर बाड़ बनाएगा। परन्तु जिस मार्ग से वह आया, उसी से वह लौटेगा, और इस नगर में वह प्रवेश नहीं करेगा, यह प्रभु कहते हैं। मैं इस नगर की रक्षा करूंगा इसे बचाने के लिए, मेरे द्वारा और दाऊद मेरे सेवक के

द्वारा।

और प्रभु का दूत बाहर गया, और उसने अशशूरियों के शिविर से एक लाख पचासी हजार को मार डाला, और सुबह उठकर, उन्होंने सभी शरीरों को मृत पाया। और अशशूरियों का राजा सन्हेरीब मुड़कर चला गया, और नीनवे में निवास किया। और जब वह अपने पितृसत्ताक नासाराख के घर में पूजा कर रहा था, तो उसके पुत्र अद्रामेलेख और सारासार ने उसे तलवारों से मारा, लेकिन वे आर्मेनिया में बच गए, और उसका पुत्र असोर्दान उसके स्थान पर राजा बना।

38

उस समय ऐसा हुआ कि हिजकिय्याह मृत्यु तक बीमार हो गया, और आमोस का पुत्र यशायाह भविष्यवक्ता उसके पास आया, और उससे कहा, प्रभु यह कहता है: अपने घर के विषय में व्यवस्था कर, क्योंकि तू मरेगा और जीवित नहीं रहेगा। और हिजकिय्याह ने अपना चेहरा दीवार की ओर फेरा, और प्रभु से प्रार्थना की। कहते हुए, हे प्रभु, याद कर कि मैं तेरे सामने सत्य के साथ और सच्चे हृदय से चला, और मैंने वे काम किए जो तेरे सामने प्रसन्न करने वाले थे, और हिजकिय्याह फूट-फूटकर रोया। और प्रभु का वचन यशायाह के पास आया, यह कहते हुए जाओ और हिजकिय्याह से कहो, प्रभु परमेश्वर, तुम्हारे पिता दाऊद के परमेश्वर, यह कहते हैं: मैंने तुम्हारी प्रार्थना सुनी है और तुम्हारे आँसू देखे हैं; देखो, मैं तुम्हारी आयु में पंद्रह वर्ष जोड़ता हूँ। और अशशूरियों के राजा के हाथ से मैं तुम्हें और इस शहर को छुड़ाऊंगा, और मैं इस शहर की रक्षा करूंगा। यह तुझे प्रभु की ओर से चिन्ह है, कि परमेश्वर इस वचन को पूरा करेगा देखो, मैं उन सीढ़ियों की छाया को मोड़ता हूँ जिन पर तुम्हारे पिता के घर की दस सीढ़ियाँ सूरज नीचे गया था। मैं सूरज को दस सीढ़ियाँ वापस मोड़ूंगा, और सूरज दस सीढ़ियाँ ऊपर गया, जिन पर छाया नीचे गई थी।

यहूदिया के राजा हिजकिय्याह की प्रार्थना, जब वह बीमार पड़ा, और अपनी बीमारी से उठा।

मैंने अपने दिनों की ऊँचाई में कहा, मैं अधोलोक के द्वारों में जाऊँगा, मैं शेष वर्षों को छोड़ दूँगा। मैंने कहा, अब मैं जीवितों की पृथ्वी पर परमेश्वर के उद्धार को नहीं देखूँगा, अब मैं पृथ्वी पर इस्राएल के उद्धार को नहीं देखूँगा, अब मैं मनुष्य को नहीं देखूँगा। मेरी रिश्तेदारी समाप्त हो गई, उन्होंने मेरे जीवन का शेष भाग छोड़ दिया, मुझसे निकल गया और चला गया जैसे कोई तंबू को तोड़ने वाला जिसने उसे खड़ा किया था, मेरी आत्मा मेरे पास ताने की तरह हो गई, जुलाहे की तरह जो काटने के लिए पास आ रही है। उस दिन मैं सुबह तक सौंपा गया, जैसे शेर को; इस प्रकार उसने मेरी सभी हड्डियाँ कुचल दीं, क्योंकि दिन से रात तक मैं सौंपा गया। जैसे अबाबील, वैसे मैं चिल्लाऊँगा, और जैसे कबूतर, वैसे मैं कराहता हूँ, क्योंकि मेरी आंखें स्वर्ग की ऊँचाई की ओर देखने में असफल हो गई हैं, प्रभु की ओर, जिसने मुझे छोड़ा। और उसने मेरी आत्मा का दर्द दूर कर दिया। प्रभु, उसके विषय में तुझे सूचना दी गई, और तूने मेरी श्वास को जगाया, और सांत्वना पाकर मैं जीवित रहा। तूने मेरी आत्मा को चुन लिया है ताकि वह नष्ट न हो, और तूने मेरे सभी पापों को मेरे पीछे फेंक दिया है। क्योंकि जो अधोलोक में हैं वे तुम्हारी प्रशंसा नहीं करेंगे, न मरे हुए लोग तुम्हें आशीर्वाद देंगे, न अधोलोक में रहने वाले तुम्हारी दया की आशा करेंगे। जीवित लोग तुम्हें आशीर्वाद देंगे जिस तरह मैं भी देता हूँ, क्योंकि आज से मैं बच्चे पैदा करूँगा, जो तुम्हारी धार्मिकता की घोषणा करेंगे। हे मेरे उद्धार के भगवान्, और मैं वीणा के साथ तुम्हें आशीर्वाद देना नहीं रुकूँगा, मेरे जीवन के सभी दिन, भगवान् के घर के सामने।

और यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा, अंजीर का केक लो, और कुचलो, और पुल्टिस के रूप में लगाओ, और तुम स्वस्थ हो जाओगे। और हिजकिय्याह ने कहा, यह हिजकिय्याह के लिए निशानी है कि मैं परमेश्वर के घर में जाऊँगा।

उस समय में मरोदख बलदन ने, जो बलदन का पुत्र और बाबुलोनिया का राजा था, हिजकिय्याह को पत्र और राजदूत और उपहार भेजे, क्योंकि उसने सुना था कि वह मृत्यु तक बीमार हुआ था और उठा। और हिजकिय्याह उन पर प्रसन्न हुआ, और उसने उन्हें खजाने का घर दिखाया, और चांदी, और सोना, और गंधरस, और धूप, और इत्र, और बर्तनों के सब भंडार गृह, और जो कुछ उसके खजानों में था वह सब दिखाया, और ऐसी कोई वस्तु नहीं थी जो हिजकिय्याह ने अपने घर में और अपने सारे अधिकार में न दिखाई हो।

और यशायाह भविष्यवक्ता राजा हिजकिय्याह के पास आया, और उससे बोला, ये लोग क्या कहते हैं? और कहाँ से तुम्हारे पास आए हैं? और हिजकिय्याह बोला, दूर की पृथ्वी से मेरे पास आए हैं, बाबुल से। और यशायाह ने कहा, तुम्हारे घर में उन्होंने क्या देखा? और हिजकिय्याह ने कहा, मेरे घर में जो कुछ है सब उन्होंने देखा, और मेरे घर में ऐसा कुछ नहीं है जो उन्होंने नहीं देखा, बल्कि मेरे खजानों में जो कुछ है वह भी देखा। और यशायाह ने उससे कहा, सेनाओं के प्रभु का वचन सुनो। देखो, वे दिन आ रहे हैं जब वे तुम्हारे घर में जो कुछ भी है, और जितना तुम्हारे पिताओं ने इस दिन तक इकट्ठा किया है, सब बाबुल में ले जाया जाएगा, और वे कुछ भी नहीं छोड़ेंगे, परमेश्वर ने कहा। कि तुम्हारे बच्चों में से जो तुम जन्म दोगे, उनमें से वे लेंगे, और उन्हें बाबुल के राजा के घर में नपुंसक बनाएंगे। और हिजकिय्याह ने यशायाह से कहा, प्रभु का वचन जो उसने बोला है अच्छा है। मेरे दिनों में शांति और धार्मिकता बनी रहे।

40

सात्वना दो, सात्वना दो मेरे लोगों को, ईश्वर कहता है। हे पुजारियो, यरूशलेम के हृदय से बोलो, उसे प्रोत्साहित करो, क्योंकि उसका अपमान भर गया है, उसका पाप घुल गया है, क्योंकि उसने प्रभु के हाथ से अपने पापों का दोगुना दण्ड प्राप्त किया है।

जंगल में चिल्लाने वाले की आवाज़: प्रभु का मार्ग तैयार करो, हमारे परमेश्वर की पगडंडियाँ सीधी करो। सभी घाटियाँ भर दी जाएँगी, और हर पहाड़ और टीला नीचा कर दिया जाएगा, और सब टेढ़ी चीज़ें सीधी हो जाएँगी, और उबड़-खाबड़ ज़मीन मैदान बन जाएगी। और प्रभु की महिमा दिखाई देगी, और सब प्राणी परमेश्वर का उद्धार देखेंगे, क्योंकि प्रभु ने कहा है।

एक आवाज़ कह रही है, पुकारो, और मैंने कहा, मैं क्या पुकारूँ? सब शरीर घास है, और मनुष्य की सारी महिमा घास के फूल के समान है। घास सूख गई और फूल झड़ गया। लेकिन हमारे परमेश्वर का वचन युगों तक बना रहता है।

ऊँचे पहाड़ पर चढ़ो, हे सिय्योन को शुभ समाचार सुनाने वाले, अपनी आवाज़ को शक्ति से ऊँचा करो, हे यरूशलेम को शुभ समाचार सुनाने वाले, ऊँचा करो, मत डरो, यहूदा के शहरों से कहो, देखो तुम्हारा परमेश्वर, देखो प्रभु प्रभु शक्ति के साथ आता है, और उसकी भुजा प्रभुता के साथ है, देखो उसका प्रतिफल उसके साथ है, और उसका कार्य उसके सामने है। जैसे चरवाहा अपने झुंड को चराएगा, और अपनी बांह से मेमनों को इकट्ठा करेगा, और गर्भवती स्त्रियों को सांत्वना देगा। किसने अपने हाथ से पानी को मापा, और बित्ते से आकाश को, और मुट्ठी में सारी पृथ्वी को? किसने पहाड़ों को तराजू से तौला, और घाटियों को तुला से? किसने प्रभु के मन को जाना? और कौन उसका सलाहकार बना जो उसे सिखाए? या किसने उसे परामर्श दिया और उसे निर्देश दिया? या किसने उसे न्याय दिखाया? या समझ का मार्ग किसने उसे दिखाया? यदि सभी राष्ट्र बाल्टी से गिरती बूंद के समान, और तराजू के झुकाव के समान गिने गए, तो क्या वे लार के समान गिने जाएंगे? लेबनान जलाने के लिए पर्याप्त नहीं है, और सभी चौपाये होमबलि के लिए पर्याप्त नहीं हैं। और सभी राष्ट्र कुछ नहीं हैं, और कुछ नहीं माने गए।

किससे तुमने प्रभु की तुलना की? और किस समानता से तुमने उसकी तुलना की? क्या कारीगर ने छवि बनाई, या सुनार ने सोना पिघलाकर उसे मढ़ा और उसकी समानता निर्मित की? लकड़ी जो सड़ी हुई नहीं है, बढ़ई चुनता है, और बुद्धिमानी से खोजेगा कि कैसे अपनी मूर्ति को स्थापित

करेगा, और ताकि वह हिलाई न जाए। क्या तुम नहीं जानोगे? क्या तुम नहीं सुनोगे? क्या यह आरंभ से तुम्हें घोषित नहीं किया गया? क्या तुमने पृथ्वी की नींव को नहीं जाना? वह जो पृथ्वी के चक्र को पकड़े हुए है, और जो इसमें निवास करते हैं वे टिट्टियों के समान हैं, वह जिसने आकाश को मेहराब के समान स्थापित किया है, और निवास करने के लिए तम्बू के समान फैलाया है, वह जो शासकों को ऐसे देता है मानो वे कुछ नहीं शासन करते, और पृथ्वी को ऐसे बनाया मानो वह कुछ नहीं है। क्योंकि न तो वे रोपेंगे, न वे बोएंगे, न ही उनकी जड़ भूमि में जमाई जाएगी। उस पर फूँका गया, और वे सूख गए, और तूफान उन्हें झाड़ियों की तरह उड़ा ले जाएगा।

अब इसलिए तुमने मुझे किससे तुलना की है, और मैं ऊंचा किया जाऊंगा? पवित्र ने कहा। अपनी आँखें ऊँचाई की ओर उठाओ और देखो, किसने यह सब प्रकट किया? वह जो अपने संसार को संख्या के अनुसार लाता है, सबको नाम से बुलाएगा; बहुत महिमा से और अपनी शक्ति के बल में, कुछ भी तुमसे छिपा नहीं रहा।

हे याकूब, ऐसा मत कहो, और हे इस्राएल, तूने यह क्या कहा है: मेरा मार्ग परमेश्वर से छिपा हुआ है, और मेरे परमेश्वर ने मेरा न्याय छीन लिया है, और दूर हो गए हैं। और अब क्या तुमने नहीं जाना? यदि तुमने नहीं सुना? शाश्वत परमेश्वर, वह परमेश्वर जिसने पृथ्वी के छोरों को स्थापित किया, न भूखा होगा, न थकेगा, और उसकी बुद्धि की कोई खोज नहीं है। भूखों को शक्ति देने वाला, और जो पीड़ा में नहीं हैं उन्हें दुःख देने वाला। छोटे भूखे होंगे, युवा पुरुष थक जाएंगे, और चुने हुए लोग शक्तिहीन होंगे। परन्तु जो परमेश्वर की प्रतीक्षा करते हैं, वे शक्ति बदलेंगे, वे चील के समान पंख उगाएंगे, वे दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं, वे चलेंगे और भूखे नहीं होंगे।

41

हे द्वीपों, मेरी ओर अपने आप को नवीनीकृत करो, क्योंकि शासक शक्ति बदलेंगे, वे निकट आएंगे

और एक साथ बोलें, तब वे न्याय की घोषणा करें।

किसने पूर्व से न्याय को जगाया, उसे अपने पैरों के अनुसार बुलाया, और वह जाएगा? वह राष्ट्रों के सामने देगा, और राजाओं को उखाड़ेगा, और उनकी तलवारों को भूमि में देगा, और उनके धनुषों को निकाली गई सूखी लकड़ियों के समान करेगा। और वह उनका पीछा करेगा, उसके पैरों का रास्ता शांति में गुजरेगा। किसने यह काम किया और ये चीजें कीं? उसे उसने बुलाया जो उसे पीढ़ियों के आरंभ से बुलाता है। मैं परमेश्वर पहला हूँ, और आने वाली चीजों में मैं हूँ।

राष्ट्रों ने देखा और भयभीत हो गए, पृथ्वी के छोर निकट आए, और वे एक साथ आए। प्रत्येक अपने पड़ोसी का न्याय करता हुआ, और अपने भाई की सहायता करता हुआ, और वह कहेगा कि बढ़ई सक्षम था, और लोहार हथौड़े से मारता हुआ, साथ ही चलाता हुआ, कभी कहेगा कि जोड़ सुंदर है, उन्होंने उन्हें कीलों से मजबूत किया, वे उन्हें रखेंगे, और वे हिलाए नहीं जाएंगे।

लेकिन तू, इस्राएल मेरा सेवक याकूब, जिसको मैंने चुना, अब्राहम का बीज, जिसको मैंने प्रेम किया, जिसे मैंने पृथ्वी के छोर से पकड़ा, और उसकी प्रहरी मीनारों से तुम्हें बुलाया, और तुमसे कहा, तुम मेरे सेवक हो, मैंने तुम्हें चुना है, और मैंने तुम्हें नहीं त्यागा है। मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, मत भटको, क्योंकि मैं तुम्हारा ईश्वर हूँ, जिसने तुम्हें मजबूत किया, और मैंने तुम्हारी मदद की, और मैंने तुम्हें अपने न्यायी दाहिने हाथ से सुरक्षित किया।

देखो, शर्मिंदा होंगे और लज्जित होंगे सब जो तुम्हारा विरोध करते हैं, क्योंकि वे ऐसे होंगे जैसे कि वे हैं ही नहीं, और नष्ट हो जाएंगे तुम्हारे सब शत्रु। तुम उन्हें खोजोगे, और उन लोगों को नहीं पाओगे जो तुम्हारे प्रति अपमानजनक व्यवहार करेंगे, क्योंकि वे ऐसे होंगे जैसे कि वे हैं ही नहीं, और वे जो तुम्हारे विरुद्ध युद्ध करते हैं वे नहीं होंगे। क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ, जो तेरे दाहिने हाथ को पकड़ता है, जो तुझसे कहता है, मत डरो याकूब, थोड़े से इस्राएल, मैंने तुम्हारी सहायता की है, तुम्हारा परमेश्वर कहता है, जिसने इस्राएल को छुड़ाया है। देखो, मैंने तुम्हें गाड़ी के नए आरे के

दांत वाले दाने निकालने वाले पहियों के समान बनाया है, और तुम पहाड़ों को दाने निकालोगे, और पहाड़ियों को बारीक करोगे, और उन्हें भूसे के समान कर दोगे। और तू ओसाएगा, और हवा उन्हें ले जाएगी, और तूफान उन्हें बिखेर देगा, और तू इस्राएल के पवित्र में आनंदित होगा।

और गरीब और अभावग्रस्त आनन्दित होंगे, क्योंकि वे पानी खोजेंगे, और पानी नहीं होगा, उनकी जीभ प्यास से सूख गई है। मैं प्रभु परमेश्वर हूँ, मैं सुनूंगा, इस्राएल का परमेश्वर, और मैं उनको नहीं त्यागूंगा। लेकिन मैं पहाड़ों पर नदियाँ खोलूंगा, और मैदानों के बीच में झरने बनाऊंगा, जंगल को पानी के दलदल में बदलूंगा, और प्यासी भूमि में पानी के नाले बहाऊंगा। मैं जलहीन भूमि में देवदार और बॉक्स वृक्ष, मेंहदी और सरो, और सफेद वृक्ष रखूंगा। ताकि वे देखें और जानें, और विचार करें और एक साथ समझें, कि प्रभु के हाथ ने यह किया है, और इस्राएल के पवित्र ने इसे प्रकट किया है।

तुम्हारा न्याय निकट आ रहा है, प्रभु परमेश्वर कहते हैं; तुम्हारी योजनाएँ निकट आ गई हैं, राजा याकूब कहते हैं। वे निकट आएँ और तुम्हें घोषित करें कि क्या घटित होगा, या बताओ कि पहले क्या था, और हम मन लगाकर विचार करेंगे, और हम जानेंगे कि अंतिम बातें क्या हैं और जो आने वाली हैं हमें बताओ, हमें घोषणा करो वे चीजें जो अंत में आने वाली हैं, और हम जान जाएंगे कि तुम देवता हो, भलाई करो और हानि करो, और हम आश्चर्यचकित होंगे, और हम एक साथ देखेंगे कि तुम कहाँ से हो, और तुम्हारा काम कहाँ से है, पृथ्वी से घृणित वस्तु के रूप में उन्होंने तुम्हें चुना।

मैंने उत्तर से उसे उठाया, और सूरज के पूर्व से, वे मेरे नाम से बुलाए जाएंगे, शासक आएँ, और जैसे कुम्हार की मिट्टी, और जैसे कुम्हार मिट्टी को रौंदता है, इसी प्रकार तुम रौंदे जाओगे। कौन घोषणा करेगा उन बातों की जो आरंभ से हैं, ताकि हम जान सकें और उन बातों को जो पहले थीं, और हम कहेंगे कि यह सत्य है? कोई नहीं है जो पहले से बताता हो, न ही कोई है जो तुम्हारे शब्दों को सुनता हो। मैं सिय्योन को शुरुआत दूंगा, और यरूशलेम को रास्ते में सांत्वना दूंगा।

क्योंकि राष्ट्रों में से, देखो, कोई नहीं है, और उनकी मूर्तियों में से कोई घोषणा करने वाला नहीं था, और यदि मैं उनसे पूछूँ, तुम कहाँ से हो? तो वे मुझे उत्तर नहीं देंगे। क्योंकि वे हैं जो तुम्हें बनाते हैं, और व्यर्थ में वे हैं जो तुम्हें भटकाते हैं।

42

याकूब मेरा सेवक है, मैं उसे सहारा दूंगा, इस्राएल मेरा चुना हुआ है, मेरी आत्मा ने उसे स्वीकार किया है, मैंने अपना आत्मा उस पर दिया है, वह राष्ट्रों को न्याय लाएगा। वह नहीं चिल्लाएगा, न छोड़ेगा, और न ही उसकी आवाज़ बाहर सुनी जाएगी। टूटे हुए नरकट को वह नहीं कुचलेगा, और धुआं करते हुए सन को नहीं बुझाएगा, बल्कि सच्चाई में न्याय को प्रकट करेगा। वह चमकेगा और नहीं टूटेगा, जब तक कि वह पृथ्वी पर न्याय स्थापित न कर दे, और उसके नाम पर राष्ट्र आशा रखेंगे।

इस प्रकार प्रभु परमेश्वर कहता है, जिसने स्वर्ग को बनाया और उसे स्थापित किया, जिसने पृथ्वी को स्थिर किया और जो कुछ उसमें है, और जो इस पर रहने वाले लोगों को श्वास देता है, और इस पर चलने वालों को आत्मा देता है, मैं प्रभु परमेश्वर हूँ, मैंने तुझे धार्मिकता में बुलाया है, और मैं तेरा हाथ पकड़ूंगा और तुझे मजबूत करूंगा, और मैंने तुझे जाति की वाचा के लिए और राष्ट्रों के लिए प्रकाश के लिए दिया है। अंधों की आँखें खोलना, बंधनों से बंधे हुआओं को बाहर निकालना और कारागार से, और अंधकार में बैठे हुआओं को बाहर लाना।

मैं प्रभु परमेश्वर हूँ, यह मेरा नाम है, मैं अपनी महिमा किसी दूसरे को नहीं दूंगा, और न ही अपने गुण खुदी हुई मूर्तियों को दूंगा। वे बातें जो आरंभ से थीं, देखो, पूरी हो गई हैं, और नई बातें जो मैं घोषणा करता हूँ, वे घोषणा करने से पहले ही तुम्हें प्रकट कर दी गई।

प्रभु की नई स्तुति गाओ, उसका आरंभ, पृथ्वी के छोर से उसके नाम की महिमा करो, जो समुद्र में उतरते हैं और उसमें यात्रा करते हैं, द्वीप और जो उनमें निवास करते हैं। आनंदित हो उजाड़ स्थान, और उसके गाँव, खेत, और केदार में निवास करने वाले आनंदित होंगे। चट्टान में निवास करने वाले पहाड़ों के शिखर से चिल्लाएंगे। वे परमेश्वर को महिमा देंगे, द्वीपों में उसके गुणों की घोषणा करेंगे।

प्रभु, शक्तियों का ईश्वर, बाहर जाएगा और युद्ध को कुचलेगा, उत्साह जगाएगा, और अपने शत्रुओं के विरुद्ध बल के साथ पुकारेगा। मैं चुप रहा, क्या मैं हमेशा चुप रहूँगा और सहता रहूँगा? जैसे प्रसव करने वाली स्त्री ने सहा, वैसे मैंने सहा, अब मैं आतंकित करूँगा और एक साथ सुखा दूँगा, मैं पहाड़ों और पहाड़ियों को उजाड़ कर दूँगा, और उनकी सारी घास को सुखा दूँगा, और नदियों को द्वीपों में बदल दूँगा, और दलदलों को सुखा दूँगा। और मैं अंधों को उस रास्ते पर ले जाऊँगा जिसे वे नहीं जानते थे, और उन पगडंडियों पर जिन्हें वे नहीं जानते थे, मैं उन्हें चलाऊँगा, मैं उनके लिए अंधेरे को रोशनी में बदलूँगा, और टेढ़े को सीधा बनाऊँगा, ये बातें मैं करूँगा, और मैं उन्हें नहीं छोड़ूँगा। परन्तु वे स्वयं पीछे की ओर मुड़ गए, लज्जित हो शर्म से वे जो खुदी हुई मूर्तियों पर विश्वास करते हैं, वे जो ढली हुई मूर्तियों से कहते हैं, तुम हमारे देवता हो।

बहरे सुनो, और अंधे देखने के लिए ऊपर देखो। और कौन अंधा है सिवाय मेरे सेवकों के, और कौन बहरे हैं सिवाय उन पर शासन करने वालों के? और परमेश्वर के दास अंधे कर दिए गए। तुमने बहुत बार देखा, परन्तु तुमने ध्यान नहीं दिया; कान खोले हुए थे, परन्तु तुमने नहीं सुना। प्रभु परमेश्वर ने योजना बनाई ताकि वह न्यायसंगत ठहराया जाए और स्तुति की महिमा की जाए। और मैंने देखा, और लोग लूटे गए और छिने गए, क्योंकि सर्वत्र भंडार-गृहों में और घरों में एक साथ फंदा था, जहाँ उन्होंने उनको छिपाया था, वे लूट में हो गए, और लूट को छुड़ाने वाला कोई नहीं था, और लौटा दो कहने वाला कोई नहीं था।

तुम में से कौन है जो इन बातों को सुनेगा? आने वाली बातों के लिए ध्यान दो। किसने याकूब

और इस्राएल को लूट में दिया उन लुटेरों को जो उसे लूटते हैं? क्या वह परमेश्वर नहीं जिसके विरुद्ध उन्होंने पाप किया, और वे उसके मार्गों में चलना नहीं चाहते थे, न ही उसकी व्यवस्था को सुनना चाहते थे? और उसने उन पर अपने क्रोध का प्रकोप लाया, और युद्ध उन पर प्रबल हुआ, और जो उन्हें चारों ओर से जला रहे थे, और उनमें से प्रत्येक ने नहीं जाना, न ही आत्मा पर ध्यान दिया।

43

और अब प्रभु परमेश्वर, जिसने तुझे बनाया है याकूब, और जिसने तुझे रचा है इस्राएल, इस प्रकार कहता है: मत डर, क्योंकि मैंने तुझे छोड़ा है, मैंने तुझे तेरे नाम से बुलाया है, तू मेरा है। और यदि तू पानी से होकर पार करे, तो मैं तेरे साथ हूँ, और नदियाँ तुझे नहीं डुबोएंगी, और यदि तू आग से होकर निकले, तो तू नहीं जलाया जाएगा, लौ तुझे नहीं जलाएगी। क्योंकि मैं प्रभु तेरा परमेश्वर हूँ, इस्राएल का पवित्र, जो तुझे बचाता है, मैंने तेरे बदले मिस्र और इथियोपिया और सोएने को दिया है। जब से तुम मेरे सामने सम्मानित हुए, तुम महिमामंडित किए गए, और मैंने तुमसे प्रेम किया, और मैं तुम्हारे लिए लोगों को दूंगा, और तुम्हारे सिर के लिए शासकों को दूंगा। मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, मैं पूर्व से तुम्हारे वंश को लाऊँगा, और पश्चिम से तुम्हें इकट्ठा करूँगा। मैं उत्तर से कहूँगा, लाओ, और दक्षिण से, मत रोको, मेरे पुत्रों को दूर से लाओ, और मेरी पुत्रियों को पृथ्वी के छोरों से। सब जो मेरे नाम से बुलाए गए हैं, क्योंकि मैंने अपनी महिमा में उसे रचा है, और मैंने उसे रूप दिया है, और मैंने उसे बनाया है। और मैंने अंधे लोगों को बाहर निकाला, जिनकी आँखें हैं फिर भी अंधी हैं, और जो कान रखते हुए भी बहरे हैं।

सभी राष्ट्र एक साथ इकट्ठे किए गए, और उनमें से शासक इकट्ठे किए जाएंगे। कौन इन बातों की घोषणा करेगा? या आरंभ से कौन तुम्हें घोषणा करेगा? वे अपने गवाहों को लाएं और धर्मी ठहराए जाएं, और सुनें, और सच कहें।

मेरे लिए साक्षी बनो, और मैं साक्षी हूँ, प्रभु परमेश्वर कहता है, और मेरा सेवक जिसे मैंने चुना है, ताकि तुम जानो और विश्वास करो, और समझो कि मैं हूँ। मेरे पहले कोई दूसरा परमेश्वर नहीं हुआ, और मेरे बाद कोई नहीं होगा। मैं वह ईश्वर हूँ, और मुझे छोड़कर कोई बचाने वाला नहीं है। मैंने घोषणा की और बचाया, मैंने निंदा की और तुम में कोई विदेशी नहीं था, तुम मेरे गवाह हो, और मैं प्रभु परमेश्वर हूँ आरंभ से अब तक, मेरे हाथों से छुड़ाने वाला कोई नहीं है, मैं करूंगा, और कौन इसे लौटाएगा?

इस प्रकार प्रभु परमेश्वर कहता है, जो तुम्हें छुड़ाता है, इस्राएल का पवित्र: तुम्हारे कारण मैं बाबुल में भेजूंगा, और मैं सभी भागते हुआओं को उठाऊंगा, और कसदी जहाजों में बांधे जाएंगे। मैं प्रभु हूँ, तुम्हारा पवित्र परमेश्वर, जिसने इस्राएल को तुम्हारा राजा नियुक्त किया।

इस प्रकार प्रभु कहते हैं, जो समुद्र में मार्ग देते हैं, और प्रबल जल में पथ देते हैं, वह जो रथ, घोड़े और शक्तिशाली भीड़ को निकाल लाया, लेकिन वे सो गए और फिर नहीं उठेंगे; वे ऐसे बुझा दिए गए जैसे सन की बत्ती बुझा दी जाती है।

पहली बातों को याद मत करो, और प्राचीन बातों पर विचार मत करो। देखो, मैं नई बातें करता हूँ, जो अब उगेगी, और तुम उन्हें जानोगे, और मैं वीरान में रास्ता बनाऊँगा, और बिना पानी की जगह में नदियाँ बहाऊँगा। मुझे मैदान के पशु, सायरन और शतुरमुर्ग की पुत्रियाँ आशीर्वाद देंगी, क्योंकि मैंने जंगल में पानी और सूखी भूमि में नदियाँ दीं, ताकि मेरी चुनी हुई जाति को पानी पिला सकूँ। मेरे लोग, जिन्हें मैंने प्राप्त किया है, मेरे गुणों का वर्णन करें।

मैंने अब तुम्हें याकूब नहीं बुलाया, और न ही मैंने तुम्हें थकाया, हे इस्राएल। तुमने मुझे अपनी होमबलि की भेड़ें नहीं लाई, और न ही अपने बलिदानों में तुमने मेरी महिमा की, मैंने तुम्हें बलिदानों में गुलाम नहीं बनाया, और न ही मैंने तुम्हें लबानोन में कष्टदायक बनाया, न ही तुमने मेरे लिए चांदी का बलिदान अर्जित किया, और न ही मैंने तुम्हारे बलिदानों की चर्बी चाही, लेकिन तुम

अपने पापों में मेरे सामने खड़े हुए, और अपने अन्यायों में। मैं हूँ, मैं हूँ वह जो तेरे अधर्म को मेरे कारण मिटाता हूँ, और तेरे पापों को, और मैं याद नहीं करूँगा। लेकिन तू याद कर, और आओ हम तर्क करें, तू अपने अधर्म पहले बोल, ताकि तू न्यायसंगत ठहराया जाए। तुम्हारे पहले पिताओं ने और तुम्हारे शासकों ने मेरे विरुद्ध अधर्म किया। और शासकों ने मेरी पवित्र चीजों को अपवित्र किया, और मैंने याकूब को नष्ट करने के लिए दे दिया, और इस्राएल को निंदा में डाल दिया।

44

अब सुनो याकूब, मेरे सेवक, और इस्राएल जिसको मैंने चुना है। इस प्रकार प्रभु परमेश्वर कहता है, जिसने तुमको बनाया और जिसने तुमको गर्भ से रूप दिया, तुम्हारी अभी भी सहायता की जाएगी। मत डरो मेरे सेवक याकूब, और प्रिय इस्राएल जिसको मैंने चुना। क्योंकि मैं प्यासों को जलहीन में चलने वालों को पानी दूँगा, मैं अपनी आत्मा तेरे वंश पर रखूँगा, और अपने आशीर्वाद तेरी संतान पर दूँगा। और वे उगेंगे जैसे पानी के बीच घास, और जैसे बहते पानी के ऊपर विलो का पेड़। यह कहेगा, मैं परमेश्वर का हूँ, और यह याकूब के नाम पर पुकारेगा, और दूसरा अपने हाथ पर लिखेगा, मैं परमेश्वर का हूँ, और इस्राएल के नाम पर पुकारेगा।

इस प्रकार इस्राएल का राजा परमेश्वर कहता है, और सेनाओं का परमेश्वर जो उसका छुड़ाने वाला है: मैं प्रथम हूँ, और मैं इन बातों के पश्चात भी हूँ; मुझे छोड़कर कोई परमेश्वर नहीं है। कौन है मेरे जैसा? वह खड़ा हो, पुकारे, घोषणा करे, और मेरे लिए तैयार करे, जब से मैंने मनुष्य को युग के लिए बनाया, और जो आने वाली बातें हैं, उनके आने से पहले, वे तुम्हें घोषणा करें। छिपाए मत जाओ, और धोखा मत खाओ, क्या तुमने आरंभ से नहीं सुना, और मैंने तुम्हें घोषित किया? तुम गवाह हो, यदि मेरे सिवाय कोई परमेश्वर है।

और तब उन्होंने नहीं सुना जो बनाते थे, और जो खोदते थे, सब व्यर्थ थे, जो अपनी वांछित चीजें

बनाते थे, जो उन्हें लाभ नहीं देंगी, लेकिन वे शर्मिदा होंगे। वे जो देवता को रूप देते हैं और खोदते हैं, सब बेकार हैं। और सब जहाँ से वे बने थे सूख गए, और बहरे मनुष्यों में से सब इकट्ठा किए जाएं, और एक साथ खड़े हों, और शर्मिदा हों, और एक साथ लज्जित हों,

क्योंकि बढ़ई ने लोहे को तेज किया, कुल्हाड़ी से इसे बनाया, और बरमे में इसे स्थापित किया, और अपनी शक्ति की बांह से इसे बनाया, और वह भूखा होगा, और कमजोर होगा, और पानी नहीं पीएगा। बढ़ई ने लकड़ी चुनकर, इसे माप में स्थापित किया, और गोंद से इसे व्यवस्थित किया, और इसे पुरुष के रूप जैसा बनाया, और मनुष्य की सुंदरता जैसा, इसे घर में स्थापित करने के लिए। उसने जंगल से लकड़ी काटी, जो प्रभु ने लगाया था, देवदार का पेड़, और बारिश ने उसे बढ़ाया। ताकि मनुष्यों के लिए जलाने को हो, और उसमें से लेकर वह गर्म हुआ, और जलाकर उन्होंने उस पर रोटियाँ पकाई, लेकिन बचे हुए से उन्होंने देवता बनाए, और उनकी पूजा करते हैं, उसने अपना आधा हिस्सा आग में जलाया, और अपने आधे हिस्से पर कोयलों में रोटियाँ पकाई, और उस पर मांस भूनकर खाया, और तृप्त हुआ, और गर्म होकर बोला, मुझे सुख मिला, क्योंकि मैं गर्म हुआ और मैंने आग देखी। लेकिन शेष को उसने खुदी हुई देवता की मूर्ति में बनाया, और पूजा करता है, और प्रार्थना करता है कहते हुए, मुझे छुड़ाओ, क्योंकि तुम मेरे देवता हो।

उन्होंने सोचना नहीं जाना, क्योंकि वे अपनी आँखों से देखने के लिए और अपने हृदय से समझने के लिए अंधे कर दिए गए थे। और उसने अपनी आत्मा में विचार नहीं किया, और न ही समझ में जाना, कि उसने अपना आधा भाग आग में जलाया, और अपने अंगारों पर रोटियाँ पकाई, और मांस भूनकर खाया, और अपने शेष भाग से घृणित वस्तु बनाई, और वे उसकी पूजा करते हैं। जानो कि उनका हृदय राख है, और वे भटकते हैं, और कोई भी उसकी आत्मा को छुड़ाने में सक्षम नहीं है, देखो, तुम नहीं कहोगे कि मेरे दाहिने हाथ में झूठ है।

याद रखो ये बातें याकूब और इस्राएल, क्योंकि तू मेरा दास है, मैंने तुझे मेरा दास बनाया, और तू

इसाएल, मुझे मत भूलो। देखो, क्योंकि मैंने तुम्हारे अधर्मों को बादल की तरह मिटा दिया है, और तुम्हारे पाप को अंधकार की तरह, मेरी ओर लौट आओ, और मैं तुम्हें छुड़ाऊंगा।

हे स्वर्गों, आनंदित हो, क्योंकि परमेश्वर ने इसाएल पर दया की है; पृथ्वी की नींवों को बजाओ; हे पर्वतों, आनंद से पुकारो; हे पहाड़ियों और उनमें के सब वृक्षों, क्योंकि परमेश्वर ने याकूब को छुड़ाया है, और इसाएल महिमामंडित किया जाएगा।

इस प्रकार प्रभु कहते हैं, जो तुम्हें छुड़ाते हैं और गर्भ से तुम्हें रचते हैं, मैं प्रभु हूँ जो सब कुछ पूरा करता हूँ, मैंने अकेले आकाश को फैलाया, और पृथ्वी को स्थापित किया। कौन दूसरा पेट-बोलनेवालों के चिह्नों को और हृदय से निकली भविष्यवाणियों को तितर-बितर करेगा? जो बुद्धिमानों को पीछे की ओर फेरता है, और उनकी सलाह को मूर्ख बनाता है, और उसके सेवक के शब्द को स्थापित करते हुए, और उसके दूतों के परामर्श को सत्य बोलते हुए, वह यरूशलेम से कहते हुए, तू बसाई जाएगी, और इदूमिया के नगरों से, तुम बनाए जाओगे, और उसके उजाड़ स्थान उगेंगे। वह जो गहराई से कहता है, तू उजाड़ हो जाएगी, और तेरी नदियों को मैं सुखा दूंगा, वह जो कुरुश से कहता है कि सोचे, और मेरी सब इच्छाएँ पूरी करेगा; वह जो यरूशलेम से कहता है, तू बनाया जाएगा, और मैं अपने पवित्र घर को स्थापित करूँगा।

45

इस प्रकार प्रभु परमेश्वर अपने अभिषिक्त कुरुश से कहता है, जिसका दाहिना हाथ मैंने पकड़ा है, ताकि उसके सामने जातियों को अधीन करूँ, और राजाओं की शक्ति को तोड़ दूँ, उसके सामने दरवाजे खोलूँगा, और नगर बंद नहीं किए जाएंगे। मैं तुम्हारे आगे चलूँगा और पहाड़ों को समतल करूँगा, कांस्य के दरवाजों को तोड़ूँगा और लोहे की सलाखों को चकनाचूर करूँगा। और मैं तुझे अंधेरे खजाने दूँगा, छिपे हुए और अदृश्य खजाने तेरे लिए खोलूँगा, ताकि तू जान सके कि मैं प्रभु

तेरा परमेश्वर हूँ जो तेरे नाम को बुलाता है, इस्राएल का परमेश्वर। मेरे सेवक याकूब के कारण, और मेरे चुने हुए इस्राएल के कारण, मैं तुझे तेरे नाम से बुलाऊंगा और तुझे स्वीकार करूंगा, लेकिन तू मुझे नहीं जानता था। कि मैं प्रभु ईश्वर हूँ, और मेरे सिवाय कोई ईश्वर नहीं है, मैंने तुम्हें सशक्त किया, और तुम मुझे नहीं जानते थे, ताकि पूर्व और पश्चिम के लोग जान लें कि मेरे सिवाय कोई परमेश्वर नहीं है, मैं प्रभु परमेश्वर हूँ, और कोई दूसरा नहीं है। मैं वह हूँ जिसने प्रकाश को स्थापित किया, और अंधकार को बनाया, जो शांति को करता है, और बुराइयों को रचता है, मैं प्रभु परमेश्वर हूँ, जो यह सब करता है।

स्वर्ग ऊपर से आनंदित हो, और बादल धार्मिकता बरसाएं, पृथ्वी उगे और दया अंकुरित करे, और धार्मिकता साथ में उगे, मैं प्रभु हूँ जिसने तुम्हें सृजा है।

कौन सी बेहतर चीज़ मैंने बनाई है जैसे कुम्हार की मिट्टी? क्या जोतने वाला पूरे दिन भूमि जोतता रहेगा? क्या मिट्टी कुम्हार से कहेगी, तुम क्या कर रहे हो क्योंकि तुम काम नहीं करते और तुम्हारे हाथ नहीं हैं? क्या रचना अपने रचयिता को उत्तर देगी? वह जो पिता से कहता है, तू क्या जन्म देगा? और माता से, तू किस बात की प्रसव पीड़ा में है?

क्योंकि इस प्रकार प्रभु परमेश्वर, इस्राएल का पवित्र, जो आने वाली बातों का बनाने वाला है, कहता है: मेरे पुत्रों के विषय में मुझसे पूछो, और मेरे हाथों के कार्यों के विषय में मुझे आज्ञा दो। मैंने भूमि बनाई, और उस पर मनुष्य को रखा, मैंने अपने हाथ से आकाश को स्थापित किया, मैंने सभी तारों को आदेश दिया। मैंने उसे न्याय के साथ राजा बनाया, और उसके सब रास्ते सीधे हैं, यह मेरे शहर को बनाएगा, और मेरे लोगों की बंधुआई को लौटाएगा, न फिरौती के साथ, और न उपहारों के साथ, प्रभु साबाओत ने कहा।

इस प्रकार सेनाओं का प्रभु कहता है: मिस्र ने परिश्रम किया, और इथियोपियाई लोगों का व्यापार, और वे सबाई लोग जो ऊँचे पुरुष हैं, तुम पर पार करेंगे, और तुम्हारे दास होंगे, और

तुम्हारे पीछे हथकड़ियों में बंधे हुए अनुसरण करेंगे, और तुम्हारी ओर पार करेंगे, और तुम्हें दंडवत करेंगे, और तुममें प्रार्थना करेंगे, क्योंकि तुममें परमेश्वर है, और तुम्हारे सिवाय कोई परमेश्वर नहीं है। तुम ही भगवान हो, और हम नहीं जानते थे, तुम इज़राइल के भगवान और उद्धारकर्ता हो। वे शर्मिदा होंगे और लज्जित होंगे, सभी जो उसका विरोध करते हैं, और वे लज्जा में चलेंगे। हे द्वीपों, मेरी ओर नवीनीकरण करो। इस्राएल प्रभु द्वारा शाश्वत उद्धार से बचाया जाता है, वे शर्मिदा नहीं होंगे, और न ही युगों तक लज्जित किए जाएंगे।

इस प्रकार प्रभु कहता है, जिसने आकाश को बनाया था, यह वह परमेश्वर है जिसने भूमि को प्रदर्शित किया था और उसे बनाया था, उसने उसे स्थापित किया, उसने उसे खाली नहीं बनाया, लेकिन निवास किए जाने के लिए उसने उसे रूप दिया, मैं प्रभु हूँ, और कोई दूसरा नहीं है। मैंने गुप्त में नहीं बोला है, न ही पृथ्वी के किसी अंधेरे स्थान में; मैंने याकूब के वंश से नहीं कहा, व्यर्थ खोजो; मैं हूँ, मैं हूँ प्रभु, जो धार्मिकता बोलता है और सत्य की घोषणा करता है।

एकत्रित हो जाओ और आओ, साथ मिलकर विचार-विमर्श करो, हे राष्ट्रों से बचाए गए लोगों, उन्होंने नहीं जाना जो अपनी खुदी हुई मूर्ति की लकड़ी को उठाते हैं, और जो उन देवताओं से प्रार्थना करते हैं जो बचाते नहीं। यदि वे घोषणा करें, तो उन्हें निकट आने दें, ताकि वे एक साथ जान सकें कि किसने ये बातें प्रारंभ से सुनाई, जो तब तुम्हें घोषित की गई। मैं ही परमेश्वर हूँ, और मेरे सिवाय कोई अन्य नहीं है, धर्मी और उद्धारकर्ता मेरे सिवाय कोई नहीं है। मेरी ओर मुड़ो, और तुम बचाए जाओगे, हे पृथ्वी के छोर से आने वाले लोगों, मैं ही परमेश्वर हूँ, और कोई दूसरा नहीं है। मैं अपनी स्वयं की शपथ लेता हूँ, यदि मेरे मुँह से धार्मिकता बाहर नहीं जाएगी, मेरे शब्द वापस नहीं मुड़ेंगे, क्योंकि मेरे लिए हर घटना झुकेगा, और हर जीभ परमेश्वर की शपथ लेगी। कहते हुए, धार्मिकता और महिमा उसके पास आएगी, और वे सब शर्मिदा होंगे जो उन्हें अलग करते हैं। प्रभु से वे धर्मी ठहराए जाएंगे, और परमेश्वर में इस्राएल के पुत्रों का सारा वंश महिमामंडित किया जाएगा।

बेल गिर गया, नबो चकनाचूर हो गया, उनकी खुदी हुई मूर्तियाँ जंगली जानवरों और मवेशियों के लिए हो गई, उनको बंधे हुए उठाओ जैसे थके और निढाल के लिए बोझ। और भूखे को, जो शक्तिशाली नहीं है, साथ ही जो युद्ध से नहीं बचाए जा सकेंगे, वे बंदी बनाकर ले जाए गए।

हे याकूब के घराने, मेरी सुनो, और इस्राएल के सब बचे हुए लोगों, जो गर्भ से उठाए गए, और बचपन से बुढ़ापे तक प्रशिक्षित किए गए, मैं हूँ, और जब तक तुम बूढ़े हो जाओ, मैं हूँ। मैं तुम्हें सहन करता हूँ, मैंने किया, और मैं छोड़ दूँगा, मैं उठा लूँगा, और तुम्हें बचाऊँगा।

किससे तुमने मुझे तुलना की है? देखो, हे भटकने वालो, तुमने युक्ति रची है। वे जो थैली से सोना और तराजू में चांदी का योगदान करते हैं, उसे तौल कर रखेंगे, और सुनार को किराए पर लेकर उन्होंने हस्तनिर्मित वस्तुएं बनाई, और झुककर वे उनकी पूजा करते हैं। वे इसे कंधे पर उठाते हैं और जाते हैं, और यदि वे इसे उसके स्थान पर रखें, तो यह रहता है, यह हिलाया नहीं जाएगा, और जो कोई उसकी ओर पुकारेगा, वह नहीं सुनेगा, बुराइयों से वह उसे नहीं बचाएगा।

इन बातों को याद करो और कराहो, हे भटकाए गए लोगों पश्चाताप करो, हृदय से लौट आओ। और युग के पहले समय को याद करो, कि मैं परमेश्वर हूँ, और मेरे सिवाय अब कोई नहीं है। अंतिम बातों को उनके घटित होने से पहले ही घोषित करते हुए, और साथ ही वे पूर्ण हो गई, और मैंने कहा, मेरी सम्पूर्ण योजना स्थिर रहेगी, और जितना भी मैंने निश्चय किया है, वह सब मैं करूँगा। पूर्व से एक सुंदर पक्षी को बुलाते हुए, और दूर की पृथ्वी से, जिसके विषय में मैंने योजना बनाई थी, मैंने बोला और लाया, मैंने सृजा और बनाया, मैंने उसे लाया, और उसके मार्ग को समृद्ध किया।

मेरी सुनो, हे वे जिन्होंने हृदय खो दिया है, हे वे जो न्याय से दूर हैं। मैंने अपने न्याय को निकट लाया है, और अपने उद्धार में विलम्ब नहीं करूँगा, मैंने सिय्योन में इस्राएल को महिमा के लिए उद्धार दिया है।

47

नीचे उतर आ, भूमि पर बैठ जा, हे बाबुल की कुंवारी पुत्री, भूमि पर बैठ जा, हे कसदियों की पुत्री, क्योंकि अब तू कोमल और सुकुमार कहलाने के लिए नहीं जोड़ी जाएगी। चक्की लो, आटा पीसो, अपना आवरण खोलो, अपने सफेद बाल खोलो, अपनी पिंडलियाँ ऊपर उठाओ, नदियाँ पार करो। तेरी शर्म उजागर होगी, तेरे अपमान दिखाई देंगे। मैं तुझसे न्याय लूँगा; अब मैं मनुष्यों को नहीं सौंपूँगा।

वह जिसने तुझे छुड़ाया, प्रभु सबाओत, उसका नाम पवित्र इस्राएल है।

बैठ जाओ, हे छेदी गई, अंधकार में प्रवेश करो, हे कसदियों की पुत्री, अब तुम्हें राज्य की शक्ति नहीं कहा जाएगा। मैं अपने लोगों पर उत्तेजित किया गया था, तूने मेरी विरासत को अपवित्र किया, मैंने उनको तेरे हाथ में दिया, लेकिन तूने उनको दया नहीं दी, तूने बुजुर्ग का जुआ बहुत भारी कर दिया, और तूने कहा, मैं युग तक शासन करती रहूँगी, तूने इन बातों पर अपने हृदय में विचार नहीं किया, और न ही तूने अंतिम बातों को याद किया।

अब सुनो ये बातें, हे कोमल, जो बैठी है, जो विश्वास करती है, जो अपने हृदय में कहती है, मैं हूँ, और कोई दूसरी नहीं है, मैं विधवा नहीं बैठूँगी, न मैं अनाथपन जानूँगी। अब लेकिन ये दोनों बातें तुम पर अचानक एक ही दिन में आएँगी—निःसंतानता और विधवापन अचानक तुम पर आएगा, तुम्हारे जादूटोने में, तुम्हारे मंत्रतंत्र की अत्यधिक शक्ति में। तेरी दुष्टता की आशा में, तूने कहा, मैं

हूँ, और कोई दूसरा नहीं है। जान ले, इनकी समझ होगी, और तेरा व्यभिचार तुझे शर्म होगा, और तूने अपने हृदय में कहा, मैं हूँ, और कोई दूसरा नहीं है।

और तुम पर विनाश आएगा, और तुम नहीं जानोगे। गह्वा, और उसमें गिरेगा। और तुम पर दुख आएगा, और तुम शुद्ध होने में सक्षम नहीं होगे। और तुम पर अचानक विनाश आएगा, और तुम नहीं जानोगे। अब अपने जादू-टोने में खड़ा हो और अपनी बहुत जादूगरी में, जो तूने अपनी युवावस्था से सीखी है, यदि तू लाभान्वित हो सकेगा। तू अपने परामर्शों में थक गया है। आकाश के ज्योतिषी, जो तारों को देखते हैं, वास्तव में खड़े हों और तुझे बचाएं। वे तुझे घोषणा करें कि तुझ पर क्या आने वाला है। देखो, सब सूखी लकड़ियों की तरह आग पर जला दिए जाएंगे, और वे अपनी आत्मा को लपट से नहीं बचा सकेंगे, क्योंकि तेरे पास आग के अंगारे हैं, उन पर बैठ। ये तेरे लिए सहायता होंगे, तूने युवावस्था से परिवर्तन में परिश्रम किया, मनुष्य अपने अनुसार भटक गया, लेकिन तुझे उद्धार नहीं मिलेगा।

48

हे याकूब के घराने, ये बातें सुनो, तुम जो इस्राएल के नाम से बुलाए गए हो, और यहूदा से निकले हो, तुम जो प्रभु परमेश्वर इस्राएल के नाम की शपथ लेते हो, परन्तु सत्य के साथ नहीं, और न्याय के साथ भी नहीं याद करते हो। और पवित्र नगर के नाम को थामे हुए, और इस्राएल के परमेश्वर पर भरोसा करते हुए, सेनाओं का प्रभु उसका नाम है। पहले की बातें मैंने पहले ही घोषित कर दी थीं, और वे मेरे मुँह से निकलीं, और सुनाई दीं, अचानक मैंने किया, और वे घटित हुईं।

मैं जानता हूँ कि तुम कठोर हो, और तुम्हारी गर्दन लोहे की नस है, और तुम्हारा माथा कांसे का है। और मैंने तुम्हें बहुत पहले घोषणा की थी, जो तुम पर आने से पहले, तुम्हें सुनने योग्य बनाया था, कहीं ऐसा न हो कि तुम कहो कि मूर्तियों ने मुझे बनाया, और तुम कहो कि खुदी हुई छवियों और

ढली हुई छवियों ने मुझे आदेश दिया। तुमने सब कुछ सुना, और तुम नहीं जाने, लेकिन मैंने तुम्हें अब से नई बातें सुनाई, जो होने वाली हैं, और तुमने नहीं कहा। अब यह हो रहा है, यह बहुत पहले नहीं हुआ, और तुमने इन्हें पहले के दिनों में नहीं सुना। ऐसा मत कहो कि हाँ, मैं इन्हें जानता हूँ। न तो तुमने जाना, न तो तुमने विश्वास किया, न ही शुरुआत से मैंने तुम्हारे कान खोले, क्योंकि मैं जानता था कि तुम निश्चित रूप से अस्वीकार करोगे, और तुम गर्भ से ही अधर्मी कहलाओगे।

अपने नाम के कारण मैं तुम्हें अपना क्रोध दिखाऊंगा, और अपनी महिमा तुम पर लाऊंगा, ताकि मैं तुम्हें नष्ट न करूं। देखो, मैंने तुम्हें बेचा है, चाँदी के लिए नहीं, लेकिन मैंने तुम्हें गरीबी की भट्टी से छुड़ाया है। मेरे कारण मैं तुम्हारे लिए यह करूँगा, क्योंकि मेरा नाम अपवित्र किया गया है, और मैं अपनी महिमा किसी दूसरे को नहीं दूँगा।

सुनो मेरी बात हे याकूब, और हे इस्राएल जिसे मैं बुलाता हूँ, मैं प्रथम हूँ, और मैं सदा के लिए हूँ। और मेरे हाथ ने भूमि की नींव रखी, और मेरे दाहिने हाथ ने स्वर्ग को स्थापित किया, मैं उन्हें बुलाऊंगा, और वे एक साथ खड़े होंगे। और सब एकत्रित होंगे, और सुनेंगे, किसने उन्हें ये बातें बताई? तुमसे प्रेम करते हुए मैंने तुम्हारी इच्छा बाबुल पर पूरी की, कसदियों के वंश को उठाने के लिए। मैं बोला, मैंने बुलाया, वे उसे लाए, और मैंने उसका रास्ता सफल बनाया।

मेरे पास आओ और ये बातें सुनो, मैंने आरंभ से गुप्त रूप से नहीं बोला है, जब यह हुआ, मैं वहाँ था, और अब प्रभु प्रभु ने मुझे भेजा है, और उसका आत्मा। इस प्रकार प्रभु कहता है; जिसने तुझे छुड़ाया, इस्राएल का पवित्र, मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मैंने तुझे वह मार्ग दिखाया है जिसमें तू चले। और यदि तुमने मेरी आज्ञाओं को सुना होता, तो तुम्हारी शांति नदी के समान हो गई होती, और तुम्हारा न्याय समुद्र की लहर के समान। और तेरा वंश रेत के समान होता, और तेरी संतान पृथ्वी की धूल के समान होती, न तो अब तू नष्ट किया जाता, और न तेरा नाम मेरे सामने नष्ट होता।

बाबुल से बाहर निकलो, कसदियों से भागते हुए, खुशी की आवाज़ से घोषणा करो, और यह

सुनाई दे, पृथ्वी के अंत तक घोषणा करो, कहो, प्रभु ने अपने दास याकूब को बचाया, और यदि वे रेगिस्तान में प्यासे होंगे, तो वह उन्हें ले जाएगा, वह उनके लिए चट्टान से पानी निकालेगा, चट्टान फटेगी, और पानी बहेगा, और मेरे लोग पिएंगे। अधर्मियों के लिए आनंद नहीं है, प्रभु कहते हैं।

49

मेरी सुनो हे द्वीपों, और ध्यान दो हे राष्ट्रों, बहुत समय के बाद यह स्थापित होगा, प्रभु कहते हैं, मेरी माता के गर्भ से उसने मेरा नाम पुकारा। और उसने मेरे मुँह को तेज तलवार के समान रखा, और उसने अपने हाथ के आवरण में मुझे छिपाया, उसने मुझे चुने हुए तीर के समान रखा, और अपने तरकश में मुझे छिपाया और उसने मुझसे कहा, तू मेरा दास है, हे इस्राएल, और तुझ में मैं महिमावान होऊंगा। और मैंने कहा, मैंने व्यर्थ में परिश्रम किया, मैंने अपनी शक्ति व्यर्थ और शून्य में दे दी, इसलिए मेरा न्याय प्रभु के पास है, और मेरा श्रम मेरे परमेश्वर के सामने है। और अब प्रभु इस प्रकार कहते हैं, जिन्होंने मुझे गर्भ से अपने लिए दास बनाया, याकूब को उनकी ओर और इसराएल को इकट्ठा करने के लिए, मैं इकट्ठा किया जाऊंगा और प्रभु के सामने महिमामंडित किया जाऊंगा, और मेरे देवता मेरी शक्ति होंगे। और उसने मुझसे कहा, तुझे मेरा सेवक बुलाया जाना महान है, याकूब के कुलों को स्थापित करना और इस्राएल के बिखराव को लौटाना। देखो, मैंने तुझे जाति की वाचा में दिया है, जातियों के प्रकाश में, पृथ्वी के अंत तक उद्धार में होना तुझे।

इस प्रकार प्रभु कहता है, जिसने तुझे छुड़ाया, इस्राएल का परमेश्वर: उसे पवित्र करो जो अपनी आत्मा को तुच्छ जानता है, जो जातियों द्वारा घृणित है, शासकों के दासों का। राजा उसे देखेंगे, और शासक उठेंगे, और उसे दण्डवत करेंगे, प्रभु के कारण, क्योंकि इस्राएल का पवित्र विश्वासयोग्य है, और मैंने तुझे चुना है।

इस प्रकार प्रभु कहते हैं, स्वीकार्य समय में मैंने तुम्हारी सुनी, और उद्धार के दिन में मैंने तुम्हारी सहायता की, और मैंने तुम्हें रूप दिया, और मैंने तुम्हें जातियों की वाचा में दिया ताकि भूमि को स्थापित करो, और उजाड़ उत्तराधिकारों को उत्तराधिकार में लो। बंधनों में पड़े लोगों से कहते हुए, निकल आओ, और अंधकार में रहने वालों से, प्रकट हो जाओ, वे सब मार्गों में चराए जाएंगे, और सब पगडंडियों में उनका चरागाह होगा। वे न भूखे होंगे, न प्यासे होंगे, न जलती गर्मी उन्हें मारेगी, न सूरज, लेकिन जो उन पर दया करता है वह उन्हें सांत्वना देगा, और पानी के झरनों के माध्यम से उन्हें ले जाएगा। और मैं हर पहाड़ को रास्ता बना दूंगा, और हर पगडंडी को उनके लिए चारागाह बना दूंगा। देखो, ये दूर से आएंगे—ये उत्तर से और समुद्र से, और दूसरे फारसियों की भूमि से।

हे स्वर्गों, प्रसन्न हो, और पृथ्वी आनंदित हो, पहाड़ आनंद से फूट पड़ें, क्योंकि परमेश्वर ने अपने लोगों पर दया की है, और अपने लोगों के दीनों को सांत्वना दी है।

सियोन ने कहा, प्रभु ने मुझे छोड़ दिया है, और प्रभु मुझे भूल गया है। क्या कोई स्त्री अपने बच्चे को भूल सकती है, या अपने गर्भ की संतान पर दया न करे? यदि वह भी इन्हें भूल जाए, लेकिन मैं तुम्हें नहीं भूलूंगा, प्रभु ने कहा।

देखो, मैंने अपने हाथों पर तुम्हारी दीवारें चित्रित की हैं, और तुम सदा मेरे सामने हो। और तुम शीघ्र उन्हीं के द्वारा बनाए जाओगे जिन्होंने तुम्हें ध्वस्त किया था, और जिन्होंने तुम्हें उजाड़ा था वे तुम में से निकल जाएंगे।

अपनी आँखें चारों ओर उठाओ और सब को देखो, देखो वे इकट्ठे हुए और तुम्हारे पास आए। मैं जीवित हूँ, प्रभु कहते हैं, कि तुम उन सब को आभूषण की तरह पहनोगी, और उन्हें दुल्हन की तरह आभूषण के रूप में धारण करोगी। क्योंकि तुम्हारे उजाड़ स्थान और नष्ट हुए और गिरे हुए स्थान, अब निवासियों से संकट में होंगे, और तुम्हें निगलने वाले तुमसे दूर हो जाएंगे। वे तुम्हारे

कानों में कहेंगे, तुम्हारे पुत्र जिनको तुमने खो दिया था, यह स्थान मेरे लिए संकीर्ण है, मेरे लिए स्थान बनाओ ताकि मैं निवास कर सकूँ। और तू अपने हृदय में कहेगी, किसने मेरे लिए इनको जन्म दिया? मैं तो निःसंतान और विधवा थी। इनको किसने पाला? मैं तो अकेली छोड़ दी गई थी, ये कहाँ थे?

इस प्रकार प्रभु परमेश्वर कहते हैं, देखो, मैं राष्ट्रों की ओर अपना हाथ उठाता हूँ, और द्वीपों की ओर अपना संकेत उठाऊंगा, और वे तुम्हारे पुत्रों को गोद में लाएंगे, और तुम्हारी पुत्रियों को कंधों पर उठाएंगे। और राजा तेरे पालनेवाले होंगे, और उनकी शासक तेरी पालनेवाली होंगी, पृथ्वी के चेहरे पर वे तुझे झुकेंगे, और तेरे पैरों की धूल चाटेंगे, और तू जानेगा कि मैं प्रभु हूँ, और जो मुझे सहते हैं वे शर्मिदा नहीं होंगे।

क्या कोई विशालकाय से लूट नहीं लेगा? और यदि कोई अन्यायपूर्वक बंदी बनाता है, तो क्या वह बचाया जाएगा? क्योंकि प्रभु इस प्रकार कहते हैं, यदि कोई विशालकाय को बंदी बनाए, तो वह लूट की सामग्री लेगा, लेकिन शक्तिशाली से लेते हुए बचाया जाएगा, मैं तेरे न्याय का न्याय करूंगा, और मैं तेरे पुत्रों को छुड़ाऊंगा, और जिन्होंने तुझे सताया है वे अपना मांस खाएंगे, और नए दाखरस की तरह अपना रक्त पिएंगे, और नशे में होंगे, और सब शरीर समझेगा कि मैं प्रभु हूँ जिसने तुझे छुड़ाया है, और याकूब की शक्ति को पकड़ने वाला हूँ।

50

इस प्रकार प्रभु कहता है, तुम्हारी माता का तलाक का वह कौन सा पत्र है जिससे मैंने उसे भेजा? या मैंने तुम्हें किस लेनदार को बेचा? देखो, तुम अपने पापों के कारण बेचे गए, और अपने अधर्मों के कारण मैंने तुम्हारी माता को भेजा। क्या हुआ कि मैं आया, और कोई आदमी नहीं था? मैंने बुलाया, और कोई आज्ञाकारी नहीं था; क्या मेरा हाथ बचाने के लिए शक्तिशाली नहीं है? या

क्या मैं छुड़ाने के लिए शक्तिशाली नहीं हूँ? देखो, मेरी फटकार से मैं समुद्र को उजाड़ दूँगा, और नदियों को सुनसान कर दूँगा, और उनकी मछलियाँ पानी न होने से सूख जाएंगी, और प्यास में मर जाएंगी। मैं स्वर्ग को अंधकार से ढक दूँगा, और उसके आवरण को टाट के समान बना दूँगा।

प्रभु प्रभु मुझे शिक्षा की जीभ देता है, यह जानने के लिए कि कब वचन कहना आवश्यक है। उसने सुबह मुझे जगाया, उसने मुझे सुनने के लिए कान दिया। और प्रभु प्रभु की शिक्षा मेरे कान खोलती है, मैं परन्तु अवज्ञा नहीं करता हूँ, और न विरोध करता हूँ। मैंने अपनी पीठ कोड़ों को दे दी, और अपने गालों को थप्पड़ों को, और अपना चेहरा थूकने की लज्जा से नहीं फेरा। और प्रभु मेरा सहायक हुआ, इसलिए मैं लज्जित नहीं हुआ, बल्कि मैंने अपना चेहरा ठोस चट्टान के समान रखा, और मैं जानता था कि मैं लज्जित नहीं होऊँगा। क्योंकि वह जो मुझे न्यायसंगत ठहराता है, पास आ रहा है, कौन है जो मेरे विरुद्ध न्याय करता है? वह मेरे साथ ही विरोध करे, और कौन है जो मेरे विरुद्ध न्याय करता है? वह मेरे पास आए। देखो, प्रभु मेरी सहायता करेंगे, कौन मुझे हानि पहुँचाएगा? देखो, तुम सब वस्त्र की तरह पुराने हो जाओगे, और कीड़ा तुम्हें खा जाएगा।

तुम में से कौन प्रभु से डरता है? वह उसके सेवक की आवाज़ सुने, जो अंधकार में चलते हैं, और उनके पास प्रकाश नहीं है, प्रभु के नाम पर विश्वास करो, और परमेश्वर पर सहारा लो। देखो, तुम सब आग जलाते हो और लौ को मजबूत करते हो, अपनी आग के प्रकाश में जाओ और उस लौ में जो तुमने जलाई, मेरे द्वारा ये तुम्हें हुआ, तुम दुःख में सोओगे।

51

हे न्याय का अनुसरण करने वाले और प्रभु को खोजने वाले, मेरी सुनो; उस ठोस चट्टान की ओर देखो जिसे तुमने काटा था, और उस गड्ढे के कुंड की ओर जिसे तुमने खोदा था। देखो अब्राहम को, जो तुम्हारा पिता है, और सारा को, जिसने तुम्हें जन्म दिया, क्योंकि वह एक था, और मैंने

उसे बुलाया, और मैंने उसे आशीर्वाद दिया, और मैंने उसे प्रेम किया, और मैंने उसे बढ़ाया। और मैं अब तुम्हें सांत्वना दूंगा, हे सिय्योन, और मैंने उसके सब उजाड़ स्थानों को सांत्वना दी है, और मैं उसके उजाड़ स्थानों को स्वर्ग के समान बनाऊंगा, और उसके पश्चिम को प्रभु के स्वर्ग के समान बनाऊंगा। वे उसमें आनंद और उल्लास पाएंगे, स्वीकारोक्ति और स्तुति की आवाज़।

मेरी सुनो, हे मेरे लोगों मेरी सुनो, और हे राजाओ मेरी ओर कान लगाओ, क्योंकि व्यवस्था मुझसे निकलेगी, और मेरा न्याय राष्ट्रों के लिए प्रकाश होगा। मेरी धार्मिकता शीघ्र निकट आती है, और मेरा उद्धार प्रकाश के समान निकलेगा, और राष्ट्र मेरी भुजा में आशा रखेंगे, द्वीप मेरी प्रतीक्षा करेंगे, और वे मेरी भुजा में आशा रखेंगे। अपनी आँखें स्वर्ग की ओर उठाओ, और नीचे पृथ्वी की ओर देखो, क्योंकि स्वर्ग धुँएँ के समान दृढ़ हो गया है, और पृथ्वी वस्त्र के समान पुरानी हो जाएगी, और निवास करने वाले इसी प्रकार मर जाएँगे, परन्तु मेरा उद्धार सदा तक बना रहेगा, और मेरी धार्मिकता कभी समाप्त नहीं होगी।

हे न्याय जानने वाले लोगो, जिनके हृदय में मेरी व्यवस्था है, मेरी सुनो; मनुष्यों की निन्दा से मत डरो, और उनके तिरस्कार से मत हारो। जैसे वस्त्र समय द्वारा खाया जाएगा, और जैसे ऊन कीड़े द्वारा खाया जाएगा, परन्तु मेरी धार्मिकता युगों तक रहेगी, और मेरा उद्धार पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहेगा।

जागो, जागो यरूशलेम, और अपनी भुजा की शक्ति पहनो, जागो जैसे आरंभ के दिन में, जैसे युग की पीढ़ी। क्या तुम वही नहीं हो जो समुद्र को उजाड़ती है, अगाध गहराई के जल की बहुतायत को? क्या तुम वही नहीं हो जिसने समुद्र की गहराइयों को पार करने का मार्ग बनाया छुड़ाए जा रहे और छुड़ाए गए लोगों के लिए? प्रभु के द्वारा वे लौटाए जाएँगे, और वे आनंद और शाश्वत उल्लास के साथ सिय्योन में आएँगे, उनके सिर पर स्तुति और आनंद उन्हें पकड़ लेगा, पीड़ा और दुःख और कराह भाग गई।

मैं हूँ, मैं हूँ वह जो तुम्हें सांत्वना देता है, जानो कि तुम कौन हो जो नश्वर मनुष्य से डर गए, और मनुष्य के पुत्र से, जो घास की तरह सूख गए। और तुम उस परमेश्वर को भूल गए जिसने तुम्हें बनाया, जिसने स्वर्ग को बनाया और पृथ्वी की नींव रखी, और तुम हमेशा हर दिन अपने उत्पीड़क के क्रोध के चेहरे से डरते रहे, जिस तरह से उसने तुम्हें उठाने की योजना बनाई थी, और अब कहाँ है तुम्हारे उत्पीड़क का क्रोध? क्योंकि तुझे बचाने में वह नहीं रुकेगा और न ही विलंब करेगा। क्योंकि मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ, जो समुद्र को हिलाता है और उसकी लहरों को ध्वनि देता है, सेनाओं का प्रभु मेरा नाम है। मैं अपने शब्द तुम्हारे मुंह में रखूंगा, और अपने हाथ की छाया से तुम्हें ढकूंगा, जिसमें मैंने स्वर्ग को स्थापित किया, और पृथ्वी की नींव रखी, और सिय्योन कहेगा, तुम मेरे लोग हो।

जागो जागो, उठो यरूशलेम, जिसने प्रभु के हाथ से उसके क्रोध का प्याला पिया, क्योंकि पतन का प्याला, क्रोध का प्याला तूने पिया और खाली कर दिया, और तुम्हारे सभी बच्चों में से जिन्हें तुमने जन्म दिया, कोई नहीं था जो तुम्हें सांत्वना देता, और तुम्हारे हाथ को पकड़ने वाला कोई नहीं था, न ही तुम्हारे सभी पुत्रों में से जिन्हें तुमने पाला। इसलिए ये चीजें तुम्हारे विरुद्ध हैं, कौन तुम्हारे साथ शोक करेगा? लाश और विनाश, अकाल और तलवार, कौन तुम्हें सांत्वना देगा? तेरे पुत्र जो हैरान हैं, जो हर गली के कोने पर सोते हैं जैसे आधा उबला हुआ चुकंदर, जो प्रभु के क्रोध से भरे हैं, प्रभु परमेश्वर के द्वारा थके हुए हैं।

इसलिए सुनो हे दीन की गई, जो नशे में हो, परन्तु शराब से नहीं। इस प्रकार प्रभु परमेश्वर कहता है, जो अपने लोगों का न्याय करता है: देखो, मैंने तुम्हारे हाथ से पतन का प्याला, अपने क्रोध का प्याला ले लिया है, और तुम इसे फिर कभी नहीं पीओगे। और मैं इसे उन लोगों के हाथों में दे दूंगा जिन्होंने तुम्हारे साथ अन्याय किया और उन लोगों के हाथों में जिन्होंने तुम्हें अपमानित किया, जिन्होंने तुम्हारी आत्मा से कहा, झुक जाओ, ताकि हम गुजर सकें, और तुमने अपने बीच के हिस्से को भूमि के बराबर बाहर रख दिया उन लोगों के लिए जो गुजर रहे थे।

जागो, जागो सिख्योन, अपनी शक्ति धारण करो सिख्योन, और तुम अपनी महिमा धारण करो हे यरूशलेम, पवित्र नगर, अब खतनारहित और अशुद्ध तुम्हारे द्वारा नहीं जाएगा। धूल को झाड़ दो और उठो, बैठो यरूशलेम, अपनी गर्दन के बंधन को उतार दो, हे सिख्योन की बंदी बेटी।

क्योंकि प्रभु यह कहते हैं: तुम मुफ्त में बेचे गए थे, और चांदी के बिना छुड़ाए जाओगे। इस प्रकार प्रभु कहते हैं, मेरे लोग पहले मिस्र में निवास करने के लिए गए थे, और अशूरियों द्वारा बलपूर्वक ले जाए गए थे। और अब तुम यहाँ क्या कर रहे हो? प्रभु यह कहते हैं कि मेरे लोगों को मुफ्त में ले लिया गया, तुम आश्चर्य करते हो और विलाप करते हो। प्रभु यह कहते हैं, तुम्हारे कारण मेरे नाम की लगातार राष्ट्रों में निन्दा की जाती है। इसलिए मेरे लोग उस दिन मेरा नाम जानेंगे, कि मैं वही हूँ जो बोल रहा है, पहाड़ों पर ऋतु के समान उपस्थित हूँ। जैसे शुभ समाचार लाने वाले के पैर हैं जो शांति का संदेश सुनाते हैं, जैसे वह अच्छी बातों का शुभ समाचार लाता है, क्योंकि मैं तेरे उद्धार को सुनाई देने योग्य बनाऊंगा, यह कहते हुए, सिख्योन, तेरा परमेश्वर राज्य करेगा। क्योंकि तुम्हारे रक्षकों की आवाज़ ऊंची उठाई गई, और वे एक साथ आवाज़ से आनंदित होंगे, क्योंकि वे आंखों से आंखें मिलाकर देखेंगे, जब प्रभु सिख्योन पर दया करेंगे। यरूशलेम के उजाड़ स्थान एक साथ आनंद से फूट पड़ें, क्योंकि प्रभु ने उस पर दया की, और यरूशलेम को बचाया। और प्रभु अपनी पवित्र भुजा को सब राष्ट्रों के सामने प्रकट करेगा, और पृथ्वी के सब छोर हमारे परमेश्वर से मिलने वाले उद्धार को देखेंगे।

हटो, हटो, वहाँ से निकल जाओ, और अशुद्ध को मत छूना। उसके बीच से निकल जाओ, अलग हो जाओ तुम जो प्रभु के बर्तन ले जाते हो। क्योंकि तुम उपद्रव के साथ बाहर नहीं जाओगे, और न ही भागते हुए चलोगे, क्योंकि प्रभु तुम्हारे आगे पहले जाएगा, और इस्राएल का परमेश्वर जो तुम्हें एकत्र करता है।

देखो, मेरा सेवक समझेगा, और ऊंचा किया जाएगा, और बहुत महिमामंडित किया जाएगा। जिस प्रकार बहुत से लोग तुम पर चकित होंगे, उसी प्रकार तुम्हारा रूप मनुष्यों से महिमाहीन होगा, और तुम्हारी महिमा मनुष्यों के पुत्रों से। इस प्रकार बहुत से राष्ट्र उस पर आश्चर्य करेंगे, और राजा अपना मुख बंद करेंगे, क्योंकि जिनको उसके विषय में सूचित नहीं किया गया था, वे देखेंगे, और जिन्होंने नहीं सुना था, वे समझेंगे।

53

हे प्रभु, किसने हमारे सुनाए गए संदेश पर विश्वास किया? और प्रभु की भुजा किस पर प्रकट हुई? हमने घोषणा की कि वह उसके सामने एक बच्चे के समान था, प्यासी भूमि में जड़ के समान, उसका कोई रूप नहीं था, न कोई महिमा, और हमने उसे देखा, और उसमें न रूप था न सुंदरता। लेकिन उसका रूप अपमानित था, और मनुष्यों के पुत्रों के बीच नष्ट हो रहा था, वह घाव में पड़ा मनुष्य था, और रोग सहन करना जानता था, क्योंकि उसका चेहरा फेर लिया गया था, वह अपमानित किया गया, और गिना नहीं गया। यह हमारे पापों को वहन करता है और हमारे लिए पीड़ित है, और हमने उसे कष्ट में, घाव में और हानि में समझा। वह स्वयं हमारे पापों के कारण घायल किया गया, और हमारे अधर्मों के कारण कुचला गया है, हमारी शांति की शिक्षा उस पर थी, उसके घाव से हम चंगे किए गए। हम सब भेड़ों की तरह भटक गए, हर आदमी अपने रास्ते पर भटक गया, और प्रभु ने उसे हमारे पापों के लिए सौंप दिया।

और उसने दुर्व्यवहार सहने के कारण अपना मुँह नहीं खोला, जैसे भेड़ को वध के लिए ले जाया गया, और जैसे मेमना ऊन कतरने वाले के सामने मूक रहता है, वैसे ही उसने अपना मुँह नहीं खोला। उसके अपमान में उसका न्याय उठा लिया गया, उसकी पीढ़ी का कौन वर्णन करेगा? क्योंकि पृथ्वी से उसका जीवन उठा लिया गया, मेरे लोगों के अपराधों से वह मृत्यु की ओर ले जाया गया। और मैं दुष्टों को उसके दफनाने के बदले में दूंगा, और धनवानों को उसकी मृत्यु के

बदले में दूंगा, क्योंकि उसने अधर्म नहीं किया, और न उसके मुख में कपट था। और प्रभु उसे घाव से शुद्ध करना चाहता है, यदि तुम पाप के विषय में दो, तो तुम्हारी आत्मा दीर्घायु बीज देखेगी। और प्रभु उसकी आत्मा के कष्ट को दूर करना चाहता है, उसे प्रकाश दिखाना, और समझ को रूप देना, धर्मी को धर्मी ठहराना जो बहुतों की अच्छी सेवा करता है, और उनके पापों को वह स्वयं उठाएगा। इसलिए वह स्वयं बहुतों को विरासत में पाएगा, और शक्तिशालियों की लूट को बाँटेगा, क्योंकि उसकी आत्मा मृत्यु में सौंपी गई, और वह अधर्मियों में गिना गया, और उसने स्वयं बहुतों के पापों को चढ़ाया, और उनके अधर्मों के कारण सौंपा गया।

54

आनंदित हो बांझ, जो जन्म नहीं देती, जयघोष करो और पुकारो, तुम जो प्रसव पीड़ा में नहीं हो, क्योंकि जंगल की संतानें उस स्त्री की संतानों से अधिक हैं जिसके पास पति है, क्योंकि प्रभु ने कहा है। अपने तम्बू की जगह को चौड़ा करो, और अपने पर्दों को खींचो, मत बचाओ, अपनी रस्सियों को लम्बा करो, और अपनी खूंटियों को मजबूत करो। अभी भी दाहिने और बाएं में फैलाओ, और तुम्हारा वंश राष्ट्रों को विरासत में लेगा, और उजाड़ शहरों में निवास करेगा। मत डरो, क्योंकि तुम शर्मिदा किए गए थे, और न शर्मिदा होओ, क्योंकि तुम्हारी निंदा की गई थी, क्योंकि तुम अनंत शर्म को भूल जाओगे, और अपने विधवापन की निंदा को तुम फिर कभी याद नहीं करोगे। क्योंकि प्रभु जो तुझे बनाता है, प्रभु सबाओत उसका नाम है, और जो तुझे छुड़ाता है, वह स्वयं इस्राएल का परमेश्वर है, सारी पृथ्वी में बुलाया जाएगा। प्रभु ने तुझे त्यागी हुई और हतोत्साहित स्त्री के समान नहीं बुलाया है, न ही तुम्हारे परमेश्वर ने युवावस्था से घृणा की गई स्त्री के समान कहा है।

थोड़े समय के लिए मैंने तुम्हें छोड़ दिया, और बड़ी दया के साथ तुम पर दया करूंगा। थोड़े से क्रोध में मैंने अपना मुख तुमसे फेर लिया था, परन्तु अनन्त दया से मैं तुम पर दया करूंगा, यह

प्रभु ने कहा, जो तुम्हारा छुड़ाने वाला है।

नूह के समय के जल से यह मेरे लिए वैसा ही है, जैसे मैंने उस समय में उसे शपथ ली थी, कि भूमि पर तुम पर फिर क्रोधित नहीं होऊंगा, और न ही तुम्हारी धमकी में पहाड़ हटाए जाएंगे। न ही तुम्हारी पहाड़ियाँ हिलाई जाएँगी, इसी प्रकार न ही मेरी ओर से तुम्हें दया समाप्त होगी, और न ही तुम्हारी शांति की वाचा हटाई जाएगी, क्योंकि प्रभु ने कहा है कि वह तुम पर कृपालु है।

हे नम्र और अस्थिर, तुम नहीं बुलाई गई थी। देखो, मैं तुम्हारे लिए तुम्हारा पत्थर कोयला तैयार करता हूँ, और तुम्हारी नींव नीलम। और मैं तुम्हारे कंगूरों को यशब बनाऊंगा, और तुम्हारे द्वारों को स्फटिक के पत्थर, और तुम्हारे घेरे को चुने हुए पत्थर और तुम्हारे सब पुत्र परमेश्वर द्वारा सिखाए गए होंगे, और तुम्हारे बच्चे बहुत शांति में रहेंगे। और तू न्याय में बनाया जाएगा, अन्याय से दूर रह, और तू नहीं डरेगा, और कंपन तेरे पास नहीं आएगा। देखो, परदेशी मेरे द्वारा तुम्हारे पास आएंगे, और तुम्हारे पास निवास करेंगे, और तुम्हारे पास शरण लेंगे।

देखो, मैंने तुम्हें रचा है, लोहार की तरह नहीं जो कोयले फूंकता है और काम के लिए पात्र निकालता है, बल्कि मैंने तुम्हें रचा है, विनाश के लिए नष्ट करने के लिए नहीं। हर हथियार जो तुम्हारे विरुद्ध बनाया जाएगा, वह सफल नहीं होगा, और हर आवाज़ जो तुम्हारे विरुद्ध न्याय में उठेगी, तुम उन सबको हरा दोगे, और वे इसमें तुम्हारे सामने दोषी ठहराए जाएंगे। यह प्रभु की सेवा करने वालों का उत्तराधिकार है, और तुम मेरे लिए धर्मी होगे, प्रभु कहता है।

55

हे प्यासे लोगो, पानी के पास जाओ, और जितने लोगों के पास चांदी नहीं है, वे जाकर खरीदें और बिना चांदी और बिना कीमत के शराब और चर्बी खाएं। तुम चांदी को क्यों मूल्यवान मानते हो,

और तुम्हारा परिश्रम तृप्ति में क्यों नहीं है? मेरी बात सुनो, और तुम अच्छी चीजें खाओगे, और तुम्हारी आत्मा अच्छी चीजों में आनंद लेगी।

अपने कानों से ध्यान दो, और मेरे मार्गों का अनुसरण करो, मेरी सुनो, और तुम्हारी आत्मा अच्छी चीजों में जीवित रहेगी, और मैं तुम्हारे साथ शाश्वत वाचा बनाऊंगा, दाऊद की पवित्र और विश्वासयोग्य चीजें। देखो, मैंने उसे राष्ट्रों में गवाही के रूप में दिया, राष्ट्रों का शासक और आज्ञा देने वाला। राष्ट्र जो तुम्हें नहीं जानते हैं, तुम्हें पुकारेंगे, और लोग जो तुम्हें नहीं जानते हैं, तुम्हारे पास शरण के लिए भागेंगे, प्रभु तुम्हारे परमेश्वर, इस्राएल के पवित्र के कारण, क्योंकि उसने तुम्हें महिमा दी है।

प्रभु को खोजो, और जब उसे पाओ तो उसे पुकारो, जब वह तुम्हारे निकट आए। अधर्मी अपने रास्ते छोड़ दे, और अधर्मी मनुष्य अपनी योजनाएं छोड़ दे, और प्रभु की ओर लौटे, और उस पर दया की जाएगी, क्योंकि वह तुम्हारे पापों को बहुत क्षमा करेगा। क्योंकि मेरी योजनाएं तुम्हारी योजनाओं जैसी नहीं हैं, और न ही तुम्हारे मार्ग मेरे मार्ग जैसे हैं, प्रभु कहते हैं। लेकिन जैसे स्वर्ग पृथ्वी से दूर है, वैसे ही मेरा मार्ग तुम्हारे मार्गों से दूर है, और तुम्हारे विचार मेरे मन से दूर हैं। जैसे वर्षा या हिम स्वर्ग से नीचे आती है और तब तक वापस नहीं लौटती जब तक भूमि को सींच न दे, और उसे उत्पन्न न करे, और अंकुरित न करे, और बोने वाले को बीज न दे, और भोजन के लिए रोटी न दे, इस प्रकार होगा मेरा वचन, जो यदि मेरे मुख से निकले, वह कदापि नहीं लौटेगा, जब तक पूरा न हो जाए जितना मैंने चाहा, और मैं तुम्हारे मार्गों को समृद्ध करूंगा, और मेरी आज्ञाओं को। क्योंकि तुम आनंद में बाहर जाओगे, और खुशी में सिखाए जाओगे, क्योंकि पहाड़ और पहाड़ियाँ तुम्हारा स्वागत करते हुए खुशी में कूदेंगे, और खेत के सब पेड़ अपनी शाखाओं से ताली बजाएँगे। और झाड़ी के ढेर की जगह सनोबर उगेगा, और फलीबेन की जगह मेंहदी उगेगा, और यह प्रभु के लिए नाम होगा, और शाश्वत चिन्ह होगा, और यह कभी विफल नहीं होगा।

प्रभु यह कहते हैं: न्याय को बनाए रखो और धार्मिकता का पालन करो, क्योंकि मेरा उद्धार निकट आ गया है और मेरी दया प्रकट होने वाली है। धन्य है वह पुरुष जो ये कार्य करता है, और वह मनुष्य जो इन्हें दृढ़ता से पकड़े रहता है, और विश्रामदिनों की रक्षा करता है और उन्हें अपवित्र नहीं करता, और अपने हाथों को अन्याय के कार्य करने से बचाए रखता है।

विदेशी जो प्रभु की ओर रहता है, वह यह न कहे कि प्रभु मुझे अपने लोगों से अलग कर देगा, और नपुंसक यह न कहे कि मैं सूखा पेड़ हूँ। प्रभु नपुंसकों से ये बातें कहते हैं, जितने भी मेरे सब्बों को रखें, और जो मैं चाहता हूँ उसे चुनें, और मेरी वाचा को मजबूती से पकड़ें, मैं उन्हें अपने घर में और अपनी दीवार में एक प्रसिद्ध स्थान दूंगा, जो पुत्रों और पुत्रियों से बेहतर है, मैं उन्हें शाश्वत नाम दूंगा, और वह समाप्त नहीं होगा और उन विदेशियों को जो प्रभु के साथ निवास करते हैं, उसकी सेवा करने के लिए, और प्रभु के नाम से प्रेम करने के लिए, उसके दास और दासियाँ होने के लिए, और उन सबको जो मेरे सब्ब को अपवित्र नहीं करते हुए पालन करते हैं, और मेरी वाचा को दृढ़ता से थामे रहते हैं, मैं उनको अपने पवित्र पहाड़ में लाऊंगा, और अपने प्रार्थना के घर में उनको प्रसन्न करूंगा। उनके होमबलि और उनके बलिदान मेरी वेदी पर स्वीकार्य होंगे, क्योंकि मेरा घर सब राष्ट्रों के लिए प्रार्थना का घर कहलाएगा। प्रभु ने कहा, जो बिखरे हुए इस्राएल को इकट्ठा करता है, कि मैं उस पर सभा को इकट्ठा करूंगा।

सभी जंगली पशु, आओ, खाओ, वन के सभी पशु। देखो, कि सब अंधे कर दिए गए हैं, उन्होंने नहीं जाना, गूंगे कुत्ते भौंकने में सक्षम नहीं होंगे, सपने देखते हुए बिस्तर पर, झपकी लेने से प्रेम करते हुए। और ये कुत्ते आत्मा में निर्लज्ज हैं, तृप्ति को नहीं जानते, और दुष्ट हैं, समझ को नहीं जानते, सभी ने अपने-अपने मार्गों का अनुसरण किया है, प्रत्येक ने अपने स्वयं के अनुसार।

देखो कैसे वह धर्मी नष्ट हो गया, और कोई भी हृदय में इसे ग्रहण नहीं करता, और धर्मी पुरुष उठा लिए जाते हैं, और कोई भी नहीं समझता, क्योंकि अन्याय के मुख से वह धर्मी उठा लिया गया है। उसका दफन शांति में होगा, उसे बीच से हटा लिया गया है।

परन्तु तुम यहाँ लाओ, हे अधर्मियों के पुत्रो, व्यभिचारियों और वेश्या की सन्तान। किसमें तुमने आनंद मनाया? और किस पर तुमने अपना मुँह खोला? और किस पर तुमने अपनी जीभ ढीली की? क्या तुम विनाश की संतान नहीं हो? अधर्मी बीज? वे जो घने पेड़ों के नीचे मूर्तियों की पूजा करते हैं, चट्टानों के बीच खाइयों में अपने बच्चों का वध करते हैं। वह तेरा भाग है, यह तेरा हिस्सा है, और उनके लिए तूने पेय-बलि उंडेली, और इनके लिए तूने बलिदान चढ़ाए, तो क्या इन पर मैं क्रोधित नहीं होऊंगा?

ऊँचे और ऊँचे पहाड़ पर, वहाँ तुम्हारा बिस्तर था, और वहाँ तुमने अपने बलिदान चढ़ाए। और तुमने अपने द्वार के चौखटों के पीछे अपने स्मारक रखे। तुमने सोचा कि यदि तुम मुझसे हट जाओ, तो तुम्हारे पास अधिक कुछ होगा। तुमने उन्हें प्रेम किया जो तुम्हारे साथ सोते थे। और तूने उनके साथ अपना व्यभिचार बढ़ाया, और तूने बहुतों को अपने से दूर किया, और तूने अपनी सीमाओं से परे राजदूत भेजे, और तू अधोलोक तक नीचा किया गया। अपनी अनेक यात्राओं में तू थक गया, और तूने नहीं कहा कि मैं रुकूंगा, बल स्वयं को मजबूत बनाते हुए, क्योंकि तूने ये काम किए, इसलिए तूने मेरी कमी महसूस नहीं की।

किसी से डर रखते हुए तुमने भय किया, और तुमने मुझसे झूठ बोला, और तुमने मुझे याद नहीं किया, न ही तुमने मुझे अपने मन में लिया, न ही अपने हृदय में; और मैं तुम्हें देखते हुए भी अनदेखा करता हूँ, और तुमने मुझसे भय नहीं किया।

और मैं तेरी धार्मिकता की घोषणा करूंगा, और तेरी बुराइयों की भी, जो तुझे लाभ नहीं देंगी। जब तू चिल्लाएगा, तो ये तुझे तेरे संकट में बचाएं, क्योंकि इन सबको हवा उड़ा ले जाएगी, और तूफान बहा ले जाएगा, लेकिन जो मुझे पकड़े रहेंगे वे भूमि को प्राप्त करेंगे, और मेरे पवित्र पहाड़ के वारिस होंगे। और वे कहेंगे, उसके मुख से मार्गों को शुद्ध करो, और मेरे लोगों के मार्ग से ठोकरों को हटाओ।

ये बातें वह सर्वोच्च कहता है, जो ऊँचे स्थानों में युग भर निवास करता है, पवित्र पवित्रों में, उसका नाम, सर्वोच्च पवित्रों में विश्राम करता हुआ, और हताश हृदयों को धैर्य देता हुआ, और टूटे हुए हृदयों को जीवन देता हुआ। मैं युग तक तुम्हें दंड नहीं दूंगा, न ही तुम पर निरंतर क्रोधित रहूंगा, क्योंकि आत्मा मुझसे निकलेगी, और सब श्वास मैंने बनाया है। पाप के कारण मैंने उसे थोड़ा दुःखी किया, और मैंने उसे मारा, और मैंने अपना चेहरा उससे फेर लिया, और वह दुःखी हुआ, और वह उदास होकर अपने मार्गों में चला गया। मैंने उसके मार्गों को देखा है, और मैंने उसे चंगा किया, और मैंने उसे सांत्वना दी, और मैंने उसे सच्ची शांति प्रदान की। शांति पर शांति उनको जो दूर हैं और उनको जो निकट हैं, और प्रभु ने कहा, मैं उन्हें चंगा करूंगा।

वे अन्यायी लोग डगमगाए जाएंगे, और विश्राम करने में सक्षम नहीं होंगे। दुष्टों के लिए आनंद नहीं है, परमेश्वर ने कहा।

58

शक्ति से जोर से चिल्लाओ, और मत बख़्शो, तुरही की तरह अपनी आवाज़ ऊपर उठाओ और मेरे लोगों को उनके पाप बताओ, और याकूब के घर को उनके अधर्म बताओ। वे मुझे दिन-प्रतिदिन खोजते हैं, और मेरे मार्गों को जानने की इच्छा रखते हैं, जैसे कि वे ऐसे लोग हों जिन्होंने धार्मिकता का आचरण किया हो और अपने परमेश्वर के न्याय को नहीं त्यागा हो, वे अब मुझसे

धर्मी न्याय मांगते हैं, और परमेश्वर के निकट आने की इच्छा रखते हैं। कहते हुए, क्या हमने उपवास किया और तुमने नहीं देखा? हमने अपनी आत्माओं को नम्र किया और तुमने नहीं जाना? क्योंकि तुम्हारे उपवास के दिनों में तुम अपनी इच्छाएँ पाते हो, और अपने सभी अधीनों को सताते हो।

यदि तुम निर्णयों और लड़ाइयों के लिए उपवास करते हो, और नम्र को मुठ्ठियों से मारते हो, तो क्यों मेरे लिए उपवास करते हो जैसे आज, ताकि तुम्हारी आवाज़ चिल्लाहट में सुनी जाए? मैंने इस उपवास को नहीं चुना, और न ही यह दिन कि मनुष्य अपनी आत्मा को नम्र करे, न ही कि तुम अपनी गर्दन को छल्ले की तरह मोड़ो, और टाट और राख बिछाओ, न ही इस प्रकार तुम स्वीकार्य उपवास घोषित करोगे। नहीं, ऐसा उपवास मैंने नहीं चुना, प्रभु कहते हैं, बल्कि अन्याय के सभी बंधनों को खोलो, हिंसक लेनदेन के जुओं को खोलो, कुचले गए लोगों को मुक्ति में भेजो, और सभी अन्यायपूर्ण लिखित दस्तावेजों को फाड़ डालो। अपनी रोटी भूखे को तोड़कर दो, और बेघर गरीबों को अपने घर में ले आओ, अगर किसी को गंगा देखो तो उसे कपड़े पहनाओ, और अपने रिश्तेदारों की अनदेखी मत करो।

तब तुम्हारा प्रकाश शीघ्र फूट पड़ेगा, और तुम्हारे उपचार शीघ्रता से उगेंगे, और तुम्हारी धार्मिकता तुम्हारे आगे चलेगी, और परमेश्वर की महिमा तुम्हें घेरेगी। तब तुम पुकारोगे, और परमेश्वर तुम्हारी सुनेगा; तुम्हारे बोलते ही वह कहेगा, देखो, मैं यहाँ हूँ, यदि तुम अपने बीच से बंधन, और हाथ उठाना, और कुड़कुड़ाने के वचन को दूर करो। और तुम अपनी आत्मा से भूखे को रोटी दो, और दीन की गई आत्मा को संतुष्ट करो, तब अंधकार में तुम्हारा प्रकाश उगेगा, और तुम्हारा अंधकार दोपहर के समान होगा, और तुम्हारा परमेश्वर निरंतर तुम्हारे साथ रहेगा, और तुम वैसे ही तृप्त किए जाओगे जैसे तुम्हारी आत्मा चाहती है, और तुम्हारी हड्डियाँ मोटी हो जाएँगी, और तुम सिंचित बगीचे के समान होंगे, और उस जल-स्रोत के समान जिसका जल कभी सूखता नहीं। और तुम्हारे शाश्वत उजाड़ स्थान निर्मित किए जाएंगे, और तुम्हारी नींव पीढ़ी दर पीढ़ी शाश्वत होगी, और तुम दरारों का निर्माता कहलाओगे, और तुम अपने बीच के पथों को रोकोगे।

यदि तुम अपना पैर सब्बाथों से मोड़ लो ताकि पवित्र दिन में अपनी इच्छाएं न करो, और सब्बाथों को कोमल, परमेश्वर के लिए पवित्र कहो, तो तुम अपना पैर काम पर न उठाओगे, न अपने मुंह से क्रोध में शब्द बोलोगे, और तू प्रभु पर विश्वास करता हुआ होगा, और वह तुझे पृथ्वी की अच्छी चीजों पर लाएगा, और वह तुझे तेरे पिता याकूब की विरासत खिलाएगा, क्योंकि प्रभु के मुख ने ये बातें बोलीं।

59

क्या प्रभु का हाथ बचाने के लिए मजबूत नहीं है? या क्या उसका कान सुनने के लिए भारी हो गया है? लेकिन तुम्हारे पाप तुम्हारे और परमेश्वर के बीच अलगाव डालते हैं, और तुम्हारे पापों के कारण उसने अपना मुख तुमसे फेर लिया है ताकि दया न करे। क्योंकि तुम्हारे हाथ रक्त से दूषित हैं, और तुम्हारी उंगलियाँ पापों में हैं, और तुम्हारे होंठों ने अधर्म बोला है, और तुम्हारी जीभ अन्याय का अभ्यास करती है।

कोई न्यायपूर्ण बात नहीं बोलता, न कोई सच्चा न्याय है, उन्होंने व्यर्थ चीजों पर विश्वास किया है, और खोखली बातें बोलते हैं, क्योंकि वे कष्ट को गर्भ में धारण करते हैं, और अधर्म को जन्म देते हैं। नागों के अंडे उन्होंने तोड़े, और मकड़ी का जाला वे बुनते हैं, और जो उनके अंडे खाने वाला है, उसने कुचलकर अनुकूल पाया, और उसमें नागराज को पाया। उनका जाला वस्त्र नहीं बनेगा, और न ही वे अपने कर्मों से ढके जाएंगे, क्योंकि उनके कर्म अधर्म के कर्म हैं। उनके पैर दुष्टता की ओर दौड़ते हैं, रक्त बहाने में तेज़ हैं, और उनके विचार हत्याओं से भरे हैं, विनाश और दुख उनके मार्गों में है। और वे शांति का रास्ता नहीं जानते, और उनके रास्तों में न्याय नहीं है, क्योंकि उनकी पगडंडियाँ टेढ़ी हैं जिन पर वे यात्रा करते हैं, और वे शांति नहीं जानते।

इसलिए न्याय उनसे विमुख हो गया, और धार्मिकता उन्हें नहीं पकड़ेगी। उन्होंने प्रकाश की

प्रतीक्षा की, परन्तु उनके लिए अंधकार हो गया। वे चमक में ठहरे रहे, परन्तु असमय में घूमते रहे। वे दीवार को अंधों की तरह टटोलेंगे, और जैसे आँखें विद्यमान न हों वैसे टटोलेंगे, और वे दोपहर में ऐसे गिरेंगे जैसे आधी रात में, मरते हुआ की तरह कराहेंगे। जैसे भालू और जैसे कबूतर एक साथ चलेंगे, हमने न्याय की प्रतीक्षा की, और मुक्ति नहीं है, वह हमसे दूर हो गई है।

बहुत बड़ा है क्योंकि हमारा अधर्म तुम्हारे सामने, और हमारे पाप हमारे विरुद्ध खड़े हुए हैं, क्योंकि हमारे अधर्म हममें हैं, और हमारे अन्याय को हमने जान लिया है। हम अधर्मी हुए और हमने झूठ बोला, और हम अपने परमेश्वर से विमुख हो गए, हमने अन्याय की बातें कहीं और अवज्ञा की, हमने अपने हृदय से अन्यायी शब्दों को गर्भ में धारण किया और उन पर मनन किया। और हमने न्याय को पीछे हटा दिया, और धार्मिकता दूर खड़ी हो गई है, क्योंकि उनके मार्गों में सत्य नष्ट हो गया, और वे सीधे मार्ग से होकर जाने में सक्षम नहीं थे। और सत्य को ले लिया गया है, और उन्होंने समझने की बुद्धि को बदल दिया। और प्रभु ने देखा, और वह प्रसन्न नहीं हुए, क्योंकि न्याय नहीं था।

और उसने देखा, और कोई आदमी नहीं था, और उसने समझा, और कोई सहायता करने वाला नहीं था, और उसने अपनी भुजा से उनका बचाव किया, और दया से स्थापित किया। और उसने धार्मिकता को कवच के समान पहना, और उद्धार का शिरस्त्राण अपने सिर पर पहना, और प्रतिशोध का वस्त्र पहना, और उसका आवरण, जैसे वह शत्रुओं को निंदा का प्रतिशोध देने वाला है। और पश्चिम के लोग प्रभु के नाम से डरेंगे, और सूर्योदय के लोग उस महिमामय नाम से डरेंगे, क्योंकि प्रभु का क्रोध प्रचंड नदी की तरह आएगा, वह क्रोध के साथ आएगा।

और छुड़ानेवाला सिय्योन के लिए आएगा, और वह याकूब से अधर्म को दूर करेगा। और यह उनके साथ मेरी वाचा है, प्रभु ने कहा, मेरा आत्मा जो तुझ पर है, और मेरे वचन जो मैंने तेरे मुँह में दिए हैं, वे तेरे मुँह से असफल नहीं होंगे, और तेरे वंश के मुँह से भी नहीं, क्योंकि प्रभु ने कहा है अब से और युगानुयुग तक।

प्रबुद्ध हो, प्रबुद्ध हो यरूशलेम, क्योंकि तुम्हारा प्रकाश आ गया है, और प्रभु की महिमा तुम पर उदित हो गई है। देखो, अंधकार भूमि को ढकेगा, और घोर अंधकार राष्ट्रों पर छाएगा, परन्तु तुम पर प्रभु प्रकट होगा, और उसकी महिमा तुम पर दिखाई देगी। और राजा तुम्हारे प्रकाश की ओर जाएंगे, और राष्ट्र तुम्हारी चमक की ओर।

अपनी आँखें चारों ओर उठाओ, और अपने एकत्रित बच्चों को देखो, तुम्हारे सब बेटे दूर से आए हैं, और तुम्हारी बेटियाँ कंधों पर उठाई जाएंगी। तब तू देखेगा, और डरेगा, और हृदय में चकित होगा, क्योंकि समुद्र का धन, और जातियों और लोगों का धन तुझ में बदल जाएगा, और ऊंटों के झुंड तेरे पास आएंगे, और मिथान और गैफा के ऊँट तुम्हें ढक लेंगे, शेबा से सब आएंगे जो सोना और लोबान लाते हुए आएंगे, और प्रभु के उद्धार का सुसमाचार सुनाएंगे। और केदार की सभी भेड़ें इकट्ठी की जाएंगी, और नबायोत के मेढ़े आएंगे, और मेरी वेदी पर स्वीकार्य बलि चढ़ाई जाएगी, और मेरी प्रार्थना का घर महिमामंडित किया जाएगा।

ये कौन हैं, जो बादलों की तरह उड़ते हैं, और कबूतरों की तरह अपने चूजों के साथ मेरी ओर आते हैं? द्वीपों ने मेरी प्रतीक्षा की, और तर्शाश के जहाज़ सबसे पहले, तेरे बच्चों को दूर से लाने के लिए, और उनके साथ उनकी चाँदी और सोना, और प्रभु के पवित्र नाम के कारण, और इसलिए कि इस्राएल का पवित्र महिमामय है। और विदेशी तुम्हारी दीवारें बनाएंगे, और उनके राजा तुम्हारे सामने खड़े होंगे, क्योंकि मेरे क्रोध के कारण मैंने तुम्हें मारा, और दया के कारण मैंने तुमसे प्रेम किया। और तुम्हारे द्वार निरंतर खोले जाएंगे, दिन और रात बंद नहीं किए जाएंगे, ताकि तुम्हारे पास राष्ट्रों की शक्ति लाई जाए, और उनके राजा लाए जाते हुए। क्योंकि वे राष्ट्र और वे राजा जो तुम्हारी सेवा नहीं करेंगे, नष्ट हो जाएंगे, और वे राष्ट्र पूर्णतः उजाड़ कर दिए जाएंगे।

और लेबनान की महिमा तुम्हारे पास आएगी, सरो, चीड़ और देवदार के साथ, मेरे पवित्र स्थान को महिमामंडित करने के लिए।

और तुम्हारी ओर डरते हुए आएंगे वे पुत्र जिन्होंने तुम्हें अपमानित किया, और जिन्होंने तुम्हें क्रोधित किया, और तुम पवित्र इस्राएल का नगर सिय्योन कहलाओगे। इस कारण कि तुम त्यागी हुई और घृणा की हुई हो, और कोई सहायता करने वाला नहीं था, मैं तुम्हें शाश्वत आनंद, पीढ़ी दर पीढ़ी की प्रसन्नता बनाऊंगा।

और तुम राष्ट्रों का दूध पिओगे, और राजाओं की संपत्ति खाओगे, और तुम जानोगे कि मैं प्रभु हूँ जो तुम्हें बचाता है, और इस्राएल का परमेश्वर जो तुम्हें छुड़ाता है। और कांसे के बदले मैं तुम्हें सोना लाऊंगा, लोहे के बदले मैं तुम्हें चांदी लाऊंगा, लकड़ी के बदले मैं तुम्हें कांसा लाऊंगा, पत्थरों के बदले लोहा लाऊंगा, और मैं तुम्हारे शासकों को शांति में स्थापित करूंगा, और तुम्हारे निरीक्षकों को धार्मिकता में स्थापित करूंगा। और तुम्हारी भूमि में फिर अन्याय नहीं सुना जाएगा, न विनाश, न तुम्हारी सीमाओं में दुख, लेकिन तुम्हारी दीवारें उद्धार कहलाएंगी, और तुम्हारे द्वार उत्कीर्णन। और अब सूरज तुझे दिन का प्रकाश नहीं देगा, न चाँद का उदय तुझे रात को प्रकाश देगा, लेकिन प्रभु तेरा अनन्त प्रकाश होगा, और परमेश्वर तेरी महिमा होगा। तेरे लिए सूरज अस्त नहीं होगा, और तेरे लिए चाँद घटेगा नहीं, क्योंकि प्रभु तेरे लिए अनन्त प्रकाश होगा, और तेरे शोक के दिन पूरे हो जाएंगे। और तेरे सब लोग धर्मी हैं, वे सदा के लिए भूमि के वारिस होंगे, रोपण की रक्षा करते हुए, जो उसके हाथों का कार्य है, महिमा के लिए। थोड़े लोग हजारों में बदल जाएंगे, और सबसे छोटा एक बड़े राष्ट्र में बदल जाएगा, मैं प्रभु हूँ, उचित समय पर उन्हें इकट्ठा करूंगा।

प्रभु का आत्मा मुझे पर है, क्योंकि उसने मुझे अभिषेक किया है, गरीबों को सुसमाचार सुनाने के लिए मुझे भेजा है, टूटे हुए हृदय वालों को चंगा करने के लिए, बंदियों को मुक्ति की घोषणा करने के लिए, और अंधों को दृष्टि देने के लिए, प्रभु के स्वीकार्य वर्ष को बुलाना, और प्रतिफल के दिन को, सब शोक करने वालों को सांत्वना देना, सिय्योन में शोक करने वालों को राख के बदले महिमा दी जाए, शोक करने वालों को आनंद का लेप दिया जाए, निराशा की आत्मा के बदले महिमा का वस्त्र दिया जाए, और वे धार्मिकता की पीढ़ियां कहलाएंगी, प्रभु का रोपण महिमा के लिए।

और वे शाश्वत उजाड़ स्थानों का निर्माण करेंगे, जो पहले उजड़े हुए थे उन्हें वे उठाएंगे, और वे उजाड़ शहरों का नवीनीकरण करेंगे, जो पीढ़ियों से उजड़े हुए हैं। और विदेशी तुम्हारी भेड़ें चराते हुए आएंगे, और विदेशी हलवाहे और अंगूर के बाग के माली होंगे। परन्तु तुम प्रभु के पुजारी कहलाओगे, परमेश्वर के सेवक, तुम राष्ट्रों की शक्ति खा जाओगे, और उनके धन में प्रशंसित किए जाओगे। इस प्रकार दूसरी बार वे भूमि को विरासत में प्राप्त करेंगे, और शाश्वत आनंद उनके सिर पर होगा। मैं प्रभु हूँ जो धार्मिकता से प्रेम करता है और अन्याय से लूट से घृणा करता है, और मैं उनका परिश्रम धर्मियों को दूँगा, और उनके साथ शाश्वत वाचा बनाऊँगा। और उनका वंश राष्ट्रों में जाना जाएगा, और उनकी संतान लोगों के बीच में, सब देखने वाले उनको पहचानेंगे, क्योंकि ये परमेश्वर द्वारा आशीर्वादित वंश हैं। और वे आनंद में प्रभु पर आनंदित होंगे। मेरी आत्मा प्रभु में आनंदित हो, क्योंकि उसने मुझे मुक्ति का वस्त्र पहनाया, और आनंद का अंगरखा, जैसे दूल्हे को पगड़ी पहनाई, और जैसे दुल्हन को आभूषणों से सजाया।

और जैसे भूमि अपने फूल को बढ़ाती है, और जैसे बगीचा अपने बीजों को उगाता है, उसी प्रकार प्रभु परमेश्वर धार्मिकता और आनंद को सब राष्ट्रों के सामने उगाएंगे।

सिथ्योन के कारण मैं चुप नहीं रहूंगा, और यरूशलेम के कारण मैं नहीं छोड़ूंगा, जब तक उसकी धार्मिकता प्रकाश की तरह न निकले, और मेरा उद्धार मशाल की तरह न जले। और राष्ट्र तुम्हारी धार्मिकता को देखेंगे, और राजा तुम्हारी महिमा को देखेंगे, और वह तुम्हें उस नए नाम से बुलाएगा जो प्रभु उसे देंगे। और तुम प्रभु के हाथ में सुंदरता का मुकुट होगे, और अपने परमेश्वर के हाथ में राज्य का मुकुट होगे। और तुम अब परित्यक्त नहीं कहलाओगी, और तुम्हारी भूमि अब उजाड़ नहीं कहलाएगी, क्योंकि तुम मेरी इच्छा कहलाओगी, और तुम्हारी भूमि बसा हुआ संसार कहलाएगी, क्योंकि प्रभु तुझ में प्रसन्न हुए हैं, और तुम्हारी भूमि बसाई जाएगी।

और जैसे एक युवा पुरुष कुंवारी के साथ रहता है, वैसे ही तुम्हारे पुत्र निवास करेंगे, और जिस रीति से दूल्हा दुल्हन पर आनंदित होता है, उसी प्रकार प्रभु तुम पर आनंदित होगा।

और हे यरूशलेम, तुम्हारी दीवारों पर मैंने रक्षकों को नियुक्त किया है, पूरे दिन और पूरी रात, जो अंत तक चुप नहीं रहेंगे, प्रभु को याद करते हुए। क्योंकि तुम्हारे समान कोई नहीं है, यदि वह सुधार करे और यरूशलेम को पृथ्वी पर गर्व बनाए। प्रभु ने अपनी महिमा और अपनी भुजा की शक्ति के अनुसार शपथ खाई, यदि मैं फिर तेरा अनाज और तेरा भोजन तेरे शत्रुओं को दूंगा, और यदि पराए पुत्र फिर तेरी दाखमधु पिएंगे जिस पर तूने परिश्रम किया। लेकिन जो एकत्र करेंगे वे उन्हें खाएंगे, और प्रभु की स्तुति करेंगे, और जो एकत्र करेंगे वे उन्हें मेरे पवित्र निवासों में पिएंगे।

मेरे फाटकों से होकर जाओ, और मेरे लोगों के लिए मार्ग तैयार करो, और मार्ग से पत्थरों को फेंक दो, राष्ट्रों के लिए संकेत उठाओ। देखो, क्योंकि प्रभु ने पृथ्वी के अंतिम छोर तक सुनाई दिया है, सिथ्योन की पुत्री से कहो, देखो, तुम्हारा उद्धारकर्ता आया है, अपना पारिश्रमिक लिए हुए, और उसका काम उसके चेहरे के सामने है। और वह उसे पवित्र लोग कहेगा, जो प्रभु द्वारा छुड़ाए गए हैं, और तुम खोजी गई नगर कहलाओगी, जो त्यागी नहीं गई।

यह कौन है जो एदोम से आ रहा है, बोसोर से लाल वस्त्रों में? जो इस प्रकार सुंदर वस्त्र पहने हुए है, शक्ति के साथ बल से चल रहा है? मैं धार्मिकता और उद्धार का न्याय बोलता हूँ।

क्यों तुम्हारे वस्त्र लाल हैं, और तुम्हारे वस्त्र ऐसे हैं जैसे रौंदि हुए दाखरस कुंड से? पूर्ण रूप से रौंदि गए, और राष्ट्रों में से कोई पुरुष मेरे साथ नहीं था, और मैंने उन्हें अपने क्रोध में रौंदा, और मैंने उन्हें भूमि के समान चकनाचूर किया, और मैंने उनका रक्त भूमि में गिरा दिया। क्योंकि प्रतिशोध का दिन उन पर आ गया है, और छुटकारे का वर्ष उपस्थित है। और मैंने देखा, और कोई सहायक नहीं था, और मैंने विचार किया, और कोई सहायता नहीं कर रहा था, और मेरी भुजा ने उनको बचाया, और मेरा क्रोध आ गया। और मैंने उनको अपने क्रोध से कुचला, और उनका खून भूमि में गिरा दिया।

प्रभु की दया को मैंने याद किया, प्रभु के गुणों को उन सब में जो वह हमें प्रतिफल देता है। प्रभु इस्राएल के घराने के लिए अच्छा न्यायाधीश है, वह हम पर अपनी दया के अनुसार और अपने न्याय की बहुतायत के अनुसार लाता है।

और उसने कहा, क्या ये मेरे लोग नहीं हैं? बच्चे जो अस्वीकार नहीं करेंगे, और वह उनके लिए उद्धार बन गया। उनके सब क्लेशों से, न कोई बुजुर्ग, न कोई दूत, बल्कि उसने स्वयं उनको बचाया, उनसे प्रेम करने और उन पर दया करने के कारण, उसने स्वयं उनको छुड़ाया, और उनको उठाया, और युग के सब दिनों में उनको ऊँचा किया।

लेकिन उन्होंने स्वयं अवज्ञा की, और उन्होंने उसकी पवित्र आत्मा को उकसाया, और वह उनके लिए शत्रुता में बदल गया, उसने स्वयं उनसे युद्ध किया। और उसने शाश्वत दिनों को याद किया,

कहाँ है वह जो समुद्र से भेड़ों के चरवाहे को ऊपर लाया? कहाँ है वह जिसने उनमें पवित्र आत्मा को रखा? जिसने अपने दाहिने हाथ से मूसा को ले जाया, जिसकी महिमा की भुजा ने उनके सामने से पानी को विभाजित किया, ताकि अपने लिए शाश्वत नाम बनाए। उसने उन्हें अगाध गर्त के माध्यम से ले गया, जैसे घोड़ा रेगिस्तान के माध्यम से, और वे नहीं थके। और जैसे पशु मैदान में जाते हैं, वैसे प्रभु की ओर से आत्मा नीचे आई और उनको ले गई, इस प्रकार तूने अपने लोगों को लाया ताकि अपने लिए महिमा का नाम बनाए।

स्वर्ग से लौटो, और अपने पवित्र घर और अपनी महिमा से देखो, कहाँ है तुम्हारा उत्साह और तुम्हारी शक्ति? कहाँ है तुम्हारी दया की बहुतायत और तुम्हारी करुणा, क्योंकि तुमने हम पर से अपने को रोक लिया है? तू ही हमारा पिता है, क्योंकि अब्राहम ने हमें नहीं जाना, और इस्राएल ने हमें नहीं पहचाना, लेकिन तू, हे प्रभु, हमारा पिता है, हमें छुड़ा; आरंभ से तेरा नाम हम पर है।

हे प्रभु, आपने हमें अपने रास्ते से क्यों भटकाया? आपने हमारे दिलों को कठोर क्यों किया कि हम आपसे न डरें? अपने दासों के लिए लौट आइए, अपनी विरासत के कबीलों के लिए। ताकि हम तुम्हारे पवित्र पहाड़ का थोड़ा भाग विरासत में पा सकें। हम वैसे हो गए जैसे आरंभ से थे जब तुमने हम पर शासन नहीं किया था, न ही तुम्हारा नाम हम पर बुलाया गया था। यदि तुम स्वर्ग को खोलो, तो तुम्हारे सामने पहाड़ कांपने लगेंगे, और पिघल जाएंगे।

64

जैसे मोम आग के सामने से पिघलता है, और आग विरोधियों को जलाएगी, और तेरा नाम विरोधियों में स्पष्ट होगा, तेरे चेहरे से राष्ट्र परेशान होंगे। जब तुम महिमामय कार्य करोगे, तो पहाड़ तुम्हारे कारण कांप उठेंगे।

युग से हमने नहीं सुना, न ही हमारी आँखों ने परमेश्वर को देखा, केवल तुम्हें छोड़कर, और तुम्हारे उन कार्यों को जो तुम उनके लिए करोगे जो दया की प्रतीक्षा करते हैं। वह उन लोगों से मिलेगा जो न्यायपूर्ण कार्य करते हैं, और वे तुम्हारे मार्गों को याद करेंगे। देखो, तुम क्रोधित हुए, और हमने पाप किया, इसलिए हम भटक गए। और हम सब अशुद्ध के समान हो गए, हमारी सारी धार्मिकता अलग बैठी हुई स्त्री के चिथड़े के समान है, और हम अपने अधर्मों के कारण पत्तों की तरह बह गए, इस प्रकार हवा हमें उड़ा ले जाएगी। और कोई नहीं है जो तेरा नाम पुकारता है, और कोई नहीं जो तुझे पकड़ने के लिए याद करता है, क्योंकि तूने अपना चेहरा हमसे फेर लिया है, और हमारे पापों के कारण हमें सौंप दिया है।

और अब हे प्रभु, तू हमारा पिता है, हम मिट्टी हैं, हम सब तेरे हाथों की रचना हैं। हम पर बहुत क्रोधित मत हो, और समय आने पर हमारे पापों को याद मत करो, और अब देखो, क्योंकि हम सब तुम्हारे लोग हैं। तुम्हारा पवित्र शहर उजाड़ हो गया, सिय्योन उजाड़ के समान हो गया, यरूशलेम श्राप में बदल गया। हमारा वह पवित्र घर, और वह महिमा जिसे हमारे पिताओं ने धन्य किया था, आग से जल गया, और हमारी सभी महिमामय वस्तुएँ गिर गईं। और इन सब बातों पर भी आपने संयम रखा, हे प्रभु, और आप मौन रहे, और आपने हमें बहुत अधिक दीन कर दिया।

65

मैं उनके लिए प्रकट हुआ जो मुझे नहीं पूछते थे, मैं उनको मिला जो मुझे नहीं ढूँढते थे, मैंने कहा, देखो मैं हूँ, उस राष्ट्र से जिसने मेरा नाम नहीं पुकारा। मैंने पूरे दिन अपने हाथ उन लोगों की ओर फैलाए जो अवज्ञा करते हैं और विरोध करते हैं, जो अच्छे रास्ते पर नहीं चलते, बल्कि अपने पापों के पीछे चलते हैं। यह लोग जो मुझे मेरे सामने लगातार उकसाते हैं, वे बगीचों में बलिदान करते हैं, और ईंटों पर दुष्टात्माओं को धूप जलाते हैं, जो नहीं है। कब्रों में और गुफाओं में वे स्वप्नों के कारण सोते हैं, जो सूअर का मांस खाते हैं और बलिदानों का शोरबा पीते हैं, उनके सब बर्तन

अपवित्र हैं। वे जो कहते हैं, मुझसे दूर रहो, मेरे पास मत आओ, क्योंकि मैं शुद्ध हूँ, यह मेरे क्रोध का धुआँ है, आग उसमें सभी दिनों तक जलती रहती है।

देखो, यह मेरे सामने लिखा गया है, मैं चुप नहीं रहूँगा जब तक कि मैं उनकी गोद में लौटा न दूँ। उनके पापों को और उनके पिताओं के पापों को, प्रभु कहता है, जिन्होंने पहाड़ों पर धूप जलाई और पहाड़ियों पर मेरी निन्दा की, मैं उनके कर्मों का फल उनकी गोद में लौटाऊँगा।

इस प्रकार प्रभु कहते हैं, जिस तरह गुच्छे में अंगूर पाया जाता है और लोग कहते हैं, इसे नुकसान मत पहुँचाओ, क्योंकि इसमें आशीर्वाद है, उसी प्रकार मैं अपने सेवक के कारण करूँगा, इसी कारण मैं सबको नष्ट नहीं करूँगा। और मैं याकूब से बीज को बाहर लाऊँगा और यहूदा से, और वह मेरे पवित्र पहाड़ का उत्तराधिकारी होगा, और मेरे चुने हुए लोग उत्तराधिकारी होंगे, और मेरे दास, और वे वहाँ निवास करेंगे। और वन में भेड़-बकरियों के झुंडों के बाड़े होंगे, और अखोर घाटी मेरे लोगों के लिए, जिन्होंने मुझे खोजा, पशुओं के झुंडों के विश्राम का स्थान होगी।

लेकिन तुम, जिन्होंने मुझे त्याग दिया है, और मेरे पवित्र पर्वत को भूल रहे हो, और दैवीय प्राणी के लिए मेज तैयार कर रहे हो, और भाग्य के लिए मिश्रित पेय भर रहे हो, मैं तुम्हें तलवार के हवाले कर दूँगा, तुम सब वध में गिरोगे, क्योंकि मैंने तुम्हें बुलाया और तुमने आज्ञा नहीं मानी, मैं बोला और तुमने सुनने से इनकार किया, और तुमने मेरे सामने बुराई की, और जो मैं नहीं चाहता था, वह तुमने चुना। इसलिए प्रभु ये बातें कहते हैं, देखो, जो मेरी सेवा करते हैं वे खाएंगे, लेकिन तुम भूखे रहोगे, देखो, जो मेरी सेवा करते हैं वे पिएंगे, लेकिन तुम प्यासे रहोगे, देखो, जो मेरी सेवा करते हैं वे आनंदित होंगे, लेकिन तुम शर्मिदा होगे। देखो, जो मेरी सेवा करते हैं वे प्रसन्नता में आनंदित होंगे, लेकिन तुम अपने हृदय के कष्ट के कारण चिल्लाओगे, और अपनी आत्मा के टूटने से विलाप करोगे। तुम अपना नाम मेरे चुने हुएों के लिए भरपूरी में छोड़ोगे, लेकिन प्रभु तुम्हें मार डालेगा, और जो मेरी सेवा करते हैं उन्हें नया नाम दिया जाएगा। जो पृथ्वी पर आशीर्वादित किया जाएगा, वे सच्चे परमेश्वर को आशीर्वाद देंगे, और जो पृथ्वी पर शपथ खाते हैं, वे सच्चे परमेश्वर

की शपथ खाएंगे, क्योंकि वे पहले क्लेश को भूल जाएंगे, और वह उनके हृदय पर नहीं चढ़ेगा।

होगा क्योंकि स्वर्ग नया होगा, और पृथ्वी नई होगी, और वे पूर्व की बातों को याद नहीं करेंगे, न ही वे उनके हृदय पर आएंगी। परन्तु वे इसमें आनन्द और उल्लास पाएंगे, क्योंकि देखो, मैं यरूशलेम को उल्लास बनाता हूँ और मेरे लोगों को आनन्द बनाता हूँ। और मैं यरूशलेम पर आनंदित होऊंगा, और मैं अपने लोगों पर प्रसन्न होऊंगा, और अब इसमें रोने की आवाज़ और चीख की आवाज़ फिर कभी नहीं सुनी जाएगी, न तो वहाँ कोई असमय मरने वाला होगा और न ही कोई बूढ़ा आदमी, जो अपना समय पूरा नहीं करेगा, क्योंकि युवा सौ वर्ष का होगा, और मरता हुआ पापी सौ वर्ष का होगा, और शापित होगा। और वे घर बनाएंगे और स्वयं उनमें निवास करेंगे, और वे अंगूर के बाग लगाएंगे और स्वयं उनकी उपज खाएंगे। वे निर्माण नहीं करेंगे और दूसरे निवास करेंगे, और वे रोपण नहीं करेंगे और दूसरे खाएंगे। क्योंकि जीवन के वृक्ष के दिनों के अनुसार मेरे लोगों के दिन होंगे, और उनके परिश्रम के कार्य दीर्घकाल तक बने रहेंगे। मेरे चुने हुए लोग व्यर्थ परिश्रम नहीं करेंगे, और न ही वे श्राप के लिए संतान उत्पन्न करेंगे, क्योंकि वे परमेश्वर द्वारा आशीर्वादित वंश हैं, और उनकी संतान उनके साथ है।

और ऐसा होगा कि उनके पुकारने से पहले, मैं उनकी सुनूंगा, वे अभी बोल ही रहे होंगे, मैं कहूंगा, क्या है? तब भेड़िये और मेमने साथ चराए जाएंगे, और शेर बैल की तरह भूसा खाएगा, सर्प भूमि को रोटी की तरह खाएगा, वे हानि नहीं करेंगे, न ही मेरे पवित्र पर्वत पर नष्ट करेंगे, प्रभु कहते हैं।

66

इस प्रकार प्रभु कहता है, स्वर्ग मेरा सिंहासन है, और पृथ्वी मेरे पैरों की पाद-पीठ है, तुम मेरे लिए कौन सा घर बनाओगे? और मेरे विश्राम का स्थान कौन सा है? सब कुछ मेरे हाथ ने बनाया है, और ये सब मेरा है, प्रभु कहते हैं, और मैं किस पर दृष्टि करूंगा, सिवाय उस नम्र और शांत व्यक्ति

के, जो मेरे वचनों से कांपता है?

परन्तु वह अधर्मी जो मुझे बछड़ा बलिदान करता है, वह ऐसा है जैसे कोई कुत्ते को मारता हो; जो मैदा चढ़ाता है, वह ऐसा है जैसे सूअर का रक्त हो; जो स्मारक के लिए लोबान देता है, वह निन्दक के समान है। और उन्होंने स्वयं अपने मार्गों को चुना, और उनकी आत्मा ने उनकी घृणित वस्तुओं को चाहा।

और मैं उनके उपहास को चुनूंगा, और उनके पापों का प्रतिफल उन्हें दूंगा, क्योंकि मैंने उन्हें बुलाया और उन्होंने मेरी आज्ञा नहीं मानी, मैं बोला और उन्होंने नहीं सुना, और उन्होंने मेरे सामने बुराई की, और जो मैं इच्छा नहीं करता था, उन्होंने उसे चुना।

हे प्रभु के वचन से काँपने वालो, प्रभु के शब्द सुनो। अपने उन भाइयों से कहो जो तुमसे घृणा करते हैं और तुम्हें तुच्छ समझते हैं, ताकि प्रभु का नाम महिमामंडित हो, और वह उनके आनंद में प्रकट हो, और वे शर्मिदा होंगे।

शहर से चीख की आवाज़, मंदिर से आवाज़, प्रभु की आवाज़ जो विरोधियों को प्रतिशोध दे रहा है। इससे पहले कि प्रसव पीड़ा में स्त्री जन्म दे, इससे पहले कि प्रसव की पीड़ा आए, वह बच निकली और उसने एक पुत्र को जन्म दिया। किसने ऐसा सुना, और किसने इस प्रकार देखा? क्या एक दिन में भूमि प्रसव पीड़ा में रही, या एक बार में राष्ट्र जन्म लिया, क्योंकि सिय्योन प्रसव पीड़ा में रही और उसने अपने बच्चों को जन्म दिया? मैंने यह अपेक्षा दी, लेकिन तुमने मुझे याद नहीं किया, प्रभु ने कहा। क्या देखो, मैंने जन्म देने वाली को बांझ नहीं बनाया? तुम्हारे ईश्वर ने कहा।

यरूशलेम, आनंदित हो, और इसमें त्योहार मनाओ, तुम सब जो इससे प्रेम करते हो। इस आनंद के साथ आनंदित हो, तुम सब जो इस पर शोक करते हो। ताकि तुम दूध पियो और उसके

प्रोत्साहन के स्तन से भरे जाओ, ताकि दूध पीकर तुम उसकी महिमा के प्रवेश से आनंद लो।

क्योंकि प्रभु यह कहते हैं, देखो, मैं उनकी ओर शांति की नदी के समान बहूंगा, और जातियों की महिमा पहाड़ी नाले के समान उमड़ती हुई; उनके बच्चे कंधों पर उठाए जाएंगे, और घुटनों पर सांत्वना दी जाएगी। जैसे कोई माता सांत्वना देती है, वैसे ही मैं भी तुम्हें सांत्वना दूंगा, और यरूशलेम में तुम्हें सांत्वना दी जाएगी। और तुम देखोगे, और तुम्हारा हृदय प्रसन्न होगा, और तुम्हारी हड्डियाँ घास की तरह उगेंगी, और प्रभु का हाथ उनसे डरने वालों को जाना जाएगा, और वह अवज्ञा करने वालों को धमकाएगा।

देखो, क्योंकि प्रभु आग के समान आएगा, और उसके रथ तूफान के समान होंगे, अपना प्रतिशोध क्रोध में लौटाने के लिए, और अपनी फटकार आग की लपट में देने के लिए। क्योंकि प्रभु की आग में सारी पृथ्वी का न्याय किया जाएगा, और उसकी तलवार से सारा मांस, बहुत से लोग प्रभु के द्वारा घायल होंगे।

वे जो उद्यानों में स्वयं को शुद्ध करते हैं और शुद्ध किए जाते हैं, और प्रवेश द्वारों में सूअर का मांस, घृणित वस्तुएं और चूहा खाते हैं, वे सब एक साथ नष्ट कर दिए जाएंगे, प्रभु ने कहा। और मैं उनके कार्यों और उनके विचारों को जानता हूँ, मैं सभी राष्ट्रों और भाषाओं को एकत्र करने आता हूँ, और वे आएँगे और मेरी महिमा को देखेंगे। और मैं उनके ऊपर एक निशान छोड़ूंगा, और उनमें से बचाए गए लोगों को राष्ट्रों में भेजूंगा - तर्शीश में, फूत में, लूद में, मेशेक में, तूबल में, यूनान में, और दूर के द्वीपों में, जिन्होंने मेरा नाम नहीं सुना है और न ही मेरी महिमा देखी है, और वे राष्ट्रों में मेरी महिमा की घोषणा करेंगे। और वे तुम्हारे भाइयों को सब राष्ट्रों में से प्रभु के लिए उपहार के रूप में लाएंगे, घोड़ों और रथों के साथ, खच्चरों की पालकियों में, छतरियों के साथ, पवित्र नगर यरूशलेम में, प्रभु ने कहा, जैसे इस्राएल के पुत्रों ने अपने बलिदानों को भजनों के साथ प्रभु के घर में मेरे लिए लाए थे। और उनमें से मैं पुजारी और लेवी लूँगा, प्रभु ने कहा।

जिस प्रकार वह नया स्वर्ग और वह नई पृथ्वी, जो मैं बनाता हूँ, मेरे सामने बनी रहती है, प्रभु कहते हैं, उसी प्रकार तुम्हारा वंश और तुम्हारा नाम बना रहेगा। और ऐसा होगा कि महीने से महीने और सब्त् से सब्त्, सब प्राणी यरूशलेम में मेरे सामने आराधना करने आएंगे, प्रभु ने कहा। और वे बाहर जाएंगे और उन मनुष्यों के अंगों को देखेंगे जिन्होंने मेरे विरुद्ध अपराध किया है, क्योंकि उनका कीड़ा नहीं मरेगा और उनकी आग नहीं बुझेगी, और वे सब देह की दृष्टि में होंगे।

होशे

1

प्रभु का वचन, जो होशे के पास आया जो बेरी का पुत्र था, उज्जियाह, योताम, आहाज और हिजकिय्याह के दिनों में जो यहूदा के राजा थे, और यारोबाम के दिनों में जो योआश का पुत्र और इस्राएल का राजा था।

प्रभु के वचन की शुरुआत होशे में हुई, और प्रभु ने होशे से कहा, जा, अपने लिए एक व्यभिचारिणी पत्नी ले, और व्यभिचार की संतानें ले, क्योंकि यह भूमि प्रभु से दूर होकर व्यभिचार करती रहेगी।

और वह गया, और उसने गोमेर को लिया, जो दिबलैम की बेटी थी, और वह गर्भवती हुई और उसने उसके लिए एक बेटे को जन्म दिया। और प्रभु ने उससे कहा, उसका नाम यिज़्रेल रखो, क्योंकि अभी थोड़ा समय है, और मैं यिज़्रेल के रक्त का बदला यहूदा के घराने पर लूंगा, और इस्राएल के घराने के राज्य को समाप्त कर दूंगा। और उस दिन मैं, मैं इस्राएल के धनुष को यिज़्रेल की घाटी में तोड़ूंगा।

और वह फिर गर्भवती हुई, और उसने एक पुत्री को जन्म दिया, और उसने उससे कहा, उसका नाम जिस पर दया नहीं की गई रखो, क्योंकि मैं अब इस्राएल के घराने पर दया नहीं करूंगा, लेकिन विरोध करते हुए मैं उनका विरोध करूंगा। यहूदा के पुत्रों पर मैं दया करूंगा, और उन्हें उनके प्रभु परमेश्वर में बचाऊंगा, और मैं उन्हें धनुष से नहीं बचाऊंगा, न तलवार से, न युद्ध से, न घोड़ों से, और न घुड़सवारों से। और उसने जिस पर दया नहीं की गई का दूध छुड़ाया, और फिर गर्भ धारण किया, और एक पुत्र को जन्म दिया। और उसने कहा, उसका नाम रखो मेरे लोग नहीं, क्योंकि तुम मेरे लोग नहीं हो, और मैं तुम्हारा नहीं हूँ।

2

और इस्राएल के पुत्रों की संख्या समुद्र की रेत के समान थी, जो न मापी जाएगी, न गिनी जाएगी, और ऐसा होगा कि जिस स्थान पर उनसे कहा गया था, तुम मेरे लोग नहीं हो, वहाँ वे जीवित परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे। और यहूदा के पुत्र और इस्राएल के पुत्र एक साथ एकत्रित होंगे, और वे अपने लिए एक आरंभ नियुक्त करेंगे, और वे पृथ्वी से चढ़ेंगे, क्योंकि यिज़्रेल का दिन महान है।

अपने भाई से कहो, मेरे लोग, और अपनी बहन से, दया पाई हुई। अपनी माता के विरुद्ध न्याय करो, न्याय करो, क्योंकि यह मेरी स्त्री नहीं है, और मैं उसका पुरुष नहीं हूँ, और मैं उसके व्यभिचार को अपने चेहरे से हटाऊंगा, और उसके परस्त्रीगमन को उसके स्तनों के बीच से हटाऊंगा, ताकि मैं उसे नंगा कर दूँ, और उसे वैसा बना दूँ जैसे उसके जन्म के दिन थी, और उसे जंगल बना दूँ, और उसे बिना पानी की भूमि के समान कर दूँ, और उसे प्यास से मार डालूँ। और मैं उसके बच्चों पर दया नहीं करूंगा, क्योंकि वे व्यभिचार की संतान हैं। क्योंकि उनकी माता ने व्यभिचार किया, उनको जन्म देने वाली ने लज्जित किया, क्योंकि उसने कहा, मैं अपने प्रेमियों के पीछे जाऊंगी, जो मुझे मेरी रोटियाँ देते हैं, और मेरा जल, और मेरे वस्त्र, और मेरे मलमल के कपड़े, मेरा तेल, और वह सब जो मुझे उचित है।

इसलिए देखो, मैं उसके रास्ते को कांटों और खूंटों से रोक दूंगा, और मैं रास्तों को फिर से बनाऊंगा, और वह अपना पगडंडी नहीं पाएगी। और वह अपने प्रेमियों का पीछा करेगी, परन्तु उन्हें नहीं पकड़ेगी, और उन्हें खोजेगी, परन्तु उन्हें नहीं पाएगी, और कहेगी, मैं जाऊंगी और अपने पहले पति के पास लौटूंगी, क्योंकि उस समय मेरी दशा अब से बेहतर थी।

और उसे यह ज्ञात नहीं था कि मैंने ही उसे अनाज, दाखरस और तेल दिया था, और मैंने उसके लिए चांदी बढ़ाई थी, परन्तु उसने चांदी और सोना बाल के लिए बनाया। इसलिए मैं लौटूंगा और अपना अनाज उसके समय के अनुसार वापस ले लूंगा, और अपना दाखरस उसके समय में ले लूंगा, और मैं अपने वस्त्र और अपने मलमल के कपड़े छीन लूंगा, ताकि उसकी नग्नता को न ढका जा सके। और अब मैं उसकी अशुद्धता उसके प्रेमियों के सामने प्रकट करूंगा, और कोई भी उसे मेरे हाथ से नहीं बचाएगा। और मैं उसकी सब खुशियाँ, उसके त्योहार, उसके नए चाँद, उसके सब और उसके सब उत्सव समाप्त कर दूंगा। और मैं उसकी अंगूर की बेल और उसके अंजीर के पेड़ों को नष्ट कर दूंगा, जिनके बारे में उसने कहा, ये मेरे भुगतान हैं जो मेरे प्रेमियों ने मुझे दिए, और मैं उन्हें गवाही के लिए रखूंगा, और खेत के जंगली जानवर, आकाश के पक्षी, और पृथ्वी के रेंगने वाले जीव उन्हें खा जाएंगे। और मैं उसे बाल देवताओं के उन दिनों का दंड दूंगा, जिनमें वह उनके लिए धूप जलाती थी, और अपने कुंडल और अपने हार पहनती थी, और अपने प्रेमियों के पीछे जाती थी, लेकिन मुझे भूल गई, प्रभु कहता है।

इसलिए देखो, मैं उसे भटकाऊंगा और उसे जंगल के समान बनाऊंगा, और मैं उसके हृदय पर बोलूंगा। और मैं उसे वहां से उसकी संपत्तियां दूंगा, और आखोर की घाटी उसकी समझ खोलने के लिए, और वह वहां नम्र की जाएगी उसके बचपन के दिनों के अनुसार, और मिस्र की पृथ्वी से उसकी चढ़ाई के दिनों के अनुसार।

और उस दिन ऐसा होगा, प्रभु कहता है, मेरा पति मुझे बुलाएगा, और वह मुझे अब बाल नहीं बुलाएगा। और मैं बाआलीम के नामों को उसके मुंह से निकाल दूंगा, और उनके नाम अब और

याद नहीं किए जाएंगे। और मैं उस दिन उनके साथ एक वाचा बनाऊंगा, खेत के जंगली जानवरों के साथ, और आकाश के पक्षियों के साथ, और पृथ्वी के रेंगने वाले जीवों के साथ, और धनुष और तलवार और युद्ध को पृथ्वी से तोड़ूंगा, और तुमको आशा पर बसाऊंगा। और मैं तुम्हें अपने लिए सदा के लिए विवाह करूंगा, और मैं तुम्हें अपने लिए धार्मिकता में और न्याय में विवाह करूंगा, और दया में और करुणा में। और मैं तुम्हें अपने लिए विश्वास में सगाई करूंगा, और तुम प्रभु को जानोगे।

और उस दिन ऐसा होगा, प्रभु कहते हैं, मैं स्वर्ग की सुनूंगा, और वह पृथ्वी की सुनेगा, और भूमि अनाज, दाखरस और तेल को सुनेगी, और वे यिज़्रेल को सुनेंगे। और मैं इसे अपने लिए पृथ्वी पर बोऊंगा, और मैं उससे प्रेम करूंगा जो प्रेमित नहीं थी, और मैं उनसे कहूंगा जो मेरे लोग नहीं थे, तुम मेरे लोग हो, और वह कहेगा, तुम प्रभु मेरे परमेश्वर हो।

3

और प्रभु ने मुझसे कहा, फिर जाओ, और उस स्त्री से प्रेम करो जो बुराई से प्रेम करती है और व्यभिचारिणी है, जैसे परमेश्वर इस्राएल के पुत्रों से प्रेम करता है, और वे विदेशी देवताओं की ओर देखते हैं, और किशमिश के पकवान से प्रेम करते हैं। और मैंने अपने लिए पंद्रह चांदी के सिक्के, एक होमेर जौ, और एक लेथेक दाखरस खरीदा। और मैंने उससे कहा, तुम बहुत दिनों तक मेरे पास बैठोगी, और तुम व्यभिचार नहीं करोगी, और न किसी पुरुष की होगी, और मैं तुम्हारे पास रहूँगा।

क्योंकि इस्राएल के पुत्र बहुत दिनों तक बैठेंगे, जब न राजा होगा, न शासक होगा, न बलि होगी, न वेदी होगी, न पुरोहिताई होगी, न प्रकटीकरण होगा। और इन बातों के बाद इस्राएल के पुत्र लौटेंगे, और वे अपने प्रभु परमेश्वर को खोजेंगे और अपने राजा दाऊद को, और अंतिम दिनों में वे

प्रभु पर और उसकी भलाइयों पर चकित होंगे।

4

हे इस्राएल के पुत्रों, प्रभु का वचन सुनो, क्योंकि प्रभु का न्याय इस भूमि के निवासियों के विरुद्ध है, क्योंकि इस भूमि पर न सत्य है, न दया है, और न परमेश्वर का ज्ञान है। इसलिए झूठ, हत्या, चोरी और व्यभिचार पृथ्वी पर फैल गए हैं, और रक्त के साथ रक्त मिल रहा है। इस कारण भूमि शोक करेगी, और इसमें निवास करने वाले सभी के साथ घटाई जाएगी, खेत के जंगली जानवरों के साथ, पृथ्वी के रेंगने वाले जीवों के साथ, आकाश के पक्षियों के साथ, और समुद्र की मछलियाँ नष्ट हो जाएँगी। ताकि कोई निर्णय न करे, न कोई खंडन करे, और मेरे लोग विरोध करने वाले पुजारी के समान हैं। और दिन में कमजोर होगा, और भविष्यवक्ता तुम्हारे साथ कमजोर होगा; रात में मैंने तुम्हारी माता को समान बनाया।

मेरे लोग उसके समान बना दिए गए हैं जिसके पास ज्ञान नहीं है, क्योंकि तूने ज्ञान को अस्वीकार किया है, और मैं तुझे अस्वीकार करूँगा, ताकि तू मेरे लिए पुरोहित के रूप में सेवा न करे, और तू अपने परमेश्वर के नियम को भूल गया, और मैं तेरी संतानों को भूल जाऊँगा। उनकी बहुतायत के अनुसार, उन्होंने मुझसे पाप किया, मैं उनकी महिमा को अपमान में बदल दूँगा। मेरे लोगों के पाप वे खाएंगे, और उनके अन्याय में वे उनकी आत्माओं को ले लेंगे। और जैसे लोग होंगे, वैसे ही पुजारी भी होगा, और मैं उसके मार्गों का दंड दूँगा, और उसके विचारों का प्रतिफल उसे दूँगा। और वे खाएंगे, परन्तु संतुष्ट नहीं होंगे; उन्होंने व्यभिचार किया, परन्तु समृद्ध नहीं होंगे, क्योंकि उन्होंने प्रभु को त्याग दिया और उसकी रक्षा नहीं की।

व्यभिचार, दाखरस और नशीला पेय को मेरे लोगों के हृदय ने ग्रहण कर लिया। चिन्हों में वे पूछ रहे थे, और उसकी छड़ियों से वे उसे सूचना दे रहे थे, व्यभिचार की आत्मा से वे भटकाए गए,

और उन्होंने अपने परमेश्वर से व्यभिचार किया। पर्वतों की चोटियों पर वे बलिदान कर रहे थे, और पहाड़ियों पर उन्होंने बलूत के वृक्ष के नीचे, और सफेद चिनार के, और छाया देने वाले वृक्ष के नीचे बलिदान किया, क्योंकि आश्रय अच्छा था। इसी कारण तुम्हारी पुत्रियाँ व्यभिचार करेंगी, और तुम्हारी बहुएँ परस्त्रीगमन करेंगी। और मैं तुम्हारी पुत्रियों पर ध्यान नहीं दूँगा जब वे व्यभिचार करें, और तुम्हारी बहुओं पर जब वे परस्त्रीगमन करें, क्योंकि वे स्वयं वेश्याओं के साथ मिश्रित थे, और दीक्षितों के साथ उन्होंने बलिदान किया, और वे लोग जो नहीं समझते थे वेश्या के साथ उलझ गए।

लेकिन तू इस्राएल, अज्ञानी मत रह, और यहूदा, गिलगाल में प्रवेश मत करो, और उस घर में मत चढ़ो, और जीवित प्रभु की शपथ मत लो। क्योंकि जैसे एक जिद्दी बछिया थी, वैसे ही इस्राएल जिद्दी हुआ, अब प्रभु उनको एक मेमने की तरह विशाल स्थान में चराएगा। मूर्तियों का भागीदार एफ्राइम ने अपने लिए बाधाएं रखीं। उसने कनानियों से विनती की, व्यभिचार करते हुए उन्होंने व्यभिचार किया, उन्होंने उसके गर्व से उत्पन्न अपमान से प्रेम किया। आत्मा का षड्यंत्र तुम उसके पंखों में हो, और वे अपनी वेदियों से शर्मिदा होंगे।

5

हे पुजारियो, ये बातें सुनो, और हे इस्राएल के घराने, ध्यान दो, और हे राजा के घराने, कान लगाओ, क्योंकि तुम्हारे लिए यह न्याय है, क्योंकि तुम प्रहरीदुर्ग पर फंदा बन गए हो, और इताबुरियों पर फैलाए हुए जाल के समान हो। जो शिकारियों ने शिकार को स्थापित किया है, मैं तुम्हारा शिक्षक हूँ, मैं एफ्राइम को जानता था, और इस्राएल मुझसे दूर नहीं हुआ, क्योंकि अब एफ्राइम ने वेश्यावृत्ति की, इस्राएल अशुद्ध हो गया। उन्होंने अपने विचार अपने परमेश्वर की ओर लौटने के लिए नहीं दिए, क्योंकि वेश्यावृत्ति की आत्मा उनमें है, और उन्होंने प्रभु को नहीं पहचाना।

और इस्राएल का अहंकार उसके सामने नीचा किया जाएगा, और इस्राएल और एफ्राइम अपने अन्यायों में कमजोर होंगे, और यहूदा भी उनके साथ कमजोर होगा। भेड़ों और बछड़ों के साथ वे प्रभु को खोजने जाएंगे, और वे उसे नहीं पाएंगे, क्योंकि वह उनसे दूर हो गया है। क्योंकि उन्होंने प्रभु को त्याग दिया, क्योंकि उनके विदेशी बच्चे पैदा हुए, अब फफूंदी उन्हें खा जाएगी, और उनके हिस्सों को भी।

पहाड़ियों पर तुरही बजाओ, ऊंचे स्थानों पर आवाज़ गूंजाओ, उस घर में घोषणा करो, बिन्यामीन चकित हुआ। एफ्राइम फटकार के दिनों में विनाश में हो गया; इस्राएल की जनजातियों में मैंने विश्वसनीय बातें दिखाईं। यहूदा के शासक सीमाओं को हटाने वालों के समान हो गए हैं, उन पर मैं अपना क्रोध पानी की तरह उंडेलूंगा।

एफ्राइम ने अपने विरोधी को दबाया, न्याय को रौंदा, क्योंकि उसने व्यर्थ चीजों के पीछे चलना शुरू किया। और मैं एफ्राइम के लिए उपद्रव के समान हूँ, और यहूदा के घराने के लिए कांटे के समान हूँ। और एफ्राइम ने अपना रोग देखा, और यहूदा ने अपना दर्द देखा, और एफ्राइम अशशूरियों के पास गया, और राजा यारेइम के पास राजदूत भेजे, और वह तुम्हें चंगा करने में सक्षम नहीं था, और तुम्हारा दर्द बंद नहीं होगा। क्योंकि मैं एफ्राइम के लिए चीते के समान हूँ, और यहूदा के घराने के लिए शेर के समान हूँ, और मैं पकड़ूंगा और चला जाऊँगा, और ले जाऊँगा, और कोई छुड़ानेवाला नहीं होगा।

मैं जाऊंगा और अपने स्थान को लौटूंगा, जब तक वे नष्ट न हो जाएं, और वे मेरा चेहरा खोजेंगे। उनके क्लेश में वे मेरी ओर जल्दी उठेंगे, कहते हुए,

6

आओ, और हम अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौटें, क्योंकि उसी ने फाड़ा है, और वही हमें चंगा करेगा; वह मारेगा, और वह हमें पुनर्जीवित करेगा, वह हमें चंगा करेगा दो दिनों के बाद, तीसरे दिन हम उठ खड़े होंगे, और हम उसके सामने जीएंगे, और हम जानेंगे, आओ हम प्रभु को जानने का पीछा करें, जैसे भोर तैयार है, हम उसे पाएंगे, और वह हमारे पास वर्षा की तरह आएगा, प्रारंभिक और देर की वर्षा भूमि पर।

मैं तुम्हारे साथ क्या करूँ, एफ्राइम? मैं तुम्हारे साथ क्या करूँ, यहूदा? तुम्हारी दया सुबह के बादल के समान है, और प्रातःकालीन ओस के समान है जो चली जाती है। इस कारण मैंने तुम्हारे भविष्यवक्ताओं को काट डाला, मैंने उन्हें अपने मुख के वचन से मार डाला, और मेरा न्याय ज्योति के समान प्रकट होगा।

क्योंकि मैं बलिदान की अपेक्षा दया चाहता हूँ, और होमबलि की अपेक्षा परमेश्वर का ज्ञान चाहता हूँ। लेकिन वे उस मनुष्य के समान हैं जो वाचा का उल्लंघन करता है, वहाँ गिलाद नगर ने मेरा तिरस्कार किया। व्यर्थ काम करते हुए, जल को विक्षुब्ध करते हुए, और तुम्हारी शक्ति एक समुद्री डाकू की तरह है, पुजारियों ने रास्ता छिपाया, शकेम में हत्या की, क्योंकि उन्होंने इस्राएल के घर में अधर्म किया, मैंने वहाँ भयानक चीजें देखीं। एफ्राइम की वेश्यावृत्ति से इस्राएल अशुद्ध हो गया और यहूदा भी, अपने लिए फसल काटना आरंभ करो, जब मैं अपने लोगों की बंधुआई लौटाऊंगा।

7

जब मैं इस्राएल को ठीक करूँगा, तो एफ्राइम का अन्याय और सामरिया की दुष्टता प्रकट होगी, क्योंकि उन्होंने झूठ का काम किया है, और चोर उसके पास आएगा, डाकू उसके रास्ते में लूट रहा है। ताकि वे अपने हृदय से एक साथ गाएं, मैंने उनकी सभी दुष्टताओं को याद किया। अब उनके

विचारों ने उन्हें घेर लिया है, वे मेरे सामने प्रकट हुए हैं। उनकी बुराइयों में उन्होंने राजाओं को प्रसन्न किया, और उनके झूठों में शासकों को। सभी व्यभिचारी एक जलते हुए तंदूर के समान हैं जो जलने के पाचन के लिए ज्वाला से, चर्बी के गूँथने से लेकर इसके खमीर होने तक जलता है। तुम्हारे राजाओं के दिनों में, शासकों ने शराब से क्रोधित होना शुरू किया, उसने अपना हाथ हिंसक लोगों के साथ बढ़ाया। क्योंकि उनके हृदय तंदूर की तरह जलाए गए, जब वे सम्पूर्ण रात षड्यंत्र कर रहे थे, एफ्राइम की नींद भर गई, सुबह हुई, और वह आग की रोशनी की तरह जलाया गया। सभी भट्टे की तरह गरम हो गए, और उन्होंने अपने न्यायाधीशों को खा लिया, उनके सभी राजा गिर गए, उनमें से कोई नहीं था जो मुझे पुकारता हो।

एफ्राइम अपने लोगों में मिल रहा था, एफ्राइम राख में पकी रोटी बन गया, जो पलटाई नहीं गई। अजनबियों ने उसकी शक्ति निगल ली, लेकिन वह यह नहीं जान सका, और उसके सफेद बाल उग आए, और वह यह नहीं जान सका। और इस्राएल का अहंकार उसके सामने नीचा किया जाएगा, और वे अपने प्रभु परमेश्वर की ओर नहीं लौटे, और इन सब में उन्होंने उसे नहीं खोजा।

और एफ्राइम एक मूर्ख कबूतर के समान था, जिसके पास हृदय नहीं था, उसने मिस्र को पुकारा, और वे अशशूरियों के पास गए। जैसे ही वे चलेंगे, मैं उन पर अपना जाल डालूंगा, जैसे आकाश के पक्षियों को मैं उन्हें नीचे लाऊंगा, मैं उन्हें उनके कष्ट की सुनवाई में अनुशासित करूंगा।

धिक्कार है उनको, क्योंकि वे मुझसे दूर हो गए; दुर्भाग्यशाली हैं वे, क्योंकि उन्होंने मेरे विरुद्ध अधर्म किया। मैंने उनको छुड़ाया, लेकिन उन्होंने मेरे विरुद्ध झूठ बोला। और उनके हृदयों ने मेरी ओर नहीं पुकारा, बल्कि वे अपने बिस्तरों पर विलाप करते रहे, अनाज और दाखरस के लिए वे अपने आप को काटते रहे। वे मुझमें प्रशिक्षित किए गए, और मैंने उनकी भुजाओं को मजबूत किया, और उन्होंने मेरे विरुद्ध बुराई की योजना बनाई। वे कुछ नहीं में बदल गए, वे खींचे हुए धनुष के समान बन गए, उनके शासक तलवार से गिरेंगे उनकी जीभ की अशिक्षा के कारण, यह उनका अपमान मिस्र की भूमि में है।

उनकी गोद में, भूमि के समान, चील के समान प्रभु के घर पर, क्योंकि उन्होंने मेरी वाचा का उल्लंघन किया और मेरे नियम के विरुद्ध अधर्म किया। मुझे वे पुकारेंगे, हे परमेश्वर, हमने तुझे जान लिया है, क्योंकि इस्राएल अच्छी चीजों से मुड़ गया, उन्होंने शत्रु का पीछा किया। उन्होंने अपने लिए राजा बनाया, और मेरे द्वारा नहीं, उन्होंने शासन किया, और उन्होंने मुझे नहीं पहचाना, उनकी चांदी और उनके सोने से उन्होंने अपने लिए मूर्तियां बनाई, ताकि वे नष्ट हो जाएं।

हे सामरिया, अपने बछड़े को फेंक दो, मेरा क्रोध उन पर भड़क उठा है, कब तक वे शुद्ध नहीं हो सकेंगे? इस्राएल में; और इसको कारीगर ने बनाया, और यह परमेश्वर नहीं है, क्योंकि तेरा बछड़ा भटकाने वाला था, हे सामरिया। क्योंकि उन्होंने हवा से पीटे हुए बीज बोए, और उनका विनाश उन्हें प्राप्त करेगा, पूला जिसमें आटा बनाने की शक्ति नहीं है, लेकिन यदि वह बनाए भी, तो अजनबी उसे खा जाएंगे। इस्राएल निगल लिया गया, अब वह राष्ट्रों में एक बेकार बर्तन के समान हो गया है। क्योंकि वे अशशूरियों के पास गए, एफ्राईम अपने आप फला-फूला, उन्होंने उपहारों से प्रेम किया। इस कारण वे राष्ट्रों में सौंपे जाएंगे, अब मैं उन्हें प्राप्त करूंगा, और वे राजा और शासकों का अभिषेक करने से थोड़ा रुकेंगे।

क्योंकि एफ्राईम ने वेदियों को बढ़ाया, वे उसके लिए पाप की वेदियाँ बन गईं—प्रिय वेदियाँ। मैं उसके लिए अनेक बातें लिखूंगा, और उसकी रीतियाँ विदेशी मानी गईं, वे प्रिय वेदियाँ। क्योंकि यदि वे बलिदान चढ़ाएं और मांस खाएं, तो प्रभु उन्हें स्वीकार नहीं करेगा, अब वह उनके अन्याय को याद करेगा और उनके पापों का बदला लेगा, वे मिस्र को लौट गए, और अशशूरियों में अशुद्ध भोजन खाएंगे। और इस्राएल अपने बनाने वाले को भूल गया, और उन्होंने पवित्र स्थान बनाए, और यहूदा ने गढ़वाले शहरों को बढ़ाया, और मैं उसके शहरों में आग भेजूंगा, और वह उनकी नींव को खा जाएगी।

इसाएल, आनन्दित मत हो, न ही प्रसन्न हो जैसे अन्य लोग होते हैं, क्योंकि तूने अपने परमेश्वर से व्यभिचार किया है, तूने अनाज के सब खलिहानों पर दिए गए उपहारों से प्रेम किया है। खलिहान और दाखरस कुंड ने उन्हें नहीं जाना, और दाखमधु ने उन्हें धोखा दिया। वे प्रभु की भूमि में नहीं बसे, एफ्राइम मिस्र में बसा, और अशूरियों में वे अशुद्ध भोजन करेंगे। उन्होंने प्रभु को दाखरस नहीं डाला, और उनके बलिदान उसको प्रसन्न नहीं किए, जैसे शोक की रोटी उनके लिए, सब जो उनको खाते हैं अशुद्ध होंगे, क्योंकि उनकी रोटियाँ उनकी आत्माओं के लिए प्रभु के घर में प्रवेश नहीं करेंगी।

तुम उत्सव के दिनों में क्या करोगे, और प्रभु के पर्व के दिन में? इसलिए देखो, वे मिस्र के दुख से जाते हैं, और मेम्फिस उनको प्राप्त करेगा, और मिकमाश उनको दफनाएगा, उनकी चांदी को विनाश विरासत में लेगा, उनके तंबुओं में कांटे होंगे।

प्रतिशोध के दिन आ गए हैं, तुम्हारे प्रतिफल के दिन आ गए हैं, और इसाएल पीड़ित किया जाएगा जैसे वह भविष्यवक्ता जो पागल है, वह आत्मा-वाहक मनुष्य; तुम्हारे अन्यायों की बहुतायत के कारण तुम्हारा पागलपन बढ़ गया है। एफ्राइम परमेश्वर के साथ पहरदार है, भविष्यवक्ता उसके सब मार्गों पर टेढ़ा फंदा है, उन्होंने परमेश्वर के घर में पागलपन स्थापित किया। वे पहाड़ी के दिनों के अनुसार नष्ट किए गए, वह उनके अन्याय को याद करेगा, वह उनके पापों का बदला लेगा।

जैसे जंगल में अंगूर को, मैंने इसाएल को पाया, और जैसे अंजीर के पेड़ में पहला फल, मैंने उनके पूर्वजों को देखा। वे बाल-पोर के पास गए, और शर्म के लिए अलग हो गए, और घृणित लोग बन गए जैसे वे प्रिय थे। एफ्राइम पक्षी की तरह उड़ गया, उनकी महिमा प्रसव से और प्रसव पीड़ा से

और गर्भधारण से। क्योंकि यदि वे अपने बच्चों को पालें भी, तो वे मनुष्यों में से निःसंतान कर दिए जाएंगे, क्योंकि उन पर धिक्कार है, मेरा मांस उनसे है। एफ्राइम, जैसा मैंने देखा, उनके बच्चे शिकार के लिए खड़े किए गए, और एफ्राइम अपने बच्चों को वध के लिए बाहर निकालने के लिए।

हे प्रभु, उन्हें दो, क्या देंगे तुम उन्हें? बांझ गर्भ और सूखे स्तन। उनकी सभी बुराइयाँ गिलगाल में हैं, क्योंकि वहाँ मैंने उनसे घृणा की, उनके आचरणों की दुष्टताओं के कारण। मैं उन्हें अपने घर से बाहर निकाल दूँगा, मैं उनसे प्रेम करना जारी नहीं रखूँगा। उनके सभी शासक अवज्ञाकारी हैं। एफ्राइम ने परिश्रम किया, उसकी जड़ें सूख गईं, वह अब फल नहीं लाएगा, क्योंकि यदि वे जन्म भी दें, तो मैं उनके गर्भ की इच्छाओं को मार डालूँगा। परमेश्वर उनको अस्वीकार करेगा क्योंकि उन्होंने उसकी नहीं सुनी, और वे राष्ट्रों में भटकने वाले होंगे।

10

इस्राएल एक फलती-फूलती बेल है, उसका फल प्रचुर है; उसके फलों की बहुतायत के अनुसार उसने वेदियों को बढ़ाया, उसकी भूमि की अच्छी चीजों के अनुसार उसने स्तंभ बनाए। उन्होंने अपना हृदय विभाजित किया, अब वे नष्ट हो जाएंगे, वह उनकी वेदियों को नष्ट कर देगा, उनके स्तंभ कष्ट पाएंगे।

क्योंकि अब वे कहेंगे, हमारे पास कोई राजा नहीं है, क्योंकि हमने प्रभु से नहीं डरा, और राजा हमारे लिए क्या करेगा? झूठे बहाने बोलते हुए वह वाचा स्थापित करेगा, और खेत की सूखी भूमि पर न्याय घास की तरह उगेगा। ओन के घर के बछड़े के पास सामरिया में रहने वाले निवास करेंगे, क्योंकि उसके लोगों ने उस पर शोक किया, और जैसे उन्होंने उसे कड़वा किया, वे उसकी महिमा पर आनंदित होंगे, क्योंकि वह उससे निर्वासित हो गई। और उसे बांधकर अशूरियों के

पास ले गए, राजा यारेइम को उपहार दिए। एफ्राइम का घर प्राप्त करेगा, और इस्राएल अपने परामर्श में लज्जित होगा। सामरिया ने अपने राजा को ऐसे फेंक दिया जैसे पानी की सतह पर टहनी। और इस्राएल के पाप की वेदियाँ उखाड़ दी जाएंगी, काँटे और ऊँटकटारे उनकी वेदियों पर चढ़ेंगे, और वे पहाड़ों से कहेंगे, हमें ढक लो, और पहाड़ियों से, हम पर गिर जाओ।

जब से पहाड़ियों पर इस्राएल ने पाप किया, वे वहाँ खड़े रहे; युद्ध उन्हें पहाड़ी पर नहीं पकड़ेगा, अन्याय की संतानों के विरुद्ध। उन्हें शिक्षित करो, और लोग उनके विरुद्ध एकत्रित होंगे जब उन्हें उनके दो अन्यायों के लिए शिक्षित किया जाएगा। एफ्राइम एक सिखाई हुई बछिया है जो विजय से प्रेम करती है, लेकिन मैं उसकी गर्दन के सबसे सुंदर भाग पर आऊंगा, मैं एफ्राइम को चढ़ाऊंगा, यहूदा के बारे में चुप रहूंगा, याकूब उसे मजबूत करेगा।

अपने लिए धार्मिकता में बोओ, जीवन का फल काटो, अपने लिए ज्ञान का प्रकाश प्रकाशित करो, प्रभु को खोजो जब तक धार्मिकता की उपज तुम्हारे पास न आ जाए। क्यों तुमने अधर्म पर चुप्पी साधी, और उसके अन्याय को काटा? तुमने झूठा फल खाया, क्योंकि तुमने अपने पापों पर भरोसा किया, अपनी शक्ति की बहुतायत पर। और तुम्हारे लोगों में विनाश उठेगा, और तुम्हारे सब किलेबंद स्थान चले जाएंगे, जैसे सलामान ने यिरोबाम के घर पर शासन किया, युद्ध के दिनों में माँ को बच्चों के साथ जमीन पर पटक दिया गया। हे इस्राएल के घराने, तुम्हारी बुराइयों के अन्याय के कारण मैं तुम्हारे साथ ऐसा करूँगा।

11

भोर में वे फेंक दिए गए, इस्राएल का राजा फेंक दिया गया, क्योंकि इस्राएल शिशु था, और मैंने उससे प्रेम किया, और मिस्र से मैंने उसके बच्चों को बुलाया। जैसे-जैसे मैंने उन्हें बुलाया, वैसे-वैसे वे मेरे सामने से चले गए; वे स्वयं बाल देवताओं के लिए बलिदान करते थे, और खुदी हुई मूर्तियों

के लिए धूप जलाते थे। और मैंने एफ्राइम के कदमों का मार्गदर्शन किया, मैंने उसे अपनी भुजा पर उठाया, और वे नहीं जाने कि मैं उन्हें चंगा करता हूँ। मनुष्यों के विनाश में मैंने उनको अपने प्रेम के बंधनों में फैलाया, और मैं उनके लिए उस मनुष्य के समान होऊंगा जो उसके गालों पर मारता है, और मैं उसकी ओर देखूंगा, मैं उसके लिए सक्षम होऊंगा।

एफ्राइम मिस्र में निवास करता रहा, और अशूर स्वयं उसका राजा है, क्योंकि वह लौटना नहीं चाहता था। और वह तलवार से अपने शहरों में कमजोर हो गया है, और अपने हाथों में रुक गया है, और वे अपनी सलाहों से खाएंगे। और उसके लोग उसके निवास से लटके रहेंगे, और परमेश्वर उसकी कीमती चीजों पर क्रोधित होगा, और वह उसे ऊंचा नहीं करेगा।

मैं तेरे साथ क्या करूँ, एफ्राइम? मैं तेरी रक्षा करूँगा, इस्राएल; मैं तेरे साथ क्या करूँ? जैसे अदमा को, मैं तुझे बना दूँगा, और जैसे सबोईम को, मेरा हृदय बदल गया है इसी में, मेरा पश्चाताप गहराई से व्याकुल हो गया है। मैं अपने क्रोध के अनुसार नहीं करूँगा, मैं एफ्राइम को पूरी तरह नष्ट होने के लिए नहीं छोड़ूँगा, क्योंकि मैं परमेश्वर हूँ, और मनुष्य नहीं, तुझमें पवित्र हूँ, और मैं नगर में प्रवेश नहीं करूँगा। प्रभु के पीछे मैं चलूँगा, जैसे शेर गरजता है, क्योंकि वह स्वयं गरजेगा, और जल की संतानें विस्मित हो जाएंगी। वे मिस्र से पक्षी की तरह और अशूरियों की भूमि से कबूतर की तरह चकित होंगे, और मैं उन्हें उनके घरों में पुनर्स्थापित करूँगा, प्रभु कहते हैं।

12

एफ्राइम ने मुझे झूठ में घेर लिया, और इस्राएल के घर ने अधर्मों में, और यहूदा ने भी। अब परमेश्वर ने उनको जान लिया है, और पवित्र लोग परमेश्वर के कहलाएंगे।

एफ्राइम ने बुरी आत्मा का पीछा किया, पूरे दिन गर्मी का पीछा किया, खाली और व्यर्थ बातें

बढ़ाई, और असीरियों के साथ वाचा बांधी, और मिस्र में तेल का व्यापार किया। और प्रभु का न्याय यहूदा के विरुद्ध है, याकूब से बदला लेने के लिए, उसके मार्गों के अनुसार और उसके कार्यों के अनुसार वह उसे प्रतिफल देगा।

पेट में उसने अपने भाई को पकड़ा, और अपने परिश्रमों में उसने परमेश्वर की ओर सामर्थ्य पाया। और उसने दूत के साथ संघर्ष किया और प्रबल हुआ, उन्होंने रोया और उससे विनती की, ओन के घर में उन्होंने उसे पाया, और वहाँ उनसे बात की गई। परन्तु प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान उसका स्मारक होगा। और तू अपने परमेश्वर में लौट आ, दया और न्याय को बनाए रख, और अपने परमेश्वर के निकट निरन्तर आता रह।

कनान, उसके हाथ में अन्याय का जुआ, उत्पीड़न करना पसंद करता था। और एफ्राइम ने कहा, सिवाय इसके कि मैं धनी हो गया हूँ, मैंने अपने लिए आराम पा लिया है; उसकी सारी मेहनत उसे नहीं मिलेगी, उस अन्याय के द्वारा जो उसने पाप किया। मैं प्रभु तुम्हारा ईश्वर हूँ जो तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाया, मैं अभी भी तुम्हें तंबुओं में बसाऊंगा, जैसे पर्व के दिनों में। और मैं भविष्यवक्ताओं से बोलूंगा, और मैंने दर्शनों को बढ़ाया, और भविष्यवक्ताओं के हाथों में मुझे उपमा दी गई। यदि गिलाद नहीं है, तो गिलाद में बलिदान करने वाले शासक झूठे थे, और उनकी वेदियाँ खेत की सूखी भूमि पर कछुओं के समान थीं।

और याकूब सीरिया के मैदान में चला गया, और इस्राएल ने एक पत्नी के लिए सेवा की, और एक पत्नी के लिए रक्षा की। और प्रभु ने एक भविष्यवक्ता के द्वारा इस्राएल को मिस्र की भूमि से निकाल लाया, और एक भविष्यवक्ता के द्वारा उसकी रक्षा की गई। एफ्राइम क्रोधित हुआ और उसने उकसाया, और उसका रक्त उस पर बहाया जाएगा, और प्रभु उसकी निन्दा का बदला उसे देगा।

एफ्राइम के शब्द के अनुसार उसने इस्राएल में विधियाँ लीं, और उन्हें बाल के लिए रखा और मर गया। और अब उन्होंने पाप करना जारी रखा, और अपने लिए अपनी चाँदी से एक ढली हुई मूर्ति बनाई, मूर्तियों की छवि के अनुसार, कारीगरों का काम जो उनके लिए पूर्ण किया गया, वे स्वयं कहते हैं, मनुष्यों का बलिदान करो, क्योंकि बछड़े समाप्त हो गए हैं। इसलिए वे प्रातःकालीन बादल के समान होंगे और प्रातःकालीन ओस के समान जो चली जाती है, भूसे के समान जो खलिहान से उड़ा दिया जाता है, और आँसुओं से उठती भाप के समान। मैं ही प्रभु तेरा परमेश्वर हूँ जो स्वर्ग को स्थापित करता है और पृथ्वी को रचता है, जिसके हाथों ने स्वर्ग की सारी सेना को बनाया, और मैंने तुझे उन्हें नहीं दिखाया कि तू उनके पीछे चले, और मैं ही तुझे मिस्र की भूमि से ऊपर लाया, और मेरे सिवाय तू किसी परमेश्वर को नहीं जानेगा, और मेरे अतिरिक्त कोई उद्धारकर्ता नहीं है। मैंने तुम्हें जंगल में चराया, निर्जन भूमि में उनके चरागाहों के अनुसार, वे परिपूर्णता तक भर गए थे, और उनके हृदय ऊंचे हो गए थे, इसी कारण वे मुझे भूल गए थे। और मैं उनके लिए चीते के समान होऊंगा, और तेंदुए के समान अशूरियों के मार्ग पर। मैं उनसे मिलूंगा जैसे वह रीछ जो कठिनाई में होती है, और मैं उनके हृदय का घेरा फाड़ दूंगा, और वहाँ जंगल के शावक उनको खा जाएंगे, मैदान के पशु उनको फाड़ देंगे।

तेरे विनाश में, इस्राएल, कौन सहायता करेगा? कहाँ है यह तुम्हारा राजा? और वह तुम्हें तुम्हारे सब नगरों में बचाए, वह तुम्हारा न्याय करे जिसे तुमने कहा था, मुझे राजा और शासक दे। और मैंने अपने क्रोध में तुझे राजा दिया, और अपने क्रोध में रखा।

एफ्राइम का अन्याय का षड्यंत्र, उसका पाप छिपा हुआ है। प्रसव पीड़ाएँ जैसे जन्म देने वाली की उसे आएँगी, यह तुम्हारा बुद्धिमान पुत्र है, क्योंकि वह बच्चों के विनाश में सहन नहीं करेगा। हेडीज़ के हाथ से मैं उन्हें छुड़ाऊंगा, और मृत्यु से मैं उन्हें छुटकारा दूंगा। हे मृत्यु, तुम्हारा न्याय कहाँ है? हे

हेडीज़, तुम्हारा डंक कहाँ है? सात्वना मेरी आँखों से छिपाई गई है।

क्योंकि यह भाइयों के बीच अलग करेगा, प्रभु जंगल से उसके ऊपर गर्म हवा लाएगा, और उसकी नसों को सुखा देगा, उसके झरनों को उजाड़ देगा, वह उसकी भूमि को पूरी तरह सुखा देगा, और उसके सभी वांछनीय बर्तनों को सुखा देगा।

14

सामरिया नष्ट कर दी जाएगी, क्योंकि वह अपने परमेश्वर के विरुद्ध खड़ी हुई, वे तलवार से गिरेंगे, और उनके दूध पीते बच्चे पटक दिए जाएंगे, और उनकी गर्भवती स्त्रियाँ चीर दी जाएंगी।

हे इसराएल, अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौट आओ, क्योंकि तुम अपने अन्याय में कमजोर हो गए हो। अपने साथ शब्द लो, और अपने प्रभु परमेश्वर की ओर लौटो, उससे कहो, ताकि तुम अन्याय न लो, और अच्छी चीजें लो, और हम अपने होंठों का फल चुकाएंगे। असीरिया हमें नहीं बचाएगा, हम घोड़े पर नहीं चढ़ेंगे, हम फिर कभी नहीं कहेंगे हमारे देवता हमारे हाथों के कार्यों को। जो तुझमें है, वह अनाथ पर दया करेगा।

मैं उनके निवास स्थानों को चंगा करूंगा, मैं उन्हें खुलकर प्रेम करूंगा, क्योंकि मेरा क्रोध उससे फिर गया है। मैं इज़राइल के लिए ओस के समान होऊंगा, वह कुमुदिनी के समान खिलेगा, और वह अपनी जड़ें लेबनान के समान डालेगा। उसकी शाखाएं फैलेंगी, और वह फलदायी जैतून के पेड़ के समान होगा, और उसकी सुगंध लबानोन के समान होगी। वे लौटेंगे और उसके आश्रय में बैठेंगे, वे जीएंगे और अनाज से मदहोश होंगे, और अंगूर की बेल की तरह खिलेगा, उसका स्मारक लबानोन के दाखरस की तरह होगा। एफ्राइम को, अब उसका मूर्तियों से क्या लेना-देना? मैंने उसे नम्र किया, और मैं उसे मजबूत करूंगा; मैं फलते-फूलते जुनिपर के समान हूँ, तुम्हारा फल मुझसे

ही पाया गया है।

कौन बुद्धिमान है और इन बातों को समझेगा? या कौन समझदार है और इन्हें जानेगा? क्योंकि प्रभु के मार्ग सीधे हैं, और धर्मी लोग उनमें चलेंगे, लेकिन दुष्ट लोग उनमें कमजोर हो जाएंगे।

मीका

1

और प्रभु का वचन मोरेशेथ के मीकायाह के पास आया, योताम, आहाज और हिजकिय्याह यहूदा के राजाओं के दिनों में, उन बातों के विषय में जो उसने सामरिया और यरूशलेम के बारे में देखीं।

हे लोगों, वचन सुनो, और पृथ्वी ध्यान दे, और वे सब जो इसमें हैं, और प्रभु प्रभु तुम में गवाही के लिए होंगे, प्रभु अपने पवित्र भवन से। क्योंकि देखो, प्रभु अपने स्थान से बाहर निकलता है, और नीचे आएगा, और पृथ्वी की ऊंचाइयों पर कदम रखेगा। और पहाड़ उसके नीचे से हिलाए जाएंगे, और घाटियाँ आग के सामने मोम की तरह पिघलेंगी, और ढलान पर बहते हुए पानी की तरह।

याकूब के अधर्म के माध्यम से यह सब, और इस्राएल के घराने के पाप के माध्यम से, याकूब का अधर्म क्या है? क्या सामरिया नहीं? और यहूदा के घराने का पाप क्या है? क्या यरूशलेम नहीं? और मैं सामरिया को खेत की फल पहरेदार झोपड़ी में बदल दूंगा, और अंगूर के बाग के बागान में, और मैं उसके पत्थरों को अराजकता में खींच गिराऊंगा, और उसकी नींवों को उखाड़ दूंगा। और उसकी सब उकेरी हुई मूर्तियों को वे काट डालेंगे, और उसके सब भुगतान को वे आग में जलाएँगे, और उसकी सब मूर्तियों को मैं विनाश में डाल दूंगा, क्योंकि व्यभिचार के भुगतान से उसने इकट्ठा

किया, और व्यभिचार के भुगतान से उसने संचय किया।

इसके कारण वह विलाप करेगा और शोक करेगा, नंगे पैर जाएगा, और नग्न होकर विलाप करेगा जैसे अजगरों का, और शोक करेगा जैसे सायरनों की पुत्रियों का। क्योंकि उसका घाव प्रबल हो गया है, क्योंकि वह यहूदा तक आया, और मेरे लोगों के द्वार तक छू गया, यरूशलेम तक।

गाथ में रहने वाले अपने आप को बड़ा न समझो, और अनाकीम लोग हँसी के घर से पुनर्निर्माण न करो; अपनी भूमि को अपने उपहास से छिड़को। जो उसके शहरों में अच्छी तरह से निवास करती थी, वह सेनार में निवास करती हुई बाहर नहीं गई, अपने पड़ोसी घर के लिए विलाप करने; वह तुमसे पीड़ा का प्रहार लेगा।

किसने अच्छी चीजों में निवास करती हुई को पीड़ाएं आरंभ कीं? क्योंकि प्रभु से बुराइयां यरूशलेम के द्वारों पर उतरतीं। रथों और घुड़सवारों की ध्वनि, हे लाकीश में निवास करने वाली, यह पाप का नेता है सिय्योन की पुत्री के लिए, क्योंकि तुझमें इस्राएल की दुष्टताएँ पाई गई। इसलिए वह गत की विरासत तक भेजे जाने वालों को देगा, व्यर्थ घर जो इस्राएल के राजाओं के लिए खाली हो गए। जब तक वे उत्तराधिकारियों को ले आएँ, लाकीश में निवास करने वाली विरासत ओदोल्लाम तक आएगी, इस्राएल की पुत्री की महिमा। अपने कोमल बच्चों के लिए अपने आप को मुंडाओ और बाल काटो, अपने गंजेपन को चील की तरह बड़ा करो, क्योंकि वे तुमसे बंदी बना लिए गए।

2

वे परिश्रम की योजना बनाते हुए और अपने बिस्तरों में बुराइयाँ करते हुए बन गए, और दिन के साथ ही उन्हें पूरा कर लेते थे, क्योंकि उन्होंने भगवान की ओर अपने हाथ नहीं उठाए। और वे

खेतों की इच्छा करते थे, और अनाथों को लूटते थे, और घरों पर अत्याचार करते थे, और आदमी को और उसके घर को लूटते थे, और आदमी को और उसकी विरासत को लूटते थे।

इसलिए प्रभु ये बातें कहते हैं: देखो, मैं इस कबीले पर बुराइयों की योजना बना रहा हूँ, जिनसे तुम अपनी गर्दन नहीं हटा सकोगे, और तुम अचानक सीधे नहीं चल सकोगे, क्योंकि यह दुष्ट समय है।

उस दिन तुम पर एक दृष्टांत लिया जाएगा, और विलाप के साथ विलाप किया जाएगा, यह कहते हुए, हम दुर्दशा में पड़ गए, मेरे लोगों का भाग डोरी से मापा गया, और उसे फेरने से रोकने वाला कोई नहीं था, तुम्हारे खेत बांट दिए गए। इसलिए प्रभु की सभा में चिट्ठी द्वारा रस्सी डालनेवाला तुझे नहीं मिलेगा आँसुओं से मत रोओ, और न ही इन पर रोने दो, क्योंकि वह निंदाओं को अस्वीकार नहीं करेगा। वह जो कहता है, याकूब के घर ने प्रभु की आत्मा को क्रोधित किया। क्या ये उसके व्यवहार नहीं हैं? क्या उसके वचन उसके साथ अच्छे नहीं हैं? और क्या वे सीधे चले हैं? और मेरे लोग सामने शत्रुता में खड़े हुए, उसकी शांति के विरुद्ध, उन्होंने उसकी खाल उधेड़ी, युद्ध के विनाश की आशाओं को छीनने के लिए। मेरे लोगों के अगुवे उनके विलासिता के घरों से फेंक दिए जाएंगे, उनके बुरे कार्यों के कारण वे निकाल दिए गए, शाश्वत पहाड़ों के निकट आओ।

उठो और जाओ, क्योंकि यह तुम्हारे लिए विश्राम नहीं है, अशुद्धता के कारण तुम विनाश से नष्ट कर दिए गए। तुम्हारा पीछा किया गया जबकि कोई पीछा नहीं कर रहा था, आत्मा ने झूठ स्थापित किया, यह तुम्हारे लिए शराब और नशीले पेय में टपका, और यह इस लोगों के टपकने से होगा। याकूब सभी के साथ एकत्रित होते हुए एकत्रित किया जाएगा, इस्राएल के शेष लोगों की प्रतीक्षा करते हुए मैं प्रतीक्षा करूंगा, उसके मोड़ को एक साथ रखूंगा, जैसे क्लेश में भेड़ें, जैसे उनके बिस्तर के बीच में झुंड, वे मनुष्यों में से बाहर निकलेंगे। उनके सामने की दरार के माध्यम से, उन्होंने तोड़ दिया, और द्वार से होकर गए, और उसके माध्यम से बाहर निकल गए, और उनका राजा उनके सामने बाहर निकला, और प्रभु उनका नेतृत्व करेंगे।

3

और वह कहेगा, हे याकूब के घराने के अगुवों और इस्राएल के घराने के बचे हुए लोगों, सुनो! क्या तुम्हें न्याय को जानना नहीं चाहिए? अच्छाई से घृणा करते हुए और बुराई की खोज करते हुए, उनकी खालें उनसे छीनते हुए और उनका मांस उनकी हड्डियों से अलग करते हुए। जिस तरीके से उन्होंने मेरे लोगों का मांस निगल लिया, और उनकी खालें उधेड़ दीं, और उनकी हड्डियाँ तोड़ दीं, और हांडी में मांस की तरह काट दिया, और बर्तन में मांस की तरह। इस प्रकार वे प्रभु की ओर चिल्लाएंगे, और वह उनको नहीं सुनेगा, और वह उस समय अपना चेहरा उनसे मोड़ेगा, क्योंकि उन्होंने अपने आचरणों में उनके विरुद्ध बुराई की।

ये बातें प्रभु कहता है उन भविष्यवक्ताओं के बारे में जो मेरे लोगों को भटकाते हैं, जो अपने दांतों से काटते हैं, और शांति की घोषणा करते हैं उसके लिए, और जब उनके मुंह में नहीं दिया गया, तो उन्होंने उसके विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया। इसलिए तुम्हें दृष्टि से रात होगी, और तुम्हें भविष्यवाणी से अंधकार होगा, और सूरज भविष्यवक्ताओं पर अस्त होगा, और उन पर दिन अंधेरा हो जाएगा। और स्वप्न देखने वाले शर्मिदा किए जाएंगे, और भविष्यवक्ताओं का उपहास किया जाएगा, और वे सब स्वयं उनके विरुद्ध बोलेंगे, क्योंकि उनका सुनने वाला कोई नहीं होगा। यदि मैं प्रभु की आत्मा में शक्ति, न्याय और सामर्थ्य से न भरूँ, तो याकूब को उसके अधर्म के बारे में और इस्राएल को उसके पाप के बारे में कैसे बताऊँ।

हे याकूब के घराने के अगुवों और इस्राएल के घराने के बचे हुएों, सुनो वास्तव में इन बातों को, जो न्याय से घृणा करते हो, और सब सीधी बातों को बिगाड़ते हो, वे जो सिय्योन को रक्त में और यरूशलेम को अन्याय में बना रहे हैं, उसके अगुवे उपहारों के साथ न्याय करते थे, और उसके याजक मजदूरी के लिए उत्तर देते थे, और उसके भविष्यवक्ता चांदी के लिए भविष्यवाणी करते थे, और प्रभु पर वे टिके रहते थे, यह कहते हुए, क्या प्रभु हम में नहीं है? हम पर बुराईयां नहीं

आएंगी। इसलिए तुम्हारे कारण सिय्योन खेत की तरह जोता जाएगा, और यरूशलेम फल की झोपड़ी की तरह हो जाएगा, और मंदिर का पहाड़ वन का उपवन बन जाएगा।

4

और अंतिम दिनों में प्रभु का पर्वत प्रकट होगा, पर्वतों के शिखरों पर तैयार होगा, और पहाड़ियों से ऊपर उठाया जाएगा, और लोग इसकी ओर दौड़ेंगे, और बहुत सारे राष्ट्र जाएंगे और कहेंगे, आओ, हम प्रभु के पर्वत पर और याकूब के परमेश्वर के घर को चढ़ें, और वे हमें उसका मार्ग दिखाएंगे, और हम उसके पथों में चलेंगे, क्योंकि सिय्योन से व्यवस्था निकलेगी, और प्रभु का वचन यरूशलेम से निकलेगा। और वह अनेक लोगों के बीच न्याय करेगा, और दूर तक के बलवान राष्ट्रों को फटकारेगा, और वे अपनी तलवारों को हलों में और अपने भालों को हंसियों में बदल देंगे, और राष्ट्र राष्ट्र के विरुद्ध तलवार नहीं उठाएगा, और वे फिर कभी युद्ध करना नहीं सीखेंगे। और प्रत्येक अपनी अंगूर की बेल के नीचे विश्राम करेगा, और प्रत्येक अपने अंजीर के पेड़ के नीचे, और कोई भयभीत करने वाला नहीं होगा, क्योंकि सर्वशक्तिमान प्रभु के मुख ने ये बातें बोली हैं। क्योंकि सब लोग अपने-अपने रास्ते पर चलेंगे, लेकिन हम अपने प्रभु परमेश्वर के नाम में सदा के लिए और उससे परे चलेंगे।

उस दिन प्रभु कहते हैं, मैं टूटे हुए को इकट्ठा करूंगा, और निकाले गए को स्वीकार करूंगा, और जिन्हें मैंने दूर भगाया था। और मैं टूटे हुए को अवशेष बनाऊंगा, और निकाले गए को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाऊंगा, और प्रभु उन पर सिय्योन पर्वत पर अब से लेकर सदा तक शासन करेगा।

और तू झुंड की सूखी मीनार, हे सिय्योन की पुत्री, तेरे पास आएगा, और प्रवेश करेगा वह आरंभ, वह पहला राज्य बाबुल से यरूशलेम की पुत्री के पास।

और अब तुमने बुराइयों को क्यों जाना? क्या तुम्हारे पास राजा नहीं था? या तुम्हारी सलाह नष्ट हो गई, क्योंकि तुम्हारे दर्द प्रबल हो गए जैसे प्रसव करने वाली स्त्री के? प्रसव पीड़ा सह और साहसी बन, हे सिय्योन की पुत्री, जैसे प्रसव करती हुई स्त्री, क्योंकि अब तू नगर से बाहर निकलेगी, और मैदान में डेरा डालेगी, और बाबुल तक जाएगी; वहाँ से प्रभु तेरा परमेश्वर तुझे छुड़ाएगा, और वहाँ से वह तुझे तेरे शत्रुओं के हाथ से छुड़ाएगा।

और अब बहुत सी जातियाँ तुम पर एकत्रित हुई हैं, कहते हुए, हम आनंदित होंगे, और हमारी आँखें सिय्योन को देखेंगी। परन्तु वे स्वयं प्रभु के विचार को नहीं जानते थे, और उसकी योजना को नहीं समझे, क्योंकि उसने उन्हें खलिहान की पुलियों के समान एकत्र किया था। उठो, और उन्हें दाँवो हे सिय्योन की बेटी, क्योंकि मैं तुम्हारे सींगों को लोहे का बनाऊँगा, और तुम्हारे खुरों को काँसे का बनाऊँगा, और तुम बहुत से लोगों को कुचलोगी, और तुम उनकी भीड़ को प्रभु के लिए समर्पित करोगी, और उनकी शक्ति को सारी पृथ्वी के प्रभु के लिए समर्पित करोगी।

अब बेटी को बाढ़ से घेरा जाएगा, उसने हम पर घेराबंदी नियुक्त की है, वे छड़ी से इस्राएल के कुलों के गाल पर मारेंगे।

5

और तू बेथलेहेम, एफ्राथा का घर, यहूदा के हजारों में छोटा है, तुझ से मेरे लिए निकलेगा जो इस्राएल का शासक होगा, और उसका निकलना आरंभ से, प्राचीन दिनों से है।

इसलिए वह उन्हें उस समय तक देगा जब तक प्रसव करने वाली जन्म न दे दे, और उनके शेष भाई इस्राएल के पुत्रों के पास लौटेंगे। और वह खड़ा होगा और देखेगा, और प्रभु की शक्ति में अपने झुंड को चराएगा, और प्रभु परमेश्वर के नाम की महिमा में वे रहेंगे, क्योंकि अब वे पृथ्वी के

छोर तक महान किए जाएंगे।

और यह शांति होगी, जब अशशूर तुम्हारी भूमि पर आए, और जब वह तुम्हारे देश पर पैर रखे, तब उसके विरुद्ध सात चरवाहे और मनुष्यों के आठ डंक उठाए जाएंगे। और वे अशशूर को तलवारों से चराएँगे और निम्रोद की भूमि को उसकी खाई में, और वह अशशूर से छुड़ाएगा जब वह तुम्हारी भूमि पर आए, और जब वह तुम्हारी सीमाओं पर पैर रखे।

और याकूब का अवशेष राष्ट्रों में, बहुत से लोगों के बीच में, प्रभु की ओर से गिरती हुई ओस के समान होगा, और घास पर मेमनों के समान, ताकि कोई एकत्र न किया जाए, और न ही मनुष्यों के पुत्रों में कोई खड़ा रहे। और याकूब का अवशेष राष्ट्रों में, बहुत से लोगों के बीच में ऐसा होगा, जैसे वन में पशुओं के बीच सिंह, और जैसे भेड़ों के झुंडों में शावक, जो जब गुजरे, और अलग करके छीन ले, और कोई छुड़नेवाला न हो। तुम्हारा हाथ तुम्हें पीड़ा देने वालों पर ऊँचा किया जाएगा, और तुम्हारे सब शत्रु नष्ट कर दिए जाएंगे।

और उस दिन में ऐसा होगा, प्रभु कहता है, मैं तुम्हारे बीच से घोड़ों को नष्ट कर दूंगा, और तुम्हारे रथों को नष्ट कर दूंगा, और मैं तुम्हारी पृथ्वी के शहरों को नष्ट करूंगा, और मैं तुम्हारे सभी किलों को हटा दूंगा। और मैं तुम्हारे हाथों से तुम्हारे जादू-टोने नष्ट कर दूंगा, और भविष्यवक्ता तुममें नहीं रहेंगे। और मैं तुम्हारी उकेरी हुई मूर्तियों को नष्ट कर दूंगा, और तुम्हारे स्तंभों को तुम्हारे बीच से हटा दूंगा, और तुम अब और अपने हाथों के कार्यों की पूजा नहीं करोगे। और मैं तुम्हारे बीच से उपवनों को काट डालूंगा, और तुम्हारे नगरों को नष्ट कर दूंगा। और मैं क्रोध और कोप में उन राष्ट्रों से प्रतिशोध लूँगा, जिन्होंने नहीं सुना।

6

सुनो वास्तव में यह वचन, प्रभु ने कहा, उठो, पहाड़ों के सामने न्याय के लिए खड़े हो जाओ, और पहाड़ियाँ तुम्हारी आवाज़ सुनें।

हे पहाड़ों, प्रभु के न्याय को सुनो, और हे घाटियों, पृथ्वी की नींवों, क्योंकि प्रभु का अपने लोगों के साथ न्याय है, और इस्राएल के साथ वाद-विवाद किया जाएगा। मेरे लोगों, मैंने तुम्हें क्या किया, या मैंने तुम्हें क्या दुःख दिया, या मैंने तुम्हें क्या कष्ट दिया? मुझे उत्तर दो। क्योंकि मैंने तुम्हें मिस्र की भूमि से ऊपर लाया, और गुलामी के घर से तुम्हें छुड़ाया, और तुम्हारे आगे मूसा, और हारून, और मरियम को भेजा।

हे मेरे लोगों, याद करो कि मोआब के राजा बालाक ने तुम्हारे विरुद्ध क्या योजना बनाई थी, और बओर के पुत्र बिलाम ने उसे क्या उत्तर दिया था, बबूल के पेड़ों से लेकर गिलगाल तक, ताकि प्रभु की धार्मिकता जानी जाए।

किस चीज़ से मैं प्रभु को पकड़ूंगा, अपने सर्वोच्च ईश्वर को थामूंगा? क्या मैं उसे होमबलि में पकड़ूंगा, एक वर्ष के बछड़ों में? क्या प्रभु हजारों मेढ़ों को स्वीकार करेंगे? या असंख्य मोटे बकरों को? क्या मैं अपने पहलौठे को अपनी दुष्टता के लिए दूँ, अपने गर्भ के फल को अपनी आत्मा के पाप के लिए? हे मनुष्य, यदि तुम्हें यह बताया गया है कि क्या अच्छा है; या प्रभु तुमसे क्या चाहता है, सिवाय इसके कि न्याय करो, और दया से प्रेम करो, और अपने प्रभु परमेश्वर के साथ चलने के लिए तैयार रहो?

प्रभु की आवाज़ शहर में पुकारी जाएगी, और वह उसके नाम से डरने वालों को बचाएगा। हे कबीले, सुनो, और कौन शहर को सजाएगा? क्या अधर्मी का घर अधर्मी खजाने संचय कर रहा है, और अन्याय के अहंकार के साथ? यदि तराजू में अधर्मी न्यायसंगत ठहराया जाएगा, और थैली में छल के बाट हों, जिनसे उन्होंने अपनी धन-संपत्ति को अधर्म से भर दिया, और जो उसमें निवास करते थे वे झूठ बोलते थे, और उनकी जीभ उनके मुंह में ऊंची कर दी गई।

और मैं तुम्हें मारना आरंभ करूंगा, मैं तुम्हें तुम्हारे पापों में नष्ट कर दूंगा। तू खाएगा, और तू संतुष्ट नहीं होगा, और तुझमें अंधेरा होगा और बच निकलेगा, और तू बचाया नहीं जाएगा, और जितने भी बचाए जाएंगे, वे तलवार को सौंप दिए जाएंगे। तू बोएगा और नहीं काटेगा, तू जैतून को दबाएगा और तेल से अभिषेक नहीं करेगा, और दाखरस, और तुम नहीं पिओगे, और मेरे लोगों की रीतियाँ नष्ट की जाएँगी। और तुमने ज़िम्मी की विधियों को रखा, और अहाब के घर के सब कार्यों को, और तुम उनके मार्गों पर चले, ताकि मैं तुमको विनाश में सौंप दूँ, और इसमें निवास करने वालों को सीटी बजाने में, और तुम लोगों की निन्दाओं को प्राप्त करोगे।

7

हाय, क्योंकि मैं फसल में पुआल इकट्ठा करने वाले के समान बन गया, और दाख की बारी में बीनने वाले के समान, जब खाने के लिए न तो अंगूर का गुच्छा है और न ही प्रथम फल। हाय, आत्मा! क्योंकि धर्मपरायण पृथ्वी से नष्ट हो गया है, और मनुष्यों में सफल होने वाला विद्यमान नहीं है। सब रक्त की ओर न्याय किए जाते हैं, प्रत्येक अपने पड़ोसी को निचोड़ते हैं। बुराई के लिए वे अपने हाथ तैयार करते हैं, शासक मांगता है, और न्यायाधीश ने शांतिपूर्ण शब्द बोले, यह उसकी आत्मा की इच्छा है, और मैं उनकी अच्छी चीजें छीन लूंगा। जैसे कीड़ा खाता है, और नियम पर चलते हुए निगरानी के दिन में, हाय हाय, तेरे प्रतिशोध आ गए हैं, अब उनके विलाप होंगे। मित्रों पर विश्वास मत करो, और नेताओं पर आशा मत रखो, अपने बिस्तर के साथी से सावधान रहो, उसे कुछ भी सौंपने से। क्योंकि पुत्र पिता का अनादर करता है, पुत्री अपनी माता के विरुद्ध उठेगी, बहू अपनी सास के विरुद्ध, और मनुष्य के सब शत्रु उसके घर में ही होंगे।

लेकिन मैं प्रभु की ओर देखूंगा, मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर की प्रतीक्षा करूंगा, मेरा परमेश्वर मेरी सुनेगा।

हे मेरी शत्रु, मुझे पर आनंदित मत हो, क्योंकि मैं गिरा हूँ, परन्तु मैं उठूँगा, क्योंकि यदि मैं अंधकार में बैठूँगा, तो प्रभु मुझे प्रकाशित करेगा। प्रभु के क्रोध को मैं सहूँगा, क्योंकि मैंने उसके विरुद्ध पाप किया है, जब तक वह मेरे मुकदमे को न्यायोचित न ठहराए और मेरा न्याय न करे, और वह मुझे प्रकाश में न निकाले, मैं उसकी धार्मिकता को देखूँगा, और मेरी शत्रु देखेगी और शर्म से ढकी जाएगी, वह जो कहती है, कहाँ है प्रभु तेरा परमेश्वर? मेरी आँखें उसे देखेंगी, अब वह रौंदी जाएगी जैसे रास्तों में मिट्टी।

ईंट पर मरहम लगाने का दिन, वह दिन तुम्हारा विनाश है, और वह दिन तुम्हारे रीति-रिवाजों को मिटा देगा। और तुम्हारे शहर समतल भूमि में आएंगे, और अशशूरियों के विभाजन में, और तुम्हारे गढ़वाले शहर सोर से नदी तक विभाजन में आएंगे, और समुद्र से समुद्र तक, और पर्वत से पर्वत तक। और भूमि उसमें निवास करने वालों के साथ विनाश को प्राप्त होगी, उनके कर्मों के फलों के कारण।

अपनी छड़ी से अपने लोगों की चरवाही करो, अपनी विरासत की भेड़ों की, जो कार्मेल के बीच जंगल में अलग रहते हैं, वे बाशान और गिलाद में चरेंगे जैसे प्राचीन काल के दिनों में।

और तुम्हारे मिस्र से प्रस्थान के दिनों के अनुसार, तुम अद्भुत चीजें देखोगे। राष्ट्र देखेंगे और शर्मिदा होंगे, और अपनी सारी शक्ति से वे अपने मुँह पर हाथ रखेंगे, उनके कान बहरे कर दिए जाएंगे, वे सर्पों की तरह भूमि को घसीटते हुए धूल चाटेंगे, वे अपने कारावास में भ्रमित होंगे, हमारे प्रभु परमेश्वर पर वे चकित होंगे, और वे तुमसे डरेंगे।

कौन परमेश्वर तुम्हारे जैसा है? जो अधर्म को हटाता है, और अपनी विरासत के बचे हुएों की दुष्टताओं को क्षमा करता है? और उसने अपने क्रोध को साक्ष्य के लिए नहीं रोका, क्योंकि वह दया में प्रसन्न होने वाला है। वह लौटेगा और हम पर दया करेगा, हमारे अन्याय को डुबोएगा, और हमारे सभी पाप समुद्र की गहराइयों में फेंक दिए जाएंगे। याकूब को सत्य देगा, अब्राहम को दया

देगा, जैसा तुमने हमारे पितरों से शपथ ली थी, पहले के दिनों के अनुसार।

योना

1

और प्रभु का वचन योना के पास आया, जो अमत्ती का पुत्र था, यह कहते हुए, उठो और नीनवे नामक महान शहर में जाओ, और वहाँ घोषणा करो, क्योंकि उसकी दुष्टता की चीख मेरे पास पहुँच गई है। और योना प्रभु के सामने से तर्शीश भागने के लिए उठा, और यप्पा गया, और तर्शीश जाने वाला एक जहाज पाया, और उसका किराया दिया, और उसमें चढ़ा, ताकि उनके साथ प्रभु के सामने से तर्शीश की यात्रा करे।

और प्रभु ने समुद्र पर आत्मा को उठाया, और समुद्र में एक महान लहर उठी, और नाव टूटने के खतरे में थी। और नाविक डर गए, और प्रत्येक ने अपने देवता की ओर पुकारा, और उन्होंने नाव में रखे बर्तनों को समुद्र में फेंक दिया, ताकि उनसे हल्का हो जाए। लेकिन योना नाव के खोखले भाग में नीचे गया, और सो रहा था, और खरटि ले रहा था।

और निगरानी करने वाला उसके पास आया, और उससे कहा, तू क्यों खरटि ले रहा है? उठ, और अपने परमेश्वर को पुकार, ताकि परमेश्वर हमें बचाए, और हम नष्ट न हों। और हर एक ने अपने पड़ोसी से कहा, आओ, हम चिट्ठियाँ डालें और जानें कि किसके कारण यह बुराई हम में है। और

उन्होंने चिट्ठियाँ डालीं, और चिट्ठी योना पर गिरी।

और उन्होंने उससे कहा, हमें बताओ, तुम्हारा काम क्या है, और तुम कहाँ से आते हो, और किस देश से, और किस लोगों में से तुम हो? और उसने उनसे कहा, मैं प्रभु का दास हूँ, और मैं स्वर्ग के प्रभु परमेश्वर की आराधना करता हूँ, जिसने समुद्र और सूखी भूमि को बनाया। और पुरुष बहुत डर गए, और उससे बोले, तूने यह क्या किया? क्योंकि पुरुषों ने जान लिया था कि वह प्रभु के चेहरे से भाग रहा था, क्योंकि उसने उन्हें बताया था। और उन्होंने उससे कहा, हम तुम्हारे साथ क्या करें, ताकि समुद्र हमसे शांत हो जाए? क्योंकि समुद्र उठता जा रहा था और अधिक तूफान उठा रहा था। और योना ने उनसे कहा, मुझे उठाओ और मुझे समुद्र में डाल दो, और समुद्र तुम से शांत हो जाएगा, क्योंकि मैं जानता हूँ कि यह बड़ा तूफान मेरे कारण तुम पर आया है।

और वे पुरुष भूमि की ओर लौटने का प्रयास कर रहे थे, परन्तु वे सक्षम नहीं थे, क्योंकि समुद्र चल रहा था और उन पर अधिकाधिक उठ रहा था। और उन्होंने प्रभु की ओर पुकारा और कहा, हे प्रभु, किसी भी तरह से नहीं, हम इस मनुष्य के प्राण के कारण नष्ट न हों, और हम पर धर्मी का खून न डालो, क्योंकि हे प्रभु, तूने जैसी इच्छा की, वैसा ही किया है। और उन्होंने योना को लिया, और उसे समुद्र में फेंक दिया, और समुद्र अपनी उथल-पुथल से शांत हो गया। और पुरुषों ने प्रभु से बहुत बड़े डर से डरे, और प्रभु को बलिदान चढ़ाया, और प्रार्थनाएँ कीं।

2

और प्रभु ने एक विशाल ढेल को योना को निगलने का आदेश दिया, और योना तीन दिन और तीन रातें ढेल के पेट में रहा।

और योना ने बड़ी मछली के पेट से अपने परमेश्वर प्रभु से प्रार्थना की। और उसने कहा, मैंने अपने

संकट में प्रभु अपने परमेश्वर की ओर पुकारा, और उसने मेरी सुनी। अधोलोक के गर्भ से मेरी चिल्लाहट, तूने मेरी आवाज़ सुनी। तूने मुझे समुद्र के हृदय की गहराइयों में फेंक दिया।

और नदियों ने मुझे घेर लिया, तुम्हारी सभी लहरें और तुम्हारी तरंगें मुझ पर से गुज़र गईं। और मैंने कहा, मैं तुम्हारी आँखों से अस्वीकृत हूँ, तो क्या मैं फिर से तुम्हारे पवित्र मंदिर की ओर देख सकूँगा? मेरे चारों ओर पानी आत्मा तक पोरे दिया गया, गहरे सागर ने मुझे अंतिम रूप से घेर लिया, मेरा सिर पहाड़ों की दरारों में डूब गया। मैं उस भूमि में उतर गया, जिसकी छड़ें शाश्वत धारक हैं, और मेरे जीवन का विनाश ऊपर चढ़े, हे प्रभु मेरे ईश्वर।

जब मेरा आत्मा मुझसे क्षीण होने लगा, तब मैंने प्रभु को स्मरण किया, और मेरी प्रार्थना तेरे पास आए, तेरे पवित्र मन्दिर में। जो व्यर्थ और झूठी चीजों की रक्षा करते हैं, उन्होंने अपनी दया को त्याग दिया। लेकिन मैं स्तुति और धन्यवाद की आवाज़ के साथ तुम्हें बलिदान चढ़ाऊँगा, जितना मैंने मन्नत मानी थी वह तुम्हें चुकाऊँगा, मुक्ति के लिए प्रभु को।

और प्रभु ने समुद्री राक्षस को आदेश दिया, और उसने योना को सूखी भूमि पर बाहर फेंक दिया।

3

और प्रभु का वचन योना के पास दूसरी बार आया, कहते हुए, उठो, नीनवे के महान शहर में जाओ; और उसमें उस घोषणा के अनुसार प्रचार करो जो मैंने तुमसे पहले कही थी। और योना उठा, और निनवे को गया, जैसा प्रभु ने कहा था, और निनवे परमेश्वर के लिए एक बड़ा शहर था, लगभग तीन दिन की यात्रा का। और योना ने शहर में प्रवेश करना शुरू किया, लगभग एक दिन की यात्रा जितना, और उसने घोषणा की और कहा, अभी तीन दिन और नीनवे उलट दिया जाएगा।

और नीनवे के पुरुषों ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और उपवास की घोषणा की, और उन्होंने अपने बड़े से लेकर अपने छोटे तक टाट पहन लिया। और वह वचन नीनवे के राजा के पास पहुंचा, और वह अपने सिंहासन से उठा, और उसने अपना वस्त्र उतारा, और टाट पहना, और राख पर बैठ गया। और निनवे में राजा और उसके महान लोगों की ओर से यह घोषित किया गया और कहा गया, लोग, और पशु, और बैल, और भेड़ें न चर्खें, न चरें, और न पानी पिएं। और लोगों और पशुओं ने टाट के कपड़े पहने, और परमेश्वर की ओर तीव्रता से चिल्लाए, और प्रत्येक अपने बुरे मार्ग से लौटा, और उस अन्याय से जो उनके हाथों में था, कहते हुए, कौन जानता है कि क्या परमेश्वर पश्चाताप करेगा और अपने क्रोध के कोप से फिरेगा, और हम नष्ट नहीं होंगे?

और परमेश्वर ने उनके कार्यों को देखा कि वे अपने दुष्ट मार्गों से लौट आए, और परमेश्वर ने उस बुराई पर पछतावा किया जो उसने उनको करने के लिए कहा था, और उसने वह नहीं किया।

4

और योना बहुत दुःखी हुआ और व्याकुल हो गया। और उसने प्रभु से प्रार्थना की और कहा, हे प्रभु, क्या ये मेरे वही शब्द नहीं थे जब मैं अपनी भूमि में था? इसलिए मैंने तर्शीश भागने की जल्दी की, क्योंकि मैं जानता था कि तू दयालु और करुणामय है, धैर्यवान और अत्यधिक दयालु है, और बुराइयों पर पछताने वाला है। और अब, हे स्वामी प्रभु, मेरी आत्मा को मुझसे ले लो, क्योंकि मेरे लिए मरना जीने से अच्छा है। और प्रभु ने योना से कहा, क्या तू अत्यधिक दुःखी हुआ है?

और योना शहर से बाहर गया, और शहर के सामने बैठा, और उसने वहाँ अपने लिए एक तंबू बनाया, और उसके नीचे बैठा रहा, जब तक कि वह न देख ले कि शहर का क्या होगा। और प्रभु परमेश्वर ने लौकी को आज्ञा दी, और वह योना के सिर के ऊपर बढ़ी, ताकि उसके सिर के ऊपर

छाया हो और उसे उसकी बुराइयों से छाया दे, और योना उस लौकी पर बहुत आनन्दित हुआ।

और परमेश्वर ने अगले दिन सुबह एक कीड़े को आदेश दिया, और उसने लौकी को मारा, और वह सूख गई। और ऐसा हुआ कि जब सूरज उगा, तो परमेश्वर ने झूलसाने वाली जलती हुई गर्म हवा को आज्ञा दी, और सूरज ने योना के सिर पर प्रहार किया, और वह निराश हो गया, और उसने अपनी आत्मा को त्याग दिया, और कहा, मेरे लिए जीने से मरना अच्छा है। और परमेश्वर ने योना से कहा, क्या तुम लौकी के लिए बहुत दुःखी हुए हो? और उसने कहा, मैं मृत्यु तक बहुत दुःखी हूँ।

और प्रभु ने कहा, तूने लौकी के लिए तरस खाया, जिसके लिए तूने परिश्रम नहीं किया और न ही इसे पाला, जो एक रात में हुई और एक रात में नष्ट हो गई, लेकिन क्या मैं नीनवे के महान शहर को नहीं बख्शूंगा, जिसमें बारह लाख से अधिक मनुष्य निवास करते हैं, जो अपने दाहिने और बाएं हाथ में अंतर नहीं जानते थे, और बहुत से पशु भी हैं?

यिर्मयाह

1

परमेश्वर का वचन जो यिर्मयाह पर आया, जो हिल्कियाह का पुत्र था, पुजारियों में से, जो अनातोत में रहता था, बिन्यामीन की भूमि में। जैसा परमेश्वर का वचन उसके पास आया, योशियाह के दिनों में जो आमोस का पुत्र और यहूदा का राजा था, उसके राज्य के तेरहवें वर्ष में। और यह योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के दिनों में हुआ, जो यहूदा का राजा था, योशियाह के पुत्र सिदकियाह के ग्यारहवें वर्ष तक, जो यहूदा का राजा था, यरूशलेम की बंधुआई तक, पाँचवें महीने में।

और प्रभु का वचन उसके पास आया, मैं तुम्हें पेट में बनाने से पहले ही तुम्हें जानता था, और तुम्हारे गर्भ से निकलने से पहले ही मैंने तुम्हें पवित्र किया था, मैंने तुम्हें राष्ट्रों के लिए भविष्यवक्ता नियुक्त किया था।

और मैंने कहा, हे स्वामी, हे प्रभु, देखो मैं बोलना नहीं जानता, क्योंकि मैं छोटा हूँ। और प्रभु ने मुझसे कहा, मत कहो कि मैं छोटा हूँ, क्योंकि जिन सब के पास मैं तुम्हें भेजूँगा, तुम जाओगे, और जो कुछ भी मैं तुम्हें आज्ञा दूँगा, तुम बोलोगे। उनके चेहरे से मत डरो, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ

हूँ तुम्हें बचाने के लिए, प्रभु कहते हैं। और प्रभु ने अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया, और मेरे मुँह को छुआ, और प्रभु ने मुझसे कहा, देखो मैंने अपने शब्द तेरे मुँह में दिए हैं।

देखो, मैंने आज तुम्हें राष्ट्रों और राज्यों पर नियुक्त किया है - उखाड़ने, ढहाने, छोड़ने, पुनर्निर्माण करने और रोपने के लिए।

और प्रभु का वचन मेरे पास आया, कहता हुआ, तुम क्या देखते हो? और मैंने कहा, बादाम की छड़ी। और प्रभु ने मुझसे कहा, तुमने अच्छी तरह से देखा है, क्योंकि मैं अपने शब्दों पर नज़र रख रहा हूँ उन्हें पूरा करने के लिए। और प्रभु का वचन दूसरी बार मेरे पास आया, कहता हुआ, तू क्या देखता है? और मैंने कहा, एक हांडी जो गरम की जा रही है, और उसका मुख उत्तर दिशा की ओर से है। और प्रभु ने मुझसे कहा, उत्तर से सब भूमि के निवासियों पर बुराईयाँ प्रज्वलित की जाएंगी। क्योंकि देखो, मैं उत्तर से पृथ्वी के सब राज्यों को बुलाता हूँ, प्रभु कहता है, और वे आएंगे और प्रत्येक अपना सिंहासन यरूशलेम के द्वारों के प्रवेश पर रखेगा, और उसकी चारों ओर की सब दीवारों पर, और यहूदा के सब नगरों पर। और मैं उनसे न्याय के साथ बात करूँगा, उनकी सारी दुष्टता के बारे में, कि कैसे उन्होंने मुझे त्याग दिया, और विदेशी देवताओं को बलिदान चढ़ाया, और अपने हाथों के कामों की पूजा की।

और तू अपनी कमर बाँध, और उठ, और बोल वह सब जो मैं तुझे आज्ञा करूँ, उनके चेहरे से मत डर, और न उनके सामने घबरा, क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ, तुझे छुड़ाने के लिए, प्रभु कहता है। देखो, मैंने तुम्हें आज के दिन एक मजबूत शहर के समान और कांसे की मजबूत दीवार के समान बनाया है, यहूदा के सभी राजाओं, उसके शासकों और भूमि के लोगों के विरुद्ध। और वे तुमसे युद्ध करेंगे, और वे तुम्हारे विरुद्ध सक्षम नहीं होंगे क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हें छुड़ाने के लिए, प्रभु ने कहा।

2

और उसने कहा, प्रभु यह कहते हैं, मैंने तेरी युवावस्था की दया को याद किया, और तेरे प्रेम की पूर्णता को, कि तू पवित्र इस्राएल का अनुसरण करे, प्रभु कहते हैं। पवित्र इस्राएल प्रभु के लिए उसकी उपज का आरंभ है, जो सब उसे खाते हैं वे अपराध करेंगे, उन पर बुराईयाँ आएँगी, प्रभु कहते हैं।

हे याकूब के घराने, प्रभु का वचन सुनो, और इस्राएल के घराने के सब कुल। ये बातें प्रभु कहता है: तुम्हारे पिताओं ने मुझ में क्या अपराध पाया, कि वे मुझ से दूर हट गए, और व्यर्थ चीजों के पीछे चले गए, और व्यर्थ हो गए? और उन्होंने नहीं कहा, प्रभु कहाँ है, जो हमें मिस्र की भूमि से ऊपर लाया, जिसने हमें जंगल में मार्गदर्शन किया, बिना रास्ते और बिना मार्ग की भूमि में, बिना पानी और बिना फल की भूमि में, उस भूमि में जिसमें कोई मनुष्य सीधे नहीं गया, और वहाँ कोई मनुष्य नहीं बसा? और मैं तुम्हें कार्मेल में लाया, ताकि तुम उसके फल और उसकी अच्छी चीजें खाओ, और तुम प्रवेश किए, और तुमने मेरी भूमि को अपवित्र किया, और मेरी विरासत को घृणित वस्तु बना दिया। पुजारियों ने नहीं पूछा, प्रभु कहाँ है?; और व्यवस्था को थामे रखने वाले मुझे नहीं जानते थे, और चरवाहों ने मेरे विरुद्ध अधर्म किया, और भविष्यवक्ताओं ने बाल के नाम पर भविष्यवाणी की, और वे निरर्थक वस्तुओं के पीछे चले गए।

इसलिए अभी भी मैं तुम्हारे साथ न्याय करूँगा, और तुम्हारे पुत्रों के पुत्रों के साथ मैं न्याय करूँगा। क्योंकि कित्तिम के द्वीपों में आओ और देखो, और केदार में भेजो, और बहुत ध्यान से समझो, और देखो कि क्या ऐसी बातें हुई हैं, यदि राष्ट्रों ने अपने देवताओं को बदल लिया है, और ये देवता नहीं हैं, लेकिन मेरे लोगों ने अपनी महिमा को बदल दिया, जिससे वे लाभान्वित नहीं होंगे। स्वर्ग

इस पर चकित हो गया, और अत्यधिक काँप उठा, प्रभु कहते हैं। क्योंकि मेरे लोगों ने दो बुरे काम किए हैं: उन्होंने मुझे, जीवन के जल के स्रोत को त्याग दिया, और अपने लिए टूटे हुए हौज खोदे, जो जल को रोक नहीं सकेंगे।

क्या इस्राएल दास है, या घर में जन्मा है? वह लूट में क्यों पड़ गया? उस पर शेरों ने गर्जना की और उन्होंने अपना स्वर दिया, जिन्होंने उसकी भूमि को जंगल में बदल दिया, और उसके नगर नष्ट कर दिए गए, ताकि वे बसाए न जाएं। और मेम्फिस और ताफनास के पुत्रों ने तुझे जाना, और तेरा उपहास किया। क्या यह तुमने किया नहीं, मुझे छोड़कर? प्रभु तुम्हारा परमेश्वर कहता है।

और अब तुझे मिस्र के रास्ते का और गीहोन का पानी पीने से क्या लेना? और तुझे अशशूरियों के रास्ते का और नदियों का पानी पीने से क्या लेना? तेरा विद्रोह तुझे अनुशासित करेगा, और तेरी दुष्टता तुझे फटकारेगी, और जान और देख कि मुझे छोड़ना तेरे लिए कड़वा है, प्रभु तेरा परमेश्वर कहता है, और मैं तुझ पर प्रसन्न नहीं हुआ, प्रभु तेरा परमेश्वर कहता है।

क्योंकि युग से तूने अपना जुआ कुचल दिया, और अपने बंधन फाड़ डाले, और तूने कहा, मैं तेरी सेवा नहीं करूंगा, लेकिन मैं हर ऊंची पहाड़ी पर जाऊंगा, और हर छायादार पेड़ के नीचे, वहां मैं अपने व्यभिचार में बह जाऊंगा। मैंने तुम्हें एक फलदायी अंगूर की बेल लगाया था, जो पूरी तरह सच्ची थी, फिर तुम कैसे कड़वाहट में बदल गई, हे पराई अंगूर की बेल? यदि तुम सोडा में धोओगे और अपने लिए साबुन बढ़ाओगे, तो भी तुम मेरे सामने अपने अन्यायों से दागदार हो, प्रभु कहते हैं।

तुम कैसे कहोगे, मैं अशुद्ध नहीं हुआ, और मैं बाल के पीछे नहीं गया? बहुत पुरुषों के स्थान में अपने रास्ते देखो, और जानो कि तुमने क्या किया; देर से उसकी आवाज़ ने विलाप किया। उसने अपने रास्तों को जंगल के पानी पर चौड़ा किया, अपनी आत्मा की इच्छाओं में वह आत्मा द्वारा ले जाई गई, सौंप दी गई; कौन उसे लौटाएगा? सब जो उसे खोजते हैं वे नहीं थकेंगे, उसके अपमान

में वे उसे पाएंगे। अपना पैर कठिन रास्ते से हटा लो, और अपने गले को प्यास से बचाओ, लेकिन उसने कहा मैं साहसी रहूँगी, क्योंकि उसने परायों से प्रेम किया था, और उनके पीछे चली गई थी।

जैसे चोर पकड़े जाने पर शर्मिंदा होता है, वैसे ही इस्राएल के पुत्र शर्मिंदा होंगे, वे स्वयं और उनके राजा, और उनके शासक, और उनके पुजारी, और उनके नबी। लकड़ी से कहा, तुम मेरे पिता हो, और पत्थर से, तुमने मुझे जन्म दिया, और उन्होंने मेरी ओर पीठ मोड़ी, और अपने चेहरे नहीं, और अपनी बुराइयों के समय में कहेंगे, उठो और हमें बचाओ। और कहाँ हैं तुम्हारे वे देवता, जिन्हें तुमने अपने लिए बनाया? यदि वे उठें और तुम्हारे कष्ट के समय में तुम्हें बचाएं; क्योंकि तुम्हारे नगरों की संख्या के अनुसार तुम्हारे देवता थे, हे यहूदा, और यरूशलेम की गलियों की संख्या के अनुसार वे बाल को बलि चढ़ाते थे। तुम सब मुझसे क्यों बोलते हो? तुम सब ने अधर्म किया है, और तुम सब ने मेरे विरुद्ध अपराध किया है, प्रभु कहते हैं। व्यर्थ ही मैंने तुम्हारे बच्चों को मारा, तुमने शिक्षा ग्रहण नहीं की, तलवार ने तुम्हारे भविष्यवक्ताओं को विनाशकारी शेर की तरह निगल लिया, और तुम नहीं डरे।

प्रभु का वचन सुनो, प्रभु यह कहता है, क्या मैं इस्राएल के लिए उजाड़ हो गया या उजड़ी हुई भूमि? तो फिर मेरे लोगों ने क्यों कहा, हम शासित नहीं होंगे, और हम तुम्हारे पास फिर नहीं आएंगे? क्या दुल्हन अपना श्रृंगार भूल सकती है, और कुंवारी अपना वक्षबंध? परंतु मेरे लोग मुझे अनगिनत दिनों से भूल गए हैं। क्या तुम अभी भी अपने रास्तों में अच्छे आचरण का अनुसरण करोगी, प्रेम खोजने के लिए? ऐसा नहीं, बल्कि तूने अपने रास्तों को अपवित्र करने के लिए दुष्टता से काम किया है। और तेरे हाथों में निर्दोष आत्माओं का खून पाया गया, मैंने उन्हें खुदाई में नहीं पाया, बल्कि हर बांज के पेड़ पर। और तुमने कहा, मैं निर्दोष हूँ, लेकिन उसका क्रोध मुझसे दूर हो जाए। देखो, मैं तुम्हारे विरुद्ध न्याय किया जा रहा हूँ, क्योंकि तुम कहते हो, मैंने पाप नहीं किया।

क्योंकि तूने अपने मार्गों को दोहराने को अत्यधिक तुच्छ जाना, और मिस्र से तू शर्मिंदा होगा, जैसे

तू अशशूर से शर्मिदा हुआ था। क्योंकि तुम यहाँ से बाहर जाओगे, और तुम्हारे हाथ तुम्हारे सिर पर होंगे, क्योंकि प्रभु ने तुम्हारी आशा को अस्वीकार कर दिया है, और तुम इसमें समृद्ध नहीं होगे।

3

यदि कोई पुरुष अपनी स्त्री को भेज दे, और वह उससे चली जाए, और किसी दूसरे पुरुष की हो जाए, तो क्या लौटकर वह उसके पास फिर लौटेगी? क्या वह स्त्री अशुद्ध नहीं हो जाएगी? और तूने बहुत चरवाहों के साथ व्यभिचार किया, और तू मेरे पास लौटा, प्रभु कहता है। अपनी आँखें सीधे उठाओ और देखो, कहाँ तुम अपवित्र नहीं हुई? रास्तों पर तुम उनके लिए उजड़े हुए कौवे की तरह बैठी, और तुमने अपने व्यभिचारों और अपनी बुराइयों से भूमि को अपवित्र किया। और तुमने अपने लिए बहुत से चरवाहों को ठोकर का कारण बनाया, तुम्हारी दृष्टि वेश्या की हो गई, तुमने सबके प्रति निर्लज्जता से व्यवहार किया।

क्या तूने मुझे अपने घर के समान नहीं बुलाया, और अपने कौमार्य का पिता और नेता नहीं बुलाया? क्या यह युग तक नहीं रहेगा, या विजय तक सुरक्षित रखा जाएगा? देखो, तूने बोला और तूने ये बुरे काम किए, और तू इसमें सक्षम रहा।

और प्रभु ने राजा योशियाह के दिनों में मुझसे कहा, क्या तूने देखा जो इस्राएल के निवास ने मुझसे किया? वे हर ऊँचे पहाड़ पर गए, और हर घने वृक्ष के नीचे, और वहाँ व्यभिचार किया। और मैंने कहा, इन सब व्यभिचारों के बाद, मेरी ओर लौट आओ, और वह नहीं लौटी, और विश्वासघाती यहूदा ने उसका विश्वासघात देखा। और मैंने देखा कि इस्राएल के निवास ने जिन सब बातों में व्यभिचार किया था, उन सबके कारण जब वह पकड़ी गई, तब मैंने उसे निकाल दिया और उसके हाथ में तलाक की पुस्तक दे दी, फिर भी विश्वासघाती यहूदा नहीं डरी, और वह भी गई और व्यभिचार किया। और उसका व्यभिचार कुछ नहीं हुआ, और उसने लकड़ी और

पत्थर के साथ व्यभिचार किया। और इन सब में भी विश्वासघाती यहूदा अपने संपूर्ण हृदय से मेरी ओर नहीं लौटी, लेकिन झूठ पर।

और प्रभु ने मुझसे कहा, इस्राएल ने अपनी आत्मा को विश्वासघाती यहूदा से न्यायसंगत ठहराया। जाओ और इन शब्दों को उत्तर की ओर पढ़ो, और तुम कहोगे, हे इस्राएल के निवास, मेरी ओर लौट आओ, प्रभु कहते हैं, और मैं अपना चेहरा तुम पर नहीं जमाऊंगा, क्योंकि मैं दयालु हूँ, प्रभु कहते हैं, और मैं तुम पर सदा के लिए क्रोधित नहीं रहूँगा। सिवाय इसके, अपना अन्याय जानो, क्योंकि तुमने अपने प्रभु देवता के विरुद्ध अधर्म किया, और तुमने अपने मार्ग विदेशियों में हर पत्तेदार वृक्ष के नीचे बिखेरे, लेकिन तुमने मेरी आवाज़ की आज्ञा नहीं मानी, प्रभु कहता है। लौट आओ भटके हुए पुत्रों, प्रभु कहते हैं, क्योंकि मैं तुम पर शासन करूँगा, और मैं तुम्हें एक नगर से और दो कुल से लूँगा, और मैं तुम्हें सिय्योन में लाऊँगा। और मैं तुम्हें अपने हृदय के अनुसार चरवाहे दूँगा, और वे तुम्हें ज्ञान के साथ चराएँगे।

और ऐसा होगा कि यदि तुम पृथ्वी पर बढ़ो और फैलो, प्रभु कहते हैं, उन दिनों में वे अब और नहीं कहेंगे, पवित्र इस्राएल की वाचा का सन्दूक, वह हृदय पर नहीं चढ़ेगा, उसका नाम नहीं लिया जाएगा, न ही उसकी खोज की जाएगी, और वह अब और नहीं बनाया जाएगा। उन दिनों में और उस समय में वे यरूशलेम को प्रभु का सिंहासन कहेंगे, और सब जातियाँ उसमें इकट्ठा होंगी, और वे फिर अपने बुरे हृदय के विचारों के पीछे नहीं चलेंगे।

उन दिनों में यहूदा का घराना इस्राएल के घराने के साथ इकट्ठा होगा, और वे उत्तर की भूमि से और सब क्षेत्रों से उस भूमि पर आएंगे जो मैंने उनके पिताओं को विरासत में दी थी। और मैंने कहा, हे प्रभु, ऐसा हो, क्योंकि मैं तुम्हें संतानों में नियुक्त करूँगा, और तुम्हें चुनी हुई भूमि दूँगा, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की राष्ट्रों की विरासत, और मैंने कहा, तुम मुझे पिता पुकारोगे, और मुझसे दूर नहीं लौटोगे। जैसे एक स्त्री अपने साथ रहने वाले को अस्वीकार करती है, वैसे ही इस्राएल के घराने ने मेरे विरुद्ध विद्रोह किया है, प्रभु कहते हैं।

इस्राएल के पुत्रों के होंठों से रोने और प्रार्थना की आवाज़ सुनी गई, क्योंकि उन्होंने अपने मार्गों में अन्याय किया, वे अपने पवित्र परमेश्वर को भूल गए। लौट आओ पुत्रों, लौटते हुए, और मैं तुम्हारे घावों को चंगा करूंगा। देखो, हम तुम्हारे दास होंगे, क्योंकि तुम हमारे प्रभु परमेश्वर हो।

सचमुच पहाड़ियाँ झूठी थीं, और पहाड़ों की शक्ति भी, सिवाय हमारे प्रभु परमेश्वर के द्वारा इस्राएल की मुक्ति। शर्म ने हमारे पिताओं के परिश्रम को हमारी युवावस्था से नष्ट कर दिया, उनकी भेड़ें और उनके बछड़े और उनके पुत्र और उनकी पुत्रियाँ। हम अपनी शर्म में सोए, और हमारे अपमान ने हमें ढक लिया, क्योंकि हमने, हम और हमारे पिताओं ने, अपने परमेश्वर के सामने पाप किया, अपनी जवानी से लेकर इस दिन तक, और हमने प्रभु अपने परमेश्वर की आवाज़ की आज्ञा नहीं मानी।

4

यदि इस्राएल मेरी ओर लौट आए, प्रभु कहते हैं, तो वह लौटाया जाएगा, और यदि वह अपनी घृणित वस्तुओं को अपने मुँह से हटा दे, और मेरे मुख से डरे, और सत्य, न्याय और धार्मिकता के साथ प्रभु जीवित है की शपथ खाए, और राष्ट्र उसमें आशीर्वाद पाएंगे, और उसमें यरूशलेम में परमेश्वर की स्तुति करेंगे।

क्योंकि ये बातें प्रभु यहूदा के पुरुषों और यरूशलेम में निवास करने वालों से कहता है, अपने लिए नई चीजें नवीनीकरण करो, और कांटों पर मत बोओ। अपने ईश्वर के लिए खतना करवाओ, और अपने हृदय की कठोरता को काट डालो, हे यहूदा के पुरुषों और यरूशलेम में रहने वालों, कहीं ऐसा न हो कि मेरा क्रोध आग की तरह भड़क उठे और जलता रहे, और तुम्हारे दुष्ट आचरणों के कारण कोई बुझाने वाला न हो।

यहूदा में घोषणा करो, और यरूशलेम में यह सुना जाए। कहो, पृथ्वी पर तुरही बजाओ, ऊँचे स्वर से चिल्लाओ। कहो, इकट्ठा हो जाओ, और हम किलेबंद नगरों में प्रवेश करें। सिय्योन की ओर भागो, जल्दी करो, मत रुको, क्योंकि मैं उत्तर से बुराइयाँ और महान विनाश ला रहा हूँ। एक शेर अपने बाड़े से निकल आया, जो राष्ट्रों को नष्ट करता है; उसने उन्हें निकाल दिया, और वह अपने स्थान से निकला ताकि भूमि को उजाड़ बना दे, और नगर ध्वस्त कर दिए जाएंगे, क्योंकि वे बसाए नहीं जाएंगे। इन बातों पर टाट पहनो, और विलाप करो, और चिल्लाओ, क्योंकि प्रभु का क्रोध तुम से नहीं फिरा है। और उस दिन ऐसा होगा, प्रभु कहते हैं, राजा का हृदय नष्ट हो जाएगा, और शासकों का हृदय भी, और पुजारी चकित हो जाएंगे, और भविष्यवक्ता आश्चर्यचकित हो जाएंगे।

और मैंने कहा, हे स्वामी प्रभु, तो क्या वास्तव में धोखा देते हुए तूने इन लोगों को और यरूशलेम को धोखा दिया, यह कहते हुए कि शांति होगी, और देखो, तलवार उनकी आत्मा तक पहुँच गई है?

उस समय मैं वे इन लोगों से और यरूशलेम से कहेंगे, जंगल में भटकाव की आत्मा, मेरे लोगों की बेटी का मार्ग न शुद्ध के लिए है, न पवित्र के लिए। भरने का आत्मा मुझे आएगा, लेकिन अब मैं उनके प्रति अपने निर्णय बोलता हूँ। देखो, वह बादल की तरह ऊपर चढ़ेगा, और उसके रथ तूफान की तरह होंगे, उसके घोड़े चीलों से भी तेज़ होंगे, हाय हम पर, क्योंकि हम पीड़ित हैं।

हे यरूशलेम, अपने हृदय को दुष्टता से धो डालो, ताकि तुम बचाए जा सको। कब तक तुम्हारे कष्टों के विचार तुममें बने रहेंगे? क्योंकि दान से घोषणा करने वाले की आवाज़ आएगी, और एफ्राइम के पहाड़ से कष्ट सुना जाएगा। हे राष्ट्रों, याद करो, देखो वे आ गए हैं, यरूशलेम में घोषणा करो, सभाएँ दूर की पृथ्वी से आ रही हैं, और उन्होंने यहूदा के शहरों पर अपनी आवाज़ दी। जैसे खेत की रक्षा करते हुए, वे उसके चारों ओर हो गए, क्योंकि तूने मुझे उपेक्षा की, प्रभु कहते हैं। तेरे मार्गों और तेरे आचरणों ने तुझे यह किया है, यह तेरी दुष्टता है, क्योंकि यह कड़वी

है, क्योंकि यह तेरे हृदय तक पहुँच गई है।

मेरा पेट, मेरा पेट! मैं दर्द में हूँ, और मेरे हृदय की इंद्रियाँ! मेरी आत्मा व्याकुल है, मेरा हृदय फटा जा रहा है। मैं चुप नहीं रहूँगा, क्योंकि मेरी आत्मा ने तुरही की आवाज़ सुनी है, युद्ध की चीख सुनी है। और वह दुख के विनाश को पुकारता है, क्योंकि सारी पृथ्वी पीड़ित हो गई है, अचानक तंबू पीड़ित हो गया है, मेरी खालें फाड़ दी गई हैं। कब तक मैं तुरहियों की आवाज़ सुनते हुए भागते हुए लोगों को देखूँगा?

क्योंकि मेरे लोगों के अगुवों ने मुझे नहीं जाना, वे मूर्ख पुत्र हैं और समझदार नहीं हैं, वे बुराई करने में बुद्धिमान हैं, लेकिन भलाई करना उन्होंने नहीं पहचाना।

मैंने पृथ्वी की ओर देखा, और देखो, कुछ भी नहीं था, और आकाश की ओर देखा, और उसकी ज्योतियाँ नहीं थीं। मैंने पहाड़ों को देखा, और वे कांप रहे थे, और सभी पहाड़ियाँ हिल रही थीं। मैंने देखा, और देखो, कोई मनुष्य नहीं था, और आकाश के सब पक्षी उड़ गए थे। मैंने देखा, और देखो, कार्मेल उजाड़ था, और सभी नगर प्रभु के सामने से आग में जले हुए थे, और उसके प्रचंड क्रोध के सामने से नष्ट हो गए थे।

ये बातें प्रभु कहता है, सारी पृथ्वी उजाड़ हो जाएगी, लेकिन मैं इसका पूर्ण विनाश नहीं करूँगा। इन बातों पर पृथ्वी शोक करे, और आकाश ऊपर से अंधकारमय हो जाए, क्योंकि मैंने बोला है और पछताऊँगा नहीं, मैंने संकल्प किया है और इससे फिरेगा नहीं। घुड़सवार की आवाज़ से और खींचे हुए धनुष से सारी भूमि पीछे हट गई, लोग गुफाओं में घुस गए, और वृक्षों के झुरमुटों में छिप गए, और चट्टानों पर चढ़ गए, हर शहर छोड़ दिया गया, उनमें कोई आदमी नहीं रहता था। और तू क्या करेगी? यदि तू लाल वस्त्र पहने और सोने के आभूषणों से सजे, यदि तू अपनी आँखों में सुरमा लगाए, तो भी तेरी सुंदरता व्यर्थ है। तेरे प्रेमियों ने तुझे अस्वीकार कर दिया है, वे तेरी आत्मा की खोज कर रहे हैं।

क्योंकि मैंने प्रसव पीड़ा में स्त्री की आवाज़ जैसी तुम्हारी कराहट सुनी, जैसे पहली संतान को जन्म देने वाली की, सिय्योन की बेटी की आवाज़ कमज़ोर हो जाएगी, और वह अपने हाथ गिरा देगी, हाय मैं, क्योंकि मारे गए लोगों के कारण मेरी आत्मा मूर्छित हो रही है।

5

यरूशलेम की गलियों में चारों ओर दौड़ो, और देखो, और जानो, और उसके चौराहों में खोजो, यदि तुम किसी को पाओ, यदि कोई है जो न्याय करता है और विश्वास खोजता है, तो मैं उनके प्रति कृपालु होऊंगा, प्रभु कहते हैं। प्रभु जीवित है, वे कहते हैं, इसलिए क्या वे झूठ में शपथ नहीं लेते हैं? हे प्रभु, आपकी दृष्टि विश्वास पर है, आपने उन्हें कोड़े मारे, परन्तु उन्होंने पीड़ा अनुभव नहीं की, आपने उन्हें नष्ट कर दिया, परन्तु वे शिक्षा ग्रहण करने को तैयार नहीं हुए, उन्होंने अपने मुख चट्टान से भी अधिक कठोर बना लिए, और वे वापस लौटने को तैयार नहीं हुए। और मैंने कहा, शायद ये गरीब हैं, क्योंकि वे सक्षम नहीं थे, इसलिए उन्होंने प्रभु का मार्ग और परमेश्वर का न्याय नहीं जाना। मैं शक्तिशाली लोगों के पास जाऊंगा और उनसे बात करूंगा, क्योंकि उन्होंने प्रभु के मार्ग और परमेश्वर के न्याय को पहचाना है, और देखो, उन्होंने एक मत से जुए को तोड़ दिया और बंधनों को फाड़ दिया।

इसलिए जंगल से शेर ने उन्हें मारा, और भेड़िये ने घरों तक उन्हें नष्ट किया, और तेंदुए ने उनके शहरों पर निगरानी रखी, सब जो उनसे निकलेंगे शिकार किए जाएंगे, क्योंकि उन्होंने अपना अधर्म बढ़ाया, वे अपनी विमुखताओं में सक्षम थे। इन में से किस बात के लिए मैं तुम्हारे प्रति कृपालु हो जाऊं? तुम्हारे पुत्रों ने मुझे त्याग दिया, और उन देवताओं की शपथ खाते थे जो देवता नहीं हैं, और मैंने उन्हें तृप्त किया, और वे व्यभिचार करते थे, और वेश्याओं के घरों में ठहरते थे। घोड़े कामातुर हो गए, प्रत्येक अपने पड़ोसी की पत्नी के लिए हिनहिनाया। क्या इन पर मैं ध्यान नहीं दूंगा? प्रभु कहते हैं, या ऐसे राष्ट्र से मेरी आत्मा बदला नहीं लेगी?

उसकी किलेबंदी पर चढ़ो और उसे ढहा दो, लेकिन पूर्ण विनाश मत करो, उसके सहारों को छोड़ दो, क्योंकि वे प्रभु के हैं। क्योंकि इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने ने मुझे अस्वीकार करते हुए विद्रोह किया है, प्रभु कहते हैं। उसने उनके प्रभु से झूठ बोला, और उन्होंने कहा, ये बातें नहीं हैं, हम पर बुराईयाँ नहीं आएँगी, और हम तलवार और अकाल नहीं देखेंगे। हमारे भविष्यवक्ता हवा में थे, और प्रभु का वचन उनमें नहीं था।

इसलिए प्रभु सर्वशक्तिमान यह कहता है: क्योंकि तुमने यह वचन बोला है, देखो, मैंने अपने वचन तुम्हारे मुंह में आग के रूप में दिए हैं, और इन लोगों को लकड़ी, और यह उन्हें खा जाएगी। देखो, मैं तुम पर दूर से एक राष्ट्र को लाता हूँ, हे इस्राएल के घराने, प्रभु कहते हैं, ऐसा राष्ट्र जिसकी भाषा के स्वर को तुम नहीं सुनोगे। सब शक्तिशाली हैं, और वे तुम्हारी फसल को निगल जाएंगे। और वे तुम्हारी रोटियाँ खा जाएंगे, और तुम्हारे पुत्रों और तुम्हारी पुत्रियों को खा जाएंगे, और तुम्हारी भेड़ों और तुम्हारे बछड़ों को खा जाएंगे, और तुम्हारे अंगूर के बागों, तुम्हारे अंजीर के बागों और तुम्हारे जैतून के बागों को खा जाएंगे, और तुम्हारे गढ़वाले नगरों को तलवार से कुचल देंगे, जिन पर तुम भरोसा करते हो। और उन दिनों में ऐसा होगा, तुम्हारा प्रभु परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें पूर्ण विनाश नहीं करूँगा।

और ऐसा होगा जब तुम पूछोगे, किस कारण से हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमारे साथ यह सब किया? तब तुम उनसे कहोगे, जिस प्रकार तुमने अपनी भूमि में विदेशी देवताओं की सेवा की, उसी प्रकार तुम उस भूमि में जो तुम्हारी नहीं है, विदेशियों की सेवा करोगे।

इन बातों को याकूब के घर में घोषित करो, और यहूदा के घर में यह सुना जाए। हे मूर्ख और हृदयहीन लोगो, ये बातें सुनो: उनके पास आँखें हैं और वे नहीं देखते, उनके पास कान हैं और वे नहीं सुनते। क्या तुम मुझसे नहीं डरोगे? प्रभु कहते हैं, या क्या तुम मेरे सामने भय नहीं मानोगे? मैंने जो समुद्र के लिए रेत को सीमा नियुक्त किया, एक शाश्वत आज्ञा, और वह इसे नहीं लांघेगा, और यह विचलित होगा, और सक्षम नहीं होगा, और इसकी लहरें गूँजेगी, और वह इसे नहीं

लांघेगा।

लेकिन इन लोगों का हृदय अवज्ञाकारी और विद्रोही हो गया, और वे भटक गए और चले गए। और उन्होंने अपने हृदय में नहीं कहा, आओ हम अपने प्रभु परमेश्वर से डरें, जो हमें प्रारंभिक और देर की वर्षा देता है, फसल के समय की आज्ञा की पूर्ति के अनुसार, और उसने हमारी रक्षा की। तुम्हारे अधर्म के कार्यों ने इन्हें मोड़ दिया है, और तुम्हारे पापों ने अच्छी चीजों को तुमसे दूर कर दिया है। क्योंकि मेरे लोगों में दुष्ट पाए गए, और उन्होंने पुरुषों को नष्ट करने के लिए जाल खड़े किए, और वे पकड़ रहे थे।

जैसे पक्षियों से भरा हुआ फंदा खड़ा होता है, उसी प्रकार उनके घर छल से भरे हुए हैं, इसलिए वे बड़े हुए और धनी हो गए। और उन्होंने न्याय का उल्लंघन किया, उन्होंने अनाथ का न्याय नहीं किया, और विधवा का न्याय उन्होंने नहीं किया। क्या इन पर मैं ध्यान नहीं दूंगा, प्रभु कहते हैं, या ऐसे राष्ट्र से मेरी आत्मा बदला नहीं लेगी?

ट्रान्स और भयानक चीजें पृथ्वी पर हुईं। भविष्यवक्ता अन्यायी भविष्यवाणियाँ करते हैं, और पुजारी अपने हाथों से ताली बजाते हैं, और मेरे लोग इसे पसंद करते हैं, और इसके बाद तुम क्या करोगे?

6

बिन्यामीन के पुत्रों, यरूशलेम के बीच से मजबूत हो जाओ, और तकोआ में तुरही से संकेत करो, और बेथ-हक्केरेम के लिए चिन्ह उठाओ, क्योंकि उत्तर से बुराइयाँ प्रकट हुई हैं, और महान विनाश हो रहा है। और सिय्योन की बेटी की ऊंचाई हटा दी जाएगी। इसमें चरवाहे और उनके झुंड आएंगे, और वे इसके चारों ओर तंबू गाड़ेंगे, और प्रत्येक अपने हाथ से चराएगा।

उसके विरुद्ध युद्ध की तैयारी करो, उठो, और आओ हम दोपहर में उस पर चढ़ाई करें। हाय हम पर, क्योंकि दिन ढल गया है, क्योंकि दिन की छायाएं मिट रही हैं। उठो, और हम रात में उस पर चढ़ाई करें, और उसकी नींवों को नष्ट कर दें।

क्योंकि प्रभु ये बातें कहता है, उसकी लकड़ी काट डालो, यरूशलेम पर शक्ति डालो, हे झूठे नगर, इसमें पूरा अत्याचार है। जैसे गड्ढा पानी को ठंडा रखता है, वैसे ही उसकी दुष्टता ठंडी रहती है; अधर्म और दुख इसमें उसके सामने निरंतर सुना जाएगा।

हे यरूशलेम, तुम परिश्रम और कोड़े से शिक्षित की जाओगी, कहीं मेरी आत्मा तुमसे हट न जाए, कहीं मैं तुम्हें ऐसी दुर्गम भूमि न बना दूं, जो बसाई न जाएगी।

क्योंकि प्रभु यह कहते हैं: तुम इस्राएल के बचे हुए लोगों को अंगूर की बेल की तरह बीनोगे, बीनोगे; फाख्ता की तरह अपनी टोकरी की ओर लौटो। किसको मैं बोलूं और गवाही दूं, जो सुनेगा? देखो, उनके कान खतनारहित हैं और वे सुन नहीं सकेंगे। देखो, प्रभु का वचन उनके लिए निन्दा बन गया है, वे इसे नहीं चाहेंगे।

और मैंने अपना क्रोध भरा, और रोका, और उन्हें पूरा नहीं किया। मैं बाहर से शिशुओं पर डालूंगा, और युवकों की सभा पर एक साथ, क्योंकि पुरुष और स्त्री पकड़े जाएंगे, बुजुर्ग पूर्ण दिनों के साथ। और उनके घर दूसरों को सौंप दिए जाएंगे, खेत और उनकी पत्नियाँ भी साथ में, क्योंकि मैं इस भूमि पर निवास करने वालों पर अपना हाथ फैलाऊंगा, प्रभु कहते हैं।

क्योंकि उनमें से छोटे से लेकर बड़े तक सबने अधर्म के काम किए, पुजारी से लेकर झूठे भविष्यवक्ता तक सबने झूठ किया। और वे मेरे लोगों के विनाश को तुच्छ जानते हुए चंगा करते थे और कहते थे, शांति, शांति, परन्तु शांति कहाँ है? वे शर्मिदा हुए क्योंकि वे असफल हुए, और न ही शर्मिदा होते हुए भी वे शर्मिदा हुए, और उन्होंने अपनी बेइज्जती को नहीं जाना। इसलिए वे

अपने पतन में गिरेंगे, और निरीक्षण के समय में वे नष्ट होंगे, प्रभु ने कहा।

ये बातें प्रभु कहता है, मार्गों पर खड़े हो, और देखो, और प्रभु के शाश्वत पथों को पूछो, और देखो कि कौन सा मार्ग अच्छा है, और उसमें चलो, और तुम अपनी आत्माओं के लिए शुद्धि पाओगे। और उन्होंने कहा, हम नहीं जाएंगे। मैंने तुम पर पहरेदार नियुक्त किए हैं, तुरही की आवाज़ सुनो, और उन्होंने कहा, हम नहीं सुनेंगे।

इस कारण राष्ट्रों ने सुना, और चरवाहों ने जो अपने झुंडों की रखवाली कर रहे थे। सुनो पृथ्वी, देखो मैं इन लोगों पर बुराईयाँ लाता हूँ, उनके मुड़ने का फल, क्योंकि उन्होंने मेरे शब्दों पर ध्यान नहीं दिया, और मेरे नियम को अस्वीकार किया। क्यों मुझे शेबा से लोबान लाते हो, और दूर देश से दालचीनी? तुम्हारे होमबलि स्वीकार्य नहीं हैं, और तुम्हारे बलिदान मुझे प्रसन्न नहीं करते। इसलिए प्रभु ये बातें कहता है, देखो मैं इन लोगों पर कमजोरी डालता हूँ, और पिता और पुत्र एक साथ कमजोर होंगे, पड़ोसी और उसका पड़ोसी नष्ट हो जाएंगे।

ये बातें प्रभु कहता है, देखो, उत्तर से एक लोग आ रहा है, और पृथ्वी के छोर से राष्ट्र जगाए जाएंगे। वे धनुष और भाला पकड़ेंगे, वह निर्भीक है और दया नहीं करेगा, उसकी आवाज़ लहराते समुद्र के समान है, वह घोड़ों और रथों पर सवार होकर आग के समान युद्ध के लिए तुम्हारे विरुद्ध खड़ा होगा, हे सिय्योन की बेटी।

हमने उनकी खबर सुनी, हमारे हाथ शिथिल हो गए, क्लेश ने हमें जकड़ लिया, पीड़ाएँ ऐसी जैसे प्रसव करती स्त्री की। खेत में मत जाओ, और रास्तों में मत चलो, क्योंकि शत्रुओं की तलवार चारों ओर निवास करती है। मेरे लोगों की बेटी, टाट से कमर बाँधो, राख में लोटो, प्रिय के लिए शोक मनाओ, अपने लिए दयनीय विलाप करो, क्योंकि अचानक तुम पर दुर्दशा आएगी।

परीक्षक के रूप में मैंने तुझे अनुमोदित लोगों में दिया है, और तू मुझे जानेगा जब मैं उनके मार्ग

की परीक्षा करूँगा, सब अवज्ञाकारी हैं जो टेढ़े मार्ग पर चल रहे हैं, कांसा और लोहा, सब भ्रष्ट हैं। धौंकनी आग से विफल हो गई, सीसा विफल हो गया, चांदी का कारीगर व्यर्थ में चांदी का काम करता है, उनकी दुष्टता नहीं पिघली। अस्वीकृत चाँदी उनको बुलाओ, क्योंकि प्रभु ने उनको अस्वीकृत किया है।

7

सुनो प्रभु का वचन, सम्पूर्ण यहूदिया। ये बातें प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर कहते हैं: अपने मार्गों और अपनी प्रथाओं को सुधारो, और मैं तुम्हें इस स्थान में बसाऊँगा। अपने आप पर झूठे शब्दों में विश्वास मत करो, क्योंकि वे तुम्हें बिल्कुल भी लाभ नहीं देंगे, जब वे कहते हैं, प्रभु का मंदिर, प्रभु का मंदिर यह है।

क्योंकि यदि तुम सचमुच अपने मार्गों और अपने आचरणों को सुधारोगे, और मनुष्य और उसके पड़ोसी के बीच न्याय करोगे, और परदेशी, अनाथ और विधवा पर अत्याचार मत करो, और इस स्थान में निर्दोष का रक्त मत बहाओ, और पराए देवताओं के पीछे मत चलो, नहीं तो तुम्हारे लिए बुराई होगी। और मैं तुम्हें इस स्थान में बसाऊँगा, उस भूमि में जो मैंने तुम्हारे पूर्वजों को सदा-सदा के लिए दी थी।

यदि तुमने झूठे शब्दों पर विश्वास किया है, जिनसे तुम्हें कोई लाभ नहीं होगा, और तुम हत्या करते हो, और तुम व्यभिचार करते हो, और तुम चोरी करते हो, और तुम अन्याय पर शपथ लेते हो, और तुम बाल को धूप जलाते हो, और तुम दूसरों के देवताओं के पीछे चलते हो, जिन्हें तुम नहीं जानते, ताकि तुम्हारे लिए बुरा हो। और तुम आए और मेरे सामने उस घर में खड़े हुए जिस पर

मेरा नाम बुलाया गया है, और तुमने कहा, हमने इन सब घृणित कार्यों को करने से परहेज किया है। क्या मेरा घर, जिस पर मेरा नाम बुलाया गया है, तुम्हारी नज़र में डाकुओं की गुफा बन गया है? और देखो, मैंने यह देखा है, प्रभु कहते हैं। क्योंकि जाओ मेरे उस स्थान में जो शीलो में है, जहाँ मैंने पहले अपना नाम बसाया था, और देखो कि मैंने मेरे लोग इस्राएल की दुष्टता के कारण उसके साथ क्या किया।

और अब इसके बदले कि तुमने ये सब काम किए, और मैंने तुमसे बात की और तुमने मेरी नहीं सुनी, और मैंने तुम्हें बुलाया और तुमने उत्तर नहीं दिया इसलिए मैं उस घर के साथ करूंगा जिस पर मेरा नाम पुकारा गया है, जिस पर तुम भरोसा करते हो, और उस स्थान के साथ जो मैंने तुम्हें और तुम्हारे पिताओं को दिया था, वैसे ही जैसे मैंने शीलो के साथ किया था। और मैं तुम्हें अपने चेहरे से दूर फेंक दूंगा, जैसे मैंने तुम्हारे भाइयों को फेंका था, एफ्राइम के सारे वंश को।

और तू इन लोगों के लिए प्रार्थना मत करना, और इनके लिए दया की विनती मत करना, और प्रार्थना मत करना, और इनके विषय में मेरे पास मत आना, क्योंकि मैं नहीं सुनूंगा। क्या तुम नहीं देखते हो कि वे यहूदा के शहरों में और यरूशलेम के रास्तों में क्या करते हैं? उनके पुत्र लकड़ी इकट्ठा करते हैं, और उनके पिता आग जलाते हैं, और उनकी स्त्रियाँ आटा गूंधती हैं ताकि स्वर्ग की सेना के लिए पूर बनाएँ, और उन्होंने पराए देवताओं को अर्घ्य डाला ताकि वे मुझे क्रोधित करें। क्या वे मुझे क्रोधित करते हैं? प्रभु कहता है, क्या वे स्वयं को नहीं, ताकि उनके चेहरे शर्मिदा हों?

इसलिए प्रभु यह कहते हैं, देखो, मेरा क्रोध और कोप इस स्थान पर, लोगों पर, पशुओं पर, उनके खेत के हर पेड़ पर, और पृथ्वी की उपज पर डाला जाता है, और यह जलाया जाएगा और नहीं बुझाया जाएगा।

ये बातें प्रभु कहता है: अपनी होमबलियों को अपनी बलियों के साथ इकट्ठा करो और मांस

खाओ। क्योंकि मैंने तुम्हारे पिताओं से नहीं बोला, और न ही उनको आज्ञा दी उस दिन जब मैं उनको मिस्र की भूमि से ले आया, होमबलि और बलिदान के विषय में। लेकिन यह वचन मैंने उनको आज्ञा दी, कहते हुए, मेरी आवाज़ सुनो, और मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा, और तुम मेरे लोग होगे, और मेरे सब मार्गों में चलो जो मैं तुमको आज्ञा दूँ, ताकि तुम्हारा भला हो। और उन्होंने मेरी नहीं सुनी, और उन्होंने अपना कान नहीं लगाया, लेकिन वे अपने बुरे हृदय के विचारों में चलते रहे, और वे पीछे की ओर हो गए, और आगे की ओर नहीं। जिस दिन से उनके पिता मिस्र की भूमि से बाहर गए, और इस दिन तक, मैंने तुम्हारी ओर अपने सब दासों को, भविष्यवक्ताओं को, प्रतिदिन भोर से भेजा। और उन्होंने मेरी नहीं सुनी, और उनके कान ने ध्यान नहीं दिया, और उन्होंने अपनी गर्दन को अपने पिताओं से भी अधिक कठोर कर लिया।

और तुम उनसे यह वचन कहोगे। यह वह राष्ट्र है जिसने प्रभु की वाणी नहीं सुनी, न ही शिक्षा ग्रहण की; उनके मुख से विश्वास समाप्त हो गया है।

अपना सिर मुंडाओ और उसे फेंक दो, और होठों पर विलाप उठाओ, क्योंकि प्रभु ने उस पीढ़ी को अस्वीकार कर दिया है और ठुकरा दिया है जो ये काम करती है। क्योंकि यहूदा के पुत्रों ने मेरे सामने बुराई की, प्रभु कहता है, उन्होंने अपनी घृणित वस्तुएँ उस घर में रखीं, जिस पर मेरा नाम पुकारा गया है, ताकि उसे अपवित्र करें। और उन्होंने तोफेत की वेदी बनाई, जो हिन्नोम के पुत्र की घाटी में है, अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों को आग में जलाने के लिए, जिसकी मैंने आज्ञा नहीं दी, और न ही मेरे हृदय में विचार किया।

इसलिए देखो, दिन आ रहे हैं, प्रभु कहता है, और वे अब नहीं कहेंगे, तोपेत की वेदी और हिन्नोम के पुत्र की घाटी, लेकिन मारे गए लोगों की घाटी, और वे तोपेत में दफनाएंगे, क्योंकि स्थान नहीं होगा। और इस लोग के मृत आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के जंगली पशुओं का भोजन होंगे, और कोई उन्हें भगाने वाला नहीं होगा। और मैं यहूदा के शहरों से और यरूशलेम की गलियों से आनंदित होने वालों की आवाज़, और खुश होने वालों की आवाज़, दूल्हे की आवाज़, और दुल्हन

की आवाज़ नष्ट कर दूंगा, क्योंकि सारी भूमि उजाड़ हो जाएगी।

8

उस समय में, प्रभु कहता है, वे यहूदा के राजाओं की हड्डियाँ, और उसके शासकों की हड्डियाँ, और पुजारियों की हड्डियाँ, और भविष्यवक्ताओं की हड्डियाँ, और यरूशलेम में निवास करने वालों की हड्डियाँ उनकी कब्रों से बाहर लाएंगे। और वे उनको सूरज और चाँद की ओर, और सब तारों की ओर, और आकाश की सारी सेना की ओर ठंडा करेंगे, जिनसे उन्होंने प्रेम किया, और जिनकी उन्होंने सेवा की, और जिनके पीछे वे गए, और जिनको वे पकड़े रहे, और जिनकी उन्होंने पूजा की। उनका विलाप नहीं किया जाएगा, और उन्हें दफनाया नहीं जाएगा, और वे पृथ्वी के चेहरे पर उदाहरण बनेंगे। क्योंकि उन्होंने मृत्यु को जीवन के बजाय चुना, और उस पीढ़ी के सभी बचे हुए लोगों के लिए, हर उस स्थान पर जहाँ मैं उन्हें निकाल दूँगा।

क्योंकि प्रभु यह कहते हैं, क्या गिरने वाला नहीं उठता? या क्या पीछे मुड़ने वाला वापस नहीं लौटता? क्यों मेरे इस लोग ने बेशर्मी से मुंह मोड़ लिया है, और वे अपने चुनाव में जकड़े रहे, और वापस लौटना नहीं चाहा? कान दो वास्तव में, और सुनो, वे इस प्रकार नहीं बोलेंगे। कोई मनुष्य नहीं है जो अपनी दुष्टता से पश्चाताप करता है, यह कहते हुए, मैंने क्या किया? जो दौड़ता है वह अपनी दौड़ से रुक गया है, जैसे प्यासा घोड़ा अपनी हिनहिनाहट में। और आकाश में सारस ने अपना समय जान लिया, खेत की कबूतर और निगल ने, गौरैयाँ ने अपने प्रवेश के समय को सुरक्षित रखा, लेकिन मेरे इन लोगों ने प्रभु के निर्णयों को नहीं जाना।

तुम कैसे कहोगे कि हम बुद्धिमान हैं, और प्रभु की व्यवस्था हमारे साथ है? व्यर्थ में शास्त्रियों की झूठी नापने की रस्सी बनी। बुद्धिमान शर्मिंदा हुए, और भयभीत हुए और पकड़े गए, क्योंकि उन्होंने प्रभु की व्यवस्था को अस्वीकार किया। उनमें बुद्धि कहाँ है? इसलिए मैं उनकी स्त्रियों को

दूसरों को दे दूँगा, और उनके खेतों को उत्तराधिकारियों को। और वे उनकी उपज इकट्ठा करेंगे, प्रभु कहते हैं। अंगूर की बेलों में अंगूर नहीं है, और अंजीर के पेड़ों में अंजीर नहीं है, और पत्ते गिर गए हैं।

हम किस बात पर बैठे हैं? एकत्रित हो जाओ, और हम किलेबंद शहरों में प्रवेश करें और वहाँ नष्ट हो जाएं, क्योंकि परमेश्वर ने हमें त्याग दिया है और हमें पित्त का पानी पिलाया है, क्योंकि हमने उसके सामने पाप किया है। हम शांति के लिए एकत्रित हुए, और कोई अच्छाई नहीं थी, चंगाई के समय में, और देखो उत्साह।

दान से हम उसके घोड़ों की तीव्रता की आवाज़ सुनेंगे, उसके घोड़ों की सवारी की हिनहिनाहट की आवाज़ से सारी पृथ्वी हिल गई। और वह आएगा और पृथ्वी को, और उसकी पूर्णता को, नगर को और इसमें रहने वालों को निगल जाएगा। क्योंकि देखो, मैं तुम्हारे बीच मारने वाले सर्प भेज रहा हूँ, जिन्हें मंत्र से वश में नहीं किया जा सकता, और वे तुम्हें काटेंगे। तुम्हारे संकटग्रस्त हृदय की असाध्य पीड़ा के साथ।

देखो, मेरे लोगों की बेटी के रोने की आवाज़ दूर देश से आ रही है, क्या प्रभु सिय्योन में नहीं है? क्या राजा वहाँ नहीं है? क्योंकि उन्होंने मुझे अपनी खुदी हुई मूर्तियों से और विदेशी व्यर्थ चीज़ों से क्रोधित किया। गर्मी बीत गई, कटाई बीत गई, और हम बचाए नहीं गए।

मेरे लोगों की बेटी के विनाश पर मैं अंधकारमय हो गया, व्याकुलता में प्रसव पीड़ा ने मुझे जकड़ लिया जैसे जन्म देने वाली स्त्री की। और क्या गिलाद में राल नहीं है, या वहाँ चिकित्सक नहीं है? मेरे लोगों की पुत्री का उपचार क्यों नहीं हुआ?

कौन मेरे सिर को पानी देगा और मेरी आँखों को आँसुओं का स्रोत देगा? और मैं अपने इन लोगों के लिए दिन और रात रोऊँगा, अपने लोगों की पुत्री के घायलों के लिए।

कौन मुझे जंगल में अंतिम ठिकाना देगा, और मैं अपने लोगों को छोड़ दूंगा, और उनसे चला जाऊंगा? क्योंकि सब व्यभिचार करते हैं, विश्वासघातियों की सभा है। और उन्होंने अपनी जीभ को धनुष की तरह खींचा झूठ के लिए, और विश्वास नहीं बल्कि झूठ पृथ्वी पर प्रबल हुआ, क्योंकि वे बुराइयों से बुराइयों में निकले, और उन्होंने मुझे नहीं जाना, प्रभु कहते हैं। प्रत्येक अपने पड़ोसी से सावधान रहो, और उनके भाइयों पर विश्वास मत करो, क्योंकि हर भाई एड़ी से ठोकर खिलाएगा, और हर मित्र छल से चलेगा। हर एक अपने मित्र का उपहास करेगा, वे सत्य नहीं बोलेंगे, उनकी जीभ ने झूठ बोलना सीख लिया है, उन्होंने अन्याय किया, और लौटना नहीं छोड़ा। ब्याज पर ब्याज, और छल पर छल; वे मुझे जानना नहीं चाहते थे, प्रभु कहते हैं।

इसलिए प्रभु ये बातें कहते हैं, देखो मैं उन्हें आग से शुद्ध करूंगा और उन्हें परखूंगा, क्योंकि मैं अपने लोगों की पुत्री की दुष्टता के कारण ऐसा करूंगा। तीर की तरह घायल करने वाली है उनकी जीभ, धोखेबाज़ हैं उनके मुँह के शब्द, अपने पड़ोसी से वह शांतिपूर्ण बातें बोलता है, और अपने भीतर दुश्मनी रखता है। क्या इन पर मैं ध्यान नहीं दूंगा, प्रभु कहते हैं, या ऐसे लोगों में मेरी आत्मा बदला नहीं लेगी? पर्वतों पर विलाप करो, और निर्जन के मार्गों पर विलाप करो, क्योंकि मनुष्यों के न होने से वे विफल हो गए हैं, उन्होंने आकाश के पक्षियों से अस्तित्व का स्वर नहीं सुना है, और पशुओं तक चकित होकर चले गए हैं। और मैं यरूशलेम को निर्वासन में दे दूंगा, और अजगरों के निवास स्थान में, और यहूदा के नगरों को विनाश में कर दूंगा, ताकि वे बसाए न जाएं।

कौन है वह बुद्धिमान मनुष्य जो इसे समझे? और जिसे प्रभु के मुख का वचन मिला है, वह तुम्हें घोषित करे कि किस कारण से यह भूमि नष्ट हुई, निर्जन के समान प्रज्वलित हुई, इस कारण से कि उसमें से कोई यात्रा नहीं करता? और प्रभु ने मुझसे कहा, इसलिए कि उन्होंने मेरी व्यवस्था को त्याग दिया, जो मैंने उनके सामने दी थी, और उन्होंने मेरी आवाज़ नहीं सुनी, परन्तु वे अपने

बुरे हृदय की मनभावन चीजों के पीछे चले, और उन मूर्तियों के पीछे जो उनके पिताओं ने उन्हें सिखाई। इसलिए प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, यह कहते हैं: देखो, मैं उन्हें विपत्तियां खिलाऊंगा और उन्हें पित्त का पानी पिलाऊंगा। और मैं उन्हें राष्ट्रों में तितर-बितर करूंगा, जिन्हें वे और उनके पिता नहीं जानते थे, और मैं उन पर तलवार भेजूंगा, जब तक कि मैं उन्हें इससे नष्ट न कर दूं।

प्रभु ये बातें कहता है: शोक करने वाली स्त्रियों को बुलाओ और उन्हें आने दो, और बुद्धिमान स्त्रियों के पास भेजो और उन्हें बोलने दो। और वे तुम पर विलाप करें, और तुम्हारी आँखें आँसू बहाएँ, और तुम्हारी पलकों से पानी बहे, क्योंकि विलाप की आवाज़ सिय्योन में सुनी गई, हम कैसे पीड़ित हुए, हम बहुत शर्मिंदा किए गए, क्योंकि हमने भूमि को छोड़ दिया, और हमने अपने तंबुओं को फेंक दिया। हे स्त्रियो, परमेश्वर का वचन सुनो, और तुम्हारे कान उसके मुख के वचन ग्रहण करें, और अपनी पुत्रियों को करुणा सिखाओ, और प्रत्येक स्त्री अपनी पड़ोसी को विलाप सिखाए। क्योंकि मृत्यु तुम्हारी खिड़कियों से होकर ऊपर चढ़ आई, वह तुम्हारी भूमि में प्रवेश कर गई, ताकि बाहर से शिशुओं को और गलियों से युवकों को नष्ट कर दे। और मनुष्यों के मृत शव तुम्हारी पृथ्वी के मैदान के चेहरे पर उदाहरण बन जाएंगे, जैसे काटने वाले के पीछे घास, और कोई एकत्र करने वाला नहीं होगा।

प्रभु ये बातें कहते हैं: बुद्धिमान अपनी बुद्धि पर घमंड न करे, और बलवान अपने बल पर घमंड न करे, और धनी अपने धन पर घमंड न करे, लेकिन जो घमंड करता है, वह इसी में घमंड करे कि वह समझे और जाने कि मैं प्रभु हूँ जो पृथ्वी पर दया, न्याय और धार्मिकता करता है, क्योंकि इन्हीं में मेरी इच्छा है, प्रभु कहता है।

देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं उन सभी के पास जाऊंगा जो केवल चमड़ी में खतना किए हुए हैं। मिस्र पर, और इदूमिया पर, और एदोम पर, और अम्मोन के पुत्रों पर, और मोआब के पुत्रों पर, और उन सब पर जो अपने चेहरे के चारों ओर बाल काटते हैं, जो जंगल में रहते हैं, क्योंकि सब जातियाँ देह में खतनारहित हैं, और इस्राएल का सारा घराना हृदय में

10

हे इस्राएल के घराने, प्रभु का वह वचन सुनो जो उसने तुम्हारे विषय में कहा है।

ये बातें प्रभु कहता है: राष्ट्रों के मार्गों के अनुसार मत सीखो, और स्वर्ग के चिन्हों से मत डरो, क्योंकि वे अपने चेहरों से उनसे डरते हैं। क्योंकि राष्ट्रों की रीतियाँ व्यर्थ हैं, वह जंगल से काटी हुई लकड़ी है, कारीगर का काम, और ढली हुई मूर्ति है। चाँदी और सोने से सजाया गया, हथौड़ों और कीलों से उन्हें मजबूत किया। वे उन्हें रखेंगे, और वे हिलाए नहीं जाएंगे; यह गढ़ी हुई चाँदी है, वे चलेंगे नहीं। चाँदी कर योग्य है। थर्शीश से सोना आएगा, मोफाज़ से, और सुनारों के हाथ का काम, कारीगरों के सभी काम, नीले और बैंगनी रंग से उन्हें पहनाएंगे।

इस प्रकार तुम उनसे कहोगे, जो देवताओं ने स्वर्ग और पृथ्वी को नहीं बनाया, वे पृथ्वी से और इस स्वर्ग के नीचे से नष्ट हो जाएं। प्रभु ने अपनी शक्ति से पृथ्वी को बनाया, अपनी बुद्धि से संसार को स्थापित किया, और अपनी समझ से स्वर्ग को फैलाया। और स्वर्ग में जल की बहुतायत, और उसने पृथ्वी के अंतिम छोर से बादलों को ऊपर लाया, वर्षा के लिए बिजलियाँ बनाई, और अपने खजानों से प्रकाश निकाला। हर आदमी ज्ञान से मूर्ख बनाया गया, हर सुनार अपनी खुदी हुई मूर्तियों पर लज्जित किया गया, क्योंकि उसने झूठी मूर्तियाँ ढाली हैं, उनमें कोई आत्मा नहीं है। व्यर्थ हैं वे कार्य जो उपहासित हैं, उनके निरीक्षण के समय वे नष्ट हो जाएंगे। याकूब का भाग ऐसा नहीं है, क्योंकि जिसने सब कुछ बनाया, वह उसकी विरासत है, प्रभु उसका नाम है।

उसने तुम्हारी नींव को बाहर से एकत्रित किया, जो चुने हुए लोगों में निवास करती थी। क्योंकि प्रभु ये बातें कहता है, देखो मैं इस भूमि में निवास करने वालों को क्लेश में ठोकर खिलाता हूँ,

ताकि तेरा घाव पाया जाए।

धिक्कार है तेरे विनाश पर, दर्दनाक है तेरा घाव, और मैंने कहा, सचमुच यह तेरा घाव है, और इसने तुझे जकड़ लिया है। तेरा तंबू कष्ट उठा चुका है, नष्ट हो गया है, और तेरी सब खालें फाड़ दी गई हैं। मेरे पुत्र और मेरी भेड़ें नहीं हैं। अब मेरे तंबू का स्थान नहीं है, मेरे परदों का स्थान नहीं है। क्योंकि चरवाहों ने मूर्खता की और प्रभु को नहीं खोजा, इसलिए सारी चरागाह ने नहीं समझा और वे तितर-बितर हो गए। सुनने की आवाज़, देखो, आती है और उत्तर की पृथ्वी से एक बड़ा कंपन, यहूदा के शहरों को विनाश में व्यवस्थित करने के लिए, और शत्रुमुगों का बसेरा।

मैं जानता हूँ, हे प्रभु, कि मनुष्य का मार्ग उसके वश में नहीं है, न ही कोई मनुष्य चल सकता है और अपनी यात्रा को सफल बना सकता है। हे प्रभु, हमें अनुशासित करो, परन्तु न्याय में करो और क्रोध में नहीं, ताकि तुम हमें थोड़े न कर दो। अपना क्रोध उन राष्ट्रों पर डालो जो तुम्हें नहीं जानते, और उन पीढ़ियों पर जिन्होंने तुम्हारा नाम नहीं पुकारा, क्योंकि उन्होंने याकूब को निगल लिया और उसे नष्ट कर दिया, और उसके चरागाह को उजाड़ दिया।

11

वह वचन जो प्रभु की ओर से यिर्मयाह के पास आया, यह कहते हुए,

इस वाचा के शब्दों को सुनो, और तुम यहूदा के पुरुषों से और यरूशलेम में निवास करने वालों से बोलोगे। और तू उनसे कहेगा, ये बातें प्रभु इस्राएल का परमेश्वर कहता है, शापित है वह मनुष्य जो इस वाचा के वचनों को नहीं सुनेगा, जो मैंने तुम्हारे पिताओं को आज्ञा दी थी, उस दिन जब मैं उनको मिस्र की भूमि से, लोहे की भट्टी से, ऊपर लाया था, यह कहते हुए, मेरी आवाज सुनो, और जो कुछ मैं तुम्हें आज्ञा दूँ वह सब करो, और तुम मेरी प्रजा होगे, और मैं तुम्हारा परमेश्वर

होऊंगा, ताकि मैं अपनी उस शपथ को स्थापित करूं जो मैंने तुम्हारे पिताओं से ली थी, कि उन्हें वह भूमि दूं जिसमें दूध और शहद बहता है, जैसा कि आज का दिन है, और मैंने उत्तर दिया और कहा, ऐसा ही हो, प्रभु। और प्रभु ने मुझसे कहा, इन शब्दों को यहूदा के नगरों में और यरूशलेम के बाहर पढ़ो, यह कहते हुए, इस वाचा के शब्दों को सुनो और उन्हें पूरा करो। और उन्होंने नहीं किया।

और प्रभु ने मुझसे कहा, यहूदा के पुरुषों में और यरूशलेम में निवास करने वालों में षड्यंत्र पाया गया है। वे अपने पूर्वजों के अन्याय की ओर लौट गए, जो मेरे वचनों को सुनना नहीं चाहते थे, और देखो, वे पराये देवताओं के पीछे चल रहे हैं ताकि उनकी सेवा करें, और इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने ने मेरी वाचा को तोड़ दिया है, जो मैंने उनके पूर्वजों के साथ स्थापित की थी।

इसलिए प्रभु ये बातें कहते हैं, देखो मैं इन लोगों पर बुराइयाँ लाता हूँ, जिनसे वे निकल नहीं सकेंगे, और वे मेरी ओर चिल्लाएंगे, और मैं उनकी नहीं सुनूंगा। और यहूदा के शहर और यरूशलेम में रहने वाले जाएंगे, और वे उन देवताओं की ओर चिल्लाएंगे जिनके लिए वे धूप जलाते हैं, जो उनकी बुराइयों के समय में उन्हें नहीं बचाएंगे। क्योंकि तेरे नगरों की संख्या के अनुसार तेरे देवता थे, हे यहूदा, और यरूशलेम की गलियों की संख्या के अनुसार तुमने बाल के लिए धूप जलाने को वेदियाँ स्थापित कीं।

और तू इन लोगों के बारे में प्रार्थना मत करना, और उनके लिए विनती और प्रार्थना में योग्य मत समझना, क्योंकि मैं नहीं सुनूंगा उस समय में जब वे मुझे पुकारेंगे, उनके कष्ट के समय में। क्या मेरी प्रिय ने मेरे घर में घृणित कार्य किया है? क्या प्रार्थनाएं और पवित्र मांस तुमसे तुम्हारी दुष्टताओं को दूर कर देंगे, या इनके द्वारा तुम बच निकलोगे? जैतून का सुंदर पेड़, रूप में अच्छी छाया वाला, प्रभु ने तुम्हारा नाम बुलाया, उसके खतने की आवाज़ में, उस पर आग जलाई गई, तुम पर बड़ा क्लेश आया, उसकी शाखाएं बेकार हो गई। और प्रभु, जिसने तुझे रोपा, उसने इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने की दुष्टता के बदले में तेरे विरुद्ध बुराइयाँ बोलीं, जो उन्होंने

अपने लिए किया, बाल को धूप जलाकर मुझे क्रोधित करने के लिए।

प्रभु, मुझे बताओ और मैं जान जाऊंगा, तब मैंने उनकी प्रथाओं को देखा। मैं लेकिन एक निर्दोष मेमने की तरह था जो बलि दिए जाने के लिए ले जाया जा रहा था, मैं नहीं जानता था कि उन्होंने मेरे विरुद्ध दुष्ट विचार किया, कहते हुए, आओ और उसकी रोटी में लकड़ी डालें, और उसे जीवितों की पृथ्वी से नष्ट कर दें, और उसका नाम फिर कभी याद न किया जाए। हे प्रभु, जो न्यायपूर्वक न्याय करते हो और गुदों तथा हृदय की परीक्षा करते हो, मैं उन पर तुम्हारा प्रतिशोध देखूँ, क्योंकि मैंने अपना अधिकार तुम्हारे सामने प्रकट किया है।

इसलिए प्रभु अनाथोथ के उन पुरुषों के विषय में, जो मेरी आत्मा की खोज कर रहे हैं और कह रहे हैं, प्रभु के नाम पर भविष्यवाणी मत करो, नहीं तो तू हमारे हाथों में मरेगा, ये बातें कहता है देखो, मैं उन पर दंड दूंगा, उनके युवा पुरुष तलवार से मरेंगे, और उनके पुत्र और उनकी बेटियाँ अकाल में मरेंगी। और उनका कोई अवशेष नहीं होगा, क्योंकि मैं अनाथोथ में निवास करने वालों पर बुराईयाँ लाऊंगा, उनकी गणना के वर्ष में।

12

हे प्रभु, तुम धार्मिक हो, इसलिए मैं तुमसे विवाद करूँगा, फिर भी न्याय के विषय में तुमसे बात करूँगा। क्यों अधर्मियों का मार्ग समृद्ध होता है? क्यों वे सब जो विश्वासघात करते हैं समृद्ध हुए हैं? तूने उन्हें लगाया और वे जड़ पकड़ गए, उन्होंने संतान उत्पन्न की और फल लाए। तू उनके मुँह के निकट है, परन्तु उनके हृदय से दूर है। और हे प्रभु, तू मुझे जानता है, तूने मेरे हृदय को अपने सामने परखा है, उन्हें उनके वध के दिन के लिए शुद्ध कर। कब तक भूमि शोक करेगी, और खेत की सारी घास सूख जाएगी इसमें निवास करने वालों की दुष्टता के कारण? पशु और पक्षी नष्ट हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने कहा, परमेश्वर हमारे मार्गों को नहीं देखेगा।

तेरे पैर दौड़ते हैं और वे तुझे थका देते हैं, तो तू घोड़ों पर कैसे मुकाबला करेगा? और शांति की भूमि में तेरा भरोसा है, तो तू यरदन के घमंड में क्या करेगा? क्योंकि तेरे भाई और तेरे पिता का घराना, इन्होंने भी तुझे अस्वीकार किया है, और उन्होंने चिल्लाया है, वे तेरे पीछे से एकत्र हुए हैं, उन पर विश्वास मत कर, क्योंकि वे तुझसे अच्छी बातें बोलेंगे।

मैंने अपना घर त्याग दिया है, मैंने अपनी विरासत छोड़ दी है, मैंने अपनी प्रिय आत्मा को उसके शत्रुओं के हाथों में दे दिया है। मेरी विरासत मेरे लिए जंगल में शेर के समान हो गई, उसने मुझ पर अपनी आवाज दी, इसलिए मैंने उससे घृणा की। क्या मेरी विरासत मेरे लिए लकड़बग्घे की गुफा है, या उसके चारों ओर की गुफा? जाओ, मैदान के सब जंगली जानवरों को इकट्ठा करो, और उन्हें उसे खाने के लिए आने दो।

बहुत से चरवाहों ने मेरे अंगूर के बाग को नष्ट किया, उन्होंने मेरे भाग को अपवित्र किया, उन्होंने मेरे वांछनीय भाग को दुर्गम जंगल में बदल दिया। विनाश और नाश में डाल दिया गया, मेरे कारण उजाड़ से सारी पृथ्वी नष्ट हो गई, क्योंकि कोई मनुष्य नहीं है जो हृदय में धारण करता हो। जंगल में हर निकास पर वे कष्ट सहते हुए आए, क्योंकि प्रभु की तलवार पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक सब कुछ निगल जाएगी; किसी भी प्राणी के लिए शांति नहीं है। तुमने गेहूं बोया और काँटे काटते हो, उनके हिस्से उन्हें लाभ नहीं देंगे, अपने घमंड से शर्मिंदा हो जाओ, प्रभु के सामने की निंदा से।

क्योंकि प्रभु यह कहते हैं सब दुष्ट पड़ोसियों के विषय में जो मेरी उस विरासत को छूते हैं जो मैंने अपने लोग इस्राएल को बांटी थी, देखो, मैं उनको उनकी भूमि से उखाड़ फेंकूंगा और यहूदा को उनके बीच से निकाल दूंगा।

और ऐसा होगा कि मेरे द्वारा उनको निकालने के बाद, मैं लौटूंगा और उन पर दया करूंगा, और मैं उनमें से प्रत्येक को उसकी विरासत में और प्रत्येक को उसकी भूमि में बसाऊंगा। और ऐसा होगा

कि यदि वे सीखकर मेरे लोगों का मार्ग सीखें, मेरे नाम से शपथ लेना, प्रभु जीवित है, जैसे उन्होंने मेरे लोगों को बाल की शपथ लेना सिखाया था, तो वे मेरे लोगों के बीच में बनाए जाएंगे। यदि वे नहीं लौटें, तो मैं उस राष्ट्र को उखाड़ कर नष्ट कर दूंगा।

13

ये बातें प्रभु कहता है: जाओ और अपने लिए सन का कमरबंद प्राप्त करो, और इसे अपनी कमर पर पहनो, और इसे पानी में मत डालो। और मैंने प्रभु के वचन के अनुसार कमरबंद प्राप्त किया, और मैंने इसे अपनी कमर पर रखा। और प्रभु का वचन मेरे पास आया, जो कहता था, अपनी कमर के चारों ओर बंधा हुआ कमरबंद लो, और उठो, और यूफ्रेट्स नदी की ओर जाओ, और उसे वहाँ चट्टान के छेद में छुपा दो। और मैं गया, और मैंने इसे यूफ्रेट्स में छिपाया, जैसा प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी। और बहुत दिनों के बाद ऐसा हुआ, और प्रभु ने मुझसे कहा, उठ, फरात नदी पर जा, और वहाँ से वह कमरबंद ले आ, जो मैंने तुझे वहाँ छिपाने की आज्ञा दी थी। और मैं यूफ्रेट्स नदी पर गया, और मैंने खोदा, और मैंने उस स्थान से कमरबंद निकाला जहाँ मैंने उसे दफनाया था, और देखो, वह भ्रष्ट हो गया था, जो किसी काम का नहीं रह गया था।

और प्रभु का वचन मेरे पास आया, जो कहता था, ये बातें प्रभु कहता है, इस प्रकार मैं यहूदा के घमंड को और यरूशलेम के घमंड को नष्ट करूंगा। इस बहुत बड़े अपमान को, जो मेरे वचनों की आज्ञा मानना नहीं चाहते और पराए देवताओं के पीछे जाकर उनकी सेवा करने और उन्हें पूजने लगे, और वे उस कमरबंद के समान होंगे जो किसी काम का नहीं रहेगा। क्योंकि जैसे कमरबंद मनुष्य की कमर से चिपकता है, उसी प्रकार मैंने इस्राएल के घराने को और यहूदा के सारे घराने को अपने साथ बांधा, ताकि वे मेरे लिए प्रसिद्ध लोग हों, और घमंड हों, और महिमा हों, परन्तु उन्होंने मेरी नहीं सुनी।

और तू इन लोगों से कहेगा, हर मशक शराब से भरी जाएगी, और ऐसा होगा यदि वे तुझसे कहें, क्या हम नहीं जानते कि हर मशक शराब से भरी जाएगी? और तुम उनसे कहोगे, प्रभु यह कहते हैं, देखो, मैं इस भूमि के निवासियों को, और उनके राजाओं को जो दाऊद के पुत्र हैं और उनके सिंहासन पर बैठे हैं, और याजकों को और भविष्यवक्ताओं को, और यहूदा को और यरूशलेम में रहने वाले सभी लोगों को मतवालेपन से भर दूँगा। और मैं उन्हें तितर-बितर करूँगा, पुरुष को और उसके भाई को, और उनके पिताओं को, और उनके पुत्रों को एक साथ; मैं लालायित नहीं होऊँगा, प्रभु कहते हैं, और मैं नहीं बख्शूँगा, और मैं उनके विनाश से दया नहीं करूँगा।

सुनो और कान लगाओ, और घमंड मत करो, क्योंकि प्रभु ने कहा है। अपने प्रभु परमेश्वर को महिमा दो, इससे पहले कि अंधेरा हो जाए, और इससे पहले कि तुम्हारे पैर अंधेरे पहाड़ों पर ठोकर खाएं, और तुम प्रकाश की प्रतीक्षा करोगे, और वहाँ मृत्यु की छाया होगी और अंधकार में डाल दिए जाएंगे। यदि तुम नहीं सुनोगे, तो तुम्हारी आत्मा अहंकार के कारण गुप्त रूप से रोएगी, और तुम्हारी आँखें आँसू बहाएंगी, क्योंकि प्रभु का झुंड कुचल दिया गया है।

राजा और शासकों से कहो, विनम्र हो जाओ और बैठ जाओ, क्योंकि तुम्हारे सिर से तुम्हारी महिमा का मुकुट उतारा जा चुका है। दक्षिण की ओर के शहर बंद कर दिए गए, और कोई खोलने वाला नहीं था, यहूदा को निर्वासित कर दिया गया, उन्होंने संपूर्ण निर्वासन पूरा किया। हे यरूशलेम, अपनी आँखें उठाओ और उत्तर से आने वालों को देखो, कहाँ है वह झुंड जो तुम्हें दिया गया था, तुम्हारी गौरव की भेड़ें? क्या तुम कहोगे जब वे तुम्हारे पास आएंगे? और तुमने उन्हें आरंभ में अपने ऊपर पाठ सिखाए थे, क्या प्रसव पीड़ाएं तुम्हें वैसे नहीं पकड़ेंगी जैसे एक स्त्री को जो जन्म दे रही है? और यदि तू अपने हृदय में कहे, ये बातें मुझ पर क्यों आई? तेरे अन्याय की बहुतायत के कारण तेरे पिछले भाग उघाड़े गए, तेरी एड़ियाँ उदाहरण बनाई गईं।

यदि इथियोपियाई अपनी त्वचा बदल सके, और तेंदुआ अपनी चित्तियाँ बदल सके, तो तुम भी भलाई कर सकोगे, जो बुराईयाँ सीख चुके हो। और मैंने उन्हें बिखेर दिया, जैसे सूखी लकड़ियाँ

हवा द्वारा रेगिस्तान में ले जाई जाती हैं। इस प्रकार तुम्हारा भाग है, और तुम्हारा हिस्सा मुझसे अवज्ञा करने का, प्रभु कहते हैं, क्योंकि तुम मुझे भूल गए, और तुमने झूठ पर भरोसा किया, और मैं तुम्हारे पीछे के भाग को तुम्हारे चेहरे पर उजागर करूंगा, और तुम्हारा अपमान देखा जाएगा। और तुम्हारा व्यभिचार, और तुम्हारी हिनहिनाहट, और तुम्हारे व्यभिचार का अलगाव, पहाड़ियों पर, और खेतों में मैंने तुम्हारे घृणित कार्य देखे हैं, हाय तुम्हें यरूशलेम, क्योंकि तू मेरे पीछे शुद्ध नहीं हुआ, कब तक अभी?

14

और प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास सूखे के विषय में आया।

यहूदिया ने शोक किया, और उसके द्वार खाली कर दिए गए, और पृथ्वी पर अंधेरा छा गया, और यरूशलेम की चिल्लाहट ऊपर उठी। और उसके रईसों ने अपने युवाओं को पानी के लिए भेजा, वे कुओं पर आए, और उन्हें पानी नहीं मिला, और वे अपने बर्तन खाली लेकर लौट गए। और पृथ्वी के काम समाप्त हो गए, क्योंकि वर्षा नहीं हुई, किसान शर्मिंदा हुए, उन्होंने अपने सिर ढक लिए। और हिरणों ने खेत में बच्चे जन्मे और उन्हें त्याग दिया, क्योंकि चारा नहीं था। जंगली गधे घाटियों पर खड़े हुए और उन्होंने हवा खींची। उनकी आँखें विफल हो गईं क्योंकि घास नहीं था।

हमारे पापों ने हमारे विरुद्ध गवाही दी है, हे प्रभु, अपने नाम के निमित्त हमारे लिए कुछ करो, क्योंकि हमारे पाप तुम्हारे सामने बहुत हैं, क्योंकि हमने तुम्हारे विरुद्ध पाप किया है। हे प्रभु, इस्राएल के धैर्य, तुम बुरे समय में बचाते हो, तुम पृथ्वी पर परदेशी के समान क्यों हुए, और देशी के समान विश्रामस्थान की ओर मुड़ते हुए? क्या तुम सोते हुए मनुष्य के समान होओगे, या ऐसे पुरुष के समान जो बचाने में सक्षम नहीं है? और तुम हमारे बीच में हो प्रभु, और तुम्हारा नाम हम पर पुकारा गया है, हमें मत भूलो।

इस प्रकार प्रभु इन लोगों से कहता है, उन्होंने अपने पैर चलाना प्रेम किया, और नहीं बचे, और परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं हुआ, अब वह उनके अन्याय को याद करेगा। और प्रभु ने मुझसे कहा, इस लोगों के भले के विषय में प्रार्थना मत करो, क्योंकि यदि वे उपवास करें, तो मैं उनकी विनती नहीं सुनूंगा, और यदि वे होमबलि और बलिदान चढ़ाएं, तो मैं उनसे प्रसन्न नहीं होऊंगा, क्योंकि मैं उन्हें तलवार, अकाल और मृत्यु से नष्ट कर दूंगा।

और मैंने कहा, हे प्रभु, देखो, उनके भविष्यवक्ता भविष्यवाणी करते हैं और कहते हैं, तुम तलवार नहीं देखोगे, न तुममें अकाल होगा, क्योंकि मैं इस पृथ्वी पर और इस स्थान में सत्य और शांति दूंगा।

और प्रभु ने मुझसे कहा, भविष्यवक्ता मेरे नाम पर झूठी भविष्यवाणी करते हैं, मैंने उन्हें नहीं भेजा, और मैंने उन्हें आज्ञा नहीं दी, और मैंने उनसे नहीं बोला, क्योंकि वे तुम्हें झूठे दर्शन, और भविष्यवाणियाँ, और शकुन, और अपने हृदय की इच्छाएँ भविष्यवाणी करते हैं। इसलिए प्रभु उन भविष्यवक्ताओं के बारे में यह कहते हैं जो मेरे नाम पर झूठी भविष्यवाणी करते हैं, जिन्हें मैंने नहीं भेजा, जो कहते हैं कि इस पृथ्वी पर तलवार और अकाल नहीं होगा - वे भविष्यवक्ता घातक मृत्यु से मरेंगे और अकाल से नष्ट हो जाएंगे। और वे लोग जिनके लिए वे भविष्यवाणी करते हैं, यरूशलेम की सड़कों में तलवार और अकाल के कारण फेंक दिए जाएँगे, और उन्हें दफनाने वाला कोई नहीं होगा, और उनकी स्त्रियाँ, और उनके पुत्र, और उनकी पुत्रियाँ, और मैं उन पर उनकी बुराइयाँ डालूँगा।

और तुम उनसे यह वचन कहोगे: अपनी आँखों में आँसू बहाओ दिन और रात, और वे रुकें नहीं, क्योंकि मेरे लोगों की बेटी विनाश से कुचल दी गई है, और घाव अत्यंत दर्दनाक है। यदि मैं मैदान में बाहर जाऊँ, तो देखो तलवार से घायल, और यदि मैं नगर में प्रवेश करूँ, तो देखो अकाल की पीड़ा, क्योंकि याजक और भविष्यवक्ता उस भूमि में गए जिसे वे नहीं जानते थे।

क्या तुमने यहूदा को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया है, और क्या तुम्हारी आत्मा सिय्योन से दूर हो गई है? तुमने हमें क्यों मारा, और हमारे लिए कोई चंगाई नहीं है? हमने शांति की प्रतीक्षा की, परन्तु कोई भलाई नहीं थी, चंगाई के समय की, और देखो, उथल-पुथल है। हे प्रभु, हम अपने पापों को जानते हैं, अपने पिताओं के अन्याय को, क्योंकि हमने आपके सामने पाप किया है। अपने नाम के कारण रुक जाओ, अपनी महिमा के सिंहासन को नष्ट मत करो, याद रखो, हमारे साथ की अपनी वाचा को तितर-बितर मत करो। क्या राष्ट्रों की मूर्तियों में कोई वर्षा करने वाला है? और यदि आकाश अपनी परिपूर्णता देगा, तो क्या वह तू नहीं है? हे प्रभु, हम तेरी प्रतीक्षा करेंगे, क्योंकि तूने ही यह सब किया है।

15

और प्रभु ने मुझसे कहा, यदि मूसा और शमूएल मेरे सामने खड़े हों, तो भी मेरा मन उनकी ओर नहीं है, इन लोगों को भेज दो, और वे निकल जाएं। और ऐसा होगा यदि वे तुमसे कहें, हम कहाँ निकलेंगे? तो तुम उनसे कहोगे, प्रभु यह कहते हैं: जितने मृत्यु के लिए हैं, मृत्यु के लिए; और जितने तलवार के लिए हैं, तलवार के लिए; और जितने अकाल के लिए हैं, अकाल के लिए; और जितने बंधुआई के लिए हैं, बंधुआई के लिए। और मैं उन पर चार प्रकार का दंड दूंगा, प्रभु कहते हैं: तलवार को वध के लिए, और कुत्तों को विच्छेदन के लिए, और पृथ्वी के जंगली जानवरों को, और आकाश के पक्षियों को भोजन और विनाश के लिए। और मैं उन्हें पृथ्वी के सभी राज्यों की विपत्तियों में सौंप दूंगा, यहूदा के राजा हिजकिय्याह के पुत्र मनश्शे के कारण, उन सब के विषय में जो उसने यरूशलेम में किया।

कौन तुझ पर दया करेगा, हे यरूशलेम? और कौन तुझ पर शोक करेगा? या कौन तुझे शांति देने लौटेगा? तू मुझसे मुड़ गया, प्रभु कहता है, पीछे जाएगा, और मैं अपना हाथ फैलाऊंगा, और तुझे नष्ट करूंगा, और अब मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। और मैं उन्हें मेरे लोगों के फाटकों में बिखराव में तितर-

बितर करूंगा, वे निःसंतान हुए, उन्होंने अपनी दुष्टताओं के द्वारा मेरे लोगों को नष्ट किया।

उनकी विधवाएँ समुद्र की रेत से अधिक गुणा हुई, मैं युवा पुरुषों की माता पर दोपहर में दुख लाया, मैंने उस पर अचानक कंपकंपी और जल्दबाजी डाली। जो सात को जन्म देने वाली थी वह खाली हो गई, उसकी आत्मा निराश हो गई, दिन के बीच में ही उसके लिए सूरज अस्त हो गया, वह शर्मिंदा और निंदित हुई, उनके बच्चे हुआँ को मैं उनके शत्रुओं के सामने तलवार को सौंप दूंगा।

हाय, हे माता, तुमने मुझे किस प्रकार के पुरुष को जन्म दिया जिसका न्याय किया जा रहा है और जो सारी पृथ्वी पर विवादित है। न मैंने किसी को लाभ पहुँचाया, न किसी ने मुझे लाभ पहुँचाया। मेरी शक्ति उनके बीच समाप्त हो गई है जो मुझे शाप देते हैं। हे स्वामी, उन्हें मार्गदर्शन करने वालों का यह हो जाए, यदि मैं उनकी विपत्तियों के समय में और उनके संकट के समय में शत्रु के भले के लिए तुम्हारे सामने खड़ा नहीं हुआ। क्या लोहा ज्ञात होगा? और क्या तुम्हारी शक्ति कांस्य का आवरण है? और मैं तेरे खजानों को लूट में दे दूंगा, बदले के रूप में तेरे सब पापों के कारण, और तेरी सब सीमाओं में। और मैं तुम्हें तुम्हारे शत्रुओं के चारों ओर उस भूमि में गुलाम बनाऊंगा जिसे तुम नहीं जानते थे, क्योंकि मेरे क्रोध से आग प्रज्वलित हो गई है, जो तुम लोगों पर जलेगी।

प्रभु, मुझे स्मरण करो और मेरी सुधि लो, और मुझे मेरे सताने वालों से निर्दोष ठहराओ। धैर्य में नहीं। जानो कि मैंने तेरे विषय में निन्दा सही है। उन लोगों द्वारा जो तुम्हारे वचनों को अस्वीकार करते हैं, उन्हें पूर्ण करो, और तुम्हारा वचन मेरे लिए आनंद और मेरे हृदय की खुशी होगा, क्योंकि तुम्हारा नाम मुझ पर बुलाया गया है, हे सर्वशक्तिमान प्रभु। मैं उनकी सभा में खेलने वालों के साथ नहीं बैठा, लेकिन मैं तुम्हारे हाथ के सामने से सावधान रहा, मैं अकेला बैठा रहा, क्योंकि मैं कड़वाहट से भर गया था।

क्यों मुझे कष्ट देने वाले मुझ पर प्रबल हो रहे हैं? मेरा घाव कठोर है, मैं कहाँ से चंगा हो सकूंगा? यह मेरे लिए झूठे पानी के समान हो गया है, जिसमें विश्वास नहीं है।

इसलिए प्रभु ये बातें कहता है, यदि तू लौटे, तो मैं तुझे पुनर्स्थापित करूंगा, और तू मेरे सामने खड़ा होगा, और यदि तू निकम्मे से कीमती को निकाले, तो तू मेरे मुंह के समान होगा, और वे तेरी ओर लौटेंगे, और तू उनकी ओर नहीं लौटेगा। और मैं तुम्हें इस लोगों के लिए एक मजबूत कांस्य दीवार के समान बनाऊंगा, और वे तुम्हारे विरुद्ध युद्ध करेंगे, और वे तुम्हारे विरुद्ध सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि मैं तुम्हें बचाने के लिए तुम्हारे साथ हूँ, और मैं तुझे दुष्टों के हाथ से छुड़ाऊंगा, और मैं तुझे उपद्रवियों के हाथ से मुक्त करूंगा।

16

और तू पत्नी मत लेना, प्रभु इस्राएल का परमेश्वर कहता है। और तुम्हें इस स्थान में न पुत्र जन्म लेगा, न ही पुत्री। क्योंकि प्रभु ये बातें कहता है उन पुत्रों के बारे में और उन पुत्रियों के बारे में जो इस स्थान में पैदा हो रहे हैं, और उनकी माताओं के बारे में जिन्होंने उनको जन्म दिया है, और उनके पिताओं के बारे में जिन्होंने उनको इस भूमि में उत्पन्न किया है, घातक मृत्यु से वे मरेंगे, उनका विलाप नहीं किया जाएगा और उन्हें दफनाया नहीं जाएगा। पृथ्वी के चेहरे पर वे उदाहरण होंगे, और पृथ्वी के पशुओं तथा आकाश के पक्षियों के लिए होंगे। तलवार से वे गिरेंगे और अकाल से वे नष्ट किए जाएंगे।

प्रभु यह कहता है: तू उनके समूह में प्रवेश मत कर, और शोक करने मत जा, और उनके लिए शोक मत कर, क्योंकि मैंने अपनी शांति इन लोगों से हटा ली है। वे उनके लिए शोक नहीं करेंगे, और न ही अपने शरीर पर कटाव करेंगे, और न ही मुंडाए जाएंगे। और उनके शोक में मृतक के लिए सांत्वना हेतु रोटी नहीं तोड़ी जाएगी, न ही उसके पिता और माता के लिए सांत्वना हेतु उसे प्याला पिलाया जाएगा।

तू पीने के घर में प्रवेश नहीं करेगा, उनके साथ खाने-पीने के लिए बैठने को। क्योंकि प्रभु,

इसाएल का परमेश्वर, यह कहता है: देखो, मैं इस स्थान से तुम्हारी आँखों के सामने और तुम्हारे दिनों में आनन्द की आवाज़, खुशी की आवाज़, दूल्हे की आवाज़ और दुल्हन की आवाज़ को नष्ट कर दूँगा।

और ऐसा होगा जब तू इन लोगों को ये सब वचन सुनाए, और वे तुझसे कहें, प्रभु ने हम पर ये सब विपत्तियाँ क्यों बोलीं? हमारा अन्याय क्या है? और हमारा पाप क्या है, जो हमने अपने परमेश्वर प्रभु के सामने किया है? और तुम उनसे कहोगे, इसलिए कि तुम्हारे पूर्वजों ने मुझे त्याग दिया, प्रभु कहते हैं, और वे पराये देवताओं के पीछे चले गए, और उनकी सेवा की, और उनकी पूजा की, और मुझे त्याग दिया, और मेरे नियम का पालन नहीं किया। और तुमने अपने पिताओं से भी अधिक दुष्टता से काम किया है, और देखो तुम में से प्रत्येक अपने दुष्ट हृदय की मनभावन बातों के पीछे चलता है, ताकि मेरी आज्ञा न माने। और मैं तुम्हें इस पृथ्वी से उस भूमि में फेंक दूँगा, जिसे तुम और तुम्हारे पिता नहीं जानते थे, और तुम वहाँ दूसरे देवताओं की सेवा करोगे, जो तुम्हें दया नहीं देंगे।

इसलिए देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और वे अब नहीं कहेंगे, प्रभु जीवित है जो इसाएल के पुत्रों को मिस्र की भूमि से ऊपर लाया, लेकिन, प्रभु जीवित है, जिसने इसाएल के घराने को उत्तर की भूमि से और उन सब क्षेत्रों से ऊपर लाया जहाँ वे निकाले गए थे, और मैं उन्हें उनकी भूमि में पुनर्स्थापित करूँगा, जो मैंने उनके पिताओं को दी थी।

देखो, मैं बहुत से मछुआरों को भेजता हूँ, प्रभु कहते हैं, और वे उन्हें पकड़ेंगे, और इसके बाद मैं बहुत से शिकारियों को भेजता हूँ, और वे उन्हें हर पहाड़ पर, और हर पहाड़ी पर, और चट्टानों की दरारों से शिकार करेंगे। क्योंकि मेरी दृष्टि उनके सभी मार्गों पर है, और उनके अधर्म के कार्य मेरी आँखों के सामने छिपे नहीं हैं। और मैं उनकी दुष्टता का दोगुना प्रतिफल दूँगा, और उनके पापों का, जिनके द्वारा उन्होंने मेरी भूमि को उनकी घृणित वस्तुओं के शवों से अपवित्र किया, और उनके अधर्मों से, जिनके द्वारा उन्होंने मेरी विरासत का अपराध किया।

हे प्रभु, तुम मेरी शक्ति हो, और मेरी सहायता हो, और बुराई के दिनों में मेरी शरण हो, तुम्हारी ओर राष्ट्र पृथ्वी के अंत से आएंगे, और कहेंगे, हमारे पिताओं ने झूठी मूर्तियाँ प्राप्त की थीं, और उनमें कोई लाभ नहीं है; यदि मनुष्य अपने लिए देवता बनाएगा, तो ये देवता नहीं हैं। इसलिए देखो, मैं इस समय में उनको अपना हाथ दिखाऊंगा, और उनको अपनी शक्ति बताऊंगा, और वे जानेंगे कि मेरा नाम प्रभु है।

17

शापित है वह मनुष्य जो मनुष्य पर आशा रखता है और अपनी भुजा के मांस को उस पर टिकाता है, और जिसका हृदय प्रभु से हट जाता है। और वह जंगल में झाऊ के समान होगा, वह अच्छी चीजें आने पर नहीं देखेगा, और नमकीन स्थानों में निवास करेगा, और जंगल में, नमकीन भूमि में जो बसाई नहीं जाती। और धन्य है वह मनुष्य जो प्रभु पर विश्वास करता है, और प्रभु उसकी आशा होगा। और वह जल के पास फलता-फूलता वृक्ष के समान होगा, और नमी पर अपनी जड़ डालेगा, गर्मी आने पर नहीं डरेगा, और उस पर पत्तेदार शाखाएँ होंगी, सूखे के वर्ष में नहीं डरेगा, और फल देना बंद नहीं करेगा।

हृदय सब से अधिक गहरा है, और वह मनुष्य है, और कौन उसे जानेगा? मैं प्रभु हूँ जो हृदयों की परीक्षा करता हूँ और गुदों को परखता हूँ, ताकि प्रत्येक को उसके मार्गों के अनुसार और उसके कर्मों के फलों के अनुसार दे सकूँ।

तीतर ने पुकारा, उसने वह इकट्ठा किया जो उसने जन्म नहीं दिया, अपना धन न्याय के बिना बनाते हुए, अपने दिनों के आधे में वे उसे छोड़ देंगे, और अपने अंत में वह मूर्ख होगा।

महिमा का ऊंचा सिंहासन, हमारा पवित्र स्थान, हे प्रभु, इस्राएल का धैर्य, वे सब जिन्होंने तुम्हें छोड़ दिया है, शर्मिदा किए जाएं; जो दूर हो गए हैं, उन्हें पृथ्वी पर लिखा जाए, क्योंकि उन्होंने जीवन के स्रोत, प्रभु को त्याग दिया है।

हे प्रभु, मुझे चंगा करो और मैं चंगा हो जाऊंगा, मुझे बचाओ और मैं बचाया जाऊंगा, क्योंकि तू ही मेरा गर्व है।

देखो, वे मुझसे कहते हैं, प्रभु का वचन कहाँ है? वह आने दो। लेकिन मैंने तुम्हारे पीछे चलते हुए परिश्रम नहीं किया, और मनुष्य के दिन की इच्छा नहीं की, तुम जानते हो, जो मेरे होठों से निकलता है, वह तुम्हारे सामने है। बुरे दिन में मेरी रक्षा करते हुए मेरे लिए पराएपन में मत बदलना। वे लज्जित हों जो मेरा पीछा करते हैं, और मैं लज्जित न होऊँ, वे स्वयं निराश हों, और मैं निराश न होऊँ, उन पर दुष्ट दिन लाओ, दोहरे विनाश से उन्हें नष्ट करो।

प्रभु यह कहता है: जाओ और अपने लोगों के पुत्रों के द्वारों में खड़े हो जाओ, जिनमें यहूदा के राजा प्रवेश करते हैं और जिनमें वे निकलते हैं, और यरूशलेम के सभी द्वारों में। और तुम उनसे कहोगे, हे यहूदा के राजाओं, और समस्त यहूदिया, और समस्त यरूशलेम, जो इन द्वारों से प्रवेश करते हो, प्रभु का वचन सुनो। ये बातें प्रभु कहता है: अपनी आत्माओं की रक्षा करो, और सब्त के दिन बौझ मत उठाओ, और यरूशलेम के द्वारों से बाहर मत निकलो, और अपने घरों से सब्त के दिन बौझ बाहर मत ले जाओ, और कोई भी काम मत करो, सब्त के दिन को पवित्र करो, जैसे मैंने तुम्हारे पितरों को आज्ञा दी थी। और उन्होंने नहीं सुना, और उन्होंने अपना कान नहीं झुकाया। और उन्होंने अपनी गर्दन को अपने पिताओं से अधिक कठोर कर लिया, ताकि मेरी न सुनें और शिक्षा को ग्रहण न करें।

और ऐसा होगा, यदि तुम मेरी सुनोगे, प्रभु कहता है, कि इस नगर के द्वारों से विश्राम के दिन में बौझ न लाना और विश्राम के दिन को पवित्र करना, कि कोई काम न करना, और इस शहर के

द्वारों से राजा और शासक प्रवेश करेंगे जो दाऊद के सिंहासन पर बैठे हुए हैं, और जो अपने रथों और घोड़ों पर सवार हैं, वे और उनके शासक, यहूदा के पुरुष और यरूशलेम में निवास करने वाले, और यह शहर सदा के लिए बसाया जाएगा। और वे यहूदा के शहरों से, यरूशलेम के चारों ओर से, बिन्यामीन की भूमि से, मैदान की भूमि से, पहाड़ से, और दक्षिण की ओर से आएंगे, होमबलि और बलिदान और धूप और मन्ना और लोबान लाते हुए, प्रभु के घर में स्तुति लाते हुए।

और ऐसा होगा कि यदि तुम मेरी नहीं सुनोगे कि सब्त के दिन को पवित्र करो, बोझ न उठाओ, और सब्त के दिन यरूशलेम के द्वारों में प्रवेश न करो, तो मैं उसके द्वारों में आग जलाऊंगा, और वह यरूशलेम की गलियों को भस्म कर देगी, और वह बुझाई नहीं जाएगी।

18

वह वचन जो प्रभु की ओर से यिरम्याह के पास आया था, यह कहते हुए उठो और कुम्हार के घर जाओ, और वहाँ तुम मेरे वचन सुनोगे। और मैं कुम्हार के घर में गया, और देखो, वह पत्थरों पर काम कर रहा था। और वह बर्तन गिर गया जो वह अपने हाथों में बना रहा था, और फिर उसने उसे एक दूसरा बर्तन बनाया, जैसा उसके सामने बनाना उचित लगा। और प्रभु का वचन मुझे मिला, जो कहता था

क्या जैसे यह कुम्हार, मैं तुम्हें करने में सक्षम नहीं होऊंगा, हे इस्राएल के घराने? देखो, जैसे कुम्हार की मिट्टी, तुम मेरे हाथों में हो। अंत में मैं किसी राष्ट्र या राज्य के विषय में बोलूंगा कि उन्हें उखाड़ दूं और नष्ट कर दूं, और यदि वह राष्ट्र अपनी सब बुराइयों से मुड़े, तो मैं उन बुराइयों के विषय में पछताऊंगा, जो मैंने उनको करने के लिए सोची थीं। और अंत में राष्ट्र और राज्य के विषय में बोलूंगा, कि वे निर्मित हों और रोपित हों, और वे मेरे सामने बुराई करें, मेरी आवाज़ न सुनें, तो मैं उन अच्छी चीज़ों के विषय में पछताऊंगा जो मैंने उनके लिए करने की बात कही थी।

और अब मैंने यहूदा के पुरुषों से और यरूशलेम के निवासियों से कहा, देखो मैं तुम पर बुराईयाँ रच रहा हूँ, और तुम्हारे विरुद्ध योजना बना रहा हूँ, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति अपने बुरे मार्ग से लौट जाए, और अपनी प्रथाओं को अधिक अच्छा बनाओ। और उन्होंने कहा, हम अपने आप को मजबूत बनाएं, क्योंकि हम अपने पीछे हटने के मार्ग पर चलेंगे, और प्रत्येक अपने बुरे हृदय की प्रसन्न करने वाली बातें करेगा।

इसलिए प्रभु ये बातें कहता है, राष्ट्रों में वास्तव में पूछो, किसने ऐसी भयानक बातें सुनी हैं जो इस्राएल की कुँवारी ने अत्यधिक रूप से कीं? क्या चट्टान से दूध के स्रोत नष्ट हो जाएंगे, या लेबनान से बर्फ? क्या हवा द्वारा हिंसक रूप से ले जाया जाता हुआ पानी अपना मार्ग बदलेगा? क्योंकि मेरे लोग मुझे भूल गए, उन्होंने व्यर्थ में धूप जलाई और वे अपने रास्तों में कमजोर हो जाएंगे, शाश्वत डोरियों में, ऐसी पगडंडियों पर चढ़ने के लिए जिनमें यात्रा का कोई मार्ग नहीं है। उनकी भूमि को विनाश और शाश्वत सीटी में व्यवस्थित करने के लिए, सब जो इसके माध्यम से यात्रा करते हैं आश्चर्यचकित होंगे और अपना सिर हिलाएंगे। जैसे गर्म हवा से मैं उन्हें उनके शत्रुओं के सामने तितर-बितर कर दूंगा, मैं उन्हें उनके विनाश का दिन दिखाऊंगा।

और उन्होंने कहा, आओ और यिरम्याह के विरुद्ध योजना बनाएं, क्योंकि याजक से व्यवस्था, समझदार से सलाह, और भविष्यवक्ता से वचन नष्ट नहीं होगा। आओ और उसे जीभ से मारें, और उसके सब वचन सुनें।

हे प्रभु, मेरी सुनो, और मेरे न्याय की आवाज़ सुनो। यदि अच्छी चीजों के स्थान पर बुराईयाँ चुकाई जाती हैं, क्योंकि उन्होंने मेरी आत्मा के विरुद्ध शब्द बोले, और उन्होंने अपनी सज़ा मुझसे छिपाई, तो याद करो कि मैं तुम्हारे सामने खड़ा हुआ था, उनके लिए अच्छी बातें बोलने के लिए, तुम्हारे क्रोध को उनसे हटाने के लिए। इसलिए उनके पुत्रों को अकाल में सौंप दो, और उन्हें तलवार के हाथों में सौंप दो, उनकी स्त्रियाँ निःसंतान और विधवा हो जाएं, और उनके पुरुष मृत्यु से मारे जाएं, और उनके युवा पुरुष युद्ध में तलवार से गिर जाएं। उनके घरों में चीख होने दो, तुम उन पर

अचानक लुटेरे लाओगे, क्योंकि उन्होंने मुझे पकड़ने की बात का प्रयास किया और मेरे लिए जाल छिपाए।

और हे प्रभु, तूने मेरे विरुद्ध मृत्यु के लिए उनके सारे परामर्श को जाना है; उनके अन्याय को क्षमा मत करना, और उनके पापों को अपने सामने से मत मिटाना; उनकी दुर्बलता तेरे सामने बनी रहे; अपने क्रोध के समय में उनके साथ ऐसा ही करना।

19

तब प्रभु ने मुझसे कहा, जाओ और मिट्टी का ढाला हुआ घड़ा प्राप्त करो, और तुम लोगों के बुजुर्गों में से और पुजारियों में से लाओगे। और तुम खारसीथ द्वार की दहलीज पर स्थित उनके बच्चों के पुत्रों की सामूहिक कब्र में बाहर जाओगे, और वहाँ वे सब शब्द पढ़ो जो मैं तुमसे बोलूँगा, और तुम उनसे कहोगे, हे यहूदा के राजाओ, यहूदा के पुरुषो, यरूशलेम में निवास करने वालो और इन द्वारों में प्रवेश करने वालो, प्रभु का वचन सुनो। इस्राएल का परमेश्वर प्रभु यह कहता है: देखो, मैं इस स्थान पर ऐसी बुराइयाँ लाऊँगा कि जो कोई उन्हें सुनेगा उसके कान गूँज उठेंगे।

इसके बदले में कि उन्होंने मुझे त्याग दिया, और इस स्थान को अलग कर दिया, और इसमें विदेशी देवताओं के लिए धूप जलाया, जिन्हें न वे जानते थे और न उनके पिता, और यहूदा के राजाओं ने इस स्थान को निर्दोष के खून से भर दिया, और उन्होंने बाल के लिए ऊँचे स्थान बनाए, ताकि अपने पुत्रों को आग में जलाएँ, जिसकी मैंने आज्ञा नहीं दी, और न ही मैंने अपने हृदय में विचार किया।

इसलिए देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, जब इस स्थान को अब तोपेत और एन्नोम के पुत्र की सामूहिक कब्र नहीं बुलाया जाएगा, बल्कि वध की सामूहिक कब्र बुलाया जाएगा। और मैं

यहूदा की परिषद और यरूशलेम की परिषद का इस स्थान में वध करूंगा, और मैं उनको उनके शत्रुओं के सामने तलवार से गिरा दूंगा, और उनकी आत्माओं को खोजने वालों के हाथों में, और मैं उनके मृतकों को आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं के भोजन के लिए दे दूंगा। और मैं इस शहर को विनाश में ले जाऊंगा और सीटी बजाने में, हर गुजरने वाला इस पर भयभीत होगा और इसके सभी घावों के लिए सीटी बजाएगा। और वे अपने पुत्रों का मांस खाएंगे, और अपनी पुत्रियों का मांस खाएंगे, और प्रत्येक अपने पड़ोसी का मांस खाएगा उस घेराबंदी में, और उस घेराबंदी में जो उनके शत्रु उन्हें घेरेंगे।

और तुम उन पुरुषों की आँखों के सामने घड़े को चूर्ण करोगे जो तुम्हारे साथ बाहर जा रहे हैं और तुम कहोगे, प्रभु यह कहते हैं: इस प्रकार मैं इन लोगों को और इस शहर को तोड़ डालूंगा, जैसे मिट्टी का बर्तन तोड़ा जाता है, जो फिर से ठीक नहीं हो सकता। इस प्रकार मैं करूंगा, प्रभु कहता है, इस स्थान को और इसमें निवास करने वालों को, इस नगर को उस नगर के समान बनाने के लिए जो गिराई गई है। और यरूशलेम के घर और यहूदा के राजाओं के घर उस गिरती हुई जगह के समान होंगे, उनकी अशुद्धताओं से सब घरों में, जिनमें उन्होंने अपनी छतों पर आकाश की सारी सेना के लिए धूप जलाया, और विदेशी देवताओं को अर्घ्य डाला।

और यिर्मयाह उस पतन से आया, जहाँ प्रभु ने उसे भविष्यवाणी करने के लिए भेजा था, और प्रभु के घर के आँगन में खड़ा हुआ, और सब लोगों से बोला, प्रभु यह कहते हैं, देखो मैं इस शहर पर, और इसके सब शहरों पर, और इसके गाँवों पर, वे सब बुराइयाँ लाता हूँ जो मैंने इसके विरुद्ध बोली थीं, क्योंकि उन्होंने अपनी गर्दन कठोर कर ली, ताकि मेरी आज्ञाओं को न सुनें।

20

और पशहूर ने, जो एम्मेर का पुत्र और याजक था, सुना। यह प्रभु के घर का नियुक्त अगुवा था,

जब यिर्मयाह ये शब्द भविष्यवाणी कर रहा था। और उसने उसे मारा और उसे उस गड्ढे में डाल दिया जो उस ऊपरी कमरे के घर के द्वार में था जो अलग किया गया था, जो प्रभु के घर में था।

और पशहूर यिर्मयाह को कारागार से बाहर लाया, और यिर्मयाह ने उससे कहा, पशहूर ने तुम्हारा नाम नहीं बुलाया, बल्कि निवासी परदेशी। क्योंकि प्रभु यह कहते हैं, देखो, मैं तुझे तेरे सब मित्रों के साथ निर्वासन में दे दूँगा, और वे अपने शत्रुओं की तलवार से गिरेंगे, और तेरी आँखें यह देखेंगी, और तुझे और सारे यहूदा को मैं बाबुल के राजा के हाथों में दे दूँगा, और वे उन्हें निर्वासन में ले जाएँगे, और तलवारों से काट डालेंगे। और मैं इस शहर की सारी शक्ति, और उसके सारे परिश्रम, और यहूदा के राजा के सारे खजाने उसके शत्रुओं के हाथों में दे दूँगा, और वे उनको बाबुल में ले जाएँगे। और तू और वे सब जो तेरे घर में रहते हैं, बंधुआई में जाओगे, और बाबुल में मरोगे, और वहाँ तू दफनाया जाएगा और तेरे वे सब मित्र भी, जिनको तूने झूठी भविष्यवाणी की थी।

हे प्रभु, आपने मुझे धोखा दिया, और मैं धोखा खा गया। आपने मुझे पकड़ लिया, और आप प्रबल हुए। मैं हँसी का पात्र बन गया, पूरे दिन मैं उपहास सहता रहा। क्योंकि मैं अपने कड़वे शब्द पर हँसूँगा, विश्वासघात और दुख को पुकारूँगा, क्योंकि प्रभु का वचन मेरे लिए निन्दा और मेरे सारे दिन उपहास बन गया। और मैंने कहा, मैं प्रभु के नाम को नहीं लूँगा, और मैं उसके नाम पर अब और नहीं बोलूँगा, परन्तु यह मेरी हड्डियों में जलती और धधकती आग के समान हो गया, और मैं सब ओर से रोका गया हूँ, और मैं इसे सहन करने में सक्षम नहीं हूँ। क्योंकि मैंने बहुतों की निन्दा सुनी जो चारों ओर इकट्ठा हो रहे थे, हमला करो, और हम सब उस पर हमला करें, उसके सभी मित्र पुरुष, उसके इरादे पर नज़र रखो, यदि वह धोखा खा जाएगा, तो हम उसे हरा सकेंगे, और हम उससे अपना बदला ले लेंगे।

परन्तु प्रभु मेरे साथ एक शक्तिशाली योद्धा के समान हैं, इसलिए उन्होंने मुझे सताया, और समझ नहीं सके। वे अत्यधिक लज्जित हुए, क्योंकि उन्होंने अपने अपमान को नहीं समझा, जो युगों तक

भुलाया नहीं जाएगा।

हे प्रभु, जो न्यायसंगत बातों को परखते हो, गुर्दों और हृदय को समझते हो, मैं उन पर तुम्हारा प्रतिशोध देख सकूँ, क्योंकि मैंने तुम्हारे सामने अपना बचाव प्रकट किया है। प्रभु के लिए गाओ, उसकी स्तुति करो, क्योंकि उसने गरीब की आत्मा को दुष्टता करने वालों के हाथ से बचाया।

शापित हो वह दिन जिसमें मैं जन्मा, वह दिन जिसमें मेरी माता ने मुझे जन्म दिया, वह धन्य न हो। शापित हो वह आदमी जिसने मेरे पिता को यह घोषणा करते हुए कहा, तुम्हें एक पुत्र का जन्म हुआ है, और वह आनंदित हो रहा था वह आदमी उन शहरों के समान हो जिन्हें प्रभु ने क्रोध में नष्ट कर दिया और पछतावा नहीं किया, वह सुबह को चीख सुने और दोपहर को चिल्लाहट सुने। क्योंकि उसने मुझे गर्भ में नहीं मारा, और मेरी माता मेरी कब्र बन गई, और गर्भ शाश्वत गर्भधारण का रहा। मैं क्यों गर्भ से बाहर आया कि कष्ट और परिश्रम देखूँ, और मेरे दिन लज्जा में बीते?

21

वह वचन जो प्रभु की ओर से यिर्मयाह के पास आया, जब राजा सिदकिय्याह ने उसके पास मलकिय्याह के पुत्र पशहूर और मासेयाह के पुत्र सपन्याह याजक को भेजा, यह कहते हुए, हमारे विषय में प्रभु से पूछो, क्योंकि बाबुल का राजा हम पर चढ़ाई कर रहा है, कि क्या प्रभु अपने सब चमत्कारों के अनुसार करेगा, और वह हमसे चला जाएगा।

और यिर्मयाह ने उनसे कहा, इस प्रकार तुम यहूदा के राजा सिदकिय्याह से कहोगे, प्रभु यह कहते हैं, देखो, मैं उन युद्ध के हथियारों को पलट दूँगा जिनसे तुम उन कसदियों के विरुद्ध लड़ते हो जिन्होंने तुम्हें दीवार के बाहर से घेर रखा है, और मैं उन्हें इस नगर के बीच में इकट्ठा करूँगा। और मैं तुमसे फैले हुए हाथ और शक्तिशाली भुजा से, क्रोध और महान कोप के साथ युद्ध करूँगा।

और मैं इस शहर में रहने वाले सभी लोगों और पशुओं को एक भयानक मृत्यु से मारूंगा, और वे मर जाएंगे। और इसके बाद प्रभु इस प्रकार कहता है, मैं यहूदा के राजा सिदकिय्याह को, और उसके सेवकों को, और इस नगर में मृत्यु से और अकाल से और तलवार से बचे हुए लोगों को, उनके शत्रुओं के हाथों में दे दूंगा, जो उनके प्राणों की खोज में हैं, और वे उन्हें तलवार की धार से काट डालेंगे, मैं उन पर दया नहीं करूंगा, और मैं उन पर कृपा नहीं करूंगा।

और इस लोगों से तुम कहोगे, ये बातें प्रभु कहता है, देखो मैंने तुम्हारे सामने जीवन का रास्ता और मृत्यु का रास्ता रखा है। जो इस शहर में बैठा है, वह तलवार और अकाल से मरेगा, और जो कसदियों के पास जाने के लिए बाहर जाता है, जिन्होंने तुम्हें घेरा हुआ है, वह जीएगा, और उसका प्राण लूट में होगा, और वह जीएगा। क्योंकि मैंने इस शहर पर अपना चेहरा बुराइयों के लिए स्थापित किया है, न कि अच्छी चीजों के लिए, यह बाबुल के राजा के हाथों में सौंपा जाएगा, और वह इसे आग में जला देगा।

हे यहूदा के राजा के घराने, प्रभु का वचन सुनो। हे दाऊद के घराने, प्रभु यह कहते हैं: सुबह न्याय करो, और सीधा करो, और लूटे गए को अन्याय करने वाले के हाथ से बचाओ, ताकि मेरा क्रोध आग की तरह न भड़के, और वह जलेगा, और कोई बुझाने वाला नहीं होगा। देखो, मैं तुम्हारी ओर आ रहा हूँ जो घाटी सोर के मैदान में निवास करते हो, जो कहते हो, कौन हमें भयभीत करेगा? या कौन हमारे निवास स्थान में प्रवेश करेगा? और मैं उसके वन में आग प्रज्वलित करूंगा, और वह उसके चारों ओर की सब चीजों को खा जाएगी।

22

ये बातें प्रभु कहता है: जाओ और यहूदा के राजा के घर में जाओ, और वहाँ यह वचन बोलो। और तू कहेगा, हे यहूदा के राजा, जो दाऊद के सिंहासन पर बैठा है, प्रभु का वचन सुन, तू और तेरा

घराना और तेरी प्रजा, और वे जो इन द्वारों से प्रवेश करते हैं।

प्रभु यह कहते हैं: न्याय और धार्मिकता करो, और लूटे गए को अन्याय करने वाले के हाथ से छुड़ाओ, और परदेशी, अनाथ और विधवा पर अत्याचार मत करो, और अधर्म मत करो, और इस स्थान में निर्दोष का खून मत बहाओ। क्योंकि यदि तुम इस वचन को करोगे, तो इस घर के द्वारों में दाऊद के सिंहासन पर बैठे हुए राजा प्रवेश करेंगे, और रथों और घोड़ों पर चढ़े हुए, वे और उनके सेवक, और उनकी प्रजा। यदि तुम इन शब्दों को नहीं मानोगे, तो मैंने अपनी शपथ ली है, प्रभु कहते हैं, कि यह घर उजाड़ हो जाएगा।

क्योंकि प्रभु यहूदा के राजा के घराने के विषय में ये बातें कहता है, हे गिलाद, तू मेरे लिए लबानोन का आरंभ है, यदि मैं तुझे जंगल में न रख दूँ, ऐसे नगर जो बसाए नहीं जाएंगे, और मैं तुम पर एक विनाशक पुरुष को लाऊंगा, और उसकी कुल्हाड़ी को, और वे तुम्हारे चुने हुए देवदारों को काटेंगे, और उन्हें आग में फेंकेंगे। और राष्ट्र इस शहर के माध्यम से जाएंगे, और प्रत्येक अपने पड़ोसी से कहेगा, प्रभु ने इस महान शहर के साथ ऐसा क्यों किया? और वे कहेंगे, इसके बदले में कि उन्होंने अपने प्रभु परमेश्वर की वाचा को त्याग दिया, और पराए देवताओं को प्रणाम किया, और उनकी सेवा की।

मृत व्यक्ति के लिए मत रोओ, न ही उसके लिए विलाप करो, बल्कि उसके लिए फूट-फूटकर रोओ जो निर्वासन में जा रहा है, क्योंकि वह फिर कभी नहीं लौटेगा, न ही अपनी जन्मभूमि को देख पाएगा। क्योंकि प्रभु शल्लूम के विषय में, जो योशिय्याह का पुत्र है और अपने पिता योशिय्याह के स्थान पर राज्य कर रहा है, यह कहता है: जो इस स्थान से निकल गया है, वह वहाँ फिर नहीं लौटेगा, लेकिन इस स्थान में जहाँ मैंने उसे स्थानांतरित किया, वहाँ वह मरेगा, और इस भूमि को फिर नहीं देखेगा।

जो अपना घर न्याय के साथ नहीं बनाता, और अपने ऊपरी कमरे न्याय में नहीं बनाता, जो अपने

पड़ोसी से मुफ्त में काम कराता है, और उसकी मजदूरी उसे नहीं देगा। तूने अपने लिए एक आनुपातिक घर बनाया, खिड़कियों के साथ व्यवस्थित ऊपरी कक्ष बनाए, और देवदार की लकड़ी लगाई, और लाल गेरू से रंगा। तुम शासन मत करो, क्योंकि तुमने अपने पिता आहाज़ को उकसाया है; वे नहीं खाएंगे और नहीं पिएंगे, तुम्हारे लिए न्याय और धार्मिकता करना बेहतर है। उन्होंने नहीं जाना, उन्होंने विनम्र को न्याय नहीं दिया, न गरीब का न्याय किया। क्या यह मुझे न जानना नहीं है? प्रभु कहते हैं। देखो, तुम्हारी आँखें अच्छी नहीं हैं, न ही तुम्हारा हृदय अच्छा है, बल्कि तुम्हारे लालच की ओर हैं, और निर्दोष का रक्त बहाने की ओर, और अन्याय तथा हत्या करने की ओर।

इसलिए प्रभु यहोयाकीम के विषय में, जो योशिय्याह का पुत्र और यहूदा का राजा था, और इस पुरुष के विषय में ये बातें कहता है: वे उसके लिए विलाप नहीं करेंगे, हे भाई, न ही वे उसके लिए रोएंगे, हाय प्रभु। गधे की तरह दफनाया जाएगा, कुचलकर यरूशलेम के फाटक के परे फेंक दिया जाएगा।

लोबान पर्वत पर चढ़ जाओ और चिल्लाओ, और बाशान में अपनी आवाज़ दो, और समुद्र के अंत तक पुकारो, क्योंकि तुम्हारे सब प्रेमी कुचल दिए गए हैं। मैंने तुमसे तुम्हारे अपराध में बात की, और तुमने कहा, मैं नहीं सुनूंगा, यह तुम्हारा मार्ग तुम्हारी युवावस्था से है, तुमने मेरी आवाज़ नहीं सुनी। तुम्हारे सब चरवाहों को हवा चराएगी, और तुम्हारे प्रेमी बंधुआई में चले जाएंगे, क्योंकि तब तुम सब प्रेम करने वालों से शर्मिदा और अपमानित होगी। लेबनान में निवास करने वाली, देवदारों में घोंसला बनाने वाली, तू गहरी कराहेगी जब तुझे प्रसव करने वाली स्त्री के समान पीड़ाएँ आएँगी।

मैं जीवित हूँ, प्रभु कहते हैं, यदि यिकुन्याह, यहोयाकीम का पुत्र, यहूदा का राजा, मेरे दाहिने हाथ पर मुहर अंगूठी भी हो जाए, तो भी मैं वहाँ से तुम्हें निकाल दूँगा। और मैं तुम्हें उनके हाथों में सौँप दूँगा जो तुम्हारी आत्मा की खोज कर रहे हैं, जिनके चेहरे से तुम डरते हो, कसदियों के हाथों में,

और मैं तुम्हें और तुम्हारी माता को, जिसने तुम्हें जन्म दिया, उस भूमि में फेंक दूंगा जहाँ तुम्हारा जन्म नहीं हुआ था, और वहाँ तुम मरोगे। उस भूमि में जिसके लिए वे अपनी आत्माओं से प्रार्थना करते हैं, वे कदापि नहीं लौटेंगे। यिकुनियाह अनादरित हुआ जैसे एक बर्तन जिसकी कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह फेंक दिया गया और उस भूमि में निकाल दिया गया जिसे वह नहीं जानता था।

धरती, धरती, प्रभु का वचन सुनो, इस आदमी को निर्वासित मनुष्य लिखो, क्योंकि उसके वंश से कोई दाऊद के सिंहासन पर बैठकर यहूदा में शासन करने वाला नहीं होगा।

23

हे चरवाहो, जो उनकी चरागाह की भेड़ों को नष्ट करते हैं और तितर-बितर करते हैं। इसलिए प्रभु मेरे लोगों के चरवाहों के विषय में ये बातें कहते हैं: तुमने मेरी भेड़ों को बिखेर दिया है, और उन्हें निकाल दिया है, और तुमने उनकी देखभाल नहीं की है; देखो, मैं तुम्हारे बुरे कर्मों के अनुसार तुम पर न्याय करूंगा। और मैं अपने लोगों के बचे हुएों को सारी पृथ्वी से प्राप्त करूंगा, जहाँ मैंने उन्हें निकाला था, और मैं उन्हें उनके चरागाह में स्थापित करूंगा, और वे बढ़ेंगे और संख्या में बहुत हो जाएंगे। और मैं उनके लिए चरवाहे खड़े करूंगा, जो उन्हें चराएंगे, और वे फिर नहीं डरेंगे, और न ही भयभीत होंगे, प्रभु कहते हैं।

देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं दाऊद के लिए एक धर्मी अंकुर उत्पन्न करूंगा, और एक राजा राज्य करेगा, और वह समझेगा, और पृथ्वी पर न्याय और धार्मिकता स्थापित करेगा। उसके दिनों में यहूदा बचाया जाएगा, और इस्राएल भरोसे के साथ निवास करेगा, और यह वह नाम है जिससे प्रभु उसे बुलाएगा, भविष्यवक्ताओं में योसेदेक।

मेरा हृदय मुझमें टूट गया था, मेरी सब हड्डियाँ हिलाई गईं, मैं एक टूटे हुए पुरुष के समान हो गया, और एक ऐसे मनुष्य के समान जो दाखरस से दबाया गया हो, प्रभु के मुख से और उसकी महिमा की सुंदरता के मुख से। क्योंकि इनके कारण भूमि ने शोक किया, जंगल के चरागाह सूख गए, और उनका मार्ग दुष्ट हो गया, और उनकी शक्ति भी ऐसी ही। क्योंकि पुजारी और भविष्यवक्ता अपवित्र हो गए हैं, और मैंने अपने घर में उनकी दुष्टता देखी है। इसलिए उनका रास्ता उनके लिए अंधकार में फिसलन भरा हो जाए, और वे ठोकर खाएंगे और उसमें गिर जाएंगे, क्योंकि मैं उन पर विपत्तियाँ लाऊंगा, उनके दण्ड के वर्ष में।

और सामरिया के भविष्यवक्ताओं में मैंने अधर्म के कार्य देखे, उन्होंने बाल के द्वारा भविष्यवाणी की, और मेरे लोगों इस्राएल को भटकाया। और यरूशलेम के भविष्यवक्ताओं में मैंने भयानक बातें देखी हैं - व्यभिचार करने वालों को, झूठ में चलने वालों को, और बहुतों के हाथों को सहारा देने वालों को, ताकि कोई भी अपने दुष्ट मार्ग से न फिरे। वे सब मेरे लिए सदोम के समान हो गए हैं, और उसमें रहने वाले अमोरा के समान हैं।

इसलिए ये बातें प्रभु कहता है, देखो मैं उनको दर्द खिलाऊंगा, और उनको कड़वा पानी पिलाऊंगा, क्योंकि यरूशलेम के भविष्यवक्ताओं से सारी भूमि में अशुद्धता फैल गई।

इस प्रकार सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं, भविष्यवक्ताओं के शब्दों को मत सुनो, क्योंकि वे अपने लिए दर्शन को व्यर्थ करते हैं, वे अपने हृदय से बोलते हैं, और प्रभु के मुख से नहीं। वे उन लोगों से कहते हैं जो प्रभु के वचन को अस्वीकार करते हैं, तुम्हें शांति मिलेगी, और सभी को जो अपनी इच्छाओं के अनुसार चलते हैं, और हर उस व्यक्ति को जो अपने हृदय के भटकाव में चलता है, उन्होंने कहा, तुम पर बुराईयाँ नहीं आएंगी। क्योंकि कौन प्रभु की उपस्थिति में खड़ा हुआ और उसका वचन देखा? कौन झुका और सुना? देखो, प्रभु से भूकंप आता है, और क्रोध हिंसक कंपन में निकलता है, दुष्टों पर घूमता हुआ आएगा। और प्रभु का क्रोध अभी भी वापस नहीं मुड़ेगा, जब तक वह इसे नहीं कर लेगा, और जब तक वह इसे स्थापित नहीं कर लेगा, अपने हृदय के उपक्रम

से, दिनों के अंत में वे इसे समझेंगे।

मैंने भविष्यवक्ताओं को नहीं भेजा, फिर भी वे दौड़े; मैंने उनसे नहीं बोला, फिर भी वे भविष्यवाणी करते रहे। और यदि वे मेरी नींव में खड़े हुए होते, और यदि उन्होंने मेरे शब्दों को सुना होता, तो वे मेरे लोगों को उनकी दुष्ट प्रथाओं से वापस मोड़ते।

मैं निकट आने वाला परमेश्वर हूँ, प्रभु कहते हैं, और दूर से परमेश्वर नहीं। यदि कोई गुप्त स्थानों में छिपेगा, तो क्या मैं उसे नहीं देखूंगा? क्या मैं स्वर्ग और पृथ्वी को नहीं भरता हूँ? प्रभु कहते हैं।

मैंने सुना है जो वे भविष्यवक्ता बोलते हैं, जो मेरे नाम पर झूठी भविष्यवाणी करते हैं, कहते हुए, मैंने स्वप्न देखा, मैंने स्वप्न देखा। कब तक उन भविष्यवक्ताओं के हृदय में रहेगा जो झूठी भविष्यवाणी करते हैं, जब वे अपने हृदय की इच्छाओं की भविष्यवाणी करते हैं, उन लोगों का जो मेरे नियम को भूलने की योजना बना रहे हैं अपने स्वप्नों के द्वारा, जो वे सुनाते थे प्रत्येक अपने पड़ोसी को, जैसे उनके पिता मेरे नाम को बाल में भूल गए थे; जिस भविष्यवक्ता के पास स्वप्न है, वह अपना स्वप्न बताए, और जिसके पास मेरा वचन है, वह मेरा वचन सच्चाई से बताए। भूसे का अनाज से क्या संबंध? मेरे वचन ऐसे ही हैं, यह प्रभु कहते हैं। क्या मेरे शब्द आग के समान नहीं हैं, प्रभु कहते हैं, और चट्टान को काटने वाली कुल्हाड़ी के समान नहीं हैं?

देखो, मैं इसलिए उन भविष्यवक्ताओं के विरुद्ध हूँ, प्रभु परमेश्वर कहता है, जो मेरे शब्दों को एक दूसरे से चुराते हैं, प्रत्येक अपने पड़ोसी से। देखो, मैं उन भविष्यवक्ताओं के विरुद्ध हूँ जो अपनी जीभ से भविष्यवाणियाँ उगलते हैं और अपने स्वप्न देखते हैं। इसलिए देखो, मैं उन भविष्यवक्ताओं के विरुद्ध हूँ जो झूठे स्वप्नों की भविष्यवाणी करते हैं, और उन्हें सुनाते नहीं थे, और उन्होंने मेरे लोगों को अपने झूठ में और अपने भ्रम में भटका दिया, और मैंने उन्हें नहीं भेजा, और मैंने उन्हें आज्ञा नहीं दी, और वे इन लोगों को लाभ नहीं देंगे।

और यदि ये लोग, या याजक, या नबी पूछें कि प्रभु की दैववाणी क्या है? तो तू उनसे कहेगा, तुम ही वह दैववाणी हो, और मैं तुम्हें फेंक दूंगा, प्रभु कहता है। वह भविष्यवक्ता, वे याजक और वे लोग जो कहेंगे, प्रभु की दैववाणी, मैं उस मनुष्य को और उसके घर को दंड दूंगा। इस प्रकार तुम में से प्रत्येक अपने पड़ोसी से कहोगे, और प्रत्येक अपने भाई से, प्रभु ने क्या उत्तर दिया, और प्रभु ने क्या कहा? और प्रभु की दैववाणी का नाम अब मत लो, क्योंकि दैववाणी तो मनुष्य के लिए उसका अपना वचन होगा। और हमारे प्रभु ईश्वर ने क्यों बोला? इसलिए हमारे प्रभु परमेश्वर यह कहते हैं, क्योंकि तुमने यह वचन कहा, प्रभु की दैववाणी, और मैंने तुम्हारे पास यह कहते हुए भेजा था कि तुम प्रभु की दैववाणी नहीं कहोगे, इसलिए देखो, मैं तुम्हें और उस शहर को जो मैंने तुम्हें और तुम्हारे पिताओं को दिया था, उठाकर पटक दूंगा।

और मैं तुम पर शाश्वत निंदा और शाश्वत अपमान डालूंगा, जो कभी नहीं भुलाया जाएगा।

24

प्रभु ने मुझे अंजीरों की दो टोकरियाँ दिखाई, जो प्रभु के मंदिर के सामने रखी हुई थीं, इसके बाद कि बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा के राजा यहोयाकीम के पुत्र यकोन्याह को, और शासकों को, और शिल्पकारों को, और बंदियों को, और धनी लोगों को यरूशलेम से निर्वासित किया, और उनको बाबुल ले गया। एक टोकरी बहुत अच्छे अंजीरों की थी, जैसे प्रारंभिक अंजीर, और दूसरी टोकरी बहुत बुरे अंजीरों की थी, जो उनकी बुराई के कारण खाए नहीं जा सकते थे। और प्रभु ने मुझसे कहा, यिर्मयाह, तुम क्या देखते हो? और मैंने कहा, अंजीर - कुछ अंजीर बहुत अच्छे हैं, और कुछ बहुत बुरे हैं, जो उनकी दुष्टता के कारण खाए नहीं जा सकते।

और प्रभु का वचन मुझे मिला, जो कहता था ये बातें प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर कहता है: जैसे ये अच्छे अंजीर हैं, वैसे ही मैं उन निर्वासित यहूदियों को पहचानूंगा जिन्हें मैंने इस स्थान से कसदियों

की भूमि में अच्छाई के लिए भेजा है। और मैं अपनी आँखें उन पर भलाई के लिए स्थापित करूंगा, और मैं उन्हें इस भूमि में भलाई के लिए पुनर्स्थापित करूंगा, और मैं उनका पुनर्निर्माण करूंगा, और मैं उन्हें कदापि नहीं गिराऊंगा, और मैं उन्हें रोपूंगा, और मैं उन्हें कदापि नहीं उखाड़ूंगा।

और मैं उन्हें एक हृदय दूंगा कि वे मुझे जानें, कि मैं प्रभु हूँ, और वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा, क्योंकि वे अपने संपूर्ण हृदय से मेरी ओर लौटेंगे।

और जैसे दुष्ट अंजीर जो उनकी दुष्टता के कारण नहीं खाए जाएंगे, प्रभु ये बातें कहता है, इसी प्रकार मैं यहूदा के राजा सिदकिय्याह को, और उसके मुख्य लोगों को, और यरूशलेम के शेष लोगों को जो इस भूमि में बचे हुए हैं, और जो मिस्र में निवास करते हैं, सौंप दूंगा। और मैं उन्हें पृथ्वी के सब राज्यों में बिखराव में दे दूँगा, और वे निंदा में होंगे, और दृष्टान्त में, और घृणा में, और शाप में हर उस स्थान पर जहाँ मैंने उन्हें वहाँ निकाला है। और मैं उनमें अकाल, मृत्यु और तलवार भेजूंगा, जब तक वे उस पृथ्वी से नष्ट न हो जाएं जो मैंने उन्हें दी थी।

25

वह वचन जो यिर्मयाह के पास यहूदा के सब लोगों के विषय में आया, यहूदा के राजा योशिय्याह के पुत्र यहोयाकीम के चौथे वर्ष में, जिसे उसने सब यहूदा के लोगों से और यरूशलेम के निवासियों से कहा, यह कहते हुए,

योशिय्याह के तेरहवें वर्ष में, जो आमोस का पुत्र और यहूदा का राजा था, और इस दिन तक तेईस वर्ष, और मैंने तुमसे सुबह जल्दी उठकर बोला, और कहा, और मैं तुम्हारे पास अपने दासों को, भविष्यवक्ताओं को, भोर से भेजता रहा, और तुमने नहीं सुना, और तुमने अपने कानों से

ध्यान नहीं दिया, कहते हुए, प्रत्येक व्यक्ति अपने बुरे मार्ग से और अपने बुरे आचरणों से लौट आओ, और तुम उस भूमि पर निवास करोगे जो मैंने तुम्हें और तुम्हारे पिताओं को दी थी, युग से युग तक। पराए देवताओं के पीछे मत जाओ, न उनकी सेवा करो और न उनकी पूजा करो, ताकि तुम अपने हाथों के कार्यों से मुझे क्रोधित न करो और अपने आप को हानि न पहुँचाओ। और तुमने मेरी नहीं सुनी।

इसलिए प्रभु ये बातें कहते हैं, चूंकि तुमने मेरे वचनों पर विश्वास नहीं किया, देखो, मैं भेजता हूँ और उत्तर से एक परिवार को लूँगा, और मैं उन्हें इस भूमि पर, इसके निवासियों पर, और इसके चारों ओर के सभी राष्ट्रों पर लाऊँगा, और मैं उन्हें उजाड़ कर दूँगा, और मैं उन्हें विनाश में, फुफकार में, और अनन्त निन्दा में डाल दूँगा। और मैं उनसे आनंद की आवाज़, खुशी की आवाज़, दूल्हे की आवाज़ और दुल्हन की आवाज़, इत्र की सुगंध, और दीपक की रोशनी नष्ट कर दूँगा। और समस्त भूमि विनाश में होगी, और वे सत्तर वर्ष तक राष्ट्रों में सेवा करेंगे।

और जब सत्तर वर्ष पूरे हो जाएंगे, तो मैं उस राष्ट्र को दंड दूँगा, और उन्हें शाश्वत विनाश में डाल दूँगा। और मैं उस भूमि पर अपने सभी शब्द लाऊँगा, जो मैंने उसके विरुद्ध बोले थे, सब कुछ जो इस पुस्तक में लिखा हुआ है।

जो यिर्मयाह ने एलाम राष्ट्रों पर भविष्यवाणी की।

ये बातें प्रभु कहता है: एलाम का धनुष टूट गया था, जो उनकी शक्ति की शुरुआत था। और मैं एलाम पर स्वर्ग के चारों छोरों से चार हवाएं लाऊँगा, और उनको इन सब हवाओं में बिखेरूँगा, और कोई ऐसा राष्ट्र नहीं होगा जहां एलाम के निर्वासित नहीं आएंगे। और मैं उनको उनके शत्रुओं के सामने भयभीत करूँगा, जो उनकी आत्मा को खोजते हैं, और मैं अपने कोप के क्रोध के अनुसार उन पर लाऊँगा, और मैं अपनी तलवार उनके पीछे भेजूँगा, जब तक उनको नष्ट न कर दूँ। और मैं अपना सिंहासन एलाम में स्थापित करूँगा, और वहाँ से राजा और रईसों को भेज

दूंगा। और अंतिम दिनों में ऐसा होगा कि मैं एलाम की बंधुआई को लौटाऊंगा, प्रभु कहते हैं।

सिदकिय्याह राजा के राज्यकाल के आरंभ में, एलाम के विषय में यह वचन आया,

26

मिस्र के विषय में, फ़िरौन नेको मिस्र के राजा की सेना के विषय में, जो यूफ्रेट्स नदी पर कर्कमीश में थी, जिसे नबूकदनेस्सर बाबुल के राजा ने यहूदा के राजा यहोयाकीम के चौथे वर्ष में पराजित किया।

हथियार और ढालें उठाओ, और युद्ध के लिए आगे बढ़ो। और घोड़ों पर काठी लगाओ, हे घुड़सवारों, सवार हो, और अपने शिरस्त्राणों में खड़े हो जाओ, भाले तैयार करो, और अपने कवच पहनो।

क्या हुआ कि वे स्वयं भयभीत हैं और पीछे हट रहे हैं? क्योंकि उनके शक्तिशाली योद्धा काट डाले जाएंगे, वे भागकर पलायन कर गए, और चारों ओर से घिरे होने के कारण वापस नहीं लौटे, प्रभु कहते हैं। हल्का व्यक्ति न भागे, और मजबूत व्यक्ति उत्तर में न बचाया जाए, फरात नदी के पास वे कमजोर हो गए हैं, और गिर गए हैं।

यह कौन है जो नदी के समान ऊपर उठेगा, और जिसका जल नदियों के समान उत्तेजित होता है? मिस्र के जल नदी के समान ऊपर उठेंगे, और उसने कहा, मैं ऊपर उठूंगा और भूमि को ढक दूंगा, और इसमें निवास करने वालों को नष्ट कर दूंगा। घोड़ों पर सवार हो जाओ, रथों को तैयार करो, हे

इथियोपियाई योद्धाओ बाहर निकलो, और हथियारों से सुसज्जित लीबियाई लोगो, और हे लिडियाई लोगो ऊपर चढ़ो, धनुष को तानो। और वह दिन हमारे प्रभु परमेश्वर के लिए प्रतिशोध का दिन है, उसके शत्रुओं से बदला लेने का, और प्रभु की तलवार निगल जाएगी, और भर दी जाएगी, और उनके खून से मतवाली हो जाएगी, क्योंकि यह प्रभु के लिए उत्तर की पृथ्वी से फरात नदी पर बलिदान है।

गिलाद जाओ और मिस्र की कुँवारी बेटी के लिए राल लो, व्यर्थ में तुमने अपने उपचार बढ़ाए हैं, तुममें कोई लाभ नहीं है। राष्ट्रों ने तुम्हारी आवाज़ सुनी, और तुम्हारी चीख से धरती भर गई, क्योंकि योद्धा योद्धा के विरुद्ध कमज़ोर हो गए, और दोनों एक साथ गिर पड़े।

जो प्रभु ने यिर्मयाह के हाथ में बोला, बाबुल के राजा के आने के विषय में, मिस्र की भूमि को काटने के लिए।

मिगदोल में घोषणा करो, और मेम्फिस में आदेश दो, कहो, दृढ़ खड़े रहो और तैयार हो जाओ, क्योंकि तलवार ने तुम्हारे आसपास के क्षेत्र को निगल लिया है।

तुम्हारा आपिस क्यों भाग गया? तुम्हारा चुना हुआ बछड़ा नहीं रहा, क्योंकि प्रभु ने उसे दुर्बल कर दिया। और तेरी भीड़ कमजोर हो गई और गिर गई, और हर एक अपने पड़ोसी से बोल रहा था, आओ हम उठें और अपने लोगों के पास अपनी मातृभूमि में लौट चलें, यूनानी तलवार के सामने से। फ़िरौन नेको, मिस्र के राजा का नाम साओन एस्बेइए मोएद बुलाओ। मेरे जीवन की सौगंध, प्रभु परमेश्वर कहता है, कि जैसे पहाड़ों में इताबूरियोन और जैसे समुद्र में कार्मेल, वैसे ही वह आएगा। हे मिस्र की निवासी पुत्री, अपने लिए निर्वासन के बर्तन बना, क्योंकि मेम्फिस विनाश हो जाएगा, और उसे हाय कहा जाएगा, क्योंकि उसमें कोई निवासी नहीं रहेगा।

मिस्र एक सुंदर बनाई गई बछिया है, उत्तर से एक टुकड़ा उस पर आया। और उसके भाड़े के

सैनिक उसमें हैं, जैसे मोटे बछड़े उसमें पाले गए हैं, क्योंकि वे भी मुड़ गए और एक मन से भाग गए, वे खड़े नहीं हुए, क्योंकि विनाश का दिन उन पर आया और उनके प्रतिशोध का समय आया। उनकी आवाज सीटी बजाते हुए सर्प के जैसी है, क्योंकि वे रेत में जाते हैं, वे कुल्हाड़ियों के साथ उस पर आएंगे। जैसे लकड़ी काटते हुए, वे उसके जंगल को काट डालेंगे, प्रभु कहता है, क्योंकि इसकी तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि यह टिड्डियों से भी अधिक बढ़ेगा, और उनकी कोई गिनती नहीं है। मिस्र की बेटी शर्मिदा की गई, उत्तर के लोगों के हाथों में सौंप दी गई।

देखो, मैं अम्मोन के पुत्र का न्याय फ़िरौन पर करूंगा, और उन पर जो उस पर विश्वास करते हैं।

लेकिन तू मत डर, मेरे दास याकूब, और न ही निराश हो, इस्राएल, क्योंकि देख, मैं तुझे दूर से बचा रहा हूँ, और तेरे वंश को उनकी बंधुआई से, और याकूब लौटेगा, और शांत होगा और सोएगा, और कोई नहीं होगा जो उसे परेशान करे। मत डरो मेरे सेवक याकूब, प्रभु कहता है, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, निडर और कोमल सौंपी गई, क्योंकि मैं हर राष्ट्र में पूर्णता करूंगा जिनमें मैंने तुम्हें वहाँ निकाला, लेकिन तुम्हें मैं असफल नहीं होने दूँगा, और मैं तुम्हें न्याय के लिए अनुशासित करूँगा, और मैं तुम्हें निर्दोष नहीं ठहराऊँगा।

27

वचन प्रभु का जो उसने बाबुल के विषय में बोला।

राष्ट्रों में घोषणा करो और सुनाई दे ऐसा करो, और मत छिपाओ; कहो, बेबीलोन पकड़ा गया, बेल लज्जित हुआ, वह निडर, वह कोमल मरोदक को सौंपी गई। क्योंकि उत्तर से एक राष्ट्र उस पर चढ़ आया है, यह उसकी भूमि को विनाश में बदल देगा, और उसमें मनुष्य से लेकर पशु तक कोई निवास करने वाला नहीं होगा।

उन दिनों में और उस समय में, इस्राएल के पुत्र स्वयं आएंगे, और यहूदा के पुत्र एक साथ, चलते हुए और रोते हुए वे जाएंगे, अपने प्रभु परमेश्वर को खोजते हुए। सियोन तक वे रास्ता पूछेंगे, यहाँ क्योंकि वे अपना चेहरा देंगे, और आएंगे, और प्रभु परमेश्वर की ओर शरण लेंगे, क्योंकि शाश्वत वाचा नहीं भुलाई जाएगी।

मेरे लोग खोई हुई भेड़ें हो गए। उनके चरवाहों ने उन्हें निकाल दिया, पहाड़ों पर उन्हें भटकाया। पहाड़ से पहाड़ी पर चले गए, वे अपना बिस्तर भूल गए। सभी जो उन्हें खोजते थे, उन्हें नष्ट करते थे, उनके शत्रुओं ने कहा, हम उन्हें न छोड़ें, क्योंकि उन्होंने प्रभु के विरुद्ध पाप किया, जो धार्मिकता का चरागाह है और जिसने उनके पिताओं को एकत्र किया था।

बाबुल के मध्य से और कसदियों की भूमि से अलग हो जाओ, और निकल जाओ, और भेड़ों के सामने सर्पों के समान बन जाओ। क्योंकि देखो, मैं बेबीलोन के विरुद्ध उत्तर की पृथ्वी से राष्ट्रों की सभाओं को उठाता हूँ, और वे इसके विरुद्ध व्यवस्थित होंगे, वहाँ से यह पकड़ा जाएगा, जैसे समझदार योद्धा का तीर खाली नहीं लौटेगा। और कल्दिया लूट का माल बन जाएगा, सभी लूटने वाले उससे संतुष्ट हो जाएंगे।

क्योंकि तुम आनंदित हो रहे थे और घमंड कर रहे थे, मेरी विरासत को लूटते हुए, क्योंकि तुम चारागाह में बछड़ों की तरह उछल रहे थे और सांडों की तरह सींग मार रहे थे। तुम्हारी माता अत्यधिक शर्मिदा हुई, तुम्हें जन्म देने वाली माता अच्छी चीजों पर लज्जित हुई, राष्ट्रों में अंतिम, उजाड़। प्रभु के क्रोध से वह नहीं बसाया जाएगा और पूरी तरह विनाश हो जाएगा, और जो कोई भी बाबुल से होकर गुजरेगा वह भयभीत होगा, और वे उसकी सभी विपत्तियों पर सीटी बजाएंगे।

बेबीलोन के विरुद्ध चारों ओर युद्ध-पंक्ति में खड़े हो जाओ, सभी धनुष तानने वाले। उस पर तीर चलाओ, अपने तीरों को मत बख़्शो। और उसे पकड़ लो, उसके हाथ लकवाग्रस्त हो गए, उसके कंगूरे गिर गए, और उसकी दीवार ढहा दी गई, क्योंकि यह परमेश्वर से प्रतिशोध है, उस पर

प्रतिशोध लो, जैसे उसने किया, वैसे ही उसके साथ करो। बाबुल के बीज को नष्ट करो, जो फसल के समय में हंसिया पकड़ता है, यूनानी तलवार के सामने से प्रत्येक अपने लोगों की ओर लौटेगा, और प्रत्येक अपनी भूमि की ओर भागेगा।

भटकी हुई भेड़ इस्राएल, शेरों ने उसे निकाल दिया, पहले उसे अशशूर के राजा ने खाया, और बाद में उसकी हड्डियाँ बाबुल के राजा ने। इसलिए प्रभु ये बातें कहता है, देखो मैं बाबुल के राजा को और उसकी भूमि को दण्ड दूंगा, जैसे मैंने अशशूर के राजा को दण्ड दिया। और मैं इस्राएल को उसके चरागाह में पुनर्स्थापित करूंगा, और वह कर्मेल में चरेगा, और एफ्रेम के पहाड़ में, और गिलाद में, और उसकी आत्मा भरी जाएगी। उन दिनों में, और उस समय में, वे इस्राएल का अन्याय खोजेंगे, और वह नहीं होगा, और यहूदा के पापों को खोजेंगे, और वे नहीं पाए जाएंगे, क्योंकि मैं पृथ्वी पर बचे हुआओं के प्रति कृपालु होऊंगा, प्रभु कहते हैं। कड़वाई से उस पर चढ़ाई करो, और उन पर जो उस पर निवास करते हैं, हे तलवार, बदला लो और नष्ट करो, प्रभु कहते हैं, और वह सब करो जो मैं तुम्हें आदेश देता हूँ।

युद्ध की आवाज़ और कसदियों की भूमि में महान विनाश। कैसे टूटा और कुचला गया सारी पृथ्वी का हथौड़ा? कैसे बाबुल राष्ट्रों में विनाश को प्राप्त हुआ? वे तुम पर आएंगे और तुम नहीं जानोगे, जैसे बाबुल, और तुम पकड़े जाओगे। तुम पाए गए और तुम पकड़े गए, क्योंकि तुमने प्रभु का विरोध किया।

प्रभु ने अपना खजाना खोला, और अपने क्रोध के बर्तन निकाले, क्योंकि प्रभु परमेश्वर का काम कसदियों की भूमि में है। क्योंकि उसका समय आ गया है, उसके भंडारगृह खोलो, उसे गुफा की तरह खोजो, और उसे नष्ट कर दो, उसका कोई अवशेष न रहे, उसके सभी फलों को सूखा दो, और उन्हें वध के लिए नीचे जाने दो, हाथ उन पर, क्योंकि उनका दिन आ गया है, और उनके प्रतिशोध का समय आ गया है। भागते हुआओं और बाबुल की धरती से बचाए जाते हुआओं की आवाज़, सिख्योन में हमारे प्रभु परमेश्वर के प्रतिशोध की घोषणा करने के लिए।

बाबुल के विरुद्ध बहुतों को आदेश दो, हर एक को जो धनुष खींचता है; उसके चारों ओर डेरा डालो, उसका कोई बचने न पाए। उसके कामों के अनुसार उसे बदला दो; जितना उसने किया, उतना ही उसके साथ करो, क्योंकि वह प्रभु के विरुद्ध खड़ी हुई, इस्राएल के पवित्र परमेश्वर के विरुद्ध। इसलिए उसके युवा पुरुष उसकी सड़कों में गिरेंगे, और उसके सब योद्धा फेंक दिए जाएंगे, प्रभु ने कहा।

देखो, मैं तुम पर हूँ, हे घमंडी स्त्री, प्रभु कहता है, क्योंकि तुम्हारा दिन आ गया है, और तुम्हारे प्रतिशोध का समय आ गया है। और तुम्हारा अहंकार कमजोर होगा और गिरेगा, और कोई नहीं होगा जो उसे उठाए, और मैं उसके जंगल में आग जलाऊंगा, और वह उसके चारों ओर सब कुछ खा जाएगी।

प्रभु यह कहता है: इस्राएल के पुत्रों और यहूदा के पुत्रों पर उत्पीड़न किया गया है, और जिन सबने उन्हें बंदी बनाया, उन्होंने उन पर उत्पीड़न किया, क्योंकि वे उन्हें भेजना नहीं चाहते थे। और जो उनको छुड़ाता है वह मजबूत है, प्रभु सर्वशक्तिमान उसका नाम है, वह अपने विरोधियों का न्याय करेगा, ताकि वह पृथ्वी को निकाल दे, और वह बाबुल में रहने वालों को भड़काएगा। तलवार कसदियों पर, और बाबुल में निवास करने वालों पर, और उसके रईसों पर, और उसके समझदारों पर, तलवार उसके योद्धाओं पर पड़ेगी, और वे पंगु हो जाएंगे; तलवार उनके घोड़ों पर और उनके रथों पर पड़ेगी। तलवार उनके योद्धाओं पर, और उस मिश्रित भीड़ पर जो उसके बीच में है, और वे स्त्रियों के समान हो जाएंगे, तलवार खजानों पर, और वे तितर-बितर हो जाएंगे। उसके जल के ऊपर, और वे लज्जित किए जाएंगे, क्योंकि यह खुदी हुई मूर्तियों की भूमि है, और द्वीपों में, जहाँ वे घमंड करते थे। इसलिए प्रेतछायाएँ द्वीपों में निवास करेंगी, और सायरनों की पुत्रियाँ इसमें निवास करेंगी, यह अब युगों तक निवास नहीं किया जाएगा। जैसे परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को, और उनके पड़ोसी नगरों को नष्ट किया, प्रभु ने कहा, वहाँ कोई मनुष्य निवास नहीं करेगा, और वहाँ मनुष्य का कोई पुत्र निवास नहीं करेगा।

देखो, उत्तर से एक लोग आ रहे हैं, और एक महान राष्ट्र, और अनेक राजा पृथ्वी के छोर से जगाए जाएंगे। धनुष और खंजर रखते हुए, वे निर्दयी हैं, और वे कदापि दया नहीं करेंगे। उनकी आवाज़ समुद्र की तरह गूँजेगी। वे घोड़ों पर सवारी करेंगे, आग की तरह युद्ध के लिए तैयार, तुम्हारी ओर, हे बेबीलोन की बेटी। बाबुल के राजा ने उनका समाचार सुना, और उसके हाथ शिथिल हो गए, संकट ने उसे जकड़ लिया, पीड़ाएँ उसे हुईं जैसे प्रसव करती हुई स्त्री को होती हैं। देखो, जैसे शेर यर्दन से गाथ में चढ़ेगा, क्योंकि मैं शीघ्र उनको वहाँ से भगाऊँगा, और सब युवा पुरुषों को उस पर नियुक्त करूँगा, क्योंकि कौन है मेरे जैसा? और कौन मेरा विरोध करेगा? और कौन है वह चरवाहा, जो मेरे सामने खड़ा होगा?

इसलिए प्रभु के उस परामर्श को सुनो जो उसने बाबुल के विषय में किया है, और उसके उन विचारों को जो उसने कसदियों के निवासियों के विषय में विचार किए हैं, यदि उनकी भेड़ों के मेमने नष्ट न किए जाएँ, यदि उनकी चरागाह उनसे नष्ट न की जाए। क्योंकि बाबुल के पतन की आवाज़ से पृथ्वी हिलाई जाएगी, और राष्ट्रों में चीख सुनी जाएगी।

28

ये बातें प्रभु कहते हैं, देखो मैं बाबुल पर और कसदियों के निवासियों पर भ्रष्ट करने वाली गर्म हवा उठाऊँगा। और मैं बाबुल में अहंकारी लोगों को भेजूँगा, और वे उसे अपमानित करेंगे, और वे उसकी भूमि को नष्ट करेंगे, हाय बाबुल पर चारों ओर से उसकी विपत्ति के दिन में। धनुष खींचने वाला अपना धनुष खींचे, और जिसके पास हथियार हैं वह उन्हें धारण करे, और उसके जवानों पर दया मत करो, और उसकी समस्त सेना को नष्ट कर दो। और घायल कसदियों की भूमि में गिरेंगे, और भेदे हुए उसके बाहर गिरेंगे।

क्योंकि इस्राएल और यहूदा अपने परमेश्वर, सर्वशक्तिमान प्रभु द्वारा त्यागे नहीं गए थे, क्योंकि

उनकी भूमि इस्राएल के पवित्र लोगों के विरुद्ध अन्याय से भर गई थी। बाबुल के मध्य से भागो, और प्रत्येक अपनी आत्मा को बचाओ, और उसके अन्याय में मत नष्ट हो जाओ, क्योंकि यह प्रभु की ओर से उसके प्रतिशोध का समय है, वह इसे प्रतिफल देता है। बाबुल का सुनहरा कप प्रभु के हाथ में था, जो सारी पृथ्वी को नशे में डाल रहा था। राष्ट्रों ने उसकी दाखरस पी, इसलिए वे हिलाए गए। और अचानक बाबुल गिर गया, और चकनाचूर हो गया, इसके लिए विलाप करो, इसके विनाश के लिए राल लो, शायद यह चंगा हो जाए। हमने बाबुल को चंगा किया, परन्तु वह चंगी नहीं हुई। आओ हम उसे छोड़ दें, और हम में से प्रत्येक अपनी भूमि को चला जाए, क्योंकि उसका न्याय स्वर्ग तक पहुंच गया है, वह तारों तक उठ गया है। प्रभु ने अपना निर्णय बाहर लाया है, आओ, और हम सिय्योन में हमारे परमेश्वर प्रभु के कार्यों की घोषणा करें।

तीर तैयार करो, तरकश भरो, प्रभु ने मादियों के राजा की आत्मा को उठाया, क्योंकि बाबुल की ओर उसका क्रोध है, उसे नष्ट करने के लिए, क्योंकि यह प्रभु का प्रतिशोध है, यह उसके लोगों का प्रतिशोध है। बेबीलोन की दीवारों पर निशान उठाओ, तरकश स्थापित करो, पहरेदार खड़े करो, हथियार तैयार करो, क्योंकि प्रभु ने सौंप दिया है, और प्रभु वह करेगा जो उसने बेबीलोन के निवासियों के विषय में कहा था। बहुत जल पर निवास करते हुए, और उसके खजानों की बहुतायत पर, तुम्हारा अंत सचमुच तुम्हारी अंतड़ियों में आ गया है। क्योंकि प्रभु ने अपनी भुजा की शपथ खाई है, कि मैं तुझे मनुष्यों से टिट्टियों के समान भर दूंगा, और उतरने वाले तुझ पर चिल्लाएंगे।

प्रभु ने अपनी शक्ति से पृथ्वी को बनाया, अपनी बुद्धि से संसार को तैयार किया, अपनी समझ से स्वर्ग को फैलाया। आकाश में उसने पानी की ध्वनि को आवाज दी, और पृथ्वी के छोर से बादलों को ऊपर लाया, बारिश के लिए बिजली बनाई, और अपने खजाने से प्रकाश निकाला। हर मनुष्य ज्ञान से व्यर्थ हो गया, हर सुनार अपनी उकेरी हुई मूर्तियों से लज्जित हुआ, क्योंकि उन्होंने झूठी मूर्तियाँ ढाली हैं, उनमें कोई आत्मा नहीं है। व्यर्थ हैं वे कार्य जो उपहासित हैं, उनकी जाँच के समय वे नष्ट हो जाएँगे। याकूब का भाग ऐसा नहीं है, क्योंकि जिसने सब कुछ रचा, वह स्वयं

उसकी विरासत है, प्रभु उसका नाम है।

तुम मेरे लिए युद्ध के हथियार हो, और मैं तुम्हारे द्वारा राष्ट्रों को तितर-बितर करूंगा, और मैं तुमसे राजाओं को नष्ट कर दूंगा। और मैं तुममें घोड़े और उसके सवार को तितर-बितर करूंगा, और मैं तुममें रथों और उनके सवारों को तितर-बितर करूंगा। और मैं तुझमें युवा पुरुष और कुंवारी को बिखेरूंगा, और मैं तुझमें पुरुष और स्त्री को बिखेरूंगा। और मैं तुझमें चरवाहे और उसके झुंड को तितर-बितर करूंगा, और मैं तुझमें किसान और उसके खेत को तितर-बितर करूंगा, और मैं तुझमें तेरे नेताओं और सेनापतियों को तितर-बितर करूंगा। और मैं बाबुल को और सब निवास करने वाले कसदियों को उनकी सब दुष्टताएँ का प्रतिफल दूंगा, जो उन्होंने सिय्योन पर तुम्हारी आँखों के सामने किया, प्रभु कहता है।

देखो, मैं तुम्हारे विरुद्ध हूँ, हे भ्रष्ट पर्वत, जो सारी पृथ्वी को नष्ट करता है, और मैं अपना हाथ तुम पर बढ़ाऊँगा, और तुम्हें चट्टानों पर लुढ़का दूँगा, और तुम्हें जला हुआ पर्वत बना दूँगा। और वे तुझ से कोने के लिए पत्थर नहीं लेंगे, और नींव के लिए पत्थर नहीं लेंगे, क्योंकि तू सदा के लिए विनाश में रहेगा, प्रभु यह कहता है।

पृथ्वी पर निशान उठाओ, राष्ट्रों में तुरही बजाओ, इसके विरुद्ध राष्ट्रों को पवित्र करो, इसके विरुद्ध आज्ञा दो, हे राजाओ, मुझसे और अशकनाज़ियों से उठो, इसके विरुद्ध प्रक्षेपास्त्र प्रक्षेपक स्थापित करो, इसके विरुद्ध घोड़ों को टिड्डियों की भीड़ के समान ऊपर लाओ। उसके विरुद्ध राष्ट्रों को, मादियों के राजा को और सारी पृथ्वी के उसके नेताओं को, और उसके सब सेनापतियों को ले आओ। धरती हिलाई गई और कष्ट उठाया, क्योंकि बाबुल के विरुद्ध प्रभु का विचार उठा, बाबुल की धरती को विनाश में डालने के लिए और उसे बसाया न जाए।

बाबुल का योद्धा युद्ध करने में असफल हुआ, वे वहाँ गढ़ में बैठेंगे, उनकी शक्ति चकनाचूर हो गई, वे स्त्रियों जैसे हो गए, उसके तंबुओं को आग लगा दी गई, उसकी छड़ें कुचल दी गई। पीछा करने

वाला, पीछा करने वाले से मिलने के लिए पीछा करेगा, और घोषणा करने वाला, घोषणा करने वाले से मिलने के लिए, बेबीलोन के राजा को यह घोषणा करने के लिए कि उसका शहर ले लिया गया है। उसके पार करने के स्थानों के अंतिम छोर से ले लिए गए, और उनके संग्रहों को आग में जला दिया गया, और उसके योद्धा निकल रहे हैं।

क्योंकि प्रभु यह कहते हैं: बाबुल के राजा के घर पके हुए खलिहान की तरह रौंदे जाएंगे, अभी थोड़ा ही समय है, और उसकी कटाई का समय आ जाएगा।

उसने मुझे निगल लिया, उसने मुझे विभाजित किया, पतले अंधकार ने मुझे पकड़ लिया, बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने मुझे निगल लिया, जैसे अजगर ने अपना पेट मेरी विलासिता से भरा, मेरे परिश्रम और मेरे कष्टों ने मुझे बाबुल की ओर भगा दिया, सिय्योन में निवास करने वाली कहेगी, और मेरा रक्त कसदियों में निवास करने वालों पर पड़े, यरूशलेम कहेगी।

इसलिए प्रभु यह कहते हैं, देखो, मैं तुम्हारे शत्रु का न्याय करूंगा और तुम्हारा बदला लूंगा, और उसके समुद्र को उजाड़ कर दूंगा और उसके स्रोत को सुखा दूंगा। और बेबीलोन विनाश में बदल जाएगा, और वह बसाया नहीं जाएगा। क्योंकि वे साथ में शेरों की तरह जगाए गए, और शेरों के शावकों की तरह। उनके ताप में मैं उनको पेय दूँगा और उनको मतवाला करूँगा, ताकि वे सुन्न हो जाएँ और शाश्वत नींद सोएँ, और वे जगाए न जाएँ, प्रभु कहते हैं। और उन्हें मेमनों की तरह वध के लिए उतार लाओ, और मेढ़ों को बकरियों के साथ।

सारी पृथ्वी का घमंड कैसे पकड़ा गया और शिकार किया गया? बाबुल जातियों में विनाश कैसे बन गया? बेबीलोन पर समुद्र अपनी लहरों की गूंज के साथ चढ़ आया, और वह ढक गया। उसके शहर जलहीन और दुर्गम भूमि के समान बन गए, इसमें कोई एक भी निवास नहीं करेगा, न ही इसमें मनुष्य का पुत्र ठहरेगा। और मैं बेबीलोन को दंड दूँगा, और जो उसने अपने मुंह से निगल लिया है उसे मैं बाहर निकालूँगा, और राष्ट्र फिर उसके पास इकट्ठे नहीं होंगे। और बेबीलोन में

समस्त पृथ्वी के घायल गिरेंगे। पृथ्वी से बचाए जाते हुए, जाओ और मत रुको, जो दूर से हो तुम प्रभु को याद करो, और यरूशलेम तुम्हारे हृदय पर चढ़े। हम शर्मिंदा हुए क्योंकि हमने अपनी निंदा सुनी, अपमान ने हमारे चेहरे को ढक लिया, विदेशी हमारे पवित्र स्थानों में प्रवेश कर गए, प्रभु के घर में।

इसलिए देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं उसकी उकेरी हुई मूर्तियों पर बदला लूंगा, और उसकी सारी भूमि में घायल लोग गिरेंगे। यदि बाबुल आकाश तक भी चढ़ जाए, और यदि वह अपनी शक्ति से अपनी दीवारों को मजबूत कर ले, तो भी मेरी ओर से विनाशक उसके पास आएंगे, प्रभु कहते हैं। बाबुल में चीख की आवाज़, और कसदियों की भूमि में महान विनाश, क्योंकि प्रभु ने बाबुल को नष्ट कर दिया, और उसमें से बड़ी गूंजती हुई आवाज़ को नष्ट कर दिया जो बहुत से पानी के समान थी, उसने उसकी आवाज़ को विनाश में डाल दिया। क्योंकि बाबुल पर दुख आया, उसके योद्धा पकड़े गए, उनका धनुष टूट गया, क्योंकि परमेश्वर उनको बदला देता है। प्रभु प्रतिफल देता है, और वह मत्तता से उसके नेताओं को, उसके बुद्धिमानों को, और उसके सेनापतियों को मत्त करेगा, राजा कहता है, प्रभु सर्वशक्तिमान उसका नाम है।

प्रभु यह कहते हैं: बेबीलोन की चौड़ी दीवार ध्वस्त की जाती हुई पूरी तरह ध्वस्त कर दी जाएगी, और उसके ऊँचे द्वार जला दिए जाएंगे, और लोग व्यर्थ में नहीं थकेंगे, और जातियाँ आरंभ में ही नष्ट हो जाएंगी।

वह वचन जो प्रभु ने भविष्यवक्ता यिर्मयाह को आज्ञा दी थी कि नेरियाह के पुत्र सरायाह को, जो माशेयाह का पुत्र था, कहे, जब वह यहूदा के राजा सिदकिय्याह के साथ बाबुल गया था, उसके राज्य के चौथे वर्ष में, और सरायाह उपहारों का शासक था। और यिर्मयाह ने उन सब बुराइयों को एक पुस्तक में लिखा जो बाबुल पर आएँगी, वे सब शब्द जो बाबुल के विषय में लिखे गए थे। और यिर्मयाह ने सरायाह से कहा, जब तुम बाबुल में आओगे, और देखोगे और इन सब शब्दों को पढ़ोगे, और तुम कहोगे, हे प्रभु प्रभु, तुमने इस स्थान के विषय में कहा था कि इसे नष्ट कर दिया

जाएगा, और इसमें मनुष्य से लेकर पशु तक कोई निवासी नहीं रहेगा, क्योंकि यह सदा के लिए उजाड़ हो जाएगा। और ऐसा होगा कि जब तुम इस पुस्तक को पढ़ना बंद करोगे, तो तुम इस पर एक पत्थर बांधोगे, और इसे फरात के बीच में फेंक दोगे, और तू कहेगा, इस प्रकार बाबुल डूब जाएगा, और उन बुराइयों के कारण जो मैं उस पर लाता हूँ, वह फिर कभी नहीं उठेगा।

29

विदेशियों के विषय में प्रभु यह कहते हैं।

देखो, उत्तर से जल चढ़ता है, और वह एक प्रवाह बन जाएगा जो बाढ़ लाता है, और वह भूमि और उसकी पूर्णता को, नगर और उसमें रहने वालों को बाढ़ से डुबो देगा, और लोग चिल्लाएंगे, और भूमि के सब निवासी विलाप करेंगे। उसके आवेग की आवाज़ से, उसके पैरों के हथियारों से, और उसके रथों के कंपन से, उसके पहियों की आवाज़ से, पिता अपने पुत्रों की ओर नहीं लौटे, अपने हाथों की थकावट के कारण उस आने वाले दिन में जब सब विदेशियों को नष्ट किया जाएगा, मैं सोर को, सीदोन को, और उनकी सहायता के सब बचे हुआओं को नष्ट कर दूंगा, क्योंकि प्रभु द्वीपों के बचे हुआओं को नष्ट करेगा। गाज़ा पर गंजापन आ गया है, अशकलोन फेंक दिया गया, और अनाकीम के शेष लोग।

कब तक तू काटेगी, हे प्रभु की तलवार; कब तक तू विश्राम नहीं करेगी? अपनी म्यान में लौट जा, विश्राम कर, और उठाई जा।

यह कैसे शांत होगा, जबकि प्रभु ने इसे अशकलोन के विरुद्ध, तटीय प्रदेशों के विरुद्ध, और बचे हुआओं के विरुद्ध उठ खड़े होने का आदेश दिया है?

इदुमिया को, ये बातें प्रभु कहता है: तेमान में अब ज्ञान नहीं है, बुद्धिमानों की सलाह नष्ट हो गई है, उनका ज्ञान चला गया है, उनका स्थान धोखा दिया गया है। दैदाम में रहने वालों, अपने निवास को गहरा करो, क्योंकि उसने कठिन काम किए हैं, जिस समय मैंने उस पर ध्यान दिया, उस समय वे उस पर मुसीबतें लाए। क्योंकि अंगूर इकट्ठा करने वाले आए, जो तुम्हें कोई अवशेष नहीं छोड़ेंगे, जैसे चोर रात में अपना हाथ रखेंगे।

क्योंकि मैंने एसाव को उलट दिया, मैंने उनकी छिपी हुई बातों को प्रकट किया, वे छिप नहीं सकते, वे अपने भाई के हाथ से नष्ट हो गए, मेरे पड़ोसी, और कोई नहीं है। अपने अनाथ को छोड़ दो, ताकि वह जीवित रहे, और मैं जीवित रहूंगा, और विधवाएं मुझ पर विश्वास करती हैं।

क्योंकि प्रभु ने ये बातें कहीं, जिनके लिए प्याला पीने का कोई कानून नहीं था, उन्होंने पिया, और तू जो निर्दोष ठहराई गई है, तू निर्दोष नहीं ठहराई जाएगी। क्योंकि मैंने अपनी ही शपथ ली है, प्रभु कहता है, कि तू उसके बीच में उजाड़, निन्दा और शाप बनेगा, और उसके सब नगर सदा के लिए उजाड़ हो जाएंगे।

मैंने प्रभु से एक सन्देश सुना, और उसने राष्ट्रों में दूत भेजे: इकट्ठे हो जाओ और उसके विरुद्ध आओ, युद्ध के लिए उठो। मैंने तुम्हें राष्ट्रों में छोटा बनाया है, मनुष्यों में तुच्छ। तेरे खेलों ने तुझे साहस दिया, तेरे हृदय के साहस ने चट्टानों के छेदों को नष्ट कर दिया, ऊँची पहाड़ी की शक्ति को पकड़ लिया, क्योंकि तूने अपना घोंसला बाज की तरह ऊँचा किया है, वहाँ से मैं तुझे गिरा दूँगा।

और इदुमिया दुर्गम हो जाएगा, सब गुजरने वाले उस पर सीटी बजाएंगे। जैसे सदोम और अमोरा और उसके निवासी उलट दिए गए, सर्वशक्तिमान प्रभु ने कहा, वहाँ कोई मनुष्य नहीं बैठेगा, और

वहाँ मनुष्य का पुत्र निवास नहीं करेगा। देखो, जैसे शेर यरदन के बीच से ऐथाम स्थान में चढ़ेगा, क्योंकि मैं शीघ्र उनको वहाँ से भगा दूँगा, और युवा पुरुषों को उस पर नियुक्त करूँ, क्योंकि कौन है मेरे जैसा? और कौन मेरा विरोध करेगा? और कौन है यह चरवाहा, जो मेरे सामने खड़ा होगा?

इसलिए प्रभु के उस परामर्श को सुनो, जो उसने इदूमिया के विषय में योजना बनाई थी, और उसके उस विचार को जो उसने थैमान के निवासियों के विषय में विचार किया था, यदि भेड़ों में से छोटे भी न खींचे जाएँ, यदि उनके विषय में उनका विनाश उजाड़ न किया जाए, क्योंकि उनके पतन की आवाज़ से धरती डर गई, और समुद्र की चीख सुनी नहीं गई। देखो, जैसे चील देखेगा और अपने पंखों को उसके किलों पर फैलाएगा, वैसे ही उस दिन इदूमिया के शक्तिशाली लोगों का हृदय प्रसव पीड़ा में स्त्री के हृदय के समान होगा।

अम्मोन के पुत्रों से प्रभु ने यह कहा, क्या इस्राएल में पुत्र नहीं हैं, या उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं है? मिल्कोल ने गिलाद को क्यों ले लिया, और उनके लोग उनके शहरों में निवास करेंगे? इसलिए देखो, दिन आ रहे हैं, प्रभु कहता है, और मैं रब्बाह पर युद्धों का कोलाहल सुनाऊँगा, और वे उजाड़ और विनाश में हो जाएंगे, और उसकी वेदियाँ आग में जला दी जाएंगी, और इस्राएल अपने अधिकार को प्राप्त करेगा। हेशबोन चिल्लाओ, क्योंकि गाई नष्ट हो गया है, रब्बाह की बेटियों चिल्लाओ, टाट से कमर बाँधो और विलाप करो, क्योंकि मिल्कोल निर्वासन में जाएगा, उसके पुजारी और उसके शासक उसके साथ।

क्यों आनन्दित होती हो मैदानों में एनाकेइम, साहस की पुत्री, जो खजानों पर भरोसा करती है, जो कहती है, कौन मुझ पर आक्रमण करेगा? देखो, मैं तुम पर भय लाता हूँ, प्रभु ने कहा, तुम्हारे चारों ओर के सभी क्षेत्रों से, और तुम सब बिखेर दिए जाओगे, प्रत्येक अपने मुँह के बल, और कोई इकट्ठा करने वाला नहीं है।

केदार को, दरबार की रानी को, जिसे बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने मारा था, प्रभु ने यह कहा:

उठो और केदार पर चढ़ाई करो, और पूर्व के पुत्रों को लूटो।

वे उनके तंबू और उनकी भेड़ें ले लेंगे, उनके वस्त्र और उनके सब बर्तन, और उनके ऊंट अपने लिए ले लेंगे, और उन पर चारों ओर से विनाश की पुकार करो। भागो, निवास में बहुत गहरे उतर जाओ, हे प्रांगण में बैठे हुए लोगों, क्योंकि बेबीलोन के राजा ने तुम्हारे विरुद्ध योजना बनाई है और एक युक्ति सोची है।

उठो, और उस राष्ट्र पर चढ़ाई करो जो सुरक्षित रहता है, जो विश्राम में बैठा है, जिसके पास न द्वार हैं, न सिटकनियाँ, न बेंड़े, जो अकेले रहते हैं। और उनके ऊँट लूट में होंगे, और उनके मवेशियों की भीड़ विनाश में होगी, और मैं उनको हर हवा से फटकूँगा जो उनके चेहरे के सामने छोटे काटे गए हैं, उनकी हर सीमा से मैं उनका परिवर्तन लाऊँगा, प्रभु ने कहा। और वह आंगन शुतुरमुर्गों का अड्डा होगा, और युगों तक दुर्गम रहेगा, वहाँ कोई मनुष्य नहीं बैठेगा, और वहाँ मनुष्य का पुत्र निवास नहीं करेगा।

दमिश्क के विषय में। हमारा लज्जित हुआ और अर्पद भी, क्योंकि उन्होंने बुरा समाचार सुना, वे चकित हुए, वे क्रोधित हुए, वे विश्राम करने में सक्षम नहीं हैं। दमिश्क थक गया, भागने की ओर मुड़ गया, कंपकंपी ने उसे जकड़ लिया। उसने मेरे शहर को कैसे नहीं छोड़ा, जबकि उन्होंने गाँव से प्रेम किया?

इसलिए तुम्हारी सड़कों में युवा पुरुष गिरेंगे, और तुम्हारे सब योद्धा पुरुष गिरेंगे, प्रभु कहते हैं। और मैं दमिश्क की दीवार में आग जलाऊँगा, और यह आदेर के पुत्र की गलियों को निगल जाएगी।

मोआब के विषय में प्रभु ने इस प्रकार कहा, नबाऊ पर हाथ, क्योंकि वह नष्ट हो गया; करियथैम ले लिया गया; अमाथ लज्जित हुआ और अगाथ भी। अब मोआब के लिए कोई उपचार नहीं है, हेशबोन में घमंड है, उसने उस पर बुराइयों का विचार किया, हमने उसे राष्ट्र से काट दिया है, और रुकते-रुकते रुक जाएगा, तुम्हारे पीछे तलवार चलेगी। क्योंकि होरोनैम से चिल्लाने वालों की आवाज़, विनाश और बड़ा विनाश। मोआब कुचल दिया गया, ज़ोगोरा में घोषणा करो। क्योंकि अलोथ रोने से भर गया, होरोनैम के रास्ते में रोता हुआ ऊपर जाएगा, विनाश की चीख तुमने सुनी।

भागो और अपनी आत्माओं को बचाओ, और तुम रेगिस्तान में जंगली गधे के समान हो जाओगे। चूंकि तुम अपने किलेबंदी पर विश्वास कर रहे थे, इसलिए तुम पकड़े जाओगे, और कमोश निर्वासन में चला जाएगा, और उसके पुजारी और उसके शासक उसके साथ। और विनाश सब नगरों पर आएगा, कोई नहीं बचेगा, और बांसुरियों का स्थान नष्ट होगा, और मैदान का विनाश होगा, जैसा प्रभु ने कहा। मोआब को चिह्न दो, क्योंकि वह स्पर्श से जला दिया जाएगा, और उसके सभी नगर निर्जन हो जाएंगे, उसमें निवासी कहाँ से आएगा? शापित है वह जो प्रभु के कार्यों को लापरवाही से करता है, जो अपनी तलवार को खून से हटाता है।

मोआब बचपन से विश्राम करता रहा, और अपनी महिमा पर विश्वास करते हुए था, उसने बर्तन से बर्तन में नहीं डाला, और निर्वासन में नहीं गया, इसलिए उसका स्वाद उसमें बना रहा, और उसकी गंध समाप्त नहीं हुई। इसलिए देखो, उसके दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं उसके पास झुकाने वालों को भेजूंगा, और वे उसे झुकाएंगे, और उसके बर्तनों को पतला करेंगे, और उसके सींगों को काट देंगे। और मोआब कमोश से शर्मिदा होगा, जैसे इस्राएल का घर बेथेल से शर्मिदा हुआ था, जो उनकी आशा थी और उन पर भरोसा करते थे।

तुम कैसे कहोगे कि हम शक्तिशाली हैं, और सैन्य मामलों में शक्तिशाली पुरुष हैं? मोआब नष्ट हो गया, उसका नगर भी, और उसके चुने हुए युवा पुरुष वध के लिए उतर गए। मोआब का दिन

निकट आ रहा है, और उसकी दुष्टता अत्यंत तीव्र है। उसके चारों ओर से सब हिलो, सब उसका नाम लो, कहो, कैसे टूट गई वह प्रसिद्ध लाठी, वह महानता की छड़ी?

महिमा से नीचे उतरो, और नमी में बैठो, हे बैठी हुई दैबोन, तुम नष्ट की जाओगी, क्योंकि मोआब नष्ट हो गया है। तुम्हारे गढ़ को विनाश करने वाला तुम पर चढ़ आया है। रास्ते पर खड़ी हो और अरोएर में बैठकर देखो, और भागते हुए तथा बचाए जा रहे से पूछो, और कहो, क्या हुआ?

मोआब शर्मिंदा किया गया, क्योंकि वह चकनाचूर हो गया। विलाप करो और चिल्लाओ, अर्नोन में बताओ कि मोआब नष्ट हो गया। और न्याय मेइसोर की भूमि में आता है, खेलोन पर, और रेफास पर, और मोफास पर। और दैबोन पर, और नाबाऊ पर, और दैथलथाइम के घर पर, और करियथैम पर, और गैमोल के घर पर, और माओन के घर पर, और करियोत पर, और बोसोर पर, और मोआब के सब शहरों पर जो दूर हैं और जो निकट हैं। मोआब का सींग टूट गया है, और उसकी बांह कुचल दी गई है।

उसे मत्त करो, क्योंकि वह प्रभु के विरुद्ध बड़ा बना, और मोआब अपने हाथ से ताली बजाएगा, और वह हँसी का पात्र होगा, वह स्वयं भी। और क्या इस्राएल तेरे लिए उपहास का विषय नहीं था? और क्या वह तेरी चोरियों में पाया गया था कि तू उससे युद्ध करता था? मोआब के निवासियों ने शहरों को छोड़ दिया और चट्टानों में बस गए, वे कबूतरों की तरह हो गए जो चट्टानों में, गड्ढे के मुँह पर घोंसला बनाते हैं।

और मैंने मोआब का अपमान सुना, उसने बहुत अपमान किया, उसका अपमान और उसका अहंकार, और उसका हृदय ऊपर उठाया गया। मैंने उसके कामों को जाना, क्या उसने उसके लिए पर्याप्त रूप से ऐसा नहीं किया?

इसलिए मोआब के लिए चारों ओर से विलाप करो, सूखे से पीड़ित मुंडे हुए पुरुषों के लिए

पुकारो। जैसे याज़ेर का रोना, मैं तुम्हारे लिए रोऊंगा, हे सिबमाह की अंगूर की बेल। तुम्हारी शाखाएं समुद्र के पार गईं, याज़ेर के शहरों तक पहुंचीं। तुम्हारे फल पर, तुम्हारे अंगूर तोड़ने वालों पर विनाश गिर पड़ा। मोआबी देश से आनंद और प्रसन्नता समाप्त हो गई, और तुम्हारे दाखमधु के कुंडों में दाखमधु था, सुबह उन्होंने नहीं रौंदा, न शाम को उन्होंने ऐसा किया। वे शहर हेशबोन की चिल्लाहट से लेकर ऐतम तक अपनी आवाज उठाते हैं, सोअर से होरोनैम तक, और उजाड़ का संदेश देते हैं, क्योंकि नेब्रेइन का पानी भी जल जाएगा।

और मैं मोआब को नष्ट करूंगा, प्रभु कहते हैं, जो वेदी पर चढ़ता है और अपने देवताओं के लिए धूप जलाता है। इसलिए मोआब का हृदय, जैसे बांसुरियां विलाप करेंगी, मेरा हृदय कतरे हुए लोगों पर जैसे बांसुरी गर्जना करेगी, इसलिए जो उसने प्राप्त किया था, वह मनुष्य से नष्ट हो गया। हर जगह सभी सिर मुंडाए जाएंगे, और हर दाढ़ी मुंडाई जाएगी, और सभी हाथ विलाप करेंगे, और सभी कमरों पर टाट बांधा जाएगा। और मोआब की सभी छतों पर, और उसकी गलियों में, क्योंकि मैंने तोड़ दिया है, प्रभु कहते हैं, जैसे एक बर्तन, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। कैसे सुलह हुई? कैसे मोआब ने पीठ मोड़ ली? वह शर्मिंदा हुआ, और मोआब अपने चारों ओर के सभी लोगों के लिए हँसी और तिरस्कार का पात्र बन गया।

क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा, करियोत ले लिया गया, और किले पकड़ लिए गए। और मोआब भीड़ से नष्ट हो जाएगा, क्योंकि वह प्रभु के विरुद्ध घमंडी हो गया था। हे मोआब के निवासी, तुम पर फंदा और भय और गड्ढा है। जो भय से भाग रहा है, वह गड्ढे में गिरेगा, और जो गड्ढे से ऊपर चढ़ रहा है, वह फंदे में पकड़ा जाएगा, क्योंकि मैं इन बातों को मोआब पर उनके दण्ड के वर्ष में लाऊंगा।

इस प्रकार इस्राएल के देवता प्रभु ने कहा, मेरे हाथ से इस अमिश्रित शराब का कप लो, और उन सब राष्ट्रों को पिलाओ जिनके पास मैं तुम्हें भेजता हूँ। और वे उगल देंगे, और वे उस तलवार के सामने से पागल हो जाएंगे जो मैं उनके बीच भेजता हूँ। और मैंने प्रभु के हाथ से वह प्याला लिया, और मैंने उन राष्ट्रों को पिलाया जिनकी ओर प्रभु ने मुझे भेजा था। यरूशलेम को और यहूदा के नगरों को और यहूदा के राजाओं को और उसके शासकों को, उन्हें उजाड़, निर्जन और सीटी का कारण बनाने के लिए और मिस्र के राजा फिरौन को, और उसके सेवकों को, और उसके रईसों को और उसके सब लोग और सब मिश्रित भीड़ और विदेशियों के सब राजा, अशकलोन और गाज़ा और एक्रोन और अज़ोतुस का शेष भाग। और इदूमिया और मोआबी और अम्मोन के पुत्र, और क्षेत्र के राजा और सीदोन के राजा और समुद्र के पार के राजा, और दैदान और थैमान और रोस और सभी जो अपने चेहरे के चारों ओर बाल कटाते हैं, और सभी मिश्रित लोगों को जो जंगल में डेरा डाले हुए थे, और ऐलाम के सब राजाओं को और फारसियों के सब राजाओं को और पूर्व के सभी राजाओं को, जो दूर हैं और जो निकट हैं, प्रत्येक को अपने भाई की ओर, और पृथ्वी के समस्त राज्यों को। और तुम उनसे कहोगे, इस प्रकार सर्वशक्तिमान प्रभु ने कहा: पीओ, मतवाले हो जाओ, और उल्टी करोगे और गिरोगे, और उस तलवार के सामने से नहीं उठोगे जो मैं तुम्हारे बीच भेजता हूँ। और ऐसा होगा कि जब वे तुम्हारे हाथ से प्याला लेना न चाहें ताकि पीएं, तो तुम कहोगे, प्रभु ने ऐसा कहा है: पीकर तुम अवश्य पीओगे।

क्योंकि जिस शहर में मेरा नाम रखा गया था, उस पर मैं विपत्ति लाना शुरू करता हूँ, और तुम शुद्धिकरण से शुद्ध नहीं किए जाओगे, क्योंकि मैं पृथ्वी पर बैठे हुए लोगों पर तलवार बुलाता हूँ। और तू उन पर इन शब्दों की भविष्यवाणी करेगा, और कहेगा: प्रभु ऊँचाई से बोलेगा, अपने पवित्र स्थान से अपनी आवाज़ देगा, अपने स्थान पर वचन बोलेगा, और जैसे अंगूर इकट्ठा करने वाले वैसे उत्तर देंगे। और भूमि पर बैठे हुआँ पर विनाश आया है।

पृथ्वी के भाग पर। क्योंकि प्रभु का न्याय राष्ट्रों में है, वह स्वयं समस्त मानवजाति का न्याय करता है, लेकिन दुष्टों को तलवार के हवाले कर दिया गया, प्रभु कहता है। इस प्रकार प्रभु ने कहा,

देखो, बुराइयाँ एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र पर आती हैं, और एक महान बवंडर पृथ्वी के अंत से निकलता है। और मिस्र के राजा फिरौन को, और उसके सेवकों को, और उसके रईसों को, चिल्लाओ, हे चरवाहो, और पुकारो और विलाप करो, हे भेड़ों के मेढ़ो, क्योंकि तुम्हारे वध के दिन पूरे हो गए हैं, और तुम गिरोगे जैसे चुने हुए मेढ़े गिरते हैं। और चरवाहों से पलायन नष्ट हो जाएगा, और भेड़ों के मेढ़ों से मुक्ति नष्ट हो जाएगी। चरवाहों की चीख की आवाज़, और भेड़ों और मेढ़ों का कोलाहल, क्योंकि प्रभु ने उनके पशुओं को नष्ट कर दिया, और शांति के अवशेष मेरे क्रोध के सामने से समाप्त हो जाएंगे। उसने अपना निवास त्याग दिया जैसे शेर करता है, क्योंकि उनकी भूमि महान तलवार के सामने दुर्गम हो गई। और एलाम के सभी राजाओं को, और फारसियों के सभी राजाओं को, और पूर्व के सब राजाओं को, जो दूर और निकट हैं, एक दूसरे के पास, और पृथ्वी के सम्पूर्ण धरातल पर स्थित सब राज्यों को।

और तुम उनसे कहोगे, सर्वशक्तिमान प्रभु ने यह कहा है: पीओ, मतवाले हो जाओ, उल्टी करो, गिर जाओ, और उस तलवार के सामने से फिर कभी मत उठो जिसे मैं तुम्हारे बीच भेज रहा हूँ। और जब वे तुम्हारे हाथ से कप लेना न चाहें ताकि पीएं, तो तुम कहोगे, प्रभु ने ऐसा कहा है, पीकर तुम अवश्य पीओगे। क्योंकि जिस शहर पर मेरा नाम रखा गया है, उस पर मैं विपत्ति लाना आरंभ करता हूँ, और तुम निश्चित रूप से शुद्ध नहीं किए जाओगे, क्योंकि मैं पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों पर तलवार बुलाता हूँ।

और तू उन पर इन वचनों की भविष्यवाणी करेगा, और कहेगा, प्रभु ऊँचे से बोलेगा, अपने पवित्र स्थान से अपनी आवाज़ देगा, अपने स्थान पर वचन बोलेगा, और वे अंगूर इकट्ठा करने वालों के समान उत्तर देंगे, और भूमि पर बैठे हुआँ पर भी विनाश पृथ्वी के एक भाग पर आ गया है, क्योंकि प्रभु का न्याय राष्ट्रों में है, वह स्वयं सब मांस के विरुद्ध न्याय करता है, और दुष्टों को तलवार में सौंप दिया गया है, प्रभु कहता है।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, देखो, राष्ट्र से राष्ट्र पर बुराइयाँ आती हैं, और पृथ्वी के छोर से एक महान

बवंडर निकलता है। और प्रभु के दिन में प्रभु द्वारा घायल किए गए लोग पृथ्वी के एक छोर से लेकर दूसरे छोर तक होंगे। वे दफनाए नहीं जाएंगे, वे पृथ्वी की सतह पर गोबर के समान पड़े रहेंगे। चिल्लाओ चरवाहो, और रोओ, और विलाप करो हे भेड़ों के मेढ़ो, क्योंकि तुम्हारे वध के दिन पूरे हो गए हैं, और तुम गिरोगे जैसे चुने हुए मेढ़े। और चरवाहों से पलायन नष्ट हो जाएगा, और भेड़ों के मेढ़ों से मुक्ति नष्ट हो जाएगी। चरवाहों की चिल्लाहट की आवाज़, और भेड़ों और मेढ़ों का कोलाहल, क्योंकि प्रभु ने उनके पशुधन को नष्ट कर दिया, और शांति के अवशेष मेरे क्रोध के कारण समाप्त हो जाएंगे। उसने अपना निवास स्थान त्याग दिया जैसे शेर त्यागता है, क्योंकि उनकी भूमि महान तलवार के सामने से दुर्गम हो गई।

33

राजा यहोयाकीम, जो योशियाह का पुत्र था, के शासनकाल के आरंभ में यह वचन प्रभु की ओर से आया। इस प्रकार प्रभु ने कहा, प्रभु के घर के आँगन में खड़े हो, और सब यहूदियों को, और सब प्रभु के घर में पूजा करने आने वाले लोगों को, वे सब शब्द बोलो जो मैंने तुम्हें उन्हें बोलने का आदेश दिया है, एक भी शब्द मत हटाओ। शायद वे सुनेंगे, और प्रत्येक अपने बुरे रास्ते से मुड़ेगा, और मैं उन बुराइयों से रुकूंगा जो मैं उनके बुरे कार्यों के कारण उन्हें करने की योजना बना रहा हूँ। और तुम कहोगे, प्रभु ने इस प्रकार कहा है, यदि तुम मेरी नहीं सुनो, मेरी विधियों में चलने के लिए जो मैंने तुम्हारे सामने दी हैं, मेरे सेवकों के शब्दों को सुनना, जो भविष्यवक्ता हैं, जिनको मैं तुम्हारी ओर भोर में भेजता हूँ, और मैंने भेजा, और तुमने मेरी नहीं सुनी। और मैं इस घर को शीलो के समान कर दूंगा, और इस शहर को पृथ्वी के सभी राष्ट्रों के लिए श्राप बना दूंगा।

और पुजारियों, झूठे भविष्यवक्ताओं और सब लोगों ने यिर्मयाह को ये शब्द प्रभु के घर में बोलते हुए सुना। और ऐसा हुआ कि जब यिर्मयाह सब कुछ बोलना बंद कर चुका जो प्रभु ने उसे सब लोगों से बोलने की आज्ञा दी थी, तो पुजारियों ने, झूठे भविष्यवक्ताओं ने, और सब लोगों ने उसे

पकड़ लिया, कहते हुए, तू निश्चय मृत्यु से मरेगा। क्योंकि तूने प्रभु के नाम से भविष्यवाणी की, यह कहते हुए कि जैसे शीलो होगा, वैसे यह घर होगा, और यह शहर निवासियों से रहित हो जाएगा। और सब लोग प्रभु के घर में यिर्मयाह के विरुद्ध इकट्ठे हुए।

और यहूदा के शासकों ने यह वचन सुना, और वे राजा के घर से प्रभु के घर में गए, और नए द्वार के द्वारों में बैठे। और पुजारियों और झूठे भविष्यवक्ताओं ने शासकों और सभी लोगों से कहा, इस आदमी को मृत्यु का दंड मिलना चाहिए, क्योंकि इसने इस शहर के विरुद्ध भविष्यवाणी की है, जैसा कि तुमने अपने कानों से सुना है।

और यिर्मयाह ने शासकों और सभी लोगों से कहा, प्रभु ने मुझे इस घर और इस नगर के विषय में भविष्यवाणी करने के लिए भेजा है, वे सभी वचन जो तुमने सुने हैं। और अब अपने रास्तों को बेहतर बनाओ और अपने कामों को, और प्रभु की आवाज़ सुनो, और प्रभु उन बुराइयों से रुक जाएगा जो उसने तुम पर बोली थीं। और देखो, मैं तुम्हारे हाथों में हूँ, मेरे साथ वैसा करो जैसा लाभदायक है, और जैसा तुम्हारे लिए बेहतर है। लेकिन यह जान लो कि यदि तुम मुझे मारते हो, तो निर्दोष का रक्त अपने ऊपर, इस नगर पर, और इसमें रहने वालों पर ले रहे हो, क्योंकि प्रभु ने सच्चाई में मुझे तुम्हारे पास भेजा है कि तुम्हारे कानों में ये सब वचन बोलूँ।

और शासकों और सभी लोगों ने पुजारियों और झूठे भविष्यवक्ताओं से कहा, इस आदमी के लिए मृत्यु का निर्णय नहीं है, क्योंकि उसने हमारे प्रभु परमेश्वर के नाम पर हमसे बात की है। और पृथ्वी के बुजुर्गों में से पुरुष उठे, और उन्होंने लोगों की सारी सभा से कहा, मीकाह मोरास्थी यहूदा के राजा हिजकिय्याह के दिनों में था, और उसने यहूदा के सब लोगों से कहा, प्रभु ने इस प्रकार कहा, सिय्योन खेत के समान जोता जाएगा, और यरूशलेम उजाड़ हो जाएगा, और भवन का पहाड़ वन का झुरमुट हो जाएगा। क्या हिजकिय्याह और सारे यहूदा ने उसे मार डाला? क्या उन्होंने प्रभु से नहीं डरा, और प्रभु के मुख से विनती की, और प्रभु उन बुराइयों से रुक गए जो उसने उनके विरुद्ध बोली थीं? और हमने अपनी आत्माओं पर बड़ी बुराइयों की हैं।

और एक आदमी था जो प्रभु के नाम से भविष्यवाणी करता था, ऊरिय्याह, जो शमायाह का पुत्र था और किर्यत्यारीम से था, और उसने इस पृथ्वी के विषय में यिर्मयाह के सब शब्दों के अनुसार भविष्यवाणी की। और राजा यहोयाकीम और सब शासकों ने उसके सब शब्द सुने, और वे उसे मारने की खोज कर रहे थे, और ऊरिय्याह ने सुना और मिस्र में प्रवेश किया। और राजा ने पुरुषों को मिस्र में भेजा, और उन्होंने उसे वहाँ से बाहर लाया, और उसे राजा के पास ले गए, और तलवार से उसे मारा, और उसे उसके लोगों के पुत्रों की कब्र में फेंक दिया। सिवाय इसके, शाफान के पुत्र अहीकाम का हाथ यिर्मयाह के साथ था, ताकि उसे लोगों के हाथों में न सौंपा जाए और उसे न मारा जाए।

34

इस प्रकार प्रभु ने कहा, अपने लिए बंधन और जंजीरें बनाओ, और अपनी गर्दन पर लगाओ। और तुम उन्हें अदोम के राजा के पास, मोआब के राजा के पास, अम्मोनियों के राजा के पास, सोर के राजा के पास, और सीदोन के राजा के पास भेजोगे, उन दूतों के हाथों में जो यरूशलेम में यहूदा के राजा सिदकिय्याह से मिलने आ रहे हैं। और तुम उनको उनके स्वामियों से यह कहने का आदेश दोगे, इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर ने कहा, इस प्रकार तुम अपने स्वामियों से कहोगे, क्योंकि मैंने अपनी महान शक्ति से और अपनी उच्च भुजा से पृथ्वी को बनाया है, और मैं इसे उसे दूंगा जो मेरी दृष्टि में उचित प्रतीत हो। मैंने भूमि नबूकदनेस्सर बाबुल के राजा को उसकी सेवा करने के लिए दी, और खेत के जंगली जानवरों को उसके लिए काम करने के लिए दिया। और वह राष्ट्र और वह राज्य, जो अपनी गर्दन बाबुल के राजा के जुए के नीचे नहीं रखेंगे, उनको मैं तलवार और अकाल से दण्ड दूंगा, प्रभु ने कहा, जब तक वे उसके हाथ में समाप्त न हो जाएं।

और तुम अपने झूठे भविष्यवक्ताओं की, और तुम्हें भविष्यवाणी करने वालों की, और तुम्हें स्वप्न दिखाने वालों की, और अपने शकुनों की, और अपने जादू-टोने करने वालों की मत सुनो, जो कहते हैं, तुम बाबुल के राजा की सेवा नहीं करोगे। क्योंकि वे तुम्हें झूठी भविष्यवाणी करते हैं, ताकि तुम्हें तुम्हारी भूमि से दूर हटाया जाए। और वह राष्ट्र जो अपनी गर्दन को बाबुल के राजा के जूए के नीचे लाए, और उसकी सेवा करे, तो मैं उसको उसकी भूमि पर छोड़ूंगा, और वह उसमें काम करेगा और निवास करेगा।

और मैंने यहूदा के राजा सिदकिय्याह से इन सब शब्दों के अनुसार कहा, अपनी गर्दन को लाओ, और बाबुल के राजा की सेवा करो, क्योंकि वे तुम्हें अन्यायपूर्ण भविष्यवाणी करते हैं। क्योंकि मैंने उनको नहीं भेजा, प्रभु कहते हैं, और वे मेरे नाम पर अन्यायपूर्ण भविष्यवाणी करते हैं, तुमको नष्ट करने के लिए, और तुम नष्ट होओगे, और तुम्हारे भविष्यवक्ता, जो तुमको अन्यायपूर्ण झूठी भविष्यवाणी करते हैं।

मैंने तुमसे, और इस सब लोगों से, और पुजारियों से कहा, प्रभु ने यह कहा है: उन भविष्यवक्ताओं के शब्दों को मत सुनो जो तुम्हें भविष्यवाणी करते हुए कहते हैं, देखो, प्रभु के घर के बर्तन बाबुल से लौट आएंगे, क्योंकि वे तुम्हें झूठी भविष्यवाणी करते हैं। मैंने उन्हें नहीं भेजा। यदि वे भविष्यवक्ता हैं, और यदि प्रभु का वचन उनमें है, तो वे मुझसे मिलें, क्योंकि प्रभु ने ऐसा कहा है।

और शेष बर्तनों के, जिनको बाबुल के राजा ने नहीं लिया, जब उसने यकून्याह को यरूशलेम से निर्वासित किया, बेबीलोन में प्रवेश करेगा, प्रभु कहते हैं।

और ऐसा हुआ कि यहूदा के राजा सिदकिय्याह के चौथे वर्ष के पाँचवें महीने में, गिबोन से आया हुआ झूठा भविष्यवक्ता अज़ोर का पुत्र हनन्याह, प्रभु के घर में, याजकों की और सब लोगों की आँखों के सामने, मुझसे बोला, कहते हुए, इस प्रकार प्रभु ने कहा, मैंने बाबुल के राजा का जुआ तोड़ दिया है। अभी दो वर्ष के भीतर, मैं प्रभु के घर के बर्तनों को इस स्थान पर वापस ले आऊंगा। और यिकुनियाह को, और यहूदा के उपनिवेश को, क्योंकि मैं बाबुल के राजा के जुए को तोड़ूंगा।

और यिर्मयाह ने हनन्याह से सब लोगों की आँखों के सामने और पुजारियों की आँखों के सामने जो प्रभु के घर में खड़े थे, कहा और यिर्मयाह ने कहा, सचमुच प्रभु ऐसा करे, तुम्हारे उस वचन को स्थापित करे जिसकी तुम भविष्यवाणी करते हो, कि प्रभु के घर के बर्तनों को और सारे बंधुओं को बाबुल से इस स्थान पर लौटा लाए। परन्तु प्रभु का वचन सुनो, जो मैं तुम्हारे कानों में और सब लोगों के कानों में कहता हूँ। वे भविष्यवक्ता जो मुझसे पहले और तुमसे पहले प्राचीन काल से हुए, उन्होंने बहुत सी पृथ्वी पर और महान राज्यों पर युद्ध की भविष्यवाणी की। वह भविष्यवक्ता जिसने शांति की भविष्यवाणी की थी, जब वचन आ जाएगा, तब वे उस भविष्यवक्ता को जानेंगे जिसे प्रभु ने विश्वास में उनके पास भेजा था।

और अनन्याह ने सब लोगों की आँखों के सामने यिर्मयाह की गर्दन से जुए को लिया, और उनको तोड़ दिया। और अनन्यास ने सब लोगों की आँखों के सामने कहा, इस प्रकार प्रभु ने कहा है, इस प्रकार मैं बाबुल के राजा के जुए को सब राष्ट्रों की गर्दनों से तोड़ डालूँगा, और यिर्मयाह अपने मार्ग पर चला गया।

और यह हुआ कि प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया, अनन्याह द्वारा उसकी गर्दन से जुओं को तोड़ने के बाद, कहते हुए, जाओ, और अनन्याह से कहो, यह कहते हुए कि प्रभु ने इस प्रकार कहा है: तुमने लकड़ी के जुए तोड़ दिए हैं, और मैं उनके बजाय लोहे के जुए बनाऊँगा। क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा है, मैंने सभी राष्ट्रों की गर्दन पर लोहे का जुआ रखा है, ताकि वे बाबुल के

राजा के लिए काम करें। और यिर्मयाह ने हनन्याह से कहा, प्रभु ने तुझे नहीं भेजा है, और तूने इन लोगों को अन्याय पर विश्वास करवाया है। इसलिए प्रभु ने इस प्रकार कहा, देखो, मैं तुम्हें पृथ्वी के चेहरे से भेज रहा हूँ, इस वर्ष तुम मरोगे। और वह सातवें महीने में मर गया।

36

और ये पुस्तक के वे शब्द हैं जिन्हें यिर्मयाह ने यरूशलेम से निर्वासन के बुजुर्गों के पास, और याजकों के पास, और झूठे भविष्यवक्ताओं के पास पत्र के रूप में बाबुल में निर्वासितों को भेजा, और सब लोगों के पास भेजा। राजा यिकुन्याह के निकल जाने के पश्चात, और रानी के, और खोजों के, और सभी स्वतंत्र लोगों और कैदियों और शिल्पकारों के यरूशलेम से निकल जाने के पश्चात, एलेआसान के हाथ में, जो सफान का पुत्र था, और गमरियु के हाथ में, जो हिल्किय्याह का पुत्र था, जिनको यहूदा के राजा सिदकिय्याह ने बाबुल के राजा के पास बाबुल में भेजा था, यह कहते हुए,

इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के ईश्वर ने उस उपनिवेश के विषय में कहा जिसे मैंने यरूशलेम से निर्वासित किया था घर बनाओ और उनमें रहो, और बगीचे लगाओ, और उनके फल खाओ, और स्त्रियाँ लो, और पुत्र और पुत्रियाँ उत्पन्न करो, और अपने पुत्रों के लिए स्त्रियाँ लो, और अपनी पुत्रियों को पुरुषों को दो, और बढ़ो, और घटने मत पाओ। और उस भूमि की शांति की खोज करो जिसमें मैंने तुम्हें वहाँ निर्वासित किया है, और उनके विषय में प्रभु से प्रार्थना करो, क्योंकि उसकी शांति में तुम्हारी शांति है।

क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा है, तुम्हारे बीच के झूठे भविष्यवक्ता तुम्हें न बहकाएं, और तुम्हारे भविष्यवक्ता तुम्हें न बहकाएं, और तुम अपने स्वप्नों को मत सुनो, जो तुम देखते हो, क्योंकि वे मेरे नाम पर तुम्हें अन्यायी भविष्यवाणी करते हैं, और मैंने उन्हें नहीं भेजा। क्योंकि प्रभु ने इस

प्रकार कहा, जब बाबुल के सत्तर वर्ष पूरे होने वाले हैं, मैं तुम्हारी सुध लूंगा, और मैं अपने वचन तुम पर स्थापित करूंगा, ताकि तुम्हारे लोगों को इस स्थान में लौटा सकूँ। और मैं तुम्हारे लिए शांति का विचार योजना बनाता हूँ, न कि बुराइयाँ, तुम्हें ये देने के लिए। और मुझसे प्रार्थना करो, और मैं तुम्हारी सुनूंगा। और तुम मुझे तलाश करो, और तुम मुझे पाओगे, क्योंकि तुम मुझे अपने पूरे हृदय से तलाश करोगे। और मैं तुम्हें प्रकट होऊंगा, क्योंकि तुमने कहा कि प्रभु ने हमें बाबुल में भविष्यवक्ता नियुक्त किए हैं,

इस प्रकार प्रभु ने अहियाब और सिदकिय्याह के विषय में कहा, देखो, मैं उनको बाबुल के राजा के हाथों में सौंपता हूँ, और वह तुम्हारी आँखों के सामने उनको मारेगा। और वे बाबुल में यहूदा के सम्पूर्ण निर्वासन में उनसे शाप लेंगे, यह कहते हुए, प्रभु तुम्हें सिदकिय्याह के समान करे और अहाब के समान, जिन्हें बाबुल के राजा ने आग में भून दिया। जिसके द्वारा उन्होंने इस्राएल में अधर्म किया, और वे अपने नागरिकों की पत्नियों के साथ व्यभिचार करते थे, और मेरे नाम से वचन बोला जो मैंने उन्हें आज्ञा नहीं दी थी, और मैं साक्षी हूँ, प्रभु कहता है।

और एलामी शमायाह से तुम कहोगे, मैंने तुम्हें अपने नाम से नहीं भेजा, और याजक सपन्याह से, जो माशेयाह का पुत्र है, कहो प्रभु ने तुम्हें यहोयादा याजक के स्थान पर याजक नियुक्त किया है, ताकि तुम प्रभु के भवन में अधिकारी बनो, प्रत्येक भविष्यवाणी करने वाले व्यक्ति और प्रत्येक पागल व्यक्ति के लिए, और तुम उसे काठ में और बेड़ियों में डालोगे। और अब तुमने अनातोत के यिर्मयाह को, जिसने तुम्हारे लिए भविष्यवाणी की थी, क्यों अपमानित किया? क्या इसलिए उसने नहीं भेजा? क्योंकि इस महीने के दौरान उसने तुम्हारे पास बाबुल में भेजा, यह कहते हुए, यह लंबा समय है, घर बनाओ और निवास करो, और बगीचे लगाओ, और उनका फल खाओ। और सोफोनियाह ने यिर्मयाह के कानों में पुस्तक पढ़ी।

और प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया, जो कहता था, उपनिवेश की ओर भेजो, यह कहते हुए, प्रभु ने एलामी शमायाह के विषय में यह कहा है, क्योंकि शमायाह ने तुम्हें भविष्यवाणी की,

और मैंने उसे नहीं भेजा था, और उसने तुम्हें अन्याय पर विश्वास करने के लिए प्रेरित किया, इसलिए प्रभु ने यह कहा, देखो, मैं शमायाह और उसके वंश को दण्ड दूंगा, और तुम्हारे बीच में उनका कोई मनुष्य नहीं होगा जो उन अच्छी बातों को देखे जो मैं तुम्हारे लिए करूंगा; वे नहीं देखेंगे।

37

वह वचन जो यिर्मयाह के पास प्रभु की ओर से आया, कहने के लिए, इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के ईश्वर ने कहा, उन सब शब्दों को पुस्तक में लिख दो जो मैंने तुमसे कहे हैं।

क्योंकि देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं अपने लोगों इस्राएल और यहूदा के बंधुओं को लौटाऊंगा, प्रभु ने कहा, और मैं उन्हें उस भूमि में लौटाऊंगा जो मैंने उनके पिताओं को दी थी, और वे उस पर अधिकार करेंगे।

और ये वे शब्द हैं जो प्रभु ने इस्राएल और यहूदा के विषय में बोले।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, तुम भय की आवाज़ सुनोगे, भय है, और शांति नहीं है। पूछो और देखो, क्या किसी ने नर को जन्म दिया है? और उस भय के बारे में, जिसमें वे कमर और मोक्ष को पकड़ेंगे? क्योंकि मैंने हर आदमी को देखा है, और उसके हाथ उसकी कमर पर हैं, उनके चेहरे पीलेपन में बदल गए हैं। क्योंकि वह दिन महान हुआ, और ऐसा कोई नहीं है, और याकूब के लिए समय संकटपूर्ण है, और इससे वह बचाया जाएगा। उस दिन में, प्रभु ने कहा, मैं उनकी गर्दन से उस जुए को तोड़ूंगा, और उनके बंधनों को फाड़ूंगा, और वे फिर विदेशियों की सेवा नहीं करेंगे, और वे अपने प्रभु परमेश्वर की सेवा करेंगे, और उनके राजा दाऊद को मैं उनके लिए खड़ा करूंगा।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, मैंने विनाश खड़ा किया है, तुम्हारा घाव दर्दनाक है। तुम्हारे निर्णय का न्याय करने वाला कोई नहीं है, तुम दर्दनाक घाव में चंगे किए गए, तुम्हें कोई लाभ नहीं है। तुम्हारे सभी मित्र तुम्हें भूल गए हैं, वे नहीं पूछेंगे, क्योंकि मैंने तुम्हें शत्रु का प्रहार मारा है, कठोर शिक्षा दी है, तुम्हारे सभी अन्यायों पर तुम्हारे पाप बढ़ गए हैं। इसलिए जो सब तुझे खाते हैं वे खाए जाएंगे, और तेरे सब शत्रु अपना मांस खाएंगे। तेरे अन्यायों की बहुतायत के कारण तेरे पाप बढ़ गए, उन्होंने तेरे साथ यह किया। और जो तुझे लूटते हैं वे लूट में बदल जाएंगे, और जिन्होंने तुझे लूटा है उन सबको मैं लूट में दे दूंगा। क्योंकि मैं तुम्हारा उपचार लाऊंगा, दर्दनाक घाव से मैं तुम्हें ठीक करूंगा, प्रभु कहते हैं, क्योंकि तुम बिखरी हुई कहलाई गई, तुम्हारा शिकार है, क्योंकि उसे खोजने वाला कोई नहीं है।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, देखो, मैं याकूब के उपनिवेश को लौटाऊंगा और उसकी बंधुआई पर दया करूंगा, और नगर उसकी ऊंचाई पर बनाया जाएगा, और लोग उसके न्याय के अनुसार बसाए जाएंगे। और वे अपने में से गाते हुए निकलेंगे, खेलने वालों की आवाज़ के साथ, और मैं उनको बढ़ाऊंगा, और वे कदापि घटाए नहीं जाएंगे। और उनके पुत्र पहले की तरह प्रवेश करेंगे, और उनकी गवाहियाँ मेरे सामने स्थापित होंगी, और मैं उनको सताने वालों का निरीक्षण करूंगा। और वे उसके ऊपर मजबूत होंगे, और उसका शासक उसी में से निकलेगा, और मैं उनको इकट्ठा करूंगा, और वे मेरी ओर लौटेंगे, क्योंकि यह कौन है जिसने अपना हृदय मेरी ओर लौटने के लिए दिया? प्रभु कहते हैं,

क्योंकि प्रभु का क्रोध उग्र होकर बाहर निकला, घूमता हुआ क्रोध बाहर निकला, वह दुष्टों पर आएगा। प्रभु के क्रोध का कोप तब तक नहीं मुड़ेगा, जब तक वह करेगा और जब तक वह अपने हृदय के उपक्रम को स्थापित करेगा। अंतिम दिनों में तुम उन्हें जानोगे।

उस समय प्रभु ने कहा, मैं इस्राएल की जाति का परमेश्वर होऊंगा, और वे मेरी प्रजा होंगे। इस प्रकार प्रभु ने कहा, मैंने जंगल में गर्मी पाई उनके साथ जो तलवार से नष्ट हुए थे। चलो, और इस्राएल को नष्ट मत करो। प्रभु दूर से उसे प्रकट हुए, मैंने तुमसे शाश्वत प्रेम किया, इसलिए मैंने तुम्हें करुणा की ओर खींचा। क्योंकि मैं तुम्हें बनाऊंगा, और हे इस्राएल की कुंवारी, तुम बनाई जाओगी; तुम अपना ढोल लोगी और खेलने वालों की सभा के साथ निकलोगी। क्योंकि तुमने सामरिया के पहाड़ों में अंगूर के बाग लगाए, लगाओ और स्तुति करो। क्योंकि यह एफ्राइम के पहाड़ों में बचाव करने वालों के बुलाने का दिन है, उठो, और सियोन में अपने परमेश्वर प्रभु की ओर चढ़ो।

क्योंकि प्रभु ने याकूब से इस प्रकार कहा, आनंदित हो, और राष्ट्रों के सिर पर ललकारो, इसे सुनाई देने वाला करो, और स्तुति करो, कहो, प्रभु ने अपने लोगों को, इस्राएल के शेष को बचाया। देखो, मैं उनको उत्तर से लाता हूँ, और मैं उनको पृथ्वी के अंतिम छोर से फसह के पर्व में इकट्ठा करूँगा, और बहुत बड़ी भीड़ उत्पन्न होगी, और वे यहाँ लौटेंगे। रोते हुए वे बाहर गए, और मैं उन्हें सांत्वना देते हुए वापस लाऊंगा, उन्हें पानी की नहरों के पास सीधे मार्ग पर ठहराते हुए, और वे इसमें नहीं भटकेंगे, क्योंकि मैं इस्राएल का पिता बना, और एप्रैम मेरा पहलौठा है।

हे राष्ट्रों, प्रभु के वचन सुनो, और दूर के द्वीपों में घोषणा करो, कहो, जिसने इस्राएल को तितर-बितर किया, वह उसे इकट्ठा करेगा और उसकी रक्षा करेगा, जैसे चरवाहा अपने झुंड की रक्षा करता है। क्योंकि प्रभु ने याकूब को छुड़ाया, उसे उससे अधिक शक्तिशाली लोगों के हाथ से बचाया। और वे आएंगे, और सियोन के पहाड़ पर आनंदित होंगे, और वे प्रभु की अच्छी चीजों पर आएंगे, अनाज और दाखरस की भूमि पर, और फलों की, और पशुओं की, और भेड़ों की, और उनकी आत्मा फलदार वृक्ष के समान होगी, और वे फिर कभी भूखे नहीं होंगे। तब कुंवारियाँ युवा पुरुषों की सभा में प्रसन्न होंगी, और बुजुर्ग प्रसन्न होंगे, और मैं उनके शोक को उत्सव में बदलूँगा, और मैं उन्हें आनंदित बनाऊँगा। मैं बड़ा करूँगा और मैं पुजारियों की आत्मा को, लेवी के पुत्रों को, मतवाला करूँगा, और मेरे लोग मेरी अच्छी चीजों से भरे जाएंगे, इस प्रकार प्रभु ने कहा।

रामाह में विलाप, रोना और शोक की आवाज़ सुनी गई, राहेल अपने बेटों के लिए फूट-फूटकर रो रही थी और रुकना नहीं चाहती थी, क्योंकि वे नहीं रहे।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, तुम्हारी आवाज़ रोने से बंद करो, और तुम्हारी आँखें तुम्हारे आँसुओं से, क्योंकि तुम्हारे कामों का पुरस्कार है, और वे शत्रुओं की भूमि से लौटेंगे। तुम्हारे बच्चों के लिए स्थायी।

मैंने एफ़्रैम को विलाप करते हुए सुना, तूने मुझे अनुशासित किया, और मैं अनुशासित हुआ, मैं एक बछड़े के समान था जिसे नहीं सिखाया गया था। मुझे लौटा ले, और मैं लौटूंगा, क्योंकि तू प्रभु मेरा परमेश्वर है। क्योंकि मेरी बंधुआई के बाद मैंने पश्चाताप किया, और मुझे ज्ञान होने के बाद मैं शर्म के दिनों में कराहा, और मैंने तुम्हें दिखाया कि मैंने अपनी युवावस्था से अपमान सहा। प्रिय पुत्र एफ़्राइम मेरे लिए आनंदित बच्चा है, क्योंकि मेरे शब्द उसमें हैं, इसलिए मैं उसे स्मरण करूंगा; इस कारण मैंने उसकी ओर शीघ्रता की, दया करते हुए मैं उस पर दया करूंगा, प्रभु कहते हैं।

हे सिय्योन, अपने आप को स्थापित करो, दंड दो, अपने हृदय को अपने कंधों पर रखो, जिस मार्ग पर तुम गई थी, हे कुंवारी इस्राएल, लौट आओ, शोक करती हुई अपने नगरों में लौट आओ। कब तक तुम मुड़ोगी, अपमानित बेटी? क्योंकि प्रभु ने नए रोपण में मुक्ति बनाई है, मुक्ति में लोग घूमेंगे।

क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा, वे अभी भी यह शब्द यहूदा की भूमि में और उसके नगरों में कहेंगे, जब मैं उसकी बंधुआई को लौटाऊंगा, धन्य है प्रभु अपने धार्मिक पवित्र पर्वत पर। और यहूदा के शहरों में और उसकी सारी भूमि में निवास करते हुए किसान के साथ, और झुंड में ले जाया जाएगा। क्योंकि मैंने हर प्यासी आत्मा को तृप्त किया, और हर भूखी आत्मा को संतुष्ट किया। इसलिए मैं जाग उठा, और मैंने देखा, और मेरी नींद मुझे सुखद हुई।

इसलिए देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं इस्राएल और यहूदा में मनुष्य का बीज और पशु का बीज बोऊंगा। और जैसा मैं उन्हें नष्ट करने और हानि पहुँचाने के लिए देखता रहा, वैसा ही मैं उन्हें बनाने और रोपने के लिए देखूंगा, प्रभु कहते हैं। उन दिनों में वे नहीं कहेंगे कि पिताओं ने खट्टे अंगूर खाए और बच्चों के दाँत खट्टे हो गए। लेकिन प्रत्येक अपने पाप में मरेगा, और जो खट्टे अंगूर खाएगा उसके दाँत खट्टे लगेंगे।

देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और मैं इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने के साथ नई वाचा बाँधूंगा। वह वाचा के अनुसार नहीं जो मैंने उनके पिताओं के साथ स्थापित की थी, उस दिन जब मैंने उनका हाथ पकड़कर उन्हें मिस्र की भूमि से बाहर निकाला था, क्योंकि वे मेरी वाचा में नहीं रहे, और मैंने उनकी उपेक्षा की, प्रभु कहते हैं। क्योंकि यह मेरी वह वाचा है, जो मैं इस्राएल के घराने के साथ उन दिनों के बाद करूंगा, प्रभु कहते हैं, मैं अपनी व्यवस्थाएं उनके मन में देते हुए दूंगा, और उनके हृदयों पर उन्हें लिखूंगा, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा, और वे मेरे लोग होंगे। और वे प्रत्येक अपने नागरिक को, और प्रत्येक अपने भाई को नहीं सिखाएंगे, यह कहते हुए, प्रभु को जानो, क्योंकि सब मुझे जानेंगे, उनके छोटे से लेकर उनके बड़े तक, क्योंकि मैं उनके अन्यायों के प्रति कृपालु होऊंगा, और उनके पापों को अब और याद नहीं करूंगा।

यदि स्वर्ग को ऊपर उठाया जाए, प्रभु कहते हैं, और यदि पृथ्वी की भूमि को नीचे नीचा किया जाए, तो भी मैं इस्राएल की जाति को अस्वीकार नहीं करूंगा, प्रभु कहते हैं, उन सब के विषय में जो उन्होंने किया।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, जिसने सूरज को दिन का प्रकाश बनाया, चाँद और तारों को रात का प्रकाश बनाया, और समुद्र में गर्जना की, और उसकी लहरें गरजीं, प्रभु सर्वशक्तिमान उसका नाम है, यदि ये नियम मेरे सामने से समाप्त हो जाएं, प्रभु कहता है, तो इस्राएल की जाति भी मेरे सामने सदा के लिए एक राष्ट्र बने रहने से समाप्त हो जाएगी।

देखो, वे दिन आ रहे हैं, प्रभु कहते हैं, और प्रभु के लिए शहर हनमेल की मीनार से लेकर कोने के द्वार तक बनाया जाएगा। और उसका माप उनके सामने गारेब की पहाड़ियों तक जाएगा, और चुने हुए पत्थरों से चारों ओर घेरा जाएगा और सम्पूर्ण असारेमोथ किद्रोन घाटी तक, पूर्व दिशा में घोड़ों के फाटक के कोने तक, प्रभु के लिए पवित्रस्थान होगा, और यह फिर कभी नष्ट नहीं होगा, और युगानुयुग तक ध्वस्त नहीं किया जाएगा।

39

वह वचन जो प्रभु की ओर से यिर्मयाह के पास आया, राजा सिदकिय्याह के दसवें वर्ष में, यह वर्ष राजा नबूकदनेस्सर बाबुल के राजा का अठारहवाँ वर्ष था।

और बाबुल के राजा की सेना ने यरूशलेम को घेर लिया, और यिर्मयाह पहरों के आँगन में रखा गया था, जो राजा के घर में है, जिसमें राजा सिदकिय्याह ने उसको बंद कर दिया था, यह कहते हुए, तू क्यों भविष्यवाणी करता है, यह कहते हुए, प्रभु ने इस प्रकार कहा है, देखो, मैं इस शहर को बाबुल के राजा के हाथों में देता हूँ, और वह उसको ले लेगा? और सिदकिय्याह कसदियों के हाथ से नहीं बचाया जाएगा, क्योंकि वह निश्चित रूप से बाबुल के राजा के हाथों में सौंपा जाएगा, और उसका मुँह उसके मुँह से बोलेगा, और उसकी आँखें उसकी आँखें देखेंगी। और सिदकिय्याह बाबुल में प्रवेश करेगा, और वहाँ बैठेगा।

और प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया, यह कहते हुए, देखो, हनमेल जो शल्लूम का पुत्र है, तुम्हारे पिता के भाई का, तुम्हारे पास आता है और कहता है, मेरा खेत जो अनातोत में है, अपने लिए खरीद लो, क्योंकि उसे अधिकार में लेने का न्याय तुम्हारा है। और अनामेएल, जो शल्लूम का पुत्र था, मेरे पिता का भाई, रक्षा के आंगन में मेरे पास आया, और बोला, अपने लिए मेरा खेत प्राप्त करो जो बिन्यामीन की भूमि में अनाथोथ में है, क्योंकि तुम्हें उसे प्राप्त करने का

अधिकार है, और तुम बड़े हो। और मैंने जान लिया कि यह प्रभु का वचन है। और मैंने अपने पिता के भाई के पुत्र हनमेल का खेत अधिग्रहण किया, और उसको सत्रह शेकेल चांदी दी। और मैंने पुस्तक में लिखा, और मुहर लगाई, और गवाहों को गवाही दिलाई, और तराजू में चाँदी को तौला। और मैंने अधिग्रहण की मुहरबंद पुस्तक को लिया, और मैंने इसे बारूक को दिया, जो नेरियाह का पुत्र था, जो माशेयाह का पुत्र था, हनमेल की आँखों के सामने, जो मेरे पिता के भाई का पुत्र था, और उन पुरुषों की आँखों के सामने जो खड़े थे और अधिग्रहण की पुस्तक में लिख रहे थे, और उन यहूदियों की आँखों के सामने जो पहरे के प्रांगण में थे। और मैंने बारूक को उनकी उपस्थिति में आज्ञा दी, यह कहते हुए इस प्रकार सर्वशक्तिमान प्रभु ने कहा, इस स्वामित्व की पुस्तक को लो, और पढ़ी गई पुस्तक को, और इसे मिट्टी के पात्र में रखो, ताकि यह अधिक दिनों तक बनी रहे। क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा है, इस भूमि में अभी भी खेत, घर और अंगूर के बाग बनाए जाएंगे।

और मैंने प्रभु से प्रार्थना की, बारूक, नेरियाह के पुत्र को अधिग्रहण की पुस्तक देने के बाद, कहते हुए

हे प्रभु, जो हैं, तुमने अपनी महान शक्ति से और अपनी ऊँची और उठी हुई भुजा से आकाश और पृथ्वी को बनाया, तुमसे कुछ भी छिपा नहीं है। हजारों पर दया करने वाला, और पिताओं के पापों का फल उनके बाद उनके बच्चों की गोद में देने वाला, वह परमेश्वर जो महान है, जो शक्तिशाली है, महान परामर्श के प्रभु, और कार्यों में सामर्थ्यवान, महान परमेश्वर, सर्वशक्तिमान, और महान नाम वाले प्रभु, तुम्हारे नेत्र मनुष्यों के पुत्रों के मार्गों की ओर हैं, प्रत्येक को उसके मार्ग के अनुसार देने के लिए। जिसने मिस्र की भूमि में इस दिन तक चिन्ह और चमत्कार किए, और इस्राएल में, और पृथ्वी के लोगों में, और तुमने अपने लिए नाम बनाया, जैसे यह दिन है और तुमने अपने लोग इसराएल को मिस्र की भूमि से चिन्हों और चमत्कारों के द्वारा, शक्तिशाली हाथ से बाहर निकाला। और ऊँची भुजा से, और महान दर्शनों से, और तुमने उनको यह भूमि दी, जो तुमने उनके पितरों से शपथ ली थी, वह भूमि जिसमें दूध और शहद बहता है। और वे प्रवेश किए और

उन्होंने इसे ले लिया, और उन्होंने तुम्हारे स्वर को नहीं सुना, और तुम्हारे आदेशों में नहीं चले, जो सब कुछ मैंने उन्हें आदेश दिया था वह उन्होंने नहीं किया, और उन्होंने ये सब बुराईयाँ अपने ऊपर घटित होने दीं। देखो, एक भीड़ शहर में उसे पकड़ने के लिए आई है, और शहर कसदियों के हाथों में दे दिया गया जो तलवार और अकाल के कारण उसके विरुद्ध लड़ रहे थे; जैसा तूने कहा था, वैसा ही हुआ। और तू मुझसे कहता है कि अपने लिए चांदी देकर खेत खरीदो, और मैंने दस्तावेज़ लिखा, और मुहर लगाई, और गवाहों को बुलाया, और शहर कसदियों के हाथों में दे दिया गया।

और प्रभु का वचन मुझे मिला, जो कहता था

मैं प्रभु हूँ, समस्त प्राणियों का देवता; क्या मुझसे कुछ छिपाया जा सकेगा? इसलिए इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर ने कहा, यह नगर बाबुल के राजा के हाथों में सौंपा जाएगा, और वह उसे ले लेगा, और कसदी इस नगर पर लड़ते हुए आएंगे, और इस नगर को आग में जलाएंगे, और उन घरों को पूरी तरह जला देंगे जिनकी छतों पर उन्होंने बाल के लिए धूप जलाया, और अन्य देवताओं को अर्घ्य उंडेलते थे, मुझे क्रोधित करने के लिए, क्योंकि इस्राएल के पुत्र और यहूदा के पुत्र अपनी युवावस्था से मेरी दृष्टि में बुराई करते रहे थे। क्योंकि यह नगर मेरे क्रोध और मेरे कोप का कारण था, जिस दिन से उन्होंने इसे बनाया और आज तक, इसे मेरी दृष्टि से हटाने के लिए। इस्राएल और यहूदा के पुत्रों की सब दुष्टताओं के कारण, जो उन्होंने मुझे कड़वा करने के लिए किया, वे स्वयं और उनके राजा, और उनके शासक, और उनके याजक, और उनके भविष्यवक्ता, यहूदा के पुरुष, और यरूशलेम में निवास करने वाले, और उन्होंने मेरी ओर पीठ मोड़ ली, चेहरा नहीं, और मैंने उन्हें भोर से सिखाया, परन्तु उन्होंने शिक्षा ग्रहण करने के लिए फिर भी नहीं सुना। और उन्होंने अपनी अपवित्रताएं उस घर में रखीं, जहाँ मेरा नाम बुलाया गया था, अपनी अशुद्धियों में। और उन्होंने बाल की वेदियाँ बनाई जो हिन्नोम के पुत्र की घाटी में थीं, ताकि अपने पुत्रों और अपनी पुत्रियों को राजा मोलेक को चढ़ाएँ, जिसकी मैंने उन्हें आज्ञा नहीं दी थी, और यह घृणित कार्य करना मेरे हृदय में कभी नहीं आया, ताकि यहूदा को पाप करवाएँ।

और अब इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के ईश्वर ने उस नगर के विषय में कहा, जिसके बारे में तुम कहते हो, वह बाबुल के राजा के हाथों में तलवार से, और अकाल से और महामारी से सौंपा जाएगा। देखो, मैं उन्हें उस सारी पृथ्वी से इकट्ठा करता हूँ जहाँ मैंने उन्हें अपने क्रोध में, अपने कोप में और बड़े रोष में बिखेरा था, और मैं उन्हें इस स्थान पर लौटाऊँगा, और उन्हें भरोसा करते हुए बसाऊँगा। और वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। और मैं उन्हें दूसरा रास्ता और दूसरा हृदय दूँगा, ताकि वे सब दिन मुझसे डरें, और यह उनके लिए और उनके बाद उनके बच्चों के लिए अच्छा हो। और मैं उनके साथ एक शाश्वत वाचा बांधूँगा, जिससे मैं उनके पीछे से कभी नहीं मुड़ूँगा, और मैं अपना भय उनके हृदय में डालूँगा, ताकि वे मुझसे दूर न हों। और मैं उनका भला करने के लिए उनकी देखभाल करूँगा, और मैं उनको इस भूमि में विश्वास से, और अपने सम्पूर्ण हृदय से, और अपनी सम्पूर्ण आत्मा से रोपूँगा।

क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा, जैसा मैं इस लोगों पर यह सब महान बुराईयाँ लाया, इसी प्रकार मैं उन पर वह सब अच्छी चीजें लाऊँगा जो मैंने उनके विषय में कही हैं। और उस भूमि में अभी भी खेत अधिग्रहित किए जाएंगे, जिसके बारे में तुम कहते हो कि वह मनुष्यों और पशुओं से दुर्गम होगी, और वे कसदियों के हाथों में सौंपे गए। और वे चांदी से खेत अधिग्रहण करेंगे, और तुम पुस्तक लिखोगे और मुहर लगाओगे, और गवाहों को गवाही दोगे बिन्यामीन की भूमि में, और यरूशलेम के चारों ओर, और यहूदा के नगरों में, और पहाड़ के नगरों में, और शेफेलाह के नगरों में, और नेगेव के नगरों में, क्योंकि मैं उनके निर्वासन को लौटाऊँगा।

40

और प्रभु का वचन यिरम्याह के पास दूसरी बार आया, और वह अभी भी पहरों के आंगन में बंधा हुआ था, कहता हुआ,

इस प्रकार प्रभु ने कहा, जो पृथ्वी को बनाता है और उसे रूप देता है, उसे स्थापित करने के लिए, प्रभु उसका नाम है, मेरी ओर पुकारो, और मैं तुम्हें उत्तर दूंगा, और मैं तुम्हें महान और शक्तिशाली बातें बताऊंगा, जो तुमने नहीं जानी थीं। क्योंकि प्रभु ने इस नगर के घरों के विषय में और यहूदा के राजा के घरों के विषय में, जो खूंटों और प्राचीरों में ध्वस्त किए गए, इस प्रकार कहा, कसदियों से लड़ने के लिए, और उसे मृत मनुष्यों से भरने के लिए, जिन्हें मैंने अपने क्रोध में और अपने कोप में मारा, और मैंने अपना चेहरा उनसे फेर लिया, उनकी सब दुष्टताओं के कारण। देखो, मैं इसके लिए चंगाई और उपचार लाता हूँ, और मैं उन्हें प्रकट करूँगा, और मैं इसे चंगा करूँगा, और मैं शांति और विश्वास स्थापित करूँगा।

और मैं यहूदा के उपनिवेश को और इस्राएल के उपनिवेश को वापस लाऊँगा, और मैं उनको वैसे ही बनाऊँगा जैसे पहले था। और मैं उन्हें उनके सब अन्यायों से शुद्ध करूँगा, जो उन्होंने मेरे विरुद्ध किए, और मैं उनके पापों को याद नहीं करूँगा, जो उन्होंने मेरे विरुद्ध किए और मुझसे दूर हो गए। और यह आनंद और स्तुति में होगा, और पृथ्वी के सब लोगों के लिए महानता में होगा, जो सब अच्छी चीजें सुनेंगे जो मैं करूँगा, और वे डरेंगे और सब अच्छी चीजों के बारे में कड़वे होंगे, और उस सब शांति के बारे में जो मैं उनके लिए करूँगा।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, अभी भी इस स्थान में सुना जाएगा, जिसे तुम कहते हो कि मनुष्यों और पशुओं से निर्जन है, यहूदा के नगरों में, और यरूशलेम के बाहर, जो उजड़े हुए हैं, क्योंकि वहाँ मनुष्य और पशु नहीं हैं, आनंद की आवाज़, और हर्ष की आवाज़, दूल्हे की आवाज़, और दुल्हन की आवाज़, उन लोगों की आवाज़ जो कहते हैं, सर्वशक्तिमान प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि प्रभु भला है, क्योंकि उसकी दया युगों तक है, और वे प्रभु के घर में उपहार लाएंगे, क्योंकि मैं उस पृथ्वी के सब निर्वासितों को पहले की तरह लौटाऊँगा, प्रभु ने कहा। इस प्रकार शक्तियों के प्रभु ने कहा, अभी भी इस उजाड़ स्थान में होगा, जहाँ मनुष्य और पशु नहीं हैं, उसके सब नगरों में चरवाहों के निवास होंगे जो भेड़ों को लिटाते हैं, पहाड़ी शहरों में, और शेफेलाह के शहरों में, और नेगेव के शहरों में, और बिन्यामीन की भूमि में, और यरूशलेम के चारों ओर, और यहूदा के शहरों

में, भेड़ें अभी भी गिनने वाले के हाथ से होकर गुजरेंगी, प्रभु ने कहा।

41

वह वचन जो यिर्मयाह के पास प्रभु की ओर से आया, और नबूकदनेस्सर बाबुल का राजा, और उसकी सारी सेना, और उसके राज्य की सारी भूमि यरूशलेम पर, और यहूदा के सब नगरों पर युद्ध कर रहे थे, यह कहते हुए,

इस प्रकार प्रभु ने कहा, यहूदा के राजा सिदकिय्याह के पास जाओ, और उससे कहो, इस प्रकार प्रभु ने कहा, यह नगर बाबुल के राजा के हाथ में निश्चित रूप से सौंपा जाएगा, और वह उसे पकड़ेगा, और उसे आग में जलाएगा। और तू उसके हाथ से नहीं बचाया जाएगा, और तू पकड़ा जाएगा, और उसके हाथों में दिया जाएगा, और तेरी आँखें उसकी आँखों को देखेंगी, और तू बाबुल में प्रवेश करेगा।

लेकिन प्रभु का वचन सुनो, हे यहूदा के राजा सिदकिय्याह, प्रभु यह कहते हैं, तू शांति से मरेगा, और जैसे तेरे पिताओं के लिए रोए जो तुझसे पहले शासन करते थे, वैसे ही तेरे लिए भी रोएंगे, हाय प्रभु, और अधोलोक तक तेरे लिए विलाप करेंगे, क्योंकि यह वचन मैंने बोला है, प्रभु ने कहा।

और यिर्मयाह ने राजा सिदकिय्याह को ये सब शब्द यरूशलेम में कहे। और बाबुल के राजा की सेना यरूशलेम पर, और यहूदा के शहरों पर, और लाकीश पर, और अजेका पर लड़ रही थी, क्योंकि ये यहूदा के शहरों में किलेबंद शहर बचे हुए थे।

वह वचन जो यिर्मयाह के पास प्रभु की ओर से आया, इसके बाद कि राजा सिदकिय्याह ने लोगों

के साथ वाचा बाँधी, मुक्ति की घोषणा करने के लिए, प्रत्येक को अपना सेवक भेजने के लिए, और प्रत्येक को अपनी युवा स्त्री, इब्री और इब्री स्त्री को स्वतंत्र, ताकि यहूदा से पुरुष सेवा न करे। और सभी रईस मुड़ गए, और सभी लोग जो वाचा में प्रवेश किए थे, प्रत्येक अपने दास को और प्रत्येक अपनी दासी को भेजने के लिए। और उन्होंने उनको सेवकों और दासियों में डाल दिया था।

और प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया, जो यह कह रहा था इस प्रकार प्रभु ने कहा, मैंने तुम्हारे पिताओं के साथ उस दिन वाचा स्थापित की जिस दिन मैंने उनको मिस्र की भूमि से, दासता के घर से छुड़ाया, यह कहते हुए जब छः वर्ष पूरे हो जाएं, तुम अपने इब्री भाई को भेजोगे, जो तुम्हें बेचा गया है, और वह तुम्हारे लिए छः वर्ष काम करे, और तुम उसे स्वतंत्र करके भेज दोगे, और उन्होंने मेरी नहीं सुनी, और उन्होंने अपना कान नहीं झुकाया। और आज वे मेरी आँखों के सामने सही करने को लौटे, प्रत्येक ने अपने पड़ोसी की मुक्ति की घोषणा की, और उन्होंने मेरे सामने उस घर में वाचा पूरी की जिस पर मेरा नाम पुकारा गया था। और तुम लौटे और तुमने मेरे नाम को अपवित्र किया, प्रत्येक अपने दास को लौटाने के लिए और प्रत्येक अपनी दासी को, जिनको तुमने उनकी आत्मा के लिए स्वतंत्र भेजा था, तुम्हारे लिए दास और दासियों में होने के लिए।

इसलिए प्रभु ने इस प्रकार कहा, तुमने मेरी नहीं सुनी, प्रत्येक अपने पड़ोसी के लिए मुक्ति की घोषणा करने के लिए, देखो मैं तुम्हारे लिए तलवार में, मृत्यु में, और अकाल में मुक्ति की घोषणा करता हूँ, और मैं तुम्हें पृथ्वी के सब राज्यों में बिखराव में दे दूँगा। और मैं उन पुरुषों को दण्ड दूँगा जिन्होंने मेरी वाचा का उल्लंघन किया, जिन्होंने मेरी वाचा को स्थापित नहीं किया जो उन्होंने मेरे सामने की थी, उस बछड़े के समान जो उन्होंने बनाया था उसकी सेवा करने के लिए, यहूदा के शासकों को, शासकों को, पुजारियों को और लोगों को, और मैं उनको उनके शत्रुओं को दे दूँगा, और उनके मृत शरीर आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के पशुओं का भोजन होंगे। और यहूदिया के राजा सिदकिय्याह को, और उनके शासकों को मैं उनके शत्रुओं के हाथों में दे दूँगा, और बाबुल के

राजा की शक्ति उनसे भागने वालों के विरुद्ध होगी। देखो, मैं आदेश देता हूँ, प्रभु कहता है, और मैं उनको इस भूमि में वापस लाऊंगा, और वे इस पर युद्ध करेंगे, और वे इसे ले लेंगे, और वे इसे आग में जला देंगे, और यहूदा के नगरों को मैं निवासियों से रहित करके उजाड़ बना दूंगा।

42

वह वचन जो यिर्मयाह के पास प्रभु की ओर से यहूदा के राजा यहोयाकीम के दिनों में आया, यह कहता हुआ: अखबिइन के घर में जाओ, और तुम उन्हें प्रभु के घर में, कक्षों में से एक में ले जाओगे, और तुम उन्हें दाखरस पिलाओगे।

और मैंने यिकुनियाह को, जो यिर्मयाह का पुत्र था, जो खबासीन का पुत्र था, और उसके भाइयों को, और उसके पुत्रों को, और अखबेईन के सम्पूर्ण घर को बाहर निकाला, और वे उन्हें प्रभु के घर में ले गए, योनान के पुत्रों के कक्ष में, जो हनन्याह का पुत्र था, जो गदल्याह का पुत्र था, जो परमेश्वर का जन था, जो शासकों के घर के निकट था, जो माशेयाह के घर के ऊपर था, जो शल्लूम का पुत्र था, जो आंगन की रखवाली करता था। और मैंने उनके सामने शराब का मटका और प्याले रखे, और मैंने कहा, शराब पीओ।

और मैंने कहा, हम शराब नहीं पीएंगे, क्योंकि हमारे पिता रेकाब के पुत्र योनादाब ने हमें आज्ञा दी थी, कहते हुए, तुम और तुम्हारे पुत्र युगों तक शराब न पीना। और तुम घर नहीं बनाओगे, और तुम बीज नहीं बोओगे, और तुम्हारे लिए अंगूर का बाग नहीं होगा, क्योंकि तुम तंबुओं में अपने सभी दिन निवास करोगे, ताकि तुम उस पृथ्वी पर बहुत दिन जीओ, जिस पर तुम रहते हो। और हमने अपने पिता योनादाब की आवाज़ सुनी कि दाखरस न पीएँ अपने सभी दिनों में, हम और हमारी पत्नियाँ, और हमारे पुत्र, और हमारी पुत्रियाँ, और वहाँ निवास करने के लिए घर न बनाने के विषय में, और अंगूर का बाग और खेत और बीज हमारे पास नहीं रहा। और हम तंबुओं में रहे,

और हमने सुना, और हमने वह सब किया जो हमारे पिता योनादाब ने हमें आज्ञा दी थी। और ऐसा हुआ कि जब नबूकदनेस्सर उस भूमि पर चढ़ आया, तो हमने प्रवेश करने का निर्णय लिया, और हम यरूशलेम में प्रवेश कर गए, कसदियों की सेना के सामने से, और अशशूरियों की सेना के सामने से, और हम वहाँ रहने लगे।

और प्रभु का वचन मुझे मिला, जो कहता था इस प्रकार प्रभु कहता है, जाओ और यहूदा के मनुष्य को और यरूशलेम में निवास करने वालों को कहो, क्या तुम मेरे शब्दों को सुनने की शिक्षा नहीं लोगे? योनादाब के पुत्र रेकाब के पुत्रों ने उस वचन को स्थापित किया जो उसने अपनी संतान को दाखरस न पीने की आज्ञा दी थी, और उन्होंने नहीं पिया, और मैंने भोर से तुमसे बात की, परन्तु तुमने नहीं सुना। और मैंने तुम्हारे पास अपने सेवकों को, भविष्यवक्ताओं को भेजा, यह कहते हुए, प्रत्येक अपने बुरे मार्ग से लौट आओ, और अपने आचरणों को बेहतर करो, और दूसरे देवताओं के पीछे उनकी सेवा करने के लिए मत जाओ, और तुम उस भूमि पर निवास करोगे जो मैंने तुम्हें और तुम्हारे पिताओं को दी, और तुमने अपने कान नहीं झुकाए, और नहीं सुना। और योनादाब के पुत्रों ने, जो रेकाब का पुत्र था, अपने पिता की आज्ञा का पालन किया, लेकिन इन लोगों ने मेरी नहीं सुनी। इसलिए प्रभु ने यह कहा, देखो, मैं यहूदा पर और यरूशलेम में रहने वालों पर वे सभी बुराईयाँ लाऊँगा जो मैंने उनके विषय में कही थीं।

इसलिए प्रभु ने इस प्रकार कहा, क्योंकि योनादाब के पुत्रों ने, जो रेकाब का पुत्र था, अपने पिता की आज्ञा को माना और वैसा ही किया जैसा उनके पिता ने उन्हें आज्ञा दी थी, योनादाब के पुत्र रेकाब के पुत्रों में से मेरे सामने खड़ा होने वाला पुरुष पृथ्वी के सब दिनों में कभी नहीं छूटेगा।

43

चौथे वर्ष में यहोयाकीम का, जो योशियाह का पुत्र और यहूदा का राजा था, प्रभु का वचन मेरे

पास आया और कहा,

अपने लिए पुस्तक का एक पत्र लो, और उस पर वे सब शब्द लिखो जो मैंने तुमसे यरूशलेम के विषय में, यहूदा के विषय में, और सब जातियों के विषय में कहे हैं, उस दिन से जब मैंने तुमसे यहूदा के राजा योशियाह के दिनों से बात करनी आरम्भ की, और आज के दिन तक। शायद यहूदा का घराना उन सब बुराइयों को सुनेगा जो मैं उनके साथ करने की योजना बना रहा हूँ, ताकि वे अपने बुरे रास्ते से फिर जाएँ, और मैं उनके अन्यायों और उनके पापों के प्रति कृपालु होऊँगा।

और यिर्मयाह ने बारूक को, जो नेरियाह का पुत्र था, बुलाया, और यिर्मयाह के मुख से प्रभु के सब शब्द, जो उसने उससे कहे थे, पुस्तक के पत्र में लिखे। और यिर्मयाह ने बारूक को आदेश दिया, कहता हुआ, मैं रोका गया हूँ, मैं प्रभु के घर में प्रवेश नहीं कर सकता। और तू इस पुस्तक को प्रभु के घर में लोगों के कानों में उपवास के दिन पढ़ेगा, और अपने नगरों से आने वाले सब यहूदा के कानों में तू उनको पढ़ेगा। शायद प्रभु के सामने उनकी दया गिरेगी, और वे अपने बुरे मार्ग से लौटेंगे, क्योंकि प्रभु का क्रोध और कोप महान है, जो उन्होंने इन लोगों पर बोला।

और बारूक ने वह सब किया जो यिर्मयाह ने उसको आज्ञा दी थी, कि प्रभु के घर में पुस्तक में प्रभु के वचन पढ़े। और ऐसा हुआ कि राजा यहोयाकीम के आठवें वर्ष में, नौवें महीने में, यरूशलेम के सब लोगों ने और यहूदा के घराने ने प्रभु के सामने उपवास की घोषणा की। और बारूक ने प्रभु के घर में, लेखक शाफान के पुत्र गमर्याह के घर में, प्रभु के घर के नए द्वार के प्रवेश-कक्षों में ऊपरी आँगन में, यिर्मयाह के शब्दों को पुस्तक से पढ़ा, और सब लोगों के कानों में पढ़ा।

और मीकायाह ने, जो गमर्याह का पुत्र था और शाफान का पोता था, प्रभु के सब वचन पुस्तक से सुने। और वह राजा के घर में, लेखक के कक्ष में गया, और देखो, वहाँ सब शासक बैठे थे:

एलिशामा लेखक, और दलायाह जो शेलेमियाह का पुत्र था, और योनातान जो अकबोर का पुत्र था, और गमर्याह जो शाफान का पुत्र था, और सिदकिय्याह जो हनन्याह का पुत्र था, और सब शासक। और मीकायाह ने उन्हें वे सब शब्द बताए जो उसने बारूक को लोगों के कानों में पढ़ते हुए सुने थे।

और सभी शासकों ने नेरियाह के पुत्र बारूक के पास यहूदी को भेजा, जो नतन्याह का पुत्र था, जो शेलेम्याह का पुत्र था, जो कूशी का पुत्र था, यह कहते हुए, वह पुस्तक जिसे तुम लोगों के कानों में पढ़ रहे हो, उसे अपने हाथ में लो और आओ। और बारूक ने पुस्तक ली और उनके पास गया। और मैंने उससे कहा, फिर से हमारे कानों में पढ़ो, और बारूक ने पढ़ा। और ऐसा हुआ कि जब उन्होंने सब शब्द सुने, तो उन्होंने प्रत्येक ने अपने पड़ोसी से परामर्श लिया, और कहा, घोषणा करते हुए हम राजा को ये सब शब्द बताएं। और उन्होंने बारूक से पूछा, तूने ये सब शब्द कहाँ लिखे? और बारूक ने कहा, यिर्मयाह ने अपने मुँह से मुझे ये सब शब्द बताए, और मैं पुस्तक में लिख रहा था। और मैंने बारूक से कहा, जाओ, और तुम और यिर्मयाह स्वयं को छिपा लो, कोई आदमी न जाने कि तुम कहाँ हो।

और वे राजा के पास दरबार में गए, और उन्होंने पुस्तक को एलीशामा के घर में रखने के लिए दिया, और उन्होंने राजा को ये सब शब्द सुनाए। और राजा ने यहूदी को पुस्तक लेने के लिए भेजा, और उसने इसे एलीशामा के घर से लिया, और यहूदी ने राजा के कानों में और सब शासकों के कानों में पढ़ा, जो राजा के पास खड़े हुए थे। और राजा शीतकालीन घर में बैठा था, और उसके सामने आग की अंगीठी थी। और ऐसा हुआ कि जब यहूदी तीन-चार स्तंभ पढ़ रहा था, तो उसने लेखक के चाकू से उन्हें काट दिया और अंगीठी पर जल रही आग में फेंक दिया, जब तक कि सारी पुस्तक अंगीठी पर जल रही आग में समाप्त नहीं हो गई। और राजा और उसके सेवकों ने, जो ये सब शब्द सुन रहे थे, न तो खोजा और न अपने वस्त्र फाड़े। और एलनाथान और गदल्याह ने राजा को सुझाव दिया कि पुस्तक को जला दें।

और राजा ने राजा के पुत्र यिरमेल को और अज़ीएल के पुत्र सरायाह को बारूक और यिर्मयाह को पकड़ने की आज्ञा दी, परन्तु वे छिपा दिए गए थे।

और यह हुआ कि प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया, इसके बाद कि राजा ने उस पुस्तक को जला दिया, जिसमें वे सब वचन थे जो बारूक ने यिर्मयाह के मुख से लिखे थे, यह कहते हुए, फिर तुम दूसरा स्क्रॉल लो, और उन सब शब्दों को लिखो जो उस कागज़ पर थे, जिन्हें राजा यहोयाकीम ने जलाया था। और तू कहेगा, प्रभु ने इस प्रकार कहा: तूने इस पुस्तक को जलाया, यह कहते हुए, तूने इस पर क्यों लिखा कि बाबुल का राजा निश्चित रूप से प्रवेश करेगा और इस भूमि को नष्ट करेगा, और इस पर से मनुष्य और पशु समाप्त हो जाएंगे?

इसलिए प्रभु ने यहूदा के राजा यहोयाकीम के विषय में इस प्रकार कहा, दाऊद के सिंहासन पर बैठने के लिए उसका कोई नहीं होगा, और उसका शव दिन की गर्मी में और रात के पाले में फेंका हुआ पड़ा रहेगा। और मैं उस पर दंड दूंगा, और उसकी जाति पर, और उसके सेवकों पर, और मैं उस पर लाऊंगा, और यरूशलेम के निवासियों पर, और यहूदा की भूमि पर, वे सब बुराइयां जो मैंने उनसे कहीं, और उन्होंने नहीं सुना।

और बारूक ने दूसरा पुस्तक लिया, और यिर्मयाह के मुख से उस पर पुस्तक के सब शब्द लिखे, जिनको यहोयाकीम ने जलाया था, और उसमें और भी अधिक शब्द जोड़े गए, जैसे ये थे।

44

और सिदकिय्याह, जो योशिय्याह का पुत्र था, यहोयाकीम के स्थान पर राज्य करने लगा, जिसे नबूकदनेस्सर ने यहूदा पर राज्य करने के लिए नियुक्त किया था। और उसने और उसके सेवकों ने और उस भूमि के लोगों ने प्रभु के वे वचन नहीं सुने, जो उसने यिर्मयाह के हाथ में बोले थे।

और राजा सिदकिय्याह ने सेलेमियो के पुत्र योआखाल को, और माअसैयो के पुत्र सपन्याह याजक को यिर्मयाह के पास भेजा और कहा, हमारे लिए प्रभु से प्रार्थना करो। और यिर्मयाह आया और शहर के बीच से होकर गया, और उन्होंने उसे कारागार में नहीं डाला। और फिरौन की सेना मिस्र से बाहर निकली, और कसदियों ने उनके बारे में सुना, और यरूशलेम पर चढ़ाई की।

और प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया, जो कहता था प्रभु ने इस प्रकार कहा, तुम यहूदा के राजा से, जिसने तुम्हें मुझसे पूछने के लिए भेजा है, इस प्रकार कहोगे, देखो, फिरौन की सेना जो तुम्हारी सहायता के लिए निकली है, वह मिस्र की भूमि को लौट जाएगी। और कसदी स्वयं लौटेंगे, और इस शहर पर लड़ेंगे, और इसे पकड़ेंगे, और इसे आग में जलाएंगे। क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा है, अपने मन में यह मत मान लो कि कसदी हम से भागकर चले जाएंगे, क्योंकि वे कदापि नहीं जाएंगे। और यदि तुम कसदियों की सारी शक्ति को, जो तुमसे युद्ध कर रहे हैं, मार दो, और कुछ घायल लोग बच जाएं, प्रत्येक अपने स्थान पर, तो ये उठेंगे और इस नगर को आग में जला देंगे।

और ऐसा हुआ कि जब कसदियों की सेना यरूशलेम से फिरौन की सेना के सामने से चली गई, यिर्मयाह यरूशलेम से बिन्यामीन की भूमि में जाने के लिए निकला, वहाँ से लोगों के बीच में खरीदने के लिए। और ऐसा हुआ कि वह बिन्यामीन के द्वार में था, और वहाँ एक आदमी था जिसके पास वह ठहरा था, सरूयाह का पुत्र शेलेम्याह, जो हनन्याह का पुत्र था, और उसने यिर्मयाह को पकड़ लिया, कहते हुए, तू कसदियों की ओर भाग रहा है। और उसने कहा, यह झूठ है, मैं कसदियों की ओर नहीं भाग रहा हूँ, और उसने उसकी नहीं सुनी, और सरूयाह ने यिर्मयाह को पकड़ लिया, और उसे शासकों के पास ले गया। और शासक यिर्मयाह पर क्रोधित हुए, और उन्होंने उसे मारा, और उसे लेखक योनातान के घर में भेजा, क्योंकि उन्होंने इसे कारागार बना दिया था।

और यिर्मयाह गढ़े के घर में आया, और कालकोठरी में, और वहाँ बहुत दिनों तक बैठा रहा। और

सिदकिय्याह ने भेजा और उसको बुलाया, और राजा ने उससे गुप्त रूप से पूछा कि क्या प्रभु की ओर से कोई वचन है? और उसने कहा, है; तू बाबुल के राजा के हाथों में सौंपा जाएगा। और यिर्मयाह ने राजा से कहा, मैंने तुम्हारे साथ क्या गलत किया है, और तुम्हारे सेवकों के साथ, और इन लोगों के साथ, कि तुम मुझे कारागार के घर में डालते हो? और कहाँ हैं तुम्हारे वे भविष्यवक्ता जिन्होंने तुम से भविष्यवाणी की थी, यह कहते हुए कि बाबुल का राजा इस भूमि पर नहीं आएगा? और अब, हे प्रभु राजा, मेरे ऊपर आपकी दया हो, और आप मुझे लेखक योनातान के घर में क्यों वापस भेज रहे हैं? कहीं मैं वहाँ मर न जाऊँ। और राजा ने आदेश दिया, और उन्होंने उसे कारागार के घर में डाल दिया, और उसे प्रतिदिन एक रोटी देते थे, बाहर से जहाँ वे पकाते हैं, जब तक नगर से रोटियाँ समाप्त नहीं हो गई, और यिर्मयाह कारागार के आँगन में बैठा रहा।

45

और सफनियाह, जो नाथान का पुत्र था, और गदल्याह, जो पशहूर का पुत्र था, और योआखल, जो शेलेम्याह का पुत्र था, उन्होंने वे शब्द सुने जो यिर्मयाह लोगों से कह रहा था।

इस प्रकार प्रभु ने कहा, जो इस नगर में निवास करता है, वह तलवार और अकाल से मरेगा, और जो कसदियों की ओर निकलेगा, वह जीएगा, और उसकी आत्मा लूट में होगी, और वह जीएगा। क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा, यह शहर बाबुल के राजा की शक्ति के हाथों में सौंपा जाएगा, और वह उसे पकड़ लेगा। और उन्होंने राजा से कहा, वह आदमी मार डाला जाए, क्योंकि वह उन योद्धाओं के हाथ कमजोर कर रहा है जो शहर में बचे हुए हैं, और सभी लोगों के हाथ कमजोर कर रहा है, उनसे ये बातें कहकर, क्योंकि यह आदमी इन लोगों के लिए शांति की भविष्यवाणी नहीं करता बल्कि बुराई की करता है। और राजा ने कहा, देखो, वह तुम्हारे हाथों में है, क्योंकि राजा उनके विरुद्ध कुछ नहीं कर सका। और उन्होंने उसको मेल्खियाह के गढ़ में फेंका, जो राजा का

पुत्र था, जो पहरे के आंगन में था, और उन्होंने उसको गढ़े में उतारा, और गढ़े में पानी नहीं था, लेकिन कीचड़ था, और वह कीचड़ में था।

और अब्देमेलक इथियोपियाई ने सुना, और वह राजा के घर में था, कि उन्होंने यिर्मयाह को गढ़े में डाल दिया, और राजा बिन्यामीन के द्वार पर था, और वह उसके पास गया, और राजा से बोला, और कहा, तूने दुष्टता से काम किया है, जो तूने इस आदमी को अकाल के मुख से मारने के लिए किया, क्योंकि शहर में अब रोटियाँ नहीं हैं। और राजा ने अब्देमेलक को आज्ञा दी, यहाँ से तीस आदमियों को अपने साथ ले जा, और उसे गढ़े से बाहर निकाल ला, ताकि वह न मरे। और अब्देमेलक ने लोगों को लिया, और राजा के भूमिगत घर में प्रवेश किया, और वहाँ से पुराने चिथड़े और पुरानी रस्सियाँ लीं, और उन्हें गढ़े में यिर्मयाह की ओर फेंका। और उसने कहा, इन्हें रस्सियों के नीचे रख दो, और यिर्मयाह ने ऐसा ही किया। और उन्होंने उसको रस्सियों से खींचा, और उसको गढ़े से ऊपर लाया, और यिर्मयाह पहरे के आँगन में बैठा।

और राजा ने भेजा और उसे अपने पास असेलेइसेल के घर में बुलाया, जो प्रभु के घर में था, और राजा ने उससे कहा, मैं तुमसे एक बात पूछूंगा, और तुम मुझसे कोई बात मत छिपाना।

और यिर्मयाह ने राजा से कहा, यदि मैं तुम्हें बताऊँ, तो क्या तुम मुझे मृत्युदंड नहीं दोगे? और यदि मैं तुम्हें सलाह दूँ, तो तुम मेरी नहीं सुनोगे। और राजा ने उससे शपथ खाई, कहते हुए, प्रभु जीवित है जिसने हमें यह आत्मा बनाई, अगर मैं तुम्हें मारूंगा, और अगर मैं तुम्हें इन मनुष्यों के हाथों में दूंगा।

और यिर्मयाह ने उससे कहा, प्रभु ने इस प्रकार कहा है: यदि तू बाहर जाकर बाबुल के राजा के नेताओं के पास जाएगा, तो तेरी आत्मा जीवित रहेगी, और यह नगर आग में नहीं जलाया जाएगा, और तू और तेरा घर जीवित रहेंगे। और यदि तुम बाहर नहीं जाओगे, तो यह शहर कसदियों के हाथों में दे दिया जाएगा, और वे इसे आग में जला देंगे और तुम नहीं बचाए जाओगे।

और राजा ने यिर्मयाह से कहा, मैं उन यहूदियों के विषय में डरता हूँ जो कसदियों के पास भाग गए हैं, कहीं वे मुझे उनके हाथों में न सौंप दें, और वे मेरा उपहास करें।

और यिर्मयाह ने कहा, वे तुम्हें नहीं सौंपेंगे, प्रभु के शब्द को सुनो, जो मैं तुमसे कहता हूँ, और तुम्हारे लिए बेहतर होगा, और तुम्हारी आत्मा जीवित रहेगी। और यदि तुम बाहर जाना नहीं चाहते हो, तो यह वह वचन है जो प्रभु ने मुझे दिखाया और देखो, सब स्त्रियाँ जो यहूदा के राजा के घर में छोड़ी गई थीं, बाबुल के राजा के शासकों की ओर निकाली गई, और ये कह रही थीं, तुझे धोखा दिया है, और तेरे शांतिपूर्ण पुरुष तुझे समर्थ होंगे, और तेरे पैर को फिसलन वाले स्थानों में फिसला देंगे, वे तुझ से फिर गए। और तेरी स्त्रियों और तेरे बच्चों को वे कसदियों के पास ले जाएंगे, और तू नहीं बचाया जाएगा, क्योंकि तू बाबुल के राजा के हाथ में पकड़ा जाएगा, और यह नगर जलाया जाएगा।

और राजा ने उससे कहा, कोई आदमी इन बातों को न जाने, और तू नहीं मरेगा। और अगर वे शासक सुनें कि मैंने तुझसे बात की, और वे तेरे पास आए, और वे तुझसे कहें, हमें बता, राजा ने तुझसे क्या कहा; हमसे मत छिपा, और हम तुझे नहीं मारेंगे, और राजा ने तुझसे क्या कहा? और तुम उनसे कहोगे, मैं राजा की आँखों के सामने अपनी दया डालता हूँ, ताकि मुझे योनातान के घर में वापस न भेजा जाए, और मैं वहाँ मर जाऊँ।

और सभी शासक यिर्मयाह के पास आए, और उन्होंने उससे पूछा, और उसने उन्हें उन सभी शब्दों के अनुसार सूचना दी जिनका राजा ने उसे आदेश दिया था, और वे चुप रहे, क्योंकि प्रभु का वचन सुना नहीं गया था। और यिर्मयाह पहर के प्रांगण में बैठा रहा, उस समय तक जब यरूशलेम पकड़ा गया।

और ऐसा हुआ कि यहूदा के राजा सिदकिय्याह के नौवें महीने में, बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर और उसकी सारी सेना यरूशलेम पर आई, और उन्होंने उसे घेर लिया। और सिदकिय्याह के ग्यारहवें वर्ष में, चौथे महीने के नौवें दिन, शहर तोड़ा गया। और बेबीलोन के राजा के सभी सरदार प्रवेश किए और मध्य द्वार में बैठ गए - नेर्गल शरेजर, समगर नेबो, सरसेकिम, नेर्गल शरेजर रब माग, रब माग, और बेबीलोन के राजा के शेष नेता। और उन्होंने भेजकर यिर्मयाह को पहरे के आँगन से लिया, और उसे गदल्याह के पास सौंपा, जो अहीकाम का पुत्र और शाफान का पोता था, और उसे बाहर निकाला, और वह लोगों के बीच में रहने लगा।

और यिर्मयाह के पास प्रभु का वचन पहरे के आँगन में आया, जो कहता था, जाओ और इथियोपियाई अब्देमेलेक से कहो, इस्राएल के परमेश्वर प्रभु ने यह कहा है: देखो, मैं इस नगर पर अपने वचन बुराई के लिए ला रहा हूँ, भलाई के लिए नहीं। और मैं तुझे उस दिन बचाऊंगा, और मैं तुझे उन मनुष्यों के हाथों में नहीं दूंगा जिनके चेहरे से तू डरता है, क्योंकि मैं निश्चित रूप से तुझे बचाऊंगा, और तू तलवार से नहीं गिरेगा, और तेरा प्राण तेरे लिए बचाई हुई वस्तु के समान होगा, क्योंकि तूने मुझ पर भरोसा किया था, प्रभु कहता है।

47

वह वचन जो प्रभु की ओर से यिर्मयाह के पास आया, इसके बाद कि नबूजरदान मुख्य रसोइया ने उसे रामाह से भेजा, जब उसने उसे हथकड़ियों में लिया, यहूदा के निर्वासितों के बीच जो बाबुल को ले जाए गए थे।

और मुख्य रसोइये ने उसे लिया और उससे कहा, तेरे परमेश्वर प्रभु ने इस स्थान पर ये विपत्तियाँ आने की बात कही थी। और प्रभु ने ऐसा किया, क्योंकि तुमने उसके विरुद्ध पाप किया, और तुमने उसकी वाणी नहीं सुनी। देखो, मैंने तुम्हें तुम्हारे हाथों की बेड़ियों से मुक्त कर दिया है। यदि

तुम्हें मेरे साथ बाबुल जाना अच्छा लगे, तो मैं अपनी नज़र तुम पर रखूंगा। यदि नहीं, तो भाग जाओ और गदोलियाह के पास लौट जाओ, जो अहीकाम का पुत्र और शाफान का पौत्र है, जिसे बाबुल के राजा ने यहूदा की भूमि में नियुक्त किया है। यहूदा की भूमि में लोगों के बीच उसके साथ निवास करो। जो कुछ भी तुम्हारी दृष्टि में अच्छा हो, वहाँ जाओ। और मुख्य रसोइये ने उसे उपहार दिए और उसे भेज दिया। और वह गदल्याह के पास मिस्पा में आया, और अपने लोगों के बीच बैठा, जो भूमि में छोड़े गए थे।

और मैदान में रहने वाली सेना के सभी नेताओं ने, वे और उनके पुरुषों ने, सुना कि बाबुल के राजा ने गदल्याह को भूमि में नियुक्त किया है, और उन्होंने उसे अपने पुरुषों और स्त्रियों को सौंपा, जिन्हें उसने बाबुल में नहीं बसाया था। और गदल्याह के पास मिस्पा में आए: नतन्याह का पुत्र इस्राएल, और कारेह का पुत्र योहानान, और तन्हूमेत का पुत्र सरायाह, और नतोपाती योफे के पुत्र, और माकाती का पुत्र एजोन्याह, वे स्वयं और उनके लोग।

और गदल्याह ने उनको और उनके पुरुषों को शपथ खाई, कहते हुए, कसदियों के सेवकों के चेहरे से मत डरो, भूमि में निवास करो और बाबुल के राजा की सेवा करो, और तुमको बेहतर होगा। और देखो, मैं तुम्हारे सामने मिस्पा में बैठता हूँ, कसदियों के सामने खड़ा होने के लिए जो तुम पर आएँ, और तुम दाखरस और फल और तेल इकट्ठा करो, और अपने बर्तनों में डालो, और उन नगरों में बसो जिन्हें तुमने ले लिया है।

और मोआब में, अम्मोन के पुत्रों में, इदूमिया में और सारी भूमि में रहने वाले सब यहूदियों ने सुना कि बाबुल के राजा ने यहूदा के लिए एक अवशेष छोड़ा है, और उसने उनके ऊपर अहीकाम के पुत्र गदल्याह को नियुक्त किया है। और वे यहूदा की भूमि में मिस्पा में गदल्याह के पास आए, और उन्होंने दाखमधु, बहुत अधिक फल और तेल एकत्र किया।

और कारेह का पुत्र योहानान, और शक्ति के सब नेता, जो खेतों में थे, मिस्पा में गदल्याह के पास

आए, और उन्होंने उससे कहा, क्या तू निश्चित रूप से जानता है कि अम्मोन के पुत्र राजा बेलैसा ने इश्माएल को तेरे पास तेरी आत्मा को मारने के लिए भेजा है? और गदल्याह ने उन पर विश्वास नहीं किया। और योहानान ने मिस्याह में गदल्याह से गुप्त रूप से कहा, मैं वास्तव में जाऊंगा और इश्माएल को मारूंगा, और कोई न जाने, ऐसा न हो कि वह तेरे प्राण को मारे, और सारा यहूदा जो तेरे पास एकत्रित हुआ है तितर-बितर हो जाए, और यहूदा के शेष लोग नष्ट हो जाएं। और गदल्याह ने योहानान से कहा, यह बात मत करो, क्योंकि तुम इश्माएल के बारे में झूठ कह रहे हो।

48

और सातवें महीने में ऐसा हुआ कि इश्माएल, जो नथन्याह का पुत्र और एलीआसा का पौत्र था, राजा के वंश से, दस पुरुषों के साथ गदल्याह के पास मिस्या आया, और वहाँ उन्होंने एक साथ रोटी खाई। और इश्माएल और वे दस पुरुष जो उसके साथ थे, उठे और उन्होंने गदल्याह को मारा, जिसे बाबुल के राजा ने पृथ्वी पर नियुक्त किया था। और मिस्या में उसके साथ रहने वाले सभी यहूदियों को, और वहाँ पाए गए सभी कसदियों को।

और दूसरे दिन ऐसा हुआ कि उसके द्वारा गदल्याह को मारे जाने के बाद, किसी आदमी को पता नहीं चला। और शेकेम से, सालेम से, और सामरिया से अस्सी पुरुष आए, जिन्होंने दाढ़ियाँ मुंडाई हुई थीं, वस्त्र फाड़े हुए थे, और विलाप कर रहे थे, और उनके हाथों में मन्ना और लोबान था, प्रभु के घर में लाने के लिए। और इश्माएल उनसे मिलने को निकला। वे जा रहे थे और रो रहे थे, और उसने उनसे कहा, गदल्याह के पास आओ। और ऐसा हुआ कि जब वे शहर के बीच में प्रवेश कर रहे थे, तो उसने उनका वध करके कुएँ में डाल दिया। और वहाँ दस आदमी पाए गए, और उन्होंने इश्माएल से कहा, हमें मत मारो, क्योंकि हमारे पास खेत में खजाने हैं, गेहूँ और जौ, शहद और तेल, और वह आगे बढ़ गया, और उसने उनको उनके भाइयों के बीच में नहीं मारा।

और वह कुआँ जिसमें इश्माएल ने वहाँ उन सबको फेंका जिन्हें उसने मारा था, वह बड़ा कुआँ यह है जो राजा आसा ने इस्राएल के राजा बाशा के सामने से बनाया था, इसे इश्माएल ने घायलों से भर दिया।

और इश्माएल मिस्रा में छोड़े गए सब लोगों को और राजा की बेटियों को, जिन्हें मुख्य रसोइये ने अहीकाम के पुत्र गदल्याह को सौंपा था, वापस ले गया, और अम्मोन के पुत्रों की सीमा के पार चला गया।

और योहानान ने, जो कारेह का पुत्र था, और शक्ति के सब नेताओं ने जो उसके साथ थे, सब बुराइयाँ सुनीं जो इश्माएल ने की थीं, और उन्होंने अपना सारा शिविर लाया, और वे उससे लड़ने गए, और उन्होंने उसे गिबोन में बहुत जल के पास पाया। और ऐसा हुआ, जब इश्माएल के साथ के सब लोगों ने योहानान और उसके साथ की शक्ति के नेताओं को देखा, और वे योहानान के पास लौटे। और इश्माएल आठ लोगों के साथ बचाया गया, और वह अम्मोन के पुत्रों की ओर गया।

और योहानान और उसके साथ शक्ति के सब नेताओं ने लोगों के सब बचे हुएों को लिया, जिनको उन्होंने इश्माएल से लौटाया था - युद्ध में शक्तिशाली पुरुष, और स्त्रियाँ, और बचे हुए, और खोजे, जिनको उन्होंने गिबोन से लौटाया था। और वे चले गए, और गबेरोखामा में बैठे, जो बेथलेहेम के पास है, मिस्र जाने के लिए। कसदियों के चेहरे से, क्योंकि वे उनके चेहरे से डरे, क्योंकि इश्माएल ने गदल्याह को मारा, जिसको बाबुल के राजा ने भूमि में नियुक्त किया था।

49

और शक्ति के सब नेता आए, और योहानान, और माअसेयाह का पुत्र अजरयाह, और छोटे से

लेकर बड़े तक सब लोग, यिर्मयाह भविष्यवक्ता के पास, और उन्होंने उससे कहा, हमारी दया वास्तव में आपके सामने गिरे, और प्रभु अपने परमेश्वर से इन बचे हुए लोगों के विषय में प्रार्थना करें, क्योंकि हम बहुतों में से थोड़े ही बचे हैं, जैसा कि आपकी आँखें देखती हैं। और प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हमें वह मार्ग बताए जिस पर हम चलेंगे, और वह वचन बताए जो हम करेंगे।

और यिर्मयाह ने उनसे कहा, मैंने सुना, देखो मैं तुम्हारे लिए प्रभु हमारे परमेश्वर से तुम्हारे शब्दों के अनुसार प्रार्थना करूँगा, और जो शब्द प्रभु परमेश्वर उत्तर देंगे, वह मैं तुम्हें बताऊँगा, मैं तुमसे कोई बात नहीं छिपाऊँगा।

और उन्होंने यिर्मयाह से कहा, प्रभु हममें एक न्यायी और विश्वासयोग्य साक्षी हों, यदि हम उस सब वचन के अनुसार न करें, जो प्रभु हमारे पास भेजें। और चाहे अच्छा हो और चाहे बुरा, हम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को सुनेंगे, जिसके पास हम तुम्हें उसकी ओर भेज रहे हैं, ताकि हमारे लिए बेहतर हो, क्योंकि हम अपने परमेश्वर प्रभु के स्वर को सुनेंगे।

और दस दिनों के बाद, प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया। और उसने योहानान को, और शक्ति के नेताओं को, और सब लोगों को छोटे से लेकर बड़े तक बुलाया, और उन्हें कहा, इस प्रकार प्रभु ने कहा, यदि तुम इस भूमि में बैठकर रहो, तो मैं तुम्हें बनाऊँगा और कदापि नहीं गिराऊँगा, और मैं तुम्हें रोपूँगा और कदापि नहीं उखाड़ूँगा, क्योंकि मैं उन बुराइयों पर जो मैंने तुम पर की थीं, विश्राम पा चुका हूँ। बाबुल के राजा के चेहरे से मत डरो, जिससे तुम डरते हो, उसके चेहरे से मत डरो, प्रभु कहते हैं, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हें छुड़ाने के लिए, और तुम्हें उनके हाथ से बचाने के लिए। और मैं तुम्हें दया दूँगा, और तुम पर दया करूँगा, और तुम्हें तुम्हारी भूमि में लौटाऊँगा।

और यदि तुम कहते हो, हम इस भूमि में नहीं रहेंगे, ताकि प्रभु की आवाज़ न सुनें, कि हम मिस्र की भूमि में प्रवेश करेंगे, और हम युद्ध नहीं देखेंगे, और तुरही की आवाज़ नहीं सुनेंगे, और रोटी के

लिए भूखे नहीं होंगे, और वहाँ निवास करेंगे, इसलिए प्रभु का वचन सुनो, प्रभु ने इस प्रकार कहा, यदि तुम अपना मुख मिस्र की ओर करो और वहाँ निवास करने के लिए प्रवेश करो और ऐसा होगा कि वह तलवार जिससे तुम डरते हो, वह तुम्हें मिस्र की भूमि में पा लेगी, और वह अकाल जिसकी तुम चिंता करते हो, वह तुम्हारा पीछा करके तुम्हें मिस्र में पकड़ लेगा, और वहाँ तुम मरोगे। और सभी लोग और सभी विदेशी जो अपना मुख मिस्र की भूमि की ओर करके वहाँ निवास करने जाएंगे, वे तलवार और अकाल से नष्ट हो जाएंगे, और उन बुराइयों से जो मैं उन पर लाता हूँ, उनमें से कोई भी बचने वाला नहीं होगा।

क्योंकि प्रभु ने इस प्रकार कहा, जैसे यरूशलेम के निवासियों पर मेरा क्रोध टपका, उसी प्रकार तुम पर मेरा क्रोध टपकेगा जब तुम मिस्र में प्रवेश करोगे, और तुम उजाड़, अधीन, शाप और निंदा के पात्र बन जाओगे, और तुम इस स्थान को फिर कभी नहीं देखोगे।

जो प्रभु ने तुम शेष यहूदियों से कहा, मिस्र में प्रवेश मत करो, और अब जानते हुए तुम जान लोगे, क्योंकि तुमने अपनी आत्माओं में दुष्टता से काम किया है, मुझे भेजकर यह कहते हुए, हमारे विषय में प्रभु से प्रार्थना करो, और जो कुछ भी प्रभु तुमसे कहेगा, हम करेंगे। और तुमने प्रभु की उस आवाज़ को नहीं सुना, जिसने मुझे तुम्हारे पास भेजा। और अब तुम तलवार और अकाल से उस स्थान में नष्ट हो जाओगे जहाँ तुम प्रवेश करके निवास करना चाहते हो।

50

और ऐसा हुआ, जब यिर्मयाह ने लोगों से प्रभु के सब वचन कहना बंद किया, जो प्रभु ने उसे उनके लिए भेजे थे, ये सब वचन, और अजरयाह जो माअसेयाह का पुत्र था, और योहानान जो कारेह का पुत्र था, और वे सब पुरुष जिन्होंने यिर्मयाह से कहा था, यह कहते हुए बोले, झूठ है, प्रभु ने तुझे हमारे पास यह कहने के लिए नहीं भेजा कि मिस्र में निवास करने के लिए प्रवेश मत

करो, लेकिन बारूक, जो नेरियाह का पुत्र है, तुम्हें हमारे विरुद्ध उकसाता है, ताकि तुम हमें कसदियों के हाथों में सौंप दो, जिससे वे हमें मार डालें और हमें बाबुल में निर्वासित कर दें। और योहानान ने, और शक्ति के सब नेताओं ने, और सब लोगों ने प्रभु की आवाज़ नहीं सुनी, यहूदा की भूमि में निवास करने के लिए।

और योहानान ने और शक्ति के सब नेताओं ने यहूदा के सब बचे हुए लोगों को लिया, जो भूमि में निवास करने को लौटे थे। शक्तिशाली पुरुषों को, और स्त्रियों को, और शेष शिशुओं को, और राजा की पुत्रियों को, और उन आत्माओं को जिनको नबूज़रदान ने अहीकाम के पुत्र गदल्याह के साथ छोड़ दिया था, और भविष्यवक्ता यिर्मयाह को, और नेरियाह के पुत्र बारूक को, और वे मिस्र में प्रवेश कर गए, क्योंकि उन्होंने प्रभु की आवाज़ नहीं सुनी, और वे तहपन्हेस में प्रवेश कर गए।

और यह हुआ कि प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास तहपन्हेस में आया, जो कह रहा था अपने लिए बड़े पत्थर लो, और उनको तहपन्हेस में फ़िरौन के घर के फाटक की दहलीज़ों में छुपा दो, यहूदा के पुरुषों की आँखों के सामने। और तुम कहोगे, प्रभु ने इस प्रकार कहा है, देखो, मैं भेजता हूँ और बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर को लाऊंगा, और वह अपना सिंहासन इन पत्थरों के ऊपर रखेगा जिन्हें तुमने छिपाया है, और वह उन पर अपने हथियार उठाएगा। और वह प्रवेश करेगा और मिस्र की भूमि को मारेगा, जिनको मृत्यु के लिए मृत्यु, और जिनको निर्वासन के लिए निर्वासन, और जिनको तलवार के लिए तलवार। और वह उनके देवताओं के घरों में आग जलाएगा, और उनको जला देगा, और उनको निर्वासित करेगा, और मिस्र की भूमि को जूँ से भर देगा, जैसे चरवाहा अपने वस्त्र को जूँ से भरता है, और वह शांति में निकल जाएगा। और वह हेलिओपोलिस के स्तंभों को जो ओन में हैं कुचल देगा, और उनके घरों को आग में जला देगा।

वह वचन जो यिर्मयाह के पास आया, उन सब यहूदियों के लिए जो मिस्र देश में निवास करते थे, और जो मिंग्दोल में, तहपन्हेस में, और पत्रोस देश में बैठे थे, यह कहते हुए

इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के ईश्वर ने कहा, तुमने वे सब बुराइयाँ देखी हैं जो मैं यरूशलेम पर और यहूदा के नगरों पर लाया, और देखो वे निवासियों से उजाड़ हैं। उनकी दुष्टता के कारण, जो उन्होंने मुझे क्रोधित करने के लिए की, जाकर अन्य देवताओं के लिए धूप जलाते हुए, जिन्हें तुमने नहीं जाना। और मैंने तुम्हारे पास अपने सेवकों को, भविष्यवक्ताओं को, भोर में भेजा, और मैंने भेजा, यह कहते हुए, इस घृणित कार्य को मत करो, जिससे मैं घृणा करता हूँ।

और उन्होंने मेरी नहीं सुनी, और उन्होंने अपना कान नहीं झुकाया अपनी बुराइयों से फिरने के लिए, ताकि अन्य देवताओं को धूप न जलाएं। और मेरा क्रोध टपका, और मेरा कोप, और यहूदा के द्वारों में भड़का, और यरूशलेम के बाहर, और वे उजाड़ और निर्जन हो गए जैसे यह दिन है।

और अब इस प्रकार सर्वशक्तिमान प्रभु ने कहा, तुम अपनी आत्माओं पर इतनी बड़ी बुराइयाँ क्यों करते हो? यहूदा के बीच से अपने पुरुष और स्त्री, शिशु और दूध पीते बच्चे को काटने के लिए, ताकि तुममें से कोई भी न बचे, तुम्हारे हाथों के कार्यों में मुझे क्रोधित करना, मिस्र की भूमि में दूसरे देवताओं के लिए धूप जलाना, जहाँ तुम निवास करने आए हो, ताकि तुम काट दिए जाओ, और ताकि तुम पृथ्वी के सब राष्ट्रों में शाप और निन्दा बन जाओ? क्या तुम अपने पिताओं की बुराइयों को, और यहूदा के राजाओं की बुराइयों को, और अपने शासकों की बुराइयों को, और अपनी स्त्रियों की बुराइयों को नहीं भूले हो, जो उन्होंने यहूदा की भूमि में और यरूशलेम के बाहर किया? और वे इस दिन तक नहीं रुके, और वे मेरे आदेशों को नहीं पकड़े रहे जो मैंने उनके पिताओं के सामने दिए थे।

इसलिए प्रभु ने इस प्रकार कहा, देखो, मैं अपना मुख स्थापित करता हूँ, मिस्र में बचे हुए सभी लोगों को नष्ट करने के लिए, और वे तलवार और अकाल से गिरेंगे, और छोटे से लेकर बड़े तक

नष्ट हो जाएंगे, और वे निन्दा, विनाश और श्राप के पात्र होंगे। और मैं उन लोगों का निरीक्षण करूंगा जो मिस्र की भूमि में बैठे हैं, जैसे मैंने यरूशलेम का निरीक्षण किया था, तलवार और अकाल से और मिस्र की भूमि में निवास करने वाले यहूदा के शेष लोगों में से कोई भी बचाया नहीं जाएगा, ताकि यहूदा की भूमि में लौट सकें, जिसके लिए वे अपनी आत्माओं से वहाँ लौटने की आशा करते हैं; वे नहीं लौटेंगे, केवल बचे हुए लोगों को छोड़कर।

और यिर्मयाह को सब पुरुषों ने उत्तर दिया, जो जानते थे कि उनकी स्त्रियाँ धूप जलाती हैं, और सब स्त्रियों ने, एक बड़ी सभा, और सब लोगों ने जो मिस्र देश में, पत्रोस में बैठे हुए थे, कहते हुए,

वह वचन जो तूने प्रभु के नाम से हमसे बोला, हम तेरी नहीं सुनेंगे। क्योंकि हम वह सब वचन अवश्य पूरा करेंगे जो हमारे मुख से निकलेगा, स्वर्ग की रानी के लिए धूप जलाना और उसे अर्घ्य उड़ेलना, जैसा हमने, हमारे पिताओं ने, हमारे राजाओं ने और हमारे शासकों ने यहूदा के नगरों में और यरूशलेम के बाहर किया था, और हम रोटियों से भरे रहे, और हम अच्छे बने रहे, और हमने बुराईयाँ नहीं देखीं। और जब हमने स्वर्ग की रानी को धूप जलाना बंद किया, तो हम सब घट गए, और तलवार और अकाल से हम नष्ट हो गए। और क्या हमने अपने पुरुषों के बिना स्वर्ग की रानी को धूप चढ़ाया, और उसे अर्घ्य डाला, उसके लिए पूरा बनाए, और उसे अर्घ्य डाला?

और यिर्मयाह ने सब लोगों से, शक्तिशाली पुरुषों से और स्त्रियों से और सब लोगों से जिन्होंने उसे उत्तर दिया था, कहा, क्या उस धूप को जो तुमने यहूदा के शहरों में और यरूशलेम के बाहर जलाया, तुम और तुम्हारे पिताओं ने, और तुम्हारे राजाओं ने, और तुम्हारे शासकों ने, और भूमि के लोगों ने, प्रभु ने याद नहीं किया? और क्या वह उसके हृदय पर नहीं चढ़ा? और प्रभु अब तुम्हारे दुष्ट कार्यों और तुम्हारे घृणित कर्मों को, जो तुमने किए, सहन करने में सक्षम नहीं रहे, और तुम्हारी भूमि उजाड़, निर्जन और शापित हो गई, जैसे आज के दिन में है। उस मुख के कारण जिसके सामने तुम धूप जला रहे थे, और जिसके विरुद्ध तुमने प्रभु के सामने पाप किया, और

तुमने प्रभु की आवाज़ नहीं सुनी, और उसके आदेशों में, और व्यवस्था में और उसकी साक्षियों में नहीं चले, इसलिए ये विपत्तियाँ तुम पर आ पड़ीं।

और यिर्मयाह ने लोगों और स्त्रियों से कहा, प्रभु का वचन सुनो। इस प्रकार प्रभु, इस्राएल के देवता ने कहा, तुम स्त्रियों ने अपने मुख से बोला और अपने हाथों से पूरा किया, यह कहते हुए, हम अपने समझौतों को पूरा करेंगे जिनकी हमने सहमति दी थी, आकाश की रानी को धूप जलाने और उसे अर्घ्य उंडेलने के लिए। तुम अपने समझौतों पर बनी रहीं और तुमने उन्हें पूरा किया। इसलिए प्रभु का वचन सुनो, हे सब यहूदा जो मिस्र की भूमि में बैठे हुए हो, देखो, मैंने अपने महान नाम की शपथ खाई है, प्रभु ने कहा, यदि मिस्र की सारी भूमि पर सब यहूदा के मुख में मेरा नाम फिर से यह कहने के लिए हो कि प्रभु जीवित है। क्योंकि मैं उन पर दृष्टि रखे हुए हूँ उन्हें हानि पहुँचाने के लिए, न कि भलाई करने के लिए, और सब यहूदा जो मिस्र की भूमि में रहते हैं, तलवार और अकाल से नष्ट हो जाएँगे, जब तक वे पूरी तरह नष्ट न हो जाएँ। और जो तलवार से बचाए गए हैं, वे थोड़ी संख्या में यहूदा की भूमि में लौटेंगे, और यहूदा के वे शेष लोग जो मिस्र की भूमि में निवास करने के लिए वहाँ स्थापित हुए हैं, जानेंगे कि किसका वचन बना रहता है।

और यह तुम्हारे लिए चिन्ह है कि मैं तुम पर बुराई लाने के लिए आऊंगा। इस प्रकार प्रभु ने कहा, देखो, मैं मिस्र के राजा होफ्रा को उसके शत्रु के हाथों में और उसकी आत्मा को खोजने वाले के हाथों में देता हूँ, जैसे मैंने यहूदा के राजा सिदकिय्याह को बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर के हाथों में दिया था, जो उसका शत्रु था और उसकी आत्मा को खोजता था।

वह वचन जो यिर्मयाह नबी ने बारूक, नेरियाह के पुत्र, से कहा था, जब वह इन शब्दों को पुस्तक में यिर्मयाह के मुख से लिख रहा था, यहूदा के राजा योशियाह के पुत्र यहोयाकीम के चौथे वर्ष में।

इस प्रकार प्रभु ने तुमसे कहा, हे बारूक, क्योंकि तुमने कहा, हाय! हाय! क्योंकि प्रभु ने मुझे

कष्टदायक कष्ट दिया है, मैं कराहों में सोया, मुझे विश्राम नहीं मिला। मैंने उससे कहा, प्रभु ने इस प्रकार कहा है, देखो जिन्हें मैंने बनाया, उन्हें मैं नष्ट करता हूँ, और जिन्हें मैंने रोपा, उन्हें मैं उखाड़ता हूँ। और तू अपने लिए महान चीज़ें खोजेगा? मत खोज, क्योंकि देख, मैं सब देह पर बुराईयाँ लाता हूँ, प्रभु कहता है, और मैं तेरी आत्मा को लूट के रूप में दूँगा हर उस स्थान में जहाँ कहीं भी तू जाएगा।

52

सिदकिय्याह के इक्कीसवें वर्ष में, जब वह शासन कर रहा था, उसने यरूशलेम में ग्यारह वर्ष शासन किया, और उसकी माता का नाम हमूतल था, जो यिर्मयाह की पुत्री थी, लिब्ना से।

और ऐसा हुआ कि उसके राज्य के नौवें वर्ष में, नौवें महीने में, महीने की दसवीं तारीख को, बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर और उसकी सारी सेना यरूशलेम पर आई, और उन्होंने उसे घेर लिया, और उसके चारों ओर चौकोर पथरों से घेराबंदी की दीवारें बनाई।

और शहर घेराबंदी में आ गया, राजा सिदकिय्याह के ग्यारहवें वर्ष तक, महीने के नौवें दिन में, और शहर में अकाल मजबूत हो गया, और भूमि के लोगों के पास रोटियाँ नहीं थीं। और शहर विभाजित हो गया था, और सभी योद्धा पुरुष रात को द्वार के मार्ग से निकल गए, दीवार और बाहरी दीवार के बीच से, जो राजा के बगीचे के पास था, और कसदी शहर के चारों ओर थे, और वे अराबा की ओर मार्ग से गए। और कसदियों की शक्ति ने राजा का पीछा किया, और उन्होंने उसे यरीहो के पार पकड़ लिया, और उसके सब सेवक उससे तितर-बितर हो गए। और उन्होंने राजा को पकड़ा, और उसको बाबुल के राजा के पास देबलाथा में लाए, और उसके साथ न्याय किया। और बाबुल के राजा ने सिदकिय्याह के पुत्रों का उसकी आँखों के सामने वध किया, और यहूदा के सब शासकों का देबलाथा में वध किया। और बाबुल के राजा ने सिदकिय्याह की आँखें

अंधी कर दीं, और उसे बेड़ियों में जकड़ा, और उसे बाबुल ले गया, और उसे चक्की के घर में रखा, जिस दिन तक वह मरा।

और पाँचवें महीने की दसवीं तारीख को, नबूज़रदान जो मुख्य रसोइया था और बाबुल के राजा के सामने खड़ा रहता था, यरूशलेम में आया, और उसने प्रभु के घर को जलाया, और राजा के घर को, और नगर के सब घरों को, और हर बड़े घर को आग में जलाया। और कसदियों की शक्ति ने, जो मुख्य रसोइये के साथ थी, यरूशलेम की चारों ओर की हर दीवार को गिरा दिया। और मुख्य रसोइये ने लोगों के बचे हुए लोगों को अंगूर के बाग के माली और किसान बनाने के लिए छोड़ दिया।

और प्रभु के घर में कांस्य के स्तंभों को, और आधारों को, और प्रभु के घर में कांस्य के समुद्र को कसदियों ने तोड़ दिया, और उनका कांस्य लिया, और बाबुल को ले गए। और मुकुट, और कटोरे, और मांस के काटे, और सब कांसे के बर्तन, जिनमें वे सेवा करते थे, और कटोरे, और बुझाने के औज़ार, और कुंड, और दीवट, और धूपदान, और प्याले, जो सोने के थे, और जो चाँदी के थे, मुख्य रसोइये ने ले लिए। और दो स्तंभ, और एक समुद्र, और समुद्र के नीचे बारह कांस्य के बछड़े, जिन्हें राजा सुलैमान ने प्रभु के घर के लिए बनाया था, उनके कांस्य का कोई वजन नहीं था।

और स्तंभ पैंतीस हाथ ऊँचे थे, एक स्तंभ की ऊँचाई, और बारह हाथ की डोरी उसे घेरती थी, और उसकी मोटाई चार उंगलियों की थी चारों ओर। और उन पर काँसे की कंगनी थी, और एक कंगनी के उभार की लंबाई पाँच हाथ थी, और कंगनी पर चारों ओर जाल और अनार थे, सब काँसे के, और इसी के अनुसार दूसरे स्तंभ पर बारह हाथों में हाथ भर में आठ अनार थे। और एक भाग में छियानवे अनार थे, और जाल के चारों ओर कुल सौ अनार थे।

और मुख्य रसोइये ने पहले पुजारी को, और दूसरे पुजारी को, और रास्ते की रक्षा करने वालों को

लिया, और एक खोजा जो योद्धा पुरुषों का निरीक्षक था, और एक खोजा जो योद्धा पुरुषों का निरीक्षक था, और सात प्रसिद्ध पुरुष, जो राजा के सामने थे, जो शहर में पाए गए, और सेनाओं का लेखक, जो भूमि के लोगों के लिए लिखता था, और भूमि के लोगों में से साठ लोग, जो शहर के बीच में पाए गए, और राजा के मुख्य रसोइये नबूज़रदान ने उन्हें लिया, और उन्हें बाबुल के राजा के पास देबलाथा में ले गया। और बाबुल के राजा ने उन्हें देबलाथा में, हमत की भूमि में मारा।

और ऐसा हुआ कि सैंतीसवें वर्ष में, यहूदा के राजा यहोयाकीम के निर्वासन के, बारहवें महीने में, महीने की चौबीसवीं तारीख को, बाबुल के राजा एविल-मरोदक ने, जिस वर्ष उसने राज्य किया, यहूदा के राजा यहोयाकीम का सिर उठाया, और उसका मुंडन किया, और उसे उस घर से बाहर निकाल लाया जहाँ उसे रखा जाता था। और उसने उससे अच्छी बातें कीं, और उसका सिंहासन बाबुल में उसके साथ के राजाओं से ऊपर रखा। और उसने अपने कारागार के वस्त्र बदले, और वह अपने सामने लगातार रोटी खाता रहा उन सभी दिनों में जो वह जीवित रहा। और उसको निरंतर भत्ता बाबुल के राजा की ओर से दिया जाता था, दिन-प्रतिदिन, उस दिन तक जिस दिन वह मरा।

दानिय्येल

1

राजा यहोयाकीम के यहूदिया के तीसरे वर्ष में, बाबुल का राजा नबूकदनेस्सर यरूशलेम में आया और उसने उसे घेर लिया। और प्रभु ने उसे उसके हाथों में सौंप दिया, और यहूदिया के राजा यहोयाकीम को, और प्रभु के पवित्र बर्तनों का कुछ भाग भी। और वह उन्हें बाबुल में, शिनार की भूमि में, अपने देवता के घर में ले गया, और उन बर्तनों को अपने मूर्ति मंदिर में रख दिया। और राजा ने अपने मुख्य खोजे अबिएस्ट्रि को कहा कि वह उसके लिए इस्राएल के रईसों के पुत्रों में से, शाही वंश में से और चुने हुएों में से लाए। ऐसे युवा पुरुष जो निर्दोष और सुंदर हों, और सब बुद्धि में जानकार हों, और साक्षर और समझदार और बुद्धिमान हों, और सक्षम हों ताकि राजा के घर में रह सकें, और उन्हें अक्षर और कसदी भाषा सिखाई जाए। और उन्हें राजा के घर से प्रतिदिन भत्ता दिया जाना, और शाही मेज़ से और उस शराब से जो राजा पीता है, और उन्हें तीन वर्ष तक प्रशिक्षित करना, और इनमें से कुछ को राजा के सामने स्थापित करना। और दानिय्येल, अनन्याह, मीशाएल, अजर्याह इस्राएल के पुत्रों की जाति से थे जो यहूदिया से थे। और मुख्य खोजे ने उन्हें नाम दिए: दानिएल को बेलतशस्सर, हनन्याह को शद्रक, मीशाएल को मेशक, और अजर्याह को अबेदनगो। और दानिय्येल ने अपने हृदय में विचार किया कि वह राजा के भोजन से और जिस दाखरस को वह पीता है उससे अशुद्ध न हो जाए, और उसने मुख्य खोजे से निवेदन

किया कि वह अशुद्ध न हो। और प्रभु ने दानिय्येल को मुख्य खोजे के सामने सम्मान और कृपा दी। और मुख्य खोजे ने दानिय्येल से कहा, मैं अपने स्वामी राजा से डरता हूँ जिसने तुम्हारा भोजन और तुम्हारा पेय नियुक्त किया है, कहीं ऐसा न हो कि वह तुम्हारे चेहरों को उदास और कमजोर देखे, उन विदेशी युवाओं की तुलना में जो तुम्हारे साथ पाले जा रहे हैं, और मैं अपनी गर्दन को जोखिम में डाल दूँ। और दानिय्येल ने अबिएस्ट्रि से कहा, जो दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह के ऊपर मुख्य खोजा नियुक्त किया गया था अपने सेवकों को दस दिनों तक परीक्षा करो, और हमें पृथ्वी की सब्जियाँ दी जाएँ, ताकि हम खाएँ और पानी पिएँ। और यदि हमारी दृष्टि अन्य युवा पुरुषों से, जो शाही रात्रिभोज से खाते हैं, बदली हुई प्रकट होती है, तो जैसा तुम चाहते हो वैसा ही अपने सेवकों के साथ करना। और उसने उनके साथ इस तरीके का उपयोग किया, और उसने दस दिनों तक उनकी परीक्षा की। दस दिनों के बाद उनका रूप सुंदर दिखाई दिया और उनके शरीर की स्थिति उन अन्य युवा पुरुषों से बेहतर थी जो शाही भोजन खा रहे थे। और अबिएस्ट्रि उनका भोजन और उनकी शराब ले रहा था, और उनको सब्जियों से वापस दे रहा था। और प्रभु ने युवा पुरुषों को सब व्याकरण कला में ज्ञान और समझ और विवेक दिया। और दानिय्येल को हर शब्द में और दर्शन में और स्वप्नों में और सब बुद्धि में समझ दिया। इन दिनों के बाद राजा ने उन्हें लाने का आदेश दिया, और वे मुख्य खोजे से राजा नबूकदनेस्सर के पास लाए गए। और राजा ने उनसे बात की, और बुद्धिमानों में दानिय्येल और हनन्याह और मीशाएल और अजर्याह के समान कोई नहीं पाया गया, और वे राजा के पास थे। और हर दुःख, समझ और शिक्षा में, जितना भी राजा ने उनसे खोजा, उसने उन्हें अपने सम्पूर्ण राज्य के सभी विद्वानों और दार्शनिकों से दस गुना अधिक बुद्धिमान पाया, और राजा ने उन्हें महिमा दी और उन्हें शासक नियुक्त किया, और उन्हें अपनी सम्पूर्ण भूमि और अपने राज्य के सभी मामलों में अपने सभी लोगों से अधिक बुद्धिमान प्रकट किया। और दानिय्येल कुरुश फारसी राजा के राज्य के पहले वर्ष तक रहा।

2

और नबूकदनेस्सर के राज्य के दूसरे वर्ष में ऐसा हुआ कि राजा दर्शनों और स्वप्नों में पड़ गया और अपने स्वप्न से व्याकुल हो गया, और उसकी नींद उससे चली गई। और राजा ने आज्ञा दी कि कसदियों के मंत्रतंत्रियों और जादूगरों और जादू-टोना करने वालों को लाया जाए ताकि वे राजा को उसके स्वप्न बताएं, और वे आकर राजा के सामने खड़े हुए। और राजा ने उनसे कहा, मैंने एक सपना देखा है और मेरी आत्मा व्याकुल हो गई है, मैं उस सपने को जानना चाहता हूँ। और कसदियों ने राजा से सीरियाई भाषा में कहा, हे प्रभु राजा, युगों तक जीवित रहें। अपना स्वप्न अपने सेवकों को बताइए, और हम आपको उसकी व्याख्या बताएंगे। उत्तर देते हुए राजा ने कसदियों से कहा, मेरा वचन हट गया है, क्योंकि यदि तुम मुझे सच्चाई से स्वप्न नहीं बताओगे और इसकी व्याख्या मुझे प्रकट नहीं करोगे, तो तुम उदाहरण बनाए जाओगे, और तुम्हारी संपत्तियाँ राजकीय खजाने में ले ली जाएँगी। यदि तुम मुझे वह स्वप्न समझाओ और इसका निर्वचन बताओ, तो तुम सब प्रकार के उपहार पाओगे और मेरे द्वारा सम्मानित किए जाओगे। मुझे वह स्वप्न बताओ और व्याख्या करो। उन्होंने दूसरी बार उत्तर देते हुए कहा, हे राजा, दर्शन बताइए, और आपके सेवक इसका अर्थ बताएंगे। और राजा ने उनसे कहा, सच्चाई में मैं जानता हूँ कि तुम समय खरीद रहे हो, जैसे तुमने देखा है कि वह बात मुझसे हट गई है, इसलिए जैसे मैंने आदेश दिया है, वैसे ही होगा। यदि तुम मुझे सत्यता से स्वप्न नहीं बताओगे और इसकी व्याख्या प्रकट नहीं करोगे, तो तुम मृत्यु के शिकार हो जाओगे, क्योंकि तुम मेरे विरुद्ध झूठे शब्द बोलने के लिए सहमत हुए हो, जब तक कि समय बदल न जाए। अब इसलिए, यदि तुम मुझे वह स्वप्न बताओगे जो मैंने रात में देखा था, तो मैं जानूंगा कि तुम इसकी व्याख्या भी प्रकट करोगे। और कसदियों ने राजा को उत्तर दिया कि पृथ्वी पर कोई भी राजा को यह नहीं बता सकेगा कि उसने क्या देखा है, जैसा आप पूछ रहे हैं, और कोई भी राजा और कोई भी शासक किसी बुद्धिमान और जादूगर और कसदी से ऐसी बात नहीं पूछता, और वह बात जो आप खोज रहे हैं, हे राजा, कठिन है और असाधारण है, और कोई नहीं है जो राजा को ये बातें बता सके, सिवाय किसी दूत के, जिसका निवास समस्त मनुष्यों के साथ नहीं है, इसलिए यह संभव नहीं है कि वैसा हो जैसा आप सोचते हैं। तब राजा उदास और बहुत दुःखी हो गया और उसने बेबीलोनिया के सभी बुद्धिमान लोगों को बाहर लाने की आज्ञा दी। और सभी को मारने का आदेश दिया गया था, लेकिन दानियेल और

उसके साथ के सभी लोगों को उनके साथ नष्ट करने के लिए खोजा गया। तब दानिएल ने अरियोख को, जो राजा का मुख्य रसोइया था और जिसे बाबुलोनिया के बुद्धिमानों को निकालने का आदेश दिया गया था, परामर्श और राय दी जो उसके पास थी। और उसने पूछा, राजा के शासक, किस विषय में राजा द्वारा इतना कठोर आदेश दिया गया है? तब अरियोख ने दानिय्येल को वह आदेश बताया। लेकिन दानिय्येल शीघ्रता से राजा के पास गया, और उसने निवेदन किया कि उसे राजा से समय दिया जाए, और वह राजा के सामने सब कुछ घोषित करे। तब दानिय्येल अपने घर गया और हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह को, जो उसके साथी थे, सब कुछ बताया। और उसने सर्वोच्च प्रभु से इस रहस्य के विषय में उपवास, प्रार्थना और दंड खोजने की आज्ञा दी, ताकि दानिय्येल और उसके साथी बाबुल के बुद्धिमानों के साथ विनाश में न सौंपे जाएं। तब उस रात दानिएल को दर्शन में राजा का रहस्य स्पष्ट रूप से प्रकट हुआ। तब दानिएल ने सर्वोच्च प्रभु को आशीर्वाद दिया, और बोलकर कहा महान प्रभु का नाम युगों तक धन्य होगा, क्योंकि ज्ञान और महानता उसकी है। और वह स्वयं समयों और कालों को बदलता है, राजाओं को हटाता है और नियुक्त करता है, बुद्धिमानों को बुद्धि देता है और ज्ञान में रहने वालों को समझ देता है। वह गहरी और अंधेरी बातों को उजागर करता है और अंधकार में तथा प्रकाश में जो कुछ है उसे जानता है, और उसके पास विनाश है। हे मेरे पितरों के प्रभु, मैं तुझे धन्यवाद देता हूँ और स्तुति करता हूँ, क्योंकि तूने मुझे बुद्धि और विवेक दिया, और अब तूने मुझे वह प्रकट किया जो मैंने राजा को दिखाने के लिए योग्य समझा था। दानिय्येल अरियोख के पास गया, जिसे राजा ने बाबुल के सभी विद्वानों को मारने के लिए नियुक्त किया था, और उससे बोला, बाबुल के विद्वानों को नष्ट मत करो, बल्कि मुझे राजा के पास ले चलो, और मैं राजा को प्रत्येक बात प्रकट करूंगा। तब अरियोख ने उत्सुकता से दानिय्येल को राजा के पास लाया और उससे कहा कि मैंने यहूदियों के पुत्रों की बंधुआई में से एक बुद्धिमान पुरुष पाया है, जो राजा को प्रत्येक बात दिखाएगा। उत्तर देते हुए राजा ने दानिय्येल से कहा, जिसे कसदी भाषा में बेलशस्सर कहा जाता है, क्या तू मुझे वह दर्शन जो मैंने देखा और उसका अर्थ बता सकेगा? दानिय्येल ने राजा के सामने बोलकर कहा, वह रहस्य जो राजा ने देखा है, वह बुद्धिमानों और जादूगरों और मंत्रवादियों और ज्योतिषियों का प्रकटीकरण नहीं है। लेकिन स्वर्ग में एक देवता है जो रहस्यों को उघाड़ता है, जिसने राजा

नबूकदनेस्सर को वह प्रकट किया जो अंतिम दिनों में होना आवश्यक है, और रहस्यों को उघाड़ते हुए उसने तुम्हें वह प्रकट किया जो होना आवश्यक है। और मुझे भी यह रहस्य उस ज्ञान के कारण प्रकट नहीं हुआ जो मुझमें सब लोगों से अधिक है, लेकिन इसलिए कि राजा को प्रकट किया जाए, मुझे वह दर्ज किया गया जो आपने अपने हृदय में ज्ञान में समझा था। और हे राजा, आपने देखा है, और देखिए एक प्रतिमा थी, और वह प्रतिमा अत्यंत विशाल थी, और उसका रूप उत्कृष्ट था जो आपके सामने खड़ा था, और उस प्रतिमा का रूप भयानक था। और उसका सिर अच्छे सोने का था, छाती और भुजाएँ चाँदी की थीं, पेट और जाँघें काँसे की थीं लेकिन टांगें लोहे की थीं, पैर आंशिक रूप से लोहे के और आंशिक रूप से मिट्टी के थे। तुमने देखा था जब तक कि पहाड़ से बिना हाथों एक पत्थर काटा गया, और उसने मूर्ति को लोहे और मिट्टी के पैरों पर मारा और उनको पीस दिया। तब लोहा, मिट्टी के बर्तन के टुकड़े, कांसा, चाँदी और सोना एक साथ पतले हो गए, और वे खलिहान में भूसे से भी अधिक पतले हो गए, और हवा ने उन्हें इस प्रकार बिखेर दिया कि उनमें से कुछ भी नहीं बचा, और वह पत्थर जिसने मूर्ति को मारा था एक बड़ा पहाड़ बन गया, और उसने सारी पृथ्वी को मारा। यह दर्शन, और हम राजा के विषय में निर्णय भी कहेंगे। हे राजा, राजाओं के राजा, आपको स्वर्ग के प्रभु ने आरंभ और राज्य और शक्ति और सम्मान और महिमा दी है, संपूर्ण बसे हुए संसार में मनुष्यों, जंगली पशुओं, आकाश के पक्षियों और समुद्र की मछलियों को तुम्हारे हाथों में सौंप दिया गया है, सबपर शासन करने के लिए। तुम वह सुनहरा सिर हो। और तुम्हारे बाद तुमसे कम एक राज्य उठेगा, और तीसरा कांस्य राज्य जो सारी पृथ्वी पर शासन करेगा, और चौथा राज्य लोहे के समान मजबूत होगा, जैसे लोहा सब कुछ कुचल देता है, और जैसे लोहा हर पेड़ को काट गिराता है, और सारी पृथ्वी हिला दी जाएगी। और जैसा तुमने उसके पैरों और उंगलियों को देखा था, जो आंशिक रूप से चीनी मिट्टी के बर्तन के टुकड़े का और आंशिक रूप से लोहे का था, वैसे ही एक दूसरा राज्य विभाजित होगा, ठीक जैसा तुमने लोहे को मिट्टी के बर्तन के टुकड़े के साथ मिला हुआ देखा था। और पैरों की उंगलियाँ आंशिक रूप से लोहे की और आंशिक रूप से मिट्टी की थीं, इसी प्रकार राज्य का कुछ भाग मजबूत होगा और कुछ भाग टूटा हुआ होगा। और जैसा तुमने लोहे को मिट्टी के बर्तन के टुकड़े के साथ मिला हुआ देखा, वैसे ही वे मनुष्यों की पीढ़ी में उलझे हुए होंगे, लेकिन वे न तो सहमत होंगे

और न ही एक दूसरे के प्रति मित्रवत होंगे, जैसा कि वास्तव में लोहा भी मिट्टी के बर्तन के टुकड़े के साथ मिलाया नहीं जा सकता। और इन राजाओं के समयों में स्वर्ग का देवता एक दूसरा राज्य स्थापित करेगा, जो युगों तक रहेगा और नष्ट नहीं किया जाएगा, और यह राज्य किसी दूसरे राष्ट्र को नहीं छोड़ा जाएगा, बल्कि वह इन राज्यों को मारेगा और नष्ट करेगा, और यह युग तक खड़ा रहेगा। जैसा तुमने देखा कि पहाड़ से बिना हाथों के एक पत्थर काटा गया, और उसने ठीकरे को, लोहे को, कांसे को, चांदी को और सोने को कुचल दिया। महान देवता ने राजा को अंतिम दिनों में होने वाली बातें बताई हैं, और यह दर्शन सटीक है, और इसका निर्णय विश्वसनीय है। तब राजा नबूकदनेस्सर भूमि पर मुँह के बल गिरकर दानिय्येल को दण्डवत किया, और आज्ञा दी कि उसके लिए बलिदान और अर्घ चढ़ाए जाएँ। और राजा ने दानिय्येल की ओर बोलकर कहा, सच में तुम्हारा देवता देवताओं का देवता और राजाओं का स्वामी है, जो अकेला छिपे हुए रहस्यों को प्रकट करता है, क्योंकि तुम इस रहस्य को दिखाने में सक्षम थे। तब राजा नबूकदनेस्सर ने दानिय्येल को बड़ा किया और बड़े तथा बहुत से उपहार देकर उसे बेबीलोन के मामलों पर नियुक्त किया, और उसे बेबीलोन के सभी बुद्धिमानों का शासक और नेता नियुक्त किया। और दानिएल ने राजा से निवेदन किया कि बाबुलोनिया के मामलों पर शद्रक, मेशक और अबेदनगो नियुक्त किए जाएं, और दानिएल शाही दरबार में रहा।

3

अठारहवें वर्ष में राजा नबूकदनेस्सर, जो भारत से इथियोपिया तक की पृथ्वी पर बसने वाले नगरों, देश और सभी निवासियों पर शासन कर रहे थे, ने एक सुनहरी प्रतिमा बनाई, जिसकी ऊंचाई साठ हाथ और चौड़ाई छह हाथ थी, और उसे बेबीलोन देश के घेरे के मैदान में स्थापित किया। और नबूकदनेस्सर, राजाओं का राजा और संपूर्ण बसे हुए संसार पर शासन करने वाला, ने सब राष्ट्रों, कबीलों और भाषाओं को, क्षत्रपों, सेनापतियों, प्रांतपतियों, कौंसलों, प्रशासकों और देश के अधिकारियों को, और संपूर्ण संसार के सब लोगों को इकट्ठा करने के लिए भेजा, ताकि वे

उस सोने की मूर्ति के समर्पण में आएँ जो राजा नबूकदनेस्सर ने स्थापित की थी। तब मुख्य अधिकारी, सेनापति, स्थानीय शासक, प्रमुख, महान अत्याचारी जो अधिकारियों पर थे, और प्रदेशों के सब शासक एकत्रित हुए, ताकि उस मूर्ति के समर्पण में आएँ जिसे राजा नबूकदनेस्सर ने स्थापित किया था। और जो अंकित किए गए थे वे उस मूर्ति के सामने खड़े हुए जिसे नबूकदनेस्सर ने स्थापित किया था। और घोषक ने भीड़ों से घोषणा की, तुम्हें आदेश दिया जाता है, हे राष्ट्रों और प्रदेशों, हे लोगों और भाषाओं, जब तुम तुरही, बांसुरी, वीणा, सारंगी, सितार, संगीत और सब प्रकार के वाद्ययंत्रों का स्वर सुनो, तो गिरकर उस सुनहरी प्रतिमा की पूजा करो जिसे राजा नबूकदनेस्सर ने स्थापित किया है। और जो कोई गिरकर पूजा नहीं करेगा, उसी घड़ी वे उसको जलती हुई आग की भट्टी में डाल देंगे। और उस समय में, जब सभी राष्ट्रों ने तुरही, बांसुरी, वीणा, सारंगी, सितार और सभी प्रकार के संगीत की आवाज़ सुनी, तो सभी राष्ट्र, कबीले और भाषाएं गिरते हुए उस सोने की मूर्ति को प्रणाम किया जिसे राजा नबूकदनेस्सर ने खड़ा किया था। उस समय में, कसदी पुरुष पास आए और उन्होंने यहूदियों पर दोष लगाया। और उन्होंने नबूकदनेस्सर राजा से कहा, हे प्रभु राजा, सदा जीवित रहें। तुम, राजा, ने आज्ञा दी और न्याय किया, ताकि हर आदमी जो तुरही की आवाज़ सुनेगा, बांसुरी और वीणा, सितार और सारंगी और सभी संगीत की आवाज़ें, गिरकर सोने की मूर्ति की पूजा करेगा, और जो गिरकर पूजा नहीं करेगा, वह धधकती हुई आग की भट्टी में फेंक दिया जाएगा। कुछ यहूदी पुरुष हैं जिन्हें आपने बेबीलोनिया के प्रदेश पर नियुक्त किया था - शद्रक, मेशक और अबेदनगो। उन लोगों ने आपकी आज्ञा का भय नहीं माना, आपकी मूर्ति की सेवा नहीं की, और आपकी सोने की प्रतिमा को जो आपने स्थापित की थी, प्रणाम नहीं किया। तब नबूकदनेस्सर क्रोधित होकर कोप में आदेश दिया कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को लाया जाए, तब उन लोगों को राजा के पास लाया गया। जिन्हें देखकर राजा नबूकदनेस्सर ने उनसे कहा, क्यों, शद्रक, मेशक, अबेदनगो, तुम मेरे देवताओं की सेवा नहीं करते हो और उस सोने की मूर्ति की, जो मैंने स्थापित की है, पूजा नहीं करते हो? और अब यदि तुम तैयार हो तुरही, बांसुरी, वीणा, सम्बूका, सितार, सामंजस्य और सभी संगीत वाद्यों की ध्वनि सुनते ही गिरकर उस सुनहरी मूर्ति की पूजा करने के लिए जो मैंने स्थापित की है, तो ठीक है। लेकिन यदि नहीं, तो जान लो कि यदि तुम पूजा नहीं करोगे तो तुम्हें तुरंत जलती हुई

आग की भट्टी में फेंक दिया जाएगा, और कौन सा देवता तुम्हें मेरे हाथों से छुड़ाएगा? लेकिन शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने उत्तर देते हुए राजा नबूकदनेस्सर से कहा, हे राजा, हमें इस आदेश पर आपको उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है। स्वर्ग में एक देवता है, हमारा प्रभु, जिससे हम डरते हैं, जो हमें जलती हुई आग की भट्टी से छुड़ाने में सक्षम है, और हे राजा, वह हमें तुम्हारे हाथों से छुड़ाएगा। और तब यह तुम्हें स्पष्ट हो जाएगा, हे राजा, कि न तो हम तुम्हारी मूर्ति की सेवा करते हैं और न ही तुम्हारी उस सोने की प्रतिमा की, जिसे तुमने स्थापित किया है, पूजा करते हैं। तब नबूकदनेस्सर क्रोध से भर गया, और शद्रक, मेशक और अबेदनगो पर उसके चेहरे का रूप बदल गया, और उसने आदेश दिया कि भट्टी को उससे सात गुना अधिक गर्म किया जाए जितना उसे गर्म करना आवश्यक था। और उसने शक्ति में सबसे शक्तिशाली पुरुषों को आदेश दिया कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बाँधकर जलती हुई आग की भट्टी में डाल दें। तब वे पुरुष अपने जूते और अपने सिरों पर अपनी पगड़ियाँ रखते हुए, अपने वस्त्रों के साथ, एक साथ बेड़ियों में जकड़े गए, और जलती हुई आग की भट्टी में फेंक दिए गए। चूंकि राजा का आदेश तत्काल था और भट्टी पहले से सात गुना अधिक सुलगाई गई थी, और चुने गए पुरुषों ने उन्हें बांधकर और भट्टी के पास ले जाकर उसमें डाल दिया। उन पुरुषों को जिन्होंने अजरयाह और उसके साथियों को बाँधा था, भट्टी से निकली हुई लौ ने जला दिया और मार डाला, लेकिन वे स्वयं सुरक्षित रहे। इस प्रकार अनन्यास और अजरयाह और मीशाएल ने प्रार्थना की, और प्रभु की स्तुति की, जब राजा ने उन्हें भट्टी में फेंके जाने का आदेश दिया। अजरयाह खड़ा हुआ और इस प्रकार प्रार्थना की, और अपना मुँह खोलकर प्रभु के सामने अपने साथियों के साथ आग के बीच में स्वीकार करता रहा, जबकि भट्टी कसदियों द्वारा अत्यधिक जलाई जा रही थी। और उन्होंने कहा धन्य हैं, हे प्रभु, हमारे पितरों के ईश्वर, और प्रशंसनीय और महिमामंडित है आपका नाम युगों तक। क्योंकि तू उन सबके प्रति धर्मी है जो तूने हमारे साथ किया, और तेरे सब काम सच्चे हैं और तेरे मार्ग सीधे हैं और तेरे सब न्याय सच्चे हैं। और तूने सत्य के निर्णय किए हैं, उन सब के अनुसार जो तूने हम पर और अपने पवित्र नगर पर, हमारे पूर्वजों के यरूशलेम पर लाया है, क्योंकि तूने सत्य और न्याय से यह सब हमारे पापों के कारण किया है। कि हमने सब में पाप किया है और हमने अधर्म किया है तुमसे दूर जाने के लिए और हमने सब में पाप किया है और हमने तुम्हारे नियम की आज्ञाओं

को नहीं माना, न हमने उन्हें रखा, न हमने वैसा किया जैसा तूने हमें आज्ञा दी थी, ताकि हमारा भला हो। और अब जो कुछ भी तुमने हम पर लाया है और जो कुछ भी तुमने हमारे साथ किया है, वह सब तुमने सच्चे न्याय से किया है। और तुमने हमें हमारे अधर्मी शत्रुओं के हाथों में सौंप दिया, और सबसे अधिक शत्रुतापूर्ण विश्वासघातियों के, और एक अन्यायी और सबसे अधिक दुष्ट राजा को जो समस्त पृथ्वी में है। और अब हमारे लिए मुख खोलना संभव नहीं है, शर्म और निंदा हो गई है तेरे दासों की और तुझे पूजने वालों की। अपने नाम के कारण हमें अंत तक न सौंप दो, और अपनी वाचा को न बिखेर दो। और अपनी दया को हमसे मत हटाओ, अब्राहम के कारण जो तुम्हारे प्रिय हैं, और इसहाक के कारण जो तुम्हारे दास हैं, और इस्राएल के कारण जो तुम्हारे पवित्र हैं। जैसे आपने उनसे कहा था कि उनके वंश को स्वर्ग के तारों की भीड़ के समान और समुद्र के किनारे की रेत के समान बढ़ाऊंगा। हे स्वामी, हम सब राष्ट्रों से छोटे कर दिए गए हैं, और आज हम समस्त पृथ्वी पर अपने पापों के कारण दीन हैं। और इस समय में न कोई शासक है, न भविष्यवक्ता, न नेता, न होमबलि, न बलिदान, न भेंट, न धूप, और न ही कोई ऐसा स्थान है जहाँ तेरे सामने फल चढ़ाएँ और दया पाएँ। परन्तु टूटी हुई आत्मा और नम्र मन में हम स्वीकार किए जाएँ जैसे मेढ़ों और सांडों की होम-बलियों में और जैसे मोटे मेमनों के दस हजारों में, वैसे ही हमारा बलिदान आज तेरे सामने हो और तेरे पीछे प्रायश्चित्त करे, क्योंकि तुझ पर भरोसा करने वालों को कोई शर्म नहीं है, और तेरे पीछे पूरा करे। और अब हम अपने संपूर्ण हृदय से अनुसरण करते हैं और हम तुमसे भय करते हैं और हम तुम्हारे मुख को खोजते हैं। हमें शर्मिंदा मत करो, लेकिन हमारे साथ अपनी कृपा से दया करो, अपनी निष्पक्षता के अनुसार और अपनी दया की बहुतायत के अनुसार। और हमें अपने चमत्कारों के अनुसार छुड़ाओ और अपने नाम को महिमा दो, हे प्रभु और वे सब शर्मिंदा हों जो तेरे दासों को बुराईयाँ दिखाते हैं, और वे सब शक्ति से लज्जित हों, और उनकी शक्ति कुचल दी जाए। वे जानें कि तुम अकेले प्रभु और देवता हो और संपूर्ण संसार पर महिमामय हो। और राजा के सहायक, जो उन्हें भट्टी में फेंक रहे थे और भट्टी को जला रहे थे, रुके नहीं। और जब उन्होंने तीनों को एक साथ भट्टी में डाला, तो भट्टी अपनी गर्मी से सात गुना धधक रही थी, और जब उन्होंने उन्हें डाला, तो फेंकने वाले उनके ऊपर थे, लेकिन दूसरे उनके नीचे से नैफ्था, सन, राल और अंगूर की टहनियाँ जला रहे थे। और वह ज्वाला भट्टी के

ऊपर उन्तालीस हाथ तक फैल रही थी और उसने पार किया और उन्हें जला दिया जिन्हें उसने कसदियों की भट्टी के पास पाया। प्रभु का दूत अजरिया और उसके साथियों के साथ भट्टी में उतरा, और उसने आग की लौ को भट्टी से बाहर झटक दिया। और उसने भट्टी के बीच को ऐसा बना दिया जैसे ओस की हवा बह रही हो, और आग ने उन्हें बिल्कुल भी नहीं छुआ, और न उन्हें दुःख पहुँचाया और न परेशान किया। लेकिन तीनों ने मानो एक मुख से भट्टी में परमेश्वर की स्तुति गाई और महिमा की और आशीर्वाद दिया और उन्हें ऊँचा किया, यह कहते हुए धन्य हैं प्रभु, हमारे पितरों के देवता, और प्रशंसनीय और अत्यधिक महिमामंडित हैं युगों तक, और धन्य है आपकी महिमा का पवित्र नाम, और अत्यधिक प्रशंसित और अत्यधिक महिमामंडित है सभी युगों तक। धन्य हो तुम अपनी पवित्र महिमा के मंदिर में, और अत्यधिक स्तुत्य और अत्यधिक महिमामय हो युगों तक। धन्य हो तुम अपने राज्य की महिमा के सिंहासन पर, और स्तुत्य तथा सर्वोच्च रूप से महिमामंडित युगानुयुग। धन्य हो तुम जो अगाधों को देखते हो, करूबों पर विराजमान हो, और युगानुयुग स्तुत्य और महिमामंडित हो। धन्य हो तुम आकाश के आकाशमंडल में, और स्तुत्य और महिमामय युगों तक। हे प्रभु के सब कार्यों, प्रभु को धन्य कहो, उसकी स्तुति करो और युगानुयुग उसे सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे प्रभु के दूतों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे स्वर्गों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे जल और स्वर्ग के ऊपर की सब वस्तुओं, प्रभु को आशीर्वाद दो, उसकी स्तुति करो और युगानुयुग उसे ऊँचा करो। हे प्रभु की सब शक्तियों, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और युगानुयुग उसे ऊँचा करो। हे सूरज और चाँद, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे स्वर्ग के तारों, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और युगों तक उन्हें अत्यधिक ऊँचा करो। हे सब वर्षा और ओस, प्रभु को आशीर्वाद दो, उसकी स्तुति करो और युगानुयुग उसे सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे सब आत्माओ, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और उन्हें सदा-सर्वदा के लिए ऊँचा करो। हे आग और गर्मी, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें महिमामंडित करो। हे पाला और ठंड, प्रभु को आशीर्वाद दो, उसकी स्तुति करो और युगानुयुग उसे ऊँचा करो। हे ओस और बर्फ, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें ऊँचा करो। हे पाले

और ठंड, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें ऊंचा करो। हे पाले और बर्फों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उसकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उसे ऊंचा करो। हे रातों और दिनों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे प्रकाश और अंधकार, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें सर्वोच्च स्थान पर विराजमान करो। हे बिजलियों और बादलों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगानुयुग उन्हें सर्वोच्च स्थान पर विराजमान करो। धरती प्रभु को आशीर्वाद दे, स्तुति गाए और उसे युगों तक अत्यधिक ऊंचा करे। हे पहाड़ों और पहाड़ियों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे पृथ्वी पर उगने वाली सभी चीजों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगानुयुग उन्हें सर्वोच्च स्थान पर रखो। हे वर्षाओं और झरनों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें ऊंचा करो। हे समुद्रों और नदियों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगों-युगों तक उन्हें महिमामंडित करो। हे समुद्री जीवों और जल में विचरण करने वाले सभी प्राणियों, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगानुयुग उन्हें महिमामंडित करो। हे स्वर्ग के सब पक्षियों, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और उसे युगों तक ऊंचा करो। हे पृथ्वी के चौपाये पशुओं और जंगली पशुओं, प्रभु को आशीर्वाद दो, उनकी स्तुति करो और युगानुयुग उन्हें ऊंचा करो। हे मनुष्यों के पुत्रों, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और युगों-युगों तक उसे अति ऊंचा करो। हे इस्राएल, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और उन्हें युगों-युगों तक महिमामंडित करो। हे पुजारियों, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और उन्हें युगों तक अत्यधिक ऊंचा करो। हे दासों, प्रभु को धन्य करो, स्तुति करो और युगों-युगों तक उसे सर्वोच्च स्थान दो। हे धर्मियों की आत्माओं, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और उसे युगों तक अति-ऊंचा करो। हे पवित्र और विनम्र हृदय वालो, प्रभु को आशीर्वाद दो, स्तुति करो और युगानुयुग उन्हें ऊंचा करो। हे हनन्याह, अजर्याह, मीशाएल, प्रभु को आशीर्वाद दो, उसकी स्तुति करो और उसे युगों तक अति उच्च करो, क्योंकि उसने हमें अधोलोक से छुड़ाया, और हमें मृत्यु के हाथ से बचाया, और हमें जलती हुई लौ के बीच से छुड़ाया, और आग से हमें छुड़ाया। प्रभु को धन्यवाद दो, क्योंकि वह भला है। क्योंकि उसकी दया सदा के लिए है। आशीर्वाद दो, सभी जो प्रभु का सम्मान करते हैं, देवताओं के देवता का, स्तुति

करो और धन्यवाद दो, क्योंकि उसकी दया युग तक है, और युगों के युग तक। और ऐसा हुआ कि जब राजा ने उन्हें स्तुति गाते हुए सुना और खड़े होकर उन्हें जीवित देखा, तब नबूकदनेस्सर राजा आश्चर्यचकित हुआ, और जल्दी से उठा और अपने मित्रों से बोला, क्या हमने तीन पुरुषों को बंधे हुए आग के बीच में नहीं फेंका था? और उन्होंने राजा से कहा, सचमुच, हे राजा। और राजा ने कहा, देखो, मैं चार पुरुषों को मुक्त होकर आग में चलते हुए देखता हूँ, और उनमें कोई विनाश नहीं हुआ, और चौथे की आकृति ईश्वर के दूत के समान है। और राजा भट्टी के दरवाज़े के पास आया जो आग से जल रही थी, और उसने उनको नाम से बुलाया शद्रक, मेशक, अबदे, नगो, सर्वोच्च देवताओं के देवता के सेवक, आग से निकलो। इस प्रकार इसलिए पुरुष आग के बीच से निकले। और मुख्य अधिकारी, राज्यपाल, और मुख्य पितर, और राजा के मित्र एकत्र हुए, और उन्होंने उन लोगों को देखा, कि आग ने उनके शरीर को नहीं छुआ, और उनके बाल नहीं जले और उनके पतलून नहीं बदले, और न ही आग की गंध उनमें थी। उत्तर देते हुए नबूकदनेस्सर राजा ने कहा, धन्य है शद्रक, मेशक और अबेदनगो का प्रभु, जिसने अपना दूत भेजा और अपने सेवकों को बचाया, जो उस पर भरोसा करते थे। क्योंकि उन्होंने राजा के आदेश को अस्वीकार किया और अपने शरीर जलाए जाने के लिए सौंप दिए, ताकि वे किसी दूसरे देवता की सेवा न करें और न पूजा करें, लेकिन अपने देवता की करें। और अब मैं आदेश देता हूँ कि हर राष्ट्र और सब कबीले और सब भाषाओं में से, जो कोई शद्रक, मेशक और अबेदनगो के प्रभु देवता की निंदा करेगा, वह टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाएगा और उसका घर जल कर लिया जाएगा, क्योंकि कोई दूसरा देवता नहीं है जो इस प्रकार छुड़ा सके। इस प्रकार राजा ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को सम्पूर्ण देश पर अधिकार देकर उन्हें शासक नियुक्त किया। राजा नबूकदनेस्सर सब लोगों, जनजातियों और भाषाओं को जो सारी पृथ्वी पर निवास करते हैं, तुम्हें शांति बहुतायत से मिले। वे चिह्न और आश्चर्य जो परम प्रधान परमेश्वर ने मेरे साथ किए, उन्हें तुम्हारे सामने घोषित करना मुझे प्रसन्न लगा। कितना महान और मजबूत है, उसका राज्य शाश्वत राज्य है, उसका अधिकार पीढ़ी दर पीढ़ी है।

नबूकदनेस्सर के राज्य के अठारहवें वर्ष में उसने कहा, मैं अपने घर में शांति से था, और अपने सिंहासन पर समृद्ध था। मैंने एक स्वप्न देखा और भयभीत हो गया, और मुझ पर भय छा गया। मेरे बिस्तर पर मैं सो रहा था, और देखो, एक ऊँचा पेड़ पृथ्वी पर बढ़ता हुआ था, और उसका दर्शन महान था, और उसके समान कोई दूसरा नहीं था। और उसका दर्शन महान था, उसका शिखर आकाश तक पहुँच रहा था और उसकी विशालता बादलों तक थी, आकाश के नीचे सब कुछ भरते हुए, सूरज और चाँद उसमें निवास करते थे और सारी पृथ्वी को प्रकाशित करते थे। उसकी शाखाएँ लंबाई में लगभग तीस स्टेडियन थीं, और उसके नीचे पृथ्वी के सभी जंगली जानवर छाया पाते थे, और उसमें आकाश के पक्षी घोंसला बनाते थे, उसका फल बहुत और अच्छा था, और वह सभी जानवरों को भोजन प्रदान करता था। मैं अपनी नींद में देख रहा था, और देखो, एक दूत शक्ति के साथ स्वर्ग से भेजा गया था, और उसने चिल्लाकर उससे कहा, इसे काट डालो और इसे पूरी तरह नष्ट कर दो, क्योंकि परम उच्च की ओर से आदेश दिया गया है कि इसे जड़ से उखाड़ दिया जाए और इसे बेकार बना दिया जाए। और इस प्रकार उसने कहा, उसकी एक जड़ को भूमि में छोड़ दो, ताकि वह पृथ्वी के जंगली जानवरों के साथ पहाड़ों में बैल की तरह घास खाए। और स्वर्ग की ओर से उसका शरीर बदल जाए, और सात वर्ष तक उनके साथ चराया जाए, जब तक वह जान ले कि स्वर्ग के प्रभु को स्वर्ग में और पृथ्वी पर सब पर अधिकार है, और जो कुछ वह चाहे करना, वह उनमें करता है। मेरे सामने वह एक दिन में काटा गया, और उसका विनाश दिन की एक घड़ी में हुआ, और उसकी शाखाएं सब हवाओं को दे दी गईं, और वह घसीटा गया और फेंका गया, और पृथ्वी की घास खाता रहा, और कारागार में सौंपा गया, और उनके द्वारा बेड़ियों और कांसे की हथकड़ियों में बांधा गया। मैं इन बातों पर अत्यधिक आश्चर्यचकित हुआ, और मेरी नींद मेरी आंखों से हट गई। और सुबह अपने बिस्तर से उठकर मैंने दानियेल को बुलाया, जो बुद्धिमान लोगों का शासक और स्वप्नों का न्याय करने वालों का नेता था, और मैंने उसे स्वप्न सुनाया, और उसने मुझे उसकी सारी व्याख्या बताई। दानियेल बहुत

आश्चर्यचकित हुए और संदेह ने उन्हें व्याकुल कर दिया, और जब भय से कंपन ने उन्हें जकड़ लिया और उनकी दृष्टि बदल गई, तो सिर हिलाकर एक घड़ी तक स्तब्ध रहने के बाद उन्होंने मुझे कोमल स्वर में उत्तर दिया, हे राजा, यह स्वप्न उन पर आए जो आपसे घृणा करते हैं और इसकी व्याख्या आपके शत्रुओं पर आए। वह वृक्ष जो भूमि में रोपित है, जिसका दर्शन महान है, वह तुम हो, हे राजा। और आकाश के सब पक्षी जो उसमें घोंसला बनाते हैं, पृथ्वी की शक्ति और राष्ट्रों की और सब भाषाओं की पृथ्वी के छोरों तक, और सब प्रदेश तुम्हारी सेवा करते हैं। वह पेड़ का ऊपर उठाया जाना और स्वर्ग के पास आना और उसके खोखले भाग का बादलों को छूना, हे राजा, तुम सारी पृथ्वी के चेहरे पर रहने वाले सभी मनुष्यों से ऊपर उठाए गए, तुम्हारा हृदय अहंकार और शक्ति में ऊपर उठाया गया पवित्र और उसके दूतों की ओर, तुम्हारे कर्म दिखाई दिए, क्योंकि तुमने जीवित परमेश्वर के घर को पवित्र किए गए लोगों के पापों पर उजाड़ दिया। और वह दर्शन जो तूने देखा था, कि एक दूत शक्ति में प्रभु की ओर से भेजा गया था, और उसने कहा था कि वृक्ष को नष्ट करो और काट डालो - महान परमेश्वर का न्याय तुझ पर आएगा। और वह सर्वोच्च और उसके दूत तुम पर आक्रमण करते हैं वे तुम्हें पहेरे में ले जाएंगे, और तुम्हें निर्जन स्थान में भेजेंगे। और पेड़ की जड़ जो छोड़ी गई, चूंकि वह उखाड़ी नहीं गई, तुम्हारे सिंहासन का स्थान तुम्हारे लिए समय और घड़ी तक संरक्षित रहेगा। देखो, तुम्हारे विरुद्ध तैयारियाँ की जा रही हैं, और वे तुम्हें कोड़े मारेंगे और तुम पर जो निर्णय किए गए हैं उन्हें लाएंगे। प्रभु स्वर्ग में जीवित है और उसका अधिकार सारी पृथ्वी पर है। उससे अपने पापों के बारे में प्रार्थना करो और अपने सब अन्यायों को दान से छुड़ाओ, ताकि तुम्हें न्यायपूर्णता दी जाए और तुम अपने राज्य के सिंहासन पर दीर्घायु हो, और वह तुम्हें नष्ट न करे। इन शब्दों से प्रेम करो, क्योंकि मेरा शब्द सटीक है, और तुम्हारा समय पूर्ण है। और जब शब्दों की समाप्ति पर नबूकदनेस्सर ने दर्शन का निर्णय सुना, तो उसने शब्दों को हृदय में रखा। और बारह महीनों के बाद राजा शहर की दीवारों पर अपनी सारी महिमा के साथ चल रहा था और उसकी मीनारों पर से होकर जा रहा था। और उत्तर देते हुए उसने कहा, यह महान बेबीलोन है, जिसे मैंने बनाया, और मेरे राज्य का घर मेरी शक्ति के सामर्थ्य में मेरी महिमा के सम्मान के लिए कहलाएगा। जब यह वचन राजा के मुँह में था, और उसके वचन की पूर्णता पर, स्वर्ग से एक आवाज़ सुनी गई, तुझे कहा जाता है, हे राजा

नबूकदनेस्सर, बेबीलोन का राज्य तुझ से छीन लिया गया है और दूसरे को दिया जाता है, तेरे घर में एक तुच्छ मनुष्य को। देखो, मैं उसे तुम्हारे राज्य पर नियुक्त करता हूँ, और वह तुम्हारे अधिकार और तुम्हारी महिमा और तुम्हारी विलासिता को अधिकार में लेगा, ताकि तुम जानो कि स्वर्ग के देवता के पास मनुष्यों के राज्य में अधिकार है, और जिसे वह चाहेगा उसे देगा, लेकिन सूर्योदय तक दूसरा राजा तुम्हारे घर में आनंदित होगा, और वह तुम्हारी महिमा और तुम्हारी शक्ति और तुम्हारे अधिकार पर अधिकार करेगा। और वे दूत सात वर्षों तक तुम्हारा पीछा करेंगे, और तुम न दिखाई दोगे और न ही किसी मनुष्य से बोलोगे, वे तुम्हें बैल की तरह घास खिलाएंगे और पृथ्वी की हरियाली से तुम्हारा चारागाह होगा, देखो, तुम्हारी महिमा के बदले वे तुम्हें बांधेंगे, और तुम्हारे विलास के घर को और तुम्हारे राज्य को कोई दूसरा रखेगा। लेकिन सुबह यह सब तुम पर पूरा होगा, नबूकदनेस्सर बाबुल के राजा, और इन सब में से कुछ भी कमी नहीं होगी। मैं नबूकदनेस्सर, बाबुल का राजा, सात वर्ष तक पीड़ित रहा, मुझे बैल की तरह घास खिलाई गई और मैंने पृथ्वी की हरियाली खाई। और सात वर्षों के बाद मैंने अपनी आत्मा को प्रार्थना में समर्पित किया, और मैंने स्वर्ग के परमेश्वर प्रभु के सामने अपने पापों के बारे में योग्य समझा, और देवताओं के महान परमेश्वर से अपनी अज्ञानताओं के बारे में प्रार्थना की। और मेरे बाल चील के पंखों जैसे हो गए, मेरे नाखून शेर के जैसे हो गए, मेरा मांस और मेरा हृदय बदल गया, मैं नंगा पृथ्वी के जानवरों के साथ चलता था। मैंने एक स्वप्न देखा और संदेह ने मुझे जकड़ लिया, और समय के बाद गहरी नींद ने मुझे पकड़ लिया और तंद्रा मुझ पर छा गई। और सात वर्षों के अंत में मेरे छुटकारे का समय आया, और मेरे पाप और मेरी अज्ञानताएँ स्वर्ग के परमेश्वर के सामने पूर्ण हो गई, और मैंने महान देवताओं के परमेश्वर से अपनी अज्ञानताओं के विषय में प्रार्थना की, और देखो, एक दूत ने स्वर्ग से मुझे पुकारा और कहा, नबूकदनेस्सर, स्वर्ग के पवित्र परमेश्वर की सेवा करो और सर्वोच्च को महिमा दो, तुम्हारे राष्ट्र का राज्य तुम्हें लौटाया जाता है। उस समय मेरा राज्य मुझे पुनः स्थापित किया गया और मेरा गौरव मुझे लौटाया गया। मैं परम उच्च को धन्यवाद देता हूँ और स्तुति करता हूँ, उसको जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्रों और नदियों को बनाया और सब कुछ जो उनमें है, मैं धन्यवाद देता हूँ और स्तुति करता हूँ क्योंकि वह देवताओं का देवता है और प्रभुओं का प्रभु है और राजाओं का राजा है, क्योंकि वह चिन्ह और चमत्कार करता है और समयों को

बदलता है, राजाओं का राज्य हटाता है और उनके बदले दूसरों को नियुक्त करता है। अब से मैं उसकी सेवा करूंगा, और उसके भय से कंपन ने मुझे पकड़ लिया है, और मैं सब पवित्र लोगों की स्तुति करता हूँ, क्योंकि राष्ट्रों के देवताओं के पास अपने में यह शक्ति नहीं है कि किसी राजा के राज्य को दूसरे राजा की ओर फेर दें, और मारें और जीवित करें, और महान और भयानक चिन्ह और आश्चर्य करें, और अत्यधिक महान बातों को बदलें, जैसे स्वर्ग के परमेश्वर ने मुझ में किया और मुझ पर महान बातों को बदला। मैं अपने राज्य के सभी दिनों में अपनी आत्मा के विषय में परमप्रधान को सुगंध की सुवास के लिए बलिदान चढ़ाऊंगा प्रभु को, और जो उसके सामने प्रसन्न करनेवाला है वह करूंगा मैं और मेरे लोग, मेरी जाति और मेरी भूमियां जो मेरे अधिकार में हैं। और जितने लोगों ने स्वर्ग के भगवान के विरुद्ध बोला और जितने लोग कुछ बोलते हुए पकड़े जाएं, इन्हें मैं मृत्युदंड देता हूँ। राजा नबूकदनेस्सर ने सब स्थानों की जातियों और प्रदेशों और सब भाषाओं को, जो सब प्रदेशों में निवास करते हैं, पीढ़ी दर पीढ़ी के लिए एक परिपत्र पत्र लिखा। स्वर्ग के देवता प्रभु की स्तुति करो, और बलिदान तथा भेंट उन्हें गौरवपूर्वक चढ़ाओ। मैं राजाओं का राजा हूँ, मैं उसे गौरवपूर्वक धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि उसने मेरे साथ ऐसा किया, उस दिन उसने मुझे मेरे सिंहासन पर बैठाया और मेरे अधिकार और मेरे राज्य में, मेरे लोगों में मैंने पकड़ बनाए रखी और मेरी महानता मुझे बहाल की गई। नबूकदनेस्सर राजा सब जातियों को और सब भूमियों को और उनमें निवास करने वाले सब लोगों को: तुम्हें हर समय शांति बढ़ती रहे। और अब मैं तुम्हें वे कार्य दिखाऊंगा जो महान ईश्वर ने मेरे साथ किए, और मुझे यह उचित लगा कि तुम्हें और तुम्हारे बुद्धिमानों को दिखाऊं कि ईश्वर है, और उसके आश्चर्य महान हैं, उसका राज्य युगों तक का राज्य है, उसका अधिकार पीढ़ी से पीढ़ी तक है। और उसने अपने राज्य में उसके साथ घटित सभी घटनाओं के बारे में अपने राज्य के अधीन सभी राष्ट्रों को पत्र भेजे। बेलशज़ज़र राजा ने अपने राज्यों के समर्पण के दिन एक महान भोज किया, उसने दो हज़ार पुरुषों को बुलाया। उस दिन बाल्तसार शराब से उन्नत होकर और घमंड करते हुए, उसने अपने स्थान में राष्ट्रों के सभी ढाले हुए और खुदे हुए देवताओं की प्रशंसा की, और परम उच्च परमेश्वर को स्तुति नहीं दी। इस रात में मनुष्य की उंगलियों जैसी उंगलियां निकलीं और उन्होंने उसके घर की दीवार के पलस्तर पर, दीयों के सामने लिखा: मने, फारेस, थेकेल। और उनकी व्याख्या यह है: मने, गिना गया है;

फारेस, हटाया गया है; तेकेल, तौला गया है।

5

बेलशज्जर राजा ने अपने रईसों के लिए एक महान भोज किया। और उसने शराब पी, और उसका हृदय उठाया गया, और उसने कहा कि सोने और चांदी के बर्तनों को लाया जाए जो देवता के घर के थे, जिन्हें नबूकदनेस्सर उसके पिता ने यरूशलेम से लाया था, और उनमें उसके साथियों के लिए शराब डाली जाए। और लाया गया, और वे उनमें पी रहे थे। और वे अपनी हाथ से बनी हुई मूर्तियों को आशीर्वाद दे रहे थे, और युग के देवता को आशीर्वाद नहीं दिया, जो उनकी आत्मा का अधिकार रखता है। उसी घड़ी में मनुष्य के हाथ जैसी उंगलियां निकलीं और उन्होंने उसके घर की दीवार पर, पलस्तर पर, रोशनी के सामने, राजा बेलशस्सर के सामने लिखा, और उसने लिखते हुए हाथ को देखा। और उसकी दृष्टि बदल गई, और भय और संदेह उसे प्रेरित कर रहे थे। इसलिए राजा ने शीघ्रता की और उठा, और उसने उस लेख को देखा, और उसके चारों ओर के साथी घमंड कर रहे थे। और राजा ने ऊँची आवाज़ में मंत्रवादियों, जादूगरों, कसदियों और गज़ारिनों को बुलाने के लिए पुकारा, ताकि वे लेख की व्याख्या बता सकें। और वे विचार करने के लिए लेख देखने आए, लेकिन वे राजा को लेख की व्याख्या नहीं बता सके। तब राजा ने यह कहते हुए आदेश जारी किया: जो भी व्यक्ति लेख की व्याख्या बताएगा, उसे बैंगनी वस्त्र पहनाया जाएगा, उसके गले में सोने का हार पहनाया जाएगा, और उसे राज्य के तीसरे भाग का अधिकार दिया जाएगा। और जादूगर और तांत्रिक और गज़ारिन प्रवेश कर रहे थे, और कोई भी लेखन की व्याख्या बताने में सक्षम नहीं था। तब राजा ने रानी को चिह्न के बारे में बुलाया, और उसे दिखाया कि यह कितना महान है, और यह कि कोई भी मनुष्य राजा को लेखन की व्याख्या बताने में सक्षम नहीं है। तब रानी ने उसे दानियेल के बारे में याद दिलाया, जो यहूदिया की बंधुआई से था, और उसने राजा से कहा कि वह आदमी ज्ञानी था और बुद्धिमान और बेबीलोन के सब बुद्धिमानों से श्रेष्ठ था। और पवित्र आत्मा उसमें है, और तुम्हारे पिता राजा के दिनों में नबूकदनेस्सर ने तुम्हारे

पिता को अहंकारी व्याख्याएं दिखाई। तब दानिएल को राजा के पास लाया गया, और राजा ने उससे कहा हे दानिय्येल, क्या तुम मुझे इस लेख की व्याख्या दिखा सकते हो? और मैं तुम्हें बैंगनी वस्त्र पहनाऊंगा और तुम्हें सुनहरा हार पहनाऊंगा, और तुम मेरे राज्य के तीसरे भाग का अधिकार रखोगे। तब दानिएल उस लेखन के सामने खड़ा हुआ और उसे पढ़ा, और इस प्रकार राजा को उत्तर दिया, यह लेखन है: गिना गया, गणना किया गया, हटाया गया, और वह हाथ जिसने लिखा था वहाँ खड़ा था। और यह उनकी व्याख्या है। हे राजा, तुमने अपने मित्रों के लिए भोज बनाया और शराब पी, और जीवित देवता के घर के बर्तन तुम्हारे पास लाए गए और तुमने उनमें पिया, तुम और तुम्हारे रईस, और तुमने मनुष्यों की सब हाथ से बनाई गई मूर्तियों की स्तुति की, और जीवित देवता को आशीर्वाद नहीं दिया, और तुम्हारी आत्मा उसके हाथ में है, और तुम्हारा राज्य उसने तुम्हें दिया, और तुमने उसे आशीर्वाद नहीं दिया और न उसकी स्तुति की। यह लेख की व्याख्या है: तुम्हारे राज्य का समय गिना जा चुका है, तुम्हारा राज्य समाप्त होता है काटा गया है और पूरा किया गया है तेरा राज्य मादियों और फारसियों को दिया जाता है। तब राजा बेलशस्सर ने दानिय्येल को बैंगनी वस्त्र पहनाया, और उसके गले में सोने का हार डाला, और उसे अपने राज्य के तीसरे भाग का अधिकार दिया। और व्याख्या राजा बेलशस्सर के पास आई, और राज्य कसदियों से हटा लिया गया और मादियों और फारसियों को दे दिया गया। और मेदियों के अर्तक्षत्र ने राज्य को अपने अधिकार में ले लिया।

6

और दारियुस अपने दिनों से पूर्ण और बुढ़ापे में गौरवशाली था। और उसने अपने सम्पूर्ण राज्य पर सौ सत्ताईस क्षत्रप नियुक्त किए। और उनके ऊपर तीन पुरुष उनके नेता थे। और दानिय्येल उन तीन पुरुषों में से एक था, सब के लिए राज्य में अधिकार रखते हुए। और दानिय्येल बैंगनी वस्त्र पहने हुए था और दारा राजा के सामने महान और महिमामय था, क्योंकि वह महिमामय और ज्ञानी और बुद्धिमान था, और पवित्र आत्मा उसमें था, और राजा के कार्यों में समृद्ध हो रहा था जो

वह करता था। तब राजा ने दानिय्येल को अपने सारे राज्य पर और दो पुरुषों को, जिन्हें उसने अपने साथ नियुक्त किया था, और एक सौ सत्ताईस क्षत्रपों को स्थापित करने की योजना बनाई। जब राजा ने दानिय्येल को अपने सारे राज्य पर स्थापित करने की योजना बनाई, तब दो युवकों ने आपस में परामर्श और राय करते हुए कहा, चूंकि उन्होंने दानिय्येल के विरुद्ध कोई पाप या अज्ञानता नहीं पाई जिसके विषय में वे राजा के सामने उस पर आरोप लगाएं और उन्होंने कहा, आओ, हम अपने लिए एक आदेश स्थापित करें कि तीस दिनों तक कोई भी मनुष्य किसी देवता से सम्मान की मांग न करे और न ही मन्नत माने, केवल राजा दारा से, और यदि कोई ऐसा न करे तो वह मार डाला जाएगा, ताकि वे दानिय्येल को राजा के सामने हरा सकें और उसे शेरों की गुफा में फेंक दिया जाए। क्योंकि वे जानते थे कि दानिय्येल दिन में तीन बार अपने देवता प्रभु से प्रार्थना करता है और विनती करता है। तब वे लोग आगे आए और राजा के सामने बोले हमने आज्ञा और विवाद स्थापित किया है कि जो कोई भी मनुष्य तीस दिनों तक किसी भी देवता से प्रार्थना करेगा या कुछ मांगेगा, लेकिन राजा दारा से नहीं, वह शेरों के गढ़ में फेंक दिया जाएगा। और इस प्रकार राजा दारा ने स्थापित किया और अनुमोदित किया। लेकिन दानिय्येल ने उस आदेश को जान लिया जो उसके विरुद्ध स्थापित किया गया था, और उसने अपने ऊपरी कमरे में यरूशलेम के सामने खिड़कियाँ खोलीं, और दिन में तीन बार अपने चेहरे पर गिरा, जैसे वह पहले करता था, और प्रार्थना की। और उन्होंने दानिय्येल की निगरानी रखी, और उसे प्रत्येक दिन दिन में तीन बार प्रार्थना करते हुए पकड़ लिया। तब ये लोग राजा से मिले और बोले, हे राजा दारा, क्या आपने यह आदेश नहीं दिया था कि तीस दिनों तक कोई भी व्यक्ति किसी देवता से प्रार्थना न करे और न ही कोई याचना मांगे, केवल आपसे, हे राजा? और यदि कोई ऐसा करे तो उसे शेरों की मांद में फेंक दिया जाएगा? उत्तर देते हुए राजा ने उनसे कहा, यह वचन सत्य है, और यह आदेश बना रहेगा। और मैंने उससे कहा, हम तुम्हें मादियों और फारसियों के सिद्धांतों की शपथ दिलाते हैं, ताकि तुम आदेश को न बदलो और न किसी के चेहरे को देखकर आश्चर्य करो, और ताकि तुम कही गई बातों में से कुछ भी कम न करो, और उस आदमी को दंड दो जो इस बंधन में नहीं रहा। और उसने कहा, जैसा तुम कहते हो वैसा ही मैं करूंगा, और यह मेरे लिए स्थिर है। और उन्होंने कहा, देखो, हमने तुम्हारे मित्र दानिय्येल को दिन में तीन बार अपने देवता के सामने प्रार्थना

करते और विनती करते हुए पाया है। और दुःखी होते हुए राजा ने कहा कि दानिय्येल को शेरों के गढ़े में फेंक दिया जाए, उस आज्ञा के अनुसार जो उसके विरुद्ध स्थापित की गई थी। तब राजा दानिय्येल के लिए अत्यधिक दुःखी हुआ, और सूर्यास्त तक उसे क्षत्रपों के हाथों से छुड़ाने की सहायता करता रहा। और वह उसे उनसे छुड़ाने में सक्षम नहीं था। चिल्लाकर राजा दारयूस ने दानिय्येल से कहा, तुम्हारा देवता, जिसकी तुम दिन में तीन बार लगातार सेवा करते हो, वह तुम्हें शेरों के हाथ से छुड़ाएगा। सुबह तक हिम्मत रखो। तब दानिएल को शेरों के गढ़े में फेंका गया, और एक पत्थर लाया गया और गढ़े के मुँह पर रखा गया, और राजा ने अपनी अंगूठी से और अपने रईसों की अंगूठियों से मुहर लगाई, ताकि दानिएल को उनसे न उठाया जाए या राजा उसे गढ़े से न बचाए। तब राजा अपने राज्य में लौटा और उपवास करते हुए ठहरा, और वह दानिय्येल के बारे में शोक करता रहा। तब दानिय्येल के परमेश्वर ने उसकी देखभाल करते हुए शेरों के मुँह बंद कर दिए, और उन्होंने दानिय्येल को हानि नहीं पहुँचाई। और राजा दारयूस सुबह उठा और अपने साथ सातरापों को लिया, और जाकर शेरों के गढ़े के मुख पर खड़ा हुआ। तब राजा ने रोते हुए ऊँची आवाज़ में दानिय्येल को पुकारा और कहा, हे दानिय्येल, यदि तुम जीवित हो, तो क्या तुम्हारे परमेश्वर ने, जिसकी तुम निरंतर सेवा करते हो, तुम्हें शेरों से बचाया है, और उन्होंने तुम्हें हानि नहीं पहुँचाई है? तब दानिएल ने एक महान आवाज़ सुनी और कहा राजा, मैं अभी भी जीवित हूँ, और ईश्वर ने मुझे शेरों से बचाया है, क्योंकि उसके सामने मुझमें धार्मिकता पाई गई, और हे राजा, आपके सामने भी न अज्ञानता पाई गई न पाप मुझमें, लेकिन आपने उन मनुष्यों की सुनी जो राजाओं को धोखा देते हैं और आपने मुझे शेरों के गढ़े में विनाश के लिए फेंक दिया। तब सब शक्तियाँ एकत्रित हुईं और उन्होंने दानिय्येल को देखा कि शेरों ने उसे हानि नहीं पहुँचाई। तब वे दो लोग जिन्होंने दानिय्येल के विरुद्ध गवाही दी थी, वे स्वयं और उनकी स्त्रियाँ और उनके बच्चे, शेरों के सामने फेंक दिए गए, और शेरों ने उनको मार डाला और उनकी हड्डियाँ कुचल दीं। तब दारयूस ने सब राष्ट्रों और भाषाओं और प्रदेशों को जो उसकी सारी भूमि में निवास करते थे, लिखा और कहा मेरे राज्य में रहने वाले सभी लोग दानिय्येल के देवता की पूजा और सेवा करें, क्योंकि वह देवता है जो पीढ़ी दर पीढ़ी युगों तक जीवित और स्थिर रहता है। मैं दारयूस उसकी पूजा करूंगा और अपने सभी दिनों तक उसकी सेवा करूंगा, क्योंकि हाथ से बनी मूर्तियाँ बचा नहीं

सकतीं, जैसे दानिय्येल के देवता ने दानिय्येल को छुड़ाया। और राजा दारयावेश अपनी जाति में मिल गया, और दानिय्येल को दारयावेश के राज्य पर नियुक्त किया गया, और कुरुश फारसी ने उसका राज्य ले लिया।

7

बेलशस्सर के बेबीलोनिया देश पर शासन करने के प्रथम वर्ष में, दानिय्येल ने अपने बिस्तर पर अपने सिर के पास एक दर्शन देखा। तब दानिय्येल ने उस दर्शन को, जो उसने देखा था, शब्दों के मुख्य बिंदुओं में लिखा। अपने बिस्तर पर मैं रात में स्वप्नों में देख रहा था, और देखो, आकाश की चार हवाएं महासागर में गिरीं। और चार जंगली जानवर समुद्र से ऊपर आ रहे थे, एक दूसरे से भिन्न। पहला शेरनी जैसा था जिसके पास चील के समान पंख थे, मैं देख रहा था जब तक कि उसके पंख नोच लिए गए, और वह पृथ्वी से उठाई गई, और मानव पैरों पर खड़ी की गई और उसे मानव हृदय दिया गया। और देखो, एक दूसरा जंगली जानवर था जो भालू के समान था, और वह एक बाजू पर खड़ा हुआ था, और उसके मुँह में उसके दाँतों के बीच तीन पसलियाँ थीं, और इस प्रकार कहा गया, उठो, बहुत मौस ख जाओ। और इसके बाद मैं एक दूसरा जानवर देख रहा था जो तेंदुए जैसा था, और उसके ऊपर चार पंख फैले हुए थे, और उस जानवर के चार सिर थे। इसके बाद मैं रात के दर्शन में एक चौथा पशु देख रहा था जो भयानक था, और उसका भय शक्ति में अत्यधिक था। उसके बड़े लोहे के दांत थे। वह खाता हुआ और कुचलता हुआ, चारों ओर अपने पैरों से रौंदता हुआ, उन सब पशुओं से जो उससे पहले थे, भिन्न रूप से व्यवहार करता था, और उसके दस सींग थे। और उसके सींगों में बहुत सारी योजनाएँ थीं। और देखो, उनके बीच में एक दूसरा छोटा सींग उगा, उसके सींगों में, और पहले तीन सींग उसके द्वारा सूख गए, और देखो, इस सींग में मानव जैसी आँखें थीं और एक मुँह जो बड़ी-बड़ी बातें बोलता था, और उसने पवित्र लोगों के विरुद्ध युद्ध किया। मैं देख रहा था जब तक कि सिंहासन स्थापित किए गए, और दिनों का प्राचीन बैठा था, जिसके वस्त्र बर्फ के समान थे, और उसके सिर के बाल शुद्ध सफेद

ऊन के समान थे, सिंहासन आग की लौ के समान था, उसके पहिए जलती हुई आग थे। आग की नदी बहती हुई, और उसके सामने से आग की नदी निकलती थी, हजारों हजार उसकी सेवा करते थे और करोड़ों उसके पास खड़े थे, और न्यायासन स्थापित हुआ और पुस्तकें खोली गईं। तब मैं उन महान शब्दों की आवाज़ देख रहा था जो सींग बोल रहा था, मैं देखता रहा, और वह जानवर मार डाला गया, और उसका शरीर नष्ट हो गया और आग में जलाने के लिए दे दिया गया। और उसने उनके चारों ओर के लोगों को उनके अधिकार से हटा दिया, और उनको जीवन का समय एक समय और काल तक दिया गया। मैं रात के दर्शन में देख रहा था, और देखो, आकाश के बादलों पर मनुष्य के पुत्र जैसा कोई आ रहा था, और प्राचीन दिनों जैसा कोई उपस्थित था, और जो खड़े थे वे उसके पास उपस्थित थे। और उसको राजसी अधिकार और सम्मान दिया गया, और पृथ्वी के सब राष्ट्र अपने-अपने प्रकार के अनुसार और सब महिमा उसकी सेवा करते हुए, और उसका अधिकार अनन्त अधिकार है जो कभी नहीं उठाया जाएगा, और उसका राज्य, जो कभी नष्ट नहीं किया जाएगा। और मैं दानियेल रात के इस दर्शन में इन बातों से व्याकुल हो गया, मेरे विचार मुझे परेशान कर रहे थे। मैं उन खड़े लोगों में से एक के पास गया और उससे इन सब के विषय में सटीक जानकारी खोज रहा था। उत्तर देते हुए उसने मुझसे कहा और शब्दों का निर्णय मुझ पर प्रकट किया। ये महान जंगली जानवर चार राज्य हैं, जो पृथ्वी से नष्ट हो जाएंगे। और परम प्रधान के पवित्र लोग राज्य को प्राप्त करेंगे, और वे राज्य को युगानुयुग तक धारण करेंगे। तब वे चौथे पशु के बारे में जानना चाहते थे जो सब कुछ नष्ट कर रहा था और अत्यधिक भयानक था, और देखो, उसके दांत लोहे के थे और उसके नाखून कांसे के थे, जो चारों ओर सबको खा रहा था और पैरों से चल रहा था। और उसके सिर पर के दस सींगों के बारे में, और एक दूसरे के जो उगा, और उसके द्वारा तीन गिर गए, और उस सींग की आँखें थीं और मुँह था जो बड़ी बातें बोलता था, और उसका रूप दूसरों से अधिक था। और मैं उस सींग को पवित्र लोगों के विरुद्ध युद्ध करते हुए और उन पर प्रबल होते हुए देख रहा था, जब तक प्राचीन दिनों वाला नहीं आया, और उसने परम प्रधान के पवित्र लोगों को न्याय दिया, और समय आ गया और पवित्र लोगों ने राज्य को अधिकार में ले लिया। और मुझे चौथे जानवर के बारे में कहा गया कि पृथ्वी पर एक चौथा राज्य होगा, जो सारी पृथ्वी से अलग होगा, और सारी पृथ्वी को निगल जाएगा और इसे

उलट देगा और इसे कुचल देगा। और दस सींग दस राज्यों के दस राजा होंगे, और उनके बाद एक दूसरा राजा खड़ा होगा, और वह बुराइयों में पहले राजाओं से अधिक भिन्न होगा और तीन राजाओं को अपमानित करेगा। और वह परम उच्च के विरुद्ध शब्द बोलेगा और परम उच्च के पवित्र लोगों को घिसेगा, और वह समयों और कानून को बदलने का प्रयास करेगा, और सब कुछ उसके हाथों में सौंपा जाएगा एक समय और समयों और आधे समय तक। और न्याय बैठेगा, और अधिकार नष्ट हो जाएगा, और वे अंत तक अपवित्र करने और नष्ट करने की सलाह देंगे। और उनके राज्य और अधिकार और महिमा, और स्वर्ग के नीचे सब राज्यों का आरंभ, परम पवित्र लोगों को अनन्त राज्य पर राज करने के लिए दिया गया, और सब अधिकार उसके अधीन किए जाएंगे और वचन के अंत तक उसकी आज्ञा मानेंगे। मैं दानिएल अत्यंत विस्मय से घिरा हुआ था, और मेरी दशा ने मुझे अभिभूत कर दिया, और उस स्वप्न को अपने हृदय में मैंने संजो लिया।

8

बेलशस्सर के शासन के तीसरे वर्ष में, मैं दानिय्येल ने पहले दर्शन के बाद एक दर्शन देखा। और मैंने अपने स्वप्न के दर्शन में देखा, जब मैं सूसा नगर में था, जो एलाम देश में है, और मैंने दर्शन में देखा जब मैं अभी ऐलाम के द्वार के पास था, ऊपर देखकर मैंने एक बड़ा मेढ़ा देखा जो फाटक के सामने खड़ा था, और उसके सींग थे, और वे सींग ऊँचे थे, और एक दूसरे से ऊँचा था, और जो ऊँचा था वह चढ़ रहा था। इसके बाद मैंने मेढ़े को देखा जो पूर्व, उत्तर, पश्चिम और दक्षिण की ओर सींग मार रहा था, और सभी जंगली जानवर उसके सामने नहीं टिक सके, और कोई नहीं था जो उसके हाथों से छुड़ा सके, और उसने जैसा चाहा वैसा किया और वह ऊंचा उठाया गया। और मैं विचार कर रहा था, और देखो, बकरों का एक नर बकरा पश्चिम से पृथ्वी के चेहरे पर आ रहा था, और उस नर बकरे का एक स्पष्ट सींग उसकी आँखों के बीच में था। और वह उस मेढ़े के पास आया जिसके सींग थे, जिसे मैंने द्वार के पास खड़ा देखा था, और वह प्रचंड क्रोध में उसकी ओर दौड़ा। और मैंने देखा कि वह मेढ़े के पास आ रहा था, और वह उस पर क्रोधित हुआ, और उसने

मेढ़े को मारा और उसके दोनों सींग तोड़ दिए, और अब मेढ़े में बकरे के सामने खड़े होने की शक्ति नहीं रही, और उसने उसे भूमि पर पटक दिया और उसे कुचल दिया, और मेढ़े को बकरे से छुड़ाने वाला कोई नहीं था। और बकरों का वह नर बकरा अत्यधिक बलवान हो गया, और जब वह बलवान हुआ तो उसका वह बड़ा सींग टूट गया, और उसके पीछे चार अन्य सींग उठे जो आकाश की चार हवाओं की ओर थे। और उनमें से एक से एक मजबूत सींग उगा, और वह बलवान हुआ और उसने दक्षिण पर और पूर्व पर और उत्तर पर प्रहार किया, और वह स्वर्ग के तारों तक ऊपर उठाया गया, और तारों में से कुछ भूमि पर नीचे फेंक दिए गए और उन्हें रौंदा गया, जब तक सेनापति बंधुआई को नहीं छुड़ाएगा, और उसके कारण वे पहाड़ जो सदियों से थे हिला दिए गए, और उनका स्थान और बलिदान हटा दिया गया, और उसने उसे भूमि पर नीचे रख दिया, और वे सुगंधित हुए और यह हुआ, और पवित्र स्थान उजाड़ किया जाएगा। और पाप बलिदान पर हो गए, और धार्मिकता जमीन पर फेंक दी गई, और उसने किया और वह सुगंधित हुआ। और मैंने एक दूसरे पवित्र को बोलते हुए सुना, और दूसरे पवित्र ने फेल्मौनी से, जो बोल रहा था, कहा, कब तक यह दर्शन बना रहेगा और बलिदान जो उठा लिया गया है और उजाड़ का पाप जो दिया गया है, और पवित्र स्थान रौंदे जाने के लिए उजाड़ किया जाएगा? और उसने उससे कहा, संध्या और प्रातः तक, दो हजार तीन सौ दिन, और पवित्र स्थान शुद्ध किया जाएगा। और ऐसा हुआ कि जब मैं दानियेल उस दर्शन को देख रहा था और उसे समझने का प्रयास कर रहा था, तो देखो, मेरे सामने मनुष्य के समान कोई खड़ा हो गया। और मैंने उलै के बीच में एक आदमी की आवाज़ सुनी, और उसने बुलाया और कहा, गब्रिएल, उसको यह दर्शन समझाओ। और चिल्लाकर उस आदमी ने कहा, उस आज्ञा पर यह दर्शन है। और वह आया और मेरे पास खड़ा हुआ, और जब वह आया तो मैं व्याकुल हो गया और अपने मुँह के बल गिर पड़ा, और उसने मुझसे कहा, हे मनुष्य के पुत्र, समझ लो, क्योंकि यह दर्शन अभी समय की घड़ी के लिए है। और जब वह मेरे साथ बोल रहा था, मैं अपने चेहरे के बल जमीन पर सो गया, और उसने मुझे छूकर उस स्थान पर उठाया। और उसने मुझसे कहा, देखो, मैं तुम्हें घोषणा करता हूँ कि तुम्हारे लोगों के पुत्रों पर क्रोध के अंत में क्या होगा, क्योंकि यह अभी भी पूर्णता के समय के लिए बना रहेगा। वह मेढ़ा जिसे तुमने देखा था, जिसके सींग थे, वह मादियों और फारसियों का राजा है और बकरों का वह नर

बकरा यूनानियों का राजा है और उसकी आँखों के बीच में वह बड़ा सींग, वह स्वयं पहला राजा है। और जो टूट गए और उसके बाद उठे उसके चार सींग, उसके राष्ट्र के चार राजा उठेंगे, परन्तु उनकी शक्ति के अनुसार नहीं। और उनके राज्य के अंत में, जब उनके पाप पूरे हो रहे होंगे, एक निर्लज्ज चेहरे वाला राजा उठेगा, जो पहेलियाँ समझता होगा। और उसकी शक्ति स्थापित की जाएगी, और अपनी शक्ति में नहीं, और आश्चर्यजनक रूप से नष्ट करेगा, और समृद्ध होगा और करेगा, और शासकों और पवित्र लोगों को नष्ट करेगा। और पवित्र लोगों के विरुद्ध उसका विचार होगा, और उसके हाथों में झूठ समृद्ध होगा, और उसका हृदय ऊंचा उठाया जाएगा, और वह छल से बहुतों को नष्ट करेगा, और पुरुषों के विनाश पर खड़ा होगा और हाथ की सभा करेगा और वापस दिया जाएगा। संध्या और प्रातःकाल का वह दर्शन सत्य पाया गया, और अब वह दर्शन मुहरबंद कर दो, क्योंकि यह अभी भी बहुत दिनों के लिए है। मैं दानियेल कई दिनों तक बीमार पड़ा रहा, और उठकर मैं फिर से राजकीय कार्य संचालित कर रहा था, और मैं उस दर्शन के विषय में व्याकुल था, और कोई नहीं था जो इसे समझ रहा था।

9

दारा के प्रथम वर्ष में, जो ज़र्ज़ीज़ का पुत्र था मादी वंश से, जिन्होंने कसदियों के राज्य पर शासन किया। उसके राज्य के पहले वर्ष में मैं दानियेल ने पुस्तकों में वर्षों की संख्या पर विचार किया, जब भूमि पर यिर्मयाह भविष्यवक्ता के द्वारा यरूशलेम की निन्दा की पूर्णता के लिए उठाने की आज्ञा हुई, सत्तर वर्ष। और मैंने अपना चेहरा प्रभु परमेश्वर की ओर किया, प्रार्थना और दया खोजने के लिए उपवासों और टाट और राख में। और मैंने प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना की, मैंने अंगीकार किया और कहा, देखो, हे प्रभु, तू ही वह महान, सामर्थी और भययोग्य परमेश्वर है, जो अपनी वाचा और दया को उन लोगों के लिए बनाए रखता है जो तुझसे प्रेम करते हैं और तेरी आज्ञाओं का पालन करते हैं, हमने पाप किया, हमने अन्याय किया, हमने अधर्म किया, और हम भटक गए और हमने आपकी आज्ञाओं और आपके न्यायों का उल्लंघन किया। और हमने तुम्हारे

सेवकों, भविष्यवक्ताओं की नहीं सुनी, जो तुम्हारे नाम पर हमारे राजाओं और हमारे शासकों और हमारे पिताओं और पृथ्वी के सब राष्ट्र पर बोले। हे प्रभु, धार्मिकता आपकी है, और इस दिन हमारे चेहरे पर शर्म है - यहूदा के लोगों पर, यरूशलेम में बैठे हुआँ पर और इस्राएल के सब लोगों पर, जो निकट और दूर सब देशों में हैं, जहाँ आपने उन्हें तितर-बितर किया है, उस अपराध के कारण जो उन्होंने आपके सामने किया है। देखो, हमारे चेहरे की शर्म हम पर है और हमारे राजाओं पर और शासकों पर और हमारे पिताओं पर, क्योंकि हमने तुम्हारे विरुद्ध पाप किया है। प्रभु को न्याय और दया है, क्योंकि हम तुमसे दूर हो गए हैं। और हमने प्रभु हमारे देवता के स्वर को नहीं सुना, तुम्हारे नियम का अनुसरण करने के लिए, जो तुमने मूसा के सामने दिया और हमारे सामने तुम्हारे सेवकों, नबियों के द्वारा। और सारे इस्राएल ने तुम्हारे कानून को छोड़ दिया है और वे हट गए ताकि तुम्हारी आवाज़ को न सुनें, और हम पर वह शाप और वह शपथ आई जो मूसा परमेश्वर के सेवक के कानून में लिखी हुई है, क्योंकि हमने उसके विरुद्ध पाप किया। और उसने हमारे लिए अपने आदेश स्थापित किए, जितने उसने हम पर बोले और हमारे न्यायाधीशों पर, जितने तूने हम पर लाने का न्याय किया, महान बुराइयाँ, ऐसी जो स्वर्ग के नीचे नहीं हुईं जैसी यरूशलेम में हुईं। मूसा की वाचा में लिखे अनुसार, सब बुराइयाँ हम पर आई, और हमने अपने प्रभु परमेश्वर का मुख नहीं खोजा, अपने पापों से फिरने के लिए और तेरी धार्मिकता को समझने के लिए, हे प्रभु। और प्रभु परमेश्वर ने उन बुराइयों पर निगरानी रखी और उन्हें हम पर लाया, क्योंकि हमारा प्रभु परमेश्वर उन सब कामों में धर्मी है जो वह करता है, और हमने उसकी आवाज़ नहीं सुनी। और अब, हे स्वामी प्रभु, हमारे देवता, जिसने अपनी ऊँची भुजा से अपने लोगों को मिस्र से निकाला, और इस दिन के अनुसार अपने लिए नाम बनाया, हमने पाप किया है, हम अज्ञानी रहे हैं। हे स्वामी, अपनी धार्मिकता के अनुसार अपना क्रोध और अपना कोप अपने नगर यरूशलेम से, अपने पवित्र पर्वत से, लौटा ले, क्योंकि हमारे पापों और हमारे पिताओं की अज्ञानताओं के कारण यरूशलेम और तेरे लोग, हे प्रभु, हमारे चारों ओर के सब लोगों में निन्दा के पात्र हो गए हैं। और अब सुनो, हे स्वामी, अपने सेवक की प्रार्थना और मेरी विनती, और आपका चेहरा आपके पवित्र पहाड़ पर देखे जो निर्जन है, आपके दासों के कारण, हे स्वामी। हे प्रभु, ध्यान दो, अपना कान लगाओ और मेरी सुनो, अपनी आँखें खोलो और हमारा उजाड़ और अपने नगर का उजाड़ देखो,

जिस पर तुम्हारा नाम पुकारा गया है, क्योंकि हम अपनी धार्मिकता के कारण नहीं, बल्कि तुम्हारी दया के कारण तुम्हारे सामने अपनी प्रार्थनाओं में विनती करते हैं, हे प्रभु, तुम दयालु हो। हे प्रभु, सुनो और करो, और अपने निमित्त विलम्ब मत करो, हे स्वामी, क्योंकि तुम्हारा नाम तुम्हारे नगर सिय्योन पर और तुम्हारे लोग इस्राएल पर पुकारा गया है। और मैं प्रार्थना करते हुए बोल रहा था और अपने पापों तथा अपने लोगों इस्राएल के पापों को स्वीकार कर रहा था, और अपने परमेश्वर प्रभु के सामने प्रार्थनाओं में विनती कर रहा था और हमारे परमेश्वर के पवित्र पर्वत के लिए। और जब मैं अपनी प्रार्थना में बोल ही रहा था, तो देखो, वह पुरुष जिसे मैंने आरंभ में अपने स्वप्न में देखा था, गब्रिएल, तेज़ गति से आता हुआ संध्या के बलिदान के समय मेरे पास पहुँचा। और वह पास आया और मेरे साथ बोला और कहा, दानिय्येल, मैं अभी तुझे समझ दिखाने के लिए निकला हूँ। तेरी प्रार्थना के आरंभ में प्रभु से एक आदेश निकला, और मैं तुझे दिखाने आया, क्योंकि तू दयनीय है और आदेश को समझ। सत्तर सप्ताह तुम्हारे लोगों और सिय्योन नगर पर निर्धारित किए गए हैं, ताकि पाप पूरा हो, अन्याय समाप्त हो और अन्याय मिटाया जाए, दर्शन समझा जाए और अनन्त धार्मिकता दी जाए, दर्शन और भविष्यवक्ता पूरे हों, और परम पवित्र को प्रसन्न किया जाए। और तुम जानोगे और समझोगे और आनंदित होओगे, और तुमने उत्तर देने के लिए आज्ञाएँ पाई हैं, और तुम प्रभु के लिए यरूशलेम नगर बनाओगे। और सत्तर और साठ दो के बाद अभिषेक हटा दिया जाएगा और नहीं होगा, और राष्ट्रों का राज्य शहर और पवित्र स्थान को मसीह के साथ नष्ट करेगा, और उसकी समाप्ति क्रोध के साथ आएगी और समाप्ति के समय, युद्ध से लड़ा जाएगा। और वाचा बहुतों पर शासन करेगी, और फिर वह लौटेगा, और चौड़ाई और लंबाई में पुनर्निर्मित किया जाएगा और समयों की पूर्णता के अनुसार, और सात और सत्तर समयों और बासठ वर्षों के साथ युद्ध की पूर्णता के समय तक, और उजाड़ हटाया जाएगा जब वाचा को बहुत सप्ताहों पर मजबूत किया जाएगा, और सप्ताह के अंत में बलिदान और अर्घ उठाया जाएगा, और मंदिर पर उजाड़ की घृणित वस्तु पूर्णता तक होगी, और पूर्णता उजाड़ पर दी जाएगी।

प्रथम वर्ष में फारसियों के राजा कुरुश का आदेश दानिय्येल को दिखाया गया, जो बेलशस्सर नाम से बुलाया गया था, और दर्शन सत्य था और आदेश था, और शक्तिशाली भीड़ आदेश को समझेगी, और मैंने इसे दर्शन में समझा। उन दिनों में मैं दानिएल तीन सप्ताह शोक करता रहा। मैंने स्वादिष्ट रोटी नहीं खाई, और मांस और शराब मेरे मुँह में प्रवेश नहीं किया, मैंने तेल नहीं लगाया, जब तक मैंने तीन सप्ताह के दिन पूरे नहीं कर लिए। और यह हुआ कि पहले महीने के चौबीसवें दिन, मैं उस महान नदी के किनारे पर था, जो टाइग्रिस है। और मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, एक आदमी महीन मलमल के वस्त्र पहने हुए था और उसकी कमर मलमल से बँधी हुई थी, और उसके बीच से प्रकाश निकल रहा था। और उसका मुख समुद्र के समान, और उसका चेहरा बिजली की दृष्टि के समान, और उसकी आँखें आग की मशालों के समान, और उसकी भुजाएँ और पैर चमकते हुए काँसे के समान, और उसकी बोलने की आवाज़ कोलाहल की आवाज़ के समान। और मैं दानिय्येल ने इस महान दर्शन को देखा, और जो लोग मेरे साथ थे उन्होंने इस दर्शन को नहीं देखा, और उन पर प्रबल भय छा गया, और वे तेज़ी से भाग गए। और मैं अकेला रह गया और मैंने इस महान दर्शन को देखा, मुझमें शक्ति नहीं रही, और देखो, आत्मा मुझ पर विनाश के लिए लौटी, और मैं सामर्थ्य न पा सका। और मैंने उसकी बात की आवाज़ नहीं सुनी, मैं अपने चेहरे के बल भूमि पर गिरा हुआ था। और देखो, एक हाथ मुझे लाया गया, और उसने मुझे मेरे घुटनों के ऊपर और मेरे पैरों के पदचिह्नों के ऊपर उठाया। और उसने मुझसे कहा, दानिय्येल, हे दयनीय मनुष्य, उन आदेशों को समझो जो मैं तुम्हें बोलता हूँ, और अपनी जगह पर खड़े हो जाओ, क्योंकि मैं अभी तुम्हारे पास भेजा गया हूँ। और जब उसने मेरे साथ यह आदेश बोला, तो मैं काँपता हुआ खड़ा हो गया। और उसने मुझसे कहा, मत डर, दानिय्येल, क्योंकि पहले दिन से जब तूने अपना मन समझने और अपने परमेश्वर प्रभु के सामने दीन होने को लगाया, तेरा वचन सुना गया, और मैं तेरे वचन के कारण आया हूँ। और फारसियों के राजा का सेनापति इक्कीस दिन तक मेरे सामने खड़ा रहा था, और देखो, मीकाएल जो प्रमुख शासकों में

से एक है, मेरी सहायता करने आया, और मैंने उसे वहाँ फारसियों के राजा के सेनापति के साथ छोड़ दिया। और उसने मुझसे कहा, मैं तुझे यह दिखाने आया हूँ कि अंतिम दिनों में तेरे लोगों को क्या मिलेगा, क्योंकि वह घड़ी अभी भी दिनों में है। और जब वह मुझसे ये आदेश बोल रहा था, तब मैंने अपना चेहरा भूमि पर रखा और मैं चुप रहा। और देखो, मनुष्य के हाथ की समानता ने मेरे होठों को छुआ, और मैंने अपना मुँह खोला और बोला, और मैंने मेरे सामने खड़े हुए से कहा, हे प्रभु, और जैसे दर्शन मेरे पहलू पर मुझ पर मुड़ गया, और मुझमें शक्ति नहीं थी, और यह सेवक अपने स्वामी के साथ कैसे बोल सकेगा? और मैं कमजोर हो गया हूँ, और मुझमें शक्ति नहीं है और मुझमें आत्मा नहीं बची है। और उसने फिर मुझे छुआ जैसे मनुष्य का रूप, और उसने मुझे मजबूत किया और उसने मुझसे कहा, हे मनुष्य, यदि तू दयनीय है, तो मत डर, स्वस्थ रह, साहसी बन और बलवान हो। और जब उसने मेरे साथ बात की, तो मैं बलवान हुआ और मैंने कहा, मेरे प्रभु बोलें, क्योंकि उन्होंने मुझे बलवान किया है। और उसने मुझसे कहा, क्या तू जानता है कि वे तेरे पास क्यों आए? और अब मैं फारसियों के राजा के सेनापति से लड़ने के लिए लौटूंगा, और मैं बाहर जा रहा था, और देखो, यूनानियों का सेनापति अंदर आ रहा था। और मैं तुम्हें सत्य के पंजीकरण में पहली बातें अवश्य दिखाऊंगा, और इनके लिए मेरे साथ कोई सहायता करने वाला नहीं था, केवल दूत मीकाएल।

11

और कुरुश राजा के प्रथम वर्ष में उसने मुझसे कहा कि मजबूत बनो और साहसी बनो। और अब मैं तुम्हें सत्य दिखाने आया हूँ, देखो, तीन राजा पारस में खड़े हैं, और चौथा सबसे अधिक महान धन से धनी होगा, और जब वह अपने धन में मजबूत हो जाएगा, तो वह यूनानियों के सभी राजाओं के विरुद्ध उठेगा। और एक सामर्थ्यवान राजा खड़ा होगा, और वह बहुत बड़े प्रभुत्व पर शासन करेगा, और वह जैसा चाहेगा वैसा करेगा। और जब वह उठेगा, तो उसका राज्य चकनाचूर हो जाएगा और आकाश की चार हवाओं में बांटा जाएगा, न उसकी शक्ति के अनुसार और न

उसके अधिकार के अनुसार जिससे उसने शासन किया था, क्योंकि उसका राज्य हटाया जाएगा, और दूसरों को ये बातें सिखाएगा। और वह मिस्र के राज्य को मजबूत करेगा, और शासकों में से एक उस पर प्रबल होगा और महान शक्ति से शासन करेगा उसकी शक्ति। और वर्षों की पूर्णता में वह उन्हें ले जाएगा, और मिस्र का राजा उत्तर के राज्य में संधियाँ करने के लिए प्रवेश करेगा, और वह प्रबल नहीं होगा, क्योंकि उसकी भुजा शक्ति स्थापित नहीं करेगी, और उसकी भुजा सुन्न हो जाएगी और उसके साथ चलने वालों की भी, और वह समयों तक रहेगा। और उसकी जड़ से एक पौधा स्वयं उठेगा, और उत्तर का राजा अपने बल में अपनी शक्ति पर आएगा, और गड़बड़ी करेगा और प्रबल होगा। और वह उनके देवताओं को उनकी ढली हुई मूर्तियों के साथ उलट देगा, और उनकी भीड़ों को उनके इच्छित बर्तनों के साथ, चांदी और सोना, बंधुआई में मिस्र ले जाएंगे, और उत्तर के राजा से वर्ष होगा। और मिस्र का राजा कुछ दिनों के लिए राज्य में प्रवेश करेगा, और अपनी भूमि पर लौटेगा। और उसका पुत्र उकसाया जाएगा, और एक बड़ी भीड़ की सभा इकट्ठा करेगा, और उसे नीचे घसीटते हुए प्रवेश करेगा। वह गुजर जाएगा और लौटेगा, और बहुत क्रोधित हो जाएगा। और मिस्र का राजा क्रोधित होगा, और निकलेगा और उत्तर के राजा के साथ युद्ध करेगा, और वह बहुत बड़ी भीड़ खड़ा करेगा, और वह सभा उसके हाथों में सौंपी जाएगी। और वह मण्डली को ले लेगा, और उसका हृदय ऊँचा हो जाएगा, और वह बहुतों को विचलित करेगा और वह नहीं डरेगा। और उत्तर का राजा लौटेगा और शहर की एक सभा इकट्ठा करेगा जो पहली से बड़ी होगी, वर्ष के समय की पूर्णता के अनुसार, और वह उसमें प्रवेश करेगा उसके विरुद्ध बहुत बड़ी भीड़ और बहुत धन के साथ। और उन समयों में मन मिस्र के राजा के विरुद्ध उठेंगे, और वह तुम्हारे राष्ट्र के गिरे हुए भागों का पुनर्निर्माण करेगा, और वह भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए उठेगा, और वे ठोकर खाएंगे। और उत्तर का राजा आएगा, और वह अपने भाले लौटाएगा और किलेबंद नगर को ले लेगा, और मिस्र के राजा की भुजाएं उसके शासकों के साथ खड़ी होंगी, और उसके पास उसका विरोध करने की शक्ति नहीं होगी। और जो उस पर आक्रमण करेगा वह अपनी इच्छा के अनुसार करेगा, और उसके सामने कोई विरोध करने वाला नहीं होगा, और वह उस भूमि में खड़ा होगा, और उसके हाथों में सब कुछ पूर्ण किया जाएगा। और वह बल से अपने काम को पूरा करने के लिए अपना मुख करेगा, और वह उसके साथ समझौते करेगा,

और वह उसे एक स्त्री देगा उसे नष्ट करने के लिए, परन्तु वह सफल नहीं होगा और यह नहीं होगा। और वह अपना चेहरा समुद्र की ओर करेगा और बहुतों को ले लेगा, और उनकी निंदा के क्रोध को अपनी निंदा के अनुसार शपथ में लौटाएगा। वह अपनी भूमि को मजबूत करने के लिए अपना चेहरा वापस लौटाएगा, और ठोकर खाएगा और गिरेगा, और नहीं पाया जाएगा। और उसकी जड़ से राज्य का एक पौधा पुनरुत्थान के लिए उठेगा, एक पुरुष जो राजा की महिमा पर प्रहार करता है, और अंतिम दिनों में वह टूट जाएगा, और न क्रोध में और न युद्ध में। और एक तुच्छ व्यक्ति उसके स्थान पर उठेगा, और उसे राजा की महिमा नहीं दी जाएगी, और वह अचानक आएगा, और राजा अपनी विरासत में प्रबल होगा। और टूटी हुई बाहों को वह उसके सामने से कुचल देगा। और वाचा के साथ और उसके साथ व्यवस्थित किए गए लोगों के साथ वह झूठ करेगा, और एक छोटे राष्ट्र में वह एक मजबूत राष्ट्र के विरुद्ध होगा। अचानक वह शहर को उजाड़ कर देगा, और वह उतना करेगा जितना उसके पिताओं ने नहीं किया और न ही उसके पिताओं के पिताओं ने किया, वह उनको लूट और माल और धन देगा, और मजबूत शहर के बारे में सोचेगा, और उसके विचार व्यर्थ होंगे। और उसकी शक्ति और उसका हृदय मिस्र के राजा के विरुद्ध बड़ी सेना के साथ उठाया जाएगा, और मिस्र का राजा अत्यधिक शक्तिशाली सेना के साथ युद्ध के लिए उकसाया जाएगा, परन्तु वह खड़ा नहीं रहेगा, क्योंकि उसके विरुद्ध युक्तियाँ रची जाएंगी। और उसकी चिंताएं उसे निगल जाएंगी और उसे फेर देंगी, और गुजर जाएंगी, और घसीट ले जाएगा, और बहुत से घायल गिरेंगे और दो राजा अकेले एक साथ भोजन करेंगे और एक ही मेज पर खाएंगे, और झूठ बोलेंगे और समृद्ध नहीं होंगे, क्योंकि अभी भी अंत एक निश्चित समय पर आना है। और वह बहुत धन के साथ अपनी भूमि की ओर लौटेगा, और उसका हृदय पवित्र की वाचा की ओर होगा, वह कार्य करेगा और अपनी भूमि की ओर लौटेगा। नियत समय पर वह लौटेगा और मिस्र में प्रवेश करेगा, और यह पहले और अंतिम जैसा नहीं होगा। और रोमी आएंगे और उसे निकालेंगे और उस पर क्रोधित होंगे, और वह लौटेगा, और वे पवित्र वाचा पर क्रोधित होंगे, और वह करेगा और लौटेगा, और उन पर विचार करेगा जिन्होंने पवित्र वाचा को त्याग दिया। और उसकी सेनाएँ खड़ी होंगी और वे भय के पवित्रस्थान को अपवित्र करेंगे, और वे बलिदान को दूर कर देंगे, और वे उजाड़नेवाली घृणित वस्तु स्थापित करेंगे। और वे वाचा को पापों में कठोर

लोगों के बीच अपवित्र करेंगे, और वे लोग जो इन बातों को जानते हैं वे प्रबल होंगे और करेंगे। और राष्ट्र के लोग बहुतों को समझाएंगे, और तलवार से ठोकर खाएंगे और इसमें बूढ़े होंगे, और बंधुआई में और दिनों की लूट में दागदार होंगे। और जब वे कुचले जाएंगे, तो वे थोड़ी शक्ति इकट्ठा करेंगे, और शहर पर उनके विरुद्ध बहुत से लोग इकट्ठा किए जाएंगे और बहुत से लोग विरासत में जैसे। और समझने वालों में से कुछ सोचेंगे कि स्वयं को शुद्ध करें और चुने जाएं और शुद्ध किए जाएं पूर्णता के समय तक, क्योंकि अभी समय घड़ियों में है। और राजा अपनी इच्छा के अनुसार करेगा, और वह क्रोधित होगा और सब देवताओं के ऊपर ऊंचा किया जाएगा, और देवताओं के देवता के विरुद्ध असाधारण बातें बोलेगा, और वह समृद्ध होगा जब तक क्रोध पूरा न हो जाए, क्योंकि जो निर्धारित है वह होता है। और वह अपने पिताओं के देवताओं पर विचार नहीं करेगा, और स्त्री की इच्छा में विचार नहीं करेगा, क्योंकि वह सब में ऊंचा किया जाएगा, और शक्तिशाली राष्ट्र उसके अधीन किए जाएंगे। अपने स्थान पर गति करेगा, और एक ऐसे देवता का सम्मान करेगा जिसे उसके पिताओं ने नहीं जाना, सोने और चांदी और कीमती पत्थर से, और वांछनीय वस्तुओं से। वह शहरों को बनाएगा और विदेशी देवता के साथ मजबूत किले में आएगा। जिसे यदि वह पहचाने, तो महिमा बढ़ाएगा और उस पर बहुत शासन करेगा, और भूमि को उपहार में विभाजित करेगा। और समाप्ति की घड़ी के अनुसार उसके साथ मिस्र का राजा मिलाया जाएगा, और उत्तर का राजा उस पर क्रोधित होगा रथों में और बहुत घोड़ों में और बहुत जहाजों में, और वह मिस्र की भूमि में प्रवेश करेगा। और वह मेरे देश में आएगा, और बहुत से लोग ठोकर खाएंगे, और ये उसके हाथ से बचाए जाएंगे: एदोम और मोआब और अम्मोन के पुत्रों का मुख्य भाग। और वह अपना हाथ भूमियों में भेजेगा, और मिस्र की भूमि में इसमें कोई बचने वाला नहीं होगा। और वह सोने के स्थान और चांदी के स्थान और मिस्र की सभी इच्छाओं पर अधिकार करेगा, और लीबिया और इथियोपिया उसकी भीड़ में होंगे। और पूर्व और उत्तर से सुनकर वह परेशान हो जाएगा, और प्रबल क्रोध और तलवार के साथ बहुतों को नष्ट करने और मारने के लिए निकलेगा, और वह अपना तंबू समुद्रों और पवित्र इच्छा के पहाड़ के बीच स्थापित करेगा, और उसकी समाप्ति की घड़ी आएगी, और उसकी सहायता करने वाला कोई नहीं होगा।

और उस भूमि के अनुसार, मीकाएल वह महान दूत गुजरेगा, जो तुम्हारे लोगों के पुत्रों पर खड़ा है। वह क्लेश का दिन होगा, जैसा कभी नहीं हुआ जब से वे अस्तित्व में आए उस दिन तक, और उस दिन में हर वह व्यक्ति ऊंचा किया जाएगा जो उस पुस्तक में लिखा हुआ पाया जाए। और पृथ्वी की चौड़ाई में सोए हुए बहुत से लोग उठेंगे, कुछ तो अनन्त जीवन के लिए, कुछ निन्दा के लिए, और कुछ बिखराव और अनन्त लज्जा के लिए, और समझने वाले स्वर्ग के प्रकाश के समान चमकेंगे, और मेरे वचनों को मजबूत करने वाले स्वर्ग के तारों के समान युगानुयुग तक चमकेंगे। और तुम, दानिएल, आज्ञाओं को ढक दो और पुस्तक पर मुहर लगा दो पूर्णता के समय तक, जब तक बहुत से लोग पागल न हो जाएँ और पृथ्वी अन्याय से भर न जाए। और मैं दानिय्येल ने देखा, और देखो, दो अन्य लोग खड़े थे—एक नदी के इस ओर और एक उस ओर। और मैंने उस एक से कहा जो महीन मलमल के कपड़े पहने हुए ऊपर था, तो कब होगी उन आश्चर्यों की समाप्ति जो तुमने मुझे बताई हैं, और इनका शुद्धिकरण? और मैंने उसकी सुनी जो महीन मलमल के कपड़े पहने हुए था, जो नदी के जल के ऊपर था पूर्णता के समय तक, और उसने अपना दाहिना और बायाँ हाथ स्वर्ग की ओर उठाया, और जीवित परमेश्वर की शपथ खाई जो युगानुयुग जीवित है कि समय और समयों और आधे समय में पवित्र लोगों की मुक्ति के हाथों की पूर्णता होगी, और ये सब बातें पूरी हो जाएँगी। और मैंने सुना और उस समय मैंने विचार नहीं किया, और मैंने कहा, प्रभु, इस वचन का समाधान क्या है, और ये दृष्टान्त किसके हैं? और उसने मुझसे कहा, दौड़ो, दानिय्येल, क्योंकि आज्ञाएँ ढकी हुई और मुहरबंद हैं, जब तक बहुत से लोग परखे न जाएँ और पवित्र न किए जाएँ। और पापी पाप करें और सब पापी न सोचें, और सोचने वाले ध्यान देंगे। जिस समय से नित्य बलिदान हटाया जाएगा और उजाड़ की घृणित वस्तु स्थापित की जाएगी, एक हजार दो सौ नब्बे दिन होंगे। धन्य है वह जो बना रहता है, और वह एक हजार तीन सौ पैंतीस दिनों तक इकट्ठा करेगा। और तू जा, विश्राम कर, क्योंकि अभी भी दिन और ऋतुएँ हैं समापन की पूर्णता के लिए, और तू विश्राम करेगा और दिनों के समापन में अपनी महिमा पर उठेगा।

एज़्रा

1

और फ़ारसियों के राजा कुसू के पहले वर्ष में, यिर्मयाह के मुख से प्रभु के वचन को पूरा करने के लिए, प्रभु ने फ़ारसियों के राजा कुसू की आत्मा को जगाया, और उसने अपने सारे राज्य में घोषणा करवाई, और लिखित में भी, कहते हुए,

इस प्रकार फारसियों के राजा कुरुश ने कहा, स्वर्ग के प्रभु परमेश्वर ने पृथ्वी के सब राज्य मुझे दिए हैं, और उसने मुझे यरूशलेम में, जो यहूदिया में है, अपने लिए एक घर बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। तुम में से उसके सब लोगों में से कौन है? उसका परमेश्वर उसके साथ रहे, और वह यहूदिया में यरूशलेम को जाए, और इस्राएल के परमेश्वर का घर बनाए, वह परमेश्वर जो यरूशलेम में है। और जो कोई भी सब स्थानों से जहाँ वह निवास करता है वहाँ छोड़कर आए, तो उसके स्थान के पुरुष उसे चाँदी, सोना, सामान और पशुओं के साथ स्वेच्छा से परमेश्वर के घर में जो यरूशलेम में है, सहायता देंगे।

और यहूदा और बिन्यामीन के परिवारों के शासक, और पुजारी और लेवी उठे, सब जिनकी आत्मा को परमेश्वर ने जगाया था, ताकि वे ऊपर जाकर यरूशलेम में प्रभु के घर को बनाएं। और चारों

और के सभी लोगों ने उन्हें चांदी के बर्तनों से, सोने से, सामान से, पशुओं से, और उपहारों से सहायता दी, स्वैच्छिक भेंटों के अलावा।

और राजा कुरुश ने प्रभु के घर के वे बर्तन बाहर निकाले, जो नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम से लिए थे और उन्हें अपने देवता के घर में रखा था। और फारसियों के राजा कुरुश ने उन्हें खजांची मिश्रदात के हाथ पर सौंपा, और उसने उन्हें यहूदा के शासक शशबस्सर को गिनकर दिया। और यह उनकी संख्या है: सुनहरे कूलर्स तीस, और चांदी के कूलर्स एक हजार, बदले हुए उन्नतीस, सुनहरे सिर के तीस, और चांदी के दोहरे चार सौ दस। और अन्य बर्तन एक हजार। सोने और चांदी के सभी बर्तन पांच हजार चार सौ थे, जो सब शेशबज्जर के साथ बाबुल की बंधुआई से यरूशलेम गए।

2

और ये उस भूमि के वे पुत्र हैं जो बंधुआई के निर्वासन से ऊपर जा रहे थे, जिसे बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने बाबुल में निर्वासित किया था, और वे यरूशलेम और यहूदा में लौटे, प्रत्येक पुरुष अपने नगर में। वे ज़रुब्बाबेल, यहोशू, नहेम्याह, सरायाह, रेएलियाह, मोर्दकै, बिलशान, मिस्पा, बगवै, रहूम और बाना के साथ आए—इस्राएल के लोगों के पुरुषों की संख्या।

फारेस के पुत्र, दो हजार एक सौ बहत्तर।

सपतिया के पुत्र, तीन सौ बहत्तर।

शाप के पुत्र, सात सौ पचहत्तर।

फाअथ मोआब के पुत्र, यहोशू और योआब के पुत्रों में से, दो हजार आठ सौ बारह।

एलाम के पुत्र, एक हजार दो सौ चौवन।

ज़त्तू के पुत्र, नौ सौ पैतालीस।

जक्कयुस के पुत्र, सात सौ साठ।

बानुई के पुत्र, छः सौ बयालीस।

बाबाई के पुत्र, छह सौ तेईस।

असगद के पुत्र, एक हजार दो सौ बाईस।

अदोनीकाम के पुत्र, छः सौ छियासठ।

बगोई के पुत्र, दो हजार छप्पन।

अद्दीन के पुत्र, चार सौ चौवन।

अतेर के पुत्र, एजेकिया के, अट्टानबे।

बास्सुस के पुत्र, तीन सौ तेईस।

इओरा के बेटे, एक सौ बारह।

हाशूम के पुत्र, दो सौ तेईस।

गाबेर के बेटे, पंचानवे।

बेतलहेम के पुत्र, एक सौ तेईस।

नेतोफा के पुत्र, छप्पन।

अनाथोथ के पुत्र, एक सौ अट्ठाईस।

अज़मोथ के पुत्र, तैंतालीस।

कीरियत यारीम, हफीरा और बेरोत के पुत्र, सात सौ तैंतालीस।

रामाह और गिबा के पुत्र, छः सौ इक्कीस।

मिकमाश के पुरुष, एक सौ बाईस।

बेथेल और अयाह के पुरुष, चार सौ तेईस।

नाबू के पुत्र, बावन।

मागेबिस के पुत्र, एक सौ छप्पन।

एलामार के पुत्र, एक हजार दो सौ चौवन।

एलाम के पुत्र, तीन सौ बीस।

लोदादि और ओनो के बेटे, सात सौ पच्चीस।

यरीहो के पुत्र, तीन सौ पैतालीस।

सेनाआह के पुत्र, तीन हजार छः सौ तीस।

और पुजारी, येदुआ के पुत्र, यहोशू के घराने के, नौ सौ तिहत्तर थे। एम्मेर के पुत्र, एक हजार बावन। पशहूर के पुत्र, एक हजार दो सौ सैंतालीस। एरेम के पुत्र, एक हजार सात।

और लेवी, यहोशू और कदमीएल के पुत्र, होदव्याह के पुत्रों में से, चौहत्तर।

आसाप के गाने वाले पुत्र, एक सौ अट्ठाईस।

द्वारपालों के पुत्र, शल्लूम के पुत्र, अतेर के पुत्र, तल्मोन के पुत्र, अक्कूब के पुत्र, हतीता के पुत्र, शोबै के पुत्र, सब मिलाकर एक सौ उनतालीस।

नथिनीमः सूथिया के पुत्र, असूफा के पुत्र, ताबाओथ के पुत्र, कादेश के पुत्र, शेकिंग के पुत्र, फादोन के पुत्र, लेबाना के पुत्र, अगाबा के पुत्र, अकूब के पुत्र, अगाबुस के पुत्र, सलामी के पुत्र, अनान के पुत्र, गेदेल के पुत्र, गाआर के पुत्र, राइआ के पुत्र, रासोन के पुत्र, नेकोदा के पुत्र, गाज़ेम के पुत्र, अज़ो के पुत्र, फ्रासेह के पुत्र, बासी के पुत्र, कमजोर के पुत्र, स्थायी के पुत्र, बादलों के पुत्र, बकबूक के पुत्र, अक्कूब के पुत्र, अरोर के पुत्र, बासालोथ के बेटे, माउदा के बेटे, अर्सा के बेटे, बरक के बेटे, सीसरा के बेटे, तेमा के बेटे, नास्थिए के पुत्र, अतौफा के पुत्र, सुलैमान के दासों के बेटे, सोताई के बेटे, सेफेरा के बेटे, फादौरा के बेटे, येहला के पुत्र, दारकोन

के पुत्र, गेदेल के पुत्र। सपातिया के पुत्र, अतिल के पुत्र, फखरथ के पुत्र, असबोइम के पुत्र, हमई के पुत्र। सभी नथिनीम और अब्दसेल्मा के पुत्र, तीन सौ बानबे।

और ये वे लोग थे जो तेलमेलेख, तेलारेसा, खेरूब, हेदान, एम्मेर से ऊपर आए थे, और वे अपने परिवारों के घर और अपने वंश की घोषणा करने में सक्षम नहीं थे, कि क्या वे इस्राएल से हैं। दलै के पुत्र, बुआ के पुत्र, तोबियाह के पुत्र, नकोदा के पुत्र, छह सौ बावन। और पुजारियों के पुत्रों में से: लबेया के पुत्र, अक्कूस के पुत्र, बर्जिल्लै के पुत्र, जिसने गिलादी बर्जिल्लै की पुत्रियों में से एक पत्नी ली, और उनके नाम पर बुलाया गया। इन मेथोएसिम लोगों ने अपना लेख खोजा, और वह नहीं पाया गया, और वे पुरोहिती से निकाल दिए गए। और अथेरसास्था ने उन्हें कहा कि वे परम पवित्र वस्तुओं में से न खाएं, जब तक कि प्रकाशित करने वाले और सिद्ध के साथ एक याजक न उठे।

और सभा में कुल मिलाकर लगभग बयालीस हजार तीन सौ साठ थे, उनके दासों और दासियों के अलावा, ये सात हजार तीन सौ सैंतीस थे, और इनमें गाने वाले पुरुष और गाने वाली स्त्रियाँ दो सौ थीं। उनके घोड़े सात सौ छत्तीस, उनके खच्चर दो सौ पैंतालीस। उनके ऊंट चार सौ पैंतीस, उनके गधे छह हजार सात सौ बीस।

और पैतृक शासकों में से, जब वे यरूशलेम में प्रभु के घर में प्रवेश करने लगे, तो वे परमेश्वर के घर के लिए नियुक्त किए गए, ताकि उसे उसकी तैयारी पर स्थापित किया जाए। जैसी उनकी शक्ति थी, उन्होंने काम के खजाने में शुद्ध सोना साठ हजार और एक हजार मीना, और चांदी के पांच हजार मीना, और पुजारियों के सौ प्याले दिए।

और पुजारी, और लेवी, और लोगों में से कुछ, और गायक, और द्वारपाल, और नतीनीम अपने नगरों में बैठ गए, और सारा इस्राएल अपने नगरों में।

3

और सातवां महीना आ गया, और इस्राएल के पुत्र अपने नगरों में थे, और लोग एक पुरुष के समान यरूशलेम में इकट्ठे हुए। और यहोशू जो योसेदेक का पुत्र था और उसके भाई याजक उठे, और जरुब्बाबेल जो शालतीएल का पुत्र था और उसके भाई उठे, और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर की वेदी बनाई, ताकि उस पर होमबलि चढ़ाएँ, जैसा परमेश्वर के जन मूसा की व्यवस्था में लिखा है।

और उन्होंने वेदी को उसकी तैयारी पर तैयार किया, क्योंकि भूमियों के लोगों से उन पर आतंक था, और प्रभु को सुबह और शाम में होमबलि इस पर चढ़ाई गई। और उन्होंने तम्बुओं का पर्व लिखे हुए के अनुसार मनाया, और होमबलि दिन प्रतिदिन संख्या में निर्णय के अनुसार, प्रत्येक दिन का वचन उसके दिन में, और इसके बाद निरंतर होमबलि, और नए चाँद के दिनों में और प्रभु के सब पवित्र पर्वों में, और हर एक के लिए जो प्रभु को स्वेच्छा से स्वेच्छिक बलि चढ़ाता है। सातवें महीने के पहले दिन उन्होंने प्रभु को होमबलि चढ़ाना आरंभ किया, परन्तु प्रभु के भवन की नींव अभी तक नहीं डाली गई थी। और उन्होंने पत्थर काटने वालों और बढ़ईयों को चांदी दी, और सीदोनियों और सोरियों को भोजन, पेय और तेल दिया, ताकि वे लबानोन से देवदार की लकड़ी याफा के समुद्र तक लाएं, फारसियों के राजा कुसू की अनुमति के अनुसार जो उन पर थी।

और उनके परमेश्वर के भवन में यरूशलेम आने के दूसरे वर्ष के दूसरे महीने में, शालतीएल के पुत्र जरुब्बाबेल और योसादाक के पुत्र यहोशू, और उनके शेष भाई याजक और लेवी, और वे सब जो बंधुआई से यरूशलेम आए थे, उन्होंने आरंभ किया और बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के लेवियों को प्रभु के भवन में कार्य करने वालों के ऊपर नियुक्त किया। और यहोशू और उसके पुत्र और उसके भाई, कदमीएल और उसके पुत्र, यहूदा के पुत्र, परमेश्वर के घर में कार्य करने वालों के ऊपर खड़े हुए, हेनादद के पुत्र, उनके पुत्र और उनके भाई जो लेवी थे।

और उन्होंने प्रभु के घर की नींव रखी, और याजक तुरहियों के साथ सुसज्जित होकर खड़े हुए, और लेवी जो आसाप के पुत्र थे झाँझों के साथ प्रभु की स्तुति करने के लिए इस्राएल के राजा दाऊद के निर्देशानुसार खड़े हुए। और उन्होंने प्रभु की स्तुति और धन्यवाद में उत्तर दिया, कि वह अच्छा है, कि उसकी दया इस्राएल पर युगानुयुग है, और सब लोगों ने प्रभु के घर की नींव पर प्रभु की स्तुति करने के लिए ऊँची आवाज़ से जयघोष किया। और याजकों, लेवियों और पितरों के परिवारों के प्रधानों में से बहुत से वृद्ध लोग, जिन्होंने पहले घर को उसकी नींव में देखा था और इस घर को अपनी आँखों से देखा, ऊँची आवाज़ से रोए, और भीड़ आनंद के साथ गीत ऊँचा करने के लिए उत्सुक थी। और लोग आनंद के संकेत की आवाज़ को रोने की आवाज़ से पहचान नहीं पा रहे थे, क्योंकि लोग बड़ी आवाज़ से चिल्लाए, और वह आवाज़ दूर तक सुनाई दी।

4

और यहूदा और बिन्यामीन के उत्पीड़कों ने सुना कि निर्वासन के पुत्र प्रभु परमेश्वर इस्राएल के लिए घर बना रहे हैं। और वे ज़रुब्बाबेल और परिवारों के शासकों के पास आए, और उनसे कहा, हम तुम्हारे साथ निर्माण करेंगे, क्योंकि जैसे तुम, हम भी अपने परमेश्वर को खोजते हैं, और हम उसको बलिदान करते हैं उन दिनों से जब अशशूर के राजा असरहद्दोन हमें यहाँ लाया।

और ज़रुब्बाबेल और यहोशू और इस्राएल के पितरों के शेष शासकों ने उनसे कहा, हमारे परमेश्वर के लिए घर बनाना न हमारा काम है और न तुम्हारा, क्योंकि हम अपने प्रभु परमेश्वर के लिए साथ मिलकर निर्माण करेंगे, जैसा कि फारसियों के राजा कुरुश ने हमें आज्ञा दी है। और पृथ्वी के लोग यहूदा के लोगों के हाथों को कमजोर कर रहे थे, और उन्हें निर्माण करने से रोक रहे थे। और उनके विरुद्ध सलाहकारों को भाड़े पर रखते हुए उनकी योजना को विफल करने के लिए, फारस के राजा कुरुश के सभी दिनों में, और फारस के राजा दारा के राज्य तक।

और अहश्चेरोश के राज्य में, और उसके राज्य के आरंभ में, उन्होंने यहूदा और यरूशलेम में निवास करने वालों के विरुद्ध एक पत्र लिखा। और अर्तहशशता के दिनों में मिश्रदातेस, ताबील और शेष साथी दासों ने शांति में फारसियों के राजा अर्तहशशता को लिखा; कर संग्रहकर्ता ने अरामी में लेखन लिखा और वह अनुवादित था। रहूम बलताम और शमसा लेखक ने यरूशलेम के विषय में राजा अर्तहशस्ता को एक पत्र लिखा। इन बातों का निर्णय रेहुम बिल्तम और लेखक शमसा तथा हमारे शेष साथी दासों - दीनाई लोगों, अफारसथाकाई लोगों, तारफलाई लोगों, अफारसाई लोगों, अर्कुआई लोगों, बाबुलवासियों, सूसनकाई लोगों, दावाई लोगों ने किया। और वे शेष राष्ट्र जिन्हें महान और सम्माननीय ओस्नप्पर ने निर्वासित किया, और उन्हें सामरिया के नगरों में बसाया और नदी के पार शेष भाग में। यह उस पत्र का आदेश है जो उसको भेजा, राजा अर्तहशस्ता को तुम्हारे सेवकों ने, नदी के पार के पुरुषों ने।

राजा को ज्ञात हो कि जो यहूदी आपके पास से हमारे पास आए थे, वे यरूशलेम नामक विद्रोही और दुष्ट शहर में पहुंचे हैं, जिसका वे निर्माण कर रहे हैं, और उसकी दीवारें पूर्ण हो चुकी हैं, और उन्होंने उसकी नींवें ऊंची कर दी हैं। अब इसलिए राजा को ज्ञात हो कि यदि वह शहर पुनर्निर्मित किया जाए और उसकी दीवारें बहाल की जाएं, तो कर आपको नहीं मिलेंगे, न ही वे देंगे, और यह राजाओं को हानि पहुंचाता है। और राजा की नग्नता देखना हमें अनुमति नहीं है, इसलिए हमने भेजा और राजा को सूचित किया, ताकि वह तुम्हारे पिताओं के अभिलेखों की पुस्तक में देखभाल करे, और तुम पाओगे, और तुम जानोगे, कि वह नगर विद्रोही नगर है, और राजाओं और देशों को बुराई करता है, और उसके बीच में प्राचीन काल के दिनों से दासों के निर्वासन होते हैं, इन बातों के कारण यह नगर उजाड़ दिया गया। हम राजा को सूचित करते हैं कि यदि वह नगर बनाया जाए और उसकी दीवारें पूरी की जाएं, तो आपके लिए शांति नहीं होगी।

और राजा ने रेहुम बेल्तम और शमसा लेखक तथा उनके शेष साथी दासों के पास, जो सामरिया में निवास करते थे, और नदी के पार के शेष लोगों के पास भेजा, शांति, और कहता है वह कर संग्रहकर्ता जिसे आपने हमारे पास भेजा था, मेरे सामने बुलाया गया, और मेरे द्वारा निर्णय जारी

किया गया, और हमने जांच की और हमने पाया कि वह शहर प्राचीन काल से राजाओं के विरुद्ध विद्रोह करता रहा है, और इसमें बगावतें और निर्वासन होते रहे हैं। और यरूशलेम में शक्तिशाली राजा हुए, और नदी के पार के संपूर्ण प्रदेश पर शासन करते हुए, और पूर्ण कर और भाग उन्हें दिए जाते हैं। और अब राय रखो कि उन पुरुषों को समाप्त किया जाए, और वह नगर फिर से नहीं बनाया जाएगा, ताकि उस राय से तुम इस विषय में आराम करने से सतर्क रहे, कहीं ऐसा न हो कि राजाओं को गलत काम करने में विनाश बढ़ जाए।

तब अर्थासंस्था राजा के कर संग्रहकर्ता ने रहूम बलताम और लेखक सामसा और उसके साथी दासों के सामने पड़ा, और वे उत्साह से यरूशलेम और यहूदा में गए, और उन्होंने उनको घोड़ों और शक्ति से रोका। तब परमेश्वर के घर का काम जो यरूशलेम में था, रुक गया, और वह फारसियों के राजा दारा के राज्य के दूसरे वर्ष तक रुका रहा।

5

और हागै भविष्यवक्ता और इद्दो के पुत्र जकर्याह ने यहूदा और यरूशलेम में रहने वाले यहूदियों के विषय में इस्राएल के परमेश्वर के नाम में भविष्यवाणी की। तब शालतीएल का पुत्र ज़रुब्बाबेल और योसेदेक का पुत्र यहोशू उठे, और उन्होंने यरूशलेम में परमेश्वर के घर का निर्माण करना आरंभ किया, और परमेश्वर के भविष्यवक्ता उनके साथ थे जो उनकी सहायता कर रहे थे।

उस समय उनके पास नदी के पार का राज्यपाल थन्थनै आया, और सथर्बोज़नै, और उनके साथी दास, और उन्होंने उनसे ऐसा कहा, किसने तुम्हें इस घर को बनाने और इस व्यवस्था को पूरा करने की अनुमति दी? तब उन्होंने उनसे ये बातें कहीं, इस शहर का निर्माण करने वाले पुरुषों के नाम क्या हैं? और परमेश्वर की दृष्टि यहूदा की बंधुआई पर थी, और उन्होंने उन्हें तब तक नहीं रोका जब तक दारा को निर्णय नहीं पहुँचाया गया, और तब कर संग्रहकर्ता को इस विषय में भेजा

गया। उस पत्र का स्पष्टीकरण, जो तत्तनै ने भेजा, जो नदी के पार का राज्यपाल था, और शेथर-बोजनै और उनके साथी दास अफारसाखी जो नदी के पार में थे, राजा दारा को, उन्होंने शब्दों में उसके पास भेजा, और ये बातें उसमें लिखी गई हैं।

राजा दारियुस को सम्पूर्ण शांति हो। राजा को ज्ञात हो कि हम यहूदिया प्रदेश में महान परमेश्वर के भवन में गए, और वह चुने हुए पत्थरों से बनाया जा रहा है, और दीवारों में लकड़ियाँ लगाई जा रही हैं, और वह कार्य कुशलता से हो रहा है, और उनके हाथों में समृद्ध हो रहा है। तब हमने उन बुजुर्गों से पूछा और इस प्रकार उनसे कहा, किसने तुम्हें यह राय दी कि इस घर को बनाओ और इस प्रावधान को पूरा करो? और हमने उनसे उनके नाम पूछे ताकि तुम्हें बता सकें, जिससे तुम उनके शासकों के नाम लिख सको। और उन्होंने हमें ऐसा उत्तर दिया, कहते हुए, हम स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर के दास हैं, और उस घर का निर्माण कर रहे हैं जो इससे बहुत वर्ष पहले निर्मित किया गया था, और इस्राएल के एक महान राजा ने उसे निर्मित किया था, और उसे उनके लिए पूर्ण किया था। जब हमारे पिताओं ने स्वर्ग के परमेश्वर को क्रोधित किया, तो उसने उनको बाबुल के कसदी राजा नबूकदनेस्सर के हाथों में सौंप दिया, और उसने इस घर को नष्ट कर दिया, और लोगों को बाबुल में निर्वासित कर दिया। लेकिन कुरुश राजा के पहले वर्ष में, कुरुश राजा ने परमेश्वर के इस घर को बनाए जाने की राय रखी। और परमेश्वर के घर के सोने और चांदी के बर्तन, जिनको नबूकदनेस्सर यरूशलेम के घर से निकालकर राजा के मंदिर में ले गया था, उनको राजा कुसू ने राजा के मंदिर से निकाला, और खजाने के अधिकारी खजांची शेशबस्सर को दिया। और उसने उससे कहा, सभी बर्तन लो और जाओ, उन्हें यरूशलेम के घर में उनके स्थान पर रखो। तब वह शेशबज्जर आया और उसने यरूशलेम में परमेश्वर के घर की नींव रखी, और तब से अब तक वह बनाया जा रहा है, और पूरा नहीं हुआ है। और अब यदि राजा को अच्छा लगे तो बाबुल के राजा के खजाने के भवन में खोजा जाए, ताकि आप जान सकें कि राजा कुरुश की ओर से परमेश्वर के उस भवन को, जो यरूशलेम में है, बनाने का आदेश दिया गया था, और राजा इस विषय में जानकर हमारे पास संदेश भेजें।

6

तब राजा दारयुस ने विचार किया, और उन पुस्तकालयों में देखा जहाँ बाबुल में खजाना रखा है। और शहर में एक राजधानी के भारी भाग में पाया गया, और इसमें यह स्मरण-पत्र लिखा हुआ था।

राजा कुरुश के प्रथम वर्ष में, राजा कुरुश ने यरूशलेम में परमेश्वर के पवित्र भवन के विषय में आदेश दिया, कि भवन बनाया जाए, और वह स्थान जहाँ वे बलिदान चढ़ाते हैं, और उसने ऊंचाई साठ हाथ और चौड़ाई साठ हाथ निर्धारित की। और तीन शक्तिशाली पत्थर के घर, और एक लकड़ी का घर, और व्यय राजा के घर से दिया जाएगा। और परमेश्वर के घर के वे चांदी और सोने के बर्तन, जो नबूकदनेस्सर यरूशलेम के घर से बाहर लाया और बाबुल में ले गया, वे दिए जाएं और यरूशलेम के मंदिर में उस स्थान पर रखे जाएं जहां वे परमेश्वर के घर में रखे गए थे।

अब तुम दोगे, हे नदी के परे के राज्यपालो, शेथर-बोजनै और उनके साथी दास अफारसाकी जो नदी के परे में वहाँ से दूर रहते हैं, अब परमेश्वर के घर के काम को छोड़ दो, यहूदियों के नेता और यहूदियों के बुजुर्ग उस परमेश्वर के घर को उसके स्थान पर बनाने दें। और मेरी ओर से यह आदेश जारी किया गया था कि तुम यहूदियों के बुजुर्गों के साथ परमेश्वर के उस भवन को बनाने में कभी बाधा न डालो, और नदी के पार के प्रदेश के राजकीय करों से उन लोगों को सावधानीपूर्वक खर्च दिया जाए ताकि उनका कार्य रुके नहीं। और जो कुछ भी कमी हो, और बैलों के बछड़े और मेढ़े, और मेमने स्वर्ग के परमेश्वर को होमबलि के लिए, गेहूं, नमक, दाखरस, तेल, यरूशलेम में रहने वाले याजकों के वचन के अनुसार, उन्हें प्रतिदिन दिया जाना चाहिए, जो कुछ भी वे मांगें। ताकि वे स्वर्ग के परमेश्वर को सुगंध की भेंट चढ़ाएं, और राजा और उसके पुत्रों के जीवन के लिए प्रार्थना करें। और मेरी ओर से यह निर्णय जारी किया गया है कि जो कोई भी मनुष्य इस वचन को बदलेगा, उसके घर से लकड़ी निकालकर खड़ी की जाएगी, और उसे उस पर टांगकर मारा

जाएगा, और उसका घर मेरे अनुसार किया जाएगा। और वह परमेश्वर जिसका नाम वहाँ निवास करता है, उस सब राजा और लोगों को नष्ट करे जो परमेश्वर के उस घर को, जो यरूशलेम में है, बदलने या नष्ट करने के लिए अपना हाथ बढ़ाएगा। मैं दारा ने यह आदेश दिया है, इसे सावधानी से पूरा किया जाए।

तब तत्तनै, जो नदी के पार का राज्यपाल था, शेथर-बोजनै और उसके साथी अधिकारियों ने, जो दारा राजा ने भेजा था, उसके अनुसार सावधानीपूर्वक किया। और यहूदियों के बुजुर्ग तथा लेवी हाग्वै भविष्यवक्ता और अदो के पुत्र जकर्याह की भविष्यवाणी में निर्माण कर रहे थे, और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर के निर्णय से तथा फारसियों के राजाओं कुसू, दारा और अर्तक्षत्र के निर्णय से पुनर्निर्माण किया और पूर्ण किया।

और उन्होंने इस घर को अदार महीने के तीसरे दिन तक पूरा किया, जो राजा दारा के राज्य का छठा वर्ष है।

और इस्राएल के पुत्रों ने, याजकों और लेवियों ने, और बंधुवाई से लौटे हुए शेष पुत्रों ने परमेश्वर के भवन का समर्पण आनन्द से किया। और उन्होंने परमेश्वर के घर के समर्पण में सौ बछड़े, दो सौ मेढ़े, चार सौ मेमने, और सब इस्राएल के पाप के लिए बारह बकरे, इस्राएल के गोत्रों की संख्या के अनुसार, चढ़ाए। और उन्होंने पुजारियों को उनके विभागों में खड़ा किया, और लेवियों को उनके विभागों में, परमेश्वर की सेवा के लिए यरूशलेम में, मूसा की पुस्तक के लेख के अनुसार।

और निर्वासन के पुत्रों ने पहले महीने की चौदहवीं तिथि को पास्का मनाया। क्योंकि याजक और लेवी शुद्ध किए गए थे, सब एक तक शुद्ध थे, और उन्होंने फसह का वध किया निर्वासन के सब पुत्रों के लिए और उनके भाइयों याजकों के लिए और स्वयं के लिए। और इस्राएल के पुत्रों ने पास्का खाया, वे जो निर्वासन से थे, और वे सब जो पृथ्वी की जातियों की अशुद्धता से अलग

होकर उनकी ओर आए, ताकि इस्राएल के परमेश्वर प्रभु की खोज करें। और उन्होंने बिना खमीर की रोटी का पर्व सात दिन आनंद में मनाया, क्योंकि प्रभु ने उनको प्रसन्न किया, और अशशूर के राजा का हृदय उनकी ओर फेर दिया ताकि इस्राएल के परमेश्वर के घर के कार्यों में उनके हाथों को मजबूत करे।

7

और इन बातों के बाद, फारसियों के राजा अर्तक्षत्र के राज्य में, एज्रा ऊपर गया जो सरायाह का पुत्र था, जो अजर्याह का पुत्र था, जो हिल्किय्याह का पुत्र था। शल्लूम का बेटा, सादोक का बेटा, अहीतूब का बेटा, समारिया का पुत्र, एसिआ का पुत्र, मारेओथ का पुत्र, ज़राइया का पुत्र, उज़्ज़ियाह का पुत्र, बोक्की का पुत्र, अबीशुआ का पुत्र, पीनहास का पुत्र, एलाज़ार का पुत्र, अहरोन का पुत्र जो पहला पुजारी था, स्वयं एज्रा बाबुल से ऊपर गया, और वह मूसा के व्यवस्था में निपुण शास्त्री था, जो प्रभु इस्राएल के परमेश्वर ने दी थी, और राजा ने उसे दिया, क्योंकि उसके प्रभु परमेश्वर का हाथ उस पर था उन सब बातों में जो वह माँगता था। और इस्राएल के पुत्रों में से, याजकों में से, और लेवियों में से कुछ लोग गए। और गाने वाले, द्वारपाल, और नतीनीम भी राजा अर्तक्षत्र के सातवें वर्ष में यरूशलेम गए। और वे यरूशलेम पाँचवें महीने में आए, यह राजा के सातवें वर्ष में था। क्योंकि पहले महीने की पहली तारीख को उसने बाबुल से आरोहण की स्थापना की, और पाँचवें महीने की पहली तारीख को वे यरूशलेम में आए, क्योंकि परमेश्वर का हाथ उस पर अनुकूल था। क्योंकि एज्रा ने अपने हृदय में व्यवस्था को खोजने, और इस्राएल में आज्ञाओं और न्यायों को करने और सिखाने का संकल्प लिया।

और यह उस आदेश का स्पष्टीकरण है, जो अर्तहशशता ने एज्रा को दिया, जो याजक और प्रभु की आज्ञाओं और उसके आदेशों के शब्दों की पुस्तक का लेखक था, इस्राएल पर।

अर्तहशस्त, राजाओं का राजा, एज्रा को, प्रभु परमेश्वर के कानून के लेखक को, जो स्वर्ग के परमेश्वर हैं, यह वचन और उत्तर पूरा किया जाए। मेरी ओर से यह निर्णय जारी किया गया है, कि मेरे राज्य में इस्राएल के लोगों और पुजारियों और लेवियों में से जो कोई भी अधिकार रखता है, वह तुम्हारे साथ यरूशलेम जा सकता है। राजा और सात सलाहकारों की ओर से तुम्हें यहूदिया और यरूशलेम की जांच करने के लिए भेजा गया था, उनके परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार जो तुम्हारे हाथ में है। और प्रभु के घर में चांदी और सोना, जो राजा और सलाहकारों ने स्वेच्छा से इस्राएल के परमेश्वर को चढ़ाया, जो यरूशलेम में निवास करते हैं। और जो भी चांदी और सोना तू बाबुल की सारी भूमि में पाए, वह लोगों की स्वेच्छा भेंट के साथ, और उन पुजारियों की भेंट के साथ जो यरूशलेम में परमेश्वर के घर के लिए स्वेच्छा से देते हैं। और जो कुछ भी इस प्रकार लाया जाए, उसे तत्परता से इस पुस्तक में दर्ज करो - बछड़े, मेढ़े, मेमने, और उनके बलिदान, और उनके अर्घ, और तुम उन्हें यरूशलेम में तुम्हारे परमेश्वर के भवन की वेदी पर चढ़ाओगे। और यदि चांदी और सोने के शेष में से तुम्हें और तुम्हारे भाइयों को कुछ करना अच्छा लगे, तो जैसा तुम्हारे परमेश्वर को प्रसन्न हो, वैसा करो। और जो बर्तन तुझे परमेश्वर के घर की सेवा के लिए दिए जा रहे हैं, उन्हें यरूशलेम में परमेश्वर के सामने सौंप दे। और तुम्हारे परमेश्वर के घर की शेष आवश्यकता, जो तुम्हें देना उचित लगे, तुम राजा के खजाने के भवनों से और मेरी ओर से दोगे।

मैं अर्तहशस्त राजा ने नदी के पार के सभी खजानों को आदेश दिया है, कि जो कुछ भी एज्रा, जो स्वर्ग के परमेश्वर का पुजारी और लेखक है, तुमसे मांगे, वह तत्परता से पूरा किया जाए। सौ तालान्त चाँदी तक, और सौ कोर गेहूँ तक, और सौ बात दाखरस तक, और सौ बात तेल तक, और नमक जिसकी कोई सीमा नहीं है। जो कुछ स्वर्ग के परमेश्वर के निर्णय में है, वह होने दो। ध्यान दो कि कोई स्वर्ग के परमेश्वर के घर के विरुद्ध प्रयास न करे, कहीं ऐसा न हो कि राजा और उसके पुत्रों के राज्य पर क्रोध आ पड़े। और तुम्हें सभी पुजारियों, लेवियों, गायकों, द्वारपालों, नतीनीम और परमेश्वर के घर के सेवकों के विषय में यह ज्ञात करा दिया गया है कि उन पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए, तुम्हें उन्हें गुलाम बनाने का अधिकार नहीं होगा। और तुम एज्रा, जैसा कि परमेश्वर का ज्ञान तुम्हारे हाथ में है, लेखकों और न्यायाधीशों को नियुक्त करो, ताकि वे नदी

के पार रहने वाले सब लोगों का न्याय करें, उन सबका जो तुम्हारे परमेश्वर की व्यवस्था को जानते हैं, और जो नहीं जानता है उसे तुम जनाओगे।

और जो कोई भी परमेश्वर की व्यवस्था और राजा की व्यवस्था का पालन नहीं करेगा, उस पर शीघ्रता से न्याय किया जाएगा, चाहे मृत्यु हो, चाहे दंड हो, चाहे जीवन की हानि हो, चाहे बंधन हो।

धन्य है प्रभु, हमारे पितरों का परमेश्वर, जिसने राजा के हृदय में इस प्रकार दिया, कि प्रभु के घर को, जो यरूशलेम में है, महिमा प्रदान करे। और उसने राजा और उसके सलाहकारों की आँखों में, और राजा के सभी ऊँचे शासकों की आँखों में मुझ पर दया की। और मैं मजबूत हुआ क्योंकि परमेश्वर का भला हाथ मुझ पर था, और मैंने इस्राएल से शासकों को इकट्ठा किया कि वे मेरे साथ ऊपर जाएँ।

8

और ये उनके पितरों के परिवारों के शासक थे, जो मार्गदर्शक थे और बाबुल के राजा अर्तहशशता के राज्य में मेरे साथ ऊपर जा रहे थे। फ़िनहास के पुत्रों में से गेरशोन, इथामार के पुत्रों में से दानिय्येल, दाऊद के पुत्रों में से अतूस। सखनिया के पुत्रों में से, और फोरोस के पुत्रों में से, जकर्याह, और उसके साथ एक सौ पचास की सभा। फाअथ मोआब के पुत्रों में से एलिआना, जो सराईआ का पुत्र था, और उसके साथ दो सौ पुरुष। और ज़थोएस के पुत्रों में से, सेचेनियास जो अज़िएल का पुत्र था, और उसके साथ तीन सौ पुरुष। और अदीन के पुत्रों में से, योनातान का पुत्र ओबेथ, और उसके साथ पचास पुरुष। और एलाम के पुत्रों में से, यशायाह जो अतल्याह का पुत्र था, और उसके साथ सत्तर पुरुष। और शपतिया के पुत्रों में से, मीकाएल का पुत्र जबदियास, और उसके साथ अस्सी पुरुष। और योआब के पुत्रों में से अबदिया, जो यीएल का पुत्र था, और

उसके साथ दो सौ अठारह पुरुष। और बाअनी के पुत्रों में से, योसेफिया का पुत्र सेलिमूथ, और उसके साथ सौ साठ पुरुष। और बेबै के पुत्रों में से, जकर्याह जो बेबै का पुत्र था, और उसके साथ अट्ठाईस पुरुष। और असगद के पुत्रों में से योहानान जो हक्कातान का पुत्र था, और उसके साथ सौ दस पुरुष। और अदोनीकाम के पुत्रों में से अंतिम थे, और ये उनके नाम हैं: एलीफालात, ईएल, और समाईआ, और उनके साथ साठ पुरुष। और बागौई के पुत्रों में से, ओउथई और ज़ाबूद, और उनके साथ सत्तर पुरुष।

और मैंने उन्हें उस नदी के पास एकत्र किया जो एवी की ओर आती है, और हमने वहाँ तीन दिन डेरा डाला, और मैंने लोगों में और पुजारियों में देखा, और लेवी के पुत्रों में से मैंने वहाँ किसी को नहीं पाया। और मैंने एलाज़ार, अरीएल, शमायाह, अलोनाम, यारीब, एलनाथाम, नाथान, जकर्याह, मशुल्लाम, योयारीम और एलनाथान को भेजा, जो समझदार थे। और मैंने उन्हें उस स्थान की चांदी के शासकों के पास ले गया, और मैंने उनके मुख में शब्द रखे कि वे अपने भाइयों अथिनेझ्म से, जो उस स्थान की चांदी में थे, बात करें, ताकि वे हमारे लिए हमारे परमेश्वर के घर में गानेवालों को लाएं। और वे हमारे पास आए क्योंकि हमारे परमेश्वर का हाथ हम पर भला था, एक समझदार पुरुष मूली के पुत्रों में से, जो लेवी का पुत्र था, जो इस्राएल का पुत्र था, और उसके पुत्र और उसके भाई आए, अठारह जन। और असायाह और यशायाह को मरारी के पुत्रों में से लिया, उसके भाई और उसके पुत्र बीस थे। और नतीनीम में से, जिन्हें दाऊद और शासकों ने लेवियों की सेवा के लिए दिया था, दो सौ बीस नतीनीम सभी नाम से एकत्र किए गए।

और मैंने वहाँ अहवा नदी पर उपवास की घोषणा की, ताकि हम अपने परमेश्वर के सामने विनम्र हों, और उससे अपने लिए, अपने बच्चों के लिए और अपनी सारी संपत्ति के लिए सीधा मार्ग माँगें, क्योंकि मैं राजा से शक्ति और घुड़सवार मांगने में शर्मिंदा था कि वे रास्ते में शत्रु से हमें बचाएं, क्योंकि हमने राजा से कहा था, हमारे परमेश्वर का हाथ उन सब पर है जो उसे भलाई के लिए खोजते हैं, और उसका सामर्थ्य और उसका क्रोध उन सब पर है जो उसे त्याग देते हैं। और हमने उपवास किया, और हमने अपने परमेश्वर से इस विषय में प्रार्थना की, और उसने हमारी

सुनी।

और मैंने पुजारियों के शासकों में से बारह को नियुक्त किया, सरायाह को, हशब्याह को, और उनके साथ उनके भाइयों में से दस को। और मैंने उन्हें हमारे परमेश्वर के घर के प्रथम फलों की चांदी, सोना और बर्तन सौंपे, जिन्हें राजा, उसके सलाहकारों, उसके शासकों और सभी उपस्थित इस्राएलियों ने भेंट किया था। और मैंने उनके हाथों पर चांदी के छह सौ पचास तालान्त, सौ चांदी के बर्तन, और सौ सोने के तालान्त सौंपे, और रास्ते के लिए बीस सुनहरे खफौरे हजार, और सोने में अच्छे चमकते कांसे के विभिन्न वांछनीय बर्तन। और मैंने उनसे कहा, तुम प्रभु के लिए पवित्र हो, और ये बर्तन भी पवित्र हैं, और यह चांदी और सोना हमारे पितरों के प्रभु परमेश्वर के लिए स्वेच्छिक भेंट है। सतर्क रहो और रक्षा करो जब तक तुम यरूशलेम में प्रभु के घर के तम्बुओं में पुजारियों के शासकों और लेवियों और पैतृक परिवारों के शासकों के सामने खड़े न हो जाओ। और याजकों और लेवियों ने चाँदी, सोने और बर्तनों का भार प्राप्त किया, ताकि उन्हें यरूशलेम में हमारे परमेश्वर के घर में ले जाएँ।

और हम अहवा नदी से पहले महीने की बारहवीं तारीख को यरूशलेम आने के लिए निकले, और हमारे परमेश्वर का हाथ हम पर था, और उसने हमें मार्ग में शत्रु और दुश्मन के हाथ से बचाया। और हम यरूशलेम आए, और हम वहाँ तीन दिन रहे। और चौथे दिन हमने अपने परमेश्वर के घर में चांदी, सोना और बर्तन याजक ऊरिय्याह के पुत्र मेरीमोथ के हाथ में सौंपे, और उसके साथ फीनहास का पुत्र एलाज़ार था, और उनके साथ यहोशू का पुत्र योज़ाबाद और बनायाह का पुत्र नोअद्याह लेवी थे। संख्या और तौल में सब कुछ है, और प्रत्येक तौल लिखी गई।

उस समय में जो बंधुआई से लौटे थे, प्रवास के पुत्रों ने इस्राएल के परमेश्वर को होमबलि चढ़ाए: सम्पूर्ण इस्राएल के लिए बारह बछड़े, छियानवे मेढ़े, सतहत्तर मेमने, पाप के लिए बारह बकरे - ये सब होमबलि प्रभु को चढ़ाए गए। और उन्होंने राजा का सिक्का राजा के शासकों और नदी के पार के राज्यपालों को दिया, और उन्होंने लोगों और परमेश्वर के घर की महिमा की।

और जब ये बातें पूरी हुई, तो शासक मेरे पास आए और कहने लगे, इस्राएल के लोग और याजक और लेवी उन देशों के लोगों से अलग नहीं हुए हैं, उनके घृणित कार्यों में, अर्थात् कनानी, एथी, फरिज्जी, यबूसी, अम्मोनी, मोआबी, और मोसेरी, और एमोरी। क्योंकि उन्होंने अपने लिए और अपने बेटों के लिए उनकी बेटियों में से लिया, और पवित्र बीज भूमियों के लोगों में मिला दिया गया, और शासकों का हाथ इस विश्वासघात में शुरुआत से था। और जब मैंने यह बात सुनी, तो मैंने अपने वस्त्र फाड़ डाले, और उछल पड़ा, और अपने सिर के बाल और अपनी दाढ़ी के बाल नोचे, और चुपचाप बैठ गया। और इस्राएल के परमेश्वर के वचन का अनुसरण करने वाले सब लोग निर्वासितों की विश्वासहीनता के कारण मेरे पास एकत्रित हुए, और मैं संध्या के बलिदान तक शांत बैठा रहा।

और शाम के बलिदान के समय मैं अपने अपमान से उठा, और अपने वस्त्र फाड़कर मैं उछला, और अपने घुटनों पर झुका, और अपने हाथ प्रभु परमेश्वर की ओर फैलाए। और मैंने कहा, हे प्रभु, मैं शर्मिंदा हुआ और लज्जित हुआ, हे मेरे परमेश्वर, अपना मुख तेरी ओर उठाने में, क्योंकि हमारे अधर्म के कार्य हमारे सिर से ऊपर बढ़ गए हैं, और हमारे अपराध स्वर्ग तक बढ़ गए हैं। हमारे पिताओं के दिनों से लेकर आज के दिन तक हम महान अपराध में हैं, और हमारे अधर्मों के कारण हम, हमारे राजा और हमारे पुत्र जातियों के राजाओं के हाथ में सौंपे गए—तलवार में, बंधुआई में, लूट में, और हमारे चेहरे की लज्जा में, जैसा कि आज का यह दिन है। और अब हमारे परमेश्वर ने हम पर कृपा की है कि हमें उद्धार के लिए बचा लिया, और हमें अपने पवित्रस्थान में सहारा दिया, ताकि हमारी आँखों को प्रकाशित करें, और हमारी दासता में हमें थोड़ा पुनर्जीवन प्रदान करें। क्योंकि हम दास हैं, और हमारी दासता में प्रभु हमारे परमेश्वर ने हमें नहीं त्यागा, और फारसी राजाओं के सामने हम पर दया की, ताकि हमें पुनर्जीवन दें, हमारे परमेश्वर के घर को ऊंचा करें, उसके उजाड़ स्थानों को खड़ा करें, और यहूदा और यरूशलेम में हमें सुरक्षा प्रदान करें। हे हमारे

परमेश्वर, इसके बाद हम क्या कहें? कि हमने तुम्हारी आज्ञाओं को त्याग दिया है। जो तूने हमें अपने दासों, भविष्यवक्ताओं के हाथ में दिया, यह कहते हुए, वह भूमि जिसमें तुम प्रवेश कर रहे हो उसे विरासत में लेने के लिए, वह भूमि जातियों के लोगों के हिलाने से हिलाई जा रही है, उनके घृणित कामों से, जिनसे उन्होंने उसे मुख से मुख तक उनकी अशुद्धताओं से भर दिया है।

और अब अपनी बेटियाँ उनके बेटों को मत दो, और उनकी बेटियों में से अपने बेटों के लिए मत लो, और उनकी शांति और उनकी भलाई को सदा तक मत खोजो, ताकि तुम मजबूत हो जाओ, और भूमि की अच्छी चीजें खाओ, और अपने बेटों को सदा तक विरासत में दो। और हर उस के बाद जो हम पर आया हमारे दुष्ट कर्मों में और हमारे महान अपराध में, क्योंकि हमारे ईश्वर के समान कोई नहीं है, क्योंकि तुमने हमारे अधर्मों को हल्का किया, और तुमने हमें मुक्ति दी, क्योंकि हम तुम्हारी आज्ञाओं को तितर-बितर करने के लिए लौटे हैं, और भूमियों के लोगों से अंतर्विवाह करने के लिए, हम पर पूर्णता तक क्रोधित मत हो, ताकि कोई अवशेष और बचा हुआ न रहे। हे प्रभु, इस्राएल के परमेश्वर, तू धर्मी है, क्योंकि हम बचे हुए लोगों के रूप में आज तक छोड़ दिए गए हैं। देखो, हम अपने अपराधों में तेरे सामने हैं, क्योंकि इस कारण तेरे सामने खड़े होना संभव नहीं है।

10

और जब एज़्रा ने प्रार्थना की, और जब उसने रोते हुए और परमेश्वर के घर के सामने प्रार्थना करते हुए पाप स्वीकार किया, तो इस्राएल से एक अत्यधिक बड़ी सभा उसके पास एकत्रित हुई— पुरुष, स्त्रियाँ और युवा पुरुष—क्योंकि लोग रोए, और उसने रोते हुए ऊँचे स्वर से रोया। और शकन्याह ने, जो यहीएल का पुत्र था और एलाम के पुत्रों में से था, उत्तर दिया और एज़्रा से कहा, हमने अपने परमेश्वर के साथ विश्वासघात किया है, और हमने इस भूमि के लोगों में से विदेशी स्त्रियों को रख लिया है, और अब इस विषय में इस्राएल के लिए आशा है। और अब हम अपने

परमेश्वर के साथ वाचा बाँधें कि सब स्त्रियों को और उनसे जो उत्पन्न हुए हैं उनको निकाल दें। जैसा तू परामर्श दे, उठ, और उन्हें हमारे परमेश्वर की आज्ञाओं से डरा, और जैसी व्यवस्था है, वैसा ही हो। उठो, क्योंकि यह वचन तुम पर है, और हम तुम्हारे साथ हैं; मजबूत बनो और करो।

और एज़्रा उठा, और उसने शासकों को, याजकों को, लेवियों को और सब इस्राएल को शपथ दिलाई कि वे इस वचन के अनुसार करेंगे, और उन्होंने शपथ खाई। और एज़्रा परमेश्वर के घर के सामने से उठा, और एलीशीब के पुत्र योहानान के खजाने में गया, और वहाँ गया, रोटी नहीं खाई, और पानी नहीं पिया, क्योंकि उसने निर्वासितों की विश्वासहीनता पर शोक किया। और उन्होंने यहूदा और यरूशलेम में निर्वासन के सभी पुत्रों को यरूशलेम में इकट्ठा होने के लिए घोषणा की। जो कोई भी तीन दिन के भीतर नहीं आएगा, जैसा कि शासकों और बुजुर्गों की सभा ने कहा है, उसकी सारी संपत्ति शापित कर दी जाएगी, और वह स्वयं निर्वासितों की सभा से अलग कर दिया जाएगा।

और यहूदा और बिन्यामीन के सब पुरुष तीन दिनों में यरूशलेम में एकत्रित हुए, यह नौवां महीना था, महीने की बीसवीं तारीख को सब लोग परमेश्वर के घर के चौक में बैठे, उस वचन के विषय में उनके कोलाहल से, और सर्दी से। और एज़्रा याजक उठा, और उसने उनसे कहा, तुमने अपराध किया है और विदेशी स्त्रियों से विवाह करके इस्राएल के अपराध को बढ़ाया है। और अब हमारे पिताओं के प्रभु परमेश्वर की स्तुति करो, और उसके सामने प्रसन्न करने वाला काम करो, और पृथ्वी के लोगों से और विदेशी स्त्रियों से अलग हो जाओ।

और सारी सभा ने उत्तर दिया और कहा, तुम्हारा यह वचन हम पर लागू करना महान बात है। लेकिन लोग बहुत हैं, और मौसम तूफानी है, और बाहर खड़े होने की शक्ति नहीं है, और यह काम एक दिन का नहीं है और न ही दो दिन का, क्योंकि हमने इस मामले में बहुत अधिक पाप किया है। हमारे शासक खड़े हों, और हमारे सभी नगरों में जिन्होंने विदेशी स्त्रियों को बैठाया है, वे नियत समय पर आएँ, और उनके साथ हर नगर के बुजुर्ग और न्यायाधीश आएँ, ताकि इस विषय

में हमारे परमेश्वर का क्रोध हम से दूर हो जाए। सिवाय योनातान जो आसेल का पुत्र था, और याज़ियास जो तकोआ का पुत्र था, इस विषय में मेरे साथ थे, और मशुल्लाम, और शब्बतै लेवी उनकी सहायता कर रहा था।

और निर्वासन के पुत्रों ने इस प्रकार किया, और एज़ा याजक तथा पितरों के घरानों के शासक पुरुष अलग किए गए, और सब नामों के अनुसार, क्योंकि वे दसवें महीने के पहले दिन में वचन की खोज करने के लिए लौटे। और उन्होंने सभी पुरुषों में पूरा किया जो विदेशी स्त्रियों के साथ बैठे थे, पहले महीने के एक दिन तक।

और याजकों के पुत्रों में से, जिन्होंने विदेशी स्त्रियों को बैठाया था, ये पाए गए: योसेदेक के पुत्र यहोशू के पुत्रों में से और उसके भाइयों में से माअसेयाह, और एलीएजेर, और यारीब, और गदल्याह। और उन्होंने अपनी पत्नियों को निकालने के लिए अपना हाथ दिया, और अपने अपराध के विषय में भेड़ों में से एक मेढ़ा दोष बलि के रूप में दिया। और एम्मेर के पुत्रों में से अनानी और जब्दिया। और हीराम के पुत्रों में से मासाएल, एलिया, समाइया, येएल और ओज़िया थे। और फासूर के पुत्रों में से एलियोनै, माअसेयाह, इश्माएल, नथानेल, योज़ाबाद और एलासा थे। और लेवियों में से योज़ाबाद, और सामोस, और केलाया अर्थात् केलीता, और पेथेइया, और यहूदा, और एलीएज़र। और गाने वालों में से एलिसाब, और द्वारपालों में से सोलमेन, और तेलमेन, और ओदूथ। और इस्राएल से, फोरोस के पुत्रों में से: रामिया, अज़िया, मेलखिया, मेआमिन, एलाज़ार, असाबिया और बनाया। और एलाम के पुत्रों में से मत्तनिया, जकर्याह, याईएल, अब्दिया, यारीमोथ और एलिय्याह। और ज़थुआ के पुत्रों में से एलिओनार्ड, एलिसूब, मत्थनार्ड, अमोथ, ज़ाबाद और ओज़िज़ा। और बाबेई के पुत्रों में से योहानान, हनन्याह, जब्बै और थाली। और बानुई के पुत्रों में से मोसोल्लाम, मालूख, अदाइयास, इयासूब, सालूइया और रहेमोथ। और फाथ मोआब के पुत्रों में से एदने, और खालेल, और बनायाह, माअसेयाह, मत्तन्याह, बसलेल, और बानुई, और मनश्शे। और हीराम के पुत्रों में से एलीएजेर, यशायाह, मेल्कियाह, शमायाह, शिमोन, बिन्यामीन, बालूख, समारिया। और असेम के पुत्रों में से मेत्थानिया, मत्तथा, जादाब, एलिफालेत,

हिएरामि, मनस्से, सेमेइ। और बानी के पुत्रों में से, मूदिया, अम्राम, ऊएल, बनायाह, बदायाह, हिल्कियाह, ऊऊआनिआ, मारिमोथ, एलिआसिफ, मत्तनिया, मत्थनै, और उन्होंने किया। बानुई के पुत्र, और शिमी के पुत्र, और सेलेमिया, और नाथान, और अदाया, मखदनाबू, सेसेई, सारिऊ, एज़रिएल, सेलेमिया और समरिया, और शल्लूम, अमर्याह, योसेफ। नाबोउ के पुत्रों में से याएल, मत्तन्यास, ज़ाबाद, ज़ेबेन्नास, यादै, योएल और बनायाह थे।

इन सभी ने विदेशी स्त्रियाँ ली, और उनसे पुत्र उत्पन्न किए।

11

नहेमायाह के शब्द, जो हिल्कियाह का पुत्र था। और ऐसा हुआ कि किसलेव महीने में, बीसवें वर्ष में, मैं शूशन अबीरा में था, और हनानी, जो मेरे भाइयों में से एक था, वह और यहूदा के कुछ पुरुष आए, और मैंने उनसे उन बचे हुए लोगों के बारे में पूछा जो बंधुआई से छूट गए थे, और यरूशलेम के बारे में भी पूछा। और उन्होंने मुझसे कहा, जो बंधुआई से बचे हुए लोग वहाँ उस भूमि में रह गए हैं, वे बड़ी विपत्ति और अपमान में हैं, और यरूशलेम की दीवारें ध्वस्त हो गई हैं, और उसके द्वार आग से जला दिए गए हैं। और ऐसा हुआ कि जब मैंने इन शब्दों को सुना, तो मैं बैठ गया और रोया और दिनों तक शोक करता रहा, और मैं स्वर्ग के परमेश्वर के सामने उपवास करता और प्रार्थना करता रहा। और मैंने कहा, हे प्रभु, स्वर्ग के परमेश्वर, जो शक्तिशाली, महान और भयानक हैं, जो अपनी वाचा और दया को उन लोगों के लिए रखते हैं जो उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं, तुम्हारा कान सचमुच ध्यान दे और तुम्हारी आँखें खुली रहें, ताकि तुम्हारे दास की प्रार्थना सुन सको, जो मैं आज दिन और रात तुम्हारे सामने तुम्हारे दासों इस्राएल के पुत्रों के विषय में करता हूँ, और मैं इस्राएल के पुत्रों के पापों को स्वीकार करता हूँ जो हमने तुम्हारे विरुद्ध किए हैं, और मैं और मेरे पिता का घर, हमने पाप किया है। हमने तुम्हारे विरुद्ध विघटन किया, और हमने उन आज्ञाओं और आदेशों और न्यायों को नहीं रखा जो आपने अपने

सेवक मूसा को आज्ञा दी थी। याद करो वास्तव में उस वचन को जो मूसा, तुम्हारे सेवक को आज्ञा दी थी, कहते हुए, यदि तुम वाचा तोड़ोगे, तो मैं तुम को लोगों में तितर-बितर कर दूंगा। और यदि आप मेरी ओर लौटें, और मेरी आज्ञाओं को रखें, और उनका पालन करें, तो यदि आपका बिखराव आकाश के छोर तक भी हो, वहाँ से मैं उन्हें इकट्ठा करूँगा, और उन्हें उस स्थान में लाऊँगा, जिसे मैंने अपने नाम को वहाँ बसाने के लिए चुना है। और वे तेरे सेवक और तेरे लोग हैं, जिनको तूने अपनी महान शक्ति में और अपने शक्तिशाली हाथ में छुड़ाया। नहीं, वास्तव में हे प्रभु, लेकिन आपका कान आपके दास की प्रार्थना को और आपके सेवकों की प्रार्थना को, जो आपके नाम से डरना चाहते हैं, ध्यान देने वाला हो, और वास्तव में आज आपके सेवक को समृद्ध करो, और उसको इस पुरुष के सामने दयाओं में दो, और मैं राजा का साकी था।

12

और ऐसा हुआ कि राजा अर्तहशशता के बीसवें वर्ष के नीसान महीने में, दाखरस मेरे सामने था, और मैंने वह दाखरस लिया, और राजा को दिया, और उसके सामने कोई दूसरा नहीं था। और राजा ने मुझसे कहा, तुम्हारा चेहरा उदास क्यों है, और तुम प्रसन्न नहीं हो? यह तो हृदय की व्यथा ही है, और मैं बहुत अधिक भयभीत हो गया। और मैंने राजा से कहा, राजा चिरंजीवी हों, मेरा चेहरा बुरा क्यों न हो, क्योंकि मेरे पिताओं की कब्रों का घर, वह शहर उजाड़ हो गया है, और उसके द्वार आग में भस्म हो गए हैं? और राजा ने मुझसे कहा, तुम यह किस बारे में खोज रहे हो? और मैंने स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना की। और मैंने राजा से कहा, यदि राजा को अच्छा लगे, और यदि आपका सेवक आपके सामने भला माना जाए, ताकि उसे यहूदा में मेरे पिताओं की कब्रों के नगर को भेजा जाए, और मैं उसका पुनर्निर्माण करूँगा। और राजा ने मुझसे कहा, और उपपत्नी जो उसके पास बैठी थी, तुम्हारी यात्रा कब तक होगी, और तुम कब लौटोगे? और राजा के सामने यह अच्छा लगा, और उसने मुझे भेजा, और मैंने उसे एक समय सीमा दी। और मैंने राजा से कहा, यदि राजा को अच्छा लगे, तो मुझे नदी के पार के राज्यपालों के लिए पत्र दें, ताकि वे मुझे

तब तक ले जाएं जब तक मैं यहूदा न पहुंच जाऊं, और आसाफ के लिए पत्र, जो राजा के स्वर्ग का रक्षक है, ताकि वह मुझे लकड़ियाँ दे द्वारों पर छत डालने के लिए, और नगर की दीवार के लिए, और उस घर के लिए जिसमें मैं प्रवेश करूँगा, और राजा ने मुझे दिया जैसे परमेश्वर का अच्छा हाथ था। और मैं नदी के पार के राज्यपालों के पास आया, और मैंने उन्हें राजा के पत्र दिए, और राजा ने मेरे साथ सेना के नेताओं और घुड़सवारों को भेजा। और सनबल्लत होरोनी ने सुना, और तोबिया अम्मोनी दास ने सुना, और उनको बुरा लगा, क्योंकि एक आदमी इस्राएल के पुत्रों की भलाई ढूंढने आया था। और मैं यरूशलेम आया, और मैं वहाँ तीन दिन रहा। और मैं रात को उठा और कुछ थोड़े पुरुष मेरे साथ थे, और मैंने किसी मनुष्य को नहीं बताया कि परमेश्वर मेरे हृदय में क्या देता है इस्राएल के साथ करने के लिए, और कोई पशु मेरे साथ नहीं है, सिवाय उस पशु के जिस पर मैं सवारी करता हूँ। और मैं गोलेला फाटक से निकला, और अंजीरों के झरने के मुँह की ओर गया, और कूड़े के फाटक में गया, और मैं यरूशलेम की दीवार को तोड़ता रहा जिसे वे ढहा रहे थे, और उसके फाटक आग से भस्म किए गए थे। और वे इजोन के द्वार से होकर गुजरे, और राजा के तालाब तक गए, और मेरे नीचे से पशु के गुजरने के लिए कोई स्थान नहीं था। और मैं रात में धारा की दीवार पर चढ़ रहा था, और मैं दीवार को तोड़ रहा था, और मैं घाटी के द्वार में था, और मैं मुड़ा। और रक्षा करने वालों को पता नहीं था कि मैं कहाँ गया, और मैं क्या कर रहा हूँ, और यहूदियों को, और याजकों को, और प्रतिष्ठित लोगों को, और सेनापतियों को, और शेष लोगों को जो कार्य करते हैं, तब तक मैंने नहीं बताया। और मैंने उनसे कहा, तुम इस दुर्दशा को देख रहे हो जिसमें हम हैं, कि कैसे यरूशलेम उजाड़ पड़ा है और उसके द्वार आग में जला दिए गए हैं। आओ, और हम यरूशलेम की दीवार को फिर से बनाएं, और हम फिर निंदा के पात्र नहीं होंगे। और मैंने उन्हें परमेश्वर के हाथ के बारे में बताया जो मुझ पर अच्छा है, और राजा के शब्दों के बारे में जो उसने मुझसे कहे, और मैंने कहा, हम उठें और बनाएं, और उनके हाथ अच्छे कार्य के लिए मजबूत हुए। और सनबल्लत होरोनी, तोबिया अम्मोनी दास, और गेशेम अरबी ने सुना, और उन्होंने हमारा उपहास किया, और हमारे पास आए, और कहा, यह क्या काम है जो तुम कर रहे हो? क्या तुम राजा के विरुद्ध विद्रोह कर रहे हो? और मैंने उन्हें उत्तर दिया और उनसे कहा, स्वर्ग का परमेश्वर स्वयं हमें समृद्ध करेगा, और हम उसके शुद्ध दास हैं, और हम

निर्माण करेंगे, और तुम्हारा यरूशलेम में न कोई भाग है, न धार्मिकता और न स्मारक।

13

और महायाजक एलियासूब और उसके भाई पुजारी उठे, और उन्होंने भेड़ फाटक को बनाया। उन्होंने उसे पवित्र किया और उसके दरवाजे खड़े किए, और सौ की मीनार तक पवित्र किया, हनानेल की मीनार तक। और यरीहो के पुत्रों के पुरुषों के हाथों पर, और जक्कूर के पुत्रों के हाथों पर, जो इम्री का पुत्र था। और मछली द्वार को हस्सनाह के पुत्रों ने बनाया, उन्होंने उसको छत लगाई, और उसके दरवाजों को छत लगाई और उसके ताले और उसकी छड़ें लगाई। और उनके बाद रामोथ ने, जो ऊरिया का पुत्र और अक्कोस का पौत्र था, मरम्मत की, और उनके बाद मसोल्लाम ने, जो बराख्याह का पुत्र और मजेबेल का पौत्र था, मरम्मत की, और उनके बाद सादोक ने, जो बाना का पुत्र था, मरम्मत की। और थेकोइम ने उनके हाथ पर रोक लगाई, और कुलीन लोगों ने अपनी गर्दन उनकी गुलामी में नहीं झुकाई। और इयासानाई द्वार को योइदा, जो फासेक का पुत्र था, और मेसौलाम, जो बासोदिया का पुत्र था, ने पकड़ा। उन्होंने इसे छत डाली और इसके द्वार, इसके ताले और इसकी छड़ें लगाई। और उसके पास ओज़िएल ने, जो अराख का पुत्र और आग बनाने वालों में से था, स्थिति ली, और उनके हाथ पर अनन्यास ने, जो रोकेइम का पुत्र था, पकड़ लिया, और उन्होंने यरूशलेम को चौड़ी दीवार तक छोड़ दिया। और उनके बाद रफाया, जो सूर का पुत्र था और यरूशलेम के आधे जिले का शासक था, ने मरम्मत की। और उनके हाथ पर यदायाह ने, जो हरूमाफ का पुत्र था, पकड़ा, और अपने घर के सामने, और उसके हाथ पर हत्तूश ने, जो हशब्न्याह का पुत्र था, पकड़ा। और दूसरे भाग को मेल्खियास ने, जो हीराम का पुत्र था, और हस्शूब ने, जो फाअत मोआब का पुत्र था, थानौरीम की मीनार तक मरम्मत की। और उसके बाद शल्लूम ने, जो हल्लोहेश का पुत्र और यरूशलेम के आधे जिले का शासक था, अपनी बेटियों के साथ मरम्मत की। घाटी के फाटक को हानून और जानोह के निवासियों ने अधिकार में किया, उन्होंने इसे बनाया, और इसके दरवाजे लगाए और इसके ताले और इसके बेंड़े

लगाए, और दीवार में एक हजार हाथ गोबर के फाटक तक। और गोबर के फाटक की मरम्मत मेलकिया ने की, जो रेकाब का पुत्र और बेथ-हक्केरेम जिले का शासक था, उसने और उसके पुत्रों ने उसे ढका, और उसके दरवाजे, ताले और छड़ें लगाईं। झरने के फाटक को सलोमोन ने, जो खोलेज़े का पुत्र और मिस्र के भाग का शासक था, सुरक्षित किया। उसने स्वयं इसे बनाया और इस पर छत डाली, और इसके दरवाज़े और इसकी छड़ें लगाईं, और राजा की कतरन के लिए ऊन के तालाब की दीवार बनाई, और दाऊद के नगर से उतरती हुई सीढ़ियों तक। उसके बाद नहेम्याह ने, जो अज़बूक का पुत्र और बेथ सूर के आधे क्षेत्र का शासक था, दाऊद की कब्र के बगीचे तक, और बने हुए तालाब तक, और बेथ हक्केरेम तक मरम्मत की। उसके बाद लेवियों ने मरम्मत की, रहूम जो बानी का पुत्र था। उसके हाथ पर हशब्याह ने मरम्मत की जो कीलाह के आधे जिले का शासक था, अपने जिले के लिए। और उसके साथ उनके भाइयों ने पकड़ा - बेनेई, जो हेनादाद का पुत्र था और केइला के आधे जिले का शासक था। और उसके बाद अज्जूर ने, जो यहोशू का पुत्र और मिस्र का शासक था, दूसरा भाग बनाया, उस मीनार की चढ़ाई से लेकर जो कोने से जुड़ती थी। उसके बाद बारूक, जब्बै का पुत्र, ने कोने से लेकर महायाजक बेथेलियासूब के दरवाजे तक दूसरे भाग की मरम्मत की। उसके बाद मेरामोथ ने, जो उरिया का पुत्र और अक्कोस का पौत्र था, बेथेलिसूब के द्वार से लेकर बेथेलिसूब की सीमा तक दूसरा भाग बनाया। और उसके साथ पुजारियों ने एकखेखार के पुरुषों को पकड़ा। और उसके साथ बिन्यामीन और असूब ने अपने घर के सामने मरम्मत की, और उसके साथ अजर्याह ने, जो माशेयाह का पुत्र और हनन्याह का पोता था, अपने घर के पास मरम्मत की। उसके बाद बानी ने, जो हदद का पुत्र था, दूसरे भाग को दृढ़ किया। बेथज़ारिया से कोने तक, और उज़ै के पुत्र फ़लख के मोड़ तक कोने के सामने, और राजा के घर से निकली हुई ऊपरी मीनार जो पहर के प्रांगण की है, और उसके साथ फ़ोरोस का पुत्र फ़दाया। और नथिनीम ओफ़ेल में निवास कर रहे थे, जल द्वार के बगीचे तक पूर्व की ओर, और उभरी हुई मीनार तक। और उसके साथ थेकोडम ने दूसरा माप पकड़ा, महान उभरी हुई मीनार के सामने, और ओफ़ला की दीवार तक। घोड़ों के द्वार से ऊपर के भाग पर पुजारियों ने मरम्मत की, हर एक अपने घर के सामने। और उसके साथ सदूक ने, जो एम्मरे का पुत्र था, अपने घर के सामने मरम्मत की, और उसके साथ समाया ने, जो सेखेनिया का पुत्र और पूर्वी द्वार का

रक्षक था, मरम्मत की। उसके बाद हनन्याह, जो शेलेम्याह का पुत्र था, और अनोम, जो सेलेफ़ का पुत्र था, छोटे भाग को, दूसरे माप को पकड़ा। उसके बाद मशुल्लाम, जो बेरेक्याह का पुत्र था, अपने खज़ाने के सामने पकड़ा। उसके साथ मेल्खिया, जो सारेफी का पुत्र था, ने नाथिनीम के बेथान तक पकड़ा, और फेरीवाले माफेकाद के द्वार के सामने और मोड़ की चढ़ाई तक थे। और भेड़ द्वार के बीच में लोहारों और फेरीवालों ने मरम्मत की। और ऐसा हुआ कि जब सनबल्लत ने सुना कि हम दीवार बना रहे हैं, तो यह उसे बुरा लगा, और वह बहुत क्रोधित हुआ, और उसने यहूदियों पर हँसी उड़ाई। और उसने अपने भाइयों के सामने कहा, यह सामरिया की शक्ति है, कि ये यहूदी अपना शहर बना रहे हैं? तो क्या वे बलिदान कर रहे हैं? तो क्या वे सक्षम होंगे? और क्या आज वे उन पत्थरों को पुनर्स्थापित करेंगे, जो मिट्टी के ढेर बनने के बाद जले हुए हैं? और तोबियास अम्मोनी उसके निकट आया, और उनसे बोला, क्या वे बलिदान करते हैं या अपने स्थान पर खाएंगे? क्या एक लोमड़ी नहीं चढ़ेगी और उनके पत्थरों की दीवार को गिरा देगी? सुनो हे हमारे परमेश्वर, क्योंकि हम उपहास के पात्र बन गए हैं, और उनकी निंदा को उनके सिर पर लौटा दो, और उन्हें बंधुआई की भूमि में उपहास का पात्र बना दो, और अधर्म को मत ढांको।

14

और ऐसा हुआ कि जब सनबल्लत और तोबियाह और अरबों और अम्मोनियों ने सुना कि यरूशलेम की दीवारों की मरम्मत आगे बढ़ गई है, कि दरारें बंद होने लगी थीं, तो उनको यह बहुत बुरा लगा। और सब एक साथ एकत्रित हुए, यरूशलेम में युद्ध करने आने के लिए और उसे नष्ट करने के लिए। और हमने अपने परमेश्वर से प्रार्थना की, और हमने उनके विरुद्ध दिन और रात पहरेदार नियुक्त किए। और यहूदा ने कहा, शत्रुओं की शक्ति कुचल दी गई है, और धूल बहुत अधिक है, और हम दीवार में निर्माण करने में सक्षम नहीं होंगे। और हमें उत्पीड़न करने वालों ने कहा, वे नहीं जानेंगे और नहीं देखेंगे, जब तक हम उनके बीच में न आ जाएं, और हम उन्हें हत्या कर दें और काम को बंद कर दें। और ऐसा हुआ कि जब वे यहूदी आए जो उनके निकट रहते थे,

और उन्होंने हमसे कहा, वे सब स्थानों से हम पर चढ़ाई कर रहे हैं। और मैंने दीवार के पीछे उस स्थान के सबसे निचले भागों में, आश्रय स्थानों में लोगों को स्थापित किया, और मैंने लोगों को उनके कुलों के अनुसार उनकी तलवारों, उनके भालों और उनके धनुषों के साथ स्थापित किया। और मैंने देखा और मैं उठ खड़ा हुआ, और मैंने सम्माननीय लोगों से और सेनापतियों से और शेष लोगों से कहा, उनके चेहरे से मत डरो, हमारे महान और भयानक परमेश्वर को याद करो, और अपने भाइयों के लिए, अपने पुत्रों के लिए, अपनी पुत्रियों के लिए, अपनी पत्नियों के लिए, और अपने घरों के लिए युद्ध के लिए खड़े हो जाओ। और ऐसा हुआ कि जब हमारे शत्रुओं ने सुना कि हमें यह ज्ञात हो गया है, और परमेश्वर ने उनकी योजना को तितर-बितर कर दिया, तो हम सब दीवार की ओर लौट गए, प्रत्येक पुरुष अपने काम की ओर। और उस दिन से बिखरे हुए लोगों का आधा भाग काम करता था, और उनका आधा भाग भाले, ढालें, धनुष और कवच पकड़े रहता था, और शासक यहूदा के उन सब घरानों के पीछे थे जो दीवार का निर्माण कर रहे थे। और रस्सियों से सामान उठाने वाले हथियारों से लैस थे, एक हाथ से उन्होंने अपना काम किया, और एक हाथ से उन्होंने हथियार पकड़ा। और निर्माता, प्रत्येक पुरुष अपनी तलवार अपनी कमर पर बांधे हुए, निर्माण कर रहे थे, और तुरही बजाने वाला अपनी तुरही लिए उसके निकट था। और मैंने सम्माननीय लोगों से, शासकों से और शेष लोगों से कहा, यह काम विस्तृत और बहुत बड़ा है, और हम दीवार पर बिखरे हुए हैं, हर आदमी अपने भाई से दूर है। जिस स्थान पर तुम तुरही की आवाज़ सुनो, वहाँ तुम हमारे पास एकत्रित हो जाओगे, और हमारा ईश्वर हमारे लिए लड़ेगा। और हम काम करते थे, और उनमें से आधे लोग भोर के उदय से तारों के निकलने तक भाले पकड़े रहते थे। और उस समय मैंने लोगों से कहा, प्रत्येक व्यक्ति अपने युवा के साथ यरूशलेम के बीच में ठहरे, और तुम्हारे लिए रात पहर की हो, और दिन काम का। और मैं था और पहर के पुरुष मेरे पीछे थे, और हममें से कोई भी पुरुष अपने वस्त्र नहीं उतार रहा था।

और लोगों और उनकी स्त्रियों का रोना-चिल्लाना उनके भाइयों, यहूदियों के विरुद्ध बहुत बड़ा था। और कुछ लोग कह रहे थे, हमारे पुत्रों और हमारी पुत्रियों में हम बहुत हैं, और हम अनाज लेंगे और खाएंगे और जीएंगे। और कुछ लोग कह रहे थे, हमारे खेत और हमारे अंगूर के बाग और हमारे घर, हम गिरवी रखते हैं और अनाज लेंगे और खाएंगे। और कुछ लोग कह रहे हैं, हमने राजा के करों के लिए चांदी उधार ली है - हमारे खेत और हमारे अंगूर के बाग और हमारे घर। और अब जैसे हमारे भाइयों का मांस हमारा मांस है, जैसे उनके पुत्र हमारे पुत्र हैं, और देखो हम अपने पुत्रों और अपनी बेटियों को दासों में दबा रहे हैं, और हमारी बेटियों में से कुछ दबाई जा रही हैं, और हमारे हाथों में शक्ति नहीं है, और हमारे खेत और हमारे अंगूर के बाग कुलीनों के पास हैं। और जब मैंने उनकी चीख और ये शब्द सुने, तो मैं अत्यधिक शोकित हुआ। और मेरे हृदय ने मुझ पर विचार किया, और मैं सम्मानित लोगों और शासकों से लड़ा, और मैंने उनसे कहा, क्या कोई पुरुष अपने भाई से वह मांगेगा जो तुम मांगते हो? और मैंने उनके विरुद्ध एक महान सभा बुलाई। और मैंने उनसे कहा, हमने अपने भाइयों को, यहूदियों को जो राष्ट्रों को बेचे जा रहे थे, अपनी इच्छा से खरीदा है, और तुम अपने भाइयों को बेचते हो, और वे हमें सौंपे जाएंगे? और वे चुप हो गए, और उन्हें कोई शब्द नहीं मिला। और मैंने कहा, यह अच्छा नहीं है जो तुम कर रहे हो। क्या तुम हमारे परमेश्वर के भय में चलकर हमारे शत्रु राष्ट्रों की निंदा से नहीं बचोगे? और मेरे भाइयों और मेरे परिचितों और मैंने उन्हें चांदी और अनाज दिया है, आइए हम वास्तव में इस मांग को छोड़ दें। आज ही उनके खेत, उनके अंगूर के बाग, उनके जैतून के बाग और उनके घर उन्हें लौटा दो, और चांदी से अनाज, दाखरस और तेल अपने लिए निकालो। और उन्होंने कहा, हम वापस कर देंगे, और हम उनसे कुछ नहीं मांगेंगे। हम वैसा ही करेंगे जैसा तुम कहते हो। और मैंने पुजारियों को बुलाया और उन्हें इस वचन के अनुसार करने की शपथ दिलाई। और मैंने अपना विलंब झाड़ दिया, और मैंने कहा, इस प्रकार परमेश्वर उस हर पुरुष को झाड़ दे, जो इस वचन को स्थापित नहीं करेगा, उसके घर से और उसके परिश्रम से, और वह इस प्रकार झाड़ा हुआ और खाली होगा, और सारी सभा ने कहा, आमीन, और उन्होंने प्रभु की स्तुति की, और लोगों ने इस वचन को पूरा किया। उस दिन से जब मुझे यहूदा की भूमि में उनका शासक होने की आज्ञा दी गई, अर्तक्षत्र के बीसवें वर्ष से लेकर बत्तीसवें वर्ष तक, बारह वर्षों तक, मैंने और मेरे भाइयों ने

उनका बल नहीं खाया। और पहले के उन अत्याचारों को जो मुझसे पहले उन्होंने उन पर डाले थे, और उन्होंने उनसे रोटी और दाखरस में अंतिम चांदी चालीस दो द्रख्मा लिए, और उनके सेवक लोगों पर अधिकार जताते थे, परन्तु मैंने परमेश्वर के भय के कारण ऐसा नहीं किया। और इस दीवार के काम में मैंने कुछ नहीं रखा, खेत मैंने प्राप्त नहीं किया, और सब लोग वहाँ काम पर एकत्रित थे। और यहूदी, सौ पचास पुरुष, और जो हमारे चारों ओर के राष्ट्रों से हमारे पास आते थे, मेरी मेज़ पर थे। और एक दिन में एक बछड़ा, छह चुनी हुई भेड़ें और एक बकरा मेरे लिए तैयार किए जाते थे, और हर दस दिनों में सब प्रकार की दाखरस प्रचुर मात्रा में होती थी, और इन सबके साथ मैंने बल की रोटियाँ नहीं माँगीं, क्योंकि इन लोगों पर गुलामी भारी थी। हे ईश्वर, मेरी भलाई के लिए याद रखना वह सब कुछ जो मैंने इन लोगों के लिए किया।

16

और ऐसा हुआ कि जब सनबल्लत, तोबियाह, अरबी गेशेम और हमारे शेष शत्रुओं ने सुना कि मैंने दीवार बना ली है और उसमें कोई दरार नहीं छोड़ी गई थी, यद्यपि उस समय तक मैंने फाटकों में दरवाजे नहीं लगाए थे। और सनबल्लत और गेशेम ने मेरे पास संदेश भेजा, आओ और हम ओनो के मैदान के गाँवों में एक साथ मिलें, और वे स्वयं मेरे साथ बुराई करने की सोच रहे थे। और मैंने उनके पास दूत भेजे, यह कहते हुए, मैं एक महान काम कर रहा हूँ, और मैं नीचे आने में सक्षम नहीं होऊंगा, कहीं ऐसा न हो कि वह काम रुक जाए, जैसे ही मैं इसे पूरा कर लूँ, मैं तुम्हारे पास आऊंगा। और उन्होंने मेरे पास यह संदेश भेजा, और मैंने उनको इसी के अनुसार उत्तर भेजा। और सनबल्लत ने अपने सेवक को मेरे पास भेजा, और उसके हाथ में एक खुला पत्र था। और इसमें लिखा हुआ था, राष्ट्रों में सुना गया है कि तुम और यहूदी विद्रोह करने की योजना बना रहे हो, इसी कारण तुम दीवार बना रहे हो, और तुम उनके राजा बनोगे। और इसके अलावा, तूने अपने लिए भविष्यवक्ता स्थापित किए हैं, ताकि तू यरूशलेम में यहूदा पर राजा के रूप में बैठे, और अब ये बातें राजा को सूचित की जाएंगी, और अब आ, हम साथ मिलकर विचार-विमर्श करें। और मैंने

उसके पास संदेश भेजा, ऐसा नहीं हुआ जैसा ये बातें हैं जो तू कहता है, क्योंकि तू अपने हृदय से उन्हें झूठ गढ़ रहा है। क्योंकि सब हमें डरा रहे हैं, यह कहते हुए कि उनके हाथ इस काम से कमजोर हो जाएंगे और यह नहीं किया जाएगा, और अब मैंने अपने हाथों को मजबूत किया। और मैं शिमेई के घर में गया, जो दलायाह का पुत्र था, जो महेताबेल का पुत्र था, और वह स्वयं व्याकुल था, और उसने कहा, हम परमेश्वर के घर में उसके बीच में मिलें, और उसके द्वारों को बंद कर दें, क्योंकि वे रात को तुझे मारने आ रहे हैं। और मैंने कहा, कौन है वह आदमी जो घर में प्रवेश करेगा और जीवित रहेगा? और मैंने पहचान लिया, और देखो, परमेश्वर ने उसे नहीं भेजा था, क्योंकि वह भविष्यवाणी मेरे विरुद्ध थी। और तोबियास और सनबल्लत ने मेरे विरुद्ध भीड़ को किराए पर लिया ताकि मैं डर जाऊं, और मैं ऐसा करूं, और मैं पाप करूं, और मैं उनके लिए बुरे नाम का कारण बन जाऊं, ताकि वे मुझे निंदा करें। हे परमेश्वर, तोबियाह और सनबल्लत को याद करो, उनके इन कर्मों के अनुसार, और भविष्यवक्ता नोअद्याह को और शेष भविष्यवक्ताओं को जो मुझे डरा रहे थे। और दीवार एलुल महीने की पच्चीसवीं तारीख को बावन दिनों में पूरी हुई। और ऐसा हुआ कि जब हमारे सब शत्रुओं ने सुना, और हमारे चारों ओर के सब राष्ट्र डर गए, और उनकी आँखों में अत्यधिक भय समा गया, और उन्होंने जान लिया कि हमारे परमेश्वर की ओर से यह कार्य पूर्ण हुआ। और उन दिनों में यहूदा के बहुत से सम्मानित लोगों से तोबियाह को पत्र भेजे जा रहे थे, और तोबियाह के पत्र उनके पास आ रहे थे। क्योंकि यहूदा में बहुत से लोग उसके प्रति शपथबद्ध थे, क्योंकि वह हेरैआ के पुत्र शकन्याह का दामाद था, और उसके पुत्र योनान ने बेरेक्याह के पुत्र मशुल्लाम की बेटी को पत्नी के रूप में लिया था। और वे उसके शब्द मुझसे कह रहे थे, और मेरे शब्द उसे बता रहे थे, और तोबियाह ने मुझे डराने के लिए पत्र भेजे।

17

और ऐसा हुआ कि जब दीवार बनाई गई, और मैंने दरवाजे स्थापित किए, और द्वारपाल, गायक और लेवी गिने गए, और मैंने अपने भाई हनन्याह को और यरूशलेम के गढ़ के शासक हनन्याह

को आज्ञा दी, क्योंकि वह एक सच्चा पुरुष था और अनेकों से बढ़कर परमेश्वर से डरता था। और मैंने उनसे कहा, यरूशलेम के फाटक तब तक नहीं खोले जाएंगे जब तक सूरज न निकले, और जब वे अभी देख रहे हों, तो दरवाजे बंद किए जाएं और सींखचे लगाए जाएं, और यरूशलेम में रहने वालों में से पहरेदार नियुक्त करो, हर आदमी अपने पहरे में, और हर आदमी अपने घर के सामने। और शहर चौड़ा और विशाल था, और लोग इसमें कम थे, और घर बनाए नहीं गए थे। और परमेश्वर ने मेरे हृदय में यह बात डाली, और मैंने सम्माननीय लोगों, शासकों और लोगों को वंशावली के लिए एकत्र किया, और मैंने उन लोगों की वंशावली की पुस्तक पाई जो पहले ऊपर गए थे, और मैंने उसमें लिखा हुआ पाया। और ये उस देश के पुत्र थे जो बंधुआई के निर्वासन से ऊपर गए, जिसे बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने निर्वासित किया था, और वे यरूशलेम और यहूदा में लौटे, हर पुरुष अपने शहर में, जरुब्बाबेल के साथ। और यहोशू और नहेमायाह, अजर्याह, और राअमयाह, नहमानी, मोर्दकै, बिलशान, मिस्पेरेत, एज्रा, बिगवै, रहूम, बाना, मिस्पार, इस्राएल के लोगों के पुरुष। फोरोस के पुत्र, दो हजार एक सौ बहत्तर। शफतिया के पुत्र, तीन सौ बहत्तर। हरा के पुत्र, छह सौ बावन। पहाथ मोआब के पुत्र, यहोशू और योआब के पुत्रों में, दो हजार छः सौ अठारह। ऐलाम के पुत्र, एक हजार दो सौ चौवन। ज़थौइया के पुत्र, आठ सौ पैतालीस। जक्कई के पुत्र, सात सौ साठ। बानुई के पुत्र, छः सौ अड़तालीस। बेबी के पुत्र, छह सौ अट्ठाईस। असगद के बेटे, दो हजार तीन सौ बाईस। अदोनीकाम के बेटे, छः सौ सड़सठ। बगोई के पुत्र, दो हजार सड़सठ। एदिन के पुत्र, छः सौ पचपन। अतेर के पुत्र हिजकिय्याह के, अट्टानवे। एसाम के पुत्र, तीन सौ अट्ठाईस। बेसे के पुत्र, तीन सौ चौबीस। अरीफ के पुत्र, एक सौ बारह; असेन के पुत्र, दो सौ तेईस। गिबोन के पुत्र, पंचानवे। बेतलेहेम के पुत्र एक सौ तेईस, अतोफा के पुत्र छप्पन। अनाथोथ के बेटे, एक सौ अट्ठाईस। बेथास्मोथ के पुरुष, बयालीस। किरियथारीम, केफीरा और बेरोथ के पुरुष, सात सौ तैंतालीस। रामाह और गिबा के पुरुष, छह सौ बीस। पुरुषों के युद्ध, एक सौ बाईस। बेथेल और ऐ के पुरुष, एक सौ तेईस। नाबिया के पुरुष, एक सौ बावन। एलामार के पुरुष, एक हजार दो सौ बावन। हीराम के पुत्र, तीन सौ बीस। यरीहो के पुत्र, तीन सौ पैतालीस। लोद, हदीद और ओनो के पुत्र, सात सौ इक्कीस। सेनाआह के पुत्र, तीन हजार नौ सौ तीस। यहोयादा के पुत्र पुजारी, यहोशू के घराने से, नौ सौ तिहत्तर। एम्मेर के पुत्र, एक हजार बावन।

पशहूर के पुत्र, एक हजार दो सौ सैंतालीस। हीराम के पुत्र, एक हजार सत्रह। लेवी, यहोशू के पुत्र, कदमीएल के होदव्याह के पुत्रों में से, चौहत्तर थे। आसाप के गायक पुत्र, एक सौ अड़तालीस। द्वारपाल: शालोम के पुत्र, अतेर के पुत्र, तेलमोन के पुत्र, अक्कूब के पुत्र, अतिता के पुत्र, साबी के पुत्र—एक सौ अड़तीस। नथिनीम, सिआ के पुत्र, असफा के पुत्र, तबाओथ के पुत्र, किरास के बेटे, असौइआ के बेटे, फादोन के बेटे, लाबाना के पुत्र, अगाबा के पुत्र, सेलमेई के पुत्र। अनान के पुत्र, गादेल के पुत्र, गाअर के पुत्र, रआइआ के पुत्र, रस्सोन के पुत्र, नेकोदा के पुत्र, गेज़ाम के पुत्र, ओज़ी के पुत्र, फ़ेसेह के पुत्र, बेसी के पुत्र, मेइनोन के पुत्र, नेफोसासी के पुत्र, बकबूक के पुत्र, अखीफा के पुत्र, अरोर के पुत्र, बासालोथ के बेटे, मिदास के बेटे, अदासान के बेटे, बरकुए के बेटे, सिसरथ के बेटे, थेमा के बेटे, नीसिया के पुत्र, अतीफा के पुत्र। सुलैमान के दासों के पुत्र, सोतै के पुत्र, सोपेरेत के पुत्र, पेरीदा के पुत्र, येलेल के बेटे, दोर्कोन के बेटे, गदाएल के बेटे, सपतिया के पुत्र, एत्तेल के पुत्र, फकरथ के पुत्र, सबाइम के पुत्र, एमीम के पुत्र। सब नथिनीम और सुलैमान के दासों के पुत्र, तीन सौ बानवे। और ये थेल्मेलेथ, थेलारेसा, खारूब, हेरोन, इएमिर से ऊपर गए, और वे अपने पूर्वजों के घरों और अपने वंश की रिपोर्ट करने में सक्षम नहीं थे, कि क्या वे इस्राएल से हैं। दलाया के पुत्र, तोबिया के पुत्र, नकोदा के पुत्र, छः सौ बयालीस। और पुजारियों में से एबिया के पुत्र, अक्कोस के पुत्र, बर्जिल्लै के पुत्र, क्योंकि उन्होंने गिलादी बर्जिल्लै की पुत्रियों में से स्त्रियाँ लीं, और उनके नाम पर बुलाए गए। इन्होंने अपनी वंशावली का लेख खोजा, और वह नहीं मिला, और वे पुरोहिती से निकाल दिए गए। और उसने कहा कि अस्वीकार करें, ताकि वे परम पवित्र वस्तुओं में से न खाएं, जब तक कोई पुजारी प्रकाश देने वाला न उठे। और ऐसा हुआ कि सारी सभा लगभग बयालीस हजार तीन सौ साठ थी। इनके अलावा उनके दास और दासियाँ, ये सात हजार तीन सौ सैंतीस थे, और गायक और गायिकाएँ, दो सौ पैंतालीस थीं। गधे दो हजार सात सौ। और पैतृक परिवारों के कुछ नेताओं ने काम के लिए नहेम्याह को खजाने में एक हजार सोने के सिक्के, पचास कटोरे, और पुजारियों के तीस वस्त्र दिए। और पैतृक परिवारों के प्रमुखों ने काम के खजाने में सोने के सिक्के बीस हजार और चांदी के दो हजार तीन सौ मीना दिए। और शेष लोगों ने सोने के बीस हजार, और चांदी के दो हजार दो सौ मीना, और पुजारियों के सड़सठ वस्त्र दिए। और पुजारी, और लेवी, और द्वारपाल, और

गायक, और लोगों में से कुछ, और नतीनीम, और सारा इस्राएल अपने-अपने शहरों में बस गए।

18

और सातवां महीना आ गया, और इस्राएल के पुत्र अपने नगरों में थे, और सब लोग एक पुरुष के समान जल-द्वार के सामने के चौक में एकत्रित हुए, और उन्होंने एज़ा शास्त्री से कहा कि मूसा की व्यवस्था की पुस्तक लाओ, जिसकी आज्ञा प्रभु ने इस्राएल को दी थी। और एज़ा पुजारी व्यवस्था को सभा के सामने लाया, पुरुष से लेकर स्त्री तक, और सब समझनेवाले, सातवें महीने के पहले दिन सुनने के लिए। और उसने उसमें सूरज के उदय होने के समय से लेकर दिन के आधे समय तक पढ़ा, पुरुषों और स्त्रियों के सामने, और वे समझ रहे थे, और सब लोगों के कान व्यवस्था की पुस्तक की ओर लगे थे। और एज़ा शास्त्री लकड़ी के मंच पर खड़ा हुआ, और उसके निकट मत्तित्याह, शमायाह, अनन्याह, ऊरिय्याह, हिल्किय्याह और मासेयाह उसके दाहिने ओर खड़े हुए, और बाईं ओर पदायाह, मीशाएल, मल्कियाह, हाशूम, हशबदाना, जकर्याह और मशुल्लाम खड़े हुए। और एज़ा ने सब लोगों के सामने पुस्तक खोली, क्योंकि वह लोगों से ऊपर था, और जब उसने इसे खोला, तब सब लोग खड़े हो गए। और एज़ा ने महान देवता प्रभु को आशीर्वाद दिया, और सब लोगों ने उत्तर दिया, और अपने हाथ उठाकर आमीन कहा, और झुककर भूमि पर मुख के बल प्रभु को प्रणाम किया। और यहोशू, और बनायाह, और सरायाह लोगों को व्यवस्था में निर्देश दे रहे थे, और लोग अपने स्थान पर खड़े थे। और उन्होंने परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक में से पढ़ा, और एज़ा ने सिखाया, और प्रभु के ज्ञान से समझाया, और लोगों ने पाठ को समझा। और नहेम्याह और एज़ा याजक और लेखक, और लेवी, और वे जो लोगों को सिखा रहे थे, ने कहा और उन्होंने सब लोगों से कहा, यह दिन हमारे प्रभु परमेश्वर के लिए पवित्र है, शोक मत करो और न रोओ, क्योंकि सब लोग रो रहे थे जब उन्होंने व्यवस्था के वचन सुने। और उसने उनसे कहा, जाओ, चर्बीयुक्त भोजन खाओ और मीठे पेय पीओ, और जिनके पास कुछ नहीं है उन्हें हिस्से भेजो, क्योंकि यह दिन हमारे प्रभु के लिए पवित्र है, और दुखी मत होओ, क्योंकि प्रभु

हमारी शक्ति है। और लेवी सब लोगों को चुप करा रहे थे और कह रहे थे, चुप रहो, क्योंकि यह दिन पवित्र है, और शोकित मत हो। और सभी लोग खाने-पीने, हिस्से भेजने और बड़ी खुशी मनाने चले गए, क्योंकि उन्होंने उन शब्दों को समझ लिया था जो उन्हें बताए गए थे। और दूसरे दिन पितरों के शासक सब लोगों के साथ, पुजारी और लेवी एज्रा लेखक के पास एकत्रित हुए, व्यवस्था के सब वचनों को समझाने के लिए। और उन्होंने कानून में लिखा हुआ पाया, जो प्रभु ने मूसा को आज्ञा दी थी, ताकि इस्राएल के पुत्र सातवें महीने के पर्व में तंबुओं में निवास करें। और ताकि वे अपने सभी नगरों में और यरूशलेम में तुरहियों से संकेत करें, और एज्रा ने कहा, पहाड़ पर जाओ, और जैतून के पत्ते, और सनोवर की लकड़ियों के पत्ते, और मेंहदी के पत्ते, और खजूर के पत्ते, और घने वृक्ष के पत्ते लाओ, ताकि लिखे हुए के अनुसार तम्बू बनाएं। और लोग बाहर गए, और लाए, और अपने लिए तंबू बनाए, हर पुरुष अपनी छत पर, और अपने आंगनों में, और परमेश्वर के घर के आंगनों में, और नगर की सड़कों में, और एग्रेम के द्वार तक। और सारी सभा ने, जो बंधुआई से लौटी थी, तंबू बनाए, और तंबुओं में बैठे, क्योंकि नून के पुत्र यहोशू के दिनों से इस्राएल के पुत्रों ने उस दिन तक ऐसा नहीं किया था, और बड़ा आनंद हुआ। और उसने परमेश्वर के नियम की पुस्तक में पहले दिन से अंतिम दिन तक प्रतिदिन पढ़ा, और उन्होंने सात दिन तक पर्व मनाया, और आठवें दिन निर्णय के अनुसार समापन सभा हुई।

19

और इस महीने के चौबीसवें दिन इस्राएल के पुत्र उपवास में और टाट में और अपने सिर पर राख लेकर एकत्रित हुए। और इस्राएल के पुत्र सभी विदेशी पुत्रों से अलग हो गए, और खड़े हुए और उन्होंने अपने पापों और अपने पिताओं के अधर्मों को स्वीकार किया। और वे अपने स्थान पर खड़े हुए, और उन्होंने अपने प्रभु परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक में पढ़ा, और वे प्रभु के सामने पाप स्वीकार कर रहे थे और अपने प्रभु परमेश्वर की आराधना कर रहे थे। और यहोशू लेवियों की चढ़ाई पर खड़ा हुआ, और कदमीएल के पुत्र, सारब्याह का पुत्र शकन्याह, केनानी के पुत्र, और

उन्होंने बड़ी आवाज़ से प्रभु अपने परमेश्वर की ओर पुकारा। और लेवियों ने यहोशू और कदमीएल ने कहा, उठो, हमारे प्रभु परमेश्वर को युग से युग तक आशीर्वाद दो, और वे तुम्हारे महिमा के नाम को आशीर्वाद देंगे, और सब आशीर्वाद और स्तुति से ऊपर उसे ऊंचा करेंगे। और एज़ा ने कहा, आप ही अकेले प्रभु हैं, आपने आकाश और आकाशों के आकाश को बनाया, और उनकी सारी व्यवस्था को, पृथ्वी और जो कुछ उसमें है, समुद्रों और जो कुछ उनमें है, और आप सब को जीवन देते हैं, और आकाशों की सेनाएं आपको प्रणाम करती हैं। तू ही प्रभु परमेश्वर है, तूने अब्राम को चुना और उसे कसदियों के देश से निकाला, और उसे अब्राहम नाम दिया। और आपने उसके हृदय को अपने सामने विश्वासी पाया, और आपने उसके साथ वाचा बाँधी कि उसे कनानियों, हित्तियों, एमोरियों, परिज्जियों, यबूसियों और गिर्गाशियों की भूमि और उसके वंश को देंगे, और आपने अपने वचनों को स्थापित किया, क्योंकि आप धर्मी हैं। और तुमने हमारे पितरों का अपमान मिस्र में देखा, और लाल सागर पर उनकी पुकार तुमने सुनी। और तुमने मिस्र में फिरौन को, उसके सब सेवकों को, और उसकी भूमि के सब लोगों को चिन्ह और अद्भुत कार्य दिए, क्योंकि तुमने जाना कि उन्होंने उन पर घमंड किया, और तुमने अपने लिए नाम बनाया जैसे आज का दिन है। और आपने समुद्र को उनके सामने फाड़ दिया, और वे समुद्र के बीच में सूखी ज़मीन पर से गुज़र गए, और उनका पीछा करने वालों को आपने गहराई में फेंक दिया, जैसे प्रचंड पानी में पत्थर। और आपने दिन में बादल के स्तंभ में उनका मार्गदर्शन किया, और रात में आग के स्तंभ में, ताकि उन्हें उस मार्ग पर प्रकाश दें जिस पर वे चलेंगे। और आप सीनै पहाड़ पर उतरे, और आप स्वर्ग से उनसे बोले, और आपने उन्हें सीधे न्याय दिए, और सत्य के कानून, आदेश, और अच्छी आज्ञाएँ दीं। और तुमने अपना पवित्र सब्बाथ उनको ज्ञात कराया, और तुमने मूसा अपने दास के हाथ द्वारा उनको आज्ञाएँ और आदेश और व्यवस्था दी। और तुमने स्वर्ग से रोटी उनको उनके भरण-पोषण के लिए दी, और चट्टान से पानी उनकी प्यास के लिए उनको निकाला, और तुमने उनसे कहा कि उस भूमि में प्रवेश करो और उसे विरासत में लो जिस पर तुमने अपना हाथ फैलाया था उन्हें देने के लिए। और उन्होंने और हमारे पिताओं ने घमंड किया, और उन्होंने अपनी गर्दन कठोर कर ली, और उन्होंने तुम्हारी आज्ञाओं को नहीं सुना। और उन्होंने सुनने से इनकार किया, और तुम्हारे आश्चर्यकर्मों को याद नहीं किया जो तुमने उनके साथ किए थे, और उन्होंने

अपनी गर्दन कठोर की, और मिस्र में अपनी गुलामी में लौटने का आरंभ किया, और तुम परमेश्वर दयालु और करुणामय, धीरजवंत और अत्यंत दयावान हो, और तुमने उनको नहीं त्यागा। फिर भी उन्होंने अपने लिए ढली हुई बछड़े की मूर्ति बनाई, और कहा, ये वे देवता हैं जो हमें मिस्र से निकाल लाए, और उन्होंने बड़े उकसावे किए। और तू अपनी महान दया में उनको रेगिस्तान में नहीं छोड़ा, बादल के स्तंभ को दिन में उनसे नहीं हटाया उनको मार्ग में मार्गदर्शन करने के लिए, और आग के स्तंभ को रात में उनको उस मार्ग में प्रकाश देने के लिए जिसमें वे चलेंगे। और तुमने अपना अच्छा आत्मा उन्हें समझाने के लिए दिया, और तुमने अपना मन्ना उनके मुँह से नहीं रोका, और तुमने उनकी प्यास में उन्हें पानी दिया। और चालीस वर्ष तक तुमने उन्हें जंगल में पोषण किया, तुमने उन्हें किसी चीज़ की कमी नहीं होने दी, उनके वस्त्र पुराने नहीं हुए, और उनके पैर नहीं सूजे। और तुमने उन्हें राज्य दिए, और तुमने उनके लिए लोगों को विभाजित किया, और उन्होंने हेशबोन के राजा सीहोन की भूमि और बाशान के राजा ओग की भूमि विरासत में पाई। और तूने उनके पुत्रों को आकाश के तारों के समान बढ़ाया, और उनको उस भूमि में लाया जो तूने उनके पिताओं से कहा था, और उन्होंने उसे विरासत में पाया। और आपने उनके सामने कनानियों की भूमि में निवास करने वालों को निकाल दिया, और आपने उनको उनके हाथों में दे दिया और उनके राजाओं को और भूमि के लोगों को, ताकि उनके साथ वैसा करें जैसा उनके सामने प्रसन्न हो। और उन्होंने ऊंचे शहरों पर कब्जा किया, और सब अच्छी चीज़ों से भरे घरों को विरासत में पाया, खोदे हुए हौज, अंगूर के बाग और जैतून के बाग, और बहुतायत में हर खाने योग्य पेड़, और उन्होंने खाया और भर गए और मोटे हो गए, और तुम्हारी महान भलाई में आनंद मनाया। और उन्होंने बदल दिया और तुमसे मुड़ गए, और तुम्हारे कानून को अपने शरीर के पीछे फेंक दिया, और तुम्हारे भविष्यवक्ताओं को मार डाला जिन्होंने उनको तुम्हारी ओर लौटाने के लिए उनके सामने गवाही दी, और उन्होंने बड़े उकसावे किए। और तुमने उन्हें उनके उत्पीड़कों के हाथ में सौंप दिया, और उन्होंने उन पर अत्याचार किया, और वे अपने संकट के समय में तुम्हारी ओर पुकारे, और तुमने अपने स्वर्ग से सुना, और अपनी महान दया में तुमने उन्हें उद्धारकर्ता दिए, और तुमने उन्हें उनके उत्पीड़कों के हाथ से बचाया। और जब उन्होंने विश्राम किया, तो वे तुम्हारे सामने बुराई करने लौटे, और तुमने उन्हें उनके शत्रुओं के हाथों में छोड़ दिया, और उन्होंने उन पर शासन

किया, और फिर उन्होंने तुम्हारी ओर पुकारा, और तुमने स्वर्ग से सुना, और तुमने अपनी अनेक दयाओं में उन्हें बचाया। और तुमने उन्हें चेतावनी दी कि वे तुम्हारी व्यवस्था की ओर लौट आएँ, परन्तु उन्होंने नहीं सुना, बल्कि तुम्हारी आज्ञाओं और तुम्हारे न्यायों के विरुद्ध उन्होंने पाप किया, जिनका पालन करके मनुष्य उनमें जीवित रहता है, और उन्होंने हठपूर्वक मुंह फेर लिया, और अपनी गर्दन अकड़ा ली और नहीं सुना। और आपने उन पर कई वर्षों तक धैर्य रखा, और आपने अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा अपनी आत्मा से उन्हें चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने नहीं सुना, इसलिए आपने उन्हें पृथ्वी के लोगों के हाथ में सौंप दिया। और तू अपनी महान दया में उनका पूर्ण विनाश नहीं किया, और तूने उनको नहीं छोड़ा, क्योंकि तू शक्तिशाली, दयालु और करुणामय है। और अब हे हमारे परमेश्वर, जो शक्तिशाली, महान, बलवान और भयानक है, जो अपनी वाचा और अपनी दया की रक्षा करता है, वह सब कष्ट जो हमें, हमारे राजाओं को, हमारे शासकों को, हमारे याजकों को, हमारे भविष्यवक्ताओं को, हमारे पूर्वजों को और तेरी सारी प्रजा को अश्वर के राजाओं के दिनों से लेकर आज के दिन तक मिला है, वह तेरे सामने छोटा न समझा जाए। और तू उन सब बातों में धर्मी है जो हम पर आई हैं, क्योंकि तूने सत्य किया, और हमने पाप किया। और हमारे राजाओं ने, हमारे शासकों ने, हमारे पुजारियों ने, और हमारे पूर्वजों ने तेरे कानून का पालन नहीं किया, और तेरे आदेशों पर ध्यान नहीं दिया, और तेरी गवाहियों पर भी नहीं जो तूने उन्हें दी थीं। और वे तेरे राज्य में और तेरी बहुत बड़ी भलाई में जो तूने उन्हें दी, और उस चौड़ी और उपजाऊ भूमि में जो तूने उनके सामने दी, उन्होंने तेरी सेवा नहीं की, और अपने दुष्ट आचरण से नहीं फिरे। देखो, आज हम दास हैं, और वह भूमि जो तूने हमारे पितरों को दी थी कि वे उसके फल और उसकी अच्छी चीजें खाएं, देखो, हम उस पर दास हैं, और उसके फल बहुत हैं। उन राजाओं को जिन्हें तूने हमारे पापों के कारण हम पर दिया है, और वे हमारे शरीरों पर अधिकार रखते हैं, और हमारे पशुओं पर जैसा उन्हें प्रसन्न लगता है, और हम महान क्लेश में हैं।

और इन सब में हम विश्वास बनाते हैं, और लिखते हैं, और हमारे शासक, हमारे लेवी, हमारे पुजारी मुहर लगाते हैं। और मुहर लगाने वालों में नहेम्याह अर्तक्षत्र, अखलिया का पुत्र, और सिदकिय्याह थे। अराया का पुत्र, और अजर्याह, और यिर्मयाह। फासूर, अमारिया, मेल्खिया, अत्तौस, सेबनी, मालौख, इराम, मेरामोथ, अब्दिया, दानिएल, गन्नाथोन, बारूक, मेशुल्लाम, अबीयाह, मियामीन, मआज़िया, बेल्गाई, शमायाह - ये पुरोहित थे। और लेवी, यहोशू जो अजन्म्याह का पुत्र था, बनायाह जो हेनादाद के पुत्रों में से था, कदमीएल और उसके भाई, सबनिया, होदविया, कलितान, फेलिया, अनान, मीखा, रहोब, अधर्म, ज़कखोर, साराबिया, सेबानिया, ओदूम, बानोआ के पुत्र लोगों के शासक: फोरोस, फाअथ मोआब, एलाम, ज़थौइआ, बानी के पुत्र, असगाद, बेबै, अदानिया, बागोई, हेदिन, अतेर, हिजकिय्याह, अज्जूर, होदविया, असाम, बेसी, अरीफ़, अनाथोथ, नोबाई, महान स्वर वाला, मेशुल्लाम, अज़ीर, मेसोज़ेबेल, ज़ादोक, जद्दुआ, फाल्तिया, अनान, अनाइया, होशे, हनन्याह, हश्शूब, खलिहान, तोप, अस्पष्ट। रेहूम, एस्साबाना, माअसेयाह, और आइआ, ऐनान, एनाम, मलूख, हीराम, बाना, और लोगों के शेष, पुजारी, लेवी, द्वारपाल, गायक, नतीनीम, और सब जो पृथ्वी के लोगों में से परमेश्वर की व्यवस्था के पास आए, उनकी पत्नियाँ, उनके पुत्र, उनकी पुत्रियाँ, सब जो जानते और समझते हैं, उन्होंने अपने भाइयों को मजबूत किया, और उन्हें शाप दिया, और शपथ के साथ प्रवेश किया कि वे परमेश्वर की व्यवस्था में चलेंगे, जो परमेश्वर के दास मूसा के हाथ में दी गई थी, और प्रभु की सब आज्ञाओं, उसके न्याय और उसके आदेशों को मानेंगे और पूरा करेंगे। और हम अपनी बेटियाँ पृथ्वी के लोगों को नहीं देंगे, और उनकी बेटियाँ अपने बेटों के लिए नहीं लेंगे। और पृथ्वी के लोग जो सब्त के दिन खरीद और सब प्रकार की बिक्री बेचने के लिए लाते हैं, हम उनसे सब्त में और पवित्र दिन में नहीं खरीदेंगे, और हम सातवें वर्ष को छोड़ेंगे, और सब हाथों की माँग को छोड़ेंगे। और हम अपने ऊपर आज्ञाएँ स्थापित करेंगे कि हम अपने परमेश्वर के घर की सेवा के लिए प्रति वर्ष दो द्राख्मा का तीसरा भाग दें। चेहरे की रोटियों में, और निरंतर बलिदान और सब्तों के निरंतर होमबलि में, नए चाँदों के, त्योहारों में और पवित्र वस्तुओं में, और पाप के बारे में, इस्राएल के लिए प्रायश्चित्त करने के लिए, और हमारे परमेश्वर के घर के कार्यों में। और हमने लकड़ी ले जाने के लिए चिट्ठियाँ डालीं - पुजारी, लेवी और लोग - हमारे परमेश्वर के घर में, हमारे

पुरखों के घरानों के अनुसार, निर्धारित समयों पर, साल दर साल, हमारे प्रभु परमेश्वर की वेदी पर जलाने के लिए लाने को, जैसा व्यवस्था में लिखा है। और हमारी पृथ्वी का पहला फल तथा हर पेड़ के फल का पहला फल, वर्ष दर वर्ष प्रभु के घर में लाना। और हमारे पहलौठे पुत्रों और हमारे पशुओं को, जैसा व्यवस्था में लिखा गया है, और हमारे बैलों और हमारे रेवड़ों के पहलौठों को हमारे परमेश्वर के घर में लाना, उन याजकों के लिए जो हमारे परमेश्वर के घर में सेवा करते हैं। और हम अपने अनाज का पहला फल, और सब पेड़ों का फल, दाखरस, और तेल, याजकों के पास परमेश्वर के घर के खजाने में लाएंगे, और अपनी भूमि का दसवां भाग लेवियों को देंगे, और वे लेवी हमारी गुलामी के सब नगरों में दशमांश लेते हुए। और हारून का पुत्र पुजारी लेवी के साथ लेवी के दसवें भाग में होगा, और लेवी दसवें भाग का दसवां भाग हमारे परमेश्वर के घर में, खजाना कक्षों में, परमेश्वर के घर में लाएंगे। क्योंकि इस्राएल के पुत्र और लेवी के पुत्र अनाज, दाखरस और तेल के प्रथम फल खजानों में लाएंगे, और वहाँ पवित्र पात्र हैं, और याजक, सेवक, द्वारपाल और गायक हैं, और हम अपने परमेश्वर के घर को नहीं त्यागेंगे।

21

और लोगों के शासक यरूशलेम में बैठे, और शेष लोगों ने चिट्ठियाँ डालीं कि दस में से एक को पवित्र नगर यरूशलेम में बसाया जाए, और नौ भाग अन्य नगरों में। और लोगों ने उन सब पुरुषों को आशीर्वाद दिया जो स्वेच्छा से यरूशलेम में बसने को तैयार हुए। और ये देश के शासक जो यरूशलेम में और यहूदा के नगरों में बैठे, इस्राएल के नगरों में अपने-अपने अधिकार में बैठे - याजक, लेवी, नतीन और सुलैमान के दासों के पुत्र। और यरूशलेम में यहूदा के पुत्रों में से और बिन्यामीन के पुत्रों में से बैठे। यहूदा के पुत्रों में से अताया, जो अज़िया का पुत्र, जकर्याह का पुत्र, समरिया का पुत्र, शपत्याह का पुत्र, महललेल का पुत्र था, और पेरिस के पुत्रों में से। और मासेयाह, जो बारूक का पुत्र था, जो हेल का पुत्र था, जो ओज़िया का पुत्र था, जो अदायाह का पुत्र था, जो योयारीब का पुत्र था, जो ज़करयाह का पुत्र था, जो शेलोनी का पुत्र था। फारेस के

सब पुत्र जो यरूशलेम में बैठे थे, चार सौ अड़सठ शक्तिशाली पुरुष थे। और ये बिन्यामीन के पुत्र थे: शीलो, जो मशुल्लाम का पुत्र था, जो योआद का पुत्र था, जो फदायाह का पुत्र था, जो कोलायाह का पुत्र था, जो मासेयाह का पुत्र था, जो इतीएल का पुत्र था, जो यशायाह का पुत्र था। और उसके पीछे गेबा, सेली, नौ सौ अट्ठाईस। और योएल, जिक्री का पुत्र, उनका निरीक्षक था, और यहूदा, हस्सनाह का पुत्र, नगर का दूसरा था। पुजारियों में से, और इदिया जो योयारीब का पुत्र था, याखीन। सराया एल्किया का पुत्र, मेशुल्लाम का पुत्र, सद्कू का पुत्र, मरायोत का पुत्र, अहीतूब का पुत्र, परमेश्वर के घर के सामने। और उनके भाई जो घर का काम करते थे, आठ सौ बाईस, और अदाया जो यिरोहाम का पुत्र था, जो फलल्याह का पुत्र था, जो अमासै का पुत्र था, जो जकर्याह का पुत्र था, जो पशहूर का पुत्र था, जो मल्किय्याह का पुत्र था, और उसके भाई, पैतृक परिवारों के शासक, दो सौ बयालीस, और अमस्याह, जो एस्त्रिएल का पुत्र था, जो मेशारिमिथ का पुत्र था, जो एम्मर का पुत्र था। और उसके भाई जो युद्ध में शक्तिशाली थे, एक सौ अट्ठाईस, और निरीक्षक बादिएल जो महान लोगों का पुत्र था। और लेवियों में से, समाइआ जो एसिकाम का पुत्र था, मत्थनियास जो मीका का पुत्र था, और योबाब, समौई का पुत्र, दो सौ चौरासी। और द्वारपाल अकूब, तेलामीन, और उनके भाई, एक सौ बहत्तर। और लेवियों का निरीक्षक बानी का पुत्र था, जो ओज़ी का पुत्र, असबिया का पुत्र, मीका का पुत्र था, आसाप के पुत्रों में से, जो परमेश्वर के घर के काम के सामने गाने वाले थे। क्योंकि राजा की आज्ञा उनके लिए थी। और फथाइआ, जो बसेजा का पुत्र था, राजा के हाथ में था हर मामले में जो लोगों से संबंधित था। और उनके खेत में स्थित बस्तियों के विषय में, यहूदा के वंशजों में से कुछ किरियत अर्बा में बस गए। और यहोशू में, और बेशेबा में, और उनके खेत-बाड़े लाकीश में और उसके खेत, और उन्होंने बेशेबा में डेरा डाला। और बिन्यामीन के पुत्र गिबा से मिक्माश तक थे। और लेवियों के भाग यहूदा से बिन्यामीन को दिए गए।

और ये पुजारी और लेवी थे जो शालतीएल के पुत्र जरुब्बाबेल और यहोशू के साथ ऊपर गए: सरायाह, यिर्मयाह, एज़ा अमारिया, मालूख, शेकन्याह, ये पुजारियों के प्रधान और उनके भाई यहोशू के दिनों में थे। और लेवी थे: यहोशू, बिनूई, कदमीएल, सराब्याह, यहोयादा, मत्तन्याह, जो अपने भाइयों के साथ स्तुति के लिए नियुक्त थे। विभागों में। और यहोशू ने यहोयाकीम को जन्म दिया, और यहोयाकीम ने एल्याशीब को जन्म दिया, और एल्याशीब ने यहोयादा को जन्म दिया, और यहोयादा ने योनातान को जन्म दिया, और योनातान ने यादू को जन्म दिया। और योआकीम के दिनों में उसके भाई पुरोहित और पितरों के शासक थे: सरायाह के लिए अमर्याह, यिर्मयाह के लिए अवन्याह, एज़ा को मेशुल्लाम, अमारिया को योहानान, अमालूख को, योनातान, सेखेनिया को, योसेफ, अरे को मन्नास, मेरायोथ को एलकाई। को अदादा, जकर्याह, को गनाथोथ, मेसोलाम। अबिय्याह को ज़िक्री, मियामीन को माअदै, पेलेती को बलगास, शमूएल, शेमायाह को योनातान। योआरिब को, मत्थनै के निजी को, ओज़ी। शिल्ही को, कल्लाई, अमेक को, अबेद। घाव को हशब्ब्याह, इस्देयुस का नथानेल लेवी एलियाशीब, योयादा, योआ, योहानान और यहूआ के दिनों में पितरों के घरानों के प्रधान लिखे गए, और पुजारी फारसी द्वारा के राज्य में लिखे गए। लेवी के पुत्र, पितृ परिवारों के प्रधान, दिनों के वचनों की पुस्तक पर लिखे गए थे, और एलिसौए के पुत्र योहानान के दिनों तक। और लेवियों के प्रधान असबिया, साराबिया, यहोशू, कदमीएल के पुत्र और उनके भाई उनके सामने परमेश्वर के भक्त दाऊद की आज्ञा के अनुसार स्तुति के भजन गाने के लिए बारी-बारी से नियुक्त थे। जब मैंने द्वारपालों को एकत्र किया यहोयाकीम के दिनों में जो यहोशू का पुत्र था, जो योसादाक का पुत्र था, और नहेम्याह के दिनों में, और एज़ा जो याजक और शास्त्री था। और यरूशलेम की दीवार के समर्पण के समय, उन्होंने लेवियों को उनके स्थानों से खोजा ताकि उन्हें यरूशलेम लाएं, धन्यवाद के साथ समर्पण और आनंद मनाने के लिए, और गीतों में झांझ बजाते हुए, और सारंगी, और वीणा के साथ। और गायकों के पुत्र एकत्र किए गए और चारों ओर के क्षेत्र से यरूशलेम में, और आंगनों से, और खेतों से, क्योंकि गायकों ने यरूशलेम में अपने लिए खेत-घर बनाए थे। और पुजारी और लेवी शुद्ध किए गए, और उन्होंने लोगों को और द्वारपालों को और दीवार को शुद्ध किया। और उन्होंने यहूदा के शासकों को दीवार के ऊपर लाया, और स्तुति के लिए दो बड़े समूह खड़े किए, और वे दाहिनी ओर से गोबर की

दीवार के ऊपर से होकर निकल गए। और उनके पीछे होशे और यहूदा के आधे शासक गए, और अजरयाह, और एज्रा, और मशुल्लाम, और यहूदा, और बिन्यामीन, और शमायाह, और यिर्मयाह। और याजकों के पुत्रों में से तुरहियों के साथ, जकर्याह जो योनातान का पुत्र था, जो शमायाह का पुत्र था, जो मत्तन्याह का पुत्र था, जो मीकाह का पुत्र था, जो जक्कूर का पुत्र था, जो आसाप का पुत्र था, और उसके भाई शमायाह, उज्जीएल, गेलोल, इआमा, अय्याह, नतनएल, यहूदा और हनानी परमेश्वर के भक्त दाऊद के गीतों से स्तुति करने के लिए थे, और एज्रा शास्त्री उनके सामने फाटक पर था। उनके सामने प्रशंसा करने के लिए, और वे दाऊद के नगर की सीढ़ियों पर चढ़े, दीवार की चढ़ाई में दाऊद के घर के ऊपर से जल द्वार तक एफ्राइम, और मछली द्वार पर, और हनमेल के मीनार तक, और भेड़ द्वार तक। और गायकों को सुना गया, और उनकी गिनती की गई। और उन्होंने उस दिन महान बलिदान चढ़ाए, और वे आनंदित हुए, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें बहुत आनंदित किया था। उनकी स्त्रियाँ और उनके बच्चे भी आनंदित हुए, और यरूशलेम में यह आनंद दूर से सुना गया। और उस दिन उन्होंने खजानों के लिए पुरुषों को नियुक्त किया, जो भंडारों, पहले फलों, दशमांशों और नगरों के शासकों से एकत्रित की गई वस्तुओं के लिए याजकों और लेवियों को भाग देते थे, क्योंकि यहूदा में खड़े हुए याजकों और लेवियों के प्रति आनंद था। और उन्होंने अपने परमेश्वर के पहरे रखे, और शुद्धिकरण के पहरे, और गायकों और द्वारपालों को, जैसे दाऊद और उसके पुत्र सुलैमान की आज्ञाएँ थीं। क्योंकि दाऊद के दिनों में आसाप आरंभ से गाने वालों में पहला था, और परमेश्वर की स्तुति और प्रशंसा करता था। और ज़रुब्बबेल के दिनों में और नहेम्याह के दिनों में सारा इस्राएल गायकों और द्वारपालों को प्रतिदिन उनके भाग देता था, और वे लेवियों के लिए पवित्र करते थे, और लेवी हारून के पुत्रों के लिए पवित्र करते थे।

23

उस दिन मूसा की पुस्तक लोगों के कानों में पढ़ी गई, और उसमें यह लिखा हुआ पाया गया कि अम्मोनी और मोआबी परमेश्वर की सभा में सदा तक प्रवेश न करें। क्योंकि उन्होंने इस्राएल के

पुत्रों से रोटी और पानी के साथ भेंट नहीं की, और उन्होंने बिलाम को उसे शाप देने के लिए किराए पर लिया, और हमारे परमेश्वर ने शाप को आशीर्वाद में बदल दिया। और ऐसा हुआ कि जब उन्होंने व्यवस्था सुनी, तो इस्राएल में सब मिले-जुले लोग अलग कर दिए गए। और इससे पहले एलियासीब पुजारी, जो हमारे परमेश्वर के घर के खजाने में रहता था, तोबियाह के निकट था। और उसने अपने लिए एक बड़ा खजाना बनाया, और वहाँ पहले मन्ना, लोबान, बर्तन, और अनाज, दाखरस और तेल का दसवाँ भाग रखा जाता था, जो लेवियों, गायकों और द्वारपालों के लिए आज्ञा के अनुसार था, और याजकों के पहले फल भी। और इस सब में मैं यरूशलेम में नहीं था, क्योंकि अर्तहशशता बाबुल के राजा के बत्तीसवें वर्ष में मैं राजा के पास आया, और कुछ दिनों के बाद मैंने राजा से अनुमति माँगी। और मैं यरूशलेम आया, और मैंने उस दुष्टता को समझा जो एलियाशीब ने तोबियाह के लिए की थी, उसके लिए परमेश्वर के घर के आंगन में एक खजाना बनाया था। और यह मुझे बहुत बुरा लगा, और मैंने तोबिया के घर के सब बर्तनों को खजाने से बाहर फेंक दिया। और मैंने आदेश दिया, और उन्होंने खजाना कक्षों को शुद्ध किया, और मैंने वहाँ परमेश्वर के भवन के बर्तन, मन्ना और लोबान को वापस रखवाया। और मैंने जाना कि लेवियों के हिस्से नहीं दिए गए थे, और लेवी तथा गाने वाले जो काम करते थे, भाग गए थे, हर आदमी अपने खेत में। और मैंने सेनापतियों से लड़ाई की, और कहा, परमेश्वर का घर क्यों छोड़ दिया गया? और मैंने उनको इकट्ठा किया, और उनको उनके स्थान पर स्थापित किया। और समस्त यहूदा ने गेहूँ, दाखरस और तेल का दसवाँ भाग भंडारों में लाया। सेलेमिया पुजारी के हाथ पर, और सादोक लेखक के, और लेवियों में से फदाइया के, और उनके हाथ पर अनान जो जक्कूर का पुत्र था, जो मत्तनियाह का पुत्र था, क्योंकि वे विश्वासयोग्य माने गए थे, उन पर यह जिम्मेदारी थी कि वे अपने भाइयों को बाँटें। हे परमेश्वर, मुझे इसमें याद रखना, और मेरी दया को मिटाया न जाए जो मैंने प्रभु परमेश्वर के भवन में की थी। उन दिनों में मैंने यहूदा में देखा कि लोग सब्त के दिन दाखरस के कुंडों को रौंद रहे थे, पूलों को ला रहे थे, गधों पर लाद रहे थे, और दाखरस, अंगूर, अंजीर और हर प्रकार का बोझ सब्त के दिन यरूशलेम में ला रहे थे, और मैंने उनकी बिक्री के दिन गवाही दी। और वे इसमें बैठे, मछली लाते हुए और सब्त के दिन यहूदा के पुत्रों को और यरूशलेम में सब प्रकार का सामान बेचते हुए। और मैंने यहूदा के स्वतंत्र पुत्रों से लड़ाई की, और मैंने उनसे

कहा, यह कौन सा दुष्ट कार्य है जो तुम करते हो, और सब के दिन को अपवित्र करते हो? क्या तुम्हारे पिताओं ने ऐसा नहीं किया था, और हमारे परमेश्वर ने उन पर और हम पर और इस नगर पर ये सब विपत्तियाँ नहीं लाई थीं? और तुम सब को अपवित्र करके इज़राइल पर क्रोध बढ़ा रहे हो? और ऐसा हुआ कि जब यरूशलेम में सब से पहले फाटक स्थापित किए गए, तो मैंने कहा, और उन्होंने फाटकों को बंद कर दिया, और मैंने कहा कि उन्हें सब के बाद तक न खोला जाए, और मैंने अपने युवा सेवकों को फाटकों पर तैनात किया, ताकि सब के दिन बोज़ न उठाया जाए। और सभी ठहरे, और उन्होंने यरूशलेम के बाहर एक या दो बार बिक्री की। और मैंने उन्हें गवाही दी, और मैंने उनसे कहा, तुम दीवार के सामने क्यों ठहरते हो? यदि तुम दोबारा ऐसा करोगे, तो मैं तुम पर हाथ उठाऊंगा। उस समय से वे सब के दिन नहीं आए। और मैंने लेवियों से कहा, जो शुद्ध हो रहे थे और द्वारों की रक्षा करने आ रहे थे, कि सब के दिन को पवित्र करें। हे परमेश्वर, इन बातों के लिए मुझे याद कर, और अपनी दया की बहुतायत के अनुसार मुझे बरखा। और उन दिनों में मैंने उन यहूदियों को देखा जिन्होंने अशदोदी, अम्मोनी और मोआबी स्त्रियों से विवाह किया था। और उनके आधे पुत्र अशदोदी बोलते थे, और वे यहूदी बोलना नहीं जानते थे। और मैंने उनके साथ लड़ाई की, और मैंने उन्हें शाप दिया, और मैंने उनमें से कुछ पुरुषों को मारा, और मैंने उन्हें नोचा, और मैंने उन्हें परमेश्वर की शपथ दिलाई कि तुम अपनी पुत्रियाँ उनके पुत्रों को मत दो, और न ही उनकी पुत्रियों में से अपने पुत्रों के लिए लो। क्या इस प्रकार सुलैमान इस्राएल के राजा ने पाप नहीं किया? और बहुत सी जातियों में उसके समान कोई राजा नहीं था, और वह परमेश्वर का प्रिय था, और परमेश्वर ने उसे सारे इस्राएल पर राजा बनाया, और उसको भी विदेशी स्त्रियों ने भटकाया। और क्या हम तुम्हारी बात सुनें कि यह सब दुष्टता करें, हमारे परमेश्वर के साथ विश्वासघात करके विदेशी स्त्रियों को बैठाएँ? और योआदा के पुत्रों में से, जो एलिसूब महायाजक का पुत्र था, सानाबल्लात होरोनी का दामाद था, और मैंने उसे अपने पास से भगा दिया। हे परमेश्वर, उन्हें पुरोहिती की अशुद्धता पर, और पुरोहिती की वाचा पर, और लेवियों पर याद करना। और मैंने उन्हें सब विदेशीपन से शुद्ध किया, और पुजारियों और लेवियों के लिए विभाग स्थापित किए, हर पुरुष अपने काम के अनुसार। और लकड़ी ढोने वालों का उपहार निर्धारित समयों में, और प्रथम फलों के त्योहारों में। हे हमारे परमेश्वर, मुझे भलाई के लिए याद

रखो।

जकर्याह

1

आठवें महीने में, दारा के दूसरे वर्ष में, प्रभु का वचन जकर्याह भविष्यवक्ता के पास आया, जो बरक्याह का पुत्र और इदो का पोता था, कहते हुए,

प्रभु तुम्हारे पितरों पर बहुत क्रोधित हुए। और तुम उनसे कहोगे, ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, मेरी ओर लौटो, सेनाओं का प्रभु कहता है, और मैं तुम्हारी ओर लौटूंगा, सेनाओं का प्रभु कहता है। और अपने पिताओं के समान मत बनो, जिनको भविष्यवक्ताओं ने पहले आरोप लगाया था, यह कहते हुए, सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है: अपने दुष्ट मार्गों से लौट आओ, और अपने दुष्ट आचरणों से, और उन्होंने नहीं सुना, और मेरी सुनने के लिए ध्यान नहीं दिया, प्रभु कहता है।

तुम्हारे पिता कहाँ हैं और भविष्यवक्ता? क्या वे सदा जीवित रहेंगे? सिवाय मेरे शब्दों और मेरे नियमों को ग्रहण करो, जितने मैं अपनी आत्मा में अपने दासों, भविष्यवक्ताओं को आज्ञा देता हूँ, जिन्होंने तुम्हारे पितरों को पकड़ लिया, और उन्होंने उत्तर दिया और कहा, जैसे सर्वशक्तिमान प्रभु ने हमारे मार्गों और हमारे व्यवहारों के अनुसार हमें करने की आज्ञा दी है, वैसे ही उसने हमें किया।

चौथे और बीसवें दिन, ग्यारहवें महीने में, जो शबात महीना है, दारा के दूसरे वर्ष में, प्रभु का वचन जकर्याह के पास आया, जो बरक्याह का पुत्र और इद्दो का पौत्र भविष्यवक्ता था, यह कहते हुए,

मैंने रात को देखा है, और देखो, एक आदमी लाल घोड़े पर सवार था, और वह छायादार पहाड़ों के बीच में खड़ा था, और उसके पीछे लाल, धूसर, चितकबरे और सफेद घोड़े थे। और मैंने कहा, हे प्रभु, ये क्या हैं? और उस दूत ने जो मुझसे बात कर रहा था, मुझसे कहा, मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि ये क्या हैं। और उस पुरुष ने जो पहाड़ों के बीच खड़ा था, उत्तर दिया और मुझसे कहा, ये वे हैं जिन्हें प्रभु ने भूमि में घूमने के लिए भेजा है, और उन्होंने प्रभु के दूत को, जो पहाड़ों के बीच खड़ा था, उत्तर दिया और कहा, हमने सारी पृथ्वी का भ्रमण किया है, और देखो, सारी पृथ्वी बसी हुई है और शांत है।

और प्रभु के दूत ने उत्तर दिया और कहा, हे सर्वशक्तिमान प्रभु, कब तक तू यरूशलेम और यहूदा के नगरों पर दया नहीं करेगा, जिन्हें तूने इस सत्तरवें वर्ष तक अनदेखा किया है? और सर्वशक्तिमान प्रभु ने मुझसे बात करने वाले दूत को अच्छे वचन और सात्वनादायक शब्द उत्तर दिए। और उस दूत ने जो मुझसे बात कर रहा था, मुझसे कहा, पुकारकर कह, सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है: मैं यरूशलेम और सिय्योन के लिए बड़ी जलन रखता हूँ।

और मैं उन राष्ट्रों पर महान क्रोध से क्रोधित हूँ जो हमले में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि जबकि मैं थोड़ा क्रोधित था, वे स्वयं बुराइयों में शामिल हो गए। इसलिए प्रभु ये बातें कहता है: मैं दया के साथ यरूशलेम की ओर लौटूंगा, और मेरा घर इसमें फिर से बनाया जाएगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, और माप यरूशलेम पर फिर फैलाया जाएगा। और उस दूत ने जो मुझसे बात कर रहा था, मुझसे कहा, फिर पुकार कर कह, सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है: मेरे नगर फिर भलाई से भर जाएंगे, और प्रभु फिर सिय्योन पर दया करेगा, और यरूशलेम को फिर चुनेगा।

2

और मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, चार सींग थे। और मैंने उस दूत से जो मुझसे बोल रहा था कहा, हे प्रभु, ये क्या हैं? और उसने मुझसे कहा, ये वे सींग हैं जिन्होंने यहूदा, इस्राएल और यरूशलेम को तितर-बितर किया। और प्रभु ने मुझे चार कारीगर दिखाए। और मैंने कहा, ये क्या करने आए हैं? और उसने कहा, ये वे सींग हैं जिन्होंने यहूदा और इस्राएल को तितर-बितर किया और तोड़ा, और उनमें से किसी ने भी सिर नहीं उठाया, और ये निकले हैं उनको अपने हाथों में तेज करने के लिए, वे चार सींग, वे जातियां जो प्रभु की भूमि पर सींग उठाती हैं, उसको तितर-बितर करने के लिए।

और मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, एक आदमी था, और उसके हाथ में एक ज्यामितीय रस्सी थी। और मैंने उससे कहा, तू कहाँ जा रहा है? और उसने मुझसे कहा, यरूशलेम को मापने के लिए, यह देखने के लिए कि उसकी चौड़ाई कितनी है, और लंबाई कितनी है। और देखो, वह दूत जो मुझसे बोल रहा था वह खड़ा था, और एक दूसरा दूत उससे मिलने के लिए निकल रहा था। और उसने उससे कहा, दौड़ और उस युवा पुरुष से जाकर कह कि यरूशलेम गाँवों की तरह बसाया जाएगा, मनुष्यों और मवेशियों की भीड़ के कारण जो उसके बीच में होंगे।

और मैं इसके लिए, प्रभु कहते हैं, चारों ओर आग की दीवार होऊंगा, और मैं इसके बीच में महिमा होऊंगा।

हे हे, उत्तर की धरती से भागो, प्रभु कहता है, क्योंकि स्वर्ग की चारों हवाओं से मैं तुम्हें इकट्ठा करूंगा, प्रभु कहता है। सिय्योन में बचाए जाओ, तुम जो बाबुल की पुत्री में निवास करते हो। क्योंकि ये बातें प्रभु सर्वशक्तिमान कहता है, महिमा के बाद उसने मुझे उन राष्ट्रों पर भेजा है जिन्होंने तुम्हें लूटा है, क्योंकि जो तुम्हें छूता है वह उसकी आँख की पुतली को छूने वाले के समान

है। क्योंकि देखो, मैं उन पर अपना हाथ लाऊँगा, और वे उन्हें दास बनाने वालों के लिए लूट होंगे, और तुम जानोगे कि सर्वशक्तिमान प्रभु ने मुझे भेजा है।

प्रसन्न हो और आनंदित हो, हे सिय्योन की पुत्री, क्योंकि देखो, मैं आ रहा हूँ और तुम्हारे बीच निवास करूँगा, प्रभु कहते हैं। और बहुत से राष्ट्र उस दिन प्रभु की शरण लेंगे, और वे उसके लोग होंगे, और वे तुम्हारे बीच निवास करेंगे, और तुम जानोगे कि सर्वशक्तिमान प्रभु ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। और प्रभु यहूदा को पवित्र भूमि पर उसका भाग विरासत में देगा, और फिर से यरूशलेम को चुनेगा। सभी शरीर प्रभु के सामने सम्मान करें, क्योंकि वह अपने पवित्र बादलों से उठ खड़े हुए हैं।

3

और प्रभु ने मुझे महायाजक यहोशू को दिखाया, जो प्रभु के दूत के सामने खड़ा था, और शैतान उसके दाहिनी ओर खड़ा था, ताकि उसका विरोध करे। और प्रभु ने शैतान से कहा, प्रभु तुम्हें फटकारे, हे शैतान, और प्रभु तुम्हें फटकारे, जिसने यरूशलेम को चुना है। क्या यह आग से छीना हुआ जलता हुआ लकड़ी का टुकड़ा नहीं है?

और यहोशू गंदे वस्त्र पहने हुए था, और वह दूत के सामने खड़ा था। और उसने उत्तर दिया और उन लोगों से कहा जो उसके सामने खड़े थे, उसके गंदे वस्त्र उतार दो, और उससे कहा, देखो, मैंने तुम्हारे अधर्म दूर कर दिए हैं, और उसे लंबा वस्त्र पहनाओ। और उसके सिर पर शुद्ध पगड़ी रखो, और उन्होंने उसके सिर पर शुद्ध पगड़ी रखी, और उसे वस्त्र पहनाए, और प्रभु का दूत खड़ा था। और प्रभु के दूत ने यहोशू को गवाही दी, कहते हुए ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है: यदि तू मेरे मार्गों पर चले, और मेरी आज्ञाओं को माने, तो तू मेरे घर का न्याय करेगा, और यदि तू मेरे आँगन की रक्षा करे, तो मैं तुझे उन खड़े हुआओं के बीच चलने वालों को दूँगा।

हे महायाजक यहोशू, सुनो, तुम और तुम्हारे साथी जो तुम्हारे सामने बैठे हैं, क्योंकि ये पुरुष शकुन के व्याख्याता हैं, क्योंकि देखो, मैं अपने दास अंकुर को ला रहा हूँ। क्योंकि वह पत्थर जो मैंने यहोशू के सामने रखा, उस एक पत्थर पर सात आँखें हैं, देखो मैं गढ़ा खोदता हूँ, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, और मैं उस पृथ्वी के सम्पूर्ण अन्याय को एक ही दिन में छू लूँगा। उस दिन में, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं, तुम में से प्रत्येक अपने पड़ोसी को अंगूर की बेल के नीचे और अंजीर के पेड़ के नीचे बुलाओगे।

4

और वह दूत जो मुझसे बात कर रहा था, लौटा और उसने मुझे जगाया, जिस तरह से कोई आदमी अपनी नींद से जगाया जाता है।

और उसने मुझसे कहा, तुम क्या देखते हो? और मैंने कहा, मैंने देखा है, और देखो, एक संपूर्ण सुनहरा दीपक है, और उसके ऊपर एक दीपक है, और उसके ऊपर सात दीपक हैं, और उसके ऊपर के दीपकों के लिए सात टोंटियाँ हैं। और उसके ऊपर दो जैतून के पेड़, एक उसके दीपदान के दाहिनी ओर, और एक बाईं ओर। और मैंने पूछा और मुझसे बोलने वाले दूत से कहा, हे प्रभु, ये क्या हैं? और उस दूत ने जो मुझसे बात कर रहा था उत्तर दिया, और मुझसे कहा, क्या तू नहीं जानता कि ये क्या हैं? और मैंने कहा, नहीं, स्वामी। और उसने उत्तर दिया और मुझसे कहा, यह प्रभु का वचन ज़रुब्बाबेल के लिए है: न महान शक्ति से, और न बल से, बल्कि मेरी आत्मा से, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं।

तुम कौन हो, हे महान पहाड़, जो ज़रुब्बाबेल के सामने खड़ा है? और मैं विरासत का पत्थर बाहर लाऊंगा, जिस पर अनुग्रह ही अनुग्रह होगा।

और प्रभु का वचन मुझे मिला, जो कहता था जरुब्बाबेल के हाथों ने इस घर की नींव रखी, और उसके हाथ इसे पूरा करेंगे, और तुम जानोगे कि सर्वशक्तिमान प्रभु ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। क्योंकि किसने छोटे दिनों को तुच्छ जाना है? और वे आनंदित होंगे, और वे जरुब्बाबेल के हाथ में टिन के पत्थर को देखेंगे। ये सात आँखें हैं जो सारी पृथ्वी पर दृष्टि रखती हैं।

और मैंने उत्तर दिया और उससे कहा, ये दो जैतून के पेड़ क्या हैं, जो दीवट के दाहिनी ओर और बाईं ओर हैं? और मैंने दूसरी बार पूछा और उससे कहा, वे दो जैतून की शाखाएं क्या हैं जो दो सोने के दीवटों के हाथों में हैं, जो सोने के पात्रों को डालती और ऊपर खींचती हैं? और उसने मुझसे कहा, क्या तुम नहीं जानते कि ये क्या हैं? और मैंने कहा, नहीं, स्वामी। और उसने कहा, ये प्रचुरता के दो पुत्र सारी पृथ्वी के प्रभु के सामने खड़े हैं।

5

और मैं मुड़ा, और मैंने अपनी आँखें उठाई, और मैंने देखा, और देखो, एक हँसिया उड़ता हुआ था। और उसने मुझसे कहा, तू क्या देखता है? और मैंने कहा, मैं एक उड़ता हुआ हँसिया देखता हूँ जिसकी लंबाई बीस हाथ है, और चौड़ाई दस हाथ है। और उसने मुझसे कहा, यह वह शाप है जो सारी पृथ्वी के चेहरे पर निकल रहा है, क्योंकि हर चोर इससे मृत्यु तक दंडित किया जाएगा, और हर झूठी शपथ खाने वाला इससे दंडित किया जाएगा।

और मैं इसे बाहर लाऊंगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, और यह चोर के घर में प्रवेश करेगा, और उसके घर में जो मेरे नाम पर झूठी शपथ लेता है, और यह उसके घर के बीच में रहकर उसे नष्ट करेगा, और उसे, और उसकी लकड़ी को, और उसके पत्थरों को पूर्णतः भस्म कर देगा।

और वह दूत जो मुझसे बात कर रहा था बाहर गया, और उसने मुझसे कहा, अपनी आँखें उठाओ

और इस निकलती हुई चीज़ को देखो। और मैंने पूछा, यह क्या है? और उसने कहा, यह वह माप है जो बाहर आ रहा है, और उसने कहा, यह सारी पृथ्वी में उनका अन्याय है। और देखो, सीसे का एक तालान्त उठाया जा रहा था, और देखो, एक स्त्री उस माप के बीच में बैठी थी। और उसने कहा, यह अधर्म है, और उसने उसे माप के बीच में फेंक दिया, और उसने सीसे का पत्थर उसके मुँह में फेंक दिया। और मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, दो स्त्रियाँ निकल रही थीं, और उनके पंखों में आत्मा थी, और उनके पास सारस के पंख थे, और उन्होंने उस माप को पृथ्वी और स्वर्ग के बीच उठाया। और मैंने उस दूत से कहा जो मुझसे बात कर रहा था, ये इस माप को कहाँ ले जा रही हैं? और उसने मुझसे कहा, उसके लिए बाबुल की भूमि में एक घर बनाना, और तैयार करना, और वे इसे वहाँ उसकी तैयारी पर रखेंगे।

6

और मैं मुड़ा, और मैंने अपनी आँखें उठाई, और मैंने देखा, और देखो चार रथ दो पहाड़ों के बीच से निकल रहे थे, और वे पहाड़ कांस्य के पहाड़ थे। पहले रथ में लाल घोड़े थे, और दूसरे रथ में काले घोड़े थे और तीसरे रथ में सफेद घोड़े थे, और चौथे रथ में चितकबरे धूसर घोड़े थे। और मैंने उत्तर दिया और उस दूत से कहा जो मुझसे बात कर रहा था, हे प्रभु, ये क्या हैं?

और उस दूत ने जो मुझसे बात कर रहा था उत्तर दिया और कहा, ये आकाश की चार हवाएं हैं, जो सारी पृथ्वी के प्रभु के सामने खड़े होने के लिए निकलती हैं। जिसमें काले घोड़े थे, वे उत्तर की भूमि पर निकले, और सफेद घोड़े उनके पीछे निकले, और चितकबरे घोड़े दक्षिण की भूमि पर निकले, और वे धूसर रंग के घोड़े निकल गए, और वे पृथ्वी पर चारों ओर घूमने के लिए देख रहे थे, और उसने कहा, जाओ और पृथ्वी पर चारों ओर घूमो, और उन्होंने पृथ्वी पर चारों ओर घूमा।

और उसने चिल्लाकर मुझसे कहा, देखो, जो उत्तर की भूमि की ओर जा रहे हैं, उन्होंने उत्तर की

भूमि में मेरे क्रोध को शांत किया है।

और प्रभु का वचन मेरे पास आया, यह कहते हुए, बंधुआई से शासकों के पास से, और उसके उपयोगी लोगों के पास से, और उनके पास से जिन्होंने उसे पहचाना है, ले लो, और तुम उस दिन सपन्याह के पुत्र योशियाह के घर में प्रवेश करोगे, जो बाबुल से आया है। और तू चाँदी और सोना लेगा, और मुकुट बनाएगा, और उन्हें महान याजक योसेदेक के पुत्र यहोशू के सिर पर रखेगा। और तुम उससे कहोगे, ये बातें प्रभु सर्वशक्तिमान कहता है: देखो, एक पुरुष है, जिसका नाम उदय है, और वह अपने नीचे से उगेगा, और प्रभु के घर को बनाएगा।

और वह स्वयं सद्गुण प्राप्त करेगा, और स्थापित किया जाएगा, और अपने सिंहासन पर शासन करेगा, और उसके दाहिने ओर से पुजारी होगा, और दोनों के बीच शांतिपूर्ण परामर्श होगा।

वह मुकुट उनके लिए होगा जो सहन करते हैं, और जो उसके उपयोगी हैं, और जिन्होंने उसे जान लिया है, और सपन्याह के पुत्र के अनुग्रह के लिए, और प्रभु के घर में भजन के लिए। और जो दूर हैं वे आएंगे, और प्रभु के घर में निर्माण करेंगे, और तुम जानोगे कि सर्वशक्तिमान प्रभु ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, और यह होगा, यदि तुम ध्यान से अपने परमेश्वर प्रभु की आवाज़ सुनोगे।

7

और ऐसा हुआ कि राजा दारा के चौथे वर्ष में, नौवें महीने की चौथी तारीख को, जो किसलेव है, प्रभु का वचन जकर्याह के पास आया। और राजा ने सरसर और अर्बेसर को उसके पुरुषों के साथ बैतल में भेजा, प्रभु का प्रायश्चित्त करने के लिए। सर्वशक्तिमान प्रभु के घर में पुजारियों से और भविष्यवक्ताओं से कहते हुए, क्या पाँचवें महीने में पवित्रस्थान में प्रवेश किया जाए, जैसे पहले से ही कई वर्षों से किया जाता रहा है?

और शक्तियों के प्रभु का वचन मुझे प्राप्त हुआ, जो कहता था मैंने पृथ्वी के सब लोगों से और पुजारियों से कहा, यदि तुम पाँचवें या सातवें में उपवास करो या शोक करो, और देखो सत्तर वर्ष, क्या तुमने मेरे लिए उपवास किया है? और यदि तुम खाओ या पीओ, तो क्या तुम स्वयं नहीं खाते और पीते हो? क्या ये वही शब्द नहीं हैं जो प्रभु ने पहले के भविष्यवक्ताओं के हाथों में बोले थे, जब यरूशलेम बसा हुआ था और समृद्ध था, और उसके चारों ओर के नगर और पहाड़ी प्रदेश और मैदान बसे हुए थे?

और प्रभु का वचन जकर्याह के पास आया, जो यह कह रहा था सर्वशक्तिमान प्रभु ये बातें कहता है: न्यायपूर्ण न्याय करो, और प्रत्येक व्यक्ति अपने भाई के प्रति दया और करुणा दिखाए।

और विधवा, अनाथ, परदेशी और गरीब को मत सताओ, और तुम में से प्रत्येक अपने भाई के विरुद्ध अपने हृदय में बुराई को याद न रखे।

और उन्होंने ध्यान देने की अवज्ञा की, और पागल होती हुई पीठ दी, और अपने कानों को भारी कर दिया ताकि न सुनें। और उन्होंने अपने हृदय को अवज्ञाकारी बना दिया ताकि मेरे नियम को न सुनें, और उन शब्दों को भी न सुनें जिन्हें सर्वशक्तिमान प्रभु ने अपनी आत्मा में पहले के भविष्यवक्ताओं के हाथों द्वारा भेजा था, और सर्वशक्तिमान प्रभु की ओर से महान क्रोध हुआ। और ऐसा होगा कि जिस प्रकार मैंने कहा और उन्होंने नहीं सुना, उसी प्रकार वे पुकारेंगे और मैं नहीं सुनूंगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं। और मैं उन्हें उन सभी राष्ट्रों में निकाल दूंगा जिन्हें उन्होंने नहीं जाना, और उनके पीछे भूमि नष्ट हो जाएगी, गुजरने वाले से और लौटने वाले से, और उन्होंने चुनी हुई भूमि को विनाश के लिए स्थापित किया।

और सर्वशक्तिमान प्रभु का वचन आया, जो कहता था, सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है: मैं यरूशलेम के लिए और सिय्योन के लिए बड़े जोश से ईर्ष्यालु रहा हूँ, और बड़े क्रोध में मैं इसके लिए ईर्ष्यालु रहा हूँ।

ये बातें प्रभु कहता है: मैं सिय्योन पर लौटूंगा और यरूशलेम के बीच में निवास करूंगा, और यरूशलेम सच्चा नगर कहलाएगा, और सर्वशक्तिमान प्रभु का पहाड़ पवित्र पहाड़ कहलाएगा।

ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है: फिर से बुजुर्ग पुरुष और बुजुर्ग स्त्रियाँ यरूशलेम की गलियों में बैठेंगे, प्रत्येक अपनी छड़ी अपने हाथ में रखते हुए, दिनों की बहुतायत के कारण। और शहर की सड़कें युवा लड़कों और लड़कियों से भर जाएंगी जो उसकी सड़कों में खेल रहे होंगे।

सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है, यदि यह उन दिनों में इस लोगों के शेष के सामने असंभव होगा, तो क्या यह मेरे सामने भी असंभव होगा? सर्वशक्तिमान प्रभु यह कहता है।

ये बातें प्रभु सर्वशक्तिमान कहता है, देखो मैं अपने लोगों को पूर्व की पृथ्वी से और पश्चिम की पृथ्वी से बचाता हूँ। और मैं उनको लाऊंगा, और यरूशलेम के बीच में निवास करूंगा, और वे मेरे लोग होंगे, और मैं सच्चाई और धार्मिकता में उनका परमेश्वर होऊंगा।

ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, तुम्हारे हाथ मजबूत हों, जो इन दिनों में भविष्यवक्ताओं के मुंह से इन शब्दों को सुन रहे हो, उस दिन से जब सर्वशक्तिमान प्रभु के घर की नींव रखी गई थी, और मंदिर बनाया गया था। क्योंकि उन दिनों से पहले मनुष्यों का परिश्रम लाभदायक नहीं होगा, और पशुओं का परिश्रम व्यर्थ होगा, और बाहर जाने वाले तथा अंदर आने वाले को कष्ट के कारण शांति नहीं मिलेगी, और मैं सब मनुष्यों को भेजूंगा, प्रत्येक को उसके पड़ोसी के विरुद्ध। और अब, मैं इन शेष लोगों के साथ पहले के दिनों के अनुसार नहीं करूंगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है। लेकिन मैं शांति दिखाऊंगा, अंगूर की बेल अपना फल देगी, और भूमि अपनी उपज देगी, और

आकाश अपनी ओस देगा, और मैं अपने इन शेष लोगों को यह सब विरासत में दूंगा। और जैसे तुम राष्ट्रों में शाप में थे, हे यहूदा का घराना और इस्राएल का घराना, वैसे ही मैं तुम्हें बचाऊंगा, और तुम आशीर्वाद में होगे। साहस करो और अपने हाथों में मजबूत बनो।

क्योंकि ये बातें प्रभु सर्वशक्तिमान कहता है, जिस तरीके से मैंने तुम्हें हानि पहुँचाने का इरादा किया था जब तुम्हारे पिताओं ने मुझे क्रोधित किया, प्रभु सर्वशक्तिमान कहता है, और मैंने पछतावा नहीं किया इस प्रकार मैंने इन दिनों में यरूशलेम और यहूदा के घराने के साथ भलाई करने का उद्देश्य रखा है और योजना बनाई है; साहस रखो। ये वे शब्द हैं जिन्हें तुम करोगे: प्रत्येक अपने पड़ोसी से सत्य बोलो, और अपने द्वारों में सत्य और शांतिपूर्ण न्याय करो। और तुम में से प्रत्येक अपने पड़ोसी की दुष्टता का अपने हृदयों में विचार मत करो, और झूठी शपथ से प्रेम मत करो, क्योंकि इन सब बातों से मैंने घृणा की है, प्रभु सर्वशक्तिमान कहते हैं।

और सर्वशक्तिमान प्रभु का वचन मुझे मिला, जो कहता था ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है: चौथा उपवास, और पाँचवाँ उपवास, और सातवाँ उपवास, और दसवाँ उपवास यहूदा के घराने के लिए आनंद और हर्ष में, और अच्छे त्योहारों में बदल जाएँगे, और तुम आनंदित होओगे, और सत्य और शांति से प्रेम करो।

ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, अभी भी बहुत से लोग आएँगे, और बहुत से शहरों में निवास करने वाले। और पाँच शहरों में रहने वाले एक शहर में इकट्ठा होंगे, यह कहते हुए, चलो प्रभु के सामने विनती करें, और सर्वशक्तिमान प्रभु के चेहरे को खोजें, मैं भी जाऊंगा। और बहुत से लोग और बहुत सी जातियाँ यरूशलेम में सर्वशक्तिमान प्रभु का मुख खोजने और प्रभु के मुख का प्रायश्चित्त करने आएँगी।

ये बातें सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, उन दिनों में, यदि सब राष्ट्रों की भाषाओं में से दस पुरुष एक यहूदी पुरुष की झालर पकड़ेंगे, और कहेंगे, हम तुम्हारे साथ जाएँगे, क्योंकि हमने सुना है कि

परमेश्वर तुम्हारे साथ है।

9

प्रभु के वचन का दैववाणी सेद्राख की भूमि में है, और दमिश्क उसका बलिदान है, क्योंकि प्रभु मनुष्यों को और इस्राएल के सब गोत्रों को देखता है। और हमारा उसकी सीमाओं में टायर और सीदोन, क्योंकि वे बहुत समझदार थे। और सोर ने अपने लिए किले बनाए, और चाँदी को धूल के समान ढेर लगाया, और सोने को रास्तों की कीचड़ के समान इकट्ठा किया।

और इसलिए प्रभु उन्हें विरासत में लेगा, और समुद्र में उसकी शक्ति को नष्ट करेगा, और वह आग में भस्म हो जाएगा। अशकलोन देखेगा और डरेगा, और गाज़ा बहुत शोक करेगा, और एक्रोन भी, क्योंकि वह अपने अपराध पर शर्मिंदा हुआ, और गाज़ा से राजा नष्ट हो जाएगा, और अशकलोन बसाया नहीं जाएगा। और विदेशी अजोटुस में निवास करेंगे, और मैं विदेशियों के अहंकार को नष्ट कर दूंगा, और मैं उनका खून उनके मुंह से निकालूंगा, और उनकी घृणित वस्तुएं उनके दांतों के बीच से निकालूंगा, और वे बचे रहेंगे और ये हमारे परमेश्वर के होंगे, और वे यहूदा में सेनापति के समान होंगे, और अक्करोन यबूसी के समान होगा। और मैं अपने घर के लिए रक्षक खड़ा करूंगा, ताकि कोई आगे न जाए, न ही लौटे, और उन पर अब कोई उत्पीड़क न आए, क्योंकि अब मैंने अपनी आँखों से देख लिया है।

अत्यधिक आनन्दित हो, हे सिय्योन की पुत्री, घोषणा करो, हे यरूशलेम की पुत्री, देखो, वह राजा तुम्हारे पास आता है, जो धर्म और उद्धारकर्ता है, वह नम्र है, और भार ढोने वाले पशु पर और युवा बछड़े पर सवार है। और वह एफ्राइम से रथों को नष्ट करेगा, और यरूशलेम से घोड़े को, और युद्ध का धनुष नष्ट किया जाएगा, और राष्ट्रों से बहुतायत और शांति होगी, और वह समुद्र तक जल पर शासन करेगा, और पृथ्वी के नदियों के निकास मार्गों पर।

और तूने अपनी वाचा के रक्त में अपने बंदियों को उस गड्ढे से भेजा जिसमें पानी नहीं था। तुम मण्डली के कैदी किलों में बैठोगे, और तुम्हारे प्रवास के एक दिन के बदले मैं तुम्हें दुगुना लौटाऊंगा। क्योंकि मैंने यहूदा को अपने लिए धनुष के रूप में खींचा, मैंने एफ्राइम को भरा, और मैं तेरे सिख्योन की संतानों को यूनानियों की संतानों के विरुद्ध जगाऊंगा, और मैं तुझे योद्धा की तलवार के समान चलाऊंगा। और प्रभु उन पर होगा, और बिजली के तीर की तरह निकलेगा, और सर्वशक्तिमान प्रभु तुरही बजाएगा, और अपनी धमकी की उथल-पुथल में जाएगा। प्रभु सर्वशक्तिमान उनकी रक्षा करेगा, और वे उन्हें निगल जाएंगे, और वे उन्हें गोफन के पत्थरों से दबा देंगे, और वे उन्हें दाखरस की तरह पी जाएंगे, और वे कटोरो को वेदी की तरह भर देंगे। और प्रभु, उनका परमेश्वर, उस दिन में उनको बचाएगा, जैसे भेड़ें उसके लोग, क्योंकि पवित्र पत्थर उसकी भूमि पर लुढ़काए जाते हैं। क्योंकि जो कुछ उसका अच्छा है, और जो कुछ उसका सुंदर है, अनाज युवा पुरुषों के लिए है, और सुगंधित दाखरस कुंवारियों के लिए है।

10

तुम प्रभु से मौसम के अनुसार वर्षा मांगो, प्रारंभिक और देर की। प्रभु ने बादल बनाए, और वह उन्हें शीतकालीन वर्षा देगा, प्रत्येक को खेत में जड़ी-बूटी देगा। क्योंकि बोलने वालों ने कष्टों की बात कही, और भविष्यवक्ताओं ने झूठे दर्शन दिखाए, और झूठे स्वप्नों की बात करते रहे, व्यर्थ में प्रोत्साहन देते रहे, इसलिए वे भेड़ों की तरह सूख गए, और पीड़ित हुए, क्योंकि कोई उपचार नहीं था।

चरवाहों पर मेरा क्रोध भड़काया गया, और मेमनों पर मैं देखभाल करूंगा, और प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान अपने झुंड की, यहूदा के घराने की, देखभाल करेगा, और उनको युद्ध में अपने शानदार घोड़े के समान व्यवस्थित करेगा। और उससे उसने देखा, और उससे उसने नियुक्त किया, और उससे क्रोध में धनुष आया, उससे निकलेगा हर वह जो उसी में सवारी करता है। और

वे योद्धाओं के समान होंगे जो युद्ध में मार्गों पर कीचड़ रौंदते हैं, और वे व्यवस्थित होंगे, क्योंकि प्रभु उनके साथ है, और घोड़ों के सवार लज्जित होंगे।

और मैं यहूदा के घराने को मजबूत करूंगा, और यूसुफ के घराने को बचाऊंगा, और मैं उनको बसाऊंगा, क्योंकि मैंने उनसे प्रेम किया है, और वे वैसे ही होंगे जैसे मैंने उनको कभी नहीं फेरा था, क्योंकि मैं प्रभु उनका परमेश्वर हूँ, और मैं उनकी सुनूंगा। और वे एफ्राइम के योद्धाओं के समान होंगे, और उनका हृदय दाखरस में जैसे आनंदित होगा, और उनके बच्चे देखेंगे और आनंदित होंगे, और उनका हृदय प्रभु पर आनंदित होगा। मैं उन्हें संकेत दूंगा और मैं उन्हें ग्रहण करूंगा, क्योंकि मैं उन्हें छुड़ाऊंगा, और वे बढ़ाए जाएंगे जैसे वे पहले अनेक थे।

और मैं उन्हें लोगों में बोऊंगा, और जो दूर हैं वे मुझे याद करेंगे, वे अपने बच्चों को पालेंगे, और वे लौटेंगे। और मैं उनको मिस्र की भूमि से लौटाऊंगा, और अशशूरियों से उनको स्वीकार करूंगा, और गिलाद में और लबानोन में उनको लाऊंगा, और उनमें से एक भी नहीं छोड़ा जाएगा। और वे संकीर्ण समुद्र में से गुजरेंगे, वे समुद्र की लहरों को मारेंगे, और नदियों की सब गहराइयाँ सूख जाएँगी, और अशशूरियों का सब अहंकार हटा दिया जाएगा, और मिस्र का राजदंड हटा दिया जाएगा। और मैं उनको उनके प्रभु परमेश्वर में मजबूत करूंगा, और वे उसके नाम पर घमंड करेंगे, प्रभु कहता है।

11

हे लबानोन, अपने द्वार खोलो, और आग तुम्हारे देवदारों को भस्म कर दे। देवदार गिर गया है इसलिए चीड़ विलाप करे, क्योंकि महान रईसों ने बहुत कष्ट उठाया है। बाशान के बांज के पेड़ विलाप करो, क्योंकि प्राकृतिक वन ढहा दिया गया है।

विलाप करते चरवाहों की आवाज़, क्योंकि उनकी महानता नष्ट हो गई है, गरजते शेरों की आवाज़, क्योंकि यर्दन का गर्व नष्ट हो गया है।

सर्वशक्तिमान प्रभु ये बातें कहता है, वध की भेड़ों को चराओ, जिन्हें प्राप्त करने वालों ने वध किया और पछतावा नहीं किया, और जो उन्हें बेच रहे थे वे कहते थे, धन्य है प्रभु, और हम धनी हो गए हैं, और उनके चरवाहों ने उनके लिए कुछ भी कष्ट नहीं उठाया। इसलिए मैं अब और नहीं बख्शूंगा उन निवासियों को जो भूमि पर रहते हैं, प्रभु कहता है, और देखो मैं उन मनुष्यों को सौंपता हूं, प्रत्येक को उसके पड़ोसी के हाथ में, और उसके राजा के हाथ में, और वे भूमि को काट डालेंगे, और मैं उन्हें उनके हाथ से नहीं छुड़ाऊंगा।

और मैं वध की भेड़ों को कनानी में चराऊंगा, और अपने लिए दो छड़ियां लूंगा, एक को मैंने सौंदर्य बुलाया, और दूसरे को मैंने माप रेखा बुलाया, और मैं भेड़ों को चराऊंगा। और मैं तीन चरवाहों को एक महीने में हटा दूंगा, और मेरी आत्मा उन पर भारित होगी, क्योंकि उनकी आत्माएं भी मुझसे थकी हुई थीं। और मैंने कहा, मैं तुम्हारी चरवाही नहीं करूंगा। जो मर रहा है, वह मर जाए, और जो नष्ट हो रहा है, वह नष्ट हो जाए, और जो बचे हैं, वे अपने-अपने पड़ोसी का मांस खा लें।

और मैं अपनी अच्छी छड़ी लूंगा, और उसे फेंक दूंगा, ताकि मैं अपनी वाचा को बिखेर दूं, जो मैंने सब लोगों के साथ स्थापित की थी। और उस दिन बिखेर दिया जाएगा, और कनानी जानेंगे कि वे भेड़ें जो मेरी रखवाली की जा रही हैं, क्योंकि यह प्रभु का वचन है। और मैं उनसे कहूंगा, यदि यह तुम्हारे सामने अच्छा है, तो मेरी मजदूरी दो, या मना कर दो, और उन्होंने मेरी मजदूरी तीस चांदी के सिक्के ठहराए। और प्रभु ने मुझसे कहा, उनको भट्टी में डाल दो, और मैं देखूंगा कि क्या यह स्वीकृत है, जिस तरीके से मैं उनके लिए परखा गया था, और मैंने वे तीस चांदी के सिक्के लिए, और उनको प्रभु के घर में भट्टी में डाल दिया।

और मैंने दूसरी छड़ी, मापने की रेखा को फेंक दिया, ताकि यहूदा और इस्राएल के बीच के कब्जे को तितर-बितर कर दूँ।

और प्रभु ने मुझसे कहा, फिर से अपने लिए एक अनुभवहीन चरवाहे के उपकरण ले लो। क्योंकि देखो, मैं भूमि पर एक चरवाहा खड़ा करूंगा, जो नाश होते हुए की देखभाल नहीं करेगा, और बिखरे हुए को नहीं खोजेगा, और टूटे हुए को चंगा नहीं करेगा, और पूर्ण का मार्गदर्शन नहीं करेगा, और चुने हुएओं का मांस निगल जाएगा, और उनके टखनों को मरोड़ देगा।

हे व्यर्थ की चरवाही करने वाले चरवाहो, जिन्होंने भेड़ों को छोड़ दिया है! तलवार उसकी भुजाओं पर और उसकी दाहिनी आँख पर पड़ेगी। उसकी भुजा सूखते हुए सूख जाएगी, और उसकी दाहिनी आँख अंधी होते हुए अंधी हो जाएगी।

12

प्रभु का वचन इस्राएल के विषय में ईश्वरवाणी है, प्रभु कहता है, जो आकाश को फैलाता है, और पृथ्वी की नींव डालता है, और मनुष्य की आत्मा को उसमें रचता है, देखो, मैं यरूशलेम को चारों ओर के सभी लोगों के लिए हिलते हुए प्रवेश द्वार के समान बना रहा हूँ, और यहूदिया में यरूशलेम पर घेराबंदी होगी। और उस दिन ऐसा होगा कि मैं यरूशलेम को सब राष्ट्रों के लिए रौंदा जाने वाला पत्थर बनाऊंगा, हर कोई जो इसे रौंदेगा और ठट्ठा करेगा उसका ठट्ठा किया जाएगा, और पृथ्वी के सब राष्ट्र इसके विरुद्ध इकट्ठे किए जाएंगे। उस दिन में, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, मैं सभी घोड़ों को उन्माद से मारूंगा, और उनके सवारों को पागलपन से, लेकिन यहूदा के घराने पर मैं अपनी आँखें खोलूंगा, और लोगों के सभी घोड़ों को अंधेपन से मारूंगा।

और यहूदा के सेनापति अपने दिलों में कहेंगे, हम यरूशलेम के निवासियों को अपने लिए उनके

प्रभु सर्वशक्तिमान परमेश्वर में पाएंगे। उस दिन मैं यहूदा के हज़ारों के सरदारों को लकड़ियों में आग की अंगार के समान, और भूसे में आग की मशाल के समान बनाऊंगा, और वे दाहिने और बाएं से चारों ओर के सब लोगों को खा जाएंगे, और यरूशलेम फिर अपने स्थान पर यरूशलेम में बसा रहेगा। और प्रभु यहूदा के तंबुओं को बचाएगा, जैसा आरंभ से है, ताकि दाऊद के घर का घमंड और यरूशलेम में निवास करने वालों का अहंकार यहूदा पर न बढ़े। और उस दिन प्रभु यरूशलेम में रहने वालों की रक्षा करेगा, और उस दिन उनमें से कमजोर भी दाऊद के समान होगा, और दाऊद का घर परमेश्वर के घर के समान होगा, उनके सामने प्रभु के दूत के समान। और उस दिन ऐसा होगा कि मैं यरूशलेम पर आने वाली सभी जातियों को नष्ट करने का प्रयास करूंगा। और मैं दाऊद के घराने पर और यरूशलेम के निवासियों पर अनुग्रह और करुणा की आत्मा उंडेलूंगा, और वे मेरी ओर देखेंगे, जिसे उन्होंने छेदा था, और वे उसके लिए ऐसे विलाप करेंगे जैसे कोई प्रिय के लिए करता है, और वे ऐसा दुःख उठाएंगे जैसे कोई पहलौठे के लिए उठाता है।

उस दिन यरूशलेम में विलाप बढ़ाया जाएगा, जैसे मैदान में काटे जाते अनार के बाग का विलाप होता है। और भूमि कुल-कुल के अनुसार शोक करेगी, दाऊद के घर का कुल अपने आप में, और उनकी स्त्रियाँ अपने आप में, नातान के घर का कुल अपने आप में, और उनकी स्त्रियाँ अपने आप में, लेवी के घराने का गोत्र अलग, और उनकी स्त्रियाँ अलग, शिमोन का गोत्र अलग, और उनकी स्त्रियाँ अलग। सभी शेष बचे हुए कुल, प्रत्येक कुल अपने आप में, और उनकी स्त्रियाँ अपने आप में।

13

उस दिन दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों के लिए हर जगह खोली जाएगी, हिलने के लिए और अलगाव के लिए। और उस दिन ऐसा होगा, सेनाओं का प्रभु कहता है, मैं मूर्तियों के

नाम पृथ्वी से नष्ट कर दूंगा, और उनका स्मरण फिर नहीं होगा, और झूठे भविष्यवक्ताओं को और अशुद्ध आत्मा को मैं पृथ्वी से हटा दूंगा। और ऐसा होगा कि यदि कोई मनुष्य फिर भविष्यवाणी करे, तो उसके पिता और उसकी माता, जिन्होंने उसे जन्म दिया, उससे कहेंगे, तू नहीं जीएगा, क्योंकि तूने प्रभु के नाम पर झूठ बोला है, और उसके पिता और उसकी माता, जिन्होंने उसे जन्म दिया, उसके भविष्यवाणी करते समय उसे बाँधेंगे।

और उस दिन ऐसा होगा कि भविष्यवक्ता शर्मिदा होंगे, प्रत्येक अपने दर्शन से, जब वह भविष्यवाणी करेगा, और वे बालों का चमड़े का वस्त्र पहनेंगे, क्योंकि उन्होंने झूठ बोला था। और वह कहेगा, मैं भविष्यवक्ता नहीं हूँ, क्योंकि मैं भूमि पर काम करने वाला आदमी हूँ, क्योंकि एक आदमी ने मुझे मेरी युवावस्था से उत्पन्न किया। और मैं उससे कहूँगा, तेरे हाथों के बीच ये चोटें क्या हैं? और वह कहेगा, जो मुझे मेरे प्रिय के घर में लगीं।

हे तलवार, मेरे चरवाहों के विरुद्ध जाग, और मेरे नागरिक पुरुष के विरुद्ध, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, चरवाहों को मारो, और भेड़ों को तितर-बितर करो, और मैं छोटों पर अपना हाथ लाऊँगा। और ऐसा होगा कि सारी भूमि में, प्रभु कहते हैं, उसके दो भाग नष्ट कर दिए जाएंगे और समाप्त हो जाएंगे, लेकिन तीसरा भाग इसमें बचा रहेगा। और मैं तीसरे भाग को आग के माध्यम से लाऊँगा, और मैं उनको आग से शुद्ध करूँगा, जैसे चांदी शुद्ध की जाती है, और मैं उनको परखूँगा, जैसे सोना परखा जाता है। वह मेरे नाम को पुकारेगा, और मैं उसको सुनूँगा, और मैं कहूँगा, यह मेरे लोग हैं, और वह कहेगा, प्रभु मेरा देवता है।

14

देखो, प्रभु के दिन आ रहे हैं, और तुम्हारी लूट की चीजें तुम्हारे बीच बांटी जाएंगी। और मैं सब राष्ट्रों को यरूशलेम के विरुद्ध युद्ध के लिए इकट्ठा करूँगा, और नगर पकड़ा जाएगा, और घर लूटे

जाएंगे, और स्त्रियां अपवित्र की जाएंगी, और नगर का आधा भाग बंधुआई में चला जाएगा, लेकिन मेरे लोगों के बचे हुए लोग नगर से नष्ट नहीं किए जाएंगे।

और प्रभु बाहर जाएंगे, और वह उन राष्ट्रों के विरुद्ध युद्ध करेंगे, जैसे युद्ध के दिन में उनकी लड़ाई होती है। और उस दिन उसके पैर जैतून के पहाड़ पर खड़े होंगे, जो यरूशलेम के सामने पूर्व की ओर है, और जैतून का पहाड़ फट जाएगा, उसका आधा भाग पूर्व और समुद्र की ओर, एक अत्यधिक महान अराजकता, और पहाड़ का आधा भाग उत्तर की ओर झुकेगा, और उसका आधा भाग दक्षिण की ओर। और मेरे पहाड़ों की घाटी अवरुद्ध की जाएगी, और पहाड़ों की घाटी यासोद तक जोड़ी जाएगी, और वह वैसे ही अवरुद्ध की जाएगी जैसे भूकंप के दिनों में, यहूदा के राजा उज्जियाह के दिनों में अवरुद्ध की गई थी, और प्रभु मेरा परमेश्वर आएगा, और सब पवित्र लोग उसके साथ आएंगे। और उस दिन प्रकाश नहीं होगा, और आत्मा और पाला होगा। एक दिन होगा, और वह दिन प्रभु को ज्ञात होगा, और न दिन, और न रात, और संध्या की ओर प्रकाश होगा।

और उस दिन यरूशलेम से जीवित जल निकलेगा, उसका आधा पहले समुद्र में, और उसका आधा अंतिम समुद्र में, और गर्मी में और वसंत में ऐसा होगा। और प्रभु सारी पृथ्वी पर राजा होगा, उस दिन प्रभु एक होगा, और उसका नाम एक होगा। सम्पूर्ण भूमि को घेरते हुए, और गेबा से रिम्मोन तक का मरुस्थल यरूशलेम के दक्षिण में। लेकिन रामाह अपने स्थान पर बना रहेगा, बिन्यामीन के द्वार से पहले द्वार के स्थान तक, कोनों के द्वार तक, और हनमेल के मीनार तक, राजा के दाखरस कुंडों तक। वे इसमें निवास करेंगे, और शापित वस्तु अब नहीं होगी, और यरूशलेम सुरक्षित रूप से निवास करेगा।

और यह वह पतन होगा जो प्रभु उन सब लोगों को काटेगा, जितने यरूशलेम पर युद्ध करने आए थे। उनका मांस गल जाएगा जबकि वे अपने पैरों पर खड़े होंगे, और उनकी आँखें उनके छिद्रों से बह निकलेंगी, और उनकी जीभ उनके मुँह में गल जाएगी। और उस दिन उन पर प्रभु की ओर से

महान घबराहट होगी, और प्रत्येक अपने पड़ोसी का हाथ पकड़ेगा, और उसका हाथ अपने पड़ोसी के हाथ से उलझेगा। और यहूदा यरूशलेम में युद्ध के लिए तैयार होगा, और वह चारों ओर के सभी लोगों की शक्ति को इकट्ठा करेगा - सोना और चांदी और कपड़े बहुत अधिक मात्रा में। और यह घोड़ों, खच्चरों, ऊंटों, गधों और उन शिविरों में रहने वाले सभी पशुओं का पतन होगा, इस पतन के अनुसार।

और ऐसा होगा कि जितने भी सब राष्ट्रों में से जो यरूशलेम पर आए थे, बचे रहेंगे, वे हर वर्ष राजा प्रभु सर्वशक्तिमान की आराधना करने और मंडपों के पर्व को मनाने के लिए चढ़ेंगे। और ऐसा होगा कि जितने भी पृथ्वी के सब कबीलों में से यरूशलेम नहीं चढ़ेंगे, राजा प्रभु सर्वशक्तिमान को प्रणाम करने के लिए, वे भी उनके साथ जोड़े जाएंगे। यदि मिस्र का कबीला ऊपर नहीं जाए, न ही आए, तो इन पर भी वही पतन होगा, जिससे प्रभु उन सब राष्ट्रों को मारेगा, जो मंडपों के पर्व को मनाने के लिए ऊपर नहीं जाएंगे। यह मिस्र का पाप होगा और उन सब राष्ट्रों का पाप जो झोपड़ियों के पर्व को मनाने नहीं जाएंगे।

उस दिन घोड़े की लगाम पर सर्वशक्तिमान प्रभु के लिए पवित्र अंकित होगा, और प्रभु के घर में बर्तन वेदी के सामने रखे कटोरों के समान होंगे। और यरूशलेम और यहूदा में हर बर्तन सर्वशक्तिमान प्रभु के लिए पवित्र होगा, और सब बलिदान करने वाले आएंगे और उनमें से लेंगे और उनमें उबालेंगे, और उस दिन सर्वशक्तिमान प्रभु के घर में कनानी फिर नहीं होगा।

मलाकी

1

प्रभु के वचन की ईश्वरवाणी इस्राएल पर उसके दूत के हाथ में है, इसे सचमुच अपने हृदयों में रखो।

मैंने तुमसे प्रेम किया, प्रभु कहते हैं, और तुमने कहा, किस बात में तूने हमसे प्रेम किया; क्या एसाव याकूब का भाई नहीं था, प्रभु कहते हैं, और मैंने याकूब से प्रेम किया लेकिन एसाव से मैंने घृणा की, और मैंने उसकी सीमाओं को विनाश के लिए नियुक्त किया, और उसकी विरासत को रेगिस्तान के निवासों के लिए। क्योंकि इदूमिया कहेगा कि हम नष्ट हो गए हैं, और हम लौटेंगे, और उजाड़ स्थानों का पुनर्निर्माण करेंगे, सर्वशक्तिमान प्रभु ये बातें कहता है: वे निर्माण करेंगे, और मैं नष्ट करूंगा, और उनको अधर्म की सीमाएं कहा जाएगा, और वे लोग जिनके विरुद्ध प्रभु ने युगों तक आदेश दिया है। और तुम्हारी आँखें देखेंगी, और तुम कहोगे, प्रभु इस्राएल की सीमाओं से परे महान किया गया है।

पुत्र पिता का सम्मान करता है, और दास अपने प्रभु का। और यदि मैं पिता हूँ, तो मेरी महिमा कहाँ है? और यदि मैं प्रभु हूँ, तो मेरा भय कहाँ है? सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, तुम याजक जो

मेरे नाम को तुच्छ करते हो, और कहते हो, हमने किस बात में तेरे नाम को तुच्छ किया? तुम मेरी वेदी पर प्रदूषित रोटियाँ लाते हो, और कहते हो, हमने उन्हें किस प्रकार प्रदूषित किया? इस प्रकार कि तुम कहते हो, प्रभु की मेज़ प्रदूषित है, और जो चढ़ावे रखे गए हैं उन्हें तुमने तुच्छ जाना। क्योंकि यदि तुम बलिदानों में अंधे को लाओ, तो क्या यह बुरा नहीं है? और यदि तुम लंगड़े या बीमार को लाओ, तो क्या यह बुरा नहीं है? इसे अपने शासक के पास ले जाओ, क्या वह तुम्हें स्वीकार करेगा, क्या वह तुम्हारा मुख ग्रहण करेगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है।

और अब अपने परमेश्वर के मुख का प्रायश्चित्त करो और उससे प्रार्थना करो। तुम्हारे हाथों में यह हुआ है; क्या मैं तुम्हारे मुखों को तुमसे स्वीकार करूँगा? सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है। क्योंकि तुम्हारे बीच दरवाजे बंद कर दिए जाएंगे, और मेरी वेदी बिना उपहार के नहीं जलाई जाएगी, तुम्हारे प्रति मेरी कोई इच्छा नहीं है, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं, और मैं तुम्हारे हाथों से बलिदान स्वीकार नहीं करूँगा। क्योंकि सूर्य के उदय से लेकर अस्त तक मेरा नाम राष्ट्रों में महिमामंडित किया गया है, और हर स्थान पर मेरे नाम के लिए धूप चढ़ाया जाता है, और शुद्ध बलिदान, क्योंकि राष्ट्रों में मेरा नाम महान है, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं।

लेकिन तुम इसे अपवित्र करते हो यह कहकर कि प्रभु की मेज अशुद्ध है, और जो भोजन उस पर रखा गया है वह तुच्छ किया गया है। और तुम कहते हो, ये चीजें कष्टों में हैं। और मैंने उन्हें फूंक मारी, कहता है प्रभु सर्वशक्तिमान, और तुम लूट लाते हो, और लंगड़े और रोगी, और अगर तुम बलिदान लाओ, तो क्या मैं उन्हें तुम्हारे हाथों से स्वीकार करूँगा? कहता है प्रभु सर्वशक्तिमान। और शापित है वह जो सक्षम था, और उसके झुंड में नर विद्यमान था, और उसकी प्रतिज्ञा उस पर थी, और वह प्रभु को भ्रष्ट बलिदान करता है, क्योंकि मैं महान राजा हूँ, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, और मेरा नाम जातियों में प्रतिष्ठित है।

और अब यह आज्ञा तुम याजकों के लिए है। यदि तुम नहीं सुनोगे, और यदि तुम अपने हृदय में यह नहीं रखोगे कि मेरे नाम को महिमा दो, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, तो मैं तुम पर शाप भेजूंगा, और तुम्हारे आशीर्वाद को शाप दूंगा, और उसे शाप दूंगा, और तुम्हारे आशीर्वाद को तितर-बितर कर दूंगा, और वह तुममें नहीं रहेगा, क्योंकि तुम अपने हृदय में यह नहीं रखते। देखो, मैं तुम्हारे लिए कंधे को अलग करता हूँ, और मैं तुम्हारे चेहरों पर गंदगी बिखेरूँगा, तुम्हारे त्योहारों की गंदगी, और मैं तुम्हें इसमें ले जाऊँगा। और तुम जानोगे कि मैंने तुम्हारे पास यह आज्ञा इसलिए भेजी है कि यह लेवियों के साथ मेरी वाचा बनी रहे, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं।

मेरी वाचा उसके साथ जीवन और शांति की थी, और मैंने उसे भय में दिया ताकि वह मुझसे डरे, और मेरे नाम के सामने से वह हट जाए। सत्य का नियम उसके मुख में था, और अन्याय उसके होंठों में नहीं पाया गया, शांति में मार्गदर्शन करते हुए वह मेरे साथ चला, और उसने बहुतों को अन्याय से लौटाया। क्योंकि पुजारी के होंठ ज्ञान की रक्षा करेंगे, और लोग उसके मुख से व्यवस्था की खोज करेंगे, क्योंकि वह सर्वशक्तिमान प्रभु का दूत है।

लेकिन तुमने मार्ग से मुड़कर, व्यवस्था में बहुतों को ठोकर खिलाई, तुमने लेवी की वाचा को नष्ट किया, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है। और मैंने तुम्हें सब जातियों में तुच्छ और फेंका हुआ बना दिया है, क्योंकि तुमने मेरे मार्गों को नहीं रखा, परन्तु व्यवस्था में पक्षपात करते थे।

क्या तुम सबका एक पिता नहीं है? क्या एक परमेश्वर ने तुम्हें नहीं बनाया? फिर क्यों तुममें से हर एक ने अपने भाई को त्याग दिया है और तुम्हारे पूर्वजों की वाचा को अपवित्र किया है?

यहूदा पीछे छोड़ दिया गया, और इस्राएल और यरूशलेम में घृणित बात हुई, क्योंकि यहूदा ने प्रभु की पवित्र चीजों को अपवित्र किया, जिनसे उसने प्रेम किया था, और विदेशी देवताओं का अनुसरण किया। प्रभु उस मनुष्य को नष्ट कर देगा जो ये काम करता है, जब तक वह याकूब के तंबुओं से नीचा किया जाए और उनमें से जो सर्वशक्तिमान प्रभु को बलिदान चढ़ाते हैं। और ये

जो मैंने घृणा की तुम करते थे, तुम प्रभु की वेदी को आँसुओं से, रोने से और परिश्रमों की कराहने से ढकते थे, क्या अभी भी बलिदान को देखना या तुम्हारे हाथों से स्वीकार्य को लेना योग्य है?

और तुम कहते हो, किस कारण से? क्योंकि प्रभु ने तुम्हारे और तुम्हारी जवानी की पत्नी के बीच गवाही दी है, जिसे तुमने त्याग दिया है, और वह तुम्हारी साथी है, और तुम्हारी वाचा की पत्नी है। और क्या उसने अच्छा नहीं किया? और उसकी आत्मा का शेष भाग, और तुम कहते हो, क्या परमेश्वर बीज के अलावा कुछ और खोजता है? और अपनी आत्मा में सावधान रहो, और अपनी जवानी की पत्नी को मत त्यागो। लेकिन यदि घृणा करके तुम उसे भेज दो, कहता है प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, तो दुष्टता तुम्हारे विचारों को ढक देगी, कहता है सर्वशक्तिमान प्रभु। और अपनी आत्मा की रक्षा करो, और उसे मत त्यागो। वे जिन्होंने अपने शब्दों से परमेश्वर को उकसाया, और कहा, हमने उसे किस बात से उकसाया? इस बात से कि तुम कहते हो, हर बुरा काम करने वाला प्रभु की दृष्टि में अच्छा है, और उनसे वह प्रसन्न हुआ, और न्याय का परमेश्वर कहाँ है?

3

देखो, मैं अपना दूत भेजता हूँ, और वह मेरे सामने मार्ग तैयार करेगा, और अचानक अपने मंदिर में प्रभु आएगा, जिसे तुम खोजते हो, और वाचा का दूत, जिसे तुम चाहते हो, देखो, वह आता है, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है। और कौन उसके आने के दिन को सहन करेगा; या कौन उसके दर्शन में खड़ा रहेगा; क्योंकि वह भट्टी की आग के समान प्रवेश करता है, और धोबियों की घास के समान। वह शुद्ध करते हुए और साफ करते हुए बैठेगा, जैसे चाँदी और सोना। वह लेवी के पुत्रों को साफ करेगा और उनको सोने और चाँदी की तरह ढालेगा, और वे प्रभु को धार्मिकता में बलिदान लाते हुए होंगे।

और यहूदा और यरूशलेम का बलिदान प्रभु को प्रसन्न करेगा, जैसे प्राचीन काल के दिनों में, और जैसे पहले के वर्षों में। और मैं तुम्हारे पास न्याय में आऊंगा, और मैं जादूगरों, व्यभिचारिणियों, मेरे नाम पर झूठी शपथ लेने वालों, मजदूर की मजदूरी वंचित करने वालों, विधवा को दबाने वालों, अनाथों को मारने वालों, परदेसी के न्याय को मोड़ने वालों, और मुझसे न डरने वालों के विरुद्ध त्वरित गवाह होऊंगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं। क्योंकि मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर हूँ, और मैं नहीं बदला हूँ, और तुम याकूब के पुत्रों, तुम अपने पिताओं के अन्याय से दूर नहीं रहते, तुमने मेरे कानूनों को छोड़ दिया, और तुमने उनका पालन नहीं किया। मेरी ओर लौटो, और मैं तुम्हारी ओर लौटूंगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं, और तुम कहते हो, हम किस प्रकार लौटें?

क्या मनुष्य परमेश्वर को धोखा देगा? फिर भी तुम मुझे धोखा देते हो, और कहते हो, हमने किस बात में तुझे धोखा दिया? दशमांश और भेंट में, जो तुम्हारे पास हैं। और तुम देखते हुए भी दूर देखते हो, और तुम मुझे एड़ी से ठोकर मारते हो।

वह वर्ष पूर्ण हुआ, और तुमने सब उपज खजानों में ला दी, और उसकी लूट उसके घर में होगी, इसमें वास्तव में लौटो, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, यदि मैं तुम्हारे लिए आकाश के जलप्रपात नहीं खोलूंगा, और तुम्हारे लिए अपना आशीर्वाद नहीं उंडेलूंगा, पर्याप्त होने तक। और मैं तुम्हें भोजन के लिए बचाऊंगा, और मैं तुम्हारी पृथ्वी के फल को भ्रष्ट नहीं करूंगा, और तुम्हारी अंगूर की बेल जो खेत में है कमजोर नहीं होगी, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं। और सब राष्ट्र तुम्हें धन्य कहेंगे, क्योंकि तुम प्रसन्न भूमि होगे, प्रभु सर्वशक्तिमान कहता है।

तुमने अपने शब्दों से मुझ पर बोझ डाला है, प्रभु कहते हैं, और तुम कहते हो, हमने तुम्हारे विरुद्ध क्या बोला है? तुमने कहा, व्यर्थ है वह जो परमेश्वर की सेवा करता है, और क्या लाभ कि हमने उसकी विधियों को रखा है, और क्योंकि हम सर्वशक्तिमान प्रभु के सामने याचक बनकर चले? और अब हम विदेशियों को धन्य मानते हैं, और सभी अधर्म करने वाले फिर से बनाए जाते हैं, और उन्होंने परमेश्वर का विरोध किया, और वे बचाए गए।

ये बातें उन्होंने कहीं जो प्रभु से डरते थे, प्रत्येक ने अपने पड़ोसी से, और प्रभु ने ध्यान दिया, और सुना, और उसने अपने सामने एक स्मरण पुस्तक लिखी उनके लिए जो प्रभु से डरते हैं, और उसके नाम का आदर करते हैं। और वे मेरे होंगे, सर्वशक्तिमान प्रभु कहता है, उस दिन जो मैं अपनी संपत्ति के लिए बनाता हूँ, और मैं उन्हें चुनूँगा, जिस प्रकार मनुष्य अपने उस पुत्र को चुनता है जो उसकी सेवा करता है। और तुम लौटोगे, और तुम न्यायी और अधर्मी के बीच, और परमेश्वर की सेवा करनेवाले और न करनेवाले के बीच देखोगे।

क्योंकि देखो, वह दिन आ रहा है जो भट्टी की तरह जल रहा है और वह उन्हें जला देगा, और सभी विदेशी और सभी जो अधर्म करते हैं, भूसा होंगे, और वह आने वाला दिन उन्हें जला देगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं, और उनमें से न जड़ बचेगी न शाखा।

और तुम्हारे लिए जो मेरे नाम से डरते हो, न्याय का सूरज उगेगा और उसके पंखों में चंगाई होगी, और तुम निकलोगे और बंधनों से छुड़ाए गए बछड़ों की तरह कूदोगे। और तुम अधर्मियों को रौंदोगे, क्योंकि वे तुम्हारे पैरों के नीचे राख हो जाएंगे उस दिन जो मैं बनाऊँगा, सर्वशक्तिमान प्रभु कहते हैं। और देखो, मैं तुम्हें एलिय्याह तिश्बी को भेजूँगा, प्रभु के महान और प्रकट दिन के आने से पहले। जो पिता के हृदय को पुत्र की ओर पुनर्स्थापित करेगा, और मनुष्य के हृदय को उसके पड़ोसी की ओर, कहीं ऐसा न हो कि मैं आऊँ और भूमि को पूर्णतः नष्ट कर दूँ।

मेरे दास मूसा की व्यवस्था को याद करो, जैसा मैंने उसे होरेब में सम्पूर्ण इस्राएल के लिए आज्ञा दी थी, आज्ञाएँ और विधियाँ।

4

1 मक्काबियों

1

और ऐसा हुआ कि फिलिप्पुस के पुत्र सिकंदर मकदूनियाई, जो किस्तीम की भूमि से निकला था, ने फारसियों और मादियों के राजा दारा को मार डाला, और उसके स्थान पर राज्य किया, जबकि पहले वह यूनान पर राज्य कर चुका था। और उसने अनेक युद्ध संगठित किए, और किलों पर अधिकार कर लिया, और राजाओं का वध किया, और वह पृथ्वी की चरम सीमाओं तक गया। और उसने अनेक राष्ट्रों की लूट ली, और पृथ्वी उसके सामने शांत हो गई, और वह ऊंचा उठाया गया, और उसका हृदय घमंड से भर गया। और उसने अत्यंत प्रबल शक्ति एकत्र की, और प्रदेशों और जातियों और राज्यों पर शासन किया, और वे उसको कर देने लगे। और इन बातों के बाद वह बिस्तर पर गिर गया, और उसे पता चल गया कि वह मर रहा है। और उसने अपने सेवकों को, अपने महिमामय पालित भाइयों को जो युवावस्था से थे, बुलाया, और जीवित रहते हुए उनको अपना राज्य बाँट दिया। और अलेक्जेंडर ने बारह वर्ष राज्य किया, और वह मर गया। और उसके सेवक प्रबल हुए, प्रत्येक अपने स्थान में, और उसके मरने के बाद सबने मुकुट धारण किए, और उनके पुत्रों ने उनके बाद बहुत वर्षों तक, और उन्होंने भूमि में बुराईयाँ बढ़ाईं। और उनमें से एक पापी जड़ निकली - अन्तियोखुस एपिफ्रानेस, जो राजा अन्तियोखुस का पुत्र था और रोम में बंधक रहा था। और उसने यूनानी राज्य के एक सौ सैंतीसवें वर्ष में राज्य किया। उन दिनों में

इसराएल से एक अधर्मी पुत्र निकला, और उन्होंने बहुतों को यह कहते हुए राजी किया, चलो, हम अपने चारों ओर की जातियों के साथ वाचा बाँधें, क्योंकि जब से हम उनसे अलग हुए हैं, हम पर बहुत सी बुराइयाँ आई हैं। और यह बात उनकी नज़रों में अच्छी लगी, और लोगों में से कुछ उत्साहित हुए, और राजा के पास गए, और उसने उन्हें राष्ट्रों की विधियों को मानने का अधिकार दिया। और उन्होंने यरूशलेम में अन्यजातियों के रीति-रिवाजों के अनुसार एक व्यायामशाला बनाई। और उन्होंने अपने लिए खतनारहितता बनाई, और पवित्र वाचा से दूर हो गए, और अन्यजातियों के साथ जुड़ गए, और बुराई करने के लिए बिक गए। और राज्य अन्तियुखुस के सामने तैयार हो गया, और उसने मिस्र की भूमि पर राज करने का विचार किया, ताकि वह दोनों राज्यों पर शासन करे। और वह भारी सेना के साथ मिस्र में प्रवेश किया, रथों और हाथियों और घुड़सवारों और विशाल बड़े के साथ। और उसने मिस्र के राजा टॉलेमी के विरुद्ध युद्ध की तैयारी की, और टॉलेमी उसके सामने से शर्मिंदा होकर भाग गया, और बहुत से घायल गिर पड़े। और उन्होंने मिस्र की भूमि में किलेबंद शहरों पर कब्जा कर लिया, और मिस्र की भूमि की लूट ले ली। और अन्तियोखुस मिस्र को मारने के बाद एक सौ तैंतालीसवें वर्ष में लौटा, और वह भारी भीड़ के साथ इस्राएल और यरूशलेम पर चढ़ाई करने गया। और उसने अहंकार में पवित्रस्थान में प्रवेश किया, और सुनहरी वेदी को, और प्रकाश का दीपदान और उसके सभी बर्तनों को लिया, और प्रस्तुति की मेज़ और पेय-अर्पण के पात्र और कटोरे और सुनहरे धूपदान और पर्दा और मुकुट और मंदिर के सामने का सुनहरा अलंकरण, और उसने यह सब छीन लिया। और उसने चांदी और सोना लिया, और बहुमूल्य बर्तन लिए, और छिपे हुए खजाने लिए जो उसे मिले। और सब कुछ लेकर वह अपनी भूमि को चला गया। और उन्होंने हत्या की, और बड़े अहंकार की बातें कीं। और इस्राएल के सभी स्थानों पर महान शोक छा गया, और शासकों और बुजुर्गों ने कराहा, कुंवारियाँ और युवक कमजोर हो गए, और स्त्रियों की सुंदरता बदल गई। प्रत्येक दूल्हे ने विलाप किया, और दुल्हन ब्याह कक्ष में बैठी हुई शोक में डूब गई। और वह भूमि अपने निवासियों के ऊपर हिला दी गई, और याकूब के सारे घराने ने लज्जा ओढ़ ली। दो वर्ष बाद राजा ने कर-संग्रह के अधिकारी को यहूदा के नगरों में भेजा, और वह एक बड़ी सेना के साथ यरूशलेम आया। और उसने छल से उनसे शांतिपूर्ण बातें कीं, और उन्होंने उस पर विश्वास किया, और वह अचानक शहर पर टूट पड़ा,

और उसने उस पर बड़ा प्रहार किया, और इस्राएल के बहुत से लोगों को नष्ट कर दिया। और उसने नगर की लूट की संपत्ति ली और उसे आग से जला दिया, और उसके घरों को और चारों ओर की उसकी दीवारों को गिरा दिया। और उसने स्त्रियों और बच्चों को बंदी बना लिया, और उन्होंने पशुओं को अपना लिया। और उन्होंने दाऊद के शहर को एक महान और मजबूत दीवार से बनाया, मजबूत मीनारों के साथ, और यह उनके लिए एक गढ़ बन गया। और उन्होंने वहाँ एक पापी राष्ट्र को स्थापित किया, अधर्मी पुरुषों को, और उन्हें इसमें मजबूत किया। और उन्होंने हथियार और भोजन जमा किया, और लूट की सामग्री एकत्र करके यरूशलेम में वहाँ रख दी, और यह एक बड़ा जाल बन गया। और यह पवित्रस्थान के लिए घात लगाने का स्थान बन गया, और इस्राएल के लिए सदैव एक दुष्ट शत्रु बन गया। और उन्होंने पवित्रस्थान के चारों ओर निर्दोष रक्त बहाया। और उन्होंने पवित्रस्थान को अपवित्र किया। और यरूशलेम के निवासी उनके कारण भाग गए, और वह विदेशियों का निवास बन गया, और वह अपनी ही संतानों के लिए विदेशी बन गई, और उसके बच्चों ने उसे त्याग दिया। उसका पवित्रस्थान उजाड़ भूमि के समान उजाड़ हो गया, उसके त्योहार शोक में बदल गए, उसके विश्रामदिन निन्दा में बदल गए, उसका सम्मान तिरस्कार में बदल गया। उसकी महिमा के अनुसार उसका अपमान बढ़ गया, और उसकी ऊँचाई शोक में बदल गई। और राजा ने अपने सम्पूर्ण राज्य को लिखा कि सभी एक जाति के लोग बनें। और प्रत्येक को अपने नियमों को छोड़ देना था, और सभी राष्ट्रों ने राजा के वचन के अनुसार स्वीकार किया। और इस्राएल में से बहुत से लोग उसकी उपासना से प्रसन्न हुए, और उन्होंने मूर्तियों के लिए बलिदान किया, और उन्होंने सब्त को अपवित्र किया। और राजा ने दूतों के हाथ में पुस्तकें भेजीं यरूशलेम और यहूदा के शहरों में, कि वे भूमि की विदेशी रीतियों का पालन करें, और पवित्रस्थान से होमबलि, बलिदान और पेय-बलि को रोकना, और सब्त तथा पर्वों को अपवित्र करना, और पवित्रस्थान और पवित्र लोगों को अपवित्र करना, वेदियाँ, पवित्र परिसर और मूर्तियाँ बनाना, तथा सूअरों और सामान्य पशुओं की बलि चढ़ाना। और अपने पुत्रों को खतनारहित छोड़ना, उनकी आत्माओं को हर अशुद्ध चीज़ से अपवित्र करना और अपमानित करना। ताकि कानून को भुला दिया जाए, और सभी विधियों को बदल दिया जाए। और जो राजा के वचन के अनुसार नहीं करेगा, वह मर जाएगा। इन सब शब्दों के अनुसार उसने अपने राज्य को

लिखा, और उसने सब लोगों पर निरीक्षक नियुक्त किए, और उसने यहूदा के नगरों को आदेश दिया कि नगर-नगर में बलिदान करें। और लोगों में से बहुत से लोग उनके पास एकत्रित हुए, हर वह जो कानून को त्याग रहा था, और उन्होंने भूमि में बुराइयाँ कीं। और उन्होंने इस्राएल को उनके हर शरण स्थान में, गुप्त स्थानों में रखा। और खिसलेव महीने के पंद्रहवें दिन, पैतालीसवें वर्ष में, उन्होंने वेदी पर उजाड़ने वाली घृणित वस्तु बनाई, और यहूदा के नगरों में चारों ओर उन्होंने वेदियां बनाई। और घरों की खिड़कियों पर और गलियों में धूप जलाई जा रही थी। और कानून की किताबें जो उन्होंने पाई, उन्होंने फाड़कर आग में जला दीं। और जहाँ किसी के पास वाचा की पुस्तक पाई जाती थी, और यदि कोई व्यवस्था का पालन करता था, तो राजा के आदेश से उसे मृत्युदंड दिया जाता था। अपनी शक्ति से उन्होंने इस्राएल के साथ ऐसा किया, जो हर महीने नगरों में पाए जाते थे। और महीने की पच्चीसवीं तारीख को उस वेदी पर बलिदान कर रहे थे जो वेदी के ऊपर थी। और उन स्त्रियों को, जिन्होंने अपने बच्चों का खतना किया था, उन्हें आदेश के अनुसार मार डाला गया। और उन्होंने शिशुओं को उनकी गर्दनों से लटकाया, और उनके रिश्तेदारों को, और उन लोगों को जिन्होंने उनका खतना किया था। और इस्राएल में बहुत से लोग फाँसी पर लटकाए गए। और उन्होंने दृढ़ संकल्प किया कि वे अपवित्र भोजन न खाएँ। और उन्होंने मरना स्वीकार किया, ताकि वे भोजन से अशुद्ध न हों और पवित्र वाचा को अपवित्र न करें, और वे मर गए। और इस्राएल पर बहुत बड़ा क्रोध हुआ।

2

उन दिनों में मत्तथियास उठा, जो योहन का पुत्र और शिमोन का पौत्र था, जो योआरीम के वंशजों में से एक पुरोहित था, यरूशलेम से आया, और वह मोदीन में बस गया। और उसके पाँच पुत्र थे, यूहन्ना जो गद्दीस कहलाता था। सिमोन जो थासिस कहलाता था, यहूदा जो मक्काबियुस कहलाता था, एलाज़र जो औरान कहलाता था, और योनातान जो सप्फूस कहलाता था। और यहूदा और यरूशलेम में हो रही निन्दाओं को नहीं। और उसने कहा, हाय! मैं यह क्यों बना कि

अपने लोगों के घावों को देखूँ और पवित्र नगर के विनाश को देखूँ, और वहाँ बैठा रहूँ जब वह शत्रुओं के हाथ में दे दिया गया, और पवित्रस्थान विदेशियों के हाथ में दे दिया गया। उसका मंदिर एक प्रतापी पुरुष के समान हो गया। महिमा के बर्तन बंदी बनाकर ले जाए गए, उसके शिशुओं को उसकी चौड़ी सड़कों पर मार डाला गया, उसके युवा पुरुषों को शत्रु की तलवार से मार डाला गया। कौन सा राष्ट्र ऐसा है जिसने राज्य विरासत में नहीं पाया और उसकी लूट पर अधिकार नहीं किया? उसका सारा संसार छीन लिया गया, स्वतंत्र के स्थान पर वह दासी बन गई। और देखो, हमारे पवित्र स्थान और हमारी शोभा और हमारा वैभव उजाड़ हो गया। और जातियों ने उन्हें अपवित्र कर दिया। हमें अब और जीने का क्या प्रयोजन है और मत्तथियास और उसके पुत्रों ने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और टाट ओढ़ लिया, और अत्यधिक शोक किया। और राजा की ओर से धर्मत्याग के लिए मजबूर करने वाले लोग मोदीन शहर में आए, ताकि वे बलिदान करें। और इसराएल से बहुत से लोग उनके पास आए, और मत्तथियास और उसके पुत्र एकत्रित हुए। और राजा के लोगों ने उत्तर दिया और मत्तथियास से कहा, तुम इस नगर में शासक और प्रतिष्ठित और महान हो, और पुत्रों और भाइयों में स्थापित हो। अब पहले आओ और राजा की आज्ञा का पालन करो, जैसे सभी राष्ट्रों ने, यहूदा के शासकों ने और यरूशलेम में बचे हुए लोगों ने किया है, और तुम और तुम्हारा घराना राजा के मित्रों में होगा, और तुम और तुम्हारे पुत्र चाँदी, सोने और अनेक उपहारों से सम्मानित किए जाओगे। और मत्तथियास ने उत्तर दिया और ऊँची आवाज़ में कहा, यदि सभी राष्ट्र जो राजा के राज्य में हैं, उसकी सुनते हैं और प्रत्येक अपने पिताओं की उपासना को छोड़ देता है और उसकी आज्ञाओं को चुनते हैं, मैं और मेरे पुत्र और मेरे भाई हमारे पितरों की वाचा में चलें। कृपालु होकर हमारे लिए विधि और विधान छोड़ना। हम राजा के कानून को नहीं मानेंगे, न दाहिने और न बाएं, अपनी उपासना को छोड़ने के लिए। और जब वह ये शब्द बोलना बंद कर चुका, तो सबकी आँखों के सामने एक यहूदी पुरुष राजा के आदेश के अनुसार मोदेईम में वेदी पर धूप जलाने के लिए पास आया। और मत्तथियास ने जोश दिखाया, और उसके गुर्दे कांप गए, और उसने न्याय के अनुसार क्रोध प्रकट किया, और दौड़कर उसने वेदी पर उसका वध कर दिया। और उसने राजा के उस आदमी को मार डाला जो बलिदान करने के लिए मजबूर कर रहा था उस समय, और वेदी को ढा दिया। और उसने व्यवस्था के लिए उत्साह दिखाया, जैसे

फीनहास ने शल्लूम के पुत्र जिम्री के साथ किया था। और मत्तथियास ने शहर में ऊँची आवाज़ से पुकारा, हर वह जो व्यवस्था के लिए उत्साही है और वाचा को स्थापित करता है, वह मेरे पीछे आए। और वह और उसके पुत्र पहाड़ों में भाग गए, और उन्होंने जो कुछ नगर में था, उसे छोड़ दिया। तब बहुत से लोग धार्मिकता और न्याय की खोज में रेगिस्तान में जाकर वहाँ बैठ गए। वे स्वयं और उनके पुत्र और उनकी स्त्रियाँ और उनके पशु, क्योंकि उन पर बुराईयाँ कठोर हो गई। और राजा के लोगों और सेनाओं को, जो दाऊद के नगर यरूशलेम में थीं, यह सूचना दी गई कि कुछ लोग, जिन्होंने राजा की आज्ञा को तोड़ा था, जंगल में गुप्त स्थानों की ओर चले गए हैं। और बहुत से लोग उनके पीछे दौड़े, और उन्हें पकड़कर उनके विरुद्ध डेरा डाला, और सब्त के दिन उनसे युद्ध करने की तैयारी की। और उन्होंने उनसे कहा, अब तक बाहर जाकर राजा के वचन के अनुसार करो, और तुम जीवित रहोगे। और उन्होंने कहा, हम बाहर नहीं आएंगे, और न ही हम राजा की आज्ञा मानेंगे, सब्त के दिन को अपवित्र करने के लिए। और उन्होंने उन पर युद्ध छेड़ने में शीघ्रता की। और उन्होंने उनको उत्तर नहीं दिया, न उन पर पत्थर फेंके, और न ही गुप्त मार्गों को बंद किया। कहते हुए, हम सब अपनी सादगी में मर जाएं, स्वर्ग और पृथ्वी हम पर गवाही देते हैं कि तुम हमें अन्यायपूर्वक नष्ट कर रहे हो। और सब्त के दिन युद्ध में उन पर चढ़ाई की गई, और वे स्वयं और उनकी पत्नियाँ और उनके बच्चे और उनके पशु मारे गए, लगभग एक हजार लोग। और मत्तथियास और उसके मित्रों को पता चला, और उन्होंने उन पर बहुत अधिक शोक किया। और एक आदमी ने अपने पड़ोसी से कहा, यदि हम सब अपने भाइयों की तरह करें जैसा उन्होंने किया, और हम राष्ट्रों के विरुद्ध अपनी आत्मा और अपनी विधियों के लिए नहीं लड़ें, तो अब वे शीघ्र ही हमें पृथ्वी से नष्ट कर देंगे। और उस दिन उन्होंने योजना बनाई, यह कहते हुए: हर वह आदमी जो सब्त के दिन हम पर युद्ध करने आए, हम उसके सामने लड़ेंगे, और हम सब नहीं मरेंगे जैसे हमारे भाई छिपने के स्थानों में मरे थे। तब हसीदियों की एक सभा उनके पास एकत्रित हुई, जो इस्राएल से मजबूत शक्ति के साथ थी, और हर वह व्यक्ति जो नियम के लिए स्वेच्छा से समर्पित था। और सभी भगोड़े जो बुराईयों से भाग रहे थे, उनके साथ जुड़ गए, और वे उनके लिए सहारा बन गए। और उन्होंने एक सेना स्थापित की, और उन्होंने अपने क्रोध में पापियों को मारा, और अपने कोप में अधर्मी पुरुषों को मारा, और शेष लोग राष्ट्रों में भाग गए ताकि बचाए

जाएं। और मत्तथियास और उसके पुत्रों ने चारों ओर घेरा डाला, और उन्होंने उनकी वेदियों को ढहा दिया। और उन्होंने उन खतनारहित युवा लड़कों का खतना किया जितने उसने इस्राएल की सीमाओं में शक्ति में पाए। और उन्होंने अहंकार के पुत्रों को सताया, और उनके हाथों में यह कार्य सफल हुआ। और उन्होंने राष्ट्रों के हाथ से और राजाओं के हाथ से व्यवस्था को अपने अधिकार में ले लिया, और पापी को शक्ति नहीं दी। और मत्तथियास के मरने के दिन निकट आए, और उसने अपने पुत्रों से कहा, अब अहंकार और निंदा स्थापित हो गया है और विनाश का समय और कोप का क्रोध आ गया है। और अब, हे बच्चों, व्यवस्था के प्रति उत्साही बनो, और हमारे पूर्वजों की वाचा के लिए अपने प्राणों को दे दो। हमारे पूर्वजों के उन कार्यों को याद करो जो उन्होंने अपनी पीढ़ियों में किए, और महान महिमा तथा अनन्त महिमा प्राप्त करो। क्या अब्राहम परीक्षा में विश्वासयोग्य नहीं पाया गया, और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया? यूसुफ ने अपने संकट के समय में आज्ञा का पालन किया, और वह मिस्र का स्वामी बन गया। फिनहास हमारे पिता ने उत्साह दिखाकर पवित्र पुरोहिती की वाचा प्राप्त की। यहोशू वचन को पूर्ण करने में इस्राएल में न्यायाधीश बना। कालेब ने सभा में गवाही देते समय भूमि विरासत में प्राप्त की। दाऊद ने अपनी दया में शाश्वत राज्य का सिंहासन विरासत में पाया। एलिय्याह व्यवस्था के प्रति उत्साह दिखाने के कारण स्वर्ग में उठा लिया गया। अनानियास, अजारियास, मिसाएल विश्वास करके ज्वाला से बचाए गए। दानिएल अपनी सच्चाई में शेरों के मुख से बचाया गया। और इस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी समझो कि जो सब उस पर आशा रखते हैं, वे कमजोर नहीं होंगे। और पापी पुरुष के शब्दों से मत डरो, क्योंकि उसकी महिमा गोबर और कीड़ों में बदल जाएगी। आज वह उठाया जाएगा, और नहीं पाया जाएगा, क्योंकि वह अपनी धूल में लौट गया, और उसका विचार नष्ट हो गया। और तुम, हे बच्चों, अपने धर्मशास्त्र में दृढ़ और साहसी बनो, क्योंकि उसी में तुम्हें सम्मान मिलेगा। और देखो, शिमोन तुम्हारा भाई है, मैं जानता हूँ कि वह बुद्धिमान पुरुष है, सदा उसकी सुनो, वह तुम्हारे लिए पिता के समान होगा। और यहूदा मक्काबियुस, जो अपनी युवावस्था से शक्ति में बलवान है, यह तुम्हारे लिए सेना का शासक होगा, और तुम लोगों से युद्ध लड़ोगे। और तुम अपने पास सभी कानून के कवियों को लाओगे, और अपने लोगों का बदला लोगे। तुम राष्ट्रों को प्रतिफल दो, और व्यवस्था की आज्ञाओं पर ध्यान दो। और उसने उन्हें आशीर्वाद दिया, और

वह अपने पितरों के पास जा मिला। और वह एक सौ छियालीसवें वर्ष में मरा, और उसके पुत्रों ने उसे मोदेईन में उसके पितरों की कब्रों में दफनाया, और समस्त इस्राएल ने उसके लिए बड़ा विलाप किया।

3

और यहूदा, जो मक्काबियुस कहलाता था, उसका पुत्र उसके बदले उठा। और उसकी सभी भाइयों ने उसकी मदद की, और वे सभी जो उसके पिता से जुड़े थे, और उन्होंने इस्राएल का युद्ध खुशी के साथ लड़ा। और उसने अपने लोगों की महिमा को विस्तृत किया, और उसने विशालकाय की तरह कवच पहना, और उसने अपने युद्ध के हथियार कसे, युद्धों को व्यवस्थित किया, तलवार से शिविर की रक्षा करते हुए। और वह अपने कामों में शेर के समान हो गया, और शिकार के लिए दहाड़ते हुए शेर के बच्चे के समान। और उसने अधर्मियों का पीछा करते हुए उन्हें खोजा, और जो उसके लोगों को परेशान करते थे उन्हें जला दिया। और अधर्मी लोग उसके भय से दब गए, और अधर्म के सभी कार्यकर्ता व्याकुल हो गए, और उसके हाथ में उद्धार समृद्ध हुआ। और उसने बहुत से राजाओं को कड़वाहट दी, और याकूब को अपने कामों से प्रसन्न किया, और सदा तक उसका स्मारक आशीर्वाद में है। और वह यहूदा के नगरों में से होकर गया, और उसने वहाँ के दुष्टों को नष्ट कर दिया, और इस्राएल से क्रोध को दूर कर दिया। और पृथ्वी के अंतिम छोर तक नामित किया गया, और उसने नष्ट हो रहे लोगों को एकत्र किया। और अपोल्लोनियोस ने राष्ट्रों को एकत्र किया, और सामरिया से एक महान सेना इकट्ठी की ताकि इस्राएल के विरुद्ध युद्ध किया जा सके। और यहूदा ने जान लिया, और वह उससे मिलने के लिए बाहर गया और उसने उसे मारा और उसे मार डाला, और बहुत से घायल गिर पड़े, और शेष भाग गए। और उन्होंने उनके बर्तन ले लिए, और यहूदा ने अपोलोनियस की तलवार ले ली, और वह इससे सारे दिन युद्ध करता रहा। और सीरोन ने, जो सीरिया की सेना का शासक था, सुना कि यहूदा ने अपने साथ विश्वासियों की एक सभा और समुदाय एकत्र किया है और वे युद्ध के लिए जा रहे हैं। और उसने कहा, मैं अपने लिए

नाम बनाऊंगा, और राज्य में महिमामंडित किया जाऊंगा, और मैं यहूदा और उसके साथियों और राजा के वचन को अस्वीकार करने वालों से युद्ध करूंगा। और उसने एक मजबूत दुष्ट सेना को अपने साथ ले जाकर चढ़ाई की, ताकि इस्राएल के पुत्रों से बदला लिया जा सके। और वह मेशोरोन की चढ़ाई तक पहुँचा, और यहूदा थोड़े लोगों के साथ उससे मिलने निकला। जब उन्होंने शिविर को अपनी ओर आते हुए देखा, तो उन्होंने यहूदा से कहा, हम इतने थोड़े होते हुए इतनी बड़ी भीड़ से कैसे युद्ध कर सकेंगे? और हम आज बिना कुछ खाए थके हुए हैं। और यहूदा ने कहा, बहुतों को थोड़ों के हाथों में बंद करना आसान है, और स्वर्ग के सामने बहुतों के द्वारा या थोड़ों के द्वारा बचाने में कोई अंतर नहीं है। क्योंकि युद्ध की विजय शक्ति की बहुतायत में नहीं है, बल्कि स्वर्ग से बल आता है। वे स्वयं अहंकार और अधर्म की बहुतायत के साथ हमारी ओर आ रहे हैं, हमें और हमारी स्त्रियों और हमारे बच्चों को नष्ट करने के लिए, हमें लूटने के लिए। लेकिन हम अपनी आत्माओं और अपने कानूनों के लिए युद्ध करते हैं। और वह हमारे सामने उन्हें कुचल देगा, लेकिन तुम उनसे मत डरो। जैसे ही वह बोलना बंद हुआ, वह अचानक उन पर टूट पड़ा, और सीरोन और उसकी सेना उसके सामने चकनाचूर हो गई। और उन्होंने बेथ होरोन की उतराई में मैदान तक उनका पीछा किया, और उनमें से आठ सौ पुरुष गिरे, लेकिन शेष लोग फिलिस्तीनियों की भूमि में भाग गए। और यहूदा और उसके भाइयों का भय आरंभ हुआ, और उनके चारों ओर की राष्ट्रों पर आतंक छा गया। और उसका नाम राजा तक पहुँचा, और हर राष्ट्र यहूदा की युद्ध पंक्तियों के बारे में बताता था। जब राजा अन्तियोकुस ने ये शब्द सुने, तो वह क्रोध से भर गया, और उसने अपने राज्य की सभी शक्तियों को भेजा और इकट्ठा किया, एक अत्यंत मजबूत शिविर। और उसने अपना खजाना खोला, और अपनी सेनाओं को वर्ष के लिए वेतन दिया, और उन्हें आदेश दिया कि वर्ष भर हर आवश्यकता के लिए तैयार रहें। और उसने देखा कि खजानों से चांदी समाप्त हो गई थी, और देश के कर कम थे उस विभाजन और विपत्ति के कारण जो उसने भूमि में उत्पन्न की थी, ताकि उन रीतियों को हटाया जा सके जो प्राचीन काल से चली आ रही थीं। और वह डर गया कि उसके पास पहले की तरह बार-बार खर्चों और उपहारों के लिए पर्याप्त नहीं है, जो वह पहले उदार हाथ से दिया करता था। और वह अपनी आत्मा में अत्यंत व्याकुल था, और उसने फारस जाने की योजना बनाई, और प्रदेशों के कर लेने की, और बहुत चाँदी एकत्र

करने की। और उसने लूसियास को छोड़ दिया, जो एक प्रतापी पुरुष था और राजवंश से था, राजा के मामलों के ऊपर, यूफ्रेतेस नदी से मिस्र की सीमाओं तक। और अपने पुत्र अन्तियोख का पालन-पोषण करना जब तक वह लौट न आए। और उसने उसे आधी सेनाएँ और हाथी सौंप दिए, और उसे उन सब बातों के विषय में आदेश दिया जो वह चाहता था, और यहूदिया और यरूशलेम में रहने वाले सब लोगों के विषय में भी। उन पर शक्ति भेजना, ताकि इस्राएल की शक्ति और यरूशलेम के अवशेष को नष्ट करके फेंक दिया जाए, और उसके स्मारक को उस स्थान से हटा दिया जाए, और विदेशी पुत्र उनकी सभी सीमाओं में निवास करें, और उनकी भूमि को विरासत में लें। और राजा ने छोड़ी गई आधी सेनाओं को ले लिया, और सौवें सैंतालीसवें वर्ष में अन्ताकिया से, अपने राज्य की राजधानी से, प्रस्थान किया, और यूफ्रेतेस नदी को पार किया, और ऊपरी प्रदेशों से होकर यात्रा करता रहा। और लूसियास ने टोलेमी दोरुमेनुस के पुत्र को, निकानोर को और गोग्रियास को चुना, जो राजा के मित्रों में से शक्तिशाली पुरुष थे। और उसने उनके साथ चालीस हजार पुरुष और सात हजार घोड़सवार भेजे, ताकि यहूदा की भूमि में आकर उसे राजा के वचन के अनुसार नष्ट कर दें। और वे अपनी सारी शक्ति के साथ प्रस्थान किए और आए, और उन्होंने मैदानी भूमि में अम्माऊन के पास डेरा डाला। और देश के व्यापारियों ने उनका नाम सुना, और बहुत अधिक चांदी और सोना और सेवक लिए, और इस्राएल के पुत्रों को बंदी बनाने के लिए शिविर में आए, और उनके साथ सीरिया की और विदेशियों की भूमि की शक्तियां जोड़ी गईं। और यहूदा और उसके भाइयों ने देखा कि बुराईयाँ बढ़ गई हैं, और सेनाएँ उनकी सीमाओं में डेरा डालेंगी, और उन्होंने राज्य के उन आदेशों को पहचाना जो लोगों को विनाश और समाप्ति की ओर ले जाने के लिए दिए गए थे। और प्रत्येक ने अपने पड़ोसी से कहा, आओ हम अपने लोगों और पवित्र स्थानों के विनाश का पुनर्निर्माण करें। और मण्डली युद्ध के लिए तैयार होने, और प्रार्थना करने और दया तथा करुणा मांगने के लिए एकत्रित हुईं। और यरूशलेम उजाड़ के समान निर्जन था, उसकी संतानों में से कोई भीतर आने-जाने वाला नहीं था, और पवित्रस्थान रौंदा जा रहा था, और विदेशियों के पुत्र गढ़ में थे, जो राष्ट्रों के लिए निवास बन गया था, और याकूब से आनंद छीन लिया गया, और बांसुरी तथा वीणा समाप्त हो गए। और वे एकत्रित हुए और यरूशलेम के सामने मिस्र में आए, क्योंकि मिस्र पहले इस्राएल के लिए प्रार्थना का स्थान

था। और उन्होंने उस दिन उपवास किया, और टाट पहना और अपने सिरों पर राख डाली, और अपने वस्त्र फाड़े। और उन्होंने व्यवस्था की पुस्तक को फैलाया, जिसके विषय में अन्यजाति लोग अपनी मूर्तियों की प्रतिमाओं की खोज कर रहे थे। और वे पुरोहिती के वस्त्र और प्रथम फल और दशमांश लाए, और उन्होंने नाज़ीरों को उठाया जिन्होंने अपने दिन पूरे किए थे। और उन्होंने स्वर्ग की ओर ऊँची आवाज़ में पुकारते हुए कहा, हम इनके साथ क्या करें, और इन्हें कहाँ ले जाएँ? और तेरी पवित्र वस्तुएँ रौंदी गई हैं और अपवित्र की गई हैं, और तेरे याजक शोक और अपमान में हैं। और देखो, राष्ट्र हमें नष्ट करने के लिए हमारे विरुद्ध एकत्रित हुए हैं, तू जानता है कि वे हमारे विरुद्ध क्या विचार करते हैं। हम उनके सामने कैसे टिक पाएंगे, यदि तुम हमारी सहायता नहीं करोगे? और उन्होंने तुरहियाँ बजाई, और ऊँची आवाज़ से चिल्लाए। और इसके बाद यहूदा ने लोगों के नेताओं को नियुक्त किया: हजार के सेनापति और सौ के सेनापति और पचास के सेनापति और दस के सेनापति। और उसने घर बनाने वालों, स्त्रियों से सगाई करने वालों, अंगूर के बाग लगाने वालों और डरपोकों से कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कानून के अनुसार अपने घर लौट जाए। और शिविर प्रस्थान कर गया, और उन्होंने अम्माऊम के दक्षिण में डेरा डाला। और यहूदा ने कहा, कमर बाँधो, और शक्तिशाली पुत्र बनो, और सुबह तक तैयार रहो इन राष्ट्रों से लड़ने के लिए जो हमारे विरुद्ध एकत्रित हुए हैं, हमें और हमारी पवित्र वस्तुओं को नष्ट करने के लिए। क्योंकि हमारे लिए युद्ध में मरना बेहतर है, बजाय इसके कि हम अपने राष्ट्र और पवित्र स्थानों की बुराइयों को देखें। जैसी स्वर्ग में इच्छा है, वैसे ही होगा।

4

और गोरगियास ने पाँच हजार पुरुष और एक हजार चुने हुए घुड़सवार लिए, और शिविर रात में प्रस्थान कर गया। ताकि वह यहूदियों के शिविर पर हमला करे और उन्हें अचानक मारे, और किले के पुत्र उसके मार्गदर्शक थे। और यहूदा ने सुना, और वह और शक्तिशाली लोग एम्माउस में राजा की सेना को मारने के लिए प्रस्थान किए। जब तक सेनाएँ अभी भी शिविर से बिखरी हुई थीं।

और गोरगियास रात में यहूदा के शिविर में आया, और उसने किसी को नहीं पाया, और वह उन्हें पहाड़ों में खोज रहा था, क्योंकि उसने कहा था, ये हमसे भाग रहे हैं। और दिन के साथ ही यहूदा मैदान में तीन हजार पुरुषों के साथ दिखाई दिया, लेकिन उनके पास कवच और तलवार नहीं थी जैसा वे चाहते थे। और मैंने राष्ट्रों का एक मजबूत, कवचधारी शिविर देखा, और घोड़े उसे घेरे हुए थे, और ये युद्ध में प्रशिक्षित थे। और यहूदा ने अपने साथ के पुरुषों से कहा, उनकी भीड़ से मत डरो, और उनके हमले से निराश मत हो। याद करो कि कैसे हमारे पूर्वज लाल समुद्र में बचाए गए थे, जब फ़िरऔन ने शक्ति के साथ उनका पीछा किया था। और अब हम स्वर्ग की ओर पुकारें, यदि वह हमें चाहेगा और पितरों की वाचा को याद करेगा, और आज हमारे सामने इस शिविर को कुचल देगा। और सभी राष्ट्र जानेंगे कि वह इस्राएल को छुड़ाने वाला और बचाने वाला है। और विदेशियों ने अपनी आँखें उठाई और उन्हें सामने खड़े हुए देखा। और वे शिविर से युद्ध के लिए निकल गए, और यहूदा के लोगों ने तुरही बजाई। और वे जुड़े, और राष्ट्र कुचल दिए गए और वे मैदान की ओर भाग गए। लेकिन सभी अंतिम लोग तलवार से गिरे, और उन्होंने उनका पीछा गासेरोन तक, यहूदिया के मैदानों तक, अजोतुस और यम्नियास तक किया, और उनमें से तीन हजार पुरुष मारे गए। और यहूदा और उसकी सेना उनका पीछा करने से लौट आए। और उसने लोगों से कहा, लूट की इच्छा मत करो, क्योंकि युद्ध हमारे सामने है, और गोरगियास और उसकी सेना पहाड़ पर हमारे निकट है, लेकिन अब हमारे शत्रुओं के सामने खड़े हो जाओ और उनसे युद्ध करो, और इसके बाद लूट का माल लो और साहस के साथ। जब यहूदा अभी इन बातों को पूरा कर रहा था, तो पहाड़ से कुछ भाग झाँकता हुआ दिखाई दिया। और उसने देखा कि स्थिति पलट गई है, और वे शिविर में आग लगा रहे हैं, क्योंकि जो धुआँ दिखाई दे रहा था वह घटना को प्रकट कर रहा था। जब उन्हें इन बातों का पता चला तो वे बहुत डर गए, और जब उन्होंने यहूदा की सेना को मैदान में युद्ध के लिए तैयार देखा। सभी विदेशियों की भूमि में भाग गए। और यहूदा शिविर की लूट पर लौटा, और उसने बहुत सोना और चांदी, नीलम, बैंगनी और समुद्री रंग तथा बहुत धन लिया। और लौटकर वे स्वर्ग की ओर स्तुति गा रहे थे और आशीर्वाद दे रहे थे, क्योंकि उसकी दया सदा के लिए भली है। और उस दिन इस्राएल को महान मुक्ति मिली। जितने भी विदेशी बच गए, वे आकर लूसियास को सभी घटनाओं की सूचना दे गए। लेकिन सब कुछ सुनकर वह व्याकुल हो

गया और निराश हो गया, क्योंकि इज़राइल के साथ वैसा नहीं हुआ जैसा वह चाहता था, और वैसा नहीं निकला जैसा राजा ने उसे आदेश दिया था। और आने वाले वर्ष में उसने साठ हजार चुने हुए पुरुषों और पाँच हजार घुड़सवारों को इकट्ठा किया, ताकि उनके विरुद्ध युद्ध किया जा सके। और वे इदुमिया में आए, और उन्होंने बेथसूरा में डेरा डाला, और यहूदा दस हजार पुरुषों के साथ उनसे मिला। और उसने मजबूत शिविर देखा, और प्रार्थना की और कहा, धन्य हो तुम, हे इस्राएल के उद्धारकर्ता, जिसने अपने दास दाऊद के हाथ से शक्तिशाली के हमले को कुचल दिया, और विदेशियों के शिविर को शाऊल के पुत्र योनातान और उसके हथियार उठाने वाले के हाथों में सौंप दिया। इस शिविर को अपने लोग इस्राएल के हाथों में बंद कर दो, और वे अपनी शक्ति और अपने घोड़ों पर शर्मिदा हों। उन्हें कायरता दो, और उनकी शक्ति के साहस को पिघला दो, और वे अपने विनाश से कांप उठें। उन्हें तलवार से नीचे गिरा दो जो तुमसे प्रेम करते हैं, और जो तुम्हारा नाम देखते हैं वे सब भजनों में तुम्हारी स्तुति करें। और वे आपस में बातचीत कर रहे थे, और लुसियास के शिविर से लगभग पाँच हजार पुरुष मारे गए, और वे उनके सामने ही गिरे। लेकिन लुसियास ने अपनी सेना की हुई पराजय को देखकर, और यहूदा का साहस, और यह कि वे जीने या वीरतापूर्वक मरने के लिए तैयार हैं, अन्ताकिया चला गया, और भाड़े के सैनिक भर्ती करने लगा, ताकि अधिक संख्या में फिर यहूदिया आ सके। यहूदा और उसके भाइयों ने कहा, देखो, हमारे शत्रु कुचल दिए गए हैं, आओ हम ऊपर जाएं और पवित्र स्थान को शुद्ध करें और समर्पित करें। और सारा शिविर एकत्रित हुआ, और वे सिय्योन पर्वत पर चढ़े। और मैंने देखा हमारा पवित्रस्थान उजाड़ किया हुआ, और वेदी अपवित्र की हुई, और द्वार जले हुए, और आँगनों में पौधे उगे हुए जैसे जंगल में या जैसे किसी पहाड़ी खुले स्थान में, और याजकों के कक्ष ध्वस्त किए हुए। और उन्होंने अपने वस्त्र फाड़े, महान विलाप किया और अपने सिर पर राख डाली। और वे भूमि पर मुँह के बल गिरे, और उन्होंने संकेतों की तुरहियाँ बजाई, और स्वर्ग की ओर चिल्लाए। तब यहूदा ने पुरुषों को आदेश दिया कि वे किले में रहने वालों से युद्ध करें, जब तक वह पवित्र स्थानों को शुद्ध न कर ले। और उसने निर्दोष पुजारियों को चुना जो व्यवस्था के इच्छुक थे। और उन्होंने पवित्र वस्तुओं को शुद्ध किया, और अपवित्रता के पत्थरों को एक अशुद्ध स्थान पर ले गए। और उन्होंने अपवित्र की गई होमबलि की वेदी के बारे में योजना बनाई कि उसके साथ क्या करें।

और उन्हें एक अच्छा परामर्श सूझा कि इसे गिरा दें, कहीं ऐसा न हो कि यह उनके लिए निन्दा का कारण बन जाए, क्योंकि अन्यजातियों ने इसे अपवित्र कर दिया था, और उन्होंने वेदी को गिरा दिया। और उन्होंने पथरों को घर के पहाड़ में एक उपयुक्त स्थान पर रखा, जब तक कि कोई भविष्यवक्ता उनके बारे में उत्तर देने के लिए न आ जाए। और उन्होंने कानून के अनुसार पूरे पत्थर लिए, और पहले के अनुसार नई वेदी बनाई। और उन्होंने पवित्र स्थान और घर के भीतरी भाग का निर्माण किया, और आंगनों को पवित्र किया। और उन्होंने नए पवित्र बर्तन बनाए, और दीपदान और होमबलि तथा धूप की वेदी और मेज़ को मंदिर में लाए। और उन्होंने वेदी पर धूप जलाया, दीपदान पर के दीपकों को प्रज्वलित किया, और वे मंदिर में प्रकाश देने लगे। और उन्होंने मेज पर रोटियाँ रखीं, और उन्होंने पर्दे फैलाए, और उन्होंने वह सब काम पूरा किया जो उन्होंने किया था। और वे सुबह जल्दी उठे, नौवें महीने की पच्चीसवीं तारीख को, यह महीना खिसलेव था, एक सौ अड़तालीसवें वर्ष में। और उन्होंने नई वेदी पर, जो उन्होंने बनाई थी, व्यवस्था के अनुसार होमबलि का बलिदान चढ़ाया। उसी समय और उसी दिन जब राष्ट्रों ने इसे अपवित्र किया था, उसी दिन इसका नवीनीकरण गीतों, वीणाओं और झांझों के साथ किया गया। और सब लोग मुँह के बल गिर पड़े, और उन्होंने प्रणाम किया और स्वर्ग को आशीर्वाद दिया जिसने उन्हें समृद्ध किया। और उन्होंने आठ दिनों तक वेदी का समर्पण किया, और आनंद के साथ होमबलि चढ़ाए, और उद्धार और स्तुति का बलिदान किया। और उन्होंने मंदिर के सामने के भाग को सुनहरे पुष्पहारों और छोटी ढालों से सजाया, और उसने द्वारों और पुजारियों के कक्षों को फिर से समर्पित किया, और उन्होंने उनमें दरवाजे लगाए। और लोगों में अत्यधिक महान आनंद हुआ, और राष्ट्रों की निन्दा दूर हो गई। और यहूदा और उसके भाइयों और इस्राएल की सारी सभा ने स्थापित किया, ताकि वेदी के समर्पण के दिन उनके समयों में वर्ष दर वर्ष आठ दिन मनाए जाएं, किस्लेव महीने की पच्चीसवीं तारीख से, आनंद और हर्ष के साथ। और उन्होंने उस समय सिथ्योन पर्वत को चारों ओर से ऊँची दीवारों और मजबूत मीनारों से बनाया, ताकि राष्ट्र कभी आकर उन्हें रौंद न सकें, जैसा उन्होंने पहले किया था। और उन्होंने वहाँ एक सेना नियुक्त की उसकी रक्षा के लिए, और उन्होंने बेथसूरा को दृढ़ किया ताकि लोगों के पास इद्रूमिया के सामने एक गढ़ हो।

और ऐसा हुआ कि जब चारों ओर की जातियों ने सुना कि वेदी बनाई गई है और पवित्रस्थान को पहले की तरह नवीनीकृत किया गया है, तो वे अत्यधिक क्रोधित हुए। और उन्होंने याकूब की जाति को, जो उनके बीच में रह रही थी, समाप्त करने की योजना बनाई, और लोगों को मारना और हटाना शुरू कर दिया। और यहूदा ने यहूदिया के अक्राबत्तेने में एसाव के पुत्रों के विरुद्ध युद्ध किया, क्योंकि उन्होंने इस्राएल को घेरा डाला था, और उसने उन्हें बड़ा प्रहार किया, और उन्हें कुचल दिया, और उनकी लूट ले ली। और उसने बाइआन के पुत्रों की दुष्टता को स्मरण किया, जो लोगों के लिए फंदा और ठोकर का कारण थे, क्योंकि वे उन्हें रास्तों में घात लगाकर फंसाते थे। और वे उसके द्वारा मीनारों में बंद कर दिए गए, और उसने उन पर चढ़ाई की, और उन्हें समर्पित किया, और उसकी मीनारों को आग में जला दिया उन सब के साथ जो उनमें थे। और उसने अम्मोन के पुत्रों के पास पार किया, और शक्तिशाली सेना और बहुत से लोग पाए, और तिमोथियुस उनका नेता था। और उसने उनके साथ अनेक युद्ध किए, और वे उसके सामने कुचल दिए गए, और उसने उन्हें मारा। और उसने याज़ेन और उसकी पुत्रियों पर कब्जा कर लिया, और यहूदिया लौट गया। और गिलाद में रहने वाली जातियाँ इस्राएल के विरुद्ध, जो उनकी सीमाओं पर थे, एकत्रित हुईं ताकि उन्हें नष्ट कर दें, और वे दाथेमा के किले में भाग गए। और उन्होंने यहूदा और उसके भाइयों के पास पत्र भेजे, यह कहते हुए: हमारे चारों ओर की जातियाँ हमें नष्ट करने के लिए हमारे विरुद्ध इकट्ठी हो गई हैं। और वे आने की तैयारी कर रहे थे और उस दुर्ग पर पहले से कब्जा करने की जिसमें हमने शरण ली थी, और तिमोथियुस उनके शिविर का नेतृत्व करता है। अब इसलिए आकर हमें उनके हाथ से छुड़ाओ, क्योंकि हममें से बहुत लोग गिर गए हैं। और हमारे सभी भाई जो टोनबियू में थे, मार दिए गए हैं, और उन्होंने उनकी स्त्रियों और उनके बच्चों और उनके सामान को बंदी बना लिया है, और वहाँ लगभग एक हजार पुरुष नष्ट हो गए हैं। अभी भी पत्र पढ़े जा रहे थे, और देखो, गलील से अन्य दूत आए जिन्होंने वस्त्र फाड़ रखे थे, इन्हीं शब्दों के अनुसार घोषणा करते हुए, यह कहते हुए कि टॉलेमाइस और सोर और सीदोन और विदेशियों

के समस्त गलील से उन पर लोग एकत्रित हुए हैं, ताकि हमें नष्ट कर दें। जब यहूदा और लोगों ने ये बातें सुनीं, तो एक बड़ी सभा एकत्रित हुई ताकि विचार किया जाए कि उनके भाइयों के लिए क्या करें जो संकट में हैं और उसके द्वारा आक्रमण का सामना कर रहे हैं। और यहूदा ने अपने भाई शमौन से कहा, अपने लिए पुरुषों को चुनो और जाकर गलील में अपने भाइयों को छुड़ाओ, परन्तु मैं और मेरा भाई योनातान गिलाद को जाएंगे। और उसने यूसुफ को, जो जकर्याह का पुत्र था, और अजर्याह को लोगों का नेता नियुक्त करके, शेष सेना के साथ यहूदिया में रक्षा के लिए छोड़ दिया। और उसने उन्हें आज्ञा दी कहते हुए, इन लोगों की रक्षा करो, और राष्ट्रों के साथ युद्ध में मत उलझो जब तक हम लौट न आए। और शिमोन को तीन हजार पुरुष गलील जाने के लिए दिए गए, लेकिन यहूदा को आठ हजार पुरुष गिलाद के लिए दिए गए। और शिमोन गलील में गया, और उसने राष्ट्रों के विरुद्ध अनेक युद्ध लड़े, और राष्ट्र उसके सामने चकनाचूर हो गए। और उसने टॉलेमाइस के शहरों तक उनका पीछा किया, और अन्यजातियों में से तीन हजार पुरुष मारे गए, और उसने उनका लूट का माल ले लिया। और उसने उन्हें गलील से और अर्बाक्तोस में स्त्रियों और बच्चों के साथ ग्रहण किया, और जो कुछ उनके पास था, और वे उन्हें महान आनंद के साथ यहूदिया में ले आए। और यहूदा मक्काबियुस और उसका भाई योनातान ने यर्दन पार किया, और जंगल में तीन दिन का मार्ग गए। और वे नबातियों से मिले, और उन्होंने उनसे शांतिपूर्वक मुलाकात की, और उन्होंने उनको वे सभी घटनाएँ सुनाई जो उनके भाइयों के साथ गिलाद में घटी थीं। और यह कि उनमें से बहुत से लोग बोस्सोरा और बोस्सोर में, अलामोस में, कासफोर, माकेब, और कारनेइन में पकड़े गए हैं, ये सभी शहर किलेबंद और बड़े हैं। और गिलाद के शेष शहरों में वे बंदी बनाए गए हैं, कल उन्हें किलों पर डेरा डालने का आदेश दिया गया है, और एक ही दिन में उन सबको पकड़ने और नष्ट करने का। और यहूदा अपने शिविर के साथ अचानक रेगिस्तान के मार्ग से बोसोर की ओर लौटा, और उसने शहर पर कब्जा कर लिया, और तलवार की धार से सभी पुरुषों को मार डाला, और उनकी सारी लूट ले ली, और उसे आग से जला दिया। और वह रात में वहाँ से प्रस्थान करके किले तक गया। और सुबह हुई, और उन्होंने अपनी आँखें उठाई और देखो, एक बहुत बड़ी भीड़ थी जिसकी कोई गिनती नहीं थी, जो सीढ़ियाँ और यंत्र उठाए हुए थे ताकि किले को पकड़ सकें, और वे उनसे युद्ध कर रहे थे। और यहूदा ने

देखा कि युद्ध शुरू हो गया था, और शहर की चिल्लाहट तुरहियों और बड़ी चिल्लाहट के साथ स्वर्ग तक पहुँच गई। और उसने सेना के पुरुषों से कहा, आज हमारे भाइयों के लिए लड़ो। और वह तीन टुकड़ियों में उनके पीछे से निकला, और उसने तुरहियाँ बजाई, और उन्होंने प्रार्थना में पुकार लगाई। और तिमथियुस के शिविर ने पहचाना कि मक्काबियुस है, और वे उसके चेहरे से भागे, और उसने उनको महान प्रहार से मारा, और उस दिन उनमें से आठ हजार पुरुष गिरे। और वह माफा की ओर मुड़ गया और उससे युद्ध किया, और उसे अधिकार में कर लिया और उसके सभी पुरुषों को मार डाला, और उसकी लूट ले ली, और उसे आग में जला दिया। वहाँ से वह प्रस्थान कर गया और उसने हेशबोन, माकेद, बोसोर और गिलाद के शेष नगरों को पहले से ही अधिकृत कर लिया। लेकिन इन बातों को सुनकर तिमोथियोस ने एक और सेना इकट्ठी की, और नदी के उस पार राफोन के सामने डेरा डाला। और यहूदा ने शिविर की जासूसी करने के लिए भेजा, और उन्होंने उसे सूचना दी, तुम्हारे चारों ओर की सभी जातियाँ उनके विरुद्ध एकत्रित हैं, अत्यधिक बड़ी शक्ति के साथ। और अरबों को उनकी सहायता के लिए किराए पर लिया गया है, और वे नदी के पार डेरा डाले हुए हैं, तुम पर युद्ध करने के लिए आने को तैयार। और यहूदा उनसे मिलने के लिए गया। और तिमोथियुस ने अपनी सेना के सेनापतियों से कहा जब यहूदा और उसका शिविर जलधारा के पास आ रहे थे, यदि वह हमसे पहले पार कर जाए, तो हम उसका सामना नहीं कर सकेंगे, क्योंकि वह हमारे विरुद्ध सक्षम होगा। यदि वह कायर हो जाए और नदी के पार शिविर लगाए, तो हम उसकी ओर पार करेंगे। जब यहूदा पानी की धारा के पास पहुँचा, तो उसने लोगों के लेखकों को धारा पर तैनात किया, और उन्हें आदेश देते हुए कहा, किसी भी मनुष्य को डेरा डालने की अनुमति मत दो, बल्कि सभी को युद्ध में आने दो। और उसने पहले उनकी ओर पार किया, और उसके सभी लोग उसके आगे थे, और सभी राष्ट्र उसके सामने कुचल दिए गए, और उन्होंने अपने सभी हथियार फेंक दिए, और वे कर्नाइम के पवित्र स्थान में भाग गए। और उन्होंने पहले से शहर पर कब्ज़ा कर लिया, और पवित्र स्थान को उन सभी के साथ आग में जला दिया जो उसमें थे, और कर्नाइम पराजित हुआ, और वह यहूदा का सामना करने में अब सक्षम नहीं रह गया। और यहूदा ने गिलाद में रहने वाले सभी इस्राएलियों को, छोटे से लेकर बड़े तक, और उनकी स्त्रियों को और उनके बच्चों को और सामान को इकट्ठा किया, जो एक

बहुत बड़ा शिविर था, ताकि यहूदा की भूमि में आए। और वे एफ्रोन तक आए, और यह प्रवेश द्वार का वह बड़ा शहर था, अत्यंत मजबूत; उसके दाहिने या बाएं मुड़ना संभव नहीं था, बल्कि उसके बीच से होकर जाना पड़ता था। और शहर के लोगों ने उन्हें बाहर बंद कर दिया और द्वारों को पत्थरों से अवरुद्ध कर दिया। और यहूदा ने उनके पास शांतिपूर्ण शब्दों के साथ संदेश भेजा, यह कहते हुए: मैं तुम्हारी भूमि से होकर अपनी भूमि में जाने के लिए गुजरूंगा, और कोई भी तुम्हें हानि नहीं पहुंचाएगा, हम केवल पैदल ही गुजरेंगे। और वे उसके लिए खोलना नहीं चाहते थे। और यहूदा ने शिविर में घोषणा करने की आज्ञा दी कि प्रत्येक व्यक्ति उस स्थान पर डेरा डाले जहाँ वह है। और शहर के पुरुषों ने डेरा डाला। और उन्होंने उस पूरे दिन और पूरी रात शहर से युद्ध किया, और शहर उसके हाथों में सौंप दिया गया। और उसने तलवार की धार से हर पुरुष को नष्ट कर दिया, और उसे लूट लिया, और शहर की लूट ली, और मारे गए लोगों के ऊपर से होकर शहर में से गुजरा। और उन्होंने यरदन को पार किया और बेथ शान के सामने के महान मैदान में गए। और यहूदा पिछड़े हुए लोगों को एकत्र करता रहा और पूरे मार्ग में लोगों को प्रोत्साहित करता रहा, जब तक वह यहूदा की भूमि में नहीं पहुँच गया। और वे खुशी और आनंद के साथ सियोन पर्वत पर चढ़ गए, और होमबलि चढ़ाई, क्योंकि शांति से लौटने तक उनमें से कोई भी नहीं गिरा था। और उन दिनों में जब यहूदा और योनातान गिलाद में थे, और शिमोन उसका भाई गलील में तुलमैस के सामने था। यूसुफ बिन ज़करिया और ज़करिया ने सुना कि सेनाओं के शासकों ने वीरता के कार्यों और युद्ध में क्या किया। और उन्होंने कहा, हम अपने लिए नाम बनाएंगे, और चलें हम अपने चारों ओर के राष्ट्रों से युद्ध करने जाएं। और उन्होंने अपने साथ की सेना के लोगों को आदेश दिया, और वे यमनिया की ओर गए। और गोरगियास शहर से बाहर निकला, और उसके लोग उनसे युद्ध करने के लिए निकले। और यूसुफ और अजरियाह को पीछे हटना पड़ा। और उनका पीछा यहूदिया की सीमाओं तक किया गया और उस दिन इस्राएल के लोगों में से दो हजार पुरुष गिरे। और लोगों में एक बड़ा परिवर्तन हुआ, क्योंकि उन्होंने यहूदा और उसके भाइयों की नहीं सुनी, यह सोचकर कि वह वीरता दिखाएगा। लेकिन वे उन पुरुषों के वंश से नहीं थे, जिनके हाथों द्वारा इस्राएल को उद्धार दिया गया था। और वह पुरुष यहूदा और उसके भाई सब इस्राएल के सामने और सभी राष्ट्रों के सामने अत्यधिक महिमामंडित किए गए, जहाँ उनका नाम सुना गया था। और वे उनकी

प्रशंसा करते हुए उनके पास एकत्रित हो रहे थे। और यहूदा और उसके भाई निकले, और उन्होंने दक्षिण की भूमि में एसाव के पुत्रों से युद्ध किया, और हेब्रोन और उसकी पुत्रियों को मारा, और उसके गढ़ को गिरा दिया, और उसकी मीनारों को चारों ओर से जला दिया। और वह विदेशियों की भूमि में जाने के लिए प्रस्थान किया, और सामरिया से होकर यात्रा कर रहा था। उस दिन युद्ध में पुजारी मारे गए, क्योंकि वह बिना सोचे-समझे युद्ध में जाकर अपनी वीरता दिखाना चाहता था। और यहूदा विदेशियों की भूमि अजोतुस की ओर मुड़ गया, और उसने उनकी वेदियाँ गिरा दीं, और उनके देवताओं की मूर्तियाँ जला दीं, और नगरों को लूटा, और यहूदिया लौट आया।

6

और राजा अन्तियोखुस ऊपरी प्रदेशों से होकर यात्रा कर रहा था, और उसने सुना कि एलुमोइस में, पर्शिया में, एक प्रसिद्ध नगर है जो धन, चांदी और सोने से समृद्ध है। और उसमें स्थित मंदिर अत्यंत धनी था, और वहाँ सुनहरे आवरण, कवच और हथियार थे, जो सिकंदर ने, जो फिलिप का पुत्र, मकदूनी राजा था और यूनानियों पर शासन करने वाला पहला था, वहाँ छोड़े थे। और वह आया और उसने शहर को पकड़ने और उसे लूटने की कोशिश की, लेकिन वह सक्षम नहीं था, क्योंकि यह बात शहर के लोगों को पता चल गई थी। और उन्होंने उसके विरुद्ध युद्ध के लिए विद्रोह किया, और वह भाग गया और वहाँ से बहुत दुःख के साथ बाबुल लौट गया। और कोई व्यक्ति पर्शिया में उसके पास यह सूचना देने आया कि वे शिविर जो यहूदा की भूमि में गए थे, हार गए हैं। और लुसियास प्रबल सेना के साथ सबसे पहले गया और वह उनके सामने से पराजित हुआ, और वे उन हथियारों से प्रबल हुए जो उन्होंने उन शिविरों से लिए थे जिन्हें उन्होंने नष्ट कर दिया था। और उन्होंने उस घृणित वस्तु को गिरा दिया जो यरूशलेम की वेदी पर बनाई गई थी, और पवित्रस्थान को पहले की तरह ऊँची दीवारों से घेर दिया, और उसके नगर बेथसूरा को भी। और ऐसा हुआ कि जब राजा ने ये बातें सुनीं, तो वह चकित हो गया और अत्यधिक विचलित हो गया, और बिस्तर पर गिर पड़ा। और वह दुःख से बीमार पड़ गया, क्योंकि उसके

साथ वैसा नहीं हुआ जैसा उसने सोचा था। और वह वहाँ कई दिनों तक रहा, क्योंकि उस पर बड़ा दुःख नए सिरे से आ गया था, और उसने सोचा कि वह मर जाएगा। और उसने अपने सभी मित्रों को बुलाया और उनसे कहा, मेरी आँखों से नींद दूर हो गई है, और मैं चिंता से हृदय में व्याकुल हो गया हूँ। और मैंने अपने हृदय से कहा, किस क्लेश तक मैं आया हूँ और किस महान उथल-पुथल में, जिसमें अब मैं हूँ; क्योंकि मैं अपने अधिकार में अच्छा और प्रिय था। अब मुझे उन बुराइयों की याद आती है जो मैंने यरूशलेम में कीं, और मैंने वहाँ के सभी चाँदी और सोने के बर्तन ले लिए, और मैंने यहूदा के निवासियों को बिना कारण नष्ट करने के लिए भेजा। मैंने जान लिया कि इन्हीं के कारण मुझे ये सब बुराइयाँ मिलीं, और देखो, मैं इस विदेशी भूमि में महान दुःख से नष्ट हो रहा हूँ। और उसने अपने मित्रों में से एक फिलिप्पुस को बुलाया, और उसे अपने सम्पूर्ण राज्य पर नियुक्त किया। और उसने उसे अपना मुकुट, अपना वस्त्र और अपनी अंगूठी दी, ताकि वह अपने पुत्र अन्तियुकुस को लाए और उसे पाले ताकि वह राज्य करे। और वहाँ राजा अन्तियोखुस की मृत्यु हो गई, सौ उनचासवें वर्ष में। और लुसियास ने जान लिया कि राजा मर गया है, और उसने अन्तियोखुस को, जो उसका पुत्र था और जिसे उसने बचपन से पाला था, उसके स्थान पर राज करने के लिए नियुक्त किया, और उसका नाम यूपातोर रखा। और किले के लोग इस्राएल को पवित्र स्थान के चारों ओर घेरे हुए थे, और निरंतर बुराई की खोज में थे तथा अन्यजातियों का समर्थन कर रहे थे। और यहूदा ने उन्हें नष्ट करने का विचार किया, और सभी लोगों को एकत्रित किया कि वे उन्हें घेर कर बैठें। एक सौ पचासवें वर्ष में, और उसने उन पर प्रक्षेपास्त्र केंद्र और युद्ध यंत्र बनवाए। और वे उस सभा से बाहर निकले, और इस्राएल के कुछ अधर्मी लोग उनके साथ जुड़ गए। और वे राजा के पास गए और बोले, कब तक आप न्याय नहीं करेंगे और हमारे भाइयों का बदला नहीं लेंगे? हम तुम्हारे पिता की सेवा करने, उसके द्वारा कही गई बातों पर चलने और उसके आदेशों का पालन करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि इस कारण हमारे लोग हमसे अलग किए जा रहे थे, सिवाय उनके जो हममें से पाए जाते थे वे मार डाले जा रहे थे, और हमारी विरासतें लूटी जा रही थीं। और उन्होंने केवल हम पर ही हाथ नहीं बढ़ाया, बल्कि अपनी सभी सीमाओं पर भी। और देखो, आज उन्होंने यरूशलेम में सबसे ऊंचे स्थान पर डेरा डाला है, ताकि उसे और पवित्र स्थान को अपने कब्जे में कर लें, और उन्होंने बेथसूरा को किलेबंद कर दिया है।

और यदि तुम उन्हें शीघ्रता से पहले नहीं पकड़ लोगे, तो वे इनसे भी बड़े काम करेंगे, और तुम उन्हें रोक नहीं पाओगे। और राजा क्रोधित हुआ जब उसने यह सुना, और उसने अपने सभी मित्रों को, अपनी सेना के शासकों को और रथों के अधिकारियों को एकत्रित किया। और दूसरे राजाओं से तथा समुद्रों के द्वीपों से भाड़े की सेनाएँ उसके पास आईं। और उसकी सेनाओं की संख्या एक लाख पैदल सैनिक, बीस हजार घुड़सवार, और बत्तीस हाथी थे जो युद्ध में प्रशिक्षित थे। और वे इदुमिया से होकर आए, और बेथसुरा में डेरा डाला, और कई दिनों तक युद्ध किया, और युद्ध के यंत्र बनाए, और वे बाहर निकले और उन्हें आग में जला दिया, और वीरता से युद्ध किया। और यहूदा किले से प्रस्थान किया और बेथजकरिया में डेरा डाला, राजा के शिविर के सामने। और राजा सुबह सवेरे उठा, और अपने शिविर को तेज़ी से बेथजकरिया के मार्ग पर ले गया, और सेनाएं युद्ध के लिए व्यवस्थित की गईं, और तुरहियां बजाई गईं। और हाथियों को अंगूर और शहतूत का रक्त दिखाया, ताकि उन्हें युद्ध के लिए तैयार किया जाए। और उन्होंने जंगली जानवरों को घाटियों में विभाजित किया। और प्रत्येक हाथी पर एक हजार पुरुषों को खड़ा किया जो जंजीर-कवच में कवचधारी थे, और उनके सिरों पर कांस्य के टोप थे, और प्रत्येक जंगली जानवर के लिए पांच सौ चुने हुए घोड़े व्यवस्थित किए गए थे। ये उस समय से पहले थे जब वह पशु होता था, और जहाँ कहीं वह जाता था, वे साथ जाते थे, वे उससे अलग नहीं होते थे। और प्रत्येक जानवर पर लकड़ी के मजबूत मीनार थे जो ढके हुए थे, उन पर घेराबंदी के यंत्रों से सुसज्जित, और प्रत्येक पर बत्तीस पुरुष थे जो उन पर लड़ते थे, और उसका भारतीय महावत। और उसने शेष घुड़सवार सेना को शिविर के दोनों भागों पर इधर-उधर तैनात किया, जो फालान्क्सों में हिलते हुए और सशस्त्र होते हुए थे। जब सूरज सुनहरी ढालों पर चमक रहा था, तो पहाड़ उनसे चमक रहे थे और आग की मशालों की तरह रोशन हो रहे थे। और राजा की सेना का कुछ भाग ऊंचे पहाड़ों पर फैलाया गया, और कुछ नीचे के स्थानों पर, और वे सुरक्षित रूप से और व्यवस्थित तरीके से आ रहे थे। और वे सभी जो उनकी भीड़ की आवाज़, भीड़ की यात्रा और हाथियारों की टकराहट सुन रहे थे, हिल गए, क्योंकि वह शिविर बहुत बड़ा और मजबूत था। और यहूदा और उसका शिविर युद्ध के लिए पास आया, और राजा के शिविर से छह सौ पुरुष गिर गए। और एलियाज़र सावरान ने जानवरों में से एक को देखा जो शाही कवचों से सुसज्जित था,

और वह सभी जानवरों से बड़ा था, और ऐसा लगा कि राजा उस पर सवार है। और उसने अपने लोगों को बचाने के लिए स्वयं को दिया और अपने लिए शाश्वत नाम प्राप्त किया। और वह साहस के साथ सेना-व्यूह के बीच में दौड़ा, और दाहिने और बाएं मार डाला, और वे उससे इधर-उधर विभाजित हो गए। और वह हाथी के नीचे घुस गया, और उसके नीचे रखा और उसे मार डाला, और वह भूमि पर उसके ऊपर गिर गया, और वहीं मर गया और उन्होंने राज्य की शक्ति और सेनाओं के हमले देखे, और वे उनसे दूर हट गए। और राजा के शिविर से वे यरूशलेम में उनसे मिलने के लिए गए, और राजा ने यहूदिया में और सिय्योन पर्वत पर डेरा डाला। और उसने बेथ सूर के लोगों के साथ संधि की, और वे शहर से बाहर निकल गए, क्योंकि वहाँ उनके पास भोजन नहीं था कि वे उसमें बंद रह सकें, क्योंकि भूमि के लिए सब्त का वर्ष था। और राजा ने बेथसूरा पर अधिकार कर लिया, और उसने वहाँ इसकी रक्षा के लिए एक चौकी रखने का आदेश दिया। और उसने पवित्रस्थान पर बहुत दिनों तक डेरा डाला, और वहाँ मिसाइल लांचर, मशीनें, आग फेंकने वाले यंत्र, पत्थर फेंकने वाले यंत्र और बिच्छू यंत्र स्थापित किए ताकि तीर और गोफन फेंके जा सकें। और उन्होंने भी उनकी मशीनों के विरुद्ध मशीनें बनाई, और कई दिनों तक लड़ाई की। लेकिन पवित्र स्थानों में भोजन नहीं था, क्योंकि सातवाँ वर्ष था, और जो लोग राष्ट्रों से यहूदिया में बचाए जा रहे थे, उन्होंने प्रावधान का शेष भाग खा लिया था। और पवित्र स्थानों में थोड़े से पुरुष बचे रह गए, क्योंकि उन पर अकाल ने प्रबलता कर ली थी, और प्रत्येक अपने-अपने स्थान को बिखर गए। और लुसियास ने सुना कि फिलिप्पुस, जिसे राजा अन्तियोखुस ने अपने जीवित रहते हुए अपने पुत्र अन्तियोखुस को पालने-पोषने और उसे शासन करने के लिए नियुक्त किया था, वह पर्शिया और मीडिया से लौट आया, और वे सेनाएँ जो राजा के साथ उसके साथ गई थीं, और यह कि वह सत्ता संभालने की कोशिश कर रहा है। और वे जाने के लिए जल्दी कर रहे थे और आग्रह कर रहे थे, और उसने राजा और सेना के सेनापतियों और सैनिकों से कहा, हम प्रतिदिन कमजोर होते जा रहे हैं, और हमारे पास भोजन बहुत कम है, और जिस स्थान पर हम डेरा डाले हुए हैं, वह दुर्गम है, और राज्य के कार्य हम पर भारी पड़ रहे हैं। अब इसलिए हम इन लोगों को दाहिना हाथ दें, और हम उनके साथ शांति स्थापित करें, और उनके सभी राष्ट्रों के साथ भी, और हम उन्हें अपने कानूनों के अनुसार चलने की अनुमति दें, जैसे पहले था, क्योंकि

उनके कानूनों के कारण, जिन्हें हमने तितर-बितर कर दिया था, वे क्रोधित हुए और उन्होंने ये सब कुछ किया। और यह बात राजा और शासकों को अच्छी लगी, और उसने उनके पास संधि करने के लिए भेजा, और उन्होंने स्वीकार कर लिया। और राजा और शासकों ने उनसे इन बातों पर शपथ खाई, तब वह किले से निकला और राजा सिय्योन पर्वत में प्रवेश किया, और उसने उस स्थान के किले को देखा, और उसने वह शपथ तोड़ दी जो उसने ली थी, और आदेश दिया और चारों ओर की दीवार को गिरा दिया। और वे उत्सुकता से प्रस्थान किए और अन्ताकिया लौटे, और फिलिप्पुस को नगर पर शासन करता हुआ पाया, और उससे युद्ध किया, और बल से नगर पर अधिकार कर लिया।

7

इक्यावनवें वर्ष में, सेल्यूकस का पुत्र डेमेट्रियस रोम से निकला, और कुछ पुरुषों के साथ एक समुद्र तटीय शहर में गया, और वहाँ राज्य किया। और ऐसा हुआ कि जब वह अपने पितरों के राज्य के घर में प्रवेश कर रहा था, तो सेनाओं ने अन्तियुख और लूसियास को पकड़ लिया ताकि उन्हें उसके पास लाएँ। और उसे यह बात ज्ञात हुई और उसने कहा, मुझे उनके चेहरे मत दिखाओ। और शक्तियों ने उन्हें मार डाला, और डेमेट्रियस अपने राज्य के सिंहासन पर बैठ गया। और इस्राएल से सभी अधर्मी और दुष्ट पुरुष उसके पास आए, और अल्किमुस उनका नेतृत्व करता था, जो पुजारी बनना चाहता था। और उन्होंने राजा के सामने लोगों पर आरोप लगाया, कहते हुए, यहूदा और उसके भाइयों ने तुम्हारे सभी मित्रों को नष्ट कर दिया है, और हमें हमारी भूमि से तितर-बितर कर दिया है। अब इसलिए एक ऐसे आदमी को भेजो जिस पर तुम विश्वास करते हो, और वह जाकर उस सम्पूर्ण विनाश को देखे जो उसने हमें और राजा की भूमि को किया है, और उसने उन्हें और उन सभी को दंडित किया जो उनकी सहायता कर रहे थे। और राजा ने बाकीदेस को चुना, जो राजा के मित्रों में से था, नदी के पार शासन करता था, राज्य में महान था और राजा के प्रति विश्वासी था। और उसने उसे और अधर्मी आल्किमोस को भेजा, और उन्होंने

उसे पुरोहित पद पर नियुक्त किया, और उसे आदेश दिया कि इस्राएल के पुत्रों में प्रतिशोध ले। और वह चला गया और बहुत बड़ी शक्ति के साथ यहूदा की भूमि में आया, और उसने यहूदा और उसके भाइयों के पास छल के साथ शांतिपूर्ण शब्दों में दूत भेजे। और मैंने उनके शब्दों पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि मैंने देखा कि वे बहुत शक्ति के साथ आए थे। और शास्त्रियों की मण्डली अल्किमुस और बाक्खिदेस के पास न्याय की खोज करने के लिए एकत्रित हुई थी। और हसीदी इस्राएल के पुत्रों में प्रथम थे, और वे उनसे शांति की खोज कर रहे थे। उन्होंने कहा, क्योंकि हारून के वंश का एक पुजारी शक्तियों में आया है, और वह हमारे साथ अन्याय नहीं करेगा। और उसने उनके साथ शांतिपूर्ण शब्द बोले, और उनसे शपथ खाई कहते हुए, हम तुम्हारे लिए बुराई नहीं खोजेंगे, और न तुम्हारे मित्रों के लिए। और उन्होंने उस पर विश्वास किया, और उसने उनमें से साठ पुरुषों को पकड़ा, और उसने उन्हें एक ही दिन में उन शब्दों के अनुसार मार डाला जो लिखे गए थे। तेरे पवित्र लोगों का मांस और उनका खून उन्होंने यरूशलेम के चारों ओर बहा दिया, और उन्हें दफनाने वाला कोई नहीं था। और उनका भय और कंपन सब लोगों पर छा गया, क्योंकि उन्होंने कहा कि उनमें सत्य और न्याय नहीं है, क्योंकि उन्होंने उस स्थिति और उस शपथ का उल्लंघन किया जो उन्होंने ली थी। और बाक्खिदेस यरूशलेम से प्रस्थान किया, और बेथ-ज़ेथ में डेरा डाला, और उसने भेजकर अपने साथ भाग गए पुरुषों में से बहुतों को और लोगों में से कुछ को पकड़ लिया, और उन्हें बड़े कुएं में बलिदान कर दिया। और उसने भूमि अल्किमुस को सौंप दी, और उसकी सहायता के लिए उसके साथ सेना छोड़ दी, और बाक्खिदेस राजा के पास चला गया। और अल्किमुस ने महायाजक पद के लिए संघर्ष किया। और उसके पास वे सब लोग एकत्रित हुए जो अपने लोगों को परेशान कर रहे थे, और उन्होंने यहूदा की भूमि पर अधिकार कर लिया, और इस्राएल में उन्होंने बड़ा संहार किया। और यहूदा ने वह सब दुष्टता देखी जो अल्किमुस और उसके साथियों ने इस्राएल के पुत्रों में की थी, जो अन्यजातियों से भी बढ़कर थी। और वह यहूदिया की सभी सीमाओं में और चारों ओर गया, और उसने उन पुरुषों में और जो भाग गए थे उनमें बदला लिया, और वे भूमि में जाने से रोके गए। जब अल्किमुस ने देखा कि यहूदा और उसके साथी बलवान हो गए हैं, और जान गया कि वह उनका सामना नहीं कर सकता, तो वह राजा के पास लौट गया और उन पर बुरे आरोप लगाए। और राजा ने निकानोर को भेजा, जो

उसके प्रतिष्ठित शासकों में से एक था, और जो इस्राएल से घृणा करता था और शत्रुता रखता था, और उसे आदेश दिया कि वह लोगों को नष्ट कर दे। और निकानोर बड़ी शक्ति के साथ यरूशलेम आया, और उसने यहूदा और उसके भाइयों के पास छल के साथ शांतिपूर्ण शब्द भेजे, यह कहते हुए मेरे और तुम्हारे बीच युद्ध न हो, मैं थोड़े पुरुषों के साथ आऊंगा, ताकि मैं तुम्हारे चेहरे शांति से देख सकूँ। और वह यहूदा के पास आया, और उन्होंने एक दूसरे का शांतिपूर्वक अभिवादन किया, और शत्रु यहूदा को पकड़ने के लिए तैयार थे। और यहूदा को यह बात ज्ञात हुई कि वह छल के साथ उसके पास आया था, और वह उससे भयभीत हो गया, और उसने फिर उसका चेहरा देखना नहीं चाहा। और निकानोर को पता चल गया कि उसकी योजना प्रकट हो गई थी, और वह यहूदा से मिलने के लिए खफरसलामा की ओर निकल पड़ा। और निकानोर की सेना के लगभग पाँच हजार पुरुष मारे गए, और वे दाऊद के शहर में भाग गए। और इन बातों के बाद निकानोर सिय्योन पर्वत पर गया, और याजक पवित्र स्थान से और लोगों के बुजुर्ग उससे शांतिपूर्वक मिलने और उसे राजा के लिए चढ़ाई जा रही होमबलि दिखाने के लिए निकले। और उसने उनका उपहास किया, उनकी हँसी उड़ाई, उन्हें अपवित्र किया, और अहंकार से बोला। और उसने क्रोध में शपथ खाई, यदि यहूदा और उसका शिविर अभी मेरे हाथों में नहीं सौंपा जाएगा, तो जब मैं शांति से लौटूंगा, मैं इस घर को जला दूंगा। और वह क्रोध में निकल गया। और पुजारी अंदर गए और वेदी तथा मंदिर के सामने खड़े हुए, और वे रोए और बोले तूने इस घर को चुना कि तेरा नाम इस पर पुकारा जाए, कि यह तेरे लोगों के लिए प्रार्थना और विनती का घर हो। इस आदमी और उसके शिविर में प्रतिशोध करो, और वे तलवार से गिरें, उनकी निन्दाओं को याद करो, और उन्हें क्षमा मत दो। और निकानोर यरूशलेम से बाहर निकला और उन्होंने बेथ होरोन में डेरा डाला, और सीरिया की सेना उससे मिली। और यहूदा ने तीन हजार पुरुषों के साथ अदासा में डेरा डाला, और यहूदा ने प्रार्थना की और कहा जब राजा के लोगों ने निन्दा की, तो तुम्हारा दूत निकला और उसने उनमें से एक लाख पचासी हजार को मार डाला। इस प्रकार आज हमारे सामने इस शिविर को तोड़ दो, और शेष लोगों को जानने दो कि उसने तेरी पवित्र वस्तुओं के विरुद्ध बुरी तरह से बोला है, और उसकी दुष्टता के अनुसार उसका न्याय करो। और शिविरों ने अदार महीने की तेरहवीं तारीख को युद्ध के लिए मुठभेड़ की, और निकानोर का शिविर कुचल दिया गया, और वह स्वयं

युद्ध में सबसे पहले गिर गया। जब उसके शिविर ने देखा कि निकानोर गिर गया, तो उन्होंने अपने हथियार फेंककर भाग गए। और उन्होंने अदासा से गाज़ारा तक आने के एक दिन के रास्ते तक उनका पीछा किया, और उनके पीछे संकेत की तुरहियाँ बजाईं। और वे यहूदिया के चारों ओर के सभी गाँवों से बाहर निकले, और उन्होंने उन्हें घेर लिया, और ये उनकी ओर लौटे, और सब तलवार से गिर गए, और उनमें से एक भी नहीं बचा। और उन्होंने लूट और लूटमार लिया, और निकानोर का सिर काट दिया और उसका दाहिना हाथ, जो उसने घमंड से फैलाया था। और वे उसे लाए और यरूशलेम के पास फैलाया। और लोग अत्यधिक प्रसन्न हुए, और उन्होंने उस दिन को महान आनंद का दिन बनाया। और उन्होंने यह निर्णय लिया कि हर वर्ष अदार महीने की तेरहवीं तारीख को इस दिन को मनाया जाए। और यहूदा की भूमि थोड़े दिनों के लिए शांत रही।

8

और यहूदा ने रोमियों का नाम सुना, कि वे बल में शक्तिशाली हैं, और वे उन सबके प्रति अनुकूल हैं जो उनसे जुड़े हुए हैं, और जितने भी उनसे जुड़ते हैं, और जितने भी उनके पास आते हैं, वे उनके साथ मित्रता स्थापित करते हैं। और यह कि वे शक्ति में बलवान हैं, और उन्होंने उसे उनके युद्धों का और उन वीरता के कार्यों का वर्णन किया जो वे गलातियों के विरुद्ध करते हैं, और यह कि उन्होंने उन पर विजय प्राप्त की और उन्हें कर के अधीन कर दिया। और उन्होंने स्पेन की भूमि में जो कुछ किया, वहां की चांदी और सोने की खानों पर नियंत्रण पाने के लिए और उन्होंने अपनी बुद्धि और धैर्य से उस सम्पूर्ण प्रदेश पर अधिकार कर लिया—यद्यपि वह स्थान उनसे बहुत दूर था—और जो राजा पृथ्वी के छोर से उन पर चढ़ाई करने आए थे, उन्होंने उन्हें कुचल डाला और उन्हें भारी पराजय दी, और शेष लोग उन्हें प्रतिवर्ष कर देते हैं। और उन्होंने फिलिप्पुस और पर्सियुस किटियों के राजा को तथा उन पर घमंड करने वालों को युद्ध में कुचल दिया और उन पर विजय प्राप्त की। और एशिया के महान राजा एंटीओकस को, जो उनके विरुद्ध युद्ध में गया था, जिसके पास एक सौ बीस हाथी और घुड़सवार सेना और रथ और अत्यधिक विशाल शक्ति थी, और वह

उनके द्वारा चकनाचूर कर दिया गया था। और उन्होंने उसे जीवित पकड़ लिया, और उन्होंने उनके सामने यह स्थापित किया कि वह और उसके साथ शासन करने वाले राजा बड़ा कर दें, और बंधक दें और विशेष शर्तें दें। और भारतीय भूमि और मेदिया और लुदिया को, और उनके सबसे उत्तम प्रदेशों में से, और उनसे उन्हें लेकर उन्होंने उन्हें राजा युमेनेस को दिया, और यह कि ग्रीस से आए लोगों ने उन्हें नष्ट करने के लिए आने की योजना बनाई और यह बात उन्हें ज्ञात हुई, और उन्होंने उनके विरुद्ध एक सेनापति भेजा, और उनसे युद्ध किया, और उनमें से बहुत से घायल गिरे, और उन्होंने उनकी स्त्रियों और उनके बच्चों को बंदी बना लिया, और उन्हें लूटा, और उनकी भूमि पर अधिकार कर लिया, और उनके गढ़ों को गिरा दिया, और उन्हें लूटा और उन्हें आज के दिन तक गुलाम बना लिया। और शेष राज्यों और द्वीपों को, जो कभी उनके विरुद्ध उठे थे, उन्होंने नष्ट कर दिया और उन्हें गुलाम बना लिया, अपने मित्रों और उन पर निर्भर रहने वालों के साथ उन्होंने मित्रता बनाए रखी, और उन्होंने निकट और दूर के राज्यों पर अधिकार कर लिया, और जितने लोगों ने उनका नाम सुना, वे उनसे डरते थे। जिनकी वे सहायता करना चाहें और जिन्हें राज्य देना चाहें, वे राज्य करेंगे, और जिन्हें वे चाहें उन्हें हटा देंगे, और वे बहुत ऊंचे उठाए गए। और इन सब में उनमें से किसी ने भी मुकुट नहीं पहना, और न ही उन्होंने बैंगनी वस्त्र धारण किया, ताकि इसमें सम्मानित हों। और उन्होंने अपने लिए एक परिषद कक्ष बनाया, और प्रतिदिन तीन सौ बीस लोग विचार-विमर्श करते थे, जो सदैव जनता के बारे में विचार-विमर्श करते थे, ताकि स्वयं को सुव्यवस्थित रख सकें। और वे विश्वास करते हैं कि एक मनुष्य प्रति वर्ष उन पर शासन करे और उनकी सारी भूमि पर राज करे, और सब उस एक की सुनते हैं, और उनमें न ईर्ष्या है न द्वेष। और यहूदा ने यूपोलेमुस को, जो योहन्ना का पुत्र था जो हक्कोस का था, और यासोन को, जो एलाज़ार का पुत्र था, चुना, और उन्हें रोम भेजा ताकि उनके साथ मित्रता और गठबंधन स्थापित करे। और उनके जुए को उठाने के लिए, क्योंकि उन्होंने देखा कि यूनानियों का राज्य इस्राएल को गुलामी में दास बना रहा था। और वे रोम गए, और वह रास्ता बहुत लंबा था, और वे परिषद भवन में प्रवेश किए, और उन्होंने उत्तर दिया। यहूदा जो मक्काबियुस भी कहलाता है और उसके भाई और यहूदियों की भीड़ ने हमें तुम्हारे पास भेजा है, तुम्हारे साथ गठबंधन और शांति स्थापित करने के लिए, और हमें तुम्हारे सहयोगी और मित्र के रूप में लिखा जाए। और यह बात उन्हें अच्छी

लगी। और यह उस लेख की प्रतिलिपि है जो उन्होंने कांस्य पट्टिकाओं पर लिखी और यरूशलेम भेजी ताकि वह वहाँ उनके पास शांति और गठबंधन के स्मारक के रूप में रहे। रोमियों और यहूदियों के राष्ट्र के लिए समुद्र में और सूखी भूमि पर सदा के लिए भलाई हो, और तलवार और शत्रु उनसे दूर रहें। यदि रोम को पहले या उनके सभी सहयोगियों को उनके सम्पूर्ण अधिकार क्षेत्र में युद्ध आ जाए, यहूदियों का राष्ट्र पूर्ण हृदय से साथ लड़ेगा, जैसा कि समय उन्हें निर्धारित करे। और जो युद्ध कर रहे हैं उन्हें वे न तो देंगे और न ही आपूर्ति करेंगे - अनाज, हथियार, चांदी, जहाज़ - जैसा कि रोम को उचित लगा, और वे अपनी रक्षा व्यवस्थाओं का पालन करेंगे बिना कुछ लिए। इसी प्रकार, यदि यहूदियों के राष्ट्र पर पहले युद्ध आ पड़े, तो रोमी लोग पूरे मन से सहायता करेंगे, जैसा कि परिस्थिति की मांग हो। और सहयोगियों को अनाज, हथियार, चांदी नहीं दिया जाएगा, जैसा रोम को उचित लगा, और वे इन नियमों का पालन करेंगे, और छल के साथ नहीं। इन शब्दों के अनुसार, इस प्रकार रोमियों ने यहूदियों के लोगों के सामने खड़ा किया। यदि इन शब्दों के बाद ये लोग और वे लोग विचार-विमर्श करें और अपनी पसंद से कुछ जोड़ना या हटाना चाहें, तो वे ऐसा करेंगे, और जो कुछ भी वे जोड़ें या हटाएं वह प्रामाणिक होगा। और उन बुराइयों के बारे में जो राजा डेमेट्रियस उनके विरुद्ध कर रहा है, हमने उसे यह कहते हुए लिखा, तुमने अपने मित्रों और सहयोगियों, यहूदियों पर अपना जुआ क्यों भारी कर दिया है? यदि इसलिए वे अभी भी तुम्हारे विरुद्ध मिलें, तो हम उनका न्याय करेंगे, और हम समुद्र और थल के माध्यम से तुमसे युद्ध करेंगे।

9

और डेमेट्रियोस ने सुना कि निकानोर और उसकी सेनाओं ने युद्ध किया था, और उसने बाक्खिदेस और अल्किमोस को दूसरी बार यहूदा की भूमि में भेजने का निर्णय लिया, और दाहिना पक्ष उनके साथ था। और वे गिलगाल की ओर चले गए, और अर्बेला में स्थित मेस्सालोथ पर डेरा डाला, और उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया। और उसने बहुत से मनुष्यों की आत्माओं को नष्ट कर दिया।

और सौ बावनवें वर्ष के पहले महीने में वे यरूशलेम में डेरा डाले। और वे प्रस्थान करके बेरिया गए, बीस हजार पुरुषों और दो हजार घोड़ों के साथ। और यहूदा अलासा में डेरा डाले हुए था, और तीन हजार चुने हुए पुरुष उसके साथ थे। और मैंने शक्तियों की भीड़ देखी कि वे बहुत हैं, और वे बहुत डर गए, और बहुत से शिविर से भाग गए, उनमें से केवल आठ सौ पुरुष ही बचे रहे। और यहूदा ने देखा कि उसका शिविर फिसल गया था। और युद्ध उसे घेर रहा था, और उसका हृदय कुचल गया, क्योंकि उसके पास उन्हें एकत्र करने का समय नहीं था। और वह थक गया था और उसने पीछे छोड़े गए लोगों से कहा, उठो और हमारे शत्रुओं पर चढ़ाई करें, यदि हम उनसे युद्ध करने में सक्षम हों। और उन्होंने उसे यह कहते हुए मना कर दिया, हम सक्षम नहीं हैं, बल्कि अब हम अपने प्राणों को बचाएं, हम अपने भाइयों के साथ लौटें, और उनके विरुद्ध युद्ध करें, क्योंकि हम थोड़े हैं। यहूदा ने कहा, मुझसे यह काम करना न हो कि उनसे भाग जाऊं। हमारा समय निकट आ गया है, तो हम अपने भाइयों के लिए साहस के साथ मरें, और अपनी महिमा पर दाग न लगाएं। और सेना शिविर से प्रस्थान कर गई, और वे उनसे मिलने के लिए खड़े हुए, और घुड़सवार सेना को दो भागों में विभाजित किया गया, और गोफन फेंकने वाले और धनुर्धर सेना के आगे बढ़ रहे थे, और सभी सक्षम योद्धा। बक्खीदेस दाहिने पंख में था, और सेना दोनों ओर से पास आई, और उन्होंने तुरहियाँ बजाई, और यहूदा के लोगों ने भी तुरहियाँ बजाई। और उनके शिविरों से भूमि हिल गई, और युद्ध प्रातःकाल से संध्या तक चलता रहा। और यहूदा ने देखा कि बक्खीदेस और शिविर की मुख्य सेना दाहिनी ओर थी, और सभी साहसी हृदय वाले उसके पास इकट्ठे हुए। और उनका दायां सींग चूर-चूर हो गया, और वह अज़ोटुस पर्वत तक उनका पीछा करता रहा। और जो बाएं पंख में थे, उन्होंने देखा कि दाहिना पंख कुचल दिया गया है, और वे यहूदा और उसके साथियों के पीछे से लौट आए। और युद्ध हुआ, और दोनों ओर से बहुत से घायल गिरे। और यहूदा गिर गया और शेष लोग भाग गए। और योनातान और शिमोन ने अपने भाई यहूदा को उठाया और उसे मोदीन में उसके पिताओं की कब्र में दफनाया। और उन्होंने वहाँ उसके लिए रोया, और सारे इस्राएल ने उसके लिए बड़ा विलाप किया, और बहुत दिनों तक शोक मनाया और कहा कैसे गिर गया वह सामर्थ्यवान, जो इस्राएल को बचाता था। और यहूदा के शेष वचन और युद्ध और वीरता के कार्य जो उसने किए और उसकी महानता नहीं लिखी गई, क्योंकि

वे बहुत अधिक थे। और यहूदा की मृत्यु के बाद ऐसा हुआ कि इस्राएल की सभी सीमाओं में अधर्मी प्रकट हुए, और अन्याय करने वाले सब उठ खड़े हुए। उन दिनों में एक बहुत बड़ा अकाल पड़ा, और वह देश उनके साथ चला गया। और बाक्खिदेस ने दुष्ट पुरुषों को चुना, और उन्हें उस देश का शासक नियुक्त किया। और वे यहूदा के मित्रों को खोज रहे थे और ढूंढ रहे थे, और उन्हें बक्खीदेस के पास ले गए, और उसने उनका न्याय किया, और वे उनका उपहास कर रहे थे। और इस्राएल में महान क्लेश हुआ, जैसा उस दिन से नहीं हुआ था जब से उन्हें भविष्यवक्ता दिखाई नहीं दिया था। और यहूदा के सभी मित्र एकत्रित हुए और उन्होंने योनातान से कहा जब से तुम्हारा भाई यहूदा मर गया है, उसके समान कोई पुरुष नहीं है जो शत्रुओं और बाक्खीदेस के विरुद्ध और हमारे राष्ट्र में शत्रुता रखने वालों के बीच जा सके। अब इसलिए हमने तुम्हें आज चुना है कि तुम हमारे शासक और नेता बनो, हमारे युद्ध को लड़ने के लिए। और योनातान ने उस समय नेतृत्व स्वीकार किया और अपने भाई यहूदा के स्थान पर खड़ा हुआ। और बाक्खीदेस जान गया, और वह उसे मारने की कोशिश कर रहा था। और जोनाथन और उसके भाई शिमोन और उनके साथ के सभी लोगों को पता चल गया, और वे तेकोए के जंगल में भाग गए, और उन्होंने अस्फाल के पानी के गड्ढे पर डेरा डाला। और बाक्खिदेस ने सब के दिन को जान लिया, और वह और उसकी सारी सेना यर्दन के पार आई। और उसने अपने भाई को भीड़ का नेता बनाकर भेजा, और अपने मित्र नबातियों से विनती की कि वे उनका बहुत सारा सामान अपने पास रख लें। और यम्ब्रेइन के पुत्र मेदबा से निकले, और उन्होंने योहन्नान को और जो कुछ उसके पास था सब कुछ पकड़ लिया, और लेकर चले गए। इन शब्दों के बाद उन्होंने योनातान और उसके भाई शिमोन को सूचना दी कि यम्ब्री के पुत्र एक बड़ा विवाह कर रहे हैं, और वे नादाबात से दुल्हन को ला रहे हैं, जो कनान के महान रईसों में से एक की पुत्री है, एक बड़े जुलूस के साथ। और उन्होंने अपने भाई योहन को याद किया, और ऊपर गए और पहाड़ की आड़ में छिप गए। और उन्होंने अपनी आँखें उठाई और देखा, और देखो, बहुत शोर और सामान था, और दूल्हा बाहर निकला और उसके मित्र और उसके भाई ढोलों, संगीतकारों और बहुत से हथियारों के साथ उनसे मिलने आए। और वे घात से उन पर खड़े हो गए और उन्हें मार डाला, और बहुत से घायल गिर पड़े, और बचे हुए लोग पहाड़ की ओर भाग गए, और उन्होंने उनका सारा सामान ले लिया। और विवाह शोक में बदल

गया, और उनके संगीतकारों का स्वर विलाप में बदल गया। और उन्होंने अपने भाई के खून का बदला लिया, और यर्दन के पहाड़ की ओर लौट गए। और बाक्खिदेस ने सुना, और वह सब्त के दिन यर्दन के किनारों तक बड़ी सेना के साथ आया। और जोनाथन ने अपने भाइयों से कहा, आओ अब हम उठें और अपने प्राणों के लिए लड़ें, क्योंकि आज का दिन कल और परसों जैसा नहीं है। देखो, क्योंकि युद्ध हमारे सामने और हमारे पीछे है, और यर्दन का जल इधर-उधर है और दलदल और झाड़ियाँ हैं। और मुड़ने के लिए कोई स्थान नहीं है। अब इसलिए स्वर्ग की ओर पुकारो, ताकि तुम हमारे शत्रुओं के हाथ से बचाए जाओ। और युद्ध छिड़ गया, और योनातान ने बाक्खिदेस को मारने के लिए अपना हाथ बढ़ाया, परन्तु वह उससे पीछे हट गया। और जोनाथन और उसके साथी यर्दन में कूद गए और पार तैर गए, और वे उनका पीछा करते हुए यर्दन पार नहीं गए। और उस दिन बाक्किदेस के पास एक हजार पुरुष नष्ट हो गए। और वे यरूशलेम लौट गए, और उन्होंने यहूदिया में दुर्गिकृत शहर बनाए, यरीहो का किला और एम्माउस और बेथ होरोन और बेथेल और तिम्ना फिराथोन और तेफोन, ऊँची दीवारों और फाटकों और सलाखों के साथ। और उन्होंने उनमें पहरा रखा ताकि इस्राएल के प्रति शत्रुता कर सकें। और उन्होंने शहर, बेथसूरा, गज़ारा और गढ़ को किलाबंद किया, और उनमें सेनाएँ और भोजन के भंडार रखे। और उन्होंने देश के नेताओं के पुत्रों को बंधक बनाकर लिया, और उन्हें यरूशलेम के किले में कारागार में रखा। और एक सौ तिरपनवें वर्ष के दूसरे महीने में, अल्किमुस ने पवित्र स्थान के भीतरी आंगन की दीवार को गिराने का आदेश दिया, और भविष्यवक्ताओं के कार्यों को नष्ट कर दिया, और उसे गिराना आरंभ किया। उस समय अल्किमुस पर आघात हुआ, और उसके काम बाधित हो गए, और उसका मुँह बंद हो गया, और वह लकवाग्रस्त हो गया, और वह अपने घर के विषय में कोई बात बोलने या आदेश देने में सक्षम नहीं रह गया। और अल्किमुस उस समय बड़ी यातना के साथ मर गया। और बाक्खीदेस ने देखा कि अल्किमोस मर गया था, और वह राजा के पास लौट गया, और यहूदा की भूमि दो वर्ष तक शांत रही। और सभी अधर्मियों ने योजना बनाई और कहा, देखो, योनातान और उसके साथी शांति से निवास कर रहे हैं और विश्वास में हैं। अब इसलिए हम बक्खीदेस को लाएंगे, और वह एक ही रात में उन सभी को पकड़ लेगा। और जाकर उन्होंने उसे सलाह दी। और वह बहुत बड़ी सेना के साथ आने से पहले चला गया, और उसने यहूदिया में

अपने सभी सहयोगियों को गुप्त रूप से पत्र भेजे, ताकि वे योनातान और उसके साथियों को पकड़ लें, परन्तु वह सफल नहीं हो सका, क्योंकि उनकी योजना उन्हें पता चल गई थी। और उन्होंने देश के पुरुषों में से दुष्टता के नेताओं में से पचास पुरुषों को पकड़ा, और उन्हें मार डाला। और योनातान और शिमोन और जो उनके साथ थे, बेथबासी को प्रस्थान कर गए जो जंगल में था, और उन्होंने उसके ध्वस्त भागों का पुनर्निर्माण किया और उसे सुदृढ़ किया। और बाक्खीदेस को पता चला और उसने अपनी सारी सेना इकट्ठी की, और उसने यहूदिया के लोगों को आदेश दिया। और आकर उसने बेथबासी पर डेरा डाला, और कई दिनों तक उससे लड़ा और युद्ध के यंत्र बनाए। और योनातान ने अपने भाई शिमोन को नगर में छोड़ दिया, और भूमि की ओर निकल गया, और वह थोड़े लोगों के साथ आया। और उसने ओदोमेरा और उसके भाइयों और फासिरोन के पुत्रों को उनके निवास में मारा, और सेनाओं के साथ मारना और चढ़ाई करना आरंभ किया। और शिमोन और उसके साथ के लोग नगर से बाहर गए, और उन्होंने यंत्रों को जला दिया। और उन्होंने बाक्खीदेस के विरुद्ध युद्ध किया, और वह उनके द्वारा चकनाचूर हो गया, और उन्होंने उसे बहुत दबाया, क्योंकि उसका परामर्श और उसका आक्रमण व्यर्थ था। और वे उन अधर्मी पुरुषों पर क्रोधित हुए जिन्होंने उसे उस देश में आने की सलाह दी थी, और उन्होंने उनमें से बहुतों को मार डाला, और उसने अपने देश लौटने की योजना बनाई। और जोनाथन ने पहचाना, और उसने उसके पास दूत भेजे, उसके साथ शांति का समझौता करने के लिए और उन्हें बंदी लौटाने के लिए। और उसने स्वीकार किया, और उसके शब्दों के अनुसार किया, और उसने उससे शपथ ली कि उसके जीवन के सभी दिनों में उसके विरुद्ध बुराई नहीं खोजेगा। और उसने उसे वह बंधुआई लौटा दी जो उसने पहले यहूदा की धरती से बंदी बनाई थी, और मुड़कर अपनी धरती को चला गया, और उसने फिर कभी उनकी सीमाओं में आने का प्रयास नहीं किया। और इस्राएल से तलवार रुक गई, और योनातान मिक्माश में बस गया, और योनातान ने लोगों का न्याय करना शुरू किया और इस्राएल से दुष्टों को नष्ट कर दिया।

और सौ साठवें वर्ष में अलेक्जेंडर, जो एंटीओकस एपिफेनेस का पुत्र था, चढ़ाई करके आया और उसने टॉलेमाइस पर अधिकार कर लिया, और लोगों ने उसे स्वीकार किया और वह वहाँ राज्य करने लगा। और राजा डेमेट्रियोस ने सुना, और उसने बहुत अधिक सेनाएँ एकत्र कीं, और वह उससे युद्ध में मिलने के लिए निकला। और डेमेट्रियोस ने जोनाथन को शांतिपूर्ण शब्दों में पत्र भेजे ताकि उसे बड़ा बनाए। उसने कहा, आओ हम उनके साथ शांति स्थापित करने में पहल करें, इससे पहले कि वह सिकंदर के साथ हमारे विरुद्ध संधि कर ले। वह सभी बुराइयों को याद करेगा जो हमने उसके प्रति, उसके भाइयों के प्रति और उसके राष्ट्र के प्रति की थीं। और उसने उसे शक्तियाँ इकट्ठा करने, हथियार तैयार करने, और उसका सहयोगी होने का अधिकार दिया, और कहा कि किले में जो बंधक हैं उन्हें उसे सौंप दिया जाए। और योनातान यरूशलेम में आया, और उसने सब लोगों के सामने और किले के लोगों के सामने पत्रों को पढ़ा। और वे बहुत डर गए जब उन्होंने सुना कि राजा ने उन्हें सेनाएँ इकट्ठा करने का अधिकार दिया है। और किले के लोगों ने योनातान को बंधकों को सौंप दिया, और उन्होंने उन्हें उनके माता-पिता को लौटा दिया। और योनातान यरूशलेम में निवास करने लगा, और उसने नगर का निर्माण और नवीनीकरण करना आरम्भ किया। और उसने उन लोगों से कहा जो काम कर रहे थे कि दीवारों और सिंथ्योन पर्वत को चारों ओर से चौकोर पत्थरों से किलेबंदी के लिए बनाएं, और उन्होंने ऐसा ही किया। और वे विदेशी भाग गए जो उन किलों में थे जिन्हें बाक्खिदेस ने बनाया था। और प्रत्येक ने अपना स्थान छोड़ दिया और अपनी भूमि को चला गया। परन्तु बेथसूरा में कुछ लोग रह गए थे जो व्यवस्था और आज्ञाओं को त्याग रहे थे, क्योंकि वह उनके लिए शरणस्थल था। और राजा अलेक्जेंडर ने वे वादे सुने जो डेमेट्रियोस ने योनातान को भेजे थे, और उन्होंने उसे उन युद्धों और वीरता के कार्यों के बारे में बताया जो उसने और उसके भाइयों ने किए थे, और उन कष्टों के बारे में जो उन्होंने सहे थे। और उसने कहा, क्या हम ऐसा एक पुरुष नहीं पाएंगे? और अब हम उसे अपना मित्र और सहयोगी बनाएं। और उसने पत्र लिखे और उसे इन शब्दों के अनुसार भेजे, यह कहते हुए राजा अलेक्जेंडर भाई जोनाथन को शुभकामनाएँ। हमने तुम्हारे बारे में सुना है कि तुम शक्ति में अच्छे पुरुष हो और हमारे मित्र होने के लिए उपयुक्त हो। और अब हमने तुम्हें आज तुम्हारे राष्ट्र का महायाजक नियुक्त किया है, और राजा का मित्र कहलाने के लिए— और उसे बैंगनी वस्त्र और

सुनहरा मुकुट भेजा—और हमारे हितों के बारे में सोचने और हमारे साथ मित्रता बनाए रखने के लिए। और जोनाथन ने साठवें और सौवें वर्ष के सातवें महीने में तम्बुओं के पर्व पर पवित्र वस्त्र पहना, और सेनाओं को एकत्र किया, और बहुत से हथियार तैयार किए। और डेमेट्रियस ने ये शब्द सुने, और दुखी हुआ, और बोला हमने यह क्या किया, कि अलेक्जेंडर ने यहूदियों के साथ मित्रता स्थापित करके समर्थन प्राप्त करने में हमसे पहल कर ली? मैं उन्हें प्रोत्साहन, उच्चता और उपहारों के शब्द लिखूंगा, ताकि वे मेरे साथ सहायता के लिए हों। राजा डेमेत्रियस ने यहूदियों के राष्ट्र को इन शब्दों के अनुसार भेजा: नमस्कार। चूँकि आपने हमारे साथ संधियों को बनाए रखा और हमारी मित्रता में बने रहे और हमारे शत्रुओं से नहीं जुड़े, हमने यह सुना और हम आनंदित हुए। और अब भी हमारे प्रति विश्वास बनाए रखो, और हम तुम्हें उन अच्छी चीजों का प्रतिदान देंगे जो तुम हमारे साथ करते हो। और हम तुम्हें बहुत सी छूटें देंगे, और तुम्हें उपहार देंगे। और अब मैं तुम्हें मुक्त करता हूँ और सभी यहूदियों को करों से और नमक के मूल्य से, और मुकुटों से छूट देता हूँ। और बुवाई के तीसरे हिस्से की जगह, और लकड़ी के फल के आधे हिस्से की जगह जो मुझे लेना था, मैं आज से और उसके बाद से छोड़ता हूँ, यहूदा की भूमि से लेना, और तीन प्रांतों से जो सामरिया और गलील से इसमें जोड़े गए हैं, आज के दिन से और सभी समय के लिए। और यरूशलेम पवित्र और समर्पित हो, और उसकी सीमाएँ, दशमांश और कर। मैं यरूशलेम के गढ़ का अधिकार छोड़ता हूँ, और महायाजक को देता हूँ ताकि वह इसमें उन पुरुषों को नियुक्त करे जिन्हें वह स्वयं चुने, इसकी रक्षा करने के लिए। और यहूदियों की सभी आत्माओं को जो यहूदा की भूमि से मेरे सभी राज्यों में बंदी बनाई गई थीं, मैं निःशुल्क स्वतंत्र करता हूँ, और सभी उनके कर और पशु छोड़ दूँ। और सभी त्योहार और सब्त और नए चाँद और नियुक्त दिन, और त्योहार से तीन दिन पहले और त्योहार के तीन दिन बाद, ये सभी दिन छूट और मुक्ति के दिन हों मेरे सम्पूर्ण राज्य में रहने वाले सभी यहूदियों के लिए। और किसी को भी उनमें से किसी को किसी भी मामले के बारे में कुछ करने और परेशान करने का अधिकार नहीं होगा। और यहूदियों में से तीस हजार पुरुषों को राजा की सेनाओं में नामांकित किया जाए, और उन्हें उपहार दिए जाएंगे, जैसा कि राजा की सभी सेनाओं के लिए उचित है। और उनमें से कुछ राजा के महान किलों में नियुक्त किए जाएंगे, और इनमें से कुछ राज्य की विश्वसनीय आवश्यकताओं पर

नियुक्त किए जाएंगे, और उनके अधिकारी और उनमें से शासक होंगे, और वे अपने नियमों के अनुसार चलें, जैसा कि राजा ने यहूदा की भूमि में आदेश दिया था। और सामरिया के देश से यहूदिया में जोड़े गए तीन कानूनों को यहूदिया में जोड़ा जाए ताकि वे एक के अधीन गिने जाएं, और महायाजक के अलावा किसी अन्य अधिकार की आज्ञा न मानें। टोलेमाइस और इससे लगी हुई भूमि मैंने यरूशलेम के पवित्र स्थानों को उपहार के रूप में दी है, पवित्र स्थानों के उचित खर्च के लिए। और मैं प्रति वर्ष पंद्रह हजार चाँदी के शेकेल राजा के खजाने से देता हूँ, उन स्थानों से जो संबंधित हैं। और जो भी अधिक था जो उन्होंने जरूरतों से वापस नहीं दिया, जैसे पहले वर्षों में, अब से वे घर के कामों में दें। और इन के अतिरिक्त पाँच हजार चाँदी के शेकेल जो वे आवश्यकताओं से प्राप्त कर रहे थे, जैसा कि पहले वर्षों में पवित्र स्थान से प्रति वर्ष के हिसाब से, और ये छोड़ दिए जाते हैं, क्योंकि ये उन याजकों के हैं जो सेवा करते हैं। और जितने भी लोग यरूशलेम के मंदिर और उसकी सभी सीमाओं में शरण लें, उनके शाही ऋण और हर मामले में उन्हें मुक्त किया जाए, और मेरे राज्य में उनकी जो भी संपत्ति है वह सब उन्हें दी जाए। और पवित्र स्थानों के निर्माण और नवीनीकरण के कार्यों के लिए व्यय राजा के खजाने से दिया जाएगा। और यरूशलेम की दीवारों को बनाने के लिए, और चारों ओर उन्हें सुदृढ़ करने के लिए, और व्यय राजा के आदेश से दिया जाएगा, और यहूदिया में दीवारों को बनाने के लिए। जब योनातान और लोगों ने ये शब्द सुने, तो उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया और न ही स्वीकार किया, क्योंकि उन्होंने उस महान दुष्टता को याद किया जो उसने इस्राएल में की थी, और उसने उन्हें अत्यधिक सताया था। और वे अलेक्जेंडर से प्रसन्न हुए, क्योंकि वह उनके लिए शांतिपूर्ण वार्ता का नेता बना, और उन्होंने हर दिन उसके साथ युद्ध किया। और राजा अलेक्जेंडर ने विशाल सेनाएँ एकत्र कीं, और डेमेट्रियस के सामने डेरा डाला। और दोनों राजाओं ने युद्ध किया, और डेमेट्रियस की सेना भाग गई, और अलेक्जेंडर ने उसका पीछा किया, और उन पर विजय प्राप्त की। और उसने युद्ध को बहुत तीव्र बना दिया जब तक सूरज नहीं डूब गया, और उस दिन डेमेट्रियस मारा गया। और अलेक्जेंडर ने मिस्र के राजा टॉलेमी के पास राजदूत भेजे, ये शब्द कहते हुए जब से मैं अपने राज्य में लौटा और अपने पिताओं के सिंहासन पर बैठा और मैंने शासन संभाला, और मैंने डेमेट्रियस को कुचला और हमारे देश पर अधिकार कर लिया, और मैंने

उसके विरुद्ध युद्ध छेड़ा, और वह स्वयं और उसका शिविर हमारे द्वारा चकनाचूर कर दिया गया, और हम उसके राज्य के सिंहासन पर बैठे। और हमें उसके साथ मित्रता स्थापित करनी चाहिए, और अब अपनी पुत्री मुझे पत्नी के रूप में दे दो, और मैं तुम्हारा दामाद बनूंगा, और मैं तुम्हें और उसे तुम्हारे योग्य उपहार दूंगा। और राजा टॉलेमी ने उत्तर देते हुए कहा, शुभ दिन है वह, जिस दिन तुम अपने पितरों की भूमि में लौटे, और तुम उनके राज्य के सिंहासन पर बैठे। और अब मैं तुम्हारे लिए वह करूंगा जो तुमने लिखा है, लेकिन टॉलेमाइस में मिलो, ताकि हम एक दूसरे को देखें, और मैं तुम्हारा दामाद बनूंगा जैसा तुमने कहा है। और टॉलेमी मिस्र से निकला, वह और उसकी पुत्री क्लियोपेट्रा, और वे एक सौ बासठवें वर्ष में टॉलेमाइस आए। और राजा अलेक्जेंडर उससे मिला, और उसने अपनी पुत्री क्लियोपेट्रा का विवाह उससे कर दिया, और उसने उसका विवाह टॉलेमाइस में किया, जैसे राजा करते हैं, बड़ी धूमधाम से। और राजा अलेक्जेंडर ने जोनाथन को अपने से मिलने के लिए आने को लिखा। और वह गौरव के साथ टॉलेमाइस गया, और दो राजाओं से मिला, और उन्हें तथा उनके मित्रों को चांदी और सोना दिया, और बहुत से उपहार दिए, और उनके सामने कृपा पाई। और इस्राएल से दुष्ट पुरुष, अधर्मी लोग, उसके विरुद्ध मिलने के लिए उसके पास इकट्ठे हुए, और राजा ने उन पर ध्यान नहीं दिया और राजा ने उन्हें आदेश दिया, और उसने योनाथन के वस्त्र उतारे, और उसे बैंगनी वस्त्र पहनाया, और उन्होंने ऐसा ही किया। और राजा ने उसे अपने साथ बिठाया, और अपने शासकों से कहा, उसके साथ नगर के बीच में जाओ, और घोषणा करो कि कोई भी किसी भी मामले में इसके विरुद्ध न मिले। और कोई भी किसी भी बात के बारे में उसे परेशान न करे। और ऐसा हुआ कि जब मिलने वालों ने उसकी महिमा देखी जैसा उसने घोषणा की थी, और उसे सन के कपड़े में लपेटा हुआ देखा, तो सब भाग गए। और राजा ने उसे गौरवान्वित किया, और उसे प्रथम मित्रों में लिखा, और उसे सेनापति और जिला कमांडर नियुक्त किया। और जोनाथन शांति और आनंद के साथ यरूशलेम लौट आया। और सौ पैंसठवें वर्ष में डेमेट्रियस, जो डेमेट्रियस का पुत्र था, क्रेते से अपने पूर्वजों की भूमि में आया। और राजा अलेक्जेंडर ने सुना, और वह बहुत दुखी हुआ, और अन्ताकिया को लौट गया। और डेमेट्रियस ने अपोल्लोनियस को नियुक्त किया जो कोइले सीरिया का अधिकारी था, और उसने एक विशाल सेना एकत्र की, और यामनिया में डेरा डाला, और महायाजक योनाथन

के पास संदेश भेजा, यह कहते हुए तू अकेले ही हम पर गर्व करता है, लेकिन मैं तेरे कारण उपहास और निंदा का पात्र बन गया हूँ, और तू पहाड़ों में हम पर क्यों अधिकार जमाता है? अब इसलिए यदि तू अपनी शक्तियों पर विश्वास करता है, तो हमारे पास मैदान में आ जा, और वहाँ हम आपस में युद्ध करें, क्योंकि मेरे साथ नगरों की शक्ति है। पूछो और जान लो कि मैं कौन हूँ और वे शेष लोग कौन हैं जो हमारी सहायता कर रहे हैं, और वे कहते हैं कि तुम्हें हमारे सामने खड़े होने का अधिकार नहीं है, क्योंकि तुम्हारे पिता उनकी भूमि में दो बार पराजित हुए थे। और अब तुम ऐसे घोड़े और शक्ति को मैदान में सहन नहीं कर सकोगे, जहाँ न पत्थर है, न कंकड़, न भागने का कोई स्थान। जब योनातान ने अपोल्लोनियुस के शब्द सुने, तो वह मन में उद्वेलित हो गया। और उसने दस हजार पुरुषों को चुना, और यरूशलेम से निकला, और उसका भाई शिमोन उसकी सहायता के लिए उससे मिला। और उसने योप्पा पर डेरा डाला, और शहर के लोगों ने उसे बाहर रखा, क्योंकि अपोल्लोनियुस की चौकी योप्पा में थी। और उन्होंने उस पर आक्रमण किया। और डरकर शहर के लोगों ने द्वार खोल दिए, और योनातान ने योप्पा पर अधिकार कर लिया। और अपोलोनियुस ने सुना, और तीन हजार घुड़सवार और बहुत बड़ी सेना का डेरा डाला, और अजोतुस की ओर गया जैसे कि वहाँ से गुजर रहा हो, और साथ ही मैदान की ओर बढ़ा, क्योंकि उसके पास बहुत घुड़सवार थे और वह उन पर भरोसा करता था। और उसने अजोतुस तक उसका पीछा किया, और शिविर युद्ध के लिए उसके पीछे एकत्रित हुए। और अपोलोनियस ने एक हजार घोड़े गुप्त रूप से अपने पीछे छोड़ दिए, और जोनाथन ने जान लिया कि उसके पीछे घात लगाई गई है। और उन्होंने उसके शिविर को घेर लिया, और सुबह से शाम तक लोगों पर तीर बरसाए। लेकिन लोग वैसे ही खड़े रहे जैसा जोनाथन ने आदेश दिया था, और उनके घोड़े थक गए। और शिमोन ने अपनी सेना को खींचकर लाया और फालान्क्स से युद्ध किया, क्योंकि घुड़सवार सेना थक चुकी थी, और वे उसके द्वारा कुचल दिए गए और भाग गए। और घोड़े मैदान में बिखर गए, और वे अजोतुस की ओर भाग गए, और वे बचाए जाने के लिए अपनी मूर्ति के मंदिर बेथदागोन में प्रवेश किए। और योनाथन ने अजोतुस और उसके आसपास के शहरों को जला दिया, और उनकी लूट ली, और दागोन के मंदिर और उसके मंदिर को आग में जला दिया। और तलवार से गिरे हुए लोग जलाए गए लोगों के साथ आठ हजार पुरुष हुए। और जोनाथन वहाँ से प्रस्थान

किया, और अशकलोन में डेरा डाला, और शहर के लोग उससे मिलने के लिए बड़ी महिमा के साथ निकले। और जोनाथन अपने साथियों के साथ बहुत सारी लूट लेकर लौटा। और ऐसा हुआ कि जब राजा अलेक्जेंडर ने ये शब्द सुने, तो उसने योनातन को और सम्मानित किया। और उसने उसे सुनहरा ब्रोच भेजा, जैसा कि राजाओं के रिश्तेदारों को दिए जाने की रिवाज है, और उसने उसे एक्रोन और उसकी सभी सीमाएँ विरासत में दीं।

11

और मिस्र के राजा ने समुद्र के किनारे की रेत के समान अनगिनत सेनाएं एकत्रित कीं, और बहुत से जहाज, और उसने छल से सिकंदर के राज्य पर अधिकार करने की कोशिश की, और उसे अपने राज्य में मिलाने की। और वह शांतिपूर्ण शब्दों के साथ सीरिया गया। और शहरों के लोगों ने उसके लिए द्वार खोले, और उससे मिले, क्योंकि सिकंदर राजा का आदेश था कि उससे मिलें, इस कारण से कि वह उसका ससुर था। जब वह टॉलेमाइस के शहरों में प्रवेश कर रहा था, तो उसने प्रत्येक शहर में सेनाओं को पहरे के लिए तैनात किया। जब वह अजोटुस के पास पहुँचा, तो उन्होंने उसे दागोन का मंदिर जला हुआ दिखाया, और अजोटुस और उसके आसपास के इलाके ध्वस्त हो गए थे, और शव फेंके हुए थे, और जले हुए लोग जिन्हें उसने युद्ध में जलाया था, क्योंकि उन्होंने उनके ढेर उसके रास्ते में बना दिए थे। और उन्होंने राजा को वह बताया जो योनातन ने किया था, ताकि उस पर दोष लगाया जा सके, परन्तु राजा चुप रहा। और योनातन राजा से योप्पा में भव्यता के साथ मिले, और उन्होंने एक-दूसरे का अभिवादन किया, और वे वहाँ रुके। और जोनाथन राजा के साथ उस नदी तक गया जो मुक्त कहलाती है, और यरूशलेम लौट आया। राजा टॉलेमी ने समुद्र तट के शहरों पर समुद्र के किनारे स्थित सेल्यूसिया तक नियंत्रण प्राप्त कर लिया, और वह सिकंदर के बारे में दुष्ट विचार कर रहा था। और उसने राजदूतों को राजा देमेत्रियुस के पास भेजा, यह कहते हुए, आओ, हम आपस में वाचा बाँधें, और मैं तुम्हें अपनी बेटी दूंगा जो अलेक्जेंडर के पास है, और तुम अपने पिता के राज्य पर राज करोगे। मुझे पछतावा है

कि मैंने उसे अपनी बेटी दी, क्योंकि उसने मुझे मारने की कोशिश की। और उसने उसे उसके राज्य की इच्छा करने के कारण दोष दिया। और उसकी पुत्री को लेकर, उसने उसे देमेत्रियुस को दे दिया, और सिकन्दर का चेहरा बदल गया, और उनकी शत्रुता प्रकट हो गई। और टॉलेमी अन्ताकिया में प्रवेश किया, और उसने एशिया का मुकुट पहना, और उसने अपने सिर पर दो मुकुट पहने, एशिया का और मिस्र का। अलेक्जेंडर राजा उन दिनों किलिकिया में था, क्योंकि उन स्थानों के लोग विद्रोह कर रहे थे। अलेक्जेंडर ने यह सुना, और वह युद्ध में उस पर चढ़ाई करने आया, और टॉलेमी सेना लेकर निकला और शक्तिशाली सेना के साथ उससे भिड़ा, और उसे पराजित कर दिया। और अलेक्जेंडर अरब भाग गया, ताकि वह वहाँ संरक्षित हो सके, और राजा टॉलेमी की महिमा बढ़ी। और अरब ज़बदीएल ने अलेक्जेंडर का सिर काट दिया और टॉलेमी को भेज दिया। और राजा टॉलेमी तीसरे दिन मर गया, और जो लोग उसके किलों में थे, वे किलों में रहने वालों द्वारा मार दिए गए। और डेमेत्रियस ने एक सौ सत्तरवें वर्ष में राज्य किया। उन दिनों में योनातान ने यहूदिया के लोगों को इकट्ठा किया, ताकि यरूशलेम में स्थित गढ़ के विरुद्ध युद्ध किया जाए, और उन्होंने उसके विरुद्ध बहुत से यंत्र बनाए। और कुछ अधर्मी पुरुष जो अपने राष्ट्र से घृणा करते थे, राजा के पास गए और उसे सूचना दी कि योनातान ने किले को घेर रखा है। और जब उसने सुना तो वह क्रोधित हुआ, और जैसे ही उसने सुना, तुरंत प्रस्थान करके वह टॉलेमाइस आया, और उसने योनातान को लिखा कि घेराबंदी न करे और उससे मिलने के लिए यथाशीघ्र टॉलेमाइस आए। जब योनातान ने सुना, तो उसने घेरा डालने का आदेश दिया, और इस्राएल के बुजुर्गों और पुजारियों को चुना, और स्वयं को खतरे में डाल दिया। चाँदी, सोना, वस्त्र और अन्य अनेक उपहार लेकर वह टॉलेमाइस में राजा के पास गया, और उसने राजा के सामने कृपा प्राप्त की। और उस जाति के कुछ अधर्मी लोग उसके विरुद्ध याचना कर रहे थे। और राजा ने उसके साथ वैसा ही किया जैसा उससे पहले के राजाओं ने किया था, और उसने उसको अपने सभी मित्रों के सामने ऊँचा स्थान दिया। और उसने उसे महायाजक पद पर स्थापित किया, और जितने भी अन्य सम्मानित पद उसके पास पहले थे, और उसे प्रमुख मित्रों में गिना जाने योग्य बनाया। और योनातान ने राजा से यहूदिया को, तीन प्रशासनिक क्षेत्रों को और सामरिया को कर-मुक्त करने का अनुरोध किया, और उन्होंने उसे तीन सौ तालन्त देने का वादा किया। और राजा

प्रसन्न हुआ, और उसने जोनाथन को इन सब विषयों के बारे में इस प्रकार के पत्र लिखे राजा देमेत्रियुस भाई योनातान को और यहूदी राष्ट्र को अभिवादन करता है। उस पत्र की प्रतिलिपि, जो हमने अपने संबंधी लास्थेनेस को तुम्हारे विषय में लिखा था, हमने तुम्हें भी लिखी है, ताकि तुम देख सको। राजा देमेत्रियोस पिता लास्थेनेस को अभिवादन करता है। यहूदियों के राष्ट्र को, जो हमारे मित्र हैं और हमारे प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार बनाए रखते हैं, हमने भलाई करने का निर्णय लिया है, उनकी हमारे प्रति सद्भावना के कारण। हमने इसलिए उनके लिए यहूदिया की सीमाएं निर्धारित की हैं और तीन प्रांत - अफैरेमा और लुद्धा और रथामीन - सामरिया से यहूदिया में जोड़े गए, और सभी संलग्न क्षेत्र उन सबके लिए जो यरूशलेम में बलिदान करते हैं, उन शाही करों के बदले में जो राजा उनसे पहले प्रतिवर्ष भूमि की उपज और वृक्षों के फलों से लेता था। और अब से हमसे संबंधित अन्य चीजें, अर्थात् दशमांश और कर जो हमसे संबंधित हैं, और नमक की झीलें, और हमसे संबंधित मुकुट - यह सब हम उन्हें प्रदान करेंगे। और अब से लेकर सदा के लिए इनमें से कुछ भी रद्द नहीं किया जाएगा। अब इसलिए इन की प्रतिलिपि बनाने का ध्यान रखो, और वह योनातान को दी जाए, और उसे पवित्र पहाड़ पर किसी उपयुक्त प्रतिष्ठित स्थान में रखा जाए। और राजा डेमेट्रियोस ने देखा कि उसके सामने भूमि शांत हो गई थी और कोई भी उसका प्रतिरोध नहीं कर रहा था, और उसने अपनी सभी सेनाओं को भेज दिया, प्रत्येक को उसके अपने स्थान पर, सिवाय उन विदेशी सेनाओं के जिन्हें उसने राष्ट्रों के द्वीपों से भर्ती किया था, और पूर्वजों की सभी सेनाओं ने उनसे घृणा की। Gryphaon पहले Alexander के पास से था, और उसने देखा कि सब शक्तियाँ Demetrius के विरुद्ध बड़बड़ाती हैं, और वह Arab Sinmalkoue के पास गया, जो Alexander के लड़के Antiochus को पाल रहा था। और वह उसकी सेवा में उपस्थित रहा, ताकि वह उसे सौंप दे, ताकि वह अपने पिता के स्थान पर राज्य करे, और उन्होंने उसे सूचना दी कि डेमेट्रियस ने क्या-क्या पूरा किया, और उस शत्रुता के बारे में जो उसकी सेनाएं उसके प्रति रखती थीं, और वह वहां कई दिनों तक रहा। और योनातान ने राजा दिमित्रियुस के पास भेजा, ताकि वह यरूशलेम के गढ़ से और किलों में रहने वालों को निकाल दे, क्योंकि वे इस्राएल से लड़ रहे थे। और डेमेट्रियस ने जोनाथन के पास संदेश भेजा कहते हुए, मैं न केवल ये काम तुम्हारे और तुम्हारे राष्ट्र के लिए करूंगा, बल्कि मैं तुम्हें और तुम्हारे

राष्ट्र को महिमा से महिमामंडित करूंगा, यदि मुझे अवसर मिले। अब इसलिए तुम सही करोगे यदि हमें ऐसे लोग भेजो जो मेरी सहायता करेंगे, क्योंकि मेरी सभी सेनाओं ने विद्रोह कर दिया है। और योनातान ने तीन हजार शक्तिशाली पुरुषों को अन्ताकिया भेजा, और वे राजा के पास आए, और राजा उनके आगमन पर प्रसन्न हुआ। और शहर के लोग शहर के बीच में इकट्ठे हुए, बारह हजार पुरुष, और वे राजा को मारना चाहते थे। और राजा प्रांगण में भाग गया, और नगर के लोगों ने नगर के मार्गों को पकड़ लिया, और उन्होंने युद्ध करना आरंभ किया। और राजा ने यहूदियों को सहायता के लिए बुलाया, और वे सभी एक साथ उसके पास एकत्रित हुए, और वे शहर में फैल गए, और उन्होंने उस दिन शहर में एक लाख लोगों को मार डाला। और उन्होंने शहर को जला दिया, और उस दिन बहुत सारी लूट ली, और राजा को बचाया। और शहर के लोगों ने देखा कि यहूदियों ने शहर पर अधिकार कर लिया जैसा वे चाहते थे, और उनके मन कमजोर हो गए, और उन्होंने विनती के साथ राजा की ओर पुकारा, यह कहते हुए हमें दाहिना हाथ दो, और यहूदी हमसे और इस शहर से लड़ना बंद कर दें। और उन्होंने हथियार फेंक दिए, और शांति स्थापित की, और यहूदी राजा के सामने और उसके राज्य के सभी लोगों के सामने सम्मानित हुए, और वे बहुत सारी लूट लेकर यरूशलेम लौट गए। और राजा देमेत्रियुस अपने राज्य के सिंहासन पर बैठा, और उसके सामने भूमि शांत हो गई। और उसने जो कुछ भी कहा था, उस सब में झूठ बोला, और वह योनातान से अलग हो गया और उसने उन भलाइयों का बदला नहीं दिया जो योनातान ने उसे दी थीं, और उसने उसे बहुत सताया। इसके बाद त्रुफोन लौटा और अन्तियोखुस उसके साथ, जो एक छोटा बच्चा था, और उसने राज्य किया और मुकुट धारण किया। और वे सभी शक्तियाँ जिन्हें डेमेट्रियस ने तितर-बितर किया था, उसके पास एकत्रित हुईं, और उन्होंने उसके विरुद्ध युद्ध किया, और वह भाग गया और पराजित हुआ। और ट्रूफोन ने पशुओं को ले लिया, और अन्ताकिया पर अधिकार कर लिया। और छोटे अन्तियोखुस ने योनाथा को लिखा कहते हुए, मैं तुम्हें महायाजकपद पर स्थापित करता हूँ, और तुम्हें चार जिलों पर नियुक्त करता हूँ, और तुम राजा के मित्रों में से हो। और उसने उसे सोने के बर्तन और सेवा भेजी, और उसे सोने के बर्तनों में पीने का, बैंगनी वस्त्र पहनने का, और सोने का ब्रोच रखने का अधिकार दिया। और उसने अपने भाई शिमोन को सोर की सीढ़ी से लेकर मिस्र की सीमाओं तक सेनापति नियुक्त किया। और

जोनाथन निकला, और वह नदी के पार और शहरों में यात्रा कर रहा था, और सीरिया की सभी शक्तियाँ गठबंधन के लिए उसके पास इकट्ठा हुई, और वह अस्कालोन में आया, और शहर के लोग गौरवपूर्वक उससे मिले। और वह वहाँ से गाज़ा को चला गया, और गाज़ा के लोगों ने बंद कर दिया, और उसने उसे घेर लिया, और उसके चरागाहों को आग में जला दिया, और उन्हें लूट लिया। और गाज़ा के लोगों ने योनातान को योग्य समझा, और उसने उन्हें दाहिना हाथ दिया, और उसने उनके शासकों के पुत्रों को बंधक बनाया, और उन्हें यरूशलेम भेजा, और वह भूमि से होकर दमिश्क तक गया। और योनातान ने सुना कि दिमित्रियुस के शासक गलील के केदेश में बहुत बड़ी सेना के साथ उपस्थित थे, जो उसे उसके पद से हटाना चाहते थे। और वह उनसे मिला, लेकिन उसने अपने भाई शिमोन को उस भूमि में छोड़ दिया। और शिमोन ने बेथसूरा में डेरा डाला, और कई दिनों तक उससे युद्ध किया और उसे घेर लिया। और उन्होंने उसे दाहिने हाथ देने के योग्य समझा, और उसने उन्हें दिया, और उसने उन्हें वहाँ से निकाल दिया और शहर पर कब्जा कर लिया, और उस पर पहरा बिठाया। और जोनाथन और उसकी सेना ने गेन्नेसरेत के जल पर डेरा डाला, और वे सुबह जल्दी उठे और नासोर के मैदान में गए। और देखो, विदेशियों का शिविर मैदान में उससे मिला, और उन्होंने पहाड़ों में उसके विरुद्ध घात लगाई, लेकिन वे स्वयं सामने से आकर मिले। लेकिन घात लगाए हुए सैनिक अपने स्थानों से उठ खड़े हुए, और युद्ध में शामिल हुए, और योनातान के पास के सभी लोग भाग गए। न ही उनमें से एक भी छोड़ा गया, सिवाय मत्तथियास जो अब्सालोम का पुत्र था और यहूदा जो खल्फी का पुत्र था, जो सेना के सेनापति थे। और जोनाथन ने अपने वस्त्र फाड़ दिए, और अपने सिर पर मिट्टी डाल दी, और प्रार्थना की। और वह युद्ध के लिए उनकी ओर लौटा, और उसने उन्हें पराजित किया, और वे भाग गए। और मैंने देखा कि जो लोग उसके पास से भाग गए थे, वे उसकी ओर लौट आए, और उसके साथ कादेश तक, उनके शिविर तक पीछा किया, और वहाँ डेरा डाला। और उस दिन विदेशियों में से तीन हजार पुरुष गिरे, और योनातान यरूशलेम लौट आया।

और योनातान ने देखा कि समय उसके अनुकूल है, और उसने पुरुषों को चुना, और उन्हें रोम भेजा ताकि उनके साथ मित्रता स्थापित करे और नवीनीकृत करे। और उसने स्पार्टा वासियों और अन्य स्थानों को इसी प्रकार पत्र भेजे। और वे रोम गए, और परिषद भवन में गए, और बोले, महायाजक योनातान और यहूदियों के राष्ट्र ने हमें भेजा है कि हम उनके साथ मित्रता और गठबंधन का नवीनीकरण करें, जैसा पहले था। और उन्होंने उन्हें हर स्थान के लिए पत्र दिए, ताकि वे उन्हें शांति के साथ यहूदा देश में भेज सकें। और यह उन पत्रों की प्रतिलिपि है जो योनातान ने स्पार्टावासियों को लिखे थे जोनाथन, राष्ट्र के महायाजक, और बुजुर्गों की परिषद, और पुजारी, और यहूदियों के शेष लोग, स्पार्टियों को, भाइयों को, अभिवादन। इससे भी पहले ओनियास महायाजक के पास पत्र भेजे गए थे अरेडोस की ओर से जो तुम्हारे बीच शासन कर रहा था, कि तुम हमारे भाई हो, जैसा कि प्रति नीचे दी गई है। और ओनियास ने उस व्यक्ति को जो भेजा गया था, गौरवपूर्वक स्वीकार किया, और उन पत्रों को लिया जिनमें गठबंधन और मित्रता के बारे में स्पष्ट किया गया था। और इसलिए हम, इनकी आवश्यकता न रखते हुए, पवित्र पुस्तकों से सात्वना पाते हैं जो हमारे हाथों में हैं। हमने तुम्हारे पास भाईचारा और मित्रता को नवीनीकृत करने के लिए भेजने का प्रयास किया, ताकि तुमसे अलग न हो जाएं, क्योंकि बहुत समय बीत चुका है जब से तुमने हमारे पास भेजा था। इसलिए हम हर समय निरंतर त्योहारों में और शेष नियत दिनों में तुम्हें याद करते हैं, जब हम बलिदान चढ़ाते हैं और प्रार्थनाओं में, जैसा कि भाइयों को याद करना आवश्यक और उचित है। हम तुम्हारी महिमा पर आनन्दित होते हैं। हमें बहुत कष्टों और बहुत युद्धों ने घेर लिया, और हमारे चारों ओर के राजाओं ने हमसे युद्ध किया। इसलिए हम तुम्हें और हमारे शेष सहयोगियों और मित्रों को इन युद्धों में परेशान नहीं करना चाहते थे। क्योंकि हमारे पास स्वर्ग से सहायता है जो हमारी मदद कर रही है, और हम अपने शत्रुओं से बचाए गए, और हमारे शत्रु अपमानित किए गए। इसलिए हमने अन्तियोखुस के पुत्र नुमेनियस और यासोन के पुत्र अन्तिपात्रोन को चुना, और हमने उन्हें रोमियों के पास भेजा है ताकि उनके साथ पहले की मित्रता और गठबंधन का नवीनीकरण किया जाए। इसलिए हमने उन्हें आज्ञा दी कि वे तुम्हारे पास जाएं और तुम्हें अभिवादन करें, और तुम्हें हमारी ओर से वे पत्र सौंपें जो हमारे नवीनीकरण और हमारे भाईचारे के विषय में हैं। और अब आप अच्छा करेंगे यदि आप हमें इन

बातों का उत्तर दें। और यह उन पत्रों की प्रति है जो उन्होंने ओनियास को भेजी थी एरेस, स्पार्टन्स का राजा, महान पुजारी ओनियास को अभिवादन। लेखन में यह पाया गया कि स्पार्टियों और यहूदियों के विषय में, कि वे भाई हैं और वे अब्राहम के वंश से हैं। और अब जब से हमने यह जाना है, आप अच्छा करेंगे यदि हमें अपनी कुशलता के बारे में लिखें। और हम भी तुम्हें उत्तर लिखते हैं: तुम्हारे पशु और तुम्हारी संपत्ति हमारी है, और हमारी तुम्हारी है। इसलिए हम आदेश देते हैं कि वे तुम्हें इसी के अनुसार सूचना दें। और जोनाथन ने सुना कि डेमेट्रियस के शासक पहले से अधिक बड़ी सेना के साथ उसके विरुद्ध युद्ध करने के लिए लौट आए थे। और वह यरूशलेम से प्रस्थान किया, और उनसे हमीतीत भूमि में मिला, क्योंकि उसने उन्हें अपनी भूमि में प्रवेश करने की राहत नहीं दी। और उसने जासूसों को उसके शिविर में भेजा, और वे लौटे, और उन्होंने उसे सूचना दी कि वे इस प्रकार रात को उन पर आक्रमण करने के लिए व्यवस्थित हैं। जैसे ही सूरज डूबा, योनातान ने अपने साथियों को आदेश दिया कि वे जागते रहें और हथियारों पर रहें, पूरी रात युद्ध के लिए तैयार रहें, और उसने छावनी के चारों ओर पहरेदार तैनात किए। और शत्रुओं ने सुना कि जोनाथन और उसके साथी युद्ध के लिए तैयार हो गए हैं, और वे डर गए और उनका दिल कांप उठा, और उन्होंने अपने शिविर में आग जलाई। जोनाथन और उसके साथी सुबह तक नहीं जान पाए, क्योंकि वे जलती हुई रोशनियाँ देख रहे थे। और उसने उनका पीछा किया, लेकिन उन्हें नहीं पकड़ सका, क्योंकि वे एलेउथेरोस नदी पार कर चुके थे। और जोनाथन ने उन अरबों की ओर रुख किया जो जबदी कहलाते थे, और उन्हें मारा, और उनकी लूट ले ली। और शिविर तोड़कर वह दमिश्क आया, और उसने पूरी भूमि में यात्रा की। और शिमोन बाहर निकला और अशकलोन तक यात्रा की और पड़ोस के किलों तक, और योप्पा की ओर मुड़ा और उसे पहले से ही अपने कब्जे में कर लिया। उसने सुना था कि वे किले को डेमेट्रियस के लोगों को सौंपना चाहते हैं, इसलिए उसने वहाँ एक रक्षक दल तैनात किया ताकि वे उसकी रक्षा करें। और जोनाथन लौटा और उसने लोगों के बुजुर्गों को बुलाया, और उनके साथ यहूदिया में किले बनाने की योजना बनाई। और यरूशलेम की दीवारों को ऊपर उठाना, और किले और शहर के बीच में एक बड़ी ऊंची दीवार खड़ी करना ताकि उसे शहर से अलग किया जा सके, जिससे वे न खरीद सकें और न बेच सकें। और वे निर्माण करने के लिए एकत्रित हुए, और पूर्व की ओर से बहने वाली धारा की

दीवार गिर गई, और उसने खफेनाथा नामक स्थान की मरम्मत की। और शिमोन ने सेफेला में अदीदा का निर्माण किया, और दरवाजों और छड़ों को मजबूत किया। और ट्रिफोन ने एशिया पर शासन करने, मुकुट धारण करने और राजा अन्तियोखुस के विरुद्ध हाथ उठाने की कोशिश की। और वह सावधान था कि कहीं जोनाथन उसे अनुमति न दे और कहीं उसके विरुद्ध युद्ध न करे, और वह उसे पकड़ने और मारने का मार्ग खोज रहा था, और प्रस्थान करके बेथसा में आया। और योनातान चालीस हजार चुने हुए पुरुषों के साथ युद्ध पंक्ति में उससे मिलने के लिए बाहर गया, और बेथसा में आया। और ट्रिफोन ने देखा कि वह बहुत बड़ी सेना के साथ उपस्थित है, इसलिए उस पर हाथ उठाने से वह सावधान रहा। और उसने उसका गौरवपूर्वक स्वागत किया, और उसे अपने सभी मित्रों से मिलवाया, और उसे उपहार दिए, और अपने मित्रों और अपनी सेनाओं को आदेश दिया कि वे उसी प्रकार उसकी आज्ञा मानें। और उसने जोनाथन से कहा, तुमने इन सब लोगों को क्यों मारा जबकि हमारे विरुद्ध कोई युद्ध नहीं था? और अब उन्हें उनके घरों में भेज दो, लेकिन अपने लिए कुछ पुरुषों को चुन लो जो तुम्हारे साथ होंगे, और मेरे साथ टॉलेमाइस चलो, और मैं तुम्हें उसे और शेष किलों और बहुत सी सेनाओं और आपूर्ति के सभी अधिकारियों को सौंप दूंगा, और फिर लौटकर चला जाऊंगा, क्योंकि मैं इसी उद्देश्य से यहां उपस्थित हूं। और उस पर विश्वास करके उसने वैसा ही किया जैसा कहा था, और सेनाओं को भेज दिया, और वे यहूदा की भूमि में चले गए। उसने अपने साथ तीन हजार पुरुष रखे, जिनमें से दो हजार को उसने गलील में छोड़ दिया, और एक हजार उसके साथ आए। जैसे ही योनातान टॉलेमाइस में प्रवेश किया, टॉलेमाइसवासियों ने द्वार बंद कर दिए, और उसे पकड़ लिया, और उसके साथ आए सभी लोगों को तलवार से मार डाला। और ट्रिफोन ने सेनाओं और घुड़सवारों को गलील के महान मैदान में भेजा, ताकि योनातान के सभी साथियों को नष्ट कर दे। और उन्होंने पहचान लिया कि वह पकड़ा गया था और नष्ट हो गया है, और वे जो उसके साथ थे, और उन्होंने स्वयं को प्रोत्साहित किया, और वे एकत्रित होकर युद्ध के लिए तैयार चले गए। और पीछा करने वालों ने देखा कि यह उनकी जान का मामला है, और वे लौट गए। और सब शांति के साथ यहूदा की भूमि में आए, और उन्होंने योनातान और उसके साथियों के लिए शोक किया, और वे बहुत डरे, और इस्राएल ने महान शोक किया। और उनके चारों ओर की सभी राष्ट्रों ने उन्हें नष्ट करने की कोशिश

की, क्योंकि उन्होंने कहा, उनके पास कोई शासक और सहायक नहीं है, इसलिए अब हम उनके विरुद्ध युद्ध करें, और मनुष्यों में से उनकी स्मृति को मिटा दें।

13

और शिमोन ने सुना कि तूफान ने यहूदा की भूमि में आने और उसे नष्ट करने के लिए बहुत बड़ी सेना एकत्र की है। और उसने देखा कि लोग कांप रहे हैं और भयभीत हैं, और वह यरूशलेम गया और उसने लोगों को इकट्ठा किया। और उसने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनसे कहा, तुम स्वयं जानते हो कि मैंने और मेरे भाइयों ने और मेरे पिता के घराने ने व्यवस्था और पवित्र स्थान के लिए कितना किया है, और कैसे युद्धों और कठिनाइयों का सामना किया है। इसी कारण मेरे सभी भाई इस्राएल के लिए नष्ट हो गए, और मैं अकेला रह गया। और अब ऐसा न हो कि मैं विपत्ति के किसी भी समय में अपनी जान बचाऊँ, क्योंकि मैं अपने भाइयों से बेहतर नहीं हूँ। परन्तु मैं अपने राष्ट्र के विषय में, और पवित्र वस्तुओं के विषय में, और स्त्रियों और हमारे बच्चों के विषय में बदला लूंगा, क्योंकि सब राष्ट्र शत्रुता के कारण हमें नष्ट करने के लिए इकट्ठे हुए हैं। और इन शब्दों को सुनकर उसके लोगों की आत्मा पुनर्जीवित हुई। और उन्होंने ऊँची आवाज़ में उत्तर देते हुए कहा, तू हमारा नेता है यहूदा और तेरे भाई योनातान के स्थान पर। हमारी ओर से युद्ध लड़ो, और जो कुछ भी तुम हमें कहोगे, हम करेंगे। और उसने सभी योद्धाओं को इकट्ठा किया, और यरूशलेम की दीवारों को पूरा करने में जल्दी की, और उसे चारों ओर से मजबूत किया। और उसने योनातान को, जो अब्सालोम का पुत्र था, पर्याप्त सेना के साथ योप्पा भेजा, और उसने वहाँ रहने वालों को निकाल दिया, और वह वहीं रहा। और तूफान बहुत बड़ी सेना के साथ यहूदा की भूमि में प्रवेश करने के लिए टॉलेमाइस से प्रस्थान किया, और योनातान उसके साथ कैद में था। शिमोन ने मैदान के सामने अदीदा में डेरा डाला। और तूफान ने पहचान लिया कि शिमोन अपने भाई योनाथन के स्थान पर उठ खड़ा हुआ है, और यह कि वह उससे युद्ध में भिड़ने वाला है, और उसने उसके पास राजदूत भेजे, यह कहते हुए उस चांदी के विषय में जो तुम्हारा भाई

जोनाथन राजकोष में देना चाहिए था, उन आवश्यकताओं के कारण जो उसके पास थीं, हम उसे रोके हुए हैं। और अब चाँदी के सौ तालान्त और उसके दो पुत्रों को बंधक के रूप में भेजो, ताकि छोड़े जाने पर वह हमसे विद्रोह न करे, और हम उसे छोड़ देंगे। और सिमोन जान गया कि वे छल से उससे बोलते हैं, और वह चाँदी और युवा पुरुषों को भेजता है, कहीं वह लोगों के प्रति महान शत्रुता न उठाए कह रहे हैं कि मैंने उसको चाँदी नहीं भेजी, और युवा लड़के नष्ट हो गए और उसने युवा पुरुषों और सौ तालान्त भेजे, और धोखा दिया, और योनातान को नहीं छोड़ा। और इन घटनाओं के बाद ट्रायफोन शहर में प्रवेश करने और उसे नष्ट करने के लिए आया, और वह अदोरा की ओर जाने वाले मार्ग से घूमा, और सिमोन और उसकी सेना ने हर उस स्थान पर उसके सामने कूच किया जहाँ वह जा रहा था। लेकिन दुर्ग के लोग राजदूत भेज रहे थे और उसे रेगिस्तान के माध्यम से उनके पास आने के लिए जल्दी करवा रहे थे और उन्हें भोजन भेजने के लिए कह रहे थे। और टूफोन ने अपनी सारी घुड़सवार सेना को आने के लिए तैयार किया, और उस रात बहुत अधिक बर्फबारी हुई, और वह बर्फ के कारण नहीं आया, और वह प्रस्थान करके गिलाद में आया। जब वह बस्कामा के पास पहुँचा, तो उसने जोनाथन को मार डाला, और वह वहीं दफनाया गया। और टूफोन लौटा और अपनी भूमि में चला गया। और शिमोन ने अपने भाई योनातान की हड्डियाँ मँगवाई और उन्हें अपने पूर्वजों के शहर मोदेईम में दफनाया। और समस्त इसराएल ने उसके लिए बड़ा विलाप किया, और उसके लिए बहुत दिनों तक शोक मनाया। और शिमोन ने अपने पिता और अपने भाइयों की कब्र पर निर्माण किया, और उसे चिकने पत्थर से पीछे और सामने से देखने में ऊँचा बनाया। और उसने सात पिरामिड स्थापित किए, एक दूसरे के सामने, पिता और माता और चार भाइयों के लिए। और इनके लिए उसने बड़े स्तंभों को चारों ओर रखकर यंत्र बनाए, और उसने स्तंभों पर शाश्वत नाम के लिए पूर्ण कवच बनाए, और पूर्ण कवचों के पास जहाज उकेरे गए थे, ताकि समुद्र में नौकायन करने वाले सभी लोगों द्वारा देखे जा सकें। यह वह कब्र है जो उसने मोदेईम में बनाई थी, आज के दिन तक। लेकिन ट्रिफोन छल से युवा राजा अन्तियोखुस के साथ गया, और उसे मार डाला। और उसने उसके स्थान पर राज्य किया, और उसने एशिया का मुकुट पहना, और उसने पृथ्वी पर महान प्रहार किया। और शिमोन ने यहूदिया के किले का निर्माण किया, और उसे ऊँची मीनारों, बड़ी दीवारों, मीनारों, द्वारों और सलाखों से किलेबंद किया,

और किलों में भोजन रखा। और सिमोन ने पुरुषों को चुना और देमेत्रियुस राजा के पास भेजा ताकि देश को छूट दिलाए, क्योंकि त्रुफोन के सभी कार्य लूटपाट के थे। और राजा डेमेट्रियस ने इन शब्दों के अनुसार उसको भेजा, और उसको उत्तर दिया, और उसको ऐसा पत्र लिखा राजा डेमेट्रियस की ओर से सिमोन महायाजक, राजाओं के मित्र, बुजुर्गों और यहूदी राष्ट्र को शुभकामनाएँ। सोने का मुकुट और खजूर की शाखा जो तुमने भेजी थी, हमने प्राप्त कर ली है, और हम तुम्हारे लिए महान शांति स्थापित करने के लिए तैयार हैं, और अधिकारियों को तुम्हें छूट देने के लिए लिखने के लिए तैयार हैं। और जो कुछ हमने तुम्हारे साथ स्थापित किया है वह बना हुआ है, और जो किले तुमने बनाए हैं, वे तुम्हारे ही रहें। हम तुम्हारी गलतियों और पापों को आज के दिन तक क्षमा करते हैं, और वह मुकुट जो तुम पर बकाया था, और यदि यरूशलेम में कोई अन्य कर लगाया जाता था, तो अब वह न लगाया जाए। और यदि तुम्हारे कुछ उपयुक्त लोग हमारे विषय में लिखे जाने के लिए हों, तो उन्हें नामांकित किया जाए, और हमारे बीच शांति हो। सौवें सत्तरवें वर्ष में राष्ट्रों का जुआ इस्राएल से उठा लिया गया। और इस्राएल के लोगों ने दस्तावेजों और अनुबंधों में लिखना आरंभ किया, शिमोन महायाजक, महान सेनापति और यहूदियों के नेता के प्रथम वर्ष में। उन दिनों में उसने गाज़ा पर डेरा डाला, और शिविरों से उसे घेर लिया, और घेराबंदी का यंत्र बनाया और शहर के पास लाया, और एक मीनार पर हमला किया, और उसे कब्ज़ा कर लिया। और वे घेराबंदी मीनार से नगर में कूद पड़े, और नगर में बड़ी हलचल मच गई। और शहर में रहने वाले लोग अपनी स्त्रियों और बच्चों के साथ दीवार पर चढ़ गए, अपने वस्त्र फाड़ कर, और ऊँची आवाज़ से चिल्लाए, सिमोन से विनती करते हुए कि वह उन्हें दाहिना हाथ दे। और उन्होंने कहा, हमारी दुष्टताओं के अनुसार हमारे साथ व्यवहार मत करो, बल्कि अपनी दया के अनुसार करो। और सिमोन उनसे सुलह कर लिया, और उनसे नहीं लड़ा, और उन्हें शहर से निकाल दिया, और उन घरों को शुद्ध किया जिनमें मूर्तियाँ थीं, और इस प्रकार भजन गाते हुए और आशीर्वाद देते हुए उसमें प्रवेश किया। और उसने उसमें से सारी अशुद्धता को निकाल दिया, और उसमें ऐसे पुरुषों को बसाया जो व्यवस्था का पालन करते हैं, और उसने उसे दृढ़ किया, और उसने अपने लिए उसमें एक निवास बनाया। वे लोग जो यरूशलेम के किले में थे, भूमि में बाहर जाने और खरीदने-बेचने से रोके गए थे, और वे अत्यधिक भूखे हुए, और उनमें से

बहुत से लोग अकाल से नष्ट हो गए। और उन्होंने सीमोन से संधि करने के लिए पुकारा, और उसने उन्हें स्वीकार किया, और उसने उन्हें वहाँ से निकाल दिया, और उसने गढ़ को अशुद्धताओं से शुद्ध किया। और वह उसमें दूसरे महीने के तेईसवें दिन, एक सौ इकहत्तरवें वर्ष में प्रवेश किया, स्तुति और खजूर की शाखाओं के साथ, और वीणाओं, झांझों, सारंगियों, भजनों और गीतों के साथ, क्योंकि इस्राएल का महान शत्रु चकनाचूर हो गया था। और उसने प्रत्येक वर्ष इस दिन को मनाने की स्थापना की। और उसने मंदिर के पहाड़ को, जो गढ़ के पास था, किलाबंद किया, और वह स्वयं और उसके साथी वहाँ रहने लगे। और शिमोन ने अपने पुत्र योहन को देखा कि वह एक पुरुष है, और उसे सभी सेनाओं का नेता नियुक्त किया, और वह गज़ारा में रहता था।

14

और सौ बहत्तरवें वर्ष में राजा देमेत्रियोस ने अपनी सेनाओं को इकट्ठा किया और मेदिया को गया ताकि अपने लिए सहायता प्राप्त करे, जिससे वह त्रुफोन से लड़ सके। और असकिस ने, जो पर्सिया और मेदिया का राजा था, सुना कि देमेत्रियोस उसकी सीमाओं में आया था, और उसने अपने शासकों में से एक को उसे जीवित पकड़ने के लिए भेजा। और वह गया और उसने डेमेट्रियस के शिविर पर प्रहार किया और उसे पकड़ लिया, और उसे आसकिस के पास ले गया, और उसे कारागार में रखा। और शिमोन के सभी दिनों में भूमि शांत रही, और उसने अपने राष्ट्र के लिए अच्छी चीजें खोजीं, और उसका अधिकार और उसकी महिमा सभी दिनों में उन्हें प्रसन्न करती रही। और अपनी सारी महिमा के साथ उसने योप्पा को बंदरगाह के रूप में लिया, और समुद्र के द्वीपों में प्रवेश किया। और उसने अपने राष्ट्र की सीमाओं को विस्तृत किया, और उस भूमि पर अधिकार कर लिया। और उसने बहुत से बंदियों को इकट्ठा किया, और उसने गाज़ारा, बेथ सूर और किले पर नियंत्रण प्राप्त किया, और उसने वहाँ से अशुद्धताओं को हटा दिया, और उसका कोई विरोधी नहीं था। और वे अपनी भूमि पर शांति से खेती कर रहे थे, और भूमि अपनी उपज दे रही थी, और मैदानों के पेड़ अपना फल दे रहे थे। बुजुर्ग गलियों में बैठे थे, सब अच्छी

बातों के विषय में चर्चा कर रहे थे, और युवाओं ने गौरव और युद्ध के वस्त्र धारण किए। शहरों को उसने भोजन प्रदान किया, और उसने उन्हें किलेबंदी के साधनों से सुसज्जित किया, जब तक कि उसकी महिमा का नाम पृथ्वी के छोर तक प्रसिद्ध हो गया। उसने पृथ्वी पर शांति स्थापित की, और इस्राएल महान आनंद से प्रसन्न हुआ। और प्रत्येक व्यक्ति अपनी अंगूर की बेल के नीचे और अपने अंजीर के पेड़ के नीचे बैठा, और कोई नहीं था जो उन्हें डराए, और पृथ्वी पर उनके विरुद्ध युद्ध समाप्त हो गए, और उन दिनों में उनके राजा कुचल दिए गए। और उसने अपने लोगों के सभी विनम्र लोगों को स्थापित किया, व्यवस्था की खोज की, और सभी अधर्मी और बुरे को हटा दिया। उसने पवित्र वस्तुओं को महिमामंडित किया, और पवित्र वस्तुओं के पात्रों को बढ़ाया। और रोम में सुना गया कि जोनाथन मर गया, और स्पार्टा तक भी। और वे बहुत शोकित हुए। जब उन्होंने सुना कि सिमोन, जो उसका भाई था, उसके स्थान पर महायाजक बन गया है और देश तथा उसमें स्थित नगरों पर अधिकार कर रहा है। और उन्होंने उसे कांस्य पट्टिकाओं पर लिखा ताकि उसके साथ मित्रता और उस गठबंधन को नवीनीकृत किया जाए जो उन्होंने यहूदा और योनातान, उसके भाइयों के साथ स्थापित किया था। और वे यरूशलेम में सभा के सामने पढ़े गए। और यह उन पत्रों की प्रतिलिपि है जो स्पार्टावासियों के शासकों और नगर ने महायाजक सिमोन को और बुजुर्गों को और याजकों को और यहूदियों के शेष लोगों को, भाइयों को, भेजे थे - नमस्कार। वे राजदूत जो हमारे लोगों के पास भेजे गए थे, उन्होंने हमें आपकी महिमा और सम्मान के बारे में सूचना दी, और हम उनके आगमन पर प्रसन्न हुए। और लोगों की सभाओं में उनके द्वारा कही गई बातों को अभिलेखित करके इस प्रकार - एंटियोकस के पुत्र नूमेनियोस और यासोन के पुत्र एंटीपात्रोस, यहूदियों के राजदूत, हमारे पास हमारे साथ मित्रता का नवीनीकरण करने आए। और लोगों ने इन पुरुषों को गौरवपूर्वक स्वीकार करना उचित समझा, और उनके शब्दों की प्रति को लोगों की नियुक्त पुस्तकों में रखना उचित समझा, ताकि लोगों के पास स्पार्टियों का स्मारक रहे, और इनकी प्रति उन्होंने महायाजक शिमोन को लिखी। इसके बाद शिमोन ने नूमेनियुस को रोम भेजा, जो एक हजार मिना वजन की बड़ी सुनहरी ढाल लेकर जा रहा था, ताकि उनके साथ गठबंधन स्थापित किया जा सके। जब लोगों ने इन शब्दों को सुना, तो उन्होंने कहा, हम शिमोन और उसके पुत्रों को क्या कृपा लौटाएं? उसने दृढ़ता से स्थापित किया

क्योंकि उसने स्वयं और उसके भाइयों और उसके पिता के घराने ने इस्राएल के शत्रुओं से युद्ध किया। और उन्होंने उसे स्वतंत्रता प्रदान की, और कांस्य की पट्टियों पर अंकित किया, और सिय्योन पर्वत पर एक स्तंभ में स्थापित किया। और यह उस लेख की प्रतिलिपि है अठारहवें एलूल को, सत्तरवें और सौवें वर्ष के दूसरे वर्ष में, और यह महायाजक शिमोन के शासन का तीसरा वर्ष है, सारामेल में, पुजारियों, लोगों, राष्ट्र के शासकों और देश के बुजुर्गों की महान सभा में उसने हमें ज्ञात कराया। चूँकि उस भूमि में अक्सर युद्ध हुए, इसलिए शिमोन, जो मत्तथियास का पुत्र और योआरीब के वंशजों में से था, और उसके भाइयों ने स्वयं को खतरे में डाला और अपने राष्ट्र के शत्रुओं का विरोध किया, ताकि उनके पवित्र स्थान और व्यवस्था स्थापित रहे, और उन्होंने महान महिमा से अपने राष्ट्र को गौरवान्वित किया। और योनातान ने अपने राष्ट्र को इकट्ठा किया, और वह उनका महायाजक बना, और वह अपने लोगों में शामिल हो गया, और उनके शत्रुओं ने उनकी भूमि में प्रवेश करके उनकी भूमि को नष्ट करने और उनकी पवित्र वस्तुओं पर हाथ डालने की इच्छा की। तब शिमोन उठा और अपने राष्ट्र के लिए लड़ा, और उसने अपना बहुत सारा धन खर्च किया, और उसने अपने राष्ट्र की सेना के पुरुषों को हथियार दिए, और उन्हें वेतन दिया। और उसने यहूदिया के शहरों को किलाबंद किया और यहूदिया की सीमाओं पर स्थित बेथसूरा को, जहाँ पहले दुश्मनों के हथियार थे, और वहाँ यहूदी पुरुषों की चौकी तैनात की। और उसने योप्पा को किलेबंद किया जो समुद्र पर था, और गज़ारा को जो अज़ोतुस की सीमाओं पर था, जहाँ पहले शत्रु रहते थे, और उसने वहाँ यहूदियों को बसाया, और उनके पुनर्स्थापन के लिए जितनी भी आवश्यक वस्तुएँ थीं, वे सब उसने वहाँ रखीं। और लोगों ने शिमोन के विश्वास और उस महिमा को देखा जो उसने अपने राष्ट्र के लिए करने की योजना बनाई थी, और उन्होंने उसे अपना नेता और महायाजक बनाया, क्योंकि उसने ये सब कार्य किए थे, और वह धार्मिकता और विश्वास जो उसने अपने राष्ट्र के लिए संरक्षित रखा था, और उसने हर तरीके से अपने लोगों को ऊँचा उठाने का प्रयास किया था। और उसके दिनों में उसके हाथों में सफलता मिली, ताकि राष्ट्रों को उनके देश से उखाड़ा जा सके, और दाऊद के नगर में यरूशलेम में रहने वालों को भी, जिन्होंने अपने लिए एक गढ़ बनाया था जिससे वे निकलते थे, और पवित्र स्थानों के चारों ओर अशुद्धता फैलाते थे, और पवित्रता पर महान प्रहार करते थे। और उसने इसमें यहूदी पुरुषों को बसाया,

और देश और नगर की सुरक्षा के लिए इसे किलेबंद किया, और यरूशलेम की दीवारों को ऊँचा किया। और राजा देमेत्रियुस ने इन बातों के अनुसार उसे महायाजक पद पर नियुक्त किया। और उसने उसे अपने मित्रों में शामिल किया, और उसने उसे महान गौरव से सम्मानित किया। यह सुना गया था कि यहूदियों को रोमियों द्वारा मित्र और सहयोगी कहा जाता है, और भाई भी, और यह कि उन्होंने शिमोन के राजदूतों का गौरवपूर्वक स्वागत किया। और यह कि यहूदी और पुजारी इस बात से प्रसन्न थे कि शिमोन उनका नेता और महायाजक हो, सदा के लिए, जब तक कोई विश्वासयोग्य भविष्यवक्ता न उठे। और उनका सेनापति होना, और ताकि वह पवित्र चीजों की देखभाल करे, उसके द्वारा उनके कार्यों पर और भूमि पर और हथियारों पर और किलों पर नियुक्ति करना, और ताकि वह पवित्र चीजों के बारे में उसे सम्बोधित करे, और ताकि सबके द्वारा सुना जाए, और ताकि भूमि में सभी लेख उसके नाम पर लिखे जाएं, और ताकि वह बैंगनी वस्त्र पहने और सोना धारण करे। और लोगों और पुजारियों में से किसी को भी इनमें से किसी बात को अस्वीकार करने, उसके द्वारा कही जाने वाली बातों का विरोध करने, उसके बिना देश में कोई षड्यंत्र इकट्ठा करने, बैंगनी वस्त्र पहनने और सुनहरा कड़ा बांधने की अनुमति नहीं है। जो कोई भी इन चीजों के विरुद्ध कुछ करेगा या इनमें से किसी को अस्वीकार करेगा, वह दोषी होगा। और सभी लोग शिमोन को इन वचनों के अनुसार कार्य करने के लिए नियुक्त करने से प्रसन्न हुए। और शिमोन ने स्वीकार किया, और वह महायाजक होने, सेनापति और यहूदियों तथा याजकों का जातिपति होने, और सबका रक्षक होने से प्रसन्न हुआ। और उन्होंने कहा कि इस लेख को कांस्य की पट्टिकाओं पर रखा जाए, और उन्हें पवित्र स्थान के घेरे में एक विश्वासयोग्य स्थान पर स्थापित किया जाए। और उनकी प्रतियां खजाने में रखी जाएं, ताकि शिमोन और उसके पुत्रों के पास हों।

15

और अन्तियोखुस ने, जो देमेत्रियुस राजा का पुत्र था, समुद्र के द्वीपों से शिमोन याजक और

यहूदियों के एथ्नाख और सम्पूर्ण राष्ट्र को पत्र भेजे। और वे इस प्रकार समाहित करते हुए थे: राजा अन्तियुकुस महान पुजारी और जातिपति शिमोन को और यहूदियों की जाति को शुभकामनाएं देता है। चूँकि कुछ विपत्तियों ने हमारे पितरों के राज्य पर अधिकार कर लिया है, इसलिए मैं राज्य का दावा करने की योजना बना रहा हूँ, ताकि मैं उसे पुनः स्थापित कर सकूँ जैसा वह पहले था। मैंने विशाल सेनाएँ भर्ती की हैं और युद्धपोत तैयार किए हैं। मैं भूमि में जाना चाहता हूँ, ताकि मैं उनका पीछा करूँ जिन्होंने हमारी भूमि को नष्ट किया है और जिन्होंने राज्य में अनेक नगरों को उजाड़ दिया है। अब इसलिए मैं तुम्हारे लिए उन सभी कटौतियों को स्थापित करता हूँ जो उन राजाओं ने तुम्हें छोड़ दी थीं जो मुझसे पहले थे, और जितनी भी अन्य कटौतियाँ उन्होंने तुम्हें छोड़ी थीं अपने देश का अपना सिक्का बनाना, यरूशलेम और पवित्र स्थान स्वतंत्र रहें, और जितने भी हथियार तुमने तैयार किए हैं, और जो किले तुमने बनाए हैं जिन्हें तुम अपने अधिकार में रखते हो, वे तुम्हारे पास रहें। और हर शाही ऋण तथा भविष्य के शाही कर, अब से और सदा के लिए, तुम्हें माफ किए जाएँ। जैसे ही हम अपना राज्य स्थापित करें, हम तुम्हें और तुम्हारे राष्ट्र और मंदिर को महान महिमा से सम्मानित करेंगे, ताकि तुम्हारी महिमा सब में प्रकट हो जाए। सौ चौहत्तरवें वर्ष में अन्तियोखुस अपने पूर्वजों की भूमि में गया, और सभी सेनाएँ उसके पास एकत्र हुईं, जिससे त्रूफोन के साथ बहुत कम लोग रह गए। और राजा अन्तियोखुस ने उसका पीछा किया, और वह भागकर समुद्र के किनारे स्थित दोरा में आया। वह जानता था कि उस पर विपत्तियाँ आ पड़ी थीं, और शक्तियों ने उसे छोड़ दिया था। और अन्तियोखुस ने दोरा में डेरा डाला, और उसके साथ एक लाख बीस हजार योद्धा और आठ हजार घुड़सवार थे। और उसने शहर को घेर लिया, और जहाज समुद्र से जुड़ गए, और उसने शहर को जमीन से और समुद्र से दबाया, और उसने किसी को भी बाहर जाने या अंदर आने की अनुमति नहीं दी। और नौमेनियोस और उसके साथी रोम से आए, जो राजाओं और प्रदेशों के लिए पत्र लेकर आए थे, जिनमें ये बातें लिखी गई थीं रोमनों के कौंसल लूकियस की ओर से राजा टॉलेमी को शुभकामनाएँ। यहूदियों के राजदूत हमारे पास हमारे मित्र और सहयोगी के रूप में आए, प्रारंभ से मित्रता और गठबंधन का नवीनीकरण करते हुए, जो महायाजक शिमोन और यहूदियों के लोगों की ओर से भेजे गए थे। उन्होंने पाँच हजार मिनाओं की सुनहरी ढाल लाई। इसलिए हमें यह उचित लगा कि हम राजाओं

और क्षेत्रों को लिखें, ताकि वे उनके विरुद्ध बुराईयाँ न खोजें, और न ही उनसे और उनके नगरों और उनके क्षेत्रों से युद्ध करें, और ताकि वे उनसे युद्ध करने वालों के सहयोगी न बनें। लेकिन हमें उनसे ढाल स्वीकार करना उचित लगा। यदि इसलिए कुछ दुष्ट लोग उनके देश से भागकर तुम्हारे पास आए हैं, तो उन्हें महायाजक शिमोन को सौंप दो, ताकि वह उनके कानून के अनुसार उन्हें दण्ड दे सके। और उसने यही बातें राजा डेमेट्रियस को और अत्तालुस को और अराथुस को और असकिंस को लिखीं। और सभी देशों में, और साम्साके में, और स्पार्टियों के पास, और डेलोस में और मिन्डोस में और सिक्वोन में और कारिया में और सामोस में और पाम्फिलिया में और लिंकिया में और हैलिकार्नासोस में और कोस में और साइड में और अरादोस में और रोड्स में और फासेलिस में और गोर्तिना में और निडोस में और साइप्रस में और सिरिन में। उन्होंने उनकी प्रतिलिपि महायाजक शिमोन को लिखी। राजा एंटिओकस ने दूसरी बार दोरा में डेरा डाला, लगातार उस पर हमले करते हुए और युद्ध के यंत्र तैयार करते हुए, और ट्राइफो को अंदर आने-जाने से रोक दिया। और शिमोन ने उसके पास दो हजार चुने हुए पुरुष, चांदी, सोना और पर्याप्त बर्तन सहायता के लिए भेजे। और वह उन्हें स्वीकार करना नहीं चाहता था, बल्कि उसने उन सभी बातों को तोड़ दिया जिन पर उसने पहले उससे सहमति जताई थी, और वह उससे अलग हो गया। और उसने अपने एक मित्र अथेनोबियस को उसके पास भेजा ताकि उससे विचार-विमर्श करे, यह कहते हुए: तुम योप्पा और गजारा और यरूशलेम के किले को पकड़े हुए हो, जो मेरे राज्य के शहर हैं। तुमने उनकी सीमाओं को उजाड़ दिया, और पृथ्वी पर महान प्रहार किया, और मेरे राज्य में अनेक स्थानों पर अधिकार कर लिया। अब इसलिए उन शहरों को सौंप दो जिन्हें तुमने कब्जा किया है, और उन स्थानों के कर भी सौंप दो जिन पर तुमने अधिकार किया है, जो यहूदिया की सीमाओं के बाहर हैं। यदि नहीं, तो उनके बदले पाँच सौ तालान्त चाँदी दो, और जो विनाश तुमने किया है उसके लिए तथा नगरों के करों के लिए अन्य पाँच सौ तालान्त दो, यदि नहीं तो वे आकर तुम्हारे विरुद्ध युद्ध करेंगे। और अथेनोबियोस, जो राजा का मित्र था, यरूशलेम आया, और उसने शिमोन का वैभव देखा और सोने और चांदी की वस्तुओं से सजे प्याले और भव्य प्रदर्शन देखा, और वह चकित हो गया, और उसने उन्हें राजा के शब्द सुनाए। और उत्तर देते हुए शिमोन ने उससे कहा, न हमने कोई पराई भूमि ली है, और न ही हमने दूसरों की संपत्ति पर

अधिकार किया है, बल्कि यह हमारे पूर्वजों की विरासत है, जिस पर हमारे शत्रुओं ने किसी समय अन्यायपूर्वक अधिकार कर लिया था। हम समय पाकर अपनी विरासत और अपने पूर्वजों की विरासत को दृढ़ता से थामे हुए हैं। जोप्पा और ज्योतिषियों के विषय में तुम पूछते हो, इन्होंने हमारे लोगों और हमारी भूमि पर बड़ा प्रहार किया था, इनके लिए हम सौ तालान्त देंगे। और उसने उसे कोई उत्तर नहीं दिया। वह क्रोध के साथ राजा के पास लौटा, और उसने उसे ये बातें और शिमोन का वैभव और जो कुछ उसने देखा था वह सब बताया, और राजा बहुत क्रोधित हुआ। टूफोन नाव में चढ़कर ओर्थोसियान भाग गया। और राजा ने केंदेबाइओस को तटीय क्षेत्र का राज्यपाल नियुक्त किया, और उसे पैदल सेना और घुड़सवार सेना दी। और उसने उसे यहूदिया के सामने डेरा डालने की आज्ञा दी, और उसने उसे केद्रोन को बनाने और नगरों को दृढ़ करने की आज्ञा दी, ताकि वह लोगों से युद्ध करे। और राजा त्रुफोन का पीछा कर रहा था। और केंदेबेउस यम्मिया में आया, और उसने लोगों को उकसाना, यहूदिया में घुसना, लोगों को बंदी बनाना और हत्या करना शुरू किया। और उसने केद्रोन को बनाया, और वहाँ घुड़सवार और सेनाएँ नियुक्त कीं ताकि वे बाहर जाकर यहूदिया के मार्गों की रक्षा करें, जैसा राजा ने उसे आदेश दिया था।

16

और यहून्ना गाज़ारा से ऊपर गया, और अपने पिता शिमोन को सूचना दी कि केन्देबाइयोस क्या कर रहा था। और शिमोन ने अपने दो बड़े पुत्रों यहूदा और योहन को बुलाया, और उनसे कहा, मैं और मेरे भाई और मेरे पिता का घर, हमने युवावस्था से लेकर आज के दिन तक इस्राएल के युद्ध लड़े हैं, और हमारे हाथों में इस्राएल को बार-बार बचाना सफल हुआ है। अब मैं बूढ़ा हो गया हूँ, और तुम दया से वर्षों में सक्षम हो, मेरे और मेरे भाई के स्थान पर बनो, और बाहर जाकर हमारी जाति की रक्षा करो, और स्वर्ग से सहायता तुम्हारे साथ हो। और उसने देश से बीस हजार योद्धाओं और घुड़सवारों को चुना, और वे केन्देबाइओस के विरुद्ध गए, और वे मोदेईम में सोए।

और सुबह उठकर वे मैदान में गए, और देखो, उनसे मिलने के लिए एक बहुत बड़ी सेना आई, पैदल सैनिक और घुड़सवार, और उनके बीच में एक नाला था। और उसने उनके सामने डेरा डाला, वह और उसके लोग, और उसने लोगों को धारा पार करने से डरते हुए देखा, और वह पहले पार हुआ, और पुरुषों ने उसे देखा, और वे उसके पीछे पार हुए। और उसने लोगों और घुड़सवारों को पैदल सैनिकों के बीच में विभाजित किया, परन्तु शत्रुओं के घोड़े बहुत अधिक थे। और उन्होंने तुरहियाँ बजाई, और केंदेबाइओस और उसका शिविर पराजित हुआ, और उसमें से बहुत से घायल गिरे, लेकिन जो बचे रहे वे किले में भाग गए। तब यहूदा, जो यूहन्ना का भाई था, घायल हुआ, लेकिन यूहन्ना ने उनका पीछा किद्रोन तक किया, जिसे उसने बनाया था। और वे अज़ोतुस के खेत में स्थित मीनारों में भाग गए, और उसने उसे आग में जला दिया और उनमें से एक हज़ार पुरुष गिरे, और वह शांति के साथ यहूदिया लौट गया। और अबूबस का पुत्र टॉलेमी यरीहो के मैदान में सेनापति नियुक्त किया गया था, और उसके पास बहुत चांदी और सोना था। वह महायाजक का दामाद था। और उसका हृदय घमंड से भर गया, और उसने देश पर अधिकार करने की इच्छा की। और वह शिमोन और उसके पुत्रों के विरुद्ध छल से योजना बना रहा था कि उन्हें समाप्त कर दे। शिमोन उन प्रदेशों के शहरों की यात्रा कर रहा था और उनके मामलों की देखभाल कर रहा था, और वह तथा मत्तथियास और यहूदा और उसके पुत्र एक सौ सत्तरवें वर्ष के ग्यारहवें महीने में यरीहो गए, यह महीना शबात है। और अबूबस के पुत्र ने उनका स्वागत छल के साथ उस किले में किया जो डोक कहलाता है, जिसे उसने बनाया था, और उसने उनके लिए बड़ी दावत की, और वहाँ आदमियों को छिपा दिया। और जब शिमोन और उसके पुत्र नशे में हो गए, तो टॉलेमी और उसके साथी उठे, और उन्होंने अपने हथियार लिए, और शिमोन के भोज में प्रवेश किया, और उसे और उसके पुत्रों को मार डाला, और उसके कुछ युवा सेवकों को भी। और उसने महान अधर्म किया, और अच्छाइयों के बदले में बुराइयाँ लौटाई। और टॉलेमी ने ये बातें लिखीं और राजा को भेजीं ताकि वह उसे सहायता के लिए सेनाएँ भेजे, और वह उनकी भूमि और शहरों को सौंप दे। और उसने दूसरों को गाज़ारा भेजा योहन को पकड़ने के लिए, और सहस्रपतियों को उसने पत्र भेजे कि वे उसके पास आएँ, ताकि वह उन्हें चांदी और सोना और उपहार दे। और उसने दूसरों को यरूशलेम और मंदिर के पहाड़ को अधिकार में लेने के लिए

भेजा। और आगे दौड़कर उसने गज़ारा में जॉन को सूचना दी कि उसका पिता और उसके भाई मारे गए हैं, और यह कि उसने तुम्हें भी मारने के लिए भेजा है। और सुनकर वह बहुत चकित हुआ, और उसने उन पुरुषों को पकड़ लिया जो उसे नष्ट करने आए थे, और उसने उन्हें मार डाला, क्योंकि वह जानता था कि वे उसे नष्ट करना चाहते थे। और योहन के शेष वचन, उसके युद्ध, उसके वीरता के कार्य जो उसने किए, दीवारों का निर्माण जो उसने किया और उसके अन्य कार्य, देखो, ये बातें उसके महायाजकपद के दिनों की पुस्तक में लिखी हुई हैं, जब से वह अपने पिता के बाद महायाजक बना।

मत्ती का सुसमाचार

1

यीशु मसीह की वंशावली की पुस्तक, जो दाऊद के पुत्र और अब्राहम के पुत्र हैं। अब्राहम ने इसहाक को जन्म दिया, इसहाक ने याकूब को जन्म दिया, और याकूब ने यहूदा और उसके भाइयों को जन्म दिया। यहूदा ने तामार से फिरिस और जेरह को जन्म दिया, फिरिस ने हिस्त्रोन को जन्म दिया, हिस्त्रोन ने अराम को जन्म दिया, अराम ने अमीनादाब को जन्म दिया, अमीनादाब ने नहशोन को जन्म दिया, नहशोन ने सलमोन को जन्म दिया, सलमोन ने राहब से बोअज को जन्म दिया, बोअज ने रूथ से ओबेद को जन्म दिया, ओबेद ने यिशै को जन्म दिया, यिशै ने राजा दाऊद को जन्म दिया। राजा दाऊद ने सुलैमान को उरिय्याह की पत्नी से जन्म दिया, सोलोमन ने रहबाम को जन्म दिया, रहबाम ने अबिय्याह को जन्म दिया, अबिय्याह ने आसा को जन्म दिया, आसा ने यहोशापात को जन्म दिया, यहोशापात ने योराम को जन्म दिया, योराम ने उज्जियाह को जन्म दिया, उज्जियाह ने योताम को जन्म दिया, योताम ने आहाज को जन्म दिया, आहाज ने हिजकिय्याह को जन्म दिया। हिजकिय्याह ने मनश्शे को जन्म दिया, मनश्शे ने आमोन को जन्म दिया, और आमोन ने योशिय्याह को जन्म दिया। योशियाह ने यिकुन्याह और उसके भाइयों को बाबुल के निर्वासन के समय जन्म दिया।

बेबीलोन के निर्वासन के बाद यिकुन्याह ने शालतीएल को जन्म दिया, और शालतीएल ने जरुब्बाबेल को जन्म दिया, जरुब्बाबेल ने अबीहूद को जन्म दिया, अबीहूद ने एल्याकीम को जन्म दिया, एल्याकीम ने अजोर को जन्म दिया, अज़ोर ने सादोक को जन्म दिया, सादोक ने अख़ीम को जन्म दिया, अख़ीम ने इलियूद को जन्म दिया, एलियूद ने एलियाज़ार को जन्म दिया, एलियाज़ार ने मत्तान को जन्म दिया, मत्तान ने याकूब को जन्म दिया, याकोब ने यूसुफ को जन्म दिया, जो मरियम का पति था, जिससे यीशु का जन्म हुआ जो ख्रिस्त कहलाता है। इसलिए अब्राहम से दाऊद तक सब पीढ़ियाँ चौदह हैं, और दाऊद से बेबीलोन के निर्वासन तक चौदह पीढ़ियाँ हैं, और बेबीलोन के निर्वासन से मसीह तक चौदह पीढ़ियाँ हैं।

यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार हुआ था। क्योंकि उसकी माँ मरियम की सगाई यूसुफ से हो चुकी थी, परन्तु उनके साथ आने से पहले वह पवित्र आत्मा से गर्भवती पाई गई। जोसेफ, जो उसके पति थे, धर्मी होते हुए और उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं करना चाहते हुए, उसे गुप्त रूप से तलाक देना चाहते थे। जब वह इन बातों पर विचार कर रहा था, तो देखो, प्रभु का एक दूत स्वप्न में उसे दिखाई दिया और कहा, हे यूसुफ, दाऊद के पुत्र, अपनी पत्नी मरियम को अपने घर ले आने से मत डरो, क्योंकि जो उसके गर्भ में है वह पवित्र आत्मा से उत्पन्न हुआ है। वह एक पुत्र को जन्म देगी, और तुम उसका नाम यीशु रखोगे, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा। यह सब इसलिए हुआ ताकि वह वचन पूरा हो जो प्रभु द्वारा भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, देखो, वह कुंवारी गर्भ में धारण करेगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और वे उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे, जिसका अनुवाद है हमारे साथ परमेश्वर।

परन्तु यूसुफ नींद से जागृत होकर उसने वैसा ही किया जैसा प्रभु के दूत ने उसे आदेश दिया था और उसने अपनी पत्नी को ग्रहण किया और उसने उसे तब तक नहीं जाना जब तक उसने अपने पहलौठे पुत्र को जन्म नहीं दिया, और उसने उसका नाम यीशु रखा।

2

और यीशु के बेथलेहेम यहूदिया में राजा हेरोदेस के दिनों में जन्म लेने पर, देखो, पूर्व से जादूगर यरूशलेम में आए। कहते हुए, कहाँ है वह जन्मा हुआ यहूदियों का राजा? क्योंकि हमने उसका तारा पूर्व में देखा और हम उसकी पूजा करने आए हैं। लेकिन राजा हेरोदेस यह सुनकर परेशान हुआ, और उसके साथ पूरा यरूशलेम। और सब मुख्य पुजारियों और लोगों के शास्त्रियों को इकट्ठा करके, उसने उनसे पूछा कि मसीह कहाँ जन्म लेता है। उन्होंने उससे कहा, यहूदिया के बेथलेहेम में, क्योंकि भविष्यवक्ता द्वारा इस प्रकार लिखा गया है, और तू बैतलहम, यहूदा की भूमि, यहूदा के नेताओं में किसी भी तरह से सबसे छोटा नहीं है, क्योंकि तुझ से एक नेता निकलेगा, जो मेरे लोगों इस्राएल की चरवाही करेगा।

तब हेरोदेस ने गुप्त रूप से जादूगरों को बुलाया और उनसे प्रकट हुए तारे के समय को निश्चित रूप से जान लिया। और उन्हें बैतलहम भेजकर कहा, जाकर उस बच्चे के बारे में सटीक रूप से पूछताछ करो, और जब तुम उसे पा लो, तो मुझे सूचना दो, ताकि मैं भी आकर उसकी पूजा करूं। उन्होंने राजा की बात सुनकर प्रस्थान किया, और देखो, वह तारा जो उन्होंने पूर्व में देखा था, उनके आगे-आगे चल रहा था, जब तक कि आकर वह उस स्थान के ऊपर ठहर गया जहाँ बच्चा था। तारे को देखकर वे अत्यधिक महान आनंद से प्रसन्न हुए। और घर में आकर उन्होंने बच्चे को उसकी माता मरियम के साथ देखा, और गिरकर उन्होंने उसकी आराधना की, और अपने खजाने खोलकर उन्होंने उसे उपहार भेंट किए - सोना और लोबान और गंधरस। और स्वप्न में चेतावनी दिए जाने के बाद हेरोदेस के पास न लौटने के लिए, वे दूसरे मार्ग से अपने देश लौट गए।

जब वे वापस चले गए, तो देखो, प्रभु का एक दूत स्वप्न में यूसुफ को प्रकट हुआ और कहा, उठो, बालक और उसकी माता को लेकर मिस्र भाग जाओ, और वहाँ तब तक रहो जब तक मैं तुम्हें न कहूँ, क्योंकि हेरोदेस बालक को ढूँढ़कर नष्ट करने वाला है। वह उठकर बच्चे और उसकी माता

को रात में लेकर मिस्र चला गया। और वह हेरोदेस की मृत्यु तक वहाँ रहा, ताकि वह पूरा हो जो प्रभु द्वारा भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, मिस्र से मैंने अपने पुत्र को बुलाया।

तब हेरोदेस ने देखा कि वह जादूगरों द्वारा मूर्ख बनाया गया था, तो वह बहुत क्रोधित हुआ, और उसने भेजकर बेतलेहेम और उसकी सभी सीमाओं में दो वर्ष और उससे कम उम्र के सभी बच्चों को मार डाला, उस समय के अनुसार जो उसने जादूगरों से सटीक रूप से जान लिया था। तब यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा कहा गया वचन पूरा हुआ, जो कहता है, रामाह में एक आवाज़ सुनी गई, विलाप और रोना और बहुत शोक, राहेल अपने बच्चों के लिए रोती हुई, और वह सांत्वना पाना नहीं चाहती थी, क्योंकि वे नहीं हैं।

हेरोदेस की मृत्यु के बाद, देखो, प्रभु का दूत मिस्र में यूसुफ को स्वप्न में प्रकट हुआ। कहते हुए, उठकर बच्चे और उसकी माता को ले लो और इस्राएल की भूमि में जाओ, क्योंकि जो बच्चे की आत्मा को खोज रहे थे वे मर गए हैं। लेकिन वह उठकर बच्चे और उसकी माता को लेकर इस्राएल की भूमि में आया।

लेकिन यह सुनकर कि अरखिलाउस अपने पिता हेरोदेस के स्थान पर यहूदिया पर राज्य करता है, वह वहाँ जाने से डरा, लेकिन स्वप्न में चेतावनी दिए जाने के बाद गलील के प्रदेशों में चला गया, और वह आकर नासरत नामक शहर में बस गया, ताकि वह पूरा हो जो भविष्यवक्ताओं के द्वारा कहा गया था कि वह नासरी कहलाएगा।

3

उन दिनों में यहून्ना बपतिस्मा देने वाला यहूदिया के जंगल में प्रचार करता हुआ आता है। और कहता हुआ, पश्चात्ताप करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य पास आ गया है। क्योंकि यह वही है जो

यशायाह भविष्यवक्ता द्वारा कहा गया था, जंगल में पुकारने वाले की आवाज़: प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसके पथ सीधे करो।

स्वयं यूहन्ना के पास उसका वस्त्र ऊँट के बालों से बना था और उसकी कमर पर चमड़े की पेटी थी, और उसका भोजन टिड्डियाँ और जंगली शहद था। तब यरूशलेम और सारा यहूदिया और यर्दन के आसपास का सारा क्षेत्र उसके पास जा रहा था। और वे यर्दन में उसके द्वारा बपतिस्मा दिए जा रहे थे, अपने पापों को स्वीकार करते हुए।

लेकिन फरीसियों और सद्दूकियों में से बहुतों को अपने बपतिस्मे के लिए आते हुए देखकर, उसने उनसे कहा, सांपों की संतान, तुम्हें किसने दिखाया कि आने वाले क्रोध से भागो? इसलिए पश्चाताप के योग्य फल उत्पन्न करो। और अपने मन में यह मत सोचो कि हमारे पिता अब्राहम हैं। क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न करने में सक्षम है। पहले से ही कुल्हाड़ी पेड़ों की जड़ पर रखी हुई है, इसलिए हर वह पेड़ जो अच्छा फल नहीं उत्पन्न करता, काटा जाता है और आग में फेंका जाता है।

मैं वास्तव में तुम्हें पानी में पश्चाताप के लिए बपतिस्मा देता हूँ, लेकिन जो मेरे बाद आने वाला है वह मुझसे अधिक शक्तिशाली है, मैं उसके जूते उठाने के योग्य भी नहीं हूँ, वह स्वयं तुम्हें पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा देगा। जिसका सूप उसके हाथ में है और वह अपने खलिहान को अच्छी तरह से साफ करेगा, और अपने अनाज को भंडार में इकट्ठा करेगा, लेकिन भूसे को अनबुझाई आग में जलाएगा।

तब यीशु गलील से यर्दन नदी पर यूहन्ना के पास आते हैं, उनसे बपतिस्मा लेने के लिए। परन्तु यूहन्ना उसे रोकते हुए कह रहे थे, मुझे आपके द्वारा बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है, और आप मेरे पास आ रहे हैं? उत्तर देते हुए यीशु ने उससे कहा, अभी छोड़ दो, क्योंकि इस प्रकार हमारे लिए सब धार्मिकता को पूरा करना उचित है। तब उसने उसे छोड़ दिया। और बपतिस्मा लेने के

बाद यीशु तुरंत पानी से ऊपर आए, और देखो, उनके लिए आकाश खोल दिए गए, और उन्होंने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की तरह उतरते हुए और उन पर आते हुए देखा। और देखो, स्वर्ग से एक आवाज़ आई जो कह रही थी, यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।

4

तब यीशु को आत्मा द्वारा जंगल में ले जाया गया ताकि शैतान द्वारा परीक्षा ली जाए। और चालीस दिन और चालीस रातें उपवास करने के बाद, वह भूखा हुआ। और परीक्षक उसके पास आकर बोला, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह कि ये पत्थर रोटियाँ बन जाएँ। उसने उत्तर देते हुए कहा, लिखा गया है, मनुष्य केवल रोटी पर ही नहीं, बल्कि परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर शब्द पर जीएगा। तब शैतान उसे पवित्र नगर में ले गया, और उसे मंदिर के कोने पर खड़ा किया। और वह उससे कहता है, यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो अपने आप को नीचे फेंक दो, क्योंकि लिखा है कि वह अपने दूतों को तुम्हारे विषय में आज्ञा देगा, और वे तुम्हें हाथों पर उठा लेंगे, कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारा पैर पत्थर से टकरा जाए।

यीशु ने उससे कहा, फिर लिखा है, तू अपने परमेश्वर प्रभु की परीक्षा नहीं लेगा।

फिर शैतान उसे एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर ले गया, और उसे संसार के सब राज्य और उनकी महिमा दिखाई। और उसने उससे कहा, ये सब कुछ मैं तुझे दे दूंगा, अगर तू गिरकर मेरी पूजा करे। तब यीशु उससे कहते हैं, हे शैतान, मेरे पीछे चला जा, क्योंकि लिखा है, तू अपने प्रभु परमेश्वर की आराधना करेगा और केवल उसी की सेवा करेगा। तब शैतान ने उसे छोड़ दिया, और देखो, दूत आए और उसकी सेवा करने लगे।

यीशु ने सुना कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया, तो वह गलील को चला गया। और नाज़रेथ को

छोड़कर, वह आया और कफरनहूम में बस गया, जो समुद्र के किनारे था, ज़बूलून और नप्ताली की सीमाओं में। ताकि वह पूरा हो जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, जबूलून की भूमि और नप्ताली की भूमि, समुद्र का मार्ग, यर्दन के पार, अन्यजातियों का गलील, वे लोग जो अंधकार में बैठे थे, उन्होंने महान प्रकाश देखा, और जो मृत्यु की भूमि और छाया में बैठे थे, उनके लिए प्रकाश उदय हुआ।

उस समय से यीशु ने घोषणा करना और कहना आरंभ किया, पश्चाताप करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।

गलील के समुद्र के पास चलते हुए उसने दो भाइयों को देखा, शमौन जो पतरस कहलाता था और उसका भाई अन्द्रियास, जो समुद्र में जाल डाल रहे थे, क्योंकि वे मछुआरे थे। और वह उनसे कहता है, मेरे पीछे आओ और मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊँगा। लेकिन वे तुरंत जाल छोड़कर उसके पीछे चल पड़े। और वहाँ से आगे बढ़ते हुए उसने दो अन्य भाइयों को देखा, जबदी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को, जो अपने पिता जबदी के साथ नाव में अपने जालों की मरम्मत कर रहे थे, और उसने उन्हें बुलाया। लेकिन उन्होंने तुरंत नाव और अपने पिता को छोड़कर उसका अनुसरण किया।

और यीशु पूरे गलील में घूमे, उनकी सभाओं में सिखाते हुए और राज्य के शुभ समाचार का प्रचार करते हुए और लोगों में हर बीमारी और हर रोग की सेवा करते हुए। और उसकी ख्याति पूरे सीरिया में फैल गई, और लोग उसके पास सभी बीमारों को लाए जो विभिन्न रोगों और यातनाओं से पीड़ित थे, और दुष्टात्मा-ग्रस्त और मिर्गी के रोगी और लकवाग्रस्त को लाए, और उसने उन्हें चंगा किया। और बहुत सी भीड़ें उसके पीछे गलील, दिकापुलिस, यरूशलेम, यहूदिया और यर्दन के पार से चलीं।

भीड़ों को देखकर वह पहाड़ पर चढ़ गया, और जब वह बैठ गया तो उसके शिष्य उसके पास आए। और अपना मुँह खोलकर वह उन्हें यह कहते हुए सिखा रहा था, धन्य हैं वे जो आत्मा में गरीब हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उनका है। धन्य हैं वे जो शोक करते हैं, क्योंकि उन्हें सांत्वना दी जाएगी। धन्य हैं वे नम्र, क्योंकि वे भूमि को विरासत में पाएंगे। धन्य हैं वे जो न्याय के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे। धन्य हैं वे दयालु, क्योंकि वे दया प्राप्त करेंगे। धन्य हैं वे जो हृदय से शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे। धन्य हैं वे शांतिनिर्माता, क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे। धन्य हैं वे जो न्याय के कारण सताए गए हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उनका है। धन्य हो तुम जब वे तुम्हें निन्दा करें और सताएं, और मेरे कारण झूठ बोलते हुए तुम्हारे विरुद्ध हर बुरा शब्द कहें। आनंदित हो और खुशी मनाओ, क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारा प्रतिफल महान है, क्योंकि इसी प्रकार उन्होंने तुमसे पहले के भविष्यवक्ताओं को सताया था।

तुम पृथ्वी के नमक हो, लेकिन यदि नमक बेस्वाद हो जाए, तो इसे किस चीज़ से नमकीन बनाया जाएगा? यह अब किसी काम का नहीं रहता, सिवाय इसके कि बाहर फेंक दिया जाए और मनुष्यों द्वारा रौंदा जाए। तुम संसार की ज्योति हो। पहाड़ पर स्थित नगर छिपाया नहीं जा सकता, न ही वे दीपक जलाकर उसे टोकरी के नीचे रखते हैं, बल्कि दीपाधार पर रखते हैं, और वह घर में सब को प्रकाश देता है। इस प्रकार तुम्हारा प्रकाश मनुष्यों के सामने चमकने दो, ताकि वे तुम्हारे अच्छे कार्य देखें और तुम्हारे पिता की महिमा करें जो स्वर्ग में हैं।

यह मत सोचो कि मैं व्यवस्था या भविष्यवक्ताओं को नष्ट करने आया हूँ; मैं नष्ट करने नहीं, बल्कि पूर्ण करने आया हूँ। मैं तुमसे सच कहता हूँ, जब तक आकाश और पृथ्वी बीत न जाएँ, व्यवस्था से एक इओटा या एक सेरिफ भी नहीं बीतेगा, जब तक सब कुछ पूरा न हो जाए। जो कोई इन सबसे छोटी आज्ञाओं में से एक को नष्ट करे और लोगों को इस प्रकार सिखाए, वह स्वर्ग

के राज्य में सबसे छोटा कहलाएगा, लेकिन जो कोई इनका पालन करे और सिखाए, वह स्वर्ग के राज्य में महान कहलाएगा। मैं तुमसे कहता हूँ कि यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों से अधिक नहीं बढ़ती, तो तुम स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करोगे। तुमने सुना है कि प्राचीनों को कहा गया था, तुम हत्या नहीं करोगे, लेकिन जो कोई हत्या करे, वह न्याय के लिए दोषी होगा। मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपने भाई पर व्यर्थ क्रोधित होता है, वह न्याय का दोषी होगा; जो कोई अपने भाई से रका कहे, वह महासभा का दोषी होगा; और जो कोई मूर्ख कहे, वह आग के गेहना का दोषी होगा। यदि इसलिए तुम अपना उपहार वेदी पर चढ़ाओ और वहाँ याद करो कि तुम्हारे भाई के पास तुम्हारे विरुद्ध कुछ है। अपना उपहार वहाँ वेदी के सामने छोड़ दो, और पहले जाकर अपने भाई से सुलह करो, और तब आकर अपना उपहार चढ़ाओ। अपने विरोधी के साथ शीघ्र सुलह कर लो जब तक तुम उसके साथ रास्ते में हो, कहीं ऐसा न हो कि विरोधी तुम्हें न्यायाधीश को सौंप दे और न्यायाधीश तुम्हें सिपाही को सौंप दे, और तुम कारागार में डाल दिए जाओ। सत्य मैं तुझसे कहता हूँ, तू वहाँ से बाहर नहीं जाएगा जब तक तू अंतिम कौड़ी नहीं लौटा दे।

तुमने सुना है कि प्राचीनों से कहा गया था, तुम व्यभिचार नहीं करोगे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई भी किसी स्त्री को उसकी इच्छा करने के लिए देखता है, उसने अपने हृदय में पहले ही उसके साथ व्यभिचार कर लिया है। यदि तुम्हारी दाहिनी आँख तुम्हें पाप करवाती है, तो उसे निकाल लो और अपने से फेंक दो, क्योंकि तुम्हारे लिए यह लाभदायक है कि तुम्हारे अंगों में से एक नष्ट हो जाए और तुम्हारा सम्पूर्ण शरीर नरक में न डाला जाए। और यदि तुम्हारा दाहिना हाथ तुम्हें ठोकर खिलाता है, तो उसे काट दो और अपने से फेंक दो, क्योंकि तुम्हारे लिए यह लाभदायक है कि तुम्हारे अंगों में से एक नष्ट हो जाए और तुम्हारा पूरा शरीर गेहना में न फेंका जाए।

यह कहा गया था कि जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है, वह उसे तलाक का प्रमाणपत्र दे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के अतिरिक्त किसी अन्य

कारण से तलाक देता है, वह उसे व्यभिचारिणी बनाता है, और जो कोई तलाकशुदा स्त्री से विवाह करता है, वह व्यभिचार करता है।

फिर तुमने सुना कि प्राचीनों से कहा गया था, तुम झूठी शपथ नहीं लोगे, लेकिन प्रभु को अपनी शपथें पूरी करोगे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि बिल्कुल शपथ मत लो, न ही स्वर्ग की, क्योंकि वह परमेश्वर का सिंहासन है, न तो भूमि की सौगंध खाओ, क्योंकि वह उसके पैरों की पाद-पीठ है, न तो यरूशलेम की, क्योंकि वह महान राजा का नगर है, न ही अपने सिर की शपथ लो, क्योंकि तुम एक बाल को सफेद या काला नहीं बना सकते। तुम्हारा वचन हाँ हाँ, नहीं नहीं हो, लेकिन इनसे अधिक जो है वह बुराई से है।

तुमने सुना है कि कहा गया था, आँख के बदले आँख और दाँत के बदले दाँत, मैं लेकिन तुमसे कहता हूँ कि दुष्ट का विरोध मत करो, बल्कि जो कोई तुम्हें दाहिने गाल पर मारे, उसकी ओर दूसरा गाल भी फेर दो। और जो तुम्हारे साथ मुकदमा करके तुम्हारा कुर्ता लेना चाहता है, उसे अपना चोगा भी दे दो। और जो कोई तुझे एक मील जाने के लिए बाध्य करेगा, उसके साथ दो मील जा, जो तुझसे माँगे उसे दे, और जो तुझसे उधार लेना चाहे उससे मुँह मत फेर।

तुमने सुना है कि यह कहा गया था, तुम अपने पड़ोसी से प्रेम करोगे और अपने शत्रु से घृणा करोगे। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, अपने शत्रुओं से प्रेम करो, तुम्हें श्राप देने वालों को आशीर्वाद दो, तुमसे घृणा करने वालों के साथ अच्छा करो और तुम्हारे साथ दुर्व्यवहार करने वालों और तुम्हें सताने वालों के लिए प्रार्थना करो। ताकि तुम अपने पिता के पुत्र बन जाओ जो स्वर्ग में है, क्योंकि वह अपना सूरज दुष्टों और भलों पर उगाता है और धर्मियों और अधर्मियों पर वर्षा करता है। यदि तुम उन्हें प्रेम करो जो तुम्हें प्रेम करते हैं, तो तुम्हें क्या प्रतिफल मिलेगा? क्या कर संग्रहकर्ता भी यही नहीं करते हैं? और यदि तुम केवल अपने मित्रों को ही नमस्कार करते हो, तो तुम कौन सी असाधारण बात करते हो? क्या कर वसूलने वाले भी ऐसा नहीं करते हैं? इसलिए तुम पूर्ण होगे, जैसे कि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, पूर्ण है।

6

सावधान रहो कि तुम अपना दान मनुष्यों के सामने उनके द्वारा देखे जाने के लिए न करो, नहीं तो तुम्हें अपने पिता से जो स्वर्ग में है, कोई प्रतिफल नहीं मिलेगा। जब तुम दान करो, तो अपने सामने तुरही मत बजाओ, जैसे कि पाखंडी सभाओं में और गलियों में करते हैं, ताकि वे मनुष्यों द्वारा महिमामंडित किए जाएं। सच कहता हूं तुम से, वे अपना प्रतिफल प्राप्त कर चुके हैं। लेकिन जब तुम दान करो, तो तुम्हारा बायाँ हाथ न जाने कि तुम्हारा दायाँ हाथ क्या करता है ताकि तुम्हारा दान गुप्त में हो, और तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, तुम्हें खुले में प्रतिफल देगा।

और जब तुम प्रार्थना करो, तो उन पाखंडियों के समान मत बनो, क्योंकि वे सभाओं में और सड़कों के कोनों पर खड़े होकर प्रार्थना करना पसंद करते हैं, ताकि लोगों को दिखाई दें। सच मैं तुमसे कहता हूं कि वे अपना प्रतिफल पा चुके हैं। लेकिन तू जब प्रार्थना करे, तो अपने भीतरी कमरे में प्रवेश कर, और अपना दरवाजा बंद करके अपने पिता से जो गुप्त में है प्रार्थना कर, और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे सार्वजनिक रूप से प्रतिफल देगा।

प्रार्थना करते समय अन्यजातियों की तरह बकवास मत करो, क्योंकि वे सोचते हैं कि अपने बहुत बोलने से वे सुने जाएंगे। इसलिए उनके समान मत बनो, क्योंकि तुम्हारा पिता जानता है कि तुम्हें किसकी आवश्यकता है, इससे पहले कि तुम उससे माँगो। इस प्रकार इसलिए तुम प्रार्थना करो, हे हमारे पिता जो स्वर्ग में हो, तुम्हारा नाम पवित्र माना जाए, आपका राज्य आए, आपकी इच्छा पूरी हो, जैसे स्वर्ग में, वैसे पृथ्वी पर भी, हमारी दैनिक रोटि आज हमें दीजिए। और हमारे ऋणों को हमें क्षमा करो, जैसे हम भी अपने ऋणियों को क्षमा करते हैं, और हमें प्रलोभन में मत ले जाओ, बल्कि हमें बुराई से छुड़ाओ। क्योंकि राज्य और शक्ति और महिमा सदा-सर्वदा तुम्हारी है, आमीन।

यदि तुम लोगों के अपराधों को क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। यदि तुम लोगों के अपराध क्षमा नहीं करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा नहीं करेगा।

जब भी तुम उपवास करो, तो उन पाखंडियों की तरह उदास मत बनो, क्योंकि वे अपने चेहरों को विकृत कर लेते हैं ताकि लोगों को उपवास करते हुए दिखाई दें। सच मैं तुम से कहता हूँ कि वे अपना प्रतिफल पा चुके हैं। लेकिन तू उपवास करते हुए अपने सिर का अभिषेक कर और अपना चेहरा धो। ताकि तुम लोगों को उपवास करते हुए दिखाई न दो, लेकिन अपने पिता को जो गुप्त में है, और तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, तुम्हें खुले में प्रतिफल देगा।

पृथ्वी पर अपने लिए खजाने संचय मत करो, जहाँ कीड़ा और जंग नष्ट करता है, और जहाँ चोर सेंध लगाते हैं और चुराते हैं। लेकिन तुम अपने लिए स्वर्ग में खजाने संचय करो, जहाँ न कीड़ा और न जंग नष्ट करता है, और जहाँ चोर न सेंध लगाते हैं और न चोरी करते हैं। जहाँ तुम्हारा खजाना है, वहाँ तुम्हारा दिल भी होगा।

शरीर का दीपक आँख है। यदि तुम्हारी आँख निर्मल है, तो तुम्हारा सारा शरीर प्रकाशमय होगा। परन्तु यदि तुम्हारी आँख दुष्ट हो, तो तुम्हारा सम्पूर्ण शरीर अंधकारमय होगा। इसलिए यदि तुममें जो प्रकाश है वह अंधकार है, तो वह अंधकार कितना बड़ा होगा!

कोई भी दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि या तो वह एक से नफरत करेगा और दूसरे से प्रेम करेगा, या एक के प्रति समर्पित होगा और दूसरे का तिरस्कार करेगा। तुम ईश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते।

इस कारण मैं तुमसे कहता हूँ, अपनी आत्मा के लिए चिंता मत करो कि क्या खाओगे और क्या पीओगे, और न ही अपने शरीर के लिए कि क्या पहनोगे। क्या आत्मा भोजन से अधिक नहीं है और शरीर वस्त्र से? आकाश के पक्षियों को देखो, क्योंकि वे न बोते हैं, न काटते हैं, न भंडार में

इकट्ठा करते हैं, और तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें पोषण देता है। क्या तुम उनसे अधिक मूल्यवान नहीं हो? तुममें से कौन चिंता करके अपनी आयु में एक हाथ जोड़ सकता है? और वस्त्र के बारे में क्या चिंता करते हो? खेत की लिली पर विचार करो कि कैसे बढ़ती है, न परिश्रम करती है और न कातती है, मैं तुमसे कहता हूँ कि सुलैमान भी अपनी सारी महिमा में इनमें से एक के समान नहीं पहने हुए थे। यदि परमेश्वर खेत की घास को, जो आज है और कल भट्टी में डाल दी जाती है, इस प्रकार पहनाता है, तो हे अल्पविश्वासियो, क्या वह तुम्हें कहीं अधिक नहीं पहनाएगा? इसलिए चिंता मत करो यह कहते हुए, हम क्या खाएं या क्या पिएं या क्या पहनें? क्योंकि ये सब चीज़ें अन्यजाति खोजते हैं, परन्तु तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब की आवश्यकता है। लेकिन तुम पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता को खोजो, और ये सब चीज़ें तुम्हें दी जाएंगी। इसलिए कल के लिए चिंतित मत हो, क्योंकि कल अपनी चिंता स्वयं करेगा, दिन के लिए उसकी अपनी बुराई पर्याप्त है।

7

निर्णय मत करो, ताकि तुम्हारा निर्णय न किया जाए। क्योंकि जिस निर्णय से तुम न्याय करते हो, उसी से तुम्हारा न्याय किया जाएगा, और जिस माप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिए नापा जाएगा। लेकिन तुम अपने भाई की आँख में तिनका क्यों देखते हो, और अपनी आँख में पड़ा शहतीर नहीं समझते? या तुम अपने भाई से कैसे कहोगे, मुझे अपनी आंख से तिनका निकालने दो, और देखो, तुम्हारी आंख में शहतीर है? हे पाखंडी, पहले अपनी आँख से शहतीर निकाल, और तब तू अपने भाई की आँख से कांटा निकालने के लिए स्पष्ट रूप से देख सकेगा।

पवित्र वस्तु कुत्तों को मत दो और न ही अपने मोती सूअरों के सामने फेंको, कहीं ऐसा न हो कि वे उन्हें अपने पैरों से रौंद दें और मुड़कर तुम्हें फाड़ डालें।

मांगो, और तुम्हें दिया जाएगा; खोजो, और तुम पाओगे; खटखटाओ, और तुम्हारे लिए खोला जाएगा। क्योंकि हर माँगने वाला पाता है और खोजने वाला पाता है और दस्तक देने वाले के लिए खोला जाएगा। या तुममें से कौन सा आदमी है, जिससे यदि उसका पुत्र रोटी मांगे, तो क्या वह उसे पत्थर देगा? और यदि वह मछली मांगे, तो क्या वह उसे सर्प नहीं देगा? यदि तुम दुष्ट होते हुए भी अपने बच्चों को अच्छे उपहार देना जानते हो, तो कितना अधिक तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, उनको अच्छी चीजें देगा जो उससे माँगते हैं?

इसलिए जो कुछ भी तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे लिए करें, वैसा ही तुम भी उनके लिए करो, क्योंकि यही व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं का सार है।

संकीर्ण द्वार के माध्यम से प्रवेश करो, क्योंकि चौड़ा है द्वार और विस्तृत है वह मार्ग जो विनाश की ओर ले जाता है, और बहुत से लोग हैं जो उसके माध्यम से प्रवेश करते हैं। कितना संकीर्ण है द्वार और कष्टपूर्ण है वह मार्ग जो जीवन की ओर ले जाता है, और थोड़े हैं जो उसे पाते हैं।

सावधान रहो झूठे भविष्यवक्ताओं से, जो तुम्हारे पास भेड़ों के वस्त्रों में आते हैं, लेकिन भीतर से वे लूटने वाले भेड़िये हैं। उनके फलों से तुम उन्हें जानोगे। क्या कांटों से अंगूर या कंटीली झाड़ियों से अंजीर इकट्ठा करते हैं? इस प्रकार हर अच्छा पेड़ अच्छे फल देता है, लेकिन सड़ा हुआ पेड़ बुरे फल देता है। अच्छा पेड़ बुरे फल नहीं दे सकता, और न ही सड़ा पेड़ अच्छे फल दे सकता है। हर पेड़ जो अच्छा फल नहीं देता, काट दिया जाता है और आग में फेंक दिया जाता है। इसलिए उनके फलों से तुम उन्हें जानोगे।

हर वह व्यक्ति जो मुझसे प्रभु, प्रभु कहता है, स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, बल्कि वही जो मेरे पिता की इच्छा को पूरा करता है जो स्वर्ग में हैं। बहुत से लोग उस दिन मुझसे कहेंगे, हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हमने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला, और तेरे नाम से बहुत सी शक्तियाँ नहीं दिखाई? और तब मैं उनसे स्पष्ट कह दूंगा कि

मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना, मुझसे दूर हो जाओ, तुम जो अधर्म करते हो।

इसलिए हर एक जो मेरे इन शब्दों को सुनता है और उन्हें करता है, मैं उसकी तुलना एक बुद्धिमान आदमी से करूंगा, जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया, और बारिश बरसी और नदियाँ आई और हवाएँ चलीं और उस घर से टकराई, और वह नहीं गिरा, क्योंकि वह चट्टान पर स्थापित किया गया था। और जो कोई मेरे इन शब्दों को सुनता है और उन्हें नहीं करता, उसकी तुलना एक मूर्ख मनुष्य से की जाएगी, जिसने अपना घर रेत पर बनाया। और बारिश बरसी और नदियाँ आई और हवाएँ चलीं और उस घर से टकराई, और वह गिर गया, और उसका गिरना बहुत भयंकर था।

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने ये शब्द पूरे किए, तो भीड़ें उसकी शिक्षा पर चकित थीं। क्योंकि वह उन्हें अधिकार रखते हुए सिखाता था, और शास्त्रियों जैसे नहीं।

8

जब वह पहाड़ से नीचे आया, तो बहुत सी भीड़ें उसके पीछे चलीं। और देखो, एक कोढ़ी आया और उसे दण्डवत् करके कहने लगा, प्रभु, यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है। और यीशु ने हाथ फैलाकर उसे छुआ और कहा, मैं चाहता हूँ, शुद्ध हो जाओ। और तुरंत उसका कोढ़ शुद्ध हो गया। और यीशु उससे कहता है, देख, किसी को मत कहना, लेकिन जा और अपने आप को पुजारी को दिखा और वह भेंट चढ़ा जो मूसा ने आज्ञा दी थी, उनके लिए गवाही के रूप में।

लेकिन जब वह कफरनहूम में आया, तो एक शतपति उसके पास आया और उससे विनती करता हुआ कहने लगा, प्रभु, मेरा सेवक घर में लकवाग्रस्त पड़ा है, भयंकर पीड़ा सह रहा है। और यीशु उससे कहते हैं, मैं आकर उसे ठीक करूंगा। और उत्तर देते हुए शतपति ने कहा, हे प्रभु, मैं इस योग्य नहीं हूँ कि आप मेरी छत के नीचे प्रवेश करें, लेकिन केवल शब्द से कह दीजिए, और मेरा

सेवक चंगा हो जाएगा। और क्योंकि मैं एक ऐसा मनुष्य हूँ जो अधिकार के अधीन है, और मेरे अधीन सैनिक हैं, और मैं इसे कहता हूँ, जाओ, और वह जाता है, और दूसरे को, आओ, और वह आता है, और अपने दास को, यह करो, और वह करता है। यह सुनकर यीशु आश्चर्यचकित हुए और अनुसरण करने वालों से कहा, सच कहता हूँ तुमसे, इस्राएल में भी मैंने इतना बड़ा विश्वास नहीं पाया। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि बहुत से लोग पूर्व और पश्चिम से आएँगे और अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे। परन्तु राज्य के पुत्रों को बाहरी अन्धकार में फेंक दिया जाएगा, वहाँ रोना और दाँतों का पीसना होगा। और यीशु ने शतपति से कहा, जाओ, और जैसा तुमने विश्वास किया है, वैसा तुम्हारे लिए हो। और उसका सेवक उसी घड़ी चंगा हो गया।

और यीशु पतरस के घर आए और उन्होंने उसकी सास को लेते हुए और बुखार से पीड़ित देखा। और उसने उसके हाथ को छुआ, और बुखार ने उसे छोड़ दिया, और वह उठी और उसकी सेवा करने लगी। शाम हुई तो उसके पास बहुत से दुष्टात्मा-ग्रस्त लोगों को लाए, और उसने वचन से आत्माओं को निकाला और सब बीमारों को चंगा किया। ताकि वह पूरा हो जाए जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, उसने स्वयं हमारी कमजोरियों को लिया और हमारी बीमारियों को उठाया।

यीशु ने अपने चारों ओर बहुत भीड़ देखकर पार जाने का आदेश दिया। और एक शास्त्री पास आकर उससे बोला, गुरु, मैं आपका अनुसरण करूँगा जहाँ कहीं भी आप जाएँ। और यीशु उससे कहते हैं, लोमड़ियों के पास माँदें होती हैं और आकाश के पक्षियों के पास घोंसले होते हैं, लेकिन मनुष्य के पुत्र के पास सिर रखने के लिए कोई जगह नहीं है। उसके शिष्यों में से एक अन्य ने उससे कहा, हे प्रभु, मुझे पहले जाने और अपने पिता को दफनाने की अनुमति दो। लेकिन यीशु ने उससे कहा, मेरे पीछे चलो, और मरे हुएों को अपने मरे हुएों को दफनाने दो।

और जब वह नाव में चढ़ा, तो उसके शिष्यों ने उसका अनुसरण किया। और देखो, समुद्र में एक

बड़ा तूफान आया, इतना कि नाव लहरों से ढकने लगी, लेकिन वह सो रहा था। और पास आकर उसके शिष्यों ने उसे उठाया और कहा, हे प्रभु, हमें बचाओ, हम नाश हो रहे हैं। और वह उनसे कहता है, तुम क्यों डरते हो, हे अल्प-विश्वासियो? तब उठकर उसने हवाओं और समुद्र को डांटा, और एक महान शांति छा गई। लेकिन लोग आश्चर्यचकित हो गए और कहने लगे, यह कैसा व्यक्ति है, कि हवाएँ और समुद्र भी इसकी आज्ञा मानते हैं?

और जब वह पार गेरगेसेनों के प्रदेश में आया, तो उसे दो भूत-ग्रस्त मिले जो कब्रों से निकल रहे थे, जो अत्यंत भयंकर थे, इतना कि कोई भी उस मार्ग से होकर नहीं जा सकता था। और देखो, वे चिल्लाए और कहने लगे, हे यीशु, परमेश्वर के पुत्र! हमारा और तुम्हारा क्या लेना-देना? क्या तुम समय से पहले हमें पीड़ा देने यहाँ आए हो? उनसे दूर सूअरों का एक बड़ा झुंड चर रहा था। और दुष्टात्माएँ उससे विनती कर रहे थे और कह रहे थे, यदि तू हमें निकालता है, तो हमें सूअरों के झुंड में जाने की अनुमति दे। और उसने उनसे कहा, जाओ। और वे बाहर निकलकर सूअरों के झुंड में चले गए, और देखो, सूअरों का सारा झुंड चट्टान से समुद्र में दौड़ गया और पानी में मर गए। वे चरवाहे भाग गए, और शहर में जाकर उन्होंने सब कुछ और भूत-ग्रस्त लोगों की बातें बताईं। और देखो, सारा शहर यीशु से मिलने के लिए बाहर गया, और उन्हें देखकर उन्होंने विनती की कि वह उनकी सीमाओं से प्रस्थान कर दें।

9

और नाव में चढ़कर वह पार गया और अपने शहर में आया। और देखो, वे उसके पास एक लकवाग्रस्त को बिस्तर पर पड़ा हुआ ला रहे थे, और यीशु ने उनका विश्वास देखकर लकवाग्रस्त से कहा, साहस रखो, बच्चे, तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं। और देखो, शास्त्रियों में से कुछ ने अपने मन में कहा, यह निन्दा करता है। और यीशु ने उनके विचार देखकर कहा, तुम अपने हृदयों में बुरा क्यों सोचते हो? क्या आसान है - यह कहना कि तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं, या यह

कहना कि उठो और चलो? ताकि तुम जान सको कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पापों को क्षमा करने का अधिकार है, तब वह उस लकवाग्रस्त से कहता है, उठ, अपना बिस्तर उठा और अपने घर जा। और उठकर वह अपने घर चला गया। परन्तु भीड़ों ने देखकर आश्चर्य किया और परमेश्वर की महिमा की जिसने मनुष्यों को ऐसा अधिकार दिया था।

और यीशु वहाँ से गुजरते हुए एक आदमी को कर चौकी पर बैठे देखा, जो मत्ती कहलाता था, और उससे कहा, मेरे पीछे चलो। और वह उठकर उसके पीछे चल पड़ा। और ऐसा हुआ कि जब वह घर में भोजन के लिए लेटा हुआ था, तो देखो, बहुत से कर संग्रहकर्ता और पापी आकर यीशु और उसके शिष्यों के साथ भोजन के लिए लेटे हुए थे। और फरीसियों ने देखकर उसके शिष्यों से कहा, तुम्हारा शिक्षक कर वसूलने वालों और पापियों के साथ क्यों खाता है? और यीशु ने सुनकर उनसे कहा, स्वस्थ लोगों को वैद्य की आवश्यकता नहीं है, परन्तु बीमार लोगों को है। जाओ और सीखो कि दया क्या है, मैं चाहता हूँ और बलिदान नहीं। क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं, बल्कि पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने आया हूँ।

तब यूहन्ना के शिष्य उसके पास आकर कहते हैं, क्यों हम और फरीसी बहुत उपवास करते हैं, लेकिन तेरे शिष्य उपवास नहीं करते हैं? और यीशु ने उनसे कहा, क्या विवाह कक्ष के पुत्र शोक कर सकते हैं जब तक दूल्हा उनके साथ है? लेकिन वे दिन आएंगे जब दूल्हा उनसे ले लिया जाएगा, और तब वे उपवास करेंगे। कोई भी पुराने वस्त्र पर बिना सिकुड़े कपड़े का पैबंद नहीं लगाता, क्योंकि वह भराव वस्त्र से निकल जाता है, और फाड़ और भी बुरा हो जाता है। न ही वे नई शराब को पुरानी मशकों में डालते हैं, नहीं तो मशकें फट जाती हैं, और शराब बह जाती है और मशकें नष्ट हो जाती हैं, बल्कि वे नई शराब को नई मशकों में डालते हैं, और दोनों सुरक्षित रहते हैं।

जब वह उनसे ये बातें बोल रहा था, देखो, एक शासक पास आया और उसे प्रणाम करके कहने लगा कि मेरी बेटी अभी मर गई है, लेकिन आप आकर अपना हाथ उस पर रखें और वह जीवित

हो जाएगी। और यीशु उठकर उसके पीछे चला और उसके शिष्य भी। और देखो, एक स्त्री जो बारह वर्षों से रक्तस्राव से पीड़ित थी, पीछे से आकर उसके वस्त्र के किनारे को छुआ। वह अपने मन में कह रही थी, यदि मैं केवल उसके वस्त्र को छू लूं, तो मैं बच जाऊंगी। लेकिन यीशु ने मुड़कर और उसे देखकर कहा, हिम्मत रखो, बेटी, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। और वह स्त्री उसी घड़ी से बच गई। और यीशु शासक के घर में आया और बांसुरी बजाने वालों और शोर मचाती हुई भीड़ को देखकर, उनसे कहता है, हटो, क्योंकि लड़की नहीं मरी, बल्कि सो रही है। और वे उस पर हँसे। जब भीड़ को निकाल दिया गया, तो प्रवेश करके उसने उसका हाथ पकड़ा, और लड़की उठ गई। और यह अफवाह उस पूरे भूमि में फैल गई।

और जब यीशु वहाँ से गुजर रहे थे, तो दो अंधे उनके पीछे चिल्लाते हुए चले और कहने लगे, हे दाऊद के पुत्र, हम पर दया करो। घर में आने पर अंधे उसके पास आए, और यीशु उनसे कहते हैं, क्या तुम विश्वास करते हो कि मैं यह कर सकता हूँ? वे उससे कहते हैं, हाँ, प्रभु। तब उसने उनकी आँखें छूते हुए कहा, तुम्हारे विश्वास के अनुसार तुम्हारे लिए हो जाए। और उनकी आँखें खोली गई, और यीशु ने उन्हें कठोर चेतावनी देते हुए कहा, देखो, कोई न जाने। लेकिन वे बाहर जाने के बाद उस पूरे प्रदेश में उसके बारे में समाचार फैलाया।

जब वे जा रहे थे, तो देखो, लोग उसके पास एक गूंगे भूत-ग्रस्त आदमी को लाए। और जब दुष्टात्मा को निकाल दिया गया, तो वह गूंगा बोलने लगा, और भीड़ आश्चर्यचकित हो गई और कहने लगी कि इस्राएल में ऐसा कभी नहीं देखा गया। परन्तु फरीसी कह रहे थे, वह दुष्टात्माओं के शासक के द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता है।

और यीशु सभी शहरों और गांवों में घूमते हुए उनकी सभाओं में सिखाते थे और राज्य के सुसमाचार की घोषणा करते थे और लोगों में सभी बीमारी और सभी रोग की सेवा करते थे।

भीड़ों को देखकर उन पर दया आई, क्योंकि वे थके हुए और बिखरे हुए थे, जैसे भेड़ें जिनका कोई

चरवाहा नहीं। तब वह अपने शिष्यों से कहता है, फसल तो बहुत है, लेकिन मजदूर थोड़े हैं। इसलिए फसल के प्रभु से प्रार्थना करो ताकि वह अपनी फसल में मजदूरों को भेज दे।

10

और उसने अपने बारह शिष्यों को बुलाकर उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, ताकि वे उन्हें निकाल सकें और सब रोग और सब बीमारी को चंगा कर सकें। लेकिन बारह प्रेरितों के नाम ये हैं: पहला शमौन जो पतरस कहलाता है और उसका भाई अन्द्रियास, जबदी का पुत्र याकूब और उसका भाई यूहन्ना, फिलिप्पुस और बर्थोलोमाइओस, थोमास और मत्थाइओस चुंगी लेनेवाला, अल्फाइओस का पुत्र याकोबोस और लेब्बाइओस जो थद्दाइओस कहलाता था, शिमोन कनानी और यहूदा इस्करियोती, जिसने उसे पकड़वाया।

इन बारह को यीशु ने भेजा और उन्हें आदेश देते हुए कहा, अन्यजातियों के रास्ते मत जाओ और सामरियों के किसी शहर में प्रवेश मत करो, परन्तु तुम इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों के पास अधिक जाओ। जाते हुए घोषणा करो, यह कहते हुए कि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। बीमारों को चंगा करो, कोढ़ियों को शुद्ध करो, मृतकों को जिलाओ, दुष्टात्माओं को निकालो; तुमने मुफ्त में पाया है, मुफ्त में दो। अपनी पेटियों में सोना, चांदी या कांसा अर्जित मत करो। न बैग रास्ते में, न दो कुर्ते, न जूते, न छड़ी, क्योंकि मजदूर अपने भोजन का योग्य है। जिस भी नगर या गाँव में तुम प्रवेश करो, पता लगाओ कि उसमें कौन योग्य है, और वहाँ तब तक ठहरो जब तक तुम प्रस्थान न कर दो। घर में प्रवेश करते हुए इसे यह कहते हुए अभिवादन करो, इस घर को शांति मिले। और यदि वह घर वास्तव में योग्य हो, तो तुम्हारी शांति उस पर आए, लेकिन यदि योग्य न हो, तो तुम्हारी शांति तुम्हारे पास लौट आए। और जो तुम्हें ग्रहण नहीं करता है और न ही तुम्हारे शब्दों को सुनता है, उस घर से या उस नगर से बाहर जाते हुए अपने पैरों की धूल झाड़ दो। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, न्याय के दिन सदोम और अमोरा की भूमि के लिए उस नगर की अपेक्षा

अधिक सहनीय होगा।

देखो, मैं तुम्हें भेड़ियों के बीच भेड़ों की तरह भेज रहा हूँ, इसलिए साँपों की तरह बुद्धिमान और कबूतरों की तरह निर्दोष बनो। लेकिन मनुष्यों से सावधान रहो, क्योंकि वे तुम्हें सभाओं में साँप देंगे और अपने आराधनालयों में तुम्हें कोड़े मारेंगे। और तुम मेरे कारण नेताओं और राजाओं के सामने लाए जाओगे, उनके लिए और राष्ट्रों के लिए गवाही देने के लिए। जब वे तुम्हें साँपेंगे, तो चिंता मत करो कि कैसे या क्या बोलोगे, क्योंकि उस घड़ी में तुम्हें दिया जाएगा कि क्या बोलना है। क्योंकि तुम बोलने वाले नहीं हो, बल्कि तुम्हारे पिता का आत्मा है जो तुम में बोलता है। भाई अपने भाई को मृत्यु के लिए साँप देगा और पिता अपनी संतान को, और संतानें अपने माता-पिता के विरुद्ध उठ खड़ी होंगी और उन्हें मार डालेंगी। और तुम सब के द्वारा मेरे नाम के कारण नफरत किए जाओगे, लेकिन जो अंत तक सहन करेगा, वह बचाया जाएगा। जब वे तुम्हें इस शहर में सताएँ, तो दूसरे शहर में भाग जाओ, क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, तुम इस्राएल के शहरों को समाप्त नहीं करोगे जब तक मनुष्य का पुत्र नहीं आ जाता। शिष्य अपने शिक्षक से बड़ा नहीं होता और न ही दास अपने स्वामी से बड़ा होता है। शिष्य के लिए यह पर्याप्त है कि वह अपने शिक्षक के समान बन जाए, और दास के लिए कि वह अपने स्वामी के समान बन जाए। यदि उन्होंने घर के मालिक को बील्ज़ेबुल कहा, तो उसके घर के सदस्यों को कितना अधिक कहेंगे? इसलिए उनसे मत डरो, क्योंकि कुछ भी ऐसा ढका हुआ नहीं है जो प्रकट नहीं किया जाएगा, और कुछ भी ऐसा छिपा हुआ नहीं है जो जाना नहीं जाएगा। जो मैं तुमसे अंधेरे में कहता हूँ, उसे प्रकाश में कहो, और जो तुम कान में सुनते हो, उसे छतों पर घोषणा करो। और उनसे मत डरो जो शरीर को मारते हैं, लेकिन आत्मा को मारने में सक्षम नहीं हैं, बल्कि उससे डरो जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नष्ट करने में सक्षम है। क्या दो गौरैया एक असारियोन में नहीं बेची जाती हैं? और उनमें से एक भी तुम्हारे पिता के बिना भूमि पर नहीं गिरेगी। लेकिन तुम्हारे सिर के सभी बाल भी गिने हुए हैं। इसलिए मत डरो, तुम बहुत सी चिड़ियों से अधिक मूल्यवान हो।

इसलिए जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे स्वीकार करेगा, मैं भी उसे अपने पिता के सामने स्वीकार

करूंगा जो स्वर्ग में हैं। जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे इनकार करेगा, मैं भी अपने पिता के सामने जो स्वर्ग में है, उसे इनकार करूंगा।

यह मत सोचो कि मैं पृथ्वी पर शांति लाने आया हूँ। मैं शांति लाने नहीं, बल्कि तलवार लाने आया हूँ। मैं आया हूँ कि आदमी को उसके पिता के विरुद्ध, और बेटी को उसकी माँ के विरुद्ध, और बहू को उसकी सास के विरुद्ध अलग कर दूँ। और मनुष्य के शत्रु उसके घर के लोग होंगे।

जो अपने पिता या माता से मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं है, और जो अपने पुत्र या पुत्री से मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं है। और जो अपना क्रूस नहीं उठाता और मेरे पीछे नहीं चलता, वह मेरे योग्य नहीं है। जो अपनी आत्मा को पा लेता है वह उसे खो देगा, और जो अपनी आत्मा को मेरे कारण खो देता है वह उसे पा लेगा।

जो तुम्हें स्वीकार करता है, वह मुझे स्वीकार करता है, और जो मुझे स्वीकार करता है, वह उसे स्वीकार करता है जिसने मुझे भेजा है। जो भविष्यवक्ता को भविष्यवक्ता के नाम पर ग्रहण करता है, वह भविष्यवक्ता का प्रतिफल प्राप्त करेगा, और जो धर्मी को धर्मी के नाम पर ग्रहण करता है, वह धर्मी का प्रतिफल प्राप्त करेगा। और जो कोई इन छोटों में से किसी एक को एक कटोरा ठंडा पानी केवल शिष्य के नाम पर पिलाए, मैं तुम से सच कहता हूँ, वह अपना प्रतिफल कदापि नहीं खोएगा।

11

और ऐसा हुआ कि जब यीशु अपने बारह शिष्यों को निर्देश देना समाप्त कर चुके, तो वे वहाँ से उनके नगरों में सिखाने और घोषणा करने के लिए प्रस्थान कर गए।

लेकिन यूहन्ना ने कारागार में मसीह के कार्यों को सुनकर, अपने दो शिष्यों को भेजकर उसने उससे कहा, क्या तुम वही हो जो आने वाला है, या हम किसी दूसरे की प्रतीक्षा करें? और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, जाकर यूहन्ना को बताओ जो तुम सुनते हो और देखते हो। अंधे फिर से देखते हैं और लंगड़े चलते हैं, कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं और बहरे सुनते हैं, मृतक जिलाए जाते हैं और गरीबों को सुसमाचार सुनाया जाता है। और धन्य है वह जो मुझ में ठोकर न खाए।

जब ये जा रहे थे, तो यीशु ने भीड़ों से यूहन्ना के बारे में कहना आरंभ किया, तुम रेगिस्तान में क्या देखने गए थे? हवा से हिलाए जाते हुए सरकंडे को? लेकिन तुम क्या देखने बाहर गए? क्या नरम वस्त्र पहने हुए आदमी को? देखो, जो नरम वस्त्र पहनते हैं वे राजाओं के घरों में हैं। लेकिन तुम क्या देखने बाहर गए थे? एक भविष्यवक्ता को? हाँ, मैं तुमसे कहता हूँ, और भविष्यवक्ता से भी बढ़कर। यह वह है जिसके विषय में लिखा गया है, देखो, मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजता हूँ, जो तुम्हारे सामने तुम्हारा मार्ग तैयार करेगा।

सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, स्त्रियों से जन्मे लोगों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले से बड़ा कोई नहीं उठाया गया है, परन्तु स्वर्ग के राज्य में छोटे से छोटा भी उससे बड़ा है। लेकिन यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों से लेकर अभी तक स्वर्ग का राज्य बल से लिया जाता है, और हिंसक लोग इसे छीन लेते हैं। क्योंकि सब भविष्यवक्ताओं और व्यवस्था ने यूहन्ना तक भविष्यवाणी की। और यदि तुम इसे स्वीकार करना चाहते हो, तो वह एलिय्याह है जो आने वाला है। जिसके कान हों सुनने के लिए, वह सुने।

लेकिन मैं इस पीढ़ी की तुलना किससे करूँ? यह उन बच्चों के समान है जो बाजारों में बैठे हुए अपने साथियों को पुकारते हुए कहते हैं, हमने तुम्हारे लिए बांसुरी बजाई, और तुमने नहीं नाचे, हमने तुम्हारे लिए शोकगीत गाया, और तुमने विलाप नहीं किया। क्योंकि यूहन्ना न खाते हुए आया और न पीते हुए, और वे कहते हैं, उसमें दुष्टात्मा है। मनुष्य का पुत्र आया, खाता और पीता हुआ, और वे कहते हैं, देखो, यह मनुष्य पेटू और शराबी है, कर वसूलने वालों का मित्र और पापियों

का। और बुद्धि अपने बच्चों से न्यायसंगत ठहराई गई।

तब उसने उन नगरों की निन्दा करना आरम्भ किया जिनमें उसके सबसे अधिक सामर्थ्य के काम हुए थे, क्योंकि उन्होंने पश्चाताप नहीं किया। धिक्कार है तुम्हें, खोराज़ीन! धिक्कार है तुम्हें, बेथसैदा! क्योंकि यदि सूर और सीदोन में वे सामर्थ्य के काम हुए होते जो तुममें हुए, तो वे बहुत पहले टाट और राख में बैठकर पश्चाताप कर चुके होते। परन्तु मैं तुम से कहता हूँ, न्याय के दिन सूर और सैदा के लिए तुम से अधिक सहनीय होगा। और तू कपरनहूम, जो स्वर्ग तक ऊंचा किया गया है, अधोलोक तक नीचे गिराया जाएगा, क्योंकि यदि सदोम में वे सामर्थ्य के काम हुए होते जो तुझ में हुए हैं, तो वह आज तक बना रहता। परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ कि सदोम की भूमि के लिए न्याय के दिन अधिक सहनीय होगा बजाय तुम्हारे।

उस समय यीशु ने उत्तर देते हुए कहा, हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु, मैं तुम्हें धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि तुमने इन बातों को बुद्धिमानों और समझदारों से छिपाया, और इन्हें बालकों पर प्रकट किया। हाँ, हे पिता, क्योंकि यह तुम्हारे सामने भला लगा। सब कुछ मुझे मेरे पिता द्वारा सौंपा गया है, और कोई भी पुत्र को नहीं जानता यदि पिता न हो, और न ही कोई पिता को जानता है यदि पुत्र न हो और वह जिसे पुत्र प्रकट करना चाहे। आओ मेरे पास सब परिश्रम करने वाले और बोझ से दबे हुए लोगों, और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जुआ अपने ऊपर उठाओ और मुझसे सीखो, क्योंकि मैं हृदय में कोमल और विनम्र हूँ, और तुम अपनी आत्माओं के लिए विश्राम पाओगे, क्योंकि मेरा जुआ अच्छा है और मेरा बोझ हल्का है।

12

उस समय यीशु सब के दिन अनाज के खेतों के बीच से गए, और उनके शिष्य भूखे थे, और उन्होंने बालें नोचकर खाना शुरू किया। परन्तु फरीसियों ने देखकर उससे कहा, देखो, तुम्हारे चले

वह करते हैं जो सब्त के दिन करना उचित नहीं है। लेकिन उसने उनसे कहा, क्या तुमने नहीं पढ़ा कि दाऊद ने क्या किया जब वह और उसके साथी भूखे थे? कैसे वह परमेश्वर के घर में प्रवेश किया और प्रस्तुतीकरण की रोटियाँ खाई, जिन्हें उसके लिए खाना संभव नहीं था और न ही उनके लिए जो उसके साथ थे, केवल पुजारियों को छोड़कर? या क्या तुमने कानून में नहीं पढ़ा कि सब्त के दिनों में पुजारी मंदिर में सब्त को अपवित्र करते हैं, और निर्दोष हैं? लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि यहाँ मंदिर से भी बड़ा है। यदि तुम जान गए होते कि दया मैं चाहता हूँ और बलिदान नहीं, तो तुमने निर्दोषों को निंदा नहीं किया होता। क्योंकि मनुष्य का पुत्र सब्त का भी प्रभु है।

और वहाँ से प्रस्थान करके वह उनकी मण्डली में आया। और देखो, वहाँ एक आदमी था जिसका हाथ सूखा हुआ था, और उन्होंने उससे यह कहते हुए पूछा, क्या सब्त के दिन चंगा करना उचित है? ताकि वे उस पर आरोप लगा सकें। लेकिन उसने उनसे कहा, तुममें से कौन आदमी होगा जिसके पास एक भेड़ हो, और अगर वह सब्त के दिन गड्ढे में गिर जाए, तो क्या वह उसे पकड़कर नहीं उठाएगा? तो मनुष्य भेड़ से कितना भिन्न है? इसलिए सब्त के दिन भलाई करना उचित है। तब वह आदमी से कहता है, अपना हाथ फैलाओ, और उसने फैलाया, और वह दूसरे हाथ जैसा स्वस्थ हो गया। बाहर जाकर फरीसियों ने उसके विरुद्ध परामर्श लिया, ताकि वे उसको नष्ट कर सकें। परन्तु यीशु यह जानकर वहाँ से चला गया, और बहुत भीड़ उसके पीछे हो ली, और उसने उन सबको चंगा किया। और उसने उन्हें डांटा ताकि वे उसे स्पष्ट न करें ताकि वह पूरा हो जो यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, देखो, मेरा सेवक जिसे मैंने चुना है, मेरा प्रिय जिसमें मेरी आत्मा प्रसन्न हुई है। मैं अपनी आत्मा उस पर रखूँगा, और वह राष्ट्रों को न्याय की घोषणा करेगा। वह न झगड़ेगा और न चिल्लाएगा, न कोई गलियों में उसकी आवाज़ सुनेगा। कुचले हुए नरकट को वह नहीं तोड़ेगा और धुआँ उठते हुए सन को नहीं बुझाएगा, जब तक कि वह न्याय को विजय में न भेज दे। और उसके नाम पर राष्ट्र आशा रखेंगे।

तब उसके पास एक भूत-ग्रस्त अंधा और गूंगा व्यक्ति लाया गया, और उसने उसे चंगा किया, ताकि वह अंधा और गूंगा व्यक्ति बोलने और देखने लगा। और सब भीड़ें चकित थीं और कह रही

थीं, क्या यह दाऊद का पुत्र मसीह नहीं है? लेकिन फरीसियों ने सुनकर कहा, यह दुष्टात्माओं को नहीं निकालता, सिवाय बालजबूल के द्वारा, जो दुष्टात्माओं का शासक है। यीशु उनके विचारों को जानते हुए उनसे बोले, हर राज्य जो अपने आप में विभाजित हो जाता है वह उजाड़ हो जाता है, और हर नगर या घर जो अपने आप में विभाजित हो जाता है वह खड़ा नहीं रहेगा। और यदि शैतान शैतान को निकालता है, तो वह स्वयं के विरुद्ध विभाजित हो गया है, इसलिए उसका राज्य कैसे खड़ा रहेगा? और यदि मैं बेलजेबुल के द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो तुम्हारे पुत्र किसके द्वारा निकालेंगे? इसलिए वे स्वयं तुम्हारे न्यायाधीश होंगे। लेकिन यदि मैं परमेश्वर के आत्मा में दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम पर आ पहुँचा है। या कैसे कोई किसी मजबूत व्यक्ति के घर में प्रवेश करके उसके बर्तन छीन सकता है, यदि पहले उस मजबूत व्यक्ति को न बांधे? और तब वह उसके घर को लूटेगा। जो मेरे साथ नहीं है वह मेरे विरुद्ध है, और जो मेरे साथ इकट्ठा नहीं करता वह बिखेरता है।

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, सभी पाप और निन्दा लोगों को क्षमा कर दिए जाएँगे, लेकिन आत्मा की निन्दा लोगों को क्षमा नहीं की जाएगी। और जो कोई मनुष्य के पुत्र के विरुद्ध कोई शब्द कहे, उसे क्षमा किया जाएगा, लेकिन जो कोई पवित्र आत्मा के विरुद्ध कहे, उसे क्षमा नहीं किया जाएगा, न इस युग में और न आने वाले युग में।

या तो पेड़ को अच्छा बनाओ और उसके फल को अच्छा, या पेड़ को सड़ा बनाओ और उसके फल को सड़ा, क्योंकि फल से ही पेड़ पहचाना जाता है। सांपों की संतान, तुम दुष्ट होते हुए कैसे अच्छी बातें बोल सकते हो? क्योंकि हृदय की प्रचुरता से मुख बोलता है। अच्छा मनुष्य अच्छे खजाने से अच्छी चीजें निकालता है, और दुष्ट मनुष्य दुष्ट खजाने से बुरी चीजें निकालता है। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि हर निकम्मा शब्द जो लोग बोलें, उसके बारे में वे न्याय के दिन में हिसाब देंगे, क्योंकि तुम्हारे शब्दों से तुम न्यायसंगत ठहराए जाओगे, और तुम्हारे शब्दों से तुम दोषी ठहराए जाओगे।

तब लेखकों और फरीसियों में से कुछ ने उत्तर देते हुए कहा, हे शिक्षक, हम आपसे एक चिन्ह देखना चाहते हैं। परन्तु उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी चिन्ह खोजती है, और इसे कोई चिन्ह नहीं दिया जाएगा सिवाय योना भविष्यवक्ता के चिन्ह के। जैसे योना भविष्यवक्ता बड़ी मछली के पेट में तीन दिन और तीन रात रहा, वैसे ही मनुष्य का पुत्र भी पृथ्वी के हृदय में तीन दिन और तीन रात रहेगा। नीनवे के पुरुष इस पीढ़ी के साथ न्याय में उठेंगे और उसकी निंदा करेंगे, क्योंकि उन्होंने योना के उपदेश पर पश्चात्ताप किया था, और देखो, यहाँ योना से भी बड़ा है। दक्षिण की रानी इस पीढ़ी के साथ न्याय में उठाई जाएगी और उसे दोषी ठहराएगी, क्योंकि वह पृथ्वी के छोर से सुलैमान का ज्ञान सुनने आई थी, और देखो, यहाँ सुलैमान से भी बड़ा है।

जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य से बाहर निकलती है, तो वह जलहीन स्थानों से होकर गुजरती है, विश्राम खोजती है, और नहीं पाती है। तब वह कहता है, मैं अपने घर लौटूंगा जहाँ से निकला था, और आकर उसे खाली, साफ किया हुआ और सजाया हुआ पाता है। तब वह जाता है और अपने साथ सात अन्य आत्माएँ लेता है जो अपने से अधिक दुष्ट हैं, और प्रवेश करके वहाँ निवास करती हैं, और उस मनुष्य की अंतिम दशा पहली से बदतर हो जाती है। इस प्रकार इस दुष्ट पीढ़ी के साथ भी होगा।

जब वह अभी भी भीड़ों से बोल रहा था, देखो, उसकी माता और उसके भाई बाहर खड़े थे, उससे बात करने की कोशिश कर रहे थे। किसी ने उससे कहा, देखो, तुम्हारी माता और तुम्हारे भाई बाहर खड़े हैं और तुमको देखना चाहते हैं। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उससे कहने वाले से कहा, कौन है मेरी माता और कौन हैं मेरे भाई? और अपना हाथ अपने शिष्यों की ओर फैलाकर उसने कहा, देखो, मेरी माता और मेरे भाई, क्योंकि जो कोई भी मेरे पिता की इच्छा करेगा जो स्वर्ग में है, वह मेरा भाई और बहन और माता है।

उस दिन में, यीशु घर से बाहर निकलकर समुद्र के पास बैठे थे। और उसके पास बहुत भीड़ें एकत्रित हुईं, इतना कि उसे नाव में प्रवेश करके बैठना पड़ा, और सारी भीड़ किनारे पर खड़ी थी। और उसने उनसे दृष्टान्तों में बहुत सी बातें कहीं, देखो, एक बोनेवाला बोने के लिए निकला। और जब वह बो रहा था, तो कुछ बीज रास्ते के किनारे गिरे, और पक्षी आकर उन्हें खा गए। लेकिन कुछ चट्टानी जगहों पर गिरा, जहाँ बहुत भूमि नहीं थी, और तुरंत अंकुरित हो गया क्योंकि भूमि की गहराई नहीं थी, लेकिन सूर्य के उदय होने पर यह झुलस गया, और जड़ न होने के कारण सूख गया। लेकिन अन्य काँटों पर गिर गया, और काँटे ऊपर आए और उन्होंने उन्हें घुटन कर दिया। लेकिन कुछ अच्छी भूमि पर गिरा और फल देता था, कोई सौ, कोई साठ, कोई तीस। जिसके कान हों सुनने के लिए, वह सुने।

और शिष्य पास आकर उससे बोले, आप उनसे दृष्टान्तों में क्यों बोलते हैं? उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, तुम्हें स्वर्ग के राज्य के रहस्यों को जानना दिया गया है, परन्तु उन्हें नहीं दिया गया है। क्योंकि जिसके पास है, उसे दिया जाएगा और उसके पास बहुतायत होगी, लेकिन जिसके पास नहीं है, जो उसके पास है वह भी उससे ले लिया जाएगा। इसलिए मैं उनसे दृष्टान्तों में बोलता हूँ, ताकि वे देखते हुए भी न देखें और सुनते हुए भी न सुनें और न ही समझें। कहीं ऐसा न हो कि वे लौट आएँ, और तब उनके लिए यशायाह की वह भविष्यवाणी पूरी होगी जो कहती है, सुनते हुए तुम सुनोगे और नहीं समझोगे, और देखते हुए तुम देखोगे और नहीं देखोगे, क्योंकि इन लोगों का हृदय मोटा हो गया है, और उन्होंने कानों से भारी होकर सुना है, और उन्होंने अपनी आँखें बंद कर ली हैं, कहीं ऐसा न हो कि वे आँखों से देखें और कानों से सुनें और हृदय से समझें और लौट आएँ, और मैं उन्हें चंगा करूँ।

लेकिन तुम्हारी आँखें धन्य हैं, क्योंकि वे देखती हैं, और तुम्हारे कान धन्य हैं, क्योंकि वे सुनते हैं।

मैं तुमसे सच कहता हूँ कि बहुत से नबियों और धर्मियों ने चाहा था कि वे देखें जो तुम देखते हो, परन्तु उन्होंने नहीं देखा, और सुनें जो तुम सुनते हो, परन्तु उन्होंने नहीं सुना।

इसलिए तुम बोने वाले का दृष्टान्त सुनो। जो कोई राज्य के वचन को सुनता है और नहीं समझता, वह दुष्ट आता है और उसके हृदय में जो बोया गया था उसे ले जाता है; यह वह है जो रास्ते के किनारे बोया गया। जो पथरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है जो वचन को सुनता है और तुरंत आनंद के साथ उसे ग्रहण करता है और स्वीकार करता है, वह अपने में जड़ नहीं रखता है, लेकिन अस्थायी है, और जब वचन के कारण क्लेश या सताव होता है तो तुरंत ठोकर खाता है। लेकिन वह जो काँटों में बोया गया, यह वह है जो वचन सुनता है, और इस युग की चिंता और धन का धोखा वचन को घुट देता है, और वह निष्फल हो जाता है। परन्तु जो अच्छी भूमि पर बोया गया, यह वह है जो वचन को सुनता और समझता है, जो वास्तव में फल देता है और उत्पन्न करता है—कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।

उसने उनके सामने एक और दृष्टान्त रखा और कहा, स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। लेकिन जब लोग सो रहे थे, तब उसका शत्रु आया और अनाज के बीच में खरपतवार बो दिया और चला गया। जब घास अंकुरित हुई और फल लाई, तब खरपतवार भी प्रकट हुए। लेकिन घर के मालिक के दास पास आकर उससे बोले, स्वामी, क्या आपने अपने खेत में अच्छा बीज नहीं बोया था? फिर इसमें खरपतवार कहाँ से आ गए? उसने उनसे कहा, किसी शत्रु मनुष्य ने यह किया है। दासों ने उससे कहा, तो क्या आप चाहते हैं कि हम जाकर उन्हें इकट्ठा कर लें? लेकिन उसने कहा, नहीं, ऐसा न हो कि खरपतवार इकट्ठा करते समय तुम उनके साथ ही अनाज को भी उखाड़ दो। दोनों को कटाई तक साथ बढ़ने दो, और कटाई के समय मैं काटने वालों से कहूँगा, पहले खरपतवार इकट्ठा करो और उन्हें जलाने के लिए गड्ढों में बांधो, लेकिन अनाज को मेरे भंडार में इकट्ठा करो।

उसने उनके सामने एक और दृष्टान्त रखा और कहा, स्वर्ग का राज्य सरसों के दाने के समान है,

जिसे एक मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बोया, जो वास्तव में सभी बीजों में सबसे छोटा है, लेकिन जब बढ़ता है, तो सभी सब्जियों में सबसे बड़ा है और पेड़ बन जाता है, ताकि आकाश के पक्षी आकर उसकी शाखाओं में बसेरा करें।

उसने उनसे एक और दृष्टान्त कहा, स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है, जिसे एक स्त्री ने लेकर तीन माप आटे में छिपाया, जब तक कि सम्पूर्ण खमीर नहीं हो गया।

ये सब बातें यीशु ने भीड़ों को दृष्टान्तों में बोलीं, और बिना दृष्टान्त के उन्होंने उनसे कुछ नहीं कहा। ताकि वह पूरा हो जो भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, जो कहता है, मैं दृष्टान्तों में अपना मुँह खोलूंगा, मैं संसार की नींव से छिपी हुई चीजों को उच्चारण करूंगा।

तब भीड़ों को छोड़कर वह अपने घर में आया। और उसके शिष्य उसके पास आए और कहने लगे, हमें खेत के खरपतवारों का दृष्टान्त समझाइए। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, वह जो अच्छा बीज बोता है, वह मनुष्य का पुत्र है। और वह खेत संसार है, और वह अच्छा बीज, ये राज्य के पुत्र हैं, और वे खरपतवार दुष्ट के पुत्र हैं, लेकिन शत्रु जिसने उन्हें बोया वह शैतान है, और कटाई युग का अंत है, और काटने वाले दूत हैं। जैसे खरपतवार एकत्र किए जाते हैं और आग में जलाए जाते हैं, वैसे ही इस युग के अंत में होगा। मनुष्य का पुत्र अपने दूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य से सब ठोकर के पत्थरों को और अधर्म करने वालों को इकट्ठा करेंगे, और वे उन्हें आग की भट्टी में फेंक देंगे, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। तब धर्मी लोग अपने पिता के राज्य में सूरज की तरह चमकेंगे। जिसके पास सुनने के लिए कान हैं, वह सुने।

फिर स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए खजाने के समान है, जिसे पाकर मनुष्य ने छिपा दिया, और अपने आनंद से वह जाता है और जितना कुछ उसके पास है सब बेच देता है और उस खेत को खरीद लेता है।

फिर स्वर्ग का राज्य उस व्यापारी मनुष्य के समान है जो सुंदर मोती खोज रहा है, जिसने एक बहुमूल्य मोती पाकर, जाकर सब कुछ जो उसके पास था बेच दिया और उसे खरीद लिया।

फिर स्वर्ग का राज्य उस जाल के समान है जो समुद्र में डाला गया और सब प्रकार की मछलियों को इकट्ठा किया। जब वह भर गया, तो उसे तट पर ऊपर लाकर और बैठकर उन्होंने अच्छे को बर्तनों में इकट्ठा किया, लेकिन सड़े को बाहर फेंक दिया। इस प्रकार युग की समाप्ति में होगा। संदेशवाहक बाहर जाएंगे और दुष्टों को धर्मियों के बीच से अलग करेंगे। और वे उन्हें आग की भट्टी में फेंकेंगे, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। यीशु उनसे कहते हैं, क्या तुमने ये सब समझ लिया? वे उससे कहते हैं, हाँ, प्रभु। लेकिन उसने उनसे कहा, इस कारण से हर शास्त्री जो स्वर्ग के राज्य में प्रशिक्षित किया गया है, उस मनुष्य के समान है जो घर का स्वामी है, और जो अपने खजाने से नई और पुरानी चीजें निकालता है।

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने इन दृष्टान्तों को समाप्त किया, तो वह वहाँ से चले गए। और अपने देश में आकर उसने उनकी सभा में उन्हें सिखाया, जिससे वे चकित हो गए और कहने लगे, इसे यह ज्ञान और ये शक्तियाँ कहाँ से मिलीं? क्या यह बढ़ई का पुत्र नहीं है? क्या इसकी माता का नाम मरियम नहीं है और इसके भाई याकूब, जोसेस, शमौन और यहूदा नहीं हैं? और क्या उसकी बहन सब हमारे पास नहीं हैं? तो फिर इसको ये सब कहाँ से मिला? और वे उससे नाराज़ हुए। परन्तु यीशु ने उनसे कहा, कोई भविष्यवक्ता अपनी पितृभूमि और अपने घर के सिवाय कहीं भी बिना सम्मान के नहीं होता। और उसने वहाँ अनेक शक्तियाँ नहीं दिखाई उनके अविश्वास के कारण।

14

उस समय में हेरोदेस चतुर्थाशाधिपति ने यीशु के बारे में सुना। और उसने अपने सेवकों से कहा,

यह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला है। वह मरे हुआओं में से जी उठा है, और इसी कारण ये शक्तियाँ उसमें काम कर रही हैं। क्योंकि हेरोदेस ने यूहन्ना को पकड़कर उसे बांधा और कारागार में रखा, हेरोदियास के कारण जो उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी थी। क्योंकि यूहन्ना उससे कहता था, तुझे उसको रखना उचित नहीं है। और उसे मारना चाहते हुए भी वह भीड़ से डरा, क्योंकि वे उसे भविष्यवक्ता मानते थे। लेकिन हेरोदेस के जन्मदिन का आयोजन किया जा रहा था, हेरोदियास की बेटी ने बीच में नाचा और हेरोदेस को प्रसन्न किया। जिससे उसने शपथ के साथ उसे वचन दिया कि जो कुछ भी वह माँगे, वह देगा। लेकिन उसकी माता द्वारा प्रेरित होकर, वह कहती है, मुझे यहाँ थाल पर यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर दे दो। और राजा दुखी हुआ, लेकिन शपथों के कारण और साथ भोजन करने वाले अतिथियों के कारण, उसने देने का आदेश दिया। और भेजकर उसने जॉन का सिर कारागार में काट दिया। और उसका सिर थाली पर लाया गया और लड़की को दिया गया, और उसने अपनी माँ के पास लाया। और पास आकर उसके शिष्यों ने शरीर को उठाया और उसे दफनाया, और आकर यीशु को बताया।

लेकिन यीशु ने सुनकर वहाँ से नाव में अपने अनुसार एक जंगल स्थान को हट गया, और भीड़ों ने सुनकर शहरों से पैदल उसका अनुसरण किया। और यीशु बाहर गए और उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी, और उन पर दया की और उनके बीमारों को चंगा किया। शाम हो गई, लेकिन उसके शिष्य उसके पास आए और कहने लगे, यह स्थान निर्जन है और घड़ी पहले ही बीत गई है, भीड़ को भेज दीजिए, ताकि वे गाँवों में जाकर अपने लिए भोजन खरीद लें। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, उन्हें जाने की आवश्यकता नहीं है, तुम उन्हें खाने को दो। लेकिन वे उससे कहते हैं, हमारे पास यहाँ केवल पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ हैं। उसने कहा, उन्हें यहाँ मेरे पास लाओ। और उसने भीड़ों को घास पर बैठने का आदेश दिया, पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लीं, स्वर्ग की ओर देखकर आशीर्वाद दिया, और तोड़कर शिष्यों को रोटियाँ दीं, और शिष्यों ने भीड़ों को दीं। और सबने खाया और संतुष्ट हुए, और उन्होंने टुकड़ों में से बचे हुए भाग को बारह भरी हुई टोकरियों में उठाया। लेकिन खाने वाले पुरुष लगभग पाँच हजार थे, स्त्रियों और बच्चों के अलावा।

और यीशु ने तुरंत अपने शिष्यों को नाव में चढ़ने और उससे पहले पार जाने के लिए मजबूर किया, जब तक वह भीड़ों को विदा न कर दे। और भीड़ को विदा करके वह प्रार्थना करने के लिए अकेले पहाड़ पर चढ़ गया। शाम होने पर वह वहाँ अकेला था। और नाव पहले से ही समुद्र के बीच में थी, लहरों से पीड़ित हो रही थी, क्योंकि हवा विपरीत थी। रात के चौथे पहर में यीशु समुद्र पर चलते हुए उनके पास गए। और उसे समुद्र पर चलते हुए देखकर शिष्य व्याकुल हो गए और कहने लगे कि यह प्रेत है, और भय से चिल्लाए। तुरंत यीशु ने उनसे कहा, साहस रखो, मैं हूँ, मत डरो। उत्तर देते हुए पतरस ने उससे कहा, प्रभु, यदि यह आप हैं, तो मुझे आज्ञा दीजिए कि मैं जल पर चलकर आपके पास आऊँ। उसने कहा, आओ। और पतरस नाव से उतरकर पानी पर चला यीशु के पास आने के लिए। लेकिन मजबूत हवा को देखकर वह डर गया, और डूबने लगा तो चिल्लाया, प्रभु, मुझे बचाओ। तुरंत लेकिन यीशु ने हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ लिया और उससे कहा, हे अल्पविश्वासी, तूने क्यों संदेह किया? और जब वे नाव में चढ़े, तो हवा थम गई। लेकिन वे नाव में आकर उसे प्रणाम करते हुए बोले, सचमुच तू परमेश्वर का पुत्र है।

और पार करके वे गन्नेसरत की भूमि में आए। और उस जगह के पुरुषों ने उसे पहचानकर उस पूरे आसपास के क्षेत्र में भेजा, और उसके पास सब बीमार लोगों को लाए, और वे उसे प्रोत्साहित कर रहे थे कि यदि केवल वे उसके वस्त्र के झालर को छू लें, और जितनों ने छुआ वे बचाए गए।

15

तब यरूशलेम से शास्त्री और फरीसी यीशु के पास आते हैं, कहते हुए, आपके शिष्य बुजुर्गों की परंपरा का उल्लंघन क्यों करते हैं? क्योंकि वे रोटी खाते समय अपने हाथ नहीं धोते हैं। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, क्यों तुम भी परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करते हो अपनी परंपरा के कारण? क्योंकि परमेश्वर ने आज्ञा दी कहते हुए, अपने पिता और अपनी माता का आदर करो, और जो कोई पिता या माता को बुरा कहे वह मृत्यु से मार डाला जाए। लेकिन तुम

कहते हो, जो कोई अपने पिता या माता से कहे कि वह उपहार जिससे तुम मुझसे लाभ उठा सकते थे, और वह अपने पिता या अपनी माता का सम्मान न करे, और आप लोगों ने ईश्वर की आज्ञा को अपनी परंपरा के कारण अमान्य कर दिया। हे कपटियों, यशायाह ने तुम्हारे विषय में अच्छी तरह भविष्यवाणी की थी, यह कहते हुए, यह लोग अपने मुँह से मेरे निकट आते हैं और अपने होंठों से मेरा सम्मान करते हैं, लेकिन उनका हृदय मुझसे दूर है, लेकिन वे व्यर्थ में मेरी पूजा करते हैं, मनुष्यों की आज्ञाओं को शिक्षाओं के रूप में सिखाते हुए।

और भीड़ को बुलाकर उनसे कहा, सुनो और समझो, वह नहीं जो मुख में प्रवेश करता है मनुष्य को अशुद्ध करता है, लेकिन वह जो मुख से निकलता है यह मनुष्य को अशुद्ध करता है। तब उसके शिष्य पास आकर उससे बोले, क्या तू जानता है कि फरीसी यह वचन सुनकर नाराज हुए? उसने उत्तर देते हुए कहा, हर वह पौधा जो मेरे स्वर्गीय पिता ने नहीं लगाया है, उखाड़ दिया जाएगा। उन्हें छोड़ दो, वे अंधों के अंधे मार्गदर्शक हैं, और यदि अंधा अंधे को मार्गदर्शन करे, तो दोनों गड्ढे में गिरेंगे। उत्तर देते हुए पतरस ने उससे कहा, हमें यह दृष्टान्त समझाइए। यीशु ने कहा, क्या अभी तक तुम भी नासमझ हो? क्या तुम अभी तक नहीं समझते कि जो कुछ भी मुँह में जाता है, वह पेट में जाता है और फिर शौचालय में निकल जाता है? परन्तु जो मुख से निकलता है वह हृदय से निकलता है, और वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। क्योंकि हृदय से दुष्ट विचार, हत्याएं, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरियां, झूठी गवाहियां और निंदाएं निकलती हैं। ये वे चीजें हैं जो मनुष्य को अशुद्ध करती हैं, लेकिन बिना धोए हाथों से खाना मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता।

और यीशु वहाँ से बाहर जाकर सोर और सीदोन के प्रदेशों में चला गया। और देखो, एक कनानी स्त्री उन सीमाओं से निकलकर उससे चिल्लाई और कहने लगी, मुझ पर दया करो, प्रभु, दाऊद के पुत्र, मेरी बेटी बुरी तरह से दुष्टात्मा से ग्रस्त है। लेकिन उसने इसको कोई उत्तर नहीं दिया। और उसके शिष्य पास आकर उससे पूछने लगे, इसको भेज दीजिए, क्योंकि यह हमारे पीछे चिल्ला रही है। लेकिन उसने उत्तर देते हुए कहा, मैं केवल इस्राएल के घर की खोई हुई भेड़ों के लिए भेजा गया हूँ। वह आकर उसके सामने झुकी और कहा, प्रभु, मेरी सहायता करो। उसने उत्तर देते

हुए कहा, बच्चों की रोटी लेकर कुत्तों को फेंकना अच्छा नहीं है। उसने कहा, हाँ, प्रभु, क्योंकि छोटे कुत्ते भी अपने मालिकों की मेज़ से गिरने वाले टुकड़ों को खाते हैं। तब यीशु ने उत्तर देते हुए उससे कहा, हे स्त्री, तुम्हारा विश्वास महान है। तुम्हें वैसा ही हो जैसा तुम चाहती हो। और उसी घड़ी से उसकी बेटी चंगी हो गई।

और वहाँ से प्रस्थान करके यीशु गलील के समुद्र के पास आया, और पहाड़ पर चढ़कर वहाँ बैठ गया। और बहुत सी भीड़ें उसके पास आई, जो अपने साथ लंगड़े, अंधे, बहरे, अपंग और बहुत से दूसरे लोगों को लिए हुए थीं, और उन्होंने उन्हें यीशु के पैरों के पास रख दिया, और उसने उन्हें चंगा किया। ताकि भीड़ें यह देखकर आश्चर्यचकित हुई कि बहरे सुन रहे हैं, गूंगे बोल रहे हैं, अपंग स्वस्थ हैं, लंगड़े चल रहे हैं और अंधे देख रहे हैं, और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर की महिमा की।

और यीशु ने अपने शिष्यों को बुलाकर कहा, मुझे इस भीड़ पर करुणा आती है, क्योंकि वे तीन दिन से मेरे साथ रहे हैं और उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है, और मैं उन्हें भूखा भेजना नहीं चाहता, कहीं ऐसा न हो कि वे रास्ते में थक जाएं। और उसके शिष्य उससे कहते हैं, इस निर्जन स्थान में हमें इतनी रोटियाँ कहाँ से मिलेंगी कि इतनी बड़ी भीड़ को संतुष्ट कर सकें? और यीशु उनसे कहते हैं, तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं? उन्होंने कहा, सात, और कुछ छोटी मछलियाँ। और उसने भीड़ों को भूमि पर लेटने का आदेश दिया। और उसने सात रोटियाँ और मछलियाँ लीं, धन्यवाद दिया, तोड़ा और अपने शिष्यों को दिया, और शिष्यों ने भीड़ों को दिया। और सबने खाया और संतुष्ट हुए, और उन्होंने टुकड़ों के शेष भाग से सात भरी हुई टोकरियाँ उठाई, लेकिन खाने वाले चार हजार पुरुष थे, स्त्रियों और बच्चों के अलावा। और भीड़ को विदा करके वह नाव में चढ़ा और मगदला की सीमा में आया।

और फरीसी और सदूकी पास आए, और परीक्षा करते हुए उन्होंने उससे पूछा कि स्वर्ग से कोई निशानी उन्हें दिखाए। उसने लेकिन उत्तर देते हुए उनसे कहा, शाम होने पर तुम कहते हो, अच्छा मौसम होगा, क्योंकि आकाश लाल है। और सुबह में, आज तूफान आएगा, क्योंकि आकाश लाल और उदास है। हे पाखंडियों, तुम आकाश के रूप को पहचानना जानते हो, लेकिन समय के संकेतों को नहीं जान सकते? दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी निशानी खोजती है, और इसे कोई निशानी नहीं दी जाएगी सिवाय योना भविष्यवक्ता की निशानी के। और उन्हें छोड़कर वह चला गया।

और जब उसके शिष्य पार आए, तो वे रोटियाँ लेना भूल गए। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, देखो और फरीसियों और सदूकियों के खमीर से सावधान रहो। लेकिन वे आपस में विचार कर रहे थे और कह रहे थे कि हम रोटियाँ नहीं लाए। लेकिन यीशु ने जानकर उनसे कहा, हे अल्प विश्वासियों, तुम अपने मन में क्यों विचार करते हो कि तुमने रोटियाँ नहीं लीं? क्या तुम अभी तक नहीं समझते, और न ही याद करते हो कि पाँच हज़ार लोगों के लिए पाँच रोटियाँ थीं और तुमने कितनी टोकरियाँ उठाई? न ही चार हज़ार लोगों की सात रोटियाँ और कितनी टोकरियाँ आपने उठाई? तुम कैसे नहीं समझते कि मैंने तुम्हें रोटी के बारे में नहीं कहा था, बल्कि फरीसियों और सदूकियों के खमीर से सावधान रहने को कहा था? तब उन्होंने समझा कि उसने रोटी के खमीर से सावधान रहने को नहीं कहा था, बल्कि फरीसियों और सदूकियों की शिक्षा से सावधान रहने को कहा था।

और यीशु फिलिप्पुस के कैसरिया के क्षेत्रों में आकर अपने शिष्यों से पूछने लगे, लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं? उन्होंने कहा, कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को, दूसरे एलिय्याह को, और अन्य यिर्मयाह या भविष्यवक्ताओं में से किसी एक को। वह उनसे कहता है, लेकिन तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूँ? उत्तर देते हुए शिमोन पतरस ने कहा, तुम हो मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र। और उत्तर देते हुए यीशु ने उससे कहा, धन्य हो तुम, शमौन बरयोना, क्योंकि मांस और खून ने तुम पर यह प्रकट नहीं किया, बल्कि मेरे पिता ने जो स्वर्ग में हैं। और मैं भी

तुमसे कहता हूँ कि तुम पतरस हो, और इस चट्टान पर मैं अपनी सभा बनाऊँगा, और अधोलोक के द्वार इस पर प्रबल नहीं होंगे। और मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की चाबियाँ दूँगा, और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बँधा हुआ होगा, और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खोला हुआ होगा। तब उसने अपने शिष्यों को आदेश दिया कि वे किसी से न कहें कि वह यीशु मसीह है।

उस समय से यीशु ने अपने चेलों को दिखाना आरंभ किया कि उसे यरूशलेम जाना आवश्यक है और बुजुर्गों, महायाजकों और शास्त्रियों से बहुत कुछ सहना होगा और मारा जाएगा, और तीसरे दिन जिलाया जाएगा। और पतरस ने उसे एक तरफ ले जाकर उसे डांटना शुरू किया और कहा, हे प्रभु, आप पर कृपा हो, ऐसा आपके साथ कदापि नहीं होगा। परन्तु मुड़कर उसने पतरस से कहा, मेरे पीछे चला जा शैतान, तू मेरे लिए ठोकर का कारण है, क्योंकि तू परमेश्वर की बातों पर नहीं, परन्तु मनुष्यों की बातों पर ध्यान देता है।

तब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, यदि कोई मेरे पीछे आना चाहता है, तो वह अपना इनकार करे और अपना क्रूस उठाए और मेरा अनुसरण करे। क्योंकि जो अपनी आत्मा को बचाना चाहेगा, वह उसे खो देगा, लेकिन जो मेरे कारण अपनी आत्मा को खो देगा, वह उसे पाएगा। क्या लाभ होता है मनुष्य को यदि वह पूरा संसार प्राप्त कर ले, लेकिन अपनी आत्मा खो दे? या मनुष्य अपनी आत्मा के बदले में क्या देगा? क्योंकि मनुष्य का पुत्र अपने पिता की महिमा में अपने दूतों के साथ आने वाला है, और तब वह प्रत्येक को उसके कर्म के अनुसार प्रतिफल देगा। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, यहाँ खड़े हुए लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो मृत्यु को तब तक नहीं चखेंगे जब तक वे मनुष्य के पुत्र को उसके राज्य में आते हुए न देख लें।

और छह दिनों के बाद यीशु पतरस और याकूब और उसके भाई यूहन्ना को साथ लेता है और उनको एक ऊँचे पहाड़ पर अकेले में ले जाता है। और वह उनके सामने रूपांतरित हुआ, और उसका चेहरा सूरज की तरह चमका, और उसके वस्त्र प्रकाश की तरह सफेद हो गए। और देखो, उनको मूसा और एलिय्याह उसके साथ बातचीत करते हुए दिखाई दिए। उत्तर देते हुए पतरस ने यीशु से कहा, हे प्रभु, हमारा यहाँ होना अच्छा है। यदि तू चाहे, तो हम यहाँ तीन तम्बू बनाएं— एक तेरे लिए, एक मूसा के लिए और एक एलिय्याह के लिए। जब वह अभी बोल रहा था, देखो, एक चमकीला बादल ने उन्हें छाया डाल दिया, और देखो, बादल से एक आवाज़ आई जो कह रही थी, यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ; इसकी सुनो। और सुनकर शिष्य अपने चेहरे के बल गिर पड़े और बहुत डर गए। और यीशु पास आकर उन्हें छूकर बोले, उठो और मत डरो। परन्तु अपनी आँखें उठाकर उन्होंने केवल यीशु को ही देखा, और किसी को नहीं। और जब वे पहाड़ से उतर रहे थे, तो यीशु ने उन्हें आदेश देते हुए कहा, किसी को यह दर्शन मत बताना जब तक मनुष्य का पुत्र मृतकों में से जी न उठे। और उसके शिष्यों ने उससे पूछा, तो शास्त्री क्यों कहते हैं कि एलिय्याह का पहले आना आवश्यक है? लेकिन यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, एलिय्याह वास्तव में पहले आता है और सब कुछ पुनर्स्थापित करेगा। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि एलिय्याह पहले ही आ चुका है, और उन्होंने उसे नहीं पहचाना, बल्कि उन्होंने उसके साथ वह सब किया जो वे चाहते थे। इसी प्रकार मनुष्य का पुत्र भी उनके द्वारा दुःख सहने वाला है। तब शिष्यों ने समझा कि उसने उनसे यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय में कहा था।

और जब वे भीड़ के पास आए, तो एक आदमी उसके पास आया, उसके सामने घुटने टेकते हुए और कहते हुए प्रभु, मेरे पुत्र पर दया करो, क्योंकि वह चंद्रमा-पीड़ित है और बुरी तरह से पीड़ित होता है, क्योंकि वह अक्सर आग में गिरता है और अक्सर पानी में। और मैं उसे तुम्हारे शिष्यों के पास लाया, और वे उसे चंगा करने में सक्षम नहीं थे। उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, हे अविश्वासी और भ्रष्ट पीढ़ी, कब तक मैं तुम्हारे साथ रहूंगा? कब तक मैं तुम्हें सहूंगा? उसे यहाँ मेरे पास लाओ। और यीशु ने उसे डांटा, और दुष्टात्मा उसमें से निकल गया और वह सेवक उसी घड़ी से चंगा हो गया। तब शिष्य अकेले में यीशु के पास आए और बोले, हम इसे क्यों नहीं निकाल सके?

और यीशु ने उनसे कहा, तुम्हारे अविश्वास के कारण। क्योंकि मैं तुमसे सच कहता हूँ, यदि तुम्हारे पास राई के दाने के समान विश्वास हो, तो तुम इस पहाड़ से कहोगे, यहाँ से वहाँ चले जा, और वह चला जाएगा, और तुम्हारे लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा। यह जाति केवल प्रार्थना और उपवास से ही निकलती है।

जब वे गलील में घूम रहे थे, तो यीशु ने उनसे कहा, मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथों में सौंपा जाने वाला है। और वे उसे मार डालेंगे, और तीसरे दिन वह जी उठेगा। और वे बहुत शोकेत हुए।

जब वे कफरनहूम में आए, तो दो द्राख्मा कर लेने वाले पतरस के पास आए और बोले, क्या तुम्हारा शिक्षक दो द्राख्मा कर नहीं देता? वह कहता है, हाँ। और जब वह घर में प्रवेश किया, यीशु ने पहले उससे कहा, शमौन, तुझे क्या लगता है? पृथ्वी के राजा किनसे कर या खिराज लेते हैं? अपने पुत्रों से या परायों से? पेत्रस ने उससे कहा, दूसरों से। यीशु ने उससे कहा, तो पुत्र स्वतंत्र हैं। ताकि हम उनको अपमान न करें, समुद्र में जाकर कांटा फेंक और जो पहली मछली ऊपर आए उसे उठा, और उसका मुंह खोलकर तू एक सिक्का पाएगा, उसे लेकर मेरे और तेरे बदले में उनको दे दे।

18

उस घड़ी में शिष्य यीशु के पास आए और कहने लगे, स्वर्ग के राज्य में सबसे बड़ा कौन है? और यीशु ने एक बच्चे को बुलाकर उसे उनके बीच में खड़ा किया और कहा, आमेन, मैं तुमसे कहता हूँ, यदि तुम नहीं मुड़ोगे और बच्चों के समान नहीं बनोगे, तो तुम स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करोगे। जो कोई इसलिए अपने आप को इस बच्चे के समान विनम्र करेगा, वही स्वर्ग के राज्य में सबसे महान है। और जो कोई ऐसे एक बच्चे को मेरे नाम पर ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है, जो कोई इन छोटों में से एक को, जो मुझ पर विश्वास करते हैं, ठोकर खिलाए, उसके

लिए यह भला होगा कि उसके गले में गंधे की चक्की लटकाई जाए और वह समुद्र की गहराई में डुबो दिया जाए। संसार पर धिक्कार है बाधाओं के कारण, क्योंकि बाधाओं का आना आवश्यक है, परन्तु धिक्कार है उस मनुष्य पर जिसके द्वारा बाधा आती है। यदि तुम्हारा हाथ या तुम्हारा पैर तुम्हें ठोकर खिलाता है, तो उन्हें काट डालो और अपने से फेंक दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि लंगड़े या विकलांग होकर जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो हाथ या दो पैर रखते हुए अनन्त आग में फेंके जाओ। और अगर तुम्हारी आंख तुम्हें पाप करवाती है, तो उसे निकाल दो और अपने से फेंक दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि एक आंख से जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो आंखें रखते हुए आग के नरक में फेंके जाओ। देखो, इन छोटों में से किसी एक को तुच्छ मत समझना, क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ कि स्वर्ग में उनके दूत सदा मेरे पिता का मुख देखते हैं जो स्वर्ग में है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुए को बचाने आया।

क्या तुम्हें लगता है? यदि किसी आदमी के पास सौ भेड़ें हों और उनमें से एक भटक जाए, तो क्या वह निन्यानवे को पहाड़ों पर छोड़कर, जाकर उस भटकी हुई को नहीं ढूँढता है? और यदि वह इसे पा ले, तो सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि वह इस पर उन निन्यानवे से अधिक खुश होता है जो भटके नहीं थे। इस प्रकार तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में है, यह इच्छा नहीं है कि इन छोटों में से एक भी नष्ट हो।

यदि तुम्हारा भाई तुम्हारे विरुद्ध पाप करे, तो जाओ और उसे अकेले में, केवल तुम्हारे और उसके बीच फटकारो। यदि वह तुम्हारी सुने, तो तुमने अपने भाई को प्राप्त कर लिया। यदि वह नहीं सुनता है, तो अपने साथ एक या दो को और ले जा, ताकि दो या तीन गवाहों के मुँह पर हर शब्द स्थापित हो जाए। यदि वह उनकी न सुने, तो सभा से कहो, यदि वह सभा की भी न सुने, तो वह तुम्हारे लिए अन्यजाति और कर संग्रहकर्ता के समान हो। सत्य मैं तुम से कहता हूँ, जितने भी तुम पृथ्वी पर बाँधोगे, वे स्वर्ग में बँधें होंगे, और जितने भी तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वे स्वर्ग में खोले हुए होंगे। फिर मैं तुम से सत्य कहता हूँ कि यदि तुम में से दो पृथ्वी पर किसी भी बात के विषय में सहमत हों जो वे माँगें, तो वह उन्हें मेरे पिता की ओर से जो स्वर्ग में हैं, प्राप्त होगा। क्योंकि जहाँ

दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे हैं, वहाँ मैं उनके बीच में हूँ।

तब पतरस उसके पास आकर बोला, प्रभु, कितनी बार मेरा भाई मेरे विरुद्ध पाप करेगा और मैं उसे क्षमा करूँगा? क्या सात बार तक? यीशु उससे कहते हैं, मैं तुमसे सात बार तक नहीं कहता, बल्कि सत्तर गुना सात बार तक।

इसलिए स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जो अपने दासों के साथ हिसाब करना चाहता था। जब उसने हिसाब लेना शुरू किया, तो उसके पास एक कर्जदार लाया गया जो दस हजार तोड़े का कर्जदार था। लेकिन उसके पास लौटाने के लिए कुछ नहीं होने पर, उसके स्वामी ने आदेश दिया कि उसे और उसकी पत्नी को और बच्चों को और जितना कुछ उसके पास था, सब बेचा जाए और भुगतान किया जाए। इसलिए वह दास गिरकर उसको प्रणाम कर रहा था और कह रहा था, स्वामी, मुझ पर धैर्य रखो और मैं तुमको सब कुछ लौटा दूँगा। लेकिन उस दास के स्वामी को दया आई, उसने उसे छोड़ दिया और उसका ऋण माफ कर दिया। बाहर जाने के बाद उस दास ने अपने साथी दासों में से एक को पाया, जो उसका सौ दीनार देनदार था, और उसे पकड़कर उसका गला घोटने लगा और कहा, जो कुछ तू देनदार है, मुझे लौटा दे। इसलिए उसका साथी दास उसके पैरों में गिरकर उससे विनती करता हुआ कहने लगा, मुझ पर धैर्य रखो और मैं तुझे चुका दूँगा। लेकिन वह इच्छुक नहीं था, बल्कि जाकर उसे कारागार में फेंक दिया जब तक वह बकाया राशि लौटा न दे।

लेकिन उसके साथी दासों ने जो हुआ था उसे देखकर बहुत दुख हुआ, और आकर उन्होंने अपने स्वामी को जो कुछ हुआ था वह सब स्पष्ट रूप से समझाया। तब उसके स्वामी ने उसको बुलाकर उससे कहा, दुष्ट दास, मैंने वह सारा ऋण तुझे छोड़ दिया था, क्योंकि तूने मुझसे विनती की थी। क्या यह आवश्यक नहीं था कि तुम भी अपने साथी दास पर दया करते, जैसे मैंने तुम पर दया की थी? और क्रोधित होकर उसके स्वामी ने उसे यातना देने वालों को सौंप दिया, जब तक वह उसका सारा देय धन लौटा न दे। इस प्रकार मेरा स्वर्गीय पिता भी तुम्हारे साथ करेगा, यदि तुममें

से प्रत्येक अपने भाई के अपराधों को अपने हृदय से क्षमा नहीं करता।

19

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने इन शब्दों को समाप्त किया, तो वह गलील से प्रस्थान करके यर्दन के पार यहूदिया की सीमाओं में आया। और बहुत सी भीड़ें उसके पीछे चलीं, और उसने उन्हें वहाँ चंगा किया। और फरीसी उसके पास आए, उसकी परीक्षा करते हुए और उससे कहते हुए, क्या किसी मनुष्य के लिए अपनी पत्नी को किसी भी कारण से तलाक देना उचित है? लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, क्या तुमने नहीं पढ़ा कि जिसने आरंभ से नर और मादा बनाया, उसने उनको बनाया और कहा, इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़ेगा और अपनी पत्नी से जुड़ेगा, और वे दोनों एक देह होंगे। इसलिए वे अब दो नहीं हैं, बल्कि एक शरीर हैं। जिसे इसलिए भगवान ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे। वे उससे कहते हैं, तो फिर मूसा ने तलाक की पुस्तक देने और उसे तलाक देने की आज्ञा क्यों दी? वह उनसे कहता है कि मूसा ने तुम्हारे हृदय की कठोरता के कारण तुम्हें अपनी पत्नियों को तलाक देने की अनुमति दी, लेकिन आरंभ से ऐसा नहीं था। मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के कारण के बिना तलाक देता है और दूसरी से शादी करता है, वह व्यभिचार करता है, और जो तलाकशुदा स्त्री से शादी करता है, वह भी व्यभिचार करता है। उसके शिष्य उससे कहते हैं, यदि पुरुष का स्त्री के साथ संबंध इस प्रकार है, तो विवाह करना लाभदायक नहीं है। लेकिन उसने उनसे कहा, सब लोग इस वचन को ग्रहण नहीं करते, परन्तु वे जिन्हें यह दिया गया है। क्योंकि कुछ नपुंसक हैं जो माता के गर्भ से ही इस प्रकार जन्मे थे। और कुछ नपुंसक हैं जिन्हें मनुष्यों द्वारा नपुंसक बनाया गया। और कुछ नपुंसक हैं जिन्होंने स्वर्ग के राज्य के कारण स्वयं को नपुंसक बनाया। जो इसे स्वीकार करने में सक्षम है, वह स्वीकार करे।

तब उसके पास बच्चे लाए गए, ताकि वह उन पर हाथ रखे और प्रार्थना करे, परन्तु चेलों ने उन्हें

डांटा। यीशु ने कहा, बच्चों को आने दो और उन्हें मेरे पास आने से मत रोको, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का है। और उन पर हाथ रखकर वह वहाँ से चला गया।

और देखो, एक व्यक्ति पास आकर उससे बोला, हे अच्छे गुरु, मैं क्या अच्छा काम करूँ ताकि मुझे अनन्त जीवन मिले? उसने उससे कहा, तुम मुझे अच्छा क्यों कहते हो? कोई भी अच्छा नहीं है, केवल एक परमेश्वर के अलावा। यदि तुम जीवन में प्रवेश करना चाहते हो, तो आज्ञाओं का पालन करो। वह उससे कहता है, किस प्रकार की? लेकिन यीशु ने कहा, तुम हत्या नहीं करोगे, तुम व्यभिचार नहीं करोगे, तुम चोरी नहीं करोगे, तुम झूठी गवाही नहीं दोगे, पिता और माता का सम्मान करो, और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे। युवा पुरुष उससे कहता है, मैंने ये सब अपनी युवावस्था से रखा है, अब मुझमें क्या कमी है? यीशु ने उससे कहा, यदि तुम परिपूर्ण होना चाहते हो, तो जाओ, अपनी संपत्तियाँ बेचो और गरीबों को दो, और तुम्हें स्वर्ग में खजाना मिलेगा, और यहाँ आओ और मेरा अनुसरण करो। लेकिन वह युवा पुरुष यह वचन सुनकर शोकाकुल होकर चला गया, क्योंकि उसके पास बहुत संपत्ति थी। लेकिन यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि धनी व्यक्ति कठिनाई से स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेगा। फिर मैं तुमसे कहता हूँ, ऊंट का सुई के छेद से निकल जाना आसान है, बजाय इसके कि कोई अमीर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे। यह सुनकर उसके शिष्य अत्यधिक चकित हो गए और कहने लगे, तो फिर कौन बचाया जा सकता है? यीशु ने उन्हें देखकर कहा, मनुष्यों के लिए यह असंभव है, परन्तु परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है। तब पतरस ने उत्तर देते हुए उससे कहा, देखो, हम ने सब कुछ छोड़ दिया और तेरा अनुसरण किया है, तो हमें क्या मिलेगा? यीशु ने उनसे कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम जिन्होंने मेरा अनुसरण किया है, पुनर्जन्म में, जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा, तुम भी बारह सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह कुलों का न्याय करोगे। और हर कोई जो मेरे नाम के कारण घर या भाइयों या बहनों या पिता या माता या पत्नी या बच्चों या खेतों को छोड़ देगा, वह सौ गुना प्राप्त करेगा और अनन्त जीवन का उत्तराधिकारी होगा। लेकिन बहुत से जो पहले हैं वे अंतिम होंगे, और जो अंतिम हैं वे पहले होंगे।

क्योंकि स्वर्ग का राज्य उस घर के स्वामी के समान है, जो सुबह मजदूरों को अपने अंगूर के बाग में किराए पर लेने के लिए बाहर गया। और मजदूरों के साथ एक दीनार प्रतिदिन पर सहमत होकर, उसने उन्हें अपने अंगूर के बाग में भेजा। और बाहर जाकर लगभग तीसरे पहर उसने दूसरों को बाज़ार में बेकार खड़े देखा, और उन्होंने उनसे कहा, तुम भी अंगूर के बगीचे में जाओ, और जो न्यायसंगत होगा वह मैं तुम्हें दूँगा। वे चले गए। फिर वह लगभग छठे और नौवें घंटे बाहर गया और वैसे ही किया। लेकिन ग्यारहवें घंटे के बारे में, बाहर जाकर उसने दूसरों को निष्क्रिय खड़े हुए पाया, और उनसे कहता है, तुम यहाँ पूरे दिन निष्क्रिय क्यों खड़े हो? वे उससे कहते हैं, किसी ने हमें किराए पर नहीं लिया। वह उनसे कहता है, तुम भी अंगूर के बगीचे में जाओ, और जो न्यायसंगत होगा वह तुम्हें मिलेगा। शाम होने पर अंगूर के बगीचे का मालिक अपने प्रबंधक से कहता है, मजदूरों को बुलाओ और उनको मजदूरी दे दो, अंतिम से शुरू करके पहले तक। और जो ग्यारहवें घंटे के आसपास आए थे, उन्होंने एक-एक दीनार लिया। लेकिन पहले आने वालों ने सोचा कि वे अधिक लेंगे, और उन्होंने भी प्रत्येक एक दीनार लिया। लेकिन लेकर, वे घर के मालिक के विरुद्ध बड़बड़ाने लगे। कहते हुए कि इन अंतिम लोगों ने एक घंटा काम किया, और तूने उनको हमारे बराबर कर दिया, जिन्होंने दिन का बोझ और गर्मी सहन की। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनमें से एक से कहा, मित्र, मैं तुम्हारे साथ अन्याय नहीं कर रहा हूँ, क्या तुमने मुझसे एक दीनार पर सहमति नहीं की थी? अपना उठाओ और जाओ, लेकिन मैं इस अंतिम व्यक्ति को भी उतना ही देना चाहता हूँ जितना तुम्हें। या क्या मुझे अपनी चीज़ों में जो मैं चाहता हूँ वह करने की अनुमति नहीं है? यदि तुम्हारी आँख दुष्ट है क्योंकि मैं अच्छा हूँ? इस प्रकार अंतिम प्रथम होंगे और प्रथम अंतिम होंगे, क्योंकि अनेक बुलाए गए हैं, लेकिन थोड़े चुने गए हैं।

और यीशु यरूशलेम जाते समय बारह शिष्यों को रास्ते में अलग ले गए और उनसे कहा, देखो, हम यरूशलेम जा रहे हैं, और मनुष्य का पुत्र प्रधान याजकों और शास्त्रियों को सौंपा जाएगा और

वे उसे मृत्यु की सजा देंगे। और वे उसे राष्ट्रों को सौंपेंगे ताकि उपहास करें और कोड़े मारें और क्रूस पर चढ़ाएं, और तीसरे दिन वह जी उठेगा।

तब जेबेदी के पुत्रों की माता अपने पुत्रों के साथ उसके पास आई, प्रणाम करती हुई और उससे कुछ मांगती हुई। उसने उससे कहा, तुम क्या चाहती हो? वह उससे कहती है, कहो कि मेरे ये दो पुत्र तुम्हारे राज्य में बैठें, एक तुम्हारे दाहिने और एक तुम्हारे बाएं। उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, तुम नहीं जानते कि तुम क्या मांग रहे हो। क्या तुम उस प्याले को पी सकते हो जो मैं पीने वाला हूँ, या उस बपतिस्मा को ले सकते हो जो मैं लेने वाला हूँ? वे उससे कहते हैं, हम सक्षम हैं। और वह उनसे कहता है, मेरे प्याले को तो तुम पीओगे, और जिस बपतिस्मा से मैं बपतिस्मा लेता हूँ उससे तुम भी बपतिस्मा लोगे, लेकिन मेरे दाहिने और मेरे बाएँ बैठाना मेरा अधिकार नहीं है, बल्कि यह उनके लिए है जिनके लिए मेरे पिता द्वारा तैयार किया गया है। और दसों ने यह सुनकर दोनों भाइयों पर क्रोध किया। लेकिन यीशु ने उन्हें बुलाकर कहा, तुम जानते हो कि जातियों के शासक उन पर प्रभुता करते हैं और महान लोग उन पर अधिकार जताते हैं। तुम्हारे बीच ऐसा नहीं होगा, लेकिन जो कोई तुम्हारे बीच महान बनना चाहता है, वह तुम्हारा सेवक होगा। और जो तुम में पहला होना चाहता है, वह तुम्हारा दास होगा। जैसे मनुष्य का पुत्र सेवा किए जाने नहीं आया, लेकिन सेवा करने और अपनी आत्मा को बहुतों के स्थान पर मुक्ति-धन देने आया।

और जब वे यरीहो से जा रहे थे, तो एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चली। और देखो, दो अंधे रास्ते के किनारे बैठे हुए थे। जब उन्होंने सुना कि यीशु गुजर रहे हैं, तो वे चिल्लाए और कहने लगे, हे प्रभु, दाऊद के पुत्र, हम पर दया करो। परन्तु भीड़ ने उन्हें डाँटा ताकि वे चुप रहें, परन्तु वे और अधिक पुकारते हुए कहने लगे, हम पर दया कीजिए, प्रभु, दाऊद के पुत्र। और यीशु खड़े होकर उन्हें बुलाया और कहा, तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ? वे उससे कहते हैं, प्रभु, हमारी आँखें खोली जाएं। करुणा से भरकर यीशु ने उनकी आँखों को छुआ, और तुरंत उनकी आँखें देखने लगीं, और वे उसका अनुसरण करने लगे।

21

और जब वे यरूशलेम के पास पहुँचे और जैतून के पहाड़ के पास बेतफगे में आए, तब यीशु ने दो चेलों को भेजा। उनसे कहते हुए, तुम्हारे सामने वाले गाँव में जाओ, और तुरंत तुम एक बंधी हुई गधी और उसके साथ एक बच्चा पाओगे, उन्हें खोलकर मेरे पास लाओ। और अगर कोई तुमसे कुछ कहे, तो तुम कहोगे कि प्रभु को उनकी जरूरत है, और वह तुरंत उन्हें वापस भेज देगा। यह सब इसलिए हुआ ताकि वह पूरा हो जाए जो भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था। सियोन की पुत्री से कहो, देखो, तुम्हारा राजा तुम्हारे पास आ रहा है, वह नम्र है और गधी पर सवार है, जूए वाले पशु के बच्चे पर।

और शिष्य गए और उन्होंने वैसा ही किया जैसा यीशु ने उन्हें आज्ञा दी थी, वे गधी और बछेड़े को लाए, और उन्होंने उनके ऊपर अपने वस्त्र रखे, और वह उनके ऊपर बैठ गया। और सबसे बड़ी भीड़ ने अपने वस्त्र मार्ग में बिछाए, और दूसरों ने पेड़ों से शाखाएँ काटीं और मार्ग में बिछाईं। और वे भीड़ें जो आगे जा रही थीं और जो पीछे आ रही थीं, पुकार रही थीं और कह रही थीं, होशाना दाऊद के पुत्र को, धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आ रहा है, होशाना सर्वोच्च में।

और जब वह यरूशलेम में प्रवेश कर रहा था, तो सारा शहर हिल गया और कहने लगा, यह कौन है? और भीड़ कह रही थी, यह यीशु नबी है जो गलील के नासरत से है।

और यीशु परमेश्वर के मंदिर में प्रवेश किया, और उसने मंदिर में बेचने वाले और खरीदने वाले सभी लोगों को निकाल दिया, और सर्पाफों की मेजें उलट दीं और कबूतर बेचने वालों के आसन उलट दिए। और वह उनसे कहता है, लिखा गया है, मेरा घर प्रार्थना का घर कहलाएगा, लेकिन तुमने उसे डाकुओं की गुफा बना दिया है।

और लंगड़े और अंधे मंदिर में उसके पास आए, और उसने उन्हें चंगा किया। लेकिन प्रधान याजकों और शास्त्रियों ने उन आश्चर्यकर्मों को देखकर जो उसने किए और बच्चों को मंदिर में चिल्लाते हुए और कहते हुए देखकर, होशाना दाऊद के पुत्र को, वे क्रोधित हुए। और उन्होंने उससे कहा, क्या तुम सुनते हो कि ये क्या कह रहे हैं? और यीशु ने उनसे कहा, हाँ, क्या तुमने कभी नहीं पढ़ा कि शिशुओं और दूध पीते बच्चों के मुँह से मैंने स्तुति तैयार की? और उन्हें छोड़कर वह शहर के बाहर बैतनिय्याह गया और वहाँ ठहरा।

सुबह शहर लौटते हुए वह भूखा हुआ और रास्ते पर एक अंजीर का पेड़ देखकर वह उसके पास आया, और उसमें पत्तों के अलावा कुछ नहीं पाया, और उससे कहा, अब से तुममें कभी फल न लगे। और अंजीर का पेड़ तुरंत सूख गया। और शिष्यों ने यह देखकर आश्चर्य किया और कहा, यह अंजीर का पेड़ तुरंत कैसे सूख गया? उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, यदि तुम्हारे पास विश्वास हो और तुम संदेह न करो, तो तुम न केवल अंजीर के पेड़ जैसा करोगे, बल्कि यदि तुम इस पहाड़ से कहो, उठाया जा और समुद्र में फेंका जा, तो ऐसा हो जाएगा। और जितना भी तुम प्रार्थना में विश्वास करते हुए मांगोगे, वह सब तुम्हें प्राप्त होगा।

और जब वह मंदिर में आया, तो प्रधान याजक और लोगों के बुजुर्ग उसके पास आए जब वह सिखा रहा था, और कहने लगे, तू किस अधिकार से ये काम करता है, और तुझे यह अधिकार किसने दिया? उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, मैं भी तुमसे एक बात पूछूंगा, जो यदि तुम मुझे बताओ, तो मैं भी तुम्हें बताऊंगा कि किस अधिकार से मैं ये काम करता हूँ। यूहन्ना का बपतिस्मा कहाँ से था, स्वर्ग से या मनुष्यों से? और वे आपस में विचार करने लगे और कहने लगे, यदि हम कहें, स्वर्ग से, तो वह हमसे कहेगा, फिर तुमने उस पर विश्वास क्यों नहीं किया? लेकिन यदि हम कहें कि मनुष्यों से, तो हम भीड़ से डरते हैं, क्योंकि सब यूहन्ना को भविष्यवक्ता मानते हैं। और यीशु को उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, हम नहीं जानते हैं। उसने उनसे कहा, और मैं भी तुमसे नहीं कहता हूँ कि मैं ये किस अधिकार से करता हूँ।

लेकिन तुम्हें क्या लगता है? एक आदमी के दो बच्चे थे, और पहले के पास जाकर उसने कहा, बेटा, आज जाओ और मेरे अंगूर के बाग में काम करो। लेकिन उत्तर देते हुए उसने कहा, मैं नहीं चाहता, लेकिन बाद में पछताकर वह चला गया। और दूसरे के पास जाकर उसने भी वैसा ही कहा। उसने उत्तर देते हुए कहा, मैं जाता हूँ, स्वामी, परन्तु वह नहीं गया। दोनों में से किसने पिता की इच्छा पूरी की? वे उससे कहते हैं, पहले ने। यीशु उनसे कहते हैं, मैं तुमसे सच कहता हूँ कि कर वसूलने वाले और वेश्याएँ तुमसे पहले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर रही हैं। क्योंकि यूहन्ना धार्मिकता के मार्ग में तुम्हारे पास आया, और तुमने उस पर विश्वास नहीं किया, लेकिन कर वसूलने वाले और वेश्याओं ने उस पर विश्वास किया। तुमने यह देखकर भी बाद में पश्चाताप नहीं किया ताकि उस पर विश्वास कर सको।

दूसरा दृष्टान्त सुनो। एक आदमी था जो घर का स्वामी था, जिसने अंगूर का बगीचा लगाया और उसके चारों ओर बाड़ लगाई और उसमें रस निकालने का कुंड खोदा और मीनार बनाई, और उसे किसानों को पट्टे पर दिया और विदेश चला गया। जब फलों का समय पास आया, तो उसने अपने दासों को किसानों के पास अपने फल लेने के लिए भेजा। और किसानों ने उसके दासों को पकड़कर किसी को पीटा, किसी को मार डाला, और किसी को पत्थर मारे। फिर उसने पहले से अधिक अन्य दासों को भेजा, और उन्होंने उनके साथ भी वैसा ही किया। बाद में उसने अपने पुत्र को उनके पास भेजा और कहा, वे मेरे पुत्र का सम्मान करेंगे। लेकिन किसानों ने बेटे को देखकर आपस में कहा, यह वारिस है, आओ हम इसे मार डालें और इसकी विरासत पर कब्ज़ा कर लें। और उन्होंने उसे पकड़कर अंगूर के बगीचे के बाहर निकाला और मार डाला। इसलिए जब अंगूर के बगीचे का मालिक आएगा, तो वह उन किसानों के साथ क्या करेगा? वे उससे कहते हैं, वह दुष्टों को बुरी तरह से नष्ट कर देगा, और अंगूर के बगीचे को दूसरे किसानों को किराये पर दे देगा, जो उसे उनके समय पर फल वापस देंगे। यीशु उनसे कहते हैं, क्या तुमने पवित्र शास्त्रों में कभी नहीं पढ़ा, जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार किया, वही कोने का सिरा बन गया; यह प्रभु की ओर से हुआ है, और यह हमारी दृष्टि में अद्भुत है?

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ कि परमेश्वर का राज्य तुमसे ले लिया जाएगा और उस राष्ट्र को दिया जाएगा जो उसके फल उत्पन्न करता है। और जो इस पत्थर पर गिरेगा, वह चकनाचूर हो जाएगा, और जिस पर वह गिरेगा, उसे पीस डालेगा। और मुख्य पुजारियों और फरीसियों ने उसके दृष्टांत सुनकर जान लिया कि वह उनके बारे में कह रहा है। और वे उसे पकड़ना चाहते थे, परन्तु वे भीड़ों से डरे, क्योंकि वे उसे भविष्यवक्ता मानते थे।

22

और यीशु ने उत्तर देते हुए फिर उनसे दृष्टान्तों में कहा, स्वर्ग का राज्य एक राजा के समान था, जिसने अपने पुत्र के लिए विवाह का आयोजन किया। और उसने अपने दासों को भेजा कि विवाह में बुलाए गए लोगों को बुलाएं, और वे आना नहीं चाहते थे। फिर उसने अन्य दासों को यह कहते हुए भेजा, निमंत्रित लोगों से कहो, देखो, मैंने अपना भोज तैयार कर लिया है, मेरे बैल और मोटे पशु मारे जा चुके हैं, और सब कुछ तैयार है, विवाह में आओ। लेकिन उन्होंने उपेक्षा करते हुए चले गए, एक अपने खेत में, और दूसरा अपने व्यापार में, लेकिन शेष लोगों ने उसके दासों को पकड़कर अपमान किया और मार डाला। सुनकर वह राजा क्रोधित हुआ, और अपनी सेनाएँ भेजकर उसने उन हत्यारों को नष्ट कर दिया और उनके शहर को जला दिया। तब वह अपने दासों से कहता है, निश्चय विवाह तैयार है, लेकिन जो बुलाए गए थे वे योग्य नहीं थे। इसलिए रास्तों के निकास पर जाओ, और जितने भी तुम्हें मिलें उन्हें विवाह में बुलाओ। और वे दास बाहर जाकर रास्तों में उन सबको इकट्ठा किया जितने उन्होंने पाया, बुरे और अच्छे दोनों, और विवाह भोज अतिथियों से भर गया। लेकिन राजा प्रवेश करके लेटे हुए लोगों को देखने के लिए आया और उसने वहाँ एक आदमी को देखा जो विवाह का वस्त्र नहीं पहने हुए था। और उससे कहता है, मित्र, तुम यहाँ बिना विवाह का वस्त्र पहने कैसे आ गए? लेकिन वह चुप हो गया। तब राजा ने सेवकों से कहा, उसके हाथ और पैर बाँधकर उसे उठाओ और बाहरी अंधकार में फेंक दो, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा। क्योंकि बहुत से बुलाए गए हैं, लेकिन कम चुने गए हैं।

तब फरीसी जाकर परामर्श करने लगे ताकि उसे बातों में फंसाएं। और वे अपने शिष्यों को हेरोदियों के साथ उसके पास भेजते हैं, यह कहते हुए, गुरु, हम जानते हैं कि आप सच्चे हैं और परमेश्वर के मार्ग को सच्चाई से सिखाते हैं, और आपको किसी की चिंता नहीं है, क्योंकि आप मनुष्यों के चेहरे को नहीं देखते, इसलिए हमें बताओ, तुम्हें क्या लगता है; क्या कैसर को कर देना वैध है या नहीं? लेकिन यीशु ने उनकी दुष्टता जानकर कहा, हे पाखंडियो, तुम मेरी परीक्षा क्यों लेते हो? मुझे कर का सिक्का दिखाओ। और वे उसके पास एक दीनार लाए। और वह उनसे कहता है, यह छवि और यह शिलालेख किसका है? वे उससे कहते हैं, कैसर का। तब वह उनसे कहता है, इसलिए जो कैसर का है वह कैसर को दो, और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो। और सुनकर वे आश्चर्यचकित हुए, और उसे छोड़कर चले गए।

उस दिन सदूकी उसके पास आए, जो कहते थे कि पुनरुत्थान नहीं होता, और उन्होंने उससे पूछा कहते हुए, हे गुरु, मूसा ने कहा था कि यदि कोई बिना संतान के मर जाए, तो उसका भाई उसकी पत्नी से विवाह करेगा और अपने भाई के लिए वंश उत्पन्न करेगा। हमारे बीच सात भाई थे, और पहले ने विवाह करके मृत्यु पाई, और संतान न होने के कारण उसने अपनी पत्नी को अपने भाई के लिए छोड़ दिया। इसी प्रकार दूसरा और तीसरा भी, सातों तक। बाद में सभी के बाद वह स्त्री भी मर गई। इसलिए पुनरुत्थान में उन सातों में से वह स्त्री किसकी होगी? क्योंकि सभी ने उसे रखा था। उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, तुम भटक रहे हो क्योंकि तुम न तो पवित्र शास्त्रों को जानते हो और न ही परमेश्वर की शक्ति को। क्योंकि पुनरुत्थान में न तो वे विवाह करते हैं और न ही विवाह में दिए जाते हैं, बल्कि स्वर्ग में परमेश्वर के संदेशवाहकों के समान होते हैं। लेकिन मृतकों के पुनरुत्थान के बारे में, क्या तुमने वह नहीं पढ़ा जो तुम्हें परमेश्वर द्वारा कहा गया था, जो कहते हैं, मैं अब्राहम का ईश्वर हूँ और इसहाक का ईश्वर हूँ और याकूब का ईश्वर हूँ; ईश्वर मृतकों का ईश्वर नहीं है, बल्कि जीवितों का है। और भीड़ें उसकी शिक्षा सुनकर चकित हो गईं।

लेकिन वह फरीसी, यह सुनकर कि उसने सदूकियों को चुप करा दिया था, स्वयं एकत्रित हुए। और उनमें से एक ने, जो एक वकील था, उसकी परीक्षा लेते हुए पूछा और कहा, शिक्षक, कानून

में कौन सी आज्ञा महान है? परन्तु यीशु ने उससे कहा, तू अपने प्रभु परमेश्वर से अपने सम्पूर्ण हृदय से और अपने सम्पूर्ण प्राण से और अपनी सम्पूर्ण बुद्धि से प्रेम करेगा। यह पहली और महान आज्ञा है। दूसरी आज्ञा इसके समान है, तुम अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे। इन दो आज्ञाओं पर संपूर्ण व्यवस्था और भविष्यवक्ता निर्भर हैं।

फरीसियों के एकत्रित होने पर यीशु ने उनसे पूछा कहते हुए, तुम्हें मसीह के बारे में क्या लगता है? वह किसका पुत्र है? वे उससे कहते हैं, दाऊद का। वह उनसे कहता है, तो फिर दाऊद आत्मा में उसे प्रभु कैसे कहता है, यह कहते हुए, प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठो जब तक मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों की पाद-पीठ न बना दूं।

यदि इसलिए दाऊद उसे प्रभु कहता है, तो वह उसका पुत्र कैसे है?

और कोई भी उसे उत्तर देने में सक्षम नहीं था, और न ही उस दिन से किसी ने उससे फिर कभी प्रश्न पूछने का साहस किया।

23

तब यीशु ने भीड़ों और अपने चेलों से बात की। कहते हुए, मूसा के आसन पर शास्त्री और फरीसी बैठे हैं। इसलिए जितना भी वे तुम्हें रखने के लिए कहें, सब रखो और करो, लेकिन उनके कार्यों के अनुसार मत करो, क्योंकि वे कहते हैं और करते नहीं हैं। वे भारी और कठिन सहने वाले बोझ बांधते हैं और उन्हें मनुष्यों के कंधों पर रखते हैं, लेकिन अपनी उंगली से वे उन्हें हिलाना नहीं चाहते। लेकिन वे अपने सब काम लोगों को दिखाने के लिए करते हैं। क्योंकि वे अपने ताबीज चौड़े करते हैं और अपने वस्त्रों की झालर बड़ी करते हैं, वे भोजनों में सम्मान के स्थान और सभाओं में मुख्य सीटों से प्रेम करते हैं और बाज़ारों में अभिवादन और मनुष्यों द्वारा रब्बी रब्बी बुलाए जाने

को। लेकिन तुम रब्बी मत कहलाओ, क्योंकि तुम्हारा एक ही शिक्षक है, वह मसीह, और तुम सब भाई हो। और पृथ्वी पर अपने पिता को मत बुलाओ, क्योंकि तुम्हारा पिता एक है, जो स्वर्ग में है। न ही तुम शिक्षक कहलाओ, क्योंकि तुम्हारा एक ही शिक्षक है, वह मसीह। जो तुममें बड़ा है, वह तुम्हारा सेवक होगा। जो कोई अपने आप को ऊंचा करेगा, वह नीचा किया जाएगा, और जो कोई अपने आप को नीचा करेगा, वह ऊंचा किया जाएगा।

धिक्कार है तुम्हें, हे शास्त्रियों और फरीसियों, हे कपटियों, क्योंकि तुम विधवाओं के घरों को निगल जाते हो और बहाने से लंबी प्रार्थना करते हो, इस कारण तुम अधिक कठोर न्याय प्राप्त करोगे। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, हे पाखंडियों! क्योंकि तुम मनुष्यों के सामने स्वर्ग के राज्य को बंद कर देते हो। तुम स्वयं तो प्रवेश नहीं करते, और न ही प्रवेश करने वालों को प्रवेश करने देते हो। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों, क्योंकि तुम एक धर्मान्तरित बनाने के लिए समुद्र और सूखी भूमि की यात्रा करते हो, और जब वह बन जाता है, तो तुम उसे अपने से दुगुना नरक का पुत्र बना देते हो। धिक्कार है तुम्हें, हे अंधे मार्गदर्शकों, जो कहते हो, जो कोई मंदिर में शपथ लेता है, वह कुछ नहीं है, लेकिन जो कोई मंदिर के सोने में शपथ लेता है, वह बाध्य है। हे मूर्खों और अंधों! क्या अधिक महान है - सोना, या वह मंदिर जो सोने को पवित्र करता है? और जो कोई वेदी की शपथ खाता है, वह कुछ नहीं है, परन्तु जो कोई उस पर रखे हुए उपहार की शपथ खाता है, वह बाध्य है। हे मूर्खों और अंधों, क्या अधिक है - वह उपहार या वह वेदी जो उपहार को पवित्र करती है? जो वेदी की शपथ लेता है, वह उसकी और उस पर रखी सभी चीज़ों की शपथ लेता है। और जो मंदिर की शपथ लेता है, वह उसकी और उसमें निवास करने वाले की शपथ लेता है। और जो स्वर्ग की शपथ खाता है, वह परमेश्वर के सिंहासन की और उस पर बैठे हुए की शपथ खाता है। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, हे पाखंडियों! क्योंकि तुम पुदीने, सोए और जीरे का दशमांश देते हो, परन्तु तुमने व्यवस्था की भारी बातों को छोड़ दिया है—न्याय, दया और विश्वास। ये तो करना आवश्यक था और उन्हें भी नहीं छोड़ना चाहिए था। अंधे मार्गदर्शक, जो मच्छर को छानते हैं, परन्तु ऊंट को निगल जाते हैं। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, हे पाखंडियों! क्योंकि तुम प्याले और थाली को बाहर

से साफ करते हो, लेकिन भीतर से वे लूट और अन्याय से भरे हुए हैं। हे अंधे फरीसी, पहले प्याले और थाली के भीतर को शुद्ध करो, ताकि उनका बाहर भी शुद्ध हो जाए। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों! क्योंकि तुम चूना पुती कब्रों के समान हो, जो बाहर से सुंदर दिखाई देती हैं, परन्तु भीतर से मृत लोगों की हड्डियों और सब प्रकार की अशुद्धता से भरी हैं। इस प्रकार तुम भी बाहर से लोगों को धार्मिक प्रतीत होते हो, लेकिन भीतर से पाखंड और अधर्म से भरे हुए हो। धिक्कार है तुम्हें, शास्त्रियों और फरीसियों, कपटियों, क्योंकि तुम भविष्यवक्ताओं की कब्रें बनाते हो और धर्मियों के स्मारकों को सजाते हो, और कहते हो, यदि हम अपने पिताओं के दिनों में होते, तो हम भविष्यवक्ताओं के रक्त में उनके साझीदार नहीं होते। इस प्रकार तुम अपने विषय में गवाही देते हो कि तुम उनके पुत्र हो जिन्होंने भविष्यवक्ताओं की हत्या की थी। और तुम अपने पिताओं के माप को भर दो। सर्पों, नागों की संतान, तुम नरक के न्याय से कैसे बचोगे? इसलिए देखो, मैं तुम्हारे पास भविष्यवक्ता और बुद्धिमान और शास्त्री भेजता हूँ, और उनमें से कुछ को तुम मार डालोगे और सूली पर चढ़ाओगे, और उनमें से कुछ को तुम अपनी सभाओं में कोड़े मारोगे और नगर से नगर तक सताओगे। ताकि पृथ्वी पर बहाए गए हर धर्म के खून का दोष तुम पर आए, धर्मी हाबिल के खून से लेकर जकर्याह के खून तक, जो बरक्याह का पुत्र था, जिसे तुमने मंदिर और वेदी के बीच में हत्या की थी। मैं तुमसे सच कहता हूँ कि ये सब इस पीढ़ी पर आएगा। यरूशलेम, यरूशलेम, जो भविष्यवक्ताओं को मार डालती है और अपने पास भेजे गए लोगों पर पत्थर फेंकती है, कितनी बार मैंने चाहा कि तुम्हारे बच्चों को इकट्ठा करूँ जिस तरह से मुर्गी अपने चूजों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करती है, और तुमने नहीं चाहा। देखो, तुम्हारा घर तुम्हारे लिए उजाड़ छोड़ दिया जाता है। मैं तुम से कहता हूँ, तुम मुझे अब से तब तक नहीं देखोगे जब तक तुम न कहो, धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आता है।

24

और यीशु मंदिर से बाहर जा रहे थे, और उनके शिष्य उन्हें मंदिर की इमारतें दिखाने के लिए आए।

लेकिन यीशु ने उनसे कहा, क्या तुम यह सब नहीं देखते? मैं तुमसे सच कहता हूँ, यहाँ पत्थर पर पत्थर नहीं छोड़ा जाएगा, जो ढहाया नहीं जाएगा। लेकिन जब वह जैतून के पहाड़ पर बैठा हुआ था, तो शिष्य अकेले में उसके पास आए और कहने लगे, हमें बताओ, ये बातें कब होंगी, और तेरे आगमन का और युग की समाप्ति का क्या चिन्ह होगा? और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, देखो, कोई तुम्हें भटकाए नहीं। क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम पर आएंगे और कहेंगे, मैं मसीह हूँ, और बहुतों को धोखा देंगे। तुम युद्धों और युद्धों की अफवाहें सुनने वाले होगे, लेकिन देखो कि परेशान मत होना, क्योंकि सब कुछ होना आवश्यक है, लेकिन अभी तक अंत नहीं है। क्योंकि राष्ट्र राष्ट्र के विरुद्ध और राज्य राज्य के विरुद्ध उठेगा, और अकाल और महामारियाँ और भूकंप विभिन्न स्थानों में होंगे। लेकिन ये सब चीजें प्रसव पीड़ाओं की शुरुआत हैं। तब वे तुम्हें क्लेश में सौंप देंगे और तुम्हें मार डालेंगे, और तुम सब राष्ट्रों द्वारा मेरे नाम के कारण घृणा किए जाओगे। और तब बहुत से लोग ठोकर खाएंगे और एक दूसरे को पकड़वा देंगे और एक दूसरे से नफरत करेंगे। और बहुत से झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे और बहुतों को भटका देंगे। और अधर्म के बढ़ने के कारण बहुतों का प्रेम ठंडा हो जाएगा। लेकिन जो अंत तक सहन करेगा, वह बचाया जाएगा। और यह राज्य का शुभ समाचार संपूर्ण संसार में सभी राष्ट्रों के लिए गवाही के रूप में घोषित किया जाएगा, और तब अंत आएगा। इसलिए जब तुम उस उजाड़ की घृणित वस्तु को देखो जो दानियेल भविष्यवक्ता के द्वारा कही गई थी और जो पवित्र स्थान में खड़ी है, तो जो पढ़े वह समझ ले। तब जो यहूदिया में हैं, वे पहाड़ों पर भाग जाएं। जो छत पर है, वह अपने घर से सामान लेने के लिए नीचे न उतरे। और जो खेत में है, वह अपने वस्त्र उठाने के लिए पीछे न लौटे। धिक्कार है उन्हें जो उन दिनों में गर्भवती होंगी और उन्हें जो स्तनपान करा रही होंगी। लेकिन प्रार्थना करो कि तुम्हारा पलायन सर्दी में न हो और न सब्त के दिन। क्योंकि तब ऐसा महान क्लेश होगा, जैसा संसार के आरंभ से अब तक न हुआ है और न कभी होगा। और यदि वे दिन छोटे नहीं किए गए होते, तो कोई भी देह बचाया नहीं जाता, लेकिन चुने हुए लोगों के कारण वे दिन छोटे किए जाएंगे। तब यदि कोई तुमसे कहे, देखो, यहाँ मसीह है या यहाँ, तो विश्वास मत करना। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे और महान निशानियाँ और चमत्कार दिखाएंगे, ताकि यदि संभव हो तो चुने हुएों को भी भटका दें। देखो, मैंने तुम्हें पहले ही

बता दिया है। यदि इसलिए वे तुमसे कहें, देखो, वह जंगल में है, तो बाहर मत जाओ; देखो, वह भीतरी कक्षों में है, तो विश्वास मत करो, क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलती है और पश्चिम तक दिखाई देती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आगमन होगा, क्योंकि जहाँ शव हो, वहाँ गिद्ध इकट्ठा होंगे।

उन दिनों के क्लेश के तुरंत बाद, सूर्य अंधकारमय हो जाएगा और चंद्रमा अपना प्रकाश नहीं देगा, और तारे आकाश से गिरेंगे, और आकाशों की शक्तियाँ हिलाई जाएंगी।

और तब मनुष्य के पुत्र का चिह्न स्वर्ग में प्रकट होगा, और तब पृथ्वी के सब कुल विलाप करेंगे और मनुष्य के पुत्र को स्वर्ग के बादलों पर बहुत सामर्थ्य और महिमा के साथ आते हुए देखेंगे। और वह अपने दूतों को महान तुरही की आवाज़ के साथ भेजेगा, और वे उसके चुने हुएों को चारों हवाओं से, आकाशों के एक छोर से दूसरे छोर तक इकट्ठा करेंगे। लेकिन अंजीर के पेड़ से दृष्टान्त सीखो। जब उसकी शाखा कोमल हो जाती है और पत्ते अंकुरित होते हैं, तो तुम जानते हो कि गर्मी निकट है। इस प्रकार तुम भी, जब ये सब बातें देखो, तो जान लो कि वह निकट है, दरवाजे पर है। मैं तुमसे सच कहता हूँ, यह पीढ़ी नहीं गुजरेगी जब तक कि ये सब बातें पूरी न हो जाएँ। वह स्वर्ग और वह पृथ्वी नष्ट हो जाएंगे, लेकिन मेरे शब्द कभी नष्ट नहीं होंगे। लेकिन उस दिन और घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न ही आकाशों के दूत, केवल मेरे पिता अकेले। जैसे नूह के दिन थे, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का आगमन भी होगा। क्योंकि जैसे वे उन दिनों में थे जो बाढ़ से पहले के थे, खाते और पीते थे, विवाह करते और विवाह में देते थे, उस दिन तक जब नूह जहाज़ में प्रवेश किया, और उन्होंने नहीं जाना जब तक बाढ़ आई और सबको बहा ले गई, इसी प्रकार मनुष्य के पुत्र का आगमन भी होगा। तब दो खेत में होंगे, एक को ले लिया जाएगा और एक को छोड़ दिया जाएगा। दो स्त्रियाँ चक्की में पीस रही हैं, एक ली जाती है और एक छोड़ी जाती है। इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस घड़ी आता है। लेकिन यह जान लो कि अगर घर का मालिक जानता कि चोर किस पहर आता है, तो वह जागता रहता और अपने घर को तोड़े जाने की अनुमति नहीं देता। इसलिए तुम भी तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी

तुम नहीं सोचते, मनुष्य का पुत्र आता है।

तो कौन है वह विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास, जिसे उसके स्वामी ने अपनी सेवा पर नियुक्त किया कि उनको समय पर भोजन दे? धन्य है वह दास, जिसे उसका स्वामी आकर इस प्रकार करते हुए पाएगा। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि वह उसे अपनी सारी संपत्ति पर नियुक्त करेगा। यदि वह बुरा दास अपने हृदय में कहे, मेरा स्वामी आने में देर कर रहा है, और वह अपने साथी दासों को मारना शुरू करे, और नशे में धुत लोगों के साथ खाए-पिए, उस दास का स्वामी ऐसे दिन आएगा जब वह अपेक्षा नहीं करता है और ऐसी घड़ी में जब वह नहीं जानता है और वह उसे दो टुकड़ों में काट देगा, और उसका भाग पाखंडियों के साथ रखेगा, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

25

तब स्वर्ग का राज्य दस कुंवारियों के समान होगा, जिन्होंने अपने दीपक लेकर दूल्हे से मिलने के लिए निकल गईं। पाँच उनमें से बुद्धिमान थीं और पाँच मूर्ख थीं। जो मूर्ख थीं, उन्होंने अपने दीपक लेकर अपने साथ तेल नहीं लिया लेकिन बुद्धिमान स्त्रियों ने अपने दीपकों के साथ अपने बर्तनों में तेल लिया। लेकिन दूल्हे के देरी करते हुए, सब ऊँघने लगीं और सो गईं। मध्य रात में चिल्लाहट हुई, देखो, दूल्हा आ रहा है! उससे मिलने के लिए निकलो। तब वे सब कुँवारियाँ उठीं और उन्होंने अपने दीपक सजाए। और मूर्ख स्त्रियों ने बुद्धिमान स्त्रियों से कहा, हमें अपने तेल में से दो, क्योंकि हमारी मशालें बुझ रही हैं। लेकिन बुद्धिमानों ने उत्तर दिया कहते हुए, कहीं ऐसा न हो कि हमारे और तुम्हारे लिए पर्याप्त न हो, बल्कि तुम बेचने वालों के पास जाओ और अपने लिए खरीदो। जब वे खरीदने जा रहे थे, तब दूल्हा आया और जो तैयार थीं, वे उसके साथ विवाह में प्रवेश कीं, और दरवाजा बंद कर दिया गया। बाद में शेष कुँवारियाँ भी आती हैं और कहती हैं, हे स्वामी, हे स्वामी, हमारे लिए खोलो। परन्तु उत्तर देते हुए उसने कहा, सच मैं तुमसे कहता हूँ, मैं

तुम्हें नहीं जानता। इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम न तो उस दिन को जानते हो और न उस घड़ी को जिसमें मनुष्य का पुत्र आता है।

जैसे कि एक मनुष्य यात्रा पर जाते समय अपने दासों को बुलाया और उनको अपनी संपत्ति सौंप दी। और उसने एक को पाँच तालान्त दिए, दूसरे को दो, और तीसरे को एक, प्रत्येक को उसकी अपनी शक्ति के अनुसार, और वह तुरंत विदेश चला गया। जो पाँच तालान्त लेकर गया था, उसने उनमें काम किया और पाँच तालान्त और बनाए। इसी प्रकार जिसके पास दो थे उसने भी दो और कमाए। लेकिन जिसने एक लिया, वह चला गया और भूमि में खोदा और अपने स्वामी की चाँदी छिपा दी। लेकिन बहुत समय के बाद उन दासों का स्वामी आता है और उनके साथ हिसाब निपटारा करता है। और जो पाँच तोड़े लेकर गया था, वह पास आया और अन्य पाँच तोड़े प्रस्तुत करते हुए बोला, स्वामी, आपने मुझे पाँच तोड़े सौंपे थे। देखिए, मैंने उन पर पाँच तोड़े और कमाए हैं। उसके स्वामी ने उससे कहा, शाबाश, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास! तुम थोड़ी चीज़ों पर विश्वासयोग्य रहे, मैं तुम्हें बहुत चीज़ों पर नियुक्त करूँगा। अपने स्वामी के आनंद में प्रवेश करो। पास आकर जिसने दो प्रतिभाएँ ली थीं, उसने कहा, स्वामी, आपने मुझे दो प्रतिभाएँ सौंपी थीं। देखिए, मैंने उन पर दो और प्रतिभाएँ कमाई हैं। उसके स्वामी ने उससे कहा, अच्छा, हे अच्छे और विश्वासी दास! तुम थोड़ों पर विश्वासी थे, मैं तुम्हें बहुतों पर नियुक्त करूँगा। अपने स्वामी के आनंद में प्रवेश करो। पास आकर उसने भी जिसने एक प्रतिभा ली थी, कहा, स्वामी, मैं तुम्हें जानता था कि तुम कठोर आदमी हो, जो वहाँ काटते हो जहाँ तुमने नहीं बोया और वहाँ से इकट्ठा करते हो जहाँ तुमने नहीं बिखेरा, और डरकर मैं चला गया और तुम्हारी प्रतिभा को भूमि में छिपा दिया। देखो, तुम्हारे पास तुम्हारा है। उसके स्वामी ने उत्तर देते हुए उससे कहा, दुष्ट और आलसी दास, तू जानता था कि मैं वहाँ काटता हूँ जहाँ मैंने नहीं बोया, और वहाँ से इकट्ठा करता हूँ जहाँ मैंने नहीं बिखेरा। इसलिए तुम्हें मेरी चाँदी बैंकरों के पास डालना आवश्यक था, और आकर मैं अपना धन ब्याज के साथ प्राप्त कर लेता। इसलिए उसकी प्रतिभा उससे ले लो और उसे दे दो जिसके पास दस प्रतिभाएँ हैं। क्योंकि हर रखने वाले को दिया जाएगा और बहुतायत होगी, परन्तु न रखने वाले से जो उसके पास है वह भी ले लिया जाएगा। और उस बेकार दास को बाहरी

अंधकार में फेंक दो, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा।

जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब पवित्र दूत उसके साथ होंगे, तब वह अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा। और सब राष्ट्र उसके सामने इकट्ठा किए जाएंगे, और वह उनको एक दूसरे से अलग करेगा, जैसे चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है, और वह भेड़ों को अपने दाहिने ओर स्थापित करेगा, परन्तु बकरियों को बाएं ओर। तब राजा अपने दाहिने ओर वालों से कहेगा, आओ, मेरे पिता के धन्य लोगो, उस राज्य का उत्तराधिकार लो जो तुम्हारे लिए संसार की नींव से तैयार किया गया है। क्योंकि मैं भूखा था और तुमने मुझे खाने को दिया, मैं प्यासा था और तुमने मुझे पिलाया, मैं अजनबी था और तुमने मुझे इकट्ठा किया। नग्न था मैं, और तुमने मुझे वस्त्र पहनाया, मैं बीमार था, और तुमने मेरी सुध ली, मैं कारागार में था, और तुम मेरे पास आए। तब धर्मी लोग उसे उत्तर देते हुए कहेंगे, प्रभु, हमने आपको कब भूखा देखा और खिलाया, या प्यासा देखा और पिलाया? लेकिन हमने तुम्हें कब अजनबी देखा और इकट्ठा किया, या नंगा देखा और कपड़े पहनाए? लेकिन हमने तुम्हें कब कमजोर या कारागार में देखा, और हम तुम्हारे पास आए? और उत्तर देते हुए राजा उनसे कहेगा, सच कहता हूँ तुमसे, जितना तुमने मेरे इन छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे साथ किया। तब वह बाईं ओर वालों से भी कहेगा, हे शापितो, मुझसे दूर हो जाओ, उस अनन्त आग में जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है। क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाने को नहीं दिया, मैं प्यासा था, और तुमने मुझे पीने को नहीं दिया, मैं अजनबी था, और तुमने मुझे इकट्ठा नहीं किया, मैं नंगा था, और तुमने मुझे कपड़े नहीं पहनाए, मैं कमजोर था और कारागार में था, और तुमने मुझसे मुलाकात नहीं की। तब वे स्वयं उसको उत्तर देते हुए कहेंगे, प्रभु, हमने तुमको कब भूखा या प्यासा या अजनबी या नंगा या कमजोर या कारागार में देखा, और तुम्हारी सेवा नहीं की? तब वह उन्हें उत्तर देते हुए कहेगा, सच कहता हूँ तुमसे, जितना तुमने इन सबसे छोटों में से एक के लिए नहीं किया, उतना ही तुमने मेरे लिए भी नहीं किया। और ये शाश्वत दंड में चले जाएंगे, परन्तु धर्मी शाश्वत जीवन में।

और ऐसा हुआ कि जब यीशु ने ये सभी शब्द समाप्त किए, तो उसने अपने शिष्यों से कहा, तुम जानते हो कि दो दिन के बाद फसह का पर्व होगा, और मनुष्य का पुत्र सूली पर चढ़ाए जाने के लिए पकड़वाया जाएगा। तब मुख्य याजक और शास्त्री और लोगों के प्राचीन महायाजक के प्रांगण में एकत्रित हुए, जो कैफा कहलाता था। और उन्होंने परामर्श किया ताकि वे यीशु को छल से पकड़ लें और मार डालें। वे कह रहे थे, त्योहार के दौरान नहीं, ताकि लोगों में उपद्रव न हो जाए।

लेकिन जब यीशु बैतनिया में शमौन कोढ़ी के घर में थे, एक स्त्री उसके पास आई जो बहुमूल्य इत्र का संगमरमर का पात्र लिए हुई थी, और उसने उसे उसके सिर पर उंडेल दिया जब वह भोजन के लिए लेटा हुआ था। लेकिन उसके शिष्यों ने यह देखकर क्रोधित होते हुए कहा, यह विनाश किस लिए? क्योंकि यह इत्र बहुत अधिक में बेचा जा सकता था और गरीबों को दिया जा सकता था। जानकर यीशु ने उनसे कहा, तुम इस स्त्री को क्यों कष्ट देते हो? क्योंकि उसने मेरे लिए अच्छा काम किया है। गरीबों को तो तुम हमेशा अपने साथ रखते हो, लेकिन मुझे हमेशा नहीं रखते हो। क्योंकि इसने यह इत्र मेरे शरीर पर डालकर, मुझे दफनाने के लिए यह किया है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जहाँ कहीं भी इस शुभ समाचार की घोषणा सम्पूर्ण संसार में की जाएगी, वहाँ जो कुछ इसने किया है वह भी इसकी स्मृति में बोला जाएगा।

तब बारह में से एक, जो यहूदा इस्करियोती कहलाता था, मुख्य पुजारियों के पास जाकर बोला, तुम मुझे क्या देना चाहते हो, और मैं तुम्हें उसे सौंप दूंगा? लेकिन उन्होंने उसे तीस चांदी के टुकड़े दिए। और तब से उसने अवसर खोजा ताकि वह उसे सौंप दे।

बिना खमीर की रोटी के पहले दिन, चले यीशु के पास आए और उनसे कहा, आप कहाँ चाहते हैं

कि हम आपके लिए फसह खाने की तैयारी करें? उसने कहा, शहर में एक व्यक्ति के पास जाओ और उससे कहो, गुरु कहते हैं, मेरा समय निकट है, मैं अपने शिष्यों के साथ तुम्हारे यहाँ फसह मनाऊँगा। और शिष्यों ने वैसा ही किया जैसा यीशु ने उन्हें आज्ञा दी थी, और उन्होंने फसह को तैयार किया। शाम होने पर वह बारह के साथ भोजन के लिए लेटा। और जब वे खा रहे थे, उसने कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम में से एक मुझे धोखा देगा। और बहुत शोक करते हुए उनमें से प्रत्येक ने उससे कहना आरंभ किया, निश्चित रूप से मैं तो नहीं हूँ, प्रभु? परन्तु उत्तर देते हुए उसने कहा, जिसने मेरे साथ कटोरे में हाथ डुबोया है, वही मुझे धोखा देगा। मनुष्य का पुत्र निश्चय ही जाता है जैसा उसके बारे में लिखा गया है, लेकिन धिक्कार है उस मनुष्य को जिसके द्वारा मनुष्य का पुत्र धोखा दिया जाता है, उसके लिए अच्छा होता यदि वह मनुष्य जन्म ही न लेता। उत्तर देते हुए यहूदा ने, जो उसे पकड़वा रहा था, कहा, निश्चय मैं तो नहीं हूँ, रब्बी? वह उससे कहता है, तूने कह दिया। जब वे खा रहे थे, तब यीशु ने रोटी ली और धन्यवाद देकर तोड़ी और शिष्यों को देते हुए कहा, लो, खाओ, यह मेरा शरीर है। और उसने प्याला लिया और धन्यवाद देकर उन्हें दिया और कहा, इसमें से तुम सब पीओ, क्योंकि यह मेरा वह रक्त है जो नई वाचा का है, जो अनेकों के लिए पापों की क्षमा के निमित्त बहाया जा रहा है। मैं तुमसे कहता हूँ कि अब से मैं अंगूर की बेल के इस फल को उस दिन तक नहीं पीऊँगा, जब मैं इसे तुम्हारे साथ अपने पिता के राज्य में नया पीऊँगा।

और भजन गाकर वे जैतून के पहाड़ की ओर चले गए। तब यीशु ने उनसे कहा, तुम सब इस रात को मुझ में गिर जाओगे, क्योंकि लिखा है, मैं चरवाहे को मारूँगा, और झुंड की भेड़ें तितर-बितर हो जाएंगी।

लेकिन मेरे उठाए जाने के बाद, मैं तुम्हें गलील में ले जाऊँगा। उत्तर देते हुए पतरस ने उससे कहा, यदि सब तुझ में ठोकर खाएंगे, तो मैं कभी नहीं ठोकर खाऊँगा। यीशु ने उससे कहा, सत्य कहता हूँ तुमसे कि इस रात में मुर्गे के बोलने से पहले तुम तीन बार मेरा इनकार करोगे। पतरस उससे कहता है, यदि मुझे तुम्हारे साथ मरना भी पड़े, तो भी मैं तुम्हें इनकार नहीं करूँगा। इसी प्रकार

सभी शिष्यों ने भी कहा।

तब यीशु उनके साथ गतसमनी नामक स्थान पर आता है, और शिष्यों से कहता है, यहाँ बैठो जब तक मैं वहाँ जाकर प्रार्थना करूँ। और पतरस और जबदी के दो पुत्रों को साथ लेकर वह दुःखी और व्याकुल होने लगा। तब यीशु उनसे कहते हैं, मेरी आत्मा मृत्यु तक अत्यंत दुःखी है, यहाँ रहो और मेरे साथ जागते रहो। और थोड़ा आगे बढ़कर वह अपने चेहरे के बल गिरा, प्रार्थना करता हुआ और कहता हुआ, हे मेरे पिता, यदि संभव है, तो यह प्याला मुझसे हट जाए, लेकिन जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, बल्कि जैसा तू चाहता है। और वह शिष्यों के पास आता है और उन्हें सोते हुए पाता है, और पतरस से कहता है, इस प्रकार तुम मेरे साथ एक घंटा भी जागते नहीं रह सके? जागते रहो और प्रार्थना करो, ताकि तुम परीक्षा में प्रवेश न करो; आत्मा वास्तव में उत्सुक है, लेकिन शरीर कमजोर है। फिर से दूसरी बार चले जाकर उन्होंने प्रार्थना की और कहा, हे मेरे पिता, यदि यह प्याला मुझसे टल नहीं सकता जब तक मैं इसे न पी लूँ, तो तुम्हारी इच्छा पूरी हो। और आकर वह उन्हें फिर सोते हुए पाता है, क्योंकि उनकी आँखें भारी हो गई थीं। और उन्हें छोड़कर, फिर जाकर तीसरी बार उसी शब्द को कहते हुए प्रार्थना की। तब वह अपने शिष्यों के पास आता है और उनसे कहता है, क्या तुम अब भी सो रहे हो और विश्राम कर रहे हो? देखो, वह घड़ी आ गई है और मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथों में सौंपा जा रहा है। उठो, चलें। देखो, वह जो मुझे पकड़वाने वाला है, पास आ गया है।

और वह अभी बोल ही रहा था कि देखो, यहूदा जो बारह में से एक था, आया, और उसके साथ एक बड़ी भीड़ थी जो तलवारें और लाठियाँ लिए हुए थी, जो प्रधान याजकों और लोगों के बुजुर्गों की ओर से आई थी। लेकिन जो उसे सौंप रहा था, उसने उन्हें एक निशान दिया और कहा, जिसे मैं चूमूंगा, वही है; उसे पकड़ लो। और तुरंत यीशु के पास आकर उसने कहा, नमस्कार, रब्बी, और उसे चूमा। और यीशु ने उससे कहा, मित्र, जिस काम के लिए तू यहाँ आया है, उसे कर ले। तब उन्होंने पास आकर यीशु पर हाथ डाले और उन्हें पकड़ लिया। और देखो, यीशु के साथ के एक व्यक्ति ने हाथ बढ़ाकर अपनी तलवार खींची, और महायाजक के दास को मारकर उसका

कान काट दिया। तब यीशु उससे कहते हैं, अपनी तलवार उसके स्थान में वापस कर दो, क्योंकि सब जो तलवार लेते हैं, तलवार से मरेंगे। या तुम सोचते हो कि मैं अभी अपने पिता को नहीं बुला सकता, और वह मुझे बारह से अधिक दूतों की सेनाएँ प्रदान नहीं करेगा? इसलिए वे लेख कैसे पूर्ण होंगे कि इस प्रकार होना आवश्यक है? उस घड़ी में यीशु ने भीड़ों से कहा, जैसे किसी डाकू के पास तुम तलवारों और लाठियों के साथ मुझे पकड़ने निकले हो। प्रतिदिन मैं तुम्हारे पास मंदिर में बैठकर सिखाता था, और तुमने मुझे नहीं पकड़ा। यह सब इसलिए हुआ ताकि भविष्यवक्ताओं के लेख पूरे हों। तब सभी शिष्यों ने उसे छोड़कर भाग गए।

जिन्होंने यीशु को पकड़ लिया था, वे उन्हें महायाजक कैफा के पास ले गए, जहाँ शास्त्री और बुजुर्ग एकत्रित हुए थे। और पतरस दूर से उसके पीछे महायाजक के आँगन तक गया, और अंदर जाकर सेवकों के साथ बैठ गया ताकि अंत देख सके। वे मुख्य याजक और प्राचीन और संपूर्ण परिषद यीशु के विरुद्ध झूठी गवाही खोज रहे थे, ताकि वे उसे मृत्युदंड दे सकें। और उन्होंने नहीं पाया, और बहुत से झूठे गवाह आगे आने पर भी, उन्होंने नहीं पाया। लेकिन बाद में दो झूठे गवाह आगे आए मैंने कहा, इसने कहा, मैं परमेश्वर के मंदिर को नष्ट करने और तीन दिनों में उसे फिर से बनाने में सक्षम हूँ। और महायाजक उठकर उससे बोला, क्या तू कुछ भी उत्तर नहीं देता? ये लोग तेरे विरुद्ध क्या गवाही दे रहे हैं? लेकिन यीशु चुप रहे। और महायाजक ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, मैं तुम्हें जीवित परमेश्वर की शपथ दिलाता हूँ कि तुम हमें बताओ कि क्या तुम मसीह, परमेश्वर के पुत्र हो। यीशु उससे कहते हैं, तुमने कहा, परन्तु मैं तुमसे कहता हूँ, अब से तुम मनुष्य के पुत्र को शक्ति के दाहिने बैठे हुए और स्वर्ग के बादलों पर आते हुए देखोगे। तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़ दिए और कहा कि उसने निन्दा की है, अब हमें गवाहों की क्या आवश्यकता है? देखो, अब तुमने उसकी निन्दा सुन ली है, तुम्हें क्या लगता है? लेकिन उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, वह मृत्यु का दोषी है। तब उन्होंने उसके चेहरे पर थूका और उसे मारा, और कुछ ने थप्पड़ मारे। कहते हुए, हे मसीह, हमें भविष्यवाणी करो, कौन है वह जिसने तुझे मारा?

लेकिन पतरस बाहर आँगन में बैठा था, और एक दासी उसके पास आई और कहने लगी, तू भी

यीशु गलीली के साथ था। परन्तु उसने उन सबके सामने इनकार करते हुए कहा, मैं नहीं जानता तुम क्या कह रहे हो। लेकिन जब वह बाहर द्वार पर गया, तो एक दूसरी स्त्री ने उसे देखा और वहाँ उपस्थित लोगों से कहा, यह भी नासरी यीशु के साथ था। और उसने फिर शपथ के साथ इनकार किया कि मैं उस आदमी को नहीं जानता हूँ। थोड़ी देर बाद खड़े हुए लोग पास आए और पतरस से कहा, सचमुच तू भी उनमें से है, क्योंकि तेरी बोली तुझे स्पष्ट कर देती है। तब उसने शाप देना और शपथ खाना आरंभ किया कि मैं उस आदमी को नहीं जानता हूँ। और तुरंत मुर्गे ने बांग दी। और पतरस को यीशु का वह वचन याद आया जो उसने उससे कहा था कि मुर्गे के बांग देने से पहले तू तीन बार मेरा इनकार करेगा, और वह बाहर निकलकर फूट-फूटकर रोया।

27

सुबह हुई, तो सभी मुख्य याजकों और लोगों के बुजुर्गों ने यीशु के विरुद्ध परामर्श लिया ताकि उसे मार डालें। और उसे बांधकर ले गए और उसे पोंतियुस पिलातुस राज्यपाल को सौंप दिया।

तब यहूदा ने, जो उसे पकड़वा रहा था, यह देखकर कि वह दोषी ठहराया गया, पछताकर वे तीस चांदी के सिक्के प्रधान याजकों और प्राचीनों को लौटा दिए कहते हुए, मैंने निर्दोष रक्त सौंपकर पाप किया है। लेकिन उन्होंने कहा, हमें इससे क्या? तुम देख लोगे। और उसने चाँदी के टुकड़े मंदिर में फेंककर वहाँ से चला गया, और जाकर उसने स्वयं को फाँसी लगा ली। और प्रधान याजकों ने चाँदी के सिक्के लेकर कहा, इन्हें भंडार में डालना उचित नहीं है, क्योंकि यह खून का मूल्य है। परामर्श लेकर उन्होंने उनसे कुम्हार का खेत अजनबियों के दफन के लिए खरीदा। इसलिए वह खेत खून का खेत कहलाया आज तक। तब वह पूरा हुआ जो यिरम्याह भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, और उन्होंने तीस चांदी के टुकड़े लिए, जो उस मूल्यांकित व्यक्ति का मूल्य था जिसे इस्राएल के पुत्रों ने मूल्यांकित किया था, और उन्होंने उन्हें कुम्हार के खेत में दे दिया, जैसा प्रभु ने मुझे आदेश दिया था।

लेकिन यीशु शासक के सामने खड़े हुए, और शासक ने उनसे पूछा, क्या तुम यहूदियों के राजा हो? यीशु ने उससे कहा, तुम कहते हो। और जब मुख्य पुजारियों और बुजुर्गों द्वारा उस पर आरोप लगाए जा रहे थे, तो उसने कुछ भी उत्तर नहीं दिया। तब पिलातुस उससे कहता है, क्या तुम नहीं सुनते कि ये तुम्हारे विरुद्ध कितनी गवाहियाँ दे रहे हैं? और उसने उसको एक भी शब्द का उत्तर नहीं दिया, जिससे नेता बहुत आश्चर्यचकित हुआ। त्योहार के अनुसार नेता भीड़ के लिए एक कैदी को छोड़ने का आदी था, जिसे वे चाहते थे। उनके पास उस समय बरअब्बा नामक एक प्रसिद्ध कैदी था। इसलिए जब वे एकत्रित हुए, तो पिलातुस ने उनसे कहा, तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए किसे छोड़ दूँ? बरअब्बा को या यीशु को जो मसीह कहलाता है? वह जानता था कि ईर्ष्या के कारण उन्होंने उसे सौंप दिया था। जब वह मंच पर बैठा था, तब उसकी पत्नी ने उसके पास यह कहते हुए संदेश भेजा, उस धर्मी व्यक्ति के साथ कुछ मत करो, क्योंकि आज मैंने स्वप्न में उसके कारण बहुत कष्ट सहा है। परन्तु मुख्य याजकों और बुजुर्गों ने भीड़ को राजी किया कि वे बरअब्बा को मांगें और यीशु को नष्ट करें। उत्तर देते हुए नेता ने उनसे कहा, तुम दोनों में से किसे छोड़ा जाना चाहते हो? उन्होंने कहा, बरअब्बा। पिलातुस ने उनसे कहा, तो मैं यीशु का, जो मसीह कहलाता है, क्या करूँ? सबने उससे कहा, वह क्रूस पर चढ़ाया जाए। परन्तु शासक ने कहा, उसने क्या बुराई की है? परन्तु वे अत्यधिक चिल्लाते हुए कह रहे थे, उसे क्रूस पर चढ़ाया जाए। लेकिन पिलातुस ने देखा कि इससे कुछ लाभ नहीं हो रहा है, बल्कि अधिक उपद्रव हो रहा है, तो पानी लेकर भीड़ के सामने अपने हाथ धोए और कहा, मैं इस न्यायी के रक्त से निर्दोष हूँ, तुम देखोगे। और उत्तर देते हुए सभी लोगों ने कहा, उसका खून हम पर और हमारे बच्चों पर। तब उसने बरअब्बा को उनके लिए छोड़ दिया, लेकिन यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया ताकि उन्हें सूली पर चढ़ाया जाए।

तब नेता के सैनिकों ने यीशु को प्रेटीरियम में ले जाकर उनके चारों ओर पूरी पलटन इकट्ठा की। और उसे कपड़े उतारकर, उन्होंने उसे लाल चोगा पहनाया। और कांटों से बुना हुआ मुकुट उसके सिर पर रखा और बेंत उसके दाहिने हाथ पर, और उसके सामने घुटने टेककर उसका ठठा करते हुए कहा, प्रणाम, यहूदियों के राजा! और उस पर थूककर उन्होंने बेंत लिया और उसके सिर पर

मार रहे थे और जब उन्होंने उसका मजाक उड़ाया, तो उन्होंने उससे वह लबादा उतारा और उसे उसके कपड़े पहनाए, और उसे सूली पर चढ़ाने के लिए ले गए।

बाहर जाते हुए उन्होंने शमौन नाम के एक कुरैनी आदमी को पाया, इसको उन्होंने बाध्य किया ताकि वह उसका क्रूस उठाए। और गोलगोथा नामक स्थान पर आकर, जो खोपड़ी का स्थान कहलाता है, उन्होंने उसे सिरका पित्त के साथ मिला हुआ पीने को दिया, और चखकर उसने पीना नहीं चाहा। उसे सूली पर चढ़ाकर, उन्होंने चिट्ठी डालकर उसके वस्त्र बाँट लिए। और बैठे हुए वे उसे वहाँ पहरा दे रहे थे। और उन्होंने उसके सिर के ऊपर उसका अपराध लिखा हुआ रखा, यह है यीशु, यहूदियों का राजा। तब उसके साथ दो डाकू सूली पर चढ़ाए जाते हैं, एक दाहिनी ओर और एक बाईं ओर। वे जो गुजर रहे थे, उसकी निन्दा कर रहे थे और अपने सिर हिला रहे थे। और कह रहे थे, वह जो मंदिर को तोड़ता है और तीन दिनों में बनाता है, अपने आप को बचा, अगर तू परमेश्वर का पुत्र है, तो क्रूस से उतर आ। इसी प्रकार मुख्य याजक भी शास्त्रियों, बुजुर्गों और फरीसियों के साथ उपहास करते हुए कह रहे थे, उसने दूसरों को बचाया, स्वयं को नहीं बचा सकता। यदि वह इस्राएल का राजा है, तो अभी क्रूस से नीचे उतर आए और हम उस पर विश्वास करेंगे। उसने परमेश्वर पर विश्वास किया है, अब वह उसे बचाए, यदि वह उसे चाहता है, क्योंकि उसने कहा था कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ। और वे डाकू भी जो उसके साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे, उसकी निन्दा कर रहे थे।

लेकिन छठे घंटे से नौवें घंटे तक सारी भूमि पर अंधकार छा गया। नौवें घंटे के बारे में यीशु ने महान आवाज़ से चिल्लाकर कहा, एली एली, लामा सबकथनी; अर्थात्, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों त्याग दिया? लेकिन वहाँ खड़े हुए लोगों में से कुछ ने सुनकर कहा कि यह एलिय्याह को बुला रहा है। और तुरंत उनमें से एक दौड़ा और स्पंज लेकर सिरके से भरा और बेंत पर रखकर उसे पिला रहा था। परन्तु शेष लोग कह रहे थे, रुको, देखें कि क्या एलिय्याह उसे बचाने आता है। लेकिन यीशु ने फिर से ऊँची आवाज़ में पुकारकर अपनी आत्मा त्याग दी। और देखो, मंदिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक दो भागों में फट गया, और पृथ्वी कांप उठी और चट्टानें

फट गई, और कब्रें खोली गईं और सोए हुए पवित्र लोगों के बहुत से शरीर उठाए गए, और कब्रों से बाहर निकलकर, उसके पुनरुत्थान के बाद, वे पवित्र नगर में प्रवेश किए और बहुतों को दिखाई दिए। परन्तु वह शतपति और वे जो उसके साथ यीशु की पहरेदारी कर रहे थे, भूकंप और जो कुछ हुआ था उसे देखकर बहुत डर गए और कहने लगे, सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था। वहाँ बहुत सी स्त्रियाँ भी थीं जो दूर से देख रही थीं, जिन्होंने गलील से यीशु का अनुसरण करते हुए उनकी सेवा की थी। जिनमें मरियम मगदलीनी थी, और मरियम जो याकूब और योसे की माता थी, और जब्दी के पुत्रों की माता।

शाम हुई, लेकिन एक धनी आदमी अरिमथिया से आया, जिसका नाम यूसुफ था, जो स्वयं यीशु का शिष्य बना था। यह पिलातुस के पास आकर यीशु के शरीर की माँग की। तब पिलातुस ने शरीर दिए जाने का आदेश दिया। और यूसुफ ने शरीर को लेकर उसे शुद्ध सनी के कपड़े में लपेटा, और उसने इसे अपनी नई कब्र में रखा जो उसने चट्टान में काटी थी, और कब्र के दरवाजे पर एक बड़ा पत्थर लुढ़काकर चला गया। वहाँ मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कब्र के सामने बैठी हुई थीं।

और अगले दिन, जो तैयारी के बाद था, मुख्य पुजारी और फरीसी पिलातुस के पास एकत्रित हुए। कहते हुए, प्रभु, हमें याद आया कि उस धोखेबाज ने जीवित रहते हुए कहा था, तीन दिन के बाद मैं जी उठूंगा। इसलिए आज्ञा दें कि तीसरे दिन तक कब्र को सुरक्षित किया जाए, कहीं ऐसा न हो कि उसके शिष्य रात को आकर उसे चुरा लें और लोगों से कहें, वह मृतकों में से जी उठा, और अंतिम भ्रांति पहली से भी बुरी होगी। पिलातुस ने उनसे कहा, तुम्हारे पास पहरेदार हैं; जाओ और जैसा तुम जानते हो, वैसे सुरक्षित करो। वे गए और उन्होंने पहरे के साथ पत्थर पर मुहर लगाकर कब्र को सुरक्षित किया।

सब्बाथों के बाद देर से, जब एक सब्बाथ की भोर हो रही थी, मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम कन्न को देखने आई। और देखो, एक बड़ा भूकंप आया, क्योंकि प्रभु का दूत स्वर्ग से उतरकर पास आया और द्वार से पत्थर को लुढ़का दिया और उस पर बैठ गया। उसका रूप बिजली के समान था और उसका वस्त्र बर्फ के समान सफेद था। लेकिन उसके डर से पहरा देने वाले हिला दिए गए और मृतकों के समान हो गए। उत्तर देते हुए दूत ने उन स्त्रियों से कहा, तुम मत डरो, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम यीशु को, जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, ढूँढ रही हो। वह यहाँ नहीं है, क्योंकि वह उठाया गया जैसा उसने कहा था। आओ, उस स्थान को देखो जहाँ प्रभु लेटे थे। और शीघ्र जाकर उसके शिष्यों से कहो कि वह मृतकों में से जिलाया गया है, और देखो, वह तुमसे पहले गलील जाता है, वहाँ तुम उसे देखोगे, देखो, मैंने तुमसे कह दिया है। और वे कन्न से भय और बड़े आनंद के साथ शीघ्रता से बाहर निकलकर उसके शिष्यों को समाचार देने के लिए दौड़ीं। जैसे ही वे उसके शिष्यों को सूचना देने जा रही थीं, तो देखो, यीशु उनसे मिले और बोले, आनंदित हो। तब वे पास आई और उनके पैर पकड़कर उन्हें प्रणाम किया। तब यीशु उनसे कहते हैं, मत डरो, जाओ और मेरे भाइयों को बताओ कि वे गलील जाएं, और वहाँ वे मुझे देखेंगे।

जब वे जा रहे थे, तो देखो, पहर के कुछ लोग शहर में आकर मुख्य याजकों को सब कुछ जो हुआ था बताया। और बुजुर्गों के साथ एकत्रित होकर और परामर्श लेकर, उन्होंने सैनिकों को पर्याप्त चाँदी के टुकड़े दिए और कहा, कहो कि उसके शिष्य रात को आकर उसे चुरा ले गए जब हम सो रहे थे। और यदि यह बात नेता के पास सुनी जाए, तो हम उसे मना लेंगे और तुम्हें चिंतामुक्त कर देंगे। और उन्होंने चाँदी के सिक्के लेकर वैसा ही किया जैसा उन्हें सिखाया गया था। और यह बात यहूदियों में आज तक फैली हुई है।

लेकिन वे ग्यारह शिष्य गलील में उस पहाड़ पर गए, जहाँ यीशु ने उनको नियुक्त किया था। और उसे देखकर उन्होंने उसे प्रणाम किया, लेकिन कुछ लोगों ने संदेह किया। और यीशु पास आकर उनसे कहने लगे, मुझे स्वर्ग में और पृथ्वी पर सब अधिकार दिया गया है। जाकर सब राष्ट्रों को शिष्य बनाओ, उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा देते हुए, उन्हें सिखाते

हुए कि वे सब बातों को मानें जितनी मैंने तुम्हें आज्ञा दी है, और देखो, मैं तुम्हारे साथ हूँ सब दिनों तक, युग की पूर्णता तक। आमीन।

मरकुस का सुसमाचार

1

यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र के शुभ समाचार का आरंभ। जैसा भविष्यवक्ताओं में लिखा है, देखो, मैं अपने दूत को तुम्हारे आगे भेजता हूँ, जो तुम्हारे सामने तुम्हारा मार्ग तैयार करेगा, जंगल में पुकारने वाले की आवाज़, प्रभु का रास्ता तैयार करो, उसकी पगडंडियाँ सीधी करो।

यूहन्ना जंगल में बपतिस्मा देता हुआ और पापों की माफी के लिए पश्चाताप का बपतिस्मा प्रचार करता हुआ प्रकट हुआ। और सारा यहूदिया प्रदेश और यरूशलेमवासी उसके पास जा रहे थे, और सब यर्डन नदी में उसके द्वारा अपने पापों को स्वीकार करते हुए बपतिस्मा ले रहे थे। यूहन्ना ऊँट के बालों से बने वस्त्र पहने हुए था और उसकी कमर पर चमड़े की पेटी थी, और वह टिट्टियाँ और जंगली शहद खाता था। और वह प्रचार कर रहा था और कह रहा था, मेरे बाद वह आ रहा है जो मुझसे अधिक शक्तिशाली है, जिसके जूतों का पट्टा खोलने के लिए मैं झुककर भी योग्य नहीं हूँ। मैं ने वास्तव में तुम्हें पानी में बपतिस्मा दिया, लेकिन वह तुम्हें पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देगा।

और उन दिनों में ऐसा हुआ कि यीशु गलील के नासरत से आया और यर्डन में यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा दिया गया। और तुरंत पानी से ऊपर आते हुए उसने आकाशों को फटते हुए देखा, और

आत्मा को कबूतर के समान उस पर उतरते हुए देखा। और आकाश से एक आवाज़ आई, तू मेरा प्रिय पुत्र है, तुझ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।

और तुरंत आत्मा उसे जंगल में भेज देता है। और वह वहाँ जंगल में चालीस दिन तक शैतान द्वारा परीक्षा किए जाते हुए रहा, और वह जंगली जानवरों के साथ था, और स्वर्गदूत उसकी सेवा कर रहे थे।

लेकिन यूहन्ना को सौंपे जाने के बाद, यीशु गलील में आए, परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार की घोषणा करते हुए। और कहता हुआ कि समय पूरा हो गया है और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है, पश्चाताप करो और शुभ समाचार में विश्वास करो।

गलील के समुद्र के पास चलते हुए, उसने शमौन और उसके भाई अन्द्रियास को देखा, जो समुद्र में जाल डाल रहे थे, क्योंकि वे मछुआरे थे। और यीशु ने उनसे कहा, मेरे पीछे आओ, और मैं तुम्हें मनुष्यों के मछुआरे बनाऊँगा। और उन्होंने तुरंत अपने जाल छोड़कर उसका अनुसरण किया। और वहाँ से थोड़ा आगे बढ़कर उसने जबदी के पुत्र याकूब और उसके भाई यूहन्ना को देखा, जो नाव में जाल की मरम्मत कर रहे थे। और उसने तुरंत उन्हें बुलाया। और उन्होंने अपने पिता जबदी को नाव में मज़दूरों के साथ छोड़कर उसके पीछे चले गए।

और वे कफरनहूम में प्रवेश करते हैं, और तुरंत सब्ब के दिन सभा में प्रवेश करके वह सिखा रहा था। और वे उसके शिक्षण पर आश्चर्यचकित थे, क्योंकि वह उन्हें अधिकार रखते हुए सिखा रहा था, और शास्त्रियों के समान नहीं। और उनकी सभा में एक आदमी था जो अशुद्ध आत्मा में था, और वह चिल्लाया कहता हुआ, हे नाज़री यीशु! हमें और तुम्हें क्या? क्या तुम हमें नष्ट करने आए हो? मैं जानता हूँ तुम कौन हो, तुम परमेश्वर के पवित्र हो। और यीशु ने उसको डांटा और कहा, चुप रह और उसमें से निकल जा। और अशुद्ध आत्मा ने उसे मरोड़ा और ऊँचे स्वर में चिल्लाकर उसमें से निकल गई। और सब चकित हुए, इतना कि वे आपस में चर्चा करने लगे और कहने लगे,

यह क्या है? यह कौन सी नई शिक्षा है, कि वह अधिकार के साथ अशुद्ध आत्माओं को भी आदेश देता है, और वे उसकी आज्ञा मानती हैं? और उसकी सुनवाई तुरंत पूरे गलील के क्षेत्र में फैल गई।

और तुरंत सभा से निकलकर वे याकूब और यूहन्ना के साथ शमौन और अन्द्रियास के घर आए। शिमोन की सास बुखार में पड़ी हुई थी। और तुरंत उन्होंने उससे उसके बारे में कहा। और पास आकर उसने उसका हाथ पकड़कर उसे उठाया, और बुखार ने उसे तुरंत छोड़ दिया, और वह उनकी सेवा करने लगी। शाम होने पर, जब सूरज डूब गया, वे उसके पास सभी बीमार लोगों और दुष्टात्मा ग्रस्त लोगों को लाए। और पूरा शहर दरवाजे की ओर एकत्रित था। और उसने विभिन्न बीमारियों से बुरी तरह पीड़ित बहुत से लोगों को चंगा किया, और बहुत सी दुष्टात्माओं को निकाल दिया, और दुष्टात्माओं को बोलने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि वे जानते थे कि वह मसीह है।

और बहुत सुबह, रात में ही, उठकर वह बाहर गया और एक निर्जन स्थान में चला गया, और वहाँ प्रार्थना करता रहा। और शिमोन और उसके साथ वाले लोगों ने उसका पीछा किया, और उसको पाकर वे उससे कहते हैं कि सब तुम्हें खोज रहे हैं। और वह उनसे कहता है, आओ हम पड़ोसी नगरों में चलें, ताकि मैं वहाँ भी प्रचार करूँ, क्योंकि मैं इसी लिए निकला हूँ। और वह उनकी सभाओं में संपूर्ण गलील में प्रचार करता हुआ था और दुष्टात्माओं को निकालता हुआ था।

और एक कोढ़ी उसके पास आता है, उससे विनती करता हुआ और उसके सामने घुटने टेकता हुआ, और उससे कहता है, यदि आप चाहें, तो आप मुझे शुद्ध कर सकते हैं। और यीशु ने करुणा से भरकर, हाथ बढ़ाकर उसे छुआ और उससे कहा, मैं चाहता हूँ, शुद्ध हो जाओ। और उसके कहते ही तुरंत उसका कुष्ठरोग उससे चला गया, और वह शुद्ध हो गया। और उसे कड़ी चेतावनी देने के बाद, उसने तुरंत उसे बाहर निकाल दिया और उससे कहा, देखो, किसी को कुछ मत कहना, लेकिन जाओ और अपने आप को याजक को दिखाओ, और अपनी शुद्धि के विषय में वह चढ़ावा चढ़ाओ जो मूसा ने आज्ञा दी थी, उनके लिए गवाही के रूप में। वह बाहर जाकर बहुत

घोषणा करने और वचन फैलाने लगा, ताकि अब वह खुलकर नगर में प्रवेश करने में सक्षम नहीं रहा, लेकिन बाहर निर्जन स्थानों में था, और लोग सब ओर से उसके पास आ रहे थे।

2

और वह फिर कुछ दिनों के बाद कफरनहूम में प्रवेश किया, और यह सुना गया कि वह घर में है। और तुरंत बहुत लोग एकत्रित हुए, इतने कि अब न जाने की जगह थी और न ही दरवाजे के पास, और वह उनको वचन सुना रहा था। और वे उसके पास एक लकवाग्रस्त को लाते हैं, जिसे चार लोग उठाए हुए थे, और भीड़ के कारण उसके पास पहुंचने में सक्षम न होते हुए, उन्होंने छत को खोल दिया जहां वह था, और खोदकर उन्होंने उस चटाई को नीचे उतारा जिस पर लकवाग्रस्त व्यक्ति लेटा हुआ था। लेकिन यीशु ने उनका विश्वास देखकर लकवाग्रस्त से कहा, हे बच्चे, तेरे पाप क्षमा किए गए हैं। लेकिन वहाँ शास्त्रियों में से कुछ बैठे हुए थे और अपने हृदयों में विचार कर रहे थे। यह क्या इस प्रकार निन्दा बोलता है? पापों को क्षमा करने में कौन सक्षम है, यदि एक परमेश्वर के अतिरिक्त कोई नहीं? और यीशु ने तुरंत अपनी आत्मा में जानकर कि वे इस प्रकार अपने में विचार कर रहे हैं, उनसे कहा, तुम अपने हृदयों में ये बातें क्यों विचार कर रहे हो? क्या आसान है, लकवाग्रस्त से यह कहना कि तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं, या यह कहना कि उठो और अपनी चटाई उठाकर चलो? ताकि तुम जान सको कि मनुष्य के पुत्र को पृथ्वी पर पापों को क्षमा करने का अधिकार है, वह लकवाग्रस्त से कहता है, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ और अपनी चटाई उठा और अपने घर जा। और वह तुरंत उठा, और चटाई उठाकर सबके सामने बाहर चला गया, जिससे सब चकित हो गए और परमेश्वर की महिमा करने लगे और कहने लगे कि हमने ऐसा कभी नहीं देखा।

और वह फिर से समुद्र के पास गया, और सारी भीड़ उसके पास आ रही थी, और वह उन्हें सिखा रहा था। और गुजरते हुए उसने अल्फियुस के पुत्र लेवी को कर चौकी पर बैठे हुए देखा, और

उससे कहा, मेरा अनुसरण करो। और वह उठकर उसके पीछे हो लिया। और ऐसा हुआ कि जब वह अपने घर में लेटा था, तो बहुत से कर-संग्रहकर्ता और पापी यीशु और उसके चेलों के साथ भोजन के लिए लेटे थे, क्योंकि वे बहुत थे, और उन्होंने उसका अनुसरण किया था। और शास्त्री और फरीसी उसे कर वसूलने वालों और पापियों के साथ खाते हुए देखकर उसके चेलों से कह रहे थे, क्या कारण है कि वह कर वसूलने वालों और पापियों के साथ खाता-पीता है? और यीशु ने सुनकर उनसे कहा, स्वस्थ लोगों को चिकित्सक की आवश्यकता नहीं है, बल्कि बीमार लोगों को है। मैं धर्मियों को नहीं, बल्कि पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने आया हूँ।

और यूहन्ना के शिष्य और फरीसियों के शिष्य उपवास कर रहे थे। और वे आते हैं और उससे कहते हैं, क्यों यूहन्ना के शिष्य और फरीसियों के शिष्य उपवास करते हैं, लेकिन तुम्हारे शिष्य उपवास नहीं करते हैं? और यीशु ने उनसे कहा, क्या विवाह कक्ष के पुत्र उपवास कर सकते हैं, जब दूल्हा उनके साथ है? जब तक वे दूल्हे को अपने साथ रखते हैं, वे उपवास नहीं कर सकते। लेकिन वे दिन आएंगे जब दूल्हा उनसे ले लिया जाएगा, और तब वे उन दिनों में उपवास करेंगे। कोई भी बिना सिकुड़े कपड़े का पैबंद पुराने कपड़े पर नहीं सीता है, नहीं तो नया भाग पुराने से अलग हो जाता है, और फाड़ और भी बुरी हो जाती है। और कोई भी नई शराब को पुरानी मशकों में नहीं डालता, यदि ऐसा करे तो नई शराब मशकों को फाड़ देती है, और शराब बह जाती है और मशकें नष्ट हो जाती हैं, लेकिन नई शराब को नई मशकों में डालना चाहिए।

और ऐसा हुआ कि वह सब्त के दिन अनाज के खेतों से होकर गुजर रहा था, और उसके शिष्यों ने अनाज की बालें नोचते हुए रास्ता बनाना शुरू किया। और फरीसी उससे कह रहे थे, देखो, वे सब्त के दिनों में क्या कर रहे हैं जो वैध नहीं है। और वह उनसे कह रहा था, क्या तुमने कभी नहीं पढ़ा कि दाऊद ने क्या किया जब उसे जरूरत थी और वह भूखा था और वे जो उसके साथ थे? कैसे वह परमेश्वर के घर में अबियातार महायाजक के समय प्रवेश किया और प्रस्तुतीकरण की रोटियाँ खाई, जिन्हें खाना अनुमत नहीं है यदि याजकों के अलावा, और उन्हें भी दिया जो उसके साथ थे? और वह उनसे कह रहा था, सब्त मनुष्य के लिए बनाया गया, न कि मनुष्य सब्त के लिए।

इसलिए मनुष्य का पुत्र सब्त का भी प्रभु है।

3

और वह फिर सभा में प्रवेश किया, और वहाँ एक आदमी था जिसका हाथ सूखा हुआ था। और वे उसे देख रहे थे कि क्या सब्त के दिन वह उसे ठीक करेगा, ताकि वे उस पर आरोप लगा सकें। और वह उस आदमी से जिसका हाथ सूखा हुआ था कहता है, बीच में खड़े हो जाओ। और वह उनसे कहता है, क्या सब्त के दिन भलाई करना अनुमति है या बुराई करना? आत्मा को बचाना या मारना? लेकिन वे चुप रहे। और उसने क्रोध के साथ उन्हें चारों ओर देखा, उनके हृदय की कठोरता पर दुखी होते हुए, उस आदमी से कहा, अपना हाथ फैलाओ। और उसने फैलाया, और उसका हाथ दूसरे हाथ की तरह स्वस्थ हो गया। और फरीसी बाहर जाकर तुरंत हेरोदियों के साथ उसके विरुद्ध सलाह करने लगे, ताकि उसे नष्ट कर सकें।

और यीशु अपने शिष्यों के साथ समुद्र की ओर चला गया, और गलील से एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चली, और यहूदिया से और यरूशलेम से और इदूमिया से और यर्दन के पार से और सोर और सैदा के आसपास से, बहुत बड़ी भीड़, यह सुनकर कि वह कितने काम करता था, उसके पास आई। और उसने अपने शिष्यों से कहा कि एक छोटी नाव उसके लिए तैयार रहे, भीड़ के कारण, ताकि वे उसे दबा न सकें। क्योंकि उसने बहुतों को चंगा किया था, ताकि जितने लोगों को कोड़े थे वे उसे छूने के लिए उस पर गिर पड़ें। और अशुद्ध आत्माएं, जब भी उसे देखती थीं, उसके सामने गिर पड़ती थीं और चिल्लाती थीं कहते हुए कि आप ईश्वर के पुत्र हैं। और उसने उन्हें बहुत डांटा ताकि वे उसे प्रकट न करें।

और वह पहाड़ पर चढ़ता है, और जिनको वह चाहता था उनको बुलाता है, और वे उसके पास गए। और उसने बारह को बनाया, ताकि वे उसके साथ रहें और ताकि वह उनको घोषणा करने के

लिए भेजे और रोगों को चंगा करने का अधिकार रखना और दुष्टात्माओं को बाहर निकालना, और उसने शमौन को पतरस नाम दिया, और याकूब को जो जबदी का था और यूहन्ना को जो याकूब का भाई था, और उन्होंने उनको बोअनर्गिस नाम दिया, जो गर्जन के पुत्र है, और अन्द्रियास और फिलिप्पुस और बरतुल्मै और मत्ती और थोमा और याकूब जो अलफीयुस का पुत्र था, और थद्दै और शमौन कनानी। और यहूदा इस्करियोती, जिसने उसे पकड़वाया।

और वे घर में आते हैं, और फिर भीड़ इकट्ठा होती है, ताकि वे रोटी भी नहीं खा सकते। और उसके लोगों ने सुनकर उसे पकड़ने के लिए बाहर गए, क्योंकि वे कह रहे थे कि वह विक्षिप्त हो गया है। और जो शास्त्री यरूशलेम से आए थे, वे कह रहे थे कि उसके पास बालजेबुल है, और यह कि वह दुष्टात्माओं के शासक के द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता है। और उन्हें बुलाकर दृष्टांतों में उनसे कहने लगा, शैतान कैसे शैतान को निकाल सकता है? और यदि कोई राज्य अपने आप में विभाजित हो जाए, तो वह राज्य खड़ा नहीं रह सकता। और यदि कोई घर अपने आप में विभाजित हो जाए, तो वह घर खड़ा नहीं रह सकता। और यदि शैतान अपने विरुद्ध उठ खड़ा हुआ है और विभाजित हो गया है, तो वह खड़ा रहने में सक्षम नहीं है, बल्कि उसका अंत हो गया है। कोई भी मजबूत व्यक्ति के घर में घुसकर उसके बर्तन नहीं लूट सकता, यदि वह पहले उस मजबूत व्यक्ति को न बांध ले, और तब वह उसके घर को लूटेगा। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि मनुष्यों के पुत्रों के सब पाप और जितनी निन्दाएँ वे करें, सब क्षमा किया जाएगा, जो कोई पवित्र आत्मा की निन्दा करे, उसे युग में क्षमा नहीं मिलती, बल्कि वह अनन्त न्याय का दोषी है, क्योंकि वे कह रहे थे कि उसके पास अशुद्ध आत्मा है।

इसलिए उसकी माता और उसके भाई आते हैं, और बाहर खड़े होकर उन्होंने उसे बुलाने के लिए संदेश भेजा। और उसके चारों ओर भीड़ बैठी थी, लेकिन उन्होंने उससे कहा, देखो, तेरी माता और तेरे भाई बाहर तुझे ढूँढ रहे हैं। और उसने उनको उत्तर देते हुए कहा, कौन है मेरी माता या मेरे भाई? और उसने चारों ओर अपने आस-पास बैठे हुए लोगों को देखा और कहा, देखो, मेरी माता और मेरे भाई। जो कोई परमेश्वर की इच्छा को करता है, वह मेरा भाई और मेरी बहन और माता

है।

4

और उसने फिर समुद्र के पास सिखाना शुरू किया, और उसके पास बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई, इतनी कि वह नाव में चढ़कर समुद्र में बैठ गया, और सारी भीड़ समुद्र के पास भूमि पर थी। और वह उन्हें दृष्टांतों में बहुत कुछ सिखा रहा था, और अपनी शिक्षा में उनसे कह रहा था, सुनो। देखो, बोने वाला बोने के लिए बाहर गया। और बोते समय ऐसा हुआ कि कुछ बीज रास्ते पर गिरा, और पक्षी आए और उसे खा गए। और दूसरा पथरीली जगह पर गिरा, जहाँ उसे बहुत मिट्टी नहीं थी, और तुरंत उग आया क्योंकि मिट्टी की गहराई नहीं थी, सूर्य के उदय होने पर वह झुलस गया, और जड़ न होने के कारण सूख गया। और दूसरा कांटों में गिरा, और कांटे बढ़े और उसे दबा दिया, और फल नहीं दिया। और दूसरा अच्छी भूमि में गिरा और बढ़ता और बढ़ा होता हुआ फल देता रहा, और तीस गुना और साठ गुना और सौ गुना फल लाया। और वह उनसे कह रहा था, जिसके पास सुनने के लिए कान हैं, वह सुने। जब वह अकेला हुआ, तो उसके आस-पास के लोगों ने बारह के साथ उससे दृष्टांत के विषय में पूछा। और वह उनसे कह रहा था, तुम्हें परमेश्वर के राज्य के रहस्यों को जानना दिया गया है, लेकिन उन बाहर वालों को सब कुछ दृष्टांतों में होता है, ताकि देखते हुए भी वे न देखें, और सुनते हुए भी वे न समझें, कहीं ऐसा न हो कि वे लौट आएँ और उनके पाप क्षमा कर दिए जाएँ।

और वह उनसे कहता है, क्या तुम इस दृष्टान्त को नहीं जानते हो, और कैसे तुम सब दृष्टान्तों को जानोगे? वह बोने वाला शब्द बोता है। ये वे लोग हैं जो रास्ते के किनारे हैं, जहाँ वचन बोया जाता है, और जब वे सुनते हैं, तुरंत शैतान आता है और उनके हृदयों में बोए गए वचन को उठा लेता है। और ये भी उसी प्रकार हैं जो पथरीली भूमि पर बोए जाते हैं, जो जब वचन सुनते हैं, तो तुरंत आनंद के साथ उसे ग्रहण कर लेते हैं, और वे अपने में जड़ नहीं रखते हैं, लेकिन अस्थायी हैं, फिर

जब वचन के कारण क्लेश या सताव होता है, तो वे तुरंत ठोकर खाते हैं। और ये वे हैं जो काँटों में बोए जाते हैं, जो वचन सुनते हैं, और इस युग की चिंताएं और धन का धोखा और शेष चीजों के बारे में इच्छाएं प्रवेश करके वचन को दबा देती हैं, और वह निष्फल हो जाता है। और ये वे हैं जो अच्छी भूमि पर बोए गए, जो वचन को सुनते हैं और स्वीकार करते हैं, और तीस, साठ और सौ गुना फल लाते हैं।

और वह उनसे कह रहा था, क्या दीपक इसलिए आता है कि टोकरी के नीचे रखा जाए या पलंग के नीचे? क्या इसलिए नहीं कि दीवट पर रखा जाए? क्योंकि कोई भी चीज़ छिपी नहीं है जो प्रकट न की जाए, और न ही कुछ गुप्त हुआ है, बल्कि इसलिए कि वह स्पष्ट हो जाए। यदि किसी के पास सुनने के लिए कान हैं, तो वह सुने। और वह उनसे कह रहा था, देखो कि तुम क्या सुनते हो। जिस माप से तुम मापते हो, उसी से तुम्हारे लिए मापा जाएगा, और तुम्हें जो सुनते हो, और अधिक दिया जाएगा। जो रखता है, उसको दिया जाएगा, और जो नहीं रखता है, जो उसके पास है वह भी उससे ले लिया जाएगा। और वह कह रहा था, परमेश्वर का राज्य इस प्रकार है, जैसे कोई मनुष्य बीज को पृथ्वी पर डाले, और वह रात और दिन सोता है और जागता है, और वह बीज अंकुरित होता है और बढ़ता है, जैसे वह स्वयं नहीं जानता है। क्योंकि भूमि स्वतः ही फल देती है, पहले घास, फिर अनाज की बाली, फिर बाली में पूर्ण अनाज। लेकिन जब फल पक जाए, तो वह तुरंत हंसिया भेजता है, क्योंकि कटाई का समय आ गया है।

और वह कह रहा था, हम परमेश्वर के राज्य की उपमा कैसे दें? या हम इसकी तुलना किस दृष्टान्त में करें? जैसे राई का एक दाना, जो जब पृथ्वी पर बोया जाता है, पृथ्वी पर के सब बीजों में सबसे छोटा है, और जब यह बोया जाता है, तो यह ऊपर उठता है और सभी सब्जियों से बड़ा हो जाता है, और बड़ी शाखाएं बनाता है, ताकि आकाश के पक्षी उसकी छाया में बसेरा कर सकें।

और वह उनको वचन अनेक ऐसे दृष्टान्तों में बोल रहा था, जैसे वे सुनने में सक्षम थे। बिना दृष्टान्त के वह उनसे वचन नहीं बोलता था, परन्तु अपने चेलों को अलग में सब कुछ समझाता था।

और उस दिन शाम होने पर वह उनसे कहता है, आओ हम पार चलें। और भीड़ को छोड़कर, वे उसे नाव में ले गए जैसा वह था, और अन्य नावें भी उसके साथ थीं। और एक महान हवा का तूफान उठा, और लहरें नाव में पीट रही थीं, ताकि वह पहले से ही डूबने लगी। और वह स्वयं नाव के पिछले भाग में तकिये पर सो रहा था, और उन्होंने उसे जगाया और उससे कहा, गुरु, क्या आपको चिंता नहीं है कि हम नष्ट हो रहे हैं? और जागृत होकर उसने हवा को डांटा और समुद्र से कहा, चुप रह, शांत हो जा। और हवा थम गई, और बड़ी शांति छा गई। और उसने उनसे कहा, तुम इस प्रकार कायर क्यों हो? तुममें विश्वास कैसे नहीं है? और वे बहुत डर गए और एक दूसरे से कहने लगे, यह कौन है, कि हवा और समुद्र भी इसकी आज्ञा मानते हैं?

5

और वे समुद्र के पार गेरगेसेनों के देश में आए। और जब वह नाव से बाहर निकला, तो तुरंत कब्रों में से एक आदमी उससे मिला, जो अशुद्ध आत्मा में था। जो कब्रों में निवास करता था, और न ही जंजीरों से कोई उसे बांधने में सक्षम था, क्योंकि उसे अक्सर बेड़ियों और जंजीरों से बांधा जाता था, और उसके द्वारा जंजीरों को फाड़ दिया जाता था और बेड़ियों को चकनाचूर कर दिया जाता था, और कोई भी उसे वश में करने में सक्षम नहीं था। और रात और दिन हर समय कब्रों में और पहाड़ों में वह चिल्लाता था और पत्थरों से स्वयं को काटता था। परन्तु यीशु को दूर से देखकर वह दौड़ा और उन्हें प्रणाम किया और ऊँची आवाज़ से चिल्लाकर कहता है, हे यीशु, परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र, मुझे तुमसे क्या? मैं तुम्हें परमेश्वर की शपथ देता हूँ, मुझे यातना मत दो। वह उसे कह रहा था, हे अशुद्ध आत्मा, इस आदमी से निकल जा। और उसने उससे पूछा, तुम्हारा नाम क्या है? और उसने उत्तर देते हुए कहा, मेरा नाम सेना है, क्योंकि हम बहुत हैं। और वह उससे बहुत विनती करता था कि वह उन्हें देश के बाहर न भेजे। वहाँ सूअरों का एक बड़ा झुंड पहाड़ के पास चर रहा था। और सभी दुष्टात्माओं ने उससे विनती की और कहा, हमें सूअरों में भेज दो, ताकि हम उनमें प्रवेश कर सकें। और यीशु ने तुरंत उनको अनुमति दी। और अशुद्ध आत्माएं

निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गई, और झुंड चट्टान से समुद्र में दौड़ पड़ा, वे लगभग दो हजार थे, और वे समुद्र में डूब रहे थे। और सूअरों को चराने वाले भाग गए और शहर में तथा खेतों में जाकर सूचना दी, और लोग यह देखने के लिए बाहर निकले कि क्या हुआ है। और वे यीशु के पास आते हैं, और वे उस दुष्टात्मा-ग्रस्त को बैठे हुए, कपड़े पहने हुए और स्वस्थ मन वाले देखते हैं, जिसमें सेना थी, और वे डर गए। और जिन्होंने देखा था, उन्होंने उनको बताया कि भूत-ग्रस्त व्यक्ति के साथ कैसे हुआ और सूअरों के बारे में। और उन्होंने उससे आग्रह करना शुरू किया कि वह उनकी सीमाओं से चला जाए। और जब वह नाव में चढ़ रहा था, तो भूत-ग्रस्त आदमी ने उससे विनती की कि वह उसके साथ रहे। और उसने उसे नहीं जाने दिया, लेकिन उससे कहा, अपने घर अपनों के पास जा और उन्हें बता कि प्रभु ने तेरे लिए कितना किया है और तुझ पर दया की है। और वह चला गया और दिकापुलिस में घोषणा करने लगा कि यीशु ने उसके लिए कितना कुछ किया, और सब लोग चकित हुए।

और जब यीशु नाव में फिर पार गए, तो उनके पास एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई, और वह समुद्र के किनारे थे। और सभा शासकों में से एक आता है, जिसका नाम यार्डरुस था, और उसे देखकर उसके पैरों पर गिर पड़ता है। और उसने उससे बहुत विनती की, यह कहते हुए कि मेरी छोटी बेटी मृत्यु के कगार पर है, ताकि आप आकर उस पर अपने हाथ रखें, जिससे वह बच जाए और जीवित रहे। और वह उसके साथ गया, और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे चल रही थी, और वे उसे दबा रहे थे। और एक स्त्री जो बारह वर्षों से रक्तस्राव में थी और जो बहुत से चिकित्सकों द्वारा बहुत पीड़ित हुई थी और अपना सब कुछ खर्च कर चुकी थी, और कोई सहायता नहीं मिली थी, बल्कि और भी बुरी हालत में आ गई थी, यीशु के बारे में सुनकर, भीड़ में पीछे से आकर उसने उसके वस्त्र को छुआ, वह अपने मन में कह रही थी कि यदि मैं उसके वस्त्रों को भी छू लूं, तो मैं बच जाऊंगी। और तुरंत उसके रक्त का स्रोत सूख गया, और उसने शरीर में जान लिया कि वह पीड़ा से चंगी हो गई है। और तुरंत यीशु ने अपने में जानकर कि उसमें से शक्ति निकली है, भीड़ में मुड़कर कहा, किसने मेरे वस्त्रों को छुआ? और उसके शिष्य उससे कह रहे थे, आप भीड़ को देखते हैं जो आपको दबा रही है, और आप कहते हैं किसने मुझे छुआ? और वह उसे देखने के

लिए चारों ओर देख रहा था जिसने यह किया था। लेकिन वह स्त्री डरती हुई और कांपती हुई, यह जानते हुए कि उसके साथ क्या हुआ था, आई और उसके सामने गिर पड़ी और उसे सारा सच बता दिया। लेकिन उसने उससे कहा, बेटी, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। शांति से जाओ, और अपनी बीमारी से स्वस्थ रहो। अभी वह बोल ही रहा था कि सभा-अधिकारी के यहाँ से लोग आए और कहने लगे कि तुम्हारी बेटी मर गई है, अब शिक्षक को क्यों परेशान करते हो? लेकिन यीशु ने तुरंत वह शब्द सुना जो बोला जा रहा था और सभागृह के अधिकारी से कहा, डर मत, केवल विश्वास रख। और उसने किसी को भी अपने साथ चलने की अनुमति नहीं दी, सिवाय पतरस और याकूब और याकूब के भाई यूहन्ना के। और वह सभा के शासक के घर में आता है, और शोर देखता है, और बहुत रोते हुए और विलाप करते हुए लोगों को देखता है। और प्रवेश करके वह उनसे कहता है, तुम क्यों परेशान हो रहे हो और रो रहे हो? बच्चा मरा नहीं है, बल्कि सो रहा है। और वे उस पर हंसने लगे। लेकिन उसने सबको बाहर निकालकर, बच्चे के पिता और माता तथा अपने साथियों को साथ लिया, और वहाँ प्रवेश किया जहाँ बच्चा लेटा हुआ था। और बच्ची का हाथ पकड़कर उससे कहता है, तलीता, कूमी, जिसका अनुवाद है, हे लड़की, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ। और तुरंत वह लड़की उठी और चलने लगी, क्योंकि वह बारह वर्ष की थी। और वे बहुत चकित हुए। और उसने उन्हें बहुत आज्ञा दी कि कोई इसे न जाने, और कहा कि उसे खाने को दिया जाए।

6

और वह वहाँ से बाहर गया और अपनी पितृभूमि में आया, और उसके शिष्य उसका अनुसरण कर रहे थे। और जब सब्बाथ हो गया, उसने मण्डली में सिखाना शुरू किया, और बहुत से लोग सुनकर चकित हुए और कहने लगे, इसको ये बातें कहाँ से मिलीं? और यह ज्ञान जो उसको दिया गया है, वह क्या है? और ऐसी शक्तियाँ उसके हाथों के द्वारा कैसे होती हैं? क्या यह वह बढ़ई नहीं है, जो मरियम का पुत्र है, और याकूब, योसे, यहूदा और शमौन का भाई है? और क्या

उसकी बहनें यहाँ हमारे पास नहीं हैं? और वे उससे नाराज़ हो गए। यीशु ने उनसे कहा कि कोई भविष्यवक्ता अपनी पितृभूमि में, अपने रिश्तेदारों में और अपने घर में ही अनादरित होता है। और वह वहाँ कोई भी चमत्कार करने में सक्षम नहीं था, सिवाय कुछ बीमारों पर हाथ रखकर उन्हें चंगा करने के। और वह उनके अविश्वास के कारण आश्चर्यचकित हो रहा था। और वह चारों ओर के गाँवों में घूम-घूमकर उपदेश देता रहा।

और उसने बारह को बुलाया, और उन्हें दो-दो करके भेजना शुरू किया, और उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया, और उसने उनको आदेश दिया कि वे रास्ते में कुछ न ले जाएं, केवल छड़ी को छोड़कर - न थैला, न रोटी, न पेटी में कांसा। लेकिन चप्पलें पहने हुए हों, और दो अंगरखे न पहनें। और वह उनसे कह रहा था, जहाँ कहीं तुम किसी घर में प्रवेश करो, वहाँ तब तक रहो जब तक तुम वहाँ से निकलो। और जितने भी तुम्हें ग्रहण न करें और न तुम्हारी सुनें, वहाँ से निकलते हुए अपने पैरों के नीचे की धूल को उनके विरुद्ध गवाही के लिए झाड़ दो। सच कहता हूँ तुमसे, न्याय के दिन उस नगर की अपेक्षा सदोम या गमोरा के लिए अधिक सहनीय होगा। और बाहर जाकर उन्होंने घोषणा की ताकि लोग पश्चात्ताप करें। और वे बहुत से दुष्टात्माओं को निकाल रहे थे, और बहुत से बीमारों को तेल लगा रहे थे और उन्हें चंगा कर रहे थे।

और राजा हेरोदेस ने सुना, क्योंकि उसका नाम प्रसिद्ध हो गया था, और वह कहता था कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मृतकों में से जिलाया गया है, और इसलिए ये शक्तियाँ उसमें कार्य कर रही हैं। दूसरे कह रहे थे कि वह एलिय्याह है, लेकिन दूसरे कह रहे थे कि वह एक नबी है जैसे नबियों में से एक। लेकिन हेरोदेस ने सुनकर कहा कि जिस यूहन्ना का मैंने सिर काटा था, यह वही है, वह मरे हुआँ में से जी उठा है। क्योंकि स्वयं हेरोदेस ने भेजकर योहन को पकड़ा और उसको कारागार में बांधा, हेरोदियास के कारण जो उसके भाई फिलिप्पुस की पत्नी थी, क्योंकि उसने उससे विवाह किया था। क्योंकि यूहन्ना हेरोदेस से कहता था कि तुम्हें अपने भाई की पत्नी को रखना उचित नहीं है। लेकिन हेरोदियास उससे द्वेष रखती थी और उसे मार डालना चाहती थी, और सक्षम नहीं थी। क्योंकि हेरोदेस यूहन्ना से डरता था, यह जानते हुए कि वह एक धर्मी और पवित्र

पुरुष था, और वह उसकी रक्षा करता था, और उसकी बातें सुनकर बहुत कुछ करता था और प्रसन्नता से उसकी सुनता था। और एक अनुकूल दिन आया, जब हेरोदेस ने अपने जन्मदिन पर अपने प्रमुख लोगों और सहस्रपतियों और गलील के प्रथम लोगों के लिए भोज दिया। और जब हेरोदियास की बेटी ने प्रवेश करके नृत्य किया और हेरोदेस तथा उसके साथ भोजन करने वालों को प्रसन्न किया, तो राजा ने लड़की से कहा, मुझसे जो कुछ तू चाहती है मांग, और मैं तुझे दूंगा। और उसने उसे शपथ खाई कि जो कुछ भी तुम मुझसे मांगोगी, मैं तुम्हें दूंगा, यहाँ तक कि मेरे राज्य का आधा भी। वह बाहर जाकर अपनी माँ से बोली, मैं क्या मांगूँ? उसने कहा, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर। और उसने तुरंत उत्साह के साथ राजा के पास जाकर कहा, मैं चाहती हूँ कि आप मुझे अभी थाली पर यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का सिर दें। और राजा अत्यंत दुःखी हुआ, परंतु शपथों के कारण और भोजन में साथ बैठे लोगों के कारण उसने उसे अस्वीकार करना नहीं चाहा। और राजा ने तुरंत जल्लाद को भेजकर उसका सिर लाने का आदेश दिया। वह जाकर कारागार में उसका सिर काट दिया, और उसका सिर थाली पर लाया और उसे लड़की को दे दिया, और लड़की ने उसे अपनी माता को दे दिया। और उसके शिष्यों ने सुनकर आए और उसका शव उठाया, और उसे कब्र में रखा।

और प्रेरित यीशु के पास इकट्ठा हुए, और उन्होंने उसे सब कुछ बताया, और जो कुछ उन्होंने किया और जो कुछ उन्होंने सिखाया। और उसने उनसे कहा, तुम स्वयं अपने अनुसार एक निर्जन स्थान में आओ, और थोड़ा विश्राम करो, क्योंकि आने वाले और जाने वाले बहुत थे, और उन्हें खाने का भी समय नहीं था। और वे नाव में अकेले एक निर्जन स्थान को गए। और उन्होंने उन्हें जाते हुए देखा, और बहुतों ने उन्हें पहचान लिया, और सभी शहरों से पैदल वहाँ दौड़कर आए और उनसे आगे निकल गए और उसके पास इकट्ठे हो गए। और यीशु बाहर गए और उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी और उन पर दया की, क्योंकि वे उन भेड़ों के समान थे जिनका कोई चरवाहा नहीं है, और उन्होंने उन्हें बहुत सी बातें सिखाना शुरू किया। और जब बहुत समय बीत चुका था, उसके शिष्य उसके पास आकर कहते हैं कि यह स्थान निर्जन है और पहले से ही बहुत समय हो चुका है। उनको भेज दो, ताकि वे चारों ओर के खेतों और गाँवों में जाकर अपने लिए रोटियाँ खरीदें,

क्योंकि उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, तुम उन्हें खाने को दो। और वे उससे कहते हैं, क्या हम जाकर दो सौ दीनार की रोटियाँ खरीदें और उन्हें खाने को दें? लेकिन वह उनसे कहता है, तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं? जाओ और देखो। और जानकर वे कहते हैं, पाँच, और दो मछलियाँ। और उसने उन्हें आदेश दिया कि सबको हरी घास पर दावतों के समूहों में लिटा दें। और वे समूहों में लेट गए, सौ-सौ और पचास-पचास के समूहों में। और पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ लेकर, स्वर्ग की ओर देखकर उसने आशीर्वाद दिया, और रोटियाँ तोड़कर चेलों को देता रहा ताकि वे उन्हें लोगों के सामने रखें, और दो मछलियाँ सबको बाँट दीं। और सबने खाया और संतुष्ट हुए। और उन्होंने टुकड़ों की बारह भरी हुई टोकरियाँ उठाई, और मछलियों से भी। और वे पुरुष जिन्होंने रोटियाँ खाई थीं, पाँच हज़ार थे।

और उसने तुरंत अपने शिष्यों को नाव में चढ़ने और बेथसैदा की ओर पार जाने के लिए मजबूर किया, जब तक वह भीड़ को विदा करे। और उन्हें विदा लेकर वह पहाड़ पर प्रार्थना करने चला गया। और शाम हो गई थी, नाव समुद्र के बीच में थी, और वह अकेला धरती पर था। और उन्हें नाव चलाने में पीड़ित होते देखकर, क्योंकि हवा उनके विपरीत थी, और रात के लगभग चौथे पहर में वह समुद्र पर चलते हुए उनके पास आता है, और वह उनके पास से गुजर जाना चाहता था। परंतु उन्होंने उसे समुद्र पर चलते हुए देखकर सोचा कि वह प्रेत है, और चिल्लाए क्योंकि सबने उसे देखा और घबरा गए। और तुरंत उसने उनसे बात की और उनसे कहा, साहस रखो, मैं हूँ, मत डरो। और वह नाव में उनके पास चढ़ गया, और हवा रुक गई, और वे अपने आप में बहुत अधिक चकित हुए और आश्चर्यचकित हुए। क्योंकि वे रोटियों के बारे में नहीं समझे, बल्कि उनका हृदय कठोर हो गया था।

और पार करके वे गन्नेसरत की भूमि पर चले गए और उन्होंने लंगर डाला। और जब वे नाव से बाहर निकले, तुरंत उन्होंने उसे पहचान लिया उन्होंने उस पूरे आसपास के क्षेत्र में चारों ओर दौड़ लगाई और खाटों पर बीमारों को लेकर घूमने लगे, जहाँ उन्होंने सुना कि वह वहाँ है। और जहाँ कहीं भी वह गाँवों या नगरों या खेतों में प्रवेश करता था, बाजारों में वे बीमारों को रखते थे और

उससे विनती करते थे कि वे उसके वस्त्र के किनारे को भी छू सकें, और जितने भी उसे छूते थे, वे बचाए जाते थे।

7

और फरीसी और शास्त्रियों में से कुछ लोग जो यरूशलेम से आए थे, उसके पास इकट्ठा हुए। और उसके कुछ शिष्यों को सामान्य हाथों से, अर्थात् बिना धोए हाथों से, रोटियाँ खाते देखकर उन्होंने दोष लगाया। क्योंकि फरीसी और सभी यहूदी, यदि मुट्ठी से हाथ न धोएं, तो नहीं खाते, बुजुर्गों की परंपरा को पकड़े हुए। और बाज़ार से आने पर, यदि वे नहीं धोते हैं, तो वे नहीं खाते हैं, और बहुत सी अन्य बातें हैं जो उन्होंने पालन करने के लिए प्राप्त की हैं, प्यालों, घड़ों, कांसे के बर्तनों और पलंगों की धुलाई। तब फरीसी और शास्त्री उससे पूछते हैं, क्यों तुम्हारे शिष्य बुजुर्गों की परंपरा के अनुसार नहीं चलते, लेकिन बिना धोए हाथों से रोटी खाते हैं? और उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा कि यशायाह ने तुम पाखंडियों के बारे में अच्छी तरह से भविष्यवाणी की थी, जैसा लिखा है, ये लोग होंठों से मेरा सम्मान करते हैं, लेकिन उनका हृदय मुझसे दूर है। लेकिन वे व्यर्थ में मेरी पूजा करते हैं, मनुष्यों के आदेशों को शिक्षाओं के रूप में सिखाते हुए।

क्योंकि परमेश्वर की आज्ञा को छोड़कर तुम मनुष्यों की परंपरा को पकड़े रहते हो—घड़ों और प्यालों को धोना, और ऐसी ही बहुत सी बातें करते हो। और वह उनसे कह रहा था, तुम परमेश्वर की आज्ञा को अच्छी तरह से रद्द कर देते हो ताकि तुम अपनी परंपरा को बनाए रख सको। मूसा ने कहा था, अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करो, और जो कोई पिता या माता को बुरा कहे, वह मृत्यु से मार डाला जाए। तुम लेकिन कहते हो, अगर कोई आदमी अपने पिता या माता से कहे, कोरबान, जो उपहार है, जो कुछ भी मुझसे तुम्हें लाभ मिलता, और आप उसे अब अपने पिता या अपनी माता के लिए कुछ भी करने नहीं देते, तुम परमेश्वर के वचन को अपनी परंपरा द्वारा निरस्त करते हो जो तुमने सौंपी है, और ऐसी ही बहुत सी बातें करते हो। और उसने सारी

भीड़ को बुलाकर उनसे कहा, तुम सब मेरी सुनो और समझो। मनुष्य के बाहर से कुछ भी नहीं है जो उसमें प्रवेश करके उसे अशुद्ध कर सके, लेकिन जो निकलता है वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। और जब वह भीड़ से घर में दाखिल हुआ, तो उसके शिष्यों ने उससे दृष्टान्त के विषय में पूछा। और वह उनसे कहता है, क्या इस प्रकार तुम भी मूर्ख हो? क्या तुम अभी तक नहीं समझते कि जो कुछ बाहर से मनुष्य में प्रवेश करता है, वह उसे अशुद्ध नहीं कर सकता? क्योंकि वह उसके हृदय में प्रवेश नहीं करता है, बल्कि पेट में जाता है, और शौचालय में बाहर निकल जाता है, सब भोजन को शुद्ध करते हुए। वह कहता था कि जो आदमी से बाहर निकलता है, वही आदमी को अशुद्ध करता है। क्योंकि अंदर से, मनुष्यों के हृदय से बुरे विचार निकलते हैं—व्यभिचार, वेश्यागमन, हत्याएं, चोरियाँ, लालच, दुष्टताएँ, छल, कामुकता, दुष्ट आँख, निन्दा, अहंकार, मूर्खता। यह सब बुरा अंदर से निकलता है और मनुष्य को अशुद्ध करता है।

और वहाँ से उठकर वह सोर और सीदोन की सीमाओं में गया। और एक घर में प्रवेश करके वह नहीं चाहता था कि कोई जाने, और वह छिप नहीं सका। क्योंकि एक स्त्री ने उसके बारे में सुना, जिसकी छोटी बेटी में अशुद्ध आत्मा थी, और वह आकर उसके पैरों में गिर पड़ी। वह स्त्री यूनानी थी, जाति से सीरियाई-फीनीकी, और वह उससे विनती कर रही थी कि वह उसकी बेटी में से दुष्टात्मा को निकाल दे। और यीशु ने उससे कहा, पहले बच्चों को संतुष्ट होने दो, क्योंकि बच्चों की रोटी लेकर छोटे कुत्तों को फेंकना अच्छा नहीं है। परन्तु उसने उत्तर दिया और उससे कहती है, हाँ, प्रभु, और कुत्ते भी मेज के नीचे बच्चों के टुकड़ों में से खाते हैं। और उसने उससे कहा, इस बात के कारण जाओ, दुष्टात्मा तुम्हारी बेटी से निकल गई है। और जब वह अपने घर गई, तो उसने बच्चे को बिस्तर पर पड़ा हुआ पाया और दुष्टात्मा निकल चुकी थी।

और फिर सूर और सैदा की सीमाओं से बाहर निकलकर, वह दिकापुलिस की सीमाओं के बीच से होते हुए गलील के समुद्र की ओर आया। और वे उसके पास एक बहरे और बोलने में अक्षम व्यक्ति को लाते हैं और उससे विनती करते हैं कि वह उसपर हाथ रखे। और उसे भीड़ से अलग ले जाकर, उसने अपनी उंगलियाँ उसके कानों में डालीं, और थूककर उसकी जीभ को छुआ, और

स्वर्ग की ओर देखकर उसने आह भरी और उससे कहा, एप्फथा, जो है खुल जा। और तुरंत उसके कान खोले गए और उसकी जीभ का बंधन खोला गया, और वह सही ढंग से बोलने लगा। और उसने उन्हें आज्ञा दी कि वे किसी को न बताएं, लेकिन जितना अधिक वह उन्हें आज्ञा देता था, उतना ही अधिक वे प्रचार करते थे। और वे अत्यधिक चकित हुए और कहने लगे, उसने सब कुछ अच्छी तरह से किया है; वह बहरों को सुनने की शक्ति देता है और गुंनों को बोलने की शक्ति देता है।

8

उन दिनों में फिर बहुत भीड़ होने पर और उनके पास खाने के लिए कुछ न होने पर, यीशु ने अपने शिष्यों को बुलाकर उनसे कहा, मुझे भीड़ पर दया आती है, क्योंकि वे पहले से ही तीन दिन मेरे साथ रह रहे हैं और उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं है। और यदि मैं उन्हें भूखा उनके घर भेज दूं, तो वे रास्ते में कमजोर हो जाएंगे, क्योंकि उनमें से कुछ दूर से आए हैं। और उसके शिष्यों ने उसको उत्तर दिया, कहाँ से कोई यहाँ इनको रोटियों से संतुष्ट कर सकेगा इस निर्जन स्थान में? और उसने उनसे पूछा, तुम्हारे पास कितनी रोटियाँ हैं? उन्होंने कहा, सात। और उसने भीड़ को पृथ्वी पर लेटने की आज्ञा दी, और सात रोटियाँ लेकर धन्यवाद देकर तोड़ीं और अपने शिष्यों को देता रहा ताकि वे परोसें, और उन्होंने भीड़ के सामने परोसा। और उनके पास थोड़ी सी छोटी मछलियाँ थीं, और उन्हें भी आशीर्वाद देकर उसने कहा कि उन्हें भी परोस दो। और उन्होंने खाया और संतुष्ट हुए, और उन्होंने टुकड़ों के शेष भाग सात टोकरियाँ उठाईं। वे लगभग चार हजार थे, और उसने उन्हें विदा किया। और तुरंत नाव में अपने शिष्यों के साथ चढ़कर, वह दलमनूता के क्षेत्रों में आया।

और फरीसी बाहर गए और उससे बहस करने लगे, स्वर्ग से एक निशान मांगते हुए, उसकी परीक्षा करते हुए। और अपनी आत्मा में गहरी आह भरकर वह कहता है, यह पीढ़ी क्यों निशानी

खोजती है? सच्चाई से मैं तुमसे कहता हूँ, इस पीढ़ी को निशानी नहीं दी जाएगी। और उनको छोड़कर, वह नाव में फिर चला गया।

और वे रोटियाँ लेना भूल गए थे, और उनके पास नाव में अपने साथ एक रोटी के सिवा कुछ नहीं था। और वह उन्हें आज्ञा दे रहा था कहते हुए, देखो, फरीसियों के खमीर से और हेरोदेस के खमीर से सावधान रहो। और वे एक दूसरे से विचार-विमर्श कर रहे थे, यह कहते हुए कि हमारे पास रोटियाँ नहीं हैं। और यह जानकर यीशु उनसे कहते हैं, तुम क्यों विचार कर रहे हो कि तुम्हारे पास रोटियाँ नहीं हैं? क्या तुम अभी तक नहीं समझते और न ही समझते हो? क्या तुम्हारा हृदय अभी भी कठोर है? आँखें होते हुए भी नहीं देखते, और कान होते हुए भी नहीं सुनते? और याद नहीं रखते?

जब मैंने पाँच रोटियाँ पाँच हजार लोगों के लिए तोड़ीं, तो तुमने टुकड़ों से भरी कितनी टोकरियाँ उठाई? वे उससे कहते हैं, बारह। जब सात रोटियों को चार हजार लोगों में बाँटा, तो टुकड़ों से भरी कितनी टोकरियाँ आपने उठाई? उन्होंने कहा, सात। और वह उनसे कह रहा था, क्या अभी नहीं समझते?

और वह बैतसैदा में आता है। और वे उसके पास एक अंधे को लाते हैं और उससे विनती करते हैं कि वह उसे छुए। और अंधे का हाथ पकड़कर उसे गाँव के बाहर ले गया, और उसकी आँखों में थूककर, उस पर हाथ रखकर उससे पूछा कि क्या वह कुछ देखता है। और ऊपर देखकर उसने कहा, मैं लोगों को पेड़ों की तरह चलते हुए देखता हूँ। फिर उसने फिर से अपने हाथ उसकी आँखों पर रखे और उसे ऊपर देखने को कहा, और वह बहाल हुआ, और उसने सब कुछ स्पष्ट रूप से देखा। और उसने उसे उसके घर भेजा और कहा, न तो गाँव में प्रवेश करना और न ही गाँव में किसी को कुछ कहना।

और यीशु और उसके शिष्य फिलिप्पुस के कैसरिया के गाँवों में गए, और रास्ते में वह अपने

शिष्यों से पूछ रहे थे, लोग मुझे क्या कहते हैं? उन्होंने उत्तर दिया, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, और अन्य ने एलिय्याह, और अन्य ने भविष्यवक्ताओं में से एक। और वह उनसे कहता है, लेकिन तुम मुझे क्या कहते हो? उत्तर देते हुए पतरस उससे कहता है, तू मसीह है। और उसने उन्हें डांटा ताकि वे किसी को उसके बारे में न कहें।

और उसने उन्हें सिखाना आरंभ किया कि मनुष्य के पुत्र का बहुत कष्ट सहना, बुजुर्गों और प्रधान याजकों और शास्त्रियों द्वारा अस्वीकार किया जाना, मार डाला जाना, और तीन दिन के बाद जी उठना आवश्यक है। और वह खुलकर वचन बोल रहा था। और पतरस उसे अलग ले जाकर उसे फटकारने लगा। लेकिन वह मुड़ा और अपने शिष्यों को देखकर उसने पतरस को डांटा और कहा, हे शैतान, मेरे पीछे हट जा, क्योंकि तू परमेश्वर की बातें नहीं, बल्कि मनुष्यों की बातें सोचता है।

और उसने अपने चेलों के साथ भीड़ को बुलाकर उनसे कहा, जो कोई मेरे पीछे चलना चाहता है, वह अपने आप का इनकार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरा अनुसरण करे। क्योंकि जो अपनी आत्मा को बचाना चाहेगा, वह उसे खो देगा, लेकिन जो अपनी आत्मा को मेरे और शुभ समाचार के कारण खो देगा, वह उसे बचाएगा। क्या लाभ होगा मनुष्य को यदि वह संपूर्ण संसार को प्राप्त कर ले, और अपनी आत्मा को खो दे? या मनुष्य अपनी आत्मा के बदले क्या देगा? क्योंकि जो कोई मुझसे और मेरे शब्दों से इस व्यभिचारिणी और पापी पीढ़ी में शर्मिदा होगा, मनुष्य का पुत्र भी उससे शर्मिदा होगा जब वह अपने पिता की महिमा में पवित्र दूतों के साथ आएगा।

9

और वह उनसे कह रहा था, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि यहाँ खड़े लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो मृत्यु को तब तक नहीं चखेंगे जब तक वे परमेश्वर के राज्य को सामर्थ्य में आया हुआ न देख लें।

और छह दिनों के बाद यीशु पतरस और याकूब और यूहन्ना को साथ लेता है और उनको एक ऊँचे पहाड़ पर अकेले ले जाता है, और वह उनके सामने रूपांतरित हुआ, और उसके वस्त्र चमकते हुए, बहुत सफेद हो गए, बर्फ के समान, जैसा कि पृथ्वी पर कोई धोबी इस प्रकार सफेद नहीं कर सकता। और एलिय्याह मूसा के साथ उनको दिखाई दिया, और वे यीशु से बातचीत कर रहे थे। और पतरस ने उत्तर देते हुए यीशु से कहा, रब्बी, हमारा यहाँ होना अच्छा है, और हम तीन तम्बू बनाएं - एक आपके लिए, एक मूसा के लिए और एक एलिय्याह के लिए। नहीं, क्योंकि वह नहीं जानता था कि क्या बोले, क्योंकि वे भयभीत थे। और एक बादल उन पर छाया करने लगा, और बादल में से एक आवाज़ आई जो कह रही थी, यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो। और अचानक चारों ओर देखने पर उन्होंने अब किसी को नहीं देखा, बल्कि केवल यीशु को अपने साथ देखा। जब वे पहाड़ से उतर रहे थे, तो उसने उन्हें आज्ञा दी कि जो कुछ उन्होंने देखा है वह किसी को न बताएं, जब तक कि मनुष्य का पुत्र मृतकों में से जी न उठे। और उन्होंने इस बात को अपने तक रखा, आपस में विचार-विमर्श करते हुए कि मृतकों में से जी उठना क्या है। और वे उससे पूछ रहे थे कहते हुए, कि शास्त्री कहते हैं कि एलिय्याह का पहले आना आवश्यक है। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, एलिय्याह वास्तव में पहले आकर सब कुछ पुनर्स्थापित करता है, और मनुष्य के पुत्र के विषय में कैसे लिखा गया है कि वह बहुत कष्ट सहे और तुच्छ समझा जाए? लेकिन मैं तुम से कहता हूँ कि एलिय्याह भी आ चुका है, और उन्होंने उसके साथ जो चाहा वह किया, जैसा उसके विषय में लिखा गया है।

और जब वह शिष्यों के पास आया, तो उसने उनके चारों ओर एक बड़ी भीड़ देखी, और शास्त्रियों को उनके साथ विवाद करते हुए देखा। और तुरंत सारी भीड़ उसे देखकर चकित हो गई, और दौड़कर उसका अभिवादन किया। और उसने शास्त्रियों से पूछा, तुम आपस में क्या बहस कर रहे हो? और भीड़ में से एक ने उत्तर देते हुए कहा, गुरु, मैं अपने पुत्र को आपके पास लाया हूँ, जो एक गूंगी आत्मा रखता है। और जहाँ कभी यह उसे पकड़ता है, वह उसे पटक देता है, और वह झाग उगलता है और अपने दाँत पीसता है, और सूख जाता है। और मैंने तुम्हारे शिष्यों से कहा कि वे इसे निकाल दें, परन्तु वे नहीं निकाल सके। लेकिन उत्तर देते हुए वह उससे कहता है, हे

अविश्वासी पीढ़ी, मैं कब तक तुम्हारे पास रहूंगा? कब तक तुम्हें सहूंगा? उसे मेरे पास लाओ। और वे उसे उसके पास लाए। और उसे देखकर तुरंत आत्मा ने उसे ऐंठा, और वह पृथ्वी पर गिरकर झाग बनाते हुए लोटने लगा। और उसने उसके पिता से पूछा, कितना समय हुआ है जब से यह उसके साथ हुआ है? और उसने कहा, बचपन से। और अक्सर उसने उसे आग में डाला और पानी में, ताकि उसे नष्ट कर दे, लेकिन यदि आप कुछ कर सकते हैं, तो हम पर दया करके हमारी सहायता करें। और यीशु ने उससे कहा, यदि तू विश्वास कर सकता है, तो विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ संभव है। और तुरंत बच्चे का पिता आँसुओं के साथ चिल्लाकर बोला, मैं विश्वास करता हूँ, प्रभु, मेरे अविश्वास में मेरी सहायता कीजिए। यीशु ने देखा कि भीड़ इकट्ठी हो रही है, तो उन्होंने अशुद्ध आत्मा को डांटते हुए कहा, हे गूंगी और बहरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल जा और फिर कभी उसमें प्रवेश मत करना। और चिल्लाकर और उसे बहुत ऐंठकर बाहर निकल गया, और वह मृत जैसा हो गया, इसलिए बहुत से लोग कहने लगे कि वह मर गया। लेकिन यीशु ने उसका हाथ पकड़कर उसे उठाया, और वह उठ खड़ा हुआ। और जब वह घर में प्रवेश कर चुके, तो उनके शिष्यों ने उनसे अकेले में पूछा, हम इसे क्यों नहीं निकाल सके? और उन्होंने उनसे कहा, यह जाति किसी भी तरह से नहीं निकल सकती, यदि प्रार्थना और उपवास के द्वारा नहीं।

और वहाँ से निकलकर वे गलील के माध्यम से गुजर रहे थे, और वह नहीं चाहता था कि कोई जान सके, वह अपने शिष्यों को सिखा रहा था और उनसे कह रहा था कि मनुष्य का पुत्र मनुष्यों के हाथों में सौंपा जाता है, और वे उसे मार डालेंगे, और मारे जाने के बाद तीसरे दिन वह जी उठेगा। वे लेकिन उस शब्द को नहीं समझते थे, और उससे पूछने से डरते थे।

और वह कपरनहूम में आया, और घर में होकर उसने उनसे पूछा, रास्ते में तुम आपस में क्या चर्चा कर रहे थे? वे चुप रहे, क्योंकि उन्होंने रास्ते में आपस में चर्चा की थी कि कौन बड़ा है। और बैठकर उसने उन बारह को बुलाया और उनसे कहता है, यदि कोई पहला होना चाहता है, तो वह सबका अंतिम और सबका सेवक होगा। और एक बच्चे को लेकर उसने उसे उनके बीच में खड़ा

किया, और उसे गले लगाकर उनसे कहा, जो कोई ऐसे बच्चों में से एक को मेरे नाम पर ग्रहण करता है, वह मुझे ग्रहण करता है, और जो कोई मुझे ग्रहण करता है, वह मुझे नहीं बल्कि उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा है। यूहन्ना ने उसको उत्तर देते हुए कहा, गुरु, हमने किसी को तेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालते हुए देखा, जो हमारा अनुसरण नहीं करता, और हमने उसको रोका, क्योंकि वह हमारा अनुसरण नहीं करता। लेकिन यीशु ने कहा, उसे मत रोको, क्योंकि कोई नहीं है जो मेरे नाम पर सामर्थ्य का काम करेगा और शीघ्र ही मेरी निंदा कर सकेगा। जो तुम्हारे विरुद्ध नहीं है, वह तुम्हारे पक्ष में है। जो कोई तुम्हें मेरे नाम में पानी का प्याला पिलाएगा, क्योंकि तुम मसीह के हो, मैं सचमुच तुमसे कहता हूँ, वह अपना प्रतिफल कदापि नहीं खोएगा।

और जो कोई इन छोटों में से एक को, जो मुझ पर विश्वास करते हैं, भटकाए, उसके लिए यह अधिक अच्छा है कि उसके गले में चक्की का पत्थर लटकाया जाए और वह समुद्र में फेंक दिया जाए। और यदि तुम्हारा हाथ तुम्हें ठोकर खिलाए, तो इसे काट डालो। तुम्हारे लिए अच्छा है कि अपंग होकर जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दोनों हाथ रखते हुए गेहन्ना में जाओ, उस आग में जो कभी नहीं बुझती। जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता है और आग नहीं बुझाई जाती है। और यदि तुम्हारा पैर तुम्हें ठोकर खिलाए, तो उसे काट दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि लंगड़े होकर जीवन में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो पैर रखते हुए गेहन्ना में, अबुझ आग में फेंके जाओ। जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता है और आग नहीं बुझती है। और यदि तुम्हारी आँख तुम्हें ठोकर खिलाए, तो उसे निकाल दो। तुम्हारे लिए यह अच्छा है कि एक आँख से परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करो, बजाय इसके कि दो आँखें रखते हुए आग के नरक में जाओ। जहाँ उनका कीड़ा नहीं मरता है और आग नहीं बुझाई जाती है। क्योंकि सब आग से नमकीन किए जाएंगे, और हर बलिदान नमक से नमकीन किया जाएगा। नमक अच्छा है, लेकिन अगर नमक बेस्वाद हो जाए, तो तुम इसे किस चीज़ से नमकीन करोगे? अपने भीतर नमक रखो और एक दूसरे के साथ शांति से रहो।

और वहाँ से उठकर वह यर्दन के पार होते हुए यहूदिया की सीमाओं में आया, और फिर भीड़ें उसके पास इकट्ठी हुई, और जैसा उसकी आदत थी, वह फिर उन्हें सिखाने लगा। और फरीसी पास आकर उससे पूछ रहे थे कि क्या किसी पुरुष को अपनी पत्नी को तलाक देने की अनुमति है, उसकी परीक्षा लेते हुए। लेकिन उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, मूसा ने तुम्हें क्या आज्ञा दी? लेकिन उन्होंने कहा, मूसा ने तलाक की पुस्तक लिखने और छोड़ने की अनुमति दी। और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, तुम्हारी कठोरहृदयता के कारण उसने तुम्हारे लिए यह आज्ञा लिखी। परन्तु सृष्टि के आरंभ से परमेश्वर ने उन्हें नर और मादा बनाया। इस कारण मनुष्य अपने पिता और अपनी माता को छोड़ेगा, और अपनी पत्नी से जुड़ेगा, और वे दोनों एक देह होंगे। इस प्रकार वे अब दो नहीं, परन्तु एक मांस हैं। जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे। और घर में फिर शिष्यों ने इस के बारे में उससे पूछा। और वह उनसे कहता है, जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है और दूसरी से शादी करता है, वह उसके विरुद्ध व्यभिचार करता है। और अगर कोई स्त्री अपने पति को तलाक देकर किसी दूसरे से शादी करे, तो वह व्यभिचार करती है।

और वे उसके पास बच्चों को ला रहे थे, ताकि वह उन्हें छुए, लेकिन चेलों ने लाने वालों को डांटा। यीशु ने यह देखकर नाराज़गी जताई और उनसे कहा, बच्चों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मत रोको, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों का है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जो कोई परमेश्वर के राज्य को बालक के समान ग्रहण नहीं करता, वह उसमें कदापि प्रवेश नहीं करेगा। और उन्हें गले लगाकर, उन पर हाथ रखते हुए उसने आशीर्वाद दिया।

और जब वह रास्ते में जा रहा था, एक व्यक्ति दौड़कर आया और उसके सामने घुटने टेककर उससे पूछा, हे अच्छे गुरु, मैं क्या करूँ ताकि अनन्त जीवन पा सकूँ? और यीशु ने उससे कहा, तू मुझे भला क्यों कहता है? कोई भला नहीं, केवल एक परमेश्वर। तू आदेशों को जानता है:

व्यभिचार मत करना, हत्या मत करना, चोरी मत करना, झूठी गवाही मत देना, धोखा मत देना, अपने पिता और माता का सम्मान करो। परन्तु उसने उत्तर देते हुए उससे कहा, गुरु, इन सब बातों को मैंने अपनी युवावस्था से पालन किया है। यीशु ने उसकी ओर देखा, उससे प्रेम किया और उससे कहा, तुममें एक कमी है। यदि तुम परिपूर्ण होना चाहते हो, तो जाओ, जो कुछ तुम्हारे पास है उसे बेचो और गरीबों को दो, और तुम्हें स्वर्ग में खजाना मिलेगा, और यहाँ आओ, अपना क़ूस उठाकर मेरा अनुसरण करो। लेकिन वह उस वचन पर उदास हो गया और शोक करता हुआ चला गया, क्योंकि उसके पास बहुत संपत्ति थी।

और चारों ओर देखकर यीशु अपने शिष्यों से कहते हैं, कैसे कठिनाई से वे जो धन रखते हैं, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करेंगे। लेकिन शिष्य उसके शब्दों पर चकित थे। यीशु फिर उत्तर देते हुए उनसे कहते हैं, हे बच्चों, जो धन पर भरोसा करते हैं, उनके लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है! ऊंट का सुई के छेद से निकल जाना आसान है, बजाय इसके कि कोई अमीर व्यक्ति परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे। लेकिन वे अत्यधिक चकित थे और आपस में कहने लगे, फिर कौन बचाया जा सकता है? उन्हें देखकर यीशु कहते हैं, मनुष्यों के लिए यह असंभव है, लेकिन परमेश्वर के लिए नहीं, क्योंकि परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है। पीटर ने उससे कहना शुरू किया, देखो, हमने सब कुछ छोड़ दिया है और तुम्हारा अनुसरण किया है। उत्तर देते हुए यीशु ने कहा, सच मैं तुम से कहता हूँ, कोई नहीं है जिसने घर या भाई या बहन या पिता या माता या पत्नी या बच्चे या खेत मेरे कारण और सुसमाचार के कारण छोड़ा हो, यदि वह अब इस समय उत्पीड़न के साथ घर, भाई, बहन, पिता, माता, बच्चे और खेत सौ गुना न पाए, और आने वाले युग में अनन्त जीवन न पाए। लेकिन बहुत से जो पहले हैं वे अंतिम होंगे, और जो अंतिम हैं वे पहले होंगे।

वे रास्ते में यरूशलेम की ओर जा रहे थे, और यीशु उनके आगे जा रहे थे, और वे चकित थे, और अनुसरण करते हुए डर रहे थे। और फिर बारह को लेकर, उन्होंने उनसे वे घटनाएं कहनी शुरू कीं जो उनके साथ घटित होने वाली थीं, कि देखो, हम यरूशलेम जा रहे हैं और मनुष्य का पुत्र प्रधान

याजकों और शास्त्रियों को सौंपा जाएगा, और वे उसे मृत्यु की सज़ा देंगे और उसे अन्यजातियों को सौंपेंगे, और वे उसका उपहास करेंगे, उसे कोड़े मारेंगे, उस पर थूकेंगे और उसे मार डालेंगे, और तीसरे दिन वह जी उठेगा।

और याकूब और यूहन्ना, जो जब्दी के पुत्र थे, उसके पास आए और कहा, गुरु, हम चाहते हैं कि जो कुछ हम मांगें, आप हमारे लिए करें। लेकिन उसने उनसे कहा, तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ? परन्तु उन्होंने उससे कहा, हमें यह दे कि एक तेरे दाहिने और एक तेरे बाएं बैठे, तेरी महिमा में। यीशु ने उनसे कहा, तुम नहीं जानते कि तुम क्या मांग रहे हो। क्या तुम वह प्याला पी सकते हो जो मैं पीता हूँ, और वह बपतिस्मा ले सकते हो जो मैं लेता हूँ? उन्होंने उससे कहा, हम सक्षम हैं। लेकिन यीशु ने उनसे कहा, जो प्याला मैं पीता हूँ वह तुम पीओगे, और जो बपतिस्मा मैं लेता हूँ वह तुम लोगे, परन्तु मेरे दाहिने और बाएं बैठना मेरा देना नहीं है, बल्कि उनके लिए है जिनके लिए यह तैयार किया गया है।

और जब दसों ने सुना, तो वे याकूब और यूहन्ना के विषय में क्रोधित होने लगे। लेकिन यीशु ने उन्हें बुलाकर उनसे कहा, तुम जानते हो कि जो राष्ट्रों पर शासन करते प्रतीत होते हैं वे उन पर प्रभुत्व जताते हैं और उनके महान लोग उन पर अधिकार चलाते हैं, परन्तु तुम में ऐसा नहीं होगा, बल्कि जो कोई तुम में महान बनना चाहे, वह तुम्हारा सेवक होगा। और जो तुममें से पहला बनना चाहता है, वह सबका दास होगा, और मनुष्य का पुत्र सेवा पाने नहीं आया, बल्कि सेवा करने आया, और अपनी आत्मा को बहुतों के स्थान पर छोड़ती देने आया।

और वे यरीहो में आते हैं। और जब वह अपने शिष्यों और एक बड़ी भीड़ के साथ यरीहो से निकल रहा था, तो तिमाई का पुत्र बरतिमाई, जो अंधा था, रास्ते के किनारे भीख माँगते हुए बैठा था। और यह सुनकर कि यीशु नाज़री वहाँ है, वह चिल्लाने लगा और कहने लगा, हे दाऊद के पुत्र यीशु, मुझ पर दया करो। और बहुत-से लोग उसे डांट रहे थे ताकि वह चुप हो जाए, लेकिन वह और भी अधिक चिल्लाया, दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया करो। और यीशु खड़े होकर बोले, उसे

बुलाओ। और वे उस अंधे को बुलाते हुए उससे कहते हैं, साहस रखो, उठो, वह तुम्हें बुला रहा है। लेकिन उसने अपना वस्त्र फेंककर, उठकर यीशु के पास आया। और उत्तर देते हुए यीशु ने उससे कहा, तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिए करूँ? और उस अंधे ने उससे कहा, रबूनी, कि मैं फिर से देख सकूँ। और यीशु ने उससे कहा, जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। और तुरंत उसने दृष्टि प्राप्त की, और वह मार्ग में यीशु के पीछे चल रहा था।

11

और जब वे यरूशलेम के पास बेतफगे और बेतनिय्याह में जैतून के पहाड़ की ओर आते हैं, तो वह अपने दो चेलों को भेजता है। और वह उनसे कहता है, तुम अपने सामने वाले गाँव में जाओ, और तुरंत उसमें प्रवेश करते ही तुम्हें एक गधे का बच्चा बंधा हुआ मिलेगा, जिस पर कभी कोई मनुष्य नहीं बैठा है; उसे खोलकर लाओ। और अगर कोई तुमसे कहे, तुम यह क्या कर रहे हो? तो कहना कि प्रभु को इसकी जरूरत है, और वह तुरंत इसे फिर यहाँ भेज देंगे। वे चले गए और उन्होंने गधे के बच्चे को बाहर गली में दरवाजे के पास बंधा हुआ पाया, और उन्होंने उसे खोल दिया। और वहाँ खड़े कुछ लोग उनसे कह रहे थे, गधे के बच्चे को खोलकर तुम क्या कर रहे हो? लेकिन उन्होंने उनसे वैसा ही कहा जैसा यीशु ने आज्ञा दी थी, और उन्होंने उनको जाने दिया। और वे गधे के बच्चे को यीशु के पास लाए और उन्होंने अपने वस्त्र उस पर डाले, और वह उस पर बैठ गया। बहुत लोगों ने अपने वस्त्र रास्ते में बिछाए, और दूसरों ने पेड़ों से पत्तेदार शाखाएँ काटकर रास्ते में बिछाई। और जो आगे जा रहे थे और जो पीछे आ रहे थे, वे चिल्ला रहे थे और कह रहे थे, होसन्ना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आ रहा है। धन्य है हमारे पिता दाऊद का आने वाला राज्य प्रभु के नाम में, होशाना सर्वोच्च में।

और यीशु यरूशलेम में प्रवेश किया और मंदिर में गया, और सब कुछ चारों ओर देखा। शाम का समय पहले से ही हो चुका था, इसलिए वह बारह के साथ बैतनिय्याह को निकल गया।

और अगले दिन जब वे बैतनिय्याह से निकले, तो वह भूखा था। और दूर से एक अंजीर का पेड़ देखकर जिसमें पत्ते थे, वह आया कि शायद उसमें कुछ पाएगा, और उसके पास आकर उसने कुछ नहीं पाया सिवाय पत्तों के, क्योंकि अंजीरों का समय नहीं था। और उत्तर देते हुए उसने इससे कहा, अब से अनंतकाल तक तुमसे कोई फल न खाए। और उसके शिष्य सुन रहे थे।

और वे फिर यरूशलेम में आते हैं, और यीशु मंदिर में प्रवेश करके उन लोगों को बाहर निकालने लगे जो मंदिर में बेच रहे थे और खरीद रहे थे, और साहूकारों की मेजों को और कबूतर बेचने वालों की कुर्सियों को उलट दिया। और वह किसी को भी मंदिर के माध्यम से बर्तन ले जाने की अनुमति नहीं दे रहा था, और वह उन्हें सिखाते हुए कह रहा था, क्या यह नहीं लिखा है कि मेरा घर सब राष्ट्रों के लिए प्रार्थना का घर कहलाएगा? लेकिन तुमने उसे डाकुओं की गुफा बना दिया है।

और शास्त्रियों, फरीसियों और प्रधान याजकों ने सुना, और वे खोज रहे थे कि उसे कैसे नष्ट करें, क्योंकि वे उससे डरते थे, इसलिए कि सारी भीड़ उसकी शिक्षा पर चकित थी। और जब देर हो गई, तो वह शहर के बाहर जा रहा था।

और सुबह गुजरते हुए उन्होंने अंजीर के पेड़ को जड़ों से सूखा हुआ देखा। और पतरस को याद आया और वह उनसे कहता है, रब्बी, देखिए, वह अंजीर का पेड़ जिसे आपने शाप दिया था, सूख गया है। और उत्तर देते हुए यीशु उनसे कहते हैं, तुम परमेश्वर में विश्वास रखो। सच में मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, उठाया जाए और समुद्र में फेंका जाए, और अपने हृदय में संदेह न करे, लेकिन विश्वास करे कि जो वह कहता है वह होता है, तो उसे वह मिलेगा जो वह कहे। इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, जो कुछ भी तुम प्रार्थना में माँगते हो, विश्वास करो कि तुम्हें मिल गया है, और वह तुम्हें मिल जाएगा। और जब तुम खड़े होकर प्रार्थना करो, तो यदि तुम्हारे पास किसी के विरुद्ध कुछ है तो क्षमा करो, ताकि तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, वह भी तुम्हारे अपराध क्षमा करे। लेकिन यदि तुम क्षमा नहीं करते, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराधों को

क्षमा नहीं करेगा।

और वे फिर यरूशलेम आते हैं, और जब वह मंदिर में चल रहा था, तो मुख्य याजक और शास्त्री और बुजुर्ग उसके पास आते हैं। और वे उससे कहते हैं, किस अधिकार से तू ये काम करता है? या किसने तुझे यह अधिकार दिया कि तू ये काम करे? लेकिन यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, मैं भी तुमसे एक बात पूछूंगा, और तुम मुझे उत्तर दो, और मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं किस अधिकार से ये काम करता हूँ। यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था या मनुष्यों से? मुझे उत्तर दो। और वे आपस में विचार करने लगे और कहने लगे, यदि हम कहें, स्वर्ग से, तो वह कहेगा, फिर क्यों तुमने उसपर विश्वास नहीं किया? लेकिन क्या हम कहें, मनुष्यों से? वे लोगों से डरते थे, क्योंकि सब योहन को भविष्यवक्ता मानते थे। और उत्तर देते हुए वे यीशु से कहते हैं, हम नहीं जानते। और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, न ही मैं तुम्हें बताता हूँ कि मैं ये काम किस अधिकार से करता हूँ।

12

और उसने उनसे दृष्टान्तों में कहना शुरू किया, एक आदमी ने अंगूर का बगीचा लगाया और चारों ओर बाड़ लगाई और दाखरस का कुंड खोदा और मीनार बनाई, और उसे किसानों को पट्टे पर दे दिया और चला गया। और उसने समय पर किसानों के पास एक दास भेजा, ताकि वह किसानों से अंगूर के बाग के फल में से ले। और उन्होंने उसे पकड़कर पीटा और खाली हाथ भेज दिया। और फिर उसने उनके पास एक और दास भेजा, और उन्होंने उसे पत्थर मारकर सिर में घायल किया और अपमानित करके भेज दिया। और फिर उसने एक और को भेजा, और उन्होंने उसे भी मार डाला, और बहुत से अन्य लोगों को भी, कुछ को पीटते हुए और कुछ को मारते हुए। इसलिए अभी भी एक प्रिय पुत्र रखते हुए, उसने उसको भी अंतिम में उनके पास भेजा, यह कहते हुए कि वे मेरे पुत्र का आदर करेंगे। लेकिन वे किसान, उसे आते हुए देखकर, आपस में बोले कि यह वह

उत्तराधिकारी है, आओ उसे मार डालें, और उत्तराधिकार हमारा हो जाएगा। और उसे पकड़कर उन्होंने उसे मार डाला और उसे अंगूर के बगीचे के बाहर फेंक दिया। तो फिर अंगूर के बाग का स्वामी क्या करेगा? वह आएगा और इन किसानों को नष्ट कर देगा, और अंगूर का बाग दूसरों को दे देगा। क्या तुमने यह लेख भी नहीं पढ़ा, जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने अस्वीकार किया था, वही कोने का सिरा बन गया? यह प्रभु से हुआ, और यह हमारी आँखों में अद्भुत है।

और वे उसे पकड़ना चाह रहे थे, और वे भीड़ से डर गए, क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि उसने यह दृष्टान्त उनके विरुद्ध कहा था। और उसे छोड़कर वे चले गए।

और वे उसके पास फरीसियों और हेरोदियों में से कुछ लोगों को भेजते हैं ताकि वे उसे बातों में फंसा सकें। वे आकर उससे कहते हैं, गुरु, हम जानते हैं कि आप सच्चे हैं और आपको किसी की चिंता नहीं है, क्योंकि आप मनुष्यों के चेहरे को नहीं देखते, बल्कि सच्चाई से परमेश्वर के मार्ग को सिखाते हैं। इसलिए हमें बताइए, क्या कैसर को कर देना उचित है या नहीं? हम दें या न दें? लेकिन वह उनका कपटाचार जानते हुए उनसे बोला, तुम मुझे क्यों परीक्षा करते हो? मेरे पास एक दीनार लाओ ताकि मैं देखूँ। वे लेकिन लाए। और वह उनसे कहता है, यह छवि और यह शिलालेख किसका है? उन्होंने कहा, कैसर का। और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, कैसर की चीजें कैसर को दो और ईश्वर की चीजें ईश्वर को दो, और वे उस पर आश्चर्यचकित हुए।

और सदूकी उसके पास आते हैं, जो कहते हैं कि पुनरुत्थान नहीं होता, और वे उससे पूछ रहे थे कहते हुए, गुरु, मूसा ने हमें लिखा कि यदि किसी का भाई मर जाए और पत्नी को छोड़ जाए, और बच्चे न छोड़े, तो उसका भाई उसकी पत्नी को ले और अपने भाई के लिए संतान उत्पन्न करे। सात भाई थे। पहले ने एक पत्नी ली, और मरते समय कोई संतान नहीं छोड़ी। और दूसरे ने उसे लिया, और मर गया, और उसने भी कोई संतान नहीं छोड़ी। और तीसरे ने भी वैसे ही किया। और सातों ने उसे लिया, और कोई संतान नहीं छोड़ी। सबके अंत में वह स्त्री भी मर गई। इसलिए पुनरुत्थान में, जब वे उठेंगे, तो वह स्त्री उनमें से किसकी होगी? क्योंकि सातों ने उसे पत्नी

बनाया था। और यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहा, क्या तुम इसलिए भटके हुए नहीं हो, क्योंकि तुम न तो शास्त्रों को जानते हो और न ही परमेश्वर की सामर्थ्य को? क्योंकि जब वे मृतकों में से उठेंगे, तो न विवाह करेंगे और न ही विवाह में दिए जाएंगे, बल्कि स्वर्ग में रहने वाले दूतों के समान होंगे। लेकिन मृतकों के पुनरुत्थान के बारे में, क्या तुमने मूसा की पुस्तक में झाड़ी के प्रसंग में नहीं पढ़ा कि परमेश्वर ने उससे कैसे कहा, मैं अब्राहम का परमेश्वर और इसहाक का परमेश्वर और याकूब का परमेश्वर हूँ? वह मृतकों का ईश्वर नहीं है, बल्कि जीवितों का है, इसलिए तुम बहुत भटके हुए हो।

और शास्त्रियों में से एक पास आया, जो उनका विवाद सुन रहा था और यह देखकर कि उसने उन्हें अच्छी तरह उत्तर दिया, उसने उससे पूछा, सब आज्ञाओं में पहली कौन सी है? लेकिन यीशु ने उसे उत्तर दिया कि सबसे पहली आज्ञा यह है, सुनो, इस्राएल, प्रभु हमारा परमेश्वर, प्रभु एक है, और तुम अपने प्रभु परमेश्वर से अपने संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से और अपने संपूर्ण मन से और अपनी संपूर्ण शक्ति से प्रेम करोगे। यह पहली आज्ञा है। और दूसरी आज्ञा इसके समान है, तुम अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे। इनसे बड़ी कोई अन्य आज्ञा नहीं है। और शास्त्री ने उससे कहा, अच्छा, गुरु, आपने सत्य कहा है कि वह एक है और उसके सिवाय कोई दूसरा नहीं है, और उससे संपूर्ण हृदय से और संपूर्ण समझ से और संपूर्ण आत्मा से और संपूर्ण शक्ति से प्रेम करना, और पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना सब होमबलि और बलिदानों से अधिक है। और यीशु ने देखकर कि उसने बुद्धिमानी से उत्तर दिया, उससे कहा, तुम परमेश्वर के राज्य से दूर नहीं हो, और कोई भी अब उससे पूछने का साहस नहीं करता था।

और यीशु ने मंदिर में सिखाते हुए उत्तर देकर कहा, शास्त्री कैसे कहते हैं कि मसीह दाऊद का पुत्र है? स्वयं दाऊद ने पवित्र आत्मा में कहा, प्रभु मेरे प्रभु से कहते हैं, मेरे दाहिने बैठो जब तक मैं तेरे शत्रुओं को तेरे पैरों की पाद-पीठ न बना दूं। स्वयं दाऊद इसलिए उसे प्रभु कहता है, और वह उसका पुत्र कहाँ से है? और बड़ी भीड़ उसे खुशी से सुनती थी।

और वह अपनी शिक्षा में उनसे कह रहा था, शास्त्रियों से सावधान रहो जो लम्बे वस्त्रों में चलना चाहते हैं और बाज़ारों में अभिवादन चाहते हैं। और सभाओं में मुख्य सीटें और भोजों में मुख्य स्थान। वे जो विधवाओं के घरों को निगल जाते हैं और दिखावे के लिए लंबी प्रार्थना करते हैं, ये अधिक कठोर न्याय प्राप्त करेंगे।

और यीशु खजाने के सामने बैठकर देख रहे थे कि भीड़ खजाने में कांसे के सिक्के कैसे डालती है। और बहुत से अमीर लोग बहुत कुछ डाल रहे थे, और एक गरीब विधवा आकर दो छोटे सिक्के डाले, जो एक कोद्रान्तेस है। और अपने शिष्यों को बुलाकर उसने उनसे कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि इस गरीब विधवा ने खजाने में डालने वाले सब लोगों से अधिक डाला। सबने अपनी प्रचुरता में से डाला, लेकिन इसने अपनी गरीबी में से सब कुछ जो था डाला, अपना पूरा जीवन।

13

और जब वह मंदिर से बाहर जा रहा था, तो उसके शिष्यों में से एक ने उससे कहा, गुरु, देखिए कैसे पत्थर और कैसी इमारतें हैं। और यीशु ने उत्तर देते हुए उससे कहा, क्या तू इन महान इमारतों को देखता है? यहाँ पत्थर पर पत्थर नहीं छोड़ा जाएगा, जो गिराया नहीं जाएगा। और जब वह जैतून के पहाड़ पर मंदिर के सामने बैठा हुआ था, तो पतरस और याकूब और यूहन्ना और अन्द्रियास ने उससे अलग में पूछा, हमें बताओ कब ये बातें होंगी, और क्या निशानी होगी जब ये सब बातें पूरी होने वाली हों? यीशु ने उत्तर देते हुए उनसे कहना आरंभ किया, देखो, कोई तुम्हें भटकाने न पाए। क्योंकि बहुत से लोग मेरे नाम पर आएंगे और कहेंगे कि मैं हूँ, और बहुतों को भटकाएंगे। जब तुम युद्ध और युद्धों की अफवाहें सुनो, तो घबराओ मत, क्योंकि इनका होना आवश्यक है, लेकिन अभी अंत नहीं है। क्योंकि राष्ट्र राष्ट्र के विरुद्ध और राज्य राज्य के विरुद्ध उठ खड़ा होगा, और विभिन्न स्थानों पर भूकंप आएंगे, और अकाल तथा अशांति होगी। ये प्रसव पीड़ाओं के आरम्भ हैं। लेकिन तुम अपने आप को सावधान रखो। क्योंकि वे तुम्हें सभाओं में सौंप

देंगे और उनकी मण्डलियों में तुम पीटे जाओगे, और तुम नेताओं और राजाओं के सामने मेरे कारण गवाही के लिए खड़े किए जाओगे। और सब राष्ट्रों में पहले शुभ समाचार का घोषित किया जाना आवश्यक है। जब वे तुम्हें सौंपते हुए ले जाएं, तो पहले से चिंता मत करो कि तुम क्या बोलोगे, और न ही अभ्यास करो, बल्कि जो कुछ उस घड़ी में तुम्हें दिया जाए, वही बोलो, क्योंकि बोलने वाले तुम नहीं हो, बल्कि पवित्र आत्मा है। भाई अपने भाई को मृत्यु के लिए सौंप देगा और पिता अपनी संतान को, और संतान अपने माता-पिता के विरुद्ध उठ खड़ी होंगी और उन्हें मार डालेंगी। और तुम सब के द्वारा मेरे नाम के कारण नफरत किए जाओगे, लेकिन जो अंत तक सहन करेगा, वह बचाया जाएगा।

जब तुम उस उजाड़ने की घृणित वस्तु को देखो जो दानिय्येल भविष्यवक्ता द्वारा कही गई थी, खड़ी हुई जहाँ उचित नहीं है—पढ़ने वाला समझे—तब जो यहूदिया में हैं वे पहाड़ों की ओर भागें। जो छत पर हो वह घर में नीचे न आए और न ही अपने घर से कुछ उठाने के लिए प्रवेश करे, और जो खेत में हो, वह अपना वस्त्र उठाने के लिए पीछे न लौटे। परन्तु धिक्कार है उन्हें जो उन दिनों में गर्भवती हों और उन्हें जो स्तनपान करा रही हों। प्रार्थना करो कि तुम्हारा पलायन सर्दी में न हो। क्योंकि वे दिन ऐसे क्लेश के होंगे, जैसा सृष्टि के आरंभ से, जिसे परमेश्वर ने सृजा, अब तक न हुआ है और न कभी होगा। और यदि प्रभु ने दिनों को छोटा नहीं किया होता, तो कोई भी शरीर बचाया नहीं जाता, लेकिन चुने हुए लोगों के कारण जिनको उसने चुना, उसने दिनों को छोटा किया। और तब यदि कोई तुमसे कहे, देखो, यहाँ मसीह है, देखो, वहाँ है, तो विश्वास मत करो। क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता उठ खड़े होंगे, और वे निशानियाँ और चमत्कार दिखाएंगे ताकि यदि संभव हो तो चुने हुए लोगों को भी भटका दें। लेकिन तुम देखो, देखो मैंने तुम्हें सब कुछ पहले से बता दिया है। लेकिन उन दिनों में, उस क्लेश के बाद, सूरज अंधेरा हो जाएगा, और चाँद अपना प्रकाश नहीं देगा, और तारे आकाश से गिरते हुए होंगे, और जो शक्तियाँ आकाशों में हैं वे हिलाई जाएंगी। और तब वे मनुष्य के पुत्र को बादलों में बहुत शक्ति और महिमा के साथ आते हुए देखेंगे। और तब वह अपने दूतों को भेजेगा और अपने चुने हुएों को चारों हवाओं से, पृथ्वी के छोर से स्वर्ग के छोर तक इकट्ठा करेगा।

अंजीर के पेड़ से यह दृष्टांत सीखो। जब उसकी शाखा कोमल हो जाए और पत्तियाँ निकालने लगे, तो तुम जानते हो कि गर्मी निकट है। इस प्रकार तुम भी, जब तुम इन बातों को घटित होते हुए देखो, तो जान लो कि वह निकट है, दरवाजों पर है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि यह पीढ़ी बीत नहीं जाएगी जब तक ये सब बातें न हो जाएं। स्वर्ग और पृथ्वी बीत जाएंगे, लेकिन मेरे शब्द कभी नहीं बीतेंगे।

लेकिन उस दिन या उस घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग में दूत, न पुत्र, केवल पिता। देखो, सतर्क रहो और प्रार्थना करो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि वह समय कब है। जैसे एक मनुष्य यात्रा पर जाते हुए अपना घर छोड़कर, अपने दासों को अधिकार देकर, और प्रत्येक को उसका काम देकर, और द्वारपाल को आज्ञा दी कि वह जागता रहे। इसलिए सतर्क रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि घर का स्वामी कब आता है - देर से, या आधी रात को, या मुर्गे की बांग के समय, या सुबह। कहीं अचानक आकर वह तुम्हें सोता हुआ न पाए। जो मैं तुम्हें कहता हूँ, वह सब को कहता हूँ: जागते रहो।

14

पास्का और बिना खमीर की रोटी का पर्व दो दिन बाद था। और मुख्य याजक और शास्त्री खोज रहे थे कि कैसे उसे छल से पकड़कर मार डालें। लेकिन वे कह रहे थे, त्योहार के दौरान नहीं, कहीं ऐसा न हो कि लोगों में उपद्रव हो जाए।

और जब वह बेथनिया में शमौन कोढ़ी के घर में था, और वह भोजन पर लेटा हुआ था, तो एक स्त्री आई जिसके पास शुद्ध और बहुमूल्य जटामांसी के इत्र की सुरमेदानी थी, और उसने सुरमेदानी तोड़कर उसके सिर पर इत्र डाल दिया। कुछ लोग अपने आप में क्रोधित होते हुए कह रहे थे, इस इत्र का यह विनाश किस लिए हुआ है? क्योंकि यह इत्र तीन सौ दीनार से अधिक में

बेचा जा सकता था और गरीबों को दिया जा सकता था, और वे उसे डांट रहे थे। लेकिन यीशु ने कहा, उसे छोड़ दो, तुम उसे क्यों कष्ट दे रहे हो? उसने मेरे लिए अच्छा काम किया है। क्योंकि गरीबों को तुम हमेशा अपने साथ रखते हो, और जब भी तुम चाहो तुम उनका भला कर सकते हो, लेकिन मुझे तुम हमेशा अपने साथ नहीं रखते हो। जो इसके पास था उसने किया, उसने मेरे शरीर को दफन के लिए पहले से सुगंधित कर दिया। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जहाँ कहीं भी यह सुसमाचार सम्पूर्ण संसार में घोषित किया जाएगा, वहाँ जो इसने किया वह भी इसकी स्मृति में कहा जाएगा।

और यहूदा इस्करियोती, जो बारह में से एक था, मुख्य याजकों के पास गया ताकि वह उसे उनके हवाले कर दे। वे यह सुनकर प्रसन्न हुए, और उन्होंने उसे चाँदी के टुकड़े देने का वादा किया, और वह खोज रहा था कि उचित समय पर उसे कैसे सौंप दे।

और बिना खमीर की रोटी के पहले दिन, जब फसह की बलि चढ़ाई जा रही थी, उसके चेले उससे कहते हैं, आप कहाँ चाहते हैं कि हम जाकर तैयारी करें ताकि आप फसह खाएँ? और वह अपने दो शिष्यों को भेजता है और उनसे कहता है, शहर में जाओ, और तुम्हें एक आदमी मिलेगा जो पानी का घड़ा ढो रहा होगा, उसका अनुसरण करो। और जहाँ कहीं वह प्रवेश करे, घर के स्वामी से कहना कि शिक्षक कहता है, मेरा वह निवास स्थान कहाँ है जहाँ मैं अपने शिष्यों के साथ फसह खाऊँ? और वह तुम्हें एक बड़ा सुसज्जित और तैयार ऊपरी कमरा दिखाएगा, वहाँ हमारे लिए तैयारी करो। और उसके शिष्य निकले और शहर में आए, और जैसा उसने उनसे कहा था वैसा ही पाया, और उन्होंने फसह तैयार किया। और शाम होने पर वह बारह के साथ आता है, और जब वे लेते हुए थे और खा रहे थे, यीशु ने कहा, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि तुममें से एक मुझे धोखा देगा, जो मेरे साथ खा रहा है। परन्तु वे दुःखी होने लगे और उससे एक-एक करके कहने लगे, निश्चय ही मैं नहीं? और दूसरा, निश्चय ही मैं नहीं? परन्तु उत्तर देते हुए उसने उनसे कहा, बारह में से एक, जो मेरे साथ कटोरे में डुबो रहा है। वह मनुष्य का पुत्र निश्चय ही जाता है जैसा उसके बारे में लिखा गया है, लेकिन धिक्कार है उस मनुष्य को जिसके द्वारा मनुष्य का पुत्र धोखा दिया जाता

है। उस मनुष्य के लिए अच्छा होता यदि वह जन्म ही न लेता। और जब वे खा रहे थे, यीशु ने रोटी ली, आशीर्वाद दिया, तोड़ी और उन्हें दी और कहा, लो, खाओ, यह मेरा शरीर है। और प्याला लेकर धन्यवाद देकर उसने उन्हें दिया, और सब ने उसमें से पिया। और उसने उनसे कहा, यह मेरा रक्त है, नई वाचा का रक्त, जो अनेकों के लिए बहाया जा रहा है। सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि अब मैं अंगूर की बेल के फल से नहीं पीऊँगा, उस दिन तक जब मैं इसे परमेश्वर के राज्य में नया पीऊँगा।

और भजन गाकर वे जैतून के पहाड़ पर चले गए। और यीशु उनसे कहते हैं कि तुम सब इस रात मुझमें विश्वास खो दोगे, क्योंकि लिखा है, मैं चरवाहे को मारूँगा और भेड़ें बिखर जाएंगी। लेकिन मेरे उठाए जाने के बाद, मैं तुम्हें गलील में ले जाऊँगा। लेकिन पतरस ने उससे कहा, और यदि सब ठोकर खाएंगे, लेकिन मैं नहीं। और यीशु उससे कहते हैं, सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि आज इसी रात में, मुर्गे के दो बार बांग देने से पहले, तुम तीन बार मेरा इनकार करोगे। लेकिन पतरस अत्यधिक कहने लगा, यदि मुझे आपके साथ मरना भी पड़े, तो भी मैं आपका इनकार नहीं करूँगा। इसी प्रकार सभी भी कहने लगे।

और वे एक स्थान पर आते हैं जिसका नाम गतसमनी है, और वह अपने शिष्यों से कहता है, यहाँ बैठो जब तक मैं प्रार्थना करूँ। और वह पतरस और याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया, और वह बहुत व्याकुल होने लगा और व्यथित होने लगा। और उनसे कहा, मेरी आत्मा मृत्यु तक बहुत दुःखी है, यहाँ रहो और जागते रहो। और थोड़ा आगे बढ़कर वह पृथ्वी पर अपने चेहरे के बल गिरा, और प्रार्थना कर रहा था कि यदि संभव हो, तो वह घड़ी उससे टल जाए, और वह कह रहा था, अब्बा पिता, सब कुछ तुझे संभव है, इस प्याले को मुझसे हटा ले, लेकिन जो मैं चाहता हूँ वह नहीं, बल्कि जो तू चाहता है। और वह आता है और उन्हें सोते हुए पाता है, और पतरस से कहता है, शिमोन, क्या तुम सो रहे हो? क्या तुम एक घंटा भी जागते नहीं रह सके? जागते रहो और प्रार्थना करो, ताकि तुम परीक्षा में प्रवेश न करो; आत्मा वास्तव में उत्सुक है, लेकिन शरीर कमजोर है। और फिर जाकर उसने वही शब्द कहते हुए प्रार्थना की। और लौटकर उसने उन्हें फिर

सोते हुए पाया, क्योंकि उनकी आँखें भारी हो रही थीं, और वे नहीं जानते थे कि उसे क्या उत्तर दें। और वह तीसरी बार आता है और उनसे कहता है, क्या तुम अब भी सो रहे हो और आराम कर रहे हो? बहुत हो चुका। वह घड़ी आ गई है। देखो, मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथों में सौंपा जा रहा है। उठो, चलो, देखो वह जो मुझे पकड़वाने वाला है निकट आ गया है।

और तुरंत, जब वह अभी बोल ही रहा था, यहूदा इस्करियोती आया, जो बारह में से एक था, और उसके साथ एक बड़ी भीड़ थी जिसके पास तलवारें और लाठियाँ थीं, जो मुख्य याजकों और शास्त्रियों और बुजुर्गों की ओर से भेजे गए थे। लेकिन जो उसे पकड़वा रहा था, उसने उन्हें संकेत दिया था और कहा था, जिसे मैं चूमूंगा, वही है; उसे पकड़ लो और सुरक्षित रूप से ले जाओ। और आकर तुरंत उसके पास आकर कहता है, नमस्कार, रब्बी, और उसे चूमा। लेकिन उन्होंने उस पर अपने हाथ डाले और उसे पकड़ लिया। खड़े हुए लोगों में से एक ने तलवार खींचकर महायाजक के दास को मारा और उसका कान काट दिया। और उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, क्या तुम तलवारों और लाठियों के साथ मुझे पकड़ने आए हो, जैसे किसी डाकू को पकड़ने आते हैं? प्रतिदिन तुम्हारे पास मैं मंदिर में सिखाता था, और तुमने मुझे नहीं पकड़ा। लेकिन यह इसलिए हुआ ताकि शास्त्र पूरे हों। और उसको छोड़कर सब भाग गए। और एक युवा पुरुष उसका अनुसरण कर रहा था, जिसने नंगे शरीर पर सन का कपड़ा पहना हुआ था, और युवा पुरुषों ने उसे पकड़ लिया। लेकिन वह सनी का कपड़ा छोड़कर नंगा उनसे भाग गया।

और वे यीशु को महायाजक के पास ले गए, और उसके पास सब मुख्य याजक और प्राचीन और शास्त्री इकट्ठे हुए। और पतरस दूर से उसके पीछे महायाजक के आँगन के अंदर तक गया, और सेवकों के साथ बैठा हुआ था और आग की रोशनी की ओर ताप रहा था। वे मुख्य याजक और संपूर्ण परिषद यीशु के विरुद्ध गवाही खोज रहे थे ताकि उसे मार डालें, लेकिन नहीं पा रहे थे। क्योंकि बहुत से लोग उसके विरुद्ध झूठी गवाही दे रहे थे, और उनकी गवाहियाँ एक समान नहीं थीं। और कुछ लोग उठकर उसके विरुद्ध झूठी गवाही दे रहे थे, कहते हुए क्योंकि हमने उसे यह कहते हुए सुना कि मैं इस हाथ से बने मंदिर को नष्ट कर दूंगा और तीन दिनों में दूसरा मंदिर जो

हाथ से नहीं बना है, बनाऊंगा। और न ही इस प्रकार उनकी गवाही बराबर थी। और महायाजक उठकर बीच में आया और यीशु से पूछने लगा, क्या तुम कुछ भी उत्तर नहीं देते? ये लोग तुम्हारे विरुद्ध क्या गवाही दे रहे हैं? लेकिन वह चुप रहा और कुछ भी उत्तर नहीं दिया। फिर महायाजक ने उससे पूछा और उससे कहा, क्या तुम मसीह हो, धन्य के पुत्र? लेकिन यीशु ने कहा, मैं हूँ, और तुम मनुष्य के पुत्र को शक्ति के दाहिने हाथ बैठे हुए और स्वर्ग के बादलों पर आते हुए देखोगे। परन्तु महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा, अब हमें गवाहों की क्या आवश्यकता है? तुमने निश्चित रूप से निंदा सुनी, तुम्हें क्या लगता है? लेकिन सभी ने उसे मृत्यु के दोषी होने की निंदा की। और कुछ लोगों ने उस पर थूकना, उसका चेहरा ढकना, उसे मुक्के मारना शुरू किया और उससे कहने लगे, हमें भविष्यवाणी करो कि तुम्हें किसने मारा? और सहायकों ने उसे मारों से पीटा।

और जब पतरस नीचे आँगन में था, महायाजक की दासियों में से एक आती है, और पतरस को आग तापते हुए देखकर, उसकी ओर देखते हुए, वह कहती है, तू भी तो नासरी यीशु के साथ था। लेकिन उसने इनकार करते हुए कहा, मैं नहीं जानता और न ही समझता हूँ कि तुम क्या कह रहे हो। और वह बाहर आँगन में चला गया, और मुर्गे ने बाँग दी। और दासी ने उसे देखकर फिर से खड़े लोगों से कहना शुरू किया कि यह उनमें से है। लेकिन वह फिर इनकार कर रहा था। और थोड़ी देर बाद फिर वे जो खड़े थे पतरस से कह रहे थे, सचमुच तुम उनमें से हो, क्योंकि तुम गलीली हो और तुम्हारी बोली भी मिलती है। और वह शाप देने और शपथ खाने लगा कि मैं इस आदमी को नहीं जानता जिसके बारे में तुम कह रहे हो। और दूसरी बार मुर्गे ने बाँग दी। और पतरस को वह शब्द याद आया जो यीशु ने उससे कहा था कि मुर्गे के दो बार बोलने से पहले, तू मुझे तीन बार इनकार करेगा, और वह फूट-फूटकर रोया।

और सुबह होते ही मुख्य याजकों ने बुजुर्गों और शास्त्रियों और संपूर्ण परिषद के साथ परामर्श किया, यीशु को बांधकर ले गए और पिलातुस को सौंप दिया। और पिलातुस ने उससे पूछा, क्या तुम यहूदियों के राजा हो? उसने उत्तर देते हुए उससे कहा, तुम कहते हो। और मुख्य याजक उस पर बहुत आरोप लगाते थे, लेकिन उसने कुछ भी उत्तर नहीं दिया। लेकिन पिलातुस ने फिर उससे पूछा और कहा, क्या तुम कुछ भी उत्तर नहीं देते? देखो, ये तुम्हारे विरुद्ध कितनी बातों की गवाही दे रहे हैं। लेकिन यीशु ने अब और कुछ भी उत्तर नहीं दिया, जिससे पिलातुस आश्चर्यचकित हो गया। लेकिन त्योहार के अनुसार वह उनको एक कैदी रिहा कर देता था, जिसको वे मांगते थे। वह बरअब्बा नामक व्यक्ति साथी विद्रोहियों के साथ बंधा हुआ था, जिन्होंने विद्रोह में हत्या की थी। और भीड़ ने चिल्लाकर मांगना शुरू किया, जैसा वह हमेशा उनके लिए करता था। और पिलातुस ने उनको उत्तर देते हुए कहा, क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए यहूदियों के राजा को रिहा करूं? वह जानता था कि प्रधान याजकों ने ईर्ष्या के कारण उसे सौंप दिया था। लेकिन मुख्य याजकों ने भीड़ को भड़काया ताकि वह उनके लिए बरअब्बा को रिहा करे। और पिलातुस ने उत्तर देते हुए फिर उनसे कहा, तो क्या चाहते हो कि मैं उसके साथ करूँ जिसे तुम यहूदियों का राजा कहते हो? लेकिन वे फिर चिल्लाए, उसे सूली पर चढ़ाओ। और पिलातुस ने उनसे कहा, उसने क्या बुराई की है? परन्तु वे और भी अधिक चिल्लाए, उसे क्रूस पर चढ़ाओ। पिलातुस भीड़ को संतुष्ट करना चाहते हुए, उनके लिए बरअब्बा को रिहा कर दिया, और यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया ताकि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए।

लेकिन सैनिक उसे दरबार के अंदर ले गए, जो प्रेटरियम है, और उन्होंने पूरे सेना दल को बुलाया। और वे उसे बैंगनी वस्त्र पहनाते हैं और कांटों का मुकुट गूंथकर उसके सिर पर रखते हैं। और उन्होंने उसका स्वागत करना शुरू किया। हे यहूदियों के राजा, प्रसन्न रहो, और वे उसके सिर को बेंत से मार रहे थे और उसपर थूक रहे थे, और घुटने टेककर उसे प्रणाम कर रहे थे। और जब उन्होंने उसका उपहास किया, तो उन्होंने उससे बैंगनी वस्त्र उतारा और उसे उसके अपने कपड़े पहनाए, और वे उसे बाहर ले गए ताकि उसे सूली पर चढ़ाएं।

और वे किसी गुजरते हुए शमौन कुरैनी को मजबूर करते हैं, जो खेत से आ रहा था, सिकन्दर और रूफुस का पिता, ताकि वह उसका क्रूस उठाए।

और वे उसे गोलगोथा नामक स्थान पर लाते हैं, जिसका अनुवाद है खोपड़ी का स्थान। और उन्होंने उसे गंधरस मिली दाखरस पीने को दी, लेकिन उसने नहीं ली। और उसे सूली पर चढ़ाकर, वे उसके वस्त्रों को बाँटते हैं, उन पर चिट्ठी डालते हुए कि कौन क्या ले। तीसरा घंटा था और उन्होंने उसे सूली पर चढ़ाया। और उसके अपराध का शिलालेख लिखा हुआ था, यहूदियों का राजा।

और उसके साथ वे दो डाकुओं को सूली पर चढ़ाते हैं, एक उसके दाहिने ओर और एक उसके बाएं ओर। और वह लेख पूरा हुआ जो कहता है, और वह अधर्मियों के साथ गिना गया। और वहाँ से गुज़रने वाले लोग उसकी निंदा कर रहे थे, अपने सिर हिलाते हुए और कहते हुए, अहा! मंदिर को ढाने वाले और तीन दिनों में बनाने वाले! अपने आप को बचाओ और क्रूस से नीचे उतरो। इसी प्रकार मुख्य याजक भी शास्त्रियों के साथ आपस में उपहास करते हुए कह रहे थे, उसने दूसरों को बचाया, स्वयं को नहीं बचा सकता। मसीह, इस्राएल का राजा, अब क्रूस से उतर आए, ताकि हम देखें और उस पर विश्वास करें। और जो उसके साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे, वे उसकी निंदा कर रहे थे।

छठे घंटे के होने पर अंधकार हुआ और संपूर्ण भूमि पर नौवें घंटे तक रहा। और नौवें घंटे में यीशु ने बड़ी आवाज़ से चिल्लाकर कहा, एलोई एलोई लिमा सबकथनी? जिसका अनुवाद है, हे मेरे भगवान, हे मेरे भगवान, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?

और पास खड़े हुए कुछ लोगों ने सुनकर कहा, देखो, वह एलियाह को बुला रहा है। एक दौड़ा और स्पंज को सिरके से भरकर, बेंत पर लगाकर उसे पिला रहा था, कहता हुआ, छोड़ो, देखें कि क्या एलियाह उसे उतारने आता है। और यीशु ने ऊँची आवाज़ छोड़कर प्राण त्याग दिए। और

मंदिर का पर्दा ऊपर से नीचे तक दो भागों में फट गया। लेकिन शताधिपति जो उसके सामने खड़ा था, यह देखकर कि उसने इस प्रकार चिल्लाकर प्राण त्याग दिए, बोला, सचमुच यह मनुष्य परमेश्वर का पुत्र था। वहाँ कुछ स्त्रियाँ भी थीं जो दूर से देख रही थीं, जिनमें मरियम मगदलीनी और मरियम जो छोटे याकूब और योसे की माता थी, और सलोमे थीं। वे जो गलील में थे तब उसके पीछे चलीं और उसकी सेवा करती थीं, और अन्य बहुत सी स्त्रियाँ जो उसके साथ यरूशलेम आई थीं।

और जब शाम हो गई थी, चूंकि वह तैयारी का दिन था, जो सब्त से पहले का दिन है, अरिमथिया से आया हुआ यूसुफ, जो एक प्रतिष्ठित परिषद सदस्य था और स्वयं परमेश्वर के राज्य की प्रतीक्षा कर रहा था, साहस करके पिलातुस के पास गया और यीशु के शरीर की मांग की। और पिलातुस ने आश्चर्य किया कि क्या वह पहले ही मर चुका है, और शतपति को बुलाकर उससे पूछा कि क्या वह बहुत पहले मर गया था। और शतपति से जानकर, उसने शरीर यूसुफ को दे दिया। और उसने लिनन का कपड़ा खरीदकर, उसे उतारा और लिनन के कपड़े में लपेटा, और उसे एक कब्र में रखा जो चट्टान से काटी गई थी, और कब्र के दरवाजे पर एक पत्थर लुढ़काया। लेकिन मगदलीनी मरियम और योसे की मरियम देख रही थीं कि उसे कहाँ रखा जा रहा है।

16

और जब सब्त का दिन बीत गया, तो मरियम मगदलीनी और याकूब की मरियम और सलोमे ने सुगंध द्रव्य खरीदे ताकि जाकर उसका अभिषेक करें। और सब्त के पहले दिन बहुत सुबह, सूरज उगने पर, वे कब्र पर आती हैं। और वे आपस में कह रही थीं, हमारे लिए कब्र के दरवाजे से पत्थर कौन लुढ़काएगा? और ऊपर देखकर वे देखती हैं कि पत्थर लुढ़काया जा चुका है, क्योंकि वह बहुत बड़ा था। और जब वे कब्र में प्रवेश कीं, तो उन्होंने एक युवा पुरुष को दाहिनी ओर बैठे हुए देखा, जो सफेद वस्त्र पहने हुए था, और वे चकित हो गईं। लेकिन वह उनसे कहता है, मत

घबराओ, तुम यीशु नासरी को खोज रहे हो जो सूली पर चढ़ाया गया था। वह जी उठा है, वह यहाँ नहीं है। देखो, यह वह स्थान है जहाँ उन्होंने उसे रखा था। लेकिन जाओ और उसके शिष्यों और पतरस को कहो कि वह तुमसे पहले गलील जा रहा है, वहाँ तुम उसे देखोगे, जैसा उसने तुमसे कहा था। और वे बाहर निकलकर कब्र से भाग गईं, क्योंकि उन्हें कंपन और घबराहट ने पकड़ रखा था, और उन्होंने किसी को कुछ नहीं कहा, क्योंकि वे डरती थीं।

सब्त के पहले दिन की सुबह उठकर, वह पहले मरियम मगदलीनी को प्रकट हुआ, जिससे उसने सात दुष्टात्माएँ निकाली थीं। वह गई और उन लोगों को सूचना दी जो उसके साथ थे, जो शोक कर रहे थे और रो रहे थे। और उन्होंने यह सुनकर कि वह जीवित है और उसके द्वारा देखा गया था, विश्वास नहीं किया। इसके बाद उनमें से दो को, जो खेत की ओर जा रहे थे, वह दूसरे रूप में प्रकट हुआ। और वे जाकर शेष लोगों को सूचना दी, परन्तु उन्होंने उन पर भी विश्वास नहीं किया। बाद में जब वे ग्यारह लेटे हुए थे, तो वह उन्हें प्रकट हुआ, और उसने उनके अविश्वास और कठोरहृदयता की फटकार लगाई, क्योंकि जिन्होंने उसे जी उठा हुआ देखा था, उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया था। और उसने उनसे कहा, जाकर सारे संसार में सभी सृष्टि को सुसमाचार का प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले, वह बचाया जाएगा; लेकिन जो अविश्वास करे, वह दोषी ठहराया जाएगा। चिन्ह और जिन्होंने विश्वास किया है उनके साथ ये अनुसरण करेंगे: मेरे नाम में दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई भाषाओं में बोलेंगे। सांप उठाएंगे, और यदि कुछ घातक भी पी लें, तो उन्हें हानि नहीं पहुंचेगी। बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे स्वस्थ हो जाएंगे।

तो निश्चय ही प्रभु उनसे बोलने के बाद स्वर्ग में ऊपर उठा लिए गए और परमेश्वर के दाहिने बैठ गए। वे बाहर जाकर सब जगह घोषणा करते रहे, जबकि प्रभु सहयोग कर रहे थे और साथ आने वाले चिह्नों के द्वारा वचन की पुष्टि कर रहे थे। आमीन।

यूहन्ना का सुसमाचार

1

आरंभ में शब्द था, और शब्द परमेश्वर के साथ था, और शब्द परमेश्वर था। यह आरंभ में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसके द्वारा हुआ, और उसके बिना कुछ भी नहीं हुआ जो हुआ है। उसमें जीवन था, और वह जीवन मनुष्यों का प्रकाश था। और प्रकाश अंधकार में चमकता है, और अंधकार ने उसे पराजित नहीं किया।

एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा गया था, उसका नाम यूहन्ना था। यह गवाही के लिए आया, ताकि वह प्रकाश के बारे में गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास करें। वह प्रकाश नहीं था, लेकिन इसलिए कि वह उस प्रकाश के बारे में गवाही दे। वह सच्चा प्रकाश था, जो संसार में आने वाले हर मनुष्य को प्रकाशित करता है। वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा अस्तित्व में आया, और संसार ने उसे नहीं जाना। वह अपने घर आया, और उसके अपने लोगों ने उसे स्वीकार नहीं किया। परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान बनने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम में विश्वास करते हैं। जो रक्त से नहीं, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, बल्कि परमेश्वर से जन्मे थे। और वह वचन देह बन गया और हमारे बीच निवास किया, और हमने उसकी महिमा देखी, ऐसी महिमा जैसी पिता के एकलौते

पुत्र की, जो अनुग्रह और सत्य से परिपूर्ण था। यूहन्ना उसके विषय में गवाही देता है और पुकारकर कहता है, यह वही था जिसके बारे में मैंने कहा था, जो मेरे बाद आ रहा है वह मुझसे आगे हो गया है, क्योंकि वह मुझसे पहले था। और उसकी परिपूर्णता से हम सबने प्राप्त किया, और कृपा के बदले कृपा क्योंकि कानून मूसा के द्वारा दिया गया था, अनुग्रह और सत्य यीशु मसीह के द्वारा आया। परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा, एकलौता पुत्र जो पिता की गोद में है, उसी ने प्रकट किया है।

और यह यूहन्ना की गवाही है, जब यहूदियों ने यरूशलेम से पुरोहितों और लेवियों को भेजा ताकि वे उससे पूछें, तू कौन है? और उसने स्वीकार किया, और इनकार नहीं किया, और उसने स्वीकार किया कि मैं वह मसीह नहीं हूँ। और उन्होंने उससे पूछा, तो फिर क्या? क्या तुम एलियाह हो? और वह कहता है, नहीं हूँ। क्या तुम वह भविष्यवक्ता हो? और उसने उत्तर दिया, नहीं। इसलिए मैंने उससे कहा, तुम कौन हो? ताकि हम उन्हें उत्तर दें जिन्होंने हमें भेजा है, तुम अपने बारे में क्या कहते हो? उसने कहा, मैं जंगल में पुकारने वाले की आवाज़ हूँ, प्रभु का मार्ग सीधा करो, जैसा कि भविष्यवक्ता यशायाह ने कहा था।

और जो भेजे गए थे वे फरीसियों में से थे, और उन्होंने उससे पूछा और उससे कहा, तो फिर तुम बपतिस्मा क्यों देते हो, अगर तुम न मसीह हो, न एलियाह, न वह भविष्यवक्ता? यूहन्ना ने उनको उत्तर देते हुए कहा, मैं पानी में बपतिस्मा देता हूँ, और तुम्हारे बीच में वह खड़ा है जिसको तुम नहीं जानते। वह स्वयं है जो मेरे बाद आने वाला है, जो मेरे सामने हो गया है, जिसके जूते का पट्टा खोलने के योग्य मैं नहीं हूँ। ये बातें बैथनी में हुई, यरदन के पार, जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा दे रहा था।

अगले दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते हुए देखा और कहा, देखो, परमेश्वर का मेमना जो संसार के पाप को उठा ले जाता है। यह वह है जिसके बारे में मैंने कहा था, मेरे बाद एक पुरुष आता है जो मेरे सामने हो गया है, क्योंकि वह मुझसे पहले था। और मैं उसे नहीं जानता था, लेकिन ताकि वह इस्राएल पर प्रकट हो, इसलिए मैं पानी में बपतिस्मा देने आया। और यूहन्ना ने

गवाही दी कहते हुए कि मैंने आत्मा को स्वर्ग से कबूतर के समान उतरते हुए देखा है, और वह उस पर रहा। और मैं उसे नहीं जानता था, लेकिन जिसने मुझे पानी में बपतिस्मा देने के लिए भेजा, उसने मुझसे कहा, जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते हुए देखे, वही है जो पवित्र आत्मा में बपतिस्मा देता है। और मैंने देखा है और गवाही दी है कि यह परमेश्वर का पुत्र है।

अगले दिन फिर यूहन्ना और उसके दो शिष्य खड़े थे। और यीशु को चलते हुए देखकर कहता है, देखो, परमेश्वर का मेमना। और उन दोनों शिष्यों ने उसे बोलते हुए सुना, और यीशु का अनुसरण किया। मुड़कर यीशु ने उन्हें अनुसरण करते हुए देखा और उनसे कहा, तुम क्या खोज रहे हो? लेकिन उन्होंने उससे कहा, रब्बी (जिसका अनुवाद शिक्षक होता है), आप कहाँ रहते हैं? उसने उनसे कहा, आओ और देखो। इसलिए वे आए और देखा कि वह कहाँ रहता है, और उस दिन उसके पास रहे; उस समय लगभग दसवीं घड़ी थी। अन्द्रेयास, जो शिमोन पेत्रुस का भाई था, उन दो में से एक था जिन्होंने योहन्नेस से सुना और उसका अनुसरण किया। यह पहले अपने भाई शिमोन को पाता है और उससे कहता है, हमने मसीहा को पा लिया है, जिसका अनुवाद मसीह है। और वह उसे यीशु के पास लाया। यीशु ने उसकी ओर देखकर कहा, तू शमौन है, योना का पुत्र, तू कैफा कहलाएगा, जिसका अनुवाद पतरस है।

अगले दिन यीशु गलील जाने के लिए इच्छुक थे, और उन्होंने फिलिप्पुस को पाया और उससे कहा, मेरा अनुसरण करो। फिलिप्पुस बेथसैदा से था, अन्द्रियास और पतरस के नगर से। फिलिप्पुस नथनएल को पाता है और उससे कहता है, जिसके बारे में मूसा ने व्यवस्था में और भविष्यवक्ताओं ने लिखा, हमने उसे पा लिया है—यीशु, यूसुफ का पुत्र, जो नासरत से है। और नथनएल ने उससे कहा, क्या नासरत से कुछ अच्छा हो सकता है? फिलिप्पुस ने उससे कहा, आओ और देखो। यीशु ने नथनएल को अपनी ओर आते हुए देखा और उसके बारे में कहा, देखो, सचमुच एक इस्राएली, जिसमें कोई छल नहीं है। नथनएल ने उससे कहा, तू मुझे कहाँ से जानता है? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, इससे पहले कि फिलिप्पुस तुझे बुलाता, जब तू अंजीर के पेड़ के नीचे था, मैंने तुझे देखा। नथानेल ने उत्तर दिया और उससे कहा, रब्बी, तू परमेश्वर का

पुत्र है, तू इस्राएल का राजा है। यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, क्या इसलिए कि मैंने तुमसे कहा कि मैंने तुम्हें अंजीर के पेड़ के नीचे देखा, तुम विश्वास करते हो? तुम इससे भी बड़ी बातें देखोगे। और वह उससे कहता है, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ, अब से तुम आकाश को खुला हुआ देखोगे, और परमेश्वर के दूतों को मनुष्य के पुत्र पर चढ़ते और उतरते हुए देखोगे।

2

और तीसरे दिन गलील के काना में एक विवाह हुआ, और यीशु की माता वहाँ थीं, और यीशु और उसके शिष्यों को भी विवाह में बुलाया गया था। और जब शराब कम पड़ गई, तो यीशु की माता ने उनसे कहा, उनके पास शराब नहीं है। यीशु उससे कहते हैं, हे स्त्री, मुझे और तुम्हें क्या? मेरा समय अभी नहीं आया है। उसकी माता सेवकों से कहती है, जो कुछ भी वह तुम्हें कहे, वह करो। वहाँ पत्थर के छः पानी के जार रखे हुए थे, जो यहूदियों के शुद्धिकरण के अनुसार थे, और प्रत्येक दो या तीन माप धारण करते थे। यीशु ने उनसे कहा, जारों को पानी से भरो। और उन्होंने उनको ऊपर तक भर दिया। और वह उनसे कहता है, अब खींचो और प्रधान परिचारक के पास ले जाओ। और वे ले गए। जब भोज के प्रधान ने पानी को चखा जो दाखरस बन गया था और वह नहीं जानता था कि यह कहाँ से है, परन्तु सेवक जानते थे जिन्होंने पानी निकाला था, तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाया। और उसने उससे कहा, हर आदमी पहले अच्छी शराब परोसता है, और जब लोग नशे में हो जाते हैं, तब घटिया शराब परोसता है, लेकिन तूने अच्छी शराब अब तक रखी है। यीशु ने गलील के काना में चिन्हीं का यह आरंभ किया और अपनी महिमा प्रकट की, और उनके चेलों ने उस पर विश्वास किया।

इसके बाद वह और उसकी माता और उसके भाई और उसके शिष्य कफरनहूम गए, और वहाँ वे अधिक दिन नहीं रहे।

और यहूदियों का पासओवर निकट था, और यीशु यरूशलेम गए। और उसने मंदिर में बैल, भेड़ें और कबूतर बेचने वालों को, और सर्राफों को बैठे हुए पाया। और रस्सियों से कोड़ा बनाकर सबको मंदिर से निकाल दिया, भेड़ों और बैलों को, और सर्राफों के सिक्के बिखेर दिए और मेजें उलट दीं। और उन्होंने कबूतर बेचने वालों से कहा, इन्हें यहाँ से उठा लो, मेरे पिता के घर को व्यापार का घर मत बनाओ। लेकिन उसके शिष्यों ने याद किया कि लिखा हुआ है, तुम्हारे घर का उत्साह मुझे निगल जाएगा। इसलिए यहूदियों ने उत्तर दिया और उससे कहा, तुम हमें क्या चिन्ह दिखाते हो कि तुम ये काम करते हो? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, इस मंदिर को नष्ट करो, और मैं तीन दिनों में इसे उठाऊंगा। यहूदियों ने इसलिए कहा, चालीस और छह वर्षों में यह मंदिर बनाया गया, और तुम तीन दिनों में इसे उठाओगे? लेकिन वह अपने शरीर के मंदिर के बारे में कह रहा था। जब वह मृतकों में से जिलाया गया, तो उसके शिष्यों को याद आया कि उसने यह कहा था, और उन्होंने पवित्र शास्त्र और उस वचन पर विश्वास किया जो यीशु ने कहा था।

जब वह यरूशलेम में फसह के पर्व में था, तो बहुतों ने उसके नाम पर विश्वास किया, क्योंकि वे उसके चिन्हों को देख रहे थे जो उसने किए थे। लेकिन स्वयं यीशु अपने आप को उन पर भरोसा नहीं कर रहे थे, क्योंकि वह सबको जानते थे। और उसे इस बात की आवश्यकता नहीं थी कि कोई मनुष्य के बारे में गवाही दे, क्योंकि वह स्वयं जानता था कि मनुष्य में क्या था।

3

फरीसियों में से एक आदमी था, जिसका नाम निकुदेमुस था, जो यहूदियों का शासक था। यह रात को उसके पास आया और उससे कहा, रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से आया हुआ शिक्षक है, क्योंकि कोई भी इन चिन्हों को नहीं कर सकता जो तू करता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो। यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, सत्य सत्य मैं तुझसे कहता हूँ, यदि कोई ऊपर से जन्म न ले, तो वह परमेश्वर के राज्य को देखने में सक्षम नहीं है। निकुदेमुस उससे कहता

है, कैसे एक मनुष्य जन्म ले सकता है जब वह बूढ़ा हो? क्या वह अपनी माँ के पेट में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है? यीशु ने उत्तर दिया, सच सच मैं तुझसे कहता हूँ, यदि कोई जल और आत्मा से जन्म न ले, तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने में सक्षम नहीं है। जो माँस से जन्मा है वह माँस है, और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है। आश्चर्य मत करो कि मैंने तुमसे कहा, तुम लोगों का ऊपर से जन्म लेना आवश्यक है। आत्मा जहाँ चाहती है वहाँ बहती है, और तुम उसकी आवाज़ सुनते हो, लेकिन तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से आती है और कहाँ जाती है; इसी प्रकार हर वह व्यक्ति है जो आत्मा से जन्मा है। नीकुदेमुस ने उत्तर दिया और उससे कहा, ये चीजें कैसे हो सकती हैं? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, तू इस्राएल का शिक्षक है और ये बातें नहीं जानता? सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि जो हम जानते हैं वह हम बोलते हैं, और जो हमने देखा है उसकी हम गवाही देते हैं, और तुम हमारी गवाही को ग्रहण नहीं करते हो। यदि मैंने तुम्हें पार्थिव बातें बताई और तुम विश्वास नहीं करते हो, तो यदि मैं तुम्हें स्वर्गीय बातें बताऊँ तो कैसे विश्वास करोगे? और कोई भी स्वर्ग में नहीं चढ़ा है, सिवाय उसके जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात् मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग में है। और जैसे मूसा ने जंगल में सर्प को ऊपर उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का ऊपर उठाया जाना आवश्यक है, ताकि हर वह जो उस पर विश्वास करता है नष्ट न हो, बल्कि अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने संसार से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार में इसलिए नहीं भेजा कि वह संसार का न्याय करे, बल्कि इसलिए कि संसार उसके द्वारा बचाया जाए। जो उस पर विश्वास करता है, उसका न्याय नहीं किया जाता है, लेकिन जो विश्वास नहीं करता है, उसका न्याय पहले ही हो चुका है, क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया है। यह निर्णय है कि प्रकाश संसार में आया है, और लोगों ने प्रकाश की अपेक्षा अंधकार को अधिक प्रेम किया, क्योंकि उनके कार्य बुरे थे। क्योंकि हर वह जो निकम्मे काम करता है, प्रकाश से घृणा करता है और प्रकाश की ओर नहीं आता, ताकि उसके कार्य उजागर न हों, लेकिन जो सत्य को करता है वह प्रकाश की ओर नहीं आता, ताकि उसके कर्म प्रकट किए जाएं, क्योंकि वे परमेश्वर में किए गए हैं।

इन बातों के बाद यीशु और उनके शिष्य यहूदिया की भूमि में आए, और वहाँ उनके साथ समय बिताया और बपतिस्मा देते रहे। यूहन्ना भी ऐनोन में सालीम के निकट बपतिस्मा दे रहा था, क्योंकि वहाँ बहुत जल था, और लोग आते थे और बपतिस्मा लेते थे। क्योंकि योहान अभी तक जेल में नहीं डाला गया था। इसलिए यूहन्ना के शिष्यों और एक यहूदी के बीच शुद्धिकरण के विषय में विवाद हुआ। और वे यूहन्ना के पास आए और उससे कहा, रब्बी, जो यर्डन के पार तुम्हारे साथ था, जिसके विषय में तुमने गवाही दी थी, देखो, वह बपतिस्मा दे रहा है और सब लोग उसके पास आ रहे हैं। यूहन्ना ने उत्तर दिया और कहा, मनुष्य कुछ भी नहीं ले सकता, यदि वह उसे स्वर्ग से न दिया गया हो। तुम स्वयं मुझे गवाही देते हो कि मैंने कहा था, मैं मसीह नहीं हूँ, बल्कि मैं उससे पहले भेजा गया हूँ। जो दुल्हन को रखता है वह दूल्हा है, परन्तु दूल्हे का मित्र, जो खड़ा होकर उसे सुनता है, दूल्हे की आवाज़ के कारण आनंद से आनंदित होता है। इसलिए यह मेरा आनंद पूर्ण हो गया है। उसका बढ़ना आवश्यक है, लेकिन मुझे घटना है। जो ऊपर से आता है वह सबके ऊपर है। जो पृथ्वी से है वह पृथ्वी से है और पृथ्वी की बातें बोलता है, जो स्वर्ग से आता है वह सबके ऊपर है। और जो उसने देखा और सुना है, वह इसकी गवाही देता है, और उसकी गवाही को कोई स्वीकार नहीं करता। जिसने उसकी गवाही को ग्रहण किया, उसने इस बात पर मुहर लगा दी कि परमेश्वर सच्चा है। क्योंकि जिसे परमेश्वर ने भेजा है, वह परमेश्वर के वचन बोलता है, क्योंकि परमेश्वर आत्मा को माप से नहीं देता है। पिता पुत्र से प्रेम करता है और सब कुछ उसके हाथ में दे दिया है। जो पुत्र में विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है, लेकिन जो पुत्र की अवज्ञा करता है, वह जीवन नहीं देखेगा, बल्कि परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है।

4

जब प्रभु ने जाना कि फरीसियों ने सुना है कि यीशु यूहन्ना से अधिक चले बनाता है और बपतिस्मा देता है यद्यपि वास्तव में यीशु स्वयं बपतिस्मा नहीं दे रहे थे, बल्कि उनके शिष्य दे रहे थे। उसने यहूदिया को छोड़ा और गलील को चला गया। यह आवश्यक था कि वह सामरिया से होकर जाए।

इसलिए वह सामरिया के एक शहर में आता है जिसे सूखार कहा जाता है, उस जगह के पास जो याकूब ने अपने बेटे यूसुफ को दी थी, वहाँ याकूब का एक झरना था। यीशु यात्रा से थके हुए थे, इसलिए वे उस झरने पर बैठ गए। समय लगभग छठे घंटे का था। एक स्त्री सामरिया से पानी खींचने आती है। यीशु उससे कहते हैं, मुझे पीने को दो। क्योंकि उसके शिष्य शहर में गए थे ताकि भोजन खरीद सकें। इसलिए वह सामरी स्त्री उससे कहती है, तू यहूदी होते हुए मुझ सामरी स्त्री से पीने के लिए कैसे मांगता है? क्योंकि यहूदी सामरियों के साथ नहीं रहते हैं। यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, यदि तू परमेश्वर के उपहार को जानती, और यह जानती कि वह कौन है जो तुझसे कहता है, मुझे पीने को दे, तो तू उससे मांगती, और वह तुझे जीवित जल देता। वह स्त्री उससे कहती है, प्रभु, न तो आपके पास बाल्टी है, और कुआँ गहरा है, तो फिर आपके पास वह जीवित जल कहाँ से है? क्या तुम हमारे पिता याकूब से बड़े हो, जिन्होंने हमें यह कुआँ दिया, और स्वयं उसमें से पिया और उनके पुत्रों ने और उनके पशुओं ने? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, जो कोई इस पानी में से पीता है, वह फिर से प्यासा होगा। जो कोई उस पानी में से पीएगा जो मैं उसे दूंगा, वह सदा के लिए कभी प्यासा नहीं होगा, बल्कि जो पानी मैं उसे दूंगा, वह उसके भीतर अनन्त जीवन के लिए उछलते हुए पानी का स्रोत बन जाएगा। वह स्त्री उससे कहती है, हे प्रभु, मुझे यह जल दीजिए, ताकि मैं प्यासी न रहूँ और न ही यहां पानी खींचने आना पड़े। यीशु उससे कहते हैं, जाओ, अपने पति को बुलाओ और यहाँ आओ। स्त्री ने उत्तर दिया और कहा, मेरे पास पति नहीं है। यीशु उससे कहते हैं, तूने ठीक कहा कि मेरे पास पति नहीं है, क्योंकि तुम्हारे पाँच पति थे, और अब जो तुम्हारे पास है वह तुम्हारा पति नहीं है, यह सच तुमने कहा है। वह स्त्री उससे कहती है, प्रभु, मैं देखती हूँ कि आप भविष्यवक्ता हैं। हमारे पूर्वजों ने इस पहाड़ पर पूजा की, और आप कहते हैं कि यरूशलेम में वह स्थान है जहाँ पूजा करना आवश्यक है। यीशु उससे कहते हैं, हे स्त्री, मुझ पर विश्वास करो कि वह घड़ी आ रही है जब न तो इस पहाड़ पर और न ही यरूशलेम में तुम पिता की पूजा करोगे। तुम उसकी पूजा करते हो जिसे तुम नहीं जानते, हम उसकी पूजा करते हैं जिसे हम जानते हैं, क्योंकि मुक्ति यहूदियों से है। लेकिन घड़ी आती है, और अब है, जब सच्चे उपासक पिता की उपासना आत्मा और सत्य में करेंगे, क्योंकि पिता ऐसे उपासकों को खोजता है जो उसकी उपासना करते हैं। परमेश्वर आत्मा है, और जो उसकी पूजा

करते हैं, उन्हें आत्मा और सत्य में पूजा करना आवश्यक है। वह स्त्री उससे कहती है, मैं जानती हूँ कि मसीहा आ रहा है जो मसीह कहलाता है। जब वह आएगा, तो वह हमें सब कुछ बताएगा। यीशु उससे कहते हैं, मैं हूँ जो तुझसे बोल रहा हूँ। और इस पर उसके शिष्य आए, और आश्चर्यचकित हुए कि वह एक स्त्री से बात कर रहा था, फिर भी किसी ने नहीं कहा, आप क्या खोज रहे हैं या आप उससे क्या बात कर रहे हैं? इसलिए उस स्त्री ने अपना पानी का घड़ा छोड़ दिया और शहर में चली गई, और लोगों से कहती है, आओ, उस आदमी को देखो जिसने मुझे सब कुछ बताया जो मैंने किया। क्या यह मसीह है? इसलिए वे शहर से बाहर गए और उसके पास आ रहे थे।

इस बीच शिष्य उससे कह रहे थे, रब्बी, खाओ। लेकिन उसने उनसे कहा, मेरे पास खाने के लिए भोजन है जो तुम नहीं जानते। इसलिए शिष्य एक दूसरे से कह रहे थे, क्या किसी ने उसे खाने को कुछ लाया है? यीशु उनसे कहते हैं, मेरा भोजन यह है कि मैं उसकी इच्छा पूरी करूँ जिसने मुझे भेजा है और उसका काम पूरा करूँ। क्या तुम नहीं कहते हो कि अभी चार महीने हैं और फसल आती है? देखो, मैं तुमसे कहता हूँ, अपनी आँखें उठाओ और भूमि को देखो, क्योंकि वे फसल के लिए पहले से ही सफेद हैं। और जो काटता है वह मजदूरी पाता है और अनन्त जीवन के लिए फल इकट्ठा करता है, ताकि बोने वाला और काटने वाला दोनों एक साथ आनन्दित हों। क्योंकि इसमें वह वचन सत्य है कि बोनेवाला कोई और है और काटनेवाला कोई और। मैंने तुम्हें वह काटने भेजा जिसके लिए तुमने परिश्रम नहीं किया, दूसरों ने परिश्रम किया, और तुम उनके परिश्रम में प्रवेश कर गए। और उस शहर से सामरियों में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया, उस स्त्री के शब्द के कारण जो गवाही दे रही थी कि उसने मुझे सब कुछ बताया जो मैंने किया। जब सामरी लोग उसके पास आए, तो उन्होंने उससे उनके साथ रहने की विनती की, और वह वहाँ दो दिन रहा। और बहुत अधिक लोगों ने उसके वचन के कारण विश्वास किया। उस स्त्री से वे कह रहे थे कि अब हम तुम्हारी बात के कारण विश्वास नहीं करते, क्योंकि हमने स्वयं सुना है, और हम जानते हैं कि यह सचमुच संसार का उद्धारकर्ता, मसीह है।

लेकिन दो दिनों के बाद वह वहाँ से निकला और गलील को चला गया। क्योंकि स्वयं यीशु ने गवाही दी थी कि भविष्यवक्ता को अपने स्वदेश में सम्मान नहीं मिलता है। जब वह गलील में आया, तो गलीलवासियों ने उसे स्वीकार किया, क्योंकि उन्होंने वह सब कुछ देखा था जो उसने यरूशलेम में पर्व के समय किया था, और वे स्वयं भी पर्व में आए थे।

इसलिए यीशु फिर गलील के काना में आया, जहाँ उसने पानी को शराब बनाया था। और एक शाही अधिकारी था, जिसका पुत्र कफरनहूम में बीमार था, इसने सुना कि यीशु यहूदिया से गलील आया है, तो वह उसके पास गया और उससे विनती की कि वह आए और उसके पुत्र को चंगा करे, क्योंकि वह मरने वाला था। इसलिए यीशु ने उससे कहा, यदि तुम चिह्न और चमत्कार नहीं देखोगे, तो तुम विश्वास नहीं करोगे। राजकीय अधिकारी उससे कहता है, हे प्रभु, मेरे बच्चे के मरने से पहले नीचे आ जाइए। यीशु उससे कहते हैं, जाओ, तुम्हारा पुत्र जीवित है। और उस आदमी ने उस वचन पर विश्वास किया जो यीशु ने उससे कहा था, और वह चला गया। जब वह पहले से ही उतर रहा था, उसके दास उससे मिले और उन्होंने कहते हुए सूचना दी कि तुम्हारा सेवक जीवित है। इसलिए उसने उनसे पूछा कि किस घंटे में वह बेहतर हुआ था। और उन्होंने उससे कहा कि कल सातवें घंटे में बुखार ने उसको छोड़ दिया था। तब पिता ने जान लिया कि उसी घड़ी में जब यीशु ने उससे कहा था कि तुम्हारा पुत्र जीवित है, और उसने और उसके पूरे घराने ने विश्वास किया। यह दूसरा चिन्ह यीशु ने यहूदिया से गलील में आकर किया।

5

इन बातों के बाद यहूदियों का त्योहार था, और यीशु यरूशलेम गए। यरूशलेम में भेड़ के द्वार पर एक कुंड है, जो इब्रानी में बेथेस्दा कहलाता है, जिसके पाँच बरामदे हैं। इनमें बीमारों, अंधों, लंगड़ों और सूखे अंगों वाले लोगों की एक बड़ी भीड़ लेटी हुई थी, जो पानी के हिलने की प्रतीक्षा कर रही थी। क्योंकि एक दूत समय-समय पर तालाब में उतरता था, और पानी को हिलाता था,

इसलिए जो पहला व्यक्ति पानी के हिलने के बाद उसमें प्रवेश करता था, वह स्वस्थ हो जाता था, चाहे वह किसी भी रोग से ग्रस्त हो। वहाँ एक आदमी था जो अपनी कमज़ोरी में अड़तीस वर्ष से था। इसको देखकर, जो लेटा हुआ था, और यह जानकर कि वह बहुत समय से ऐसा है, यीशु उससे कहते हैं, क्या तुम स्वस्थ होना चाहते हो? बीमार आदमी ने उसे उत्तर दिया, प्रभु, मेरे पास कोई आदमी नहीं है, ताकि जब पानी हिलाया जाए, तो मुझे कुंड में डाल दे। लेकिन जब मैं आता हूँ, तो मुझसे पहले कोई दूसरा उतर जाता है। यीशु उससे कहते हैं, उठो, अपनी चटाई उठाओ और चलो। और तुरंत वह आदमी स्वस्थ हो गया, और उसने अपनी चटाई उठाई और चलने लगा। और उस दिन सब्त का दिन था। यहूदी इसलिए चंगा किए गए व्यक्ति से कह रहे थे, सब्त है, तुझे चटाई उठाना वैध नहीं है। उसने उन्हें उत्तर दिया, जिसने मुझे स्वस्थ किया, उसी ने मुझसे कहा, अपनी चटाई उठाओ और चलो। इसलिए उन्होंने उससे पूछा, वह आदमी कौन है जिसने तुमसे कहा, अपनी चटाई उठाओ और चलो? लेकिन जो चंगा किया गया था, वह नहीं जानता था कि वह कौन है, क्योंकि यीशु उस जगह पर भीड़ होते हुए वहाँ से हट गए थे। इन बातों के बाद यीशु उसको मंदिर में पाता है और उससे कहा, देखो, तू स्वस्थ हो गया है, अब और पाप मत कर, ताकि तुझ पर कुछ और बुरा न हो जाए। वह आदमी गया और यहूदियों को सूचना दी कि यीशु ही है जिसने उसे स्वस्थ किया।

और इसी कारण यहूदी यीशु को सताते थे और उसे मारने की कोशिश करते थे, क्योंकि वह ये काम सब्त के दिन करता था। लेकिन यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, मेरा पिता अब तक कार्य करता है, और मैं भी कार्य करता हूँ। इस कारण यहूदी उसे मारने की और अधिक खोज में थे, क्योंकि वह न केवल सब्त को तोड़ रहा था, बल्कि परमेश्वर को अपना पिता कह रहा था, और स्वयं को परमेश्वर के बराबर बना रहा था।

इसलिए यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, पुत्र अपने आप से कुछ नहीं कर सकता, यदि वह पिता को करते हुए न देखे। क्योंकि जो कुछ वह करता है, वही पुत्र भी वैसे ही करता है। क्योंकि पिता पुत्र से प्रेम करता है और जो कुछ वह स्वयं करता है, वह

सब उसे दिखाता है, और इनसे भी बड़े कार्य उसे दिखाएगा, ताकि तुम आश्चर्यचकित हो। क्योंकि जैसे पिता मृतकों को उठाता है और जीवन देता है, वैसे ही पुत्र भी जिनको चाहता है जीवन देता है। क्योंकि पिता किसी का न्याय नहीं करता, बल्कि सारा न्याय पुत्र को दे दिया है। ताकि सब पुत्र का सम्मान करें जैसे पिता का सम्मान करते हैं। जो पुत्र का सम्मान नहीं करता, वह पिता का सम्मान नहीं करता जिसने उसे भेजा। सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि जो मेरे वचन को सुनता है और उसमें विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वह न्याय में नहीं आता, बल्कि मृत्यु से जीवन में पार हो चुका है। सत्य सत्य, मैं तुमसे कहता हूँ कि वह घड़ी आ रही है, और अब है, जब मृतक परमेश्वर के पुत्र की आवाज़ सुनेंगे, और जिन्होंने सुना है वे जीएंगे। क्योंकि जैसे पिता अपने आप में जीवन रखता है, वैसे ही उसने पुत्र को भी अपने आप में जीवन रखने का अधिकार दिया है। और उसने उसे अधिकार दिया, न्याय करने का अधिकार भी दिया, क्योंकि वह मनुष्य का पुत्र है। इस पर आश्चर्य मत करो, क्योंकि वह घड़ी आ रही है जिसमें वे सब जो कब्रों में हैं उसकी आवाज़ सुनेंगे, और जिन्होंने अच्छे कार्य किए हैं वे जीवन के पुनरुत्थान में आएंगे, लेकिन जिन्होंने निकृष्ट कार्य किए हैं वे न्याय के पुनरुत्थान में आएंगे।

मैं अपने आप से कुछ भी करने में सक्षम नहीं हूँ। जैसा मैं सुनता हूँ, वैसा ही न्याय करता हूँ, और मेरा निर्णय न्यायपूर्ण है, क्योंकि मैं अपनी इच्छा नहीं, बल्कि मुझे भेजने वाले पिता की इच्छा खोजता हूँ। यदि मैं अपने विषय में गवाही देता हूँ, तो मेरी गवाही सच्ची नहीं है। एक दूसरा है जो मेरे बारे में गवाही देता है, और मैं जानता हूँ कि वह गवाही सच है जो वह मेरे बारे में देता है। तुमने यूहन्ना के पास भेजा था, और उसने सत्य की गवाही दी है, लेकिन मैं आदमी से गवाही नहीं लेता हूँ, बल्कि ये बातें इसलिए कहता हूँ ताकि तुम बचाए जाओ। वह वह दीपक था जो जलता और चमकता था, लेकिन तुमने उसके प्रकाश में थोड़ी देर के लिए आनंदित होना चाहा। लेकिन मेरे पास यूहन्ना की गवाही से बड़ी गवाही है, क्योंकि जो काम पिता ने मुझे दिए हैं ताकि मैं उन्हें पूरा करूँ, वे ही काम जो मैं करता हूँ, मेरे बारे में गवाही देते हैं कि पिता ने मुझे भेजा है। और जिस पिता ने मुझे भेजा है, उसी ने मेरे विषय में गवाही दी है। तुमने न कभी उसकी आवाज़ सुनी है और न उसका रूप देखा है, और उसका वचन आप में बना नहीं रहता, क्योंकि जिसे उसने भेजा,

उस पर आप विश्वास नहीं करते। तुम शास्त्रों की जांच करते हो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उनमें अनन्त जीवन है, और वे ही हैं जो मेरे विषय में गवाही देते हैं, और तुम मेरे पास आना नहीं चाहते हो ताकि जीवन पा सको। मैं मनुष्यों से महिमा नहीं लेता। लेकिन मैं तुम्हें जानता हूँ कि तुम्हारे भीतर परमेश्वर का प्रेम नहीं है। मैं अपने पिता के नाम में आया हूँ, और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते हो, यदि कोई दूसरा अपने नाम में आता है, तो उसको तुम ग्रहण करोगे। तुम कैसे विश्वास कर सकते हो, जबकि तुम एक दूसरे से महिमा लेते हो, और जो महिमा एकमात्र परमेश्वर से मिलती है उसे नहीं खोजते? क्या तुम यह सोचते हो कि मैं पिता के सामने तुम पर आरोप लगाऊंगा? तुम पर आरोप लगाने वाला मूसा है, जिस पर तुमने आशा रखी है। यदि तुम मूसा पर विश्वास करते थे, तो तुम मुझ पर भी विश्वास करते, क्योंकि उसने मेरे बारे में लिखा था। लेकिन यदि तुम उसके लेखों पर विश्वास नहीं करते हो, तो मेरे शब्दों पर कैसे विश्वास करोगे?

6

इन बातों के बाद यीशु गलील के समुद्र, जो तिबेरियास का है, के पार गए। और एक बड़ी भीड़ उसका अनुसरण कर रही थी, क्योंकि वे उसके वे चिह्न देखते थे जो वह बीमारों पर करता था। लेकिन यीशु पहाड़ पर गए और वहाँ अपने शिष्यों के साथ बैठे। यहूदियों का त्यौहार पास्का निकट था। इसलिए यीशु ने आँखें उठाई और देखा कि एक बड़ी भीड़ उसकी ओर आ रही है, तो उसने फिलिप्पुस से कहा, हम कहाँ से रोटियाँ खरीदें ताकि ये लोग खा सकें? यह लेकिन उसने उसे परखते हुए कहा, क्योंकि वह स्वयं जानता था कि वह क्या करने वाला था। फिलिप्पुस ने उसे उत्तर दिया, दो सौ दीनार की रोटियाँ उनके लिए पर्याप्त नहीं हैं ताकि उनमें से प्रत्येक थोड़ा-सा ले सके। उसके शिष्यों में से एक, अन्द्रियास जो शिमोन पतरस का भाई था, उससे कहता है, यहाँ एक बालक है, जिसके पास पाँच जौ की रोटियाँ और दो मछलियाँ हैं, लेकिन ये इतने सारे लोगों के लिए क्या हैं? यीशु ने कहा, लोगों को बैठाओ। उस स्थान में बहुत घास थी। इसलिए पुरुष बैठ गए, उनकी संख्या लगभग पाँच हजार थी। यीशु ने रोटियाँ लीं और धन्यवाद देकर चेलों

को बाँटीं, और चेलों ने बैठे हुए लोगों को बाँटीं, इसी प्रकार मछलियों में से भी जितना वे चाहते थे। जब वे भर गए, तो वह अपने शिष्यों से कहता है, बचे हुए टुकड़ों को इकट्ठा करो, ताकि कुछ भी नष्ट न हो जाए। इसलिए उन्होंने एकत्र किया और बारह टोकरियाँ उन टुकड़ों से भर दीं जो पाँच जौ की रोटियों में से खाने वालों के लिए बचे थे। इसलिए वे लोग, जिन्होंने वह निशान देखा जो यीशु ने किया, कह रहे थे कि यह सचमुच वह नबी है जो संसार में आने वाला है। यीशु यह जानते हुए कि वे आने वाले हैं और उसे पकड़कर राजा बनाने वाले हैं, फिर से पहाड़ पर अकेले चले गए।

जब शाम हुई, तो उसके शिष्य समुद्र की ओर गए। और नाव में प्रवेश करके वे समुद्र के पार कफरनहूम की ओर आ रहे थे। और अंधकार पहले से ही हो गया था और यीशु अभी तक उनके पास नहीं आए थे। और समुद्र तेज़ हवा चलने से उभड़ रहा था। इसलिए लगभग पच्चीस या तीस स्टेड चला कर वे यीशु को समुद्र पर चलते हुए और नाव के निकट आते हुए देखते हैं, और वे डर गए। परन्तु वह उनसे कहता है, मैं हूँ, मत डरो। वे इसलिए उसे नाव में लेने को इच्छुक थे, और तुरंत नाव उस भूमि पर पहुँच गई जहाँ वे जा रहे थे।

अगले दिन समुद्र के पार खड़ी भीड़ ने देखा कि वहाँ कोई दूसरी छोटी नाव नहीं थी, केवल वह एक थी जिसमें उसके शिष्य चढ़े थे, और यह कि यीशु अपने शिष्यों के साथ उस छोटी नाव में नहीं चढ़े थे, बल्कि केवल उसके शिष्य ही चले गए थे। लेकिन तिबिरियास से कुछ नावें उस जगह के पास आईं, जहाँ उन्होंने प्रभु के धन्यवाद देने के बाद रोटी खाई थी। जब भीड़ ने देखा कि यीशु वहाँ नहीं हैं और न ही उनके शिष्य हैं, तो वे स्वयं नावों में चढ़े और यीशु को ढूँढते हुए कफरनहूम आए। और उसे समुद्र के पार पाकर उन्होंने उससे कहा, रब्बी, आप यहाँ कब आए? यीशु ने उनको उत्तर दिया और कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, तुम मुझे खोजते हो, इसलिए नहीं कि तुमने चिन्ह देखे, बल्कि इसलिए कि तुमने रोटियाँ खाई और तृप्त हुए। काम मत करो उस भोजन के लिए जो नष्ट हो जाता है, बल्कि उस भोजन के लिए जो अनन्त जीवन तक बना रहता है, जिसे मनुष्य का पुत्र तुम्हें देगा, क्योंकि परमेश्वर पिता ने इसी पर मुहर लगाई है।

इसलिए उन्होंने उससे कहा, हम क्या करें ताकि हम परमेश्वर के कार्यों को करें? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, यह परमेश्वर का काम है, कि तुम उसमें विश्वास करो जिसे उसने भेजा है।

इसलिए उन्होंने उससे कहा, तो तुम क्या निशानी दिखाते हो ताकि हम देखें और तुझ पर विश्वास करें? तुम क्या काम करते हो? हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया, जैसा कि लिखा है, स्वर्ग से रोटी उन्हें खाने के लिए दी गई। यीशु ने इसलिए उनसे कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ, मूसा ने तुम्हें स्वर्ग से रोटी नहीं दी, लेकिन मेरा पिता तुम्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी देता है। क्योंकि परमेश्वर की रोटी वह है जो स्वर्ग से उतरती है और संसार को जीवन देती है। मैंने इसलिए उससे कहा, प्रभु, हमें यह रोटी हमेशा दिया करो। यीशु ने उनसे कहा, मैं जीवन की रोटी हूँ। जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा नहीं होगा, और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा नहीं होगा।

लेकिन मैंने तुमसे कहा था कि तुमने मुझे देखा है और फिर भी विश्वास नहीं करते हो। जो कुछ पिता मुझे देता है, वह मेरे पास आएगा, और जो मेरे पास आता है उसे मैं कदापि बाहर नहीं निकालूंगा। क्योंकि मैं स्वर्ग से नीचे आया हूँ, अपनी इच्छा पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी इच्छा पूरी करने के लिए जिसने मुझे भेजा है। यह उस पिता की इच्छा है जिसने मुझे भेजा, ताकि जो कुछ उसने मुझे दिया है उसमें से मैं किसी को नष्ट न करूं, बल्कि अंतिम दिन उसे उठाऊं। यह उसकी इच्छा है जिसने मुझे भेजा, ताकि हर वह जो पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, अनन्त जीवन पाए, और मैं उसे अन्तिम दिन में उठाऊंगा। इसलिए यहूदी उसके बारे में बड़बड़ाए क्योंकि उसने कहा, मैं वह रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है। और वे कह रहे थे, क्या यह यीशु, यूसुफ का पुत्र नहीं है, जिसके पिता और माता को हम जानते हैं? तो फिर यह कैसे कहता है कि मैं स्वर्ग से उतर आया हूँ? इसलिए यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, एक दूसरे के साथ मत बड़बड़ाओ। कोई भी मेरे पास आने में सक्षम नहीं है, यदि वह पिता जिसने मुझे भेजा है उसे न खींचे, और मैं उसे अंतिम दिन उठाऊंगा। भविष्यवक्ताओं में लिखा है, और सब परमेश्वर के द्वारा सिखाए जाएंगे। हर वह जो पिता से सुनता है और सीखता है, वह मेरे पास आता है, ऐसा नहीं कि किसी ने पिता को देखा है, सिवाय उसके जो परमेश्वर के पास से है; उसी ने पिता को देखा है। सत्य सत्य मैं तुम से

कहता हूँ, जो मुझ में विश्वास करता है, वह अनन्त जीवन रखता है। मैं जीवन की रोटी हूँ। तुम्हारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया और मर गए यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरती है, ताकि कोई इसे खाए और न मरे। मैं वह जीवित रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है। यदि कोई इस रोटी में से खाएगा, तो वह सदा के लिए जीएगा। और वह रोटी जो मैं दूंगा, वह मेरा मांस है, जिसे मैं संसार के जीवन के लिए दूंगा। इसलिए यहूदी आपस में झगड़ रहे थे और कह रहे थे, यह हमें अपना मांस खाने के लिए कैसे दे सकता है? इसलिए यीशु ने उनसे कहा, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ, यदि तुम मनुष्य के पुत्र का मांस नहीं खाओगे और उसका रक्त नहीं पीओगे, तो तुम्हारे भीतर जीवन नहीं है। जो मेरा मांस खाता है और मेरा रक्त पीता है, उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं उसे अन्तिम दिन पर जिलाऊंगा। क्योंकि मेरा मांस सचमुच भोजन है, और मेरा रक्त सचमुच पेय है। जो मेरा मांस खाता है और मेरा रक्त पीता है, वह मुझमें रहता है और मैं उसमें रहता हूँ। जैसे जीवित पिता ने मुझे भेजा और मैं पिता के कारण जीता हूँ, वैसे ही जो मुझे खाता है वह भी मेरे द्वारा जीएगा। यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरी है, जैसे तुम्हारे पिताओं ने मन्ना खाया और मर गए, वैसा नहीं; जो इस रोटी को खाता है वह युगानुयुग जीवित रहेगा। ये बातें उसने कपरनहूम में सभा में सिखाते हुए कहीं।

बहुत से शिष्यों ने इसलिए सुनकर कहा, यह वचन कठोर है, कौन इसे सुन सकता है? लेकिन यीशु अपने मन में जानते हुए कि उनके शिष्य इस बारे में बड़बड़ा रहे हैं, उनसे बोले, क्या यह तुम्हें ठोकर खिलाता है? यदि तुम मनुष्य के पुत्र को वहाँ आरोहण करते हुए देखो जहाँ वह पहले था, तो क्या होगा? वह आत्मा है जो जीवित करती है, देह कुछ भी लाभ नहीं देता, जो शब्द मैं तुमसे बोलता हूँ, वे आत्मा हैं और जीवन हैं। लेकिन तुममें से कुछ ऐसे हैं जो विश्वास नहीं करते। क्योंकि यीशु आरंभ से जानता था कि कौन विश्वास नहीं करते हैं और कौन उसे पकड़वाने वाला है। और उसने कहा, इसलिए मैंने तुमसे कहा है कि कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता, यदि यह उसे मेरे पिता की ओर से दिया न गया हो। इस से उसके बहुत से शिष्य पीछे चले गए और अब उसके साथ नहीं चलते थे। इसलिए यीशु ने बारह को कहा, क्या आप भी जाना चाहते हो? शिमोन पतरस ने इसलिए उसको उत्तर दिया, प्रभु, हम किसके पास जाएंगे? अनन्त जीवन के वचन तेरे

पास हैं। और हमने विश्वास किया है और जान लिया है कि तुम मसीह हो, जीवित परमेश्वर के पुत्र। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, क्या मैंने तुम बारह को नहीं चुना? और तुममें से एक शैतान है। वह यहूदा शमौन इस्करियोती के बारे में कह रहा था, क्योंकि वह उसे पकड़वाने वाला था, जो बारह में से एक था।

7

और इन बातों के बाद यीशु गलील में चल रहा था, क्योंकि वह यहूदिया में चलना नहीं चाहता था, क्योंकि यहूदी उसे मारने की खोज में थे। यहूदियों का तम्बुओं का त्योहार निकट था। इसलिए उसके भाइयों ने उससे कहा, यहाँ से प्रस्थान करो और यहूदिया जाओ, ताकि तुम्हारे शिष्य भी तुम्हारे उन कार्यों को देखें जो तुम करते हो। कोई भी गुप्त में कुछ नहीं करता और स्वयं खुलेआम होने की चाह रखता है। यदि तू ये काम करता है, तो अपने आप को संसार के सामने प्रकट कर। क्योंकि उसके भाई भी उस पर विश्वास नहीं करते थे। यीशु इसलिए उनसे कहते हैं, मेरा समय अभी तक उपस्थित नहीं है, लेकिन तुम्हारा समय हमेशा तैयार है। संसार तुमसे नफरत नहीं कर सकता, लेकिन मुझसे नफरत करता है, क्योंकि मैं उसके बारे में गवाही देता हूँ कि उसके कर्म बुरे हैं। तुम इस त्योहार में जाओ, मैं अभी तक इस त्योहार में नहीं जा रहा हूँ, क्योंकि मेरा समय अभी तक पूरा नहीं हुआ है। ये बातें उनसे कहकर वह गलील में रहा। जब उसके भाई ऊपर गए, तब वह भी पर्व में गया, खुलकर नहीं, बल्कि गुप्त रूप से। इसलिए यहूदी उसको पर्व में खोज रहे थे और कह रहे थे, वह कहाँ है? और भीड़ों में उसके बारे में बहुत बड़बड़ाहट थी। कुछ लोग कह रहे थे कि वह अच्छा है, दूसरे कह रहे थे, नहीं, बल्कि वह भीड़ को भटकाता है। तथापि कोई भी उसके विषय में खुलकर नहीं बोल रहा था, यहूदियों के डर के कारण।

पहले से ही त्योहार के बीच में होने पर, यीशु मंदिर में गए और सिखाने लगे। और यहूदी चकित हुए और कहने लगे, यह बिना सीखे अक्षरों को कैसे जानता है? यीशु ने इसलिए उनको उत्तर

दिया और कहा, मेरी शिक्षा मेरी नहीं है, लेकिन उसकी है जिसने मुझे भेजा। यदि कोई उसकी इच्छा को पूरा करना चाहता है, तो वह शिक्षा के विषय में जानेगा कि क्या यह परमेश्वर से है या मैं अपनी ओर से बोलता हूँ। जो अपने आप से बोलता है वह अपनी महिमा खोजता है, लेकिन जो उसे भेजने वाले की महिमा खोजता है, वह सच्चा है, और उसमें कोई अन्याय नहीं है। क्या मूसा ने तुम्हें वह कानून नहीं दिया है? और तुममें से कोई भी उस कानून का पालन नहीं करता है। तुम मुझे मारने की कोशिश क्यों कर रहे हो? भीड़ ने उत्तर दिया और कहा, तुम्हारे पास दुष्टात्मा है। कौन तुम्हें मारने की कोशिश कर रहा है? यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, मैंने एक काम किया, और इस कारण सब आश्चर्य करते हैं। मूसा ने तुम्हें खतना दिया है, यह इसलिए नहीं कि यह मूसा से है, बल्कि पूर्वजों से है, और तुम सब्त के दिन आदमी का खतना करते हो। यदि आदमी सब्त के दिन खतना करवाता है ताकि मूसा का नियम न तोड़ा जाए, तो क्या तुम मुझ पर क्रोधित होते हो क्योंकि मैंने सब्त के दिन एक पूरे आदमी को स्वस्थ बनाया? दिखावे के अनुसार न्याय मत करो, बल्कि न्यायपूर्ण न्याय करो। इसलिए यरूशलेम के कुछ लोग कह रहे थे, क्या यह वही नहीं है जिसे वे मारना चाहते हैं? और देखो, वह खुलेआम बोल रहा है, और वे उससे कुछ नहीं कहते हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि शासकों ने सचमुच जान लिया है कि यह वास्तव में मसीह है? लेकिन हम जानते हैं कि यह कहाँ से है, परन्तु मसीह जब आएगा, तो कोई नहीं जानता कि वह कहाँ से है। इसलिए यीशु ने मंदिर में सिखाते हुए पुकारा और कहा, तुम मुझे जानते हो, और जानते हो कि मैं कहाँ से हूँ, और मैं अपने आप से नहीं आया हूँ, लेकिन वह सत्य है जिसने मुझे भेजा है, जिसे तुम नहीं जानते हो। मैं उसे जानता हूँ, क्योंकि मैं उसी से हूँ और उसी ने मुझे भेजा है। इसलिए वे उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, और किसी ने भी उस पर हाथ नहीं डाला, क्योंकि अभी तक उसकी घड़ी नहीं आई थी। लेकिन भीड़ में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया और कहने लगे कि जब मसीह आएगा, तो क्या वह इनसे अधिक चिन्ह करेगा जो इसने किए हैं? फरीसियों ने भीड़ को उसके बारे में ये बातें बड़बड़ाते हुए सुना, और फरीसियों और मुख्य याजकों ने सहायकों को भेजा ताकि वे उसे पकड़ें। यीशु ने इसलिए कहा, मैं अभी थोड़े समय के लिए तुम्हारे साथ हूँ और फिर उसके पास जाऊँगा जिसने मुझे भेजा है। तुम मुझे ढूँढोगे और नहीं पाओगे, और जहाँ मैं हूँ, तुम वहाँ आ नहीं सकते। इसलिए यहूदियों ने आपस में कहा, यह कहाँ

जाने वाला है कि हम उसे नहीं पाएंगे? कहीं यह यूनानियों के बिखराव में जाने वाला है और यूनानियों को सिखाने वाला है? यह कौन सा वचन है जो उसने कहा, तुम मुझे खोजोगे और नहीं पाओगे, और जहाँ मैं हूँ, तुम वहाँ आने में सक्षम नहीं हो?

उस पर्व के अंतिम महान दिन में यीशु खड़े हुए और पुकारकर कहा, यदि कोई प्यासा है, तो मेरे पास आए और पीए। जो मुझ में विश्वास करता है, जैसा कि शास्त्र ने कहा है, उसके पेट से जीवित जल की नदियाँ बहेगी। लेकिन यह उसने उस आत्मा के बारे में कहा था जिसे वे प्राप्त करने वाले थे जो उस पर विश्वास करते थे, क्योंकि पवित्र आत्मा अभी तक नहीं था, क्योंकि यीशु अभी तक महिमामंडित नहीं हुए थे। इसलिए भीड़ में से बहुत लोगों ने वचन सुनकर कहा, यह सचमुच वह भविष्यवक्ता है। दूसरे कह रहे थे, यह मसीह है, दूसरे कह रहे थे, क्या गलील से मसीह आता है? क्या लेखन ने नहीं कहा कि मसीह दाऊद के बीज से और बैतलहम गाँव से आता है, जहाँ दाऊद था? इसलिए भीड़ में उसके कारण विभाजन हो गया। कुछ लोग उनमें से उसे पकड़ना चाहते थे, लेकिन किसी ने भी उस पर हाथ नहीं डाला। इसलिए सहायक मुख्य पुजारियों और फरीसियों के पास आए, और उन्होंने उनसे कहा, तुम उसे क्यों नहीं लाए? सहायकों ने उत्तर दिया, कभी किसी मनुष्य ने इस प्रकार नहीं बोला, जैसे इस मनुष्य ने बोला। फरीसियों ने इसलिए उनको उत्तर दिया, क्या तुम भी भटकाए गए हो? क्या शासकों में से किसी ने उस पर विश्वास किया या फरीसियों में से? लेकिन यह भीड़ जो व्यवस्था को नहीं जानती, शापित है निकोदेमुस उनसे कहता है, जो रात को उसके पास आया था, जो उनमें से एक था, क्या हमारा कानून किसी आदमी को दोषी ठहराता है, अगर पहले उससे न सुने और यह न जाने कि वह क्या करता है? उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, क्या तू भी गलील से है? खोज और देख कि गलील से कोई भविष्यवक्ता नहीं उठा है। और प्रत्येक अपने घर चला गया।

8

लेकिन यीशु जैतून के पहाड़ पर गया। भोर में वह फिर मंदिर आया, और सब लोग उसके पास आ रहे थे, और बैठकर वह उन्हें सिखा रहा था। शास्त्री और फरीसी व्यभिचार में पकड़ी गई एक स्त्री को ले आए, और उसे बीच में खड़ा किया। वे उससे कहते हैं, गुरु, यह स्त्री व्यभिचार करते हुए रंगे हाथों पकड़ी गई है, और हमारे कानून में मूसा ने ऐसी स्त्रियों को पत्थर मारने की आज्ञा दी। तुम इसलिए क्या कहते हो? यह उन्होंने उसे परखने के लिए कहा, ताकि उसके विरुद्ध आरोप लगाने का कोई कारण मिल जाए। लेकिन यीशु नीचे झुककर उंगली से भूमि पर लिख रहे थे। जब वे उससे पूछते रहे, तो वह सीधा खड़ा हुआ और उनसे कहा, तुममें से जो निष्पाप है, वह पहले उस पर पत्थर फेंके। और फिर नीचे झुककर वह भूमि पर लिख रहा था। परन्तु सुनकर वे एक-एक करके बाहर चले गए, बुजुर्गों से आरम्भ करके, और यीशु तथा वह स्त्री जो बीच में थी, रह गए। ऊपर देखकर यीशु ने उससे कहा, हे स्त्री, वे कहाँ हैं? क्या किसी ने तुम्हें दोषी नहीं ठहराया? उसने कहा, कोई नहीं, प्रभु। तब यीशु ने कहा, मैं भी तुम्हें दोषी नहीं ठहराता, जाओ और अब से फिर कभी पाप मत करो।

फिर यीशु ने उनसे कहा, मैं संसार का प्रकाश हूँ। जो मेरा अनुसरण करता है, वह अंधकार में नहीं चलेगा, बल्कि जीवन का प्रकाश पाएगा। इसलिए फरीसियों ने उससे कहा, तू अपने बारे में गवाही देता है, तेरी गवाही सच्ची नहीं है। यीशु ने उत्तर दिया और उनसे कहा, यदि मैं अपने विषय में गवाही देता हूँ, तो भी मेरी गवाही सच्ची है, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं कहाँ से आया और कहाँ जा रहा हूँ, लेकिन तुम नहीं जानते कि मैं कहाँ से आता हूँ या कहाँ जा रहा हूँ। तुम शरीर के अनुसार न्याय करते हो, मैं किसी का न्याय नहीं करता। और यदि मैं न्याय करूँ भी, तो मेरा न्याय सच्चा है, क्योंकि मैं अकेला नहीं हूँ, बल्कि मैं और वह पिता जिसने मुझे भेजा है। और तुम्हारे कानून में भी लिखा है कि दो मनुष्यों की गवाही सच होती है। मैं वह हूँ जो अपने बारे में गवाही देता है, और मेरे बारे में गवाही देता है वह पिता जिसने मुझे भेजा। इसलिए वे उससे कह रहे थे, तुम्हारा पिता कहाँ है? यीशु ने उत्तर दिया, तुम न मुझे जानते हो और न मेरे पिता को। यदि तुम मुझे जानते, तो मेरे पिता को भी जानते। ये शब्द यीशु ने खजाने में बोले, जब वे मंदिर में सिखा रहे थे, और किसी ने उन्हें नहीं पकड़ा, क्योंकि उनकी घड़ी अभी तक नहीं आई थी।

यीशु ने इसलिए उनसे फिर कहा, मैं जा रहा हूँ और तुम मुझे खोजोगे, और तुम अपने पाप में मरोगे; जहाँ मैं जा रहा हूँ, तुम वहाँ आ नहीं सकते। इसलिए यहूदी कह रहे थे, क्या वह अपने आप को मार डालेगा, क्योंकि वह कहता है, जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते? और उसने उनसे कहा, तुम नीचे के हो, मैं ऊपर का हूँ; तुम इस संसार के हो, मैं इस संसार का नहीं हूँ। इसलिए मैंने तुमसे कहा कि तुम अपने पापों में मरोगे, क्योंकि यदि तुम विश्वास नहीं करते कि मैं हूँ, तो तुम अपने पापों में मरोगे। वे उससे कह रहे थे, तुम कौन हो? और यीशु ने उनसे कहा, वही जो मैं शुरुआत से तुमसे कह रहा हूँ। मेरे पास तुम्हारे बारे में बोलने और न्याय करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जिसने मुझे भेजा है वह सच्चा है, और जो मैंने उससे सुना है, वही मैं संसार में कहता हूँ। उन्हें समझ नहीं आया कि वह उनसे पिता के बारे में कह रहा था। यीशु ने इसलिए उनसे कहा, जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठाओगे, तब तुम जानोगे कि मैं हूँ, और मैं अपने आप से कुछ नहीं करता, लेकिन जैसा मेरे पिता ने मुझे सिखाया, वैसा ही मैं ये बातें बोलता हूँ। और जिसने मुझे भेजा है वह मेरे साथ है, पिता ने मुझे अकेला नहीं छोड़ा, क्योंकि मैं वह करता हूँ जो उसे सदा प्रिय है। जब वह ये बातें बोल रहा था, तो बहुत लोगों ने उस पर विश्वास किया।

इसलिए यीशु उन यहूदियों से जो उस पर विश्वास कर चुके थे, कह रहे थे, यदि तुम मेरे वचन में बने रहो, तो सचमुच तुम मेरे शिष्य हो। और तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें मुक्त करेगा। उन्होंने उसको उत्तर दिया, हम अब्राहम के वंशज हैं और हम कभी किसी के गुलाम नहीं रहे हैं, तो तुम कैसे कहते हो कि तुम स्वतंत्र हो जाओगे? यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई पाप करता है वह पाप का दास है। परन्तु दास घर में सदा के लिए नहीं रहता, पुत्र सदा के लिए रहता है। यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करे, तो तुम सचमुच स्वतंत्र होगे। मैं जानता हूँ कि तुम अब्राहम के वंशज हो, लेकिन तुम मुझे मारने की कोशिश करते हो, क्योंकि मेरा वचन तुममें नहीं समाता है। मैं जो कुछ अपने पिता के पास देखा है वह बोलता हूँ, और तुम भी जो कुछ अपने पिता के पास देखा है वह करते हो। उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, हमारा पिता अब्राहम है। यीशु ने उनसे कहा, यदि तुम अब्राहम की संतान होते, तो अब्राहम के कर्म करते। लेकिन अब तुम मुझे मारने की कोशिश कर रहे हो, एक ऐसे आदमी को जिसने तुम्हें वह

सत्य बताया है जो मैंने परमेश्वर से सुना। यह अब्राहम ने नहीं किया। तुम अपने पिता के कार्य करते हो। इसलिए उन्होंने उससे कहा, हम व्यभिचार से पैदा नहीं हुए हैं, हमारा एक पिता है, परमेश्वर। इसलिए यीशु ने उनसे कहा, यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझसे प्रेम करते, क्योंकि मैं परमेश्वर से निकला और आया हूँ, और न ही मैं अपने आप से आया हूँ, बल्कि उसने मुझे भेजा। तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते हो? क्योंकि तुम मेरा वचन सुनने में सक्षम नहीं हो। तुम शैतान पिता से हो, और तुम अपने पिता की इच्छाओं को पूरा करना चाहते हो। वह शुरुआत से हत्यारा था और सच्चाई में नहीं खड़ा है, क्योंकि उसमें सच्चाई नहीं है। जब वह झूठ बोलता है, तो अपने स्वभाव से बोलता है, क्योंकि वह झूठा है और झूठ का पिता है। लेकिन मैं क्योंकि सत्य कहता हूँ, तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते। तुम में से कौन मुझे पाप के बारे में सिद्ध करता है? यदि मैं सत्य कहता हूँ, तो तुम मुझ पर विश्वास क्यों नहीं करते हो? जो परमेश्वर से है वह परमेश्वर के वचन सुनता है, इसलिए तुम नहीं सुनते हो, क्योंकि तुम परमेश्वर से नहीं हो। इसलिए यहूदियों ने उत्तर दिया और उससे कहा, क्या हम ठीक नहीं कहते कि तुम सामरी हो और तुममें दुष्टात्मा है? यीशु ने उत्तर दिया, मेरे पास कोई दुष्टात्मा नहीं है, लेकिन मैं अपने पिता का सम्मान करता हूँ, और तुम मेरा अपमान करते हो। लेकिन मैं अपनी महिमा नहीं खोजता हूँ; वह है जो खोजता है और न्याय करता है। सत्य सत्य, मैं तुम से कहता हूँ, यदि कोई मेरे वचन को रखे, तो वह मृत्यु को युगानुयुग नहीं देखेगा। इसलिए यहूदियों ने उससे कहा, अब हमने जान लिया है कि तुझमें दुष्टात्मा है। अब्राहम मर गया और भविष्यवक्ता भी मर गए, और तू कहता है, यदि कोई मेरे वचन को माने, तो वह कभी मृत्यु का स्वाद नहीं चखेगा। क्या तुम हमारे पिता अब्राहम से बड़े हो, जो मर गए? और भविष्यवक्ता भी मर गए। तुम अपने आप को क्या बनाते हो? यीशु ने उत्तर दिया, यदि मैं स्वयं को महिमा दूँ, तो मेरी महिमा कुछ नहीं है। मेरा पिता है जो मुझे महिमा देता है, जिसे तुम कहते हो कि वह तुम्हारा परमेश्वर है। और तुमने उसे नहीं जाना है, लेकिन मैं उसे जानता हूँ। और अगर मैं कहूँ कि मैं उसे नहीं जानता हूँ, तो मैं तुम्हारे समान झूठा होऊँगा, लेकिन मैं उसे जानता हूँ और उसके वचन को रखता हूँ। तुम्हारे पिता अब्राहम इसलिए प्रसन्न हुए कि वे मेरा दिन देखें, और उन्होंने देखा और आनंदित हुए। इसलिए यहूदियों ने उससे कहा, तुम्हारी उम्र अभी पचास वर्ष भी नहीं है और तुमने अब्राहम को देखा है? यीशु ने उनसे कहा, सच सच मैं तुमसे

कहता हूँ, इब्राहीम के होने से पहले मैं हूँ। इसलिए उन्होंने पत्थर उठाए ताकि वे उस पर फेंकें। लेकिन यीशु छिप गए, और मंदिर से बाहर निकल गए, उनके बीच से होकर गुजरते हुए, और इस प्रकार चले गए।

9

और गुजरते हुए उसने एक आदमी को देखा जो जन्म से अंधा था। और उसके शिष्यों ने उससे पूछा, रब्बी, किसने पाप किया, इसने या इसके माता-पिता ने, कि यह अंधा पैदा हुआ? यीशु ने उत्तर दिया, न तो इसने पाप किया और न ही इसके माता-पिता ने, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर के कार्य इसमें प्रकट हों। मुझे उसके कार्यों को करना आवश्यक है जिसने मुझे भेजा है, जब तक दिन है, रात आती है जब कोई भी काम करने में सक्षम नहीं है। जब भी मैं संसार में हूँ, मैं संसार का प्रकाश हूँ। ये बातें कहकर उसने जमीन पर थूका और थूक से मिट्टी बनाई, और उस मिट्टी को अंधे की आँखों पर लगाया। और उसने उससे कहा, जाओ, सिलोअम के तालाब में धो लो, जिसका अर्थ है भेजा हुआ। इसलिए वह गया और धोया, और देखता हुआ वापस आया।

इसलिए पड़ोसी और जो उसे पहले देखते थे कि वह अंधा था, कह रहे थे, क्या यह वही नहीं है जो बैठा और भीख माँगता था? दूसरे कह रहे थे कि यह वही है, लेकिन दूसरे कह रहे थे कि यह उसके समान है। वह कह रहा था कि मैं हूँ। इसलिए वे उससे कह रहे थे, तुम्हारी आँखें कैसे खोली गई? उस ने उत्तर दिया और कहा, यीशु नाम का एक मनुष्य ने मिट्टी बनाई और मेरी आँखों पर लगाई, और मुझसे कहा, सिलोअम के तालाब में जाकर धो लो। तो मैं गया और धोया, और मुझे दृष्टि मिल गई। इसलिए उन्होंने उससे कहा, वह कहाँ है? वह कहता है, मैं नहीं जानता।

वे उसको फरीसियों के पास ले जाते हैं, जो कभी अंधा था। यह सब्बाथ का दिन था जब यीशु ने मिट्टी बनाई और उसकी आँखें खोलीं। फिर इसलिए फरीसी उससे पूछ रहे थे कि वह कैसे देखने

लगा। लेकिन उसने उन्हें कहा, उसने मेरी आँखों पर मिट्टी रखी, और मैंने धोया, और मैं देखता हूँ। इसलिए फरीसियों में से कुछ कह रहे थे, यह मनुष्य परमेश्वर की ओर से नहीं है, क्योंकि यह सब्ब को नहीं मानता। दूसरे कह रहे थे, एक पापी मनुष्य ऐसे चिन्ह कैसे कर सकता है? और उनमें विभाजन था। वे अंधे से फिर कहते हैं, तू उसके बारे में क्या कहता है, जिसने तेरी आँखें खोलीं? उसने कहा, वह भविष्यवक्ता है। इसलिए यहूदियों ने उसके बारे में विश्वास नहीं किया कि वह अंधा था और उसने दृष्टि प्राप्त की, जब तक कि उन्होंने उसके माता-पिता को नहीं बुलाया जिसने दृष्टि प्राप्त की थी। और उन्होंने उनसे पूछा, क्या यह तुम्हारा पुत्र है, जिसके बारे में तुम कहते हो कि अंधा जन्मा था? फिर अभी यह कैसे देखता है? उसके माता-पिता ने उनको उत्तर दिया और कहा, हम जानते हैं कि यह हमारा पुत्र है और कि यह अंधा पैदा हुआ था, लेकिन अब वह कैसे देखता है हम नहीं जानते, या किसने उसकी आँखें खोलीं हम नहीं जानते, वह वयस्क है, उससे पूछो, वह अपने बारे में खुद बोलेगा। ये बातें उसके माता-पिता ने इसलिए कहीं क्योंकि वे यहूदियों से डरते थे, क्योंकि यहूदी पहले से ही सहमत हो चुके थे कि यदि कोई उसे मसीह स्वीकार करे, तो वह सभागृह से निष्कासित कर दिया जाए। इसी कारण उसके माता-पिता ने कहा कि उसकी आयु है, उससे पूछो। इसलिए उन्होंने उस आदमी को दूसरी बार बुलाया जो अंधा था, और उससे कहा, परमेश्वर को महिमा दो; हम जानते हैं कि यह आदमी पापी है। उसने इसलिए उत्तर दिया और कहा, यदि वह पापी है, मैं नहीं जानता; एक बात मैं जानता हूँ कि मैं अंधा था और अभी देखता हूँ। मैंने उससे फिर कहा, उसने तुम्हारे साथ क्या किया? उसने तुम्हारी आँखें कैसे खोलीं? उसने उन्हें उत्तर दिया, मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया, और तुमने नहीं सुना। क्या तुम फिर से सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके शिष्य बनना चाहते हो? उन्होंने उसे गाली दी और कहा, तू उसका चेला है, लेकिन हम मूसा के चेले हैं। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा से बात की है, लेकिन हम नहीं जानते कि यह कहाँ से है। उस आदमी ने उत्तर दिया और उनसे कहा, इसमें तो आश्चर्यजनक बात यह है कि तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से है, और उसने मेरी आँखें खोल दीं। हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता, लेकिन यदि कोई ईश्वर-भयभीत हो और उसकी इच्छा पूरी करे, तो उसकी सुनता है। युग से यह नहीं सुना गया कि किसी ने जन्म से अंधे की आँखें खोलीं। यदि यह परमेश्वर से नहीं होता, तो यह कुछ भी करने में सक्षम नहीं होता।

उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, तू पूरी तरह पापों में जन्मा है, और तू हमें सिखाता है? और उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया। यीशु ने सुना कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया, और उसे पाकर उससे कहा, क्या तू परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता है? उसने उत्तर दिया और कहा, और कौन है, प्रभु, ताकि मैं उस पर विश्वास करूँ? यीशु ने उससे कहा, और तुमने उसे देखा है और जो तुम्हारे साथ बोल रहा है वह वही है। उसने कहा, मैं विश्वास करता हूँ, प्रभु, और उसने उसे दंडवत किया। और यीशु ने कहा, मैं इस संसार में न्याय के लिए आया हूँ, ताकि जो नहीं देखते वे देखें, और जो देखते हैं वे अंधे हो जाएं। और फरीसियों में से जो उसके साथ थे, उन्होंने ये बातें सुनीं, और उन्होंने उससे कहा, क्या हम भी अंधे हैं? यीशु ने उनसे कहा, यदि तुम अंधे होते, तो तुम्हें पाप नहीं होता, लेकिन अब तुम कहते हो कि हम देखते हैं, इसलिए तुम्हारा पाप बना रहता है।

10

सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, जो द्वार से भेड़ों के आँगन में प्रवेश नहीं करता, लेकिन कहीं और से चढ़कर आता है, वह चोर है और डाकू है। लेकिन जो दरवाजे से प्रवेश करता है, वह भेड़ों का चरवाहा है। इसके लिए द्वारपाल द्वार खोलता है, और भेड़ें उसकी आवाज़ सुनती हैं, और वह अपनी भेड़ों को नाम से बुलाता है और उन्हें बाहर ले जाता है। और जब वह अपनी भेड़ों को बाहर निकालता है, तो वह उनके आगे चलता है, और भेड़ें उसके पीछे चलती हैं, क्योंकि वे उसकी आवाज़ जानती हैं। विदेशी का वे अनुसरण नहीं करेंगे, बल्कि वे उससे भागेंगे, क्योंकि वे विदेशियों की आवाज़ नहीं जानते हैं। यह दृष्टांत यीशु ने उनसे कहा, लेकिन वे नहीं समझे कि वह उनसे क्या कह रहे थे। यीशु ने इसलिए उनसे फिर कहा, सचमुच सचमुच मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं भेड़ों का दरवाज़ा हूँ। वे सब जो मुझसे पहले आए, चोर और डाकू हैं, लेकिन भेड़ों ने उनकी नहीं सुनी। मैं द्वार हूँ, मेरे द्वारा यदि कोई प्रवेश करे, तो वह बचाया जाएगा, और वह प्रवेश करेगा और बाहर जाएगा, और चारागाह पाएगा। चोर केवल चुराने, मारने और नष्ट करने के लिए आता है, मैं इसलिए आया हूँ कि वे जीवन पाएँ और भरपूर जीवन पाएँ। मैं वह अच्छा चरवाहा हूँ। वह अच्छा

चरवाहा अपनी आत्मा भेड़ों के लिए रखता है। वह मजदूर जो चरवाहा नहीं है, जिसकी अपनी भेड़ें नहीं हैं, भेड़िये को आते हुए देखता है और भेड़ों को छोड़कर भाग जाता है, और भेड़िया उन्हें छीन लेता है और भेड़ों को तितर-बितर कर देता है। लेकिन वह मजदूर भाग जाता है, क्योंकि वह मजदूर है और उसे भेड़ों की परवाह नहीं है। मैं वह अच्छा चरवाहा हूँ, और मैं अपनों को जानता हूँ और अपनों द्वारा जाना जाता हूँ, जैसे पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूँ, वैसे ही मैं अपनी आत्मा भेड़ों के लिए अर्पित करता हूँ। और मेरे पास अन्य भेड़ें भी हैं, जो इस आंगन की नहीं हैं, और उन्हें भी मुझे लाना आवश्यक है, और वे मेरे स्वर को सुनेंगी, और एक झुंड होगा, एक चरवाहा होगा। इस कारण पिता मुझसे प्रेम करता है, क्योंकि मैं अपनी आत्मा को अर्पित करता हूँ, ताकि फिर से इसे ले लूँ। कोई इसे मुझसे नहीं लेता, बल्कि मैं इसे स्वयं से रखता हूँ। मुझे इसे रखने का अधिकार है, और मुझे इसे फिर से लेने का अधिकार है। यह आदेश मैंने अपने पिता से प्राप्त किया। इसलिए यहूदियों में इन शब्दों के कारण फिर विभाजन हो गया। उनमें से कई कह रहे थे, वह दुष्टात्मा से ग्रस्त है और पागल है, तुम उसकी क्यों सुनते हो? दूसरे कह रहे थे, ये शब्द किसी भूत-ग्रस्त व्यक्ति के नहीं हैं, क्या भूत अंधों की आँखें खोल सकता है?

यरूशलेम में समर्पण का पर्व हुआ, और सर्दी का मौसम था। और यीशु मंदिर में सुलैमान के बरामदे में चल रहा था। इसलिए यहूदियों ने उसे घेर लिया और उससे कहने लगे, कब तक तू हमारी आत्मा को उठाए रखेगा? यदि तू मसीह है, तो हमें खुलकर बता दे। यीशु ने उनको उत्तर दिया, मैंने तुमसे कहा, और तुम विश्वास नहीं करते। जो कार्य मैं अपने पिता के नाम में करता हूँ, वे मेरे बारे में गवाही देते हैं। लेकिन तुम विश्वास नहीं करते हो, क्योंकि तुम मेरी भेड़ों में से नहीं हो, जैसा मैंने तुमसे कहा था। मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरा अनुसरण करती हैं। और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ, और वे युगानुयुग नष्ट नहीं होंगे, और कोई उन्हें मेरे हाथ से नहीं छीनेगा। मेरे पिता, जिन्होंने मुझे दिया है, सबसे बड़े हैं, और कोई भी मेरे पिता के हाथ से छीनने में सक्षम नहीं है। मैं और पिता एक हैं। इसलिए यहूदियों ने फिर से पत्थर उठाए ताकि वे उसे पत्थर मारें। यीशु ने उनको उत्तर दिया, मैंने तुमको अपने पिता से बहुत अच्छे काम दिखाए हैं, उनमें से किस काम के कारण तुम मुझे पत्थर मारते हो? यहूदियों ने उसे उत्तर

देते हुए कहा, हम तुम्हें किसी अच्छे काम के लिए पत्थर नहीं मार रहे हैं, बल्कि निन्दा के लिए, और इसलिए कि तुम मनुष्य होते हुए अपने आप को परमेश्वर बनाते हो। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, क्या तुम्हारे कानून में यह नहीं लिखा है, मैंने कहा, तुम देवता हो? यदि उसने उन्हें देवता कहा जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, और शास्त्र तोड़ा नहीं जा सकता, जिसे पिता ने पवित्र किया और संसार में भेजा, तुम कहते हो कि निन्दा करता है, क्योंकि मैंने कहा, परमेश्वर का पुत्र हूँ? यदि मैं अपने पिता के कार्य नहीं करता हूँ, तो मुझ पर विश्वास मत करो। यदि परन्तु मैं करता हूँ, तो यदि तुम मुझ पर विश्वास न भी करो, तो कर्मों पर विश्वास करो, ताकि तुम जान लो और विश्वास कर लो कि पिता मुझमें है और मैं उसमें हूँ। इसलिए वे फिर उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, और वह उनके हाथ से निकल गया।

और वह फिर यरदन के पार उस स्थान में चला गया जहाँ यूहन्ना पहले बपतिस्मा दे रहा था, और वहाँ रहा। और बहुत से लोग उसके पास आए और कह रहे थे कि यूहन्ना ने वास्तव में कोई चिन्ह नहीं किया, लेकिन जितनी भी बातें यूहन्ना ने इसके विषय में कहीं, वे सब सच थीं। और वहाँ बहुतों ने उस पर विश्वास किया।

11

बेथनी से लाज़र नाम का एक बीमार व्यक्ति था, जो मरियम और उसकी बहन मार्था के गाँव से था। मरियम वह थी जिसने प्रभु को इत्र से लगाया था और उसके पैरों को अपने बालों से पोंछा था, जिसका भाई लाजर बीमार था। इसलिए बहनों ने उसके पास यह कहते हुए भेजा, हे प्रभु, देखो, जिसे तुम प्रेम करते हो वह बीमार है। लेकिन यह सुनकर यीशु ने कहा, यह बीमारी मृत्यु के लिए नहीं है, बल्कि परमेश्वर की महिमा के लिए है, ताकि इसके द्वारा परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो। यीशु मार्था और उसकी बहन और लाज़र से प्रेम करते थे। जब उसने सुना कि वह बीमार है, तो वह उस स्थान पर जहाँ वह था, दो दिन तक रहा। फिर इसके बाद वह शिष्यों से कहता है,

आओ, यहूदिया में फिर चलें। शिष्य उससे कहते हैं, रब्बी, अभी यहूदी आपको पत्थर मारने की कोशिश कर रहे थे, और आप फिर से वहाँ जा रहे हैं? यीशु ने उत्तर दिया, क्या दिन के बारह घंटे नहीं होते हैं? यदि कोई दिन में चलता है, तो वह ठोकर नहीं खाता, क्योंकि वह इस संसार का प्रकाश देखता है। लेकिन यदि कोई रात में चलता है, तो वह ठोकर खाता है, क्योंकि प्रकाश उसमें नहीं है। उसने ये बातें कहीं, और इसके बाद उनसे कहता है, हमारा मित्र लाज़र सो गया है, लेकिन मैं जा रहा हूँ ताकि उसे जगाऊँ। इसलिए उसके शिष्यों ने कहा, हे प्रभु, यदि वह सो गया है, तो वह बच जाएगा। लेकिन यीशु ने उसकी मृत्यु के बारे में कहा था, लेकिन उन्हें लगा कि वह नींद की नींद के बारे में कह रहा है। तब यीशु ने उनसे खुलकर कहा, लाज़र मर गया है। और मैं तुम्हारे कारण प्रसन्न हूँ, ताकि तुम विश्वास करो, क्योंकि मैं वहाँ नहीं था, लेकिन चलो हम उसके पास जाएँ। इसलिए थोमा, जो दिदुमुस कहा जाता है, ने साथी शिष्यों से कहा, चलो हम भी चलें ताकि हम उसके साथ मरें।

इसलिए यीशु आकर उसे पाया जो पहले से चार दिन कब्र में रखा हुआ था। बैतनिय्याह यरूशलेम के निकट था, लगभग पंद्रह स्टेडियनों की दूरी पर। और यहूदियों में से बहुत से लोग मार्था और मरियम के पास आए थे ताकि उनके भाई के विषय में उन्हें सांत्वना दें। तो मार्था ने जब सुना कि यीशु आ रहे हैं, उनसे मिलने गई, लेकिन मरियम घर में बैठी रही। इसलिए मार्था ने यीशु से कहा, प्रभु, यदि आप यहाँ होते, तो मेरा भाई नहीं मरता। लेकिन अब भी मैं जानता हूँ कि जितना भी तू परमेश्वर से माँगेगा, परमेश्वर तुझे देगा। यीशु उससे कहते हैं, तुम्हारा भाई जी उठेगा। मार्था उससे कहती है, मैं जानती हूँ कि वह अंतिम दिन के पुनरुत्थान में उठेगा। यीशु ने उससे कहा, मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ। जो मुझ में विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तो भी जीएगा, और हर वह जो जीवित है और मुझ में विश्वास करता है, वह युग तक कभी नहीं मरेगा। क्या तुम इस पर विश्वास करते हो? वह उससे कहती है, हाँ प्रभु, मैंने विश्वास किया है कि आप वह मसीह हैं, परमेश्वर के पुत्र, जो संसार में आने वाले हैं। और ये बातें कहकर वह चली गई और उसने अपनी बहन मरियम को गुप्त रूप से बुलाया और कहा, शिक्षक यहाँ उपस्थित हैं और तुम्हें बुला रहे हैं। जब उसने सुना, वह शीघ्रता से उठी और उसके पास आई। अभी तक यीशु गाँव में नहीं

आए थे, लेकिन वे उस स्थान पर थे जहाँ मार्था उनसे मिली थी। इसलिए वे यहूदी जो उसके साथ घर में थे और उसे सात्वना दे रहे थे, मरियम को देखकर कि वह शीघ्रता से उठी और बाहर गई, उसके पीछे गए, यह कहते हुए कि वह कब्र पर जा रही है ताकि वहाँ रोए। इसलिए मरियम जब वहाँ आई जहाँ यीशु थे, उन्हें देखकर उनके पैरों में गिर पड़ी और उनसे कहा, प्रभु, यदि आप यहाँ होते, तो मेरा भाई नहीं मरता। इसलिए जब यीशु ने उसे रोते हुए देखा और उसके साथ आए हुए यहूदियों को रोते हुए देखा, तो वह आत्मा में क्रोधित हुए और स्वयं को व्याकुल किया। और उसने कहा, तुमने उसे कहाँ रखा है? वे उससे कहते हैं, प्रभु, आइए और देखिए। यीशु रोया। इसलिए यहूदी कह रहे थे, देखो, वह उससे कितना प्रेम करता था। लेकिन उनमें से कुछ ने कहा, क्या यह, जिसने अंधे की आँखें खोली थीं, ऐसा नहीं कर सकता था कि यह भी न मरे? यीशु इसलिए, फिर से अपने भीतर गहराई से द्रवित होते हुए, कब्र पर आए। वह एक गुफा थी, और एक पत्थर उस पर रखा हुआ था। यीशु कहते हैं, पत्थर को हटाओ। मृतक की बहन मार्था उनसे कहती है, प्रभु, अब तो बदबू आ रही होगी, क्योंकि चार दिन हो गए हैं। यीशु उससे कहते हैं, क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि यदि तुम विश्वास करो, तो तुम परमेश्वर की महिमा देखोगे? इसलिए उन्होंने उस पत्थर को उठाया जहाँ मृतक लेटा हुआ था। लेकिन यीशु ने अपनी आँखें ऊपर उठाई और कहा, पिता, मैं तुम्हें धन्यवाद देता हूँ कि तुमने मेरी सुनी। मैं जानता था कि तू हमेशा मेरी सुनता है, लेकिन चारों ओर खड़ी भीड़ के कारण मैंने कहा, ताकि वे विश्वास करें कि तूने मुझे भेजा है। और यह कहकर उसने ऊँची आवाज़ से पुकारा, लाज़र, बाहर आओ। और वह मरा हुआ व्यक्ति बाहर आया, जिसके पैर और हाथ कपड़ों से बंधे हुए थे, और उसका चेहरा कपड़े से लपेटा हुआ था। यीशु ने उनसे कहा, उसे खोल दो और उसे जाने दो।

इसलिए यहूदियों में से बहुत से लोग, जो मरियम के पास आए थे और जो कुछ यीशु ने किया था उसे देखा था, उस पर विश्वास किया। लेकिन उनमें से कुछ फरीसियों के पास गए और उन्हें बताया कि यीशु ने क्या किया। इसलिए मुख्य पुजारियों और फरीसियों ने परिषद एकत्र की और कह रहे थे, हम क्या करें, क्योंकि यह आदमी बहुत से चिन्ह करता है? यदि हम उसे इस प्रकार छोड़ देते हैं, तो सब उस पर विश्वास करेंगे, और रोमी आएंगे और हमारे स्थान और राष्ट्र को ले

जाएंगे। परन्तु उनमें से कोई एक, कैफा, जो उस वर्ष का महायाजक था, उनसे बोला, तुम कुछ भी नहीं जानते, न ही तुम विचार करते हो कि हमारे लिए यह लाभदायक है कि एक मनुष्य लोगों के लिए मरे और पूरा राष्ट्र नष्ट न हो। यह उसने अपने आप से नहीं कहा, लेकिन उस वर्ष का महायाजक होते हुए उसने भविष्यवाणी की कि यीशु राष्ट्र के लिए मरने वाले थे। और न केवल राष्ट्र के लिए, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर के बिखरे हुए बच्चों को एक में एकत्र करे। इसलिए उस दिन से उन्होंने सलाह ली कि वे उसे मार डालें। यीशु इसलिए अब यहूदियों के बीच खुलेआम नहीं चलते थे, बल्कि वहाँ से जंगल के निकट की भूमि में चले गए, इफ्राईम नामक शहर में, और वहाँ अपने चेलों के साथ रहने लगे। यहूदियों का पास्का निकट था, और बहुत से लोग पास्का से पहले देश से यरूशलेम गए ताकि वे स्वयं को शुद्ध करें। इसलिए वे यीशु को खोज रहे थे और मंदिर में खड़े हुए एक दूसरे से कह रहे थे, तुम्हें क्या लगता है, कि वह पर्व में नहीं आएगा? प्रधान याजकों और फरीसियों ने आज्ञा दी थी कि यदि कोई जान जाए कि वह कहाँ है, तो सूचना दे, ताकि वे उसे पकड़ लें।

12

इसलिए यीशु फसह से छः दिन पहले बैतनिय्याह आया, जहाँ लाज़र था जो मरा हुआ था, जिसको उसने मरे हुआओं में से उठाया था। इसलिए उन्होंने वहाँ उसके लिए रात्रिभोज किया, और मार्था सेवा कर रही थी, लेकिन लाज़र उसके साथ लेटे हुए लोगों में से एक था। इसलिए मरियम ने शुद्ध और बहुमूल्य जटामांसी के इत्र का एक सेर लेकर यीशु के पैरों पर लगाया और अपने बालों से उनके पैर पोंछे, और घर उस इत्र की सुगंध से भर गया। इसलिए उसके शिष्यों में से एक, यहूदाह शमौन इस्करियोती, जो उसे सौंपने वाला था, कहता है, यह इत्र तीन सौ दीनार में क्यों नहीं बेचा गया और गरीबों को क्यों नहीं दिया गया? उसने यह इसलिए नहीं कहा कि उसे गरीबों की चिंता थी, बल्कि इसलिए कि वह चोर था, और खजाना रखता था और जो चीजें डाली जाती थीं उन्हें ले जाता था। यीशु ने इसलिए कहा, उसे छोड़ दो, उसने इसे मेरे दफन के दिन के

लिए रखा है। गरीबों को तो तुम हमेशा अपने साथ रखते हो, लेकिन मुझे हमेशा नहीं रखते हो। इसलिए यहूदियों में से एक बड़ी भीड़ ने जान लिया कि वह वहाँ है, और वे न केवल यीशु के कारण आए, बल्कि इसलिए भी कि लाज़र को देखें जिसे उसने मृतकों में से जिलाया था। लेकिन मुख्य पुजारियों ने योजना बनाई कि वे लाज़र को भी मार डालें। क्योंकि बहुत-से यहूदी उसके कारण जा रहे थे और यीशु में विश्वास कर रहे थे।

अगले दिन, जो बड़ी भीड़ त्योहार में आई थी, उन्होंने सुना कि यीशु यरूशलेम आ रहे हैं, उन्होंने खजूर के पेड़ों की शाखाएँ लीं और उससे मिलने के लिए बाहर गए, और वे चिल्ला रहे थे, होसन्ना, धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आ रहा है, इस्राएल का राजा। पाकर यीशु ने एक युवा गधे पर बैठा, जैसा लिखा हुआ है, हे सिय्योन की पुत्री, मत डरो, देखो तुम्हारा राजा आ रहा है, जो गधे के बच्चे पर बैठा है।

लेकिन ये बातें उसके शिष्यों ने पहले नहीं समझीं, परन्तु जब यीशु की महिमा हुई, तब उन्हें याद आया कि ये बातें उसके विषय में लिखी हुई थीं, और उन्होंने उसके साथ ये बातें कीं। इसलिए भीड़ ने गवाही दी जो उसके साथ थी जब उसने लाज़र को कब्र से पुकारा और उसे मुर्दों में से उठाया। इसी कारण भीड़ उससे मिलने आई, क्योंकि उन्होंने सुना था कि उसने यह चिन्ह दिखाया था। इसलिए फरीसियों ने आपस में कहा, तुम देखते हो कि तुम कुछ भी लाभ नहीं उठा रहे हो? देखो, सारा संसार उसके पीछे चला गया है।

कुछ यूनानी थे जो पर्व में पूजा करने के लिए ऊपर जा रहे थे। इसलिए ये गलील के बेथसैदा से आए फिलिप्पुस के पास आए, और उससे कहते हुए पूछ रहे थे, प्रभु, हम यीशु को देखना चाहते हैं। फिलिप्पुस आता है और अन्द्रियास से कहता है, और फिर अन्द्रियास और फिलिप्पुस यीशु से कहते हैं, और यीशु ने उनको उत्तर देते हुए कहा, वह घड़ी आ गई है ताकि मनुष्य के पुत्र की महिमा हो। सत्य सत्य मैं तुमसे कहता हूँ, यदि गेहूँ का दाना भूमि में गिरकर नहीं मरता है, तो वह अकेला ही रहता है, लेकिन यदि मरता है, तो बहुत फल लाता है। जो अपनी आत्मा को प्रिय

रखता है वह उसे खो देगा, और जो इस संसार में अपनी आत्मा से घृणा करता है वह उसे अनन्त जीवन के लिए सुरक्षित रखेगा। यदि कोई मेरी सेवा करता है, तो वह मेरा अनुसरण करे, और जहाँ मैं हूँ, वहाँ मेरा सेवक भी होगा, और यदि कोई मेरी सेवा करता है, तो पिता उसे सम्मान देंगे। अब मेरा प्राण व्याकुल है, और मैं क्या कहूँ? हे पिता, मुझे इस घड़ी से बचा। परन्तु मैं इसी लिए इस घड़ी में आया हूँ। पिता, अपने नाम को महिमामंडित करो। तब स्वर्ग से एक आवाज़ आई, मैंने महिमामंडित किया है और फिर से महिमामंडित करूँगा। इसलिए भीड़ जो खड़ी थी और सुनकर कह रही थी कि गरज हुई, दूसरे कह रहे थे कि दूत उससे बोला है। यीशु ने उत्तर दिया और कहा, यह आवाज़ मेरे लिए नहीं, बल्कि तुम्हारे लिए हुई है। अब इस संसार का न्याय है, अब इस संसार का शासक बाहर फेंका जाएगा, और यदि मैं पृथ्वी से ऊपर उठाया जाऊँ, तो सबको अपनी ओर खींचूँगा। यह उसने कहा था, यह संकेत करते हुए कि वह किस मृत्यु से मरने वाला था। भीड़ ने उसे उत्तर दिया, हमने व्यवस्था से सुना है कि मसीह युगों तक रहता है, और तू कैसे कहता है कि मनुष्य के पुत्र को ऊपर उठाया जाना आवश्यक है? यह मनुष्य का पुत्र कौन है? यीशु ने इसलिए उनसे कहा, अभी थोड़े समय तक प्रकाश तुम्हारे साथ है। जब तक प्रकाश तुम्हारे पास है, चलते रहो, ताकि अंधकार तुम्हें न पकड़ ले। और जो अंधकार में चलता है, वह नहीं जानता कि कहाँ जा रहा है। जब तक तुम्हारे पास प्रकाश है, प्रकाश में विश्वास करो, ताकि तुम प्रकाश के पुत्र बन जाओ। ये बातें यीशु ने बोलीं, और जाकर वह उनसे छिप गए।

इतने अधिक चिह्न उसके द्वारा उनके सामने किए जाने के बाद भी, उन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया। ताकि यशायाह भविष्यवक्ता का वचन पूरा हो जो उसने कहा, हे प्रभु, हमारे समाचार पर किसने विश्वास किया? और प्रभु की भुजा किस पर प्रकट हुई? इस कारण वे विश्वास नहीं कर सकते थे, क्योंकि यशायाह ने फिर कहा, उसने उनकी आँखें अंधी कर दी हैं और उनका हृदय कठोर कर दिया है, ताकि वे आँखों से न देखें और हृदय से न समझें और न मुड़ें, और मैं उन्हें चंगा करूँगा।

ये बातें यशायाह ने कहीं जब उसने उसकी महिमा देखी और उसके विषय में बोला। फिर भी,

शासकों में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया, लेकिन फरीसियों के कारण उन्होंने स्वीकार नहीं किया, ताकि वे मण्डली से निकाले न जाएं। उन्होंने मनुष्यों की महिमा को परमेश्वर की महिमा से अधिक प्रेम किया।

यीशु ने पुकारा और कहा, जो मुझ में विश्वास करता है, वह मुझ में विश्वास नहीं करता, बल्कि उसमें विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है। और जो मुझे देखता है, वह उसे देखता है जिसने मुझे भेजा है। मैं प्रकाश के रूप में संसार में आया हूँ, ताकि जो कोई मुझ में विश्वास करे वह अंधकार में न रहे। और अगर कोई मेरे शब्दों को सुने और विश्वास न करे, तो मैं उसका न्याय नहीं करता, क्योंकि मैं संसार का न्याय करने के लिए नहीं, बल्कि संसार को बचाने के लिए आया हूँ। जो मुझे अस्वीकार करता है और मेरे शब्दों को नहीं लेता है, उसके पास उसका न्याय करने वाला है; वह वचन जो मैंने बोला, वह उसका न्याय करेगा अंतिम दिन में। क्योंकि मैं अपने आप से नहीं बोला, बल्कि जिस पिता ने मुझे भेजा, उसने स्वयं मुझे आज्ञा दी कि मैं क्या कहूँ और क्या बोलूँ। और मैं जानता हूँ कि उसकी आज्ञा अनन्त जीवन है। इसलिए जो मैं बोलता हूँ, जैसे पिता ने मुझे कहा है, वैसे ही बोलता हूँ।

13

फसह के पर्व से पहले, यीशु यह जानते हुए कि उनकी घड़ी आ गई थी कि वे इस संसार से पिता के पास जाएं, संसार में अपने लोगों से प्रेम करते हुए, अंत तक उनसे प्रेम किया। और जब रात्रिभोज हो रहा था, शैतान ने पहले से ही शमौन इस्करियोती के पुत्र यहूदा के हृदय में यह बात डाल दी थी कि वह उसे पकड़वा दे। यीशु यह जानते हुए कि पिता ने सब कुछ उसके हाथों में दिया है, और कि वह परमेश्वर से निकला और परमेश्वर की ओर जाता है, वह भोजन से उठता है और वस्त्र रख देता है, और तौलिया लेकर अपने आप को बाँधता है। फिर उसने बेसिन में पानी डाला, और शिष्यों के पैर धोने लगा और उस तौलिये से पोंछने लगा जो उसने बांधा हुआ था।

इसलिए वह शिमोन पतरस के पास आता है, और वह उससे कहता है, प्रभु, क्या तू मेरे पैर धोता है? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, जो मैं करता हूँ, तुम अभी नहीं जानते, लेकिन इन बातों के बाद जानोगे। पतरस उससे कहता है, आप कभी भी मेरे पैर नहीं धोएंगे। यीशु ने उसे उत्तर दिया, यदि मैं तुम्हें नहीं धोऊँ, तो मेरे साथ तुम्हारा कोई हिस्सा नहीं है। शिमोन पतरस उससे कहता है, प्रभु, केवल मेरे पैर ही नहीं, बल्कि मेरे हाथ और सिर भी। यीशु उससे कहते हैं, जो नहा चुका है उसे जरूरत नहीं है पैर धोने की, बल्कि वह पूरी तरह साफ है, और तुम साफ हो, लेकिन सब नहीं। वह जानता था कि कौन उसे धोखा देने वाला था, इसलिए उसने कहा, तुम सब शुद्ध नहीं हो।

जब उसने उनके पैर धो लिए और अपने वस्त्र पहन लिए, तो फिर लेटकर उनसे कहा, क्या तुम जानते हो कि मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है? तुम मुझे शिक्षक और प्रभु कहते हो, और ठीक कहते हो, क्योंकि मैं हूँ। यदि इसलिए मैंने तुम्हारे पैर धोए, मैं प्रभु और गुरु, तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिए। उदाहरण के लिए मैंने तुम्हें दिया है, ताकि जैसे मैंने तुम्हारे लिए किया, वैसे ही तुम भी करो। सत्य सत्य मैं तुम से कहता हूँ, कोई दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं है, और न ही कोई प्रेषित अपने भेजने वाले से बड़ा है। यदि तुम ये बातें जानते हो, तो धन्य हो यदि तुम उन्हें करो। मैं तुम सब के बारे में नहीं कहता, मैं जानता हूँ कि मैंने किन्हें चुना है, लेकिन यह इसलिए है ताकि शास्त्र पूरा हो, जो मेरे साथ रोटी खाता है उसने मुझ पर अपनी एड़ी उठाई है। अभी से मैं तुम्हें बता रहा हूँ इससे पहले कि यह हो जाए, ताकि जब यह हो जाए तो तुम विश्वास करो कि मैं हूँ। सत्य सत्य, मैं तुमसे कहता हूँ, जो कोई उसे ग्रहण करता है जिसे मैं भेजूँगा, वह मुझे ग्रहण करता है, और जो मुझे ग्रहण करता है, वह उसे ग्रहण करता है जिसने मुझे भेजा।

ये बातें कहकर यीशु आत्मा में व्याकुल हुआ, और गवाही दी और कहा, सच सच कहता हूँ तुमसे कि तुममें से एक मुझे धोखा देगा। इसलिए शिष्य एक दूसरे की ओर देख रहे थे, हैरान होते हुए कि वह किसके बारे में कह रहा है। यीशु के शिष्यों में से एक उसकी गोद में लेटा हुआ था, जिसे यीशु प्रेम करते थे, इसलिए शिमोन पतरस इसकी ओर झुकता है यह पूछने के लिए कि वह कौन

होगा जिसके बारे में वह कह रहा है। वह यीशु की छाती पर गिरकर उनसे कहता है, प्रभु, वह कौन है? यीशु उत्तर देते हैं, वह है जिसे मैं रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूंगा। और रोटी का टुकड़ा डुबोकर शमीन के पुत्र यहूदा इस्करियोती को देते हैं। और निवाले के बाद तब शैतान उसमें प्रवेश कर गया। इसलिए यीशु उससे कहते हैं, जो तू करता है, उसे शीघ्र कर। लेकिन लेते हुए लोगों में से किसी ने नहीं जाना कि उसने उससे क्या कहा। कुछ लोग सोचते थे, चूंकि यहूदा के पास खजाना था, कि यीशु उससे कह रहे हैं, जो हमें उत्सव के लिए चाहिए वह खरीदो, या गरीबों को कुछ दो। इसलिए वह टुकड़ा लेकर वह तुरंत बाहर चला गया, और रात थी।

जब वह बाहर गया, तो यीशु कहते हैं, अब मनुष्य का पुत्र महिमावान किया गया, और परमेश्वर उसमें महिमावान किया गया। यदि परमेश्वर उसमें महिमावान किया गया, तो परमेश्वर उसे अपने आप में महिमावान करेगा, और तुरंत उसे महिमावान करेगा। छोटे बच्चों, मैं अभी थोड़ी देर और तुम्हारे साथ हूँ। तुम मुझे खोजोगे, और जैसा मैंने यहूदियों से कहा था कि जहाँ मैं जाता हूँ, तुम वहाँ नहीं आ सकते, वैसे ही अब मैं तुमसे भी कहता हूँ। मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूँ कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो, जैसे मैंने तुमसे प्रेम किया है, ताकि तुम भी एक दूसरे से प्रेम करो। इससे सब जानेंगे कि तुम मेरे शिष्य हो, यदि तुम एक दूसरे में प्रेम रखते हो। शिमीन पेत्रुस ने उससे कहा, प्रभु, आप कहाँ जा रहे हैं? यीशु ने उसे उत्तर दिया, जहाँ मैं जा रहा हूँ, तुम अभी मेरा अनुसरण नहीं कर सकते, लेकिन बाद में तुम मेरा अनुसरण करोगे। पेत्रुस उससे कहता है, प्रभु, मैं अभी आपका अनुसरण क्यों नहीं कर सकता? मैं अपनी आत्मा आपके लिए रख दूँगा। यीशु ने उसे उत्तर दिया, क्या तू मेरे लिए अपनी आत्मा न्योछावर करेगा? सचमुच, सचमुच, मैं तुझसे कहता हूँ, मुर्गा बांग नहीं देगा जब तक तू मुझे तीन बार इनकार नहीं कर लेता।

14

तुम्हारा हृदय व्याकुल न हो, परमेश्वर में विश्वास करो, और मुझ में विश्वास करो। मेरे पिता के घर

मैं बहुत से निवास स्थान हैं; यदि ऐसा नहीं होता, तो मैं तुमसे कह देता। मैं तुम्हारे लिए स्थान तैयार करने जाता हूँ। और अगर मैं जाकर तुम्हारे लिए स्थान तैयार करूँ, तो फिर आऊंगा और तुम्हें अपने पास ले जाऊंगा, ताकि जहां मैं हूँ, वहां तुम भी हो। और जहाँ मैं जा रहा हूँ तुम जानते हो, और रास्ता भी तुम जानते हो। थोमास उससे कहता है, प्रभु, हम नहीं जानते कि तू कहाँ जा रहा है, और हम कैसे मार्ग को जान सकते हैं? यीशु उससे कहते हैं, मैं मार्ग हूँ और सत्य हूँ और जीवन हूँ; कोई भी पिता के पास नहीं आता, सिवाय मेरे द्वारा। यदि तुमने मुझे जाना होता, तो तुमने मेरे पिता को भी जाना होता। और अब से तुम उसे जानते हो और तुमने उसे देखा है। फिलिप्पुस उससे कहता है, प्रभु, हमें पिता को दिखा दीजिए और हमें यह पर्याप्त है। यीशु उससे कहते हैं, फिलिप्पुस, मैं इतने समय से तुम्हारे साथ हूँ, और तुमने मुझे नहीं जाना? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है, और तुम कैसे कहते हो, हमें पिता को दिखाओ? क्या तुम विश्वास नहीं करते कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है? जो शब्द मैं तुम्हें बोलता हूँ, वे मैं अपनी ओर से नहीं बोलता, बल्कि पिता जो मुझ में रहता है, वही ये कार्य करता है। मुझ पर विश्वास करो कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है, यदि नहीं, तो उन कार्यों के कारण मुझ पर विश्वास करो। सत्य सत्य मैं तुम से कहता हूँ, जो मुझ में विश्वास करता है, वह भी वे कार्य करेगा जो मैं करता हूँ, और इन से भी बड़े कार्य करेगा, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जा रहा हूँ। और जो कुछ तुम मेरे नाम में मांगोगे, यह मैं करूँगा, ताकि पिता पुत्र में महिमामंडित हों। यदि तुम मेरे नाम में कुछ माँगोगे, तो मैं करूँगा।

यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानो। और मैं पिता से पूछूँगा और वह तुम्हें दूसरा सहायक देगा, ताकि वह तुम्हारे साथ युगों तक रहे। सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण करने में सक्षम नहीं है, क्योंकि वह उसे देखता नहीं और न ही उसे जानता है, लेकिन तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे पास रहता है और तुम में रहेगा। मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूँगा, मैं तुम्हारे पास आता हूँ। थोड़ी देर और, फिर संसार मुझे नहीं देखेगा, लेकिन तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं जीवित हूँ और तुम भी जीवित रहोगे। उस दिन तुम जानोगे कि मैं अपने पिता में हूँ और तुम मुझ में हो और मैं तुम में हूँ। जो मेरी आज्ञाओं को रखता है और उनका पालन करता है, वही

मुझसे प्रेम करने वाला है, और जो मुझसे प्रेम करता है वह मेरे पिता द्वारा प्रेम किया जाएगा, और मैं उससे प्रेम करूंगा और उस पर स्वयं को प्रकट करूंगा। यहूदा (जो इस्करियोती नहीं था) उससे कहता है, हे प्रभु, और ऐसा क्या हुआ है कि आप हमारे सामने अपने आप को प्रकट करने वाले हैं और संसार के सामने नहीं? यीशु ने उत्तर दिया और उससे कहा, यदि कोई मुझसे प्रेम करता है, तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम करेगा, और हम उसके पास आएंगे और उसके साथ निवास करेंगे। जो मुझसे प्रेम नहीं करता, वह मेरे शब्दों को नहीं रखता, और जो शब्द तुम सुनते हो वह मेरा नहीं है, बल्कि मुझे भेजने वाले पिता का है।

ये बातें मैंने तुम्हें तुम्हारे पास रहते हुए कही हैं। परन्तु सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा, जिसे पिता मेरे नाम में भेजेगा, वह तुम्हें सब कुछ सिखाएगा और तुम्हें वह सब याद दिलाएगा जो मैंने तुमसे कहा है। मैं तुम्हें शांति देकर जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें देता हूँ; जैसे संसार देता है वैसे मैं नहीं देता। तुम्हारा हृदय व्याकुल न हो और न डरे। तुमने सुना कि मैंने तुमसे कहा, मैं जाता हूँ और तुम्हारे पास आता हूँ। अगर तुमने मुझसे प्रेम किया होता, तो तुम आनंदित हुए होते कि मैंने कहा, मैं पिता के पास जाता हूँ, क्योंकि पिता मुझसे महान है। और अब मैंने तुमसे पहले ही कह दिया है, ताकि जब यह हो जाए तो तुम विश्वास करो। अब मैं तुम्हारे साथ बहुत अधिक नहीं बोलूंगा, क्योंकि इस संसार का शासक आ रहा है, और उसके पास मुझमें कुछ भी नहीं है। लेकिन ताकि दुनिया जान सके कि मैं पिता से प्रेम करता हूँ, और जैसे पिता ने मुझे आदेश दिया है, वैसे ही मैं करता हूँ। उठो, यहाँ से चलो।

15

मैं सच्ची बेल हूँ, और मेरा पिता किसान है। हर शाखा जो मुझमें है और फल नहीं लाती, उसे ले लिया जाता है, और हर वह शाखा जो फल लाती है, उसे शुद्ध किया जाता है, ताकि वह अधिक फल लाए। तुम पहले से ही शुद्ध हो उस वचन के कारण जो मैंने तुम्हें बोला है। मुझमें बने रहो,

और मैं तुममें। जैसे शाखा अपने आप से फल नहीं दे सकती, यदि वह अंगूर की बेल में नहीं रहती, वैसे ही तुम भी नहीं, यदि तुम मुझमें नहीं बने रहो। मैं अंगूर की बेल हूँ, तुम शाखाएँ हो। जो मुझमें रहता है और मैं उस में, वह बहुत फल लाता है, क्योंकि मुझ से अलग तुम कुछ भी नहीं कर सकते हो। यदि कोई मुझमें नहीं रहता, तो वह बाहर फेंक दिया जाता है जैसे शाखा और सूख जाता है, और वे उन्हें इकट्ठा करते हैं और आग में फेंक देते हैं, और वह जलाया जाता है। यदि तुम मुझमें बने रहो और मेरे शब्द तुममें बने रहें, तो जो कुछ तुम चाहो मांगो, और वह तुम्हें मिलेगा। इसमें मेरे पिता की महिमा हुई, ताकि तुम बहुत फल लाओ, और तुम मेरे चेले बनोगे। जैसे पिता ने मुझसे प्रेम किया, वैसे ही मैंने तुमसे प्रेम किया, मेरे प्रेम में बने रहो। यदि तुम मेरी आज्ञाओं को रखोगे, तो तुम मेरे प्रेम में रहोगे, जैसे मैंने अपने पिता की आज्ञाओं को रखा है और उसके प्रेम में रहता हूँ। ये बातें मैंने तुमसे इसलिए कही हैं ताकि मेरा आनन्द तुममें बना रहे और तुम्हारा आनन्द पूर्ण हो जाए। यह मेरी आज्ञा है कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो, जैसे मैंने तुमसे प्रेम किया। इससे अधिक प्रेम किसी के पास नहीं है, कि कोई अपनी आत्मा अपने मित्रों के लिए रख दे। तुम मेरे मित्र हो, यदि तुम वह सब करते हो जो मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ। मैं अब तुम्हें दास नहीं कहता, क्योंकि दास नहीं जानता कि उसका स्वामी क्या करता है, लेकिन मैंने तुम्हें मित्र कहा है, क्योंकि जो कुछ मैंने अपने पिता से सुना है, वह सब मैंने तुम्हें बता दिया है। तुमने मुझे नहीं चुना, बल्कि मैंने तुम्हें चुना, और मैंने तुम्हें इसलिए नियुक्त किया ताकि तुम जाओ और फल लाओ, और तुम्हारा फल बना रहे, ताकि जो कुछ भी तुम पिता से मेरे नाम में मांगो, वह तुम्हें दे। मैं तुम्हें यह आदेश देता हूँ कि तुम एक दूसरे से प्रेम करो।

यदि दुनिया तुमसे नफरत करती है, तो जान लो कि उसने तुमसे पहले मुझसे नफरत की है। यदि तुम संसार से होते, तो संसार अपनी से प्रेम करता, लेकिन क्योंकि तुम संसार से नहीं हो, बल्कि मैंने तुम्हें संसार से चुना है, इसलिए संसार तुमसे घृणा करता है। उस वचन को याद करो जो मैंने तुमसे कहा था, दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं है। अगर उन्होंने मुझे सताया, तो तुम्हें भी सताएंगे, अगर उन्होंने मेरे वचन को माना, तो तुम्हारे वचन को भी मानेंगे। लेकिन ये सब वे तुम्हारे साथ करेंगे मेरे नाम के कारण, क्योंकि वे उसे नहीं जानते जिसने मुझे भेजा। यदि मैं न आता और

उनसे न बोलता, तो उन्हें पाप न होता, लेकिन अब उनके पाप के विषय में उनके पास कोई बहाना नहीं है। जो मुझसे घृणा करता है, वह मेरे पिता से भी घृणा करता है। यदि मैंने उनके बीच वे काम नहीं किए होते जो किसी दूसरे ने नहीं किए हैं, तो उनके पास पाप नहीं होता, लेकिन अब उन्होंने देखा है और उन्होंने मुझसे और मेरे पिता से घृणा की है। लेकिन ताकि वह वचन पूरा हो जो उनकी व्यवस्था में लिखा है, कि उन्होंने मुझसे बिना कारण घृणा की। लेकिन जब वह सहायक आएगा जिसे मैं तुम्हें पिता के पास से भेजूंगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता से निकलता है, तो वह मेरे विषय में गवाही देगा। और तुम भी गवाही देते हो, क्योंकि तुम आरंभ से मेरे साथ हो।

16

ये बातें मैंने तुमसे कही हैं ताकि तुम ठोकर न खाओ। वे तुम्हें बहिष्कृत करेंगे, लेकिन वह घड़ी आ रही है कि हर वह जो तुम्हें मार डालेगा, सोचेगा कि वह परमेश्वर को सेवा चढ़ा रहा है। और वे ये काम करेंगे, क्योंकि उन्होंने न पिता को जाना और न ही मुझे। लेकिन मैंने ये बातें तुमसे इसलिए कही हैं ताकि जब वह घड़ी आए, तो तुम उन्हें याद करो कि मैंने तुमसे कहा था। ये बातें मैंने तुमसे शुरुआत से नहीं कहीं, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ था। अब मैं उसके पास जाता हूँ जिसने मुझे भेजा, और तुममें से कोई भी मुझसे नहीं पूछता कि तुम कहाँ जा रहे हो लेकिन क्योंकि मैंने ये बातें तुमसे कही हैं, दुःख ने तुम्हारे हृदय को भर दिया है। लेकिन मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ, तुम्हारे लिए लाभदायक है कि मैं चला जाऊँ। क्योंकि यदि मैं नहीं जाऊँगा, तो सहायक तुम्हारे पास नहीं आएगा, लेकिन यदि मैं चला जाऊँ, तो उसे तुम्हारे पास भेजूँगा। और वह आकर संसार को पाप, धार्मिकता और न्याय के विषय में फटकारेगा। पाप के बारे में वास्तव में, क्योंकि वे मुझ में विश्वास नहीं करते हैं, न्याय के बारे में, कि मैं अपने पिता के पास जाता हूँ और तुम मुझे अब नहीं देखोगे, और न्याय के विषय में, कि इस संसार का शासक न्याय किया जा चुका है। मेरे पास अभी भी तुमसे कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन तुम अभी इसे सहन करने में सक्षम नहीं हो। जब वह आएगा, सत्य का वह आत्मा, तो वह तुम्हें सम्पूर्ण सत्य में मार्गदर्शन करेगा, क्योंकि वह

अपनी ओर से नहीं बोलेगा, बल्कि जो कुछ भी सुनेगा वही बोलेगा, और आने वाली बातों की घोषणा तुम्हें करेगा। वह मुझे महिमा देगा, क्योंकि वह मेरे से लेगा और तुम्हें घोषणा करेगा। जो कुछ भी पिता के पास है, वह सब मेरा है; इसलिए मैंने कहा कि वह मुझसे लेगा और तुम्हें बताएगा। थोड़ी देर में तुम मुझे नहीं देखोगे, और फिर थोड़ी देर में तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जा रहा हूँ। इसलिए उसके शिष्यों में से कुछ ने एक दूसरे से कहा, यह क्या है जो वह हमसे कहता है, थोड़ी देर और तुम मुझे नहीं देखोगे, और फिर थोड़ी देर और तुम मुझे देखोगे, और मैं पिता के पास जाता हूँ? इसलिए वे कह रहे थे, यह क्या है जो वह कहता है थोड़ा? हम नहीं जानते कि वह क्या बोल रहा है। यीशु ने इसलिए जान लिया कि वे उससे पूछना चाहते थे, और उनसे कहा, क्या तुम आपस में इस बारे में खोज रहे हो कि मैंने कहा, थोड़ी देर और तुम मुझे नहीं देखोगे, और फिर थोड़ी देर और तुम मुझे देखोगे? सत्य सत्य, मैं तुमसे कहता हूँ कि तुम रोओगे और विलाप करोगे, परन्तु संसार आनन्दित होगा। तुम शोकित होगे, परन्तु तुम्हारी पीड़ा आनन्द में बदल जाएगी। स्त्री जब जन्म देती है, तो दुःख रखती है, क्योंकि उसकी घड़ी आ गई है। लेकिन जब बच्चे को जन्म दे देती है, तो वह अब कष्ट को याद नहीं करती, आनन्द के कारण कि एक मनुष्य संसार में जन्मा है। और इसलिए तुम अब वास्तव में दुःख रखते हो, लेकिन मैं तुम्हें फिर देखूंगा और तुम्हारा हृदय आनन्दित होगा, और तुम्हारी खुशी कोई तुमसे नहीं छीनेगा। और उस दिन तुम मुझसे कुछ नहीं पूछोगे, सच सच मैं तुमसे कहता हूँ कि जितना भी तुम पिता से मेरे नाम में माँगोगे, वह तुम्हें देगा। अब तक तुमने मेरे नाम में कुछ नहीं माँगा है, माँगो और तुम प्राप्त करोगे, ताकि तुम्हारा आनन्द भरा हुआ हो। ये बातें मैंने तुमसे दृष्टान्तों में कही हैं, लेकिन वह घड़ी आती है जब मैं तुमसे दृष्टान्तों में नहीं बोलूँगा, बल्कि पिता के विषय में खुलकर बताऊँगा। उस दिन मैं तुम मेरे नाम में माँगोगे, और मैं तुमसे यह नहीं कहता कि मैं पिता से तुम्हारे बारे में माँगूँगा, स्वयं पिता तुमसे प्रेम करते हैं, क्योंकि तुमने मुझसे प्रेम किया है और विश्वास किया है कि मैं परमेश्वर से निकला हूँ। मैं पिता के पास से निकला और संसार में आया हूँ, फिर से मैं संसार को छोड़ता हूँ और पिता के पास जाता हूँ। उसके शिष्य उससे कहते हैं, देखो, अब तुम खुलकर बोल रहे हो और कोई दृष्टान्त नहीं कह रहे हो। अब हम जानते हैं कि तुम सब कुछ जानते हो और तुम्हें इसकी जरूरत नहीं है कि कोई तुमसे पूछे। इसी में हम विश्वास करते हैं कि तुम परमेश्वर से आए

हो। यीशु ने उनको उत्तर दिया, अभी विश्वास करते हो? देखो, वह घड़ी आती है, और अब आ गई है, ताकि तुम सब तितर-बितर हो जाओ, प्रत्येक अपने घर को, और मुझे अकेला छोड़ दो; और मैं अकेला नहीं हूँ, क्योंकि पिता मेरे साथ है। ये बातें मैंने तुमसे इसलिए कही हैं ताकि तुम्हें मुझमें शांति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होगा, लेकिन साहस रखो, मैंने संसार को जीत लिया है।

17

ये बातें यीशु ने कहीं, और उसने अपनी आँखें आकाश की ओर उठाई और कहा, पिता, वह घड़ी आ गई है, अपने पुत्र की महिमा करो, ताकि पुत्र भी तेरी महिमा करे, जैसा तुमने उसे समस्त मांस पर अधिकार दिया है, ताकि जो सब तुमने उसे दिया है, वह उन्हें अनन्त जीवन दे। यह अनन्त जीवन है कि वे तुम्हें, एकमात्र सच्चे परमेश्वर को, और यीशु मसीह को जिसे तुमने भेजा है, जानें। मैंने तुम्हें पृथ्वी पर महिमामंडित किया, वह काम पूरा किया जो तुमने मुझे दिया था ताकि मैं करूँ। और अब हे पिता, तुम मुझे अपने पास उस महिमा से महिमामंडित करो जो मेरे पास संसार के अस्तित्व से पहले तुम्हारे साथ थी। मैंने तुम्हारा नाम उन लोगों पर प्रकट किया है जिन्हें तुमने संसार में से मुझे दिया है। वे तुम्हारे थे और तुमने उन्हें मुझे दिया है, और उन्होंने तुम्हारे वचन को रखा है। अब वे जान गए हैं कि जितना कुछ तूने मुझे दिया है, वह सब तेरी ओर से है। क्योंकि जो शब्द तुमने मुझे दिए हैं, वे मैंने उनको दिए, और उन्होंने उन्हें ग्रहण किया, और उन्होंने सचमुच जान लिया कि मैं तुमसे निकला हूँ, और उन्होंने विश्वास किया कि तुमने मुझे भेजा है। मैं उनके बारे में पूछता हूँ, संसार के बारे में नहीं पूछता हूँ, लेकिन उनके बारे में जो तूने मुझे दिए हैं, क्योंकि वे तेरे हैं, और मेरा सब कुछ तुम्हारा है और तुम्हारा मेरा है, और मैं उनमें महिमामंडित हुआ हूँ। और अब मैं संसार में नहीं हूँ, और ये संसार में हैं, और मैं तुम्हारी ओर आता हूँ। हे पवित्र पिता, उन्हें अपने नाम में रखो जो तुमने मुझे दिया है, ताकि वे एक हों जैसे हम हैं। जब मैं संसार में उनके साथ था, मैंने उन्हें तुम्हारे नाम में रखा; जिन्हें तुमने मुझे दिया था, मैंने उनकी रक्षा की, और उनमें से कोई भी नष्ट नहीं हुआ सिवाय विनाश के पुत्र के, ताकि धर्मग्रंथ पूरा हो। अब मैं

तुम्हारी ओर आता हूँ, और ये बातें संसार में इसलिए बोलता हूँ ताकि वे मेरा आनंद अपने भीतर परिपूर्ण रूप से रखें। मैंने उनको तुम्हारा वचन दिया है, और संसार ने उनसे घृणा की, क्योंकि वे संसार से नहीं हैं, जैसे मैं संसार से नहीं हूँ। मैं यह नहीं माँगता कि तू उन्हें संसार से उठा ले, बल्कि यह कि तू उन्हें बुराई से बचाए रखे। वे संसार के नहीं हैं, जैसे मैं संसार का नहीं हूँ। उन्हें अपने सत्य में पवित्र करो; तुम्हारा वचन सत्य है। जैसे तूने मुझे संसार में भेजा, वैसे ही मैंने भी उन्हें संसार में भेजा। और उनके लिए मैं स्वयं को पवित्र करता हूँ, ताकि वे भी सत्य में पवित्र किए जाएँ। मैं केवल इनके बारे में नहीं पूछता हूँ, लेकिन उनके बारे में भी जो उनके वचन के कारण मुझ में विश्वास करते हैं, ताकि सब एक हों, जैसे तुम पिता मुझमें हो और मैं तुममें हूँ, ताकि वे भी हममें एक हों, ताकि संसार विश्वास करे कि तुमने मुझे भेजा है। और जो महिमा आपने मुझे दी है, वह मैंने उन्हें दी है, ताकि वे एक हों जैसे हम एक हैं, मैं उनमें हूँ और तू मुझमें है, ताकि वे एक में पूर्ण किए जाएँ, और ताकि संसार जाने कि तूने मुझे भेजा और उनसे वैसे ही प्रेम किया जैसे मुझसे प्रेम किया। पिता, जिन्हें तुमने मुझे दिया है, मैं चाहता हूँ कि जहाँ मैं हूँ, वे भी मेरे साथ हों, ताकि वे मेरी उस महिमा को देखें जो तुमने मुझे दी है, क्योंकि तुमने संसार की नींव से पहले मुझसे प्रेम किया था। हे धर्मी पिता, संसार ने तुम्हें नहीं जाना, लेकिन मैंने तुम्हें जाना, और इन्होंने जाना कि तुमने मुझे भेजा, और मैंने उनको तुम्हारा नाम ज्ञात कराया है और ज्ञात कराऊंगा, ताकि वह प्रेम जिससे तुमने मुझसे प्रेम किया, उनमें हो, और मैं उनमें रहूँ।

18

ये बातें कहकर यीशु अपने चेलों के साथ किद्रोन के नाले के पार बाहर गया, जहाँ एक बगीचा था, जिसमें वह स्वयं और उसके चले प्रवेश किए। यहूदा, जो उसे पकड़वाने वाला था, वह भी उस स्थान को जानता था, क्योंकि यीशु अपने शिष्यों के साथ वहाँ अक्सर इकट्ठा होते थे। इसलिए यहूदा सेना को और मुख्य पुजारियों तथा फरीसियों के सहायकों को लेकर मशालों, दीपकों और हथियारों के साथ वहाँ आता है। यीशु इसलिए उन सब बातों को जानते हुए जो उस पर आने

वाली थीं, बाहर निकलकर उनसे बोले, तुम किसे खोज रहे हो? उन्होंने उसे उत्तर दिया, नासरी यीशु। यीशु उनसे कहते हैं, मैं हूँ। और यहूदा भी, जो उसे पकड़वा रहा था, उनके साथ खड़ा था। जैसे ही उसने उनसे कहा कि मैं हूँ, वे पीछे हटे और जमीन पर गिर पड़े। फिर उसने उनसे पूछा, तुम किसे खोज रहे हो? उन्होंने कहा, नासरत के यीशु को। यीशु ने उत्तर दिया, मैंने तुम्हें कहा कि मैं हूँ। यदि इसलिए तुम मुझे खोज रहे हो, तो इनको जाने दो। ताकि वह वचन पूरा हो जो उसने कहा था, जिनको तूने मुझे दिया है, मैंने उनमें से किसी को नहीं खोया। शिमोन पतरस के पास तलवार थी, उसने उसे खींचा और महायाजक के दास पर वार किया और उसका दाहिना कान काट दिया। उस दास का नाम मलखुस था। यीशु ने पतरस से कहा, तलवार को म्यान में रख दो। जो प्याला पिता ने मुझे दिया है, क्या मैं उसे न पीऊँ?

इसलिए सेना-दल और सेनापति और यहूदियों के सहायकों ने यीशु को पकड़ा और उसे बाँधा। और वे उसे पहले अन्ना के पास ले गए, क्योंकि वह कैफा का ससुर था, जो उस वर्ष का महायाजक था। कैफा वह था जिसने यहूदियों को सलाह दी थी कि एक मनुष्य का लोगों के लिए नष्ट होना लाभदायक है। शिमोन पतरस और वह दूसरा शिष्य यीशु का अनुसरण कर रहे थे। वह शिष्य महायाजक का परिचित था, और यीशु के साथ महायाजक के आँगन में प्रवेश किया। लेकिन पतरस बाहर द्वार के पास खड़ा था। इसलिए वह दूसरा शिष्य, जो महायाजक का परिचित था, बाहर गया और द्वारपाल से बोला, और पतरस को अंदर लाया। इसलिए वह द्वारपाल युवा स्त्री पतरस से कहती है, क्या तू भी इस मनुष्य के शिष्यों में से है? वह कहता है, नहीं हूँ। दास और सहायक कोयले की आग बनाकर खड़े थे, क्योंकि ठंड थी, और वे अपने आप को गर्म कर रहे थे, और पतरस भी उनके साथ खड़ा होकर अपने आप को गर्म कर रहा था। इसलिए महायाजक ने यीशु से उनके शिष्यों के बारे में और उनकी शिक्षा के बारे में पूछा। यीशु ने उसे उत्तर दिया, मैंने संसार के सामने खुलकर बात की है। मैंने हमेशा सभा में और मंदिर में सिखाया है, जहाँ सभी यहूदी इकट्ठे होते हैं, और मैंने गुप्त में कुछ भी नहीं कहा। तुम मुझसे क्यों पूछते हो? उनसे पूछो जिन्होंने सुना है कि मैंने उनसे क्या कहा। देखो, ये जानते हैं कि मैंने क्या कहा। जब उसने ये बातें कहीं, तो सहायकों में से एक जो खड़ा था, उसने यीशु को एक थप्पड़ मारा और

कहा, क्या तू महायाजक को इस प्रकार उत्तर देता है? यीशु ने उसे उत्तर दिया, यदि मैंने बुरा बोला है, तो बुराई के विषय में गवाही दो; परन्तु यदि भला बोला है, तो तू मुझे क्यों मारता है? अन्ना ने उसे बंधा हुआ महायाजक कैफा के पास भेजा। शिमोन पतरस खड़ा था और अपने आप को गर्म कर रहा था। इसलिए उन्होंने उससे कहा, क्या तू भी उसके शिष्यों में से नहीं है? इसलिए उसने इनकार किया और कहा, मैं नहीं हूँ। महायाजक के दासों में से एक, जो उस व्यक्ति का रिश्तेदार था जिसका कान पतरस ने काट दिया था, कहता है, क्या मैंने तुम्हें बगीचे में उसके साथ नहीं देखा था? फिर इसलिए पतरस ने इनकार किया, और तुरंत मुर्गे ने बांग दी।

इसलिए वे यीशु को कैफा के पास से प्रैटोरियम में ले जाते हैं। सुबह का समय था, और वे स्वयं प्रैटोरियम में प्रवेश नहीं किए, ताकि अशुद्ध न हो जाएं, बल्कि इसलिए कि फसह खा सकें। इसलिए पिलातुस उनके पास बाहर गया और बोला, तुम इस आदमी के विरुद्ध क्या आरोप लाते हो? उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, यदि यह दुष्कर्म नहीं होता, तो हम इसे तुझे नहीं सौंपते। पिलातुस ने इसलिए उनसे कहा, तुम उसे ले जाओ और अपने कानून के अनुसार उसका न्याय करो। यहूदियों ने इसलिए उससे कहा, हमें किसी को मारने की अनुमति नहीं है। ताकि यीशु का वह वचन पूरा हो जो उसने कहा था, यह संकेत करते हुए कि वह किस मृत्यु से मरने वाला था। इसलिए पिलातुस फिर प्रैटोरियम में दाखिल हुआ और यीशु को बुलाया और उससे कहा, क्या तू यहूदियों का राजा है? यीशु ने उसे उत्तर दिया, क्या तू यह स्वयं कहता है या दूसरों ने तुझे मेरे विषय में बताया? पिलातुस ने उत्तर दिया, क्या मैं यहूदी हूँ? तेरे राष्ट्र और महायाजकों ने तुझे मुझे सौंप दिया है। तूने क्या किया है? यीशु ने उत्तर दिया, मेरा राज्य इस संसार से नहीं है। यदि मेरा राज्य इस संसार से होता, तो मेरे सहायक लड़ते, ताकि मैं यहूदियों को सौंपा न जाऊँ। लेकिन अब मेरा राज्य यहाँ से नहीं है। पिलातुस ने इसलिए उससे कहा, तो क्या तू राजा है? यीशु ने उत्तर दिया, तू कहता है कि मैं राजा हूँ। मैं इसी लिए जन्मा हूँ और इसी लिए संसार में आया हूँ, ताकि सत्य की गवाही दूँ। जो कोई सत्य से है, वह मेरी आवाज़ सुनता है। पिलातुस उससे कहता है, सत्य क्या है? और यह कहकर वह फिर यहूदियों के पास गया और उनसे कहता है, मैं उसमें कोई दोष नहीं पाता हूँ। तुम्हारा एक रिवाज है कि मैं पास्का में तुम्हारे लिए एक को रिहा करूँ, तो

क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए यहूदियों के राजा को रिहा करूँ? इसलिए सब फिर चिल्लाए और कहने लगे, इसको नहीं, लेकिन बरअब्बा को। और बरअब्बा एक डाकू था।

19

तब इसलिए पिलातुस ने यीशु को लिया और कोड़े मारे। और सैनिकों ने कांटों से मुकुट बुनकर उसके सिर पर रखा, और उसे बैंगनी वस्त्र पहनाया। और वे कह रहे थे, नमस्कार यहूदियों के राजा, और वे उसे थप्पड़ मार रहे थे। इसलिए पिलातुस फिर बाहर गया और उनसे कहता है, देखो, मैं उसे तुम्हारे पास बाहर लाता हूँ, ताकि तुम जान लो कि मैं उसमें कोई दोष नहीं पाता हूँ। इसलिए यीशु बाहर गए, कांटों का मुकुट और बैंगनी वस्त्र पहने हुए। और वह उनसे कहता है, देखो, यह आदमी। जब मुख्य याजकों और सहायकों ने उसे देखा, तो वे चिल्लाए और कहने लगे, इसे सूली पर चढ़ाओ, सूली पर चढ़ाओ। पिलातुस उनसे कहता है, तुम इसे ले जाओ और सूली पर चढ़ाओ, क्योंकि मैं इसमें कोई दोष नहीं पाता हूँ। यहूदियों ने उसको उत्तर दिया, हमारे पास कानून है, और हमारे कानून के अनुसार उसे मरना चाहिए, क्योंकि उसने स्वयं को परमेश्वर का पुत्र बनाया। जब पिलातुस ने यह शब्द सुना, तो वह और अधिक डर गया। और वह फिर से प्रेटरियम में प्रवेश किया और यीशु से कहता है, आप कहाँ से हैं? लेकिन यीशु ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया। पिलातुस उससे कहता है, तू मुझसे नहीं बोलता है? क्या तू नहीं जानता कि मुझे तुझे सूली पर चढ़ाने का अधिकार है और मुझे तुझे छोड़ने का अधिकार है? यीशु ने उत्तर दिया, तुम्हारे पास मेरे विरुद्ध कोई अधिकार नहीं होता, यदि तुम्हें ऊपर से दिया न गया होता। इस कारण जो मुझे तुम्हें सौंप रहा है, उसका पाप अधिक है। इससे पिलातुस उसे छोड़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन यहूदी चिल्लाते हुए कह रहे थे, अगर तुम इसे छोड़ोगे, तो तुम कैसर के मित्र नहीं हो। हर वह जो स्वयं को राजा बनाता है, कैसर का विरोध करता है। इसलिए पिलातुस ने यह वचन सुनकर यीशु को बाहर लाया, और न्याय के आसन पर बैठा उस स्थान पर जो पत्थर का फर्श कहलाता है, और इब्रानी में गब्बता। यह फसह की तैयारी का दिन था, और घड़ी लगभग छठे की

थी, और वह यहूदियों से कहता है, देखो, तुम्हारा राजा। परन्तु वे चिल्लाए, उठा लो, उठा लो, उसे क्रूस पर चढ़ाओ। पिलातुस ने उनसे कहा, क्या मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढ़ाऊँ? प्रधान याजकों ने उत्तर दिया, कैसर के सिवा हमारा कोई राजा नहीं है। तब इसलिए उसने उसे उन्हें सौंप दिया ताकि वह सूली पर चढ़ाया जाए।

उन्होंने यीशु को प्राप्त किया और ले गए, और वह अपना क्रूस ढोते हुए उस स्थान की ओर निकल गए जिसे खोपड़ी का स्थान कहा जाता है, जो हिब्रू में गोलगोथा कहलाता है। जहाँ उन्होंने उसे सूली पर चढ़ाया, और उसके साथ दो अन्य को इधर और उधर, और बीच में यीशु को। पिलातुस ने एक शीर्षक भी लिखा और उसे सलीब पर रखा, और उस पर लिखा हुआ था, यीशु नासरी, यहूदियों का राजा। इसलिए यह शीर्षक यहूदियों में से बहुतों ने पढ़ा, क्योंकि वह स्थान जहाँ यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था, शहर के निकट था, और वह इब्रानी, यूनानी और लातीनी में लिखा हुआ था। इसलिए यहूदियों के प्रधान याजक पिलातुस से कह रहे थे, यहूदियों का राजा मत लिखो, लेकिन यह कि उसने कहा, मैं यहूदियों का राजा हूँ। पिलातुस ने उत्तर दिया, जो मैंने लिखा है, सो लिखा है।

इसलिए सैनिकों ने जब यीशु को सूली पर चढ़ाया, तो उसके वस्त्र लिए और चार भाग किए, प्रत्येक सैनिक के लिए एक भाग, और अंगरखा भी; और वह अंगरखा बिना सिलाई का था, ऊपर से संपूर्ण रूप से बुना हुआ था। इसलिए उन्होंने एक दूसरे से कहा, हम इसे न फाड़ें, बल्कि इसके लिए चिट्ठी डालें कि यह किसका होगा, ताकि वह लेख पूरा हो जो कहता है, उन्होंने मेरे वस्त्र आपस में बाँट लिए, और मेरे वस्त्र पर उन्होंने चिट्ठी डाली।

सैनिकों ने निश्चय ही ये काम किए। लेकिन यीशु के सलीब के पास उसकी माँ और उसकी माँ की बहन, क्लोपा की मरियम और मगदलीनी मरियम खड़ी थीं। यीशु ने इसलिए अपनी माता को और उस शिष्य को जिसे वह प्रेम करते थे खड़े हुए देखकर, अपनी माता से कहा, हे नारी, देखो, तुम्हारा पुत्र। फिर वह शिष्य से कहता है, देखो, तुम्हारी माता। और उस घड़ी से शिष्य ने उसे

अपने साथ ले लिया। इसके बाद यह जानते हुए कि सब कुछ पहले से ही पूरा हो चुका है, यीशु ने, ताकि धर्मग्रंथ पूर्ण हो, कहा, मैं प्यासा हूँ। एक पात्र रखा हुआ था जो सिरके से भरा था, और उन्होंने स्पंज को सिरके से भरकर और जूफा पर लगाकर उसके मुँह तक पहुँचाया। जब यीशु ने सिरका लिया, तो उन्होंने कहा, पूरा हो गया है, और सिर झुकाकर आत्मा सौंप दी।

इसलिए यहूदियों ने पिलातुस से विनती की कि उनकी टांगें तोड़ दी जाएं और उन्हें उतार लिया जाए, ताकि शरीर सब्त के दिन सलीब पर न रहें, क्योंकि तैयारी का दिन था और उस सब्त का दिन महान था। इसलिए सैनिक आए, और उन्होंने पहले की टांगें तोड़ दीं और दूसरे की भी जो उसके साथ सूली पर चढ़ाया गया था, लेकिन यीशु के पास आकर जब उन्होंने देखा कि वह पहले ही मर चुका था, तो उन्होंने उसके पैर नहीं तोड़े। लेकिन सैनिकों में से एक ने भाले से उसका पहलू भेदा, और तुरंत रक्त और जल निकला। और जिसने देखा है उसने गवाही दी है, और उसकी गवाही सच्ची है, और वह जानता है कि वह सच कहता है, ताकि तुम भी विश्वास करो। यह इसलिए हुआ ताकि लेख पूरा हो: उसकी एक भी हड्डी नहीं तोड़ी जाएगी। और फिर एक दूसरा लेख कहता है, वे उसे देखेंगे जिसे उन्होंने बेधा था।

इसके बाद अरिमथिया के यूसुफ ने, जो यीशु का शिष्य था, परन्तु यहूदियों के भय के कारण छिपा हुआ था, पिलातुस से पूछा कि वह यीशु के शरीर को उठा ले जाए, और पिलातुस ने अनुमति दी। इसलिए वह आया और यीशु के शरीर को उठा ले गया। और निकुदेमुस भी आया, जो पहली बार रात को यीशु के पास आया था, वह गंधरस और एलवा का मिश्रण लगभग सौ पौंड लाया। इसलिए उन्होंने यीशु का शरीर लिया और उसे सन के कपड़ों में सुगंध-द्रव्यों के साथ बाँधा, जैसे यहूदियों में दफनाने की रीति है। उस स्थान पर जहाँ उसे सूली पर चढ़ाया गया था एक बगीचा था, और उस बगीचे में एक नई कब्र थी, जिसमें अभी तक कोई नहीं रखा गया था। वहाँ इसलिए यहूदियों की तैयारी के कारण, क्योंकि कब्र निकट थी, उन्होंने यीशु को रखा।

सब्त के एक दिन मरियम मगदलीनी सुबह अंधेरा अभी रहते हुए कब्र में आती है, और पत्थर को कब्र से हटाया हुआ देखती है। वह इसलिए दौड़ती है और शमौन पतरस के पास और उस दूसरे शिष्य के पास आती है जिससे यीशु प्रेम करते थे, और उनसे कहती है, उन्होंने प्रभु को कब्र से उठा लिया है, और हम नहीं जानते कि उन्होंने उसे कहाँ रखा है। इसलिए पतरस और वह दूसरा चेला बाहर गए और वे कब्र की ओर आ रहे थे। दोनों साथ-साथ दौड़ रहे थे, और वह दूसरा शिष्य पतरस से तेज़ी से आगे दौड़ा और कब्र में पहले पहुँचा। और झुककर उसने लिनन के कपड़े पड़े हुए देखे, लेकिन अंदर प्रवेश नहीं किया। इसलिए शिमोन पतरस उसके पीछे आता है, और कब्र में प्रवेश करता है और सनी के कपड़ों को पड़ा हुआ देखता है। और वह चेहरे का कपड़ा, जो उसके सिर पर था, कफन के कपड़ों के साथ नहीं पड़ा था, बल्कि अलग से एक जगह लपेटा हुआ था। तब इसलिए वह दूसरा शिष्य भी, जो कब्र पर पहले आया था, अंदर गया, और उसने देखा और विश्वास किया। क्योंकि वे अभी तक लेख को नहीं जानते थे कि उसे मृतकों में से उठना आवश्यक है। इसलिए शिष्य फिर अपने घर चले गए। मरियम बाहर कब्र के पास खड़ी होकर रो रही थी। जब वह रो रही थी, तो वह कब्र में झुककर देखती है और दो दूतों को सफेद वस्त्रों में बैठे हुए देखती है, एक सिर की ओर और एक पैरों की ओर, जहाँ यीशु का शरीर पड़ा था। और वे उससे कहते हैं, हे स्त्री, तुम क्यों रो रही हो? वह उनसे कहती है, क्योंकि वे मेरे प्रभु को उठा ले गए हैं, और मैं नहीं जानती कि उन्होंने उसे कहाँ रखा है। और ये बातें कहकर वह पीछे की ओर मुड़ी, और यीशु को खड़ा हुआ देखती है, और नहीं जानती थी कि यह यीशु है। यीशु उससे कहते हैं, हे स्त्री, तुम क्यों रो रही हो? तुम किसे खोज रही हो? वह यह सोचकर कि वह माली है, उससे कहती है, हे स्वामी, यदि आपने उसे उठा लिया है, तो मुझे बताइए कि आपने उसे कहाँ रखा है, और मैं उसे उठा लूँगी। यीशु उससे कहते हैं, मरियम। वह मुड़कर उनसे कहती है, रब्बूनी, जिसका अर्थ है गुरु। यीशु उससे कहते हैं, मुझे मत छुओ, क्योंकि मैं अभी तक अपने पिता के पास नहीं चढ़ा हूँ। लेकिन मेरे भाइयों के पास जाओ और उनसे कहो, मैं अपने पिता और तुम्हारे पिता, और

अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास चढ़ रहा हूँ। मरियम मगदलीनी शिष्यों को यह सूचना देने आती है कि उसने प्रभु को देखा है, और उसने उससे ये बातें कहीं।

इसलिए उस दिन की शाम को, जो सब्त के दिनों में से पहला दिन था, और जहाँ शिष्य यहूदियों के डर के कारण इकट्ठे हुए थे वहाँ के दरवाज़े बंद थे, यीशु आए और बीच में खड़े हो गए, और उनसे कहा, तुम्हें शांति मिले। और यह कहकर उसने उन्हें अपने हाथ और अपना पक्ष दिखाया। इसलिए शिष्य प्रभु को देखकर आनंदित हुए। इसलिए यीशु ने उनसे फिर कहा, तुम्हें शांति मिले। जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ। और यह कहकर उसने फूँका और उनसे कहता है, पवित्र आत्मा लो, यदि तुम किन्हीं के पापों को क्षमा करो, तो वे उनको क्षमा किए जाते हैं; यदि तुम किन्हीं के पापों को पकड़े रखो, तो वे पकड़े गए हैं।

थोमास, जो बारह में से एक था और जिसे जुड़वां कहा जाता था, उनके साथ नहीं था जब यीशु आया। इसलिए अन्य शिष्य उससे कह रहे थे, हमने प्रभु को देखा है। लेकिन उसने उनसे कहा, यदि मैं उसके हाथों में कीलों के निशान न देखूँ, और कीलों के निशान में अपनी उंगली न डालूँ, और उसके पहलू में अपना हाथ न डालूँ, तो मैं कदापि विश्वास नहीं करूँगा। और आठ दिन के बाद फिर उसके शिष्य अंदर थे और थोमा उनके साथ था। यीशु आया जबकि दरवाज़े बंद थे, और बीच में खड़ा हुआ और कहा, तुम्हें शांति मिले। फिर वह थोमा से कहता है, अपनी उंगली यहाँ लाओ और मेरे हाथों को देखो, और अपना हाथ लाओ और मेरी बाजू में डालो, और अविश्वासी मत बनो, बल्कि विश्वासी बनो। और थोमा ने उत्तर दिया और उससे कहा, मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर। यीशु उससे कहते हैं, क्योंकि तूने मुझे देखा है, तूने विश्वास किया है। धन्य हैं वे जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया है।

यीशु ने अपने शिष्यों के सामने वास्तव में बहुत से और भी चिन्ह किए, जो इस पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं। ये चीजें इसलिए लिखी गई हैं ताकि तुम विश्वास करो कि यीशु मसीह है, परमेश्वर का पुत्र, और ताकि विश्वास करते हुए तुम उसके नाम में जीवन पाओ।

इन बातों के बाद यीशु ने तिबेरियास के समुद्र पर अपने शिष्यों को फिर से स्वयं को प्रकट किया, और उसने इस प्रकार प्रकट किया। शिमोन पतरस, और थोमा जो जुड़वाँ कहलाता था, और नथनएल जो गलील के काना से था, और जबदी के पुत्र, और उसके शिष्यों में से दो अन्य साथ थे। शिमोन पेटरुस उनसे कहता है, मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ। वे उससे कहते हैं, हम भी तुम्हारे साथ आ रहे हैं। वे बाहर गए और तुरंत नाव में चढ़े, और उस रात उन्होंने कुछ नहीं पकड़ा। सुबह हो चुकी थी, और यीशु किनारे पर खड़े हुए, परन्तु शिष्य नहीं जानते थे कि वे यीशु हैं। इसलिए यीशु उनसे कहते हैं, बच्चों, क्या तुम्हारे पास कुछ मछली है? उन्होंने उसे उत्तर दिया, नहीं। उसने उनसे कहा, जाल को नाव के दाहिने भाग में डालो, और तुम पाओगे। इसलिए उन्होंने डाला, और मछलियों की बहुतायत के कारण वे इसे खींचने में सक्षम नहीं रह गए। इसलिए वह शिष्य, जिसको यीशु प्रेम करता था, पतरस से कहता है, वह प्रभु है। इसलिए शमौन पतरस यह सुनकर कि वह प्रभु है, बाहरी वस्त्र बाँधा, क्योंकि वह गंगा था, और स्वयं को समुद्र में फेंक दिया। लेकिन अन्य चले नाव से आए, क्योंकि वे किनारे से दूर नहीं थे, बल्कि लगभग दो सौ हाथ की दूरी पर थे, मछलियों का जाल खींचते हुए। जब वे भूमि पर उतरे, तो उन्होंने कोयले की आग पड़ी हुई देखी और उस पर मछली रखी हुई और रोटी। यीशु उनसे कहते हैं, उन मछलियों में से लाओ जो तुमने अभी पकड़ी हैं। शमौन पतरस ऊपर गया और जाल को पृथ्वी पर खींचा, जो बड़ी मछलियों से भरा था—एक सौ तिरपन, और इतने होते हुए भी जाल नहीं फटा। यीशु उनसे कहते हैं, आओ, नाश्ता करो। लेकिन शिष्यों में से किसी ने भी उनसे यह पूछने का साहस नहीं किया कि तुम कौन हो, क्योंकि वे जानते थे कि वह प्रभु हैं। इसलिए यीशु आता है और रोटी लेता है और उनको देता है, और मछली भी इसी प्रकार देता है। यह पहले से ही तीसरी बार था जब यीशु अपने शिष्यों के सामने मृतकों में से उठकर प्रकट हुए थे।

जब वे नाश्ता कर चुके, तो यीशु ने शिमोन पतरस से कहा, शिमोन योना के पुत्र, क्या तू इनसे

अधिक मुझसे प्रेम करता है? उसने उससे कहा, हाँ प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ। उसने उससे कहा, मेरे मेमनों को चरा। वह उससे फिर दूसरी बार कहता है, शमौन योना, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? वह उससे कहता है, हाँ प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ। वह उससे कहता है, मेरी भेड़ों को चरा। उसने उससे तीसरी बार कहा, शमौन योना, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? पतरस दुखी हुआ क्योंकि उसने उससे तीसरी बार कहा, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? और उसने उससे कहा, प्रभु, तू सब कुछ जानता है, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ। यीशु ने उससे कहा, मेरी भेड़ों को चरा। मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, जब तुम छोटे थे, तुम स्वयं को बाँधते थे और जहाँ चाहते थे वहाँ चलते थे, लेकिन जब तुम बूढ़े हो जाओगे, तुम अपने हाथ फैलाओगे, और कोई दूसरा तुम्हें बाँधेगा, और तुम्हें वहाँ ले जाएगा जहाँ तुम नहीं चाहते। यह उसने कहा, यह संकेत करते हुए कि किस मृत्यु से वह परमेश्वर की महिमा करेगा। और यह कहकर वह उससे कहता है, मेरा अनुसरण करो। लेकिन पतरस मुड़कर उस शिष्य को अनुसरण करते हुए देखता है जिसको यीशु प्रेम करता था, जो भोजन में उसकी छाती पर झुका था और कहा था, प्रभु, कौन है जो तुमको पकड़वा रहा है? इसे देखकर पतरस यीशु से कहता है, प्रभु, लेकिन यह क्या? यीशु उससे कहते हैं, यदि मैं चाहता हूँ कि वह तब तक रहे जब तक मैं आऊँ, तो तुम्हें क्या? तुम मेरा अनुसरण करो। इसलिए भाइयों में यह बात फैल गई कि वह शिष्य नहीं मरेगा, और यीशु ने उससे यह नहीं कहा कि वह नहीं मरेगा, लेकिन यदि मैं चाहता हूँ कि वह तब तक रहे जब तक मैं आऊँ, तो तुम्हें क्या?

यह वह शिष्य है जो इन के बारे में गवाही देता है और इन्हें लिखा है, और हम जानते हैं कि उसकी गवाही सच्ची है। और यीशु ने और भी बहुत से काम किए, जो यदि एक-एक करके लिखे जाएं, तो मैं सोचता हूँ कि संसार भी उन लिखी जाने वाली पुस्तकों को समा नहीं सकेगा। आमीन।

यूहन्ना का पत्र

1

जो आरंभ से था, जिसे हमने सुना है, जिसे हमने अपनी आँखों से देखा है, जिसे हमने निहारा है और जिसे हमारे हाथों ने छुआ है, जीवन के वचन के विषय में, और जीवन प्रकट किया गया, और हमने देखा है और हम गवाही देते हैं और हम तुम्हें उस अनन्त जीवन की घोषणा करते हैं, जो पिता के पास था और हमें प्रकट किया गया। जो हमने देखा है और सुना है, हम तुम्हें घोषणा करते हैं, ताकि तुम भी हमारे साथ संबंध रख सको, और हमारा संबंध पिता के साथ और उनके पुत्र यीशु मसीह के साथ है। और हम ये बातें तुम्हें इसलिए लिखते हैं, ताकि हमारा आनंद पूर्ण हो जाए।

और यह वह संदेश है जो हमने उससे सुना है और हम आपको घोषणा करते हैं, कि परमेश्वर प्रकाश है और उसमें कोई अंधकार नहीं है। यदि हम कहें कि हमारी उसके साथ संगति है और हम अंधकार में चलें, तो हम झूठ बोलते हैं और सत्य पर नहीं चलते हैं। यदि हम प्रकाश में चलें, जैसे वह प्रकाश में है, तो हम एक दूसरे के साथ संगति रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु मसीह का रक्त हमें सब पाप से शुद्ध करता है। यदि हम कहें कि हमारे पास पाप नहीं है, तो हम स्वयं को धोखा देते हैं और सत्य हम में नहीं है। यदि हम अपने पापों को स्वीकार करें, तो वह विश्वासयोग्य और

धर्मी है, ताकि वह हमारे पापों को क्षमा करे और हमें सब अधर्म से शुद्ध करे। यदि हम कहें कि हमने पाप नहीं किया है, तो हम उसे झूठा ठहराते हैं, और उसका वचन हममें नहीं है।

2

मेरे छोटे बच्चों, मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिखता हूँ ताकि तुम पाप न करो, और यदि कोई पाप करे, तो हमारे पास पिता के सामने एक वकील है, यीशु मसीह जो धर्मी है, और वह हमारे पापों के लिए प्रायश्चित है, न केवल हमारे लिए, बल्कि संपूर्ण संसार के लिए भी। और इससे हम जानते हैं कि हम उसे जान चुके हैं, यदि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। जो कहता है, मैं उसे जानता हूँ, और उसकी आज्ञाओं को नहीं मानता, वह झूठा है, और उसमें सत्य नहीं है। जो उसके वचन को रखता है, सच में उसमें परमेश्वर का प्रेम पूर्ण किया गया है। इससे हम जानते हैं कि हम उसमें हैं। जो कहता है कि उसमें रहना चाहिए, उसे वैसे ही चलना चाहिए जैसे वह चला, और वह स्वयं भी इस प्रकार चले।

भाइयों, मैं तुम्हें कोई नई आज्ञा नहीं लिख रहा हूँ, बल्कि वह प्राचीन आज्ञा जो तुम्हारे पास आरंभ से थी। यह प्राचीन आज्ञा वह वचन है जो तुमने आरंभ से सुना था। फिर मैं तुम्हें एक नई आज्ञा लिखता हूँ, जो उसमें और तुममें सत्य है, क्योंकि अंधकार दूर हो रहा है और सच्चा प्रकाश पहले से ही चमक रहा है। वह जो कहता है कि प्रकाश में है, और अपने भाई से घृणा करता है, वह अंधकार में है अभी तक। जो अपने भाई से प्रेम करता है वह प्रकाश में रहता है, और उसमें कोई ठोकर नहीं है, जो अपने भाई से घृणा करता है वह अंधकार में है और अंधकार में चलता है, और नहीं जानता कि कहाँ जा रहा है, क्योंकि अंधकार ने उसकी आँखों को अंधा कर दिया है।

मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे छोटे बच्चों, क्योंकि तुम्हारे पाप उसके नाम के कारण क्षमा किए गए हैं। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे पिताओ, क्योंकि तुमने उसे जाना है जो आरंभ से है। मैं तुम्हें लिखता हूँ, हे

युवाओ, क्योंकि तुमने उस दुष्ट को जीत लिया है। मैंने तुम्हें लिखा है, हे बच्चों, क्योंकि तुमने पिता को जान लिया है। मैंने तुम्हें लिखा है, हे पिताओं, क्योंकि तुमने उसे जान लिया है जो आरंभ से है। मैंने तुम्हें लिखा है, हे युवाओं, क्योंकि तुम बलवान हो और परमेश्वर का वचन तुममें बना रहता है और तुमने दुष्ट को जीत लिया है।

संसार से प्रेम मत करो और न ही संसार की चीजों से। यदि कोई संसार से प्रेम करता है, तो पिता का प्रेम उसमें नहीं है, क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की इच्छा और आँखों की इच्छा और जीवन का घमंड, वह पिता से नहीं है, बल्कि संसार से है। और संसार गुजर रहा है और उसकी इच्छा भी, लेकिन जो परमेश्वर की इच्छा को करता है वह युगानुयुग रहता है।

बच्चों, यह अंतिम घड़ी है, और जैसा तुमने सुना था कि मसीह-विरोधी आने वाला है, और अब अनेक मसीह-विरोधी हो गए हैं, इसी से हम जानते हैं कि यह अंतिम घड़ी है। वे हमारे बीच से निकल गए, लेकिन वे हमारे नहीं थे, क्योंकि यदि वे हमारे होते, तो हमारे साथ बने रहते, लेकिन यह इसलिए हुआ ताकि यह प्रकट हो जाए कि वे सब हमारे नहीं हैं। और तुम्हारे पास पवित्र से अभिषेक है, और तुम सब कुछ जानते हो। मैंने तुम्हें इसलिए नहीं लिखा कि तुम सत्य को नहीं जानते, बल्कि इसलिए कि तुम इसे जानते हो, और यह कि कोई भी झूठ सत्य से नहीं है। झूठा कौन है, यदि वह नहीं जो इनकार करता है कि यीशु मसीह है? यही मसीह-विरोधी है, जो पिता और पुत्र का इनकार करता है। जो कोई भी पुत्र का इनकार करता है, वह पिता को भी नहीं रखता है। इसलिए जो तुमने आरंभ से सुना है, वह तुममें रहने दो। यदि जो तुमने आरंभ से सुना है वह तुममें रहता है, तो तुम भी पुत्र में और पिता में रहोगे। और यह वह प्रतिज्ञा है जो उसने स्वयं हमसे की, वह अनन्त जीवन। ये बातें मैंने तुम्हें उनके बारे में लिखीं जो तुम्हें धोखा दे रहे हैं। और तुम, वह अभिषेक जो तुमने उससे प्राप्त किया, तुममें बना रहता है, और तुम्हें कोई आवश्यकता नहीं है कि कोई तुम्हें सिखाए, बल्कि जैसे वही अभिषेक तुम्हें सब बातों के विषय में सिखाता है, और वह सत्य है और झूठ नहीं है, और जैसे उसने तुम्हें सिखाया है, तुम उसमें बने रहोगे। और अब हे छोटे बच्चों, उसमें बने रहो, ताकि जब वह प्रकट हो तो हमारे पास साहस हो और हम

उसकी उपस्थिति में उससे शर्मिंदा न हों। यदि तुम जानते हो कि वह धर्मी है, तो यह भी जानो कि जो कोई धार्मिकता करता है, वह उससे जन्मा है।

3

देखो पिता ने हमें कैसा प्रेम दिया है ताकि हम परमेश्वर की संतान कहलाएं। इसलिए संसार तुम्हें नहीं जानता, क्योंकि उसने उसे नहीं जाना। प्रियजनों, अब हम परमेश्वर के बच्चे हैं, और अभी तक यह प्रकट नहीं हुआ कि हम क्या होंगे। लेकिन हम जानते हैं कि यदि वह प्रकट हो, तो हम उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को शुद्ध करता है, जैसे वह शुद्ध है।

हर वह जो पाप करता है, वह अधर्म भी करता है, और पाप ही अधर्म है। और तुम जानते हो कि वह प्रकट हुआ ताकि हमारे पापों को उठा ले, और उसमें पाप नहीं है। हर वह जो उसमें रहता है, पाप नहीं करता है; हर वह जो पाप करता है, उसने उसे नहीं देखा है और न ही उसे जाना है। छोटे बच्चों, कोई तुम्हें धोखा न दे, जो धार्मिकता करता है वह धर्मी है, जैसे वह धर्मी है, जो पाप करता है वह शैतान से है, क्योंकि शैतान आरंभ से पाप करता है। परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रकट हुआ, ताकि वह शैतान के कार्यों को नष्ट करे। जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता, क्योंकि उसका बीज उसमें रहता है, और वह पाप नहीं कर सकता, क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। इसमें परमेश्वर के बच्चे और शैतान के बच्चे प्रकट हैं। हर वह जो धार्मिकता नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं है, और वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं करता। क्योंकि यह वह संदेश है जो तुमने आरंभ से सुना, ताकि हम एक दूसरे से प्रेम करें, नहीं, जैसा कैन से दुष्ट था और उसने अपने भाई का वध किया, और किस कारण से उसने उसका वध किया? क्योंकि उसके कर्म दुष्ट थे, लेकिन उसके भाई के धर्मी थे। आश्चर्य मत करो, मेरे भाइयो, यदि संसार तुमसे घृणा करता है। हम जानते हैं कि हम मृत्यु से जीवन में पार हो चुके हैं, क्योंकि हम भाइयों से प्रेम करते हैं। जो भाई

से प्रेम नहीं करता, वह मृत्यु में बना रहता है। हर वह जो अपने भाई से घृणा करता है, हत्यारा है, और तुम जानते हो कि किसी भी हत्यारे के पास शाश्वत जीवन नहीं है जो उसमें बना रहता है। इसमें हमने प्रेम को जाना, क्योंकि उसने हमारे लिए अपनी आत्मा रखी, और हमें भाइयों के लिए अपनी आत्माएँ रखनी चाहिए। जो संसार का जीवन रखता है और अपने भाई को आवश्यकता में देखता है और उससे अपना हृदय बंद कर लेता है, तो परमेश्वर का प्रेम उसमें कैसे रह सकता है? मेरे बच्चों, हम शब्दों में और न ही जीभ से प्रेम करें, बल्कि कर्म और सत्य में प्रेम करें। और इसमें हम जानते हैं कि हम सत्य से हैं, और उसके सामने हम अपने हृदयों को मनाएंगे। कि यदि हमारा हृदय हमें निंदा करता है, तो परमेश्वर हमारे हृदय से अधिक महान है और सब कुछ जानता है। प्रिय भाइयो, यदि हमारा हृदय हमें दोष नहीं देता, तो हमें परमेश्वर के सामने साहस प्राप्त है। और जो कुछ हम माँगते हैं, वह हमें उससे प्राप्त होता है, क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं और जो बातें उसे प्रसन्न करती हैं, वे करते हैं। और यह उसकी आज्ञा है कि हम उसके पुत्र यीशु मसीह के नाम पर विश्वास करें और एक दूसरे से प्रेम करें, जैसा उसने आज्ञा दी। और जो उसकी आज्ञाओं को मानता है, वह उसमें रहता है और वह स्वयं उसमें रहता है। और इसी से हम जानते हैं कि वह हममें रहता है, उस आत्मा से जो उसने हमें दिया है।

4

हे प्रियजनों, हर आत्मा पर विश्वास मत करो, बल्कि आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर से हैं या नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यवक्ता संसार में निकल आए हैं। इससे तुम परमेश्वर की आत्मा को जानते हो, हर आत्मा जो यीशु मसीह को देह में आया हुआ स्वीकार करती है, वह परमेश्वर से है। और हर वह आत्मा जो यीशु मसीह को देह में आया हुआ स्वीकार नहीं करती, वह परमेश्वर से नहीं है, और यह मसीह विरोधी की आत्मा है जिसके बारे में तुमने सुना है कि वह आने वाली है, और अब वह संसार में पहले से ही मौजूद है। हे छोटे बच्चों, तुम परमेश्वर से हो, और तुमने उन्हें जीत लिया है, क्योंकि जो तुममें है वह उससे बड़ा है जो संसार में है। वे स्वयं संसार से हैं,

इसलिए संसार की बातें बोलते हैं और संसार उन्हें सुनता है। हम परमेश्वर से हैं, जो परमेश्वर को जानता है वह हमारी सुनता है। जो परमेश्वर से नहीं है वह हमारी नहीं सुनता है। इससे हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को जानते हैं।

प्रिय भाइयो, हम एक दूसरे से प्रेम करें, क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है, और हर एक जो प्रेम करता है वह परमेश्वर से जन्मा है और परमेश्वर को जानता है। जो प्रेम नहीं करता, उसने परमेश्वर को नहीं जाना, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है। इस में परमेश्वर का प्रेम हम में प्रकट हुआ, कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को संसार में भेजा ताकि हम उसके द्वारा जीवित रहें। इसमें प्रेम है, यह नहीं कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया, बल्कि यह कि उसने स्वयं हमसे प्रेम किया और अपने पुत्र को हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए भेजा। प्रिय, यदि परमेश्वर ने हमसे इस प्रकार प्रेम किया, तो हमें भी एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा है; यदि हम एक दूसरे से प्रेम करें, तो परमेश्वर हम में रहता है और उसका प्रेम हम में सिद्ध है। इससे हम जानते हैं कि हम उसमें रहते हैं और वह हममें रहता है, क्योंकि उसने अपनी आत्मा में से हमें दिया है। और हमने देखा है और हम गवाही देते हैं कि पिता ने पुत्र को संसार के उद्धारकर्ता के रूप में भेजा है। जो कोई स्वीकार करे कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, परमेश्वर उसमें रहता है और वह परमेश्वर में रहता है। और हमने जाना है और विश्वास किया है उस प्रेम को जो परमेश्वर हम में रखता है। परमेश्वर प्रेम है, और जो प्रेम में रहता है वह परमेश्वर में रहता है और परमेश्वर उसमें रहता है। इसमें हमारे साथ प्रेम पूर्ण किया गया है, ताकि हम न्याय के दिन में साहस रखें, क्योंकि जैसे वह है, वैसे ही हम भी इस संसार में हैं। प्रेम में भय नहीं है, बल्कि पूर्ण प्रेम भय को बाहर निकाल देता है, क्योंकि भय में दंड का भाव है, और जो डरता है वह प्रेम में पूर्ण नहीं हुआ है। हम उससे प्रेम करते हैं, क्योंकि उसने पहले हमसे प्रेम किया। यदि कोई कहे कि मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूँ, और अपने भाई से घृणा करे, तो वह झूठा है, क्योंकि जो अपने भाई से प्रेम नहीं करता जिसे उसने देखा है, वह परमेश्वर से जिसे उसने नहीं देखा है, कैसे प्रेम कर सकता है? और यह आज्ञा हमें उससे मिली है, कि जो परमेश्वर से प्रेम करता है, वह अपने भाई से भी प्रेम करे।

हर वह जो विश्वास करता है कि यीशु मसीह है, परमेश्वर से जन्मा है, और हर वह जो जन्म देने वाले से प्रेम करता है, उससे जन्मे हुए से भी प्रेम करता है। इससे हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के बच्चों से प्रेम करते हैं, जब हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। यह परमेश्वर का प्रेम है कि हम उसकी आज्ञाओं को पालन करें, और उसकी आज्ञाएं भारी नहीं हैं। क्योंकि जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह संसार को जीतता है, और यह विजय है जिसने संसार को जीता है, अर्थात् हमारा विश्वास। संसार पर विजय पाने वाला कौन है, यदि वह नहीं जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है? यह वह है जो जल और रक्त के द्वारा आया, यीशु मसीह, केवल जल में नहीं, बल्कि जल और रक्त में, और आत्मा गवाही देता है, क्योंकि आत्मा सत्य है। क्योंकि तीन हैं जो स्वर्ग में गवाही देते हैं: पिता, वचन और पवित्र आत्मा, और ये तीनों एक हैं, और तीन हैं जो पृथ्वी पर गवाही देते हैं, आत्मा और जल और रक्त, और ये तीनों एक में हैं। यदि हम मनुष्यों की गवाही स्वीकार करते हैं, तो परमेश्वर की गवाही अधिक बड़ी है, क्योंकि यह परमेश्वर की वह गवाही है जो उसने अपने पुत्र के विषय में दी है। जो परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता है, उसके पास अपने भीतर गवाही है; जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता, उसने उसे झूठा ठहराया है, क्योंकि उसने उस गवाही पर विश्वास नहीं किया जो परमेश्वर ने अपने पुत्र के विषय में दी है। और यह वह गवाही है कि परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है। जो पुत्र को रखता है, वह जीवन को रखता है; जो परमेश्वर के पुत्र को नहीं रखता है, वह जीवन को नहीं रखता है।

ये बातें मैंने तुम्हें लिखीं जो परमेश्वर के पुत्र के नाम में विश्वास करते हो, ताकि तुम जान सको कि तुम्हारे पास अनन्त जीवन है, और ताकि तुम परमेश्वर के पुत्र के नाम में विश्वास करो। और यह वह खुलापन है जो हम उसके प्रति रखते हैं, कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ मांगते हैं, तो वह हमारी सुनता है। और यदि हम जानते हैं कि वह हमारी सुनता है, जो कुछ भी हम मांगते

हैं, तो हम जानते हैं कि हमारे पास वे निवेदन हैं जो हमने उससे मांगे हैं। यदि कोई अपने भाई को ऐसा पाप करते हुए देखे जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता, तो वह मांगेगा, और वह उसे जीवन देगा, उन्हें जो ऐसा पाप करते हैं जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता। एक पाप है जो मृत्यु की ओर ले जाता है, उसके विषय में मैं यह नहीं कहता कि वह मांगे। सब अन्याय पाप है, और ऐसा पाप है जो मृत्यु की ओर नहीं ले जाता। हम जानते हैं कि जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता, लेकिन जो परमेश्वर से जन्मा है वह अपने आप को सुरक्षित रखता है, और वह दुष्ट उसे छू नहीं सकता। हम जानते हैं कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार दुष्ट के वश में पड़ा है। हम जानते हैं कि परमेश्वर का पुत्र आया है और उसने हमें बुद्धि दी है ताकि हम सच्चे को जान सकें, और हम सच्चे में हैं, उसके पुत्र यीशु मसीह में। यही सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन है।

छोटे बच्चों, अपने आप को मूर्तियों से बचाओ, आमीन।